62oha ,El okf"kZd fjiksVZ
2017&18

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली–110029

62वीं एम्स वार्षिक रिपोर्ट
2017–18

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली–110029

l;Dr :i ls lEikfnr%

डॉ. संदीप अग्रवाला, बाल शल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. नसरीन अख्तर, शरीरक्रिया विज्ञान

डॉ. यतन पाल सिंह बलहारा, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र

डॉ. अंजन दुहा, बालशल्य चिकित्सा विभाग

डॉ. राकेश गर्ग, अर्बुद संवेदनाहरण विभाग, डॉ. भीम राव अम्बेडकर सं.रो.कैं.अ.

डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब, शरीररचना विज्ञान विभाग

डॉ. सिद्धार्थ जैन, मूत्ररोग विज्ञान विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र

डॉ. राजीव कुमार, सह–संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

डॉ. आर. लक्ष्मी, हृद जैवरसायन विभाग

डॉ. संजीव लालवानी, कुल सचिव

डॉ. कल्पना लूथरा, जैवरसायन विभाग

डॉ. पूर्वा माथुर, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केन्द्र

डॉ. पीयूष साहनी, जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण विभाग

डॉ. सिद्धार्थ सरकार, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र

डॉ. प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग

डॉ. अल्पना शर्मा, जैवरसायन विभाग

डॉ. दीप्ति विभा, तंत्रिका विज्ञान विभाग

श्री एम.के. विश्वकर्मा, पुस्ताकालयाध्यक्ष

vf[ky Hkkjrh; vk;foKku lLFkku

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ.भा.आ.सं.) की स्थापना सन 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थाओं के लिए एक उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा के प्रदर्शन हेतु स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना; स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्वपूर्ण शाखाओं में कार्मिकों के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएँ हैं। संस्थान द्वारा स्नातक–पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा एवं परा चिकित्सा पाठ्यक्रमों में शिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं तथा अपनी ही डिग्रियाँ प्रदान की जाती हैं। लगभग 100 विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य संचालित किए जाते हैं। एक वर्ष में अपने अनुसंधानकर्ताओं द्वारा रुपए सौ करोड़ से अधिक का बाहरी अनुदान प्राप्त करने के साथ–साथ एम्स चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी है। एम्स द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है।

विभिन्न विभागों एवं केन्द्रों द्वारा परा–नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार के रोगों का व्यावहारिक उपचार किया जाता है। एम्स द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में एक 50–बिस्तरों वाला अस्पताल एवं व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र भी चलाया जाता है तथा सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र के माध्यम से लगभग 8 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

,El&,d utj e
2017&2018

LFkkiuk o"k 1956

शिक्षण विभाग एवं केन्द्र	42+7	चिकित्सा स्नातक	3134
संकाय सदस्य (स्वीकृत 993)	689	स्नातकोत्तर	10017
गैर–संकाय स्टाफ (स्वीकृत 11646)	9770	नर्सिंग/परा–चिकित्सा स्नातक	3219
स्नातक–पूर्व विद्यार्थी	878	पत्रिका/सार में प्रकाशन	0
स्नातकोत्तर विद्यार्थी	1891	पुस्तकों में अध्याय/पुस्तक/निबंध	0

अस्पताल सेवाएँ

अस्पताल/केन्द्र	बाह्य रोगी (आपातकालीन सहित)	दाखिले	शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन्स/प्रक्रियाएँ)	बिस्तर		
				सामान्य	प्राइवेट	कुल
मुख्य अस्पताल	20, 88, 171	1,15, 276	96, 439	997	165	1,162
डॉ. रा.प्र. केन्द्र	5, 75, 174	43, 684	45, 411	288	22	310
डॉ. भी.रा.अ.आई.आर.सी.एच.	1, 71, 778	42, 687	10, 329	167	15	182
हृद वक्ष केन्द्र	2, 04, 976	12, 331	4, 141	226	33	464
तंत्रिका विज्ञान केन्द्र	1, 36, 300	9, 414	3, 314	174	31	
एन.डी.डी.टी.सी.*	1, 64, 642	1, 201	–	50	–	50
सी.सी.एम. †	5, 48, 236	12, 685	2, 340	50	–	50
जे.पी.एन.ए.टी. केन्द्र	1, 23, 845	6, 910	8, 142	232	11	‡243
सी.डी.ई.आर.	2, 09, 045	1, 377	22, 918	17	–	17
आऊटरीच बाह्यरोगी, बाढ़सा, झज्जर	1, 33, 171	–	–	–	–	–
कुल	**43, 55, 338**	**2,45,565**	**1, 93, 034**	**2,201**	**277**	**2, 478**

***** त्रिलोकपुरी, सुन्दर नगरी तथा कोटला मुबारकपुर सहित   † पी.एच.सी. दयालपुर सहित

‡ 30 ट्राइएज बिस्तर सहित

अस्पताल निष्पादन सूचकांक

मानक	मुख्य अस्पताल		हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र		जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र	
	2017–18	2016–17	2017–18	2016–17	2017–18	2016–17
ठहरने की औसतन अवधि (दिन)	9.3	9.8	9.8	9.6	8	10
औसत बिस्तर अधिभोग दर(%)	86.4	86.9	87.9	91.5	68	83
शुद्ध मृत्यु दर (%)	1.8	1.7	2.8	3.1	6	5
संयुक्त अपरिष्कृत संक्रमण दर (%)	6.0	6.9	–	–	–	–

सी.सी.एम.: सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र
सी.डी.ई.आर.: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र
डॉ. बी.आर.ए.आई.आर.सी.एच.: डॉ भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
डॉ. रा.प्र. केन्द्रः डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र
जे.पी.एन.ए.टी. केन्द्रः जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र
एन.डी.डी.टी.सी.: राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र

fo"k; lph

1. निदेशक की समीक्षा 1
2. संस्थान और इसकी समितियां 8
3. शैक्षिक अनुभाग 12
4. परीक्षा अनुभाग 20
5. सामान्य प्रशासन 26
6. मुख्य अस्पताल 29
   6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग 30
   6.2 आहारविज्ञान 40
   6.3 अस्पताल बिलिंग अनुभाग 42
   6.4 नर्सिंग सेवाएं 42
   6.5 कल्याण एकक 50
   6.6 चिकित्सा समाज कल्याण एकक 52
7. नर्सिंग महाविद्यालय 59
8. अनुसंधान अनुभाग 67

foHkkx

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार 77
9.2 शरीररचना विज्ञान 89
9.3 जैव रसायन 100
9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी 116
9.5 जैव भौतिकी 120
9.6 जैव सांख्यिकी 125
9.7 जैव प्रौद्योगिकी 135
9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 139
9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान 156
9.10 आपात चिकित्सा 162
9.11 अंतः स्राविकी एवं चयापचय 165
9.12 न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान 175
9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक (एच.एन.यू.) 179
9.14 जठरांत्र शल्य चिकित्सा और यकृत प्रत्यारोपण 186
9.15 जराचिकित्सा 190
9.16 रुधिर विज्ञान 193
9.17 अस्पताल प्रशासन 198
9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा 203
9.19 काय चिकित्सा 215
9.20 सूक्ष्म जैव विज्ञान 222
9.21 वृक्क विज्ञान 236
9.22 नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद 243
9.23 नाभिकीय चिकित्सा 248
9.24 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 253
9.25 अस्थिरोग विज्ञान 272

9.26 नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान 278
9.27 बाल चिकित्सा विज्ञान 286
9.28 बाल शल्य चिकित्सा 313
9.29 विकृति विज्ञान 321
9.30 भेषजगुण विज्ञान 333
9.31 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास 338
9.32 शरीर क्रिया विज्ञान 344
9.33 प्लास्टिक, पुनर्संरचना और दग्ध शल्य चिकित्सा 356
9.34 मनोचिकित्सा 360
9.35 पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार 374
9.36 विकिरणनिदान 379
9.37 प्रजनन जैव विज्ञान 387
9.38 रूमेटोलॉजी 393
9.39 शल्य चिकित्सा 397
9.40 आधान चिकित्सा एवं रक्त कोष 408
9.41 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी 411
9.42 मूत्ररोग विज्ञान 417

d:n

10.1 हृद्–वक्ष विज्ञान केंद्र 423
10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र 450
10.3 डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल 461
10.4 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र 488
10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र 515
10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र 538
10.7 तंत्रिका विज्ञान केन्द्र 549

d:nh; lfo/kk,:

11.1 बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय 629
11.2 कैफेटेरिया 633
11.3 केंद्रीय पशु सुविधा 635
11.4 केंद्रीय कार्यशाला 637
11.5 कम्प्यूटर सुविधा 640
11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा 646
11.7 छात्रावास अनुभाग 649
11.8 नीति विषयक समिति 652
11.9 चिकित्सा शिक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार के.एल. विग सेंटर (सीएमईटी–आई) 653
11.10 मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग 658

12. i:dk'ku 669
13. foÙk i:Hkkx 670

1- fun'kd dh leh{kk

मुझे संस्थान की 62 वीं वार्षिक रिपोर्ट तथा वर्ष 2017-18 के लेखों का लेखा परीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली (एम्स-दिल्ली) की स्थापना संसद के एक अधिनियम के द्वारा स्वास्थ्य उपचार के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के पोषण हेतु केन्द्र के रूप में कार्य करने के लिए स्वायत संस्थान के रूप में की गई थी। आज संस्थान शिक्षाविदों, छात्रों, वैज्ञानिकों, प्रैक्टिशनरों, स्टाफ सदस्यों तथा ग्राहकों का आभारी है जो अपने संस्थापकों वाले जज्बे से कार्य करते हैं। सभी उन्नत ज्ञान, विकसित स्वास्थ्य उपचार एवं जीवन को बचाने हेतु मानवता की सेवा करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। मैं एम्स, दिल्ली में इस विशेष समुदाय द्वारा किए जाने वाले प्रतिदिन के कार्य के लिए बहुत आभारी हूं।

हमारी उपलब्धियां शिक्षा, अनुसंधान तथा सेवा के प्रति हमारे साझा समर्पण को प्रदर्शित करती है और मैं इस रिपोर्ट में पिछले वर्षों की विशिष्ट उपलब्धियों में से कुछ पर प्रकाश डालते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूं।

हरित एम्स

हरित एम्स परियोजना के अंतर्गत, संस्थान द्वारा पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली परम्परागत ऊर्जा को हटाकर उसके स्थान पर ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों का प्रयोग करने का प्रयास किया जा रहा है। संस्थान द्वारा जैव अपशिष्ट को प्राकृतिक गैस, जल तथा जैविक खाद में बदलने के लिए संसाधित करने हेतु पुन:यथित संयंत्र की स्थापना की जा रही है। प्राकृतिक गैस का प्रयोग प्रयोगशालाओं, रसोई, कैफेटेरिया तथा छात्रावास मैस, स्टाफ तथा संकाय सदस्यों के घरों में ईंधन के रूप में किया जाएगा। उत्पन्न किए गए जल का प्रयोग बागवानी, वातानुकूलित संयंत्रों को ठंडा रखने के लिए किया जाएगा जबकि जैविक खाद का प्रयोग बागों तथा लॉनों में किया जाएगा। संस्थान द्वारा अगले दो वर्षों में बिजली का बिल 50 प्रतिशत कम करने के लिए अस्पताल परिसर में सोलर पॉवर जनरेशन यूनिट की स्थापना करने के लिए जापान की कंपनी हिताची के साथ पहले ही सहयोगी कार्य आरंभ कर लिया गया है। जापान सरकार की न्यू एनर्जी एंड इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (एन.ई.डी.ओ.) द्वारा इस परियोजना को वित्तपोषित किया जा रहा है।

एम्स, नई दिल्ली ने लगातार दूसरे वर्ष स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कायाकल्प पुरस्कारों के अंतर्गत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के उच्च मानकों के रख-रखाव हेतु वर्ष 2017-2018 का प्रथम पुरस्कार जीता।

आधारभूत संरचना को सशक्त करने संबंधी

माननीय प्रधानमंत्री ने एम्स-दिल्ली में नेशनल सेंटर फॉर एजिंग की आधारशिला रखी, जिसमें बुजुर्गों के लिए 200 बिस्तर की अंत: रोगी सुविधा होगी। नेशनल सेंटर फॉर एजिंग की मार्च 2020 तक पूर्ण हो जाने की संभावना है। नैदानिक एवं प्रशिक्षण सेवाओं के अतिरिक्त संस्थान द्वारा भारतीय जनता मे दीर्घायुता को बढ़ाने को ध्यान में रखते हुए उभरती हुई जन स्वास्थ्य चुनौतियों में अनुसंधान किया जाएगा। एम्स द्वारा बढ़ते हुए रोगी भार तथा अनुसंधान मांगों को पूरा करने हेतु विस्तार करने के लिए व्यापक मास्टर प्लान को विकसित करने की प्रक्रिया भी जारी है।

झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के नए परिसर का कार्य तेजी से चल रहा है और पूरा होने वाला है। जबकि आउटरीच बहिरंग सेवाएं पहले से ही प्रदान की जा रही है, अंतरंग रोगी सेवाएं 2019 में आरंभ होने की संभावना है। इसके पूरा होने के बाद इसमें 710 बिस्तर होंगे और इसमे अपने प्रकार की प्रथम टिश्शू रेस्पीरेटरी सहित कैंसर से पीड़ित रोगियों के लिए सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र ने लघु ऑपरेशनों हेतु नया वार्ड और नया इमरजेंसी ऑपरेशन थिएटर आरंभ किया है। फ्रेगिलिटी फ्रैक्चर सेवा प्रदान की जा रही है और ऑर्थो जेरियार्टक सेवाएं भी आरंभ कर दी गई थी। इस सेवा में विशेष उपचार की आवश्यकता वाले फ्रैक्चर से पीड़ित बुजुर्ग रोगियों हेतु समर्पित बिस्तर होंगे। अस्पताल के मुख्य परिसर और जेपीएनए ट्रॉमा केन्द्र के बीच रोगियों को शीघ्र स्थानांतरित करने के लिए एक मोटोरेबल टनल-कम-सरफेस रोड खोली गई है,

जिससे रोगियों को समय से चिकित्सीय सहायता उपलब्ध होना सुनिश्चित किया जा सके। इस लिंक से संस्थान और इसके केन्द्रों के बीच का यात्रा समय 30 मिनट से घटकर 5 मिनट से भी कम हो गया है। पॉवरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा इसकी कॉरपोरेट सोशल रिस्पोन्सिबिल्टी (सीएसआर) गतिविधि के रूप में रोगियों के परिचरों के ठहरने के लिए एक 360 बिस्तरों वाली धर्मशाला का निर्माण किया गया। इसका उद्घाटन भी किया जा चुका है।

संस्थान में आने वाले रोगियों को घंटों तक लाइनों में खड़ा रहने से बचाने के लिए अब रोगियों को चिकित्सकों से मिलने के लिए विशिष्ट समय तथा स्लॉट आबंटित किया जाएगा। रोगियों की सुविधा हेतु ओ.पी.डी. पंजीकरण तथा प्रयोगशाला संग्रहण समय को भी बढ़ाया गया है। बाहरी रोगियों तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से अनभिज्ञ रोगियों के लिए सेवाओं को सुनिश्चित करने हेतु 30% स्लॉट उसी दिन की एपॉइन्टमेंट के लिए आरक्षित किया गया है।

केन्द्र में प्रशिक्षु

एम्स-दिल्ली ने इंडिया टुडे, द आऊटलुक तथा द वीक द्वारा वर्ष 2017-18 में आयोजित सभी तीन स्वतंत्र सर्वेक्षणों तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएसआरडी) के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में भारत के चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। सेंटर फॉर वर्ल्ड यूनिवर्सिटीज रैंकिग्स के अनुसार विश्वव्यापी उच्च शिक्षा की डिग्री प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ 1000 संस्थानों मे एम्स, दिल्ली भारत का एकमात्र चिकित्सा संस्थान भी है। हमारे शिक्षाविद् यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारा गतिज पाठ्यक्रम जो आधारभूत, ट्रांसलेशनल तथा नैदानिक विज्ञान का मिश्रण है और स्वास्थ्य उपचार में अग्रणियों की अगली पीढ़ी को तैयार कर रहा है। स्नातक पूर्व तथा नैदानिक प्रशिक्षुओं के लिए संपूर्ण उद्देश्य है- प्रशिक्षुओं की पूर्ण रूप से तैयार प्रैक्टिशनरों बनने में सहायता करना जो समस्याओं को सुलझाने तथा नई चिकित्साओं को आकार दे सके जिससे रोगियों को लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों तथा नैदानिक अनुसंधानकर्ताओं हेतु विचार किया जा रहा है कि उनके लिए व्यापक श्रेणी के अनुसंधान लाए जाएं जिसमें जीन एडिटिंग तथा ऊतक इंजीनियरिंग के लिए आण्विक साधन विकसित करने से लेकर पर्यावरणात्मक प्रदूषकों के प्रभावों को जांचने तक के विषय सम्मिलित हों।

विभिन्न शिक्षण विभागों एवं सुविधाओं से युक्त 7 केन्द्रों तथा 42 स्वनिर्भर विभागों तथा 680 से अधिक संकाय सदस्यों सहित 10,000 से ज्यादा स्टाफ सदस्यों के साथ, एम्स, दिल्ली परिचर्याओं एवं पराचिकित्सा व्यावसायिकों सहित विशेषज्ञों (एम.डी./एम.एस.), अति-विशेषज्ञ (डी.एम./एम.सीएच.), पी-एच.डी. छात्र तथा संबद्ध स्वास्थ्य एवं आधारभूत विज्ञान विशेषज्ञों की एक बड़ी संख्या को तैयार करता है। वर्ष के दौरान, हमने विभिन्न पाठ्यक्रमों में 966 छात्रों को पंजीकृत किया। संस्थान द्वारा 723 अल्पकालीन प्रशिक्षुओं को स्नातकोत्तर प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। एम्स, नई दिल्ली अन्य एम्स के लिए परामर्शदाता की भूमिका भी निभा रहा है तथा उनके लिए एम.बी.बी.एस. तथा बी.एससी. (ऑनर्स) परिचर्या पाठ्यक्रमों हेतु विद्यार्थियों के अंतिम चयन से संबंधित काउंसलिंग तथा प्रवेश परीक्षा का आयोजन भी करता है।

एम्स-दिल्ली द्वारा स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं एवं चिकित्सा वैज्ञानिकों को शैक्षणिक रूप से नवीन तथा प्राधिकारात्मक शिक्षण अवसरों का सर्वश्रेष्ठ कैटलॉग प्रदान किया जाता है। एम्स के पहले से समृद्ध पाठ्यक्रमों में कुछ नए पाठ्यक्रम जोड़े गए हैं। बाल चिकित्सा विभाग द्वारा बाल चिकित्सा अर्बुद विज्ञान मे एक नया डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (डी.एम.) कार्यक्रम आरंभ किया गया है। त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग द्वारा इम्यूनोडरमेटोलॉजी तथा ब्यूलोस डिसऑर्डर्स, पेडियाट्रिक डरमेटोलॉजी तथा डरमेटोसर्जरी एण्ड लेजर्स में तीन पोस्ट एम.डी. (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) फैलोशिप कार्यक्रमों का अनुमोदन प्राप्त किया गया है।

शिक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में एम्स के ज्ञान को नवीन प्रौद्योगिकियों तथा शिक्षण अवसरों के माध्यम से प्रशिक्षुओं के विस्तारित समूह तक पहुंचाना है। संस्थान ने वर्चुअल शिक्षण का प्रयोग करते हुए स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान में ई-लर्निंग पाठ्यक्रमों को डिजाइन तथा विकसित करने हेतु नेशनल नॉलेज नेटवर्क द्वारा वित्तपोषित परियोजना आरंभ की है। इसका उद्देश्य चिकित्सा अध्यापकों की कमी का सामना करने वाले क्षेत्रों में चिकित्सा, परिचर्या एवं परा-चिकित्सा पाठ्यक्रमों हेतु केन्द्रित तथा संगठित पूरक शिक्षण सामग्री विकसित करना है। परियोजना में नॉर्थ ईस्टर्न इंदिरा गांधी रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ एण्ड मेडिकल साइंसिज, शिलांग तथा रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिज, इम्फाल में छात्रों को ई-कंटेंट पहुंचाना सम्मिलित है जिससे इस कार्यक्रम की संभाव्यता तथा प्रभावकता स्थापित हुई है। एमएचआरडी तथा विश्वविद्यालय अनुदान

आयोग, के आईसीटी(एनएमई-आईसीटी) के द्वारा शिक्षा संबंधी राष्ट्रीय मिशन की ई-पीजी-पाठशाला परियोजना हेतु एम्स के कई विभागों द्वारा पूरे भारत में स्नातकोत्तर छात्रों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने के प्रावधान हेतु योगदान दिया जा रहा है। बाल चिकित्सा विभाग का नवजात विज्ञान प्रभाग चिकित्सकों हेतु नवजात स्वास्थ्य पर साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस के प्रसार के लिए ई-लर्निंग का प्रयोग कर रहा है। वर्तमान में, तीन ई-लर्निंग पाठ्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं:- सिक न्यूबोर्न केयर, न्यूबोर्न नर्सिंग तथा कॉन्टीन्यूज पॉजिटिव एयरवे प्रैशर।

सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र (सीसीएम) भारत सरकार के मानव संसाधन विकास स्वास्थ्य अनुसंधान योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर ऑपरेशनल रिसर्च पर संकाय विकास हेतु पाठ्यक्रम संचालित करता है। रूधिर विज्ञान विभाग को इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सपेरीमेन्टल हीमेटोलॉजी एण्ड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, यूनिवर्सिटी क्लिनिक, बोन के सहयोग से इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ हेमोस्टेसिस एण्ड थ्रोम्बोसिस द्वारा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र का दर्जा प्रदान किया गया था।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केन्द्र (डॉ.रा.प्र.केन्द्र) ने मोतियाबिन्द तथा विट्रियों रेटिनल सर्जरी हेतु इट्राऑक्यूलर सर्जिकल प्रशिक्षण के लिए हाई-एण्ड वर्चुअल रिएल्टी स्टीमुलेटर के साथ राष्ट्रीय नेत्रविज्ञान शल्यक कौशल विकास केन्द्र की स्थापना की है। एम्स दिल्ली मानव शरीर और रोगों को समझने मे छात्रों की सहायता करने के लिए इसमे पाठ्यक्रम मे ग्राफिक्स तथा प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए वर्चुअल शिक्षण मॉड्यूलों को समेकित करने का प्रयास भी कर रहा है।
एम्स दिल्ली स्वास्थ्य उपचार क्षेत्रों में कार्यरत अग्रलियों को चिकित्सा के वास्तविक प्रतिवेश से, विज्ञान तथा स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने की नई प्रवृतियों से अवगत कराता है। संस्थान द्वारा हजारों चिकित्सको तथा स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं को उनके कौशलों, ज्ञान तथा कार्य निष्पादन में सुधार करने के लिए कर्मिक आयुर्विज्ञान शिक्षा प्रदान की गई। हमने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेसियों के सहयोग से 200 से अधिक कार्यशालाओं , संगोष्ठियों, सम्मेलनों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया की मेजवानी की।

स्वस्थ अतिप्रशिक्षित कर्मचारियों हेतु विचार करने वाले मानव पूंजी विकास के सिध्दातों को ध्यान में रखते हुए
एम्स दिल्ली द्वारा इसके छात्रों तथा रेजीडेन्टों के लिए वेलनेंस क्लिनिक प्रारंभ किया गया है1 इसमें मनोचिकित्सकों तथा परामर्शदाताओं सहित मानसिक स्वास्थ्य प्रोफैशनल सम्मिलित हैं, जो तनाव तथा भावनात्कम थकावट से निपटने में आकांक्षी चिकित्सकों की सहायता करता है। आयुर्विज्ञान छात्रों तथा चिकितसकों के लिए दिन-रात हेल्पलाइन भी आरंभ की गई है।

अनुसंधान तथा शोध

यह युग प्रगामी प्रौद्योगिकियों की नई खोजों तथा प्रयुरोद्भवन के आश्यर्चजनक गति से बनी हुई है। हमारा संस्थान जैव चिकित्सा से संबंधित अनुसंधान तथा शोध के डायनेसिक नेटवर्क का उत्केन्द्र है।

एम्स दिल्ली भारत में अनुसंधान परिणाम के संबंध में उत्कृष्ठ चिकित्सा संस्थान बना हुआ है। इसने वर्ष के दौरान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 1500 से अधिक अनुसंधान पत्र तथा 350 से अधिक मोनोग्राफ, पुस्तकें तथा पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए हैं।

अनुसंधान अनुभाग, एम्स दिल्ली में अनुसंधान हेतु उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। हम क्रॉस-डिसीपल्नरी सहयोगी अनुसंधान में निवेश तथा चिकित्सीय केन्द्रित एवं ट्रांसलेशनल अनुसंधान शिक्षा को वृद्धि करने में हमारे अनुसंधान संरचना को विस्तारित तथा गहन कर रहे हैं। संस्थान में संकाय-सदस्यों एवं वैज्ञानिकों द्वारा 710 से अधिक वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की गई तथा 116 करोड़ रूपयों से अधिक कीमत के बाह्य अनुसंधान अनुदानों को प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त, अनुसंधान अनुभाग ने अनुभवहीन अनुसंधान वाहको को तीव्र भरने के लिए 91 आंतरिक अनुसंधानपरियोजनाओं हेतु 3.54 करोड़ रूपये की राशि का अनुदान वितरित किया।

एम्स दिल्ली तथा ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ऑफ आस्ट्रेलिया ने एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसके द्वारा वे नेनोटेक्नोलॉजी तथा एंटीसाइकोबायल रेजीजटेन्स सहित दंतचिकित्सा एवं कायचिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। डॉ.रा.प्र.ने.वि.केन्द्र ने राष्ट्रीय नेत्र संस्थान सहित संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्च शिक्षण एवं श्रेष्ठता के संस्थानों की संख्या के लिए सहयोगी लिंक स्थापित किए हैं। थॉवेट केण्युएल्टी के क्षेत्र में अनुसंधान संचालित करने के लिए जेपीएनए ट्रॉमा केन्द्र,

एम्स तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ द्वारा एक दर्जन से अधिक कदम उठाए गए हैं। इसमें सिर की चोट के बाद स्वास्थ्य लाभ संबंधी उन्नत एमआरआई आधारित अध्ययन सम्मिलित होंगे।

बाल चिकित्सा विभाग के बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग में अब बाल्यावस्था तंत्रिका विकासात्मक विकारों के लिए उन्नत अनुसंधान एवं श्रेष्ठता केन्द्र (सीएआरई) स्थित है जिसमें न्यूरोमोटर इम्पेथरमेन्ट मोटरडिले लें बोलने संबंधी देरी होना संज्ञानात्मक देरी तथा मिरगी सम्मिलित होगी। आधुनिक केन्द्र द्वारा उच्च लक्ष्य नैदानिक एवं चिकितसीय अनुसंधान का निष्पादन किया जाएगा और यह शिक्षा एवं प्रशिक्षण हब के रूप में कार्य करेगा। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटीग्रेडिव बायोलॉजी तथा आईआईटी, दिल्ली के साथ सहयोग करेगा। बाल चिकित्सा विभाग के वृक्क विज्ञान प्रभाग को भारतीय अनुसंधान परिषद द्वारा वृक्कविज्ञान में अनुसंधान हेतु उन्नत केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। बाल चिकित्सा विभाग के नवजातविज्ञान प्रभाग द्वारा इसके आई सीआरसीएआरई गतिविधियों के एक भाग के रूप में बच्चों के सम्मिलन वाले अनुसंधान हेतु नीति विषयक दिशा-निर्देशों के लिए योगदान किया। बालचिकित्सा विभाग में विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केन्द्र (डब्ल्यूएचओसीसी) नवजात स्वास्थ्य हेतु विशेष नवजात उपचार यूनिटी में उपचार किए जा रहे समय पूर्व नवजात शिशुओं के उपचार की गुणवत्ता से संबंधित अनुसंधान नहीं किया जा रहा है। इस गतिविधि का मुख्य लक्ष्य साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस को कार्यान्वित करके समय पूर्व जन्में नवजात शिशुओं में प्रीमेच्योर रेटिनोपैथी को कम करना है इस कार्य को क्वीन एलिजाबेथ डायमंड जुबली डस्ट, यूके द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। पिछले वर्ष में, हमारे चिकित्सा वैज्ञानिकों ने रूपांतर कारी शोध किए हैं। डॉ.रा.प्र.ने.वि.केन्द्र में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा मधुमेह का एक नया प्रकार लेबल्ड डायविटिज टाइप 4 को हाल ही में वर्णित किया गया है। यह संलक्षण केन्द्रीय नर्वस सिस्टम इसुंलिन अवरोधक तथा मिटोयॉनिडयल डिस्फंक्शन वाली मस्तिष्ठ विशिष्ट मधुमेह के हैं और इसके कारण रेटिनल गैग्लियोन कोशिका हानि तथा ग्लूकोमेटोस न्यूरोडिजनरेशन है। इसकी ग्लूकोमा तथा इसके उपचार के बारे में संभावित रूप से पुन: विचार किया जाएगा।

आयुर्वेद, योगा तथा नुचुरोपेथी , यूनान, सिद्धा एवं होम्मोपैथी मंत्रालय के सहयोग से संस्थान द्वारा प्राचीन भारतीय विषयों के माध्यम से रोगों के उपचार पर केन्द्रित करने की माननीय प्रधानमंत्री की अपील के अनुक्रम में कुछ रोगों से लड़ने में लाभकारी योगा आसन संबंधी दिशा-निर्देशों पर शीघ्र ही चर्चा की जाएगी। ये दिशा-निर्देश एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र एम्स दिल्ली द्वारा स्वामी विवेकानन्द योगा अनुसंधान समस्थाना (एसबीवाईएएसए), बेगंलुरू की साझेदारी में माइग्रेन तथा क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पुलमोनरी रोग जैसी बीमारियों पर जारी अनुसंधानपर आधारित होंगी।

कई पेटेन्ट प्राप्त किए गए/आवेदित किए गए जैसे:- जैव रसायन विभाग ने प्लेसेन्टल लाइफ एल्कालाइन फोस्फेट (पीएलएपी)प्रोमोटर मीडिएटिड सेल टारगेटिंग पर पेटेन्ट (यूएस पेटेन्ट पीसीटी/आईबी2014/061350, यूएम पेटेन्ट संख्या यूएस 9,868,960बी) प्राप्त किया। जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) डायग्नोस्टिक टेकनोलिनिस तथा किट्स से संबंधित पेटेन्टों को आवेदित किया। डॉ.रा.प्र.ने.वि. केन्द्र को फार्माकालॉजी एवं फार्मेसी प्रभाग द्वारा भारत में दूरस्थ स्थानों पर नेत्र उपचार के बिनदुओं पर अस्थायी दवाओं हेतु स्टैराइल फेज ट्रन्वरसन एंड डिस्पेटिंग टेक्नोलॉजी(ट्रांसरीकॉन)को पेटेन्ट लिया गया।

नवाचार

माननीय स्वासथ्य मंत्री महोदय द्वारा प्रभावी तथा सस्ते स्वासथ्य उपचार हेतु नवाचार के लिए किए गए आहवान का पालन करते हुए एम्स द्वारा उदीयमान मूल विज्ञान अंतर्दृष्टियों को नए उपचारों में रूपातंरित करने को सुनिश्चित करने पर कार्य किया गया है। डॉ.रा.प्र.ने.वि.केन्द्र में बायोइंजीनियर्डकॉर्निया के हाल ही में आरंभ होने से कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में नए अवरूदों के द्वार खोल दिए हैं।

एम्स दिल्ली तथा आईआईटी दिल्ली में अनुसंधानकर्ताओं ने सस्ती लागत का एक यंत्र विकसित किया है जो चेहरे के मास्क के सुविधाजनक विकल्प के रूप में प्रदूषित वायु को शुद्धकरने के लिए नाक के ऊपर पहना जा सकता है। यह यंत्र वायु को छानने की सक्रिय आणविक तकनीक का प्रयोग करता है और इसमें मोबाइल एप के माध्यम से फीडबैक सिस्टम लगाया गया है जो प्राप्त की गई सुरक्षा की मात्रा का मूल्यांकन करता है। एम्स दिल्ली तथा आईआईटी दिल्ली में भी अनुसंधानकर्ताओं

ने एक यंत्र तैयार किया है जो छोटे बच्चों में प्रारंभिक श्रवण हानि को पहचान कर सकता है। यह कम लागत वाला यंत्र समान्य जन द्वारा प्रयोग किया जा सकताहै।आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से जेपीएनए ट्रॉमा केन्द्र द्वारा त्वचा दान की मांग तथा आपूर्ति के अंतराल को पूरा करने के लिए सस्ती कृत्रिम त्वचा को विकसित कर रहा है। डीआरडीओ की साझेदारी में जेपीएनए ट्रॉमा केन्द्र द्वारा छाती की चोट के दौरान फेफड़ों से निकल रही ऑक्सीजन को रोकनेके लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई सूई, रक्त स्राव को नियंत्रित करने के लिए स्पोन्जन तथा कॉम्बेट केज्युल्टी बैनर के अंतर्गत जले का उपचार करने के लिए फूलों से निकाले गये रस की शीघ्र ही जांच की जाएगी।

नैदानिक उपचार

प्रैक्टिशनरों को उनके नैदानिक उपचार में नई उन्नतियों को सम्मिलित करना होगापरन्तु उन्हें अति अल्यावश्यक नैदानिक समस्याओं एवं पूरी न हुई आवयकताओं के लिए अनुसंधान निदेशित करने के संबंध में नेतृत्व भी प्रदान करता है। वर्तमान युग में जहां स्वास्थ्य उपचार महंगे चिकित्सा उपचार के कारण बृहत चुनौती साबित हो रहा है, एम्स द्वारा गरीब से गरीब जनता को भी बहुत अधिक उच्चतम गुणवत्ता का सस्ता एवं साक्ष्य आधारित उपचार प्रदान किया जाना जारी है । एम्स मुख्य अस्पताल तथा इसके केन्द्रों - हृद् वक्ष तंत्रिका विज्ञान केन्द्र (सीएनकेन्द्र), जेपीएनए आघात केन्द्र, डॉ.भी.रा.अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (बीआरएआईआरसीएच), आरपीसीओएस, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान (सीडीईआर) राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र (एनडीडीटीसी) में कुल 2478 बिस्तर क्षमता है। वर्ष के दौरान अ.भा.आ.सं. मुख्य अस्पताल इसके विभिन्न केन्द्रों एवं दूरस्थ केन्द्रों ने 43 लाख बाह्य रोगी, 2.45 लाख से अधिक अंतरंग रोगियों का उपचार किया एवं लगभग 86% के औसत बिस्तर अधियोग सहित श्रेष्ठ रोगी उपचार सेवा पैरामीटरों पर 1.8 लाख ऑपरेशन/प्रक्रियाए की, अस्पताल में ठहरने का औसत लगभग 9.3 दिन ; तथा 2% से कम शुद्ध मृत्यु दर। अ.भा.आ.सं. भारत के भीतर एवं बाहर विशेषकर दक्षिण एवं दक्षिणपूर्वी एशिया में स्वास्थ्य उपचार की आवश्यकताओं को पूर्ति करता है। इस वर्ष कुछ विशेष क्लिनिक एवं प्रयोगशालाओं की शुरूआत भी हुई। आरंभिक चरण में कैंसर का पता लगाने के लिए बीआरएआईआरसीएच ने निवारक अर्बुदविज्ञान क्लिनिक आरंभ किया। इसके तत्वाधान के तहत एक ग्रीवा कैंसर टीकाकरण अभियान का भी आरंभ हुआ। सीडीईआर ने अपना उच्च मुखीय हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला को आरंभ किया। त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग ने बाल त्वचा विज्ञान एवं फोरोडर्माटोलॉजी क्लिनिकों को आरंभ किया एवं बर्न सर्जरी विभाग के सहयोग के साथ लैप्रोसी क्लिनिक भी आरंभ की तंत्रिकाविज्ञान विभाग ने बल्लभगढ़, हरियाणा में एक ग्रामीण दूरस्थ क्लिनिक आरंभ किया।

सीडीईआर ने 3 डी कोन बीम सीटी स्कैन (सीबीसीटी) सुविधा का आरंभ किया। सीबीसीटी प्रौद्योगिकी कंप्यूटर स्क्रीनों एवं 3 डी मॉडलों पर वर्चुवल रोगियों की रचना करके उचपार योजना में मदद करेगी, जिसमें थियेटर में ऑपरेट करने से पूर्व सर्जरी का अभ्यास किया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी का प्रयोग उपचार से अपेक्षाओं के संबंध में रोगियों को शिक्षित करने के लिए भी किया जाएगा। जलने एवं त्वचा सहित पुर्ननिर्माण सर्जरी के केसों में वृद्धि होने से जेपीएनए ट्रॉमा केन्द्र त्वचा बैंक सुविधा को स्थापित करने की योजना बना रहा है। यह सुविधा मृत मस्तिष्क व्यक्तियों से शव दान को स्वीकार करेगा एवं दान वाली तवचाको 4-5 वर्ष की अवधि के लिए सुरक्षित रखने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग करेगा।

आंख ट्यूमरों का उपचार करने के लिए आरपीसीओएस अब प्लैक्यू ब्रैकीथेरेपी प्रदान करने के लिए सुसज्जित है। प्लैक्यू ब्रैकीथेरेपी स्थानीय विकिरण का एक रूप है जिसे आंख में सिले हुए एक रेडियोएक्टिव यंत्र के द्वारा आंख में डाला जाता है। इस सुविधा से रेटिनोब्लास्टॉमा से पीड़ित बच्चों एवं नेत्र मेलनोमा से ग्रसित वयसकों को लाभ मिलेगा।

बालचिकित्सा विभाग अ.भा.आ.सं. में गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम हेतु ड्राइवर के रूप मेंकार्य कर रहा है। डब्ल्यूएचओ-सीसी के रूप में यह ऑन-लाइन संसाधनों, आमने-सामने की कार्यशालाओं क्वालिटी इंप्रूवमेंट (पीओसीक्यूआई) माड्यूल के द्वारा संस्थाओं को गुणवत्ता सुधार (क्युआई) माडयूल्स भी प्रचारित करता है। कई दक्षिण पूर्वी एशियाई क्षेत्रों के देशों ने अपने क्षेत्रों में क्यूआई कार्य आरंभ किया है। भारत में मातृत्व एवं नवजात स्वास्थ्य के लिए अस्पताल उपचार की गुणवत्ता को सुधारने के लिए कार्यशालाओं को भी सभी छह अ.भा.आ.सं. एवं देश में विभिन्न श्रेष्ठ केन्द्रों हेतु संचालित किया गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य

एक बृहत स्तर पर हम कई क्षेत्रों में राष्ट्र के स्वास्थ्य उपचार को सूचित कर रहे है। सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र (सीसीएम) भारत एवं श्री लंका मे आयोडीन अभाव रोग को समाप्त करने में अग्रणी है। यह एमओएचएफडब्ल्यू के तहत एचआईबी सेंटीनल सर्विलेंस हेतु क्षेत्रीय संस्थान के रूप में भी कार्य करता है । रूधिररोग विज्ञान विभाग ने एमओएचएफडब्ल्यू थैलेसेमिया एवं हीमोग्लोबिनोपैथिल के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय नीति हेतु योगदान दिया । आरपीसीओएसडब्ल्यूएचओ द्वारा संस्तुत अनुसार अंतर्राष्ट्रीय परिभाषा सहित दृष्टि क्षतिएवं अंधापन के निवारण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत भारतीय परिभाषा को पुन: पंक्तिबद्ध करने में सहायक रहा है। यह केन्द्र सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत दृष्टि अपंगताएवं अपंगता प्रमाणन के पुन: वर्गीकरण पर भी अग्रणीय रहा।

जेपीएनए ट्रॉमा केन्द्र स्वास्थ्य देख-रेख संबंधित संक्रमणों की निगरानी एवं ऐंटीमाईक्रोबाइल प्रतिरोध संक्रमण नियंत्रण हेतु क्षमताओं के निर्माण पर बहु-केडिक परियोजना चला रहा है, रोग नियंत्रण केन्द्र, यूएसए द्वारा सहयोगी अनुबंध के रूप में वित्तपोषित है। इस निगरानी केन्द्र के भाग के रूप में कुल 36 अस्पताल है, जिनके 120 से भी अधिक गहन उपचार एकक (आईसीयू) हैं। यह राष्ट्रीय कायाकल्प कार्यक्रम एवं वर्तमान स्वास्थ्य देख-रेख संबंधित संक्रमण निगरानी फ्रेमवर्क को संघटित करने के लिए भी एक नूतन आरंभ है। इंडियन रजिस्ट्री ऑन रेयर डिसीज को आईसीएमआर, अ.भा.आ.सं., पेडियाट्रिक रिसर्च एंड एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरईएसआईडीई) एवं जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के नेतृत्व में नेशनल इनिशिएटिव फॉर रेयर डिसीस के तहत आरंभ किया गया था।

एमओएचएफडब्ल्यू ने सीडीईआर को राष्ट्रीय मुखीय स्वास्थ्य कार्यक्रम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में पदनामित किया है। भेषजगुणविज्ञान को एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा मेटिरियोविजीलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के लिए मेडिकल डिवास मॉनीटरिंग सेंटर के रूप में पदनामित किया गया।

एनडीडीटीसी द्वारा किए गए अध्ययन से गली के बच्चों द्वारा पदार्थ दुरूपयोग की ज्ञात समस्या का पता चलाहै। दिल्ली में प्रत्येक तीन गली के बच्चों में एक पदार्थ दुरूपयोग में संलग्न है। शराव इंहेलेट्स,कैन्नाविस, हेरोइन, अफीम फार्मास्यूटिकल ऑपियोड्स शामक एवं इंजेक्शन द्वारा दवाइयों के पश्चात तंवाकू का उपयोग करना अधिकतर सामान्य है। इस नशे की लत के कारण गली के चार-पांच बच्चों ने चोट लगना, दुर्घटना होना, शारीरिक हिंसा एवं यौन शोषण जैसी समस्याओं का सामना किया। एमओएचएफडब्ल्यू के सहयोग के साथ, आरपीसीओएस राष्ट्रीयअंधता सर्वेक्षण का संचालन कर रहा है जो भारत में सामान्य जनसमुदाय में 50 वर्ष एवं अधिक आयु वालों में अपरिहार्य अंधता एवं दृश्य क्षतियों की व्यापकता एवं कारणों का विश्वसनीय अनुमान प्रदान करेगा।

सर्वेक्षण के आरंभिक खोजों में पता चलता है कि लगभग दो-तिहाई जनसमुदाय में अंधेपन का कारण मोतियाबिंद है। दि नेशनल ट्रैकोमा प्रिवेलेंस सर्वे एवं दि ट्रैकोमा रैपिड एसेममेंट सर्वे 2017 में पूर्ण हुआ था तथा भारत को सक्रिय ट्रैकोमा संक्रमण से मुक्त करने वाली ट्रैकोमा रिपोर्ट को जारी किया गया था।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के तत्वाधानों के तहत जराचिकित्सा विज्ञान विभाग ने इंटरजेनेरेशनल लर्निंग सेंटर पहल का आरंभ किया। इसमें शिक्षण में सेवानिवृत्त नागरिक, सरकारी विद्यालयों में उपेक्षित बच्चे सम्मिलित हैं। छात्र ट्यूशन से एवं वरिष्ठ नागरिकों का बच्चों के साथ स्वस्थ् एवं सार्थक सम्मिलन से लाभ प्राप्त करने एवं अस्पताल के भार को कम करने के लिए बाल तंत्रिकाविज्ञान प्रभाग द्वारा ओटिस्म एवं विकासात्मक विलंब जैसे तंत्रिका विकासात्मक वाले बच्चों पर सूचना के लिए चौबीस घंटे, टॉल-मुक्त हेल्पलाइन को आरंभ किया गया था।

सहायता सेवाएं

संस्थान अपने सुरक्षा कर्मियों के लिए परामर्श सजों का संचालनकर रहा है, जिनका अक्सर रोगियों एवं उनके संबंधियों से सबसे पहले संपर्क होता है। इसका उद्देश्य इन्हें लोगों से मिजतापूर्ण व्यवहार करना सीखाना है। इसकी प्रतिक्रिया 'मेरा अस्पताल (माय हॉस्पिटल)' पहल के रूप में रोगी फीडबैक में प्राप्त हुई, जिसे पूर्व में एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा आरंभ किया गया जिसकी पहचान अ.भा.आ.सं. आने वाले रोगियों केमध्य असंतुष्टिकरण हेतु कारण के रूप में स्टाफ के आचरण के रूप में पहचाना गया।

हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए अ.भा.आ.सं. छह माह के हिंदी आशुलिपि एवं टंकण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु लिपिकीय स्टाफ को भेजने के लिए नकद प्रोत्साहन प्रदान कर रहा है। यह प्रशिक्षण गृह मंत्रालय के तहत 'हिंदी शिक्षण योजना' के निर्देशों पर संचालित हो रहा है।

पिछले छह दशकों में संस्थान ने शैक्षिक, अनुसंधान एवं श्रेष्ठतम स्वास्थ्य देख रेख सेवाओं में प्रशंसा एवं मान प्राप्त किया, शेष देश के लिए बैंचमार्क को स्थापित किया। अ.भा.आ.सं. दिल्ली ज्ञान एवं विचार उत्पन्न करने के लिए प्रतिबद्ध है जो सभी जन सामान्य हेतु एक स्वस्थ विश्व निर्माण के लिए वचनबद्ध है।

j.knhi xqysfj;k
funs'kd

2. lLFkku vkj bldh lfefr;k

1.	**श्री जगत प्रकाश नड्डा** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	अध्यक्ष
2.	**प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)** 8–ए, लोधी स्टेट, नई दिल्ली – 110003.	सदस्य
3.	**श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)** म. नं. 179, संपत हाउस, तुगलकाबाद गांव, नई दिल्ली 110044	सदस्य
4.	**श्री परवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा)** 1/14 बी, शांति निकेतन, नई दिल्ली	सदस्य
5.	**श्री आर. सुब्रह्मण्यम** सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य (28.02.2018 से)
	श्री केवल कुमार शर्मा सचिव, उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य (28.04.2017 से 27.02.2018 तक)
6.	**प्रोफेसर एम. के. भान** पूर्व सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य
7.	**श्रीमती प्रीति सूदन** सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (24.11.2017 से)
	श्री सी. के. मिश्रा सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (23.11.2017 तक)
8.	**प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी** कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110007	सदस्य (पदेन)
9.	**डॉ. जगदीश प्रसाद** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य (पदेन)
10.	**डॉ. डी. एस. राणा** अध्यक्ष, प्रबंधन बोर्ड, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली 110060	सदस्य

11.	**डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना** समन्वयक, जैव सूचना विज्ञान डीबीटी (भारत सरकार) का मूलसंरचना सुविधा केंद्र, अध्यक्ष, प्राणिविज्ञान विभाग, दयानंद गर्ल्स पी.जी कॉलेज, कानपुर, उत्तर प्रदेश 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर 208002, उत्तर प्रदेश	सदस्य
12.	**डॉ. महेश बी. पटेल** एफ–001, शिलालेख टावर, पुलिस स्टेडियम के सामने, शाही बाग, अहमदाबाद 38004, गुजरात	सदस्य
13.	**डॉ. डी. जी. महैसेकर** कुलपति, महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय डिंडोरी रोड, महसरूल, नासिक 422004, महाराष्ट्र	सदस्य
14.	**डॉ. एन. गोपालकृष्णन** आचार्य (वृक्क विज्ञान), मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु 600003	सदस्य
15.	**श्रीमती विजया श्रीवास्तव** अपर सचिव और वित्त सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	सदस्य
16.	**प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया** निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य सचिव
17.	**श्री अरुण सिंघल** संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	विशेष आमंत्रित (28.02.2018 तक)
	श्री लव अग्रवाल संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली 110011	विशेष आमंत्रित (01.03.2018 से)
18.	**प्रोफेसर बलराम ऐरन** संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित (31.12.2017 तक)
	प्रोफेसर वाई.के. गुप्ता संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित (01.01.2018 से)
19.	**डॉ. डी. के. शर्मा,** चिकित्सा अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	विशेष आमंत्रित

शासी निकाय

1.	**श्री जगत प्रकाश नड्डा**	अध्यक्ष
2.	**प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)**	सदस्य
3.	**श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)**	सदस्य
4.	**श्रीमती प्रीति सूदन**	सदस्य (24.11.2017 से)
	श्री सी.के. मिश्रा	सदस्य (23.11.2017 तक)

5.	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य (28.02.2018 से)
	श्री के.के. शर्मा	सदस्य (28.04.2017 से 27.02.2018 तक)
6.	डॉ. डी. एस. राणा	सदस्य
7.	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य
8.	डॉ. महेश बी. पटेल	सदस्य
9.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
10.	श्रीमती विजया श्रीवास्तव	सदस्य
11.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य सचिव

स्थायी वित्त समिति

1.	श्रीमती प्रीति सूदन	अध्यक्ष (24.11.2017 से)
	श्री सी.के. मिश्रा	अध्यक्ष (23.11.2017 तक)
2.	श्री परवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोक सभा)	सदस्य
3.	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य
4.	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य (28.02.2018 से)
	श्री के.के. शर्मा	सदस्य (28.04.2017 से 27.02.2018 तक)
5.	डॉ. एम. के. भान	सदस्य
6.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
7.	श्रीमती विजया श्रीवास्तव	सदस्य
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य सचिव

स्थायी शैक्षिक समिति

1.	डॉ. महेश बी. पटेल	अध्यक्ष
2.	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य
3.	डॉ. एम. के. भान	सदस्य
4.	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य (28.02.2018 से)
	श्री के.के. शर्मा	सदस्य (28.04.2017 से 27.02.2018 तक)
5.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
6.	डॉ. डी. एस. राणा	सदस्य
7.	डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना	सदस्य
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य सचिव

स्थायी संपदा समिति

1.	प्रोफेसर राम गोपाल यादव, सांसद (राज्य सभा)	अध्यक्ष
2.	श्री परवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा)	सदस्य
3.	डॉ. डी. एस. राणा	सदस्य
4.	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य
5.	प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी	सदस्य
6.	श्रीमती विजया श्रीवास्तव	सदस्य
7.	डॉ. एन. गोपालकृष्णन	सदस्य
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य सचिव

स्थायी अस्पताल कार्य समिति

1.	श्री परवेश साहिब सिंह वर्मा, सांसद (लोकसभा)	अध्यक्ष
2.	श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)	सदस्य
3.	डॉ. डी. एस. राणा	सदस्य
4.	डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना	सदस्य
5.	डॉ. एम. के. भान	सदस्य
6.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
7.	डॉ. एन. गोपालकृष्णन	सदस्य
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य सचिव

स्थायी चयन समिति

1.	डॉ. डी. एस. राणा	अध्यक्ष
2.	डॉ. जगदीश प्रसाद	सदस्य
3.	डॉ. डी. जी. महैसेकर	सदस्य
4.	प्रोफेसर एम. के. भान	सदस्य
5.	डॉ. महेश बी. पटेल	सदस्य
6.	श्री आर. सुब्रह्मण्यम	सदस्य (28.02.2018 से)
7.	डॉ. एन. गोपालकृष्णन	सदस्य
8.	प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया	सदस्य सचिव

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष

बलराम ऐरन (31.12.2017 तक) वाई.के. गुप्ता (14.02.2018 से)

सह–संकायाध्यक्ष

राजीव कुमार

कुल–सचिव

संजीव लालवानी

शैक्षिक अनुभाग नीति तथा योजनाएं विकसित करता है तथा शैक्षिक गतिविधियां कार्यान्वित करता है। इन गतिविधियों में चिकित्सा, नर्सिंग, तथा परा–चिकित्सा पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है। इन गतिविधियों का संचालन स्नातक–पूर्व, स्नातकोत्तर एवं परा–चिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा किया जाता है।

स्नातक–पूर्व शिक्षा

इस अनुभाग द्वारा नए छात्रों के लिए प्रवेश के उपरांत की औपचारिकताओं, पाठ्यक्रम विकसित करने एवं संशोधित करने तथा विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए स्नातक–पूर्व छात्रों के आंतरिक मूल्यांकन सहित शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रबंध किया जाता है। इन पाठ्यक्रमों में एम.बी.बी.एस., बी.एससी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी तथा नेत्र विज्ञान तकनीकों में चिकित्सा प्रौद्योगिकी, बी.एससी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) तथा बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम शामिल हैं।

चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा स्नातक (एम.बी.बी.एस.)

एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में शिक्षा के पैटर्न की समीक्षा की गई तथा जुलाई 2004 से इसकी पुनर्संरचना की गई। एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम की अवधि साढ़े पांच वर्ष की है और जिसमें 3 चरण और इंटर्नशिप सम्मिलित हैं। विवरण निम्नानुसार हैं :

चरण	अवधि (वर्षों में)	प्रशिक्षण
प्रथम	एक वर्ष	पूर्व – नैदानिक
द्वितीय	डेढ़ वर्ष	परा – नैदानिक
तृतीय	दो वर्ष	नैदानिक
इंटर्नशिप	एक वर्ष	विभिन्न विभागों में अनिवार्य रूप से रोटेशन

वर्तमान में प्रति वर्ष 100 भारतीय छात्रों (50 सामान्य श्रेणी, 15 अनुसूचित जाति, 8 अनुसूचित जनजाति एवं 27 अन्य पिछड़े वर्ग) को दाखिला दिया गया है। ये दाखिले अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में योग्यता के आधार पर किए गए थे। निःशक्त हड्डी रोग (ओपीएच) के लिए प्रत्याशियों को 5 प्रतिशत का आरक्षण क्षैतिज आधार पर प्रदान किया गया। वर्ष 2017–18 में इन 100 सीटों के लिए, 3,64,242 आवेदन प्राप्त हुए थे और 2,84,737 प्रत्याशियों ने 27 मई 2017 को आयोजित प्रवेश परीक्षा में भाग लिया। इसमें विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की सिफारिशों के आधार पर 7 विदेशी नागरिकों को दाखिला दिया गया है। 31 मार्च 2018 तक 78 इंटर्न सहित एमबीबीएस नामांकन में छात्रों की संख्या 415 थी।

इस वर्ष में, व्यावसायिक परीक्षाओं के प्रथम, द्वितीय तथा अंतिम चरण में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 9 योग्य एम.बी.बी.एस. छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

परा – चिकित्सा तथा नर्सिंग शिक्षा

वर्ष 2017–18 में, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम में 79 छात्रों (39 सामान्य श्रेणी, 11 अनुसूचित जाति, 6 अनुसूचित जनजाति एवं 21 अन्य पिछड़े वर्ग, 2 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया। बी.एससी नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट) पाठ्यक्रम में 26 छात्रों (13 सामान्य श्रेणी, 3 अनुसूचित जाति, 2 अनुसूचित जनजाति, 7 अन्य पिछड़े वर्ग तथा 1 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया।

बी.एससी. (ऑनर्स) नेत्र रोग विज्ञान तकनीक में 19 छात्रों (10 सामान्य श्रेणी, 3 अनुसूचित जाति, 1 अनुसूचित जनजाति तथा 4 अन्य पिछड़े वर्ग, 1 विदेशी नागरिक) तथा बी.एससी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी चिकित्सा प्रौद्योगिकी में 10 छात्रों (4 सामान्य श्रेणी, 1 अनुसूचित जाति, 1 अनुसूचित जनजाति तथा 3 अन्य पिछड़े वर्ग, 1 विदेशी नागरिक) को प्रवेश दिया गया। दिनांक 31 मार्च 2018 तक इन पाठ्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों की संख्या निम्नलिखित थी :

पाठ्यक्रम	छात्रों की संख्या
नर्सिंग	
बी.एससी. नर्सिंग (पोस्ट सर्टिफिकेट)	50
बी.एससी (ऑनर्स) नर्सिंग	306
परा – चिकित्सा	
बी.एससी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक	70
बी.एससी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	37

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग द्वारा जूनियर तथा सीनियर रेजीडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश तथा प्रशिक्षण संबंधी सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इस अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में अध्येतावृत्ति, पीएच.डी., डी.एम., एम.सीएच, एम.डी., एम.एस., एम.डी.एस., एम.सीएच./ डी.एम.(सीधा 6 वर्षीय पाठ्यक्रम) एम. बायोटेक्नोलॉजी (एम. बायोटेक) तथा एम.एस.सी पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

भारतीय नागरिकों तथा प्रायोजित उम्मीदवारों को सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश एक अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के द्वारा दिया जाता है जो कि एम.एससी तथा एम. बायोटेक पाठ्यक्रमों के अलावा (इनके लिए वर्ष में एक बार प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है) वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है। प्रायोजित श्रेणी के तहत, विदेशी नागरिकों को समान प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2016–17 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में 716 छात्रों को प्रवेश दिया गया। 31 मार्च 2018 तक पंजीकृत स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल छात्रों की कुल संख्या 1844 थी तथा विवरण निम्नानुसार हैः

पाठ्यक्रम का नाम	जुलाई 2017	जनवरी 2018	कुल
एम.एससी. /एम. बायोटेक /एम.एससी. नर्सिंग (अगस्त)*	78	–	78
एमडी /एमएस /एमडीएस /एमसीएच./डी.एम.	240	152	392
डीएम /एमसीएच	96	100	196
पी–एच.डी	17	17	34
अध्येतावृत्ति	9	16	25
कुल	**440**	**285**	**725**

*दाखिले वर्ष में एक बार किए जाते हैं।

पंजीकृत स्नातकोत्तर छात्र

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	पंजीकृत छात्रों की संख्या
1	पी–एच.डी	430
2	डीएम	361
3	एम.सीएच	175
4	अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	29
5	एमडी	602
5	एमएस	71
6	एमडीएस	40
7	एम.एससी/एम. बायोटेक/एम.एससी. नर्सिंग	146
	कुल	**1854**

पंजीकृत पी.एच.डी. छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	संवेदनाहरण विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	5	0
2	संवेदनाहरण विज्ञान और गहन उपचार (जेपीएनएटीसी)	1	0
3	शरीर रचना विज्ञान	34	0
4	जैव रसायन	39	0
5	जैव भौतिकी	32	0
6	जैव सांख्यिकी	5	0
7	जैव प्रौद्योगिकी	5	0
8	ब्लड बैंक	0	1
9	हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	1	2
10	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	1	0
11	हृद् जैव रसायन	1	0
12	नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान, एनएस केंद्र	3	0
13	सी.टी.सी. (स्टेम कोशिका)	2	0
14	नर्सिंग कॉलेज	0	0
15	हृद् विकिरण विज्ञान	1	0
16	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	2	0
17	सामुदायिक नेत्र विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	2	1
18	दंत शल्य चिकित्सा	1	0
19	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	5	0
20	आपात चिकित्सा	2	0
21	अंतःस्राविकी एवं चयापचय	9	0
22	न्याय चिकित्सा	7	0
23	जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक	9	0
24	जरा चिकित्सा	2	0
25	रुधिर विज्ञान	7	0
26	प्रयोगशाला चिकित्सा	13	0
27	प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान	2	0
28	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	6	0
29	चिकित्सा भौतिक विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	4	0
30	काय चिकित्सा	3	0
31	सूक्ष्म जैव विज्ञान	24	2
32	तंत्रिका जैव रसायन	1	0
33	तंत्रिका मनोविज्ञान (तंत्रिका विज्ञान)	3	0
34	तंत्रिका विज्ञान	20	0
35	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	4	1
36	नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद	10	0
37	नाभिकीय चिकित्सा	4	0
38	तंत्रिका विकिरण विज्ञान	0	0
39	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	0	1
40	नेत्र जैव रसायन (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	5	0
41	नेत्र सूक्ष्मजैव विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	1	0
42	नेत्र विकृति विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	3	0

43	नेत्र भेषजगुण विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	5	0
44	नेत्र विज्ञान (डॉ. रा. प्र. केंद्र)	5	1
45	बाल चिकित्सा	9	0
46	बाल चिकित्सा (नैदानिक/जनसांख्यिकी)	0	2
47	बाल चिकित्सा (अनुवांशिकी/बुनियादी विज्ञान)	6	1
48	विकृति विज्ञान	7	0
49	भेषजगुण विज्ञान	18	0
50	शरीर क्रिया विज्ञान	36	0
51	मनोचिकित्सा (व्यसन मनोविज्ञान)	1	0
52	मनोचिकित्सा (नैदानिक मनोविज्ञान)	10	0
53	मनोचिकित्सा (व्यसन मनोविज्ञान)	3	0
54	मनोरोग (क्लिनिकल मनोरोग)	1	0
55	पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार	6	1
56	विकिरण अर्बुद विज्ञान (आईआरसीएच)	2	0
57	प्रजनन जैव विज्ञान	7	0
58	रेडियोथैरेपी	0	4
59	शल्य चिकित्सा	3	3
60	आघात शल्य चिकित्सा	0	1
61	प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी	7	0
62	स्टेम सैल	3	0
63	एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र (सी.आई.एम.आर.)	1	0
	कुल	**409**	**21**

पंजीकृत डी. एम. छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	डीएम	सामान्य	प्रायोजित
1	व्यसन मनोरोग (एनडीडीटीसी)	10	1
2	हृद् शल्य चिकित्सा गहन उपचार	0	0
3	हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	14	2
4	हृद् विज्ञान	22	3
5	नैदानिक रुधिर विज्ञान	11	3
6	नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3	1
7	गंभीर देखभाल चिकित्सा	21	2
8	अंतःस्त्राविकी	8	3
9	जठरांत्र रोग विज्ञान	14	4
10	रुधिर विकृति विज्ञान	8	3
11	संक्रामक रोग	14	2
12	चिकित्सा आनुवंशिकी	3	0
13	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	21	3
14	नवजात विज्ञान	9	3
15	वृक्क विज्ञान	7	5
16	तंत्रिका – संवेदनाहरण विज्ञान और गहन उपचार	17	2
17	तंत्रिका विज्ञान	31	3

18	न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान	4	1
19	ओंको – एनेस्थेसिया, डॉ. बीआरए आईआरसीएच	15	0
20	बाल हृद् विज्ञान	3	2
21	बाल वृक्क विज्ञान	3	3
22	बाल तंत्रिका विज्ञान	9	3
23	बाल पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार	3	3
24	पल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा विकार	12	3
25	प्रजनन चिकित्सा	2	0
26	चिकित्सीय औषधि	5	1
27	वस्कुलर रेडियोलॉजी	9	1
	कुल	**278**	**57**

पंजीकृत एम.सीएच छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	स्तन, अंतःस्रावी और सामान्य शल्य चिकित्सा	5	1
2	हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	26	1
3	जठरांत्र शल्य चिकित्सा	12	3
4	स्त्री रोग संबंधी अर्बुद विज्ञान	3	2
5	सिर–गर्दन शल्य चिकित्सा और अर्बुद विज्ञान	3	2
6	न्यूनतम उपयोग शल्य चिकित्सा और सामान्य शल्य चिकित्या	7	1
7	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	17	2
8	बाल शल्य चिकित्सा	5	3
9	प्लास्टिक और पुनर्रचनात्मक शल्य चिकित्सा	11	2
10	शल्यक अर्बुद विज्ञान	12	3
11	आघात शल्य चिकित्सा और गहन उपचार	12	1
12	मूत्र रोग विज्ञान	8	2
	कुल	**121**	**23**

पंजीकृत अध्येतावृत्ति छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	बेरिएट्रिक और चयपाचय शल्य चिकित्सा	1	0
2	गुर्दा प्रत्यारोपण शल्य चिकित्सा	0	0
3	बाल चिकित्सा हृद् संवेदनाहरण विज्ञान	1	0
4	मिर्गी शल्य चिकित्सा और कार्यात्मक तंत्रिका शल्य चिकित्सा	2	0
5	रीढ़ की हड्डी की शल्य चिकित्सा	1	0
6	स्कल बेस एंड सेरेब्रोवस्कुलर सर्जरी (एनएस)	2	0
7	बाल तंत्रिका शल्य चिकित्सा	0	0
8	स्कल बेस सर्जरी (ई.इन.टी.)	1	0
9	मूत्र रोग – अर्बुद विज्ञान	0	0
10	न्यूनतम आक्रामक मूत्र रोग विज्ञान (लैप्रोस्कोपिक और रोबोटिक्स)	2	0
11	जेनिटोयूरिनरी रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी (वयस्क)	0	0

12	जीआई विकिरण विज्ञान	2	1
13	वक्ष विकिरण विज्ञान	0	0
14	बाल चिकित्सा विकिरण विज्ञान	1	0
15	न्यूनतम आक्रामक स्त्री रोग संबंधी शल्य चिकित्सा	1	1
16	मूत्र – स्त्री रोग विज्ञान	1	0
17	रक्त और मज्जा प्रत्यारोपण	0	0
18	आघात	1	0
19	क्लेफ्ट और क्रैनियोफेशियल ऑर्थोडोंटिक्स	1	0
20	तंत्रिका गहन उपचार	2	0
21	महा धमनी शल्य चिकित्सा	2	0
22	मातृ भ्रूण चिकित्सा (एमएफएम), प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग	1	1
23	नैदानिक अनुसंधान विधि और साक्ष्य आधारित चिकित्सा	4	0
	कुल	**26**	**3**

पंजीकृत एमसीएच (6 वर्षीय पाठ्यक्रम) का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	21	0
2	बाल शल्य चिकित्सा	10	0
	कुल	**31**	**0**

पंजीकृत डी. एम. (6 वर्षीय पाठ्यक्रम) का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	संक्रामक रोग	26	0
	कुल	**26**	**0**

पंजीकृत एम. डी./एम. एस./एम. डी. एस. छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	संवेदनाहरण विज्ञान	44	3
2	शरीर रचना विज्ञान	17	0
3	जैव रसायन	13	0
4	जैव भौतिकी	11	0
5	सामुदायिक चिकित्सा	23	2
6	त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	17	3
7	आपात चिकित्सा	22	2
8	न्याय चिकित्सा	08	0
9	अस्पताल प्रशासन (एमएचए)	08	4
10	प्रयोगशाला चिकित्सा	08	1
11	काय चिकित्सा	52	3
12	सूक्ष्म जैव विज्ञान	14	0
13	नाभिकीय चिकित्सा	13	3
14	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	39	3

15	नेत्र विज्ञान	105	1
16	बाल चिकित्सा	33	3
17	विकृति विज्ञान	27	2
18	भेषजगुण विज्ञान	13	1
19	भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	09	2
20	शरीर क्रिया विज्ञान	16	0
21	मनोचिकित्सा विज्ञान	30	3
22	विकिरण निदान	25	0
23	विकिरण चिकित्सा	09	2
24	जरा चिकित्सा	14	3
25	प्रशामक चिकित्सा	08	1
26	आधान (ट्रांसफ्यूजन) चिकित्सा	5	0
27	अस्थि रोग विज्ञान	18	4
28	कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ईएनटी)	19	3
29	शल्य चिकित्सा	53	3
30	कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक्स	9	1
31	ऑर्थोडोंटिक्स	9	3
32	प्रोस्थोडोंटिक्स	8	2
33	ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल शल्य चिकित्सा	8	3
34	पेडोडोंटिक्स और प्रीवेंटिव डेंटिस्ट्री	6	0
	कुल	**713**	**61**

पंजीकृत एम.एससी. छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	शरीर रचना विज्ञान	10	1(विदेशी नागरिक)
2	जैव रसायन	10	–
3	जैव भौतिकी	02	–
4	भेषजगुण विज्ञान	10	1 (विदेशी नागरिक)
5	शरीर क्रिया विज्ञान	09	–
6	परफ्यूजन प्रौद्योगिकी	12	–
7	जैव प्रौद्योगिकी	27	–
8	नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	18	–
9	प्रजनन जैव विज्ञान	8	–
	कुल	**106**	**2**

पंजीकृत एम.एससी. (नर्सिंग) छात्रों का विषय–वार वितरण :–

क्र.सं.	विषय	सामान्य	प्रायोजित
1	हृद् विज्ञान/सी. टी. वी. एस. नर्सिंग	6	1 (विदेशी नागरिक)
2	तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	6	–
3	बाल चिकित्सा नर्सिंग	7	–

4	मनोचिकित्सा नर्सिंग	5	–
5	अर्बुद विज्ञान नर्सिंग	6	1 (विदेशी नागरिक)
6	वृक्क विज्ञान नर्सिंग	5	–
7	गहन उपचार नर्सिंग	6	–
	कुल	**41**	**2**

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत तथा विदेश के विभिन्न संगठन के छात्रों और कर्मचारियों को अल्पावधिक, दीर्घावधिक एवं ऐच्छिक प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का प्रावधान है। वर्ष 2017–18 के दौरान 723 व्यक्तियों को निम्नानुसार प्रशिक्षण प्रदान किया गया :–

क्र.सं.	प्रशिक्षण	प्रशिक्षुओं की संख्या
1	अल्पावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	662
2	अल्पावधिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक	24
3	दीर्घावधिक प्रशिक्षण : भारतीय नागरिक	4
4	ऐच्छिक प्रशिक्षण : विदेशी नागरिक (स्नातक पूर्व छात्र)	31
5	वि. स्वा. सं. अध्येता : भारतीय नागरिक	2
6	वि. स्वा. सं. अध्येता : विदेशी नागरिक	0
	कुल	**723**

विभिन्न विभागों/संकाय सदस्यों को 217 सम्मेलन/कार्यशाला आयोजित करने के लिए अनुमति प्रदान की गई थी।

समिति की बैठकें

शैक्षिक अनुभाग द्वारा शैक्षिक समिति, स्टाफ काउंसिल, संकायाध्यक्ष समिति, संकाय तथा अनुसंधान प्रस्तुतीकरण की बैठकें निम्नलिखित विवरणानुसार आयोजित की गई :–

क्र.सं.	समिति	बैठकों की संख्या
1	शैक्षिक समिति	1
2	स्टाफ काउंसिल	1
3	संकायाध्यक्ष समिति	1
4	संकाय (सामान्य चर्चा)	8
5	अनुसंधान प्रस्तुतीकरण	8

दीक्षांत समारोह

संस्थान का 45वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 16 जनवरी 2018 को जवाहर लाल सभागार, अ. भा. आ. सं., नई दिल्ली में आयोजित किया गया। भारत के माननीय राष्ट्रपति, श्री राम नाथ कोविंद ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने विशिष्ट योग्य छात्रों को संस्थान पदक/पुरस्कार प्रदान किए तथा दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। अध्यक्ष, अ. भा. आ. सं. एवं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार, श्री जे. पी. नड्डा द्वारा उपाधियां प्रदान की गई।

4. ijh{kk vuHkkx

संकायाध्यक्ष (परीक्षा)
एस.दत्ता गुप्ता

सह–संकायाध्यक्ष (परीक्षा)
अशोक कुमार जरयाल

सहायक परीक्षा नियंत्रक
ओ.पी. शर्मा

लेखा अधिकारी
डी.के.गुप्ता

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, परीक्षा अनुभाग द्वारा नीचे दी गई व्यावसायिक एवं प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की गई।

स्नातकोत्तर एवं स्नातक–पूर्व व्यावसायिक परीक्षाएं

क्र.सं.	माह और वर्ष	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
			उपस्थित	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
1	**मई, 2017**	डी.एम	24	–	23	1
2	–तदैव–	एम.सी.एच.	18	–	18	–
3	–तदैव–	एम.डी.	120	1	116	3
4	–तदैव–	एम.एस.	20	–	17	3
5	–तदैव–	एम.डी.एस.	8	–	8	–
6	–तदैव–	अस्पताल प्रशासन में मास्टर डिग्री	2	–	2	–
7	–तदैव–	फैलोशिप कार्यक्रम	1	–	1	–
8	–तदैव–	एम.एस.सी.पाठ्यक्रम	35	–	34	1
9	–तदैव–	एम.जैव प्रौद्योगिकी	10	–	10	–
10	–तदैव–	एम.एस.सी.(नर्सिंग) चरण– I	22	–	22	–
11	–तदैव–	एम.एस.सी.(नर्सिंग) चरण– II	22	–	22	–
12	–तदैव–	द्वितीय एम.बी.बी.एस. (पूरक)	11	1	8	1 आई.आर.डब्ल्यू.एच.
13	–तदैव–	फाइनल एम.बी.बी.एस. (पूरक)	7	1	3	2 1 आर.डब्ल्यू.एच.
14	–तदैव–	बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) चरण– I	27	1	23	3
15	–तदैव–	बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) चरण– II	20	–	20	–

16	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण– I	72	–	61	3 8 एन.ई.
17	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण– II	78	–	77	1
18	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण– III	70	–	70	–
19	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण–IV	71	–	67	4 एन.ई.
20	**जुलाई, 2017**	प्रथम व्यावसायिक एम.बी.बी.एस.	78	–	67	11
21	–तदैव–	ऑप्टोमीट्री में स्नातक चरण– I	17	–	8	9
22	–तदैव–	ऑप्टोमीट्री में स्नातक चरण– II	17	–	9	8
23	–तदैव–	ऑप्टोमीट्री में स्नातक चरण– III	13	–	10	3
24	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक चरण– I	10	–	8	2
25	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक चरण– II	9	–	8	1
26	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक चरण– III	9	–	9	–
27	**अगस्त, 2017**	प्रथम एम.बी.बी.एस. व्यावसायिक (पूरक)	7	–	2	5 एन.ई.
28	**नवंबर, 2017**	बी.एस.सी. (आनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण– I (पूरक)	7	–	5	2
29	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण– II (पूरक)	9	–	7	2
30	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक चरण– III (पूरक)	3	–	3	–
31	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक चरण– I (पूरक)	2	–	1	1
32	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा तकनीक चरण– II (पूरक)	1	–	1	–
33	**दिसम्बर, 2017**	द्वितीय एम.बी.बी.एस	75	–	66	3 6 एन.ई.
34	–तदैव–	फाइनल एम.बी.बी.एस.	74	6	65	3
35	–तदैव–	बी.एस.सी. (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग चरण– I (पूरक)	3	–	3	–
36	–तदैव–	बी.एस.सी. (पोस्ट बेसिक) नर्सिंग चरण– II (पूरक)	2	–	2	–
37	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण– I (पूरक)	3	–	3	–
38	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण– II (पूरक)	1	–	1	–
39	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण– III (पूरक)	14	–	14	–

40	–तदैव–	बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग चरण– IV (पूरक)	5	–	5	–
41	–तदैव–	डी.एम.	33	–	32	1
42	–तदैव–	एम.सी.एच.	17	–	15	2
43	–तदैव–	एम.डी.	81	1	79	1
44	–तदैव–	एम.एस.	15	–	15	–
45	–तदैव–	एम.डी.एस.	8	–	8	–
46	–तदैव–	अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर	1	–	1	–
47	–तदैव–	फेलोशिप कार्यक्रम	12	–	12	–
48	–तदैव–	एम.एस.सी. पाठ्यक्रम	1	–	1	–
49	–तदैव–	एम.एस.सी. (नर्सिंग) चरण– I	1	–	–	1
50	–तदैव–	एम.एस.सी. (नर्सिंग) चरण– II	–	–	–	–
51	**जनवरी, 2018**	एम.बी.बी.एस. अंतिम वर्ष (कम्पार्टमेंटल परीक्षा)	1	–	1	–
		कुल	**1167**	**9**	**1062**	**68+28**

स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	परीक्षा की तिथि	आवेदकों की संख्या	उपस्थित आवेदकों की संख्या
1.	एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. (एम्स), जुलाई सत्र 2017	7.5.2017	27791	22275
2.	डी.एम./एम.सी.एच./एम.डी. (अस्पताल प्रशासन)जुलाई 2017 सत्र	8.4.2017	3326	2667
3.	फेलोशिप कार्यक्रम जुलाई 2017 सत्र	15.4.2017	78	34
4.	एम.बी.बी.एस. (एम्स) अगस्त सत्र 2017	28.5.2017	364242	284737
5.	ऑनलाइन बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग 2017	18.6.2017	10021	6495
6.	ऑनलाइन बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट–बेसिक) 2017	10.6.2017 (संध्याकालीन)	472	301
7.	ऑनलाइन बी.एस.सी. (आनर्स) पैरा मेडिकल पाठ्यक्रम, 2017	10.6.2017(प्रातःकालीन)	2797	1342
8.	ऑनलाइन एम.एस.सी. पाठ्यक्रम 2017	24.6.2017 (संध्याकालीन)	945	573
9.	ऑनलाइन एम.एस.सी. नर्सिंग 2017	24.6.2017 (प्रातःकालीन)	2962	1925
10.	ऑनलाइन एम.जैव प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 2017	15.7.2017	641	268
11	सीनियर रेजीडेंट्स भर्ती परीक्षा 2017 सत्र	4.6.2017	1536	1140
12.	पीएच–डी., जुलाई सत्र 2017	8.9.2017	317	228
13.	सीनियर रेजीडेंटस भर्ती परीक्षा जनवरी 2018 सत्र	25.11.2017	1086	773

14.	एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस.(एम्स) जनवरी 2018 सत्र	12.11.2017	52263	44967
15.	डी.एम./एम.सी.एच./एम.डी. (अस्पताल प्रशासन), जनवरी, 2018 सत्र	5.11.2017	2926	2164
16.	पीएच–डी. 2018 सत्र	10.2.2018	305	235
17.	फेलोशिप कार्यक्रम जनवरी 2018 सत्र	18.11.2017	84	48
		कुल	**471792**	**370172**

पीएच–डी की मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी : 60 (साठ)

भर्ती के लिए परीक्षाएं

क्र.सं.	परीक्षा का नाम	ऑनलाइन सी.बी.टी. परीक्षा	आवेदकों की संख्या	उपस्थित आवेदकों की संख्या
1.	वैयक्तिक सहायक (विभागीय)	6.8.2017	44	44
2.	निजी सचिव (विभागीय)	6.8.2017	11	05
3.	आशुलिपिक (विभागीय)	6.8.2017	14	09
4.	चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड– II	19.8.2017	243	69
5.	कार्यशाला (पुनर्वास एवं कृत्रिम अंग [आर. एवं ए.एल.])	19.8.2017	21	08
6.	फार्मासिस्ट ग्रेड– II	26.8.2017	4037	1004
7.	सहायक सुरक्षा अधिकारी	3.9.2017	403	146
8.	नर्सिंग अधिकारी	11.9.2017	32187	18954
9.	कार्यशाला (आर. एवं ए.एल.) तकनीशीयन ग्रेड– II (लैदर वर्कर)	16.9.2017	15	02
10.	चिकित्सा रिकॉर्ड तकनीशीयन (विभागीय)	16.9.2017	289	255
11.	प्रोग्रामर	23.9.2017	960	127
12.	सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्स	23.9.2017	1501	174
13.	सुरक्षा व अग्नि गार्ड (ऑनलाइन सी.बी.टी. परीक्षा) (चरण– I)	7.10.2017	4865	1468
14.	शारीरिक मानक परीक्षण (चरण– II)	6.11.2017	151	145
15.	शारीरिक कार्यक्षमता परीक्षण (चरण– III)	27.11.2017–28.11.2017	138	126
16.	पुस्तकालय परिचर ग्रेड– II	16.12.2017	19	07
17.	स्टोर कीपर (सामान्य)	16.12.2017	189	87
18.	ड्राफ्टसमैन ग्रेड– III	16.12.2017	122	62
19.	अवर श्रेणी लिपिक (कौशल परीक्षण)	21.1.2018	34	26
	कुल		45243	22718

*** कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सी.बी.टी.)**

आयोजित प्रवेश परीक्षाएं

1. क्रमशः जुलाई, 2017 के लिए 7 मई, 2017 को 54 केन्द्रों (दिल्ली 7, दूरवर्ती 47) तथा जनवरी 2018 सत्र के लिए 12 नवंबर 2016 को 116 केन्द्रों (दिल्ली 6, दूरवर्ती 110) में एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों में भर्ती हेतु एम्स स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा का संचालन किया गया। इनके परिणाम क्रमशः 13 मई 2017 तथा 18 नवंबर 2017 को घोषित किए गए।

2. विभिन्न पोस्ट डॉक्टरल (सुपर–स्पेशिलिटी) पाठ्यक्रम अर्थात डी.एम./एम.सी.एच./अध्येतावृति/एम.डी. (अस्पताल प्रशासन) के लिए क्रमशः 8 और 26 अप्रैल 2017 तथा 5 एवं 22 नवंबर 2017 के बीच दो चरण निष्पादन मूल्यांकन के आधार पर जुलाई 2017 तथा जनवरी 2018 सत्र के लिए चयन किया गया।
3. जुलाई 2017 सत्र के लिए और जनवरी 2018 सत्र के लिए क्रमशः 4 जून 2017 एवं 25 नवंबर 2017 को संस्थान ने वरिष्ठ रेजीडेंट/वरिष्ठ डिमॉन्स्ट्रेटर हेतु ऑनलाइन परीक्षा भी आयोजित की।
4. जुलाई 2017 एवं जनवरी 2018 सत्र के लिए क्रमश 8 से 22 सितंबर 2017 तथा 10 से 23 फरवरी 2018 के दौरान 2 चरण निष्पादन मूल्यांकन के आधार पर पी.एच.डी. कार्यक्रमे के पंजीकरण हेतु उम्मीदवारों का चयन किया गया।
5. अगस्त 2017 सत्र के लिए एम्स सहित 6 नए एम्स जैसे संस्थानों के एम.बी.बी.एस पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा हेतु 28 मई 2017 को भारत के 169 शहरों के 537 केन्द्रों (13 स्थानीय और 524 दूरवर्ती) में परीक्षा का आयोजन किया गया।
6. बी.एस.सी. (आनर्स) नर्सिंग हेतु प्रवेश परीक्षा 18 जून 2017 को दिल्ली तथा 6 एम्स (भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर और ऋषिकेश) में सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा आयोजित की गई।
7. एम.एस.सी. पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा 24 जून 2017 को तथा अगस्त 2017 सत्र के लिए एम.जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा 15 जुलाई 2017 को दिल्ली मे ऑनलाइन पद्धति द्वारा आयोजित की गई।
8. एम.एस.सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा 24 जून 2017 को केवल दिल्ली में किया गया। प्रवेश मेरिट के आधार पर सीटों के आबंटन से 1 अगस्त 2017 को काउंसलिंग द्वारा किया गया।
9. बी.एस.सी. नर्सिंग (पोस्ट बेसिक) की प्रवेश परीक्षा का आयोजन सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा 10 जून 2017 को दिल्ली में किया गया तत्पश्चात 23 जून 2017 को उम्मीदवारों का व्यैक्तिक आकलन किया गया।
10. पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों जैसे कि बैचलर ऑफ ऑप्टोमीट्री में बी.एस.सी. (ऑनर्स) तथा रेडियोग्राफी में बी.एस.सी. (ऑनर्स) चिकित्सा प्रौद्योगिकी के अगस्त 2017 सत्र के लिए प्रवेश परीक्षा सी.बी.टी. ऑनलाइन पद्धति द्वारा 10 जून 2017 को दिल्ली में आयोजित की गई। इन दो पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 1 जुलाई 2017 एवं 11 जुलाई 2017 को काउंसलिंग तथा 19 सितंबर 2017 को ओपन काउंसलिंग द्वारा मेरिट के आधार पर सीटों का आबंटन किया गया।
11. फैलोशिप कार्यक्रम के जुलाई 2017 सत्र और जनवरी 2018 सत्र हेतु प्रवेश परीक्षा क्रमशः 15 अप्रैल 2017 और 18 नवंबर 2017 को दिल्ली में आयोजित की गई।

अन्य गतिविधियों में सहभागिता

1. परीक्षा अनुभाग एम्स स्नातकोत्तर, एम.बी.बी.एस.,बी.एस.सी.(ऑनर्स) परा–चिकित्सा, एम.एस.सी.(नर्सिंग)पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु काउंसलिंग तथा बी.एस.सी.(नर्सिंग) पोस्ट प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु वैयक्तिक मूल्यांकन में सक्रिय रूप से भाग लेता है।
2. परीक्षा अनुभाग द्वारा भारत मे विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों को उनकी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान की जाती हैं।

महत्वपूर्ण गतिविधियां

परीक्षा अनुभाग एम्स में प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं के आयोजन में अहम–भूमिका निभाता है। यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के दिशा निर्देशों के अनुसार एम्स, नई दिल्ली के साथ–साथ भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर और ऋषिकेष में स्थित अन्य 6 एम्स के विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में छात्रों के प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। कभी–कभी मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार, अन्य परीक्षाओं के अतिरिक्त मंत्रालय और अन्य 6 एम्स की जरूरतों को पूरा करने हेतु कुछ भर्ती परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं।

इन परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और कुशल तरीके से आयोजित करने के लिए, परीक्षा अनुभाग ने 2015 से अपनी परीक्षा प्रणाली की प्रक्रियाओं में सुधार किया है। तब से सभी प्रवेश या भर्ती परीक्षाएं केवल ऑनलाइन (सी.बी.टी.) मोड के माध्यम से आयोजित की जा रही हैं। 2017–18 में, परीक्षा अनुभाग ने एक वर्ष में सबसे बड़ी संख्या में भर्ती परीक्षाएं आयोजित करने का रिकॅार्ड बनाया है। इस वर्ष 17 प्रवेश परीक्षाओं के अलावा 19 से अधिक भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई थी।

परीक्षा अनुभाग के कार्य के परिणाम को इस बात से समझा जा सकता है कि पूरे भारत में 167 शहरों, 537 केन्द्रों में एम.बी.बी.एस. प्रवेश परीक्षा 2017 ऑनलाइन (सी.बी.टी.) पद्धति के माध्यम से दो शिफ्टों में 364242 अभ्यर्थीयों के लिए आयोजित की गई थी। यह भारत में चिकित्सा शिक्षा में सबसे बड़ी ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा है जिसे एक दिन में आयोजित किया गया।

वर्ष के दौरान, परीक्षा अनुभाग ने परीक्षा आयोजित करने में सुधार के साथ–साथ अनुभाग के संचालन में भी सुधार किए हैं। विवरण निम्न प्रकार से हैं:

- परदर्शिता, सतर्कता और निष्पक्षता के संदर्भ में परीक्षाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए, परीक्षा अनुभाग ने इस वर्ष से प्रवेश और भर्ती परीक्षाओं में सी.सी.टी.वी. को लगाना अनिवार्य कर दिया है।
- अधिक आत्मनिर्भर बनने के लिए, परीक्षा अनुभाग ने अनुभाग के भीतर व्यावसायिक और अन्य प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए दोनों परीक्षा कक्षों में 240 डेस्कटॉप स्थापित किए हैं।
- संचालन में सुधार के लिए परीक्षा अनुभाग ने अनुभाग में आगंतुक प्रबंधन प्रणाली तथा अभिगम नियंत्रण प्रणाली स्थापित की।
- परीक्षा अनुभाग को परीक्षा ड्यूटी पर समूह बी और सी कर्मचारियों की हवाई यात्रा (एयर इंडिया) करने के लिए अनुमोदन प्राप्त हुआ। यह सुविधा परीक्षा आयोजित करते समय अस्पताल सेवाओं में होने वाले व्यवधान को कम करने में उपयोगी रही है। इस सुविधा का लाभ उठाने के पश्चात देश भर में तैनात किए गए बी और सी समूह के कर्मचारी गतंव्य तक हवाई यात्रा करके परीक्षा होने के बाद उसी दिन अथवा अगले दिन वापस आ जाते है। इससे पहले ट्रेन द्वारा लंबी दूरी की यात्रा के कारण कर्मचारियों को लंबे समय तक बाहर रहना पड़ता था। अतः अस्पताल सेवाओं को लाभ के साथ–साथ मनुष्य का महत्वपूर्ण समय भी बचाया जा रहा है।
- ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान भुगतान प्रणाली में सुधार के लिए एस.बी.आई. के अलावा च्ंलहवअण पेमेंट गेटवे भी प्रारंभ किया गया है। अब, उम्मीदवारों को उनके भुगतान संबंधी कोई समस्या नहीं है।
- परीक्षा अनुभाग ने प्रायोगिक/मौखिक आदि परीक्षाएं आयोजित करने के लिए पूरे देश से आने वाले बाहरी परीक्षकों के लिए होटल और एयर इंडिया के टिकट सुविधाओं की बुकिंग शुरू की है। इस प्रक्रिया ने परीक्षकों, विभागों और अन्य हित धारकों की सहायता की है क्योंकि इस प्रक्रिया में उन्हें अपनी जेब से पैसों का कोई भुगतान नहीं करना पडता और अनुबंध के अनुसार सारी प्रक्रिया परीक्षा अनुभाग द्वारा उनके सेवा प्रदाता के माध्यम से क्रेडिट आधार पर पूरी की जाती है। इस प्रक्रिया में प्रायोगिक/मौखिक परीक्षाओं के पूर्ण होने के तुरंत बाद परीक्षकों के टी.ए./डी.ए. बिल के लिए चैक जारी करने की एक अच्छी पहल भी की गई है!
- परीक्षा अनुभाग केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.) द्वारा फायर व सुरक्षा गार्ड पदो ंके लिए शारीरिक कार्य क्षमता परीक्षा (पी.ई.टी.) आयोजित कराने के लिए आधारभूत संरचना के सहयोग एवं सहायता प्रदान करने के लिए उनका आभारी है। पी.ई.टी. कराने के लिए आधारभूत संरचना के अभाव में उक्त पदों को कई वर्षों तक नहीं भरा जा सका था।
- परीक्षा अनुभाग ने नवंबर 2017 में स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा के लिए पहली बार ऑनलाइन सीट आबंटन की प्रक्रिया प्रारंभ की है। यह एम्स, नई दिल्ली और अन्य एम्स– भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, रायपुर एवं ऋषिकेष में चिकित्सा और दंत विशिष्टताओं में पी.जी. पाठ्यक्रमों के लिए ओपनराउंड के सिवाय सभी राउंड से आयोजित किए गए। अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए दिल्ली नहीं आना पड़ता और चयनित अभ्यर्थी अब सीधे संबंधित एम्स में जॉइन कर सकते हैं।

5- lkekU; iz'kklu

mi&funs'kd ¼iz'kklu½

डॉ. के राजेश्वर राव (20 अप्रैल 2017 तक) आर. के. सुधांशु (20 अप्रैल 2017 से 28 फरवरी 2018)

शुभाशीष पांडा (9 मार्च 2018 से)

mi&lfpo

डॉ. एम. बाजपेयी

वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

डॉ. मनीष सिंघल (7 मई 2017 तक) डॉ. संजय कुमार आर्य (8 मई 2017 से)

अधीक्षण अभियंता

मंजुल रस्तोगी

मुख्य प्रापण अधिकारी

अनिल भाटिया (19 अक्टूबर 2017 तक)

मुख्य सुरक्षा अधिकारी

सत्येंद्र कुमार (16 जनवरी 2018 से)

उप–मुख्य सुरक्षा अधिकारी

आर.एस. रावत

कार्यकारी अभियंता

विद्या भूषण
विनोद कुमार शर्मा
दीपक कुमार भुटाले
जोगिंदर मल्होत्रा
प्रदीप कुमार (1 दिसंबर 2017 से)
एस. के. राव (1 फरवरी 2018 से)

वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

अजय कुमार
देव नाथ साह

प्रशासन अधिकारी

बिनोद कुमार सिंह
नरेंद्र कुमार
रेनू भारद्वाज
पल्लव कुमार चित्तेज
ललित उराँव
चक्रवर्ती ई.वी.एस.
सतीश कुमार सिंह
भूपेंद्र सिंह गिल (16 जून 2017 से)
राज कुमार (16 जून 2017 से)
राजेंद्रन पिल्लई जी. (22 जून 2017 से)
अनिता टेटे (4 अगस्त 2017 से)
निखिल भटनागर (1 जनवरी 2018 से)

सहायक प्रशासन अधिकारी

सुंदर लाल चमोली — ईलियास पी.आई. — भूप सिंह (29 दिसंबर 2017 से)

नरेंद्र कुमार गुप्ता — शशिधरन नायर के. जी. — मोहनन पी.एस. (सभी 29 दिसंबर 2017 से)

वरिष्ठ भंडार अधिकारी

प्रदीप कुमार गुप्ता

भंडार अधिकारी

राकेश कुमार शर्मा — नरेंद्र कुमार

भवानी राम — अरविंद कुमार शर्मा

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरी सेवा विभाग से संबंधित मामले, भंडार, सतर्कता एवं जनसंपर्क क्रियाकलापों सहित सामान्य प्रशासन का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण उप–निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों की देखभाल करने के लिए विभिन्न शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों की सहायता से किया जाता है।

स्थापना अनुभाग और सामान्य प्रशासन की जिम्मेदारियों में नियुक्तियां, सांविधिक समितियों की बैठकों की व्यवस्था, संपदा एवं सम्पत्ति प्रबंधन, उपकरण सामग्री एवं उपभोज्यों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों के कल्याण आदि कार्य शामिल हैं।

सभी केन्द्रों/मुख्य अस्पताल/नि.का. के स्टाफ सहित संस्थान की कुल स्वीकृत स्टाफ संख्या 11,767 है। समूहवार स्वीकृत स्टाफ संख्या और स्टाफ की वर्तमान स्थिति नीचे दी गई है :–

क्र. सं.	श्रेणी/समूह	स्वीकृत पद	वर्तमान पद
1	संकाय	993	689
2	'क'	624	406
3	'ख'	6177	5171
4	'ग'	4845	4193
	कुल	**12,639**	**10,459**

एम्स, नई दिल्ली में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की संरचना

संपर्क अधिकारी

डॉ. राजपाल

आचार्य, नेत्र रोगविज्ञान, डॉ. रा. प्र. कें., एम्स

प्रशासन अधिकारी

अनिता टेटे

प्रवर श्रेणी लिपिक

अनिल कुमार तेजवानी

वर्ष 2016–17 के दौरान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, एम्स में अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों से विभिन्न अभ्यावेदन प्राप्त हुए, जो कि निम्नानुसार थे :

प्राप्त अभ्यावेदनों की कुल संख्या	**3**
समाधान किए गए/निपटाए गए मामलों की कुल संख्या	**1**
विचाराधीन मामलों की कुल संख्या	**2**

मामलों का संक्षिप्त विवरण :

1. श्री घनश्याम डागर की ओर से सामाजिक अपमान और मानसिक उत्पीड़न के खिलाफ शिकायत के मामले का निपटान कर दिया गया है
2. श्री मुकेश कुमार, प्रयोगशाला तकनीशियन, जेनेटिक विभाग द्वारा सुश्री रश्मि शुक्ला के खिलाफ जाति सूचक शब्दों द्वारा अपमान, मानसिक उत्पीड़न और भेदभाव के संबंध में अभ्यावेदन।
3. श्री लाल चंद, सैनिटरी अटैन्डेंट, छात्रावास द्वारा श्रीमती सुनील, छात्रावास वार्डन के खिलाफ उत्पीड़न और असंसदीय भाषा के उपयोग के संबंध में अभ्यावेदन।

6- e|[; vLirky

fpfdRlk v/kh{kd

डी. के. शर्मा

vLirky iz'kklu foHkkx

vkpk;l ,o v/;{k

सिद्धार्थ सतपथी

vkpk;l

आई. बी. सिंह

संजय कुमार आर्य

Lkg&vkpk;l

निरुपम मदान

अमित लठवाल

अनूप डागा

महेश आर.

lgk;d vkpk;l

एंजेल राजन सिंह

परमेश्वर कुमार

विजयदीप सिद्धार्थ

कनिका जैन

अब्दुल हकीम

i|jd fcLrj

fcLrj dh J.kh	e|[; vLirky	gn o{k ,o rf=dk foKku dn ¼lh,ulh½	nr f'k{kk ,o vu|l/kku dn
सामान्य वार्ड	836	317	17
सघन देखभाल एकक	92	74	0
अवलोकन	69	9	0
निजी वार्ड	165	64	0
d|y	1162	464	17

vLirky dk;l fu"iknu dk fooj.k

पैरामीटर	मुख्य अस्पताल		ह. तं. कें.		सीडीईआर	निष्कर्ष
	2017–2018	2016–2017	2017–2018	2016–2017	2017–2018	
अस्पताल में ठहरने की औसतन अवधि (दिनों में)	9.3	9.8	9.8	9.6	5.5	नियमित रूप से दाखिले हेतु बिस्तरों का प्रभावी उपयोग।
औसत बिस्तर अधिभोग दर (प्रतिशत)	86.4	86.9	87.9	91.5	71.9	उचित अधिभोग दर्शाता है।

शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत)	1.8	1.7	2.8	3.1	0.02	अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार रोगियों की अधिक संख्या में भर्ती के बावजूद निम्न मृत्यु–दर को दर्शाते हैं।
संयुक्त अशोधित संक्रमण दर (प्रतिशत)	6.0 प्रतिशत	6.9 प्रतिशत	–	–	–	

6-1 fpfdRlk vfHkys[k foHkkx

मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (कार्यकारी) और उप – पंजीयक, जन्म एवं मृत्यु

पैटी एस. लिंगदोह

शिक्षा

1. नर्सिंग महाविद्यालय, अ. भा. आ. सं. के 25 बी.एससी. (पीबी) नर्सिंग प्रथम वर्ष के छात्रों के एक समूह ने चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल में कार्य आरंभ किया और 4 अगस्त 2017 को मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (कार्यकारी)/ कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा एम्स में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।
2. श्री अशोक कुमार, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी को 22 मई 2017 को कार्यशाला सह सीएमई कार्यक्रम में जेपीएन एपेक्स ट्रामा सेंटर में अस्पताल सांख्यिकी के विषय पर एक व्याख्यान / प्रस्तुति देने के लिए नामित किया गया था।
3. डॉ. एस एस गुप्ता, चिकित्सा अधीक्षक, पटना एम्स और डॉ. विजय ताडिया, सीनियर रेजीडेंट अस्पताल प्रशासन, एम्स ने मेडिकल अभिलेख विभाग और राज कुमारी अमृत कौर ओपीडी का दौरा किया और मेडिकल रिकॉर्ड्स के कार्यों के बारे में जानकारी ली और 4 सितंबर 2017 को अस्पताल में उचित एमआरडी शुरू करने के लिए चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन के बारे में एक संक्षिप्त चर्चा की गई। उन्होंने स्कैनिंग रूम का भी दौरा किया और डिजिटलकृत अभिलेख के भविष्य के पहलू के बारे में एक विस्तृत चर्चा की गई।

प्रशिक्षण

1. श्री संदीप एम सिंह, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी, मुख्य अस्पताल को वर्ष के दौरान सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में सीबीएचआई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एक वर्ष के लिए चिकित्सा अभिलेख अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नामित किया गया है।

न्यायालय में उपस्थिति

1. दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर विभिन्न न्यायालयों से चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) से **611** की कुल सम्मन/नोटिस प्राप्त हुए। संबंधित चिकित्सकों / परामर्शदाताओं (मामले के अनुसार) तथा चिकित्सा अभिलेख विभाग के कर्मचारी के विवादों को सुलझाने/निपटाने के लिए एम्स अस्पताल की ओर से न्यायालय में उपस्थित होने के लिए तैनात किया गया था।

चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में सहायता

1. संबंधित परामर्शदाताओं द्वारा अधिकृत रेजीडेंटों के लिए लगभग 6600 चिकित्सा के प्रकरण अभिलेख (प्रकरण पत्रक) अनुसंधान, शिक्षा और अन्य शासकीय प्रयोजनों के लिए पुनर्प्राप्त और जारी किए गए थे।

चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण और डिजिटलीकरण

1. केंद्रीय प्रवेश कार्यालय तथा मुख्य अस्पताल के अस्पताल पूछताछ अनुभाग को चिकित्सा अभिलेख अनुभाग सहित मुख्य अस्पताल तथा सी.एन. केन्द्र के वॉर्ड क्षेत्रों का कंप्यूटरीकरण किया गया है और इन्हें एनआईसी के सॉफ्टवेयर से आपस में जोड़ा गया है।

2. अंतः रोगी चिकित्सा अभिलेख का डिजिटलीकरण अभिलेखों का आसान पुनर्प्राप्ति के लिए 2014 से शुरू किया गया। इस तरह के मामले के अभिलेखों से अधिक 1.20 लाख इमेजों को भावी संदर्भ के लिए स्कैन किया गया।

अंतः रोगी सेवाएं

- एम्स के मुख्य अस्पताल, सी.डी.ई.आर. सी. एन केंद्रों की एक दृष्टि में वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन तालिका 1 में दिया गया है।
- एम्स अस्पताल देश भर से तथा विदेश से आने वाले रोगियों की बढ़ती जनसंख्या के बावजूद रोगी उपचार सेवा तथा गुणवत्ता की परम्परा को बनाए हुए है। मुख्य अस्पताल, सी.टी. और सी.एन. केन्द्र तथा सी.डी.ई.आर. की विभिन्न नैदानिक इकाइयों में वित्तीय वर्ष के दौरान 1,38,398 रोगियों की कुल संख्या को भर्ती किया गया। रोगी भार का विवरण तालिका 2 और चित्र 1 और 2 में दिया गया है। विभागों में हुई मृत्यु के विवरण और इसके सूचकांक तालिका 3 में दिए गए हैं।
- मुख्य अस्पताल, सी.टी. और एन.एस. केंद्र तथा केन्द्रीय दंत एवं शिक्षा अनुसंधान केन्द्र (सीडीईआर तालिका 4) के विभिन्न शल्य चिकित्सा विषयों में वर्ष के दौरान कुल 1,26,812 शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया था।

- शिक्षा, अनुसंधान/थीसिस, प्रस्तुतीकरण, बीमा उद्देश्य, न्यायालय मामले आदि के उद्देश्य के लिए अंतरंग रोगियों के चिकित्सा अभिलेखों को आसानी से खोजने के लिए व्यवस्थित वर्गीकृत एवं श्रेणीबद्ध किया जाता है। इन अभिलेखों को उनके मामले अभिलेख संख्या के अनुसार कम्पेक्टर्स में रखा जाता है। मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा सी. टी. और एन. एस. केंद्र तथा सी.डी.ई.आर. के सभी अंतः रोगियों के अभिलेख का रखरखाव भी किया जाता है।
- उपर्युक्त गतिविधियों के अलावा, निम्नलिखित विभागों ने ओपीडी में अपने विशेष क्लीनिकों को जारी किया है और इस वर्ष के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की देखभाल के लिए आंतरिक रोगी प्रवेश में प्रवेश किया है।

क्र. सं.	क्लिनिक का नाम	स्थान
1.	मोटापा और चयापचय विकार क्लिनिक, चिकित्सा विभाग	चिकित्सा ओपीडी
2.	न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेन्शनल न्यूरोडायोलॉजी विभाग	कमरा नं. 18 सीएनसी ओपीडी
3.	फोटोडर्मेटोलॉजी, फोटोथेरैपी और बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान, त्वचाविज्ञान और रतिज रोग विज्ञान विभाग	कमरा नं. 1143

1. स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा प्रदान करने के लिए आंतरिक रोगी दाखिल करने के लिए निम्नलिखित विभागों / केंद्रों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाई गई :

क्र. सं.	केन्द्र / विभाग	बेड की संख्या	स्थान	तिथि कमिशन की गई
1.	सी. एन केन्द्र	42 (सामान्य)	सी. एन केन्द्र	21 अक्तूबर 2017 (नवीकरण के बाद)
2.	प्लास्टिक पुनर्रचनात्मक और बर्न सर्जरी	1 (सामान्य)	सी–7 वॉर्ड	1 मार्च 2018
3.	ऑर्थोपेडिक्स	6 (सामान्य)	एबी–1 वॉर्ड	20 मार्च 2018

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ

- यह एम्स के केन्द्रीय प्रवेश कार्यालय एवं पूछताछ (सीएओ एण्ड ई) रुकावट के बिना 365 दिनों के लिए चौबीसों घंटे काम करता है।
- इस कार्यालय द्वारा मुख्य अस्पताल, सी. टी. और एन. एस. केंद्र एवं सी. डी. ई. आर. के अंतरंग क्षेत्रों की सभी भर्तियां निष्पादित की जाती हैं। यह संस्थान के केंद्र की तरह कार्य करता है और रोगी पंजीकरण, भर्ती पर्ची (फेस शीट) का सृजन और परिचर पास जारी करना, आदि जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का निष्पादन करता है।
- प्रशासन कार्यालय अनेक मंत्रालयों और एम्स के अन्य उच्च अधिकारियों को अति विशिष्ट व्यक्तियों / अत्यधिक महत्वपूर्ण व्यक्तियों के अस्पताल में भर्ती होने के बारे में भी जानकारी देता है।

- इसके अतिरिक्त, यह रोगियों और संस्थान के संबंध में शीघ्र और सटीक जानकारी प्रदान करने के लिए एक सामान्य पूछताछ के रूप में भी कार्य करता है। यहां पारियों में कार्य करने स्वागत अधिकारी, कनिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी और चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन, आदि कार्यरत हैं।

बाह्य रोगी विभाग और विशिष्टता क्लिनिक

1. कुल 20,88,171 रोगियों ने मुख्य अस्पताल, एम्स के विभिन्न सामान्य बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), विशिष्टता क्लिनिक और आपातकालीन विभाग में भाग लिया। बाह्य रोगी लोड प्रोफाइल का विवरण तालिका 5 में दिया गया है।

चिकित्सा अभिलेख : सुधार और सफाई

1. चिकित्सा अभिलेख अनुभाग में पिछले वर्ष के दौरान नए प्राइवेट वार्ड के प्रथम तल से पोर्टा केबिन के प्रथम तल, डी1 वार्ड के पास तक अभिलेखों के स्थानांतरण के साथ मुख्य स्थानिक पुनरीक्षण किया गया है। बेसमेंट को साफ और आंशिक रूप से खाली किया गया है। इन सेवाओं की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की प्रमुख ***कायाकल्प*** योजना के तहत सराहना की गई है। कॉम्पैक्टर्स में सभी अभिलेखों को सूचीबद्ध किया गया है और ऑन–साइट को संग्रहीत किया गया है। काया–कल्प प्रतिनिधि की टीम चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल का दौरा किया और चिकित्सा अभिलेख की कार्य, रखरखाव और विनाश नीति के तरीके से पूरी तरह संतुष्ट है। चिकित्सा अभिलेख विभाग में उनके भ्रमण के दौरान निम्नलिखित तस्वीरें ली गईं :

अन्य गतिविधियां :

क्र. सं.	गतिविधि का नाम	संख्या
1.	वर्ष के दौरान अंतरंग रोगियों के अभिलेखों में किए गए संशोधन	750
2.	वर्ष के दौरान जन्म के अभिलेखों में किए गए संशोधन	343
3.	वर्ष के दौरान मृत्यु के अभिलेखों में किए गए संशोधन	421
4.	मुख्य अस्पताल में जे. एस. एस. के. योजना के तहत भर्ती आश्रित रोगियों और रोगियों के लिए छूट और अन्य शुल्कों को छूट दी गई	20,956
5.	सी. एन. केंद्र में जे. एस. एस. के. योजना के तहत भर्ती आश्रित रोगियों और रोगियों के लिए छूट और अन्य शुल्कों को छूट दी गई	963

वर्ष 2017–2018 (वार्षिक रिपोर्ट) के लिए सांख्यिकीय आंकड़े मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (कार्यकारी) के पर्यवेक्षण के तहत श्री राजबीर सिंह, चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन द्वारा तैयार / संकलित किए गए हैं।

तालिका 1 वार्षिक स्वास्थ्य सांख्यिकीय बुलेटिन

क्र. सं.	मद	मुख्य अस्पताल		सी. टी. और एन. एस. केंद्र		सी. डी. ई. आर.
		2017–2018	2016–2017	2017–2018	2016–2017	2017–2018
1.	भर्ती किए गए रोगी	1,15,276	1,11,608	21,745	21,272	1377
	क. वयस्क एवं बच्चे	1,12,781	1,08,949	–	–	–
	– नियमित	34,940	34,013	13,388	13,742	838
	– लघु अवधि	77,841	74,936	8,357	7,530	539
	ख. नवजात शिशु	2495	2659	–	–	–
	– नियमित	2495	2657	–	–	–
	– लघु अवधि	–	2	–	–	–
2.	डिस्चार्ज हुए रोगियों की कुल संख्या (एलएएमए सहित, भाग गए, अनुरोध और मृत्यु पर छुट्टी)	1,11,708	1,07,285	21,249	20,549	1351

	क. वयस्क एवं बच्चे	1,09,284	1,04,686	–	20,549	–
	– नियमित	34,264	32,954	13,118	13,362	808
	– लघु अवधि	75,020	71,732	8131	7187	543
	ख. नवजात शिशु	2424	2599	–	–	–
	– नियमित	2424	2597	–	–	–
	– लघु अवधि	–	02	–	–	–
3.	उपचार के कुल दिन	4,15,059	4,19,302	1,37,342	1,35,373	4942
	क. वयस्क एवं बच्चे	3,97,173	4,00,787	–		–
	– नियमित	3,22,153	3,29,055	1,29,211	1,28,186	4399
	– लघु अवधि	75,020	71,732	8131	7187	543
	ख. नवजात शिशु	17,886	18,515	–	–	–
	– नियमित	17,886	18,513	–	–	–
	– लघु अवधि	–	2	–	–	–
4.	नियमित रोगियों के ठहरने की औसत अवधि	9.3%	9.8%	9.8%	9.6%	5.4%
	क. वयस्क एवं बच्चे	9.4%	10.0%	–	–	–
	ख. नवजात शिशु	7.4%	7.1%	–	–	–
5.	कुल रोगी देखभाल दिन (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	3,41,746	3,49,335	1,38,171	1,37,939	4454
	क. वयस्क एवं बच्चे	3,39,062	3,46,408	–	–	–
	ख. नवजात शिशु					
6.	रोगियों की प्रतिदिन औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	936	957	379	378	12
	क. वयस्क एवं बच्चे	929	949	–	–	–
		7	8	–	–	–
7.	औसत बिस्तर अधिभोग (प्रतिशत)	86.4	86.9	87.9	91.5	71.9
	क. वयस्क एवं बच्चे	85.7	86.2	–	–	–
	ख. नवजात शिशु	0.7	0.7	–	–	–
8.	अस्पताल में जन्म	2495	2659	–	–	–
	क. लड़का	1284	1386	–	–	–
	ख. लड़की	1209	1269	–	–	–
	ग. इंटर सेक्स	02	04	–	–	–
9.	अंतरंग रोगियों की कुल मृत्यु (नवजात शिशुओं सहित)	3327	3035	887	944	01
	क. 48 घंटे के भीतर मृत्यु	1319	1181	307	311	–
	ख. 48 घंटे के बाद मृत्यु	2008	1854	580	633	01
	ग. सकल मृत्यु दर प्रतिशत	3.0	2.8	4.2	4.6	0.02
	घ. शुद्ध मृत्यु दर प्रतिशत	1.8	1.7	2.8	3.1	0.02
10.	आपातकालीन में उपस्थित कुल रोगी	1,51,891	1,62,523	–	–	–
	क. मृत्यु	1609	1925	–	–	–
	ख. मृत लाए गए रोगी	1135	1286	–	–	–
11.	विशिष्टता क्लिनिक सहित ओ.पी.डी. में उपस्थिति (मुख्य अस्पताल)	19,36,280	18,41,854	–	–	–

	क. नए मामले	7,49,073	7,37,103	–	–	–
	ख. पुराने मामले	11,87,207	11,04,751	–	–	–

तालिका 2 विभाग वार भर्ती (मुख्य अस्पताल, सी. एन. केंद्र और सी.डी.ई.आर.)

विभाग	भर्ती		अस्पताल से छुट्टी (एलएएमए, लापता लोग, ओआर, मृत्यु सहित)		उपचार के कुल दिन		ठहरने की औसत अवधि
	नियमित	अल्प कालीन	नियमित	अल्प कालीन	नियमित	अल्प कालीन	नियमित
एनेस्थिसियोलॉजी (पीड़ा क्लिनिक)	0	650	0	631	00	631	0.0
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	756	2546	733	2499	9465	2499	12.9
अंतःस्रावी और चयापचय	438	167	443	164	7955	164	18.0
जठरांत्र रोग विज्ञान और मानव पोषण	2030	2508	1972	2420	19,969	2420	10.1
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	922	393	897	396	12,906	396	14.4
जरा चिकित्सा	882	688	878	679	8618	679	9.8
रुधिरविज्ञान	950	13,420	952	13,282	18,087	13,282	19.0
कायचिकित्सा							
इकाई 1	1094	247	1072	216	11,049	216	10.3
इकाई 2	1258	459	1213	422	11,785	422	9.7
इकाई 3	1025	332	1063	297	9485	297	8.9
वृक्कविज्ञान	1102	9263	1016	8896	17,458	8896	17.2
नवजातविज्ञान	2495	00	2424	00	17,886	00	7.4
नवजात गहन चिकित्सा कक्ष	171	11	183	9	1359	9	7.4
नाभिकीय चिकित्सा	339	265	254	346	433	346	1.7
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान							
इकाई 1	2282	2190	2335	2101	16,195	2101	6.9
इकाई 2	2259	2177	2144	2145	14,138	2145	6.6
इकाई 3	2159	1970	2106	1881	15,438	1881	7.3
अस्थिरोग 1	1238	2032	1337	1756	11,111	1756	8.3
अस्थिरोग 2	1265	2056	1190	1887	10,777	1887	9.1
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1	600	1411	528	1323	4483	1323	8.5
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2	501	1302	499	1375	4528	1375	9.1
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3	534	1330	582	1221	4183	1221	7.2
कैंसर विज्ञान (मुख्य)	441	00	439	00	2266	00	5.2
बाल चिकित्सा 1	1104	4249	1049	4164	8490	4164	8.1
बाल चिकित्सा 2	679	1611	683	1607	7210	1607	10.6
बाल चिकित्सा 3	998	9362	921	9157	8101	9157	8.8
बालशल्य चिकित्सा	1534	1917	1502	1875	15,789	1875	10.5
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	37	00	36	00	1250	00	34.7

मनोचिकित्सा	304	00	242	00	8548	00	35.3
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	986	4908	971	4653	10,125	4653	10.4
प्लास्टिक पुनर्रचनात्मक और बर्न सर्जरी	363	208	356	171	1661	171	4.7
विकिरण चिकित्सा	4	00	4	00	7	00	1.8
संधिशोथ	17	1415	15	1408	165	1408	11.0
शल्य चिकित्सा 1	1140	840	1057	766	9550	766	9.0
शल्य चिकित्सा 2	1424	801	1441	633	9183	633	6.4
शल्य चिकित्सा 3	892	582	1011	461	8705	461	8.6
शल्य चिकित्सा 4	1518	885	1446	727	9380	727	6.5
मूत्ररोग विज्ञान	1694	5646	1694	5452	12,301	5452	7.3
कुल (मुख्य)	***37,435***	***77,841***	***36,688***	***75,020***	***3,40,039***	***75,020***	***9.3***

हृदविज्ञान	4311	4560	4264	4500	28,852	4500	6.8
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	3443	17	3421	17	36,638	17	10.7
तंत्रिकाविज्ञान 1	1065	770	1027	732	9300	732	9.1
तंत्रिकाविज्ञान 2	774	814	739	819	7360	819	10.0
तंत्रिकाविज्ञान 3	870	725	823	726	8918	726	10.8
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 1	1363	746	1275	728	19,067	728	15.0
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 2	1378	512	1384	438	17,884	438	12.9
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	184	213	185	171	1192	171	6.4
कुल (हृद तंत्रिका केन्द्र)	***13,388***	***8357***	***13,118***	***8131***	***1,29,211***	***8131***	***9.8***

सी.ई.डी.आर.	***838***	***539***	***808***	***543***	***4399***	***543***	***5.4***

चित्र 1. मुख्य अस्पताल, सी. एन. केन्द्र और सी. डी. ई. आर. में लिंग वार अंतरंग रोगी

तालिका 3. मुख्य अस्पताल और सी. एन. सी केन्द्र में विभाग–वार मृत्यु

विभाग	कुल मृत्यु	48 घंटे के अंदर मृत्यु	48 से अधिक मृत्यु	सकल मृत्यु दर (प्रतिशत)	निवल मृत्यु दर (प्रतिशत)
	00	00	00	0.0	0.0
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	6	1	5	0.2	0.2
अंतःस्रावी और चयापचय	6	00	6	1.0	1.0
जठरांत्र रोग विज्ञान और मानव पोषण	581	263	318	13.2	7.7
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं वृक्क प्रतिरोपण	64	14	50	4.9	3.9
जरा चिकित्सा	222	73	149	14.3	10.0
रुधिरविज्ञान	340	122	218	2.4	1.5
कायचिकित्सा 1	338	148	190	26.2	16.7
कायचिकित्सा 2	365	152	213	22.3	14.4

कायचिकित्सा 3	295	133	162	21.7	13.2
वृक्कविज्ञान	157	54	103	1.6	1.0
नवजात	31	14	17	1.3	0.7
नवजात (एनआईसीयू)	11	02	09	5.7	4.7
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान					
यूनिट 1	4	1	3	0.09	0.07
यूनिट 2	3	2	1	0.07	0.02
यूनिट 3	6	2	4	0.2	0.1
अस्थिरोगविज्ञान 1	6	00	6	0.2	0.2
अस्थिरोगविज्ञान 2	5	00	5	0.2	0.2
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1	5	4	1	0.3	0.05
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2	6	1	5	0.3	0.3
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3	5	2	3	0.3	0.2
अबुर्द विज्ञान (मुख्य)	213	136	77	48.5	25.4
बाल चिकित्सा 1	61	21	40	1.2	0.8
बाल चिकित्सा 2	58	24	34	2.5	1.5
बाल चिकित्सा 3	97	32	65	1.0	0.6
बालशल्य चिकित्सा	64	16	48	1.9	1.4
मनोचिकित्सा	1	00	1	0.4	0.4
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	224	58	166	4.0	3.0
विकिरण चिकित्सा	2	1	1	50.0	33.3
शल्य चिकित्सा 1	42	8	34	2.3	1.9
शल्य चिकित्सा 2	38	8	30	1.8	1.5
शल्य चिकित्सा 3	28	10	18	1.8	1.2
शल्य चिकित्सा 4	32	13	19	1.5	0.9
मूत्ररोग विज्ञान	11	4	7	0.2	0.1
कुल (मुख्य)	**3327**	**1319**	**2008**	**3.0**	**1.8**

हृदविज्ञान	298	175	123	3.4	1.4
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	274	41	233	8.0	6.9
तंत्रिकाविज्ञान 1	60	21	39	3.4	2.2
तंत्रिकाविज्ञान 2	59	16	43	3.8	2.8
तंत्रिकाविज्ञान 3	36	11	25	2.3	1.6
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 1	79	19	60	3.9	3.0
तंत्रिका–शल्य चिकित्सा 2	78	23	55	4.3	3.1
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	3	1	2	0.8	0.6
कुल (हृद तंत्रिका केन्द्र)	***887***	***307***	***580***	***4.2***	***2.8***

*निम्नलिखित विभागों में कोई मृत्यु नहीं हुई : संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक); न्यूक्लियर चिकित्सा, भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास; प्लास्टिक और पुनर्रचनात्मक बर्न सर्जरी; और रुमेटोलॉजी

चित्र 2. मुख्य अस्पताल, सी. एन. केन्द्र और सी. डी. ई. आर में अंतरंग रोगियों का भौगोलिक वितरण।

तालिका 4. मुख्य अस्पताल, हृद तंत्रिका केंद्र और सी. डी. ई. आर. में शल्य चिकित्सा प्रक्रिया

विभाग	बड़े	छोटे		कुल
		अंतरंग रोगी	बाह्य रोगी	
शल्य चिकित्सा 1	871	499	4013	5383
शल्य चिकित्सा 2	1278	465	2694	4437
शल्य चिकित्सा 3	835	276	2744	3855
शल्य चिकित्सा 4	1260	620	3318	5198
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	618	00	00	618
मूत्ररोग विज्ञान	1664	621	12,283	14,568
प्रसूति विज्ञान	1242	1098	00	2340
इन–विट्रो फर्टिलाइजेशन ओटी	00	1154	00	1154
स्त्रीरोग विज्ञान 1	1039	539	00	1578
स्त्रीरोग विज्ञान 2	1092	822	00	1914
स्त्रीरोग विज्ञान 3	636	597	00	1233
भ्रूण चिकित्सा	00	818	00	818
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 1	902	843	7706	9451
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 2	883	673	7456	9012
ऑटोलेरिन्जोलॉजी 3	929	669	7947	9545
अस्थिरोग 1	1892	728	00	2620
अस्थिरोग 2	1692	1323	00	3015
बालशल्य चिकित्सा	1724	515	00	2239
आपात विभाग	00	221	00	221
प्लास्टिक और पुनर्रचनात्मक बर्न सर्जरी	369	162	1548	2079
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	54	612	00	666
रुधिरविज्ञान	04	00	00	04
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	00	00	4409	4409
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	00	00	10082	10082
कुल (मुख्य)	***18,984***	***13,255***	***64,200***	***96,439***
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	4141	00	00	4141
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 1	1488	78	00	1566
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 2	1643	105	00	1748
कुल (हृद तंत्रिका केन्द्र)	***7272***	***183***	***00***	***7455***
दंत शल्यचिकित्सा /सीडीईआर	**740**	**482**	**21,696**	**22,918**

तालिका 5. मुख्य अस्पताल, हृद तंत्रिका केंद्र और सी. डी. ई. आर. में विभाग–वार बाह्य रोगी उपस्थिति

विशिष्टताएं		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
काय चिकित्सा	**सामान्य**	69,760	1,05,007	1,74,767
	विशिष्टता क्लिनिक			
	मोटापा और चयापचय विकार	181	134	315
रुमेटोलॉजी	**सामान्य**	4917	16,745	21,662

	विशिष्टता क्लिनिक			
	रुमेटोलॉजी	57	5024	5081
जरा चिकित्सा		18,032	37,181	55,213
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	**सामान्य**	13,009	21,069	34,078
	विशिष्टता क्लिनिक			
	निद्रा विकार	198	301	499
	फेफड़ा कैंसर	460	2193	2653
	आईएलडी– पीएएच	264	1219	1483
	संयुक्त पल्मोनरी शल्य चिकित्सा	255	465	720
नाभिकीय चिकित्सा		2075	9163	11238
अंतःस्राविकी		13,106	36,733	49,839
वृक्कविज्ञान	**सामान्य**	11,823	41,107	52,930
	विशिष्टता क्लिनिक			
	प्रतिरोपण	111	10,859	10,970
	गुर्दा प्रत्यारोपण परामर्श	509	1741	2250
रुधिरविज्ञान		9425	11ए377	20,802
जठरांत्र रोग विज्ञान		27,102	44,861	71,963
बाल चिकित्सा	**सामान्य**	37,087	57,820	94,907
	विशिष्टता क्लिनिक			
	स्वस्थ शिशु	561	08	569
	फॉलोअप ट्यूबरकुलोसिस	245	1461	1706
	गुर्दा	306	2543	2849
	बाल तंत्रिकाविज्ञान	979	4916	5895
	बाल वक्ष	488	3721	4209
	उच्च जोखिम नवजात	310	1706	2016
	आनुवंशिक एवं जन्म दोष	2847	1093	3940
	अर्बुदविज्ञान	308	2209	2517
	बाल विकास	1092	1994	3086
	अंतःस्राविकी	159	1263	1422
	न्यूरो सिस्टीसिर्कोसिस	201	1401	1602
	पी. सी. एस. सी.	163	1209	1372
	रुमेटोलॉजी	327	2058	2385
	मायोपैथी	397	1426	1823
	बाल जठरांत्र रोग विज्ञान	466	2168	2634
	ऑटिज्म	181	347	528
त्वचा रोग	**सामान्य**	37,155	55,254	92,409
	विशिष्टता क्लिनिक			
	यौन संचारित रोग (त्वचा रोग विज्ञान सर्ज.)	1417	2778	4195
	एलर्जी	596	2269	2865
	कुष्ठ रोग	254	2491	2745
	सोरियासिस	326	1942	2268
	त्वचा शल्य चिकित्सा	1121	1027	2148
	विटिलिगो	337	1944	2281

	फोटोथेरैपी	108	103	211
	फोटो डर्मेटोलॉजी	85	80	165
	पीडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी	109	78	187
मनोचिकित्सा	**सामान्य**	17,583	67,188	84,771
	विशिष्टता क्लिनिक			
	बाल–मार्गदर्शन	677	930	1607
शल्य चिकित्सा		61,381	49,641	1,11,022
प्लास्टिक और पुनर्रचनात्मक बर्न सर्जरी		2533	2503	5036
मूत्ररोग विज्ञान		17,660	41,300	58,960
जठरांत्र शल्य चिकित्सा एवं वृक्क प्रतिरोपण		3616	6941	10,557
बाल शल्य चिकित्सा	**सामान्य**	8430	16,667	25,097
	विशिष्टता क्लिनिक			
	हाइड्रोसेफेलस	2	72	74
	बाल चिकित्सा मूत्ररोग विज्ञान	600	2642	3242
	पी. एस. टी. सी.	104	878	982
संवेदनाहरण	पीड़ा क्लिनिक	923	2453	3376
	पूर्व संवेदनाहरण क्लिनिक	7098	832	7930
अस्थि रोग	**सामान्य**	54,671	97,341	1,52,012
	विशिष्टता क्लिनिक			
	फिजियोथेरेपी	30,138	24,657	54,795
	ऑक्यूपेशनल चिकित्सा	2201	5282	7483
	हाइड्रोथेरैपी	1016	5302	6318
	फॉलोअप	00	13,893	13,893
	ट्यूबरकुलोसिस	31	316	347
	स्कोलियोसिस	620	1418	2038
	हैंड क्लिनिक	1167	1440	2607
	सी टी ई वी	233	2837	3070
	खेल क्लिनिक	12	37	49
	फ्रेजिलिटी फ्रैक्चर और संपर्क सेवा	66	219	285
	हड्डी और नरम ऊतक सरकोमा क्लिनिक	15	42	57
नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान सहित आर. यू. ए. एस.	**सामान्य**	64,969	75,045	1,40,014
	विशिष्टता क्लिनिक			
	श्रवणविज्ञान	245	164	409
	आर.यू.ए. एस. (वाक)	4331	3521	7852
	कं. इम्प. (श्रवण)	214	323	537
	वाणी	532	228	760
	वर्टिगो	175	315	490
	नासाविज्ञान	336	159	495

प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	**सामान्य**	43,050	90,549	1,33,599
	विशिष्टता क्लिनिक			
	आई वी एफ	1706	5653	7359

	परिवार कल्याण	4605	3937	8542
	प्रसव पूर्व	1370	4417	5787
	अंतःस्राविकी स्त्रीरोग विज्ञान	89	138	227
	उच्च जोखिम सगर्भता	92	12,096	12,188
विकिरण चिकित्सा		401	1209	1610
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	**सामान्य**	14,627	23,390	38,017
	विशिष्टता क्लिनिक			
	प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोडोंटिक्स	3127	7945	11,072
	अक्षमता मूल्यांकन	00	108	108
	ओपीडी (पीटी अनुभाग)	00	17,427	17,427
	ओपीडी (ओटी अनुभाग)	00	9062	9062
	ओपीडी (एमएसडब्ल्यू)	1656	1380	3036
अन्य	आपातकालीन/आपात	1,06,939	44,952	1,51,891
	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	1,27,235	84,822	2,12,057
	पोषण	10,627	00	10,627
महा योग		***8,56,012***	***12,32,159***	***20,88,171***

6-2 vkgkjfoKku

मुख्य आहारविद्
डॉ. (श्रीमती) अलका मोहन चुटानी

वरिष्ठ आहारविद्
डॉ. (श्रीमती) परमीत कौर

आहारविद्
सुश्री स्वप्ना चतुर्वेदी

सहायक आहारविद्
सुश्री गुरदीप कौर सुश्री वसुंधरा सिंह सुश्री अंजलि भोला
सुश्री मोनिता गहलोत सुश्री रेखा पाल

आहारविद् विभाग प्रतिदिन लगभग 2000 अंतरंग रोगियों की चिकित्सीय आहार की जरूरतों का ध्यान रखता है। उनके संबंधित वार्डों में आहार विशेषज्ञों द्वारा पोषण संबंधी जांच और मूल्यांकन के आधार पर रोगियों को दिए जाने वाले विभिन्न प्रकार के आहार दिए जाते हैं। मुख्य अस्पताल और केंद्रों के आंतरिक रोगियों को भेजे गए विभिन्न प्रकार के आहार का वर्ष भर का अनुमानित डेटा निम्नानुसार है :

अंतरंग रोगियों की संख्या, जिन्हें विभिन्न आहार परोसे गए (मुख्य अस्पताल एवं केन्द्र)

क्र. सं.	आहार का प्रकार	संख्या
1.	सामान्य	3,90,898
2.	प्राइवेट वार्ड	86,788

3.	अर्धठोस	59,968
4.	चिकित्सीय	1,67,517
5.	एन्टरल भोजन	74,366
	कुल	**7,79,537**

इसके अलावा, पोषण परामर्श ओ. पी. डी. और क्लिनिक भी विभाग और संबंधित केंद्रों द्वारा चलाए जाते हैं जहां प्रत्येक रोगी के परामर्श को विस्तृत पोषण मूल्यांकन के बाद किया जाता है। इसी प्रकार अंतरंग रोगियों को भी व्यक्तिगत आहार चार्ट और परामर्श दिया जाता है। अंतरंग और ओ. पी. डी. रोगियों की अनुमानित संख्या निम्नानुसार है :

बाह्य और अंतरंग पोषण परामर्श पाने वाले रोगियों की कुल संख्या (अंतः स्राविकी और बाल चिकित्सा वार्ड और केंद्रों के अलावा)

लिंग	ओपीडी रोगी	अंतरंग	कुल
पुरुष	5699	2172	7871
महिला	4928	2143	7071
कुल	***10,627***	***4315***	***14,942***

विभागीय गतिविधियां

एफएसएसएआई लाइसेंस

विभाग की खाद्य सेवा रसोई को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (एफएसएसएआई), 2006 के तहत 18 मई 2017 को 5 वर्ष के लिए लाइसेंस मिला।

चिकित्सा जांच और टीकाकरण

एफएसएसएआई, 2006 विनियमन के एक हिस्से के रूप में खाद्य हैंडलर्स की वार्षिक चिकित्सा जांच और टीकाकरण किया गया।

आंतरिक प्रशिक्षण

13 दिसंबर 2017 और 5 जनवरी 2018 को संक्रमण नियंत्रण दल द्वारा खाद्य हैंडलरों को व्यक्तिगत स्वच्छता प्रशिक्षण दिया गया।

कायाकल्प

निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए अद्यतन और प्रबलित स्वच्छता जांचसूची :

1. कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता
2. दैनिक ट्रॉली सफाई
3. कार्यालय
4. वॉश रूम्स
5. खाना पकाने के सभी क्षेत्र
7. बाहरी क्षेत्र
8. गैस बैंक क्षेत्र
9. स्टाफ रूम

- पेन्ट्री

निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए साइनेज बोर्ड बनाए गए:

1. पाक कला क्षेत्र
2. चपाती मशीन
3. आर ओ पानी
4. गैस बैंक
5. स्टाफ शौचालय
6. कर्मचारियों द्वारा टोपी, जूते के कवर, दस्ताने और हैड गियर पहनने के अभ्यास लागू किए गए
7. सूखे और गीले अपशिष्ट अलग करने के प्रबलित अभ्यास

इडली की शुरूआत

निजी वार्ड के रोगियों के लिए शाम के चाय के समय सप्ताह में दो बार इडली स्नेक्स उपलब्ध कराए गए।

संस्थान दिवस

दिनांक 25 सितम्बर, 2017 को आयोजित संस्थान दिवस के लिए ओबसोजेनिक इंवायरमेंट पर पोस्टर तैयार किए गए।
सीएनई (सतत पोषण शिक्षा)

1. भोजन प्रबंधको के लिए खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता रीतियां, 14 जून 2017, डॉ. अंशु (आईएचएम पूशा)
2. पोषण अनुसंधान में सांख्यिकी का प्रयोग, 6 दिसंबर 2017, डॉ. वंदना सबरवाल (इंस्टीट्यूट ऑफ हॉम इकोनॉमिक्स)
3. इरास (सर्जरी के पश्चात शीध्र स्वास्थ्य लाभ) प्रोटोकॉल, 27 फरवरी 2018, डॉ. अनीता जाटाना (अपोलो अस्पताल)

6-3 vLirky fcfyx vuHkkx

वर्ष 2017–2018 के दौरान रोगियों के लिए दानों की प्राप्ति और किए गए भुगतान इस प्रकार हैं :

दानों की प्राप्ति (बैंक ब्याज + दान + निर्धन निधि बॉक्स) :	17,84,717 रुपए
किए गए भुगतान (219 + 249 = 468 रोगी) :	8,61,050 रुपए

(वर्ष के दौरान निर्धन रोगियों के लिए दाताओं से प्राप्त दान के साथ साथ 'एम्स निर्धन निधि खाते' में पिछली शेष राशि का विवरण दिया गया है)

6-4 uflx lok,

सेवाकालीन शिक्षा इकाई

नर्सिंग संगठन सेवा

मुख्य नर्सिंग अधिकारी (कार्यकारी)

सुश्री कमलेश चंदेलिया

नर्सिंग सेवा एम्स का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य रोगी और समुदाय को उच्च गुणवत्ता नर्सिंग देखभाल प्रदान करना है। पेशेवर नर्से एक ऐसे परिवेश में कार्य करती हैं जो कि अस्पताल में संबद्ध विभागों के अन्य सदस्यों के साथ व्यापक रोगी सेवाएं प्रदान करने में व्यावसायिकता और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करती हैं।

स्टाफ संख्या

मुख्य स्तर कार्यबल का गठन विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित व्यावसायिक नर्सों को शामिल करते हुए किया जाता है। अ. भा. अ. सं. में एस. आई. यू. (स्टाफ निरीक्षण एकक) मानकों पर स्टाफिंग नर्सिंग सेवाएं आधारित होती है।

अस्पताल / केंद्रों में कर्मचारी की संख्या	
मुख्य नर्सिंग अधिकारी	1 (कार्यकारी सीएनओ)
नर्सिंग अधीक्षक (एनएस)	4

उप नर्सिंग अधीक्षक	34
सहायक नर्सिंग अधीक्षक	129
वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी	899
नर्सिंग अधिकारी	3187
कुल	**4254**

सतत नर्सिंग शिक्षा

अ. भा. अ. सं. में नर्सिंग स्टाफ शिक्षा के क्षेत्र में नर्सिंग देखभाल के स्तर में सुधार करने के लिए लगातार नर्सों के व्यावहारिक ज्ञान को अद्यतन करने और इस प्रकार सेवाकालीन और सतत शिक्षा कार्यक्रम द्वारा वर्ष भर किया जाता है।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम

अच्छी तरह से संरचित सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम जनवरी 2011 के बाद से आयोजित किया गया। प्रारंभ में, यह प्रत्येक एक घंटे की सप्ताह में दो बार की कक्षाओं के साथ शुरू किया गया था। बाद में इसे सप्ताह में तीन बार के लिए बढ़ा दिया गया। प्रति सप्ताह रोगी के बिस्तर के पास कार्य करने वाली नर्सों (नर्सिंग अधिकारी और नर्सिंग अधिकारी) के लिए दो कक्षाओं का आयोजन किया गया, जबकि एक सप्ताह में एक कक्षा वरिष्ठ नर्सों (नर्सिंग अधिकारियों एचआर और उपरोक्त) के लिए है।

सुविधाकर्ता : सुश्री कमलेश चंदेलिया
संरक्षक : सुश्री हनुमती देवी

प्रशिक्षक : सुश्री रिबेका जे. हेराल्ड, एस.एन.ओ. (एच. आर.)
सुश्री पूनम आनंद, एस.एन.ओ. (जून 2017 तक)
सुश्री जे. सुब्बुलक्ष्मी एन.ओ.
सुश्री श्रीनित्या राघवन एस.एन.ओ. (जुलाई 2017 से)

जनवरी, 2014 से 'बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई)' मुख्य अस्पताल से नर्सों के लिए जराचिकित्सा विभाग के सहयोग से मासिक कार्यशाला आयोजित की गई। नर्सिंग प्रशिक्षकों द्वारा कार्यशाला में सत्रों की भी सुविधा है।

नैदानिक शिक्षण कार्यक्रम :

स्वयं के कार्य क्षेत्र में नर्सिंग देखभाल के मानकों का उन्नयन करने के लिए और व्यावहारिक मुद्दों को हल करने का मुख्य अस्पताल के ए, बी, सी और डी विंग्स में नैदानिक शिक्षण शुरू किया गया। यह प्रयास नैदानिक क्षेत्रों के बेडसाइड नर्सों और पर्यवेक्षी नर्सिंग कर्मियों की सक्रिय भागीदारी के साथ 1 जनवरी 2015 को शुरू किया गया।

1. सुश्री रिबेका हेराल्ड के पर्यवेक्षण के तहत एबी विंग में आयोजित 126 सत्र।
2. जे. सुब्बुलक्ष्मी के पर्यवेक्षण के तहत सी विंग में आयोजित 56 सत्र।
3. सुश्री पूनम आनंद और सुश्री श्रीनित्या राघवन के पर्यवेक्षण के तहत डी विंग में आयोजित 34 सत्र।
4. पुराने वार्ड ब्लॉक और नए निजी ब्लॉक, ओ. पी. डी., नए आपातकालीन और ओ. पी. डी. में में 101 कक्षाएं आयोजित की गई हैं।

2017–2019 के बी–एससी. पीसी बैच के लिए एक अच्छी योजना का अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाएं

मुख्य अस्पताल के विभिन्न विभागों से कुल 1273 नर्सों ने सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाओं में भाग लिया। निम्नलिखित व्याख्यान दिए गए थे:

वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी / ए. एन. एस. / डी. एन. एस. / एन. एस. / सी. एन. ओ. के लिए कक्षाएं

1. कायाकल्प
2. नर्सिंग में कानूनी और नैतिक मुद्दे
3. संघर्ष प्रबंधन
4. तनाव प्रबंधन
5. कैंसर विज्ञान नर्सिंग प्रबंधन
6. स्तन विकार
7. रोगी सुरक्षा
8. एंटीबायोटिक्स और प्रतिरोध
9. एंटीबायोटिक स्टीवार्डशिप

नर्सिंग अधिकारियों के लिए कक्षाएं

1. श्वसन आपातकालीन – 1
2. श्वसन आपातकालीन – 2
3. द्रव और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन और गड़बड़ी
4. ओन्कोलॉजी नर्सिंग प्रबंधन
5. रोगी सुरक्षा
6. स्तन विकार
7. एंटीबायोटिक्स और प्रतिरोध
8. वैसो सक्रिय दवाएं
9. कायाकल्प

विभिन्न बैचों में उपरोक्त विषयों पर कुल 119 **व्याख्यान** दिए गए थे। सेवाकालीन शिक्षा कक्षाओं में उपस्थित नर्सिंग कार्मिकों की संख्या निम्नानुसार है :

डी. एन. एस. : 21 **ए. एन.एस. :** 97 **वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी :** 368
नर्सिंग अधिकारी : 792

सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित की गईं

1. 16–17 दिसंबर 2017, एम्स में जेरिकॉन 2017, कुल प्रतिभागी : 50
2. 11–12 जनवरी 2018, एम्स में नर्सिकॉन 2018, कुल प्रतिभागी : 50

सम्मेलनों और कार्यशालाओं में नर्सिंग उपस्थिति

मुख्य अस्पताल में विभिन्न विभागों से नर्सों ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भाग लिया। इसमें शामिल हैं :

1. 24–26 अप्रैल 2017, सीएमईटी, एम्स में उन्नत कार्डियो वेस्कुलर जीवन समर्थन पाठ्यक्रम। प्रतिभागी : 3
2. 17–21 अप्रैल 2017, आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली में नर्सिंग में शैक्षणिक नवाचार पर सीएनई। प्रतिभागी : 1
3. 16 मई 2017, आरपी केंद्र, एम्स में डायबेटिक रेटिनोपैथी पर नर्सिंग अपडेट। प्रतिभागी : 5
4. 15–16 जुलाई 2017, आईएचसी, लोधी रोड पर आपातकालीन चिकित्सा पर राष्ट्रीय सम्मेलन। प्रतिभागी : 57
5. 27–29 जुलाई 2017, शिलॉन्ग में अनुसंधान की मूल बातें पर दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन। प्रतिभागी : 2
6. 24–26 जुलाई 2017, आईटीसी, सीएमईटी में बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम। प्रतिभागी : 2
7. 7 सितंबर 2017, एमएस संगोष्ठी कक्ष, एम्स में गंभीर देखभाल अद्यतन। प्रतिभागी : 24
8. 8–10 सितंबर 2017, बाल चिकित्सा सर्जिकल रिसर्च पर 30वीं वार्षिक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी और नवजात और भ्रूण सर्जरी, नई दिल्ली पर एक अद्यतन। प्रतिभागी : 1
9. 11–12 सितंबर 2017, श्रीनगर में नर्सिंग देखभाल में उभरते दृष्टिकोण। प्रतिभागी : 5
10. 11–13 सितंबर 2017, सम्मेलन हॉल, एम्स में ई–स्वास्थ्य देखभाल में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग पर 7वीं अंतरराष्ट्रीय सीएमई कार्यशाला और सम्मेलन। प्रतिभागी : 1

11. 29 सितंबर – 1 अक्तूबर, पंजाब के अमृतसर में क्लिनिकल निवारक कार्डियोलॉजी और इमेजिंग पर 12वां विश्व महासम्मेलन। प्रतिभागी : 18
12. 7 अक्तूबर 2017, एनएएमएस, नई दिल्ली में एशियाई सोसाइटी ऑफ मेस्टोलॉजी कॉन्फ्रेंस। प्रतिभागी : 10
13. 16 अक्तूबर 2017, सीएमईटी में गुड बेडसाइड ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस। प्रतिभागी : 15
14. 26 अक्तूबर 2017, जराचिकित्सा कार्यशाला। प्रतिभागी : 38
15. 29 अक्तूबर 2017, एम्स में ओस्टोमी सोसाइटी की 5वीं वार्षिक आम बैठक और सम्मेलन। प्रतिभागी : 3
16. 2–5 नवंबर 2017, चंडीगढ़ में बाल चिकित्सा गहन देखभाल का 19वां राष्ट्रीय सम्मेलन। प्रतिभागी : 9
17. 6–11 नवंबर 2017, एएचए हाउस, नोएडा में नर्सिंग सेवा प्रशासनिक और गुणवत्ता प्रबंधन कार्यक्रम। प्रतिभागी : 2
18. 6–10 नवंबर 2017, एनआईएचएफडब्ल्यू, नई दिल्ली में वरिष्ठ नर्सिंग प्रशासकों के प्रबंधन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। प्रतिभागी : 3
19. 14 नवंबर 2017, एमएस संगोष्ठी कक्ष में अंतरराष्ट्रीय मधुमेह दिवस जागरूकता कार्यक्रम। प्रतिभागी : 34
20. 16 नवम्बर 2017, जरा चिकित्सा कार्यशाला। प्रतिभागी : 28
21. 20 नवंबर 2017, सीएमईटी, एम्स में उन्नत बाल चिकित्सा नर्सिंग देखभाल। प्रतिभागी : 19
22. 1 दिसंबर 2017, एम्स में एचआईवी / एड्स और स्वाथ्य देखभाल श्रमिकों पर अंतःक्रियात्मक संगोष्ठी। प्रतिभागी : 32
23. 20 जनवरी 2018, आईसीसी, लोधी रोड पर नर्सिंग के लिए ईएचएमओ गंभीर देखभाल। प्रतिभागी : 10
24. 22–23 जनवरी 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में डेटा एंट्री और विश्लेषण के लिए एचएआई निगरानी और सॉफ्टवेयर उपयोग। प्रतिभागी : 24
25. 1 फरवरी 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण निगरानी में उत्कृष्टता। प्रतिभागी : 5
26. 5 फरवरी 2018, सीएमईटी में वर्कप्लेस वेल बींग। प्रतिभागी : 20
27. 19 फरवरी 2018, सीएमईटी में रोगी सुरक्षा पर कार्यशाला। प्रतिभागी : 16
28. 19–23 फरवरी 2018, आरएसी, नर्सिंग कॉलेज, नई दिल्ली में गुणवत्ता रोगी देखभाल पर नर्सिंग और इसके प्रभाव में उभरते नवीन रुझान। प्रतिभागी : 1
29. 23 फरवरी 2018, एमएस संगोष्ठी कक्ष में घाव ड्रेसिंग सामग्री नर्स जागरूकता कार्यक्रम। प्रतिभागी : 20
30. 26 फरवरी 2018, आरएलएस बोर्ड कक्ष एम्स में सीएलबीएसआई पर कार्यशाला। प्रतिभागी : 15
31. 1–2 मार्च 2018, सीएमसीएच, वेल्लोर में अनुकरण शिक्षा। प्रतिभागी : 1
32. 5–6 मार्च 2018, सीएमईटी में कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य। प्रतिभागी : 10
33. 7 मार्च 2018, सीएमईटी में विकलांगता पर व्यावहारिक कार्यशाला और व्यावहारिक ज्ञान। प्रतिभागी : 15
34. 8 मार्च 2018, आरएलएस बोर्ड रूम, एम्स में महिलाएं; मानसिक स्वास्थ्य और कार्डियक देखभाल प्रतिभागी : 7
35. 8–10 मार्च 2018, नर्सिंग में हाल के रुझान, सीएमईटी में देखभाल, करुणा और नवाचार। प्रतिभागी : 10
36. 15 मार्च 2018, सम्मेलन हॉल, एम्स में गुणवत्ता देखभाल और संक्रमण नियंत्रण। प्रतिभागी : 2
37. 16–17 मार्च 2018, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली में दूसरा नया मिलेनियम स्मार्ट नर्सिंग अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन। प्रतिभागी : 5
38. 27–28 मार्च 2018, क्यूआई नेतृत्व और क्षमता निर्माण कार्यशाला। प्रतिभागी : 4
39. 29–30 मार्च 2018, बाल चिकित्सा नेफ्रोलोजी में वार्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। प्रतिभागी : 6

अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन (आरईएपी)' पर कार्यशाला सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली : 19 अप्रैल 2017 : 12 प्रतिभागी; 14 जून 2017 : 18 प्रतिभागी

एमएस संगोष्ठी कक्ष, एम्स में रिह्यूमेटोलॉजी पर सीएनई : 28 अप्रैल 2017 : 25 प्रतिभागी; 22 अगस्त 2017 : 25 प्रतिभागी; 19 दिसम्बर 2017 : 28 प्रतिभागी

सीएमईटी, एम्स पर कम्प्यूटरीकरण पर सीएनई : 24 मई 2017 : 12 प्रतिभागी

मृतक अंगों और ऊतक दान, ओआरबीओ, एम्स पर नर्सों का प्रशिक्षण

दिनांक/माह/वर्ष	प्रतिभागी	दिनांक/माह/वर्ष	प्रतिभागी
19 अप्रैल 2017	20	20 सितम्बर 2017	22
17 मई 2017	17	12 अक्तूबर 2017	19
14 जून 2017	19	23 जनवरी 2018	17
23 अगस्त 2017	22	19 फरवरी 2018	13

सीएमईटी, एम्स में घाव देखभाल और दबाव गंभीर रोकथाम कार्यशाला : 8 अगस्त 2017 : 14 प्रतिभागी; 3 अक्तूबर 2017 : 17 प्रतिभागी; 12 दिसम्बर 2017 : 16 प्रतिभागी;

एम्स में गुणवत्ता सुधार कार्यशाला : 8 मई 2017 : 42 प्रतिभागी

'व्यक्तित्व विकास और संचार कौशल' पर कार्यशाला, सीएमईटी, एम्स : 3 जून 2017 : 4 प्रतिभागी

सीआरटीपी और ईसीजी पाठ्यक्रम, एम्स पर कार्यशाला

दिनांक / माह / वर्ष	प्रतिभागी
24 जनवरी 2018	6
7 फरवरी 2018	6

दिनांक / माह / वर्ष	प्रतिभागी
7 मार्च 2018	6
21 मार्च 2018	5
20 फरवरी 2018	7

विशेषज्ञों के रूप में परामर्श और भागीदारी के अलावा कुल 987 नर्सिंग कार्मिकों ने वर्ष 2017–2018 में कुल 68 कार्यशालाओं / सम्मेलनों में भाग लिया

एन.एस. : 2 **डी.एन.एस.** : 32 **ए.एन.एस.** : 87

वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी : 266 **नर्सिंग अधिकारी** : 600

पिछले वर्ष आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं, सीएनई और राष्ट्रीय सम्मेलनों में विभिन्न विभागों की सक्षम नर्सों ने स्किल स्टेशन एवं हैंड्स ऑन ट्रेनिंग सत्रों हेतु समन्वयकों के रूप में भाग लिया एवं कार्य का निष्पादन किया।

नर्सिंग सेवाकालीन प्रशिक्षकों ने भी अंगदान पर नर्सों को संवेदित करने के लिए ओ.आर.बी.ओ. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं की सुविधा दी।

आयोजित रोगी जागरूकता कार्यक्रम :

नर्सिंग ज्ञान और जन जागरूकता अद्यतन करने के लिए विभिन्न नैदानिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य चर्चा, भूमिका निभाने और पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

- नवजात सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम : डी 3 और एमसीयू
- रक्तदान परिसर – ईएचएस ओपीडी
- स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम : डी 7 वॉर्ड और एचडी

गुणवत्ता सुधार पहल

प्रोफेसर ए. के. देवरारी के नेतृत्व में 2015 के बाद से गुणवत्ता सुधार पहल शुरू की गई है। अ. भा. आ. सं. में गुणवत्ता सुधार की अनेक परियोजनाएं ली गई हैं। परियोजनाओं में से कुछ को राष्ट्रीय के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत किया गया है। गुणवत्ता सुधार पर आधे दिन की कार्यशालाएं, विशेष रूप से नर्सों के लिए आयोजित की गई हैं। अब तक, गुणवत्ता सुधार के संबंध में 250 नर्सों को संवेदनशील बनाया गया है।

उच्च अध्ययन के लिए नर्सिंग कार्मिक की प्रतिनियुक्ति

एम्स में नर्सिंग सेवाएं उच्च अध्ययन के लिए प्रचुर अवसरों की सुविधा प्रदान करके नर्सिंग देखभाल में सुधार करने पर केंद्रित हैं। नियमित सेवाओं के 5 वर्षों के बाद, नर्स पूर्ण वेतन के साथ उच्च अध्ययन करने के लिए पात्र हैं। इस साल के दौरान सात नर्स पोस्ट बीएससी नर्सिंग प्रोग्राम और 11 एमएससी नर्सिंग प्रोग्राम आगे चलाए जा रहे हैं।

विभिन्न नर्सिंग शैक्षणिक संस्थानों के लिए शैक्षणिक दौरों का समन्वय और संगठन

एम्स में नर्सिंग शिक्षकों ने नीचे सूचीबद्ध अनुसार भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के समूहों के लिए अभिविन्यास आयोजित किया है :

1. 27 अप्रैल 2017 को स्वर्गीय राठीबाई प्रभु दास पटेल कॉलेज, गुजरात (35 बीएससी छात्र और 2 संकाय)।
2. 25 मई 2017 को आईटीबीपी रेफरल अस्पताल, ग्रेटर नोएडा (17 कर्मचारी नर्स और 1 संकाय)।
3. 6 जून 2017 को आईकेओएन कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बैंगलोर (46 बीएससी छात्र और 2 संकाय)।
4. 20 जून 2017 को रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, बैंगलोर (35 बीएससी छात्र और एमएससी और 2 संकाय)।
5. 11 जुलाई 2017 को प्रगति नर्सिंग कॉलेज, भोपाल, म. प्र. (10 एमएससी छात्र और 2 संकाय)।
6. 5 सितंबर 2017 को सेवा मंडल एजुकेशन सोसाइटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मुंबई (24 बीएससी छात्र और 2 संकाय)।
7. 31 अक्टूबर 2017 को फोर्टिस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मुलुंड, मुंबई; 38 बीएससी छात्र और 2 संकाय)।
8. 5 दिसंबर 2017 और 7 दिसंबर 2017 को लक्ष्मी मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग; 35 बीएससी छात्र और 2 संकाय)।
9. 23 जनवरी 2018 को एसडीयू कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोलार, कर्नाटक (35 बीएससी और पीसी के छात्र और 2 संकाय)।
10. 29 जनवरी 2018 को एम एस रमैया इंस्टीट्यूट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कर्नाटक (35 बीएससी छात्र और 2 संकाय)।
11. 6 फरवरी 2018 को श्रीमती नगरनाथम्मा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बेंगलुरू (25 बीएससी और पीसी के छात्र और 3 संकाय)।
12. 7 फरवरी 2018 को एचएम पटेल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, आनंद, गुजरात (42 बीएससी छात्र और 2 संकाय)।
13. 6 मार्च 2018 को सीएमसी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, वेल्लोर (35 एमएससी छात्र और 2 संकाय)।
14. 15 मार्च 2018 को बैंगलोर मेडिकल कॉलेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट, बेंगलुरू (42 बीएससी छात्र और 2 संकाय)।
15. विभिन्न अस्पतालों के कुल 483 आगंतुकों को एम्स के बारे में अभिविन्यास मिला।

क्रेडिट घंटे प्रमाणन जारी करना

नर्सिंग परिषद में पंजीकरण के लिए कुल तेरह नर्स क्रेडिट घंटे के प्रमाण पत्र जारी किए गए थे।

गंभीर देखभाल कार्यशाला

आपातकालीन चिकित्सा, एनेस्थेसियोलॉजी और सामान्य चिकित्सा से संकाय के समर्थन के साथ आपातकालीन और गहन देखभाल इकाइयों में कार्य कर रही महिलाओं के लिए गंभीर देखभाल अपडेट पर एक पूर्ण दिन कार्यशाला। इसके लिए प्रमाण पत्र भी जारी किए गए थे।

सुविधा प्रदानकर्ता के रूप में योगदान

एनआईई टीम ने एम्स जैसे आंतरिक और बाह्य विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों की सुविधा प्रदान की।

1. आईटीबीपी, ग्रेटर नोएडा में प्रचार प्रशिक्षण कार्यक्रम
2. सीएमईटी में मृतक अंग और ऊतक प्रत्यारोपण में नर्सों की भूमिका

के एल विग सीएमईटी के साथ समन्वय

एम्स में नर्सिंग कर्मियों के लिए योजनाबद्ध विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सीएमईटी के साथ समन्वय।

आगामी वर्ष के लिए योजना बनाई गई गतिविधियां

1. केएल विंग सीएमईटी के सहयोग से उप नर्सिंग अधीक्षक और सहायक नर्सिंग अधीक्षक के लिए शैक्षणिक प्रशिक्षण
2. आपातकालीन चिकित्सा, एनेस्थेसियोलॉजी और सामान्य चिकित्सा से संकाय के समर्थन के साथ नर्सों के लिए आवधिक गंभीर देखभाल अद्यतन
3. नैदानिक नर्सों के लिए कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य पर आवधिक कार्यशाला

संक्रमण नियंत्रण नर्सों की गतिविधियां

मुख्य अस्पताल 2017–2018

संक्रमण नियंत्रण समिति

1.	डॉ. डी. के. शर्मा	चिकित्सा अधीक्षक, एम्स
2.	डॉ. आरती कपिल,	आचार्य, सूक्ष्मजैविकी विभाग
3.	डॉ. राकेश लोढ़ा	आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग
4.	डॉ. रश्मि रामाचंद्रन	अपर आचार्य, संवेदनाहरण विभाग
5.	डॉ. अनूप डागा	सह–आचार्य, अस्पताल प्रशासन विभाग
6.	डॉ. करन मदन	सहायक आचार्य, फुफ्फुसीय चिकित्सा विभाग
7.	डॉ. गगनदीप सिंह	सहायक आचार्य, सूक्ष्मजैविकी विभाग
8.	डॉ. झुमा शंकर	सहायक आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग
9.	सुश्री पुष्पलता	उप नर्सिंग अधीक्षक, संक्रमण नियंत्रण
10.	सुश्री एल्प्रेडा एम. विक्टर	संक्रमण नियंत्रण नर्स
11.	सुश्री एम. आर. ई. वसंत	संक्रमण नियंत्रण नर्स
12.	सुश्री बेटी मरिया बिनू	संक्रमण नियंत्रण नर्स
13.	श्री मुकेश कुमार सैनी	संक्रमण नियंत्रण नर्स
14.	श्री धवल द्विवेदी	संक्रमण नियंत्रण नर्स
15.	श्री कुंज बिहारी गौतम	संक्रमण नियंत्रण नर्स

एचआईसीसीओएम कोर समिति दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों और हस्तक्षेपों पर चर्चा करने के लिए समय–समय पर बैठक करती है। एचआईसीसीओएम समय–समय पर संक्रमण नियंत्रण कोर समिति के साथ प्रशासनिक दौरों का आयोजन करता है, समस्याओं की पहचान करता है, इन पर चर्चा करता है और सुधारते हैं।

एचआईसीसीओएम की गतिविधियां

1. स्वच्छता कार्य योजना के तहत 11–12 जनवरी 2018 को 100 नर्सिंग कर्मियों के लिए आयोजित एम्स नर्सिकॉन–2018 सम्मेलन का विषय "नर्सिंग और संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं में उत्कृष्टता" था।
2. नर्सों और विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के लिए आधा दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम एचआईसीसीओएम (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) आयोजित किया गया।
3. अस्पताल संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं और आवेदन आधारित प्रशिक्षण के साथ जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन पर नई भर्ती की गई नर्सों के लिए आयोजित विभिन्न सत्र।
4. आईसीएन ने 30 सेवाकालीन नर्सिंग कर्मियों के समूह के लिए कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स द्वारा आयोजित ''क्लिनिकल नर्सिंग अपडेट'' में संक्रमण नियंत्रण नर्स की भूमिका पर एक सत्र लिया।
5. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स के नर्सिंग छात्रों के लिए संक्रमण नियंत्रण रोकथाम और प्रथाओं से संबंधित शिक्षण कार्यक्रम में शामिल।

6. हस्त स्वच्छता प्रथाओं और टीकाकरण के महत्व पर 50 कर्मचारियों के एक समूह के लिए मुख्य रसोई कर्मचारियों हेतु आयोजित कक्षाएं।
7. हिपेटाइटिस बी और अन्य आवश्यक टीकों के लिए मुख्य रसोई कर्मचारियों का योजनाबद्ध, संगठित और टीकाकरण।
8. आईसीएन ने अप्रैल और मई 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयोजित उनके प्रचार प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आईटीबीपी कर्मचारियों के लिए संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं पर दो सत्र किए।
9. आईसीएन के नर्सिंग स्टाफ के लिए महाराजा अग्रसेन अस्पताल, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं पर सत्रों के लिए संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया गया था।
10. आईसीएन ने 2017–2018 राउंड ''कायाकल्प'' आयोजित करने और आयोजित करने में सक्रिय भागीदारी की।
11. आईसीएन ने बीएमडब्ल्यू एंड्रॉइड एप्लिकेशन के विकास में सामग्री, फोटोग्राफ और डिजाइनिंग के चयन, बीएमडब्ल्यू मैनुअल का निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाई।
12. आईसीएन ने संक्रमण नियंत्रण मैनुअल के संशोधित संस्करण की सामग्री और अंतिम रूप में योगदान दिया।
13. एम्स के सभी नैदानिक क्षेत्रों में चार्ट के रूप में सुई की स्टिक से चोट और स्पिल प्रबंधन प्रोटोकॉल के एसओपी तैयार, वितरित और प्रदर्शित किए गए थे।
14. आईसीएनएस ने स्वच्छता कार्य योजना के तहत आईआरसीएच एम्स में सीएलबीएसआई कार्यशाला में हैंड ऑन प्रथाओं पर सीएलबीएसआई और बीएमडब्लू प्रबंधन पर कक्षाएं लीं।
15. संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं और बीएमडब्ल्यू प्रबंधन (एप आधारित अभ्यास) पर संवेदनशील रेजीडेंट डॉक्टर।
16. मुख्य भवन के सभी एएनएस के लिए बीएमडब्ल्यू ऐप का उपयोग करते हुए बीएमडब्लू प्रबंधन पर कक्षाएं संगठित और आयोजित की गईं।

संक्रमण नियंत्रण नर्सों की गतिविधियां :

1. संक्रमण नियंत्रण नर्सों द्वारा जांचसूची का उपयोग करके दैनिक आधार पर आयोजित किए जाने वाले व्यक्तिगत क्षेत्र के दौरे किए गए और जब भी नैदानिक क्षेत्रों में आवश्यक हुआ, स्थल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया था और संक्रमित नियंत्रण कोर समिति के साथ चर्चा करने के बाद समस्याओं को हल किया गया था।
2. निगरानी गतिविधियां : प्रत्येक माह लिए जाने वाले पर्यावरण संवर्धन और विसंक्रमण के नमूनों की निगरानी और सभी संबंधित क्षेत्रों के लिए दर्ज और वितरित की गई रिपोर्टें और अस्पताल नीति के अनुसार उचित प्रोटोकॉल को मजबूत करने के लिए चर्चा की गई।

अप्रैल 2017 – मार्च 2018 के दौरान एकत्र निगरानी के नमूने (मुख्य अस्पताल, एम्स)

कुल निगरानी के नमूने	कुल पर्यावरण और विसंक्रमण नमूने	कुल उपयोग घोल के नमूने	कुल विसंक्रमित नमूने		कुल गैर विसंक्रमित नमूने	
			पर्यावरण और विसंक्रमित नमूने	उपयोग में घोल	पर्यावरण और विसंक्रमित	उपयोग में घोल
7582	5365	2217	4267	1862	1098	355

1. सभी शल्य चिकित्सा इकाइयों और आईसीयू के लिए माह–वार में किए गए डेटा का विश्लेषण के प्रोफार्मा। डेटा के विश्लेषण शल्य चिकित्सा इकाइयों और आईसीयू के सभी प्रभारी प्रोफेसरों को वितरित किए गए थे।

वार्षिक स्वास्थ्य देखभाल संबद्ध संक्रमण (एचसीएआई) दर

क्षेत्र	मुख्य सर्जरी / भर्ती	एचसीएआई	(प्रतिशत)
शल्य चिकित्सा इकाइयां	15,519	549	3.5
आईसीयू	4993	700	14
संयुक्त एचसीएआई दर : (549 + 700) × 100 = 6 प्रतिशत			

20512

1. शल्य चिकित्सा इकाइयों और आईसीयू के वार्षिक संयुक्त डेटा का विश्लेषण किया जाता है और डॉ. आरती कपिल, प्रोफेसर, प्रभारी, सूक्ष्मजीव विज्ञान अस्पताल संक्रमण नियंत्रण, प्रोफेसर डी. के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक, सुश्री कमलेश चंदेलिया मुख्य नर्सिंग अधिकारी, डॉ अनूप डागा, अस्पताल प्रशासन से कार्यालय प्रभारी संक्रमण नियंत्रण और चिकित्सा अभिलेख अनुभाग में वितरित किया जाता है।
2. शल्य चिकित्सा इकाइयों और आईसीयू के लिए मासिक निगरानी और डेटा की गणना की जाती है और मासिक समाचार पत्र के लिए चिकित्सा अभिलेख अनुभाग हेतु प्रस्तुत किए जाते हैं।
3. द्वि–साप्ताहिक के साथ सीनियर रेजीडेंट अस्पताल प्रशासन, स्वच्छता निरीक्षक और डीएनएस तल पर्यवेक्षकों के साथ जैव – चिकित्सा अपशिष्ट दौरों का आयोजन किया जाता है।
4. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने **''कायाकल्प''** शुरू किया है : स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छ अस्पताल अभियान। 'क्लीन एंड ग्रीन एम्स' अभियान के दिशा–निर्देश तैयार किए गए हैं। एम्स विशिष्ट रूप से परिवर्तन के सक्रिय होने और इन दिशा–निर्देशों को अपनाने द्वारा ''कायाकल्प'' परिवर्तन के इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए तैयार है।
5. एम्स को लगातार दूसरी बार स्वच्छ भारत अभियान के तहत कायाकल्प, स्वच्छ अस्पताल अभियान के लिए पहला स्थान दिया गया था।
6. डब्ल्यूएचओ हस्त स्वच्छता दिवस मनाया गया और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

6-5 dY;k.k ,dd

कल्याण अधिकारी, श्रीमती प्रीति अहलूवालिया द्वारा रोगी और कर्मचारी कल्याण सेवाएं आयोजित की गई।

रोगी कल्याण

रोगी देखभाल : 71,80,000 रु. (लगभग) दान के रूप में उगाही की गई।

उद्देश्य	दान	दानकर्ता
मुख्य अस्पताल तथा केंद्रों में	23,79,740 रु.	रोशनी फाउंडेशन
उपचार कराने वाले गरीब तथा	5,69,200 रु.	साहू जैन ट्रस्ट
जरूरतमंद रोगियों के उपचार एवं	2,63,000 रु.	जवाहर भवन ट्रस्ट
शल्य चिकित्सा हेतु	1,72,200 रु.	आईआईएलएम फाउंडेशन
	1,20,328 रु.	बैजनाथ भंडारी पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट
	1,00,000 रु.	राजेंद्र भवन ट्रस्ट
	1,30,000 रु.	सुश्री स्तुति शर्मा
	77,547 रु.	अन्य दाता
	16,855 रु.	सेवा प्रकल्प महिला मंडल ट्रस्ट
एम्स निर्धन रोगी निधि खाता	3,00,000 रु.	श्रीमती द्वारका प्रसाद ट्रस्ट
	35,000 रु.	श्रीमती प्रीति भटनागर
	21,000 रु.	आशीर्वाद फाउंडेशन ट्रस्ट
	22,600 रु.	अन्य दाता
आईआरसीएस निर्धन रोगी निधि खाता	25,000 रु.	श्रीमती मीनाक्षी मल्होत्रा
कैंसर रोगियों को निःशुल्क उपलब्ध कराई	26,92,841 रु.	गोपाल फाउंडेशन
गई कैंसर–रोधी दवाएं।	2,55,205 रु.	डॉ. चेतन मेमोरियल डिवाइन ट्रस्ट

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत प्राप्त योगदान : 50 लाख रुपए

उद्देश्य	योगदान	कंपनी का नाम (योगदानकर्ता)
अस्पताल में निवारक स्वास्थ्य	18,00,000 रु.	सिद्धांत आवास और विकास

8,50,000 रु.	पंचशील निवेश कंपनी
13,50,000 रु.	डीएलएफ उर्वा रियल एस्टेट डेवलपर्स एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
10,00,000 रु.	मधुर हाउसिंग एंड डेवलपमेंट कंपनी

उपर्युक्त के अतिरिक्त, निर्धन रोगियों को, राष्ट्रीय आरोग्य निधि, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत निधि, स्वास्थ्य मंत्री के विवेकाधीन अनुदान तथा अन्य सरकारी एजेंसियों से, उनके उपचार के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया जा रहा है तथा उनकी सहायता की जा रही है। अस्पताल निर्धन रोगी निधि से निर्धन रोगियों को सहायता भी प्रदान की जाती है और उनकी दाखिले, लेवी प्रभारों में छूट, जांच प्रभारों आदि में छूट के लिए मार्गदर्शन तथा सहायता भी की जाती है।

माहवारी स्वच्छता का संवर्धन

एम्स में महिला रोगियों और महिला श्रमिकों के लिए माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए आरएके ओपीडी एम्स और ज्ञानी ओपीडी में स्थित महिलाओं के शौचालय में स्वच्छता पैड / नैपकिन वेंडिंग मशीनें स्थापित की गई थीं। कहा गया कि परियोजना सेवा प्रकल्प महिला मंडल ट्रस्ट (पंजीकरण) द्वारा की गई है और ट्रस्ट इसके प्रबंधन और संचालन के लिए जिम्मेदार है।

धर्मशालाएं

वहां कल्याण गतिविधि के रूप में तीन विश्राम सदन चलाए जा रहे हैं, अर्थात एम्स में उपचार करवा रहे रोगियों और उनके तीमारदारों को आश्रय प्रदान किया गया। राजगढ़िया विश्राम सदन (आरवीएस), सुरेका विश्राम सदन (एसवीएस) तथा श्री साईं विश्राम सदन (एसएसवीएस) द्वारा संस्थान तथा इसके केंद्रों में उपचार करवा रहे 21,000 से भी अधिक रोगियों और उनके तीमारदारों को आश्रय प्रदान किया गया। रोगियों एवं उनके परिचरों की सहायता हेतु संस्थान द्वारा दिन के समय के दौरान सदनों से अस्पताल तक आने–जाने के लिए वाहन सुविधा प्रदान की जा रही है।

राजगढ़िया विश्राम सदन के अंदर विश्राम सदन में ठहरने वाले बच्चों के लिए एक खेलने कूदने की सुविधा प्रदान की गई। यह सुविधा कैंसर पेशेंट एड एसोसिएशन (सीपीएए) द्वारा सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक दी जाती है। इसके अलावा सीपीएए द्वारा यहां ठहरने वालों को सुविधा देने के लिए सप्ताह में एक दिन योग कक्षा का आयोजन किया जाता है। सीपीएए दीवाली और होली त्यौहार का आयोजन भी करते हैं। सपना (एनजीओ) द्वारा विश्राम सदन के निर्धन रोगियों के लिए सप्ताह में एक बार भोजन सामग्री के दैनिक 58 दूध के पैकेट और 60 पैकेट वितरित किए जाते हैं। इसके अलावा, निः शुल्क भोजन यानी दोपहर के भोजन और रात्रिभोज को एसवीएस की कैंटीन में सुरेखा पब्लिक चैरिटी ट्रस्ट द्वारा तीन सदनों के सहवर्तियों को मुफ्त में प्रदान किया गया था, जो ट्रस्ट द्वारा चलाया जा रहा है।

रेन बसेरा

रेन बसेरा सुविधा नवंबर 2012 में सुरेका विश्राम सदन के पास स्थापित की गई और दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है। इस सुविधा में बाहर से आने वाले गरीब और जरूरतमंद रोगियों और उनके साथ आने वाले परिचारकों को निवास की सुविधा दी जाती है, जिनका एम्स में इलाज किया जाता है।

कर्मचारी कल्याण

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति के मामलों पर विचार किया गया। परिवार के सदस्यों को हुई भारी क्षति को सहन करने तथा जो जिम्मेदारियां उन पर आ गई हैं, उन्हें निभाने में सक्षम बनाने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु परामर्श सेवाएं तथा नैतिक सहायता प्रदान की गई।

यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान के लिए समिति

एम्स में 1999 में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विषय में शिकायतों से निपटने के लिए एक समिति का गठन किया गया और यह एम्स में कार्यरत महिला कर्मचारियों के लिए एक प्रभावी शिकायत निपटान प्रक्रिया प्रदान करती है। यह कथित समिति प्राप्त शिकायतों पर पूछताछ करती है। इसकी बैठकों में दिल्ली महिला आयोग द्वारा संस्तुत गैर सरकारी संगठन के सदस्य भाग लेते हैं। पूछताछ की रिपोर्ट के साथ सिफारिशें अनिवार्य कार्यवाही हेतु सक्षम प्राधिकारी के पास भेजी जाती है। यह जहां तक संभव हो, कार्य स्थल पर उत्पीड़न रोकने के लिए महिलाओं हेतु एक सुरक्षित, निरापद और स्वस्थ माहौल उद्देश्य सुनिश्चित करती है।

महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ

यह निवारणों / शिकायतों का समाधान करने के लिए जनवरी 2014 के दौरान एम्स में महिला निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया गया था :

1. संस्थान की महिला छात्राएं;
2. संस्थान की महिला कर्मचारी जो नियमित, अस्थाई, तदर्थ परियोजना, अस्थाई स्थिति, दैनिक पारिश्रमिक, संविदा या आउट सोर्स नौकरियों पर कार्यरत हैं।

महिला शिकायत प्रकोष्ठ द्वारा प्राप्त शिकायतों पर विचारार्थ विषय के अनुसार के साथ इन पर कार्रवाई की जाती है।

परामर्श सेवाएं

कर्मचारियों, रोगियों और उनके संबंधियों को ये सेवाएं प्रदान की गई कि ताकि वे अपनी भौतिक, सामाजिक, भावनात्मक, आर्थिक, पारिवारिक और वैवाहिक समस्याओं से उबर / समायोजित कर सकें और इस प्रकार अपनी सामाजिक कार्यशैली उन्नत बना सकें।

शिकायतों का निवारण

स्टाफ–सदस्यों तथा रोगियों की शिकायतों का समाधान करने के लिए सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

6-6 fpfdRlk lekt dY;k.k ,dd

मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी
श्री बी. आर शेखर

निगरानी चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी
श्री पंकज कुमार सुश्री गुरमीत कौर

परिचय

एम्स में चिकित्सा समाज कल्याण एकक की नींव 1960 में रखी गई थी जब मुख्य अस्पताल में प्रथम चिकित्सा सामाजिक कार्यकर्ता को नियुक्ति किया गया था। चिकित्सा समाज कल्याण इकाई बहुत ही शुरुआत से चिकित्सा अधीक्षक की देखरेख में काम कर रही है। चिकित्सा सामाजिक सेवाओं के एकीकरण से सकारात्मक परिणाम मिले हैं क्योंकि यह रोगियों के लिए सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और वित्तीय सहायता प्रदान करता है और उपचार प्राप्त करते समय संकट को कम करता है। चिकित्सा समाज कल्याण एकक, मुख्य अस्पताल में 13 एमएसएसओ मुख्य अस्पताल में ओपीडी और 19 महत्वपूर्ण विभागों के वार्डो की देखभाल कर रहा है। इसके अलावा, यहां रोगी देखभाल और मार्गदर्शन के लिए 20 अंशकालिक सामाजिक गाइड (पीटीएसजी) और एक अस्पताल परिचर कार्य कर रहे हैं।

एमएसएसओ की व्यावसायिक योग्यता सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर डिग्री के माध्यम से बनाई गई है जहां विशेष रूप से सामाजिक कार्य एजेंसियों में समवर्ती क्षेत्र–कार्य, निबंध और ब्लॉक प्लेसमेंट के अलावा सामाजिक कार्य विधि, चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, मानव संसाधन प्रबंधन, सांख्यिकी, सामाजिक नीति और प्रशासन और अनुसंधान पद्धति के अध्ययन द्वारा एक कठिन प्रशिक्षण दिया जाता है।

हमारा सिद्धांत : 'रोगियों के लिए प्रतिबद्ध, एम्स के लिए प्रतिबद्ध'

हमारा उद्देश्य

1. डॉक्टर, पैरामेडिकल कर्मचारी, रोगी, परिवार और समुदाय के बीच एक चिकित्सकीय – नेटवर्क बनाना।
2. संपूर्ण शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और व्यावसायिक पुनर्वास के लिए एक समग्र – हीलिंग की ओर अग्रसर करना।
3. रोगियों के बुनियादी मानव अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
4. निर्धन और जरूरतमंद रोगियों के लिए विभिन्न सेवाओं को सुविधाजनक बनाना।
5. मूलभूत रोगी कल्याण सेवाओं की सुविधा के लिए अस्पताल प्रशासन और संकायों का इलाज करने के लिए समन्वय करना

6. सामाजिक कार्य के छात्रों के लिए चिकित्सा समाज कार्य के प्रशिक्षण और अभिविन्यास प्रदान करना।
7. हमारे एकक और एम्स के अन्य विभागों द्वारा शुरू की गई अनुसंधान अध्ययनों का संचालन और समन्वय करना।

पदनाम	कर्मचारी की संख्या
चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड 1	1
चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड 2	9

उपचार के लिए निर्धन और जरूरतमंद रोगियों हेतु वित्तीय सहायता

1. लगभग 40 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता के लिए राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) के कुल 926 मामले उप–समिति द्वारा अनुमोदित किए गए हैं और एमओएचएफडब्ल्यू से 2,12,778,864 रुपए मंजूर किए गए हैं।
2. निर्धन और जरूरतमंद रोगियों के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिटी (सीएसआर) दान की शुरूआत की (220 रोगियों के लिए 2,40,65,841 रुपए की वित्तीय सहायता की व्यवस्था की)
3. निर्धन और जरूरतमंद 150 रोगियों के लिए ट्रस्ट और स्वैच्छिक दाताओं के माध्यम से 5,00,000 रुपए की व्यवस्था की।
4. निर्धन निधि दानपात्र और एम्स निर्धन निधि में जमा करने के माध्यम से 2,27,729 रुपए एकत्र किए गए।
5. एम्स निर्धन निधि के माध्यम से 468 निर्धन रोगियों के लिए 8,61,050 रुपए की मदद की गई।

निर्धन और जरूरतमंद रोगियों के लिए निःशुल्क दवाइयां और अन्य दान

1. एमएसडब्ल्यूयू में स्वैच्छिक दान के माध्यम से 14,78,742 रुपए से 14600 ओपीडी रोगियों के लिए निःशुल्क दवाएं।
2. भर्ती कराए गए लगभग 450 रोगियों को निः शुल्क दवाइयां /शल्य चिकित्सा मद।

अस्पताल लेवी प्रभारों और रेलवे रियायत की छूट

1. लगभग 14,500 निर्धन रेखा से नीचे (बीपीएल)/निर्धन रोगियों के लिए सीटी, एमआरआई, पीईटी और एचएलए आदि सहित विभिन्न अस्पताल लेवी प्रभारों में छूटें।
2. लगभग 3000 रोगियों के लिए इलाज / संबंधित संकाय की सिफारिश पर छूट।
3. लगभग 10,000 बाह्य रोगियों के लिए रेलवे रियायत की सुविधा प्रदान की।

परामर्श और मार्गदर्शन

1. लगभग 35000 रोगियों को परामर्श और निर्देश दिया।
2. डेंगू, चिकन गुनिया और स्वाइन फ्लू अवधि के दौरान लगभग 5000 रोगियों को विशेष परामर्श और निर्देश दिया।

आपात विभाग से पुनर्वास और रेफरल

1. लगभग 195 रोगियों के पुनर्वास : मेडिको–लीगल मामले (एमएलसी) और गैर एमएलसी अज्ञात / परोक्ष / बेसहारा / अनाथ रोगी।
2. बिस्तरों की अनुपलब्धता के कारण आपात एमएसएसओ के माध्यम से प्रवेश के लिए सफदरजंग अस्पताल और अन्य सरकारी अस्पताल के लगभग 9500 रोगियों के स्थानांतरण की सुविधा।
3. प्रतिष्ठित उच्च न्यायालय आदेश के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी के तहत निःशुल्क उपचार के लिए निजी अस्पतालों के रोगियों के रेफरल की सुविधा।

टीएचओए अधिनियम के तहत अंग प्रत्यारोपण का प्राधिकार

टीएचओए, 1994 के अनुसार गुर्दे असंबंधित गुर्दा दाताओं के 13 मामलों में गुर्दा प्रत्यारोपण प्राधिकरण समिति के समक्ष छानबीन, मूल्यांकन, दस्तावेज और प्रस्तुत किए गए।

प्रशिक्षण और अभिविन्यास

1. देश भर के विभिन्न कॉलेजों से सामाजिक कार्य के 27 छात्रों को सामाजिक कार्य प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
2. पूरे भारत में विभिन्न कॉलेजों से लगभग 75 एमएसडब्ल्यू छात्रों के लिए ''अस्पताल व्यवस्था में चिकित्सा सामाजिक सेवाओं'' पर पांच अभिविन्यास सत्र दिए गए थे।

विशेष समारोह

1. 17 अक्तूबर 2017 को एबी–5 वार्ड में दीवाली समारोह और मैजिक शो : चिकित्सा समाज कल्याण एकक द्वारा निदेशक, डीडीए, चिकित्सा अधीक्षक, वरिष्ठ वित्तीय सलाहकार और विभागाध्यक्ष, बाल शल्य चिकित्सक की उपस्थिति में एक मैजिक शो और दीवाली समारोह आयोजित किया गया।
2. संस्थान दिवस समारोह और प्रदर्शनी में चिकित्सा समाज कल्याण एकक शीर्षक ''पर्यावरण और स्वास्थ्य'' ने व्यापक पोस्टर को प्रदर्शित किया।

3. चिकित्सा अधीक्षक, उप निदेशक (प्रशासन), संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ 20 मार्च 2018 को विश्व सामाजिक कार्य दिवस का समारोह आयोजित किया।

अन्य योगदान

1. आपात विभाग में गैर–एमएलसी से एमएलसी 150 रूपांतरण और घायल 20 रोगी के डेटा सुधार।
2. सामाजिक सेवाओं के लिए डिजिटलीकरण प्रक्रिया और ई–अस्पताल के माध्यम से ऑनलाइन छूट जारी की गई।
3. मुख्य एमएसएसओ ने अस्पताल स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए उप–समिति (कायाकल्प) के लिए योगदान दिया।

शिक्षा :

प्रशिक्षण गतिविधियां :

1. श्री बी आर शेखर, मुख्य एमएसएसओ ने 24 मार्च 2018 को जीएमसीएच चंडीगढ़ में स्वास्थ्य / मानसिक स्वास्थ्य सेटअप में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप पर ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल के 5वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक पुरस्कार शोध पत्र सत्र की अध्यक्षता की।
2. सुश्री लीमा मैती, एमएसएसओ ने 24 मार्च 2018 को जीएमसीएच, चंडीगढ़ में स्वास्थ्य / मानसिक स्वास्थ्य सेटअप में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप पर ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल के 5वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "सामाजिक कार्य हस्तक्षेप – आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली विभाग के बिना उपस्थित / अज्ञात / गंतव्य मरीजों के पुनर्वास और पुनर्वास" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
3. परीक्षा शुल्क : निदेशक के अनुमोदन के साथ, संकायाध्यक्ष (परीक्षा) ने एमबीबीएस, एमडी / एमएस और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए 6 सीबीटी विधि प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के लिए अधिकारी–प्रभारी के रूप में बी. आर. शेखर (मुख्य एमएसएसओ) और पंकज कुमार (एमएसएसओ का पर्यवेक्षण) नामांकित किया है।
4. 23–29 सितंबर 2017 से नरेशवाड़ी अधिगम केन्द्र (दहनू), के.जे. सोमैया मेडिकल कॉलेज (मुंबई) और सोमैया स्कूल (मुंबई) के लिए श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ द्वारा आयोजित अहिंसा संचार (एनवीसी) पर कुल 9 कार्यशालाएं।
5. अस्पताल व्यवस्था में एमएसएसओ की भूमिका पर चिकित्सा समाज कल्याण एकक, मुख्य अस्पताल में एमएचए छात्रों (अस्पताल प्रशासन) के लिए श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ द्वारा नियमित सत्रों का संचालक किया गया।

चिकित्सा समाज कल्याण एकक द्वारा प्रशिक्षण गतिविधियां :

1. सामाजिक कार्य प्रशिक्षण – ब्लॉक प्लेस्मेंट : विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से सामाजिक कार्य के कुल 23 छात्रों को अस्पताल की व्यवस्था में चिकित्सा सामाजिक कार्य में प्रशिक्षण – ब्लॉक प्लेसमेंट दिया गया था।
2. सामाजिक कार्य प्रशिक्षण–समवर्ती क्षेत्र कार्य : दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क (डीएसएसडब्ल्यू) के 2 छात्र और बीआर अम्बेडकर कॉलेज, दिल्ली के 2 छात्रों ने अपने वर्ष का दीर्घ समवर्ती क्षेत्र कार्य पूरा किया।

3. सामाजिक कार्य उन्मुखीकरण सत्र : श्री बी. आर. शेखर (मुख्य एमएसएसओ), श्री पंकज कुमार (पर्यवेक्षण एमएसएसओ) और श्री विवेक कुमार सिंह (एमएसएसओ) द्वारा उनके संकाय सदस्यों सहित सामाजिक कार्य छात्र समूहों के लिए अस्पताल व्यवस्था में चिकित्सा समाज सेवाओं' पर 5 उन्मुखीकरण सत्र दिए गए थे।

एम्स में सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन में उपस्थिति

1. मनोवैज्ञानिक आघात, बाल संरक्षण और मानसिक बीमारी पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 27–28 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली, प्रतिभागी : बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ और अभिषेक राजपूत, एमएसएसओ।
2. मनोवैज्ञानिक और पारस्परिक कौशल, 28 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली, प्रतिभागी : विवेक कुमार सिंह, एमएसएस।
3. तंबाकू समाप्ति के लिए क्षमता निर्माण, 30 मई 2017, सम्मेलन हॉल, एम्स, नई दिल्ली, प्रतिभागी : श्री बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ / श्री अनिल माली, एमएसएसओ / मोह. शाहिद, एमएसएसओ / श्री अखिलेश कुमार चौरसिया, एमएसएसओ।

4. **कार्यशाला का नाम** : मनोवैज्ञानिक और पारस्परिक कौशल
   तिथि और स्थान : 20 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली
   उपस्थिति : श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ

5. **कार्यशाला का नाम** : ओआरबीओ द्वारा आयोजित अंग दान के संबंध में अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम
   तिथि और स्थान : 2017, सीएमईटी एम्स, नई दिल्ली
   उपस्थिति : श्री बी.आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ / सुश्री गुरमीत कौर, एमएसएसओ / पर्यवेक्षण एमएसएसओ / मोह. शाहिद, एमएसएसओ / श्री अखिलेश कुमार चौरसिया, एमएसएसओ / श्री अभिषेक राजपूत, एमएसएसओ

बाह्य एम्स में सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन / संगोष्ठी में उपस्थिति

1. नशीली दवाओं के सेवन करने की रोकथाम–सामाजिक कार्य परिप्रेक्ष्य, 10–11 फरवरी 2018 सीयूएचपी, हिमाचल प्रदेश, प्रतिभागी : पंकज कुमार, पर्यवेक्षण, एमएसएसओ
2. स्वास्थ्य / मानसिक स्वास्थ्य सेटअप में सामाजिक कार्य हस्तक्षेप पर चिकित्सा सामाजिक कार्य व्यावसायिकों के ऑल इंडिया एसोसिएशन के 5वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 24 और 25 मार्च 2018, जीएमसीएच, चंडीगढ़, प्रतिभागी : बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ / गुरमित कौर, पर्यवेक्षण, एमएसएसओ / सुश्री नेरजा सपरा, एमएसएसओ / श्री अफताब आलम शाह, एमएसएसओ / मोह. शाहिद, एमएसएसओ / सुश्री लीमा मैती, एमएसएसओ
3. 5वीं भारतीय सामाजिक कार्य महासम्मेलन, 10–12 नवंबर 2017 एसएसयूएस, कोच्चि, केरलए प्रतिभागी : श्री अभिषेक राजपूत, एमएसएसओ

चिकित्सा समाज कल्याण एकक द्वारा रोगी देखभाल सेवाएं

1. मनोवैज्ञानिक–सामाजिक और आर्थिक मूल्यांकन और सामाजिक निदान : एमएसएसओ अपने मनोवैज्ञानिक–सामाजिक आर्थिक आकलन के माध्यम से निर्धन रोगियों को उनके लिए बनाई गई विभिन्न योजनाओं से रोगियों को लाभ प्राप्त करने में सहायता करता है।
2. निःशुल्क दवाइयों और शल्य चिकित्सा वस्तुओं की सुविधा : मुख्य एमएसएसओ की सिफारिश सहित सामाजिक – आर्थिक समीक्षा के लिए एमएसएसओ के लिए विभिन्न वार्डों से परामर्श आता है, जो निर्धन / जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क दवाइयों / शल्य चिकित्सा वस्तुओं को प्राप्त करने में सहायता करता है।
3. इसी प्रकार ओपीडी में फॉलो–अप पर निर्धन / जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क / शल्य चिकित्सा वस्तुओं को प्राप्त करने में मदद मिलती है।
4. बीपीएल रोगियों और जरूरतमंद रोगियों के अस्पताल के लेवी प्रभारों को छूट : रोगियों के सामाजिक – आर्थिक मूल्यांकन के आधार पर मुख्य एमएसएसओ की सिफारिश के बाद एमएसएसओ विभिन्न अस्पतालों की जांच और प्रवेश शुल्क को छोड़ देता है।
5. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) रोगी के लिए उपलब्ध सेवाओं की सुविधा : माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, 1 लाख रुपए या उससे कम की पारिवारिक आय वाले सभी व्यक्तियों को ईडब्ल्यूएस के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और दिल्ली में 46 निजी अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा उपचार के हकदार हैं जो सरकार से रियायती दर पर अधिग्रहीत भूमि पर बनाया गया है।
6. आरएएन (राष्ट्रीय आरोग्य निधि) के माध्यम से वित्तीय सहायता की सुविधा : आरएएन (राष्ट्रीय आरोग्य निधि) गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान के उद्देश्य से, 1997 में शुरू की गई महिला एंव परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत जिसमें एक

केंद्रीय प्रायोजित योजना है, जो प्रमुख भयंकर रोगों से पीड़ित हैं। आरएएन के मामलों को श्री पंकज कुमार, पर्यवेक्षण एमएसएसओ द्वारा परामर्श और दस्तावेज दिया जाता है और श्री बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ के साथ एम्स आरएएन की उप–समिति में इन मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

7. रीनल ऑथराइजेशन कमिटी (आरएसी) के समन्वयन और असंबंधित गुर्दा दाताओं के मूल्यांकन : असंबंधित किडनी दाताओं के मामले श्री बी. आर. शेखर, मुख्य एमएसएसओ / प्राधिकरण के नोडल अधिकारी से संदर्भित हैं। मुख्य एमएसएसओ और श्री अनिल जी. माली, एमएसएसओ और श्री विवेक कुमार सिंह, एमएसएसओ ने मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (टीओएचए), 1994 के अनुसार रीनल प्राधिकार समिति (आरएसी) में वर्तमान मामलों के लिए परामर्श, समन्वय और प्रलेखन करते हैं।
8. परामर्श सेवाएं : चिकित्सा समाज कल्याण एकक रोगियों के संपर्क के पहले बिंदु के रूप में कार्य कर रही है जब वे एम्स में प्रवेश करते हैं। रोगियों और उनके परिचारक को न केवल मूल सूचना प्राप्त होती है बल्कि एमएसएसओ भी अस्पताल में अपने प्रवास के दौरान मनो–सामाजिक परामर्श और मार्गदर्शन देता है।
9. चिकित्सा – कानूनी मामले (एमएलसी) और गैर–एमएलसी अज्ञात / गैर परिचित / निराश्रित / अनाथ रोगियों के समन्वय और पुनर्वास : आकस्मिक, एमएसएसओ सरकारी / गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से अज्ञात पुनर्वास, परिचारक के बिना, निराश्रित, अनाथ रोगियों के लिए सभी पणधारकों के साथ समन्वय करता है।
10. एम्स निर्धन निधि के माध्यम से वित्तीय सहायता : तत्काल जरूरत और तात्कालिकता के मामले में, निर्धन / जरूरतमंद रोगी की एम्स निर्धन निधि से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। एमएसएसओ सामाजिक आर्थिक मूल्यांकन करता है और मुख्य एमएसएसओ के माध्यम से इस सेवा की सुविधा देता है।
11. रेलवे रियायत सुविधा प्रदान करना : चिकित्सा समाज कल्याण एकक रेल मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार कैंसर, एप्लास्टिक एनीमिया, टीबी, कुष्ठरोग, थैलेसीमिया, गुर्दा प्रत्यारोपण, डायलिसिस और बधिर और मूक रोगियों से पीड़ित रोगियों को रेलवे की रियायत प्रदान करती है। रोगियों के बहुत अच्छे उपचार के अनुवर्ती और अनुपालन में यह सुविधा का परिणाम है।
12. बाह्य रोगियों और उनके परिचारकों को आवास की सुविधा उपलब्ध कराना।
13. अनुसंधान और प्रशिक्षण : भारत भर में विभिन्न कॉलेजों से एनएसएस, बीएसडब्लयू, एमएसडब्ल्यू छात्रों के लिए प्रशिक्षण देना और अनुसंधान अध्ययनों का संचालन तथा समन्वय करना।
14. स्वास्थ्य प्रचार और शैक्षिक गतिविधियां : आईईसी सामग्री और स्वास्थ्य शिविरों (जैसे रक्तदान शिविर, एड्स जागरूकता शिविर और स्वास्थ्य जागरूकता बैठक) के माध्यम से स्वास्थ्य – शिक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता का प्रसार करना।
15. योजना और प्रशासन
    1. रोगी कल्याण गतिविधियों में सुधार लाने और अधिक से अधिक रोगी अनुकूल पर्यावरण बनाने के लिए अस्पताल प्रशासन और विभिन्न विभागों के साथ समन्वय अंशकालिक सामाजिक मार्गदर्शकों के माध्यम से मुख्य अस्पताल में विभिन्न सूचना और मार्गदर्शन का प्रबंधन।
    2. अंशकालिक सामाजिक मार्गदर्शिका के माध्यम से मुख्य अस्पताल में विभिन्न सूचना और मार्गदर्शन सेवाएं प्रबंधित करना।
16. निधि जुटाना और नेटवर्किंग : रोगी कल्याण के लिए विभिन्न निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) इकाइयों, ट्रस्ट और दानदाताओं के साथ समन्वय और नेटवर्किंग।
17. आपातकालीन में आपातकालीन चिकित्सा सामाजिक सेवा (24 घण्टे) :
    1. हर समय सभी चिकित्सा सामाजिक सेवाएं प्रदान करना जिसमें रोगियों का स्थानांतरण और पुनर्वास, आपातकालीन विभाग में सुचारु रूप से कार्य जारी रखना शामिल है।
    2. घण्टों के दौरान पूर्ण अस्पताल के चिकित्सा सामाजिक सेवा देखभाल करते हुए
    3. रोगी देखभाल सुविधा के प्रबंधन के लिए महामारियों, आपदाओं और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान विशेष सेवाएं।
    4. वन स्टॉप सेंटर (ओएससी) : लिंग आधारित हिंसा के पीड़ितों के लिए समन्वय, परामर्श और वकालत।

7. uf lZx egkfo|ky;

प्राचार्य

डॉ. मंजू वत्स

व्याख्याता

डॉ. संध्या गुप्ता	डॉ. रेशेल एंड्रूज (31 अक्तूबर 2017 तक)	डॉ. दीपिका सी. खाखा
डॉ. कमलेश के. शर्मा	सुश्री शशि मवार (21 फरवरी 2018 से)	डॉ. पूनम जोशी
श्री एल. गोपीचंद्रन	सुश्री सिबी रिजु	सुश्री अदिति पी. सिन्हा
डॉ. प्रज्ञा पाठक	सुश्री उज्जवल दहिया	सुश्री रिम्पल शर्मा
सुश्री सेसिला एम. एस.	सुश्री मंजू सिंह	सुश्री लेविस मुरी
सुश्री वाय. सुरबाला देवी	सुश्री स्मिता दास	श्री अजेश कुमार टीके
	सुश्री मिलन तिरवा	

वरिष्ठ नर्सिंग व्याख्याता

सुश्री गीता राजदान

नर्सिंग व्याख्याता

सुश्री किरण सिंह सिमक	सुश्री गायत्री बत्रा	सुश्री सुचेता
सुश्री बबिता साहू	डॉ. फिलोमिना थॉमस	सुश्री मीना आरा
सुश्री सीमा सचदेवा	सुश्री अनुभा डी. (1 अगस्त 2017 से अध्ययन अवकाश)	सुश्री नेमखोलम
सुश्री नीलिमा राज	श्री हंसाराम	सुश्री मोनिका सभरवाल

विशिष्टताएं

शिक्षा

इस शैक्षणिक वर्ष में 72 बी. एससी (ऑनर्स) नर्सिंग, 22 बी. एससी नर्सिंग (पोस्ट–बेसिक) छात्र और 22 एम. एससी नर्सिंग छात्रों ने कॉलेज से स्नातक किया।

1. स्नातकपूर्व

i बी. एससी (ऑनर्स) नर्सिंग : चार वर्षीय पाठ्यक्रम से 72 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

ii बी. एससी नर्सिंग (पोस्ट–बेसिक) : दो वर्षीय पाठ्यक्रम से 22 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

2. स्नातकोत्तरः

1. एम. एससी नर्सिंग : एम.एससी नर्सिंग दो वर्षीय पाठ्यक्रम से 22 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

इस वर्ष के कार्यक्रम में 21 विद्यार्थियों ने निम्नलिखित विशेषज्ञताओं में भाग लियाः

क. ओंकोलॉजिकल नर्सिंग (4)
ख. क्रिटिकल केयर नर्सिंग (3)
ग. बाल चिकित्सा नर्सिंग (3)
घ. न्यूरोसाइंस नर्सिंग (3)
ङ नेफ्रोलॉजिकल नर्सिंग (3)
च. हृदय रोग विज्ञान / सीटीवीएस नर्सिंग (3)
छ. मनोरोग चिकित्सा नर्सिंग (2)

2. नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा अभिविन्यास / संक्षेप सत्र आयोजित किए गए :

- भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से दो समूहों में आगंतुक
- ''सनड्राइव चाउवेउ सेवु'', मोंट्रियल यूनिवर्सिटी, कानाडा के क्यूबेक में नर्सिंग प्रशिक्षण पर प्रस्तुतीकरण।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. उन्नत बाल चिकित्सा देखभाल (बाल चिकित्सा अद्यतन) पर कार्यशाला, 20 नवंबर 2017, एम्स के 39 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया, डॉ पूनम जोशी, सुश्री सेसिलिया एम एस और सुश्री रिम्पल शर्मा : व्याख्याता समन्वयक थीं।
2. ''वैज्ञानिक लेखन और सूचना पुनर्प्राप्ति के लिए उपकरण'' पर प्रस्तुति–कार्यशाला, 16 दिसंबर 2017 को आयोजित आईएएनएन, एमएमयू अंबाला में 9वां वार्षिक सम्मेलन, डॉ. मंजू वत्स, प्राचार्य समन्वयक थीं।
3. एमएमयू अंबाला में 16–18 दिसंबर 2017 को आयोजित 7वें वार्षिक आईएएनएन सम्मेलन में डॉ. मंजू वत्स, प्राचार्य समन्वयक थी।
4. ''कार्यस्थल में कल्याण'' पर कार्यशाला, एम्स के 33 नर्सों ने 5 फरवरी 2018 को कार्यशाला में भाग लिया। डॉ संध्या गुप्ता, और सुश्री लेविस मुरी, व्याख्याता समन्वयक थीं।
5. 19 फरवरी 2018 को आयोजित ''गुणवत्ता देखभाल और रोगी सुरक्षा –एक प्राथमिकता नहीं एक विकल्प'' पर कार्यशाला, एम्स के 28 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया, डॉ कमलेश के शर्मा, श्री अजेश कुमार टीके, व्याख्याता समन्वयक थे।
6. 5 मार्च 2018 को आयोजित ''मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यस्थल'' पर कार्यशाला, एम्स के 28 नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया, डॉ दीपिका सी खाखा, और सुश्री वाई. सुरबाला देवी, व्याख्याता समन्वयक थीं।
7. 8 मार्च 2018 को आयोजित मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग अपडेट, 23 एम्स के नर्सों ने कार्यशाला में भाग लिया, सुश्री अदिति सिन्हा, व्याख्याता समन्वयक थे।

प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. मंजू वत्स : 13	**डॉ. दीपिका सी. खाखा : 26**	**डॉ. कमलेश शर्मा : 5**
डॉ. पूनम जोशी : 6	**सुश्री शशि मावर : 7**	**श्री एल.गोपीचंद्रन : 8**
सुश्री सिबी रिजु : 2	**सेसिला एम.एस : 1**	**सुश्री मंजू : 4**
सुश्री वाई सुरबाला देवी : 3	**सुश्री समिता दास : 3**	**सुश्री रिम्पल शर्मा : 2**
सुश्री लेविस मुरी : 4	**श्री अजेश कुमार : 3**	**सुश्री मिलन तिरवा : 5**
सुश्री गायत्री बत्रा : 2	**सुश्री बबिता साहू : 1**	**डॉ. फिलोमिना थॉमस : 3**

मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुति : 23

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पुनर्जीवन के वास्तविक समय आकलन पर मूल और उन्नत सीपीआर से संबंधित नर्स और प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए ज्ञान और कौशल का आकलन करने हेतु एक अध्ययन और एक तृतीयक स्तर देखभाल की सुविधा में इसके परिणाम, स्मिता दास, एम्स, 1 वर्ष, 2018, 3.7 लाख रुपए
2. नर्स के नेतृत्व में होने वाले संरचित टेलीफोन से हो रही हृदय की विफलता प्रबंधन कार्यक्रम की प्रभावशीलता – एक आरसीटी, गोपीचंद्रन एल, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 2 लाख रुपए

पूर्ण

1. बुजुर्गों के बीच मधुमेह के उपचार पर नर्स के नेतृत्व में होने वाले कार्यक्रम की प्रभावशीलता, शशि मावर, आंतरिक अनुदान, 2 वर्ष, 2015–2017, 3.5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एम्स, नई दिल्ली में मैकेनिकल वाल्व प्रतिस्थापन से गुजर रहे रोगियों के बीच एंटीकोगुलेशन और आईएनआर नियंत्रण के बारे में ज्ञान पर संरचित रोगी शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
2. सीसीयू, एम्स, नई दिल्ली में तीव्र विघटित हृदय विफलता रोगियों के लिए महत्वपूर्ण देखभाल नर्सिंग प्रोटोकॉल की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
3. दिल्ली के चयनित कॉलेज के 18–25 वर्ष के बीच बच्चों में जन्मजात हृदय दोषों के लिए संगठनात्मक अग्रणी के बारे में ज्ञान और दृष्टिकोण पर संरचित स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
4. डॉ बीआरएआईसीएच, एम्स, नई दिल्ली में कैंसर के दर्द वाले रोगियों के बीच एनाल्जेसिक, सहायक और इसके विचलन के निर्धारकों के अनुपालन का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
   आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में कैंसर वाले बच्चों के बीच अस्थि मज्जा परीक्षा के दौरान बच्चे के सहयोग और दर्द की धारणा पर रिकॉर्ड की गई मातृभाषा की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
5. एम्स, नई दिल्ली में कीमोथेरैपी के दौरान संक्रमण की रोकथाम के संबंध में तीव्र ल्यूकेमिया वाले बच्चों की देखभाल करने वालों के ज्ञान पर शिक्षा आधारित वीडियो के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
   एम्स, नई दिल्ली में एक पुस्तिका विकसित करने के उद्देश्य से ओएसए और सीपीएपी थेरैपी के बारे में रोगी के ज्ञान और दृष्टिकोण का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
6. सूचनात्मक पुस्तिका विकसित करने के उद्देश्य से जेपीएनएटीसी में न्यूरोसर्जरी ओपीडी में भाग लेने वाले पोस्ट आघातपूर्ण मस्तिष्क चोट रोगियों के संज्ञानात्मक कार्य और जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन।
7. माइग्रेन के कारण कार्य की उत्पादकता और अक्षमता पर माइग्रेन के प्रभाव का आकलन करने के लिए और एम्स, नई दिल्ली में न्यूरोलॉजी ओपीडी में भाग लेने वाले माइग्रेन रोगियों के लिए एक शैक्षिक पुस्तिका विकसित करने के उद्देश्य से माइग्रेन रोकथाम के बारे में ज्ञान का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन।
8. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में हिमोडायलिसिस से गुजरने वाले सीकेडी रोगियों में सीरम यूरिया क्रिएटिनिन क्लीयरेंस में कम तीव्रता वाले इंट्रा–डायलिटिक अभ्यास की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
9. एम्स, नई दिल्ली के सामान्य वार्ड में ट्रांसक्रिप्शन, प्रशासन और दस्तावेज से संबंधित दवा प्रशासन प्रथाओं और अंतराल का आकलन करने के लिए एक अवलोकन संबंधी अध्ययन
10. एम्स, नई दिल्ली में उच्च रक्तचाप और मधुमेह रोगी के बीच पुरानी गुर्दे की बीमारी के ज्ञान पर शिक्षा पुस्तिका के जोखिम और प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
11. आईसीयू, एम्स, नई दिल्ली में कार्य कर रही महत्वपूर्ण नर्सों के बीच ज्ञान, रवैया, प्रथाओं में बाधा और जीवन देखभाल के अंत के संबंध में समर्थन का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन।
12. आईसीयू नर्सों के बीच एंटी–एरिथमिक दवाओं के ज्ञान पर संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
13. एम्स, नई दिल्ली की दुर्घटना / आपातकाल में कार्य कर रही नर्सों का गतिविधि विश्लेषण।
14. दिल्ली, एनसीआर में एकल माता का अनुभव रखने वाले महिलाओं के माता–पिता के तनाव और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
15. परिणामों पर पीआईसीयू में गंभीर रूप से बीमार बच्चों के प्रवेश के समय पोषण संबंधी स्थिति के प्रभाव को निर्धारित करने हेतु एक अध्ययन।
16. टाइप 1 डाइबेटिक मेलिटस वाले बच्चों की देखभाल करने वालों के बीच मधुमेह देखभाल पर ज्ञान और प्रथाओं का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।
17. एम्स, नई दिल्ली में सूचना विकसित करने के उद्देश्य से कीमोथेरैपी और उनके देखभाल करने वालों के बीच मौखिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में प्रचलन और ज्ञान का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
18. बीआरएआईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में हिमेटोपेटिक स्टेम कोशिकाओं के दान के संबंध में हिमेटोलॉजिकल कैंसर वाले रोगी के परिवार के सदस्यों के ज्ञान और दृष्टिकोण का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
19. सूचना पुस्तिका विकसित करने के उद्देश्य से जीवन के विभिन्न पहलुओं पर कॉलेज के छात्रों के बीच इंटरनेट लत के प्रभाव का आकलन करने हेतु एक अन्वेषक अध्ययन।
20. एम्स, नई दिल्ली में एक नर्सिंग व्यावसायिक के रूप में पुरुष नर्सों की धारणा, और महिला सहकर्मियों, नर्स प्रबंधकों और पुरुष नर्सों के प्रति रोगियों के दृष्टिकोण।

21. सीएचएसआरपी, बल्लभगढ़ के श्रम वार्ड में जन्म के एक घंटे के अंतर स्तनपान शुरू करने पर गुणवत्ता सुधार परियोजना।
22. एम्स, नई दिल्ली में प्रसवोत्तर माताओं में अवसाद और इसके जोखिम कारकों का प्रसार।
23. अंग दान के संबंध में पूर्व स्नातक छात्रों के ज्ञान और दृष्टिकोण छात्र, एम्स।
24. आईसीयू, एम्स, नई दिल्ली में वीएपी को कम करने में सब–ग्लोटिक सक्शन वीएस पारंपरिक ईटी सक्शन की निरंतर आकांक्षा का आकलन करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. एम्स में नर्सिंग छात्रों के बीच व्यक्तित्व, मनोवैज्ञानिक कष्ट और समायोजन कठिनाइयों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
2. एम्स में सीएनसी ओपीडी में स्ट्रोक के साथ और बिना कार्डियक रोगियों के बीच अपने जोखिम कारक और रोकथाम के बारे में ज्ञान का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।
3. देखभाल करने वालों के लिए उपचार हेतु एक मॉड्यूल विकसित करने के दृष्टिकोण के साथ एम्स में उपचार मांगने वाले हिमोडायलिसिस रोगियों के बीच एलेक्सिथिमिया और अवसाद का आकलन करने के लिए एक विषमनुभागीय अध्ययन।
4. 'मुँहासे के उपचार के मनोवैज्ञानिक पहलू पर सूचना पुस्तिका' विकसित करने की दृष्टि से त्वचा विज्ञान ओपीडी एम्स में मुँहासे के दौर से गुजरने वाले किशोरों के बीच शरीर की छवि को लेकर अशांति और आत्म सम्मान का आकलन करने के लिए एक विषमनुभागीय अध्ययन।
5. एम्स में ट्रेकेसोफेजियल फिस्टुला के लिए आपरेटिड बच्चों में माता–पिता के तनाव, जीवन की गुणवत्ता और उनकी प्रतिद्वंद्विता वाली क्षमताओं के साथ बच्चों के विकास का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन।
6. आपातकालीन विभाग, एम्स में तीव्र अपघटन हृदय विफलता वाले रोगियों के परिवार के सदस्यों के बीच देखभाल की जरूरतों और देखभाल की संतुष्टि का आकलन करने हेतु एक वर्णनात्मक अध्ययन।
7. एनआईसीयू, एम्स, नई दिल्ली में अस्पताल में नवजात शिशु की प्रसवोत्तर माताओं पर तनाव और दूध उत्पादन पर छूट तकनीक के प्रभाव का आकलन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
8. प्रोटोकॉल विकसित करने के उद्देश्य से एम्स, नई दिल्ली में काम कर रहे आईसीयू स्टाफ नर्सों के बीच विभिन्न आईसीयू रोगियों में भ्रम की पहचान के संबंध में ज्ञान का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
9. एम्स, नई दिल्ली में शाइजोफ्रेनिया और इसके संबंधित विकार वाले रोगियों के वयस्क परिवार देखभाल करने वालों के लचीलेपन का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
10. 'गुर्दा प्रत्यारोपण शिक्षा पुस्तिका' विकसित करने की दृष्टि से एम्स, नई दिल्ली में गुर्दा प्रत्यारोपण करवाने वाले रोगियों द्वारा आत्म प्रभावकारिता, ज्ञान और रोगियों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
11. एम्स, नई दिल्ली में मानसिक रूप से बीमार रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच तनाव, नींद की गुणवत्ता और देखभाल करने वाले बोझ पर हंसी योग के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
12. एम्स में, नई दिल्ली ग्लूकोमा क्लिनिक में जाने लेने वाले बच्चों की देखभाल करने वालों के बीच ज्ञान और अभ्यास के संबंध में ग्लूकोमा दवा के अनुपालन पर सूचना, शिक्षा, संचार (आईईसी) पैकेज की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
13. आपातकालीन विभाग और महत्वपूर्ण देखभाल इकाई एम्स, नई दिल्ली में कार्य कर रही नर्सों के बीच ज्ञान और अभ्यास पर डिफिब्रिलेशन के उपयोग के संबंध में नियोजित सिमुलेशन शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
14. मिर्गी वाले लोगों में रोजगार को प्रभावित करने वाली रोजगार दर और कारकों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
15. डॉ भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स, नई दिल्ली में ओपीडी और आईपीडी रोगियों के बीच कार्सिनोमा स्तन और कार्सिनोमा मौखिक गुहा के निदान में देरी से जुड़े कारकों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
16. एम्स में पूर्व शल्य चिकित्सा और पश्चात शल्य चिकित्सा चरण में ठोस ट्यूमर के लिए अग्रिम सर्जरी से गुजरने वाले वयस्क रोगियों में थकान के स्तर और कार्यात्मक हानि की उपस्थिति का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
17. चिकित्सा सर्जिकल आईसीयू, एम्स, नई दिल्ली में यांत्रिक वेंटिलेशन पर गंभीर रूप से बीमार रोगियों के अनुभवों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

18. बीआरए आईआरसीएच, एम्स में मौखिक कैंसर और उनके देखभाल करने वाले के बोझ वाले पोस्ट–ऑपरेटिव वाले रोगियों की जीवन की गुणवत्ता और सहायक देखभाल आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
19. एम्स, नई दिल्ली में स्ट्रोक और संबंधित योगदान कारकों से रिकवरिंग, तम्बाकू प्रयोक्ताओं में तंबाकू मांगने के व्यवहार की पुनर्प्राप्ति का पता लगाने के लिए एक अध्ययन।
20. जीआई सर्जरी वार्ड / आईसीयू, एम्स, नई दिल्ली में भर्ती एवं वैकल्पिक पेट की सर्जरी करवाने वाले रोगियों के बीच आंत्र गतिशीलता पर च्यूइंग गम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक प्रयोगात्मक अध्ययन।
21. एम्स, नई दिल्ली में तीव्र अपघटन हृदय की विफलता वाले रोगियों के बीच बीमारी और जीवन की गुणवत्ता के बारे में ज्ञान पर संरचित शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक आरसीटी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नर्स के नेतृत्व में नवजात अनुवर्ती क्लिनिक की व्यवहार्यता और स्वीकार्यता : एक प्रायोगिक अध्ययन, नवजात विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा।
2. ''लिविंग विद थैलेसेमिया'' पर सूचनात्मक पुस्तिका विकसित करने हेतु एक विचार के साथ थैलेसेमिया प्रमुख और उनके माता–पिता के परिप्रेक्ष्य के साथ किशोरों के बीच रोग ज्ञान, उपचार पालन और आत्म प्रभावकारिता। हिमेटोलॉजी
3. एम्स, नई दिल्ली में 6 सप्ताह के बाद में अवसादग्रस्त बाह्य रोगी विभाग और टीकाकरण क्लिनिक में भाग लेने वाली महिलाओं के बीच अवसाद के प्रसार और इसके जोखिम कारकों का आकलन करने के लिए एक विषमनुभागीय अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 17 **पुस्तकों में अध्याय : 2**

रोगी उपचार

1. विभागीय संकाय एवं विद्यार्थियों ने संस्थान के समस्त नैदानिक विभागों की रोगी उपचार संबंधी बाहरी एवं आंतरिक गतिविधियों में हिस्सा लिया।
2. संकाय एवं विद्यार्थियों ने इनका आयोजन और व्यवस्था की :–
   1. शहरी समुदाय में 100 स्वास्थ्य शिक्षा सत्र।
   2. शहरी समुदाय में 25 प्रदर्शनियां और रोल प्ले आयोजित किए गए। इसके विषय वर्तमान समस्याओं से संबंधित थे और विश्व स्वास्थ्य दिवस के महत्व पर सभी रोल प्ले किए गए थे।
   3. छात्रों ने शहरी समुदाय में नौ स्वास्थ्य सर्वेक्षण किए। डॉ. कमलेश कुमारी शर्मा ने समन्वय और निगरानी की।
   4. त्रिलोकपुरी में सार्वजनिक और कक्षा 6–10 छात्रों के लिए तीन जागरूकता कार्यक्रम।
   5. ''स्वास्थ्य चेतना और जन संपर्क अभियान'' में छात्र भागीदारी में भाग लिया और समन्वय किया; प्रगति मैदान, नई दिल्ली में एनसीडी, स्क्रीनिंग और जागरूकता परिसर, 14–21 नवंबर 2017, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित 37वां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ मंजू वत्स ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्स के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में कार्य जारी रखा, जनरल बॉडी और नर्सिंग एजुकेशन कमेटी सदस्य, इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी); कोर समूह सदस्य, आईएनसी पीएचडी कंसोर्शियम; सहकर्मी दल के सदस्य, नागराथिनम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बैंगलोर, चोइथरम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, इंदौर, मदर टेरिसा पीजी और अनुसंधान संस्थान स्वास्थ्य विज्ञान, पुडुचेरी, यूजीसी के राष्ट्रीय आकलन और प्रत्यायन परिषद के लिए; सिम्बोसिस डीम्ड यूनिवर्सिटी; पुणे, श्री वेंकटेश्वर डीम्ड विश्वविद्यालय, गजराला, अमरोहा, कृष्णा चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कराद, महाराष्ट्र, मीनाक्षी उच्चतर शिक्षा अकादमी (डीम्ड यूनिवर्सिटी), चेन्नइ के निरीक्षण के लिए सदस्य, यूजीसी विशेषज्ञ समिति; नर्सिंग कॉलेज के लिए गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के लिए निरीक्षक, डॉ आरएमएल अस्पताल, बिड़ला चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के लिए आईएनसी हेतु, नर्स प्रैक्टिशनर कोर्स के लिए नर्सिंग ग्वालियर कॉलेज, और नर्सिंग में पीजी पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए नर्सिंग कॉलेज, एम्स, भुवनेश्वर; संतोष डीम्ड यूनिवर्सिटी और कालका कॉलेज ऑफ नर्सिंग के लिए एम्स ऋषिकेश, एम्स भुवनेश्वर, यकृत और पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के लिए सदस्य चयन समितियां; एम्स की विभिन्न समितियों में भाग लिया : नर्सिंग कर्मियों के लिए आरआर का संशोधन, कार्डियोलॉजी विभाग के कर्मचारी परिषद, दीक्षांत समारोह, संस्थान दिवस, चयन समिति (पीबी नर्सिंग), अमेरिका पुरस्कार चयन समिति के एम्सोनियंस, रैगिंग

विरोधी दल, एमएससी नर्सिंग में प्रवेश और बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग के लिए 7 एम्स के लिए परामर्श; मिशन दिल्ली परियोजना के लिए चयन समिति; हिन्दी पखवाड़े समारोह के दौरान हिन्दी अनुभाग, एम्स द्वारा हिन्दी निबंध प्रतियोगिता और हिंदी कविता प्रतियोगिता के लिए निर्णायक; बीपीकेआईएचएस, धारन, नेपाल, पीएचडी विवा परीक्षा गुवाहाटी विश्वविद्यालय में एमएससी नर्सिंग, और बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान पंजाब विश्वविद्यालय हेतु एमएससी नर्सिंग के लिए परीक्षक, एम्सोनियंस के मनोनीत कार्यकारी सदस्य, एमओएचएफडब्ल्यू के लिए विशेषज्ञ–नर्सों और आरओपी टास्क फोर्स के लिए आपातकालीन जीवन सहायता पाठ्यक्रम विकसित करना; स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायिकों के लिए प्रशिक्षण सामग्री के विकास हेतु एनसीडी–टैग बैठक के लिए विशेषज्ञ, एनएचएसआरसी; पीजीआईएमएस रोहतक और जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लिए नर्सिंग में अध्ययन सदस्य, बोर्ड; एसजीटी विश्वविद्यालय, गुड़गांव में नर्सिंग के लिए सदस्य, रिसर्च एथिक्स कमेटी; नर्सिंग व्यावसायिकों, सम्मेलन कार्यशाला, एनसीडी कांग्रेस 2017, पीजीआई, चंडीगढ़, 7 नवंबर 2017 के लिए अध्यक्ष, 'क्रॉनिक एनसीडी के लिए कार्य स्थानांतरण', कार्यशाला; मुख्य अतिथि, नवजात देखभाल, सीएमसी, वेल्लोर, 23 नवंबर 2017 में उत्कृष्टता और नवाचारों को बढ़ाने पर राष्ट्रीय नवजात सम्मेलन का उद्घाटन; अध्यक्ष, पदार्थों के उपयोग विकार में नर्सों की भूमिका, व्यसन मनोचिकित्सा सम्मेलन, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, 29 नवंबर 2017; विशिष्ट अतिथि, लैंप लाइटिंग सेरेमनी, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, आरआईएमएस, इम्फाल, मणिपुर, 1 दिसंबर 2017; अध्यक्ष, मुख्य भाषण : हर नवजात शिशु को जीवित रखने के लिए कार्यनीतियां, इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सिसस का 7वां वार्षिक सम्मेलन, एमएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एमएम यूनिवर्सिटी, मुलाना, अंबाला, 16 दिसंबर 2017; विशिष्ट अतिथि, नर्सिंग प्रथाओं और संक्रमण नियंत्रण में उत्कृष्टता पर प्रथम नर्सिंग सम्मेलन का उद्घाटन, नर्सिकन, नर्सिंग कॉलेज, एम्स, 11 जनवरी 2018; अध्यक्ष, साक्ष्य आधारित नर्सिंग प्रथाएं, नर्सिंग प्रथाओं और संक्रमण नियंत्रण में उत्कृष्टता पर पहला नर्सिंग सम्मेलन, नर्सिकन, नर्सिंग कॉलेज, एम्स, 12 जनवरी 2018; विशिष्ट अतिथि, केन्द्रीय लाइन से संबंधित रक्त प्रवाह संक्रमण की रोकथाम पर कार्यशाला का उद्घाटन, नर्सिंग कॉलेज, ब्रैच, एम्स, 26 फरवरी 2018; विशिष्ट अतिथि, महिलाओं और कार्डियक तथा मानसिक स्वास्थ्य, पर कार्यशाला के लिए सोसाइटी ऑफ कार्डियक एनेस्थेसियोलॉजी के 10वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन, एम्स, 8 मार्च 2018; अध्यक्ष, गर्भावस्था और गुर्दे की बीमारी और डायलिसिस पर सत्र, गुर्दे की बीमारियों पर संगोष्ठी, विश्व किडनी दिवस 2017, नेफ्रोलॉजी विभाग, एम्स; पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए निर्णायक, मनोवैज्ञानिक आघात, बाल संरक्षण और मानसिक बीमारी पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 27–28 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, पुरानी एनसीडी के लिए कार्य स्थानांतरित, सम्मेलन पश्चात कार्यशाला, विश्व एनसीडी महासम्मेलन 2017, 7 नवंबर 2017, पीजीआई, चंडीगढ़; अध्यक्ष, 'पदार्थ उपयोग विकारों में नर्सों की भूमिका', व्यसन मनोचिकित्सा सम्मेलन, मनोचिकित्सा विभाग, 29 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, साक्ष्य आधारित नर्सिंग प्रथाएं, नर्सिंग प्रथाओं और संक्रमण नियंत्रण में उत्कृष्टता पर पहला नर्सिंग सम्मेलन, नर्सिसन, नर्सिंग कॉलेज, 12 जनवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, मुख्य भाषण : नवजात स्वास्थ्य में गुणवत्ता में सुधार, इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सिस के 7वें वार्षिक सम्मेलन, 16 फरवरी 2018, एमएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एमएम यूनिवर्सिटी, मुलाना, अंबाला; अध्यक्ष, गर्भावस्था और गुर्दे की बीमारी और डायलिसिस, गुर्दे की बीमारियों पर संगोष्ठी, विश्व गुर्दा दिवस 2017, नेफ्रोलॉजी विभाग, 8 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. दीपिका सी खाखा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्लोबल क्लीनिकल प्रैक्टिस नेटवर्क (जीसीपीएन) के सदस्य थे, मानसिक स्वास्थ्य के एक अंतरराष्ट्रीय समुदाय और प्राथमिक देखभाल व्यावसायिक, वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य में अनुसंधान और अभ्यास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं; सदस्य, डॉक्टरेट कमेटी, पीएचडी नर्सिंग छात्र, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली; एचआईवी / एड्स के साथ रहने पर दिल्ली विश्वविद्यालय के एमएससी नर्सिंग छात्र की सामग्री वैधता के लिए विशेषज्ञ : दिल्ली में चयनित एआरटी केंद्र में भाग लेने वाले किशोरों (13–19 वर्ष) के जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए गुणात्मक अध्ययन; बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के लिए एमएससी थीसिस एडजंक्टर; 16 दिसंबर 2017 को जेरिकॉन 2017 में पुरस्कार शोध पत्र की अध्यक्षता; 16–17 दिसंबर 2017 को जेरिकॉन 2017 के लिए सचिव का आयोजन; मनोवैज्ञानिक नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए इग्नू की पाठ्यचर्या संशोधन समिति; मार्च 2018 में आयोजित ट्रॉमा कॉन्क्लेव पर सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति; आईएलबीएस की नैतिकता समिति के विशेषज्ञ ने 13 जनवरी 2018 को बैठक में भाग लिया; हेल्पेज इंडिया में जराचिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम की सामग्री वैधता के विशेषज्ञ, 26–28 फरवरी 2018; महिलाओं और पुरुषों में गुर्दे की बीमारी पर डॉ आरएमएल अस्पताल में विश्व गुर्दा दिवस पर एक सत्र की अध्यक्षता की : 9 मार्च 2018 को वे अलग कैसे हैं; विषय विशेषज्ञ, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की डॉक्टरेट कमेटी; डॉ एमजीआर चिकित्सा विश्वविद्यालय के लिए पीएचडी थीसिस निर्णायक; आयोजन सचिव, कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला, 5–6 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली; एम्स, नई दिल्ली में 27 मार्च 2018 को मनोवैज्ञानिक आघात, बाल संरक्षण और मानसिक बीमारी पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन पर निःशुल्क शोध पत्र प्रस्तुतीकरण के निर्णायक / सह–अध्यक्ष; एम्स, नई दिल्ली में 27–28 मार्च 2018 को मनोवैज्ञानिक आघात, बाल संरक्षण और मानसिक बीमारी पर प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन की वैज्ञानिक समिति; पर्यवेक्षण, नर्सिंग प्रशासन पर कार्यशाला, 10 मार्च 2018, कलावती सरन अस्पताल, नई दिल्ली; सदस्य, संपादकीय / सलाहकार बोर्ड, जर्नल ऑफ नर्सिंग साइंस एंड प्रैक्टिस, इंडियन जर्नल ऑफ एडवांस्ड नर्सिंग, स्कॉलर रिपोर्ट एंड जर्नल औफ कॉम्प्रीहेंसिव नर्सिंग रिसर्च एंड केयर; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ एंड एलायड साइंसेज, बाबा फरीद विश्वविद्यालय नर्सिंग जर्नल, जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन नर्सिंग साइंस, एन्नल्स ऑफ नर्सिंग

एंड प्रैक्टिस, जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन एण्ड पबिलक हेल्थ केयर, करंट साइकियाट्री रिव्यूस, जर्नल ऑफ एफेक्टिव डिस्ऑर्ड्र्स, जर्नल ऑफ कम्फ्युनिटी हेल्थ मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ एजुकेशन टेक्नोलॉजी इन हेल्थ साइंस, एशियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ नर्सिंग, अमेरिकन जर्नल ऑफ साइकियाट्री और न्यूरोसाइंस एण्ड जर्नल ऑफ अल्टरनेटिव, कॉम्प्लीमेंटरी और इंटीग्रेटिव मेडिसिन के लिए समीक्षाकर्ता।

डॉ. कमलेश कुमारी शर्मा 20 जनवरी 2018 से एम्स में मुख्य सह समन्वयक के रूप में प्रोफेसर कामेश्वर प्रसाद के साथ सीएमईटी के तहत 'नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा, में 1 वर्षीय अंशकालिक अध्येतावृत्ति कार्यक्रम कर रहें हैं एवं इनका चयन हुआ था; समीक्षाकर्ता, नर्सिंग विज्ञान और मिडवाइफरी में उन्नत अनुसंधान के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका; राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसिस, बेंगलुरु (12वां बैच) के सहयोग से भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा पीएचडी नर्सिंग हेतु राष्ट्रीय संघ के मार्गदर्शक पीएचडी प्रत्याशी (दो); सदस्य, डॉक्टरेट कमेटी, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से स्वास्थ्य विज्ञान स्कूल, इग्नू द्वारा विकसित 'नर्सों के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य में प्रमाण पत्र' पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य; 12 सितंबर 2017 को 7वीं अंतरराष्ट्रीय सीएमई में अनुसंधान प्रस्तुतियों के लिए निर्णायक के रूप में अध्यक्षता, 'ई–स्वास्थ्य देखभाल में प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग पर कार्यशाला और सम्मेलन', 11–13 सितंबर 2017, एम्स, आईटी विभाग और आपातकालीन चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित, एम्स, नई दिल्ली; स्वामी राम हिमालयी विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड के लिए नर्सिंग में अध्ययन बोर्ड, सदस्य; तदर्थ निरीक्षक, भारतीय नर्सिंग परिषद (आईएनसी) ने जुलाई और अक्टूबर 2017 में दो निरीक्षण किए; सात विश्वविद्यालयों के लिए यूजी और पीजी कार्यक्रमों हेतु बाह्य परीक्षक; स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, असम के अधिनिर्णय पीएचडी थीसिस; जुलाई 2010 से केन्द्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी, नर्सिंग कॉलेज; अगस्त 2017 तक छात्र नर्स संघ (एसएनए) सलाहकार; 8 दिसंबर 2014 से उप छात्रावास अधीक्षक, न्यू नर्स हॉस्टल, मस्जिद मोठ, एम्स; सात राष्ट्रीय / स्थानीय कार्यशालाओं / सम्मेलनों में भाग लिया।

डॉ. शशि मावर ने ईसीएमओ टीम के साथ सत्र संचार, एसडब्ल्यूएसी–ईएलएसओ पांचवां वार्षिक सम्मेलन, भारत आवास केंद्र, 18–21 जनवरी 2018, एम्स, दिल्ली की अध्यक्षता की; ''परिधीय रूप से डाली गई केंद्रीय रेखा में संक्रमण निवारक प्रथाओं" पर सत्र, केन्द्रीय रेखा से जुड़े रक्त प्रवाह संक्रमण की रोकथाम पर कार्यशाला, 26 फरवरी 2018, डॉ बीआरएआईआरसीएच, एम्स, दिल्ली की अध्यक्षता की; ''क्रोनिक किडनी बीमारियों के लिए उपयोग की जाने वाली दवाओं'' पर सत्र, गुर्दे और महिला स्वास्थ्य, 8–9 मार्च 2018, डॉ बीआरएआईआरसीएच, एम्स, दिल्ली की अध्यक्षता की।

श्री एल. गोपीचंद्रन को एम्स संस्थान दिवस समारोह, 25 सितंबर 2017 में सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य के लिए नर्सिंग में अमेरिका बुक प्राइज पुरस्कार–उत्कृष्टता के एम्सोनियंस प्राप्त हुए; सीएमईटी (2017–2019 बैच) के साथ क्लिनिकल महामारी विज्ञान इकाई द्वारा नैदानिक शोध विधि और प्रमाण आधारित दवा संचालन पर अंशकालिक अध्येतावृत्ति कार्यक्रम में नामांकित किया; एम्स ऋषिकेश, एम्स भोपाल, एम्स जोधपुर, आईएलबीएस कॉन दिल्ली, बाबा फरीद विश्वविद्यालय में बाह्य परीक्षक नियुक्त किया गया।

सुश्री लेविस मुरे ने छात्र नर्स एसोसिएशन (एसएनए) सलाहकार के रूप में सह पाठ्यचर्या गतिविधियों में छात्रों को निर्देशित किया; एमएससी नर्सिंग के लिए बाह्य परीक्षक थे, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, पंजाब; दो कार्यशालाओं में भाग लिया।

सुश्री मंजू सिंह ने 8 मार्च 2018 को एम्स, नई दिल्ली में किडनी रोगों पर विश्व किडनी दिवस संगोष्ठी पर ''महिलाओं में मूत्र पथ संक्रमण'' और ''प्रसवपूर्व देखभाल और गुर्दे'' पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

सुश्री सुचेता यादव ने हेल्पेज इंडिया, नई दिल्ली, 26–28 फरवरी 2018 में बुजुर्गों के लिए जराचिकित्सा प्रशिक्षण की सामग्री वैधता की; 21–25 मार्च 2018 को शिमला में बुजुर्गों, प्रायोगिक परियोजना, हेल्पेज इंडिया के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर।

श्री हंसाराम ने अगस्त 2017 में छात्रावास में रैगिंग विरोधी दौरा किया; व्याख्यान रंगमंच का आबंटन किया था; बेडसाइड चर्चा, नैदानिक प्रदर्शन और मामले प्रस्तुति के रूप में नैदानिक शिक्षण की सुविधा प्रदान की; संस्थान द्वारा आयोजित प्रवेश और भर्ती परीक्षा के लिए संकाय प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया।

सुश्री सेसिला एमएस ने प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण में हेल्पेज इंडिया द्वारा एक गृह देखभाल प्रायोगिक परियोजना के प्रशिक्षण में शामिल है और बुजुर्गों की घरेलू देखभाल से संबंधित विभिन्न विषयों को संभाला है। यह परियोजना कुड्डालोर, तमिलनाडु, 9–13 अप्रैल 2018 में आयोजित की गई थी; हेल्पेज इंडिया ऑफिस, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया में 26–28 फरवरी 2018 से हेल्पेज इंडिया की प्रायोगिक परियोजना के लिए गृह देखभाल प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम को संशोधित करने में संसाधन व्यक्ति; जरा चिकित्सा विभाग, एम्स द्वारा एक परियोजना हेतु कर्मचारी नर्सों की भर्ती के भर्ती बोर्ड में शामिल; एम्स को स्टाफ नर्सों के लिए भर्ती परीक्षा के लिए संसाधन संकाय; एम्स नई दिल्ली और भोपाल के लिए परीक्षक।

सुश्री गायत्री बत्रा ने दो सम्मेलनों में भाग लिया; नियत कर्मचारी सचिव के रूप में प्रदर्शन की गई गतिविधियां आवश्यक हैं; सहायक छात्र नर्स संघ सलाहकार और संगठित एसएनए चुनाव, एसएनए विदाई, एसएनए बैठक, दिवाली उत्सव, महा निकाय बैठक, इंट्रा–कॉलेज प्रतियोगिता, कॉलेज डे–कैलिडोस्कोप, इंट्रा कॉलेज पैनल चर्चा, नव वर्ष समारोह, लोहड़ी उत्सव, होली उत्सव और राज्य स्तर इंटर कॉलेज समूह नृत्य प्रतियोगिता।

छात्र नर्स : विभिन्न राज्य स्तरीय अंतर–कॉलेज पाठ्येत्तर गतिविधियों में जीते भागीदारी और पुरस्कार / पुरस्कार : कविता प्रतियोगिता (द्वितीय पुरस्कार), तल सजावट (दूसरा पुरस्कार), हिना डिजाइनिंग (पहला पुरस्कार), पेबल चित्रकला (पहला पुरस्कार), सोलो नृत्य प्रतियोगिता (पहला पुरस्कार), व्यक्तित्व प्रतियोगिता (पहला पुरस्कार), व्यक्तित्व प्रतियोगिता (द्वितीय पुरस्कार) और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (पहला पुरस्कार)।

8- vuqla/kku vuqHkkx

ladk;k/;{k ¼vuqla/kku½

ए. के. महापात्रा (31 दिसम्बर 2017 तक)	चित्रा सरकार (15 जनवरी 2018 से)

lg&ladk;k/;{k ¼vuqla/kku½

प्रमोद गर्ग

iz'kklu vf/kdkjh	Ys[kk vf/kdkjh	HkaMkj vf/kdkjh
श्रीमती रेणु भारद्वाज	श्रीमती मीनाक्षी डबराल	श्री नरेंद्र कुमार

अनुसंधान, अ. भा. आ. सं. के संकाय और वैज्ञानिकों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। अनुसंधान अनुभाग कुशल प्रशासन, दिशा निर्देशों के विकास, अनुसंधान के लिए निधि खातों और भंडार का रखरखाव और प्रबंधन, अनुसंधान कर्मचारियों की नियुक्ति, भुगतान और उपकरणों की खरीद आदि उपलब्ध कराने द्वारा अ. भा. आ. सं. में सभी अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए नोडल बिंदु है।इस दिशा में अनुभाग विभिन्न राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों जैसे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) वेलकम ट्रस्ट और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग द्वारा वित्त पोषित बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करके एक सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाता है।

अनुसंधान अनुभाग की तीन कार्यात्मक इकाइयां अर्थात प्रशासनिक, लेखा और भंडार हैं। इसके अलावा, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और पेटेंट दाखिल करने में मुद्दों से संबंधित संकाय/वैज्ञानिकों को एक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और पेटेंट प्रकोष्ठ मार्गदर्शन देती है। दिन–प्रतिदिन के कार्य प्रशासन, वित्त और खरीद संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) और सह–संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) अधिकारियों के एक दल की देखरेख में किये जाते है। अनुभाग बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं में शोध, तकनीकी और गैर तकनीकी समर्थन स्टाफ की नियुक्ति करता है और इस प्रकार के स्टाफ नियुक्ति को 'परियोजना स्टाफ' कहा जाता है। सभी मशीनरी/उपकरण रसायन/आकस्मिक खरीद आदि इस अनुभाग के माध्यम से किए जाते हैं। अनुभाग इस उद्देश्य के लिए तैयार किए गए दिशा निर्देशों के अनुसार सभी अनुसंधान से संबंधित कार्य को करता है।

अ.भा.आ.सं. मे बाह्य अनुसंधान अध्यक्ष अनुसंधान समिति (डीआरसी) के मार्गदर्शन के तहत प्रबंधित है।

vkrfjd vuqla/kku vuqnku ¼cfu;knh vkj unkfud foKku½

वर्ष 2017–2018 हेतु आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है :

क्र. सं.	परियोजना कोड	प्रधान अन्वेषक	परियोजना का शीर्षक	स्वीकृत राशि (रुपये में)
1	ए–502	सुमित मल्होत्रा	उत्तरी भारत के ग्रामीण क्षेत्र में युवा आधारित समुदाय का स्वास्थ्य एंव पोषण व्यवहार की जरुरत का मूल्यांकन।	4,00,000
2	ए–503	जसबीर कौर	मानव रेटिनोब्लास्टोमा में घूमने वाले एंडोथेलियल प्रोजेनिटर कोशिका मार्कर की भूमिका।	5,00,000
3	ए–504	रमा चौधरी	लेक्टोबेसिल्लस द्वारा उत्पन्न बेक्टेरियोसिन्स का निरुपण एंव उसकी एंटीमाइक्रोबियल रुपरेखा का मूल्यांकन	5,00,000

4	ए–505	अविनाश चक्रवर्ती	अत्यधिक बुजुर्ग में कार्यात्मक स्थिति पर नॉर्डिक वॉकिंग प्रशिक्षण का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।	1,00,000
5	ए–506	दीपक अग्रवाल	वी.ई.जी.एफः–सेरेब्रल आरटेरियोवेनस विकृतियों में स्थानीय एंजियोजेनिक गतिविधि का संभावित व्यवस्थित मार्कर के रुप में और गामा नाइफ सर्जरी में प्रतिक्रिया	4,95,000
6	ए–507	संजीव लालवानी	कोरपस केलोसम मस्तिष्क स्टेम एवं थेलामस में सिल्वर और ए.बी.पी.पी. दागों के प्रयोग द्वारा प्रेरित अक्षतंतु संबंधी चोट का पोस्ट टी.बी.आई. (आघातिक मस्तिष्क चोट) का पोस्ट मॉरटम हिस्टोपेथोलोजिकल अध्ययन।	4,80,000
7	ए–508	रिचा अग्रवाल	दर्दनाक दबी हुई चोटों के पश्चात् तीव्र वृक्क चोट के पूर्व अनुमान हेतु मूत्र बायोमार्करों टी.आई.एम.पी–2 एवं आई.जी.एफ. बी.पी.–7 का मूल्यांकन	3,50,000
8	ए–509	सुरेन्द्र के. सहरावत	बाल रोग तीव्र माइलोइड ल्यूकेमिया में दीर्घ नॉनकोडिंग आर.एन.ए. हॉटएयर एवं हॉटएयर एम.1 का नैदानिक महत्व	4,00,000
9	ए–510	नीतू बाहरी	लीचेन प्लेनस पिगमेंटोसस वाले रोगियों में नैदानिक, पिगमेंटरी एवं प्रतिरक्षात्मक मार्करों पर क्यू – स्विच्ड एन.डी–वाई.ए.जी. लेजर का प्रभाव–एक पायलट अध्ययन।	4,60,000
10	ए–511	विकेन्द्र सिंह	सिरम, लार एवं मसूड़ो के क्रेविकुलर फ्लूइड में मेटेलोथियोनिन्स अभिव्यक्ति तथा स्तरों में नॉन सर्जीकल पेरीडोन्टल चिकित्सा पर प्राभवः एक हस्तक्षेप अध्ययन।	4,59,500
11	ए–512	रणवीर सिंह जादोन	तीव्र अविभाजित ज्वरीय रोग वाले रोगियों में लेप्टोस्पीरा एवं स्क्रब टाइफस का अध्ययन।	4,25,000
12	ए–513	नीरज कुमार	भ्रूण विकास के दौरान ट्रांसलेशन नियामक एम. आर.एन.ए. अनिवार्य प्रोटीन(टी.टी.आर.–आर.बी. पी.एस.) एवं टर्नओवर का आक्सीडेटिव तनाव मध्यस्थता नियमों में स्पष्ट करना।	5,00,000
13	ए–514	मयंक सिंह	ओस्टियोसरकोमा में प्रोग्नोस्टिक एवं नैदानिक मार्कर के रुप में यू.एस.पी.37(यूबीक्यूटिन स्पेस्फिक पेप्टीडासेस 37) का पुष्टिकरण	5,00,000
14	ए–515	चंद्र प्रकाश प्रसाद	ब्रेस्ट कैंसर में फोस्फोफ्रुक्टोकीनेस –पी (पी. एफ.के.पी.) की भूमिका।	5,00,000
15	ए–516	सचिन कुमार	फेफड़ा कैंसर में पी.डी.–एल1 अभिव्यक्ति के नियामक के तंत्र का स्पष्टीकरण–इपीजेनेटिक्स एवं कॉपी संख्या परिवर्तनों की भूमिकाः एक पायलट अध्ययन।	5,00,000

16	ए–517	मनीष जैन	आइडियोपेथिक सेरटोइल कोशिका केवल लक्षण (एस.सी.ओ.एस.) मामलों में जिनोमिक कारणों का पता लगाने के लिए एस.एन.पी. माइक्रोअरे के प्रयोग के द्वारा उच्च रिज़ोलूशन जिनोमिक जांच।	5,00,000
17	ए–518	मनोज कुमार	गुर्दा कोशिका कारसीनोमा(आर.सी.सी.) के रोगियों में ट्यूमर व्यवहार हेतु बायोमार्कर के रुप में ग्लूकोज़ संबंधित प्रोटीन 78 (जी.आर.पी. 78) की पहचान।	4,90,000
18	ए–519	कनिका साहनी	आयु संबंधित मुख संबंधी आयतन की कमी मुख्यतः आंसू गर्त कुरुपता हेतु केवल ऑटोलोगस फैट बनाम प्लेटलेट प्रचुर प्लास्मा के साथ मिश्रित ऑटोलोगस फैट के इंजेक्शन की तुलना का एक भावी स्पिलिट मुख यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययनः स्टेम कोशिका से प्राप्त वसा के अलगाव एवं वर्णन के साथ।	4,82,000
19	ए–520	शिप्रा अग्रवाल	विभिन्न आयु में सामान्य उच्च एवं निम्न पेराथायरॉइड ग्रंथियों की कोशिकीय और आणविक विविधता।	4,74,000
20	ए–521	सूर्य कुमार दूबे	न्यूरोसर्जरी में मांसपेशी के एन्जाइम में बढ़ाव का अध्ययन एवं पोस्टऑपरेटिव तीव्र वृक्क चोट में उसकी प्रासंगिकताः एक पायलट अध्ययन।	2,57,500
21	ए–522	डेविड विक्टर कुमार इरुगु	सूक्ष्म विच्छेदन द्वारा अस्थायी हड्डियों का अध्ययन एवं मोरफोमेट्रिक विश्लेषण।	1,85,000
22	ए–523	दीपक पांडे	प्रोस्टेट स्ट्रोमल कोशिकाओं के प्रभाव में प्रोस्टेट इपिथेलियल कोशिकाओं पर आहार फ्लेवोनोइड्स के प्रभाव का अध्ययन करना।	5,00,000
23	ए–524	आकांक्षा	स्वस्थ रोगियों में कांपती हुई निचले शरीर के नकारात्मक दाब की हृदय–श्वॉस संबंधी एवं हार्मोनल प्रतिक्रिया।	4,60,000
24	ए–525	भारत भूषण	डिम्बग्रंथि तरल कैंसर में पी.के.सी. संकेतन का अध्ययन।	5,00,000
25	ए–526	काजल जैन	नवजात शिशु प्रारंभिक सेप्सिस के मामले में भ्रूण प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया गर्भाशय में शुरु होती है?	4,95,000
26	ए–527	मनोज कुमार टेंभरे	प्रतिरक्षा नियम एवं सूजन में न्यूट्रोफिल बाह्य कोशिका जाल की भूमिका को परिभाषित करना	5,00,000
27	ए–528	अतुल बत्रा	ऑस्टियो सार्कोमा में एस.आई.आर.टी.1 की अभिव्यक्ति।	5,00,000
28	ए–529	प्रशांत प्रतापसिंह रामटेके	छोटे बी.सेल नॉन–हॉजकिन के लिम्फोमास की उचित विशेषता में नए इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री मार्करों की उपयोगिता।	5,00,000

29	ए–530	ललित कुमार	बहु मायलोमा में वास्तविक घातक कोशिका सबसेट एवं वास्तविक घातक टी कोशिका के पूर्व और पोस्ट प्रत्यारोपण मूल्यांकन	3,70,000
30	ए–531	विनय गोयल	पार्किसंस रोग में दोहराव ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय उत्तेजना।	3,00,000
31	ए–532	आंचल कक्कड़	मुखीय एवं ओरोफारिंजील स्क्वामोस कोशिका कारसीनोमा में ए.के.टी. / एम.टी.ओ.आर. संकेतन मार्ग सक्रियण के साथ एच.पी.वी. स्थिति एवं उसके साथ सह–सम्बन्ध का मूल्यांकन	4,00,000
32	ए–533	रेणु भाटिया	त्रिपृष्ठी नसों के दर्द वाले रोगियों में दर्द मॉडुलेशन पर ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय उत्तेजना का प्रभाव।	4,00,000
33	ए–534	सीमा कौशल	इम्यूनोहिस्टोकेमिकल मार्करों के आधार पर मांसपेशी इनवेसिव मूत्राशय कैंसर (एम.आई.बी. सी.) की आणविक सब–टाइपिंग।	4,25,000
34	ए–535	अर्चना सिंह (I)	बालरोग तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में बदले हुए माइटोकोन्ड्रियल कॉपी नम्बर के कार्यात्मक निहितार्थ की खोज।	5,00,000
35	ए–536	राखी यादव	मोटापा प्रेरित एडीपोस उत्तक रोग और सूजन में एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम तनाव।	3,00,000
36	ए–537	सिमरन कौर	अवधारणात्मक प्रभुत्व के तंत्रिका सहसंबंध पर आधारित क्यू.ई.ई.जी.	3,25,000
37	ए–538	सौमिता बागची	आई.जी.ए. नेफ्रोपैथी वाले भारतीय रोगियों में सिरम गैलेक्टोज की कमी आई.जी.ए.1 का विस्तार एवं महत्व :– एक केस नियंत्रण अध्ययन।	5,00,000
38	ए–539	शालीमार	एच. पिलोरी सह–सक्रंमण वाले एन.ए.एफ.एल. डी. से पीडित रोगियों में एच. पिलोरी उन्मूलन थेरेपी का प्रभावः एक पायलट खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन।	5,00,000
39	ए–540	मनोज कुमार साहू	ओपन हार्ट सर्जरी से गुजरने वाले साइनोटिक जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों में पोस्टोप्टेटिव सर्जिकल परिणामों पर विटामिन डी अनुपूरक का प्रभावः– एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।	2,25,000
40	ए–541	स्मिता दास	बी.एल.एस. और ए.सी.एल.एस. से संबंधित नर्स के ज्ञान और कौशल का आकलन और पुनर्वसन के वास्तविक समय मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन और तृतीयक स्तर की देखभाल सुविधा में इसके परिणाम का अध्ययन।	3,70,000

41	ए–542	निष्कर्ष गुप्ता	फोर्स्ड एयर वार्मिंग और इंट्राऑपरेटिव हाइपोथर्मिया पर एमिनो एसिड घोल की उच्च खुराक के प्रभाव और सिर एवं ग्रीवा कैंसर सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में कोएगुलेशन डिसफंक्शन की प्रभावशीलताः एक संभावित यादृच्छिक गैर–न्यूनता अध्ययन।	3,45,000
42	ए–543	राकेश कुमार	एक माध्यमिक स्तर के अस्पताल, बल्लभगढ़, हरियाणा में तपेदिक और गैर–संक्रमणीय रोगों (उच्च रक्तचाप और मधुमेह) वाले रोगियों में तंबाकू सेवन से परहेज करने पर संक्षिप्त निवारण सलाह की प्रभावशीलता।	1,80,000
43	ए–544	गीतांजलि बड़े	धूम्रपान करने वाले सी.ओ.पी.डी. की छोडी गई सांस संघनन में सूजन और आक्सीडेटिव तनाव मार्करों की तुलना एवं बायोमास धुएं से सी.ओ. पी.डी. का निरावरण।	5,00,000
44	ए–545	विष्णु वी.वाई	पुनरावृत्तिकरण चिकित्सा (सी.ए.आई.एस.आर.) से गुजर रहे तीव्र इस्कैमिक स्ट्रोक में सीटीकॉलीन।	2,50,000
45	ए–546	गगन हंस	मनोग्रस्ति बाध्यकारी विकार वाले रोगियों में दायीं पृष्ठीय प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में चयापचय असमानताओं के एच.एम.आर. स्पैक्ट्रोस्कोपी आधारित मूल्यांकन– एक पायलट अध्ययन।	90,000
46	ए–547	धीरज कुमार कोली	तात्काल लोड और देरी से लोड दंत प्रत्यारोपण में सूजन मार्कर मेटलोप्रोटीनेस–8 (एम.एम.पी.–8) और कैथस्पिन–के (सी.टी.एस. के.) के स्तरों का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन।	4,00,000
47	ए–548	पियाली मंडल	राष्ट्रीय ड्रग निर्भरता उपचार केन्द्र के महिलाओं के क्लिनिक के उपस्थित लोगों के बीच दवा उपयोग के मनोसामाजिक सहसंबंध।	50,000
48	ए–549	बिस्वदीप चटर्जी	स्वस्थ नियंत्रण वाले डिटॉक्सिफाइड औपियोइड–निर्भर रोगियों में सीरम कॉर्टिकोट्रोफिन रिलीजिंग कारक (सी.आर.एफ.) स्तर की तुलना।	2,00,000
49	ए–550	अरविन्द कुमार	वर्तमान एंटीबायोटिक उपयोग एवं नैदानिक परीणामों पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ एम्स, नई दिल्ली में रोगियों में जीवाणु मूत्र मार्ग संक्रमण के उपचार में वर्तमान कार्यो का अध्ययन करना।	1,00,000
50	ए–551	मनोज कुमार	बहु–दवा प्रतिरोध का सामना करने के लिए एंटी–टी बी दवा के विकास हेतु एक नए दवा लक्ष्य शिकीमेट काइनेज़ के विपरीत प्रमुख पदार्थो की पहचान करना।	4,00,000

51	ए–552	उद्दीपन दास	माइकोबैक्टेरियम तपेदिक से सल्फेट सक्रियण जटिलता का संरचनात्मक लक्षण।	4,00,000
52	ए–553	थौदम देबराज सिंह	थायरॉइड कैंसर में संभावित बायेमार्कर के रुप में ओऐस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ई.आर. आर.वाई.) की भूमिका का अध्ययन करना।	4,00,000
53	ए–554	अनिल कुमार गोस्वामी	दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में रहने वाले बुर्जुर्ग व्यक्तियों में विकलागंता का विस्तार।	4,00,000
54	ए–555	रियाज अहमद मीर	विस्तृत बडे–बी–सेल लिम्फोमा (डी.एल.बी.सी. एल.) में हाल ही में खोजी गई आर.2.टी.पी. जटिलता तथा इसकी ब्रिजिंग प्रोटिन की अभिव्यक्ति एवं उत्परिवर्ती विश्लेषण।	3,00,000
55	ए–556	अमृता चावला	दृितीय श्रेणी पॉस्टेरियर रेस्टोरेशन हेतु सिल्वर के मिश्रण के विकल्प के रुप में दांत रंगीन धातु मुक्त स्व–इलाज राल आधारित सामग्री की नैदानिक सफलता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन।	2,21,000
56	ए–557	कुमार संदीप	बंध्याकरण प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर के शीघ्र एवं देर से विकास एवं एंड्रोजन रिसेप्टर लिगेंड बाध्यकारी डोमेन उत्परिवर्तन के साथ इसके सहसंबंध।	3,70,000
57	ए–558	आदित्य कुमार गुप्ता	तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले सी.डी. 20 पोजीटिव बच्चों में कीमोथेरेपी के पहले चरण के बाद निम्न कम अपशिष्ट रोग को प्राप्त करने में मानक कीमोथेरेपी बनाम केवल मानक कीमोथेरेपी में जोड़ा गया रीटक्सीमेब (एंटी.सी. डी. 20 एंटीबॉडी) की प्रभाविकता का आकलनः एक पायलट अध्ययन।	3,50,000
58	ए–559	प्रफुल कुमार महाराणा	भारतीय रोगियों में केरोटोकोनस में उम्मीदवार जीन उत्परिवर्तन का अध्ययन।	4,60,000
59	ए–560	हरलोकेश नारायण यादव	विस्टर चूहों में प्रयोगात्मक मधुमेह न्यूरोपैथिक दर्द में इपालरिस्टेट के सूक्ष्मकणों पर आधारित लिपिड का सूत्रीकरण एवं मूल्यांकन।	3,00,000
60	ए–561	गौरव शर्मा	उत्तर भारतीय जनसंरव्या में चिकुनगुनिया सक्रंमण पर एच.एल.ए. एवं के.आई.आर. जीनों का प्रभाव।	4,00,000
61	ए–562	विरेन्द्र कुमार	बचपन के तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के एन.एम.आर. चयापचय एवं रोग की प्रगति के साथ इसके सहसंबंध।	3,50,000
62	ए–563	सुभ्रादीप कर्माकर	भारतीय रोगियों में पेनक्रियाटिक जक्टल एडेनोकार्सिनोमा (पी.डी.ए.सी.) में सामान्य चालक उत्परिवर्तन की पहचान करने के लिए	5,00,000

			एक उम्मीदवार जीन दृष्टिकोण।	
63	ए–564	एल. गोपीचंद्रन	चयनित स्वास्थ्य संबंधी परिणाम चरों पर 3 महीने में नर्स के नेतृत्व वाले संरचित टेलीफोनिक हृदय विफलता उपचार कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।	2,00,000
64	ए–565	प्रशांत जौहरी	सीरम एस.एल.सी.ए.एम. 5 एवं एम.एम.पी.9/टी. आई.एम.पी.1 अनुपातः निद्राः (ई.एस.ई.एस.) लक्षण में विद्युतीय स्तर वाले एंसिलोपेथी वाले बच्चों में रोग गतिविधि के संभावित पूर्वकथन।	3,100,000
65	ए–566	देबेश भोई	संशोधित मौलिक मासटेक्टॉमी में सेराटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक–दो विभिन्न तकनीकों की प्रभाविकता की तुलना करने के लिए एक पायलट अध्ययन।	1,20,000
66	ए–567	गगनदीप सिंह	एच.आई.वी. वाले रोगियों में हिस्टोप्लास्मोसिस के विस्तार का अध्ययन करना।	3,00,000
67	ए–568	दीपाली जैन	नॉन–स्माल कोशिका फेफड़ा कैंसर में प्रतिरक्षात्मक मीलिओं एवं पी.डी.–एल 1 का सहसंबंध।	4,00,000
68	ए–569	दानवीर भादू	तीव्र गौटी गठिया में टोल की तरह रिसेप्टर 4 की भूमिका।	2,30,000
69	ए–570	राजा प्रमाणिक	ओसोफागेल स्क्वामॉस कोशिका कैंसर में नोच सिगनलिंग संबंधित प्रोटीनो, नोच 1, नोच 2, नोच 3, एच.इ.एस.1 एवं पी. 21 की अभिव्यक्ति एवं महत्वः एक पूर्वप्रभावी अध्ययन।	4,93,000
70	ए–571	देवांग आंगमो	प्राथमिक ग्लोकोमा में एंडोकेनाबाइनोइड्स की भूमिका की खोज।	4,50,000
71	ए–572	मेघा ब्रिजवाल	रिनल प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता में बी. के पॉलीमावायरस का पता लगाना एवं जीनोटाइप वितरण।	4,20,000
72	ए–573	स्वाति फुलझेले आलोक	लेबर के वशांनुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी रोगियों में प्लेसबो के साथ तुलना में ऑइडीबेनोन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन–एक पायलट अध्ययन।	4,32,000
73	ए–574	मुकेश कुमार	ऑरोफरीनक्स या एसोफैगस के नियोप्लासम के कारण मध्यम और गंभीर डिसफैजिया वाले मरीजों में समर्थन दर्ज करने के लिए नासोएंटेरिक फीडिंग और परक्यूटेनियस रेडियोलॉजिक गैस्ट्रोस्टोमी का तुलनात्मक मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।	5,00,000

74	ए–575	रितेश कुमार	सहायक पोस्ट–ऑपरेटिव तीन आयामी अनुरुपता रेडियोथेरेपी (3डी.सी.आर.टी.) से गुजर रहे स्तन कैंसर रोगियों में विकिरण प्रेरित फेफड़ो की चोट का अनुमानित मूल्यांकन।	2,00,000
75	ए–576	रुपा राजन	डिस्टोनिक हाथ कांपने के उपचार हेतु बोटुलिनम टोक्सिन इंजेक्शनः एक यादृच्छिक प्लेसेबो–नियंत्रित समानांतर समूह परीक्षण।	4,90,000
76	ए–577	इथायथुल्ला ए.एस.	मानव कैंसर में पी 53 वाई 220 उत्परिवर्ती कार्य को पुनः स्थापित करने हेतु संभावित लीगैड्ंस के रुप में कुरक्यूमिन का जैवभौतिकीय और संरचनात्मक वर्णन।	4,90,000
77	ए–578	सरोज कुमार	एफ.टी.आई.आर. इमेजिंग द्वारा स्तन कैंसर के विस्तार में फिब्रोब्लास्ट्स का संभावित भूमिका को समझने के लिए निरुपण।	4,50,000
78	ए–579	एस.डी.सुंदर सिंह सेमुअल	सेरेब्रल पक्षाघात वाले बच्चों में लेड एवं पारा विषाक्ता को प्रभावित करने वाले पोलीमोरफिज्म की आवृत्ति का मूल्यांकन।	2,45,000
79	ए–580	रंजन गुप्ता	लूपस नेफ्राइटिस रोग गतिविधि के बायोमार्कर के रुप में अन्तः विकसित टी.एल.आर. 4 लीगैड़ एम.आर.पी.8/14 और टिनासकिन–सीः क्रॉस–सेक्शनल एवं अनुदैर्ध्य आकलन।	4,00,000
80	ए–581	दीपा दाश	ट्यूबरक्यूलर मेनिनजाइटिस वाले रोगियों के नैदानिक परिणाम के साथ होस्ट ल्यूकोट्रिन ए4 हाइड्रोलेस जीन पोलीमॉरफिज्म का संबंध।	4,90,000
81	ए–582	रोशन भद	हाल ही में, इनहेलेंट दुरुपयोग वाले किशोरों में तनाव एवं प्रतिस्पर्धा का तुलनात्मक आकंलनः एक केस नियंत्रित अध्ययन।	3,50,000
82	ए–583	यतन पाल सिंह बलहारा	भारत के उत्तरी भाग की जनसंरव्या में मद्यजन्य यकृत रोग के विरुध रक्षात्मक आनुवांशिक कारकों का आकलन करने हेतु एक अनुसंधान मूलक केस–नियंत्रण अध्ययन।	5,00,000
83	ए–584	राजेश कुमार मीना	तंत्रिका शल्य चिकित्सा में दूर पार्श्व दृष्टिकोण के रुपों का गुणत्मक विश्लेषण–एक केडेवरिक अध्ययन।	4,75,000
84	ए–585	अमोल रहेजा	मध्य फोसा के माध्यम से आंतरिक ध्वनिंक केनल के परिचालन अनावरण और रेट्रोसिग्मोइड भ्रवण संरक्षण स्कल आधारित दृष्टिकोण की माइक्रोसर्जीकल तुलना–एक प्रयोगशाला परीक्षण।	5,00,000
85	ए–586	सौरभ केड़िया	सादी अल्सेरेटिव कोलाइटिस के उपचार पाने वाले रोगियों में समृद्ध फेकल माइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता।	4,85,000

86	ए–587	सुजाता सतपथी	ए.डी.एच.डी. वाले 6–11 वर्ष की आयु वाले बच्चों हेतु कॉगनीटिव प्रशिक्षण हस्तक्षेप किट आधारित गैर–कंप्यूटर के नवीन विकास के व्यवहार्यता एवं प्रभाविकता परीक्षण।	3,60,000
87	ए–588	उमा कंगा	घातक इम्युनोग्लोबुलिन प्रापक–मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन (के.आई.आर.–एच.एल.ए.) परस्पर क्रियाः हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण में महत्व	4,00,000
88	ए–589	ए. जीवा शंकर	अस्पताल में नवजात शिशुओं और तत्काल अस्पताल वातावरण से अलग क्लेब्सीला सप. के तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषण	5,00,000
89	ए–590	हरिप्रसाद जी	प्रारंभिक स्तन कैंसर में अक्षीय सेंटीनल लिम्फ नोड उत्तक के प्रोटियोमिक्सः शल्य चिकित्सकीय इन्टरवेंशनों को मार्ग दर्शन हेतु बायोमार्कर की पहचान करने के लिए निहितार्थ।	4,90,000
90	ए–591	रितेश कुमार नेतम	उच्च वसा अहार प्रेरित मोटापे के चूहे मॉडल में आर्क्यूएट में ग्लूकोज सेंसिंग न्यूरॉन्स पर हाइपोथैलेमिक सूजन का प्रभाव।	5,00,000
91	ए–592	डॉ शौर्य वर्धन आज़ाद	सामान्य आबादी बनाम मायोपिया वाले रोगियों में मानव विषाक्त पदार्थों में मौजूद अवक्रमणग्रस्त एंजाइमों से जुड़े और कोलेजन की परिवर्तनीय जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करना।	2,50,000

2017–18 के आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं हेतु स्वीकृत कुल अनुदान 3,54,24,000 रु. (केवल तीन करोड़, चौवन लाख, चौबीस हजार) हैं। वर्तमान में कुल 173 आंतरिक परियोजनाएं जारी हैं।

Ckkg; vuqla/kku ifj;kstuk,a

2017–18 के दौरान, अनुसंधान अनुभाग ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से 116 करोड़ रुपये का बाह्य अनुसंधान समर्थन प्राप्त किया है। कुल 710 बाह्य परियोजनाएं जारी थी। विभिन्न वित्तपोषण एजेंसियों से अनुदान निम्नानुसार थाः

क्र. सं.	निधिकरण एजेंसियों का नाम	परियोजनाओं की संख्या	धनराशि (रुपये करोड़ में)
1.	डी.बी.टी.	117	20 करोड़
2.	डी.एस.टी.	158	16 करोड़
3.	आई.सी.एम.आर.	162	29 करोड़
4.	अंतर्राष्ट्रीय एंजेंसियाँ	71	23 करोड़
5.	अन्य एजेंसियाँ	184	27 करोड़

उत्कृष्ट परियोजनाओं के 7 केंन्द्र और 11 नैदानिक परीक्षण थे।

,El v{k; fuf/k

bUQksfll ihB

डॉ. डीन ब्रेनर, मिशिगन विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. डॉ.बी.आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स में इंफोसिस पीठ के अध्यक्ष थे।

Lohd`r ifj;kstuk,

निम्नलिखित प्रत्येक संकाय सदस्य को एक–एक परियोजना स्वीकृति दी गईः

1. रितु गुप्ता, अपर आचार्य, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बी.आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स।
2. अनीता चोपड़ा, सहायक आचार्य, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, डॉ. बी.आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स।

;k=k Nk=ofÙk

बीस छात्रों (पी.एच.डी. विद्यार्थी, जूनियर रेजीडेंट तथा सीनियर रेजीडेंट) को यात्रा छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

vU; xfrfof/k;k

संकाय/वैज्ञानिकों के लाभ हेतु निम्नलिखित गतिविधियाँ प्रारंभ की गई हैं:

1. नैदानिक अन्वेषक विकास कार्यक्रमः एक प्रमुख अन्वेषक होना।
2. स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधान विधि पर पाठ्यक्रम।

9-1 laosnukgj.k foKku] ihMk fpfdRlk vkj xHkhj mipkj

vkpk;l ,o| v/;{k

महेश कुमार अरोड़ा (31 अक्तूबर 2017 तक) रविन्द्र कुमार बत्रा (1 नवम्बर 2017 से)

आचार्य

राजेश्वरी सुब्रामणियम
दिलीप आर. शिंदे (डॉ. आरपीसी)
विरेन्द्र कुमार मोहन
रेणु सिन्हा (डॉ. आरपीसी)
रविन्द्र कुमार पाण्डे
अंजन त्रिखा
लोकेश कश्यप
विम्मी रेवाड़ी
ज्योत्सना पुंज
अंजोली छाबड़ा
रश्मि रामचन्द्रन
माया देहरान
गंगा प्रसाद
वनलाल दारलोंग
बबिता गुप्ता (जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर)
छवि साहनी (जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर)

सह आचार्य

दालिम कुमार बैद्य (सीडीईआर)
देवलीना गोस्वामी (सीडीईआर)

सहायक आचार्य

प्रीत मोहिंदर सिंह
राहुल कुमार आनंद
शैलेंद्र कुमार (आईवीएफ)
सौविक मैत्रा
कनिल रंजित
कुलभूषण सैनी
युध्दवीर सिंह (जेपीएनए ट्रामा सेंटर; अनुबंध)
पुनीत खन्ना
प्रवीन तलवार
मनप्रीत कौर
तिलाका मुथैया
कुमार (डॉ. आरपीसी)
निशांत पटेल
बिकाश रंजन रे
देबेश भोई
अनुराधा बोरले
अखिल कांत सिंह
राकेश कुमार
अर्शद अयुब (आरपीसी)

विशेषताएं

डॉ रविंदर कुमार बत्रा ने 1 नवंबर 2017 को संवदेनाहरण विज्ञान, दर्द चिकित्सा और गंभीर देखभाल विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। संकाय सदस्य उत्साह, रुचि और उत्साह के साथ नैदानिक कार्य, शिक्षण और शोध पत्र कर रहे हैं। विभाग **30** शोध परियोजनाओं (गैर–वित्त पोषित) और **93** गैर–वित्त पोषित परियोजनाओं को पूरा करने में सक्षम था। पिछले **तीन** जारी वित्त पोषित परियोजनाओं के अलावा एम्स से वित्तीय सहायता के साथ **एक** नई वित्त पोषित परियोजना शुरू की गई है। विभाग में वर्ष के दौरान **6** अंतर्विभागीय अनुसंधान परियोजनाओं को जारी रखा गया और ऐसी **3** परियोजनाएं पूरी हो गई हैं। विभाग ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वक्ताओं / शिक्षविदों से जुड़े **4** सम्मेलन / कार्यशालाओं / सीएमई का आयोजन किया। कई विभागीय संकायों ने संवेदनाहरण विज्ञान की दिशा में संवेदनाहरण विज्ञान, दर्द चिकित्सा और गंभीर देखभाल की ओर उनके योगदान के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों से राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता / पुरस्कार प्राप्त किए।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चुनौती पूर्ण विषयों पर **150** से अधिक वार्ताएं दी। विभाग ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में **80** शोध पत्र प्रकाशित किए। इसके अलावा, कई संकाय सदस्यों को विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों के लिए निर्वाचित / पुनः नियुक्ति किया गया था। वर्तमान वर्ष में हमारे संस्थान द्वारा लक्षित उच्च मानकों को ध्यान में रखते हुए संवेदनाहरण के क्षेत्र में प्रगति के मार्ग को चिह्नित किया गया है।

हमारे विभाग ने एक विनिमय कार्यक्रम के लिए सेंट लुइस, यूएसए में वॉशिंगटन विश्वविद्यालय, एनेस्थेसियोलॉजी विभाग के साथ सहयोग किया है। प्रोफेसर अंशुमान शर्मा और एक प्रशिक्षु हमारे विभाग में आए और ऑपरेशन थियेटर में पर्यवेक्षकों के रूप में काम किया और शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

शिक्षा

इस वर्ष के दौरान संवेदनाहरण विज्ञान, दर्द चिकित्सा और गंभीर देखभाल विभाग ने डीएम (गंभीर देखभाल) स्नातक पूर्व छात्रों (एमडी संवेदनाहरण विज्ञान), एमबीबीएस छात्रों और एम.एससी और बी.एससी नर्सिंग छात्रों दोनों तथा ऑपरेशन थिएटर तकनीशियनों के शिक्षण को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया है। एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए ओआरए/ओटीए के रूप में भी कार्यशाला शुरू की गई थी। जुलाई 2018 अकादमिक सत्र के लिए दर्द चिकित्सा में एक वर्ष की अध्येतावृत्ति को मंजूरी दे दी जा रही है।

वर्ग/ शिक्षण सत्र		
	कक्षाएं :	मामालों की संख्या
1	***डीएम गंभीर देखभाल***	
	संगोष्ठियां	13
	प्रकरण प्रस्तुतीकरण	13
	पत्रिका क्लब	13
	अंतिम सेमेस्टर परीक्षा	प्रत्येक 6 माह
2	***एमबीबीएस छात्र (6वां सेमेस्टर)***	16
3	***स्नाकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम***	
	संगोष्ठियां	30
	प्रकरण प्रस्तुतीकरण	30
	पत्रिका क्लब	29
	शिक्षण	29
	अंतिम सेमेस्टर परीक्षा (व्यावहारिक + थ्योरी)	प्रत्येक 6 माह
	सिमुलेटर सत्र	12
	नए जूनियर रेज़ीडेंट्स के लिए कक्षाए	14
	नर्सिंग छात्र (एमएससी और बीएससी)	22

इसके अलावा, विभाग ने ऑपरेशन कक्ष के अंदर शिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया है जिसमें एमबीबीएस छात्रों, इंटर्न, स्नातकोत्तर छात्रों, ऑपरेशन कक्ष तकनीशियन और नर्सिंग छात्रों (दोनों एमएससी और बीएससी) के लिए व्यावहारिक कौशल प्रदान करना शामिल है।

आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए

1. डॉ रविंदर कुमार बत्रा ने 14 और 15 अप्रैल 2017 को एनबीई कार्यालयए नई दिल्ली में डीएनबी छात्रों के लिए सीएमई एम्स–एनबीई एनेस्थीसिया क्लीनिकल ट्यूटोरियल–एएनएसीटी 2017 का आयोजन किया।
2. 5वीं एम्स अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शित क्षेत्रीय संवदेनाहरण (एयूआरए) कार्यशाला : 15 और 16 जनवरी 2018
3. 29 जुलाई 2017 को ऑपरेशन थियेटर में संक्रमण नियंत्रण पर ओटी तकनीशियन के लिए 6वीं कार्यशाला
4. 24 फरवरी 2018 को ओटी तकनीशियनों के लिए 7 वीं कार्यशाला
5. आईएसए दिल्ली शाखा मासिक बैठकः 20 मार्च 2018

प्रदत्त व्याख्यान

रविन्द्र कुमार बत्रा : 5
माया देहरान : 2
वीरेन्द्र कुमार मोहन : 11
ज्योत्सना पुंज : 10
अंजोली छाबड़ा : 8
दालिम कुमार बैद्य : 7
राजेश्वरी सुब्रामणियम : 7
दिलीप शिंदे : 9
विम्मी रेवाड़ी : 6
बबिता गुप्ता : 3
छवि साहनी : 3
देवलीना गोस्वामी : 6
अंजन त्रिखा : 15
लोकेश कश्यप : 4
रेणु सिन्हा : 7
रविन्द्र कुमार पांडे : 10
रश्मि रामचन्द्रन : 7
प्रीत मोहिंदर सिंह : 5

पुनीत खन्ना : 6
प्रवीण तलवार : 8
मनप्रीत राजपाल : 3
निशांत पटेल : 1
बिकाश रंजन रे : 14
देबेश भोई : 4
अनुराधा बोरले : 4
अर्शद अयुब : 3
राहुल कुमार आनंद : 4
शैलेन्द्र कुमार : 2
तिलका मुथैया : 2

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर : 25

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पेल्विक–एसिटेबुलर और फीमर सर्जरी में प्रो और एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रभाव पर संवेदनाहारी तकनीक का प्रभाव, बबिता गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 10 लाख रुपए।
2. आपातकालीन लेपेरोटोमी के दौर से गुजर रहे पेरिटोनिटिस रोगियों में इंट्राऑपरेटिव फेफड़ा सुरक्षात्मक वेंटिलेशन : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दालिम के बैद्य, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 1.79 लाख रुपए।
3. कुल एब्डोमिनल हिस्टेरेक्टॉमी वाउंड्स में एक कंटीन्युअस इंफिल्ट्रेशन के रूप में रोपिवेकाइन पर केवल रोपिवेकाइन सहित एडिड एजुवेंट मैग्नेशियम सल्फेट के एनालजेसिक प्रभाव का आकलन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, देवलिना गोस्वामी, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 5 लाख रुपए।
4. सिरेटस एंटीरियर प्लेन ब्लॉक में संशोधित रेडिकल मेस्टेक्टोमी : दो अलग अलग तकनीकों की दक्षता की तुलना के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन, देबेश भोई, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2018, 1.20 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. इगल्स सिंड्रोम वाले रोगियों में एक्स्ट्रोरल एनाटोमिकल लैंडमार्क तकनीक बनाम अल्ट्रासाउंड गाइंड तकनीक का उपयोग करते हुए ग्लोसोफेरिंजियल नर्व ब्लॉक का एनालजेसिक प्रभाव और सुरक्षा रूपरेखा।
2. वैकल्पिक सीसेरियन अनुभाग के अंतर्गत आने वाले आंशिक भाग में पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन की रोकथाम के लिए फेनोलेफ्राइन बनाम नोरेपेनेफ्राइन का प्रोफाइलेक्टिक इंफ्यूजन की प्रभावकारिता की तुलना –एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
3. अल्ट्रासाउंड निर्देशित कोस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक के लिए 0.5 प्रतिशत रोपिवेकाइन की न्यूनतम प्रभावी मात्रा खोजने के लिए एक अध्ययन।
4. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में मैनुअल वीनिंग बनाम ऑटोमेटिड वीनिंग का तुलनात्मक प्रायोगिक अध्ययन।
5. अपरिपक्व शिशुओं और नवजात शिशुओं के लिए सी–मैक वीडियोलेरिंजियोस्कोप मिलर ब्लेड साइज जीरो ब्लेड के प्रदर्शन का मूल्यांकन : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
6. बच्चों में ओरोट्रेकियल इंट्युबेशन के लिए एक कॉन्ड्यूट के रूप में एयर क्यू आईएलए : सुपाइन और लेटरल पॉजिशन के बीच एक तुलना।
7. निष्क्रिय पैर उठाने के दौरान वेनस कार्बन डाइऑक्साइड में परिवर्तन से फ्लुइड प्रतिक्रिया का आकलन।
8. सहज रूप से सांस लेने वाले रोगियों में पोस्ट स्पाइनल एनेस्थीसिया हाइपोटेंशन की भविष्यवाणी में इनफेरियर वेना कैवा कोलेसिबिलिटी इंडेक्स (आईवीसीसीआई) और कैरोटिड आर्टरी पीक सिस्टोलिक वेग (सीएपीवी) में बदलाव की भूमिका का आकलन : एक प्रायोगिक अध्ययन।
9. बहुत अधिक मोटापे वाले रोगियों में पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट और कठिन एयरवे के बीच संबंध।
10. आपातकालीन लेपेरोटॉमी में पोस्ट–ऑपरेटिव परिणामों के साथ अंतःक्रियात्मक रक्त ग्लूकोज परिवर्तनशीलता के संबंध।
11. बच्चों में दिन की देखभाल प्रक्रियाओं के दौरान इंहेलेशनल एनेस्थेटिक आवश्यकता और जागरूकता के साथ कुपोषण के संबंध।
12. ऊपरी अंग आर्थोपेडिक सर्जरी में सुप्राक्लेविकुलर ब्लॉक हेतु अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉर्नर पॉकेट बनाम दो एलिकोट्स इंजेक्शन तकनीक की प्रभावकारिता का आकलन : एक भावी, यादृच्छिक अध्ययन।

13. सहज रूप से सांस लेने वाले रोगियों में पोस्ट स्पाइनल एनेस्थीसिया हाइपोटेंशन की भविष्यवाणी में इनफेरियर वेना कैवा कोलेसिबिलिटी इंडेक्स (आईवीसीसीआई) और कैरोटिड आर्टरी पीक सिस्टोलिक वेग (सीएपीवी) में बदलाव की भूमिका का आकलन : एक प्रायोगिक अध्ययन।

14. ट्रांसपेरिटोनियल और रेट्रोपेरिटोनियोस्कोपिक पहुंच के माध्यम से लेपेरोस्कोपिक नेफ्रेक्टॉमी का एनेस्थेटिक प्रभाव – एक भावी, अवलोकनात्मक अध्ययन।

15. टीएपीपी लेपेरोस्कोपिक हर्निया सर्जरी में पोस्ट–ऑपरेटिव दर्द राहत के लिए द्विपक्षीय क्वाड्रेटस लम्बोरम ब्लॉक बनाम द्विपक्षीय ट्रांसवर्क्सस एबडोमिनिस प्लेन ब्लॉक : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

16. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में वयस्क गहन देखभाल इकाई से नैदानिक अलगाव के नैदानिक परिणाम, सूक्ष्मजीव वैज्ञानिक स्पेक्ट्रम और एंटीबायोटिक संवेदनशीलता।

17. हिप फ्रेक्चर्स सहित रोगियों में सेंट्रल न्यूरेक्सियल ब्लॉक के लिए प्रीऑपरेटिव पॉस्टिनिंग में इंफ्रा इंगुनल तकनीक के साथ अल्ट्रासाउंड निर्देशित सुप्रा–इंगुइनल फेसिका इलिका ब्लॉक की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन।

18. नी ट्यूमर को काटने के बाद पोस्ट ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित फेमोरो–साइटिक नर्व ब्लॉक बनाम एपिड्यूरल एनाल्जेसिया की तुलना – एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।

19. सेप्टिस के रोगियों में मृत्यु दर के प्रीडक्टरों के रूप में लैक्टेट क्लीयरेंस और न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात की तुलना

20. सुरक्षा की तुलना और स्व दबाव की प्रभावकारिता बनाम बच्चों में परंपरागत एयर–क्यू इंट्युबेटिंग लेरिंजिल एयरवे : एक भावी, यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

21. गायनेकोलॉजिकल मैलिग्नेंसी के लिए लेपेरोटॉमी से गुजर रहे रोगियों में ओपियॉइड आधारित संवदेनाहरण तकनीक और ओपियॉइड मुक्त संवदेनाहरण तकनीक की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

22. बच्चों में सेवोफ्लूरन इंडक्शन की मानक तकनीक के लिए कम ताजे गैस प्रवाह तकनीक की तुलना।

23. बाल रोगियों में रीनल सर्जरी से गुजरने वाले पैरावर्टिब्रल ब्लॉक और कौडल एपिड्यूरल ब्लॉक की तुलना।

24. बाल चिकित्सा रोगियों में सीएमएसी मैकिंटोश ब्लेड आकार 1 और सीएमएसी मैकिंटोश ब्लेड आकार 2 के साथ इंट्यूबेट और इंट्यूबेशन स्थितियों के समय की तुलना – एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

25. गायनेकोलॉजिकल मैलिग्नेंसी के लिए लेपेरोटॉमी से गुजर रहे रोगियों में ओपियॉइड आधारित संवदेनाहरण तकनीक और ओपियॉइड मुक्त संवदेनाहरण तकनीक की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

26. लेपेरोस्कोपिक गायनेकोलॉजिकल सर्जरी में ओपियॉइड बेस्ड और ओपियॉइड फ्री टीआईवीए की तुलना एक यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण।

27. सेप्टिस के रोगियों में मृत्यु दर के प्रीडक्टरों के रूप में लैक्टेट क्लीयरेंस और न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात की तुलना।

28. 6 माह से कम उम्र के स्तनपान और फार्मूला फीड शिशुओं के बीच अल्ट्रासाउंड निर्देशित गैस्ट्रिक खाली होने की तुलना।

29. इगल सिंड्रोम के रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित तकनीक बनाम एंटोमिकल लैंडमार्क तकनीक का उपयोग करते हुए ग्लोसो फेरिंजियल नर्व ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा प्रोफाइल की तुलना : एक यादृच्छिक संभावित नियंत्रण अध्ययन।

30. वैकल्पिक नेत्र प्रक्रियाओं से गुजरने वाले आयु वर्ग (1–10 वर्ष) के बच्चों में एयर–क्यू बनाम प्रो सील की प्रभावकारिता की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

31. एएमबीयू ऑरो 40 लेरिंजियल मास्क की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना तथा बच्चों में सामान्य संज्ञाहरण के दौरान क्लासिक एलएमए : एक भावी यादृच्छिक अध्ययन।

32. नवजात रोगियों में केवल नियोस्टिग्माइन और नियोस्टिग्माइन के साथ सह प्रशासित कैल्शियम ग्लुकोनेट के बीच न्यूरोमस्क्यूलर ब्लॉकेड रिकवरी पर प्रभाव की तुलना : एक प्रायोगिक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

33. सेप्सिस में गंभीर बीमार वाले युवा रोगियों में प्रीडक्टिंग मोर्टेलिटी में मेटेलोप्रोटिनेस 1 (टीआईएमपी1) के सीरम न्यूक्लेयोसोमेस और टिशू इंहीबिटर की तुलना।

34. सामान्य संवेदनाहरण के तहत आपातकालीन लेपेरोटॉमी से गुजर रहे रोगियों में ऑक्सीजनेशन इंडेक्स और ऑक्सीजन संतृप्ति सूचकांक का सहसंबंध : एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

35. चिकित्सा / शल्य चिकित्सा आईसीयू में एंटरल ट्यूब फीड की अल्ट्रासाउंड और एसेप्टेंस3 द्वारा निर्धारित गैस्ट्रिक रेसीड्यूल मात्रा का सहसंबंध – एक अवलोकन अध्ययन।
36. मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के रोगियों में अतिरिक्त ओरल मेंडीबुलर नर्व ब्लॉक में रोपिवेकाइन के एक सहायक के रूप में पोस्ट–ऑपरेटिव एनाल्जेसिया में डेक्सैमेथेसोन की प्रभावकारिता का निर्धारण।
37. फेसेट जॉइंट आर्थ्रोपैथी में डॉर्सल रैमस के डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड निर्देशित लम्बर मेडियल ब्रांच ब्लॉक : फ्लोरोस्कॉपी द्वारा तकनीकी व्यवहार्यता और वैधता।
38. रेटिनोब्लास्टोमा में अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन।
39. तीव्र श्वसन विफलता के लिए दबाव नियंत्रित मात्रा नियंत्रित वेंटिलेशन और सिंक्रोनाइज़ आंतरायिक अनिवार्य वेंटिलेशन वाले रोगियों में डायफ्रेग्मेटिक मसल्स मास का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
40. एआरडीएस के रोगियों में एनटी–प्रो बीएनपी और ट्रोपोनिन 1 के सीरियल मूल्यों का उपयोग करते हुए 28 दिन की मृत्यु दर का मूल्यांकन और तुलना।
41. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में पोस्ट ऑपरेटिव वॉमिंग पर एक प्री–ऑपेरेटिव कार्बोहाइड्रेट ड्रिंक के प्रभावों का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक ब्लाइंडिड परीक्षण।
42. एकतरफा हिप आर्थ्रोप्लास्टी से गुजर रहे रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक का मूल्यांकन : एक संभावित एकल आर्म प्रायोगिक अध्ययन।
43. पेरिऑपरेटिव इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स अल्टरेशन और नैदानिक जटिलताओं पर क्षेत्रीय संज्ञाहरण का प्रभाव।
44. बच्चों में कौडल एनाल्जेसिया के पूरक के लिए एकल खुराक इंट्रावेनस डेक्समेडेटोमाइन के प्रभाव – एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
45. बच्चों में डीस्फ्लुरेन या सेवोफ्लुरेन एनेस्थीसिया के बाद भ्रम का पैदा होना और पुनर्प्राप्ति मानकों पर डेक्समेडिटोमिडाइन का प्रभाव : एक संभावित अवलोकन यादृच्छिक अध्ययन।
46. सामान्य संज्ञाहरण के तहत प्रमुख अपर एब्डोमिनल की सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में एटलेक्टासिस पर सकारात्मक अंत एक्सपिरेटरी दबाव का प्रभाव – एक लंग अल्ट्रासोनोग्राफी अध्ययन।
47. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में नैदानिक परिणामों पर शरीर के वजन में परिवर्तन का प्रभाव।
48. सामान्य संवेदनाहरण के तहत मेंडीबुलर सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में असाधारण मेंडीबुलर नर्व ब्लॉक के लिए रोपीवेकाइन को डेक्सैमेथेसोन के अतिरिक्त प्रभाव।
49. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में पोस्ट–ऑपरेटिव वॉमिटिंग पर एक प्री–ऑपेरेटिव कार्बोहाइड्रेट ड्रिंक के प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक ब्लाइंडिड परीक्षण।
50. बाल चिकित्सा आबादी में रेडियल आर्टरी केन्युलेशन की आसानी से रिस्ट एंगुलेशन का प्रभावः अल्ट्रासाउंड निर्देशित संरचनात्मक मूल्यांकन।
51. रोगियों, प्रशिक्षुओं में वेंटिलेटर इंटरैक्शन के मूल्यांकन और प्रबंधन में मैकेनिकल वेंटिलेशन सिम्युलेटर की प्रभावशीलता।
52. सेप्टिक शॉक में हृदय गति नियंत्रण के लिए आंतरिक इवेब्रेडाइन की प्रभावशीलता – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
53. आपातकालीन लेपेरोटॉमी से गुजरने वाले वयस्क रोगियों में पोस्टऑपरेटिव ऑक्सीजनेशन स्थिति पर कमी वाले पीईपी परीक्षण की प्रभावशीलता : एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
54. वैकल्पिक नेत्र प्रक्रियाओं से गुजरने वाले बच्चों में एयर–क्यू® (मानक कफ्ड) बनाम प्रोसीलटीएम लेरिंजियल मास्क एयरवे की प्रभावशीलता : एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
55. तीव्र परिसंचरण विफलता में प्रीडिक्टिंग फ्लुइड रिस्पॉन्सिवनेस का अनुमान लगाने के लिए समाप्ति अवक्षेप का परीक्षण और मिनी फ्लूड चैलेंज।
56. सेप्सिस में हिमेटोलॉजिकल सिस्टम के सेल्यूलर घटकों की एपिडेमियोलॉजी और प्रोग्नोस्टिक उपयोगिता।
57. नी आर्थ्रोस्कोपी के लिए इरेक्टर स्पिन प्लेन ब्लॉक – एक एकल आर्म भावी अवलोकन अध्ययन।
58. अल्ट्रासाउंड निर्देशित सुप्राक्लेविकुलर ब्लॉक के लक्षित इंट्राक्लस्टर इंजेक्शन पहुंच में स्थानीय संवेदनाहरण (0.75 रोपिवैकाइन) की प्रभावी मात्रा का आकलन : एक संभावित खुराक अनुमान अध्ययन।
59. एआरडीएस के रोगियों में एनटी–प्रो बीएनपी और ट्रोपोनिन 1 के सीरियल मूल्यों का उपयोग करते हुए 28 दिन की मृत्यु दर का मूल्यांकन और तुलना।

60. फेसिया इलियाका ब्लॉक इनगुइनल लिगामेंट के ऊपर या नीचे है? कुल हिप आर्थ्रोप्लास्टी में प्रभावकारिता का मूल्यांकन। एक यादृच्छिक भावी अध्ययन।

61. हिमोडायनेमिक्स और एनेस्थेटिक आवश्यकताओं की तुलना के लिए सिर और गर्दन मुक्त फ्लैप सर्जरी में फेंटेनियल बनाम डेक्समेडिटोमिडाइन इंफ्यूजन।

62. लेरिंजियल मास्क एयरवे प्लेसमेंट के मूल्यांकन के लिए फोकस्ड एयरवे सोनोग्राफी (फास्ट): एक अवलोकन अध्ययन।

63. डिल्टाइजेम इंफ्यूजन की कम खुराक के साथ और के बिना फाइक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंगलियोनोमा सर्जरी के दौर से गुजरने वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव अवधि में हिमोडायनेमिक रूपरेखा।

64. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत महिला रोगियों की वैकल्पिक सर्जरी में प्रोपोफोल प्रेरित हाइपोटेंशन पर प्रीऑपरेटिव चिंता का प्रभाव : एक संभावित पर्यवेक्षणीय अध्ययन।

65. प्रीडक्टिंग वीनिंग सेक्सस और एक्सट्यूबेशन फेल्योर में एकीकृत अल्ट्रासाउंड प्रोटोकॉल : एक संभावित अवलोकन अध्ययन

66. आइसोफ्लुरेन और डेसफ्लुरेन का उपयोग करते हुए सामान्य एनेस्थीसिया के तहत ओपन सर्जरी के दौर से गुजरने वाले बुजुर्ग रोगियों में पोस्ट–ऑपरेटिव संज्ञानात्मक गिरावट की घटना।

67. थेरेप्यूटिक एंडोस्कोपी के लिए स्प्रे के साथ ग्लोसोफेरिंजियल नर्व ब्लॉक बनाम प्रोपोफोल और फेंटनियल के साथ केटोडेक्स।

68. गंभीर रूप से बीमारी में वेंटिलेटर जुड़े निमोनिया के निदान के लिए फेंफड़े का अल्ट्रासाउंड।

69. आपातकालीन लेपेरोटॉमी से गुजरने वाले पेरिटोनिटिस वाले गैर–मधुमेह रोगियों में आनुवंशिक रक्त ग्लूकोज भिन्नता : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

70. रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी के दौर से गुजरने वाले रोगियों में कंटीन्यूअस क्वेड्रेट्स लम्बोरम ब्लॉक और कंटीन्यूअस ट्रांस बनाम एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक का पेरिऑपरेटिव एनालजेसिक प्रभाव – एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड नियंत्रित अध्ययन।

71. परफॉरेशन पेरिटोनिटिस के लिए आपातकालीन लेपेरोटॉमी से गुजर रहे रोगियों में प्री–ऑपरेटिव ब्लड लैक्टेट और लैक्टेट क्लीयरेंस का ज्ञात महत्व : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

72. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक के साथ गंभीर रूप से बीमार रोगियों में लाल रक्त कोशिका संक्रमण ट्रिगर का ज्ञात महत्व : संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

73. जोखिम कारकों के संभावित मूल्यांकन और वेंटिलेटर संबंधित स्थितियों के परिणाम तथा आघात रोगियों में संक्रमण से संबंधित वेंटिलेटर संबंधित जटिलताएं।

74. शल्य गहन चिकित्सा इकाई में ट्रॉमा रोगियों में तीव्र गुर्दे चोट के एक प्रारंभिक नैदानिक मार्कर के रूप में प्लामा और यूरिन न्यूट्रोफिल गेलेटिनेस एसोसिएटेड लिपोकैलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन।

75. तीव्र गुर्दे की चोट के साथ गंभीर रूप से बीमार रोगियों के वॉल्यूम ओवरलोडिड में फ्यूरोसाइमाइड तनाव परीक्षण में स्पॉट मूत्र सोडियम की भूमिका – एक संभावित अध्ययन

76. एक्सेलरी वेन कैनुलेशन के लिए प्लेन दृष्टिकोण में वास्तविक समय ओबलिक – एक सरल और नवीन दृष्टिकोण।

77. कम प्रवाह के साथ (1 लीटर / मिनट) आइसोफ्लुरेन–एयर–ऑक्सीजन की तुलना में नाइट्रस ऑक्साइड के साथ या बिना न्यूनतम प्रवाह संज्ञाहरण में (0.5 लीटर / मिनट) डिस्फ्लुरेन की सुरक्षा, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव – एक यादृच्छिक खुले लेबल वाले एकल ब्लाइंडिड अध्ययन

78. बाह्य रोगी लैप्रोस्कोपिक ट्यूबल लाइगेशन के लिए इंट्राथेकल एनेस्थीसिया के कम खुराक की सुरक्षा और प्रभावकारिता।

79. प्रमुख बाल चिकित्सा में पेट के निचले हिस्से की प्रक्रियाओं के लिए इंट्राएथिकल मॉर्फिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता

80. एआरडीएस रोगी में 28 दिनों की मृत्यु दर के रूप में ट्रोपोनिन ।और प्रो बीएनपी की सीरियल निगरानी।

81. गहन देखभाल इकाई में सेप्सिस में डायग्नोस्टिक और प्रोनोस्टिक मार्कर के रूप में सीरम प्रोकैलसिटोनिन, इंटरलेक्विन–6 और एसटीआरईएम–1.

82. सेप्टिक शॉक से पुनर्जीवन के दौरान पी$_{\text{सीवी}}$सीओ$_2$–पीएसीओ$_2$ /सीएओ$_2$–सीसीओवो$_2$ अनुपात बनाम सीरम लेक्टेट का टेम्पोरल मूल्यांकन।

83. प्लेन लम्बर सिम्पैथेक्टॉमी ब्लॉक से निर्देशित अल्ट्रासाउंड की तकनीकी व्यवहार्यता का आकलन करना और परिधीय धमनी रोग वाले रोगियों में फ्लोरोसॉपी द्वारा इसकी पुष्टि : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

84. ट्रंक आधारित फ्लैप सर्जरियों से गुजरने वाले रोगियों में सेरेट्स एंटीरियर प्लेन ब्लॉक का प्रभावकारिता अध्ययन – एक प्रायोगिक अध्ययन।

85. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में पोस्ट–ऑपरेटिव उल्टी पर प्री–ऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट ड्रिंक के प्रभावों का मूल्यांकन करना : एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक ब्लाइंडिड परीक्षण।

86. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत टोटल हिप ऑर्थोप्लास्टी के दौर से गुजरने वाले रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाइंड कंटीन्यूअस सोस कम्पार्टमेंट ब्लॉक के साथ अल्ट्रासाउंड गाइंड कंटीन्यूअस ट्रांसमस्कुलर क्वाड्रेट्स लम्बोरम ब्लॉक के बीच पोस्ट–ऑपरेटिव एनालजेसिया की तुलना।

87. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में पोस्ट–ऑपरेटिव उल्टी पर प्री–ऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट ड्रिंक के प्रभावों का मूल्यांकन करना : एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक ब्लाइंडिड परीक्षण।

88. एक्सिलरी वेन केन्युलेशन के माध्यम से केंद्रीय वेनस कैथेटर हेतु ऑप्टिमल लंबाई निर्धारित करना।

89. मैकेनिकली वेंटिलेटिड वाले रोगियों में मानक देखभाल प्रोटोकॉल की तुलना में इसकी दर को कम करने के लिए एक नई आईसीयू डेलिरियम प्रीवेंशन बंडल के कार्यान्वयन का निर्धारण करना।

90. संवेदनाहरण इंडक्शन के दौरान अभिभावकीय उपस्थिति का प्रभाव : बच्चों में सीरम कोर्टिसोल स्तर पर।

91. वैकल्पिक खुले पाइलोप्लास्टी से गुजरने वाले बाल रोगियों में पोस्ट–ऑपरेटिव एनाल्जेसिया और न्यूरोएन्डोक्राइन तनाव प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रेटस लम्बोरम ब्लॉक का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

92. मोटापे से ग्रस्त रोगियों में कठिन लेरिंजियोस्कोपी की भविष्यवाणी के लिए वायुमार्ग का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

93. बच्चों में विभिन्न ऊर्जा सामग्री के साथ स्पष्ट फ्लुइंड के गैस्ट्रिक खाली करने का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन : एक क्रॉसओवर प्रायोगिक अध्ययन।

पूर्ण

1. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में टीएमजे संधिग्रह के संचालित मामलों में एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

2. जन्मजात रूबेला सिंड्रोम के साथ बच्चों में नेत्र शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए संवेदनाहारी प्रबंधन : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

3. बाल चिकित्सा मोतियाबिंद में पोस्ट ऑपरेटिव एनलजेसिया हेतु उप–टेनन और पेरिबुलर ब्लॉक की तुलना।

4. सिमुलेटिड सर्वाकल स्पाइन चोट के साथ बच्चों में स्टोरज साइज 2 मैसिंटोश ब्लेड सी–मैक और साइज 2 डी–ब्लेड सी–मैक की तुलना : एक भविष्यलक्षी, यादृच्छिक अध्ययन।

5. स्तन की सर्जरी कराने वाली रोगियों में एनेस्थिसिया देने पर अल्ट्रासाउंड से मार्गदर्शित पैरा वर्टिब्रल ब्लॉक प्रदर्शित के लिए एनाटोमिकल लैंड मार्क तकनीक द्वारा पैरा वर्टिब्रल ब्लॉक की तुलना।

6. आंख के बाल चिकित्सा इनुक्लीशन में पेरिबुलबर ब्लॉक और सब–टेनान इंफिल्ट्रेशन की तुलना।

7. अल्ट्रासाउंड निर्देशित एक्सेसलरी वेन कैनुलेशन के लिए उत्कृष्ट ''शॉर्ट एक्सिस'' जांच स्थिति के साथ ''मेडियल–ओब्लिक'' जांच स्थिति की तुलनात्मक सोनो–एनाटॉमी : एक क्रॉस ओवर अध्ययन।

8. बाल चिकित्सा रोगियों में सी–मैक वीडियो लैरिंजोस्कोपी स्ट्रेट ब्लेड के साथ एंडोट्रेकियल इंट्युबेशन के लिए दो तकनीकों की सफलता की तुलना : एक यादृच्छिक अध्ययन।

   शिशुओं में सामान्य संज्ञाहरण के दौरान एएमबीयू ऑरा 40 लेरिंजियल मास्क तथा क्लासिक एलएमए की तुलनात्मक प्रभावकारिता और सुरक्षा : यह अध्ययन शुरू करने के लिए आचार समिति के कार्यालय से मंजूरी प्राप्त : एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।

9. एनीस्थेसिया के तहत नेत्रहीन परीक्षा से गुजरने वाले बाल रोगियों में प्री–ऑपरेटिव फास्टिंग और उद्भव भ्रम की अवधि के बीच सहसंबंध : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

10. इंफ्रा अम्बीलिकल सर्जरी के दौर से गुजरने वाले बाल रोगी में पोस्ट–ऑपरेटिव एनालजेसिया के लिए डबल शॉट कैडल बनाम सिंगल शॉट कैडल।

11. ऑफ्थेल्मिक सर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में लेरिंजियल मास्क एयरवे रीमूवल टाइम पर एंट्रॉफी निर्देशित कम प्रवाह वाले डिस्फ्लुरेन एनेस्थीसिया का प्रभाव – एक भविष्यलक्षी, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन।

12. लेफ्ट वेंट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रेक्ट वेलोसिटी टाइम इंटीग्रल (एलवीओटी वीटीआई) की प्रभावकारिता और पीएलआर के लिए इकोकार्डियोग्राफी निर्देशित स्ट्रोक मात्रा परिवर्तन (डेल्टा एसवी प्रतिशत) के साथ सहसंबंधित द्वारा सेप्सिस और सेप्टिक शॉक वाले रोगियों में पैसिव लेग रेसिंग (पीएलआर) के लिए कैरोटिड आर्टरी वीटीआई के रूप में मात्र की प्रतिक्रियात्मकता का प्रेडिक्टर।

13. एक्यूट पैन्क्रियाटाइटिस के साथ रोगियों में दर्द से राहत के लिए डिक्लोफेनाक बनाम पेंटाजोसिन की प्रभावकारिता – गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी विभाग के साथ सहयोगात्मक परियोजना।
14. वैकल्पिक ऑफ्थेलमिक सर्जरी कराने वाले बच्चों में सिरम कॉर्टिसोल स्तर पर डेक्समेडेटोमिडिन के प्रभाव और ऑपरेशन के दौरान हीमोडायनेमिक्स – एक भविष्यलक्षी, यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
15. अपरिपक्व शिशुओं और नवजात शिशुओं के लिए सी–मैक वीडियोलेरिंजियोस्कोप मिलर ब्लेड साइज जीरो ब्लेड के प्रदर्शन का मूल्यांकन : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
16. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत महिला रोगियों की वैकल्पिक सर्जरी में प्रोपोफोल प्रेरित हाइपोटेंशन पर प्रीऑपरेटिव चिंता का प्रभाव।
17. ऑब्स्टेट्रिक पार्ट्यूरिएंट्स में नी–चेस्ट पॉजीशन और सबआर्किनॉइड ब्लॉक आनसेट टाइम्स : एक आरसीटी
18. भारत में एक तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र में प्रमुख पेल्विक सर्जरी से गुजर रहे रोगियों का आनुवंशिक परिणाम : एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।
19. गायनेकोलॉजिकल ओंकोलॉजी सर्जरी में ओपन मिडलाइन इंसिसिशन के लिए पोस्टऑपरेटिव एनालजेसिया : मल्टीमॉडल एनालजेसिया बनाम इंट्राथेकल के साथ अल्ट्रासाउंड गाइड बाइलेटरल रिक्टस शीथ ब्लॉक।
20. लम्बोस्क्रेल स्पाइन सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया प्रदान करने के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित कौडल मॉर्फीन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।
21. वयस्क गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में अल्ट्रासाउंड निर्देशित ट्रांसवर्सेस एब्डोमिनिस ब्लॉक में रोपिवेकाइन के लिए एक सहायक के रूप में क्लोनिडाइन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना – एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण।
22. पोस्ट ऑपरेटिव दर्द के नियंत्रण के लिए टेम्पोरोमेंडिबुलर जॉइंट एंकीलोसिस सर्जरी में स्थानीय एनेस्थेटिक घाव इंफिल्ट्रेशन की प्रभावकारिता की तुलना करना – एक यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण।
23. पोस्ट ऑपरेटिव दर्द के नियंत्रण के लिए टेम्पोरोमेंडीबुलर जॉइंट एंकीलोसिस सर्जरी में स्थानीय एनेस्थेटिक घाव इंफिल्ट्रेशन की प्रभावकारिता की तुलना करना।
24. सामान्य एनेस्थिसिया के तहत लैप्रोस्कोपिक स्त्री रोग प्रक्रियाओं में ऑपरेशन करवा रहे रोगियों में ट्रांसवर्सेस एब्डोमिनिस प्लान (टीएपी) निर्देशित अल्ट्रासाउंड के लिए क्वाड्रेट्स ल्यूम्बोरम ब्लॉक निर्देशित अल्ट्रासाउंड के एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना करना।
25. न्यूनतम भेदक काइमेक्टोमी कराने वाले मायस्थेमिया ग्रेविस के रोगियों में चार की गणना तथा डायफ्रेग्मेटिक मोटाई के प्रभाज की ट्रेन के बीच सह संबंध देखना।
26. लाइव संबंधित गुर्दा प्रत्यारोपण के दौरान प्रारंभिक ग्राफ्ट कार्य पर फ्ल्यूइड हाइड्रेशन के प्रकार का प्रभाव।
27. भारतीय जनसंख्या में तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र में जीवन की गुणवत्ता, इसकी घटनाओं, जोखिम कारकों और निवारक तरीकों पर पोस्ट–मास्टक्टोमी दर्द सिंड्रोम का प्रभाव : पूर्वव्यापी डेटा पर आधारित एक अनुदैर्ध्य अध्ययन।
28. स्थानीय एनेस्थेटिक की ट्रांसफोर्मिनल एपीड्यूरल इंजेक्शन तथा लम्बोस्क्रैल रेडिकुलर दर्द में डोर्सल रूट गैंगलियोन पल्स्ड रेडियोफ्रीक्वेंसी उपचार – एक यादृच्छिक, ट्रिपल ब्लाइंड, सक्रिय नियंत्रण परीक्षण।
29. वैकल्पिक सर्जरी के लिए मधुमेह और गैर मधुमेह वाले लोगों में 6 और 8 घंटों के लिए उपवास के बाद गैस्ट्रिक की मात्रा का अल्ट्रासोनिक मूल्यांकन।
30. सर्जरी क्षेत्र, प्रणालीगत और चयापचय परिवर्तनों की तुलना द्वारा पीडियाट्रिक एक्स्ट्रेमिटी सर्जरी में टूनिकेट कफ प्रेशर आवश्यकता के न्यूनतम प्रभाव का मूल्यांकन करना – एक भविष्यलक्षी, यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सीजेरियन सेक्शन के बाद पीठ दर्द की घटना और जोखिक कारक : एक संभावित अवलोकन अध्ययन, प्रसूति रोग और स्त्री।
2. एम्स, नर्सिंग कॉलेज की गंभीर देखभाल इकाई में कार्यरत नर्सों के ज्ञान और कौशल पर एक नियोजित सिमुलेशन शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
3. नए निदान के सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों के निकोटीन की वापसी के पैटर्न का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन और तत्काल पोस्ट–ऑपरेटिव परिणामों पर इसके प्रभाव, नाक, कान और गल विज्ञान – सिर और गर्दन सर्जरी।

4. इन–विट्रो–फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र से गुजर रहे रोगियों में एआरटी परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृ त योग का प्रभाव : एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान के लिए संज्ञाहरण दर्द चिकित्सा और गंभीर देखभाल केंद्र।
5. कम दबाव बनाम उच्च दबाव लेपेरोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी, सर्जिकल विषय।
6. फाइक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंगलिओमा रीमूवल के दौर से गुजरने वाले रोगियों का परिणाम, मूत्र विज्ञान।

पूर्ण

1. मेडिकल में मैकेनिकल वेंटिलेशन में गंभीर रूप से बीमार रोगियों के अनुभवों में रहने का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, सर्जिकल आईसीयू, नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली
2. कार्डियो पल्मोनरी रोक के उच्च जोखिम में रोगियों के परिवार के सदस्यों के लिए बुनियादी जीवन सहायता पर वीडियो प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाम मैनेक्वाइन प्रदर्शन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए तुलनात्मक अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज
3. आईसीयू में गंभीर रूप से बीमार युवाओं में मैकेनिकल वेंटिलेशन की अवधि के साथ विटामिन डी डेफिशिएंसी का एसोसिएशन : अवलोकन अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 50 **सार : 1** **पुस्तकों में अध्याय : 7** **पुस्तकें : 2**

रोगी उपचार

विशेषताएं	जीए / एमएसी के अंतर्गत किए गए मामलों की संख्या
जीआई सर्जरी ओटी	353
सामान्य शल्य चिकित्सा ओटी	2970
दंत शल्य चिकित्सा ओटी	670
प्लासिटी सर्जरी ओटी	331
यूरोलॉजी ओटी	1367
नाक, कान व गला ओटी	1083
गायनीकोलॉजी ओटी	1142
पीडियाट्रिक सर्जरी ओटी	1548
ऑर्थोपेडिक्स ओटी	528
दर्द ओटी	4537
मेन ओटी में आपातकालीन सर्जरियां (ओटी–12)	3259
मैटर्निटी ओटी (डायग्नालेस्टिक लैप + एलएससीएस)	2996
आईवीएफ ओटी	437
ऑफ्थेलमिक ओटी	10509
एबी 8 आईसीयू – सांख्यिकी	
नई भर्ती	602
वॉर्ड से डिस्चार्ज	436
मृत्यु	123
आपातकालीन ड्यूटी टीम ने पेरिफेरल आमंत्रणों में भाग लिया	1339
पेरिफेरल एनेस्थीसिया सेवाएं	
एमआरआई	450
सीटी स्कैन	833
एमईसीटी	495
अन्य रेडियोलॉजिकल सेवाए (डीएसए, लिथोट्रिप्सी)	265

एंडोस्कोपी	990
दर्द क्लिनिक (ओपीडी)	
दर्द ओपीडी	3531

आपात स्थिति सहित कुल एनेस्थीसिया मामले – 26665
कुल पेरिफेरल जी ए और एम ए सी मामले (एमआरआई / सीटी / एमईसीटी / डीएसए) – 3033
कुल पेरिफेरल कॉल में भाग लिया – 1339

प्री–एनेस्थीसिया क्लिनिक सर्विसेज 15 जनवरी, 2018 से सप्ताह के वैकल्पिक दिन से सप्ताह में 5 दिनों तक बढ़ाई गई हैं।

स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा

संकाय का नाम : प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार बत्रा	
1	5–10 फरवरी 2018 से सुखपुर, अशोक नगर, म. प्र. में श्री आनंदपुर ट्रस्ट चैरिटेबल हॉस्पीटल में ''ऑर्थो कैंप'' में एनेस्थीसिया सेवाएं प्रदान की गईं।
डॉ. माया देहरान	
1	1 और 2 अप्रैल 2017 को एमएसएससी अस्पताल, ब्यास, पंजाब में एक चेरिटेबल लेपेरोस्कोपिक सर्जरी कैम्प में बेरियाट्रिक सर्जरी वाले रोगियों को एनेस्थीसिया सेवाएं प्रदान की गईं।
2	7 दिनों (अक्तूबर और नवंबर, 2017) के लिए आध्यात्मिक भाषण के लिए प्रमुख सभा के दौरान विशेष रूप से आवश्यक समूह (एसएनजी) के रोगियों को भाटी केंद्र राधा स्वामी सत्संग, दिल्ली में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवाएं प्रदान की गईं।
3	भाटी केंद्र राधा स्वामी सत्संग, दिल्ली में वर्ष के हर रविवार को स्वैच्छिक सेवादार की चिकित्सा जांच की जाती है।
4	भाटी केंद्र राधा स्वामी सत्संग, दिल्ली में प्रमुख सत्संग सभा के दौरान तृतीयक देखभाल अस्पताल में स्थानांतरित होने तक चिकित्सा और पुनर्जीवन सेवाओं और गंभीर रूप से बीमार रोगियों की देखभाल प्रदान की गई।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य रविंदर कुमार बत्रा 15 अक्तूबर 2017 को मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में वर्ल्ड एनेस्थीसिया डे सेलिब्रेशन इंडियन सोसाइटी ऑफ एनास्थीसियोलॉजिस्ट (दिल्ली शाखा) के लिए ''अतिथि का सम्मान'' मिला था। एलएचएमसी, यूपीएससी, नई दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान लोक सेवा आयोग और यकृत और पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में संकाय के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ; पाठ्यचर्या समिति के अध्यक्ष और प्रसूति, एमओएच, भारत सरकार में जीवन की बचत संज्ञाहरण कौशल के विषय विशेषज्ञ; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, एमओएच, भारत सरकार : सदस्य और समन्वयक ''एनेस्थेसियोलॉजी के विशेषता बोर्ड''; सदस्य, ''कार्यकारी समूह समिति''; सदस्य, परीक्षा नैतिकता समिति; सदस्य, थीसिस समीक्षा समिति; राष्ट्रीय स्तर पर स्नातकोत्तर परीक्षाओं के दौरान विभिन्न विशेषताओं में ओएससीई स्टेशनों का गठन; सदस्य, एम्स में वास्तविक चिकित्सा कक्षाकक्ष समूह; स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार : विषय विशेषज्ञ और सदस्य पाठ्यचर्या समिति; डॉ वी ए पननोस युवा वैज्ञानिक पुरस्कार के लिए न्यायाधीश, 12वीं तिमाही वैज्ञानिक बैठक और स्नातकोत्तर असेम्बली, 7 मई 2017, एम्स, नई दिल्ली; 19–21 जनवरी 2018 को सर्जरी सम्मेलन, एम्स; नई दिल्ली में ''थोरैसिक सर्जरी, समकालीन प्रथाओं पर संगोष्ठी'' सत्र की अध्यक्षता।

आचार्य राजेश्वरी सुब्रामणियम पिछले 4 सालों से बी बी दीक्षित पुस्तकालय के संकाय प्रभारी के रूप में काम किया है, लगभग 1800 पत्रिकाओं, प्रकाशकों के साथ तालमेल, पुस्तकालय और पढ़ने के कमरे का नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन बढ़ाकर पुस्तकालय संरचना और कार्य में बड़े बदलाव लाए गए हैं।

आचार्य अंजन त्रिखा इंडियन कॉलेज ऑफ एनास्थेसियोलॉजिस्ट की अकादमिक समिति के सदस्य नामित किया गया था, जर्नल ऑफ ओबेस्टेट्रिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट एंड क्रिटिकल केयर के मनोनीत मुख्य संपादक।

आचार्य दिलीप शिंदे ने 22–26 मार्च 2017 से दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित एसएएसए (दक्षिण अफ्रीकी सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी) में ''बाल चिकित्सा मोतियाबिंद में पोस्ट ऑपरेटिव एनलजेसिया हेतु उप–टेनन और पेरिबुलर ब्लॉक की तुलना'' शोध पत्र प्रस्तुत किया; नेत्र विज्ञान विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञों सहित बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ आरपीसी में बाल चिकित्सा एचडीयू सुविधा के विकास के साथ शामिल; एशियाई सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थीसियोलॉजिस्ट (एएसपीए, 2017) का 14वां सम्मेलन, 3–4 जून 2017, ग्रैंड हयात, मुंबई, महाराष्ट्र में सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य गंगा प्रसाद फरवरी 2018 में ओटी तकनीशियनों के लिए 5वीं कार्यशाला आयोजित की गई; नई दिल्ली और डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के लिए एनेस्थेसिया उपकरणों की विशिष्टता समिति के सदस्य; सरकारी ई–मार्केटिंग (जीईएम) में संज्ञाहरण उपकरणों के विशिष्टता के लिए समिति के सदस्य; एम्स में बीएससी (ओटी प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम तैयार किया गया और शुरू किया गया।

आचार्य वीरेन्द्र कुमार मोहन : फ्लोरोस्कॉपी द्वारा आर्थ्रोपैथी : तकनीकी मूल्यांकन और सत्यापन पहलू में डोर्सल रैमस के डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड निर्देशित चिकित्सा शाखा ब्लॉक का सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के रूप में निर्णय किया गया था और क्षेत्रीय संवेदनाहरण पर क्षेत्रीय संवेदनाहरण (एनवाईएसओआरए) अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए चौथी न्यूयॉर्क सोसाइटी में पोस्टर प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार से सम्मानित किया गया। (सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार)

आचार्य विम्मी रेवाड़ी मेरी प्रस्तुति ''लीनो–रीनल शंट सर्जरी के बाद पोस्ट–ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए निरंतर ट्रांसवर्स एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक'' के लिए 8–11 नवंबर 2017 को ऊर्जा इवेंट सेंटर, रोटरुआ, न्यूजीलैंड में आयोजित न्यूजीलैंड एनेस्थेसिया वार्षिक वैज्ञानिक बैठक, 2017 में सर्वश्रेष्ठ मुख्य मौखिक प्रस्तुतीकरण के विजेता थे।

आचार्य ज्योत्सना पुंज 2014 से पेरीओपरेटिव अल्ट्रासाउंड और एप्लाइड टेक्निक्स (आईजेपीयूटी) के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के मुख्य में सह–संपादक; पत्रिका के विषय : इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया (आईजेए), जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड क्लीनिकल फार्माकोलॉजी (जेओएसीपी), क्लिनिकल एनेस्थीसिया जर्नल (जेसीए) में अतिथि समीक्षक थे। चिकित्सा प्रकरण रिपोर्ट की पत्रिका; एम्स की एमडी परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक, एमडी संज्ञाहरण के बाह्य परीक्षक : एमडी थीसिस (एनास्थेसियोलॉजी) और एमडी एनेस्थीसियोलॉजी परीक्षाओं के शोध पत्र / मूल्यांकन की स्थापना के लिए जेएन मेडिकल कॉलेज अलीगढ़; एनेस्थीसियोलॉजी विभाग, एस.जी.पी.जी.आई.एम, लखनऊ द्वारा आयोजित दर्द प्रबंधन (6 आईसीपीएम 2017) के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अल्ट्रासाउंड निर्देशित स्वयं कार्य करने की कार्यशाला के मुख्य समन्वयक; अल्ट्रासाउंड निर्देशित तंत्रिका ब्लॉक पर आयोजित सीएमई सह कार्यशाला में परिधीय तंत्रिका ब्लॉक पर अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शित स्वयं कार्य करने की कार्यशाला के मुख्य सह–अध्यापक द्वारा : आईएसए स्टेट ब्रांच अरुणाचल प्रदेश और एनेस्थेसियोलॉजी विभाग, टॉमो रिबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (टीआरआईएचएमएस), नहरलागुन;अल्ट्रासाउंड निर्देशित तंत्रिका ब्लॉक पर आयोजित सीएमई सह कार्यशाला में परिधीय तंत्रिका ब्लॉक पर अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शित स्वयं कार्य करने की कार्यशाला के मुख्य सह–अध्यापक द्वारा : आईएसए स्टेट ब्रांच अरुणाचल प्रदेश और एनेस्थेसियोलॉजी विभाग, टॉमो रिबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (टीआरआईएचएमएस), नहरलागुन; सीएमई सह कार्यशाला में आयोजित कठिन वायुमार्ग प्रबंधन और बीएलएस (सीपीआर) पर स्वयं कार्य करने की कार्यशाला के मुख्य सह–अध्यापक : आईएसए स्टेट ब्रांच अरुणाचल प्रदेश और एनेस्थेसियोलॉजी विभाग, टॉमो रिबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (टीआरआईएचएमएस), नहरलागुन;

डॉ. अंजोली छाबड़ा संज्ञाहरण और गंभीर देखभाल (वैकल्पिक पत्रिका) में रुझानों में क्षेत्रीय संवेदनाहरण के लिए अनुभाग संपादक थीं।

आचार्य रविंदर कुमार पांडे 2014 से पेरीओपरेटिव अल्ट्रासाउंड और एप्लाइड टेक्निक्स (आईजेपीयूटी) के अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के मुख्य में संपादक; पत्रिका के विषय : इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया (आईजेए), जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी एंड क्लीनिकल फार्माकोलॉजी (जेओएसीपी), क्लिनिकल एनेस्थीसिया जर्नल (जेसीए) में समीक्षक थे। चिकित्सा प्रकरण रिपोर्ट की पत्रिका; एमडी थीसिस (एनेस्थेसियोलॉजी) और एमडी एनेस्थेसियोलॉजी परीक्षाओं के मूल्यांकन के लिए दक्षिण परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए परीक्षक के रूप में मनोनीत; एनेस्थीसियोलॉजी विभाग, एस.जी.पी.जी.आई.एम, लखनऊ द्वारा आयोजित दर्द प्रबंधन (6

आईसीपीएम 2017) के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अल्ट्रासाउंड निर्देशित स्वयं कार्य करने की कार्यशाला के मुख्य समन्वयक; अल्ट्रासाउंड निर्देशित तंत्रिका ब्लॉक पर आयोजित सीएमई सह कार्यशाला में परिधीय तंत्रिका ब्लॉक पर अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शित स्वयं कार्य करने की कार्यशाला के मुख्य सह–अध्यापक द्वारा : आईएसए स्टेट ब्रांच अरुणाचल प्रदेश और एनेस्थेसियोलॉजी विभाग, टॉमो रिबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (टीआरआईएचएमएस), नहरलागुन; सीएमई सह कार्यशाला में आयोजित कठिन वायुमार्ग प्रबंधन और बीएलएस (सीपीआर) पर स्वयं कार्य करने की कार्यशाला के मुख्य सह–अध्यापक : आईएसए स्टेट ब्रांच अरुणाचल प्रदेश और एनेस्थेसियोलॉजी विभाग, टॉमो रिबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (टीआरआईएचएमएस), नहरलागुन।

आचार्य छवि साहनी : इन्फ्राक्लेविक्युलर फोस्सा में ब्रेकियल प्लेक्सस की टोपोग्राफिक एनाटोमी का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन– आरएसएसीपीकॉन 2017 में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार।

डॉ. दालिम कुमार बैद्य ने गहन देखभाल (ईडीआईसी) में यूरोपीय डिप्लोमा पास किया।

डॉ. पुनीत खन्ना : जन्मजात रूबेला सिंड्रोम वाले बच्चों में नेत्रहीन सर्जिकल प्रक्रियाओं के लिए एनेस्थीटिक प्रबंधन में उपस्थित होने और शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए यूजीसी द्वारा अनुदान : 3–5 जून 2017 से स्विट्जरलैंड में यूरोएस्टेशियाई कांग्रेस में एक पूर्वदर्शी विश्लेषण; एससीए / एएपी में दिवस देखभाल प्रक्रिया–अवलोकन संबंधी अध्ययन के रूप में संज्ञाहरण के तहत नेत्रहीन परीक्षा से गुजरने वाले बाल रोगी में प्री–ऑपरेटिव फास्टिंग और भ्रम पैदा होने की अवधि के बीच सहसंबंध में उपस्थित होने और शोध पत्र पेश करने के लिए आईसीएमआर द्वारा अनुदान, फीनिक्स, एरिजोना, 23–25 मार्च 2018.

डॉ. बिकाश रंजन रे : स्विट्जरलैंड के जिनेवा में यूरो–एनेस्थीसिया 2017 में शोध पत्र प्रस्तुतीकरण के लिए अनुदान।

डॉ प्रवीण तलवार ने विभाग में दर्द की दवा में एक अध्येतावृत्ति का प्रारूप तैयार किया और शुरू किया।

डॉ अरशद अयूब ने संवेदनाहरण और गहन देखभाल, भाग 1, 2017 में यूरोपीय डिप्लोमा पूरा कर लिया है।

9-2 'kjhjjpuk foKku

vkpk;l ,o v/;{k

टी.एस. रॉय

आचार्य

ए. शरीफ पुष्पा धर एस बी रे

रीमा दादा अरुंधती शर्मा (जेनेटिक्स) रेणु ढिंगरा

टी.सी. नाग (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी) रितु सहगल

सह आचार्य

सरोज कालेर

सहायक आचार्य

टोनी जॉर्ज जैकब नीरजा रानी

सीमा सिंह एस.सी. यादव (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी–नैनोटेक्नोलॉजी)

विशिष्टताएं

विभाग ने कई चिकित्सकीय विभागों के लिए मृतक कार्यशालाओं के गठन को सरलीकृत किया है और विभिन्न शल्यक्रिया कौशल पर चिकित्सकों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में भी सहायता प्रदान की है। भारत और विदेश, दोनों में स्थित विभाग के संकायगण द्वारा कई अतिथि एवं आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किये गए। संकाय और विद्यार्थियों ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशनों में भाग लिया और अपने शोध–कार्य प्रस्तुत किये जिनमें भ्रूणविज्ञान, कोशिका जीवविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, आनुवांशिकी और समग्र शरीर–रचना विज्ञान सम्मिलित है। विभाग के विद्यार्थियों ने अपने प्रस्तुतियों के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किये जिसमें अंतर्राष्ट्रीय निकायों से स्वर्ण पदक और प्रतिष्ठित यात्रा अनुदान सम्मिलित थे। संकायगण को उनके कार्य के लिए अन्तर्संस्थानिक एवं बाह्यसंस्थानिक निधिकरण अभिकरणों से शोध अनुदान स्वीकृत किये गए और उनके शोधों को समकक्ष द्वारा समीक्षित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया। संकायगण ने कई निधिकरण संकायों, जैसे डीबीटी, डीएसटी, सीएसआईआर, आईसीएमआर, यूजीसी, आयुष आदि के शोध प्रस्तावों के समीक्षकों के रूप में कार्य किया है और वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा प्राप्त पत्रिकाओं के संपादकीय परिषद् में भी रहे हैं। इसके अतिरिक्त, नैदानिक परीक्षणों के माध्यम से रोगियों की देखभाल और विभिन्न आनुवांशिकी एवं चयापचय की गड़बड़ी में परामर्श के लिए विभाग ने परिवहन के लिए शव संलेपन और विभिन्न कार्यशालाओं के लिए मृदु शव संलेपन सेवा उपलब्ध करायी है।

शिक्षा

नवोन्मेषी शैक्षिक गतिविधि

अभिसरण (कन्वर्जेन्स) प्रखंड में स्थित विभाग में 150 विद्यार्थियों की क्षमता वाले कार्यस्थलों के साथ, उच्च रिजोल्यूशन वाले डिजिटल हिस्टोलॉजी प्रयोगशाला स्थापित किया गया है। श्वेत पट्टों की सुविधा के साथ, सहक्रियात्मक डिजिटल प्रदर्शन प्रणालियों को विच्छेदन (डाइसेक्शन) हॉल और माइक्रो–एनाटोमी प्रयोगशाला में स्थापित किया गया है।

स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल शिक्षण

लघु और दीर्घकालिक अवधि प्रशिक्षण

दिल्ली के अन्दर और बाहर के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और स्नातक विद्यार्थियों से फैकल्टी सदस्यों को आनुवांशिकी, प्लास्टीनेशन और इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपी के क्षेत्र में अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किये गए। संस्थान के पूर्वस्नातक विद्यार्थियों ने विभिन्न संकाय सदस्यों के साथ

अल्पावधि परियोजनाओं को संपन्न करने के लिए ग्रीष्म शिक्षावृत्ति (फेलोशिप) प्राप्त की। संकाय सदस्यों ने एमएससी न्यूरोसाइंसेज और मॉलिक्यूलर ह्यूमन जेनेटिक्स पाठ्यक्रमों के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय में सहायक संकायगण के रूप में कार्य किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने सॉफ्ट शव लेप प्रदान किए, और निम्नलिखित कार्यशालाओं के संचालन की सुविधा प्रदान की।

1. शल्य चिकित्सा विभाग ने 7 अक्टूबर 2017 को शव विच्छेदन कार्यशाला और एशियाई सोसाइटी ऑफ मास्टोलॉजी के सम्मेलन पर स्वयं कार्य करने का आयोजन किया।
2. 17–18 नवंबर 2017 को शल्य चिकित्सा विभाग ने 5वें एम्स लैप्रोस्कोपिक शल्य चिकित्सा शव कार्यशाला का आयोजन किया।
3. 12 दिसंबर 2017 को न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स ने खोपड़ी आधार न्यूरोसर्जरी फैलोशिप प्रैक्टिकल परीक्षा का आयोजन किया।
4. 6 जनवरी 2018 को प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान विभाग ने स्त्री रोग अर्बुद विज्ञान में लैप्रोस्कोपिक शव विच्छेदन पर चौथी स्वयं कार्य करने की कार्यशाला आयोजित की।
5. आर्थोपेडिक्स विभाग ने 14 और 15 जनवरी 2018 को स्वयं कार्य करने की शव कार्यशाला का आयोजन किया।
6. एनेस्थेसियोलॉजी विभाग ने 15 और 16 जनवरी 2018 को 5वें एम्स अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शित क्षेत्रीय संज्ञाहरण कार्यशाला का आयोजन किया।
7. 19–21 जनवरी 2018 को शल्य चिकित्सा विभाग ने "शल्य चिकित्सा में कंटेम्परेरी प्रैक्टिसिसः वक्ष शल्य चिकित्सा पर संगोष्ठी" पर सीएमई का आयोजन किया।

प्रदत्त व्याख्यान

टी.एस. रॉयः 10	**ए. शरीफः 1**	**पुष्पा धरः 1**
रीमा दादाः 28	**अरुंधति शर्माः 5**	**रेणु धींगराः 2**
टी.सी. नागः 1	**टॉनी जॉर्ज जैकबः 4**	**सुभाष सी यादवः 3**

मौखिक शोध पत्र/पोस्टर प्रस्तुतिः 77

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. ह्यूमन इन्फेरियर कॉलिकुलस में आयु से संबंधित मॉर्फोलॉजिकल और न्यूरोकेमिकल परिवर्तन, टी एस रॉय, एम्स, 1 वर्ष, 2017–18, 4.5 लाख रुपए।
2. ह्यूमन कोक्लेयर न्यूक्लियस के विकास में एपोप्टोसिस और मिटोसिस, टी एस रॉय, आईसीएमआर–एसआरएफ, 1 वर्ष से अधिक, 2017–से, 4.57 लाख रुपए/वर्ष।
3. चूहे में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव, मध्य मस्तिष्क धमनी अवरोधः एक मॉर्फोलॉजिकल और जैव रासायनिक अध्ययन, टी. एस. रॉय, डीबीटी–जेआरएफ, 3 वर्ष, 2017–से, 3.30 लाख रुपए।
4. भारतीय जनसंख्या में गठिया रोगियों में टी–हेल्पर 17 (टीएच17) कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, ए शरीफ, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 45 लाख रुपए।
5. एनीमिया के दौरान एंडेमिक फ्लोरोसिस का मूल्यांकनः एक पायलट अध्ययन, ए शरीफ, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–19, 25 लाख रुपए।
6. एंटरो एंडोक्राइन सिस्टम के एंटरोक्रोमाफिन कोशिकाओं पर क्रोनिक फ्लोराइड एक्सपोजर के प्रभावों का अध्ययन– एक पायलट अध्ययन, ए शरीफ, एम्स, 1 वर्ष, 2016–17, 5 लाख रुपए।
7. गैर पारिवारिक बचपन के कैंसर वाले बच्चों के पिताओं में शुक्राणु डीएनए क्षति का विश्लेषण– रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 36 लाख रुपए।
8. भारत में मेजर डिप्रेशिव डिसऑर्डर (एमडीडी) प्रबंधन के लिए योग आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप का एक अनुवादपरक यादृच्छिक परीक्षण, और इसके साथ जुड़े सेलुलर एजिंग के बायोमार्कर्स का विश्लेषण, रीमा दादा, आयुष, 3 वर्ष, 2016–19, 30 लाख रुपए।

9. जीवन शैली के हस्तक्षेप के प्रभाव, और उम्र बढ़ने के लक्षणों पर मनोवैज्ञानिक तनाव, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–20, 40.0 लाख रुपए।
10. रूमेटोइड गठिया के इन्फ्लेमेटरी बायोमाकर्स पर योग का प्रभाव–रीमा दादा, एम्स, 1 वर्ष, 2017, 5 लाख रुपए।
11. रूमेटोइड गठिया पर योग का प्रभाव, रीमा दादा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2017–19, 54 लाख रुपए।
12. रिफ्रैक्टरी रिकेट्स और हाइपोफॉस्फेटेमिया के रोगियों का अनुवांशिक अध्ययन– अरुंधती शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 30 लाख रुपए।
13. प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा में फेनोटाइपिक एक्स्ट्रीम के जीनोम–वाइड एसोसिएशन का अध्ययनः अरुंधती शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016–19, 54 लाख रुपए।
14. चूहे की रेटिना में आयरन रेग्यूलेटरी प्रोटीन का अभिव्यक्ति पैटर्न और उम्र बढ़ने के साथ प्रयोगात्मक आयरन ओवरलोडः टी.सी. नाग, सीएसआईआर, 2 वर्ष, 2015–17, 22.8 लाख रुपए।
15. सामान्य उम्र बढ़ने के साथ ह्यूमन कोरोइडल वेसेल्स के अल्ट्रास्ट्रक्चरल और इम्यूनो हिस्टोकेमिकल विश्लेषणः टी.सी. नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 21.4 लाख रुपए।
16. चूहों में कैरुलीन–प्रेरित तीव्र अग्नाशयशोथ में स्वैच्छिक प्रेरण की स्थिति पर प्रयोग–पूर्व भुखमरी का प्रभावः टोनी जॉर्ज जैकब, एम्स, 1 वर्ष, 2017–18, 10 लाख रुपए।
17. मनुष्यों में मिडगूट, हिंडगुट और इलियोसेकल्वाल्व में विकासशील मायेंटरिक प्लेक्सस का संगठनः सीमा सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2015–17, 10 लाख रुपए।
18. ट्रोफोब्लास्टिक कोशिकाओं के प्रवासन में एच$_2$एस की भूमिका और प्लेसेंटेशन पर इसके प्रभाव–*इन विट्रो अध्ययनः* नीरजा रानी, एम्स, 2 वर्ष, 2015–17, 10 लाख रुपए।
19. चुंबकीय नैनोकणों और क्वांटम डॉट्स द्वारा साइटोलॉजी नमूना से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर कोशिकाओं की दृश्य पुष्टिः ग्रामीण भारतीय सेटअप में एक लागत प्रभावी, त्वरित और उपयुक्त परीक्षण, एस.सी. यादव, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2018–21, 38.6 लाख रुपए।

पूर्ण

1. आयु बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहा रेटिना में लोहे विनियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न, टीसी नाग, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2015–17, 22.8 लाख रुपए।
2. कम खुराक, उच्च प्रभावकारिता, और लंबे समय तक कार्यवाही के साथ ओपर एंगल ग्लूकोमा के उपचार के लिए ब्रिमोनिडाइन हेतु नैनो–दवा वितरण प्रणाली का विकास, एस.सी. यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2016–18, 9 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चूहा मध्य मस्तिष्क धमनी अटकाव में एंजियोटेनसिन रिसेप्टर मॉड्यूलेशन का प्रभाव : मोर्फोलोजिकल एवं बायोकेमिकल अध्ययन।
2. मानव कर्णावत नाभिक का विकास।
3. मानव इंफेरियर कलिकुलस में आयु परिवर्तन।
4. मानव स्ट्राया संवहनी में आयु परिवर्तन।
5. मानव ट्रोकलियर, एब्डयूसेंट एवं कोकलियर नर्व में आयु परिवर्तन।
6. हल्के तीव्र अग्नाशयशोथ के म्यूराइन मॉडल पर करक्यूमिन के प्रभाव।
7. फ्लोराइड प्रेरित नेफ्रोटोक्सिटी।
8. फ्लोराइड प्रेरित कार्डियोमायोपैथीज– एक प्रयोगात्मक अध्ययन।
9. एंटरिक तंत्रिका तंत्र के विकास पर फ्लोराइड एक्सपोजर का प्रभावः एक प्रयोगात्मक अध्ययन।
10. मानव भ्रूण में विकसित मायेंटेरिक प्लेक्सस का अध्ययन।
11. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड जोखिम के बाद चूहे बेसल अग्रमस्तिष्क संरचनाओं पर करक्यूमिन का प्रभाव।
12. संज्ञानात्मक कार्य और एस्ट्रोजेन रिसेप्टर प्रोफाइल पर रिसवेरेट्रोल पूरकता का प्रभाव।
13. आर्सेनिक ट्रिऑक्साइडःएक्सपोस्र्ड वयस्क महिला चूहों का हाइपोथेलेमस एवं हिपेकैंप्स में प्रोफाइल।
14. चूहों के बेसल नाड़ीग्रन्थि में आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड प्रेरित न्यूरोटॉक्सिटी पर करक्यूमिन पूरकता की भूमिका का मूल्यांकन, चूहों में आर्सेनिक ट्रायऑक्साइड प्रेरित कार्डियक विषाक्तता पर रेसवेराट्रोल का प्रभाव।
15. भ्रूण के विकास में पैतृक कारक।

16. डिप्रेशन में आण्विक विश्लेषण : एक प्रकरण नियंत्रण अध्ययन।
17. पुरुष बांझपन में टेलोमेर गतिशीलता।
18. रेटिनोब्लास्टोमा के आनुवंशिक और आण्विक आधार।
19. 5 अल्फा रिडक्टेस 2 की कमी और एण्ड्रोजन असंवेदनशीलता वाले रोगियों में फीनोटाइप सह–संबंध का अध्ययन करना, अज्ञातहेतुक पुरुष बांझपन के आण्विक आधार।
20. पीओएजी पर ध्यान और इसके प्रभाव।
21. पुरुष बांझपन में महामारी विज्ञान के अध्ययन।
22. ध्यान आधारित तनाव में कमी : क्या यह प्राथमिक खुला कोण मोतियाबिंद के लिए चिकित्सीय है (पीओएजी)।
23. मोटापे पर हस्तक्षेप आधारित लघु अवधि योग का प्रभाव।
24. फाइब्रोमायलजिया में आनुवंशिकी अध्ययन।
25. रुमेटी गठिया में एपिजीनोम पर योग और ध्यान पर प्रभाव।
26. जननांगों के अपजनन और 46, एक्सवाई कुपोषण से पीड़ित रोगियों में प्रत्याशी जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण।
27. मोतियाबिंद रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर योग आधारित हस्तक्षेप के प्रभाव।
28. खराब उत्तरदाताओं में एंटी मुलेरियन हार्मोन जीन में उत्परिवर्तन विश्लेषण।
29. एल्कोहल और ओपियॉइड निर्भरता में मोनोएमिनेरजिक एवं गाबर्जिक पाथवे जीन पोलिमोर्फिज्म के साथ ब्रेन इमेजिंग (पीईटी / एसपीईसीटी) का आनुवंशिक जुड़ाव तथा सह – संबंध पर अध्ययन करना।
30. एल्कोहल निर्भरता में जीआरआईएन2ए जीन पॉलीमॉर्फिज्म के डोपमिनेर्जिक मार्ग जीन और संघ के एपिजेनेटिक परिवर्तन।
31. पोस्टेरियर पोलर कैटरेक्ट के आनुवंशिक अध्ययन।
32. जेनेटिक बेसिस अंडरलाइंग स्टीवन्स – जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) की पहचान हेतु अध्ययन।
33. जीआरआईएन2ए जीन में आरएस9927871 बहुरूपता वाले शराब पर निर्भरता के एसोसिएशन पर अध्ययन।
34. दुर्दम्य रिकेट्स और हायपोफोस्टेमिया वाले रोगियों में उत्परिवर्तन अध्ययन।
35. अग्रवर्ती पिट्यूइटरी ऐडिनोमा के रोगियों में जेनेटिक एवं एपिजेनेटिक प्रोफाइलिंग।
36. शराब निर्भरता वाले मोनोमाइन पाथवे जीन के बहुरूपता, मेथिलिकरण और अभिव्यक्ति की स्थिति के जुड़ाव पर अध्ययन।
37. ओपिओइड निर्भरता वाले जीआरआईएन2ए और डीआरडी4 जीन बहुरूपता का जुड़ाव।
38. पुनरावर्ती सहज असामान्यताओं वाले रोगियों में अनुवांशिक असामान्यताओं का मूल्यांकन अध्ययन।
39. अल्कोहल निर्भरता में एडीएच और एएलडीएच जीन वेरिएंट की भूमिका पर एक अध्ययन।
40. ओपियोइड निर्भरता में न्यूरोट्रांसमीटर जीन में एसएनपी और एपिजेनेटिक परिवर्तनों के जुड़ाव का मूल्यांकन अध्ययन।
41. अलग वृद्धि हार्मोन की कमी का कारण बनने वाले नोवेल जीएचआरएचआर उत्परिवर्तन की विशेषता।
42. सिस्टाथियोनाइन गामा लायस माध्यित ट्रोफोब्लास्ट कोशिका भेदन में माइक्रो आर.एन.ए. – 30 की भूमिका और प्रीएक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति।
43. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवासन पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव और प्रिक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति।
44. प्रीक्लेम्पसिया में माइक्रो एमआईआर–22, विशिष्टता प्रोटीन–1 और सिस्टेथियोनाइन बीटा सिंथेस की अभिव्यक्ति और ट्रोफोब्लास्ट सेल इंवेशन के विनियमन में उसकी भूमिका।
45. सिस्टाथियोनाइन बीटा सिंथेस जीन पॉलिमॉर्फिज्म का एक एसोसिएशन अध्ययन प्रिक्लेम्पसिया अध्ययन शीर्षक।
46. प्रिक्लेम्पसिया में मैट्रिक्स मेटलप्रोटीनेस–9 जीन पॉलिमॉर्फिज्म के जुड़ाव का अध्ययन।
47. आयु बढ़ने के साथ और प्रयोगात्मक लोहे अधिभार में चूहा रेटिना में लोहे विनियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पैटर्न।
48. प्रसव पूर्व ध्वनि उत्तेजना के लिए अवगत कराए गए नवजात चूजे के केंद्रीय श्रवण मार्ग और हिप्पोकैम्पस में मस्तिष्क व्युत्पन्न न्यूरोट्रोफिक कारक के पश्चजनन सम्बन्धी विनियमन।
49. प्रकाश प्रेरित पोस्ट–हैच चूज़े रेटिना में ऑक्सीडेटिव तनाव और अंतर्जात न्यूरोप्रोटेक्टिव तंत्र।
50. प्रकाश प्रेरित बाहा रेटिनल क्षति एवं भीतरी रेटिना में इसके परिणाम।
51. चूहे में लाइट इन्ड्यूस्ड रेटिना क्षति के बाद क्षैतिज कोशिकाओं में पुनःमॉडलिंग।
52. स्तन ट्यूमर में कैनाबीनोइड प्रकार 1 और 2 रिसेप्टर्स की अभिव्यक्ति।
53. ह्यूमन मिडिल सेरेब्रल धमनी की रचनात्मक भिन्नताएं।
54. आवर्ती गर्भावस्था के नुकसान में शुक्राणु मोलेक्यूलर कारकों की भूमिका।
55. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में एंटरिक ग्लिया का मोर्फोलॉजिकल अध्ययन।
56. प्रिक्लेम्पसिया में एमएमपी9 जीन पॉलीमोर्फिज्म के एसोसिएशन का अध्ययन।

57. प्रिक्लेम्पसिया में सिस्टाथियोनाइन बीटा सिंथेस जीन पॉलिमॉर्फिज्म का एक एसोसिएशन अध्ययन।
58. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में एंटरिक ग्लिया का मोर्फोलॉजिकल अध्ययन।

पूर्ण

1. बीटा–ह्यूमन कोरियोनिक गोनोडोट्रोपिन और रिसेप्टर परस्पर प्रभाव प्रोटीन–1 की मात्रात्मक अभिव्यक्ति के साथ मानव पित्ताशय कैंसर में हिस्टोलॉजिकल ट्यूमर सामग्री की तुलना
2. एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस के दो म्यूराइन मॉडल पर ट्राइ मिथाइलएमाइन एन–ऑक्साइड (टीएमएओ) का प्रभाव
3. मानव स्ट्राया संवहनी में आयु परिवर्तन
4. बढ़ती आयु वाले मनुष्य के इंफेरियर में पैरावलमूमिन और कैलबिंडिन की अभिव्यक्ति का अध्ययन।
5. चूहे में मोड़ कोलोस्टोमी के बाद, कोलन के दूरस्थ लूप में, एंटरिक तंत्रिका तंत्र और काजल की अंतरालीय कोशिकाओं में परिवर्तन।
6. वयस्क मानव कोलन के मायेंटरिक प्लेक्सस में एंटरिक ग्लिया का मोर्फोलॉजिकल अध्ययन।
7. मानव भ्रूण में विकासशील मायेंटरिक प्लेक्सस का अध्ययन।
8. चूहे मॉडल में प्रायोगिक कॉलोनिक डायवर्सन।
9. टेस्टिस पर नवजात फोटोथेरेपी का प्रभाव।
10. आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड के लंबे समय से निरावरण वयस्क चूहों की हृदय ऊतक में आकृति विज्ञान और जैव रासायनिक परिवर्तन पर करक्यूमिन का प्रभाव।
11. फाइब्रोमायलजिया में आनुवंशिकी अध्ययन।
12. समय से पहले डिम्बग्रंथि विफलता में आनुवंशिक अध्ययन
13. चर फोटोपेरियोड्स के प्रकाश के अवगत कराए गए नवजात चूज़े रेटिना में बीडीएनएफ और टीआरके–बी पैटर्न अभिव्यक्ति।
14. आत्मघाती मृत्यु में हिप्पोकैंपस के सीए1 क्षेत्र में पायरेमिडल सेल और एस्ट्रोसाइट्स के मोर्फोलॉजी का अध्ययन।
15. बीटा–ह्यूमन कोरियोनिक गोनोडोट्रोपिन और रिसेप्टर परस्पर प्रभाव प्रोटीन–1 की मात्रात्मक अभिव्यक्ति के साथ मानव पित्ताशय कैंसर में हिस्टोलॉजिकल ट्यूमर सामग्री की तुलना।
16. एक्यूट पैनक्रिएटाइटिस के दो म्यूराइन मॉडल पर ट्राइ मिथाइलएमाइन एन–ऑक्साइड (टीएमएओ) का प्रभाव।
17. मानव स्ट्राया संवहनी में आयु परिवर्तन।
18. बढ़ती आयु वाले मनुष्य के इंफेरियर में पैरावलमूमिन और कैलबिंडिन की अभिव्यक्ति का अध्ययन।
19. वयस्क मानव कोलन के मायेंटरिक प्लेक्सस में एंटरिक ग्लिया का मोर्फोलॉजिकल अध्ययन।
20. मानव भ्रूण में विकासशील मायेंटरिक प्लेक्सस का अध्ययन।
21. सीकेआईटी और साइटोकरैटिन 19 अभिव्यक्ति, और गैस्ट्रोनरोएन्डोक्राइन ट्यूमर की अल्ट्रा स्ट्रक्चरल मॉर्फोलॉजी।
22. प्रीएक्लैम्प्सिया के साथ एमएमपी2 प्रोमोटर पॉलीमोर्फोजिम्स के जुड़ाव का अध्ययन।
23. सीकेआईटी एवं साइटोकेराटिन 19 अभिव्यक्ति एवं गैस्ट्रो न्यूरोइंडोक्राइन टयूमरों का अतिसंरचनात्मक मोर्फोलॉजी।
24. प्रीक्लेम्प्सिया के साथ एमएमपी2 प्रोमोटर पॉलीमोर्फोजिम्स के जुड़ाव का अध्ययन।
25. वयस्क मानव कोलन के मायेंटरिक प्लेक्सस में एंटरिक ग्लिया का मोर्फोलॉजिकल अध्ययन।
26. मानव भ्रूण में विकसित मायेंटेरिक प्लेक्सस का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व तंत्रिका शल्य चिकित्सा, न्यूरोसर्जरी योजना बनाने के लिए 3डी/स्टेरियोस्कोपी आधारित आभासी वास्तविकता सिमुलेशन मंच का विकास
2. रेटिनोब्लास्टोमा : आनुवांशिक और आण्विक अध्ययन, आरपी सेंटर
3. पीओएजी, आरपी सेंटर में जीनोटाइप और फीनोटाइप सह–संबंध
4. पीसीजी, आरपी सेंटर के रोगजनन में ऑक्सीडेटिव तनाव
5. अस्थमा, जैव भौतिकी में वाईकेएल40 लेवल

6. आईवीएफ करवा रही पीसीओएस वाली महिलाओं में फोलिकुलर तरल में ऑक्सीडेटिव तनाव बायोमार्कर्स का स्तर तथा परिणामों के साथ इसके संबंध, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
7. जन्मजात विकृति के साथ भ्रूण वाले सामान्य और गर्भवती युगल जोड़ों का एमनियोटिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
8. जननांगों अपजनन और 46, एक्सवाई कुपोषण से पीड़ित रोगियों में सात जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1ए, एसओएक्स9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का उत्परिवर्तन विश्लेषण, अंतःस्राविकी विज्ञान
9. फाइब्रोमायेल्जिया रोगियों में पीड़ा मोड्यूलेशन स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल चुम्बकीय उद्दीपन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान।
10. रुमेठी गठिया में एपिजीनोम पर योग और ध्यान का प्रभाव, मेडिसिन
11. जननांगों अपजनन/एजेनेसिस के कारण 46 एक्सवाई डीएसडी वाले रोगियों में जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना, अंतःस्राविकी विज्ञान
12. एमडीडी–आरसीटी पर वाईबीएलआई का प्रभाव, मनोचिकित्सा
13. मोटापे पर हस्तक्षेप आधारित लघु अवधि योग का प्रभाव, फिजियोलॉजी
14. बचपन में कैंसर में शुक्राणु डीएनए अखंडता की हानि, आरपी सेंटर
15. मोतियाबिंद में क्यूओएल पर योग और प्रभाव, आरपी सेंटर
16. रक्त, एक्वेस और ट्रेबेकुलर मेशवर्क ऑफ प्राइमरी ओपन एंगल ग्लोकोमा रोगियों में इंफ्लेमेटरी मार्करों और जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल पर "योग आधारित हस्तक्षेप": एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, आरपी सेंटर
17. उन्नत प्राइमरी ओपन एंगल ग्लोकोमा वाले रोगियों में मानसिकता आधारित तनाव की कमी के प्रभाव का मूल्यांकन, आरपी सेंटर
18. ट्रेबेकुलेक्टोमी परिणाम पर पूर्व शल्य चिकित्सा स्टेरॉयड का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, आरपी सेंटर
19. जल्दी और उन्नत मोतियाबिंद में इलेक्ट्रोएंसेफेलोग्राफिक परिवर्तन, आरपी सेंटर
20. बांझपन, शरीर रचना विज्ञान, एम्स, रायपुर में साइटोजेनेटिक और आण्विक विश्लेषण
21. बांझपन के प्रबंधन में अश्वगंध की भूमिका, आयुर्वेद केंद्र, गुरु गोबिंद सिंह विश्वविद्यालय
22. मोटापा और डायबिटिज़ मेलिटस, फिजियोलॉजी में लघु और दीर्घावधि योग आधारित हस्तक्षेप के बाद, तनाव, सूजन और सेलुलर उम्र बढ़ने का पता लगाने के लिए जीनोम वाइड विश्लेषण।
23. फेस–ⅠⅠⅠ क्लिनीकल परीक्षण इंट्रावसल इंजेक्शन योग्य पुरुष गर्भनिरोधक– आरआईएसयूजी, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग।
24. भारत की विविध जातीय आबादी में कार्डियोवेस्कुलर बीमारियों से जुड़ी नवीन आनुवांशिक रूपों की पहचान और विशेषता, कार्डियोलॉजी।
25. शुक्राणु एपिजीनोम पर पैत्रिक आयु और खराब जीवनशैली का प्रभावः ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार, ओटिस्म स्पेक्ट्रम विकार में संभावित एटियोलॉजिकल, बाल चिकित्सा।
26. एसजेएस के अनुवांशिक आधार, आरपी सेंटर और त्वचाविज्ञान
27. पोस्टेरियर पोलार मोतियाबिंद की अनुवांशिकी, आरपी सेंटर
28. जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लेसिया – मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, अंतःस्राविकी विज्ञान
29. प्राथमिक हाइपरपैराथायरोडिज्म, पैंक्रिएटिक ट्यूमरों एवं पिट्यूट्री ट्यमरों के रोगियों में मेन 1 जीन म्यूटेशन तथा इसकी नैदानिक जटिलताएं, अंतःस्राविकी विज्ञान
30. एंगल क्लोजर ग्लूकोमा की आनुवांशिकी, आरपी सेंटर
31. एल्कोहल और दवा निर्भरता की आनुवांशिकी, एनडीडीटीसी और मनोवैज्ञानिक
32. हाइपोफोस्फेटेमिक रिकेट्स में आनुवांशिकी अध्ययन, बाल चिकित्सा
33. ओपियोइड निर्भरता और आत्म–हानि पर अनुवांशिक अध्ययन, एनडीडीटीसी और मनोरोग चिकित्सा
34. आवर्ती सहज गर्भपात में अनुवांशिक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग।
35. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका और गर्भनाल पर इसके प्रभावः एक इन–विट्रो अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
36. मानव शव के सिर में इंजेक्शन दूर–पार्श्व और ट्रांसकॉन्डायलर दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त ऑपरेटिव जोखिम के रेडियोलॉजिकल और सूक्ष्म शल्य चिकित्सा की तुलना, तंत्रिका शल्यचिकित्सा
37. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और ऑपरेशन पूर्व तंत्रिका शल्य चिकित्सा योजना बनाने के लिए 3डी/स्टेरियोस्कोपी आधारित आभासी वास्तविकता सिमुलेशन मंच का विकास, तंत्रिका शल्य चिकित्सा
38. 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा के साथ न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा, और आर्किवल, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फरेंसिंग के लिए सेंट्रल रिपॉसिटरी सर्वर– एफआईएसटी डीएसटी एफआईएसटी प्रोग्राम डीएसटी एफआईएसटी लेवल 2, न्यूरोसर्जरी

39. न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय संस्थानों को समर्थन के लिए ऑपरेशनल रिसर्च न्यूरोसर्जरी स्किल्स ट्रेनिंग
40. कौशल प्रशिक्षण और मॉड्यूल पर व्यावहारिक न्यूरोसर्जरी कौशल के विकास का मूल्यांकन, न्यूरोसर्जरी।
41. माइग्रेशन और ट्रोफोब्लास्ट सेल की आक्रमण क्षमता पर हाइड्रोजन सल्फाइड के प्रभाव पर अध्ययनः प्रसूति एवं स्त्री रोग।
42. मिडिएटिंग ट्रोफोब्लास्ट इन्वेशन में एमआईआर–22 और हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, और प्रिक्लेम्पसिया में देखे गए प्लेसेंटल विसंगतियों पर इसका प्रभाव, प्रसूति एवं स्त्री रोग।
43. मानव में आद्यमध्यांत्र, पश्चांत्र और इलियोसिकल वाल्व में विकासशील माइंट्रिक का संगठन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
44. स्पर्शोन्मुख स्थिति में रोगजनकों का पता लगाने के लिए सरल, त्वरित और ऑनसाइट अर्ली डायग्नोस्टिक किट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जेनोमिक रिसर्च, नई दिल्ली
45. मूत्र आधारित प्रोटीन बायोमार्कर्स का उपयोग करते हुए, प्रोस्टेट कैंसर के नैनोइन्वेसिव पहचान के लिए एक नवीन इम्यूनो नैनो फ्लोरोसेंस जांच (आईएनएफए) प्रणाली–पीएसए और एमएसएमबी, पैथोलॉजी।

पूर्ण

1. हैंड्स ऑन – स्किल्स प्रशिक्षण तथा इंट्रेक्टिव वर्चुअल प्रशिक्षण मॉड्यूल द्वारा तंत्रिका शल्य चिकित्सा कुशलता के विकास का मूल्यांकन (वेब आधारित दूरसंचार – शिक्षा और वास्तविक समय मूल्यांकन), तंत्रिका शल्य चिकित्सा
2. एलएचओएन में आनुवांशिकी अध्ययन, आरपी सेंटर
3. जन्मजात मोतियाबिंद में आनुवंशिक अध्ययन, आरपी सेंटर
4. म्यूरइन प्रयोगात्मक तीव्र अग्नाशय शोथ प्रेरित एल–आर्जिनाइन की गंभीरता पर डेक्सामेथासोन और इंफ्लिक्सीमैब का प्रभाव, जीआई सर्जरी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 34 सारः 24

रोगी देखभाल

आनुवंशिक निदान एवं परामर्श सेवाएं

कार्योटाइपिंग	742	सेमिनल आरओएस	462
वाईक्यू माइक्रोडिलिशन का विश्लेषण	106	गुणसूत्र विश्लेषण	470
मॉलिकुलर स्क्रीनिंग	230	विविध मामले	61
शवों का संलेपन	*692*		
परिवहन हेतु	640	शिक्षण/अनुसंधान हेतु	25
सॉफ्ट शव लेप	27		

विभाग ने निम्नलिखित कैडवेरिक कार्यशालाओं के सॉफ्ट शव लेप का संचालन किया है

शव कार्यशाला (पाठ्यक्रम)	विशेषता
ऑर्थोः पेल्विक और एक्सीटेब्युलर	ओर्थोपेडीक
प्लास्टिक सर्जरी	प्लास्टिक सर्जरी
एओ रीढ़	न्यूरोसर्जरी
पैर और टखना	आर्थोपेडिक्स
नेविगेटेड यूनिवर्सन एक्स (यूनिकॉन्डिलर) नी (घुटने) का कोर्स	आर्थोपेडिक्स
ईएनटी हेड एंड नेक कोर्स	ईएनटी

न्यूरोसर्जरी एंडोस्कोपी	न्यूरोसर्जरी
दर्द प्रबंधन	एनेस्थेसिया
न्यूरोसर्जरी खोपड़ी बेस	न्यूरोसर्जरी
न्यूनतम इन्वेसिव शल्य–चिकित्सा	न्यूरोसर्जरी
ऑर्थोपेडिक्स सभी इंसिस एसीएल और मेनिस्कल रिपेयर	आर्थोपेडिक्स
स्पाइन ओपन	न्यूरोसर्जरी
एएनटीसी (बीपीआई और एंडोस्कोपी)	न्यूरोसर्जरी
आईएएसए	आर्थोपेडिक्स
हेड एंड नेक कोर्स	ईएनटी
घुटने के आसपास फ्रैक्चर	आर्थोपेडिक्स
एयरवे प्रबंधन	एनेस्थिसियोलॉजी
एम्स अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल अनेस्थेसिया (एयूआरए)	एनेस्थिसिया
शल्य चिकित्सा	सर्जरी
आईएसआई–कंधे, पैर और एंकल कोर्स	हड्डी रोग
सीएमई स्त्रीरोग ओन्कोलॉजी	स्त्रीरोग
आईएसएसपी पेन कोर्स	एनेस्थिसिया
मॉड्यूलर हिप आर्थोप्लास्टी (एस रूम) मास्टर्स कोर्स	आर्थोपेडिक्स
फेसियल प्लास्टिक और राइनोप्लास्टी केडवेरिक कार्यशाला	ईएनटी
कार्यात्मक एंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी	ईएनटी
एम्स कैडवेरिक आथ्रोस्कोपिक रोटेटर कफ मरम्मत	आर्थोपेडिक्स
एम्स कैडवेरिक थोरैसिक सर्जरी कोर्स (एक्टसी)	सर्जरी

फ्लोरोसिस डायग्नोस्टिक लेबोरेटरीः फ्लोराइड अनुमान

मूत्र 34 रक्त / सीरम 32 पीने का पानी 40

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट कार्यक्रम

विभाग के विद्यार्थियों ने अपने शोध कार्य के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किये। दो विद्यार्थियों (इंद्रा गुप्ता और रंजन गुप्ता) ने आईबीआरओ यात्रा अनुदान प्राप्त किया, एक विद्यार्थी (रंजन गुप्ता) को प्रतिष्ठित 2017 ईसीआईपी यात्रा अनुदान प्रदान किया गया। एक अन्य विद्यार्थी (इंद्रा पाल) को यात्रा अनुदान के साथ एक प्रयोगशाला में एक्सटर्नशिप प्रदान किया गया। विद्यार्थियों को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए डॉ. टी. कोडनडरमैया मेमोरियल स्वर्ण पदक (डॉ पारुल कौशल), सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए डॉ. धर्म नारायण स्वर्ण पदक (डॉ. संकट मोचन) और डॉ. जी. पी. तलवार स्वर्ण पदक (डॉ संकट मोचन) भी प्रदान किये गए। इनके अतिरिक्त, विद्यार्थियों ने एएसए यात्रा पुरस्कार (सुरभि गौतम) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) (शिल्पा बिष्ट, तृप्ति ग्रोवर) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसन्धान परिषद् (सीएसआईआर) (शुभी सैनी, तृप्ति ग्रोवर एवं रेनू सिंह) द्वारा प्रदत्त असंख्य अंतर्राष्ट्रीय अनुदान) प्राप्त किये।

आचार्य टी.एस.रॉय ने निम्नलिखित जर्नलोः जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, मेडिसिन के संपादकीय परिषद् के मनोनीत सदस्य के रूप में अपनी सेवाओं को जारी रखा। उन्होंने जर्नल पैंक्रियास के सहायक संपादक के रूप में अपना कार्य जारी रखा। वे एनाटोमी विभाग के लिए आरटीआई के अंतर्गत खुलासे के लिए केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) थे; वे स्टोर परचेस समिति, डीओ, एम्स, संस्थान के पशु कल्याण समिति, एमबीबीएस पाठ्यक्रम समिति के अध्यक्ष (चेयरपर्सन) थे; वे संस्थान के पशु नीति–शास्त्र समिति के सह–अध्यक्ष थे; वे पीएचडी सुधार समिति, अस्पताल प्रबंधन समिति, कर्मचारी परिषद्, संस्थान दिवस समारोह समिति, सेंट्रलाइज्ड कोर रिसर्च फैसिलिटी एवं एंटी–रैगिंग कमिटी ऑफ एम्स के सदस्य, एम्स दीक्षांत समारोह की मुख्य समिति के सदस्य, एम्स के सांस्कृतिक समिति के सदस्य थे। वे राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसन्धान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर में पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए एमडी एनाटोमी, गुजरात विश्वविद्यालय के लिए प्रश्नपत्र निर्माता (पेपर सेटर) थे; वे दिल्ली विश्वविद्यालय में एमडी एनाटोमी कोर्स के लिए पेपर सेटर और बाह्य परीक्षक थे; वे एम्स ऋषिकेश, नार्थ डीएमसी मेडिकल कॉलेज एवं हिन्दू राव हॉस्पिटल, मलका गंज, दिल्ली में प्रथम वर्ष एमबीबीएस के लिए बाह्य परीक्षक थे। वे एम्स, जोधपुर, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, एम्स, ऋषिकेश, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद, जिपमेर, पुदुचेरी

और स्टेट मेडिकल इंस्टिट्यूट, गौतमबुद्ध नगर, ग्रेटर नॉएडा में संकाय सदस्यों के चयन के बाह्य विशेषज्ञ थे। वे कनिंगघम'स मैन्युअल ऑफ प्रैक्टिकल एनाटोमी (3रा वॉल्यूम) के 16वें संस्करण के समीक्षक थे; जर्नल, पैंक्रियास, जर्नल ऑफ एनाटोमी, जर्नल ऑफ एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल पैथोलॉजी के अस्थायी समीक्षक थे। उनको एम्स परास्नातक चिकित्सकीय शोध–प्रबंध के पुरस्कार वितरण समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। भारतीय तंत्रिकाविज्ञान अकादमी, कटक, ओडिशा के 35वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पोस्टर सत्र के निर्णायक थे; एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, एचआईएमएस, देहरादून के नार्थ स्टेट चौप्टर के 12वें वार्षिक अधिवेशन में यंग एनाटोमिस्ट फोरम और पोस्टर सत्र, विश्व न्यूरो–कांग्रेस के भी निर्णायक थे; वे एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, रायपुर के 56वें वार्षिक अधिवेशन के वैज्ञानिक सत्र के अध्यक्ष थे और उनको एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के वार्षिक अधिवेशन के वैज्ञानिक सत्र में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने सिसकॉन, एम्स, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की। वे यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली एवं मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के एनाटोमी विभाग में वरिष्ठ डेमोंसट्रेटर के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य थे। नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर, हरियाणा में पीएचडी विद्यार्थियों के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में समावेशी मौखिक परीक्षा का आयोजन किया। प्रथम व्यवसायिक एवं बीएससी (ऑनर्स) के लिए एनाटोमी के प्रायोगिक परीक्षा और सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के मूल्यांकन का आयोजन किया। एम्स, ऋषिकेश के नर्सिंग परीक्षा में बाह्य परीक्षक थे। वे कटक, ओडिशा में ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंसेज आईएएन–2017 पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन में एक आमंत्रित वक्ता थे। उन्होंने वाशिंगटन, डीसी, यूएसए में आयोजित सोसाइटी फॉर न्यूरोसाइंसेज (एसएफएन) अधिवेशन में भाग लिया और एक पोस्टर प्रस्तुत किया। उन्होंने अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में आयोजित वर्ल्ड न्यूरोकांग्रेस–2017 में एक सत्र की अध्यक्षता की। वे जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश में आयोजित एमएससी तंत्रिकाविज्ञान कार्यक्रम में आमंत्रित शिक्षक थे। वे जेएन मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ के बोर्ड ऑफ स्टडीज इन एनाटोमी के एक सदस्य थे।

आचार्य ए. शरीफ ग्रेटर नोएडा, यू.पी., भारत में स्थित गौतम बुद्ध इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीआईएमएस) के शासकीय निकाय के सदस्य रहे हैं। वे विभागीय प्रोत्साहन समिति, नीतिशास्त्र (एथिक्स) समिति और लाइब्रेरी समिति के सदस्य हैं। वे परीक्षा अनुभाग के लिए आईटी उपकरण प्राप्ति समिति, दन्तरोग शिक्षा एवं अनुसन्धान (सीडीईआर) केंद्र के लिए स्टोर खरीद समिति, टेलीमेडिसिन फैसिलिटी के अध्यक्ष और कंप्यूटर फैसिलिटी के प्रोफेसर–इन–चार्ज हैं।

आचार्य पी. धर का चयन राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के एक फेलो के रूप में किया गया। वो हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसन्धान संस्थान (हिमसार) में एमएससी और एमडी (शरीर विज्ञान) के अध्ययन परिषद् के एक सदस्य हैं। वे मानव संसाधन विकास समूह, सीएसआईआर द्वारा आयुर्विज्ञान में वरिष्ठ अनुसन्धान सहायकों (पूल वैज्ञानिक) के चयन के लिए गठित विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य हैं। उनको जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी (जेएफसीटी) के राष्ट्रीय संपादकीय परिषद् का सदस्य चुना गया। उनके एक विद्यार्थी को एनाटोमिकल सोसाइटी मीट ऑफ इंडिया में न्यूरो–एनाटोमी में एक स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

आचार्य एस. बी. रे जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एमएससी, तंत्रिका विज्ञान पाठ्यक्रम के लिए एक अतिथि शिक्षक हैं। उन्होंने एम्स, भुवनेश्वर में शरीर विज्ञान में नियमित एवं पूरक प्रथम व्यवसायिक एमबीबीएस परीक्षण के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया। उन्होंने एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के नॉर्दर्न स्टेट्स चैप्टर के आजीवन सदस्यता प्राप्त किया।

आचार्य रीमा दादा और उनके विद्यार्थियों को अमेरिकन कांग्रेस ऑफ ऐन्ड्रोलॉजी द्वारा मिआमि, यूएसए में आयोजित अपने वार्षिक बैठक में उनके शोध–पत्र 'बांझपन एवं कैंसर के बीच एमएसआई–लिंक' के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया; उनको अंतर्राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के एक फेलो के रूप में मनोनीत किया गया और एमसीआई एवं मेडिकल कॉलेजों के मूल्यांकन, प्रमाणन और अकादमिक लेखा–परीक्षण के लिए एक्रेडिशन काउंसिल द्वारा भी मनोनीत किया गया; उनको इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी के अध्यक्ष द्वारा स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप ऑन होलिस्टिक मेडिसिन के प्रभारी के रूप में मनोनीत किया गया फर्टिकॉन (आईएफएस के वार्षिक बैठक) में जनन स्वास्थ्य समस्याओं में होलिस्टिक औषधियों की भूमिका पर प्री–कांग्रेस कार्यशाला का आयोजन किया गयाय 6 अधिवेशनों में सत्रों की अध्यक्षता की, चिकित्सा आनुवांशिकी में डीएम के लिए समीक्षा प्रस्तावों की विशेषज्ञता समिति की वो एक सदस्य थी; 12 जर्नलों के संपादकीय परिषद् के एक सदस्य के रूप में उनका चयन हुआ। वो स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय विज्ञान खंड में आईजेएसआर जर्नल की एक विशेषज्ञ संपादक थी; वो मेडिकल रिसर्च काउंसिल फेलोशिप, एडिनबर्घ और ईरान में रिप्रोडक्टिव बायोमेडिसिन एवं स्टेम सेल्स के लिए रॉयन इंटरनेशनल रिसर्च पुरस्कारों की जूरी सदस्य थी; पुरुष इनफर्टिलिटी पर आईसीएमआर कार्य बल की सदस्य थी; कई जर्नलों की समीक्षक थी; उन्होंने डीबीटी, आईसीएमआर, इंडो–यूएस टेक्नोलॉजी फोरम, वेलकम ट्रस्ट के परियोजनाओं की समीक्षा की और अग्रिम अनुसन्धान के स्थापना केन्द्रों के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति के बैठक की एक सदस्य थी; उन्होंने आनुवांशिकी में 7 एमडी और 5 पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया और वो आनुवांशिकी में पीएचडी थीसिस की बाह्य परीक्षक थी; एम्स के दीक्षांत समारोह के मुख्य समिति की सदस्य, वर्ष के लिए

डीएमए पदक के चयन की समिति की सदस्य, रिकॉम्बिनैंट डीएनए रिसर्च पर इंस्टिट्यूट बायोसेफ्टी समिति की सदस्यय स्वायत्त संस्थानों में अनुसन्धान गतिविधियों के मानक में सुधार पर दृष्टि रखने के लिए संस्थान समिति की सदस्यय पीएचडी एवं पीजी'स के लिए दिशानिर्देश के गठन के लिए और विभिन्न विभागों में शिक्षकों की क्षमता को निर्धारित करने के लिए स्थापित परिषद् की सदस्य; विद्यार्थी संघ के चुनाव के लिए फैकल्टी इन चार्जय पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम समिति की सदस्य थी; उनको विभिन्न चिकित्सा विद्यालयों के लिए वरिष्ठ रेजिडेंट एवं फैकल्टी के चयन के लिए आमंत्रित किया गयाय वो प्रश्न कोष के मानकीकरण के लिए नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन्स द्वारा मनोनीत और उनके विभिन्न समितियों की सदस्य भी थी; हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल (एचएसएससी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित "डिस्कशन्स फॉर जॉब रोल्स फॉर आईवीएफ/एआरटी" पर परामर्शदात्री बैठक की सदस्य थी; हमदर्द इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज में आनुवांशिकी की बाह्य फैकल्टी थी; उन्होंने स्वास्थ्य पर जीवनशैली एवं पुष्टाहार के प्रभाव पर "मीट किल्स द एविडेंस" शीर्षक से एक वृत्त–चित्र में भाग लियाय उनके विद्यार्थियों का चयन जर्मनी में प्रतिष्ठित 68वें लिन्डो नोबेल लौरिएट मीटिंग और जर्मन अनुसन्धान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में आयोजित डीएसटी–डीएफजी कार्यक्रम और ब्रिटिश काउंसिल एवं डीबीटी द्वारा उपलब्ध न्यूटन भाभा पीएचडी प्लेसमेंट फेलोशिप के लिए भी हुआ।

आचार्य अरुंधती शर्मा की नियुक्ति आनुवांशिकी में फैकल्टी चयन के लिए एक बाह्य विशेषज्ञ; मौखिक परीक्षा के लिए एक परीक्षक के रूप में की गयी और भारत के उत्तरी भाग में प्रभावी विभिन्न अनुवांशिक रोगों के आकलन और इस क्षेत्र में सामान्य एवं दुर्लभ परिवर्तनों का एक डाटाबेस बनाने के लिए चयापचय एवं आणविक अनुसन्धान समिति के विशेषज्ञों में से एक के रूप में उनका कार्य करना जारी है। उन्होंने पीएचडी थीसिस और मौखिक परीक्षा के लिए एक बाह्य परीक्षक के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के कई शोधपत्रों और धन उपलब्ध कराने वाले विभिन्न अभिकरणों के परियोजनाओं की भी समीक्षा की। वे जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के आणविक मानव आनुवांशिकी विभाग में आनुवांशिकी के बाह्य फैकल्टी के रूप में कार्यरत हैं। वे स्टूडेंट मेंटरशिप कार्यक्रम की एक विभागीय परामर्शदाता हैं और एंटी–रैगिंग स्क्वाड की एक सदस्य हैं। उनके विद्यार्थियों को ऑर्लैंडो में अपने कार्य को प्रस्तुत करने और भाग लेने के लिए प्रतिष्ठित 2017 के ईसीआईपी ट्रेवल ग्रांट और मलेशिया एवं फ्रांस में अंतर्राष्ट्रीय मंच में अपने कार्य को प्रस्तुत करने के लिए आईसीएमआर, सीएसआईआर से यात्रा अनुदान प्रदान किये गए।

आचार्य रेणु धींगरा पंडित जे.एन.एम. मेडिकल कॉलेज, रायपुर में आयोजित एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 65वें राष्ट्रीय अधिवेशन के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षा और एनाटोमी मस्कुलो–स्केलेटन अल्ट्रासाउंड सोसाइटी की तकनीकी परामर्शदाता थी। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्लास्टीनेशन की सदस्य, डीएएसएमओएस की अधिशासी सदस्य और एम्स के शिक्षण कार्यक्रम समिति की सदस्य, एम्स में परोक्ष शिक्षण के लिए अकादमिक परामर्शदात्री पैनल की सदस्य, विभागीय स्टोरों के लिए फैकल्टी–इन–चार्ज, एनडीएमसी हिन्दू राव हॉस्पिटल में एमटीआर पाठ्यक्रम और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में बीडीएस पाठ्यक्रम के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में उनका कार्य करना जारी है। विभिन्न सरकारी कॉलेजों में फैकल्टी के चयन के लिए वे एक विशेषज्ञ हैं। अन्य मेडिकल कॉलेजों के आईसीएमआर, परास्नातक थीसिस के परियोजनाओं और विभिन्न जर्नलों के लिए प्रस्तुत किये गए अनुसन्धान लेखों की उन्होंने समीक्षा की।

आचार्य टीसी नाग ने एक्सप आई रेस, बायोमेडिसिन और फार्माकोथेरेपी, माइक्रोस्कोपी और माइक्रोएनालिसिस, और वित्तीय सहायता हेतु डीएसटी–एसईआरबी शोध परियोजनाओं के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की। उन्हें वर्ष 2017–18 की अवधि के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

आचार्य रितु सहगल ने मेडिकल राइटर्स ग्रुप, संस्थान दिवस प्रदर्शनी उप–समितियां और एम्स छात्र संघ चुनाव के सलाहकार परिषद की सदस्य रही थी। वे वर्तमान में मेडिकल राइटर्स ग्रुप के हिस्से के रूप में एनाटॉमी पाठ्यपुस्तकों को संपादित करने और लिखने में शामिल हैं, जिन्होंने 'ग्रेज एनाटॉमी फॉर स्टूडेंट्स' के पहले दक्षिण एशिया संस्करण में अध्याय 'एब्डॉमन' का संपादन किया है। समीक्षाधीन वर्ष में उन्होंने निम्नलिखित क्षमताओं में कार्य कियाः सूचना सहायक अधिनियम, 2005 के तहत एनाटॉमी विभाग के लिए नामित केंद्रीय सहायक जन सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ); छात्र सलाह कार्यक्रम के लिए विभागीय परामर्शदाता; एंटी–रैगिंग स्क्वाड के सदस्य।

डॉ. सरोज कालेर झाँझरिया इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी) की सदस्य थी; एम्स, नई दिल्ली में परीक्षा के चयन के लिए विभिन्न केन्द्रों की वह एक निरीक्षक थी; इंडियन जर्नल ऑफ एनाटोमी एंड सर्जरी ऑफ हेड, नेक एंड ब्रेन के संपादकीय परिषद् की एक सदस्य, एमबीबीएस पाठ्यक्रम समिति की एक सदस्य, संस्थागत एंटी–रैगिंग स्क्वाड की एक सदस्य के रूप में वे कार्यरत हैं। लॉस वेगास, नेवेदा के सीजर्स पैलेस में नियोजन समिति, नार्थ अमेरिकन न्यूरोमोडुलेशन सोसाइटी के 2018 के वार्षिक बैठक में प्रस्तुतीकरण के लिए उनके कार्य को स्वीकार किया गया। उन्होंने धारण मेडिकल कॉलेज, नेपाल के एक थीसिस की समीक्षा की और एम्स में पूर्वस्नातक विद्यार्थियों द्वारा आयोजित पल्स के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में निर्णायक की भूमिका का निर्वाह किया। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए ग्रे'ज एनाटोमी के प्रथम दक्षिण एशिया संस्करण में दो अध्यायों के संपादन/संशोधन के लिए अपना सहयोग दिया।

डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब एम्स स्नातकोत्तर और स्नातक प्रवेश परीक्षा के लिए एम्स प्रतिनिधि थे। वे एम्स की वार्षिक रिपोर्ट के संकलन के लिए संपादकीय समिति के सदस्य हैं, और वैज्ञानिक रिपोर्ट्स, पैंक्रियाटोलॉजी, चिकित्सा, जर्नल ऑफ केमिकल न्यूरोनाटॉमी, द नैशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, जर्नल ऑफ एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, एनाटॉमिकल साइंसेज एजुकेशन, क्लिनिकल एनाटॉमी, और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल पैथोलॉजी के समीक्षक रहे हैं। वे एनाटॉमी, माइक्रोबायोलॉजी और केन्द्रीय पशु सुविधा विभागों के लिए स्टोर खरीद समितियों के सदस्य हैं। वे एम्स में केंद्रीय कोर रिसर्च सुविधा की स्थापना के लिए कोर कमेटी के सदस्य भी हैं, और समिति विभिन्न शल्य चिकित्सा विषयों में प्रशिक्षण के लिए एम्स, नई दिल्ली में मानव थीएल कैडवर कार्यक्रम शुरू करने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए प्रश्नपत्र तैयार किए हैं, और उनके उत्तर पत्रों का मूल्यांकन किया है। वे सोसाइटी फॉर यंग साइंसेज के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन और एम्स, नई दिल्ली में स्नातक छात्रों द्वारा आयोजित नेशनल फेस्टीवल पल्स के लिए विभिन्न कार्यक्रमों हेतु एक निर्णायक भी थे।

डॉ. नीरजा रानी ने एचआईएमएसआर जामिया हमदर्द एवं पीजीआईएमएस, रोहतक में प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षा का आयोजन करने के लिए एक बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया। वे जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एमएससी तंत्रिका विज्ञान पाठ्यक्रम की एक अतिथि फैकल्टी थी। उनको वीएमएमसी–नई दिल्ली में पोस्टर प्रतियोगिता के लिए एक निर्णायक के रूप में मनोनीत किया गया। उन्होंने डरबन, दक्षिण अफ्रीका में प्लास्टीनेशन पर मार्च, 2018 में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिम अधिवेशनध्कार्यशाला में भाग लिया और कैडवरिक एडवांस्ड अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया (सी–औरा) आईसीसीईएस–बीएपीए पाठ्यक्रम पर एक कार्यशाला के आयोजन में योगदान दिया। उन्होंने कनिंघम मैन्युअल ऑफ प्रैक्टिकल एनाटोमी (वॉल्यूम–2) की समीक्षा की।

डॉ. सीमा सिंह, जिन्होंने जर्नल ऑफ ह्यमन एनाटॉमी के लेखों की समीक्षा की हैं, एमएससी न्यूरोसाइंस कोर्स के लिए जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में एक अतिथि संकाय है; तथा ह्यमन एनाटॉमी ओपन एक्सेस जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं। उन्हें वीएमएमसी, नई दिल्ली में पोस्टर प्रतियोगिता के लिए निर्णायक के रूप में नामित किया गया था। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के डरबन में प्लास्टिनेशन पर 12वीं अंतर्राष्ट्रीय अंतरिम सम्मेलन/कार्यशाला में भाग लिया है। कैडवेरिक एडवांस्ड अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल एनेस्थेसिया (सी–एयूआरए) आईसीसीईएस–बीएपीए कोर्स, मार्च, 2018 पर एक कार्यशाला में भाग लिया और इसके आयोजन में योगदान दिया।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. स्टीवन एम. एर्डे, पीएचडी, एमडी, मुख्य सूचना अधिकारी, ओरल हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स के सहायक प्रोफेसर, कोलंबिया विश्वविद्यालय, कॉलेज ऑफ डेंटल मेडिसिन, और कोलंबिया विश्वविद्यालय में एनाटॉमी के कोर्स डायरेक्टर डॉ. बर्न्ड ने 28 दिसंबर 2017 को विभाग का दौरा किया। उन्होंने विच्छेदन हॉल, प्लास्टिनेशन सुविधा और विभिन्न शोध प्रयोगशालाओं का दौरा किया। डॉ बर्न्ड ने कोलंबिया विश्वविद्यालय में उनके द्वारा विकसित इलेक्ट्रॉनिक विच्छेदन का प्रदर्शन किया, और एम्स में अनुपालन की जाने वाली एनाटॉमी पाठ्यक्रम और स्नातक मूल्यांकन प्रणाली पर भी चर्चा की।

9-3 tho jlk;u

vkpk;Z ,oa v/;{k

एस.एस.चौहान (दिनांक 28.12.2017 तक) सुब्रता सिन्हा (दिनांक 29.12.2017 से)

vkpk;Z

एम.आर. राजेश्वरी, पी.पी.चट्टोपाध्याय, कल्पना लूथरा, अल्पना शर्मा, कुंजेंग चोसडॉल

lg&vkpk;Z

सुदीप सेन, अर्चना सिंह–I

lgk;d vkpk;Z

अर्चना सिंह–II, जयंत कुमार पी., सुभ्रादीप कर्माकर, अशोक शर्मा, प्रज्ञान आचार्य, रियाज अहमद मीर, राखी यादव, प्रमोद कुमार गौतम

fof'k"Vrk,a

- विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों जैसे डी.बी.टी.,डी.एस.टी.,आई.सी.एम.आर., डी.आर.डी.ओ.,यू.जी.सी.(ईपी. जी – पाठशाला), इंडो–ऑस्ट्रियन, वेलकम ट्रस्ट, आयुश मंत्रालय और आंतरिक एम्स द्वारा वित्तपोषित 16.5 करोड़ रूपए की राशी वाली 36 अनुसंधान परियोजनाएं विभाग में जारी हैं और इस वर्ष में 10 अनुसंधान परियोजनाएं (1.7 करोड़ रूपए) पूरी की गई।
- विभाग के विभिन्न संकाय के साथ 43 विभागीय परियोजनाएं तथा 41 सहयोगी परियोजनाएं जारी हैं।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 48 अनुसंधान प्रकाशन और 8 अनुक्रमित सार प्रकाशित किए गए।
- संकाय द्वारा 33 आमंत्रित वार्ताएं दी गई और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों पर संकाय/अनुसंधान छात्रों (मौखिक/पोस्टर) द्वारा 49 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।
- तीन संकाय सदस्यों ने एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार–2017 प्राप्त किया।
- एल्कालाइन फॉस्फेटेज (पी.एल.ए.पी.) प्रमोटर मध्यस्थ सेल टारगेटिंग जैसे प्लेसेंटल पर यू.एस. पेटेंट पी.सी.टी./आई.बी. 2014/061350 को सम्मानित किया गया था (यू.एस. पेटेंट संख्या यू.एस. 9,868,960 बी 2)।
- संकाय एवं छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में यात्रा अनुदान सहित मौखिक प्रस्तुतियों के लिए विभिन्न पुरस्कार और इनाम प्राप्त किए।
- विभाग में 9 एम.एस.सी., 13 एम.डी., 8 एस.आर. और 22 पंजीकृत पी.एच.डी. छात्र/छात्राएं काम कर रहे हैं।
- एम.डी. और एम.एस.सी. छात्रों के शिक्षण पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम कार्यों को अनुसंधान में वर्तमान प्रगति को विभिन्न शामिल विषयों में और अधिक उन्नत कक्षाओं से जोड़ने के लिए आगे विस्तार किया गया।
- विभाग ने एम्स, नई दिल्ली में 29 अप्रैल 2017 को विश्व प्रतिरक्षा विज्ञान दिवस पर एक संगोष्ठी आयोजित की।
- विभाग रोगियों को नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रहा है और कुल 11,317 नमूनों में अलग–अलग जांच निष्पादित की गई।

f'k{kk

Lukrd iwoZ

विभाग द्वारा स्नातक पूर्व शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसके तहत एम.बी.बी.एस. (दो सेमेस्टर), नर्सिंग (एक सेमेस्टर) और बी.एस.सी.(ऑनर्स) नर्सिंग (एक सेमेस्टर) शामिल थे। स्नातक पूर्व नियमावली का उन्नयन और "क्लीनिकल एप्लीकेशन ऑफ गैस क्रोमैटोग्राफी" पर नए प्रयोग का परिचय दिया गया है।

LukrdksRrj

इनमें 9 एम.एस.सी. और 13 एम.डी. छात्र शामिल हैं। विभाग में 22 पी.एच.डी. छात्र भी हैं। दो डी.एस.टी. महिला वैज्ञानिक और पोस्ट डॉक्टरल छात्रों के रूप में तीन एन–पी.डी.एफ. काम कर रहे हैं।

आणविक जीव विज्ञान, कोशिका जीव विज्ञान, कोशिका संकेतन तथा प्रतिरक्षा विज्ञान मॉड्यूल में और अधिक उन्नत कक्षाएं जोड़ने के लिए स्नातकोत्तर शिक्षण पाठ्यक्रम का विस्तार किया गया। अधिक महत्वपूर्ण विश्लेषण अनुभागों को भी जोड़ा गया है जहां छात्र पढ़ाये गये मॉड्यूल से संबंधित एक शोध लेख प्रस्तुत करते हैं। वे तकनीकों के पक्ष–विपक्ष और शोध पत्र में इस्तेमाल होने वाले सांख्यिकीय विश्लेषण के बारे में चर्चा करते हैं जो उनकी विश्लेषणात्मक अनुसंधान क्षमता में सुधार करता है।

'क्लिनिकल केस डिस्कशन' अनुभाग में नए मामले जोड़े गए हैं जहां जूनियर और सिनियर रेजिडेन्ट्स समय पर किसी विशेष रोगी के नैदानिक और प्रयोगशाला निष्कर्ष को प्रस्तुत करते हैं जिसके बाद नैदानिक परीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण के साथ–साथ रोगी के उपचार के बारे में गहराई से चर्चा की जाती है। छः स्नातकोत्तर छात्रों ने आणविक जीव विज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान के विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण लिया है।

डॉ. सुब्रता सिन्हा ने प्रतिनियुक्ति पर निदेशक, नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर, पद पर काम करने के पश्चात दिनांक 29 दिसंबर 2017 को पुनः कार्यभार ग्रहण किया है। वापस आने बाद उन्होंने ह्यूमन ग्लिओमा के आणविक जैव विज्ञान के साथ–साथ डिस्लेक्सिया के जेनेटिक्स पर भी अपना अनुसांधन जारी रखा है।

डॉ. एम.आर. राजेश्वरी ने शिक्षा में प्रतिष्ठित डिजिटल भारत पहल, ''ई.पी.जी. पाठशाला'' 2017 हेतु ''जैव भौतिकी विषय के लिए ई–सामग्री का विकास'' पर सूचना एवं प्रोद्योगिकी (एन.एम.ई.–आई.सी.टी.), मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.) के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन पर सफलतापूर्वक अपना योगदान दिया है।

डॉ. कल्पना लूथरा "माइक्रोटीचींग फॉर न्यूली जोइन्ड फेकल्टी" नामक सी.एम.ई.टी. प्रशिक्षण पर चार कार्यशालाओं, सी.ई.एम.ई.टी. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा और स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा में दूसरी सूक्ष्म शिक्षण कार्यशाला और प्रारम्भिक पाठ्यक्रम के कार्यशाला में फैसीलिटेटर थी। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर में एम.एस.सी. छात्रों को इम्यूनोलॉजी पर एक पाठ्यक्रम को सिखाने के लिए अतिथि व्याख्याता के रूप कार्य किया।

vk;ksftr lEesyu

- विश्व प्रतिरक्षा विज्ञान दिवस पर संग्रोष्ठी, 29 अप्रैल 2017, एम्स, भारतीय प्रतिरक्षा समाज के अनुदान के तहत, डॉ. अल्पना शर्मा।

Øfed vk;qfoZKku f'k{kk/laxks"Bh/jk"Vªh; ,oa varjjk"Vªh; lEesyu

çnRr O;k[;ku

';ke ,l- pkSgku

1. क्रोनिक मायलोइड ल्यूकेमिया डाऊन में कैथीप्सिन एल. प्रमोटर हाईपरमिथाइलेशन अपनी अभिव्यक्ति को नियंत्रित करता है और विस्फोट संकट में बीमारी के पूर्वानुमान को पहचानता है, स्वास्थ्य देखभाल में जैव प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः चुनौतियां और अवसर, 18–19 मार्च 2017, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली।
2. लीवर फाइब्रोसिस के लिए संभावित मार्कर के रूप में कैथीप्सिन एल और बी – मरीजों और प्रयोगिक मॉडल्स की अंतर्दृष्टि से, भारत के नैदानिक जैव रसायनज्ञानियों के 44 वें वार्षिक सम्मेलन, 4–6 दिसंबर 2017, जैव रसायन विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल युनिवर्सिटी, लखनऊ, उ.प्र.

,e-vkj- jkt'ojh

1. फ्रिड्रेच के एटैक्सिया के लिए संभावित बायोमार्कर के रूप में सेल–फ्री संचलन माइक्रो–आर.एन.ए.एस., इंडियन साइंस कांग्रेस, 16–19 मार्च 2018, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इम्फाल।
2. एसीनेटोबेक्टर बाउमानी जीनोम में डी.एन.ए.–ट्रिप्लेक्स बनने में प्यूरीन दोहराता है तथा संक्रमण और अनुकूलन के साथ उसका सहसंबध, आनुवंशिकी, जीनोमिक्स तथा निजीकृत चिकित्सा पर विश्व कांग्रेस। 15–17 नवंबर 2017, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस, बैंगलोर।

dYiuk yFkjk

1. एच.आई.वी.–1 संक्रमित व्यक्तियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का लक्षण वर्णन और एंटी–एच.आई.वी.–1 मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का निर्माण, टी.ई.क्यू.आई.पी.–III अनुदान के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय संस्थान, 29 सितंबर 2017, इंजीनियरिंग एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।
2. अच्छे एम.सी.क्यू. और उसके बनावट के गुण, 30 वें वार्षिक आई.एस.डी.आर. सम्मेलन, 30 सितंबर 2017, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली।
3. एच.आई.वी–1 संक्रमण के एम्यूनोपेथोजेनेसिस और भारतीय सबटाइप–सी संक्रमित व्यक्तियों में ऐंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं की विशेषता, उभरते और पुनः उभरने वाले वायरल रोगों के विरूद्ध एंटीवायल दवा बनाने में हाल के विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 24–25 अक्टूबर 2017, कालसलिंगम विश्वविद्यालय, कृष्णाकोइल, तमिलनाडु।
4. नैदानिक प्रयोगशाला में मूल बातेंः प्रयोगशाला तकनीकी और गुणवत्ता नियंत्रण के बुनियादी तत्व। किस तरह एक प्रयोगशाला जांच का प्रबंधन करता है, गुणवत्ता नियंत्रण को सुनिश्चित करता है, एम्स–यू.एम. रिसर्च मेथड कोर्स, 17 नवंबर 2017, एम्स, भुवनेश्वर
5. एंटी–एच.आई.वी–1 मानव पुनः संयोजक मोनोक्लोनल्स की उत्पत्ति और विशेषता, क्लीनिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इंडिया के 44 वें वार्षिक सम्मेलन (ए.सी.बी.आई.सी.ओ.एन.–2017), 5 दिसंबर 2017, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ।
6. संक्रामक रोग और रोग प्रतिरोधक शक्ति, "जैव विज्ञान में इंजेनुइटी" नामक व्याख्यान कार्यशाला, 11 जनवरी 2018, गार्गी कॉलेज, नई दिल्ली।
7. एच.आई.वी.–1 संक्रमण के इम्यूनोपैथोजेनेसिस और निष्क्रिय इम्यूनोथेरेपी के लिए संभावित उम्मीदवारों के रूप में एंटी.एच.आई.वी.–1 रीकॉम्बीनेंट मोनोक्लोनल का जनरेशन, प्रवृत्तियां और चुनौतियां, 31 जनवरी – 1 फरवरी 2018, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, नई दिल्ली।
8. हयूमन एंटी–एच.आई.वी–1 रीकॉम्बीनेंट एस.सी.एफ.वी. मोनोक्लोनल्स का जनरेशन और विशेषीकरण, आणविक मेडिसिन और जैव प्रोद्योगिकी सेमिनार, 20 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली।

vYiuk 'kekZ

1. फ्लो साइटोमेट्री और जैव चिकित्सा अनुसंधान में इसका प्रयोग, वी.पी.सी.आई. और इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "एडवांसमेंट इन इम्यूनोलॉजी" पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 12–13 अक्टूबर 2017, वी.पी. चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. एच.एम.जी.बी.1 अभिव्यक्ति के नैदानिक महत्व तथा ग्रीवा कैंसर में उसके संबंधित अणु, ई.एस.जी.ओ–2017, 4–7 नवम्बर 2017, कन्वेन्शन सेंटर, वियना, ऑस्ट्रिया।
3. मूत्राशय के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में सी.डी. 44 प्रकारों के चिकित्सीय सम्भावना के द्वारा सिग्नलिंग कैस्केड को नियंत्रित करना, 44 वें नेशनल कोन्फ्रेन्स ऑफ एसोसीइएशन ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इंडिया–ए.सी.बी.आई.सी.ओ.एन. 2017, 3–6 दिसम्बर 2017 के. जी.एम.यू., लखनऊ।
4. इननेट इम्यून सेल्स के प्रहरी और विटिलिगो के इम्यूनोपेथोजिनेसिस में उसका क्रियात्मक परिणाम, इम्यूनोकोन–2017, 14–16 दिसंबर 2017, निर्मा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।
5. हर्बल फॉर्मूलेशनः हेमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसीज में उभरते सहायक थैरपी, यूनानी मेडिसिन पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, 10–11 फरवरी 2018, एन.ए.एस.सी. कॉम्प्लेक्स, पूसा, दिल्ली।
6. खाने में एंटीऑक्सिडेंट्स और खनिज तत्व का महत्व, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मेलन, 8 मार्च 2018, जामिया हमदर्द, दिल्ली।

d|tx pkSM,y

1. मानव ग्लियोब्लास्टोमा में एफ.ए.टी.1 जीन की ऑनकोजेनिक भूमिका, वर्ल्ड न्यूरोकांग्रेस–2017, 9–10 दिसम्बर 2017 जे.एन.एम.सी., चिकित्सा संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उ.प्र.

I|nhi lu

1. डीजेनेरेटिव रोग और स्टेम सेल थेरेपी की भूमिका, आमंत्रित व्याख्यान, 22 फरवरी 2018, एस.सी.एम.एम., जे.एन.यू., नई दिल्ली।

vp|uk fl|g&II

1. तपेदिक में सहज रोग प्रतिरक्षा क्षमता में नाईट्रिक ऑक्साइट की भूमिका, इम्यूनोकोन 2017, 14–16 दिसम्बर 2017, निर्मा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
2. विटामिन डी की भूमिका और घरेलू संपर्क की तुलना में पुल्मोनरी तपेदिक की बिमारी में जन्मजात प्रतिरक्षा क्षमता में इसके संबंधित अणु, ए.सी.बी.आई. 2017, 3–6 दिसम्बर 2017, के.जी.एम.यू., लखनऊ।

I|Hkknhi dekdj

1. माईलोइड ल्यूकेमिया में टेट 2 प्रोटीन, ई.एम.टी. भारत ऑस्ट्रेलिया बैठक, 5–7 अक्टूबर 2018, आई.आई.एस.सी. बैंगलोर, बेंगलुरु, कैंसर में आहार कारको की भूमिका, पोषण एवं जेनेटिक महामारी विज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 6–8 नवम्बर, श्रीलंका, कोलंबो।

v'kkd 'kek

1. भारत केंद्रित कैंसर का जल्दी पता लगाने के लिए कैंसर टेस्टिस/जर्मलाइन आधारित प्रोग्नोस्टिक तथा डायग्नोस्टिक बायोमार्कर तथा साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, ई.डी.आर.एन. इंटरनेशनल फोरम अवसर, प्राथमिकताएं और सहयोग 10 वीं ई.डी.आर.एन. वैज्ञानिक कार्यशाला, 6–8 मार्च 2018, बेथेस्डा, यू.एस.ए.
2. एपिथेलियल ओवरियन कैंसर में एपिजिनेटिक बदलाव और कैंसर टेस्टिस/जर्मलाइन पी.ओ.टी.ई. एंटीजन संक्रियण, जैव विज्ञान में तेजी लाने हेतु संगोष्ठी 2018ः डिजिटाइजिंग लाइफ, 9–11 जनवरी 2018, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवानस्ड कंप्यूटिंग (सी–डीएसी), पुणे विश्वविद्यालय, पुणे।
3. भारतीय स्वास्थ्य नीतियां (सार्वजनिक चर्चा में भाग लेना), हेल्थकेयर कॉनक्लेव, 14 नवंबर 2017, नई दिल्ली।
4. एपिजेनेटिक्स का परिचय (सम्पूर्ण व्याख्यान), जैव रसायन विभाग, देशबंधू कॉलेज ने अपना वार्षिक विभागीय उत्सव–बायोस्पार्क 2017 आयोजित किया, 25 अक्टूबर 2017, देशबंधू कॉलेज, दिल्ली।
5. मेंडेलियन यादृच्छिकरण और एपिजेनेटिक कैंसर महामारी विज्ञान कार्यशाला, ब्रिस्टोल विश्वविद्यालय और यू.एस. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, 9–13 अक्टूबर 2017, टी.एम.सी., ए.सी.टी.आर.ई.सी, मुंबई।
6. जीनोम–वाइड डी.एन.ए. मेथिलिकरण तथा जीनोमिक इनस्टेबिलिटी प्रोफाइलिंग तथा डिम्बग्रंथि कैंसर के लिए बायोमार्कर और इम्यूनोथेरेप्यूटिक टार्गेट के रूप में उसकी संभावना का मूल्यांकन, 7वीं रामलिंगास्वामी कोनक्लेव, 29–31 अगस्त 2017, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोरिसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आई.बी.एस.डी.), इम्फाल, मणिपुर।

çKku vkpk;l

1. एम्स में मेंटरिंग अनुभव, वी.एम.एम.सी–एम्स संकाय संरक्षक संवेदीकरण, 25 अक्टूबर 2017, वी.एम.एम.सी. एवं सफदरजंग, नई दिल्ली.

fj;kt vgen ehj

1. एच.पी.वी.ई6 ब्लोक्स एक्डायसोनलेस (ई.सी.डी.), आर.2 टी.पी. गंभीरता वाले रोगियों के भर्ती के लिए एक "बाईपास", 44वां नेशनल कोन्फ्रेन्स ऑफ एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इंडिया (ए.सी.आई.बी.आई.सी.ओ.एन.2017), 5 दिसंबर 2017, के.जी.एम.यू. लखनऊ।

ekf[kd i=/ikLVj dh çLrfr

1. अग्रवाल एच., खान एल., चौधरी ओ., कुमार एस., माखदूमी एम.ए. सिंह आर. एट. ऑल। ओलटेरेशन्स इन बी लिमफोसाइट स्टीमूलेटर (बी.एल.वाई.एस.) एक्सप्रेशन इन डेनड्रीटिक सेल्स कोरिलैट विद बी सेल डिस्फंक्शन एंड डीसीज प्रोग्रेशन इन एच.आई.वी.–1 इनफेक्टेड चिल्ड्रेन, एच.आई.वी. विज्ञान में 9वां आई.ए.एस., पेरिस, 23–26 जुलाई 2017, पेरिस, फ्रांस।
2. अग्रवाल एच., खान एल., चौधरी ओ, कुमार एस., माखडूमी एम.ए. सिंह आर., एट ऑल। हाई एक्सप्रेशन ऑफ बी लिमफोसाइट स्टीमूलेटर (बी.एल.वाई.एस.) कोरिलेट्स विद पूअर वाइरल न्यूट्रेलाइजेशन एक्टीविटी एंड डीसीज प्रोग्रेशन इन एच.आई.वी.1 इन्फेक्टेड चिल्ड्रेन, इंडिया/इ.एम.बी.ओ. सिम्पोजियम ऑन "आर.एन.ए. वायरसः इम्यूनोलॉजी, पेथोजेनिसिस एंड ट्रांस्लेशनल ऑपर्च्यूनिटीस", टी.एच. एस.टी.आई., 28 मार्च 2018, फरीदाबाद।

3. बोबी ई, शर्मा जी, जैन ए, मुदास्सिर एम., चट्टोपाध्याय पी., चौपड़ा ए. एट.ऑल. नोवल बायोमार्कर टू डायग्नोस इ.टी.वी6–आर.यू.एन. एक्स.1 ट्रान्सलोकेशन इन बी–सेल एक्यूट लिमफोब्लास्टीक लूकेमिया, इ.एस.एम.ओ. (यूरेपियन सोसायटी फॉर मेडिकल ऑनकोलॉजी)– एशिया 2017 कांग्रेस, नवम्बर 2017 सनटेक सिंगापूर कन्वेनशन एंड एग्जीबिशन सेंटर, सिंगापूर।
4. चोसडॉल के, श्रीवास्तव सी., इरशाद के, श्रीनिवास एच., गुप्ता वाय, सरकार सी, एट.ऑल. एन.एफ.के.बी.(आर.ई.1ए.) ट्रांसक्रिप्शन फेक्टर रेगुलेट्स एक्सप्रेशन ऑफ ऑनकोजीन 'एफ.ए.टी1' इन जी.बी.एम., 5 वीं क्वाड्रीनियल मीटिंग ऑफ द वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरो–ऑनकोलॉजी सोसाइटिज, 4–7 मई 2017, कन्वेशन सेंटर, जुरीच, स्विट्जरलेंड।
5. दास डी, संतोष वी., शर्मा ए., सर्वेयिंग द रोल ऑफ डेनड्रीटिक सेल्स एंड इट्स को–स्टीम्यूलेटोरी मार्कर इन द इम्यूनोपेथोजीनेसिस ऑफ पेम्फीगस वलगरिस, इम्यूनोकोन 2017, 14–16 दिसंबर 2017, निर्मा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।
6. दे.डी., सिंगल सी., मनहास जे, शर्मा जे.बी., कुमार जे., चट्टोपाध्याय पी., एट ऑल, इवेल्यूएटिंग द इफेक्ट ऑफ हाइपोक्सिया ऑन डीफरेनसीएशन केपासीटी ऑफ हयूमन फेटल न्यूरल स्टेम सेल्स इन वीट्रो, 44 वीं नेशनल कोनफ्रेन्स ए.सी.बी.आई.सी.ऑ.एन, 2017 (पोस्टर), 3–6 दिसम्बर 2017, के.जी.एम.यू. लखनऊ।
7. गौतम पी. के. बायोसिन्थेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ गोल्ड नेनोपारटीक्लर्स यूजिंग ओसीमम सेंक्टम (तुलसी लीफ एक्सट्रेक्ट) एंड इवेल्यूएटिंग एंटी ट्यूमर एक्टीविटी इन डेल्टोन लीमफोमा सेल लाइन्स, 44 वीं इम्यूनोकोन 2017, 14–16 दिसम्बर 2018, निर्मा यूनिवर्सिटी, गुजरात।
8. घोष–जेराथ एस., गुप्ता एस., कमबोज पी., सिंह. ए., कोनट्रीब्यूशन ऑफ इनडीजेनियस फूड्स टू डाइट क्वालिटी एंड न्यट्रीश्नल स्टेटस ऑफ अंडर 5 इयर ओल्ड चिल्ड्रेन ऑफ सनथल ट्राइबल कम्यूनीटि ऑफ झारखंड, 49 वीं एनुअल नेशनल कोनफ्रेन्स ऑफ न्यूट्रीशन सोसायटी ऑफ इंडिया, 3 नवम्बर 2017, असम एग्रीक्लचर यूनिवर्सिटी, जोरहाट, असम।
9. गोस्वामी एस., शर्मा जी., बोबी.ई., चट्टोपाध्याय पी., पालानीचामय जे.के., रोल ऑफ आई.जी.एफ2बी.पी.3 इन माइग्रेशन एंड इन्वेशन ऑफ एपीथेलियल कैंसर सेल लाइन्स, ए.सी.बी.आइ.सी.ओ.एन. 2017 (एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट कांफ्रेंस), दिसंबर 2017, किंग जोर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ।
10. गुप्ता वाय, शिवाजीराव एस.एस., इरशाद के, दीक्षित बी., श्रीवास्तव टी., चट्टोपाध्याय पी., एट. ऑल. एफ.ए.टी.1, ए नोवल रेगुलेटर ऑफ वाई.ए.पी.1 – एफेक्टर मॉलिक्यूल ऑफ सेलवेडोर– वार्ट्स–हिप्पो (एस.डब्ल्यू.एच.) पाथवे, इन ह्यूमन ग्लीयोब्लास्टोमा, 37वीं आई.ए.सी. आर. कनवेन्शन 2018, 23–25 फरवरी 2018, बोस इंस्टिट्यूट, यूनिफाइड एकाडमिक कैम्पस सॉल्ट लेक, कोलकाता।
11. इरशाद के, श्रीवास्तव सी., मलिक एन., सरकार सी., गुप्ता डी, सूरी ए., एट ऑल, एसोसियेशन बिटवीन द एक्सप्रेशन ऑफ एफ.ए.टी.1 एंड एंटी–इंफ्लेमेटरी सिंगनलिंग मॉलीक्यूलूस इन ह्यूमन ग्लीयोमा, 22वीं एनुअल साइनटेफिक मीटिंग एंड एडूकेशन डे ऑफ द सोसायटी फॉर न्यूरो–ऑनकोलॉजी, 16–19 नवम्बर 2017, मैरियट मारक्यूस, सैन–फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया।
12. कानोजिया ए., रशीद एस., इरशाद के, मलिक एन., श्रीवास्तव सी, गौवदा एस.एच., एट.ऑल। ए पोजिटीव कोरिलेशन बिटवीन द एक्सप्रेशन ऑफ एफ.ए.टी.1 एंड प्रो–इंफ्लेमेटरी मार्कर्स इन पेरीयमपूलरी कार्सिनोमा, सिम्पोजीयम ऑन कोएग्यूलेशन डिसोडर एंड मेटाबोलिक टारगेट्स ऑफ एंटी–प्लेटलेट थेरेपीः एन अपडेट, 11 नवम्बर 2017, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली।
13. कर्माकर एस., धर आर., डोक 4 इन पेथोजेनिसिस ऑफ एम.डी.एस., स्टेमसेल एंड कैंसर, 5 फरवरी 2018, मुम्बई।
14. कर्माकर एस., धर आर. एफ.बी.एक्स.ओ. 4 एज ए नोवल टारगेट इन ब्रेस्ट कैंसर, डब्ल्यू.सी.सी. 2018, 4–6 फरवरी 2018, एम.जी.एम. जयपुर।
15. कुमार आर., गुप्ता एन., शर्मा ए., डीलाइनइटिंग द बायोमार्कर पोटेंशीयल ऑफ शेल्टरेन कॉम्प्लेक्स मॉलीक्यूल इन मल्टीपल मायेलोमा एंड रीवीलिंग देयर थेरेप्यूटीक इम्पलीकेशनस, 44वीं नेशनल कांफ्रेंस ऑफ एसोसियेशन ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इंडिया–ए. सी.बी.आई.सी.ओ.एन. 2017, 3–6 दिसम्बर 2017, के.जी.एम.यू. लखनऊ (रमन कुमार रिसीव्ड बेस्ट ओरल प्रेजेनटेशन एवर्ड)।
16. कुमार एस., कुमार आर., खान एल., माखदूमी एम.ए., थीरूवेंगदम आर., एट ऑल। ए. ह्यूमन ब्रोडली न्यूट्रलाइजिंग सींगल चौन वेरियेबल फ्रेगमेंट (एस.सी.एफ.वी.) एगेंस्ट सी.डी. 4–बाइनडींग साइट फ्रॉम एच.आई.वी.–1 क्लेड सी क्रोनिकेली इन्फेक्टेड इंडियन चिल्ड्रन, किस्टोन सिंपोसिया कांफ्रेंस 'प्रोग्रेस एंड पाथवेज टूवार्ड एन इफेक्टीव एच.वाई.वी. वेक्सीन', 28/01/2018–01/02/2018, फेयरमोन्ट बेनेफ स्प्रींग्स, कनाडा (पी.एच.डी. स्टूडेंट संजीव कुमार को एस.ई.आर.बी.–डी.एस.टी. इंटरनेशनल ट्रेवल ग्रान्ट एंड ट्रेवल बरसरी फ्रॉम इम्यूनोलॉजी फाउंडेशन मिला)।
17. कुमार एस., कुमार आर., खान एल., माखदूमी एम.ए., थीरूवेंगदम आर., मोहाता एम., एट. ऑल, क्रोस–न्यूट्रलाइजिंग एस.सी.एफ.वी.एस. एगेंस्ट एच.आई.वी.–1 एनवेलप ग्लाईकोप्रोटीन फ्रॉम क्लेड सी. क्रोनीकेली इन्फेक्टेड इंडियन पेडियाट्रिक डोनर्स, बायोजेस्ट–2017, डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, साऊथ एशियन यूनिवर्सिटी, 10 नवम्बर 2017, साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।
18. कुमार एस., कुमार आर., खान एल., माखदूमी एम.ए., थीरूवेंगदम आर. मोहाता एम., एट. ऑल। ए नोवल ब्रोडली न्यूट्रलाइजिंग एस.सी.एफ.वी. टार्गेटिंग द सी.डी.4–बाइनडिंग साइट एपीटोप ऑफ एच.आई.वी–1 आइसोलेटेड फ्रॉम क्लेड सी क्रोनिकेली इनफेक्टेड चिल्ड्रेन, इंटरनेशनल

कांफ्रेंस ऑन ड्रग डिसकोवरीः बायोटेक एंड फार्मा एंट क्रोस रोड्स, 15–17 फरवरी 2018, कनवेन्शन सेंटर, पटियाला (पी.एच.डी. स्टूडेन्ट संजीव कुमार को बेस्ट ओरल–प्रेजेन्टेशन के लिए प्रथम पुरस्कार मिला)।

19. कुमार एस., कुमार आर., खान एल., माखदूमी एम.ए., थीरूवेंगदम आर., मोहता एम., एट. ऑल। ए नोवल एंटी–एच.आई.वी–1 ब्रोडली न्यूट्रलाइजिंग एस.सी.एफ.वी. एगेंस्ट द सी.डी.4–बाइन्डींग साइट एपीटोप फ्रॉम इंडियन क्लेड सी. क्रोनिकेली इन्फेक्टेड चिल्ड्रेन, 7वीं एनुअल सी.एम.ई. ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट्री हेल्ड एट सर गंगाराम हॉस्पिटल इन यंग साइन्टिस्ट "प्रेजेन्टेशन" सेशन, 23 मार्च 2018, सर गंगा राम हॉस्पिटल, नई दिल्ली (पी.एच.डी. स्टूडेन्ट संजीव कुमार को श्रेष्ठ ओरल–प्रेजेन्टेशन के लिए प्रथम पुरस्कार प्रो. एल.एम. श्रीवास्तव गोल्ड–मेडल एवर्ड मिला)।
20. मलिक एन., श्रीनिवास एच., गुप्ता वाय, सरकार सी., सूरी ए., चट्टोपाध्याय पी., एट.ऑल, एफ.ए.टी.1 नोकडाऊन लेड टू रीड्यूस एम. आई.आर.–221–3पी. एक्सप्रेशन इन ग्लीयोब्लास्टोमा, इंडियन कैंसर कांग्रेस 2017, 8–12 नवम्बर 2017, आई.सी.सी. कांफ्रेंस सेक्रेटेरिएट, बंगलेरू।
21. मनचंदा एम., दास पी. गहलोट जी., सिंह आर., रोयब ई, रोडरफिल्ड एम. एट.ऑल, कैथीपसीन एल एंड बी एज पोटेंनशियल मार्कर्स फॉर लीवर फीब्रोसिजः इनसाइट फ्रॉम पेशेन्ट्स एंड एक्सपेरीमेंटल मोडल्स, 10वीं जनरल मेटिंग ऑफ द इंटरनेशनल प्रोटीयोलिसिस सोसायटी, 28 अक्टूबर–1 नवम्बर 2017, बेनीफ, कनाडा।
22. मानहस जे., भट्टाचार्य ए., भट्ट एम.ए., अग्रवाल एस. के., दास पी., पाल एस., देव एस.वी.एस., घोष डी., सेन एस., डिफरेन्शियल जीन एक्सप्रेशन सिगनेचर ऑफ कैंसर स्टेम सेल्स इन ह्यूमन कोलोरेक्टल कैंसर, आई.एस.एस.सी.आर. एनुअल मीटिंग, 2017 (पोस्टर), 14–17 जून 2017, बोस्टन, एम.ए.,यू.एस.ए. (डॉ. जानवी मानहस को आई.आई.सी.आर. ट्रेवल पुरस्कार में सम्मिलित होने के लिए चयनित किया गया यह आई.आई.सी.आर. एनुअल मीटिंग बोस्टोन, एम.ए.यू.एस.ए. में हुआ था।)।
23. मेहरा एस., पवार आर., ठाकुर बी., कुमार एम., सिंह आर., यादव आर., एट. ऑल, सिग्नीफीकेंस ऑफ कैथेस्पीन बी इन गॉलब्लाडर कार्सिनोजीनिसिस, इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन प्रोटियेस एंड ट्यूमर माइक्रोएनवायरनमेंट, 24–26 जुलाई 2017, मोनाश यूनिवर्सिटीय प्रेटो, इटली।
24. मीर आर.ए., जेंग वाय, बेन्ड एच., बेन्ड वी., एच.पी.वी. ई6 ब्लोक्स एक्डीयसोनलेस (ई.सी.डी.), ए "बायपास" फॉर द रिक्रूटमेंट ऑफ क्लाइन्ट्स ऑफ आर.2टी.पी. कोम्पलेक्स, 44वीं नेशनल कांफ्रेंस ऑफ एसोसिपशन ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इंडिया (ए.सी.आई. बी.आई.सी.ओ.एन. 2017), 3–6 दिसम्बर 2017, के.जी.एम.यू., लखनऊ।
25. मिश्रा एन., मोहाता एम., अग्रवाल एच., चौधरी ओ., दास बी.के., सिन्हा एस., एट ऑल, एक्सप्रेशन ऑफ कॉमप्लीमेंट रिसेप्टर एंड रेगुलेटरी प्रोटीन सी.डी. 46 ऑन डेनड्रीटिक सेल्स ऑफ एंटीरेट्रोवायरल नीव एंड ट्रीटेड एच.आई.वी.–1 इन्फेक्टेड इंडिविज्वल्स, 7वीं एनुअल सी.एम.ई. ऑफ क्लीनिकल बायोकेमेस्ट्री सर गंगा राम हॉस्पिटल इन यंग साइंटिस्ट प्रेजेन्टेशन" सेशन, 23 मार्च 2018 सर गंगा राम हॉस्पिटल, नई दिल्ली (पी.एच.डी. स्टूडेन्ट नीतिष मिश्रा, को ओरल प्रेजेन्टेशन के लिए तृतीय पुरस्कार मिला।)।
26. मिश्रा एन., मोहाता एम., नारंग आर., दास एन., पाण्डे आर.एम., हजारिका ए., एट.ऑल, एक्सप्रेशन ऑफ कोमप्लीमेंट रेगुलेटरी प्रोटिन्स ऑन लूक्योसाइट्स ऑफ पेशेन्ट्स सफरिंग विद कोरोनेरी आर्टरी डीजिज, बायोजेस्ट–2017, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 10 नवम्बर 2017, साऊथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।
27. पलानीचमय जे.के., शर्मा जी., बोबी ई., जैन ए., चट्टोपाध्याय पी., चोपड़ा ए., एट.ऑल। डेसीफेरिंग द रोल ऑफ आई.जी.एफ.2 बी.पी.1 इन इ.टी.वी.6–आर.यू.एन.एक्स 1 पोजिटिव ल्यूकेमिया, ई.एम.बी.ओ./ई.एम.बी.एल. सिम्पोजियमः फ्रॉम सिंगल–टू मल्टीयोमिक्सः ऐपलीकेशन एंड चेलेन्जस इन डाटा इन्टेग्रेशन, नवम्बर 2017, इ.एम.बी.एल. (यूरोपीयन मॉलीक्यूलर बायोलॉजी लैबोरेटोरी), हाईडलबर्ग, जर्मनी।
28. पाशा ई.एच., यादव आर., बनसल एस. के., बत्रा ए., स्टडी ऑफ बॉडी आइरन स्टेटस इन यंग हेन्थी नॉन–प्रेगनेन्ट फीमेल्स, 25वीं एनुअल कांफ्रेंस ऑफ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इंडिया, 17–19 नवम्बर 2017, कोनवेन्शन सेंटर, मेसूर।
29. राजेश्वरी एम.आर., सिंह एच.एन.। एसीनेटोबेक्टर बोऊमान्नी जीनोम कॉटेनिंग डी.एन.ए. रिपीट सीक्यूएंसिज एंड देयर इंप्लीकेशन्स इन ड्रग रेजीसटेन्स, 2018 कीस्टोन सिमपोजिया कांफ्रेंसः माइक्रोबाइयोम, होस्ट रेजिसटेन्स एंड डीजिज, 4–8 मार्च 2018, बेनेफ, कनाडा।
30. सैनी सी, शर्मा ए., रमेश वी., नाथ आई., टी.जी.एफ–$^{\beta}$ शोऊड सिनर्जी एफेक्ट विद आई.एल.–6 इन लेप्रोसी रियेक्शन टू प्रोड्यूस टी. एच. 17 सेल्स, 30वीं बेनियल कांफ्रेंस ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ लेप्रोलोजिस्ट्स, 1–4 नवम्बर 2017, डीघा, कोलकाता.
31. सैनी सी., शर्मा ए., रमेश वी., नाथ आई, टी.एच. 17 एक्टीविटी इन लेप्रोसी रियेक्शनः सिनर्जिस्टिक इफेक्ट ऑफ टी.जी.एफ.– $^{\beta}$ एंड आइ.एल. 6, इन्फेक्शियस डीजिजः बायोलॉजी टू इन्टरवेन्शन स्ट्रेटजिज (टी.डब्ल्यू.ए.एस.–आर.ओ.सी.ए.एस.ए.), 7–9 सितम्बर 2017, जवाहर लाल नेहरु सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटेफिक रिसर्च, बेगलौर।
32. सैनी सी., शर्मा ए., रमेश वी., नाथ आई., टी.एच.17 सेल्स प्रोड्यूस हेटरोडीमर आई.एल.–17 ए+/एफ+ प्रोटीन एंड क्रीयेट न्यूट्रोफिलिया इन लेप्रोसी रिवर्सल रीयेक्शन, सेल सीम्पोसिया नेक्स्ट जेन इम्यूनोलॉजी, 11–14 फरवरी 2018, सेल–वेजमन इंस्टीट्यूट ऑफ साइन्स, रेहोवोट, इजराइल।

33. सैनी सी., तारीक एम., राय आर., रमेश वी., खन्ना एन. शर्मा ए. आई.एल.–17 प्रोड्यूसिंग गामा डेल्टा टी सेल्स एसोसिएटेड विद इनफ्लेमेशन एंड एम्यूनोपेथोलॉजी ऑफ लेप्रोसी रियेक्शन, इम्यूनोकोन 2017, 14–16 दिसम्बर 2017, निर्मा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।
34. संतोष वी., दास डी., शर्मा ए., रोल ऑफ गामा डेल्टा टी. सेल्स इन इम्यूनोपैथोजेनेसिस ऑफ विटिलिगो, इम्यूनोकोन 2017, 14–16 दिसम्बर 2017, निर्मा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।
35. शर्मा ए., अरोड़ा एम., सक्सेना ए., शंकर ए., हरेश के.पी., गुप्ता एस., एट. ऑल, डेवलपिंग द कैंसर टेस्टिस/जर्मलाइन बेस्ड प्रोग्नोस्टीक एंड डाग्नोस्टीक बायोमार्कर एंड साइबर इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर अरली डीटेक्शन ऑफ इंडिया सेन्ट्रीक कैंसर, 10वीं ई.डी.आर.एन. साइंटिफिक वर्कशॉप, 6–8 मार्च 2018, बेथिसडा, यू.एस.ए.
36. शर्मा ए., खान आर., एम.डी. ताजमूल, यादव एस., सेठ ए., सिंह पी., आइडेंटीफीकेशन ऑफ नॉन–इन्वेसिव यूरेनरी नोवल बायोमार्कर इन यूरोथेलियल कार्सीनोमा ऑफ ब्लाडरः ए प्रोटियोमिक अप्रोच, एच.यू.पी.ओ. 2017, 17–21 सितम्बर 2017, कोनवेंशन सेंटर, डबलिन, आयरलेंड।
37. शर्मा जी., बोबी ई, जैन ए., चट्टोपाध्याय पी., चौपड़ा ए. बक्शी एस. एट.ऑल, इन्वेस्टिगेटिंग द लिन्क बिटविन सी–एमवायसी लेवल्स विद आई.जी.एफ.2बी.पी.1 एक्सप्रेशन इन बी–एक्यूट लिम्फोब्लास्टीक लूकेमिया, वेलकम ट्रस्ट–डी.बी.टी. इंडिया एलाइन्स स्टूडेन्ट रिसर्च सिंमपोजियम, नवम्बर 2017, आई.आई.टी. (इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेकनोलॉजी) चेन्नई।
38. शर्मा जी., बोबी ई, जैन ए., चट्टोपाध्याय पी., चोपड़ा ए., बक्शी एस. एट. ऑल, ई.टी.वी. 6 एज ए रेगुलेटर ऑफ द आई.जी.एफ.2बी.पी. फेमली ऑफ आर.एन.ए. बाइन्डींग प्रोटिन्स इन एक्यूट लिम्फोब्लास्टीक ल्यूकेमिया, आई.ए.सी.आर. 2018 एनुअल कांफ्रेंस (इंडियन एसोसियेशन फॉर कैंसर रीसर्च) फरवरी 2018, बोस इंस्टिट्यूट, कोलकाता।
39. शर्मा जी., बोबी ई, जैन ए., चट्टोपध्याय पी., चौपड़ा ए., बक्शी एस. एट.ऑल, द नेक्सस बिटवीन सी.–एम.वाय.सी. एंड आई.जी.एफ.2बी. पी.1 इन बी–एक्यूट लिम्फोब्लास्टीक ल्यूकेमिया, ए.सी.बी.आई.सी.ओ.एन. 2017 (एसोसियेशन ऑफ क्लीनिकल बायोकेमिस्ट कांफ्रेंस), दिसम्बर 2017, किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज, लखनऊ।
40. शर्मा एच., राजेश्वरी एम.आर., भाटिया आर., कुमार एन., श्रीनिवास वी., पदमा श्रीवास्तव एम.वी., रोल ऑफ आर.टी.एम.एस. इन इस्कीमिक स्ट्रोक रीकवरीः ए. क्लीनिकल एंड ग्रोथ फेक्टर एस्टीमेशन स्टडी, 10वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑन न्यूरोरीहेबीलीटेशन, 7–10 फरवरी 2018, मुम्बई कन्वेंशन सेंटर, मुम्बई।
41. शर्मा एम., शर्मा ए., एफर्ट्स ऐट प्रीवेन्शन ऑफ गाइनोकोलोजिक कैंसर्स एंड ईट्स आऊटकम, ई.एस.जी.ओ.–2017, 4–7 नवम्बर 2017, कनवेंशन सेंटर, वैंना, ऑस्ट्रिया।
42. शर्मा एम., शर्मा ए., क्वालिटी ऑफ लाइफ आफटर अल्ट्रा रेडिकल केमो–सेन्सीटाइज्ड रेडियेशन ट्रीटमेंट ऑफ लेट स्टेज कैंसर ऑफ यूटेराइन सरविक्स, ई.एस.जी.ओ.–2017, 4–7 नवम्बर 2017, कनवेंशन सेंटर, वैंना, ऑस्ट्रिया।
43. श्रीनिवास एच., गुप्ता वाय., मलिक एन., श्रीवास्तव सी. कनोजिया ए., चट्टोपाध्याय पी. एट.ऑल. केरेक्टराइजेशन ऑफ एफ.ए.टी.1 ऑनकोजेनिक रोल इन हाइपोक्सिया, 25वीं एनुअल कांफ्रेन्स ऑफ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट ऑफ इंडिया, 17–19 नवम्बर 2017, जे.एस.एस. मेडिकल कॉलेज, मैसूर, बैंगलोर।
44. श्रीनिवास एच., मलिक एन., गुप्ता वाय, श्रीवास्तव सी., कनोजिया ए., चट्टोपाध्याय पी., एट ऑल। इंटरेकशन ऑफ एफ.ए.टी.–1, एच. आई.एफ.–1α एंड पी. 53 इन ग्लीयोमा प्रोग्रेशन, हाइपोक्सिया मीट, 29 जनवरी 2018, आई.आई.टी. दिल्ली, दिल्ली।
45. श्रीवास्तव सी., गुप्ता वाय, इरशाद के, चट्टोपाध्याय पी, सरकार सी, सूरी ए., एट ऑल, करक्यूमीन डाऊनरेगूलेट्स एफ.ए.टी.1 एक्सप्रेशन विया एन.एफ.के.बी. इन ग्लीयोब्लास्टोमा, इ.एस.एम.ओ. एशिया 2017 कांग्रेस, 17–19 नवम्बर 2017, सिंगापुर।
46. श्रीवास्तव सी, इरशाद के, चट्टोपाध्याय पी., सरकार सी, सूरी ए., सिन्हा एस. एट.ऑल। एफ.ए.टी.–1ः ए पोटेंशीयल टारगेट ऑफ एन. एफ.के.बी. (रीए.) इन जी.बी.एम, ए.ए.सी.आर. एनुअल मिटींग 2017, 1–5 अप्रैल 2017, वाशिंगटन, डी.सी.
47. ठाक्कर एच., वीसेन्ट वी., रॉय ए., सिंह एस., लक्ष्मी आर., सिंह ए., कॉमपेरिजन ऑफ एच.डी.एल. फंक्शनालिटी इन एक्यूट कोरोनेरी सिन्ड्रोम एंड स्टेबल कोरोनरी आर्टरी डीजिज सबजेक्ट्स, 30वीं एनुअल कांफ्रेंस ऑफ इंडियन सोसायटी फॉर एथारोस्केलरोसिस रीसर्चः आई.एस.ए.आर.सी.ओ.एन.–2017, 3 नवम्बर, एम्स, पटना।
48. वर्मा पी., शर्मा ए., रोल ऑफ ट्रेस एलीमेंट्स, ओक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड इम्यून सिस्टमः ए ट्राइड इन प्रीमेच्यूर ओवरियन फेलीयर, इम्यूनोकोन 2017,14–16 दिसम्बर 2017, निर्मा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद।
49. विनसेन्ट वी., ठाक्कर एच., अग्रवाल एस., मिर्धा ए.आर., लक्ष्मी आर., सिंह ए., ओबेसिटी एंड इन्सूलीन रेसिसटेन्स इज एसोसिएटेड विद लोवर ए.टी.पी. बाइन्डींग केसेट ट्रान्सपोटर ए.1 (ए.बी.सी.ए.1) एक्सप्रेशन इन वीसीरल एडीपोस टीशू, 85वीं इ.ए.एस. कांग्रेस, 25 अप्रैल, कन्वेंशन सेंटर, प्राग, द. चेक रिपब्लिक।

vuql a/kku

foRrikf"kr ifj;kstuk,a

tkjh

1. ग्लीयल ट्यूमर मॉडल का प्रयोग करके नियोप्लासिया में हाइपोक्सिया प्रेरित प्रतिकूल फेनोटाइप और चिकित्सीय प्रतिरोध से निपटने के लिए तर्कसंगत रणनीतियां, सुब्रता सिन्हा, डी.एस.टी., 5 वर्ष, 2017–22, 98 लाख रूपये।
2. मानव गोलब्लाडर कैंसर के शुरूआती पहचान के लिए नोवल ब्लड आधारित बायोमार्कर की पहचान, श्याम एस. चौहान, डी.आर.डी.ओ., 3 वर्ष, 2017–20, 46.61 लाख रूपये।
3. ओरल कार्सिनोजिनेसिस में मानव बहुजातीय रिबोन्यूक्लीयोप्रोटीन–डी अभिव्यक्ति के विनियमन की भूमिका का अध्ययन, श्याम एस. चौहान, डी.एस.टी., 3 वर्ष 2016–19, 71.72 लाख रूपये।
4. पी.जी. पाठशाला ई–सामग्री बायोफिजिक्स, एम.आर. राजेश्वरी, यू.जी.सी. तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, 2 वर्ष, 2015–18, 98 लाख रूपये।
5. फ्रेड्रिच अटेक्सिया (एफ.ए.) के आंकलन के मिटोकॉन्ड्रियल में डी.एन.ए. परिसंचारी प्लाज्मा, एम.आर. राजेश्वरी, आइ.सी.एम.ए., 2 वर्ष, 2017–19, 34.59 लाख रूपये।
6. एनिमल मॉडल सिस्टम का इस्तेमाल करते हुए हेपेटोमा में एच.एम.जी. बी–1 की अभिव्यक्ति पर ट्रिप्लैक्स बनाने वाली ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड्स (टी.एफ.ओस.) के एंटी–कैंसर प्रभाव का आंकलन, एम.आर. राजेश्वरी, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017–20, 63.14 लाख रूपये।
7. ब्रेंन आइरन संचयीकरण वाले न्यूरोडिजनरेशनः आइरन–बायोमार्कर तथा चिकित्सकीय विकल्प, एम.आर. राजेश्वरी, डी.एस.टी.–डब्ल्यू.टी. जेड. के द्वारा इंडिया–ऑस्ट्रिया इंटरनेशनल कोलाबोरेशन, 2 वर्ष, 2017–19, 18.85 लाख रूपये।
8. हाइपोक्सिया और स्टेमनेस के संदर्भ में नैंनोकणों और कैंसर कोशिकाओं के बीच परस्पर क्रिया तथा इंवेसिवनेस लक्षण वर्णन, पी चट्टोपाध्याय, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017–20, 80 लाख रूपये।
9. एच.आई.वी.–1 संक्रमित बच्चों के मेमोरी–बी कोशिकाओं से मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी को अलग करना और लक्षण वर्णन, कल्पना लूथरा, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2016–19, 63 लाख रूपये।
10. एच.आई.वी.–1 सबटाइप सी संक्रमित लोगों से मोनोक्लोनल एंटीबॉडी को अलग करना और लक्षण वर्णन (इंडो साउथ अफ्रीका कोलाबोरेशन प्रोजेक्ट), कल्पना लूथरा, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2017–20, 88 लाख रूपये।
11. कोरोनरी आर्टरी रोग की पैथोफिजियोलॉजी और गंभीरता के साथ ल्यूकोसाइट झिल्ली पूरक नियामक प्रोटीन, एम.बी.एल. तथा एम.ए. एस.पी.2 का संबंध, कल्पना लूथरा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2015–18, 44 लाख रूपये।
12. हेमेटोलॉजिकल मेलिग्नेसी में यूनानी हर्बल फॉर्मूलेशन की चिकित्सीय क्षमता का अनावरण, अल्पना शर्मा, आयुष, 3 वर्ष, 2017–20, 62. 12 लाख रूपये।
13. मल्टीपल मायलोमा में नैदानिक दृष्टिकोण के रूप में माइक्रो आर.एन.ए.एस. का अध्ययन, अल्पना शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016–18, 10 लाख रूपये।
14. ग्लीयोमा में एफ.ए.टी.–1 जीन अभिव्यक्ति पर एन.एफ.के.बी. के क्रियात्मक भूमिका का अध्ययन करना, कुंजेंग चोसडॉल, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017–20, 33.33 लाख रूपये।
15. ग्लियोमा में ट्यूमर शमन संकेतन मार्ग [सेल्वाडोर–वार्ट–हिप्पो (एस.डब्ल्यू.एच.) पाथवे] पर एफ.ए.टी.–1 का प्रभाव, कुंजेंग चोसडॉल, एम्स, 2 वर्ष, 2014–16, 9.94 लाख रूपये।
16. हाइपोक्सिया के तहत एफ.ए.टी.–1 और पी53 के बीच परस्पर संकेतन क्रियाः ट्यूमर फीनोटाइप पर उनका प्रभाव और ग्लियोमा में नोवल आणविक लक्ष्य की पहचान, कुंजेंग चोसडॉल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016–19, 55.52 लाख रूपए।
17. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम कोशिका इन विट्रो में सिम्फीटम ऑफिसिनेल की मैकेनिज्म अंतर्निहित डॉक्यूमेंटेड ऑस्टियोजेनिक गतिविधि का वर्णन, सुदीप सेन, आयुष, 3 वर्ष, 2015–18, 47.6 लाख रूपए।
18. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम कोशिकाओं का अलगाव और आणविक लक्षणीकरण, सुदीप सेन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–18, 25 लाख रूपये।
19. ओलईगोडेंड्रोसाइट्स से भ्रूण तंत्रिका स्टेम सेल का विभेदीकरण–रोगजनन को समझने के लिए एक रोग मॉडल तथा सेरीब्रेल पाल्सी के लिए चिकित्सीय रणनीतियां तैयार करना, सुदीप सेन, डीबीटी, 2 वर्ष, 2018–20, 29.2 लाख रूपये।
20. एडीपोस ऊतक एबीसीए1 तथा चयापचय स्थिति द्वारा इंसुलिन प्रतिरोधक क्षमता तथा एचडीएल गुणवत्ता का मॉडयूलेशन, अर्चना सिंह, एसईआरबी डीएसटी, 3 वर्ष, 2018–20, 40.1 लाख रूपये।
21. विटामिन डी रिसेप्टर (वीडीआर) और कैथेलिसिडिन अभिव्यक्ति का अध्ययन तथा तपेदिक में फोक1 वीडीआर पॉलीमोर्फिज्म के साथ उनका सह–संबंध, अर्चना सिंह, एसईआरबी डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–18, 23 लाख रूपए।
22. सीरम हेपसिडिन स्तरः फेरोपोर्टिन अभिव्यक्ति और स्थानीयकरण के साथ इनका सह संबंध तथा इस प्रकार फेफड़े के तपेदिक के पैथोफिजियोलॉजी में आयरन एक्सपोर्ट होता है, अर्चना सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2016–18, 10 लाख रूपए।

23. पल्मोनरी तपेदिक के पैथोफिजियोलॉजी में मैक्रोफेज प्रभावक कार्य पर हाइपरग्लीसेमिया की भूमिका, अर्चना सिंह, एसईआरबी डीएसटी, 3 वर्ष, 2018–21, 49 लाख रूपये।
24. आईजीएफ2बीपी1 की भूमिका, लिम्फोमाजेनेसिस में एक आरएनए बाध्यकारी प्रोटीन, जयंत कुमार पलानीचामी, चिकित्सकों और सार्वजनिक स्वास्थ्य शोधकर्ता के लिए डीबीटी–वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस अर्ली कैरियर फेलोशिप, 5 वर्ष, 2016–21, 187 लाख रूपए।
25. मायलॉइड ल्यूकेमिया में टीईटी 2, सुभ्रदीप कर्माकर, एसईआरबी डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–18, 45 लाख रूपये।
26. ट्रोफोब्लास्ट इनवेशन के दौरान एचएमओएक्स की भूमिका, सुभ्रदीप कर्माकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018–21, 50 लाख रूपये।
27. पीडीएसी में सामान्य ड्राइवर उत्परिवर्तन की पहचान के लिए एक उम्मीदवार जीन दृष्टिकोण, सुभ्रदीप कर्माकर, एम्स, 2 वर्ष, 2017–19, 10 लाख रूपये।
28. सामान्य पुरूष और महिला मानव स्वयसेवकों के हेमेटोलॉजिकल और जैव रसायनिक मानकों पर गैर–आयनीकृत विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव, सुभ्रदीप कर्माकर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017–22, 10 लाख रूपये।
29. जीनोम–वाइड डीएनए मेथिलेशन एवं जीनोमिक अस्थिरता प्रोफाइलिग और अंडाशयी कैंसर के लिए बायोमार्कर और इम्यूनोथेरेप्यूटिक टार्गेट के रूप में उसकी क्षमता का मूल्यांकन। अशोक शर्मा, डीबीटी–रामलिंगास्वामी परियोजना, 5 वर्ष, 2015–20, 32.50 लाख रूपए।
30. अंडाशयी कैंसर में पेरिसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर–टेस्टिस/जर्मलाइन एंटीजेन पीओटीई अभिव्यक्ति में पश्चजनन सम्बन्धी नियामक के रूप में न्यूक्लियर आर्किटेक्चर। अशोक शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–20, 55 लाख रूपए।
31. एपिथेलियल अंडाशयी कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कैंसर–टेस्टिस एंटीजन पीओटीई के सीरम स्तर का अनुमान, अशोक शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016–18, 10 लाख रूपए।
32. गंभीर मलेरिया परिणामों के साथ प्लाज्मोडियम प्यूरिन साल्वेज पाथवे एंजाइम्स और मेटाबोलाइट्स के एसोसिएशन की जांच। प्रज्ञान आचार्य, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–20, 49.13 लाख रूपए।
33. आर2टीपी कोमप्लेक्स की अभिव्यक्ति और उत्परिवर्तनीय विश्लेषण तथा डीएलबीसीएल (आईएमआरजी) में उसके ब्रिजिंग प्रोटीन, रियाज ए. मीर, एम्स, 2 वर्ष, 2017–19, 8 लाख रूपये।
34. मोटापे से ग्रसित एडीपोस ऊतक रोग या सूजन में इआर तनाव, राखी यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2017–19, 3 लाख रूपये।
35. हड्डी और रक्त बनाने वाली स्टेम तथा प्रोजेनिटर सेल माइग्रेशन और विकास के विनियमन में मैक्रोफेज की भूमिका, प्रसोद कुमार गौतम, डीएसटी, 5 वर्ष, 2017–23, 35 लाख रूपये।

i.k

1. तंत्रिका विज्ञान संबंधी रोग के लिए संभावित चिकित्सीय एजेंट के रूप में पुनः संयोजक मानव एरिथ्रोपोइटिन, एमआर राजेश्वरी, डीएसटी–डब्ल्यू.टी.जेड, के माध्यम से भारत–ऑस्ट्रिया अंतरराष्ट्रीय सहयोग, 2 वर्ष, 2015–17, 8.85 लाख रूपये।
2. चिकित्सा के लिए लक्षित प्रोटीन की पहचान करने के लिए एफआरडीए रोगियों में पीबीएमसी में प्रोटीन अभिव्यक्ति पर छोटे अणुओं का प्रभाव, एमआर राजेश्वरी, एम्स, 1 वर्ष, 2016–17, 4.5 लाख रूपये।
3. बाल रोगियों से उप प्रकार–सी एचआईवी–1 के एनवेलप ग्लाइकोप्रोटीन के विरूद्ध मानव पुनः संयोजक एकल श्रृंखला संस्करण के टुकड़े (एससीएफवी) का उत्पादन तथा लक्षण वर्णन। कल्पना लूथरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18, 30 लाख रूपए।
4. तीव्र एचआईवी–1 संक्रमित बाल रोगियों के प्लाज्मा में एडीसीसी गतिविधि का लक्षण वर्णन, कल्पना लूथरा, एम्स, 2 वर्ष, 2016–18, 7 लाख रूपए।
5. महिलाओं में एंटी फॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी मध्यस्थता आवर्तक गर्भपात में प्रतिरक्षा परिवर्तन का मूल्यांकन तथा इसके मॉड्यूलेशन में सहएंजाइम क्यू 10 की भूमिका, अल्पना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 25 लाख रूपए।
6. कुष्ठ रोग के पोलर रूपों में सीडी 4 टीसीआर$\gamma\delta$+ कोशिका की भूमिका का मूल्यांकन करना, अल्पना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 38.33 लाख रूपए।
7. मानव अस्थि मज्जा जो मेसेनकायमल स्टेम सेल से निकलती है, में कोन्ड्रोजेनेसिस पर परंपरागत दवाओं और बायोस्केफॉल्ड की भूमिका की जांच करना, सुदीप सेन, एम्स, 1 वर्ष, 2016–17, 5 लाख रूपये।
8. पल्मोनरी तपेदिक में विटामिन डी बाइन्डींग प्रोटीन (वीडीबीपी) तथा विटामिन डी रिसेप्टर (वीडीआर) की अभिव्यक्ति के साथ विटामिन डी के सीरम स्तरों का अध्ययन, अर्चना सिंह टीबी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 6 महीने, 2017, 0.35 लाख रूपये।
9. एएमएल में टीईटी2 पर ईपीओ का प्रभाव, सुभ्रादीप कर्माकर, एम्स, 2 वर्ष, 2014–16, 10 लाख रूपए।

foHkkxh; ifj;kstuk

tkjh

1. विभिन्न मेटास्टेटिक क्षमता के साथ स्तन कैंसर कोशिकाओं में कैथेप्सिन बी के अंतर अभिव्यक्ति की आणविक तंत्र की व्याख्या।
2. ओरल कैंसर में मानव विषम रिबोन्यूक्लीयर प्रोटीन डी की भूमिका।
3. ग्लियोमा में एमआईजी–6 अभिव्यक्ति का विनियमन।
4. कैंसर के सार्वभौमिक बायोमार्कर के रूप में कैथेप्सिन एल तथा कैथेप्सिन बी के संभावित उपयोगिता की जांच करना।
5. मानव गॉलब्लेडर के कैंसर में सीरम माईक्रोआरएनएस की अभिव्यक्ति और नैदानिक महत्व।
6. ओवरियन कैंसर में कैंसर जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी के कार्य, विनियमन तथा चिकित्सीय क्षमता का अध्ययन करना।
7. एफआरडीए पॉजिटिव, एफआरडीए–संदिग्ध तथा एफआरडीए–वाहक के प्रोटियोमिक्स
8. संभावित सबटाइप–सी आधारित इम्यूनोजिन के लिए एक वयस्क एचआईवी1 संक्रमित दीर्घकालिन गैर प्रोग्रेसर (एलटीएनपी) से छदमवायरस को अलग करना और लक्षण वर्णन करना।
9. एक सबटाइप–सी संक्रमित बाल एलिट न्यूट्रेलाइजर से एंटी एचआईवी–1 ह्यूमन मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का उत्पादन तथा लक्षण वर्णन।
10. सबटाइप–सी संक्रमित व्यस्क दीर्घकालिन नोन प्रोग्रेसर से एंटी एचआईवी–1 ह्यूमन मोनोक्लोनल एंटीबॉडी को अलग करना ओर लक्षण वर्णन करना।
11. प्रसव के दौरान एचआईवी–1 संक्रमित बच्चों में छदमवायरस को अलग करना और लक्षण वर्णन करना।
12. संक्रमित बच्चों से मानव एंटी एचआईवी–1 मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का पृथककरण और लक्षण वर्णन करना।
13. चयनित एचआईवी–1 संक्रमित भारतीय व्यक्तियों के मेमोरी बी सेल से मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी को अलग करना तथा लक्षण वर्णन करना।
14. एचआईवी–1 संक्रमित बच्चों में जन्मजात प्रतिरक्षा क्षमता प्रतिक्रियाओं पर एआरटी के प्रारंभिक शुरूआत के प्रभाव का एक दीर्घकालिन अध्ययन।
15. मल्टीपल मायलोमा में एमआईआरएनए द्वारा वर्सिकन की भूमिका को खोजना तथा इसका नियमन।
16. मूत्राशय कैंसर में आरएएसएसएफ जीन और उनके संकेतन का अध्ययन।
17. पेम्फीगस वलगरिस के इम्यूनोपेथोजेनेसिस में गामा डेल्टा टी कोशिका।
18. विटिलिगो में गामा डेल्टा टी कोशिका और स्कैवेंजर रिसेप्टर की भूमिका।
19. एचएमजीबी–1 से जुड़े ऑटोफेगी तथा मूत्राशय के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में उसके संबंधित अणुओ की मौजूदगी का अध्ययन।
20. समय पूर्व डिम्बग्रंथि क्षति के निदान के लिए एक प्रतिरक्षात्मक और आणविक पहलू।
21. कुष्ठ रोग वाले रोगियों में टीएच17 प्रेरित सेल का अध्ययनय एक नया चिकित्सकीय दृष्टिकोण।
22. रीनल सेल कार्सिनोमा में टीएच17 तथा ट्रेग सेल के फोनोटाइपिक तथा आणविक विशेषता।
23. ग्लीयोमा में एफ.ए.टी.–1 तथा येप1 के क्रियात्मक परस्परता का अध्ययन।
24. ग्लियोमा में एफ.ए.टी.–1 और एमआईआरएनए की कार्यात्मक अंतःक्रिया।
25. ग्लियोमा में एफएटी1, पी53 और एचआईएफ1ए के बीच अंतःक्रिया के संकेत।
26. हाइपोक्सिया के विभिन्न डिग्री के तहत जीबीएम सेल लाइन में जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करना तथा गम्भीर हाइपोक्सिक स्थिति में एचआईएफ1 विनियमन में पी53 की भूमिका।
27. हाइपोक्सिया और कीमोथेरपी की प्रतिक्रिया :ग्लियल ट्यूमर कोशिका लाइनों में एक अध्ययन।
28. ग्लियोमा की कीमो–संवेदनशीलता पर एफएटी1 और पी53।
29. मानव भ्रूण न्यूरो स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त एस्ट्रोसाइट्स का लक्षण वर्णन।
30. मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में कैंसर कोशिका भेदभाव और ट्यूमर माइक्रोएनवायर्नमेंट के बीच संबंध।
31. पल्मोनरी तपेदिक के पैथोफिजियोलॉजी में मैक्रोफेज कार्य पर हाइपरग्लीसीमिया के प्रभाव।
32. पल्मोनरी तपेदिक के बिमारी में मैक्रोफेज प्रभावक कार्य पर हाइपरग्लीसीमिया की भूमिका।
33. ईटीवी6–आरयूएनएक्स1 सकारात्मक बी सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आईजीएफ2 बीपी1 की भूमिका।
34. एपीथिलियल कैंसर कोशिका लाइन के माइग्रेशन और इंवेशन में आईजीएफ2बीपी3 की भूमिका।
35. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया बी–सेल में आईजीएफ2बीपी1, एक आरएनए बाइंडिंग प्रोटीन की भूमिका की व्याख्या करना।
36. ईटीवी6–आरयूएनएक्स 1 ट्रांसलोकेशन पॉजिटिव बी–सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सीएमवायसी तथा ईजीएलएफ7 की भूमिका।
37. आईजीएफ2बीपी3, एक आरएनए बाइन्डीग प्रोटिन तथा संबंधित सर्कआरएनए का एक अध्ययन।
38. एएमएल में टीईटी2 की भूमिका।

39. एमडीएस में टीईटी2 की भूमिका।
40. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीईई का क्लोनिंग और कार्यात्मक विश्लेषण।
41. डिम्बग्रंथि कैंसर में कैंसर टेस्टिस/जर्मलाइन एंटीजेन पीओटीईबी का कार्यात्मक लक्षण, अभिव्यक्ति और चिकित्सीय महत्व।
42. एक्यूट–ऑन–क्रोनिक लीवर असफलता वाले रोगियों के सीरम में सेल–मुक्त न्यूक्लिक एसिड का विश्लेषण।
43. सीलियाक रोग में छोटी आंत बायोप्सी का प्रोटियोमिक्स।

पूर्ण

1. मानव गॉलब्लाडर कैंसर में सिस्टीन प्रोटिएसस की अभिव्यक्ति।
2. ओरल कैंसर के बढ़ने में एमआईजी–6 की भूमिका का अध्ययन।
3. स्ट्रोक के ठीक होने में गहन फिजियोथेरपी और टीएमएस की भूमिका और इंटरवेन्शन तथा रिकवरी के साथ विकास तत्वों के सहसंबंध का अध्ययन करना।
4. एफआरडीए के लिए बायोमार्कर के रूप में प्लाज्मा सेल–फ्री न्यूक्लिक एसिड तथा माइक्रो आरएनए का मूल्यांकन।
5. एचआईवी–1 संक्रमित बच्चों में प्रतिरक्षा क्षमता प्रतिक्रिया के डेन्ड्रीटिक सेल स्थिति तथा मॉडुलेशन।
6. एचआईवी–1 क्लेड सी संक्रमित बच्चों से क्लोन आवरण वाले छदमवायरस का उत्पादन और विशेषता बताना।
7. यूरोथेलियल कार्सिनोमा में हाइलूरोनिक एसिड सिग्नलिंग कैस्केड का अध्ययन।
8. टीलोमरेस गतिविधि और शेल्ट्रिन कोमप्लेक्स का अध्ययन तथा मल्टीपल मायलोमा में इसके संबद्ध कारकों का अध्ययन।
9. लेप्रोसी रोग में गामा डेल्टा टी सेल की भूमिका।
10. एनवेल्प से बी और टी सेल एपीटोप के लिए विशिष्ट टेट्रावेलेन्ट एंटीजेनिक पेप्टाइड का निर्माण हेतु।
11. डेंगु वायरस के एनएस1 प्रोटिन तथा उसकी नैदानिक क्षमता।
12. विटिलिगो के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में डेंड्रिटिक कोशिकाओं की भूमिका।
13. पेरीयमपुल्लरी कार्सिनोमा में एफ.ए.टी.–1 तथा प्रो–इन्फेमेटोरी अणुओं का प्रभाव।
14. ग्लीयोमास में एफ.ए.टी.–1 जीन अभिव्यक्ति का नियमन।
15. मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम कोशिका इन–विट्रो में ऑस्ट्रियोजेनेसिस में सिम्फीटम ऑफिसिनेल की भूमिका का वर्णन।
16. इन्ट्रासेल्यूलर विशेषताओं और कोलेस्ट्रॉल इफलक्स पर रसायनिक प्रेरित मोनोसाइट–माइक्रोफेस भेदभाव के प्रभाव का मूल्यांकन।
17. पल्मोनरी क्षयरोग के पैथोफिजियोलॉजी में हेपसीडीन तथा फेरोपोरटीन के प्रभाव।
18. ट्रोफोब्लास्ट इन्वेशन में पीपीएआर अल्फा की भूमिका।
19. ट्रोफोब्लास्ट इन्वेशन भेदभाव में टीईटी प्रोटिन की भूमिका।
20. ट्रोफोब्लास्ट इन्वेशन भेदभाव पर कॉर्टिसोल का प्रभाव।
21. ओवेरियन कैंसर में कैंसर–टेस्टिस/जर्मलाइन जीन पीओटीईई की अभिव्यक्ति में डीएनए मेथिलिकरण का प्रभाव।
22. एपीथिलियल ओवेरियन कैंसर में पीओटीईबी अभिव्यक्ति पर डीएनए मेथिलेशन प्रभाव।
23. एक्यूट–ऑन–क्रोनिक लीवर फेलियर वाले रोगियों के सीरम में सेल–फ्री न्यूक्लीक एसीड का आंकलन।
24. सीलियाक रोग में छोटी आंत बायोप्सी का प्रोटियोमिक्स।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. स्तन कैंसर में ऊतक साइट विशिष्ट प्रमोटर डीएनए मेथिलिकरण प्रोफाइल के मूल्यांकन द्वारा स्तन कैंसर के एपिजेनेटिक्स का एक अध्ययन (शल्य–चिकित्सा)
2. अग्नाशय के कार्सिनोमा वाले रोगियों के रेग–4 और एमयूसी–4 की अभिव्यक्ति। (जठरांत्र रोग विज्ञान)
3. चिरकालिक अग्नाशयशोथ रोगियों जिनको अग्नाशय के कैंसर होने का उच्च जोखिम होता है, में बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए। (जठरांत्र रोग विज्ञान)
4. अग्नाशय कैंसर में संकेत पारगमन के एम.आई.आर.एन.ए. मध्यस्थता मॉडूलेशन की भूमिका (जठरांत्र रोग विज्ञान)
5. ऑर्थोडॉन्टिक दांत हिलने के दौरान एकल बनाम अनुवर्ती माइक्रो–ऑस्टियो परफोरेशन प्रेरित1 एल–1 बीटा स्तरों का मूल्यांकन करना–एक पायलट अध्ययन (दंत चिकित्सा सर्जरी)
6. प्रोटीन का बायोफिजिक्स (जैव भौतिकी)

7. जीसीएफ में आरएएनकेएल का मूल्यांकन तथा कम स्तर के लेजर थैरेपी वाले केनाइन रीट्रेक्शन सहायक के दौरान दांत हिलने के स्तर का मूल्यांकन करना–एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (दंत चिकित्सा सर्जरी)
8. वर्किंग मेमोरी तथा सीजोप्रेनिया को आकार देने में स्टोकास्टिसिटी की भूमिका (स्कूल ऑफ कम्प्यूटेशनल एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन, जेएनयू)
9. पेरी–मिनी–स्क्रू इम्पलांट क्रिविकूलर फ्ल्यूड (पीएमआईसीएफ) में इन्फलेमेट्री बायोमार्कर एचएमजीबी1 तथा टीजीएफ–1 (बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी, दिल्ली)
10. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और ओरल सबमुकोस फाइब्रोसिस के क्लिनिकोपैथोलॉजिकल लक्षण के साथ वीईजीएफ ए तथा सी के सीरोलॉजिकल स्तर और जेनेटिक पॉलिमोर्फिज्म के बीच संबंध–एक पायलट अध्ययन (दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र)।
11. सेलिवरी माइक्रो आरएनए : तंबाकू खाने वाले बनाम तंबाकू न खाने वालों में आणविक बदलाव के दौरान बायोमार्कर के रूप में उनकी उपयोगिता (कान, नाक, गला चिकित्सा और सिर, गर्दन शल्य चिकित्सा)।
12. टीयूआरबीटी प्रक्रिया के बाद मूत्राशय कैंसर में परिसंचरण ट्यूमर कोशिका की पहचान (मूत्र रोग विज्ञान)।
13. भारतीय रोगियों में पेनाइल कार्सिनोमा में ह्यूमन पैपिलोमावायरस स्थिति तथा क्लिनिको–पैथोलॉजिकल स्टेजिंग के साथ सह–संबंध (मूत्र रोग विज्ञान)।
14. रीनल सेल कार्सिनोमा के रोगियों में ट्यूमर व्यवहार के लिए एक बायोमार्कर के रूप में ग्लूकोज से संबंधित प्रोटीन 78 (जीआरपी78) की पहचान (मूत्ररोग विज्ञान)
15. सीमित से गंभीर क्रोनिक प्लेग सोरियासिस में उपनिर्धारित ईटनेरसेप्ट बनाम मुखीय मेथोट्रेक्सेट के प्रभावकरिता की तुलना करने के लिए संभावित गैर–यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण तथा टीएच1,टीएच2,टीएच17 तथा ट्रेग सेल पैटर्न के साथ प्रतिक्रिया का सह–संबंध (त्वचा रोग विज्ञान)
16. यूवियल मेलेनोमा में एनएफकेबी पाथवे का आणविक लक्षण वर्णन (रा.प्र. केन्द्र)
17. घातक लैक्रिमल ग्रंथि ट्यूमर के आणविक लक्षण वर्णन (रा.प्र. केन्द्र)
18. इन विट्रो मानव अस्थि मज्जा से उत्पन्न मेसेंकाइमल स्टेम कोशिका में सिन्फेटम ऑफिसिनल के अंतनिहित दस्तावेजीकृत ओस्टियोजेनिक गतिविधि तंत्र का वर्णन (एप्लाइड मैकेनिक्स, आईआईटी दिल्लीय सीसीआरएच, नई दिल्ली, ऑर्थोपेडिक्स, एम्स, नई दिल्ली।
19. तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम वाले रोगियों में एचडीएल कार्यक्षमता पर स्टेटिन थेरेपी का प्रभाव (ह्रद रोग विज्ञान)
20. बालरोग तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में एमटीडीएनए प्रतिलिपि संख्या तथा मीटोकॉड्रियल चयापचय के पनुः प्रोग्रामिग के बीच संबंध का आकलन करने हेतु (मेडिकल ओन्कोलॉजी, आईआरसीएच)
21. उच्च जोखिम वाले रोगियों में प्री–एक्लेम्पिसया का विकास करने के लिए पूर्वानुमान और पूर्वसंकेत मार्कर के रूप में आंवल वृद्धि कारक (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)।
22. बार–बार होने वाले श्वसन पैपीलोमेटोसिस के उपचार में वेस्कुलर एंडोथीलियल वृद्धि कारक की भूमिका (कान, नाक, गला चिकित्सा विज्ञान)
23. अधिक जोखिम वाले गर्भधारण में प्री–एक्लेम्पिसया का पूर्वानुमान लगाने के लिए आंवल विकास कारक, गर्भाशय धमनी डोप्लर तथा प्लेसेन्टा के 3 डी डोप्लर अल्ट्रसाउड की भूमिका। (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)
24. जिला फरीदाबाद, हरियाणा में माध्यमिक स्वास्थ्य उपचार सुविधा में भाग लेने वाले 6–59 महीने के बच्चों में कोबालामिन तथा फोलेट की स्थिति (सामुदायिक चिकित्सा)
25. पोस्टऑपरेटिव एनलगेसिया पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रेटस लम्बरोरम ब्लाक का प्रभाव तथा वैकल्पिक खुली पाइलोप्लास्टी से गुजरने वाले बाल रोगियों में न्यूरोएडोक्राइन तनाव प्रतिक्रिया–एक यादृच्छिक नियंत्रित परिक्षण (संवेदनाहरण, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार)
26. मल्टीपल मायलोमा रोगियों में बोर्टेजोमिब रक्त संकेंद्रण और नैदानिक प्रतिक्रिया पर सी.वाय. पी2सी19 पॉलिर्मोफिज्म के प्रभाव का अध्ययन (भेषजगुण विज्ञान)
27. सीरम में हेपाटाइटिस वायरस (ए–जी) का एक साथ पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स रीयल टाइम पीसीआर (क्यूपीसीआर) ऐसे का विकास (प्रयोगशाला चिकित्सा)
28. एफईसीडी में माइक्रो आरएनए तथा एमआरएनए की भूमिका (रा.प्र. केन्द्र)
29. केसीएन में नोवल म्यूटेशन की पहचान (रा.प्र. केन्द्र)
30. जेआईए की आणविक पेथोजेनिसिस (बाल रोग विज्ञान)
31. कैंसर गॉलब्लाडर में न्यूक्लियर रिसेप्टर (आईआरसीएच)
32. सिस्प्लेटिन संवेदनशीलता में पीए आरपी1 और वाई–ग्लूटामाइल सिस्टीन सिंथेटेस अवरोध की भूमिका और सहसंबंध ओवेरियन कैंसर में डीएनए मेथिलिकरण के साथ सहसंबंध (आईआरसीएच)

33. रूमाटॉइड आर्थराइटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग ओर ध्यान का प्रभाव (शरीर रचना विज्ञान)
34. ल्यूकोट्राइन ए 4 हाइड्रोलेस जीन पॉलिमॉर्फिज्म की भूमिका तथा कोर्टीकोस्टेरॉइड्स से इलाज किए हुए तपेदिक मेनिंजाइटिस रोगियों में उसके नैदानिक परिणाम का सहसंबंध (तंत्रिका विज्ञान)
35. वृद्ध भारतियों में एक कार्बन चयापचय और संज्ञानात्मक अभाव (जरा चिकित्सा)
36. संज्ञानात्मक अभाव के लिए एक बायोमार्कर के रूप में वृद्ध रोगियों में नोवल प्रोटिन का अनुमान लगाना (जरा चिकित्सा)
37. गंभीर मलेरिया परिणाम के साथ प्लास्मोडियम प्यूराइन सेल्वेज पाथवे एंजाइमों और मेटाबोलाइट्स के संबंध की जांच करना (कायचिकित्सा)
38. सीलिएक रोग पर डीबीटी कॉनसॉर्टियम (जठरांत्र रोग विज्ञान तथा मानव पोषण)
39. सीरम, सालाइवा तथा जींजी क्रिविकुलर तरल पदार्थ में स्तरों और मेटलॉथियोनिन अभिव्यक्ति पर गैर–शल्य क्रिया वाले पेरियोडोंटल थैरेपी का प्रभावः एक इंटरवेंशनल अध्ययन (पीरियोडॉटिंक्स, सीडीईआर)
40. सीरम, सालाइवा तथा जींजीवल क्रिविकुलर तरल पदार्थ में स्तरों और मेटलॉथियोनिन अभिव्यक्ति पर गैर–शल्य क्रिया वाले पेरियोडोंटल थैरेपी का प्रभावः एक इंटरवेंशनल अध्ययन (सीडीईआर)

i/.k

1. ऑर्थोडोंटिक दंत गतिशीलता के दौरान मिनी स्क्रू साइट के आसपास बायोमार्कर के रूप में सेल–मुक्त न्यूक्लिक एसिड परिसंचरित करना–एक मात्रात्मक विश्लेषण। (दं.शि. एवं अनु.के.)
2. पेरी–मिनीस्क्रू प्रतिरोपण तरल पदार्थ में पहले और बाद में बल प्रयोग में मानव मैक्रोफेज कॉलोनी उत्तेजक कारक स्तर का मात्रात्मक मूल्यांकन (दं.शि. एवं अनु. के.)।
3. मेलेनोसाइट प्रत्यारोपण करवा रहे विटिलिगो पीडित रोगियों में कैटेकॉलेमाइन्स तथा उनके मेटाबॉलिट्स का निर्धारण (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान)।
4. त्वचा स्व–प्रतिरक्षित विकार पेमफिगस वलगेरिस में टी. सहायक साइटोकाइन्स की भूमिका (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान)।
5. कोरोनरी धमनी रोग में एच.डी.एल. की क्रियात्मक गुणवत्ता का मूल्यांकन (हृदय रोग विज्ञान)।
6. अतिरिक्त हेपेटिक पोर्टल तंत्रिका अवरोध से पीडित रोगियों में हेपेटिक धमनी प्रतिरोधी सूचकांक के साथ पोर्टल दाब और सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड स्तर का सहसंबंध (बाल शल्य चिकित्सा)
7. मेटाबॉलोमिक्स के द्वारा तीव्र चिरकालिक लीवर असफलता (ए.सी.एल.एफ.) पर मेजरिंग ऑर्गन क्रॉस टॉक–एक पायलट अध्ययन (जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण)

çdk'ku

if=dk,i ½ lkj ½ iqLrdk e v/;k; ½ iqLrd ½

jkxh mipkj

क्रम संख्या	परीक्षण	संख्या	क्रम संख्या	परीक्षण	संख्या
1	सी.ई.ए.	2250	8	एस. फेरिटिन	637
2	सी.ए. 19.9	2050	9	विटामिन बी 12	657
3	पी.एस.ए.	75	10	फोलेट	657
4	सी.ए. 125	699	11	कुल टी 3	1243
5	सी.ए. 15.3	154	12	कुल टी 4	1243
6	β एच.सी.जी.	560	13	टी.एस.एच.	1650
7	ए.एफ.पी.	485			
		कुल		**11,317**	

x|.koRrk fu;=.k ½

आंतरिक दिनचर्या गुणवत्ता आश्वासन योजना के अलावा, गुणवत्ता रिपोर्ट देने के लिए पिछले 01 वर्ष के लिए बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ई.क्यू.यू.ए.एस.) में सफल मासिक भागीदारी। विभाग ने तंत्रिका विज्ञान एवं बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान से संदेहस्पद एफआरडीए रोगियों के लिए निःशुल्क 60 नमूनों का आनुवंशिक परीक्षण किया है।

i|jLdkj] lEeku vkj egRoi.k miyfC/k;k

डॉ. जानवी मानहस (पी.एच.डी. छात्र) ने वर्ष 2016 के लिए मूलभूत अनुसंधान में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर विद्यार्थी हेतु गीता मित्तल पदक तथा पुस्तक पुरस्कार प्राप्त किया है।

श्री देवंजन दे (पी.एच.डी. छात्र) को ई.एम.बी.एल. कार्यशालाः कोशिका जैव विज्ञान में वर्तमान विधि, जो ई.एम.बी.एल., हीडलबर्ग, जर्मनी में 11 से 19 सितंबर 2017 को आयोजित किया गया था, में भाग लेने में मदद करने के लिए बोहिरिंगर इंगेलहीम फोन्ड्स अनुदान से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर सुब्रता सिन्हा को यू.एस. पेटेंट से सम्मानित किया गयाः अल्काइन फॉस्फेटेज (पीएलएपी) प्रमोटर मध्यस्थ सेल लक्षयीकरण की तरह प्लेसेंटल। पीसीटी/आईबी2014/061350, यू.एस. पेटेंट संख्या यू.एस. 9,868,960 बी.2, यू.एस. पेटेंट जारी करने की तिथि 16 जनवरी 2018। आवेदक थेः जैव प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान। अविष्कारक थेः सुब्रता सिन्हा, इमरान खान, मोहम्मद खालिद जाकारिया, कुंजेग चोसडॉल, प्रार्थाप्रसाद चट्टोपाध्याय। वें संस्थागत समितियां (शासन) जैसे कि शासन परिषद, अनुवादकीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, गुड़गांव; सोसायटी, राजीव गांधी जैवप्रौद्योगिकी केन्द्र; जैव प्रौद्योगिकी का क्षेत्रीय केन्द्र, फरीदाबाद के अंग थे। वें संस्थागत समितियां (वैज्ञानिक, अनुसंधान, शैक्षणिक) जैसे विकृति विज्ञान के संस्थान की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एस.ए.सी.), आई.सी.एम.आर. (2008 से वर्तमान अध्यक्ष); एस.ए.सी. प्रतिरक्षा विज्ञान का राष्ट्रीय संस्थान,; अनुसंधान परिषद (आर.सी.) कोशिकीय एवं आणविक जैव विज्ञान के लिए केन्द्र, हैदराबादय आर.सी. रसायनिक जैव विज्ञान का भारतीय संस्थान, कोलकाता; आर.सी. केन्द्रीय दवा अनुसंधान संस्थान; एस.ए.सी.– राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र का हिस्सा थे। वें परियोजना समीक्षा समिति (पी. आर.सी./विशेषज्ञ समूह) तंत्रिका रोग जैव विज्ञान (अध्यक्षता 2015–17) डी.बी.टी. के तहत जैसे वैज्ञानिक मंत्रालयों और विभागों की समितियों का एक हिस्सा बने रहें; अध्यक्ष; संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (2014 से आज तक) एवं अध्यक्ष, डी.एस.टी. के तहत योग और ध्यान की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; अध्यक्ष जैव रसायन विज्ञान के लिए पी.आर.सी., प्रतिरक्षा विज्ञान एवं एलर्जी; सदस्य, कोशिका और आणविक जैव विज्ञान के लिए पी.आर.सी.; संपादकीय बोर्ड; वर्तमान विज्ञान एवं कार्यकारी समिति, भारत की राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिका।

प्रोफेसर एस.एस. चौहान को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के 57वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की फेलोशिप प्रदान की गई जो अमृतसर, पंजाब में 28–29 अक्टूबर 2017 को आयोजित की गई थी; सदस्य एस.ई.आर.बी. युवा वैज्ञानिक–डी.एस.टी. की जीव विज्ञान विशेषज्ञ समितिय एम्स, जोधपुर में आंतरिक अनुसंधान अनुदान के मूल्यांकन और एम्स जोधपुर, एम्स पटना, पी.जी.आई.एम.ई. आर. चंडीगढ़, यकृत और पित्त विज्ञान संस्थान, दिल्ली; यू.पी.एस.सी., दिल्ली; गर्वमेंन्ट मेडिकल इंस्टीट्यूट, कासना, ग्रेटर नोएडा, उ.प्र. के संकाय सदस्यों का चयन हेतु विशेषज्ञ; राष्ट्रीय विकृति विज्ञान संस्थान (आई.सी.एम.आर.) के पूर्व–वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य; पुस्तकालय समिति के सदस्य, एम्स में संकाय भर्ती के लिए केंद्रीय जांच समिति, एम्स में महिला सुरक्षा और लिंग संवेदीकरण के लिए कार्य बल, संस्थान दिवस समारोह समिति, जैव प्रौद्योगिकी शिक्षण सलाहकार समिति, एम्स; जैव–सुरक्षा समिति के सदस्य, वी.पी. चेस्ट इंस्टीट्यूट; दिल्ली विश्वविद्यालय, जीनोमिक्स एवं समन्वित जीव विज्ञान के संस्थान की जैव–सुरक्षा समिति के डी.बी.टी. नामित व्यक्ति, मॉल रोड, दिल्ली, अंतः विषय जैव प्रौद्योगिकी एकक की प्रश्न–पत्र अनुशोधन समिति, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़, आकादमिक परिषद की स्थायी समिति, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय एवं किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ की पाठ्यक्रम समिति; सदस्य, संपादक बोर्ड, जैवरसायन में अनुसंधान तथा रिपोर्ट एवं नैदानिक जैव रसायन के भारतीय पत्रिका के साथ–साथ विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; बॉयोलॉजिकल केमिस्ट की सोसायटी के आजीवन सदस्य (भारत), भारत के क्लीनिक बायोकेमिस्ट का संघ, कैंसर अनुसंधान के लिए भारतीय संघ और जैव चिकित्सा विज्ञान की भारतीय अकादमी।

प्रोफेसर एम.आर. राजेश्वरी सोसाइटी ऑफ न्यूरोकेमेस्ट्री, भारत, दिसम्बर 2016 के उपाध्यक्ष रहे हैं; "डीएनए सोसाइटी ऑफ इंडिया' के उपाध्यक्षय 2006 के बाद से न्यूरोकेमेस्ट्री के लिए आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी); अनुसंधान परामर्श बार्ड, सेंट्रल यूनिवर्सिटी राजस्थान, अजमेरय स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य मंत्रालय (डीएचआर), मेडिकल टेकनोलॉजी,य 2006 के बाद विभिन्न समितियों पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, 2013 के बाद से स्कूल ऑफ लाइफ साइन्स सेंट्रंल यूनिवर्सिटी, राजस्थान के सदस्य; इंस्पायर (प्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान शोध के नवाचार) के विशेषज्ञ सलाहकार, डीएसटी कार्यक्रम; सदस्य, अनुसंधान परिषद "एसवी यूनिवर्सिटी, तिरूपति; पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन : एनआईटी, वारेनगल और एनआईपीईआर, मोहाली; वैज्ञानिक पत्रिकाओं जैसे अंतराष्ट्रीय वैज्ञानिक रिपार्ट्स पीएलओएस वन, जेएम केम सोस, जे मोल स्ट्रक्चर; डीएनए एवं सेल बायोलॉजी के विशेषज्ञ समीक्षक; यूर जे मेड केम, जे.

फिजिकल केमेस्ट्री आणविक जैव प्रणाली; आणविक जैव विज्ञान रिपार्ट, खाद्य तथा रसायनिक विष विज्ञान; औषधीय रसायन विज्ञान में छोटी समीक्षाएं; ग्रीन केमेस्ट्री पत्र एवं समीक्षाएं; जे कैंसर थेरपी, जे केमिकल थरमोडायनामिक्स, स्पेक्ट्रोकेमीका एक्टा पार्ट ए : मॉलीक्यूलर एंड बायोमॉलीक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कोपी, औषधीय रसायन विज्ञान में छोटी समीक्षाएं, जे न्यूरोसाइन्स रेस, बीएमसी कैंसर, ऑनकोटार्गेट तथा इंडियन जे बायोकेम बायोफीस।

प्रोफेसर कल्पना लूथरा ने मूल अनुसंधान में एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2017 (तृतीय पुरस्कार) प्राप्त किया तथा एंटीवायरल रीसर्च सोसायटी के विज्ञान में 'वोमन' के रूप में चयनित किया गया तथा तमिलनाडु के कलासलिंगम विश्वविद्यालय, कृष्णाकॉयिल में आयोजित होने वाले तथा पुनः होने वाले वायरल रोग लिए एंटीवायरल ड्रग की रचना करने में हाल के विकास पर राष्ट्रीय सेमिनार में 24 अक्टूबर 2017 को एंटीवायरल रीसर्च सोसायटी द्वारा इसी के लिए सम्मानित किया गया। सलाहकार समिति सदस्य, विश्व प्रतिरक्षा क्षमता दिवस सिम्पोजियम, 29 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली; समन्वयक, "क्वीज–ओ–कोनः एन. इम्यूनोइनसाइट", विश्व प्रतिरक्षा दिवस संगोष्ठी 29 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली; डी.एस.टी. द्वारा पुरस्कृत अफ्रीकी शोधकर्ता 2016 हेतु सीवी रमन अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप के लिए इथियोपिया से श्री असरत एंड्रियास कहसे के लिए (अक्टूबर 2017 से जनवरी 2018 तक) तीन महीने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। एम्स, रीसर्च अनुभाग में वैज्ञानिक कैडर को फॉरमोलाइज करने के समिति के सदस्य; एंटी वायरल रिसर्च सोसायटी एसीबीआई, आईआईएस, एनएबीएस, के आजीवन सदस्य; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंडियन जे क्लीन बायोकेम; सदस्य, ट्यूमर बायोलॉजी/एडल्ट स्टेम सेल बायोलॉजी के तहत चल रहे आईसीएमआर – नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी की पूर्व–एसएसी बैठक की कमेटी की समीक्षा, 8 दिसम्बर 2017, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली; सदस्य, बुनयादी परियोजनाओं के लिए इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट रीव्यू कमेटी बैठक, अनुसंधान अनुभाग; एम्स; अध्यक्षता, "वैक्सीन एंड थेराप्यूटिक्स" सिस्कोन 2017–2018, "ब्रिजिंग द गेप :– बिटवीन बेसिक एंड क्लीनिकल रिसर्च फ्रॉम बेंच टू बेड साइड" 11 जनवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली।

प्रोफेसर अल्पना शर्मा एम्स भुवनेश्वर तथा डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज, दिल्ली सरकार के संकाय पदों के लिए विशेषज्ञ चयन समिति चुने गये; आईसीएमआर, लघु अवधि वाले स्टूडेन्टशीप के प्रोजेक्ट समीक्षा समिति के सदस्य चुने गए; कोषाध्यक्ष, इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी (2014–18), 29 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की; सक्रिय सदस्य, अमेरिकन एसोसियेशन फॉर कैंसर रिसर्च, यूएसए तथा इन्ट् गायनी कैंसर सोसायटी, यू.एस.ए.; जे.एन. मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चड़ीगढ़ के पी.एच.डी. थीसेस तथा वाइवा के बाहरी परीक्षक थे; डीएनबी बायोकेमेस्ट्री पाठयक्रम, मेदानता, गुड़गांव के मूल्यांकनकर्ता; बाहरी परीक्षक, एमडी परीक्षा, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अंतरिक परीक्षक, एमडी परीक्षा, एम्स; वित्तीय अनुदान के लिए डीबीटी, डीएसटी आयुष, सीएसआईआर तथा यूपीसीएसटी जमा किए गए बाह्य अनुसंधान प्रस्तावों का परीक्षण किया; सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट समिति तथा एम्स के यू.जी. के लिए टीचींग शेड्यूल कमेटी का भी परीक्षण किया; वीएमएमसी, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में क्लीनिकल बायोकेमेस्ट्री उपकरण खरीद समिति के लिए तकनीकी विशेषज्ञ रहे।

प्रोफेसर कुंजेंग चोसडॉल ने श्रीमती अबीबा महदी पुरस्कार–2017; इंडियन अकादमी ऑफ बायोमेडिकल साइन्सस; एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार 2017 (तृतीय पुरस्कार) प्राप्त किया; डीबीटी कैंसर बायोलॉजी कोर कमेटी –2017–19 के अंग रहे; उपाध्यक्ष (2016–19) इंडियन एसोसियेशन फॉर कैंसर रिसर्च (आईएसीआर); नेचर पब्लिशिंग ग्रुप (एनपीजी) तथा इम्पेक्ट जर्नल के लिए पांडूलिपियों की समीक्षा की; सत्यापन/नियंत्रण विशेषज्ञ एमसीक्यू प्रश्नावाली कूंजी (पी.जी. प्रवेश) एनबीई, द्वारका; अन्य संस्थान/विश्वविद्यालयों (डीयू तथा पीजीआई चड़ीगढ़) के पीएचडी तथा एमडी थीसस की समीक्षा की। दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी अनुसंधान कार्य प्रगति को जांचने के लिए बाह्य विशेषज्ञ बने।

डॉ. सुदीप सेन ने एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार–2017 में बुनियादी अनुसंधान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

डॉ. जयंत कुमार पी. ने ईएमबीओ/ईएमबीएल संग्रोष्ठीः फ्रॉम सीगंल–टू–मल्टीयोमिक्सः ऐपलीकेशन एंड चेलेंजस इन डाटा इंटीग्रेशन में कार्य प्रस्तुत करने तथा भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान ईएमबीओ (यूरोपियन मॉलीक्यूलर बायोलॉजी ऑरगेनाइजेशन) प्राप्त किया, हेडलबर्ग, जर्मनी, नवम्बर 2017.

डॉ. सुभ्रदीप कर्माकर को जयपुर में आयोजित डब्ल्यूसीसी 2018 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला, एनआईआई तथा एम्स द्वारा आयोजित; संयुक्त संपादक, इंडियन जे सोस प्रीवेन रिहैबिलिटेटिव ऑनकॉल; संपादकीय जीसी स्त्री रोग विज्ञान, यू.के; माननीय सदस्य, मानव स्वास्थ्य और रोग पर अनुसंधान, वन मंत्रालय, झारखंड।

डॉ. अशोक शर्मा को 11 नवम्बर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित प्लेटलेट क्रिया पर हुई राष्ट्रीय कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक सलाहकार पुरस्कार मिला; इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी (2018) के आजीवन सदस्य; इंडियन डीएनए सोसायटी (2018) के आजीवन सदस्य; आईसीटी (एनएमई–आइसीटी) उद्यम के माध्यम से शिक्षा पर एक एमएचआरडी, राष्ट्रीय अभियान, ईपीजी–पाठशाला में बायोफिजिक्स विषय के लिए सामग्री प्रदाता के रूप में भाग लिया।

vfrfFk oSKkfud

1. डॉ. बारबरा सचैबेर – मोजदेखर, सह–आचार्य, चिकित्सा रसायन विभाग, वियाना मेडिकल कॉलेज, ऑस्ट्रिया ऑन "पैथोलोजिकल स्थितियों तथा रोग जनक में आयरन–जटिलताओं का प्रभाव", 13 अप्रैल 2017.
2. डॉ. इकबाल अहमद, नेत्र विज्ञान तथा विजुअल सांइस के आचार्य, अकादमी मामलों के सह–संकायाध्यक्ष, नेब्रास्का मेडिकल सेंटर विश्वविद्यालय, ओमाहा, यूएसए, "ब्रेन सुधार तथा पुनर्जनन में स्टेम सेल", 6 अक्टूबर 2017.
3. डॉ. ए. रमैया, 'विटीलीगो के कारण के रूप में ग्रोथ फेक्टर डेप्रीवेशन सिद्धान्त को अन्य ऑटोइम्यून तथा ऑक्सीडेटिव तनाव सिद्धान्त बांधा जाता है। 21 नवम्बर 2017.
4. प्रोफेसर उतपल तातू, जैवरसायन विभाग, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सांइस, बैंगलोर, ''उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग अनुसंधान : नोवल परिणामों की ओर अग्रसर'', 22 नवम्बर 2017.
5. प्रोफेसर एरियल रूईज आई अल्टाबा, जिनेवा मेडिकल स्कूल विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड, 'ग्लीयोमास में स्टेमनेस को अवरूद्ध करने के लिए नया दृष्टिकोण', 1 मार्च 2018.

9-4 tSo vk;qfoZKku bathfu;jh

vkpk;Z vkSj v/;{k
डॉ. वीणा कौल

vkpk;Z
डॉ. हरपाल सिंह

lgk;d vkpk;Z

डॉ. अमित मेहंदीरत्ता	डॉ. अनूप सिंह	डॉ. दीपक जोशी
डॉ. दिनेश कल्याणसुंदरम	डॉ. जयंत भट्टाचार्य	डॉ. नीतू सिंह
श्री एस. एम. के. रहमान		डॉ. संदीप कुमार झा

ifrf"Br vkpk;Z
डॉ. स्नेह आनंद

ekun vkpk;Z
एस के गुहा

विशिष्टताएं

जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी विभाग की स्थापना 1971 में एम्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के एक संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। विभाग ने चिकित्सा और जैविक समस्याओं को संबोधित करने के लिए अभियांत्रिकी के सिद्धांत अपनाए हैं। विभाग के पास भारत के बड़े संस्थानों और अस्पतालों के साथ सहयोगात्मक परियोजनाएं हैं।

विभाग निदान, उपचार, उपचार प्रतिक्रियाओं के अनुवर्तन और औषधि प्रदायगी की तकनीकों, साधनों और विधियों के ज्ञान प्रसार तथा विकास पर लक्षित हैं। विभाग के संकाय सदस्य निम्नलिखित प्राथमिकता क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए कार्यरत हैं :

- जैव सामग्री
- बायो इंस्ट्रूमेंटेशन
- बायो मैकेनिक्स
- मेडिकल इमेजिंग

पिछले एक वर्ष में निम्नलिखित नैदानिक शोध के लिए उपकरण स्थापित किए गए थे

1. मोबाइल ब्रेन सिग्नल एकत्र करने के लिए वायरलेस इलेक्ट्रोएन्सेफ्लोग्राम (64 चैनल)
2. न्यूरोमस्क्यूलर विकारों में अनुसंधान के लिए वायरलेस इलेक्ट्रोमायोग्राम (8 चैनल)
3. जैव सुरक्षा हूड, फिक्स्चर और डक्टिंग के साथ बायोसेफ्टी स्तर 2 सुविधा

अनुसंधान के अलावा, विभाग अध्यापन में संलग्न रहा है, जहां आईआईटी दिल्ली में जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग से संबद्ध पी.जी. यू.जी. और पूर्व पी.एच.डी के पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए जाते हैं।

शिक्षा

पिछले वर्ष नौ पीएचडी छात्रों ने अपनी डिग्री प्राप्त की।

2017–18 एजी एलेक्स एम.आर, कैंसर थेरेपी में ड्रग और न्यूक्लिक एसिड की कॉम्बिनेटोरियल डिलीवरी के लिए पॉली (स्टायरिन–ऑल्ट–मैलेइक एनहाइड्राइड) पर आधारित कैटायनिक नैनोसिस्टम का विकास, प्रोफेसर वीणा कौल।

2017–18 अरुण कुमार, संश्लेषण, कैंसर थेरेपी के लिए रेडॉक्स संवेदनशील पॉलीमरिक नैनोसिस्टम के लक्षण और जैविक मूल्यांकन, प्रोफेसर वीणा कौल।

2017–18 सिरसेंदु भौमिक, त्वचा टिशू इंजीनियरिंग के लिए पॉलिमरिक हाइब्रिड स्केफोल्ड के फैब्रिकेशन और मूल्यांकन, प्रोफेसर वीणा कौल।

2017–18 वसुंधरा शुक्ला, कैंसर थेरेपी के लिए पॉलिमर–पेप्टाइड–प्लास्मिड डीएनए डुअल नैनोपार्टिकल्स का डेवलपमेंट, प्रोफेसर हरपाल सिंह।

2017–18 अवनीत कौर, पैथोजेनिक बैक्टीरिया के जांच और शमन के लिए पॉलीएक्रियालोनिट्रियल को–पोलीमर्स का विकास, प्रोफेसर हरपाल सिंह।

2017–18 सुमित कपूर, एंटी कैंसर एजेंटों के वितरण के लिए पॉलीहाइड्रोक्सीब्यूटाइरेट आधारित बायोडिग्रेडेबल नैनोपार्टिकल्स के डिजाइन और विकास, प्रोफेसर हरपाल सिंह।

2017–18 जे. जीन रोसारियो राज, स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए अल्ट्रासाउंड क्षणिक इलास्टोग्राफी प्रणाली में वैकल्पिक डिजाइन, प्रोफेसर स्नेह आनंद और प्रोफेसर एसएमके रहमान।

2017–18 सुमित मुराब, विट्रो रोग मॉडल में विकसित करने के लिए टिशू इंजीनियरिंग कार्यनीतियों का उपयोग, प्रोफेसर आलोक रे और प्रोफेसर सौरभ घोष।

2017–18 संस्कृता दास, टिशू इंजीनियरिंग के लिए कस्टम–टेलर 3 डी प्रिंटेड स्केफोल्ड, प्रोफेसर आलोक रे और प्रोफेसर सौरभ घोष।

पिछले वर्ष, विभाग ने मास्टर्स ऑफ टेक्नोलॉजी (बायोमेडिकल इंजीनियरिंग) में एक नया कार्यक्रम शुरू किया। आठ की संख्या वाले छात्रों का पहला बैच जुलाई 2017 से शुरू किया गया है।

कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन (क्यूआईपी/ सीईपी)

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, नई दिल्ली में "प्रोस्टेटिक एंड मोटर लर्निंग" पर जीआईएएन कोर्स, 5–9 दिसंबर 2017; प्रोफेसर दीपक जोशी और प्रोफेसर सेतु विजयकुमार (एडिनबर्ग विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित, डीएसटी द्वारा वित्त पोषित, भारत सरकार।
2. मेडिकल इमेजिंग टेक्निक्स, पोस्ट प्रसंस्करण और नैदानिक अनुप्रयोगों पर कार्यशाला, 14–16 अप्रैल 2017 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, नई दिल्ली में; प्रोफेसर अमित मेहंदीरत्ता और प्रोफेसर अनुप सिंह द्वारा आयोजित; सीईपी, आईआईटी दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
3. क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक बायोमेकॅनिक्स, 18 मार्च 2017; सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी दिल्ली, इंडियन स्पाइनल इंजेरी सेंटर (आईएसआई), नई दिल्ली और टोलेडो विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा आयोजित; नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।
4. नैदानिक रीढ़ की हड्डी बायोमेकॅनिक्स, 4 मार्च 2017; सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी दिल्ली, इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर, नई दिल्ली और टोलेडो विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा आयोजित; नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

संगोष्ठियां

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग ने संगोष्ठी / व्याख्यान के लिए भारत और विदेशों से विशिष्ट वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया।

1) शीर्षकः "हेल्थकेयर में गणितीय मॉडलिंग और उन्नत छवि प्रसंस्करण"
   वक्ता : प्रोफेसर के. चेन
   संस्थान : गणितीय विज्ञान विभाग, लिवरपूल विश्वविद्यालय, पीच सेंट, लिवरपूल एल 69जेड, 7 जेडएल यूके।

2) शीर्षकः "बाह्य कोशिकीय मैट्रिक्स के भौतिक रसायन गुणः कार्य करने की कुंजी, तंत्र के लिए सुराग"
   वक्ता : प्रोफेसर शिनी वर्गीस
   संस्थानः ड्यूक विश्वविद्यालय, यूएसए

प्रदत्त व्याख्यान

वीना कौलः 3 हरपाल सिंह : 5 नीतू सिंह : 7

अनुसंधान

दायर किए गए पेटेंट

1. **अमित मेहंदीरत्ता**, नेहा सिंह, **स्नेह आनंद।** ऊपरी अंगों के पुनर्वास के लिए "एक्सोस्केलेटन डिवाइस" (भारतीय पेटेंट आवेदन सं. : 201711037641, 2017).
2. **नीतू सिंह** और अनिल चंद्र "पीएच सेंसिंग के लिए ग्रीन फ्लोरोसेंट कार्बन डॉट्स" (भारतीय पेटेंट आवेदन सं. : 201611034567, 2017).
3. **संदीप कुमार झा**, अप्पन रॉयचौधरी और सुधासत्वा बासु। "न्यूरोट्रांसमीटर डिटेक्शन के लिए माइक्रोफ्लुइडिक चिप" (भारतीय पेटेंट आवेदन सं. : 201811000669) दिनांक 6 जनवरी 2018.
4. **संदीप कुमार झा** और अपन रॉयचौधरी। "बीयर और वाइन गुणवत्ता परीक्षण के लिए कैपिलरी इलेक्ट्रोफोरोसिस माइक्रोचिप" (भारतीय पेटेंट आवेदन सं. : 201711036017) दिनांक 10 अक्टूबर 2017.
5. **वीणा कौल** और एजी एलेक्स एम.आर. "दवाओं और न्यूक्लिक एसिड के सह–वितरण के लिए स्टेमुली संवेदनशील बहुलक नैनोसिस्टम" (भारतीय पेटेंट आवेदन सं. : 201711008171).
6. **वीणा कौल** और कृतिका गोयल। "एक जनजातीय सहबहुलक और उनके तरीके" (भारतीय पेटेंट आवेदन सं. : 201711034212).

विभागीय परियोजनाएं

1. स्वाभाविक रूप से लक्षित दवा वितरण के लिए व्युत्पन्न पुटिकाएं, नीतू सिंह, प्रोफेसर वीणा कौल, 80.0 लाख रुपए, डीबीटी।
2. एकीकृत कम लागत वाले पानी के सेंसर, डॉ संदीप झा, 169 लाख रुपए , इंडो–यू.एस. विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसटीएफ)।
3. घाव चिकित्सा के लिए नैनो–समग्र स्केफोल्ड के डिजाइन, संश्लेषण और विशेषता, डॉ जयंत भट्टाचार्य, प्रोफेसर वीणा कौल, 33.9 लाख रुपए, डीआईपीएएसए डीआरडीओ।
4. न्यूक्लिक एसिड आधारित पोर्टेबल रैपिड डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म, डॉ. दिनेश कल्याणसुंदरम, डॉ संदीप झा, 40.08 लाख रुपए, डीबीटी, बाइरेक।
5. सैलिनोमाइसिन (एसएएल) की एंटी–ट्यूमर गतिविधि को परिभाषित करने के लिए एनकैप्सुलेटेड बायोडिग्रेडेबल पॉलिमेरिक नैनो कणों और कुछ कीमोथेरेपीटिक दवाओं या एंटीकेंसर पेप्टाइड्स के साथ इसकी संभावित सहक्रिया, प्रोफेसर। हरपाल सिंह, –––––––, 80 लाख रुपए, स्वास्थ्य मंत्रालय विभाग (डीएचआर)।
6. जलने की चोट और आघात देखभाल के लिए कृत्रिम त्वचा (जैव–प्रेरित द्वि–परत बहुलक संकर स्केफोल्ड), वीणा कौल, अमित डिंडा, मनीष सिंघल, 220.00 लाख रुपए, आईएमपीआरआईएनटी।
7. क्रोनिक घावों के लिए जैव–नैनो समग्र स्केफोल्ड का निर्माण और मूल्यांकन, वीणा कौल, अमित के डिंडा, नीतू सिंह, जयंत भट्टाचार्य, 55.00 लाख रुपए, डीएसटी नैनो मिशन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 25 **सार : 24**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

संकाय

डॉ. अमित मेहंदीरत्ता को ई.के. इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम) 2017, होनोलूलू, एचआई, यूएसए की 25 वीं कार्यवाही पर जवोइस्की पुरस्कार प्रदान किया गया।

छात्र

नेहा सिंह को जनवरी, 2018 में भारत क्षेत्रीय विजेता के लिए एरिक्सन इनोवेशन अवॉर्ड 2018 मिला।
नेहा सिंह को विज्ञान दिवस, आईआईटी दिल्ली, फरवरी, 2018 के दौरान पोस्टर अवॉर्ड मिला।
पीएचडी छात्र **श्री अनूप कांत गोडियाल** टेक प्लांन्टर एवॉर्ड, लीव ए नेस्ट कंपनी यूके की ओर से दिया गया।

देशपांडे, एस ने माउंट स्नो वेस्ट डोवर, वरमोंट में 18–23 जून 2017 के बीच जीआरसी–कैंसर नैनो टेक्नोलॉजी में भाग लेने के लिए गॉर्डन रिसर्च कॉन्फ्रेंस 'जीआरसी कार्ल स्टॉर्म इंटरनेशनल डाइवर्सिटी (सीएसआईडी) पुरस्कार प्राप्त किया।

पाटिल, **एस** को 25–29 सितंबर 2017 को सीएसएच, न्यूयॉर्क, यूएसए में "कोल्ड स्प्रिंग हार्बर प्रयोगशाला की स्टेम सेल जीवविज्ञान बैठक" में भाग लेने के लिए कोल्ड स्प्रिंग हार्बर मीटिंग्स, एनवाई, यूएसए द्वारा 200 अमेरिकी डॉलर का एक स्टाइपेंड दिया गया था।

पाटिल, **एस** को सीएसएच, न्यूयॉर्क, यूएसए, 25–29 सितंबर 2017 में "कोल्ड स्प्रिंग हार्बर प्रयोगशाला की स्टेम सेल जीवविज्ञान बैठक" में भाग लेने के लिए डीएसटी यात्रा अनुदान से सम्मानित किया गया था।

ध्यानी, वी को हांगकांग विश्वविद्यालय, पोक फु लाम, हांगकांग, 15–19 अक्टूबर 2017 के बीच "पुनरुत्पादक जीवविज्ञान और अनुप्रयोगः सेल विभेद ऊतक संगठन और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (टी 3)'' में भाग लेने के लिए डीएसटी यात्रा अनुदान से सम्मानित किया गया था।

ध्यानी, वी भारतीय विज्ञान संस्थान दिल्ली, नई दिल्ली में, 28 फरवरी 2018 को नेशनल साइंस डे रिसर्च विद्वान संगोष्ठी में ओरल प्रेजेंटेशन के लिए चुना गया "सामग्री की जैविक संपत्ति के हेरफेर के लिए रासायनिक कार्यनीतियां"।

नेहा मेहरोत्रा को पॉलिमर साइंस एंड टेक्नोलॉजी में उन्नतियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "कैंसर थेरेपी के लिए पॉलिमरिक बायोडिग्रेडेबल नैनोकणों का उपयोग करके एंटीकेंसर पेप्टाइड डिलीवरी" द्वारका, नई दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर अवॉर्ड दिया गया।

नेहाटे सी को नैनो टुडे, इंस्टीट्यूट ऑफ बायोइंजिनियरिंग और नैनोटेक्नोलॉजी (आईबीएन), मैटेरियल्स टुडे द्वारा आयोजित 5 वें नैनो टुडे सम्मेलन में दुनिया भर के शीर्ष 25 उम्मीदवारों में से एक के रूप में प्रस्तुत सार तत्वों की योग्यता के आधार पर "नैनो टुडे स्टूडेंट ट्रैवल अवार्ड" हवाई, यूएसए में मिला।

वर्ष 2015–2016 में सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में वैज्ञानिक प्रकाशन के लिए डोगरा एजुकेशनल एंडॉमेंट मेडल 2016–2017 ''एजी एलेक्स" के लिए एजी एलेक्स के लिए "कैंसर थेरेपी में ड्रग और सीआईआरएनए के सह–वितरण के लिए प्रोटीन के साथ स्थिरीकृत दोहरी उत्तरदायी माइकल्स। बायोमेटेरियल्स 2017, 133, 94–106.
जामिया मिलिया इस्लामिया में 11 अप्रैल 2017 को जैव प्रौद्योगिकी और पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "बायोडिग्रेडेबल पॉलिमरिक नैनो कणों का उपयोग करके एंटी–कैंसर पेप्टाइड का वितरण" नामक प्रस्तुति के लिए **नेहा मेहरोत्रा** को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार।

आगंतुक वैज्ञानिक

डॉ शिव कोल्लुरी, एसोसिएट प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज के ओरेगॉन स्टेट यूनिवर्सिटी ने 2 अप्रैल 2017 को "कैंसर थेरेपी के लिए पेप्टाइड्स" नामक एक बातचीत की।

9-5 t\o Hkkfrdh

bUlk ofj"B oKkfud

टी. पी. सिंह

vkpk;l ,o v/;{k

पुनीत कौर

vkpk;l

सविता यादव | सुजाता शर्मा

lg&vkpk;l

शर्मिष्ठा डे | जी हरीप्रसाद राव

lgk;d vkpk;l

इथायाथुल्ला ए.एस. | कृष्णा कुमार इनामपुडी | सरोज कुमार

oKkfud

आशा भूषण | एस. भास्कर सिंह

मनोज कुमार | उद्दीपन दास

fof'k"Vrk,i

इस वर्ष विभाग के पास बाहय अनुदानों द्वारा वित्तपोषित 22 से अधिक जारी अनुसंधान परियोजनाएं हैं। जैव भौतिकी विभाग में अनुसंधान, आण्विक आधारित जैविक प्रक्रिया का निर्धारण करने , तर्कसंगत संरचना के द्वारा दवा की डिजाइन तथा नए विशिष्ट बायोमार्कर की खोज से संबंधित है। विभाग प्रोटीन और छोटे अणु क्रिस्टल, चिकित्सा जैव सूचना विज्ञान, प्रोटीन अनुक्रमण और पेप्टाइड संश्लेषण, प्रोटियोमिक्स और गतिशील प्रकाश प्रकीर्णन पर डेटा संग्रह के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। विभाग को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार से उच्चतर शैक्षिक संस्थानों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मूल संरचना के सुधार अनुदान में (एफआईएसटी) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सुधार के लिए निधि प्राप्त हुई, जो पिछले वर्ष में जारी की गई है। पिछले वर्ष में संकाय एवं वैज्ञानिकों ने विभिन्न समकक्ष समीक्षित पत्रिकाओं में 31 अनुसंधान प्रकाशित किए। विभाग में वर्तमान एम. एससी, पीएच. डी एवं एम डी छात्रों को स्नातकोत्तर शिक्षा एवं अल्पावधि तथा दीर्घावधि प्रशिक्षण देना जारी रखा गया है। देश के सभी भागों में संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों को व्याख्यान एवं सेमिनारों में आमंत्रित किया गया था और उनके द्वारा 33 व्याख्यान दिए गए हैं।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

विभाग के संकाय एवं वैज्ञानिक, पीएच–डी डिग्री, एम एससी (जैव भौतिकी) एवं एम. डी. (जैव भौतिकी) के छात्रों को शिक्षण एवं मार्गदर्शन दे रहे हैं। स्नातकोत्तर अध्यापन में सैद्धांतिक कक्षाएं, हैंड्स–ऑन प्रायोगिक कक्षाएं तथा शोध प्रबंध परियोजनाएं सम्मिलित हैं।

अल्पावधिक एवं दीर्घावधिक प्रशिक्षण

यह विभाग विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के एम एससी एवं एम टेक के छात्रों को दीर्घावधिक एवं अल्पावधिक प्रशिक्षण भी देता है।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

टी. पी. सिंह : 4 **हरीप्रसाद जी. : 3** **सरोज कुमार : 2**

सविता यादव : 2 ए. एस. इथायाथुल्ला : 1 ज्योतिर्मोय बनर्जी : 2

शर्मिष्ठा डे : 7 के. के. इनामपुडी : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 27

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पेप्टीडोग्लायकैन रिकग्निशन प्रोटीन (पीआरपी), पेप्टीडायल टीआरएनए–हाइड्रोलेस, डायहाइड्रोडिपिकोलाइनेट सिंथेस (डीएचडीपीएस), डायहाइड्रोपिकोलिनेट रिडक्टेस (डीएचडीपीआर) और फोस्फोलिपेस ए2 का संरचनात्मक अध्ययन, टी. पी. सिंह, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, 5 वर्ष, 2014–2019, 25 लाख रुपए।
2. विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मूल संरचना में सुधार के लिए निधि, पुनीत कौर, डीएसटी, 6 वर्ष, 2012–2018, 300 लाख रुपए।
3. पेन–जीनोम का विकास और टायफॉइडल साल्मोनेला एंटेरिका के लिए नए दवा लक्ष्यों की ज्ञान आधारित पहचान दवाओं की खोज के लिए एक जीनोमिक दृष्टिकोण, पुनीत कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2018, 52.7 लाख रुपए।
4. एम्स में जैव चिकित्सा सूचना सुविधा, पुनीत कौर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2013–2018, 100 लाख रुपए।
5. संरचना आधारित डिजाइन और नए एंटीट्यूमर हिटेरो एरिनेंथ्रोकेनेडियंस का संश्लेषण, पुनीत कौर, डीएसटी–आरएफबीआर, 2 वर्ष, 2017–2019, 24.4 लाख रुपए।
6. एएमआईआर–पेपकिट आईवीडी : तीव्र मायोकार्डियल इंफारक्शन रोगियों में घातक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का शीघ्र पता लगाने के लिए पेप्टाइड आधारित – डायग्नोस्टिक किट आर एवं डी सविता यादव, सीईएफआईपीआरए – बाइरैक, 2 वर्ष, 2016–2018, 39 लाख रुपए।
7. थूक में प्रोटियोमिक सिग्नेचर की भूमिका की खोज करना : डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए गैर इनवेसिव निदान उपकरण की ओर कदम, सविता यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016 – 2019, 36 लाख रुपए।
8. ग्रीवा के कैंसर का जल्दी पता लगाने के लिए सैलाइवरी प्रोटियोमिक मार्करों की मान्यता, सविता यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 7.2 लाख रुपए।
9. मानव स्वास्थ्य पर गैर– आयोनाइजिंग इलेक्ट्रॉमैग्नेटिक फील्ड (ईएमएफ) का प्रभाव, सविता यादव, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017–2022, 61 लाख रुपए।
10. पेप्टिडाइल टी आरएनए–हाइड्रोलेज के खिलाफ नोवल एंटीबैक्टीरियल एजेंटों के विकास के लिए तर्कसंगत संरचना आधारित लाइगैंड डिजाइन, मल्टीड्रग प्रतिरोधी बैक्टीरिया से एक दवा लक्ष्य, *एसिटोबैक्टर बुमन्नी,* सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017 – 2020, 68 लाख रुपए।
11. पार्किसंस और अल्जाइमर रोग में चयनित आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों के संभावित एंटी–ऑक्सीडेंट प्रभाव, शर्मिष्ठा डे, आयुष, 3 वर्ष, 2015–2018, 20 लाख रुपए।
12. सीरम सिर्टुइन स्तर का मूल्यांकन और पार्किंसंस रोग में ट्यूबुलिन, सिनुक्लेइन ऑलिगॉमर के साथ उनका सहसंबंध, शर्मिष्ठा डे, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016 – 2019, 30 लाख रुपए।
13. अल्जाइमर रोग हेतु संभावित प्रोटीन मार्कर के रूप में हाइपोक्सिया इन्ड्यूसिबल प्रोटीन (एचआई 95) के की संभावना का अध्ययन, शर्मिष्ठा डे, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 10 लाख रुपए।
14. शाइजोफ्रेनिया और पार्किंसंस रोग की डोपामिन से नियंत्रित स्थितियों में प्रोटीन की पहचान के लिए सीएसएफ की प्रोटियोमिक्स, हरिप्रसाद जी, डीएसटी, 4 वर्ष, 2014 – 2018, 33 लाख रुपए।
15. प्रारंभिक स्तन कैंसर में एक्सजीलेरी सेंटीनेल लिम्फ नोड ऊतकों के प्रोटियोमिक्स : सर्जिकल हस्तक्षेप का मार्गदर्शन करने के लिए बायोमार्कर की पहचान के लिए इंप्लीकेशन, हरिप्रसाद जी, एम्स, 2 वर्ष, 2018–2020, 9.8 लाख रुपए।
16. संरचनात्मक आधारित दवा–डिजाइन : साल्मोनेला टाइफी के विरुद्ध नई दवा के लक्ष्य के रूप में हिस्टीडाइन बायोसिंथेसिस पाथवे प्रोटीन एचआईएसएफ / एचआईएसएच; ए. एस. इथायाथुल्ला, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2017, 4.8 लाख रुपए।
17. साल्मोनेला एंटेरिका से बैक्टीरिया सेल डिवीजन प्रोटीन एफटीएसजेड के संरचनात्मक और जैव भौतिकी लाक्षणीकरण : एंटीमाइक्रोबायल दवा लक्ष्य, ए. एस. इथायाथुल्ला, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016 – 2019, 33 लाख रुपए।
18. संरचनात्मक आधारित दवा–डिजाइन : सल्मोनेला टाइफी के खिलाफ नए दवा लक्ष्य के रूप में हिस्टिडाइन बायोसिंथेसिस पाथवे प्रोटीन एचआईएसएफ / एचआईएसएच, कृष्णा के इनामपुडी, एम्स, 2 वर्ष, 2016 – 2018, 9.8 लाख रुपए।

19. साल्मोनेला एंटेरिका से बैक्टीरिया सेल डिवीजन प्रोटीन एफटीएसजेड के संरचनात्मक और जैव भौतिकी लाक्षणीकरण : एंटीमाइक्रोबायल दवा लक्ष्य, कृष्णा के इनामपुडी, डीएसटी, 4 वर्ष, 2017 – 2020, 50 लाख रुपए।
20. एफटीआईआर इमेजिंग द्वारा स्तन कैंसर की प्रगति में संभावित भूमिका को समझने के लिए फाइब्रोब्लास्टस का लाक्षणीकरण, सरोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 9.8 लाख रुपए।
21. टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी के रोडेंट पायलोकार्पाइन मॉडल में ग्लूटोमेटेर्जिक एक्साइटेटरी न्यूरोट्रांसमिशन के क्षेत्र विशिष्ट परिवर्तनों को स्पष्ट करना, ज्योतिर्मोय बनर्जी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018–2021, 61 लाख रुपए।
22. बहु–दवा प्रतिरोध का मुकाबला करने के लिए एंटी–टीबी दवा के विकास के लिए एक नई दवा लक्ष्य शिकिमेट काइनेस के खिलाफ लीड यौगिकों की पहचान, मनोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 9.6 लाख रुपए।

पूर्ण

1. क्रॉसब्रेड बैल में बांझपन : प्रजनन क्षमता के शुरुआती पूर्वानुमान के लिए शुक्राणु कोशिका मार्करों की खोज, सविता यादव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, 5 वर्ष, 2012–2017, 96 लाख रुपए।
2. हल्की बोधात्मक क्षति (एमसीआई) और अल्जाइमर रोग (एडी) के लिए संभावित चिकित्सीय लक्ष्य के तौर पर सिरटुइन के विशिष्ट पेप्टाइड एक्टिवेटर की डिजाइन, शर्मिष्ठा डे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–18.
3. एमिनो एसिड अनुक्रम का निर्धारण और समूह 3 फॉस्फोलाइपेस ए2 की त्रि–आयामी संरचना, हरीप्रसाद जी, डीएसटी, 2 वर्ष, 2005–2007, 3.5 लाख रुपए।
4. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी हेतु रिस्पोंडर्स एवं नॉन–रिस्पोंडर्स की प्रोटीन प्रोफाइल को समझने के लिए अण्डाशय कैंसर ऊतक का तुलनात्मक प्रोटियोमिक विश्लेषण, हरीप्रसाद जी, एम्स, 2 वर्ष, 2013–15, 4.9 लाख रुपए।
5. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी हेतु रिस्पोंडर्स एवं नॉन–रिस्पोंडर्स की प्रोटीन प्रोफाइल को समझने के लिए अण्डाशय कैंसर ऊतक का तुलनात्मक प्रोटियोमिक विश्लेषण, हरीप्रसाद जी, एम्स, 4 वर्ष, 2008–2012, 18 लाख रुपए।
6. विकास कारक – 1 जैसे इंसुलिन के संयुक्त प्रभाव का मूल्यांकन, कार्डियक प्रोजेनिटर स्टेम कोशिकाओं पर वृद्धि विकास कारक–बीटा और फाइब्रोब्लास्ट विकास कारक–2 का मूल्यांकन करना, हरिप्रसाद जी, एम्स (आंतरिक) , 2 वर्ष, 2015 – 2017, 9.8 लाख रुपए।
7. संरचनात्मक आधारित दवा डिजाइन : *साल्मोनेला टाइफी* के विरुद्ध नई दवा के लक्ष्य के रूप में हिस्टीडाइन बायोसिंथेसिस मार्ग प्रोटीन एचआईएसएफ / एचआईएसएच; ए. एस. इथायाथुल्ला, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 4.8 लाख रुपए।
8. पेप्टाइडिल टीआरएनए हाइड्रोलेज (पीटीएच) : गैर हाइड्रोलिसेबल पेप्टाइडिल टीआरएनए के साथ पीटीएच की संरचना और कार्यात्मक तंत्र, कृष्णा के इनामपुडी, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बैक्टीरियल पेप्टीडॉग्लीकैन पाथवे से प्रोटीनों के आणविक विश्लेषण और जैव भौतिक लाक्षणीकरण।
2. एस. टाइफी से दवा प्रतिरोधी प्रोटीन के लिए रोगाणुरोधी अणुओं का विकास।
3. मुर प्रोटीन के संरचनात्मक लाक्षणीकरण।
4. एस. टाइफी के लिए जीनोम विश्लेषण और लक्ष्य की पहचान।
5. पार्किन्सन रोग और इसी के लिए पेप्टाइड अवरोधक के डिजाइन के लिए एक प्रोटीन मार्कर का विकास।
6. सिर और गले स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एचएनएससीसी) और नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) प्रोपोसिंग थैरेप्यूटिक लक्ष्य में सीरम प्रोटीन मार्कर के रूप में सेल संकेतन अणुओं का मूल्यांकन।
7. न्यूरोडिजनरेटिव रोगों और इसके चिकित्सकीय निहितार्थ में सेस्ट्रिन की भूमिका।
8. टाउ प्रोटीन की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति और शोधन।
9. पी53 वाई220सी उत्परिवर्ती के संरचनात्मक और जैव भौतिक विशेषता।
10. टीपी53 और इसकी अभिव्यक्ति के वाई220सी कोर डोमेन उत्परिवर्तन पर कर्क्यूमिन के प्रभाव का अध्ययन करना।
11. बीसीआर – एबीएल काइनेस में उत्परिवर्तन और उत्परिवर्तन लचीले अवरोधक के डिजाइन के कारण सीएमएल में इमैटिनिब और संबंधित दवाओं के प्रतिरोध के कंप्यूटेशनल विश्लेषण।
12. ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ दवा विकास के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने हेतु गैर–हाइड्रोलिसेबल पेप्टाइडिल टीआरएनए परिसर बनाने द्वारा पेप्टाइडिल टीआरएनए हाइड्रोलेस द्वारा ट्रांसलेशनल बचाव प्रणाली की संरचनात्मक और कार्यात्मक विशेषता।
13. फेफड़ों के कैंसर के लिए उपचार हेतु मानव एसईजीएफआर के लिए डीएनए एपटामर्स की पहचान।

14. कंप्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन का उपयोग कर एसईजीएफआर के लिए पेप्टाइड अवरोधक की डिजाइनिंग और सत्यापन।
15. रक्त, मूत्र और लार की प्रोटियोमिक और लिपिडोमिक रूपरेखा का उपयोग करके पार्किसंस रोग रोगजनकता की बायोमार्कर आधारित समझ।
16. औषधीय पौधों को निकालने से सीरिन रेसमेज़ अवरोध की विशेषता।
17. जैविक संरचनाओं में असंगठित प्रोटीन : मानव दांत का मामला।
18. बीसीआर – एबीएल काइनेस में उत्परिवर्तन और उत्परिवर्तन लचीले अवरोधक के डिजाइन के कारण सीएमएल में इमैटिनिब और संबंधित दवाओं के प्रतिरोध के कंप्यूटेशनल विश्लेषण।
19. कंप्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन का उपयोग कर एसईजीएफआर के लिए पेप्टाइड अवरोधक की डिजाइनिंग।
20. फेफड़ों के कैंसर के उपचार हेतु मानव एसईजीएफआर के विरूद्ध डीएनए एपटामर्स की पहचान।

पूर्ण

1. भारतीय आबादी में एचएनएससीसी की प्रगति में एनएफकेबी 1 और एनएफकेबी 1 ए का महत्व।
2. एंटीबायोटिक प्रतिरोधी रोगजनकों के खिलाफ रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स के डिजाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन।
3. मानव कैंसर में एंटी–एपोप्टोटिक Δएनपी73 का कार्यात्मक अध्ययन।
4. मानव कैंसर में पी53 मिसेंस उत्परिवर्तन के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन।
5. पेप्टाइडिलटीएनए हाइड्रोलेज (पीटीएच) : गैर हाइड्रोलिसेबल पेप्टाइडिल टीआरएनए के साथ पीटीएच की संरचना और कार्यात्मक तंत्र।
6. ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ दवा विकास के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने हेतु गैर–हाइड्रोलिसेबल पेप्टाइडिल टीआरएनए कॉम्प्लेक्स बनाने द्वारा पेप्टाइडिल टीआरएनए हाइड्रोलेस द्वारा ट्रांसलेशनल बचाव प्रणाली की संरचनात्मक और कार्यात्मक विशेषता।
7. फेफड़ों के कैंसर के लिए उपचार हेतु मानव एसईजीएफआर के लिए डीएनए एप्टामर्स की पहचान।
8. कंप्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन का उपयोग कर एसईजीएफआर के लिए पेप्टाइड अवरोधक की डिजाइनिंग और सत्यापन।
9. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति, शिकीमेट काइनेज का शुद्धिकरण और डिजाइन किए गए अवरोधकों के साथ इसके बंधन का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एस. टाइफी के विरूद्ध अवरोधकों के नए लक्ष्यों और विकास की पहचान, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
2. मानव मौखिक कैंसर कोशिका लाइन पर कुछ चयनित पौधों और उनके आण्विक लक्ष्य की कैंसर विरोधी गतिविधियों की जांच, जैव प्रौद्योगिकी।
3. भारत के लोंगिट्यूडल एजिंग स्टडीज (एलएएसआई) के लिए डिमेंशिया (डीएडी) के हार्मोनाइज्ड डायग्नोस्टिक आकलन, जरा चिकित्सा।
4. एपिलेप्सी अनुसंधान फेज – 1 के लिए उत्कृष्टता केंद्र, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली और राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर।
5. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (एमटीएलई) से जुड़े काइन्यूरेनिक एसिड, हाइपरेक्ससिटिबिलिटी में ग्लूटामेट रिसेप्टर अवरोधक की भूमिका, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
6. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी में हिस्टोन डेसिटाइलेस (एचडीएसी) की भूमिका का समझना, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
7. मेसियल अस्थायी लोब मिर्गी में काइनेस 2 की भूमिका को समझना, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
8. दुसाध्य मिर्गी में मल्टीफासिटेड काइनेज सीडीके5 की भूमिका को समझना, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एन.बी.आर.सी.), मानेसर।

पूर्ण

1. आयु बढ़ने के मार्कर के रूप में सीरम में नए इंट्रासेल्युलर प्रोटीनों का मूल्यांकन, जरा चिकित्सा।
2. वृद्ध भारतीयों में कैंसर : व्यापक कार्यात्मक मूल्यांकन और एक बायोमार्कर के लिए एक उपकरण का विकास, जरा चिकित्सा।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 28 **सार : 3** **पुस्तकों में अध्याय : 1**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य टी. पी. सिंह ने 20 दिसंबर 2017 को अलागप्पा विश्वविद्यालय, करियाकुडी के 30वें सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में संबोधन दिया; बायोटेक रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया (बीआरएसआई) के अध्यक्ष के रूप में चुने गए; बायो–इंफॉर्मेटिक्स एंड ड्रग डिजाइन सोसायटी (बीआईडीडीएस) के अध्यक्ष के रूप में चुने गए।

डॉ शर्मिष्ठा डे को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (2016) द्वारा प्रोफेसर सुरिंदर मोहन मारवा पुरस्कार प्राप्त हुआ और अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली (2016) द्वारा अ.भा.आ.सं. उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. सरोज कुमार का कार्य लाइटसोर्स में प्रकाशित किया गया है : शोध दल ने कैंसर की प्रगति में शामिल नए मार्करों की पहचान किया है : *www.lightsource.ca/news/details/research_team_identifies_new_markers_involved_in_cancer_progression.html*

डॉ. ज्योतिर्मोयी बनर्जी को मार्च 2018 (भूमिका : सह–प्रधान अन्वेषक) में *भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार* से ''एडवांस्ड एपिलेप्सी रिसर्च : ए मल्टीडिसिप्लिनरी एप्रोच'' नामक अनुदान पुरस्कार; *जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार* (भूमिका : सह–प्रधान अन्वेषक) से ''सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एपिलेप्सी रिसर्च फेज 2'' नामक अनुदान पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. एम. किनी, सिंगापुर
2. डॉ. आर. अहमद, नॉर्वे
3. डॉ. आर. बत्रा – सेफर्लिंग, जर्मनी
4. डॉ. बी. गोपाल, बेंगलुरू
5. डॉ. डी.वेलमुरूगन, चेन्नई

9-6 t\o lkf[;dh

vkpk;l ,o v/;{k

आर. एम. पाण्डे

vkpk;l

एस. एन. द्विवेदी वी. श्रीनिवास

lg&vkpk;l

मारूफ ए. खान

oSKkfud

एम. कलाइवानी

fof'k"Vrk,

विभाग ने संकाय / रेजीडेंट और संस्थान में पीएच.डी. छात्रों के लिए जैव सांख्यिकी के विभिन्न पहलुओं पर तीन सौंपी गई कार्यशालाएं आयोजित की। संकाय और वैज्ञानिक के पास 1,00,133 जारी सहयोगी शोध परियोजनाएं थीं और संस्थानों के विभिन्न केंद्रों / विभागों के साथ 46 सहयोगी शोध परियोजनाओं को पूरा कर चुके थे। विभागीय शोध परियोजनाओं में तीन जारी बाह्य अनुदान निधि शोध परियोजनाएं और एक पूर्ण परियोजना शामिल है। विभाग में संकाय और वैज्ञानिक के पास विभिन्न सहकर्मी समीक्षा चिकित्सा पत्रिकाओं में 143 शोध प्रकाशन थे; देश में लगभग सभी प्रमुख चिकित्सा पत्रिकाओं और विभिन्न चिकित्सा विशेषताओं से कई अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं के लिए समीक्षक बने रहे; संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक और वैज्ञानिक समितियों पर कार्य किया गया; आईसीएमआर, डीबीटी, डीएसटी, आयुष के विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के सदस्यों को आमंत्रित किया गया; कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्लिनिकल परीक्षणों की डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी) पर कार्य किया; देश में विभिन्न संस्थानों / विश्वविद्यालयों में आमंत्रित व्याख्यान दिया; और देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. शोध के लिए परीक्षकों के रूप में कार्य किया।

शिक्षा

विभाग स्नातक पूर्व, पैरामेडिकल एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अर्थात् एम बी बी एस, मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोलॉजी में बी एससी (ऑनर्स), एम बायोटेक, बी एससी, एम एससी नर्सिंग तथा एम डी कॉम्युनिटी मेडीसिन हेतु बायोस्टेटिक्स एवं एसेंशिएल्स ऑफ रिसर्च मेथड्स' शिक्षण का कार्य कर रहा है। विभाग संस्थान के रेजीडेंट के लिए अनुसंधान क्रियाविधि, लेखन और संचार कार्यशालाओं के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाता है, यह अनिवार्य पांच दिन का पाठ्यक्रम है। अनुरोध करने पर, संकाय सदस्यों ने रेजीडेंटों और पीएच डी छात्रों के लिए व्याख्यान दिए एवं संस्थान में विभिन्न केंद्रों / विभागों में विभागीय वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरणों में भाग लिया। विभाग में पी एच डी छात्रों को मार्गदर्शन देने के अतिरिक्त संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने सह – मार्गदर्शक और पीएच डी, डी एम, एम सीएच, एम डी / एम एस छात्रों की डॉक्टरल समिति सदस्यों के रूप में संस्थान के अन्य विभागों की शैक्षिक गतिविधियों में योगदान दिया। साथ ही, विभागीय संकाय और वैज्ञानिकों ने पूरे देश में विभिन्न राष्ट्रीय कार्यशालाओं / सम्मेलनों में अनुसंधान विधि और जैव सांख्यिकी पर विभिन्न कार्यशालाओं में 46 आमंत्रित व्याख्यानों को दिया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

आर. एम. पाण्डे : 9

एस. एन. द्विवेदी : 6

वी. श्रीनिवास : 11

एम. कलाइवानी : 4

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

हाथ के पंजों के लिए टेंडन हस्तांतरण प्रक्रियाओं के अनुपालन के लिए तीन सप्ताह के स्थिरीकरण की तुलना में तीव्र सक्रिय लामबंदी के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए बहुकेंद्रीय परीक्षण (डेटा समन्वय और निगरानी अध्ययन), वी श्रीनिवास, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2015–2018, 21.22 लाख रुपए।

1. भारत में क्रोहन रोग : एक देश से एक बहु केंद्रीय अध्ययन जहां क्रोहन रोग के साथ ही आंत के ट्यूबरकुलोसिस स्थानिक है (डेटा समन्वय और निगरानी अध्ययन), श्रीनिवास वी, डीएचआर, 3 वर्ष, 2016–2019, 27.99 लाख रुपए।
2. भारत में पांच बच्चों की मृत्यु दर पर भौगोलिक स्वास्थ्य असमानताओं का प्रभाव, एमए खान, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 15.93 लाख रुपए।

पूर्ण

1. मधुमेह यकृत रोग अंतर्निहित : तीव्र और जीर्ण यकृत रोग के लघुवधि परिणाम पर मधुमेह के प्रभाव का पता लगाने के लिए परस्पर अनुभागीय बहु–केंद्रित अध्ययन, वी. श्रीनिवास, पश्चिम बंगाल लीवर फाउंडेशन के माध्मय से ब्रिस्टल मायर्स स्क्विब फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2014–2017, 10.8 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. स्तन कैंसर के उपचार में नियो–एडजुवेंट कीमोथेरेपी : प्रणालीगत समीक्षा और मेटा विश्लेषण।
2. भारत में किशोरावस्था में तम्बाकू एल्कोहल का उपयोग – डेटा संग्रह विधियों का मूल्यांकन और संबंधित कारकों की मॉडलिंग।
3. मौखिक कैंसर रोगियों के बीच लिम्फ नोड भागीदारी और स्थानीय पुनरावृत्ति के जुड़ाव कारक : जैव सांख्यिकीय संबंधी।
4. उत्तरी भारत में बच्चों में अस्थमा बारम्बार के बिगड़े हुए लक्षणों और लंबे समय तक नियंत्रित करने के लिए सांख्यिकीय मॉडल की तुलना।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. एम्स – इरास्मस कोहोर्ट अध्ययन : स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए एक जनसंख्या आधारित भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक विपरीत सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, तंत्रिका विज्ञान।
2. बाल्यावस्था नेफ्रोटिक संलक्षण में वृक्क पेथोजेनेसिस पर फ्लुराइड विषाक्तता की भूमिका : अल्ट्रा संरचनात्मक, जैवरसायन एवं प्रोटियोमिक अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान।
3. मानव ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं के प्रवास पर हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान।
4. उत्तरी भारत में बच्चों में अस्थमा के बारम्बार के बिगड़े हुए लक्षणों और लंबे समय तक नियंत्रित करने के लिए सांख्यिकीय मॉडल की तुलना, जैव सांख्यिकी।
5. अल्जाइमर रोग में टाउ के हाइपरफोस्फोरीलेशन में शामिल संभावित मॉड्यूलेटर लक्षित मार्गों का अध्ययन, जैव भौतिकी।
6. सीरम प्रोटीन मार्कर का विकास और अल्जाइमर रोग के लिए संभावित न्यूजलेटर का उपयोग करके एंटीऑक्सीडेटिव प्रभाव का अध्ययन, जैव भौतिकी।
7. एचएनएससीसी में मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन–जी की मध्यस्थता और इसका उपचारात्मक प्रभाव, जैव भौतिकी।
8. दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में चयनित नर्सिंग स्टाफ के बीच तनाव और व्यावसायिक गुणवत्ता पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव – एक छोटे पैमाने के चरण–2 परीक्षण, सामुदायिक काय चिकित्सा।
9. पोस्ट – पीसीआई रोगियों में योग आधारित कार्डियक पुनर्वास की प्रभावशीलता : एक संभावित यादृच्छिक, खुले – लेबल, ब्लाइंडेड एंड–पॉइंट परीक्षण, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र।

10. ब्रिजिंग उपचार के साथ और इसके बिना एंटी मुंह के रास्ते कोएगुलेंट लेने वाले रोगियों में खून बहाव के निष्कर्षण की जटिलता के पश्चात तुलना : एक प्रायोगिक अध्ययन, दंत चिकित्सा।
11. वृद्ध भारतीयों में ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन का अध्ययन, जराचिकित्सा।
12. बुजुर्ग वयस्कों में अनुभूति का अध्ययन, जेरियाट्रिक मेडिसिन।
13. हल्के व्यवहार संबंधी हानि में नैदानिक जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल, जेरियाट्रिक मेडिसिन।
14. मेमरी क्लिनिक में भाग लेने वाले रोगियों में गति और संतुलन मूल्यांकन, जेरियाट्रिक मेडिसिन।
15. भारत में एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल की स्थापना में फ्रेजाइल क्लिनिक में भाग लेने वाले बड़े वयस्कों के व्यापक जेरियाट्रिक के मूल्यांकन, जेरियाट्रिक मेडिसिन।
16. भारत में अनुदैर्ध्य वृद्धों के अध्ययन हेतु डेमेंशिया (डीएडी) का हार्मोनाइज्ड नैदानिक आकलन (एलएएसआई), जेरियाट्रिक मेडिसिन।
17. वृद्धों भारतीयों में मुख्य ऑर्थोपीडिक सर्जरी के परिणाम पर दोष और जेरियाट्रिक सिंड्रोम का प्रभाव, जेरियाट्रिक मेडिसिन।
18. कैंसर रोगियों में ऑन्कोलॉजिकल दर्द के प्रबंधन में स्रेम्ब्लेर थैरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, आईआरसीएच।
19. स्तन कैंसर के आनुवंशिक पहलू से संबंधित भारतीय स्तन कैंसर रोगियों की जागरूकता और ज्ञान, आईआरसीएच।
20. न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी के नैदानिक उपभेदों की आनुवंशिकी जनसंख्या और इसके नैदानिक महामारी विज्ञान का अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
21. एचआईवी/एड्स वाले रोगियों में आंतों परजीवी सह–संक्रमण और सीडी 4 गिनती पर इसके प्रभाव, सूक्ष्मजीव विज्ञान।
22. दिल्ली एवं आस–पास के क्षेत्र में रेडियोलेबल्ड एंटी सीडी20 ऐंटीबॉडीस 131 आयोडीन रेटुजीमेब / 90 की चिकित्सीय प्रतिक्रिया का निर्धारण, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
23. दिल्ली एवं आस–पास के क्षेत्र में तीव्र बैक्टीरिएल मेनिनजाइटाइड्स के केसों से पृथक नीसेरिया मेनिनजाइटाइड्स का आण्विक लाक्षणीकरण, सूक्ष्मजैव विज्ञान।
24. उत्तर भारत में गैर–टाइप–योग्य हेमोफिलस इन्फ्लूएंजा (एनटीएचआई) की फीनोटाइपिक और जीनोटाइपिक लक्षणीकरण, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
25. फंक्शनल मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) का उपयोग करके चिरकारी दुःसाध्य मिरगी में संज्ञान एवं जीवन गुण का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान।
26. पार्किंसन रोग में ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन की भूमिका की जांच, तंत्रिका विज्ञान।
27. भारत में कोहोर्ट अध्ययन आधारित जनसंख्या के लिए अंग्रेजी और हिंदी में प्रश्नावली आधारित साक्ष्य की डिजाइनिंग और सत्यापन, तंत्रिका विज्ञान।
28. शहरी दिल्ली में रहने वाले 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में मस्तिष्क सूक्ष्म रक्तस्राव के फैलाव और निर्धारक : जनसंख्या आधारित पार अनुभागीय अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान।
29. 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों में मस्तिष्क एमआरआई पर आकस्मिक निष्कर्षों का प्रचलन : जनसंख्या आधारित पार–अनुभागीय अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान।
30. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में विभिन्न चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रोस्कॉपिक पद्धतियों की भूमिका, एनएमआर।
31. एनएमआर का उपयोग कर पार्किंसन रोग में बायोमार्करों की पहचान, एनएमआर।
32. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर का मेटाबोलोमिक्स अध्ययन, एनएमआर।
33. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर।
34. रेडियोआयोडिन (131 आई–एनए) थैरेपी करवा रहे बच्चों और युवा व्यस्कों में अलग अलग थायराइड कैंसर के साथ डोसिमेट्रिक अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा।
35. माइक्रोन्यूक्लिाई अमापनों का उपयोग करके हाइपरथायराइड रोगियों में कम खुराक 131 आई थेरेपी की साइटोजेनेटिक विषाक्तता पर अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा।
36. 177 एलयू डीओटीए – टीएटीई सहित न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमरों की रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी में डोसीमेट्रिक अध्ययन, नाभिकीय चिकित्सा।
37. नर्सिंग में व्यावसायिकता की अवधारणा का अध्ययन करना, इसके संबंध और नर्सिंग शिक्षा के लिए व्यावसायिकता में पाठ्यक्रम का एक मॉडल ढांचा तैयार करना, नर्सिंग कॉलेज।
38. एक्यूट लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया (एएलएल) के साथ भारतीय बच्चों में कीमोथेरेपी शामिल करने के लिए प्रस्तुति और प्रतिक्रिया में प्रोग्नोस्टिक पैरामीटरों के साथ आईकेजेडएफ – 1 जीन परिवर्तन का संघ और साइटोकाइन रिसेप्टर जैसे कारक 2 (सीआरएलएफ – 2) की अभिव्यक्ति, बाल चिकित्सा विज्ञान।

39. इंडक्शन के अंत में फ्लो साइटोमेट्री द्वारा बी – कोशिका लाइनेज़ तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया में अल्पतम अवशिष्ट रोग (एम आर डी) की पहचान, बाल चिकित्सा विज्ञान।
40. पोस्ट ट्रांसप्लांट डायबिटीज मेलिटस (पीटीडीएम) : एक संभावित अवलोकन अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान।
41. प्रीक्लेम्पसिया वाली महिलाओं में गर्भावस्था की अवधि के दौरान संवहनी कार्यों, बरोरेफ्लेक्स संवेदनशीलता और एंजियोजेनिक कारकों का मूल्यांकन, शरीर क्रिया विज्ञान।
42. स्वस्थ व्यक्तियों में एंडोथेलियल कार्य और जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन, और विभिन्न सोमेटोटाइप वर्गीकरण के साथ उनका संबंध, शरीर क्रिया विज्ञान।
43. माइक्रो वेस्कुलर एन्जाइना में वेस्कुलर कार्य और दर्द संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना, शरीर क्रिया विज्ञान।
44. स्तन कैंसर के रोगियों में आणविक मापदंडों सहित प्रोग्नोस्टिक कारकों के पहलुओं की जैव सांख्यिकीय : एक महामारी विज्ञान का मूल्यांकन, विकिरण चिकित्सा।
45. परिधीय धमनी रोग में बायोमार्कर्स, शल्य चिकित्सा।
46. निचले अंगों के परिधीय धमनी रोग के रोगियों में जीवित व्यायाम प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन एवं उनके जीवन गुणवत्ता का मूल्यांकन करना, शल्य चिकित्सा।
47. ऊपरी अंग के लिम्फ एडिमा में स्तन कैंसर सर्जरी के बाद केवल इसकी देखभाल करना तथा इंजेक्शन बैंजाथिन पेनिसिलिन, ऊपरी अंग के व्यायाम और देखभाल बनाम ऊपरी अंग के व्यायाम और देखभाल की दक्षता की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा।
48. पोस्ट ऑपरेटिव दर्द के चूहे मॉडल में रीढ़ की हड्डी के स्तर पर विशिष्ट न्यूरोपेप्टाइडेस की भागीदारी का अध्ययन, (पीएचडी शोध परियोजना), शरीर रचना विज्ञान।
49. मॉर्फिन सहिष्णु चूहे के रीढ़ की हड्डी में चयनात्मक न्यूरोट्रांसमीटर और न्यूरोपैप्टाइड की अभिव्यक्ति, (पीएचडी शोध परियोजना), शरीर रचना विज्ञान।
50. आंत्र संबंधी तंत्रिका तंत्र पर फ्लोराइड के पूर्व और बाद के प्रसव का प्रभाव, (पीएचडी शोध परियोजना), शरीर रचना विज्ञान।
51. मायलोडीस्प्लास्टिक सिंड्रोम में टीईटी2 प्रोटीन की भूमिका (पीएचडी शोध परियोजना), जैव रसायन।
52. मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में कैंसर सेल भेदभाव और ट्यूमर माइक्रोएन्वायर्नमेंट के बीच मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमा एसोसिएशन में कैंसर सेल भेदभाव और ट्यूमर माइक्रोएन्वायर्नमेंट के बीच एसोसिएशन (पीएचडी शोध परियोजना), जैव रसायन।
53. एएमएल के रोगजन्य में टीईटी2 प्रोटीन की भूमिका (पीएचडी शोध परियोजना), जैव रसायन।
54. बुजुर्गों के बीच आर्थिक बोझ, रोकथाम और निमोनिया का नियंत्रण (पीएचडी शोध परियोजना), सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
55. भारत में इन्फ्लूएंजा रोकथाम और नियंत्रण के लिए साक्ष्य आधारित समर्थन को सुदृढ़ करना / बढ़ावा देना (सीडीसी अटलांटा, 2018–2023, 8.1 करोड़ रुपए / प्रति वर्ष), सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
56. भारत में वृद्ध व्यक्तियों के लिए आबादी आधारित इंफ्लुएंजा निगरानी मंचों के नेटवर्क की स्थापना (सीडीसी अटलांटा, 2017–2018, 4.0 करोड़ रुपए / प्रति वर्ष), सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
57. भारत में बच्चों और बुजुर्गों के बीच तीव्र श्वसन नलिका के संक्रमण में श्वसन रोगजनकों का महामारी विज्ञान अध्ययन (पीएचडी शोध परियोजना), सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र।
58. ओपन हार्ट सर्जरी करावा रहे बच्चों में परिणाम पर विटामिन डी पूरक के प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस।
59. ऑपरेशन पश्चात बाल चिकित्सा कार्डियक शल्य चिकित्सा रोगियों में पूरक मां के दूध के साथ प्रारंभिक प्रवेश भोजन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस।
60. एडिपोज व्युत्पन्न स्टेम कोशिकाओं के अलगाव और पुनरावृत्ति के साथ एक संभावित विभाजित चेहरे यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन अकेले ऑटोलॉगस वसा के इंजेक्शन की तुलना में, ऑटोलॉगस वसा बनाम प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा के साथ मिश्रित चेहरे की मात्रा की कमी के लिए विशेष रूप से कठिन विकृति के जरिए टियर (एम्स आंतरिक अनुदान निधि 2017–2019), त्वचा विज्ञान।
61. उत्तरी भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र की उपस्थिति में डर्मोटोफाइटिक संक्रमणों वाले रोगियों की वर्णनात्मक महामारी विज्ञान अध्ययन (एमडी शोध परियोजना), त्वचा विज्ञान।
62. विटाइलिगो में ल्यूकोट्रिकिया के पुनर्निर्माण में गैर – संवर्धित एपिडर्मल सेल निलंबन के साथ गैर–सवंर्धित निकाले गए बाल कूप रूट शीथ सेल निलंबन की प्रभावकारिता की तुलना (एमडी शोध परियोजना), त्वचा विज्ञान।
63. क्लिनिकल जांच रूपरेखा आधारित पेरिऑकुलर हाइपरपिगमेंटेशन वर्गीकृत करने के लिए वर्णात्मक अध्ययन (एमडी शोध परियोजना), त्वचा विज्ञान।
64. ऑटोसोमल रीसेसिव जन्मजात इकिथोसिस में एपिडर्मल सिरामाइड का अनुमान और फीनोटाइप और जीनोटाइप के साथ इसका सह–संबंध (एमडी शोध परियोजना), त्वचा विज्ञान।

65. ऑटोनोमिक तंत्रिका तंत्र असंतुलन का आकलन करने के लिए परस्पर – अनुभागीय अध्ययन और प्रणालीगत स्क्लेरोसिस वाले रोगियों में क्यूटेनियस अभिव्यक्तियों के साथ इसका सह–संबंध (एमडी शोध परियोजना), त्वचा विज्ञान।
66. पीसीओएस के साथ महिला, प्रकार 2 डायबेटिक मेलिटस के परिवार के इतिहास के साथ और के बिना में क्लीनिकल, जैव रसायन, हार्मोनल पारिवारिक विशेषताएं और एफटीओ जीन भिन्नता (पीएच.डी. शोध परियोजना) अंतः स्राविकी।
67. इडियोपैथिक हाइपोपैरियरेडिज्म की जटिलताओं में आण्विक अंतर्दृष्टि (पीएच.डी. शोध परियोजना), अंतः स्राविकी।
68. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म वाले भारतीय रोगियों में ऑटोइम्यून आधार का अन्वेषण (पीएच.डी. शोध परियोजना), अंतः स्राविकी।
69. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायराइडिज्म की विशिष्ट विशेषताएं (पीएच.डी. शोध परियोजना), अंतः स्राविकी।
70. सिरोसिस के रोगियों में हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के निदान में विपरीत वृद्धि अल्ट्रासाउंड की भूमिका और पेरक्यूटेनियस एब्लेशन के बाद ट्यूमर प्रतिक्रिया के आकलन, जठरांत्र विज्ञान।
71. हिपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए की भूमिका, जठरांत्र विज्ञान।
72. क्षणिक इलेस्टोग्राफी, अपरुपण तरंग इलेस्टोग्राफी और सीरम जैव रासायनिक मार्कर का उपयोग करते हुए क्रोनिक लीवर डिजीज के साथ रोगियों में लीवर फाइब्रोसिस का आकलन, (परियोजना विभाग), जठरांत्र विज्ञान।
73. सेलियाक रोग और अन्य एंटरोपैथी वाले रोगियों में विलस की असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर (पीएच.डी. शोध परियोजना), जठरांत्र विज्ञान।
74. भारतीय सेलियाक रोग के रोगियों में ग्लुटेन मुक्त आहार के अनुपालन के आकलन के लिए एक उपकरण का विकास और सत्यापन, जठरांत्र विज्ञान।
75. सेप्सिस में प्रीसेप्सिन के नैदानिक प्रदर्शन का अध्ययन करना – एक प्रायोगिक अध्ययन (डी.एम. शोध परियोजना), काय चिकित्सा।
76. टीबी / एचआईवी सह–संक्रमण में मनोरोग सह–रुग्णता (डी.एम. शोध परियोजना), काय चिकित्सा।
77. सेप्सिस के रोगियों में मृत्यु दर की भविष्यवाणी करने के लिए बायोमार्कर के रूप में एन–टर्मिनल प्रो–बीएनपी और कार्डियक ट्रोपोनिन – 1 की भूमिका (डी.एम. शोध परियोजना), काय चिकित्सा।
78. चिकित्सा वार्ड में नियमित रूप से किए गए आक्रामक प्रक्रियाओं में गुणवत्ता सुधार (डी.एम. शोध परियोजना), काय चिकित्सा।
79. लक्षणों की गंभीरता और दर्द से ग्रस्त रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में योग की प्रभावशीलता मुख्य रूप से चिकित्सकीय अस्पष्ट लक्षण (डी.एम. शोध परियोजना), काय चिकित्सा।
80. एएमएल में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए में परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व (पीएच.डी. परियोजना) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
81. जीन अभिव्यक्ति रूपरेखा और इसका बाल चिकित्सा एएमएल में माइटोकॉन्ड्रियल ऊर्जा चयापचय के साथ सहसंबंध, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
82. मल्टीपल माइलोमा में अस्थि मज्जा सूक्ष्म पर्यावरण की भूमिका, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
83. मल्टीपल मायलोमा में ऑटोलॉगस हिमेटपेप्टिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद बार्टेजोमिक, लेनालिडोमाइड और डेक्सामेथेजोन आधारित समेकन उपचार – ए सिंगल अर्म भावी अध्ययन (एम.डी. शोध परियोजना), चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
84. प्लेटिनम प्रतिरोधी, प्लेटिनम अपवर्तक और उन्नत डिम्बग्रंथि कैंसर में पज़ोपानिब आधारित संयोजन उपचारः एक यादृच्छिक चरण 2 अध्ययन (एम.डी. शोध परियोजना), चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
85. सर्वोत्तम सहायक देखभाल बनाम एर्लोटिनिव बनाम कैपसिटेबिन द्वारा अनारक्षित या मेटास्टेटिक जीबीसी वाले रोगियों में तीन रैम चरण 2/3 आरसीटी (पीएच.डी. शोध परियोजना) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
86. तीव्र जीवाणु मेनिनजाइटिस के निदान के लिए वास्तविक समय पीसीआर का मानकीकरण और सीएनएस में ह्यूमोरल और सेल मध्यस्थ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के सह संबंध। (पीएच.डी. शोध परियोजना) सूक्ष्म जैव विज्ञान।
87. अल्सरेटिव कोलाइटिस में साइटोमेगालोवायरस के लिए मात्रात्मक वास्तविक समय पीसीआर और जीनोटाइपिंग, (पीएच.डी. शोध परियोजना) सूक्ष्म जैव विज्ञान।
88. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कृत्रिम संयुक्त संक्रमण के माइक्रोबियल प्रोफाइल की पहचान करने के लिए प्रवर्धन आधारित डीएनए विश्लेषण की प्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण और भूमिका का परिमाण, (पीएच.डी. शोध परियोजना) सूक्ष्म जैव विज्ञान।
89. हार्डवेयर प्रत्यारोपण के साथ स्वच्छ आर्थोपेडिक सर्जरी से गुजर रहे रोगियों के बीच सर्जिकल साइट संक्रमण में बंडल किए गए हस्तक्षेप की प्रभावशीलता : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
90. एंटीबायोटिक पर्चे पैटर्न और नैदानिक परिणामों पर एमएएलडीआई टीओएफ द्वारा प्रारंभिक जीव की पहचान का प्रभाव (एम.डी. शोध परियोजना), सूक्ष्म जैव विज्ञान।

91. पुरुषों (एमएसएम) के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों में जननांग और अतिरिक्त जननांग अंग में निसारिया गोनोरेहोए का पता लगाना (एम.डी. शोध परियोजना), सूक्ष्म जैव विज्ञान।
92. माइग्रेन में एड–ऑन थैरेपी के रूप में योग का प्रभाव – एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (एम.डी. शोध परियोजना), तंत्रिका विज्ञान।
93. तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक के निदान और लक्षणों में रक्त मार्कर के एक नैदानिक पैनल का विकास (पीएच.डी. शोध परियोजना), तंत्रिका विज्ञान।
94. इस्चेमिक स्ट्रोक वाले भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध के साथ जुड़े आनुवंशिक और नैदानिक कारक (पीएच.डी. शोध परियोजना), तंत्रिका विज्ञान।
95. स्ट्रोक रिकवरी में गहन फिजियोथेरेपी और ट्रांस क्रैनियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन (टीएमएस) की भूमिका पर अध्ययन और हस्तक्षेप और रिकवरी के साथ विकास कारकों के सहसंबंध, तंत्रिका विज्ञान।
96. गैर छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर में प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए पूरे शरीर प्रसार भारित एमआरआई के साथ पूरे शरीर को एफ –18 एफडीजी पीईटी सीटी की गतिशील एफ–18 एफडीजी पीईटी / सीटी प्रोटोकॉल और तुलना का मानकीकरण, नाभिकीय चिकित्सा।
97. यूवाइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में एप्टामेटर्स के बीआरबी ट्रांसपोंडर कार्य और मूल्यांकन को समझना (पीएच.डी. शोध परियोजना), नेत्र भेषजगुण विज्ञान डॉ. रा. प्र. केंद्र।
98. आंखों में खून की बाधाओं में दवाओं के विस्तारित प्रवेश के लिए क्यूएसपीआर मॉडल का विकास करना और मान्य करना, (पीएच.डी. शोध परियोजना), नेत्र भेषजगुण विज्ञान डॉ. रा. प्र. केंद्र।
99. चूहे के हृदय में इस्चेमिक रिपरफ्यूजन चोट के प्रयोगात्मक मॉडल में इंफ्लेमेशन का फार्माकोलॉजिकल मॉड्यूलेशन (एम.डी. शोध परियोजना), भेषजगुण विज्ञान।
100. भारत में उच्च रक्तचाप वाले रोगियों के दवा अनुपालन के आकलन के लिए प्रश्नावली का विकास और सत्यापन (एम.डी. शोध परियोजना), भेषजगुण विज्ञान।
101. प्रारंभिक चरण पार्किंसंस रोग में व्यायामों की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एम.डी. शोध परियोजना), भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास।
102. हल्के संज्ञानात्मक हानि और अल्जाइमर रोग में संज्ञानात्मक कमी और तनाव प्रतिक्रियाशीलता से संबंधित मात्रात्मक ईईजी (पीएच.डी. शोध परियोजना), शरीर क्रिया विज्ञान।
103. सीओपीडी में पैथोफिजियोलॉजिकल तंत्र को स्पष्ट करने के लिए ट्रांसक्रिप्टोमिक अध्ययन (पीएच.डी. शोध परियोजना), शरीर क्रिया विज्ञान।
104. स्वस्थ स्वयंसेवकों में संज्ञानात्मक प्रदर्शन में भावना प्रेरित परिवर्तन का मात्रात्मक ईईजी सहसंबंध, (पीएच.डी. शोध परियोजना), शरीर क्रिया विज्ञान।
105. जीनोमिक अभिव्यक्ति और प्रोटीन प्रोफ़ाइल, योग–आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप के बाद परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में मोटापे से सम्बंधित है (पीएच.डी. शोध परियोजना), शरीर क्रिया विज्ञान।
106. नए निदान उच्च रक्तचाप के साथ टाइप 2 मधुमेह में ऑटोनोमिक, वेस्कुलर और एंडोथेलियल कार्य पर एंजियोटेंसिन को बदलने वाले अवरोधक का प्रभाव (पीएच.डी. शोध परियोजना), शरीर क्रिया विज्ञान।
107. पूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट चूहे मॉडल में लोहे के ऑक्साइड नैनो कण के आरोपण और चुंबकीय क्षेत्र के प्रभाव के बाद स्नायु उत्थान (पीएच.डी. शोध परियोजना), शरीर क्रिया विज्ञान।
108. प्रारंभिक चरण के पार्किसंस रोग में व्यायाम की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एम.डी. शोध परियोजना), पीएमआर।
109. साइको–सोशल स्किजोफ्रेनिया के रोगियों के देखभाल करने वालों के बीच देखभाल के अनुभव से संबंधित है (एम.डी. शोध परियोजना), मनोचिकित्सा विज्ञान।
110. विघटनकारी रूपांतरण विकार के साथ किशोरों के लिए मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मैनुअल का विकास, मनोचिकित्सा विज्ञान।
111. ऑरोफिरेनेक्स या एसोफेगल के नियोप्लाज्मा के कारण मध्यम और गंभीर डायफेजिया वाले रोगियों में आंतरिक समर्थन के लिए नासोएंटेरिक फीडिंग और परक्यूटेनियस रेडियोलॉजिकल गैस्ट्रोस्टोमी का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एम्स, आतरिक वित्त पोषण), विकिरण दिान और इमेजिंग, आईआरसीएच।
112. इंटरमीडिएट और उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में बहु–केंद्रीक एमआरआई और जीए–68 पीएसएमए पीईटी स्कैन (एम.डी. शोध परियोजना), विकिरण निदान।
113. तीव्र दर्दनाक सरवाइकल कोर्ड चोट में एमआरआई की नैदानिक और व्यावहारिक भूमिका (एम.डी. शोध परियोजना), विकिरण निदान
114. कार्डियक एमआरआई की मदद से स्कार पोस्ट एमआई का आकलन (एम.डी. शोध परियोजना), विकिरण निदान
115. प्रसूति संबंधी रक्तस्राव में हस्तक्षेप रेडियोलॉजी की भूमिका (एम.डी. शोध परियोजना), विकिरण निदान।

116. प्रसार भारित एमआर इमेजिंग और अल्ट्रासाउंड एल्स्टोग्राफी का उपयोग करते हुए आम जनता के गर्दन का मूल्यांकन, गैर निधिकृत, विभागीय परियोजना, विकिरण निदान।
117. वयस्क दर्दनाक ब्रेकियल जाल चोट के चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग मूल्यांकन (एम.डी. शोध परियोजना), विकिरण निदान।
118. ऑब्सट्रेक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम में ऊपरी श्वासपथ के मूल्यांकन में गतिशील एमआरआई (एम.डी. शोध परियोजना), विकिरण निदान।
119. कीमोथेरेपी के दौर से गुजर रहे रोगियों में गैर–छोटे सेल फेफड़ों कार्सिनोमा के मूल्यांकन में परफ्यूजन सीटी की भूमिका (एम.डी. शोध परियोजना), विकिरण निदान।
120. स्तन कैंसर में एनएसीटी के बाद सेंटीनेल लिम्फ नोड बायोप्सी की सटीकता बढ़ाने में अक्षीय लिम्फ नोड्स की भूमिका अल्ट्रासाउंड निर्देशित वायर स्थानीयकरण (एम.डी. शोध परियोजना), विकिरण निदान।
121. भ्रूण विकृतियों और अभी जन्मे बच्चों के मूल्यांकन में न्यूनतम आक्रमणकारी ऑटोप्सी – अभी जन्मे बच्चों के मूल्यांकन के लिए मानक प्रोटोकॉल के विकास के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन, बाल चिकित्सा।
122. एक प्रायोगिक बहु केंद्रीक खुले लेबल समांतर आर्म आरसीटी मूल्यांकन करता है कि क्या योग टाइप 2 डायबिटीज मेलिट्स वाले रोगियों में इंसुलिन थेरेपी की शुरूआत में देरी कर सकता है, जिसमें अधिकतम मौखिक दवाओं पर सबऑप्टिमल ग्लाइसेमिक नियंत्रण होता है और / या निकट भविष्क में इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता हो सकती है, अंतःस्राविकी।
123. टी2डीएम और अवसाद वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभाव : दो आर्म समांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अंतःस्राविकी।
124. टाइप 2 डायबिटिज मेलिट्स वाले वयस्क रोगियों में योग का प्रभाव : एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अंतःस्राविकी।
125. आर्सेनिक ट्रायऑक्साइड – एक्सपोज्ड वयस्क मद चूहों के हार्मोथैलेमस और हिप्पोकैम्पस में संज्ञानात्मक कार्य और एस्ट्रोजेन रिसेप्टर प्रोफाइल पर रिवसरेट्रल पूरक का प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान
126. उत्तर भारत में समुदाय आधारित युवा पुरुषों के स्वास्थ्य और पोषण व्यवहार के मूल्यांकन की आवश्यकता है, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
127. हल्के संज्ञानात्मक हानि वाले पार्किसंस रोगियों के मस्तिष्क में कार्यात्मक मैपिंग और जैव रासायनिक सहसंबंध, एनएमआर और एमआरआई सुविधा।
128. अस्पताल आधारित रक्त बैंक में रक्त सूची प्रबंधन का मूल्यांकन और रक्त की कमी और पुरानी कमी को कम करने के लिए कार्यनीति का विकास, जैव रसायन।
129. आवर्ती गर्भावस्था के नुकसान में शुक्राणु आण्विक कारकों की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान।
130. ऑर्थोपेडिक आघात सर्जरी में पेरिऑपरेटिव इंफ्लेमेट्री साइटोकाइन्स परिवर्तन और नैदानिक जटिलताओं पर क्षेत्रीय संज्ञाहरण का प्रभाव, संवेदनाहरण विज्ञान और गहन देखभाल (जेपीएनएटीसी)।
131. आर्सेनिक ट्रायऑक्साइड एक्सपोजर के बाद चूहों के बेसल फॉरब्रेन संरचनाओं पर कर्कुमिन का प्रभाव, शरीर रचना विज्ञान।
132. डायबिटीज मेलिटस टाइप 2 वाले वयस्क रोगियों में मेटाबोलिक पैरामीटर्स और ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ विकारों और आहार पैटर्न और उनके संघ का मूल्यांकन।
133. बल्लभगढ़, हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में वृद्ध व्यक्तियों के बीच डायबिटीज और हाइपरटेंशन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।

पूर्ण

1. गुर्दा प्रत्यारोपण में ग्राफ्ट की विफलता का बायोस्टैटिस्टिकल मॉडलिंग, जैवसांख्यिकी और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ।
2. काइस्टेथियोनाइन गामा ल्यास मध्यस्थता ट्रोफोब्लास्ट सेल इनवेशन में माइक्रो आरएनए 30 की भूमिका और प्रीक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति, शरीर रचना विज्ञान।
3. ट्रोफोब्लास्ट की आबादी को विनियमित करने में एमआईआर–22, विशिष्टता प्रोटीन –1 और साइस्टैथोनिन गामा लाइसे की भूमिका, शरीर रचना विज्ञान।
4. घातक फोस्फाइड जहर से आईसीपी – एईएस का उपयोग कर एल्यूमिनियम और जिंक का मात्रात्मक आकलन, फॉरेंसिक मेडिसिन।
5. आयु बढ़ने के मार्कर के रूप में सीरम में नए इंट्रासेल्लुलर प्रोटीन का मूल्यांकन, जेरियाट्रिक काय चिकित्सा।
6. बुजुर्गों में मांस पेशी पुनर्जनन का अध्ययन : एक चूहा मॉडल का विकास, जराचिकित्सा।
7. वृद्ध वयस्कों में संज्ञानात्मक क्षति के मूल्यांकन में टीएसपीओ उन्नत पीईटी स्कैन का अध्ययन, जेरियाट्रिक चिकित्सा।
8. वयस्क भारतीय गैर–अल्कोहल फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) रोगियों के बीच चयापचय, एंथ्रोपोमेट्रिक और अल्ट्रासाउंड पैरामीटर पर गहन आहार परामर्श की प्रभावशीलता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, काय चिकित्सा।

9. न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी के नैदानिक उपभेदों की आनुवंशिकी जनसंख्या और इसके नैदानिक महामारी विज्ञान का अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
10. एचआईवी / एड्स वाले रोगियों में आंतों परजीवी सह–संक्रमण और सीडी 4 गिनती, वायरल लोड, और एंटी रेट्रोवायरल दवा प्रतिरोधपर इसके प्रभाव, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
11. दिल्ली एवं आस – पास के क्षेत्र में रेडियोलेबल्ड एंटी सीडी20 ऐंटीबॉडीस 131 आयोडीन रेटुजीमेब / 90 की चिकित्सीय प्रतिक्रिया का मूल्यांकन, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
12. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में विभिन्न चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रोस्कॉपिक पद्धतियों की भूमिका, जैव सांख्यिकी और एनएमआर, एनएमआर।
13. पोस्ट ट्रांसप्लांट डायबिटीज मेलेटस (पीटीडीएम) : एक संभावित अवलोकन अध्ययन (जैव सांख्यिकी और भेषजगुण विज्ञान, भेषजगुण विज्ञान।
14. प्रीक्लेम्पसिया वाली महिलाओं में गर्भावस्था की अवधि के दौरान संवहनी कार्यों, बरोरेफ्लेक्स संवेदनशीलता और एंजियोजेनिक कारकों का मूल्यांकन, शरीर क्रिया विज्ञान।
15. परिधीय धमनी रोग में बायोमार्कर्स, शल्य चिकित्सा।
16. राष्ट्रीय राजधानी संघ राज्य क्षेत्र में स्कूल आधारित किशोरों के लिए साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड अनुपूरक कार्यक्रम (डब्ल्यूआईएफएस) से कार्यान्वयन और बाधाओं का आकलन; उत्तरी भारत, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।
17. कार्डियक रिसिंक्रनाइजेशन थेरेपी में प्रस्तुत हृद्‌य की विफलता वाले रोगियों के प्रबंधन में गेटेड – एसपीईसीटी मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग द्वारा इंट्रा वेंट्रिकुलर सिंक्रनाइजेशन मूल्यांकन का मूल्य, कार्डियोलॉजी।
18. ह्यूमन इन्फीरियर कोलीकुलस में आयु संबंधी परिवर्तन : एक मोर्फोलॉजिकल और न्यूरोकेमिकल अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान।
19. फ्रीड्रिच–अटेक्सिया के पैथोजेनेसिस के साथ रिलेवेंस में ट्रिप्लेक्स बाइंडिंग प्रोटीनों के प्लाज्मा सर्कुलेटिंग न्यूक्लिक एसिड और इन–विट्रो विश्लेषण का मूल्यांकन, जैव रसायन।
20. भारत में बच्चों और बुजुर्गों के बीच तीव्र श्वसन नलिका के संक्रमण में श्वसन रोगजनकों का महामारी विज्ञान अध्ययन (सीडीसी एटलांटा), सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र।
21. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में वयस्क आबादी के बीच जीवन की गुणवत्ता के साथ निःशक्तता की प्रबलता और इसका सहयोग, सामुदायिक चिकित्सा।
22. ओपन हार्ट सर्जरी करवाने वाले बाल रोगियों में डेलनिडो और कस्टोडियल कार्डियोप्लेजिया समाधान की तुलना : एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीटीवीएस।
23. स्थिर विटिलिगो में पुनः पिगमेंटेशन में सुधार प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा में गैर–संवर्धन एपिडर्मल सेल निलंबन प्रत्यारोपण को निबंलिक कर सकते हैं – एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, त्वचा विज्ञान।
24. विटिलिगो में सहज रिपिगमेंटेशन और रोग की निष्क्रियता (स्थिरता) का एक अध्ययन, त्वचा विज्ञान।
25. तीव्र पैनक्रिएटिस वाले रोगियों में पेट के दर्द से राहत के लिए पेंटजोकाइन के साथ डिकलोफेनाक की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र विज्ञान।
26. वयस्क एचआईवी प्रगति मॉडल के साथ पीएलएचए की उत्तरजीविता विश्लेषण, काय चिकित्सा।
27. भारत में स्वास्थ्य प्रदाताओं के बीच एड्स दोष की कमी, काय चिकित्सा।
28. एसएलई फ्लेर के साथ विटामिन डी की कमीके संबंध को निर्धारित करना, काय चिकित्सा।
29. चिकित्सा आईसीयू में यांत्रिक रूप से वेंटिलेटेड रोगियों में प्रोटोकॉल आधारित वीनिंग का परिणाम, काय चिकित्सा।
30. स्वस्थ भारतीय वयस्कों में कार्डियो–पल्मोनरी व्यायाम परीक्षण मानकों के लिए संदर्भ मूल्य, काय चिकित्सा।
31. तीव्र माइलॉइड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नियामक क्षेत्र में परिवर्तन के नैदानिक अध्ययन और जैविक महत्व (डीबीटी द्वारा वित्तपोषित), चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
32. बाल रोग के सभी रोगियों में पूर्ण लिम्फोसाइट गिनती और न्यूनतम अवशिष्ट रोग के बीच सहसंबंध का मूल्यांकन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
33. गणना की रिकवरी से पहले न्यूट्रोपेनिया के साथ कम जोखिम वाले बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों में एंटीमाइक्रोब्रियल उपचार की निरंतरता बनाम प्रारंभिक स्टॉपपेज : एक यादृच्छिक नियंत्रिक अध्ययन – डीएएलएफईएन अध्ययन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
34. को उन्नत गैर–स्क्वैमस गैर – लघु – कोशिका फेफड़ों के कैंसर में प्रेरण रेजिमेंट के रूप में पेमिट्रैक्सेड कार्बोप्लाटिन बनाम पैक्लिटैक्सेल कार्बोप्लाटिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए फेज–3 ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।

35. उपचारित नेव फोलिकुलर लिम्फोमा में लेनालिडोमाइड रिटुक्सिमाब बनाम बेंडमास्टीन रिटुक्सिमाब की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक चरण–3 ओपन लेबल यादृच्छिक अध्ययन, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, आईआरसीएच।
36. तृतीयक देखभाल अस्पताल की गहन देखभाल इकाई में लाइनजोलिड उपयोग और प्रतिरोध, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
37. हिमेटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी रोगियों के रेक्टल स्वैब नमूने में कार्बापेनोम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टेरियासिया की घटनाएं, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
38. रोगियों में क्राइप्टोस्पोरीडियम प्रजाति और परजीवी के अधिक लाक्षणीकरण का पता लगाने के लिए एक आण्विक नैदानिक प्रोब का विकास, सूक्ष्म जैव विज्ञान।
39. अतिरिक्त आंतों के सेलियाक रोग के ऊतक में आईजीए और आईजीजी एंटी–टिशू ट्रांसग्लाटामिनिस एंटीबॉडी का सह–स्थानीकरण : एक प्रायोगिक अध्ययन, विकृति विज्ञान।
40. तीव्र ल्यूकेमिया वाले नए निदान बच्चों में तपेदिक संक्रमण का प्रसार, बाल चिकित्सा।
41. एएलएल की उत्तरजीविता में न्यूरोकॉग्निटिव कार्य, बाल चिकित्सा।
42. मूत्राशय के बढ़ने के पश्चात सोमेटिक वृद्धि, बाल शल्य चिकित्सा।
43. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई, प्रसार टेंसर इमेजिंग और मात्रात्मक शीयर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका, विकिरण निदान।
44. स्तन कैंसर रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के लिए प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी में शीयर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका, विकिरण निदान।
45. नए निदान प्राथमिक सीएनएस लिम्फोमा के रोगियों में मैथोट्रैक्सेट आधारित कीमोथेरेपी के बाद प्रतिक्रिया अनुकूलित पूरी तरह से मस्तिष्क रेडियोथेरेपी की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, विकिरण अर्बुदविज्ञान।
46. शहरी पुनर्वास कालोनी, नई दिल्ली में 10–19 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच स्क्रीन आधारित मीडिया का उपयोग और स्क्रीन समय का आकलन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 119

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य आर. एम. पाण्डे द्वारा निम्नलिखित सम्मान और महत्वपूर्ण समारोह किए गए थे। एथिक्स समिति : उपाध्यक्ष, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (पीएचएफआई के तहत), दिल्ली; सदस्य : यूनाइटेड नेशन्स रीजनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी, डीबीटी के तहत; समन्वयक : एम्स में पीजी छात्रों के लिए अनुसंधान विधियां, लेखन और संचार पर अनिवार्य पांच दिवसीय कार्यशाला; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडर्मियोलॉजी (आईसीएमआर) और क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी – आईसीएमआर) की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; आरएनटीसीपी (भारत सरकार) पर संचालन अनुसंधान; अनुसंधान सलाहकार परिषद, बीपीकेआईएचएस, धारन, नेपाल; अनुसंधान सलाहकार समिति, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली विश्वविद्यालय; एकेडमिक काउंसिल संतोष यूनिवर्सिटी (यूजीसी के तहत) गाजियाबाद; भारत में लिसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के क्लिनिक, जैव रसायन और आण्विक लाक्षणीकरण के बहु – केंद्रित सहयोगात्मक अध्ययन के संचालन समिति के सदस्य; विशेषज्ञ समिति, क्लेफ्ट लिप और प्लेट एनोमली (आईसीएमआर) पर टास्क फोर्स परियोजना; बिल मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और डीबीटी द्वारा निधिकृत भव्य भारत चुनौतियों / पोषण तथा स्वास्थ्य पर तकनीकी सलाहकार समूह; डीएसटी द्वारा जीवन पर मोबाइल टावर एवं हैंडसेट से आईएमएफ विकिरण जोखिम के संभावित प्रभाव पर अनुसंधान एवं विकास प्रस्तावों तथा अनुसंधान एवं विकास पहल संबंधित का मूल्यांकन करने के लिए विशेष समिति; भारत (आईसीएमआर) में बाल चिकित्सा एचआईवी मामलों के बोझ के आकलन पर विशेषज्ञ समिति; सदस्य डीएसएमबी : डब्ल्यूएचओ द्वारा नवजात मृत्यु दर, डब्ल्यूएचओ द्वारा समन्वित कंगारू मां की देखभाल आधारित समुदाय; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडमियोलॉजी, चेन्नई के वैज्ञानिक अकादमी समिति के सदस्य; दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में प्रस्तुत पीएच.डी. शोध; आईआईपीएस, मुंबई; सीएमसी वेल्लोर और केरल विश्वविद्यालय; एपिडमियोलॉजी के विश्व सम्मेलन के दौरान, सैतम, जापान में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता।

आचार्य एस. एन. द्विवेदी ने बीएचयू, वाराणासी में ''स्टेटिस्टिक्स इन ट्रांसफॉर्मेशनल क्लिनिकल रिसर्च'' पर प्रोफेसर एस. एन. सिंह मेमोरियल व्याख्यान दिया; असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम में सांख्यिकी में स्नातकोत्तर अध्ययन के बोर्ड के बाहय सदस्य; अनुप्रयुक्त सांख्यिकी और विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ के शासी निकाय के सदस्य; सांख्यिकी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय में जैव सांख्यिकीय सहित पहचाने गए बल क्षेत्रों में उत्कृष्टता के प्रयास में समूह अनुसंधान प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए सलाहकार समिति के सदस्य (यूजीसी नामांकित); सांख्यिकी विभाग, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के ''सिमुलेशन – 18'' विभागीय त्यौहार के लिए मुख्य

अतिथि; पीएचएफआई में बहु–केंद्रित अध्ययन "एमवेलकेयर : गंभीर रोगों की रोकथाम और देखभाल के लिए एक एकीकृत एमहेल्थ प्रणाली'' के लिए डेटा सुरक्षा मॉनिटरिंग बोर्ड (डीएसएमबी) के सदस्य; और बाल रोग विभाग में "प्रीटर्म नियोनेटस में श्वसन संकट सिंड्रोम के उपचार के लिए एक अभिनव और सस्ती बकरी फेफड़े सर्फैक्टेंट की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करना : एक मल्टी–साइट यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण" शीर्षक के क्लिनिकल परीक्षण के लिए; आईसीएमआर के लिए तरीके पर कार्य बल समिति के सदस्य; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, एमएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार के मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (ब्लॉक स्तर) के लिए विशेष परियोजना समीक्षा समिति; ओरल हेल्थ, आईसीएमआर पर परियोजना की समीक्षा समिति; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल स्टेटिस्टिक्स (एनआईएमएस), आईसीएमआर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी); राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, भोपाल, (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) के महामारी विज्ञान अनुसंधान विशेषज्ञ समूह। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय द्वारा पीएसए के कार्यालय की वेबसाइट में एक पुस्तक को संभावित रूप से अपलोड करने के बारे में एक पुस्तक समीक्षा समिति की बैठक में हिस्सा लिया; सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त सांख्यिकी में उन्नत विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान शोध पत्र पुरस्कार के मौखिम प्रस्तुतीकरण के आकलन करने के लिए जज के रूप में कार्य किया और पहले तीन सर्वोत्तम शोध पत्र की सिफारिश की और सत्र की अध्यक्षता की, बीएचयू, वाराणसी। एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में आयोजित भारतीय चिकित्सा सांख्यिकी सोसायटी के 35वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान ''मेटा–विश्लेषण और प्रणालीगत समीक्षा में उन्नत'' पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी में आयोजित सांख्यिकीय विज्ञान में परिवर्तन प्रतिमानों और उभरती चुनौतियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''प्रणालीगत समीक्षा ओर मेटा विश्लेषण'' पर एक आमंत्रित सत्र की अध्यक्षता की; एक बाह्य परीक्षक के रूप में तीन पीएचडी का मूल्यांकन करना। गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के सांख्यिकी में पीएच.डी. डिग्री के पुरस्कार के लिए थीसीस; गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के सांख्यिकी विभाग में; गणित और सांख्यिकीय विभाग, बीआईटीएस, पिलानी, राजस्थान; सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी; और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पोपुलेशन साइंसेस, मुंबई में पीएच.डी. मौखिक परीक्षाएं आयोजित की गई; एक बाह्य परीक्षक के रूप में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एम.एससी (नैदानिक अनुसंधान) छात्रों के लिए प्रयुक्त सांख्यिकी में प्रश्न पत्र के सेट; हमदान बिन मोहम्मद कॉलेज ऑफ डेंटल मेडिसिन, मोहम्मद बिन राशिद यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन एंड हेल्थ साइंसेज, दुबई, यूएई में जैव सांख्यिकी के प्रोफेसर के पद पर पदोन्नति के संबंध में एक संकाय के शोध का मूल्यांकन करने के लिए बाह्य आकलनकर्ता के रूप में; निम्हांस, बेंगलुरू में चयन समिति के सदस्य; जनसांख्यिकी भारत के संपादक; ''इंडियन स्पाइन जर्नल'' और इंडियन जर्नल ऑफ चाइल्ड हेल्थ के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

आचार्य वी. श्रीनिवास राष्ट्रीय कैंसर निवारण और अनुसंधान संस्थान, आईसीएमआर के सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) थे; सदस्य, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों को बढ़ावा देने के लिए आकलन बोर्ड; तंत्रिका विज्ञान पर आईसीएमआर की टास्क फोर्स समितियों के सदस्य, मानव स्वास्थ्य पर गैर–आयनोजिंग ईएमएफ, नींद विकारों पर अध्ययन और परंपरागत दवाओं के साथ डीएम, पॉलीसिस्टिक ओवरी रोग, पुरुष गर्भ निरोधक आरआईएसयूजी परीक्षण; सदस्य, विभिन्न पदों के लिए चयन समिति और जांच समिति, आईसीएमआर; तंत्रिका विज्ञान समीक्षा समिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत के सदस्य; इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरियल डिजीज (आईजेडीवीएल) सांख्यिकी सलाहकार; जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी (अमेरिकन सोसायटी फॉर क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी), बाल रोग (अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स), इण्डियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी और लेप्रोलॉजी, और भारतीय बाल रोग के लिए जैव सांख्यिकी समीक्षक; द जर्नल ऑफ इण्डियन एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड एण्ड एडल्ट मेंटल हेल्थ (जेआईएसीएएम) के सांख्यिकीय सलाहकार; सदस्य, संस्थागत एथिक्स समिति, एम्स; सदस्य, अंतराल अनुदान के लिए परियोजना की समीक्षा समिति, एम्स; सदस्य, डीन अनुसंधान समिति, एम्स और पीएच.डी. (सांख्यिकी) समीक्षक और मनोनमणि सुंदरनार विश्वविद्यालय, थिरुनेलवेली के लिए थीसिस समीक्षक।

डॉ. एम. ए. खान एसोसिएट संपादक (2015–2018) – जर्नल ऑफ स्टेटिस्टिक्स एंड मैथमेटिक्स – यूएसए; संपादकीय बोर्ड सदस्य (जैवसांख्यिकी) – इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिपोर्ट; इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, भारत के वैज्ञानिक समीक्षक; स्टेटिस्टीक, ऑप्टिमाइजेशन एंड कम्प्यूटिंग– एन इंट. जर्नल, यूएसए के वैज्ञानिक समीक्षक; जर्नल ऑफ मॉडल एसिस्टेड स्टेटिस्टीक एंड एप्लीकेशन, यूएसए के वैज्ञानिक समीक्षक; जर्नल ऑफ ऑबेसिटी, यूके के वैज्ञानिक समीक्षक और जर्नल ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, यूके आदि के वैज्ञानिक समीक्षक थे।

डॉ. एम कलाइवानी जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर के सांख्यिकीय संपादक; इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी (वॉल्टर्स क्लुवर) के समीक्षक; सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन यूनानी मेडिकल (सीसीआरयूएम) के विभागीय पदोन्नत समिति (डीपीसी) के सदस्य थे।

9-7 t\o Ák|kfxdh

आचार्य एवं अध्यक्ष

जया एस. त्यागी

सह–आचार्य

अनुश्री गुप्ता

सहायक आचार्य

रूपेश कुमार श्रीवास्तव	भूपेंद्र कुमार वमा	विक्रम सैनी
सुमित राठौर (संविदा)	निधि बत्रा (संविदा)	चंचल कुमार (संविदा)

वैज्ञानिक

श्रबानी सौगंधिका

विशिष्टताएं

विभाग प्रति बैच 12–14 छात्रों को स्वीकार करते हुए मेडिकल जैव प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के साथ में एक उत्तम रेटेड मास्टर्स इन बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम चलाता है। विभाग में एक पीएचडी कार्यक्रम भी चलाया जाता है। एम. एससी और पीएच डी छात्रों की कुल संख्या 35–40 है। विभाग पोस्ट–डॉक्टरल वैज्ञानिकों का भी उल्लेख करता है और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के अध्येतावृत्तियों के कार्यक्रम को सहायता प्रदान करता है। सरकारी वित्तपोषण एजेंसियों से विभागीय संकाय द्वारा बड़ी संख्या में बाह्य अनुसंधान अनुदान प्राप्त होते हैं। कुछ संकाय सदस्यों ने एम्स में के एल विज चिकित्सा शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित ''माइक्रोटीचिंग'' और ''राइटिंग ए रिसर्च पेपर' से संबंधित कार्यशालाओं में भाग लिया। संकाय सदस्यों ने भारत सरकार और विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम विकास और शिक्षण और स्वास्थ्य अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान देने, आमंत्रित व्याख्यान देने, प्रतिष्ठित पीयर रिव्यू जर्नल में प्रकाशित पत्र प्रकाशित करने, तपेदिक के उपचार में विटामिन सी की सहायक चिकित्सा क्षमता स्थापित करने, टीबी डायग्नोस्टिक तकनीकों में पेटेंट दर्ज किया और टीबी डायग्नोस्टिक किट विकसित किया।

शिक्षा

स्नातकोत्तर शिक्षण

विभाग द्वारा एम बायोटेक डिग्री के लिए चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी पर बल देने के साथ बायोटेक्नोलॉजी में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स प्रदान की जाती है। अध्यापन कार्यक्रम में 16 विषय शामिल हैं जिसमें कोशिका जीवविज्ञान, मानव आनुवंशिकी, जीवाणु आनुवंशिकी, जैव रसायन, आण्विक जीव विज्ञान, पुनर्योगज डीएनए तकनीक, प्रतिरक्षा विज्ञान, कंप्यूटर, संरचनात्मक जीव विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान और इसमें चिकित्सा अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों, जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आण्विक चिकित्सा, जीनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स आदि में सैद्धांतिक और प्रायोगिक कक्षाएं, संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण और अनुसंधान परियोजनाएं (लघु शोध प्रबंध) शामिल होती हैं। छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जाता है और प्रायोगिक कक्षाओं में स्वयं कार्य का अनुभव होता है। एम्स संकाय के अलावा जैव प्रौद्योगिकी, जैव सूचना विज्ञान, आण्विक चिकित्सा, जीनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स, आदि से संबंधित अनुसंधान और विकास के अपने संबंधित क्षेत्रों में छात्रों के लिए अंतर्दृष्टि और प्रेरणा प्रदान करने के लिए जेएनयू, आईजीआईबी, आईसीजीईबी, एनआईआई और एनआईआईटी से विशेष विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है विभाग चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पीएच.डी कार्यक्रम आयोजित करता है। विभाग डीएसटी इन्स्पायर संकाय पुरस्कार, नवाचारी युवा जैव प्रौद्योगिकी एसोसिएटशिप, डीबीटी और डीएसटी राष्ट्रीय पोस्ट डॉक्टरल और युवा वैज्ञानिक पुरस्कार वाले संरक्षकों और युवा वैज्ञानिकों का समर्थन करता है।

प्रदत्त व्याख्यान

जे. एस. त्यागी : 1

मौखिक शोध पत्र / पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 10

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बीच नेशनल एलायंस बायोडिजाइन कार्यक्रम और इन–विट्रो निदान। जे. एस. त्यागी, डीबीटी, 8 वर्ष, 2010–2018,106.58 लाख रुपए।
2. बायोमेडिसिन के लिए विशेष अनुप्रयोग के साथ जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम, जे. एस. त्यागी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2014–2019, 98.02 लाख रुपए।
3. एंटीबायोटिक सहिष्णुता की चुनौती का मुकाबला करनाः एम. ट्यूबरकुलोसिस क्लीयरेंस में सुधार के लिए पारंपरिक एंटी–ट्यूबरकुलर दवाओं का संयोजन करना। जया एस. त्यागी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018–2021, 59.83 लाख रुपए।
4. ऑस्टियोपोरोसिस की प्रोबायोटिक्स मध्यस्थता निषेध में जीयूटी रेसीडेंट नियामक टी कोशिकाओं में शामिल सेलुलर तंत्र का उन्मूलन, रूपेश के. श्रीवास्तव, डीएसटी–एसआरबी, 3 वर्ष , 2018–2021, 64.94 लाख रु.।

पूर्ण

1. जे. सी. बोस राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति। जया एस. त्यागी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2012–17, 68 लाख रुपए।
2. टीबी, एमडीआर–टीबी और एक्सडीआर–टीबी के सरल और तेजी से निदान के लिए नए नमूना प्रसंस्करण, जे. एस. त्यागी, डीबीटी (एसबीआईआरआई), ढाई वर्ष, 2015–2017, 47.41 लाख रुपए।
3. सिस्टम टी बी : टी.बी. संक्रमण में मेजबान पैथोजन अंतःक्रियाओं की गतिशीलता को सुलझाने हेतु एक नेटवर्क कार्यक्रम। डीबीटी नेटवर्क परियोजना। जे. एस. त्यागी, डीबीटी, 7 वर्ष, 2011–2018, 145.57 लाख रुपए।
4. उत्कृष्टता केंद्र, श्रेणी 3 – सीआईईबी परियोजना : टेम्पोरल प्रतिलेखन प्रोफाइल, कंप्यूटेशनल विश्लेषण और पोस्ट ट्रांस्क्रिप्शनल जीन सायलेंसिंग के दोहन की पहचान करना और मेजबान के बीच संपर्क अवरोधन और निष्क्रिय और सक्रिय रूप से रेप्लिकेशन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस। जे. एस. त्यागी, डीबीटी, 7 वर्ष, 2011–2018, 219.99 लाख रुपए।
5. मलेरिया परजीवी में ऑर्गेनेल डायनामिक्स को समझना– ऑटोफैगी की भूमिका, सुमित राठौर, डीएसटी, 5 वर्ष, 2013.2018, 35 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस में दो घटक प्रणाली डीईवीआर–डीईवीएस के विनियामक कार्य।
2. सेल संक्रमण मॉडल में माइकोबैक्टीरियम तपेदिक के लिए विटामिन सी–संग्राहक मेजबान प्रतिक्रिया।
3. माइकोबैक्टीरियम तपेदिक में रिस्पांस रेगुलेटर डीईवीआर के सक्रियण के तंत्र का निर्णय लेना।
4. डीईवीआर माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के डीईवीआर आश्रित प्रमोटरों का ट्रांसक्रिप्शनल विश्लेषण।
5. डॉर्मेसी मॉडल में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का अनुकूलन।
6. क्षय रोग के लिए तीव्र और सटीक नैदानिक परीक्षण का विकास और सत्यापन।
7. विटामिन सी डॉर्मेसी मॉडल में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का मेटाबोलिक अनुकूलन
8. संक्रमण के विटामिन सी एक्स विवो मॉडल में माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग के लिए मेजबान प्रतिक्रिया का विश्लेषण।
9. माइसेबैक्टेरियम तपेदिक में अतिक्रमण संस्कृति में अतिक्रमण अनुकूलन और ट्रांसक्रिप्शनल विश्लेषण से इंट्रासेल्युलर मिलियू में अंतर्दृष्टि।
10. संक्रमण के दौरान मेजबान प्रतिक्रिया के मॉड्यूलेटिंग में मेजबान और माइकोबैक्टीरियल डीएनए – बाध्यकारी प्रोटीन का अध्ययन।
11. फुफ्फुस तपेदिक के निदान के लिए नवीन बिंदु–पर–देखभाल के लिए एप्टासेंसर्स का विकास।

पूर्ण

1. टीएचपी–1 संक्रमण मॉडल में माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग उपभेदों की जीन अभिव्यक्ति हस्ताक्षर।
2. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में प्रोटीन की व्याख्या करने वाले डीईवीआर की पहचान।
3. प्लाजमोडियम विवैक्स ट्रिप्टोफैन–रिच एंटीजन (पीवीटीआरएजीएस) बनाने वाले कॉम्प्लेक्स की पहचान।
4. अपने संभावित मेजबान रिसेप्टर (ट्रांसफरिन रिसेप्टर) के साथ पीवीटीआरएजी 36.6 के इंटरैक्शन डोमेन की पहचान करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. तपेदिक उपचार प्रतिक्रिया के लिए मूल्यांकन बायोमार्कर के रूप में एमआईआरए, आईसीजीईबी नई दिल्ली और इनस्टेम बैंगलोर।

पूर्ण

1. डीएन गायरेस क्लोनिंग, अभिव्यक्ति, शुद्धि और बायोफिज़िक्स का आण्विक लक्षण वर्णन।
2. पृथक विकास हार्मोन की कमी, एनाटॉमी में नव उत्परिवर्तन के लिए अभिव्यक्ति अध्ययन करना।
3. रासायनिक रूप से प्रेरित मोनोसाइट के प्रभाव का आकलन–इंट्रासेल्युलर विशेषताओं, जैव रसायन पर मैक्रोफेज भेदभाव।
4. मानव कैंसर, बायोफिज़िक्स में डेल्टा एनपी73 के कार्यात्मक अध्ययन।
5. क्लोनिंग, अभिव्यक्ति, एम. तपेदिक के सीकीमेट काइनेज की शुद्धि और डिजाइन अवरोधकों, बायोफिजिक्स के साथ इसके बाध्यकारी अध्ययन।
6. मानव कैंसर, बायोफिजिक्स में पी 53 मिसेन म्यूटेशन के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन।
7. हाइपोक्सिया, बायोकेमिस्ट्री में आईजीएफ2बीपी3 के साथ जुड़े परिपत्र आरएनए की अभिव्यक्ति का अध्ययन करने के लिए।
8. ओपिओइड निर्भरता, एनाटॉमी में एकल न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता और न्यूरोट्रांसमीटर जीन में एपिजेनेटिक परिवर्तनों के संबंध का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
9. अल्जाइमर रोग, फिजियोलॉजी के स्ट्रेप्टोज़ोटोकिन प्रेरित चूहे मॉडल में न्यूरोजेनेसिस पर दोहराए गए चुंबकीय क्षेत्र की उत्तेजना का प्रभाव।
10. प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम, सीएनआरएस फ्रांस, आईसीजीईबी नई दिल्ली में ऑर्गेनेल डायनामिक्स को समझना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 8 **पुस्तकों में अध्याय : 1**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

श्री. मनीष त्रिपाठी ने डॉ. जी.पी. तलवार एसवाईएससीओएन 2017–18, एम्स में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. प्रिया कालरा ने विश्व टीबी दिवस संगोष्ठी, 2018, एम्स में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए डॉ. एम.एच. आहूजा गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

आचार्य जया. एस. त्यागी इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी का प्रो. (श्रीमती) अर्चना शर्मा स्मृति व्याख्यान पुरस्कार, 2017 जे. एस. बोस नेशनल फैलोशिप की प्राप्तकर्ता हैं;सेंटर फॉर बायोडिजाइन एंड डायग्नोस्टिक्स, ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद में मानद विजिटिंग प्रोफेसर रहीं; अध्येता, इंडियन एकेडमी ऑफ साइंसेस; अध्येता नेशनल एकेडमी साइंसेस (भारत); गुहा अनुसंधान सम्मेलन, सदस्य इन्सा की परिषद और अनुभागीय समिति 9, नई दिल्ली की सदस्य; सदस्य, भारतीय विज्ञान अकादमी, वैज्ञानिक मान्यताओं पर पैनल, बेंगलुरु; राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान, चेन्नई; डीएनए फिंगरप्रिंटिंग और निदान केंद्र के वैज्ञानिक सलाहकार समिति, हैदराबाद; वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, वित्त समिति तथा राष्ट्रीय कोशिकीय और आण्विक जीव विज्ञान केंद्र, पुणे के के शासी निकाय के सदस्य, राष्ट्रीय पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली के वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, स्टेनली ब्राउन प्रयोगशाला, कुष्ठ मिशन की वैज्ञानिक सलाहकार समिति, आईटी रुड़की के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य, अनुसंधान परिषद के विशेष आमंत्रित सदस्य, कोशिकीय और आण्विक जीव विज्ञान केंद्र, एसईएसबी, डीएसटी की जैव सलाहकार, जैव भौतिकी, आण्विक जीव विज्ञान और माइक्रोबायोलॉजी, परियोजना सलाहकार समिति (पीएसी) की समिति के सदस्य, तपेदिक पर डीबीटी विशेषज्ञ समूह के सदस्य, स्टार कॉलेज योजना पर डीबीटी टास्क फोर्स और विशेषज्ञ समिति के सदस्य, एचआरडी पर डीबीटी टास्क फोर्स

के सदस्य, आईसीएमआर टीबी कंसोर्शियम के सदस्य, सदस्य, टीबी टीके पर 5वें वैश्विक फोरम के लिए भारत सलाहकार पैनल, अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशनल ह्यूमन एथिक्स कमेटी ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज की विशेषज्ञ समिति के सदस्य, जेएनयू, सदस्य, विभागीय आकलन बोर्ड, संकाय और अध्यक्ष के मूल्यांकन के लिए टीएचएसटीआई, प्रदर्शन मूल्यांकन समिति, जैव–डिजाइन और डायग्नोस्टिक्स (सीबीडी), टीएचएसटीआई, सेंटर फॉर बायो डिजाइन एंड डायग्नोस्टिक्स के वैज्ञानिक/नवाचार पुरस्कार विजेता। पीजीआई चंडीगढ़, दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, कलकत्ता विश्वविद्यालय, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, भारतीय विज्ञान संस्थान के पीएचडी/ एमएससी परीक्षा के परीक्षक प्रभारी प्राध्यापक, केंद्रीय कोर अनुसंधान सुविधा, एम्स और समन्वयक बीएसएल–3 और बीएसएल–2 प्रयोगशालाएँ, एम्स, सदस्य पेटेंट समिति, एम्स, एम्स की बंदोबस्ती निधि के लिए सदस्य वैज्ञानिक सलाहकार समिति, सदस्य, एम्स इंट्राम्युरल रिसर्च ग्रांट के लिए परियोजना समीक्षा समिति, एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए सदस्य स्क्रीनिंग कमेटी, सदस्य पीएचडी सुधार समिति, एम्स; ''निदान और महामारी विज्ञान" पर एक पोस्टर चर्चा सत्र के लिए को–चेयर, टीबी के टीके पर 5वां वैश्विक मंच, 21 फरवरी 2018, नई दिल्ली।

डॉ. अनुश्री गुप्ता को आईआईएसईआर, मोहाली के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

अतिथि वैज्ञानिक

1. **डॉ. प्रशांत नागपाल,** सहायक प्रोफेसर, केमिकल एंड बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग विभाग, कोलोराडो विश्वविद्यालय, बोल्डर, यूएसए पर 'प्रेसिजन मेडिसिनः डेवलपिंग क्वांटम बायोलॉजी फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव हेल्थकेयर सॉल्यूशंस', 12 मार्च 2018.
2. **डॉ. अनुश्री चटर्जी,** सहायक प्रोफेसर, रसायन और जैविक इंजीनियरिंग विभाग, कोलोराडो विश्वविद्यालय, बोल्डर, संयुक्त राज्य अमेरिका 'सिंथेटिक जीवविज्ञान से नैनोबायोटेक्नोलॉजी तकः रैशनल मल्टीमाइक्रोबियल इंजीनियरिंग अपॉइंटमेंट्स फॉर कॉम्बिनेशन मल्टीड्रग–रेसिस्टेंट पैथोजेंस', 14 मार्च 2018.

9-8 lkeqnkf;d fpfdRlk dsUnz

vkpk;Z ,oa v/;{k

शशि कांत

vkpk;Z

संजीव कुमार गुप्ता
किरण गोस्वामी
आनंद कृष्णन
बेरीडेलाइन नोंग्कायरिह
पुनीत मिश्रा
संजय कुमार राय

vij vkpk;Z

वाई. एस. कुसुमा कुमारी

lg&vkpk;Z

कपिल यादव
सुमित मल्होत्रा
अनिल कुमार गोस्वामी

lgk;d vkpk;Z

पार्थ हल्दर
रवनीत कौर
हर्षल रमेश साल्वे
राकेश कुमार

ih,p,u i;Zos{kd

मर्सी जॉन

fofo"kVrk,a

विभाग अपने शहरी एवं ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रमों द्वारा समुदाय आधारित व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं की एक मॉडल बनाने पर जोर दे रहे हैं। शहरी पुनर्वास कालोनी दक्षिणपुरी एक्सटेंशन स्थित शहरी स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से संचालित किए जाते हैं। विस्तृत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), हरियाणा राज्य के बल्लभगढ़ ब्लॉक के फरीदाबाद जिले में हरियाणा सरकार और एम्स, नई दिल्ली के बीच चलाई जाने वाली एक सहयोगी परियोजना है। विस्तृत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़ का उद्देश्य ग्रामीण वातावरण में शिक्षण, अनुसंधान और रोगी की देखभाल जैसे क्षेत्रों में जन स्वास्थ्य में उत्कृष्टता हासिल करना है। इसमें एक उप–जिला अस्पताल, दयालपुर और छैनसा में दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 12 उप–केंद्रों का एक नेटवर्क स्थापित करना शामिल है। विस्तृत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना के अंतर्गत फील्ड प्रेक्टिस के क्षेत्र में 31 मार्च, 2018 तक कुल मिलाकर 99,756 लोगों को शामिल किया जा चुका है।

विभाग प्रशिक्षण देने, स्रोत सामग्री का विकास तथा फील्ड–आधारित गतिविधियों के साथ–साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं। विभाग द्वारा भारत सरकार की मानव संसाधन विकास स्वास्थ्य अनुसंधान स्कीम के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर ऑपरेशनल रिसर्च पर फैकल्टी के विकास का कार्य किया जा रहा है। इसके द्वारा भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका में आईडीडी को हटाने में नेतृत्व कार्य किया जाता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एचआईवी पर नजर रखे जाने के लिए यह एक आंचलिक संस्थान है, जो दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड राज्यों को सशक्त कर रहा है। विभाग की सेंटर फॉर डीजिज कंट्रोल, अटलांटा के साथ सहयोगी परियोजनाएं हैं जिसका कार्य भारत में श्वास संबंधी विकट संक्रमणों और विषाणुओं के फैलने के महामारी विज्ञान को स्पष्ट करना है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम आधारित वर्बल ऑटोप्सी टूल, जिला स्तर पर संपोषणीय विकासीय लक्ष्यों का हैल्थ और वेलबींग इंडेक्स तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रोगाणुजनित बीमारियों के लिए मौसम–आधारित पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिए यह विभाग सहयोग प्रदान करता है। राष्ट्रीय मॉनिटरिंग सर्वे एनपीसीडीसीएस के लिए समुदाय आधारित एनसीडीपीसी, शिक्षण राष्ट्रीय स्तर में क्षमता विकास और अनुसंधान के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन एक समुदाय आधारित केंद्र है।

शिक्षा

स्नातक पूर्व एमबीबीएस छात्र

अपने चौथे – पांचवें सेमेस्टर में, एमबीबीएस छात्रों को शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम में आधार पर पांच सप्ताह के लिए तैनात किया जाता है, जहां वे महामारी विज्ञान, स्वास्थ्य वार्ता और पारिवारिक अध्ययन आयोजित करते हैं। इन दो सेमेस्टर के दौरान, वे फैमिली हेल्थ एडवाइजरी सर्विसेज (एफएचएएस) में भी भाग लेते हैं, जिसमें वे नौ महीने की अवधि के लिए आवंटित परिवारों हेतु फोलोअप कार्य का पालन करते हैं, और उनके द्वारा लागू किए गए हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता का आकलन करते हैं।

7वें सेमेस्टर में, उन्हें रोटेशन आधार पर सीआरएचएसपी में छह सप्ताह के लिए तैनात किया जाता है। यह एक आवासीय तैनाती है जिसमें वे महामारी विज्ञान की अवधारणाओं के बारे में सीखते हैं और समाज के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेते हैं साथ ही स्वास्थ्य के सामाजित निर्धारकों के प्रति जागरुक होते हैं। उन्हें स्वास्थ्य प्रणालियों और स्वास्थ्य कार्यक्रमों को समझने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। नवजात शिशु और बच्चों की बीमारियों के एकीकृत प्रबंधन (आईएमएनसीआई) और महामारी विज्ञान पर प्रशिक्षण के लिए विशेष मॉड्यूल बने हुए हैं। इस तैनाती के दौरान विद्यार्थियों को एक संक्षिप्त अनुसंधान प्रोजेक्ट पर भी काम करना होता है।

इंटर्न

इंटर्न को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में कुल तीन महीने के लिए तैनात किया जाता है। इस अवधि को एसडीएच 6 सप्ताह और दयालपुर और छायसा में पीएचसी में प्रत्येक तीन सप्ताह में विभाजित किया जाता है। एसडीएच में इंटर्न को ओपीडी तथा वार्ड में तैनात किया जाता है जिससे उन्हें सामान्य क्लिनिकल कौशलों और आंतरिक रोगी प्रबंधन सीखने में मदद मिलती है, जिसमें सामान्य प्रसव कराना भी शामिल है। इन्हें एसडीएच में संबंधित सीनियर रेजीडेंट (एसआर) की निगरानी में उपलब्ध क्लिनिकल विषयों में भेजा जाता है। पीएचसी की तैनाती के दौरान, इंटर्न प्रतिभागी पीएचसी के क्लिनिक, उपकेंद्र और प्रसव पूर्व क्लिनिक में स्वास्थ्य देखभाल प्रदायगी में हिस्सा लेते हैं। उन्हें प्रसव हट के लिए भी तैनात किया जाता है जो प्रत्येक पीएचसी में समुदाय चिकित्सा के एसआर के समग्र निरीक्षण में कार्य करती है। उन्हें समुदाय स्तर की गतिविधियों का अनुभव भी मिलता है जैसे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और उप केंद्रों का निरीक्षण, रोगियों का फॉलोअप, जिसमें रोगी ट्यूबरकुलोसिस का इलाज कराने के दौरान चूक करते हैं, आउटरीच गतिविधियों का आयोजन, टीकाकरण आदि। सीआरएचएसपी तैनाती के अंत में इंटर्न को संबंधित एसआर द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित लॉग बुक जमा करनी होती है, जिनके अधीन उन्हें तैनाती के पश्चात् आकलन के लिए तैनात किया गया है।

स्नातकोत्तर प्रशिक्षण

सामुदाचिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को 16–18 माह के लिए प्रत्येक शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य क्षेत्रों में तैनात किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र में संपूर्ण कार्यावधि के दौरान, वे बारी–बारी से उप जिला अस्पताल में तथा दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में समय बिताते हैं। ग्रामीण आवासीय तैनाती के दौरान उन्हें उप जिला अस्पताल तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में क्लिनिकल एवं प्रबंधन कौशल तथा अनुभव प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। सेमिनारों, पारिवारिक तथा क्लिनिकों के केस की प्रस्तुतियों, अस्पतालों और फील्ड–प्रेक्टिस एरिया के साथ–साथ जरनल क्लबों में समस्या आधारित प्रक्रियाओं सहित नियमित शिक्षण गतिविधियां होती हैं। वे केंद्र में तैनात विद्यार्थियों और इन्टर्न के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में शामिल रहते हैं।

बीएससी नर्सिंग और पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग छात्र

विज्ञान स्नातक विद्यार्थी और पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग विद्यार्थियों को डेढ़ माह के लिए शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम और आवासीय तैनाती के लिए विस्तृत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़ में नियुक्त किया जाता है। वे एक माह उप जिला अस्पताल में तथा दो सप्ताह किसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में व्यतीत करते हैं। उन्हें प्रसवपूर्व देखभाल, वार्ड प्रबंधन और टीकाकरण में प्रशिक्षण दिया जाता है। वे स्वास्थ्य चर्चाओं में हिस्सा लेते हैं और ओपीडी तथा वार्ड में आईईसी संबंधित कार्य करते हैं। कालेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली के संकाय सदस्य द्वारा नर्सिंग विद्यार्थियों के प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण किया जाता है।

सेवाकालीन प्रशिक्षण

वर्ष 2017–18 के दौरान विस्तृत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़ में कार्यरत कर्मचारियों के विभिन्न काडर के सेवाकालीन आवधिक प्रशिक्षणों के विवरण इस प्रकार हैं:

1. मदर्स एब्सोल्यूट अफेक्शन (एमएए) के तहत नवजात और शिशुओं के स्तनपान (आईवाईसीएफ) के लिए प्रशिक्षणार्थियों को 6–13 अप्रैल 2017 तक दो चरणों में प्रशिक्षण। प्रथम चरण में, एम्स की कम्युनिटी मेडिसन फैकल्टी, हरियाणा सरकार के चिकित्सा अधिकारियों, एसआर मेडिसन कम्युनिटी और नर्सिंग पर्यवेक्षकों को आईवाईसीएफ काउंसलिंग और प्रैक्टिसेस में प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे चरण में, प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों से स्वास्थ्य कर्मचारियों और सिविल स्पताल, बल्लभगढ़ में कार्यरत स्टाफ नर्सों को मास्टर ट्रेनरों के पर्यवेक्षण में इन ट्रेनरों द्वारा आईवाईसीएफ का प्रशिक्षण दिया गया। मदर्स एब्सोल्यूट अफेक्शन के 10 ट्रेनरों और 16 स्टाफ नर्सों तथा स्वास्थ्य कर्मचारियों के एक समूह ने प्रशिक्षण लिया।

2. मासिक बैठकों के दौरान दयालपुर और छैनसा स्थित जन स्वास्थ्य केंद्रों में फील्ड हैल्थ वर्करों और 'आशा' वर्करों के लिए कुल 50 घंटों के सेवाकालीन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। फील्ड पर्यवेक्षण के दौरान आवश्यकता आधारित विषयों की पहचान की गई : जन स्वास्थ्य योजना के लाभार्थियों की पहचान और उन्हें सुविधा देना, जानवरों के काटे गए मामलों का प्रबंधन, कम वजन वाले जन्मे बच्चों, परिवार नियोजन के तरीकों को महत्व देना तथा उनके प्रसार में सुधार लाना, बायोमेडिकल कचरे का प्रबंधन, अधिक जोखिम वाले गर्भाधान का पता लगाना और उनकी देखरेख, प्रसूति उपरांत मां और नवजात शिशु (जटिलताओं के प्रबंधन और कंगारू मदर केयर सहित) की देखभाल, आईएमएनसी (बीमार बच्चे की पहचान और प्रबंधन कार्य) फील्ड स्तर पर कुपोषण का प्रबंधन, कोल्ड चेन का प्रबंधन, तपेदिक के मामलों का पता लगाना तथा उसके उपचार का प्रबंधन।
3. 8 अगस्त 2017 को प्रयोगशाला और नर्सिंग स्टाफ के लिए आयोजित स्पिल प्रबंधन पर प्रशिक्षण सत्र।
4. 18 अगस्त 2017 को इंटर्न, निवासी डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के लिए आयोजित बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण।
5. 13 सितंबर 2017 को प्रयोगशाला परिचरों और स्वच्छता कर्मचारियों के लिए आयोजित कार्यस्थल प्रबंधन और हाउसकीपिंग के लिए सत्र किया गया।
6. कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संकाय सदस्यों के सहयोग से, 20 मार्च 2018 को इन्टेन्सिव फील्ड प्रैक्टिस एरिया के नर्सिंग स्टाफ और फील्ड हेल्थ वर्कर्स हेतु नवजात पुनर्वसन पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. किशोरावस्था और युवा स्वास्थ्य के लिए योग्यता अनुसंधान विधियां (किशोर और युवा स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 14–16 अप्रैल), 16 अप्रैल 2017, नई दिल्ली
2. छात्रावास मेस, एम्स में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करना, 18 अप्रैल 2017, नई दिल्ली
3. डेंगू और चिकनगुनिया पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, 09 मई 2017, नई दिल्ली
4. एक बेहतर जर्नल क्लब कैसे प्रस्तुत करें, 21 जुलाई 2017, नई दिल्ली
5. राष्ट्रीय एनसीडी निगरानी सर्वेक्षण के हेनर्स प्रोग्राम का प्रशिक्षण, 26–29 जुलाई 2017, नई दिल्ली
6. राष्ट्रीय एनसीडी निगरानी सर्वेक्षण पर तीसरा क्षेत्रीय प्रशिक्षण, 15–19 सितंबर 2017, नई दिल्ली
7. भारत में मौखिक शव परीक्षा के माध्यम से स्थापित (एमआईएनईआरवीए) मृत्यु दर के लिए तकनीकी सलाहकार समूह और नेटवर्क मीटिंग, 17–18 नवंबर 2017, नई दिल्ली
8. विश्व एनसीडी फेडरेशन, की पहली विश्व कांग्रेस में आयोजित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में एनसीडी प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना नवंबर 2017, चंडीगढ़
9. ऑपरेशनल रिसर्च पर स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) कार्यशाला, 20–25 नवंबर 2017, बल्लभगढ़
10. भारत की पहली सार्वजनिक स्वास्थ्य वेधशाला को वित्त पोषित करने पर भारत–यूके गोलमेज, 9 दिसंबर 2017, नई दिल्ली
11. एनसीडी के सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण पर दक्षिण–पूर्व एशिया क्षेत्रीय पाठ्यक्रम, 20–24 मार्च 2018, नई दिल्ली

व्याख्यान दिया गया

शशि कांतः 3
कपिल यादवः 2
रवनीत कौरः 3
किरण गोस्वामीः 2
सुमित मल्होत्राः 13
हर्षल रमेश साल्वेः 13
आनंद कृष्णनः 21
अनिल कुमार गोस्वामीः 2
राकेश कुमारः 4
संजय रायः 5
पार्थ हल्दरः 7

अनुसंधान
वित्त पोषित
परियोजनाएं
जारी

1. हरियाणा (भारत) के बल्लभगढ़ ब्लॉक में रहने वाले वयस्कों में जन्मजात हृदय रोग का प्रसारः आबादी आधारित एक अध्ययन, शशि कांत, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016–19, 19 लाख रुपए।
2. भारत में इन्फ्लूएंजा रोकथाम और नियंत्रण के लिए साक्ष्य आधारित एडवोकेसी को सुदृढ़/बढ़ावा देना, आनंद कृष्णन, सीडीसी, अटलांटा, 5 वर्ष, 2018–23, 81 लाख रुपए।

3. भारत में बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए जनसंख्या आधारित इन्फ्लुएंजा निगरानी प्लेटफार्मों का एक नेटवर्क स्थापित करना, आनंद कृष्णन, सीडीसी, अटलांटा, 1.6 वर्ष, 2017–18, 40 लाख रुपए।
4. नमूना पंजीकरण प्रणाली में मौत की जांच के मौखिक ऑटोप्सी आधारित कारण के लिए एक तकनीकी सहायता इकाई की स्थापना, भारत के रजिस्ट्रार जनरल, आनंद कृष्णन, आरजीआई भारत का कार्यालय, 3 वर्ष, 2017–20, 28 लाख रुपए।
5. नेशनल नॉन कम्युनिकेशनल (एनसीडी) लक्ष्य की निगरानी के लिए सर्वेक्षण, आनंद कृष्णन, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2017–18, 11 लाख रुपए।
6. नॉन कम्युनिकेशनल बीमारियों और भारत के लिए जुड़े जोखिम कारकों (बीओडी–एनसीडी) पर बोझ, आनंद कृष्णन, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2017–18, 6.6 लाख रुपए।
7. उत्तर भारत में विटामिन डी पूरक और जीवनशैली हस्तक्षेप का उपयोग करते हुए, मधुमेह के पूर्व महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम (प्रीवेन्ट–विन अध्ययन), पुनीत मिश्रा, डीएसटी, 4 वर्ष, 2013–17, 56 लाख रुपए।
8. वॉकहार्ट से स्वस्थ भारतीय बच्चों में, एक संभावित, बहुआयामी, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, समांतर समूह, फेस III अध्ययन हेपेटाइटिस ए (लाइव) टीका की एकल खुराक की इम्यूनोजेनिसिटी, सुरक्षा और सहनशीलता की तुलना, सिनोफार्म बनाम बायोवैकटीएम–ए (फ्रीज–ड्राइड लाइव एट्यूनेटेड हेपेटाइटिस ए टीका), पुनीत मिश्रा, सिनोफार्म, 1 वर्ष, 2018–19, 10 लाख रुपए।
9. एक समुदाय सेटिंग में इसकी व्यवहार्यता, और दीर्घकालिक स्थायित्व में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, तनाव और कल्याण पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव, पुनीत मिश्रा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2018–20, 40 लाख रुपए।
10. भारत के पांच केंद्रीय क्षेत्र राज्यों (बिहार, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश) की एचआईवी/एड्स संवेदना निगरानी, संजय के राय, नाको, एमओएचएफडब्ल्यू, 3 वर्ष, 2015–18, 129 लाख रुपए।
11. प्रवास, गतिशीलता और प्रसव पूर्व देखभाल : दिल्ली में प्रवासी गर्भवतीः महिलाओं के बीच प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं की कवरेज और उपयोग में सुधार करने के लिए प्रमुख तत्वों की पहचान करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन, वाई. एस. कुसुमा, डीएसटी, 1.5 वर्ष, 2017–18, . 25.8 लाख रुपए।
12. दिल्ली में पॉकेट्स की तरह झोपड़ियां और झोपड़पट्टी में डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए सामाजिक, और व्यवहार परिवर्तन संचार (एसबीसीसी) रणनीति का विकास, कार्यान्वयन, मूल्यांकन, वाई.एस. कुसुमा, आईसीएमआर–आईसीएसएसआर, 2 वर्ष, 2017–19, 17.8 लाख रुपए।
13. भारत के चयनित जिले में गर्भवती महिलाओं के बीच आयोडीन की स्थिति का आकलन, कपिल यादव, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2016–18, 57.6 लाख रुपए।
14. मानव संसाधन विकास की स्वास्थ्य अनुसंधान योजना, प्रचालनात्मक अनुसंधान, सुमित मल्होत्रा, डीएचआर, 2 वर्ष, 2016–18, 10 लाख रुपए।
15. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्कूल आधारित किशोरों के लिए साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन प्रोग्राम (डब्ल्यूआईएफएस) से संबंधित क्रियान्वयन और बाधाओं का आकलन, दिल्ली; उत्तरी भारत, सुमित मल्होत्रा, डब्ल्यूएचओ/पीएचएफआई, 1 वर्ष, 2017–18, 6. 795 लाख रुपए।
16. स्वास्थ्य और पोषण को उत्तर भारत में युवा पुरुषों के मूल्यांकन की आवश्यकता है, सुमित मल्होत्रा, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2017–18, 4 लाख रुपए।
17. दिल्ली के शहरी पुनर्वास कॉलोनी में रहने वाले वृद्ध व्यक्तियों में विकलांगता का प्रसार, अनिल के. गोस्वामी, एम्स, 1 वर्ष, 2017–18, 4 लाख रुपए।
18. उत्तरी भारत के ग्रामीण समुदाय में वयस्कों के बीच सीकेडी के प्रसार और उससे जुड़े जोखिम कारकों का निर्धारण करने के लिए अध्ययन, पार्थ हल्दर, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2016–17, 5 लाख रुपए।
19. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वेक्टर बोर्न रोग के लिए सामुदायिक स्तर के जलवायु आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली का विकास करना (सीसीईडब्ल्यूएस), भारत, हर्षल और साल्वे, जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम (एसपीएलआईसीट) डीएसटी, 3 साल, 2016–20, 55.62 लाख रुपए।
20. एक माध्यमिक स्तर के अस्पताल में आने वाले तपेदिक और एनसीडी (उच्च रक्तचाप, मधुमेह) वाले मरीजों के बीच तम्बाकू धूम्रपान से अबाधता पर संक्षिप्त समाप्ति सलाह की प्रभावशीलता, बल्लभगढ़, हरियाणा, राकेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017–19, 1.8 लाख रुपए।

पूर्ण

1. भारत में बच्चों एवं वयस्क व्यक्तियों में तीव्र श्वसन पथ संक्रमण में श्वसन पैथोजेन्स का महामारी विज्ञान अध्ययन, आनंद कृष्णन, सीडीसी, 5 वर्ष, 2012–17, 35 करोड़ रुपए।
2. सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की ओर प्रगति की निगरानी के लिए स्वास्थ्य सूचकांक – आंध्र प्रदेश सरकार के साथ सहयोगी परियोजना, आनंद कृष्णन, हर्षल आर. साल्वे, आंध्र प्रदेश सरकार, 0.5 वर्ष, 2017, 15 लाख रुपए।

3. मधुमेह के साथ सामान्य मानसिक विकारों की एसोसिएशन – एक समुदाय आधारित मामला नियंत्रण अध्ययन, हर्षल आर साल्वे, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 9.89 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. फरीदाबाद जिला, हरियाणा में माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा में भाग लेने वाले 6–59 महीने के बच्चों के बीच कोबालामिन और फोलेट स्थिति।
2. हरियाणा के ग्रामीण इलाके में वृद्ध व्यक्तियों के बीच पुरानी श्वसन रोगों और संबंधित कारकों का अध्ययन।
3. नई दिल्ली के शहरी पुनर्वास कॉलोनी में, 20–59 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं में नमक के सेवन और आहार आधारित सोडियम के स्रोतों से संबंधित ज्ञान और व्यवहार का अध्ययन।
4. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में किशोरों के बीच उच्च रक्तचाप का प्रसार।
5. उत्तर भारत के ग्रामीण इलाके में तपेदिक रोगियों में उपचार चूक के निर्धारकः एक समुदाय आधारित मिश्रित विधि अध्ययन।
6. बल्लभगढ़, हरियाणा के ग्रामीण इलाके में वृद्ध व्यक्तियों के बीच मधुमेह और उच्च रक्तचाप।
7. क्या भारत में लिंग, अंधेपन का बोझ, मोतियाबिंद अंधापन और मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा व्याप्ति को प्रभावित करता है? व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–विश्लेषण से साक्ष्य।
8. श्वसन वायरस के कारण भारत में मृत्यु बोझ का आकलन : इन्फ्लुएंजा और श्वसन सिंसिशियल वायरस।
9. बुजुर्गों के बीच आर्थिक भार, निमोनिया की रोकथाम और नियंत्रण।
10. हरियाणा के बल्लभगढ़ में एक स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र में आने वाले 5–15 वर्ष के बाह्य रोगियों में बैक्टीरिया से ग्रसित गले की पहचान हेतु क्लिनीकल स्कोर की मान्यता।
11. दिल्ली के एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में नियंत्रण के साथ मधुमेह रोगियों के बीच मधुमेह प्रबंधन का ज्ञान और आत्म–प्रभावकारिता का जुड़ाव।
12. दिल्ली के शहरी इलाके में किशोरावस्था के दौरान आम मानसिक विकार और संबंधित मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता
13. एम्स, नई दिल्ली के नए मेडिकल अंडर ग्रेजुएट छात्रों पर योग की शुरूआत की व्यवहार्यता तथा तनाव एवं अच्छा महसूस करने पर इसके प्रभाव।
14. दिल्ली के एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल अस्पताल में चयनित नर्सिंग स्टाफ के बीच तनाव और पेशेवर गुणवत्ता पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव– एक लघु स्तरीय फेस–ਪ परीक्षण।
15. उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में किशोरों के बीच मासिक धर्म की स्वच्छता प्रबंधन का आकलन।
16. एम्स के अंडर ग्रेजुएट मेडिकल छात्रों के बीच शारीरिक गतिविधि।
17. श्वसन वायरस के कारण भारत में मृत्यु बोझ का आकलन : इन्फ्लुएंजा और आरएसवी।
18. हरियाणा, उत्तर भारत के एक उप जिला अस्पताल में उपचार हेतु आने वाली गर्भवती महिलाओं के बीच मध्यम और गंभीर एनीमिया के इलाज में अंतःशिरा आयरन सुक्रोस की प्रभावशीलता।
19. समुदाय के बीच एनीमिया का प्रसार, ग्रामीण बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा में वृद्ध व्यक्तियों का आवास।
20. हरियाणा के ग्रामीण इलाकों में वृद्ध व्यक्तियों के बीच पुराने श्वसन रोगों और संबंधित कारकों का अध्ययन।
21. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में बुजुर्गों के बीच घुटने के ऑस्टियोआथराइटिस का प्रसार।
22. हरियाणा के माध्यमिक देखभाल अस्पताल में गर्भवती महिलाओं में आयरन की कमी के लिए एनिमिया के प्रोफाइलेक्सिस हेतु 500 माइक्रो ग्राम फोलिक एसिड मौखिक पूरक की नियत खुराक के साथ 60 मि. ग्रा. बनाम 100 मि. ग्रा. एलिमेंटल आयरन का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

पूर्ण

1. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में वयस्क आबादी के बीच विकलांगता का प्रसार और जीवन की गुणवत्ता में इसका योगदान।
2. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में रहने वाले बुजुर्गों द्वारा जेब से किया गया खर्च।
3. दिल्ली सरकार के माध्यमिक स्तर के अस्पतालों की एनसीडी सेवाओं के प्रावधान के लिए तत्परता का आकलन।
4. हरियाणा के एक ग्रामीण समुदाय में गर्भावस्था का क्षय।
5. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में गर्भवती महिलाओं के बीच सामान्य मानसिक विकारों का प्रसार।
6. नई दिल्ली के शहरी पुनर्वास कॉलोनी में, 10–19 वर्ष की उम्र के किशोरों के बीच स्क्रीन आधारित मीडिया और स्क्रीन टाइम का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली के शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच दृष्टि की हानि, सामुदायिक ऑफ्थेल्मोलॉजी, आरपी सेंटर
2. आईसीएमआर–इंडिया डायबिटीज इंडिया बी स्टडी फेज–II, अंतः स्राविकी एवं चयापचय।
3. शहरी और ग्रामीण दिल्ली में विटामिन डी की कमी का जनसंख्या प्रसार, और कार्डियोवैस्कुलर बीमारी के जोखिम के साथ इसका संबंध, कार्डियोलॉजी।
4. उत्तर भारत में गैर–मादक फैटी यकृत रोग का प्रसार और कार्डियो–मेटाबोलिक रोग के जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, अंतः स्राविकी एवं चयापचय।

पूर्ण

1. मधुमेह वाले रोगियों के पैरों की देखभाल में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऑडियो – विजुअल डिस्प्ले की उपयोगिता, अंतःस्राविकी विभाग।
2. भारत में प्रतिवर्ती और स्थायी गर्भनिरोधक की धारणा (पीओपीआई), प्रसूति एवं स्त्री रोग, न्यू मैक्सिको स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र विश्वविद्यालय।
3. तंबाकू धूम्रपान करने वालों में क्यू प्रेरित के साथ जुड़े एफएमआरआई परिवर्तन, मनोरोग।
4. स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग के विभिन्न स्तरों पर सड़क यातायात चोटों हेतु अस्पताल आधारित आघात रजिस्ट्री के कार्यान्वयन की व्यवहार्यता, और रोगी वाहन, सर्जरी की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव (जेपीएनएटीसी)।
5. दिल्ली के शहरी समुदाय में, जेरियाट्रिक आबादी के बीच मधुमेह प्रबंधन में नर्स के नेतृत्व वाले सामुदायिक शैक्षणिक कार्यक्रम की प्रभावशीलता कॉलेज ऑफ नर्सिंग।
6. दिल्ली की शहरी कमजोर आबादी के लिए प्राथमिक नेत्र देखभाल सेवाओं को सुदृढ़ करने में आशा की भागीदारी पर सामुदाय आधारित परिचालन अनुसंधान अध्ययन, सामुदायिक नेत्रचिकित्सा, आरपी सेंटर।
7. योग आरंभ करने की समुदाय आधारित परिचालन अनुसंधान व्यवहार्यता, और एम्स, नई दिल्ली के नए मेडिकल स्नातक छात्रों पर तनाव और स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 55 **पुस्तकों में अध्यायः 3**

रोगी उपचार

सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र में दो व्यापक क्षेत्र में रोगी देखभाल सेवाएं हैं।

क. ग्रामीण (व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़)

1. उप–जिला अस्पताल, बल्लभगढ़ में प्रदान की जाने वाली रोगी देखभाल सेवाएं
2. सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं – प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रदान की जाने वाली सेवाएं

ख. शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

बाहय सेवाएं	4,77,786 रोगी	आंतरिक रोगी सेवाएं	12,685 रोगी
आपातकालीन सेवाएं	70,450 रोगी	प्रसव	4,346
शल्य चिकित्सा सेवाएं	2,340 (केवल एसडीएच, बल्लभगढ़ में)		

सीआरएचएसपी उप–जिला अस्पताल, बल्लभगढ़

बाहय सेवाएं

दैनिक	**सप्ताह में एक बार**
• सामान्य चिकित्सा	• गैर संक्रामक रोग क्लिनिक
• सामान्य शल्य चिकित्सा	• पीएमआर
• बाल चिकित्सा	• बाल शल्य चिकित्सा
• प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	• तंत्रिका विज्ञान
• नेत्र रोग विज्ञान	• टीबी क्लिनिक
• मनोचिकित्सा	**सप्ताह में तीन बार**

• दंत चिकित्सा	• प्रसवपूर्व क्लिनिक
• आयुष (होमियोपैथी)	**सप्ताह में दो बार**
• आयुष (आयुर्वेद)	• त्वचा विज्ञान
• अस्थि विज्ञान	• कान, नाक और गला

• कुल बाह्य रोगी (नए + पुराने)	3,55,348
• नए ओपीडी रोगी (%)	1,97,005 (55.4%)
• नए ओपीडी रोगी (%)	1,58,343 (44.6%)
• कायचिकित्सा (नया + पुराना)	1,05,680
• बाल चिकित्सा (नया + पुराना)	82,869
• प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान (नया + पुराना)	29,152
• प्रसव पूर्व देखभाल क्लिनिक पंजीकरण/विजिट (नया + पुराना)	19,386
• नेत्र विज्ञान (नया + पुराना)	16,152
• शल्य चिकित्सा (नया + पुराना)	13,216
• ईएनटी (नया + पुराना)	10,897
• दंत चिकित्सा	9,217
• शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (नया + पुराना)	2,570
• एनसीडी क्लिनिक (नया + पुराना)	5,691
• त्वचा विज्ञान (नया + पुराना)	13,355
• आयुष (होम्योपैथी + आयुर्वेद)	11,734
• अस्थि विज्ञान (नया + पुराना)	26,686
• मनोचिकित्सक	8,743

आंतरिक रोगी सेवाएं (50 बिस्तर)

क. कुल प्रवेश (जन्म सहित)	**11,591**
आपातकालीन के माध्यम से	5,105
ओपीडी के माध्यम से	3,249
नवजात शिशु (जन्म)	3,237
ख. प्रवेश के विघटन, विशेषता द्वारा	**(11,792)**
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	6,881
बाल रोग	3,405
नेत्र विज्ञान	773
शल्य चिकित्सा	365
कायचिकित्सा	51
ईएनटी	97
शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर)	19
ग. भर्ती होने की औसत दर (प्रतिशत)	**112.6%**
घ. संचालित कुल प्रसव (आईयूडी सहित)	**3,252**
ङ. सभी रोगियों के लिए रहने की औसत अवधि (दिनों में)	**1.74**

आपातकालीन सेवाएं

पंजीकृत रोगी	59,415
मेडिको–लीगल मामले	5,420
आपातकालीन प्रवेश	1,472

कुल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं

नेत्र विज्ञान	711	बाल शल्य चिकित्सा	254
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान	616	ईएनटी	107
सामान्य सर्जरी	597	पीएमआर	55
कुल	**2,340**		

प्रयोगशाला और नैदानिक सेवाएं

प्रयोगशाला जांच (बायोकैमिकल और हिमेटोलॉजिकल)	2,48,296
एक्स–रे	20,988
अल्ट्रासाउंड	8,649
मलेरिया स्लाइड परीक्षा	10,235
क. पी. विवैक्स सकारात्मक	52
ख. पी. फाल्सीपरम सकारात्मक	शून्य
एचआईवी के लिए परामर्श और परीक्षण सेवाएं प्रदान की	10,400

एसडीएच संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम :

बल्लभगढ़ अस्पताल संशोधित आरएनटीसीपी के तहत एक क्षय रोग इकाई (टीयू) है। तीन नामित माइक्रोस्कोपी सेंटर (डीएमसी) इस इकाई के अधीन हैं। बल्लभगढ़ अस्पताल में कुल तपेदिक के निम्नलिखित मामलों का इलाज किया गया :

उपचार के कुल शुरूआती मामले	**730**
क. नए मामले	576
ख. पहले से उपचारित मामले	154

एसडीएच, बल्लभगढ़ में नई सेवाएं

- 11 जुलाई 2017 को निदेशक आचार्य रणदीप गुलेरिया ने नए ओपीडी ब्लॉक का उद्घाटन किया
- तंत्रिका विज्ञान और बर्न्स/प्लास्टिक सर्जिकल सुविधा के लिए बाह्यरोगी साप्ताहिक सुविधा
- दवा प्रतिरोधी तपेदिक का पता लगाने के लिए सीबीएनएएटी सेवाएं

सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (दयालपुर और छैन्सा) के एक नेटवर्क के माध्यम से 28 गांवों के गहन क्षेत्र अभ्यास क्षेत्र (आईएफपीए) को सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है, और 12 उप केंद्र आईएफपीए में घरेलू आउट पेशेंट, इनपेशेंट, और रेफरल सेवाएं प्रदान की जाती है। आईएफपीए के लिए महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय संकेतक निम्नानुसार थे :

संकेतक	**मान**
जनसंख्या	99,756
प्रति 1000 जनसंख्या पर जन्म दर	19.6
प्रति 1000 जनसंख्या पर मृत्यु दर	6.3
जन्म में लिंग अनुपात दर (प्रति 1000 पुरुषों में एक महिला)	861

प्रति 1000 जीवित जन्म पर नवजात मृत्यु दर	29.9
5 साल से कम उम्र पर मृत्यु दर प्रति 1000 जीवित जन्म दर	35.3

गहन क्षेत्र व्यवहार क्षेत्र में ओपीडी सेवाएं: इसमें पीएचसी के ओपीडी में उपलब्ध स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के साथ साथ विस्तारित स्वास्थ्य क्लीनिक के ओपीडी भी शामिल हैं, जो प्रत्येक गांवों में आयोजित की जाती हैं।

पीएचसी	नए मामले	दोबारा विजिट	कुल
दयालपुर	23,832	26,069	49,901
छैन्सा	20,106	35,140	55,246
कुल	43, 938	61,209	**1,05,147**

पीएचसी दयालपुर में पंजीकृत आयुष ओपीडी रोगी की कुल संख्याः 8,094

पीएचसी में आंतरिक और आपातकालीन सेवाएं

पीएचसी	अंतः रोगी सेवाएं	आपातकालीन सेवाएं
दयालपुर	616	7,229
छैन्सा	478	3,806
कुल	**1,094**	**11,035**

परिवार कल्याण और मातृ बाल स्वास्थ्य (एनएचएम)

संकेतक	प्रदर्शन
कुल प्रसव पूर्व पंजीकरण	2,101
पंजीकृत मामलों का सम्पूर्ण टीटी कवरेज (प्रतिशत)	100ः
संस्थागत प्रसव का प्रतिशत	
पीएचसी, छैन्सा (प्रतिशत)	93
पीएचसी, दयालपुर (प्रतिशत)	97.3
पीएचसी में प्रसव हट में कुल प्रसव	**1,094**
पीएचसी, छैन्सा	478
पीएचसी, दयालपुर	616

अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

क. राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रमः ओपीडी में निष्क्रिय निगरानी के एक भाग के रूप में और आईएफपीए में फील्ड श्रमिकों द्वारा घरेलू विजिट के दौरान सक्रिय निगरानी के रूप में रक्त की स्लाइड का संग्रह किया जाता है।

संकेतक	पीएचसी, छैन्सा	पीएचसी, दयालपुर
मलेरिया स्लाइड की कुल संख्या का परीक्षण किया	4,929	5,159
पोजिटिव मामलों की कुल संख्या	32	28
वार्षिक परजीवी घटना (प्रति 1000 जनसंख्या)	0.6	0.56
वार्षिक परीक्षा रक्त दर (प्रतिशत)	9.9	10.3
स्लाइड पोजिटिवीटी दर (प्रतिशत)	0.64	0.54

ख. संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रमः पीएचसी, दयालपुर को माइक्रोस्कोपी सेंटर के रूप में नामित किया गया है, और यह आईएफपीए के तहत सभी गांवों की जरूरतों को पूरा करता है। आईएफपीए (श्रेणी के अनुसार) में तपेदिक रोगियों का उपचार निम्नानुसार है :

संकेतक	पीएचसी, छैन्सा	पीएचसी, दयालपुर
उपचार के कुल शुरूआती मामले	35	48
नए मामले	25	39
पहले से उपचारित मामले	10	9

ग. एसडीएच, बल्लभगढ़ में पदस्थ क्लिनीकल विशिष्टताओं के वरिष्ठ रेसिडेंस द्वारा प्रत्येक पीएचसी में **साप्ताहिक आउटरीच स्पेशलिटी ओपीडी** (ओआरएसओ) आयोजित की जाती है। प्रत्येक पीएचसी में दर्ज मामलों की स्थिति निम्नानुसार है:

सेवाएं	पीएचसीए छैन्सा	पीएचसीए दयालपुर
प्रसूति विज्ञान	150	1,163
बाल चिकित्सा	306	574
नेत्र विज्ञान	410	864
मनोचिकित्सक	100	201
कुल ओपीडी (ओआरएसओ)	966	2,802

घ. अन्य

विवरण	पीएचसीए छैन्सा	पीएचसीए दयालपुर
प्रदान किए गए कुल स्वास्थ्य वार्ता	50	41
गर्भवती महिलाओं को प्रदान किया गया आईवी आयरन सुक्रोस	463	622
प्रसव उपरान्त डाले गए आईयूसीडी	27	20
उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान और ट्रैक करना	459	1,857
एंटी रेबीज़ टीकाकरण	1,509 खुराक	3,857 खुराक

पीएचसी में विशेष गतिविधियां

1. स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा राज्य सरकार के सहयोग से जन स्वास्थ्य केंद्र, दयालपुर में आंखों की देखभाल के लिए कैंप का आयोजन किया गया। कुल 174 व्यक्तियों के मोतियाबिंद और अपवर्तन दोषों का इलाज किया गया। 21 व्यक्तियों के मोतियाबिंद की सर्जरी की गई और 30 व्यक्तियों को निशुल्क चश्मे दिए गए।
2. दोनों पीएचसी में गहन मिशन इंद्रधनुष
3. मार्च 2018 के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के आकलन में राष्ट्रीय मूल्यांकन के लिए दोनो पीएचसी का चयन किया, जिसमें उन्होंने योग्यता प्राप्त की।

आईईसी गतिविधियां

समूह स्वास्थ्य वार्ता:

कवर किए गए विषयों में नवजात देखभाल और कंगारू मां जैसी देखभाल, स्तन पान और दूध छुड़ाना, प्रसव पूर्व देखभाल, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, गर्भावस्था में खून की कमी, संस्थागत प्रसव का महत्व, टीकाकरण, मलेरिया और डेंगू, तपेदिक, बच्चों में खून की कमी, बच्चों में कुपोषण, विटामिन ए की कमी, डायबिटीज, हाइपर टेंशन, एचआईवी/एड्स, बच्चों में दुर्घटनाएं, व्यक्तिगत स्वच्छता, परिवार नियोजन की विधियां, प्रसव पश्चात् देखभाल और आहार, नवजात शिशुओं की देखभाल, स्वाइन फ्लू, वृद्धावस्था देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि शामिल है।

लघु फिल्मों के शो

ओपीडी के समय के दौरान स्तनपान, प्रसवपूर्व देखभाल, शिशु देखभाल, बालिका भ्रूणहत्या, विटामिन ए की कमी, कुपोषण और हैजा जैसे विषयों को शामिल किया गया। शिशु कल्याण केंद्र, बल्लभगढ़ तथा दयालपुर और छैन्सा जन स्वास्थ्य केंद्रों में फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के फील्ड प्रेक्टिस एरिया, सेंटर फॉर कम्यूनिटी मेडिसिन दक्षिणी दिल्ली के दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ. अंबेडकर नगर में स्थित है, जिनमें सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी के ब्लॉक 1–7, 14, 15, 19 शामिल हैं, जिनसे लगभग 35,363 लोग लाभान्वित होते हैं। शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में रोगियों की देखभाल संबंधी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

नैदानिक सेवाएं

	गतिविधियां	संख्या
ओपीडी	देखे गए रोगियों की कुल संख्या (प्रतिरक्षण सहित)	22,682
प्रयोगशाला सेवाएं	कुल प्रयोगशाला परीक्षण	4,539
	हीमोग्लोबिन के स्तर की संख्या	1,487
	एचबी <7जी / डी1	46
	एचबी <11जी / डी1	680
	ब्लड शुगर	2,221
	मूत्र एल्बुमिन और शुगर की जांच की	69
	मलेरिया के लिए आरडीटी	135

बाल स्वास्थ्य सेवाएं

टीकाकरण सत्रों की संख्याः 98

बीसीजी	89	ओपीवी 0 खुराक (जन्म खुराक)	53
डीपीटी / पेंटावेलेंट 1	262	ओपीवी1	262
डीपीटी / पेंटावेलेंट 12	254	ओपीवी2	253
डीपीटी / पेंटावेलेंट 13	252	ओपीवी3	252
हेपेटाइटिस–बी 1	3	इंजेक्टेबल आईपीवी फ्रैक्शनल 1	292
हेपेटाइटिस–बी 2	3	इंजेक्टेबल आईपीवी फ्रैक्शनल 2	207
हेपेटाइटिस–बी 3	1	डीपीटी / ओपीवी बूस्टर 1	237
मीजल्स पहली खुराक	258	डीपीटी / ओपीवी बूस्टर 2	310
एमएमआर	30	टाइफाइड टीका	230
मीजल्स दूसरी खुराक	75	टीटी 10 वर्ष	256
एल्बेंडाजोल	381	टीटी 16 वर्ष	52
9 महीने और 5 वर्ष के बीच विटामिन ए दिया गया	815	गंभीर रूप से कम वजन व्यक्तियों की संख्या, जिन्हें स्वास्थ्य जांच प्रदान की गई (0–5 वर्ष)	60

मातृ स्वास्थ्य सेवाएं

प्रसव पूर्व देखभाल	
शहरी स्वास्थ्य केंद्र में देखी गई गर्भवती महिलाओं की कुल संख्या	742
टीटी1 लेने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	104
टीटी2+ या बूस्टर लेने वाली गर्भवती महिलाओं की संख्या	110
180 आईएफए गोली लेने वाली गर्भवती महिलाओं की कुल संख्या	84
परिवार नियोजन	
वितरित कंडोम की संख्या	2,215
वितरित मौखिक गर्भनिरोधक गोली चक्र की संख्या	36
नए आरटीआई / एसटीआई मामलों की पहचान की गई	182

आईईसी गतिविधियां

- सामुदायिक–आधारित गतिविधियांः 541 अनुमान (यूएचसी) 116 स्वास्थ्य वार्ता

- अवसाद पर प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम (15 अप्रैल 2017)
- अंसारी नगर के आवासीय क्षेत्र में *डेंगू और चिकनगुनिया* पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम (9 मई 2017)
- सप्ताह के विभागीय समाचार एनबी–208, नए समाचार पत्र क्लिपिंग (clippings)
- डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया पर विभिन्न ओपीडी, आपातकालों और एम्स के केंद्रों में 23,650 (हिंदी), 7,650 (अंग्रेजी) बुकलेट वितरित की।
- डीपीओआरसी और एनडीएमसी के साथ वेक्टर बोर्न रोग, उनकी रोकथाम और नियंत्रण (13 सितंबर 2017)
- एम्स, नई दिल्ली और यूएचसी, दक्षिणपुरी एक्सटेंशन के 30 स्थानों पर पोस्टर प्रदर्शन

तिथि	**पोस्टर**
1–19 अप्रैल 2017	स्वाइन फ्लू
20 अप्रैल 2017–05 जून 2017	हीट स्ट्रोक
6 जून 2017–1 दिसंबर 2017	डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया
25–27 सितंबर 2017	इंस्टीट्यूट डे प्रदर्शनी 2017 – ग्लोबल वार्मिंग
2 दिसंबर 2017–28 फरवरी 2018	शीत लहर
29 जनवरी 2018	कुष्ठ रोग
19 मार्च 2018	विश्व टीबी दिवस प्रदर्शनी

- स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री का विकास (पोस्टर)

क्र.सं.	**विषय**	**सं.**	**भाषा**
1.	दिल्ली में अकुशल, अर्द्ध कुशल और कुशल कार्यकर्ता के लिए न्यूनतम वेतन जागरूकता अभियान	1	हिंदी
2.	ग्लोबल वॉर्मिंग	2	अंग्रेजी
3.	लेख प्रकाशन	1	अंग्रेजी

टीवी वार्ताः डॉ पुनीत मिश्रा (विशेषज्ञ के रूप में राज्य सभा टीवी और लोकसभा टीवी)

- डेंगू
- मधुमेह
- प्लास्टिक और स्वास्थ्य
- वातावरण
- वृद्धावस्था
- एनईईटी परीक्ष

एम्स में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियांः

- एनएसएस अभिविन्यास कार्यक्रम एमबीबीएस, बैच 2017 छात्र (11 जुलाई 2017)
- पोस्टर प्रतियोगिता कार्यक्रमः फोयर में ग्लोबल वार्मिंग और इसके प्रभाव (21 अप्रैल 2017)
- रक्तदान शिविरः एनएसएस स्वयंसेवक एम्स और एसयू, एम्स, जेएलएन ऑडी (21 अप्रैल 2017)
- यूजी परियोजना हस्तक्षेपः अवसाद (15 अप्रैल 2017)
- (यूएचसी, दक्षिणीपुरी एक्सटेंशन): तंबाकू समाप्ति (22 जुलाई 2017), ओल्ड एज पेंशन योजना (9 सितंबर 2017), बुजुर्गों में बहु–मोर्बिडिटी (15 अप्रैल 2018)
- *बैठकें*
  - 27 अप्रैल 2017 को राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली में खेल और युवा मामले (एमएसवाईए) मंत्रालय द्वारा आयोजित श्री विजय गोयल की अध्यक्षता में एनएसएस कश्मीरी छात्रों के साथ इंटरएक्टिव इंटरनेशनल प्रोग्राम

- एनएसएस की समीक्षा करने के लिए सचिव एमएसवाईए, भारत सरकार के साथ इंडिया हैबिटेट सेंटर में दिल्ली बैठक के एनएसएस पदाधिकारी (10 जुलाई 2017)
- सचिव, एमएसवाईए द्वारा भविष्य की एनएसएस रणनीतियां (10 अक्तूबर 2017)

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट कार्यक्रम

1. **कायाकल्प पुरस्कारः** जिला फरीदाबाद में वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए प्रशंसा पुरस्कार के साथ पीएचसी, दयालपुर के बाद पीएचसी, छैन्सा
2. **कायाकल्प पुरस्कारः** हरियाणा के लिए वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ अस्पताल (श्रेणी उप जिला स्तर अस्पताल)
3. पीएचसी, दयालपुर और पीएचसी, छैन्सा के लिए एनक्यूएएस प्रमाणीकरण
4. भारत में एचआईवी निगरानी और अनुमान में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ बी.डी. अथानी ने डॉ शशि कांत को सम्मानित किया (21 मार्च 2018)
5. बल्लभगढ़ में तंत्रिका ट्यूब दोषों पर अनुसंधान कार्य के लिए डॉ सुमित मल्होत्रा को एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान प्रशंसा प्रदान किया गया (एम्स इंस्टिट्यूट डे समारोह, सितंबर 2017)

   सितंबर 2017 में आईसीएमआर द्वारा एनसीडी के क्षेत्र में काम के लिए डॉ आनंद कृष्णन को वर्ष 2014 हेतु पीएन राजू ऑरेशन से सम्मानित किया गया; चिकित्सा शिक्षा की श्रेणी के तहत वॉकहार्ट फाउंडेशन स्वास्थ्य पॉपुलर अवार्ड से सम्मानित किया गया; आईपीएचए द्वारा डॉ बी. सी. दासगुप्ता मेमोरियल ऑरेशन से सम्मानित किया गया; दिनांक 13 से 17 मई 2017 से स्वास्थ्य अनुसंधान संवर्धन रणनीति तैयार करने के लिए मालदीव सरकार और डब्ल्यूएचओ द्वारा आमंत्रित किया गया।
6. डॉ संजय राय ने 2016–18 के लिए आईपीएचए के उपाध्यक्ष (उत्तर क्षेत्र) को निर्वाचित किया।
7. डॉ पुनीत मिश्रा को शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर अवॉर्ड "उत्तर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रेहनेवाली महिलाओं मे विटामिन डी का स्टारः एक सौमुदाय आधारित अध्याय" (हिंदी) डेजर्ट मेडिसिन रिसर्च सेंटर, जोधपुर में 29–30 अक्टूबर 2017 को दिया गया।
8. डॉ किरण गोस्वामी ने फरवरी 2018 में एफएआईएमईआर फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

आचार्य शशि कांत निम्नलिखित के संबंध में स्रोत व्यक्ति रहे : (प) दिनांक 9 और 10 जनवरी, 2017 को सेंट्रल जोन, आरआई, एम्स में आयोजित प्री सर्विलांस ओरियंटेशन एंड प्लानिंग वर्कशॉप; (पप) दिनांक 16–19 जनवरी 2017 को बल्लभगढ़ में ऑपरेशनल रिसर्च वर्कशॉप; (पपप) दिनांक 12–16 जून, 2017 तक जयपुर, भारत में ऑपरेशनल रिसर्च–इंडिया के लिए सार्क की रीजनल ट्रेनिंग; सदस्य : एम्स, रायपुर, छत्तीसगढ़ में फैकल्टी एपीएस (18 अप्रैल 2017); फैकल्टी सलेक्शन, एम्स, भोपाल, मध्य प्रदेश (24 अप्रैल 2017); एनएमआईएस, नई दिल्ली में सीनियर रिसर्च फैलो (स्टेटिस्टिक्स) सलेक्शन (25 अगस्त 2017); भोपाल, ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) के लिए चिकित्सा विज्ञान के सरकारी संस्थानों में फैकल्टी के चयन के लिए (6 सितंबर 2017); फैकल्टी सलेक्शन, एम्स, भुवनेश्वर, ओडिशा (28 अक्तूबर 2017); एनएसीओ के अनुसंधान एवं विकास पर तकनीकी संसाधन ग्रुप, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (5 मई 2017); एम्स, नई दिल्ली के डीन की समिति (मई 2017); राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एचआईवी एस्टीमेशन, 2017 के लिए नेशनल वर्किंग ग्रुप (दिनांक 21 अप्रैल 2017 का पत्र); नेशनल आयोडीन एंड साल्ट इनटेक सर्वे 2018–19 के लिए टीएजी (फरवरी 2018); सीआरएस और एमसीसीडी पर आधारित सिस्टम के प्रस्ताव के लिए विशेषज्ञ समिति, सांख्यिकीय डिवीजन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (13 मार्च 2018); सामुदायिक स्तर पर असुरक्षित गर्भपात पर बहु–राष्ट्र अध्ययन के लिए प्रस्ताव विकास समिति, जिसके लिए इम्प्रूव्ड एनोनिमस थर्ड पार्टी रेस्पांडिंग (एटीपीआर) और रेस्पांडेंट ड्रिवन सेंपलिंग (आरडीएस) के तरीके, 19–21 जुलाई 2017, विश्व स्वास्थ्य संगठन मुख्यालय, जिनीवा, स्विटजरलैंड; विस्तृत एनीमिया परोग्राम और पर्सनलाइज्ड थेरेपी प्रोजेक्ट पर बहु–राष्ट्र अध्ययन के लिए प्रस्ताव विकास समिति, काठमांडू, नेपाल, 28–29 अगस्त 2017; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 16 मई 2017 को एम्स, नई दिल्ली में राष्ट्रीय डेंगू दिवस के दौरान "सामुदायिक सशक्तिकरण–डेंगू का सामना करने का साधन" विषय पर आयोजित समारोह में सत्र की अध्यक्षता कीय राज्य स्तर पर आयोजित नेशनल आयरन प्लस इनिशिएटिव की एम्स, भुवनेश्वर, ओडीशा द्वारा आयोजित डिसएमिनेशन मीटिंग की अध्यक्षता की (21 नवंबर 2017); राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "एचआईवी सर्विलांस और भारत में इसके उन्मूलन के नए तरीकों पर विशेषज्ञों के परामर्श" विषय पर आयोजित सत्रों की अध्यक्षता की (21–24 मार्च 2018); 19 जून, 2017 को आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एचआईवी एस्टीमेशन पर नेशनल वर्किंग ग्रुप की पहली बैठक में सहभागिता कीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल स्टेटिस्टिक्स, नई दिल्ली द्वारा "वर्बल आटोप्सी द्वारा होने वाली मृत्यु के कारणों का पता लगाने के तरीकों की तुलना" विषय पर आयोजित तकनीकी परामर्श समिति में सहभागिता की (26 सितंबर 2017); नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल स्टेटिस्टिक्स, नई दिल्ली द्वारा ट्राइबल

हैल्थ पर आयोजित तकनीकी परामर्श समिति में सहभागिता की (3 नवंबर 2017); एचआईवी एस्टीमेशन, 2017 के परिणामों की समीक्षा के लिए एचआईवी सर्विलांस और एस्टीमेशन पर टीआरजी की बैठक में सहभागिता (21 फरवरी 2018); एचआईवी एस्टीमेशन, 2017 पर नेशनल वर्किंग ग्रुप मीटिंग की चौथी बैठक में सहभागिता (12 जनवरी 2018)।

आचार्य संजीव कुमार गुप्ता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के जेरिएट्रिक केयर में प्राइमरी केयर के लिए ऑपरेशनल दिशानिर्देशों के विकास के लिए गठित टास्क फोर्स के सदस्य रहे; भारत सरकार, नई दिल्ली के स्वास्थ्य कर्मचारियों और स्कूल अध्यापकों की ओरल हैल्थ पर प्रशिक्षण नियमावलियों के विकास के लिए परामर्शदात्री समिति; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में पीजीडीएमसीएच प्रोग्राम के संशोधन के लिए विशेषज्ञ समितिय तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्था समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सदस्य रहे; नेशनल मेडिकल जरनल ऑफ इंडिया, इंडियन जरनल ऑफ पब्लिक हैल्थ, इंडियन जरनल ऑफ कम्यूनिटी मेडीसिन, पब्लिक हैल्थ न्यूट्रिशन के समीक्षक रहे।

आचार्य किरन गोस्वामी, टेक्नोलॉजी इंटरवेंशन ऑर एड्रेसिंग सोशन नीड्स (टीआईएएसएन), एसईईडी डिवीजन, डीएसटी की विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; एसईईडी डिवीजन, डीएसटी की सोसाइटल नीड्स स्कीम की विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; भारत के पांच उत्तरी राज्यों (दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड) की आरआई, एचआईवी सेंटिनेंटल सर्विलांस (एचएसएस); राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) में उत्तर प्रदेश के निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं के चयन के लिए स्टेंडिंग सलेक्शन कमेटी (एसएससी) के सदस्य थे, 12 अप्रैल 2017; एम्स, भोपाल में डिपार्टमेंट ऑफ कम्यूनिटी एंड फैमिली मेडीसिन में फैकल्टी के चयन के लिए स्टेंडिंग सलेक्शन कमेटी (एसएससी) के सदस्य थे, 24 अप्रैल 2017; ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में टीचिंग फैकल्टी के चयन के लिए स्टेंडिंग सलेक्शन कमेटी (एसएससी) के सदस्य थे, 6 सितंबर 2017; एसएससी, एपीएस फैकल्टी, एम्स, पटना, 17 नवंबर 2017; जिला स्तर पर एचबीएनसी–प्लस प्रोग्राम के इनक्लेन स्टडी इवेल्यूएशनय नेशनल स्टीयरिंग ग्रुप, आईसीएमआर इनक्लेन रिसर्च प्रायोरिटी सेटिंग नेटवर्क; इन्टरनल कंप्लेंट कमेटी; आईआईएचएमआर; रिसोर्स पर्सन एनआईपीसीसीडी के सदस्य थे; तीसरे प्रोफेशनल एमबीबीएस (14–16 दिसंबर 2017), अनुपूरक परीक्षा (17 फरवरी 2018), बांसनी–प्, एम्स, जोधपुर में सहभागिता; 21–26 अगस्त 2017, 3 अक्तूबर 2017, 5–10 मार्च 2018 को नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित सोशल मेडिसिन एंड कम्यूनिटी हैल्थ यूजीसी एनईटी एग्जाम विषय पर प्रश्नपत्र तैयार करने के लिए कार्यशाला; विशेषज्ञ समिति की बैठकें टीआईएएसएन (1 अप्रैल 2017, 4–6 नवंबर 2017) और एससीपी (4–6 नवंबर 2017) एसईईडी डिवीजन, डीएसटीय क्यू एलईएपीपी (क्वालिटी लीडरशिप और शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा रोगी देखभाल में उत्कृष्टता) कार्यशाला, 4 अगस्त 2017, नई दिल्ली; उत्तर प्रदेश राज्य के लिए एचआरजी एचएसएस गतिविधियों की मॉनीटरिंग, 10–12 मई 2017य एचबीएनसी रायगढ़ जिला, मध्य प्रदेश द्वारा नेक्सस प्लानिंग वर्कशॉप, 16–20 मई 2017; पंजाब राज्य के लिए इंजेक्शन सेफ्टी प्रोग्राम पर तकनीकी विशेषज्ञ ग्रुप की बैठक, 14 अक्तूबर 2017; पीएसी–एससीएसपी एसईईडी डिवीजन, डीएसटी की बैठक, 18–19 दिसंबर 2017 में सहभागिताय भारतीय जन स्वास्थ्य एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश की 62वीं वार्षिक नेशनल कॉन्फ्रेंस में नॉन–कम्यूनिकेबल बीमारियों पर सत्र की अध्यक्षता की (11 फरवरी 2018); आईजेएमआर, आईजेएबीआर की डीएसटी परियोजनाओं के **समीक्षक** रहे।

आचार्य आनंद कृष्णन, टीएजी के **सदस्य थे**– नेक्स्ट जेनेरेशन इन्फ्लूएंजा टीकों के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा पसंदीदा उत्पाद विशेषताओं का विकास; इन्फ्लूएंजा बर्डन अनुमान पर डब्ल्यूएचओ वर्किंग ग्रूप; टीएजी– राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015–17; जीबी–एनएचएसआरसी; मेडिकल टेक्नोलॉजी आकलन बोर्ड, भारत सरकार की तकनीकी मूल्यांकन समिति; एनसीडीसीएस की राष्ट्रीय संचालन समिति; तकनीकी सलाहकार समिति ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वेक्षण 2015; कोर ग्रुप, भारत में स्वास्थ्य और विकास पर स्वतंत्र आयोग; मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर के लिए जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग पर विशेषज्ञ समिति; आरजीआई के कार्यालय में एसआरएस के तहत वर्बल ऑटोप्सी के लिए प्रमुख तकनीकी सहायता इकाई; राष्ट्रीय एनसीडी निगरानी सर्वेक्षण 2016–17 के उपकरण और मैन्युअल विकास के लिए तकनीकी नेतृत्व; आपात स्थिति में एनसीडी प्रबंधन के एकीकरण के लिए एसईए क्षेत्रीय दिशानिर्देश तैयार किए; एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम प्रबंधकों के प्रशिक्षण, प्रशिक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण; राष्ट्रीय एनसीडी निगरानी सर्वेक्षण के पर्यवेक्षक; **बैठकों में सहभागिताः** 2 मई 2017 को नई दिल्ली में आईडीएसपी के तहत संशोधित रिपोर्टिंग प्रारूपों पर राष्ट्रीय सलाहकार कार्यशाला; दिनांक 24 से 26 अक्टूबर 2017 को नई दिल्ली में 35वीं एसईए–एसीएचआर बैठक।

आचार्य बैरिडेलाइन नोंग्कायंरिह, पीएसी के **सदस्य** थे– पूर्वोत्तर भारत में कैंसर स्क्रीनिंग, आईसीएमआर; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, आईसीएमआर में एनसीडी और कैंसर के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति; प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के बीच कम संसाधन

सेटिंग में प्राथमिक देखभाल के लिए आवश्यक एनसीडी हस्तक्षेप (डब्ल्यूएचओ पेन) के डब्ल्यूएचओ पैकेज पर 'एसईएआर प्रशिक्षण मॉड्यूल के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल की तैयारी', पारो, भूटान, नवंबर 2017; शिक्षण अनुसूची समिति, एम्स; प्रबंधकीय कौशल और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम हेतु राज्य और जिला कार्यक्रम अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक; डब्ल्यूएचओ इंडिया के साथ एक एपीडब्ल्यू पूर्ण किया– राज्यों में एनपीसीडीसीएस के कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनानाः वर्ष 2017 में कार्यक्रम प्रबंधकों/समन्वयकों का क्षमता निर्माण।

आचार्य पुनीत मिश्रा, टीआरजी किशोर स्वास्थ्य, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य थे कांजेनिटल मलफोर्मेशन एंड जेनेटिक्स पर टीईसी आईसीएमआर, मां का स्वास्थ्य, बच्चे का स्वास्थ्य, बच्चों और अन्य लिंगों का निम्न लिंग अनुपात और महिलाओं से संबंधित शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओंय तपेदिक, मेटाबॉलिक डिसऑर्डर, किडनी और लीवर डिसऑर्डर, कार्डियोवेस्क्यूलर रोगों पर टीईसी आईसीएमआरय पीएसी एसईईडी डिवीजन, डीएसटी, भारत सरकार; केजीएमयू, लखनऊ, यूसीएमएस, दिल्ली, सीएमसी, लुधियाना, एलएलआरएम मेडिकल कालेज, मेरठ की परीक्षाओं में भागीदारी; एम्स, पटना में एमडी पाठ्यक्रम आरंभ किए जाने की संभावनाओं पर बैठकय ब्रेस्ट कैंसर की स्क्रीनिंग, एएसओएमए कॉन्फ्रेंस के सत्रों की अध्यक्षता : 8 अक्तूबर 2017; वाइस इंटरनेशल कॉन्फ्रेंस, डीएसटी, 6 अक्तूबर 2017; आईआए कार्यशाला, पोखराय भारतीय जन स्वास्थ्य एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश की 62वीं वार्षिक नेशनल कॉन्फ्रेंस में सहभागिताय लेंकसेट बब्लिक हैल्थ, आईजेपीएच, आईजेपी, एनएमजेआई, विकासशील देशों में मधुमेह पर अंतर्राष्ट्रीय पत्र, एडिक्टिव बिहेवियर, किशोर मेडिसिन और हैल्थ पर अंतर्राष्ट्रीय पत्र, बीएमसी जन स्वास्थ्य, बीएमसी महिला स्वास्थ्य, बीएमसी छूत की बीमारियों, बायोमेडिकल और एन्वायरमेंटल साइंस, फैमिली मेडिसिन और कम्यूनिटी हैल्थ, डीएसटी, आईसीएमआर के **समीक्षक** रहे।

आचार्य, संजय राय एमडी, सामुदायिक चिकित्सा, अगरतला सरकार मेडिकल कॉलेज द्वारा 24–25 अप्रैल, 2017 को अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित एमडी परीक्षा तथा बुर्दवान मेडिकल कॉलेज बुर्दवान, पश्चिम बंगाल द्वारा 20–21 जून 2017 में आयोजित परीक्षा समिति के सदस्य थे। बनारस विश्वविद्यालय के स्टेंडिंग चयन समिति वाराणसी तथा 2 अगस्त तथा 14 फरवरी, 2018 पर संकाय पदों के लिए ग्रेटर नोएडा में आयुर्विज्ञान संस्थान के सरकारी संस्थान के स्टडिंग चयन समिति; टीएजी, राष्ट्रीय आयोडिन तथा सोल्ट इन्टेंक सर्वे (एनआईएसआई) 2018; आरएनटीसीपी के तहत एम्स के कोर समिति एचवाईवी टीआरजी, एनएसीओ, एमओएचएफडब्ल्यू, जीओआई एस्टीमेशन 2017 भारत; एनएसीओ द्वारा मनोनीत, एड्स नियंत्रण विभाग (डीएसी) पांच उत्तर भारतीय प्रांतों (दिल्ली बिहार उ.प्र. उत्तराखंड तथा झारखण्ड) में एचआईवी सेनटिनल सर्वीलेंस (एचएसएस) के लिए तकनीकि सहायता के लिए फोकल व्यक्ति के रुप का किया। राष्ट्रीय स्टेरींग–ग्रुप, आईसीएमआर, इनक्लोन रीसर्च प्रायोर्टी सेटिंग नेटवर्क; स्वास्थ्य तथा जनसंख्या धारणा तथा समस्याए इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ क्मूनीति मेडिसिन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपीडीमियोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, एनएमपीआई इत्यादि के समीक्षक रहे।

डॉ. वाईएस कुसुमा एनसीडी जोखिम फैक्टर सहयोग (एनसीडी–आरआईएससी) के **सदस्य** थे;

समीक्षकः आईसीएमआर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी); एथनो–मेडिसिन एवं एफ्रो–एशियन जर्नल ऑफ एंथ्रोपोलॉजी एंड सोशल पॉलिसी; पर अध्ययन के लिए संपादकीय बोर्ड सदस्य, जेएनयू और आंध्र विश्वविद्यालय के पीएचडी सिद्धांतों के लिए अभियोजक।

डॉ. कपिल यादव, तकनीकी उपसमूह के **सदस्य** थे– परीक्षण और उपचारः 'एनीमिया मुक्त भारत', भारत सरकार के लिए परिचालन दिशानिर्देशों का निर्माण; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 'एनीमिया नियंत्रण (एनसीईएआर–ए) पर उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान हेतु राष्ट्रीय केंद्र' के लिए ध्यान दिए जाने वाले बिन्दु; उपाध्यक्ष के रूप में **भाग लिया–** माइक्रोन्यूट्रिएंट और अन्य पोषण हस्तक्षेपों में भावी मार्ग। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और यूनिसेफ द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य समीक्षा, दिनांक 11 अक्टूबर 2017।

डॉ. सुमित मल्होत्रा दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर), एम्स द्वारा मौखिक स्वास्थ्य पर आयुष प्रेक्टिशनर्स को प्रशिक्षण देने के लिए गठित वर्किंग ग्रुप कमेटी; दंत शिक्षा और अनुसंधान केंद्र द्वारा विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस–2017 के अवसर पर आयोजित पोस्टर/स्लोगन/लोगो प्रतियोगिता की मूल्यांकन समिति के सदस्य थे उन्होंने इग्नू के लिए बनाए गए मां और बच्चे का स्वास्थ्य विषय पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्राम के लिए डिस्टेंट लर्निंग यूनिट तैयार कीय जनगणना कार्य निदेशालय, दिल्ली शाखा के अधीन कार्यरत आरजीआई पर्यवेक्षकों के लिए वर्बल आटोप्सी पर जागरुकता संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन किया (8 और 9 दिसंबर 2017); एनडीडीटीसी, गाजियाबाद और दिल्ली सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से चिकित्सा अधिकारियों के लिए किशोरों का दुरुपयोग विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया (जनवरी/फरवरी 2018); 6–13 अप्रैल 2017 तक विस्तृत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना, बल्लभगढ़ में अग्रिम पंक्ति के

कर्मचारियों के लिए मदर्स एब्सोल्यूट अफेक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत मास्टर लेवल के प्रशिक्षण में सहभागिता की; 19–22 सितंबर 2017 को बायोस्टेटिक्स विभाग द्वारा आयोजित डेटा एनालिसिस वर्कशॉप में सहायता की; किशोर स्वास्थ्य पर 11वीं वर्ल्ड कांग्रेस (27–29 अक्तूबर 2017); गृह मंत्रालय के अधीन भारत में वर्बल आटोप्सी आधारित मृत्यु की अनिश्चितता विषय पर टीआरजी बैठक और नेटवर्क भागीदारों की बैठक (17–18 नवंबर 2017); राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, दिल्ली सरकार की राज्य स्तर की रिव्यू सह कन्वर्जेंस बैठक (28 नवंबर 2017); शहरी स्वास्थ्य में मेडिकल कालेजों की सहभागिता का होना विषय पर नेशनल हैल्थ मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित कार्यशाला (8 जनवरी 2018); पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में वर्बल आटोप्सी पर आरजीआई पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण (12 दिसंबर 2017) में सहयोग; एमबीबीएस प्रोफेशनल्स की फाइनल परीक्षा में इंटरनल एग्जामिनर (15–18 दिसंबर 2017) तथा 27–28 मार्च, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला 'नेतृत्व क्षमता में गुणवत्तापरक सुधार और क्षमता का निर्माण' विषय पर कार्यशाला सह परामर्श में सहभागिता।

डॉ. अनिल कुमार गोस्वामी, एम्स के एनएसएस इकाई में कार्यक्रम अधिकारी थे; संरक्षक, ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स, चंडीगढ़, 2016–20; नोडल अधिकारी, रोग निवारण प्रकोप प्रतिक्रिया कक्ष (डीपीओआरसी), एम्स; सदस्यः तंबाकू नियंत्रण विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली में नई निर्दिष्ट स्वास्थ्य चेतावनियों के विकास के लिए विशेषज्ञ समिति; काया कल्प (स्वच्छ अस्पताल अभियान) के तहत स्वच्छता संवर्धन (स्वच्छ और ग्रीन एम्स के केआरए–7); कायाकल्प (स्वच्छ अस्पताल अभियान) के तहत सार्वजनिक प्रतिक्रिया (स्वच्छ और ग्रीन एम्स के केआरए–8); राजभाषा समिति, एम्स; फाइट एंटीबायोटिक प्रतिरोध के अंतर्गत 'यह आपके हाथ में है (सार्वजनिक व्याख्यान) पर सहभागिता की, जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली, 5 मई 2017; विश्व स्वास्थ्य दिवस 2017 कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, अवसाद पर व्याख्यान 'लेट्स टॉक', नई दिल्ली, 7 अप्रैल 2017; अंतर्राष्ट्रीय एकता (हेल्दी एजिंग एनजीओ के साथ सहयोग में) बच्चों और उनके दादा दादी के संबंधों पर कार्यक्रम, गांधी दर्शन, नई दिल्ली, 22 अप्रैल 2017; विश्व मलेरिया दिवस, विषयः अच्छे के लिए मलेरिया की समाप्ति, 25 अप्रैल 2017, नई दिल्ली–110001; राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर संगोष्ठीः सामुदायिक सशक्तिकरण, 16 मई 2017 को संयुक्त रूप से चिकित्सा विभाग, एम्स, एनवीबीडीसीपी और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित डेंगू से लड़ने के लिए उपकरण; 20 जुलाई 2017 को सम्मेलन हॉल में एम्स, नई दिल्ली हेतु संकाय मेन्टरशिप कार्यक्रम; विश्व गैर–संक्रामक रोग कांग्रेस 2017, दिनांक 4–6 नवंबर 2017, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; 45वें राष्ट्रीय आईएपीएसएम सीओएन 2018, श्रीमती काशीबाई नवले मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, नरहे, पुणे, दिनांक 9–11 मार्च 2018; 7 फरवरी 2018 को एम्स, नई दिल्ली में राष्ट्रीय वार्षिक कायाकल्प निगरानी और मूल्यांकन कार्यक्रम।

डॉ. पार्था हल्दार, टीआरजी के **सदस्य** – भारत में हेपेटाइटिस निगरानी, एनसीडीसी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; भारत में एचआईवी अनुमानों के लिए एनडब्ल्यूजी, एनएसीओ, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; हेपेटाइटिस निगरानी उप–समिति के सचिव, एनसीडीसी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; भारत में हेपेटाइटिस निगरानी के लिए टीआरजी, रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के लिए भारत में वायरल हेपेटाइटिस निगरानी आरंभ करने के लिए परिचालन दिशानिर्देश तैयार करने वाली समिति; भारत में एचआईवी अनुमानों के लिए राष्ट्रीय कार्य समूह, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित; एचआईवी सेंटीनेल निगरानी के लिए एम्स, नई दिल्ली में गठित केंद्रीय क्षेत्रीय संस्थान; भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु में कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए अतिथि संकाय।

डॉ. रवनीत, मातृ, शिशु और युवा बाल पोषण पर आईएपीएसएम के राष्ट्रीय कार्य समूह के **सदस्य**; पर्यावरणीय और व्यावसायिक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए इग्नू के कोर्स राइटर्स कमेटी; इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंट हेल्थ के लिए **समीक्षाकर्ता**; प्वाइंट ऑफ केयर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट मॉडल (संस्करण 2) के शुभारंभ के लिए कार्यशाला में **भाग लिया**ः दिनांक 24 नवंबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली फेसिलिटेटर्स मीट।

डॉ. हर्षल रमेश साल्वे मुख्य टीम, एक राष्ट्रीय प्रशिक्षक, फील्ड सुपरविजन टीम और नेशनल एनसीडी मॉनिटरिंग सर्वे 2017, आरजीआई–एम्स, नई दिल्ली द्वारा गठित एसआरएस के लिए निनर्वा नेटवर्क की मुख्य टीम के सदस्य और राष्ट्रीय प्रशिक्षक थेय ये डिजीज प्रीवेन्शन एंड आउटब्रेक रेस्पांस सेल (डीपीओआरसी) एम्स, नई दिल्लीय भारत में मौसम की जानकारी के लिए गठित परामर्शी बोर्ड और भारत में हैल्थ एसोसिएशन (यूसीएचएआई)–एनआईईएचएस प्रायोजित नेटवर्क से जुड़े थे; इन्होंने पेडिएट्रिक्स विभाग, एम्स की डिजीज प्रीवेन्शन एंड आउटब्रेक रेस्पांस सेल (क्व्व्ब्) की बैठक में हिस्सा लिया (5 अप्रैल 2017); पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित (4–6 नवंबर 2017) पहली विश्व एनसीडी कांग्रेसय पीएचएफआई, गुरुग्राम में वायु प्रदूषण, मौसम और स्वास्थ्य पर अल्प पाठ्यक्रम (15–19 जनवरी 2018)य एनआईसीईडी, कोलकाता, प.बंगाल में सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा–एनालिसिस विषयक कार्यशाला (7–9 मार्च 2018) में हिस्सा लिया; ये एमबीबीएस के फाइनल प्री–प्रोफेशनल एग्जाम (अक्तूबर 2017) के लिए पश्चिम बंगाल के और कम्यूनिटी मेडिसन में एमबीबीएस

(अनुपूरक) फाइनल प्री–प्रोफेशनल एग्जाम के लिए विभाग के एग्जामिनर रहे; इंटरनेशनल जरनल ऑफ मेडिसिन और पब्लिक हैल्थ के समीक्षक रहे।

डॉ. राकेश कुमार ने हार्वर्ड टीएच चेन स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ और पब्लिक हैल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा 15–19 जनवरी 2018 तक संयुक्त रूप से आयोजित "वायु प्रदूषण, स्वास्थ्य और मौसम के लघु पाठ्यक्रम : तरीके और मॉडलिंग" विषय पर आयोजित कार्यशालों में हिस्सा लिया; ये इंडियन जरनल ऑफ पब्लिक हैल्थ, दि जरनल ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनियोकोलॉजी ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल जरनल ऑफ मेडिसन एंड पब्लिक हैल्थ के समीक्षक रहे।

आगंतुक वैज्ञानिक

1. मास्ट्रिच विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने 31 अक्टूबर 2017 को सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ का दौरा किया, श्री मार्टिन डिल्लौ, ट्रस्क्रीन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी।
2. स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन के तहत फैलो 15 फरवरी से 9 मार्च 2018 तक सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में तैनात थे।
3. श्री गुओ जिनैक्सिन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सिनोफार्म समूह के प्रतिनिधियों ने 12 मार्च 2018 को सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ का दौरा किया।
4. 8 नवंबर 2017 को एच.ई. श्री मोहम्मद रिदौनी के नेतृत्व में बेल्जियम प्रतिनिधिमंडल।

9-9 Ropk ,o jfr t jkx foKku

vkpk;l ,o v/;{k
विनोद कुमार शर्मा

vkpk;l
नीना खन्ना | कौशल के. वर्मा | एम. रामम
बी. के. खैतान | सुजय खांडपुर | जी. सेथुरमन
सोमेश गुप्ता

lgk;d vkpk;l
कनिका साहनी | सविता यादव (5 फरवरी 2018 तक) | नीतू बाहरी

विशिष्टताएं
विभाग को एमडी छात्रों के लिए "इम्युनोडर्मेटोलॉजी और बुलस विकार, बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान और त्वचा शल्य चिकित्सा और लेजर" में तीन नए एक–वर्षीय अध्येतावृत्ति कार्यक्रम शुरू करने की मंजूरी मिली है। पिछले एक साल में दो नए विशेषता क्लिनिक शुरू किए गए थे, बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान और फोटोडर्मेटोलॉजी।

शिक्षा
विभाग में 17 जूनियर रेजीडेंट्स और 7 सीनियर रेजीडेंट्स को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और 4 पीएचडी प्रत्याशियों का मार्गदर्शन किया जा रहा है। विभाग ने इम्युनोडर्मेटोलॉजी बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान और त्वचा शल्य चिकित्सा में एक साल की अध्येतावृत्ति शुरू की है। एमडी (चिकित्सा) और डीएम (संक्रामक रोग) रेजीडेंट्स के लिए 2 सप्ताह का योग्यता आधारित प्रशिक्षण शुरू किया गया है। इन विभागों में 2 सप्ताह तक त्वचाविज्ञान के रेजीडेंट्स को चक्रानुक्रम पर भी तैनात किया जा रहा है। वर्ष 2017–18 के दौरान लगभग 15 रेजीडेंट्स को 2 सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए त्वचाविज्ञान विभाग में तैनात किया गया था।

दीर्घ / अल्पावधि प्रशिक्षण
अल्पावधि प्रशिक्षण : 2017–18 के दौरान अन्य राज्यों से 4 प्रत्याशियों को एक माह के प्रशिक्षण हेतु चुना गया। इन चार में से दो प्रत्याशियों ने अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

प्रदत्त व्याख्यान :

वी. के. शर्मा :10 | **नीना खन्ना : 11** | **कौशल के. वर्मा : 09**
एम. रामम : 11 | **बी. के. खैतान : 12** | **सुजय खाण्डपुर : 18**
सेथुरमन जी. : 5 | **सोमेश गुप्ता : 21** | **कनिका साहनी : 10**
नीतू बाहरी : 9

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 6

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी
1. लाइकन प्लानस पिगमेंटोसस वाले रोगी में जीवन की गुणवत्ता और विटिलिगो और मेल्ज़ामा के साथ इसकी तुलना। वी.के. शर्मा, डीबीटी, वर्ष 2018–19, 0.6 लाख रुपए।
2. एलोपेसिया एरीटा के रोगजनन में आनुवंशिक पश्चजनन सम्बन्धी और प्रतिरक्षा में शामिल घटकों की भूमिका को परिभाषित करना, वी के शर्मा, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2015–18, 45 लाख रुपए।

3. पीयूवीए सोल और यूनानी फॉर्मूलेशन यूएनआईएम – 004 (मौखिक) और यूएनआईएम – 005 (एलए) की क्लिनिकल दक्षता की तुलना और सुरक्षा तथा विटिलिगो के उपचार में सूर्य की रोशनी, नीना खन्ना, सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, 3 वर्ष, 2015–18, 35.47 लाख रुपए।
4. एक चरण 2, बहु केंद्र, यादृच्छिक, डबल–ब्लाइंड, एक्ने वल्गारिस व्यक्तियों में स्कारिंग की घटनाओं में कमी का मूल्यांकन करने के लिए बेंजोइल पेरोक्साइड (2.5 प्रतिशत/5 प्रतिशत), जिंक ऑक्साइड और पोलिसिलोक्सेन्स के संयोजन के साथ बेंजोइल पेरोक्साइड (2.5 प्रतिशत/5 प्रतिशत) का तुलनात्मक अध्ययन, नीना खन्ना, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, 6 महीने, 2017–18, 5.55 लाख रुपए।
5. मध्यम से गंभीर पेम्पिगस वल्गेरिस में रिटुक्सिम्ब इंफ्युजन और डेक्सामेथेसोन सायक्लोफोस्फेमाइड पल्स की दक्षता की तुलना करना। सुजय खाण्डपुर, आई सी एम आर, 3 वर्ष 9 माह, 2015–18, 29.72 लाख रुपए।
6. मध्यम से गंभीर पुराने प्लाक सोरियसिस और टीएच1, टीएच2, टीएच17 और ट्रेग सेल पैटर्न के साथ संबद्ध प्रतिक्रिया के लिए सबक्यूटेनियस एटानरसेप्ट बनाम मौखिक मेथोट्रेक्सट की प्रभावकारिता की तुलना के लिए संभावित गैर–यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। सुजय खाण्डपुर, फाइजर फार्मास्युटिकल, 2 वर्ष, 2016–18, 11.61 लाख रुपए।
7. एपिडर्मिस से संवर्धित मेलेनोसाइट्स के प्रत्यारोपण की एक डबल–ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण। सोमेश गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017–20, 60.27 लाख रुपए।
8. विटिलिगो में गैर–संवर्धित स्पाइडर्मल सेल निलंबन प्रत्यारोपण के बाद बाल के फॉलिकल से सफलतापूर्वक डिपिगमेंटेड बनाम रिपिगमेंटेड मेलिनोसाइट और उपकला स्टेम कोशिकाओं के मात्रात्मक मूल्यांकन : एक संभावित अध्ययन, सोमेश गुप्ता, आईएडीवीएल, 2 वर्ष, 2018–20, 4.4 लाख रुपए।
9. स्थिर विटिलिगो में गैर– संवर्धित निकाले गए बाहरी रूट शीथ सेल निलंबन और पारंपरिक एपिडर्मल सेल निलंबन प्रत्यारोपण की क्षमता और सुरक्षा, घटक स्टेम सेल आबादी के साथ सहसंबंध, सोमेश गुप्ता, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2017–18, 10.59 लाख रुपए।
10. एक संभावित विभाजित चेहरे में केवल ऑटोलॉगस वसा के इंजेक्शन की तुलना में, ऑटोलॉगस वसा बनाम प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा के साथ मिश्रित चेहरे की मात्रा में कमी के लिए विशेष रूप से विकृति के माध्यम से टियर; एडीपोज व्युत्पन्न स्टेम कोशिकाओं के अलगाव और लाक्षणीकरण के साथ, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। कनिका साहनी, एम्स, 2 वर्ष, 2017–19, 8.98 लाख रुपए।
11. लाइकेन प्लानस पिगमेंटोसस के रोगियों में क्लिनिकल, पिगमेंटरी और इम्यूनोलॉजिकल मार्करों पर क्यू–स्विच एनडी–वाईएजी लेजर का प्रभावः एक पायलट अध्ययन, नीतू भारी, एम्स, 2 वर्ष, 2017–19, 4.80 लाख रुपए।

पूर्ण

1. विटिलिगो और त्वचा पिग्मेंटेशन में एमआईआरएनए हस्ताक्षरों को परिभाषित करना, वी.के. शर्मा।
2. सक्रिय गैर–सेगमेंटल सामान्यीकृत विटिलिगो में फॉक्स पी 3 प्रमोटर डीएनए मिथाइलेशन स्तर की भूमिका स्पष्ट करना, वी.के. शर्मा।
3. पार्थेनियम डर्मेटाइटिस के रोगियों में पार्थेनियम एसीटोन निष्कर्ष की विभिन्न सांद्रताओं के साथ पैच परीक्षण प्रतिक्रिया समय का मूल्यांकन करना, के. के. वर्मा।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कॉस्मेटिक्स के लिए पीसीडी में सामान्य संपर्क संवेदनशीलता
2. सौंदर्य प्रसाधनों के लिए एसीडी में सामान्य संपर्क संवेदनशीलता
3. पेम्फिगस में रिटुक्सिमाब – दीर्घ अवधि में परिणाम
4. चिरकालिक एक्टिनिक डर्मेटाइटिस में फोटो सेंसिटाइसर्स
5. स्थिर और फैलने वाले विटिलिगो में संकीर्ण बैंड यूवीबी
6. बच्चों में फोटोडर्मेटोस
7. निशान और चेहरे की मात्रा दोषों के लिए त्वचीय निलंबन
8. प्रणालीगत भागीदारी के साथ प्रणालीगत स्क्लेरोसिस–सहसंबंध में एमआरएनए
9. एक जैसे एंटीहिस्टामाइन और दो एंटीहिस्टामाइन के संयोजन की 4–गुना अपडोजिंग करने की तुलनात्मक प्रभावकारिता।
10. पामो प्लांटर वार्ट में इंट्रालेशनल ब्लियोमाइसिन और कैंडिडा इम्यूनोथेरेपी की तुलनात्मक प्रभावकारिता।

11. गैर संवर्धित एपिडर्मिस सेल निलंबन के साथ विटिलिगो में पीआरपी।
12. विटिलिगो में एमआरएनए।
13. एलोपेसिया एरियाटा में पीआरपी – एक नैदानिक इम्यूनो रसायन शास्त्र।
14. क्लिनिकल जोखिम कारकों के साथ विटिलिगो–सहसंबंध में आनुवंशिक अध्ययन
15. पेम्फिगस वल्गारिस में लिम्फोसाइट्स उप–जनसंख्या पर डेक्सामेथेसोन / डेक्सामेथेसोन–साइक्लोफॉस्फामाइड पल्स उपचार का प्रभाव।
16. कुष्ठ रोग से प्रेरित अल्नर न्यूरोपैथी में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा की भूमिका।
17. उत्तर भारत के तृतीयक देखभाल वाले अस्पताल में आने वाले त्वचाविज्ञान संक्रमण के रोगियों में उपचार विफलता में योगदान देने संबंधी महामारी कारकों का अध्ययन।
18. स्वायत्त तंत्रिका तंत्र असंतुलन का आकलन करने के लिए एक विषम अनुभागीय अध्ययन और प्रणालीगत स्क्लेरोसिस वाले रोगियों में क्यूटेनियस अभिव्यक्तियों के साथ इसके सहसंबंध।
19. मर्कैप्टो मिश्रण के साथ 2–मर्कैप्टो बेंज़ोथियाज़ोल की उच्च सामग्री के मिश्रण का पैच परीक्षण।
20. आवर्ती त्वचाविज्ञान के उपचार में केवल टेरिबिनाफिन और टेर्बिनाफिन के साथ आइसोट्रेरिनोइन के संयोजन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन।
21. मेथिल आइसोथियाज़ोलिन की उच्च सांद्रता के साथ मेथिल क्लोरो आइसोथियाज़ोलिन/मेथिल आइसोथियाज़ोलिनोन मिश्रण के साथ पैच परीक्षण।
22. वीआईएस –22 स्कोर के लिए नैदानिक सार्थकता को आबंटित करने के लिए एक अध्ययन।
23. विटिलिगो में स्थिरता और सहज रिपिगमेंटेशन का अध्ययन।
24. रोगियों के परिवार के सदस्यों में विटिलिगो के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को मापने के लिए स्केल का विकास।
25. डेक्सामेथेसोन – पेम्फिगस में साइक्लोफॉस्फामाइड पल्स थेरेपी।
26. गैर–प्रगामी गैर–सेगमेंटल विटिलिगो बनाम प्रगामी नान–सेगमेंटल विटिलिगो वाले रोगियों में संकीर्ण बैंड यूवी–बी थेरेपी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक, अवलोकन संबंधी अध्ययन।
27. सेगमेंटल विटिलिगो के अलावा अधिग्रहित ब्लैस्को–रैखिक और सेगमेंटल त्वचाविज्ञान रोगों की नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक वर्णनात्मक अध्ययन।
28. एक अन्वेषक ने सहगामी मध्यम से गंभीर क्रोनिक प्लेक सोरायसिस के साथ सोराटिक गठिया के रोगियों में एडलीमुमेब बायो सिमिलर (एक्सेंम्पिशिया; जेडआरसी –3197) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए परीक्षण शुरू किया: खुली लेबल वाली संभावित पायलट केस श्रृंखला।
29. गैर– संवर्धित निकाले गए बाल कूप की तुलना बाहरी रूट शीथ कोशिका निलंबन गैर–संवर्धित एपिडर्मल सेल निलंबन के साथ विटिलिगो में ल्यूकोट्रिचिया का रिपिगमेंटेशन।
30. गैर– सेगमेंटल विटिलिगो वाले रोगियों में प्लेसबो के साथ टैक्रोलिमस क्रीम की तीन सांद्रताओं की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना 0.1 प्रतिशत, 0.2 प्रतिशत, 0.3 प्रतिशत।
31. एक स्प्लिट फेस यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, मुंहासे के बाद होने वाले निशान पर इंट्रालेशनल रेडियोफ्रीक्वेंसी सबसिजन की सहायता से बनाम परंपरागत सबसिजन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना।
32. क्लिनिको–अन्वेषणात्मक प्रोफ़ाइल के आधार पर पेरिओर्बिटल हाइपरपिग्मेंटेशन वर्गीकृत करने के लिए एक अध्ययन।
33. पामो प्लांटर वार्ट्स के उपचार में कैंडीडा त्वचा परीक्षण एंटीजन के साथ इंट्रालेसेनल ब्लोमाइसिन सल्फेट और इंट्रा–लेसोनियल इम्यूनोथेरेपी की तुलनात्मक प्रभावकारिता।
34. ऑटोसोमल रीसेसिव कॉन्जेनिटाइथेथोसिस में एपिडर्मल लिपिड्स का अनुमान और फेनोटाइप और जीनोटाइप के साथ इसके सहसंबंध।
35. सेगमेंटल विटिलिगो के अलावा अधिग्रहित ब्लैकशो – रेखीय तथा सेगमेंटल त्वचा रोगों की नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक वर्णनात्मक अध्ययन।
36. स्वायत्त तंत्रिका तंत्र असंतुलन का आकलन करने के लिए एक विषम अनुभागीय अध्ययन और प्रणालीगत स्क्लेरोसिस के साथ क्यूटेनियस अभिव्यक्तियों वाले रोगियों के साथ इसके सहसंबंध।

पूर्ण

1. 2–मर्कैप्टो बेंजोथियाजोल की उच्च सामग्री के साथ मर्कैप्टो मिश्रण के साथ पैच परीक्षण।
2. आवर्ती त्वचाविज्ञान के उपचार में केवल टेरिबिनाफाइन और टेर्बिनाफाइन के साथ आइसोट्रेरिनोइन के संयोजन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन।

3. मेथिल क्लोरो आइसोथियाजोलिन की उच्च सांद्रता के साथ मेथिल क्लोरो आइसोथियाजोलिन / मेथिलिसोथियाजोलिनोन मिश्रण के साथ पैच परीक्षण ।
4. हैण्ड–हेल्ड एनबी – यूवीबी डिवाइस की डोजीमेट्री एवं केलीब्रेशन।
5. स्थानीय विटिलिगो के इलाज में हैण्ड–हेल्ड एनबी – यूवीबी डिवाइस की उपयोगिता।
6. बचपन की शुरुआती फोटोडर्मेटोसिस के क्लिनिको – हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन।
7. हैण्ड–हेल्ड एनबी – यूवीबी डिवाइस की डोजीमेट्री एवं केलीब्रेशन।
8. स्थानीय विटिलिगो के इलाज में हैण्ड–हेल्ड एनबी – यूवीबी डिवाइस की उपयोगिता।
9. बचपन की शुरुआती फोटोडर्मेटोसिस के क्लिनिको – हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन

सहयोगी

1. मिर्गी रोधी दवाएं लेने वाले रोगियों में मिर्गी इम्यूनोजेनेटिक्स तंत्र, न्यूरोलॉजी विभाग।
2. एक अध्ययन में स्टीवंस जॉनसन सिंड्रोम के आनुवंशिक आधार की पहचान करना (एसजेएस), एनाटॉमी विभाग।
3. कुष्ठ रोगियों में सीडी 4 टीसीआर δ की भूमिका का मूल्यांकन करना, जैव रसायन।
4. सबक्लीनिकल हाइपोथायरायडिज्म के साथ प्रस्तुत पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में क्लिनिकल, बायोकेमिकल, हार्मोनल और इंसुलिन संवेदनशीलता मानकों के लेवोथायरोक्साइन प्रतिस्थापन में सुधार, एंडोक्राइनोलॉजी।
5. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के साथ भारतीय महिलाओं के बीच विभिन्न चिकित्सकीय पद्धतियों के उत्तर में प्रसार, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, कॉमोरबिडिटीज, जोखिम कारक और भिन्नता का मूल्यांकनः पूरे भारत में एक बहुआयामी अध्ययन (आईसीएमआर–पीसीओएस टास्क फोर्स स्टडी), एंडोक्राइनोलॉजी
6. बेसल सेल कार्सिनोमा और केलोइड्स के उपचार के लिए रेडियोधर्मी त्वचा पैच, नाभिकीय चिकित्सा
7. सोरियासिस के रोगियों में अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी द्वारा लिवर फाइब्रोसिस का आकलन और रेइटर रोग पर दीर्घकालिक मेथोट्रैक्सेट थेरेपी, रेडियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, पैथोलॉजी।
8. पेम्फिगस वल्गारिस के रोगजनन में टी कोशिकाओं और इसके स्कैवेंजर रिसेप्टर का अध्ययन, बायोकैमिस्ट्री।
9. पेम्फिगस वल्गारिस में गामा–डेल्टा टी–कोशिकाओं की भूमिका, बायोकैमिस्ट्री।
10. निसारिया गोनोरो का पता लगाने के लिए नैनो–सक्षम बायोसेंसर, माइक्रोबायोलॉजी।
11. एलोपेसिया के रोगजनन में शामिल जेनेटिक, एपिजेनेटिक और इम्यूनोलॉजिकल घटकों की भूमिका को परिभाषित करना, एलो पेशिया एरियाटा के रोगजनन में शामिल जेनेटिक, एपिजेनेटिक और इम्यूनोलॉजिकल घटकों की भूमिका को परिभाषित करना, पैथोलॉजीज।
12. छोटी गैर–देखने वाली आंखों के साथ सॉकेट में कक्षीय मात्रा में वृद्धि के लिए ऑटोलॉगस वसा स्थानांतरण, डॉ रा.प्र. नेत्रविज्ञान केंद्र।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 69 **पुस्तक में अध्याय :10** **पुस्तक : 1**

रोगी उपचार

विभाग में दो आइसोलेशन कमरे सहित 29 बेड वाला वार्ड है। अप्रैल 2016 से मार्च 2017 तक लंबे समय के लिए प्रवेश की कुल संख्या 767 थी और कुल लघु प्रवेश 2798 थे। पल्स थेरेपी के अलावा, जो 2583 रोगियों में किया गया था, 1983 रोगियों में रिटुक्सिमैब जैसे जैविकों से उपचार किया गया था। ओपीडी में दोपहर में जनरल डर्मेटोलॉजी रोगियों (पहली छमाही में) और विशेष क्लीनिक (एसटीडी, कुष्ठ रोग, त्वचा रोग, पिग्मेंटेशन, एलर्जी) और लेजर (डायोड, कार्बन डाइऑक्साइड, एनडीवायएजी लेजर, पल्स डाई लेजर) दोनों को पूरा किया जाता है। नई विशेषता क्लीनिक फोटोथेरेपी और साइड लैब प्रसंस्करण सुबह और दोपहर दोनों समय में आयोजित किए जाते हैं। जनगणना के अनुसार बाह्य रोगी विभाग में 37155 नए मामलों को लिया गया था और पुराने रोगियों की कुल संख्या 55254 थी। सुबह और दोपहर दोनों में लघु ऑपरेशन थिएटर की प्रक्रियाएं आयोजित की जाती हैं और ओटी में किए गए प्रमुख शल्य प्रक्रियाओं की कुल संख्या 1215 थी जबकि लघु मामलों की संख्या 5875 थी ।

पिछले साल, दो नए विशेषता क्लीनिक शुरू किए गए थे। डॉ. जी सेथुरमन और डॉ नीतू बाहरी के अधीन शुक्रवार को बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान क्लिनिक शुरू किया गया है, जबकि डॉ सुजय खांडपुर और डॉ नीतू बाहरी के अधीन सोमवार को फोटोडर्मेटोलॉजी क्लिनिक शुरू किया गया है।

एक सीनियर रेजीडेंट सप्ताह में दो बार त्वचा ओपीडी के लिए बल्लबगढ़ जाते हैं और विभाग ने सप्ताह में एक बार झज्जर में सामुदायिक त्वचाविज्ञान ओपीडी सेवाएं शुरू की हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर वी. के. शर्मा ने जनवरी 2018 में आईएडीवीएल, कोच्चि, का शिक्षण, अनुसंधान और सहयोग कार्य में उपलब्धि के लिए आईएडीवीएल का सर्वोच्च पुरस्कार के.सी. कंधारी फाउंडेशन पुरस्कार प्राप्त किया पर्यवेक्षक, निदेशक मंडल, अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी (एएडी) समर मीटिंग और निदेशक मंडल की बैठक जुलाई 2017, न्यूयॉर्क, यूएसए; संपादकीय बोर्ड– अमेरिकन कॉन्टेक्ट डर्मेटाइटिस सोसाइटी की डर्मेटाइटिस आधिकारिक पत्रिका; संपादकीय बोर्ड–इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी–इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डर्मेटोलॉजी, यूएसए; यौन संचारित रोगों और एड्स के तीसरे संस्करण आईएएसएसटीडी और एड्स की आधिकारिक पाठ्यपुस्तक के नामित संपादक; इंटरनेशनल ऑब्जर्वर, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर, अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी; ढाका, बांग्लादेश में बांग्लादेश कॉलेज ऑफ फिजीशियन एंड सर्जन (एफसीपीएस) के लिए अंतिम अध्येतावृत्ति परीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञ; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी, एम्स रायपुर में संकाय के साक्षात्कार के लिए विशेषज्ञ; अध्यक्ष, गठन समिति– इंडियन एसोसिएशन ऑफ स्किन स्पेशलिस्ट एंड वेनेरोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट, डीएसबी; नेशनल चेयरमैन ऑफ एजुकेशन टास्क फोर्स–इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट एंड वेनेरोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट; उद्घाटन सम्मेलन, सम्मानित अतिथि और प्रमुख नोट वक्ता – त्वचा विज्ञान में पीआरपी, क्यूटीकॉन 2017, 18–19 नवंबर 2017, भिलाई, छत्तीसगढ़।

प्रोफेसर कौशल के. वर्मा एडिनबर्ग के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजियंस द्वारा रॉयल कॉलेज ऑफ फिजीशियन (एफआरसीपी) की फैलोशिप से सम्मानित किया गया था; 2017 से 2020 तक 4 वर्षों की अवधि के लिए इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सैक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस – एशिया प्रशांत (आईयूएसटीआई–एपी) के क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित; एम्स, भोपाल और एम्स, ऋषिकेश में त्वचाविज्ञान विभाग में संकाय के चयन के लिए विशेषज्ञ; संगठन के क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सैक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस – एशिया प्रशांत सम्मेलन (आईयूएसटीआई–एपी) की कार्यकारी समिति की बैठक में अध्यक्ष; ताइपेई, ताइवान में ताइवान के त्वचाविज्ञान एसोसिएशन (टीडीए) और 14 वें एशिया–प्रशांत पर्यावरण और व्यावसायिक त्वचाविज्ञान संगोष्ठी (एपीईओडीएस) की 43वीं वार्षिक बैठक में इंटरनेशनल संपर्क डर्मेटाइटिस रिसर्च ग्रुप वर्कशॉप (आईसीडीआरजी) पर आईसीडीआरजी कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की; माले, मालदीव्स में सार्क एसोसिएशन ऑफ एस्थेटेटिक डर्मेटोलॉजी में 'इनोवेशन एंड द एडवांसमेंट इन द केमिकल पील्स' पर एक सत्र की अध्यक्षता की; एसटीआई और एचआईवी वर्ल्ड कांग्रेस–2017 पर रियो–डी–जेनेरो, ब्राजील में 'प्री एक्सपोजर प्रोफीलेक्सिस' पर एक सत्र की अध्यक्षता की; 8 जुलाई 2017 को इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सैक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शंस (आईयूएसटीआई) के अंतरराष्ट्रीय संघ की विश्व कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया, जिसमें आईयूएसटीआई–एपी के अध्यक्ष के रूप में एशिया प्रशांत क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया; भरतपुर, चितवन, नेपाल में, नेपाल के त्वचा विशेषज्ञों और वेनेरोलॉजिस्ट सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान लीशमानियासिस पर एक सत्र की अध्यक्षता की; दूरदर्शन, प्रसार भारती में एक सार्वजनिक जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम पर टीवी पर स्वास्थ्य शो में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

प्रोफेसर एम. रामम ने अतिथि प्रोफेसर के तौर पर डर्मेटोलॉजी विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को में 24 अप्रैल से 5 मई 2017 तक दौरा किया और डर्मेटोलॉजी विभाग, चर्चिल अस्पताल, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में 25 – 27 सितंबर 2017 के बीच अतिथि प्रोफेसर के तौर पर गए।

प्रोफेसर सुजय खांडपुर को इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट (आईएडीवीएल), 18–21 जनवरी 2018, कोचीन के 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 'माई जर्नी इन अनरेवलिंग पेम्फिगस' नामक आईएडीवीएल सिस्टॉपिक ऑरेशन से सम्मानित किया गया; कोऑर्डिनेटर, इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट के डर्मेटोपैथोलॉजी पर विशेष रुचि समूह; सचिव, डर्मेटोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया; आईएडीवीएल अकादमी के तहत त्वचा विकृतिविज्ञान में पेशकश करने वाले एक माह के पर्यवेक्षण के लिए संस्थानों द्वारा त्वचाविज्ञान पर तैयार किए गए पाठ्यक्रम का पालन; डर्मेटोपैथोलॉजी में तैयार पाठ्यक्रम का पालन करने के लिए संस्थानों द्वारा 'फैलोशिप डर्मेटोपैथोलॉजी में एक वर्षीय राष्ट्रीय बोर्ड ऑफ परीक्षा में अपनाया जाता है।

प्रोफेसर जी. सेथुरमन ने एम्स रिसर्च एक्सेलेंस अवार्ड 2017 और प्रोफेसर एल. के. भूटानी पुरस्कार 2017 (इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट और लेप्रोलॉजिस्ट द्वारा सम्मानित) प्राप्त किया।

प्रोफेसर सोमेश गुप्ता ने डॉ. वी. एन काले ऑरेशन अवॉर्ड प्राप्त किया, 29–31 दिसंबर 2017, आईएडीवीएल–महाराष्ट्र वार्षिक सम्मेलन, मुंबई आईएएस एसटीडी और एड्स, एम्स, भुवनेश्वर, 25 नवंबर 2017 को 41 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में, वेनेरोलॉजी संस्थान की रजत जयंती व्याख्यान।

डॉ. नीतू बाहरी ने सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार जीता।

रेजीडेंट्स द्वारा जीते गए पुरस्कार

डॉ. निमिथा पी. ने राज्य स्तर के कुष्ठ रोग प्रश्नोत्तरी प्रथम पुरस्कार, डीएएएस शिखर सम्मेलन राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रथम रनरअप, डीएएएस शिखर सम्मेलन पुरस्कार पत्र प्रथम रनरअप, आईएसपीडी राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रथम पुरस्कार, टीवाईएसए नॉर्थ ज़ोन में प्रथम और टीवाईएसए राष्ट्रीय स्तर का पहला रनरअप पुरस्कार जीता।

डॉ. निमिथा और डॉ हिमाबिन्दु सागिनाथम को डीएएएस शिखर सम्मेलन प्रश्नोत्तरी में दूसरा स्थान मिला और आईएसपीडी प्रश्नोत्तरी में पहला स्थान मिला।

डॉ सौरभ भाटिया ने दिसंबर 2017 में ताइपे, ताइवान में आयोजित 5 वें अंतरराष्ट्रीय त्वचाविज्ञान सम्मेलन में प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. स्वेता सुबदर्शिनी को वार्षिक क्यूटिकॉन में यंग डर्मेटालॉजिस्ट पुरस्कार मिला और क्यूटिकॉन में मूल लेख पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार भी मिला।

डॉ. नेहा तनेजा और डॉ. ममता राय ने एक टीम के रूप में राष्ट्रीय पीजी त्वचा विज्ञान क्विज़ (आईजीएनक्यूपीपी) में राज्य स्तर पर पहला पुरस्कार, डर्मोस्कोपी (एपीएसओडी) पर एशिया प्रशांत शिखर सम्मेलन में पहला पुरस्कार जीता। रेजीडेंट्स फोरम डर्मोस्कोपी क्विज; क्यूटेनियस सर्जन एसोसिएशन के दूसरे रनरअप, – कॉस्मेटिक त्वचाविज्ञान की विश्व कांग्रेस (एसीएस (आई) –डब्ल्यूसीओसीडी) –डॉ रेड्डी, अंतरराष्ट्रीय क्विज 2017; बेस्ट फ्री पेपर अवॉर्ड, इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडियाट्रिक डर्मेटोलॉजी, वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली, 2017; डॉ वी. गोविंदन नायर मेमोरियल अवॉर्ड, आईएएसएसटीडी और एड्स का 41 वां राष्ट्रीय सम्मेलन भुवनेश्वर, ओडिशा।

अतिथि वैज्ञानिक

1. अगस्त 2017 में "ऊर्जा आधारित उपकरण : अवलोकन" पर डॉ. मार्टिन कैसीर, यूएसए।
2. डॉ. त्रिलोकराज तेजस्वी, सहायक आचार्य टेलीडर्मेलॉजी विभाग, त्वचाविज्ञान निदेशक विभाग, टी सेल लिम्फोमास पर मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए में क्यूटेनियस लिम्फोमास प्रोग्राम के निदेशक, फरवरी 2018 में।
3. त्वचाविज्ञान विभाग से प्रोफेसर फ्रांसिस पालिसन, यूनिवर्सिडाड डेल डेस्सारोलो–क्लिनिका अलेमाना, एपिडर्मोलिसिस बुल्लोसा पर सैंटियागो डी चिली। फरवरी 2018 में।

9-10 vkikr fpfdRlk

vkpk;Z ,oa v/;{k

प्रवीण अग्रवाल

vkpk;Z

एल. आर. मुरमू | संजीव भोई

lgk;d vkpk;Z

नायर जमशेद	तेज प्रकाश	मीरा इक्का
अक्षय कुमार	प्रकाश रंजन मिश्रा (अनुबंध, जनवरी 2018 तक)	रितिन मोहिंद्र (अनुबंध)

fof'k"Vrk,a

आपात चिकित्सा विभाग विभिन्न प्रकार की चिकित्सा, बाल रोग और गैर अभिघात आपातकालीन शल्य चिकित्सा और अभिघात आपातकालीन स्थितियों के रोगियों को हर समय, समग्र, समयबद्ध ओर गुणवत्ता पूर्ण आपातकालीन देखभाल प्रदान करने में अग्रणी रहा है। वर्ष 2017–18 में लगभग 1,50,000 से अधिक रोगियों का विभाग में आगमन हुआ है। वर्ष 2012 से, विभाग आपातकालीन चिकित्सा की विशेषज्ञता में अपने स्नातकोत्तर को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। विभागीय संकाय भी अन्य विभागों के स्नातकोत्तर, स्नातक पूर्व छात्रों, नर्सिंग छात्रों और जीवन समर्थन पाठ्यक्रम सहित आपातकालीन चिकित्सा के क्षेत्र में पराचिकित्सा का प्रशिक्षण और अध्यापन भी करता है। विभाग ने अन्य महाविद्यालयों और अस्पतालों से मौजूदा और भविष्य के संकाय को आपातकालीन चिकित्सा की विशेषताओं में प्रशिक्षण के लिए शामिल भी किया है।

विभाग स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत जिला अस्पतालों में जलने के मामलों और आघात के साथ साथ आपातकालीन विभाग के लिए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए दिशानिर्देश विकसित करने में शामिल है। दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र, डब्ल्यूएचओ के सहयोग से, विभाग सड़क सुरक्षा पर दिशानिर्देश तैयार करने के साथ साथ भारत में आपातकालीन और आघात देखभाल के एकीकरण में भी शामिल है। एम्स गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत, आपातकालीन चिकित्सा विभाग ने रोगी देखभाल और परिणाम को बेहतर बनाने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। इससे रोगियों के कम रहने का भी परिणाम सामने आया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विभाग ने डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स प्रशिक्षण के उद्देश्य से यूएसए से कई विश्वविद्यालयों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया है। इनमें से कुछ विश्वविद्यालयों में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा और एसयूएनवाई डाउनस्टेट न्यूयॉर्क शामिल हैं।

शिक्षा

विभागीय संकाय द्वारा विभाग में तैनात स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए जीवन समर्थन पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। आपात चिकित्सा के रेजीडेंट्स के लिए शैक्षिक गतिविधियों के कार्यक्रम (सेमिनार, जर्नल क्लब, केस पर चर्चा) एक दिन में 6 घंटे चलाए जाते हैं। रोगियों की आपातकालीन देखभाल में अल्ट्रासाउंड के उपयोग पर रेजीडेंटों को शिक्षा और कौशल प्रदान किए जाते हैं। रेजीडेंटों को सिमुलेशन आधारित अध्यापन और प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अलावा विभागीय संकाय द्वारा व्याख्यान और सेमिनार के माध्यम से स्नातक पूर्व, स्नातकोत्तर और नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रबोधक शिक्षा प्रदान की गई थी।

विभाग द्वारा अन्य देशों के तीन स्नातक पूर्व विद्यार्थी को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशालाओं का आयोजन :

1. इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 15–16 जुलाई 2017 को ईएमआईएनडीआईए 2017 सम्मेलन
2. एम्स, नई दिल्ली में जनवरी 2018 को दूसरा दिल्ली स्नातकपूर्व आपातकालीन चिकित्सा क्विज (ई.एम. – आईक्यू)।
3. दिल्ली में 19–23 फरवरी 2018 के बीच तीसरा नेशनल इमर्जेंसी मेडिसिन बोर्ड रिव्यू ऑफ इंडिया कोर्स (एन.ई.एम.बी.आर.आई.सी)।

प्रदत्त व्याख्यान

प्रवीण अग्रवाल : 10
मीरा इक्का : 3
नायर जमशेद : 3
अक्षय कुमार : 17
मौखिक पत्र/ पोस्टर प्रस्तुतीकरण : 1

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. आपातकालीन विभाग में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) वाले रोगियों के जोखिम स्तरीकरण में कार्डियक बायो मार्कर की भूमिका।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

2. आपातकालीन विभाग में आने वाले चेतना के अविभाजित बदले हुए स्तर वाले रोगियों में मूत्र विष विज्ञान स्क्रीन की उपयोगिता।
3. स्पोंटेनियस बैक्टीरियल पेरिटोनाइटिस के निदान करने में यूरिनरी मल्टीस्टीक्स 10 एस.जी. ल्यूकोसाइट एस्टरज़ रिएजेंट स्ट्रिप टेस्ट की सटीकता।
4. स्टेमी वाले रोगी में प्रतिकूल परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक मेट्रिक्स के रूप में सीरम लैक्टेट और शॉक इंडेक्स।
5. हृद्य मार्ग पर आधारित कम जोखिम वाले समूह के रूप में वर्गीकृत तीव्र शुरूआती सीने के दर्द वाले रोगियों में आपातकालीन विभाग की प्रस्तुति के 30 दिनों के अंदर प्रमुख प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम का अध्ययन।
6. ई.डी. में तीव्र विषप्रयोग के मामलों की रूपरेखा।
7. यू.एस.जी. निर्देशित शैलियां ट्यूब सम्मिलन और पुष्टिकरण।
8. आपातकालीन विभाग में कार्डियक अरेस्ट वाले रोगियों में अल्ट्रासाउंड देखभाल के बिंदु की भूमिका।
9. ई.डी. में सिरोसिस से जुड़ी जटिलताओं के साथ आपातकालीन विभाग में रोगियों के दौरे की प्रस्तुति और परिणाम का अध्ययन करना।
10. एम्स के आपातकालीन विभाग में बदलते संवेदक : कारण, प्रबंधन और परिणाम।
11. सीओपीडी बंडल के कार्यान्वयन से आपातकालीन विभाग में क्रोनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी रोग (सीओपीडी) के तीव्र उत्तेजना के परिणाम और प्रबंधन में सुधार का निर्धारण करना।
12. आपातकालीन विभाग का दौरा करने वाले रोगियों के बीच पुराने गुर्दे के रोग से संबंधित जटिलताओं की नैदानिक रूपरेखा और पैटर्न का अध्ययन करना।
13. नियंत्रण समूह की तुलना में बढ़ते इंट्राक्रैनियल दबाव वाले बाल रोगियों में अल्ट्रासाउंड द्वारा ऑप्टिक तंत्रिता शीथ व्यास को निर्धारित करना।
14. आपातकालीन व्यवस्था में गंभीर सीने के दर्द के साथ आए रोगियों में दोहरी एनर्जी सीटी से ट्रिपल नियम की भूमिका।
15. एसटी एलिवेशन मायोकार्डियल इंफार्क्शन रोगी में पुनरावृत्ति समय में कमी करना : आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली में गुणवत्ता सुधार अध्ययन।
16. तीव्र ऊपरी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव के साथ आपातकालीन विभाग में उपस्थिति होने वाले रोगियों में 1 सप्ताह के परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए तीन स्कोरिंग सिस्टम (एम्स 65, प्री–एंडोस्कोपिक रॉकल, ग्लास्गो ब्लैचफोर्ड) की तुलना।
17. आपातकालीन विभाग में हाथ और पैर की दूरस्थ चोटों के मूल्यांकन में वॉटर–बाथ अल्ट्रासाउंड तकनीक।
18. आपातकालीन विभाग में आने वाले रुमेटिक हृद्य रोग वाले रोगियों की नैदानिक रूपरेखा।

पूर्ण

1. डिस्चार्ज के 72 घंटे के अंदर फिर से आने वाले अनिर्धारित आपातकालीन विभाग के लक्षण।
2. आपातकालीन विभाग में कार्यस्थल हिंसा की धारणा।

सहयोगी परियोजनाएं

प्रकाशन
पत्रिकाएं : 5

रोगी उपचार
2017–18 में रोगियों की उपस्थिति : 1,51,871

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य प्रवीण अग्रवाल जरनल ऑफ इमरजेंन्सिस, ट्रॉमा एंड शॉक, पब मेड में इंटरनेशनल जर्नल इंडेक्स्ड के प्रमुख सह–संपादक बने रहे। वे फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के लिए केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन और इंडियन फार्माकोपिया कमीशन के सिंगल समीक्षा पैनल के नामित सदस्य; सदस्य–वैज्ञानिक निकाय, इंडियन फार्माकोपिया कमीशन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; और भारत में शैक्षणिक आपातकालीन विशेषज्ञ कॉलेज के संकायाध्यक्ष भी बने रहे। वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग) द्वारा चिकित्सकों हेतु उन्नत राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्चा के विकास के लिए गठित विशेषज्ञों के पैनल के सदस्य बने हुए हैं। वे इस पाठ्यक्रम के लिए एक संकाय भी हैं। उन्होंने अन्य विभागों के साथ साथ अस्पताल प्रशासन के सहयोग से एडमिशन बेड की बेहतर उपलब्धता और अधिक जनसंख्या को कम किया है। उन्होंने एक अलग आपातकालीन ब्लॉक के लिए एक प्रस्ताव दिया है जो कि वित्त मंत्रालय में सक्रिय विचार के तहत है।

डॉ. जमशेद नायर विभाग के ट्राइएज और स्क्रीनिंग क्षेत्र के सुधार में शामिल थे। वे उच्च निष्ठा सिम्युलेटर का उपयोग कर रेजीडेंट को प्रशिक्षित करने में सक्रिय रूप से शामिल है। वे स्नातकोत्तर शिक्षण अनुसूची के प्रभारी हैं जिसमें साप्ताहिक सेमिनार, जर्नल क्लब, टिंटिनेल्ली की पाठ्यपुस्तक आधारित सामयिक चर्चा, साक्ष्य आधारित दवा और नैदानिक मामले पर चर्चा में शामिल हैं। एम्स, नई दिल्ली में ई–हेल्थकेयर में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग पर 7वें अंतरराष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, कार्यशाला और सम्मेलन में ''डिस्पोजेबल वेंटिलेटर – ए ड्रीम ऑर रियलिटी'' पर व्याख्यान देने के लिए उन्हें दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ। वे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए आपातकालीन एम्बुलेंस सेवाओं के लिए दिशानिर्देश विकसित करने में शामिल हैं।

डॉ. मीरा इक्का को भारत के आपातकालीन चिकित्सा संघ का आजीवन–सदस्य बन गया है। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल में गुणवत्ता सुधार में परामर्श के लिए तीन महीने का कोचिंग कार्यक्रम पूरा किया जिसे स्वास्थ्य देखभाल सुधार संस्थान द्वारा प्रायोजित किया गया था।

डॉ. अक्षय कुमार को 12 मासिक परीक्षाएं और अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद एकेडमिक कॉलेज ऑफ इमर्जेंसी एक्सपर्ट्स (एफएसीईई) के अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया था। वे सक्रिय रूप से आपातकालीन देखभाल में रेजीडेंस और स्नातक के प्रशिक्षण का अनुपालन कर रहे हैं और नर्सों और रेजीडेंट के लिए आपातकालीन जीवन सहायता पाठ्यक्रम विकसित किया है। वे विभाग की गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं में भी शामिल हैं जिनसे रोगियों की दी गई देखभाल में सुधार करने में मदद की जा रही है।

डॉ. प्रकाश रंजन मिश्रा ने स्नातकोत्तर के लिए एम्स आपातकालीन ईसीजी पाठ्यक्रम शुरू किया जिससे उन्हें आपातकालीन व्यवस्था में ईसीजी की व्याख्या करने में प्रशिक्षण मिलता है। वे गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं में भी शामिल हैं।

डॉ. रितिन मोहिंद्र गुणवत्ता सुधार कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन के साथ शामिल थे। वे आपातकालीन चिकित्सा विभाग से स्थानांतरण के बाद सुचारू देखभाल के लिए अन्य अस्पतालों के साथ समन्वय में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

9-11 vrr% lkfodh ,oa p;kip;

vkpk;l ,oa v/;{k

निखिल टंडन

vkpk;l

नंदिता गुप्ता	रविन्द्र गोस्वामी
राजेश खड़गावत	विवेक पी. ज्योत्सना

lg&vkpk;l

मो. अशरफ गनई
1 जनवरी 2018 को दोबारा कार्यभार संभाला

lgk;d vkpk;l

यशदीप गुप्ता	निशांत रायजादा (4 अक्टूबर 2017 तक)

fof'k"Vrk,a

विभाग द्वारा अनेक शैक्षिक गतिविधियां की जाती हैं जैसे अंतः स्राविकी – विकृति विज्ञानी सम्मेलन, प्रत्येक सप्ताह में एक बार अंतः स्राविकी – शल्य – चिकित्सीय – नाभिकीय चिकित्सा (बुधवार) तथा अंतः स्राविकी विकिरण नैदानिक बैठक (शुक्रवार) प्रत्येक सप्ताह में की जाती है। ये हैं प्रत्येक सप्ताह एक संगोष्ठी (बुधवार), एक जर्नल क्लब (शुक्रवार) और एक नैदानिक वर्ग (गुरुवार)। इन गतिविधियों के दौरान अत्यंत नैदानिक महत्व और हाल ही में उच्च प्रभाव लेख के विषयों पर चर्चा की गई। विभाग द्वारा बाह्य रोगी दैनिक सेवाएं चलाई जाती है, यहां हार्मोन आमापन, चयापचय अध्ययन और अस्थि घनत्व मापन के लिए आधुनिकतम प्रयोगशाला सेवाएं हैं।

शिक्षा

स्नातक, स्नातकोत्तर, पेरामेडिकल प्रशिक्षण

विभाग सक्रिय रूप से स्नातक, स्नातकोत्तर और पोस्ट डॉक्टरल मेडिकल छात्र और नर्सिंग छात्रों के शिक्षण में शामिल रहा है। आंतरिक चिकित्सा और जरा चिकित्सा से (एमडी) विभाग के स्नातकोत्तर छात्र एक और दो महीने पोस्टिंग के लिए विभाग में आते हैं।

दीर्घ और लघु अवधि प्रशिक्षण

- दो उम्मीदवारों को डीएम पाठ्यक्रम में शामिल किया गया (एक सामान्य और एक प्रायोजित)।
- तीन उम्मीदवारों को लघु अवधि प्रशिक्षण में अनुमति दी गई।
- एक उम्मीदवार को पीएचडी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया (सामान्य)

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्याशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

निखिल टंडन : 23	**राजेश खड़गावत : 17**	**मोहम्मद अशरफ गनई :8**
रविंदर गोस्वामी : 5	**विवेका पी. ज्योत्सना : 2**	**यशदीप गुप्ता : 4**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1 अनुवादक स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, के बीच बायोडिजाइन और इन–विट्रो डायग्नोस्टिक्स के लिए राष्ट्रीय गठबंधन कार्यक्रम निखिल टंडन, डीबीटी, 8 वर्ष, 2010–2018, 49.45 लाख रुपए।

2 भारत में युवावस्था के आरंभ – चरण 2 में ही डायबिटीज़ वाले रोगियों का पंजीकरण, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2012–2019, 246.99 लाख रुपए।

3 बच्चों में डायबिटीज बदलना, निखिल टंडन, नोवो नोर्डिस्क इंडिया, 8 वर्ष , 2012–2020, 21 लाख रुपए।

4 कार्डियो वेस्कुलर घटनाओं के उच्च जोखिम वाले टाइप 2 डायबिटीज़ के व्यक्तियों में इंसुलिन डेग्लूडेक बनाम इंसुलिन ग्लार्जिन की कार्डियो वेस्कुलर निरापदता की तुलना, निखिल टंडन, नोवा नोर्डिस्क इंडिया प्रा. लि.,4 वर्ष, 2014–18, 7.69 लाख रुपए।

5 को–मॉर्बिड डायबिटीज़ और अवसाद के लिए समन्वित देखभाल, निखिल टंडन, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, एनआईएच, यूएसए, 5 वर्ष, 2014–19, 88.22 लाख रुपए।

6 एक जांच नई दवा, निखिल टंडन, टोरेंट फार्मा, 5 वर्ष , 2014–2019, 72.53 लाख रुपए के लिए चरण 2 नैदानिक परीक्षण का विकास।

7 सीएआरआरएस अनुवाद परीक्षण : डायबिटीज में गुणवत्ता सुधार कार्यनीतियों का कार्यान्वयन, निखिल टंडन, आईसीएमआर–एमोरी यूनिवर्सिटी, 5 वर्ष, 2014–19, 17.55 लाख अमेरिकी डॉलर।

8 गर्भावधि डायबिटीज के साथ दक्षिण एशियाई महिलाओं के बीच टाइप 2 डायबिटीज की रोकथाम के लिए एक जीवन शैली हस्तक्षेप कार्यक्रम, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2015–2020, 72.77 लाख रुपए।

9 युवा में डायबिटीज के मौजूदा पंजीयन का एकीकरण : अमेरिका–भारत सहयोगात्मक अनुसंधान भागीदारी, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2016–2018, 84.13 लाख रुपए।

10 भारत में टाइप–1 डायबिटीज वाले रोगियों के बीच डायबिटीज़ रेटिनोपैथी (डीआर) की वजह से अंधेपन की रोकथाम, निखिल टंडन, पीएचएफआई, 2 वर्ष, 2016–2018, 52.16 लाख रुपए।

11 तेजी से काम करने वाले इंसुलिन की प्रभावशीलता और सुरक्षा नोवो रैपिड की तुलना में भाग 1 मधुमेह, वाले वयस्कों में इंसुलिन डिग्लुडेक के संयोजन के साथ। निखिल टंडन, नोवा नॉर्डिस्क इंडिया, 2 वर्ष , 2016–2018, 9.02 लाख रुपए।

12 उत्तर भारत में एल्कोहोलिक–रहित वसायुक्त यकृत रोग (एनएएफएलडी) की व्यापकता और हृदय चयापचय रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–20, 172.53 लाख रुपए।

13 पायनियर 6–कार्डियोवैस्कुलर परिणामः टाइप 2 डायबिटीज वाले विषयों में मौखिक सेमग्लुटाइड की कार्डियोवैस्कुलर सुरक्षा की जांच का परीक्षण, निखिल टंडन, नोवा नॉर्डिस्क इंडिया, 3 वर्ष , 2017–2020, 21.57 लाख रुपए।

14 एकीकृत ट्रैकिंग रेफ़रल और एल्गोरिदमिक प्रबंधन (आई–टीआरईसी) उच्च रक्तचाप और डायबिटीज के लिए प्रणाली, निखिल टंडन, एनआईएच,यूएसए, 5 वर्ष , 2017–2022, यूएस डॉलर 649, 748.

15 गर्भनिरोधक डायबिटीज मेलिटस के इतिहास के साथ महिला के बाद की रणनीति विकसित करने के लिए सही परीक्षण और परीक्षण की आवृत्ति और उनके विचारों को शामिल करने के बाद रोगी केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करने, निखिल टंडन, ल्यूपिन, 3 वर्ष , 2018–2021, 40.41 लाख रु.।

16 जीडीएम के इतिहास वाले महिलाओं में नींद की गुणवत्ता, अवसाद स्कोर और इष्टतम स्तनपान अवधि में सुधार पर जीवनशैली में संशोधन के लिए हस्तक्षेप का प्रभावः लिविंग का उप अध्ययन, निखिल टंडन, यूएसवी, 3 वर्ष , 2018–2021, 53.42 लाख रुपए ।

17 इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरॉडिज्म वाले रोगियों में कैल्शियम संवेदन रिसेप्टर ऑटोएंटीबॉडिज़ का कार्यात्मक महत्व, रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 44 लाख रुपए।

18 टाइप 2 डायबिटीज़ वाले बच्चों और किशोरों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर मेटफार्मिन बनाम मेटफार्मिन मोनोथैरेपी सहित संयोजन में लाइराग्लुटाइड का प्रभाव और सुरक्षा : 26 सप्ताह खुले लेबल विस्तार के बाद 26 सप्ताह डबल ब्लाइंड यादृच्छिक, समानांतर समूह, प्लासेबो नियंत्रित बहु केंद्र परीक्षण, राजेश खड़गावत, नोवो नोर्डिस्क, 5 वर्ष, 2014–19, 30 लाख रुपए।

19 वृद्धि हार्मोन उपचार की कमी वाले वृद्धि हार्मोन उपचार नैवे युवावस्था से पहले बच्चों में दैनिक वृद्धि हार्मोन उपचार में तुलना में एक बार साप्ताहिक एनएनसी0195–0092 उपचार की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने वाली एक यादृच्छिक, बहुराष्ट्रीय, सक्रिय–नियंत्रित (ओपन–लेबल), खुराक ढूंढने (डबल–ब्लाइंड), समांतर समूह परीक्षण, राजेश खड़गावत, नोवो नोरडिस्क, 3 वर्ष, 2017–2020, 30 लाख रुपए।

20 पूर्व–डायबिटीज वाले व्यक्तियों में टाइप–2 डायबिटीज़ के विकास को रोकने या देरी के लिए ट्रिगोनेलाफोएनम–ग्रैकेम बीज के मानक सूत्रीकरण का विकास, राजेश खड़गावत, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017–2021, 35 लाख रुपए।

21 एक यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित संभावित चरण 2 पूर्व आयु डायबिटीज वाले लोगों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर आयुर्वेदिक कोडित दवा 'आयुष–डी'का नैदानिक अध्ययन, राजेश खड़गावत, आयुर्वेदिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष , 2017–2020, 35 लाख रुपए।

22 एक यादृच्छिक प्लेसबो चरण 2 डायबिटीज मेलिटस के प्रबंधन में आयुर्वेदिक कोडित दवा 'आयुष डी' के चरण 2 नैदानिक अध्ययन को मेटफॉर्मिन के लिए चिकित्सा पर जोड़ा, राजेश खड़गावत, आयुर्वेदिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद, आयुष मंत्रालय, सरकार भारत, 3 वर्ष , 2017–2020, 35 लाख रुपए।

23 प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक द्वितीय चरण परीक्षण और केवल पसिरोटिड एस. सी. की सुरक्षा या कुशिंग रोग के साथ रोगियों में कबर्गोलिने की संयोजकता, विवेका पी. ज्योत्सना, नोवार्टिस, 6 वर्ष, 2015 – 2021, 10 लाख रुपए।

24 एक फेस 3, बहु–केंद्र, डबल ब्लाइंड यादृच्छिक वापसी अध्ययन में एलसीआई699 के बाद 24 सप्ताह, एकल शाखा, खुले लेबल वाली खुराक का आमापन तथा उपचार अवधि द्वारा कुशिंग रोग के रोगियों के इलाज के एलसीआई 699 की निरापदता और दक्षता का मूल्यांकन करना, विवेका पी. ज्योत्सना, नोवार्टिस, 5 वर्ष, 2016 – 2021, 29.53 लाख रुपए।

25 ट्रायल आईडी : ईएक्स1250–4080 कार्डियो वेस्कुलर घटनाओं के उच्च जोखिम वाले टाइप 2 डायबिटीज़ के व्यक्तियों में इंसुलिन डेग्लूडेक बनाम इंसुलिन ग्लार्जिन की कार्डियो वेस्कुलर निरापदता की तुलना के लिए एक परीक्षण। नोवो नोर्डिस्क द्वारा प्रायोजित बहु केंद्र परीक्षण सस्टेन ट्रायल, मोहम्मद अशरफ गनी, 5 वर्ष, 2013 – 18, 40 लाख रुपए।

26 गैर संचारी रोग के परिणाम और जोखिम कारकों के विशेष संदर्भ में कश्मीर घाटी में जनजातीय आबादी का स्वास्थ्य सर्वेक्षण : एक सहयोगात्मक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, मोहम्मद अशरफ गनी, डी एस टी, 3 वर्ष, 2014–2018, 172.86 लाख रुपए।

27 पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में विटामिन बी12 की कमी की दर तथा पीसीओएस से प्रभावित महिलाओं के इलाज में पारंपरिक दवाओं के प्रबंधन में पारंपरिक दवाओं की दक्षता पर विटामिन बी12 पूरक का प्रभाव, मोहम्मद अशरफ गनी, डी बी टी, 3 वर्ष, 2015 – 2018, 99.69 लाख रुपए।

28 टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के माता–पिता के इतिहास का प्रभाव और पॉलिसीस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस), मोहम्मद अशरफ गणी, डीएसटी, 3 वर्ष , 2015–2018, 82–60 लाख रुपए के साथ भारतीय महिलाओं में नैदानिक, जैव रासायनिक, हार्मोनल और आनुवांशिक विविधताओं पर असंगतता।

29 एक प्रायोगिक बहुसंकेतक ओपन लेबल पैरलल आर्म आरसीटी का मूल्यांकन करता है चाहे योग सबसे अधिक मौखिक दवाओं और /या नजदीकी सबोप्टिमल ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ टाइप 2 डायबिटीज वाले रोगियों में इंसुलिन चिकित्सा की शुरुआत में देरी कर सकता है, जिसको निकट भविष्य में इंसुलिन उपचार की आवश्यकता हो सकती हैं, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020, 75 लाख रुपए।

30 टी 2 डीएम और अवसाद वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभावः दो हाथ समांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, यशदीप गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष ,2017–2020, 36.54 लाख रुपए।

31 टाइप 1 डायबिटीज वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूरोनाटॉमिकल और न्यूरोफंक्शनल असामान्यताओं का आकलन, यशदीप गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष , 2017–2020, 34.81 लाख रुपए।

32 इंसुलिन के साथ इलाज टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाले विषयों में प्लेसबो बनाम मौखिक सेमेग्लूटाइड बनाम दक्षता और सुरक्षा। 52 सप्ताह, यादृच्छिक, डबल–अंधे, प्लेसबो–नियंत्रित परीक्षण (पीआईओएनईआर 8 – इंसुलिन ऐड–ऑन) वैश्विक नैदानिक परीक्षण, यशदीप गुप्ता, नोवो नॉर्डिस्क, 3 वर्ष , 2017–2020, 12 लाख रुपए।

33 तनाव, चयापचय मानकों और भारतीय किशोरों की संज्ञान पर योग का प्रभाव, यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष , 2017–2020, 22.34 लाख रुपए।

34 उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं (गर्भावस्था के डायबिटीज मेलिटस / अधिक वजन / मोटापा / पूर्व–मौजूदा मधुमेह) के पति / पत्नी में असामान्य ग्लूकोज सहिष्णुता के पूर्ववर्ती ग्लूकोज सहिष्णुता और जोखिम कारकों के वितरण का मूल्यांकन करने के लिएः एक केस–कंट्रोल स्टडी, यशदीप गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष ,2016–2018, 4 लाख रुपए।

पूर्ण

1 सोलन निगरानी अध्ययन, निखिल टंडन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2014 – 17, 48.92 लाख रुपए।

2 टाइप–2 डायबिटीज़–एम डायब की रोकथाम के लिए मोबाइल हेल्थ टेक्नोलॉजी, निखिल टंडन, बाइरैक, 2 वर्ष, 2015–17, 42 लाख रुपए।

3 आईसीएमआर–इंडिया डायबिटीज़ इंडियाब स्टडी फेज–।। शेष भारत (पूर्वोत्तर को छोड़कर), निखिल टंडन, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2017–2018, 49.58 लाख रुपए।

4 युवा एशियाई भारतीय पुरुषों में कंकाल की मांसपेशियों की शक्ति में सुधार के लिए विटामिन डी और कैल्शियम की खुराक : आरसीटी, रविंद्र गोस्वामी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015 – 2017, 51.04 लाख रुपए।

5 भारतीय स्कूली बच्चों में ऑटोइम्यून थायरॉइडिटिस और थायराइड रोग की उत्तेजना के संबंध में आयोडीन पूरकता की चिंताओं को संबोधित करना : निम्नलिखित तीन दशकों में यूनिवर्सल साल्ट आयोडाइजेशन (यू एस आई), राजेश खड़गावत, डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, 3 वर्ष, 2014 – 2017, 42 लाख रुपए।

6 यौन भेदभाव, नैदानिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव के विकार। विवेका पी. ज्योत्सना, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014 – 2017, 39.86 लाख रुपए।

7 46, एक्सवाय डीएसडी के कारण जननांगों में डिस्जेनेसिस / एजेंसियों वाले रोगियों में जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना। विवेका, पी. ज्योत्सना, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014 – 2017, 15 लाख रुपए।

8 पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं में प्रज्जवलन की भूमिका और भोजन संबंधी कारकों द्वारा इसका मॉड्यूलेशन। मोहम्मद अशरफ गनी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–2017, 56.87 लाख रुपए।

9 पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में वेंट्रिकुलर कार्य पर स्पीरोनोलेक्टोन उपचार के वेंट्रिकुलर कार्य और प्रभाव पर एसीईएनएफ, के बीटा आईएल – 6 और टीएन एफ अल्फा की जेनेटिक बहुरूपता का प्रभाव, मोहम्मद अशरफ गनी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 16 लाख रुपए।

10 टाइप–2 डायबिटीज (सस्टेन 7) वाले व्यक्तियों में मेटफॉर्मिन के लिए सेमेग्लूटाइड बनाम ड्यूलेग्लूटाइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा, यशदीप गुप्ता, नोवो नोरडिस्क, 2 वर्ष, 2016–17, 3 लाख रुपए।

11 उपचार की गहनता की आवश्यकता में मौखिक डायबिटीज रहित उपचार के साथ या इसके बिना बेसल इंसुलिन के साथ इलाज किए जाने वाले टाइप–2 डायबिटीज वाले व्यक्तियों में भाग के रूप में इंसुलिन डिग्लूडेक / इंसुलिन बनाम इंसुलिन ग्लेरगीन प्लस इंसुलिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करते हुए 38 सप्ताह का परीक्षण, यशदीप गुप्ता, नोवो नोरडिस्क, 2 वर्ष, 2016–17, 8 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1 गर्भावस्था और उनके पति / पत्नी में आईएडीपीएसजी मानदंड / अति डायबिटीज से गर्भावस्था के डायबिटीज मेलिटस के इतिहास वाले महिलाओं के बीच ग्लूकोज सहनशीलता के वितरण पर एक अध्ययन।

2 बाहर काम करने वाले लोगों में विटामिन डी की स्थिति।

3 इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरॉयडिज्म में थाइमिक और अस्थि–मज्जा टी और बी कोशिका उत्प्रवासी के मार्कर के रूप में टीआरईसी और केआरईसी।

4 हाइपोपेराथायरायडिज्म में बेसल गैंग्लिया कैलिफ़िकेशन के रोगजन्य में आण्विक पहलू ।

5 जी ए 68–डीओटीएएनओसी पीईटी / सीटी तथा एफ 18 – एफडीजी पीईटी / सीटी के साथ न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर की विशेषता और ऊतक विकृति विज्ञान के साथ परिणाम की तुलना।

6 दिल्ली में शहरी वयस्कों के कार्डियो–चयापचय स्वास्थ्य पर उनके "संभावित सुरक्षात्मक प्रभाव" के संबंध में भारतीय शाकाहारी भोजन का आकलन।

7 भोजन की गुणवत्ता और किशोरों के बीच अकादमिक प्रदर्शन पर व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करना : लड़कों और लड़कियों के बीच एक तुलना।

8 एशियाई भारतीय नवजात शिशुओं में अस्थि समूह के निर्धारक के निर्धारण – पोषण परिप्रेक्ष्य।

9 टर्नर सिंड्रोम वाले रोगियों में नैदानिक सुविधाओं और जैव रासायनिक प्रोफाइल पर एक्स गुणसूत्र के अभिभावकीय मूल के प्रभाव का अध्ययन करना।

10 डायबिटीज टाइप 2 वाले वयस्क रोगियों में चयापचय मापदंडों और ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ खाने के विकार और आहार पैटर्न का मूल्यांकन और उनका सहयोग।

11 उत्तरी भारत में फेच्रोमोसाइटोमा / परागांग्लोमा–ए तृतीयक देखभाल केंद्र अध्ययन के मामलों में 11 प्री और पोस्ट–ऑपरेटिव डिस्लेसेमिया।

12 46, एक्सवाई गोंडाड डिजेजेनेसिस के रोगियों में एसआरवाई, एसओएक्स 9, एसएफ 1, डीएक्स 1, डीएचएच, डीएमआरटी 1 और डब्ल्यूटी 1 जीन में उत्परिवर्तनों का अध्ययन करने के लिए।

13 टी2डीएम के परिवार की पिछली जानकारी के साथ/ के बिना पीसीओएस के बीच महिला में एफटीओ, ओमेंटिन जीन बहुरूपता के विशेष संदर्भ में नैदानिक, जैव रासायनिक, हार्मोनल और पारिवारिक विशेषताएं।

14 सीजीएमएस का उपयोग करते हुए दूसरी तिमाही के दौरान जीडीएम के साथ मोटापे से ग्रस्त नोर्मोग्लाइसेमिक महिला के साथ गर्भवती महिला के नोर्मोग्लाइसेमिक सामान्य वजन के ग्लाइसेमिक प्रोफाइल की तुलना करना।

15 गर्भावस्था के डायबिटीज के इतिहास के साथ महिलाओं में ग्लाइसेमिक स्थिति के साथ संज्ञानात्मक घाटे की घटनाओं, घटनाओं और संज्ञानात्मक घाटे, गरीब नींद, अवसाद और स्तनपान अवधि का अध्ययन करने के लिए: उम्र और लिंग मिलान समूह के साथ एक संभावित समूह अध्ययन

पूर्ण

1 गर्भावधि डायबिटीज और उनके जीवन साथी के पिछली जानकारी के साथ महिला के बीच ग्लूकोज़ सहिष्णुता के वितरण का अध्ययन करना।

2 कुशिंग्स सिंड्रोम वाले रोगियों में अस्थि स्वास्थ्य।

3 कम से कम 3 माह के लिए दो या अधिक मौखिक विरोधी – हाइपरग्लाइसेमिक दवा की आधे से ज्यादा खुराक पर टाइप 2 डायबिटीज वाले व्यक्तियों में एचबीए 1 सी पर जीवनशैली हस्तक्षेप (जीवनशैली में संशोधन, योग और मानक देखभाल पर सिखाने वाली वीडियो) के विभिन्न तरीकों के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल 3 आर्म यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

4 डायबिटीज टाइप 2 वाले वयस्क रोगियों में चयापचय मापदंडों और ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ खाने के विकार और आहार पैटर्न का मूल्यांकन और उनका सहयोग।

5 सीजीएमएस का उपयोग करते हुए दूसरी तिमाही के दौरान जीडीएम के साथ मोटापे से ग्रस्त नोर्मोग्लाइसेमिक महिला के साथ गर्भवती महिला के नोर्मोग्लाइसेमिक सामान्य वजन के ग्लाइसेमिक प्रोफाइल की तुलना करना।

6 नींद विकार, श्वास, संज्ञानात्मक रोग का आकलन और एक्रोमेगेली में उनके संबंध।

7 भारत में युवाओं के शुरुआती टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज के रोगियों में तीव्र और जीर्ण डायबिटीज जटिलाओं और हृदय रोग संबंधी जोखिम कारकों की एपिडेमियोलॉजी – एक रजिस्ट्री आधारित अध्ययन।

8 लंबे समय तक अनुवर्ती पर इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरॉयडिज्म वाले रोगियों में कशेरुका फ्रैक्चर और अस्थि खनिज घनत्व।

9 इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरॉयडिज्म में ऑटोरिएक्टिव, एमएचसी क्लास–। प्रतिबंधित, कैल्शियम–सेंसिंग रिसेप्टर (सीएएसआर)–विशिष्ट सीडी8+ टी सेल की उपस्थिति।

10 इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरोडिज्म वाले रोगियों में मोतियाबिंद सर्जरी का दीर्घकालिक परिणाम तथा इसकी कैलसेमिक स्थिति के साथ इसके संबंध।

11 भारत में टाइप 1 डायबिटीज वाले युवा वयस्क रोगियों में तपेदिक की व्यापकता।

12 टाइप 1 डायबिटीज वाले रोगियों में एमआरएनए अभिव्यक्ति अध्ययन के लिए हाउसकीपिंग–जींस संदर्भ की पहचान।

13 बाहरी और आंतरिक परिवेशों में काम करने वाले युवा एशियाई भारतीय पुरुषों की विटामिन डी – बाइंडिंग प्रोटीन, विटामिन डी की स्थिति और सीरम जैव उपलब्ध 25 (ओएच) डी।

14 इडियोपैथिक हाइपोपैराथाइरॉयडिज्म में सीलियाक रोग की व्यापकता और कैल्शियम नियंत्रण पर ग्लूटेन–मुक्त आहार का प्रभाव।

15 नियमित देखभाल के दौरान पहली और तीसरी तिमाही में गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी की कमी के प्रसार का अध्ययन करना।

16 पहली तिमाही ग्लूकोज जांच और गर्भावस्था में गर्भकालीन डायबिटीज़ मेलिटस के विकास के साथ सीरम इंसुलिन के स्तर के बीच संबंध।

17 गर्भवती एशियाई – भारतीय महिलाओं में थायरॉइड पैरोक्सीडेस एंटीबॉडी सकारात्मकता का प्रसार।

18 कूल्हे की गैर दर्दनाक अस्थिभंग वाले रोगियों में विटामिन डी की कमी के प्रसार का आकलन करना।

19 प्राथमिक हाइपोथायरायडिज्म की नैदानिक, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल सुविधाओं का अध्ययन करना : विटामिन डी पोषण और ऊतकविकृतिविज्ञानी का प्रभाव।

20 एथेरोस्क्लेरोसिस के एक मार्कर के रूप में कैरोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई (सी आई एम टी) का अध्ययन करना और 4–18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे के शिकार बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के लिए इसका सहसंबंध।

21 6–18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे के शिकार व्यक्तियों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा कोशिका कार्य के साथ सीरम विटामिन डी स्तर के संबंध का अध्ययन करना।

22 6–18 वर्ष के आयु समूह में मोटापे से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में धमनी कठोरता का आकलन।

23 स्पष्ट रूप से स्वस्थ पुरुष व्यक्तियों में सीरम एंड्रोजन मानकों पर एडिपोसिटी के प्रभाव का अध्ययन।

24 मोटापे के शिकार बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।

25 टाइप 2 डायबिटीज में माइटोकोंड्रियल दोषों और वीडीआर बहुरूपताओं का अध्ययन।

26 11–17 वर्षीय आयु के मोटे एशियाई भारतीय लोगों में इंसुलिन प्रतिरोध तथा बीटा कोशिका प्रकार्य पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभावों की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण।

27 भारत में व्यावसायिक उपलब्ध कॉलेकैल्सिफेरॉल तैयारियों की सामग्री शक्ति में परिवर्तनशीलता का अध्ययन करना।

28 मोटापे के शिकार बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।

29 वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों में फीनोटाइप और रेडियोलॉजिकल सहसंबंध।

30 स्पष्ट रूप से स्वस्थ पुरुष व्यक्तियों में सीरम एंड्रोजन मानकों पर एडिपोसिटी के प्रभाव का अध्ययन।

31 पिट्यूटरी मोर्फोमेट्री का विभिन्न आयु समूहों में अध्ययन करना।

32 11 – 17 आयु वर्ष के मोटे एशियाई भारतीय बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।

33 मोटापे से ग्रस्त भारतीय व्यक्तियों में अग्नाशय बीटा सेल कार्यों पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

34 6 महीने से 5 वर्ष की उम्र में सूखा रोग के उपचार के लिए 90,000 और 1,80,000 आईयू मौखिक एकल खुराक में विटामिन डी की प्रभावकारिता की तुलना करना।

35 एशियाई भारतीयों में 60 वर्ष से अधिक आयु में कूल्हे की हड्डी की भंगुरता के साथ इसके टूटने से जुड़े क्लिनिकल, एपिडेमियोलॉजिकल और पर्यावरण संबंधी जोखिम कारकों का अध्ययन,।

36 कुशिंग्स सिंड्रोम वाले रोगियों में अस्थि स्वास्थ्य।

37 एम्स में बाह्य रोगी की व्यवस्था में डायबिटिक फुट केयर पर रोगी शिक्षा मॉड्यूल की प्रभावशीलता।

38 पॉलिसिस्टिक ओवर सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली बांझ महिलाओं में इन–विट्रो निषचेन की सफलता के नैदानिक, जैव रासायनिक और हार्मोन पूर्वानुमान।

39 चयापचय असमान्यताएं और पीसीओएस में नींद का विकार।

40 नींद विकार, श्वास, संज्ञानात्मक रोग का आकलन और एक्रोमेगेली में उनके संबंध।

41 पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में नैदानिक, जैव रसायन और हार्मोनल मापदंडों पर बेरियाट्रिक सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन।

42 पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम वाली युवा महिलाओं में नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग का मूल्यांकन और इंसुलिन संवेदनशीलता तथा शरीर में वसा के वितरण के साथ इसका सह संबंध।

43 गर्भावधि डायबिटीज और उनके जीवन साथी के पिछली जानकारी के साथ महिला के बीच ग्लूकोज़ सहिष्णुता के वितरण का अध्ययन करना।

44 टाइप 2 डायबिटीज के साथ मेटाफॉर्मिन में एडन्न के रूप में सेमेग्लूटाइड बनाम ड्यूलेग्लूटाइड की दक्षता और सुरक्षा (सस्टेन 7)।

45 इंसुलिन डिग्लुडेक / इंसुलिन एस्पार्ट बनाम इंसुलिन ग्लार्गिन प्लस इंसुलिन एस्पार्ट के प्रभाव और सुरक्षा की तुलना में 38 माह के परीक्षण में बेसल इंसुलिन के साथ उपचार किया गया है जिसमें उपचार तीव्रता की आवश्यकता में मौखिक एंटीडिबेटिक उपचार के साथ या बिना।

46 टाइप–2 डायबिटीज़–एम डायब की रोकथाम के लिए मोबाइल हेल्थ टेक्नोलॉजी।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1 गैर–एल्कोहलिक फैटी यकृत रोग वाले कार्डियो–चयापचय जोखिम कारकों की एक आबादी जनसंख्या आधारित केस नियंत्रण अध्ययन, गृह विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

2 हाइपोपेराथायरायडिज्म में बेसल गैंग्लिया कैलिफ़िकेशन के आण्विक आधार, एनाटॉमी और फॉरेंसिक मेडिसिन

3 नव निदान उच्च रक्तचाप वाले रोगियों में टाइप 2 डायबिटीज में परिवर्तित एंजियोटेंसिन के बाद रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन सिस्टम और संवहनी कार्यों के घटकों के बीच संबंधों का अध्ययन करना शरीर क्रिया विज्ञान।

4 एम्स, मेडिसिन में अस्पताल में रोगियों में हाइपरग्लेसेमिया के प्रबंधन में इंसुलिन प्रोटोकॉल आधारित एडीए / एसीसी दिशानिर्देशों के परिणाम प्रभाव

5 मोटे रोगियों, चिकित्सा के बीच मोटापे की ओर ज्ञान, रवैया और अभ्यास (केएपी प्रश्नावली) का आकलन करने के लिए प्रश्नावली का विकास और सत्यापन

6 एम्स, नई दिल्ली, नर्सिंग में शैक्षिक पुस्तिका विकसित करने के दृष्टिकोण के साथ उच्च रक्तचाप और / या डायबिटीज रोगियों के बीच पुरानी गुर्दे की रोग के ज्ञान और जोखिम का आकलन करने के लिए एक अध्ययन

पूर्ण

1 इस्केमिक ऑक्यूलर मोनोन्यूरोपैथीज़ के कारणों और ठीक होने में प्रणालीगत कारकों का मूल्यांकन (डॉ. आर. पी. नेत्र विज्ञान केंद्र)।

2 कैंसर के रोगियों में उल्लेखनीय पूर्वनुमान लगाने की पहचान के साथ ठीक होने की दर का आकलन, सांख्यिकी विभाग, गणित विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय।

3 इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरोडिज्म वाले रोगियों में मोतियाबिंद सर्जरी का दीर्घकालिक परिणाम तथा इसकी कैलसेमिक स्थिति के साथ इसके संबंध (डॉ. आर. पी. नेत्र विज्ञान केंद्र)।

4 शिमला जिला, हिमाचल प्रदेश, भारत में उच्च ऊचाईं पर रहने वाले बच्चों के बीच विटामिन डी की कमी और जुड़े जोखिम कारकों की व्यापकता (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और मानव पोषण एकक)।

5 नाभिकीय रिसेप्टर पीएक्सआर के स्वाभाविक रूप से होने वाले गैर–पर्यायी रूपों के व्यापक विश्लेषण और कार्यात्मक लक्षण वर्णन (स्कूल ऑफ मॉलिकुलर मेडिसिन, जेएनयू)।

6 46, एक्सवाय डीएसडी के कारण जननांगों में डिस्जेनेसिस / एजेंसियों वाले रोगियों में जीन म्यूटेशन का अध्ययन करना। विवेका, डीबीटी।

7 यौन विभेदन के विकार, नैदानिक, सामाजिक तथा मनौविज्ञानी तात्पर्य, आईसीएमआर।

8 फेच्रोमोसाइटोमा, फिजियोलॉजी के रोगियों में ट्यूमर हटाने के बाद और पहले स्वायत्त और संवहनी कार्यों का आकलन

9 डायबिटीज मेलिटस, शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास के रोगियों में पैर में दबाव के केंद्र पर जरूरत के अनुसार बने जूते के प्रभाव का निर्धारण करना।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 70 पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी देखभाल

ओपीडी में उपस्थिति

माह	पुराने मामले	नए मामले	डीओवाय क्लिनिक	कुल
अप्रैल, 2017	2936	951	189	4076
मई, 2017	3327	1202	141	4670
जून, 2017	2843	889	132	3864
जुलाई, 2017	3221	1088	180	4489
अगस्त, 2017	3312	1184	150	4646
सितंबर, 2017	3232	1166	134	4532
अक्तूबर, 2017	2902	928	141	3971
नवंबर, 2017	3239	1031	92	4362
दिसंबर, 2017	3006	891	88	3985
जनवरी, 2018	3101	1170	149	4420
फरवरी, 2018	3074	1083	165	4322
मार्च, 2018	3233	1042	196	4471
कुल	**37,426**	**12,625**	**1757**	**51,808**

<u>प्रयोगशाला सेवाएं</u>

हार्मोन की जांचें

सं.	हार्मोन	किए गए ट्यूब आमापन		सं.	हार्मोन	किए गए ट्यूब आमापन

1	टी 4	12,771	13	विटामिन डी	6217
2	टीएसएच	17,954	14	इंसुलिन	3576
3	टीपीओ	2077	15	सी पेप्टाइड	1441
4	एलएच	2276	16	जीएच	1272
5	एफएसएच	2320	17	जीएडी	71
6	पीआरएल	2780	18	एफ टी 4	3032
7	कोरटिसोल	4206	19	टी 3	2166
8	टेस्टोस्टीरोन	2327	20	एफ टी 3	522
9	डीएचईए	784	21	आईजीएफ 1	1184
10	17 ओएचपी	43	22	ई2	563
11	एसीटीएच	1324	23	एल्डोस्टेरोन	45
12	पीटीएच	4314	24	रेनिन	45
					कुल	**73,310**

इम्यूनो एसे सेवा प्रयोगशाला में एक नया एचपीएलसी–एमएस/एमएस (टंडेम मास स्पेक्ट्रोमेट्री) सिस्टम खरीदा और स्थापित किया गया है।

एचपीएलसी – एमएस / एमएस को 25 (ओएच) विटामिन डी समेत स्टेरॉयड हार्मोन को मापने के लिए पसंद के उच्चतम मानक तरीके के रूप में स्वीकार किया जाता है और वर्तमान में विधि प्रोटोकॉल इस प्रणाली पर विकसित और मान्य होने की प्रक्रिया में हैं।

यूके नेशनल हेल्थ सर्विस–एनईक्यूएएस (राष्ट्रीय बाहरी गुणवत्ता आकलन योजना) और डीईक्यूएएस (विटामिन डी बाहरी गुणवत्ता आकलन योजना) की बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना में इम्यूनोसे–एलसीएमएस / एमएस सेवा प्रयोगशाला की भागीदारी को किसी रुकावट के बिना 10 वर्ष तक सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और सभी हार्मोन के लिए गुणवत्ता प्रयोग योजना में पंजीकरण इस प्रयोगशाला में किए गए जारी है।

जैव रसायन जांच

संख्या	जांच	नमूनों की संख्या
1	**जांच**	18,110
2	रक्त शर्करा	17,103
3	ग्लाइसेटिड हिमोग्लोबिन (एचबीए1 सी)	335
4	यूरिन पीएच	2100
5	ओस्मोलेलिटी (पेशाब और सीरम)	10,109
	लिपिड प्रोफाइल	**47,757**

विशेषज्ञता क्लिनिक :

(क) शनिवार को डायबिटीज़ ऑफ यंग
(ख) सोमवार दोपहर बाल और किशोर एण्डोक्राइन क्लिनिक
(ग) गर्भावस्था के डायबिटीज मेलिटस (जीडीएम) क्लिनिक शुक्रवार सुबह
(घ) सामुदायिक सेवाएं / कैंम्प

विभाग द्वारा मोटापे, पीसीओएस, डायबिटीज़ और थायरॉइड विकारों पर खास तौर से जागरुकता तथा छानबीन कार्यक्रमों के लिए शिविरों का नियमित आयोजन किया जाता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर निखिल टंडन 21 मार्च 2018 को एम्स जोधपुर में आयोजित , स्थायी चयन समिति की बैठक में सदस्य ; इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (आईआईपीएच), हैदराबाद में 16 फरवरी 2018 को आयोजित पहली डायबिटीज रेटिनोपैथी परियोजना संचालन समिति की बैठक में विशेषज्ञ सदस्य, ; मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ), चेन्नई में 10 जनवरी 2018 को आयोजित टाइप 2 डायबिटीज के प्रबंधन के लिए संशोधित आईसीएमआर मार्गदर्शक पर आईसीएमआर कार्यशाला के विशेषज्ञ सदस्य; 30–31 जनवरी 2018 से मियामी, यूएसए में आयोजित पायनियर 6 ग्लोबल पैनल मीटिंग में राष्ट्रीय नेता के रूप में भाग लिया ; डब्ल्यूआईडीएफ उत्कृष्ट अन्वेषक पुरस्कार प्राप्त किया और 13 जनवरी 2018 को आयोजित डायबिटीज पर 17 वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान मुंबई ग्रैंड हयात, मुंबई में डब्ल्यूआईडीएफ अवॉर्ड ऑरेशन दिया ; मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन (एमडीआरएफ), चेन्नई में 6 फरवरी 2018 को आयोजित डायबिटीज पर एडवांस रिसर्च के लिए आईसीएमआर सेंटर की बैठक में विशेषज्ञ सदस्य (4 नवंबर 2017 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित विश्व एनसीडी कांग्रेस में संकाय; वैश्विक स्वास्थ्य परीक्षण समिति के 3 वर्षो के लिए निर्वाचित सदस्य और वेलकम ट्रस्ट, गिब्स बिल्डिंग, 215 ईस्टन रोड, लंदन, एनडब्ल्यू 12 बीई, लंदन, ब्रिटेन में आयोजित बैठक में 20–21 नवंबर 2017 को भाग लिया) 12–13 अक्टूबर 2017 को दक्षिण एशियाई स्वास्थ्य फाउंडेशन के 18 वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, बर्मिंघम, ब्रिटेन में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्राप्त हुआ; सदस्य (1) एनएएसआई यंग वैज्ञानिक प्लैटिनम जुबली अवॉर्ड कमेटी (2) एनएएसआई –वरिष्ठ वैज्ञानिक समिति की बैठक (3) एनएएसआई फैलोशिप स्क्रूटिनी कमेटी और (4) एनएएसआई इलाहाबाद में 28.29 जुलाई 2017 को आयोजित एनएएसआई व्याख्यान पुरस्कार समिति ; रविवार को 30 जुलाई 2017 को आयोजित चेन्नई में डॉ. मोहन के अंतरराष्ट्रीय डायबिटीज अद्यतन 2017 के दौरान 'डीएमडीईए गोल्ड मेडल ओरेशन' की अध्यक्षता की (एम्स की स्थायी चयन समिति की सहायता करने के लिए बाहरी विशेषज्ञ, ऋषिकेश 30 अप्रैल 2017 को आयोजित एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म विभाग में संकाय के चयन के लिए; एसजीपीजीआई, लखनऊ में 19–20 मई 2017 से आयोजित डीएम (एंडोक्राइनोलॉजी) की व्यावहारिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक ;डब्ल्यूएचओ की बैठक में डायबिटीज़ मेलिटस के वर्गीकरण पर डब्ल्यूएचओ मीटिंग में मार्गदर्शक विकास समूह के सदस्य के रूप में भाग लिया और 31 मई –2017 2017 से स्विट्ज़रलैंड के जिनेवा में आयोजित मध्यवर्ती हाइपरग्लाइसेमिया की परिभाषा और निदान इंडो–यूएस डायबिटीज रिसर्च संयुक्त सदस्य स्टीयरिंग कमेटी की बैठक 10–12 अप्रैल 2017 से बेथेस्डा, मैरीलैंड, यूएसए में एनआईएच कैंपस में आयोजित की गई; एक पीएचडी छात्र सुश्री भंवी ग्रोवर के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिनांकित 13 नवंबर 2017 पत्र सं. एफओएस–आई/114/पीएच.डी/7066 के माध्यम से सह–पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। कम आय वाले देशों (टीआरईएन) में उद्घाटन एनएचएलबीआई टी4 अनुवाद अनुसंधान क्षमता निर्माण पहल में भाग लिया और निचले मध्य आय वाले देशों (टी–टीआरईसी) के भीतर टी 4 अनुसंधान के लिए उच्च रक्तचाप के परिणाम नई परियोजना आई–टीआरईसी के प्रधान अन्वेषक के रूप में वार्षिक बैठक 17–19 जनवरी 2018 बेथेस्डा, मैरीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका में एनआईएच कैंपस में; भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुसार भारत की मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई), नई दिल्ली के कार्यकलाप की निगरानी करने के लिए सदस्य, ओवरसाइट कमेटी 18 जुलाई 2017 को पारित हुई; उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई), नई दिल्ली ; सदस्य, संस्थान निकाय (आईबी), गवर्निंग बॉडी (जीबी), स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) और एम्स, जोधपुर, राजस्थान की स्थायी चयन समिति (एसएससी)

आचार्य नंदिता गुप्ता 2016 में राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की अध्येता चुना गया।

आचार्य रविंदर गोस्वामी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थायी चयन समिति के विशेषज्ञ, जोधपुर एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म विभाग के लिए मार्च 2018; 28 जुलाई 2017 को एंडोक्राइनोलॉजी विभाग, अल आई एमएस, भुवनेश्वर विभाग में संकाय के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ का नामांकन; पीजीआई चंडीगढ़ में पीएच.डी विवा के विशेषज्ञ, एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म विभाग, जुलाई 2017; पीजीआई चंडीगढ़ में पीएच.डी वायवा के विशेषज्ञ, प्रायोगिक चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, फरवरी 2018; चिकित्सा परियोजनाओं के लिए सदस्य परियोजना समीक्षा समिति, 2015 से अब तक सीएसआईआर; मेटाबोलिक हड्डी रोगों की जांच पर चिकित्सा की एपीआई पाठ्यपुस्तक के 11 वें संस्करण के लिए एक अध्याय लिखने के लिए आमंत्रित किया गया ;जेएनयू, नई दिल्ली, 2017–2018 के सदस्य सलाहकार बोर्ड उन्नत इंस्ट्रुमेंटेशन रिसर्च सुविधा; एनईआर (मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी) डीबीटी के लिए ट्विनिंग आर एंड डी कार्यक्रम की सदस्य विशेषज्ञ समिति की बैठक 11–12 दिसंबर 2017 को आयोजित की जाएगी; जनवरी 2018 से तीन वर्ष की अवधि के लिए इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज़्म के सहयोगी संपादक के रूप में कार्य करने के लिए आमंत्रित किया गया; एमडी–एमएस थीसिस अनुदान, चरण 11 और 12– डीबीटी, 9 अक्टूबर 2017 के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ; सदस्य डीन की शोध समिति (डीआरसी) एम्स, नई दिल्ली तीन वर्ष के लिए ; केंद्रीय कोर रिसर्च सुविधा (सीसीआरएफ) 2018 के कोर सदस्य ।

आचार्य राजेश खड़गावत

डॉ. खड़गावत ने संस्थान से प्रतिनियुक्ति पर चिकित्सा शिविर–कारगिल, 2–9 जून 2017, लद्दाख, और लेह, लद्दाख, 1–6 अक्टूबर 2017 में भाग लिया; एंडोक्राइनोलॉजी के लिए साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ– राजस्थान लोक सेवा आयोग, यूपीएससी, लिवर और बिलीरी साइंसेज संस्थान (आईएलबीएस); जम्मू फाउंडेशन ऑफ हेल्थ रिसर्च, कोलकाता के सदस्य, वैज्ञानिक परिषद; विशेषज्ञ, राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी (एनएडीए), युवा मामलों और खेल मंत्रालय, भारत सरकार; एनआरएस मेडिकल कॉलेज, कोलकाता के लिए डीएम परीक्षक, श्रीमानता शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर, जम्मू–कश्मीर; सदस्य, एसएई–डेथ कमेटी, डीसीजीआई; सदस्य, विषय विशेषज्ञ समिति (एंडोक्राइनोलॉजी), डीसीजीआई नई दिल्ली; विषय विशेषज्ञ, भारतीय चिकित्सा परिषद।

डॉ. मो. अशरफ गनई

डॉ. मोहम्मद अशरफ गणी: 8 वां रामलिंगस्वामी कॉन्क्लेव, डीबीटी और एनआईपीजीआर के सलाहकार, 15–17 फरवरी 2018, नई दिल्ली; पीसीओएस पर आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन के लिए राष्ट्रीय समन्वयक / पीआई; आईसीएमआर, नई दिल्ली के लिए परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; कश्मीर विश्वविद्यालय में पीएचडी विवा के लिए विशेषज्ञ; एसएमआईएमएस श्रीनगर में डीएम (एंडोक्राइनोलॉजी) व्यावहारिक परीक्षा के लिए परीक्षक; डीबीटी, नई दिल्ली के लिए परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; प्रेसीडेंट मेटाबोलिक सिंड्रोम–प्री–डायबिटीज–पीसीओएस सोसाइटी ऑफ इंडिया; संपादक डायबिटीज ओबेसिटी इंटरनेशनल जर्नल, सदस्य, विषय विशेषज्ञ समिति (एंडोक्राइनोलॉजी), डीसीजीआई नई दिल्ली; एसकेआईसीसी श्रीनगर में 11–13 मई 2017 से एम पी पीसीओएस सोसाइटी सम्मेलन का पहला वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया; 5 दिसंबर एसकेआईएमएस फाउंडेशन दिवस, 2017 में अनुसंधान में उत्कृष्टता का पुरस्कार; पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के साथ महिलाओं के बीच नैदानिक, जैव रासायनिक और हार्मोनल पैरामीटर पर विटामिन डी3 पूरक के साथ मेटाफॉर्मिन बनाम पियोग्लिटाज़ोन की तुलनात्मक प्रभावशीलता पर सर्वश्रेष्ठ पेपर अवॉर्ड : 8 वां वार्षिक अमीरात और एंडोक्राइन कांग्रेस में छह माह यादृच्छिक, खुले लेबल परीक्षण, 2018 को दुबई ट्रेड सेंटर में 1–3 मार्च 2018 से आयोजित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ पंकज शाह, मेयो क्लिनिक रोचेस्टर, यूएसए
डॉ ई. माइकल लेविकी, न्यू मैक्सिको स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए विश्वविद्यालय

9.12 U;k; fpfdRlk vkj fo"k foKku

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुधीर गुप्ता

आचार्य

डी. एन. भारद्वाज | ओ. पी. मूर्ति | मिलो ताबिन

संजीव लालवानी (ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें.) | आदर्श कुमार (ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें.)

सह–आचार्य

चित्तरंजन बेहरा

सहायक आचार्य

कुलभूषण प्रसाद | अभिषेक यादव

वैज्ञानिक-C | **रसायनज्ञ**

निधि शर्मा | ए. के. जायसवाल

विशिष्टताएं

भारत में विभाग न्याय चिकित्सा और विष विज्ञान विभाग जटिल चिकित्सा विधि समस्याओं के लिए सर्वोच्च रेफरल केंद्र हैं। विभाग द्वारा सीबीआई, एनआईए, एनएचआरसी, अदालतों और विभिन्न राज्यों के अपराध शाखा द्वारा भेजे गए मामलों में विशेषज्ञ राय प्रदान की जाती है। इसमें चिकित्सा – विधि शव परीक्षा, मृत्यु होने पर एमएलसी शव लेप करना, क्लिनिकल विधि विज्ञान काय चिकित्सा सेवाओं, चिकित्सा – विधि मामलों, अध्यापन, प्रशिक्षण, अनुसंधान में विशेषज्ञ की राय और अदालत संबंधी कार्यों में शामिल है। विभाग द्वारा तीन प्रयोगशाला सेवाएं यथा – विष विज्ञान प्रयोगशाला, डी. एन. ए. फिंगर प्रिंटिंग और ऊतक विकृति विज्ञान और न्याय चिकित्सा रेडियोलॉजी और न्याय चिकित्सा मानव विज्ञान के रूप में दो सहायता सेवाएं प्रयोगशाला चलाई जाती हैं। विष विज्ञान प्रयोगशाला सेवाएं अनुसंधान और निदान के लिए प्रदान की जाती है। हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला इकाई द्वारा एम्स में और बाहर से भेजे गए मामलों पर किए जाने वाले चिकित्सा विधि शव परीक्षण के लिए हिस्टोपैथोलॉजी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। न्याय चिकित्सा रेडियोलॉजी चिकित्सा विधि और शैक्षिक प्रयोजन के लिए उपयोग की जाती है। न्याय चिकित्सा प्रभाग कार्यात्मक है। ऑटोमैटिक बायोकैमिकल एनालाइजर काम कर रहा है और शैक्षिक प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है। गंध रहित शवगृह के विकास के लिए, निविदा प्रक्रियाएं पहले ही की जा चुकी है। कुल 6 विभागीय अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं और 5 पूरी हो गई है। एक आईसीएमआर निधिकृत बाह्य परियोजना और एक आंतरिक निधिकृत परियोजना चल रही है। विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 44 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। विभाग के डॉक्टरों द्वारा कुल 2637 चिकित्सा विधि शव परीक्षा की गई तथा मुख्य और साथ ही ट्रॉमा सेंटर दोनों सहित अदालतों से 539 सम्मनों पर कार्य किया गया।

शिक्षा

विभाग स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षण में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसमें 8 स्नातकोत्तर छात्र (एम.डी.) एवं 3 पीएच. डी छात्र विभाग में पंजीकृत हैं। विभाग में अखिल भारतीय अन्य विश्वविद्यालयों से बी. एससी, एम. एससी. तथा एम.डी. छात्रों के डी. एन. ए. फिंगरप्रिंटिंग एवं चिकित्सा विष–विज्ञान में प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। विभिन्न विश्वविद्यालयों से 9 छात्रों को विष विज्ञान प्रयोगशाला में छोटी अवधि के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के नौ छात्रों को अल्पावधि प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

आदर्श कुमार : 8 | **अभिषेक यादवः 5**

चित्तरंजन बेहरा : 2 | **अशोक. कुमार. जायसवाल : 1**

मौखिक पत्र / शोध पत्र प्रस्तुति : 13

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय आबादी में आत्महत्या से जुड़ी सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलिमोर्फिज्म के जैव सूचना विज्ञान की पहचान और *इन विट्रो* मूल्यांकन, चित्तरंजन बेहरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020, 69.11 लाख रुपए।
2. आत्मघाती मौतों के साथ इंफ्लेमेटरी साइटोकाइंस का एसोसिएशन : अस्पताल आधारित तुलनात्मक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन, चित्तरंजन बेहरा, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 1 लाख रुपए।

विभागीय परियोजना

जारी

1. मौत के बाद विभिन्न रोगाणुओं द्वारा मानव शरीर में एल्कोहल के अंतर्जात उत्पादन का अनुमान और चिकित्सा – विधि शव परीक्षा मुद्दों के लिए इनकी प्रासंगिकता।
2. विभिन्न जैविक नमूनों में विभिन्न दवाओं के विषाक्तता संबंधी विश्लेषण और वितरण पद्धति और आत्मघाती मौतों में उनके न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव।
3. कार्डियक मार्करों का अध्ययन, संदिग्ध हृदय संबंधी मौतों के मामलों में हृदय में स्थूल निष्कर्ष और हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन।
4. कोहनी और कलाई के जोड़ों के आसपास एपिफ़िशियल यूनियन के रेडियोलॉजिकल अध्ययन द्वारा उम्र 1–18 वर्ष के बीच आयु का अनुमान।
5. शवगृह, एम्स, नई दिल्ली में रिपोर्ट करने वाले सड़क यातायात दुर्घटना के मामलों में शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की स्क्रीनिंग।
6. अस्थिभंग से होने वाली मृत्यु में संबंधित एवं संपीड़ित फाइबर सामग्री का पता लगाना, संग्रह, पहचान और तुलना करना।

पूर्ण

1. कथित चिकित्सा लापरवाही मामलों का अध्ययन और उसके मुद्दे।
2. 1 जनवरी 2009 और 31 दिसंबर 2013 के बीच चिकित्सा विधि शव परीक्षण के मामलों का पूर्वव्यापी अध्ययन जहां आंत को संरक्षित किया जाता है, और उसके बाद इसके बारे में राय।
3. छात्र आत्महत्या : दक्षिण दिल्ली के लिए एक क्रॉस अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन।
4. अन्य संबद्ध बाह्य के साथ साथ विभिन्न मांसपेशियों पर चोटों में बदलाव और फांसी के कारण मौत के मामलों में घुटन के निशान के स्थितीय बदलाव के साथ गर्दन की आंतरिक चोट का अध्ययन।
5. पूर्ण आत्महत्याओं में लिपिड प्रोफाइल का संबंध : अस्पताल आधारित केस नियंत्रण अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मेटालोप्रोटीनसिस का इम्यूनोहिस्टोकैमिकल विश्लेषण मैट्रिक्स (एम एम पी – 2 और 9), मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेसिस के ऊतक इंहिबिटर्स (टी आई एम पी – 1 और 2), आरोही थोरेसिक महाधमनी धमनीविस्फार में कोलेजन 1 और कोलेजन 4, पैथोलॉजी।
2. मंडी, हिमाचल प्रदेश की ब्राह्मण और राजपूत आबादी में कान और नाक के मॉर्फोमेट्रिक और मॉर्फोस्कोपिक अध्ययन – एक फोरेंसिक मानवविज्ञानीय जांच, नृविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ।
3. फिब्रिलिन 1 जीन उत्परिवर्तन और सिस्टिक मेडियल डिजनरेशन के साथ महाधमनी धमनीविस्फार में टीजीएफ बीटा की भूमिका पैथोलॉजी।

पूर्ण

1. आत्मघाती मौतों में हिप्पौकैंपस के सीए1 क्षेत्र में पिरामिड कोशिकाओं और एस्ट्रोसाइट्स के आकृति विज्ञान का अध्ययन शरीर रचना विज्ञान।
2. एपेंडायोमा में एपिथेलियल – मेसेंकाइमल बदलाव (ईएमटी) पैथोलॉजी।

प्रकाशन

पत्रिका : 39 पुस्तक में अध्याय : 1 पुस्तक : 1

रोगी उपचार

क. **आपात सेवाएं :** विभाग द्वारा चोट, यौन अपराध, विषायन और अन्य जटिल मामलों में दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण – पूर्व जिले में 24 घंटे चिकित्सा कानूनी सेवाएं प्रदान की जाती है। इस अवधि के दौरान लगभग 1500 कॉल पर कार्रवाई की गई थी।

ख. **शवगृह सेवाएं :** शवगृह में कुल 2637 (1821 + 816 –जेपीएनएटीसी) मेडिको लीगल ऑप्टोप्सी किए गए।

ग. **नैदानिक न्याय चिकित्सा :** विभाग द्वारा जांच अधिकारी और अदालत से संदर्भित द्वारा आयु के आकलन, पोटेंसी और अन्य मेडिको–लीगल की परीक्षा के लिए लाए गए 582 मामले निपटाए गए। विभाग के चिकित्सा बोर्ड द्वारा सीबीआई से प्राप्त लगभग एक 33 से अधिक मामले निपटाए गए थे। इसके बाद कुल 1015 के मामलों में दुर्घटना आदि से संदर्भित जटिल मामलों में विचार प्रस्तुत किए थे।

घ. **समन :** दिल्ली और दूसरे राज्यों के 539 मामलों में विभाग के डॉक्टर न्यायालय में पेश हुए।

ड. **चिकित्सा विष विज्ञान :** एम्स के नैदानिक विभाग, मेडिको–लीगल मामले और शैक्षणिक मामलों द्वारा भेजे गए विभिन्न विषों के लिए 2994 नमूनों के लिए 333 परीक्षण किए गए।

च. **जैव रसायन :** शैक्षिक उद्देश्य (31 मामलों) के लिए प्राप्त 123 नमूनों पर जांचें आयोजित की गईं।

छ. **न्याय ऊतकविकृति विज्ञान :** विभाग द्वारा दक्षिण और दक्षिण–पूर्व जिले एवं अनुसंधान उद्देश्य हेतु विधिक चिकित्सा ऑटोप्सी मामलों के नमूनों के लिए ऊतक विकृति विज्ञानी सेवाएं प्रदान की जा रही है। इस अवधि के दौरान कुल 46 मामलों और 306 नमूनों की जांच–पड़ताल की गई।

ज. **शव रक्षा लेप सुविधा :** विभाग एमएलसी (पोस्टमार्टम मामले) के लिए शव रक्षा लेप सुविधा प्रदान कर रहा है। इस अवधि के दौरान लगभग 255 मामलों में शव रक्षा लेप किए गए।

छ. **चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनःप्राप्ति :** चिकित्सकीय प्रत्यारोपण के लिए शवगृह और दिएगए राष्ट्रीय नेत्र बैंक में 132 कॉर्निया की पुनः प्राप्ति की गई।

ज. **न्याय चिकित्सा रेडियोलॉजी सेवाएं :** विभिन्न चिकित्सा कानूनी और शैक्षिक प्रयोजनों के लिए 93 मामलों को न्याय चिकित्सा रेडियोलॉजी सेवाएं प्रदान की गई थीं। (ऑटोप्सी और जीवित दोनों मामलों में)

झ. **न्याय चिकित्सा मानव विज्ञान सेवाएं :** कुल 20 मामले विभिन्न अदालतों और खेल अधिकारियों से संदर्भित आयु अनुमान के लिए निपटाए गए थे।

ञ. **सामुदायिक सेवाएं :** विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश भर से सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और लोक अभियोजकों का भाग लेना जारी है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य आदर्श कुमार

प्रोफेसर आदर्श कुमार ने बेंगलुरू में 1–3 दिसंबर 2017 को आयोजित एटीएस आयंगर ओरेशन सिल्वर जुबली के दौरान – कर्नाटक मेडिकल सोसाइटी के 25 वें वार्षिक सम्मेलन "केएएमएलएस 25–2017'' में व्याख्यान दिया; 2016–2019 के लिए बाली, इंडोनेशिया में इंडो–पेसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में निर्वाचित; कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक द्वारा 2017–19 के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज–एक्सटर्नल एक्सपर्ट मेंबर (फॉरेंसिक मेडिसिन एंड फॉरेंसिक साइंसेज) के रूप में नामांकित; दो वर्ष 2016–2018 के लिए एशिया पैसिफिक मेडिको लीगल एसोसिएशन (एपीएमएलए) के सदस्य; एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, यूपी द्वारा 2017–19 के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज–बाहरी विशेषज्ञ सदस्य (फोरेंसिक साइंसेज) के रूप में नामांकित; राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में मेडिको लीगल एक्सपर्ट; केंद्रीय जांच ब्यूरो के लिए मेडिको लीगल एक्सपर्ट; सदस्य, विभिन्न पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डः अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड के सदस्य–एचएसओए जर्नल ऑफ फॉरेंसिक, लीगल एंड इंवेस्टिगेटिव साइंसेज (यूएसए), इजिप्शियन फॉरेंसिक साइंसेज– इजिप्ट जर्नल, अदली टिप बुलेटिन–तुर्की, एसोसिएट एडिटर–मेडिको लीगल अपडेट, रिसर्च जर्नल मेडिकल एजुकेशन एंड एथिक्स, वेब एडिटर–इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एंड मेडिकोलेगल प्रैक्टिस, मेंबर एडिटोरियल बोर्ड–जर्नल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ टॉक्सिकोलॉजी, जर्नल ऑफ कर्नाटक मेडिको लीगल सोसाइटी, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, फोरेंसिक केमिस्ट्री और टॉक्सिकोलॉजी जर्नल।

डॉ. चितरंजन बेहरा ने वर्ष 2017–2018 के लिए एक युवा बायोमेडिकल साइंटिस्ट के रूप में आईसीएमआर अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप प्राप्त किया और ट्रांसबैलेंस रिसर्च, न्यूरोबायोलॉजी और साइकियाट्री विभाग, यूएबी बर्मिंघम, यूएसए में बायोमार्कर सुसाइड में शोध प्रशिक्षण प्राप्त किया; **उन्नत**

प्रशिक्षणः सीएफएसएल (सीबीआई), नई दिल्ली में 3 माह तक डीएनए फिंगरप्रिंटिंग में उन्नत प्रशिक्षण; **संपादक / संपादकीय बोर्ड के सदस्यः** इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी और लीगल मेडिसिन के सहायक संपादक, एआरसी जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज, एनल्स ऑफ फॉरेंसिक रिसर्च एंड एनालिसिस, साइंस फेड जर्नल ऑफ फॉरेंसिक, जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन।

डॉ. ए. के. जायसवाल 8 वां और 9 दिसंबर 2017 को कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, रिंचिंग, फुएंटशोलिंग, चुक्का, भूटान, इंटरनेशनल साइंस द्वारा आयोजित 7 वां अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी–2017) में फॉरेंसिक, मेडिकल, डेंटल एंड नर्सिंग के अनुभागीय अध्यक्ष थे। सामुदायिक संघ; फॉरेंसिक साइंस के रिसर्च जर्नल के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य; मुख्य संपादक– फॉरेंसिक केमिस्ट्री और टॉक्सिकोलॉजी।

डॉ. अभिषेक यादव 17–19 जुलाई 2017 को पटाया, थाईलैंड में "क्रॉस ऑफ डेड ऑफ इमर्जेंसी, डिजास्टर एंड कैटैस्ट्रॉफ्स" पर कार्यशाला में भाग लेने के लिए रेड क्रॉस (आईसीआरसी) की अंतरराष्ट्रीय समिति द्वारा डॉ. अभिषेक यादव का प्रायोजन किया गया, डॉ. आरपी सेंटर, एम्स द्वारा 32 वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े –2017, सितंबर 2017 को राष्ट्रीय नेत्र बैंक में उत्कृष्ट योगदान के लिए सराहना का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। पुदुचेरी की गवर्नर, श्रीमती किरण बेदी द्वारा दूसरी सर्वश्रेष्ठ संकाय मौखिक प्रस्तुति के लिए फॉरेंसिक मेडिकॉन 2018–39 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 1–3 फरवरी 2018 को इंडियन एकेडमी ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन (आईएएफएम), जेआईपीएमईआर, पुदुचेरी पुरस्कृत।

9-13 tBjk= jkx foKku ,oa ekuo iks"k.k ,dd ¼,p-,u-;w-½

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनूप सराया

आचार्य

उमेश कपिल
विनीत आहूजा
प्रमोद गर्ग
गोविंद के माखरिया

सह–आचार्य

शालीमार
बैबास्वत नायक

सहायक आचार्य

सौरभ केडिया
दीपक गुंजन

विशिष्टताएं

विभाग ने 8–10 सितंबर 2017 को होटल ली–मेरिडियन, नई दिल्ली में 17वीं अंतरराष्ट्रीय सेलिएक रोग संगोष्ठी का आयोजन किया। इस सम्मेलन के दौरान, भारत और विदेश के 600 से अधिक प्रतिनिधियों और 100 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकायों ने भाग लिया; 7–8 अक्तूबर 2018 को एम्स, नई दिल्ली में लिवर रोग (सीपीएलडी – 2017) में वर्तमान परिप्रेक्ष्य पर एक सीएमई का आयोजन किया; 28 जुलाई 2017 को एम्स में विश्व हिपेटाइटिस दिवस की पूर्व संध्या पर भारत में वायरल हिपेटाइटिस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन; 10 फरवरी 2018 को एम्स, नई दिल्ली में गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी प्रशिक्षुओं के लिए एक शिक्षण कार्यक्रम ''गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी यंग मास्टर्स'' की इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोइंटरोलॉजी की ओर से आयोजन भी किया; सितंबर 2017 में हैदराबाद में इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी की ओर से एक यंग क्लिनिशियन प्रोग्राम नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिक्षा

विभाग द्वारा जठरांत्र रोग विज्ञान में डी. एम. तथा जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण में पी. एच. डी. पर पाठ्यक्रम हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। विभाग ने स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण में भी भाग लिया।

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण : 20 डी. एम. छात्र; तथा 4 पी. एच. डी. छात्र
अल्प अवधि प्रशिक्षण : 2017–2018 के दौरान 4 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया था।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठियां

1. 17वीं अंतरराष्ट्रीय सेलियाक रोग संगोष्ठी, 8–10 सितंबर 2017, नई दिल्ली
2. भारत में वायरल हैपेटाइटिस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लोक व्याख्यान, 28 जुलाई 2017, एम्स, नई दिल्ली
3. लिवर रोग (सीपीएलडी–2017) में वर्तमान परिप्रेक्ष्य पर सीएमई, 7–8 अक्तूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
4. 'गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी यंग मास्टर्स'', 9 –11 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान :

अनूप सराया : 5
शालीमार : 10
सौरभ केडिया : 10
प्रमोद गर्ग : 10
बैबास्वत नायक : 3
विनीत आहुजा : 21
दीपक गुंजन : 2

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 34

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. पैनक्रियाटिक कैंसर में सिगनल ट्रांसडक्शन का एम.आई.आर.एन.ए. मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका, अनूप सराया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018–2021, 75 लाख रु.।
2. तीव्र अग्नाशयशोथ में होम आधारित ब्लेंडराइज्ड फॉर्मूलेशन : एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अनूप सराया, आईसीएमआरए 3 वर्ष, 2018–2021, 39 लाख रु.।
3. गंभीर चिरकालिक पैनक्रिएटाइटिस में आंत की म्यूकोसा का अध्ययन करना और अंग विफलता तथा मृत्यु दर के साथ इसका सह संबंध ज्ञात करना, अनूप सराया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–18, 56.38 लाख रुपए।
4. चिरकालिक पैनक्रिएटाइटिस में बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आर. एन. ए., जिन्हें पैनक्रिएटिक कैंसर विकसित होने का जोखिम है, अनूप सराया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 91 लाख रु.।
5. अग्न्याशय के कैंसर से पीड़ित रोगियों में आरईजी–4 और एमयूसी–4 की अभिव्यक्ति, अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2013–2018, 25 लाख रुपए।
6. चूहे में साइरुलेइन उत्प्रेरित तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस के रोगजनन में अंतःप्रद्रव्य जालिका तनाव की भूमिका और तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस की गंभीरता पर रासायनिक संरक्षिकाओं का प्रभाव, प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर, 3 वर्ष, 2013–2017, 24 लाख रुपए।
7. पित्ताशय कैंसर में जीनोमिक और एपिजीनोमिक अभिव्यक्ति, प्रमोद गर्ग, एम्स, 2 वर्ष, 2014–2016, 10 लाख रुपए।
8. मानव गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल इम्यूनोलॉजी ट्रांसलेशनल कार्यक्रम, विनीत आहूजा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष 2014–2017, 78 लाख रुपए।
9. इंफ्लेमेट्री बाउल डिजीज में तुलनात्मक आंत यूकेरियोटिक माइक्रोबायोम : आनुवंशिक रूप से विभिन्न रोग व्यापकता वाले क्षेत्रों में रहने वाली समान आबादी में एक सामान्य लिंक की खोज, विनीत आहूजा, डीएसटी (डी.एस.टी.यू.के.ई.आर.आई.), 2 वर्ष, 2015–2017, 21 लाख रुपए।
10. भारत में क्रोहन रोग : एक बहुसंकेतन अध्ययन, एक ऐसे देश से जहां आंतों के तपेदिक के साथ–साथ जॉहेन की बीमारी एंडेमिक है, विनीत आहूजा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016–2019, 25 लाख रु.।
11. अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोहन रोग में एंटीवियो (वेडोलिजुमैब 4) विस्तारित पहुंच कार्यक्रम, डॉ. विनीत आहूजा, फार्मास्युटिकल उत्पाद विकास, 1.5 वर्ष, 2017, 3 लाख रु.।
12. जैव प्रौद्योगिकी विभाग ''सेलियाक रोग पर कंसोर्शियम'', गोविंद के माखरिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 359 लाख रु.।
13. सेलियाक रोग में उत्कृष्टता के लिए भारत–अमेरिका संयुक्त नेटवर्क केंद्र, गोविंद के माखरिया, आईयूएसएसटीएफ, 1 वर्ष, 2017–2018, 43 लाख रुपए।
14. भारतीय सेलियाक रोग के रोगियों में ग्लूटेन मुक्त आहार के पालन के मूल्यांकन के लिए एक उपकरण का विकास और सत्यापन, गोविंद के माखरिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018–2020, 23 लाख रुपए।
15. कम इम्यूनोजेनिक ग्लूटेन वाले गेहूं के विकास के लिए अन्वेषण, गोविंद मखारिया, आई. सी. ए. आर., 3 वर्ष, 46 लाख रुपए।
16. सोफोसबुवीर आधारित उपचार वाले क्रोनिक हिपेटाइटिस सी उपचारित रोगियों में प्रतिरोध जुड़वा वेरिएंट (आरएवी) का अध्ययन करना, शालीमार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (डीएचआर) 3 वर्ष, 2017–2020, 44 लाख रुपए।
17. एच. पाइलोरी सह–संक्रमण वाले एनएएफएलडी के साथ रोगियों में एच. पाइलोरी उन्मूलन चिकित्सा का प्रभाव : एक प्रायोगिक खुले लेबल वाला यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन, शालीमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 5 लाख रु.।
18. हिपेटाइटिस सी. वायरस से ग्रस्त रोगियों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को समझने के लिए रिवर्स आनुवंशिक आधारित पुनः संयोजक न्यूकैसल रोग वायरस मॉडल का विकास, बी. नायक, डीबीटी – एनईआर, 3 वर्ष, 2016 –2019, 105 लाख रु.।
19. मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन (एचएलए–जी) के अणुओं की नैदानिक प्रासंगिकता और हिपेटेकोसेल्यूलर कार्सिनोमा में इसकी बहुरूपता, बी. नायक, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 4 लाख रुपए।
20. सीडी14–एलपीबीएस–टीएलआर 4 कॉम्प्लेक्स से जुड़े बहुरूपताओं और एमडी 2 अणु के बीच सह–रुग्ण स्थिति और संबंध में एल्कोहल–प्रेरित लिवर रोग (एएलडी) और एल्कोहलिक पैंक्रियाटाइटिस (एएलपी) में सीडी14 जीन विविधता, बी. नायक, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 27 लाख रु.।

पूर्ण

1. जीर्ण यकृत की बीमारी : विटामिन डी के विशेष संदर्भ में और यकृत अस्थि दुष्पोषण पर उनकी पूरकता के साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों की स्थिति – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अनूप सराया, आईसीएमआर, 3 वर्ष 2013–2017, निधि : 69 लाख रुपए।
2. सिलियाक रोग और अन्य एंटेरोपैथीस वाले रोगियों में विलस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर, गोविंद मखारिया, डी एस टी, 3 वर्ष, 2014–2017, 48.96 लाख रु.।
3. अल्सरेटिव कोलाइटिस तथा क्रोन्स रोग में मूल्यांकित इंटीग्रेन इनहिबिटर हेतु फेज 3 बहुकेंद्रीय परीक्षण, विनीत आहूजा, मिलेनियम फार्मास्यूटिकल्स, बोस्टन, 9 वर्ष, 2008–2016, 27 लाख रुपए।
4. मधुमेह – यकृत रोग एम्ब्रस : चिरकारी यकृत रोग के अल्पावधि परिणाम पर मधुमेह के प्रभाव की खोज के लिए एक पारस्परिक अनुभागीय बहु केंद्रित अध्ययन, शालीमार, लिवर फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2014–17, 10 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ट्यूमर प्रगति को बढ़ावा देने के लिए मेटाबोलिक रिप्रोग्रामिंग एंजाइम को नियंत्रित करने वाले एमआईआरएनए की भूमिका।
2. पैनक्रियाटिक कैंसर में सिगनल ट्रांसडक्शन का एम.आई.आर.एन.ए. मध्यस्थता मॉड्यूलेशन की भूमिका।
3. मनुष्यों में एल्कोहलिक और गैर–एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग के रोगजनन में आंत माइक्रोबायोटा की भूमिका।
4. तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में आंतों की पारगम्यता – कठिन जंक्शन प्रोटीन की भूमिका और आंत्र पोषण का प्रभाव।
5. सिरोसिस वाले रोगियों में मांसपेशियों और मांसपेशियों की ताकत पर ब्रांकेड–चेन एसिड पूरकता का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
6. सेलियाक रोग वाले रोगियों के पहले–डिग्री वाले रिश्तेदारों में विलस एंटरोपैथी का आकलन।
7. इंफ्लेमेटरी बाउल रोग के रोगियों में सीलियाक रोग का प्रसार।
8. 1 वर्ष के लिए जीएफडी पर सेलियाक रोग वाले रोगियों में चयापचय सिंड्रोम के प्रसार का अध्ययन करना।
9. व्यावसायीकरण के लिए नैदानिक परीक्षणों द्वारा सीलियाक रोग और उपभोक्ता सत्यापन के साथ रोगियों के लिए ग्लुटेन–मुक्त खाद्य उत्पादों का विकास।
10. तीव्र पैनक्रिएटाइटिस के परिणाम के भविष्यवक्ताओं का मूल्यांकन करना।
11. तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में पेट में दर्द से राहत के लिए पेंटेजोसिन के साथ डिक्लोफेनाक की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
12. तीव्र अग्नाशयशोथ में संक्रमित तीव्र फ्लुइडकोलिशन के लिए प्रारंभिक बनाम विलंबित परक्यूटेनियस ड्रेनेज : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
13. बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएन की भूमिका और एच.सी.सी. लक्ष्यीकरण एम.टी.ओ.आर. मार्ग में इसका मॉडुलेशन।
14. सीआरआईएसपीआर द्वारा हिपेटाइटिस बी वायरस रेप्लीकेशन और इसके जीनोम लक्ष्यीकरण पर आनुवंशिक भिन्नता के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए रेप्लीकॉन आधारित आमापन का विकास।
15. तीव्र क्रोनिक यकृत विफलता वाले रोगियों में मेसेंकाइमल स्टेम सेल उपचार : एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।
16. क्रोनिक लिवर असफलता वाले रोगियों पर सेरेब्रल एडेमा और न्यूरोपैथोलॉजिकल परिवर्तनों की तीव्रता का अध्ययन करना।
17. एचबीवी पोलीमरेज़ गतिविधि पर न्यूक्लियोटाइड एनालॉग थेरैपी और इसके प्रभाव पर पुराने हिपेटाइटिस रोगियों में हिपेटाइटिस बी वायरस की सफलता।

पूर्ण

1. अग्न्याशय के कैंसर से पीड़ित रोगियों में डी.एन.ए. मेथिलिकरण पैटर्न का पूर्वाभासी महत्व पर अध्ययन।
2. इसोफेगियल कैंसर में उपकला कोशिका आसंजन अणु (ईपी–सीएएम) के नैदानिक महत्व।
3. सिरोसिस के साथ रोगियों में आंतों के श्लेष्म में केंडिन 2 और 4 पर आंतों की पारगम्यता और अभिव्यक्ति का अध्ययन करना।
4. तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में आंतों का पारगम्यता अध्ययन करना।
5. पैंक्रियास के कार्सिनोमा के रोगियों में आरईजी 4 और एमयूसी 4 की अभिव्यक्ति।
6. सिलियाक रोग और अन्य एंटेरोपथीस वाले रोगियों में विलस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर।

7. सीलियाक रोग के लिए अतिसंवेदनशील विषयों की पहचान करने के लिए एक नवीन एकल–ड्रॉप रैपिड एचएलए–डीक्यू2/–डीक्यू8 विधि की मान्यता।
8. आवृत्ति, प्राकृतिक रूप से आगे बढ़ने का अध्ययन करना तथा गंभीर यकृत विफलता के रोगियों पर तीव्र गुर्दा चोट का परिणाम।
9. तीव्र पैनक्रिएटाइटिस के परिणाम के भविष्यवक्ताओं का मूल्यांकन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ, आपातकालीन चिकित्सा के आपातकालीन मार्कर के रूप में सीरम न्यूट्रोफिल जिलेटिनस से जुड़े लिपोकिन की भूमिका।
2. मधुमेह और चयापचय सिंड्रोम में वृद्धि विभेदन कारक–15 (जीडीएफ–15), आयरन ट्रैकिंग प्रोटीन, सूक्ष्म पोषक तत्व एंटीऑक्सीडेंट के बीच अंतःक्रियात्मक आण्विक अभिव्यक्ति और अंतःक्रिया।
3. टी सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में फ्लो साइटोमेट्री द्वारा प्रारंभिक टी सेल प्रीकर्सर ल्यूकेमिया सबसेट का पता लगाना और उनका अनुसरण।
4. एचबीवी प्रतिकृति और हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा को संशोधित करने में एक लघु–श्रृंखला फैटी एसिड की भूमिका का अध्ययन, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
5. पैंक्रिएटिक स्यूडोसिस्ट का इंडोस्कॉपिक बनाम लेप्रोस्कोपिक ड्रेनेज का यादृच्छिक परीक्षण, शल्य चिकित्सा विषय विभाग।
6. चूहों में प्रयोगात्मक तीव्र पैंक्रिएटाइटिस के डक्ट लिगेशन और एनए–ट्रोकोलेट मॉडल पर एंटी – इंफ्लेमेटरी दवाओं का प्रभाव, जी. आई. सर्जरी, एनाटोमी।
7. सेलियाक रोग में उत्कृष्टता के लिए भारत–अमेरिका संयुक्त नेटवर्क केंद्र, बेथ इज़राइल डीकॉन्से मेडिकल सेंटर, यूएसए बोस्टन चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, यूएसए, मैसेश्यूट्स जनरल हॉस्पिटल, यूएसए।
8. जैव प्रौद्योगिकी विभाग ''सेलियाक रोग पर संघ'', जीनोमिक्स और एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, एसआरएम चिकित्सा विज्ञान संस्थान, चेन्नई पोस्टग्रेजुएट, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, चंडीगढ़, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बीकानेर, राजस्थान, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज, गुवाहाटी।
9. सीआरआईएसपीआर /सीएएस13ए प्रणाली का उपयोग करते हुए वायरल डीएनए की पहचान करने हेतु एक कम लागत वाले नैदानिक मंच का विकास, दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
10. भारतीय जनसंख्या में आत्महत्या के साथ साइटोकिन की आनुवंशिक संगति, फोरेंसिक चिकित्सा।
11. लिवर फाइब्रोसिस मॉडल में मानव मेसेंकाइमल स्टेम सेल से प्राप्त एक्सोमस की हिपेटिक रिजनरेटिव क्षमता, स्टेम सेल सुविधा।
12. उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई और जीए–68 पीएसएमए पीईटी स्कैन की भूमिका और हिस्टोपैथोलॉजी और जीनोमिक मार्कर के साथ इसका सहसंबंध, रेडियोडायग्नोसिस।
13. एक्यूट ऑन क्रोनिक लिवर फेल्योर (एसीएलएफ) रोगियों पर तीव्र साइटोकाइन्स के भविष्य के मूल्य का आकलन करना, संक्रामक रोग।
14. हिपेटाइटिस ई वायरस के विरूद्व टीका आधारित नैनोटेक्नोलॉजी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टैक्नोलॉजी, नोएडा, उ. प्र.।
15. थायरॉइड डिस्फंक्शनिंग का पता लगाने के लिए एम्पेरोमेट्रिक बायोसेंसर आधारित नैनोपार्टिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, उ. प्र.।
16. कॉर्टिकोस्टीरॉइड्स और बोवाइन कोलोस्ट्रम बनाम कॉर्टिकोस्टीरॉइड्स और प्लेसिबो के संयोजन उपचार की तुलना :'एक्स्ट्रीमिस में' एल्कोहल हिपेटाइटिस के उपचार मेंएक बहुसांकेतिक, यादृच्छिक और डबल–ब्लाइंड, प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लुधियाना, जी बी पंत हॉस्पिटल, नई दिल्ली और ग्लोबल हॉस्पिटल, हैदराबाद।
17. हिपेटिक वसा सामग्री और एंजियोग्राफिक कोरोनरी आर्टरी स्टेनोसिस का सहसंबंध, कार्डियोलॉजी विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।
18. तीव्र अग्नाशयशोथ में नैदानिक रूप से क्लिनिकली संक्रमित अग्नाशयी नेक्रोटिक संग्रह के लिए प्रारंभिक बनाम डिलेड परक्यूटेनियस : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, गैस्ट्रोइंटरोलॉजी विभाग और मानव पोषण इकाई, एम्स, नई दिल्ली।
19. एक्यूट वेरिकल ब्लीडिंग के साथ सिरोसिस के रोगियों में थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी निर्देशित रक्त उत्पाद ट्रांसफ्यूजन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, गैस्ट्रोइंटरोलॉजी विभाग और मानव पोषण इकाई, एम्स, नई दिल्ली।

20. मनुष्यों में एल्कोहलिक और गैर–एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग के रोगजनन में गट माइक्रोबायोटा की भूमिका, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग और मानव पोषण इकाई, एम्स, नई दिल्ली।
21. तीव्र अग्नाशयशोथ वाले रोगियों में आंतों की पारगम्यता – कठिन जंक्शन प्रोटीन की भूमिका और आंत्र पोषण का प्रभाव, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग और मानव पोषण इकाई, एम्स, नई दिल्ली।
22. गंभीर तीव्र अग्नाशयशोथ की भविष्यवाणी में लक्षित बनाम मानक द्रव चिकित्सा : एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग और मानव पोषण इकाई, एम्स, नई दिल्ली।
23. अल्सरेटिव कोलाइटिस के साथ रोगियों के जीवन और नैदानिक परिणामों की गुणवत्ता पर संरचित योग अभ्यासों का प्रभाव, एकीकृत चिकित्सा केंद्र।

पूर्ण

1. क्रिप्टोजेनिक लीवर रोग के रोगियों में ऑक्युलेट हिपेटाइटिस सी वायरस इन्फेक्शन (ओसीआई) की व्यापकता और आण्विक लक्षण वर्णन (माइक्रोबायोलॉजी)।
2. ऑक्सीडेटिव तनाव और गैर–एल्कोहल फैटी रोगी की जिगर की बीमारी में प्रो–एंटीइंफ्लैमेटरी पथ पर बेरियाट्रिक सर्जरी का प्रभाव, शल्य चिकित्सा विभाग।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 61 सार : 32 पुस्तकें : 2

रोगी उपचार

बाह्य रोगी विभाग में देखी गई निम्नलिखित रोगियों की संख्या : नियमित ओपीडी और विशेष क्लिनिक

नैमिक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी क्लिनिक (सोमवार से शुक्रवार)

नए मामलें : 26531 पुराने मामलें : 47572

विशेष क्लिनिक

क्लिनिक का नाम	नए मामले	पुराने मामले	क्लिनिक का नाम	नए मामले	पुराने मामले
लीवर	1463	13250	पैंक्रियाज़	707	991
आईबीडी तथा आईटीबी	475	6833	सिलियाक	108	699
इन्टरवेंशनल	272	323			

एंडोस्कोपी सेवाएं

नैदानिक एवं चिकित्सीय एंडोस्कोपी : 32235
नैदानिक सिग्मोइडोस्कॉपी : 4723
नैदानिक एवं चिकित्सीय कोलोनोस्कॉपी : 4865
साइड व्यूइंग एंडोस्कॉपी : 1230
एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक एवं चिकित्सीय) 930
जी. आई. गतिशीलता (मोटिलिटी) अध्ययन : 191
एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कॉलेंजियोपैंक्रिएटोग्राफी (ईआरसीपी) : 4260
फाइब्रोस्कैन : 8502

विभाग में की गई जांचें

1.	रीयल टाइम पी सी आर द्वारा हेपेटाइटिस बी वायरस क्वांटिटेशन	2482
2.	रीयल टाइम पी सी आर द्वारा हेपेटाइटिस सी वायरस क्वांटिटेशन	1723
3.	रीयल टाइम पी सी आर द्वारा एचसीवी जीनोटाइपिंग	144
4.	एचईवी डिटेक्शन क्वालिटेटिव	204
5.	एलाइसा द्वारा एचबीएस एजी	270
6.	फ्लूरोमेटरी / एलीसा द्वारा एचबीई एजी	439
7.	विदास / एलाइसा द्वारा एंटी एचबीई टोटल	366
8.	विदास / एलाइसा द्वारा एंटी. एचबीसी कुल	80
9.	विदास द्वारा एचबीसीआईजीएम	6
10.	एलाइसा द्वारा एचएवी आईजीएम	200
11.	एलाइसा द्वारा एचईवी आईजीएम	216
12.	एलाइसा द्वारा एंटी एचसीवी	193
13.	आर्टिरियल एमोनिया	635
14.	प्रोथ्रोम्बिन टाइम	1895
15.	नेफेलोमेट्री द्वारा आईजीजी4	14
16.	फेकल कीमोट्रीप्सिन काइनेटिक विधि	168
17.	इथर एक्सट्रैक्शन द्वारा मल में वसा	216
18.	एलाइसा द्वारा फेकल इलास्टेज	184
19.	हाइड्रोजन ब्रेथ टेस्ट	101
20.	कोलोरिमेट्री द्वारा डी–ज़ायलोस	344
21.	टर्बिडोमेट्री द्वारा सेरुलोप्लास्मिन	1711
22.	कोलोरिमेट्री द्वारा सिरम कॉपर	1620
23.	24 घण्टे यूरिनरी कॉपर	1175
24.	एसएचएलए जी एलाइसा	76
25.	एलाइसा द्वारा एचएस सीआरपी	80
26.	यूरिया ब्रेथ टेस्ट	20
27.	एफईआईए द्वारा टीटीजी आईजीए	349

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य अनूप सराया ने नई दिल्ली में गैस्ट्रोकॉन–2017 के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की, नई दिल्ली में विश्व आईबीडी दिवस के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की, भुवनेश्वर में आईएसजीसीओएन–2017 के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की, नई दिल्ली में एपीएएसएल–2018 के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की, नई दिल्ली में आईएनएएसएल–2017 की 25वीं वार्षिक बैठक के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की, नई दिल्ली में 17वें अंतरराष्ट्रीय सीलियाक रोग संगोष्ठी के दौरान एक सत्र की अध्यक्षता की, नई दिल्ली में सीपीएलडी–2017 आयोजित किया।

आचार्य प्रमोद गर्ग को प्रोफेसर प्रमोद गर्ग को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के विदेशी सचिव मनोनीत किए गए थे। 2014–2017 के इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के शासी परषिद के सदस्य नामांकित किया गया; वर्ष 2015 के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा जैव चिकित्सा अनुसंधान में उत्कृष्टता हेतु ''बसंती देवी अमीर चंद पुरस्कार'' से सम्मानित किया गया।

आचार्य विनीत आहूजा को एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ गैस्ट्रोइंटरोलॉजी और हिपेटोलॉजी, एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार के प्राप्तकर्ता, 58वें आईएसजीसीओएन, भुवनेश्वर (दूसरा पुरस्कार) में राष्ट्रपति पद के लिए नामित किया गया।

प्रोफेसर गोविंद के मखारिया को क्लिनिकल रिसर्च कमेटी, विश्व गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संगठन (2017–2020) के सह–अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया; विश्व गैस्ट्रोइंटरोलॉजी संगठन द्वारा ''आहार और आंत'' पर वैश्विक दिशानिर्देश बनाने के सह–अध्यक्ष;

सीलियाक रोग पर अध्ययन के लिए बोर्ड सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन (2015–2019); गैस्ट्रोइंटरोलॉजी के भारतीय समाज के महासचिव (2016–2019); संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य, नैदानिक और ट्रांसलेशनल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (अमेरिकी कॉलेज ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी); आयुष विज्ञान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार (2015–2017) में केंद्रीय अनुसंधान परिषद के शासी निकाय सदस्य; यूनानी चिकित्सा, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार (2015–2017) में केंद्रीय अनुसंधान परिषद के शासी निकाय सदस्य; सीलियाक रोग पर डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी कंसोर्टियम के समन्वयक;गवर्निंग काउंसिल के सदस्य, इंडियन मोटिलिटी एण्ड फंक्शनल डिजीज एसोसिएशन; इंफ्लेमेट्री बाउल डिजीज पर इंडियन सोसायटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी टास्क फोर्स के समन्वयक; यंग क्लिनिशियन प्रोग्राम, इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के समन्वयक।

डॉ. बैबास्वत नायक नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट, पीएलओएस पैथोजन, पीएलओएस वन, एक्टा ट्रॉपिका, जर्नल ऑफ वायरोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च, ड्रग रिसर्च, वायरस रिसर्च, वैक्सीन, वायरोलॉजी जर्नल, वायरल इम्यूनोलॉजी, ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ वायरोलॉजी, जर्नल ऑफ वेटरनरी साइंस, वायरस रोग, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, बायोमेड रिसर्च इंटरनेशनल, बीएमसी मेडिकल जीनोमिक्स एण्ड मॉलीक्यूलर एण्ड सेल बायोलॉजी ऑफ लिपिड्स सहित 19 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक है। वे डीबीएस एसईआरबी, आयुष / सीसीआरएच, आईसीएमआर एसटीएस विशेषज्ञ समूह और आईबीएससी के लिए डीबीटी नामांकित व्यक्ति के आंतरिक निधि के समीक्षक हैं।

डॉ. सौरभ केडिया को एआईजी–आईबीडी समिट–2018 के दौरान सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. दीपक गुंजन को ''सर्वश्रेष्ठ ल्यूमिनल वीडियो अवार्ड'' से सम्मानित किया गया, एशियन ईयूएस महासम्मेलन 2017; नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रपति पोस्टर अवार्डए एपीएएसएएल2018 के प्राप्तकर्ता।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर कृष्णन श्रीराम, फैलोशिप प्रोग्राम डायरेक्टर और डिवीजन चेयर, सर्जिकल क्रिटिकल केयर, यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो, यूएसए ने 16 अगस्त 2017 को विभाग का दौरा किया।
2. डॉ. सुब्राजीत साहा, यूनिवर्सिटी ऑफ कंसास, मेडिकल सेंटर, यूएसए ने 16 फरवरी 2018 को विभाग का दौरा किया।
3. डॉ. अदिति भार्गव, प्रोफेसर, प्रयोगशाला अनुसंधान निदेशक, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालयए यूएसए ने 27 मार्च 2018 को विभाग का दौरा किया।

9-14 tBjk= 'kY; fpfdRlk vkj ;Ñr iR;kjki.k

vkpk;l ,oa v/;{k
पीयूष साहनी

vkpk;l
सुजॉय पाल   निहार रंजन दाश

lgk;d vkpk;l ¼vuqca/k ij½
राजेश पंवार   आनंद नारायण सिंह

fof'k"Vrk,a

विभाग ने (1) 22 और 23 अप्रैल 2017 को एम चंद डीएनबी, जीआई सर्जरी रेजीडेंटों के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी (आईएएसजी) क्लीनिक आयोजित किया (2) 12 अक्तूबर 2016 को एम्स, नई दिल्ली में इंडियन ओस्टोमी सोसाइटी की 27वीं वार्षिक सामान्य बैठक;(3) 24 दिसंबर 2017 को रेजीडेंटों के लिए कैडवेरिक बहु–अंग पुनर्प्राप्ति पर एक कार्यशाला आयोजित किया।

शिक्षा

विभाग सक्रिय रूप से स्नातक पूर्व तथा स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण में शामिल है। अपनी सामान्य शल्य चिकित्सा पोस्टिंग और शैक्षिक व्याख्यान के दौरान स्नातकपूर्व छात्रों के लिए लगभग 15 विषय शामिल हैं। शल्यचिकित्सा विभाग में जीआई सर्जिकल विषयों पर विभाग संकाय द्वारा मध्यम सत्र।

विभाग द्वारा जठरांत्र शल्य चिकित्सा में एक एम.सीएच. पुरस्कार प्रदान करने के लिए 3 वर्षीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विभाग अल्पकालिक और दीर्घकालिक पर्यवेक्षण / प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। साप्ताहिक अकादमिक गतिविधियां निवासी केंद्रित हैं। बहु–अनुशासनात्मक गतिविधियां जैसे गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी के साथ संयुक्त दौर, एक जीआई रेडियोलॉजी सम्मेलन और एक जीई–जीआई सर्जरी–बाल चिकित्सा जीई हिस्टोपैथोलॉजी सम्मेलन नियमित रूप से आयोजित किया जाता है।

विभाग द्वारा क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं/ संगोष्ठियां / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

1. आईएएसजी क्लीनिक डीएनबी जीआई सर्जरी रेजीडेंट के लिए एम चंद क्लीनिक, एम्स, नई दिल्ली, 22–23 अप्रैल 23
2. 27वीं वार्षिक आम बैठक, इंडियन ओस्टोमी सोसाइटी, एम्स, नई दिल्ली, 12 अक्तूबर 2017
3. कैडेवरिक बहु–अंग रिट्रीवल पर कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 24 दिसम्बर 2017

प्रदत्त व्याख्यान

पीयूष साहनी : 71	निहार रंजन दाश : 4
सुजॉय पाल : 9	राजेश पंवार : 1

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति : 10

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एक स्वदेशी किफायती नो–फ्रिल इंटरनल फीडिंग पंप का विकास, पीयूष साहनी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–18, 23.85 लाख रुपए।

2. परिधीय उच्छेदन मार्जिन और मध्यम अवधि के उत्तरजीविता परिणाम पर विशेष ध्यान देने के साथ पैनक्रिएटिक कैंसर से पीड़ित रोगियों में पोस्टीरियर (एस. एम. ए. – फर्स्ट) एप्रोच बनाम स्टैंडर्ड पैनक्रिएटिकोड्यूडेनेक्टॉमी : एक भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सुजॉय पाल, एम्स, 5 वर्ष, 2013–18, 5 लाख रुपए।
3. सर्जरी की आवश्यकता वाली इसोफेगस के कोरोसिव स्ट्रक्चर वाले रोगियों में इसोफेगल रिसेक्शन बनाम बायपास, एन. आर. दाश, एम्स, 5 वर्ष, 2012–2017, 1.50 लाख रुपए।
4. पित्ताशय के कैंसर में एच.आई.पी.ई.सी. की सुरक्षा और प्रभावशीलता, निहार रंजन दाश, एम्स, 3 वर्ष, 2016 – 18, 5 लाख रुपए।

पूर्ण

1. भारत में शोधित कोलोरेक्टल कैंसर के आनुवंशिक और आण्विक प्रोफाइल को दर्ज करने के लिए प्रारंभिक अध्ययन, सुजॉय पाल, 3 वर्ष, 2015–18, 5 लाख रु.
2. घातक पित्त हीलर अवरोध के प्रबंधन में एकतरफा बनाम द्विपक्षीय पी.टी.बी.डी., निहार रंजन दाश, एम्स, 2 वर्ष, 2014 – 16, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. स्टीरॉयड ट्रीटिड इंफ्लेमेटरी बाउल के रोग वाले रोगियों में एक पेरिऑपरेटिव कम खुराक स्टीरॉयड आहार का मूल्यांकन : एक संभावित, यादृच्छिक अध्ययन।
2. बुजुर्ग शल्य चिकित्सा रोगियों में अस्थिरता की प्रबलता तथा रोगों की संख्या के साथ उसका संबंध।
3. प्रमुख गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी में गहरी शिरा घनास्त्रता (डी.वी.टी.) की घटना : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
4. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में पोस्ट कोलेसिस्टेक्टॉमी बाइलरी स्ट्रिक्चर का परिणाम
5. गैस्ट्रिक पुल–अप और सर्वाइकल इसोफेगो–गैस्ट्रिक एनास्टोमोसिस के बाद एनास्टोमोटिक जटिलताओं के विकास पर प्रोटॉन पंप अवरोधकों का प्रभाव – एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
6. पेरीएम्पुलरी कार्सिनोमा के रोगियों में ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) को प्रसारित करने का प्रसार और पुनरावृत्ति मुक्त और समग्र अस्तित्व के साथ इसके सहसंबंध।
7. गैस्ट्रिक कैंसर के प्रबंधन में हाइपरथर्मिक इंट्रा पेरिटोनियल कीमोथेरैपी की सुरक्षा और प्रभावशीलता।
8. वैकल्पिक जठरांत्र शल्य चिकित्सा में क्लोरहेक्सीडाइन एल्कोहल प्रेप. बनाम सेवलॉन / बीटाडिन प्रेप. के साथ त्वचा तैयारी पर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. क्रोन की बीमारी से जुड़े हुए पेरिएनल फिस्टुला (सी.डी.ए.पी.एफ.) में वी.ए.ए.एफ.टी. (वीडियो सहायता एनल फिस्टुला उपचार) : एक संभावित मूल्यांकन।

पूर्ण

1. संक्षारक स्ट्रिक्चर्स इसोफेगस के लिए सर्जरी : जटिलताएं, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता (क्यू.ओ.एल.) का आकलन।
2. ई.एच.पी.वी.ओ. वाले रोगियों में कलर डॉपलर के साथ सीटी पोर्टोग्राफी और अल्ट्रासोनोग्राफी की तुलना।
3. म्यूराइन प्रयोगात्मक एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस की गंभीरता पर स्टेरॉयड और एंटीसाइटोकाइन मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का प्रभाव।
4. इसोफेगस के एस.सी.सी. के लिए नियोएडजुवेंट कीमोरेडियोथेरैपी बनाम डायरेक्ट सर्जरी की तुलना के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
5. डिलेड गैस्ट्रिक इम्प्टिइंग की घटना के संदर्भ में पॉलीरिक रिंग एक्सिसिंग बनाम क्लासिकल पैनक्रिएटिकोडुओडेनेक्टॉमी का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
6. ओपन एब्डोमिनल और थोरैसिक वाली सर्जरी में ऑपरेशन के बाद फेफड़े संबंधी जटिलताओं पर प्री–ऑपरेटिव पर्यवेक्षण और नियमित प्रोत्साहन स्पायरोमेट्री की तुलना : एक यादृच्छिक, नैदानिक परीक्षण।

सहयोगी परियोजना

जारी

1. हिपेटोबिलियरी मेलिग्नेंसिस वाले रोगियों में पोर्टल वेन इम्बोलाइजेशन का एक पर्यवेक्षणीय अध्ययन (रेडियोडायग्नोसिस)।
2. क्रोनिक पैंनक्रियाटाइटिस की शल्य चिकित्सा उपचार बनाम एंडोस्कोपिक – परिणामों की एक तुलना (गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी)।
3. भारतीय जनसंख्या में गॉल ब्लेडर कैंसर में जीनोमिक्स (आईआरसीएच)
4. पैनक्रिएटिक कैंसर में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएनए मध्यस्थ मॉड्यूलेशन की भूमिका (गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी)
5. पेरीएम्पुलरी कार्सिनोमा में एफएटी 1 और प्रोइंफ्लैमेटरी अणुओं का अभिव्यक्ति (जैव रसायन)

पूर्ण

1. मानव गॉल ब्लेडर कैंसर में सिस्टीन प्रोटीज़ का अभिव्यक्ति (जैव रसायन)
2. प्रतिरोधात्मक पीलिया के लिए पर्क्यूटेनियस ट्रांसेप्टिक बिलियरी ड्रेनेज : परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का आकलन (रेडियोडायग्नोसिस)।
3. पी.टी.बी.डी. के बाद रुकावट वाले पीलिया/स्टेंटिंग (पी.टी.बी.डी. या ई.आर.सी.पी.) सहित अयोग्य कारसिनोमा गॉल ब्लेडर में जैमसिटेबिन और ऑक्सेलीप्लेटिन बनाम जैमसिटेबिन और कैपेसिटेबिन : एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)।
4. पैनक्रियाज के सिस्टिक ट्यूमर के लिए सर्जरीः एक दशक से अधिक मात्रा में उच्च संस्थागत भारतीय अनुभव की रिपोर्ट (टाटा मेमोरियल अस्पताल)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 20 सार : 9 पुस्तकों में अध्याय : 1 पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

ओ. पी. डी.

देखे गए नए रोगियों की कुल संख्या : 3520 देखे गए पुराने रोगियों की कुल संख्या : 7177

विशिष्टता क्लिनिक

विभाग स्टोमा रोगियों के लिए दैनिक क्लीनिक चलाता है।

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

एनल मेनोमिट्री, इसोफेगियल मेनोमिट्री, 24 घण्टे एम्बुलेटरी इसोफेजियल पी. एच. निगरानी, इंडोट्रेनिंग प्रयोगशाला।

आंतरिक रोगी

कुल सर्जिकल प्रक्रियाएं : 650 वैकल्पिक : 467 आपातकालीन : 183

विशेष रुचि के क्षेत्र

बाइलरी ऑब्स्ट्रक्शन :	104	पोर्टल हाइपरटेंशन :	33
इसोफेजियल कैंसर :	19	कार्सिनोमा गॉल ब्लेडर :	66
अल्सरेटिव कोलाइटिस :	58	अपर जी. आई. हैमरेज :	10
लोअर जी. आई. हैमरेज :	12	तीव्र पैनक्रिएटाइटिस :	17
क्रोनिक पैनक्रिएटाइटिस :	9	बाइलरी स्ट्रिक्चर्स :	11
पैन्क्रिएटो–ड्यूडेनेक्टॉमी :	56	लीवर रिसेक्शंस :	28

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य पीयूष साहनी अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी (2017–18) है; और अध्यक्ष, शिक्षा समिति, सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के इंडियन एसोसिएशन के रूप में जारी है; मेडिकल जर्नल एडिटर की अंतरराष्ट्रीय समिति (आईसीएमजेई) में वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स (डब्ल्यू.ए.एम.ई.) के प्रतिनिधि और अध्यक्ष, सदस्यता समिति, डब्ल्यूएएमई

के रूप में; संपादक, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया एंड एसोसिएट एडिटरए जी.आई. सर्जरी वार्षिक; राष्ट्रपति, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स। वह गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और विस्सरल मेडिसिन के जर्नल के संपादकीय बोर्ड, सदस्य हैं।

डॉ. सुजॉय पाल को भारतीय यकृत प्रत्यारोपण संघ (पंजीकृत) के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था और आरटीआई अधिनियम के तहत जीआई सर्जरी विभाग के मुख्य जन सूचना अधिकारी हैं। 25 जनवरी 2018, नई दिल्ली, यकृत और पित्त विज्ञान संस्थान में क्लिनिक–पैथोलॉजिकल सम्मेलन पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. निहार रंजन दाश को अध्यक्ष, इंडियन ओस्टोमी सोसाइटी के रूप में आठवीं बार फिर से निर्वाचित किया गया था; 12 अक्तूबर 2018 को इंडियन ओस्टोमी सोसायटी की वार्षिक बैठक आयोजित की; दिल्ली और एनसीआर में क्षेत्रीय दौरे का आयोजन किया; जन जागरूकता बढ़ाने के लिए जीआई विकारों के विभिन्न पहलुओं पर हिंदी समाचार पत्रों में आलेख लिखें; यूरोपीय रेडियोलॉजी, बीएमसी सर्जरी, बीएमसी प्रकरण रिपोर्ट्स और ट्रोपिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के लिए समीक्षक; सर्जरी में समकालीन प्रथाओं में अध्यक्ष : थोरैसिक सर्जरी पर संगोष्ठी 2018, 19–21 जनवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली, एब्डोमिनल एमआरआई पर अद्यतन, एम्स रेडियोलॉजी पाठ्यक्रम श्रृंखला, 3–4 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली, गॉल ब्लेडर कैंसर पर पहला संयुक्त संगोष्ठी, 6–7 नवंबर 2017, एम्स, दिल्ली और यकृत ट्यूमर : निर्णय के लिए प्राथमिक और माध्यमिक–दुविधाएं राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित 17वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 9–11 फरवरी 2018, रोहिणी, दिल्ली; स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग, जम्मू–कश्मीर में जीआई सर्जरी में विशेषज्ञता के साथ सर्जरी में संघ लोक सेवा आयोग के विशेषज्ञ, व्याख्याता सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के चयन के लिए विशेषज्ञ; सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी विभाग, एम्स, भुवनेश्वर में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ), प्रश्न, भारत, आईसीएमआर गॉल ब्लेडर कार्य बल और संकाय का चयन। सदस्य, आयोजन समिति, सीपीएलडी 2017, हिपेटोलॉजी में हस्तक्षेप, 7–8 अक्तूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली और इसोफैगस के रोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय सोसायटी की वेब कमेटी।

9.15 tjkfpfdRlk

vkpk;Z ,oa v/;{k
ए. बी. डे

lgk;d vkpk;Z

प्रसून चटर्जी | अविनाश चक्रवर्ती | एन. एन. प्रेम

fof'k"Vrk,a

विभाग ने 16 और 17 दिसंबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में इंडियन एकेडमी ऑफ जेरियट्रिक्स (जेरिकॉन 2017) के 15 वां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। डॉ. एबी डे ने 24 जुलाई को सैन फ्रांसिस्को यूएसए में 21 वीं आईएजीजी विश्व कांग्रेस 2017 जेरोनोलॉजी और जेरियटिक्स में एक मुख्य सम्मेलन व्याख्यान दिया। विभाग द्वारा 9 अगस्त 2017 को "वरिष्ठ नागरिकों में टीकाकरण" पर एक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस आयोजन में एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया, जिसके बाद दर्शकों के साथ बातचीत हुई। जेपीएनए ट्रामा सेंटर के ऑर्थोपेडिक्स डिवीजन के सहयोग से विभाग ने छह समर्पित बिस्तरों के साथ "ऑर्थो–जेरियाट्रिक" सेवा शुरू की, जो भारत में अपनी तरह का पहला है। विभाग अपनी मौजूदा संख्या से "ऑर्थो–जेरियाट्रिक" के लिए एक सीनियर रेजीडेंट की विशेष सेवाएं प्रदान करता है। डॉ. एबी डे ने 19–21 अप्रैल 2017 से स्विट्जरलैंड के जिनेवा में एजिंग के लिए एम हेल्थ पर कार्यशाला में भाग लिया, डब्ल्यूएचओ, जिनेवा विश्वविद्यालय और अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ और हेल्दी एजिंग, जेनेवा, स्विट्जरलैंड, डब्ल्यूएचओ क्लिनिकल कंसोर्शियम, 21 और 22 नवंबर 2017 डॉ. एबी डे को मूलचंद मेडिसिटी, नई दिल्ली के डीएनबी कार्यक्रम की संस्थागत नैतिकता समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

शिक्षा

यह विभाग हर सप्ताह स्नातकोत्तर शिक्षण के पांच सत्रों के साथ भारत में जराचिकित्सा औषधि का सबसे बड़ा स्नातकोत्तर विभाग है। बुजुर्गों के स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई) के तहत हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य विभाग के सात चिकित्सा अधिकारियों को विभाग में दो सप्ताह के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। एम्स की तीस नर्सों को एनपीएचसीई के तहत वृद्धावस्था देखभाल में "आधा दिन" अभिविन्यास प्रदान किया गया था। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय सामाजिक संस्थान, नई दिल्ली से "जेरियाट्रिक केयर पर तीन माह प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम" के आठ छात्रों को इंटर्नशिप प्रशिक्षण दिया गया था। विभाग ने स्वास्थ्य और सामाजिक जेरियट्रिक्स में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों को सिद्धांत और व्यावहारिक शिक्षण प्रदान किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित

1 भारतीय विज्ञान अकादमी के 15 वां वार्षिक सम्मेलन, जेरिकॉन 2017. थीम–जराचिकित्सा औषधि के अभ्यास का भविष्य, 16–17 दिसंबर 2017, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

ए. बी. डे : 3 | **प्रसून चटर्जी : 3** | **नागनाथ नारसिम्हा प्रेम : 2**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर : 19

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. बुजुर्ग देखभाल (एमएजिंग प्रोग्राम) में मोबाइल टेलीफोनी के आवेदन के लिए मंच का विकास और तकनीकी दिशानिर्देश, ए. बी. डे, (एमओएचएफडब्ल्यू), 1 वर्ष, 2016–2018, 8.46 लाख रुपए।
2. लोंगिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एल.ए.एस.आई.) के लिए डिमेंशिया (डीएडी) के हार्मोनाइज्ड डायग्नोस्टिक आकलन, ए. बी. डे, एनआईएच (आर01), 3 वर्ष, 2015–2018, 528.66 लाख रुपए।
3. लोंगिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एल.ए.एस.आई.), ए. बी. डे, एमओएचएफडब्ल्यू, 4 वर्ष, 2015–2019, 10 लाख रुपए।
4. प्रत्यक्ष स्पष्ट रूप से स्वस्थ बुजुर्ग व्यक्तियों में उम्र बढ़ने पर आयुष रसायन (ए और बी) के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सहयोगी बहु केंद्रित चिकित्सीय परीक्षण. ए बी डे. सी.सी.आर.ए.एस., 3 वर्ष, 2014–2017, 36.45 लाख रुपए।
5. वृद्ध लोगों के कल्याण के लिए एक वेब आधारित पोर्टल www.oldagesoulutions.org ए बी डे, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 33 लाख रुपए।
6. भारतीय अस्पताल स्थापित करने में भविष्यवाणी दोष : तीन संकेतकों की तुलना, प्रसून चटर्जी एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 0.9 लाख रुपए।
7. बुजुर्ग वयस्कों में मधुमेह परिधीय न्यूरोपैथिक दर्द पर लेजर थेरेपी उपचार के प्रभाव पर एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, प्रसून चटर्जी, लैब इंडिया हेल्थकेयर लिमिटेड, 1 वर्ष, 2016–2017, 12.23 लाख रुपए।
8. मल्टीमोडल हस्तक्षेप (आहार, व्यायाम, और कंप्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण) का प्रभाव दिल्ली और एनसीआर से विषयपरक संज्ञानात्मक इम्पायरमेंट (एससीआई) के साथ बुजुर्ग व्यक्ति में एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, पी चटर्जी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 38.52 लाख रुपए।
9. बहुत बुजुर्गों में कार्यात्मक स्थिति पर नॉर्डिक घूमने का प्रभावः एक आरसीटी, एक चक्रवर्ती, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 1 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय तृतीयक देखभाल अस्पताल में वैकल्पिक ऑर्थोपेडिक प्रक्रिया के दौर से गुजरे बुजुर्ग रोगियों का अध्ययन।
2. दुर्बल बुजुर्ग वयस्कों में अनुभूति का अध्ययन।
3. मेमोरी क्लिनिक में भाग लेने वाले रोगी में गति और संतुलन आकलन।
4. सौम्य व्यवहार की हानि में नैदानिक, जैव रासायनिक और रेडियोलॉजिकल रूपरेखा।
5. भारत में एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल की स्थापना में भंगुरता क्लिनिक में भाग लेने वाले वृद्ध वयस्कों के व्यापक शल्य चिकित्सा का मूल्यांकन।
6. उम्र बढ़ने के मार्कर के रूप में सीरम में नए इंट्रासेलुलर प्रोटीन का मूल्यांकन।
7. बुढ़ापे में कंकाल की मांसपेशी पुनर्जनन का अध्ययन।
8. भारतीय बुजुर्गों में कमजोर स्थिति में स्वायत्त कार्य का आकलन।
9. भारतीय वृद्ध वयस्कों में न्यूमोकोकल टीके की नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक प्रभाव के आकलन के लिए एक यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।
10. जराचिकित्सा औषधि ओपीडी में भाग लेने वाले पुराने भारतीय वयस्कों में कार्डियोपलमोनरी परीक्षण।
11. बुजुर्गों में एक नए नैदानिक कमजोरी के स्केल का विकास।
12. भारतीय वृद्ध आबादी में सरकोपेनिया के बायोमाकर्स और नैदानिक उपकरण।
13. बुजुर्ग भारतीयों में एक कार्बन चयापचय और संज्ञानात्मक हानि।
14. बुजुर्गों में आंतरिक क्षमता के नैदानिक निर्माण की स्थापना।
15. बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच नए प्रोटीन का अनुमान संज्ञानात्मक हानि के लिए बायोमार्कर्स के रूप में।

पूर्ण

1. वृद्ध भारतीयों में ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन का अध्ययन।
2. भारत में वृद्ध लोगों में मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर मधुमेह का प्रभाव और इसके निहितार्थ।
3. वृद्ध वयस्कों में संज्ञानात्मक हानि के मूल्यांकन में टी.एस.पी.ओ. उन्नत पीईटी स्कैन का अध्ययन।
4. संज्ञानात्मक स्थिति पर हृदय संबंधी कारणों और इसके प्रभाव के लिए बेहोशी का मूल्यांकन।
5. वृद्ध रोगियों में रुमेटी गठिया का अध्ययन।

6. वृद्ध व्यक्तियों में वृद्धावस्था सिंड्रोम का पता लगाने में आसान देखभाल साधनों के अनुप्रयोग।
7. वृद्ध भारतीयों में कैंसर : व्यापक कार्यात्मक मूल्यांकन और एक नए प्रोटीन मार्कर के लिए एक उपकरण का विकास
8. बहुत वृद्ध जनसंख्या में हृदय की स्थिति का आकलन।
9. बहुत वृद्ध जनसंख्या में गति और संतुलन का आकलन।
10. पुराने वयस्कों में निचले एक्सिट्रिमिटी मांसपेशी कार्य के मात्रात्मक और गुणात्मक अध्ययन।
11. पुराने रोगियों में दीर्घकालीन देखभाल की आवश्यकता के लिए परिवार की देखभाल दाता की जरूरतों के आकलन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 4 सार : 22 पुस्तकों में अध्याय : 2

रोगी उपचार

विभाग ने प्रतिदिन ओपीडी सेवा और सप्ताह में एक बार मेमोरी क्लिनिक की सेवा प्रदान की है। वर्ष के दौरान ओपीडी में 55,572 (नए और पुनः आने वाले) ओपीडी में रोगियों के लिए परामर्श प्रदान किए गए थे और मेमोरी क्लिनिक में 404 (237 नए और 167 पुराने) रोगियों को देखा गया है। विभाग ने दिवस देखभाल सेवा से 13,960 रोगियों के लिए पुनर्वास सेवाएं प्रदान की हैं। वर्ष के दौरान वृद्धावस्था चिकित्सा वार्ड में 1530 रोगी भर्ती किए गए।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ प्रसून चटर्जी को 26 मार्च, 2018 को भारत ज्योति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ जॉन हग्गा, निदेशक, व्यवहार और सामाजिक अनुसंधान विभाग, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग, यूएसए।

डॉ मेरी गांगुली, मनोचिकित्सा प्रोफेसर, महामारी विज्ञान और न्यूरोलॉजी, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, यूएसए।

डॉ क्लेयर मैकईवॉय, फरवरी 2018 में एनआईएच वित्त पोषित एलएएसआई–डीएडी परियोजना के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति की बैठक में भाग लेने के दौरान न्यूट्रिशन एपिडेमियोलॉजिस्ट और क्लिनिकल डायटिशियन, ग्लोबल ब्रेन एंड हेल्थ इंस्टीट्यूट, बेलफास्ट, यूके ने जराचिकित्सा औषधि विभाग का दौरा किया।

9-16 #f/kj foKku

vkpk;l ,o v/;{k

रेणु सक्सेना

vkpk;l

एच. पी. पति
एस. त्यागी
एम. महापात्रा
तूलिका सेठ

Lkgk;d vkpk;l ¼vu|c/k½

मुकुल अग्रवाल
ऋषि धवन

oSKkfud & II

एस. सेजवाल
सुमन लता

oSKkfud & I

रवि रंजन
रवि कुमार

डॉ. मुकुल अग्रवाल और डॉ. ऋषि धवन दोनों सहायक आचार्य के रूप में (अनुबंध आधार पर) शामिल हुए और डॉ. सुमन लता 2017 में विभाग में वैज्ञानिक **II** के रूप में शामिल हुईं।

विशिष्टताएं

- रुधिर विज्ञान विभाग वास्तविक समय पीसीआर / पीसीआर / फ्लोसाइटोमेट्री जैसी आधुनिकतम तकनीक का उपयोग करते हुए रुधिर विज्ञान संबंधी विकारों के निदान और प्रबंध में शामिल था। इसमें रुधिरविज्ञानी विकारों से पीड़ित रोगियों का दैनिक निदान एवं प्रबंधन भी सम्मिलित था।
- विभाग एप्लास्टिक एनिमिया, थेलिसेमिया, यूकेमिया और मायलोडीप्लास्टिक सिंड्रोम के लिए एलोजेनिक हिमेटोपोइटिक स्टेम कोशिका प्रत्यारोपण का निष्पादन जारी रखता है और यहां तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स के साथ मल्टीपल स्क्लेरोसिस के लिए हेप्लो–आइडेंटिकल एलोजेनिक और प्रत्यारोपण भी किए गए।
- आईएसएचटीएम–एम्स के बाह्य गुणवत्ता आकलन कार्यक्रम, समन्वयक के रूप में डॉ. आर सक्सेना के साथ रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स द्वारा आयोजित एनएबीएल द्वारा एक पीटी प्रदाता के रूप में मान्यता दी गई थी।
- रुधिर विज्ञान विभाग ने डॉ. आर सक्सेना, मुख्य अन्वेषक के साथ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सपेरिमेंटल हिमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, यूनिवर्सिटी क्लिनिक बोन के सहयोग से इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ हिमोस्टेसिस एण्ड थ्रोम्बोसिस द्वारा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र का दर्जा प्राप्त किया।
- स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स के संकाय के प्रयासों के माध्यम से थैलिसेमिया एंड हिमोग्लोबिनोपैथीस के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय नीति बनाई गई गई थी।

शिक्षा

विभाग द्वारा पीएच. डी कार्यक्रम के साथ डीएम नैदानिक रुधिर विज्ञान और डीएम रुधिर विकृति विज्ञान पाठ्यक्रम संचालित करना जारी है।

संकाय सदस्यों द्वारा रुधिर विज्ञान तथा काय चिकित्सा में स्नातक पूर्व छात्रों और बाल चिकित्सा विभाग के छात्रों हेतु नैदानिक रोगी अध्ययनों की कक्षाएं लेना जारी रखा है। उन्होंने रुधिर विज्ञान में एम डी विकृति विज्ञान छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करना भी जारी रखा। विभाग ने 1 माह से 2 वर्ष के लिए अलग– अलग अवधि के लिए अन्य संस्थानों से नैदानिक और रुधिर विज्ञान प्रयोगशाला से 6 डॉक्टरों को क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस वर्ष के दौरान 9 एम एससी छात्रों के लिए भी 1 से 6 महीने से अलग–अलग अवधि के लिए रुधिर विज्ञान में अल्पकालिक प्रशिक्षण चलाया गया।

- रुधिर विज्ञान विभाग ने 15 जुलाई 2017 को ''चिकित्सा लेखन'' पर कार्यशाला आयोजित की।

प्रदत्त व्याख्यान

रेणू सक्सेना : 22 | **सीमा त्यागी : 4** | **एम. महापात्रा : 9**

एच. पी. पति : 4 | **तूलिका सेठ : 34**

मौखिक पत्र / प्रस्तुति पत्र : 18

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सामाजिक – पारिस्थितिकीय प्रभाव और जनजातीय स्वास्थ्य : भारत में जनजातियों के बीच थालसेमिया उत्परिवर्तन की महामारी विज्ञान विविधता पर अध्ययन और सामाजिक – पारिस्थितिकीय प्रभावों का प्रभाव, रेणू सक्सेना, डीएसटी, 3 वर्ष 2017–2020, 4.38 लाख रुपए प्रति वर्ष।
2. डेंगू संक्रमण में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया की पैथोफिजियोलॉजी, तूलिका सेठ, डीबीटी, 2 वर्ष, 2015–17. 71.35 लाख रुपए।
3. एक्यूट माइलोइड ल्यूकेमिया के लिए कीमोथैरेपी से गुजर रहे रोगियों में आक्रामक कवक संक्रमण की घटनाएं – कवकरोधी रोगरोधन का प्रभाव, भारत में एक भावी, बहुकेंद्रीय, पर्यवेक्षणीय अध्ययन, तूलिका सेठ, एमईआरसीके, सीएमसी वेल्लोर, 2 वर्ष, 2015–2017, 5.94 लाख रुपए।

पूर्ण

1. सिकल सेल रोग के फीनोटाइप पर मॉड्यूलेटिंग कारकों की भूमिका, आर. सक्सेना, डीएसटी, 3 वर्ष, 2013–2016. 24.32 लाख रुपए।
2. ओपन लेबल सिंगल आर्म मल्टीसिंट्रिक अध्ययन विटामिन बी12 की कमी के उपचार और रखरखाव चिकित्सा में इंट्रानेजल मेथियोकोलामिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करता है, तूलिका सेठ, ट्रोइका फार्मास्यूटिकल, 1 वर्ष, 2016–17, 1.35 लाख रुपए।
3. बाह्य कोशिकीय हीमोग्लोबिन की प्रोथ्रोम्बोटिक भूमिका, तूलिका सेठ, डीबीटी, 1 वर्ष, 2016–17, 99.69 लाख रुपए।
4. वॉन विलरबैंड कारक युक्त कारक 8 सांद्र द्वारा गंभीर या मध्यम हिमोफिलिया के रोगियों में प्रतिरक्षा सहनशीलता प्रेरण, संदमकों के साथ रोगी, तूलिका सेठ, आईआरसीसीएस फोंडाजिओन का ग्रांडा ओस्पेडल मैगगोरे पोलिक्लिनिको, 2 वर्ष, 2015 – 17, 3.29 लाख रुपए और निःशुल्क दवाएं।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. सीएमएल–सीपी रोगियों में आणविक प्रतिक्रिया और दीर्घकालिक परिणामों की तुलना करने के लिए इमाटिनिब के उपचार के मुकाबले इमाटिनिब के अनुपालन की शुरूआत में नीलोटिनिब के साथ उपचार किया गया था।
2. प्राथमिक माइलोफिब्रोसिस और आवश्यक थ्रोम्बोसाइटमिया के रोगियों में कैलरेटिकुलिन उत्परिवर्तन का पता लगाने के लिए एक उपकरण के रूप में इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री और पीसीआर के साथ इसकी तुलना।
3. थैलेसेमिया प्रमुख रोगियों में लैबिल प्लाज्मा आयरन अमापनों की उपयोगिता का आकलन करना।
4. भारत में डीवीटी के विकास में एंडोथेलियम प्रोटीन सी रिसेप्टर की भूमिका।
5. भारत में जनजातियों के बीच सामाजिक –आर्थिक प्रभाव और थेलससेमिया उत्परिवर्तन और सामाजिक पारिस्थितिकीय प्रभावों का प्रभाव।
6. भारतीय क्रोनिक मायलोइड ल्यूकेमिया रोगियों में इमातिनिब प्रतिरोध के आणविक आधार को समझना।
7. भारत में डीप वेन थ्रोम्बोसिस के रोगजन्य में ऊतक कारक और ऊतक कारक पथमार्ग अवरोधक जीन पॉलिमॉर्फिज्म की भूमिका का मूल्यांकन करें।
8. फ्लो सायटोमेट्री द्वारा मात्रात्मक इम्यून–फिनोटाइपिंग द्वारा एक्यूट मायलोइड ल्यूकेमिया वाले रोगियों में 'एएमएल मेच्युरिटी स्कोर' के पूर्वानुमान के मार्कर के रूप में मूल्यांकन।

9. तीव्र मायलोइड ल्यूकेमिया में अस्थि मज्जा लिम्फोसाइट प्रकार का अध्ययन।

पूर्ण

1. भारतीय थ्रोम्बोटिक आबादी में सक्रिय प्रोटीन सी प्रतिरोध के प्रेरक कारक।
2. भारतीय बी–लिनेज तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया रोगियों की भविष्यवाणी में आंतरिक दवा प्रतिरोध अणुओं और पूर्व प्रेरण न्यूनतम अवशिष्ट रोग की परस्पर क्रिया।
3. भारतीय सीएमएल रोगियों में ग्लीवेक प्रतिरोध के अंतर्निहित आणविक तंत्र की व्याख्या।
4. क्रोनिक मायलोइड ल्यूकेमिया में इमातिनिब बनाम नीलोतिनिब के साथ प्रारंभिक तीन महीने के उपचार की तुलनात्मक प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना।
5. उच्च जोखिम गर्भावस्था क्लीनिक में लुपस एंटीकोएगुलेंट अमापनों (एपीटीटी–एलए, केसीटी, डीपीटी और डीआरवीवीटी (स्क्रीन)) का महत्व और तुलना।
6. पैराक्सिसमल नोक्टुर्नल हिमोग्लोबिनुरिया के निदान में सीडी55 / सीडी59 के माध्यम से सीडी55 / सीडी59 / सीडी66बी / सीडी16 का मूल्यांकन।
7. माध्यमिक प्रतिरक्षा थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के कारणों का अध्ययन करने और इन रोगियों में उपचार के प्रति प्रतिक्रिया।
8. आनुवंशिक स्फेरोसाइटोसिस में फ्लो सायमेट्री और कवेंशनल विधि द्वारा एरिथ्रोसाइट ऑस्मोटिक फ्रेगलिटी की तुलना।
9. भारतीय रोगियों में मायलोडाइस्प्लास्टिक सिंड्रोम के रोगजन्य में एपिजेनेटिक्स की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सेप्सिस में हिमेटोलॉजिकल सिस्टम के सेल्यूलर कॉम्पोनेंट्स की महामारी विज्ञान और भविष्यसूचक उपयोग, एनेस्थेसिया।
2. इस्चेमिक सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लुशन के चिरकालिक मामलों में ऑटोलोगस अस्थिमज्जा से उत्पन्न स्टेम कोशिकाओं के इंट्राविट्रियल इंजेक्शन की निरापदता और दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, आरपी सेंटर।
3. स्ट्रोक और कॉग्निटिव के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित प्रोस्पेक्टिव कोहोर्ट अध्ययन : एक क्रॉस कल्चरल पर्सपेक्टिव, डीबीटी इंटरनेशनल सह–प्रचालन प्रभाग, एम्स और इरास्मस मेडिकल सेंटर रॉटरडैम, नीदरलैंड्स, क्लिनिकल महामारी विज्ञान इकाई, एम्स।
4. पोस्ट एलोजेनिक एचएससीटी रोगियों में ऑक्युलर जीवीएचडी, आरपी सेंटर।
5. एलोजेनैक एचएससीटी रोगियों में एचएलए जी, प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान और टेलोमेर्स एमएमके प्रतिरक्षा आनुवंशिकी प्रभाव, जैव रसायन।
6. पेंसायटोपेनिया में मायोकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के जुड़ाव का अध्ययन करना, काय चिकित्सा और सूक्ष्य जैव विज्ञान।
7. बाल चिकित्सा हेमेटोलॉजी रोगियों के लिए वोरिकोनेसोल स्तर का मानकीकरण, सूक्ष्य जैव विज्ञान।

पूर्ण

1. फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम नकारात्मकमायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्माका अध्ययन, आईआरसीएच।
2. पैंकाइटोपेनिया और ट्यूबरकुलोसिस के बीच का संबंध निर्धारित करने के लिए अध्ययन, कायचिकित्सा।
3. मल्टीपल मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग, आईआरसीएच।
4. तीव्र मायोकार्डियल इंफ्रेक्शन और स्थिर एंजिना के विकास में हीमोस्टैटिक कारकों से जुड़े जीन परस्पर क्रिया की भूमिका, कार्डियोलॉजी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 27 सार : 15 पुस्तकों में अध्याय : 4

रोगी उपचार

1) विभाग की सुविधाएं :

रुधिर विज्ञान विभाग की प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित आधुनिकतम सुविधाएं हैं :

- बोन मैरो एस्पिरेट, बोन मैरो बायोप्सिस तथा पेरिफेरल स्मियर्स;
- इम्यूनोहिस्टोकैमेस्ट्री;
- मोलिक्युलर जेनेटिक्स;
- हिमोलायटिक एनेमिया वर्कअप;
- फ्लो सायटोमेट्री;
- कैपिलरी इलेक्ट्रोफोरेसिस फॉर हिमोग्लोबिनोपैथिसिस;
- कॉएगुलेशन वर्कअप फॉर इंहेरिटिड तथा एक्वायर्ड ब्लीडिंग डिस्ऑर्डर्स;
- प्लेटलेट एग्रेगोमेट्री;
- थ्रोम्बोफिलिया वर्कअप;
- प्रीनेटल डायग्नोसिस ऑफ हिमोफिलिया और हिमोग्लोबिनोपैथिस।

नैदानिक सेवाएं
(क) सभी 6 दिन ओपीडी चलेगी :

1. सोमवार : हिमेटो ओंकोलॉजी
2. मंगलवार : ट्रांसप्लांट क्लिनिक
3. बुधवार : हिमोलायटिक एनेमियाज़ तथा आईटीपी
4. बृहस्पतिवार : कॉएगुलेशन तथा ब्लीडिंग क्लिनिक
5. शुक्रवार : बोन मैरो फैलियर
6. शनिवार : ल्यूकेमिया सर्वाइवर क्लिनिक

(ख) अंतः रोगी देखभाल :

1. अंतः रोगी : सी2, सी6, डी6, एमर्जेंसी वार्ड, प्राइवेट वार्ड
2. स्टेम सेल ट्रांसप्लांट : हर महीने 4 नए एलोजेनिक ट्रांसप्लांट
3. हेमेटोलॉजी डे केयर

2) सामुदायिक सेवाएं

विभाग समुदाय सुग्राहीकरण कार्यक्रमों तथा एम्स के सार्वजनिक मंचों पर तथा थेलिसेमिया एण्ड हिमोफिलिया सोसायटी के साथ थैलिसेमिया और हिमोफिलिया की जागरुकता के क्षेत्रों में सक्रिय रहा है। विभाग के संकाय से प्राप्त जानकारियों को नए निःशक्तता विधेयक में शामिल किया गया।

आचार्य तुलिका सेठ को स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित करने और थैलेसेमिया रोगी देखभाल और निगरानी में प्रगति के बारे में परिवारों और स्थानीय उपचार डॉक्टरों के साथ चर्चा करने के लिए बरेली में थैलेसेमिया रोगी सोसायटी द्वारा आमंत्रित किया गया था। यह 15 नवंबर 2017 को दो स्थानों डीईआईसी केंद्र और जिला अस्पताल के रक्त बैंक में था।

उन्हें हिमोफिलिया रोगियों के सहयोगियों ने परिवारों और रोगियों के साथ बात करने के लिए भी आमंत्रित किया था। यह एक जागरूकता कार्यक्रम और परिवारों के लिए क्यू और ए सत्र था। 12 अगस्त 2017 को अष्टान सरोवर पोर्टिको, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

विभाग ने डॉ. आर सक्सेना के समन्वयक के तौर पर कार्य करते हुए पूरे भारत में 2000 प्रयोगशालाओं के लिए हिमोग्राम हेतु आईएसएचटीएम – एम्स बाह्य गुणवत्ता आकलन कार्यक्रम का आयोजन किया।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य रेणु सक्सेना इनस्पेर फैलोशिप, डीएसटी पर विशेषज्ञ समिति की बैठक के सदस्य बने रहे; स्वास्थ्य विज्ञान के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति, डीएसटी के सदस्य; मानव आनुवंशिकी और जीनोम विश्लेषण, डीबीटी पर कार्यबल के सदस्य; हिमेटोलॉजी और ऑन्कोलॉजी, डीसीजीआई के लिए नई दवा सलाहकार समिति के सदस्य; चिकित्सा उपकरण सलाहकार समिति, डीसीजीआई के सदस्य; भारत के चिकित्सा सलाहकार हिमोफिलिक फेडरेशन; पीटी प्रदाता के लिए विशेषज्ञ सदस्य, एनएबीएल (डीएसटी) मान्यता समिति; अध्यक्ष – एथिक्स समिति, आईसीएमआर परिसर; सदस्य एथिक्स समिति, आईआईटी दिल्ली; इंडियन सोसायटी ऑफ हिमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन – एम्स ईक्यूएपी कार्यक्रम के समन्वयक।

आचार्य एम. महापात्रा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हिमेटोलॉजी एण्ड ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आईएसएचबीटी) के मानद सचिव थे; और नवंबर 2017 में एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया (दिल्ली चेप्टर) से प्रतिष्ठित के.एल. विंग ऑरेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आचार्य तूलिका सेठ सदस्य, परियोजना समीक्षा समिति – आईसीएमआर; सदस्य एथिक्स समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिण परिसर, आयुष, एनआईसीपीआर; सदस्य सचिव एथिक्स समिति, कैनसपोर्ट; अध्यक्ष आईएनपीओजी सीएमएल उपसमिति थे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. रजत कुमार, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा, कनाडा।
2. शाम मेलनकोडी, स्मारक स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर, 1275 यॉर्क इव, एनवाई 10065.
3. डॉ. अरिजीत विश्वास, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सपेरिमेंटल हिमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, यूनिवर्सिटी क्लिकिनल ऑफ बोन, जर्मनी।
4. लंदन, ब्रिटेन से प्रोफेसर एड्रियन चार्ल्स न्यूलैंड
5. डॉ. जेन ब्लैटनी, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रनो, चेक गणराज्य
6. डॉ. एम. ओनिजुका, इशहर, जापान
7. प्रोफेसर ए. कोनेती राव, मेडिसिन के प्रोफेसर, निदेशक, टेम्पल यूनिवर्सिटी में लुईस काट्ज़ स्कूल ऑफ मेडिसिन, फिलाडेल्फिया, यूएसए।

9-17 vLirky iz'kklu

vkpk;Z ,oa v/;{k
सिद्धार्थ सत्पथी

fpfdRlk v/kh{kd] MkW- jk- iz- uk= foKku dsUn
शक्ति कुमार गुप्ता

fpfdRlk v/kh{kd] eq[; vLirky
डी. के. शर्मा

vkpk;Z
आई. बी. सिंह — संजय आर्य — आरती विज

lg&vkpk;Z
निरूपम मदान — अमित लथवाल
अनूप डागा — महेश आर.

lgk;d vkpk;Z
एंजेल राजन सिंह — विजयदीप सिद्धार्थ — परमेश्वर कुमार
कनिका जैन — अब्दुल हाकिम

fof'k"Vrk,a

विभाग जनवरी 2016 से चिकित्सा स्नातकों जैसे एमडी (अस्पताल प्रशासन) के लिए स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम चला रहा है।एमएचए (अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम) आरंभ होने के 51वें वर्ष बाद बंद कर दिया गया था। यह पाठ्यक्रम फरवरी, 1966 में भारत में पहली बार शुरू हुआ था और तब से इसे एक अलग स्नातकोत्तर विषय के रूप में पहचाना गया है। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी कार्यक्रम 'सौंपे गए कार्य' प्रशिक्षण पर केंद्रित है, जहां रेजीडेंट प्रशासक अस्पताल के 'प्रशासनिक नियंत्रण कक्ष' को चौबीस घंटे 'ड्यूटी अधिकारी' के रूप में देखते हैं, और ड्यूटी के घंटों के बाद सभी अस्पताल गतिविधियों का समन्वय करते हैं। यह "ड्यूटी घंटे" से परे, सभी प्रशासनिक गतिविधियों के लिए अस्पताल का 'तंत्रिका केंद्र' भी है।

संकाय सदस्यों ने केन्द्रीय, राज्य सरकारों, अर्ध सैनिक बलों और आईआईसीएम, रांची और निजी क्षेत्र के प्रबंधन संस्थानों जैसे विभिन्न पीएसयू में कार्य कर रहे डॉक्टरों के लिए कई प्रबंधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान आयोजित किए / व्याख्यान दिए।

f'k{kk

vYi vkof/k iz'k{k.k %

1. येनोपोया मेडिकल कॉलेज यूनिवर्सिटी के नौ चिकित्सा छात्र – अध्ययन के लिए 6 दिनों का दौरा
2. शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर के एमडी (एचए) छात्रों के दो छात्र
3. 2 सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आईटीबीपी से दो डॉक्टर।
4. आईआईएम, कलकत्ता से स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन छात्र में एक पीजी प्रमाण पत्र
5. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय (एमजीयू), कोट्टायम, केरल से एमबीए–अस्पताल प्रशासन के छह छात्र (18 मार्च 2017 से 7 अप्रैल 2017)

Øfed vk;qfoZKku f'k{kk

foHkkx }kjk vk;ksftr

1. स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिक तंत्र में कानूनी और नैतिक चुनौतियां, 18–20 मई 2017, मानेकशॉ सम्मेलन केन्द्र, नई दिल्ली

2. 15वें स्वास्थ्य देखभाल कार्यकारी प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एचएक्सएमडीपी), 18–24 फरवरी 2018, आगरा
3. डॉ. बीआरएआईआरसीएच, में नर्सिंग के सहयोग से एम्स में जैव–चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन और अस्पताल संक्रमण नियंत्रण पर पोस्टर प्रतियोगिता और सीएमई 27 जनवरी 2018, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली

iznÙk 0;k[;ku

सिद्धार्थ सत्पथी : 7 | **अमित लथवाल : 1** | **विजयदीप सिद्धार्थ : 3**
शक्ति कुमार गुप्ता : 15 | **अनूप डागा : 6** | **परमेश्वर कुमार : 5**
डी. के. शर्मा : 3 | **महेश आर : 10** | **कनिका जैन : 3**
निरूपम मदान : 10 | **एंजेल राजन सिंह : 3** | **डॉ. अब्दुल हकिम : 1**

ekSf[kd @ iksLVj izLrqrhdj.k % 7

vuqla/kku

foHkkxh; ifj;kstuk,a

tkjh

1. एम्स में रोगी अनुभव में सुधार के लिए चयनित एनएबीएच मानकों के प्रति आंतरिक भर्ती रोगियों के मूल्यांकन और देखभाल का अध्ययन करना।
2. चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय (अस्पताल अनुभाग) की मौजूदा अभिलेख प्रबंधन प्रणाली पर एक अध्ययन।
3. अस्पताल सूचकांक में सुधार करने के लिए स्वास्थ्य विश्लेषक की भूमिका का अध्ययन करना।
4. रोगी की सुरक्षा में सुधार के लिए चयनित महत्वपूर्ण रोगी देखभाल क्षेत्रों में दवा देने की त्रुटियों का अध्ययन करना।
5. एम्स में नए भर्ती व्यवसायिकों (डॉक्टरों और नर्सों) के बीच संगठनात्मक वातावरण का अध्ययन करना।
6. ईएचएस नॉन टू काउंटर की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना।
7. एम्स के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन अभ्यास का दिशानिर्देश।
8. सीएनसी विभाग के कार्डियोलॉजी विभाग में भर्ती हृदय रोगियों के प्रबंधन पर लागत का अध्ययन।
9. एम्स अस्पताल में स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के लिए भौतिक और रासायनिक खतरों की पहचान और जोखिम विश्लेषण।
10. एम्स अस्पताल में रोगी को आसानी / रास्ता खोजने के लिए एंड्रॉइड ऐप का विकास।
11. एम्स, नई दिल्ली में आरएके ओपीडी में ओपीडी परिवर्तन परियोजना के प्रभाव का अध्ययन करना
12. एम्स अस्पताल में नर्स प्रशासकों की प्रक्रिया के समय के उपयोग और प्रभावशीलता का अध्ययन करना
13. एम्स में चिकित्सा पर्चें में संक्षेपों की "कभी भी उपयोग न करें" की प्रभावशीलता का एक अध्ययन
14. विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष के नेतृत्व रूपरेखा और फेलो डॉक्टरों के प्रदर्शन और कल्याण पर इसके प्रभाव का एक अध्ययन
15. मानक दिशानिर्देशों के प्रति 100 और अधिक बिस्तरों के साथ दिल्ली में चुनिंदा अस्पतालों के आपातकालीन विभाग के तुलनात्मक अध्ययन

iw.kZ

1. दिल्ली के चुनिंदा अस्पतालों के बीच स्वच्छ अस्पतालों के राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन का तुलनात्मक अध्ययन करना
2. एएमसी / सीएमसी अवधि में अस्पताल के उपकरणों के डाउनटाइम का एक अध्ययन।
3. मुख्य अस्पताल में ओटी के उपयोग का अध्ययन।
4. डॉ बीआरएआईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में फ्री स्टैंडिंग इंटरएक्टिव कियोस्क के उपयोग का एक अध्ययन।
5. सीटी और एनएस केंद्र, एम्स में एक प्रभावी रूप से मार्ग खोजने और साइनेज सिस्टम के कार्यान्वयन के लिए विनिर्देशों को विकसित करने के लिए एक अध्ययन।
6. नई दिल्ली में तृतीयक देखभाल ट्रामा सेंटर में चिकित्सा अभिलेखा लेखा परीक्षा
7. तृतीयक देखभाल नेत्र रोग केंद्र, नई दिल्ली में डिस्चार्ज सारांश की महत्वपूर्ण समीक्षा
8. सीएनसी ओपीडी, एम्स के विसंकुलन का एक अध्ययन।
9. तृतीयक देखभाल अस्पताल में निर्धन निधि दान पेटी के उपयोग का एक अध्ययन
10. दिल्ली के चुनिंदा अस्पतालों के बीच स्वच्छ अस्पताल के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन का एक तुलनात्मक अध्ययन।

Lkg;ksxh ifj;kstuk,a

tkjh

1. मौखिक शव परीक्षा, आईसीएमआर के माध्यम से मृत्यु के कारण को बताने के तरीकों की तुलना।
2. खाद्य सुरक्षा व्यवहार, आहार के ज्ञान, प्रथाओं और विश्वासों पर आहार सेवाओं में खाद्य संचालकों के बीच प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन।
3. उत्तर भारत में राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, मनोचिकित्सा में भर्ती उपचार छोड़ने वाले रोगियों की रूपरेखा का अध्ययन।
4. एम्स में सर्जिकल वस्तुओं के लिए इन्वेंट्री सिस्टम का डिजाइन भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ।

iw.kZ

1. भारत में एक सार्वजनिक क्षेत्र के अस्पताल में एक रोगी वार्ड में मादक द्रव्यों के रोगियों के बीच रोगियों के अनुभवों का अध्ययन एनडीडीटीसी।
2. भारत में एक सार्वजनिक क्षेत्र के अस्पताल में एक रोगी वार्ड में मादक द्रव्यों के रोगियों के बीच रोगियों के अनुभवों का अध्ययन, मनोचिकित्सा।

izdk'ku

if=dk,a % 10

iqjLdkj] lEeku ,oa egRoiw.kZ ?kVuk,a

एम्स अस्पताल को कड़े आकलन के बाद लगातार दूसरे वर्ष के लिए 2017–2018 में "काया–कल्प" में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य सिद्धार्थ सत्पथी ने इस वर्ष के दौरान "स्वर्ण शक्ति" पुरस्कारों के लिए एनटीपीसी परियोजना अस्पतालों के मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन समिति के बाह्य तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; एम्स, भुवनेश्वर के विकास में संरक्षक के रूप में योगदान, और एम्स भुवनेश्वर में सहायक प्रोफेसर अस्पताल के लिए चयन समिति की सहायता के लिए विषय विशेषज्ञ; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संस्थान की भवन समिति के सदस्य, ऑडिटोरियम, अकादमिक ब्लॉक और प्रयोगशालाओं के विकास के लिए निगरानी प्रदान करना; यूजीसी द्वारा अनिवार्य शिक्षाविदों के सुधार के लिए आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय की अकादमिक लेखा परीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में योगदान; गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आगामी सीएपीएफआईएमएस में पदों के लिए भर्ती नियमों के युक्तिकरण के लिए समिति के सदस्य; यूजीसी द्वारा नामित के रूप में केआईएमएस विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में एमएचए पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया; जेएएचए और आईजेआरएफएचएचए के संपादकीय समिति के सदस्य के रूप में योगदान दिया, और नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के लिए समीक्षक; कमिनेनी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, नर्केटपाली और बीपीकेआईएचएमएस, धरान, नेपाल में एमडी (एचए) परीक्षा में बाह्य परीक्षक; एनआईएचएफडब्ल्यू, नई दिल्ली में अस्पताल प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा में परीक्षक; उत्तर प्रदेश, नोएडा में एम्स–एमबीबीएस–2017 प्रवेश परीक्षा (सीबीटी मोड) में परीक्षक; एम्स, भुवनेश्वर में अस्पताल प्रशासन विभाग के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ सदस्य; ''स्वास्थ्य क्षेत्र में तनाव" और "भारत में तनाव प्रबंधन प्रयोगशालाओं का दायरा", तनाव प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पर सत्र की अध्यक्षता 3–4 नवंबर 2017, पणजी, गोवा।

डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता ने शांग्री–ला – इरोस होटल, नई दिल्ली में शुक्रवार 16 मार्च 2018 को "5वें नेटहेल्थ वार्षिक समारोह एनएटीईवी2018'' में पैनलिस्ट थे; मुमताज हॉल, ताज डिप्लोमैटिक एन्क्लेव, नई दिल्ली में 5 फरवरी 2018 को इंडियन चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स (फिक्की) के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग (डीआईटी) द्वारा आयोजित यूके नेशनल हेल्थ सर्विसेस (एनएचएस), भावी स्वास्थ्य देखभाल की 70वीं वर्षगांठ में भाग लिया; वर्ष 2018–2019 के लिए "फिक्की स्वास्थ्य सेवा राष्ट्रीय समिति" के सदस्य और "स्वास्थ्य देखभाल के मूल्य निर्धारण के लिए कार्यबल अध्यक्ष" के रूप में नामांकित; 3–23 जनवरी 2018 से आयोजित राष्ट्रीय जैविक संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा आयोजित जम्मू और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से पीजी छात्रों के लिए जैविक गुणवत्ता नियंत्रण में राष्ट्रीय कौशल विकास और सौंपे गए प्रशिक्षण पर नोएडा, दिल्ली में 23 जनवरी को आयोजित समापन सत्र के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित; सीएनएन न्यूज़ 18 द्वारा आयोजित नई दिल्ली में 19 जनवरी 2018 को "इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज द्वारा भारत में सक्षम सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज'' पर पैनल चर्चा के लिए विशेषज्ञ सदस्य; इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बायिलरी साइंसेज, नई दिल्ली में 29 सितंबर 2017 को ''एम्स के लिए संकाय चयन'' के लिए विशेषज्ञ सदस्य; हयात रीजेंसी, नई दिल्ली में 29 अगस्त 2017 को आयोजित भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और ऑस्ट्रेलियाई व्यापार आयोग द्वारा आयोजित ''ऑस्ट्रेलिया–भारत डिजिटल हेल्थ डायलॉग"; 9वें फिक्की हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड्स – फिक्की एचईएएल इंडियन हेल्थ केयर का 11वां संस्करण : 17 और 18 अगस्त 2017 को एक

रोगी का दृश्य; 1 अगस्त 2017 को शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर के "संकाय चयन के लिए एपिकल चयन समिति के बाह्य विशेषज्ञ''; 11 जुलाई 2017 को इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बायिलरी साइंसेज, वसंत कुंज, नई दिल्ली में हाउसकीपिंग और लॉन्ड्री सेवाओं के लिए जनशक्ति प्रदान करने हेतु तकनीकी मूल्यांकन समिति के लिए बाह्य विशेषज्ञ; अध्यक्ष, अस्पताल प्रशासन, एम्स, नई दिल्ली और अनुसंधान फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आरएफएचएचए) द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिक तंत्र में कानूनी और नैतिक चुनौतियां" पर सम्मेलन 18–20 मई 2017 को मानेकशॉ कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया और "चिकित्सा प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए आचार संहिता–कानूनी और नैतिक शिकायतों" पर सत्र के लिए पैनलिस्ट; शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर में 9–10 मई 2017 से एमडी अस्पताल प्रशासन की वार्षिक परीक्षा (बैच 2014) के लिए बाह्य परीक्षक; जगदगुरु श्री शिवरात्रेश्वरा विश्वविद्यालय, मैसूरु, कर्नाटक में 5–6 मई 2017 तक पीजी मेडिकल डिग्री / डिप्लोमा परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक; नई दिल्ली में 13 अप्रैल 2017 को रेजीडेंट चिकित्सा अधिकारी के चयन के लिए चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; वक्ता, चिकित्सा रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, मानेकशॉ केंद्र पर सीएमई के लिए 6 अप्रैल 2017 को आयोजित किया गया और ''जैव चिकित्सा उपकरण प्रबंधन – मुद्दे, चुनौतियां और कार्यनीतियों'' पर व्याख्यान दिया।

डॉ. डी. के. शर्मा ने एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा 26–27 अप्रैल, 2017 को भारत और जापान के बीच स्वास्थ्य पर द्वितीय संयुक्त कार्य समूह की बैठक के सदस्य के रूप में टोक्यो, जापान का दौरा किया; चिकित्सा अधीक्षक / डिप्टी एमएस आदि के लिए विभिन्न संस्थानों / कॉलेजों / अस्पतालों में चयन समितियों के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में योगदान दिया।

आचार्य आई. बी. सिंह को मई 2017 में आयोजित होने वाली एमएचए अंतिम परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक नियुक्त किया गया था; डॉ. एनटीआर यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, विजय वाडा–8, आं. प्र. के अंतर्गत कामिनेनी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नार्केटपल्ली में विशिष्ट अस्पताल प्रबंधन (एमडी) में अभ्यास, नैदानिक और ऑरल के संचालन के लिए 2–3 जनवरी 2017 में आयोजित पीजी डिग्री परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक नियुक्त किए गए; पत्र सं. एसआईएमएस / परीक्षा / 305 / 05 / 383 / 2017–3757 दिनांक 3 जनवरी 2018 के माध्यम से थीसिस परीक्षा के लिए और शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जम्मू और कश्मीर में एमडी अस्पताल प्रशासन अंतिम परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक नियुक्त किए गए; मैं ''हेल्थकेयर इकोसिस्टम में कानूनी और नैतिक चुनौतियों पर कॉन्क्लेव'' में 20 मई 2017 को आयोजित सत्र, ''दवाओं, उपकरणों और चिकित्सा प्रत्यारोपण –कानूनी और नैतिक मुद्दों के मूल्यनिर्धारण'' में एक पैनलिस्ट था जो मानेकशॉ कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली, भारत में 18–20 मई 2017 को आयोजित किया गया था; वैज्ञानिक सत्र में अध्यक्ष, ''संक्रमण को रोकना : एएमआर, बीएमडब्ल्यू, विसंक्रमण और कीटाणुशोधन को रोकना, संक्रमण नियंत्रण में सीएसएसडी की भूमिका'' 16 मार्च 2018 को आयोजित स्वच्छ कार्य योजना (एसएपी) 2017–2018 के भाग के रूप में आयोजित; स्वास्थ्य क्षेत्र में अर्मेनिया और भारत के बीच सहयोग के लिए दिशानिर्देशों का सुझाव देने के लिए डॉ. बी. डी. अथानी स्प्ल डीजीएचएस, निर्माण भवन, नई दिल्ली – 110011 की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में चर्चा के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

डॉ. निरुपम मदान जर्नल ऑफ़ रिसर्च फाउंडेशन फ़ॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे; जर्नल ऑफ एकेडमी ऑफ हॉस्पीटल एडमिनिस्ट्रेटर्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

डॉ. अनूप डागा को निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद द्वारा 20–21 जनवरी 2018 से आयोजित "एसएएसएच–2018 : नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सेफ एंड सस्टेनेबल हॉस्पिटल्स" में शोध पत्र प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया था; सहायक संपादक, जर्नल ऑफ़ एकेडमी ऑफ़ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (जेएएचए), नोएडा, भारत; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ़ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आईजेआरएफएचएचए), नई दिल्ली, भारत।

डॉ. महेश आर राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा कार्यान्वयन रूपरेखा कार्य, चिकित्सा उपकरण और अस्पताल योजना प्रभाग परिषद (एमएचडीसी) के प्रमुख सदस्य, भारतीय मानक ब्यूरो के विकास में तकनीकी विशेषज्ञ थे; पैक वार्निंग, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार (तंबाकू नियंत्रण प्रभाग) के विकास के लिए समिति में विशेषज्ञ; सदस्य उप–समिति "नैदानिक प्रतिष्ठानों के लिए न्यूनतम मानकों का विकास, भारत सरकार, डीजीएचएस, सदस्य।

डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्वालिटी इन हेल्थकेयर (आईएसयूक्यूए) फैलोशिप से सम्मानित किया गया; राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रत्यायन मानक (एनक्यूएएस) निर्धारक कार्यक्रम को चयनित और सफलतापूर्वक पूरा किया गया और उसके एक मूल्यांकनकर्ता।

डॉ. परमेश्वर कुमार द्वारा मानव संसाधन प्रबंधन के लिए ट्रेनर्स मॉड्यूल और हैंडबुक का प्रशिक्षण विकसित किया गया, जिसका उपयोग ईरान में 400 से अधिक अस्पताल प्रबंधकों को एक कैस्केडिंग मॉडल और बाद में अन्य देशों के ईएमआरओ क्षेत्र में प्रशिक्षित किया गया है।

डॉ. कनिका जैन को 15 अक्टूबर 2017 को आईएसक्यूयूए फैलोशिप से सम्मानित किया गया; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 15–19 जनवरी 2018 से राष्ट्रीय बाह्य मूल्यांकन प्रशिक्षण – 2018 के सफल समापन के बाद राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के कार्यान्वयन और मूल्यांकन के लिए एक राष्ट्रीय मूल्यांकनकर्ता के रूप में नामिकाबद्ध

किया गया; 24 मई 2018 को स्वास्थ्य देखभाल सुधार संस्थान द्वारा संचालित सुधार कोच व्यावसायिक विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र द्वारा गठित 200 बेड वाले जिला अस्पताल में आपातकालीन विभाग की स्थापना के लिए परिचालन दिशानिर्देश तैयार करने के लिए गठित विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

डॉ. अब्दुल हकीम ने 25 फरवरी 2018 को रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स में "सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. के. मुखोपाध्याय

आचार्य

एम. इरशाद सरमन सिंह

अपर आचार्य

सुभद्रा शर्मा

सहायक आचार्य

सुदीप कुमार दत्ता श्याम प्रकाश राघवेंद्र एल. (अनुबंध)

वैज्ञानिक

श्रीमती वंदिता वासुदेव, एस–III

विशिष्टताएं

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग का प्रमुख योगदान स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और पोस्ट डॉक्टरेट छात्रों के लिए निरंतर शिक्षा के साथ संबंधित संकाय द्वारा एम्स अस्पताल और अनुसंधान के लिए रोगी देखभाल प्रदान करने में है। संकाय ने संबंधित वर्गों में दिखाए गए अनुसार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ निदेशक एम्स के संचार और पूरे देश में प्रयोगशाला चिकित्सा पाठ्यक्रम में एमडी / डीएनबी शुरू करने के लिए एमसीआई और एनबीई को पत्र अग्रेषित करना एक और उल्लेखनीय घटना है। सेवा क्षेत्र में प्रमुख विशेषताएं केंद्रीय रक्त संग्रह केंद्र में प्री–फलेबोटोमी स्वचालन की स्थापना करना हैं और संकाय द्वारा यहां कुछ नई जांचें शुरू की जा रही हैं। प्रमुख उपलब्धि दवा–प्रतिरोधी क्षय रोग पर अनुसंधान में है, जिससे संकाय को प्रशंसा मिली है। संकाय द्वारा प्रणाली विज्ञान के अंदर मस्तिष्क–शरीर के मुद्दों को समझने के लिए किए गए निरंतर प्रयास के परिणामस्वरूप कोशिका जीवविज्ञान और कृत्रिम बुद्धि में रूपांतरण मूल्य के कुछ महत्वपूर्ण शोध पत्रों का प्रकाशन हुआ, जिससे संकाय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली है।

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के नैदानिक जैव रसायन प्रभाग को शैक्षिक, अनुसंधान और रोगी देखभाल गतिविधियों में नियमित योगदान के साथ एक सेट–अप के रूप में स्थापित किया गया है। 65 लाख से अधिक परीक्षणों के वार्षिक परीक्षण भार के साथ, यह प्रभाग रोगी सेवा में गुणवत्ता के परिणाम सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक और बाह्य दोनों गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम (आरआईक्यूएएस) चला रहा है। इसके साथ ही, यहां एमडी (प्रयोगशाला चिकित्सा) की डिग्री प्रदान करने के साथ और पूर्ववर्ती और वर्तमान वर्षों में उच्च क्षमता और अनुक्रमित पत्रिकाओं में प्रकाशनों के साथ शोध में स्नातक /स्नातकोत्तर स्तर पर अध्यापन किया जाता है। लंबे समय तक होने वाले परीक्षण प्रोफाइल का विस्तार, जल्द ही प्राप्त होने की संभावना है। यहां हमारे संस्थान के बाहर से आने वाले छात्रों को अनुसंधान और विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

यहां प्रति दिन 1000–1200 नमूना संग्रह (लगभग 4.5 लाख प्रति वर्ष) के साथ केंद्रीय संग्रह सुविधा पर नमूने के संग्रह के लिए समय तय करने की प्रणाली को सुव्यवस्थित किया। रोगियों की कठिनाई को कम करने के लिए एक दूसरी रक्त संग्रह शिफ्ट को शुरू कर दिया गया है। रक्त संग्रह का समय अब प्रातः 7.45–11.30 बजे है, इसके बाद 1.30 बजे तक भोजन के बाद के नमूने लिए जाते हैं। दूसरी शिफ्ट में दोपहर 1.30–3 बजे के दौरान नमूने एकत्र किए जाते हैं। नमूनों के संग्रह के पंजीकरण के लिए तय समय संग्रह केंद्र में सुबह 11.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक है।

एक स्वचालित फ्लेबोटोमी ट्यूब लेबलर सिस्टम स्थापित किया गया है और ई–अस्पताल के साथ संचार मई 2017 से प्रभावी हो गया है। एक न्यूमेटिक (वायवीय) ट्यूब स्थापित की गई है और संग्रह केंद्र से दूसरे तल की प्रयोगशाला में परिवहन के लिए सेवाएं शुरू की गई हैं।

हमने विभिन्न प्रयोगशालाओं में कार्य कर रहे सभी प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए फ्लेबोटोमी प्रशिक्षण भी शुरू किए हैं।

शिक्षा

साप्ताहिक सेमिनार और जर्नल क्लब के साथ एम डी लैब मेडिसिन पाठ्यक्रम के अलावा, विभाग ने विकृति विज्ञान, जैव रसायन और बाल चिकित्सा विभागों के स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षण दिया।

शैक्षिक अनुभाग की अनुमति के साथ आरएमआईटी यूनिवर्सिटी बंडुरा, ऑस्ट्रेलिया से तीन माह तक एक प्रशिक्षु कार्यरत था।

डॉ. ए. के. मुखोपाध्याय :

पीएचडी से सम्मानित : 1

डॉ.एम. इरशाद :

पूरी की गई एमडी थीसिस : 1 ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण : 1

डॉ. सरमन सिंह

पीएचडी : 5 एमडी : 1

डॉ. सुदीप कुमार दत्ता

विभागीय / अंतर–विभागीय शैक्षिक गतिविधियों के समन्वयक : पीजी व्याख्यान, संगोष्ठी, प्रकरण–चर्चा और प्रयोगशाला चिकित्सा, विकृति विज्ञान और जैव रसायन में स्नातकोत्तर के व्यावहारिक शिक्षण। उन्होंने बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान भी लिया।

डॉ. श्याम प्रकाश

प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एम बायोटेक्नोलॉजी, फ्लेबोटोमिस्ट, एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग और ओरिएंटेशन प्रोग्राम के छात्रों के लिए व्याख्यान लिया। वे जर्नल क्लब के लिए मॉडरेटर हैं और उन्होंने एसएफआरआरआई–2018 की 16वीं वार्षिक बैठक में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भी किया है।

डॉ. राघवेन्द्र एल.

प्रयोगशाला चिकित्सा, विकृति विज्ञान और जैव रसायन में स्नातकोत्तर की संगोष्ठी, प्रकरण–चर्चा और प्रायोगिक शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे तथा प्रयोगशाला चिकित्सा के रेजीडेंटों के लिए रक्ताल्पता रुधिर विज्ञान शिक्षण; बी.एससी नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान कक्षाएं लीं; आपातकालीन प्रयोगशाला में पेरीफेरल स्मीयर और द्रव (फ्लूड) परीक्षण पर बाल चिकित्सा विभाग से नए शामिल शैक्षणिक रेजीडेंटों के प्रशिक्षण को समन्वित किया।

आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/ कार्यशाला/ संगोष्ठी / सम्मेलन

1. डॉ. सरमन सिंह : 11 जून 2017 को डिवीजन ऑफ क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली में डॉ. वीरनूट निसापातोर्न, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ अलायड हेल्थ साइंसेस, वालैलक यूनिवर्सिटी, थाईलैंड द्वारा 'ए सर्च फॉर नोवल नेचुरल प्रोडक्ट्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ एकेंथ एमीबा इनफेक्शन' पर एक सीएमई और सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया।
2. डॉ. सरमन सिंह : 6 जुलाई 2017 को डिवीजन ऑफ क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली में मिलेनियम इंडिया एजुकेशन फाउंडेशन के साथ संयुक्त रूप से जूनोटिक रोगों पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
3. डॉ. सरमन सिंह : इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट के 41वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान, 22 नवंबर 2017, आरआईएमएस, रांची, झारखंड में 'लेबोरेटरी डायग्नोसिस ऑफ ऑपर्च्युनिस्टिक इंटेस्टाइनल पैरेसाइटिक इंफेक्शन' पर एक स्वयं कार्य की कार्यशाला आयोजित की।
4. डॉ. सरमन सिंह : इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट के 41वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान, 26 नवंबर 2017, आरआईएमएस, रांची, झारखंड में 'रिसेंट एडवांस इन द डायग्नोसिस ऑफ ट्यूबरकुलोसिस इन इंडिया' पर संगोष्ठी आयोजित की।

5. डॉ. सुदीप कुमार दत्ता : 6 सितंबर 2017 में 'चैलेंजिस इन इंटरप्रीटिंग रूटिन कैमेस्ट्री टेस्ट इन कैंसर पेशेंट्स' पर डॉ लक्ष्मी वी रामनाथन, पीएचडी. चीफ, क्लिनिकल कैमिस्ट्री सर्विस, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, मेमोरियल स्लोन–केटरिंग कैंसर सेंटर, न्यूयॉर्क द्वारा एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।
6. डॉ. सुदीप कुमार दत्ता : प्रोफेसर जय कालरा, पीएचडी, एमडी, एफआरसीपीसी, एफसीएएचएस, पैथोलॉजी के प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ मेडिसिन यूनिवर्सिटी ऑफ सास्काचेवान, कनाडा, द्वारा 11 दिसंबर 2017 को 'लेबोरेटरी एरर्स एण्ड डिसक्लोजर' पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

ए. के. मुखोपाध्याय : 5 **सरमन सिंह : 18** **सुदीप कुमार दत्ता : 3**
श्याम प्रकाश : 5

मौखिक पत्र / पोस्टर की प्रस्तुति : 19

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. सक्रिय तपेदिक के लैपिड–आधारित इम्यूनोडिग्नोस्टिक्स, सरमन सिंह, मेट्रोम इंडिया लिमिटेड, 1 वर्ष, 2017–2018, 12.18 लाख रुपए।
2. तपेदिक के लिए तीव्र बायोसेंसर आधारित नैदानिक परीक्षण का विकास, सरमन सिंह, डीएचआर, 3 वर्ष, 2017–2020, 49.03 लाख रुपए।
3. भारत में तपेदिक के लिए रक्त आधारित नैदानिक परीक्षण का मूल्यांकन, सरमन सिंह, नेक्स्टजेन इनविट्रो डायग्नोस्टिक प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 2017–2019, 57.69 लाख रुपए।
4. एम. ट्यूबरकुलोसिस संक्रमण पर मेजबानों में सहिष्णुता के तंत्र को समझने के लिए रोगी मोनोसाइट डेराइव्ड मैक्रोफेज (एमडीएम) का ट्रांसक्रिप्टोम एनालाइसिस, सरमन सिंह, डीबीटी, 3 साल, 2017–2020, 23.52 लाख रुपए।
5. विट्रो डायग्नोस्टिक्स के लिए उच्च संबंध एंटीबॉडी के लिए मंच प्रौद्योगिकियों का विकास, सरमन सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 43.54 लाख रुपए।
6. शुरुआती निदान और दवा प्रतिरोधी टीबी की भविष्यवाणी के लिए तीव्र देखभाल बिंदु– सेरो डायग्नोस्टिक टेस्ट किट का मूल्यांकन, सरमन सिंह, डीबीटी, 1 वर्ष, 2017–2018, 36.73 लाख रुपए।
7. एक्सडीआर–टीबी के तेजी से निदान के लिए नवीन आण्विक परीक्षण का विकास, सरमन सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018–2021, 54.20 लाख रुपए।
8. लूप मीडिएटेड आइसोथर्मल एम्प्लीफिकेशन (एलएएमपी) द्वारा एचसीवी आरएनए एम्प्लीफिकेशन के लिए घरेलू आमापन के विकास के लिए एक सस्ती विधि, श्याम प्रकाश, डीबीटी, 4 वर्ष, 2013–2017, 28.0 लाख रुपए।
9. हिपेटाइटिस बी वायरस डीएनए (एचबीवी डीएनए) और एचसीवी आरएनए क्वांटिटेशन के लिए माइक्रो पीसीआर का तीव्र नैदानिक मूल्यांकन, श्याम प्रकाश, बिग टेक बैंगलोर, 6 वर्ष, 2013–2019, 20 लाख रुपए।

पूर्ण

1. अरुणाचल प्रदेश के औषधीय ऑर्किड : सूक्ष्म प्रजनन : पादप रसायन विशेषता और जैविक गतिविधि मूल्यांकन, सरमन सिंह, डीबीटी, 3.6 वर्ष, 2013–2017, 11.72 लाख रुपए।
2. भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्रों से माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग की आण्विक महामारी विज्ञान और दवा प्रतिरोध पैटर्न, सरमन सिंह, डीबीटी, 3.5 वर्ष, 2014–2018, 29.91 लाख रुपए।
3. विशिष्ट अस्थिर कार्बनिक यौगिक के तपेदिक का पता लगाने के लिए आसंजक सेंसर, सरमन सिंह, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूएसए, 2 वर्ष, 2015–17, 41.35 लाख रुपए।

4. क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में हिमोडायलिसिस से पहले और बाद में तथा गुर्दे प्रत्यारोपण के बाद ऑर्गनक्लोराइन कीटनाशकों स्तरों का मूल्यांकन : एक पायलट अध्ययन, सुदीप कुमार दत्ता, एम्स, आंतरिक अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2015–2017, 4.4 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

1. *टोक्सोप्लाज्मा गोंडी* से अभिव्यक्ति क्लोनिंग और एक अत्यधिक प्रतिजनी पुनः संयोजक प्रतिजन का शोधन और मानव और पशु का निदान करने के लिए इसके मूल्यांकन।
2. टाइट जंक्शन (क्लुडिन्स) के विषम डाइमिथाइल अर्जिनाइन और आण्विक अभिव्यक्ति और गैस्ट्रिक कैंसर में क्रमादेशित कोशिका मृत्यु लाइगेंड – 1 में अनियंत्रण।
3. टाइप 2 मधुमेह मेलिटस के साथ और इस के बिना सक्रिय पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस में सीडी 4+ टी और सीडीबी + टी सेल सबसेट आबादी का प्रवाह साइटोमेट्रिक मूल्यांकन
4. सीरम में हिपेटाइटिस वायरस (ए–जी) के साथ–साथ पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स वास्तविक समय पीसीआर (क्यूपीसीआर) आमापन का विकास और उपयोग।
5. इंफ्लेमेटरी बाउल रोग में थियोपुरिन दवा चयापचय और हिमेटोलॉजिकल सूचकांकों की निगरानी : प्रभावकारिता और परिणाम का एक आकलन।
6. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के लिए नए एंटीजन पॉलीक्लोनल मोनो और एंटीबॉडीज तैयार करना और नैदानिक नमूनों में उनके निदान का मूल्य।
7. गैर शल्य चिकित्सा एंडोडोंटिक उपचार करवा रहे रोगियों में सीरम विटामिन डी स्तर का आकलन करने के लिए क्रॉस अनुभागीय पाथफाइंडर अध्ययन और पेरिएपिकल हीलिंग के साथ इसकी सहयोगी क्षमता का निरीक्षण।
8. मानव टोक्सोप्लाज्मोसिस के निदान के लिए टोक्सोप्लाज्मा गोंडी और इसके मूल्यांकन से नवीन पुनः संयोजक प्रोटीन की क्लोनिंग अभिव्यक्ति और शुद्धिकरण।
9. भारत विशिष्ट पूर्व एक्सडीआर/एक्सडीआर–टीबी का तेजी से निदान करने के लिए नए आण्विक परीक्षण का विकास।
10. तीव्र यकृत विफलता और पुरानी यकृत विफलता पर तीव्र में प्लेटलेट कार्यों की असामान्यता और अमोनिया के स्तर के प्रभाव।
11. एचआईवी सीरोनेगेटिव वयस्क और दस्त वाले बाल चिकित्सा रोगियों के मल नमूनों में माइक्रोपोरिडिया की व्यापकता को देखना।
12. हरियाणा, उत्तर भारत में उप जिला अस्पताल में भाग लेने के लिए गर्भवती महिलाओं के बीच मध्यम एनीमिया के उपचार में इंट्रावेनस आयरन सुक्रोज की प्रभावशीलता।
13. मधुमेह और चयापचय सिंड्रोम में वृद्धि विभेदन कारक–15 (जीडीएफ–15), आयरन ट्रैफिकिंग प्रोटीन, माइक्रोन्यूट्रिएंट एंटीऑक्सिडेंट के बीच आण्विक अभिव्यक्ति और परस्पर क्रिया।
14. मस्तिष्क दुष्क्रिया के लिए तेजी से निदान और प्रोग्नोस्टिक बायोमार्कर के रूप में नए परिसंचारी मस्तिष्क प्रोटीन एसएनटीएफ सहित हल्के दर्दनाक मस्तिष्क चोट का अध्ययन।
15. सक्रिय और गुप्त ट्यूबरकुलोसिस को अलग करने के लिए टी कोशिकाओं पर विश्लेषण सीडी27 अभिव्यक्ति का अध्ययन।
16. कृत्रिम बुद्धि, मानव बुद्धि और प्राकृतिक बुद्धि।
17. संज्ञान के कैनवास, आण्विक कढ़ाई, कपड़े और आधार।
18. पॉली पेप्टाइड संबद्ध टीटीवी की क्लोनिंग, अनुक्रमण और अभिव्यक्ति।
19. भारतीय समुदायों में सीआरएफ पर महामारी वैज्ञानिक अध्ययन।
20. भारतीय जनसंख्या में टीटीवी और एचसीवी की जीनोटाइपिंग।
21. सेरोपॉजिटिव बकरियों से परजीवियों जैसे लीशमानिया का लाक्षणीकरण या लीशमानिया का आइसोलेशन।
22. संज्ञान की सीढ़ी : सिस्टम विज्ञान
23. हिपेटाइटिस वायरसों (ए–जी) हेतु मल्टीप्लेक्सिंग आमापन।
24. गुर्दे की विफलता वाले रोगियों में टीटीवी का अध्ययन।
25. प्लेटलेट आधान की आवश्यकता के लिए आघात रोगियों में प्लेटलेट डिसफंक्शन का अध्ययन।
26. सिस्टम साइकी : इसकी संरचना, ऑप्रेशन और संभावित आण्विक लिंक।
27. तंत्रिका विज्ञान और चेतना के बीच पतली परत।

पूर्ण

1. क्रोनिक किडनी रोग (चरण 5 डी) के रोगियों में ऑर्गेनोक्लोरीन कीटनाशकों के स्तर पर गुर्दे प्रत्यारोपण के प्रभाव का आकलन करना।
2. सीलियाक रोग और अन्य एंटेरोपैथिस वाले रोगियों में विलस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पहली तिमाही ग्लूकोज स्क्रीनिंग और गर्भावस्था में गर्भावधि मधुमेह मेलिटस के विकास के साथ सीरम इंसुलिन के स्तर के बीच संबंध, अंतः स्राविकी एवं चयापचय एम्स।
2. भारतीय जनसंख्या में क्रोनिक रीनल फेलियर (सीआरएफ) पर एक मल्टीसेंट्रिक अध्ययन, नेफ्रोलॉजी, एम्स
3. भारतीय संदर्भ में रहने वाले गुर्दे एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ताओं में प्रारंभिक बनाम बाद के सीएमवी संक्रमण के जोखिम कारकों का आकलन, नैदानिक रूपरेखा और परिणाम, नेफ्रोलॉजी, एम्स।
4. पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस के मामले में नैदानिक और रेडियोलॉजिकल निदान वाले गैस्ट्रिक एस्पिरेट में जीनएक्सपर्ट द्वारा माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का तेजी से निदान, डॉ आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली।
5. ब्रोन्कोएल्वियोलर लेवेज का उपयोग कर जीन एक्सपार्ट एमटीबी / आरआईएफ आमापन द्वारा पीडियाट्रिक पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस और रिफैम्पिसिन प्रतिरोध का तेजी से निदान, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली।
6. लूप–मध्यस्थ आइसोथर्मल एम्पलीफिकेशन द्वारा ब्रोंकोकोवेल्वर लैवेज तरल पदार्थ द्वारा बच्चों में संदिग्ध पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस का तेजी से निदान, डॉ आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली।
7. आईसीटी–बीआरआईईएफ परियोजना विषयों के हिमोग्लोबिन और डब्ल्यूबीसी के मानकीकरण की निगरानी करना, जेरियाट्रिक मेडिसिन, एम्स।
8. उप जिला अस्पताल, फरीदाबाद, हरियाणा में भाग लेने के लिए गंभीर एनीमिया के लिए उदार वाली गर्भवती महिलाओं के बीच हीमोग्लोबिन के स्तर में सुधार लाने के लिए इंट्रावेनस फेरिक कार्बोक्सी मेलटोस (एफसीएम) के प्रभाव का आकलन करने के लिए एकल आर्म खुले लेबल परीक्षण, सामुदायिक चिकित्सा, एम्स।
9. भारतीय महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम, टाइप 2 मधुमेह और स्वस्थ प्रजनन आयु में अंतःस्रावी बाधक रसायन (ऑर्गेनोक्लोराइन ऑर्गेनोफोस्फेट, बिफिनेल ए, थैलेट) का तुलनात्मक मूल्यांकन, और आहार संबंधी आदतों (शाकाहारी बनाम मांसाहारी) और आनुवंशिक परिवर्तनशीलता (बहु–केंद्रिक) परियोजना के साथ उनके सह–संबंध।
10. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (पीसीओएस) के साथ भारतीय महिलाओं के बीच विभिन्न चिकित्सकीय पद्धतियों की प्रतिक्रिया में प्रसार, क्षेत्रीय फिनोटाइपिक भिन्नता, सह रोग, जोखिम कारक और भिन्नता के मूल्यांकन में भिन्नता का मूल्यांकन : भारत भर में एक बहुआयामी अध्ययन, बहु केंद्रित परियोजना।

पूर्ण

1. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में पल्मोनरी संक्रमण : एक भावी कोहोर्ट पर्यवेक्षणीय अध्ययन। नेफ्रोलॉजी, एम्स।
2. उच्च ऊंचाई औषधीय पौधे और ऑर्किड : फाइटोकेमिकल लाक्षणीकरण और बायोएक्टिविटी मूल्यांकन, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा।
3. लूप–मध्यस्थ आइसोथर्मल एम्पलीफिकेशन द्वारा बच्चों में पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस का तेजी से निदान, डॉ आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली।
4. कैंसर रोगी में फ्लोरोप्रिमिडाइन और इरिनोटेकेन प्राप्त से कीमोथेरेपी प्रेरित दस्त पर प्रोबियोटिक वीएसएल # 3 @ की प्रभावकारिता की जांच करने के लिए एक चरण द्वितीय / तृतीय यादृच्छिक, डबल ब्लांड प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन, मेडिकल ओन्कोलॉजी, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 32 *सार : 8* *पुस्तकों में अध्याय : 1*

रोगी देखभाल

1. जांचों के लिए जैसे एचबीए 1 सी (एचपीएलसी द्वारा), एंटीएपिलेप्टिक ड्रग प्रोफाइल (एचपीएलसी द्वारा) और रोगी की देखभाल को नियमित करने और विटामिन ए और ई, विटामिन डी 2 और डी 3 अनुमान के तरीकों को भी विकसित करने के लिए क्रोमोग्रेनिन सेवाएं : विभाग में नैदानिक विकृति विज्ञान और आण्विक प्रतिरक्षा विज्ञान प्रयोगशाला सेवा प्रदान करने के लिए शुरू किया गया।

जांचों का कुल योग : 85,12,138

केंद्रीकृत रक्त संग्रह सुविधा

I. फ्लेबोटॉमी :

फ्लेबोटॉमी और नमूने की कुल संख्या (प्राथमिक और भोजन के बाद) : 4,42,098

II. रक्त नमूनों का वितरण

क) लैब मेडिसिन विभाग

क्लिनिकल रसायन अनुभाग :	1,98,752	नैदानिक हिमेटोलॉजी अनुभाग	1,48,372
नैदानिक सूक्ष्म जीव विज्ञान	23,837	नैदानिक रोग विज्ञान एवं प्रतिरक्षा विज्ञानः	12,900

ख) प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के बाहर की प्रयोगशालाएं

सीएनसी :	29,813	ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन :	5171
सूक्ष्म जीव विज्ञान :	22,623	अंतःस्त्राविकी :	174
मानव पोषण इकाई :	221	एसआरबी प्रयोगशाला :	235

❖ अपूर्ण कंप्यूटरीकरण के कारण, दिखाया गया डेटा कंप्यूटरीकरण के योग के साथ–साथ मैनुअल रिकॉर्ड है।

III. निष्पादित जांचें

परीक्षण	संख्या	परीक्षण	संख्या
रक्त स्राव का समय, क्लोटिंग का समय	1246	प्रोथ्रोम्बिन समय	7464
एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर (ईएसआर)	42,622	सक्रिय आंशिक थ्रोम्प्लास्टीन समय (एपीटीटी)	1220

आपातकालीन प्रयोगशाला सेवा (चौबीसों घंटे)

रुधिर विज्ञान अनुभाग

परीक्षण	संख्या	परीक्षण	संख्या
हीमोग्लोबिन	1,02,963	ब्लड और सेरेब्रोस्पाइनल फ्ल्युइड सी / एस	9627
कुल ल्यूकोसाइट काउंट	1,02,963	स्लाइड स्टेन	1,3,542
प्लेटलेट्स	1,02,963	मीन कॉर्पस्कुलर वॉल्यूम	1,02,963
प्रोथॉम्बिन समय	70,846	मीन कॉर्पस्क्यूलर हीमोग्लोबिन	1,02,963
एपीटीटी	33,122	मीन कॉर्पस्क्युलर हीमोग्लोबिन कॉन्संट्रेशन	1,02,963
सीएसएफ कोशिकाएं	12,617	पैक्ड सेल वॉल्यूम	1,02,963
मूत्र	1284	रेड ब्लड सेल काउंट	1,02,963
कुल	**9,64,742**		

नैदानिक जैव रसायन आपातकालीन सेवाएं

परीक्षण	संख्या	परीक्षण	संख्या
ग्लूकोज	15,632		
यूरिया	3,36,655	क्रिएटिनिन	3,36,655
इलेक्ट्रोलाइटिस			
सोडियम	1,59,674	पोटेशियम	1,59,674
आयनित कैल्शियम	1,59,674	क्लोराइड	1,59,674
कुल बिलीरूबिन	2,33,275	एल्केलाइन फॉस्फेट	1165
एसजीओटी	1165	एसजीपीटी	1165
कुल प्रोटीन	1165	एल्बुमिन	1165
एमाइलेस	14,470	इलेक्ट्रोलाइट्स के साथ एबीजी	25,578
सीएसएफ प्रोटीन	9535	सीएसएफ ग्लूकोज़	9535
कुल	**16,25,856**		

नैदानिक विकृति विज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान अनुभाग

नैदानिक विकृति विज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान के तहत विभाग द्वारा नई जांचें शुरू की गईं।

परीक्षण	संख्या	परीक्षण	संख्या
एचबीए1सी	11,400	सीरम क्रोमोग्रेनिन	550
एचबी वेरिएंट	18	एंटीएपिलेप्टिक ड्रग प्रोफाइल	15
विटामिन डी2/डी3	40	विटामिन ए तथा ई	40

अन्य जांच :

परीक्षण	संख्या	परीक्षण	संख्या
विटामिन बी12	400	फोलिक एसिड	302
फेरिटिन	295	सीईए	104
सीए 19.9	96	सीए 15.3	90
एडिनोसाइन डीएमिनेज जांच (एडीए) बॉडी फ्लुइड, एसिटिक फ्लुइड, पेरिकार्डियल फ्लुइड, प्लयूरल, सिस्ट फ्लुइड, सीएसएफ, बोन मैरो, सीरम	2000	आईपीटीएच	145
कुल	**15,495**		

रुधिर विज्ञान अनुभाग

परीक्षण	ओपीडी	वार्ड	परीक्षण	ओपीडी	वार्ड
हीमोग्लोबिन	1,43,641	89,764	मीन कॉर्पस्क्यूलर वॉल्यूम	1,43,641	89,764
कुल ल्यूकोसाइट काउंट	1,43,641	89,764	मीन कॉर्पस्क्यूलर हीमोग्लोबिन	1,43,641	89,764
विभिन्न ल्यूकोसाइट काउंट	1,43,641	89,764	मीन कॉर्पस्क्यूलर हीमोग्लोबिन कॉन्सीस्ट्रेशन	1,43,641	89,764

एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन रेट	4823	10,326	पैक्ड सेल वॉल्यूम	1,43,641	89,764
पेरिफेरल स्मीयर	28,360	2834	प्लेटलेट्स	1,43,641	89,764
एबसॉल्यूट इयोसिनोफिल काउंट	1,43,641	89,764	एब्सॉल्यूट न्यूट्रोफिल काउंट	1,43,641	89,764
रेटिकुलोसिट काउंट	179	468	आरडीडब्ल्यू	1,43,641	89,764
आरबीसी	1,43,641	89,764	एमपीवी	1,43,641	89,764
पीटी	11,894	14,250	एपीटीटी	–	2143
कुल	**19,12,589**	**11,96,953**			
महायोग	**34,99,228**				

❖ **परीक्षण दोहराव, परीक्षण जांच, गुणवत्ता नियंत्रण नमूना, आंतरिक क्यूसी आदि।**

टिप्पणी : एचबी, टीएलसी, पीसीवी, डीएलसी, प्लेटनेट, एमसीवी, एमसीएचसी, आरबीसी को एक ही समय में एकल जांच के रूप में मापा जाता है।

नैदानिक जैव रसायन नियमित सेवाएं

जांच	रक्त	मूत्र	तरल पदार्थ
शर्करा	3,78,549	3048	1464
यूरिया	3,03,106	1518	–
क्रिएटिनिन	3,05,650	15,833	–
कैल्शियम	3,21,386	12,224	–
फॉस्फेट	3,27,765	13,463	–
यूरिक एसिड	3,27,268	14,854	–
सोडियम	2,99,898	15,930	–
पोटेशियम	2,99,898	15,930	–
एसजीओटी	3,24,270	–	–
एसजीपीटी	3,24,270	–	–
एल्केलाइन फॉस्फेटेस	3,20,379	–	–
कुल बिलिरुबिन	3,39,307	–	–
कंजुगेट बिलिरुबिन	2,74,035	–	–
कुल प्रोटीन	3,23,130	–	5742
एल्बुमिन	3,22,475	—	5742
कोलेस्टेरॉल	16,556	–	–
एमाइलेज	5784	–	1952
24 घंटे एल्बुमिन	–	15,954	5183
कुल	**48,13,726**	**1,08,754**	**20,083**
महायोग	**49,42,563**		

अनुरोध पर तथा अनुसंधान हेतु की जाने वाली जांचें

जांच	संख्या	जांच	संख्या	जांच	संख्या
एचबीएसएजी / एचबीवी–डीएनए	200	आईजीएम एंटी एचबीसी	200	एंटी एचसीवी	200
आईजीएम एंटी एचईवी	200	आईजीएम एंटी एचएवी	100	एचसीवी आरएनए	600

टीटीवी – डीएनए	100	सीके	100	एलडीएच	100
टीजी	300	एलडीएलसी	100	एचडीएलसी	100
कुल	**2300**				

महायोग **65,70,719**

सूक्ष्म जैवविज्ञान अनुभाग

नियमित जांचें

मूत्र

जांच	ओ. पी. डी.	वार्ड	कुल
चिकित्सा बोर्ड	0	1522	1522
नियमित	33,972	32,864	66,836
माइक्रोस्कोपिक	33,972	32,864	66,836
पीएच	33,972	32,864	66,836
विशिष्ट ग्रेविटी	33,972	32,864	66,836
एसीटोन	33,972	32,864	66,836
बाइल पिगमेंट / साल्ट	33,972	32,864	66,836
यूरोबिलिनोजीन	33,972	32,864	66,836
बेन्स जोंस प्रोटीन	24	28	52
कायलुरिया	50	22	72
पोरफोबिलिनोजेन	2	0	2
हीमोग्लोबिन	1	0	1
मूत्र संवर्धन	20,683	0	20,683
तनाव पहचान परीक्षण	16,800	0	16,800
एंटीबायोटिक संवेदनशीलता	3450	0	3450
उप – योग	**2,55,961**	**2,31,620**	**4,87,581**

मल

वेट माउंट सेलाइन	6315	3347	9662
वेट आयोडिन स्टेन	6315	3347	9662
मल में मिलने वाला रक्त	2905	1688	4593
फैट ग्लोबुल्स	34	29	63
स्टूल जेड – एन स्टेन, मोडिफाइड जेड – एन स्टेन, ट्राइक्रोम और क्रोमोटोप के लिए विशेष स्टेन	334	181	515
उप – योग	**15,903**	**8592**	**24,495**

सीमेन विश्लेषण

नियमित	5586	–	5586
प्रतिक्रियाओं की संख्या	5586	–	5586
गतिशीलता	5586	–	5586
संख्या	4076	–	4079
फ्रुक्टोज	2119	–	2119
उप – योग	**22,953**		**22,953**

बलगम विश्लेषण

प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	2696	58	**2754**
जेड एन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	5122	110	**5232**
एमटीबी कल्चर	489	0	**489**
उप – योग	**8307**	**168**	**8475**

मूत्र एएफबी विश्लेषण

प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	858	–	858
जेड एन स्टेनिंग (माइक्रोस्कोपी)	1716	–	1716
उप – योग	**2574**	–	**2574**

विशेष जांचें

इम्यूनो– सीरोलॉजिकल और आण्विक निदान जांच

जांच	संख्या	जांच	संख्या
टॉर्च (ये जांचें वर्ष के अधिकांश समय के लिए निलंबित रही हैं)			
टोक्सोप्लाज्मा गोंडाइ आईजीजी	1613	टोक्सोप्लाज्मा गोंडाई आईजीएम	1718
रूबेला आईजीजी	1813	रूबेला आईजीएम	1939
साइटोमेगालो वायरस आईजीजी	1837	साइटोमेगालो वायरस आईजीएम	1938
हर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस आईजीजी	320	हर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस 2 आईजीजी	321
रूबेला आईजीजी एविडिटी	16	हर्पेस सिम्प्लेक्स वायरस (1+2) आईजीएम	163
उप – योग	**11678**		
वायरल मार्कर और एचआईवी			
एचएवी आईजीएम	1610	एचबीएसएजी	42,957
एचबीसीआईजीएम	122	एचबीई एजी	2524
एंटी एचबीई	640	एंटी एचबीएस	439
एंटी एचसीवी एंटीबॉडी	39,758	एचईवी आईजीएम	176
एचआईवी	38,431	एचबीवी डीएनए	254
एचसीवी आरएनए	190		
उप – योग	**1,27,101**		
अन्य			
मीजल्स आईजीजी	96	मम्प्स आईजीजी	96
वेरिसेल्ला आईजीजी	64	वेरिसेल्ला आईजीएम	36
उप – योग	**292**		
मॉलीक्यूलर परीक्षण			
टीबी पीसीआर	2202	सीएमवी (आरटी पीसीआर)	742
उप – योग	**2944**		

लीशमेनिया सीरोलॉजी	
आरकेई–16 सीरोलॉजी	59
लैब स्ट्रेन रखरखाव (इन विट्रो)	1998
हैमस्टर में लैब स्ट्रेन अनुरक्षण	14
उप – योग	**2071**
बी. डी. इंफ्लूक्स सेल सॉर्टर (फ्लो सायटोमीटर)	
फ्लो सायटोमीटर आमापन	173
टी बी प्रयोगशाला	
नमूनों की प्राप्त कुल संख्या	1171
जेडएन स्ट्रेनिंग	2052
एलजे मीडियम इनोकुलेटेड	1564
एडीए जांच	72
बीएसीटीईसी एमजीआईटी 960 इनोकुलेटेड	1937
बीएसीटीईसी एमजीआईटी डीएसटी 960 :	193
बीएसीटीईसी एमजीआईटी डीएसटी 960 : सेकेंड लाइन	28
कोलोरिमेट्रिक रेडोक्स इंडिकेटर जांच (सीआरआई)	16
जीन एक्सपर्ट एमटीबी / आरआईएफ	629
उप योग	**7662**
महा योग (क + ख)	**6,97,999**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर ए. के. मुखोपाध्याय को 2018 में सिस्टम्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसएसआई) द्वारा सिस्टम साइंस में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया था; एप्लाइड क्लिनिकल पैथोलॉजी के एडीटर बोर्ड ऑफ जर्नल (पहले जर्नल ऑफ लेबोरटरी मेडिसिन) में शामिल थे; यूके स्थित कमीशन फॉर एक्सटेंडेड साइंस के प्रतिष्ठित सलाहकार बोर्ड के पद पर बने रहे, जिसमें कई नोबेल पुरस्कार विजेता शामिल हैं, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के सदस्यों के साथ एक विश्वव्यापी निकाय है; राजस्थान में ग्लोबल सद्भाव संस्थान के सलाहकार के पैनल में बने रहे; पिछले सात वर्षों में, इंफोसिस साइंस फाउंडेशन अवॉर्ड, 2017 के लिए नामांकन परिषद के सदस्य बने रहने के लिए सम्मानित किया गया; महत्वपूर्ण घटनाएं मध्य–शरीर की दवा में ट्रांसलेशनल मूल्य के पांच शोध पत्रों का प्रकाशन किया गया है : ऑन लैडर ऑफ कॉग्निशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, लेयर्स बिटवीन न्यूरो साइंस एंड कॉन्शसनेस तथा सिस्टम साइंस।

आचार्य एम. इरशाद को सदस्य, संपादकीय बोर्ड, वर्ल्ड जर्नल ऑफ हिपेटोलॉजी के रूप में मनोनीत किया गया था; कई अन्य अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए एक सहकर्मी समीक्षक / विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत; इंडिया इंटरनेशनल फ्रैंडशिप सोसाइटी (आईआईएफएस) द्वारा ''भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम उत्कृष्टता पुरस्कार'' प्रदान किया गया; मार्क्विस हूज़ हू में प्रकाशित जीवनी, जिसमें दुनिया के शीर्ष 3 प्रतिशत प्रोफेशनल लोग शामिल हैं।

आचार्य सरमन सिंह को एम्स स्थापना दिवस 2017 पर तपेदिक के क्षेत्र में मूल शोध प्रकाशन के लिए लगातार दूसरे वर्ष के लिए प्रतिष्ठित शोध उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ; 2017 को इंडियन एकेडमी ऑफ एडवांस्ड वेटेरीनरी रिसर्च (इसे प्राप्त करने वाले पहले चिकित्सक व्यक्ति) की एक प्रतिष्ठित अध्येतावृत्ति; प्रतिष्ठित पत्रिका मेडिसिन जर्नल के अकादमिक संपादक, ट्यूबरकुलोसिस रिसर्च एंड ट्रीटमेंट के संपादक और जर्नल ऑफ लेबोरेटरी फिजिशियंस के मुख्य संपादक के रूप में सेवा जारी रही है; वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी), जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी के सदस्य बने रहे; चेतिनाड मेडिकल यूनिवर्सिटी, तमिलनाडु के अध्यक्ष सलाहकार समिति (आरएसी); राष्ट्रीय जालमा इंस्टीट्यूट ऑफ लेप्रोसी और अन्य माइकोबैक्टीरियल रोग (एनजेएलआई), आगरा और राष्ट्रीय तपेदिक शोध संस्थान (एनआईआरटी), चेन्नई दोनों आईसीएमआर संस्थानों की संयुक्त वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) के सदस्य बने रहे; अध्यक्ष, एसोसिएशन फॉर बेटर हेल्थ एंड सोसाइटी (एबीएचएएस); एब्स्ट्रेक्ट समीक्षक, मेडिकल साइंस पर उनकी निष्पक्ष और आलोचनात्मक समीक्षा के लिए इंटरनेशनल एड्स सोसाइटी द्वारा लगातार 10वें वर्ष के लिए विश्व एड्स सम्मेलन 2018; सदस्य, ट्यूबरकुलोसिस पर कार्य बल, डीबीटी; अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति जनसंख्या और ग्रामीण विकास, डीबीटी के लिए कार्य बल;अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन की वैश्विक तकनीकी समिति (आईएसओ), जिनेवा; भारतीय

मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली; सीपीसीएसईए (पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार) जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्थागत पशु नैतिकता समितियों (आईएईसी) के लिए नामांकित; वीपी पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली और रोहतक विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा; अध्यक्ष, आईसीएमआर अनुपयोगी उपकरण समिति और सदस्य, अनुपयोगी मद बोर्ड, आईसीएमआर, नई दिल्ली; सदस्य, उपकरण खरीद समिति, आईसीएमआर, नई दिल्ली; वैज्ञानिक समिति के वैज्ञानिकों के लिए फ्लेक्सिबल पूरक योजना के तहत आईसीएमआर वैज्ञानिकों के संवर्धन हेतु कोर कमेटी सदस्य, आकलन बोर्ड; पोस्ट–डॉक्टरेट अध्येतावृत्ति पुरस्कार समिति, आईसीएमआर; आईसीएमआर के सेवानिवृत्त आईसीएमआर वैज्ञानिकों के पुनः रोजगार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और पेटेंट कमेटी तथा कई अन्य समितियों के लिए आईसीएमआर की विशेषज्ञ समिति; ओपन एड्स जर्नल, बेंथम पब्लिकेशन, यूएसए; जर्नल ऑफ इंफेक्शन इन डेवलपिंग कंट्रीज़, इटली; क्लीनिकल मेडिसिन : डर्मेटोलॉजी,, एलए–प्रेस, ऑस्ट्रेलिया; लैंसेट, जामा, क्लिनिकल इंफेक्शस डिजीज, मेटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ, क्लिनिकल एंड एक्सपेरीमेंटल इम्यूनोलॉजी, एफईएमएस इम्यूनोलॉजी, जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी, जर्नल ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, जर्नल ऑफ इंफेक्शन, एड्स केयर एंड बिहेवियर, आर्काइव्स ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंफेक्शस डिजीज इन क्लिनिकल प्रेक्टिस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव बायोलॉजी; जर्नल ऑफ पैरासिटोलॉजी; मेडिकल साइंस मॉनिटर; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ जेनेटिक्स एंड मॉलिक्युलर बायोलॉजी; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड मेडिकल साइंसेज; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव बायोलॉजी; आण्विक चिकित्सा में विशेषज्ञ समीक्षा; बायोमेड सेंट्रल–संक्रामक रोग; ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हेल्थ; साक्ष्य आधारित पूरक और वैकल्पिक मेडिसिन;मॉलिक्युलर एंड सेलुलर बायोकैमिस्ट्री (एमसीबीआई); स्कैंडिनेवियाई जर्नल ऑफ क्लिनिकल और लैब इंवेस्टीगेशन;ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड इंटरनेशनल हेल्थ; पीएलओएस नेग्लेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीज; एनल्स ऑफ क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी और एंटीमाइक्रोबियल; इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी; करंट साइंस; जर्नल ऑफ पैरासिटिक डिजीज; जर्नल ऑफ लैब मेडिसिन; न्यूरोलॉजी इंडिया;जर्नल ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिसिन; इंडियन जर्नल ऑफ़ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी के संपादकीय और समीक्षा बोर्ड पर रहे; और कई अन्य; चेतिनाद अकादमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन, 23–24 जून 2017, चेतिनाद; तमिलनाडु की अनुसंधान सलाहकार समिति की अध्यक्षता की; ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी, एसकेआईएमएस, 7 सितंबर 2017, गैंगटोक, सिक्किम के 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न पुरस्कारों के लिए पोस्टर सत्र का फैसला किया।

डॉ. सुदीप कुमार दत्ता को आईएफसीसी वर्ल्ड लैब, डरबन, दक्षिण अफ्रीका, 2017 में उपस्थित होने और शोधपत्र पेश करने के लिए आईएफसीसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान दिया गया था; परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं (एनएबीएल) के लिए राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड द्वारा तकनीकी निर्धारक (नैदानिक जैव रसायन) के रूप में सूचीबद्ध किया गया।

डॉ. श्याम प्रकाश डीएसटी के एसईआरसी प्रभाग और आईसीएमआर के पोषण प्रभाग की परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य और इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री के लिए समीक्षक थे।

डॉ. राघवेंद्र एल. नवंबर 2017 में एम्स, नई दिल्ली में प्लेटलेट गतिविधि पर राष्ट्रीय कार्यशाला में युवा शोधकर्ता पुरस्कार प्राप्त किया।

वैज्ञानिक अतिथि

1. प्रोफेसर अनुराग सक्सेना, प्रोफेसर और एसोसिएट डीन, सास्काचेवान विश्वविद्यालय, कनाडा के स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा, ''योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा : स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के कनाडाई मॉडल'' पर एक व्याख्यान दिया।
2. प्रोफेसर कुडुस रहमान, हेड लेबोरेटरी मेडिसिन, बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बीएसएमएमयू), बांग्लादेश ने विभाग का दौरा किया और संकाय और रेजीडेंट्स के साथ बातचीत की।
3. प्रोफेसर जय कालरा, प्रोफेसर, सास्काचेवान विश्वविद्यालय, कनाडा ने विभाग का दौरा किया और संकाय और रेजीडेंट्स के साथ बातचीत की।
4. स्टेन वेस्टगर्ड, यूएसए ने गुणवत्ता आश्वासन के तरीकों पर विभागों के संकाय और रेजीडेंट्स से बातचीत की।

9-19 dk; fpfdRlk

vkpk;l ,o a v/;{k

रीता सूद

vkpk;l

नवीत विग — आशुतोष बिस्वास

संजीव सिन्हा — नवल किशोर विक्रम

lg&vkpk;l

मनीष सोनेजा — पीयूष रंजन

lgk;d vkpk;l

नीरज निश्चल — पंकज जोरवाल — अरविंद कुमार

रनवीर सिंह जाडन — अनिमेश रे — उपेंद्र बिथा

प्रयास सेठी (अनुबंध) — प्रभात कुमार (अनुबंध)

fof'k"Vrk,¡

कायचिकित्सा विभाग एक जीवंत विभाग है जो रोगी देखभाल, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान सहित समग्र सेवाएं प्रदान करता है। नियमित सेवाओं के अलावा, यह संक्रामक रोगों, मेटाबोलिक विकारों, छाती चिकित्सा और नींद विकारों एवं बहु–अनुशासनात्मक देखभाल की आवश्यकता वाले कई चिकित्सीय समस्याओं के क्षेत्र में एक मजबूत उपस्थिति है। विभाग सक्रिय रूप से एंटीमाइक्रोबायल स्टेवार्डशिप के क्षेत्र में काम कर रहा है और सहयोगी शोध परियोजनाओं में शामिल है।

शिक्षा

विभाग व्यापक स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम चलाता है जिसमें एकीकृत व्याख्यान, सेमिनार, जर्नल क्लब और बेडसाइड क्लिनिकी मामले चर्चाएं शामिल हैं। वर्तमान में 55 एमडी छात्रों, 26 डीएम–संक्रामक रोग (13 जूनियर रेज़ीडेंट और 16 वरिष्ठ रेज़ीडेंट) और 20 वरिष्ठ रेज़ीडेंट को चिकित्सा विभाग में प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह अपेक्षित परिणामों, सीखने के अवसरों और आकलनों के बीच बेहतर संरेखण के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर के क्लीनिकल प्रशिक्षण में सुधार करने का प्रयास कर रहा है। छात्रों पर नियमित रूप से रचनात्मक आकलन और प्रतिक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। संचार कौशल और चिकित्सा नैतिकता के साथ क्लीनिकल कौशल प्रशिक्षण को एकीकृत करने के प्रयास हैं।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
विभाग / विभागीय संकाय द्वारा आयोजित

1. अप्रैल 2017 में रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में डेंगू बुखार पर इंडो–फ़्रेंच सम्मेलन
2. 16 मई 2017 को डॉ. रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम और जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, अंसारी नगर, नई दिल्ली में "राष्ट्रीय डेंगू दिवस और डेंगू संगोष्ठी"
3. 1 दिसंबर 2017 को विश्व एचआईवी दिवस पर 'हेल्थ केयर प्रोफेशनल प्रोटेक्शन' के लिए 'माय हेल्थ माय राइट' एक संगोष्ठी सह कार्यशाला
4. सीएमईटी में 2 फरवरी 2018 को 'ईपीटीबी मामलों का इलाज करने में मुश्किल' पर सीएमई
5. 24 फरवरी 2018 को एपीकॉन, बेंगलुरू में एंटीमाइक्रोबियल स्टेवार्डशिप पर कार्यशाला
6. 24 मार्च 2018 को विश्व टीबी दिवस के अवसर पर वैज्ञानिक संगोष्ठी
7. एम्स, नई दिल्ली में 25 मार्च 2018 को जीआई सिस्टम की क्लीनिकल परीक्षा पर संगोष्ठी
8. एम्स, नई दिल्ली में 26 और 30 मार्च को सीएनएस में क्लीनिकल कौशल पर संगोष्ठी

प्रदत्त व्याख्यान

रीटा सूदः 6 | **आशुतोष बिसवासः 22** | **संजीव सिन्हाः 1**
नवल किशोर विक्रमः 4 | **मनीष सोनेजाः 2** | **नीरज निश्चलः 3**
अनिमेश रेः 2 | **प्रयास सेठीः 2**

मौखिक पत्र / प्रस्तुत पोस्टर : 8

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारत में अस्पतालों में एंटीमाइक्रोबायल स्टेवार्डशिप गतिविधियों की शुरूआत रीटा सूद, आईसीएमआर, 1 साल, 2018–2016, 10 लाख रुपये
2. डेंगू संक्रमण की सरोप्रिव्लेंस, आशुतोष बिसवास, एनवीबीडीसीपी, एमओएचएफडब्ल्यू, 2 साल, 2016–2018, 20 लाख रुपये
3. भारत में सक्रिय ट्यूबरक्युलोसिस संक्रमण के साथ संक्रमित एचआईवी रोगियों में एचआईवी दवा प्रतिरोधी उत्परिवर्तन के पैटर्न का अध्ययन, संजीव सिन्हा, एनएसीओ, 3 साल, 2014–2017, 48 लाख रुपये
4. ट्यूबरक्युलोसिस के आणविक दृष्टिकोण पर अध्ययनः एमडीआर और एक्सडीआर उपभेदों और दवा संवेदनशीलता परीक्षण के प्रसार का निर्धारण, नए डायग्नोस्टिक परीक्षण के विकास और ट्यूबरक्युलोसिस के लिए नई दवा खोज मंच के लिए एक परिकल्पना का परीक्षण करें, संजीव सिन्हा, फार्मास्यूटिकल्स विभाग, भारत सरकार, 3 साल, 2015–2018, 52 लाख रुपये
5. ट्यूबरक्युलोसिस के इलाज के लिए नए बायोथेरेपीटिक दृष्टिकोण, संजीव सिन्हा, फार्मास्यूटिकल्स विभाग, भारत सरकार, 4 साल, 2015–2016, 45 लाख रुपये
6. स्वास्थ्य, नींद और संज्ञानात्मक क्रिया पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए, संजीव सिन्हा, डीएसटी, 2 साल, 2016–2018, 78 लाख रुपये
7. श्रेणी में प्रत्यावर्तन की रोकथाम विटामिन डी3 पूरक के साथ और बिना फेफड़े ट्यूबरक्युलोसिस रोगियों का इलाज कियाः एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रण क्लीनिकल परीक्षण, संजीव सिन्हा, डीएचआर, आईसीएमआर, 5 साल, 2015–2020, 40 लाख रुपये
8. भारत में सक्रिय ट्यूबरक्युलोसिस संक्रमण के साथ संक्रमित एचआईवी रोगियों में एचआईवी दवा प्रतिरोधी उत्परिवर्तन के पैटर्न का अध्ययन, संजीव सिन्हा, एनएसीओ, 3 साल, 2014–2017, 56.50 लाख रुपये
9. एक संभावित, बहु केंद्र, यादृच्छिक, डबल–ब्लाइंड, समानांतर समूह, सक्रिय–नियंत्रित, चरण III अध्ययन प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए, प्रीमिस्ड मानव इंसुलिन बिफैसिक (30 मानव इंसुलिन घुलनशील इंजेक्शन और 70 मानव इंसुलिन आइसोफेन निलंबन) की सुरक्षा और प्रतिरक्षाशीलता, टाइप 2 मधुमेह मेलिटस के निदान रोगियों के इलाज में भ्नउपदेनसपदो 30/70 के साथ एमजे बायोफर्म प्राइवेट लिमिटेड का इंजेक्शन योग्य निलंबन, नवल के विक्रम, जेएसएस मेडिकल रिसर्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1 साल, 2017, 4.16 लाख रुपये
10. चरण 3, मल्टीसेन्टर, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित, मोटापे के इलाज में लोर्कसेरिन हाइड्रोक्लोराइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए समांतर अध्ययन, नवल के विक्रम, डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज, 1 वर्ष, 2017, 6 लाख रुपये
11. नींद और न्यूरोकॉग्निटिव कार्यों पर मोबाइल फोन के उपयोग के कारण विद्युत चुम्बकीय विकिरण का प्रभावः एक आणविक दृष्टिकोण, मनीष सोनेजा, डीएसटी, 3 साल, 2015–2018, 65 लाख रुपये
12. एचआईवी से जुड़े लिपोडायस्ट्रॉफी के इलाज में सरोग्लिटज़र 4 मिलीग्राम के मुकाबले प्लेसबो की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन, नीरज निश्चल, जायडस कैडिला, 3 साल, 2015–2018, 15 लाख रुपये
13. स्लीप पैटर्न में, पहले वर्ष के अंत में चिकित्सा स्नातक छात्रों के बीच पहले वर्ष के अंत में कथित तनाव और प्रतिद्वंद्वियों की रणनीतियां, नीरज निश्चल, एम्स, 2 साल, 2016–2018, 4.6 लाख रुपये
14. एम्स, नई दिल्ली में महत्वपूर्ण देखभाल सेटिंग्स में उच्च जोखिम वाले मरीजों के बीच आक्रामक फंगल संक्रमण का पैटर्न, पंकज जोरवाल, एम्स, 2 साल, 2016–2018, 10 लाख रुपये
15. एम्स, नई दिल्ली में मरीजों में जीवाणु मूत्र पथ संक्रमण के प्रबंधन में वर्तमान अभ्यास का अध्ययन करने के लिए वर्तमान एंटीबायोटिक उपयोग और क्लीनिकल परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, अरविंद कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2017–2018, 1 लाख रुपये
16. तीव्र अपरिभाषित फेब्रियल बीमारियों के साथ भर्ती मरीजों में लेप्टोस्पाइरा और स्क्रब टाइफस का अध्ययन, रणवीर एस जाडन, एम्स, 1 साल, 2017, 4.25 लाख रुपये

पूर्ण

1. मादकता रहित फैटी लिवर रोगः हड्डी मिनरल घनत्व, विटामिन डी और एडिपोकिन्स के साथ संघ, नवल के विक्रम, डीबीटी, 3 साल, 2013 के बाद, 6 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

2. भारत में एक तृतीयक रेफरल सेंटर में मॉनसून सीजन के दौरान पेश होने वाली अस्पष्ट रोगग्रस्त बीमारी और नए शुरुआत अंगों के असर के साथ अस्पताल में भर्ती रोगियों के नतीजे और क्लिनिकल स्पेक्ट्रम पर एक अध्ययन
3. एक फाइबर ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी द्वारा ब्रोंकोकोल्वीरर लैवेज के दौरान "स्प्रे के रूप में जाने" तकनीक द्वारा उपयोग किए जाने वाले सामयिक लिग्नोकेन अध्ययन की खुराक को निर्धारित करने वाले कारकों पर एक अध्ययन
4. एक आईसीयू और एचआईसी प्रथाओं में सक्रिय निगरानी और लक्षित हस्तक्षेप और वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया पर इसका प्रभाव
5. मादकता फैटी लिवर रोग में जीवन शैली संशोधन सलाह का पालन करना
6. क्लिनिकल आइसोलेट्स में एंटीबायोटिक प्रतिरोध पैटर्न और विकृति के साथ इसके सहसंबंध
7. टाइप 2 मधुमेह मेलिटस वाले रोगियों में एंटी–ट्यूबरक्युलर थेरेपी प्रेरित लिवर की चोटः संभावित समूह अध्ययन
8. एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल आईसीयू में एआरडीएस
9. मेटाबोलिक सिंड्रोम के साथ एक्टोपिक वसा जमा की संगति
10. दुर्लब मांस, मांसपेशी शक्ति और मधुमेह और मेटाबोलिक मानकों के साथ शारीरिक प्रदर्शन की संगति
11. हड्डी मिनरल घनत्व, चर्बिलापन, और पोषक तत्व सेवन के साथ गैर मादकता रहित फैटी लिवर रोग की संगति
12. दिल्ली / एनसीआर में वयस्क आबादी के बीच डेंगू का भार
13. एक तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल में 25 चिकित्सा बाह्य रोगी क्लिनिक में चिकित्सकीय अस्पष्ट शारीरिक लक्षणों के साथ पेश करने वाले मरीजों के क्लिनिकल और सामाजिक–जनसांख्यिकीय सहसंबंध
14. क्लिनिकल स्पेक्ट्रम, प्रयोगशाला प्रोफाइल और अस्पष्ट मस्तिष्क विकृति रोगग्रस्त रोगियों के नतीजेः उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल से एक संभावित अध्ययन
15. पेरीकार्डियल इम्रूजन वाले रोगियों की क्लीनिकल, ईटियोलॉजिकल और प्रयोगशाला प्रोफ़ाइल
16. चिकनगुनिया बुखार के साथ रोगियों के क्लीनिकल, प्रयोगशाला प्रोफाइल और परिणामः उत्तरी भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल से संभावित अध्ययन
17. गैर–मादक फैटी लिवर रोग वाले मोटे और गैर मोटे व्यक्तियों के बीच तुलना
18. उच्च गुणवत्ता वाले सीपीआर अंकित के उपयोग के माध्यम से सीपीआर गुणवत्ता पूर्व और पोस्ट प्रशिक्षण की तुलना
19. मोटापे से ग्रस्त लोगों के बीच मोटापे की ओर ज्ञान, रवैया और अभ्यास (केएपी प्रश्नावली) का आकलन करने के लिए प्रश्नावली का विकास और सत्यापन
20. ब्रूसिलोसिस और लाइम रोग के विशेष संदर्भ के साथ ओलिगोर्थराइटिस वाले मरीजों का निदान
21. छाती इमेजिंग पर बुखार और मिलिरी के साथ पेश होने वाले बलगम नकारात्मक और बलगम–स्कर्स रोगियों में ब्रोंकोसोस्पी और ब्रोंकोस्कोपिक प्रक्रियाओं की डायग्नोस्टिक प्राप्ति
22. मेडिसिन आईसीयू में परिणामों पर प्रोटोकॉल आधारित पोषण थेरेपी के कार्यान्वयन का प्रभाव
23. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा विभाग में विकट बीमार मरीजों के अंतर–अस्पताल परिवहन के दौरान प्रतिकूल परिणामों की घटनाओं पर मानकीकृत चेकलिस्ट के कार्यान्वयन की प्रभावशीलता
24. लक्षण गंभीरता से योग की प्रभावशीलता और दर्द से पीड़ित मरीजों के जीवन की गुणवत्ता मुख्य रूप से चिकित्सकीय अस्पष्ट शारीरिक लक्षण (एमयूपीएस)
25. एम्स, नई दिल्ली में आईसीयू में आक्रामक फंगल संक्रमण की महामारी
26. एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल वार्ड में प्रणालीगत फंगल संक्रमण की महामारी
27. मादकता रहित फैटी लिवर रोग में सीधा दोष
28. आउट–पेशेंट–डिपार्टमेंट (ओपीडी) रोगियों की आक्रामक नैदानिक प्रक्रियाओं के आचरण को सुविधाजनक बनाना
29. मादकता रहित फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) वाले मरीजों में मेटाबोलिक सुधार की संवेदनशील सूचकांक के रूप में हेपेटिक बाएं लोब की मात्रा
30. मेडिसिन आईसीयू में डिवाइस से जुड़े संक्रमण पर निगरानी और निवारक हस्तक्षेप का प्रभाव
31. हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में वयस्कों में श्वसन संश्लेषण वायरस संक्रमण की घटना

32. रूमेटोइड गठिया के रोगियों में मनोवैज्ञानिक कॉमोरबिडिटीज की तीव्रता
33. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मोटापे वाले मरीजों में मनोवैज्ञानिक कॉमोरबिडिटी की तीव्रता
34. एनएएफएलडी (मादकता रहित फैटी लिवर रोग) के साथ संबद्ध पोषण और जीवन शैली जोखिम कारक
35. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा विभाग में यांत्रिक रूप से वेंटीलेट रोगियों में कृत्रिम एयरवे रखरखाव और ट्यूब देखभाल पर दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन का नतीजा
36. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा विभाग में यांत्रिक रूप से वेंटीलेट रोगियों में दर्द, उत्तेजना और भ्रम के प्रोटोकॉल आधारित प्रबंधन का नतीजा
37. मेडिकल आईसीयू में प्रोटोकॉल आधारित वानिंग प्रैक्टिस का नतीजा
38. युवा वयस्कों (18–30 वर्ष) में एनएएफएलडी का प्रसार – एक अस्पताल आधारित पायलट अध्ययन
39. एचआईवी / टीबी सह–संक्रमण में मनोवैज्ञानिक विकृतियां
40. मेडिसिन वार्ड में आक्रामक प्रक्रियाओं में गुणवत्ता सुधार
41. स्वस्थ भारतीय वयस्कों में फेफड़े कार्य परीक्षण के लिए संदर्भ मूल्य
42. एम्स में भर्ती मरीजों में डेंगू मृत्यु दर के लिए जोखिम कारक
43. गंभीर डेंगू में साइटोकिन्स की भूमिका
44. ट्यूबरक्युलर लिम्फैडेनोपैथी की निगरानी में एफडीजी–पीईटी की भूमिका
45. सेप्सिस के प्रबंधन में सीरम प्रोकालिटोनिन के स्तर की भूमिका
46. सेप्सिस के रोगियों में माध्यमिक हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस (एचएलएच)
47. कैथीटेराइज्ड रोगियों में कैंडिड्यूरिया का महत्व
48. रक्तचाप रोगियों की मात्रा स्थिति के मूल्यांकन के लिए अधोजत्रुक नस और अवर वीना बड़ी शिरायें ढहने की सोनोग्राफिक तुलना
49. क्रोनिक लिवर विफलता (एसीएलएफ) रोगियों पर तीव्र में संक्रमण और साइटोकिन प्रोफाइल का स्पेक्ट्रम
50. मेडिकल वार्ड में भर्ती मरीजों में स्टेरिल प्यूरियाः क्लैमिडिया ट्रेकोमैटिस, यूरियाप्लाज्माइरेलिटिकम, माइकोप्लाज्मा होमिनिस और माइकोप्लाज्मा जेनिटायटियम की घटनाएं
51. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में तीव्र अपरिभाषित फेब्रियल बीमार रोगियों की क्लिनिको–महामारी विज्ञान प्रोफ़ाइल का अध्ययन
52. तीव्र अपरिभाषित फेब्रियल बीमारियों के साथ भर्ती मरीजों में लेप्टोस्पाइरा और स्क्रब टाइफस का अध्ययन
53. सामुदायिक अधिग्रहित निमोनिया के प्रबंधन की गुणवत्ता पर 'गंभीर मार्ग' के कार्यान्वयन के प्रभाव का अध्ययन
54. वयस्क एचआईवी प्रगति मॉडल के साथ एचआईवी / एड्स के साथ रहने वाले लोगों का उत्तरजीविता विश्लेषण
55. एचआईवी टीबी सह–संक्रमण से जुड़े जोखिम कारकों का मूल्यांकन करने के लिए

पूर्ण

1. मेटाबोलिक सिंड्रोम के साथ एक्टोपिक वसा जमा की संगति
2. एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल आईसीयू में एआरडीएस
3. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में मोटापे वाले मरीजों में मनोवैज्ञानिक कॉमोरबिडिटी की तीव्रता
4. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल (सह–गाइड के रूप में) के मेडिकल वार्ड में एंटीबायोटिक कार्यवाहक कार्यक्रम के कार्यान्वयन का प्रभाव
5. रूमेटोइड गठिया में अक्षमता और पारिवारिक बोझ (सह–गाइड के रूप में)
6. हड्डी खनिज घनत्व, चर्बिलापन, और मैक्रो– और सूक्ष्म– पोषक तत्वों के सेवन के साथ मादकता रहित फैटी लिवर रोग की संगति
7. मादकता रहित फैटी लिवर रोग में जीवनशैली संशोधन सलाह का पालन करना
8. समुदाय उपार्जित निमोनिया
9. गंभीर डेंगू संक्रमण में पैथोजेनेटिक मार्कर
10. एचआईवी / एड्स के साथ रहने वाले मरीजों में मौखिक कैंडीडा संक्रामक

सहयोगात्मक परियोजनाएं
जारी

1. कोलिस्टिन प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरिया के सोपानाधार की निगरानी और रोगाणुरोधी प्रबंधक कार्यक्रम की भूमिका, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी

2. अधिक वजन वाले भारतीय किशोरों में गैर–वसायुक्त यकृत रोग के लिए संवेदनशीलता निर्धारित करने में जैव रासायनिक पैरामीटर और आनुवंशिक बहुरूपता, नैदानिक के प्रभाव, बालचिकित्सा
3. बृहतभक्षककोषिका प्रवास निरोधात्मक कारक (एम आई एफ) पेरोक्सीसम प्रोलिफेरेटर – सक्रिय, रिसेप्टर – वाई (पीपीएआरवाई) इंटरलुकिन – 6 (आईएल – 6) सी–रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी), इनसुलिन रिसेप्टर सबस्ट्रेट (आइ आर एस), इनसुलिन रिसेप्टर सबस्ट्रेट (आई आर एस) 1 और ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम (ओएसएएस) में लेप्टिन रिसेप्टर जीन तथा गैर एल्कोहलिक वसा यकृत रोग (एनएएफएलडी) के साइटोकाइन और हार्मोन स्तरों के साथ आनुवांशिक बहुरूपताओं और परस्पर संबंधों का अध्ययन करना (पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार)
4. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्नीया में गंभीर फेंफडों की चोट बायोमार्कर जीन बहुरुपताओं की भूमिका, पल्मोनरी चिकित्सा और निद्रा विकार
5. मोटापा और चयापचय सिंड्रोम : पोषण, शरीर क्रिया गतिविधि और इंफ्लेमेशन की भूमिका पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार।
6. चिकित्सीय दवा की निगरानी और उदर तपेदिक में क्लिनिकल प्रतिक्रिया का मूल्यांकन, माइक्रोबायोलॉजी, फार्माकोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
7. उत्तर भारत के तृतीयक देखभाल अस्पताल में क्लिनिकल स्पेक्ट्रम, प्रैस्क्रिप्शन पैटर्न और एंटेरिक बुखार के निदान पर एक संभावित अध्ययन, , माइक्रोबायोलॉजी
8. इंसुलिन के साथ इलाज किए जाने वाले टाइप 2 डायबिटीज़ मेलिटस वाले विषयों में मौखिक सेमाग्लूटाइड बनाम प्लेसबो की प्रभावकारिता और सुरक्षा, 52–सप्ताह, यादृच्छिक, प्लेसबो–नियंत्रित परीक्षण, डबल–ब्लाइंडेड अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी
9. प्रभावकारिता का आंकलन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल–ब्लाइंड, प्लेसीबो और सक्रिय–नियंत्रित, मल्टीसेंटर, चरण 3 का अध्ययन और फिल्गोटिनिब की 52 सप्ताह के लिए सुरक्षा और मेथोट्रेक्सेट (एमटीएक्स) के साथ संयोजन में उन विषयों के साथ होती है, जो गंभीर रूप से सक्रिय संधिशोथ के साथ होते हैं जो एमटीएक्स थेरेपी के लिए एनएआईवीई हैं, संधिवातीयशास्त्र
10. अ रैंडमाइज्ड, डबल–बलाइंड, प्लैसिबो–एंड एक्टिव–कंट्रोल्ड, मल्टीसेंटर, फेज 3 स्टडी टू एक्सेस द एफिशिएंसी एंड सेफ्टी ऑफ फिलगोतिनब एडमिनिस्टर्ड फॉर 52 वीक इन कांबिनेशन विद मेथोट्रेक्सेट टू सब्जेक्ट विद मॉडरेटली टू सर्वे एक्टिव रह्यूमेटोइड अर्थरिटीज हू हैव एन इनएजीक्यूएट रिजपोंस टू मेथोट्रेक्सेट, संधिवातीयशास्त्र
11. संयुक्त इन्फ्लेमेशन में बहिर्जात एटीपी की भूमिका की पहचान करना, संधिवातीयशास्त्र
12. मस्कुलोस्केलेटल लक्षण और किशोर स्कूली बच्चों में उनके प्रभाव, रुमेटोलॉजी

पूर्ण

1. भारत में बचपन में मोटापाः इसके मापन और निर्धारकों, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म, और इनक्लीन पर एक बहुकोशिकीय अध्ययन
2. नकारात्मक कफ और दुर्लभ कफ रोगियों में ब्रोन्कोस्कोपी और ब्रोन्कोस्कोपिक लक्षण प्रेजैंटिंग विद फीवर एंड मिलिअरी शैडोइंग ऑन चेस्ट इमेजिंग, पल्मोनरी मेडिसिन
3. कैथीटेराइज्ड रोगियों में कैंडिड्यूरिया का महत्व, माइक्रोबायोलॉजी
4. अग्नाशय और तपेदिक के बीच संबंध को निर्धारित करने के लिए अध्ययन, माइक्रोबायोलॉजी, हेमेटोलॉजी

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 69 सारः 2 पुस्तकों में अध्यायः 1

रोगी उपचार

कायचिकित्सा ओपीडी एक सीधा गैर–रेफरल क्लिनिक है जो सप्ताह में 6 दिन चलता है। विभाग विशेष क्लिनिक चलाता है जिसमें स्लीप डिसऑर्डर क्लिनिक (सोमवार 2 बजे), संक्रामक रोग क्लीनिक (सोमवार 2 बजे), और चेस्ट क्लीनिक (शुक्रवार, 2 बजे) और मोटापा और चयापचय विकार क्लिनिक (बुधवार 2 बजे)। विभाग राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत एआरटी केंद्र, डॉट्स केंद्र और डॉट्स–प्लस साइट भी चलाता है। विभाग में एक पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट लैब है (एमओपीडी कक्ष संख्या 34) जिसमें प्रतीक्षा अवधि नहीं है तथा जांच की जाती है तथा उसी दिन रिपोर्ट दे दी जाती हैं। ब्रोंकोस्कोपी लैब डी वार्ड में स्थित है और अत्याधुनिक एंडोब्रोनचियल अल्ट्रासाउंड प्रणाली से युक्त है। सी वार्ड में स्थित स्लीप लैब पॉलीसोम्नोग्राफी मशीन, एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग प्रणाली और एंडोथेलियल डिसफंक्शन के गैर–इनवेसिव आकलन के लिए उपकरण से युक्त है। मेडिसिन विभाग (संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम) के तहत एम्स अस्पताल में आने वाले रोगियों के साथ–साथ दिल्ली (चेस्ट क्लीनिक) के छह क्षेत्रों से आने वाले रोगियों को तपेदिक के लिए निदानकारी सुविधा प्रदान करता है। विभाग के पास अत्याधुनिक जैव विविधता स्तर 3 (बीएसएल–3) प्रयोगशाला है।

विभाग द्वारा संचालित विभिन्न क्लीनिकों और प्रयोगशाला जांच में रोगियों के आंकडे निम्नवत हैः

मेडिकल ओपीडी	1,65,506		
संक्रामक रोग क्लिनिक	668	**निद्रा क्लिनिक**	825
वक्ष क्लिनिक	2514	**मोटापा और उपापचयी विकार क्लिनिक**	111
एंटीरिट्रोवायरल (ए आर टी) सेंटर			
प्री–एआरटी	879	**एआरटी**	710
प्रयोगशालाएं			
निद्रा प्रयोगशाला			
निद्रा अध्ययन	341	ब्लड प्रेशर की एम्बुलेटरी निगरानी	37
एंडोथेलियल डिसफंक्शन अध्ययन	13		
पीएफटी प्रयोगशाला			
पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट	6058	6 मिनट का पैदल चलने का परीक्षण	185
ब्रोनकोसकॉपीज			
फाइबर–ऑप्टिक ब्रोनकोसकॉपीज	384	ईबीयूएस	84
एडीए / एसीई प्रयोगशाला			
एडेनोसाइन डेमिनमिनस परीक्षण	245	एसीई टेस्ट	370
मध्यवर्ती संदर्भ प्रयोगशाला (आईआरएल) सेवाएं			
बलगम स्मीयर	9585	ठोस संवर्धन के लिए	500
तरल संवर्धन के लिए	9585	सोलिड ड्रग ससेप्टिबिलिटी परीक्षण	52
तरल डीएसटी (1ज सपदम)	118	तरल डीएसटी के लिए नमूने (2 लाइन)	665
लाइन जांच परख (पहली पंक्ति एलपीए)	2186		
लाइन जांच परख (दूसरा एलपीए)	891 (अक्टूबर 2017 से)		
जीन एक्सपर्ट	5196 (जुलाई 2017 से)		

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर रीता सूद एम्स, ऋषिकेश के संस्थान निकाय की सदस्य बनी रहीं; उन्हें मूल्यांकनकर्ता के रूप में आमंत्रित किया, ऑस्ट्रेलियाई मेडिकल काउंसिल टीम के सदस्य, (एएमसी), मैक्वायर विश्वविद्यालय के एक नए चिकित्सा कार्यक्रम के प्रत्यायन के लिए मूल्यांकनकर्ता समूह के रूप में उन्होंने भाग लियाः सिडनी ऑस्ट्रेलिया (2–7 अप्रैल 2017)। अपोलो अस्पताल, हैदराबाद (20–23 मार्च 2017) और मैक्वेरी विश्वविद्यालय, सिडनी (2–7 अप्रैल 2017) को स्थल के दौरे के लिये आमंत्रित; डब्ल्यूएफएमई कार्यकारी परिषद की बैठक(2–3 मई 2017) में भाग लेने के लिए और फर्नी–वोल्टेयर, फ्रांस (2–4 मई 2017) में बुनियादी चिकित्सा शिक्षा के लिए डब्ल्यूएफएमई मानकों के तीसरे संस्करण पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित; बांग्लादेश फिजिशियन और सर्जन की अंतिम फैलोशिप परीक्षा (एफसीपीएस भाग क्लिनिकल और वीवा वोक) के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित (15–19 जुलाई 2017 और 13–17 जनवरी 2018)। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मालदीव में डब्ल्यूएचओ–एसईओआरओ की क्षेत्रीय समिति के 70 वें सत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया (6–10 सितंबर 2017), उन्होंने बैठक में डब्ल्यूएफएमई का प्रतिनिधित्व किया। एसईएआर में चिकित्सा शिक्षा की मान्यता की आवश्यकता पर डब्ल्यूएफएमई की ओर से वक्तव्य प्रस्तुत किया; बेलाजियो ग्लोबल हेल्थ एजुकेशन इनिशिएटिव (बीजीएचईआई) की ओर से एमजीआईएमएस, वर्धा में आयोजित "ग्लोबल हेल्थ के लिए एक सार्वभौमिक पाठ्यक्रम" पर बेलाजियो वैश्विक स्वास्थ्य शिक्षा नेटवर्क की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया, 6–7 फरवरी 2018; परमसुखस्वामी मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा शिक्षा के लिए प्रबंधन बोर्ड की 4वीं बैठक 10 फरवरी 2018 को करमसद, गुजरात में भाग लिया; " एक्सपीरियंस विद एक्रिडिएशन ऑफ हेल्थ प्रोफेशनल्स" एसईएआर में शिक्षा पर विशेषज्ञ परामर्श में भाग लेने के लिए निदेशक, डीएचएसडी (स्वास्थ्य प्रणाली विकास विभाग) डब्ल्यएचओ एसईएआरओ द्वारा आमंत्रित (14–15 फरवरी 2018), बैंकॉक, थाईलैंड; एपीआईसीओएन 2018 के दौरान चिकित्सा और माइक्रोबायोलॉजी विभाग में संकाय और आईडी निवासियों के साथ एंटीबायोटिक स्टूडीशिप प्रोग्राम पर 23 से 24 फरवरी 2018 को बेंगलुरु में संचालित सीपीसी और कार्यशाला की सुविधा का नेतृत्व किया।

प्रोफेसर नवीत विग ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की गवर्निंग बॉडी के सदस्य थे; भारतीय फार्माकोपिया आयोग के वैज्ञानिक निकाय के सदस्य; एचआईवी / एड्स पर आईसीएमआर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य और एचआईवी/ एड्स प्रोजेक्ट समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य।

प्रोफेसर आशुतोष विश्वास (भारत) को अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ के रूप में भूटान में डेंगू के रोकथाम की स्थिति की जांच करने के लिए डब्ल्यूएचओ,एसईएआरओ द्वारा नामित किया गया था। वह भूटान के रॉयल विश्वविद्यालय, भूटान के डेंगू केस मैनेजमेंट ट्रेनिंग के लिए डब्ल्यूएचओ,एसईएआरओ द्वारा चयनित एक अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ भी थे; उन्हें संक्रामक रोगों और महामारी विज्ञान संस्थान, टैन टॉक सेंग अस्पताल, सिंगापुर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अध्येतावृत्ति सम्मानित किया गया; वह भारत में मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017–2022) के विशेषज्ञ सदस्य भी हैं; उन्हें डेंगू / चिकनगुनिया के फैलने की स्थिति और केरल, चेन्नई तथा पांडिचेरी में इसकी रोकथाम और नियंत्रण के लिए रणनीतिक योजना की जांच करने के लिए केंद्रीय टीम के विशेषज्ञ सदस्यों में से, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नामित किया गया था; राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीबीडीसीपी) के विशेषज्ञ सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार। वह भारत सरकार के राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के कानूनी कार्यवाही के दौरान हिरासत में मौत के मामले में विशेषज्ञ राय देने के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य भी हैं; सलाहकार समिति समूह की विशेषज्ञ सदस्य पहली बैठक, आईसीएमआर, नई दिल्ली। विभिन्न राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों / मेडिकल कॉलेजों के बाहरी परीक्षक रहे हैं, संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षक के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), नई दिल्ली चयन बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य; आईजीआईएमएस, पटना, बिहार में संकाय के चयन बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य; वह एम्स, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय डेंगू दिवस और डेंगू संगोष्ठी, विश्व टीबी दिवस के आयोजन सचिव थे। रोगों की रोकथाम और प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ के सदस्य, एम्स; दिल्ली दूरदर्शन केंद्र द्वारा विशेष कार्यक्रम "जापानी इंसेफेलाइटिस" पर प्रसारण के लिए और ऑल इंडिया रेडियो द्वारा "प्रदूषण" विषय पर ब्रॉडकास्टिंग–इंटरव्यू कार्यक्रम के लिये आमंत्रित किया गया। टीवी और रेडियो कार्यक्रम; दिल्ली दूरदर्शन प्रसारणः विषय– "जापानी इंसेफेलाइटिस" "डॉक्टर का ऑनलाइन" कार्यक्रम, 25 मार्च 2017 को लोकसभा टीवी पर, दिल्ली दूरदर्शन, डीडी भवन (टॉवर बी), मंडी हाउस, नई दिल्ली; ऑल इंडिया रेडियो ने –टॉपिक 'पॉल्यूशन' पर इंटरव्यू का प्रसारण, 20 नवंबर 2017 को, आकाशवाणी भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली से किया–110001।

प्रोफेसर संजीव सिन्हा मेडिकल बोर्ड अंटार्कटिका अभियान के सदस्य थे, भारत सरकार, गोवा; वैज्ञानिक समिति के सदस्य, नाको, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; स्वास्थ्य कल्याण कार्यक्रम के सदस्य, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार; अनुक्रमित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं / राष्ट्रीय निकायों और संस्थाओं की समीक्षा समितियों के संपादकीय बोर्डों की सदस्यताः "केस जर्नल" के संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट मैनेजमेंट की समीक्षा समिति। दक्षिण अफ्रीका से प्रकाशित, जर्नल आईजेएमआर की समीक्षा समिति, वर्तमान एचआईवी अनुसंधान के जर्नल की समीक्षा समिति, डीएचआर द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा समिति, आईसीएमआर, भारत सरकार।

प्रोफेसर नवल के विक्रम को वर्ष 2018 के लिए 'नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज' के सदस्य के रूप में चुना गया था।

9-20 l{e tlo foKku

vkpk;l ,o v/;{k

गीता सत्पथी

vkpk;l

रमा चौधरी	आरती कपिल	ललित धर
बिमल के दास	बिजय रंजन मिर्धा	बेनु धवन
इमाकुलाता जैस	सीमा सूद	उर्वशी बी. सिंह

lgk;d vkpk;l

सरिता महापात्रा	आशीष चौधरी	गगनदीप सिंह
हितेंद्र गौतम	निशांत वर्मा	निशात हुसैन अहमद
किरण बाला	मेघा ब्रिजवाल	

fof'k"Vrk,l

सूक्ष्म-जैवविज्ञान विभाग सदैव ही रोगी की देखभाल, शिक्षण, अनुसन्धान और सीएमई कार्यक्रमों की दिशा में प्रतिबद्ध रहा है। यह एमबीबीएस, एमडी, पीएचडी और बीएससी (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में नामांकित पूर्वस्नातक एवं परास्नातक विद्यार्थियों के शिक्षण में सक्रिय रूप से संलिप्त रहा है। डीएम (संक्रामक रोग) पाठ्यक्रम (3 और 4 वर्षीय कार्यक्रम) को औषध विभाग के साथ जारी रखा गया है।

सूक्ष्म-जैवविज्ञान विभाग, जो स्वास्थ्य सेवाओं का एक अनिवार्य घटक है, ने रोगी के देखभाल की ओर महत्त्वपूर्ण रूप से योगदान दिया है। इस वर्ष के दौरान, इसने कुल **2,78,425 नैदानिक परीक्षणों** को संपन्न किया है और हॉस्पिटल संक्रमण के नियंत्रण में एक मुख्य भूमिका अदा की है। कायाकल्प के लिए बाह्य संक्रमण समिति ने प्रयोगशालाओं और विभाग के अन्य क्षेत्रों में कई दौरे किये हैं और वे स्वच्छता के स्तर और पालन किये जा रहे जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन के मानकों से अत्यधिक संतुष्ट थे। विभाग ने अपने अधिकतर अनुभागों के लिए एनएबीएल मानकीकरण की प्रक्रिया को आरंभ किया।

इस विभाग ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में सूचीबद्ध किये गए 80 प्रकाशनों के साथ, अनुसन्धान के दृष्टिकोण से एक महत्त्वपूर्ण योगदान किया है। इस अवधि के दौरान, कई वित्तपोषित अनुसन्धान परियोजनाओं को आरंभ किया गया या जारी रखा गया, जिसमें से कई का सहयोग अन्य विभागों या संस्थानों के साथ था। कई पुरस्कार जीतने वाले मौखिक एवं पोस्टरों की प्रस्तुति राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशनों में दी गयी है।

यह विभाग वर्ल्ड हैण्ड हाइजीन डे और विश्व क्षयरोग दिवस पर दो दिवसीय गोष्ठी (सीएमई) पर एक सार्वजनिक व्याख्यान के आयोजन में संलिप्त था।

शिक्षा

स्नातकपूर्व शिक्षण

मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी के लिए एमबीबीएस
मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी के लिए बीएससी (नर्सिंग)

स्नातकोत्तर शिक्षण

पीएचडी (माइक्रोबायोलॉजी): व्याख्यान - सप्ताह में एक बार; जर्नल क्लब - सप्ताह में एक बार
एमडी (माइक्रोबायोलॉजी)/डीएम (संक्रामक रोग): व्याख्यान - सप्ताह में एक बार; जर्नल क्लब - सप्ताह में एक बार; शैक्षणिक - माह में दो बार; प्रायोगिक अभ्यास प्रस्तुति - माह में दो बार

अल्पावधि प्रशिक्षण

इस विभाग ने देश के विभिन्न भागों से 12 अभ्यार्थियों को अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. वर्ल्ड हैण्ड हाइजीन डे, 5 मई 2017 पर सार्वजनिक व्याख्यान
2. दो दिवसीय गोष्ठी (सीएमई): विश्व क्षयरोग दिवस - 'वांछित: क्षयरोग मुक्त विश्व के नेतागण, आप इतिहास
   बना सकते हैं, क्षयरोग का अंत करें', 21-22 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

रमा चौधरी: 2	**आरती कपिल: 3**	**ललित धर: 8**	**इम्माकुलाता जेस: 2**
सीमा सूद: 4	**उर्वशी बी. सिंह: 3**	**सरिता मोहपात्रा: 4**	**आशीष चौधरी: 1**
गगनदीप सिंह: 7	**हितेंद्र गौतम: 6**	**निशांत वर्मा: 1**	**निशात हुसैन अहमद: 1**
किरण बाला: 1	**मेघा ब्रिजवाल: 1**		

प्रस्तुत किये गए मौखिक शोधपत्र/पोस्टर्स: 45

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. द एशिया कॉर्निया सोसाइटी इन्फेक्शस स्टडी (एसीएसआईकेएस), गीता सत्पथी, एशिया कॉर्निया फाउंडेशन, थर्ड हॉस्पिटल एवेन्यु, सिंगापुर, 2 वर्ष, 2016-17, रु. 16 लाख
2. इंफ्लेमेटरी बोवेल डिजीज (अल्सरेटिव कोलाइटिस/क्रोन'स डिजीज) में आँतों के माइक्रोबायोटा और म्युकोसल प्रतिरक्षा पर एक प्रोबायोटिक स्ट्रेंस (बेसिलस क्लौसी) के प्रभाव के आकलन के लिए एक अध्ययन, रमा चौधरी, यूनिक बायोटेक प्रा. लि., हैदराबाद, 2 वर्ष, 2017-19, रु. 40 लाख
3. लैक्टोबैसीलस द्वारा उत्पन्न बैक्टीरियोसिन्स का चित्रण और एंटीमाइक्रोबियल का आकलन, रमा चौधरी, एम्स, 1 वर्ष, 2017-18, रु. 4.5 लाख
4. एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के राष्ट्रीय निगरानी के लिए नोडल केंद्र--2013-17 आईसीएमआर, नई दिल्ली, आरती कपिल, आईसीएमआर, 5 वर्ष 2014-2019, 1 वर्ष के लिए रु. 60 लाख
5. साल्मोनेला एन्टेरिका एस. टाइफी और पैराटाइफी ए. में ऐजीथ्रोमाइसिन के लिए ईकॉफ़ के मूल्य को परिभाषित करना, आरती कपिल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015-2017, रु. 22 लाख
6. एचआईवी वायरल लोड (वीडी) एवं अर्ली इन्फेंट डायग्नोसिस (ईआईडी) के लिए नाको क्षेत्रीय सन्दर्भ प्रयोगशाला (ईआईडी), ललित डार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), कोई निश्चित अवधि नहीं, 2012-चालू, रु. 10.98 लाख (प्रति वर्ष) + रीजेंट का सहयोग
7. डेंगू और चिकुनगुनिया के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम शिखर प्रयोगशाला, ललित डार, नेशनल वेक्टर-बोर्न डिजीज कण्ट्रोल प्रोग्राम (एनवीबीडीसीपी), कोई निश्चित अवधि नहीं, 2012-चालू, रु. 3 लाख (प्रति वर्ष) + रीगेंट का सहयोग
8. जन स्वास्थ्य समुदाय में जैव-खतरे में कमी के प्रति जागरूकता में वृद्धि करना और उच्च जोखिम समूह वाले वायरल पैथोजनों; जो वीएचएफ और श्वसनतंत्र के संक्रमण का कारण बनता है, की निगरानी और प्रादुर्भाव के लिए प्रयोगशाला तंत्रों का निर्माण करना, ललित डार, रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी), एटलांटा (एनआईवी, पुणे के माध्यम से), 5 वर्ष, 2015-चालू, रु. 44.38 लाख (प्रति वर्ष)

9. अल्सरेटिव कोलाइटिस में साइटोमेगालोवायरस (एचसीएमवी) के लिए गुणात्मक वास्तविक समय पीसीआर और जीनोटाइपिंग,, ललित डार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014-2018, रु. 7.08 लाख
10. बाह्य गुणवत्ता आकलन कार्यक्रम - एचआईवी/एड्स, बिमल कु. दास, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, कार्यक्रम जारी, 2005-चालू, रु. 12 लाख
11. फ्लो साइटोमीटर (सीडी4) एआरटी कार्यक्रम–एचआईवी/एड्स, बिमल कु. दास, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, कार्यक्रम जारी, 2005-चालू, रु. 40,000/-
12. एचआईवी एवं एचसीवी जाँच केलिए ड्राइड ब्लड स्पॉट (डीबीएस) गतिविधि के लिए नाको राष्ट्रीय एकीकृत जैविक एवं व्यवहारिक निगरानी (आईबीबीएस), कार्यक्रम जारी, 2016-चालू, रु. 1.5 लाख
13. सेरिब्रल मलेरिया में प्लासमोडियम फैल्सिपेरम साइटोढियरेंस अणु की पहचान, बी.आर. मिर्धा, डीबीटी, 2 वर्ष, 2016-2017, रु. 36 लाख
14. एक त्रि-स्तरीय अस्पताल में मल्टीप्लेक्स पीसीआर द्वारा जननांग अल्सर वाले रोगियों से हेमोफिलस डूक्रेई, ट्रेपोनेमा पैलिडम, हर्पीस सिम्पलेक्स वायरस टाइप 1 एवं 2 का शीघ्र पता लगाना, बेनु धवन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2018, रु. 37.63 लाख
15. आक्रामक फंफूद संक्रमण (इन्वासिव फंगल इन्फेक्शन्स): हॉस्पिटल से नैदानिक एवं पर्यावरणीय आइसोलेट्स का एपिडेमियोलॉजी, औषध प्रतिरोध और आणविक चित्रण, इम्माकुलाटा जेस, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017-2018, रु. 52 लाख
16. सेफालोस्पोरिन्स और मैक्रोलाइड प्रतिरोध के प्रति कृत्रिम परिवेश में घटी हुई संवेदनशीलता के साथ पूरे देश के एसटीडी रोगियों से प्राप्त एन. गोनोरिया के आइसोलेटों का आणविक विश्लेषण, सीमा सूद, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2015-2017, रु. 35 लाख
17. एन. गनोरिया का पता लगाने के लिए नैनो-सक्षम बायोसेंसर, सीमा सूद, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016-2019, रु. 50 लाख
18. भारत में क्रोन्स रोग: एक ऐसे देश में एक बहु-केंद्र अध्ययन जहाँ पर आँतों का क्षयरोग और क्रोन्स रोग स्थानिक है, उर्वशी बी. सिंह, डीएचआर, 3 वर्ष, 2016-2019, रु. 5 करोड़ (लगभग)
19. पूर्व-एक्सडीआर-टीबी में एक उपचार विकल्प के रूप में मॉक्सी-फ्लोक्सासिन की उपयोगिता, उर्वशी बी. सिंह, दिल्ली राज्य या कार्य बल, आरएनटीसीपी, 1 वर्ष, 2017-2018, रु. 2 लाख
20. श्रेणी 2 के तपेदिक रोगियों में सीरम मार्करों का भविष्यसूचक (प्रोग्नोस्टिक) मूल्य, उर्वशी बी. सिंह, दिल्ली राज्य या कार्य बल, आरएनटीसीपी, 1 वर्ष, 2017-2018, रु. 2 लाख
21. सशक्त बायोमार्करों के रूप में अंतरात्मक रूप से अभिव्यक्त प्रोटीनों का उपयोग करते हुए पल्मोनरी और एक्स्ट्रा-पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस का निदान: सावधानीपूर्वक जाँच बिंदु के विकास की दिशा में एक प्रयास, उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, रु. 60 लाख (लगभग)
22. एमडीआर और एक्सडीआर-टीबी के लिए तीव्र आणविक औषधि प्रतिरोध जाँच और दिल्ली राज्य के जील-नीलसन्स स्टेंड माइक्रोस्कोपिक स्लाइड्स से माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस का आणविक टंकण, उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, रु. 60 लाख (लगभग)
23. जीनोमिक पद्धतियों का प्रयोग करते हुए सिक्किम, असम और त्रिपुरा में एमडीआर-टीबी का मैपिंग हॉटस्पॉट्स, उर्वशी बी. सिंह, डीबीटी-एनईआर, 3 वर्ष, 2018-2021, रु. 4 करोड़ (लगभग)
24. बच्चों में सक्रिय फुफ्फुस (पल्मोनरी) क्षयरोग के निदान के लिए अनोखे बायो-सिग्नेचर का प्रमाणीकरण, उर्वशी बी. सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रु. 38 लाख
25. मूत्र के नमूनों से क्षयरोग के निदान के लिए सावधानीपूर्वक डिस्पोजेबल सेनर स्ट्रिप के देखभाल बिंदु का डिजाईन और प्रमाणीकरण, उर्वशी बी. सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, रु. 60 लाख (लगभग)
26. बलगम (स्पुटम) के नमूनों से औषधि प्रतिरोधक ट्यूबरक्लोसिस के निदान के लिए पारम्परिक फेनोटाइपिक ऐस्सेस का बहु-केन्द्रित प्रमाणीकरण, उर्वशी बी. सिंह, डीबीटी, 2 वर्ष, 2018-2020, रु. 100 लाख (लगभग)

27. बच्चों के फेफड़ों के बहु-केन्द्रित ट्यूबरक्लोसिस के निदान के लिए देश में विकसित प्रोद्योगिकियों का मानकीकरण, उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-2019, रु. 1.25 करोड़
28. फेफड़ों के अतिरिक्त अन्य ट्यूबरक्लोसिस के निदान के लिए देश में विकसित प्रोद्योगिकियों का प्रमाणीकरण, उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2018-2019, रु. 1.25 करोड़
29. क्रिप्टोजेनिक लीवर रोग वाले रोगियों में ऑकल्ट हेपेटाइटिस सी. संक्रमण (ओसीआई) की प्रचुरता और आणविक चरित्र-चित्रण, आशीष चौधरी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2015-आगे, रु. 3.45 लाख (प्रति वर्ष)
30. एचआईवी धनात्मक रोगियों में हिस्टोप्लास्मोसिस की प्रचुरता, गगनदीप सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2017-1019, रु. 6 लाख
31. पैनसाइटोपीनिया के साथ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के जुड़ाव का अध्ययन, हितेंदर गौतम, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2016, 2017-2018 में भी कार्य संपन्न हुआ, रु. 4.5 लाख
32. माइक्रोस्पोरिडिया और उनके आणविक चित्रण की प्रचुरता, निशांत वर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2015-2016, 2017-2018 में भी कार्य संपन्न हुआ, रु. 5 लाख
33. हर्पीस सिम्पलेक्स वायरस टाइप 1 एवं टाइप 2, साइटोमेगालोवायरस, वारिसेल्ला-जोस्टर वायरस और ऑक्युलर वायरल संक्रमणों में एडिनोवायरस का पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर का स्थापन, निशात हुसैन अहमद, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2016-2018, रु. 7.7 लाख
34. फेफड़ों के क्षयरोग में उपचार की प्रतिक्रिया के आकलन के लिए व्यवहारिकता परखने का चिकित्सीय मूल्यांकन, किरण बाला, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-2019, रु. 4.94 लाख
35. रेनल ट्रांसप्लांट रेसिपेंट्स में बीके पॉलीयोमावायरस की जाँच और जीनोटाइपिंग, मेघा ब्रिजवाल, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2017-2019, रु. 4.2 लाख (प्रति वर्ष) ।

पूर्ण

1. अनोखे बैक्टीरियोसिन के पृथक्करण के लिए आणविक पद्धतियों और मेटाजीनोमिक के प्रयोग से ह्यूमन गैस्ट्रोइन्टेस्टिनल माइक्रोबियल विविधता का विश्लेषण, रमा चौधरी, डीबीटी, 5 वर्ष, 2011-2016, रु. 51.72 लाख ।
2. भृगु (क्लिफी) होंठ या तालु (सीएल/पी) और विखंडित (नॉन-क्लेफ्ट) नियंत्रण वाले बच्चों में कैरीज जोखिम के जाँच पर एक चिकित्सकीय अध्ययन, रमा चौधरी, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, रु. 4.5 लाख ।
3. पेरीओडोंटाइटिस के उपचार के लिए अनूठे म्यूकोअढेसिव पोविडोन आयोडीन और सिल्वर नैनोपार्टिकल आधारित स्थानीय ड्रग डिलीवरी प्रणाली की कृत्रिम परिवेश में प्रभावकारिता और सुरक्षा मूल्यांकन, रमा चौधरी, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, रु. 28 लाख ।
4. रेस्पिरेटरी क्लिनिकल नमूनों में न्यूमोसिस्टाइटिस जिरोवेकि की जनसँख्या का आनुवांशिकी अध्ययन और न्यूमोसिस्टाइटिस निमोनिया वाले रोगियों के चिकित्सकीय स्थिति के साथ इसका सह-सम्बन्ध, बी. आर. मिर्धा, एसईआरबी-डीएसटी, 3 वर्ष, 2014-2017, रु. 28 लाख ।
5. संदिग्ध आक्रामक फंफूद संक्रमणों वाले रोगियों के ऊतक और रक्त के नमूनों से ऐस्परगिलस एसपी और म्यूकॉर्माइसिटिस के द्रुत जाँच के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर ऐस्से का विकास और म्यूकॉर्माइकोसिस के प्रजाति की पहचान के लिए मेल्टिंग कर्व विश्लेषण का उपयोग, इम्माकुलाटा जेस, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, रु. 3.85 लाख
6. टीबी के जाँच के लिए स्वदेशी नैदानिक किट्स का प्रमाणीकरण और टीबी में औषध प्रतिरोध, उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष 2014-2017, रु. 70 लाख ।
7. फेब्राइल न्युट्रोपेनिक रोगियों में कार्बापिनेम प्रतिरोधक एंटेरोबैक्टीरियासेस के कारण इंटेस्टिनल कोलोनाइजेशन और रक्त-धारा का संक्रमण, सरिता महापात्र, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2016-2017, रु. 8.37 लाख ।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. माइकोटिक केराटाइटिस और आक्रामक संक्रमणों से उत्पन्न फंफूद का आणविक चित्रण और प्रत्यक्ष जाँच और कल्चर जैसे पारंपरिक पद्धतियों के साथ इसकी तुलना।
2. कल्चर ऋणात्मक संक्रमणों के सूक्ष्मजीवविज्ञान में उन्नत जीनोमिक्स का उपयोग।
3. टाइफॉयडल साल्मोनेला के विरुद्ध वैकल्पिक सूक्ष्मजीवाणुनाशक एजेंटों पर एक अध्ययन।
4. हीमाटोपॉयटिक स्टेम कोशिका के प्रत्यारोपण के बाद वयस्कों में रेस्पिरेटरी सिंसाइटल वायरस (आरएसवी) संक्रमण की घटना।
5. संदिग्ध नैसोफैरिन्जिअल कार्सिनोमा रोगियों में ईबीवी डीएनए के लिए पीसीआर।
6. अल्सरेटिव कोलाइटिस में साइटोमेगालो वायरस के लिए मात्रात्मक वास्तविक समय का पीसीआर।
7. एक त्रि-स्तरीय देखरेख वाले अस्पताल में प्रोस्थेटिक जॉइंट संक्रमणों की जटिलता और प्रोस्थेटिक जॉइंट संक्रमण के माइक्रोबियल प्रोफाइल को पहचानने के विस्तारण पर आधारित डीएनए विश्लेषण।
8. त्रि-स्तरीय देखरेख अस्पताल के गहन देखभाल इकाई में लिनेजोलिड का उपयोग और प्रतिरोध।
9. स्टेराइल प्युरिया वाले रोगियों में क्लामिडिया ट्रैकोमैटिस, यूरियाप्लाज्मा यूरियालाइटिकम, माइकोप्लाज्मा होमिनिस और माइकोप्लाज्मा जेनिटैलियम की उपस्थिति।
10. एचआईवी संक्रमित रोगियों में स्टैफाइलोकोकस ऑरियस का कॉलोनाइज़ेशन: घटना, जोखिम के घटक और परवर्ती चर्म एवं कोमल ऊतक संक्रमण।
11. आक्रामक फंफूद संक्रमणों के निदान के लिए वास्तविक समय का पीसीआर।
12. पल्मोनरी वार्ड और आईसीयू में भर्ती रोगियों में मोल्डस और नोकार्डिअल संक्रमणों की विपुलता।
13. मेडिसिन आईसीयू में भर्ती रोगियों में कैंडिडा औरिस के विशेष सन्दर्भ के साथ, कैंडिडा कोलोनाइजेशन के लिए जाँच।
14. एन. गोनोरिया में विस्तारित स्पेक्ट्रम के सेफालोस्पोरिन्स के प्रति घटी हुई संदिग्धता की जाँच के लिए उच्च संकल्प वाला मेल्टिंग (एचआरएम) कर्व विश्लेषण।
15. एन. गोनोरिया के लिए एक ऐप्टामर आधारित जाँच प्रणाली का विकास।
16. बैक्टीरियल वैजिनोसिस (बीवी) से जुड़े जीवाणु की जाँच में ऐप्टामर तकनीक की भूमिका।
17. उन पुरुषों में जननांग और जननांग से इतर स्थानों के एन. गोनोरिया की जाँच, जो पुरुषों के साथ शारीरिक सम्बन्ध स्थापित हैं।
18. हीमैटोलॉजिकल मैलिगनैंसी वाले रोगियों में कार्बापेनेम प्रतिरोधक एंटेरोबैक्टीरियासेस के कारण इंटेसटिनल कोलोनाइजेशन और ब्लड-स्ट्रीम संक्रमण की विपुलता।
19. इम्यूनोकॉम्पिटेंट, यांत्रिकी रूप से वेंटिलेटेड रोगियों में निमोनिया का कारण बनने में एचसीएमवी के फिर से सक्रिय होने की भूमिका।
20. संवर्ग 2 के पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस रोगियों के लिए प्रोग्नोस्टिक मार्करों को पहचानना।
21. विभिन्न चिकित्सीय नमूनों से प्राप्त बहु-औषधि प्रतिरोध ग्राम नेगेटिव बेसिली में कोलिस्टिन प्रतिरोध की आणविक जाँच।
22. एक त्रि-स्तरीय देखरेख वाले अस्पताल के चिकित्सा वार्डों और गहन सेवा इकाई में एक सूक्ष्मजीवाणुरोधी स्टेवार्डशिप मॉडल का प्रभाव।
23. एमडीआर-टीबी रोगियों के निकट संपर्कों का सूक्ष्मजीववैज्ञानिक फॉलो-अप और जीनोटाइपिक जाँच।

24. बचपन के इंट्रा-थोरेसिक ट्यूबरक्लोसिस के निदान में छोटे अणु वाले बायो-सिग्नेचर्स ।
25. प्रदाहजनक (इंफ्लेमेटरी) उदर रोग में माइक्रोस्पोरिडिया की जाँच और आणविक चित्रण ।
26. टीबी लिम्फाडेनाइटिस वाले रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया के साथ, थेराप्युटिक ड्रग के स्तरों और कृमियों के प्रकोप का सम्बन्ध ।

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

जारी

1. एनारोबिक कल्चर और आणविक तकनीकों का प्रयोग करके भारतीय बच्चों में दन्त क्षय के माइक्रोफ्लोर का आकलन, सीडीईआर-एम्स ।
2. इन्फ्लुएंजा और अन्य श्वसनतंत्र के वायरसों पर सीडीसी-एम्स का सहयोगात्मक समझौता, सेंटर फॉर डिजीज कण्ट्रोल (सीडीसी), एटलांटा (यूएसए) और सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स ।
3. भारत में एचआईवी-1 के उभरते हुए नए वायरल स्ट्रेनों के प्रतिकृति बनाने की योग्यता और रोगजनक गुणों का परीक्षण करने के लिए के बहु-केन्द्र अवलोकन अध्ययन, वाईआरजी सेंटर फॉर एड्स रिसर्च, चेन्नई; नेशनल एड्स रिसर्च इंस्टिट्यूट, पुणे; जवाहरलाल नेहरु सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरु; संत जॉन हॉस्पिटल, बेंगलुरु ।
4. राष्ट्रीय सूक्ष्मजीवरोधी प्रतिरोध निगरानी, पीजीआईएमईआर/ आईसीएमआर, नई दिल्ली ।
5. राष्ट्रीय समावेशी पुष्टाहार सर्वेक्षण, यूनिसेफ ।
6. दीर्घकालिक डर्मेटोफाइटोसिस की एपिडेमियोलॉजी, डर्मेटोलॉजी ।
7. दीर्घकालिक डर्मेटोफाइटोसिस वाले रोगियों में टर्बीनाफाइन के साथ या उसके बिना इसोट्रेटिनॉएन की उपयोगिता, डर्मेटोलॉजी ।
8. बच्चों में गंभीर बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस के एटियोलॉजी को निर्धारित करने के लिए बहु-केन्द्र वाले प्रत्याशित अस्पताल आधारित प्रहरी निगरानी, सेंट्रल रिसर्च लेबोरेटरी, के.आई.एम्.एस. हॉस्पिटल और रिसर्च सेंटर, केम्पेगौड़ा इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, बेंगलुरु ।
9. एचआईवी और एड्स रोगियों के साथ रहने वाले लोगों में क्रिप्टोकोक्कल एंटीजनेमिया, मेडिसिन ।
10. साइनो-नेसल और स्कल आधारित आक्रामक फंफूद रोगों के परिणाम की भविष्यवाणी करने में विभिन्न चिकित्सीय और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का मूल्यांकन: एक विवरणात्मक अध्ययन, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी ।
11. सेप्सिस में प्रीसेप्सिन के नैदानिक प्रदर्शन का अध्ययन: एक मार्गदर्शी अध्ययन, मेडिसिन ।
12. सक्रिय व्यापक विटिलिगो के पैथोजेनेसिस और पिगमेंट रेगुलेशन में माइक्रो-आरएनए की स्पष्ट करने वाली भूमिका, डर्मेटोलॉजी ।
13. एयरवे कॉलोनाइज़ेशन और वेंटीलेटर से जुड़े निमोनिया के साथ एंडोट्रेकिअल ट्यूब बायोफिल्म का गतिशील अध्ययन, पल्मोनरी मेडिसिन ।
14. आईसीयू के पल्मोनरी मेडिसिन में गंभीर रूप से अस्वस्थ रोगियों में एंटीमाइक्रोबियल लिखे जाने वाले अभ्यासों का अध्ययन, पल्मोनरी मेडिसिन ।
15. उपचार से पूर्व और पश्चात बैक्टीरियल वैजिनोसिस से प्रभावित महिलाओं में वेजाइनल माइक्रोबायोम और मेटाबोलोम का विश्लेषण और रिलैप्स या रिकरेंसेस के साथ उनका सह-सम्बन्ध, डर्मेटोलॉजी ।
16. एम्स के रोगियों में बैक्टीरियल यूटीआई के प्रबंधन के जारी अभ्यास का अध्ययन, नई दिल्ली, मेडिसिन ।
17. नेफ्रोटिक सिंड्रोम के साथ ओरल सेफेक्जिम देने के बाद 3 दिनों तक इंट्रावेनस सेफ्ट्रियाक्जोन के अवधारणा के प्रमाण का एक अध्ययन, पीडियाट्रिक्स ।

18. यह निर्धारित करना कि क्या निगरानी कल्चर में कार्बापेनेम प्रतिरोधक एंटेरोबैक्टीरिएस के साथ आँतों का कोलोनाइज़ेशन उच्च जोखिम वाले फेबराइल न्युट्रोपेनिक के परिणाम को प्रभावित करता है, हेमाटोलॉजी ।
19. वर्तमान एंटीबायोटिक उपयोग और चिकित्सीय परिणाम पर केन्द्रित करने के साथ, एम्स, नई दिल्ली के रोगियों में बैक्टीरियल यूरिनरी ट्रैक्ट संक्रमण के प्रबंधन में वर्तमान प्रैक्टिस का अध्ययन, मेडिसिन ।
20. अस्पताल में भर्ती शिशुओं में बैक्टीरियल सेप्सिस के रोग जीवविज्ञान और निदान को समझना: एक बहु-केंद्र वाला अध्ययन, पीडियाट्रिक ।
21. गंभीर ज्वर रुग्णता (एमपीओसीटी) के लिए मल्टी-प्लेक्स्ड पॉइंट-ऑफ़-केयर परीक्षण, पीडियाट्रिक्स ।
22. नैव अल्सरेटिव कोलाइटिस के उपचार वाले रोगियों में समृद्ध फेकल माइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता: एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, गैस्ट्रोएंट्रोलाजी ।

पूर्ण

1. भारत में बच्चों और बड़ों में गंभीर श्वसनतंत्र के संक्रमण में श्वसनतंत्र के पैथोजनों का एपिडेमियोलॉजिकल अध्ययन, सेंटर फॉर इसेअसे कण्ट्रोल (सीडीसी), एटलांटा (यूएसए) और सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स ।
2. सजीव तनुकृत इन्फ्लुएंजा टीके का परीक्षण, सेंटर फॉर डिजीज कण्ट्रोल (सीडीसी), एटलांटा एंड सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स ।
3. कैंसर और फेबराइल न्युट्रोपीनिया वाले बच्चों में श्वसनतंत्र के वायरल संक्रमणों की प्रबलता और चिकित्सीय परिणाम, पीडियाट्रिक्स ।
4. आईसीयू, में आक्रामक फंफूद संक्रमण, मेडिसिन ।
5. गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद रोगियों में होने वाले संक्रमण, नेफ्रोलॉजी ।
6. आईसीयू रोगियों में कैंडिडूरिया, मेडिसिन ।
7. सीओपीडी के साथ गंभीर एक्जासर्बेशन के रोगियों में वेंटीलेटर से जुड़े निमोनिया के प्रेडिक्टर्स और लघु अवधि और 3 माह के परिणाम पर इसका प्रभाव, पल्मोनरी मेडिसिन ।
8. एयरवे कोलोनाइज़ेशन और वीएपी की घटना में मानक एंडोट्रेकिअल ट्यूब की तुलना, पल्मोनरी मेडिसिन ।
9. जब मेटफोर्मिन को नए निदानित स्पुटम पॉजिटिव पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस वाले वयस्कों में रिफाम्पिसिन, आइसोनियाजिड, पाइराजिनामाइड और एथाम्बुटोल के साथ दिया जाता है तो इसके एंटी-बैक्टीरियल गतिविधियों, फार्माकोकाइनेटिक्स, सुरक्षा और सहनीयता के मूल्यांकन के लिए एक फेज 2बी ओपन लेबल रैन्डोमाइज़्ड परीक्षण: 8 सप्ताह का एक अध्ययन: पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर्स ।
10. नए निदानित स्पुटम पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी (पीटीबी) के रोगियों के सम्पर्क में आये परिवार के स्वस्थ सदस्यों में क्षयरोग को रोकने में वीपीएम1002, इम्युनोवैक टीकों की प्रभावकारिता और सुरक्षा के मूल्यांकन के लिए चरण 3 का रैन्डोमाइज़्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर्स ।

प्रकाशन

जर्नल्स: 70 सार: 2 पुस्तकों में अध्याय: 6 पुस्तक: 1

रोगी की देखभाल

माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने वर्ष के दौरान कुल **2,78,425** परीक्षणों को संपन्न किया है ।

परख/परीक्षण/जाँच का नाम	किये गए परीक्षणों की संख्या		परख/परीक्षण/जाँच का नाम	किये गए परीक्षणों की सं.
बैक्टीरियोलॉजी प्रयोगशाला			**पैरासाइटोलॉजी प्रयोगशाला**	

मवाद के नमूनों का कल्चर और पहचान	19,464		**इंटेसटिनल पैरासिटोसिस**	
मूत्र के नमूनों का कल्चर और पहचान	29,923		मल का परीक्षण - ओवा/पैरासाइटस (वेट माउंट/कंसंट्रेशन)	2349
रक्त के नमूनों का कल्चर और पहचान	32,036		कोक्किडियन पैरासाइटस - संशोधित एसिड-फ़ास्ट/विशेष स्टैनिंग	2349
बलगम/कंठ स्वैब/ट्रेकिअल स्वैब के नमूनों का कल्चर और पहचान	19,085		इन-विट्रो कल्चर	42
सीएसएफ के नमूनों का कल्चर और पहचान	9241		माइक्रोस्पोरिडिया के लिए पीसीआर	212
मल के नमूनों का कल्चर और पहचान	2380		**मलेरिया**	
एंटीमाइक्रोबियल संदिग्धता परीक्षण			गीम्सा स्टैनिंग	4276
मवाद/स्राव/ऊतक--एंटीमाइक्रोबियल संदिग्धता परीक्षण	5839		ऐक्रिडाइन ऑरेंज (एओ) फ्लोरिसेंट स्टैनिंग	4276
मूत्र--एंटीमाइक्रोबियल संदिग्धता परीक्षण	4710		मात्रात्मक बफ्फी कोट (क्यूबीसी)	4,276
रक्त--एंटीमाइक्रोबियल संदिग्धता परीक्षण	3843		मलेरिया एंटीजन जाँच की परख	4,276
रेस्पिरेटरी नमूने-- एंटीमाइक्रोबियल संदिग्धता परीक्षण	2626		**लीशमैनियासिस (काला अजार)**	
सीएसएफ और अन्य तरल-- एंटीमाइक्रोबियल संदिग्धता परीक्षण	312		गीम्सा स्टैनिंग	34
मल-- एंटीमाइक्रोबियल संदिग्धता परीक्षण	0		ऐक्रीडाइन ऑरेंज (एओ) फ्लोरिसेंट स्टैनिंग	34
कुल	**1,29,459**		काला अजार सीरोलॉजी (आरके-39)	639
			फाइलेरियासिस	
अस्पताल की संक्रमण नियंत्रण (एचआईसी) प्रयोगशाला			रक्त का प्रत्यक्ष परीक्षण और सांद्रता	339
सर्विलांस कल्चर	25,935		पतला स्मीयर	339
सीएसएसडी/स्टरलाइजेशन मोनिटरिंग	3291		मोटा स्मीयर	339
जल के नमूने	1693		ऐक्रिडाइन ऑरेंज (एओ) फ्लोरोसेंट स्टैनिंग	339
कुल	**30,919**		फ़ाइलेरिया एंटीजन की जाँच	85
			मात्रात्मक बफ्फी कोट (क्यूबीसी)	339
एनारोबिक, विशिष्ट पैथोजेन्स और माइकोप्लाज्मा प्रयोगशाला			**अन्य जाँच**	
एनारोबिक कल्चर (पित्त, मवाद, स्राव, रक्त आदि)	1407		*नयूमोसिस्टिस जिरोवेकि* संक्रमण (पीसीपी) के लिए जाँच	270
सी. दिफ्फिसाइल स्टूल कल्चर	409		स्वच्छन्द रहने वाला सेरेब्रोस्पाइनल तरल का परीक्षण	76

सी. डिफ्फिसाइल एलिसा (टॉक्सिन 1 एंड बी)	409		कृमि के नमूने	15
कैमपाइलोबैक्टर स्टूल कल्चर	11		अर्थ्रोपौड के नमूने	7
एंटी-बार्टोनेल्ला आईजीएम (आईएफए)	8		**पैरासाइटिक सीरोलॉजी**	
लेप्टोस्पिरा कल्चर	127		एलिसा द्वारा एंटी-अमीबिक आईजीजी एंटीबाडीज के लिए अमीबिक सीरोलॉजी	153
एंटी- लेप्टोस्पिरा आईजीएम (एलिसा)	578		हायडाटिड रोग की सीरोलॉजी (एलिसा/आईएचए)	145
यूरिन डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	536		एलिसा द्वारा आईजीजी एंटीबाडीज के लिए टोक्सोप्लास्मोसिस सीरोलॉजी	20
प्लाज्मा डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	560		**विविध**	
एंटी-*लीजनेल्ला न्यूमोफिला* आईजीएम (एलिसा)	443		ऐस्पिरेट्स (बलगम, मवाद आदि) का परीक्षण	112
लीजनेल्ला न्यूमोफिला यूरिन एंटीजन	41		**कुल योग**	**25,341**
लीजनेल्ला कल्चर	210			
लीजनेल्ला एनवायरनमेंटल सैंपलिंग	35		**विरोलॉजी प्रयोगशाला**	
लीजनेल्ला न्यूमोफिला (पीसीआर)	254		इन्फ्लुएंजा रियल टाइम मल्टीप्लेक्स आरटी-पीसीआर	1735
स्क्रब टाइफस आईजीएम एलिसा	653		एचएसवी 1&2 डीएनए पीसीआर (सीएसएफ, जीयूडी, ऑकुलर आदि)	788
स्क्रब टाइफस आईएफए	422		एचसीएमवी डीएनए पीसीआर (मूत्र, कोलोनिक बायोप्सी आदि)	1015
स्क्रब टाइफस पीसीआर	125		एचआईवी-1 सम्पूर्ण नुक्लेइक एसिड आरटी-पीसीआर (आरंभिक शिशु निदान)	3667
स्क्रब टाइफस के लिए आईसीटी	552		एचआईवी-1 आरएनए आरटी-पीसीआर (वायरल लोड)	2341
एंटी-*माइकोप्लाज्मा न्युमोनिया* आईजीएम	443		डेंगू, चिकुनगुनिया और जिका वायरस रियल टाइम आरटी-पीसीआर	150
माइकोप्लाज्मा न्युमोनिया कल्चर	254		बीके पॉलीओमा वायरस रियल टाइम आरटी-पीसीआर	16
माइकोप्लाज्मा न्युमोनिया पीसीआर	254		वारिसेला जोस्टर वायरस (वीजेडवी) डीएनए पीसीआर	9
माइकोप्लाज्मा होमिनिस कल्चर	343		जॉन कनिंगघम (जेसी) वायरस रियल टाइम पीसीआर	3
माइकोप्लाज्मा होमिनिस पीसीआर	415		कोशिका कल्चर (इन्फ्लुएंजा, डेंगू एचएसवी 1 & 2)	341

यूरियाप्लाज्मा यूरियालाइटिकम कल्चर	343		एचसीएमवी पीपी65 एंटीजेनेमिया (इम्युनोफ्लोरोसेंस)	35
यूरियाप्लाज्मा यूरियालाइटिकम पीसीआर	415		डेंगू एनएस 1 एंटीजन (एलिसा))	2517
एंटी-*क्लामिडिया न्युमोनिया* आईजीएम (एलिसा)	443		एंटी-डेंगू आईजीएम (एलिसा)	3643
क्लामिडिया ट्रैकोमाटिस पीसीआर	435		एंटी-चिकुनगुनिया आईजीएम (एलिसा)	692
ऐनारोब्स के अंतर प्रयोगशाला तुलना के लिए स्ट्रेंस	9		एंटी-जापानीज इन्सेफेलाइटिस आईजीएम (एलिसा)	33
कुल योग	**10,134**		एंटी-ईबीवी (वीसीए) आईजीएम	11
			कॉम्प्लीमेंट फिक्सेशन परीक्षण (सीएफटी) - एसएसपीई के निदान के लिए	160
माइकोलॉजी और आईसीई प्रयोगशाला			जैंक स्मीयर (एचएसवी 1&2, वीजेडवी के लिए)	11
श्वसनतंत्र (बीएएल, बलगम, ट्रेकिअल स्राव)	4921		**कुल योग**	**17,167**
मूत्र	1393			
सी.एस.एफ	1197		**संभोग के माध्यम से संचारित रोग (एसटीडी) प्रयोगशाला**	
विविध (प्लेट्स, कैथेटर टिप्स)	1390		हाई वेजाइनल स्वैब्स (एचवीएस)	304
मवाद	256		वीर्य	1028
ऊतक/बायोप्सी	573		एक्सप्रेस्ड प्रोस्टैटिक सेक्रेशन्स (ईपीएस)	48
चर्म की पपड़ी/नाख़ून/बाल	608		मूत्र मार्ग (यूरेथ्रैल) का स्राव	38
अस्थिमज्जा (बोन मैरो)	135		सर्वाइकल स्राव	198
रक्त/बैकटेक रक्त	919		योनी मार्ग (वेजाइनल) का स्राव	10
क्रिप्टोकोक्कल एंटीजन	1309		फैरिंजिअल स्वैब्स	99
एस्परगिलस एंटीबॉडी	121		गुदा द्वार (रेक्टल) स्वैब्स	14
गलैक्टोमन्नान एंटीजन	331		**सूक्ष्मजीवाणुरोधी संदिग्धता परीक्षण**	
हिस्टोप्लाज्मा एंटीबॉडी	71		उच्च वेजाइनल स्वैब्स (एचवीएस)	77
हिस्टोप्लाज्मा पीसीआर	5		वीर्य	83
क्रिप्टकोकस पीसीआर	3		एक्सप्रेस्ड प्रोस्टैटिक सेक्रेशन्स (ईपीएस)	8
पैनफंगल पीसीआर	11		मूत्र मार्ग (यूरेथ्रैल) का स्राव	6
ऐस्परगिलस पीसीआर	1		सर्वाइकल स्राव	-
फंफूदरोधी संदिग्धता परीक्षण	200		योनी मार्ग (वेजाइनल) का स्राव	1
स्वैब	178		फैरिंजिअल स्वैब्स	-
पेरिटोनिअल/प्लयूरल/साइनोविअल द्रव्य	248		गुदा द्वार (रेक्टल) स्वैब्स	1

कुल योग	**13,870**			**1915**
एचआईवी इम्युनोलॉजी प्रयोगशाला			**क्षयरोग (ट्यूबरक्लोसिस) प्रयोगशाला**	
एचआईवी परीक्षण	2561		जील-नीलसन (जेडएन) स्टैनिंग के लिए स्मीयर	8811
सीडी4 की गणना	7945		लोवेंस्टीन-जेन्सेन (एलजे) मीडियम–कल्चर और संवेदनशीलता	3887
एचआईवी इनडीटरमिनेट नमूनों के लिए वेस्टर्न ब्लॉट	7		एमजीआईटी 960 + ड्रग संवेदनशीलता पर द्रुत कल्चर	2476
डीबीएस नमूनों का एचसीवी परीक्षण (नाको निगरानी गतिविधि: झारखण्ड)	3303		माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस के लिए पीसीआर	5737
	13,816		जेंक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ	1285
			एडीए जाँच	552
सीरोलॉजी प्रयोगशाला			**कुल योग**	**22,748**
वीडीआरएल	8303			
विडाल	4490			
टीपीएचए	167			
एंटी-स्ट्रेप्टोलाइसिन ओ (एएसओ)	96			
कुल योग	**13,056**			

एचआईवी प्रयोगशाला:

- एनएबीएल प्रत्यायन: जुलाई 2017 में सफल एनएबीएल पुनः आकलन
- आईसीटीसी गतिविधि: जाँच से पूर्व परामर्श (2612 रोगी), जाँच के बाद परामर्श (2216 रोगी), आरएनटीसीपी केंद्र की ओर भेजे गए (29 रोगी)
- गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम (बाह्य गुणवत्ता नियंत्रण गतिविधियाँ)
    - o एपेक्स लैब नेशनल एड्स रिसर्च इंस्टिट्यूट, पुणे के साथ ईक्यूएएस गतिविधि , जुलाई 2017 और जनवरी 2018 (वर्ष में दो बार)
    - o 4 राज्य रिफरेन्स प्रयोगशालाओं (एसआरएल) को ईक्यूएएस पैनल वितरित किया गया, जुलाई 2017 और जनवरी 2018 ((वर्ष में दो बार)

- नेशनल सीरोलॉजी रिफरेन्स लेबोरेटरी (एनएसआरएल), ऑस्ट्रेलिया के साथ अंतर्राष्ट्रीय ईक्यूएएस की गतिविधि, जून 2017 और सितम्बर 2017, प्रदर्शन: 100%

पैरासिटोलॉजी प्रयोगशाला:

- गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम (बाह्य गुणवत्ता नियंत्रण गतिविधियाँ)
    - o इंडियन अकैडमी ऑफ़ ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजी के साथ अपने नियमित नैदानिक सेवाओं के लिए ईक्यूएएस गतिविधि के लिए श्रेणी ए के अनुरूप

विरोलॉजी प्रयोगशाला:

- एनएबीएल प्रत्यायन: एचआईवी-1 प्रारंभिक शिशु निदान (ईआईडी) वायरल लोड (वीएल) के लिए नेशनल एड्स कण्ट्रोल आर्गेनाइजेशन (नाको), रीजनल एचआईवी रिफरेन्स लेबोरेटरी

एसटीडी प्रयोगशाला:

- बाह्य गुणवत्ता आकलन: डब्लूएचओ जीएएसपी (गोनोकोक्कल एंटीमाइक्रोबियल सर्विलांस प्रोग्राम) के बाह्य गुणवत्ता आश्वासन (ईक्यूए) कार्यक्रम में भाग लिए और हमारा प्रतिशत अंक 99.1% था

पुरस्कार, सम्मान और महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य गीता सतपथी ने आरएमआरसी, भुवनेश्वर के लिए एसएसी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

आचार्य रमा चौधरी को 2017-2019 के लिए एएसएम एम्बेसडर लीडरशिप सर्किल (एएलसी), 2016-2018 के किये एएसएम इंटरनेशनल एम्बेसडर के एक सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; निम्नलिखित अधिवेशन और कार्यशालाओं का आयोजन किया: एम्स, नई दिल्ली, भारत में 16 से 17 फ़रवरी 2018 के बीच "प्रोबायोटिक थेरेपी: स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय अभ्यास में परिवर्तित करना" पर पीएआई का चौथा द्विवार्षिक अधिवेशन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी; हांगकांग में 1-2 मार्च को आयोजित द्वितीय प्रोबायोटिक कांग्रेस: एशिया और 3रे माइक्रोबायोम आर&डी एवं बिज़नेस कोलैबोरेशन कांग्रेस: एशिया में एक सत्र की अध्यक्षता की; 22-26 नवम्बर, 2017 के बीच रांची में आयोजित 'माइक्रोकॉन' में यौन-क्रिया से संचारित संक्रमणों पर एक सत्र की अध्यक्षता की; 16-17 दिसम्बर 2017 के बीच नई दिल्ली में आयोजित 'पैथकॉन और लैब एक्सपो' में जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रयोगशाला का दृष्टिकोण पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य आरती कपिल ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (प्रतिरक्षा विभाग), निर्माण भवन, नई दिल्ली द्वारा 2018 में आयोजित राष्ट्रीय एईएफआई समिति की अध्यक्षता की; 14 अक्टूबर 2017 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्टों के द्वितीय त्रैमासिक बैठक के दिल्ली चैप्टर के दौरान इन्द्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल में सिंड्रोमिक एप्रोच टू डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट-मैनिंजाइटिस एंड इन्सेफेलाइटिस पर एक सत्र की अध्यक्षता की; एम्स, नई दिल्ली में पल्मोनरी मेडिसिन एंड स्लीप डिसऑर्डर्स विभाग द्वारा 27-28 जनवरी 2018 के बीच आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक में "नेशनल गाइडलाइन्स फॉर एंटीबायोटिक प्रिस्क्रिप्शन इन द आईसीयू" को तैयार करने में विशेषज्ञ के तौर पर नियुक्त थी।

आचार्य बेनु धवन को एम्स, भुवनेश्वर में 24 नवम्बर, 2017 को आयोजित 41वें यौन रोग और एड्स अध्ययन परिषद् में "मॉलिक्यूलर डिटेक्शन ऑफ़ बैक्टीरियल पैथोजन्स एंड क्लिनिकल एंड लेबोरेटरी रिस्पांस ऑफ़ सिंड्रोमिक मैनेजमेंट इन पेशेंट्स विथ सर्वाइकल डिस्चार्ज एंड पेल्विक इंफ्लेमेटरी डिजीज" शीर्षक से शोधपत्र के लिए आईयूएसटीआई-आईएएसएसटीडी और एड्स छात्रवृत्ति प्रदान किया गया। सिंह एस, गुप्ता एस, धवन बी, यादव डी, कॉल एस, भाटिया आर।

आचार्य इम्माकुलाता जेस और डॉ. गगनदीप सिंह: हिस्टोप्लास्मोसिस पर 'क्लिनिकल पैटर्न्स ऑफ़ हिस्टोप्लास्मोसिस इन इंडिया' शीर्षक से हमारे कार्य को लीडिंग इंटरनेशनल फंगल एदिकतिओन (लाइफ) वेबसाइट के "नए सेक्शन' में विशेष उल्लेख किया गया। http://www.life-worldwide.org/media-centre/article/clinical-patterns-of-histoplasmosis-in-india.

आचार्य सीमा सूद ने नवम्बर 2017 को अनुमोदित गोनोरिया के बायोसेंसर के विकास के लिए एक पेटेंट दायर किया (पीसीटी आवेदन सं.: एपी/पी/2012/006092): "न्यूक्लिक एसिड प्राइमर्स एंड प्रोब सीक्वेंस फॉर डिटेक्शन ऑफ़ नीसेरिया गोनोरिया"; उनको श्री लंका कॉलेज ऑफ़ सेक्सुअल हेल्थ एंड एचआईवी मेडिसिन के लिए रिसोर्स पर्सन और फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया गया; ऑकलैंड में नवम्बर 2018 को आयोजित 2018 आईयूएसटीआई एशिया पेसिफ़िक सेक्सुअल हेल्थ कांग्रेस के स्ट्रीम कमिटी (वैज्ञानिक कार्यक्रम समिति, एसपीसी) के सदस्य थे; अधिशासी सदस्य, आईयूएसटीआई एशिया पेसिफ़िक रीजन; पल्मोनरी मेडिसिन एंड स्लीप डिसऑर्डर्स विभाग द्वारा एम्स में इंडियन सोसाइटी ऑफ़ क्रिटिकल केयर मेडिसिन द्वारा आयोजित "आईसीयू में एंटीबायोटिक लिखने के लिए दिशानिर्देश" तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; फैकल्टी, नेशनल बोर्ड ऑफ़ एग्जामिनेशन (एनबीई); सदस्य, परियोजना निरीक्षण समिति, बिराक, डीबीटी; सदस्य, विद्यार्थी अनुसन्धान परामर्शदात्री समिति (एसआरएसी), जामिया मिलिया इस्लामिया; चयन समिति के मनोनीत विषय विशेषज्ञ, एम्स, भुवनेश्वर; सदस्य, संस्थापन मानव नैतिकता समिति (आईएचईसी), एसीबीआर (डॉ. बी.आर. आंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च)।

आचार्य उर्वशी बी. सिंह वर्ष 2012 से आगे आरएनटीसीपी के अंतर्गत टीबी के निदान और प्रबंधन पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति की सदस्य थी; वे 2009 से 'महिला जननांग क्षयरोग पर कार्यबल के परियोजना समीक्षा समिति', आईसीएमआर के सदस्य; 2009 से 'स्टॉप टीबी न्यू डायग्नोस्टिक वोर्किंग ग्रुप', डब्लूएचओ के सदस्य; 2014 से 'भारतीय स्वदेशी प्रोद्योगिकियों के लिए मानकीकरण प्रोटोकॉल्स को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समिति', डीबीटी एवं आईसीएमआर के विशेषज्ञ; जनवरी 2015 से जनवरी 2018 तक तीन वर्षों के लिए डीबीटी द्वारा गठित 'ट्यूबरक्लोसिस पर विशेषज्ञ समूह' में एक विशेषज्ञ; 2011 से संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम के राष्ट्रीय प्रयोगशाला समिति के विशेषज्ञ; नैदानिक, चिकित्सीय, टीका और कार्यान्वन अनुसन्धान समूहों पर इंडिया टीबी रिसर्च कंसोर्टियम, आईसीएमआर के एक सदस्य; राज्य टीबी कार्यबल और या समिति के सदस्य; 2016 से भारतीय टीबी अनुसन्धान संघ के अंतर्राष्ट्रीय सैग समिति के विशेषज्ञ सदस्य; समीक्षक: उभरते हुए संक्रामक रोग, मेडिकल माइक्रोबिओलिग्य, माइक्रोब्स और संक्रमण, महामारी विज्ञान एवं संक्रमण, पीएलओएस वन, जर्नल ऑफ़ बायोसाइंसेज, इंडियन जे मेड रिसर्च, इंडियन जे ट्यूबरक्लोसिस।

डॉ. सरिता मोहपात्रा ने नेशनल एलर्जी एंड इन्फेक्शस डिजीजेस (एनआईएआईडी) और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ हेल्थ (एनआईएच) द्वारा 10-18 अक्टूबर 2017 के बीच क्लीवलैंड, ओएच और ला जोल्ला, सीए, यूएसए में आयोजित इंडो-यूएस कोलैबोरेशन प्रोजेक्ट के एक भाग के रूप में प्रशिक्षण में भाग लिया।

डॉ. हितेंद्र गौतम ने माइक्रोबायोलॉजी विभाग के लिए जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट और कायाकल्प प्रबंधन चक्रों में भाग लिया; प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, चरण 3 के अंतर्गत, सरकारी मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशालाओं के उन्नयन के लिए एम्स, दिल्ली के माइक्रोबायोलॉजी विभाग से उनको फैकल्टी मनोनीत किया गया; अस्पताल प्रशासन विभाग और सुश्रुषा विभाग के साथ, 27 जनवरी 2018 को सीएमईटी, एम्स में संक्रमण नियंत्रण और जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन पर पोस्टर प्रतियोगिता के लिए समिति सदस्य, आईआरसीएच के अस्पताल संक्रमण नियंत्रण अधिकारी के रूप में नियुक्त; जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल एंड मेडिकल केस रिपोर्ट्स, ऑस्टिन ट्यूबरक्लोसिस: रिसर्च, ट्रीटमेंट एंड एडवांसेज इन माइक्रोबायोलॉजी रिसर्च के संपादकीय परिषद् के सदस्य; दिनांक: 16 अक्टूबर 2017 से सदस्य सचिव: डीआर बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण समिति; संजय गाँधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (एसजीपीजीआई), लखनऊ में 12-15 दिसम्बर 2017 को "हॉस्पिटल इन्फेक्शन प्रिवेंशन एंड कण्ट्रोल प्रैक्टिसेज एंड एंटीमाइक्रोबियल स्टेवार्डशिप प्रोग्राम" पर आयोजित एसजीपीजीआईएचआईसीओएन-2017, नेशनल सीएमई कम वर्कशॉप में बाह्य संशाधन फैकल्टी; जिपमर, पुदुचेरी में 29 जनवरी से 2 फ़रवरी 2018 तक "अस्पताल संक्रमण नियंत्रण पर द्वितीय राष्ट्रीय कार्यशाला" के आयोजन के लिए बाह्य संशाधन फैकल्टी; राजेंद्र इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, रांची में 24 से 26 नवम्बर 2017 तक इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट के वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन (आईएएमएम), 41वें माइक्रोकॉन-2017 में जूनोटिक और एनारोबिक संक्रमणों पर मौखिक प्रश्नपत्रों के लिए निर्णायक।

डॉ. निशांत वर्मा ट्रॉपिकल पैरासिटोलॉजिस्टों के भारतीय परिषद् के अधिशासी समिति सदस्य थे; सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली में 5 दिसम्बर 2017 से संक्रमण नियंत्रण समिति के सदस्य सचिव हैं; अस्पताल संक्रमण के जर्नल के समीक्षक, जेएमएम केस रिपोर्ट्स।

अतिथि वैज्ञानिकगण

1. डॉ. पॉल जेन्सेन, टीबी उन्मूलन विभाग, सीडीसी, एटलांटा, जॉर्जिया, यूएसए ने 16 फ़रवरी 2018 को "वायुवाहित संक्रमण नियंत्रण" पर एक वार्ता करने के लिए पधारे और अपना विशेषज्ञ परामर्श दिया।
2. डॉ. मर्कियो पोकास, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रासिलिया, ब्रासिलिया, ब्राज़ील 10 मार्श 2018 को "एपिजेनेटिक रेगुलेशन ऑफ़ द विरुलेंस फेनोटाइप्स इन द ह्यूमन पैथोजन *क्रिप्टोकोकस नियोफॉरमैन्स*" पर एक वार्ता करने के लिए पधारे और अपना विशेषज्ञ परामर्श दिया।

9-21 oDd foKku

vkpk;Z ,oa v/;{k
संजय कुमार अग्रवाल

vkpk;Z

दीपंकर मधुसूदन भौमिक | संदीप महाजन

lg-vkpk;Z
सौमिता कमलकुमार बागची

lgk;d vkpk;Z
राज कुमार यादव

विक्रमन जी. (अनुबंध, 22 जुलाई 2017 तक) | अरूण कुमार सुब्बिया (अनुबंध, 15 फरवरी 2018 से)

fof'k"Vrk,¡

विभाग नियमित रूप से नेफ्रोलोजी देखभाल कर रहा है जिसमें किफायती लागत पर गुर्दे प्रत्यारोपण शामिल है। साथ ही संस्थान में एबीओ-असंगत गुर्दा/ गुर्दा संबंधी प्रत्यारोपण नियमित रूप से किया जा रहा है। विभाग निरंतर प्रतिरक्षादमनकारी दवा की निगरानी कर रहा है और यदि गुर्दा प्रत्यारोपण में संक्रमण होता है तो सभी गुर्दा प्रत्यारोपण रोगियों के लिए निगरानी नि: शुल्क है। विभाग द्वारा बहुत कम लागत पर प्रति सप्ताह लगभग 80 रोगियों को हेमोडायलिसिस प्रदान कर रहा है और गरीबी रेखा से नीचे के रोगियों के लिए यह मुफ्त है। विभाग प्राथमिक चरण की केशिकागुच्छीय (ग्लोम्युलर) बीमारी और पुरानी गुर्दे की बीमारी के रोगियों के लिए गुर्दा विज्ञान में संभावित अनुसंधान के लिए नमूनों का जैव भंडार चला रहा है। विभाग संकाय पुरानी किडनी रोग, डायलिसिस और गुर्दा प्रत्यारोपण से संबंधित लगभग सभी सरकारी नीति बनाने के निकायों में है। डॉ एस. के. अग्रवाल राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) के तकनीकी सलाहकार और राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण रजिस्ट्री (एनओटीटीआर) के प्रभारी अधिकारी हैं।

शिक्षा

दीर्घकालिक प्रशिक्षण

विभाग अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से योग्यता के आधार पर एम्स द्वारा चुने गए उम्मीदवारों के लिए तीन साल का डिग्री कोर्स डीएम नेफ्रोलोजी, एमडी (मेडिसिन और बाल चिकित्सा) के पद के लिये चलाता है। इस अवधि के दौरान सात उम्मीदवार डीएम नेफ्रोलोजी पाठ्यक्रम में प्रविष्ट हुए थे। बाल चिकित्सा और पैथोलॉजी विभाग से निवासी /रेजिडेंट/ प्रशिक्षु नियमित रूप से नेफ्रोपैथोलॉजी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए आए। वर्तमान में विभाग के पास तीन (प्रत्येक छः महीने के लिये) गैर शैक्षिक कनिष्ठ रेजिडेंट्स हैं।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

विभाग निम्नलिखित के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा हैः

1. आंतरिक चिकित्सा विभाग से स्नातकोत्तर, जेरिएट्रिक दवाई, आपातकालीन दवा, मूत्रविज्ञान, निश्चेतना तथा गंभीर देखभाल चिकित्सा तथा ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा में कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों तक आवर्तनशील आधार पर परिवर्तनीय अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।
2. भूटान के डॉ सोनम यांगजोम ने 21-28 मार्च 2018 के बीच नेफ्रोलॉजी में अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1 **विश्व किडनी दिवस 2018** और आरएमएल अस्पताल के सहयोग से **7** से **9** मार्च **2018** को गुर्दे की बीमारियों के बारे में एम्स, आरएमएल अस्पताल और ईएसआई अस्पताल, नई दिल्ली में जन जागरूकता का आयोजन किया गया।

2 **दिल्ली नेफ्रोलोजी सोसायटी का वार्षिक अपडेट** एम्स, नई दिल्ली में **21** मई को आयोजित किया गया।

3 विभाग ने एम्स, नई दिल्ली में 27-29 अक्टूबर 2017 तक एक अकादमिक बैठक "एम्स ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस कॉन्क्लेव-2017" आयोजित की। इस बैठक में विभिन्न संकायों के/प्राध्यापकों को देश एवं विदेश से आमंत्रित किया गया था। ग्लोमेरुलर रोग सबसे आम उत्क्रमणीय रोग है जो कि पुराने गुर्दे के रोग का कारण है। इस बैठक का उद्देश्य ग्लोम्युलर बीमारियों पर अभ्यास प्रतिरुप के अनुभव साझा करना था और इन मरीजों की देखभाल पर सर्वसम्मति/आम राय बनाने की कोशिश की गई। इस बैठक को **इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलोजी** द्वारा समर्थित किया गया था। डॉ. डैनियल कतर्न (कनाडा), डॉ संजीव सेठी (मेयो क्लिनिक, यूएसए), डॉ जय राधाकृष्णन (कोलंबिया विश्वविद्यालय, यूएसए) और डॉ लिज़ लाइटस्टोन (इंपीरियल कॉलेज, लंदन) ने विदेशी अतिथि संकाय के रूप में भाग लिया।

व्याख्यान पदत्त

एस.के. अग्रवाल: **12** सौमिता बागची: **7**

दीपांकर भौमिक: **9** आर के यादव: **2**

संदीप महाजन: **17**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुत: **7**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1 शहरी भारतीय आबादी में वयस्कों में पुरानी किडनी रोग के प्रसार को जानने के लिए बहुआयामी अध्ययन, एसके। अग्रवाल, आईसीएमआर, नई दिल्ली, **4** साल, **2012-2018**, **90** लाख रुपये।

2 एंटी फॉस्फोलाइपेस ए **2**(पीएलए **2** आर) रिसेप्टर रोगप्रतिकारक परिसंचरण के स्तर को खोजने के लिए संभावित समूह अध्ययन और इडियोपैथिक/ अज्ञातहेतुक झिल्लीदार नेफ्रोपैथी (आईएमजीएन), के साथ इसके सहसंबंध। एसके अग्रवाल, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 साल, 2017-2020, 31 लाख रुपये।

3 आईजीए नेफ्रोपैथी के जरिये भारतीय रोगियों में सीरम गैलेक्टोज की कमी आईजीए **1** की प्रचलन और महत्व: एक केस नियंत्रण अध्ययन, सौमिता बागची, एम्स, 1 साल, 2017-2018, 5 लाख रुपये।

4 सीवाईपी 3 ए 5 और एमडीआर -1 एकल न्यूक्लियोटाइड पॉलिमॉर्फिज्म और जीवित गुर्दे एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ता में एकल टैक्रोलिमस आधारित प्रतिरक्षादमनकारी, पर इसका प्रभाव। आर.के. यादव, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 4.05 लाख रुपये।

पूर्ण

टाइप-द्वितीय मधुमेह के कारण गुर्दे की बीमारी की प्रगति को धीमा कर गुर्दे की कार्यक्षमता को संरक्षित करने में हाइड्रोक्साइक्लोक्वाइन की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, एस.के. अग्रवाल, आईपीसीए फार्मास्युटिकल, 18 महीने, 2016-2017, 8.5 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वृक्क प्रतिस्थापन के चिकित्सा वाले रोगियों में एचबीवी और एचसीवी संक्रमण के क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंध।
2. जीवित संबंधित गुर्दा प्रत्यारोपण के परिणामों के संबंध में सीएसए तथा टैक्रोलिमस का प्रभाव।
3. सीएमवी संक्रमण की घटनाओं और स्वरूप पर भारतीय परिप्रेक्ष्य में डी+/आर+ गुर्दा प्रत्यारोपण में वैलगैलसिसलोवर के साथ सार्वभौमिक सीएमवी प्रोफेलेक्सिस का प्रभाव।

4. आईजीए नेफ्रोपैथी का एक सहायक प्रबंधन - एक संभावित अध्ययन।
5. तृतीयक देखभाल नेफ्रोलोजी सेंटर में परक्यूमिक हेमोडायलिसिस कैथेटर के परिणामों का अध्ययन करने के लिए 6 थ्री आर्म रैंडमाइज्ड कंपैरिजन ऑफ लैपरोस्कॉपिक पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर इनसर्टेन विद और विदआउट ओन्टेक्टोमी वर्सेस कन्वेंशनल ओपन पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर इनसर्टेन इन क्रॉनिकल किडनी डिजीज स्टेज 5 पेशेंट इन टर्म ऑफ कैथेटर मालफंक्शन एंड पोस्ट ऑपरेटिव कॉंपलिकेशंस।
6. एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में हेमोडायलिसिस से गुजरने वाले सीकेडी रोगियों के यूरिया-क्रिएटिनिन क्लीयरेंस और थकान स्तर पर इंट्राडियलिटिक अभ्यास के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
7. पुराने गुर्दे की बीमारी वाले रोगियों और गुर्दे प्रत्यारोपण के प्रभाव में संज्ञानात्मक कार्य का अध्ययन।
8. गुर्दे प्रत्यारोपण से पहले और उसके बाद हेमोडायलिसिस पर पुरानी गुर्दे की बीमारी के मरीजों में अभ्यास की सहनशीलता और पोषण की स्थिति में बदलावों का मूल्यांकन करने के लिए एक समूह अध्ययन।

पूर्ण

1. गुर्दा प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता और हिस्टोपैथोलॉजिकल सह संबंध में प्रोटीनूरिया
2. भारतीय संबंध में संबंधित गुर्दे एलोग्राफ्ट प्राप्तकर्ता जीवित में जोखिम कारक, नैदानिक प्रोफाइल और देर से बनाम जल्दी एमवी संक्रमण के परिणाम का आकलन।
3. भारत में क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) देखभाल की प्रक्रिया और परिणाम के संभावित समूह अध्ययन।
4. तीव्र गुर्दे की चोट (एकेआई) के स्पेक्ट्रम और भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में इसकी लघु और दीर्घ अवधि के परिणाम।
5. पोस्ट-प्रत्यारोपण तपेदिक की घटनाओं पर सीएनआई के प्रकार का प्रभाव
6. लुमेनिक्स आधारित दाता विशिष्ट एंटीबॉडी के तुलनात्मक विश्लेषण अर्थात पूरक-निर्भर टोटोक्सिसिटी के साथ फ्लोरोसेंस तीव्रता मान और लाइव गुर्दा दाता प्रत्यारोपण में क्रॉस-मैच परिणाम प्रवाह।
7. भारत में एक तृतीयक केंद्र से मोनोसिस्टिक जिरोवेसी और रोगियों में इसके नैदानिक सहसंबंध के जीनोटाइप प्रसारित करना।
8. सोफोसबूविर-आधारित आहार का उपयोग करके हेपेटाइटिस सी हेमोडायलिसिस रोगियों का इलाज किया।
9. **195** देशों और क्षेत्रों में व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल के लिए उपयुक्त कारणों से मृत्यु दर पर आधारित स्वास्थ्य देखभाल पहुंच और गुणवत्ता सूचकांक।
10. राष्ट्र के भीतर राष्ट्र: भारत के राज्यों में महामारी परिवर्तन में भिन्नताएं, ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 1990-2016।
11. गुर्दे प्रत्यारोपण से गुजरने वाले सीकेडी -5 डी रोगियों में सीआईएमटी में बदलावों का मूल्यांकन करना
12. भारतीय जनसंख्या में आईजीए नैफ्रौपैथी का ऑक्सफोर्ड वर्गीकरण के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन।
13. भारत में बुजुर्ग रोगियों में बायोप्सी सिद्ध गुर्दे की बीमारी की प्रोफाइल के मूल्यांकन के लिये पूर्वव्यापी अध्ययन।
14. नैदानिक रूपरेखा और उपचार प्रतिक्रिया के मूल्यांकन के लिये पूर्वव्यापी अध्ययन और प्राथमिक एफएसजीएस के साथ व्यस्क रोगियों के परिणाम।
15. गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में अस्पताल में भर्ती आवश्यकता संक्रमण की प्रोफाइल और जोखिम कारक।
16. भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में बायोप्सी सिद्ध गुर्दे की बीमारी के पैटर्न चित्रित करना।
17. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में फेफडे में संक्रमण : भावी कोहॉर्ट पर्यवेक्षण अध्ययन।
18. गुर्दे के प्रत्यरोपण के पहले और बाद धमनी कठोरता और स्वायत्त कार्य का आकलन।
19. गुर्दे दाताओं का दीर्घकालिक परिणाम।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. नवजात शिशुओं और गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं से मानव साइटोमेगालोवायरस का पता लगाना और जीनोटाइपिंग, माइक्रोबायोलॉजी।
2. मॉलिकुलर डिटेक्शन एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ न्यूमोसिस्टिस जीरोवेकी इन रिस्पीरेटिरी सैम्पल्स फ्रॉम द पेशेंट बोथ इम्यूनोकॉम्प्रोमाइज्ड एज़ वैल इम्यूनोकॉम्पेटेंट विद सस्पेक्टिड इंटरस्टिशियल निमोनिया एण्ड अदर क्रोनिक लंग डिजीज, माइक्रोबायोलॉजी।
3. टू स्टडी द प्रीवलेंस ऑफ यू एल 97 जीन म्युटेशन इन गैंसिक्लोविर नॉन- रिस्पोंडर्स बनाम रिस्डर्स इन इंडिया रिनल ट्रांसप्लांट पेशेंट्स, लैब मैडिसिन।
4. परिणामों की तुलना का एक भावी अध्ययन तथा लेप्रोस्कोपीक दाता नेफ्रेक्टोमी बनाम खुली दाता नेफ्रोक्टोमी के बाद जीवन की गुणवत्ता, सर्जरी।
5. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी का नैदानिक उपभेदों की जनसंख्या आनुवांशिकी का अध्ययन और इसके क्लिनिकों-महामारी विज्ञान सहसंबंध, माइक्रोबायोलॉजी।
6. सबक्लिनिकल क्रिप्टोकोकस के निदान के लिये इम्युनोब्लॉट विश्लेषण का विकास, माइक्रोबायोलॉजी।
7. इंट्रावस्कुलर फ्ल्यूड गाइडेड थेरेपी वर्सेस स्टैंडर्ड फ्ल्यूड थेरेपी इन प्रैडिक्टिड सीवर एक्यूट पैंक्रियाटिटिस: ए रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी।
8. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में बीके पॉलीमावायरस का पता लगाने और जीनोटाइप वितरण, माइक्रोबायोलॉजी।
9. न्यूरोसर्जरी में मांसपेशी एंजाइम उन्नयन का अध्ययन और तीव्र गुर्दे की चोट में इसकी प्रासंगिकता: एक प्रमुख अध्ययन, न्यूरोनाएस्थेसिया
10. सेलुलर अस्वीकृति में ग्लोम्युलर कैशिलरी एंडोथोरियल चोट का एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और अल्ट्रास्ट्रक्चरल अध्ययन, पैथोलॉजी।
11. मैंबरेनस नैफ्रोपैथी: नैदानिक सहसंबंध, पैथोलॉजी के साथ इम्यूनोफ्लोरेसेंस, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और पीएलए 2 आर प्रोफाइल का एक अध्ययन।
12. सबक्लिनिकल क्रिप्टोक्कोसिस के निदान के लिए इम्यूनोब्लोट परख का विकास, माइक्रोबायोलॉजी।
13. दिल्ली और भारत के अन्य हिस्सों से एंटीफंगल संवेदनशीलता परीक्षण और क्रिप्टोकोकल आइसोलोट्स की जीनोटाइपिंग, माइक्रोबायोलॉजी।

पूर्ण

1. पोस्ट प्रत्यारोपण मधुमेह मेलिटस - एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, फार्माकोलॉजी
2. ल्युपस नेफ्रैटिस में उपचार की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी बायोमार्कर की पहचान, काय चिकित्सा।
3. क्रोनिक किडनी रोगी (चरण 5डी) रोगियों में ऑर्गनोक्लोराइन कीटनाशकों के स्तरों पर गुर्दे के प्रत्यारोपण के प्रभाव का मूल्यांकन, लैब मेडिसिन।
4. शल्य गहन देखभाल इकाई में आघात रोगियों में गुर्दे की गंभीर चोट (एकेआई) में एक प्रारंभिक मार्कर के रूप में प्लाज्मा और यूरिन न्यूट्रोफिल गेलेटाइनस - सहयोगी लिपोकेलिन (एनजीएएल) का मूल्यांकन, एनेस्थीसिया।

प्रकाशन

जर्नल :16 पुस्तको में अध्याय : 1

रोगी देखभाल

निम्नलिखित रोगियों को संबंधित सुविधा प्रदान की गई थी।

क्रम. सं.	क्षेत्र			
1.	*एचडी संबंधित*			
	नए मरीज	1312	आपातकालीन रोगी	997
	कुल एचडी	11,817	प्लाजमफेरेसिस	148
	फेमोरल नस कैथीटेराइजेशन	666	जुगुलर / सबक्लेवियन कैथेराइजेशन	342
	एवी फिस्टुला	641	एवी शंट्स	0
	फार्माकैथ इंसर्शन	57		
2.	आईसीयू से संबंधित			
	सीआरआरटी/एसएलईडी	74		
3.	पेरिटोनियल डायलासिस			
	तीव्र पीडी	32	सीएपीडी	33
4.	आंतरिक संबंधित			
	किडनी बायोप्सी	704	लीवर बायोप्सी	0
	आंतरिक नियमित प्रवेश	1467	आंतरिक लघु प्रवेश	949
	आंतरिक मौत/पुरुष	73/45	नेफ्रोलॉजी परामर्श	5395
	अल्ट्रासाउंड	699		
5.	डे केयर उपचार			
	पल्स मिथाइल प्रेडनिसोलोन	63	चतुर्थ लौह थेरेपी	154
	चतुर्थ साईक्लोफॉस्फोमाईड	60	अन्य	672
6.	गुर्दे प्रत्यारोपण			
	एलआरआरटी का मूल्यांकन	467	कैडावर प्राप्तकर्ता का मूल्यांकन	134
	लिविंग आरटी किया	129	कैडावर आरटी किया	12
7.	गुर्दा प्रयोगशाला से संबंधित			
	रक्त नमूनाकरण	1,02,291	बायोकैमिस्ट्री (यूरिया, सीआर, एनए, के)	1,02,291
	मूत्र परासरणीयता	204	24 घंटे मूत्र परीक्षण	14,614
	आरटी रोगियों के लिए हेमोग्राम	11,906	सीओ 2	23,091
	सीरम आयरन	7990	टी संतृप्ति	8172
	टीआईबीसी	7984	यूआईबीसी	7984
	सीरम फेरिटिन	2073	एनजीएल	0
	टीएसी स्तर	4551	विटामिन डी और पीटीएच	793
8.	ओपीडी संबंधित			
	गुर्दा क्लिनिक नया रोगी	11,574	गुर्दा क्लिनिक पुराना रोगी	39,537

	गुर्दा क्लिनिक कुल रोगी	51,111	आरटी नए मामले	141
	आरटी परामर्श क्लिनिक (3 दिन / सप्ताह)	2290	आरटी पुराने मामले	10,719
			आरटी क्लिनिक कुल मामले	10,860

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर एसके अग्रवाल भारतीय जे नेफ्रोलॉजी के संपादक थे; इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलोजी की राष्ट्रीय तीव्र किडनी चोट रजिस्ट्री के कोर ग्रुप सदस्य; कैंसर, मधुमेह, कार्डियोवैस्कुलर (हृदय संबंधी रोग) और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस), अगस्त **2017** की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य होने के लिए आमंत्रित; देश में गुर्दे प्रतिस्थापन चिकित्सा के लिए भारत सरकार के मेडिकल टेक्नोलॉजी आकलन बोर्ड (एमटीएबी) में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, **2017; 2017** के लिए इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलोजी द्वारा "डॉ वीएन आचार्य" ऑरेशन अवॉर्ड का पुरस्कार; पोस्ट गुर्दा प्रत्यारोपण अवधि में तपेदिक पर पेपर के लिए **62** वें एम्स फाउंडेशन दिवस समारोह के दौरान **25** सितंबर को एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार **2017** का पुरस्कार; इंदौर में आयोजित सोसाइटी के **28** वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्गन प्रत्यारोपण की सभा, **13-15** अक्टूबर **2017;** राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम के लिए दिशानिर्देश बनाने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; विशेषज्ञ समिति के सदस्य भारत में निरंतर एम्बुलरी पेरीटोनियल डायलिसिस के लिए परिचालन दिशानिर्देश बनाते हैं; **2016-2018** के लिए आईएसएन- एसीटी कमेटी सदस्य के रूप में आईएसएन-एडवांसिंग क्लिनिकल ट्रायल (एसीटी) द्वारा निर्वाचित; अध्ययन बोर्ड के सदस्य (बीओएस) -टेक्सिला अमेरिकन यूनिवर्सिटी में डायलिसिस प्रबंधन के सदस्य; **19-22** जनवरी **2017** के दौरान प्रभावित क्षेत्र में पुरानी गुर्दे की बीमारी की बढ़ती घटनाओं का प्रत्यक्ष मूल्यांकन; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा गठित स्वास्थ्य अनुसंधान पर संवर्धन और मार्गदर्शन के लिए समन्वय और इंटर-सेक्टरल अभिसरण की अनुदान-इन-एड (जीआईए) योजना के तहत किडनी रोगों के लिए गठित "विशेषज्ञ समूह" के सदस्य होने के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रोफेसर दीपांकर एम भौमिक बायोइंजिनियरिंग पर डीबीटी टास्क फोर्स के सदस्य थे; गैर-संक्रमणीय बीमारियों में आईसीएमआर एड-हॉक कमेटी के सदस्य; दिल्ली में 48 वीं भारतीय सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलोजी सम्मेलन 2017 (आईएसएनसीओएन-2017) के संयुक्त सचिव; पीएमएसएसवाई-चरण **III** के तहत मेडिकल कॉलेजों के उन्नयन के लिए उपकरणों के तकनीकी विनिर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए समिति के सदस्य; नेफ्रोलॉजी पर इंडियन सोसाइटी के सचिव-उत्तरी क्षेत्र; इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलोजी के सहयोगी संपादक; दिल्ली के किडनी फाउंडेशन संस्थान के कोषाध्यक्ष; दिल्ली नेफ्रोलोजी सोसाइटी के संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष; एम्स भोपाल और एम्स जोधपुर में संकाय (विभाग) चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के लिए डीएम परीक्षक; गुरु कृपा ट्रस्ट के न्यासदाता (ट्रस्टी) ।

प्रोफेसर संदीप महाजन राष्ट्रीय पीडी दिशानिर्देश समिति के सदस्य थे; पेरीटोनियल डायलिसिस सोसाइटी ऑफ इंडिया के उत्तरी जोनल कार्यकारी; न्यू-यॉर्क यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन द्वारा एनआईएच / एनएचएलबीआई द्वारा वित्त पोषित आईएससीईएमआईए-सीकेडी परीक्षण के लिए भारत (नेफ्रोलोजी) के लिए देश के नेतृत्व के रूप में नियुक्त किया गया; नेफ्रोलोजी रिसर्च के जर्नल ऑफ संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में आमंत्रित, आईएचजे केस रिपोर्ट; भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य फाउंडेशन द्वारा हाइपरटेंशन प्रबंधन में सर्टिफिकेट कोर्स के राष्ट्रीय विशेषज्ञ पैनल में आमंत्रित किया गया; इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलोजी की वैज्ञानिक समिति के नियुक्त सदस्य; टेक्सिला अमेरिकन यूनिवर्सिटी के लिए पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल प्रोग्राम (नेफ्रोलोजी) के लिए कार्यक्रम अध्यक्ष नियुक्त किया गया; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (भारत) के सदस्य के रूप में निर्वाचित; बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा मेटाबोलिक विकारों और ऑटो-इम्यून रोगों के पुनर्निर्मित टास्क फोर्स के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में मनोनीत; राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत पेरिटोनियल डायलिसिस के

रोल-आउट के लिए समिति के सदस्य; अतिरिक्त बजटीय संसाधनों और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर समिति के सदस्य; इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन द्वारा आईसीयू में एंटीबायोटिक निर्धारित करने के लिए दिशानिर्देश 'तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. आरके यादव ने जयपुर में आयोजित **17** फरवरी **2018** को एनजेड आईएसएनसीओएन **2018** में **"**ए रेअर केस ऑफ आइसोलेटेड सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस इन ए रेनल ट्रांसप्लांट रेसिपेंट**"** शीर्षक वाला दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

अतिथि वैज्ञानिक

1. क्रिस लार्सन, स्टाफ पैथोलॉजिस्ट, आर्काना लेबोरेटरीज, 10810 कार्यकारी केंद्र ड्राइव, स्टी। 100 लिटिल रॉक, एआर 72211 और मैमब्रेनस नेफ्रोपैथी पर बात की: 10 अक्टूबर 2017 को अद्यतन।
2. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के एसोसिएट प्रोफेसर और सीनियर अकादमिक के डीन डॉ. अजय सिंह, ने 20 मार्च 2018 को नेफ्रोलोजी विभाग का दौरा किया और "उच्च प्रभाव कारक जर्नल प्रकाशित कैसे करें" पर एक व्याख्यान दिया।

9-22 ukfHkdh; pEcdh; vuukn

vkpk;l vkj v/;{k

एन. आर. जगन्नाथन

vkpk;l

रमा जयासुंदर   एस. सेंथिल कुमारन

Lkg vkpk;l

उमा शर्मा   वीरेंद्र कुमार

oKkfud

सुजीत कुमार मेवाड   पवन कुमार

fof'k"Vrk,i

आचार्य एन. आर. जगन्नाथ ने 16–20 जुलाई 2017 को 19वें इंटरनेशनल बायोफिजिक्स कांग्रेस, एडिनबर्ग, यूके के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। विभाग ने रोगी देखभाल और अनुसंधान के लिए एक अत्याधुनिक 1.5 टी एमआरआई स्कैनर लगाया।

f'k{kk

LukrdkÙkj

संकाय और वैज्ञानिकों ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स; एमबीबीएस पाठ्यक्रम थर्ड सेमेस्टर और एमडी फिजियोलॉजी पाठ्यक्रम के एम. बायोटेक प्रोग्राम के *''कोर्स 10 : स्ट्रक्चरल बायोलॉजी एंड एनएमआर टेक्नोलॉजी, कोर्स 11 : बायोइंफॉर्मेटिक्स''* और *''मॉलीकुलर मेडिसिन''* शीर्षक पाठ्यक्रम में भाग लिया और व्याख्यान दिया।

vYidkfyd@nh?kdkfyd if'k{k.k

भारत के विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से चिकित्सा एवं विज्ञान विषयों से सात व्यक्तियों तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बी.एससी रेडियोग्राफी के छात्रों ने एमआरआई, एफएमआरआई और एमआरएस तकनीकों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

Øfed vk;foKku f'k{kk@dk;'kkyk,@lxk"Bh@jk"Vh; vkj vrjjk"Vh; lEeyu

विभाग ने 22 मार्च 2018 को विभाग दिवस पर सीईएसटी इमेजिंग और परफ्यूजन इमेजिंग पर एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित किया। संकाय ने वर्ष के दौरान चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों में भाग लिया तथा कई व्याख्यान दिया।

inÙk 0;k[;ku

एन. आर. जगन्नाथन : 7   रमा जयासुंदर : 41   एस. सेंथिल कुमारन : 4
वीरेंद्र कुमार : 1

ekf[kd i=@ikLVj dh iLrfr % 22

vul/kku

tkjh

1. विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों (एफआईएसटी) में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की बुनियादी संरचना के सुधार के लिए निधियां, एन. आर. जगन्नाथन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, (डीएसटी), भारत सरकार, 5 वर्ष, 2014–19, 147.00 लाख रुपए।
2. मानकीकरण और गुणवत्ता आकलन के लिए औषधीय पादपों के स्पेक्ट्रोस्कोपी विश्लेषण, रमा जयासुंदर, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 4 वर्ष, 2014–18, 48.96 लाख रुपए।

3. आयुर्वेदिक फार्माकोलॉजी में 'रस' के मौलिक प्रश्न को संबोधित करने के लिए एनएमआर फाइटोमेटाबोलोमिक्स और कीमोसेंसरी संकेत का अध्ययन। रमा जयासुंदर, विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–20, 74.76 लाख रुपए।
4. संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक जैव मार्कर्स आधारित चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में क्लासिकल आयुर्वेदिक हस्तक्षेपों की पैथो बायोलॉजी का वर्णन करना, रमा जयासुंदर (पीआई–2), विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–20, 79 लाख रुपए।
5. चुंबकीय अनुनाद की तकनीक का प्रयोग करते हुए मस्तिष्क के पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी अध्ययन में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के रूप में योग के विज्ञान को समझना, रमा जयासुंदर (पीआई–2), विज्ञान और इंजीनियरी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–19, 43.23 लाख रुपए
6. आकारिकी, कार्यात्मक, बायोकेमिकल और व्यवहार के मूल्यांकन के बाद ईएमएफ विकिरण, एस. सेंथिल कुमारन, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2015–18, 52.7 लाख रुपए।
7. संज्ञान पर पर्यावरण और व्यावसायिक शोर के प्रभाव, एस. सेंथिल कुमारन, लाइफ साइंसेस रिसर्च बोर्ड (एलएसआरबी), डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2018–2020, 59.25 लाख रुपए।
8. बाल्यावस्था के तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के एनएमआर मेटाबोलॉमिक्स और रोग की प्रगति के साथ इसके सहसंबंध, वीरेंद्र कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2017–18, 3.5 लाख रुपए।

foHkkxh; ifj;kstuk,a

tkjh

1. चुनिंदा औषधीय पौधों के कार्यात्मक संकेतों के लिए कीमोसेंसरी और फार्माकोलॉजिकल मूल्यांकन के लिए एनएमआर फाइटोमैटोबोलॉमिक्स।
2. आयुर्वेद में इस्तेमाल होने वाले औषधीय पौधों के कार्यात्मक संकेतों के लिए एनएमआर मेटाबोलोमिक्स और फार्माकोलॉजिकल जांच।
3. स्ट्रोक के रोगियों में आयुर्वेद और योग हस्तक्षेप की चिकित्सीय दक्षता के आकलन में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका।
4. एनएमआर तकनीक का उपयोग कर पार्किंसन रोग में बायोमार्कर की पहचान।
5. मामूली संज्ञानात्मक क्षति से पीड़ित पार्किंसन रोगियों के मस्तिष्क में कार्यात्मक मैपिंग और जैव रासायनिक सहसंबंध।
6. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा सेलियाक रोग के मेटाबोलोमिक्स अध्ययन।
7. स्तन कैंसर के अध्ययन के लिए चुंबकीय अनुनाद (एमआर) बहु–पैरामीट्रिक दृष्टिकोण और आण्विक मार्कर के साथ इसका सहसंबंध।
8. स्वस्थ नवजात शिशुओं की मेटाबोलोमिक रूपरेखा।
9. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन।
10. चूहों में क्षणिक फोकल मस्तिष्क इस्चेमिया के बीच सेरेबेरल धमनी रुकावट मॉडल में नैनो वाहक आधारित बेब्रेराइन क्लोराइड के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।
11. चूहों में स्ट्रोक के प्रयोगात्मक मॉडल में डायहाइड्रोमाइकेटिन का मूल्यांकन और चूहे में स्ट्रोक के बाद दौरे की संवेदनशीलता।
12. हिपेटिक ग्लायकोजेनेसिस टाइप I और III का आण्विक और जैव रासायनिक लाक्षणीकरण।
13. प्रोस्टेट कैंसर से ग्रस्त रोगियों में इन–बोर एमआर निर्देशित लक्षित प्रोस्टेट बायोप्सी।
14. प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में रक्त और मूत्र के एनएमआर मेटाबोलोमिक्स अध्ययन।

Ik.k

1. चूहों में स्ट्रोक की प्रयोगात्मक मॉडल में लेरकानिडिपाइन और सिटालोप्रेम का तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन।

Lkg;ksxh ifj;kstuk,a

tkjh

1. मूवमेंट डिसऑर्डर में न्यूरो–इमेजिंग हाइपोस्मिया, तंत्रिका विज्ञान, एम्स।
2. नेक्सस्टिम नेविगेटेड मस्तिष्क स्टीमुलेशन सिस्टम (एनबीएस), कार्यात्मक एमआरआई और एमईजी का उपयोग कर पुराने दुसाध्य मिर्गी में विलक्षण कॉर्टेक्स मैपिंग : एक तुलनात्मक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान, एम्स और एनबीआरसी, मानेसर।
3. कम लागत वाली गैर आक्रामक मस्तिष्क स्टीमुलेशन तकनीकों का उपयोग करके पोस्ट स्ट्रोक रिवकरी को बढ़ाने के लिए न्यूरल प्लास्टीसिटी की समझ और सुविधा, तंत्रिका विज्ञान, एम्स।
4. हाइपोक्सिक आइस्केमिक मस्तिष्क की चोट में नोर्मोबैरिक ऑक्सीजन थैरेपी, फ्लूक्साइटिन और ट्रांसक्रैनियल डायरेक्ट करंट स्टीमुलेशन (आरटीसीडीएस) की भूमिका–एचआईबीआई पहल, तंत्रिका विज्ञान, एम्स।

5. ट्युबरकुलोसिस मेनिंजाइटिस वाले रोगियों में इंफर्क्शन की भविष्यवाणी के लिए डायग्नोस्टिक ग्रिड का विकास, तंत्रिका विज्ञान, एम्स।
6. फाइब्रोमाल्जिया रोगियों में कॉर्टिकोमोटर एक्साइटेबिलिटी और संज्ञानात्मक कार्यों पर न्यूरोनेविगेशन आधारित आरटीएमएस थैरेपी का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स।
7. क्रॉनिक माइग्रेन में न्यूरो–नेविगेशन आधारित दोहराव वाले ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय स्टीमुलेशन की भूमिका, शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स।
8. मल्टी सोमेटोफॉर्म डिस्ऑर्डर के रोगियों में शारीरिक, संज्ञानात्मक और भावनात्मक तनाव का प्रभाव : एक एफएमआरआई आधारित प्रकरण नियंत्रण अध्ययन, मनोरोग, एम्स।
9. बाइपोलर डिसऑर्डर टाइप 1 में आत्महत्या वाले रोगियों में ग्रे मैटर वॉल्यूम और व्हाइट मैटर इंटेग्रिटी का आकलन, मनोरोग, एम्स।
10. तीव्र लिम्फोब्लासटिक ल्यूकेमिया का इलाज करवा रहे बच्चों में न्यूरोइमेजिंग और सेरेब्रल मेटाबोलाइट परिवर्तन : एक प्रायोगिक अध्ययन, बाल चिकित्सा विज्ञान, एम्स।
11. क्षय के निदान में लघु अणु जैव–हस्ताक्षर, सूक्ष्म जीव विज्ञान, एम्स
12. आराम के दौरान ईईजी और मस्तिष्क आयरन के स्तर के कॉर्टिकल स्रोत और ध्यान घाटे अति सक्रियता विकार ए.डी.एच.डी. में विजुयोस्पेशियल वर्किंग मेमोरी का अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स।
13. तंत्रिका संज्ञानात्मक गिरावट और मस्तिष्क चयापचय से जुड़े एचआईवी, काय चिकित्सा, एम्स।
14. तीव्र क्रोनिक यकृत विफलता (एसीएलएफ) में मेटाबोलामिक्स के माध्यम से अंग की क्रॉस टॉक को मापना–एक प्रायोगिक अध्ययन, जैव रसायन, एम्स।
15. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने और स्थानीयकरण में मल्टीपेरामैट्रिक एमआरआई की भूमिका, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र, आईआईटी–दिल्ली।
16. अनियमित जुनूनी बाध्यकारी विकार रोगियों में चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा मूल्यांकित मस्तिष्क न्यूरोकैमिस्ट्री में असामान्यताएं और एस्किटेलोप्राम उपचार के 12 सप्ताह के बाद परिवर्तन, मनोरोग, एम्स।
17. चूहों में क्षणिक फोकल मस्तिष्क इस्चेमिया के बीच सेरेबेरल धमनी रुकावट मॉडल में नैनो वाहक आधारित बेब्रेराइन क्लोराइड के तंत्रिका रक्षात्मक अध्ययन, फार्माकोलॉजी, एम्स।
18. चूहे मध्य सेरेब्रल धमनी प्रकोप में एंजियोटेंसिन रिसेप्टर मॉडुलन का प्रभाव : आकारिकी और जैव रासायनिक अध्ययन, शरीर रचना, एम्स।
19. चूहों में स्ट्रोक के प्रयोगात्मक मॉडल में डायहाइड्रोमाइरीसेटिन का मूल्यांकन और चूहे में स्ट्रोक के बाद दौरे की संभावना, फार्माकोलॉजी, एम्स।

पूर्ण

1. स्पाइनोसेरेबेलर एटैक्सिया (एससीए) टाइप 1, 2 और 3 के रोगियों में स्वायत्त कार्यों का मूल्यांकन और मस्तिष्क में परिवर्तनकारी परिवर्तनों के साथ तुलना, शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स।
2. कार्यात्मक न्यूरोइमेजिंग (एफएमआरआई) तकनीक का उपयोग करके स्कैडिक आंख के मूवमेंट का अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स।
3. पार्किंसन रोग के 6–ओएचडीए चूहा मॉडल में सुपरपरमैग्नेटिक नैनोपार्टिकल इप्लांटेशन का प्रभाव : मैग्नेटिक फील्ड स्टीमुलेशन की भूमिका, शरीर क्रिया विज्ञान, एम्स।
4. डिसोसिएटिव कन्वल्सन में डिसोसिएशन के तंत्रिका सहसंबंधों पर क्रॉस–सेक्शनल, नियंत्रित एफएमआरआई अध्ययन, मनोरोग विज्ञान, एम्स।
5. बाइपोलर I विकार वाले यूथेमिक रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों के तंत्रिका रासायनिक संबद्ध, मनोरोग, एम्स।
6. मल्टीपैरामेट्रिक एमआरआई, प्रसार टेंसर इमेजिंग की भूमिका और प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मात्रात्मक शियर वेव एलास्टोग्राफी, रेडियोडायग्नोसिस, एम्स।

i:dk'ku

if=dk,¡ % 15

jkxh mipkj

विभाग में रोगी उपचार एवं अनुसंधान के लिए तीन होल बॉडी एमआरआई स्केनर्स (एक 1.5 टेसला तथा दो 3.0 टेसला स्केनर्स) हैं। विभाग क्लिनिकल एमआरआई सुविधा प्रदान करता है और इसका समय सोमवार से शुक्रवार तक कम से कम 12 घंटें और शनिवार को शाम 5.00 बजे तक के लिए तीन उपयोगकर्ता–विभाग, रेडियो डायग्नोसिस, न्यूरो रेडियोलॉजी और कार्डियक रेडियोलॉजी के बीच विभाजित है। विभाग में न्यूरो रेडियोलॉजी और रेडियो डायग्नोसिस (शल्य क्रिया के बाद की जटिलताओं, दुर्घटना वाले रोगियों और विशेष गणमान्य व्यक्तियों) को

आपातकालीन निदान सेवाएं प्रदान की जाती हैं। अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक कुल 7136 एमआरआई/एमआरएस/एफएमआरआई स्कैन किए गए थे।

i|jLdkj] lEeku vkj egRoi.k miyfC/k;k

प्रोफेसर एन. आर. जगन्नाथन 19वां इंटरनेशनल बायोफिजिक्स कांग्रेस, एडिनबर्ग, यूके 16–20 जुलाई 2017 के लिए भारतीय प्रतिनिधि; सह–अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार समूह–डिवाइस और निदान, नेशनल बायो–फार्मा मिशन, जैव प्रौद्योगिकी औद्योगिक अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक), भारत सरकार; उपाध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारतीय प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया; सदस्य, काउंसिल ऑफ इण्डियन साइंस कांग्रेस; अध्यक्ष, आईएनएसए कमेटी फॉर इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एण्ड एप्लाइड बायोफिजिक्स (आईयूपीएबी); जे. सी. बोस नेशनल फेलो, डीएसटी, भारत सरकार; अध्यक्ष, इण्डियन चैप्टर ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), यूएसए; वाइस–प्रेजिडेंट, मोलिकुलर इमेजिंग सोसायटी ऑफ इण्डिया (एमआईएसआई); एसोसिएट सदस्य, क्वांटिटेटिव इमेजिंग नेटवर्क (क्यूआईएन), नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (एनसीआई), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच), यूएसए; अध्यक्ष (मॉडरेटर), 'ऑन्कोलॉजी – प्रीक्लिनिकल इमेजिंग' पर सत्र, वर्ल्ड मोलिकुलर इमेजिंग कांग्रेस 2017, फिलाडेलफिया, यूएसए, सितंबर 2017; डीएसटी सुविधा प्रबंधन समिति (एफएमसी) के नामांकित सदस्य, परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास, चेन्नई; अध्यक्ष, इंडिजिनस मैग्नेटिक रेज़ोनेंस इमेजिंग (आईएमआरआई) के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी)–एक राष्ट्रीय मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय; भारत सरकार; सदस्य, विज्ञान सलाहकार समिति (एसएसी), सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर), एसजीपीजीआई कैंपस, लखनऊ; सदस्य, डीएसटी के टास्क फोर्स ऑन कॉग्निटिव साइंस रिसर्च (सीएसआरआई); सदस्य, प्रगति समीक्षा समूह (पीआरजी), आईसीएमआर, भारत सरकार। सदस्य, उच्च शैक्षणिक संस्थानों में एसएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के सुधार के लिए फंड (एफआईएसटी) डीएसटी, भारत सरकार; अध्यक्ष, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्यांकन और सलाहकार समूह (एमईएजी) के आईआईपीएम, बाइरैक, भारत सरकार; सदस्य, अध्याय समिति, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), यूएसए; उप संपादक, *न्यूरोसाइंस इमेजिंग एंड बायोफिजिकल समीक्षा*; सदस्य, संपादक बोर्ड (i) मेग्मा (भौतिकी, जीवविज्ञान और चिकित्सा में चुंबकीय अनुनाद सामग्री), (स्प्रिंगर); (ii) चुंबकीय अनुनाद अंतर्दृष्टि, लिबर्टीज एकेडमी, यूएसए; (iii) एनएमआर बायोमेडिसिन, जॉन विले एंड संस; (iv) चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग, एल्सेवियर; (v) बायोमेडिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड इमेजिंग, आईओसी प्रेस, नीदरलैंड्स, स्प्रिंगर; सदस्य, संचालन समिति, एशियाई बायोफिज़िक्स एसोसिएशन (एबीए); सदस्य, संचालन समिति, परिष्कृत उपकरण डीएसटी की सुविधाएं; समन्वयक, 'बायोमेडिकल डिवाइस और बायोइंजीनियरिंग' पर विशेषज्ञ पैनल, लाइफ साइंसेज रिसर्च बोर्ड, डीआरडीओ; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग समूह, आईआईटी इंदौर; सदस्य, विज्ञान सलाहकार परिषद, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर, हरियाणा; विगत अध्यक्ष, भारतीय बायोफिजिकल सोसायटी (आईबीएस); अध्येता, इण्डियन एकेडमी ऑफ साइंसेज (एफएएससी), बैंगलोर; अध्येता, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (एफएनएएससी), इलाहाबाद; अध्येता, नेशनल मेडिकल अकेडमी ऑफ साइंसेज (एफएएमएस), दिल्ली; अध्येता, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेजोनेंस इन मेडिसिन (आईएसएमआरएम), यू.एस.ए. और अध्येता (एफ.एन.ए), भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए)।

आचार्य रमा जयासुंदर को वुमेन अचीवर पुरस्कार, गांधी स्मृति और दर्शन समिति, भारत, सितंबर 2017 में प्राप्त हुआ; मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), कोलकाता, तीन वर्ष की अवधि के लिए बोर्ड ऑफ गवर्नर में मनोनीत मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), मोहाली, सितंबर 2017 में प्रोफेसरों के नियुक्ति के लिए चयन समिति पर नामित परिषद के रूप में भारत सरकार द्वारा मनोनीत; सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, उत्कृष्टता केंद्र, इंटरडिसिप्लिनरी स्कूल ऑफ हैल्थ साइंसेस, सावित्रीबाई फूले पूणे विश्वविद्यालय, तीन वर्ष, जनवरी 2018; सदस्य आयोजन समिति, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर मैग्नेटिक रेज़ोनेंस इन मेडिसिन (आई.एस.एम.आर.एम.) वर्कशॉप ऑन क्वांटेटिव बॉडी इमेजिंग, आयुष अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को स्थापित करने के लिए प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्ति; इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी–यूनिवर्सिटी ऑफ वेलिंगटन (न्यूजीलैंड), यूनिवर्सिटी ऑफ कैंटरबरी (न्यूजीलैंड), मॉस्को (रूस), फोर्डहम यूनिवर्सिटी (यूएसए), यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया (यूएसए) में आमंत्रित व्याख्याता; 7 सम्मेलनों में मुख्य वक्ता; 3 सम्मेलनों में मुख्य एवं पूर्ण वक्ता; 6 वैज्ञानिक बैठकों और सम्मेलन में मुख्य एवं सम्मानित अतिथि; 23 बैठकों और सम्मेलनों में विशिष्ट आमंत्रित वक्ता।

डॉ. एस. सेंथिल कुमारन इन पत्रिकाओं के समीक्षक हैं (क) विपरीत मीडिया और आण्विक इमेजिंग, (ख) जर्नल ऑफ पार्किंसंस डिजीज, (ग) जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स, (घ) जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, (ङ) बायोमेडिकल इंजीनियरिंग/बायोमेडिजीनाइस्की टेक्निक। वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की परियोजनाओं के समीक्षक हैं; वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर); भारत–अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग; एमडी और पीएचडी मूल्यांकन और विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों के विशेष एमआर/ईईजी/एफएमआरआई से संबंधित उपकरणों की खरीद जिसमें राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान (निम्हांस), राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (एससीटीआईएमएस), इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलायड साइंसेस (आईएनएमएएस), व्यवहार और

संज्ञानात्मक विज्ञान केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद और सफदरगंज अस्पताल, नई दिल्ली शामिल हैं, के लिए विशेष विशेषज्ञ भी हैं।

डॉ. उमा शर्मा इन प्रत्रिकाओं की समीक्षक हैं; एनएमआर बायोमेडिसिन : जे मैग्न रेसोन. इमेजिंग, बायोकैम बायोफिजिक्स रिपोर्ट्स, वर्ल्ड जे गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, यूरोपीय जे फार्माकोलॉजी; पीएलओएस वन; कार्यकारी परिषद सदस्य, इंडियन बायोफिजिकल सोसायटी।

डॉ. वीरेन्द्र कुमार एसईआरबी, डीएसटी, नई दिल्ली, भारत; कंप्यूटेशनल और स्ट्रक्चरल बायोलॉजी जर्नल, अल्सेवियर; बायोमेडिसिन में कंप्यूटर मेथड्स एंड प्रोग्राम, अल्सेवियर; जर्नल ऑफ कार्डियक डिसऑर्डर्स एंड थैरेपी, स्कॉलारेना, यूएसए; जर्नल ऑफ मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग, विली, एनवाई, यूएसए; मेडिसिन, वॉल्टर क्लुवर; आई.ई.ई.ई. एक्सेस; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, वर्तमान मेटाबोलोमिक्स, बेंथाम साइंस के लिए समीक्षक थे।

vfrfFk oKkfud

1. प्रोफेसर डेनियल टोपगार्ड, लुंड यूनिवर्सिटी, स्वीडन।
2. डॉ. टी. एन. वेंकटरमन, ड्युक यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, दुरहम एनसी, यूएसए।

9-23 ukfHkdh; fpfdRlk

vkpk;l ,o v/;{k
सी. एस. बाल

vkpk;l
राकेश कुमार — चेतन डी पटेल (हृ. तं. कें.)

Lkg&vkpk;l
माधवी त्रिपाठी — अनिल के. पाण्डे (चिकित्सा भौतिकी)

lgk;d vkpk;l
निशिकांत ए. दामले — शमीम ए. शमीम

fof'k"Vrk,i

नाभिकीय चिकित्सा विभाग (मुख्य) में 3 एसपीईसीटी/सीटी, 2 सिंगल हैड और एक डुएल हैड गामा कैमरा, वैल काउण्टर के साथ एक अपटेक प्रोब और सुसज्जित रेडियो फार्मेसी प्रयोगशाला है। यहाँ 2 पीईटी/सीटी स्कैनर हैं। पिछले साल विभाग ने सभी जांचों की प्रतीक्षा सूची को कम करने की स्वयं एक पहल की। विभाग रेडियोन्यूक्लाइड थैरेपी के लिए दैनिक ओपीडी चलाया जा रहा है और विभाग में सभी 5 परामर्शदाता ओपीडी चला रहे हैं। विनियामक प्राधिकरण (एईआरबी) द्वारा उठाये गये कई बिन्दु जिनका अनुपालन पहले नहीं किया गया था, उन्हें संशोधित किया गया और अनुपालन रिपोर्ट एईआरबी में भेजी गई। किए गए स्कैनों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की गई।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में न्यूक्लियर मेडिसिन संबंधी सभी जांचें बहुत मामूली प्रभार पर की जाती हैं। अतः गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों को बहुत लाभ मिलता है क्योंकि इन जांचों की सुविधा पूरे देश में बहुत कम केंद्रों पर और वह भी बहुत उच्च मूल्य पर उपलब्ध है।

इस समय विभाग में 6 डीएम विद्यार्थी, 16 एमडी विद्यार्थी, 20 एमएससी. विद्यार्थी और 4 पीएचडी विद्यार्थी हैं। वे शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ अनुसंधान कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं।

कार्डियोथोरेसिक सेंटर (CTC) में न्यूक्लियर मेडिसिन नियमित तौर पर न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल प्रक्रियाओं को डाइग्नोस्ट करती हैं। न्यूक्लियर मेडिसिन स्नातकोत्तर और न्यूक्लियर मेडिसिन प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों को बारी के आधार पर न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रक्रियाओं में प्रशिक्षण दिया जाता है। यह इकाई अंतर्राष्ट्रीय मल्टी–सेंटर रिसर्च प्रोजेक्ट में शामिल है।

शिक्षा

वर्ष 2017–18 के दौरान विभाग के संकाय ने चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम, कार्याशाला, संगोष्ठियों और वार्षिक सम्मेलन को जारी रखा, इनमें भाग लिया और 41 व्याख्यान दिये।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिए गए व्याख्यान

सी.एस. बालः 6 — **अनिल के. पाण्डेः 4** — **शमीम ए शमीमः 7**

राकेश कुमारः 16 — **माधवी त्रिपाठीः 4**

चेतन डी पटेलः 3 — **निशिकांत ए. दामलेः 2**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरः 10

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पेडिएट्रिक लिम्फोमा के मानकीकरण में 18 एफडीजी पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी, सी.एस.बल, इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी, 3 वर्ष, 2015–18, 18,000 यूरो।
2. एमसीआरपीसी में 177एलयू–पीएसएमए, सी.एस.बल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017, 10 लाख रु. (अनुमानित)।
3. एमसीआरपीसी में 177एलयू–पीएसएमए, सी.एस.बल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017, 10 लाख रु. (अनुमानित)।
4. डाइग्नोसिस में गेलियम–68 प्रस्ट्रेट स्पेसिफिक मेम्ब्रेन एंटिजन के साथ पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी का उपयोग और प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों पर नजर रखना, राकेश कुमार, इंटरनेशनल एटोमिक एजेंसी, 5 वर्ष, 2017– जारी है, 6000 यूरो।
5. कार्डियक रिसाईक्रोनाइजेशन चिकित्सा के लिए प्रस्तुत हृदय विफलता के रोगियों के प्रबंधन में गेटेड एसपीईसीटी मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) द्वारा इंट्रावेंट्रकुलर सिंक्रोनाइज्म आकलन का मूल्य। चेतन डी. पटेल, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, 4 वर्ष, 2013–जारी, 18 लाख रुपये।
6. न्यूरोइमेजिंग और बायोमार्कर्स की क्षमता में वृद्धि रू अल्जाइमर रोग के शुरुआती चरण में कोमॉरबिडिटिज के साथ प्रयोग, माधवी त्रिपाठी, इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी, वियना, 3 वर्ष, 2017– जारी है, 6000 यूरो।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एडवांस्ड पार्किसंस रोग के रोगियों में मायोकार्डिअल सिम्पेथेटिक निषेध का पता लगाने में एफ–18 एफडीओपीए का मूल्यांकन
2. जीए 68– डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी कार्डियक सरोकोइडोसिस में कार्डियक एमआरआई के साथ तुलना की भूमिका
3. माईक्रोवेस्कुलर एंजाइना में संवहनी कार्य और दर्द संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना
4. रोगियों की एफ–18 एफडीओपीए पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी कार्डिक सिम्पेथिटिक दुर्बलता के साथ पर्किन्सन रोग और एक विशिष्ट पर्किन्सनिज्म की शुरुआत का अध्ययन।
5. जो टीसी99एम–एमआईबीआई माइयोकार्डियल प्रीफ्यूजन स्पेक्ट में ओएसईफबीपी इमेज पर पड़ने वाले लेफ्ट वेन्ट्रीक्यूलर इजेक्शन फ्रेक्शन (LVEF) की तुलना : इक्वेलिब्रियम गेटिड रेडियोन्यूक्लाइड वेन्ट्रिक्यूलोग्राफी (ERNA) पर होने वाले एलवीईएफ के साथ वेलिडेशन।
6. टी1 मैपिंग, टी2 मैपिंग और लेट गेडोलियम एन्हांसमेंट के उपयोग से कार्डिएक सर्कोइडोसिस के रोगियों में डायग्नोसिस और प्रोग्नोसिस में कार्डिएक एमआरआई की भूमिका।
7. एफडीजी पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी के साथ डीसी–सीएमआर की तुलना ताकि सीएडी और एलवी डिसफंक्शन वाले रोगियों में होने वाली गतिविधियों संबंधी सुधारों की व्यवहार्यता और अनुमान का आकलन किया जा सके।
8. जीए 68– डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी कार्डियक सरोकोइडोसिस में कार्डियक एमआरआई के साथ तुलना की भूमिका
9. माईक्रोवेस्कुलर एंजाइना में संवहनी कार्य और दर्द संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन करना
10. प्रारंभिक पार्किसंस और एटिपिकल पार्किंसनिज्म रोग के रोगियों में एफ–18 एफडीओपीए पीईटी/सीटी इमेजिंग द्वारा कार्डियक सिम्पेथेटिक डेनेवेशन का अध्ययन करना
11. जो टीसी99एम–एमआईबीआई माइयोकार्डियल प्रीफ्यूजन स्पेक्ट में ओएसईफबीपी इमेज पर पड़ने वाले लेफ्ट वेन्ट्रीक्यूलर इजेक्शन फ्रेक्शन (LVEF) की तुलना : इक्वेलिब्रियम गेटिड रेडियोन्यूक्लाइड वेन्ट्रिक्यूलोग्राफी (ERNA) पर होने वाले एलवीईएफ के साथ वेलिडेशन।
12. टी 1 मैपिंग, टी 2 मैपिंग और लेट गडोलियम इंक्रीमेंट रिपीट का उपयोग करके कार्डियक सार्कोइडोसिस के रोगियों में निदान और रोग का निदान में कार्डिएक एमआरआई की भूमिका
13. एफडीजी पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी के साथ डीसी–सीएमआर की तुलना ताकि सीएडी और एलवी डिसफंक्शन वाले रोगियों में होने वाली गतिविधियों संबंधी सुधारों की व्यवहार्यता और अनुमान का आकलन किया जा सके।
14. एडॉप्टिव थ्रेशहोल्डिंग के उपयोग से इमेज सेगमेन्टेशन।
15. प्रिंसिपल कॉम्पोनेंट एनालेसिस के उपयोग से इमेज कम्प्रेशन।
16. स्टॉकेस्टिक रेजोनेंस के उपयोग से इमेज एनहांसमेंट।
17. रीनल सैल कार्किनोमा के रोगी में 18एफ–एफडीजी पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी और हिस्टोपैथोलॉजिकल सबटाइप के साथ पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी पैरामीटर के कोरेलेशन में डायूरेटिक की भूमिका।
18. ऑर्डर्ड सबसेट एक्सपेक्टेशन मेक्सिमाइजेशन (OSEM) और टीसी–99एम–एमआईबीआई माइयोकार्डियल परफ्यूजन स्पेक्ट में फिल्टर्ड बैक प्रोजेक्शन (FBP) की इमेज दोबारा तैयार के क्रम में लेफ्ट वेन्ट्रीक्यूलर इजेक्शन फ्रेक्शन की तुलना (LVEF) : इक्विलिब्रियम गेटेड रेडियोन्यूक्लाइड वेन्ट्रिक्यूलोग्राफी (ERNA) पर होने वाले एलवीईएफ के साथ वेलिडेशन।

19. डायनेमिक थ.18 एफडीजी प्रोटोकॉल का मानकीकरण और संपूर्ण शरीर का एफडीजी पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी का डिफ्यूजन वेटेड एमआरआई के साथ तुलना, ताकि लंग कैंसर में शीघ्र इलाज के लिए रेस्पांस का मूल्यांकन।
20. हेप्टोसेल्यूलर कार्किनोमा के साथ मेलिगनेंट पोर्टल वेन थर्मोबोसिस में रिनियम–188 एचडीडी लिपियोडॉल की कमी।
21. प्राइमरी कीमो–रेडिएशन थेरेपी के साथ मेनेज्ड लोकली एडवांस्ड हेड एंड नेक सिक्वेमस सेल कार्किनोमा में अपशिष्ट रोग का पता लगाने के लिए पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी / कंप्यूटिड टोमोग्राफी (PET/CT) की प्रभाविता का पता लगाने के लिए एक प्रत्याशित अध्ययन।
22. हेप्टोसेल्यूलर कार्किनोमा में दो विभिन्न तरीकों (सेन्ट्रीफ्यूजेशन और शेकिंग मैथड) द्वारा लेबल किए गए लीवर में लिपियोडॉल ट्यूमर की ^{188}रि–एचडीडी की तुलना
23. आटोमेटिड सिंथेसिस तरीके द्वारा ^{177}लु लेबेल डोटाटेट के सिंथेसिस के दौरान न्यूक्लियर मेडिसिन कार्मिकों के पूरे शरीर पर होने वाले विकिरण की तुलना।
24. ^{18}एफ–एफडीजी–ल्यूकोकाइट्स की लेबलिंग के लिए तकनीकों की तुलना और मानकीकरण।

पूर्ण

1. विभेदित थायराइड कैंसर के सोलिक्यूलर और इमेजिंग लक्षण।
2. बेसल सेल कार्सिनोमा और केलोइड्स के इलाज के लिए रेडियोएक्टिव स्किन पैचेज
3. सस्पेक्टिड इंसुलिनोमा के लोकेलाइजेशन में 68जीए–एक्सटेंडिंग और 68जीए–डोटानॉक पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी की तुलना।
4. अल्जाइमर की बीमारी में नॉवल टॉ इमेजिंग ट्रेसर बाइंडिंग की वीवो असेसमेंट और एफ–18 एफडीजी पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी के उपयोग से रीजनल ब्रेन मेटाबॉलिज्म से इसके संबंधों का आकलन।
5. क्रमबद्ध सबसेट एक्सपेक्टेषन मैक्सिमाइजेशन (ओएसईएम) में पुनर्निर्माण पैरामीटर का अनुकूलन और छवियों के साथ तुलना 99 एमटीसी–एसएसएटीएएमआईआई मायोकार्डियल परफ्यूजन इमेजिंग में फिल्टर्ड बैक प्रक्षेपण का उपयोग द्वारा किया गया।
6. टीसी 99 एमए फेफड़े के परफ्यूजन स्कैन का उपयोग कर फोंटान प्रक्रिया के बाद फुफ्फुसीय परफ्यूजन की तुलनाः एक्स्ट्राकार्डियक टीसीपीसी बनाम पार्श्व टनल टीसीपीसी।
7. सामान्यीकृत पारस्परिक सूचना आधारित पद्धतियां और पीईटी और सीटी छवि पंजीकरण पर इसका प्रभाव।
8. नाभिकीय चिकित्सा चित्रों से शोर हटाने में गाऊसी और बटरवर्थ फिल्टर की भूमिका
9. छिद्रित बैक प्रोजेक्शन टीसी 99 एम–एमआईबी मायोकार्डियल परफ्यूजन एसपीईसीटी में पुनर्निर्मित चित्र में ऑर्डर्ड सब्सैट एक्सपेक्टेशन मैक्सिमाइजेशन में रिस्ट्रक्चर पैरामीटर का अनुकूलन और इसके साथ तुलना करना।
10. कीमोमोथेरेपी के विश्लेषण पर बनावट के उपयोग चार चक्रों के बाद गैर–छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर के अंतरिम उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन एफ 18– एफडीजी पीईटी/सीटी अध्ययन।
11. बेसिक लाइन एफ 18–एफडीजी पीईटी/सीटी गैर–छोटे सेल फेफडों के कैंसर में अस्तित्व के पूर्ववर्ती के बनावट विश्लेषण की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. चिकित्सा और आक्रामक दृष्टिकोण के साथ तुलनात्मक स्वास्थ्य प्रभावशीलता का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन (इश्चेमिया परीक्षण) कार्डियोलॉजी
2. इश्चेमिया स्ट्रोक और टीआईए न्योलॉजी, कार्डियोलॉजी से पीड़ित रोगियों में स्पर्शोन्मुख कोरोनरी धमनी और रोग लक्षण के प्रसार।
3. एसटीआएमआई रोगियों में नॉन–कल्परिट वेसल्स के इस्केमिया–गाइडिड पीसीआई के लिए गैटिड–स्पेक्ट एमपीआई की वैल्यू के साथ प्राइमरी पीसीआई, कार्डियालॉजी के बाद मल्टीवेसल रोग।
4. पारंपरिक एमडीपी बोन स्कैन की तुलना और रियूमाटॉयड आर्थिराइटिस–इन्वेस्टीगेटर, रियूमाटोलॉजी के सोमाटोस्टेटिन रिसीप्टर पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी में आर्टिक्यूलर मेनिफेस्टेशन।
5. कॉन्ट्रास्ट–अल्ट्रासाउंड द्वारा ग्राफ्ट किडनी का मूल्यांकन और ऑपरेशन उपरांत शुरुआती अवधि में इलास्टोग्राफी, रेडियोलॉजी।

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 43 **सारः 15** **पुस्तकों में अध्यायः 2**

jkxh mipkj

नियमित निदान		
1.	टीसी 99 एम थायराइड स्कैन	346
2.	आई–131 डब्ल्यूबी स्कैन (नैदानिक)	1456
3.	आरएआईयू	741
4.	आई–131 डब्ल्यूबी स्कैन (पोस्ट–थेरेपी)	842
5.	99 एमटीसी–एमडीपी बोन स्कैन	2624
6.	रीनल डायनामिक स्कैन	4258
7.	जीएफआर	2903
8.	डीआरसीजी	276
9.	एचआईडीए स्कैन	394
10.	जीईटी (गैस्ट्रिक एम्पटाईंग टाइम)	50
11.	ब्लड पूल	18
12.	गैस्ट्रो एसोफैगल रिफ्लक्स	705
13.	लिम्फोस्किन्टिग्राफी	363
14.	सेन्टाइनल लिम्फनोड	20
15.	एमआईबीजी स्कैन (डायग्नोस्टिक)	358
16.	जीएचए	6
17.	लीवर स्पलीन	5
18.	एमएजी –3	45
19.	मेकलेस स्कैन	61
20.	पैराथाइरॉइड	193
21.	टीआरओडीएटी स्कैन	306
22.	एसपीईसीटी–सीटी (ईसीडी–आईसीटी और ईसीडी–आईएनटी)	604
थेरापियूटिक		
23.	थायराइड कैंसर उपचार	785
24.	थायरोटॉक्सिकोसिस उपचार	272
25.	एमआईबीजी थेरेपी	22
26.	लुटेटियम 177–डीओटीएटीएटीई	180
27.	177 एलयू पीएसएमए–617	70
28.	177एलयू ईडीटीएमपी	15
29.	225एसी पीएसएमए	4
30.	177एलयू डीओटीएमपी	10
31.	177एलयू बीपीएएमबी	5
32.	177एलयू जोलेड्रोनिक एसिड	2
33.	रेनियम 188– रेडियोसिनोविक्टॉमी	31
पॉजीट्रोन एमिशन टोमोग्राफी (पीईटी/सीटी)		
34.	18एफ एफडीजी	6912
35.	जीए68 पीएसएमए	360
36.	जीए68 डीओटीए एनओसी	700
37.	एफ18 कोलाइन	20
38.	जीए68 डेटा	20
39.	68जीए एक्सडाइन	13

40.	एफ18 डीओपीए	80
41.	एफ18 टीएयू	30
42.	सोडियम फ्लोराइड बोन स्कैन	180
43.	18एफ एफईएस	10
44.	एफ18 डब्ल्यूबीसी	11
कार्डियक केंद्र की गतिविधियाँ		
45.	कार्डियक अमोनिया –13	8
46.	कार्डियक एफ18एफडीजी पीईटी	215
47.	99एमटीसी / 201टीआई–मायोकार्डियल परफ्यूजन स्टडी	1566
48.	आरएनवी स्टडी (एयूजीए)	586
49.	विविध (वी / क्यू स्कैन, 1 पास)	81

i|jLdkj] lEeku vkj egRoi.k ?kVuk,a

प्रो. सी.एस. बाल को वर्ष 2017 के लिए नेशनल अकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेस (FAMS) का फैलो चुना गया था, उन्होंने सीएमसी, वेल्लोर में 16–18 नवंबर 2017 तक आयोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ दि इंडियन सोसाइटीज् ऑफ थायरायड सर्जन (ISTS) में अपनी प्रस्तुति दी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा रेडियोफार्मास्यूटिकल एक्सपर्ट कमेटी ऑफ इंडियन फार्माकोपिया कमीशन में नामित किया गया। "ऑन रेडियोआयोडिन रेमनेंट एबॉल्शन" विषय पर "प्रोफेसर से मिलिए" सत्र में आमंत्रित किए गए जहां उन्होंने मिशिगन विश्वविद्यालय के डॉ. मेगन हेयमार्ट के साथ वर्ल्ड कांग्रेस ऑन थायरायड कैंसर (WCTC) में बोस्टन में 26–30 जुलाई 2017 तक हिस्सा लिया। प्रो. फ्रैंक रोच, चेयरमैन, डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, जोहान्स ग्यूटनबर्ग यूनिवर्सिटी, मेंज, जर्मनी द्वारा 8–13 अक्तूबर 2017 तक एक सप्ताह की इंडो–जर्मन सहयोगी अनुसंधान परियोजना में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किए गए और वहां उन्होंने रिसर्च स्कॉलर्स तथा फैकल्टी मेंबर्स को लेक्चर दिए। एक्सपर्ट पैनल द्वारा आईएईए मुख्यालय, वियना में 15–17 जनवरी 2018 तक "ओरल सिक्वामस सेल कार्किनोमा के शुरुआती चरण में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी में अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देश" तैयार करने के लिए विशेषज्ञ पैनल में शामिल हुए। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (IAEA) द्वारा प्रो. बल को "किनशासा यूनिवर्सिटी क्लिनिक में करेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर और ड्यूल हैड स्पेक्ट गामा कैमरे की आवश्यकता" पर काम करने और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 5–9 मार्च, 2018 तक किनशासा, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में आमंत्रित किया गया था।

आचार्य राकेश कुमार ने सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन, इंडिया के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला (2018–2019), *"क्लिनिकल न्यूक्लियर मेडिसिन"* जरनल द्वारा समीक्षा करने तथा उत्कृष्ट योगदान के लिए एडिटर अवार्ड प्राप्त किया।

9-24 i lfr ,o L=hjkx foKku

vkpk; ,o v/;{k
अलका कृपलानी

vkpk;
सुनेश कुमार | दीपिका डेका | नीरजा भाटला
के के रॉय | नीना मल्होत्रा | वत्सला डढ़वाल
जे. बी. शर्मा | नीता सिंह

lg&vkpk;
अपर्णा शर्मा | गरिमा कछावा
रीता माहे | पी. वानामेल

Lkgk;d vkpk;
विदूषी कुलश्रेष्ठ | सीमा सिंघल | राजेश कुमारी
ज्योति मीणा | जूही भारती

oKkfud
रोहिणी सहगल (ग्रेड III) | अरूण कुमार (ग्रेड I)

fof'k"Vrk,

शिक्षा

शिक्षा में नयापन

प्रसूति और स्त्री रोग विभाग नियमित रूप से जूनियर/सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों और फेलोशिप सदस्यों के लिए मासिक बैठक का आयोजन करता है। प्रशिक्षण घटक में नैदानिक और शल्य चिकित्सा कौशल, प्रोटोकोल और दिशा निर्देशों के विकास, मामले का प्रस्तुतीकरण और चर्चाएं शामिल हैं। दिल्ली के विभिन्न शैक्षिक तथा अध्यापन संस्थानों से आमंत्रित संकाय तथा अंतरराराष्ट्रीय संकाय, स्नातकोत्तरों के प्रशिक्षण में सहयोग देते हैं। विभाग स्त्री रोग एंडोस्कोपी सर्जरी, उच्च जोखिम गर्भावस्था, स्त्री रोग अर्बुद विज्ञान, अल्ट्रासोनोग्राफी और बांझपन जैसे विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विषयों में अल्प और दीर्घ अवधि प्रशिक्षण प्रदान करता है।

प्रसवोत्तर कार्यक्रम (पीपीपी) अस्पताल के क्षेत्र में और साथ ही फील्ड अभ्यास क्षेत्रों में आरसीएच एवं परिवार कल्याण सेवाओं का एक पैकेज उपलब्ध कराने के लिए परिवार कल्याण कार्यक्रम के लिए एक अनिवार्य केंद्र आधारित दृष्टिकोण है। पीपीपी अत्याधुनिक परिवार कल्याण व्यवस्था है जिसमें अंतारा इंजेक्शन, छाया ओरल गर्भनिरोधक टिकिया और मरीज की जरूरत के हिसाब से अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। इसके अलावा पीपीपी एक एकीकृत बहु-विषयक अभ्यास के रूप में चलाया जाता है जहां प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, बाल रोग, सामुदायिक चिकित्सा, शल्य चिकित्सा और संवेदनाहरण विज्ञान विभागों के साथ समन्वय करता है।

विभाग ने स्नातकोत्तर के लिए निम्नलिखित पहल शुरू की:

1. व्यवस्थित पाठ्यक्रम संरचना और प्रतिक्रिया प्रणाली के साथ स्नातकोत्तर के लिए छह माह की परीक्षाएं।
2. नियमित शिक्षण और प्रशिक्षण अद्यतनों के लिए स्नातकोत्तर जाने वाली परीक्षा भेजने के लिए दिल्ली के ओबस्टेट्रिकियन और स्त्री रोग विशेषज्ञों के साथ समन्वय।

सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम

शैक्षणिक वर्ष 2016-2017 से बाद में सुपर स्पेशलिटी कोर्स जैसे फैलोशिप भ्रूण काय चिकित्सा एमसीएच, स्त्री कैंसर विज्ञान (फैलोशिप), स्त्री मूत्र रोग (और डीएम) प्रजनन काय चिकित्सा शुरू किए गए। प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक डॉक्टर/रेजिडेंट को दाखिल किया गया था।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

विभाग विभिन्न सुपर स्पेशलिटी विषयों जैसे 'स्त्री रोग एंडोस्कोपिक सर्जरी', 'उच्च जोखिम गर्भावस्था', स्त्री रोग अर्बुद विज्ञान, अल्ट्रासोनोग्राफी और 'बांझपन' में अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। निम्नलिखित डॉक्टरों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षित किया गया था।

1. डॉ अरशद भट्ट, जम्मू, 15 मार्च 2017-14 मई 2017, भ्रूण चिकित्सा
2. डॉ. शेरिंग तमांग, भूटान, 1-30 जून 2017, उरो गिनी
3. डॉ निकिता मिन्हस, नॉटिंघम, 12 मार्च 2018-6 अप्रैल 2018, प्रसूति और स्त्री रोग विज्ञान में वैकल्पिक प्रशिक्षण
4. डॉ खुमंतम प्रतिमा देवी, इम्फाल, 13 नवंबर 2017-10 दिसंबर 2017, पर्यवेक्षण
5. डॉ नुपूर गुप्ता, नई दिल्ली, 16 अगस्त 2017-30 सितंबर 2017, पर्यवेक्षण (आईवीएफ)
6. डॉ अरिंदम मलिक, त्रिपुरा, 1 नवंबर 2017-31 दिसंबर 2017, पर्यवेक्षण
7. डॉ प्रदीप सरकार, त्रिपुरा, 1 नवंबर 2017-31 दिसंबर 2017, पर्यवेक्षण
8. सुश्री यशमिता राघ, यूके, 27 जून 2017-12 जुलाई 2017, वैकल्पिक

दीर्घ अवधि

1. लेफ्टिनेंट कर्नल गुंजन राय, नई दिल्ली, 1 जुलाई 2015-30 जून 2017, भ्रूण चिकित्सा
2. डॉ लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद। रशीद, नई दिल्ली, 4 अप्रैल 2016-1 अप्रैल 2017, प्रसूति और स्त्री रोग
3. डॉ लेफ्टिनेंट कर्नल वीनस देशवाल, नई दिल्ली, 1 नवंबर 2017-31 अक्टूबर 201 9, प्रसूति और स्त्री रोग, एंडोस्कोपी
4. डॉ रोमन, अफगानिस्तान, 1 नवंबर 2017-31 अक्टूबर 2018, पर्यवेक्षण (लैप्रोस्कोपी)

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. हालिया डब्ल्यूएचओ मेडिकल पात्रता मानदंड और चयनित अभ्यास सिफारिशों पर गर्भनिरोधक अद्यतन 2016 दिशानिर्देश, एओजीडी और जीईएसआई, दिल्ली, 1 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित
2. महिला स्वास्थ्य पहल (डब्ल्यूएचआई) 28 वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम न्यूनतम आक्रमणकारी, 1-6 मई 2017, एम्स, नई दिल्ली
3. साक्ष्य आधारित भ्रूण देखभाल 1 तिमाही मीटिंग सोसाइटी ऑफ फेटल मेडिसिन (2017-2018), 7 मई 2017, एम्स, नई दिल्ली
4. छठी एम्स भ्रूण चिकित्सा कार्यशाला, 8-11 मई 2017, एम्स, नई दिल्ली
5. वीआईए पर प्रशिक्षण पर हाथ। एनसीडीसी, 1 9 मई 2017, 23 मई 2017, 26 मई 2017, 30 मई 2017, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एनसीडी के लिए जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग रोल करने के लिए मेडिकल ऑफिसर के लिए राज्य टीओटी का एमओएचएफडब्ल्यू प्रशिक्षण
6. एफओजीएसआई जीसीपीआर बैठक "गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग और प्रबंधन और एचपीवी टीकाकरण", 31 मई 2017, एम्स, नई दिल्ली
7. आयोजन सचिव - संगोष्ठी: अंडाशय - प्रबंधन में रहस्यों को अनदेखा करना, भारत की गाइनो एंडोक्राइन सोसायटी के साथ आयोजित, 24 सितंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
8. स्त्रीरोग विज्ञान ओन्कोलॉजी में सीएमई, 30 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
9. साक्ष्य आधारित भ्रूण देखभाल: स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल - पूर्व कांग्रेस कार्यशाला, 17 नवंबर 207, एम्स, नई दिल्ली
10. भ्रूण इकोकार्डियोग्राफी, 9 और 10 दिसंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली पर कार्यशाला
11. ग्यानेकोलॉजिकल ओन्कोलॉजी प्रक्रियाओं में सीएडीएआर कार्यशाला और सीएमई (सीएडीजीओ 2018), 6-7 जनवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली
12. महिला स्वास्थ्य पहल (डब्ल्यूएचआई), न्यूनतम आक्रमणकारी स्त्री रोग विज्ञान में 2 9 वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 2 9 जनवरी -3 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली
13. महिला स्वास्थ्य पहल (डब्ल्यूएचआई), न्यूनतम आक्रमणकारी स्त्री रोग विज्ञान में 30 वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 5-10 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली

14. महिला स्वास्थ्य पहल (डब्ल्यूएचआई), न्यूनतम आक्रमणकारी स्त्री रोग विज्ञान में 31 वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 5-10 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली

व्याख्यान दिए

अलका कृपलानी: 31	**सुनेश कुमार : 4**	**दीपिका डेका: 18**	**नीरजा भटाला: 39**
काल्लोल कुमार रॉय: 30	**वत्सला डढवाल: 17**	**नीना मल्होत्रा: 16**	**जेबी शर्मा: 8**
नीता सिंह: 2	**अपर्णा शर्मा: 38**	**गारिमा कच्छवा: 12**	**रीता माहे: 7पी वानामेल: 5**
विदुशी कुलश्रेठा: 10	**सीमा सिंघल: 18**	**राजेश कुमार: 3**	**ज्योति मीना: 10**
जुगी भारती: 2	**रोहिणी सहगल: 2**	**मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति: 79**	

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. 3 आकार / मॉडल में एसएमबी टी क्यू 380 एजी का चरण III नैदानिक परीक्षण: मिनी, सामान्य और मैक्सी, अल्का कृपलानी, भारत के एसएमबी निगम, मुंबई, 2 साल, 2015-2017, 5 लाख रुपये
2. आदरणीय मातृत्व देखभाल पहल- आईसीएमआर टास्क फोर्स स्टडी सेंटर फॉर कैटालिजिंग चेंज / व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया (डब्लूआरआईआई), अल्का कृपलानी, आईसीएमआर, 1 साल, 2018-2019, 0.25 लाख रुपये के सहयोग से
3. मानव चोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी), अल्का कृपलानी, आईसीएमआर, 3.5 साल, 2017-2021, 26.48 लाख रुपये के खिलाफ रिवाइवड रीकॉम्बिनेटेंट टीका की सुरक्षा, इम्यूनोजेनिकिटी और जांच प्रभाव पर चरण I-II नैदानिक परीक्षण
4. प्रीटेम लेबर, अल्का क्रिप्प्लानी, जुवेंटस हेल्थ केयर, 2 साल, 2017-2019, 4.51 लाख रुपये में एटोसिबान 7.5 मिलीग्राम / एमएल की दक्षता और सुरक्षा की मूल्यांकन के लिए एक खुला लेबल, गैर-तुलनात्मक चरण -4 अध्ययन
5. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को रोकने में एचपीवी टीका की 2 बनाम 3 खुराक की प्रभावशीलता और सुरक्षा: एक भारतीय मल्टी-सेंटर यादृच्छिक परीक्षण, नीरजा भटला, डब्ल्यूएचओ-आईएआरसी, 9 साल, 200 9 -2018, 151.36 लाख रुपये
6. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग, नीरजा भटला, इलाज स्वास्थ्य निदान, इलाज, 4 साल, 2014-2018, 35 लाख रुपये के लिए उभरते हुए उपन्यास बायोमाकर के रूप में एचआर-एचपीवी ऑनकोजेन ओवर-एक्सप्रेशन की मात्रात्मक पहचान का मूल्यांकन
7. डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा में मानव एपिडिडिमिस प्रोटीन 4 (एचई4) की अभिव्यक्ति और निदान के साथ सहसंबंध, नीरजा भटला, आईसीएमआर, 2 साल, 2017-2019, 3.1 9 लाख रुपये
8. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग, नीरजा भटला, ड्यूक विश्वविद्यालय, 1 वर्ष, 2017-2018, 5.26 लाख रुपये से गुजर रही महिलाओं पर 100 रोगी पायलट अध्ययन में देखभाल दृश्य निरीक्षण के मानक के लिए एक ट्रांसवागिनल कोलोस्कोप की एक साइड-बाय-साइड तुलना
9. एचपीवी-एसोसिएटेड मैलिग्नेंसी, नीरजा भटला, एरिजोना विश्वविद्यालय, एनसीआई, यूएसए, 2 साल, 2017-2019, 28.2 9 लाख रुपये की देखभाल का पता लगाने का रैपिड पॉइंट
10. एंटी-मुलरियन हार्मोन (एएमएच) और एंटरल फोलिकिकल की आयु विशिष्ट मानदंड उपजाऊ और उपजाऊ भारतीय महिलाओं, नीना मल्होत्रा, आरईसीपीडीसीएल, 2 साल, 2016-2018, 50 लाख रुपये
11. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के साथ भारतीय महिलाओं के बीच विटामिन बी 12 की कमी और पीसीओएस, वत्सला डढवाल, डीबीटी, 3 साल, 2015-2018 के साथ महिलाओं के उपचार में पारंपरिक दवाओं की प्रभावकारिता पर विटामिन बी 12 अनुपूरक प्रभाव का प्रभाव, 49.75 लाख रुपये
12. मानव स्वास्थ्य, जेबी शर्मा, आईसीएमआर, 5 साल, 200 9 तक गैर-लॉनिंग इलेक्ट्रो चुंबकीय क्षेत्र (ईएमएफ) के प्रभाव-आज तक 47 लाख रुपये
13. असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव के रोगियों में मासिक धर्म रक्त हानि को कम करने में ट्रनेक्सिमिक एसिड (500 मिलीग्राम) और मेफेनामिक एसिड (250 मिलीग्राम) के साथ दी गई डायसोमिन (900 मिलीग्राम) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का अध्ययन करने के लिए, जेबी शर्मा, वाल्टर बुशनेल प्राइवेट लिमिटेड, 1.5 साल, 2016 तक आज तक 17 लाख रुपये

14. बांझपन महिलाओं के बीच जननांग टीबी के निदान में पारंपरिक तरीकों की तुलना में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन, जेबी शर्मा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लू), 3 साल, 2016-आज तक 28 लाख रुपये
15. वीर्य नमूने में आरओएस स्तरों का मूल्यांकन और आरओएस स्तर पर उर्वरक-एम के प्रभाव और विट्रो निषेचन में आने वाले बांझपन वाले पुरुषों में आईवीएफ परिणाम- एक यादृच्छिक डबल-अंधा प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन, रीता माहे, एम्स, 2 साल 2016-2018, 9.4 लाख रुपये
16. उपजाऊ महिलाओं, विदुशी कुलश्रेष्ठ, एम्स, 3 साल, 2016-2019, 8.5 लाख रुपये में जननांग क्लैमिडिया ट्राइकोमाटिस संक्रमण की भूमिका
17. ईएमटी से संबंधित प्रोटीन अभिव्यक्ति और माइक्रो आरएनए 200 ए, बी, सी, सीमा सिंघल, एम्स, 2 साल, 2015- 2017, 4 लाख रुपये द्वारा उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर वाले रोगियों में बीमारी की गंभीरता का आकलन
18. दृश्य निरीक्षण और कॉलोस्कोपी, राजेश कुमारी, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 4 लाख रुपये पर वल्वल घाव में साइटोलॉजिकल घाव और एचपीवी प्रकार का प्रसार
19. उच्च जोखिम वाले मरीजों, ज्योति मीना, एम्स, 2 साल, 2015-2017, 4 लाख रुपये में प्री-एक्लेम्पिया के विकास के लिए भविष्यवाणी और पूर्वानुमानिक मार्कर के रूप में प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर

पूर्ण

1. एशियाई-भारतीय विषयों, मारीमा कछवा, आईसीएमआर, 3 साल, 2013-2017, 45 लाख रुपये में मातृ और नवजात शिशु के विटामिन डी की स्थिति पर विटामिन डी अनुपूरक के प्रभाव की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण
2. परंपरागत तरीकों (हिस्टोपैथोलॉजी, एएफबी धुंधला और एंडोमेट्रियल नमूने में संस्कृति) के खिलाफ आण्विक मार्करों (पीसीआर, इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री) का मूल्यांकन और बांझपन वाली महिलाओं, नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 5 साल, 2012-2017, 108 में जननांग तपेदिक की पहचान में लैप्रोस्कोपी लाख
3. गर्भावस्था के दौरान मौखिक प्रोबियोटिक पूरक के प्रभाव और स्तन दूध, भ्रूण और नियोनेट में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को संशोधित करने में स्तनपान - एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 साल, 2014-2017, 33.86 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. आईवीएफ चक्र में गर्भावस्था की भविष्यवाणी में एचसीजी ट्रिगर के दिन 3 डीयूएससी (त्रि-आयामी अल्ट्रासोनोग्राफी) एंडोमेट्रियल वॉल्यूम और भ्रूण हस्तांतरण के 7 वें दिन की भूमिका का अध्ययन करने के लिए
2. उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए प्राथमिक डिबुलिंग से गुजर रहे मरीजों में श्रोणि और पैराआर्टिक लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटनाएं
3. गर्भाशय-पायलट अध्ययन के सौम्य रोगों के उपचार के लिए कुल लैप्रोस्कोपिक हिस्टरेक्टोमी के दौरान थंडरबीट प्रौद्योगिकी, हार्मोनिक ऐस और लिगजर डिवाइस का उपयोग करके संभाव्य यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन
4. आईवीएफ में खराब उत्तरदाताओं में फॉलिक्युलर फ्लशिंग और प्रत्यक्ष आकांक्षा की तुलना में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. उच्च ग्रेड गर्भाशय ग्रीवा इंट्राफेथेलियल नियोप्लासिया के निदान के लिए एचपीवी डीए और एचपीवी ई 6 / ई 7 एमआरएमए के मूल्यांकन की तुलना करना
6. आरएच आइसोइम्यूनाइज्ड गर्भधारण के साथ महिलाओं में भ्रूण एनीमिया के साथ विभिन्न रक्त वाहिकाओं में भ्रूण प्रवाह के डोप्लर मूल्यांकन का सहसंबंध
7. एंडोमेट्रियल मोटाई पर ग्रैन्यूलोसाइट कॉलोनी उत्तेजक कारक के इंट्रायूटरिन परफ्यूजन का प्रभाव
8. विट्रो निषेचन में चल रही महिलाओं में प्रत्यारोपण दर और गर्भावस्था दर। एक डबल अंधेरे प्लेसबो नियंत्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. गर्भाशय ग्रीष्मकालीन आयु भ्रूण के लिए उचित रूप से उगाए जाने वाले और छोटे जन्म में महाधमनी इस्थमस डॉपलर का एक संभावित अध्ययन और प्रसव के परिणाम के साथ सहयोग

10. लक्षण गर्भाशय फाइब्रॉएड के उपचार में 2.5 मिलीग्राम बनाम 5 मिलीग्राम अल्फ्रिस्टल एसीटेट की प्रभावकारिता की तुलना
11. परंपरागत पाप स्मीयर और एचपीवी डीएनए परीक्षण द्वारा गर्भावस्था में अवसरवादी गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग की स्वीकार्यता और व्यवहार्यता का एक अध्ययन
12. मानव पेपिलोमावायरस संक्रमण के प्रसार का तुलनात्मक अध्ययन और एचआईवी पॉजिटिव और एचआईवी नकारात्मक महिलाओं में भेड़ और गर्भाशय के पूर्ववर्ती घाव
13. गर्भाशय ग्रीवा इंट्राफेथेलियल नियोप्लासिया के मूल्यांकन के लिए पोर्टेबल ट्रांसवागिनल कोलोस्कोप और हाथ से आयोजित कॉलोस्कोप का एक क्रॉसओवर यादृच्छिक अध्ययन
14. क्लॉमिफेनी साइट्रेट प्रतिरोधी पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम के मामलों में एकाधिकार ड्रिलिंग सुई बनाम हार्मोनिक स्केलपेल द्वारा लैप्रोस्कोपिक डिम्बग्रंथि ड्रिलिंग का मूल्यांकन
15. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम के साथ उपजाऊ महिलाओं में हार्मोनिक स्केलपेल और लेट्रोज़ोल द्वारा डिम्बग्रंथि ड्रिलिंग की तुलना: एक पायलट संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
16. परंपरागत शोधोस्कोप बनाम मिनी रिसक्टस्कोप का उपयोग कर हिस्टोरोस्कोपिक सेप्टल शोधन के संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक नैदानिक परीक्षण
17. उपजाऊ महिलाओं में संशोधित मिनी लैप्रोस्कोपी की तुलना में कार्यालय हिस्टोरोस्कोपी में चुनिंदा क्रोमो-पेबेटेशन के साथ ट्यूबल पेंशन का आकलन
18. आईवीएफ / आईसीएसआई के बाद प्रत्यारोपण विफलता वाली महिलाओं में प्रत्यारोपण दर पर अंतःशिरा इंट्रालिपिड के प्रशासन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
19. उपकला डिम्बग्रंथि के रोगियों में क्लिनिको-पैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ सीरम माइक्रोआरएनए, एमआईआर 20 ए और एमआईआर 205 स्तरों को सहसंबंधित करने के लिए
20. इन-विट्रो-उर्वरक (आईवीएफ) से गुजरने वाले गरीब उत्तरदाताओं में ओसीट पुनर्प्राप्ति पर फॉलिक्यूलर फ्लशिंग और प्रत्यक्ष आकांक्षा की तुलना में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
21. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्रों से गुजरने वाले पीसीओ के साथ महिलाओं में कला परिणामों पर मेटफॉर्मिन की तुलना में मायोइनोजिटोल के प्रभाव- एक "गैर-न्यूनता" परीक्षण
22. एंडोमेट्रोसिस प्रजनन सूचकांक (ईएफआई) एंडोमेट्रोसिस से जुड़ी बांझपन वाली महिलाओं में गैर-कला गर्भावस्था के लिए एक सत्यापन। एक संभावित अध्ययन
23. एंडोमेट्रियोम पेटेंट में सीरम एएमएच स्तरों में परिवर्तनों का मूल्यांकन करने के लिए एंडोमेट्रियोटिक सिस्टक्टोमी में विकिरण में विचलन चिकित्सा प्राप्त करना
24. जमे हुए भ्रूण स्थानांतरण चक्र के दौरान एंडोमेट्रियल तैयारी के लिए लेट्रोज़ोल बनाम एचआरटी का उपयोग करके गर्भावस्था के परिणाम की तुलना में यादृच्छिक नियंत्रण निशान
25. भ्रूण नरम ऊतक मोटाई का सहसंबंध नवजात शरीर संरचना के साथ सोनोग्राफ में मापा जाता है
26. मातृ पूर्व गर्भावस्था बीएमआई की एसोसिएशन, गर्भावस्था के वजन के साथ गर्भावस्था के वजन में वृद्धि, पोषण और चयापचय मार्कर
27. गर्भावस्था में सेरेब्रोप्लासेन्टल अनुपात द्वारा प्रतिकूल प्रसवोत्तर परिणाम की भविष्यवाणी
28. सक्रिय मूत्राशय सिंड्रोम (गाइड) के उपचार में सोलिफेनासिन और टोल्टेरोडिन का एक तुलनात्मक अध्ययन
29. पुरानी श्रोणि दर्द में 5 मिमी दूरबीन और 2.9 मिमी दूरबीन की तुलना में एक पायलट अध्ययन
30. एसयूआई के रोगियों और इसके पूरक की भूमिका में विट-डी स्तर
31. आईवीएफ रोगियों में 3 डी एंडोमेट्रियल वॉल्यूम और 2 डी एंडोमेट्रियल मोटाई की भूमिका का अध्ययन करने के लिए
32. कैल्शियम एंडोमिट्रीयम में हर्जनर का प्रचलन और व्यावहारिक महत्व
33. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम के साथ दुबला बनाम अधिक वजन वाले विषयों में इंसुलिन संवेदनशीलता और कार्डियो-संवहनी जोखिम कारकों के बीच संबंध का अध्ययन
34. अति सक्रिय मूत्राशय सिंड्रोम वाले मरीजों में टॉल्टरोडीन और सोलेफानासीन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए
35. श्रोणि अंग प्रकोप में गुप्त तनाव मूत्र असंतुलन का निदान करने के लिए विभिन्न तरीकों की तुलना

36. अन्य पारंपरिक नैदानिक तकनीकों की तुलना में मादा जननांग तपेदिक के निदान में जीन एक्सपर्ट की भूमिका
37. ओव्यूलेशन प्रेरण और आईयूआई चक्र से गुजरने वाली बांझ वाली पीसीओएस महिलाओं में नैदानिक गर्भावस्था दर के मामले में अकेले मेटफॉर्मिन प्लस मायोइनोजिटोल बनाम मायो इनोजिटोल के प्रभाव की तुलना करने के लिए
38. तनाव मूत्र असंतोष वाली महिलाओं में ऑटोलॉगस रेक्टस फासिआ प्यूबोवाजिनल स्लिंग और ट्रान्सबॉउटर योनि टेप प्रक्रिया का एक तुलनात्मक पायलट अध्ययन
39. एशियाई भारतीय महिलाओं में गेस्टियोनियल डायबिटीज मेलिटस के इलाज में मायोइनोजिटोल की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए: एक पायलट अध्ययन
40. गर्भावस्था में आईएडीपीएसजी मानदंड / अति मधुमेह से गर्भावस्था के मधुमेह मेलिटस के इतिहास वाले महिलाओं के बीच ग्लूकोज सहनशीलता के वितरण पर एक अध्ययन और उनके पति / पत्नी
41. एनआईसीयू में अस्पताल में नवजात शिशु की पोस्टपर्टम मां के बीच तनाव, चिंता और दूध उत्पादन पर छूट तकनीक के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
42. लक्षणों गर्भाशय मायोमा और पोस्ट उपचार के साथ महिलाओं में जीएनआरएच एगोनिस्ट बनाम यूलिप्रिस्टल एसीटेट की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
43. आईवीएफ / आईसीएसआई से गुजरने वाली भारतीय महिलाओं में डिम्बग्रंथि प्रतिक्रिया के साथ एफएसएच रिसेप्टर जीन पॉलीमोर्फिज्म के एसोसिएशन का मूल्यांकन करने के लिए: एक संभावित अध्ययन
44. आधिकारिक जनता के मूल्यांकन में आईओटीए सरल नियमों और 3 डी अल्ट्रासाउंड की भूमिका
45. उच्च जोखिम गर्भधारण में प्री-एक्लेम्पिया की भविष्यवाणी के लिए प्लेसेंटा के गर्भाशय धमनी डॉपलर और 3 डी पावर डोप्लर

पूर्ण

1. आईवीएफ / आईसीएसआई के बाद प्रत्यारोपण विफलता वाली महिलाओं में इम्प्लांटेशन दर पर अंतःशिरा इंट्रालिपिड के प्रशासन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. आईवीएफ परिणाम पर खराब उत्तरदाताओं में ट्रांसडर्मल टेस्टोस्टेरोन जेल प्रसूति की भूमिका - सक्रिय नियंत्रण के साथ एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. मानव प्लेसेंटल साइटोट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं पर कैटआयोनिक एंटी-माइक्रोबियल पेप्टाइड का आणविक आधार
4. पिछली विफल आईवीएफ बार आईसीएसआई चक्र वाली महिलाओं में ल्यूटल चरण कम आणविक वजन हेपरिन
5. कार्सिनोमा एंडोमेट्रोसिस वाली महिलाओं में सीरम एचई-4 और सीए-125 का मूल्यांकन
6. एशरमैन सिंड्रोम के मरीजों में पारंपरिक शोधोस्कोप बनाम मिनी रिसक्टोस्कोप का उपयोग करके हिस्टोरोस्कोपिक एथेसियोलाइसिस का एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक नैदानिक परीक्षण
7. पुरानी श्रोणि दर्द के टीएलआईई प्रबंधन में एमटीएनआईएलएपी ओस्कोपी (5 मिमी) के संशोधित मिनीलापरो स्कोपी (2 9) के संभावित यादृच्छिक अध्ययन
8. जन्म के वजन के साथ पहले तिमाही में प्लेसेंटल वॉल्यूम और संवहनीकरण सूचकांक एसोसिएशन
9. मेटाफॉर्मिन बनाम इंसुलिन द्वारा गर्भावस्था के मधुमेह मेलिटस के उपचार का एक तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
10. जननांग तपेदिक में एंडोमेट्रियम, फैलोपियन ट्यूब और अंडाशय पर एंटीटायब्युलर उपचार के प्रभाव पर हस्तक्षेप अध्ययन
11. एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया और कार्सिनोमा में बायोमाकर्स का अभिव्यक्ति
12. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन चक्र (आईवीएफ-ईटी) के नतीजे में एंडोमेट्रियल स्क्रैचिंग की भूमिका का मूल्यांकन करना
13. उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर वाले मरीजों के एसिटिक तरल पदार्थ में एंटरलेक्विन -6 और वीईजीएफ स्तर का मूल्यांकन
14. ट्रांसवागिनल अल्ट्रासाउंड और एमआरआई द्वारा निचले सेगमेंट सेसरियन निशान का आकलन
15. यूनिपोलर सिस्टम और द्विध्रुवीय प्रणाली का उपयोग कर हिस्टोरोस्कोपिक मायोमैक्टोमी के संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन
16. वॉल्ट प्रकोप के विकास और पीओपीक्यू वर्गीकरण और ऑपरेटिव खोज के साथ इसके संबंधों में एमआरआई की भूमिका

17. तनाव मूत्र असंतुलन और विटामिन डी पूरक के प्रभाव वाली महिलाओं में विटामिन डी स्तर
18. तनाव मूत्र असंतोष वाली महिलाओं में बर्चकोलोस्पसपेन्शन और ट्रांसपोजरेटर योनि टेप प्रक्रिया का एक तुलनात्मक अध्ययन
19. प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए, गर्भावस्था में एनीमिया के प्रबंधन में इंट्रावेनस फेरिक कार्बोक्सिमल्टोज बनाम लौह सरकोस परिसर की सुरक्षा और लागत प्रभावशीलता
20. मेट्रोफॉर्मिन में हार्मोनल और चयापचय परिणामों की तुलना करने के लिए ओओवी और आईयूआई से गुजरने वाली पीसीओएस महिलाओं में अकेले मेटाफॉर्मिन बनाम और प्रजनन परिणाम बनाम
21. एंडोमेट्रोसिस वाली महिलाओं में जीएनआरएच एगोनिस्ट की तुलना में कैबर्जोलिन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए: एक संभावित याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. उपजाऊ महिलाओं, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच जननांग टीबी के निदान में पारंपरिक तरीकों की तुलना में जीन एक्सपेर का मूल्यांकन
2. एंडोमेट्रियल न्यूरोट्रोफिक कारक और एंडोमेट्रोसिस से जुड़े तंत्र में फाइबर, संबंधित आईसीएमआर
3. लार में प्रोटीमिक हस्ताक्षर की भूमिका की खोज: डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए गैर-आक्रामक निदान उपकरण की ओर कदम, आईसीएमआर
4. मातृ, नवजात और शिशु विज्ञान के लिए अंतर संस्थागत कार्यक्रम- प्रीटरम जन्म, बाल चिकित्सा का अध्ययन करने के लिए एक अनुवाद दृष्टिकोण
5. आबादी आधारित भावी समूह अध्ययन स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए: एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य (इंडो-नीदरलैंड परियोजना), तंत्रिका विज्ञान
6. गर्भावस्था के मधुमेह मेलिटस के साथ दक्षिण एशियाई महिलाओं के बीच टाइप 2 मधुमेह मेलिटस की रोकथाम के लिए एक जीवनशैली हस्तक्षेप कार्यक्रम। भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म
7. पोस्टपर्टम के लिए रणनीति विकसित करने के लिए, सही परीक्षण और परीक्षण की आवृत्ति और उनके विचारों को शामिल करने के बाद रोगी केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करके गर्भावस्था के मधुमेह मेलिटस के इतिहास के साथ महिला का पालन करें, एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म
8. चुंबकीय नैनोकणों और क्वांटम डॉट्स ने साइटोलॉजी नमूने से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर कोशिकाओं की दृश्य पुष्टि की है: ग्रामीण भारतीय सेटअप, एनाटॉमी के लिए लागत प्रभाव, त्वरित और उपयुक्त परीक्षण
9. हरियाणा, उत्तर भारत, सामुदायिक चिकित्सा में उप-अस्पताल अस्पताल में भाग लेने वाली गर्भवती महिलाओं के बीच मध्यम एनीमिया के इलाज में अंतःशिरा लौह सर्कोस की प्रभावशीलता
10. नन इम्यून हाईड्रॉप्स फेटलिस (एनआईएचएफ), बाल चिकित्सा के ईटीओलॉजिकल मूल्यांकन
11. वायु विस्थापन प्लेथिस्मोग्राफी, बाल चिकित्सा द्वारा जन्म के समय स्वस्थ शब्द निओनेट्स की शारीरिक संरचना
12. रेडियोडिग्नोसिस, प्रसूति संबंधी संबंधित रक्तस्राव में हस्तक्षेप रेडियोलॉजी की भूमिका
13. पीसीओएस, मेडिसिन में चयापचय असामान्यताएं और नींद विकार
14. विभिन्न वयस्क ऊतकों में स्टेम सेल सुविधा में बहुत छोटे भ्रूण-जैसे स्टेम सेल (वीएसईएल) का अध्ययन करने के लिए एसओपी
15. महिला यौन विकारों पर आईसीडी -11 श्रेणियां: भारतीय महिलाओं, मनोचिकित्सा के बीच आईसीडी -11 प्रस्तावित नैदानिक दिशानिर्देशों की वैधता, विश्वसनीयता और उपयोगिता का मूल्यांकन
16. हाइपोक्सिया अनुकूलन और गर्भावस्था परिणाम अध्ययन (एचएपीएस): जन्म के वजन पर हाइपोक्सिया के प्रभाव की जांच, बाल चिकित्सा
17. हाइपोक्सिया प्रेरित मस्तिष्क की चोट के पशु मॉडल में मेसेन्चिमल स्टेम कोशिकाओं की भूमिका: अनुवाद के लिए प्रभाव: एचआईईहीआई पहल, स्टेम सेल सुविधा
18. एंडोमेट्रोसिस, फिजियोलॉजी में एस्ट्रोजनवाद का आणविक आधार

19. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रोसिस, फिजियोलॉजी के जीनोम-व्यापी त्रिशंकु परिदृश्य का अध्ययन
20. हाइपरप्रोलैक्टोनिया / मैक्रोप्रोलैक्टोनियामिया का ईटीओपाथोलॉजी, प्रजनन जीवविज्ञान
21. समय से पहले डिम्बग्रंथि विफलता के अनुवांशिक निर्धारक, प्रजनन जीवविज्ञान
22. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम के बायोमार्कर्स, प्रजनन जीवविज्ञान
23. एशियाई भारतीय नवजात विषयों में हड्डी द्रव्यमान का अध्ययन - एक अस्पताल आधारित अध्ययन, एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म
24. प्रीबिल डिलीवरी के जोखिम का आकलन करने के लिए गर्भावस्था के दौरान प्रिक्लेम्प्शिया / गर्भावस्था के उच्च रक्तचाप और गर्भावस्था के मधुमेह रोगियों में अलग-अलग विनियमित मेटाबोलाइट्स और मार्ग की पहचान के लिए मेटाबोलॉमिक्स दृष्टिकोण, जेनेटिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीजीईबी)
25. मानव कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी), आईसीएमआर के खिलाफ संशोधित पुनर्मूल्यांकन टीका की सुरक्षा, प्रतिरक्षा और जांच प्रभाव पर चरण I-II नैदानिक परीक्षण
26. प्रीटेम लेबर में एटोसिबान 7.5 मिलीग्राम / एमएल की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक खुला लेबल, गैर-तुलनात्मक चरण -4 अध्ययन, ज़ुवेन्टस हेल्थ केयर
27. एआरटी, भारत सीरम और टीके (बहुआयामी परियोजना) के लिए नियंत्रित डिम्बग्रंथि उत्तेजना से गुजरने वाले विषयों में फोलीग्राफ ™ और गोंनल-एफ की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक, बहुसंख्यक, समांतर समूह, निर्धारक-अंधा चरण III अध्ययन
28. भारतीय महिलाओं में एंटी-मुलरियन हार्मोन का स्तर, नामांकन स्थापित करना, बायोकैमिस्ट्री

पूर्ण

1. गर्भावस्था में मधुमेह, आईसीएमआर
2. कॉरोनिस-सीज़ेरियन सेक्शन सर्जिकल तकनीक का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, लंदन
3. एशरमैन सिंड्रोम, आईसीएमआर के साथ महिलाओं में उप एंटोलोगस स्टेम सेल इम्प्लांटेशन की भूमिका
4. एक पायलट अध्ययन: एशरमैन सिंड्रोम और गरीब एंडोमेट्रियम, आईसीएमआर के साथ महिलाओं में ऑटोलॉगस स्टेम सेल के सबेंडोमेट्रियल प्रत्यारोपण की भूमिका
5. जननांग तपेदिक के उपचार पर एक अध्ययन: 6 महीने या तो आरएनटीसीपी श्रेणी I उपचार, केंद्रीय टीबी डिवीजन, एमओएचएफडब्ल्यू की प्रारंभिक प्रतिक्रिया के बाद 9 महीने या तो निरंतरता के एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. गर्भावस्था के मधुमेह, आईसीएमआर के साथ एशियाई भारतीय महिलाओं में मेटाफॉर्मिन और सूक्ष्म इंसुलिन की सुरक्षा और दक्षता की यादृच्छिक खुली स्तर तुलनात्मक अध्ययन
7. प्राथमिक डिस्मेरियोहोआ के इलाज में अकेले ड्रोटावरिन हाइड्रोक्लोराइड (80 मिलीग्राम) और मेफेनामिक एसिड (250 मिलीग्राम) बनाम मेफेनामिक एसिड (250 मिलीग्राम) की निश्चित खुराक संयोजन की दक्षता और सुरक्षा: डबल अंधे यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन, वाल्टर और बुशनेल
8. मानव स्वास्थ्य, आईसीएमआर पर गैर-आयनकारी इलेक्ट्रो चुंबकीय क्षेत्र (ईएमएफ) के प्रभाव
9. एशियाई भारतीय नवजात विषयों में हड्डी द्रव्यमान का अध्ययन - एक अस्पताल आधारित अध्ययन, एंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म
10. मेटाबोलॉमिक्स प्री-टर्म डिलीवरी के जोखिम का आकलन करने के लिए गर्भावस्था के दौरान प्रिक्लेम्प्शिया / गर्भावस्था के उच्च रक्तचाप और गर्भावस्था के मधुमेह रोगियों में अलग-अलग विनियमित मेटाबोलाइट्स और मार्ग की पहचान के लिए दृष्टिकोण, जेनेटिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीजीईबी)
11. गर्भाशय धमनी इंबोलाइडेषन बनाम यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रोगियों में लक्षण गर्भाशय फाइब्रॉएड के लिए पेटी हिस्टेरेक्टोमी बनाम अपने परिवार, रेडियोडायग्नोसिस।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 59 सार : 5 पुस्तकों में अध्याय: 16 पुस्तकें: 2

रोगी उपचार

सारणी I. क्लिनिक के आधार पर मरीजों की उपस्थिति का विवरण

क्लिनिक	दिन / सप्ताह की संख्या	नए मरीज	पुराने मरीज
जनरल ओपीडी	6	41,995	1,10,009
उच्च जोखिम गर्भावस्था	3	2172	11,526
गाइनो एंडोक्राइन	3	13	124
गाइनोकोलोजिकल कैंसर	2	934	3596
आईवीएफ	1	1091	4655
एएनसी	3	894	4247
यूरो गाइनो	1	20	385
परिवार कल्याण	6	4605	3937

सारणी II. मातृ स्वास्थ्य कार्य

सेवाओं के प्रकार	गर्भवती महिलाओं की संख्या
टीटी पहला डोज	1361
टीटी दूसरा डोज	1223
महिलाओं की संख्या, जिन्हें आईएफए टिकिया दी गई	2586
गर्भवती महिलाओं की संख्या, जिनमें उच्च रक्तचाप (बीपी > 140/90) और उन्हें संभाला गया	276
एक्लेंपसिया की मरीजों की संख्या, जिन्हें संभाला गया	38
गर्भवती महिलाओं की संख्या, जिनके हीमोग्लोबिन की जांच की गई	2507
गर्भवती महिलाओं की संख्या, जिनके हीमोग्लोबिन <11 g/dl का उपचार किया गया	252
गर्भवती महिलाओं की संख्या, जिनके हीमोग्लोबिन <7 g/dl का उपचार किया गया	60
गर्भवती महिलाओं की संख्या, जिनके उपचार के लिए ओजीटीटी की जांच कराई गई	2443
गर्भवती महिलाओं की संख्या, जिनके जीडीएम का उपचार किया गया	452
गर्भवती महिलाओं की संख्या जिन्हें जीडीएम पॉजिटीव के उपचार के लिए इंसूलिन दिया गया	150
गर्भवती महिलाओं की संख्या, जिनका सिफलिस के लिए पीओसी जांच कराया गया	2443

सारणी III. वर्ष 2017-1018 के दौर लघु और बृहत शल्य क्रिया किए गए मरीजों की सूची

शल्य क्रिया	इकाई1	इकाई2	इकाई 3	कुल
फेटल मेडिसिन				
एमिनो रिडक्शन	2	0	15	17
एमिनो सेंटेसिस	62	54	131	247
एमिनोइन्फ्यूजन	0	0	1	1
कार्डियोसेंटेसिस	1	0	2	3
सीफेलोसेंटेसिस	0	0	1	1
कार्डो सेंटेसिस	9	2	24	35

क्रोनिक विलस सैंपलिंग	51	60	132	243
एग्जिट	0	0	1	1
फेट एसिटिक टैपिंग	0	0	4	4
इन्ट्रा एमिनोटिक प्रोस्टेडिन इंस्टिलेशन	12	9	2	23
इंट्रायूटेनिर ट्रांसफ्यूजन	14	3	132	149
पल्यूरल फ्लूड एस्पिरेशन	0	0	1	1
रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन	0	0	4	4
सिलेक्टिव फेटल रिडक्शन	0	0	21	21
शंट इंशर्शन	0	0	1	1
वेसिकोसेंटेसिस	0	0	3	3
कुल योग	**151**	**128**	**475**	**754**
न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी				
बांझपन के लिए लैप्रोस्कोपी (निदान)	292	478	200	970
बांझपन के लिए लैप्रोस्कोपी (क्रियाशील)	37	14	33	84
लैप्रोस्कोपिक सिस्टैक्टोमी	50	87	36	173
लैप्रोस्कोपिक ओवेरियोटोमी	11	9	4	24
लैप्रोस्कोपिक सैलपिंगेक्टोमी /क्लीपिंग	46	42	60	148
बी/एल लैप्रोस्कोपिक सैलपिंगोफोर्सेटोमी (जोखिम कम करना)	3	0	1	4
यू/एल लैप्रोस्कोपिक सैलपिंगोफोर्सेटोमी	0	1	0	1
लैप्लोस्कोपिक ओवेरियन ड्रिलिंग	10	7	0	17
लैप्रोस्कोपिक ट्यूबल रिकैनलाइजेशन	3	0	1	4
लैप्रोस्कोपिक एब्डोमिलन सर्क्लेज	2	0	1	3
लैप्रोस्कोपिक बर्स कॉलपोससेप्शन	6	0	0	6
लैप वीवीएफ मरम्मत + सिस्टोस्कोपी	3	0	0	3
लैप्रोस्कोपिक डैविडव वैजिनोप्लास्टी	8	0	0	8
लैप्रोस्कोपिक गोनाडिक्टोमी	4	1	6	11
लैप्रोस्कोपिक लुना		1		1
लैप्रोक्सकोपिक सायोमेक्टोमी	29	41	20	90
लैप्रोस्कोपिक एडिनोमायोमेक्टोमी	5	5	0	10
लैप्रोस्कोपिक रुडिमेंटरी हॉन्स एक्सिशन	8	8	2	18
लैप्रोस्कोपिक सर्कोहिस्ट्रोपैक्सी /सर्कोकोलपोपेक्सी	6	0	0	6
लैप्रोस्कोपिक स्कार एक्टोपिक एक्सिशन	2	0	0	2
लैप्रोस्कोपिक प्लिकेशन + सिस्टोसेल मरम्मत	1	0	0	1
लैप्रोस्कोपी + हिस्टेरोस्कोपी + काटकर हटाना	1	0	1	2
लैप्रोस्कोपी असिस्टेड वैजिनोस्कोपिक सेप्टल रिसेक्शन	5	0	0	5
टीएलएच ± सैलपिंगेक्टोमी	63	50	12	125
टीएचएल ± यू/एल या बी/एल सैलफिन्गो ओफरेक्टोमी	50	9	7	66
लैप्रोस्कोपिक असिस्टेड वैजाइनल हिस्टेरेक्टोमी	0	1	0	1
माइक्रो लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टोमी + बीएसओ	1	0	0	1

लैप्रोस्कोपिक रैडिकल हिस्टेरेक्टोमी (टाइप-सी) + बीएसओ + बी/एल पेल्विक लिंफेडेनेक्टोमी	21	0	0	21
लैप्रोस्कोपिक एक्स्ट्राफेशियल हिस्टेरोक्टोमी + बीएसओ + बी/एल पेल्विक लिंफेडेनेक्टोमी	11	0	0	11
लैप्रोस्कोपिक (आर) हेमीहिस्टेरेक्टोमी		1		1
डायग्नोस्टिक हिस्टेरोस्कोपी	304	554	399	1257

हिस्टेरेस्कोपिक एढेसियलाइसिस	12	12	10	34
हिस्टेरोस्कोपिक आईयूसीडी रिमूवल	8	8	8	24
हिस्टेरोस्कोपिक मायोमेक्टोमी	5	7	8	20
हिस्टेरोस्कोपिक पॉलिपैक्टोमी	22	27	32	81
हिस्टेरोस्कोपिक सेप्टल विभाजन	26	19	10	55
मूत्राशय एंडोमेट्रियोमा का ट्रांसयूरथ्रल शोधन	0	0	1	1
कुल योग	**1035**	**1382**	**852**	**3289**
रोबोटिक सर्जरी				
हिस्टेरेक्टोमी	2	0	0	2
हिस्टेरेक्टोमी +यूएसओ/बीएसओ	7	0	0	7
मायोमेक्टोमी	3	0	0	3
कुल योग	**12**	**0**	**0**	**12**
पेट की खुली सर्जरी				
टीएएच ± सेलपिनजेक्टोमी	39	45	39	123
टीएएच ± यू/एल/बी/एल सैलपिंगोओफेरोक्टोमी	29	55	19	103
पेरिपैरटम हिस्टेरेक्टोमी	4	2	2	8
रैडिकल हिस्टेरेक्टोमी	9	35	3	47
मायोमेक्टोमी	27	13	19	59
एंडिनोसायोमेक्टोमी	4	1	1	6
सेजेरियन मायोमेक्टोमी	14	0	1	15
सिस्टेक्टोमी/ओवेरियोटोमी यू/एल या बी/एल सैलपिंगोओफेरोक्टोमी	17	8	11	36
मिनीलैप लिगेशन	1	0	0	1
नियोसैलपिंगोस्टोमी	2	0	0	2
रिकैनलाइजेशन	5	3	2	10
हिस्टेरेक्टोमी	1	1	0	2
हिस्टेरेक्टोमी + बी/एल रुडिमेंटरी हॉर्न एक्सिसन + ओवेरियन सिस्टेक्टोमी + टू मास एक्सिसन	1	0	0	1
लैपरोटोमी + सर्क्लेज	0	0	1	1
एक्टोपिक के लिए लैपरोटोमी	9	4	6	19
लैपरोटोमी +पेरिटोनियल वाश साइटोलोजी +मायोमैक्टोमी + दायां ओफोरेक्टोमी (डिफ्यूज पेरिटोनियल	1	0	0	1

लियोमायोमैटोसिस)				
लैपरोक्टोमी + पैरिटोनियल वॉश साइटोलोजी + टु मास ड्रेनेज	0	0	1	1
एब्डोमिनल सैक्रोकोल्पोपैक्सी	1	3	1	5
मैट्रोप्लास्टी	1	0	1	2
यूटेरो क्यूटेनियस फिस्टूला एक्सिसन	0	0	1	1
बर्श कोल्पोसस्पेंशन	6	0	0	6
एक्सप्लोरेटरी लैपरोक्टोमी + ब्लाडर जख्म के उपचार के साथ बाऊल रिसेक्शन एनास्टोमोसिस	0	0	1	1
सीए अंडाशय के लिए स्टैगिंग लैप्रोक्टोमी	9	7	14	30
सीए अंडाशल के लिए डिबल्किंग सर्जरी	33	56	20	109
एक्स्ट्रा फेशियल हिस्टेरेक्टोमी + बीएसओ + बी/एल लिंफेडेनेक्टोमी	8	29	14	51
कुल योग	**221**	**262**	**157**	**640**
योनी की सर्जरी				
रेडिकल वल्वेक्टोमी + बी / एल इंजिनिनल फेमोरल लिम्फ नोड विच्छेदन	9	2	0	11
सामान्य वल्वेक्टोमी	0	1	0	1
योनी हिस्टेरेक्टोमी + पीएफआर	43	24	34	101
क्लिटरोप्लास्टी	2	0	0	2
हायमेनोप्लास्टी	0	0	2	2
सिस्टोसिल का उपचार	1	0	0	1
रेक्टोसिल का उपचार	0	0	3	3
फॉदरजिल शल्य क्रिया	3	5	1	9
प्लेसेंटा को	2	0	1	3
रिक्टोवेजाइनल फिस्टूला का उपचार	2	0	0	2
विसिकोवैजाइनल फिस्टूला का उपचार	4	0	3	7
सैक्रोस्पिनस फिक्सेशन	6	0	0	6
टीवीटी-ओ	17	2	1	20
वैजाइनल सिस्ट निकालना	3	3	1	7
वल्वल मास को निकालना	1			1
लैबियल मास को निकालना	1	0	0	1
लैबियल को अलग करना	3	0	0	3
पैरिनियल सिस्ट को निकालना + वैजिनोप्लास्टी + राइट लैबियोप्लास्टी	0	0	0	0
साइनस निकालना	0	1	0	1
कुल योग	**97**	**38**	**46**	**181**
अन्य सर्जरी				
3 स्वैब टेस्ट	2	0	1	3

बैर्थोलिन सिस्ट निकालना	8	9	8	25
सर्विकल पोलिपैक्टोमी	3	1	1	5
कोनाइजेशन	2	1		3
सीपीटी का उपचार	0	1	0	1
सिस्ट एस्पिरेशन	19	24	23	66
ईए +ईसीस + पैप स्मियर	39	61	19	119
ईए + ईसीसी + पॉलिपैक्टोमी	15	19	14	48
एनेस्थेसिया के तहत परीक्षण	2	11	4	17
स्कार एंडोमेट्रियोमा का उच्छेदन	2	0	2	4
ग्रैनुअलेशन ऊत्तकों को निकालना	1			1
लैबियल सिस्ट का उच्छेदन	3	0	4	7
लीप	7	4	4	15
सैलकॉट्स को बदलना	1	2	2	5
मैश को हटाना	1	0	0	1
माउल्ड को बदलना	9	6	14	29
पायोमैट्रा नलिका	3	13	7	23
रिसटरिंग	16	9	13	38
वैजाइनल सैप्टम का अनुप्रस्थ उच्छेदन	2	1	3	6
बायोप्सी (सर्विकल/वैजाइनल/वॉसल्ट/वल्वल)	18	13	14	45
ओवेरियन सिस्ट को निकालना	22	19	16	57
माइरेना रोपण	13	24	28	65
कुल योग	**188**	**218**	**177**	**583**

सारणी IV. ओपीडी में की गई प्रक्रियाएं

लघु			
ईए और ईसीए:	1613	डी एंड सी:	31
आईयूआई:	662	आयरन थैरेपी:	445
एनएसटी:	5343	माइरेना:	62
ईए:	2830	कोलपोस्कोपी/क्रायो/लीप:	595
एमटीपी:	677	पैप स्मियर:	5806
मॉक ईटी:	1	सर्विकल बायोप्सी:	68
प्रसूति अल्ट्रासाउंड: 7725		स्त्री रोग अल्ट्रासाउंड:	13156
एफ-यूएसजी से:	5981		

सारणी V. प्रसव और अन्य विवरण

मेजर (एलएससीएस):		1242	
माइनर:			
ओपरेटिव वैजाइनल डिलेवरी (फोरसेप्स):	108	सामान्य वैजाइनल डिलिवरी:	1093

एआरटी केंद्र			
इंट्रा-यूरिन इंसेमिनेश (आईयूआई):	259	ओवम पिक अप (ओपीयू) :	417
एंब्रोयो ट्रांस्फर (ईटी) :	360	फ्रोजन एंब्रोयो ट्रांस्फर (FET):	98
सर्जिकल स्पर्म रिट्रिवल:	8	अन्य (सीए, भ्रूण की कमी):	24
कुल योग:	**1166**		

प्रसवोत्तर कार्यक्रम

सारणी VI. विभिन्न परिवार नियोजन विधियां, प्रसोवत्तर कार्यक्रम की उपलब्धियां

विधियां	Previous Year (2016-2017)	Current Year (2017-2018)
कॉपर टी	950	1012
एमपीए इंजेक्शन का पहला डोज	0	57
एमपीए इंजेक्शन का दूसरा डोज	0	1
एमपीए इंजेक्शन का तीसरा डोज	0	1
टिकिया	612 पैकिट	698 पैकिट
परंपरागत गर्भ निरोधक	77,130 पीस	75,350 पीस
महिला नसबंदी	802	648

कोलोपोस्कोपी: 655 क्रायोथैरेपी: 30

सामुदायिक सेवाएं / कैंप

आचार्य दीपिका डेका ने 7 मई (रविवार) 2017 को सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे 'टोटल हेल्थ' के नाम से दूरदर्शन पर लाइव कार्यक्रम प्रस्तुत किया। उन्होंने इसके बाद 11 फरवरी (रविवार) 2018 को सुबह 8:30 बजे से 9:30 बजे 'टोटल हेल्थ' के नाम से दूरदर्शन पर लाइव कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

आचार्य नीरजा भाटला

सर्विकल कैंसर कैंप

1. एओजीआईएन का आयोजन —भारत दूसरा सर्विकल कैंसर स्क्रीनिंग कैंप, गरीब नवाजा कॉलोनी, नई सीलमपुर, दिल्ली में, 22 मई 2017 को
2. एओजीआईएन का आयोजन —भारत तीसरा सर्विकल कैंसर स्क्रीनिंग कैंप, कनक दुर्गा, आर. के. पुरम, दिल्ली में, 14 जुलाई 2017 को
3. एओजीआईएन का आयोजन —भारत चौथा सर्विकल कैंसर स्क्रीनिंग कैंप, चक्करपुर, गुड़गांव में कल्याणमयी और भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के साथ, दिल्ली में, 16 दिसंबर 2017 को। एक दिन में 100 महिलाओं की वीआईए और पैप स्मियर की स्क्रीनिंग की गई
4. एओजीआईएन का आयोजन —भारत पांचवां सर्विकल कैंसर स्क्रीनिंग कैंप, कापसहेड़ा में कल्याणमयी और भारतीय विमान पत्तन प्राधिकारण के सहयोग से दिल्ली में, 20 जनवरी 2018 को
5. एओजीआईएन का आयोजन — भारत पांचवां सर्विकल कैंसर स्क्रीनिंग कैंप, कापसहेड़ा में कल्याणमयी और भारतीय विमान पत्तन प्राधिकारण के सहयोग से दिल्ली में, 10 फरवरी 2018 को

जन व्याख्यान

1. **सर्विकल कैंसर रोकथाम: नई मिसाल पेश करने का समय।** नीति आयोग, पटेल चौक, नई दिल्ली में 9 जून 2017 को सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया गया।

2. **गाइनोलोजिकल कैंसर** पर चर्चा: लोक सभा चैनल, दिल्ली द्वारा 16 मार्च 2018 को कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आचार्य वत्सला धवल का दूरदर्शन पर लाइव कार्यक्रम 'गर्भावस्था के दौरान आयोडिन युक्त नमक का महत्व' विषय पर, 6:30 बजे से 7:00 बजे तक 13 जुलाई 2017 को। 'यौन प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता दिवस' पर 12 फरवरी (सोमवार) को सुबह 6:30 बजे से 7:00 बजे तक डॉक्टर ऑन लाइन (लाइव फोन कार्यक्रम) का आयोजन

डॉ. गारिमा ओबस्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजी विभाग में विशेष गाइनो एंडो क्लिनिक सफलतापूर्वक चला रही हैं जहां रोगियों को बहुआयामी तरीके से इलाज किया जाता है, 2-8 जुलाई 2017 से कारगिल और लद्दाक में गंभीर और पुराने रोगियों के लिए चिकित्सा शिविर में गिस्सा लिया।

डॉ. विदुषी कुलश्रेष्ठ ओबस्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजी विभाग में विशेष गाइनो एंडो क्लिनिक सफलतापूर्वक चला रही हैं जहां रोगियों को बहुआयामी तरीके से इलाज किया जाता है।

पुरस्कार, सम्मान और विशेष अवसर

आचार्य अल्का कृपलानी को ओब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी, दिल्ली एनसीआर 2017 में टाइम्स हेल्थकेयर अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, टाइम्स ऑफ इंडिया (टीओआई), दिल्ली, 20 अगस्त 2017 द्वारा आयोजित; आईओजी (भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग) में न्यूनतम आक्रमणकारी गाइनोकोलोजी में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित। डॉ. सत्य पॉल पुरस्कार समारोह 2017, एपीजे सत्य और स्वान समूह, दिल्ली, 22 अक्टूबर 2017 द्वारा आयोजित; नोएडा ओबस्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी सोसाइटी, नोएडा ओबस्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजिकल सोसाइटी (एनओजीएस), नोएडा, 30 जुलाई 2017 के 17 वें वार्षिक सम्मेलन में आवर्ती गर्भावस्था हानि-साक्ष्य आधारित प्रबंधन पर ऑरेशन, डॉ. उषा शर्मा ओबस्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी (यूपीसीजी 2017), एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज और ओबस्टेट्रिकल एंड गायनकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ मेरठ (ओजीएसएम), मेरठ, 14 अक्टूबर 2017 के यूपी अध्याय के 2 9 वें वार्षिक सम्मेलन में हस्तक्षेप के लिए जेनिटाल ट्रैक्ट-डायग्नोसिस के जन्मजात विकृतियों पर जन्मजात विकृतियां। प्रोफेसर आरके 28 वीं पूर्वोत्तर प्रसूति और स्त्री रोग सोसाइटी सम्मेलन (एनईओजीएससीओएन 2017) में हस्तक्षेप के लिए जेनिटाल ट्रैक्ट-निदान के जन्मजात विकृति पर दास मेमोरियल ऑरेशन, डिब्रूगढ़ प्रसूति और स्त्री रोग सोसाइटी, असम, शिवसागर, 16 दिसंबर 2017 द्वारा आयोजित; 61 वें अखिल भारतीय कांग्रेस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी (एआईसीओजी) 2018, भारत के ओबस्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजिकल सोसाइटीज फेडरेशन (एफओजीएसआई), मेजबान: ऑडिस्टेट्रियन और ओडिशा के स्त्री रोग विशेषज्ञों (एओजीओ) के संघ में कम से कम आक्रामक गायनकोलॉजी में विकास और प्रगति पर एफओजीएसआई रैलिस ऑरेशन भुवनेश्वर, 20 जनवरी 2018; फॉजीएसआई-सीएनएन कांग्रेस, एफओजीएसआई और पुणे ओबस्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजिकल सोसाइटी (पीओजीएस), पुणे (डॉ गारिमा कच्छवा) में पेपर प्रेजेंटेशन के लिए पहला पुरस्कार; पेपर प्रेजेंटेशन के लिए पहला पुरस्कार, नर्चि 2017, दिल्ली (डॉ शिंजिनी नारंग); डॉ। नीलम बाला वैद स्वर्ण पदक पुरस्कार, एओजीडी 2017, दिल्ली (डॉ भवना गिरीश) को सम्मानित किया गया; कागज प्रस्तुति के लिए दूसरा पुरस्कार, ट्यूबर पैथोलॉजीज और बांझपन सर्जरी पर सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय सोसाइटी ऑफ प्रजनन सर्जरी (आईएसआरएस), साउथेम्प्टन, यूके (डॉ तुहिना गोयल) द्वारा आयोजित; पेपर प्रेजेंटेशन के लिए पहला पुरस्कार, 13 वें वार्षिक सम्मेलन फर्टविजन 2017, भारतीय प्रजनन सोसाइटी (आईएफएस), दिल्ली (डॉ रीता माहे); पेपर प्रेजेंटेशन के लिए पहला पुरस्कार, 13 वें वार्षिक सम्मेलन फर्टविजन 2017, इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी (आईएफएस), दिल्ली (डॉ मोनिका गुप्ता); वरिष्ठ श्रेणी में एफओजीएसआई कोरियन अवॉर्ड, 61 वें अखिल भारतीय कांग्रेस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी (एआईसीओजी) 2018, एफओजीएसआई द्वारा आयोजित, और ओबशा के एसोसिएशन और ओडिशा के स्त्री रोग विशेषज्ञ (एओजीओ), भुवनेश्वर (डॉ गारिमा कच्छवा); सीएस डॉन अवॉर्ड, 61 वें अखिल भारतीय कांग्रेस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी (एआईसीओजी) 2018, एफओजीएसआई और एओजीओ, भुवनेश्वर (डॉ. गरिमा कच्छवा) द्वारा आयोजित; स्त्री रोग एंडोस्कोपिक सर्जरी पर लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला में मुख्य अतिथि, राजस्थान के गाइनो एंडोस्कोपिक सर्जन एसोसिएशन (एजीईएसआर) और महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और एमजी विश्वविद्यालय, जयपुर, 14 अप्रैल 2017।

आचार्य सुनेश कुमार यूरोपीय जर्नल ऑफ ओबस्टेट्रिक्स, गायनकोलॉजी और प्रजनन चिकित्सा के लिए सहकर्मी समीक्षक थे; सदस्य, चिकित्सा अधिकारी पद के लिए साक्षात्कार बोर्ड, संघ लोक चयन आयोग (यूपीएससी), नई दिल्ली; पीजीआई, चंडीगढ़ में गाइनो संकाय

के चयन के लिए चयन समिति; पीजीआईएमईआर, रोहतक में गाइनो संकाय के चयन के लिए सदस्य, चयन समिति; सदस्य, प्रजनन चिकित्सा में अनुसंधान पर आईसीएमआर समूह; मॉडल, ग्रामीण ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाई (एमआरएचआरयू), राजस्थान के लिए आईसीएमआर रिसर्च एडवाइजरी कमेटी; सदस्य, भारतीय मानक ब्यूरो, उपभोक्ता मामले मंत्रालय, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, भारत सरकार; महिलाओं के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित कार्यक्रम के लिए पहुंच योजना को अंतिम रूप देने के लिए सदस्य, डीबीटी उप-समूह समिति; एम्स, नई दिल्ली में सदस्य, तकनीकी विशिष्टता / चयन समिति; एम्स, नई दिल्ली में सदस्य, स्टाफ काउंसिल कमेटी; सदस्य, नीतिशास्त्र समिति, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, कैंसर सर्विक्स पर उप-समिति, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।

आचार्य दीपिका डेका ने 18 दिसंबर 2017 को डीजीएचएस सम्मेलन कक्ष, निर्मन भवन में दोपहर 2 बजे देर से गर्भपात के लिए एमटीपी बोर्ड के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए प्रोफेसर दीपिका देका ने तकनीकी समिति में भाग लिया; परीक्षक / आधिकारिक असाइनमेंट; ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, भोपाल (एमपी), 18 सितंबर 2017 में ओबस्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजी विभाग में संकाय के संकाय आकलन संवर्धन योजना (एपीएस) के लिए बाहरी विषय विशेषज्ञ; प्रशासनिक ब्लॉक, पांडिचेरी में 23 अक्टूबर, 2.30 बजे बाहरी विशेषज्ञ, संकाय चयन, जेआईपीएमईआर, प्रसूति और स्री रोग विभाग; एसजीपीजीआई, लखनऊ में 20 दिसंबर 2017 को मातृ और भ्रूण चिकित्सा में पोस्ट डॉक्टरेट सर्टिफिकेट कोर्स (पीडीसीसी) की अंतिम परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; चेयर सत्र "केस आधारित चर्चाएं", तीसरी मातृ भ्रूण चिकित्सा कार्यशाला और एओजीडी भ्रूण चिकित्सा उप-समिति, कार्यशाला का विषय "भ्रूण चिकित्सा-नैदानिक दृष्टिकोण की अनिवार्यता", 10 फरवरी 2018, नई दिल्ली है।

आचार्य नीरजा भाटला अध्यक्ष, स्त्री रोग ओन्कोलॉजी कमेटी, एफआईजीओ, 2015-2018 थे; काउंसिल सदस्य, एशियाई सोसाइटी ऑफ गायनकोलॉजिकल ओन्कोलॉजी (एएसजीओ), 2017-2019; 2018 में रियो डी जेनेरो में 22वां एफआईजीओ वर्ल्ड कांग्रेस के लिए सलाहकार समिति के सदस्य, वैज्ञानिक ट्रैक गाइनोलोजिकल ऑन्कोलोजी 2017-2018; महासचिव, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ सर्विकल पैथोलॉजी एंड कोलोस्कोपी (आईएफसीपीसी) 2017-2020; राष्ट्रपति-चुनाव, ओबस्टेट्रिकियन एसोसिएशन और दिल्ली के स्त्री रोग विशेषज्ञ (एओजीडी); सामान्य कैंसर जैसे स्तन, मौखिक और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय वाइड स्क्रीनिंग कार्यक्रम की रूपरेखा / ढांचे / प्रोटोकॉल को फ्रेम करने के लिए समिति के सदस्य; राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में एचपीवी टीका शामिल करने के लिए एनजीईआई स्थायी तकनीकी उप-समिति के सदस्य; टीकाकरण पर राज्य तकनीकी सलाहकार समूह द्वारा एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम के लिए सह-चयनित सदस्य (एसटीएजीआई) - दिल्ली, परिवार कल्याण निदेशालय (दिल्ली के एनसीटी सरकार) द्वारा जारी आदेश; सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित कैंसर, मधुमेह, कार्डियोवैस्कुलर रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति का संविधान; भारत में क्यूएचपीवी टीका चरण II / III नैदानिक परीक्षण गतिविधियों की समीक्षा और निगरानी के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, बीआईआरएसी (पीएमयू-बीआईआरएसी) में कार्यक्रम प्रबंधन इकाई; डीएसएमबी की सिफारिश के तहत जीएलएसई परीक्षण के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य डॉ। रमेश अग्रवाल, पीआई और पेडियाट्रिक्स के प्रोफेसर, एम्स द्वारा आयोजित; एम्स में स्त्री रोग ओन्कोलॉजी में एमसीएच की नई उप विशिष्टता की स्थापना; गाइनो कैंसर के प्रबंधन के लिए एफआईजीओ स्मार्टफ़ोन आवेदन। यह एप्लिकेशन एक मुफ्त डाउनलोड के रूप में उपलब्ध है और स्टेजिंग को सूचित करने और सभी प्रकार के सत्री कैंसर के मामलों के संसाधन-आधारित प्रबंधन को सूचित करने के लिए ऑफ़लाइन उपयोग किया जा सकता है; गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम पर एफओजीएसआई कार्यशालाओं श्रृंखला- "प्रतिशोधन"। मास्टर ट्रेनर्स, 2017 द्वारा विकसित मानक पाठ्यक्रम सामग्री के आधार पर देश भर में सभी क्षेत्रों में आयोजित कार्यशालाएं; थर्मल कोगुलेशन, गर्भाशय ग्रीवा कैंसरपूर्व घावों के बाह्य रोगी उपचार की एक नई विधि, विभाग में पेश किया गया था; सर्विकल प्री-इनवेसिव लेसन और एचपीवी टीकाकरण के स्क्रीनिंग और प्रबंधन के लिए एफओजीएसआई गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस सिफारिश के विकास में शामिल है। ये दिशानिर्देश भारतीय परिदृश्य के लिए पहली बार विकसित किए गए हैं और संसाधन आधारित, 2018 भी हैं; ऑनको प्रजनन क्षमता, 2018 पर टिप्स और ट्रिक्स के साथ "सर्विक्स और एचपीवी टीकाकरण के पूर्व-आक्रामक लेसन के स्क्रीनिंग और प्रबंधन" पर नई एफओजीएसआई जीसीपीआर; गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग के लिए मल्टीमोडाल स्पेक्ट्रोस्कोपी प्लेटफॉर्म पर आधारित एक एचपीवी एंटीबॉडी बायोमार्कर का मूल्यांकन: एक पायलट अध्ययन: मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए के साथ सहयोगी अनुसंधान; गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग से गुजर रही महिलाओं पर 100 रोगी पायलट अध्ययन में देखभाल दृश्य

निरीक्षण के मानक के लिए एक ट्रांसवागिनल कोलोस्कोप की एक साइड-बाय-साइड तुलना: ड्यूक विश्वविद्यालय, उत्तरी कैरोलिना, यूएसए के साथ सहयोगी शोध; विश्व डिम्बग्रंथि कैंसर गठबंधन अध्ययन सलाहकार पैनल द्वारा बोर्ड द्वारा हर महिला अध्ययन के नैदानिक सह-अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया। यह गठबंधन के लिए काम का एक महत्वपूर्ण टुकड़ा होगा, जो वैश्विक डिम्बग्रंथि कैंसर चार्टर के निर्माण को कम करता है।

प्रोफेसर के.के. रॉय निम्नलिखित स्वास्थ्य पर विभाग में आयोजित न्यूनतम आक्रमणकारी स्त्री रोग विज्ञान में महिला स्वास्थ्य पहल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में सचिव का आयोजन कर रहा था: (i) 1-6 मई 2017; (ii) 2 9 जनवरी -3 फरवरी 2018; (iii) 5-10 मार्च 2018।

प्रोफेसर नीना मल्होत्रा ने कर्नाटक राज्य प्रसूति और स्त्री रोग सोसाइटी द्वारा प्रोफेसर रत्नाबाई मोरे ऑरेशन दिया; रॉयल कॉलेज ऑफ ओबस्टेट्रिकियंस एंड गायनोलॉजिस्ट (आरसीओजी), लंदन द्वारा ओवरसीज फंड (2017-2018)।

प्रोफेसर वत्सला डढवाल ने 15 जून 2017 (गुरुवार) को डीन कमेटी रूम, एम्स में 12:00 बजे छात्रों की संघ गतिविधियों और पल्स-2017 के लिए पल्स समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया; मृत श्रीमती के इलाज में किसी भी चूक के बारे में विशिष्ट राय देने के लिए एम्स में मेडिकल बोर्ड गठित किया गया। शेली डब्ल्यू / ओ सोनू एनएचआरसी केस संख्या 2839/7/19/2011/1652 31 जुलाई 2017 (सोमवार) को सेमिनार रूम, एमएस में 3:30 बजे। कार्यालय विंग, ग्राउंड फ्लोर, एम्स, नई दिल्ली; 2 9 नवंबर 2017 (बुधवार) को नई दिल्ली में राष्ट्रीय एईएफआई समिति 10:30 पूर्वाह्न से 4: 30 बजे होटल ताज विवांता, दिल्ली में; 22-26 जुलाई 2017 को ओबस्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजी में बांग्लादेश कॉलेज ऑफ फिजियंस एंड सर्जन (बीसीपीएस) के जुलाई सत्र में एफसीपीएस भाग -2 परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक।

प्रोफेसर जेबी शर्मा अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली में एमआरसीजीजी भाग I-II, 4-5 सितंबर 2017 के परीक्षक थे।

डॉ। गरिमा कच्छवा को वरिष्ठ श्रेणी में अनुसंधान प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था, "गर्भधारण में एसएफएलटी 1 और पीएलजीएफ स्तरों का सहसंबंध, प्रीक्लेक्टिव कोहोर्ट स्टडी" के विकास के साथ एफओजीएसआई सीएनएन में भारत के ओबस्टेस्ट्रिक्स और गायनकोलॉजिकल सोसाइटी फेडरेशन द्वारा और पुणे ओबस्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजिकल सोसाइटी 23-25 जून 2017 से जेडब्ल्यू मैरियट, पुणे में आयोजित की गई। (पेपर प्रेजेंटेशन); जैसा कि सह लेखक ने प्रजनन के लिए नेशनल एसोसिएशन द्वारा आयोजित नर्चि के 24 वें वार्षिक सम्मेलन में "गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस को रिफाम्पिसिन के साथ प्रबंधित किया: ए केस रिपोर्ट" (शिनजिनी, अल्का क्रिप्लानी, गरिमा कछवा, शालीमार, विदुशी कुलश्रेषा, राजेश कुमारी) और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में 28-29 अक्टूबर 2017 (पोस्टर प्रेजेंटेशन) से भारत के बाल स्वास्थ्य (एनएआरआईआई); सीएस डॉन को सर्वश्रेष्ठ पेपर दिया गया "एंडोमेट्रोसिस वाली महिलाओं में जीएनआरएच एगोनिस्ट्स की तुलना में कैबरगोलिन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए: 61 वें एआईसीओजी-2018 में ए प्रॉस्पेक्टिव ओपन लेबल रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल" एफओजीएसआई की ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी (एआईसीओजी) की अखिल भारतीय कांग्रेस उड़ीसा के प्रसूति विशेषज्ञ और स्त्रीरोग विशेषज्ञ एसोसिएशन द्वारा, 17-21 जनवरी 2018 को 17-21 जनवरी 2018 को 17-21 जनवरी 2018 (पेपर प्रेजेंटेशन) पर भुवनेश्वर में कटक सोसाइटी आयोजित की गई; 617 एआईसीओजी पर गर्भावस्था के दौरान एसएफएलटी 1 और पीएलजीएफ के मूल्यांकन और प्रिक्लेम्प्शिया के विकास से संबंधित "पर वरिष्ठ श्रेणी में ओबस्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक कार्य के लिए वर्ष 2017 के लिए फॉजीएसआई-कोरियन अवॉर्ड (द्वितीय धावक) का पुरस्कार दिया गया। एफओजीएसआई, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित, 17-21 जनवरी 2018; परियोजना सचिव - पोस्ट पार्टम प्रोग्राम w.e.f 1 फरवरी 2018 दो साल की अवधि के लिए; न्यूनतम आक्रमणकारी स्त्री रोग विज्ञान में संगठित डब्ल्यूएचआई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग द्वारा आयोजित, एम्स; कोषाध्यक्ष महिला स्वास्थ्य पहल (डब्ल्यूएचआई), न्यूनतम आक्रमणकारी स्त्री रोग में 28 वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 1-6 मई 2017 द्वारा आयोजित; कोषाध्यक्ष महिला स्वास्थ्य पहल (डब्ल्यूएचआई), न्यूनतम आक्रमणकारी स्त्री रोग विज्ञान में 2 9 वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, ओबस्टेट्रिक्स और स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 2 9 जनवरी 2017-3 फरवरी 2018 द्वारा आयोजित; कोषाध्यक्ष - महिला स्वास्थ्य पहल (डब्ल्यूएचआई), न्यूनतम आक्रमणकारी स्त्री रोग विज्ञान में 30 वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, ओबस्टेट्रिक्स और स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 5-10 फरवरी 2018; कोषाध्यक्ष - महिला स्वास्थ्य पहल (डब्ल्यूएचआई), न्यूनतम आक्रमणकारी गायनकोलॉजी में 31 वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, ओबस्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 10 मार्च 2018 द्वारा आयोजित।

डॉ रीता माहे को ओव्यूलेशन प्रेरण और इंट्रायूटरिन गर्भनिरोधक चक्र से गुजरने वाले बांझ वाले जोड़ों में एंडोमेट्रियल स्क्रैचिंग के बाद शोध कार्य गर्भावस्था के लिए यंग गायनकोलॉजिस्ट अवॉर्ड (वाईजीए) (भारत से चुने गए तीन में से एक) प्राप्त हुआ- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। हांगकांग (15-18 जून 2017) में आयोजित 25 वें एओसीओजी सम्मेलन में पुरस्कार प्राप्त हुआ; मैनग्ला टेलैंग सम्मेलन का सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार। फर्टिविजन 2017 में प्रस्तुत किया गया; सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (सह-लेखक के रूप में) - डीएम प्रजनन दवा उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत। फर्टिविजन 2017 में प्रस्तुत किया गया।

डॉ. पी. वैनामाइल, एम्स को परिवार नियोजन सेवाओं की देखरेख के लिए परिवार कल्याण निदेशालय, एनसीटी सरकार, नई दिल्ली द्वारा "सर्वश्रेष्ठ पोस्ट गर्भपात परिवार नियोजन सेवाओं" के लिए सम्मानित किया गया था; एमएसएसओ द्वारा प्रस्तुत सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (सह-लेखक के रूप में); महामारी विज्ञान के अनुशासन में मद्रास विश्वविद्यालय, तमिलनाडु से पीएचडी मूल्यांकन; नर्सिंग अनुशासन में पीएचडी उम्मीदवार ने अपनी सह-मार्गदर्शिका के तहत अपनी थीसिस प्रस्तुत की; आईसीएमआर टास्कफोर्स स्टडी के सदस्य, "ए" श्रेणी जिले में बाल चिकित्सा एचआईवी के बोझ का अनुमान लगाते हुए; 2017-2018 के दौरान पेपर की समीक्षा की गई: आईजेएमआर 10; जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजी 1; नैदानिक और जांच दवा 1; जर्नलिक 1 का जर्नल; पीएलओएस वन 1; उष्णकटिबंधीय चिकित्सा और स्वास्थ्य 1।

डॉ. विदुषी कुलश्रेष्ठा को वरिष्ठ श्रेणी में अनुसंधान प्रस्तुति के लिए सह-लेखक के रूप में सर्वश्रेष्ठ श्रेणी में सम्मानित किया गया था, "प्रीफ्लैटिक्स के विकास के साथ प्रारंभिक गर्भावस्था में पीएलजीएफ स्तरों का सहसंबंध और पीआरजीएसआई सीएनएन में एफओएसएसआई सीएनएन पर एक संभावित कॉहॉर्ट स्टडी" पर ओबस्टेट्रिक्स और स्त्री रोग विशेषज्ञ सोसाइटी ऑफ इंडिया और पुणे ओबस्टेट्रिक्स एंड गायनकोलॉजिकल सोसाइटी 23-25 जून 2017 से जेडब्ल्यू मैरियट, पुणे (पेपर प्रेजेंटेशन) में आयोजित की गई; सर्वश्रेष्ठ पोस्टर सह लेखक के लिए पहला पुरस्कार, "गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस को रिफाम्पिसिन के साथ प्रबंधित किया गया: ए केस रिपोर्ट" (शिनजिनी, अल्का क्रिप्लानी, गारिमा कछवा, शालीमार, विदुशी कुलश्रेषा, राजेश कुमारी) द्वारा आयोजित नर्चि के 24 वें वार्षिक सम्मेलन में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में 28-29 अक्टूबर 2017 (पोस्टर प्रेजेंटेशन) से भारत के प्रजनन और बाल स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय संघ (नर्चरी); सीएस डॉन का सबसे अच्छा पेपर "एन्डोमेट्रोसिस के साथ महिलाओं में जीएनआरएच एगोनिस्ट की तुलना में कैबरगोलिन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए: एक संभावित ओपन लेबल रैंडमलाइज्ड कंट्रोल ट्रायल 61 वें एआईसीओजी-2018 में ऑलस्टेट्रिक एंड गायनकोलॉजी (एआईसीओजी) की सभी भारतीय कांग्रेस द्वारा एफओजीएसआई उड़ीसा के ओबस्टेट्रिकियन और स्त्री रोग विशेषज्ञ एसोसिएशन, 17-21 जनवरी 2018 को 17-21 जनवरी 2018 को 17-21 जनवरी 2018 (पेपर प्रेजेंटेशन) पर भुवनेश्वर में आयोजित कटक सोसाइटी; 617 एआईसीओजी पर गर्भावस्था के दौरान एसएफएलटी 1 और पीएलजीएफ के मूल्यांकन और प्रीक्लेम्पसिया के विकास से संबंधित "पर वरिष्ठ श्रेणी में ओबस्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक कार्यों के लिए वर्ष 2017 के लिए फॉजीएसआई-कोरियन अवॉर्ड (द्वितीय धावक) का पुरस्कार दिया गया। एफओजीएसआई, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित, 17-21 जनवरी 2018; इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी (आईएफएस), नई दिल्ली, 8-10 दिसंबर 2017 के 13 वें वार्षिक सम्मेलन में 'बांझपन पीसीओएस महिलाओं में नैदानिक गर्भावस्था दर के मामले में अकेले मेटफॉर्मिन प्लस मायोइनोजिटोल बनाम मेटफॉर्मिन के प्रभाव की तुलना करने के लिए' पहला पुरस्कार दिया गया; निम्नलिखित के लिए सुविधा/ संकाय: (i) मेडिकल बोर्ड, एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग, ऑप्टोमेट्री, रेडियोग्राफी पाठ्यक्रम (2014 के बाद) में चिकित्सा प्रौद्योगिकी के लिए नए प्रवेशकों के लिए एम्स, (ii) गुरुकुल कक्षाओं में सत्र में "जंडिस इन गर्भावस्था, द्वारा आयोजित 21 दिसंबर 2017 को आईएसओपीएआरबी के तहत सर गंगा राम अस्पताल; (iii) एफएचजीएसआई ओन्कोलॉजी कमेटी और भारत के स्त्रीरोग विज्ञान चिकित्सकों के एसोसिएशन के तहत, 6-7 जनवरी 2018; के तहत प्रसुती एवं स्त्रीरोग विभाग द्वारा आयोजित 4वीं कैडेवर कार्यशाला और सीएमई गायनी ओन्कोलॉजी; (iv) गुणवत्ता सुधार और क्षमता निर्माण कार्यशाला सह परामर्श में नेतृत्व, डब्ल्यूएचओ सीसी और पेडियाट्रिक्स विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 27-28 मार्च 2018 द्वारा आयोजित; गुणवत्ता सुधार (क्यूआई): विभाग की गुणवत्ता सुधार पहल में वाद्ययंत्र और आईएचआई सुधार कोच व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, मई 2017 पूरा किया।

डॉ. सीमा सिंघल को गाइनोलॉजिक ओन्कोलॉजी में एमसीएच पाठ्यक्रम के लिए चुना गया था; एओजीआईएन इंडिया 2018-2020 के लिए संपादक और वेब संपादक; सदस्य, एफओजीएसआई गाइनोलॉजिक ओन्कोलॉजी समिति; सदस्य, विषय विशेषज्ञ समिति भारत के ड्रग कंट्रोलर के प्रजनन और मूत्रविज्ञान; सदस्य एंडोमेट्रोसिस कमेटी, एओजीडी; समीक्षाकर्ता, न्यूनतम आक्रमणकारी सर्जरी, भारतीय प्रसूति और स्त्री रोग; आईएचआई प्रमाणित क्यूआई संकाय; दस्तावेजों का मसौदा तैयार किया गया: (i) एफओजीएसआई जीसीपीआर स्क्रीनिंग

और गर्भाशय के रूप में गर्भाशय ग्रीवा और एचपीवी टीकाकरण के पूर्व-आक्रामक घावों का उपचार; **(ii)** फिगो जीन कैंसर प्रबंधन स्मार्टफ़ोन मोबाइल एप्लिकेशन: विशेषज्ञ सदस्य; **(iii)** एफओजीएसआई जीसीपीआर: गर्भावस्था में एनीमिया: विशेषज्ञ; **(iv)** देखभाल गुणवत्ता सुधार मॉडल के विशेषज्ञ के रूप में विशेषज्ञ **(v)** डब्ल्यूएचओ-एमओएचएफडब्ल्यू-एलएसटीएम द्वारा आयोजित दक्ष उन्नत कौशल मॉड्यूल के विशेषज्ञ सदस्य।

डॉ. ज्योति मीना ने सह-समन्वयक के रूप में गर्भाशय और एचपीवी टीकाकरण के पूर्व-आक्रामक घावों के एफओजीएसआई जीपीसीआर स्क्रीनिंग और उपचार में भाग लिया।

9-25 vfLFkjkx foKku

vkpk;l ,o v/;{k

राजेश मल्होत्रा

vkpk;l

हीरा लाल नाग | रवि मित्तल | चंद्र शेखर यादव
शाह आलम खान | विजय कुमार

lg&vkpk;l

भावुक गर्ग | मोहम्मद ताहिर अंसारी

lgk;d vkpk;l

विजय डिग्गी | विक्रांत मंहास
विवेक शंकर | वेंकटेशन संपत कुमार

f'k{kk

Øfed vk;foKku@dk;'kkyk@lxks"Bh@jk"Vh; vkj vrjjk"Vh; lEeyu

1. जेपीएनए ट्रामा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में 7 अप्रैल 2017 को आर्थोपेडिक्स विभाग द्वारा आयोजित काइनमेटिक नी– रिप्लेसमेंट पर सम्मेलन का आयोजन; आयोजक सचिव : डॉ विजय कुमार
2. 7–9 अप्रैल 2017 को गुड़गांव में इंडियन सोसाइटी ऑफ हिप एंड नी सर्जन (आईएसएचकेएस) का 11वां वार्षिक सम्मेलन
3. 20–21 मई 2017 को जेपीएनए ट्रामा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में हड्डी रोग विभाग द्वारा आयोजित आईएसएचकेएस आर्थ्रोप्लास्टी कोर्स 2017; आयोजक सचिव : डॉ विजय कुमार
4. 15 जुलाई 2017 को जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में हड्डी रोग विभाग द्वारा आयोजित पहली नेविगेटेड यूनीवेशन एक्स (यूनिकोंडिलर) नी कैडवेवरिक कार्यशाला
5. 12–13 अगस्त 2017 को ऑर्थोप्लास्टी 2017 में वर्तमान संकल्पनाएं, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में ऑर्थोपेडिक रिसर्च सोसाइटी एण्ड डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स, नई दिल्ली; आयोजन सचिवः डॉ विजय कुमार
6. ऑर्थोपेडिक्स विभाग में पूरे घुटने रिप्लेसमेंट में न्यूर होरीजन, 18 सितंबर 2017 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में नेवर हॉरिजन इन टोटल नी रिप्लेसमेंट इंटरनेशनल गेस्ट फैकल्टी डॉ डेविड फिशर
7. 9–10 फरवरी 2018 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में मॉड्यूलर हिप आर्थ्रोप्लास्टी मास्टर कोर्स, नई दिल्ली आयोजन सचिवः डॉ विजय कुमार
8. छठे एम्स आर्थोप्लास्टी अपडेट–2018, 7 जनवरी, एम्स, नई दिल्ली
9. टीकेए कार्यशाला, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन, पंजाब चैप्टर, 19 नवंबर, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पटियाला, पंजाब
10. टीकेए शव कार्यशाला, बिहार ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन, 9 फरवरी, भागलपुर, बिहार

ÁnÙk 0;k[;ku

राजेश मल्होत्राः 59
एचएल नागः 14
रवि मित्तलः 23
सी. एस. यादवः 37
शाह आलम खानः 8
मोहम्मद ताहिर अंसारीः 6
भवुक गर्गः 28
विजय कुमार डीः 8
विक्रांत मन्हासः 3
विवेक शंकरः 1
वेंकटेशन संपत कुमारः 5

ekf[kd i=@ikLVj ÁLrqfr;k 32

vuqla/kku

foÙk iks"kr ifj;kstuk,¡

tkjh

1. पूरे कूल्हे को बदलने की आवश्यकता वाले व्यक्तियों में डेल्टा मोशन कप प्रणाली के अस्तित्व और प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए एक बहु केंद्र, भावी, अनियंत्रित पूर्व बाजार नैदानिक अनुवर्ती अध्ययन (पीएमसीएफसी), राजेश मल्होत्रा, जॉनसन एंड जॉनसन मेडिकल इंडिया, 5 वर्ष, 2013–2018, 15.50 लाख रुपये
2. सीवी 185–158 : चरण 4, भारतीय व्यक्तियों में पूरे घुटने का चयनित प्रतिस्थापन या पूरे कुल्हे का प्रतिस्थापन करने की सर्जरी कराने पर एपिजेवेन की निरापदता के मूल्यांकन के लिए खुला लेबल, बहु केंद्र अध्ययन, राजेश मल्होत्रा ब्रिस्टल मेयर्स स्क्विब इण्डिया, 3 वर्ष, 2015–2018, 3.3 लाख रुपये
3. इण्डियन पेस्टमेनोपौजल ऑस्टियोपोरोटिक महिलाओं में अस्थि मार्करों की प्राथमिकता, सुविधा, पालन, स्थायित्व में वार्षिक जोलेंड्रोनिक एसिड बनाम साप्ताहिक एलेनड्रोनेट की तुलना। राजेश मल्होत्रा आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2018, 40 लाख रुपये
4. रोगियों में क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल के परिणामों की तुलना करने के लिए एक सिंगल ब्लाइंड क्लस्टर रेंडम कंट्रोल्ड ट्रायल के साथ फ्यूज्ड हिप्स और स्पाइनोपेल्विक स्पोंडिलाइटिस डिफार्मिटी वाली टोटल हिप आर्थोप्लास्टी के लिए एक नवीन कंप्यूटर एडिड डिजाइन (सीएडी) मॉडल आधारित प्रोटोकॉल बनाम पारंपरिक तकनीक, राजेश मल्होत्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–2018, रु. 34 लाख
5. प्रोस्पेक्टिव, मल्टी–सेंटर परिणाम, टोटल नी–आर्थोप्लास्टी में पर्सोना नी–सिस्टम का अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, जिम्मेर इंडिया, 3 वर्ष, 2015–2018, रु. 23.5 लाख।
6. लघु अवधि 6 माह बनाम एक्स्ट्रा स्पाइनल ऑस्टीओआर्टिकुलर ट्यूबरकुलोसिस में एटीटी की 9 माह उपचार, सी. एस. यादव, बायोटेक्नोलॉजी और साइंस विभाग, 3 – 4 वर्ष, 2013–17, 60 लाख रुपये।
7. एक्स्ट्रा स्पाइनल मस्कयूलोस्केलेटन ट्यूबरक्लॉसिस में ट्रीटमेंट रेस्पांस इवेल्यूशन के लिए मॉलेक्यूलर इमेजिंग (पीईटी–सीटी), शाह आलम खान, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017–2019
8. भारतीय और पश्चिमी आबादी में ओस्टियोआर्थिराइटिस की पद्धतियों में अंतरों को समझना : लक्षणों, उपचार विकल्पों और उनके परिणाम पर प्रभाव, राजेश मल्होत्रा और विजय कुमार, डीएसटी–यूकेआईईआरआई, 3 वर्ष, 2017– 2020, रु. 90 लाख
9. शल्य चिकित्सा के बाद हड्डियों में दर्द के साथ इटोडॉलेक इंजेक्शन की सुरक्षा और क्षमता का मूल्यांकन, विजय कुमार, आईपीसीए, 1 वर्ष, 2018–2019, रु. 3 लाख
10. भारतीय लोगों के लिए यूनिकमंपार्टमेंटल नी–रिप्लेसमेंट की सुरक्षा, उपयुक्तता और क्लिनिकल प्रभाविता, राजेश मल्होत्रा और विजय कुमार, डीएसटी–यूकेआईईआरआई, 2.5 वर्ष, 2014– 2017, रु. 35 लाख
11. ओस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिए एलेंड्रोनेट और टेरिपेरेटिड के उपचार के दौरान और बाद बीगोन स्कैन चेंज की तुलना, भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2018, 39.15 लाख रुपये
12. समान आयु वाले भारतीयों में जेनेटिक और काइटोकाइंस प्रोफाइल्स के मूल्यांकन की तुलना, नी–ऑस्टियोआर्थेराइटिस के साथ या उसके बिना, भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020, रु. 140.64 लाख।
13. सायटोकाइनेस, मेट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेस एण्ड बोन मार्कर्स के बीच नोर्मल, पल्मोनरी, ऑस्टिओमयेलिटिस एण्ड स्पाइ ट्यूबरकुलोसिस सबजेकट्स की तुलना करना, भावुक गर्ग, एम्स, 2 वर्ष, 2016–18, 9.99 लाख रुपये

पूर्ण

1. मेडिकेशंस यूज पैटर्न, ट्रीटमेंट सेटिसफेक्शन, एण्ड इंएडक्वेटकंट्रोल ऑफ ओस्टियोपोरोसिस स्टडी (म्युजिक) : क्लिनिकल प्रक्टिस में ओस्टिपोरोसिस के लिए पोस्टमेनोपॉजी वूमेन उपचार का एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, एमईआरसी, 2 वर्ष, 2014–16, 3.3 लाख रुपये
2. कम्प्यूटर असिस्टेड रोगी विशिष्ट ओस्टियोटॉमी विकसित और बड़ा सीटी स्कैन और 3 डी पुनर्निर्माण के मॉडल की मदद से रीढ़ की हड्डी में विकृति के लिए गाइड ड्रिल करना। भावुक गर्ग, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–2016, 50 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मोबाइल बियरिंग यूकेआर वाले भारतीय लोगों में आरएसए और क्लिनिक–रेडियोलॉजिकल आउटकम के उपयोग द्वारा इम्पलांट माइग्रेशन एनालाइजिस।

2. नैदानिक तुलना के लिए एक भावी यादृच्छिक चिकित्सीय परीक्षण, मीडियल पाइवोट और लेटरल पाइवोटघुटने के बीच फ्लोरोस्कोपिक और रेडियोलॉजिकल का परिणाम।
3. बड़े कंसोल, इमेज लेस कंप्यूटर सहायता प्राप्त नेविगेशन बनाम एक्सीलेरोमीटर आधारित पोर्टेबल नेविगेशन तकनीक से पूरे घुटने के प्रतिस्थापन की तुलना के लिए एक भविष्य लक्षी यादृच्छिक अध्यययन
4. हेमिस्ट्रिंग ग्राफ्ट हारवेस्ट हेतु परोक्ष चीरे के प्रयोग ए.सी.एल. पुनर्निर्माण के दौरान अधः शाखा शिरा के इंफ्र–पटेलर शाखाओं को क्षति का नैदानिक एवं इलैक्रोफीसियोलोजिकल मूल्यांकनः भावी अध्ययन
5. एसीएल चोट वाले रोगियों में घुटने के अग्रपाश्विक लिग्मेंट के क्लिनिको–रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन
6. डबल बंडल एसीएल के साथ उपचारित रोगियों में फिमोरल और टिबियल टनल के बीच टनल के चौड़े होने और हड्डी के सेतु का मूल्यांकन। एसीएल के फटने का पुनः निर्माण। घुटने के स्थायित्व और कार्यात्मक परिणाम के साथ मल्टी डिटेक्टर सीटी स्कैन का उपयोग और इनका सह संबंध
7. चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की सहायता से घुटने की चिकित्सा मेनिस्कुस के पोस्टेरियर हॉर्न के टियर के निदान के लिए एक नए नैदानिक परीक्षण का मूल्यांकन
8. ''आंशिक'' बंडल पूर्वकाल प्रसारित लिगामेंट टियर के रेट्रो भावी विश्लेषण – एसीएल वृद्धि के साथ निदान और प्रबंधन।
9. रिकरंट एंटिरियर शोल्डर इन्स्टेबिलिटी के लिए आर्थोस्कोपिक रिपेयर का क्लिनिको–रेडियोलॉजिकल असेसमेंट।
10. एसीएल की कमी वाले रोगियों में नी–हाइपरएक्टेंशन की व्यवस्था
11. पी53, केआई 67 लेबलिंग इंडेक्स, सीएक्ससीएल 12 कीमोकाइन का अध्ययन और इविंग सर्कोमा में इसका सीएक्ससीआर4 और सीएक्सीसीआर7 की संकल्पना।
12. नेगलेक्टिड मोंटेगिया फ्रेक्चर डिस्लोकेशन के लिए विभिन्न क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं के परिणाम।
13. कुल घुटने के प्रतिस्थापन की एक्सीलरोमीटर आधारित नेविगेशन तकनीक की तुलना में कम्प्यूटर सहायता से जुड़े नेविगेशन की तुलना करने के लिए संभावित यादृच्छिक अध्ययन
14. डी क्वेरवेन टेनोसाइनोविटिस के लिए पुली रिलीज और पुली रीकन्सट्रक्शन की एसेसमेंट के लिए डबल ब्लाइंड रेंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल।
15. फंक्शनल आउटकम और क्रूशिएट रिटेनिंग बनाम पोस्टिरियर स्टेबलाइजिंग टोटल नी–आर्थोप्लास्टी में रोगी के बताए गए परिणाम की तुलना / एक प्रोस्पेक्टिव डबल ब्लाइंड रेंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल।
16. टीकेए को धारित करने में क्रूसिएट में रखी गई पीसीएल की मात्रा को ज्ञान करना तथा कार्यात्मक परिणाम पर इसका प्रभाव
17. मेडिकल यूनिकंपार्टमेंटल नी–आर्थोप्लास्टी में इम्पलांट पोजिशनिंग और लिम्ब अलाइनमेंट की एक्यूरेसी के निर्धारण के साथ कंप्यूटर नेविगेशन – एम्बिस्पेक्टिव स्टडी,
18. पैटेला के डिस्प्लेस्ड फ्रेक्चर के लिए निम्नलिखित प्लेटिंग के फंक्शनल और रेडियोलॉजिकल आउटकम।
19. टेक्नीटियम–99एम स्केलेटल साइंटिग्राफी के बीच तुलनात्मक अध्ययन, ऑस्टियोसर्कोमा और इविंग्स सर्कोमा स्टेजिंग रोगियों के पूरे शरीर का एमआरआई और 18–फ्लूरो–डियोक्सी ग्लूकोज पोजीट्रोन एमीशन टोमोग्राफी/कंप्यूटिड टोमोग्राफी।
20. डिससेसटॉमी का इलाज करा रहे युवा व्यस्कों की तुलना में डीजनरेटिव लम्बर केनाल स्टेनोसिस में हिस्टोपेथोलॉजिक और लिंगामेंटम फ्लेवम में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक फीचर का अध्ययन
21. ट्यूबरक्लोसिस स्पाइन के सस्पेक्टिड केस में सीटी गाइडेड कर्क्यूटेनियस बायोप्सी की भूमिका

पूर्ण

1. कंधे की अकड़न का उपचार।
2. हैमस्ट्रिग ग्राफ्ट हार्वेस्ट के लिए परोक्ष चीरा का उपयोग कर एसीएल पुनर्निर्माण के दौरान सेफेनॉस तंत्रिका के इंफ्रा–पेटेलर ब्रांच से चोट के क्लिनिकल और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी का आकलनः भावी अध्ययन।
3. पूरी बेहोशी के साथ इंटर सेलेन ब्रेकियल प्लैक्सस ब्लॉक के बीच कंधे की आथ्रोस्कोपिक प्रक्रियाएं कराने वाले रोगियों में तत्काल दर्द नियंत्रण और आरंभिक कार्यात्मक रिकवरी की तुलना – एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
4. घातक हड्डी के ट्यूमर में बाह्य विकिरण चिकित्सा के जैव यांत्रिक जांच।
5. बाल चिकित्सा ऑस्टियोसारकोमास में डायनेमिक एमआरआई और ऊतकविकृतिविज्ञानी, सीरम बायोमार्कर के बीच सहसंबंध।
6. आर्थियोस्कॉपिक एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट रीकन्सट्रक्शन की असेसमेंट में पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी सीटी स्कैन की डाटनैमिक एमआरआई से तुलना की एक प्रोस्पेक्टिव स्टडी।
7. 30 वर्ष से कम आयु के रोगियों में कुल कूल्हे का प्रतिस्थापन
8. कुल घुटने के प्रतिस्थापन की एक्सीलरोमीटर आधारित नेविगेशन तकनीक की तुलना में कम्प्यूटर सहायता से जुड़े नेविगेशन की तुलना करने के लिए संभावित यादृच्छिक अध्ययन।

9. एआईएस और जन्मजात स्कोलियोसिस में चयापचय में जमावट प्रोफाइल का तुलनात्मक विश्लेषण
10. पोस्टिरियर और पोस्टएरोलेटिड डीकम्प्रेशन के क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल आउटकम और ट्रॉमा फ्रेक्चर डिसलोकेशन ऑफ थोराकोलम्बर स्पाइन में स्थानीय तौर पर हार्वेस्टिड बोन ग्राफ्ट के उपयोग से इन्स्ट्रूमेन्टिड इंटरबॉडी फ्यूजन का अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय और पश्चिमी आबादी में ओस्टियोआर्थिराइटिस की पद्धतियों में अंतरों को समझनाः लक्षणों, उपचार विकल्पों और उनके परिणाम पर प्रभाव, डीएसटी–यूकेईआरआई, आईजीआईबी, आईआईटी
2. फ्रैक्चर केयर में इंटरनेशनल ऑथोपेडिक मल्टीसेंटर स्टडी, एम्स, जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ
3. पीएआई–1 प्रमोटर सिक्वेंसी वेरिएशंस इन इंडियोपैथिक वेस्कुलर नेक्रोसिस ऑफ हैड ऑफ फेमर का एसोसिएशन, एनाटॉमी
4. रियूमेटाइड आर्थराइटिस में एपिगेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव, एनाटॉमी
5. कूल्हे की जन्मजात अव्यवस्था में रोगी विशिष्ट तनाव विश्लेषण, आईआईटी, दिल्ली
6. द पेरटी ट्रायल, मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, कनाडा
7. भारतीय और पश्चिमी आबादी में ओस्टियोआर्थिराइटिस की पद्धतियों में अंतरों को समझना : लक्षणों, उपचार विकल्पों और उनके परिणाम पर प्रभाव, आईआईटी, आईबीआईजी, डीएसटी और ऑक्सफॉर्ड, यूके
8. मानवीय शरीर में बोन मैरो डिराइव्ड मेसएंकिमल स्टेम सेल में विटरो की डाक्यूमेंटिड ऑस्टियोजेनिक गतिविधि के पीछे मेकेनिज्म को सिद्ध करना, बायोकेमिस्ट्री।
9. क्रोनिक नी–आर्थिराइटिस, न्यूक्लियर मेडिसिन की रेडियोसिनोवेक्टेमी में ल्यूटेटियम–177 रीनियम–188 की तुलनात्मक भूमिका।
10. ऊपरी अंग चोटों में उच्च आवृत्ति अल्ट्रासोनोग्राफी का उपयोग कर टेंडन चोटों की मात्रा, रेडियोलॉजी
11. मॉडरेट आर्टिरियल और मीडियल नी–पेन, कार्डियोवेस्क्यूलर रेडियोलॉजी और एंडोवेस्क्यूलर इंटरवेंशंस में ट्रांसकेथेटर आर्टिरियल एम्बोलिजेशन की सुरक्षा और क्षमता
12. मानव अस्थि मज्जा से उत्पन्न मिसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के ऑस्टियोब्लास्टिक अवकलन एवं इनकी ट्यूमोरिजेनिक संभाव्यता अनुसंधान के बीच एक संबंध स्थापित करना, जैव रसायन
13. लंबोसेकरल रेडिकुलर दर्द में स्थानीय बेहोशी की दवा का ट्रांसफोरामिनल एपिड्यूरल इंजेक्शन और डॉर्सल रुट गैंगलियोन पल्स की रेडियोआवृत्ति द्वारा उपचार – एक यादृच्छिक, तिहरा ब्लाइंड, सक्रिय – नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण
14. मल्टीपल माइलोमा, बायोकेमेस्ट्री में वर्सिकन और इसकी सिग्नलिंग की भूमिका।
15. हार्डवेयर इम्प्लांट के साथ स्वच्छ ऑथोपेडिक सर्जरी कराने वाले रोगियों के बीच सर्जरी के स्थान पर संक्रमणों में बंडल युक्त हस्तक्षेप की प्रभावशीलता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सूक्ष्मजीव विज्ञान
16. फेसेट ज्वाइंट आर्थ्रोपैथी में डाइग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड द्वारा दिग्दर्शित मीडियल ब्रांच ब्लॉक : फफ्यूरोस्कोपी, एनेस्थीसिया द्वारा तकनीकी व्यवहार्यता और वेलिडेशन।
17. डिस्क डीजनरेटिव रोग में लुम्बर इंटरबर्टेब्रल डिस्क का ऊतक विज्ञान और क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल फाइंडिंग्स, लैब मेडिसिन के साथ इसके पारस्परिक संबंध।

पूर्ण

1. भारतीय लोगों में यूनिकंपार्टमेंटल नी–रिप्लेसमेंट की सुरक्षा, उपयुक्तता और क्लिनिकल प्रभाविता, डीएसटी–यूकेआईईआरआई।
2. घातक हड्डी के ट्यूमर में बाह्य विकिरण चिकित्सा के जैव यांत्रिक जांच, आईआईटी, दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 43 **सारः 3** **पुस्तकों में अध्यायः 2**

रोगी उपचार

- नेविगेशन असिस्टेड हिप एंड कनी रिप्लेसमेंट सर्जरी
- आंशिक घुटने रिप्लेसमेंट सर्जरी
- आरएसए सुविधा
- छोटे जॉइंट आर्थोस्कोपी और आर्थ्रोप्लास्टी

- हमारे विभाग द्वारा फ्रेजिलियी फ्रेक्चर नेटवर्क (FFN) स्थापित किया गया है, भारत ऑस्टियोपोरोसिस की देखभाल के लिए एफएनएन ग्लोबल का सहायक है
- आर्थोपेडिक विभाग द्वारा फ्रेजिलिटी फ्रेक्चर क्लिनिक आरंभ किया गया है, जहां मेन एम्स और जेपीएनएटीसी दोनों स्थानों पर ऑर्थो गेरिएट्रिक सर्विसेज उपलब्ध कराई जाती हैं
- भारत में पहली बार, वर्ष के दौरान हुई सर्जरी : कूल्हा और घुटना (अर्थात् नेविगेटिड पार्शियल नी रिप्लेसमेंट, और, कूल्हे तक पहुंचने के लिए "सुपर पाथ")
- ऑस्ट्रियोपोरॉटिक फ्रेक्चर की विशेष देखभाल के लिए गिरने से बचाव और संतुलन में सुधार के लिए "साथी और सहारा" कार्यक्रम
- हमने रीढ़ की जटिल बनावट की व्यवस्था के लिए 3डी प्रिंटिंग का मार्ग प्रशस्त किया है
- हम अपने ऑपरेशन थियेटरों को मॉड्यूलर बनाकर उनका आधुनिकीकरण कर रहे हैं और "ओ आर्म" की प्राप्ति की प्रक्रिया में प्रयासरत हैं। हमने आर्थोपेडिक्स में रोबोटिक सुविधाएं स्थापित करने के लिए अनुमोदन प्राप्त कर लिया है।
- दिल्ली ऑर्गन ट्रांसप्लांट सेल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा मानवीय अंग और टिश्यू प्रत्यारोपण अधिनियम के अंतर्गत अपने अस्पतालों में **बोन बैंक सुविधाओं** के क्रियान्वयन के लिए एक पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किया है।
- हमारे विभाग द्वारा एक एक आधुनिकतम गैट लैब स्थापित की गई है जो भारत में सर्वाधिक आधुनिक लैब है।
- सप्ताह में एक बार दोपहर में "स्पोर्ट्स क्लिनिक" चलाना
- मेडिकल सेंटर, जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम, नई दिल्ली में सप्ताह में एक बार, अपराह्न में घायल खिलाड़ियों की देखभाल की।
- हैंड क्लिनिक
- सप्ताह में एक बार दोपहर में "टीबी क्लिनिक, स्पाइन क्लिनिक और स्कोलियोसिस क्लिनिक" चलाना

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण आयोजन
सिस्टेमिक की तुलना के लिए एक प्रोस्पेक्टिव रेंडमोडाइज स्टडी नामक शीर्ष संबंधी पत्र के लिए **"एम्स उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार 2016"** प्रदान किया गया।

आचार्य राजेश मल्होत्रा भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के अवैतनिक परामर्शदाता रहे, नियुक्त सदस्य, अस्पताल प्रबंधन बोर्डय नामित सदस्य, सर्जिकल मदों के लिए तकनीकी विनिर्दिष्ट चयन समिति एमएस और एमबीबीएस परीक्षा के लिए एक्सटर्नल एग्जामनर उपाध्यक्ष, आर्थोपेडिक रिसर्च सोसाइटी, एम्स सदस्य, स्टोर परचेज कमेटी, एम्स; फैकल्टी प्रभारी, परीक्षा केंद्र, उदयपुर, एलडीसी परीक्षा हेतु, एम्स सदस्य, सुश्री सुरभी की पीएचडी के लिए डॉक्ट्रल कमेटी, रिम्यूटाइड आर्थिराइटिस में एपी एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान के लिए एनाटॉमी विभाग।

आचार्य हीरा लाल नाग भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के अवैतनिक परामर्शदाता, अस्पताल प्रबंधन बोर्ड के नामित सदस्य, सर्जिकल मदों की तकनीकी विनिर्दिष्टियों की चयन समिति के नामित सदस्य सिलचर, जयपुर और शिलांग में क्रमशः एमएस और एमबीबीएस परीक्षा के लिए एक्सटर्नल एग्जामिनर थे उपाध्यक्ष, आर्थोपेडिक रिसर्च सोसाइटी, एम्स; सदस्य, सामग्री खरीद समिति, एम्सय परीक्षा केंद्र, सिलीगुड़ी, एम्स की ऑनलाइन एमबीबीएस प्रवेश परीक्षा के लिए फैकल्टी इंचार्ज; सुश्री सुरभी की पीएचडी के लिए डॉक्टरल समिति के सदस्य, योग और ध्यान के लिए रियूमाटाइड आर्थिराइटिस में एपी एपिजेनेटिक प्रोफाइल एनॉटमी विभाग के सदस्य रहे; आईजीआईएमएस, पटना के आर्थोपेडिक्स विभाग की फैकल्टी के चयन के लिए इंटरव्यू बोर्ड के एक्सटर्नल एक्सपर्ट; समय–समय पर आर्थोपेडिक्स यूनिट–II के यूनिट इंचार्ज और आर्थोपेडिक्स विभाग के कार्यकारी प्रमुख; फिजियोथेरेपी यूनिट के फैकल्टी इंचार्ज; आर्थोपेडिक्स विभाग, एम्स, पटना में प्रोफेसर पद के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के एक्सर्टनल एक्सपर्ट; बीपीएस गवर्नमेंट मेडिकल कालेज ऑर वुमेन, खानपुर कलां, हरियाणा में प्रोफेसर के पद के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ; ईएसआईसी मेडिकल कालेज, फरीदाबाद, हरियाणा में प्रोफेसर के पद के चयन के लिए इंटरव्यू बोर्ड के एक्सटर्नल एक्सपर्ट; जम्मू एवं कश्मीर लोक सेवा आयोग, श्रीनगर में चिकित्सा अधिकारियों के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ; सीनियर रेजिडेंट, एम्स के चयन के लिए चयन बोर्ड के सदस्य; फैकल्टी मेडिकल कालेज, ग्रेटर नोएडा के चयन बोर्ड के लिए एक्सटर्नल विशेषज्ञ रहे।

आचार्य रवि मित्तल एमएस आर्थोपेडिक्स परीक्षा में एम्स, नई दिल्ली, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडु, नेपाल, गांधी मेडीकल कालेज, भोपाल में 7 जुलाई 2017 को, जामिया हमदर्द अस्पताल में एमबीबीएस पूरक परीक्षा के लिए परीक्षक नियुक्त किए गए थे; एफएम रेनबो पर 12 मार्च 2018 को कंधे और गर्दन की समस्याओं पर रेडियो वार्ता में शामिल हुए एम्स भोपाल में 7 मार्च 2017 को स्थायी चयन समिति में विषय विशेषज्ञ थे; एम्स भोपाल में 27 अप्रैल 2017 को एपीएस के इंटव्यू के समय एक्सटर्नल सबजेक्ट विशेषज्ञ थे; वर्ष 2017, 2018 के लिए

एमबीबीएस करिकुलम के सदस्य थे; कल्पना चावला गर्वनमेंट मेडिकल कालेज, करनाल में आर्थोपेडिक्स में प्रोफेसर के पद हेतु चयन के लिए चयन समिति में विषय विशेषज्ञ थे, जिसका साक्षात्कार रोहतक में हुआ; 11 सितंबर 2017 को जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय मं शैक्षणिक बोर्ड मीटिंग के सदस्य थे; वर्ष 2017 और 2018 में एम्स में स्यूचर चयन समिति के सदस्य थे; वर्ष 2017 और 2018 में मानक भवन, नई दिल्ली में आर्थोपेडिक इम्पलांट कमेटी के सदस्य थे; 31 जनवरी 2018 को मानक भवन में स्टेंडर्ड ऑफ इम्पलांट्स के लिए आयोजित विशेषज्ञ समिति की बैठक में शामिल हुए।

आचार्य चन्द्र शेखर यादव ने कोटा आईएमए के स्थापना दिवस पर 17 अप्रैल को, कोटा, राजस्थान में 'कैसे स्वस्थ, प्रसन्न और दर्द मुक्त रहें' विषय पर आईएमए कोटा पर भाषण दिया, आगरा आर्थोपेडिक सोसाइटी, द्वारा 28 मई को फेलिसिएशन, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली द्वारा 8 सितंबर को फेलिसिएशन, बीओआईएस सीनियर फैलोशिप, 10–24 सितंबर, लीवरपूल, यूनाइटेड किंगडम इंडियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन मध्य प्रदेश में 36वां वार्षिक सम्मेलन, डॉ. बी.बी. ओहरी का भाषण, 4 नवंबर, पचमढ़ी अध्याय, मध्य प्रदेशय डॉ. ए. एस. दाउ का भाषण, इंडियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन छत्तीसगढ़ अध्याय 20 जनवरी, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ अधिकांश सम्मेलनों, सीएमई सिम्पोजिया में सत्रों की अध्यक्षता की, जहां गेस्ट लेक्चर दिए अधिकांश सम्मेलनों, सीएमई सिम्पोजिया में पैनलिस्ट के रूप में कार्य किया, जहां गेस्ट लेक्चर दिए कई सम्मेलनों सीएमई सिम्पोजिया में सर्जरी का लाइव डेमो किया, जहां गेस्ट लेक्चर दिए; इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया द्वारा आर्थोराइटिस और आर्थोप्लास्टी के मुद्दों पर एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किए गए।

डॉ. भावुक गर्ग ने एओ ट्रॉमा एशिया पैसेफिक अनुसंधान अनुदान 2017 प्राप्त किया; सदस्य, स्कोलोसिस रिसर्च सोसाइटी, सीएमई कमेटी, नार्थ अमेरिकन स्पाइन सोसाइटी, इंटरनेशनल एजुकेशन कमेटी, साइंटिफिक और कंनसेनसस कमेटी, एसआईसीओटी, इंडिया, टास्क फोर्स ऑन स्टेम सेल रिसर्च एंड रीजनरेटिव मेडिसिन, डीबीटीय पुणे आर्थोपेडिक एसोसिएशन, गुजरात आर्थोपेडिक एसोसिएशन और नॉर्थ अमेरिकन स्पिन सोसाइटी द्वारा गेस्ट फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किए गए।

डॉ. मो. ताहिर अंसारी ने हैंड एंड अपर एक्सट्रीमिटी सर्जरी में फैलोशिप कीरू केपलेन हैंड इंस्टीट्यूटय बार्सिलोना, स्पेन, जुलाई 2017

डॉ. विजय कुमार दिघे ने शुरुआती कैंसर पर अनुसंधान के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (कैज), भारत सरकार से पुरस्कार प्राप्त किया, प्रो. आर. मल्होत्रा की अध्यक्षता में 20 मार्च 2018 को एम्स में सबसे पहला केडेवरिक एडवांस्ड शोल्डर आर्थोस्कॉपी (रोटाटोर कफ रिपेयर) कोर्स का आयोजन किया गया, जिसमें प्रो. एच.एल.नाग ने अपन मार्गदर्शन दिया, अगस्त 2017 में एम्स, नई दिल्ली में केडेवरिक मेनिसकस रिपेयर और एम्स में ऑल इनसाइड एसीएल रीकंस्ट्रक्शन का आयोजन किया गया, आईएसआईसी एंकल और शोल्डर कोर्स में केडेवेरिक कोर्स की फैकल्टी का 27 जनवरी 2018 को नई दिल्ली में आयोजन किया गया, जयपुर में आयोजित इंडियन आर्थोस्कोपी एसोसिएशन वार्षिक सम्मेलन (IASCON) में सहभागिता, नवंबर 2017, "मेडिकल पीवट नी आर्थोप्लास्टी और पोस्टीरियर स्टेबलाइज्ड नी–आर्थोप्लास्टी" के बीच क्लिनिकल, रेडियोलॉजिकल और काइनमेटिक परिणामों की तुलना के लिए प्रोस्पेक्टिव रेंडमाइज्ड स्टडी की प्रस्तुति 38वीं सिकॉट आर्थोपेडिक वर्ल्ड कांग्रेस में भागीदारी की तथा वहां एक पोस्टर प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में 30 नवंबर से 02 दिसंबर 2017 को हुआ, 12–13 अगस्त 2017 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित आर्थोप्लास्टी की वर्तमान अवधारणाओं के लिए नेशनल फैकल्टी, एम्स, नई दिल्ली बीमार अंग और टिश्यू डोनेशन में फैकल्टी पर वर्कशॉप आयोजित की गई।

डॉ. विक्रांत मन्हास आर्थोप्लास्टी की वर्तमान अवधारणाओं में "यूनिकॉनडायलर नी रिप्लेसमेंट" सत्र के अध्यक्ष रहे, वर्ष 2017; यूनिवेशन एक्स (यूनिकोंडायलर) नी केडवरिक वर्कशॉप का संचालन, जुलाई 2017; फुट एंड एंकल केडवरिक वर्कशॉप, सितंबर 2017; आईएसआईसी एंकल और शोल्डर कोर्स में "फ्लैटफुट/हालुक्स वल्गस करेक्शन" सत्र की अध्यक्षता, सितंबर 2017; "पेल्विस और एसिटेबुलम/फुट और एंकल–अप्रोच/फिक्शेसन के सिद्धांत" पर डब्ल्यूआईआरओसी में दिसंबर 2017 में कार्यशाला में सहभागिता की।

डॉ विवेक शंकर, आयोजन समिति के सदस्य थे, एशिया पैसिफिक स्पाइन सोसायटी और एशिया पैसिफिक पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स सोसायटी की 11वीं संयुक्त बैठक; सदस्य, आयोजन समिति, एम्स, नई दिल्ली में आथ्रोप्लास्टी में वर्तमान अवधारणाएं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. गेट लैब इंस्टालेशन के लिए डॉ जयंत संपत, बेंगलुरु

9-26 ukd] dku ,o xyk jkx foKku]

vkpk;l ,o v/;{k

सुरेश चंद्र शर्मा

vkpk;l

आलोक ठक्कर | राकेश कुमार

lg&vkpk;l

कपिल सिक्का | चिरोम अमित सिंह

lgk;d vkpk;l

राजीव कुमार | प्रेम सागर | डेविड विक्टर कुमार इरुगू

अरविंद कैरो | शुचिता सिंह | हितेश वर्मा

विशिष्टताएं

विभाग ने अपने छात्रों के लिए और प्रतिनिधियों तथा पर्यवेक्षकों के लिए भी गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने हेतु अपनी गतिविधियों को जारी रखा। विभाग ने वर्ष में 9 बड़ी और छोटी कार्यशालाएं आयोजित की। विभाग ने टीओयूएसएस कार्यशाला की मेजबानी की, जो अल्ट्रासोनिक स्केलपेल का उपयोग करके एंडोस्कोपिक दृष्टिकोण के माध्यम से अपर एयरोडायजेस्टिव पथ के ट्यूमर को हटाने की अपनी तरह की पहली तकनीक थी।

शिक्षा

एमबीबीएस छात्रों के लिए औपचारिक व्याख्यान 6 वें और 8 वें सेमेस्टर में आयोजित किया जाता है, और इसमें 1 घंटे का व्याख्यान होता है। स्नातक छात्रों को रोटेशन आधार पर 2 माह की अवधि के लिए ईएनटी विभाग (ओपीडी और वार्ड) में नियुक्त किया जाता है। स्नातकोत्तर के लिए, प्रमुख लक्ष्य रोगी की देखभाल, शिक्षण, अनुसंधान क्षमता और सामूहिक कार्य है। स्नातकोत्तर छात्र को सेमिनार/ पेपर, शोध लेखन, नैदानिक निर्णय लेने की क्षमता और प्रबंधन विशेषज्ञता प्राप्त करने की प्रस्तुति करनी होगी। स्नातकोत्तर छात्र एक संकाय सदस्य/एक वरिष्ठ रेजीडेंट की देखरेख में बड़ी और छोटी शल्य प्रक्रियाएं करते हैं। विभाग एमसीएच हेड और नेक सर्जरी और स्कल बेस सर्जरी में फैलोशिप का सुपरस्पेशियलिटी कोर्स भी चलाता है। ओपीडी, ओटी में संबंधित विशिष्टताओं में एमसीएच रेजिडेंट्स को ड्यूटी आवंटित की गई है, और साथ ही वे विकिरण विज्ञान, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी, न्यूरोसर्जरी आदि विभागों के साथ संयुक्त रूप से शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेते हैं।

एमसीएच रेजीडेंट्स और स्कल आधारित फैलो को भी संकाय सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे आवर्तन आधार पर संगोष्ठी और जर्नल क्लब प्रस्तुत करते हैं।

दीर्घकालिक प्रशिक्षण :

1. डॉ. लेफ्टिनेंट कर्नल आनंदिता गुप्ता, ईएनटी विभाग, सैन्य अस्पताल, गया बिहार, 1 वर्ष (1 अक्टूबर 2016-30 सितंबर 2017)
2. लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. आभा कुमारी, ईएनटी विशेषज्ञ, सैन्य अस्पताल, ग्वालियर, 1 वर्ष, 25 अप्रैल 2017-24 अप्रैल 2018

लघु अवधि प्रशिक्षण:

1. डॉ प्रमोद कालसोत्रा, प्रोफेसर, ईएनटी विभाग, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू, 10 दिन, 15-24 जनवरी 2018

ऐच्छिक प्रशिक्षण :

1. श्री बेंजामिन फ्रीटैग, आरडब्ल्यूटीएच आचेन विश्वविद्यालय, जर्मनी, एक महीना, 19 फरवरी 2018-20 मार्च 2018
2. श्री सागर खन्ना, प्लेवेन मेडिकल यूनिवर्सिटी, बुल्गारिया, एक महीना, 7 फरवरी 2016 से 9 मार्च 2018
3. श्री करदो अला 'एल्डीन, स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर, मैनचेस्टर, 3-14 अप्रैल 2017

मेडिसिन, बाल रोग और फिजियोलॉजी विभाग से विभाग में पर्यवेक्षक और आवर्तनिक नियुक्ति थीं।

क्रामिकआयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एसोसिएशन ऑफ वेद और प्रकाश मोंगा टेम्पोरल बोन डिसेक्शन प्रतियोगिता। ओटोलरीन्गोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा के लिए, 25 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली।
2. एम्स राइनोलॉजी एंड इंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी कैडवेरी के वर्कशॉप, 17-18 मार्च 2018 को एसीएसएसटी, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली।
3. एम्स राइनोप्लास्टी एंड फेशियल प्लास्टिक वर्कशॉप, 17-18 फरवरी 2018 को एसीएसएसटी, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली।
4. 24-25 जनवरी 2018 को एम्स, नई दिल्ली में हेड और नेक ट्यूमर में ट्रांसऑरल इंडोस्कोपिक अल्ट्रा सोनिक सर्जरी (टीओयूएसएस) पर कार्यशाला।
5. साउंड 4 ऑल वर्कशॉप: हियरिंग लॉस डिटेक्शन: डिवाइसेज और टेक्नोलॉजी के थीम के साथ स्टेटस और फ्यूचर डायरेक्शन,16 दिसंबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली।
6. एसीएसएसटी, एम्स नई दिल्ली में 16-17 नवंबर 2017 को चौथी हेड एंड नेक कैडवरिक हैंड्स कार्यशाला।
7. एम्स, नई दिल्ली में 3-5 नवंबर 2017 को सिर और गर्दन के कैंसर के प्रबंधन में अपडेट पर प्री-कांन्फ्रेंस कार्यशाला
8. क्लीनिकल मासिक संगोष्ठी, एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली स्टेट ब्रांच 22 जुलाई 2017 को एम्स, नई दिल्ली
9. तीसरा हेड एंड नेक कैडवरिक हैंड्स वर्कशॉप 16-17 जुलाई 2017 को एसीएसएसटी एम्स, नई दिल्ली में आयोजित।

व्याख्यान दिए

एस सी शर्मा: **1**	चिरोम अमित सिंह : **7**	हितेश वर्मा : **19**
आलोक ठाकर: **17**	राजीव कुमार: **13**	
राकेश कुमार: **17**	प्रेम सागर: **8**	शुचिता सिंह: **7**
कपिल सिक्का : **20**	डेविड विक्टर कुमार: **4**	अरविंद कुमार कैरो: **4**

मौखिक पत्र / पोस्टर प्रस्तुति: 10

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पी13के / एकेटी सिग्नलिंग और मौखिक कैंसर में इसके लक्षित विघटन के ट्यूमर-विरोधी प्रभाव पर अध्ययन, एस सी शर्मा, डीएसटी, 3.5 वर्ष, 2014-2018, 55 लाख रुपये (लगभग)।
2. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) के रोगजनन में एसआईएन3बी एमआरएनए आलटरनेट स्पिलिंग की कार्यात्मक प्रासंगिकता को स्पष्ट करने के लिए, एस सी शर्मा, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 2 वर्ष, 2017-2019, रु. 3.55 लाख।
3. सिर और गर्दन के कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड मैपिंग के लिए इंडोसायनिन ग्रीन लोडेड साइटोकैटिन टारगेटेड कैल्शियम फॉस्फेट नैनोपार्टिकुलेट सिस्टम का विकास, आलोक ठक्कर, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015-2018, रु 38 लाख (लगभग)।
4. श्रवण दोष की व्यापकता और हेतुविज्ञान - राष्ट्रीय कार्य बल परियोजना (समन्वय केंद्र), आलोक ठक्कर, आईसीएमआर, 4 साल, 2015-2019, 97 लाख रुपये (लगभग)।
5. हेड-नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एम्स साइट) में ह्यूमन पेपिलोमा वायरस की व्यापकता, आलोक ठक्कर, हेड नेक को-ऑपरेटिव ऑन्कोलॉजी ग्रुप (एचएनसीओजी), 3 साल, 2015 से जारी।
6. नॉन आयोनाइजिंग इलेक्ट्रोमैगनेटिक फील्ड का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव: ऑडिटरी और वेस्टिबुलर प्रणाली पर प्रभाव, राकेश कुमार, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष (विस्तारित), 2012-जारी, 90 लाख रु।
7. साउंड 4 ऑल: री-इंजीनियरिंग हाई-एंड ऑडियोमेट्रिक डिवाइसेज फॉर रोबस्ट एंड एफोर्डेबल ऑडियोलॉजिकल टेस्टिंग, कपिल सिक्का, इंडो जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (आईजीएसटीसी), 3 साल, 2016-2019, 36.8 लाख रु।
8. एनाटोमिकल वैरिएशन ऑफ राउंड विंडो निके इन ह्यूमन कैडवेरिक टेम्पोरल बोन्स एंड इट्स रिलेवेंस टू कोहलर इम्प्लांट इलैक्ट्रोड्स इनसर्टेन, राजीव कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2015-2016, 3.5 लाख रु।
9. इवैल्यूएशन ऑफ लेवल ऑफ वस्क्यूलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर- इन केस ऑफ रिकरेंट रेस्पिरेटरी पैपिलोमाटोसिस, हितेश वर्मा, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 4.7 लाख रुपये।
10. हाल ही में निदान किए गए सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में अवसाद के लिए नैदानिक और जैव रासायनिक मूल्यांकन, प्रेम सागर, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 8 लाख रु।
11. लारयुक्त सूक्ष्म-आरएनए: तंबाकू उपयोगकर्ताओं बनाम गैर-तंबाकू उपयोगकर्ताओं में आणविक परिवर्तन के दौरान जैव-मार्कर के रूप में उनकी उपयोगिता, शुचिता सिंह, एम्स, 2 साल, 2016-2018, 10 लाख रु।
12. माइक्रो डिसेक्शन द्वारा टेम्पोरल बोन का मोर्फो मेट्रिक विश्लेषण और अध्ययन, डेविड विक्टर कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2017-2018, 1.85 लाख रु।
13. मास्टोइड सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में विभिन्न स्क्वैमस कान की बीमारियों के बीच 'सोरायसिस' के अभिव्यंजक स्तर के अंतर पर एक पायलट तुलनात्मक अध्ययन, अरविंद कुमार कैरो, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, 5 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अपरिचित हेड और नेक प्राइमरीमैस्टैस्टेटिक से सर्विकल लिंफ नोड्स का संभावित मूल्यांकन।

2. असेसमेंट ऑफ डेप्थ ऑफ इनवेसन इन ओरल कैविटी स्क्यूएमस सैल कारसिनोमा (टी1-टी-3) बाए क्लिनिकल पालपेशन एंड रेडियोलॉजी एंड देअर कोरिलेशन टू हिस्टोपैथोलॉजिकल डेप्थ ऑफ इनवेसन।
3. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में माइक्रोवैस्कुलर डैनसिटी और ट्यूमर से संबंधित मैक्रोफेज का अध्ययन
4. सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के नव निदान मामलों में निकोटीन निर्भरता के पैटर्न का पता लगाने और पेरिऑपरेटेड जटिलताओं के साथ इसके सहयोग का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन
5. माइक्रोटिया का सर्जिकल संशोधन कराने वाले रोगियों का परिणाम।
6. इवैल्युएशन ऑफ वैरियस क्लिनिकल एंड इम्युनोलॉजिकल पैरामीटर्स इन प्रैडिक्टिंग द आउटकम ऑफ साइनोनसाल और स्कल आधारित इनवेसिव फंगल रोग: एक वर्णनात्म अध्ययन
7. गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स का कारण संबंध और आब्स्ट्रक्टिव एडेनोइड या बाल चिकित्सा आबादी में एडिनोटींसिलर हाइपरट्रॉफी पर एक प्रारंभिक अध्ययन
8. एसडीएच-एक्स म्यूटेशन इन हेड एंड नेक पैरागैंगलियोमास: एक क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन
9. लारेंजियल फंक्शन पर शॉर्ट टर्म एंडोट्रैचियल इंटुबैशन का प्रभाव
10. क्लिनिकोरैडोलॉजिकल कोरिलेशन ऑफ सेवेरिटी ऑफ डिजीज विद विटामिन डी एंड इम्यून मार्कर्स इन केस ऑफ एलर्जिक रिनिटीस एंड नजल पॉलिपोसिस
11. लिम्फनोड मेटास्टेसिस इन ओलफैक्ट्री न्यूरोब्लास्टोमा की घटना का मूल्यांकन करने के लिए एक भावी अध्ययन
12. ईएमजी फाइंडिंग इन डायसफोनिया ड्यू टू लारिंजोफेरींजल रिफ्लेक्स डिजीज एंड कोरिलेशन विद ट्रीटमेंट आउटकम: एक अवलोकनात्मक अध्ययन
13. टू कोरिलेट फंक्शनल नियर इन्फ्रारेड इस्पैक्ट्रोस्कोपी मीजरमेंट ऑफ ऑडिटरी कोरटेक्स एक्टिविएशन विद ऑडिटरी वरबल ऑउटकम इन प्रीलिंगुअल प्रोफाउंड सेनसोरीन्यूरल हियरिंग लॉस पेशेंट्स ऑफ्टर कोहेलर इम्प्लांटेशन
14. मेनियरिस रोग और वेस्टिबुलर माइग्रेन के रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल का आकलन
15. एक्सप्लोरेशन ऑफ फर्स्ट एकेलोन लिम्फ नोट ड्रेनेज ऑफ स्कवैमस सैल कैरसिनोमा ऑफ टांसिल विद रेफरेंस टू लैटरल रेट्रोपेरिंजियल लिम्फ नोट ऑफ रौवेरी
16. एलोगैनिक टीश्यू इंजीनियर्ड ट्रैकल ट्रांसप्लांटेशन इन विस्टर रैट्स-प्रीक्लीनिकल अध्ययन
17. रोल ऑफ 68 गैपस्मैड सीसी स्कैन इन पेशैंट्स विद जूवेनाइल नसल एंजियोफिब्रोमा एस
18. असेसमेंट ऑफ होस्ट इम्यूनोलॉजिकल ट्यूमर रिजपोंस बाय हिस्टोकैमिस्ट्री इन कैंसर ओरल कैविटी एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन प्रोगनोसिस- पूर्वप्रभावी सामूहिक अध्ययन
19. सिर और गर्दन के कैंसर रोगियों में सिंक्रोनस एसोफेजियल नियोप्लाज्म का पता लगाने के लिए ट्रांसनेसल एसोफेजियल एंडोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन करना

पूर्ण

1. कोम्पेरिजन ऑफ इफैक्ट ऑफ एंबोलिसेशन ऑन रिसेक्शन ऑन जुवेनाइल नासोफेरींजल एंजियोफिब्रोमा
2. ओरल केविटी स्कवैमस सैल कार्सिनोमा के रोगियों के परिधीय रक्त में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की पहचान तथा परिमाणन
3. मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस के इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और सर्जिकल परिणाम
4. अस्थायी हड्डियों के विभिन्न प्रकार के न्यूमिसिटेशन में कोलेस्टीटोमा थैली में ईजीएफआर मूल्यांकन

5. बाल चिकित्सा ट्रेकियोस्टोमी और रोगियों और देखभालकर्ताओं पर इसके प्रभाव का अध्ययन
6. कैनल वॉल डाउन मास्टोएक्टेक्टोमी के साथ ऑबलिटरेशन और बिना ऑबलिटरेशन के बीच तुलना

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. पी13के / एकेटी सिग्नलिंग और मौखिक कैंसर में इसके लक्षित विघटन के ट्यूमर-विरोधी प्रभाव पर अध्ययन, जैव प्रौद्यौगिकी
2. मौखिक श्लैष्मिक घावों के स्पेक्ट्रम में अंतःविषय रूपांतर, त्वचा विज्ञान
3. कम्पैरिजन ऑफ एफिकेसी एंड यूजेबिलिटी ऑफ इंडिजीनस हैंडल्ड सक्शन असेंबली फॉर पैड्रियाट्रिक ट्रेकिस्टोमाइज्ड पेशेंट विद द एक्जिस्टिंग सक्शन डिवाइसेज पर एक अध्ययन, बाल चिकित्सा
4. ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब की सफाई के लिए सक्शन मशीन विकसित करना, आईआईटी दिल्ली
5. भारत में क्लीफ्ट लिप और तालु विसंगति: नैदानिक प्रोफ़ाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थिति: अस्पताल आधारित अध्ययन, सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च
6. क्रोनिक आइडियोपैथिक टिनिटस के साथ भारतीय जनसंख्या में सीरम जिंक का स्तर, फार्माकोलॉजी
7. नर्स के लिए, रोगी की संतुष्टि का आकलन करने के लिए एक सर्वेक्षण शुरू किया गया है जिसमें चयनित तृतीयक देखभाल अस्पताल से, छुट्टी दे दी गई रोगियों के साथ टेली-परामर्श करना है , नर्सिंग विभाग
8. नॉन टाइपेबल हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा (एनटीएचआई) का फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक के लक्षण का वर्णन, उत्तर भारत से, सूक्ष्म जैव विज्ञान

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 29 **सार: 3** **पुस्तकों में अध्याय: 8**

रोगी उपचार

ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर तथा छोटे ऑपरेशन थियेटर सेवाओं के अलावा, विभाग ऑडियोलॉजी और स्पीच पैथोलॉजी और कोकलियर इंप्लांट, राइनलॉजी, वर्टिगो, आवाज और निगलने के साथ ऑडियोलॉजी और स्कल बेस में विशेष क्लीनिक की पुनर्वास इकाई संचालित करता है। और सप्ताह में दो बार सिर एवं गर्दन के कैंसर क्लिनिक का संचालन भी इसमें शामिल है। विभाग सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ और आउटरीच ओपीडी, झज्जर में भी ग्रामीण सेवाएं प्रदान करता है। आँकड़े इस प्रकार हैं:

<u>ऑपरेशन किये गए रोगियों की संख्या</u>

मुख्य ओटी	बड़े मामले : 2633	छोटे मामले : 2185
छोटे ओटी	ओपीडी प्रक्रियाएं: 22,757	

<u>ओपीडी में देखे गए रोगियों की संख्या</u>

नए रोगी: 49,498 पुराने पंजीकरण : 68,659

<u>आरयूएएस मे देखे गए रोगियों की संख्या</u>

नए रोगी: 4294 पुराने पंजीकरण: 3521

<u>इनपेशेंट रोगी प्रवेशों की संख्या</u> **:** 1628 (ईएनटी वार्ड में); 5702 (कुल ईएनटी प्रवेश)

<u>विशिष्ट क्लिनिक</u>

क्रम संख्या	<u>क्लिनिक</u>	नए मामले	पुराने मामले	कुल
1.	चक्कर आना	180	316	496
2.	ऑडियोलॉजी और स्कल बेस	184	116	300
3.	कॉकलीयर इम्प्लांट	310	308	618
4.	वॉयस	436	253	689
5.	राइनोलॉजी	262	59	311
6.	सिर और ग्रीवा का कैंसर	1448	4566	601 4
7.	रेडियोलॉजी सम्मेलन	999	-	999

<u>सामुदायिक सेवा क्लिनिक</u>

- बल्लभगढ़ में सामुदायिक अस्पताल में साप्ताह में दो बार क्लिनिक चिकित्सा (सप्ताह में एक बार ऑपरेशन की सुविधाओं के साथ)।
- गुड़गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में साप्ताहिक क्लीनिक।
- आईआईटी दिल्ली में सामुदायिक अस्पताल में साप्ताहिक क्लीनिक।
- विभाग, आऊटरीच ओ.पी.डी. झज्जर में दैनिक ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

प्रोफेसर एस सी शर्मा (सीनेट विश्वविद्यालय के सदस्य), पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़; सदस्य, संस्थान निकाय, स्थायी खरीद समिति और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की स्थायी संपत्ति समिति; अध्यक्ष, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की एचआर उप-समिति; बहरापन की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीडी) के मानद सलाहकार (बहरापन), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; तकनीकी संचालन समिति, बधिरता की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीपीसीडी) के सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत प्राधिकरण समिति के सदस्य, एम्स, नई दिल्ली; नींद विकार के लिए विषय विशेषज्ञ समिति, संज्ञानात्मक शिथिलता और ईएनटी परियोजनाओं के तहत कार्यक्रम "जीवन और संबंधित अनुसंधान और विकास पहल पर मोबाइल टावर्स और हैंडसेट से ईएमएफ विकिरण एक्सपोजर के संभावित प्रभाव" विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार, वसंत कुंज, नई दिल्ली; 'कान, नाक और गले की सर्जरी के उपकरण', भारतीय मानक ब्यूरो की अनुभागीय समिति के अध्यक्ष (एमएचडी04); डॉ. जेपी निगम मेमोरियल ओरेशन, वर्कशॉप ऑन हेड एंड नेक सर्जरी, 7-8 अप्रैल 2017 एम्स, रायपुर, छत्तीसगढ़; 'सिर और ग्रीवा के कैंसर की असामान्य स्थिति का प्रबंधन' पर सत्र की अध्यक्षता, एफएचएनओ-2017, 15-17 सितंबर 2017, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई।

प्रोफेसर आलोक ठाकर मानद सलाहकार थे, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (2015-2018); भारतीय स्वास्थ्य पेशेवर पुरस्कार "सर्वश्रेष्ठ हेड-नेक ऑनकोसर्जन" 2017 मनोनीत; डॉ. जो वी देसा ओरेशन (2017), मुंबई, भारत के ओटोलरींगोलगिस्ट एसोसिएशन की महाराष्ट्र शाखा; एनईएस गेस्ट ओरेशन (2017), न्यूरो-ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया; प्रोफेसर नरेश भाटिया ओरेशन (2017), एसोसिएशन ऑफ ओटोलर्यनोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया की लखनऊ शाखा; प्लेनरी गेस्ट लेक्चर (2017), इंडियन एकेडमी ऑफ ओटोलरींगोलॉजी एंड हेड-नेक सर्जरी, एएफएमसी, पुणे; बोर्ड ऑफ स्टडीज में नामित, ओटोरहिनोलारिनोलॉजी विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, मणिपाल विश्वविद्यालय 2017; एशिया पैसिफिक सोसाइटी ऑफ़ थायराइड सर्जन (2015-2019) कार्यकारी सदस्य; थायराइड कैंसर पर वैश्विक महासम्मेलन, बोस्टन, यूएसए, 2017; यूरोपीय ओटोलरींगोलोजी और हेड-नेक सर्जरी (सीईओआरएलएचएनएस), चौथे सम्मेलन का परिसंघ बार्सिलोना, 2017; एशियन सोसाइटी ऑफ हेड नेक ऑन्कोलॉजी (एएसएचएनओ), बाली, इंडोनेशिया, 2017; एशिया पैसिफिक सोसाइटी ऑफ थायराइड सर्जरी (2015-2019) की कार्यकारी समिति के सदस्य;एम्स की ओटोरहिनोलारिनोगोलॉजिक रिसर्च सोसाइटी (ओआरएसए), 2011-2017 के मानद उपाध्यक्ष।

प्रोफेसर राकेश कुमार 2017-2018 के लिए न्यूरोटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के माननीय अध्यक्ष थे; 'कान, नाक और गले की सर्जरी के उपकरण', भारतीय मानक ब्यूरो की अनुभागीय समिति के सदस्य (एमएचडी04) ; कॉक्लियर इंप्लांट के लिए आईजीएमएस पटना में विजिटिंग फैकल्टी; सिर और ग्रीवा के कैंसर में विशेष मुद्दों पर एक सत्र की अध्यक्षता की, सिर और ग्रीवा के कैंसर के प्रबंधन मे नवीनीकरण से अवगत कराया, इंडियन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी, 3-5 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली; निवासी प्रश्नोत्तरी, एओआई (दिल्ली) के वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता की, 4-5 मार्च 2018, दिल्ली; बहरापन के उपचार और समाधान के लिए एक सत्र की अध्यक्षता की, साउंड 4 ऑल, 16 दिसंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. कपिल सिक्का संपादकीय बोर्ड के सदस्य और सहायक संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलॉजी; समीक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ़ ओटोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ़ ओटोलरीन्गोलॉजी, हेड एंड नेक सर्जरी, इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स; संयुक्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ ओटोलरीन्गोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा; प्रारूपण के लिए ईपीटीबी (अतिरिक्त पल्मोनरी ट्यूबरकुलर दिशानिर्देश) दिशानिर्देश कोर समूह के सदस्य आईएनडीईएक्स टीबी दिशानिर्देश; लगातार दूसरे वर्ष साउंड फॉर ऑल कार्यशाला का आयोजन किया; ओटोरहिनोलारिंजोलोगिक रिसर्च सोसाइटी(ओआरएसए), एम्स 2017- के. के. मानद कोषाध्यक्ष; 'इंप्रूविंग आउटकम इन फीस' एक पैनल चर्चा की अध्यक्षता की, इंडियन एकेडमी ऑफ ओटोलर्यनोलोजी हेड एंड नेक सर्जरी, 9-12 नवंबर 2017, (एएफएमसी), पुणे का 4वाँ वार्षिक सम्मेलन।

डॉ. चिरोम अमित सिंह, फेशियल प्लास्टिक और राइनोप्लास्टी कैडवेरिक कार्यशाला के सह अध्यक्ष थे, फरवरी 2018।

डॉ. प्रेम सागर ने 18 से 20 अगस्त 2017 तक अमृतसर में चल रही ऑल इंडिया राइनोलॉजी सोसाइटी के 30 वें वार्षिक सम्मेलन राइनोकॉन 2017, में डॉ अनूप राज पोस्टर सत्र में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर (टोटल नसल रिकंस्ट्रक्शन फॉलोइंग राइनेटॉमी) के लिए स्वर्ण पदक जीता; भारत के ओटोलरींगोलॉजिस्ट एसोसिएशन के जीवन सदस्य, दिल्ली शाखा; ईएनटी सर्जरी उपकरण अनुभागीय समिति एमएचडी 04, पैनल के सदस्य, भारतीय मानक ब्यूरो।

डॉ. अरविंद कैरो (i) एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ़ इंडिया, दिल्ली शाखा, (ii) एसोसिएशन ऑफ़ फ़ोनोसॉरगेन्स ऑफ़ इंडिया, (iii) इंडियन सोसाइटी ऑफ़ ओटोलॉजी, (iv) इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजिकल सोसाइटीज़ (आइएफएचओएसओएस) के जीवन सदस्य थे; ईएनटी सर्जरी उपकरण अनुभागीय समिति, एमएचडी04 के पैनल सदस्य, भारतीय मानक ब्यूरो; प्रारूपण के लिए ईपीटीबी (अतिरिक्त पल्मोनरी ट्यूबरकुलर दिशानिर्देश) दिशानिर्देश कोर समूह के सदस्य आईएनडीईएक्स टीबी दिशानिर्देश; तीसरे एम्स फेशियल प्लास्टिक और राइनोप्लास्टी कैडवेरी वर्कशॉप, एम्स कैडवेरिक सर्जिकल स्किल्स ट्रेनिंग जेपीएनएटीसी, के पाठ्यक्रम समन्वयक, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. हितेश वर्मा, एडिटोरियल बोर्ड, इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ इंडिया के सदस्य, तथा क्लीनिकल एंड डॉयग्नॉस्टिक रिसर्च जर्नल के समीक्षक थे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. गुरू संधू, इंपीरियल कॉलेज, लंदन ने 3 मई 2017 को लारींगोट्रैचियल स्टेनोसिस पर एक व्याख्यान दिया।
2. डॉ. माइकल स्ट्रुप, जर्मनी ने 6 मई 2017 को सामान्य वेस्टिबुलर विकारों के मूल्यांकन और प्रबंधन पर एक व्याख्यान दिया।
3. श्री मारियो फर्नांडीज पहली टीओयूएसएस कार्यशाला के प्रतिपादन और चर्चा के अतिथि शिक्षक थे।

9-27 cky fpfdRlk foKku

vkpk;Z ,oa v/;{k

अशोक के. देवरारी (नवजात विज्ञान)

vkpk;Z

विनोद के. पॉल (नीति आयोग में प्रतिनियुक्ति पर) (नवजात विज्ञान)

अरविंद बग्गा (वृक्क विज्ञान)

सुशील के. काबरा (पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, क्षय रोग)

मधुलिका काबरा (आनुवंशिकी)

पंकज हरि (वृक्क विज्ञान)

शेफाली गुलाटी (तंत्रिका विज्ञान)

राकेश लोढा (पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, क्षय रोग)

रचना सेठ (कैंसर विज्ञान)

वंदना जैन (अंतःस्राविकी विज्ञान)

रमेश के. अग्रवाल (नवजात विज्ञान)

lgk;d vkpk;Z

नीरजा गुप्ता (आनुवंशिकी)

जीवा शंकर (नवजात विज्ञान)

अदिति सिन्हा (वृक्क विज्ञान)

बिश्वरूप चक्रवर्ती (तंत्रिका विज्ञान)

काना राम जाट (पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, क्षय रोग)

झुमा शंकर

रजनी शर्मा (अंत स्राविकी विज्ञान)

अनु सचदेव (नवजात विज्ञान)

प्रशांत कुमार जौहरी (तंत्रिका विज्ञान)

रोहन मलिक (जठरांत्र रोग विज्ञान)

जगदीश प्रसाद मीना (अर्बुद विज्ञान)

नरेंद्र कुमार बागरी (रूमेटोलॉजी)

आदित्य कुमार गुप्ता (अर्बुद विज्ञान)

अंकित वर्मा (अनुबंध) (नवजात विज्ञान)

oSKkfud

मधुमिता राय चौधरी

जी.पी. दास (मेडिकल)

काजल जैन

रश्मि शुक्ला

अमिता

पल्लवी मिश्रा (जैव रसायन)

vU; deZpkjh

अंजना अग्रवाल (आहारविद्)

सुमिता गुप्ता (वरिष्ठ भौतिक चिकित्सक)

धनेश्वर यादव

नीना मेहता

(चिकित्सा सामाजिक सेवा अधिकारी)

fof'k"Vrk,¡

बाल चिकित्सा विभाग ने बाल चिकित्सा ओन्कोलॉजी में एक नया डीएम कार्यक्रम शुरू किया। अब हमारे पास इस भेद के साथ एम्स में एकमात्र विभाग के कुल छह डीएम पाठ्यक्रम हैं।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और हेपेटोलॉजी

एम्स में पहली बार दाता लिवर प्रत्यारोपण संबंधित एक लाइव कार्यक्रम किया गया।

आनुवांशिकी

दुर्लभ रोगों (एनआईआरडी) के लिए राष्ट्रीय पहल को संकल्पनाबद्ध किया गया था जिसमें एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान), आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद), प्रेसीड (बाल चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा सोसाइटी ऑफ इंडिया) और जेएनयू (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय) की साझेदारी है। भारत के अग्रणी संस्थानों द्वारा समर्थित 26 और 27 अप्रैल 2017 को सभी हितधारकों की एक बैठक आयोजित की गई थी और इस कार्यक्रम की मुख्य विशिष्टताएं डॉ. सौम्य स्वामीनाथन, डीजी आईसीएमआर द्वारा दुर्लभ रोग पर भारतीय रजिस्ट्री का शुभारंभ था। जेनेटिक्स और नियोनैटोलॉजी का डिविजन जन्म दोष निगरानी पत्र और डब्ल्यूएचओ सेरो जन्म दोष डेटाबेस चला रहा है।

नवजात विज्ञान

1. आईएनएमआर सेंटर ऑफ एडवांस्ड रिसर्च के हिस्से के रूप में नवजात विज्ञान विभाग द्वारा विकसित बच्चों के अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय नैतिक दिशानिर्देश स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जेपी नड्डा और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्रीमती अनुपूर पटेल द्वारा शुरू किए गए थे। 12 अक्टूबर 2017।
2. डब्ल्यूएचओ–सीसी, एम्स गुणवत्ता सुधार से संबंधित एसईएआर क्षेत्र में डब्ल्यूएचओ समर्थित अनुसंधान और गतिविधियों में लगी हुई है। विभाजन देश के 4 राज्यों में विशेष नवजात देखभाल इकाइयों (एसएनसीयू) में होने वाले प्रीटरम नियोनेट्स की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए पीजीआई और जीएमसीएच, चंडीगढ़ और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी कर रहा है। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य साक्ष्य आधारित प्रथाओं को लागू करके प्रीरमेट नियोनेट्स में प्रेमिका (आरओपी) की रेटिनोपैथी की घटनाओं को कम करना है। काम को क्वीन एलिजाबेथ डायमंड जयंती ट्रस्ट, यूके द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।
3. एम्स में विभिन्न अन्य विभागों के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के लिए विभाग प्रमुख प्रेरक रहा। यूनिसेफ, यूएनएफपीए, यूएसएआईडी और डब्ल्यूएचओ द्वारा समर्थित डब्ल्यूएचओ–सीसी अपने ऑनलाइन संसाधनों, आमने–सामने कार्यशालाओं और देखभाल के निरंतर गुणवत्ता सुधार (पीओसीक्यूआई) मॉड्यूल के माध्यम से संगठनों को क्यूआई प्रसारित करता है। गुणवत्ता सुधार पर एक समर्पित वेबसाइट (http://aiimsqi-org/) क्यूआई शिक्षण और सीखने के लिए मुफ्त संसाधन प्रदान करती है, और टीमों की क्षमता निर्माण और क्यूआई कार्य साझा करने के लिए एक मंच के रूप में प्रदान करती है। कई सेरो (दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रीय संगठन) देशों ने अपने क्षेत्रों में क्यूआई कार्य शुरू किया है। हमने छः एम्स और देश में उत्कृष्टता केंद्रों के लिए भारत में मातृ और नवजात स्वास्थ्य के लिए अस्पताल देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई कार्यशालाओं की सुविधा भी प्रदान की है।
4. विभाग ने एम्स और सभी छः एम्स संकाय निदेशक बोर्ड बोर्ड, एम्स, नई दिल्ली, 27–28 मार्च 2018 में "गुणवत्ता सुधार पर नेतृत्व और क्षमता सुधार पर क्षमता निर्माण" पर कार्यशाला आयोजित की, राज्य एनएचएम टीम, स्वास्थ्य मंत्रालय और यूनिसेफ पार्टनर्स
5. नियोनैटोलॉजी डिवीजन हेल्थकेयर पेशेवरों के लिए नवजात स्वास्थ्य पर सबूत आधारित प्रथाओं को प्रसारित करने के लिए ई–लर्निंग का उपयोग कर रहा है। वर्तमान में, तीन ई–लर्निंग पाठ्यक्रम पेश किए जा रहे हैं (www.ontop-in.org): बीमार नवजात देखभाल, नवजात नर्सिंग और सीपीएपी। पाइपलाइन में अगली प्रीटर शिशु देखभाल पैकेज है जो प्रीटर शिशु के साक्ष्य आधारित प्रबंधन में कार्य करता है।

वृक्क विज्ञान

1. अप्रैल 2017 में नेफ्रोलोजी में रिसर्च इन आईसीएमआर एडवांस्ड सेंटर के रूप में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा विभाजन को मान्यता मिली थी
2. एशियाई जर्नल ऑफ़ पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी मार्च 2018 में प्रोफ़ेसर अरविंद बग्गा के उद्घाटन संपादक (www.ajpn-online.org) के रूप में लॉन्च किया गया था।

तंत्रिका विज्ञान

बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान विभाग को अक्टूबर 2017 से 'बचपन के न्यूरोडाइवमेंटल डिसऑर्डर के लिए उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में मान्यता मिली है। इसे एम्स अनुदान सहायता (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समर्थित) और इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।) अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के एक हिस्से के रूप में। इसमें 11 परियोजनाएं हैं और निम्नलिखित अनुमानित क्षेत्रों को समझाया गया है:

ए) बचपन के न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों के लिए एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री का विकास

बी) बचपन के न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों के लिए राष्ट्रीय ज्ञान और प्रशिक्षण केंद्र
सी) बचपन न्यूरोडिफार्ममेंटल विकारः उन्नत निदान
डी) बचपन न्यूरोडिफार्ममेंटल विकारः उन्नत चिकित्सीय / पुनर्वास
ई) बाल न्यूरोलॉजी हेल्पलाइन और दूरसंचार सेवाओं की स्थापना

गहन देखभाल, न्यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के डिवीजनों के संकाय और निवासियों ने क्रैनोफैगस जुड़वाओं के लिए समन्वित समर्थन प्रदान किया, जिन्होंने न्यूरोसर्जरी विभाग में अलगाव किया।

अर्बुद विज्ञान

बाल चिकित्सा ओन्कोलॉजी के डिवीजन में हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण (एचएससीटी) कार्यक्रमः पहला ऑटोलॉगस एचएससीटी 30 अगस्त 2017 को किया गया था।

शिक्षा

विभाग नवजात विज्ञान, वृक्क विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, आनुवंशिक विज्ञान और पल्ममोनोलोजी विज्ञान और गहन देखभाल में पांच डीएम पाठ्यक्रम चला रहा है। आने वाले सेमेस्टर में छठा पाठ्यक्रम बाल चिकित्सा मेडिकल ऑन्कोलॉजी में शुरू होगा। एक पीएचडी कार्यक्रम जारी है।
एमडी प्रोग्रामः एक एमडी प्रोग्राम जिसमें कुल 37 छात्र शामिल होते हैं। नियमित शिक्षण सत्र और चल रहे सत्र में आंतरिक मूल्यांकन की एक प्रणाली है। फैकल्टी के लिए महीने में एक बार नई फ्लिप क्लास शिक्षण शुरू की गई है।
डीएम कार्यक्रमः सभी प्रभागों में नियमित रूप से संरचित शिक्षण गतिविधियाँ सप्ताह में 3–5 बार होती हैं। हमने एकीकृत संगोष्ठियों और मामले की चर्चा के रूप में अंतःविषय और इंटरडैप्सल शिक्षण को शामिल किया है, जो एक मामले के आधार पर पहचाने जाने वाले मुद्दों के संदर्भ में प्रासंगिक है। नियमित छोटी कार्यशालाएं और रेजिडेंट्स और संकायों से जुड़े इंटरैक्टिव मामले पर चर्चा हो रही है।

एमबीबीएस शिक्षण

1. विभागीय संकाय एमबीबीएस छात्रों के बेडसाइड शिक्षण में शामिल होते हैं, जो कि बाल चिकित्सा (ओपीडी और वार्ड) में अपनी पोस्टिंग के साथ–साथ व्याख्यान और एकीकृत सेमिनार भी करते हैं।
2. हमने पोस्टरों का उपयोग करके दीवार चार्ट, सिमुलेटर, टैबलेट, केस स्टडी और गुणवत्ता में सुधार के साथ बीमार नवजात शिशुओं के प्रबंधन के लिए मानक उपचार प्रोटोकॉल पर सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। छठे सेमेस्टर के लिए नवजात पुनर्जीवन पर आधारित सिमुलेशन का आयोजन किया गया था।

नर्सों का शिक्षण

नर्स / बाल रोग विशेषज्ञों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम
नियोनेटोलॉजी विभाग का ऑनलाइन शिक्षा मंच भारत के विभिन्न संस्थानों और सीयर क्षेत्र के नियोनेटोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम करता है। यह मंच 3 महीने के लिए नई बीमार वाले नवजात शिशु देखभाल पाठ्यक्रम की मेजबानी करता है; 10 सप्ताह के लिए नवजात नर्सिंग और गुणवत्ता सुधार पाठ्यक्रम और 8 सप्ताह के लिए सीपीएपी पाठ्यक्रम। इस प्लेटफॉर्म ने बीमार नवजात शिशु देखभाल, सीपीएपी और आवश्यक नवजात देखभाल में अलग–अलग देशों के 420 डॉक्टरों और 180 नर्सों (2017–18) को प्रशिक्षित किया।
विभाग के संकाय सक्रिय रूप से एमएससी नर्सिंग (बाल रोग) के शिक्षण में शामिल है।

अंतर–विभागीय सहयोगः विभाग विभिन्न विभागों के डीएम छात्रों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें शामिल हैंः संक्रामक रोग (चिकित्सा विभाग), गहन चिकित्सा (एनेस्थिसियोलॉजी विभाग), न्यूरोलॉजी और कार्डियक एनेस्थिसियोलॉजी।
विभाग ने सभी निवासियों और संकायों के लिए बच्चों के लिए पोषण और आपातकालीन देखभाल पर विशेष द्वि–वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया।
लघु अवधि के प्रशिक्षुः कुल 100 प्रशिक्षुओं ने विभिन्न प्रभागों का दौरा किया।

आनुवंशिकी

1 डॉ अनीता नांगिया, 1–31 मार्च 2017, 1 महीने, साइटोजेनेटिक, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और श्रीमती। एस.के. अस्पताल, नई दिल्ली
2 हर्षित जगगी, 23 फरवरी 2017 से 22 मई 2017, 3 महीने, आण्विक, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आगरा कॉलेज, आगरा

3 डॉ. अरोनीमा मिश्रा, 1 नवंबर 2017 से 31 जेनोरी 2018, 3 महीने, साइटोगेनेटिक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, आईसीएमआर, सफदरजंग अस्पताल कैंपस, नई दिल्ली

4 डॉ. रवि कुमार, 28 नवंबर 2017 से 27 मई 2018, 6 महीने, आण्विक, सीजीएचएस (मुख्यालय), एमओएचएफडब्ल्यू, निर्मन भवन, नई दिल्ली

5 डॉ. असमिता एम राठौर, 10–25 जनवरी 2018, 16 दिन, जेनेटिक ओपीडी, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली

6 डॉ. प्रीती त्रिपाठी, हेमेटोलॉजी, एम्स, 9 –16 मई 2017

7 डॉ. क्रिथका के.वी., हेमेटोलॉजी, एम्स, 21–31 मार्च 2018

8 डॉ. सुमिता दास गुप्ता, भ्रूण चिकित्सा, प्रसूति–विज्ञान और स्त्री रोग, एम्स, 15 फरवरी 2018–14 मार्च 2018

9 डॉ. प्रियंका मिश्रा, हेमेटोलॉजी, एम्स, 20–28 फरवरी 2018

10 डॉ. दिरव्यासीलन, बायोकैमिस्ट्री, एम्स, 12–21 फरवरी 2018

11 डॉ. सुरभी गर्ग, बायोकैमिस्ट्री, एम्स, 12–21 फरवरी 2018

12 डॉ. गौरव बैद्य, बायोकैमिस्ट्री, एम्स, 12–21 फरवरी 2018

13 डॉ. निधि ठाकुर, बायोकैमिस्ट्री, एम्स, 12–21 फरवरी 2018

14 डॉ. जसमीन गुप्ता, बायोकैमिस्ट्री, एम्स, 12–21 फरवरी 2018

15 डॉ. रितिका बजाज, भ्रूण चिकित्सा, प्रसूति और स्त्री रोग, एम्स, 15 जनवरी 2018–14 फरवरी 2018

16 डॉ. चौधरी पावनी, प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स, 1–31 दिसंबर 2017

17 डॉ. उमेश कुमार तिवारी, प्रयोगशाला चिकित्सा, 1–30 नवंबर 2017

18 डॉ. आस्था गुप्ता, हेमेटोलॉजी, एम्स, 11–20 जुलाई 2017

19 डॉ. रिचा चौहान, हेमेटोलॉजी, एम्स, 11–20 जुलाई 2017

बालरोग पल्मोनोलॉजी

1. डॉ. पीकेजी गुनाथिलका, दीर्घकालिक प्रशिक्षु, 2015–17, श्रीलंका सरकार द्वारा समर्थित
2. डॉ. एसएससी डी सिल्वा, दीर्घकालिक प्रशिक्षु, फरवरी 2016–अगस्त 2017, श्रीलंका सरकार द्वारा समर्थित
3. डॉ. हेमा मित्तल, शॉर्ट टर्म प्रशिक्षु, नवंबर 2017 से जनवरी 2018, आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली
4. डॉ. शाकिबुर रहमान, शॉर्ट टर्म प्रशिक्षु, जनवरी–मार्च 2018, ढाका, बांग्लादेश, बांग्लादेश के गवर्नमेंट द्वारा समर्थित
5. डॉ. सतनाम कौर, शॉर्ट टर्म प्रशिक्षु, फरवरी–जुलाई 2018, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली
6. डॉ. शालू गुप्ता, 31 जुलाई –12 अगस्त 2017, डीएम साथी, बाल चिकित्सा गंभीर देखभाल, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
7. डॉ. अंकित, दिसंबर 2017, चिकित्सा विभाग (डीएम संक्रामक रोग), एम्स
8. डॉ. अंकिता बोली, मई–जून 2017, चिकित्सा विभाग (डीएम संक्रामक रोग), एम्स
9. डॉ. आयन बसु, जनवरी 2018, चिकित्सा विभाग (डीएम संक्रामक रोग), एम्स
10. डॉ. जतिन अहुजा, मार्च 2018, चिकित्सा विभाग (डीएम संक्रामक रोग), एम्स
11. डॉ. वसीम खोट, मई 2017, चिकित्सा विभाग (डीएम संक्रामक रोग), एम्स
12. डॉ. नितिन गुप्ता, मार्च–अप्रैल 2017, चिकित्सा विभाग (डीएम संक्रामक रोग), एम्स

न्यूनैटॉलॉजी

1. डॉ. अरोनीमा मिश्रा, भारत, 12 अक्टूबर 2017, 12 जनवरी 2018
2. डॉ. अर्पिता गोगोई, भारत, 05 जुलाई 2017, 31 अक्टूबर 2017
3. डॉ. असिमता एम राठौर, भारत, 10–25 जनवरी 2018
4. डॉ. बिजय लक्ष्मी बेहर, भारत, 1 9 –25 मार्च 2018
5. डॉ. ब्रजेश कुमार झा, भारत, 12–18 मार्च 2018
6. डॉ. च. सुगुन रेड्डी, भारत, 1–30 अप्रैल 2017
7. डॉ. चनिक लिविया, फ्रांस, 10–21 जुलाई 2017
8. डॉ. दिनेश प्रधान, भूटान, 8–30 मार्च 2018
9. डॉ. हरशीन कौर, भारत, 2 9 नवंबर 2017, 15 दिसंबर 2017
10. डॉ. हर्षित जगगी, भारत, 23 फरवरी 2017, 22 मई 2017
11. डॉ. हेमा गुप्ता, भारत, 1 नवंबर 2017, 31 जनवरी 2018

12. डॉ. हेराथ मुदियानसेज अरुणा धामिका हेराथ, श्रीलंका,5अप्रैल 2018, 4 अप्रैल 201 9
13. डॉ. जसिंथा सबनादेसन, श्रीलंका, 1 जनवरी 2018, 31 दिसंबर 201 9
14. डॉ. जिम्बा जत्शो, भूटान, 1–30 जून 2017
15. डॉ. कल्पना चेत्री, भूटान, 1–30 जून 2017
16. डॉ. केतुजा शिवपाल (स्वीडन), भारत, 28 अगस्त 2017, 24 सितंबर 2017
17. डॉ. खुर्शीद अहमद वानी, भारत, 4 अक्टूबर 2017, 31 जनवरी 2018
18. डॉ. क्रिटी, भारत, 20 मई 2017, 1 9 जुलाई 2017
19. डॉ. क्योंग हुई चोई, कोरिया, 23 जनवरी 2017, 17 मार्च 2017
20. डॉ. एमडी शाकिबुर रहमान, बांग्लादेश, 1–31 जनवरी 2018
21. डॉ. मीनाक्षी गुप्ता, भारत, 1–31 अक्टूबर 2017
22. डॉ. पीकेजी गुनाथिलका, भारत, 7 दिसंबर 2015, 6 दिसंबर 2017
23. डॉ. प्रोबिर कुमार सरकार, बांग्लादेश, 1–31 अक्टूबर 2018
24. डॉ. रवि कुमार, भारत, 28 नवंबर 2017, 27 मई 2018
25. डॉ. एस के मसूरुर रहमान, बांग्लादेश, 1 जनवरी 2018, 31 मार्च 2018
26. डॉ. सतनाम कौर, भारत, 1 फरवरी 2018, 31 जुलाई 2018
27. डॉ. सर्वेल मैरी, फ्रांस, 10–21 जुलाई 2017
28. डॉ. शिवानी देशवाल, भारत, 1 अप्रैल 2017, 30 जून 2017
29. डॉ. सिन ओके जो, कोरिया, 23 जनवरी 2017, 17 मार्च 2017
30. डॉ. सौम्य तिवारी, भारत, 11 जून 2017, 10 सितंबर 2017
31. डॉ. एसएससी डी सिल्वा, श्रीलंका, 18 फरवरी 2016, 17 फरवरी 2018
32. डॉ. सुशील गुप्ता, भारत, 5–31 मार्च 2018
33. डॉ. स्वप्निल, भारत,5मार्च 2018, 02 जुलाई 2018
34. डॉ. ताई योंग जोन, कोरिया, 23 जनवरी 2017, 17 मार्च 2017
35. डॉ. तनु गादी, भारत, 1 अगस्त 2017, 01 अगस्त 2018
36. डॉ. ताश शेरिंग, भूटान, 1–30 मार्च 2018
37. डॉ. तुलसी राम शर्मा, भूटान, 1–21 नवंबर 2017
38. डॉ. विश्वास छापोला, भारत, 15 जुलाई 2017, 14 अक्टूबर 2017
39. डॉ. योंग चोल रायंग, कोरिया, 23 जनवरी 2017, 17 मार्च 2017
40. श्री कुमार कुमार, चीन, 5–16 फरवरी 2018
41. श्री प्रदीप कुमार, भारत, 2 अप्रैल 2018, 2 9 सितंबर 2018
42. श्री सुखदीप सिंह अरोड़ा, जर्मनी, 7 मई 2018, 01 जुलाई 2018
43. श्रीमती मार लार पुन, म्यांमार, 7–18 अगस्त 2017
44. श्रीमती तो योंग री, कोरिया, 23 जनवरी 2017, 17 मार्च 2017
45. श्रीमती योन चोई, कोरिया, 23 जनवरी 2017, 17 मार्च 2017
46. सुश्री अमान अफरीन, भारत, 10–24 जनवरी 2018
47. सुश्री अस्थमा शर्मा, भारत, 25 नवंबर 2017, 24 फरवरी 2018
48. सुश्री छाया, भारत, 15 फरवरी 2018, 14 मई 2018
49. सुश्री नाज़िया अफरीन, भारत, 10–24 जनवरी 2018
50. सुश्री नेहा भारती, भारत, 17 अगस्त 2017, 16 नवंबर 2017
51. सुश्री निकिता मनहंस, भारत, 28 मार्च 2018, 06 अप्रैल 2018
52. सुश्री संस्कृत श्रीवनम, यूनाइटेड किंगडम, 23 जुलाई 2018, 17 अगस्त 2018
53. सुश्री सु हियांग चोई, कोरिया, 23 जनवरी 2017, 17 मार्च 2017
54. सुश्री वैशाली, भारत, 15 फरवरी 2018, 14 मई 2018
55. सुश्री यी यी न्यू, म्यांमार, 7–18 अगस्त 2017

वृक्क विज्ञान

1. डॉ. अर्पिता गोगोई (गुवाहाटी, असम)5जुलाई 2017–31 अक्टूबर 2017
2. डॉ. सौम्या तिवारी (कलावती सरन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, नई दिल्ली) 11 जून 2017–10 सितंबर 2017

तंत्रिका–विज्ञान

1. डॉ. हरशीन कौर (यूएसए) 27 नवंबर 2017 से 15 दिसंबर 2017
2. डॉ. खुर्शीद अहमद वानी (श्रीनगर) 4 अक्टूबर 2017 से 31 जनवरी 2018
3. सुश्री आस्था शर्मा 25 नवंबर 2017 से 15 अप्रैल 2018 तक
4. डॉ. एसके मैसूर रहमान (बांग्लादेश) 12 मार्च 2018 से 31 मई 2018
5. न्यूरोलॉजी विभाग, सीएनसी, एम्स, नई दिल्ली के निवासी
   (ए) डॉ. श्रवण कुमार एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) जून 2017
   (बी) डॉ. नेहा कपूर एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) जुलाई 2017
   (सी) डॉ. आनंद कुमार एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) जुलाई 2017
   (डी) डॉ. दिव्यानी गर्ग एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) अगस्त 2017
   (ई) डॉ. मुथुकानी एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) अगस्त 2017
   (एफ) डॉ. अनीषा एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) सितंबर 2017
   (जी) डॉ. एस के चंदन एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) अक्टूबर 2017
   (एच) डॉ. थेलंगाना एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) अक्टूबर 2017
   आई) डॉ. निशिता सिंह एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) नवंबर 2017
   जे) डॉ. आनंद कुमार एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) जनवरी 2018
   के) पूजा नारंग एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) फरवरी 2018
   एल) डॉ. आयुष अग्रवाल एसआर (डीएम न्यूरोलॉजी) मार्च 2018

सीएमई, सम्मेलन

कुल 35 सीएमई /सम्मेलन/कार्यशालाएं आयोजित किए गए।

आनुवंशिकी

1. दुर्लभ विकारों (एनआईआरडी), 26 और 27 अप्रैल 2017, आईआईसी, नई दिल्ली के लिए राष्ट्रीय पहल
2. "जीनोमिक्स इन मेडिसिन" पर सीएमई, 15 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
3. आईजीआईबी, 16–18 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से चिकित्सकों के लिए अगली पीढ़ी अनुक्रम कार्यशाला (डेटा विश्लेषण और व्याख्या)
4. नर्सों के लिए जन्म दोष निगरानी प्रशिक्षण, 15 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली
5. नैदानिक आनुवंशिकी पर मिनी कार्यशाला, 14 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली

नवजात विज्ञान

1. डॉ. ए.के. देवरारी द्वारा आयोजित 16 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा निवासियों के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यशाला "गुणवत्ता सुधार–सरल युक्तियाँ"
2. डॉ. ए. के. देवरारी द्वारा आयोजित आईएपी नियोकॉन और ईबीएनईओ सम्मेलन में आईएपी नियोकॉन और ईबीएनईओ सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से पैदल चिकित्सकों और नर्सिंग पेशेवरों के अभ्यास के लिए 'गुणवत्ता सुधार' पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला
3. "शैक्षिक पैकेज और देखभाल गुणवत्ता सुधार मॉडल (संस्करण 2) के बिंदु की समाप्ति बैठकः डॉ। ए के देवरारी द्वारा आयोजित 26 और 27 दिसंबर 2017 को आरओपी को कम करने के लिए सुविधाकारों से मिलें
4. भूटान की रॉयल सरकार के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यशाला, 15–17 नवंबर 2017 को भूटान के खेसर ग्याल्पो विश्वविद्यालय चिकित्सा विश्वविद्यालय और कोलंबो, श्रीलंका, 22–24 अगस्त 2017 डॉ. एके देवरी द्वारा आयोजित डब्ल्यूएचओ सेरो के समर्थन के साथ
5. डॉ. ए.के. देवरारी द्वारा आयोजित सभी छः एम्स, राज्य एनएचएम टीम और संस्थान के लिए निदेशक बोर्ड बोर्ड, एम्स, नई दिल्ली, 27–28 मार्च 2018 में "नेतृत्व और क्षमता निर्माण गुणवत्ता सुधार की भूमिका" पर एम्स के लिए कार्यशाला

6. निदेशक बोर्ड बोर्ड, एम्स, नई दिल्ली में "सावधानी के रेटिनोपैथी की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करने के साथ" देखभाल गुणवत्ता सुधार उपकरण (पीओसीक्यूआई –2) के बिंदु और सुविधा आधारित देखभाल के लिए समयपूर्व पैकेज के लॉन्च पर डब्ल्यूएचओ, सेरो और पीएचएफआई के लिए कार्यशाला, 26–27 दिसंबर 2017, डॉ. ए.के. देवरारी द्वारा आयोजित
7. एनएसी डीओरी द्वारा आयोजित कलकत्ता में 28–29 जुलाई 2017 को यूनिसेफ के साथ साझेदारी के साथ राज्य सरकार के नेतृत्व के साथ 14 मेडिकल कॉलेज संकाय के लिए एनएचएम पश्चिम बंगाल के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यशाला पीओसीक्यूआई
8. डॉ. ए.के. देवरारी द्वारा आयोजित आईएचआई कैम्ब्रिज और यूएसएआईडी–एसआईएसआईएसटी के साथ साझेदारी में 30 संकाय (संस्थान से 20 और अन्य एम्स से 10 अन्य) के लिए दो फेस फेस फेस मीटिंग के साथ गुणवत्ता सुधार कोचिंग कोर्स–4 महीने में फैला हुआ है।
9. डॉ. ए.के. देवरारी द्वारा आयोजित सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली में 31 जनवरी 2018 को "सामग्री, संसाधनों का प्रबंधन और प्रबंधन और स्मार्टफोन ऐप्स कैसे विकसित करें" पर संकाय के लिए कार्यशाला
10. चिकित्सा शिक्षा में सिमुलेशन के उपयोग पर गोलमेज एमओएच, एनएबीएच, लीर्डल इंडिया, फिलाडेल्फिया विश्वविद्यालय, नर्सों के लिए पेडी स्टार मीटिंग, 11 जनवरी 2018 निदेशक बोर्ड रूम एम्स, नई दिल्ली, डॉ एके देवरी द्वारा आयोजित
11. डॉ. ए.के. देवरारी द्वारा आयोजित एम्स, नई दिल्ली में पेडियाट्रिक्स, ओबस्टेट्रिक्स और गायनकोलॉजी विभाग के निवासी डॉक्टरों के लिए क्यूआई कार्यशाला, 16 अप्रैल 2017
12. डॉ. जीवा शंकर द्वारा आयोजित आईएपी नियोकॉन और ईबीएनईओ सम्मेलन में आईएपी नियोकॉन और ईबीएनईओ सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से निवासियों के लिए 'व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–विश्लेषण' पर प्री–कॉन्फ्रेंस कार्यशाला
13. डॉ. अनु ठुकराल द्वारा आयोजित 6 और 7 अप्रैल 2017 को समयपूर्वता की रेटिनोपैथी के बिना प्रीटरम नियोनेट्स के बरकरार अस्तित्व के लिए "प्रीटरम बेबी केयर" के लिए शैक्षिक पैकेज की समीक्षा के लिए सामग्री समीक्षा कार्यशाला
14. डॉ. अनु ठुकराल द्वारा आयोजित 16 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा निवासियों के लिए गुणवत्ता सुधार कार्यशाला "गुणवत्ता सुधार–सरल युक्तियाँ"
15. डॉ. अनु ठुकराल द्वारा आयोजित आईएपी नियोकॉन और ईबीएनईओ सम्मेलन में आईएपी नियोकॉन और ईबीएनईओ सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से पैदल चिकित्सकों और नर्सिंग पेशेवरों के अभ्यास के लिए 'गुणवत्ता सुधार' पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला
16. शैक्षिक पैकेज की प्रसार बैठक और देखभाल गुणवत्ता सुधार मॉडल (संस्करण 2) के बिंदु: सुविधाकार 26 और 27 दिसंबर 2017 को आरओपी को कम करने के लिए मिलते हैं, डॉ अनु ठुकराल द्वारा आयोजित

ऑन्कोलॉजी

1. संक्रमण नियंत्रण मॉड्यूल, 12 अगस्त 2017, एम्स, नई दिल्ली
2. बाल चिकित्सा कैंसर में डायग्नोस्टिक्स मॉड्यूल प्ट–बाल चिकित्सा कैंसर में इमेजिंग, 28 जनवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली
3. रोगी शिक्षा कार्यक्रम, 14 जून 2017, एम्स, नई दिल्ली
4. रोगी शिक्षा कार्यक्रम और मरीजों / देखभाल करने वालों के साथ इंटरैक्टिव चर्चा, 11 दिसंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
5. देर से प्रभाव, 2 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली पर ब्रेन स्टोर्मिंग

वृक्क विज्ञान

1. बाल चिकित्सा नेफ्रोलोजी में आईएक्स वार्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 1–2 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली, 105 प्रतिनिधिमंडल (स्नातकोत्तर रेजीडेंट्स और प्रशिक्षुओं) पूरे भारत से बाल चिकित्सा नेफ्रोलोजी में
2. बाल चिकित्सा नेफ्रोलोजी में नर्सिंग में पहला प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 1 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली, भारत भर से 15 विशेषज्ञ नर्स
3. हेमोलिटिक उरेमिक सिंड्रोम के प्रबंधन पर आम सहमति बैठक, 31 मार्च –1 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली, राष्ट्रव्यापी विशेषज्ञों, शोध सहयोगियों और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया
4. बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी में एक्स वार्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 2 9–30 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली; 80 प्रतिनिधियों ने भाग लिया

तंत्रिका–विज्ञान

1. ऑटिज़्म टूल्स (आईएनटी एएसडी और आईएसएए टूल्स) में प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स के लिए तीसरी राष्ट्रीय कार्यशाला, विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित, 1–3 अप्रैल 2017, विज्ञान भवन, नई दिल्ली
2. राष्ट्रीय ऑटिस्टिक मार्वल टैलेंट हंट, विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित, 3 अप्रैल 2017, विज्ञान भवन, नई दिल्ली
3. स्वायत्तता और स्व निर्धारण के लिए ऑटिज़्म पर सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान और नियंत्रित पैनल चर्चा, प्रारंभिक पहचान और समावेशी शिक्षा; कौशल विकास और स्वतंत्र जीवन, 26 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली

पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार
1. एम्स बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार पाठ्यक्रम मॉड्यूल, 6 अप्रैल 2017

व्याख्यान दिए गए
अंतःस्त्राविकी
वंदना जैनः 8 रजनी शर्माः 7

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
रोहन मलिकः 4

जेनेटिक्स
मधुलिका काबराः 12 नीरजा गुप्ताः 9

न्यूनैटॉलॉजी
ए.के. देवरारीः 25 रमेश अग्रवालः 8 एम जीवा शंकरः 13
अनु सचदेवः 11

नेफ्रोलॉजी
अरविंद बग्गाः 18 पंकज हरिः 7 अदिति सिन्हाः 10

तंत्रिका–विज्ञान
शेफाली गुलाटीः 24 विश्वरूप चक्रवर्तीः5प्रशांत जौहररीः 5

कैंसर विज्ञान
रचना सेठः 14 जगदीश प्रसाद मीनाः 2 आदित्य कुमार गुप्ताः 3

पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, क्षय रोग
एसके काबराः 48 राकेश लोढाः5काना राम जाटः 9
झुमा शंकरः 4

धनेश्वर यादव एमएसएसओः 1

मौखिक पेपर्स / पोस्टर प्रस्तुत किए
एंडोक्रिनोलॉजीः 6 गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः 4 आनुवंशिकीः 7
नियोनेटोलॉजीः 12 नेफ्रोलॉजीः 9
न्यूरोलॉजीः 15
ऑन्कोलॉजीः 12
पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, तपेदिकः 13
रयूमेटोलॉजीः 3
अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

एंडोक्रिनोलॉजी (5)

1. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरावस्था में वजन घटाने के लिए परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावशीलताः आरसीटी, वंदना जैन, आयुष मंत्रालय, 3 साल, 2016–19, 51.6 लाख रुपये
2. भारत में सेक्स विकास के विरासत दुर्लभ विकारों के निदान और प्रबंधन में सुधार, वंदना जैन, आईसीएमआर, 2 साल, 2017–19, 47 लाख रुपये
3. कम संसाधन सेटिंग्स में टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों के लिए इंसुलिन और आहार व्यवस्था को अनुकूलित करना, वंदना जैन, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 2.5 साल, 2017–20, 25 लाख रुपये
4. हाइपोक्सिया अनुकूलन और गर्भावस्था परिणाम अध्ययन, विनोद पॉल और वंदना जैन, वेलकम ट्रस्ट, 1.5 साल, 2016–18, 43 लाख रुपये
5. जन्मजात एड्रेनल हाइपरप्लासिया के साथ बच्चों और किशोरों में हड्डी खनिज घनत्व फिजियोलॉजिकल स्टेरॉयड प्रतिस्थापन, रजनी शर्मा, एम्स इंट्रैमरल, 2 साल, 2016–18, 2.5 लाख रुपये

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (1)

1. बच्चों में हेपेटिक शिरापरक बहिर्वाह पथ बाधा, रोहन मलिक, एम्स इंट्रामुरल, 1 वर्ष, 2016–17,5लाख रुपये के साथ बच्चों में थ्रोम्बोफिलिक कारकों और फाइब्रिनोलिसिस का दोष।

आनुवंशिकी (6)

1. एसईएआर, मधुलिका काबरा, डब्ल्यूएचओ, 1 साल, 2018–19, 12 लाख रुपये में जन्म दोष निगरानी के लिए गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता में सुधार पर एपीडब्ल्यू
2. सूखे रक्त धब्बे से प्रसवपूर्व स्क्रीनिंग पहलः परीक्षण और संसाधन उपयोग के लिए भूमिका, नीरजा गुप्ता, मधुलिका काबरा, डीबीटी, 3 साल, 2016–19, 17.86 लाख रुपये
3. भ्रूण विकृतियों और अभी भी जन्म के मूल्यांकन में न्यूनतम आक्रमणकारी ऑटोप्सी (एमआईए)– जन्म मूल्यांकन, नीरजा गुप्ता, मधुलिका काबरा, आईसीएमआर, 3 साल, 2017–20, 2 9 .5 9 के लिए मानक प्रोटोकॉल के विकास के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन लाख
4. इंडियन एटैक्सिया टेलीगिएक्टसिया मरीजों, रश्मी शुक्ला, डीबीटी, 3 साल, 2014–17, 34.87 लाख रुपये में उत्परिवर्तन के स्पेक्ट्रम की पहचान करना
5. भारत में लियोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर के क्लिनिकल बायोकेमिकल और आणविक कैरेक्टरिज़ेशन के बहुआयामी सहयोगी अध्ययनः लेसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर, मधुलिका काबरा, आईसीएमआर, 3.5 साल, 2016–18, 50 लाख रुपये में रिसर्च इनिशिएटिव

नियोनेटोलॉजी (8)

1. एसई एशिया, पीके में पीओसीक्यू दृष्टिकोण की क्षमता निर्माण प्रसार के लिए क्षेत्रीय शिक्षण मंच। देवरारी, सेरो–डब्ल्यूएचओ, 1 साल, 2018–19, 31.85 लाख रुपये
2. विशेष देखभाल नवजात शिशुओं, एनके में नवजात देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करके प्रिमैच्योरिटी की रेटिनोपैथी को कम करना। देवरी, पीएचएफआई, 3.5 साल, 2015–18, 114.03 लाख रुपये
3. क्षेत्रीय क्यूआई प्रशिक्षण पैकेज, ए के आधार पर स्वास्थ्य सुविधाओं में गुणवत्ता सुधार पर ई–लर्निंग पैकेज का विकास। देवरी, डब्ल्यूएचओ, 1 साल, 2017, 10.5 लाख रुपये
4. प्रीटरम नियोनेट्स, रमेश अग्रवाल, वेलकम ट्रस्ट, यूके, 3 साल, 2015–18, 10 करोड़ रुपये में एक अभिनव और किफायती बकरी फेफड़ों के सर्फैक्टेंट की दक्षता और सुरक्षा
5. मल्टीड्रग प्रतिरोधी (एमडीआर) की आणविक महामारी विज्ञान भारत में नियोनेट्स में एमिनेटोबैक्टर संक्रमण, एम जीवा शंकर, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 2 साल, 2017–19, 84 लाख रुपये
6. अस्पताल में नवजात शिशुओं में बीमारी की जीवविज्ञान और जीवाणु सेप्सिस के निदान को समझनाः एक बहु केंद्र अध्ययन, रमेश अग्रवाल, कृष्णमहन अताकुरी, डीबीटी, 2 साल, 2015–17, 1.7 करोड़ रुपये
7. नियोमैर ग्लोबल वेधशाला अध्ययन की सुविधाः अस्पताल में नवजात शिशुओं में सेप्सिस का एक संभावित समूह अध्ययन, रमेश अग्रवाल, एम जीवा शंकर, डीएनडीआई / गार्डपा, 1.5 साल, 2018–19, 22 लाख रुपये
8. क्लेब्सीला एसपीपी के तुलनात्मक जीनोमिक विश्लेषण। अस्पताल में नवजात शिशुओं और तत्काल अस्पताल के माहौल से अलग, एम जीवा शंकर, एम्स इंट्रैमरल, 1 साल, 2017–18,5लाख रुपये (8.37 करोड़ रुपये सीधे सीडीएसए को भुगतान किए जाएंगे क्योंकि साइट्स और सीआरओ लागत से गुजरना होगा)।

वृक्क विज्ञान (13)

1 एटिपिकल हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम, अरविंद बग्गा, सीईएफआईपीआरए (डीएसटी), 3 साल, 2016–19, 12.25 लाख रुपये पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन
2. बाल चिकित्सा रीनल जीवविज्ञान कार्यक्रमः नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर अनुसंधान, अरविंद बागगा, डीबीटी,5साल, 2016–21, 800 लाख रुपये
3. 4 साल से कम उम्र के बच्चों में इडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम के पहले एपिसोड के लिए प्रीनिनिसोलोन के साथ 6 महीने के बनाम 3–महीने के थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए यादृच्छिक, बहुआयामी, खुले लेबल, समांतर समूह परीक्षण, अरविंद बग्गा, डीबीटी,5साल, 2016–21, उपरोक्त में शामिल है
4. गुर्दे की हिस्टोलॉजी के बायोमाकर्स के रूप में सीरम और मूत्र माइक्रोआरएनए और स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम, अरविंद बागगा, डीबीटी,5साल, 2016–21 के साथ बच्चों में चिकित्सा के प्रति प्रतिक्रिया, उपरोक्त में शामिल
5. ऑटोएंटीबॉडी ने वैकल्पिक पूरक मार्ग मार्ग को नेफ्रोटिक सिंड्रोम में माइक्रब्रोनोप्रोलिफेरेटिव ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस, पंकज हरि, डीबीटी, 3 साल, 2016–2019 के लिए माध्यमिक, उपरोक्त में शामिल
6. बाल चिकित्सा किडनी रोगों में अनुसंधान के लिए आईसीएमआर एडवांस्ड सेंटर के लिए प्रस्ताव, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर,5साल, 2017–22, 160.95लाख रुपये
7. यादृच्छिक खुले लेबल वाले नियंत्रित परीक्षण की तुलना में लेवमिसोल बनाम लंबी अवधि के वैकल्पिक दिनों के स्टेरॉयड की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए यादृच्छिक खुले लेबल वाले नियंत्रित परीक्षण, अक्सर स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5साल, 2017–22, के साथ रोगियों में शामिल ऊपर
8. खुले लेबल, यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण, अक्सर खुराक या स्टेरॉयड निर्भर नेफ्रोटिक सिंड्रोम, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर,5साल, 2017–22, मरीजों में वैकल्पिक दिनों में कम खुराक प्रिडनीसोलोन बनाम मानक थेरेपी के साथ दैनिक थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए। उपरोक्त में शामिल
9. हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 5साल, 2017–22 के रोगियों के लिए बायोरेस्पोजिटरी और रजिस्ट्री की स्थापना, उपरोक्त में शामिल
10. गैर–दस्त और गैर–ऑटोम्यून्यून वाले मरीजों में पूरी तरह से अनुक्रमित हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर,5साल, 2017–22, उपरोक्त में शामिल
11. भारतीय बच्चों के बीच आनुवंशिक भिन्नताओं का पायलट अध्ययन वेसिकोरेटेरल रिफ्लक्स, पंकज हरि, आईसीएमआर,5साल, 2017–22
12. बचपन की गुर्दे की बीमारियों के निदान और उपचार के लिए सबूत–आधारित दिशानिर्देश तैयार करना और प्रसार करना, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर,5साल, 2017–22
13. बच्चों में एंटी–पूरक कारक एच (एफएच) हेमोलिटिक उरेमिक सिंड्रोम (एचयूएस) से जुड़ेः इम्यूनोलॉजिकल और आनुवांशिक आधार, और ऑटोएंटिबॉडी के कार्यात्मक लक्षण, अदिति सिन्हा, डीएसटी, 3 साल, 2017–20, 68.21 लाख रुपये

तंत्रिका विज्ञान (16)

1. ऑटिज़्म वाले बच्चों में रक्त भारी धातु के स्तर और मात्रात्मक ईईजी सहसंबंध, शेफाली गुलाटी, आईसीएमआर, 3.5 साल, 2014–18, 49. 04 लाख रुपये
2. मल्टी सेंटर यादृच्छिक डबल अंधे प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, एटैक्सिया तेलंगिएक्टसिया, शेफाली गुलाटी, एरडेल, एसपीए, इटली, 2017–जारी रखने वाले मरीजों में न्यूरोलॉजिकल लक्षणों पर इंट्रा एरिथ्रोसाइट डेक्सैमेथेसोन सोडियम फॉस्फेट के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए याद किया गया है, 72 लाख रुपये
3. एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड प्लेसबो ने छह महीने का अध्ययन नियंत्रित किया, जिसमें श्वसन लक्षणों के साथ रिट सिंड्रोम के रोगियों में सरिज़ोटान की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहिष्णुता का मूल्यांकन किया गया, शेफाली गुलाटी, न्यूरॉन फार्मास्यूटिकल्स, इटली, 2017–जारी, 42 लाख रुपये
4. संदर्भित मानक उपकरण (भारतीय शिशुओं के लिए डीएएसआईआई–विकासात्मक आकलन स्केल) की तुलना में एक विकासशील स्क्रीनिंग टूल के रूप में अनुकूलित एएसक्यू –3 (आयु और चरण प्रश्नावली) के अनुकूलन और भारतीय अनुकूलन में भारतीय बच्चों को 2 से 24 महीने की उम्र में जोखिम, शेफाली गुलाटी, आईसीएमआर, 2 साल, 2017–जारी, 19.01 लाख रुपये
5. सीरम मैट्रिक्स मेटलप्रोटीनेस–9ः न्यूरोसाइटिस्टिकोसिस में कैलिफिकेशन और मिर्गी की भविष्यवाणी करने के लिए एक संभावित बायोमाकर; एक अनुदैर्ध्य अवलोकन अध्ययन, बिश्वरूप चक्रवर्ती, एम्स इंट्रैमरल, 2 साल, 2016–जारी,5लाख रुपये
6. सीरम सिकाम्स और एमएमपी 9 / टीआईएमपी –1 अनुपातः स्लीप (ईएसईएस) सिंड्रोम में विद्युत स्थिति के साथ एन्सेफेलोपैथी वाले बच्चों में रोग गतिविधि के संभावित भविष्यवाणियों, प्रशांत जौहरी, एम्स इंट्रैमरल, 2 साल, 2018–जारी,5लाख रुपये

7. एक चरण 3, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो–नियंत्रित प्रभावकारिता और गैर–उत्परिवर्तन वाले मरीजों में अटालुरन के सुरक्षा अध्ययन ड्यूकेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी और ओपन लेबल एक्सटेंशन, शेफाली गुलाटी, पीटीसी थेरेपीटिक्स, यूएसए, 2 साल, 2018–जारी, रु 50 लाख
8. शिशुओं, बच्चों और किशोरों को 1 महीने से 18 वर्ष की आयु तक प्रभावित न्यूरोडिफामेंटल विकारों के लिए बाल न्यूरोलॉजी हेल्पलाइन और टेली–परामर्श सेवाएं, शेफली गुलाटी, एम्स जीआईए द्वारा समर्थित आंशिक रूप से (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा समर्थित) और आईआईएफसीएल (सीएसआर के हिस्से के रूप में), 5 साल, 2018–जारी, सीओई का हिस्सा (11.3 करोड़ रुपये)
9. 1 महीने से 18 वर्ष की आयु के शिशुओं, बच्चों और किशोरों को प्रभावित करने वाले न्यूरोडाइवमेंटल विकारों के लिए राष्ट्रीय रजिस्ट्री, एम्स जीआईए (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा समर्थित) और आईआईएफसीएल (इसके सीएसआर के हिस्से के रूप में) द्वारा वित्त पोषित शेफाली गुलाटी, 5साल, 2018– चल रहा है, सीओई का हिस्सा (11.3 करोड़ रुपये)
10. 1 महीने से 18 वर्ष की उम्र के शिशुओं, बच्चों और किशोरों को प्रभावित करने वाले न्यूरोडाइवमेंटल विकारों के लिए राष्ट्रीय ज्ञान, संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र, शेम्स गुलाटी, एम्स जीआईए द्वारा समर्थित आंशिक रूप से (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा समर्थित) और आईआईएफसीएल (इसके सीएसआर के हिस्से के रूप में) 5साल, 2018–जारी, सीओई का हिस्सा (11.3 करोड़ रुपये)
11. 18 महीने से 18 वर्ष की आयु के भारतीय बच्चों और किशोरों में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर; एआईएमएस जीआईए (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा समर्थित) और आईआईएफसीएल (इसके सीएसआर के हिस्से के रूप में), 5साल, 2018 – प्रक्रिया के तहत चल रही नैतिक मंजूरी, सीओई का हिस्सा (11.3 करोड़ रुपये) का एक नैदानिक और एक्सोम अनुक्रम आधारित अध्ययन, शेफाली गुलाटी,
12. ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकारों (एएसडी) में लस मुक्त और केसिन मुक्त आहारः एक ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एम्स जीआईए (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा समर्थित) और आईआईएफसीएल (इसके सीएसआर के हिस्से के रूप में) द्वारा वित्त पोषित प्रोफेसर शेफीली गुलाटी,5साल, 2018 – प्रक्रिया के तहत चल रही नैतिक मंजूरी, सीओई का हिस्सा (11.3 करोड़ रुपये)
13. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में तीव्र, उपचुनाव और पुरानी एन्सेफलाइटिस / एन्सेफेलोपैथी के साथ उपस्थित शिशुओं, बच्चों और किशोरों की ईटीओलॉजिकल प्रोफाइल, एम्स जीआईए (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा समर्थित) और आईआईएफसीएल द्वारा वित्त पोषित प्रोफेसर शेफाली गुलाटी (इसके हिस्से के रूप में) सीएसआर),5साल, 2018–चालू, सीओई का हिस्सा (11.3 करोड़ रुपये)
14. ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर और सेरेब्रल पाल्सी के साथ 2 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों और किशोरों में पुनर्वास के लिए कपड़ा आधारित और प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों को विकसित करने के लिए, एम्स जीआईए (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा समर्थित) और आईआईएफसीएल द्वारा वित्त पोषित प्रोफेसर शेफाली गुलाटी (भाग के रूप में इसके सीएसआर का),5साल, 2018–चालू, सीओई का हिस्सा (11.3 करोड़ रुपये)
15. कॉम्पैसः दक्षिण एशिया परीक्षण (मैनचेस्टर और संगथ विश्वविद्यालय) में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के लिए संचार–केंद्रित माता–पिता–मध्यस्थ उपचार, प्रोफेसर शेफीली गुलाटी, एमआरसी, यूके, 4 साल, 2018–चल रहे
16. कम संसाधन सेटिंग्स में विकासशील न्यूरोसाइचिकटिक विकारों की स्क्रीनिंग के लिए एक स्केलेबल मोबाइल प्लेटफॉर्म का विकास और सत्यापनः ऑटिज़्म जोखिम के लिए स्टार्ट–स्क्रीनिंग टूल्स टेक्नोलॉजी (एमआरसी फाउंडेशन अवॉर्ड स्कीम, यूके), प्रोफेसर शेफाली गुलाटी, एमआरसी, यूके, 3 साल , 2017–19, जीबीपी, 10.9 लाख रुपये

ओन्कोलॉजी (6)

1. कीमो से इलाज (सी से सी) कैंसर से बचने के अध्ययन, राचना सेठ, जीव दया फाउंडेशन, 7 साल, 2011–19, 120 लाख रुपये
2. बचपन में आणविक परिवर्तन तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (सभी): साइटोकिन रिसेप्टर की तरह फैक्टर –2 (सीआरएलएफ 2) पुनर्गठन और जनस किनेज (जेएसी) उत्परिवर्तन, रचना सेठ, आईसीएमआर, 3 साल, 2015–18, 2 9 लाख रुपये
3. जैविक मार्करों की एकीकृत आण्विक जीवविज्ञानः भारतीय बचपन बी वंश में जीन की प्रति संख्या परिवर्तन की भूमिका तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया, निवेदिता, रचना सेठ, यूजीसी महिलाएं वैज्ञानिक फैलोशिप,5साल, 2018–22, 40 लाख रुपये
4. भारतीय बाल चिकित्सा आबादी में बी कोशिका तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बीएएलएल) के रोगजन्य में आईकेजेडएफ जीन जीन और विभिन्न। प्ज्ञ।त्ै की भूमिका निर्धारित करने के लिए, काकाली पुकारायस्थ, रचना सेठ, डीबीटी बायोकेयर अनुदान के तहत, 3 साल, 2018–20, रुपये 60 लाख
5. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले नए निदान रोगियों के लिए एक सहयोगी, बहुआयामी, राष्ट्रीय अध्ययनः आईसीआईसीएल, रचना सेठ, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड और आईसीएमआर,5साल, 2017–22, 30 लाख रुपये बाल चिकित्सा और आईआरसीएच के लिए संयुक्त रूप से प्राप्त फंड (डॉ समीर बखशी)
6. रिटक्सिमाब (एंटी सीडी 20 एंटीबॉडी) की प्रभावकारिता का आकलन मानक कीमोथेरेपी बनाम मानक कीमोथेरेपी बनाम सीडी में केमोथेरेपी के प्रेरण चरण के बाद कम न्यूनतम अवशिष्ट बीमारी प्राप्त करने के लिए अकेले मानक लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के साथ 20 सकारात्मक बच्चोंः एक पायलट अध्ययन, आदित्य कुमार गुप्ता, एम्स इंट्रामरल, 3 साल, 2017–18, 3.5 लाख रुपये

पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार (8)

1. तीव्र श्वसन संक्रमण उपचार इकाइयों (एटीयू) विकसित करने और भारत में निमोनिया से संबंधित विकृति और मृत्यु दर में स्वास्थ्य देखभाल और अनुसंधान में सुधार करने के लिए उनकी उपयोगिता का आकलन, एसके काबरा, इंकलेन (बिल गेट्स मालिंडा फाउंडेशन), 1 9 6 लाख रुपये
2. दिल्ली में तीव्र श्वसन लक्षणों पर बाहरी वायु प्रदूषण का प्रभावः एक बहुआयामी अध्ययन। तकनीकी समन्वयक साइट, एसके काबरा, आईसीएमआर, 1 साल, 2017–18, 56.21 लाख रुपये
3. नैदानिक और बिग डेटा, राकेश लोढा, वेलकम ट्रस्ट–डीबीटी, 6 साल, 2015–21, 1 9 6.54 लाख रुपये के एकीकरण के माध्यम से बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाइयों में सेप्सिस का प्रारंभिक पता लगाना
4. तीव्र फेब्रियल बीमारी (एमपीओसीटी), राकेश लोढा, टीएसटीआई, 1 साल, 2017–18, 15.5 9 लाख रुपये के लिए मल्टीप्लेक्स पॉइंट–ऑफ–केयर टेस्ट
5. बच्चों में दूसरी लाइन एंटी–ट्यूबरक्युलर दवाओं के फार्माकोकेनेटिक्स का अध्ययन करने के लिए, राकेश लोढा, डीएचआर, 2 साल, 2017–19, 24.58 लाख रुपये
6. विटामिन डी की कमी वाले अस्थमात्मक बच्चों में विटामिन डी की पूरकता की सुरक्षा और सुरक्षाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ईएसडीएसी परीक्षण), काना राम जाट, आईसीएमआर, 2 साल, 2017–19, 34.88 लाख रुपये
7. सेप्टिक सदमे, झुमा शंकर, डीएसटी, 3 साल, 2017–19, 71 लाख रुपये में शुरुआती तरल पदार्थ पुनर्वसन में सामान्य लवण बनाम संतुलित समाधान
8. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में बिस्तर के घावों के लिए हनी बनाम मानक उपचार, झुमा शंकर, बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर रिसर्च अनुदान–हार्ड अनुदान, 1 वर्ष, 2017–18, 6.5 लाख रुपये

रुमेटोलॉजी (1)

1. जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस वाले बच्चों में मेथोट्रेक्सेट की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणीः बायोमार्कर, एनके बागड़ी, एम्स इंट्रामुरल की भूमिका, 2 साल, 2016–चलन में, प्रतिवर्ष 4 लाख रु.

पूर्ण

आनुवंशिकी (1)

1. नवजात शिशु और जन्म दोष के लिए सीयर नेट–एनबीबीडी डेटाबेस की गुणवत्ता आश्वासन, मधुलिका काबरा, नीरजा गुप्ता, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2016–17, 12 लाख रु.

नियोनेटोलॉजी (1)

1. हरियाणा, भारत में दो जिलों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव और नवजात देखभाल की गुणवत्ता में सुधार, रमेश अग्रवाल, डब्ल्यूएचओ, जिनेवा, 2 साल, 2014–16, यूएसडी 25000

न्यूरोलॉजी (1)

1. 2–15 वर्ष की आयु में स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी वाले बच्चों में वेलप्रोएट और लेवोकार्निटाइन के रैंडमाइज्ड प्लेसिबो नियंत्रित, प्रोफेसर शेफाली गुलाटी, एम्स इंट्रामुरल, 3 वर्ष, 2012–18, 10 लाख रु.

ऑन्कोलॉजी (1)

1. भारतीय एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के रोगियों, निवेदिता पाठक, रचना सेठ, आईसीएमआर, 3 साल, 2013–16, रु. 18.04 लाख में रिलेप्स जोखिम की भविष्यवाणी के लिए आणविक लक्षण वर्णन

पल्मोनोलॉजी, गहन उपचार, तपेदिक (4)

1. जीएएन ग्लोबल निगरानीः प्रसार, गंभीरता, प्रबंधन और जोखिम कारक, एसके काबरा, अस्थमा भवन, जयपुर, 6 महीने, 2017–18, 7.5 लाख रुपये
2. एक एकीकृत–ओमिक्स दृष्टिकोण, राकेश लोढा, आईजीआईबी, 8 साल, 200 9–17, 2.1 करोड़ रुपये का उपयोग करके अस्थमा में बायोमार्कर की खोज

3. खराब नियंत्रित अस्थमा वाले बच्चों में एलर्जिक ब्रोंकोप्लोमोनरी एस्परगिलोसिस का प्रसार और सर्फैक्टेंट प्रोटीन ए 2, मानन–बाइंडिंग लेक्टिन, टोल–जैसे रिसेप्टर 9 और सिस्टिक फाइब्रोसिस ट्रांसमेम्ब्रेन आचरण नियामक जीन, काना राम जाट, एम्स इंट्रैमरल, 2 साल के पॉलिमॉर्फिज्म के साथ संबंध, 2016–18, 5.5 लाख रुपये
4. सेप्टिक सदमे, झुमा शंकर, एम्स इंट्रैमरल, 2 साल, 2015–17, 8 लाख रुपये के बच्चों में निरंतर एससीवीओ 2 निगरानी

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. वायु विस्थापन प्लेथिस्मोग्राफी द्वारा जन्म के समय स्वस्थ शब्द नवजात की शारीरिक संरचना
2. टाइप 1 मधुमेह मेलिटस के साथ बच्चों और किशोरावस्था में विटामिन डी पूरक और ग्लाइसेमिक स्थितिः एक डबल अंधा यादृच्छिक संभावित अध्ययन
3. भारत में बच्चों में सूजन आंत्र रोग की नैदानिक और प्रयोगशाला प्रोफ़ाइलः एक बहुआयामी अध्ययन
4. बायोमेकर के रूप में ऑस्टियोपोंटिन का मूल्यांकन और गौचर रोग के साथ एंजाइम बेवकूफ बच्चों में फेनोटाइपिक गंभीरता स्कोर के साथ इसके संबंध
5. गौचर रोग के साथ भारतीय मरीजों में न्यूरोलॉजिकल मैनिफेस्टेशंस का स्पेक्ट्रम – एक संभावित अध्ययन
6. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में गैर मादक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) का प्रसार
7. प्रीटरम नियोनेट्स में जीवन के पहले सप्ताह में संभावित सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्ता सुधार पहल ढ32 सप्ताह गर्भावस्थाः ब्रोंकोप्लोमोनरी डिस्प्लेसिया की रोकथाम पर ध्यान दें
8. प्रसवोत्तर उम्र 24–72 घंटों में स्वस्थ अवधि नवजात की मूत्र संबंधी मेटाबोल्मिक प्रोफ़ाइल
9. प्रीटरम फॉर्मूला बनाम मानव दूध किलेदार के साथ ईबीएम का फोर्टिफिकेशन (28–34 सप्ताह) वीएलबीडब्ल्यू नियोनेट्सः एक यादृच्छिक गैर न्यूनता परीक्षण
10. जोखिम वाले नियोनेट्स के बीच हाइपोग्लाइसेमिया का पता लगाने में दो बिंदु–देखभाल–देखभाल ग्लूकोज मीटर के प्रदर्शन की तुलना
11. एम्स–बर्डन, कारणों, जोखिम कारकों और लागत–देखभाल के लिए ≤32 सप्ताह गर्भधारण या ≤1500 ग्राम वजन के नवजात शिशुओं में अस्पताल के जन्म के बाद पोस्ट–डिस्चार्ज मॉर्बिडिटीजः एक संभावित समूह अध्ययन।
12. प्रीपेरियलिटी (आरओपी) के रेटिनोपैथी के लिए लेजर उपचार के दौरान दर्द प्रबंधन के लिए फेंटनियल बनाम केटामाइन – एक हस्तक्षेप केस श्रृंखला अध्ययन
13. स्थिर प्रिटर्म नवजात में पिता और मां द्वारा कंगारू देखभाल के दौरान शारीरिक प्रतिक्रियाओं की तुलनाः एक गैर न्यूनता अध्ययन पर पार
14. प्रीट्रम की मैक्रोन्यूट्रिएंट संरचना (ढ32 सप्ताह) स्तन दूध – एक संभावित अवलोकन अध्ययन
15. जीवन के शुरुआती 48 घंटों के दौरान टर्म और प्रीटरम जोखिम वाले शिशुओं में हेमेटोक्रिट प्रोफाइल का अध्ययनः एक संभावित समूह अध्ययन
16. 32 सप्ताह के गर्भावस्था से कम या 1500 ग्राम से कम वजन वाले नवजात शिशुओं में ट्रांसक्रैनियल अल्ट्रासाउंड पर पेरिवेन्ट्रिकुलर ल्यूकोमालाशिया और / या इंट्रावेंट्रिकुलर हेमोरेज की घटनाएं और जोखिम कारकः एक संभावित समूह अध्ययन
17. एनआईसीयू में भर्ती नवजात शिशुओं में तीन अलग–अलग त्वचा एंटीसेप्टिक तैयारी की प्रभावशीलताः एक यादृच्छिक गैर न्यूनता परीक्षण
18. कॉर्ड रक्त और स्तन दूध आईजीएफ –1 का सहसंबंध गर्भावस्था में मधुमेह मेलिटस के साथ माताओं के लिए जन्मजात शिशुओं के बीच नवजात शिशु के साथ – एक संभावित समूह अध्ययन
19. नवजात शिशुओं में ऑरोट्रैकल ट्यूब लंबाई अनुमान के तीन अलग–अलग तरीकों की तुलनाः एक पोस्टमॉर्टम अध्ययन
20. हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम वाले रोगियों में एंटी–फैक्टर एच ऑटोटिबॉडी का कार्यात्मक लक्षण
21. जन्मजात नेफ्रोटिक सिंड्रोम का आनुवंशिक आधार और नैदानिक फेनोटाइप के साथ सहसंबंध
22. एंटी–पूरक कारक एच वाले रोगियों के दीर्घकालिक परिणाम एटिप्लिक हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम से जुड़े
23. नेफ्रोलिथियासिस वाले बच्चों में चयापचय असामान्यताओं का मूल्यांकन
24. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में कार्डियोवैस्कुलर परिणाम
25. स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में प्लाज्मा पीसीएसके 9
26. नेफ्रोटिक सिंड्रोम के साथ बच्चों टोल्वाप्टेन के एक्वैरिस प्रभाव की प्रभावकारिता का मूल्यांकन और एडिमा 4 फ्रुसेमाइड थेरेपी के लिए उत्तरदायी नहीं

27. नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में जटिल सहज बैक्टीरियल पेरिटोनिटिस के लिए मौखिक सेफिक्सिम पर 3 दिनों के अंतःशिरा सेफ्ट्रियाक्सओन के अवधारणा अध्ययन का सबूत
28. शिशुओं और बच्चों में सिस्टिक गुर्दे की बीमारीः नैदानिक स्पेक्ट्रम और अल्ट्रासाउंड निष्कर्ष
29. 4 महीने से 18 वर्ष की आयु के मिर्गी वाले बच्चों के टेलीफोन आधारित अनुवर्तीः विशेष नैदानिक कार्यक्रमों की पहचान करने के लिए एक विशिष्ट नर्स और डीएम बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान निवासी के बीच सटीकता की तुलना, आमने–सामने मूल्यांकन की आवश्यकता होती है
30. आंशिक स्थिति मिर्गीप्टिकस के साथ 1 महीने से 14 वर्ष की आयु के बच्चों में अंत–आईटी स्कोर का सत्यापन
31. 31. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (डीएसएम –5 मानदंडों को पूरा करने) के साथ बच्चों के जीवन की स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता (3 से 12 वर्ष की उम्र)
32. 1 महीने से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में न्यूरोडिफामेंटल डिसऑर्डर में नैदानिक और उपचार अंतरः एक अवलोकन अध्ययन
33. एम्स संशोधित इंडट–एडीएचडी उपकरण के अनुसार लक्षण गंभीरता की तुलना कॉनर के माता–पिता के साथ 6–18 वर्ष के बच्चों और एडीएचडी के किशोरों में स्केल की गई
34. आईएलईई 2017 वर्गीकरण के अनुसार एम्स संशोधित आईएनडीटी ईपीआई उपकरण का उपयोग कर एक महीने से 18 वर्ष की उम्र के बच्चों के बीच मिर्गी वर्गीकृत करने में प्राथमिक देखभाल चिकित्सक और बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञानी के बीच अंतर–पर्यवेक्षक समझौता
35. गंभीर सेप्सिस वाले बच्चों में कार्यात्मक परिणाम – एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
36. सीरम 25 हाइड्रॉक्सी विटामिन डी की तुलना और 6–18 साल के एडीएचडी के बीच तत्वों का स्तर और आमतौर पर बच्चों और किशोरों के विकास और लक्षण गंभीरता और कॉमोरबिडिटीज के साथ उनके सहसंबंधः विश्लेषणात्मक पार अनुभागीय अध्ययन
37. 1–18 महीने की उम्र के बच्चों में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के शुरुआती संकेतों की पहचान करने के लिए एक उपकरण का विकास; एक अवलोकन अध्ययन
38. हेमिप्रैटिक सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों के लिए संशोधित संकेंद्रित प्रेरित मूवमेंट थेरेपी बनाम संशोधित कांस्ट्रिक्ट प्रेरित मूवमेंट थेरेपी के साथ वर्चुअल रियल थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना 5–18 वर्ष आयु वर्ग के – एक खुली लेबल वाली, यादृच्छिक नियंत्रित, समानांतर डिजाइन, श्रेष्ठता परीक्षण
39 दवा प्रतिरोधी मिर्गी के साथ बच्चों में दैनिक और आंतरायिक कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स थेरेपी की प्रभावकारिता के बीच तुलना 1–15 वर्ष की आयुः एक यादृच्छिक नियंत्रित गैर–हीनता परीक्षण
40 अंधे अस्थि मज्जा बायोप्सी (बीएमबी) की तुलना में 18 एफ एंड एफडीजीपीईटी/सीटी का उपयोग करते हुए बाल चिकित्सा हॉजकिन के लिंफोमा में अस्थि मज्जा भागीदारी (बीएमआई) का आकलन।
41 जीन परिवर्तन और साइटोकाइन रिसेप्टर जैसे फैक्टर 2 (सीआरएलएफ2) की अभिव्यक्ति प्रस्तुति में प्रागैतिहासिक मार्करों के साथ और तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) के साथ भारतीय बच्चों में प्रेरण रसायन चिकित्सा की प्रतिक्रिया।
42. कीमोथेरेपी पर बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी रोगियों में चूक नियुक्तियों और देरी अनुवर्ती कारणों
43. कार्डियो–ऑन्कोलॉजीः कार्डियोटोक्सिटी को रोकने में बायोमार्कर और स्ट्रेन इमेजिंग इकोकार्डियोग्राफी की भूमिका
44. आईक्यूजेडएफ –1, जेएके 1 और जेएके 2 म्यूटेशन और साइटोकाइन रिसेप्टर–लाइक फैक्टर 2 (सीआरएलएफ –2) अभिव्यक्ति का सहसंबंध एक्यूट लिम्फैलास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) वाले भारतीय बच्चों में नैदानिक परिणामों के पूर्वानुमान सूचक के रूप में है।
45. गंभीर रूप से बीमार हवादार बच्चों में बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडिटोमिडीन बनाम मिडाज़ोलम
46. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तीव्र जठरांत्र चोट की व्यापकता
47. गंभीर रूप से रूग्ण बच्चों का पीआईसीयू में उनके आरंभिक 7 दिनों में ठहरने के दौरान, मॉंसपेशीकी मोटाई और मॉंसपेशी की इकोजेनेसिटी में परिवर्तनः एक अवलोकनीय अध्ययन
48. बच्चों में एलर्जिक राइनिटिस के निदान में नैजल नाइट्रिक ऑक्साइड मापन की उपयोगिता
49. दमाग्रस्त बच्चों में निद्रा विकार श्वसन की प्रचुरता
50. बच्चों में तरल की प्रतिक्रियात्मकता के पूर्वानुमान के लिए यूएसजी निर्देशित सूचियों की उपयोगिता
51. सेप्टिक शॅक (एमडी) से ग्रसित बच्चों में कार्यात्मक परिणाम
52. असन्तोशजनक रूप से नियंत्रित दमे में एबीपीए की विपुलता
53. बिगड़े हुए दमे में एचएससीआरपी की भूमिका
54. वायु संचारित रोगी के फेफड़े की झिल्ली की मोटाई में यूएसजी
55. दमे से ग्रसित बच्चों में व्यायम से प्रेरित ब्रोन्कोकॉन्सट्रिकशन में इम्पल्स ऑसिलोमेट्री के कटऑफ स्तरों को निर्धारित करना

पूर्ण

1. बच्चों में इडियोपैथिक के आनुवांषिक आधार की खोज करनाः एसएचओएक्स, जीएचआर और आईजीएफएएलएस म्युटेषन्स की प्रचुरता
2. 21 हाइड्रॉक्सीलेस की कमी वाले जन्मजात एड्रिनल हाइपरप्लासिया से ग्रसित बच्चों का विकास और चिकित्सीय प्रोफाइल
3. स्कूल पूर्व बड़े बच्चों में शरीरिक गतिविधि और इसके निर्धारकों का मूल्यांकन
4. मिटोकॉन्ड्रियल विकार वाले भारतीय रोगियों में म्युटेषन पैटर्न और हिस्टोपैथोलॉजी, न्युरोइमेजिंग एवं बायोकेमिकल मेटाबोलाइट्स के साथ इसके सहसम्बन्ध का अध्ययन
5. हेपाटिक ग्लाइकोजिनोसेस टाइप 1 एवं 3 का आणविक एवं जैव–रसायनिक चरित्र–चित्रण
6. 3 माह से 5 वर्श की आयु तक डाऊन सिंड्रोम से ग्रसित भारतीय बच्चों में शरीरिक विकास एवं इसके निर्धारक
7. बच्चों में इडियोपैथिक के आनुवांषिक आधार की खोज करनाः एसएचओएक्स, जीएचआर और आईजीएफएएलएस म्युटेषन्स की प्रचुरता
8. ट्युबरस स्क्लैरोसिस से ग्रसित भारतीय रोगियों के टीएससी जीन में म्युटेषन का स्पेक्टम
9. गर्भस्थ शिशु के लिए लघु को परिभाशित करनाः एम्स/एनएनपीडी/लुबचेन्को/फेन्टन्स और अंतरविकास के 21 विकास चार्टों पर प्रतिकूल गर्भस्थ शिशुओं से सम्बन्धित परिणामों की तुलना
10. प्रसव पशचात माताओं के डिस्चार्ज किये जाने पर दुग्धपान की समस्याओं के घटनाओं को कम करने के लिए गुणवत्ता सुधार का अध्ययन
11. गर्भावस्था के दौरान मधुमेह से ग्रसित माताओं से समय पर जन्मे और विलंबित समय पूर्व जन्मे नवजातों का अल्पकालिक निष्कर्श
12. विलंबित समय पूर्व और समय से नवजातों में गर्भनाल दोहन की तुलना विलंबित नाल के उलझन के साथः एक अक्रमिक नियंत्रित अध्ययन
13. एक अक्रमिक नियंत्रित अध्ययनः स्टेरॉयड सेंसिटीव नेफ्रोटिक सिंड्रोम से ग्रसित बच्चों में रोग की पुनरावृत्ति के लिए लघु प्रेड्निसोलोन उपचार की प्रभावशालिता
14. नेफ्रोटिक सिंड्रोम से ग्रसित बच्चों में गंभीर किडनी क्षति की घटना और जोखिम के घटक
15. दिल्ली के बच्चों में गंभीर गैस्ट्रोएन्ट्राइटिस से जुड़े रोटावायरसों का आणविक चरित्र–चित्रण
16. बच्चों में ड्रग प्रतिरोधक एपिलेप्सी के साथ, कीटोजेनिक आहार, संषोधित ऐटकिन्स आहार और निम्न ग्लाइसेमिक इंडेक्स आहार की प्रभावषालिताः एक अक्रमिक हीनभावना–रहित परीक्षण
17. 1–10 वर्ष की आयु के ह्युमन इम्युनोडेफिषियंसी वायरस (एचआईवी) से संक्रमित बच्चों का न्युरोबिहेवियरल प्रोफाइलः एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
18. सेरिब्रल पैल्सी से ग्रसित बच्चों में बीएमडी पर संरचित भार वहनीय व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव
19. लिस्सेनसेफाली से ग्रसित बच्चों में क्लिनिको–रेडियोलॉजिक और ईईजी का सह–संबन्ध
20. भारतीय बच्चों में एपिलेप्टिकस इन स्लीप (ई–एसईएस) की स्थिति के साथ, एनसेफैलोपैथी का क्लीनिकल एवं इलेक्ट्रोएनसेफैलोग्राफिक स्पेक्ट्रम
21. मिडाजोलाम इंफ्यूजन रेसिस्टेंट रिफ्रैक्टरी स्टेटस एपिलेप्टिकस के लिए उच्च डोज वाला फेनोबार्बिटोन कोमाः एक अनुदर्षन सहयोग और प्रस्तावित नयाचार
22. अपघातिक मस्तिश्क क्षति से ग्रसित 6–16 वर्श तक की आयु के बच्चों में क्लीनिको–एपिडेमियोलॉजी प्रोफाइल और न्युरोकॉग्निटीव परिणाम
23. बाल्यावस्था कैंसर उत्तरजीवियों में न्युरोकॉग्निटीव परिणाम
24. मैलिग्नेसी से ग्रसित भारतीय बच्चों में कुपोशण की प्रचुरता
25. गंभीर रक्त–कैंसर (ल्युकोमिया) के नव–निदानित बच्चों में ट्युबरकुलोसिस संक्रमण की प्रचुरता
26. गंभीर रूप से अस्वस्थ एवं यांत्रिकीय संवातानित बच्चों में पॉलीन्युरोपैथी
27. गंभीर निर्जलीकरण और आघात से ग्रसित बच्चों में मृत्यु के लिए जोखिम के घटक
28. सेप्टिक आघात से ग्रसित बच्चों में एन्टीबायोटिक के प्रथम डोज की स्वीकृति और सेवन का घटने वाला समय
29. सेप्सिस के प्रेरित मायोकार्डियल षिथिलता के लिए जोखम घटक
30. सेप्टिक आघात के निदान में सेप्सिस–3 बनाम गोल्डस्टीन परिभाशा

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

जारी

1. आईसीएमआर यंग डायबेटिक रेजिस्ट्री (एंडोक्रायनोलॉजी और मेटाबोलिस्म)
2. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से ग्रसित भारतीय महिलाओं में प्रचुरता, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक विभिन्नता, कोमॉर्बिडिटीज एवं जोखिम घटक और थेराप्यूटिक रूपरेखाएँ: सम्पूर्ण भारत में एक बहु–केन्द्रनीत अध्ययन (एंडोक्रायनोलॉजी और मेटाबोलिस्म)

3. मातृसुलभ, नवजात और षिषु विज्ञान के लिए अंतर–संस्थागत कार्यक्रम (टीएचएसटीआई, फरीदाबाद)
4. बाल यौनाचारः एक बहुआयामी मापदण्ड और मनोवैज्ञानिक अपघात हस्तक्षेप का विकास (मनोविज्ञान)
5. टर्नर सिंड्रोम से ग्रसित रोगियों में चिकित्सीय विषेशताओं एवं जैव–रसायनिक प्रोफाइल पर एक्स क्रोमोसोम के पितृ स्रोत के प्रभाव का अध्ययन (एंडोक्रायनोलॉजी और मेटाबोलिस्म)
6. बच्चों में आईसीएमआर के सहयोग के साथ विकसित गैर–आक्रामक ग्लुकोस नियंत्रित करने वाले स्वदेशीउपकरण के प्रदर्षन का मानकीकरण (एंडोक्रायनोलॉजी और मेटाबोलिस्म)
7. बाह्य हेपाटिक पोर्टल वेन रूकावट वाले रोगियों में पोर्टल दवाब के साथ हेपाटिक आर्टरी रेसिस्टीव इंडेक्स और सीरम नाइट्रिक एसिड स्तरों का सह–संबन्ध (बाल श्ल्यचिकित्सा)
8. नवजात/षिषुओं में कोलेस्टैटिक यकृत रोगों के निदान, पूर्वानुमान और निरीक्षण में शीयर वेब इलास्टोग्राफी की भूमिका (रेडियोलॉजी)
9. इमेजिंग और दीर्घकालिक पीडियाट्रिक बड चियारी सिंड्रोम में हस्तक्षेप (रेडियोलॉजी)
10. कॉर्नियल ऐलोग्राफ्ट रिजेक्षन में एषियन भारतीयों में थ्रॉम्बोस्पॉन्डिन–1 पॉलीमॉर्फिस्मस का अध्ययन (आर.पी. सेन्टर)
11. सीवाईपी3एएस और एमडीआर–1 एकल न्युक्लियोटाइड पॉलीमॉर्फिस्म का पैटर्न और जीवित किडनी ऐलोग्राफ्ट रेसिपेन्ट में टैक्रोलिमस आधारित इम्युनोसप्रेषन के व्यक्तिकरण पर इसका प्रभाव (नेफ्रोलॉजी)
12. लीबर्स के हेरेडिटी आप्टिक न्युरोपैथी रोगियों में प्लेसेबो की तुलना में इबेडन की प्रभावषालिता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन – एक मागदर्षी अध्ययन (आर.पी. सेन्टर)
13. अस्पताल में भर्ती नवजातों में बैक्टीरियल सेप्सिस के रोग जीवविज्ञान और निदान को समझनाः एक बहु–केन्द्रनीत अध्ययन (टीएचएसटीआई, फरीदाबाद और एनसीबीएस, बैंगलूरू)
14. गैर–पेचीदा हीमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम पर अंतर्राश्ट्रीय अध्ययन (लैबोरेटॉयर्ड' इम्युनोलॉजी, हॉस्पिटल यूरोप'एन जार्जेस पॉम्पिदू' आईएनएसईआरएम यूएमआरएस 872, पेरिस, फ्रांस)
15. पीडियाट्रिक रीनल बायोलॉजी प्रोग्रामः नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर अनुसंधान (इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली; टीएचएसटीआई, फरीदाबाद, आर्मी रिसर्च और रेफरल अस्पताल, नई दिल्ली, सेन्ट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बैंगलुरू, क्रिस्टियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लुर)
16. हीमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम के नॉन–डायरियल और नॉन–ऑटोइम्युन स्वरूप वाले रोगियों में सम्पूर्ण एक्जोम का अनुक्रमण (इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली)
17. वेसिकोयूरेथ्रल रिफ्लक्स से ग्रसित भारतीय बच्चों में आनुवांषिक अंतरों का मार्गदर्शी अध्ययन (इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली)
18. बच्चों में एन्टी–कंप्लीमेंट फैक्टर एच (एफएच) से संबद्ध हीमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम (एचयूएस): रोग प्रतिरक्षण और आनुवांषिक आधार और ऑटोएन्टीबॉडीज का कार्यात्मक चित्रण (इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली)
19. उन्नत पैतृक आयु और शुक्राणु एपिजीनोम पर अनुचित जीवनषैली का प्रभावः ऑटिस्म स्प्रेक्ट्रम अव्यवस्था में संभावित एटियोलॉजी (एनाटोमी)
20. ऑटिस्म स्प्रेक्ट्रम डिसआर्डरों के लिए उपचार के मार्ग (पब्लिक फाउंडेषन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली)
21. ऑटिस्टिक विशयों में वस्तु की अवधारणा के गैर–मौखिक बायोमार्करों को समझना और उनमें सुधार करना (आईआईटी, दिल्ली)
22. इन्फैन्टाईल ब्रैकिअल प्लेक्सोपैथी की इमेजिंग (रेडियोलॉजी)
23. ऑटिस्म स्प्रेक्ट्रम डिसऑर्डर में कॉर्टिकल स्रोत और कनेक्टीविटीः एक क्यूईईजी अध्ययन (फिजियोलॉजी)
24. डिफ्यूज इंट्रिनसिक पॉन्टाइन ग्लायोमा से ग्रसित रोगियों में समवर्ती और सहायक टेम्पजोलोमाइड के साथ अकेले पारम्परिक रेडियोथेरैपी की तुलना हाइपोफ्रैक्षनेटेड रेडियोथेरैपी करते हुए एक फेज 2 डबल आर्म रैंडोमाइज्ड परीक्षण (रेडियोलॉजी)
25. ड्रग प्रतिरोध एपिलेप्सी वाले किषोरों और वयस्कों में संषोधित ऐटकिन्स आहार की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनीयताः एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (न्यूरोलॉजी)
26. एपिलेप्सी का उपचार ले रहे 5–18 वर्शीय बच्चों में कार्डियक चैनेलोपैथीज की प्रचुरता का अध्ययन (कार्डियोलॉजी)
27. एफआरडीए रोगियों से पृथक किये गये पीबीएमसी का तुलनात्मक प्रोटियोमिक प्रोफाइलिंग और वह भी पृथक फ्राटैक्सिन अप–रेगुलेटिंग थेराप्युटिक्स की उपस्थिति में (जैव–रसायन)
28. 'मेरा सम्पूर्ण बालक; बाल स्वास्थय और विकास सहक्रियात्मक प्रणाली' का उपयोग, भारतीय बच्चों और 18 वर्ष आयु तक के किषोरों के पूर्णतावादी मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए एक वेब आधारित मंच; एक त्रि–स्तरीय केन्द्रनीत मार्गदर्षी अध्ययन (चाडिस, यूएसए)
29. ऑटिज्म स्प्रेक्ट्रम डिसऑर्डर से ग्रसित बच्चों में भावनाओं की पहचान और सामाजिक व्यवहारः व्यवहार सम्बन्धी और फेनोटाइपिक जुड़ाव पर एक अध्ययन (आईआईटी, कानपुर)
30. हाइपॉक्सिक स्केमिक एन्सेफैलोपैथी के स्प्रेक्ट्रम में दृश्टिगत दोश का पैटर्न (आर.पी. सेंटर)

31. ऑटिस्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के निदान में डीएसएम 4 टीआर और डीएसएम 5 की संवेदनषीलता और विशिष्टता के मूल्यांकन के लिए एक बहु–केंद्रनीत, मुक्त वर्गीकृत परीक्षण (पूरे देश में 5 स्थान)
32. एम्स, नई दिल्ली में एक सूचना बुकलेट विकसित करने के दृष्टिकोण के साथ कीमोथेरैपी ले रहे बच्चों और उनकी देखभाल करने वालों में मुख सम्बन्धी स्वास्थय समस्याओं के बारे में प्रचुरता और जानकारी का आकलन करने के लिए एक अध्ययन (दंत शिक्षा और अनुसंधान केन्द्र, कॉलेज ऑफ नर्सिंग)
33. एम्स, नई दिल्ली में कीमोथेरैपी के दौरान, संक्रमण के रोकथाम के बारे में गंभीर ल्युकोमिया से ग्रसित बच्चों को देखभाल करने वालों की जानकारी पर शिक्षा आधारित विडियो के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन (कॉलेज ऑफ नर्सिंग)
34. बाल कैंसर रोगियों में दंत स्वास्थय विज्ञान की निगरानी (दंत शिक्षा और अनुसंधान केन्द्र)
35. आक्रामक फंफूद संक्रमणों के निदान के लिए वास्तविक समय का पीसीआर एस्से, सूक्ष्म–जीवविज्ञान
36. बचपन के विकट लिम्फोब्लास्टिक ल्युकोमिया का एनएमआर मेटाबोलोमिक्स और रोग की प्रगति के साथ इसका सहसंबन्ध (एनएमआर, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, लेबोरेट्री ऑन्कोलॉजी)
37. एएमएल के डी नोवो प्रकरणों में रोग की प्रगति के एक बायोमार्कर के रूप में डब्लुटी1 जीन की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावनापूर्ण अध्ययन (मेडिकल ऑन्कोलॉजी, लेबोरेट्री ऑन्कोलॉजी)
38. एचआईवी–1 से संक्रमित भारतीय बच्चों में आनुवांशिक विभिन्नता और तटस्थीकरण एन्टीबॉडी प्रतिक्रिया का चरित्र–चित्रण (जैव–रसायन)
39. प्राचीन काल से संक्रमित भारतीय बाल रोगियों में एचआईवी–1 क्लेड सी एन्वेलप का मूल्यांकन (जैव–रसायन)
40. भारत में डेंग्यू वायरस संक्रमण (आईजीआईबी)
41. जीएएन वैष्विक निगरानी प्रचुरता गंभीरता प्रबंधन और जोखिम घटक (मेडिसिन)
42. दिल्ली में गंभीर श्वसन लक्षणों पर बाह्य वायु प्रदशण का प्रभाव (पल्मोनोलॉजी)
43. बाल यूवीटिस में मोतिया के श्ल्यक्रिया का प्रोग्नोस्टिक एवं सर्जिकल परिणाम (आर.पी. केन्द्र)
44. जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थ्राइटिस के प्रतिक्रिया आकलन में कन्ट्रास्ट एन्हांस्ड अल्ट्रासाउण्ड (सीईयूएस) और सम्पूर्ण शरीर के एमआरआई की उपयोगिता (रेडियोनिदान)

पूर्ण

1. गोनाडल डिसजेनेसिस और 46, एक्सवाई कैर्योटाइप वाले भारतीय रोगियों में आनुवांशिक परिवर्तन (एंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबोलिस्म)
2. सामान्य आर्टरियल ट्रंक और इसके चिकित्सीय जटिलताओं का मॉर्फोएनाटोमिक विवरण (पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी)
3. हरियाणा, भारत के दो जनपदों के प्राथमिक स्वास्थय केन्द्रों में षिषुजन्म और नवजात षिषु की देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना (पीडियाट्रिक्स, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, चंडीगढ़ और स्वाच, हरियाणा)
4. देखभाल करने वालों की जानकारी में सुधारने में मरोड़ के प्राथमिक चिकित्सा उपायों पर संरचित षिक्षण कार्यक्रम की प्रभावकारिता (कॉलेज ऑफ नर्सिंग)
5. भारत में बचपन के हठीले मिरगी के रोगियों में शीघ्र बनाम विलंब से श्ल्यक्रिया का एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (न्यूरोलॉजी)
6. मिरगी से ग्रसित बच्चों में जीवन की स्वास्थय सम्बन्धी गुणवत्ता; बाल एवं पितृ अवधारणा, ज्ञान और रूख (कॉलेज ऑफ नर्सिंग)
7. डीएसएम–5 द्वारा ऑटिस्म निदानित 6–9 वर्ष आयु के बच्चों की अतिसक्रियता पर वेटेड कॉप्रेषन वेस्ट का प्रभाव (आईआईटी, दिल्ली)
8. प्रोबायोटिक इंटरवेषन के लिए ऑटिस्टिक बनाम सामान्य बच्चों में आँतों के सर्वाधिक माइक्रोफ्लोरा और उनके मेटाबोलाइटों का तुलनात्मक विष्लेशण (डेयरी माइक्रोबायोलॉजी, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल)
9. इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों में एस्परगिलोसिसः एपिडेमियोलॉजी और ड्रग प्रतिरोध (माइक्रोबायोलॉजी)

प्रकाशन

जर्नलः 125 सारांशः 21 पुस्तकों में अध्यायः 76 पुस्तकें: 11

रोगी उपचार

बाल विभाग बालचिकित्सा के ओपीडी में नित्य सामान्य ओपीडी सेवाएँ उपलब्ध कराता है। इस वर्ष एक लाख से ऊपर बाह्य रोगियों को परामर्ष प्रदान किये गये। विभाग द्वारा 15 अतिविशेज्ञता क्लीनिकों को चलाया जा रहा है।

सेवा का नाम	नये मामले	पुराने मामले	कुल उपस्थिति
पीडियाट्रिक साधारण ओपीडी	35,669	77,201	1,12,870

पीडियाट्रिक न्युरोलॉजी क्लीनिक	1,519	4,112	5,631
पीडियाट्रिक न्युरो–मसक्युलर रोग	345	1,450	1,795
पीडियाट्रिक गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी, हेपाटोलॉजी और पुश्टाहार (पीजीसी)	424	2190	2614
पीडियाट्रिक वेल बेबी क्लीनिक	604	8	612
पीडियाट्रिक उच्च जोखिम नियोनटोलॉजी क्लीनिक (एचआरसी)	373	1,584	1,957
पीडियाट्रिक रीनल नेफ्रोलॉजी क्लीनिक (आरएमसी)	368	2,955	3,323
पीडियाट्रिक चेस्ट क्लीनिक (पीजीसी)	488	6,681	7,169
पीडियाट्रिक ट्यूबरकुलोसिस क्लीनिक	245	1,443	1,688
पीडियाट्रिक रूमोमैटोलॉजी क्लीनिक (पीआरसी)	236	1,425	1,661
पीडियाट्रिक जेनेटिक एंड जन्मदोश क्लीनिक	2,623	1,015	3,638
पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी क्लीनिक	280	2,025	2,305
पीडियाट्रिक कैंसर सर्वाइवर्स क्लीनिक	163	1,165	1,320
पीडियाट्रिक एंडोक्राइन एंड मेटाबोलिस्म क्लीनिक (पीईसी)	217	1,209	1,426
बाल विकास क्लीनिक (सीडीसी)	906	2,399	3,090
न्यूरोसिस्टीसर्कोसिस क्लीनिक (एनसीसी)	139	1,122	1,261
ऑटिज्म क्लीनिक	443	1,146	1,589
बाल मनोविज्ञान ओपीडी	81	58	139
कुल योग	**54,167**	**1,20,257**	**1,74,424**

इसके अतिरिक्त, सिस्टिक फाइब्रोसिस और पीडियाट्रिक एचआईवी सेवाओं को पीडियाट्रिक चेस्ट क्लीनिक में उपलब्ध कराया गया। कंगारू मातृ देखभाल इकाई को सामान्य एवं जोखिम वाले नवजातों के फॉलो–अप सेवाओं के साथ चलाया जाता है। फिजियोथेरापी सेवाओं को न्यूरोलॉजी क्लीनिक, मायोपैथी क्लीनिक, जेनेटिक क्लीनिकों, उच्च जोखिम, एंडो विकास क्लीनिक, पीडियाट्रिक चेस्ट क्लीनिक, रूमाटोलॉजी क्लीनिक और ओपीडी सेवाओं में रोगियों को उपलब्ध कराया जाता है।

वर्ष 2017–2018 के दौरान, कुल 2521 फिजियोथेरैपी सत्र उपलब्ध कराये गये।

आन्तरिक सेवाएँ

- आन्तरिक सेवाओं में सम्मिलित है, जनरल वार्डों में भर्ती की सुविधाएँ, नवजात इकाईयाँ (एनआईसीयू ए और बी), कंगारू मातृ देखभाल इकाई और बाल गहन चिकित्सा सुविधा।
- विभाग ने जीवन सहायक उपकरणों और अन्य विशेष आवष्यकताओं के साथ, बाल रोगियों को सुविधा प्रदान करने के लिए बच्चों के वार्ड में 8 बिस्तरों का एक उच्च निर्भरता इकाई का संचालन आरम्भ कर दिया है।
- छोटी प्रक्रियाओं या हस्तक्षेपों की आवष्यकता वाले बच्चों को सी5 वार्ड में स्थित डे केयर इकाई में एक दिन के लिए भर्ती किया जाता है।

कुल आंतरिक भर्ती

बच्चा वार्डों में लंबी अवधि की भर्तियाँः 4,098
डे केयर सुविधा में भर्तीः 7,222
पीआईसीयूः 251
एनआईसीयू ए + बीः 717 + 757 = 1,474

विशिष्ट प्रकार के जांच

एंडोक्रायनोलॉजी

मानव विकास हॉर्मोन	838	सीरम	348		
कॉर्टिसोल	348	सीरम इन्सुलिन	177	विटामिन डी	189
एटीपीओ	50	थायरॉड फंक्शन परीक्षण	242		

आनुवांशिकी

साइटोजेनेसिस प्रयोगशाला

पेरिफेरल ब्लड और कॉर्ड ब्लड कल्चर्स	189	एमनियोटिक फ्लूड कल्चर्स	126
कोरियोनिक विलि कल्चर्स	7	क्यूएफ–पीसीआर	406

आणविक आनुवांशिकी प्रयोगशाला
नियमित परीक्षण

रोग	परीक्षणों की संख्या	प्रसवपूर्व निदान
बीटा थैलासेमिया (β थैल) म्यूटेषन विष्लेशण	93 परिवार	71 परिवार
स्पाइनल मसक्यूलर ऐट्रोफी (एसएमए)	150 केस	16 परिवार
डुषेन मसक्यूलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) म्यूटेषन विश्लेषण	443 परिवार	15 परिवार
हीमोफिलिया ए लिंकेज विष्लेशण	17 परिवार	9 परिवार
फ्रैजाइल एक्स स्क्रीनिंग	330 परिवार	0
सिस्टिक फाइब्रोसिस आणविक विश्लेषण	99 केस	3 परिवार
अकॉन्ड्रोप्लासिया म्यूटेषन विश्लेषण	13 केस	1 परिवार
नॉन–सिंड्रोमिक हेयरिंग लॉस (कॉनेक्सिन 26) स्क्रीनिंग	26 केस	0
सेक्स क्रोमैटिन से सम्बन्धित अनियमितता	32 केस	

अनुसंधान के आधार पर किय गये परीक्षण

1. 3 प्रकरणों में मेगालोसेफालिक ल्युकोएनसेफैलोपैथी (एमएलसी) म्युटेषन के विष्लेशण किये गये
2. 35 प्रकरणों में मिटोकॉन्ड्रियल म्युटेशन के विष्लेशण किये गये
3. 1 परिवार में ट्युबरस स्क्लैरोसिस (टीएससी) म्युटेशन का विष्लेशण किया गया
4. 2 परिवारों टीएससी के लिए प्रसवपूर्व निदान प्रस्तावित किये गये
5. 20 प्रकरणों में एमपीएस 1, 2 एवं 3 म्युटेशन के विश्लेषण किये गये
6. 64 प्रकरणों में जीएसडी टाइप 1 और 3 म्युटेशन के विश्लेषण किये गये
7. किसी को भी जीएसडीआई के लिए प्रसवपूर्व निदान का प्रस्ताव नहीं दिया गया

जैवरसायन आनुवांशिकी प्रयोगशाला

क्रम सं.	एन्जाइम की परख	विकार	रोगी की सं.
1.	ऐरिलसल्फेट ए	मेट मेटाक्रोमैटिक–ल्युकोडिस्ट्रॉफी	48
2.	β–ग्लुकोसिडेसज	ळंनबीमत क्पेमेंम	73
3.	एमपीएस–2	हन्टर	18
4.	ग्लैक्टोज–6–सल्फेट सल्फाटेज	मॉकिओ ए (एमपीएस–4 ए)	21
5.	गैंलियोसिडोसिस	जीएम1 गैंलियोसिडोसिस ऑर्कियो बी (एमपीएस–4 बी)	26 ंदक 21
6.	ऐरिलसल्फाटेज–बी	एमपीएस–4	4
7.	बायोटिनिडेज	बायोटिनिडेस की कमी	112
8.	गाल्ट	गैलेक्टझेसेमिया	59
9.	हेक्सोसामिनिडेज ए	टय–सैक्स	19
10.	प्लास्मा हेक्स–ए	म्युकोलिपिडोसिस	15
11.	प्लास्मा–एएसए	म्युकोलिपिडोसिस	15
12.	चिटोट्रायोसिडेज (प्लास्मा)	एलएसडी	91
13.	सीसीएल18	गौशर रोग	4
14.	β–गैलैक्टोसेरिब्रोसिडेज (क्रैब्बेस)	क्रैब्बेस	31
15.	पाल्मिलोइल–प्रोटीन–थियोएस्टिरेज (आईएनसीएल)	आईएनसीएल	43
16.	स्फिन्गो माइलिनेज	नीमेन पिक रोग	56
17.	α–ग्लुकोसिडेज	पॉम्पे	22
18.	α–गैलैक्टोसिडेज	फैब्री	02
19.	α–फ्युकोसिडेज	फ्युकोसिडोसिस	
20.	α–एन–एसिटिलग्लुकोसामिनिडेज	सैनफिलिपो बी (एमपीएस 3 बी)	07
21.	एसिटिल–सीओएः α–ग्लुकोसामिनिडेस एन–एसिटिलट्रांसफरेज	सैनफिलिपो बी (एमपीएस 3 सी)	07
22.	एन–एसिटीलग्लूकोजामाइन–6–सल्फेट सल्फेटेज	सैनफिलिपो बी (एमपीएस 3 डी)	01
23.	एमपीएस 1	हर्लर	17
24.	एन्जाइम एस्से के लिए सीवीएस	एलएसडी'स (एनआईएच सहित)	38

गैस्ट्रोएन्टरोलॉजी

नैदानिक गैस्ट्रोस्कोपी	1,170	बाह्य पदार्थ निश्कासन	20
एंडोस्कोपिक वैरिसील लिगेशन और स्क्लैरोथैरेपी	500	एंडोस्कोपिक हीमोक्लिप ऐप्लिकेशन	12
कोलोनोस्कोपी (नैदानिक और थेराप्यूटिक)	150	लीवर बायोप्सी	60
परकुटैनिअस एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टोमी ट्यूब	5	एंडोस्कोपिक ग्लू इंजेक्शन	12

नेफ्रोलॉजी

विशेष परीक्षण और प्रक्रियाएँ

एक्युट पेरिटोनियल डायलिसिस (ऑटोमेटेड पेरिटोनियल डायलिसिस)	96	बच्चों में किडनी प्रत्यारोपण	10
निरन्तर ऐम्बुलेटरी पेरिटोनियल डायलिसिस	22	हीमोडायलिसिस	1350
निरन्तर किडनी प्रतिस्थापन थेरैपी	17	प्लास्माफेरेसिस	476
अस्थायी हीमोडायलिसिस कैथेटर प्रतिस्थापन (आंतरिक जगुलार,, फीमोरल)	226	सरफेस सीडी46 एक्सप्रेषन	55

ऐम्बुलेटरी रक्तचाप का निरीक्षण	123	रीनल बायोप्सीज	183
फैक्टर एच का पूरक बनने के लिए एन्टीबॉडी के लिए एलिसा	534	इंफ्यूजन रितुक्जिमैब	672
पूरक 3 और पूरक 4 के लिए टर्बिडोमिट्री	116	इंफ्यूजन एल्बुमिन	756
सीएफएचआर1 को मिटाने के लिए पॉलीमरेज श्रृंखला की प्रतिक्रया	20	इंफ्यूजन साइक्लोफोस्फामाइड	264

नियोनैटोलॉजी

नियोनटल इकोकार्डियोग्राफी	129	थेराप्यूटिक हाइपोथरमिया	5
अन्ट्रासोनोग्राफी (न्युरोसोनोग्राम सहित)	489	आर्टेरियल ब्लड गैस विश्लेषण	15–20 नमूने / सप्ताह
विनिमय ट्रांसफ्यूजन्स	14		
पाएन्ट ऑफ केयर ग्लुकोस एस्टिमेषन			
प्रसवोत्तर वार्ड	10–12 / दिन	एनआईसीयू ए और बी	6–8 / दिन
पैक्ड सेल वॉल्यूम			
प्रसवोत्तर वार्ड	3–4 / दिन	एनआईसीयू ए और बी	2–3 / दिन
सीरम बिलिरूबिन	6–8 / दिन	ग्राम स्टेनिंग और स्लाइड परीक्षण	2–3 / दिन

न्यूरोलॉजी

प्रयोगशाला के परीक्षण / मूल्यांकन

परीक्षण	**संख्या**	**परीक्षण**	**संख्या**
विडियो ईईजी	3ए196	ऐम्बुलेटरी ईईजी	108
कुल	**3,304**		
स्नायु संचालन अध्ययन	276	इलेक्ट्रोमायोग्राफी	40
सिम्पैथेटिक स्किन रेस्पॉन्स (एसएसआर)	8	दोहराये जाने वाला स्नायु उत्प्रेरण अध्ययन	10
ऐम्बुलेटरी ईपीएस	12		
कुल	**346**		
पॉलीसोम्नोग्राफी	56	अक्षमता प्रमाणीकरणः रोगियों का मूल्यांकन किया गया	160
मनोवैज्ञानिक एवं विकासात्मक परीक्षण	3864		
एसक्यू के लिए वीएसएमएस	417	विकास प्रोफाइल 3	360
बचपन के व्यवहार की जाँच–सूची	800	वाइनलैंड सामाजिक परिपक्वता मापदण्ड	537
हाऊस ट्री पर्सन परीक्षण	296	बच्चों के लिए डब्लू बुद्धिमत्ता मापदण्ड	120
भारतीय बच्चों के लिए मॉलिन का बुद्धिमत्ता मापदण्ड	480	भारतीय शिशुओं के लिए विकासात्मक मापदण्ड	270

विशिष्ट झुकाव विकार के लिए कुल आकलन	55	सीखने की अयोग्यता के लिए निमहैन्स बैटरी	20
एएसडी के लिए डीएसएम वी	223	एडीएचडी के लिए डीएसएम वी	128
कॉन्नर का रेटिंग मापदण्ड	123	श्रेणी स्तर का आकलन उपकरण	35
कुल मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप	905		
शीघ्र उत्तेजना उपचार	360	व्यवहार सम्बन्धी हस्तक्षेप	280
संज्ञानात्मक व्यवहार सम्बन्धी उपचार	320	एचटीपी का प्रयोग करते हुए मनोवैज्ञानिक और व्यक्तित्व आकलन (कार्यात्मक)	298
नॉक्टरनल एन्युरेसिस के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श	36	टिक विकार के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श	19
वार्ड में रोगियों को परामर्श दिया गया	60	आपात विभाग में रोगियों को परामर्श दिया गया	30

प्रक्रियाएँ

परीक्षण	संख्या	परीक्षण	संख्या
माँसपेशी की बायोप्सी	125	नियोस्टिगमाइन चुनौती परीक्षण	5
स्नायु की बायोप्सी	24	फोर आर्म इस्कीमिया परीक्षण	6
चर्म की बायोप्सी	28	हाथ में पकड़े हुए डायनामोमेट्री	3
सीएसएफ प्रक्रियाएँ	54	आईसीपी कैथेटर स्थापन	3
रक्त में लैक्टेट	128		

ऑन्कोलॉजी

प्रक्रिया का नाम	मासिक	वार्षिक
अस्थिमज्जा एस्पायरेशन/बायोप्सी, मॉर्फोलॉजी, फ्लोसाइटोमेट्री, साइटोजेनेटिक्स	30.35	420
सीएसएफ/इन्ट्राथेकल कीमोथेरैपी	40.45	540
(बायोप्सी डे केयर)	17.20	240

पल्मोनोलॉजी

स्पायरोमेट्री	3,014	इम्पल्स ऑसिलोमेट्री	1,256
शिशु पीएफटी	1,260	बॉडी प्लैथिस्मोग्राफी	15
व्यायाम परीक्षण	156	24 घंटो का एसोफैजियल पीएच मॉनिटरिंग	89
ब्रोन्कोस्कोपी	321	ईबीयूएस	21
स्वेट परीक्षण	625	नैसल एनओ	264
फेनो	362	उच्च गति के विडियो माइक्रोस्कोपी	20

सीरम कुल आईजीई	303		
सीरम विशिष्ट आईजीई	265	सीरम विशिष्ट आईजीजी (ऐस्परगिलस)	55
एफईएनओ	7	सीरम विशिष्ट आईजीजी (लेन्टिल)	11

रयूमैटोलॉजी

इन्ट्रा–आर्टिकुलर स्टेरॉएड इंजेक्षन 140 सायनोवियल एवं स्किन बायोप्सी 8

एमएसएसओ की गतिविधियाँ

गतिविधियाँ	रोगियों की अनुमानित संख्या
रोगियों को दी गई सूचनाएँ और मार्गदर्शन	3,515
परामर्श और मनोवैज्ञानिक उपचार	1,900
रेलवे छूट जारी करना	1,100
आवास दिलाने में सहायता की	250
विभिन्न जाँचों के शुल्कों में छूट	2,700
निर्धन रोगियों के लिए वित्तीय सहायता का प्रबंधन	720
सामाजिक कार्य के प्रशिक्षुओं का निरीक्षण	1
निर्धन रोगियों की विविध आवश्यकताएँ, जैसे कि दाहसंस्कार,, मृतदेहों को उनके पैतृक स्थानों पर भेजने में सहायता करना आदि।	5

निर्धन रोगियों को वित्तीय सहायता

मुख्यमंत्री राहत कोश (सीएमआरएफ)	52,59,600	दिल्ली आरोग्य निधि (डीएएन)	24,48,000
अस्पताल निर्धन कोष (एचपीएफ)	1,66,400	भारतीय कैंसर सोसाइटी (आईसीएस)	2,00,000
प्रधानमंत्री राहत कोष (पीएमआरएफ)	9,50,000	राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन)	1,89,68,560

शरणार्थी के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायोग	1,20,000	अन्य स्रोत	2,65,600
कुल	2,83,78,160		

सामुदायिक सेवाएँ

ऑन्कोलॉजी

- बाल कैंसर कार्यक्रमों के लिए रोगी की शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। बचपन के कैंसरों पर सार्वजनिक व्याख्यान और प्रदर्शन का आयोजन किया
- अंतर्राष्ट्रीय बचपन कैंसर दिवस के अवसर पर लोकसभा टीवी, दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो के लिए पैनलिस्टों और वक्ता के रूप में भाग लिया
- कैंसर से ग्रसित बच्चे वाले परिवारों के लिए सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठन से वित्तीय सहायता का सरलीकरण

पल्मोनोलॉजी, गहन चिकित्सा, ट्यूबरकुलोसिस

- एम्स में 5 अप्रैल 2017 को सिस्टिक फाइब्रोसिस के अभिभावकों के लिए अभिभावक शिक्षा कार्यक्रम

नेफ्रोलॉजी

- नेफ्रोलॉजी और पीडियाट्रिक्स विभाग, एम्स और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, एम्स द्वारा संयुक्त रूप से 4–10 मार्च 2018 के दौरान, 'किडनी और महिलाओं का स्वास्थय' विशय के साथ विश्व किडनी दिवस मनाया गया। आचार्य अरविन्द बग्गा और पंकज हरि ने मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम और गतिविधियों में भाग लिया। इन गतिविधियों में सम्मिलित थी; पैनल चर्चा, सार्वजनिक व्याख्यान, नर्सिंग के विद्यार्थियों एवं काय–चिकित्सको के लिए सीएमई' एस, स्कूल के बच्चों और कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच जागरूकता का निर्माण करने के लिए संगोष्ठी, परा–स्नातक विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान और किडनी रोगों के बारे में जागरूकता निर्मित करने के लिए पोस्टरों का प्रदर्षन। बाल चिकित्सा के बाह्यरोगी क्लिनिक में डीएम के निवासियों द्वारा 8 मार्च 2018 को बच्चों के लिए रोगियों एवं अविभावकों की शिक्षा और वार्तालाप एवं कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

न्यूरोलॉजी

- बाल तंत्रिका विज्ञान विभाग माइक्रोसाइट "एम.पेडन्यूरोएम्स.ऑर्ग" को उन्नत किया गया है और न्यूरोमोटर क्षतियों, एपिलेप्सी ऑटिस्म और एडीएचडी पर अतिरिक्त शैक्षिक पदार्थों को चिकित्सकों और अभिभावकों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूलों एवं विडियोज के स्वरूप में अपलोड कर दिया गया है। इसे अभिभावकों और स्वास्थय सेवा पेषेवरों के लिए एक सहक्रियात्मक मंच में परिवर्तित कर दिया गया है। शैक्षिक उपशीर्ष को पॉवर पाएन्ट प्रदर्शनों के साथ अपडेट किया गया है और विकासात्मक एवं तंत्रिका विज्ञान सम्बन्धी परीक्षा पर विडियोज को समाविष्ट कर लिया गया है। अभिभावकों के लिए अलग से एक कोना सुरक्षित कर लिया गया है जहाँ पर अभिभावकों के लिए विभिन्न तंत्रिका विकास के विकारों से ग्रसित बच्चों को व्यवस्थित करने में देखभाल करने वालों की सहायता करने के लिए सूचना देने वाले साधन (अंग्रेजी/हिन्दी/द्विभाषी) उपलब्ध हैं। अभिभावकों के लिए सुरक्षित कोने में दौरे, शीघ्र उत्तेजना और हेमिप्लेजिया के लिए प्रतिबंध प्रेरित गतिविधि उपचार (सीआईएमटी) भी उपलब्ध हैं।
- विभिन्न तंत्रिका विकास सम्बन्धी विकारों के लिए द्विभाषी अभिभावक सूचना के साधनों को नवीनतम उन्नति और चालू साक्ष्य आधारित सूचना के साथ उन्नत किया गया है। ऑटिस्म पर नया अभिभावक सूचना हस्तपुस्तिकाः तथ्य – अभिभावकों के लिए एक प्रवेशिका, ऑटिस्मः एक सिंहावलोकन, ऑटिज्म – पृथक परन्तु कम नहीं (अभिभावकों और देखरेख करने वालों के लिए हस्तक्षेप)। सेरिब्रल पाल्सी, संषोधित प्रतिबंध प्रेरित गतिविधि उपचार और शीघ्र उत्तेजना को विकसित किया गया है। अभिभावक सूचना के सभी चीजों, मोनोग्राफ और शैक्षिक पुस्तकों को विश्व पुस्तक मेले में 6–14 जनवरी को प्रदर्शित किया गया था।
- निम्नलिखितः शीघ्र जाँच और सम्मिलित शिक्षा; कौशल विकास और स्वतंत्र रहन–सहन को सम्मिलित करते हुए "शीघ्र खोज से स्वायत्ता तक ऑटिज्म" पर सार्वजनिक स्वास्थय व्याख्यान का आयोजन जवाहरलाल सभागार, एम्स, नई दिल्ली में 26 अप्रैल 2017 को किया गया।

- नेहरू पार्क, नई दिल्ली में 13 अगस्त 2017 को अक्षम व्यक्तियों के लिए स्वतंत्रता दिवस सहित समारोहों को आयोजित किया गया। बाल तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स ने इस अवसर के दौरान, ऑटिस्म स्पेक्ट्रम विकार और अन्य अक्षमताओं वाले बच्चों के लिए अक्षमता प्रमाण–पत्र जारी करने के लिए समारोह स्थल पर एक शिविर का आयोजन किया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्त्वपूर्ण घटनाएं

एंडोक्रायनोलॉजी

आचार्य वन्दना जैन ने 15 अगस्त 2017 को आयोजित बाल स्वास्थय संस्थान, कोलकाता के वार्षिक सीएमई में प्रतिष्ठित डॉ. शिशिर कुमार बोस व्याख्यान प्रस्तुत किया। विषय था, "बच्चों में मेटाबोलिक सिंड्रोमः एक निःशब्द महामारी; बचपन के मोटापे पर एक विशेष गोष्ठी के लिए अतिथि संपादक, जिसे 2017 में इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा प्रकाशित किया गया; जन्मजात/नवजात मधुमेह पर वैश्विक सर्वसम्मति दिशानिर्देष; उत्तर अमेरिका के पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी सोसाइटी (पीईएस) के विकास के लिए इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक्स और किशोरवय एंडोक्राइनोलॉजी (आईएसपीएई) के प्रतिनिधि के रूप में मनोनीत।

आनुवांशिकी

आचार्य मधुलिका काबरा का चुनाव जनवरी 2018 से भारतीय चिकित्सा आनुवांषिकी अकादमी के अध्यक्ष के रूप में किया गया; उन्होंने वर्ष 2017 के लिए डॉ. आई.सी. वर्मा एसआईएएमजी उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया; दुर्लभ रोगों पर दिल्ली सरकारी तकनीकी समिति के एक सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया; उन्हें जीएनई मायोपैथी के बिना वैष्विक परामर्शदात्री समिति के एक सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया; स्टेम कोशिका अनुसंधान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर के लिए संस्थागत समिति के एक सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

डॉ. नीरजा गुप्ता का चुनाव जनवरी 2018 से भारतीय चिकित्सा आनुवांशिकी अकादमी की समिति के कोशाध्यक्ष के रूप में किया गया।

नियोनैटोलॉजी

आचार्य ए.के. देवरारी एम्स, नई दिल्ली में यूजी शिक्षण कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष थे; एम्स में 2018–19 तक कौशल प्रयोगशाला के अध्यक्ष थे; अगस्त 2015–18 तक एम्स, नई दिल्ली में गुणवत्ता सुधार/आश्वासन के दल के अगुवा थे; 2015–2019 तक परिपक्वता पूर्व के रैटिनोपैथी पर जीओआई कार्यबल के कार्यक्रम सह–निदेशक के रूप में कार्य किया; सदस्यः विशेषज्ञ परामर्शदात्री समूह और प्रत्येक नवजात कार्ययोजना, डब्लूएचओ मुख्यालय, यूनिसेफ मुख्यालय और लंदन स्कूल ऑफ ट्रापिकल मेडिसिन एंड हाइजीन, 2018–19; 1 जनवरी 2017 से जर्नल कमिटी ऑफ इंडियन पीडियाट्रिक्स के परामर्शदाता (प्रकाशन); सदस्य, नवजात तकनीकी परामर्शदात्री समूह, भारत सरकार, स्वास्थ्य मंत्रालय, 2015–18; सदस्य, गुणवत्ता, समानता, गरिमा (क्यूईडी) पर तकनीकी परामर्शदात्री समूह, डब्लूएचओ मुख्यालय; नवजात एवं बच्चों के लिए देखभाल मानकों की गुणवत्ता; सदस्य, ह्यूमन डोनर मिल्क बैंकिंग पर तकनीकी परामर्शदात्री समूह, पाथ, जेनेवा – सीटल का एक पहल, 2017–18।

आचार्य रमेश अग्रवाल डीसीजीआई के विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; सहायक संपादक, फीटल एवं नियोनटल मेडिसिन की गोष्ठी; विशेषज्ञ समिति के सदस्य, क्लिनिकल ट्रायल रेजिस्ट्री ऑफ इंडिया; रिसर्च स्टीयरिंग ग्रुप ऑफ नियोएएमआर ग्लोबल ऑव्सर्वेशनल स्टडी ऑफ डीएनडीआई/जीएआरडी–पी के सदस्य; एसेंशियल डायग्नौस्टिक लिस्ट (ईडीएल) डेवलपमेंट ग्रुप ऑफ इंडिया (आईसीएमआर एंड डब्लुएचओ); समय से पूर्व नवजातों में पूरक दुग्धपान के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देशों को विकसित करने के लिए तकनीकी समूह के सदस्य (आईसीएमआर)।

डॉ. एम. जीवा शंकर को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन इन मैटरनल और प्रीनटल हेल्थ के दिशानिर्देष समूह के एक सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया; बाल स्वास्थय पर अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थय एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहायता अनुदान योजना के अंतर्गत, 'प्रथम स्तर की जाँच समिति' के सदस्य; बीआईआरएसी, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्थित सेंटर कोर कमिटी फॉर द मैटरनल इंटीग्रेशन एंड ट्रांजिषनल प्लैटफॉर्म के सदस्य; 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीजेज, इंजुरीज एंड रिस्क फैक्टर्स स्टडी (जीबीडी)'–युनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्युएशन (आईएचएमई) के लिए विश्वभर में रोग के बोझ के महामारी के स्तरों एवं रूझानों को मापने के लिए सबसे बड़ा प्रयास, के वैष्विक एवं राष्ट्रीय सहयोगकर्ता; 'एसटीजी डेवलपमेंट मैनुअल' पर विशेषज्ञ परामर्ष समूह के सदस्य जो एमओएचएफडब्लु, भारत सरकार के लिए मानक उपचार दिशानिर्देशों के विकास को सरलीकृत करता है; 'एनएनएफ–क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलाइन्स 2017' के संपादकीय समूह के

सदस्य; नियोनटोलॉजिस्टों के दो समूहों को मिलाने और सक्रिय रूप से उनको मार्गदर्शन देने/सहयोग देने और दिषानिर्देशों के विकास में सहायता देने में सम्मिलित थे।

नेफ्रोलॉजी

आचार्य अरविन्द बग्गा एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के संपादक थे; संपादक, कॉकरेन किडनी और प्रत्यारोपण समूह; संपादक, पीडियाट्रिक रिसर्च; संपादकीय बोर्डः पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; वर्ल्ड जे पीडियाट्रिक्स; सदस्य, पीडियाट्रिक रिव्यु ग्रुप, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च; अध्यक्ष, एक्सपर्ट कमिटी ऑफ एमसीआई ऑन डीएम पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; 'ग्लोमेरूलर रोगों' पर किडनी डिजीज इम्प्रुविंग ग्लोबल आउटकम्स के विशेषज्ञ आमंत्रित; अनुसंधान परामर्शदात्री समितिः जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार; एम्स में अकादमी व्याख्यान, नेश्नल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंसेस के वार्षिक बैठक, 2017; अध्यक्षः ट्यूबुलर डिसऑर्डर्स, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी में 10वां वार्शिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 29 मार्च 2018, एम्स, नयी दिल्ली; व्याख्यान प्रस्तुत कियाः बच्चों में ग्लोमेरूलर रोगों के लिए उपचार, नेशनल अकादमी ऑफ मेडिकल साइंसेस के 57वें वार्शिक अधिवेषन, 28 अक्टूबर 2017, श्री गुरू रामदास इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एंड रिसर्च, अमृतसर, पंजाब; अध्यक्ष, ग्लोमेरूलर रोग, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी में 10वां वार्शिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 30 मार्च 2018, एम्स, नयी दिल्ली।

आचार्य पंकज हरि संपादकीय बोर्ड, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रॉमा एंड एमरजेंसी पीडियाट्रिक्स, जर्नल ऑफ प्रोग्रेस इन पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, इंटरनेश्नल जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी यूरोलॉजी के सदस्य थे; एक्सपर्ट कमिटी ऑफ एमसीआई ऑन डीएम पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के भी सदस्य थे।

डॉ. अदिति सिन्हा इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी की संयुक्त सचिव थी; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; नेफ्रोलॉजी के सेक्शन एडिटर, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक; पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के समीक्षक, इंडियन पीडियाट्रिक, इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक; जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के समीक्षक; रॉयल मैन्चेस्टर चिलड्रेन्स हॉस्पिटल, युनाइटेड किंग्डम में पीडियाट्रिक डायलिसिस में कॉमनवेल्थ मेडिकल फेलोशिप का पुरस्कार प्रदान किया गया।

न्युरोलॉजी

आचार्य शेफाली गुलाटी को अक्टूबर 2017 में एपिलेप्सी और न्यूरोडेपलपमेंटल डिसऑडर्स में शोध के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नयी दिल्ली द्वारा अमृत मोदी युनिकेम पुरस्कार–2015 प्रदान किया गया; '1 माह से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में एपिलेप्सी के लिए एम्स के संशोधित इनक्लेन नैदानिक उपकरण के मानकीकरण का विकास' के शीर्षक से चिकित्सीय अनुसंधान के लिए एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2017; आईएपी के बाल तंत्रिकाविज्ञान अध्याय के चयनित अधिशासी बोर्ड सदस्य; अध्यक्ष, अक्षमता आकलन और प्रमाणीकरण बोर्ड, बालचिकित्सा विभाग, एम्स; नेशनल ट्रस्ट के साथ सहयोग करके कार्य कर रही हैं, ऑटिस्म टूल्स में प्रशिक्षण मास्टर प्रशिक्षकों के लिए राष्ट्रीय कार्यशालाओं के समन्वयक (आईएनडीटी एएसडी और आईएसएए); नेशनल ट्रस्ट के सहयोग से 3 अप्रैल 2017 को ऑटिस्म पर राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया; इस राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान, नेशनल ट्रस्ट के साथ पूरे राष्ट्र में ऑटिस्टिक टैलेन्ट हन्ट आयोजित किया; योग्यता विकास और समावेशन के लिए कार्यवाही (एएडीआई) द्वारा ऑग्मेंटिव एंड अल्टर्नेटिव कम्युनिकेशन 2017 पाठ्यक्रम के लिए सह–आयोजक; 4 जर्नलों के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; विभिन्न (52) अंतराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय जर्नलों के लिए समीक्षक (बीएमजे ओपेन, वंषानुगत मेटाबोलिक रोग का जर्नल, अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स, जर्नल ऑफ चाइल्ड न्युरोलॉजी), एमडी, डीसीएच, डीएम एवं पीएचडी के विभिन्न थेसिस की परीक्षक एवं समीक्षक; 21 अंतराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय व्यवसायिक संकायों के सदस्य; प्रोटोकॉल पीटीसी 124–जीडी–041–डीएमडी (एक चरण 3, रैंडोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, निरर्थक म्युटेशन डूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से ग्रसित रोगियों में अटाल्युरेन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का अध्ययन और मुक्त स्तर का विस्तार) के परियोजना बैठक में साइट के मुख्य अन्वेषक के रूप में भाग लिया, बैकॉक, 14–16 दिसम्बर 2017; विभिन्न समितियों के विशेषज्ञ : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम; नेशनल ट्रस्टः ऑटिज्म; ऑटिज्म टूल्स में मास्टर प्रशिक्षकों का राष्ट्रीय समन्वयक; शीघ्र हस्तक्षेप; सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालयः ऑटिज्म सहित विकासात्मक विकारों पर प्रमाणीकरण पर उप–समिति के अध्यक्ष; विशिष्ट अयोग्यता के आकलन एवं प्रमाणीकरण के लिए दिशानिर्देशों का विकसित करने के लिए नेशनल एक्सपर्ट कमिटी के सदस्यः उच्च सहयोग की आवश्यकताओं वाली अयोग्यताएँ; अपात्रता वाले व्यक्तियों, एमसीआई में पीएच आरक्षण और संयुक्त चिकित्सा सेवाओं के लिए सरकारी नौकरी में पदों की पहचान; युनिसेफः अयोग्यता–ईसीडी कार्यबल वाले बच्चों पर वैश्विक साझेदारी; एनसीईआरटीः मुख्यधारा के स्कूल, ईसीसीई में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों का समावेशन; एनओसी एक्सपर्ट कमिटी ऑफ सीएआरए (सेन्ट्रल ऐडॉप्षन रिसोर्स ऑथोरिटी) के अध्यक्ष; कारा द्वारा अंगीकृत बच्चों के चिकित्सा परीक्षा प्रतिवेदन के नवीनीकरण के लिए विशेषज्ञ; आईसीएमआर कार्यबल सदस्यः आईईएम, एएफपी, कठिन परिस्थितियों में बच्चे; डीएम (पीडियाट्रिक न्युरोलॉजी करीक्युलम) का प्रारूप बनाने के लिए एमसीआई विशेषज्ञ

समूह की सदस्य, शिक्षक योग्यताएँ; चिकित्सा विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन करने के लिए यूजीसी विशेषज्ञ ; श्री चित्र तिरूनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी, त्रिवेन्द्रम के विभिन्न न्युरोडेवलपमेंटल विकारों के समावेषी देखभाल केन्द्र की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की सदस्य; केरल युनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, त्रिसूर की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की सदस्य; चिकित्सीय परीक्षणों में घटित होने वाली मृत्यु के गंभीर प्रतिकूल घटनाओं का परीक्षण करने वाली विशेषज्ञ; विभिन्न अस्पतालों एवं विश्वविद्यालयों के लिए शिक्षकों की भर्ती की विशेषज्ञ; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिशद के लिए न्युरोलॉजी परियोजनाओं, डीबीटी, डीएसटी, नेशनल ट्रस्ट, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ हेल्थ साइंसेस (डीजीएचएस) के विशेषज्ञ; बचपन के एपिलेप्सी के निदान एवं प्रबंधन के दिशानिर्देशों का विकसित एवं उन्नत करने के लिए विशेषज्ञ (आईएपी के राष्ट्रीय दिशानिर्देश, 2017); फॉस्फेनिटॉएन दिशानिर्देशों का विकसित करने के लिए भारतीय एपिलेप्सी समिति के नेश्नल एडवायजरी बोर्ड के सदस्य; 2000 से ए एफ पी निगरानी के नोडल अधिकारी; उपलब्ध स्वास्थ्य पर एम्स समितियों के सदस्य।

डॉ. विश्वरूप चक्रवर्ती ने बैंकॉक में 14–16 दिसम्बर 2017 के बीच प्रोटोकॉल पीटीसी 124–जीडी–041–डीएमडी (एक चरण 3, रैंडोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, निरर्थक म्युटेशन डूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से ग्रसित रोगियों में अटाल्युरेन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का अध्ययन और मुक्त स्तर का विस्तार) के लिए आयोजित परियोजना बैठक में एक सह–अन्वेषक के रूप में भाग लिया; बाल पुष्टाहार पर एम्स, नयी दिल्ली में 19 नवम्बर 2017 को आयोजित विभागीय संगोष्ठी के आयोजन दल के एक सदस्य थे।

ऑन्कोलॉजी

आचार्य रचना सेठ की पीएचडी विद्यार्थी; डॉ. मनीशा अग्रवाल को श्रीमती गीता मित्तल स्वर्ण पदक और ऑन्कोलॉजी में श्रेष्ठ चिकित्सीय अनुसंधान के लिए पुस्तक का पुरस्कार प्रदान किया गया; एम्स में अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण कार्यक्रम आरम्भ किया, पीडियाट्रिक्स के साथ ऑटोलोगस अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण; भारतीय पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी समूह, पीडियाट्रिक हीमाटोलॉजी ऑन्कोलॉजी चैप्टर, आईएपी के लेट एफेक्ट समूह पर उपसमिति के अध्यक्ष मनोनीत; बाल्यवस्था एवं वयस्क हीमाटोलिम्फॉएड मैलिग्नेंसीज एनसीडीआईआर–आईसीएमआर, बैंगलुरू पर पैटर्न ऑफ केयर एंड सर्वाइवल स्टडीज (पीओसीएसएस) के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ; एफसीपीएस भाग–2 के लिए बाह्य परीक्षक, बांग्लादेश, ढाका, 16–18 जनवरी 2018; कैंसर उत्तरजीविता और एनजीओ कैनकिड्स किड्सकैन के विलंबित प्रभावों पर परामर्शदात्री समिति के सदस्य; बाल्यवस्था कैंसर पर पैनल चर्चा पर लोकसभा टीवी द्वारा पैनलिस्ट के रूप मं आमंत्रित, 17 नवम्बर 2017; अंतर्राष्ट्रीय बाल्यावस्था कैंसर दिवस पर बाल्यावस्था कैंसर पर चर्चा के लिए ऑल इंडिया रेडियों द्वारा पैनलिस्टों के रूप में आमंत्रित।

पल्मोनालॉजी, गहन चिकित्सा, क्षयरोग

आचार्य राकेश लोढ़ा इंडियन पीडियाट्रिक्स, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के आधिकारिक जर्नल के सहायक संपादक थे; सेक्षन संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; सहायक संपादक, एनएमजेआई; सहायक संपादक, व्यवस्थित समीक्षा; राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन–नाको (भारत सरकार) के पीडियाट्रिक एचआईवी चिकित्सा पर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य; परियोजना परामर्शदात्री समूह, पीडियाट्रिक्स, आईसीएमआर के सदस्य; डीबीटी के डेंगू बोटानिकल ड्रग एडवायजरी ग्रुप के सदस्य; नेशनल बायोफार्मा मिशन के अंतर्गत टीके के लिए एसएजी के सदस्य; परामर्शदात्री समूह सदस्य, डेंगू बोटानिकल ड्रग एडवायजरी ग्रुप, 2 दिसम्बर 2017, नयी दिल्ली।

डॉ. के.आर. जाट यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी और अमेरिकन थोरासिक सोसाइटी के सदस्य थे; रेस्पिरेटरी चैप्टर ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी), इंडियन अकादमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी); रियूमैटोलॉजी चैप्टर, आईएपी; इंडियन रियूमैटोलॉजी एसोसिएशन (आईआरए); इंडियन इम्युनोलॉजी सोसाइटी (आईआईएस); पीडियाट्रिक एडवान्सड सपोर्ट (पीएएलएस) और बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) के अनुदेषक; दमा प्रशिक्षण मॉड्यूल (एटीएम), श्वसन प्रणाली संक्रमण–समूह शिक्षा मॉड्यूल (आरटीआई–जीईएम) और बाल क्षयरोग मॉड्यूल के प्रशिक्षक।

डॉ. झूमा शंकर एम्स में 11 मार्च 2018 को बेसिक लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम के दल और 'एम्स पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी एवं गहन चिकित्सा मॉड्यूल 2017' को गठित कर रही थी।

अतिथि वैज्ञानिकगण

एंडोक्रायनोलॉजी

1. **आचार्य राम के. मेनन,** निदेशक, पीडियाट्रिक एंडोक्रायनोलॉजी, युनिवर्सिटी आमूमिश्गिन मेडिकल स्कूल, ऐन आर्बर, एमआई, यूएसए ने 18 अगस्त 2017 को "पॉटपुर्री ऑफ इन्ट्रेस्टींग केसेस" शीर्षक से एक अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया
2. **आचार्य सुरेन्द्र वर्मा,** प्रोफेसर एमरिटस पीडियाट्रिक एंडोक्रायनोलॉजी, टेक्सास टेक युनिवर्सिटी फॉर हेल्थ साइंसेस, यूएसए ने 22 फरवरी 2018 को पीडियाट्रिक गोष्ठी कक्ष में "एथिकल इश्यूज इन पीडियाट्रिक एंडोक्रायनोलॉजी" पर एक वार्ता प्रस्तुत किया

जेनेटिक्स

1. **डॉ. माधुरी हेगड़े,** मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, ग्लोबल लेब्रोटरी सर्विसेस पीई; आनुवांशिकी एवं बालचिकित्सा के सहायक आचार्य, ईमोरी यूनिवर्सिटी एंड जार्जिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी
2. **डॉ. चित्रा प्रसाद,** आनुवांशिकी, चयापचय और बालचिकित्सा के आचार्य, लंदन, कनाडा

नेफ्रोलॉजी

डॉ. ऑर्थ हॉलर और डॉ. रीनहार्ड वुर्जनर, डिवीजन ऑफ हाइजीन एवं मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, हाइजीन, माइक्रोबायोलॉजी और सोशल मेडिसिन, युनिवर्सिटी ऑफ इन्सब्रुक, ऑस्ट्रिया ने 12 दिसम्बर 2017 को एम्स का दौरा किया था। उन्होंने 'कॉम्प्लीमेंट कास्केड इन पैथोजेनेसिस ऑफ अटिपिकल हीमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम' और 'थेरैपी ऑफ अटिपिकल हीमोलाइटिक यूरेमिक सिंड्रोम' प्रत्येक पर एक चर्चा की और इकाई के शिक्षकों, डीएम एवं एमडी रेसिडेंटों, शोध शिक्षार्थियों और डॉक्टोरल के विद्यार्थियों के साथ वार्तालाप किया।

ऑन्कोलॉजी

डॉ. स्मिता भाटिया ने "बाल्यावस्था के कैंसर उत्तरजीविताओं से सुने गये चिकित्सा के मूल्य के पाठ" पर एक अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया; एम्स, नयी दिल्ली में 26 फरवरी 2018 को बाल्यावस्था कैंसरों के देर से दिखने वाले प्रभावों पर मस्तिषक को झकझोरने वाली चर्चा में भाग लिया।

न्यूरोलॉजी

डॉ. मालिनी थम्बैया, एम्स के 1979 बैच के एक अल्युमिनी द्वारा 10 अगस्त 2017 को बालचिकित्सा गोष्ठी कक्ष, सी 5 वार्ड में "ऑटिज्म में जैव चिकित्सीय एवं पूरक उपचार" पर एक अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

9-28 cky 'kY; fpfdRlk

vkpk;l ,o v/;{k
डी.के. गुप्ता

vkpk;l

वीरेश्वर भटनागर	मीनू बाजपेयी
संदीप अग्रवाल	एम. श्रीनिवास

lg&vkpk;l
शिल्पा शर्मा

lgk;d vkpk;l

विशाल जैन	अंजन धुआ
प्रबुद्ध गोयल	देवेन्द्र यादव

डॉ. एम. श्रीनिवास तीन वर्षों से ई.एस.आई. अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर हैं।

fo'k"krk,

विभाग न केवल सामान्य पीडियाट्रिक सर्जरी अपितु इंटरसैक्स विकार थोरासिक सर्जरी, ओंकोलॉजी, गैस्ट्रोइन्टेस्टाइनल सर्जरी और 14 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों में न्यूरो सर्जरी सहित नियोनेटल सर्जरी, यूरोलॉजी के क्षेत्र में भी नवीनतम रोगी उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

विभाग के संकाय मोलेक्यूलर बायोलॉजी और स्टेम सेल अनुसंधान के क्षेत्र में जन्मजात विकृतियों और कैंसर से संबंधित विभिन्न अंतरंग और बहिरंग अनुसंधान परियोजनाओं में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। विभाग रोगी उपचार, अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण में सबसे आगे होने के कारण इस विभाग में आने तथा पीडियाट्रिक सर्जरी एवं इसकी उप–विशेषता में प्रशिक्षण लेने के लिए भारत और विदेशों से बड़ी संख्या में अनुरोध प्राप्त होते हैं।

विभाग के संकाय को उनकी शैक्षिक उत्कृष्टता और वैज्ञानिक योगदानों के लिए नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मान, पुरस्कार, प्रतिष्ठा और पदक प्राप्त होते हैं। इनमें से प्रोफेसर डी.के. गुप्ता का 134 देशों के प्रतिनिधित्व वाले वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स का तीन वर्षों (2014–2016) के लिए अध्यक्ष चुना जाना सर्वाधिक उल्लेखनीय है। यह एम्स, भारत तथा एशिया के लिए एक अद्वितीय और दुर्लभ सम्मान है।

विभाग एम्स में आगामी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केन्द्र में स्टाफ, जगह और संकाय के साथ विस्तर के साथ, गंभीर विकृतियों, विकसित कैंसर, ट्रॉमा और अन्य के साथ बच्चों के लिए सभी उप–विशिष्टताओं और उपचार के विकास की ओर अग्रसर है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकात्त्र, पैरामेडिकल शिक्षण

स्नातक पूर्व मेडिकल तथा नर्सिंग छात्रों को शिक्षण : बाल चिकित्सा सर्जरी से संबंधित विषयों पर स्नाातक छात्रों के लिए व्याख्यान और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं। स्नातकोत्त्तर शिक्षण और एम.सी.एच. बाल शल्य चिकित्सा प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण–जिसमें सेमिनार, जर्नल क्लब तथा मामलों पर चर्चा, थीसिस प्रस्तुतियाँ और शिक्षण के दौर शामिल हैं।

रोटेशन पर प्रशिक्षु: न्यूरोसर्जरी में एम.सीएच. प्रशिक्षु नियोनेटोलॉजी में डी.एम. प्रशिक्षु, जनरल सर्जरी में एम.एस प्रशिक्षु।

बी.एससी. और एम.एससी. नर्सिंग छात्रों के वार्ड में प्रशिक्षण।

अल्प अवधि प्रशिक्षण प्रदान किए गए

डॉ लेफ्टिनेंट कर्नल अबू दाउद मोहम्मद सरीफुल इस्लाम, चटगाँव मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चटगाँव, बांग्लादेश, 9 जनवरी – 30 जून 2017

डॉ प्रफुल्ल कुमार, डॉ आरएमएल, दिल्ली, 1 अक्टूबर 2017 – 31 अक्टूबर 2017

डॉ श्याम सुंदर साहू, डॉ आरएमएल, दिल्ली, 1 नवंबर –30 नवंबर 2017
डॉ तपस्या पंडित, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, 5–17 फरवरी 2018
डॉ वेनेसा विरामिल, यूरेशिया, स्पेन, फरवरी 2018

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- 30वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के बाल चिकित्सा सर्जिकल रिसर्च (आईएसपीएसआर–2017) के मुख्य आयोजक, 9–10 सितंबर, 2017 नई दिल्ली
- मुख्य आयोजक, नवजात शिशु और भ्रूण सर्जरी अपडेट, 8 सितंबर 2017, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

डी.के. गुप्ताः 29	**वी. भटनागरः 3**	**मीनू बाजपेयीः 6**
संदीप अग्रवालः 20	**शिल्पा शर्माः 18**	**विशेष जैनः 2**
अंजन धुआः 5	**देवेंद्र कुमार यादवः 2**	**प्रबुध गोयलः 4**

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र / पोस्टर्सः 52

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. यौन विकास में गड़बड़ी (डीएसडी) की चिकित्सीय प्रोफाइल और एटियोपैथोजेनेसिस का अध्ययन – एक मार्गदर्शी अध्ययन, एम. बाजपेयी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020
2. टेस्टोटेरोन बायोसिंथेटिक त्रुटियों, एन्जाइम म्युटेशन और एसआरवाई जीन अध्ययनों के सम्बन्ध में हाइपोस्पाडियास के आणविक आधार का एक अध्ययन, एम. बाजपेयी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020
3. बच्चों में जन्मजात मूत्र सम्बन्धी गड़बढ़ी के पैथोजेनेसिस में जीन वातावरण के सहक्रिया की भूमिका का अध्ययन–एक मार्गदर्शी अध्ययन, एम. बाजपेयी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020
4. ऊपरी और निचली मूत्र प्रणाली से सम्बन्धित मूत्राशय में असामान्य वृद्धि के संदर्भ में डिट्रूसर के हिस्टोमॉर्फोलॉजी पर एक अध्ययन, एम. बाजपेयी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020
5. जन्मजात यूरोपैथिज और सीकेडी, पर उन्नत अनुसंधान केन्द्र, एम. बाजपेयी, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017–2020
6. सर्जीकल जन्मजात विसंगतियों के लिए फेटल परमर्श के लिए दिशा–निर्देशों की स्थापना [बी.टी./पी.आर.9572/एम.ई. डी/97/210/2013], शिल्पी शर्मा, डी.बी.टी. 3 वर्ष, 2014–17, 39.76 लाख रुपये।
7. करकूमीन का प्रभाव तथा चूहों में प्रयोगात्मक रूप से इन्ड्यूस्ड किये गये लीवर फाइब्रोसिस में पीपरिन के साथ उसका संयोजन, एक तुलनात्मक विश्लेषण, शिल्पा शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 5 लाख रुपये।
8. तीन वर्ष से कम आयु वाले बच्चों में सीरम अल्फा फटो प्रोटीन की संदर्भ श्रेणी, देवेन्द्र कुमार यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 2.3 लाख रुपये।
9. पी.यू.जे. रुकावट के साथ बच्चों में एम.ए.जी. 3 सिन्टोग्राफी पर कॉर्टिकल पारगमन समय की भूमिका, विशेष जैन, एम्स, 2 वर्ष 2015–2017, 1.65 लाख रुपये
10. गुर्दे की क्षति के मौजूदा मानकों के साथ तंत्रिका जन्य मूत्राशय और उसके सह संबंध वाले रोगियों में गुर्दे की क्षति का अनुमान लगाने में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका, प्रबुद्ध गोयल, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 4.8 लाख रुपये

i.k

1. प्रतिरोधी यूरोपैथी में गुर्दे संरक्षण में अस्थि–मज्जा मोनो न्यूक्लियर कोशिकाओं और गुर्दे की स्टेम कोशिकाओं की भूमिका – चूहों में एक प्रयोगिक अध्ययन, शिल्पा शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2013–2015, 5 लाख रुपये।

foHkkxh; ifj;kstuk,

tkjh

1. चूहे की टेस्टिस की उच्च शुक्राणु वाहिका बंधन और निम्न शुक्राणु वाहिका बंधन की तुलना करना
2. काजल के मध्यवर्ती कोशिकाओं का मूल्यांकन, जैसे कि कोशिकाएं (आई.सी.सी.–एल.सी.) और हिस्टोपैथोलॉजी जन्मजात पीलवीयरेटेरिक जंक्शन रुकावट और इंट्राऑपरटिव खोजों के साथ उनका सहसंबंध।

3. बच्चों में बटन बैटरी इन्जेक्शनः हाल ही के दिनों में हमारा अनुभव
4. हैपेटिकोड्डेनोस्टोमी और हैपेटीकोजेजूनोस्टोमी से गुजरने वाले क्रोएडोकल सिस्ट के ऑरेरेटेड मामलों का संभावित तुलनात्मक काउहर्ट अध्ययन।
5. गुदा एवं मलाशय संबंधी विकृतियों वाले रोगियों में गुदा एवं मलाशय संबंधी मनोमेट्री का उपयोग करके गुदा एवं मलाशय संबंधी काय कार्यों के दीर्घकालीन शल्यचिकित्सा के परिणामों का आकलन
6. न्यूरोब्लास्टोमा के दीर्घकालिक परिणामः विकासशील देश में पूर्वाभासी कारकों की खोज करना, एक एम्बीस्पेक्टिव अध्ययन
7. एकपक्षीय नॉन–सिंड्रोमिक विल्मस के ट्यूमर वाले बच्चों में गुर्दे की कार्यप्रणाली का आंकलनः एक एम्बीस्पेक्टिव नियंत्रण अध्ययन।
8. बिलियरी ऐट्रेशिया में आंशिक लीवर रिसेक्शन के साथ और बिना कसाई के पश्चात, पोस्टऑपरेटिव एपीआरआई की तुलना हेपाटिक फाइब्रोसिस के एक मार्कर के रूप में करना।
9. हाइपोस्पिडिया के ऑपरेट मामलों के दीर्घकालिक परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का पूर्वव्यापी अध्ययन
10. तत्काल और शुरूआती परेशानियों के संदर्भ में डिस्टल पेनिल हाइपोस्पिडिया के ऑपरेट किए गए मामलों के अल्पकालिक परिणामों का प्रोस्पेक्टिव अध्ययन।
11. बिलियरी ऐट्रेशिया में आंशिक लीवर रिसेक्शन के साथ और बिना कसाई के पश्चात, पोस्टऑपरेटिव एपीआरआई की तुलना हेपाटिक फाइब्रोसिस के एक मार्कर के रूप में करना।
12. हर्षस्प्रंग रोग से ग्रसित रोगियों में ऐनोरेक्टल क्रियाकलाप का शल्यक्रिया पश्चात के दीर्घावधि परिणामों का आकलन
13. हाइपोस्पाडियास परिणामों का दीर्घावधि डाटाबेस (होल्ड): एक संभावनापूर्ण कोहॉर्ट अध्ययन
14. एसोफाजल प्रतिस्थापन के दीर्घकालिक परिणाम
15. जन्मजात पाउच कोलोन (सीपीसी) का आणविक चित्रण, ऐनोरेक्टल विकृति का एक भिन्न रूप
16. टीईएफ/ओए के मरम्मत के पष्चात, नैसोगैस्ट्रिक फीडिंग ट्यूब के उपयोग के आकलन के लिए एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन
17. कसाई के पोर्टोएन्टरोस्टोमी के पष्चात ईएचबीए के रोगियों में इन्ट्राहेपाटिक बिलियरी डक्ट्यूलर आर्किटेक्चर का एमआर मूल्यांकन
18. हाईपोस्पाडियास शल्यक्रिया के पश्चात बच्चों में छोटे युरेथ्रोक्यूटेनियस फिस्चूला का शीघ्र मरम्मत–रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण
19. प्रोक्सीमल हाइपोस्पिडिया के चरणात्मक प्रबंधन में बायोर्स और ब्रेकास की प्रगति के सिद्धांतों का उपयोग करके संशोधित तकनीक का मूल्यांकन।
20. कोस्टल कारटिलेज एक्सीसन के सिद्धांतों का उपयोग करने वाली एक संशोधित तकनीक का मूल्यांकन तथा चेस्ट वॉल विकृतियों में एक ऑटोलॉगस मुक्त रिब ग्राफ्ट के द्वारा सहायता प्रदान करना।
21. अक्षम रूप से कार्य करने वाले हाइड्रोनेफ्रोटिक किडनी (<10% कार्य) के प्रत्यक्ष आकलन के घटक, जो पाइलोप्लास्टी या नेफ्रेक्टोमी का कारण बनते हैं
22. संशोधित एनडब्लूटीएस–5 रेजिमेन से उपचार पर विम्स ट्यूमर वाले बच्चों के उपचार का संभावनापूर्ण अध्ययन
23. आईआरएस–5 रेजिमेन से उपचार पर रैब्डोमायोसरकोमा वाले बच्चों के उपचार का संभावनापूर्ण अध्ययन
24. मोनोथेरापी और प्लाडो रेजिमेन से उपचार पर हेपाटोब्लास्टोमा वाले बच्चों के उपचार का संभावनापूर्ण अध्ययन
25. किडनी के क्लियर सेल सार्कोमा के उपचार के लिए पाँच औशधि पथ्यापथ्य पर संभावनापूर्ण अध्ययन
26. ठोस ट्यूमर वाले बच्चों में एड्रियामाइसिन के सेवन से संबन्धित कार्डियोटॉक्सिसिटी का मूल्यांकन
27. ठोस ट्यूमर के फिर से उभरने/पनपने वाले बच्चों में आईसीई (आईफॉस्फामाइड, कार्बोप्लाटिन और इटोपोसाइड) उद्धार पद्धति से उपचार का परिणाम
28. बच्चों के ठोस ट्यूमर में पल्मोनरी मेटासटेक्टोमी की भूमिका
29. ऐब्डोमिनो–पेरिनियल खिंचाव के हैंगिंग बावेल तकनीक के माध्यम से शल्यक्रिया पश्चात के परिणाम
30. गुर्दे की क्षति के मौजूदा मानकों के साथ तंत्रिका जन्म मूत्राशय और उसके सह संबंध वाले रोगियों में गुर्दे की क्षति का अनुमान लगानें में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका
31. भारतीय जनसंख्या में पीडियाट्रिक पेनिल लेन्थ का सामान्य मूल्यांकन
32. शल्यक्रिया पूर्व की प्रतीक्षा अवधि में डे–केयर प्रक्रियाओं हेतु आवश्यक बाल–शल्यचिकित्सा वाले रोगियों को मेंटीनेंस इन्ट्राविनस तरल चढ़ाने के अनुपालन को सुनिष्चित करने हेतु गुणवत्तायुक्त सुधार (क्यूआई) परियोजना
33. एक्सट्रा–हेपाटिक पोर्टल वेन रूकावट वाले बाल रोगियों में इन्ट्रा–हेपाटिक एनाटोमी (बांये और दांये पोर्टल वेन्स) और कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी पोर्टोग्राफी पर रेक्स शंट शल्यक्रिया की ऐनाटोमिकल व्यवहारिकता का आकलन
34. सीआरएचपीएस, बल्लभगढ़ में बाल शल्यचिकित्सा के अंतर्गत शल्यक्रिया किये गये डे–केयर रोगियों को शल्यक्रिया पश्चात मुक्त करने के निर्देशों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए गुणवत्तायुक्त सुधार (क्यूआई) का पहल

पूर्ण

1. ऐनोरेक्टल मैनोमेट्री का प्रयोग करके, ऐनोरेक्टल विकृतियों वाले रोगियों में ऐनोरेक्टल क्रियाकलाप के दीर्घकालिक शल्यक्रिया पश्चात के परिणामों का आकलन
2. क्या उन सामान्य ग्लेनों से हाइपोस्पिेडिएक ग्लेन में एनाटॉमिक परिवर्तन मेल खाते हैं?
3. अतिरिक्त हेपाटिक पोर्टल वेन के रूकावट वाले रोगियों में पोर्टल दवाब के साथ हेपाटिक आर्टरी रेस्टिटीव सूची और सीरम नाइटिक्र ऑक्साइड के स्तरों का सह–सम्बंध
4. सेक्रोकोकजाल टेरिटोमा वाले बच्चों में दीर्घकालिक यूरोलॉजिकल परिणामों का आंकलन
5. एक उद्धार चिकित्सा के रूप में इरिनोटिकैन से उपचारित रिकरंट हेपाटोब्लास्टोमा के रोगियों का परिणाम
6. सैक्रोकोकिजियल टेराटोमा के लिए उपचारित रोगियों में यूरोडायनामिक परिणाम
7. मूत्राशय प्रोस्टेट के राब्डोमायोसरकोमा के उत्तरजीविताओं में यूरोलॉजिक परिणामों का मूल्यांकन
8. प्रायोगिक रूप से प्रेरित एकपक्षीय आंशिक मूत्रमार्ग रूकावट के पश्चात गुर्दे की क्षति के आरम्भिक आक्रमक मार्कर के रूप में मूत्र में स्थित टीजीएफβ1 में आये परिवर्तनों का अध्ययन
9. कासई के पोर्टोनदेरोस्टोमी के बाद सबसे पहले मिलनेवाले परिणाम का पता लगाने के लिए सामान्य मार्कर के रूप में सीरम बेलिरूबीन तथा अलकाइन फोस्फेट्स के प्रोऑपरेटिव और पोस्टोपरेटिव स्तरों का अनुपात

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. दीर्घकालिक डाटाबेस (होल्ड) के साथ हाइपोस्पाडियास का परिणाम, युनिवर्सिटी ऑफ मैकमास्टर, टोरंटो, कनाडा
2. जीनोटाइपिंग और ट्रांसस्क्रिप्टोमिक्स एरे के माध्यम से क्रोमोसोमल विविधताओं और हाइपोस्पेडियस रोगियों के विरूद्ध कार्यात्मक–प्रासंगिकता का आंकलन करने हेतु, एडवांस्ड मोलेक्यूलर विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, केजीएमयू, लखनऊ
3. सेक्स हार्मोन बायोसिंथेसिस और चयापचय, एमर्बयोनिक विकास तथा फॉस्फोलाइपेस डी सिग्नलिंग मार्ग से संबंधित जीन्स में हाइपोस्पेडियस और वेरिएंट्स के बीच एसोसिएशन, एडवांस्ड मोलेक्यूलर विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, केजीएमयू, लखनऊ
4. इलेक्ट्रिक इम्पीनडेन्स टॉमोग्राफी, एक नॉन इनवेसिव चिकित्सा उपकरण का उपयोग कर बच्चों में वेसीकुरटेरल रिप्लेक्स का पता लगाना, राष्ट्रीय बाल अनुसंधान केंद्र, यूसीडी, डबलिन, आयरलैंड
5. पी53 नेटवर्क में परिवर्तन और बाल ठोस अर्बुद (ट्यूमर) के विकास और पूर्वानुमान के साथ उनका जुड़ाव, बाल शल्यचिकित्सा विभाग, मेडिकल कॉलेज, डिब्रुगढ़
6. तीन वर्ष से कम उम्र वाले भारतीय बच्चों में सीरम अल्फा फेटोप्रोटीन के पहुँच का संदर्भ, प्रजननशील जैव विज्ञान
7. पी.यू.जी. बाधा वाले बच्चों में एमएजी 3 स्कंटीग्राफी पर कॉर्टिकल ट्रांजिट टाइम का योगदान, न्यूक्लियर मेडिसिन
8. टाइप 2 के एबरनेथि विकृति, कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी वाले बच्चों में प्रस्तुतिकरण एवं शल्यक्रिया पश्चात के परिणामों का अतीतदर्शी विश्लेषण
9. एकपक्षीय पीयूजे रूकावट वाले बच्चों में एमएजी–3 सिंटिग्राफी के पश्चात, कोर्टिकल पारगमन समय के मापन में अंतः और अंतर–पर्यवेक्षक की परिवर्तनशीलता, नाभिकीय औषधि
10. नवजात शिशु/शिशु कोलेस्टेटिक लीवर रोग के निदान, पूर्व–सूचना तथा फोलोअप में शेयर तरंग इलेक्ट्रोग्राफी की भूमिका, रेडियोलॉजी
11. कासई के पोर्टीएनटेरोस्टोमी के बाद बिल्यिरी ऐरेसिया के रोगियों में इंट्राहेपेटिक बिल्यिरी डक्टूलर आर्किटेक्चर का एमआर मूल्याकंन, रेडियोलॉजी
12. देखभालकर्ता के तनाव, उनके जीवन की गुणवत्ता और एम्स में उसे पाने की क्षमताओं के साथ ईए और टीईएफ के लिए ऑपरेटेड किए गए बच्चों के विकासात्मक स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन करना, नर्सिंग महाविद्यालय
13. तंत्रिकाजन्य मूत्राशय वाले रोगियों में गुर्दे की क्षति का अनुमान लगाने में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका तथा गुर्दे की क्षति के मौजूदा मानकों के साथ इसका सह–संबंध, प्रजनन जीव विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली
14. बहुपक्षीय हेपाटोब्लास्टोमा के पता लगाने में डिफ्यूजन एमआरआई का प्रयोग तथा बहुपक्षीय और मेटास्टेटिक हैपोटोब्लास्टोमा में वीईजीएफ पर भूमिका का पता लगाना, रेडियोडाइग्नोसिस, पैथोलॉजी
15. उन्नत अप्रतिक्रियाशील और आवर्ती न्युरोब्लास्टोमा के एमआईबीजी चिकित्सा की भूमिका, नाभिकीय औषधि
16. हेपाटोब्लास्टोमा पैथोलॉजी में नॉच और डब्लुएनटी सिग्नलिंग पाथवेज की भूमिका, पैथोलॉजी
17. कोमल ऊतक सार्कोमा के रोगियों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विषेशताओं वाले उपचार और भविष्यसूचक घटकों का मूल्यांकन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी

18. थोरासिक पीएनईटी में भविष्यसूचक घटकों का अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रेडियोथेरेपी, रेडियोडायग्नोसिस

i/.k

1. असाधारण/ज्यादा गर्भनाल नसों की बाधा वाले रोगियों में पोर्टल दबाव और सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड के साथ हैपेटिक आरट्री रेसिसटीव इन्डेक्स का सहसंबंध, रेडियोलॉजी, जैव रसायन
2. भारत में हेपाटोब्लास्टोमा में बी–कैटेनिन जीन परिवर्तनों की जाँच, पैथोलॉजी, प्रयोगशाला ओन्कोलॉजी
3. चूहों में विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग से अपेनडेक्टॉमी के बाद अपेनडीकूलर स्टूप के मूल्यांकन का अध्ययन करना, पैथोलॉजी
4. हिरसचस्प्रंग के रोग के लिए लगातार पेट में कब्ज रहने वाले रोगियों के माध्यम से न्यूरोनल मार्कर के मूल्यांकन का अध्ययन करना, पैथोलॉजी
5. विल्मस के ट्यूमर में ग्लोबल मिथलेशन पैटर्न की खोज करना, एक पायलट अध्ययन, प्रयोगशाला, ओंकोलॉजी, पैथोलॉजी
6. पेल्विक पीएनईटी में भविष्यसूचक घटकों का अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रेडियोथेरेपी
7. चूहों में विभिन्न ऊर्जा स्रोतों का प्रयोग करते हुए, ऐपेन्डेक्टोमी के पश्चात ऐपेन्डिकुलर स्टम्प के मूल्यांकन का अध्ययन, पैथोलॉजी
8. बच्चों में अल्ट्रासाउन्ड–निर्देशित ट्रांसवर्सेस ऐब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक में रोपिवाकेन के सहायक के रूप में क्लोनिडाइन का प्रभाव–एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, ऐनेस्थेसियोलॉजी
9. पैरागैंग्लियोनोमा के आरंभिक स्टेजिंग और रीस्टेजिंग में ^{68}जीए लेवेल्ड ऑक्ट्रियोटाइड होल–बॉडी पॉजीट्रोन एमिशन टोमोग्राफी–कम्प्युटीकृत टोमोग्राफी (पीईटी–सीटी) की भूमिका और ^{131}आई एमआईबीजी एसपीईसीटी सीटी के साथ तुलना, नाभिकीय औषधि, नाभिकीय औषधि

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 30 **सारः 2** **पुस्तकों में अध्यायः 15**

रोगी उपचार

विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न स्पेशलिटी क्लीनिक

हाइड्रोसीफलस क्लीनिक
बाल रोग चिकित्सा यूरोलॉजी क्लीनिक
जी.आई. हेपाटोबिल्यिरी
पीडियाट्रिक सॉलिड ट्यूमर क्लीनिक
पीडियाट्रिक यूरोलॉजी, इंटरसेक्स तथा हाइपोस्पोडियस
एंटीनेटल डायग्नोसिस तथा फोलोअप
क्रेनियोसिनोसटोसिस क्लीनिक
पीडियाट्रिक यूरोलॉजी
पीडियाट्रिक थोरेसिक सर्जरी क्लीनिक

उपलब्ध सुविधाएं

- नवजात शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए गहन चिकित्सा इकाई
- बाल शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए उच्च निर्भरता क्षेत्र
- कम्प्यूटर आधारित यूरोडायनामिक तथा यूरोफ्लोमेट्री अध्ययन
- कम्प्यूटर आधारित एनोरेक्टल मैनोमेट्री
- कम्प्यूटर आधारित इसोफेजियल मैनोमेट्री
- गैस्ट्रोइसोफेजियल रिफलक्स के लिए 24 घंटे पीएच. निगरानी
- गैस्ट्रोइसोफेजियल रिफलक्स के लिए इम्पेडेंस मैनोमेट्री

सामुदायिक सेवाएं

- सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बाह्य रोगी क्लीनिक और शल्यक सत्र

ओपीडी तथा विशेष क्लीनिकों में उपस्थिति

ओपीडी / क्लीनिक	**नए मामले**	**पुराने मामले**	**कुल**
सामान्य ओपीडी	8260	21,720	29,980
हाइड्रोसिफलिस क्लीनिक	2	68	70
बाल मूत्र रोग विज्ञान क्लीनिक	616	2243	2859
इंटरसेक्स एंड यूरोलॉजी क्लीनिक (डीएसडी + पीआईएसयू)	72	551	623
बाल ठोस ट्यूमर क्लीनिक (आईआरसीएच)	160	1672	1832
ट्यूमर क्लीनिक	56	786	842
क्रेनियोसिनोस्टोसिस क्लीनिक	शून्य		
सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़	2207		

nkf[ky

एबी5 वार्डः 2426 (1282 दीर्घ अवधि तक भर्ती और 1144 अल्प अवधि भर्ती)
एबी5 / आईसीयूः 163

'kY; fpfdRlk ÁfØ;k,a

e|[; vkVh% :Vhu% बड़ी प्रक्रियाएंः 1319 — लघु प्रक्रियाएंः 511
vkikrdkyhu% बड़ी प्रक्रियाएंः 405 — लघु प्रक्रियाएंः 4

vkihMh ÁfØ;k,a (कुल)ः 1230 — ओपीडी में बायोप्सीः 107
lhvkj,p,lih] cYyHkx<% लघु मामलेः 75 — ओपीडी प्रक्रियाएंः 159

fo'k"k tkp

यूरोडायनेमिक अध्ययनः 295 — यूरोफ्लोमेट्रीः 652
एनोरेक्टल मेनोमेट्ररः 79 — इसोफैगियल मैनोमेट्रीः 2

iqjLdkj] lEeku vkj egRoi.kZ miyfC/k;k

आचार्य डीके गुप्ता नई दिल्ली में 8–10 सितम्बर 2017 को आयोजित बाल शल्यचिकित्सा अनुसंधान के 30वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसपीएसआर–2017) के वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष थे; उन्होंने एम्स, नई दिल्ली में 5 मई 2017 को एन्टीबायोटिक के तर्कसंगत उपयोग–पैनेल चर्चा पर सार्वजनिक व्याख्यान–एम्स में भाग लिया; वे मशाद, ईरान में 24–27 अक्टूबर 2017 को आयोजित 'इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ हाइपोस्पाडियास एंड डीएसडी' के दौरान वैज्ञानिक सत्र, वैज्ञानिक समिति के सदस्य की अध्यक्षता करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय अतिथि फैकल्टी थे; अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली में 23–25 फरवरी 2018 को आयोजित पीडियाट्रिक एन्डोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; 15–17 नवम्बर 2017 के बीच बैंगलुरू में महिलाओं और बच्चों पर विश्व कांग्रेस के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; पीजीआई, चंडीगढ़ में 1–3 दिसम्बर 2017 को एमसीएच पीडियाट्रिक सर्जरी के लिए परीक्षक थे; वे पीजीआई, चंडीगढ़ में 15–16 दिसम्बर 2017 के बीच भारतीय बाल शल्यचिकित्सक परिषद के अनुसंधान विभाग के वार्षिक अधिवेशन के सम्मानित अतिथि थे और उन्होंने उद्घाटन भाषण दिया; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, वार्षिक अधिवेशन, न्यूनतम आक्रामक शल्यक्रिया, रिसर्च एंड रेफरल हॉस्पिटल, नई दिल्ली, 14–15 अक्टूबर 2017; सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली में 18–19 नवम्बर 2017 को भारतीय बाल शल्यचिकित्सक परिषद के दिल्ली राज्य चैप्टर के वार्षिक अधिवेशन के पुरस्कार सत्र के दौरान, श्रेष्ठ शोधपत्र के चयन के लिए निर्णायकों के पैनल में थे; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, नैनोप्रौद्योगिकी, तिरूअनंतपुरम, 6–9 दिसम्बर 2017; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, पीडियाट्रिक यूरोलॉजी पर अधिवेशन, एम्स, नई दिल्ली, 23–24 दिसम्बर 2017; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, अनुसंधान सभा, भारतीय बाल शल्यचिकित्सक परिषद, पीजीआई, चंडीगढ़, 15–17 दिसम्बर 2017; हर्शस्प्रंग डिजीज एंड एसोफैजियल एट्रेसिया पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता, वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ सर्जरी, कांग्रेस सेन्टर, बैसेल, 14–17 अगस्त 2017; प्रोफेसर मार्टिन म्यूलि, बच्चों के अस्पताल, ज्युरिख, स्विट्जरलैंड में बाल शल्यक्रिया विभाग प्रमुख को चिकित्सीय चक्रों और पीडियाट्रिक रेडियोलॉजी बैठक के लिए उनके विभाग में आने के लिए आमंत्रित किया गया और ज्युरिख में नये आने वाले अत्याधुनिक बच्चों के अस्पताल की योजनाओं पर विचार–विमर्श किया गया; सजीव शल्यक्रिया पर वैज्ञानिक विचार–विमर्श में भाग लेने और सत्र को संतुलित करने के लिए अधिवेशन पूर्व कार्यशाला, भारतीय बाल शल्यचिकित्सक परिषद (आईएपीएस) का 42वाँ वार्षिक

अधिवेशन, आगरा, 29 सितम्बर–2 अक्टूबर 2017; अध्यक्ष के रूप में भारत में बाल शल्यक्रिया में वर्तमान चुनौतियों पर उद्घाटन भाषण, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन्स ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स (डब्लुओएफएपीएस) और मुख्य अतिथि, भारतीय बाल शल्यचिकित्सक परिषद (आईएपीएस) का 42वाँ वार्षिक अधिवेशन, आगरा, 29 सितम्बर–2 अक्टूबर 2017; उद्घाटन भाषण और आईएसएचआईडी के सेक्रेटरी जर्नल के रूप में व्यवसाय बैठक का आयोजन किया, 7वाँ अंतर्राष्ट्रीय हाइपोस्पैडियास कांग्रेस और डीएसडी, मास्को, रशिया, 30 अगस्त–1 सितम्बर 2017; वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता के लिए अतिथि फैकल्टी, अतिथि व्याख्यान और ओपीडी क्लिनिक्स, वार्ड चक्र, बाल चिकित्सालय, किंशासा, डीपीआर कांगो, अफ्रीका में सजीव शल्यक्रिया का आयोजन, 5–11 सितम्बर 2017; स्थानीय बाल चिकित्सालय के लिए उद्घाटन भाषण और चिकित्सीय आपूर्ती एवं बाल एन्डोस्कोप्स की प्रस्तुति (धर्मार्थ कार्य के रूप में), प्रथम अंतर्राष्ट्रीय बाल शल्यक्रिया कांग्रेस, किंशासा, डीपीआर कांगो, अफ्रीका, 5–11 सितम्बर 2017; पोजनान, पोलैण्ड में 6–8 अक्टूबर 2017 के बीच आयोजित पोलिश बाल शल्यचिकित्सक परिषद के ट्रॉमा संगोष्ठी का उद्घाटन के लिए मुख्य अतिथि; उद्घाटन भाषण देने और वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता करने के लिए मुख्य अतिथि, द्वितीय बाल शल्यक्रिया अधिवेशन, सऊदी जर्मन हॉस्पिटल, दुबई, 4–5 अक्टूबी 2017; अतिथि फैकल्टी, आईमैक्स अमेरिका, लास वेगास, यूएसए, 9–11 अक्टूबर 2017, अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, वार्षिक कोलोरेक्टल क्लब अधिवेशन, लिमासॉल, साइप्रस, 14–16 मई 2017; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, यूरोपियन बाल शल्यचिकित्सक परिषद का वार्षिक अधिवेषन, लिमासॉल, साइप्रस में आयोजित, 17–20 मई 2017; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सत्र, मन, शरीर और साधना पर अधिवेषन, षांति वन, माउन्ट आबू, राजस्थान, 26–28 जनवरी 2018।

आचार्य वी. भटनागर रोटा वायरस परीक्षण, डीएसटी, भारत सरकार, 2016 से अब तक के विरल दुष्प्रभाव की विधिनिर्णय समिति के अध्यक्ष थे; सदस्य, तकनीकी परामर्शदात्री समूह, द इंक्लेन ट्रस्ट इंटरनेशनल फॉर मल्टीसाइट हॉस्पिटल बेस्ड इंटस्सपेशन एंड एईएफआई सर्विलांस प्रोग्राम इन इंडिया, 2017; फरवरी 2011 से नवनिर्मित बाल शल्यचिकित्सा विभाग के अध्ययन परिषद के सदस्य, संजय गाँधी स्नातोकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ; 2012 से चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, नई दिल्ली के शासकीय परिशद सदस्य; 2004 से इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के सम्पादकीय सदस्य; 1996 से जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएषन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन के सम्पादकीय परिषद के सदस्य; 2008 से नेशनल एकादमी ऑफ मेडिकल साइंसेस के एडवाइजरी पैनल सदस्य।

आचार्य मीनू बाजपेयी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ, एम्स के प्रभारी आचार्य थी, उन्होंने एम्स, नई दिल्ली और विभिन्न विश्वविद्यालयों, जैसे कि फ्रेंच एकादमी ऑफ मेडिसिन–पेरिस, कोलोन, विक्टोरिया, डीकिन, विटो–बेल्जियम, यूसीएल, लंदन आदि के बीच आपसी सहयोग को सम्पन्न किया; वह सशक्तिकरण समिति की सदस्य थीः एनबीसीसी द्वारा निर्मित अंसारी नगर और ए.वी. नगर आवासीय कॉलोनियों के पुनर्विकास का निरीक्षण किया; उप–सचिव (एम्स प्रशासन) के रूप में कार्य किया और सुरक्षा, पार्किंग, प्रशासन, प्राप्ति, व्यक्तिगत स्टाफ, आवास आवंटन और कार्यालय स्थल से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर चर्चा करने के लिए डीडीए के साथ बैठक किया; कैफेटेरिया प्रबंधन समिति की अध्यक्षा थी; ओ.टी. प्रबंधन की सदस्य थी, ओ.टी. (उपयोगकर्ता) समिति का आयोजन आचार्य एस.सी. शर्मा, ईएनटी प्रमुख एवं फैकल्टी प्रभारी, मुख्य ओ.टी. की अध्यक्षता में विभिन्न मुद्दों, विशेषकर मुख्य ओटी में संक्रमण नियंत्रण प्रणालियों से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा करने के लिए किया गया; पात्रता पूर्व के प्रलेखों का मूल्यांकन करने हेतु चयन/टिप्पणियों की समीक्षा करने और आगे के निर्णय के लिए प्रतिनिधित्व को देखने और वर्तमान में विद्यमान विशिष्टताओं को परिवर्तित करने/संशोधित करने के लिए तकनीकी विशिष्टता/चयन की सदस्य थी; एम्स, नई दिल्ली के पश्चिम अंसारी नगर और आयुर्विज्ञान नगर के परिसरों में आवासीय कॉलोनियों के पुनर्विकास हेतु प्रथम अधिकार प्रदत्त समिति की सदस्य थी; तकनीकी विशिष्टता/चयन समिति की सदस्य थी; स्वास्थ्य सचिव के लिए आरंभिक विवरणात्मक बैठक और स्थायी वित्त समिति के 213वें बैठक की फैकल्टी थी; टौलाऊस, फ्रांस में आयोजित होने वाले द्वितीय एम्स–फ्रेंच एकादमी ऑफ मेडिसिन के लिए वैज्ञानिक कार्यक्रम और अन्य सम्बन्धित विषयों पर चर्चा करने के लिए फैकल्टी थी; दो बोलियों वाली प्रणाली के अंतर्गत, रेडियो–डायगनोसिस (मुख्य) के विकास के लिए वापस खरीद के आधार पर कौच फ्लूरोस्कोपी प्रणाली के माध्यम से डिजिटल फ्लैट पैनेल की खरीद प्रक्रिया की अध्यक्षा थी; वैज्ञानिक संवर्ग के सम्बन्ध में एसीआर समीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता थी; एनबीसीसी द्वारा ट्रॉमा सेंटर विस्तार पर प्रस्तुतिकरण की सह–सचिव (डी.एस.) थी; डी.एस. के रूप में उन्होंने निम्नलिखित कार्य सम्पन्न किया; एम्स, नई दिल्ली में संसाधन नियोजन गतिविधियों को सरल एवं कारगर बनाने हेतु सैप को लागू करने का निर्णय लिया; एम्स, नई दिल्ली के आवासीय परिसरों का पुनर्विकास किया; एम्स, नई दिल्ली के परिसर का पुनर्विकास किया; मस्जिद मोड़ पर आगे अस्तित्व में आने वाले माँ एवं शिशु प्रखंड के आईवीएफ तल के मुद्दे के बारे में चर्चा किया; महामहिम विटैली ए. प्राइमा, रिपब्लिक ऑफ बेलारूस दूतावास के राजदूत के साथ बैठक किया; रोजमैन यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, हेडरसन, नेवादा, यूएसए के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक किया; नकद मुक्त लेनदेनों को अधिक बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कदम उठाये गये; डा. पूनम मालाकोंडैया, प्रमुख सचित, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और प्रो. के. बाबजी के साथ बैठक किया; एम्स के परिसर का पुनर्विकास; पूरे एम्स में चद्दरों के रंग कोड पर एक स्थिति नोट दिया; वाणिज्य दूतावास/उच्चायोग, रिपब्लिक ऑफ मॉरीशस के साथ बैठक; एम्स, नई दिल्ली के आवासीय परिसरों का पुनर्विकास; कैफेटेरिया प्रखंड के उन्नयन के लिए 17 जनवरी 2017 को आयोजित किये जाने वाले कैफेटेरिया प्रबंधन समिति की बैठक में भाग लिया; सेकेंड युनिवर्सिटी नेपल्स, रोम, इटली और एम्स, नई दिल्ली के साथ उपयोगी सहयोग स्थापित किया; एम्स के फैकल्टी के सम्बन्ध में एम्स आवासीय परिसरों के पुनर्विकास और किराया परिवर्तनों पर चर्चा करने के लिए एसएफसी; एम्स–टीसीएस सहयोग, चरण–2, एमओयू के नवीनीकरण के लिए बैठक किया; श्री. एस.के. शर्मा, पूर्व स्वयंसेवी प्रबंधक, राजगड़िया विश्राम सदन, एम्स के बकाया बिलों/वेतन के सम्बन्ध

में बैठक; स्वास्थय विज्ञान के क्षेत्र में आभासी शिक्षण मॉड्यूल के निर्माण के लिए एम्स और स्टैन्फोर्ड युनिवर्सिटी, यूएसए के बीच में एमओयू पर हस्ताक्षर किया; एम्स के ओपीडी कैंटीन को चलाने के बारे में; एम्स, नई दिल्ली और भारतीय रेलवे, नई दिल्ली के बीच में सहयोग से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा; जुबा शिक्षण हॉस्पिटल, सुडान के चिकित्सकों और नर्सों का प्रशिक्षण; अंसारी नगर, एम्स में नये आपात विभाग के प्रतीक्षा स्थल पर और जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली में चाय और कॉफी वेंडिंग मशीन कियॉस्क चलाने के लिए संविदा निकाला; जुबा शिक्षण हॉस्पिटल, सुडान के चिकित्सकों एवं नर्सों के प्रशिक्षण के सम्बन्ध में निर्णय लिया; 17–22 फरवरी 2017 के बीच एम्स/जिपमर/पीजीआई/या पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रण; केन्द्रीय बजट 2017–2018 में नये सामाजिक पहलों पर बैठक; प्रतिनिधिमंडल के साथ बांग्लादेश उच्चायोग के रक्षा परामर्शदाता, ब्रिगेडियर जर्नल मो. अब्दुल हामिद के साथ बैठक; कैफेटेरिया रसोई उपकरण संविदा की वर्तमान स्थिति के बारे में बैठक; महामहिम विटैली ए. प्राइमा, रिपब्लिक ऑफ बेलारूस दूतावास के राजदूत के साथ बैठक; एचएससीसी द्वारा हाथ में लिए जा रहे परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक; परियोजना समीक्षा बैठक जिसकी अध्यक्षता निदेशक, एम्स, नई दिल्ली द्वारा की जानी थी; माँ एवं शिशु प्रखंड परियोजना से सम्बन्धित विषयों पर समिति की बैठक की गयी।

आचार्य संदीप अग्रवाल एशियन बाल शल्यचिकित्सक परिषद के अधिशासी परिषद सदस्य थे; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के सेक्शन एडिटर; अध्यक्ष, भारतीय बाल शल्यचिकित्सक परिषद के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी सेक्शन; उपाध्यक्ष, रिजोर्स चैलेंज्ड नेशन्स स्टडी ग्रुप ऑफ एसआईओपीईएल; अध्यक्ष, एम्स की 61वीं वार्षिक रिपोर्ट समिति; पल्स 2017 के लिए फैकल्टी समन्वय समिति के सह–अध्यक्ष, एम्स; सचिव, एम्सोनिअन्स–एम्स का एलुमिनी परिषद; एम्स में पीएचडी में सुधार लाने पर विचार करने की समिति के सदस्य; एम्स में जेआर (एमडी/एमएस/एमएचए) और एसआर (डीएम/एमसीएच) और एसआर (नॉन–डीएम/एमसीएच) के दिशानिर्देशों के गठन के लिए समिति के सदस्य; मीडिया रिपोर्टिंग को नियंत्रित करने और बच्चों के बारे में विवरणों को उजागर करने के लिए स्थायी समिति के सदस्य; चिकित्सीय अनुसंधान के लिए श्री मोहन लाल विग मेडल के चयन के लिए समिति के सदस्य; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (आईपीएसओ) द्वारा आयोजित सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कोर्स और यूरोपियन बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन और यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के वार्षिक कांग्रेस से पूर्व यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी के पाठ्यक्रम अनुदेशक; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (आईपीएसओ) द्वारा आयोजित बाल शल्यचिकित्सा ऑन्कोलॉजी में मास्टरक्लास और यूरोपियन बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन और यूरोपियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक सर्जरी के पाठ्यक्रम अनुदेशक।

डॉ शिल्पा शर्मा सचिव, अनुसंधान अनुभाग, भारतीय बाल शल्य चिकित्सा संघ 2018–2020; संपादकीय बोर्ड के सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय बाल शल्य चिकित्सा; हेपोस्पेडियस के अंतर्राष्ट्रीय संस्था तथा डी.एस.डी. के कार्यकारी परिषद के सदस्य 2018–2020; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जनस (डब्ल्यूओएफएपीएस) के कार्यकारी परिषद के सदस्य 2017–2019; एम्स, पटना में संकाय भर्ती के लिए स्थायी चयन समिति के सदस्य; आईएपीएससीओएन 2017 के दौरान गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोग पर केके शर्मा अवार्ड पेपर के लिए सह–लेखक; आईएसपीएसआर 2017 के दौरान पोस्टर वॉक थ्री के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर वार्ड और नवजात शिशु और भ्रूण सर्जरी पर अद्यतन (आईएसपीएसआर 2017)।

डॉ विशेष जैन को फरवरी 2018 में नई दिल्ली में आयोजित 13वें बाल चिकित्सा एंडोसर्जन्स सम्मेलन (पीईएसआईसीओएन 2018) में दो सर्वश्रेष्ठ पोस्टर अवार्ड प्राप्त हुए।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ हकीमी, बाल चिकित्सा सर्जरी के प्रमुख, इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान, काबुल, अफगानिस्तान
2. प्रोफेसर प्रेम पुरी, नेशनल चिल्ड्रन्स रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष, आवर लेडी'ज चिल्ड्रन'स हॉस्पिटल, क्रूमलिन, डुबलिन 12, आयरलैंड
3. प्रोफेसर सुरेंदर वर्मा, कार्यकारी एसोसिएट डीन विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्रोफेसर और उपाध्यक्ष, बाल रोग, टीटीयूएचएससी स्कूल ऑफ मेडिसिन, ल्यूबॉक, यूएसए
4. मोहम्मद अब्बू दूद, बांग्लादेश, एक महीने के लिए विभाग में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए
5. प्रोफेसर मारिया सालगाड़ो, बाल चिकित्सा सर्जरी के प्रमुख, चिल्ड्रन हॉस्पिटल, पुर्तगाल
6. श्री आजाद माथुर, नॉर्विच चिल्ड्रन हॉस्पिटल से बाल शल्य चिकित्सा के प्रमुख, नॉर्विच, यूके
7. श्री देवेश मिश्रा, सलाहकार पीडियाट्रिक सर्जन, चेल्सी और वेस्टमिंस्टर अस्पताल, लंदन
8. प्रोफेसर एस एन गोरथी, कामिनेनी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से, हैदराबाद
9. डॉ वेनेस्सा विलमिल, ब्यूनस आयर्स के बाल चिकित्सा सर्जरी में वरिष्ठ फेलो, वर्तमान में स्पेन में एक प्रशिक्षु ने बाल रोग विभाग, एम्स का दौरा किया, एक महीने के लिए पर्यवेक्षक के रूप में फरवरी 2018

9-29 foÑfr foKku

vkpk;l ,o a v/;{k

सुब्रत के. पाण्डा

vkpk;l

चित्रा सरकार
रुमा रे
वेंकटेश्वरन के. अय्यर
मनोज के. सिंह
ए.के. डिंडा
संदीप आर. माथुर
एस. दत्ता गुप्ता
एम.सी. शर्मा
वैशाली सूरी

lg&vkpk;l

सुधीर अरावा
दीपाली जैन
गीतिका सिंह
असित रंजन मिर्धा
प्रसन्नजीत दास

lgk;d vkpk;l

रजनी यादव
सौम्या रंजन मलिक
सीमा कौशल
आदर्श बरवाद
आंचल ककड़
शिप्रा अग्रवाल
प्रशांत रामटके

leg d vf/kdkjh

हिमेंद्र सिंह तोमर
शंकर राम आर्य

fof'k"Vrk,l

2017–18 वित्तीय वर्ष में, हमने कई सुविधाएं प्रारंभ की है :

i) फ्लो साइटोमीटर
ii) केपिलरी सिक्वेंसर

अनुसंधान में हमारे पास संकाय सदस्य हैं जो वास्तविक शिक्षा, कौशल विकास, हैपेटाइटिस के आवणिक विषाणु विज्ञान, आंतो के सूजन संबंधी रोग, नैनो प्रोद्योगिकी, फेफड़ों का कैंसर, ग्लायोमा एवं उनके आवणिक लक्षण वर्णन एवं मोटोबोलिक लक्षण पर कार्य कर रहे हैं।

हेपेटाइटिस ई वायरस (एचईवी) की प्रगति और इसके ट्रांसक्रिप्टॉम का सफल समापन, लंबे गैर–कोडिंग आरएनए और सूक्ष्म आरएनए का विश्लेषण किया गया है। इसके अलावा, ट्रांसक्रिप्टॉमिक्स और मेटाबोलामिक्स का उपयोग करके मेटाबोलिक सिंड्रोम के लिए एक नया मॉडल विकसित किया गया है, और मैक्रोफेज को मारने के लिए सक्रिय करने में यकृत कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन किया गया है। हेपेटाइटिस ई वायरस के नियंत्रक के रूप में, टेथ्रिन को नियंत्रित करने वाले लंबे गैर–कोडिंग आरएनए बीएसटी–2 की पहचान की गई है। एचएसए एमआईआर3120–3पी की भूमिका का अध्ययन किया गया है, जैसा कि यह एचबीवी संक्रमण को व्यक्त करता है।

हमने विश्व स्वास्थ्य संगठन 2016 वर्गीकरण के अनुसार मोलिक्यूलर मार्कर को शामिल करने वाले ब्रेन ट्यूमर के एकीकृत निदान देने प्रारंभ कर दिए हैं।

फेफड़ों के कैंसर में अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से आणविक परीक्षण किया जाता है और पिछले वर्ष के दौरान लगभग 270 रोगियों को ईजीएफआर म्यूटेशन एवं एएलके रिअरेंजमेंट के लिए परीक्षण किया गया है।

अनुसंधान परियोजना के एक भाग के रूप में डबल हिट और ट्रिपल हिट स्टेट्स के लिए बड़े बी सेल लिंफोमा को रिफैक्टरी विरण के लिए एफआईएसएच केरयोटाइपिंग प्रारंभ की गई है होजकिन लिंफोमा के कठिन मामलों के लिए इन सिटू हाइब्रिडाइजेशन में एपस्टिन बार वाइरस प्रारंभ किया गया। फ्लो साइटोमेट्रिक अध्ययन ने लिम्फोमा, और हेमटोलोगिक विकृतियों का निदान करना आरंभ कर दिया है।

इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी को सभी मामलों में ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस के गुर्दे की विकृति में शामिल किया गया है।

सर्जिकल पैथोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी और शिक्षण पद्धति का उन्नयन प्रगति पर है। हम स्नातक, नर्सिंग छात्रों और क्षेत्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के शिक्षण के लिए एक साधन के रूप में वर्चुअल शिक्षण विकसित कर रहे हैं।

f'k{kk

स्नातकपूर्वः परिवर्तन नहीं

LukrdkÙkj

एमडी छात्रः 28 **सीनियर रेजीडेंटः 16** **पीएचडी छात्रः 6**

vYi&dkyhu Áf'k{k.k

1. डॉ लेफ्ट. कर्नल (डॉ समरेश कुमार ने 29 अगस्त 2016 से जारी 24 माह के लिए दीर्घ–अवधि प्रशिक्षण ले रहे हैं।)
2. डॉ लेफ्ट. कर्नल डॉ प्रेरणा कुमार ने 13 अगस्त 2016 से जारी 24 माह के लिए दीर्घ–अवधि प्रशिक्षण ले रहे हैं।
3. डॉ सुरभि त्यागी, सुपर स्पेशलिटी बाल चिकित्सा अस्पताल ने 21 अगस्त से 20 सितंबर 2017 तक एक महीने का अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया है
4. एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से डॉ उत्सव जौहसी ने 5–10 जून 2017 से छह महीने का ऑब्जर्वरशिप किया है
5. एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से डॉ अनीता हर्ष ने 5–10 जून 2017 से छह महीने का ऑब्जर्वरशिप किया है
6. एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर से डॉ कुसुम माथुर ने 5–10 जून 2017 से छह महीने का ऑब्जर्वरशिप किया है
7. डॉ (कर्नल) आर्म फोर्स इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी से जैनुल इस्लाम, ढाका बांग्लादेश ने जुलाई 2017 से दिसंबर 2017 तक रीनल पैथोलॉजी में प्रशिक्षण लिया।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

8–9 फरवरी 2018 से वर्चुअल टीचिंग पर द्वितीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव का आयोजन, डॉ रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान

चित्रा सरकारः 12	**एस. दत्ता गुप्ताः 15**	**मनोज के. सिंहः 1**	**ए.के. डिंडाः 15**
रुमा रेः 1	**मेहर सी शर्माः 15**	**वी.के. अय्यरः 5**	**वैशाली सूरीः 6**
संदीप माथुरः 13	**गीतिका सिंहः 2**	**असित रंजन मिर्धाः 1**	**दीपाली जैनः 9**
सुधीर अरावाः 6	**प्रसन्नजीत दासः 7**	**रजनी यादवः 3**	**सौम्या रंजन मलिकः 3**
सीमा कौशलः 3	**प्रशांत रामटकेः 1**	**आंचल कक्कड़ः 2**	

मौखिक शोध पत्रों/पोस्टरों की प्रस्तुतिः 48

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. हेपेटाइटिस ई वायरस (एचईवी) जीवन चक्र में वायरल प्रोटीएज और मेजबान अंतर्जात प्रोटीएज की भूमिका। एस.के. पांडा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 58.63 लाख रुपये
2. हेपेटाइटिस ई. के लिए एम.आई.आर.एन.ए./लंबे नॉन कोडिंग आर.एन.ए. की संभावय पूर्वानुमानित/नैदानिक बायोमार्कर के रूप में जांच, एस के पांडा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 60.14 लाख रुपये
3. जे.सी. बोस फेलोशिप, एस के पांडा, डीएसटी, 68 वर्ष की आयु तक, 2017–2022 या 68 वर्ष की आयु तक, 95 लाख रुपये
4. पूरे एक्सोम सीक्वेंसिंग के माध्यम से ग्लियोमा विकास और प्रगति का प्रकटीकरण, चित्रा सरकार, डीबीटी, 4 वर्ष (1–वर्ष का विस्तार दिया गया), 2013–2017, 99 लाख रु. (लगभग)
5. ग्लाइबोस्टोमा पर्सनलाइज्ड थेरेपी के लिए व्यापक आणविक अनुसंशिक पैनलों को विकसित करने के लिए एक बहु–केन्द्रीय अध्ययन, चित्रा सरकार, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016–2021, 50 लाख रुपये (लगभग)
6. जे.सी. बोस फेलोशिप, चित्रा सरकार, डीएसटी, 5 वर्ष, 2016–20, प्रति वर्ष 15 लाख रुपये

7. ओलिगोडेन्ड्रोग्लिओमास में एमआईआरएनए क्लस्टर्स (C14MC और C19MC) की भूमिका का प्रकटीकरणः क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंधों के साथ आनुवंशिक और कार्यात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए अध्ययन, चित्रा सरकार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020, 10 लाख रु.
8. क्रोनिक हिपेटाइटिस में हिपेटिक साइटोकाइन अभिव्यक्ति हिपेटोसाइट प्रोलिफरेशन, प्रोजिनेटर सेल सक्रियण, एस. दत्ता गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2013–2015, 5 लाख रुपये।
9. आभासी शिक्षण के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान में डिजाइन एवं ई. पाठ्यक्रम का विकास मनोज के सिंह,, एडवांसड कंप्यूटर क विकास के लिए केन्द्र (सी–डैक), 5 वर्ष, 2013–2018, 118.17 लाख रुपये
10. आभासी कौशल प्रयोगशाला, मनोज के सिंह डीईआईटीवाई, 4 वर्ष, 2014–2018, 262.5 लाख रुपये
11. विसरल लिशमानियासिस के इलाज के लिए एम्फोटेरिसिन बी. दवा वितरण प्रणाली आधारित लागत प्रभावी नैनो कण का विकासः प्रथम चरण का पूर्व नैदानिक अध्ययन, ए.के. डिंडा, डीबीटी, 2 वर्ष, 2015–2017, 89.65 लाख रुपये।
12. एनहांस्ड प्रतिजन प्रस्तुति और प्रोलोंड इम्यूनिटी के साथ नैनो कण आधारित हिपेटाइटिस बी (एच.बी.वी.) टीके का विकास : प्रथम चरण का पूर्व नैदानिक अध्ययन, ए.के. डिंडा, डी.बी.टी., 2 वर्ष, 2016–2018, 92.60 लाख रुपये
13. मौखिक और श्वसन मार्ग के माध्यम से मैक्रोफेज सेल्स रिसेपटर विशिष्ट लक्ष्यीकरण के लिए नैनो पार्टिकुलट, एंटीट्यूबरकुलर दवा वितरण प्रणाली का विकास : प्रथम चरण का अध्ययन, ए.के. डिंडा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2017, 49.73 लाख रुपये
14. विकासशील देशों में नियमित नैदानिक अभ्यास हेतु आणविक उप–समूह और मेडूलाब्लास्टोमा के जोखिम स्तरीकरण के लिए शीघ्र और आर्थिक विधियों की स्थापना, वैशाली सूरी, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 10 लाख रुपये
15. बाल चिकित्सा एपिन्डियमोमा के रोगजनन, में घोंघा पैरालोंगस की कार्यात्मक प्रासंगिकता को उजागर करना, एम.सी. शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 42 लाख रुपये
16. पुल्मोनरी एडीनो कार्सीनोमा वाले रोगियों के ट्यूमर ऊत्तकों और सीरा के मिलान में ई.जी.एफ.आर. उत्परिवर्तन का पता लगाना और तुलना, दीपाली जैन, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2015–2018, 25 लाख रुपये
17. गैर छोटे सेल फेफड़ों के कार्सिनोमा में काइनेज मार्ग संकेतन में रैपेमिसिन का मैमेलियन आरगेंट (एम.टी.ओ.आर.) और माइटोजन सक्रिय प्रोटीन (एम.ए.पी.) का एक व्यापक विश्लेषण, दीपाली जैन, लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट, 3 वर्ष, 2015–2018, 15 लाख रुपये
18. नॉन स्मॉल सेल फेफड़ों के कार्सिनोमा में इम्यूनोलॉजिक माइल्यू और पीडी–एल1 का सहसंबंध, दीपाली जैन, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018–2020, 8 लाख रु.
19. रीनल बॉयोप्सी में पोडोसाइट मिटाने के लिए एक सरोगेट मार्कर के रूप में फाइब्रोब्लास्ट विशिष्ट प्रोटीन (एफएसपीएल) की उपयोगिता में जांच, गीतिका सिंह, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 4.98 लाख रुपये
20. नॉन सिंड्रोमिक फोकल सेगमेंटल ग्लोमेरूलोसक्लेरोसिस में एन.पी.एच.एस., एन.पी.एच.एस.2, डब्ल्यू.टी.1, ए.सी.टी.एन.4 और आई.एन.एफ. 2 का विश्लेषण आदर्श बरवाद, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 10 लाख रुपये
21. कोलोन के माइक्रोस्कोपिक प्रेनियोप्लास्टिक लेसन्स भविष्य में कैंसर स्क्रीनिंग की संभावना का पता लगाना। घावों का आणविक लाक्षणीकरण, पी. दास, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2015–2019, 25 लाख रुपये
22. विभिन्न प्रोटो–ओन्कोजेन्स और ट्यूमर सप्रेसर्स जीन की तुलनात्मक आनुवंशिक और एपिजेनेटिक बदलाव की पहचान, जो कि प्रोक्सिमल वर्सस डिस्टल कोलोन के एब्रैन्ट क्रिप्ट फॉसी के विकास में निहित हैं, वंदना वडोला, महिला वैज्ञानिक योजना के तहत डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 27 लाख रु.
23. उन्नत सॉफ्ट टिशू सार्कोमा में टीपी53 उत्परिवर्तन की समसामयिक प्रासंगिकता, असित रंजन मृधा, एम्स, 2 वर्ष, 2018–2020, 10 लाख रु.
24. रिफ्रैक्टरी/रिप्लेस्ड प्राथमिक बड़े बी सेल लिंफोमा वाले रोगियों मेंसर्वाइकवल परसीएमवाईसी बीसीएल12, बीसीएल16 और एस्पटीन बर्र विषाणु की भूमिका का मूल्यांकन करना : एक एम्बिस्पेक्टिव अध्ययन। सौम्या रंजन मलिक, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2016–2019, 30 लाख रुपये
25. रिफैक्टरी हाडगिकिंग्स लिंफोमा की पूर्वानुमानित और 9पी24 आल्ट्रेशन में निदान एवंमाइक्रोएन्वायमेंट क्लोनेलिटी ऐसे जांच की भूमिका का मूल्यांकन करना, सौम्या रंजन मलिक, डीएसटी, 3 वर्ष 2017–2020, 35 लाख रुपये
26. विभिन्न उम्र में सामान्य श्रेष्ठ और हीन पैराथाइरॉइड ग्रंथियों के सेलुलर और आणविक विषमता, शिप्रा अग्रवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 9.15 लाख रु.
27. पैपिलरी थायरॉयड कैंसर के निदान के लिए एक भावी गैर–इनवेसिव उपकरण के रूप में बीआरएफ (टी1799ए) म्यूटेशन हेतु परिसंचारी डीएनए का विश्लेषण, शिप्रा अग्रवाल, एम्स, 3 वर्ष, 2017–2020, 8.12 लाख रु.
28. ब्लैडर यूरोथीलीयल कार्सिनोमा में एमआईआर 200सी और ईएमटी (जेडईबी1,जेडईबी2 एवं ट्विस्ट) का प्रथम अध्ययन, सीमा कौशल, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, प्रति वर्ष 4.8 लाख रु.

29. आईएचसी मार्करों के आधार पर, मसल इनवेसिव ब्लैडर कैंसर का आणविक उपप्रकार, सीमा कौशल, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, रु. 4.9 लाख प्रति वर्ष
30. छोटे बी–सेल गैर–हॉजकिन के लिंफोमा के उचित लक्षण वर्णन में नए इम्युनो–हिस्टोकेमिस्ट्री मार्करों की उपयोगिता, प्रशांत रामटेके, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 6.5 लाख रु.
31. ट्रिपल नेगेटिव/एचईआर–2 न्यू पॉजिटिव स्तन कैंसर रोगियों में प्रतिरक्षा प्रणाली के इंफलिट्रटिंग सेल्स टयूमर के इनयूनाफेनोटाइपिक प्रोफाइल और पी.डी.एल. की अभिव्यक्ति एवंनवसहायक कीमोथिरेपी की प्रतिक्रिया से उकी सह–संबंध, संदीप आर माथुर डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–20, 21 लाख रुपये

पूर्ण

1. विशिष्ट एसआईआरएनए द्वारा मोनोकाइट/मैक्रोफेज कोशिकाओं पर ऑक्सीकृत–एलडीएल रिसेप्टर (एलओएक्स–1) की विवो साइलेंसिंग में नैनोकण–आधारित एसआईआरएनए डिलीवरी, प्रोलिफ्लेमेटरी साइटोकिन्स के प्लाज्मा स्तर पर इसका प्रभावः एक पशु मॉडल में एक अध्ययन, ए.के. डिंडा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–2017, 35.66 लाख रु.
2. मौखिक और श्वसन मार्ग के माध्यम से मैक्रोफेज रिसेप्टर विशिष्ट लक्ष्यीकरण के लिए नैनोपार्टिकुलेट एंटीट्यूबरकुलर दवा वितरण प्रणाली का विकासः चरण I अध्ययन, ए.के. डिंडा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2017, 49.73 लाख रु.
3. प्रभावी रूप से सीरोलॉजिकल डायग्नोस्टिक मोडेलिटीज के रूप में IgA और IgG एंटी–टिशू ट्रांसग्लुटामिनेज 2 के सह–स्थानीयकरण का प्रदर्शन, आंतों और अतिरिक्त–आंतों के सीलिएक रोग का निदान, पी दास, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 10 लाख रु.
4. गैर–छोटे सेल कार्सिनोमा में पीडी–एल1 अभिव्यक्ति का विश्लेषण : वैकल्पिक प्रतिरक्षा लक्षित चिकित्सा का कार्यान्वयन, दीपाली जैन, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 8 लाख रुपये
5. फेफड़ों के कैंसर के आणविक सबटाईपिंग में ई.जी.एफ.आर. उत्परिवर्तन, ए.एल.के. जीन पुनव्र्यवस्था, के.आर.ए.एस. उत्परिवर्तन की पहचान, दीपाली जैन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–2017, 20 लाख रुपये
6. विकासशील देशों में नियमित नैदानिक अभ्यास हेतु आणविक उप–समूह और मेडूलाब्लास्टोमा के जोखिम स्तरीकरण के लिए शीघ्र और आर्थि विधियों की स्थापना, वैशाली सूरी, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एनपीएचएस1, एनपीएचएस2, डब्ल्यूटी1, एसीटीएन4 और आईएनएफ2 का गैर–सिंडोमिक फोकल सेग्मल ग्लोमेरुलोस्केलेरोसिस का विश्लेषण
2. क्लीनिकल पेलपेशन और विकिरण विज्ञान द्वारा मुखीय गुहा सक्वेमस सेल कार्सिनोमा (टी1–टी3) की इंवेसिन कार्सिनोमा डेप्थ का आकलन तथा उसका ऊत्तक रसायन गहराई के साथ सह–संबंध
3. विकसित कोमल ऊत्तक सार्कोमा पीड़ित रोगियों में पी53 प्रतिरक्षा अभिव्यक्ति तथा केआई67 एलआई का अध्ययन
4. गहन अध्ययन का करते हुए एमईएसटी स्कोरिंग के अनुसार आईजीए नेफ्रोपैथी वर्गीकरण
5. रिहुमेटॉइज आर्थराइटिस के लिए लक्षित नैनो दवा वितरण प्रणाली का विकास
6. कालाजार के उपचार के लिए लक्षित नैनोकण आधारित दवा वितरण प्रणाली का विकास
7. कम लागत क्रियाशील जैव संगत पॉलीमेरिक घाव ड्रेसिंग का विकास
8. मेम्ब्रेनस ग्लोमेरूलोनेफ्राइटिस की रीनल बायोप्सी पर पीएलएआर–2 प्रतिरक्षा ऊत्तक रसायन का अध्ययन
9. पुराने गुर्दा रोग में आयरन होमियोस्टेसिस का अध्ययन
10. प्राथमिक हाइपरपैराट्रोइडिज्म वाले रोगियों में पैराथाइरॉइड घावों और लिम्फ नोड्स के भेदभाव में 18एफ–फ्लूरोकोलीन के साथ प्रारंभिक गतिशील पीईटी/सीटी की भूमिका का आकलन
11. प्राथमिक हाइपरपैराट्रोइडिज्म में चयनित प्रतिलेखन कारकों और रिसेप्टर्स का विश्लेषण
12. प्राथमिक हाइपरपैरैथायराइडिज्म (एचपीटी) के रोगियों में पैराथायरायड लेसियन के स्थानीयकरण में 4डी सीटी, 4डी एमआरआई और फ्लूरोकोलीन पीईटी की तुलना
13. पैपिलरी थायरॉयड कार्सिनोमा की आक्रामकता के अनुमान में बीआरएफ वी600ई और टीईआरटी प्रमोटर म्यूटेशन की भूमिका
14. प्राथमिक हाइपरपैराट्रोइडिज्म वाले रोगियों में हाइपरफंक्शनिंग पैराथायराइड ऊतक के स्थानीयकरण में 18एफ कोलाइन पीईटी–सीटी की भूमिका
15. गैलब्लैडर कार्सिनोमा और उसके नैदानिक प्रभाव में एचईआर2 न्यु स्टेन के लक्षण

16. गैलब्लैडर कार्सिनोमा और उनके नैदानिक प्रभाव में पीडी1, पीडी–एल1 और सीडी8 सेल मार्कर के लक्षण
17. सेलुलर रिजेक्शन में एक ग्लोमरूलर कैपिलरी एंडोथीलियल क्षति का प्रतिक्षा ऊत्तकरसायन तथा अल्ट्रस्टक्चरल अध्ययन
18. ग्लोमेर्युलर रोगों में गैलेक्टोज की कमी वाले आईजीएआई का अध्ययन
19. उन्नत नरम ऊतक सार्कोमा के रोगियों में पी53 इम्युनोएस्पिरेशन और केआई67 एलआई का अध्ययन
20. डिस्क हर्नियेशन के साथ युवा रोगियों की तुलना में, डिगेंरेटिव लम्बर कैनाल स्टेनोसिस वाले रोगियों में हिस्टोपैथोलॉजिकल और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक परिवर्तन
21. प्राथमिक डबल/ट्रिपल एक्सप्रेसर लिफोमा का क्लिनोपैथेलॉजिकल प्रोफाइल
22. प्राइमरी सिलिएरी डिस्काइनेसिया के चिकित्सीय संदिग्ध मामलों में सिलिएरी विषमता का इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक अध्ययन
23. गैर–मार्फनॉइड व्यक्तियों के टीएएए में फाइब्रिलिन 1 जीन उत्परिवर्तन और टीजीएफ बीटा
24. आरएचडी रोगियों के एक्साइस्ड वाल्वुलर टिश्यु में पोलीमरेज चेन रिएक्शन के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का मेडुलोब्लास्टोमा के आणविक उपसमूह हेतु नैनोस्ट्रिंग तकनीक से पता लगाना
25. आईडीएच नकारात्मक ग्लियोमा की मोलेक्यूलर प्रोफाइलिंग
26. मेनिंगियोमा में ईएमटी और डब्ल्यूएनटी/बी कैटेनिन पाथवे के साथ इसका संबंध
27. एपिथेलिऑइड ग्लियोब्लास्टोमा में हिस्टोपैथोलॉजी और मोलेक्यूलर आनुवंशिक परिवर्तन
28. डिफ्यूज मिडलाइन ग्लिओमासः एक क्लिनिकोपैथोलॉजिकल और मोलेक्यूलर आनुवंशिक अध्ययन
29. एपेंडिमोमा में गुणसूत्र 22q परिवर्तन और एनएफ2 सिग्नलिंग पाथवे का अध्ययन
30. ईजेडएच2-डब्ल्यूएनटी अभिव्यक्ति और ट्यूमर त्र्यूमर इनवेसिव, स्टेम सेल फेनोटाइप और पिट्यूटरी एडेनोमास में प्रगति के साथ सहसंबंध
31. इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षण वर्णन और पापोनसियल कार्सिनोमस के एचपीवी संबंध।
32. नॉन–स्माल लेग लंग कार्सीनोमा में प्रोग्राम्ड डेथ लिगांड–1 (पीडीएल–1) तथा इसका रेगुलेटरी कोशिकाओं के साथ सह संबंध, साइटोलॉजी नमूनों का उपयोग
33. पल्मोनरी एडेनोकार्सिनोमा के ईजीएफआर म्यूटेशन परीक्षण में मूत्र परिसंचारी सेल–फ्री डीएनए की उपयोगिता
34. एनएससीएलसी में ईजीएफआर डाउनस्ट्रीम पाथवे का विश्लेषण और टीकेआई प्रतिरोध हेतु प्रणाली को स्पष्ट करना
35. प्राथमिक ब्लेडर यूरोथेलियल कार्सिनोमा में एपिथेलियल–मेसेगकाइमल संक्रमण मार्करों का अध्ययन
36. इम्यूनोहिस्टोकेमिकल मार्करों के आधार पर बेसल और ल्यूमिनल प्रकारों में प्राथमिक मसल–इनवेसिव ब्लेडर कार्सिनोमा की सबटाइपिंग

पूर्ण

1. आणविक उपप्रकारों द्वारा युवा महिलाओं में स्तन कैंसर का स्तरीकरण
2. गोल्ड नैनों पार्टिकल की विकिरण वद्धि क्षमता का अध्ययन।
3. स्थानीय विभेदित थायरॉयड कैंसर के लिए पूर्ण थायरॉयडेक्टोमी (रेसीडुअल थयरॉयड के रेडियो एबलेशन के साथ) करवा रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता एवं उपचार की लागत प्रभावशीलता : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
4. डेकेयर थायरॉयडेक्टॉमी सर्जरी पर एक पायलट अध्ययन
5. उत्तर भारत के उच्च ऊंचाई (लद्दाख) और निचले इलाकों के निवासियों हेतु हेलिकोबैक्टर पाइलोरी जीनोटाइपिंग और गैस्ट्रिक बायोप्सी में जीनोमिक विविधता का आकलन
6. आईजीए के वीवो सह–स्थानीयकरण और दोहरे–इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और दोहरे कॉन्फोकल इम्यूनोफ्लोरेसेंस तकनीकों द्वारा अतिरिक्त आंतों के सीलिएक रोग के औपचारिक रूप से तय किए गए पैराफिन एम्बेडेड टिश्यु में एंटी–टिशू ट्रांसग्लुटामिनेज एंटीबॉडीज
7. फॉर्मालिन फिक्स्ड पैराफिन एम्बेडेड टिश्यु नमूनों से सामान्य कोलोनिक म्यूकोसा और कोलोरेक्टल कार्सिनोमा की तुलना में, एबरैंट क्रिप्टो फॉसी में ऑन्कोजीन ट्रान्स्क्रीप्ट की जीन लक्षण विश्लेषण
8. सामान्य कोलोनिक म्यूकोसा और कोलोरेक्टल कार्सिनोमा की तुलना में, एबरैंट क्रिप्टो फॉसी में ट्यूमर शमन जीन का मिथाइलेशन विश्लेषण
9. डेस्मोप्लास्टिक और गैर–डिस्मोप्लास्टिक अग्नाशयी और कोलेलिओकार्सिनोमा में स्पार्क अभिव्यक्ति
10. पैन्क्रियाटिक एडेनोकार्सिनोमा और कोलेजनियोकार्सिनोमा में आरआरएम1 और ईआरसीसी1 की अभिव्यक्ति और उनके रोग संबंधी महत्व
11. मेम्ब्रोनस नेफ्रोपैथी : नैदानिक सहसंबंध सहित इम्यूनोफलोरोसेंस इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी तथा पीएलए2 प्रोफाइल का एक अध्ययन।
12. इविंग सर्कोमा में सीएक्ससीआर4, एसडीएफ1 सीएक्ससीआर7 प्रतिरोधी और उसकी प्रोग्नोस्टिक इम्पलीकेशन में पी53 इम्यूनोपोजिटिविटी और केआई67 लेबलिंग इंडक्स के साथ सह–संबंध का प्रतिरक्षा ऊत्तक रसायन विश्लेषण का अध्ययन
13. एंडियोमीट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनीज्म का आणविक आधार

14. प्राथमिक फैलाव बड़े बी सेल लिम्फोमा में सेल चक्र नियामक अणु (पी53, आरबी, पी16, पी14,) और एपिजेनेटिक नियंत्रक (ईजेडएच2) के प्रतिरक्षा ऊत्तक रसायन अभिव्यक्ति के बीच संबंध का मूल्याकंन करना
15. थोरेसिक एरोटिक ऐनयूरिज्म में मेट्रिक्स मेटलोप्रोटीनेज–2 मेट्रिक्स मेटलोप्रोटीनेज–9, टिश्यू इनहिबिटर मेटलोप्रोटीनिनेज–1, टिश्यू इनहिबिटर मेटलोप्रोटीनेज–2, कोलाजन I तथा IV का एक्सप्रेशन
16. विटिलिगो में प्रतिरोपण के लिए एंजाइम (ट्रिप्सिन) तथा कई एंजाइम (ट्रिप्सिन, कोलानिज, तथा डिस्पेज) के प्रयोग से तैयार एक्सट्रेक्टड हेयर फॉलिक्ल आउटर रूट शीथ सेल सस्पेंशन की विभिन्न कोशिका समाष्टियों की प्रभावकारिता और संघटन का एक तुलनात्मक अध्ययन
17. भारत अध्ययन में नियमित नैदानिक अभ्यास हेतु आणविक उप–समूह और मेडूलाब्लास्टोमा के जोखिम स्तरीकरण के लिए शीघ्र तीव्र और किफायती तरीकों की स्थापना
18. सीएनएस प्रीमिअिव न्यूरोटोडर्मल ट्यूमर (सीएनएस –पीएनईटी) के इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और आणविक विश्लेषण
19. एपीडेमोमा में एपिथेलियल से मेसंकाइमल बदलाव

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. स्थानीय उन्नत, रेसपेक्टेबल कार्सिनोमा गॉल ब्लेडर वाले रोगियों में सर्जरी के बाद कनकरंट व सीक्वेंशियल नीयो एडजुवेंट कीमोथैरेपी की तुलनाः एक पायलट अध्ययन, जठरांत्र शल्यचिकित्सा, चिकित्सा अर्बुद विज्ञान, विकिरण अर्बुद विज्ञान, पैथोलॉजी
2. कोलोरेक्टल कार्सिनोजेनेसिस के दौरान कोलन म्यूकोसा में विचित्र रूपात्मक रूप से पहचाने जाने वाले प्रीनेओप्लास्टिक घावों की पहचान, पैथोलॉजी, जीआई सर्जरी, सर्जरी
3. जलने की चोटों के लिए कृत्रिम त्वचा (जैव–प्रेरित बाय–लेयर पॉलिमरिक हाइब्रिड), ट्रॉमा केयर (इम्प्रिंट प्रोजेक्ट) सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी दिल्ली
4. माइक्रोप्लाटर्न सतह और डिकेलरलाइज्ड कॉर्निया का उपयोग करके मूर्तिकला का निर्माण, टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, आईआईटी दिल्ली, स्टेम सेल फैसिलिटी, आर.पी. सेंटर
5. एस्चेरिचिया कोलाई सिस्टम (इम्प्रिंट प्रोजेक्ट) में आघात और दुर्घटना देखभाल के लिए एक महत्वपूर्ण थेराप्यूटिक प्रोटीन का उत्पादन, स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, आईआईटी दिल्ली
6. भारत सहस्राब्दी गठबंधन परियोजनाः घाव की देखभाल के लिए एक तेजी से प्रयुक्त डिवाइस, एक्सेल मैट्रिक्स बायोलॉजिकल डिवाइसेस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद
7. क्लिनिकल एम ट्यूबरकुलोसिस के विभिन्न जीनोटाइप्स का सहसंबंध, पैथोलॉजिकल मैनिफेस्टेशन और डिजीज रिजल्ट ऑफ पोस्ट–प्राइमरी ट्यूबरकुलोसिस, लैबोरेटरी मेडिसिन, मेडिसिन, पैथोलॉजी और एलआरएस इंस्टीट्यूट ऑफ टीबी एंड रेस्पिरेटरी डिजीज
8. सीलिएक रोग वाले रोगियों में विलेस असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर और अन्य इंटरपैथीज, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी
9. प्रोटीन प्रोफाइलिंग और तनाव के साथ सहसंबंध द्वारा एंडोमेट्रियोसिस के पैथोफिजियोलॉजी को समझना, फिजियोलॉजी, प्रसूति और स्त्री रोग, रिप्रोडक्टिव जीव विज्ञान, बायोस्टैटिस्टिक्स, पैथोलॉजी
10. "टेरीगोपैलेटाईन जीवाश्म– टेरिगाईड कैनल परिसर" के भ्रूण के विकास के ऊतक वैज्ञानिक मूल्यांकन द्वारा जुवेनाइल नेजल एंजीओफिब्रोमा (जेएनए) की उत्पत्ति, जेएनए, ईएनटी, एनाटॉमी रेडियोडायग्नोसिस, पैथोलॉजी, प्रसूति एवं स्त्री रोग
11. प्रारंभिक परिणाम पोस्ट–कसाई पोर्टोइंटरोस्टोमी, बाल चिकित्सा सर्जरी, पैथोलॉजी के लिए सरल मार्करों के रूप में प्रीऑपरेटिव और पश्चात सीरम बिलीरुबिन और क्षारीय फॉस्फेट का अनुपात
12. क्रोनिक हेपेटाइटिस, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी पर तीव्र और नैदानिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का अध्ययन
13. गैर–सिरोथिक पोर्टल फाइब्रोसिस (एनसीपीएफ) और एक्स्टेराफेटिक पोर्टल वेनस ऑब्सट्रक्शन (ईएचपीवीओ), पैथोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, जीआई सर्जरी की हिस्टोपैथोलॉजी
14. लिवर फाइब्रोसिस, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी के हिस्टोलॉजिकल और फाइब्रोस्कैन स्कोरिंग की तुलना
15. रोगसूचक और स्पर्शोन्मुख मामलों और परिवार के सदस्यों, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू तथा पैथोलॉजी में सीलिएक रोग का हिस्टोपैथोलॉजी
16. मोटापा की बीमारी, सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी में गैर–अल्कोहल फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) पर लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी (बेरिएट्रिक सर्जरी) का प्रभाव

17. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी में नियो एडजवांट कीमोरेडिओथेरेपी की प्रतिक्रिया के लिए आकलन संबंधी बायोमार्कर
18. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री, परमाणु चुंबकीय अनुनाद, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी का उपयोग करके सीलिएक रोग में आंतों के श्लेष्म के मेटाबोनोमिक्स और एंजाइम गतिविधि प्रोफ़ाइल का सहसंबंध
19. तीव्र और जीर्ण जिगर की बीमारी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी में जिगर की बायोप्सी#
20. हिर्स्चस्प्रुंग रोग, बाल चिकित्सा सर्जरी, विकृति विज्ञान के लिए कोलेक्टॉमी के बाद गैर–गतिशीलता के कारणों की विशेषता#
21. इन विट्रो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, परमाणु चुंबकीय अनुनाद, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी में सीलिएक रोग के साथ रोगियों में बहु–प्रणाली की भागीदारी की जांच करने के लिए एक अध्ययन #
22. हेपेटिक ग्लाइकोजन के प्रकार आणविक और जैव रासायनिक विशेषता , और ,,,, जेनेटिक्स, बाल रोग, परमाणु चुंबकीय अनुनाद और पैथोलॉजी#
23. तंग जंक्शनों की आणविक अभिव्यक्ति और गैस्ट्रिक कैंसर, प्रयोगशाला चिकित्सा, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एचएनयू, पैथोलॉजी की प्रगति में म्यूकोसल उपकला सेल ध्रुवता का विघटन
24. प्रोस्टेट कैंसर, न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस, यूरोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस आईआरसीएच, पैथोलॉजी की पहचान में एमआर निर्देशित बायोप्सी
25. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, परमाणु चुंबकीय अनुनाद, मूत्रविज्ञान, रेडियोओडायग्नोसिस आईआरसीएच, पैथोलॉजी का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर का चयापचय अध्ययन
26. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा, ईएनटी, रेडियोडायग्नोसिस, पैथोलॉजी में अनिवार्य, नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और हिस्टोपैथोलॉजिकल भागीदारी
27. वसा टिश्यु एबीसीए1 और मेटाबोलिक की स्थिति से इंसुलिन प्रतिरोध और एचडीएल गुणवत्ता का मॉडुलन, बायोकेमेस्ट्री
28. फोलिक्यूलर लिम्फोमा, मेडिकल ऑन्कोलॉजी में एक चरण III ओपन–लेबल रेंडोमाइज्ड प्लस राइटक्सिमैब बनाम बेंडामुस्टाइन प्लस राइटक्सिमैब का परीक्षण, डॉ बी.आर.ए. संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स, नई दिल्ली
29. परिधीय कार्सिनोमा वाले रोगियों में ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) के प्रसार की व्यापकता, और रिकरेंस–फ्री और समग्र अस्तित्व के साथ इसका संबंध, जीआई सर्जरी और लीवर ट्रांसप्लांट विभाग, एम्स, नई दिल्ली
30. आरएचडी रोगियों के एक्साइस्ड वाल्वुलर टिश्यु में पॉलीमरेज चेन रिएक्शन के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना, कार्डियोलॉजी, एम्स
31. पुराने हृदय विफलता वाले रोगियों में सूजन के साथ टोल–लाइक रिसेप्टर्स (टीएलआर) के सहसंबंध का पता लगाना, कार्डियोलॉजी, सफदरजंग अस्पताल
32. कार्डियाक मार्करों का अध्ययन, सकल निष्कर्ष और संदिग्ध हृदय मृत्यु के मामलों में हृदय में हिस्टोपैथोलॉजिकल परिवर्तन, फॉरेंसिक मेडिसिन, एम्स
33. फुफ्फुसीय सारकॉइडोसिस और मीडियास्टिनल तपेदिक, पल्मोनरी मेडिसिन, एम्स के साथ रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग और साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन
34. माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभावों और इंजेक्शन के दर्द को कम करने और रिकैलिट्रेंट एनाजिटल और अतिरिक्त–जननांग (सामान्य) वार्ट, त्वचाविज्ञान, एम्स में नैदानिक परीक्षण के नए फार्मूलेशन और पैकेजिंग का विकास
35. चेहरे की मात्रा के नुकसान, त्वचाविज्ञान, एम्स के उपचार में ऑटोलॉगस गैर–सुसंस्कृत त्वचीय कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण
36. रैट, फार्माकोलॉजी, एम्स में ब्लोमाइसिन–प्रेरित फुफ्फुसीय विषाक्तता में सेसमोल का अध्ययन
37. पेमफिगस वल्गरीज, फार्माकोलॉजी, एम्स के इम्युनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न रिकॉग्निशन रिसेप्टर्स (पीआरआर) के साथ सेल सबसेट की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज
38. ग्लियोमास में फैट जीन, आन्तरिक प्राथमिक पल्मोनरी विकृति वाले रोगियों हेतु इंट्राऑपरेटिव पल्मोनरी द्रव और प्लाज्मा में कोशिका–मुक्त डीएनए की जैव रसायन विभाग नैदानिक उपयोगिता, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
39. ओल्फक्ट्री न्यूरोब्लास्टोमा के रोगियों में गुप्त लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटनाओं के मूल्यांकन के लिए संभावित पायलट अध्ययन
40. ओटोराइनोलैरिंग्नोलॉजी और सिर और गर्दन की सर्जरी
41. स्पष्ट तौर पर इडियोपैथिक इन्टरस्टिशियल फेफड़ों के रोगों, रेडियोडायगनोसिस के निदान में एचआरसीटी की भूमिका
42. एचआरसीटी, पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर के दौरान वर्गीकृत सक्शन दबावों का उपयोग करके नैदानिक परिणाम की तुलना
43. फेफड़ों के कैंसर में थाइमिडिलेट सिंथेटेज और फोलेट रिसेप्टर अल्फा, मेडिकल ऑन्कोलॉजी

44. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में संभावित बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए–182 और एमआईआरएनए–187 का अध्ययन, सीरम पीएसए, ग्लीसन स्कोर और प्रोस्टेट कैंसर, यूरोलॉजी, एम्स के साथ सहसंबंध
45. वृषण रोगाणु कोशिका ट्यूमर के लिए बायोमार्कर के रूप में माइक्रोकैना परिसंचारीः एक पायलट अध्ययन, प्रजनन जीवविज्ञान, एम्स
46. गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा, यूरोलॉजी, एम्स के रोगियों में ट्यूमर के व्यवहार के लिए एक बायोमार्कर के रूप में ग्लूकोज संबंधित प्रोटीन 78 (जीआरपी78) की पहचान
47. ह्यूमन पैपिलोमायरस स्टेटस इन पेनियल कार्सिनोमा इन इंडियन पेशेंट्सः इन्सिडेन्स, टाइप डिस्ट्रीब्यूशन एंड कॉरेलेशन विव क्लिनिकोपैथोलोजिकल स्टेजिंग, यूरोलॉजी, एम्स
48. आईआरसीएच, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, एम्स में वृषण जर्म सेल ट्यूमर का पूर्वव्यापी विश्लेषण
49. एक पशु मॉडल, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, अहमदाबाद में हर्बल अर्क के यूरोलिथियासिस गतिविधि का मूल्यांकन
50. सर्टोली कोशिका पर जेनेटिक अध्ययन केवल सिंड्रोम, रिप्रोडक्टिव जीवविज्ञान, एम्स
51. मूत्राशय के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में संबंधित एचएमजीबी–1 और इसके संबंधित अणुओं की आटोफैगी का अध्ययन, बायोकेमेस्ट्री, एम्स
52. रेनल सेल कोशिका कार्सिनोमा में टीएच17 और ट्रेग कोशिकाओं के फेनोटाइपिक और मोलेक्यूलर लक्षण वर्णन, बायोकेमिस्ट्री, एम्स
53. हिस्टोपैथोलॉजी के अनुमान हेतु रेनल मासेस का सीटी बनावट विश्लेषण, रेडियोलॉजी, एम्स
54. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने हेतु मानक 12 कोर के व्यवस्थित टीआरयूएस निर्देशित बायोप्सी और एमआरआई–फ्यूजन बायोप्सी की तुलना–एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, यूरोलॉजी, एम्स
55. मेटास्टेटिक आरसीसी के साथ रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं और सीएक्ससीआर1 लक्षण की भूमिका, यूरोलॉजी, एम्स
56. ब्लैडर कार्सिनोमा के लिए कोल्ड कप बनाम बायपोलर बायोप्सी नमूनों की तुलना, यूरोलॉजी, एम्स।

पूर्ण

1. एफडीजी पीईटी सीटी, एमआरआई और एनएमआर का उपयोग करके स्तन कैंसर का आणविक वर्गीकरणः एक पायलट अध्ययन, सर्जरी
2. गर्भाशय रोग विज्ञान, रेडियोडायग्नोसिस के मूल्यांकन में सोनो–इलास्टोग्राफी की भूमिका
3. सीजर, फार्माकोलॉजी के जीवों के विभिन्न मॉडल में एंटीपीलेप्टिक दवाओं के नैनोफोरमुलेशन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना
4. एंडोमेट्रियल पैथोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस के मूल्यांकन में कतरनी तरंग इलास्टोग्राफी और मल्टीमैट्रिक एमआरआई की भूमिका
5. अग्नाशय नलिका एडेनोकार्सिनोमा में आरईजी–4 लक्षण, निदान और रोग का निदान के मूल्यांकन के लिए एक संभावित मार्कर के रूप में उपयोग करना, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली
6. सीलिएक रोग वाले रोगियों में एन्टेरोपैथी के आकलन के लिए गैर–प्रतिरक्षाविज्ञानी बायोमार्कर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स
7. बाल चिकित्सा गैर–हॉजकिन लिंफोमा, मेडिकल ऑन्कोलॉजी की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताएं, डॉ बी.आर.ए. संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, एम्स, नई दिल्ली
8. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा नमूनों के सर्जिकल–पैथोलॉजिकल मूल्यांकन का मानकीकरण – एक संभावित अध्ययन, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
9. गैर–छोटे सेल फेफड़े के कैंसर, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के मीडियास्टाइनल स्टेजिंग में एकीकृत पॉज़िट्रांन एमिशन टोमोग्राफी – कम्प्यूटेड टोमोग्राफी और एंडोब्रोनोचियल अल्ट्रासाउंड–गाइडेड ट्रांस–ब्रोन्कियल सुई आकांक्षा की भूमिका को मान्य बनाने के लिए एक संभावित अध्ययन
10. थूक में नकारात्मक और थूक–दुर्लभ रोगियों में ब्रोन्कोस्कोपी और ब्रोन्कोस्कोपिक प्रक्रियाओं की नैदानिक पैदावार, छाती की इमेजिंग पर बुखार और पिल्लू छायांकन के साथ पेश करना, चिकित्सा
11. ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनोपैथी, चिकित्सा के निदान के लिए एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ का मूल्यांकन
12. मीडियास्टिनल लिम्फैडेनोपैथी, चिकित्सा में एक नैदानिक उपकरण के रूप में ईबीयूएस–टीबीएनए की उपयोगिता
13. सीलिएक रोग और अन्य एटरोपैथी वाले रोगियों में खलनायक असामान्यताओं के आकलन के लिए बायोमार्कर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स
14. एब्रेन्ट सेक्शन में डीएनए मिथाइलेशन विशिष्ट पीसीआर सरणी द्वारा ट्यूमर शमन जीन की मेथिलेशन स्थिति का पता लगाना, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स

15. अतिरिक्त आंतों के सीलिएक रोग के टिश्यु में आईजीए और आईजीजी एंटी–टिशू ट्रांसग्लूटामिनेज एंटीबॉडी का कोलोकलाइजेशनः एक पायलट अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स
16. फॉर्मालिन फिक्स्ड पैराफिन एम्बेडेड टिश्यु के नमूनों से सामान्य कोलोनिक म्यूकोसा और कोलोरेक्टल कार्सिनोमा की तुलना में एबरैंट क्रिप्टो फॉसी में ऑन्कोजीन ट्रांसक्रिप्ट के जीन लक्षण विश्लेषण, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स
17. एच पाइलोरी जीनोटाइपिंग और उत्तर भारत के उच्च ऊंचाई (लद्दाख) और निचले इलाकों के निवासियों से गैस्ट्रिक बायोप्सी में जीनोमिक विविधता का आकलन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स
18. ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में सर्कुलेटिंग ट्यूमर कोशिकाओं सेलों का पता लगाना और परिमाणन

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 151 सारः 1 पुस्तकों में अध्यायः 10 पुस्तकें: 1

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर एस.के. पांडा मेडिकल काउंसिल सीएसआईआर और सलाहकार बीआईआरएसी (डीबीटी) के अध्यक्ष थे।

प्रोफेसर चित्रा सरकार ने वर्ष 2016 के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय महिला जैव वैज्ञानिक पुरस्कार (वरिष्ठ श्रेणी) जीता; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के नैनो मिशन काउंसिल (एनएमसी) के सदस्य; सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के उत्तर पूर्वी क्षेत्र जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के लिए सर्वोच्च समिति; न्यूरोपैथोलॉजी के इंटरनेशनल सोसायटी के उपाध्यक्ष; सचिव, न्यूरोपैथोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया; चयन समिति के सदस्य रैनबैक्सी पुरस्कारों के लिए; आईएनएसए के अनुभागीय समिति (स्वास्थ्य विज्ञान) के सदस्य; सदस्य, जर्नल न्यूरोपैथोलॉजी के संपादकीय बोर्ड (जापान से प्रकाशित); सदस्य, आईसीएमआर के वैज्ञानिकों के प्रचार के लिए मूल्यांकन समिति; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर की शासी निकाय और वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्यय पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्यय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली की मानव नैतिकता समिति के सह–अध्यक्ष; डॉ अंबेडकर सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली के मानव आचार समिति के सदस्य; न्यूरोसाइंस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के टास्क फोर्स के सदस्य।

प्रोफेसर एस. दत्ता गुप्ता ने नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के साथी के रूप में जारी हैं; इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के एसोसिएट एडिटर; प्रयोगशाला के चिकित्सकों के भारतीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोपैथोलॉजी एंड डायग्नोस्टिक डर्मेटोलॉजी और इंडियन जर्नल ऑफ चेस्ट डिजीज।

प्रोफेसर मनोज के. सिंह 26 अप्रैल 2017 को एम्स, भोपाल, म.प्र. में पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग में फैकल्टी की भर्ती के लिए स्थायी चयन समिति के पैनल में बाह्य विशेषज्ञ थे; 30 अक्टूबर 2017 को डीएचएस, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता के साथ बैठक में भाग लिया; 16 नवंबर 2017 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में अतिरिक्त प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के पद के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में स्थायी चयन समिति; 18 नवंबर 2017 को शैक्षणिक पाठ्यक्रम (स्नातकोत्तर/स्नातकोत्तर डॉक्टरेट) शुरू करने के लिए एम्स, पटना में निरीक्षण; विशेषज्ञ समिति की बैठक 14–16 दिसंबर, 2017 को तमिलनाडु के कांचीपुरम के श्री बालाजी विद्यापीठ, पुदुचेरी और इसके ऑफ–कैंपस में हुई; 19 फरवरी 2018 को पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग, एम्स, रायपुर (छत्तीसगढ़) में संकाय पदों के खिलाफ भर्ती के लिए चयन समिति में विषय विशेषज्ञ; 19 मार्च 2018 को कोलकाता में ग्रामीण क्षेत्रों में हेल्थकेयर और स्वच्छता के लिए वर्चुअल टीचिंग टूल्स पर प्रोजेक्ट प्लानिंग बैठक; विगत राष्ट्रपति, और अध्यक्षता कार्यकारी बैठक, भारत की त्वचाविज्ञान की वार्षिक बैठक, 1–3 दिसंबर 2017, पैथोलॉजी विभाग, पुदुचेरीय अध्यक्षता सत्र, प्रकृति नैनो–नैनो और सामग्री शिखर सम्मेलन गोवा में, 18–19 मई 2017, गोवा; आईएसएन के कोषाध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ नैनोमेडिसिन (नैनोबायोटेक–2017) के 2रे वार्षिक सम्मेलन, 6–8 दिसंबर, 2017, विकृति विज्ञान विभाग, त्रिवेंद्रम में उपस्थित हुए।

प्रोफेसर ए.के. डिंडा को नवदुर्गा और ओरल वैक्सीन प्लेटफार्म पर काम करने के लिए इस वर्ष के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए एआईआईएमएस पुरस्कार मिला, और 9 अक्टूबर 2017 को बाल्टिक सम्मेलन, स्टॉकहोम, स्वीडन में 'नए युग की प्रौद्योगिकी और नवाचार' के क्षेत्र में उल्लेखनीय और उत्कृष्ट योगदान के कारण वर्ष 2017 के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एडवांस्ड मटेरियल (आईएएएम) पदक प्राप्त किया।

आचार्य संदीप आर. माथुर 2020 तक 3 वर्षों के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ साइटोलॉजिस्ट के दिल्ली अध्याय के सचिव के रूप में नियुक्ति को बढ़ाया।

डॉ. दीपाली जैन को पल्मोनरी पैथोलॉजी सोसायटी, शिकागो, यूएसए, जून 2017 द्वारा 2017 पीपीएस ट्रैवल अवार्ड मिला; चेयरपर्सन के रूप में आमंत्रितः आईएलडी पल्मोनरी पैथोलॉजी सोसायटी, शिकागो, यूएसए, जून 2017 पर एक सत्र की अध्यक्षता की; आधिकारिक नियुक्ति ऑब्जर्वर पैथोलॉजी कमेटी, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी); 9–15 सितंबर 2017 को थाइमिक एपिथेलियल ट्यूमर के निदान के सूक्ष्म मानदंड की चर्चा के लिए जर्मनी के मैनहेम विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक के तौर पर आमंत्रित।

डॉ असित रंजन मिर्धा ने एचआरडी फेलोशिप प्राप्त की– वेक फॉरेस्ट बैपटिस्ट मेडिकल सेंटर, कैंसर बायोलॉजी डिपार्टमेंट (डॉ गगन दीप की लैब, हैन्स 3035) में फॉरेस्ट इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ रिसर्च हेतु डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ रिसर्च, मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, भारत सरकार में लंबे समय तक साथी रहे; आईसीएमआर के वैज्ञानिक प्रस्तावों की समीक्षक।

डॉ. प्रसनजीत दास को संयुक्त राज्य अमेरिका और कैनेडियन एकैडमी ऑफ पैथोलॉजिस्ट (यूएससीएपी) के सदस्य के रूप में चुना गया; प्रशष्ति प्रमाण पत्रः एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार 2017, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली; जीआई पैथोलॉजी, एपीसीओएन 2017, 1–4 दिसंबर 2017, जीएमसी, भोपाल पर ओरल पेपर सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित संकाय।

रेसिडेन्ट अवार्ड

- कर्नल डी बी नायर मेमोरियल अवार्डः डॉ अरुणा नंबिराजन, एम्स, नई दिल्ली– 'फेफड़े के एडेनोकार्सिनोमा में उत्परिवर्तन परीक्षण के लिए एक्सफोलीएटिव नमूनों और फाइन नीडल एस्पीरेट स्मीयरों का उपयोग', साइटोकॉन 2017, शिलांग
- कविता सिंह कौर को 29–31 अक्टूबर, 2017 के बीच ओसाका, जापान में एशियन सोसाइटी ऑन न्यूरो–ऑन्कोलॉजी की 14वीं बैठक में 'आईडीएच1, पी53 और एटीआरएक्स म्यूटेशन के साथ एच3के27एम म्यूटेशन इन मिडलाइन ग्लिओमास' में अध्ययन हेतु, यंग साइंटिस्ट्स अवार्ड मिला
- कल्पना कुमारी को, नागपुर में आयोजित न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, एनएसआईसीओएन 2017, 30 नवंबर – 3 दिसंबर 2017 के 66वें वार्षिक सम्मेलन में मिर्गी में बेस्ट पेपर के लिए एनएसआई अवार्ड मिला, जिसका शीर्षक 'फोकल कोरटिकल डिसप्लेसिया में एमटीओआर पाथवे एक्टिवेशन' था।
- कल्पना कुमारी को न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के 66वें वार्षिक सम्मेलन में, न्यूरोलॉजी इंडिया, 2016 में प्रकाशित बेस्ट पेपर के लिए न्यूरो एलाइड साइंसेज अवार्ड मिला, जिसका शीर्षक था 'सबएडिपाइमेंटल जायंट सेल एस्ट्रोसाइटोमा के रोगजनन में एमटीओआर पाथवे की भूमिका – 28 मामलों का एक अध्ययन', जिसे 30 नवंबर से 3 दिसंबर 2017, के बीच नागपुर में आयोजित किया गया था।
- कवनीत कौर को, 30 नवंबर, 3 दिसंबर 2017 को नागपुर, भारत में न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में "डिफ्यूज मिडलाइन ग्लिओमासः ए क्लिनिकिकोपैथोलॉजिकल एंड मौलेक्यूलर जेनेटिक स्टडी" नामक एक अध्ययन के लिए हर्बर्ट क्रूस न्यूरो–ऑन्कोलॉजी अवार्ड मिला।
- नितीका गुरंग को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए डॉ वी रामलिंगस्वामी पुरस्कार मिला, उनके अध्ययन का शीर्षक है 'अपडेटेड 2016 डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण के प्रकाश में सीएनएस प्रीमिटिव न्यूरोटेक्टर्मल ट्यूमर (सीएनएस–पीएनईटी) का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और मोलेक्यूलर विश्लेषण', आईएपीएम के दिल्ली चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन में आयोजित, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली, 25 फरवरी 2018
- डॉ दीक्षा यादव को 30 सितंबर 2017 को दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में आयोजित "बेस्ट पोस्टर अवार्ड" डीसी–आईएसी मिला
- 30 सितंबर 2017 को दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में आयोजित डीसी–आईएसी में डॉ हेमलता को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया
- डॉ नदीम ने डॉ शिप्रा अग्रवाल के मार्गदर्शन में एमडी शोधपत्र पूर्ण की, उनके शोधपत्र आईसीएमआर मेडिकल पोस्टग्रेजुएट अवार्ड (रु. 50,000/– की वित्तीय सहायता सहित) राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त हुआ, जिसका शीर्षक था "अनुमान करने में braf v600e और तृतीय प्रवर्तक म्यूटेशन की भूमिका, पैपिलरी थायरॉयड कार्सिनोमा की आक्रामकता"।

अतिथि वैज्ञानिक

- डॉ चार्ल्स एबेरहार्ट, निदेशक, न्यूरोपैथोलॉजी एंड ओफ्थल्मिक पैथोलॉजी, जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए ने 15 फरवरी 2018 को पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली का दौरा किया।
  - o डॉ एबेरहार्ट ने "पैथोलॉजी एंड जेनेटिक्स ऑफ ऑप्टिक नर्व ग्लिओमास" पर एक व्याख्यान दिया।
  - o विभाग के निवासियों और संकायों के लिए बाल चिकित्सा ग्लिओमा और भूण ट्यूमर पर स्लाइड सेमिनार
- डॉ इचिजो निशिनो, निदेशक, न्यूरोमस्कुलर रिसर्च डिपार्टमेंट, नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूरोसाइंस (एनआईएन), नेशनल सेंटर ऑफ न्यूरोलॉजी एंड साइकिएट्री (एनसीएनपी), टोक्यो, जापान ने 15 फरवरी 2018 को पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली का दौरा किया।
  - o डॉ निशीनो ने "इंफ्लेमेटरी म्योपैथीज" पर व्याख्यान दिया
  - o विभाग के निवासियों और संकायों के लिए न्यूरोमस्कुलर रोगों पर स्लाइड सेमिनार
- डॉ एरी पेरी, पैथोलॉजी और न्यूरोलॉजिकल सर्जरी के प्रोफेसर और न्यूरोपैथोलॉजी और न्यूरोपैथोलॉजी फैलोशिप प्रोग्राम के निदेशक, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, अमेरिका न आईएसएनओसीओएन 2018 के पूर्व–सम्मेलन कार्यशाला के भाग के रूप में आणविक न्यूरो–ऑन्कोलॉजी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया
  - o "मेनिन्जियोमास में पैथोलॉजी और आनुवंशिकी का अद्यतन" पर दिया गया व्याख्यान
- डॉ एचके एनजी ने आईएसएनओसीओएन 2018 प्री–कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप के भाग के रूप में आणविक न्यूरो–ऑन्कोलॉजी पर एक कार्यशाला आयोजित की
  - o "वयस्क ग्लियोमास– क्या हम डब्ल्यूएचओ से परे देख सकते हैं?" पर व्याख्यान दिया
- डॉ मिंग सोआओ, आचार्य, प्रयोगशाला चिकित्सा और रोग विज्ञान, टोरंटो विश्वविद्यालय, टोरंटो, कनाडा
- डॉ क्रिस लार्सन, सलाहकार न्यूरोपैथोलॉजिस्ट, अरकाना लैब्स, अर्कांसस, यूएसए
- डॉ श्री जी शर्मा, सलाहकार नेफ्रोपैथोलॉजिस्ट, अरकाना लैब्स, अर्कांसस, यूएसए

jkxh mipkj

<u>प्रयोगशाला सेवाएं</u>

शल्य विकृति विज्ञान प्रयोगशाला			
संशाधित नमूने	55,200	विशेष स्टेन	36,500
साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला			
कुल नमूने	26,056	एफएनएसी (बाहरी रोगी)	8872
नियमित एक्सफोलिएटिव्स	11,184	प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	912
सर्विकल स्मीयर्स (पीएपी स्मीयर)	6000		
की गई शव परीक्षाएं	22	इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी	1573
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन प्रयोगशाला			
नैदानिक	44,064	अनुसंधान	812
तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला			
कुल नमूने	2662		
फ्रोजन सेक्शन	333	प्राप्त कुल मांसपेशी	383
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन			
नियमित आईएचसी	7202	अनुसंधान आईएचसी	796
मांसपेशी आईएचसी	2458		
मांसपेशी एंजाइम–ऊतक रसायन	1122		
स्वस्थानी संकरण में प्रतिदीप्ति			
नैदानिक	227	अनुसंधान	262
ईएम सुविधा			
कुल मसल सैम्पल	386	कुल नर्व सैम्पल	57
टिश्यू कल्चर लैब			
एच एंड ई स्टेनिंग	9316	विशेष स्टेंस	3058

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	2862	फ्रोजेन सेक्शन	2887
गैर अभिरंजित	2807	कोटेड स्लाइड्स	24,180
वृक्क विकृति सेवाएं			
मूत्र में ठोस पदार्थ विश्लेषण	1773		
गुर्दा बायोप्सी के इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	890		
गुर्दा बायोप्सी का इम्यूनोफ्लोरसेंस	820		
हृद विकृतिविज्ञान सेवाएं नमूने			
नियमित	453	अनुसंधान	285
अन्य कार्य			
प्रतिरक्षा ऊतक रसायन	76 स्लाइड	एच एंड ई स्टेन	435 स्लाइड
विशेष स्टेनस	189 स्लाइड		
हृदय प्रतिरोपण बायोप्सी के मैनुअल प्रसंस्करण	20 मामले		
ब्लॉकों की कटिंग (बिना खंड वाले)	354 स्लाइड		

त्वचा बायोप्सी कटिंग	279 मामले (प्रत्येक 6 स्लाइड)
रीनल बायोप्सी कटिंग	950 मामले (प्रत्येक 10 स्लाइड)
फ्रोजेन कटिंग	70 मामले (प्रत्येक 3 स्लाइड)
कोटेड स्लाइड	2000 स्लाइड

9-30 Hk"k t x|.k foKku

vkpk; ,o v/;{k

वाई. के. गुप्ता

vkpk;

वी.एल. कुमार
कमल किशोर
एन.आर. बिस्वास (प्रतिनियुक्ति पर)
एस.के. मौलिक
डी.एस. आर्य
जतिंदर कात्याल
सुरेन्द्र सिंह
के.एच. रीटा
जागृति भाटिया

lgk;d vkpk;

एन.एस. राज
पूजा गुप्ता
हरलोकेश नारायण यादव
सुधीर चंद्र सारंगी

oKkfud

शारदा एस. पेशीन
थॉमस कालीकल
अमिता श्रीवास्तव
माधुरी गुप्ता
सुंदर सिंह सैमुअल

fof'k"Vrk,

भेषजगुण विज्ञान विभाग फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पी.वी.पी.आई.) के अधीन ए.डी.आर. मॉनीटरिंग सेंटर (ए.डी.आर.–ए.एम.सी.) बना हुआ है तथा राष्ट्रीय वैज्ञानिक समन्वयक के रूप में डॉ. वाई.के. गुप्ता कार्यरत हैं। विभाग को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समन्वयक के रूप में डॉ. पूजा गुप्ता के साथ मेटिरियोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (एमवी.पी.आई.) हेतु मेडिकल डिवाइस मॉनीटरिंग सेंटर (एम.डी.एम.सी.) के रूप में नामित किया गया है।

शिक्षा

विभाग बी.एससी. (ऑनर्स), एम.बी.बी.एस., एम.एससी. (भेषजगुण विज्ञान), एम.डी., पी.एच–डी और डी.एम. (नैदानिक भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- एम्स, नई दिल्ली में 29 नवंबर 2017 को **'फार्माकोइऑनॉमिक्स के सिद्धांतों और अनुप्रयोगों पर ब्रेनस्टॉर्मिंग कार्यशाला'** आयोजित की गई ।

प्रदत्त व्याख्यान

वाई. के. गुप्ताः 1 | **जागृति भाटियाः 2** | **शारदा शाह पेशीनः 3**
कमल किशोरः 4 | **पूजा गुप्ताः 1** | **अमिता श्रीवास्तवः 1**
एस.के. मौलिकः 3 | **हरलोकेश नारायण यादवः 3**
के.एच. रीताः 1

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरः 15

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफार्म के लिए उप्युक्त चिकित्सकीय एजेंटों का विकासः एक प्रयोगात्मक अध्ययन, वाईके गुप्ता, फर्मिश क्लीनिकल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2017–2018, 24 लाख रुपये
2. कोलाइटिस और कोलोरेक्टल कैंसर के प्रयोगात्मक मॉडलों में कैलोट्रोपिस प्रोसेरा के लेटेक्स की प्रभावकारिता पर अध्ययन, वी. एल. कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2016–2018, 8.24 लाख रु
3. पुल्मोनरी आर्टरी हाइपरटेंशन के उपचार में एंटी–इन्फ्लेमेटरी योजना, एस.के. मौलिक, आई.सी.एम.आर, 3 वर्ष, 2017–2020, 8. 96 लाख रु
4. चूहों में लीथियम पिलोकारपाइन मॉडल में न्यूरोजेनेसिस तथा कार्डियक रीमॉडलिंग पर अभिग्रहण के प्रभाव को निर्धारित करना – एटी1 रिसेप्टर ब्लॉकर लोसार्टन तथा कापा ऑपिऑयड रिसेप्टर एगोनिस्ट यू50488 की भूमिका, जतिन्दर कत्याल, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2016–2018, 4.95 लाख रु
5. अभिग्रहण संबंधित हृदय की असामान्यताओं में संभावित बायोमार्कर के रूप में ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रॉपिक फैक्टर (बीडीएनएफ) की भूमिका, जतिन्दर कत्याल, डीएसटी, 2 वर्ष, 2017–2019, 21.35 लाख रु
6. होमियोपैथिक दवाओं का प्रारंभिक भेषजगुण विज्ञानी एवं सुरक्षा अध्ययन, सुरेन्द्र सिंह, केन्द्रीय होमियोपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष विभाग, 2 वर्ष, 2017–2019, 27.56 लाख रु
7. चूहों में आघात के प्रयोगात्मक मॉडल में फ्यूमेरिक एसिड इस्टर्स (एफएई) का मूल्यांकन, के.एच. रीटा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 59.54 लाख रु.
8. चूहों में सिस्पलेटिन प्रेरित नेफ्रोटॉक्सिसिटी में बर्बाराइन तथा डायड्ज़ीन के नेफ्रोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन, जागृति भाटिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 24.99 लाख रु.
9. मल्टीपल मायलोमा रोगियों में नैदानिक प्रतिक्रिया तथा बोर्टेजोमिब ब्लड कंसन्ट्रेशन पर सीवाईपी2सी19 बहुरूपता के प्रभाव का अध्ययन, पूजा गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 25.31 लाख रु.
10. सतह इंजीनियरिंग एंजियोपार्टिकल्स और पेप्टाइड संयुग्मन एंजियोजेनेसिस आधारित पशु घाव प्रबंधन, हरलोकेश नारायण यादव, डीबीटी, 3 साल, 2018– 2020, 89.16 लाख रुपये
11. विस्टर चूहों में प्रयोगात्मक मधुमेह न्यूरोपैथिक दर्द में एपलेस्टैट के लिपिड–आधारित नैनोकणों का निर्माण और मूल्यांकन, हरलोकेश नारायण यादव, एम्स, 2 साल, 2017–2018, 5 लाख रुपये
12. ए प्रॉस्पेक्टिव ऑर्ब्जवेशनल स्टडी टू फाइंड आउट कोररिलेशन ऑफ सीरम एंटीएपिलेप्टिक ड्रग (एईडी) एण्ड बायोमार्कर्स लेवल्स विद सीजर रिकरेंस इन पर्सन्स विद एपिलेप्सी (पीडब्ल्यूई) अंडरगोइंग एईडी टेपरिंग, सुधीर चंद्र सारंगी, एम्स, 2 साल, 2016–2018, 5 लाख रु

पूर्ण

1. फार्माकोविजिलेंस, (स्वास्थ्य में उपयुक्त प्रौद्योगिकी के लिए कार्यक्रम), के लिए क्लीनिकल रिसर्च सेंटर (सीआरआरसी) की स्थापना, वाईके गुप्ता, पीएटीएच 3 साल, 2013–2018, 59.79 लाख रुपये
2. माइग्रेन के प्रोफिलेक्सिस में प्रयुक्त हेर्बोमिनरल आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन (एएफवाइ) का औषधीय मूल्यांकन, वाईके गुप्ता, आईपीसीए प्रयोगशालाओं, 7 साल, 2011–2018, 29.66 लाख रुपये
3. *ट्रिबुलस टेरेस्ट्रिस, बोहेराविया डिफ्यूसा और टर्मिनलिया चेबुला* के मेल से सिस्प्लाटिन में पारा क्लोराइड प्रेरित नेफ्रोटोक्सिसिटी में विस्तर चूहों में सुधार की क्षमता, सुरेंद्र सिंह, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 4.99 लाख रुपये
4. चूहों में सिस्पलेटिन प्रेरित नेफ्रोटॉक्सिसिटी में मेंगीफेरिन के नेफ्रोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन, जागृति भाटिया, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2016–2017, 4.6 लाख रु

5. मल्टीपल मायलोमा में बोर्टेजोमिब–आधारित रेजीमन की प्रतिक्रिया में ग्लूकोस रेगुलेटिड प्रोटिन (जीआरपी78) की भूमिका, पूजा गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 4.95 लाख रु.
6. एईडी टेपरिंग से गुजर रहे मिर्गी के रोगियों में (पीडब्ल्यूई) अभिग्रहण पुनरावृति के साथ बायोमार्कर स्तरों तथा सीरम एंटी–एपिलेप्टिक ड्रग (एईडी) के सह–संबंध का पता लगाने के लिए एक भावी पर्यवेक्षणीय अध्ययन, सुधीर चन्द्र सारंगी, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 5 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मल्टीपली मायलोमा रोगियों में नैदानिक प्रतिक्रिया तथा बोर्टेजोमिब ब्लड कंसन्ट्रेशन पर सीवीईपी2सी19 बहुरूपता के प्रभाव का अध्ययन।
2. एईडी टेपरिंग से गुजर रहे मिर्गी के रोगियों में अभिग्रहण पुनरावृति से संबंधित कारकः एक भावी पर्यवेक्षणीय अध्ययन
3. कोलाइटिस के प्रयोगात्मक मॉडल में कैलोट्रॉपिस प्रोसेरा के लेटेक्स के मैथेनॉल एक्स्ट्रेक्ट की प्रभावकारिता
4. कोलोरेक्टल कैंसर के प्रयोगात्मक मॉडल में कैलोट्रॉपिस प्रोसेरा के लेटेक्स के मैथेनॉल एक्स्ट्रेक्ट की प्रभावकारिता
5. साइक्लोस्पोराईन प्रेरित हेपेटोरेनल टॉक्सीसिटी में मेटफोर्मिन तथा सिलीमरिन का तुलनात्मक मूल्यांकन
6. प्रयोगात्मक मॉडलों में मेटफोर्मिन के एनालजेसिक प्रभाव का मूल्यांकन
7. सेप्सिस के प्रयोगात्मक मॉडल में आर्टेसुनेट के प्रभाव पर अध्ययन
8. चूहों में ब्लियोमायसिन प्रेरित पुल्मोनी टॉक्सीसिटी में सेसामोल का अध्ययन
9. चूहों के एक प्रयोगात्मक मॉडल में मायोकार्डियल इस्कैमिया रीपरफ्यूजन चोट पर आर्ग्लेबिन् का फार्माकोलॉजिकल प्रभाव
10. स्ट्रेप्टोजोरोसिन प्रेरित मधुमेह चूहों में स्केमिया रिपफर्यूजन चोट के मॉडल में चयनित दवा की जांच करने के लिए औषधीय और आणविक दृष्टिकोण
11. टाईप–2 मधुमेह चूहों में मायोकार्डियल रोधगलन के प्रयोगात्मक मॉडलों में फिसेटिन पर भेषजगुण विज्ञानी तथा आण्विक अध्ययन
12. जीवन की गुणवत्ता तथा लागत विश्लेषण के साथ आईआरसीएच, एम्स में अग्रिम नॉन–स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) में पैटर्न निर्धारित करना
13. विस्टर चूहों में प्रयोग के साथ प्रेरित मधुमेह मेलिटस में ओरल लीरेग्लुटाइड पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स का सूत्रीकरण तथा इसके हायपोग्लायसेमिक गतिविधि का मूल्यांकन
14. लीराग्लुटाइड के मौखिक फॉर्मूलेशन आधारित् नैनोपार्टिकल का विकास और चूहों में उच्च वसा आहार प्रेरित मोटापा में इसके प्रभाव का मूल्यांकन
15. जीवन की गुणवत्ता तथा उपचार की लागत के अनुसार विकारस्थानिक तथा सामान्यीकृत अभिग्रहणों में नई तथा परंपरागत एंटीएपिलेप्टिक दवाओं की तुलना
16. मिर्गी से पीडित महिलाओं में एंटीप्लेप्टिक दवाओं का, शारीरिक गतिविधि , प्रजनन अंतःस्रावी स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव
17. पेंटिलिएंटेट्राजोल प्रेरित दौरे और हृदय संबंधी प्रभाव में सहसंबंधः सीरम बायोमार्कर्स और हिस्टोपैथोलॉजी
18. एक कप्पा ओपियोइड रिसेप्टर (केओआर) एगोनिस्ट और आईआरएल –1620, एपिटलिन बी (ईटीबी) रिसेप्टर एगोनिस्ट मिस्टाइलोजेनेसिस पर यू50488 का चूहों पर प्रभाव, लिथियौम पायलोकर्पाइन (लीपी) जब्त मॉडल में कार्डियक बदलावों का चूहों पर प्रभाव
19. मिर्गी के रोगियों (पीडब्ल्यूई) में डिप्रेशनः सीरम बीडीएनएफ तथा जिंक स्तरों के साथ सह–संबंध

पूर्ण

1. चूहों में स्ट्रोक के मध्य सेरेब्रल धमनी प्रक्षेपण मॉडल में लर्कानिडाइपिन और सीटलोप्राम की न्यूरोप्रोटेक्टिव क्षमता
2. अल्जाइमर रोग के लिए *इन–विट्रो* और *इन–विवो* अध्ययन, एक फार्मूलेशन विकसित करने के लिए पारंपरिक हर्बल अवयवों का अनुकूलन

3. परंपरागत एंटीएपिलेप्टिक तथा मुखीय हायपोग्लायसेमिक कारक वाले चुने हुए औषधीय पौधों के इंटरेक्शन प्रोफाइल का मूल्यांकन
4. कोलोरेक्टल कैंसर के प्रयोगात्मक मॉडल में आर्टिसुनेट की सुरक्षा तथा प्रभावकारिता पर अध्ययन
5. आर्टिसुनेट के एंटी अल्सर विशेषताओं पर अध्ययन
6. गैर–एल्कोहॉलिक फैटी लीवर रोग में तत्वों का पता लगानाः एक क्रॉस–सेक्शनल अध्ययन
7. विस्टर चूहों में सिस्प्लेटिन तथा मर्करी क्लोराइड प्रेरित नेफ्रोटॉक्सिसिटी में ट्रायब्यूलस टेरेस्ट्रिस, बोरहाविया डिफ्यूस तथा टर्मिनेलिया केबुला के संयोजन की एमिलियोरेटिव संभावना
8. बुजुर्गों में संभावित अनुपयुक्त दवाओं का संभावित अध्ययन
9. चूहों में दौरे और संज्ञानात्मक हानि पर असरः प्रयोगात्मक जब्त मॉडल में एंटीपेप्लेप्टिक दवाओं (सोडियम वालप्रोएट / फेनीटोइन) के साथ एंटीड्रिप्रेसेंट दवा (सर्ट्रालीन) के अनुपूरक दवाएं

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कोलाइटिस और कोलोरेक्टल कैंसर, रोग विज्ञान के प्रयोगात्मक मॉडल में कैलोट्रोपिस लेटेक्स की प्रभावकारिता पर अध्ययन
2. जीवन की गुणवत्ता तथा उपचार की लागत के अनुसार विकारस्थानिक तथा सामान्यीकृत अभिग्रहणों में नई तथा परंपरागत एंटीएपिलेप्टिक दवाओं की तुलना, तंत्रिका–विज्ञान
3. मिर्गी न्यूरोलॉजी वाली महिलाओं में जीवन की गुणवत्ता, प्रजनन अंतःस्रावी स्वास्थ्य और शारीरिक गतिविधि पर, पैथोलॉजी पर एंटीप्लेप्टिक दवाओं के प्रभाव का अध्ययन

पूर्ण

1. एईडी टेपरिंग से गुजर रहे मिर्गी के रोगियों में (पीडब्ल्यूई) अभिग्रहण पुनरावृति के साथ बायोमार्कर स्तरों तथा सीरम एंटी–एपिलेप्टिक ड्रग (एईडी) के सह–संबंध का पता लगाने के लिए एक भावी पर्यवेक्षणीय अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
2. हाइपरोलैक्टिनिमिया / मैक्रोप्रोलैक्टिनिया का ईटीओपैथोलॉजी, (सीडी, सीआर, एमएन, सीयू, पीबी) का प्रजनन जीवविज्ञान के साथ सहसंबंध
3. ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में ब्लड हैवी मेटल्स तथा मात्रात्मक ईईजी का सह–संबंध, बाल चिकित्सा
4. नॉन–एल्कोहॉलिक फैटी लीवर रोग में तत्वों का पता लगानाः एक क्रॉस–सेक्शनल अध्ययन, सीयू (Cu), जेडएन (Zn), पीबी (Pb), एमएन (Mn), एमजी (Mg), एफई (Fe), जठरांत्ररोग विज्ञान
5. सेरेब्रल पैल्सी (पीबी) से पीड़ित बच्चों के बीच लैड एवं मर्करी टॉक्सीसिटी को प्रभावित करने वाली बहुरूपता की फ्रीक्वेंसी का मूल्यांकन, बाल चिकित्सा
6. अल्जाइमर रोग, जैव प्रौद्योगिकी के स्ट्रेप्टोजोटोसिन प्रेरित चूहे पर न्यूरोजेनेसिस पर दोहराए हुए चुंबकीय क्षेत्र की उत्तेजना का प्रभाव

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 31 साः 4 पुस्तकों में अध्यायः 1

रोगी उपचार

आईसीपी–एईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर के साथ जैविक नमूनों में धातुओं का आकलन

विभाग पीपीबी स्तरों पर इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा एटोमिक एमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी (आईसीपी–एईएस) स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (मॉडल जेवाई–2000@2) द्वारा सहयोगी अध्ययनों के लिए आयुर्वेदिक सूत्रीकरण तथा मानव एवं पशु मॉडल (रक्त, सीरम, ऊतक) के जैविक नमूनों में ट्रेस मैटल्स सीयू, जेडएन, एनआई, एएल, सीआर, सीओ, तथा हैवी मैटल्स पीबी, सीडी, एचजी, एएस जैसे कई धातुओं के आकलन में सम्मिलित है।

चिकित्सीय दवा जांच सुविधा

भेषजगुण विज्ञान विभाग में टी.डी.एम. (थेराप्यूटिक ड्रग मॉनीटरिंग) सुविधा रोगी के नमूनों में दवा के स्तरों के आकलन करने में संलग्न है। हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमेटोग्राफी (एचपीएलसी) सिस्टम्स का प्रयोग रोगी के नमूनों में दवा के स्तरों के गुणात्मक तथा मात्रात्मक आकलनों हेतु किया जाता है।

राष्ट्रीय विष सूचना केन्द्र

भेषजगुण विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय विष सूचना केन्द्र (एनपीआईसी) विषप्रयोग के उपचार पर सूचना उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनपीआईसी द्वारा प्रदान की गई 24 घंटे की सेवाओं का लाभ पूरे विश्व भर के उपचार करने वाले चिकित्सकों, सरकारी एजेंसियों, गैर–सरकारी संगठनों तथा सामान्य जनता द्वारा उठाया जाता है।

एनपीआईसी के आंकड़ों के आधार पर आम तौर पर सामने आए जहरीले प्रबंधन के स्नैप शॉट व्यू के लिए, टोक्सिकोविजिलेन्स प्रोग्राम के तहत **त्वरित संदर्भ कार्ड (क्यूआरसी)** की एक श्रृंखला को ऑर्गनोफॉस्फेट्स, बेंजोडायजेपाइन, ओपियोइड्स, लीड, एल्यूमिनियम फॉस्फाइड, फेनीटोइन के कारण। थायरोक्साइन, मेथनॉल, पायरेथ्रोइड्स, ट्राइकक्लिक एंटीड्रिप्रेसेंट्स, एंटीकॉलिनर्जिक्स, कॉपर सल्फेट, रोडेंटाइसाइड्स, पैरासिटामोल और संक्षारक जहर पर मुद्रित किया गया है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

प्रोफेसर वाई.के. गुप्ता को 2017 में इंडियन सोसाइटी ऑफ टॉक्सिकोलॉजी द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया था।

प्रोफेसर कमल किशोर रोगी, स्वास्थ्य और समाज पर विश्व कांग्रेस में; मुद्दे, चुनौतियां (वैश्विक स्वास्थ्य, 2017), मई 2017, नई दिल्ली में सम्मानित अतिथि थे; 22–23 सितंबर 2017 को नई दिल्ली में आयोजित 'स्मार्ट शहरों के सतत विकास' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सूचना प्रौद्योगिकी और शासन' पर एक सत्र में अध्यक्षय अमृतसर में 30 सितंबर –1 अक्टूबर 2017, 12वीं विश्व कांग्रेस में नैदानिक, निवारक कार्डियोलॉजी और इमेजिंग, 2017 (डब्ल्यूसीसीपीसीआई 2017) पर 12वीं विश्व कांग्रेस में एक सत्र 'ड्रग्स ट्रैक' में संकाय और अध्यक्ष, नई दिल्ली में 11 नवंबर 2017 को आयोजित प्लेटलेट गतिविधि पर राष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र के अध्यक्ष; नई दिल्ली में 16–17 दिसंबर 2017, जेरिकॉन 2017 सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र में सह–अध्यक्ष, आईडीसी फाउंडेशन, नई दिल्ली के अकादमिक परिषद के सदस्य; जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी एंड थेरेपीटिक रिसर्च के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; इंडियन जर्नल ऑफ फार्मेसी एंड फार्माकोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; मैड्रिज जर्नल ऑफ एनालिटिकल साइंसेज एंड इंस्ट्रुमेंटेशन (एमजेएआई) में संपादकीय बोर्ड के सदस्य; सीएसआईआर द्वारा आयोजित साक्षात्कार के लिए एसआरएफ/आरए पदों के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य; नई दिल्ली में आयोजित स्मार्ट शहरों के सतत विकास पर 31वें राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक कार्यक्रम समिति के सदस्य।

प्रोफेसर एस.के. मौलिक ने टीएचएसटीआई, फरीदाबाद में 12 अगस्त 2017 को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर हार्ट रिसर्च (इंडिया) के सौजन्य से आयोजित में फिलिप पोल–विल्सन व्याख्यान दिया; 6 मार्च 2018 को नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन इंडिया, गांधी नगर में विशेषज्ञ समिति की बैठक के सदस्य; बीआईआरएसी–श्रीस्टी जीटीआईआई के सदस्य (जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद – सतत प्रौद्योगिकी और संस्थानों के लिए अनुसंधान और पहल के लिए सोसाइटी) की 27 फरवरी 2018 को पुरस्कार स्क्रीनिंग बैठक के सदस्य।

प्रोफेसर के.एच. रीता को, भारत में क्लीनिकल फार्माकोलॉजी/ड्रग डेवलपमेंट, 2017 के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित अनुसंधान कार्य के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज से डॉ विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार प्राप्त हुआ,), (क) नैदानिक परीक्षणों (ख) नई दवाओं और (ग) नई चिकित्सा उपकरणों की मंजूरी से संबंधित मामलों में डीसीजीआई को सलाह देने के लिए ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (इंडिया) कार्यालय में विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) की सदस्य; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एंड मेडिको लीगल प्रैक्टिस (आईजेएचआरएमएलपी) के पीयर रिव्यू सदस्य।

डॉ. हरलोकेश नारायण यादव 19 अगस्त 2017, बीजे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद में भारतीय फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी के पश्चिमी क्षेत्र (डब्ल्यूआरआईपीएसकॉन 2017) के अध्यक्ष; 1–2 सितंबर 2017, केआईईटी गाजियाबाद में उत्तरी क्षेत्र में अध्यक्ष, भारतीय फार्माकोलॉजिकल सोसायटी के (एनआरआईपीएसकॉन 2017), सम्मेलन; भारतीय फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी के उत्तरी क्षेत्र सम्मेलन के संयोजक (एनआरआईपीएसकॉन 2017)

डॉ. एस. सी. सरंगी को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा सदस्यता से सम्मानित किया गया; 32वें अंतर्राष्ट्रीय मिर्गी कांग्रेस, 2017 में पोस्टर प्रेजेंटेशन के लिए उपलब्धि का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

9-31 Hkkfrd fpfdRlk ,oa iquokZl

vkpk;Z ,oa v/;{k
यू. सिंह

vkpk;Z
संजय वाधवा | एस.एल. यादव | गीता हाण्डा

lgk;d vkpk;Z
श्रीकुमार वी. | असेम रंगिता चानू

v/kh{kd Hkkfrd fpfdRld
श्रीमति स्मीता दास

ofj"B Hkkfrd fpfdRld
श्री ओ.पी. यादव

v/kh{k.k O;kolkf;d fpfdRld
श्री रमन कुमार सिंह

ofj"B O;kolkf;d fpfdRld
श्रीमति लिली फरहत प्रवीन

ofj"B rduhdh vf/kdkjh
श्री अजय बब्बर

fof'k"Vrk,a

भारतीय शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास संघ (आईएपीएमआरसीओएन 2018) का 46वां वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन विभाग द्वारा इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में 19 से 21 जनवरी, 2019 को किया गया। इस कार्यक्रम में ख्यातिप्राप्त राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकायों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने अनुभवों को साझा किया और ज्ञान को समृद्ध किया। प्रोफेसर यू सिंह को सम्मानित किया गया और उन्होंने इस अवसर पर व्याख्यान दिया। विभाग ने 18 जनवरी, 2018 को अपर लिंब स्पैस्टिक प्रबंधन के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड बोटुलिनम टॉक्सिन पर पूर्व–सम्मेलन कार्यशाला का आयोजन किया। ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, वॉकर और बैसाखी जैसे एड्स और उपकरणों के लिए विभिन्न स्रोतों से धन जुटाया गया। इन्हें जरूरतमंद मरीजों के बीच वितरित किया गया। पिछले कुछ वर्षों में रोगियों की संख्या धीरे–धीरे बढ़ी है, और इसमें स्थिर गति से बढ़ोतरी जारी है। इन ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक उपकरणों को बनाने के लिए कार्यशाला आधुनिक और उन्नत मशीनरी/उपकरणों का उपयोग कर रही है। विभाग के संकाय, अधिकारियों और रेजिडेंट डॉक्टरों ने एम्स के भीतर और बाहर सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय भाग लिया, इसके अलावा बड़े पैमाने पर मीडिया के साथ–साथ एम्स द्वारा आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान में रोगी शिक्षा के लिए सीएमई कार्यक्रमों और रोगी शिक्षा में भाग लिया। विभाग के संकायों को सरकार और विश्वविद्यालयों के विभिन्न निकायों द्वारा आमंत्रित किया जाता है, ताकि गतिविधियों के लिए उनकी विशेषज्ञ राय दी जा सके। रेसिडेन्ट्स, संकाय और कर्मचारी नियमित रूप से कार्यशालाओं और सीएमई में भाग लेते हैं, ताकि बेहतर रोगी देखभाल के लिए वे अपने ज्ञान को अद्यतन कर सके।

शिक्षा

स्नातकपूर्व शिक्षणः विभाग द्वारा छठे सेमेस्टर हेतु एक तथा आठवें सेमेस्टर हेतु आठ सम्मेलनों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों हेतु प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स (पीएंडओ) कार्यशाला सहित विभाग द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन भी

किया गया। ग्यारह स्नातकोत्तर विद्यार्थी एम.डी. (पीएमआर) कर रहे हैं। दो भारतीय सरकारी संस्थानों, एसवीएनआईआरटीएआर (कटक) और पीडीयूआईपीएच (दिल्ली) से प्रोस्थेटिक्स तथा ऑर्थोटिक्स के विद्यार्थियों ने उनके शिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में पी एंड ओ. कार्यशाला का दौरा किया। सशस्त्र बलों के एक दीर्घकालिक प्रशिक्षु, डॉ लेफ्टिनेंट कर्नल शशि भूषण साहू ने सितंबर 2017 में अपने दो वर्ष का कार्यकाल पूरा किया।

सी.एम.ई./कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग ने दो सम्मेलन नामतः एक राष्ट्रीय और एक राज्य स्तरीय का आयोजन किया।

1. 19 से 21 जनवरी, 2018 को भारतीय शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास संघ (आईएपीएमआरसीओएन 2018) का 46वां वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन, इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली

आईएपीएमआरसीओएन 2018 का उद्घाटन समारोह (मुख्य अतिथि सुश्री अनुप्रिया पटेल, राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और विशिष्ट अतिथि, प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स)	पीएमआर विभाग द्वारा 18 जनवरी, 2018 को अपर लिंब स्पैस्टिक प्रबंधन के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड बोटुलिनम टॉक्सिन पर पूर्व–सम्मेलन कार्यशाला का आयोजन

2. इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन का 12वां वार्षिक सम्मेलन, 25 नवंबर 2017, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

यू सिंहः 2	**गीता हाण्डाः 3**	**ओसामा नेयाजः 1**
संजय वाधवाः 5	**श्रीकुमार वीः 6**	**अभिमन्यु वासुदेवः 1**
एस.एल. यादवः 12	**असेम रंगिता चानूः 1**	**अजय बब्बरः 1**

मौखिक शोध पत्र/पोस्टरों की प्रस्तुतिः 9

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. स्मार्टफोन से पैर की छवियों का उपयोग करते हुए विभिन्न पैर की समस्याओं के लिए कस्टम 3डी प्रिंटेड पैर ऑर्थोटिक्स का विकास और परीक्षण, गीता हांडा, डीबीटी, 1 वर्ष, रु. 12 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कार्पल टनल सिंड्रोम वाले रोगियों में एकल खुराक प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा और कॉर्टिकोस्टेरॉइड इंजेक्शन के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र में आने वाले गैर–विशिष्ट क्रोनिक लो बैक पेन के रोगियों में पारंपरिक चिकित्सीय अभ्यासों बनात योग आसनों के सेट के प्रभाव का एक तुलनात्मक अध्ययन
3. लेटरल एपिकॉन्डिलाइटिस के रोगियों में अल्ट्रासाउंड गाईडेड कॉर्टिकोस्टेरॉइड इंजेक्शन के प्रभाव की तुलना करने हेतु दर्द, कार्य और आम एक्स्टेंसर टेंडन के अल्ट्रासोनोग्राफिक विशेषताओं के विपरीत उपचार हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
4. क्रोनिक प्लांटर फैसीआइटिस के रोगियों में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा और डेक्सट्रोज प्रोलोथेरेपी के प्रभाव की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

5. सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में बुद्धि के साथ सकल मोटर, हाथ के कार्य, देखभाल प्रदाता प्रतिवेदित जीवन की गुणवत्ता की रिपोर्ट के मूल्यांकन हेतु एक अंतर अनुभागीय अध्ययन
6. रीढ़ की हड्डी की चोट वाले व्यक्तियों में ओवरएक्टिव ब्लैडर में पैर और ऑक्सीब्यूटिन की विद्युत उत्तेजना की प्रभावशीलता की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
7. प्रारंभिक चरण के पार्किंसंस रोग में अभ्यास की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
8. प्राथमिक ओस्टियोपोरोसिस में जोलेड्रोनिक एसिड बनाम एक संरचित व्यायाम कार्यक्रम के प्रभाव की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. रेडियल न्यूरोपैथी का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन और दर्द और पार्श्व एपिकॉन्डिलाइटिस में कॉर्टिकोस्टेरॉइड इंजेक्शन के पहले और बाद में कार्यात्मक परिणाम के साथ इसका संबंध
10. इंटरनेशनल स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी (आईएससीओसी) डेटाबेस प्रोजेक्ट (आईडीएपी)
11. कंधे के एथेसिव कैप्सुलिटिस के लिए डेक्सट्रोज प्रोलोथेरेपी की प्रभावकारिताः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
12. क्रोनिक निचले पीठ दर्द के लिए योग के साथ पारंपरिक चिकित्सीय अभ्यासों की प्रभावशीलता की तुलना करनाः एक यादृच्छिक तुलना परीक्षण

पूर्ण

1. फिब्रोमायोल्गिया में कॉर्टिकल पीड़ा की अनुभूति तथा स्वायत्त कार्य पर एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
2. घुटने के प्रारंभिक तथा विकसित ऑस्टियोअर्थराइटिस में संतुलित हानि की तुलना
3. मधुमेह मेलिटस से पीड़ित रोगियों के पैर में दबाव के केन्द्र पर कस्टम मोल्डिड जूतों के प्रभाव का मूल्यांकन
4. यूनिलेटरल ट्रांस्टीबायल एंप्यूटी में स्टम्प लेंथ, चलने के मानक तथा गतिशील संतुलन के बीच संबंध
5. घुटने के ऑस्टियोअर्थराइटिस से पीड़ित रोगियों में जीवन की गुणवत्ता को सुधारने तथा दर्द को कम करने में हाई मोलिक्यूलर वेट हायल्युरोनिक एसिड तथा प्लेटलेट रिच प्लाज्मा के इंट्रा आर्टिक्यूलर इंजेक्शरन की एकल खुराक के प्रभाव की तुलना
6. स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी पोजिशन स्टेटमेंटः मानव एससीआई में स्टेम सेल/सेलुलर हस्तक्षेप– क्या यह दिशानिर्देशों से नियमों और विधानों की ओर बढ़ने का समय है?

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. लोअर लिम्ब प्रोस्थेसिस, आईआईटी, दिल्ली में डम्पर कंट्रोल
2. फिब्रोमायेल्गिया रोगियों में पीड़ा मॉड्यूलेशन की स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टीम्यूलेशन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान
3. ट्रांसफेमोरल एम्प्यूटी के लिए सिनर्जी आधारित एडॉप्टीव प्रोस्थेसिस, आईआईटी दिल्ली
4. ओरल कोलेकैल्सीफेरोल पूरकता से पूर्व एवं उसके पश्चात क्रोनिक हायपो–विटामिनोसिस डी के साथ एशियाई भारतीयों में स्केलेटल मसल स्ट्रेंथ के साथ–साथ इसकी एनर्जी मेटाबोलिज्म, बोन मिनरल होमियोस्टेसिस तथा टी.एच.1/टी.एच.2 साइटोकिन्स अभिव्यक्ति, अंतःस्रावी विज्ञान
5. एकपक्षीय ट्रांसस्टिबियल एम्प्यूटी में स्टंप की लंबाई, गैट पैरामीटर और गतिशील संतुलन के बीच संबंध, आईआईटी, दिल्ली
6. टाईप 1 मधुमेह मेलिटस से पीड़ित रोगियों में कंधे के पेरिऑथराईटिस का फैलाव, अंतःस्रावी विज्ञान
7. कृत्रिम अंगुलियों के साथ कृत्रिम हाथ की रूप रेखा, नॉर्थ इस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलॉंग
8. चिरकालिक कमर के निचले भाग में पीड़ा से पीड़ित रोगियों में पीड़ा की स्थिति तथा मोटर कॉर्टेक्स उत्तेजना का अध्ययनः ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टीम्यूलेशन का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान
9. एर्गोनॉमिक रूप से संवर्धित सर्जिकल उपकरणों की डिजाइन, विकास और सत्यापन, सर्जरी
10. केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन, चंडीगढ़ के लिए फीडबैक इंटीग्रेटेड रिहैबिलिटेशन स्टेशन (फर्स्ट) ऊपरी अंग कार्यात्मक प्रशिक्षण

11. हरकत और संतुलन के दौरान संज्ञानात्मक भार के इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल विश्लेषण, और स्पर्श प्रतिक्रिया का उपयोग करने के बाद निचले अंग एम्प्यूटीज़ में चाल और संतुलन में सुधार की जांच करना, ने के लिए, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, एम्स/आईआईटी दिल्ली
12. स्ट्रोक के रोगियों हेतु एक ऊपरी अंग सहायक उपकरण डिजाइन करना, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद

प्रकाशन
पत्रिकाएंः 5

रोगी उपचार
नए रोगी

ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	14,627	प्रोस्थेटिक्स तथा ऑर्थोटिक्स	4914
कुल नए मामले	**19,541**		

पुराने मामले

ओपीडी पुराने मामले (चिकित्सक परामर्श)	23,390	विकलांगता मूल्यांकन क्लीनिक	108
रेलवे रियायत प्रमाणपत्र	260	ओपीडी में आने वाले रोगी (पी.टी. अनुभाग)	18082
ओपीडी में आने वाले रोगी (ओ.टी. अनुभाग)	14,115	ओपीडी में आने वाले रोगी (एम.एस.डब्ल्यू.)	3162
ओपीडी में आने वाले रोगी (पीएंडओ क्लीनिक)	7945	माइनर ओ.टी. प्रक्रियाएँ	4411
कुल नए मामले	**71,473**		
वर्ष हेतु महायोग	**91,014**		

विभाग के विशेष क्लीनिक
जारी क्लीनिक

1. मस्क्यूलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड निर्देशित हस्तक्षेप
2. फुट क्लीनिक में कस्टम मोल्डिड इंसोल्स
3. डब्ल्यूएचओ दिशानिर्देशों के अनुसार, व्हीलचेयर के परामर्श और कस्टमाइज्ड व्हीलचेयर डिलीवरी के लिए चेकआउट क्लिनिक।
4. मस्क्यूलो–स्केलेटल प्रयोगशालाः कम्प्यूटरीकृत मूल्यांकन तथा व्यायाम उपकरण
5. फुट क्लीनिक
6. विकलांगता मूल्यांकन क्लीनिक
7. ब्रेस चेकआउट क्लीनिकः रोगियों को अंतिम डिलिवरी से पहले हमारी वर्कशॉप में बनाए गए प्रोस्थेटिक तथा ऑर्थोटिक उपकरण की जांच
8. केस कॉन्फ्रेंसः लक्ष्य निर्धारण तथा उपचार मूल्यांकन हेतु दीर्घकालीन पुनर्वास रोगियों की चर्चा
9. जिम राउंड क्लीनिकः पीएमआर के तहत भर्ती किए गए अंतः रोगियों की चिकित्सा का मूल्यांकन

सामुदायिक सेवाएं

रोगी उपचारः विभागीय संकाय तथा रेजीडेन्ट डॉक्टर विक्लांग व्यक्तियों के कल्याण हेतु मथुरा में ग्रामीण शिविरों में समय–समय पर कार्यरत हैं।

जन संचारः लोक जागरूकता व्याख्यान और टीवी हेल्थ कार्यक्रम

1. **डॉ यू सिंह** को संपूर्ण स्वास्थ्य में, 'स्वास्थ्य और सशक्तीकरण में अलग–अलग विकलांग व्यक्तियों का सशक्तिकरण' पर लाइव टीवी कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था, डीडी न्यूज़, 3 दिसंबर 2017 को प्रसारित।

2. **डॉ संजय वाधवा**

1. 23 जुलाई 2017 को, "किशोर स्वास्थ्य" पर डीडी न्यूज पर टोटल हेल्थ प्रोग्राम
2. 2 सितंबर 2017 को, डीडी किसान पर "किशोर स्वास्थ्य" पर स्वस्थ किसान कार्यक्रम
3. 12 अक्टूबर 2017 को, एम्स नई दिल्ली को "विश्व गठिया दिवस पर सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम"
4. 24 दिसंबर 2017 को, "मोटापा" डीडी न्यूज पर टोटल हेल्थ प्रोग्राम

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण आयोजन

आचार्य यू सिंह ने 20 जनवरी 2018 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहेबिलिटेशन, नई दिल्ली के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान आईएपीएमआर पश्चिम बंगाल ओरेशन दिया; एमरिटस एडिटर इंडियन जर्नल ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, वरिष्ठ संपादक, एस्ट्रोसाइट, मल्टीस्पेशलिटी जर्नल बाई नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन, नई दिल्ली।

आचार्य संजय वाधवा आजीवन सदस्य रहे, वर्ल्ड एनसीडी फेडरेशन; राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत) के उपाध्यक्ष; सदस्य, इंडियन नेशनल काउंसिल फॉर एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत); सदस्य, एकैडमिक काउंसिल ऑफ नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत); सदस्य, एकैडमिक काउंसिल ऑफ नैशनल मेडिकल साइंसेस एकैडमी (भारत); नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) के सदस्य, ओरेशन और पुरस्कार समिति; संयोजक, आईएसओ/टीसी173/ डक्ल्यूजी12 (अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन, तकनीकी समिति 173, कार्य समूह 12) – विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायक उत्पादों के साथ कार्य; अध्यक्ष, एमएचडी 09 (कृत्रिम अंग के लिए अंतर अनुभागीय समिति, सहायक उपकरण, विकलांग व्यक्तियों के लिए पुनर्वास उपकरण), भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार; सदस्य, एमएचडी परिषद, भारतीय मानक ब्यूरो, भारत सरकार; सदस्य, अध्यक्ष सलाहकार समूह, टीसी 173 (आईएसओ, स्वीडन; कुष्ठ रोग, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डायस्ट्रॉफी सहित) मूल्यांकन और प्रमाणन, विकलांग व्यक्ति विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, उच्च समर्थन आवश्यकता वाले विकलांग व्यक्तियों के लिए दिशानिर्देशों की समिति, विकलांग व्यक्ति सशक्तीकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, यूजीसी, नई दिल्ली में भागीदारी की सुविधा हेतु व्यक्तियों को अनुदान हेतु समिति; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज; सदस्य, संस्थागत समीक्षा बोर्ड, एनआईपीसीसीडी, नई दिल्ली; सदस्य, विकलांगों और बुजुर्गों के लिए प्रौद्योगिकी पहल, डीएसटी, भारत सरकार, नई दिल्ली; सदस्य, विकलांगता समिति, भारतीय चिकित्सा परिषद; सदस्य, आघात के मामलों में पुनर्वास के लिए दिशानिर्देश तैयार करने वाली समिति, डीजीएचएस, निर्माण भवन, नई दिल्ली।

आचार्य एसएल यादव 2018 प्रौद्योगिकी कार्यशाला में भारत पुनर्वास पर मुख्य–वक्ता थेः भारत में कम लागत वाले जोड़ों, प्रोस्थेटिक्स और पुनर्वास प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता का मूल्यांकन, जो संयुक्त रूप से वीआईटी, वेल्लोर और यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, यूके द्वारा फरवरी 2018 में आयोजित किया गया; को–ऑर्डिनेशन कमेटी (इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन) सदस्य, 10वीं वर्ल्ड कांग्रेस फॉर न्यूरोरिहेबिलीटेशन, 7–10 फरवरी 2018, पोवई, मुंबई, भारत; दिनांक 8–10 दिसंबर, 2017 तक महाराष्ट्र के कराड में कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की समतुल्य यूनिवर्सिटी की कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति के विशेषज्ञ सदस्य; 10वें विश्व कांग्रेस के दौरान पोस्टर फॉर सेशन के लिए अध्यक्ष, 7–10 फरवरी 2018, मुंबई; आईएपीएमआरसीओएन–2018 में मुख्य विषय संबोधन सत्र में अध्यक्ष, 19–21 जनवरी 2018, नई दिल्ली; आईएसएसआईसीओएन–2017, 17–19 नवंबर 2017, नई दिल्ली में निर्णायकों में से एक; बाह्य परीक्षक, डीएनबी छात्रों के लिए फॉर्मेटिव असेसमेंट 2017 हेतु कार्यस्थल आधारित नैदानिक मूल्यांकन; एमडी (पीएमआर), एआईआईपीएमआर, महालक्ष्मी, मुंबई, 7 जुलाई 2017 के लिए बाह्य परीक्षक; एम्स, रायपुर, 29 नवंबर 2017, एम्स, पटना, 25 अगस्त और 5 नवंबर 2017 को एम्स, भुवनेश्वर में पीएम–एंड–आर विभाग में संकाय की भर्ती के लिए विशेषज्ञ; पैनलिस्ट, इंटरनेशनल स्पाइन एंड स्पाइनल इंजरीज कॉन्फ्रेंस (आईएसएसआईसीओएन 2017), स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी की 17वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक, 19 नवंबर 2017, (i) भारत में अवसर और अन्य एलएमआईसी जो स्पाइन आघात देखभाल की चुनौती को दूर करने में मदद करते हैं, (ii) भारत और एलएमआईसी में सामुदायिक समावेशः चुनौतियों को दूर करने की रणनीतियाँ; आयोजक अध्यक्ष, 46वाँ वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आईएपीएमआर 2018, 19–21 जनवरी 2018 आईएचसी, नई दिल्ली; कोर्स कोऑर्डिनेटर, यूएसजी मार्गदर्शित ऊपरी लिम्ब स्पैस्टिसिटी प्रबंधन, 18 जनवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली में बोटुलिनम टॉक्सिन पर मार्गदर्शन प्रदान किया; अतिथि संकाय एवं अध्यक्ष, मिडटर्म इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन (आईएनएससीएन) बैठक, आईएलबीएस, नई दिल्ली; डीपीसी बैठक में बाहरी विशेषज्ञ, एसवीएनआईआरटीएआर, 27 अक्टूबर 2017, कॉन्फ्रेंस हॉल, डीईपीडब्ल्यूडीएस, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।

आचार्य गीता हांडा जैव प्रौद्योगिकी पर टास्क फोर्स के सदस्य थे, जिसे जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा गठित किया गया था; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद में परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित पीएमआर में परीक्षा के लिए विषय विशेषज्ञ; 19–21 जनवरी 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित आईएपीएमआरसीओएन 2018 के आयोजन सचिव; एसकेआईएमएस, श्रीनगर और पीजीआई, चंडीगढ़ में साक्षात्कार समिति के विशेषज्ञ सदस्य; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; केजीएमयू लखनऊ, भारत के एमडी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक।

डॉ श्रीकुमार वी ने हिंदी पखवाड़ा (सितंबर 2017), के दौरान निबंध लेखन (अन्य भाषाई) में पहला पुरस्कार जीता, एम्स, नई दिल्ली; समीक्षक, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्स्ड मेडिकल एंड हेल्थ रिसर्च (जिपमेर, पुदुचेरी का आधिकारिक जर्नल); तकनीकी सलाहकार समूह, भारतीय अनुकूलन और अनुकूलित एएय3 का सत्यापन (भारतीय बच्चों में 2–24 महीने की उम्र में), बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी डिवीजन, एम्स, नई दिल्ली; तकनीकी सलाहकार समूह, रीढ़ की हड्डी की चोट और स्ट्रोक के पुनर्वास के लिए सॉफ्ट रोबोट (कृत्रिम स्नायु) प्रौद्योगिकी मंच, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली; तकनीकी सलाहकार समूह, एनएएफएलडी रोगियों के लिए शारीरिक गतिविधि, चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य सचिव, एक्सेबिलिटी इंडिया कैम्पेन (सुगम्य भारत अभियान), एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में भौतिक अवसंरचना पर अध्याय में संशोधन के लिए समिति; सदस्य, मेडिकल बोर्ड, चिकित्सा अधीक्षक/डीन एकैडेमिक्स, एम्स द्वारा गठित; नोडल अधिकारी, पीएमआर विभाग, योजना और जीईएम के तहत मशीनरी और उपकरण के मांगपत्र संकेतक; कोषाध्यक्ष, आईएपीएमआरसीओएन 2018, नई दिल्ली (आईएपीएमआर का 46वाँ वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन); संयुक्त सचिव, इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ रिहेबिलिटेशन मेडिसिन; कोषाध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (आईएपीएमआर); www.iapmr.org वेबसाइट के सह–समन्वयक, जो कि भारतीय शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास संघ का आधिकारिक वेबसाइट है।

डॉ आसेम रंगिता चानू जर्नल ऑफ मेडिकल सोसायटी के समीक्षक रहे; एपीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम, लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान में 29 नवंबर 2017 को मिडटर्म इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन बैठक 2017 में 'वजन घटाने के दौरान मांसपेशियांः इसके संरक्षण के लिए रणनीतियाँ' विषय के लिए एक सत्र के अध्यक्ष; अध्यक्ष, पंजीकरण और अभिनंदन समिति, आईएपीएमआरसीओएन 2018, नई दिल्ली; संयोजक, पूर्व सम्मेलन कार्यशाला अल्ट्रासाउंड गाइडेड बोटुलिनम टॉक्सिन फॉर अपर लिम्ब स्पेस्टिसिटी मैनेजमेंट, आईएपीएमआरसीओएन 2018, नई दिल्ली।

श्री अजय बब्बर कृत्रिम अंग, पुनर्वास उपकरण तथा सामग्री हेतु विकलांग अनुभागीय समिति, एम.एच.डी. 09, भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली, खरीदार के रूप में नामांकित एवं जीईएम सरकार ई विपणन के लिए परेषिती के सदस्य थे।

श्री अनिल कुमार कृत्रिम अंग, पुनर्वास उपकरण तथा सामग्री हेतु विकलांग अनुभागीय समिति, एम.एच.डी. 09, भारत मानक ब्यूरो, नई दिल्ली।

डॉ संदीपन हाजरा ने 200 मी. फ्रीस्टाइल तैराकी में स्वर्ण पदक जीता, पल्स, 44वां एनुअल साऊथ एशियन मेडिकल सोशियो–कल्चरल, लिटरेरी एंड स्पोर्ट्स मीट, एम्स, नई दिल्ली

डॉ रक्तिम स्वर्णकार को 'कैंसर में हालिया उन्नयन एवं भावी संभावनाएं' विषय पर निबंध लेखन में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, जिसका आयोजन विश्व कैंसर दिवस (4 फरवरी 2018) को एम्स, नई दिल्ली में किया गया था।

9-32 'kjhj fØ;k foKku

vkpk;Z ,oa v/;{k

किशोर कुमार दीपक

vkpk;Z

हरूदानंदा मलिक	देबब्रत घोष	कंवल प्रीत कोचर
रत्ना शर्मा	नलिन मेहता	सुमन जैन
अशोक कुमार जरयाल	राज कुमार यादव	अंजना तलवार

lg&vkpk;Z

अस्मिता पाटिल	रेनु भाटिया

lgk;d vkpk;Z

सिमरन कौर	प्रशांत तुलसीदास तायडे	दीनू एस. चन्द्रन
नसरीन अख्तर	रितेश नेतम (4 नवम्बर से)	आकांक्षा
गीतांजली बड़े	सर्या प्रकाश (12 फरवरी 2018 से)	

fof'k"Vrk,a

फिजियोलॉजी विभाग, डॉक्टरल कार्यक्रम के अतिरिक्त, स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर शिक्षण में शामिल रहा है। संकाय ने एम्स और अन्य संस्थानों में कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के आयोजन द्वारा इन–हाउस स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान तकनीकों के लिए मानवशक्ति को प्रशिक्षित करने का कार्य भी किया। संकाय द्वारा विभिन्न क्षेत्रों जैसे न्यूरोफिज़ियोलॉजी (स्वायत्त तंत्रिका तंत्र सहित), कोशिकीय और आण्विक शरीरविज्ञान, पोषण, संवहनी शरीरक्रिया विज्ञान, प्रजनन, श्वसन, निद्रा, संज्ञान, ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उददीपन और योगा में कई एक्स्ट्राम्यूरल व इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजनाएं भी की गई हैं। अनुसंधान परिणाम, विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों में प्रस्तुत किए गए और सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए। अपने मूल शोध के आधार पर, विभाग ने सुधारात्मक सर्जरी और योगिक हस्तक्षेप के दौरान स्वायत्त और संवहनी प्रकार्य आकलन, दर्द प्रबंधन, इंटराऑपरेटिव निगरानी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके रोगी देखभाल में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों को अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा में उनके अभिनव योगदान की सराहना में कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। विभाग ने 6–8 दिसंबर 2017 तक सार्क देशों के लिए कार्यशाला आयोजित की और विदेशों में वैज्ञानिकों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की (चित्र 1)। मानव संसाधन विकास मंत्रालय/ एनएमईआईसीटी और यूजीसी की राष्ट्रीय परियोजना के तहत प्रोफेसर केके दीपक के मार्गदर्शन में विभाग के दस संकाय सदस्य और दस वरिष्ठ निवासी ई–पीजी–पाठशाला (फोटोग्राफ 2) के लिए "फिजियोलॉजिकल बायोफिजिक्स" के लिए पाठय–सामग्री लेखक थे। परियोजना का उद्देश्य पूरे भारत में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए संसाधन सामग्री के प्रावधान के लिए राष्ट्रीय महत्व का है। फिजियोलॉजी विभाग ने प्रत्येक मॉड्यूल के लिए 30 मिनट के वीडियो सहित 43 व्याख्यान–सामग्री तैयार की। परियोजना के लिए मुख्य अन्वेषक प्रोफेसर मोगंती आर. राजेश्वरी, फार्माकोलॉजी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली हैं। डॉ. केके दीपक, आचार्य और प्रमुख, फिजियोलॉजी विभाग, विभागीय परियोजना–समन्वयक हैं।

.

फोटो 1ः सार्क राष्ट्रों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज (टीआईपीएस 2017) में तकनीक पर कार्यशालाः गेस्ट ऑफ ऑनर पद्म श्री डॉ. कृष्णास्वामी विजयराघवन द्वारा उद्घाटन समारोह और सम्मेलन पुस्तिका का विमोचन। चित्र में दिखाई दे रहे हैं (दायें से बायें)ः प्रोफेसर केके दीपक, प्रमुख, फिजियोलॉजी विभाग, डॉ कृष्णास्वामी विजयराघवन, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, डॉ बलराम ऐरन, डीन, एम्स और फिजियोलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ रत्ना शर्मा।

फोटो 2ः ई–पीजी–पाठशाला टीमः बाएं से दाएं (ऊपर पंक्ति) से देखें डॉ शिवल श्रीवास्तव, डॉ आशीष अरविंद, डॉ हंजबाम बरुन शर्मा, डॉ अरानी दास, डॉ अतनु रॉय और डॉ चित्तूरी विनय (नीचे पंक्ति) डॉ आकांक्षा, डॉ सिमरन कौर, डॉ केपी कोचर, डॉ केके दीपक, डॉ अस्मिता पाटिल, डॉ प्रशांत तायडे और डॉ गीतांजलि बडे। चित्र में नहीं हैः डॉ मनप्रीत कौर, डॉ रितेश नेताम, डॉ किरण प्रकाश, डॉ मीना मिर्धा, डॉ संजय पटेल और डॉ नवदीप आहूजा।

शिक्षा

पूर्वस्नातक शिक्षणः व्याख्यान 200 घंटे एवं प्रैक्टिकल 240 घंटे, यूजी छात्रः छात्रों की कुल संख्याः 107
पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षणः पीजी छात्रों की कुल संख्याः
एमएससी छात्रः 9
एमडी छात्रः 18
पीएचडी स्कोलरः 29

नर्सिंग और संबद्ध पाठ्यक्रमः छात्रों की कुल संख्याः 141

फिजियोलॉजी विभाग में लघु अवधि प्रशिक्षणः

- ए. सेंट मैरी स्कूल, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली के तीन छात्रों ने इंटीग्रल हेल्थ क्लिनिक में 25 जून से 7 जुलाई 2017 तक 15–दिवसीय योग–आधारित व्यापक जीवन शैली प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया
- बी. 1 जून – 1 अगस्त 2018 से 60 दिनों की अवधि के लिए एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक से 1 एमएससी छात्र
- सी. फरवरी से मई 2018 तक 60 दिनों की अवधि के लिए जामिया मिलिया इस्लामिया कॉलेज से दो एमएससी छात्र
- डी. यूनिवर्सिटी ऑफ केलानिया, श्रीलंका के 8 दिनों के लिए, 11–18 मार्च, 2018 को एएफटी लैब में 2 तकनीकी अधिकारी
- ई. दिनांक 18 दिसंबर से 28 दिसंबर 2017 तक एक महीने की अवधि के लिए एम्स, ऋषिकेश से एक संकाय सदस्य
- एफ. एक सप्ताह की अवधि के लिए 6 दिसंबर से 12 दिसंबर 2017 तक यूनिवर्सिटी ऑफ केलानिया, श्रीलंका के एक व्याख्याता
- जी. यूनिवर्सिटी ऑफ केलानिया, श्रीलंका से एक व्याख्याता 6 दिसंबर से 15 दिसंबर 2017 तक एक महीना दस दिनों की अवधि के लिए
- एच. दिनांक 28 सितंबर 2017 को एक दिन की यात्रा और प्रशिक्षण के लिए मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योगा से बारह बीएससी छात्र
- आई. अक्टूबर से दिसंबर 2017 तक तीन महीने की अवधि के लिए इग्नू का एक लैब तकनीशियन
- जे. 10 जुलाई से 29 जुलाई 2017 तक बीस दिनों की अवधि के लिए एक रोटेटर प्रशिक्षण के लिए जामिया मिलिया इस्लामिया कॉलेज के सात एमएससी छात्र
- के. 6 अप्रैल से 11 अप्रैल 2017 तक 28 दिनों की अवधि के लिए गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम के 3 संकाय छात्रों के साथ तीन एमएससी छात्र
- एल. 17 मई से 31 मई 2017 तक एम्स जोधपुर के दो संकाय सदस्य
- एम. एमडीयू रोहतक से 1 जून से 30 जून 2017 तक दो एमएससी छात्र
- एन. 1 फरवरी से 28 फरवरी 2017 तक काठमांडू विश्वविद्यालय, नेपाल के दो निवासी

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. माइंड–बॉडी–मेडिसिन पर संगोष्ठीः साक्ष्य–आधारित योग अनुसंधान और स्वास्थ्य, एपीपीआई, दिल्ली अध्याय, 1 मई 2017, नई दिल्ली
2. राष्ट्रीय स्लीप टेक्नोलॉजी कोर्स 2017, 20 सितंबर 2017, पणजी
3. राष्ट्रीय स्लीप मेडिसिन कोर्स 2017, 21 सितंबर 2017, पणजी
4. इंडियन सोसाइटी फॉर स्लीप रिसर्च की सिल्वर जुबली कांग्रेस, 22–23 सितंबर 2017, पणजी
5. विश्व स्लीप 2017 में क्षेत्रीय संगोष्ठी, 9 अक्टूबर 2017, प्राग
6. प्री–कान्फ्रेस वर्कशॉप ऑन ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशनः ए नॉन इनवेसिव टेक्नीक फोर न्यूरल रिपेयर एंड प्लास्टिसिटी, एपीपीआईसीओएन 2017, 10 अक्टूबर 2017, पुडुचेरी
7. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीआईसीओएन 2017) के 63वें वार्षिक सम्मेलन पर कार्यशाला, 10–14 अक्टूबर 2017, पुडुचेरी
8. प्री–कान्फ्रेंस वर्कशॉप ऑन ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशनः ए नॉन इनवेसिव थेराप्यूटिक स्ट्रेटजी फॉर न्यूरोलॉजिकल डिस्आर्डर्स, 28 अक्टूबर 2017, कटक
9. जीरो–ग्रेविटी पर संगोष्ठी, फिप्स फिजीकॉन 2017, 5–7 नवंबर 2017, नई दिल्ली

10. सार्क राष्ट्रों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीकों पर कार्यशाला, 6–8 दिसंबर 2017, नई दिल्ली
11. सार्क राष्ट्रों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज में 6–8 दिसंबर 2017, नई दिल्ली में क्वांटिटेटिव ईईजी की रिकॉर्डिंग और विश्लेषण पर कार्यशाला
12. सार्क राष्ट्रों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक में संज्ञानात्मक कार्यों के विभिन्न क्षेत्र के मूल्यांकन पर कार्यशाला, 6–8 दिसंबर 2017, नई दिल्ली
13. मनुष्यों और जानवरों में दर्द मूल्यांकन पर कार्यशाला, सार्क देशों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक, 6–8 दिसंबर 2017, नई दिल्ली
14. वर्कशॉप ऑन ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन, सार्क राष्ट्रों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक, 6–8 दिसंबर 2017, नई दिल्ली
15. पॉलीसोमोग्राफी पर कार्यशाला, शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक, 6–8 दिसंबर 2017, नई दिल्ली
16. बैरिटस्कैफट्स की क्षमताओं की रिकॉर्डिंग पर कार्यशाला, सार्क राष्ट्रों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक, 6–8 दिसंबर 2017, नई दिल्ली
17. स्पिरोमेट्री द्वारा पल्मोनरी फंक्शन टेस्टिंग पर कार्यशाला, सार्क देशों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक, 6–8 दिसंबर 2017, नई दिल्ली
18. एक्सप्रेशन माइक्रोएरे पर कार्यशाला, सार्क देशों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक, 6–8 दिसंबर 2017, नई दिल्ली
19. साइको–सोशल और इंटरपर्सनल कौशल विकास करने से संबंधित कार्यशाला, एम्स संकाय, रेजिडेंट्स, स्टूडेंट्स और हेल्थ प्रोफेशनल के लिए एक अच्छा स्वास्थ्य सेवा प्रदाता तैयार करना, 28 फरवरी 2018, नई दिल्ली
20. अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छी नींद पर एम्स के छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के लिए क्विज, 10 मार्च 2018, नई दिल्ली
21. एपीपीआईसीओएन 2017, के भाग के रूप में इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिजियोलॉजी पर सीएमई, 11 अक्टूबर 2017, पुडुचेरी

प्रदत्त व्याख्यान

किशोर कुमार दीपकः 18	**हृदयानंद मल्लिकः 9**	**देवव्रत घोषः 2**	**कंवल प्रीत कोचरः 6**
नलिन मेहताः 40	**सुमन जैनः 6**	**अशोक कुमार जरयालः 7**	**राज कुमार यादवः 16**
अंजना तलवारः 1	**अस्मिता पाटिलः 6**	**रेणु भाटियाः 3**	**सिमरन कौरः 4**
प्रशांत टी तायडेः 2	**दीनू एस चंद्रनः 2**	**नसरीन अख्तरः 5**	**आकांक्षा:6**
रितेश नेतामः 2	**गीतांजलि बाडेः 1**		

मौखिक/प्रस्तुत पोस्टरः 60

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. सिर ऊपर, नीचे झुकाव के दौरान कार्डियोवास्कुलर परिवर्तनशीलता पर धीमी गति से सांस लेने के गंभीर प्रभाव, और कम स्वस्थ लोगों में शरीर के निचले हिस्सों पर नकारात्मक दबाव और प्रशिक्षित योग चिकित्सक, के.के. दीपक, आयुष, 3 वर्ष, 2016–2018, 66.75 लाख रुपये
2. अभिव्यक्ति सरणियों का जीनोम–व्यापी विश्लेषण (जीडब्ल्यूए) से एंडोमेट्रियोसिस के लिए ट्रांसक्रिपटोमिक लैंडस्कैपिंग, देवब्रत घोष, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 47.37 लाख रुपये
3. मोलेक्यूलर बेसिस ऑफ एस्ट्रोजेनिज्म इन एंडोमेट्रियोसिस, देवव्रत घोष, डीएसटी, 3 वर्श, 2016–2019, 49.72 लाख रुपये
4. ईईजी माईक्रोस्टेट एण्ड फेज कॉहिरेंस कोरिलेट्स आूफ कॉग्निटिव डेफिसिट्स इन पार्किंसन डिसीज, रत्ना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2016–2019, 2.28 लाख रुपये
5. स्तन कैंसर रोगियों में थकावट और तनाव में बदलाव लाने के लिए एक सहायक चिकित्सा के रूप में योग की प्रभावकारिताः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, राज कुमार यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 5 लाख रुपये
6. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया रोगियों में पेन मॉडुलेशन पर ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टीमुलेशन का प्रभाव, रेणु भाटिया, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 4 लाख रुपये
7. इफेक्ट ऑफ योगा ऑन पेन स्टेटस एंड कार्टिकोमोटर एक्साईटेबिलिटी इन क्रॉनिलक लो बैक पेन पेशिएंट्स, रेणु भाटिया, डीएसटी सत्यम, 3 वर्ष, 2017–2020, रु 22.62 लाख रूपये
8. क्यूईईजी बेस्ड न्यूरल कोरिलेट्स एण्ड माईक्रोस्टैट्स ऑफ अटेंशन एंड इंफरेंस इन एडीएचडीः एन एंडोफेनोटाइपिक मार्कर, सिमरन कौर, सीएसआरआई, डीएसटी, 1 वर्ष, 2017–2018, 11.96 लाख रूपये

9. स्टडी ऑफ कार्टिकल सोर्सेज एंड ब्रेन आयरन लेवल्स डयूरिंग रेस्ट एंड विजुओस्पेटियल वर्किंग मेमोरी इन अटेंशन डिफिसिट हाईपरएक्टिव डिस्ऑर्डर, सिमरन कौर, डीएचआर, 1.5 वर्ष, 2017–2019, 11.54 लाख रूपये
10. क्यूईईजी बेस्ड न्यूरल कोरिलेट्स ऑफ कंसेप्चुअल डोमिनेंस, सिमरन कौर, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2018, 6.74 लाख रूपये
11. स्टडी ऑफ ईईजी माइक्रोस्टेट एंड टेस्टिंग स्टेट नेटवर्क्स इन रिलेक्स्ड वेकफुलनेस, प्रशांत तायडे, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 9.9 लाख रूपये
12. नव नैदानित उच्च रक्तचाप वाले टाइप 2 डायबिटीज रोगियों में एंजोइम निरोधकों को अंतरित करने वाले एंजियोटेंसिन के बाद रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन प्रणाली और संवहनी कार्यों के घटकों के बीच संबंधों का अध्ययन, दीनू एस चंद्रन, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 4.6 लाख रुपये
13. कंटिन्यूअस नॉन–इनवेसिव ब्लड प्रेषर वेवफॉर्म मीजरिंग डिवाईस फोर कार्डियोवेस्क्यूलर हैल्थ, दीनू एस चंद्रन, बीआईआरएसी, 1.5 वर्ष, 2018–2019, 5.88 लाख रूपये
14. इफेक्ट ऑफ एंडोकेनाबिनोइड एट द मेडिकल सेप्टम ऑन स्लीप वेकफुलनेस, नसरीन अख्तर, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 4.2 लाख रुपये
15. कार्डियो–रेस्पीरेटरी एंड हार्मोनल रिस्पोंस टू आस्किलेटरी लोवर बॉडी नेगेटिव प्रेषन इन हैल्थी सब्जेक्ट, आकांक्षा, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 4.6 लाख रुपये
16. कंपेरिजन ऑफ इनफ्लेमेटरी एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस मार्कर्स इन एग्जेल्ड ब्रेथ कंडेन्सेट्स ऑफ स्मोकर एंड बायोमास स्मोक एक्स्पोज्ड सीओपीडी, गीतांजलि बाडे, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 8.89 लाख रुपये
17. इफेक्ट ऑफ हाइपोथालेमिक इनफ्लेमेशन ऑन ग्लूकोज सेंसिंग न्यूरॉन्स इन ऑर्कुरेट न्यूक्लिअस इन हाई फेट डाइट इंडयूस्ड ओबेसिटी रेट मॉडल, रितेश नेतम, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 5 लाख रुपये

पूर्ण

1. फ्रामिंघम रिस्क स्कोर के साथ एंजियोग्राफिक स्कोर का सह–संबंध, कोरोनरी धमनी रोगियों में संवहनी और ऑटोमेटिक फंक्शन, के.के. दीपक, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2015–2018, 23.18 लाख रुपये
2. जीनोम–वाईड जीन प्रोफाइलिंग यूजिंग एरे बेस्ड कंपेरेटिव जिनोमिक हाइब्रिडाइजेषन एण्ड ग्लोबल जीन ट्रांसक्रिप्ट प्रोफाइलिंग ऑफ रेस्पीरेटरे ट्रेक्ट मेक्रोफेगेस इन स्टेबल सीओपीडी, अंजना तलवार, डीएसटी, 4 वर्ष, 2013–2017, 50 लाख रूपये
3. ए स्टडी ऑफ साइकोन्यूरोइम्यूनोलॉजिकल कॉरेलेट्स ऑफ फाइब्रोमाइल्गियाः इफेक्ट ऑफ ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन, रेणु भाटिया, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 2.85 लाख रुपये
4. इमोशन डिपेंडेंट मॉड्यूलेषन ऑफ इनफेरेंसः: एक क्यूईईजी अध्ययन, सिमरन कौर, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 4.25 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चूहों में क्षेत्रीय मस्तिष्क तापमान पर शारीरिक चुनौतियों का प्रभाव
2. स्लीप में मेडियोडोरसल थैलेमिक न्यूक्लियर की भूमिका
3. चूहों में नींद में पार्श्व सेप्टल नाभिक की भूमिका
4. नींद और नींद की कमी में न्यूरोमस्कुलर परिवर्तन
5. विभिन्न शारीरिक कार्यों पर प्राणायामों के प्रभाव के पॉलीसोम्नोग्राफिक अध्ययन
6. एंडोमेट्रियोसिस में एस्ट्रोजेनम के आणविक
7. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस के ट्रांसक्रिपटोमिक परिदृश्य का एक अध्ययन
8. एंडोमेट्रियोसिस में एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं की एक नियोप्लास्टिक क्षमता
9. एंडोमेटिरियल टेलमरेज रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज प्रोटीन एक्सप्रेशन इन ओवेरियन एंडोमीटरियोसिस
10. मात्रात्मक ईईजी संज्ञानात्मक कार्यों और संबद्ध मनोवैज्ञानिक तनाव प्रतिक्रिया पर सकारात्मक, नकारात्मक और तटस्थ को प्रभावित करता है
11. मात्रात्मक ईईजी सिजोफ्रेनिया में विजियो–स्पैशियल वर्किंग मैमोरी से संबंधित है
12. ग्लूकोमा में संज्ञानात्मक प्रदर्शन के तंत्रिका संबंधः एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन
13. द्विनेत्री प्रतिद्वंद्विता के दौरान अनुरूपता और भावात्मक वैधता का तंत्रिका प्रसंस्करणः एक क्यूईईजी अध्ययन
14. मोटर इमेजरी के ईईजी डेटा पर आधारित ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस
15. ईईजी माईक्रोस्टेट्स ऑफ परसेप्चुअल रिवर्सल ऑफ इमोशनल स्टम्यूली इन सिज़ोफ्रेनिया ड्यूरिंग बाइनोक्यूलर राईवलरी

16. टू स्टडी दी थेराप्यूटिक इफेक्ट ऑफ सुपरपरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स इंप्लांटेशन एंड मैग्नेटिक फील्ड सिम्यूलेशन ऑन मोटर, कॉग्निटिव इन ए 6–ओएचडीए रेट मॉडल ऑफ पार्किंसन डिसीज।
17. न्यूरोरेगनरेशन फोलोविंग इंप्लांटेशन ऑफ आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल एलोंग विद मैग्नेटिक फील्ड एक्सपोजर इन स्पाईनल कॉर्ड इंज्यूर्ड रेट्स
18. कोर्टिकल रिऑर्गेनाईजेशन इन कंप्लीट स्पाईनल कॉर्ड इंज्यूर्ड रेट्सः इफेक्ट ऑफ सुपरपरामैग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स एंड लो इंटेंसिटी मैग्नेटिक फील्ड
19. ए मॉर्फोलॉजिकल एंड फंक्शनल स्टडी ऑन इंट्रासेरेब्रोवेन्ट्रिकुलर स्ट्रेप्टोज़ोटोकिन इंड्यूस्ड रेटस मॉडल ऑफ एंजाईमर डिसीजः इफेक्ट ऑफ मैग्नेटिक फील्ड सिम्यूलेशन।
20. मसल रीजनरेशन इन कंप्लीट स्पाईनल कॉर्ड इंजरीः ऑफ आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल अलोंग विद मैग्नेटिक फील्ड एक्सपोजर इन रेट्स
21. जीनोमिक एक्सप्रेशन एंड प्रोटीन प्रोफाइल को–रिलेट्स ऑफ पेरिफेरियल ब्लड मोनोन्यूक्लियर सेल्स इन ओबेसिटी आफ्टर योगा–बेस्ड लाईफस्टाईल इंटरवेंशन।
22. इफेक्ट ऑफ योगा– बेस्ड लाईफस्टाईल इंटरवेंशन ऑन हाइपोथायरायडिज्मः ए रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
23. इफेक्ट ऑफ शॉर्ट–टर्म योगा–बेस्ड लाईफ स्टाईल इंटरवेंशन ऑन स्ट्रेस, एयरवे रेजिस्टेंस एंड इनफ्लेमेशन इन ब्रोंकायल अस्थमा पेशेंट्सः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
24. कंपेरेटिव स्टडी ऑफ योगा एंड नी स्ट्रेंग्थनिंग एक्सरसाईसेज ऑन ओस्टियोआर्थराइटिसः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
25. अंडरस्टेंडिंग द पैथोफिजियोलॉजी ऑफ एंडोमेट्रियोसिस बाई प्रोटीन प्रोफाइलिंग एंड इट्स कोरिलेशन विद स्ट्रेस
26. इफेक्ट ऑफ विटामिन डी सप्लीमेंटेशन ऑन पेंक्रियाज बीटा सेल फंक्शन्स इन ओबीज इंडियन सब्जेक्ट्सः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल
27. इवेल्यूएशन ऑफ ऑटोमेटिक टोन, वेस्क्यूलर एंड एंडोथेलियल फंक्शन्स इन मायोकार्डियक इनफ्रेक्शन पेशेंट्स अंडरगोइंग योगा बेस्ड कार्डियक रिहेबिलिटेशन
28. एक्यूट इफेक्ट्स ऑफ लो ब्रीथिंग ऑन कार्डियोवेस्क्यूलर वेरिएबिलिटी ड्यूरिंग हेड–अप टिल्ट, हैड डाउन टिल्ट एंड लोवर नेगेटिव प्रेशन इन नेव हैल्थी सब्जेक्ट्स एंड ट्रेन्ड योगा प्रेक्टिशनर्स
29. क्वांटिटेटिव ईईजी को रिलेट्स ऑफ इमोशन इंड्यूस्ड चेंजेस इन कॉग्निटिव परफार्मेंस इन हेल्थी वॉलंटीयर्स
30. मोलेक्यूलर बेसिस ऑफ केटियोनिक एंटी–माइक्रोबियल पेप्टाइड एक्षन ऑन ह्यूमैन प्लेसेनटल साइटोट्रॉफ़ोबलास्ट सेल्स
31. ए स्टडी ऑफ पेन स्टेटस एंड कॉर्टिकॉमोटर एक्साइटेबिलिटी इन क्रोनिक लो बैक पेन पेशेंट्सः इफेक्ट ऑफ ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन
32. फाइब्रोमायल्जिया के रोगियों में कॉर्टिकॉमोटर एक्साइटेबिलिटी और संज्ञानात्मक कार्यों पर न्यूरॉ नेविगेशन–आधारित आरटीएमएस थेरेपी का प्रभाव
33. द इफेक्ट ऑफ मोटर इमेजरी ऑन पेन स्टेटस एंड कॉर्टिकोमोटर एक्साइटेबिलिटी इन रूमेटॉयड आर्थराईटिस पेशेंट्स
34. दर्द स्थिति, थर्मल संवेदनशीलता और मायोफेशियल दर्द डिसफंक्शन सिंड्रोम में मोटर गतिविधि पर दोहराए जाने वाले ट्रांसैरेनियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव
35. एडिक्टिव विकारों का डिफॉल्ट मोड नेटवर्कः एक मात्रात्मक ईईजी अध्ययन
36. रेडियल धमनी का अध्ययन करने के लिए श्रेणीबद्ध सुप्रा–सिस्टोलिक पुनर्निर्माण द्वारा शियर मॉडुलेशनन की प्रतिक्रिया में लो–फ्लो मेडिएटेड कंसट्रिक्शन
37. संवहनी पर ग्रेडेड कफ दबाव के जवाब में ब्रेकियल धमनी प्रतिगामी कतरनी के अंतर्निहित वृद्धि के संवहनी तंत्र का अध्ययन
38. हिंदी भाषा में विजिओस्पेटिकल कॉम्प्लेक्सिटी के क्यूईईजी कॉरलेटेस का अध्ययन
39. मात्रात्मक ईईजी 'ओएम' चेंटिंग से संबंधित है

पूर्ण

1. कंपेरीजन ऑफ मोनोपोलर एंड बाईपोलर सिम्यूलेशन फोर कॉर्टिकल मोटर मैपिंग इन न्यूरोसर्जरी।
2. स्पाइनल कॉर्ड सर्जरी में डी तरंग और एम–एमईपी आधारित इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमोनिटरिंग की तुलना
3. लो फ्लो मेडिएटेड कंस्ट्रिक्शन इन ब्रेशियल एंड रेडियल आट्रेरीज एंड इट्स कंपेरिजन इन डोमिनेंट एंड नॉन–डोमिनेंट आर्म्स आफ्टर करेक्टिंग फॉर द शियर रेट।
4. एसेसमेंट ऑफ पेरिफेरल आर्टिरियल कंप्लायंस ड्यूरिंग ग्रेडेड लोअर बॉडी नेगेटिव प्रेशर

5. फाइब्रोमाइल्गिया के रोगियों में दर्द की स्थिति के मॉड्यूलेशन पर ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का प्रभाव
6. माइग्रेन के पुराने रोगियों में मात्रात्मक संवेदी परीक्षण और कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना पर न्यूरो–नेविगेशन आधारित ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक उत्तेजना की भूमिका
7. त्रिपृष्ठी तंत्रिकाशूल रोगियों में अनुकूलित दर्द मॉड्यूलेशन का एक अध्ययन
8. क्यूईईजी क्रॉस मोडल ऑडियो–विजुअल इंटरैक्शन को सहसंबंधित करता है
9. श्वसन साइनस एरीथ्मिया के लिए बैरोफ्लेक्स योगदान का अध्ययन करना
10. एंडोमेट्रियोसिस में एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं की नियोप्लास्टिक क्षमता का इन–विट्रो अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारत में मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए कलंक के लिए हस्तक्षेप, न्यूरोलॉजी
2. गैर–एल्कोहलिक वसायुक्त यकृत युवा रोगियों में एंडोथेलियल डिसफंक्शन, चिकित्सा
3. विशिष्ट अधिगम विकलांगता वाले बच्चों और किशोरों में ऑटोमेटिक फंक्शन का अध्ययन, मनोचिकित्सा
4. ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑन ऑटोनोमिक फंक्शन एंड कॉर्टिकल पेन परसेप्शन इन फाब्रोमाइल्गिया, पीएमआर
5. आंतरिक रूप से ऑपरेटिव बनाम बाह्य रूप से ऑपरेटिव ध्यान नियामक तंत्र के दौरान हृदय–मस्तिष्क की अंर्तक्रिया की जांच, डिपार्टमेंट ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, डॉ. बी.आर. अंबेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब
6. कैरेक्टराईजेशन ऑफ डायनेमिक इंटरेक्शन बिटवीन कार्डियोवेस्क्यूलर एंड रेस्पीरेटरी सिग्नल ड्यूरिंग ऑटोनोमिक स्टिमुलेशन, डिपार्टमेंट ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब।
7. डेवलपमेंट ऑफ काउंटरमेजर ग्रेविटी लोडिंग बोडीश्यूट एंड इट्स पोटेंशियल एसोसिएशन विद कार्डियोवास्कुलर एंड मस्कुलर सिस्टम, डिपार्टमेंट ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जालंधर, पंजाब
8. आईसोलेशन एंड मॉलेक्यूलर कैरेक्टराईजेशन ऑफ कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल (डीबीटी), जैव रसायन
9. न्यूट्रिशनल प्रोफाईल एंड लाईफस्टाईल ऑफ इंडियन वूमेन (18–40 वर्ष) विद इंफर्टिलिटी, लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
10. ए स्टडी ऑफ द फंक्शनल ब्रेन एक्टिवेशन एंड इलेक्ट्रो–फिजिकल स्पेक्ट्रल एनालिसिस इन कैटेटोनिया, साइकाइट्री
11. ए स्टडी ऑफ ब्रेन एक्टिवेशन यूजिंग फंक्शनल नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड क्वांटिटेटिव इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक स्पेक्ट्रल एनालिसिस इन डिप्रेशन, नेगिटिव एंड पॉजिटिव सिंजोफ्रेनिया, मनोविज्ञान
12. इवेल्यूएशन ऑफ द इफेक्ट ऑफ माइंड फुलनेस बेस्ड स्ट्रेस रिडक्शन इन पेशेंट्स विद एडवांस्ड ग्लुकोमा, डॉ. आर. पी. सेंटर
13. ए स्टडी फोर डिटर्मिनेशन ऑफ एलोसेंट्रिक न्यूरल नेविगेशन प्रोसेसे स्कीमेटिक यूटिलाईजिंग डायनेमिक ऑप्टिक एरे फोर प्रोस्पेक्टिव कंट्रोल, मनोविज्ञान
14. स्टडी ऑफ कॉग्निटिव फंक्शन इन पेशेंट्स विद क्रोनिक किडनी डिसीज एंड दी इफेक्ट ऑफ रीनल ट्रासप्लांट, नेफ्रोलॉजी
15. टू स्टडी द चेंजेस इन बीरीटशाफ्ट पोटेंशियल ओर मूवमेंट रिलेटेड कॉर्टिकल पोटेंशियल इन फाइब्रोमाइल्गिया सिंड्रोम, साईकायट्री एंड पीएमआर।
16. कंपेरेटिव एसेसमेंट ऑफ कॉग्निशन, डिफाल्ट मोड नेटवर्क्स एंड एनोलिसिस ऑफ साईकोसोशन बिहेवियर एंड लाईफस्टाईल बिटिवन ओबीज एंड पोस्ट–बैरिएट्रिक सर्जरी ग्रुप्स ऑफ पेशेंट्स, सर्जरी
17. ब्लड हैवी मेटल लेवल्स एंड क्वांटिटेटिव ईईजी कॉरेलेट्स इन चिल्ड्रन विव ऑटिज्म, पीडियाट्रिक्स
18. एनएमआर का उपयोग करके पार्किंसंस रोग में बायोमार्कर की पहचान, एनएमआर
19. चूहे के मानिया–लाइक बीहेवियर के मॉडल में क्लॉक जीन का अध्ययन, न्यूरोलॉजी
20. इफेक्ट ऑफ रिपीटिटिव मैग्नेटिक फील्ड सिम्यूलेशन ऑन न्यूरोजेनिसिस इन स्ट्रेप्टोजोटोकिन इंड्यूस्ड रेट मॉडल ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज, बायोटेक्नोलॉजी।
21. ए रेंडमाईज्ड, डबल–ब्लाइंड, प्लेसेबो–कंट्रोल्ड, स्पिलट–हैड ट्रायल टू स्टडी दी इफेक्ट ऑफ ऑटोलॉगस प्लेटलेट–रिच प्लाज्मा ऑन हेयर ग्रोथ एंड लीजनल टी–हेल्पर एंड टी–रेगुलेटरी सेल एक्सप्रेशन मार्कर्स इन एलोपेसिया एरियाटा, डेर्माटोलॉजी एंड वीनेरॉलोजी
22. दिल्ली ग्लूकोमा महामारी विज्ञान अध्ययन, आरपी सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज
23. इवेल्यूएशन ऑफ इफेक्ट ऑफ माइंडफुलनेस बेस्ड स्ट्रेस रिडक्शन इन पेशेंट्स विद प्राईमरी ओपन एंगल ग्लुकोमा, आरपी नेत्र रोग विज्ञान केन्द्र

24. इफेक्ट ऑफ योगा– बेस्ड इंटरवेंशन ऑन इंट्राओक्यूलर प्रेशर, क्वालिटी ऑफ लाईफ, इंफ्लेमेटरी मार्कर्स एण्ड जीनोम एक्सप्रेशन प्रोफाईल इन ग्लूकोमा पेशेंट्सः ए रेंडोमाईज्ड कंट्रोल्ड, ट्रायल, आरपी नेत्र रोग विज्ञान केंद्र
25. इंपेक्ट ऑफ न्यूट्रिशनल एंड लाईफस्टाईल मॉडिफिकेशन इन सब्जेक्ट्स विद बीएमआई 25–29.9 किग्रा/एम^2 वर्सेस 30–34.9 किग्रा/एम^2 एंड टू एसेस द इफेक्ट ऑफ बैरिएट्रिक सर्जरी इन बीएमआई $\geq$ 35 किग्रा/एम^2, सर्जिकल डिसिप्लीन।
26. वजन घटाने, शरीर में वसा वितरण और वयस्क भारतीय मोटापे से ग्रस्त रोगियों में इंसुलिन प्रतिरोध पर सर्जिकल आहार और जीवनशैली संशोधनों का प्रभाव
27. रोल ऑफ साईटोकाईन लेवल्स इन रिकरेंट प्रीग्नेंसी लॉस एंड इफेक्ट ऑफ प्रोगेस्टेरॉन ऑन साईटोकाईन लेवल्स, ओब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकॉलोजी
28. इफेक्ट ऑफ योगा बेस्ड लाईफस्टाईल इंटरवेंशन ऑन बायोमाकर्स ऑफ सेलुलर एजिंग इन पेशेंट्स विद डिप्रेशन, एनाटॉमी।
29. रोल ऑफ योगा बेस्ड इंटरवेंशन एज एन एडजंक्ट इन इंप्रूविंग क्वालिटी ऑफ लाईफ ऑफ ग्लुकोमा पेशेंट्स, आर. पी. सेंटर फोर ऑप्थाल्मिक साईंसेस
30. स्टडी ऑफ पोटेंशियल मॉड्यूलेटर टार्गेटिंग पाथवेज इनवाल्व्ड इन दी हाइपरफॉस्फोरिलाईजेशन ऑफ टाउ इन अल्जाइमर डिजीज, बायोफिजिक्स
31. ए पायलट स्टडी ऑफ द रोल ऑफ इंटरसेसरी प्रेयर इन डिटरमाईनिंग दी आउटकम आफ्टर ट्रामेटिक ब्रेन इंजरी, न्यूरोसर्जरी विभाग, आरएमएल, नई दिल्ली; न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
32. सेंट्रल सीरस कोरियो–रेटिनोपैथी एंड मेडिटेशनः फंक्शनल एंड मार्फिलोजिकल आउटकम स्टडी, आर. पी. सेंटर फॉर ऑप्थेल्मिक साइंसेज
33. एफिसिएसी ऑफ ए फेमिली बेस्ड कंप्रीहेंसिव योगा प्रोग्राम फोर वेट रिडक्शन एमोंग ओवरवेट चिल्ड्रन एंड एडोल्सेंट्स, पेडियाट्रिक्स
34. इंपेक्ट ऑफ योगा एंड मेडिटेशन ऑन एपिजेनेटिक प्रोफाईन इन रूमेटॉयड आर्थराईटिस, एनाटॉमी
35. फिजिबिलिटी ऑफ इंट्राड्यूसिंग स्ट्रक्चर्ड योगा प्रोग्राम एंड इट्स इफेक्ट ऑन स्ट्रेस एंड पर्सिव्ड वेल बेइंग ऑन न्यू मेडिकल अंडरग्रेजुएट स्टूडेंटस ऑफ एम्स, सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, नई दिल्ली
36. सारकॉइडोसिस, पल्मोनरी मेडिसिन में इम्पल्स ओस्सिलोमेट्री का एक अध्ययन
37. ए स्टडी ऑफ रेस्पीरेटरी इंपीडेंस, रेसिस्टेंस एंड रिएक्टेंस इन इंटरस्टीशियल लंग डिजीज, पल्मोनरी मेडिसिन
38. सीओपीडी, पल्मोनरी मेडिसिन में नियामक टी कोशिकाओं की भूमिका
39. सीओपीडी, पल्मोनरी मेडिसिन का ट्रांसक्रिप्टोमिक आधार
40. कार्डिएक ऑटोनोमिक टोन एंड रिएक्टिविटी इन पेशेंट्स विद एल्कोहल यूज डिस्ऑर्डर अंडरगोइंग ट्रिटमेंट ऑफ एक्यूट विदड्रॉल सिंप्टम्स, मनोरोग और एनडीडीटीसी
41. एसेसमेंट ऑफ ऑटोनोमिक फंक्शन एक्रोस फ्रेलिटी स्टेटस इन इंडियन एल्डर्ली, जराचिकित्सा औषधि
42. ए स्टडी ऑफ ऑटोमेटिक फंक्शन इन एडोलसेंस विद स्पिसिफिक लर्निंग डिस्ऑर्डर (डिस्लेक्सिया) विद एंड विदाउट कॉमोरबिड, मनोचिकित्सा
43. यूनीक अस्पेक्ट्स ऑफ आईडियोपेथिक हाइपोपाराथायरायडिज्म, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म
44. एसोसिशन ऑफ लीन मास, मसल स्ट्रेंथ एंड फिजिकल परफार्मेंस विद डाईबिटीज एंड मेटाबोलिक पैरामीटर्स, मेडिसिन
45. एंडोथेलियल डिसफंक्शन इन यंग पेशेंट्स विद नॉन –एल्कोहलिक फेटी लीवर डिजीज, मेडिसिन
46. कंपेरीजन ऑफ प्रोपोफोल एंड केटोफोल ऑन ट्रांसक्रेनियल मोटर इवोकैपिटोनियल इन पेषेंट्स अंडरगोइंग थोरैकोलम्बार स्पाइन सर्जरी, न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर

पूर्ण

1. आईसोलेशन एंड मॉलेक्यूलर कैरेक्टराईजेशन ऑफ ह्यूमैन बोन मेरो डेराईव्ड मेसेनकाइमल स्टेम सेल्स, जैव रसायन
2. डिफरेंशियल प्री फ्रंटल कॉर्टेक्स (पीएफसी) एक्टिवेशन फोर अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर (एडीएचडी) पेशेंट्स एंड कंट्रोल ग्रुप इन रिस्पांस टू इमोशनल स्टिम्यूलीः ए फंक्शनल नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) स्टडी, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
3. एन एक्स्प्लोरेटरी स्टडी विद ए पर्पस ऑफ फाईंडिंग ए रिलेषनशिप बिटविन एंड स्ट्रेस एंड पेन परसेप्शन/ मॉड्यूलेशन इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ प्रेजेंस ओर एबसेंस ऑफ एंग्जाईटी, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
4. एक्सप्रेशन एनालाइजिस ऑफ पोटेंशियल माइक्रो आरएनए इन ट्यूबरकोलोसिस, मेडिसिन
5. क्षय रोग, चिकित्सा में संभावित सूक्ष्म आरएनए का अभिव्यक्ति विश्लेषण

6. इंपेक्ट ऑफ लोकल एंडोमेट्रियल इंजरी ऑन दी आउटकम ऑफ आईवीएफ साईकिल विद प्रीवियस फेल्ड इंप्लांटेशनः एक्सप्लोरिंग दी जीनोम वाइड ट्रांसस्क्रिप्टोमिक बेसिस, ओब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकॉलोजी।
7. डिफरेंशियल प्री फ्रंटल कॉर्टेक्स (पीएफसी) एक्टिवेशन फोर अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर (एडीएचडी) पेशेंट्स एंड कंट्रोल ग्रुप इन रिस्पांस टू इमोशनल स्टिम्यूलीः ए फंक्शनल नियर इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) स्टडी, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
8. ए स्टडी ऑफ रेस्पिरेटरी इंपीडेंस एन हट रेट वेरिएबिलिटी इन पार्किंसंस डिसीज, न्यूरोलॉजी
9. इफेक्ट ऑफ एक्सरसाईज इंटरवेंशन ऑन बोन मिनरल डेंसिटी इन सिस्टिक फाईब्रोसिस पेशेंट्स एज्ड 6–18 ईयर, पीडियाट्रिक्स
10. सीओपीडी, पल्मोनरी मेडिसिन में प्रेरित टी–नियामक कोशिकाओं की इन–विट्रो जनरेशन
11. इफेक्ट ऑफ टू एनेस्थेटिक रेजिम्स विद डेक्समेडेटोमाइडीन एज एडजुवेंट ऑन ट्रांसक्रेनियल इलेक्ट्रिकल मोटर इवोक्ड पोटेंषियल्स ड्यूरिंग स्पाईन सर्जरीः ए पायलट स्टडी, न्यूरोएनेस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: **सारः 55** **पुस्तकों में अध्यायः 1** **पुस्तकेंः 1**

रोगी उपचार

ऑटोनोमिक फंक्शन लैब एंड वेस्क्यूलर फंक्शन लैब प्रोवाइड डायग्नोस्टिक फेसिलिटी फोर रेफर्ड पेशेंट्स। प्रयोगशाला, गेस्ट्रिक मोटिलिटी की ऑटोनोमिक टोन क्वांटिफिकेशन और नॉन इनवेसिव रिकॉर्डिंग (इलेक्ट्रोगैस्ट्रोग्राफी, ईजीजी) के साथ–साथ ऑटोनोमिक प्रतिक्रियाशीलता के दैनिक जांच प्रदान करती है। इस वर्ष, ऑटोनोमिक कार्य परीक्षण के लिए कुल 858 मनुष्यों का परीक्षण किया गया है, जिसमें 841 रोगी और 17 स्वस्थ व्यक्ति शामिल हैं।

इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिजियोलॉजी। न्यूरो सर्जरी विभाग, सीटीवीएस, ऑर्थोओपेडिक्स और अभिघात केन्द्र को इंट्राऑपरेटिव न्यूरो–मॉनीटरिंग सहायता दी गई। कुल 410 सर्जरियों के लिए सहायता प्रदान की गई थी।

संज्ञानात्मक न्यूरोफिज़ियोलॉजी प्रयोगशाला में मोटापे से ग्रस्त रोगियों और कर्मचारियों (323) का शारीरिक संरचना विश्लेषण प्रदान किया गया। फिब्रोमाइल्जिया के 50 रोगियों में शारीरिक चर और दर्द संवेदनशीलता की वायरलेस निगरानी, मोटापे के 12 रोगी तंत्रिका विकासात्मक विकृति के 14 मामले और बैचेनी विकृति के 10 रोगी। 17 मोटापे से ग्रस्त बाल रोगियों और 44 वयस्क मोट रोगियों के लिए इनफेंटाईल सिंड्रोम में विजुअल ट्रैकिंग। 21 ग्लूकोमा, 14 एडीएचडी और बैचेनी बनाम शिशुरोग के 10 रोगियों में इनफ्रारेट न्यूरोइमेजिंग द्वारा सेरेब्रल हेमोडायनामिक्स का मापन।

बॉडी कंपोजिशन एनालिसिस ऑफ पेशेंट्स ऑफ मेटाबोलिक सिंड्रोम (एंडोक्रिनोलॉजी विभाग) एंड एम्स स्टाफ (प्रति वर्ष लगभग 2500 आकलन)।

इंटीग्रल हेल्थ क्लिनिक

वर्ष 2017–2018 के दौरान आईएचसी में कुल 486 लोग (अनुवर्ती दौरों सहित) का नामांकन और लाभान्वित। इसमें पुरानी बीमारियों (जैसे मधुमेह, मोटापा, हृदयरोग, पुराने अवसाद आदि) के रोगी शामिल हैं और रोगियों को एम्स के विभिन्न विभागों (हृदयरोग, आर. पी. नेत्र विज्ञान केन्द्र, एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, पल्मोनरी मेडिसिन, सर्जिकल डिसिप्लिन, साइकियाट्री, आर्थोपेडिक्स आदि) में भेजा जाता है।

दर्द अनुसंधान और टीएमएस प्रयोगशाला

दर्द के पुराने रोगियों को मोटर कॉर्टेक्स/डॉर्सोलैटल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पर दिए गए 240 आरटीएमएस सत्र। दर्द और 110 दर्द के पुराने रोगियों (क्रोनिक माइग्रेन, पुराना पीठ दर्द, ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया, फाइब्रोमायल्गिया, रुमेटीइड आर्थराइटिस और ऑर्थोडॉन्टिक दर्द) का सोमेटोसेंसरी मूल्यांकन किया गया था। 20 रोगियों के लिए किए गए पेरिक्रेनियल और ग्रीवा की मांसपेशियों की ईएमजी रिकॉर्डिंग किया गया। 90 स्वस्थ स्वयंसेवकों का सोमाटेंसेंसरी मूल्यांकन और एमईपी रिकॉर्डिंग भी किया गया। मरीजों को रुमेटोलॉजी, सीडीईआर, फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन और न्यूरोलॉजी क्लीनिक से भेजा गया था।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य के.के. दीपक खेल और युवा कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण,के लिए चिह्नित विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम के मानकीकरण और प्रवेश योग्यता के लिए एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; मुख्य चुनाव आयुक्त, एफएआईआईएमएस चुनाव 2017, एम्स नई दिल्ली; बायोमेडिकल डिवाइस और प्रौद्योगिकी विकास से संबंधित सदस्य ईएजी, डीएसटी, जीओआई; सदस्य, बोर्ड ऑफ स्टडीज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड एलाइड हेल्थ, जामिया हमदर्द, दिल्ली; अध्यक्ष, परीक्षा अनुभाग के लिए रिसेप्शन (आगंतुक) प्रबंधन प्रणाली की खरीद के लिए समिति, एम्स; कार्यकारी सदस्य, फेडरेशन ऑफ इंडियन फिजियोलॉजिकल

सोसाइटीज़ (एफआईपीएस) 2007 से; सदस्य, बायोमेडिकल डिवाइस और प्रौद्योगिकी विकास (बीडीटीडी) विशेषज्ञ सलाहकार समूह (ईएजी) डीएसटी, भारत सरकार; सदस्य, रक्षा रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) तहत सशस्त्र बल चिकित्सा अनुसंधान समिति (एएफएमआरसी); सदस्य, राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) नवाचार और आविष्कारों के लिए पुरस्कार समिति;सदस्य, योग और ध्यान की विज्ञान और प्रौद्योगिकी (सत्यम), डीएसटी, भारत सरकार; सदस्य, सीसीआरवाईएन, भारत सरकार की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी); सदस्य, एम्स के लिए चयन समिति ऋषिकेश, एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु, डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, रोहिणी, जेआईपीएमईआर, पुदुचेरी, एम्स जोधपुर और ,यूपीएससी, भारत सरकार; सदस्य, खेलकूद के लिए प्रतिभा पहचान समिति, खेल और युवा कार्य मंत्रालय, भारत सरकार।

आचार्य एच.एन. मल्लिक 2013–2018 के लिए एशियन स्लीप रिसर्च सोसाइटी के अध्यक्ष थे; स्लीप रिसर्च 2015–2017 के लिए इंडियन सोसाइटी के अध्यक्ष; शासी परिषद के सदस्य, वर्ल्ड स्लीप सोसाइटी 2017–2021; एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के वित्त सचिव; सदस्य गवर्निंग काउंसिल वर्ल्ड स्लीप सोसाइटी; स्लीप प्रयोगशाला स्थापित करने और नींद की दवा को आगे बढ़ाने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ समझौता ज्ञापन; न्यूरोलॉजी में एसोसिएट एडिटर फ्रंटियर्स/एसोसिएट एडिटर स्लीप एंड विजिलेंस; अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; सदस्य, सार चयन समिति, विश्व नींद 2017; विशेषज्ञ, एम्स ऋषिकेश, भुवनेश्वर और जोधपुर की चयन समिति।

आचार्य डी. घोष ने 5 फरवरी 2018 को एम्स, जोधपुर में कोर कमेटी और स्थानीय आयोजन समिति की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की;आईयूपीएस हेलसिंकी, फिनलैंड में 18–25 मार्च को आयोजित आउटरीच कार्यक्रम के रूप में टीचिंग मेडिकल फिजियोलॉजी में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यशाला में भाग लिया; पावलोव इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में 12–17 मार्च 2018 से होने वाले अनुसंधान में वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग और सहयोग की संयुक्त बैठक में भाग लिया; 10–14 सितंबर 2017 के दौरान यरूशलेम, इज़राइल में 42वें एफईबीएस कांग्रेस में भाग लिया; 25 अप्रैल 2017 को एम्स, भोपाल में फिजियोलॉजी विभाग के लिए संकाय भर्ती के लिए चयन समिति की बैठक में भाग लिया; 14 मार्च 2018 को मास्को, रूस में रूसी संघ के राज्य विज्ञान केंद्र, रूसी संघ के जैव–चिकित्सा समस्याओं के संस्थान में वैज्ञानिक का दौरा; पावलोव इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी, रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज, सेंट पीटर्सबर्ग में 16 मार्च 2018 को प्रोफेसर लुडमिला फिलेटेरोवा की अध्यक्षता में "फ्रेंड्स ऑफ पावलोव" बैठक में भाग लिया; पीबीएल, टीबीएल और एफसीआर पर बायोमेडिकम, हेलसिंकी विश्वविद्यालय में शिक्षा कार्यशाला में भाग लिया, प्रोफेसर लिसा पेल्टनन, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, हेलसिंकी विश्वविद्यालय 21–22 मार्च 2018 को आयोजित; 23 मार्च, 2018 को हेलसिंकी विश्वविद्यालय में आयोजित फिनिश फिजियोलॉजिकल सोसायटी की वार्षिक बैठक में भाग लिया।

आचार्य कंवल प्रीत कोचर को भारत में नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एफआईसीसीआई केंद्र के राष्ट्रीय समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था; इंडियन सोसायटी ऑफ नैनो मेडिसिन (आईएसएनएम) की संस्थापक आजीवन सदस्यता; इंडियन सोसायटी ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन (आईएससीएन) के संस्थापक सदस्य; चेयरपर्सन और मानव विकास और परिवार सशक्तीकरण विभाग, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली –110 058 में तकनीकी विभाग में 20–21 फरवरी, 2018 को आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "परिवार कल्याणः एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य" पर वेलेडिक्टरी भाषण देने के लिए आमंत्रत। उप–विषयः जीवन में सामाजिक–भावनात्मक स्वास्थ्य पर तकनीकी सत्र; 25 दिसंबर 2017 को वीएनएमसी, नई दिल्ली में आयोजित फैकल्टी मेंटर सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम –2017 में पैनल डिस्कशन के विशेषज्ञ अध्यक्ष और मॉडरेटर; एम्स–यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन रिसर्च मेथोडोलॉजी बेसिक एंड एडवांस फ्राम बेसिक एंड एडवांस कोर्स में भाग लिया, 15–18 नवंबर 2017 को एम्स नई दिल्ली; 19–22 नवंबर 2017 से एम्स, नई दिल्ली में 17वें एफईआरसीएपी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 5वें एफईआरसीआई राष्ट्रीय सम्मेलन और पूर्व–सम्मेलन प्रशिक्षण के लिए अध्यक्ष; नई दिल्ली के अगस्त क्रांति मार्ग में 12 सितंबर 2017 को आयोजित वार्षिक आम सभा (एजीबीएम) में भाग लेने के लिए एचआरआईडीएवाई के संस्थापक सदस्य।

आचार्य नलिन मेहता भारत में नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एफआईसीसीआई केंद्र, के राष्ट्रीय समिति के सदस्य थे; इंडियन सोसायटी ऑफ नैनो मेडिसिन (आईएसएनएम) की संस्थापक जीवन सदस्यता; इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन (आईएससीएन) के संस्थापक सदस्य; चेयरपर्सन के रूप में आमंत्रित और मानव विकास और परिवार सशक्तीकरण विभाग, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, सी–4, जनकपुरी, नई दिल्ली –110 058 में 20–21 फरवरी 2018 को आयोजित "परिवार कल्याणः एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वैधानिक भाषण देने के लिए। नई दिल्ली –110 058, उप–विशय : जीवन में सामाजिक–भावनात्मक स्वास्थ्य पर तकनीकी सत्र; 25 दिसंबर 2017 को वीएनएमसी, नई दिल्ली में आयोजित फैकल्टी मेंटर सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम –2017 में पैनल डिस्कशन के विशेषज्ञ अध्यक्ष और मॉडरेटर; एम्स–यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन रिसर्च मेथोडोलॉजी बेसिक एंड एडवांस फ्रॉम बेसिक एंड एडवांस कोर्स में भाग लिया, 15–18 नवंबर 2017 को एम्स नई दिल्ली; 19–22 नवंबर

2017 से एम्स, नई दिल्ली में 17वें एफईआरसीएपी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 5वें एफईआरसीआई राष्ट्रीय सम्मेलन और पूर्व–सम्मेलन प्रशिक्षण के लिए अध्यक्ष; नई दिल्ली के अगस्त क्रांति मार्ग में 12 सितंबर 2017 को आयोजित वार्षिक आम सभा (एजीबीएम) में भाग लेने के लिए एचआरआईडीएवाई के संस्थापक सदस्य।

प्रोफेसर रत्ना शर्मा ने एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड 2017 प्राप्त किया, मूल शोध के श्रेणी तहत उनके उत्कृष्ट प्रकाशन "फंक्शनल ब्रेन माइक्रोस्टेट प्रीडिक्ट्स द आउटकम इन विजुयोसपेषियल वर्किंग टास्क" के लिए डॉ रत्ना शर्मा को प्रशस्ति प्रमाण–पत्र से सम्मानित किया गया।

आचार्य सुमन जैन को राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर में वैज्ञानिकों के निशपादन के नियमितीकरण और आकलन के लिए आकलन समिति का सदस्य चुना गया था; भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी के कार्यकारी सदस्य; 29–31 अक्टूबर 2017 से कटक के रावेनशॉ विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय अकादमी के न्यूरोसाइंसेज के 35वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "न्यूरोपैट्रिफ़न एंड न्यूरोरेपर स्ट्रेटीज़ एंड अप्रोचेस" से संबंधित आईएएन–एफएओएनएस संगोष्ठी आयोजित करने के लिए अध्यक्ष नामित किया गया; 14 दिसंबर 2017 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेस, बेंगलुरु द्वारा पीएचडी पब्लिक डिफेंस संचालित करने के लिए बाहरी विशेषज्ञ; 1 फरवरी 2017 को डीआईपीएएस में डॉक्टोरल रिसर्च कमेटी की बैठक के संचालन के लिए डीआईपीएएस द्वारा बाहरी विशेषज्ञ; निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा पीएचडी विद्वान के अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य; नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर, हरियाणा और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली के लिए सहायक संकाय।

आचार्य राज कुमार यादव योग और शरीरक्रिया चिकित्सा के संपादकीय बोर्ड के सदस्य थे; सदस्य संपादकीय बोर्ड इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल फिजियोलॉजी (वोल्टर्स क्लूवर हेल्थ); सदस्य, वैज्ञानिक कैडर तैयार करने वाली समिति, एम्स, नई दिल्ली। सदस्य, यूजी के छात्रों के लिए एम्स छात्र बेनेवोलेंट फंड समिति; एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षताः डॉ.केजी नायर ओरेशनः उच्च रक्तचापः भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव, भारतीय उच्च रक्तचाप सोसायटी के 27वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 1–3 सितंबर 2017; वित्त सचिव, टीआईपीएस 2017, 6–8 दिसंबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में सार्क राष्ट्रों के लिए शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक; महासचिवः एफएआईआईएमएसः एम्स के संकाय एसोसिएशन, नई दिल्ली; सचिव, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई), दिल्ली चैप्टर; सचिव, फैकल्टी क्लब, एम्स, नई दिल्ली; संयुक्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया।

डॉ रेणु भाटिया सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी); 20 जून 2017 को एम्स, नई दिल्ली में अच्छे स्वास्थ्य और रोगी देखभाल के लिए सार्वजनिक शोध और वैज्ञानिक देखभाल पर वैज्ञानिक व्याख्यान पर पैनलिस्ट थी।

डॉ. दीनू एस चंद्रन कार्डियोलॉजिकल सेक्शन से प्राथमिक संबद्धता के साथ अमेरिकन फिजियोलॉजिकल सोसायटी के सदस्य थे।

डॉ. नसरीन अख्तर, इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल स्पेशियलिटीज के विशेष अंक के वरिष्ठ संपादक थे। इनफेक्शन इन द ट्रोपिक्स। वॉल्यूम 8, संख्या 3, जुलाई–सितंबर 2017

छात्र पुरस्कार

1. 5 सितंबर 2017 को इंडियन सोसाइटी फॉर स्लीप रिसर्च ट्रैवल, गोवा, भारत में निम्नलिखित छात्रों को बुडूर कृष्णमूर्ति यात्रा पुरस्कार
    1. डॉ विकास कुमार तिवारी (एमडी कोर्स)
    2. लालचंद्र विश्वकर्मा (पीएचडी कोर्स)
    3. प्रीति पुष्कर (पीएचडी कोर्स)
    4. श्रीजी एस नाथ (पीएचडी कोर्स)
2. पीएचडी विद्वान सुश्री प्रगति प्रज्ञा को 28–30 सितंबर 2017 से सियोल, कोरिया में अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह और चयापचय कांग्रेस में भाग लेने के लिए यात्रा पुरस्कार (1000 यूएस डॉलर)
3. 2017 में एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया के वार्षिक सम्मेलन में पीएचडी विद्वान डॉ सिजू जॉर्ज चाको को फिजियोलॉजी में नई तकनीकों/इंस्ट्रूमेंटेशन के विकास पर सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए देव राज बजाज अनुसंधान पुरस्कार

4. क्लिनिकल फिजियोलॉजी में आगामी रुझानों पर सम्मेलन में पीएचडी विद्वान सुश्री मेघाश्री संपत को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारः 25 नवंबर 2017 को अवलोकन, चंडीगढ़

सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम

मीडिया कवरेज (टेलीविजन):

1. डॉ केके दीपक को 31 मार्च 2018 को जनरल नेक्स्ट–फिट इंडिया कार्यक्रम में दूरदर्शन पर "हाउ टू रिमेन फिट" पर भारत के युवाओं को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
2. 5 मार्च 2018 को डीडी नेशनल चैनल पर "परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन" पर लाइव शो "गुड इवनिंग इंडिया" में एक चिकित्सा विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर राज कुमार यादव

समाचार पत्र

1. डॉ केके दीपक के विचार 6 मार्च 2018 को इलाहाबाद में अमर उजाला समाचार पत्र "ध्यान और योग ने जामई धाक " में प्रकाशित किए गए थे।
2. डॉ केके. दीपक ने मीडिया ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन में योग की उपयोगिता पर मीडिया व्यक्ति के लिए वार्ता की
3. डॉ के.के. दीपक का "द फिजियोलॉजिकल इफेक्ट्स ऑफ प्राणायाम" पर एक लेख 17–23 जून 2017 को रोजगार समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ था; खंड XLII नंबर 12

अतिथि वैज्ञानिक

1. 5 अप्रैल 2017 को फिजियोलॉजी विभाग में हार्ट रेट वैरिएबिलिटी पर डॉ एलाड फीन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईएफईईएल, इज़राइल द्वारा अतिथि व्याख्यान
2. 5 जनवरी 2018 को फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली में ओएचएस, ऑक्सफोर्ड, यूके के निदेशक श्री शौनक ऋषि दास द्वारा आमंत्रित वार्ता। इसके बाद चिकित्सा पाठ्यक्रम में मानवता और आध्यात्मिकता सहित एक छोटी सी गोलमेज बैठक फिर से शुरू हुई, जिसमें जीवन देखभाल की ख़राब खबर के साथ–साथ खराब खबरों के साथ–साथ पाठ्यक्रम और रोगियों और चिकित्सकों में मतभेद और तनाव को कम करना शामिल था
3. डॉ. दीपेंद्र कुमार, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव स्लीप मेडिसिन, यूनिवर्सिटी ऑफ त्सुकुबा द्वारा 18 सितंबर 2017 को 'इरेजिंग बैड मेमोरीज ड्यूरिंग स्लीप (नींद के दौरान खराब यादों को मिटाना)' पर अतिथि व्याख्यान, एम्स, नई दिल्ली
4. न्यूरोबीहेविरियल कॉन्सेप्टेंस ऑफ टीनएज ड्रिंकिंग पर डॉ. रत्ना सिरकार, मनोविज्ञान के प्रोफेसर, अल्बर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन, न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा अतिथि व्याख्यान, 13 जनवरी 2018 एम्स नई दिल्ली

9-33 lykfLVd] iqulZjpuk vkSj nX/k 'kY; fpfdRlk

vkpk;Z ,oa v/;{k

मनीष सिंघल

lgk;d vkpk;Z

राजा तिवारी   शशांक चौहान   शमेंद्र आनंद साहू
राज कुमार मानस   राकेश डावर

fo'ks"krk,a

विभाग की स्थापना जुलाई 2015 में की गई थी। विभाग में वर्तमान में 6 संकाय सदस्य और 13 एमसीएच रेजिडेन्ट्स हैं। हमारे विभाग में मासिक तौर पर आने वाले बाह्यरोगियों की संख्या में विगत वर्षों की तुलना में दुगनी हो गई है। हाथ और होंठ में विशेषज्ञता क्लिनिकों के अलावा, हमने त्वचाविज्ञान विभाग के सहयोग से एक कुष्ठ रोग क्लिनिक भी शुरू किया है। हमने कैंसर केंद्र में आर्टेरियोवेनस फिस्टुला के निर्माण और ऑन्कोलॉजिकल दोषों के पुनर्निर्माण के लिए सेवाएं भी शुरू की हैं। आघात केंद्र में, हम ब्रेशियल प्लेक्सस चोटों वाले मरीजों के मूल्यांकन के लिए एक विशेष क्लिनिक के साथ, माइक्रोवास्कुलर सर्जरी और आघात रोगियों के लिए रिप्लांट्स सहित ट्रॉमा सर्जरी का पूर्ण श्रृंखला प्रदान कर रहे हैं। विभाग ने कैडवेरिक पाठ्यक्रम और प्लास्टिक सर्जरी फ्लैप्स के लिए एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की है। ग्रामीण जनसंख्या तक पहुंचने के लिए हमने बल्लभगढ़ में बाह्यरोगी चिकित्सा विभाग भी शुरू कर दिया है। हमने ऊंचाहार, रायबरेली में एनटीपीसी पावर प्लांट में जल जाने वाले मरीजों का प्रभावी ढंग से उपचार किया है, जिसके लिए लखनऊ से मरीजों को यहां लाया जाता है। इस प्रकार, हम समर्पित बर्न सुविधाओं के बिना भी जल जाने वाले मरीजों का उपचार करने में सक्षम हैं। विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में हमारे संकाय और रेसिडेन्ट्स द्वारा कई प्रस्तुतियां की गई हैं, और हमने अपने केंद्र में डीएनबी एक्सिट परीक्षा भी सफलतापूर्वक आयोजित की है। विभाग के भविष्य के प्रयासों में बर्न केयर और पुनर्संरचनात्मक शल्य चिकित्सा एवं एक समर्पित स्किन बैंक तथा हाथ व चेहरे के प्रतिरोपण के लिए संयुक्त टिश्यु एलोट्रांस्प्लांटेशन कार्यक्रम की शुरूआत करना शामिल है।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. गंभीर और पुराने घावों का प्रबंधन। उन्नत घाव प्रबंधन में सीएमई, 27 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली
2. प्लास्टिक सर्जरी कैडवर फ्लैप डिसेक्शन कोर्स, 13–14 मई 2017, कैडवर ट्रेनिंग एवं रिसर्च फेसिलिटी (सीटीआरएफ), जेपीएन अपेक्स ट्रामा सेंटर, नई दिल्ली
3. सामान्य प्लास्टिक सर्जिकल समस्याओं पर पैनल चर्चा, राष्ट्रीय प्लास्टिक सर्जनी दिवस समारोह, 15 जुलाई 2017, एम्स, नई दिल्ली
4. माइक्रोवैस्क्यूलर सर्जरीः 'चैलेंजिंग द लिमिट्स', क्लिनीकल ग्रांड राउंड, 1 अगस्त 2017, एम्स नई दिल्ली
5. एक बड़ी समग्र चेस्ट वॉल विकारों का प्रबंधन, क्लिनीकल कम्बाइन्ड राउन्ड, 1 अगस्त 2017, एम्स नई दिल्ली
6. पुराने घावों के प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांत, घाव उपचार एवं प्रेशर सोर प्रिवेंशन पर सीएमईटीः कार्यशाला, 8 अगस्त 2017, एम्स, नई दिल्ली
7. पुराने घावों के प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांत, घाव उपचार एवं प्रेशर सोर प्रिवेंशन पर सीएमईटीः कार्यशाला, 3 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
8. लोवर एक्स्ट्रीमिटी अल्सर का प्रबंधन, सीएमईटीः घाव देखभाल और प्रेशर सोर की रोकथाम पर कार्यशाला, 12 दिसंबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली
9. टोटल स्कैल्प पुनःप्रत्यारोपनः 'पुशिंग द बाउंड्रीस ऑफ माइक्रोसर्जरी', क्लिनीकल कम्बाइन्ड राउन्ड, 6 फरवरी, 2018, जेएलएन सभागृह, एम्स नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

मनीष सिंघलः 15
राजा तिवारीः 12

शमेंद्र आनंद साहू: 6
राज कुमार मानसः 7
राकेश डावरः 7
मौखिक पेपर/प्रस्तुत किए गए पोस्टरः 14

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. शल्य चिकित्सा के घाव भरने के लिए सतही भारी घाव पर सी1 हर्बल तेल को स्थानिक लगाना एवं स्प्लिट थिकनेस स्किन ग्राफ्ट डोनर साइट के आकलन और प्रभाव का नियंत्रित यादृच्छिक परीक्षणः फेस 1, मनीष सिंघल, सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, 2 वर्ष, 2015–2017, 38.5 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. लिपोसक्शन–सहायित सबक्यूटेनियस मासेक्टोमी
2. रिडक्शन मैमोप्लास्टी से गुजर रहे मरीजों में निप्पल एरोलर परफ्यूजन का पता लगाने में फ्लोरोसेंट एंजियोग्राफी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन।
3. स्तन कैंसर उपचार के उपरान्त परिणामः एक अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य
4. भारतीय आबादी में कटे–फटे होंठ और तलुओं वाले मरीजों की सॉफ्ट टिश्यु प्रोफाइल
5. सिंगल सेंटर जेपीएनएटीसी, एम्स में हाथों की चोटों की एपिडेमोलॉजी, पूर्वदर्शी और संभावित अध्ययन
6. विभिन्न विकारों के लिए प्रोफंडा आर्टरी पर्फोरेटर फ्लैप की उपयुक्तता और परिणाम का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं
जारी

1. क्लीफ्ट लिप और पैलेट (सीएल/पी), और गैर–क्लीफ्ट नियंत्रण वाले बच्चों में कैरिस जोखिम की जांच पर नैदानिक अध्ययन, सीडीईआर, ऑर्थोडोंटिक्स
2. सतही बाहरी घावों, और विभाजित मोटाई त्वचा ग्राफ्ट दाता पर सी1 हर्बल तेल के सामयिक अनुप्रयोग की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु नियंत्रित क्लिनीकल परीक्षणः फेस 2, आयुष मंत्रालय
3. कॉन्ट्रास्ट अल्ट्रासाउंड और अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी का उपयोग करते हुए सॉफ्ट टिश्यु वैस्क्युलर विसंगतियों का मूल्यांकन, रेडियोडायग्नोसिस, एम्स
4. जलने की चोटों और ट्रॉमा देखभाल के लिए आर्टिफिशियल स्किन (जैवप्रेरित बाई–लेयर पॉलीमेरिक हाइब्रिड स्कैफोल्ड), आईआईटी, दिल्ली
5. स्तन कैंसर उपचार के उपरान्त परिणामः एक अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य प्लास्टिक सर्जरी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ मिचिगन
6. भारत में कटे–फटे होंठ तथा तालुओं की विसंगतिः क्लिनीकल प्रोफाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थितिः एक अस्पताल आधारित अध्ययन, सीडीईआर, ऑर्थोडोन्टिक्स
7. भारत और ऑस्ट्रेलिया में देखभाल की बेहतर प्रणाली का विकास और प्रायोगिक अध्ययन के माध्यम से चोट के बोझ को कम करना, सर्जरी, जेपीएनएटीसी
8. भारत में एडवांस्ड ट्रॉमा जीवन समर्थन हेतु क्षमता निर्माण पर परियोजना, सर्जरी, जेपीएनएटीसी
9. लेवल–1 ट्रामा सेंटर में ट्रामा शल्य चिकित्सा के उपरान्त, परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में निम्न अंग विकारों में योग हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. पुराने घावों के व्यक्तिगत प्रबंधन के लिए एक उपकरण, स्पर्श, बीआईआरएसी

प्रकाशन
पत्रिकाएं: 8

रोगी उपचार

अंतःरोगी देखभाल सुविधाएं

- हाइपरबैरिक ऑक्सीजन थैरेपी सुविधा
- माइक्रोवैस्क्यूलर सुविधा
- हाथ और जन्मजात विसंगतियों की सर्जरी सुविधा
- क्रैनोफेशियल और क्लेफ्ट सर्जरी
- एस्थेटिक सर्जरी
- सिर एवं गले का पुनर्निर्माण
- ट्रंक और एक्सट्रेमिटी का पुनर्निर्माण

क्लिनिक कम्बाइन्ड क्लेफ्ट क्लिनिक

- हाथों की क्लिनिक
- एस्थेटिक और कॉस्मेटिक क्लिनिक
- ब्रेशियल प्लेक्सस क्लिनिक
- कम्बाइन्ड कुष्ठ रोग क्लिनिक

सामुदायिक सेवा/शिविर

- 'जलने से सुरक्षा पर जागरूकता एवं प्राथमिक उपचार कार्यक्रम' का आयोजन सीएचआरपीसी, बल्लभगढ़ में किया गया जिसमें हमने एक सार्वजनिक व्याख्यान जलने से सुरक्षा, पटाखों और अन्य प्रकार के जलने और प्रथम उपचार प्रबंधन पर दिया। लगभग 200 रोगी एवं रोगियों के संबंधियों ने जलने से सुरक्षा पर जागरूकता के इस बाह्यरोगी विभाग परिसर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया
- सीएचआरपीएस, बल्लभगढ़ में प्रत्येक मंगलवार को प्लास्टिक सर्जरी बाह्यरोगी विभाग सेवाएं आरंभ की गईं
- कुष्ठ शिविर, टीएमएम हॉस्पिटल, शाहदरा, नई दिल्ली में विभागीय सहभागिता

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण आयोजन

प्रोफेसर मनीश सिंघल, को न्यूरोसर्जरी टीम, एम्स द्वारा सम्मान, क्रैनोपागस टीम के सदस्य होने के लिए 19 दिसंबर 2017 को प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ; रिकन्स्ट्रक्टिव एंड कॉस्मेटिक गायनकोलॉजी, गुड़गांव, के पहली विश्व कांग्रेस में संकाय, 6–8 अक्टूबर 2017; ऑल इंडिया डिफिकल्ट एयरवे एसोसिएशन के 8वें वार्षिक सम्मेलन में 'पैन फेशियल ट्रॉमा' पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट 10 सितंबर 2017; आयुष की केंद्रीय क्षेत्र योजना की परियोजना स्वीकृति समिति के सदस्य; जयपुर और व्यावर में आपातकालीन देखभाल सुविधाओं का आकलन करने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा समिति के एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; राज्य कार्य योजना के विकास के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नियुक्त ट्रॉमा देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के विशेषज्ञ सदस्य; स्टेम सेल एथिक्स कमेटी और पोस्ट ग्रेजुएट एथिक्स कमेटी के सदस्य, एम्स; समीक्षाकर्ता बीएमजे ग्लोबल हेल्थ एंड वाउंड मेडिसिन; एम्स ऋषिकेश में विभिन्न समितियों में विशेषज्ञ; एमसीएच पाठ्यक्रम शुरू करने और एम्स भुवनेश्वर में संकाय चयन के लिए समिति के विशेषज्ञ; आईसीएमआर डीबीटी एसईआरबी में मूल्यांकन समिति के सदस्य; चिकित्सा क्षेत्र में स्वीडन के साथ सहयोग हेतु मंत्रालय में संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठक के सदस्य; नेत्र देखभाल हितधारकों हेतु मानकीकरण में समिति सदस्य; डीएनबी के लिए साइट निर्धारक और परीक्षक।

डॉ राजा तिवारी, ने क्रैनोपागस टीम के एक टीम सदस्य के रूप में भाग लिया, जिसने सफलतापूर्वक दो क्रैनोपागस जुड़वां बच्चों को अलग किया। यह सर्जरी भारत में पहली बार सफलतापूर्वक की गई थी। दो बच्चों हेतु प्लास्टिक सर्जरी की योजना बनाने और निष्पादन में सक्रिय रूप से मदद की; एस्थेटिका एशिया 2017, नई दिल्ली में संकाय के रूप में आमंत्रित; एसुर्ग–इसेप्स 2018, उदयपुर, राजस्थान में संकाय और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया; आईएसआरएम 2018, मुंबई में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ शर्मेन्द्र आनंद साहू को न्यूरोसर्जरी टीम, एम्स, द्वारा सम्मानित क्रैनोपागस टीम का हिस्सा होने के लिए सराहना प्रमाणपत्र मिला, दिसंबर 2017; उन्होंने 'इस प्रोफंडा आर्टेरी पर्फोरेटर फ्लैप', प्रॉमिसिंग फॉर लोवर लिंब रिकन्स्ट्रशन? के लिए मौखिक शोधपत्र प्रस्तुतिकरण में पहला पुरस्कार जीता, आईएसआरएम, मुंबई, 16–18 मार्च 2018 में लोवर लिंब पुनर्निर्माण के लिए एएलटी बनाम पीएपी फ्लैप की तुलना; डॉ. एसपी बजाज बेस्ट पेपर अवॉर्ड 'साल्वेज बाइ स्किन एलोग्राफ्टः वून्डकेयर कॉन 2017 में चार विशिष्ठ मामलों के साथ हमारा अनुभव, सोसाइटी फॉर वून्ड केयर एंड रिसर्च, विश्व युवक केंद्र, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, भारत, का वार्षिक सम्मेलन 15–17 सितंबर 2017; ईओआरटीसी बीआर 23 प्रश्नोत्तरीः भारत में स्तन सर्जरी के मरीजों में जीवन की गुणवत्ता मापन की स्वीकार्यता, ब्रेस्कॉन 2018, एसजीपीजीआई, लखनऊ, 2 फरवरी 2018; एपीएसआईसीओएन 2017, कोच्चि, केरल में डॉ एस के भटनागर क्विज प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार।

डॉ राकेश डावर को राजस्थान के उदयपुर, में 'एबडोमिनोप्लास्टी की तकनीक' विषय पर संकाय और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था; पोर्ट ब्लेयर में दूसरे एस्थेटिका एशिया में संकाय और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित, मेलेनोसाइट की तकनीक विषय पर सत्र का मार्गदशन; इंडियाना बेकन में नेशनल एकेडमी ऑफ बर्न्स के 26वें वार्षिक सम्मेलन में संकाय और अध्यक्ष, और जले घाव का मूल्यांकन और रोकथाम की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया; जलने के प्रबंधन पर सत्र का मार्गदशन; आईएसआरएम 2018 में संकाय और अध्यक्ष, और जनरल माइक्रोस्कोर्जरी पर मुंबई में आयोजित भारतीय सोसाइटी ऑफ रिकोनस्ट्रक्चरिव माइक्रोसर्जरी के 14वें द्विवार्षिक सम्मेलन सत्र की अध्यक्षता।

डॉ राजकुमार मानस ने भारत के प्लास्टिक सर्जनों के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन 'एपीएसआईसीओएन 2017' में कामथ मेमोरियल बेस्ट पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया; कोच्चि में एपीएसआईसीओएन 2017, भारत के प्लास्टिक सर्जनों के 52वें वार्षिक सम्मेलन में संकाय और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया; 'सिर एवं गला पुनर्निर्माण' विषय पर सत्र का मार्गदर्शन किया; वून्डकेयरकॉन 2017 में संकाय और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित, दिल्ली में घाव देखभाल और अनुसंधान सोसाइटी के 11वें वार्षिक सम्मेलन, और नर्सों को घाव प्रबंधन की विभिन्न तकनीक का प्रदर्शन किया; घाव देखभाल प्रबंधन पर सत्र का मार्गदर्शन किया; आईएसआरएम 2018 में संकाय और अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित, मुंबई में आयोजित भारतीय सोसाइटी ऑफ रिकन्स्ट्रक्टिव माइक्रोसर्जरी के 14वें द्विवार्षिक सम्मेलन ने 'जनरल माइक्रोसर्जरी' विषय पर सत्र की अध्यक्षता की।

9-34 eukfpfdRlk

vkpk;l ,oa v/;{k

राकेश कुमार चड्डा

vkpk;l

प्रताप शरण राजेश सागर
नंद कुमार ममता सूद

lg&vkpk;l

सुजाता सतपथी (नैदानिक मनोविज्ञान) रमन दीप पट्टनायक

lgk;d vkpk;l

कौशिक सिन्हा देब रोहित वर्मा
बिचित्रा नंदा पात्रा गगन हंस

cky eukfoKkfud

रेनू शर्मा

0;kolkf;d fpfdRld

विजय

विशेषताएं

यह विभाग एमबीबीएस, बीएससी/एमएससी नर्सिंग छात्र, एमडी (मनोचिकित्सा), पीएचडी (नैदानिक मनोविज्ञान) के लिए चिकित्सा शिक्षा में सबसे आगे है। यह अन्य विभागों (चिकित्सा, जराचिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा, पैलिएटिव चिकित्सा, और डीएम न्यूरोलॉजी) से तैनात जूनियर रेजिडेंटों के 2–4 सप्ताह के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण का भी आयोजित करता है। एमबीबीएस छात्रों के लिए, सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ (7वें सेमेस्टर) में समुदाय में शिक्षण के अलावा शिक्षण में 12 घंटे के अलावा 20 घंटे (6ठे सेमेस्टर) के सिद्धांत व्याख्यान और 7 घंटे (3रे सेमेस्टर), 25 दिन (4थे–पांचवें सेमेस्टर) और 40 दिन (6ठे/8वें सेमेस्टर में) का नैदानिक शिक्षण शामिल हैं।

विभाग एक सामान्य अस्पताल संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी रहा है। विभाग बाल और किशोर मानसिक विकारों, मनोदैहिक विकारों, सामान्य मानसिक विकारों, गंभीर मानसिक विकारों, दोहरे निदान विकारों और मस्तिष्क उत्तेजना क्लिनिक के लिए साप्ताहिक विशेष क्लीनिक के अलावा दैनिक वॉक–अप और अनुवर्ती क्लीनिक का संचालन करता है। अस्पताल के अन्य वार्डों में भर्ती मरीजों के लिए परामर्श संपर्क सेवाएं प्रदान की जाती हैं। आकस्मिक दौरे पर आने वाले रोगियों के लिए चौबीसों घंटे आपातकालीन मनोरोग सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह विभाग सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में सप्ताह में 6 दिन सामुदायिक आउटरीच सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें एक दिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दयालपुर और छींसा भी शामिल है। औषधीय चिकित्सीय उपचारों के अलावा, मनोवैज्ञानिक उपचार, संशोधित इलेक्ट्रो कन्वेंशनल थेरेपी (एमईसीटी) और आरटीएमएस, टीडीसीएस और बायोफीडबैक जैसे उन्नत उपचार नियमित रूप से प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2017–2018 के दौरान, विभाग ने कुल 17,204 नए मामलों और 66,333 अनुवर्ती मामलों और 282 मरीजों को रोगी प्रबंधन परामर्श प्रदान किया।

विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च (यूके), आईसीएमआर, डीएसटी, आदि के साथ मिलकर कई शोध–पोषित परियोजनाएं शुरू की हैं। यह विभाग डब्ल्यूएचओ द्वारा मनोरोगी वर्गीकरण प्रणाली (आईसीडी–11) के विकास के संबंध में अनुसंधान के लिए अग्रणी भागीदारों में से एक है। विभाग ने जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक शैक्षिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

एमबीबीएस

थ्योरी लेक्चर	छठा सेमेस्टरः 20 घंटे
नैदानिक शिक्षण/पोस्टिंग	तीसरा सेमेस्टरः 7 घंटे चौथा एवं पाँचवां सेमेस्टरः 25 दिन छठा–आठवां सेमेस्टरः 40 दिन
सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में समुदाय में शिक्षण	7वां सेमेस्टरः 12 घंटे (सामुदायिक मनोचिकित्सा)

बीएससी नर्सिंग

थ्योरी लेक्चर	प्रथम वर्ष (मनोविज्ञान): 15 घंटे तृतीय वर्ष (मनोविज्ञान): 8 घंटे
नैदानिक पोस्टिंग	तृतीय वर्ष, मनोचिकित्सा वार्ड में दो महीने के लिए

स्नातकोत्तर

एमडी (मनोरोग) और पीएचडी

सेमिनार	सप्ताह में एक बार	***केस सम्मेलन***	सप्ताह में एक बार
शोध प्रोटोकॉल प्रस्तुति	सप्ताह में एक बार	***जर्नल क्लब***	सप्ताह में एक बार
मध्य अवधि थीसिस प्रस्तुति	सप्ताह में एक बार	***ट्यूटोरियल***	सप्ताह में एक बार

परामर्श का पर्यवेक्षण–मनोचिकित्सा में जूनियर रेजीडेन्ट्स हेतु **संपर्क प्रशिक्षण**

मनोचिकित्सा पर्यवेक्षण

एमएससी नर्सिंग

थ्योरी लेक्चर	प्रथम वर्षः 8 घंटे
नैदानिक पोस्टिंग	प्रथम वर्षः मनोचिकित्सा वार्ड में 8 महीने तथा मनोचिकित्सा ओ.पी.डी. में 1 महीना द्वितीय वर्षः मनोचिकित्सा वार्ड में 3–4 महीने
थीसिस कार्य	मनोचिकित्सा ओ.पी.डी. तथा वार्ड में अपना थीसिस कार्य का संचालन करना

अन्य विभागों से तैनात किए गए जूनियर रेजीडेन्ट्स का प्रशिक्षण

मनोचिकित्सा में प्रशिक्षण के लिए 2–4 सप्ताह की अवधि के लिए ***काय चिकित्सा, जरा चिकित्सा, आपातकालीन चिकित्सा तथा प्रशामक चिकित्सा के जूनियर रेजीडेन्ट्स को तथा तंत्रिका विज्ञान में डी.एम. प्रशिक्षुओं*** को मनोचिकित्सा विभाग में तैनात किया जाता है।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- 7 अप्रैल 2017 को जेएलएन सभागार, एम्स, नई दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "अवसादः आईएं बात करें" पर सार्वजनिक व्याख्यान
- 19 और 26 अगस्त 2017 को मनोचिकित्सा विभाग में स्नातकोत्तर रेजिडेंटों, वरिष्ठ रेंजिडेंटों और संकाय सदस्यों के लिए *"अनुसंधान पद्धति कार्यशाला"*
- जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में 10 अक्टूबर 2017 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर *"कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य"* पर सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल विचार–विमर्श
- 10 अक्टूबर 2017 को जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए *मानसिक स्वास्थ्य महोत्सव*
- 27–29 नवंबर, 2017 को जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली में एनडीडीटीसी और मनोचिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित व्यसन मनोरोग (एनसीएपी) का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, विषय पर *"नशे की लत में मनोरोग के उभरते रुझान"*
- 27–28 मार्च 2018 को एम्स, नई दिल्ली में *"मनोवैज्ञानिक आघात, बाल संरक्षण और मानसिक बीमारी"* पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

राकेश कुमार चड्ढाः 17
प्रताप शरणः 14
राजेश सागरः 55
नंद कुमारः 12
ममता सूदः 8
सुजाता सतपथीः 14
रमन दीप पट्टनायकः 6
कौशिक सिन्हा देबः 10
रोहित वर्माः 10
बिचित्रा पात्राः 1
गगन हंसः 3
रेणु शर्माः 2

मौखिक पेपर/प्रस्तुत किए गए पोस्टरः 60

अनुसंधान
वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. मनोचिकित्सा परिणामों पर एनआईएचआर विश्व स्वास्थ्य अनुसंधान समूहः द वारविक–इंडिया–कनाडा नेटवर्क, आरके चड्ढा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च, यूके, 3 साल, 2017–2020, जीबीपी 2.69 लाख रुपये
2. भारत में यौन विकार और यौन स्वास्थ्य के लिए 11 प्रस्ताव, आई.सी.डी. का क्षेत्र परीक्षण, प्रताप शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 3 वर्ष, 2016–2018, 12 लाख रु.
3. एस.ई.ए.आर. देशों में लंबे समय तक ग्रीफ विकार के लिए पहचान यंत्र का विकास, प्रताप शरण, विश्व स्वास्थ्य संगठन एसईएआरओ, 2 वर्ष, 2016–2018, 4 लाख रु.
4. बाईपॉलर विकार में मनोवैज्ञानिक–सामाजिक परिणाम और कोग्नेटिव फंक्शनः एक लोगिट्यूडनल अध्ययन, राजेश सागर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 28.53 लाख रु.
5. रॉक ऑन परियोजनाः बच्चों में उपेक्षा पर काबू पाने के लिए अनुभूति का उपचार, राजेश सागर, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को, यूएसए, 1 वर्ष, 2015–2017, 12.83 लाख रु.
6. डब्ल्यूएचओ–एसईएआरओ के लिए एक मानसिक विकार पहचान उपकरण का विकास, आउट पेशेंट और प्राथमिक उपचार सेटिंग में मान्यता (फेज IV), राजेश सागर, डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ, 1 वर्ष, 2016–2017, 14.96 लाख रु.
7. प्रसवोत्तर अवधि में अवसादग्रस्तता और चिंता विकारः व्याप्तता, मानसिक–सामाजिक सह–संबंध और मातृ–शिशु संबंध पर प्रभाव, राजेश सागर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 46.28 लाख रुपये
8. मनोचिकित्सा विकार और इसके शुरुआती प्रतिसाद नई दिल्ली में जन्म कोहोर्ट, राजेश सागर, क्यूईडी, 3 वर्ष, 2018–2020, 8.67 लाख रुपए
9. स्मार्ट मानसिक स्वास्थ्य–व्यवस्थित चिकित्सा मूल्यांकन, रेफरल और उपचार (स्मार्ट) मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, राजेश सागर, जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ (समन्वय केंद्र), राष्ट्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा अनुसंधान परिषद, क्रॉनिक डिजीज स्कीम के ग्लोबल एलायंस के भाग के रूप में – एपीपी1143911, 3 साल, 2018–2021, 1.95 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर
10. एक यादृच्छिक शेम नियंत्रण डबल ट्रायल में सीजोफ्रेनिया से पीड़ित व्यक्ति में संज्ञानात्मक क्रिया और मुख्य रूप से नकारात्मक लक्षणों में उच्च–आवृत्ति दोहराव ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) के प्रभाव का अध्ययन करना, नंद कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 50.56 लाख रु.
11. बायपोलर विकार के रोगियों में एंडोक्सिफ़ेन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक डबल–ब्लाइंड, डबल–डमी, सक्रिय–नियंत्रित, मौखिक, बहु–खुराक, समानांतर, यादृच्छिक अध्ययन, 10 महीने, 2017–2018, लगभग 4 लाख रुपए

12. 6–11 वर्ष के एडीएचडी वाले पुराने बच्चों के लिए नए विकसित एम्स सीटीटी (नॉन–कंप्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण हस्तक्षेप किट) की व्यवहार्यता और प्रभावकारिता परीक्षण, सुजाता सतपथी, एम्स, 2 वर्ष, 2018–2020, 3.6 लाख रुपये
13. जुनूनी बाध्यकारी विकार वाले रोगियों में सही डॉर्सोलॉजिकल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में चयापचय संबंधी असामान्यताओं का एच[1]–एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी–आधारित मूल्यांकन – एक पायलट अध्ययन, गगन हंस, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 0.9 लाख रुपये
14. भारतीय जनसंख्या पर युवा एडिक्शन सुरक्षा इंडेक्स का रूपांतरण और सत्यापन, रेणु शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 2 लाख रुपए

पूर्ण

1. एडीएचडी वाले 6–11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए गैर–कम्प्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण चिकित्सा किट का विकास, सुजाता सतपथी, एम्स, 1.5 वर्ष, 2015–2017, 4.49 लाख रु.
2. कैटेटोनिया में अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी और क्वांटिटेटिव इलेक्ट्रो–एन्सेफैलोग्राफिक स्पेक्ट्रल विश्लेषण का कार्यात्मक उपयोग करके मस्तिष्क सक्रियण का अध्ययन, रोहित वर्मा, एम्स, 3 साल, 2015–2018, 2.24 लाख रुपये
3. अवसादग्रस्तता विकारों और मादक पदार्थ उपयोग विकारों वाले रोगियों में स्टीग्माः एक पायलट अध्ययन, बिचित्रा नंदा पात्रा, एम्स, 2वर्ष, 2016–2018, 0.25 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ब्रोन्कियल अस्थमा वाले बच्चों और किशोरों में मनोरोग रुग्णता और संज्ञानात्मक कार्य
2. अवसादग्रस्तता विकारों में मेटाकोग्निटिव थेरेपी
3. बाल यौन दुर्व्यवहार के लिए बहुआयामी आघात स्केल और मनोवैज्ञानिक आघात केंद्रित उपचार का विकास
4. विशिष्ट प्रशिक्षण विकार के लिए गृह आधारित हस्तक्षेप का विकास
5. कानून के साथ संघर्ष में किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप के मॉड्यूल का विकास
6. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले बच्चों के मनोवैज्ञानिक–व्यावहारिक तथा संज्ञानात्मक कार्यः एक समग्र मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास
7. किशोरों में कॉमोरबिड एडीएचडी के साथ और इसके बिना विशिष्ट शिक्षण विकार (डिस्लेक्सिया) के साथ स्वायत्त कार्यों का अध्ययन
8. कैंसर से बचे किशोरों और बच्चों के लिए ट्रॉमा केंद्रित संज्ञानात्मक व्यवहार उपचार तथा फेमिली थेरेपी मॉड्यूल का विकास
9. वयस्क माइलोमा रोगियों के बीच सक्रिय उपचार और रखरखाव के चरण में मनोरोग रुग्णता, नींद की गुणवत्ता और मानसिक समायोजन शैली
10. लिथियम प्रोफ़ाइलेक्सिस पर बायपोलर विकार प्रकार–1 के साथ विषयों में चुंबकीय रेसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए न्यूरोकेमिकल प्रोफ़ाइलः लिथियम प्रतिक्रिया के संबंध का आकलन
11. बायपोलर विकार प्रकार में आत्महत्या के प्रयास करने वाले रोगियों में ग्रे मैटर वल्यूम और व्हाइट मैटर इंटीग्रिटी का आकलन
12. मल्टी–सोमाटोफॉर्म पैन विकार वाले रोगियों में संज्ञानात्मक और भावात्मक तनाव का प्रभावः एफएमआरआई आधारित एक केस कंट्रोल्ड अध्ययन
13. मनोचिकित्सीय आउट पेशेंट क्लीनिक में जाने वाले रोगियों में चयनात्मक सेरोटोनिन रिअपटेक इनहिबिटर्स के दुष्प्रभाव का अवलोकनात्मक अध्ययन
14. गैर–उत्तरदायी जुनूनी–बाध्यकारी विकार के उपचार में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रैनील चुंबकीय प्रेरणाः प्रेरणा के विभिन्न साइटों की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाईंड समानांतर समूह शम नियंत्रित परीक्षण
15. प्रथम एपिसोड साइकोसिस में उपचार की प्रतिक्रिया के पूर्वसूचक के रूप में न्यूरो–शारीरिक और न्यूरो–संज्ञानात्मक मार्कर प्रीफ्रंटल कामकाज का मार्कर
16. शिज़ोफ्रेनिया में आराम देने की स्थिति वाले मात्रात्मक इलेक्ट्रो एन्सेफलोग्राफिक वर्णक्रमीय विश्लेषण का पायलट अध्ययन
17. प्रथम एपिसोड सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों में सीरम बीडीएनएफ का स्तरः एक पायलट अध्ययन
18. अवसाद के उपचार में मस्तिष्क की उत्तेजना का प्रभावः मस्तिष्क कार्य पर तीव्र और अनुदैर्ध्य प्रभावों एक डिफ्यूज ऑप्टिकल टोमोग्राफी अध्ययन
19. कार्यकारी कामकाज पर कार्य निर्भर प्रभाव की जांच करने के लिए एनोड ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ लक्षित प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मॉड्यूलेशन का एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी विकार वाले बच्चों और किशोरों में मादक द्रव्यों का उपयोगः एक खोजपूर्ण अध्ययन

पूर्ण

1. एडीएचडी वाले बच्चों में प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल एक्टिविटीः ए फंक्शनल नियर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफएनआईआरएस) अध्ययन
2. टाइप 2 डायबीटिस मेलिटस वाले रोगियों में डिप्रेशन और एंजायटी विकार तथा ग्लाइसेमिक नियंत्रण के साथ इनका संबंध, जीवन की गुणवत्ता तथा अक्षमता
3. पोस्ट मायोकार्डियल इन्फॉरेक्शन रोगियों में कार्डियक आर्रिथिमिया के साथ चिंता और डिप्रेशन की मौजूदगी का एक अध्ययन
4. एम्स, नई दिल्ली में परामर्श संपर्क सेवाओं के लिए जरूरतों, कार्यक्षेत्र और केंद्र–बिंदु का आकलन
5. रोगियों और उनके देखभालकर्ताओं के मध्य ईसीटी और आरटीएमएस के संबंध में ज्ञान और रवैये का अध्ययन
6. गंभी रूप से मानसिक बीमारी तथा उनके देखभालकर्ताओं के साथ रोगियों में मानसिक बीमारी और उपचार के प्रति ज्ञान के बारे में एक क्रॉस–सेक्शनल अध्ययन
7. ओपिऑयड निर्भरता वाले रोगियों में भूख को कम करने में द्विपक्षीय ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करेंट स्टीमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ लक्षित प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मॉड्यूलेशन का एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
8. रोगी सेटिंग में एक तृतीयक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में गंभीर रूप से मानसिक बीमारी के साथ मानसिक बीमारी के प्रति ज्ञान और रोगी के देखभालकर्ताओं के मध्य ईलाज में बदलाव की जाँच हेतुः एक केस कंट्रोल्ड अध्ययन।
9. गंभीर रूप से मानसिक बीमारी तथा उनके देखभालकर्ताओं के साथ रोगियों में मानसिक बीमारी और उपचार के प्रति ज्ञान के बारे में एक क्रॉस–सेक्शनल अध्ययन
10. उपचार प्रतिरोधी ऑब्सेसिव–कम्पलसिव विकार में ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टीमुलेशन (टीडीसीएस) – बाध्यकारी विकारः एक ओपन–लेबल परीक्षण
11. डिसोसिएटिव ऐंठनों में वियोजन के तंत्रिका संबद्व पर क्रॉस–सेक्शनल, नियंत्रित एफएमआरआई अध्ययन
12. मानसिक स्वास्थ्य देखभाल में नैतिक मुद्दों पर रोगी तथा देखभालकर्ता के दृष्टिकोण

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. सीजोफ्रेनिया और पार्किंसन रोग के डोपामाइन निर्धारित अवस्था में प्रोटीन सिनेचरों की पहचान के लिए सीएसएफ का प्रोटिओसिक्स, जैव भौतिकी
2. सेरोटोनर्जिक मार्ग के जीन की आनुवंशिक बहुरूपता और रोग की गंभीरता के साथ उनके एसोसिएशन अध्ययन और प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार, जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी) वाले रोगियों में एस्सिटालोप्राम उपचार की प्रतिक्रिया।
3. स्किज़ोफ्रेनिया में बीमारी का वर्णनः एक मेडिकल चार्ट समीक्षा अध्ययन, मानव विज्ञान विभाग, ब्राउन विश्वविद्यालय, प्रोविडेंस, यूएसए
4. आईसीडी–11, ओटावा विश्वविद्यालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड के लिए बौद्धिक और अनुकूल व्यवहार कामकाज के प्रस्तावित व्यवहार संकेतकों के अनुरूप सत्यापन
5. आईसीडी–11 बचपन के मानसिक और व्यावहारिक विकारों के लिए प्रस्तावित नैदानिक दिशा–निर्देशों के नैदानिक स्थिरता और नैदानिक उपयोगिता, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जीनेवा, स्विट्जरलैंड
6. आईसीडी–11 गंभीर मानसिक और व्यवहार विकार के लिए प्रस्तावित नैदानिक दिशा–निर्देशों के नैदानिक स्थिरता और नैदानिक उपयोगिता, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जीनेवा, स्विट्जरलैंड
7. आईसीडी–11 सामान्य मानसिक और व्यवहार विकार के लिए प्रस्तावित नैदानिक दिशा–निर्देशों के नैदानिक स्थिरता और नैदानिक उपयोगिता, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जीनेवा, स्विट्जरलैंड
8. मल्टी–सोमाटोफॉर्म पैन विकार वाले रोगियों में संज्ञानात्मक और भावात्मक तनाव का प्रभावः एफएमआरआई आधारित एक केस कंट्रोल अध्ययन, नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद
9. ऑपरेबल स्तन कैंसर में सेंटीनल नोड बायोप्सी के साथ–साथ बीसीएस और मैसेटेक्टॉमी के बाद जीवन की गुणवत्ता, शल्य चिकित्सा
10. स्तन कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता स्कोर पर और ट्यूमर कोशिकओं को परिचालित करने में पैरावेटेब्रल एनेस्थेसिया का प्रभाव, संवेदनाहरण
11. खान–पान संबंधी विकारों का मूल्यांकन तथा डायबीटिज मेलीटस टाइप–2 वाले वयस्क रोगियों में ग्लिसेमिक नियंत्रण तथा मेटाबोलिक पैरामीटरों पर उनका प्रभाव, अंतःस्राविकी विज्ञान
12. सीजोफ्रेनिया वाले रोगियों के लिए न्यूरोकॉग्नेटिव रिहेबिलिटेशन मॉड्यूल, तंत्रिका मनोचिकित्सा

13. गुणात्मक अध्ययन रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (11वें संशोधन) पर दृष्टिकोण की खोज; भारत, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में मानसिक स्वास्थ्य निदान में सुधार के लिए जीवित अनुभव का उपयोग करते हुए
14. सिज़ोफ्रेनिया, सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमेरिका में भाषा और भाषाई परिवर्तनशीलता पैटर्न की पहचान
15. भारत में अवसाद और मधुमेह के लिए सहयोगात्मक देखभाल– नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ (एनआईएमएच), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यूएसए एंड एंडोक्रिनोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित
16. तंदरूस्ती, नींद और संज्ञानात्मक क्रिया पर मोबाइल फोन के प्रभाव का अध्ययन करना, चिकित्सा
17. ट्रॉमाटिक चोट के बाद न्यूरोकॉग्नेटिव परेशानी के जल्दी पूर्वानुमान के लिए मार्कर के रूप में नोवल कोटेड प्लेटलेट्स पर उपयोगिता, 2015–2018, ट्रामा सेंटर
18. नई दिल्ली बर्थ कोहॉर्ट, फेफड़ों के कार्य पर शुरूआती जीवन विकास पैटर्न की संगति का आकलन करने के लिए फॉलो–अप अध्ययनः फैमिली कोहॉर्ट में कार्डियों मेटाबोलिक जोखिम कारक और मानसिक स्वास्थ्य, सीडीआरएफ, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया
19. पैरनेटल ग्रोथ पैटर्न और उनके बच्चों में जीर्ण रोग जोखिम के बीच संबद्वताः नई दिल्ली बर्थ कोहॉर्ट में एक इंटरजेनरेशनल अध्ययन, पीएचआरआई अनुसंधान अनुदान,एसईआरबी–डीएसटी, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया
20. रूपात्मक, कार्यात्मक, जैवरासायनिक और व्यवहार मूल्यांकन–ईएमएफ विकिरण, एनएमआर
21. मोबाइल फोन का उपयोग के कारण नींद और न्यूरोकॉग्नेटिव कार्यों पर ईएमएफ विकिरण का प्रभावः एक आण्विक दृष्टिकोण, चिकित्सा
22. लेवल I में ट्रामा के साथ पोस्टसर्जरीकल परिणाम, व्यवहार, और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में निचले अंग के एमपुटिस में योग उपचार के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रामा सेंटर
23. टी2डीएम और अवसाद वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभावः दो हाथ समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, अंतःस्त्राविका
24. ध्यान की कमी सक्रियता विकार (एडीएचडी) में आराम और विस्यूस्पाशल सक्रिय मेमोरी के दौरान ईईजी और ब्रेन आयरन स्तरों के कोर्टिकल स्त्रोतों का अध्ययन, फिजियोलॉजी
25. निम्न संसाधन सेटिंग में टाइप 1 डायबीटिज वाले बच्चों में आहार और इंसुलिन रेजीमिस का अनुकूलन, पेडियाट्रिक्स
26. क्या योग नियर मेक्सीमल ऑरल ड्रग्स पर सबऑप्टीमल ग्लेसिमिक नियंत्रण के साथ टाइप 2 डायबीटिज मेलिटस वाले रोगियों में इंसुलिन थेरेपी के शुरूआत में देरी कर सकता है तथा/या निकट भविष्य में किसे इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता होगी इसका मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट मल्टी–सेंटर ओपन लेबल पेरालल आर्म आरसीटी, अंतःस्राविकी
27. भारत में प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार (एमडीडी) प्रबंधन के लिए योग आधारित जीवन शैली चिकित्सा का एक ट्रांसलेशनल यादृच्छिक ट्रायल तथा इसके साथ जुड़े सेलुलर एजिंग के बायोमार्करों का विश्लेषण, एनाटॉमी
28. एडीएचडी में क्यूईईजी आधारित न्यूरल परस्पर संबंध और ध्यान और हस्तक्षेप के माइक्रॉस्ट्स, एक एंडोफोनोटाइपिक मार्कर, शरीर क्रिया विज्ञान
29. लेवल–I ट्रामा सेंटर में चेस्ट ट्रामा के रोगियों में फेफड़ों के कार्य, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्यन करना, ट्रामा सर्जरी, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
30. डायबिटीज मेलिटस के साथ सामान्य मनोवैज्ञानिक विकार एसोसिएशन– उत्तर भारत में सामुदाय आधारित रोग–नियंत्रण अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली
31. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा टाइप 1 डायबिटीज वाले वयस्कों में संज्ञानात्मक, न्यूरोटानोमिकल और न्यूरोफैक्शनल असामान्यताओं का आकलन।
32. लेवल–I ट्रामा के साथ पोस्टसर्जरीकल परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में निचले अंग के एमपुटिस में योग उपचार के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए ए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण – विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, ट्रामा सर्जरी, जेपीएनएटीसी द्वारा वित्त पोषित
33. भारत में क्लेफ्ट लिप और तालु विसंगति; नैदानिक प्रोफ़ाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थितिः एक अस्पताल आधारित अध्ययन–मुख्य चरण, दंत चिकित्सा और शैक्षिक अनुसंधान केंद्र
34. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली भारतीय महिलाओं में विभिन्न चिकित्सीय तौर–तरीकों के उपचार में व्यापकता का मूल्यांकन, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, कोमॉर्बिडिटी, जोखिम कारक और विविधताएंः संपूर्ण भारत में बहु–केन्द्र, एंडोक्रिनोलॉजी
35. मेश फिक्सेशन के विभिन्न तकनीकियों के साथ इनसिशन और वेंट्रल हार्निया लेप्रोस्कोपिक उपचार के पश्चात दीर्घ कालीन परिणाम, लम्बे समय तक दर्द, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावकता की तुलना हेतु अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, एक पायलट अध्ययन, शल्य चिकित्सा विषय

36. इनसिशनल और वेंट्रल हार्नियास के लेप्रोस्कोपिक मेश उपचार हेतु मेश फिक्सेशन नॉन–एब्जोर्बेबल बनाम एब्जोर्बेबल टेकर्स की दो तकनीकों के पश्चात दीर्घकालीन परिणाम, क्रोनिक पीड़ा, जीवन की गुणवत्ता तथा लागत प्रभावकता की तुलना हेतु अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विषय
37. पित्ताशय में पथरी रोग से ग्रस्त रोगियों में एक अनसिशन वाले लेप्रोस्कोपिक पित्तयायोंच्छेन के साथ मानक चार पोर्ट लेप्रोस्कोपिक पित्तशयोच्छेन के परिणाम की तुलना करने के लिए अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, शल्य चिकित्सा विषय
38. शराब तथा विभिन्न जैविक नमूनों में भिन्न–भिन्न दवाओं की विषक्ता विश्लेषण तथा वितरण पैटर्न और आत्मघात से होने वाले मौतों में उनकी न्यूरोबायोलॉजिकल प्रभाव, न्याय चिकित्सा शास्त्र
39. पागलपन–जैसे व्यवहार वाले रैट मॉडल में क्लोक ज़ीन का अध्ययन, तंत्रिका रसायन विज्ञान
40. डोनर नेफ्रेक्टॉमी बनाम ओपन डोनर नेफ्रेक्टॉमी लेप्रेस्कोपी के बाद परिणामों और जीवन की गुणवत्ता की तुलना करने का ए भावी अध्ययन, शल्य चिकित्सा विषय
41. सहवर्ती पित्त की पथरी और सामान्य पित्त नलिका की पथरी वाले रोगियों के एकल चरण बनाम दो चरण प्रबंधन के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलनाः एक भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शल्य चिकित्सा विषय
42. ग्रामीण बल्लभगढ़ में किशोरों के बीच अवसाद संबंधी विकारः एक समुदाय आधारित अध्ययन, सीसीएम
43. अवसाद के रोगियों में सेलुलर आयु के बायोमार्कर पर योग आधारित जीवन शैली के उपायों का प्रभाव, आणविक प्रजनन और आनुवंशिकी के लिए प्रयोगशाला
44. दिल्ली विश्वविद्यालय के पब्लिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों के भोजन सेवन और आहार की गुणवत्ता पर व्यवहार और स्वभाव का प्रभाव
45. वर्चुअल रियलिटी थेरेपी (वीआरटी) के प्रभाव में सुधार और निचले अंगों के विच्छेदन में जीवन की गुणवत्ता में सुधार, ट्रॉमा सेंटर, जेपीएनएटीसी
46. माइल्ड कॉग्नेटिव इम्पेयरमेंट वाले पार्किंसन्स के रोगियों में मस्तिष्क में कार्यात्मक और जैव रासायनिक संबंधों की मैपिंग करना, एनएमआर
47. ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा वाले रोगियों में पुल्मोनरी कार्य, श्वसन की मांसपेशियों की ताकत और सहनशीलता, चेस्ट वॉल की गतिशीलता, इन्फेमेटोरी मार्कर तथा जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना और लेवल–I ट्रॉमा सेंटर पर थोरेसिक ट्रॉमा गंभीर स्कोर के साथ उनका संबंध, ट्रामा सर्जरी, जेपीएनएटीसी
48. कैंसर से बचे किशोरों और बच्चों के लिए ट्रॉमा केंद्रित संज्ञानात्मक व्यवहार उपचार तथा फेमिली थेरेपी मॉड्यूल का विकास
49. एम्स, नई दिल्ली के नए मेडिकल अंडर ग्रेजुएट छात्रों पर योग की शुरूआत की व्यवहार्यता तथा तनाव एवं अच्छा महसूस करने पर इसके प्रभाव, सीसीएम
50. डॉ. राजेंद्र प्रसाद सेंटर फॉर ओफ्थैल्मिक साइंसेज के विभिन्न उपचार विधियों के पालन के बाद क्रोनिक सेंट्रल सीरस कोरियोरोटिनोपैथी रोगियों में शारीरिक और कार्यात्मक परिवर्तन
51. जायगोमेटिको–ओर्बिटो–मैक्सीलरी कॉम्पलेक्स फ्रैक्चर में सी.ए.डी. मॉडल द्वारा गाइडिड 3डी प्रिंटिड हाइड्रोक्सीएपेटाइट स्कैफोल्ड पर सीडिड एडिपोज टिशू व्युत्पन्न मीसनकाइमल स्टेम सेल्स के प्रयोग से पोस्ट ट्रॉमेटिक फेशियल डिफेक्ट्स की पुनर्संचना, ट्रामा सर्जरी, जेपीएनएटीसी
52. केन्द्रीय सीरॉस कोरियो–रेटिनोपेथी एवं ध्यानः क्रियात्मक एवं आकृतिक परिणाम अध्ययन, डॉ राजेंद्र प्रसाद, नेत्र विज्ञान केंद्र
53. एचआईवी/टीबी सह–संक्रमण, चिकित्सा और माइक्रोबायोलॉजी में मनोरोग रुग्णता
54. हल्के और मध्यम दर्दनाक मस्तिष्क चोट रोगियों में संज्ञानात्मक समाप्ति के लिए बायोमार्कर की पहचान, ट्रॉमा सेंटर, जेपीएनसीटीसी
55. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा, सीसीएम में गर्भवती महिलाओं में सामान्य मानसिक विकारों की व्यापकता
56. हल्के और मध्यम अभिघात मस्तिष्क चोट (टीबीआई) प्रेरित न्यूरो मनोवैज्ञानिक हानि की बेहतर पहचान के लिए नवीन नैदानिक सुगम बायोलॉजिकल संकेत का रूपांतरणात्मक उपयोग, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेपीएनएटीसी
57. ओपन मेश हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस एब्डोमिनल प्री–पेरिटोनियल (टीएपीपी) ग्रोइन हर्निया का उपचार, सर्जिकल डिसिप्लिन के बाद यौन क्रियाओं की तुलना करने के लिए एक तीन हस्तीय यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
58. ट्रामा सर्जरी (जनवरी 2016), ट्रॉमा सर्जरी, जेपीएनएटीसी में भर्ती पॉलीट्रोमा के रोगियों में अल्पकालिक परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना
59. ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा वाले रोगियों में पुल्मोनरी कार्य, श्वसन की मांसपेशियों की ताकत और सहनशीलता, चेस्ट वॉल की गतिशीलता, इन्फेमेटोरी मार्कर तथा जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना और लेवल–I ट्रॉमा सेंटर पर थोरेसिक ट्रॉमा गंभीर स्कोर के साथ उनका संबंध (जनवरी 2016), ट्रामा सर्जरी, जेपीएनएटीसी
60. आघात के बाद निचले अंगों के विच्छेदन के दौर से गुजरने वाले रोगियों में प्राथमिक बनाम देरी से प्राथमिक समापनः एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन (जनवरी 2017), ट्रामा सर्जरी, जेपीएनएटीसी

61. स्तर 1 ट्रॉमा सेंटर (जनवरी 2017), ट्रॉमा सर्जरी, जेपीएनएटीसी में पेल्विक फ्रैक्चर वाले रोगियों में प्रबंधन, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन करना
62. हल्के से मध्यम अवसादग्रस्तता विकारों वाले व्यक्ति पर मानक उपचार की तुलना में 30 मिनट की योग और ध्यान तथा जीवन शैली में सुधार का प्रभाव, मानसिक स्वास्थ्य संगठन (भारत)
63. रोसिडूयेल ईएमजी का प्रयोग करके टीएमएस को रोके गए स्पास्टिक रोगियों के लिए बायो–फीडबैक पुनर्वास तकनीक विकसित करना, न्यूरोलॉजी, एम्स और आईआईटी नई दिल्ली
64. नई दिल्ली में सामान्य और प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएँ प्राप्त करने वाले हिन्दी भाषी रोगियों में एक सांस्कृतिक रूप से उचित स्वास्थ्य साक्षरता साधन का विकास करना और इसकी वैधता का आकलन करना, सामुदायिक नेत्र विज्ञान, नेत्र विज्ञान केंद्र के लिए डॉ राजेंद्र प्रसाद
65. देखभालकर्ताओं पर बाल रोग अवरोधन के मनोसामाजिक प्रभाव तथा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी के प्रभाव, नेत्र विज्ञान केंद्र के लिए डॉ राजेंद्र प्रसाद
66. एम्स, कॉलेज ऑफ नर्सिंग में काम कर रहे नर्सिंग कर्मचारियों के मध्य विभिन्न आई.सी.यू. मरीजों में बेहोशी की पहचान के संबंध में ज्ञान का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग
67. कम संसाधन सेटिंग्स वाले सीजोफ्रेनिया के रोगियों के प्रबंधन करने वाले देखभालकर्ताओं के तकनीकी साक्षरता और तकनीकी सहायता की जरूरत, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली (आईआईटी–डी)
68. आईआरसीएच आनुवांशिक क्लिनिक में परामर्श के लिए आने वाले संदिग्ध पारिवारिक कैंसर के रोगियों में संकट, चिंता और अवसाद के लक्षणों का आकलन और उन पर आनुवंशिक परामर्श के प्रभाव का विश्लेषणः एक संभावित कोहॉर्ट अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. बीआर अंबेडकर आईआरसीएच
69. जीवन की गुणवत्ता और मैक्सीलैक्टोमी के रोगियों में मनोवैज्ञानिक डिस्ट्रेस पर प्रोस्थोडोंटिक रिहेबिलिटेशन के प्रभाव का मूल्यांकन : एक प्रारंभिक अध्ययन, कर्णनासाकंठ विज्ञान
70. एम्स, कॉलेज ऑफ नर्सिंग में काम कर रहे नर्सिंग कर्मचारियों के मध्य विभिन्न आई.सी.यू. मरीजों में बेहोशी की पहचान के संबंध में ज्ञान का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, शरीर क्रिया विज्ञान
71. प्रथम वर्षीय मेडिकल स्नातकपूर्व छात्रों में नींद पैटर्न, कथित तनाव और कॉपी करने की रणनीति का एक भावी अध्ययन, काय चिकित्सा
72. जुनूनी बाध्यकारी विकार और जुनूनी बाध्यकारी लक्षणों के साथ सिज़ोफ्रेनिया, एनएमआर सिज़ोफ्रेनिया में 1एच एमआरएस पर न्यूरोकेमिकल परिवर्तन का एक तुलनात्मक अध्ययन
73. कोक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद प्रालंब गहरे सेंसरिनुरल श्रवण नुकसान वाले रोगियों में श्रवण मौखिक परिणाम के साथ श्रवण कोरटेक्स सक्रियण के इन्फ्रा–रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी मापन के पास कार्यात्मक सहसंबंध
74. आइसोफ्लुरेन और डेसफ्लुरेन, एनेस्थेसियोलॉजी की तुलना करते हुए बुजुर्गों में संज्ञानात्मक गिरावट के बाद की घटनाओं का मूल्यांकन करने के लिए भावी पायलट अध्ययन
75. इन–विट्रो–फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र से गुजरने वाले रोगियों में एआरटी परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृत योग का प्रभावः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग
76. हाल ही में पता चले सिर और गर्दन के कैंसर वाले रोगियों में डिप्रेशन के लिए नैदानिक और जेव रासायनिक मूल्यांकन, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान
77. सुसाइड नोट, फोरेंसिक मेडिसिन और विष विज्ञान की सामग्री विश्लेषण और भाषाई विश्लेषण
78. रोगियों के परिवार के सदस्यों में विटिलिगो के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को मापने के लिए एक पैमाने का विकास, त्वचा विज्ञान
79. आत्मघाती मौतों के साथ इंफ्लेमेटरी साइटोकाइंस एसोसिएशन : अस्पताल आधारित तुलनात्मक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन, फोरेंसिक विज्ञान और विष विज्ञान
80. जन्मजात हृदय शल्यक्रिया के दौर से गुजर रहे बच्चों और उनके माता पिता में गंभीर चिंता और तनावः संक्षिप्त उपचार का प्रभाव, कार्डियक एनेस्थेसिया
81. आईसोफ्लोरेन तथा डेसफ्लोरेन की तुलना करते हुए बड़ी आयु के वयस्कों में पोस्टऑपरेटिव कॉग्नेटिव डिक्लाइन के घटनाओं का मूल्यांकन करते हुए एक भावी पायलट अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान
82. बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव उल्टी पर एक प्रीऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय के प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक अंधता परीक्षण, एनेस्थिसियोलॉजी
83. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में उन्नत गैर–लघु सेल फेफड़े के कैंसर में इंटीग्रेटेड सिस्टमैटिक पैलिएटिव केयर (आईएसपीसी) बनाम स्टैंडर्ड ऑन्कोलॉजी केयरः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ओन्को–संज्ञाहरण और उपशामक चिकित्सा, आईआरसीएच

84. कैंसर के रोगियों में प्रोऑपरेटिव चिंता, अवसाद और संकट को प्रभावित करने वाले व्यापप्ता और कारकः एक संभावित क्रॉस सेक्शन अध्ययन, ओन्को–एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा, आईआरसीएच
85. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन कम करने के लिए एक परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावकारिता, बाल रोग विज्ञान, नई दिल्ली, आयुष
86. प्रतिकूल गर्भावस्था के परिणामों के संकेतों के रूप में मनोदैहिक तनाव और लिपिड प्रोफाइल, स्त्री रोग और प्रसूति

पूर्ण

1. विवादास्पद आक्षेपों में पृथक्करण के तंत्रिका सहसंबंधों पर क्रॉस–सेक्शनल, नियंत्रित एफएमआरआई अध्ययन, परमाणु चुंबकीय रूपांतरण
2. उत्तर भारत में मानसिक विकारों के लिए श्राइन आधारित चिकित्सा पद्धतियों का एक अभूतपूर्ण और ईएमआईसी अध्ययन, ब्राऊन विश्वविद्यालय, प्रोविडेन्स, यूएसए
3. पारिवारिक और स्पोरेडिक मामलों का उपयोग कर डिस्लेक्सिया लिंकिंग जीन और व्यवहार का न्यूरोनल माइग्रेशन पाथवे और व्यावहारिक संबंधों में आनुवांशिक वेरिएंट्स के बीच जुड़ावों की पहचान, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी), मानेसर
4. तीव्र क्षणिक मानसिक विकार वाले रोगियों में न्यूरो–कॉग्निशिन और न्यूरो–इमेजिंग का अध्ययन, इनके पहले डिग्री सापेक्ष और सामान्य नियंत्रण, डीबीटी
5. 8–18 वर्ष आयुवर्ग के एचआईवी संक्रमित बच्चों में एचआईवी स्थिति के प्रकटीकरण से संबंधित भावनात्मक और व्यावहारिक स्वास्थ्य स्थिति, बालरोग चिकित्सा, एलएचएमसी, नई दिल्ली
6. गंभीर डिप्रेशन में पेरीफेरल स्ट्रेस बायोमार्करों (एस100बी, 8–इसप्रोस्टेन तथा 8–हाइड्रोक्सी, 2–डिऑक्सीगौनोसाइन), प्रयोगशाला चिकित्सा
7. डिप्रेशन के रोगियों में टीएनएफ– α [308 जी/ए], आईएल–1β [511 सी/टी], एंड आईएल–6 [174 जी/सी] जीन में बहुरूपता का अध्ययनः उनका सहयोग और नैदानिक गंभरता, प्रयोगशाला चिकित्सा
8. आरोग्यता, नींद और संज्ञानात्मक कार्य, चिकित्सा पर मोबाइल फोन के उपयोग के प्रभाव का अध्ययन करना
9. तंत्रिका संज्ञानात्मक गिरावट और मस्तिष्क चयापचय से जुड़े एचआईवी, काय चिकित्सा
10. कम संसाधन सेटिंग्स वाले गंभीर मानसिक बीमारियों के इलाज में मुश्किल के लिए एक मोबाइल आधारित हस्तक्षेप ढांचे का विकास, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली (आईआईटी–डी)
11. सीजोफ्रेनिया लक्षणात्मक पहले एपिसोड में एंटीरियर सिंगुलेट वाइट मैटर इंटीग्रिटी का न्यूरोकैमिकल सह–संबंध, न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोराडोलॉजी, न्यूरोसाइंसेस सेंटर
12. केटाटोनिया में कार्यात्मक नियर इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी और मात्रात्मक इलेक्ट्रो–इंसेफेलोग्राफी स्पेक्ट्रल विश्लेषण का उपयोग करके मस्तिष्क सक्रियण का अध्ययन, फिजियोलॉजी
13. एम्स, नई दिल्ली में मानसिक रूप से मानसिक रूप से बीमार रोगियों के देखभालकर्ताओं में कथित तनाव, नींद की गुणवत्ता और देखभालकर्ता की भार देखभाल संबंधी भार पर हास्य रोग के प्रभावों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज
14. 'कील मुँहासे के प्रबंधन के मनोसामाजिक पहलू' पर सूचना पुस्तिका तैयार करने के संदर्भ में एम्स, तथा विज्ञान ओ.पी.डी. में मुँहासे की समस्या के साथ आने वाले किशोरों और कम आयु वाले वयस्कों के बीच शरीर की छवि में विरूपता, आत्म सम्मान, मुँहासे की जीवन गुणवत्ता को जाँचने के लिए एक अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज

प्रकाशन

पत्रिकाः 94 **सारः 14** **पुस्तकों में अध्यायः 13** **पुस्तकें: 4**

रोगी उपचार

यह विभाग बाल और किशोर मानसिक विकारों के लिए साप्ताहिक विशेष क्लीनिक, साइकोसोमैटिक विकार, सामान्य मानसिक विकार, गंभीर मानसिक विकार, दोहरे निदान विकार और मस्तिष्क उत्तेजना क्लिनिक के अलावा दैनिक क्लीनिक और फोलो–अप क्लीनिकों का संचालन करता है। अस्पताल के अन्य वार्डों में भर्ती मरीजों को परामर्श संपर्क सेवाएं प्रदान की जाती हैं। आकस्मिक मनोरोग से पीड़ित रोगियों के लिए चौबीसों घंटे आपातकालीन मनोरोग सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

यह विभाग सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में सप्ताह में 6 दिन सामुदायिक आउटरीच सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें एक दिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दयालपुर और छींसा भी शामिल है। औषधीय चिकित्सीय उपचारों के अलावा, मनोवैज्ञानिक उपचार, संशोधित इलेक्ट्रो कन्वेंशनल थेरेपी (एमईसीटी) और आरटीएमएस, टीडीसीएस और बायोफीडबैक जैसे उन्नत उपचार नियमित रूप से प्रदान किए जाते हैं।

साइकेट्री ओपीडी विजिट रोगी की संख्या	
नए	17,204
पुराने	66,333
विशेष क्लीनिकः	
सी.एल. साइकेट्री	1644
बाल मार्गदर्शन क्लिनिक (सी.जी.सी):	
नए	677
पुराने	930
दोहरी निदान क्लिनिकः	
नए	107
पुराने	2777
व्यवहार व्यसनः	
नए	21
पुराने	76
नैदानिक मनोविज्ञान सेवाएँ	2484
बल्लभगढ़ सीआरएचएसपी मनोरोग सेवाएं	
नए	3131
विशेष उपचारः	
ई.सी.टी.	480
आरटीएमएस	1940
डीसीएस	560
प्रयोगशाला सेवाएं (लिथियम)	681
सी–1 (साइकेट्री) वार्डः	
प्रवेश	282
डिस्चार्ज	262
लामा	08
ऐब्सकोंडेड	03
बाहर स्थानांतरित	08

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राकेश कुमार चड्ढाः एनएन डी ओरेशनः कम संसाधन वाले संस्थान में आपदा प्रभावित आबादी में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री, गुवाहाटी का 17–19 नवंबर 2017 को 24 वां राष्ट्रीय सम्मेलन; वर्ष 2017 के लिए इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री के लिए वेंकोबा राव ओरेशन अवार्ड प्राप्त किया गया, जिसे 2018 में वितरित किया जाएगा; अध्यक्ष, इंजेक्शन ड्रग उपयोगकर्ताओं पर तकनीकी संसाधन समूह; सदस्य, कार्यकारी समिति, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत); कार्यवाहक कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत), सितंबर 2016–जून 2017; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, बी जे साइक इंटरनेशनल; समन्वयक, डिप्रेशन पर सार्वजनिक व्याख्यानः विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 7 अप्रैल 2017, को एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, आयोजन समिति, पदार्थ उपयोग विकार में उभरते मुद्दों पर राष्ट्रीय सीएमई, एनएएमएस सभागार, 22 जुलाई 2017; अध्यक्ष, आयोजन समिति, व्यसन मनोविज्ञान पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 7–8 सितंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष,

आयोजन समिति, व्यसनी मनोरोग पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 27–29 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, आयोजन समिति, मनोवैज्ञानिक आघात, बाल संरक्षण और मानसिक रोग पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 27–28 मार्च 2018।

आचार्य प्रताप शरण एम्स में स्टूडेन्ट वेलफेयर के प्रभारी आचार्य थे, आईसीडी–10 मानसिक और व्यावहारिक विकारों के संशोधन के लिए डब्ल्यूएचओ के अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समूह के सदस्य (2009 के बाद से), आईसीडी–10 मानसिक और व्यावहारिक संबंधी विकारों के संधोधन के लिए खान–पान संबंधी विकार पर कार्य करने वाले डब्ल्यूएचओ के सदस्य (2012 के बाद से), मानसिक स्वास्थ्य गैप एक्शन प्रोग्राम के लिए डब्ल्यूएचओ के दिशा–निर्देश विकास समूह–इंटरवेंशन गाइड (2014 के बाद से); कोलंबिया यूनिवर्सिटी ऑफ कॉलेज फिजिशियन और सर्जन, न्यूयॉर्क के लिए चिकित्सा मनोविज्ञान के प्रोफेसर (मनोचिकित्सा में) के पद के लिए सहकर्मी मूल्यांकनकर्ता; वरिष्ठ संपादक, भोजन विकार के लिए जर्नल; एसोसिएट एडिटर, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया; इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकेट्री, जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड अडलसेंट मेंटल हेल्थ और जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर के मेंबर एडिटोरियल बोर्ड; पीजी मनोरोग शिक्षा उप–समिति, भारतीय मनोरोग सोसायटी (2017–2019) के लिए सह अध्यक्ष; सदस्य, एम्स अनुसंधान समिति और आचार समिति; नशीली दवाओं के उपयोग में विकृति पर सामाजिक मनोरोग की भूमिका पर "और कैनबिस के उपयोग को कम किया जाना चाहिए" और "निषेध शराब के सेवन से संबंधित समस्याओं से निपटने के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण" के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन, व्यसन मनोरोग (27–29 नवंबर 2017, नई दिल्ली); फर्स्ट फैकल्टी मेंटर सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल (25 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली) में "विविधता के प्रति संवेदनशीलता"; व्यसन मनोविज्ञान पर वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (7–8 सितंबर 2017, नई दिल्ली) में "विशिष्ट समूहों में हस्तक्षेप"; "व्यवहार व्यसनों", पदार्थ उपयोग विकार में उभरते मुद्दों पर सम्मेलन (22 जुलाई 2017, नई दिल्ली); मास्टर स्पीकर वीडियो कॉन्फ्रेंस सीरीज, अंतर्राष्ट्रीय मनोचिकित्सा संस्थान में भाग लिया; डब्ल्यूएचओ, स्वास्थ्य मंत्रालय, मलेशिया परियोजना के लिए सदस्य सलाहकार बोर्ड "बच्चों और किशोरों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जांच उपकरण और उपचार पैकेज के विकास के माध्यम से प्राथमिक देखभाल क्लीनिक में मानसिक स्वास्थ्य उपचार को मजबूत बनाने" के लिए प्राधिकृत; जैवप्रौद्योगिकी विभागः गर्भावस्था, भ्रूण के विकास और जन्म के समय वजन पर तनाव के परिणामः मातृ तनाव के परिणामस्वरूप पहले से जन्म और अंतर्गर्भाशयी विकास प्रतिबंध के जोखिम में माताओं की पहचान करने के तरीकों का विकास; जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ इंडिया (28 अगस्त 2017, नई दिल्ली) द्वारा भारत में अनुसूचित जनजाति आबादी के मानसिक स्वास्थ्य पर पहला गोलमेज सम्मेलन; और निश्काम फाउंडेशन समाचार पत्र; आईसीएमआर परियोजनाओं के लिए समीक्षक और इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड अडोलेसेंट मेंटल हेल्थ अवार्ड पेपर्स के लिए मूल्यांकनकर्ता; निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए पीयर समीक्षकः प्लोस वन, बीएमसी मनोविज्ञान, बीएमसी मनोचिकित्सा, एशियन जर्नल ऑफ साइकेट्री, साक्ष्य–आधारित मानसिक स्वास्थ्य (बीएमजे ग्रुप), ग्लोबल पब्लिक हेल्थ, ग्लोबल मेंटल हेल्थ, जर्नल ऑफ ईटिंग डिसऑर्डर, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, इंडियन जर्नल ऑफ पैलिएटिव केयर, इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री, जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन एजुकेशन एंड रिसर्च एंड न्यूरोप्सिक्युट्री; संकाय चयन बोर्डों के लिए परीक्षक और एमसीआई निरीक्षण टीमों और एमडी (मनोरोग) के सदस्य विभिन्न राष्ट्रीय केंद्रों के लिए थीसिस; इंडियन साइकेट्रिक सोसाइटी (5–8 फरवरी 2018, रांची) के 70वें वार्षिक सम्मेलन और 'केटामाइन ट्रीटमेंट रेसिस्टेंट डिप्रेशन में केटामाइन का उपयोग कर', चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी (1 एच–एमआरएस) का उपयोग कर ओसीडी के न्यूरोबायोलॉजी में नई अंतर्दृष्टि का आयोजन किया। भारतीय मनोरोग समाज का वार्षिक सम्मेलन, उत्तरी क्षेत्र (7–8 अक्टूबर, नई दिल्ली); निम्नलिखित सम्मेलनों / बैठकों के लिए वैज्ञानिक समिति के सदस्य / सदस्यः रोगी रिपोर्टेड परिणामों और मानसिक स्वास्थ्य में व्यक्तिगत केंद्रित देखभाल पर चौथी बैठक – मानसिक और व्यसनी विकार में परिणामः व्यक्तिगत, नैदानिक, सामाजिक परिप्रेक्ष्य (21–23 सितंबर 2018; वाशिंगटन डीसी)।

प्रोफेसर राजेश सागर को मनोचिकित्सा विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया, 2017 के बाद से मानद प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया; सचिव, केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम के तहत नियामक निकाय, भारत सरकार), 2005 निरंतर; सदस्य, आचार समिति, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, (डीम्ड विश्वविद्यालय), मानेसर, गुरूजन, 2010 जारी; इंडियन साइकेट्री सोसाइटी के मुख्य संपादक, नॉर्थ ज़ोन (जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर), अक्टूबर 2010 जारी है; मनोचिकित्सा में विशेष सलाहकार बोर्ड के संयोजक के रूप में नियुक्त, डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी), नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन, नई दिल्ली, 2011 महाद्वीप; भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) की आचार समिति के सदस्य; 2012 जारी; 2012–2017 में भारतीय मनोरोग समाज की संसदीय समिति के संयोजक के रूप में नियुक्त; मानसिक स्वास्थ्य के लिए मानद सलाहकार स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2013 और जारी रखने के लिए महानिदेशक; नियुक्त किए गए सह–अध्यक्ष, इंडियन साइकियाट्री सोसायटी की जर्नल समिति, 2018; विशेषज्ञ समिति के सदस्य, जीवन और संबंधित अनुसंधान एवं विकास पहल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, 2014 में मोबाइल टावरों और हैंडसेटों से ईएमएफ विकिरण जोखिम के संभावित प्रभाव पर आर एंड डी

प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए जारी है; केंद्रीय दत्तक ग्रहण प्राधिकरण (सीएआरए), महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, सितंबर 2011–2017 के लिए समिति के विशेषज्ञ सदस्य; संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल (सीएसआरआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, 2014 के तहत तकनीकी मूल्यांकन के लिए टास्क फोर्स के सदस्य जारी; राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली, 2014 जारी रखने पर तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के विशेषज्ञ सदस्य; ट्रेनर (टीओटी) के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी) के तहत विशेषज्ञ कार्यकारी समूह के सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली, 2014 के तहत जीपी/एमओ के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारत सरकार, नई दिल्ली, फरवरी 2018 द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए परियोजना समीक्षा समिति समूह के विशेषज्ञ सदस्य; परियोजना के लिए सलाहकार समिति के सदस्य – भारत में प्राथमिक मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के अभिनव प्रावधानः वेलकम ट्रस्ट के लिए व्यवस्थित चिकित्सा मूल्यांकन, रेफरल और उपचार (स्मार्ट) मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम – जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली के डीबीटी एलायंस फैलोशिप; सदस्य, चयन समिति एम्स, पटना, ऋषिकेश और भुवनेश्वर, उत्तरी दिल्ली मेडिकल कॉलेज, हिंदू राव, दिल्ली, आईसीएमआर; राष्ट्रीय समन्वय केंद्र के सिग्नल समीक्षा पैनल के विशेषज्ञ सदस्य, भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम, भारतीय फार्माकोपिया आयोग; पब्लिक हेल्थ फ़ाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई–आईईसी) की संस्थागत आचार समिति के मनोनीत सदस्य; सदस्य, उत्कृष्टता के केंद्र के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम पर स्थायी समिति–मेडिकल कॉलेज / अस्पताल, कोलकाता, विशाखापट्टनम, हुबली, हैदराबाद और वारंगल का निरीक्षण दौरा; मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 के तहत नियमों और विनियमों को तैयार करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य, कई बैठकें आयोजित; स्कूली बच्चों की सुरक्षा और शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के साइकोमेट्रिक मूल्यांकन पर दूसरों के बीच व्यापक दिशानिर्देशों को तैयार करने के लिए अध्यक्ष, परिसर की सीसीटीवी निगरानी की सुरक्षा लेखा परीक्षा, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, 2017 के लिए कई बैठकें आयोजित; डीएम (बाल और मनोचिकित्सा) पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, एमडी (मनोचिकित्सा) परीक्षा, एनआईएमएचएएनएस, बेंगलुरु, मेडिकल कॉलेज, उदयपुर, बीकेआईएचएस, और धरन, नेपाल, एमफिल (नैदानिक मनोविज्ञान) के लिए बाहरी परीक्षक आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली में; एम्स की इंट्रामुरल फंडिंग के लिए परियोजना समीक्षा समिति (नैदानिक) के विशेषज्ञ सदस्य, 2017–2018; एचआरडी के माननीय केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा "सबसे उत्कृष्ट शोधकर्ता" पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने मनोविज्ञान / मनोचिकित्सा में भारत के सर्वोच्च संकाय के रूप में वर्ष 2015–2017 के लिए विशेषज्ञों द्वारा आउटपुट, उद्धरण, एच–इंडेक्स और समीक्षा के समग्र स्कोर के आधार पर एससीओपीयूएस के डेटा / वेब खोज को शामिल किया, पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र और 50,000 रुपये शामिल थे; दूरदर्शन में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित (10 अक्टूबर 2017 को कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य), डीडी न्यूज़ (22 अक्टूबर 2017 को मानसिक स्वास्थ्य पर कुल स्वास्थ्य), डीडी न्यूज़ (15 सितंबर 2017 को स्कूल में सुरक्षा पर चार्चेमिन), डीडी न्यूज़ (परीक्षा तनाव पर) 15 फरवरी 2017 को), डीडी नेशनल (27 अप्रैल 2017 को साइबर हमला), डीडी किसान (29 अप्रैल 2017 को डिप्रेशन), लोक सभा चैनल (7 अप्रैल 2017 को डिप्रेशन), एनडीटीवी (20 अगस्त 2017 को सोशल मीडिया पर हमलोग, एनडीटीवी (9 जनवरी 2018 को बच्चे पर चर्चा), एनडीटीवी (21 जनवरी 2017 को बलात्कार पर चर्चा) न्यूज 18 (ऑनलाइन गेम), इंडिया टीवी (23 अगस्त 2017 को बाल शोषण पर) और रेडियो कार्यक्रम, एफएम रेनबो (7 अप्रैल 2017 और 26 अक्टूबर 2017)), एफएम गोल्ड (6 अप्रैल 2017), रेड एफएम 29 जनवरी 2018 को परीक्षा तनाव), जी न्यूज (30 दिसंबर 2017 को गेमिंग विकार), ऑल इंडिया रेडियो (30 नवंबर 2017 को डाउन सिंड्रोम पर), एआईआर (24 जनवरी 2017 को सोशल मीडिया), राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी) के 4 जुलाई 2017 के पहले से मौजूद दिशानिर्देशों के साथ विसंगतियों / चूक या किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य; 22 मई 2017 को निरंतर आधार पर डेटा संग्रह के महत्व को देखते हुए, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की रजिस्ट्रियों के विकास के बारे में "प्राथमिकता पर विचार–मंथन" के विशेषज्ञ समूह की बैठक के सदस्य; एनसीपीसीआर द्वारा 22 मई 2017 तक बाल यौन उत्पीड़न (सीएसए) के पीड़ितों / जीवित लोगों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं और पुनर्वास के लिए विकासशील रणनीतियों और उपचार कार्यक्रम पर विचार–विमर्श करने के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक के सदस्य; 9 जून, 2017 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ रिहैबिलिटेशन (एनआईएमएचआर) की स्थापना के मामले पर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेषज्ञों के विचारों का पता लगाने के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सचिव, डीईपीडब्ल्यूडी, की अध्यक्षता में बैठक का विशेषज्ञ सदस्य। 29 अगस्त 2017 और 9 अक्टूबर 2017 को महिला और बाल विकास मंत्रालय (डब्ल्यूसीडी) की गतिविधियों के लिए विशेषज्ञ सदस्य; 1 सितंबर 2017 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर कोर ग्रुप की बैठक का सदस्य; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) के तहत जिला अस्पताल में उपलब्ध होने वाली दवाओं पर चर्चा करने के लिए सदस्य, 29 सितंबर 2017; 20 नवंबर, 2017 को आईसीएमआर के प्रजनन जीव विज्ञान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य प्रभाग की बाह्य अनुसंधान गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए महिला स्वास्थ्य पर परियोजना समीक्षा समूह (पीआरजी) का सदस्य; 23 नवंबर, 2017 को नई दिल्ली स्थित भारतीय आवास केंद्र में दिवंगत अभिनेत्री मीना कुमारी के जीवन पर आधारित "जीवन, तनाव और प्रतिकूलताओं" पर पैनल चर्चा; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 28 नवंबर, 2018 को टेली–मनोरोग और वर्चुअल नॉलेज नेटवर्क ईसीएच के विस्तार को विकसित करने के लिए एक समूह का विशेषज्ञ सदस्य; बाल

यौन उत्पीड़न के पीड़ितों के लिए सहायता समूह के रूप में "चाइल्ड आर्ट के एक विश्लेषणात्मक उपकरण के रूप में चाइल्ड आर्ट के उपयोग के लिए एसओपी" के विकास का सदस्य, बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय आयोग, 20 नवंबर 2017; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 11 दिसंबर 2017 को मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 2017 के तहत बनाए जाने वाले नियमों और विनियमों पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय परामर्श के सदस्य; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की निगरानी के लिए राष्ट्रीय सूचना और निगरानी प्रणाली और डैशबोर्ड के लिए एक रोड मैप तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह का सदस्य, 18 दिसंबर 2017; 21 दिसंबर 2017 को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बहुत छोटे बच्चों द्वारा हानिकारक यौन व्यवहार पर परामर्श का विशेषज्ञ सदस्य; "बच्चों के विरुद्ध साइबर अपराध और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए जांच के तरीके" के राष्ट्रीय परामर्श का सदस्य, जो निर्णय लेने और संबंधित टीमों के लिए एक तैयार संदर्भ के रूप में सेवा करने में सक्षम होंगे, साइबर शांति फाउंडेशन, 23 दिसंबर 2017; 29 दिसंबर 2017 को दिल्ली सचिवालय में प्रमुख सचिव, एच एंड एफडब्ल्यू, जीएनसीटीडी की अध्यक्षता में राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (एसएमएचए) की वार्षिक बैठक के विशेषज्ञ सदस्य; सीएसए की रोकथाम और प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए बैठक के विशेषज्ञ सदस्य, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के समक्ष 23 जनवरी 2018 को स्वास्थ्य कर्मियों के लिए एक मैनुअल; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा भारत के "मानसिक स्वास्थ्य प्राथमिक चिकित्सा" (एमएचएफए) पर चर्चा करने और विकसित करने के लिए कोर समूह के विशेषज्ञ सदस्य, 30 जनवरी 2018; इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा ब्लू व्हेल गेम / वर्चुअल ऑनलाईन गेम पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आदेश देने से संबंधित विशेषज्ञ की राय; प्रबंध सदस्य विकलांगों की उपस्थिति में भाग लेने के लिए: 14–15 दिसंबर 2017 को डब्ल्यूएचओ द्वारा समर्थित आईसीएमआर द्वारा समर्थित सहायक प्रौद्योगिकियों की भूमिका, दिल्ली के परवसिभारती कला केंद्र; सीएमईटी, एम्स के समन्वय में इन–सर्विस नर्स (एएनएस और डीएनएस) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करने के लिए अध्यक्ष और कई बैठकें आयोजित की गईं।

प्रोफेसर नंद कुमार इंडो–यू.एस. के लिए चयन समिति (एससी) के सदस्य थे। केआईआरएएन कार्यक्रम के तहत एसटीईएमएम (डब्ल्यूआईएसटीईएमएम) घटक में महिलाओं के लिए फैलोशिप; विकलांगों और बुजुर्गों के लिए कार्यक्रम प्रौद्योगिकी उपचार के लिए कार्यक्रम सलाहकार और निगरानी समिति (पीए और एमसी) के सदस्य, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा; एनसीआई–एम्स के लिए नए बनाए गए संकाय पदों के भर्ती नियमों के बारे में समिति के सदस्य।

आचार्य ममता सूद इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकेट्री के सहायक महासचिव थी।

27–28 मार्च 2018 को एम्स, नई दिल्ली में **डॉ सुजाता सतपथी** को मनोवैज्ञानिक ट्रामा पर प्रथम राष्ट्रीय कॉन्क्लेव के आयोजन सचिव थे, बाल संरक्षण, और मानसिक बीमारी: अनुसंधान, प्रशिक्षण और सेवा प्रावधान

डॉ. रमन दीप पट्टनायक को डीएसटी–एसआरबी अर्ली करियर रिसर्च अवार्ड योजना, 2017 के तहत "बायपोलरी विकार में लिथियम प्रतिक्रिया के बायोमार्कर" नामक कार्य के लिए अनुसंधान निधि से सम्मानित किया गया; कोआथोरेड और सह–पर्यवेक्षित शोध कार्य ने इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन (आईएसएएम) के 19वें वार्षिक सम्मेलन में एनआईडीए–आईएसएएम बेस्ट पेपर अवार्ड जीता; जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर (जेएमएचएचबी) के एसोसिएट एडिटर, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी, उत्तरी क्षेत्र के आधिकारिक जर्नल।

डॉ कौशिक सिन्हा देब, संयोजक, वेबसाइट समिति, भारतीय मनोचिकित्सा समिति, 2018–2020

डॉ. रोहित वर्मा जर्नल के सहायक संपादक थे– अप्रैल 2016 में परियोजना के लिए एक सह–अन्वेषक के रूप में "एशियन जर्नल ऑफ. कॉग्निटिव न्यूरोलॉजी"; एम्स इंट्रामुरल अवार्ड प्राप्त हुआ, जिसका शीर्षक था "प्रथम वर्ष के मेडिकल स्नातक छात्रों में नींद पैटर्न, कथित तनाव और मैथुन रणनीतियों का संभावित अध्ययन" और इस परियोजना के लिए सिद्धांत अन्वेषक के रूप में जारी रहे। अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी और क्वांटिटेटिव इलेक्ट्रो–एन्सेफैलोग्राफिक स्पेक्ट्रल विश्लेषण के पास कैटेनिया में कार्यात्मक का उपयोग करके मस्तिष्क सक्रियण"; ट्रैवल अवार्ड, पार्किंसंस डिजीज एंड मूवमेंट डिज्ऑडर, 2017 के 17 मार्च 2017 को ताइपेई, ताइवान में आयोजित 3 जी ताइवान इंटरनेशनल कांग्रेस में अंतर्राष्ट्रीय पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिज्ऑडर सोसाइटी एशिया ओशिनिया सेक्शन (एमडीएस–एओएस) से प्राप्त किया गया; इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री (आईएएसपी) की फेलोशिप; आईपीएसएनजैड, 2017 में 2 सर्वश्रेष्ठ पोस्टर से सम्मानित किया गया: टॉरेट सिंड्रोम के उपचार के लिए कम आवृत्ति दोहराए जाने वाले चुंबकीय चुंबकीय उत्तेजना: तीन महीने के अनुवर्ती के साथ एक प्राकृतिक अध्ययन; ईसीटी में तकनीकी विशेषज्ञ कृ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, 2017 के लिए विकसित ईसीटी दिशानिर्देश; विकलांगता मूल्यांकन के लिए तकनीकी विशेषज्ञ – सामाजिक

न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (दिव्यांगजन) के लिए विकलांगता अधिनियम 2016 के साथ नियमों के गठन के लिए कोर समिति के सदस्य; सामुदायिक सेवा / शिविर–एक चिकित्सा शिविर में भाग लिया; कारगिल, लद्दाख, जुलाई 2017; मोबाइल ऐप विकास– गंभीर मानसिक बीमारी के रोगियों और देखभाल करने वालों के लिए एक मोबाइल ऐप का विकसित और परीक्षण; कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आईआईआईटीडी, नई दिल्ली के सहयोग से; सार्वजनिक व्याख्यान – सिज़ोफ्रेनिया; निम्नलिखित के लिए योगदान दिया गयाः ब्रेन मैपिंग सुविधा का उन्नयन–एफएनआईआरएस प्रणाली मस्तिष्क मैपिंग के लिए एक अत्याधुनिक सुविधा के विकास के लिए मौजूदा क्यूईईजी प्रणाली में जोड़ा गया, ईसीटी क्लिनिक का उन्नयन – ईसीटी के कामकाज में डेटा संग्रह में सुधार; ईसीटी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए केटामाइन उपयोग की अतिरिक्त उपयोगिता, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से इलेक्ट्रोएन्सेफालोग्राफी के उन्नत सिग्नल विश्लेषण।

डॉ. बिचित्रा नंदा पात्रा, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री के लाइफ फैलो थे; नवंबर 2017 में एम्स, नई दिल्ली में आयोजित व्यसनी मनोरोग पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में एक फ्री पेपर सत्र ''ऐडिक्शन इन स्टूडेंट एंड यूथ'' की अध्यक्षता की।

डॉ. गगन हंस को एनएमआर विभाग, एम्स के सहयोग से परियोजना के लिए वर्ष 2017–2018 के लिए एम्स इंट्रामुरल प्रोजेक्ट ग्रांट से सम्मानित किया गया; रांची, झारखंड में इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी 2018 के 70 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में इंडियन साइकिएट्रिक सोसाइटी की सम्मानित सदस्यता से सम्मानित; बोहनीस, प्राग, सितंबर 2017 में 6वीं युवा मनोचिकित्सक नेटवर्क बैठक में भाग लेने के लिए यात्रा छात्रवृत्ति पुरस्कार (लॉजिस्टिक के कारण उपस्थित नहीं हो सके); मानसिक स्वास्थ्य और मानव व्यवहार और नैदानिक मामले की रिपोर्ट के जर्नल के लिए सहकर्मी समीक्षक के रूप में सेवा की; व्यसन मनोरोग के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन, नवंबर 2017 के आयोजन समिति के सदस्य; सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में मनोरोग में IX सेमेस्टर के एमबीबीएस छात्रों की पूर्व–व्यावसायिक परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित; एम्स में नए शामिल स्नातकोत्तर छात्रों के मनोरोग मूल्यांकन के लिए मेडिकल बोर्ड में सेवा की; व्यसन मनोरोग विज्ञान के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन, नवंबर 2017 में निःशुल्क पेपर सत्र; बच्चों के लिए मनोवैज्ञानिक आघात, बाल संरक्षण, और प्रशिक्षण, अनुसंधान और सेवा प्रदान करने में मानसिक बीमारी दिशाओं पर पहले राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में "बच्चों पर आपदा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव के प्रबंधन के लिए टीएफ–सीबीटी" शीर्षक से संगोष्ठी, मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. रेणु शर्माः दिनांक 27–28 मार्च 2018, परिसर – एम्स, नई दिल्ली में ''मनोवैज्ञानिक ट्रामा (आघात), बाल संरक्षण और मानसिक स्वास्थ्य" (सह–आयोजन सचिव) पर दो दिनों का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा द्वारा 44वें एनएसीआईएसीपी 2018 और स्वर्ण जयंती सम्मेलन पर आयोजित एक निःशुल्क पेपर सत्र की अध्यक्षता कीः 6–8 मार्च, एम्स, नई दिल्ली में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार जीता, ऑल इंडिया रेडियो के कार्यक्रम "आधारआकाश" पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. तेज के. भाटिया, आचार्य, भाषा विज्ञान और संज्ञानात्मक विज्ञान, चांसलर के असाधारण अकादमिक उत्कृष्टता आचार्य, संकाय फैलो, फोरेंसिक विज्ञान और राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान, चयनित, अध्यक्ष,, अंतर्राष्ट्रीय एसोसिएशन ऑफ वर्ल्ड इंगलिशेस; एडिटर इन चीफ, ब्रिल रिसर्च पर्सपेक्टिव्स ऑन मलटीलिंगुलिज्म एंड सेकेंड लैंग्वेज ऐक्यूजीशन, सिरैक्यूज विश्वविद्यालय, सिरैक्यूज, न्यूयॉर्क, यूएसए।

9-35 i|Yeksujh fpfdRlk ,oa fuæk fodkj

fun'kd
रणदीप गुलेरिया

vkpk;Z ,oa v/;{k
जी.सी. खिलनानी

vkpk;Z
अनंत मोहन

lgk;d vkpk;Z
करण मदन विजय हड्डा

शिक्षा

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विभाग द्वारा आयोजित

1. एम्स पल्मोक्रिट2017 एम्स, 13–16 अप्रैल 2017
2. एम्स पल्मोक्रिट 2018, 29 मार्च –1 अप्रैल2018

दिए गए व्याख्यान

रणदीप गुलेरियाः 7 **अनंत मोहनः 23** **विजय हड्डाः 13**
जी.सी. खिलनानीः 16 **करण मदानः 27**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली में सांस से जुड़ी परेशानियों के लक्षणों पर बाहरी वायु प्रदूषण का प्रभावरू एक बहुकेंद्रित अध्ययन, रणदीप गुलेरिया, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2017–2018 22–28 लाख रुपए।
2. ब्रोन्किइक्टेसिस के रोगियों में डिस्पनेया, मांसपेशियों की क्षमता, मार्कर और जीवन की गुणवत्ता पर योग और ध्यान का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, रणदीप गुलेरिया,एसएटीवाईएएम, 3 साल 2017–2020, 55–84 लाख
3. रोगजनन में ईटीएस–1 और टीएच1 की मध्यस्थता बायोमार्कर की भूमिका और सारकॉइडोसिस के साथ रोगियों में उपचार की प्रतिक्रिया का आकलन, रणदीप गुलेरिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 62–44 लाख रुपए ।
4. आरएनटीसीपी श्रेणी 1 पल्मोनरी तपेदिक, कैडिला फार्मास्यूटिकल्स के साथ वयस्क रोगियों में सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक खुला लेबल, यादृच्छिक, सक्रिय नियंत्रण, नैदानिक परीक्षण, रणदीप गुलेरिया, 2 वर्ष, 2017–2019, 30 लाख रुपये।
5. दिल्ली वायु प्रदूषणः स्वास्थ्य संबंधी प्रभाव (डीएपीएचएनई), रणदीप गुलेरिया, डीबीटी, 3 साल, 2017–2020, 1.5 करोड़ रुपये
6. उत्तर भारत के मोटे बच्चों में मोटापे से होने वाले नींद की कमी से जुड़ी समस्या के आनुवांशिक और हार्मोनल निर्धारक, रणदीप गुलेरिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 75–83 लाख रुपये
7. बच्चों में वायु प्रदूषण, रणदीप गुलेरिया, फाइजर, 1 वर्ष, 2018, 62 लाख रुपए
8. बच्चों में ओएसए, रणदीप गुलेरिया, डीबीटी 5 साल, 2014–2019, 90 लाख रुपये
9. गैर–छोटी कोशिका फेफड़ों के कैंसर रोगियों के जीव विज्ञान को समझने के लिए आनुवांशिक परिवर्तनों का उन्मूलन, अनंत मोहन, डीबीटी, 3 साल, 2015–2018, 25 लाख रुपये।

10. अस्थमा–चरण 3 के रोगियों में मोमेटेसनफ्यूरेट की तुलना में क्यू.एमएफ–149 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक मल्टीकेटर, यादृच्छिक, 52–सप्ताह का उपचार, डबल ब्लाइंड, ट्रिपल डमी, समानांतर–समूह अध्ययन, अनंत मोहन, नोवार्टिस, 2 वर्ष 2 साल , 2016–2018, 10 लाख रुपए।
11. मॉडरेटर द्वारा सीओपीडी के साथ अस्पताल में संरचित पल्मोनरी पुनर्वास कार्यक्रम के बाद क्लिनिकल परिणामों का व्यापक मूल्यांकन सीओपीडी और फील्ड–स्तरीय कार्यान्वयन के लिए रणनीति, अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 साल, 2018–2021, 35.5 लाख रुपये
12. एचआईवी सह–संक्रमण के साथ सक्रिय और अव्यक्त टीबी में उपन्यास बायोमार्कर की पहचान अनंत मोहन, डीबीटी, 3 साल, 2017–2020, 1.82 करोड़ रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रतिरक्षा कोशिका रोग और अस्पताल के जोखिम ने गंभीर रूप से बीमार रोगियों में सेप्सिस से संक्रमण का अधिग्रहण किया
2. सहज श्वास परीक्षण के दौरान डायाफ्राम की अल्ट्रासोनोग्राफिक विशेषताएं
3. सांस लेने के दौरान फेफड़ों में होने वाली समस्यात
4. ल्यूकोसाइट्स की विशेषता और सेप्सिस के रोगियों में समस्याय की जानकारी
5. निष्क्रिय पल्मोनरी एस्परगिलोमा के लिए इंट्राब्रोनियल वोरिकोनाज़ोल की प्रभावकारिताः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी समस्याए और स्वास्थ्य नियंत्रण के मरीजों में अल्ट्रासोनोग्राफी और सर्वाइकल मैग्नेटिक फ्रेनिक नर्व स्टिमुलेशन द्वारा डायाफ्रामिक फंक्शन का आकलन : एक तुलनात्मक अध्ययन
7. तृतीयक देखभाल केंद्र में फेफड़ों के कैंसर वाले रोगियों में क्लिनिक–पैथोलॉजिकल प्रोफ़ाइल और परिणामों का एक अवलोकन अध्ययन
8. ईबीयूएस टीवीएनए के दौरान क्रमिक सक्शन दबावों का उपयोग करके नैदानिक उपज की तुलना
9. कठोर मिनी थोरैकोस्कोपी बनाम अर्ध–कठोर थोरैकोस्कोपी में अपरिवर्तित स्त्रावी फुफ्फुस बहावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. सक्रिय और अव्यक्त तपेदिक को अलग करने के लिए टी कोशिकाओं पर सीडी 27 अभिव्यक्ति का विश्लेषण करने के लिए अध्ययन
11. हरियाणा के एक ग्रामीण क्षेत्र में बुजुर्ग व्यक्तियों में पुरानी सांस की बीमारियों और संबंधित कारकों का अध्ययन
12. गैर–सिस्टिक फाइब्रोसिस ब्रोन्किइक्टेसिस वाले रोगियों में फुफ्फुसीय पुनर्वास का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
13. क्लिनिकल प्रोफाइल और ग्रैनुलोमेटस लिम्फैडेनाइटिस के उपचार के परिणाम
14. केंद्रीय वायुमार्ग अवरोध के लिए विभिन्न पारंपरिक प्रक्रियाओं के बाद परिणामों का अध्ययन
15. तृतीयक देखभाल केंद्र में फेफड़े के कैंसर के रोगियों में क्लिनिको–पैथोलॉजिकल प्रोफाइल और परिणामों का एक अवलोकन अध्ययन
16. सीओपीडी रोगी और सिगरेट के धुएं और बायोमास अर्क मॉडल में नेफ 2 सिग्नलिंग मार्ग के माध्यम से फेफड़े के रोगों में पॉलीमाइन की भूमिका और सेलुलर तनाव और एपोप्टोसिस की मध्यस्थता
17. सारकॉइडोसिस के रोगियों में रोगजनन और रोग की प्रगति में ईटीएस –1 और टी हेल्पर साइटोकिन्स की भूमिका
18. उन्नत फेफड़े के एडेनोकार्सिनोमा वाले रोगियों के सीरम में एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) जीन म्यूटेशन और जीन अभिव्यक्ति का पता लगाने के नैदानिक प्रभाव
19. सेप्सिस के रोगियों में अस्थि संबंधी मांसपेशी के सोनोग्राफिक मूल्यांकन का एक संभावित अध्ययन
20. सारकॉइडोसिस और तपेदिक में माइकोबैक्टीरियल प्रतिजन विशिष्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का तुलनात्मक मूल्यांकन
21. अतिरिक्त पल्मोनरी तपेदिक रोगियों के मूत्र में बायोमार्कर के रूप में विभेदित प्रोटीन की पहचान और मूल्यांकन
22. कठोर मिनी थोरैकोस्कोपी बनाम अर्ध–कठोर थोरैकोस्कोपी में अपरिवर्तित स्त्रावी फुफ्फुस बहावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
23. वायुमार्ग उपनिवेशन और एंडोट्रैचियल ट्यूब बायोफिल्म के वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया के गतिशील संबंध का अध्ययन
24. मध्यम से गंभीर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के रोगियों में अल्ट्रासाउंड और श्वसनमापी का उपयोग करके ट्रांस डायफ्रामिक दबाव (पीडीआई) जानने के लिए नियम का विकास और सत्यापन।
25. नाक के लचीले ब्रोन्कोस्कोपी के दौरान ज़ाइलोमेटाज़ोलिन प्रशासन का प्रभावः एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो–नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के विभिन्न स्तरों द्वारा अल्ट्रासोनोग्राफिक अस्थि संबंधी मांसपेशी मोटाई माप की विश्वसनीयता
2. वायुमार्ग उपनिवेश और वीएपी की घटना में सबग्लोटिक सक्शन ड्रेनेज बनाम मानक एंडोट्रैचियल ट्यूब के साथ एंडोट्रैचियल ट्यूब की तुलना
3. गैर–सिस्टिक फाइब्रोसिस ब्रोन्किइक्टेसिस वाले रोगियों में फुफ्फुसीय पुनर्वास का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. वायुमार्ग उपनिवेशण और वीएपी की घटना में सबग्लोटिक सक्शन ड्रेनेज बनाम मानक एंडोट्रैचियल ट्यूब के साथ एंडोट्रैचियल ट्यूब की तुलना

5. सीओपीडी तीव्रता के लिए एनआईवी–नासा बनाम एनआईवी–पीएस
6. तीव्र सीओपीडी के रोगियों में वेंटीलेटर से संबंधित निमोनिया के पूर्वानुमान और अल्पावधि और 3 महीने के परिणाम पर इसका प्रभाव
7. आईसीयू में सोना
8. कार्डियक सहित सारकॉइडोसिस रोगियों के लिए व्यापकता और नैदानिक प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना
9. फुफ्फुसीय सारकॉइडोसिस वाले रोगियों में निदान और उपचार में प्रतिक्रिया में कुल एंटीबायोटिक स्थिति की भूमिका
10. वायुमार्ग उपनिवेशण और वीएपी की घटनाओं में मानक एंडोथ्रिकल ट्यूब के साथ सबग्लोटिक सक्शन जल निकासी के साथ इंडोट्रैचियल ट्यूब की तुलना
11. सीओपीडी के साथ तीव्र उत्थान के रोगियों में वेंटीलेटर से जुड़े निमोनिया के पूर्वानुमान और अल्पावधि और 3 महीने के परिणाम पर इसका प्रभाव

सहयोगात्मक परियोजनाएं

चालू

1. भारत में व्यावसायीकरण के लिए सक्रिय तपेदिक (टीबी) के सभी रूपों के लिए रक्त परीक्षण, प्रयोगशाला चिकित्सा
2. माइकोबैक्टीरियम तपेदिक संक्रमण, प्रयोगशाला चिकित्सा पर मेजबानों में सहिष्णुता के तंत्र को समझने के लिए ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण
3. त्वचा, प्रयोगशाला चिकित्सा से तपेदिक का पता लगाने के लिए सेंसर
4. विट्रो डायग्नोस्टिक्स में प्रयोगशाला चिकित्सा में उच्च आत्मीयता एंटीबॉडी के लिए प्लेटफ़ॉर्म प्रौद्योगिकियों का विकास
5. सक्रिय तपेदिक, प्रयोगशाला चिकित्सा के लिपिड–आधारित इम्यूनोडायग्नोस्टिक्स
6. सामान्य, पल्मोनरी, ओस्टियोमाइलाइटिस और ओस्टियोआर्टिकुलर तपेदिक विषयों, आर्थोपेडिक्स के बीच साइटोकिन्स, मैट्रिक्स मेटलोप्रोटिनेज और बोन मार्करों की तुलना
7. रक्त आधारित जीन हस्ताक्षरों, ऑर्थोपेडिक्स का उपयोग करते हुए असाधारण स्थानों पर तपेदिक के विभेदक निदान की ओर
8. सीओपीडी, नोवार्टिस मरीजों में एक 12–सप्ताह का उपचार, मल्टी–सेंटर, रैंडम, डबल–ब्लाइंड, डबल–डमी, समांतर समूह का अध्ययन करने के लिए साइक्मेटेरोल / फ्लाक्टासोन से क्यूवीए 149 (इंडैकेटरोल मैलेट / ग्लाइकोप्राइरोनियम ब्रोमाइड) में परिवर्तित करने की प्रभावशीलता और सुरक्षा का आकलन करना।
9. "प्रणालीगत काठिन्य से जुड़े अंतरालीय फेफड़े की बीमारी" (एसएससी–आईएलडी) बोइहरिंगर इंगेल्हिम के साथ रोगियों की सुरक्षा में कम से कम 52 सप्ताह के लिए मौखिक रूप से उपचार के लिए एक डबल–ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण का प्रभावकारिता और मौखिक निंतेदेनिब उपचार।
10. दिल्ली में तीव्र श्वसन लक्षणों पर बाहरी वायु प्रदूषण का प्रभावः एक बहु–विषयक अध्ययन, आईसीएमआर
11. रोगज़नक़ में ईटीएस–1 और टीएव 1 की मध्यस्थता बायोमार्कर की भूमिका और सारकॉइडोसिस वाले रोगियों में उपचार के लिए प्रतिक्रिया का आकलन
12. दिल्ली वायु प्रदूषणः स्वास्थ्य संबंधी प्रभाव (डीएपीएचएनई)
13. मैसर्स फाइज़र द्वारा वित्त पोषित बच्चों के स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण का प्रभाव
14. सीओपीडी रोगी और सिगरेट के धुएं और बायोमास अर्क मॉडल में नेफ 2 सिग्नलिंग मार्ग के माध्यम से फेफड़ों के रोगों में पॉलीमाइन की भूमिका और सेलुलर तनाव और एपोप्टोसिस की मध्यस्थता
15. उन्नत फेफड़ों के एडेनोकार्सिनोमा वाले रोगियों के सीरम में एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) जीन परिवर्तन और जीन अभिव्यक्ति का पता लगाने के नैदानिक प्रभाव
16. सेप्सिस के रोगियों में अस्थि संबंधी मांसपेशी के सोनोग्राफिक मूल्यांकन का एक संभावित अध्ययन
17. सारकॉइडोसिस और तपेदिक में माइकोबैक्टीरियल प्रतिजन विशिष्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का तुलनात्मक मूल्यांकन
18. कठोर मिनी थोरैकोस्कोपी बनाम अर्ध–कठोर थोरैकोस्कोपी में अपरिवर्तित स्त्रावी फुफ्फुस बहावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
19. कार्डियक भागीदारी के साथ सारकॉइडोसिस रोगियों के लिए व्यापकता और नैदानिक प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना
20. वायुमार्ग उपनिवेशण और वीएपी की घटना में मानक एंडोथ्रिकल ट्यूब के साथ सबग्लोटिक सक्शन जल निकासी के साथ इंडोट्रैचियल ट्यूब की तुलना
21. सीओपीडी एक्ससेरेबेशन के लिए एनआईवी–नोवा बनाम एनआईवी–पीएस
22. सीओपीडी के साथ तीव्र उत्तेजना के रोगियों में वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया के संकेत और अल्पावधि और 3 माह में परिणाम पर इसका प्रभाव
23. वायुमार्ग उपनिवेशन और एंडोट्रैचियल ट्यूब बायोफिल्म के वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया के गतिशील संबंध का अध्ययन करने के लिए
24. मध्यम से गंभीर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव फुफ्फुसीय रोग के रोगियों में अल्ट्रासाउंड और श्वसनमापी का उपयोग करके ट्रांस डायफ्रामिक दबाव (पीडीआई) जानने के लिए नियम का विकास और सत्यापन।

25. नाक के लचीले ब्रोन्कोस्कोपी के दौरान ज़ाइलोमेटाज़ोलिन प्रशासन का प्रभावः एक डबल ब्लाटइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो–नियंत्रित परीक्षण
26. आईसीयू में सोना
27. सीओपीडी रोगी और सिगरेट के धुएं और बायोमास एक्सट्रैक्ट मॉडल में नेफ 2 सिग्नलिंग मार्ग के माध्यम से फेफड़ों के रोगों में पॉलीमाइन की भूमिका और सेलुलर तनाव और एपोप्टोसिस की मध्यस्थता
28. सरकोइडोसिस वाले रोगियों में रोगजनन और रोग की प्रगति में ईटीएस –1 और टी हेल्पर साइटोकिन्स की भूमिका
29. उन्नत फेफड़े के एडेनोकार्सिनोमा वाले रोगियों के सीरम में एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर) जीन परिवर्तन और जीन अभिव्यक्ति का पता लगाने के नैदानिक प्रभाव
30. फुफ्फुसीय सारकॉइडोसिस वाले रोगियों में निदान और उपचार के लिए कुल एंटीऑक्सिडेंट स्थिति की भूमिका
31. सेप्सिस के रोगियों में अस्थि संबंधी मांसपेशी के सोनोग्राफिक मूल्यांकन का एक संभावित अध्ययन
32. सारकॉइडोसिस और तपेदिक में माइकोबैक्टीरियल एंटीजन विशिष्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का तुलनात्मक मूल्यांकन
33. अतिरिक्त–फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों के मूत्र में बायोमार्कर के रूप में विभेदित प्रोटीन की पहचान और मूल्यांकन
34. कठोर मिनी थोरैकोस्कोपी बनाम अर्ध–कठोर थोरैकोस्कोपी बनाम अपरिग्रहित फुफ्फुस बहावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
35. तपेदिक रोगियों, जैव प्रौद्योगिकी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर टाइप 1–इंटरफेरॉन के प्रतिरक्षात्मक प्रभाव का अध्ययन

पूर्ण

1. अनियंत्रित फुफ्फुस बहाव में अर्ध–कठोर थोरैकोस्कोपी की नैदानिक उपज
2. एस्परगिलस की व्यापकता ब्रोन्कियल अस्थमा के रोगियों में बढ़ने वाली अतिसंवेदनशीलता।
3. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के साथ मोटापे से ग्रस्त रोगियों में नाइट्रिक ऑक्साइड (फेनो) का आंशिक उत्सर्जन
4. हेमटोपोइएटिक स्टेम कोशिका प्रत्यारोपण के बाद फुफ्फुसीय जटिलताएं

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 44 **सारः 6** **पुस्तकों में अध्यायः 3**

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट घटनाएं

प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया ने स्लीप मेडिसिन और एनसीडी, दूसरे जम्मूफ और कश्मीर मेडिकल साइंस कांग्रेस और एमपी पीसीओएस सोसाइटी की पहली वार्षिक बैठक, 11–13 मई 2017, शेर–ए–कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी), श्रीनगर, एनआईआरटी में अव्यक्त टीबी संक्रमण, 29 और 30 जून 2017 को एनआईआरटी, चेन्नई में तकनीकी परामर्श में भाग लिया, 8 जुलाई 2017 को 23 वें एनईएससीओएन–2017 के उद्घाटन समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में भाग लिया, एरंगल बीच, मड आइलैंड, मुंबई; श्रीलंका के कॉलेज ऑफ पल्मोनोलॉजिस्ट के वार्षिक शैक्षणिक सत्रों में भाग लिया– "रिस्पांस 9" 6–8 जुलाई 2017 को कोलंबो में आयोजित संसाधन व्यक्ति के रूप में, 16 जुलाई 2017, देहरादून में देहरादून चेस्ट फोरम द्वारा आयोजित "अस्थमा और सीओपीडी का प्रबंधन" पर सीएमई में भाग लिया, 17 जुलाई 2017 को इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में मूल्यांकन बोर्ड की सहायता के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त; बी.पी. कोइराला मेमोरियल ओरेशन अवार्ड 2017 मिला और 9 सितंबर 2017 को बी.पी. कोइराला मेमोरियल ओरेशन एंड ग्रेस में 97वें बी.पी. जयंती में बीपीकेआई, धरान, नेपाल में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, पीएचडी हाउस, नई दिल्ली में 17 सितंबर को 13 वें विश्व हृदय दिवस समारोह के मुख्य अतिथि; 7 अक्टूबर 2017 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के वार्षिक अनुसंधान दिवस में सम्मानित अतिथि; चेस्टक–2017 वार्षिक बैठक के दौरान एक पेपर प्रस्तुत किया, 27–31 अक्टूबर 2017 को टोरंटो, ओंटारियो, कनाडा में डॉ. पी.के. सेन टीएआई गोल्ड मेडल ओरेशन पुरस्कार, क्षय रोग और छाती रोगों पर वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (एनएटीसीओएन), 15–17 दिसंबर 2017, राजमुंद्री, आंध्र प्रदेश, संस्थान दिवस ओरेशन, आईजीआईएमएस, पटना, 12 फरवरी 2018, जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में भाग लिया, 1–4 नवंबर 2017, अंडालूशिया, स्पेन, 15 नवंबर, 2017 को महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसेज, नासिक के 17 वें दीक्षांत समारोह में पुरस्कार और डिग्री प्रदान करने वाले मुख्य अतिथि, पल्मोनरी डिजीज (एनएपीसीओएन) का 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन, 16–19 नवंबर 2017, कोलकाता, नेनोबायोटेक 2017, त्रिवेंद्रम, 6 दिसंबर 2017 को उद्घाटन करने वाले अतिथिगण; मुख्य अतिथि, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ में 24 दिसंबर 2017 को 113वें स्थापना दिवस समारोह, 28 और 29 दिसंबर 2017 को कोलकाता में एएपीआई ग्लोबल हेल्थकेयर समिट –2017 के वैज्ञानिक सत्र की शुरुआत; भारत में 7 जनवरी 2018 को बीमारी नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) के साथ इण्डो यूएस इमरजेंसी समिट, इमरजेंसी विभाग, एम्सक और एम्स् की एक संयुक्त पहल– भारत में एकेडमिक ऑर्गेनाइज्ड मेडिसिन– एकेडमिक गिल्ड ऑफ इंडिया; 6 फरवरी 2018 को खड़गपुर में चिकित्सा विज्ञान में प्रौद्योगिकी के उचित उपयोग के लिए आईआईटी खड़गपुर के साथ एक संभावित सहयोग के लिए आईआईटी, खड़गपुर के साथ बैठक में भाग लिया, कोयंबटूर में 9–11 फरवरी 2018 से ब्रोंकोलॉजी और इंटरवेंशनल पल्मोनरी (ब्रोंकोन 2018) के 23वें राष्ट्रीय

सम्मेलन में भाग लिया; 18 फरवरी 2018 को आगरा में 15वें हेल्थकेयर कार्यकारी प्रबंधन विकास कार्यक्रम में भाग लिया; 23 फरवरी 2018 को बेंगलुरु, कर्नाटक में एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन के 73वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया; 24 फरवरी 2018 को सीएसआईआर–सीडीआरआई कैम्पस, लखनऊ में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फ़ार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर), रायबरेली के चौथे दीक्षांत समारोह, 25 फरवरी 2018 को कानपुर में छाती रोग चिकित्सकों की कानपुर सोसायटी द्वारा आयोजित सीएमई सह कार्यशाला में भाग लिया, 9 मार्च 2018 को मुंबई में ईटी अस्पताल रणनीतिक प्रबंधन शिखर सम्मेलन में भाग लिया,11–13 मार्च, 2018 से बेहतर रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए कार्यक्षेत्र की देखभाल और आगे के मार्गदर्शन और तृतीयक देखभाल अस्पताल की निगरानी के लिए पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में विवेकानंद चिकित्सा संस्थान का दौरा किया; यूरोपीय संघ क्षितिज 2020 परियोजना "एसटीआरआईटीयूवीएडी''– सिलिको परीक्षण में तपेदिक टीका विकास के लिए", 19–23 मार्च 2018, कैटेनिया, इटली की बैठक में भाग लिया।

प्रोफेसर जी सी खिलनानी ने आईएससीसीएम ओरेशन, 24वीं वार्षिक कांग्रेस क्रिटिकेयर–2018, इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (वाराणसी चैप्टर), वाराणसी, 7–11 मार्च 2018 को इन सत्र में अध्यक्षता की: (1) फंगल संक्रमण, गहन देखभाल और आपातकालीन चिकित्सा पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी – सर्वश्रेष्ठ ब्रसेल्स 2017, इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (पुणे शाखा), 7–9 जुलाई 2017, (2) प्लेनरी सत्र, 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सीएमई, कार्यशाला और सम्मेलन, प्रौद्योगिकी आई ई–हेल्थकेयर का प्रभावी उपयोग, 11–13 सितंबर 2017, एम्स; (3) फेफड़े / हृदय फेफड़े परिवर्तन, 14 सितंबर 2017, एम्स पर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए पहली बैठक, (4) क्लिनिको पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस, 19वीं राष्ट्रीय सम्मेलन पल्मोनरी डिजीज, एनएपीसीओएन–2017, 16–19 नवंबर 2017।

प्रोफेसर अनंत मोहन स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे – गंभीर प्रतिकूल घटनाएँ, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (भारत), "आणविक चिकित्सा केंद्र के लिए विशेष केंद्र" की विशेष समिति के सदस्य, जेएनयू, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च इन एनवायर्नमेंटल हेल्थ, भोपाल में टास्क फोर्स के सदस्य "पर्यावरण विज्ञान", सदस्य सचिव, इंडियन चेस्ट सोसाइटी, दिल्ली–एनसीआर अध्याय, संगठित भारतीय श्वसन शिखर सम्मेलन, दिल्ली, 19–20 अगस्त 2017, 2–3 दिसंबर, 2017, दिल्ली के "बुनियादी लचीले ब्रोन्कोस्कोपी के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक" के मुख्य समन्वयक की भूमिका निभाई।

डॉ. करण मदान ने 31 जुलाई –1 अगस्त 2017 से एम्स, नई दिल्ली में "हैंड्स ऑन वर्कशॉप ऑन सैंपल साइज डिटरमिनेशन फॉर विभिन्न रिसर्च क्वेश्चन" में भाग लिया, 24 मार्च 2018 को एम्स में आयोजित विश्व टीबी दिवस संगोष्ठी में एक सत्र "अतिरिक्त–पल्मोनरी क्षय रोग में इमेजिंग की भूमिका" की अध्यक्षता की।

डॉ. विजय हड्डा ने मूल लचीली ब्रोन्कोस्कोपी के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक, जिसे एनसीसीपी, आईसीएस और इंडियन ब्रॉन्कोलॉजी सोसायटी के सहयोग से पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार विभाग द्वारा सह–आयोजित किया गया, में 2–3 दिसंबर 2017 को भाग लिया, 27–28 जनवरी 2018 को आईएससीसीएम के सहयोग से पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार विभाग द्वारा सह–संगठित आईसीयू में एंटीबायोटिक नुस्खे के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया, 19 और 20 अगस्त 2017 से पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार विभाग द्वारा पल्मोनरी फंक्शन टेस्टिंग को–वर्कशॉप, 20 अगस्त 2017 को भिवानी, हरियाणा में ब्रोंकोस्कोपी कार्यशाला, एम्सऔ पल्मोक्रिट 2018, पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार विभाग द्वारा सह–संगठित, 29 मार्च –1 अप्रैल 2018 से पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार विभाग द्वारा उन्नत मैकेनिकल, सह–संगठित पर एम्स–चेस्ट कार्यशाला, एनएपीसीओएन 2017 के दौरान श्वसन संबंधी आपातकालीन देखभाल कार्यशाला, 23 फरवरी 2018 को बेंगलुरु में एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन द्वारा एपीआईसीओएन 2018 के दौरान एनआईवी और ऑक्सीजन थेरेपी पर कार्यशाला आयोजित की गई।

9-36 fofdj.kfunku

vkpk;Z ,oa v/;{k

अरूण कुमार गुप्ता

vkpk;Z

दीप नारायण श्रीवास्तव
राजू शर्मा
संजय थुलकर (आई.आर.सी.एच.)
संजय शर्मा (आर.पी.सी.)
आशु सेठ भल्ला
स्मृति हरि
शिवानन्द गामनगट्टी (ट्रॉमा केन्द्र)
अतिन कुमार (ट्रॉमा केन्द्र)

lg&vkpk;Z

चन्दन जे. दास
मधुसुधन के.एस.
सुरभि व्यास
मनीषा जैना
देवासेनाथीपथी कण्डासामी
चन्द्रशेखर एस.एच. (आई.आर.सी.एच.)

lgk;d vkpk;Z

स्मिता मनचंदा
अंकुर गोयल
प्रियंका नारंजी
एकता धमीजा (आई.आर.सी.एच.)
मुकेश यादव (आई.आर.सी.एच.)

oSKkfud&IV

शशि बी. पॉल

eq[; rduhdh vf/kdkjh

श्रीमती कविता तनेजा

fof'k"Vrk,a

विभागीय संकाय सक्रिय रूप से रोगी देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान में लगा हुआ था। विभाग ने विभिन्न इमेजिंग प्रक्रियाओं के लिए प्रतीक्षा अवधि को कम करने के लिए एक ठोस और सफल प्रयास किया। सभी जांचों की रिपोर्टिंग वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक है और कार्य–स्थलों पर की जाती है। संकाय सदस्यों ने विभिन्न सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 200 से अधिक व्याख्यान दिए। संकाय सदस्य सक्रिय रूप से अनुसंधान में शामिल थे, और प्रकाशित हुए विभिन्न अनुक्रमित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 117 प्रपत्र और रेडियोलॉजी की पाठ्यपुस्तकों में 25 अध्यायों का योगदान दिया। उन्होंने रेडियोलॉजी पर दो पुस्तकों का संपादन भी किया। भारत और विदेशों में विभिन्न सम्मेलनों में लगभग 59 पोस्टर और मौखिक पेपर प्रस्तुत किए गए थे। विभाग के संकाय सदस्य 7 **वित्तपोषि**त परियोजनाओं में मुख्य जांचकर्ता थे (डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ रिसर्च, आईसीएमआर और डीएसटी और चार इंट्रामुरल रिसर्च प्रोजेक्ट्स में से एक)। इसके अलावा, वे 32 पूर्ण और चल रही विभागीय परियोजनाओं और अन्य नैदानिक विभागों के साथ सहयोगी 98 परियोजनाओं में शामिल थे। विभाग ने इस अवधि के दौरान 4 सीएमई आयोजित किए जिसे देश भर के प्रतिनिधियों द्वारा बहुत अच्छी तरह से प्राप्त किए गए और भाग लिए।

शिक्षा

स्नातकपूर्व

विभाग के संकाय स्नातक छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे। इस अवधि में संकाय द्वारा उनके लिए कुल 60 व्याख्यान किए गए।

स्नातकोत्तर

एमडीः इस अवधि के दौरान विभाग में कुल 25 जूनियर रेजिडेंट थे, जिनमें 8 नए निवासी भी शामिल थे जो विभाग में शामिल हुए थे। स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों में लगभग 35 सेमिनार, 35 जर्नल क्लब, 70 मामले चर्चा, 70 दिलचस्प फिल्म सत्र और 80 व्याख्यान कक्षाएं शामिल थीं।

विभाग ने इस अवधि के दौरान देश भर से कुल 6 रेडियोलॉजिस्टों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

बीएससी (ऑनर्स) मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी (एमटीआर)
यह कोर्स तीन साल की अवधि का है, और कुल 29 छात्र यह कोर्स कर रहे हैं।

सीएमईएस/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
सीएमई का आयोजन :

1. "कंबाइंड अल्ट्रान्सोग्राफ़िक और फ्लोरोस्कोपिक उपचार" पर, 8–9 अप्रैल 2017 को दूसरा एम्स इंटरवेंशनलरेडियोलॉजी कोर्स
2. "अंतरालीय फेफड़ों के रोगों" पर, 5–6 अगस्त 2017 को एम्स रेडियोलॉजी कोर्स
3. क्लिनिकल हेड एंड नेक रेडियोलॉजी : केस–आधारित दृष्टिकोण, 9 दिसंबर 2017
4. "पेट की एमआर इमेजिंग पर अपडेट" पर 3–4 फरवरी 2018 को एम्स रेडियोलॉजी कोर्स

प्रदत्त व्याख्यान

दीप एन श्रीवास्तवः 16	**राजू शर्मा: 26**	**संजय शर्मा: 2**	**आशु सेठ भल्लाः 35**
स्मृति हरिः 10	**अतीन कुमारः 16**	**शिवानंद गामनगट्टीः 9**	**चंदन जे दासः 8**
मधुसूदन के. एसः 10	**सुरभि व्यासः 5**	**मनीषा जैनाः 7**	**स्मिता मनचंदाः 12**
देवसेनाथिपथि कंदासामीः 13	**प्रियंका नारंजीः 16**	**अंकुर गोयलः 14**	**शशि पॉलः 1**

मौखिक पत्र /पोस्टर प्रस्तुत : 59

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. मेडिकल इमेजिंग का उपयोग करके सहयोगात्मक डिजिटल डायग्नोसिस सिस्टम (कोलाबडीडीएस) का पायलट कार्यान्वयन, , अरुण कुमार गुप्ता, डीएचआर, 3 वर्ष, 2016–2018, 49.37 लाख रुपए
2. नेक मासेज की विशेषज्ञता में एमआर छिड़काव की वृद्धि की भूमिका का मूल्यांकन, स्मिता मनचंदा, एम्स, 2 साल, 2016–2018 1 लाख रुपए
3. उलनार नर्व के हंसन रोग के मूल्यांकन में भूमिका डीटीआई, चंदन जे दास, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017–2019, 8.26 लाख रुपए
4. वृक्क प्रत्यारोपण रोगी में गुर्दे की तीव्र क्षारीयता का आकलन करने के लिए डिफ्यूजन टेन्सर इमेजिंग (डीटीआई), चंदन जे दास, डीएसटी, 2 वर्ष, 2017–19, 23.38 लाख रुपए
5. क्षय रोग बनाम सार्कोइडोसिस के संदिग्ध रोगियों में मीडियास्टिनल और हिलर लिम्फ नोड्स के विभेदकों में एमआरआई की भूमिका, प्रियंका नरंजी , एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018 2.12 लाख रुपए

पूर्ण

1. शुरुआती पोस्ट–ऑपरेटिव अवधि में कंट्रास्ट–अल्ट्रासाउंड और इलास्टोग्राफी द्वारा ग्राफ्ट किडनी का मूल्यांकन, अंकुर गोयल, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 5 लाख रुपऐ
2. दर्दनाक प्लीहा चोटों में प्लीहा धमनी एम्बोलाईजेशन की प्रभावकारिता, सुरक्षा और परिणाम का मूल्यांकन, अतिन कुमार, एम्स, 2 साल, 2015–2017, 5 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट थेरेपी के बाद अवशिष्ट ट्यूमर भार के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका
2. कम पीठ दर्द में उन्नत इमेजिंग और इमेज निर्देशित उपचार
3. स्पष्ट तौर पर अज्ञातहेतुक अंतरालीय फेफड़ों के रोगों के निदान में एचआरसीटी की भूमिका
4. प्रसूति संबंधी रक्तस्राव में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की भूमिका

5. इटियोलॉजी का निर्धारण करने में क्रॉनिक मास बनाने वाली मास्टिटिस की अल्ट्रासाउंड इमेजिंग मूल्यांकन और अल्ट्रासाउंड–निर्देशित कोर सुई बायोप्सी की भूमिका
6. अपने परिवार को पूरा कर चुके रोगियों में रोगसूचक गर्भाशय फाइब्रॉएड के लिए गर्भाशय धमनी एम्बोलिज्म बनाम उदर हिस्टेरेक्टॉमी का रैंडम जेड एड नियंत्रित परीक्षण
7. क्रोनिक कैविटी की फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस की इमेजिंग विशेषताओं की पहचान करना और टीबी सीकेले और हेमोप्टीसिस के बाद के रोगियों में डीईसीटी पर सरल एस्परगिलोमा से अंतर करना –
8. नेक मासेज की विशेषता में कंट्रास्ट वर्धित अल्ट्रासाउंड और एमआर परफ्यूज़न की भूमिका
9. शिशु ब्राचियल प्लेक्सोपैथी का इमेजिंग
10. गंभीर रूप से बीमारी में प्रारंभिक वेंटीलेटर से जुड़े निमोनिया के निदान के लिए लंग अंल्ट्रासाउंड
11. पित्त बाधा के प्रबंधन में दाएं तरफा बनाम बाएं तरफा परक्यूटेनियस पित्त जल निकासीः एक यादृच्छिक नियंत्रित अद्यतन
12. जिगर के पुरानी बीमारी के रोगियों में जिगर फाइब्रोसिस के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा की गणना टोमोग्राफी
13. नवजात / शिशु टाइल कोलेस्टेटिक यकृत रोगों के निदान, प्रोग्नोस्टिकेशन और फोलो–अप में शियर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका
14. फेफड़े के पैरेन्काइमल रोगों में विपरीत वृद्धि के साथ और इसके बिना लघु ईको समय एमआरआई (वेन–एक्सडी या गोल्डन–एंगल रेडियल अनुक्रम न्यूनतम संभव गूंज समय) की उपयोगिता का मूल्यांकन
15. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में एक बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए की भूमिका
16. बाल चिकित्सा बड चेयरी सिंड्रोम में इमेजिंग और उपचार
17. कन्ट्रास्ट इन्हैस्ड अल्ट्रासाउंड और शियर वेव इलास्टोग्राफी का उपयोग करके साफ्ट ऊतक संवहनी विसंगतियों का मूल्यांकन
18. अग्नाशय मासेज में उन्नत यूएसजी, सीटी और एमआरआई की भूमिका
19. ऊपरी अंग की चोटों के मूल्यांकन और प्रबंधन में उच्च आवृत्ति सोनोग्राफी की भूमिका
20. थाइमिक घावों की दोहरी ऊर्जा सीटी और एमआर मूल्यांकन
21. मध्यवर्ती और उच्च जोखिम प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपारामेट्रिक एमआरआई और जीए–68 पीएसएमए पीईटी स्कैन की भूमिका
22. प्राथमिक अतिपरजीविता (एचपीटी) वाले रोगियों में पाराथयरायड घावों के लोकालाइजेशन में 4डी सीटी, 4डी एमआरआई और 4डी फ्लूरोकोलिन पीईटी की तुलना
23. तीव्र दर्दनाक गर्भाशय ग्रीवा की चोट में एमआरआई की नैदानिक और रोगसूचक भूमिका

पूर्ण

1. कोहनी के पुराने दर्द का एमआरआई मूल्यांकन
2. छोटी आंत के अल्सर कंस्ट्रीक्टिव रोगों में एमआर इंटरोग्राफी की भूमिका
3. एंडोमेट्रियल पैथोलॉजी के आकलन में शियरवेव इलास्टोग्राफी और मल्टीपरामेट्रिक एमआरआई की भूमिका
4. कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा में कीमोरेडिएशन की प्रतिक्रिया का आकलन करने में छिड़काव सीटी की भूमिका
5. बेसलाइन, अंतरिम में पीईटी / सीटी बनाम सीईटी का मूल्यांकन , और बाल चिकित्सा हॉजिंक लिंगोमा के बाद के उपचार का आकलन
6. स्तन कैंसर के रोगियों में नव–सहायक रसायन चिकित्सा की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में शियरवेव की इलास्टोग्राफी की भूमिका
7. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीमैट्रिक एमआरआई की भूमिका
8. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपरामेट्रिक एमआरआई, डिफ्यूजन टेन्सर इमेजिंग और रियल टाइम अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी की भूमिका
9. ब्लंट पेट के आघात में ठोस अंग की चोटों के मूल्यांकन में कंट्रास्ट एंहेस्ड अल्ट्रासाउंड की भूमिका

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. सतही लिपोमास, सर्जिकल डिसिप्लिन के प्रबंधन में सर्जरी के साथ मेसोथेरेपी की तुलना
2. ब्रूसीलोसिस और लाइम डिजीज, मेडिसिन एंड माइक्रोबायोलॉजी (संक्रामक रोगों) के विशेष संदर्भ में ऑलिगो गठिया के रोगियों का निदान
3. मुँहासे निशान, त्वचाविज्ञान और वेनेरोलॉजी के उपचार में विभाजित चेहरा आंशिक सीओ2 लेजर और सूक्ष्म सुई की प्रभावकारिता की तुलना में यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

4. पेट के दर्द के निदान के लिए अनियोजित पेट दर्द, सर्जिकल डी इस्कीप्लिन के साथ चयापचय इमेजिंग की भूमिका का आकलन करने के लिए पायलट अध्ययन
5. किशोर और वयस्क में थायरॉयड क्षेत्र में सूजन के लिए शारीरिक परीक्षा के विभिन्न तरीकों का परिवर्तन : पारभासी अध्ययन, सर्जिकल डिस्प्लीन
6. क्लिनिकल– इनवाइटेटिव प्रोफाइल, डर्मेटोलॉजी के आधार पर पेरिओरिबिटल हाइपरपिग्मेंटेशन को वर्गीकृत करने के लिए अध्ययन
7. फैटी लीवर, मेडिसिन के रोगियों में एंटी–ट्यूबरकुलर दवा–प्रेरित जिगर की चोट
8. हेमोडायलिसिस के लिए आरटेरियो वेनसफिस्टुला के निर्माण के दौरान 2 एमएम या इससेकम कैलिब्रे वेन्स के लिए हाइड्रोस्टैटिक डिलेटेशन प्लस बैलून एंजियोप्लास्टी बनाम हाइड्रोस्टैटिक डिलेटेशन प्लस मैलिएबल वास्कुलर डायलेटर, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जिकल डिस्प्लीन
9. उपचारित पोस्ट पल्मोनरी ट्यूबरकुलर रोगियों की पुनरावृत्ति के निदान में कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी की भूमिका का मूल्यांकन करना
10. भारतीय आबादी (यूकेआईईआरआई–डीएसटी), आर्थोपेडिक्स में यूनीकंपार्टमेंटल घुटने के प्रतिस्थापन की सुरक्षा, उपयुक्तता और नैदानिक प्रभाव
11. भारतीय और पश्चिमी आबादी में पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के पैटर्न में अंतर को समझनाः लक्षणों, उपचार के विकल्प और उनके परिणाम (यूकेआईईआरआई–डीएसटी), हड्डी रोग पर प्रभाव
12. नोनलकोहोलिक वसायुक्त लीवर रोग की व्याप्तता और भारत में कार्डियोमेटाबोलिक रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबोलिज्म।
13. सिम्पटोमेटिक यूटेरिन मायोमा वाली महिलाओं में अल्सरेटिव एसिटेट बनाम जीएनआरएच एगोनिस्ट की प्रभावकारिता और बाद के उपचार के साथ तुलना करनाः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, प्रसूति और स्त्री रोग
14. ईगल सिंड्रोम वाले रोगियों में लैंडमार्क तकनीकी बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित तकनीक द्वारा एक्स्ट्राओरल एपरोच का उपयोग करके जिह्वा–ग्रसनी तंत्रिका ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और ग्लोसोफेरिंगिल नर्व ब्लॉक की सुरक्षा प्रोफाइलः एक यादृच्छिक, भावी नियंत्रित परीक्षण,अनेस्थिसियोलॉजी, पेन मेडिसिन और क्रिटिकल केयर
15. क्लिनिकल पैल्पेशन और रेडियोलॉजी द्वारा ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में इनवेसन की गंभीरता का आकलन और इनवेसन की हिस्टोपैथोलॉजिकल गंभीरता से उनका सहसंबंध, ओटोरहिनोलारिंजोलोजी – सिर और गर्दन की सर्जरी
16. उच्च जोखिम वाले गर्भधारण, प्रसूति और स्त्री रोग में प्री–एक्लेमप्सिया के आकलन के लिए प्लेसेंटल ग्रोथ फैक्टर, गर्भाशय धमनी डॉपलर और 3 डी डॉपलर अल्ट्रासाउंड की भूमिका
17. एडनेक्सल मासेस, प्रसूति और स्त्री रोग के पूर्व मूल्यांकन में 2 आयामी और 3 आयामी अल्ट्रासोनोग्राफी का मूल्यांकन
18. घ्राण तंत्रिकाशोथ, ओटोरिनोला रिनोलॉजी के रोगियों में मनोगत लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटनाओं के मूल्यांकन के लिए संभावित पायलट अध्ययन
19. टीबी लिम्फैडेनाइटिस, मेडिसिन वाले रोगियों में उपचार की प्रतिक्रिया के साथ चिकित्सीय दवा के स्तर और कृमि संक्रमण के बीच संबंध
20. गर्भाशय मायोमास के प्रबंधन में इंटरमिटेंट यूलिस्प्रीटल एसीटेट उपचार के दो रेजिमेंटों के बीच तुलनाः पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
21. युवा भारतीय वयस्कों (18–30 वर्ष) में गैर–मादक फैटी लीवर रोग की व्यापकता : पायलट अध्ययन, चिकित्सा
22. क्लिनिकल पैल्पेशन और रेडियोलॉजी द्वारा ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में इनवेसन की गहराई का आकलन और इनवेसन की हिस्टोपैथोलॉजिकल गहराई से उनका सहसंबंध, ओटोरिनोला रिनोलॉजी
23. फुफ्फुसीय एस्परगिलोमा वाले रोगियों का सर्जिकल परिणाम : एक अवलोकन अध्ययन, सर्जरी
24. वयस्कों में गर्भाशय ग्रीवा लिम्फ नोड में अज्ञात हेड और नेक प्राइमरी का मूल्यांकन, ओटोरिनोला रिनोलॉजी
25. विल्केस श्रेणी प्प् के रोगियों में टीएमजे डिस्क प्लेसेशन के लिए पारंपरिक तकनीक के साथ माइटक मिनी एंकर सिवनी तकनीक की प्रभावकारिता की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ओरल और मैक्सिला–फेशियल सर्जरी
26. हेड और नेक के पैरेन्गिलओमोमा में एसडीएच–एक्स जीन म्युटेशन : एक क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन, ओटोरहिनोलीनोलॉजी
27. विटामिनडी स्तर का नैदानिक रेडियोलॉजिकल सहसंबंध और एलर्जीक नेजल पोलीपोसिस और बार–बार नेजल पोलीपोसिस, ओटोरिनोलरीगोलॉजी के मामले में रोग की गंभीरता के साथ एम्म्यून मार्कर
28. आवेगीय फुफ्फुसीय एस्परगिलोमा के लिए इंट्राब्रोनियल वोरिकोनाज़ोल स्थापना की प्रभावकारिता : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पल्मोनरी मेडिसिन और नींद विकार
29. स्कल बेस के आक्रामक कवक साइनसाइटिस के मामलों में सीरम गैलेक्टोमेनान मूल्यांकन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी
30. एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और जिह्वा–ग्रसनी तंत्रिका ब्लॉक के सुरक्षा प्रोफाइल ईगल के सिंड्रोम के साथ रोगी बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित तकनीक एक्सट्राओरल दृष्टिकोण का उपयोगः एक यादृच्छिक, भावी, नियंत्रित परीक्षण, एनेस्थिसियोलॉजी

31. बच्चों और किशोरों में जन्मजात अधिवृक्क हाइपरप्लासिया के साथ अस्थि खनिज घनत्व शारीरिक स्टेरॉयड प्रतिस्थापन, पीडियाट्रिक्स
32. खराब नियंत्रित अस्थमा, बाल चिकित्सा के साथ बच्चों में एलर्जी ब्रोन्कोपल्मोनरी एस्परगिलोसिस के प्रसार और जोखिम कारक
33. एक बायोमार्कर और गाउसर रोग, बाल चिकित्सा के साथ एंजाइम अनुभवहीन बच्चों में प्ररूपी गंभीरता स्कोर के साथ अपने संबंधों के रूप में ओस्टेपोटिन
34. हेपाटोब्लास्टोमा में मल्टीफोकालिटी के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका और मल्टीफोकालिटी के साथ वीईजीएफ का सहसंबंध, बाल चिकित्सा सर्जरी
35. बहुत कम वजन के नवजात शिशुओं में अपरिपक्व मस्तिष्क की चोट (पेरिवेंटिकुलर लुकोमालासिया और /या अंतर्निलयी संवहन रक्तस्त्राव) की घटना और जोखिम कारकों (एवं 1टी; 32 सप्ताह का जेस्टेशन या एवं 1टी ; 1500 ग्राम जन्म का वजन): एक भावी कोहॉर्ट अध्ययन, बाल रोग चिकित्सा
36. डाउन सिंड्रोम के साथ बच्चों में गैर अल्कोहोलिक फैटी लीवर रोग (एनएऊएलडी) का प्रचलन, बाल रोग चिकित्सा
37. पीआईसीयू में उनके प्रारंभिक 7 दिनों के दौरान 1–18 वर्ष की आयु के गंभीर रूप से बीमारी में मांसपेशियों की मोटाई और मांसपेशियों की इकोजेनेसिटी में परिवर्तन का अध्ययन करनाः एक अवलोकन अध्ययन, बाल रोग चिकित्सा
38. बेड साइड अल्ट्रासोनोग्राफी, पेडियाट्रिक्स का उपयोग करके वेंटिलेटेड बच्चों के डायाफ्राम कार्य का मूल्यांकन, बाल रोग चिकित्सा
39. 'भ्रूण की विकृतियों के मूल्यांकन में न्यूनतम इनवेसिव ऑटोप्सी (एमआईए) और स्टिलबर्थ्स, बाल रोग चिकित्सा
40. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा रोगियों में गुर्दे की विफलता की रोकथाम में एन– एसिटाइलसिस्टीन की अनियमित नियंत्रित परीक्षण ट्रांसआर्टियल कीमोथेरेपी और ट्रांसआर्टियल किमोम बोलिजेशन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
41. सिरोसिस के रोगियों में हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के निदान में विपरीत–पराध्वनि और परकुटेनियस एबलेशन के बाद ट्यूमर प्रतिक्रिया के मूल्यांकन की भूमिका, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
42. ट्रांजिएंट इलास्टोग्राफी, शीयर वेव इलास्टोग्राफ़ी और सीरम बायोकेमिकल मार्करों का उपयोग करके पुरानी जिगर की बीमारी वाले रोगियों में लिवर फ़ाइब्रोस का आकलन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
43. मध्यवर्ती हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के प्रबंधन में ट्रांसआर्टियल कीमोएम्बोलाइजेशन बनाम रेडियो एम्बोलाइजेशन की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूक्लियर चिकित्सा
44. बच्चों में विभिन्न ऊर्जा सामग्री के साथ स्पष्ट तरल पदार्थ के गैस्ट्रिक खाली करने का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकनः एक क्रॉसओवर पायलट अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी
45. हाइपोक्सिस इस्कीमिक मस्तिष्क विकृति के लक्षण में विजुअल स्पेक्ट्रम का पैटर्न, नेत्र विज्ञान
46. कक्षीय लिम्फेंजिओमा में इंट्रा लेसनल ब्लिओमायसिन के परिणाम का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान
47. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
48. ग्राफ्ट रिवाइस्क्यूलेशन के मूल्यांकन और आर्थोस्कोपिक एंटेरियर क्रूसीएट लिगामेंट पुनर्निर्माण के उपचार में डायनामिक एमआरआई से पीईटी सीटी स्कैन की तुलना करते हुए एक भावी अध्ययन, आर्थोपेडिक्स।
49. कुल घुटना संधिसंधान प्राप्त करने और कार्यात्मक परिणाम पर उसके प्रभाव प्राप्त पीसीएल की प्रमात्रा, आर्थोपेडिक्स।
50. मोडिफायड स्टोप्पा के दृष्टिकोण से गुजरने वाले रोगियों के एसीटाबुलर फ्रैक्चर में कार्यात्मक और रेडियोलॉजिकल परिणाम, आर्थोपेडिक्स।
51. एसीएल की कमी और घुटने के जोड़ हाइपरएक्सटेंशन के बीच नैदानिक रेडियोलॉजिकल सहसंबंध, आर्थोपेडिक्स।
52. मस्कुलोस्केलेटल ट्यूबरकुलोसिस में आणविक इमेजिंग की भूमिका, ऑर्थोपेडिक्स
53. ऑस्टियो सार्कोमा और इविंग्स सार्कोमा वाले रोगियों में स्केलेटल मेटास्टेसिस का पता लगाने के लिए स्केलेटल सिन्टीग्राफी, पूरे शरीर का एमआरआई और पीईटी/सीटी स्कैन के बीच तुलनात्मक अध्ययन, ऑर्थोपेडिक्स
54. विभिन्न इंट्रा–पेट की विकृतियों में लैप्रोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड की प्रयोज्यता, एक संभावित अवलोकन अध्ययन, सर्जरी
55. एकेलेसिया कार्डियाः लेप्रोस्कोपिक हेलर की कार्डियोमायोटॉमी के बाद के परिणाम का आकलन करते हुए लंबी अवधि के परिणाम और कारकों का आकलन, सर्जरी
56. डी क्वर्वेन टेनोसिनोवाइटिस के लिए पुली और पुली पुनर्निर्माण के परिणाम का आकलन करने के लिए डबल ब्लाईंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, आर्थोपेडिक्स
57. भारत में गैर–वसायुक्त फैटी लीवर रोग की प्याप्तता और हृदय रोग संबंधी जोखिम वाले कारकों के साथ इसके संबंध, इंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबोलिज्म
58. सक्रिय तपेदिक से सह–संक्रमित एचआईवी रोगियों में एचआईवी दवा प्रतिरोधी म्यूटेशन का अध्ययन पैटर्न, चिकित्सा
59. पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम (पीसीओएस) और आहार कारकों द्वारा इसके मॉडुलन के साथ भारतीय महिलाओं में सूजन की भूमिका, एंडोक्राइनोलॉजी
60. 175 लू डोसिमेट्री में कैस्ट्रेशन प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर, न्यूक्लियर मेडिसिन

61. ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनोपैथी में जीन विशेषज्ञ का मूल्यांकन, चिकित्सा
62. एमडीआर / एक्सडीआर के रोगियों में उपचार के परिणाम – एक संभावित अध्ययन, चिकित्सा
63. डीडब्ल्यू एमआरआई और रीनल सेल कार्सिनोमा में परफ्यूजन सीटी द्वारा ट्यूमर एंजियोजेनेसिस की प्रीपेरेटिव भविष्यवाणी और इन बायोमार्कर का उपयोग एडवांस्ड रीनल सेल कार्सिनोमा , यूरोलॉजी में ट्यूमर ग्रेड का आकलन करना
64. एड्स में अवसरवादी संक्रमण, चिकित्सा
65. मीडियास्टिनल घावों में ईबीयूएस – सीटी और पीईटी–सीटी , चिकित्सा के साथ सहसंबंध
66. भूमिका पीईटी–सीटी और उन्नत कार्सिनोमा फेफड़े में ट्यूमर एंजियोजेनेसिस और उपचार प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में डीडब्ल्यूआई, परमाणु चिकित्सा
67. मध्य लाइन की लंबाई के आकलन में चेस्ट रेडियोग्राफ़ की भूमिका, एनेस्थिसियोलॉजी
68. बांझ महिलाओं में जननांग टीबी के निदान में पारंपरिक तरीकों की तुलना में जीन एक्सपर्ट का मूल्यांकन, प्रसूति और स्त्री रोग
69. स्तन कैंसर में स्तन संरक्षण सर्जरी द्वारा निर्देशित पारंपरिक पल्पेशन के साथ द्वारा इंट्रा–ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड एक्सीजन गाइडेड एक्सिशन के बाद कॉस्मेटिक आउटकम ई और रिसेक्शन मार्जिन की तुलना में पैल्पेशन की तुलना – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जरी
70. ऑपरेबल स्तन कैंसर वाली महिलाओं में प्रहरी नोड का पता लगाने के लिए फ़्लुएंसिन प्लस मेथिलीन ब्लू बनाम टेक्नेटियम सल्फर कोलाइड प्लस की पहचान दर की तुलना, शल्य चिकित्सा
71. ऑपरेटिव स्तन कैंसर वाली महिलाओं में एक्सिला की व्यवस्थित प्रबंधन रणनीति – नोड पॉजिटिव रोगियों के यादृच्छिककरण के साथ स्तर 1 बनाम पूर्ण अक्षीय लिम्फ नोड विच्छेदन, शल्य चिकित्सा
72. नवजात शिशु रसायन चिकित्सा के बाद पूर्ण नैदानिक छूट के साथ स्तन कैंसर के रोगियों में पैथोलॉजिकल पूर्ण छूट प्राप्त करने में रेडिकल रेडियोथेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन – एक श्रेष्ठता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जरी
73. प्रत्यारोपण के साथ त्वचा के फैलने वाले मास्टेक्टॉमी के ऑन्कोलॉजिकल और सौंदर्य परिणामों के मूल्यांकन के लिए एंबीशियस कोहॉर्ट अध्ययन, सर्जरी
74. पीसीओएस के साथ भारतीय महिलाओं के बीच उपचार के तौर–तरीकों की व्यापकता, क्षेत्रीय विविधताओं, कोमॉर्बिडिटीज़, जोखिम कारकों और विविधताओं का मूल्यांकन : पूरे भारत में एक बहुविकल्पी अध्ययन , आईसीएमआर कार्यबल अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबोलिज़्म

पूर्ण

1. टाइप 1 मधुमेह, एंडोक्रिनोलॉजी में गैर–अल्कोहल फैटी लिवर रोग की व्यापकता
2. एक्रोमेगाली में स्लीप एपनिया का आकलन और नैदानिक, प्रयोगशाला मापदंडों और ग्रसनी, एंडोक्रिनोलॉजी की इमेजिंग के साथ इसकी गंभीरता के सहसंबंध
3. मधुमेह में इनवेसिव फंगल राइनोसिनिटिसः क्लिनिकल, माइक्रोबायोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल, एंडोक्रिनोलॉजी
4. स्कल की मेटास्टेसिस, प्रोस्थोडॉन्टिक्स वाले रोगियों में जबड़े की हड्डियों के घनत्व पर बिस्फोस्फोनेट थेरेपी का प्रभाव
5. मानव केडेवेरिक लौकिक हड्डियों में गोल खिड़की के आला के संरचनात्मक भिन्नताएं और कोक्लीअ आर प्रत्यारोपण इलेक्ट्रोड सम्मिलन, ईएनटी के लिए इसकी प्रासंगिकता
6. डायनेमिक एफ–18 एफडीजी पीईटी / सीटी प्रोटोकॉल का मानकीकरण और पूरे शरीर की तुलना 18–एफ एफडीजी पीईटी /सीटी विसरण के साथ – गैर–छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर में प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए भारित एमआरआई, न्यूक्लियर एम एडिसिन
7. छाती इमेजिंग, चिकित्सा में बुखार और ज्वार या बाजरे जैसा छाया से पीड़ित रोगियों में ब्रोंकोस्कोपी और ब्रोंकोस्कोपिक प्रक्रियाओं के निदान का आकलन
8. वसा, अस्थि खनिज घनत्व और पोषक तत्वों का सेवन, चिकित्सा के साथ एनएएफएलडी का सहसंबंध
9. टीएमजे एंकिलोसिस रोगियों में रेमस कांडल पुनर्निर्माण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कॉस्टोकोंड्रल ग्राफ्ट के भाग्य का मूल्यांकन करने के लिए – पूर्वव्यापी और संभावित अध्ययन, ओरल और मैक्सिला–फेशियल सर्जरी
10. एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर का मूल्यांकन (ईजीएफआर) को अस्थायी की न्यमेटाईजेशन के विभिन्न प्रकार में क्लोस्टेटिटोमा थैली में अभिव्यक्ति हड्डी, कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान
11. दोहरी–ऊर्जा सीटी का उपयोग कर कोरोनरी धमनी एथेरोस्क्लेरोटिक पट्टिका का गैर–इनवेसिव लक्षण वर्णन : पूर्व–विवो नमूनों, मेडिकल भौतिकी में स्पष्टीकरण
12. महामारी विज्ञान का मूल्यांकन, जोखिम कारक, एक तृतीयक नेत्र देखभाल केंद्र , नेत्र विज्ञान में दर्दनाक ऑप्टिक न्युरोपटी के मामलों में निदान और निदान में न्यूरो–इमेजिंग की भूमिका
13. मायस्थेनिया ग्रेविस रोगियों में सर्जिकल और एन यूरोलॉजिकल परिणाम न्यूनतम इनवेसिव थाइमेक्टोमी के बाद सर्जिकल डिसिप्लिन

14. पुरानी यकृत की विफलता, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी पर मस्तिष्क में मस्तिष्क शोफ और तंत्रिका संबंधी परिवर्तन की व्यापकता
15. ईएचपीवीओ, जीआई सर्जरी में कलर डॉपलर और सीटी पोर्टोग्राफी की तुलना
16. एकेलेसिया कार्डियो: लंबी अवधि के परिणाम और लेप्रोस्कोपिक हेलर के कार्डियोमायोटॉमी, सर्जिकल डिस्प्लीन के बाद परिणाम की भविष्यवाणी कारकों का आकलन
17. डेंगू के गंभीर संक्रमण में साइटोकिन्स की भूमिका, चिकित्सा
18. गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में फुफ्फुसीय संक्रमण: एक संभावित कोहोर्ट वेधशाला अध्ययन, नेफ्रोलॉजी
19. कुष्ठ रोग संबंधी परिधीय न्यूरोपैथी , त्वचाविज्ञान पर प्लेटलेट–समृद्ध प्लाज्मा थेरेपी के प्रभाव का अध्ययन करना
20. एचआईवी/एड्स (एड्स से जुड़े पीयूओ) , चिकित्सा में 4 सप्ताह से अधिक अवधि के बुखार के मूल्यांकन के लिए एफडीजी–पीईटी / सीटी बनाम सीईसीटी की उपयोगिता का अध्ययन , चिकित्सा
21. गैलियम –68 (गा–68) – प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के मूल्यांकन में, परमाणु चिकित्सा में पीएसएमए पीईटी / सी टी में लेबल
22. एमप्लोजन, सर्जरी के साथ त्वचा के फैलने वाले मस्तूल के ऑन्कोलॉजिकल और सौंदर्य संबंधी परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एंबीशियस कोहोर्ट अध्ययन
23. 1 बनाम 2 का प्रभाव प्रारंभिक स्तन कैंसर के मामलों में सेमी मार्जिन और सरल बनाम ऑन्कोप्लास्टिक और सौंदर्य परिणाम और गुणवत्ता–समायोजित जीवन वर्ष पर उनका प्रभाव, सर्जरी।
24. मासपेशी की मांसपेशियों और काटने के बल की मोटाई पर छोटे दंत चाप के प्रभाव का मूल्यांकन : प्रारंभिक अध्ययन, प्रोथोडायोडिक्स

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 97 **पुस्तकों में अध्याय: 23** **पुस्तकें : 3**

रोगी उपचार

जांचों का विवरण

क्र. सं.	जांच/विशेष प्रक्रिया का नाम	जांचों की कुल संख्या
1	**नियमित एक्स–रे**	
	• ओपीडी आंतरिक	1,12,802
	• आंतरिक	24,431
	• आपातकालीन	57,940
	• पोर्टेबल	47,897
2	**विशेष जांचें**	
	• बेरियम अध्ययन	2455
	• अंत:शिरा पाइलोग्राफी	1798
	• मिक्ट्यूरेटिंग सिस्टोअरेथ्रोग्राफी	2758
	• हिस्टोरोसाल्पिंगाग्राफी	782
	• ऑपरेशन थिएटर अध्ययन	**177**
	• अन्य विपरीत अध्ययन	**1184**
3	**मैमोग्राफी**	**3718**
4	**डेक्सा स्कैन**	**308**
5	**अल्ट्रासाउंड**	
	• नियमित	**32,790**
	• आपातकालीन	**27,912**
	• डोपलर (नियमित + हताहत)	**3657**
6	**सीटी**	
	• शरीर	**20,682**
	• **सिर**	**8997**
7	**एमआरआई (मुख्य + एन.एम.आर.)**	**5959**

8	**हस्तक्षेप प्रक्रियाएं**	
	• **अन्तःक्षेपी संवहनी अध्ययन**	**2246**
	अन्तःक्षेपी गैर–संवहनी अध्ययन	
	• सीटी गाइडेड	**632**
	• अल्ट्रासाउंड गाइडेड	**4747**
	• फ्लोरोस्कोपी गाइडेड	**1772**
	• मैमोग्राफी गाइडेड	**12**
	• **कुल योग**	**3,65,656**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य अरुण कुमार गुप्ता ' भारतीय बाल चिकित्सा जर्नल' की कार्यकारी समिति के सदस्य थे।

आचार्य दीप नारायन श्रीवास्तव ने इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईएसवीआईआर) के 20 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में आईएसवीआईआर के वर्ष के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया , 12 फरवरी 2018 को एसजीपीजीआई, एलकेओ; भारतीय रेडियोलॉजी और इमेजिंग एसोसिएशन की दिल्ली शाखा द्वारा "विशिष्ट सेवाओं का पुरस्कार"।
आचार्य राजू शर्मा "एम्स रेडियोलॉजी कोर्स पाठ्यक्रम निदेशक थे। 3–4 फरवरी 2018 को नई दिल्ली में आयोजितः पेट एमआर इमेजिंग पर अद्यतन" ; तेलंगाना स्टेट ब्रांच आईआरआईए डॉ. टी. जयनारसिम्हुलु ओरेशन से सम्मानित : इमेजिंग ऑफ. एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस ।

आचार्य आशु सेठ भल्ला संयुक्त संपादक भारतीय रेडियोलॉजी और इमेजिंग के जर्नल है।

आचार्य संजय शर्मा संपादकीय बोर्ड जेसीआईआर के सदस्य थेः यूरो रेडियोलॉजी सेक्शन।

आचार्य शिवानंद गामनगट्टी ने दिल्ली इमेजिंग अपडेट 23–25 फरवरी, 2018 को एलएचएमसी नई दिल्ली में आयोजित अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

आचार्य अतिन कुमार ने भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन 2018 का एनजी गडेकर ओरेशन दिया।

डॉ. मधुसूदन केएस इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सेक्शन, अमेरिकन जर्नल ऑफ रोएटजेनोलॉजी (एजेआर)दृके सहायक संपादक हैं।

डॉ. चंदन जे दास ने कुष्ठ अनुसंधान से संबंधित नैदानिक त्वचाविज्ञान में सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) का थंबीया का डॉ. आर्थर सरवनमुथु थाम्बिया पुरस्कार 2017; इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (एफआईसीआर) की फैलोशिप ; इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग द्वारा बेस्ट ऑनकोमेजिंग रिसर्च पुरस्कार 2017 प्राप्त किया।

डॉ. शशि बी. पॉल को पवई, मुंबई, भारत में 25–28 जनवरी 2018 को आयोजित आईआरआईए का 71वीं वार्षिक सम्मेलन और 17 वीं एओसीआर पोस्टर श्रेणी में दूसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया; सदस्य ' टास्क फोर्स ऑन हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा', जिसका गठन इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर एस टुडी ऑफ लिवर (आईएनएएसएल) द्वारा किया गया है।

अतिथि वैज्ञानिक

- डॉ. विजय एम राव, उत्तरी अमेरिका के रेडियोलॉजी सोसाइटी के अध्यक्ष ने 18 जनवरी 2018 को विभाग का दौरा किया और 'रेडियोलॉजी के भविष्य पर एक व्याख्यान दिया"
- डॉ. एवलिन एम. लॉयर, रेडियोलॉजी के प्रोफेसर, एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, ह्यूस्टन, टेक्सास ने 8 मार्च, 2018 को रेजिडेंटों के लिए फिल्म पठन सत्र का आयोजन किया।

केस वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, ओहियो, यूएसए से डॉ. विकास गुलानी के नेतृत्व में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ मैग्नेटिक रेजोनेंस के 15 संकायों का एक प्रतिनिधिमंडल 27 मार्च 2018 को विभाग का दौरा किया और विभाग के संकाय के साथ बातचीत की।

9.37 प्रजनन जैवविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
आशुतोष हल्दर

आचार्य
प्रदीप कुमार चतुर्वेदी

सहायक आचार्य
सुरभि गुप्ता	मोना शर्मा

वैज्ञानिक
मनीष जैन, वैज्ञानिक I
दीपक पाण्डे, वैज्ञानिक II	नीरज कुमार, वैज्ञानिक II

समूह ए अधिकारी
श्रीमती मरियम मैथ्यू

विशेषताएं

विभाग मुख्य रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और प्रकाशन से संबंधित काम में निदान सेवाओं (प्रजनन हार्मोन और कैंसर बायोमार्कर्स) के अलावा और भारत के विभिन्न हिस्सों से मार्गदर्शन/सुझाव/ परामर्श मामलों के मामले में शामिल है। प्रशिक्षण और शिक्षण हमारे स्वयं के पीएचडी छात्रों, एमएससी छात्रों और विभाग के विभिन्न प्रशिक्षुओं को प्रदान किया गया है। विभाग विभिन्न फ्लोरोसेंट इन–सिटू हाइब्रिडाइजेशन (एफआईएसएच) और पॉलिमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) से संबंधित सेवाओं के साथ–साथ सीधे तौर पर या अनुरोध पर प्रजनन, बाल चिकित्सा, हृदयरोगविज्ञान या नैदानिक रुधिर विज्ञान के संदर्भ में दिल्ली में या दिल्ली से बाहर के मामलों में परामर्श/राय प्रदान करता है । अधिकांश प्रजनन परामर्श स्वयं से आए हुए थे (ऐसे मामले जो प्रजनन संबंधी विकार, विकृति, कैंसर, बांझपन आदि के साथ थे)। विभाग के संकाय सदस्यों को विभिन्न शैक्षिक योगदान (एनआईआई स्टेम सेल कमेटी, एनएबीएल कोर मान्यता समिति, कृषि विशेषज्ञ मंत्रालय (कीटनाशक) बैठक, आईसीएमआर एपीएस चयन समिति, डीएम (चिकित्सा आनुवंशिकी) पाठ्यक्रमों के लिए एमसीआई आकलन के लिए कई राष्ट्रीय शिक्षाविदों एनआईएचएफडब्ल्यू, आयुष, आदि के पीएसी और आईआरबी कमेटी सदस्य) द्वारा आमंत्रित किया गया था।

सीआरआईए सुविधा ने 40 से अधिक पैरामीटर के लिए परीक्षण प्रदान किए जिनमें कैंसर मार्कर, थायराइड मामले और प्रजनन हार्मोन शामिल हैं। विभाग ने सीआरआईए परीक्षणों के लिए ऑनलाइन रिपोर्टिंग शुरू कर दी है।

शिक्षा

पीएचडी छात्र (पंजीकृत/जारी): 4	एमएससी छात्र: 9
जेआरएफ/एसआरएफ: 2

साप्ताहिक सेमिनार और साप्ताहिक पत्रिका क्लब

दो साप्ताहिक प्रयोगशाला डाटा प्रस्तुति

दिन–प्रतिदिन केस के हिसाब से/प्रयोगशाला कार्य चर्चा

स्नातकोत्तर– एमडी प्रयोगशाला चिकित्सा छात्र (15 दिनों के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)
एमडी जैवरसायन छात्र (15 दिनों के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिए गए व्याख्यान

आशुतोष हलदरः 6 **सुरभी गुप्ताः 1** **मनीष जैनः 1**

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुतः 1

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. 22q11.2 विलोपन सिंड्रोम में फेनोटाइपिक विषमता/परिवर्तनशीलता के कारणों का पता लगाने की जांच, आशुतोष हलदर, आईसीएमआर, 3 साल, 2015–2018 (6 महीने का विस्तार अनुरोध), 41 लाख रुपये
2. पॉली सिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम (पीसीओएस): हाइपरएंड्रोजेनिज्म (नैदानिक) और हाइपरएंड्रोजेनेमिया (जैवरसायन) और अंतर्निहित ईटियोलॉजिक (पश्च 2 आनुवंशिक और आनुवंशिक) कारकों के बीच विसंगति के कारणों का पता लगाने की जांच, आशुतोष हलदर, डीएसटी–एसईआरबी, 3 साल, 2018, 51 लाख रुपये
3. एचसीजी किट के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, पीके चतुर्वेदी, एचएलएल लाइफकेयर, एमओएच, वार्षिक, 7–8 लाख रुपये
4. मानव स्वास्थ्य (रेफरल सेंटर) पर गैर–आयनकारी विद्युत चुंबकीय क्षेत्र का प्रभाव, पीके चतुर्वेदी, आईसीएमआर, 5 साल, 2017–2022, 1. 58 करोड़ रुपये
5. एक इंट्रावेसल इंजेक्शन योग्य पुरुष गर्भनिरोधक–आरआईएसयूजी के साथ चरण 2 नैदानिक परीक्षण, पीके चतुर्वेदी, आईसीएमआर, 1 साल, 2017–2018, 33 लाख रुपये
6. वीईजीएफ अभिव्यक्ति और लेडीग कोशिका प्रक्रिया के मॉड्यूलेशन में 3,5,3,–एल–ट्रायोडोथायोनिन (टी 3) की भूमिका, सुरभी गुप्ता, डीबीटी, 3 साल, 2016–2019, 39 लाख रुपये
7. स्तनधारी शुक्राणु–अंडा संलयन का अध्ययन करने के लिए सीआरआईएसपीआर/कैस–9 आधारित नॉक–आउट/नॉक–इन तकनीक का उपयोग करके जीनोम–संपादित चूहों का प्रजनन, सुरभी गुप्ता, डीबीटी, 3 साल, 2017–2020, 75.5 लाख रुपये
8. पौरुष ग्रंथि प्रारूप कोशिकाओं के प्रभाव में बढ़ रहे प्रोस्टेट उपकला कोशिकाओं पर आहार फ्लैवोनोइड्स के प्रभावों का अध्ययन करना, दीपक पांडे, एम्स, 2 साल, 2017–2019, 10 लाख रुपये
9. एचडीएसी अवरोधक कैनोराबाडाइटिस एलिगेंस में स्वस्थ उम्र बढ़ने की जीनोम–व्यापी गतिशीलता, नीरज कुमार, डीएसटी–एसईआरबी, 3 साल, 2017–2020, 50 लाख रुपये
10. इंसुलिन संकेतन के प्रतिलिपि कारकों के जीनोम संयोजन के प्रभाव से स्वास्थ्य–अवधि नियामक मॉड्यूल को स्पष्ट करना, नीरज कुमार, डीबीटी, 3 साल, 2018–2021, 50 लाख रुपये
11. भ्रूण विकास के दौरान टर्नओवर और अनुवाद नियामक एमआरएनए बाध्यकारी प्रोटीन (टीटीआर–आरबीपी) के ऑक्सीडेटिव तनाव मध्यस्थ विनियमन को स्पष्ट करने के लिए, नीरज कुमार, एम्स, 2 साल, 2017–2019, 10 लाख रुपये
12. इडियोपैथिक सर्टोली कोशिका सिंड्रोम (एससीओएस) के मामलों में जीनोमिक कारणों का पता लगाने के लिए एसएनपी माइक्रोअरी का उपयोग कर उच्च रिजोल्यूशन जीनोमिक स्क्रीनिंग, मनीष जैन, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2017–2019, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. समयपूर्व डिम्बग्रंथि विफलता में उच्च संकल्प लिंग के रोगजन्य गुणसूत्र जीनोम विश्लेषण, मोना शर्मा, एम्स, 2 साल, 2015–2017, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. मैक्रोप्रोलैक्टिनेमिया का ईटीओपैथोलॉजी
2. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम की ईटीओलॉजी और बायोमार्कर
3. समयपूर्व डिम्बग्रंथि विफलता के अनुवांशिक निर्धारक
4. प्रोस्टेट कैंसर कोशिका लाइन पर हर्बल अर्क की कैंसर विरोधी गतिविधि का विश्लेषण
5. ट्रोफोब्लास्टा कोशिका आक्रमण मॉड्यूलिंग में एमआईआर–143–3पी की भूमिका

6. शारीरिक और रोगजनक स्थितियों के तहत ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में उपकला के दौरान एपिजिनेटिक परिवर्तन
7. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एचएलए–जी अभिव्यक्ति पर गर्भावस्था हार्मोन का प्रभाव और एमआईआरएनए की संभावित मध्यस्थ भूमिका
8. प्रोस्टेट कोशिकाओं पर सेलेनियम और विटामिन ई के प्रभावों का अध्ययन
9. प्रजनन उम्र बढ़ने के दौरान भ्रूण विकासशील क्षमता पर एचडीएसीआई का आकलन
10. सर्टोली कोशिका सिंड्रोम (एससीओएस) पर आनुवंशिक अध्ययन

पूर्ण

1. टेस्टिकुलर रोगाणु कोशिका रुकावट (परिपक्वता रुकावट): फेनोटाइप–जीनोटाइप सहसंबंध की एक जांच
2. शुक्राणु दोषः भारी धातु की भूमिका, विटामिन ए और सर्टोली कोशिका परिपक्वता
3. क्रोमोसोम 13 और 21 एनीप्लोइडी का सीटू लेबलिंग में प्राइमड द्वारा तत्का्ल पहचान
4. प्रीमोप्लांटेशन चूहे के भ्रूण में क्रोमोसोम मोजेसिज्म और एनीप्लोइड
5. मेनोपॉज के बाद महिलाओं पर हर्बल तैयारी अशोकारिस्टा के डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
6. समयपूर्व डिम्बग्रंथि विफलता में साइटोकिन्स की भूमिका
7. युवावस्था के गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोमा में नैदानिक आक्रामकता के आणविक आधार का मूल्यांकन
8. विषम लिंग अनुपात का जैविक आधार
9. प्राथमिक टेस्टिकुलर विफलता के आनुवांशिक
10. ट्रोफोब्लास्टिा कोशिका आक्रमण मॉड्यूलिंग में एमआइआरएन की भूमिका
11. मॉडल प्रणाली के रूप में केनोरहाब्डिटिस एलिगेंस का उपयोग कर प्रजनन उम्र बढ़ने में संरक्षित आरएनए बाध्यकारी प्रोटीन (आरबीपी) की भूमिका का अध्ययन करना
12. प्रोस्टेट स्ट्रॉमल कोशिकाओं के प्रभाव में बढ़ते प्रोस्टेट उपकला कोशिकाओं पर जिंक और विटामिन डी का प्रभाव

सहयोगी परियोजनाएं
जारी

1. एकाधिक माइलोमा, मेडिकल ओन्कोलॉजी, आईआरसीएच, एम्स में अस्थि मज्जा सूक्ष्म पर्यावरण की भूमिका
2. प्रोटीन प्रोफाइलिंग और तनाव, फिजियोलॉजी के साथ सहसंबंध द्वारा एंडोमेट्रोसिस की पैथोफिजियोलॉजी को समझना
3. अनपेक्षित स्टिलबर्थ, आनुवांशिकी विभाग, बाल चिकित्सा के आणविक अनुवांशिक मूल्यांकन
4. इडियोपैथिक हाइपोपेराथायरायडिज्म के अद्वितीय पहलु, अंतः स्राविकी विज्ञान
5. मौखिक संभावित रूप से घातक बायोमार्कर्स के रूप में सूक्ष्मीआरएनए और एचटीआरसी जीन प्रोफाइल और
6. घातक घाव, सीडीईआर
7. पीसीओएस, एंडोक्राइनोलॉजी के साथ भारतीय महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह के अभिभावकीय इतिहास का प्रभाव
8. तपेदिक में प्रतिरक्षा घटाने वाली स्थिति पर ट्रांसपॉइंट इनहिबिटर का प्रभाव, प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स
9. 3 साल से कम आयु के भारतीय बच्चों में सीरम अल्फा फेटो प्रोटीन की संदर्भ सीमा, बाल चिकित्सा सर्जरी
10. एंटी मुलरियन हार्मोन और एंटरल कूप की आयु का विशिष्ट मानदंड प्रजननक्षम और प्रजननक्षम भारतीय महिलाओं, प्रसूति और स्त्री विज्ञान में गिना जाता है
11. न्यूरोजेनिक मूत्राशय वाले मरीजों में गुर्दे की क्षति की जानकारी और गुर्दे की क्षति के मौजूदा मानक, बाल चिकित्सा सर्जरी के साथ इसके सहसंबंध की जानकारी में प्लाज्मा रेनिन गतिविधि की भूमिका
12. फाइब्रोडेनोमा और मास्टलगिया, राष्ट्रीय कैंसर निवारण और अनुसंधान संस्थान, नोएडा, यूपी में सर्जिकल विषयों, एम्स के रिग्रेशन को प्राप्त करने में निस्वानी की प्रभावशीलता को मापने के लिए एक संभावित समूह अध्ययनय
13. अग्नाशयी कैंसर, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी में सिग्नल ट्रांसडक्शन के एमआईआरएनए के मध्यस्थ मॉड्यूलेशन की भूमिका

पूर्ण

1. गैस्ट्रिक एडेनोकार्सीनोमा में सी एमईटी जीन अभिव्यक्ति का मूल्यांकन और पारंपरिक क्लिनिक–पैथोलॉजिकल पैरामीटर के साथ सह–संबंध – एक वर्णनात्मक अध्ययन, पैथोलॉजी, यूसीएमएस/जीटीबी, दिल्ली विश्वविद्यालय
2. गर्भाशय ग्रीवा कोशिका विज्ञान नमूने में एचईआरटीसी प्रवर्धन का मूल्यांकन गर्भाशय ग्रीवा इंट्राफेथेलियल नियोप्लासिया, पैथोलॉजी, यूसीएमएस/जीटीबी, दिल्ली विश्वविद्यालय के हिस्टोलॉजिक ग्रेड के मार्कर के रूप में
3. हृदय विकृति, एमएएमसी, दिल्ली विश्वविद्यालय के बच्चों में क्लिनिको–डिस्मोर्फिक प्रोफाइल संबंधित विकृति का अध्ययन

4. स्पर्मेटोजेनेसिस में सूक्ष्मोआरएनए की भूमिका, भारतीय प्रतिरक्षाविज्ञान संस्थान, दिल्ली
5. साइटोनेटिक्स और एफआईएसएच, चिकित्साए अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच, एम्स का उपयोग करके एकाधिक माइलोमा में गुणसूत्र विसंगतियों का गुणन
6. एकाधिक माइलोमा, मेडिकल अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच, एम्स की आण्विक जीवविज्ञान
7. प्रारंभिक अपरिपक्व टी–सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया, प्रयोगशाला ओन्कोलॉजी, आईआरसीएच, एम्स की आण्विक जीवविज्ञान
8. लिम्फोसाइट पुनर्स्थापन और संक्रामक विकृति के बाद ऑटोलॉगस हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण, मेडिकल ओन्कोलॉजी विभाग, आईआरसीएच, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 8 सार : 3 पुस्तकों में अध्यायः 15 पुस्तकेंः 1

रोगी उपचार

डॉ. हलदर को मुख्य रूप से दिल्ली के अन्य अस्पतालों या प्रबंधन/सलाह के परामर्श/योजना के लिए स्वयं रेफरल और विशेष रूप से पुरुष प्राथमिक हाइपोगोनैडिज्म, आवर्ती गर्भपात, आवर्ती आईवीएफ विफलता, आनुवांशिक विकार और विकृति सिंड्रोम में प्रजनन जेनेटिक्स से संबंधित 100 से अधिक मामलों को सौंपा जा चुका है।

प्रयोगशाला सेवा के रूप में कार्यभार

एसटीआर/माइक्रोसाइटेबल मार्करों का उपयोग करके और अतिरिक्त रोगी देखभाल के लिए उपयोग की जाने वाली अतिरिक्त आणविक साइटोगेनेटिक तकनीक (सीटू हाइब्रिडाइजेशन सेवाओं में चल रहे फ्लोरोसेंट के अलावा)।

विभाग में विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं (आण्विक साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला)

रक्त पर माइक्रोडलेशन एफआइएसएच (इंटरफेस/मेटाफेस कोशिका), बक्कल कोशिका, मूत्र कोशिका, ठोस ऊतक इत्यादि। कुल 300 रोगियों की भर्ती की गई है, जिनमें सभी को माइक्रोडलेक्शन सिंड्रोम का संदेह है। हमने अपने आण्विक साइटोजनेटिक्स प्रयोगशाला में सभी मामलों के एफआइएसएच और क्यूएफ–पीसीआर किए हैं और सभी मरीजों की रिपोर्ट दी है। हमने पीडब्लूएस मामलों के लिए मेथिल विशिष्ट पीसीआर मानकीकृत किया है और हमारी प्रयोगशाला में मेथिल विशिष्ट पीसीआर की सुविधा शुरू की गई है।
प्रसवपूर्व एफआइएसएच (एम्नीओटिक द्रव कोशिकाएं/कोरियोनिक ऊतक)

- ट्राइसोमी 21 (डाउन सिंड्रोम)
- ट्राइसोमी 18 (एडवर्ड सिंड्रोम)
- ट्राइसोमी 13 (पटाऊ सिंड्रोम)
- कोई भी ऑटोसोमल एन्यूसप्लॉइडीस (अनुरोध पर)

कैरियोटाइपिंग (केवल शोध उपयोग)
जनन क्रोमोसोम एफआइएसएच (एक्स, वाई, एसआरवाईः केवल शोध और बांझपन)
वाइक्यूर माइक्रोडेलिशन पीसीआर (तकरीबन 20 प्राइमर पूरे हुए)
पीआरआईएनएस (गुणसूत्र 13, 18, 21, एक्स, वाई)
क्यूएफ–पीसीआर (डीजी, डब्ल्यूएस, पीडब्ल्यूएस, आरबी, एमडी, लैंगर–गियडियंस, ट्राइसोमी 13, 18, 21, आदि)
मेथिल विशिष्ट पीसीआर (पीडब्ल्यूएस)
माइक्रोडलेशन सिंड्रोम/प्राथमिक टेस्टिकुलर असफलता के लिए डीएनए माइक्रोअरी

सीआरआईएः एलएच, एफएसएच, प्रोलैक्टिन, टी 3, टी 4, टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, एस्ट्राडियोल, प्रोजेस्टेरोन, अल्फा फेटो–प्रोटीन, प्रोस्टेट विशिष्ट एंटीजन (पीएसए), बीटा एचसीजी, सीए –125, कोर्टिसोल और विटामिन डी, एंटी टीपीओ, एंटी टीजी, फ्री टी 3, फ्री टी 4, बीएनपी, ट्रोपोनिन आई, सीकेएमबी, होमोसिस्टीन, एसएचबीजी, सीईए, सीए 1 9.9, सीए 15.3, फ्री पीएसए, प्रो ग्रुप, एचई 4, एक्टिव बी 12, फेरिटिन, फोलेट, इंसुलिन, पीटीएच, सी–पेप्टाइड, एचबीए 1 सी और एंटी सीसीपी, डीएचटी, 17 हाइड्रोक्स प्रोजेस्टेरोन, एसीएचटी, जीएच, इनहिबिइन बी और एएमएचन सुविधा में 41 पैरामीटर की नियमित जांच के लिए अंदर और बाहरी रोगियों के रक्त के नमूने लिए गए थे। इस साल अंदर और बाहरी मरीजों में रोगाणुओं के लिए प्रोकालिटोनिन (पीसीटी) परीक्षण शुरू किया गया है।

नई एलआईएस प्रणाली स्थापित और एनआईसी के साथ एकीकरण किया। बार–कोडिंग सिस्टम नमूना को त्वरित संसाधित करने के लिए पेश किया गया ताकि रिपोर्ट तेजी से दी जा सके। रक्त संग्रह और सीआरआईए सुविधा के पूर्ण कंप्यूटरीकरण के बाद ऑनलाइन रिपोर्ट भेजी गई।

जांच का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या	जांच का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या
एफएसएच	8378	टेस्टो स्टेरॉन	2347
एलएच	7423	एस्ट्रेपडियॉल	1143
प्रोलैक्टिन	6397	प्रोजेस्टेनरॉन	296
डीएचईए–एस	617	एएफपी	6149
टी3	18,809	पीएसए	3061
टी4	22,753	बीटाएचसीजी	1642
टीएसएच	47,303	सीए–125	2803
कोर्टिसोल	1332	फोलेट	7576
विटामिन डी	25,249	सक्रिय विटामिन बी12	8239
सी–पेप्टाइड	19	एंटी सीसीपी	2879
सीए19.9	1548	पीटीएच	8293
सीईए	1733	एंटी–टीपीओ	1087
फरिटिन	6074	होमोसिस्टीन	19
इंसुलिन	1329	प्रोकैल्सिटोनिन	2637
सीए–15.3	3	एंटी टीजी	210
बीएनपी	14	सीकेएमबी	5
मुक्तम टी3	175	एचबीए1सी	4402
मुक्तम टी4	263	जीएच	101
मुक्तम पीएसए	10	डीएचटी	15
ट्रोपियोनिन 1	39	17ओएच प्रोजेस्टेरॉन	398
एएमएच	2548	इनहिबिन बी	66
कुल	**2,05,383**		

निष्पादित किए गए परीक्षणों की संख्या पिछले वर्ष 1,69,558 से बढ़कर **2,05,383** हो गई है

नरविज्ञान प्रयोगशालाः 81 रोगियों को वीर्य विश्लेषण सेवाएं प्रदान की गई हैं।

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट घटनाएं

वर्ष 2017 के लिए विभाग के **प्रोफेसर केआर लउमस** ने प्रोफेसर बीएन चक्रवर्ती से प्राप्त किया था।

प्रोफेसर आशुतोष हलदर मानव विकास और रोग जीवविज्ञान, डीबीटी के मातृ एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के टास्क फोर्स सदस्य थेय एमसीआई के कलर ब्लाइंडनेस/रंग दृष्टि कमी (सीवीडी) के साथ मेडिकल स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल द्वारा अध्ययन और अभ्यास के संबंध में रिपोर्ट जमा करने के लिए विशेषज्ञों की समिति के सदस्य (जेनेटिक्स), डीएम के लिए निजाम्स चिकित्सा विज्ञान संस्थान, हैदराबाद में शारीरिक और अन्य शिक्षण सुविधाओं का आकलन, एमसीआई के मेडिकल जेनेटिक्स कोर्स की मंजूरी एनएएमएस के सलाहकार पैनल–विशेषज्ञ सदस्य (जेनेटिक्स)य एनआईएचएफडब्ल्यू के कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) और संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आईआरबी) के सदस्य, एनआईआई के संस्थागत समिति–स्टेम सेल रिसर्च (आईसी–एससीआर) के सदस्य, एमपी पीसीओएस सोसाइटी के कार्यकारी सदस्य प्रजनन जीवविज्ञान और तुलनात्मक एंडोक्राइनोलॉजी के लिए सोसाइटी की सदस्यता, जेनेटिक्स और साइटोगेनेटिक्स पर एनएबीएल की मान्यता समिति सदस्य, सीसीआरएएस के विशेषज्ञ समिति सदस्य (आयुष मंत्रालय के तहत), डीएम के लिए बाहरी परीक्षक (मेडिकल जेनेटिक्स, एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ), पोस्ट डॉक्टरेट फैलोशिप (क्लिनिकल साइटोनेटिक्स, सीडीएफडी, हैदराबाद) और पीएचडी (थीसिस और मौखिक) विभिन्न विश्वविद्यालयों (जेएनयू, सीडीआरआई, आदि) में, एम्स के विभिन्न विभागीय संवर्धन समिति को बढ़ावा देने के लिए आकलन बोर्ड सदस्य, आईसीएमआर वैज्ञानिकों के प्रचार के लिए आकलन बोर्ड विशेषज्ञय जेनेटिक रिसर्च सेंटर, मुंबई में वैज्ञानिक सी के चयन के लिए चयन समिति सदस्यय वर्तमान विज्ञान के लिए समीक्षक/संपादकीय बोर्ड सदस्य, आनुवांशिकी के जर्नल, एसएम जर्नल ऑफ गायनकोलॉजी एंड ओबस्टेट्रिक्स, ट्रांसलेशन जैवचिकित्साय, विद्वान रिपोर्ट, विज्ञान अलर्ट, जेएपीआई, क्लिनिकल केस रिपोर्ट और

समीक्षा, ब्रिटिश जर्नल ऑफ मेडिसिन और चिकित्साज्ञ शोध, अंतर्राष्ट्रीय रक्त, शोध और समीक्षा, क्लिनिकल और डायग्नोस्टिक शोध जर्नल, इंडियन पेडियाट्रिक्स, साइंस डोमेन इंटरनेशनल, क्लिनिको इकोनॉमिक्स एवं परिणाम शोध, पब्लिक हेल्थ में रिसर्च, पोलिश मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड हायर एजुकेशन/नेशनल साइंस सेंटर/नेशनल सेंटर फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (प्रोजेक्ट रिव्यू), आईसीएमआर (परियोजना/कागज), आदि, 100 से अधिक उद्धरण (कुल 800 से अधिक), संपादकीय/सलाहकार बोर्ड/कार्यकारी सदस्य
अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाः वैज्ञानिक अनुसंधान की मुक्ति पत्रिका (जो नैदानिक निदान की 200 से अधिक मुक्त पत्रिकाओं को प्रकाशित करता है), जर्नल क्लीनिकल केस रिपोर्ट और समीक्षा (सीसीआरआर), जेबीआर जर्नल ऑफ क्लीनिकल डायग्नोसिस और शोध, एशियाई जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज (2012 तक), ऑस्टिन जर्नल ऑफ प्रजनन चिकित्सा और बांझपन, बायोइन्फो प्रकाशन पत्रिकाएंय ग्लोबल जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स एंड जीन थेरेपीय नैदानिक अनुसंधान और विकासः ओपन एक्सेस, एशियाई जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल एंड क्लीनिकल रिसर्चय नेशनल जर्नलः जर्नल ऑफ द एसोसिएशन ऑफ फिजियंस ऑफ इंडिया (जेनेटिक्स सेक्शन), नैदानिक अनुसंधान और विकास, इनोवेयर जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस।

प्रोफेसर पीके चतुर्वेदी पीजी, एम्स, पीएचडी और एमएससी के लिए परीक्षक के लिए नैतिक समिति के सदस्य थेय सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च और एड–हॉक प्रोजेक्ट्स, डीबीटी और डीएसटी के लिए समीक्षाकर्ता पर समीक्षा परियोजनाओं के लिए सदस्य विशेषज्ञ समिति आईसीएमआरय जर्नल ऑफ एंड्रोलॉजी (पांडुलिपि/वैज्ञानिक पत्र) के लिए पत्रिका समीक्षक।

डॉ सुरभी गुप्ता जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) में अनुदान के लिए विशेषज्ञ समीक्षक थीं, जर्नल बायोमेड रिसर्च इंटरनेशनल को प्रस्तुत पत्रों की समीक्षाकर्ताय मंत्रालय के आईसीटी (एनएमई–आईसीटी) के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन के तहत स्नातकोत्तर स्तर पर 77 विषयों में ई–सामग्री के विकास के लिए एक यूजीसी पहल ई–पीजी पथशाला के लिए सेलुलर और आणविक बायोफिजिक्स पेपर के दो मॉड्यूल के लिए मानव संसाधन विकास (एमएचआरडी) की सामग्री लेखिका।

9-38 :eVkyk th

vkpk; ,o v/;{k

उमा कुमार

lgk;d vkpk;

रंजन गुप्ता | आरती शर्मा | धनवीर भादू

fo'k"krk,

विभाग अत्याधुनिक रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहा है और भवन–निर्माण संसाधनों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो रुमेटोलॉजिकल बीमारियों के रोगियों की अधिक संख्या से निपटने के लिए आवश्यक है। जगह की कमी के कारण विभाग केवल दो ओपीडी और एक रुमेटोलॉजी क्लिनिक का संचालन करने में सक्षम है। हमारी 6 बेड वाली रूमेटोलॉजी डे केयर सेवा 2012 में शुरू की गई थी, यह भारत में अपनी तरह का पहला है जो विभिन्न हस्तक्षेपों, उपचारों और प्रक्रियाओं के लिए कम संख्या वाले रोगियों की जरूरतों को पूरा कर रहा है। जनता और चिकित्सा पेशेवरों के बीच गठिया और संबंधित विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न शैक्षिक गतिविधियां नियमित रूप से की जाती हैं। अनुसंधान के क्षेत्र में भी विभाग सबसे आगे रहा है, इसके पास अतिरिक्त स्रोतों से 2,21,92,798 रुपये का अनुसंधान अनुदान है और डॉ. उमा कुमार के अंर्तगत कई सहयोगी परियोजनाएं भी चल रही हैं। विभागीय नैदानिक प्रतिरक्षाविज्ञान प्रयोगशालाएं विभिन्न प्रतिरक्षाविज्ञानी जांच करने के मामले में पूरे अस्पताल को सुविधा देती हैं जो संख्या में असाधारण हैं। प्रशिक्षित रुमेटोलॉजी विशेषज्ञों की आवश्यकता को समझते हुए, विभिन्न सरकारी संगठनों से चिकित्सा विशेषज्ञों को अल्पकालिक प्रशिक्षण नियमित आधार पर प्रदान किया जा रहा है। विभाग में सक्रिय शिक्षण कार्यक्रम है और यह रुमेटोलॉजी में सुपर–स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम 'डीएम' शुरू करने की कोशिश कर रहा है।

शिक्षा

यूजी व्याख्यान और बेडसाइड शिक्षण

1. संयोजी ऊतक रोगों के लिए इम्यूनोस्प्रेसिव चिकित्सा
2. ओवरलैप सिंड्रोम, एमसीटीडी, एसएलई, जोगरेन सिंड्रोम, सिस्टमिक स्केलेरोसिस
3. ल्यूपस नेफ्राइटिस (सेमिनार)
4. नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान का विस्ताोर, स्वप्रतिरक्षा और स्वप्रतिरक्षी रोगों पर वर्तमान अवधारणा
5. प्रणालीगत नेक्रोटाइज़िंग वाहिकाशोथ

4, 6, और 8वें सेमेस्टर के लिए बेड साइड शिक्षण नियमित रूप से किया गया था

पीजीः सेमिनार, बेडसाइड शिक्षण, मृत्यु दर समीक्षा, पत्रिका जांचना और पत्रिका क्लब, हर सप्ताह केस चर्चा

नर्सिंग व्याख्यानः नर्सिंग स्टाफ के विभिन्न संवर्गों के लिए रुमेटोलॉजिकल विकारों पर व्याख्यान श्रृंखला

चिकित्सकों को दिया गया अल्पकालीन प्रशिक्षण

1. डॉ. डेविड लालुरुत्संगा, चिकित्सा अधिकारी, जिला अस्पताल, कोलासिब, आइजॉलः 15 जनवरी 2017–14 जनवरी 2018
2. डॉ. राम प्रताप सैनी, एसोसिएट प्रोफेसर, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्लीः 1 अगस्त 2017–31 जनवरी 2018

'रियुमेटोइड गठिया' पर **टेलीमेडिसिन व्याख्यान।**

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई / कार्यशालाएँ / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. लुपस पर जन जागरूकता कार्यक्रम, 10 मई 2018, दिल्ली
2. दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन मासिक नैदानिक बैठक, 23 जुलाई 2017, दिल्ली
3. 'बुनियादी प्रतिरक्षाविज्ञान' पर प्रारंभिक पाठ्यक्रम, 21–22 अगस्त 2017, दिल्ली
4. दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन मासिक नैदानिक बैठक, 24 अक्टूबर 2017, दिल्ली
5. गठिया पर जन जागरूकता कार्यक्रम, 12 अक्टूबर 2018, दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

उमा कुमारः 15 **दानवीर भादूः 3**

रंजन गुप्ता : 7 **आरती शर्माः 2**

प्रस्तुत मौखिक पत्र/ पोस्टर

शोध

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वायु प्रदूषण के साथ स्वप्रतिरक्षी और सूजन से होने वाली परस्पर क्रिया का अध्ययन, उमा कुमार, 2017–2020, डीएसटी, 50 लाख रुपए
2. एक चरण 3, यादृच्छिक, डबल–ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित उप–केंद्रित सेक्यूकिनुमाब (150 मिलीग्राम और 300 मिलीग्राम) की प्रभावोत्पादकता (संरचनात्मक क्षति के निषेध सहित), सुरक्षा और सहनशीलता को प्रदर्शित करने के लिए 2 साल तक सक्रिय सोरियाटिक गठिया (फ्यूचर 5)विषयों में बहुआयामी अध्ययन , उमा कुमार, 2016–2018, नोवार्टिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 19.44 लाख रुपये
3. 'सिस्टेमिक स्केलेरोसिस से जुड़े इंटरस्टीशियल लंग डिजीज' (एसएससी–आईएलडी), उमा कुमार, 2016–2017, बोहिंगर –इंजेलिम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 12.38 लाख रुपए
4. जटिल रोगों की प्रणाली जीव विज्ञानः आनुवांशिक निष्कर्षो से संधिशोथ के लिए अणु विकास का नेतृत्व करने के लिए, जीनोम साइंसेज एंड प्रेडिक्टिव मेडिसिन (जीईएसपीआरईएम) पर उत्कृष्टता केंद्र, द्वितीय चरण, उमा कुमार, 2015–2020, डीबीटी, 59.6 लाख रुपए।
5. टी सहायक कोशिका और उनके सहसाइटोकिन्स ल्यूपस नेफ्रैटिस में बायोमार्कर के रूप में, रंजन गुप्ता, 3 साल, डीएसटी, 2015, 11 लाख रुपए।
6. सीडी163 + मैक्रोफेज और एलएन गतिविधि के मार्कर के रूप में रक्त और मूत्र में सीडी163, रंजन गुप्ता, 2 वर्ष, डीएसटी, 2016, रु 1 लाख
7. रुमेटॉइड गठिया में मेथोट्रेक्सेट की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणीः मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं पर एडेनोसाइन एक्टेनाजाइम नेटवर्क की भूमिका, रंजन गुप्ता, 2 साल, एपीएलएआर, 2017, 7.5 लाख रुपये
8. एंडोजेनस टीएलआर 4 लिगेंड एमआरपी 8/14 और टेनस्किन–सी ल्यूपस नेफ्रैटिस रोग गतिविधि के बायोमार्कर के रूप मेंः क्रॉस सेक्शनल और अनुदैर्ध्य मूल्यांकन, रंजन गुप्ता, 2 साल, एम्स, 2017, 10 लाख रुपए।
9. तीव्र गठिया रोग में टीएलआर –4 की भूमिका, दानवीर भादू, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2018, 2.3 लाख रुपये

पूर्ण

1. रुमेटॉइड गठिया के उपचार के लिए लक्षित नैनोमेडिसिन का विकास, उमा कुमार, 4 साल, 2014–2018, डीबीटी, 42.79 लाख रुपये।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

2. सोरियाटिक गठियाः एक खुला लेबल संभावित पायलट केस श्रृंखला, त्वचाविज्ञान और वेनेरोलाजी के रोगियों में एडालिमैटेब बायोसिमिलर (एक्जम्प्टिया; जेडआरसी–3197) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक अन्वेषक ने गंभीर स्थायी सोरायसिस के लिए सहवर्ती मध्यम के साथ परीक्षण शुरू किया।
3. रुमेटॉइड गठिया के जीव विज्ञान को समझनाः कुछ / मुख्य आनुवंशिक निर्धारकों के कार्यात्मक लक्षणों का वर्णन, दिल्ली विश्वविद्यालय
4. शरीर–रचना विज्ञान में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव, दिल्ली विश्वविद्यालय
5. रक्सटिमैब केंद्रित औषध विज्ञान की औषधि सतर्कता, औषध विज्ञान
6. गठिया या पेट में सूजन के बिना या बिना गठिया वाले रोगियों में आंत में मौजूद सूक्ष्मजीविता में अंतर पर अध्ययन, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, यूपी
7. ब्रोइकोलोसिस और लियम की बीमारी, सूक्ष्मो जीवविज्ञान के विशेष संदर्भ में ऑलिगोआर्थराइटिस के रोगियों का निदान
8. टिक बॉर्न लाइम बोरेलीयोसिस, मानव मोनोसाइटिक एर्लिचियोसिस और मानव ग्रैनुलोसाइटिक एनाप्लाज्मोसिस, सूक्ष्म जीवविज्ञान का आणविक अध्ययन और विवरण
9. रुमेटॉइड गठिया, शरीर विज्ञान में कोर्टिकोमोटर एक्साइटेबिलिटी और दर्द की स्थिति पर मोटर इमेजरी का प्रभाव

10. ल्यूपस में जन्मजात और अनुकूली प्रतिरक्षा के बीच परस्पर क्रियाः न्यूट्रोफिल और मोनोसाइट्स पर एपोप्टोटिक कोशिका–प्रतिक्रियाशील प्रतिरक्षा का तेज प्रभाव, राष्ट्रीय रोगक्षमताविज्ञान संस्थाइन
11. रुमैटॉइड गठिया(आरए) में लार स्केवेंजर और एग्लूटीनिन (एसएएलएसए) और लेक्टिन पाथवे घटकों की भूमिका का मूल्यांकन, गुरु गोविंद सिंह विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
12. संयुक्त सूजन में बहिर्जात एटीपी की भूमिका की पहचान करना, दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
13. मस्कुलोस्केलेटल के लक्षण और किशोर स्कूली बच्चों में शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव, संतोष विश्वविद्यालय, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

पूर्ण

1. घुटने के जोड़, न्यूक्लियर मेडिसिन में लू –177 के साथ पारंपरिक उपचार के तौर–तरीकों के लिए संयुक्त स्थिति में रेडियोसिनोवेक्टोमी की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना

प्रकाशन

पत्रिकाः 6 **सारः 10** **पुस्तकों में अध्यायः 3**

रोगी उपचार

विभाग बड़ी संख्या में रोगियों की देखभाल करता है। पिछले एक वर्ष में लगभग 30,0000 मरीजों का बाहरी मरीज विभाग में निरीक्षण किया ।

विभाग में सुविधाएं

रुमेटोलॉजी चिकित्सालयः 5024 मरीज
रुमेटोलॉजी ओपीडीः 22,000 मरीज
रुमेटोलॉजी डे केयर

नाड़ी/ जैविक चिकित्सा	अंर्तजोड़ संबंधी इंजेक्शन	अंतर्पेशीय इंजेक्शन	उपचर्म इंजेक्शन	बायोप्सी	मुश्किल प्रकरण चर्चा	कुल
1351	1004	151	448	31	634	**2619**

मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंडः 141 (निर्देशित प्रक्रिया शामिल है)
नैदानिक रोगक्षमताविज्ञान प्रयोगशाला

आरएफ	एएनए	एएनसीए	एसीएल	एंटी डीएसडीएनए	क्रोग्लोबुलिनेमिया	एंटीएलकेएम	एएसएमए	कुल
10,180	13,970	6481	5166	5175	112	2705	2704	**46,493**

सामुदायिक सेवा

1. लेह, लद्दाख और प्रतापगढ़ में चिकित्सा शिविर
2. एम्स में गठिया पर जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया
3. एम्स में एसएलई पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया
3. रुमेटालॉजिकल विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रिंट मीडिया में लेखन
4. गठिया पर टीवी और रेडियो कार्यक्रमों में भाग लेना
5. प्रकाशित सार्वजनिक जागरूकता पर पुस्तिकाएं और पोस्टर (सभी के लिए मस्कुलोस्केलेटल स्वास्थ्य)
6. वायु प्रदूषण और स्वजरोगदक्षता पर प्रकाशित जन जागरूकता पुस्तिकाः क्या वे संबंधित हैं?

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर उमा कुमार सीडीएससीओ के लिए डीसीजीआई द्वारा रुमेटोलॉजी में निर्वाचित विषय विशेषज्ञ ; विभिन्न विश्वविद्यालयों में रुमैटोलॉजी विभाग के कामकाज की समीक्षा के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में एमसीआई द्वारा नामित; समिति में मनोनीत सदस्य– जन्मजात विकृति और आनुवांशिकी, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, निम्न बाल लिंग अनुपात और अन्य लिंग और स्वास्थ्य, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के अनुदान–सहायता (जीआईए) योजना के तहत महिला क्षेत्रों में शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भारत सरकार, नई दिल्ली; विभिन्न चयन समितियों और विशेषज्ञ समूहों के सदस्य; डीएम रुमेटोलॉजी परीक्षा के लिए नियुक्त बाहरी परीक्षक; विभिन्न विश्वविद्यालयों में रुमेटोलॉजी विभाग के कामकाज की समीक्षा करने के लिए एमसीआई विशेषज्ञ नियुक्त; काशी विद्यापीठ

विश्वविद्यालय के दायरे में चल रहे मेडिकल मेडिकल कॉलेज के कामकाज की समीक्षा करने के लिए नियुक्त विशेषज्ञ;डीबीटी, जीओआई द्वारा चयापचयी विकार और स्वरोगदक्षता बीमारियों के टास्क फोर्स के नियुक्त विशेषज्ञ सदस्य; अंतर–क्षेत्रीय अभिसरण और स्वास्थ्य अनुसंधान, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के मंत्रालय में पदोन्नति और मार्गदर्शन में समन्वय के लिए स्वयरोगदक्षता विकारों क्षेत्र के लिए गठित विशेषज्ञ समूह के सदस्य; किसी विशेष दवा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) और महानिदेशक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के सचिव की अध्यक्षता में नामित समीक्षा समिति के सदस्य; 20–21 जनवरी 2018 को कोलकाता में आयोजित "इंटरनेशनल ल्यूपस मीट 2018" में एक सत्र की अध्यक्षता; 31 मार्च –1 अप्रैल 2018 से चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वास्कुलाइटिस संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. दानवीर भादू को यूरोपीय लीग अगेंस्ट रूमेटिज्म (ईयूएलएआर–2017, जून), मैड्रिड, सापिन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए ईयूएलएआर द्वारा ट्रैवल बर्सरी अवार्ड मिला; एसीआर –2018, सैन डिएगो, यूएसए में भाग लेने के लिए डीएसटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान; नेशनल कॉन्फ्रेंस आईआरएसीओएन–2017 में एक "बुनियादी पेपर सत्र" की अध्यक्षता की; रुमेटोलॉजी अपडेट–2018 में "डर्मेटोलॉजी एंड रुमेटोलॉजी" सत्र के अध्यक्ष।

डॉ. रंजन गुप्ता ने एआरए– एपीएलएआर (ऑस्ट्रेलियन रुमेटोलॉजी एसोसिएशन–एशिया पैसिफिक लीग ऑफ एसोसिएशन ऑफ रुमैटोलॉजिस्ट) से वर्ष 2017 के लिए स्कॉलरशिप प्राप्त की, जो न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में आयोजित न्यूजीलैंड के रुमैटोलॉजिस्ट एसोसिएशन और ऑस्ट्रेलियन रुमैटोलॉजिस्ट संघ की संयुक्त बैठक में भाग लिया।

डॉ. आरती शर्मा: "बायोलॉजिक्स इन पीएसए" –रुमैटोलॉजी में दस विषय, रुमैटोलॉजी यूविए अपडेट (सर गंगा राम हॉस्पिटल), नई दिल्ली, अध्यक्ष के रूप में भाग लिया – नवंबर 2017।

विभाग की विविध गतिविधियाँ

1. "वायु प्रदूषण और स्वोरोगक्षमता" पर क्लिनिकल विस्तृत चर्चा दौर प्रस्तुत
2. क्लीनिकल सहचर्चा दौर प्रस्तुत
3. गठिया के रोगियों के लिए वीडियो–परामर्श

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. जसविंदर सिंह, टेन्योर के साथ चिकित्सा के प्रोफेसर, स्टाफ फिजिशियन, बर्मिंघम वीए मेडिकल सेंटर, अनुसंधान सहयोगकर्ता, मेडो क्लिनिक कॉलेज ऑफ मेडिसिन।
2. डॉ. रॉबर्ट फॉक्स, प्रमुख, रुमैटोलॉजी क्लिनिक, एक्स–स्टैनफोर्ड मेडिकल स्कूल फैकल्टी, स्क्रिप्स मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च फाउंडेशन, ला जोला, कैलिफोर्निया, यूएसए।
3. सुतोमु तकेउची, रुमैटोलॉजी के प्रोफेसर, केयू विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन, जनरल डायरेक्टर, केयो यूनिवर्सिटी अस्पताल।

9-39 'kY; fpfdRlk

vkpk;l ,o v/;{k

अनुराग श्रीवास्तव

vkpk;l

सुनील चुम्बर	राजिंदर प्रसाद	वी. सीनू
संदीप अग्रवाल	वीरेंदर कुमार बंसल	अनिता धर
सुबोध कुमार	अमित गुप्ता	मनीष सिंघल
सुषमा सागर	बिप्लब मिश्रा	

lg vkpk;l

हेमांगा के. भट्टाचार्जी

lgk;d vkpk;l

असुरी कृष्ण	पीयूष रंजन	मंजूनाथ मारुति पॉल
मोहित जोशी	यशवंत राठौर	कमल कटारिया
सुहानी	ओम प्रकाश	प्रत्यूषा प्रियदर्शिनी
नरेंद्र चौधरी	दिनेश बगारिया	अभिनव कुमार

fof'k"Vrk,

हमारा विभाग न्यूनतम विच्छेदक, वक्ष, संवहनी, गुर्दा प्रत्यारोपण, स्तन, अंतःस्रावी, जठरांत्र और बैरिएट्रिक सर्जरी करता है। हम स्तन कैंसर, बैरियाट्रिक और गुर्दा प्रत्यारोपण क्लीनिक चला रहे हैं। एशियन सोसाइटी ऑफ मास्टोलॉजी कॉन्फ्रेंस (एएसओएमए)। हमने बीएआरआईएमई और वक्ष सर्जरी संगोष्ठी का आयोजन किया है। हमारे विभाग में सर्जरी में स्नातकोत्तर सीएमई भी आयोजित किया गया। इसके अलावा, हम बुनियादी और उन्नत लेप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम विच्छेदक प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे हैं। आस–पास के देशों से कई चिकित्सक अल्पकालिक प्रशिक्षण के लिए आए। प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय संकायों ने एम्स में आकर अपने अनुभव बताए। हमारे विभाग ने राष्ट्रीय कैंसर जांच कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण अर्थात 8 राज्यों के चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टाफ के प्रशिक्षण को सुविधाजनक बनाया है, दो शहरों (सिलचर और डिब्रूगढ़) में अधिक गहन प्रशिक्षण दिया गया था। हमने स्तन कैंसर की जांच करने के लिए मॉड्यूल भी विकसित किया है।

शिक्षा

1. पोस्ट ग्रेजुएट सेमिनार प्रत्येक बुधवार को शाम 5.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक
2. जर्नल क्लब ने एमसीएच सीनियर रेजिडेंट द्वारा प्रत्येक सोमवार को शाम 5 बजे से शाम 6 बजे तक प्रस्तुत किया
3. जूनियर क्लब द्वारा प्रत्येक शनिवार को जर्नल क्लब प्रस्तुत किया जाता है
4. प्रत्येक इकाई में एक सप्ताह में एक बार जूनियर रेजिडेंट द्वारा मृत्यु दर और गतिशीलता
5. व्याख्यान, एमबीबीएस छात्रों के लिए ओपीडी/वार्ड में, शिक्षण अनुसूची
6. जूनियर रेजिडेंट्स और एमबीबीएस छात्रों के लिए समय–समय पर आंतरिक मूल्यांकन
7. नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान
8. निम्नलिखित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, विभाग के मिनिमैली इनवेसिव सर्जरी ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित किए गए थेः
   - (i) बेसिक (बुनियादी) और एडवांस (उन्नत) लेप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमः 14
   - (ii) लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरीः 6
   - (iii) लेप्रोस्कोपिक सूचिंगः 2

(iv) एम्स ब्रेस्ट कोर्स (स्तन पाठ्यक्रम): 2

सी.एम. ई./कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. ऑस्ट्रेलिया इंडिया ट्रॉमा सिस्टम सहयोग, रैप–अप संगोष्ठी, 12–13 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. सर्जरी में पीजी सीएमई, 18–19 फरवरी 2018, डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन, एम्स, नई दिल्ली
3. सर्जरी में समकालीन अभ्यासः थोरैसिक सर्जरी –2018 पर संगोष्ठी और कैडवर कार्यशाला, 19–21 जनवरी 2018, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. बीएआरएमई , 1 एंड 2 दिसंबर 2017, डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लिन, एम्स, नई दिल्ली
5. एम्स और ओसाका विश्वविद्यालय, जापान की संयुक्त कार्यशाला, 17–18 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
6. एशियन सोसाइटी ऑफ मास्टोलॉजी कॉन्फ्रेंस (एएसओएमए), 7–9 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
   1. एआईटीएससी– ट्रॉमा क्वालिटी इम्प्रूवमेंट पर डब्ल्यूएचओ वर्कशॉप, 12 जुलाई 2017,जीपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याखान

अनुराग श्रीवास्तवः	**10**	**अमित गुप्ताः**	**20**	**मोहित जोशीः**	**9**
सुनील चुम्बरः	**2**	**सुबोध कुमारः**	**19**	**यशवंत राठौरः**	**2**
राजिंदर प्रसादः	**10**	**बिप्लब मिश्राः**	**20**	**कमलः**	**3**
वी. सीनूः	**6**	**हेमांगा के. भट्टाचार्जीः**	**4**	**ओमप्रकाशः**	**3**
संदीप अग्रवालः	**22**	**आसुरी कृष्णः**	**1**	**दिनेश कुमार बगारियाः**	**3**
वी.के. बंसलः	**16**	**पीयूष रंजनः**	**9**	**नरेंद्र चौधरीः**	**3**
अनिता धरः	**4**	**मंजूनाथ मारुति पॉलः**	**2**	**अभिनव कुमारः**	**2**
सुषमा सागरः	**14**				

मौखिक पत्र /पोस्टर की प्रस्तुतिः 32

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. इवेल्यूशन ऑफ दी नाइट्रिक ऑक्साइड, नाइट्रिक ऑक्साइड सिन्थेज़, वैस्क्यूलर एंडोथेलियम ग्रोथ फेक्टर, इंटरल्यूकिन इन लोअर आर्टियल डिसीज एंड देयर एसोसिएशन विद क्लीनिकल आउटकम, अनीता धर, एम्स, 3 साल, 2014–2017, 5 लाख रुपये।
2. पैर में अल्सर के उपचार में केओबी से दो–परत वाले कंप्रेशन बैंडेज सिस्टम और एकाधिक परत वाले स्थानीय भारतीय बैंडेज के दो प्रकारों की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए यादृच्छित अध्ययन, अनिता धर, केओबी, 2 वर्ष, 2016–2017, 2 लाख रुपये।
3. निचले अंग में लसीका शोथ के उपचार में केओबी से पतली पट्टी वाले बैंडेज सिस्टम और एकाधिक परत वाले स्थानीय भारतीय बैंडेज की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए यादृच्छित अध्ययन, अनीता धर, केओबी द्वारा एक्स्ट्राम्यूरल निधियां, 2 साल, 2016–2017, 2 लाख रु।
4. लेवल ,#र सर्जरी के बाद के परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में अभिघत के बाद निचले अंग कटे लोगों में योगा इंटरवेंशन के प्रभाव का अध्ययनकरने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अभिघात केन्द्र, सुषमा सागर, डीएसटी, 3 साल, 2017–2020, रु. 54 लाख।
5. अभिघात में चेहरे की विकृति वाले रोगियों में संरचनागत वसायुक्त आरोपण सॉफ्ट ऊतक पुनर्निर्माण और वृद्धि के परिणामों का मूल्यांकन करना, सुषमा सागर, डीएसटी (महिला वैज्ञानिक), 3 साल, 2015–2018, रू. 30 लाख।
6. भारत और ऑस्ट्रेलिया में देखभाल की बेहतर व्यवस्थाओं के विकास एवं उन्हें शुरू करके चोट के बोझ को कम करना, ऑस्ट्रेलिया इंडिया ट्रामा सिस्टम्स कोलेबोरेशन, अमित गुप्ता, डीएसटी, 4 साल, 2014–2018, 3.61 करोड़ रुपये, भारतीय पक्ष।
7. भारत में सड़क यातायात में चोटों के लिए व्यापक आपातकालीन देखभाल और अभिघात रजिस्ट्री पर एक हस्तक्षेप अध्ययन। आईसीएमआर– राष्ट्रीय कार्य बल परियोजना, अमित गुप्ता, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2017–2019, 75 लाख रु
8. लेवल , अभिघात केन्द्र में वक्ष अभिघात के रोगियों में फुस्फुस कार्यप्रणाली, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना, सुबोध कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 40 लाख रु।
9. मेसोथेरेपी द्वारा कृत्रिम लिपोमा का प्रबंधन, कमल कटारिया, यशवंत सिंह राठौर, एम्स, दिल्ली 2 वर्ष, 2016–2018, 4 लाख रु.

पूर्ण

1. किडनी के पुराने रोगियों में धमनी–शिरा फिस्टुला की परिपक्वता में क्लिनिको–पैथोलॉजिकल कारकों का परिप्रेक्ष्य अध्ययन, वीके बंसल, एम्स, 2 साल, 2015–2017, 5 लाख रु।
2. आपातकालीन उदरच्छेदन करानेवाले पर्युदर्याशोथ रोगियों में इंटराओपरेटिव लो टाईडल वाल्यूम वेंटिलेशनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दलिम कुमार बैद्य, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 5 लाख रुपये।
3. भारत और ऑस्ट्रेलिया में देखभाल की बेहतर व्यवस्थाओं के विकास एवं उन्हें शुरू करके चोट के बोझ को कम करना, सुबोध कुमार, डीएसटी, 5 वर्ष, 2013–2018, रु. 2.74 करोड़।
4. भारत में खंडोष्ठ और पैलेट की विकृतिः क्लिनिकल प्रोफाइल, जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थिति – अस्पताल आधारित सर्वेक्षण, सुषमा सागर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2013–2017, रु 35 लाख
5. भारत में उन्नत अभिघात जीवन सहायता के लिए क्षमता निर्माण पर परियोजना (पीपीसीबी–एटीएलएसआई), सुबोध कुमार, एनडीएमए, 1 वर्ष, 2016–2017, रु. 1.32 करोड़
6. वक्ष अभिघात के रोगियों के परिणाम में टीएच1, टीएच2, न्युट्रोफिल और मोनोसाइट्स की भूमिका, सुबोध कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, रु. 9 लाख
7. किडनी के पुराने रोगियों में धमनी–शिरा फिस्टुला की परिपक्वता में क्लिनिको–पैथोलॉजिकल कारकों का परिप्रेक्ष्य अध्ययन, भट्टाचार्जी एच. के., एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, रु. 5 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. लैप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस एबडोमेन प्री–पेरिटोनियल (टीएपीपी) इन्सुलिन हर्निया की मरम्मत के बाद वृषण कार्यसंचालन, यौन कार्य और जीवन की गुणवत्ता की परिप्रेक्ष्य यादृच्छिक तुलना।
2. विकृत शरीर वाले मोटे लोगों के लिए लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के दौरान कोटर उच्छेदन और कोटर संरक्षण की तुलना करने के लिए परिप्रेक्ष्य यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
3. अग्न्याशय के कूटपुटी के लिए इंडोस्कोपिक और लैप्रोस्कोपिक निकासी की तुलना करने के लिए परिप्रेक्ष्य यादृच्छिक परीक्षण।
4. अग्न्याशय के कूटपुटी वॉन के लैप्रोस्कोपिक और इंडोस्कोपिक निकासी की तुलना करने के लि परिप्रेक्ष्य यादृच्छिक परीक्षण।
5. लाईव लेप्रोस्कोपिक डोनरनेफरेक्टॉमी के लिए दो एनाल्जेसिक तकनीकों– इंट्राथेलिक मॉर्फिन (आईटीएम) और ट्रांसवर्स एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक की परिप्रेक्ष्य,यादृच्छिक, नियंत्रित, ओपन लेबल तुलना।
6. सर्जरी रोगियों में रोगी की संतुष्टि का यादृच्छिक अध्ययन–एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन।
7. पित्ताशय की थैली के कैंसर के रोगियों में आंत्र माइक्रोबायोम का अध्ययन।
8. प्रमुख अतालता कार्डिया में लैप्रोस्कोपिक हेलर कार्डियोमायोटॉमी के बाद शारीरिक परिणाम और लाक्षणिक परिणाम के साथ सहसंबंध का अध्ययन।
9. अग्नाशयी अभिघात वाले रोगियों में अग्नाशयी एंडोक्राइन और एक्सोक्राइन कार्यों का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
10. स्तर , के अभिधात केन्द्र में अत्यधिक चोटिल रोगियों में ग्रेड प्रबंधन संबंधी जटिलताएं और परिणामों के साथ उनके सहसंबंध का अध्ययन।
11. खुले जाल हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस उदरीय प्री–पेरिटोनियल (टीएपीपी) ग्रोइन हर्निया की मरम्मत के बाद यौन क्रिया की तुलना करने के लिए एक थ्री आर्म यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
12. कुंठ यकृत और प्लीहा अभिघात में एब्रिवेटेड डिस्चार्ज प्रोटोकॉलः एक प्रायोगिक अध्ययन।
13. अचलासिया कार्डियाः लैप्रोस्कोपिक हेलर के कार्डियोमायोटॉमी के बाद दीर्घकालिक परिणाम और परिणाम की भविष्यवाणी करने वाले कारकों का मूल्यांकन।
14. फाइब्रोएडीनोमा के एटियोपैथोजेनेसिस की पहचान करने के लिए जांचः एक अल्ट्रास्ट्रक्चरल और भौतिक–रासायनिक अध्ययन।
15. हेपेटोबिलरी रोगों में लैप्रोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड का अनुप्रयोगः एक परिप्रेक्ष्य अध्ययन।
16. आघात के उपरांत, अंग की विकृति और सेप्सिस के शीघ्र निदान के लिए मोनोसाइट्स की क्षमता पैदा साइटोकाइन का आकलन।
17. कुंठ प्लीहा की क्षति वाले रोगियों में प्लीहा प्रतिरक्षा कार्यप्रणाली का आकलन।
18. विच्छेदित थायरॉयड नमूने में पैराथायराइड का बेंच विच्छेदन।
19. जीवित संबंधित दाता गुर्दे के प्रत्यारोपण में प्रतिरक्षा संबंधी अणुओं की नैदानिक प्रासंगिकता।
20. चक्रीय मास्टाल्जिया के उपचार में ओरमेलोक्सिफ़िन और टैमोक्सिफ़ेन की प्रभावकारिता की तुलनाः फाईव आर्म्ड डबल ब्लाइंडेड यादृ च्छिक नियंत्रित परीक्षण।

21. कंपेरीजन ऑफ लोकोरीज रिकरेंस और कॉसमिसिस सिंपल क्लोजर ऐड ब्रेस्ट ऑनोप्लास्टी।
22. कंपेरीजन ऑफ साथ मेसोथेरेपी (नॉन– ऑपरेटिव) विद सर्जरी इन मैनेजमेंट ऑफ सुपरफिशियल लिपोमा।
23. कंपेरीजन ऑफ ऑन्कोलॉजिकल एंड फंक्शनल आउटकम्स इन लेडीज विद ब्रेस्ट कैंसर ट्रिटेट विद ब्रेस्ट कंजरवेशन कंपेयर्ड टू दोज ट्रिटेट विद मास्टेक्टॉमीः एन एंबीस्पेक्टिव स्टडी।
24. कंपेरीजन ऑफ सेक्सुअल फंक्शन एंड सीमेन एनालिसिस– टीईपी टीएपीपी बनाम ओपन ग्रोइन हर्निया रिपेयर।
25. कंपेरीजन ऑफ थ्री–डायमेंशनल (3 डी) एंडोवेशन सिस्टम बनाम अल्ट्रा–हाई डेफिनिशन (एचडी) (4के) एंडोवेशन सिस्टम इन मिनिमली इनवेसिव सर्जिकल प्रोसिजर्स–एन ओपन लेबल्ड रेंडमाईज्ड स्टडी।
26. कंपेरीजन ऑफ टू– डायमेंशनल (2 डी) एंडोविज़न सिस्टम, अल्ट्रा–हाई डेफिनिशन (एचडी) (4के) एंडोविज़न सिस्टम एंड थ्री डायमेंशनल (3 डी) एचडी एंडोविज़न सिस्टम ऑन स्टेंडडर्ड फेंटम टॉस्क्सः एन एक्स वाईवो स्टडी।
27. को– रिलेशन ऑफ इमेजिंग एंड ऑपरेटिव फाइंडिंग्स विद लोंग टर्म क्लीनिकल एंड बायोकैमिकल आउटकम इन पेशेंट्स विद प्राईमरी हाईपरथॉयरोडिज्म।
28. इफेक्ट ऑफ फ्रेनिक नर्स सिम्युलेशन ऑन डायफ्रामेटिक स्ट्रेंज्थ एंड थिकनेसः एक रंडमाईज्ड आरेख शक्ति और मोटाई पर फेरिक तंत्रिका उत्तेजना का प्रभावः ए रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
29. इफेक्ट ऑफ फ्रेनिक नर्स सिम्युलेशन ऑन डायफ्रामेटिक स्ट्रेंज्थ एंड थिकनेस।
30. इफेक्ट ऑफ वर्चुअल रिएलिटी थैरेपी इन इम्प्रूविंग बैलेंस एंड क्वालिटी ऑफ लाईफ इन लोअर लिंब एंप्यूटेशन।
31. इफेक्ट ऑफ वर्चुअल रिएलिटी थैरेपी ऑन लोअर लिंब एंप्यूटी बेलेंस एडीएल एंड पेन।
32. एर्गोनोमिक्स एनॉलिसिस ऑफ मसल एक्टिविटी डयूरिंग लेप्रोस्कोपी एंड इनफ्ल्यूएंस ऑफ ट्रेनिंग।
33. एर्गोनॉमिक्स इन लेप्रोस्कोपिक सर्जरी।
34. इवेल्यूएशन ऑफ ए कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम टू डवलप ट्रामा ईडी इन ए टेरिटियरी केयर सेंटर।
35. इवेल्यूएशन ऑफ क्लीनिकल प्रीडिक्टर्स एंड आउटमक्स इन पेशेंटस विद ओपन एब्डॉमैन (लैपरोस्टोमा) इन ट्रामा।
36. इवेल्यूएशन ऑफ गामा सिन्यूक्लिन एज ए सीरम बायो–मार्कर इन ब्रेस्ट कैंसर।
37. इवेल्यूएशन ऑफ प्रोग्नॉस्टिक सिग्निफिकेंस ऑफ आईएल –10 एक्सप्रेशन इन ब्रेस्ट कैंसर टिश्यू एंड सर्कुलेटिंग माइक्रोन 106 ए इन पेशेंट्स विद ब्रेस्ट कैंसर।
38. इवेल्यूएशन ऑफ रोल ऑफ बेंज़तिन पेनिसिलिन इन हीलिंग ऑफ क्रॉनिक वेनस लेग अल्सर्सः ए प्रोस्पेक्टिव रेंडमाईज्ड ट्रायल।
39. इवेल्यूएशन ऑफ सेफ्टी एंड एफिसिएसी ऑफ ओरल साइक्लोफॉस्फेमाइड, मैथोट्रेक्सेट और कैपेसिटाबाइन (सीएमसी) इन लोकली एडवान्स्ड ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्सः ए पायलट स्टडी ऑफ 20 केसेस।
40. इवेल्यूएशन ऑफ दी रोल ऑफ ए कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फोर इनिशियल एक्सेसमेंट एंड मैनेजमे।ट ऑफ ट्रामा पेशेंट्स इन एमरजेंसी डिपार्टमेंट इन इंप्रूविंग नॉलेज, स्किल्स एंड एटीट्यूड ऑफ डॉक्टर्स एंड नर्सेस।
41. फिजिबिलिटी एंड इंप्लीमेंटेशन ऑफ हॉस्पीटल बैंड सेड ट्रॉमा रजिस्ट्री फोर रोड ट्रेफिक इन्जरीज एट डिफरेंट लेवल्स ऑफ हैल्थ केयर सेटिंग एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन क्वालिटी ऑफ पेशेंट केयर।
42. फिजिबिलिटी एंड इंप्लीमेंटेशन ऑफ हॉस्पीटल बैंड सेड ट्रॉमा रजिस्ट्री फोर रोड ट्रेफिक इन्जरीज एट डिफरेंट लेवल्स ऑफ हैल्थ केयर सेटिंग एंड इट्स इफेक्ट्स ऑन क्वालिटी ऑफ केयर।
43. फोलो– अप स्टडी टू एवेल्यूएट को–रिलेशन ऑफ इमेजिंग एंड ऑपरेटिव फाइंडिंग्स विद लोंग टर्म क्लीनिकल एंड बायोकैमिकल आउटकम इन पेशेंट्स विद प्राईमरी हाईपरथॉयरोडिज्म।
44. आईसीजी फ्लोरेसेंस इमेजिंग फोर आईडेंटिफाईंग एंड एक्सेसिंग दी परफ्यूजन ऑफ पैराथायराइड ग्लैंड डयूरिंग थायरायड सर्जरी।
45. इंपेक्ट ऑफ बेरियटिक सर्जरी इन नॉन एल्कोहलिक फेटी लीवर डिसीज एंड मेटाबॉलिक सिंड्रोम।
46. इंपेक्ट ऑफ बेरियटिक सर्जरी इंड्यूस्ड वेट लॉस ऑन कार्डियो वेस्क्यूलर डिसीज रिस्क रिडक्शन इन मॉर्बिड ओबिज पेशेंट्स।
47. इंपेक्ट ऑफ क्लीनिकल पैरामीटर्स, वैस्क्यूलर हेमोडायनामिक्स ऑन आर्टिरियोः वीनस फिस्टुला मैचुरेशनः ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी फ्रोम इंडिया।
48. इंपेक्ट ऑफ इंट्रा–ऑपरेटिव डिटर्मिनेंट्स ऑन अर्ली एंड मीड टर्म ग्राफ्ट आउटकम्स फोलोविंग लाइव डोनर रीनल ट्रांसप्लांटेशन्स।
49. इंपेक्ट ऑफ इंट्रा–ऑपरेटिव डिटर्मिनेंट्स ऑन ग्राफ्ट आउटकम्स फोलोविंग लाइव डोनर रीनल ट्रांसप्लांटेशन्स।
50. इम्प्रूविंग ऑपरेटिव रूम परफार्मेन्स इन लेप्रोस्कोपिक ऑफ सर्जरी ऑफ सर्जिकल रेजीडेंट्स वाया शॉर्टटर्म फोकस्ड ट्रेनिंग– ए क्वालिटी इंप्रूवमेंट स्टडी।
51. इंडोसायनिन ग्रीन फ्लुरेसेंस इमेजिंग फोर आईडेंटिफाईंग एंड एक्सेसिंग दी परफ्यूजन ऑफ पैराथायराइड ग्लैंड्स ड्यूरिंग थॉयरॉयड सर्जरीः ए पायलट स्टडी।
52. लैप्रोस्कोपिक वर्सस ओपन सीएपीडी सर्जरी–ए रेंडमाईज्ड ट्रायल।

53. मैनेजमेंट एंड आउटकम ऑफ मैश लैप्रोस्टॉमी इन पेशेंट्स विद एब्डामिनल ट्रॉमा एट लेवल , ट्रॉमा सेंटर।
54. मैनेजमेंट ऑफ सुपरफिशियल लिपोमा बाई मेसोथेरेपी।
55. मेश फिक्शेशन विद मैकेनिकल फिक्सेशन डिवाईस वर्सेस फाइब्रिन सीलेंट ड्यूरिंग लेप्रोस्कोपिक रिपेयर ऑफ प्राईमरी वेंट्रल हर्नियाः ए डबल ब्लाइंडेड रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड स्टडी।
56. मेश फिक्शेशन विद पेनेट्रेटिंग फिक्सेशन डिवाईस वर्सेस फाइब्रिन सीलेंट ड्यूरिंग लेप्रोस्कोपिक रिपेयर ऑफ प्राईमरी वेंट्रल हर्नियाः ए डबल ब्लाइंडेड रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
57. मल्टीपल कॉजेटिव फेक्टर्स फोर दी ट्रामा इंजरी एंड इट्स जिओस्पेटियल डिस्ट्रिब्यूशन।
58. मल्टीपल कॉसेज ऑफ रोड ट्रेफिक एक्सीडेंट्स (आरटीए) एंड इट्स जिओस्पेटियल डिस्ट्रिब्यूशन यूजिंग जियो इनफॉर्मेशन सिस्टम।
59. ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बाईपास वर्सेस रॉक्स एन वाई गैस्ट्रिक बाईपास फोर टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस इन ओबीज सब्जेक्ट्सः ए पायलट रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
60. ऑप्टिकल कैरेक्टराईजेशन ऑफ ब्रेस्ट कैंसर।
61. आउटकम को रिलेशन ऑफ इनिशियल आर्टिरियल ब्लड गैस एनॉलिसिस इन आईसोलेटेड थोरेसिक इंजरी।
62. आउटकम ऑफ अर्ली मेश लैप्रोस्कोपी इन पेशेंट्स विद एब्डामिनल ट्रॉमा एट लेवल , ट्रॉमा सेंटर।
63. पायलट स्टडी टू एक्सेसे दी रोल ऑफ मिनिमल एक्सेस एर्जरी इन ट्रीटमेंट ऑफ सुपरफिशियल सर्जिकल इनफेक्शन।
64. पोस्ट ट्रांसप्लांट डायबिटीज मेलिटस– ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी।
65. प्रीवलेंस ऑफ एक्सपोजर टू रिस्क फेक्टर्स अमोंग रोड ट्रेफिक एक्सीडेंट्स (आरटीए) विक्टिम्स अराईव्ड एट इमरजेंसी डपार्टमेंट ऑफ लेवल , ट्रॉमा सेंटर, न्यू डेल्ही एंड इट्स जियोलॉजिकल स्पेटियल।
66. प्राईमरी वर्सेस डिलेयड प्राईमरी क्लोजर इन पेशेंट्स अंडरगोइंग लोअर लिंब एंप्यूटेशन फोलोइंग ट्रामाः ए रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
67. प्रोस्पेक्टिव रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कंपेयरिंग एंगल ऑफ हिज एक्सेनचुएशन सर्वेस टाउपेट फंडोप्लीकेशन एज ए एंटी रिफ्लक्स प्रोसिजर इन पेशेंट्स ऑफ अकालिया कार्डिया अंडरगोइंग हेलर्स कार्डियोमायोटॉमी।
68. प्रोस्पेक्टिव स्टडी टू इवेल्यूएट दी रोल ऑफ प्रोटोकॉल बेस्ड मैनेजमेंट ऑफ चेस्ट ट्यूब्स इन पेशेंट्स अंडरगोइंग इलेक्टिव थोरेसिक सर्जरीज।
69. रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल टू कंपेयर एफिसिएसी ऑफ डिकंजेस्टिव कंप्रेशन थेरेपी एंड इंजेक्शन बेंज़ैथिन पेनिसिलिन जी वर्सेस डिसॉन्गेस्टिव कंप्रेशन थेरेपी, इंजेक्शन बेंज़ैथिन पेनिसिलिन जी एंड प्लेसमेंट ऑफ हाइड्रोफोबिक सिलिकॉन ट्यूब इन अपर लिंब लिम्फेडेमा फोलोविंग एएलएनडी इन ब्रेस्ट कैंसर।
70. रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल टू कंपेयर एफिसिएसी ऑफ इंजेक्शन बेंज़ैथिन पेनिसिलिन, अपर लिंब एक्सरसाईज एंड केयर वर्सेस अपर लिंब एक्सरसाईज एंड केयर ओनली इन प्रीवेंशन ऑफ अपर लिंब लिम्फेडेमा फोलोविंग ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी।
71. रिकंस्ट्रक्शन ऑफ पोस्ट ट्रॉमैटिक फेशियल डिफेक्ट्स यूजिंग एडिपोज टिशू डेराईव्ड मेसेनकाइमल स्टेम सेल्स सीडेड ऑन 3 डी प्रिंटेड हाइड्रॉक्सीपैटाइट स्कैफोल्ड गाईडेड बाई सीएडी मॉडल इन जिगोमैटिको–ऑर्बिटो–मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स फ्रैक्चर्स।
72. रोल ऑफ पीईटी स्कैन इन अनडायग्नोस्ड एब्डामिनल पेन।
73. रोल ऑफ टी– हेल्पर सेल्स एंड न्यूट्रोफिलिस इन दी आउटकम ऑफ पेशेंट्स विद चेस्ट ट्रामा।
74. स्टेंट वर्सेस नो स्टेंट इन एलआरआरटी – ए रेंडमाईज्ड ट्रायल।
75. स्टेंट वर्सेस नो स्टेंट इन यूरेटरनियोसिस्टोस्टॉमी इन लाईव रिलेटे रीनल ट्रांस्प्लांटः ए प्रोस्पेक्टिव रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
76. स्टडी इफेक्ट ऑफ बैरियाट्रिक सर्जरी इंडयूस्ड वेट लॉस ऑन यूरिनरी इनकान्टिनेंस।
77. स्टडी ऑफ शॉट–टर्म आउटकम ऑफ किडनी ग्राफ्ट्स विद मल्टीपल रीनल वेसल्सः ए क्लीनिकल ऑब्जर्वेशनल प्रोस्पेक्टिव एंड रिट्रोस्पेक्टिव कोहॉर्ट स्टडी।
78. स्टडी दी इंपेक्ट ऑफ बैरियाट्रिक सर्जरी इंडयूस्ड वेट लॉस ऑन कार्डियोवेस्क्यूलर डिसीज रिडक्शन इन मॉर्बिड ओबीज पेशेंट्स अंडरगोइंग ।
79. स्टडी दी इंपेक्ट ऑफ लेप्रोस्कोपिक मिनी गैस्ट्रिक बाईपास ऑन वेट लॉस एंड को मोर्बिडिटीज इन बैरिएट्रिक सर्जरी।
80. सर्जिकल आउटकॅस इन पेशेंट्स कनवर्टेड फ्रोम मिनिमली इनवेसिव सर्जरी टू ओपन प्रोसिजर।
81. सर्जिकल आउटकम इन पेशेंट्स इन जेरियाट्रिक पोपुलेशन।
82. दी फिजिबिलिटी एंड सेफ्टी ऑफ दी सबसिफ़ाइड वीडियो एसिस्टेड थाइमेक्टॉमी फोर मायस्थेनिया ग्रेविसः ए पायलट स्टडी।
83. थ्री आर्म रेंडमाईज्ड कंपेरिजन ऑफ लेप्रोस्कोपिक पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर इनसर्शन विद ओर विदाउट ओमेन्क्टोमी वर्सेस कनवेंशनल ओपन पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर इनसर्शन इन क्रोनिक किडनी डिसीज स्टेज 5 पेशेंट्स इन टर्म्स ऑफ कैटरटर मानफंक्शन एंड पोस्ट–ऑपरेटिव काम्पलीकेशन्स।

84. टू स्टेबिलिश एल्गोरिथ्म फोर मैनेजमेंट ऑफ एक्सिला इन पेशेंट्स विद क्लीनिकली एग्लीलरी लिंफ नॉड नेगेटिव अर्ली आपरेबल ब्रेस्ट कैंसर।
85. टू मॉनहटर दी फंक्शन्स ऑफ स्प्लीन आफ्टर ब्लंट स्प्लेनिक ट्रामा।
86. टू स्टडी क्लीनिकल एंड इम्यूनोलॉजिकल पैरामीटर्स इन प्रीडिक्टिंग शॉर्ट–टर्म आउटकम्स इन पोलीट्रॉमा पेशेंट्स एडमीटेड टू ट्रॉमा सर्जरी।
87. टू स्टडी इफेक्ट ऑफ पर बैरियाट्रिक सर्जरी इंड्यूस्ड वेट लॉस ऑन यूरिनरी इनकंटिनेंस।
88. टू स्टडी मैनेजमेंट, आउटकम्स एंड क्वालिटी ऑफ लाईफ इन पेशेंट्स विद पेल्विक फ्रैक्चर एट लेवल , ट्रामा सेंटर।
89. टू स्टडी प्लेनिक फंक्शन्स एंड कंप्लीकेशन्स फोलोइंग ब्लंट स्प्लेनिक ट्रामा एट लेवल , ट्रामा सेंटर।
90. टू स्टडी दी को–रिलेशन बिट्विन क्लीनिकल पैरामीटर्स एंड इंटरा–एब्डामीनल प्रेशर एंड देयर इफेक्ट ऑन दी नॉन ऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट्स विद ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमेन एट लेवल , ट्रामा सेंटर।
91. टू स्टडी दी इफेक्ट ऑफ हैंडग्रिप एक्सरसाईन ऑन दी आउटकम ऑफ आर्टरियोवेनियस फिस्टूला सर्जरी, ए रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
92. टू स्टडी दी इफेक्ट ऑफ योगा ऑन पल्मोनरी फंक्शन्स, रेस्पीरेटरी मसल स्ट्रेन्जथ एंड एंड्यूरेंस, चेस्ट वाल मोर्बिलिटी, इनफ्लेमेटरी मार्कर्स एंड क्वालिटी ऑफ लाईफ इन ब्लंट चेस्ट ट्रामा पेशेंट्स एंड देयर को–रिलेशन विद थोरेसिक ट्रामा सिवरिटी स्कोर एट लेवल , ट्रामा सेंटर।
93. टू स्टडी दी लैप्रोस्कोपिक मिनी गैस्ट्रिक बाईपास ऑन वेट लॉस, मोर्बिडिटीज एंड क्वालिटी ऑफ लाईफ इन ओबीज पेशेंट्स अंडरगोइंग बेरिएट्रिक सर्जरी।
94. टू स्टडी दी पेरियोऑपरेटिव आउटकम्स ऑफ लेपारोस्कोपिक एंड ओपन स्पिलीनेक्टॉमी इन पेशेंट्स विद आईडियोपेथिक थ्रोम्बोसाइटोपेनिक परपूरा।
95. टू स्टडी दी रोल ऑफ टी हेल्पर –9, टी हेल्पर –17, टी हेल्पर –22, टी–रेगुलेटरी लिम्फोसाइट्स इन पोस्ट–ट्रामा इम्यूनोपैथोजेनेसिस।
96. वेलिटेशन ऑफ डिफरेंट मेथडस ऑफ फिजिकल एक्जामिनेशन फोर स्वेलिंग इन थायरॉयड रीजन एंड ऑनकोप्लास्टिक एंड सोनोग्राफिक कोरिलेशनः क्रॉस सेक्शनल स्टडी।
97. वेरिएबल्स दी इफेक्ट ऑफ 1 सेमी वर्सेस 2 सेमी रिसेक्कशन मार्जिन एंड ऑनकोप्लास्टिक क्लोजर ऑफ ब्रेस्ट पेरेन्काईमल इफेक्ट ऑन ऑन्कोलॉजिकल एंड एस्थेटिक आउटकम इन लेडीज विद अर्ली ब्रेस्ट कैंसरः ए 2;2 फैक्टोरियल ए रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।

पूर्ण

1. ए रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड स्टडी कंपेयरिंग एफिकेसी, क्वालिटी ऑफ लाईफ एंड कोस्ट एफिक्टिवनेस फोलोविंग अल्ट्रासाउंड गाईडेड फोम स्क्लेरोथेरेपी इन कंपेरिजन टू कनवेंशनल सर्जरी इन वेरिकोज वेन्स ऑफ लोअर लिंब।
2. ए रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल टू स्टडी दी इफेक्ट ऑफ विटामिन डी एंड कैल्शियम सप्लीमेंटेशन ऑन ब्रेस्ट कैंसर रिकरेंस एंड मोर्टेलिटी।
3. ए रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड, पेरेलल ग्रुप, नॉन– इनफिरियरिटी ट्रायल टू कंपेयर आईडेंटीफिकेशन रेट्स ऑफ फ्लोरासेन प्लस मिथाइलीन ब्लू वर्सेस टेक्टेनियम सल्फर कोलाइड प्लस मिथाइलीन ब्लू फोर डिटेक्शन ऑफ सेंटिनेल लिंफ नॉड इन लेडिज विद ऑपरेबल ब्रेस्ट कैंसर।
4. ए रेंडमाईज्ड स्टडी ऑफ पेशेंट सेटिशफेक्शन इन सर्जिकल पेशेंट्स– ए क्वालिटी इंप्रूवमेंट स्टडी।
5. ए स्टडी ऑफ एंडोथेलियल नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेटेज़ (ईएनओएस), नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ), साइटोकिन्स, वैस्क्यूलरएंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) इन लोअर लिंब आर्टेरियल डिसीज एंड दी एल्टरेशन विद दी क्लीनिकल आउटकम।
6. ए स्टडी ऑफ गट माइक्रोबायोम इन पेशेंट्स विद गालब्लेडर कैंसर।
7. ए थ्री आर्म रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड स्टडी टू कंपेयर सेक्सुअल फंक्शन फोलोविंग ओपन मेश हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस एबडोमेन प्री–पेरिटोनियल (टीएपीपी) रिपेयर ऑफ ग्राईन हर्निया।
8. एंबिस्पेक्टिव कोहॉर्ट स्टडी टू इवेल्यूएट दी ऑन्कोलॉजिकल एंड एस्थेटिक आउटकम्स ऑफ स्किन स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी विद इम्प्लांट।
9. कंपेरिजन ऑफ थ्री– डायमेंशनल (3 डी) एंडोविज़न सिस्टम इन मिनिमली इनवेसिव सर्जिकल प्रोसिजर्स–एन ओपन लेबल्ड रेंडमाईज्ड स्टडी।
10. कंपेरिजन ऑफ टू– डायमेंशनल (2 डी) एंडोवेशन सिस्टम, अल्ट्रा–हाई डेफिनिशन (एचडी) (4के) एंडोविज़न सिस्टम एंड थ्री–डायमेंशनल (3 डी) एचडी एंडोविज़न सिस्टम ऑन स्टैंडर्डाईज्ड फेंटम टास्क्सः एन एक्स–वाईवों स्टडी।

11. को– रिलेशन ऑफ इमेजिंग एंड ऑपरेटिव फाइंडिंग्स विद लोंग टर्म क्लीनिकल एंड बायोकैमिकल आउटकम इन पेशेंट्स विद प्राईमरी हाईपरथॉयरोडिज्म।
12. डे केयर थायरॉयडेक्टॉमी एंड बेरेफ्ट म्यूटेशन इन पैपिलरी कार्सिनोमा थायरॉइड।
13. दोसिमिक स्टडी इन चिल्ड्रन एंड यंग एडल्ट्स विद डिफरेंशिएटेड थायराइड कैंसर अंडरगोइंग रेडियोआयोडीन (^{131},–1 °) थैरेपी।
14. एफिकेसी ऑफ इंट्रावेनस फ्लोरेस्कीन इन कार्सिनोमा ब्रेस्ट टू एक्ससे एक्सीलर मेटास्टेसिस इन पोस्ट केमोथेरेपी पेशेंट्सः ए नॉवेल एप्रोच।
15. एर्गोनोमिक एनालिसिस ऑफ मसल एक्टिविटी ड्यूरिंग लेप्रोस्कोपी एंड इनफ्लुएंस ऑफ ट्रेनिंग।
16. इवेल्यूएशन ऑफ इंपेक्ट ऑफ लेप्रोस्कोपिक ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बाईपास (मिनी गैस्ट्रिक बाईपास) ऑन वेट लॉस, कंबोबिडीटीज एंड क्वालिटी ऑफ लाईफ इन सुपर ओबीज।
17. इवेल्यूएशन ऑफ प्रोग्नोस्टिक सिग्निफिकेंस ऑफ आईएल– 10 एक्सप्रेशन इन ब्रेस्ट कैंसर टिश्यू एंड सर्कुलेटिंग माईक्रो आरएनए 106ए इन पेशेंट्स विद ब्रेस्ट कैंसर।
18. इवेल्यूएशन ऑफ दी रोल ऑफ रेडिकल रेडियोथेरेपी इन अचीविंग पैथोलॉजिकल कंप्लीट रिमीशन इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स विद कंप्लीट रिमीशन फोलोबिंग नियो एडजुवेंट कीमोथेरेपीः ए सुपीरियरिटी रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड स्टडी।
19. फोलो अप स्टडी टू इवेल्यूएट को– रिलेशन ऑफ इमेजिंग एंड ऑपरेटिव फाइंडिंग्स विद क्लीनिकल एंड बायोकैमिकल आउटकम इन पेशेंट्स विद प्राईमरी हाईपरथॉयरोडिज्म।
20. आईसीजी फ्लोरोसेंस इमेजिन फोर आईडेंटीफाईंग एंड एक्सेसिंग दी परफ्यूजन ऑफ हाइपरपरथायरायडिज्म ग्लैंड ड्यूरिंग थॉयरायड सर्जरी।
21. इम्प्रूविंग ऑपरेटिव रूम परफार्मेन्स इन लेप्रोस्कोपिक ऑफ सर्जरी ऑफ सर्जिकल रेजीडेंट्स वाया शॉर्टटर्म फोकस्ड ट्रेनिंग– ए क्वालिटी इंप्रूवमेंट स्टडी।
22. लैप्रोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड इन इंट्रा–एब्डोमिनल पैथोलॉजी – ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी।
23. मेश फिक्शेशन विद पेनेट्रेटिंग फिक्सेशन डिवाईस वर्सेस फाइब्रिन सीलेंट ड्यूरिंग लेप्रोस्कोपिक रिपेयर ऑफ प्राईमरी वेंट्रल हर्नियाः ए डबल ब्लाइंडेड रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
24. मॉलेक्यूलर क्लासिफिकेशन ऑफ ब्रेस्ट कैंसर यूजिंग एफईएस, पीईटी सीटी एंड आईएचसीः ए पायलट स्टडी।
25. पायलट स्टडी इन रोल ऑफ मिनिमली इनवेसिव एब्सेस ड्रेनेज इन सुपरफिशियल एबस्केसेस इंक्लुडिंग ब्रेस्ट एक्स्केस एंड पेरेनियल एब्स्केस।
26. स्टेंट वर्सेस नो स्टेंट इन यूरेटरनियोसिस्टोस्टॉमी इन लाईव रिलेटे रीनल ट्रांस्प्लांटः ए प्रोस्पेक्टिव रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
27. स्टडी ऑफ शॉट–टर्म आउटकम ऑफ किडनी ग्राफ्ट्स विद मल्टीपल रीनल वेसल्सः ए क्लीनिकल ऑब्जर्वेशनल प्रोस्पेक्टिव एंड रिट्रोस्पेक्टिव कोहॉर्ट स्टडी।
28. सर्जिकल एंड न्यूरोलॉजिकल आउटकम्स फोलोविंग इनवेसिव थाइमेक्टोमी इन मायस्थेनिया ग्रेसिव पेशेंट्स।
29. सर्जिकल आउटकम ऑफ पेशेंट्स विद पल्मोनरी एस्परगिलोमा– एन आब्जर्वेशनल स्टडी।
30. दी इफेक्ट ऑफ 1 सेमी वर्सेस 2 सेमी रिसेक्कशन मार्जिन एंड ऑनकोप्लास्टिक क्लोजर ऑफ ब्रेस्ट पेरेन्काईमल इफेक्ट ऑन ऑन्कोलॉजिकल एंड एस्थेटिक आउटकम इन लेडीज विद अर्ली ब्रेस्ट कैंसरः ए 2;2 फैक्टोरियलः ए रेंडमाईज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल।
31. थ्री आर्म रेंडमाईज्ड कंपेरिजन ऑफ लेप्रोस्कोपिक पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर इनसर्शन विद ओर विदाउट ओमेन्क्टोमी वर्सेस कनवेंशनल ओपन पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर इनसर्शन इन क्रोनिक किडनी डिसीज स्टेज 5 पेशेंट्स इन टर्म्स ऑफ कैटरटर मालफंक्शन एंड पोस्ट–ऑपरेटिव काम्पलीकेशन्स।
32. टू स्टडी दी साईटोकाईन्स (आईएलः1 बीटा, आईएल–6, आईएल–8, आईएल–10 एंड टीएनएफ–गामा) एंड बायोकार्कर्स (वीडब्ल्यूएफ–1 एंड सीसी–16) इन पेशेंट्स विद चेस्ट ट्रामा सीवरिटी स्कोर एंड पेशेंट्स आउटकम।
33. यूज ऑफ एफईएस–पीईटी फोर ब्रेस्ट कैंसर रिसेप्टर इमेजिंग डिटेक्टिंग मेटास्टेसिस एंड प्रेडिक्टिंग रिस्पांस टू एंटीहार्मोनल थैरेपी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एलुसिडेटिंग दी लिंक बिट्विन एनयूपीआरआई एंड कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल्स, बायोकेमिस्ट्री और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी।
2. आईसोलेशन, आईडेंटिफिकेशनल एंड कैरेक्टराईजेशन ऑफ कैंसर स्टेम सेल्स फ्रोम हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेड ऑफ कोलोरेक्टल कार्सिनोमा, बायोकेमिस्ट्री, फिजियोलॉजी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी एंड पैथोलॉजी।
3. डवलपमेंट एंड वेलीडेशन ऑफ एन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम फोर सर्जिकल साइट इनफेक्शन्स डवलपिंग ड्यूरिंग हॉस्पीटल स्टे एंड ऑफ्टर डिस्चार्जः ए मल्टीसेंटर स्टडी, लैब मेडिसिन

4. कैपेसिटी बिल्डिंग एंड स्ट्रेंजथनिंग ऑफ हॉस्पीटल इनफेक्शन कंट्रोल टू डिटेक्ट एंड प्रीवेंट एंटीमाईक्रोबायल रिसीसटेंस इन इंडिया, लेब मेडिसिन।
5. कंट्रोल्ड क्लीनिकल ट्रायल टू एक्सेसे दी इफेक्टीवनेस ऑफ टॉपिकल एप्लीकेशन ऑफ सी1 हर्बल ऑयल ऑन सुपरफिशियल एक्सटर्नल वाउंड एंड स्पिलट थीकनेस स्किन ग्राफ्ट डोनर, प्लास्टिक सर्जरी।
6. क्लेफ्ट लिप एंड पेलेट एनोम्ली इन इंडियाः क्लीनिकल प्रोफाईल, रिस्क फेक्टर्स एंड करंट स्टेटस ऑफ ट्रिटमेंटः ए हॉस्पीटल बेस्ड स्टडी, मुख्य चरण परियोजना, सीडीईआर।
7. स्टडीज ऑन सिंयूक्लिन इन वेरियस पैथोलॉजिकल कंडीशन्स, बायोफिज़िक्स, ओकुलर फार्माकोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी।
8. ए प्रोस्पेक्टिव कोहॉर्ट स्टडी टू मेजर दी इफेक्टीवनेस ऑफ एनआईएसडब्ल्यूएबनआई इन अचीविंग रिग्रेशन ऑफ फाइब्रोएडेनोमा और मास्टाल्जिया, राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम और अनुसंधान संस्थान।

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 49 **सारः 5** **पुस्तकों में अध्यायः 2**

रोगी उपचार

यह विभाग अनेक क्षेत्रों में नियमित सेवाएं प्रदान कर रहा है जिसमें स्तन कैंसर के रोगियों के लिए मल्टिमोडेलिटि इलाज, न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी, रीनल प्रत्यारोपण, हेपेटोबिलरी और पैनक्रिएटिक सर्जरी, वक्ष और थोरैकोस्कोपिक सर्जरी, प्लास्टिक और रिकन्सट्रक्टिव सर्जरी, एंडोक्राईन सर्जरी, मेटाबोलिक और बैरिएट्रिक सर्जरी, वस्कूलर सर्जरी, अंतिम चरण के गुर्दा रोगियों में वसकुलर पंहुच के लिए सर्जरी और कैंसर सर्जरी शामिल है। विभाग नियमित ओपीडी के अतिरिक्त निम्नलिखित विशेष क्लिनिक चलाता हैः

- प्रभारी आचार्य, बीसीसी (स्तन कैंसर क्लिनिक) प्रत्येक शनिवार को सुबह 9:00 बजे आयोजित, जिसमें पुराने मामलों, कीमोथेरेपी का फोलोअप, और नए मामलों का पंजीकरण शामिल है।
- प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 2.00 बजे फोलोअप क्लिनिक खुलती है।
- प्रत्येक बुधवार को दोपहर 2.00 बजे चेस्ट क्लिनिक खुलती है।

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट घटनाएं

आचार्य अनुराग श्रीवास्तव ने 28 फरवरी और 1 मार्च 2018 को क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट, एम्स, नई दिल्ली में 4 साक्ष्य आधारित मेडिसिन वर्कशॉप (ईबीएमडब्लू) –2018 पर आयोजित कार्यशाला में संकाय के रूप में भाग लिया; 8–9 फरवरी 2018 को वर्चुअल टीचिंग, एम्स, नई दिल्ली में द्वितीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में संकाय के रूप में भाग लिया; 16 जनवरी 2018 को इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, कोलकाता में 62 वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान डॉ अरुण बेनर्जी मेमोरियल ओरेशन दिया; 9 जनवरी 2018 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च (एनआईसीपीआर), नोएडा में रिसर्च एथिक्स एंड गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस पर कार्यशाला में भाग लिया, जेपी नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित एम्स कैडेवरिक सर्जिकल स्किल ट्रेनिंग के लिए प्रमाण पत्र दिए; 10–12 नवंबर, 2017 को, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के एएसआई के दिल्ली स्टेट चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन में संकाय के रूप में भाग लिया; 17 अक्टूबर 2017 को नोएडा में "हैंड्स–ऑन ट्रेनिंग ऑन ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस " पर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च ने सम्मानित किया; 13–14 अक्टूबर 2017 को पुरी, ओडिशा में इंडियन एसोसिएशन ऑफ एंडोक्राइन सर्जन के 18 वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया; 10–11 अक्टूबर 2017 को प्रवासी भारतीय केंद्र, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में ''योग फॉर वेलनेस'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए प्रमाणपत्र दिए; 26 अगस्त 2017 को यूपीएसयूआरजीई 2017ः मेकिंग ऑफ जनरल सर्जन : मेडिकल स्कूल एंड बियोंड, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर; 13 अगस्त 2017 को निःशुल्क नेत्र और कैंसर जांच, जागरूकता और परीक्षण शिविर के दौरान उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमाण पत्र दिया; 31 मई और 1 जून 2017 को काठमांडू, नेपाल में चिकित्सा विभाग के मेडिसिन इंस्टिटियूट की आईओएम स्वास्थ्य अनुसंधान कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की; सदस्य, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय, कर्मचारी चयन समिति, आईसीएमआर की परियोजना समीक्षा समिति; एएएसीआर के जीवनपर्यंत के सदस्य; सदस्य, वर्चुअल टीचिंग सोसाइटी।

आचार्य सुनील चुंबरः एम्स, जोधपुर– सर्जरी में अंतिम एमबीबीएस परीक्षा, दिसंबर 2017; एम्स, जोधपुर– सर्जरी में अंतिम एमबीबीएस परीक्षा (पूरक), फरवरी 2018; सुभारती विवेकानंद विश्वविद्यालय, मेरठ– सर्जरी में अंतिम एमबीबीएस परीक्षा (पूरक), मई 2017; साक्षात्कार बोर्ड विभिन्न संस्थानों के लिए जीडीएमओ उम्मीदवारों के साक्षात्कार लेने हेतु यूपीएससी चयन में शामिल हुआ, नवंबर–दिसंबर 2017।

आचार्य राजिंदर प्रसाद ने 2016–2018 की अवधि के लिए एएमएएसआई के केंद्रीय क्षेत्र के कार्यकारी सदस्य थे; कोयम्बटूर में 28–30 जुलाई 2017 तक रोबोटिक सर्जरी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और लाइव कार्यशाला में एक प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया; 5 और 6 अगस्त 2017 को एम्स, नई दिल्ली में एम्स रेडियोलॉजी कोर्स : इंटरस्टीशियल लंग डिजीज में सत्र की अध्यक्षता की; 29 सितंबर 2017 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में सर्जरी अपडेट 2017 में सत्र की अध्यक्षता की; 8 अक्टूबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में सीपीएलडी 2017 में सत्र की अध्यक्षता की; 3–4 मार्च 2018 को नई दिल्ली में आयोजित कैडेवर कोर्स–वर्कशॉप एंड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आन पेरिटोनियल सर्फेस मैलिग्नेंसीज पर एक सत्र की अध्यक्षता की; 11 मार्च 2018 को एम्स, ऋषिकेश में एमएएससीओएन–2018 में भाग लिया; 8 अक्टूबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में सीपीएलडी–2017 में अध्यक्ष की; 2016–2018 के लिए एएमएएसआई के केंद्रीय क्षेत्र के कार्यकारी सदस्य; एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जन के सदस्य, लीवर ग्रुप के सदस्य, भारतीय स्तन समूह के सदस्य, दिल्ली स्टेट चैप्टर ऑफ एएसआई के सदस्य, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सदस्य, आईएजीईएस के सदस्य, फैलो और लाइफ मेंबर ऑफ ऑफ एसोसिएशन ऑफ यूआईसीसी, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के सदस्य; जेके साइंस – जर्नल ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के सलाहकार संपादक; एएमएएसआई के जीवनपर्यंत सदस्य; एमएजीईएस के सदस्य, ओएसएसआई के सदस्य, एशिया पैसिफिक हर्निया सोसाइटी के सदस्य, एआईआईएमएसओएनआईएएनएस के सदस्य; जयपुर में सितंबर, 2017 को सोसाइटी के जीबीएम के दौरान उपाध्यक्ष, एसईएलएसआई के रूप में चुने गए; 2018 के लिए इंडियन हर्निया सोसाइटी की आम सभा के दौरान मानद उपाध्यक्ष (उत्तर क्षेत्र) के रूप में नामांकित किया गया।

आचार्य संदीप अग्रवाल ने 1 और 2 दिसंबर 2017 को बेरिएट्रिक सर्जरी पर एम्स में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय स्नातकोत्तर सीएमई आयोजित किया जिसमें चिकित्सा पाठ्यक्रम में अंतर को भरने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों पर फोकस किया गया था।

आचार्य वी.के. बंसल ने निम्नलिखित आयोजित किए (i) ऑपरेटिव लेप्रोस्कोपी (5–दिवसीय पाठ्यक्रम) –12 पाठ्यक्रम; (ii) लैप्रोस्कोपिक सूटिंग स्किल्स (3–दिवसीय पाठ्यक्रम) –2 पाठ्यक्रम; (iii) लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी (3–दिवसीय पाठ्यक्रम) –7 पाठ्यक्रम; (iv) सामान्य शल्यचिकित्सकों के लिए कैडेवर पाठ्यक्रम (3–दिवसीय पाठ्यक्रम) –2 पाठ्यक्रम; **आचार्य** आईके धवन, पूर्व विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ सर्जिकल डिसिप्लींस और डॉ. दीपक मित्तल, निदेशक किडनी प्रत्यारोपण कार्यक्रम, एडवोकेट क्राइस्ट मेडिकल सेंटर, शिकागो, यूएसए द्वारा 20 दिसंबर 2017 को डीन के समिति कक्ष में अपराह्न 2.00 बजे ''डिकिस्ड आर्गन डोनेशन'' पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। 16 दिसंबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली;में ''सुरक्षित कोलेस्ट्रिस्टोमी (पित्त की नली चोट की रोकथाम और प्रबंधन) के लिए एसईएसएलएसआई सर्वसम्मति दिशानिर्देश'' पर एक बैठक का आयोजन किया; विदेशी संकाय द्वारा निदर्शित लाईव ऑपरेटिव के सत्र की अध्यक्षता की;ऑपरेटिव सर्जरी वेयरईन एडवान्स्ड लेप्रोस्कोपिक हेपेटोबिलरी सर्जरी इन इंडिया''" की अध्यक्षता की, पीएसजी सर्जन –2017, 24–26 जून 2017, कोयंबटूर, तमिलनाडु;"'' इंडियन हर्निया सोसायटी ऑन हिस्ट्री ऑफ लेप्रोस्कोपिक सर्जरी इन इंडिया'' की अध्यक्षता की, आईएचएससीओएन, 2017 की वार्षिक बैठक, 5–6 अगस्त, 2017, कोच्ची, केरल; दो सत्रों की अध्यक्षता की "इंडियन हर्निया सोसाइटी प्रेसिडेंशियल ओरेशन" और "एबडोमिनल वाल क्लोजर'', आईएचएससीओएन, 2017 की वार्षिक बैठक, 5–6 अगस्त, 2017, कोच्ची, केरल; सत्र की अध्यक्षताः इनसिजनल हर्निया पर अंतर्राष्ट्रीय एंडोहेर्निया सोसाइटी (आईईएचएस) की दिशानिर्देश बैठक के दौरान "की–क्वेश्चन", किस रोगी समूह में घटक पृथक्कीकरण दर्शाया गया है ? क्या घटक पृथक्करण खुले या एंडोस्कोपिक तरीके से किया जाना चाहिए? क्या इंटीरियर पृथक्कीकरण पोस्टेरियर से बेहतर है, 13 और 14 अक्टूबर 2017, बीजिंग, चीन; सितंबर, 2017 को जयपुर में सोसोयटी की बोर्ड की आम बैठक के दौरान उपाध्यक्ष, एसईएलएसआई निर्वाचित किया गया; 2018 के लिए इंडियन हर्निया सोसाइटी की बोर्ड की आम सभा की बैठक के दौरान मानद उपाध्यक्ष (उत्तर क्षेत्र) नामांकित किया गया।

आचार्य अनीता धरः धमनी,, शिरा और लसीका रोगों को कवर करते हुए परिधीय संवहनी रोग प्रबंधन का पूर्ण स्पेक्ट्रम उपलब्ध है। एबी,, टीसीपीओ2, ट्रेडमिल पर सुपरवाइज्ड एक्सरसाइज थेरेपी, सभी शिरा और लसीका रोगियों के लिए कंप्रेशन बैंडेज की जांच के लिए एक संवहनी प्रयोगशाला की स्थापना की। सामुदायिक सेवाएं / शिविरः लिम्फेडेमा के प्रबंधन के लिए समूह और एकल शिक्षण अर्थत फंगल संक्रमण, मैनुअल लसीका निकासी का स्किन केयर उन्मूलन और संपीड़न बैंडिंग (स्वयं अधिगम)। परिधीय धमनी रोगों इस बारे में समुदाय में जागरूकता बढ़ाना कि धूम्रपान, और विशेष रूप से बीडी पीना एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है।

आचार्य सुषमा सागर को विकलांगता प्रबंधनः सहायक तकनीकों की भूमिका में भाग लेने के लिए एम्स से सदस्य नामित किया गया थाः जिसे 14–15 दिसंबर 2017 को स्टेकहोल्डर कंसल्टेंसी वर्कशॉप के शीर्षक, से विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा समर्थित आईसीएमआर द्वारा आयोजित किया गया था, प्रवासी भारतीय कला केंद्र दिल्ली; जेपीएनएटीसी में अभिघात के रोगियों के लिए विच्छेदन पुनर्वास को उन्नत करने के लिए एएलसी (कृत्रिम अंग केंद्र) पुणे का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया गया; 19 दिसंबर 2017 और 27 मार्च 2018 को एफएम रेनबो पर 'सभी के लिए सडक सुरक्षा' शीर्षक लाइव एयर शो पर आईं;दूरदर्शन पर दीपावली त्योहार पर सुरक्षा पर पैनल चर्चा के लिए आई; आईसीएमआर 3 छात्रों को विभिन्न स्थानों पर जाने और पेपर प्रस्तुत करने के लिए अनुदान।

आचार्य अमित गुप्ता, संकाय चयनः एम्स भुवनेश्वर के लिए सदस्य विशेषज्ञ समिति थेः संकाय चयन, एम्स भोपाल के लिए सदस्य विशेषज्ञ समितिः संकाय चयन के लिए सदस्य विशेषज्ञ समितिः चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय; सदस्य, राष्ट्रीय अभिघात उपचार कार्यक्रम ', स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2017 से अभी तक आईईसी गतिविधियों के तहत दृश्य–श्रव्य उपकरणों के विकास के लिए समिति; दिल्ली, एनसीटी दिल्ली सरकार में आपातकालीन प्रतिक्रिया सेवा में सुधार करने के लिए प्रथम प्रतिक्रिया वाहनों की खरीद के लिए समिति के सदस्य; अंटार्कटिक अभियान दल, 2016 के लिए एम्स में शारीरिक / मनोवैज्ञानिक परीक्षा के लिए सदस्य, 2016 से आज तक; सदस्य, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में हिंदी राजभाषा पर समिति, 2016 से अभी तक; सदस्य, भारत के लिए स्वीकार्य हेलमेट डिजाइन विकसित करने के लिए "टू व्हीलर राइडर्स–स्पेसिफिकेशन के लिए सुरक्षात्मक हेलमेट" को संशोधित करने के लिए (आईएस 4151: 2015) तकनीकी समिति, एमओआरएंडएच, भारत सरकार, 2016 आज तक;सदस्य, (आरटीएजी–आरटीएस) सड़क यातायात सुरक्षा पर क्षेत्रीय तकनीकी सलाहकार समूह, विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र कार्यालय, 2015 से; सदस्य, राष्ट्रीय आघात प्रणाली योजना को विकसित करने के लिए तकनीकी उप–समिति, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2014 से आज तक; नियमित सदस्य, एच–1 समितिः परिवहन योजना, ट्रैफिक इंजीनियरिंग ऑफ दी इंडियन रोड्स कांग्रेस, 2015 से आज तक; प्रवक्ता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, (दिसंबर 2017 तक); अपर चिकित्सा अधीक्षक, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स (फरवरी–जून 2017); प्रभारी संकाय, स्वच्छता, जेपीएनएटीसी, एम्स;सदस्य सचिव, इंजीनियरिंग सलाहकार समिति, एम्स (मार्च 2018 तक); सदस्य, संस्थान इंट्रा–म्यूरल अनुदान समिति, अनुसंधान अनुभाग, एम्स; सदस्य सचिव, बागवानी समिति, एम्स (मार्च 2018 तक); अध्यक्ष, भंडार खरीद समिति, जेपीएनएटीसी, एम्स (जून 2017 तक); सह–अध्यक्ष, जेपीएनएटीसी, एम्स (जून 2017 तक) के दूसरे चरण के निर्माण की निगरानी समिति; प्रभारी संकाय, ट्रामा रजिस्ट्री, ट्रामा नर्स समन्वयक प्रणाली और गुणवत्ता सुधार, जेपीएनएटीसी, एम्स (सितंबर 2017 तक)।

आचार्य सुबोध कुमार को पारजौली पी. कुमार एस, गुप्ता ए. द्वारा पेपर के लिए क्लिनिकल रिसर्च श्रेणी में एम्स उत्कृष्ट अनुसंधान पुरस्कार दिया गया, ए.टी. शीर्षक रोल ऑफ लेप्रोस्कोपी इन पेशेंट्स तवद एब्डोमिन ट्रामा एट लेवल , ट्रामा सेंटर जो सर्ज लेप्रोस्क एंडोस्क परक्यूटन टेक में प्रकाशित हुई, 2018; 28:20–25; अक्टूबर 2017 में आयोजित एएसआईएमएएनआईसीओएन के दौरान एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया मणिपुर चैप्टर द्वारा " कंप्रीहेंसिव मैनेजमेंट ऑफ ब्लंट एब्डॉमिनल एंड पेल्विक ट्रॉमा'' पर डॉ. एच. लालमोहन सिंह ओरेशन से सम्मानित किया गया; अमृतसर में 27–28 अक्टूबर 2017 तक नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की प्रतिष्ठित सदस्यता से सम्मानित किया गया; जेआईपीएमईआर इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रामा केयर एंड रिहैबिलिटेशन की स्थापना के लिए सलाहकार समिति के सदस्य; अखिल भारतीय चिकित्सा आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश की स्थायी चयन समिति के लिए बाहरी विशेषज्ञ, 2017

आचार्य बिप्लब मिश्रा ने नित्यानंद विश्वविद्यालय, बेंगलुरु से 'इनर अवेकनिंग 'पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया। दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का हिस्सा रहे, सबसे बड़ी कुंडलिनी रिज्जू कक्षा, सबसे बड़ी शिवस्थम्बा योगा कक्षा का हिस्सा रहे।

डॉ हेमांगा के. भट्टाचार्जी को वर्ष 2017 के लिए अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ सर्जन्स (एसीएस) का प्रतिष्ठित इंटरनेशनल सर्जिकल एजुकेशन स्कॉलर्स पुरस्कार मिला;अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन क्लिनिकल कांग्रेस , सेन डिगो, यूएसए में फेलो ऑफ अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स (एफएसीएस) टाइटल से पुरस्कृत किया गया; 62 वें एम्स स्थापना दिवस के अवसर पर सर्टिफिकेट फोर एम्स एक्सेलेंस रिसर्च अवार्ड 2017 प्राप्त किया; अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स इंटरनेशनल सर्जिकल एजुकेशन स्कॉलरशिप के हिस्से के रूप में, 1 अक्टूबर –6 नवंबर, 2018 तक सर्जरी विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ साउदर्न कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स, अमेरिका और सर्जरी विभाग, यूसी सैन डिएगो हैल्थ, सैन डिएगो, यूएसए का एक प्रेक्षक के तौर पर दौरा किया;1–5 सितंबर 2017 तक डिपार्टमेंट ऑफ ट्रामोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन, ओसाका सिटी यूनिवर्सिटी ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेडिसिन, जापान में आपातकालीन चिकित्सा और आपदा प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया; एम्स और सेंटर फॉर नेक्स्ट जनरेशन इंडोस्कोपिक इंटरवेंशन, ओसाका यूनिवर्सिटी, जापान के बीच न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के लिए कम लागत वाले किफायती उपकरणों के अनुसंधान और विकास के लिए सहयोग की शुरूआत की है। इस सहयोग के एक भाग के रूप में, मैंने 17–18 नवंबर 2017 को नव विकसित प्रोटोटाइप की व्यवहार्यता का परीक्षण करने के लिए एक कैडेवर कार्यशाला आयोजित की है। कार्यशाला के दौरान, भारतीय और जापानी, दोनों सर्जनों ने भाग लिया।

डॉ. पीयूष रंजन को एफएसीएस– फेलो ऑफ अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ सर्जन्स से सम्मानित किया गया;ईएसएमओ प्रीसेप्टशिप ऑन ब्रेस्ट कैंसर (सिंगापुर), 20–21 नवंबर 2017 में भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान; फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में ईएईएस (यूरोपीय एसोसिएशन ऑफ इंडोस्कोपिक सर्जरी) के दौरान प्रस्तुति के लिए यूजीसी यात्रा अनुदान; अतिथि चिकित्सक, यूनिवर्सिटी हॉस्पीटल, ट्यूबिंगन, जर्मनी; नमूना आकार गणना सीएमसी, वेल्लोर में भाग लिया; संयुक्त आयोजन सचिव, एशियन सोसाइटी ऑफ मास्टोलॉजी, एएसओएमए कॉन; समीक्षक प्रारंभिक जांच समिति, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड टीडीपी; जयपुर में एएसआईसीओएन 2018 के दौरान एम्स बस (बेसिक अल्ट्रासाउंड फोर सर्जन्स) आयोजित किया; संपादकीय बोर्ड, साईफेड पत्रिका; ぴ्ज्थ, प्रगति मैदान में आईआईटीएफ के दौरान स्तन कैंसर जांच शिविर में भाग लिया; सत्रह राज्यों के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए पहला रिस्पांडर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, मास्टर ट्रेनर फोर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर विकसित

किया; तेरह राज्यों में एफआर पाठ्यक्रम आयोजित किए और लगभग तीन हजार आम लोगों को प्रशिक्षित किया गया; एनसीडी मल्टी–डिसीज की स्क्रीनिंग, स्तन, ग्रीवा और मौखिक कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए राज्यों से प्रशिक्षित प्रशिक्षक; कैंसर सह्योग और आरएके कॉलेज ऑफ नर्सिंग के साथ कैंसर जागरूकता गतिविधियाँ।

डॉ मंजूनाथ मारुति पोल, बीएआरआईएमई, दिसंबर 2017 के आयोजक सह–सचिव रहे थे; कंटेंपररी प्रेक्टिसेस इन थोरैसिक सर्जरी, जनवरी 2018; कनसेंसस बैठक ''एसईएसएसआई गाईडलाईंस फोर कोलेसिस्टेक्टॉमी'' दिसंबर 2017; अवरस्नातकों के लिए सुटिंग कोर्स का आयोजन किया।

डॉ. मोहित जोशी को निधियन के लिए आईसीएमआर को प्रस्तुत परियोजनाओं की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ नियुक्त किया गया था; एडवांस ट्रॉमा ऑपरेटिव मैनेजमेंट (एटीओएम) पाठ्यक्रम में भाम लिया, 7 नवंबर 2017, आरए काउली शॉक ट्रॉमा सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, बाल्टीमोर (यूएसए) में भाग लिया।

डॉ. कमल कटारियाः दिनांक 31 मार्च 2018 को स्नातक और स्नातकोत्तर के लिए सुटिंग कार्यशाला; दिनांक 1 अप्रैल 2018 को स्नातकोत्तर मूल्यांकन।

डॉ. सुहानीः एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एएसआई, बीएआरआईएमई, 2017 के मिडटर्म सीएमई दिल्ली स्टेट चैप्टर का आयोजन किया गया। एम्स, नई दिल्ली में आयोजित कंनसेंसस मीट ''एसईएलएसआई गाईडलाईन्स फोर सेफ कोलेक्टेक्टोमी'', प्रीवेंशन एंड मैनेजमेंट ऑफ बाईल डक्ट इंजरी; एएसआई पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और एफएआईएस क्रेडेंशियल कोर्स, आरएमएलएच, दिल्ली;एलएचएमसी, नई दिल्ली में आयोजित सर्जिकॉन, 2017; एशियन सोसाइटी ऑफ एंडोक्राइन सर्जरी, 16 वां द्विवार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली में आयोजित और एसजीपीजीआई लखनऊ द्वारा आयोजित, 8–10 मार्च 2018; एसजीआरएच, नई दिल्ली द्वारा आयोजित न्यू होराईजन इन मिनिमली इनवेसिव सर्जरी, 1 मार्च 2018; सिंपोजियम ऑन थोरैसिक सर्जरी 2018, 19–21 जनवरी 2018; फेलोशिप ऑफ अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जरी;इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ सर्जरी की अध्येतावृत्ति; अमेरिकल सोसायटी ऑफ ब्रेस्ट सर्जन की सदस्यता; आयोजन सचिवः कंटेंपररी प्रेक्टिस इन सर्जरीः सिंपोजियम ऑन थोरैसिक सर्जरी 2018; मिडटर्म सीएमई डेल्ही स्टेट चेप्टर ऑफ एएसआई विद पीजी मास्टर क्लास, 25 जून, 2017 सर्जिकॉन, 2017,, 10–12 नवंबर 2017, एलएचएमसी, नई दिल्ली; न्यू होराईजन इन मिनिमली इनवेसिव सर्जरी, 1 मार्च 2018, एसजीआरएच, दिल्ली।

डॉ. यशवंत एस. राठौर बीएआरआईएमई दिसंबर 2017 में आयोजन समिति का हिस्सा थे; कंटेंपररी प्रेक्टिसेस इन थोरैसिक सर्जरी, जनवरी 2018; एफआईएजीईएस फेलोशिप, अक्टूबर 2017

डॉ. दिनेश कुमार बगारिया ने एटीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम पूरा किया; 25 नवंबर 2017 को संकाय के रूप में एम्स–एमएडब्ल्यूई कोर्स में भाग लिया; 23 मार्च 2018 को स संकाय के रूप में एम्स–एमएडब्ल्यूई कोर्स में भाग लिया; 27 मार्च 2018 को संकाय के रूप में द्वितीय एम्स कैडवेरी थोरैसिक सर्जरी कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. प्रत्युषा प्रियदर्शिनी ने एटीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम पूरा किया; 25 नवंबर 2017 को संकाय के रूप में एम्स–एमएडब्ल्यूई कोर्स में भाग लिया; 23 मार्च 2018 को स संकाय के रूप में एम्स–एमएडब्ल्यूई कोर्स में भाग लिया; 27 मार्च 2018 को संकाय के रूप में द्वितीय एम्स कैडवेरी थोरैसिक सर्जरी कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. नरेंद्र चौधरी ने एटीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम पूरा किया; 25 नवंबर 2017 को संकाय के रूप में एम्स–एमएडब्ल्यूई कोर्स में भाग लिया; 23 मार्च 2018 को संकाय के रूप में एम्स–एमएडब्ल्यूई कोर्स में भाग लिया;

डॉ. अभिनव कुमार ने एटीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम पूरा किया; 25 नवंबर 2017 को संकाय के रूप में एम्स–एमएडब्ल्यूई कोर्स में भाग लिया; 23 मार्च 2018 को स संकाय के रूप में एम्स–एमएडब्ल्यूई कोर्स में भाग लिया; 27 मार्च 2018 को संकाय के रूप में द्वितीय एम्स कैडवेरी थोरैसिक सर्जरी कार्यशाला में भाग लिया।

vfrfFk oSKkfud

नाम	संस्थागत संबद्धता	शहर	आगंतुक व्यक्ति के देश का नाम
शशि भूषण साहू	फैलो आर्मी	दिल्ली	भारत
नोडा	सर्जरी फैलो	ओसाका	जपान
नकाजिमा क्योिकाजू	ऑपरेटिव कार्यशाला संचालन	ओसाका	जापान

9-40 vk/kku fpfdRlk ,oa jDr dks"k

vkpk;Z ,oa v/;{k
डी.के. शर्मा

eq[; fpfdRlk vf/kdkjh] iHkkjh
पूनम कौशिक

lgk;d vkpk;Z
हेम च. पांडे (मुख्य रक्त कोष) गोपाल पाटीदार (हृ.तं.के. रक्त कोष)
राहुल चौरसिया (जेपीएनएटीसी रक्त कोष)

fof'k"Vrk,a

यह विभाग रोगी देखभाल और रक्त सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए अथक रूप से काम करता है। जनवरी 2017 में पहले छात्र के प्रवेश लेने के साथ ही एमडी ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा 2017 में शुरू किया गया था। वर्तमान में हमारे पास एमडी कर रहे छह विद्यार्थी हैं।

स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए प्रयास शुरू किए गए थे और यह 2016 में 38.5 प्रतिशत से बढ़कर 2017 में 68.4 प्रतिशत हो गया। 2018 के पहले दो महीनों में यह 76.7 प्रतिशत रहा है। जिन ग्रामीण क्षेत्रों ने स्वैच्छिक दान में मदद की वहां दाता शिक्षा, प्रेरणा और भर्ती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

रक्त सुरक्षा एक सतत प्रयास है और हम ईसीआई द्वारा परीक्षण शुरू करने में सफल रहे हैं जो सभी एकत्रित इकाइयों की एचआईवी के लिए चौथी पीढ़ी के परीक्षण और एचसीवी के लिए तीसरी पीढ़ी के परीक्षण की स्क्रीनिंग के लिए अधिक संवेदनशील परीक्षण है। सुरक्षा आईडी की अतिरिक्त स्तीर के लिए सभी एकत्रित इकाइयों पर एनएटी परीक्षण किया जा रहा है और इस साल फरवरी से अधिक संवेदनशील और विशिष्ट परीक्षण अल्टीरियो एलिट शुरू किया गया है। **मुख्य रक्त बैंक की एनएटी प्रयोगशाला सीएनसी रक्त बैंक और जेपीएनएटीसी रक्त बैंक के लिए संक्रामक मार्कर के लिए केंद्रीय परीक्षण सुविधा से युक्त है।**

विस्तारित पैनल का उपयोग कर एंटीबॉडी स्क्रीनिंग की परीक्षण सुविधा को आपातकालीन रोगियों तक भी पहुंचा दिया गया है। अनियमित प्रतिरक्षी वाले मरीजों में प्रतिरक्षी पहचान अब नियमित प्रक्रिया के रूप में की जा रही है।

ब्लड बैंक मरीजों के लिए प्लास्मा फेरेसीस प्रक्रियाओं और प्रतिरक्षी टिटर परीक्षण करके एबीओ असंगत किडनी प्रत्यारोपण में मदद कर रहा है।

शिक्षा

1. निवासियों और नर्सिंग कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए "गुणवत्ता ट्रांसफ्यूजन अभ्यास" पर सीएमईटी कोर्स।
2. एमडी ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा शुरू कर दी गई है और वर्तमान में छह छात्र इस कार्यक्रम का अध्य यन कर रहे हैं।
3. रोग निदान विभाग, प्रयोगशाला चिकित्सा और रुधिर विज्ञान विभाग से स्नातकोत्तर छात्रों की पढ़ाई उनकी पोस्टिंग के दौरान की जा रही है।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 2 नवंबर 2017 को "गुणवत्ता आश्वासन और रुधिरप्रतिरक्षा" पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला
2. पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश में 23–24 फरवरी 2018 को चिकित्सकों के लिए "रक्त के तर्कसंगत उपयोग" पर कार्यशाला
3. एसएसपीएच और पीजीटीआई, नोएडा में 6 अगस्त 2017 को "बाल चिकित्सा ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा का परिचय" में "उपचारात्मक प्लाज्मा विनिमय" पर सीएमई कार्यशाला।

दिए गए व्याख्यान

हेम चन्द्र पांडेः 8
राहुल चौरसियाः 2

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरः 3

अनुसंधान
सहयोगी परियोजनाएं
जारी

1. पूरक फैक्टर एच (सीएफएच) – संबंद्ध प्रोटीन 1 (सीएफएचआर 1) और प्रतिरक्षाविज्ञानी सहिष्णुता, रुधिर विज्ञान एम्स और आरसीबी फरीदाबाद के रखरखाव में इसकी भूमिका
2. अज्ञात स्वस्थ रक्त बैंक दाताओं में रुधिर और कोशिका मध्यस्थ प्रतिरक्षा स्मृति का आकलन करना और यह पता लगाना कि कोशिका मध्यस्थ प्रतिरक्षा स्मृति बेहतर तरीके से रुधिर प्रतिरक्षा स्मृति, बाल चिकित्सा के साथ सह–अस्तित्व में है

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. लाल रक्त कोशिकाओं का विश्लेषण करने के लिए अवलोकन संबंधी अध्ययन और वैकल्पिक शल्य प्रक्रियाओं में उपयोग को प्रभावित करने वाले कारकों का संभावित विश्लेषण
2. ट्रांसफ्यूजन श्रृंखला के विश्लेषणात्मक चरण में विभिन्न त्रुटियों की घटनाओं का विश्लेषण करने के लिए संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
3. हृदय शल्य चिकित्सा करवा रहे मरीजों में ल्यूकोर्ड और गैर–ल्यूकोर्डड रक्त घटक संक्रमण का परिणाम
4. लेवल 1 ट्रामा सेंटर में आपातकालीन विभाग में रक्तस्रावी आघात के मरीजों में ट्रांसफ्यूजन अभ्यास के संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन

प्रकाशन
पत्रिकाएंः 2

रोगी उपचार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित):

- ऑटोलॉगस रक्त दान
  - ऑटोलॉगस प्लेटलेट दान
  - स्वैच्छिक रक्तदान शिविर सुविधा
  - अफेरेसिस प्रक्रियाएं (एसडीपी, टीपीई, पीबीएससी)
  - स्वचालित रक्त समूह और सीरम विज्ञान
  - स्वचालित संक्रामक मार्कर परीक्षण
  - एम्स के तीन रक्त बैंकों की सभी दान इकाइयों के आईडी–एनएटी परीक्षण
  - 100 प्रतिशत रक्त घटक तैयारी
  - अनियमित प्रतिरक्षी पहचान
  - प्रतिरक्षी स्क्रीनिंग
  - प्रतिरक्षी अनुमापांक
  - ल्यूकोडप्लेटेड रक्त / घटक
  - इरिडिएशन सुविधा

सामुदायिक सेवाएं / शिविर आदिः

- मुख्य रक्त बैंक ने दिल्ली एनसीआर में कुल 86 स्वैच्छिक दान शिविर आयोजित किए और 6300 से अधिक इकाइ रक्त एकत्रित किया
- सीएचसी बल्लभगढ़ के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में दाताओं के लिए प्रेरक और शिक्षित कार्यक्रम आयोजित किए
- मुख्य रक्त बैंक सीएचसी बल्लभढ़ के भंडारण केंद्र के लिए प्रमुख रक्त कोष बनने की प्रक्रिया में है।

9-41 çfrjksi.k çfrj{kkfoKku ,oa çfrj{kk vkuqoaf'kdh

vkpk;Z ,oa v/;{k

डी.के. मिश्रा

lgk;d vkpk;Z

उमा कांगा | राकेश कुमार | दीपक

oSKkfud II

सुनील कुमार | लता कुमारी

oSKkfud I

संजीव गोस्वामी | गौरव शर्मा | सोनिया वर्मा

शिक्षा

वर्ष 2017–2018 के दौरान, हमारे विभाग ने भारत और विदेशों से विभिन्न अस्पतालों और संस्थानों के 23 छात्रों / डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया। इन उम्मीदवारों को प्रतिरोपण प्रतिरक्षाविज्ञान और प्रतिरक्षा आनुवंशिकी–एचएलए परीक्षण, प्रत्यारोपण के पश्चातत निगरानी और प्रतिरक्षा की कमी के लिए अन्य प्रतिरक्षा संबंधी जांच में प्रयोगशाला तकनीकों पर प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

अल्पकालिक प्रशिक्षण–एम्स (1–2 सप्ताह): एम्स से विभाग ने विकृति विज्ञान(3), प्रयोगशाला चिकित्सा (3) और नेफ्रोलॉजी (1), हेमेटोलॉजी (6), जैव रसायन(3), मेडिकल ओन्कोलॉजी (3के वरिष्ठ निवासियों (डीएम छात्र),) से जूनियर निवासियों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

अल्पकालिक प्रशिक्षण–राष्ट्रीय (3 महीने): दो उम्मीदवारों को अल्पकालिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। एक उम्मीदवार को विज्ञान अकादमी 'समर रिसर्च फैलोशिप प्रोग्राम' (सुपरवाइजर–डॉ कांगा) के तहत भारतीय विज्ञान अकादमी द्वारा प्रायोजित किया गया था।

अल्प कालिक प्रशिक्षण –अंतरराष्ट्रीय (3 महीने): एक उम्मीदवार, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा, बांग्लादेश से लेफ्टिनेंट कर्नल।

दीर्घ कालिक–राष्ट्रीय (6 महीने): रोहतक मेडिकल कॉलेज से एक संकाय सदस्य

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा (सीएमई)

वर्ष के दौरान, विभाग के संकाय और वैज्ञानिकों ने भाग लिया और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में कई व्याख्यान दिए। हमारा विभाग नियमित रूप से विभिन्न कोशिका संस्कृति जांच पर प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें छात्रों के लिए फ्लोसिटोमेट्री आधारित जांच और यात्रा प्रशिक्षुओं सहित हमारा विभाग भारत में अन्य एचएलए प्रयोगशालाओं द्वारा परीक्षण की गुणवत्ता के आकलन के लिए एचएलए जीन के डीएनए आधारित टाइपिंग के लिए एक राष्ट्रीय स्तर के गुणवत्ता नियंत्रण अभ्यास का समन्वय करता है। संकाय ने इन विभागों के शैक्षिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में जैव प्रौद्योगिकी और विकृति विज्ञान विभाग, एम्स में विशेष व्याख्यान भी दिए। संकाय / वैज्ञानिकों ने बाल चिकित्सा, रुधिर विज्ञान, शरीर–रचना विज्ञान, नेफ्रोलोजी, जैव रसायन विज्ञान, चिकित्सा कैंसर विज्ञान, विकृति विज्ञान और प्रयोगशाला चिकित्सा से एमडी / डीएम निवासियों को व्याख्यान दिए। संस्थान के नर्सिंग छात्रों को प्रतिरोपण प्रतिरक्षाविज्ञान पर भी कई व्याख्यान दिए गए थे।

दिए गए व्याख्यान

डी.के. मित्राः 8	**सुनील कुमारः 1**	**गौरव शर्माः 2**
उमा कांगाः 11	**संजीव गोस्वामीः 1**	**सोनिया वर्माः 1**

अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. मेजबान टी सेल का दवा प्रवाह पंप के कार्य और अभिव्यक्ति पर प्रतिक्रिया का प्रभावः दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए प्रासंगिकता। डी.के. मित्रा, आईसीएमआर, 3.5 साल, 2014–2018, 78.5 लाख रुपये
2. बहुविकल्पीय लीशमैनिया टीका विकास, डी.के. मित्रा, बीआईआरएसी डीबीटी, 3 साल, 2015–2018, 397.57 लाख रुपये
3. क्लाउड आधारित इंटीग्रेटेड चिकित्साए उपकरण (आईएमडी) का कार्यान्वयन और सत्यापनः दूरस्थ1 स्थित निचले तबके की आबादी के लिए विशेष नैदानिक, चिकित्सीय और अनुवर्ती देखभाल का वितरण, डी.के. मित्रा, अज़ूर सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल, 2017–2020, 16.44 लाख रुपये
4. दूरस्थल स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली का विकासः शुरुआती निदान, चिकित्सा, जांच करना और एनसीडी (हृदय–फुफ्फुसीय), के लिए निवारक देखभाल, डीके मित्रा, आईएमपीआरआईएनटी (एचआरडी + आईसीएमआर), 3 साल, 2017–2018, 64.85 लाख रुपये
5. एनकेटी कोशिका उप समुचयः माइकोबैक्टीरियम तपेदिक विशिष्ट प्रभावकों पर प्रभाव टी सेल प्रतिक्रियाएं, डी.के. मित्रा, आईसीएमआर, 3 साल, 2017–2020, 70.26 लाख रुपये
6. क्षय रोग के लिए सिलिको परीक्षण में टीकाकरण विकास (एसटीआरआईटीयूवीएडी) यूरोपियन आयोग क्षितिज 20 20, डी.के. मित्रा, डीबीटी, 5 साल, 2018–2023, 500 लाख रुपये
7. डीआर एमटीबी में जेनोम वाइड प्रतिरोपण विश्लेषणः प्रमुख लक्ष्यों की पहचान और प्रतिरक्षी उतार–चढ़ाव, डी.के. मित्रा, डीबीटी, 3 साल, 2018–2021, 148 लाख रुपये
8. पीडी–एल 1 / पीडी –1 मार्ग की प्रतिरक्षी विनियामक की भूमिका को चित्रित करने के लिए अध्ययन और काला ज्वोर के खिलाफ टीकाकरण रणनीतियों के लिए एक संभावित उपकरण के रूप में इसकी खोज। डी.के. मित्रा, डीएसटी, 3 साल, 2018–2021, 70 लाख रुपये
9. एनकेटी सेल उप समुचयः माइकोबैक्टीरियम तपेदिक विशिष्ट प्रभावकों पर प्रभाव टी सेल प्रतिक्रियाएं, डी.के. मित्रा, डीबीटी, 3 साल, 2018–2021, 70 लाख रुपये
10. मारक इम्यूनोग्लोबुलिन संग्राहक–मानव ल्यूकोसाइट प्रतिजन (केआईआर–एचएलए) प्रभावः हेमेटोपोएटिक स्टीम कोशिका प्रतिरोपण में महत्व, उमा कांगा, एम्स, 2 साल, 2017–2019, 1 साल के लिए 4 लाख रुपये
11. एचएलए मिनीजिनोम के चरण में पॉलीमोर्फिज्म विश्लेषण और अगली पीढ़ी के अनुक्रम का आवेदन(विज्ञान के प्रसार के लिए जापानी सोसाइटी), उमा कंगा, डीएसटी–जेएसपीएस इंडो–जापानी, 2 साल, 2016–2018, 6.8 लाख रुपये
12. उत्तर पूर्व भारत की आबादी में एचएलए और गैर एचएलए जीन और टाइप 1 मधुमेह मेलिटस की मानवीय प्रोफ़ाइल का जीनोमिक विश्लेषण, उमा कंगा, डीबीटी (बीसीआईएल), 3 साल, 2017–2020, 127.8 लाख रुपये
13. उत्तर भारतीय जनसंख्या में चिकनगुनिया संक्रमण पर एचएलए और केआईआर जीन का प्रभाव, गौरव शर्मा, एम्स, 2 साल, 2017–2019, 4 लाख रुपये

पूर्ण

1. हेमाटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण में एचएलए–ई और एमएचसी कक्षा 1 श्रृंखला से संबंधित जीन (एमआईसीए) की नैदानिक प्रासंगिकता, उमा कांगा, एम्स, 2 साल, 2015–2017, 8 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. मानव तपेदिक में मेजबान टी सेल प्रतिक्रिया के लिए प्रतिरक्षी विनियामक तंत्र पर अध्ययन
2. सारकोइडोसिस में विभिन्न टी सेल उप समुचय की प्ररूपी और कार्यात्मक विशेषता
3. क्षय रोग में एनकेटी कोशिकाएंः सुरक्षात्मक टी सेल प्रतिक्रिया पर प्रभाव
4. तपेदिक में प्रतिरक्षा की दबाने वाली स्थिति पर जांच अवरोधकों का प्रभाव
5. क्रोनिक एथेरोस्क्लेरोसिस रोगः जीन अभिव्यक्ति में चरण–विशिष्ट परिवर्तनों का एकीकृत विश्लेषण और एथेरोस्क्लेरोटिक प्लेक के एमआईआरएनए रूपरेखा और प्लाज्मा–व्युत्पन्न बाह्य कोशिकाओं के साथ सहसंबंध में परिसंचरण
6. उत्तर भारतीय तृतीयक देखभाल केंद्र में गंभीर आईटीपी रोगियों की अनुवांशिक रूपरेखा पर एक अध्ययन
7. एचएससीटी में गैर शास्त्रीय एचएलए, एमआईसीए और एनकेजी 2 संग्राहक की नैदानिक प्रासंगिकता
8. एए से जुड़े सूक्ष्म आरएनए हस्ताक्षर की पहचान और प्रतिरक्षा को दबाने वाली चिकित्साक की प्रतिक्रिया

9. गुर्दा प्रत्यारोपण के बाद अस्वीकृति के लिए गैर पारंपरिक एचएलए और अन्य बायोमार्कर्स का आकलन
10. एप्लास्टिक एनीमिया के साथ एचएलए संघः रोग संवेदनशीलता और उपचार के लिए प्रतिक्रिया
11. कश्मीरी आबादी में एचएलए जीन की जीनोमिक विविधता– एनजीएस प्रौद्योगिकी का लाभ

सहयोगी परियोजनाएं

1. विरोधीकारण एच प्रतिरक्षी हेमोलिटिक, यूरेमिक विकृति, बाल चिकित्सा से जुड़ा हुआ है
2. उपन्यास फोरेंसिक प्रदर्शनों का मूल्यांकन और कल्पवनावाद की स्थिति में वाई–एसटीआर मार्करों की सूचना, फॉरेंसिक चिकित्सा. विभाग, एम्स (भीतरी अनुदान) के सहयोग से
3. ऊतक विशिष्ट मानव मेसेंकाईमल स्टेम कोशिका (एचएमएससी) द्वारा एचएलए–जी मध्यस्थ प्रतिरक्षी उतार–चढ़ाव की संभावित भूमिका, स्टेम कोशिका की सुविधा, एम्स (उत्कृष्टता के डीबीटी वित्त पोषित केंद्र) के सहयोग से।

प्रकाशन
पत्रिकाः 12 सार : 3

रोगी देखभाल
गुर्दा प्रत्याारोपण

	प्राप्तकर्ता	दाता	कुल	कुल जांचें
जीवन संबंधी	493	434	927	**1854**
शव प्रत्यारोपण (गुर्दे)	108	11	119	**238**
क्रॉस मैच टेस्ट सीडीसी (सीरम विज्ञान)	1251		1251	
क्रॉस मैच टेस्ट दृदृ (फ़्लोसाइटॉमेट्री)	267		267	
ल्यूसमिनेक्सप पीआरए	360		360	
ल्यूसमिनेक्सप (डीएसए निगरानी)	217		217	

1 अस्थि मज्जा / अस्थि मज्जा विकृतियाँ स्टेम कोशिका प्रत्यारोपण
रुधिर, एम्स परामर्श

जांचें	प्राप्तकर्ता	दाता	कुल
अविकासी अरक्तता	152	415	567
घातक ल्यूकेमिया (एएमएल +एएलएल)	53	125	178
थेलेसीमिया	75	180	255
स्थासयी ल्यूकेमिया	25	64	89
अन्य	60	192	252
कुल	**365**	**991**	**1341**

क्रमांक	जांचें	की गईं कुल जांचों की संख्या
ए	**निम्न समाधान एचएलए टाइपिंग** (पीसीआर–एसएसपी या पीसीआर–एसएसओ लुमेनिक्स आधारित)	
1	एचएलए –ए बिन्दुपथ	1341
2	एचएलए –बी बिन्दुपथ	1341
3	एचएलए –डीआरबी 1 बिन्दुपथ	491
4	एचएलए –डीआरबी 3/4/5 लोकई	105
बी	**उच्च समाधान एचएलए टाइपिंग** (अनुक्रम आधारित टाइपिंग / पीसीआर–एसएसओ लुमेनिक्स)	
5	एचएलए –ए बिन्दुपथ	70
6	एचएलए –बी बिन्दुपथ	70
7	एचएलए –सी बिन्दुपथ	70
8	एचएलए –डीआरबी1	80
9	एचएलए –डीक्यूबी1	80
10	एचएलए –डीक्यूबी1	80
सी	**दाता विशिष्ट प्रतिरक्षी(डीएसए) निगरानी लुमेनिक्स आधारित जांच**	
11	एचएलए वर्ग 1	10
12	एचएलए वर्ग 2	10
डी	**बीएमटी में कल्पनावाद का अध्ययन**	
13	प्रत्यारोपण के बाद प्राप्तकर्ता	150
14	प्रत्यारोपण के पहले प्राप्तकर्ता	150
15	दाता	150
	कुल जांचें	**4198**
ई	**बीएमटी के लिए असंबंधित दाता खोज** ∗एचएलए मिलान दाताओं के लिए एशियन भारतीय दाता मज्जा रजिस्ट्री' द्वारा वर्ष के दौरान प्राप्त अनुरोध	55∗

2. रोग संगति एचएलए स्क्रीनिंग परीक्षण

	बीमारी	एचएलए जांच	जांचों की संख्या
16	अचलताकारक कशेरूकाशोथ और अन्य कशेरूकासंधिविकार	एचएलए– बी–27	584
17	सिलिअक रोग	एचएलए–डीक्यूगए 1/डीक्यूकबी1	45
18	निद्रारोग/कैटाप्लेक्सी	एचएलए–डीक्यूबी1	14
	कुल		**643**

प्राथमिक प्रतिरक्षा निदान

प्राथमिक और माध्यमिक इम्यूनो रोगों के लिए प्रदान की निःशुल्क लागत सेवा

क्रमांक	निदान	मार्कर/जांच	जांचों की संख्या
1	टी–कोशिका आवृत्ति	सीडी3, सीडी4, सीडी8	531
2	बी–कोशिका आवृत्ति	सीडी19, 20	619

3	एनके कोशिका आवृत्ति	सीडी3, सीडी56, सीडी16	390
4	एनके कोशिका गतिविधि (एचएलएच)	सीडी3, सीडी56, परफोरिन	197
5	एएलपीएस	सीडी3, सीडी4, सीडी8, टीसीआरαβ	66
6	ल्यूकोसाइट्स आसंजन की कमी	सीडी11ए बी और सीडी18	208
7	स्थायी ग्रेनुलोमेटस बीमारी	डीसीएफडीए / डीएचआर	450
8	हाइपर आईजीएम	सीडी3, सीडी69, सीडी154 (सीडी40एल)	67
9	टी कोशिका के कार्य (आईएफएन गामा)	सीडी3, सीडी8, आईएफएन–गामा	71
10	कक्षा स्विच मेमोरी	सीडी19+ / सीडी27+ / आईजीडी–	38
11	गिरावट जांच	सीडी3– / सीडी56 dim/सीडी107ए+	48
12	आईएल–12 जांच	सीडी14+ / आईएल–12+	20
13	आईएल–17 जांच	सीडी3+ / आईएल–17+	8
14	एमएसएमडी	सीडी14+ / आईएफएन गामाआर1+ / आईएफएन गामाआर2+	2
कुल			**2715**

अस्थि मज्जा प्रत्यारोपणः आईआरएच, एम्स परामर्श

निदान	प्राप्तकर्ता
एएमएल	88
सीएमएल	26
एएलएल	54
अन्य	19
कुल	187
दाता	454
कुल	**641**

क्रमांक	निदान	की गई कुल जांचें
ए	कम गुणवत्ता की एचएलए टाइपिंग(पीसीआर एसएसपी)	
1.	एचएलए–ए लोकस	641
2.	एचएलए–बी लोकस	641
3.	एचएलए–डीआरबी 1 लोकस	100
	कुल	**1382**

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट घटनाएं

डॉ उमा कांगा और उनकी शोध साथी **सुश्री श्वेता त्यागी** ने 24–26 मई 2017 के दौरान विक्टोरिया, ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा में आयोजित 15वें प्रत्यारोपण विज्ञान संगोष्ठी (टीएसएस 2017) के दौरान 'सलाहकार–सहसलाहकार अवॉर्ड' प्राप्त किया; इंटरनेशनल यूनियन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल साइंसेज (आईयूआईएस) की महासभा की सदस्याय; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में राष्ट्रीय जैवविज्ञान संस्थोन में 'जैव रासायनिक किट के गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण को सुदृढ़ करने' के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत; नायती मल्टीपल स्पेशलिटी अस्पताल मथुरा की सदस्य एथिक्स कमेटी के रूप में आमंत्रित किया गया।

आगंतुक वैज्ञानिक

1. 28 फरवरी –7 मार्च 2018: डॉ. ताकाशी शिना और डॉ. शिंगो सुजुकी आण्विक जीवन विज्ञान विभाग, टोकई विश्वविद्यालय, इशेरा, जापान ने हमारे विभाग का दौरा किया (डीएसटी–जेएसपीएस सहयोगी परियोजना के तहत
2. 4–7 मार्च 2018: जापान की टोकई विश्वविद्यालय इशेरा के रुधिर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर मकाटो ओनिजुका ने एम्स में हमारे विभाग (डीएसटी–जेएसपीएस सहयोगी परियोजना के तहत) का दौरा किया। उन्होंने एम्स के रुधिर विज्ञान विभाग में "जापान में अस्थि मज्जा कार्यक्रम" का एक व्याख्यान भी दिया।

9-42 e=jkx foKku

vkpk;l ,o v/;{k

पी.एन. डोगरा

vkpk;l

अमलेश सेठ राजीव कुमार

lg vkpk;l

प्रभजोत सिंह

lgk;d vkpk;l

ऋषि नैय्यर		बृषभानु नायक
संजय कुमार	मनोज कुमार	सिद्धार्थ जैन

fof'k"Vrk,l

विभाग ने 30 जुलाई 2017 को रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में प्लाज्मा कैनेटीक्स और टीयूईबी (बायपोलर के साथ पारगमन) पर मास्टर क्लास का आयोजन किया।

विभाग ने यूरो–ऑन्कोलॉजी के साथ लाइव ऑपरेटिव इंटरनेशनल मिनिमली इनवेसिव सर्जरी कार्यशाला में यूरोलॉजी विभाग और रेनल ट्रांसप्लांट, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल (सोसाइटी ऑफ यूरोलॉजिकल रोबोटिक–सार्स, यूएसए के सहयोग से), नई दिल्ली के सहयोग से 26–27 अगस्त 2017 को मास्टर क्लास का भी आयोजन किया।

यूरोलॉजी में तीसरा सरिंदर मान सिंह मेमोरियल व्याख्यान, एम्स के यूरोलॉजी विभाग में पूर्व संकाय डॉ. महेंद्र भंडारी को प्रतिष्ठित किया गया है।

डॉ. राजीव कुमार को सह–संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) के रूप में नियुक्त किया गया।

शिक्षा

विभाग के संकायों ने भाग लिया और वर्ष के दौरान चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान दिए।

विभाग ने स्नातक और नर्सिंग छात्रों (बीएससी और एमएससी) के लिए व्याख्यान दिए। विभाग तीन साल की अवधि में यूरोलॉजी में एमसीएच की डिग्री के लिए 11 स्नातकोत्तर को प्रशिक्षित करता है। पोस्ट एमसीएच फ़ैलोशिप प्रशिक्षण उप–विशिष्टताओं के लिए उपलब्ध है जिसमें न्यूनतम इनवेसिव यूरोलॉजी, यूरो–ऑन्कोलॉजी, पुनर्संरचनात्मक यूरोलॉजी और यूरो–स्त्री रोग शामिल हैं। शल्य चिकित्सा विभाग एवं वृक्क विज्ञान विभाग की सहायता से रीनल ट्रांसप्लांट प्रोग्राम शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है।

विभाग के संकाय एनबीई और एमसीएच के जांचकर्ता हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों में यूरोलॉजी और मेडिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और नेशनल बोर्ड फॉर इंट्रोडक्शन ऑफ़ टीचिंग एंड ट्रेनिंग की मान्यता और यूरोलॉजी पोस्टग्रेजुएट कोर्सेज के लिए जांचकर्ता हैं।

विभाग के संकाय ने अन्य आगामी संस्थानों के यूरोलॉजी में एमसीएच और डीएनबी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम के पुनर्गठन और पुनः निर्धारण में सक्रिय रूप से भाग लिया।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई / कार्यशालाएँ / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. डॉऋ रामालिंगास्वामी सभागार, नई दिल्ली में 30 जुलाई 2017 को प्लाज्मा कैनेटीक्स और टीयूईबी (बाइपोलर के साथ ट्रांस्युरैथल एनक्लेयशन) पर मास्टर क्लास का आयोजन किया गया।
2. लाइव ऑपरेटिव इंटरनेशनल मिनिमली इनवेसिव सर्जरी वर्कशॉप (सोसाइटी ऑफ यूरोलॉजिकल रोबोटिक सर्जरी–एसयूआरएस, यूएसए के साथ) में यूरोलॉजी–ऑन्कोलॉजी में 26–27 अगस्त 2017 को मास्टर क्लास का आयोजन किया गया।

व्याख्यान प्रदत्त

प्रेम नाथ डोगराः 14 | अमलेश सेठः 10 | राजीव कुमारः 21
प्रभजोत सिंहः 12 | ऋषि नय्यरः 8 | ब्रसभानु नायकः 4
मनोज कुमारः 1
मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुतः 13

अनुसंघान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. गैर–मांसपेशियों–इनवेसिव यूरीनरी कैंसर के लिए संयुक्त कीमो और फोटोथर्मल थेरेपी के लिए नैनो तकनीक, अमलेश सेठ, डीबीटी
2. एशिया में प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों की एक बहुसांस्कृतिक, भावी, अनुदैर्ध्य रजिस्ट्री, अमलेश सेठ, 5 साल, 2017–2022, 14.59 लाख रुपये।
3. पुरुष बांझपनः मानक नैदानिक अभ्यास के जनसांख्यिकी, एटियलॉजी और परिणाम, राजीव कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2015–2018, 11.66 लाख रुपये
4. भारतीय रोगियों में पेनाइल कार्सिनोमा में मानव पैपिलोमावायरस की स्थितिः क्लिनिको–पैथोलॉजिकल स्टेजिंग की घटना, प्रकार वितरण और सहसंबंध, प्रभजोत सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 9.5 लाख रुपये।
5. मूत्राशय के कैंसर के लिए टीयूआरबीटी से गुजरने वाले रोगियों में ट्यूमर कोशिकाओं के प्रसार की भूमिकाः ट्यूमर कोशिकाओं के प्रसार पर प्रभाव और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ इसका संबंध, डॉ. ऋषि नय्यर, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 9 लाख रुपये
6. रेनल सेल कार्सिनोमा (आरसीसी) के रोगियों में ट्यूमर के व्यवहार के लिए एक बायोमार्कर के रूप में ग्लूकोज संबंधित प्रोटीन 78 (ळत्च्78) की पहचान, मनोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 4.9 लाख रुपये।

पूर्ण

1. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में संभावित बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए 182 और एमआईआरएनए 187 का अध्ययन और सीरम पीएसए, ग्लीसन स्कोर और प्रोस्टेट कैंसर स्टेजिंग के साथ इसका सहसंबंध, ब्रूसभानु नायक, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 4. 8 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एकपक्षीय बनाम द्विपक्षीय वासोएपिडिडिमल एनास्टोमोसिसः भावी यादृच्छिक परीक्षण
2. आरएआरपी के दीर्घकालिक परिणाम
3. क्या अंतर्गर्भाशयी प्रक्रिया से गुजरने वाले स्वस्थ पुरुषों में मूत्र मार्ग के संक्रमण के बाद की प्रक्रिया में इंट्रा–मूत्रमार्ग वनस्पति की भूमिका होती है – एक नैदानिक अध्ययन
4. बाल चिकित्सा, किशोर और युवा वयस्क आबादी में गुर्दे के ट्यूमर का क्लिनिको–पैथोलॉजिकल प्रोफाइल
5. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में ईआरएएस प्रोटोकॉल के साथ और बिना रेडिकल सिस्टेक्टोमी के दौर से गुजर रहे रोगियों में रहने की अवधि, उपसर्ग के परिणामों और जटिलताओं की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

पूर्ण

1. एमपीएमआरआई–टीआरयूएस प्रारंभिक प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में संलयन बायोप्सी उपचारित जननांगों के टीबी रोगियों के नेफरेक्टोमी नमूने में जीवित टीबी बेसिली के सूक्ष्मजीवविज्ञानी साक्ष्य
2. रोबोट द्वारा बड़े सौम्य प्रोस्टेट के लिए प्रीपरिटोनियल सिंपल प्रोस्टेटेक्टॉमी की मददः रीट्रोपिटिक सिंपल प्रोस्टेटेक्टॉमी को फिर से देखना – शुरुआती अनुभव

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पुरुष बांझपनः मानक नैदानिक अभ्यास, एनाटॉमी के जनसांख्यिकी, एटियोलॉजी और परिणाम
2. नॉनक्लोरेसिक फैटी लिवर रोग, दवा में स्तंभन दोष

3. गर्भाशय, प्रसूति और स्त्री रोग के लिए योनि शल्यचिकित्सा के रोगियों में असमस मनोगत एसयूआई के लिए यूरोडायनामिक अध्ययन और योनि पिसेरी परीक्षण की तुलना
4. निदान और अनुवर्ती प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के न्यूक्लियर मेडिसिन में गैलियम –68 लेबल वाले प्रोस्टेट विशिष्ट झिल्ली प्रतिजन के साथ पीईटी–सीटी का उपयोग

पूर्ण

1. फियोक्रोमोसाइटोमा और पैरागैंग्लोमा को हटाने और जीवन की गुणवत्ता, एनेस्थेसिया, एंडोक्रिनोलॉजी पर इसके प्रभाव के कारण रोगियों में लगातार उच्च रक्तचाप और मधुमेह के प्रसार का आकलन
2. प्रोस्टेट कैंसर में मल्टीपरैमेट्रिक एमआरआई और डिफ्यूजन टेन्सर इमेजिंग की भूमिकाः रोबोट प्रोस्टेटेक्टॉमी नमूनों, रेडियोलॉजी की संपूर्ण माउंट हिस्टोपैथोलॉजिकल परीक्षा के साथ तुलना
3. एकतरफा हाइड्रोनोफ्रोसिस, न्यूक्लियर मेडिसिन में डिफरेंशियल रीनल फंक्शन के मूल्यांकन के लिए 99एमटीसी–डीएमएसए और 99एमटीसी–एलएल ईसी की तुलना
4. एडेनोकार्सिनोमा प्रोस्टेट, न्यूक्लियर मेडिसिन के रोगियों में 68 जीएपीएसएमए–एचबीईडी–सीसी के साथ प्रारंभिक डायनामिक पीईटी–सीटी की भूमिका

प्रकाशन

पत्रिकाएँः 23 सारः 14 पुस्तकों में अध्यायः 6 पुस्तकेंः 1

रोगी देखभाल

मुख्य अस्पताल ओपीडी

नए मामलेः 17,521 पुराने मामलेः 43,698

बी.आर.ए.सं.रो.कैं.अ. यूरो –मैंलगनेंसी क्लिनिक

नए रोगीः 401 पुराने रोगीः 4413

एंड्रोलॉजी एंड इनफर्टिलिटी क्लिनिक

नए रोगीः 698 पुराने रोगीः 1048

भर्ती

अधिक समय की भर्तीः 1481 कम समय की प्रवेशः 941

निर्वहनः 2552

मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएंः 2363

ओपन सर्जरीः 484

रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	51	रेडिकल नेफरेक्टोमी + साइटोर्डेक्टिव	40
नेफ्राउटरेक्टॉमी के साथ कट्टरपंथी सिस्टेक्टोमी	4	आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ रेडिकल नेफरेक्टोमी	8
निस्तारण सिस्टेक्टॉमी	2	रेडिकल नेफ्रोएरेक्टोमी	5
आंशिक सिस्टेक्टॉमी	3	साधारण नेफ्रक्टोमी	20
एंड टू एंड यूरेथ्रोप्लास्टी	23	आंशिक नेफरेक्टोमी	22
पूर्वकाल ओपन	7	हेमिनेफ्रेक्टॉमी	0
ट्रांसपब्लिक यूरेथ्रोप्लास्टी	2	आरपीएलएनडी	3
विस्तार सिस्टोप्लास्टी	0	ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी	20
एडरेनालेक्टॉमी	2	दूसरा चरण बंद	10
आईवीसी थ्रॉम्बेक्टोमी के साथएडरेनालेक्टॉमी	0	येलोप्लास्टी	13

परागानगोली की छंटाई	0	निरंतर कैथेटेबल थैली	1
यूरेट्रिक रिइम्प्लांट	8	बोरी फ्लैप	1
वीवीएफ का मरम्मत	17	यूरेटरोयूरेटेरोप्लास्टी	1
वेसिकुटरिन फिस्टुला की मरम्मत	0	कुल पेनेटोमी	2
ऑर्किडोपेक्सी / ओर्चीटेक्टॉमी (बिना जांच के वृषण)	30	प्रोस्टेटक्टॉमी	1
एयूएस प्रत्यारोपण / पेनाइल कृत्रिम अंग	0	आंशिक पेनेटॉमी	11
पायलोलिथिटॉमी	0	हाइपोस्पेडिया की मरम्मत	7
सिस्टोलिथोटॉमी	4	टीवीटी/टीओटी	0
अलिओंगुनल लिम्फ नोड विच्छेदन	4	यूरेटरोकेलीकस्टॉमी	2
उच्च आंत्रशोथ	21	अन्य	139

एंडरोलॉजीः 15193

ऊपरी पथः 452		निचला पथः 1141					
पीसीएनएल	167	टीयूआरपी/टीयूआईपी/टीयूईबी	55	सीएलटी	35	डीजेएस	305
यूआरएस	207	टीयूआरबीटी	323	पीसीसीएलटी	2	डीजेआर	69
आरआईआरएस	70	टीयूआर फुलग्यूरेशन	38	एचओएलईपी	7	ओआईयू/ बीएनआई/एंडोडिलाटेशन	60
पीसीएनयूएल	6	टीयूआरईडी	6	एचओएलसीटी	2	बोटॉक्स इंजेक्शन	1
इंडोपायलोटॉमी	2	थक्का निकलना	0	पीवीपी	64	लेजर वेल्डिंग	0
इंडोइवैलुएशन	37	मूत्रत्याग चीरा	2	अन्य	135		

लैप्रोस्कोपिकः 144

कट्टरपंथी नेफ्रक्टोमी	36	आंशिक नेफरेक्टोमी	9
साधारण नेफ्रक्टोमी	37	एडरेनालेक्टॉमी	16
रेट्रोपरिटोनोस्कोपिक नेफरेक्टोमी	4	नेफ्रोयूरेटिरेक्टॉमी	10
पायलोप्लास्टी	18	यूरेटेरोलिथोटॉमी	4
पायलोलिथेटॉमी	4	लैप रेडिकल प्रोस्टेटक्टॉमी	0
यूरेटेरिक पुनःप्रत्यारोपण	0	परागानगोली की छंटाई	2
डायग्नोस्टिक लैप	1	अन्य	3

रोबॉटिकः 66

रेडिकल प्रोस्टेटक्टॉमी	25	रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	1	पायइलोप्लास्टी	25
यूरेटेरोलिथोटॉमी	5	साधारण प्रोस्टेटक्टॉमी	1	यूरेटेरिक पुनःप्रत्यारोपण	1
साधारण नेफ्रक्टोमी	0	आंशिक नेफ्रक्टोमी	6	रेडिकल नेफ्रक्टोमी	2
पायलोलिथेटॉमी	0	अन्य	0	आंशिक सिस्टेक्टोमी	0

माइक्रोसर्जरीः 38

वीईए	21	वीवीए	2	एमवीएल	6
अंडकोश अन्वेषण	8	टीईएसई	0		

माइनर ओटीः 12346

इंडोस्कोपिक	2899	यूरोफ्लोमेट्री	4892
ओपन(खुला)	11	यूरोडायनामिक अध्ययन	388

मामूली मामले	4098	पत्थर का विश्लेषण	58

ईएसडब्ल्यूएलः 1424

नए मामले	545	पुराने मामले	879

अल्ट्रासाउंड प्रक्रियाएंः 265

प्रोस्टेट टीआरयूएस बायोप्सी	223	एसपीसी	1
एमआरआई–ट्रस फ्यूजन बायोप्सी	31	पीसीएन	3
इन बोर बायोप्सी	6	यूएसजी	1

(ख) सामुदायिक सेवाएं / शिविर आदि।

पीएन डोगरा

1. राष्ट्रीय टेलीविजन डीडी किसान चैनल पर 22 जुलाई 2017 को किडनी और पीताशय'पर स्वास्थ्य चर्चा
2. राष्ट्रीय टेलीविजन डीडी किसान चैनल पर 10 फरवरी 2018 को 'किडनी स्टोन और ओएबी' पर स्वास्थ्य चर्चा

अमलेश सेठ

1. कुल सिर चिकित्सा में प्रोस्टेट की समस्याओं पर साक्षात्कार
2. डीडी नेशनल चैनल पर प्रोस्टेट की समस्याओं पर साक्षात्कार
3. मिशन अशोक द्वारा कारगिल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर

डॉ. प्रभजोत सिंह

1. सामुदयिक विकास समिति प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा 18 नवंबर 2017 को नांदेरा, प्रतापगढ़ में स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया गया
2. 8 सितंबर 2017 को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में किशोरों के लिए प्रजनन स्वास्थ्य जागरूकता पर 4वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुरुष प्रजनन प्रणाली के कैंसर पर व्याख्यान

पुरस्कार, सम्मान और विशिष्ट समारोह

आचार्य पी. एन. डोगरा को वर्ष 2017 में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) के एक साथी के रूप में चुना गया था; वर्ष 2017–2018 के लिए यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित; 2017 में मेन्स हेल्थ सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा फैलोशिप से सम्मानित; 2017 में श्री अमिताभ बच्चन द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र; 22–23 अप्रैल 2017 को मैक्स सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल मैक्स, पटपड़गंज, नई दिल्ली में पुरुष मूत्र असंयम और मूत्रविज्ञान पर मिड–टर्म लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला में मुख्य अतिथि; 17–18 जून 2017 को कानपुर में लाइव लेप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी कार्यशाला के लिए गेस्ट ऑफ ऑनर; बीएयूएस, 26–28 जून 2017 ग्लासगो, ब्रिटेन में नेतृत्व की बैठक में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति यूएसआई द्वारा विशेष अतिथि; 4–6 अगस्त 2017 तक हांगकांग में यूरोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ एशिया द्वारा यूएसआई अध्यक्ष; 3–5 नवंबर 2017, मेरठ, यूपी से उत्तर भारत के यूरोलॉजिकल सोसाइटी के उत्तर क्षेत्र अध्याय के 27 वें वार्षिक सम्मेलन में यूएसआई के अध्यक्ष बनने के लिए के वीआईपी अतिथि; 23–26 नवंबर 2017 को मलेशिया के कुचिंग, सारावाक, मलेशिया में मलेशियाई यूरोलॉजिकल एसोसिएशन द्वारा यूएसआई के अध्यक्ष के रूप में वीआईपी अतिथि; 18–21 जनवरी 2018 से जयपुर में यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ़ इंडिया के 51वें वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता; एससीएसटी शिकायत सेल के अध्यक्ष; विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक कार्यक्रमों में अतिथि व्याख्याताओं को वितरित किया; कार्यशालाओं में लाइव ऑपरेटिव सर्जरी का प्रदर्शन किया; राष्ट्रीय वैज्ञानिक कार्यक्रमों में अध्यक्षता में वैज्ञानिक सत्र; राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से प्रशिक्षित पर्यवेक्षक; पुरुष मूत्र असंयम और मूत्रविज्ञान पर 22–20 अप्रैल 2017 को एक सत्र, मिड–टर्म लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप; वीवीएफ मरम्मत के लिए अध्यक्ष, लाइव लेप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी कार्यशाला, 17–18 जून 2017, कानपुर; 23–25 फरवरी, 2018 को अहमदाबाद में एंडो–यूरोलॉजी वर्कशॉप में उन्नति पर एचओएलईपी, मिनिमल एक्सेस सर्जरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष।

आचार्य अमलेश सेठ को विश्व यूरो–ऑन्कोलॉजी फेडरेशन के लिए गवर्निंग काउंसिल के सदस्य आमंत्रित किया गया था; गुर्दे की कोशिका कैंसर के प्रबंधन पर दिशानिर्देश के लिए यूरोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया की दिशानिर्देश समिति के नियुक्त अध्यक्ष; कोपेनहेगन, डेनमार्क में 33–20 ईएयू कांग्रेस के लिए आमंत्रित संकाय, 16–20 मार्च 2018; वीडियो पर एक सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित, रोबोट यूरोलॉजी फोरम सम्मेलन (आरयूएफसीओएन 2017), 21–23 अप्रैल 2017, मुंबई।

आचार्य राजीव कुमार को वैज्ञानिक समिति, सोसाइटी इंटरनेशनेल यूरोलॉजी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया; मेडिकल लेखन और अनुसंधान पद्धति पर कार्यशालाओं के लिए एक संसाधन व्यक्ति और संकाय के रूप में भाग लिया; वैज्ञानिक चिकित्सा लेखनः शोधकर्ताओं के लिए वैज्ञानिक लेखन पर कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 15–16 फरवरी 2018 और 12–13 अगस्त 2017; वैज्ञानिक चिकित्सा लेखनः संकाय, एम्स, नई दिल्ली के लिए वैज्ञानिक लेखन पर कार्यशाला, 28–29 अप्रैल 2017; साइंटिफिक मेडिकल राइटिंगः इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल रिसर्च, एम्स, नई दिल्ली में 17–18 मार्च 2018 को वैज्ञानिक लेखन पर कार्यशाला।

डॉ. प्रभजोत सिंह ने एसजीपीजीआईएमएस लखनऊ में 2 सप्ताह तक निगरानी किया; नॉर्थ जोन यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा हरगोविंद ट्रैवलिंग फैलोशिप के रूप में सम्मानित; अमेरिकन यूरोलॉजिकल एसोसिएशन चक्रबोर्ती फैलोशिप 2017 और एयूए मीटिंग 2017, बोस्टन में भाग लिया और मियामी विश्वविद्यालय, यूएसए में 6 सप्ताह तक निगरानी किया; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया) द्वारा एमएनएएमएस से सम्मानित।

डॉ. ऋषि नैयर इंडियन जर्नल ऑफ़ यूरोलॉजी के संपादकीय समिति के सदस्य थे; यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनजैडयूएसआई) के उत्तरी क्षेत्र चैपटर द्वारा 'उत्तर भारत में महामारी विज्ञान पुरुष स्वास्थ्य सर्वेक्षण' के लिए संयोजक; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया), अमृतसर के दीक्षांत समारोह में एमएएमएस; अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, शिमला के दीक्षांत समारोह में एफआईएमएसए से सम्मानित; स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (भारत), विशेषज्ञ समिति समन्वय सेल के कार्यालय के अधीन विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) (प्रजनन और मूत्रविज्ञान) के सदस्य; अध्यक्षताः सीआईसी और पुरुष अति सक्रिय मूत्राशय, पुरुष मूत्र असंयम और मूत्रविज्ञान पर मध्य–अवधि लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, 22–23 अप्रैल 2017, नई दिल्ली; अध्यक्षताः बेसिक लेप्रोस्कोपी,–लेप्रोस्कोपिक यूरोलॉजी पर द्वितीय मिड–टर्म लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, 17–18 जून 2017, कानपुर; अध्यक्षताः पेनाइल और यूरेथ्रल सर्जरी, 7वीं यूरोमीट एसजीआरएच– सम्मेलन सह कार्यशाला, 22–23 जुलाई 2017, नई दिल्ली; अध्यक्षताः वीडियो सत्र – मूत्र संबंधी सर्जरी, 111 राष्ट्रीय सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम में सर्जरी, 28 सितंबर 2017, नई दिल्ली; अध्यक्षताः अभिनव पेल्विक फ्लोर पुनर्वासः जैविक तर्क और नैदानिक अनुप्रयोग, यूरो–स्त्री रोग पूर्व–कांग्रेस कार्यशाला एओजीडी की वार्षिक बैठक, 17 नवंबर 2017, नई दिल्ली।

डॉ. वृषभान नायक ने 22 मई –29 जून 2017 तक फ्रांस के क्लिनिक सेंट ऑगस्टाइन, बोर्डो, में एडवांस्ड रोबोटिक्स और लैप्रोस्कोपी पर क्लीनिकल फैलोशिप किया; यूएसआई के उत्तर क्षेत्र अध्याय द्वारा वर्ष 2017 के लिए हरगोविंद मेमोरियल ट्रैवल फैलोशिप से सम्मानित किया गया और 20–27 फरवरी 2018 को एसजीपीजीआई लखनऊ का दौरा किया गया; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (इंडिया), अमृतसर के दीक्षांत समारोह में एमएएमएस से सम्मानित।

डॉ. मनोज कुमार ने यूरोलॉजिकल सर्जरी में प्रगति, एनेस्थीसिया सर्जरी और क्रिटिकल केयर में तकनीक पर ओटी टेक्नोलॉजिस्ट का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 29 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली की अध्यक्षता की।

डॉ. सिद्धार्थ जैन को यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा वर्ष 2018 के लिए यूएए यंग यूरोलॉजिस्ट फैलोशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया और क्योटो, जापान में 17–22 अप्रैल 2018 को यूएए कांग्रेस में भाग लिया।

10.1 हृद्-वक्ष विज्ञान केन्द्र

प्रमुख

वी. के. बहल

हृदय रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी. के. बहल

आचार्य

अनीता सक्सेना	एस. एस. कोठारी	बलराम भार्गव
के. सी. गोस्वामी	आर. जुनेजा	आर. नारंग
एस. मिश्र	एस. सेठ	राकेश यादव
एन. नायक	जी. कार्तिकेयन	गौतम शर्मा
एस. सिंह	अम्बुज रॉय	एस.रामाकृष्णन

सहायक आचार्य

सौरभ के. गुप्ता | नीरज पारेख | सुनील के. वर्मा

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

बलराम एरन (31 दिसम्बर तक) | एस.के. चौधरी (1 जनवरी से)

आचार्य

यू. के. चौधरी	ए. के. बिसोई	वी. देवागुरू
मिलिंद पी. होटे		सचिन तलवार

सह-आचार्य

मनोज कुमार साहू | पी. राजशेखर

सहायक आचार्य

सर्वेश पाल सिंह | रमेश पी. मेनन

हृद संवेदनाहरण

आचार्य एवं अध्यक्ष

उषा किरण (31 जनवरी तक) | संदीप चौहान (1 फरवरी से)

आचार्य

नीति मखीजा	पूनम मल्होत्रा	मिनती चौधरी
संभुनाथ दास	पराग घारडे	विश्वास मलिक

सह-आचार्य

सुरूचि हज़िजा | अरिंदम चौधरी

ân; tSo jlk;u
vkpk;Z

लक्ष्मी रामाकृष्णन

oSKkfud I

मनोज कुमार तेंभरे

ân&ukfHkdh; foKku

vkpk;Z

चेतन डी. पटेल

ân; foÑfr foKku

vkpk;Z

रूमा रे

ân; fofdj.k foKku

vkpk;Z ,oa v/;{k

संजीव शर्मा

vkpk;Z

गुरप्रीत सिंह गुलाटी | प्रिया जागिया

lgk;d vkpk;Z

संजीव कुमार

स्टेम कोशिका सुविधा
आचार्य

सुजाता मोहंती

CyM Vªkal¶;wtu lsok,a

vkpk;Z

आर. लक्ष्मी

eq[; fpfdRlk vf/kdkjh

अंजली हज़ारिका

lgk;d vkpk;Z

गोपाल पाटीदार

vf/k{kd fpfdRlk lkekftd lsok vf/kdkjh

श्रीमती वीणा बेलानी

मुख्य तकनीकी अधिकारी

विजय माझी सुरश कुमार गुलशन मेहता

विशेषताएं

हृद रोग विज्ञान

विभाग ने लगभग 1,40,000 बाह्य रोगियों की सेवा की। 35,000 से अधिक रोगियों की इकोकार्डियोग्राफी की गई और लगभग 3000 निदानात्मक हृदय रोगियों का कैथेटराइजेशन किया गया है। 3000 से भी अधिक रोगियों की हस्तक्षेपात्मक प्रक्रियाएं पूरी की गई जिनमें एंजियोप्लास्टी, डिवाइस लगाना और ब्लून वल्वोप्लास्टी शामिल थे।

इस अवधि के दौरान, विभाग ने हृदय रोग के व्यापक स्पेक्ट्रम में मरीजों का अध्ययन करने वाली कई शोध परियोजनाओं में भाग लिया। संधि हृदय रोग, कोरोनरी धमनी रोग और बीमारी के वैश्विक बोझ से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकाशन उच्च ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए। हमने नैशनल इंटरवेंशनल काउंसिल मीटिंग 2017 और सीएसआई दिल्ली शाखा 2018 सहित प्रमुख कार्डियोलॉजी बैठकें आयोजित की। विभाग के सदस्य हार्ट एशिया, इंडियन हार्ट जर्नल, बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी और एनल्स ऑफ पेडियाट्रिक कार्डियोलॉजी और जेपीसीवीएस सहित प्रमुख कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं का हिस्सा रहे। विभिन्न संकाय सदस्य महत्वपूर्ण समितियों का हिस्सा थे, जिनमें से जिनमें से कुछ वे थी जिन्होंने स्टेंट की कीमतों को नियंत्रित किया था।

रोगी देखभाल, अनुसंधान और शिक्षण के अलावा, विभाग देश में कार्डियोलॉजी में अकादमिक ज्ञान को आगे बढ़ाने में एक प्रमुख तरीके से शामिल था। विभाग के संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कार्डियोलॉजी निकायों में कार्यकारी पदों के लिए चुना गया है और अकादमिक एजेंडा पर फिर से ध्यान देने में मदद मिली है।

हृद–वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा

रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में विभाग सबसे अग्रणी रहा। सभी प्रकार के जन्मजात और अधिग्रहित हृदय रोगों वाले बड़ी संख्या में रोगियों की देखभाल के अलावा, विभाग ने सक्रिय रूप से अनुसंधान और प्रकाशन के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान और सहयोग किया। विभाग के संकाय सदस्यों ने 78 व्याख्यान दिए और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 24 शोध पत्र प्रस्तुत किए और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 40 से अधिक प्रकाशनों की समीक्षा की। विभाग की शैक्षिक गतिविधियाँ, विशेष रूप से महाधमनी शल्य चिकित्सा और हृदय शल्य चिकित्सा गहन देखभाल के क्षेत्र में उल्लेखनीय थी। गहन देखभाल के क्षेत्र में, विभाग ने कई संगोष्ठियां, अतिथि व्याख्यान, 2 कार्यशालाएं, और 5 वेट एब्स आयोजित किए, और हृदय सर्जरी आईसीयू देखभाल प्रोटोकॉल का आयोजन किया। विभाग ने अपनी गहन देखभाल टीम के साथ, संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया। इनके अलावा, कुछ उल्लेखनीय कार्य इस प्रकार थे:

1. एम्स, नई दिल्ली के हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए पहला सफल ईसीपीआर (ईसीएमओ के साथ सीपीआर)
2. एम्स, नई दिल्ली में पल्मोनरी मेडिसिन आईसीयू में वयस्क वीवी ईसीएमओ की पहली सफल वीनिंग
3. सीटीवीएस आईसीयू से पहला अंग दान
4. सीटीवीएस वार्ड में हृदय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं के लिए मंगलवार/शुक्रवार को फोलो–अप क्लिनिक
5. सीटीवीएस एनआईसीयू में दूध बैंक सेवाएं

हृद–संवेदनाहरण

संकाय सदस्यों और हृदय–संवेदनाहरण विभाग के रेजिडेंट डॉक्टरों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सम्मानित किया गया है। सभी प्रोफेसर और अतिरिक्त प्रोफेसर पूरे भारत में विभिन्न डीएम हृदय–संवेदनाहरण, एमडी संवेदनाहरण और डीएनबी संवेदनाहरण कोर्स के लिए परीक्षक थे। बाल चिकित्सा हृदय संवेदनाहरण में फेलोशिप शुरू करने में विभाग अग्रणी रहा है और जल्द ही शुरू करने के लिए मंजूरी दी गई है। विभाग में सभी संकाय संपादक, संपादकीय बोर्ड/विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हृद संवेदनाहरण, और इकोकार्डियोग्राफी शोधपत्र के सदस्य हैं। आईसीयू में एक्सट्रॉकोर्पोरियल मेम्बरेन ऑक्सीजनेशन (ईसीएमओ) की एक पाठ्यपुस्तकः विभाग के सभी संकाय सदस्यों के संयुक्त प्रयास से दो संस्करण प्रकाशित किए गए हैं और ईसीएमओ के संस्थापक डॉ रॉबर्ट बार्टलेट के द्वारा एसडबल्युएसीईएलएसओ 2018 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रिलीज किए गए। हृदय संवेदनाहरण विभाग द्वारा बहतर प्रकाशन विभिन्न राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए। विभाग के संकाय सदस्यों ने पाँच अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और व्याख्यान दिए।

हृद–जैव रसायन विज्ञान

हृदय–जैव रसायन विज्ञान विभाग हृदय वक्ष विज्ञान केंद्र के रोगियों और बाह्य रोगियों की देखभाल करता है। विभाग में की जाने वाली जांच के अलावा रोगियों को अन्य विभागों के साथ–साथ अन्य संस्थानों में भी भेजा जाता है। कई ईक्यूएएस कार्यक्रमों में भाग लेने के बावजूद विभाग में विश्लेषण की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा रही है। विभाग अनुसंधान में सक्रिय है जैसा कि छह बाह्य अनुदानों और प्रमुख

अनुसंधानकर्ता के रूप में एक आंतरिक परियोजना और 15 सहयोगी परियोजनाओं से साबित होता है जिनमें कुछ विभाग शामिल हैं। तीन छात्र वर्तमान में पीएचडी कर रहे हैं और हृद–जैव रसायन विज्ञान से 5 संकाय सदस्य सह–गाइड के रूप में पीएचडी शोध में शामिल हैं। विभाग के संकाय सदस्य यूनिसेफ और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा किए जा रहे पोषण सर्वेक्षण के लिए तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में शामिल हैं। विभाग से संकाय सदस्य पुराने किडनी रोग पर एक परियोजना के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के लिए तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य भी हैं। यह असंक्रामक रोगों और मोटापे तथा मेटाबोलिक सिंड्रोम के क्षेत्र में आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य के अतिरिक्त है।

हृद नाभिकीय चिकित्सा

हृद वक्ष विज्ञान केंद्र (सीटीसी) नियमित रूप से हृदय रोग विज्ञान की निदानात्मक नाभिकीय प्रक्रियाएं पूरी करता है। यह इकाई शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य में भी सक्रिय रूप से शामिल है। नाभिकीय स्नातकोत्तर एवं नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों को रोटेशन के आधार पर हृदय विज्ञान में नाभिकीय प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित किया जाता है। वर्तमान में संकाय सदस्य एमसीएच, डीएम, एमडी, पीएचडी और एमएससी छात्रों के शोधग्रंथों और अनुसंधान शोधपत्रों के कार्य में शामिल है जहां नाभिकीय चिकित्सा उनके अनुसंधान कार्यों का हिस्सा है। व्यवहारिकता आकलन के लिए हृदय पीईटी अध्ययनों को एन–13 अमोनिया और एफ–18 एफडीजी के साथ नियमित रूप से किया जाता है। हमने अन्य पीईटी रेडियोट्रेसर का प्रयोग भी शुरू कर दिया है जैसे कार्डिक सारडोसिस के लिए गैलियम–68 डीओटीएएनओसी और कार्डिक सिम्पैथेटिक इन्नरवेशन के लिए एफ–18 एफडीओपीए। यह इकाई "कार्डिक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी के लिए दाखिल हार्ट फेलियर के रोगियों के उपचार में गेटिड स्पेक्ट मायोकार्डियल प्रफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) द्वारा इंटरावेंट्रिकूलर सिंक्रोनिज्म के आकलन का महत्व" नामक अंतर्राष्ट्रीय मल्टी सेंटर अनुसंधान परियोजना में शामिल है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय नाभिकीय ऊर्जा एजेंसी, वियना, ऑस्ट्रिया द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यह इकाई वित्त पोषित परियोजना में दूसरे विभागों के साथ मिलकर कार्य कर रही है जिनमें से एक को आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित किया गया है, एक को अंतर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी द्वारा और एक को नेशनल हार्ट, लंग एण्ड ब्लड इन्सटीट्यूट (एनएचएलबीआई), यूएसए द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

हृद विकिरण विज्ञान

शिक्षाः विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठकों में 35 व्याख्यान दिए। विभाग ने भारत और विदेशों में विभिन्न स्थानों से 14 पर्यवेक्षकों की मेजबानी की। उन्होंने कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण प्राप्त किया। संकाय सदस्य कई वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए संपादकीय बोर्डों के सदस्य और समीक्षक हैं।

अनुसंधानः विभाग के पास 17 शोध परियोजनाएं और शोधग्रंथ हैं। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में 8 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं जिनकी समीक्षा सहयोगियों द्वारा की गई है। एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में चार शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। इसके अलावा 5 अध्याय पुस्तकों में प्रकाशित किए गए थे।

नैदानिक देखभालः विभाग अस्पताल में विभिन्न विशेष विभागों से आए रोगियों को हार्ट इमेजिंग और वस्कुलर इंटरवेंशनल उपचार सेवाएं प्रदान कर रहा है।

स्टेम सेल की सुविधा

जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा सीओई–एससीआर के रूप में इसे विकसित करने के लिए अगले 3 वर्षों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। यह सुविधा विभिन्न विभागों और फंडिंग एजेंसियों के साथ 7 परियोजनाओं में शामिल है। इस सुविधा में 3 वैज्ञानिकों और 1 डीएसटी–इंस्पायर फैकल्टी डीबीटी वित्त पोषित परियोजना के साथ 16 पीएचडी, 7 एमडी और डीएम छात्रों की एक समर्पित टीम है। अन्य संस्थानों के अनुसंधानकर्ताओं को भी उनके पीएचडी कार्य में सहयोग दिया गया। इस सुविधा ने उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में 13 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं जिनकी समीक्षा सहयोगियों द्वारा की गई है और उन्हें विभिन्न वैज्ञानिक मंचों (बैठकों, सम्मेलनों) में प्रस्तुत किया गया है। डॉ. मोहंती कई प्रतिष्ठित संगठनों की संपादकीय बोर्ड समिति के सदस्य हैं। सुविधा ने दो अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों (मिशिगन विश्वविद्यालय और ब्रिजपोर्ट विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका) के साथ भी सहयोग किया है।

ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाएं

ये केंद्र में भर्ती मरीजों की चौबीस घण्टे ट्रांसफ्यूजन की जरूरतों को पूरा करती हैं।

शिक्षा

हृद विज्ञान

विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की शिक्षा और प्रशिक्षण में शामिल है। दैनिक शैक्षणिक गतिविधियों में जरनल क्लब, मृत्युदर बैठक, कैथ सम्मेलन, छोटे और बड़े सेमिनार, वाद–विवाद, संकाय के सदस्यों द्वारा चिकित्सकीय मामलों पर चर्चा और खोज शामिल हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठि/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एनआईसी 2017, नई दिल्ली
2. एम्स कार्डियक मोर्फोलॉजी वर्कशॉप, एम्स, नई दिल्ली
3. सीएसआई दिल्ली शाखा की वार्षिक बैठक 2018, नई दिल्ली

दिए गए व्याख्यान

वी.के बहलः 22	**संदीप सेठः 2**	**नीरज प्रकाशः 4**
अनिता सक्सेनाः 10	**एस. रामकृष्नन : 14**	
एस.एस. कोठारीः 2	**सौरभ के. गुप्ताः 4**	

मौखिक पत्र/प्रस्तुत पोस्टरः 7

हृद–वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. बेंटॉल प्रक्रिया पर कार्यशाला, 23 अगस्त 2017, एम्स, नई दिल्ली
2. बेंटॉल प्रक्रिया के अंतर्गत बेंटाल की प्रक्रिया पर वेट–लैब, 23 अगस्त 2017, एम्स, नई दिल्ली
3. महाधमनी की चोटों, विच्छेदन और एन्यूरिज्म पर कार्यशाला – हाइब्रिड और एंडोवस्कुलर प्रबंधन, 24 अगस्त 2017, एम्स, नई दिल्ली
4. 15 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली में वस्कुलर एनास्टोमोसिस में तकनीकों पर कार्यशाला
5. 15 अक्टूबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में 'वस्कुलर एनास्टोमोसिस में तकनीकों पर कार्यशाला'
6. 22 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली में वस्कुलर एनास्टोमोसिस में तकनीकों पर कार्यशाला
7. "वस्कुलर एनास्टोमोसिस में तकनीकों पर कार्यशाला" में वस्कुलर एनास्टोमोसिस में तकनीकों पर वेट–लैब, 22 अक्तुबर 2017, एम्स, नई दिल्ली.
8. दक्षिण और पश्चिम एशिया के एक्स्ट्राकोरपोरियल लाइफ सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एसडबल्युएसीईएलएसओ) का 5 वां वार्षिक सम्मेलन, 19 जनवरी 2018, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली
9. दक्षिण और पश्चिम एशिया के एक्स्ट्राकोरपोरियल लाइफ सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एसडबल्युएसीईएलएसओ) के 5 वें वार्षिक सम्मेलन, 19 जनवरी 2018, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, में "प्रफ्यूजनिस्ट के लिए ईसीएमओ में समस्या निवारण पर कार्यशाला"।
10. डॉ. रॉबर्ट एंडरसन द्वारा 'कार्डिएक मॉर्फोलॉजी वर्कशॉप', 10–11 फरवरी 2018
11. बेसिक एयरवे और परक्यूटेनियस ट्रेकोस्टॉमी पर कार्यशाला, 18 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली
12. बेसिक एयरवे और परक्यूटेनियस ट्रेकोस्टॉमी पर कार्यशाला, 25 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली
13. "अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 29–30 मार्च 2018 को एम्स पल्मोक्रिट 2018 में "ईसीएमओ कार्यशाला"

दिए गए व्याख्यान

बलराम एरनः 3	**वी. देवागुरूः 18**	**सचिन तलवारः 12**
शिव कुमार चौधरीः 43	**मिलिंद पदमाकर होटेः 3**	**मनोज कुमार साहु :3**
मौखिक पत्र/प्रस्तुत पोस्टरः 25	**सर्वेश पाल सिंहः 6**	

हृदय संवेदनाहरण

- मुख्य संवेदनाहरण विभाग के 1 प्रायोजित और 6 अन्य एमडी–जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों सहित 9 डीएम उम्मीदवारों ने हृदय–वक्ष–संवेदनाहरण में सुपर स्पेशिएलिटी प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के 6 और कोलकाता के दो एमडी उम्मीदवारों को हृद–संवेदनाहरण में अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- श्री चित्रा तिरुनल संस्थान, त्रिवेंद्रम से 4 डीएम उम्मीदवारों को लघु अवधि का प्रशिक्षण दिया गया
- 2 संकाय सदस्यों सहित 3 उम्मीदवार विभाग में पीएचडी कर रहे हैं

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. डॉ. वी.ए. पन्नूज युवा वैज्ञानिक पुरस्कार–7 मई 2017 और सामान्य निकाय बैठक के साथ साथ हृदय आईसीयू में सेप्सिस पर 12वीं त्रैमासिक वैज्ञानिक बैठक स्नातकोत्तर सभा, डॉ. रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली, भारत
2. द सिमुलेशन सोसायटी (टीएसएस) द्वारा आयोजित एसडबल्युएसीईएलएसओ 2018 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (विषयः ब्रिजिंग एक्सिलेंस इन ईसीएमओ, जिसे इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में 18 से 21 जनवरी 2018 के दौरान आयोजित किया गया
3. एससीए–दिल्ली और एनसीआर शाखा द्वारा आयोजित वुमन कार्डिक केयर (डबल्युसीसी) 2018, (विषयः महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य और हृदय संबंधी देखभाल) जिसे डॉ. रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया

दिए गए व्याख्यान

संदीप चौहानः 11
नीति माखिजाः 7
पूनम मल्होत्रा कपूरः 22
मिनाटी चौधरीः 10
संभुनाथ दासः 3
विश्वास मलिकः 2
सुरुची हसिजाः 1
अरिंदम चौधरीः 4

प्रस्तुत किए गए मोखिक पत्र/पोस्टरः 9

हृद जैव रसायन विज्ञान

3 पीएचडी छात्रों को मुख्य गाइड के रूप में गाइड किया और 5 को सह–गाइड के रूप में गाइड किया; एक एमडी छात्र के लिए मुख्य गाइड; 10 एमडी शोधग्रंथ परियोजनाओं के लिए सह–गाइड; एमडी जैव–रसायनशास्त्र के छोत्रों को विभाग में 10 दिन के लिए नियुक्त किया; एनएनजेएन राष्ट्रीय अपराध विज्ञान एवं फोरेंसिक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के एमएससी (फोरेंसिक विज्ञान) के छात्रों के लिए अतिथि व्याख्यान आयोजित किया; स्नातक छात्रों के लिए हृदय की इस्केमिक बीमारी के संकेतों पर एक कक्षा का आयोजन किया।

दिए गए व्याख्यानः
आर. लक्ष्मीः 1
प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टरः 1

हृद नाभिकीय चिकित्सा

अड़तीस स्नातकोत्तर छात्रः 38 (20 एमडी नाभिकीय चिकित्सा के छात्र और नाकिकीय हृदय चिकित्सा विज्ञान में रोटेशन के आधार पर 18 नामिकीय हृदय विज्ञान प्रौद्योगिकी के छात्र); नैदानिक अध्ययन की रिपोर्ट प्रस्तुत करते समय एमडी छात्रों का 'ऑन साइट' शिक्षण।

दिए गए व्याख्यानः 3
मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुतीः 7

हृद विकृति विज्ञान

दिए गए व्याख्यान
सुधीर कुमारः 6
रुमा रेः 1

हृद विकिरण विज्ञान

शिक्षणः
विभाग के अतिरिक्त

1. स्नातकः हार्ट इमेजिंग और नाड़ी हस्तक्षेप की मूल बातों पर व्याख्यान
2. स्नातकोत्तरः हृदय विकिरण विज्ञान क्विज, सहयोगी विशेषज्ञता विभागों अर्थात मेडिसिन, सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और कार्डियोथोरेसिक सर्जरी में सेमिनारों का आयोजन
3. कार्डियोलॉजी विभाग और सीटीवीएस के साथ चिकित्सकीय–विकिरण विज्ञान पर बैठकें
4. चिकित्सकीय रूप से संयुक्त राउंड और चिकित्सकीय ग्रांड राउंड में संबद्ध विशेषज्ञताओं के साथ भागीदारी

विभाग के अंदर

1. मामलों की दैनिक प्रस्तुती
2. साप्ताहिक जरनल क्लब और सेमिनार

प्रशिक्षणः
जूनियर और सीनियर रेडियोलॉजी रेजिडेंट्स, कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस और हृदय संवेदनाहरण में वरिष्ठ रेजिडेंट्स और कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग और नाड़ी हस्तक्षेप की तकनीकों में बाहरी पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
विभाग द्वारा आयोजित

1. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः इंटरवेंशनल ओंकोलॉजी की 5 वीं एशिया–पैसिफिक कांग्रेस, 25–27 अगस्त 2017, दिल्ली।
2. सीएमईः केस–परिदृश्य आधारित चर्चाओं के बाद, छाती के गंभीर दर्द में नॉन–इनवेसिव इमेजिंग,, 20 जनवरी 2018, दिल्ली

दिए गए व्याख्यान

संजय शर्माः 7
गुरप्रीत सिंह गुलाटीः 6
प्रिया जगियाः 11
संजीव कुमारः 12
मौखिक पत्र / प्रस्तुत पोस्टरः 5

स्टेम कोशिका सुविधा

विभाग पीएचडी (16 छात्र), डीएम और एमडी (7 छात्र) कार्यक्रमों में भाग लेता है। प्रत्येक में दो छात्रों को लघु और दीर्घकालिक प्रशिक्षण दिया गया।

सीएमई / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
वर्कशॉपः स्टेम कोशिका सुविधा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रिक्लिनिकल रिसर्च के लिए इन विवो इमेजिंग (डीबीटी–स्टेम कोसिका रिसर्च के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस और पर्किन एल्मर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड), सेंट्रल एनिमल फसिलिटी, एम्स, नई दिल्ली, 5 सितम्बर 2017।

दिए गए व्याख्यानः 12
मौखिक पत्र / प्रस्तुत पोस्टरः 7

ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाएं

दिए गए व्याख्यान
अंजलि हजारिकाः 3
मौखिक पत्र / प्रस्तुत पोस्टरः 2
अनुसंधान

हृद रोग विज्ञान

वित्तपोषित परियोजना
जारी

1. हरियाणा के बल्लभगढ़ खण्ड में 18–25 वर्ष आयु वर्ग के वयस्कों में यूमेटिक हृदय रोग के प्रसार का डोपलर के साथ इकोकार्डियोलॉजी का प्रयोग करते हुए अध्ययन करना, अनीता सक्सेना, डीएचआर, 3 वर्ष, 2016–2019, 38.85 लाख रुपये।
2. तीव्र हृदयगति में बायोमार्कर का अध्ययन, एस सेठ, डीएचआर, 3 वर्ष, 2017–2020, रु. 80 लाख
3. मेडिकेशन अनुपालना और द्वितीय रोकथाम में सुधार करने के लिए टेक्सटमेड्स–टेक्सट मैसेज –एक अंतर्राष्ट्रीय यादृच्छिक परीक्षण, जी कार्तिकेयन, नैशनल हेल्थ एण्ड मेडिकल रिसर्च काउंसिल (एनएचएमआरसी), ऑस्ट्रेलिया, 2 वर्ष, 2015–2017, 30,000 ऑस्ट्रेलियन डॉलर।
4. इनविकटस (इन्वेस्टिगेशन ऑफ र्‍यूमैटिक एएफ ट्रिटमेंट यूजिंग विटामिन के. एंटागोनिस्ट्स, रिवरोक्साबन या एस्प्रीन स्टडीज), जी कार्तिकेयन, पोपुलेशन हेल्थ रिसर्च इन्सटीट्यूट, कनाडा, 4 वर्ष, 2016–2020, रु. 16.7 करोड़
5. बायीं तरफ के वाल्व थ्रोम्बोसिस के लिए फिब्रिनोलिटिक उपचार की तुलना में सर्जरी (सेफ–पीवीटी), जी कार्तिकेयन, इंडिया काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 2 वर्ष, 2017–2019, रु. 69 लाख
6. तेज र्‍यूमैटिक बुखार में एंडोथेलियल कार्य, एस. रामाकृष्नन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2018, रु. 55 लाख

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. आरएसओवी में फाइब्रिलिन जीन उत्परिवर्तन और सूजन के लक्षण
2. आरएचडी के वाल्व ऊतकों में स्ट्रेप्टोकोकल पीसीआर
3. टीजीए के साथ शिशुओं में क्यूपी का निर्धारण
4. स्टेमी प्रस्तुति में देरी के निर्धारक – एक गुणात्मक विश्लेषण
5. वीएसडी के साथ शिशुओं में फेफड़े के संक्रमण के साथ पीएएच का और अधिक खराब होना

पूर्णः

1. क्या उच्च खुराक स्टेटिन थेरेपी स्मृति हानि का कारण बनती है?
2. बच्चों में पेरिकार्डियल रोगः एक अवलोकात्मक अध्ययन
3. फोकस अल्ट्रासाउंडः इंटेंसिविस्ट्स को फोकस अल्ट्रासाउंड सिखाने के लिए प्रोटोकॉल का विकास।
4. दाएं वेंट्रिकुलर पेसिंग वाले रोगियों में बाएं वेंट्रिकुलर शिथिलता की घटना और अनुमान
5. र्‍यूमैटिक धमनीय फैब्रिलेशन के प्रबंधन के लिए फ्लेकेनाइड की प्रभावकारिता
6. ज्ञात प्राथमिक सारकॉइडोसिस के रोगियों में हृदय की भागीदारी की व्यापकता
7. जन्मजात हृदय रोग में फेफड़ों के अल्ट्रासाउंड का उपयोग
8. प्राथमिक पीसीआई के अंतर्गत धूम्रपान करने वाले अधिक मायोकार्डियल इन्फ्रैक्शन के रोगियों की नैदानिक और एंजियोग्राफिक प्रोफाइल और छह महीने के परिणाम
9. आम धमनी ट्रंक के नैदानिक और मॉर्फो–एंटोमिक अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं
जारी

1. इस्केमिया परीक्षण, एनआईएच
2. स्टैनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन (एसआईबी) कार्यक्रम और एसआईबी केंद्र, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
3. जी–सीएफआर (ग्लोबल कंजस्टिव हार्ट फेलयर) रजिस्ट्री, हार्ट फेलियर के रोगियों की एक बड़ी बहुराष्ट्रीय रजिस्ट्री

4. आईवीवीई परीक्षण (प्रतिकूल नाड़ी घटनाओं को रोकने के लिए इन्फ्लुएंजा वैक्सीन), हार्ट फेल के रोगियों में हृदय की घटनाओं को रोकने में इन्फ्लूएंजा वैक्सीन की भूमिका का अध्ययन करने के लिए एक परीक्षण
5. शहरी और ग्रामीण दिल्ली में विटामिन डी की कमी और इसके हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों के साथ जनसंख्या प्रसार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार
6. स्वस्थ वयस्क भारतीयों में एचडीएल गुणवत्ता का आकलन और अधिक ऊंचाई का प्रभाव, फिजिक्स इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज
7. योग–केयर परीक्षण, हृदय स्वास्थ्य पर एक योग–आधारित हृदय पुनर्वास कार्यक्रम (योग–केयर) के प्रभावः एक नैदानिक परीक्षण (भारत) और यांत्रिकी अध्ययन (यूके), एक आईसीएमआर–एमआरसी (यूके) वित्त पोषित परीक्षण
8. नई दिल्ली और वेल्लोर जन्म सहवास, भारत में 45 वर्ष की आयु में मायोकार्डियल संरचना और कार्य के बचपन और युवा वयस्क अवस्था के अनुमान कारक, एक ब्रिटिश हृदय फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित अध्ययन

हृद–वक्ष एवं वाहिका सर्जरी

वित्त–पोषित परियोजनाएं

जारी

1. कार्यात्मक माइट्रल वाल्व रिगर्जेटेशन (एफएमआर) के कार्य के उपचार में बेस (बेसल अन्नुलोप्लास्टी ऑफ कार्डिया एक्सट्रनली) डिवाइस की सुरक्षा और सक्षमता का आकलन, एसके चौधरी, फीनिक्स कार्डियक डिवाइसेस प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2015–2018, 30 लाख रु।
2. ओपन हार्ट सर्जरी के अंतर्गत सियानोटिक जन्मजात हृदय रोग के साथ बच्चों में ऑपरेशन के बाद सर्जिकल परिणामों पर विटामिन डी पूरकता का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, मनोज कुमार साहू, एम्स, 1.5 वर्ष, 2018–2019, रु .25 लाख

विभागीय परियोजनाएं

1. सुधारात्मक कार्डियक सर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में कार्डियक ईसीएमओ का परिणाम
2. भारत में हृदय प्रत्यारोपण के परिणामः एक एकल केंद्र अध्ययन
3. बाल चिकित्सा सर्जिकल रोगियों में विलंबित स्टर्नल क्लोजर
4. माइट्रल स्टेनोसिस में सर्जरी से पहले और बाद में फुफ्फुसीय कार्यों की एक प्रत्याशित तुलना
5. नवजात अवधि के बाद रोगियों में धमनीय बदलाव
6. विवेकाधीन सबऑर्टिक स्टेनोसिस के रोगियों के 2–लम्बी अवधि के परिणाम
7. फोंटान के बाद फुफ्फुस जल निकासी के लिए 3–जोखिम कारक
8. धमनीय बदलाव ऑपरेशन से गुजरने वाले महा–धमनियों के डेक्स्ट्रो ट्रांसपोजेशन वाले रोगियों में महाधमनी और फुफ्फुसीय धमनी में पैथोलॉजिकल परिवर्तनः एक प्रत्याशित अध्ययन
9. हृदय शल्य चिकित्सा के बाद सियानोटिक शिशुओं में वासोएक्टिव इनोट्रोपिक स्कोर और परिणाम का मूल्यांकन
10. ऑफ पंप बनाम ऑन पंप ग्लेन
11. बाइडायरेक्शन ग्लेन के बाद शुरुआती परिणामों के लिए जोखिम कारकों का निर्धारण
12. आरवीओटी पुनर्निर्माण के लिए प्रिकार्डियल पैच बनाम पीटीएफई पैच
13. टीओएफ की ट्रांस आरए बनाम ट्रांस आरए–आरवी मरम्मत
14. शिशु अवस्था के बाद एपी विंडो की मरम्मत
15. विभिन्न प्रकार के टीसीपीसी में परफ्यूजन स्कैन
16. कस्टडिओल बनाम डेल निडो कार्डियोपैगिया का यादृच्छिक परीक्षण
17. जीवन के पहले दशक के बाद प्राथमिक फॉन्टन ऑपरेशन से गुजरने वाले रोगियों के परिणाम
18. कार्डियोपल्मोनरी बायपास के साथ या उसके बिना बाइडायरेक्शनल सुपीरियर कैवोपलमरी एनास्टोमोसिस : एक यादृच्छिक अध्ययन
19. जीवन के पहले दशक के बाद प्राथमिक फॉन्टन ऑपरेशन से गुजरने वाले रोगियों के परिणाम
20. वाष्पोत्सर्जन और बायीं महाधमनी वाले रोगियों में धमनी स्विच ऑपरेशन
21. अनुपस्थित फुफ्फुसीय वाल्व के साथ फैलोट के टेट्रालॉजी के सुधार के मध्यावधि परिणाम
22. फेनटेस्टेड और नॉन–फेनेस्टेड फॉन्टन के बीच फुफ्फुस बहाव की तुलना – एक भावी यादृच्छिक अध्ययन

23. जीवन के 1 दशक के बाद पूर्ण विसंगति फुफ्फुसीय शिरापरक कनेक्शन
24. फॉन्टन प्रक्रिया से गुजरने वाले बच्चों में फाइब्रोस्कैन का उपयोग करके यकृत फाइब्रोसिस का गैर–इनवेसिव मूल्यांकन
25. जन्मजात हृदय दोषों के लिए शल्य चिकित्सा से गुजरने वाले रोगियों में पोस्ट–ऑपरेटिव कोर्स पर संशोधित अल्ट्राफिल्ट्रेशन का प्रभावः डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण
26. आट्रियल सेप्टल दोष बंद करने के लिए ऑटोलॉगस राइट एट्रियल वॉल पैच का उपयोग करनारू दो दशकों का अनुभव
27. कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग से गुजर रहे रोगियों के विभिन्न स्पेक्ट्रम में आईएबीपी इन्सर्सन के पूर्वसूचक – एक भावी अवलोकन अध्ययन
28. प्लाज्मालाइट की तुलना – ओपन हार्ट सर्जरी से गुजरने वाले बाल रोगियों में रिंगर लैक्टेट आधारित डेलिनिडो कार्डियोप्लेजिया समाधान के साथ डेलीनिडो कार्डियोपैजिया समाधान आधारितः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
29. एक्स्ट्राकार्डियक फॉन्टन प्रक्रिया से गुजर रहे रोगियों में ओरल सिल्डेनाफिल प्रयोग–एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन
30. सुप्रा–माइट्रल रिंग एक्सिशन के दीर्घकालिक परिणामः एक पूर्वव्यापी अध्ययन
31. सीएडी रोगियों में प्लेक जीवविज्ञान अध्ययन, कार्डियोलॉजी और और एकीकृत जीनोमैटिक्स एवं जीव विज्ञान संस्थान के साथ एक सहयोगात्मक परियोजना
32. माइट्रल वाल्व प्रतिस्थापन से गुजरने वाले रोगियों में र्‍यूमैटिक माइट्रल वाल्व ऊतक में प्रोटिओमिक्स का अध्ययन
33. सीएबीजी से गुजरने वाले गंभीर एलवी शिथिलता वाले रोगियों का अध्ययन
34. प्रयोगात्मक उच्च रक्तचाप में टर्मिनलिया अर्जुन के अर्क का प्रभाव
35. बाल हृदय सर्जरी के बाद प्रारंभिक अरिदमिया के लिए घटना, जोखिम कारक और प्रबंधन नियमावली का मूल्यांकनः एक ऑब्जर्वेटरी क्रोस सेक्शनल स्टडी

हृद संवेदनाहरण विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. जन्मजात हृदय रोग वाले रोगियों की सर्जिकल मरम्मत वाले रोगियों में जैव रासायनिक और संज्ञानात्मक सह–संबंधों पर राजयोग के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक एकल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। उषा किरण, डीएसटी, 2 वर्ष, 2017–2019, रु. 23,37,926/–
2. कोरोनरी धमनी की बीमारी के कारण बाएं वेंट्रीकुलर के खराब कार्य वाले कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्ट सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में एटोमाइडेट, थियोपेंटन या केटामाइन के साथ हिमोडायनामिक रिस्पोंस पर प्रभाव, अरिंदम चौधरी, एम्स, 3 वर्ष, 2014–2017, 4.5 लाख रु।

पूर्ण

1. वाल्वुलर हार्ट सर्जरी, के बाद कार्डियक और न्यूरोलॉजिकल बायोमार्कर पर डेसफ्लुरेन–फेंटेनाइल और मिडजोलम–फेंटेनाइल एनेस्थीसिया के प्रभावों की तुलना। पूनम मल्होत्रा कपूर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 18 लाख रु.
2. ओपन हार्ट सर्जरी से गुजरने वाले एनामायोटिक बच्चों में प्रोटमाइन रिवर्सल से हेपरिन की तुलना, सुरूचि हसीजा, एम्स, 3 वर्ष, 2014–2017, 2.5 लाख रुपये (2016–2017 के लिए)
3. चिकित्सीय प्रभावकारिता और वाल्वुलर हार्ट सर्जरी के रोगियों में पेरीओपेरेटिव डेक्समेडोमिडीन थेरेपी की सुरक्षा – एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संभुनाथ दास, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 5 लाख रुपये
4. सीएबीजी से गुजरने वाले संरक्षित इजेक्शन फ्रैक्शन वाले रोगियों में टीईई से प्राप्त डायस्टोलिक स्ट्रेन और टिश्यू डोपलर सूचकांकों के साथ पीए कैथेटर द्वारा मापे गए एलवी फिलिंग प्रेसर का सह–संबंध, विश्वास मलिक, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, रु. 5 लाख

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. कोरोनरी धमनी बाईपास रोगियों में संशोधित टीएपीएसई के साथ ट्राइकसपिड एन्युलर प्लेन सिस्टोलिक एक्सकर्सन (टीएपीएसई) की तुलना

2. ओस्टियोपोनिन, आरवी फंक्शन और फॉल्सोट्स की टेट्रोलॉजी में नैदानिक परिणाम
3. डेक्समेडेटोमिडाइन इंडक्शन और वेंट्रिकुलर फंक्शन द्वारा स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी
4. वक्षीय द्रव सामग्री, कुल ल्यूकोसाइट संख्या और बाल चिकित्सा सर्जरी में सी–प्रतिक्रियाशील प्रोटीन के बीच सहसंबंध
5. स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी द्वारा जन्मजात हृदय रोग के बच्चों के निलय कार्यों पर संवेदनाहारी एजेंटों के प्रेरण प्रभाव
6. उच्च हेमाटोक्रिट के साथ सियानोटिक हृदय रोग के रोगियों में कार्डियोपल्मोनरी बाईपास पर इंट्राऑपरेटिव लाल कोशिका की मात्रा में कमी का प्रभाव
7. जन्मजात हृदय रोग वाले शल्यक्रिया से गुजरने वाले बच्चों और माता–पिता में चिंता और तनाव
8. कोरोनरी धमनी बाईपास रोगियों में संशोधित टीएपीएसई के साथ ट्राइकसपिड एन्युलर प्लेन सिस्टोलिक एक्सकर्सन (टीएपीएसई) की तुलना
9. फैलट की टेट्रालॉजी वाले सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में विभिन्न इकोकार्डियोग्राफिक विचारों में आरवीओटी ग्रेडिएंट की तुलना
10. फैलट की टेट्रालॉजी के लिए इंट्राकार्डिक मरम्मत से गुजर रहे बच्चों में ऑपरेशन से पूर्व दाएं वेंट्रिकुलर के कार्य के मूल्यांकन के लिए पीआरवी/एलवी अनुपात की तुलना में इकोकार्डियोग्राफी व्युत्पन्न दाएं वेंट्रिकुलर के कार्य के पैरामीटर की भूमिका।
11. सियानोटिक कार्डियक सर्जरी में देखभाल परीक्षण के बिंदु
12. शिशओं में ओपन हार्ट सर्जरी के बाद न्यूरो–संज्ञानात्मक परिणामों की भविष्यवाणी करने में एनआईआरएस के साथ गैर–आक्रामक सेरेब्रल ऑक्सीमेट्री की भूमिका

पूर्णः

1. तीन देखभाल बिंदु परीक्षण उपकरणों का तुलनात्मक मूल्यांकनः थ्रोम्बोइलेस्टोग्राफ (टीईजी), रोटेशनल थ्रोम्बोइलेस्टोमीटर (आरओटीईएम) और सियानोटिक जन्मजात कार्डियक सर्जरी में सोनोक्लोट एनालाइजरः नियमित प्रयोगशाला परीक्षणों और ऑपरेशन के बाद रक्तस्राव के साथ सह–संबंध
2. वयस्कों में कार्डियोपल्मोनरी बायपास सर्किट के ऑटोलॉगस प्राइमिंग का प्रतिगमनः शिराओं और धमनियों के मार्गों की तुलना
3. कार्डियोपल्मोनरी बाईपास के दौरान बाइस्पेक्ट्रल इंडेक्स (बीआईएस) मूल्य में परिवर्तन – एक अवलोकनात्मक अध्ययन
4. सायनोटिक हृदय रोग वाले बच्चों में मस्तिष्क–दैहिक ऑक्सीकरण पर धमनी कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर में भिन्नता का प्रभाव
5. इलेक्टिव वाल्व प्रतिस्थापन सर्जरी के लिए तैनात वयस्क रोगियों में पूर्व इंडक्शन ट्रांस–थोरेकिक और पोस्ट इंडक्शन ट्रांस–एसोफैगल इकोकार्डियोग्राफी के बीच एयरोटिक स्टेनोसिस ग्रेडिंग की तुलना

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. इंट्राकार्डियक मरम्मत, सीटीवीएस से गुजरने वाले रोगियों में डेलिडो बनाम कस्टोडियल कार्डियोपल्जिया समाधान की तुलना

हृद जैव–रसायन विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के लिए व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण के लिए क्यूसी लैब के रूप में काम करने का प्रस्ताव, आर. लक्ष्मी, यूनिसेफ, 2 वर्ष, 2016–2018, 98 लाख रुपये
2. कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) के रोगियों में ईपीसी की कार्यात्मक गतिविधि के साथ टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) के स्तर का एंडोथेलियल प्रोजेनर सेल (ईपीसी) में सहयोग, आर. लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017–2019, 39 लाख रुपये
3. कश्मीर घाटी में जनजातीय आबादी का स्वास्थ्य सर्वेक्षण, गैर संचारी रोगों के परिमाण और जोखिम कारकों के संदर्भ में, आर. लक्ष्मी, डीबीटी, 2 वर्ष, 2016–2018, 171 लाख रु.
4. प्रतिरोध प्रशिक्षित पुरुषों में प्रोटिन अवशोषण, शरीर संरचना, मांसपेशीय शक्ति, और रोग प्रतिरोधकता पर प्रोबायोटिक सप्लीमेंट, बेसिलस कोगुलेंस युनीक 2 और बेसिलस क्लोसी के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आर. लक्ष्मी, 20 माह, 2016–2018, 37 लाख रु
5. नई दिल्ली जन्म सहवास और वेल्लोर जन्म सहवास, भारतः बायोकम्पोनेंट दिल्ली, में 45 वर्ष की आयु में मायोकार्डियल संरचना और कार्य के बचपन और युवा वयस्क संकेतक, आर. लक्ष्मी (जैवरासायनिक जांचकर्ता), बीएचएफ, 3 वर्ष, 2016–2019, रु. 20 लाख

6. एलार्मिन प्रेरित नेक्रोटेपोसिस के तंत्र का निर्णय करना और एथेरोस्क्लेरोसिस में प्रतिरक्षा होमोस्टैसिस और सूजन में इसकी भूमिका, मनोज के. टेम्ब्रे, डीएसटी–एसआरबी (प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान पुरस्कार), 3 वर्ष, 2017–2020, रु. 50 लाख
7. प्रतिरक्षा नियमन और सूजन में न्यूट्रोफिल एक्सट्रैसेलुलर ट्रैप (एनईटी) की भूमिका को परिभाषित करना, मनोज के. टेम्ब्रे, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, रु. 8.5 लाख

पूर्णः

1. राष्ट्रीय गैर संचारी रोग लक्ष्यों की निगरानी के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण की पायलटिंग, आर. लक्ष्मी, डब्ल्यूएचओ, 6 महीने, 2016, 15.60 लाख रुपये
2. सीएडी रोगियों में ईपीसी नंबर के साथ एंडोथेलियल प्रोहाइजर सेल (ईपीसी) में टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) के स्तर का अध्ययन, आर. लक्ष्मी, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 10 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं
जारी

1. कोरोनरी धमनी की बीमारी (सीएडी) के रोगियों में एंडोथेलियल पूर्वज कोशिका (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच4) के स्तर और ईपीसी संख्या और कार्य के साथ इसका संबंध
2. भारत में एक सुपर–स्पेशिएलिटी सेंटर में ब्लड बैंक में रक्त सूची का अनुकूलन
3. हृदय शल्यक्रिया से गुजरने वाले रोगियों में ल्यूको–रिड्यूस्ड और गैर ल्यूको–रिड्यूस्ड रक्त घटकों का परिणाम

सहयोगात्मक परियोजनाएं
जारी

1. उत्तर–भारत में गैर–अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) की व्यापकता और कार्डियो–मेटाबोलिक रोग जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध, एंडोक्रिनोलॉजी
2. शहरी और ग्रामीण दिल्ली में विटामिन–डी की कमी और हृदय रोग जोखिम कारक, हृद रोग विज्ञान के साथ के साथ इसका संबंध, हृदय रोग विज्ञान
3. जन्मजात हृदय रोग के लिए सर्जिकल मरम्मत वाले रोगियों में हृदय पुनर्वास के जैव रासायनिक और संज्ञानात्मक सहसंबंधों पर राजयोग के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, हृद संवेदनाहरण।
4. वसा ऊतक एबीसीए 1 और चयापचय की स्थिति, जैवरसायन द्वारा इंसुलिन प्रतिरोध और एचडीएल गुणवत्ता का मॉड्यूलेशन
5. किशोर लड़कियों (12–19 वर्ष) में आयरन और फोलिक एसिड (आईएफए) के साथ विटामिन बी 12 सप्लीमेंट पैकेज का प्रभाव, मानव पोषण इकाई
6. जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश, मानव पोषण इकाई में एचआईजी से संबंधित 10–16 वर्ष की आयु के बच्चों में अधिक वजन, मोटापा और बाल चिकित्सा चयापचय सिंड्रोम और बच्चों से संबंधित जोखिम कारकों के प्रसार का अध्ययन
7. 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के बुजुर्गों में पोषण, रुग्णता की स्थिति और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के उपयोग का आकलन, आईसीएमआर वित्त पोषित, मानव पोषण इकाई
8. हिमाचल प्रदेश, भारत, के तीन ऊंचाई वाले क्षेत्रों (1000 मीटर और ऊपर) से 6–18 वर्ष की आयु के बच्चों में विटामिन डी की कमी और इससे जुड़े कारकों की व्यापकता का आकलन, मानव पोषण इकाई
9. स्तन कैंसर के विकास के साथ विटामिन डी और कैल्शियम का संबंधः एक केस नियंत्रण अध्ययन, मानव पोषण इकाई
10. राष्ट्रीय एनसीडी का निगरानी सर्वेक्षण, सी.सी.एम.
11. डायबिटीज मेलिटस के साथ सामान्य मानसिक विकारों का संबंध–उत्तर भारत में एक समुदाय आधारित केस–कंट्रोल अध्ययन, सी.सी.एम.
12. आपातकालीन लैप्रोटोमी से गुजरने वाले पेरिटोनिटिस के रोगियों में इंट्राऑपरेटिव लंग प्रोटेक्टिव वेंटिलेशनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, इंटरामुराल, संवेदनाहरण विज्ञान
13. ओपन हार्ट सर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में परिणाम पर विटामिन डी सप्लीमेंट का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित, सीटीवीएस
14. विभिन्न आयु स्तरों में सामान्य बेहतर और खराब पैराथायरॉइड ग्रंथियों की सेलुलर और आणविक विषमता, विकृति विज्ञान

15. 3 महिने में चुने गए स्वास्थ्य संबंधी परिणाम पर नर्स–लेड स्ट्रक्चर्ड टेलीफोनिक हार्ट फेलियर मैनेजमेंट प्रोग्राम के प्रभाव को प्राप्त करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स

पूर्ण

1. आपातकालीन चिकित्सा में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) के रोगियों के जोखिम स्तरीकरण में हृदय बायोमार्कर की भूमिका, आपातकालीन चिकित्सा विभाग
2. जनसंख्या स्तर पर आहार सोडियम सेवन के आकलन के लिए 24 घंटा यूरीन सैम्पल के विरुद्ध स्पॉट यूरीन के सैम्पल की पुष्टि, सी. सी.एम.
3. पैथोफजिलयोलॉजी और कोरोनरी धमनी की बीमारी की गंभीरता के साथ ल्यूकोसाइट झिल्ली पूरक नियंत्रण प्रोटिन, एमबीएल और एमएएसपी2 के संबंध, जैव–रसायन विज्ञान

हृद नाभिकीय चिकित्सा

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. कार्डिक रिसिंक्रोनाइजेशन थेरेपी के लिए दाखिल हार्ट फेलियर के रोगियों के प्रबंधन में गेटिड स्पेक्ट मायोकार्डियल प्रफ्यूजन इमेजिंग (एमपीआई) द्वारा इंट्रावेंटिकुलर सिंक्रोनिज्म मूल्यांकन का मान, चेतन डी. पटेल, अंतराष्ट्रीय आणिवक ऊर्जा एजेंसी, वियना, 4 वर्ष, 2013 से जारी, 18 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. उन्नत पार्किंसंस के रोगियों में मायोकार्डियल सिम्पैथी से बचाव का पता लगाने में एफ–18 एफडीओपीए का मूल्यांकन
2. कार्डिएक सरकोइडोसिस में जीए68.डीओटीएएनओसीपीईटीध्सीटी की भूमिका, कार्डिक एमआरआई के साथ तुलना
3. माइक्रोवास्कुलर एंजाइना में नाड़ी कार्य और दर्द संवेदनशीलता की भूमिका का अध्ययन
4. प्रारंभिक पार्किंसंस रोग और एटिपिकल पार्किंसनिज्म के रोगियों में एफ –18 एफडीओपीए पीईटी–सीटी इमेजिंग द्वारा हृदय में सिम्पैथेटिक डिनर्विंग से बचाव का अध्ययन
5. ओएसईएम और एफबीपी पर लेफ्ट वेंट्रिकुलर इजेक्शन फरेक्शन (एलवीईएफ) की तुलना टीसी99एम–एमआईबीआई मायोकार्डियल परफ्यूजन स्पैक्ट्रम में पुनर्निर्माण की गई इमेजिंग एलवीईएफ के साथ वैलिडेशन, इक्विलिएट्रम गेटिड रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी (ईआरएनए)
6. टीआई मैपिंग, टी2 मैपिंग और देरी से गैडोलियम वृद्धि का प्रयोग करते हुए कार्डिक सार्कोइडोसिस के रोगियों में निदान और उपचार में कार्डिक एमआरआई की भूमिका
7. सीएडी और एलवी रोगियों में सुधार की व्यवहार्यता और भविष्यवाणी के आकलन के लिए एफडीजी पीईटी की तुलना में डीई–सीएमआर
8. अनुकूलन थ्रेसहोल्ड का उपयोग करके इमेज विभाजन
9. मूत्रवर्धक सेल कार्सिनोमा के रोगी में मूत्रवर्धक 18एफ–एफडीजी पीईटी/सीटी की भूमिका और हिस्टोपैथोलॉजिकल उप–प्रकार के साथ पीईटी पैरामीटर का सहसंबंध
10. मुख्य घटक विश्लेषण का उपयोग करके इमेज रिजोनान्स
11. स्टोकेस्टिक रिजोनांस का उपयोग करके इमेज में वृद्धि
12. उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर में 68एफ फ्लोराइड पीईटी/सीटी की तुलना
13. तीव्र बाल माइलॉयड ल्यूकेमिया में क्लोरोमा की पीईटी–सीटी इमेजिंगः एक संभावित अध्ययन
14. नरम ऊतक सरकोमा के रोगियों में स्टेजिंग और प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन में एफ –18 एफडीजी पीईटी–सीटी की भूमिका

पूर्ण

1. ऑर्डर्ड सबसेट एक्सपेक्टेशन मैक्सिमाइजेशन (ओएसईएम) में पुनर्निर्माण मापदंडों का अनुकूलन और मायोकार्डियल प्रफ्यूजन इमेजिंग में फिल्टर किए गए बैक प्रोजेक्शन का उपयोग करके पुनर्निर्माण की गई इमेज के साथ तुलना

2. लंग प्रफ्यूजन स्कैन का प्रयोग करते हुए फोंटन प्रक्रिया के बाद प्लमोनरी प्रफ्यूजन की तुलनाः एक्सट्राकार्डिक टीसीपीसी बनाम लेट्रल टनल टीसीपीसी
3. पीईटी और सीटी इमेज रजिस्ट्रेशन पर सामान्यीकृत पारस्परिक सूचना आधारित विधियां और इसका प्रभाव
4. न्यूक्लियर मेडिसिन इमेज से शोर हटाने में गॉसियन और बटरवर्थ फिल्टर की भूमिका
5. एफ 18–एफडीजी पीईटी/एसटी अध्ययन पर बनावट विश्लेषण का उपयोग करके कीमोथेरेपी के चार चक्रों के बाद नॉन–स्मॉल सेल के फेफड़ों के कैंसर की अंतरिम उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन
6. नॉन–स्मॉल सेल के फेफड़े के कैंसर में उत्तरजीविता के रूप में आधारभूत एफ 18–एफडीजी पीईटी/एसटी की बनावट विश्लेषण की भूमिका

सहयोगात्मक परियोजनाएं
जारी

1. चिकित्सा और आक्रामक तरीकों के साथ तुलनात्मक स्वास्थ्य प्रभावशीलता का अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, स्किेमिया ट्रायल), कार्डियोलॉजी
2. इस्केमिक स्ट्रोक और टीआईए, न्यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी के रोगियों में रोगसूचक और स्पर्शोन्मुख कोरोनरी धमनी की बीमारी की व्यापकता
3. प्राथमिक पीसीआई के बाद बहुधमनी रोग वाले स्टेमी रोगियों में इस्केमिया–निर्देशित पीसीआई के लिए गेटिड–स्पैक्ट एमपीआई का महत्व, ह्रदय रोग विज्ञान

ह्रद विकृति विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं
जारी

1. नॉन मार्फनोइड लोगों में थोरेकिक ऑर्टिक एन्युरिज्म में फिब्रिलिन 1 जीन म्यूटेशन और टीजीएफ बिटा की भूमिका, सुधीर, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2017, रु. 5 लाख

विभागीय परियोजनाएं

1. प्राथमिक सिलेरी डिस्किनेशिया के नैदानिक रूप से संदिग्ध मामलों में सिलिअरी असामान्यता का इलेक्ट्रॉन सूक्ष्म अध्ययन
2. गैर मार्फनॉइड लोगों के टीएएए में फाइब्रिलिन 1 जीन उत्परिवर्तन और टीजीएफ बीटा
3. आरएचडी रोगियों के एक्साज्ड वाल्वुलर ऊतक में पोलीमरेज चेन रिएक्शन के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना

पूर्ण

1. मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज –2, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज –9, ऊतक अवरोध करनेवाला मेटालोप्रोटीन –2, ऊतक अवरोध मेटालोप्रोटीन –2, थोरेसिक ऑर्टिक एन्युरिज्म में कोलेजन 1 और 4 की अभिव्यक्ति
2. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल एंजाइम (ट्रिप्सिन) और कई एंजाइमों (ट्रिप्सिन, कोलेजनेज और डिस्पेज) का उपयोग करके तैयार किए गए निकाले गए हेयर फोलिकल के बाहरी रूट आवरण कोसिका सस्पेंसन की कोशिकीय संख्या की प्रभावकारिता और संरचना का एक तुलनात्मक अध्ययन।

सहयोगात्मक परियोजनाएं
जारी

1. आरएचडी रोगियों के एक्साइज्ड वाल्वुलर ऊतक में पोलीमरेज चेन रिएक्शन के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए की जांच, ह्रद रोग विज्ञान
2. सफदरजंग अस्पताल के क्रोनिक हार्ट रिसेप्टर्स रोगियों में सूजन के साथ टोल लाइक रिसेप्टर्स (टीएलआर) के सहसंबंध का पता लगाना, ह्रदय रोग विज्ञान
3. कार्डिक मार्करों, सकल निष्कर्षों और संदिग्ध ह्रदयाघात, फॉरेंसिक मेडिसिन के मामलों में ह्रदय में परिवर्तन संबंधी अध्ययन
4. प्लमोनरी सारकॉइडोसिस और मीडियास्टिनल तपेदिक, पल्मोनरी मेडिसिन के रोगियों में माइक्रोआरएनए प्रोफाइलिंग और साइटोकाइन प्रोफाइलिंग विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन।

5. माइकोबैक्टीरियम वैक्सीन के प्रतिकूल प्रभाव और इंजेक्शन के दर्द को कम करने के लिए एक नए सूत्रीकरण और पैकेजिंग का विकास और रिकाल्सिट्रेंट एनाजेनिटल और एक्सट्राजेनिटल (सामान्य) वार्ट्स में इसके चिकित्सकीय परीक्षण, त्वचा विज्ञान
6. चेहरे के आयतन की हानि के उपचार में ऑटोलॉगस नॉन कल्चर्ड त्वचीय कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण, त्वचा विज्ञान
7. चूहे में ब्लेमाइसिन प्रेरित प्लमोनरी विषाक्तता में सेसमोल का अध्ययन
8. पेम्फिगस वल्गारिस के इम्युनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न रिकॉगनिशन रिसेप्टर्स (पीआरआर) के साथ–साथ कोसिका सबसेट के फेनोटिपिक और कार्यात्मक भूमिका का पता लगाना, औषध विज्ञान

हृद विकिरण विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. रीढ़ की चोट के रोगियों में ऑटोलोगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मोनोन्युक्लियर कोसिकाओं की सुरक्षा और क्षमता, पी जगिया, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, रु. 5 लाख

विभागीय परियोजनाएं

1. आयरन अधिभार सिंड्रोम में टिश्यू आयरन की पहचान मात्रा में दोहरे ऊर्जा सीटी की भूमिका
2. एनएसएए गतिविधि में सीईयूएस की भूमिका
3. पीवीडी के रोगी में कोंट्रास्ट एमआरए के साथ नॉन–कोंट्रास्ट एमआरए की तुलना
4. नॉन–इस्केमिक डाइलेटिड कार्डियोमायोपैथी के रोगियों में मायोकार्डियल फाइब्रोसिस और वॉल मोर्फोलॉजी की पहचान में कार्डिक मैग्नेटिक इमेजिंग रिजोनांस की भूमिका
5. गैर–विशिष्ट ऑर्टो–आर्टरिटिस के रोगियों में एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन्स के लिए ड्रग इलुटिंग ब्लून एंजियोप्लास्टी और नॉन–कोटिड ब्लून एंजियोप्लास्टी का तुलनात्मक मूल्यांकन
6. महाधमनी–धमनीविस्फार के रोगियों में एंडोवास्कुलर हस्तक्षेप के लिए नशीली दवाओं के गुब्बारा एंजियोप्लास्टी बनाम नॉनकोटेड बैलून एंजियोप्लास्टी का तुलनात्मक मूल्यांकनः संभावित अध्ययन
7. क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी आर्टरी बीमारी के मूल्यांकन में दोहरी ऊर्जा सीटी पल्मोनरी परफ्यूजन की भूमिका और परिणाम वृद्धि का आकलन करने में इसका महत्व
8. हेटरोटेक्सी सिंड्रोम में प्रणालीगत और फुफ्फुसीय शिरापरक विसंगतियों के मूल्यांकन में एमडीसीटी की भूमिका
9. कार्डिक सार्कोइडोसिस के रोगियों में रोग का निदान और उपचार प्रतिक्रिया में टी 1 मैपिंग, टी 2 मैपिंग और लेट गैडोलिनियम एन्हांसमेंट (एलजीई) का उपयोग करते हुए कार्डिक एमआरआई की भूमिका
10. भारतीय जनसंख्या में मल्टीडिटेक्टर कॉम्प्यूटिड टोमोग्राफी का उपयोग करके महाधमनी और इलियोफमरल आयामों के लिए मोनोग्राम का डेरिवेशन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. रुग्ण मोटापे में हृदय संबंधी जोखिम को कम करने में बैरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव 2017, शल्यचिकित्सा
2. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए विकिरण डॉसिमीटर के रूप में रेडियोक्रोमिक फिल्म की तैयारी और अध्ययन, विकिरण भौतिकी
3. सीएडी और एलवी शिथिलता के रोगियों में कार्यात्मक अक्षमता की भविष्यवाणी और व्यवहार्यता के आकलन के लिए एफडीजी–पीईटी की तुलना में डीई–सीएमआर, हृदय रोग विज्ञान
4. कार्डियक सार्कोइडोसिस में 68 जीए-डोटानोक पैट/सीटी की भूमिका; कार्डिक एमआर के साथ तुलना, नाभिकीय चिकित्सा

पूर्ण

1. सामान्य धमनीय ट्रंक और इसके चिकित्सकीय महत्व का मोर्फोनाटोमिक विवरण, हृदयरोग विज्ञान

2. र्यूमैटिक हृदय की बीमारी के रोगियों में एलएए क्लॉट निर्माण के संकेतक के रूप में लेफ्ट आर्टरियल अपेंडेज (एलएए) मोर्फोलॉजी, हृदयरोग विज्ञान

स्टेम सेल सुविधा

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. डीबीटी–सेंटर ऑफ एक्सिलेंस फॉर स्टेम सेल रिसर्चः बेसिक एवं ट्रांसलेशनल (फेज–2), सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 298 लाख रुपये
2. कोरोनरी धमनी बीमारी वाले रोगियों के पेरिफेरल ब्लड मोनोन्यूक्लीयर को स्थायी बनाने के लिए टेलोमिरेज रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज को टारगेट जीन को टारगेट करना, सुजाता मोहंती, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 56 लाख रुपये
3. एक इन विर्टो वाउंड बेड मॉडल में मेलानोसाइट्स और केराटिनोसाइट्स के स्थानांतरण में सहायता में सक्षम एक कैरियर ड्रेसिंग का विकास, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 59.37 लाख रुपये
4. हेरेडिटेरी इंक्लुज़न–बॉडी मायोपेथी की विकृति शरीरक्रिया विज्ञान की समझ के लिए इंड्यूस्ट प्लूरीपोटेंट मूल कोशिकाओं का उत्पादन, सुजाता मोहंत, डीबीटी, 2 वर्ष, 2017–2019 रू. 8 लाख।
5. विभिन्न वयस्क ऊतकों में हेरेडिटी इनक्लुजन–बॉडी मायोपैथी–लाइक स्टेम सेल्स (वीएसईएल) के पैथोफिजियोलॉजी को समझने के लिए ब्लूप्रिंट स्टेम सेल को तैयार करना, सुजाता मोहंती, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2017–2018, 4 लाख रुपये
6. वायरस द्वारा उत्पन्न न्यूरोडिजेनरेटिव बीमारी से लड़ने में कोसिका द्वारा व्यूत्पन्न वयस्क एक्सोसम स्टेम सेल की उपचारात्मक भूमिका को समझना, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018–2021, 22 लाख रुपये।
7. नोरमोक्सिया और हाइपोक्सिया के अंतर्गत मानव ओईसी के साथ मोनेकल्चर और को कल्चर में एमएससी और एमएपीसी की वस्कुलराइजिंग संभावना की तुलना, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018–2021, 46.26 लाख रुपये

पूर्ण

1. माइटोकॉन्ड्रियल ट्रांसफर के माध्यम से कोसिका मरम्मत और उत्थान में ऊतक विशिष्ट एमएससी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 16 लाख रुपये
2. माइक्रो पैटर्न सतह और डिसेलुलराइज्ड कोर्निया का प्रयोग करते हुए कोर्निया निर्माण, सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 26 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं

चल रही

1. ऑटोलॉगस नॉन–कल्चरल त्वचीय सेल निलंबन की मात्रा में सुधार के लिए प्रत्यारोपण
2. एचएलए–जी और अन्य घुलनशील कारकों के माध्यम से ऊतक विशिष्ट मानव एमएससी की प्रतिरक्षण क्षमता
3. दवा प्रेरित यकृत चोट मॉडल में ऊतक विशिष्ट एमएससी व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका का मूल्यांकन
4. अपनी पूर्ण चिकित्सकीय क्षमता का उपयोग करके कॉर्नियल ऊतकों के विस्तारित उपयोग के लिए रणनीतियों का पता लगाने के लिए इन–विट्रो अध्ययन
5. विभेदित थायरॉयड कैंसर की इमेजिंग और आणविक लक्षणों का वर्णन
6. हेपाटो सेलुलर कार्सिनोमा में बायोमार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए की भूमिका
7. कैल्शियम–सिलिकेट आधारित सीमेंट्स से प्रेरित अधिशोषित मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की कोशिकाओं की प्रतिक्रियाओं और ऑस्टोजेनिक क्षमता का तुलनात्मक मूल्यांकन– एक हिस्टोकेमिकल अध्ययन
8. स्तन कैंसर के ऑप्टिकल कैरेक्टराइजेशन
9. मानव अस्थिमज्मा से प्राप्त मानव एमएससी और हड्डी ऊतक अभियांत्रिकी में इसका प्रयोग करते हुए एचयूवीईसी से एंडोथेलियल ट्यूब का इन विट्रो और इन विवो स्थिरीकरण
10. ओरल कैविटी स्क्वैमस कोसिका कार्सिनोमा में प्रवाहित ट्यूमर कोसिकाओं की जांच और मात्रा निर्धारण
11. एंडोथेलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) की संख्या में टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच 4) के स्तर का अध्ययन और कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) के रोगियों में कार्यक्षमता
12. मधुमेह के घावों की चिकित्सा क्षमता बढ़ाने के लिए दिए गए मैट्रिक्स में वसा व्युत्पन्न मेसेनचाइमल स्टेम कोशिकाओं के विभेदन को समझना

13. स्तन कैंसर सर्जरी के बाद न्यूनतम मेटास्टेसिस और ट्यूमर पुनरावृत्ति से जुड़ी संवेदनाहारी तकनीक का पता लगाने के लिए
14. दुर्लभ प्लूरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके दुर्लभ बीमारी का प्रतिमान निर्माण और जीन सुधार
15. ऊतक पुनर्जनन के लिए कार्यात्मक सामग्री का उपयोग करके 3 डी प्रिंटेड स्किन ग्राफ्ट विकल्प का बायोफैब्रिकेशन
16. मानव मेसेनचाइमल स्टेम सेल में मेलाटोनिन की बचाव क्षमता का मूल्यांकन विभेदित डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स और एस्ट्रोसाइट्स
17. जाइगोमैटिको–ओर्बिटोमैक्सिलियरी कॉम्पलेक्स फ्रैक्चर्स में सीएडी मॉडल्स द्वारा निर्देशित 3 डी प्रिंटिड हाइड्रोजियापेटाइट पर एडिपोज टिश्यू जनित मेसेंचिमल स्टेम कोसिकाओं का प्रयोग करते हुए दुर्घटना के बाद चेहरे के दोषों का निर्माण
18. एम्नियोटिक झिल्ली के साथ या बिना तंत्रिका मरम्मत के अंतिम परिणामों का मूल्यांकन – एक तुलनात्मक अध्ययन
19. एम्नियोटिक झिल्ली के साथ या बिना टेंडन मरम्मत के अंतिम परिणामों के मूल्यांकन के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन
20. हेपेटाइटिस बी वायरस प्रतिकृति और सीआरआईएसपीआर द्वारा इसके जीनोम लक्ष्यीकरण पर आनुवंशिक भिन्नता के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए प्रतिकृति आधारित जांच का विकास

पूर्ण

1. कार्यात्मक कार्डियोमायोसाइट्स में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से व्युत्पन्न अस्थि मज्जा की विभेदन क्षमता का पता लगाना
2. पूर्ण हृदय रुकावट में पेसिंग की आवश्यकताओं को कम करने के लिए स्टेम सेल थेरेपी की भूमिका
3. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए (ट्रिप्सिन) और मल्टी एंजाइम (ट्रिप्सिन, कोलेजनेज और डिस्पेज) का उपयोग करके तैयार किए गए हेयर फॉलिकल आउटर रूट आवरण सेल सस्पेंशन (ईएचएफ ओआरएस सीएस) की विभिन्न सेल संख्या की प्रभावकारिता, व्यवहार्यता और संरचना का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।
4. एमनियोटिक द्रव से प्राप्त मेसेनचाइमल स्टेम कोशिकाओं का अलगाव और लक्षण वर्णन
5. रक्तस्रावी सदमे के साथ आघात पीड़ितों में पुनः संयोजक मानव एरिथ्रोपोइटिन की भूमिका का अध्ययन करनाः स्टेम सेल विभेदन के माध्यम से इन–विट्रो दृष्टिकोण
6. टी कोशिका सबसेट और अप्लास्टिक एनीमिया में उनके कार्य
7. मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से कार्यात्मक डोपामिनर्जिक न्यूरॉन्स का अध्ययन
8. स्टीव जॉनसन सिंड्रोम के आणविक लक्षण और इसके ऑक्यूलर सिक्युअल
9. अभिव्यक्ति के स्तर पर मानव अस्थि मज्जा से प्राप्त मेसेनकाइमल स्टेम सेल के प्रयोग और चूहों में स्ट्रोक के मध्य सेरेब्रल धमनी स्ट्रोक मॉडल में प्रमोटर के मेथिलिकरण पैटर्न संबंधित प्रभाव
10. बोन और वास्सलर टिश्यू अभियांत्रिकी में एक संयुक्त टॉप–डाउन और बॉटम–अप उपागम

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. द्विपक्षीय सिकाट्राइजिंग नेत्र सतह के रोगों (अर्थात स्टीवेंस जॉनसन सिंड्रोम और रासायनिक जलन) वाले रोगियों में संचित मौखिक श्लैष्मिक एपिथेलियल प्रत्यारोपण के साथ कंजंक्टिवल स्टेम सेल प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान
2. व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता और मानव पीरियडोंटल लिगामेंट स्टेम सेल (एचपीडीएलएससीएस) की विभेदन क्षमता पर विभिन्न भंडारण माध्यमों के प्रभाव का आकलनः इन–विट्रो अध्ययन, सीडीईआर
3. बाइफंक्शनल मार्कर का उपयोग करके स्ट्रोक में ऑटोलॉगस स्टेम सेल प्रत्यारोपण के पैरासरीन तंत्र का अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
4. एपिडर्मिस से कल्चर्ड मेलानोसाइट्स बनाम प्लूटेड हेयर फॉलिकल्स के बाहरी रूट आवरण से प्राप्त कल्चर्ड मेलानोसाइट्स के प्रत्यारोपण का डबल ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण, त्वचा रोग विज्ञान
5. रीढ़ की हड्डी में चोट के इलाज के लिए मोनोन्यूक्लियर सेल से प्राप्त ऑटोलोगस अस्थि मज्जा के इंटरा आर्टरियल इंजेक्शनों का उपयोग, हृदय विकिरण विज्ञान

पूर्ण

1. ड्राइ एज संबंधित मैक्युलर डिजेनरेषन में ओटोलोगस अस्थि मज्जा से प्राप्त स्टेम कोशिका का मूल्यांकन, डॉ. आरपीसी
2. ऑक्युलर बर्न के कारण लिम्बल स्टेम कोशिका के प्रबंधन में एमिनियोटिक मेम्बरेन ट्रांसप्लांट पर अकेली कल्चर्ड लिम्बल स्टेम कोशिका और ऑटोलोगस लिम्बल स्टेम कोशिकाओं की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित चिकित्सकीय परीक्षण, डॉ. आरपीसी

ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाएं

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारत में एक सुपर–स्पेशियलिटी ब्लड सेंटर में रक्त सूची प्रबंधन का अनुकूलन – एक केस अध्ययन
2. कार्डिक सर्जरी से गुजर रहे मरीजों में ल्यूकोरेटिड और नॉन ल्यूकेरेटिड ब्लड कंपोनेंट ट्रांसफ्यूजन के परिणाम
3. न्यूरोसर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में संक्रमण संबंधी इम्यूनोमॉड्यूलेशन के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक परीक्षण

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. प्लमोनरी टीबी के पैथोफिजियोलॉजी में मैक्रोफेज फंक्शन पर हाइपरग्लाइकेमिया का प्रभाव, जैव रसायन विज्ञान
2. नोर्मोक्सिया के अंतर्गत मानव ओईसी के साथ मोनोकल्चर और कोकल्चर सिस्टम में एमएससी और एमएपीसी की वस्कुलराइजिंग सभावना की तुलना, स्टेम कोशिका, सीएनसी
3. एचआईवी –1 संक्रमित भारतीय बच्चों से क्लोन किए गए एचआईवी–1 ईएनवी स्यूडोवायरस की उत्पत्ति और लक्षण वर्णन, जैव रसायन विज्ञान
4. ऊतक विशिष्ट मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं द्वारा एचएलए–जी मध्यस्थता प्रतिरक्षण की संभावित भूमिका का अध्ययन, स्टेम कोशिका, सीएनसी
5. ऑटोफैगी के माध्यम से एचआईवी भण्डारों का नियंत्रण, जैव–रसायन विज्ञान
6. कोरोमरी धमनी की बीमारी वाले रोगियों की पेरिफेरल ब्लड मोनोन्युक्लियर कोशिकाओं को इम्मोर्टलाइज करने के लिए टेलोमिरेज रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज को टारगेट करना (टीईआरटी), स्टेम सेल, सीएनसी

पूर्ण

1. जन्मजात हृद विकृतियों को ठीक करने के लिए सर्जरी से गुजरने वाले गर्भ में शिशुओं में ओटोलोगस अम्बिलिकल कोर्ड ब्लड ट्रांसफ्यूजन का प्रयोग–एक पायलट अध्ययन, हृदय–वक्ष केंद्र, सीएनसी
2. स्वस्थ भारतीय वयस्कों में सिरम मुक्त लाइट चेयर की सामान्य संदर्भ रेंज को स्थापित करना, लैब ओंकोलॉजी, बीआरए, आईआरसीएच, एआईआईएमएस

प्रकाशन

हृद रोग विज्ञान

शोधपत्रिकाएंः 75 **पुस्तकों में अध्यायः 1** **पुस्तकेंः 1**

हृद–वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा

शोधपत्रिकाएंः 30

हृद संवेदनाहरण विज्ञान

शोध पत्रिकाएंः 41 **सारांशः 2** **पुस्तकों में अध्यायः 22** **पुस्तकेंः 1**

हृद जैव–रसायन विज्ञान

शोध पत्रिकाएंः 13 **सारांशः 1**

हृदय नाभिकीय चिकित्सा

शोध पत्रिकाएंः 3 **सारांशः 5** **पुस्तकों में अध्यायः 1**

हृदय विकृति विज्ञान

शोध पत्रिकाएंः 26

हृदय विकिरण विज्ञान

शोध पत्रिकाएंः 8 पुस्तकों में अध्यायः 5

स्टेम कोशिका सुविधा

शोध पत्रिकाएंः 10 पुस्तकों में अध्यायः 1

रोगी देखभाल

हृद रोग विज्ञान

कुल संख्या

नए ओपीडी मामले	**41,028**	पुराने हृद रोग के मामले	**1,09,521**

रोगी सेवाएं

टीएटी	2827	होल्टर	3000
इकोकार्डियोग्राफी	35,433	ईसीजी	37,296
एबीपी	122	टी	48
एचयूटीटी	160		

कैथ लैब सेवाएं

सीएआरटी	2647	कैथ	689
ब्लून डायलेटेशन	108	पीटीएमसी	287
पीडीए	115	एएसडी डिवाइस	69
वीएसडी डिवाइस	9	पीटीसीए	1315
पेसमेकर	375	आईसीडी	55
सीआरटी	67	आरएफए	134
सीएआरटीओ	26	डीएसए	120
कोइल एम्बलोलाइजेशन	233		

हृद–वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा

कार्यभार

सीटीवीएस विभाग ने देश में जन्मजात हृदय दोषों के लिए वयस्क, महाधमनी और बाल चिकित्सा कार्डिक सर्जरी की अधिकतम संख्या का प्रदर्शन किया। पिछले साल विभाग में 4120 ऑपरेशन किए गए थे। कार्डियोलॉजी विभाग के साथ साथ ओपीडी में 41,028 नए मामले और 1,63,948 पुराने मामले देखे गए।

सुविधाएं और बुनियादी ढांचा

क) ऑपरेटिंग रूम (ओआर): विभाग में 8 ऑपरेटिंग रूम हैं। प्रत्येक ऑपरेटिंग रूम वयस्क, महाधमनी और बाल चिकित्सा सर्जरी के लिए आवश्यक सभी आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है। इनमें अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली और एनेस्थीसिया स्टेशन, एनआईआरएस,

बीआईएस, ईईजी, 3–डी इकोकार्डियोग्राफी, सेल सेवर, सीपीबी मशीन, वैक्यूम असिस्टिड वेनस ड्रेनेज, सेंट्रीफ्यूगल पंप, ब्रोन्कोस्कोप, और इंट्रा–ऑपरेटिव न्यूरोमोनिटरिंग शामिल हैं।

ख) आईसीयू बेडः विभाग में 4 आईसीयू (54 बेड) पूरी तरह से पोस्टऑपरेटिव कार्डियोवास्कुलर सर्जिकल देखभाल के लिए सभी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

1. आईसीयू–ए : 16 बेड
2. आईसीयू–बीः 18 बेड
3. गर्भावस्था आईसीयूः 8 बेड
4. सीटी–5 आईसीयू 12 बेड

यद्यपि, एचडीयू में 12 अतिरिक्त बेड भी हैं। इनमें से, 20 बेड बच्चों के लिए विशेष रूप से रखे गए हैं। इसके अलावा, मुख्य और एचडीयू में शेष 46 बेड (54+12–20 = 46) शामिल हैं जो पूरी तरह से सुसज्जित हैं और हृदय की गहन देखभाल के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

ग) सामान्य बेडः विभाग में 80 सामान्य बेड हैं

घ) सीएन टॉवर (निजी वार्ड): कार्डियोलॉजी विभाग के साथ साझा निजी/भुगतान वार्ड में बत्तीस (32) बेड हैं

ड़) होमोग्राफ्ट वाल्व बैंकः विभाग देश का सबसे सफल वाल्व बैंक चलाता है। यह बच्चों में जटिल हृद संबंधी समस्याओं के उपचार के लिए होमोग्राफ्ट की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करता है

च) सहायक सेवाएंः पांच कार्डिक कैथेटेराइजेशन लैब सहित, उन्नत सीटी स्कैन, एमआरआई, नाभिकीय चिकित्सा, अल्ट्रासाउंड, और इकोकार्डियोग्राफी लैब, अत्याधुनिक ब्लड बैंक, और प्रयोगशाला सेवाएं

हृद संवेदनाहरण विज्ञान

1. नियमित, आपातकालीन और उच्च जोखिम वाले कार्डियक सर्जिकल रोगियों के प्रबंधन के लिए सभी स्पेक्ट्रम से संबंधित उन्नत निगरानी सुविधाएं (टीईई, टीटीई, एनआईआरएस, एनआईसीओ निगरानी)
2. हार्ट फेलियर, हृदय प्रत्यारोपण और एलवीएडी रोगियों के लिए विशिष्ट संज्ञानात्मक पुनर्वास कार्यक्रम
3. पूर्व और बाद के ऑपरेटिव रोगियों के लिए नियमित तनाव प्रबंधन कार्यक्रम
4. संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रम
5. जन्मजात जटिल हृदय शल्य चिकित्सा के लिए संवेदनाहरण विभाग के साथ विशेष भागीदारी
6. हार्ट ट्रांसप्लंट और एलवीडी जैसे हार्ट फेलियर के उपचार के लिए की टीम मेंबर
7. ट्रान्सोफैगल इकोकार्डियोग्राफी
8. सामुदायिक सेवा–धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर और स्वास्थ्य शिक्षा

हृद जैवरसायन विज्ञान

कार्डिक बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला कार्डियोथोरेसिक केंद्र के बाह्य रोगियों और अन्य रोगियों के लिए और कुछ अन्य विभागों के साथ–साथ अन्य विभागों के रोगियों के लिए नैदानिक परीक्षणों को पूरा करती है। इस वर्ष हमने आयरन, यूआईबीसी और टैक्रोलिमस का परीक्षण शुरू किया। प्रयोगशाला में किए जा रहे परीक्षणों की सूची और उनका वार्षिक भार इस प्रकार हैः

केंद्रीकृत लैब सीएनसी में किए गए परीक्षणों का वार्षिक विवरण

क्रम संख्या विवरण	किए गए परीक्षण (वार्ड)	किए गए परीक्षण (ओपीडी)
चिकित्सकीय रसायन		
1 ग्लूकोज	54,800	52,500
2 यूरिया	63,500	52,800
3 क्रिएटिनाइन	63,500	50,200

4	कैल्शियम	54,800	48,500
5	फॉस्फोरस	54,800	56,450
6	यूरिक एसिड	54,800	48,300
7	सोडियम	67,300	55,000
8	पोटेशियम	67,300	55,000
9	बिलीरुबिन	60,300	53,200
10	प्रत्यक्ष बिलीरुबिन	59,400	48,400
11	कुल प्रोटीन	59,500	52,200
12	एल्बुमिन	59,400	53,400
13	एएसटी	62,500	58,500
14	एएलटी	62,500	58,500
15	एएलपी	60,000	62,300
16	कोलेस्ट्रॉल	52,000	6834
17	एमाइलेस	46,000	6916
18	साइक्लोस्पोरिन	653	लागू नहीं है

हेमाटोलॉजी एवं कोगुलेशन

1	एचबी/टीएलसी/डीएलसी/प्लेटलेट/ईएसआर	49340	36120
2	पीटी	14,000	54092
3	एपीटीटी	1850	400

होर्मोन एवं अन्य

1	टी3	12700	6000
2	टी4	12700	6000
3	टीएसएच	13,600	7000
4	प्रोलेक्टिन	1560	1100
6	कोर्टिसोल	1890	1000
1	विटामिन बी 12	10200	4000
2	फोलेट	2300	2000
3	होमोसिस्टिन	1700	1200
4	फेरिटिन	350	200
5	आयरन	50	25
6	यूआईबीसी	50	25
7	एड्रेनालाइन/नॉन एड्रेनालाइन	390	200
8	वीएमए	235	211

पीटीएच/विटामिन डी

1.	विटामिन डी	2700	1279
2	पीटीएच	50	0

लिपिड/कार्डिक एंजाइम/एचबी एएलसी

1	लिपिड प्रोफाइल	42,300	55,000
2	सीके–एनएसी	10,000	3100
3	सीके–एमबी	3200	1480
4	एलडीएच	9200	8640
5	एएसएलओ	1560	3300
6	सीआरपी	20,300	15,000
7	डाइजोक्सिन	430	332

हृदय नाभिकीय चिकित्सा

सीएनसी में नाभिकीय कार्डियोलॉजी यूनिट एक दोहरे स्पेक्ट–सीटी गामा कैमरा से लैस है। नाभिकीय कार्डियोलॉजी यूनिट रोगियों के सीएन सेंटर और अस्पताल के अन्य विभागों से हृदय संबंधी अध्ययन की मांग को पूरा करती है।

विभाग मायोकार्डिअल परफ्यूजन अध्ययन करता है जो कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के निदान और प्रबंधन में एक अभिन्न जांच है। विभाग केंद्र से संदर्भित सीएडी रोगियों में और केमोथेरेपी प्राप्त करने वाले रोगियों में कार्डिक मूल्यांकन के लिए आईआरसीएच से बाएं वेंट्रिकुलर फंक्शन के मूल्यांकन के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी भी करता है। हम मायोकार्डिअल व्यवहार्यता और अन्य गैर सीएडी संकेतों के आकलन के लिए पीईटी परफ्यूजन ट्रेसर एन –13 एनएच 3 और मेटाबॉलिक ट्रेसर एफ –18 एफडीजी के साथ कार्डिक पीईटी इमेजिंग भी करते हैं। हमने कार्डिक सार्कोइडोसिस और एफ –18 एफडोपा के लिए गैलियम –68 डॉटनॉक जैसे अन्य पीईटी रेडियोट्रैसर के उपयोग को भी कार्डिक सिम्पैथेटिक इंटरवेंशन के मूल्यांकन के लिए शुरू किया है।

मायोकार्डियल परफ्यूजन अध्ययनः 1566 **आरएनवी अध्ययनः 586** **कार्डिक पीईटी 215**

विभिन्न (वी/क्यू) स्कैन, प्रथम पास): 81

किए गए कुल अध्ययन : 2448

हृद विकृति विज्ञान

नमूने

नियमितः 453 मामले अनुसंधानः 285 मामले

अन्य कार्य

इम्युनोहिस्टोकैमेस्ट्री : 76 स्लाइड एच एवं स्टेनः 435 स्लाइड

प्रत्यारोपण के बाद बायोप्सी की मैन्युअल प्रक्रियाः 20 मामले

ब्लॉक को काटना (धब्बा रहित खण्ड): 354 स्लाइड

विशेष धब्बेः 189 स्लाइड

हृद विकिरण विज्ञान

सुविधा	प्रक्रियाओं की संख्या
एमआरआई	589
सीटी	4028
डीएसए	2015
डोपलर और अल्ट्रासाउंड	7500
कैथेटर एंजियोग्राफी	7021

स्टेम कोशिका सुविधा

हाल ही में, हमने आरपीसी, एम्स से लेकर एम्स (पेडियाट्रिक सर्जरी, ट्रॉमा सेंटर, एम्स) के अन्य विभागों और बाहर के अस्पतालों (ईएसआई अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, आदि) में एम्नोयोटिक झिल्ली वितरण सेवाओं का विस्तार किया है। यह सेवा शुल्क के आधार पर होगी, जिसके लिए एक प्रस्ताव स्थायी वित्त समिति को भेजा गया था।

प्रदान की गई सेवा	**नमूनों की संख्या**
अस्थि मज्जा से स्टेम सेल अलगाव	51
एफेरेसिस नमूने का क्रायोप्रेजर्वेशन	15
अम्बिलिकल कॉर्ड ब्लड क्रायोप्रेजर्वेशन	03
कल्चर्ड ओरल म्यूकोसा एपिथेलियल प्रत्यारोपण	37
कल्चर्ड लिम्बल एपिथेलियल प्रत्यारोपण	06

ग्राफ्टिंग के लिए एमनियोटिक झिल्ली तैयार करना	32 बैच (900 रोगियों के लिए)
हेयर फोलिक स्टेम सेल	02
स्टेम सेल (प्रत्यारोपण/ट्रांसफ्यूजन से पूर्व और बाद में) की व्यवहार्यता	51
स्टेम सेल गणना (सीडी34+ संख्या)	51

ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाएं

एकत्रित रक्त इकाइयाँ

प्रतिस्थापन दाता	9793	आईआरसीएस से प्राप्त रक्त	58
स्वैच्छिक दाता	1518	मुख्य रक्त बैंक, एम्स	223
रक्त मोबाइल के माध्यम से स्वैच्छिक	94	अन्य अस्पताल	299
परिवार के स्वैच्छिक दाता	9589		
कुल संग्रहित रक्त की इकाईयां	21574		

निम्न को जारी रक्त इकाईयां

सीटीवीएस/एनएस	27525	अन्य अस्पताल	553
मुख्य ब्लड बैंक, एम्स	1360	एचआईवी/एचबीएजी/एचसीवी क्रियात्मक इकाईयों को बाहर किया गया	543
जेपीएनएटीसी	352		
कुल जारी इकाईयों की संख्या	30,333		

लैब प्रक्रियाएं

ब्लड ग्रुपिंग (एबीओ)	89807	ब्लड ग्रुपिंग (आरएच)	63919
की गई क्रोस मैचिंग	1,36,002		

संक्रामक संकेत

एचआईवी जांच	21,186
एचबीवी जांच	21,186
एचसीवी जांच	21,186
वीडीआरएल जांच	21,186
एमपी जांच	21,186
एनएटी जांच	21,186
कुल	**1,27,116**

जारी किए गए रक्त घटक

ताजा जमा हुआ प्लाज्मा (एफएफपी)	20,584
प्लेटलेट सघनता	15,827
क्रायोप्रिसिपिटेट	1484
पैक्ड लाल रक्त कोशिकाएं	22,107
एक ही दानकर्ता से प्लेटलेटफेरेसिस	37
कुल	**60039**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं
हृद रोग विज्ञान

प्रोफेसर वी.के. बहल को डब्ल्यूएलसीपी द्वारा "एंजियोप्लास्टी के चालीस साल" (2017) पर "ग्रंटजिग ओरेशन" से सम्मानित किया गया; टाइम्स ग्रुप (2017) द्वारा "लेजेंड्स ऑफ कार्डियोलॉजी" पुरस्कार; दिल्ली इंटरवेंशन काउंसिल (2017) द्वारा "पायोनियर ऑफ इंटरवेंशन कार्डियोलॉजी"; इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ हार्ट रिसर्च (2018) द्वारा "पीएल वाही ओरेशन"; कोर्स डायरेक्टर, इंडिया लाइव।

बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी की प्रोफेसर **प्रो. अनीता सक्सेना** ने वैरायटी चिल्ड्रन हार्ट सेंटर विनीपेग का दौरा किया; राष्ट्रीय रूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम की अध्यक्ष।

प्रोफेसर एस.एस. कोठारी ने मेडिकल कैंप में भाग लिया, 1–9 अक्टूबर 2017, लेह लद्दाख; डीएम कार्डियोलॉजी, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, 22–24 जुलाई 2017, लखनऊ के लिए बाहरी परीक्षक; किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, 17 नवंबर 2017, लखनऊ में डीएम (कार्डियोलॉजी) पूरक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक।

प्रोफेसर बलराम भागर्व, निरंतर बीएमजे इनोवेशन के सम्पादक और अध्यक्ष, एसएलआईएम (सोसायटी फॉर लेस इंवेस्टीगेटिव मेडिसिन) के रूप में काम कर रहे हैं

प्रोफेसर केसी गोस्वामी कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चुने गए हैं।

प्रोफेसर संदीप सेठ जेपीसीएस के प्रधान संपादक रहे।

प्रोफेसर सुदीप मिश्रा सीएसआई दिल्ली शाखा के सचिव रहे, न्यासी मंडल के सदस्य, एससीएआई; टीसीटी इंडिया के पाठयक्रम निदेशक।

प्रोफेसर राकेश यादव सीएसआई दिल्ली शाखा के कोषाध्यक्ष रहे।

प्रोफेसर जी कार्तिकेयन हार्ट एशिया के प्रधान संपादक रहे, जो बीएमजे समूह द्वारा प्रकाशित तीन हृदय संबंधी पत्रिकाओं में से एक है; संधिशोथ हृदय रोग (आरएचडी) के सदस्य; इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमवी) द्वारा समन्वित रोग के ग्लोबल बर्डन के विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

प्रोफेसर एस. रामाकृष्णन एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के सहायक संपादक रहे; पीडियाट्रिक कार्डिक सोसायटी ऑफ इंडिया के सचिव; राष्ट्रीय रूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम के कोषाध्यक्ष; जेपीसीएस के एसोसिएट एडिटर; सचिव, एसएलआईएम; संपादित पुस्तक कार्डियोलॉजी क्लिनिकल मेथड्स।

डॉ. सौरभ गुप्ता, पीसीएसआई के कोषाध्यक्ष रहे; पीसीएसआई 2017 का सर्वश्रेष्ठ इमेजिंग एब्सट्रैक्ट (सीटी वर्चुअल कार्डिक डिसेक्शन– आंतरिक कार्डिक शरीर रचना विज्ञान का संवर्धित 3 डी दृश्य); सुजॉय बी रॉय पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ पेपर सीएसआई दिल्ली शाखा 2018 के लिए।

डॉ. नीरज पारख मिट्रल स्टेनोसिस पुस्तक के सम्पादक रहे।

हृद–वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा

प्रोफेसर बलराम एरन "डेंगू, जाइक और चिकनगुनिया पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" नियंत्रण और रोकथामः अपेक्षा और चुनौतियां" पर संकाय सदस्य थे, एम्स, नई दिल्ली, 28–29 अप्रैल 2017; आईएसीटीसी का 64 वां वार्षिक सम्मेलन, 1–4 फरवरी 2018, विशाखापट्टनमः आईएसीटीसी के पिछले अध्यक्ष के रूप में प्रतिष्ठित; एमजीएम इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस, नवी मुंबई द्वारा 20 जुलाई 2017 को सीटीवीएस के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मान; एम्स, भुवनेश्वर और ऋषिकेश में सीटीवीएस विभाग में संकाय सदस्य की रिपोर्ट और चयन; 9–10 सितंबर 2017, जयपुर के दूसरे वार्षिक सम्मेलन में संकाय सदस्य और सीटीवीएस के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड; इंडियन ऑर्गन ट्रांसप्लांट कॉन्फ्रेंस, इंदौर में 13–15 अक्टूबर 2017 को हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद "लॉन्ग टर्म कॉम्प्लीकेशन्स" विषय पर संकाय सदस्य और स्पीकर; हार्ट/ लंग एक्स नोटो के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य; नोटो में हार्ट वाल्व ऊतक बैंक के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य, हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

प्रोफेसर एसके चौधरी ने 28–29 अक्टूबर, 2017 को अमृतसर में "राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान के 57 वें दीक्षांत समारोह" में नेशनल मेडिकल एकेडमी की फेलोशिप प्राप्त की; इंडियन जर्नल ऑफ थोरैसिक और कार्डियोवस्कुलर सर्जरी के धारा संपादक (महाधमनी और संवहनी); 26वां कृष्ण भारद्वाज मेमोरियल ओरेशन डिलिवर किया, 8 मार्च 2017, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; अध्यक्ष, एरोटिक सोसायटी ऑफ इंडिया; सीटीवीएस विभाग, एम्स जोधपुर के संरक्षक के रूप में नियुक्त; एम्स जोधपुर में पहले ओपन हार्ट सर्जरी का आयोजन, समन्वयन और पर्यवेक्षण;, फिजिशियन सहायक शिक्षा के राष्ट्रीय पाठ्यक्रम मानकीकरण टास्क फोर्स के सदस्य।

प्रोफेसर ए.के. बिसोई को प्रतिष्ठित चिकित्सा शिक्षक के रूप में सेवाओं की मान्यता के लिए वर्ष 2015 के लिए डॉ. बी.सी. रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार मिला; आईसीएमआर चतुर्वेदी कलावती जगमोहन दास मेमोरियल अवार्ड " आर्टरियल स्विच ऑपरेशन इन ट्रांसप्लांट ऑफ ग्रेट आर्टरीज विद इंटैक्ट वेंट्रिकुलर सेप्टम –गाइंग बियोंड बाउंडरी" शोध कार्य के लिए। इस काम ने प्रतिगमन की अवधारणा को फिर से परिभाषित किया है। एकीकृत ईसीएमओ के का उपयोग ने कमजोर दिल वाले बीमार बच्चों के लिए सुरक्षा और हृदय शल्य चिकित्सा के क्षेत्र का विस्तार किया है।

प्रोफेसर सचिन तलवार ने आईएसीटीएससीओएन, विशाखापट्टनम में पीएसी सेन मेमोरियल भाषण दिया, 1–4 फरवरी 2018; थोरैसिक सर्जरी, बोस्टन, मई 2017 के लिए अमेरिकन एसोसिएशन की सदस्यता प्रदान की गई; हैदराबाद में डीएनएम परीक्षक, 4–6 जून 2017; जून 2017 में अशोक मिशन द्वारा आयोजित एक शल्य चिकित्सा शिविर में कारगिल में पहली बार हार्ट की सर्जरी की गई; सहायक प्राध्यापकों और प्रोफेसरों के चयन के लिए पीजीआई चंडीगढ़ की चयन समिति की सहायता के लिए गए, दिसंबर 2017।

हृद संवेदनाहरण विज्ञान

प्रोफेसर उषा किरण "प्राण" सोसायटी की निरंतर अध्यक्ष रही।

प्रोफेसर नीती मखीजा ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवस्कुलर थोरेसिक एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स (आईएसीटीए) और मिनेसोटा विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के बैनर तले वर्कशॉप–कम–सीएमई, 25–27 अगस्त को बेंगलुरु में दूसरे इंटरनेशनल और 11 वें नेशनल ट्रांसफॉजियल इकोकार्डियोग्राफी (टीईई) वर्कशॉप–कम–सीएमई में दो सत्रों की अध्यक्षता की; इंडियन इंटरनैशनल ऑफ कार्डियोवस्कुलर थोरैसिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स (आईएसीटीए) के बैनर तले दूसरे इंटरनेशनल और 11 वें नेशनल ट्रांसोसेफेलियल इकोकार्डियोग्राफी (टीईई) वर्कशॉप–कम–सीएमई में बेंगलुरू में होने वाली क्विज में भाग लिया। 1) "प्रीऑपरेटिव एसेसमेंट– परिणाम कैसे सुधारें, 2) मुंबई, महाराष्ट्र में पीडियाट्रिक कार्डिक सोसायटी ऑफ इंडिया (पीसीएसआई) कॉन्फ्रेंस 2017 में "एनेस्थीसिया मैनेजमेंट ऑफ नियोनेटल शंट" (सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित) 26–29 अक्टूबर 2017, पर एक दोहरे ब्रेकवे सत्र की अध्यक्षता की; 4 नवंबर 2017 को गुड़गांव में 6 वीं व्यापक इको कार्यशाला में "वेंट्रिकल्स का आकलन" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की; 24–25 फरवरी 2018 को 12 वीं वार्षिक प्रिऑपरेटिव और क्रिटिकल केयर ट्रांसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी कार्यशाला, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में वैल्कुलर मरम्मत बनाम प्रतिस्थापन के लिए इकोकार्डियोग्राफी मूल्यांकन पर एक सत्र की अध्यक्षता की; 18–21 जनवरी, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में एक सत्र, एक्स्ट्राकोर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन (ईसीएमओ) की सहायता वले रोगियों की देखभाल में नर्सिंग अभ्यास के दायरे का विस्तार, की अध्यक्षता की; सोसायटी कार्डिक एनेस्थेसियोलॉजी, दिल्ली एवं एनसीआर शाखा के बैनर तले डबल्युसीसी की 10वें वार्षिक सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की और प्रतिस्पर्धात्मक सारांशों और मौखिक केस प्रस्तुतीकरण में न्याधीश बने, जिसे रामालिंगम बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

प्रोफेसर पूनम मल्होत्रा कपूर आईएसीटीए की वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनिर्वाचित) थीं; एससीए, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शाखा की अध्यक्ष (अनिर्वाचित); भारत के ईसीएमओ सोसायटी की अध्यक्ष (अनिर्वाचित); प्रधान सम्पादक, जर्नल ऑफ कार्डिक क्रिटिकल केयर, दूसरा संस्करण, अक्टूबर– दिसंबर 2018; इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एडबल्युएसईएलएसओ 2018 की संगठन सचिव जिसमें 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संकाय सदस्य शामिल हुए, दुनिया भर के 650 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया; पीजी एसेम्बली और संपादकों की बैठक एवं सीएमई के रूप में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन; एफआईएसीटीए, एफटीईई परीक्षा, बंगलुरु के लिए परीक्षक; कार्डिक क्रिटिकल केयर (एफआईसीसीसी) में फेलोशिप के लिए कंटेंट प्रदाता, एडवांस्ड इकोकार्डियोग्राफी (एफआईएई) में फेलोशिप और बेसिक इकोकार्डियोग्राफी (एफआईबीई) ओनलाइन परीक्षा में फेलोशिप, जिसे सिमुलेशन सोसायटी (टीएसएस) द्वारा आयोजित किया गया था। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज द्वारा ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई थी; माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा डबल्युसीसीपीसआई 2017 में 30 सितंबर –1 अक्टूबर 2017 को अमृतसर, पंजाब, भारत में प्रतिष्ठित "अवार्ड ऑफ एक्सिलेंसी इन कार्डियोलॉजी इन द वर्ल्ड" प्राप्त किया; कार्डियक क्रिटिकल केयर जर्नल (जेसीसीसी) की प्रधान संपादक; 18–21 जनवरी 2018 के दौरान आईएचसी, नई दिल्ली में एसडबल्युएसईएलएसओ 2018 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दूसरा अंक जारी किया गया; 9 वीं एशिया पैसिफिक वैस्कुलर सोसाइटी सम्मेलन, 16–18 जून 2017, नई दिल्ली, में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता; "एनआईआरएस इज द स्टैंडर्ड ऑफ केयर", की अध्यक्षता की; 12 वां चेन्नई कार्डिक एनेस्थेसिया अपडेट, 17–19 नवंबर 2017, चेन्नई पर एक सहायक सम्मेलन आयोजित; "नर्सो के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देनाः एम्स का अनुभव", पर एक सत्र की अध्यक्षता की, वुमैन कार्डिक केयर (डबल्युसीसी 2018), 8 मार्च 2018, नई दिल्ली।

प्रोफेसर मिनाटी चौधरी ने एपेंडेकटॉमी के लिए पोस्ट कार्डिक ट्रांसप्लांट के रोगियों के एनेस्थीसिया प्रबंधन के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर" का पुरस्कार जीता, आईसीएसीओएन 2018, 27–29 अक्टूबर 2018, वाराणसी।

डॉ. सुरूचि हसीजा जनवरी 2017 से आईसीएसीओएन (इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवस्कुलर थोरैसिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) इको लाइब्रेरी के संपादकीय बोर्ड की सदस्य रही।

डॉ. अरिंदम चौधरी को ऑल इंडिया डिफिकल्ट एयरवे एसोसिएशन (एआईडीएए) की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के उत्तर क्षेत्र प्रतिनिधि के रूप में चुना गया था।

हृद जैवरसायन विज्ञान

प्रोफेसर आर. लक्ष्मी व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएनएस) के संचालन के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य थे; मोटापा और मेटाबोलिक सिंड्रोम के क्षेत्र में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य; इसके अलावा असंक्रामक रोगों के क्षेत्र में आईसीएमआर के एक विशेषज्ञ सदस्य; भारत के विभिन्न राज्यों में डायबिटीज और डायबिटीज से पूर्व अनुमान के लिए "आईसीएमआर–इंडिया डायबिटीज (इंडिया बी) अध्ययन के लिए टास्क फोस परियोजना के लिए विशेषज्ञ टीम के सदस्य; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, एपी सरकार द्वारा गठित तकनीकी सलाहकार समिति की निगरानी करने वाली सीकेडी परियोजना के सदस्य; आईआरएसएच,, पुणे में "प्रीक्लेम्पसिया के लिए अग्रणी तंत्र" पर आईसीएमआर के उन्नत अनुसंधान केंद्र के सलाहकार; आईसीएमआर में वैज्ञानिक सी सेक्शन के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य; राष्ट्रीय संपादक, जर्नल ऑफ प्रैक्टिस ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज; जर्नल ऑफ फंक्शनल फूड्स, एनल्स ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स और आईजेएमआर के लिए समीक्षित लेख, 20 फरवरी, 2018, दिल्ली में सोसाइटी ऑफ फ्री रेडिकल रिसर्च की सोसायटी की 16 वीं वार्षिक बैठक के एक सत्र की सह–अध्यक्षता।

मनोज कुमार टेम्भरे को केरल के कोच्चि में डेरेकॉन 2018 में एथेरोस्क्लेरोसिस और बेस्ट पेपर अवार्ड (बुक अवार्ड) में शोध करने के लिए एसईआरबी (डीएसटी) द्वारा अर्ली कैरियर रिसर्च (ईसीआर) पुरस्कार प्राप्त हुआ।

हृद नाभिकीय चिकित्सा

पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में सोलिड स्टेट डिटेक्टर स्पैक्ट कैमरा खरीदने के लिए तकनीकी विशिष्टता समिति में बाहरी विशेषज्ञ; राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; न्यूक्लियर मेडिसिन इंडिया सोसायटीय की कार्यकारी समिति के सदस्य; सदस्य, कार्यकारी समिति, एसोसिएशन ऑफ

न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिशियन ऑफ इंडिया; सदस्य, कार्यकारी समिति, न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन होमी भाभा इंस्टीट्यूट, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई के एमडी नाभिकीय चिकित्सा के छात्रों के शोधग्रंथों की समीक्षा और अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के छात्रों के शोधग्रंथों की समीक्षा की; पीजी/यूजी छात्रों के लिए व्यावसायिक थ्योरी परीक्षा के पर्यवेक्षक, एम्स, दिसंबर 2017; मई 2017 में आयोजित एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए आंतरिक परीक्षक; सदस्य, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (सीआईएमआर) की स्टोर खरीद समिति; एम्स में अनुसंधान परियोजनाओं में भर्तियों के लिए अध्यक्ष, चयन समिति; सदस्य, सीओई योजना, आयुष के तहत सीएमआईआर में कोर स्टाफ की भर्ती के लिए चयन समिति; डीएम कार्डियोलॉजी के छात्रः डॉ. टोनी ईटे और डॉ. चंद्र कुमार दास, एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग– परमाणु कार्डियोलॉजी, एम्स में एक महीने का अनुभव।

हृद विकिरण विज्ञान

प्रोफेसर संजीव शर्मा को 2017–2019 की अवधि के लिए आपातकालीन सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया; अप्रैल 2017 में पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में रेडियोडायग्नोसिस और इमेजिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ; रेडियोडायग्नोसिस विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, अगस्त 2017 के लिए पैक्स और आरआईएस प्रणाली की खरीद के लिए बाहरी विशेषज्ञ; श्री चिरा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, त्रिवेंद्रम के वरिष्ठ कर्मचारी चयन बैठक के लिए बाहरी विशेषज्ञ, मई 2017; एमडी (रेडियो–डायग्नोसिस) प्रैक्टिकल के लिए बाहरी परीक्षक, मई 2017, चंडीगढ़; एमएससी, टेक (रेडियोडायग्नोसिस) व्यावहारिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षा, दिसंबर 2017, चंडीगढ़; एमडी (रेडियोडायग्नोसिस) व्यावहारिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक, दिसंबर 2017, चंडीगढ़; कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहे।

गुरप्रीत एस गुलाटी कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रही।

प्रिया जगिया कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रही।

संजीव कुमार कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के लिए समीक्षक रहे।

स्टेम कोशिका सुविधा

स्टेम सेल रिसर्च के लिए संस्थान समिति के सदस्य, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलरी साइंसेज, नई दिल्ली, अपोलो अस्पताल में डीबीटी प्रतिनिधि, श्री गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली, नेशनल ब्रेन अनुसंधान केंद्र, मानेसर, टीएचएसटीआई, फरीदाबाद और आईआईटी, इंदौर; सदस्य, सेल्युलर थेरेपी के लिए इंटरनेशनल सोसायटी (आईएससीटी), स्टेम सेल रिसर्च के लिए इंटरनेशनल सोसायटी (आईएसएससीआर) और सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट (एसबीसी); सदस्य, इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी, इंडियन सोसाइटी ऑफ नैनोमेडिसिन, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, स्टेम सेल रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया और साइटोमेट्री सोसायटी ऑफ इंडिया; सलाहकार निकायों के सदस्य– भारत में अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के लिए स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्री के लिए कोर कमेटी, स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्री, विज्ञान और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा उच्चाधिकार समिति, भारत सरकार, और 3 डी बायोप्रिंटिंग पर विचार–मंथन बैठक, विशेषज्ञ समूह समिति–लिम्बल स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन–आईसीएमआर, सेंटर फॉर इंड्यूस्ड ब्लूप्रिंट स्टेम सेल रिसर्च एण्ड एप्लीकेशन (सीआईआरए)–सहायोग के लिए, सीडीएससीओ–डेंड्रिटिक सेल वैक्सीन स्कैंडल की जांच के लिए टीम, इंडो–ऑस्ट्रेलियन कैरियर बूस्टिंग गोल्ड फेलोशिप (आईएसीबीजी–फेलोशिप) के लिए जैवअभियांत्रिकी और डीबीटी एक्सपर्ट समिति, जैवप्रौद्योगिकी विभाग की टास्क फोर्स; सदस्य, रिसर्च ग्रांट रिव्यू कमेटी–परियोजना निगरानी समीति (बीआईआरएसी), डीबीटी, जैव प्रौद्योगिकी कैरियर उन्नति और महिला वैज्ञानिकों के लिए पुनर्संरचना कार्यक्रम (जैव देखभाल), डीबीटी, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली और पीयर रिव्यू कमेटी–डीआरडीओ– अपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद; सदस्य, जर्नल रिव्यू कमेटी–स्टेम सेल रिसर्च ओपन लाइब्रेरी (एससीआरओएल), लाइफ साइंस, जर्नल ऑफ बायोसाइंसेज, बायोमेडिकल रिसर्च जर्नल, इनसाइट्स इन स्टेम सेल, वर्ल्ड जर्नल ऑफ स्टेम सेल, सीईआईएनसीआईए प्रकाशन समूह, ट्रांसलेशनल सर्जरी एंड मॉलिक्युलर एंड सेल्युलर बायोकैमिस्ट्री; सदस्य, सम्पादकीय समूह–पत्रिका– करेंट ट्रेंड्स इन स्टेम सेल्स एण्ड रिजनरेटिव मेडिसिन (एमटीएसआर), जैकब जर्नल ऑफ बोन मैरो एण्ड स्टेम सेल रिसर्च साइंटिफिक रिपोर्ट, नेचर पब्लिशिंग हाउस और स्ट्रोक रिसर्च एण्ड ट्रीटमेंट; सदस्य, यौन उत्पीड़न सेल, राष्ट्रीय रोगप्रतिरोधक विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।

ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाएं

3 और 4 नवम्बर 2017 को लखनऊ में ट्रांसमेडकोन 2017 के दौरान आईएसटीएम के अंतर्गत ल्यूकोरिडक्शन एण्ड रिसेंट ट्रेंड्स इन ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन पर 2 वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की; 19 दिसंबर 2017 को क्रानियोपैगस टीम, एम्स, नई दिल्ली के सदस्य के रूप में प्रतिष्ठित; परिवार एवं स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारत के होमोविजिलेंस कार्यक्रम की सलाहकार समिति के सदस्य, संबंधित बैठकों और कार्यशालाओं में शामिल हुए; सफदरजंग अस्पताल में ब्लड बैंक के लिए उपकरणों के तकनीकी मूल्यांकन के लिए समीति में बाहरी तकनीकी विशेषज्ञ; राज्य ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल, दिल्ली के सदस्य; राष्ट्रीय रक्त कोष, एनएचएम, भारत सरकार, की कोर समीति के सदस्य, नाको के लिए ब्लड बैग के तकनीकी मूल्यांकन में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

हृद–वक्ष वाहिका शल्य चिकित्सा

1. डॉ. रॉबर्टो डि बार्टोलोमो, प्रोफेसर, कार्डिक विभाग के प्रमुख, यूनिविटा डी बोलोग्ना
2. डॉ. पॉल सार्जेंट, गैस्टहिसबर्ग यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, कार्डिक सर्जरी विभाग रिगर्सवेइड 16 सिंट जोरिस विंगिंग 3390, बेल्जियम
3. डॉ. रॉबर्ट एंडरसन, बाल रोग हृदय विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, बाल स्वास्थ्य संस्थान, यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन, इंग्लैंड,
4. डॉ. टिम पेनल, कैरोथोरेकिक सर्जन, ग्रोट श्यूअर हॉस्पिटल, केप टाउन
5. डॉ. अब्दुल मजीद, शेर–ए काश्मीर चिकित्सा संस्थान इसेंटेज, श्री नगर, जम्मु काश्मीर
6. डॉ. एमएस वलीहाटन, मणिपाल हार्ट फाउंडेशन, मणिपाल

हृद विकिरण विज्ञान

1. डॉ. सौरव कृष्ण मल्ल, ग्रैंड इंटरनेशनल हॉस्पिटल, धापसी, नेपाल से
2. त्रिभुवन यूनिवर्सिटि, धापसी, नेपाल से डॉ. दिनेश चटोट
3. डॉ. एस. मनिहारन कोलंबो, श्रीलंका के राष्ट्रीय अस्पताल से
4. डॉ. एडीपी अथुकोराला, श्रीलंका के राष्ट्रीय अस्पताल, कोलंबो से
5. डॉ. हरीश बाबू, तिरुपति, भारत से
6. डॉ. वेंकट चौधरी तिरुपति, भारत से
7. डॉ. बारमंगई मेडिपास अस्पताल, प्रांत, मंगोलिया से
8. मुंहतसेत्सेग उलानबाटार, मंगोलिया से
9. डॉ. बत्स्नसन उलानबटार, मंगोलिया से
10. डॉ. त्सोगियावखलन उलानबाटार, मंगोलिया से
11. डॉ. डेलगर्मा, उलानबटार, मंगोलिया से
12. डॉ. जॉ विन थान, सैन्य अस्पताल, म्यांमार से
13. डॉ. सुबज भट्टराई, धापसी, नेपाल से
14. डॉ अनिल के राय, सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली, भारत से
15. डॉ क्यॉ मिन निंग, रक्षा सेवा, म्यांमार से

स्टेम सेल सुविधा

1. डॉ. रिकार्डो फ्राउस्टो, कॉर्निया जेनेटिक्स प्रयोगशाला, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स, संयुक्त राज्य अमेरिका
2. डॉ. डीन ब्रेनर, फार्माकोलॉजी विभाग, मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए
3. डॉ. प्रबीर पात्रा, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिजपोर्ट, यूएसए
4. डॉ. एंथनी जे. एल्डेव, नेत्र विज्ञान, यूसीएलए स्टीन आई इंस्टीट्यूट, यूएसए

10-2 nr f'k{kk ,o vul/kku dn

ie[k

ओ. पी. खरबंदा

(vkFkkMkfVDl ,o MVkQf'k;y foÑfr)

vkpk;

रितु दुग्गल अजय रॉयचौधरी

v,FkkM,fUVDl ,M MVkQf'k;y MhQkjefVt
vkjy ,M efDlyksQf'k;y ltjh

वीना जैन
प्रोस्थोडोंन्टिक्स

ओंकिला भूटिया
ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

lgk;d vkpk;

विजय प्रकाश माथुर
पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

अजय लोगानी
एंडोडोन्टिक्स एंड कंजर्वेटिव

MfVLVh lgk;d vkpk;

दालिम कुमार बैद्य
संवेदनाहरण

देवलीना गोस्वामी
संवेदनाहरण

lgk;d vkpk;

अमृता चावला
एंडोडोन्टिक्स एंड कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री

विजय कुमार
एंडोडोन्टिक्स एंड कंजर्वेटिव

डेंटिस्ट्री राहुल यादव
ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

विलास समरित
ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

प्रभात कुमार चौधरी
ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज

कुनाल ढींगरा
पीरियोडॉन्टिक्स

नितेश तिवारी
पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

कल्पना बंसल
पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

धीरज कुमार कोली
प्रोस्थोडॉन्टिक्स

शालिनी गुप्ता
ओरल मेडिसिन

विकेंदर सिंह
पीरियोडॉन्टिक्स

दीपिका मिश्रा
ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी

हर्ष प्रिया
सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा

विशेषताएँ

ऑर्थोडॉन्टिक्स

इसमें कुपोषित, डेंटोफेशियल विकृति और कटे होंठ और तालु वाले रोगियों को गुणवत्ता ऑर्थोडॉन्टिक्स देखभाल प्रदान की जाती है। इसने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान किया है। डॉ खरबंदा रिपोर्टिंग वर्ष में सोलह राष्ट्रीय और पांच अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए एक

आमंत्रित वक्ता थे। इसके अलावा, विभिन्न सरकारी/अनुसंधान संगठनों जैसे आईसीएमआर और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और अन्य संस्थानों के लिए पेशेवर और अकादमिक विशेषज्ञता भी विस्तारित की गई थी। संकाय ने अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड/पीयर रिव्यू बोर्ड की क्षमता में ऑर्थोडॉन्टिक्स के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। डिवीजन ने इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च के सहयोग से "वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस ऑन प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री कॉन्फ्रेंस" का आयोजन किया और विश्व स्वास्थ्य संगठन का समर्थन किया।

ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

यह ट्रॉमा, फेशियल एस्थेटिक्स, टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट, क्रानियोसिनेस्टोसिस आदि में उच्च गुणवत्ता वाली सर्जिकल देखभाल प्रदान करने में शामिल है। डिवीजन को मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा उपचार में सबसे आगे रहने का गौरव प्राप्त है। मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें जॉ (ंे) के रीयल–लाइफ फ्रैक्चर वाले 3डी प्रिंटेड फेशियल मॉडल पर व्याख्यान और उपयोगी कौशल प्रशिक्षण शामिल था। इसमें पूरे भारत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

इसने रिपोर्टिंग वर्ष में दस शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करके पेशे में नेतृत्व दिखाया है और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक संघों में पेशेवर पदनाम के साथ सर्वश्रेष्ठ पत्र और अकादमिक सम्मान प्राप्त किया है। विषय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जनवरी 2017 को शुरू किया गया था और विभाग के सर्वश्रेष्ठ छात्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। एकेडमिक काउंसिल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री के सदस्यों के रूप में संकाय, सोसाइटी के लिए नीतियों और दिशानिर्देशों को निर्धारित करने के लिए बैठक आयोजित करता है।

पीरियोडॉन्टिक्स

यह पीरियडोंटल इलाज के लिए रोजाना आने वाले मरीजों और अन्य विभागों से भेजे जाने वाले बड़ी संख्या में लोगों को इष्टतम देखभाल प्रदान करता है। विभिन्न प्रकार की उपचार प्रक्रियाएं जैसे कि पारंपरिक गैर–सर्जिकल और सर्जिकल पीरियोडॉन्टल थेरेपी, पीरियडोंटल प्लास्टिक सर्जरी, सॉफ्ट एंड हार्ड टिशू रीजेनरेटिव प्रोसेस, डायोड लेजर असिस्टेड सॉफ्ट टिश्यू एक्सिशन और एडजेक्टिव पॉकेट डेब्रिडमेंट प्रक्रियाएं विभाग में की जा रही हैं।

ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी

प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया और ओ.पी. खरबंदा ने 17 जनवरी, 2018 को ओरल हिस्टोपैथोलॉजी लैब, सीडीईआर (ब्क्म्त्) का उद्घाटन किया। रूम नंबर 503पांचवीं मंजिल, सीडीईआर (ब्क्म्त्), एम्स (।प्प्डै) में ओरल हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला अब कार्यात्मक है और प्रसंस्करण के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है मौखिक और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र के विभिन्न सॉफ्ट और हार्ड ऊतक विकृति पर हिस्टोपैथोलॉजी और साइटोपैथोलॉजी जानकारी प्रदान करते हैं। हिस्टोपैथोलॉजी मौखिक और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र के विभिन्न सॉफ्ट और हार्ड ऊतक विकृति पर रिपोर्टिंग करती है। इसमें मौखिक संभावित घातक विकारों, सौम्य और ओरल केविटी के सौम्य घावों, ओडोन्टोजेनिक और मैक्सिलोफैशियल अल्सर और हड्डी के ट्यूमर, ओरल केविटी, जीभ और लार ग्रंथियों के ट्यूमर और मौखिक और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र को प्रभावित करने वाले अन्य विकारों की रिपोर्टिंग शामिल है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए सेंटर फॉर डेंटल एजुकेशन एंड रिसर्च को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया है। यह प्रभाग एनओएचपी के निष्पादन के लिए काम करता है।

शिक्षा

ऑर्थोडॉन्टिक्स

वर्तमान में केंद्र ऑर्थोडॉन्टिक्स में एमडीएस पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम आयोजित कर रहा है और ऑर्थोडॉन्टिक्स के पहले पीएचडी अभ्यर्थी डिफेंस ऑफ थीसिस की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

हम पिछले 10 वर्षों से ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी शिक्षा में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण दे रहे हैं। शिक्षण स्नातकोत्तर सेमिनार, जर्नल क्लब, बेड–साइड केस चर्चा और सर्जिकल प्रशिक्षण प्रदान करता है।

- समस्या – आधारित शिक्षण
- शिक्षण में "टेल–शो –डू –रिव्यू" मॉडल
- लॉग–बुक और रिकॉर्ड कीपिंग
- क्या सही हुआ? क्या बेहतर हो सकता था? सेमिनार में मॉडल

प्रोस्थोडॉन्टिक्स

स्नातकः 7वां सेमेस्टर एमबीबीएस छात्रों के नैदानिक शिक्षण
स्नातकोत्तरः एमडीएस प्रोस्थोडॉन्टिक्स छात्रों के लिए सेमिनार, जर्नल क्लब, नैदानिक मामले की चर्चा का आयोजन और संचालन।

पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री

पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जनवरी 2017 (मास्टर इन डेंटल सर्जरी) में शुरू किया गया था। हमने सीडीईआर के भीतर अंतःविषय प्रशिक्षण में भी भाग लिया।

पेरियोडॉन्टिक्स

यह गैर–शैक्षणिक जूनियर निवासियों और संयुक्त शैक्षणिक सत्रों के लिए एमबीबीएस छात्रों और सेमिनारों के लिए कक्षाएं आयोजित करने में शामिल है।

ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी

यह स्नातक एमबीबीएस छात्रों के लिए कक्षाएं संचालित करने और गैर–शैक्षणिक जूनियर निवासियों के लिए सेमिनार आयोजित करने और संयुक्त शैक्षणिक सत्र आयोजित करने में शामिल है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. 6वां भारतीय भाषाई रूढ़िवादी सम्मेलन, 29 अगस्त –2 सितंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
2. इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल रिसर्च कॉन्फ्रेंस (आईएसडीआर), 30 सितंबर –2 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली
3. विश्व निवारक दंत चिकित्सा सम्मेलन (डब्लयूपीडीसी), 3–6 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली
4. मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा हैंड्स–ऑन वर्कशॉप के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण, 25 मार्च 2018, नई दिल्ली
5. एओसीएमएफ कोर्स–फेशियल ट्रॉमा का प्रबंधन, 24–25 फरवरी 2018, नई दिल्ली
6. 19 वें सम्मेलन, 16–18 जून, 2017 के दौरान ऋषिकेश में पूर्ण माह पुनर्वास पर सी.एम.ई.
7. 30 वीं इंडियन सोसायटी फॉर डेंटल रिसर्च एनुअल कॉन्फ्रेंस, 30 सितंबर –2 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली
8. इंडियन डेंटल एसोसिएशन, 7 मई 2017, नई दिल्ली के सहयोग से तम्बाकू समाप्ति पर दंत चिकित्सा पेशेवरों का प्रशिक्षण
9. इंडियन सोसायटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री की दूसरी अकादमिक परिषद की बैठक, 21 अप्रैल, 2017, नई दिल्ली
10. संशोधित अमेरिकन एकेडमी ऑफ एंडोडॉन्टिक्स ट्रॉमा गाइडलाइंस, 10 सितंबर 2017, नई दिल्ली
11. इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च–आईएडीआर इंडियन डिवीजन का 30वाँ वार्षिक सम्मेलन, 30 सितंबर –2 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली
12. सीडीईआर सीडीई – 14 बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा अद्यतन – ईसीसी जोखिम मूल्यांकन प्रबंधन और सॉफ्ट ऊतक लेजर अनुप्रयोग, 14 नवंबर 2017, नई दिल्ली
13. मानव प्रतिभागियों में शामिल जैव चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय नैतिक दिशानिर्देशों के लिए राष्ट्रीय प्रसार कार्यशाला, 16 नवंबर 2017, नई दिल्ली
14. इंडियन डेंटल एसोसिएशन (सीडीईआर सीडीई –15), 21 जनवरी 2018, नई दिल्ली के सहयोग से तम्बाकू समाप्ति पर दंत चिकित्सा पेशेवरों का प्रशिक्षण
15. इंडियन नेशनल सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी (ब्क्म्त ब्क्म–16) का प्रथम राष्ट्रीय संगोष्ठी, 13 फरवरी, 2018, नई दिल्ली
16. इंडियन जर्नल फॉर डेंटल रिसर्च (सीडीईआर सीडीई –17), 17 और 18 मार्च 2018, नई दिल्ली के समीक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम
17. डेंटल प्रोफेशनल्स के लिए कोचरन सिस्टमैटिक रिव्यू के लिए विकासशील प्रोटोकॉल पर कार्यशाला, 26–28 अप्रैल 2017, नई दिल्ली
18. इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च (आईएडीआर इंडिया डिवीजन) 2017, 30 सितंबर 2017, नई दिल्ली में 30 वें वार्षिक सम्मेलन में श्दंत चिकित्सा में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणश
19. डेंटल प्रोफेशनल, 26–28 अप्रैल 2017, एम्स, नई दिल्ली के लिए कोचरन सिस्टेमेटिक रिव्यू के लिए प्रोटोकॉल विकसित करने पर कार्यशाला
20. डॉ. ओ.पी. खरबंदा हॉल, बोर्ड रूम, 30 सितंबर 2017, ब्क्म्त, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली दंत चिकित्सा में यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
21. डिब्रूगढ़, असम में गर्भाशय ग्रीवा, स्तन और मुंह के कैंसर की स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचानरू टाटा टीगार्डेंस, 7–9 नवंबर 2017, डिब्रूगढ़, असम में प्रदर्शन परियोजना

22. बेसिक लाइफ सपोर्ट, 1 दिसंबर 2017, गाजियाबाद
23. वर्कशॉप फॉरेंसिक फेशियल अप्रूवल, 29 सितंबर 2017, ब्क्म्ट, ।प्प्डै, नई दिल्ली
24. स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम, 12 जनवरी, 2018, नई दिल्ली के अंतर्गत दंत चिकित्सकों के लिए पिट और फिशर सीलंट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
25. वर्कशॉप पर मैक्सिलोफैशियल ट्रॉमा–हैंड्स के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण, 25 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुतः 68 अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं

प्रदत्त व्याख्यान

ओ.पी. खरबंदाः 16
रितु दुग्गलः 1
अजॉय रायचौधरीः 7
वीना जैनः 4
ओंकिला भूटियाः 1
विजय प्रकाश माथुरः 13
अजय लोगानीः 5
प्रभात कुमार चौधरीः 2
नितेश तिवारीः 11
कल्पना बंसलः 3
धीरज कुमार कोलीः 1
शालिनी गुप्ताः 9
कुणाल ढींगराः 1
विकेंदर सिंहः 1 दीपिका मिश्राः 4
हर्ष प्रियाः 11

मौखिक पत्र / प्रस्तुत किए पत्रः 68 अनुसंधान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. क्लास–द्वितीय पोस्टीरियर रेस्टोरेशन, के लिए एनलर्नटेटटो सिल्वर अमलगम के रूप में दांत के रंग की धातु मुक्त स्व–उपचार रेज़िन आधारित सामग्री की नैदानिक सफलता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित प्रारंभिक अध्ययन, अमृता चावला, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 3–7 लाख रुपए
2. अवायवीय संस्कृति और आणविक तकनीकों, कल्पना बंसल, एम्स, 2 साल, 2016– 2018,प्रति वर्ष 4–65 लाख रुपये का उपयोग करके भारतीय बच्चों के गंभीर दंत क्षय के माइक्रोफ्लोरा का आकलन
3. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में क्लिनिकोपथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ वीईजीएफ ए और सीके आनुवांशिक बहुरूपताओं के बीच एसोसिएशन – एक प्रारंभिक अध्ययन, शालिनी गुप्ता, एम्स, 2 साल, 2016–2018, 9–9 लाख रुपए
4. भारत में भवन निर्माण अनुसंधान क्षमताः मौखिक स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए बाधाओं और समर्थक की पहचान करना, ओपी खरबंदा, आईएडीआर–आरपीडी, 2 वर्ष, 2016–2018, 25–97 लाख रुपए
5. भारत में क्लेफ्ट लिप और पैलेट अनामोली नैदानिक प्रोफ़ाइल, जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थितिः अस्पताल आधारित अध्ययन–मुख्य चरण, ओपी खरबंदा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020, 50–07 लाख रुपए (एक वर्ष के लिए)
6. अस्थाई रूप से नियंत्रित श्रेष्ठता परीक्षण, अस्थाई रूप से अण्डकोशिका के प्रबंधन में अस्थि–पंजर बनाम गैप आर्थ्रोप्लास्टी के साथ अस्थाई आर्थोप्लास्टी के बाद वृद्धि परिणामा और जबड़े के कार्यो का मूल्यांकन करने के लिए नियंत्रित श्रेष्ठता परीक्षण, अजय रॉयचौधरी, आईसीएमआर, 2वर्ष, 2016–2018, 15–46 लाख रुपए।
7. कोन बीम ने एंडोडॉन्टिक मूल के बड़े पेरियापिकल घावों के गैर सर्जिकल प्रबंधन के लिए दो उपन्यास तकनीकों के टोमोग्राफिक मूल्यांकन को सहायक के रूप में परिभाषित किया है– संभावित यादृच्छिक अंधा परीक्षण, अजय लोगानी, आईसीएमआर, 2 वर्ष,2016–2018, 30 लाख रुपए
8. मेटलोथायोनिन अभिव्यक्ति और सीरम, लार और जिंजिवल ग्रीवा द्रव में स्तरों पर निरर्थक पीरियोडॉन्टल थेरेपी का प्रभावः एक इंटरवेंशनल स्टडी, विकेंदर सिंह, एम्स, 1 वर्ष, 2017–चालू, 4–5 लाख रुपए
9. नैदानिक और रोगी पर प्रणालीगत और लोकल एंटीबायोटिक उपचारों का प्रभाव, दंत प्रत्यारोपण के दौर से गुजरने वाले स्वस्थ, आंशिक रूप से देंताते रोगियों कें परिणाम सामने आए– प्रारंभिक अध्ययन, वीणा जैन, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 3. 98 लाख रुपए
10. व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता और मानव पीरियोडॉन्टल लिगामेंट स्टेम सेल्स–एन–इन–विट्रो प्रारंभिक अध्ययन, नितेश तिवारी, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 4 लाख रुपये के विभिन्न दांतों के भंडारण पर मीडिया का प्रभाव।
11. भड़काऊ मार्करों मेटेलोप्रोटीनेज–8 (एमएमपी–8) और कैथेप्सिन–के (सीटीएसके) के स्तर का मूल्यांकन तत्काल लोडेड और विलंबित लोडेड डेंटल प्रत्यारोपणों में किया गया हैः नियंत्रित नियंत्रण परीक्षण और पायलट अध्ययन, धीरज कुमार कोली, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 4 लाख रुपए

12. क्लास II साथ किशोर और युवा वयस्कों में मिनिपेट एंकर हाइब्रिड फिक्स्ड फंक्शनल उपकरण के प्रभावों का मूल्यांकन, विलास समिति, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 3.67 लाख रुपए।
13. इन–विट्रो प्रभावकारिता और नॉवेल म्यूकोएडेसिव सिल्वर नैनोपार्टिकल आधारित स्थानीय दवा, कुनाल ढींगरा, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017 की सुरक्षा मूल्यांकन, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 5 लाख रुपए।
14. मैक्सिलोफेशियल प्लानिंग एंड सिमुलेशन सिस्टम, अजय रॉयचौधरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, 2वर्ष,2016–2018, 131–93 लाख रुपए
15. ओरल हेल्थ मोबाइल एप्लिकेशन और वेबसाइट, हर्ष प्रिया, एमएचएफओडब्ल्यू 2 साल, 2018–2020, 35.50 लाख रुपए
16. एनओएचपी, हर्ष प्रिया, एमएचएफओडब्ल्यू, 1 वर्ष, 2017–2018 के तहत स्कूल आधारित सीलेंट कार्यक्रम पर पायलट प्रोजेक्ट, 3.6 लाख रुपए

पूर्ण

1. ऑर्थोडॉन्टिक मिनीस्क्री के लिए मेडिकल ग्रेड वी टाइटेनियम मिश्र धातु के जैव रासायनिक सतह संशोधन के लिए माध्यमिक सेलुलर प्रतिक्रियाओं का अध्ययन, ओपी खरबंदा, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 5 लाख रुपए

विभागीय परियोजना जारी

1. डिजिटल मॉडल का उपयोग करते हुए तृतीय श्रेणी के रोगियों में मैक्सिलरी प्रोट्रैक्शन प्रोटोकॉल के बाद उपचार परिवर्तनों का 3डीअध्ययन
2. गैर–सर्जिकल एंडोडॉन्टिक थेरेपी (एनएसईटी) के परिणाम पर सह–मौजूदा दर्दनाक अतिवृद्धि के प्रभाव का निरीक्षण करने के लिए एक संभावित अध्ययन, पेरिऑपिकल पैथोसिस के साथ अग्र दांतों पर किया गया
3. तत्काल कार्यात्मक बनाम के प्रभाव का निरीक्षण करने के लिए एक संभावित अध्ययन नॉन सर्जिकल एंडोडॉन्टिक थेरेपी के परिणाम में पूर्ण कवरेज प्रोस्थेसिस के गैर कार्यात्मक लोडिंग, पेरियापिकल पैथोलॉजी के साथ पीछे के दांतों में किया गया
4. जनवरी 2014 से अप्रैल 2018 तक टीएमजे एंकिलोसिस के रोगियों में कोस्टोकोंडल ग्राफ्ट का मूल्यांकन करने के लिए एम्पीस्यूक्टिव अध्ययन
5. पूर्व–विवो अध्ययन केविटी में सूक्ष्म राल के सूक्ष्म–तन्यता बंधन शक्ति को बढ़ाने के लिए रणनीतियों का पता लगाने के लिए पहले से ही आमलगम के साथ रीस्टोर किया गया था
6. बचपन के कैंसर से दीर्घ–कालिक सरवाइवर में दांतों के विकास पर एंटी–कैंसर थेरेपी के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकन संबंधी विश्लेषणात्मक अध्ययन
7. स्थायी दांतों पर प्राथमिक दंत ट्रॉमा के दीर्घकालिक प्रभावों का विश्लेषण
8. ऑर्थोडोंटिक टूथ मूवमेंट –एक प्रायोगिक अध्ययनके दौरान IL&1β स्तरों के एकल बनाम अनुवर्ती माइक्रो ऑस्टियोपोरफोरेशन की अभिव्यक्ति कम मूल्यांकन किया
9. 60 मिनट से अधिक अतिरिक्त ओरल ड्राई टाइम के साथ दांतों में विभिन्न रूट सतह जैव–संशोधन विधियों का तुलनात्मक मूल्यांकन
10. नरम ऊतक प्रक्रियाओं में डायोड लेजर और पारंपरिक सर्जिकल तकनीक का तुलनात्मक मूल्यांकन
11. प्राथमिक दांतों में सीधे रखे गए कंपोजिट और सीधे कंपोजिट का तुलनात्मक मूल्यांकन
12. प्राथमिक मोलर में पल्पोटॉमी के लिए सिमावास्टेटिन जेल और डायोड लेजर का तुलनात्मक मूल्यांकन एकल ब्लाइंड 2 यादृच्छिक परीक्षण
13. कैरेट प्राइमरी मेकर्स पर कन्वेंशनल रिस्टोरेटिव तकनीक के साथ सिल्वर मॉडिफाइड एट्रैमैटिक रिस्टोरेटिव तकनीक की सफलता का तुलनात्मक मूल्यांकन
14. मौखिक उप श्लेष्म फाइब्रोसिस के रोगियों में फाइब्रोटॉमी के बाद अंतःस्रावी दोषों के पुनर्निर्माण में संशोधित नासोलैबियल फ्लैप बनाम बकल वसा पैड हस्तांतरण की सफलता दर का तुलनात्मक मूल्यांकन
15. चमकता हुआ ज़िरकोनिया क्राउन, पॉलिश ज़िरकोनिया क्राउन और प्राकृतिक तामचीनी के घिसाव का विरोध करने का तुलनात्मक मूल्यांकनः एक विवो अध्ययन में
16. विल्केज III सरकारा में ज्डश्र डिस्क प्लेसेशन प्रक्रिया के लिए पारंपरिक तकनीक के साथ माइटक मिनी एंकर सीवन तकनीक की प्रभावकारिता की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
17. बीजिंग थेरेपी के साथ और इसके बिना, ओरल एंटीकोग्यूलंट लेने वाले रोगियों में पोस्ट निष्कर्षण रक्तस्राव की जटिलता की तुलना, चिकित्सा के साथ और उसके बिनाः ए पाइलेट अध्ययन
18. ट्रेपोजॉइडल प्लेट बनाम दो गैरपारंपरिक सीधी मिनीप्लेट का उपयोग करके निचले जबड़े के उपचार परिणामों की तुलना को प्रबंधित किया गया
19. शंकु बीम पेरापिकल घावों के टोमोग्राफिक वर्णकरण की गणना करते हैं जो अंतःप्रेरक पेरीपिकल रेडियोग्राफ़ पर स्पष्ट होते हैंः पूर्वप्रभावी विश्लेषण
20. गैर–पुनर्निमित मंडिबुलेटोमी रोगी में कार्यात्मक और एस्थेटिक परिणामों पर प्रोस्थोडॉन्टिक पुनर्वास का प्रभाव – एक प्रारंभिक अध्ययन

21. रक्त जैव रसायन, बीसीए और पीजीएंडएसजीए का उपयोग कर मैक्सीलेक्टोमी रोगियों के पोषण की स्थिति पर प्रोस्टोडॉन्टिक पुनर्वास का प्रभाव – एक प्रारंभिक अध्ययन
22. ऑर्थोडॉटिक टूथ मूवमेंट की दर पर दो बार के माइक्रो–ऑस्टेपरफ़ॉर्मेशन का प्रभाव– ए पाइलेट अध्ययन
23. मैक्सिलरी कैनाइन रिट्रैक्शन के दौरान दांतों के हिलने की दर पर स्थानीय रूप से इंजेक्टेड प्लेटलेट रिच प्लाज्मा के प्रभावः ए पाइलेट अध्ययन
24. इससे पहले कि विकर्षण ऑस्टोजेनेसिस के बाद टीएमजे एंकिलोसिया के साथ वायुमार्ग की मात्रा और ओएसए रोगी के जीवन की गुणवत्ता में बदलाव का मूल्यांकन
25. निचले स्तर के लेजर थेरेपी के साथ कैनाइन रिट्रेक्शन के दौरान जीसीएफ में रैंक 1 का मूल्यांकन और दांतों के मूवमेंट की दर – एक निर्धारित परीक्षण परीक्षण
26. अधिकतम आयु के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और मनोवैज्ञानिक संकट पर प्रोस्टोडॉन्टिक पुनर्वास के प्रभाव का मूल्यांकनः प्रारंभिक अध्ययन
27. एक अस्पताल आधारित सेटिंग में अंतर्राष्ट्रीय कैरिज वर्गीकरण और प्रबंधन प्रणाली प्रोटोकॉल की व्यवहार्यता
28. ज़ायगोमैटिको मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स के अभिघातजन्य अवशिष्ट विकृति के साथ रोगियों में ज़ाइगोमेटिक ओस्टियोटमी के बाद स्थिरता का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन
29. ट्रांसपेरोटिड और ट्रांसस्मैसेटिक पूर्वकाल पेरोटिड के उपचार परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मैनडीब्यूलर सबकोंडायलर का इलाज करने के लिए किया गया
30. विश्वसनीयता और सेफालोमेट्रिक सुपरइम्पोज़िशन माप की वैधताः पारंपरिक और कम्प्यूटरीकृत सेफलोमेट्रिक सॉफ्टवेयर्स की तुलना–रिकेट के सुपरिम्पोजिशन तरीकों का उपयोग करना
31. सहायक संरचनाओं पर दो अलग–अलग प्रकार के हटाने योग्य आंशिक डेन्चर में तनाव वितरण पैटर्न – एक 3डी परिमित तत्व विश्लेषण और एक नैदानिक अध्ययन
32. मैक्सिलरी कैनाइन रिट्रैक्शन–। पायलट स्ट्डी के दौरान दांत के मूवमेंट की दर पर स्थानीय रूप से इंजेक्टेड प्लेटलेट रिच प्लाज्मा का प्रभाव
33. मैंडिबुलर सिंगल इम्प्लांट के प्रभाव ने अवशिष्ट रिज रिजोरेशन पर ओवरडेंचर का समर्थन किया
34. उनकी प्रक्रिया प्रक्रिया पर हल्के संज्ञानात्मक हानि के साथ पूरी तरह से दन्तहीन जराचिकित्सा रोगियों के प्रोस्थोडोंटिक पुनर्वास का प्रभाव
35. संचार के बिना सहवर्ती एंडोडोंटिक पीरियोडॉन्टल घावों के साथ दांतों में गैर–सर्जिकल एंडोडॉन्टिक थेरेपी के बाद पेरिऑपिकल बीमारी पर पेरियोडोंटल बीमारी की गंभीरता का प्रभाव – एक संभावित अध्ययन
36. जबड़े की हड्डी के क्षेत्र में तत्काल प्रत्यारोपण के आसपास क्रेस्टल हड्डी के स्तर पर एल–पीआरएफ या एलोप्लास्टिक ग्राफ्ट सामग्री के प्रभाव की तुलना करना

पूर्ण

1. गैर–सर्जिकल एंडोडॉन्टिक चिकित्सा से गुजरने वाले रोगियों में सीरम विटामिन डी स्तर का आकलन करने के लिए एक क्रॉस–सेक्शनल पैथफाइंडर अध्ययन और पेरिऑपिकल हीलिंग के साथ इसके संभावित सहयोग का निरीक्षण करन
2. गैर–महत्वपूर्ण अपरिपक्व स्थायी पूर्वकाल दांतों के एपिलेशन पर न्यूनतम इनवेसिव एंडोडॉन्टिक उपचार प्रोटोकॉल क प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रारंभिक नैदानिक अध्ययन
3. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त एंकिलोसिस के उपचार में कॉस्टोकोंड्रल ग्राफ्ट इंटरपोजिशन एंथ्रोप्लास्टी और ट्रांसपोर्ट डिस्ट्रैक्शन ओस्टोजेनेसिस के बीच सफलता दर की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. गैर–सर्जिकल एंडोडॉन्टिक रिट्रीटमेंट के लिए इष्टतम आकार निर्धारित करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. एक स्थापित कृंतक मॉडल का अध्ययन गैर–ड्यूरेटिक एंडोडॉन्टिक थेरेपी के दौरान पेरीएपिकल एक्सट्रूज़न के संदर्भ में इनकोलेटेड डेंटल मिनरल के स्वीकार्य स्तरों को निर्धारित करने के लिए किया गया है।
6. मासपेशी की मांसपेशियों और काटने के बल की मोटाई पर छोटे दंत चाप के प्रभाव का मूल्यांकनः प्रारंभिक अध्ययन
7. ओर्थोडोंटिक दंत गतिविधि के दौरान मिनीस्क्रू साइट के आसपास बायोमार्कर के रूप में सेल–फ्री न्यूक्लिक एसिड सर्कुलेट होना – एक मात्रात्मक विश्लेषण
8. पीएफआर और ऑटोप्लास्ट का उपयोग ग्राफ्ट सामग्री के रूप में तत्काल प्रत्यारोपण के आसपास क्रस्टल हड्डी के स्तर और प्रत्यारोपण स्थिरता का तुलनात्मक मूल्यांकन
9. दृश्य परीक्षा, लेजर प्रतिदीप्ति और ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप का उपयोग करके सफेद धब्बे वाले घावों का मूल्यांकन निश्चित आर्थोडोंटिक उपचार के बादः एक नैदानिक नैदानिक अध्ययन
10. पूरे एक्सोम सीक्वेंसिंग और माइक्रोएरे द्वारा गैर सिंडोमिक पियरे रॉबिन सीक्वेंस रोगियों की जेनेटिक प्रोफाइलिंग
11. ऑर्थोडॉन्टिक दांत आंदोलन के दौरान मिनीस्क्रीम साइट के आसपास उच्च गतिशीलता समूह बॉक्स 1 प्रोटीन स्तर का मात्रात्मक मूल्यांकन
12. मानव मैक्रोफेज कॉलोनी उत्तेजक मात्रा का मूल्यांकन पेरी–मिनीस्क्रीव इम्प्लांट फ्लुइड में बल प्रयोग से पहले और बाद में

13. ऑर्थोडेसिसिक अनुप्रयोग से पहले और बाद में पेरी–मिनीस्क्रीव इम्प्लांट स्रेवीकूलर द्रव में पेण्ट्राक्सिन–3 स्तरों का मात्रात्मक मूल्यांकन
14. विश्वसनीयता और सेफालोमेट्रिक सुपरइम्पोज़िशन माप की वैधताः रिकेट्स सुपरइम्पोजिशन विधि का उपयोग करके पारंपरिक और कम्प्यूटरीकृत सेफालोमेट्रिक विश्लेषण सॉफ्टवेयर्स की तुलना
15. ऑर्थोडोंटिक टूथ मूवमेंट की दर पर निम्न स्तर की लेजर थेरेपी के प्रभाव का मूल्यांकन करना

स्हयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मेडिकल इमेजिंग, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), नई दिल्ली, केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन, चंडीगढ़ का उपयोग करके सहयोगात्मक डिजिटल डायग्नोसिस सिस्टम (कोलार्ड) का पायलट कार्यान्वयन; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई; रेडियोडायग्नोसिस, एम्स, नई दिल्ली
2. सूजन का पता लगाने के लिए सेंसर के साथ एम्बेडेड थोडोंटिक के लिए डिजाइन और परीक्षण–चरण –९, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली के भारतीय संस्थान
3. फ्लैट हड्डी के पुनर्जनन के लिए कार्यात्मक कोलेजन नैनोपार्टिकल संसेचन सिल्क नैनो–सिरेमिक कम्पोजिट 3डीमैट्रिसेस, आईआईटी गुवाहाटी
4. अवायवीय संस्कृति और आणविक तकनीकों, माइक्रोबायोलॉजी का उपयोग करके भारतीय बच्चों में गंभीर दंत क्षय के माइक्रोफ्लोरा का आकलन
5. व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता और मानव पीरियडोंटल लिगामेंट स्टेम कोशिकाओं के विभेदन पर विभिन्न टूथ स्टोरेज मीडिया का प्रभाव–एक इन–विट्रो प्रारंभिक अध्ययन, स्टेम सेल सुविधा
6. निकोटीन मेटाबोलाइट अनुपात (एनएमआर) और धुआं रहित तम्बाकू उपयोग मापदंडो, मनोचिकित्सा और एनडीडीटीसी के बीच सहयोग का आकलन करने के लिए खोजपूर्ण अध्ययन
7. दर्द की स्थिति पर दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का प्रभाव, मायोफेशियल दर्द की शिथिलता और फिजियोलॉजी में मोटर गतिविधि
8. एक जनसंख्या आधारित भावी सहसंयोजक अध्ययन स्टोकएंड संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को स्पष्ट करने के लिएः एक क्रॉस सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य , न्यूरोलॉजी और क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी
9. लंबे समय तक अनुवर्ती घावों–ल्यूकोप्लाकिया, सबम्यूकोस फाइब्रोसिस, लाइकेन प्लेनस के साथ आईसीएमआर तम्बाकू टास्क फोर्स प्रोजेक्ट , जनरल सर्जरीस एनआईसीपीआर, नोएडा में शामिल रोगियों में मौखिक कैंसर रूपांतरण जोखिम का अनुमान लगाएं।
10. भारत में क्लेफ्ट लिप और पैलेट विसंगतिः नैदानिक प्रोफ़ाइल जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थितिः एक अस्पताल आधारित अध्ययन–मेनपेज़ , जेनेटिक्स और सीएसआईआर–आईजीआईबी
11. कैंसर, जैव रसायन के सार्वभौमिक बायोमार्कर के रूप में कैथेप्सिन एल और कैथेप्सीन बी की संभावित क्षमता का आकलन करने के लिए
12. मौखिक स्वास्थ्य स्थिति के सुधार में मानक देखभाल के खिलाफ बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी रोगियों के लिए एक मौखिक स्वास्थ्य टूलकिट की प्रभावशीलता की तुलना करना। , बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी, मनोरोग और सामुदायिक चिकित्सा पूरा कर लिया है

पूर्ण

1. सीबीसीटी स्कैन डेटा, केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईओ), चंडीगढ़ का उपयोग करके ऊपरी वायुमार्ग का स्वचालित विभाजन
2. पेरी–नेटल ओरल हेल्थ का आकलन और ओरल हेल्थ प्रमोशन प्रोग्रामिन भारतीय गर्भवती महिलाओं का इम्प्लीमेंटेशन , स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान
3. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस में क्लिनिकोपथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ वीइजीएफ ए और सी के आनुवांशिक बहुरूपताओं के बीच एसोसिएशन – एक प्राथमिक अध्ययन, जैव रसायन
4. मौखिक शलैष्मिक घावों, त्वचाविज्ञान के स्पेक्ट्रम में अंतःविषय रूपांतर

प्रकाशन

पत्रिकाएंः **35** **सारः 2**

रोगी उपचार

स्पेशलिटी क्लिनिक डाटा

क्र. सं.	क्लीनिक	नया	पुराना	कुल
1.	चेहरे की नसो मे दर्द	143	182	325
2.	कम्बाइन क्लेफ्ट पैलेट	251	1713	1964

3.	ओरल प्रोफिलैक्सिस	12,075	5232	17,307
4.	आरथोडोन्टिक्स	4124	18224	22348
5.	प्रोस्थोडॉन्टिक्स	7681	11875	19556
6.	रैस्टोरेटिव–कम–इंडोडोन्टिक्स	10,413	18,820	29,233
7.	ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी	15,275	22,099	37,374
8.	प्रोडोडोन्टिक्स	5444	14,938	20,382
9.	पीरियोडॉन्टिक्स (माइनर सर्जरी)			701
10.	ओपीडी मरीज	46,788	13,768	60,556
11.	ऑपरेशन	मेजर कुल	माइनर एक्सट्रेक्शन	कुल
		740	1379+ 20,890	23,009
12.	रेडियोलॉजी (एक्स–रे)			60,634

ऑर्थोडॉन्टिक्स एंड डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज : समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हमने क्लेफ़्ट लिप और पैलेट के साथ रोगियों के अंतःविषय उपचार पर अधिक जोर दिया है।

ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरीः निम्नलिखित पर हमारा ध्यान केंद्रित किया गया है–

1. निर्गमन, सरल और जटिल
2. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त सर्जरी
3. क्रैनियो–चेहरे का ट्रॉमा
4. चेहरे की ऑर्थोगैथिक और एस्थेटिक सर्जरी
5. मौखिक और मैक्सिलोफैशियल पैथोलॉजी
6. मैक्सिलोफेशियल संक्रमण
7. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया के लिए सर्जरी
8. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया क्लिनिक
9. ओस्टोडोन केराटोप्लास्टी

प्रोस्थोडोन्टिक्सः हम पूर्ण और आंशिक रूप से जबड़े के आवश्यक पुनर्वास के लिए रोगियों को नैदानिक और उपचार की सुविधा प्रदान करते हैं। यह विभाग ओरल और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थोडॉन्टिक्स, इम्प्लांट दंत चिकित्सा और अस्थायी रूप से अनिवार्य विकार पर विशेष क्लिनिक चला रहा है। विभिन्न प्रकार के प्रोस्थेसिसिच, टूथ रोगियों को प्रदान कर रहे हैं, पूर्ण दंत चिकित्सा, रिमूवेबल पार्टिकल डेंचर, क्राउन और ब्रिज कार्य, लैमिनेट्स, ऑकलस स्प्लिन्ट, इम्प्लांट समर्थित प्रोस्थेसिस (रिमूवेबल और फिक्स्ड), और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थेसिस (एक्स्ट्रा ओरल/फेशियल और इंट्रा ओरल)। दो प्रयोगशाला सुविधाएं अंतिम और नियत प्रोस्थोडॉन्टिक उपकरणों के निर्माण के लिए उपलब्ध हैं।

पेडोडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्साः नियमित प्रक्रियाओं के अलावा, हम भारत में बाल चिकित्सा शीतल ऊतक लेजर दंत चिकित्सा के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्रों में से एक के रूप में उत्कृष्ट हैं। विशेष देखभाल दंत चिकित्सा हमारे वर्क स्पेक्ट्रम का एक अभिन्न हिस्सा है जिसमें बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, कार्डियो–थोरैसिक सर्जरी और हेमेटोलॉजी से बड़ी संख्या में रेफरल शामिल हैं। अल्ट्रा आधुनिक रणनीतियों के साथ अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार दंत क्षय निवारक प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाता है। प्राथमिक और स्थायी दंत चिकित्सा में दर्दनाक दर्दनाक चोटों की सूचना सभी को आकस्मिक रूप से प्रबंधित की जाती है।

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिकः कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडोंटिक्स का विशेष क्लिनिक सप्ताह में दो बार आयोजित किया जाता है। गैर–सर्जिकल और सर्जिकल एंडोडॉन्टिक रिट्रीटमेंट क्लिनिक शुरू किया गया है और सप्ताह में एक बार आयोजित किया जाता है।

मुखीय दवाः विशेषता क्लिनिकः ओरल अल्सर क्लिनिक (बुधवार 2:00 बजे); ओरल मेडिसिन और रेडियोलॉजी सीडीईआर में कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी सुविधा।

पीरियोडॉन्टिक्स

विभिन्न उपचार प्रक्रियाएँ की जाती हैंः

- पारंपरिक गैर–सर्जिकल और सर्जिकल पीरियोडॉन्टल थेरेपी
- पीरियडोंटल प्लास्टिक सर्जरी
- सॉफ्टैंड हार्ड टिशू पुनर्योजी प्रक्रियाओं
- डायोड लेजर ने नरम ऊतक छांटना और सहायक पॉकेट डेब्रिडमेंट प्रक्रियाओं की सहायता की

सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा

- सामुदायिक सेवा अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर, जनवरी और फरवरी के महीनों में एसडीएमसी स्कूलों में स्कूल आधारित पिट और विखंडन सीलेंट एप्लीकेशन प्रोग्राम का कार्यान्वयन।
- बाल चिकित्सा ओपीडी और डी 5 वार्ड में बाल दिवस समारोह में मासिक मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता
- 19 दिसंबर 2017 को चौथी मंजिल के सेमिनार रूम,सीडीइआर, एम्स, नई दिल्ली में "ओरल कैंसर के प्रारंभिक जांच में ओरल–हेल्थ पैरा–प्रोफेशनल्स के बीच बेहतर दक्षता" पर एक इन–हाउस व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 12 जनवरी, 2018 को दक्षिण दिल्ली नगर निगम में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत दंत चिकित्सकों के लिए पिट और फिशर सीलेंट पर उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम
- 26 फरवरी 2017 को अंतर्राष्ट्रीय बचपन कैंसर दिवस के अवसर पर ओरल हेल्थ प्रमोशन ड्राइव जवाहरलाल नेहरू सभागार, एम्स, नई दिल्ली में
- 28 फरवरी 2018 को राज्य नोडल अधिकारी, पुदुचेरी के माध्यम से पुडुचेरी के विभिन्न जिलों में सभी दंत शल्य चिकित्सकों के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में "एनओएचपी की ओर दंत शल्य चिकित्सक के प्रयास" पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लिया।
- 20–24 मार्च 2018 से विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली में एक सप्ताह तक चलने वाली ओरल हेल्थ अवेयरनेस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया
- स्कूल शिक्षकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए ओरल हेल्थ प्रमोशन नियमावली में योगदान देना और भाग लेना राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 20 मार्च 2018 को 249 ए, निर्माण भवन, एमओएचएफडब्ल्यूमें शुरू किया गया।

ओरल पैथोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी

1. सी.डी.ई.आर. पर ओरल साइटोपैथोलॉजी रिपोर्टिंग
2. सी.डी.ई.आर. में ओरल हिस्टोपैथोलॉजी प्रयोगशाला शुरू की

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर ओ.पी. खरबंदा को सर्वसम्मति से अंतर्राष्ट्रीय कॉलेज ऑफ दंत चिकित्सकों, भारत, श्रीलंका और नेपाल अनुभाग का नामित किया गया था; डॉ। आर। अहमद ओरेशन को "ट्रांसफॉर्मिंग फेस" शीर्षक से" 71 वें भारतीय डेंटल सम्मेलन" के दौरान देने के लिए आमंत्रित किया गयाः ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स "भुवनेश्वर में ऑर्थोडॉन्टिक्स में दशकों की उत्कृष्टता; ऑस्ट्रेलियाई ऑर्थोडॉन्टिक जर्नल में योगदान अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड में जारी है, ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑर्थोडॉन्टिक्स के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड पर जारी है; डब्ल्यूएचओ द्वारा समर्थित इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च के सहयोग से "प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री कॉन्फ्रेंस पर विश्व सम्मेलन" का आयोजन; यह सम्मेलन पहली बार भारत में आयोजित किया गया था। एसीडीएस में 20 मार्च 2018 को वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे और डेंटल प्रदर्शनी मनाया गया। एम्स भुवनेश्वर में संकाय चयन के विशेषज्ञ सदस्य; पीजी एग्जामिनर एट्रिब्यूवन यूनिवर्सिटी नेपालंद स्वामीविवेकानंद सुभारती यूनिवर्सिटी, मेरठ; जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में ऑर्थोडॉन्टिक स्नातकोत्तर परीक्षा में मुख्य संसाधन संकाय " 7वीं इनसाइट; डॉ. डी. वाई. पाटिल विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पुणे के अनुसंधान अध्ययन बोर्ड की बैठक में भाग लिया; पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, कोलकाता के इंफ्रास्ट्रक्चरल और अन्य सुविधाओं के मूल्यांकन के लिए यूजीसी की विशेषज्ञ समिति के सदस्य नियुक्त; मौखिक स्वास्थ्य और स्नातकोत्तर अनुसधान अनुदान के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर के विशेषज्ञ; "हेल्थ शो" कार्यक्रम में भाग लेने के लिए लोकसभा टेलीविजन द्वारा आमंत्रित; डब्ल्यूएचओ, राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य नीति पर भारत सरकार के सलाहकार के रूप में महत्वपूर्ण योगदान; विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 20 मैच 2018 को दो प्रशिक्षण मैनुअल विकसित किए गए और जारी किए गए। 1– स्कूल शिक्षकों के लिए मौखिक स्वास्थ्य पर मैनुअल 2–स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों के लिए मौखिक स्वास्थ्य पर मैनुअल। एसईएआर देशों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक जांच पर दिशानिर्देश और क्षेत्रीय मार्गदर्शन टेम्पलेट लाने की पूरी प्रक्रिया की निगरानी और पर्यवेक्षण किया। डब्ल्यूएचओ एनसीडी बैठक पर पारो, भूटान में 22–28 नवंबर 2017 को मौखिक कैंसर पर क्षेत्रीय टेम्पलेट प्रस्तुत किया गया; ऑर्थोडॉन्टिक अनुशासन में स्नातकोत्तर करने के लिए कोर्स करने के लिए मेलबर्न में यूनिवर्सिटी ऑफ़ द सिडनी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलिया पर्थ और ला ट्रोब विश्वविद्यालय में आमंत्रित ऑर्थोडॉन्टिक विभाग; नेशनल ओरल हेल्थ प्रोग्राम के तहत, निम्नलिखित गतिविधियों को शुरू किया गयाः 1 मई 2017 को आयोजित डेंटल सर्जनों के लिए स्कूल आधारित पिट और फिशर सीलेंट प्रोजेक्ट पर प्रशिक्षण कार्यशाला के

लिए एलईडी आयोजन समिति; आम कैंसर और एनसीडी के लिए जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग प्रोग्राम के भाग के रूप में ओरल कैंसर और संभावित घावों के प्रारंभिक जांच, एएनएम, स्टाफ नर्स और चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए एलईडी टीम मई 2017 एक मोबाइल ऐप और एनओएचपी के तहत एक वेबसाइट के विकास के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में एलईडी टीम ने ई–डेंटसेवा कहा, जुलाई 2017 के बाद; स्कूल शिक्षकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन पर प्रशिक्षण मैनुअल के विकास के लिए तकनीकी विशेषज्ञों के नेतृत्व वाली टीम मार्च 2017–मार्च 2018टास्क फोर्स के अध्यक्ष डेंटल केयर के लिए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के एक भाग के रूप में परिचालन दिशानिर्देशों को लाने के लिए मसौदा दिशानिर्देश विकसित किए गए हैं। दिसंबर 2017–मार्च 2018 सी.डी.ई.आर. में एक मौखिक स्वास्थ्य प्रदर्शनी बनाई गई है।

आचार्य रितु दुग्गल आई टी एस सेंटर फॉर स्टडीज एंड ऑर्क खोज, मुरादनगर, गाजियाबाद में एमडी द्वारा ऑर्थोडॉन्टिक्स और ऑर्थोपेडिक्स विभाग में एमडीएस सीटों की संबद्धता। चरणसिंह विश्वविद्यालय, मेरठ; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में अकादमिक सत्र 2017–2018 के लिए विदेशी कॉलेजों के लिए विदेशी कॉलेजों को फोरस्टार्टिंग/बढ़ाने/नवीनीकरण करने के लिए; जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित "एन इनसाइट इन ऑर्थोडॉन्टिक पोस्ट ग्रेजुएट परीक्षा –2018" शीर्षक से ऑर्थोडॉन्टिक्स में सीएमई के लिए पैनलिस्ट; एमडी में एमडीएस कोर्स में संबद्धता का निरीक्षण विस्तार करने के लिए विषय विशेषज्ञ। चरण सिंह विश्वविद्यालय; आचरण के लिए परीक्षकऑनलैंडप्रैक्टिकल एग्जामिनेशन ऑर्थोडॉन्टिक्स ऑफ फैकल्टी ऑफ डिडेंटल साइंसेज, केजी की मेडिकल यूनिवर्सिटी, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, नई दिल्ली, एम.एम. कॉलेजोफ़ डेंटल साइंसेज रिसर्च, मुलाना–अंबाला।

आचार्य अजय रॉयचौधरी को डेंटल सर्जरी रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन और सर्जन ग्लासगो, यूके की फैलोशिप से सम्मानित किया गया; पत्रिकाओं के लिए समीक्षकः ब्रिटिश जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी एंड नेशनल जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी; डेंटल काउंसिल इंस्पेक्टर था जो भारत में विभिन्न डेंटल कॉलेज के शिक्षण, बुनियादी ढाँचे की सुविधा प्रदान करता था। भारत के विभिन्न डेंटल कॉलेजों को मान्यता से संबंधित डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्णयों की समीक्षा करने के लिए एमओएचएफडब्ल्यू की समिति में; लोक सेवा आयोग हिमाचल प्रदेश, किंग जार्ज यूनिवर्सिटी लखनऊ, ईएसआई अस्पतालों और देश भर में छह एम्स में चयन समिति के विशेषज्ञ; किंग जॉर्जेस यूनिवर्सिटी, लखनऊ, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में पोस्ट ग्रेजुएट परीक्षक।

आचार्य ओंकिला भूटिया को 2 नवंबर 2017को एमओएचएफडब्ल्यू में शैक्षणिक सत्र 2017–2018 के लिए नवीकरण/नई बीडीएस योजना के लिए सुनवाई कॉलेजों के लिए विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया था; 25 मार्च 8को मौखिक और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग, सीडीईआर, एम्स द्वारा आयोजित समितियों की कार्यशाला का सदस्य; एचआईसीसी,सीडीईआर, एम्स के अध्यक्ष के रूप में नामांकित; 30 ए 2017में एम्स में 30वें वार्षिक पैक्ट सम्मेलन के दौरान प्री–कॉन्फ्रेंस कोर्स के संकाय प्रभारी के रूप में नामित किया गया था।

डॉ विजय प्रकाश माथुर नैदानिक परीक्षण में प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए संस्थान के आचार्य उप समिति के सचिव थे। प्रकाशित लेख के एक कैलडेर वर्ष में अधिकतम अंक के लिए प्रोफेसर जेजी कन्नपन पुरस्कार; जर्नल सीई कमेटी के सदस्य, अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री; विशेषज्ञ विकासशील देशों, सार्वजनिक स्वास्थ्य अंतर्राष्ट्रीय डेंटल फेडरेशन की धारा; एकेडमिक काउंसिल ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री के संयोजक के रूप में नामित; राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्षेत्र (आरबीएसके) के लिए राज्यों में क्षमता निर्माण के लिए विशेषज्ञ; अक्टूबर, 2017 में वार्षिक सम्मेलन के दौरान इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च के उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित; फरवरी 2018 में इंडियन संगोष्ठी के दौरान इंडियन सोसायटी ऑफ डेंटल ट्रूमेटोलॉजी के संस्थापक उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित; साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ़ पीडियाट्रिक डेंटिस्ट्री के जर्नल के लिए संस्थापक संपादक के रूप में नामांकित; दक्षिण एशियाई बाल रोग एसोसिएशन के प्रथम द्विवार्षिक सम्मेलन के लिए अध्यक्ष वैज्ञानिक के रूप में नामित; नई दिल्ली स्थित परीक्षा बोर्ड के प्रश्न बैंक के सत्यापन के लिए विशेषज्ञ; डेंटल कॉलेजों के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की ओर से निरीक्षक; डेंटल काउंसिल ऑफ़ इंडिया के लिए चाइल्ड हुड कैरिज़ पर विषय विशेषज्ञ; संकाय चयन के लिए विशेषज्ञ, डॉ। राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद; कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा के टीचिंग स्टाफ को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञ फारपोमिशन समिति की बैठ।

डॉ. अजय लोगानी इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रूमेटोलॉजी (2017–2020) के अध्यक्ष हुए।

डॉ विजय कुमार ने 26 नवंबर 2017 को राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल "डीडी–न्यूज" पर प्रसारित कार्यक्रम "टोटल हेल्थ" में एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया।

डॉ प्रभात कुमार चौधरी ने अपने अवधारणा प्रस्ताव को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा उत्तरी क्षेत्र (2018) के लिए प्रस्ताव विकास कार्यशाला के लिए चुना; 22–25 अगस्त 2017 को ईजीएचडी –2017 में यंग इंवेस्टिगेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया, भारतियार विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, भारत; 30 सितंबर 2017 को डेंटिस्ट्री में रेंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल पर प्रीकॉन्फ्रेंस वर्कशॉप के लिए वैज्ञानिक

समन्वयकों में से एक था और 1–2अक्टूबर 2017 से 30वें वार्षिक पैक्ट सम्मेलन 2017 के लिए जेएल विलियम हॉल (मेल साइंटिफिक हॉल) के लिए; आईआईएडीआर बोर्ड संचालन समिति, इंटरनेशनल एंड अमेरिकन एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च, यूएसए द्वारा तीन साल के कार्यकाल (2018–2021) के लिए आईएडीआर की सदस्यता और भर्ती समिति के सदस्य, जर्नल पियरे फ़्यूचर्ड अकादमी–इंडिया सेक्शन के सहायक संपादक प्रकाशित एल्वियर इंडिया; इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च (आईएडीआर) के सदस्य; ऑर्थोडॉन्टिस्ट के फैलो–सदस्य वर्ल्ड फेडरेशन; अमेरिकन क्लेफ्ट पैलेट और क्रैनियोफेशियल एसोसिएशन के अंतर्राष्ट्रीय सदस्य।

डॉ कल्पना बंसल को राष्ट्र निर्माण के लिए राज्यों में क्षमता निर्माण के लिए डोमेन–विशिष्ट विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था।

डॉ नितेश तिवारी को फरवरी 2018 में पहले संगोष्ठी के दौरान इंडियन सोसायटी ऑफ डेंटल ट्रूमेटोलॉजी के संयुक्त सचिव के रूप में चुना गया। डॉ शालिनी गुप्ता आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन की सदस्य सलाहकार समिति थीं, जिसका शीर्षक डिब्रूगढ़, असम में सर्वाइकल, ब्रेस्ट और ऑरल कैंसर का शीघ्र पता लगाना था। आईसीएमआर नई दिल्ली द्वारा टाटा टी बागानों में प्रदर्शन परियोजना; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गैर–संचारी रोग तकनीकी सलाहकार समूह (एनसीडी टीएजी) के तकनीकी विशेषज्ञ "माध्यमिक स्तर पर मौखिक कैंसरस्क्रीनिंग"

डॉ. कुणाल ढींगरा ने अमेरिकन/इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च (यूएसए) की प्रतिष्ठित संविधान समिति की सदस्यता प्रदान की; प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (आईएमएसए), नई दिल्ली की सम्मानित फैलोशिप (रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन और ग्लासगो, ब्रिटेन के सर्जन के आधिकारिक भारतीय साथी)

डॉ विकेंदर सिंह को डेंटल सर्जन एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गुड़गांव शाखा, अप्रैल 2017 में सचिव नियुक्त किया गया; 26 नवंबर, 2017 को इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरियोडोंटोलॉजी के 42 वें राष्ट्रीय सम्मेलन–पेरियो उत्कर्ष, 2017 में कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत में आयोजित वैज्ञानिक सत्र

डॉ हर्ष प्रिया ने डब्ल्यूएचओ के लिए एसईएआर में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में मौखिक कैंसर की रोकथाम और नियंत्रण पर क्षेत्रीय मार्गदर्शन दस्तावेज में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया; 13 दिसंबर2017 को डब्ल्यूएचओ को अंतिम दस्तावेज प्रस्तुत किया; 15–16 जनवरी 2018 को आरआईएमएस इम्फाल में एमओएचएफडब्ल्यू की एक पहल, नेशनल ओरल हेल्थ प्रोग्राम और स्कूल बेस्ड पिट और फिशर सीलेंट प्रोग्राम की मॉनिटरिंग के लिए नॉर्थ ईस्ट राज्यों के स्टेट नोडल ऑफिसर्स के लिए रीजनल रिव्यू मीटिंग की निगरानी में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया। 28 फरवरी 2018 को दिशानिर्देशों के मसौदे की तैयारी और अंतिम रूप से प्रस्तुत करने के लिए डेंटल केयर के लिए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पर टास्क फोर्स में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया गया; स्कूल टीचर्स और हेल्थ वर्कर्स के लिए ओरल हेल्थ प्रमोशन पर दो मैनुअल में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया गया, जो कि 20 मार्च 2018 को विश्व स्वास्थ्य दिवस 2018 के अवसर पर एमओएचएफडब्ल्यू में, माननीय राज्य मंत्री एमओएसए स्वास्थ्य श्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा जारी किया गया था।

डॉ दीपिका मिश्राः सदस्यता (2017–2018): इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट, इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट, अमेरिकन एकेडमी ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च, इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल रिसर्च और अमेरिकन क्लेफ्ट पैलेट –क्रानियोफेशियल एसोसिएशन; जर्नल ऑफ ओरल पैथोलॉजी एंड मेडिसिन एंड ट्यूमर बायोलॉजी; 4 फरवरी 2018 को विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर जागरूकता कार्यक्रम और सार्वजनिक व्याख्यान में पैनल चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित; 17 नवंबर 2017 और 18 नवंबर 2017 पर वैज्ञानिक सत्र और भुवनेश्वर में आईएओएमपी के 26वें राष्ट्रीय सम्मेलन में न्याय पोस्टर प्रस्तुतियों अध्यक्षता; सरकार डेंटल कॉलेज, शिमला 18–19 सितंबर 2017 पर के लिए स्नातक से नीचे (1 वर्ष बीडीएस और 3 साल बीडीएस) के लिए बाहरी परीक्षक; 7, 29 सितंबर 2017 और 28 मार्च 2018 को फोरेंसिक ओडोंटोलॉजी में विशेषज्ञ के रूप में मेडिकल परीक्षा के लिए एम्स के मेडिकल बोर्ड के सदस्य (आयु आकलन)।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. एलेक्स मौले, अतीत के अध्यक्ष, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, यूएसए
2. डॉ. नेस्टर कोहेन्का, अध्यक्ष, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, यूएसए
3. डॉ. पुनीत वाधवा, बाल रोग विशेषज्ञ, ओहियो, यूएसए
4. डॉ. राजीव अग्रवाल, बाल रोग सलाहकार, एरिजोना, यूएसए व्याख्यानरू जीभ टाई–अनटाइड, 26 मार्च 2018, नई दिल्ली
5. डॉ. किशोर चौधरी, रोसमैन यूनिवर्सिटी, यूएसए।

10-3 Mk- ch-vkj- vEcsMdj lLFkku jkVjh dlj vLirky

vkpk; ,o v/;{k

जी.के. रथ

¼fofdj.k vcqnfoKku½

vkpk;

सुभाष चंदर
(विकिरण ओन्कोलॉजी)
एस वी एस देव
(सर्जिकल ओन्कोलॉजी)
अतुल शर्मा
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
डीएन शर्मा
(विकिरण ओन्कोलॉजी)
सुष्मिता पथी
(विकिरण ओन्कोलॉजी)

ललित कुमार
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
संजय थुलकर
(रेडियोडायग्नोसिस)
समीर बक्शी
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
सुमन भास्कर
(विकिरण ओन्कोलॉजी)
रितु गुप्ता
(प्रयोगशाला ओन्कोलॉजी)

सिद्धार्थ सतपथी
(अस्पताल प्रशासन)
सुषमा भटनागर
(एनास्थेसियोलॉजी)
सीमा मिश्रा
(एनास्थेसियोलॉजी)
प्रतीक कुमार
(चिकित्सा भौतिकी)

सहयोगी प्रोफेसर

हरेश के.पी.
(विकिरण ओन्कोलॉजी)
प्रणय तंवर
(प्रयोगशाला ओन्कोलॉजी)
निष्कर्ष गुप्ता
(अनेस्थिसियोलॉजी)
चंद्रशेखर एसएच
(रेडियोडायग्नोसिस)

सुभाष गुप्ता
(विकिरण ओन्कोलॉजी)
संजीव कुमार गुप्ता
(प्रयोगशाला ओन्कोलॉजी)
विनोद कुमार
(अनेस्थिसियोलॉजी)
सुनील कुमार
(सर्जिकल ओन्कोलॉजी)

अनिता चोपड़ा
(प्रयोगशाला ओन्कोलॉजी)
राकेश गर्ग
(एनास्थेसियोलॉजी)
सचिदानंद जी भारती
(अनेस्थिसियोलॉजी)
मेजर एमडी रे (सेवानिवृत्त)
(सर्जिकल ओन्कोलॉजी)

सहायक आचार्य

अमर रंजन सिंह
(प्रयोगशाला ओन्कोलॉजी)
प्रभात सिंह मलिक
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
अतुल बत्रा
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
रंभा पांडे
(विकिरण ओन्कोलॉजी)
एकता धमीजा
(रेडियोडायग्नोसिस)
सचिन खुराना
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)

अजय कुमार गोगिया
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
समीर रस्तोगी
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
अहिताग्नी विश्वास
(विकिरण ओन्कोलॉजी)
मयंक सिंह
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
थौदाम देबराज सिंह
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)

रणजीत कुमार साहू
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
राजा प्रामाणिक
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
रितेश कुमार
(विकिरण ओन्कोलॉजी)
मुकेश यादव
(रेडियोडायग्नोसिस)
चंद्र प्रकाश कुमार
(मेडिकल ओन्कोलॉजी)
संदीप कुमार
(सर्जिकल ओन्कोलॉजी)

प्रशासनिक अधिकारी
सतीश कुमार सिंह

लेखा अधिकारी
मीरा गुप्ता

स्टोर अधिकारी
अरविंद कुमार शर्मा

संकाय सदस्य	49	रेजीडेंट डॉक्टर	93
ग्रुप ए स्टाफ	32	ग्रुप बी स्टाफ	386
ग्रुप सी स्टाफ	136	पार्ट टाइम सोशल गाइड	6
आउटसोर्स हाउस कीपिंग स्टाफ	145	आउटसोर्स डेटा एंट्री ऑपरेटर	30
आउटसोर्स सुरक्षा कर्मचारी	79	आउटसोर्स स्वच्छता कर्मचारी	77

विशेषताएँ

ओन्को–एनेस्थेसिया और पैलीएटिव मेडिसिन

विभाग का मिशन कैंसर रोगियों के लिए अत्याधुनिक और व्यापक उद्देश्यों के साथ रोग निवारक (क्यूरेटिव) और रोग उपशामक (पैलीएटिव) दोनों तरह की देखभाल प्रदान करना है। इसमें विभिन्न नैदानिक हस्तक्षेप, शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं, दर्द और उपशामक प्रक्रियाओं के लिए सेवाएं शामिल हैं। विभाग तीव्र और जीर्ण दर्द प्रबंधन के लिए चौबीसों घंटे सेवाएं प्रदान करता है। विभाग में गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए 6 बिस्तर वाली गहन देखभाल इकाई है और साथ ही 6–बिस्तर का पैलीएटिव (उपशामक) देखभाल वार्ड भी है। विभाग में नियमित शैक्षणिक गतिविधियां के साथ साथ रोगी के प्रस्तावित लाभों के लिए कैंसर दर्द, उपशामक देखभाल और पेरीओपरेटिव मेडिसिन के क्षेत्र में विभिन्न शोध गतिविधियों का भी लक्ष्य है। विभाग ने प्रोटोकॉल विकसित किया है और बेहतर रोगी उपचार के लिए एस.ओ.पी. संरचित किया है। विभाग नियमित आधार पर सी.एम.ई., सम्मेलन और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

यह एक आबादी आधारित रजिस्ट्री है जो 170 से अधिक सरकारी या निजी अस्पतालों/केंद्रों और 250 नर्सिंग होमों और एम.सी.डी. और एन.डी.एम.सी. के महत्वपूर्ण सांख्यिकी विभाग से दिल्ली शहर के निवासियों के बीच से कैंसर रोगी के डेटा एकत्र करती है और विभिन्न कैंसर की घटनाओं की रिपोर्ट करती है। जब 1988 में रजिस्ट्री की स्थापना हुई तो उसने 5854 नए कैंसर के मामलों का पंजीकरण किया था और पिछले कुछ वर्षों में कैंसर की नई घटनाएं बढ़ रही हैं और फलस्वरूप 2012 में पंजीकृत घटनाएं के 19746 मामले दर्ज हुए। दिल्ली में पुरुषों के बीच कैंसर के आम अंग फेफड़ों, जीभ, प्रोस्टेट, मुंह और लारनेक्स हैं और मादाओं में कैंसर होने के सामान्य अंग स्तन, गर्भाशय, अंडाशय, पित्त की थैली और गर्भाशयग्रीवा हैं। शोधकर्ताओं, सरकारी संगठन आदि द्वारा रजिस्ट्री द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

यह विभाग रोगियों की देखभाल, अनुसंधान और शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। पिछले वर्ष विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली नैदानिक सेवाएं निम्नानुसार हैं।

- आतंरिक रोगियों की संख्या : 9194
- दिन देखभाल सुविधा में इलाज के मरीजों की संख्या : 29, 801
- चिकित्सा प्रक्रियाएंः 5972
- बाह्य रोगी कीमोथेरेपीः 14,574
- बाह्य रोगी चतुर्थ एंटीबायोटिक्सः 25,303
- हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण (ऑटोलॉगस, एलोजेनिक): 105 (86 + 19)
- मेडिकल ओन्कोलॉजी लैब
  1. साइटोजेनेटिक्स (फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम): 337
  2. बीसीआर–एबीएल (गुणात्मक) के लिए आरटी–पीसीआरः 386
  3. सीडी 34 गणना (एफसीएम): 283
  4. सीडी 3 गणना (एफसीएम): 1 9
  5. एमएनसी गणनाः 62
  6. –80 डिग्री सेल्सियस पर क्रायो प्रेजेरवेशन : 96
  7. 4 डिग्री सेल्सियस पर स्टेम सेल स्टोरेजः 85
  8. स्टेम कोशिकाओं के लिए व्यवहार्यता परीक्षणः 128
  9. गैलेक्टोमन (एस्परगिलोसिस) के लिए एलिसाः 1720

• अफेरेसिस प्रयोगशाला
  1. पीबीएससी उपजः 206
  2. एसडीपी अफेरेसिसः 2261
  3. ग्रेनुलोसाइट अफेरेसिसः 53
  4. हीमोग्राम परीक्षणः 23,824

वर्तमान में, 25 छात्र डीएम पाठ्यक्रम में व्यस्त हैं और 7 छात्र विभाग में पीएचडी पाठ्यक्रम में लिप्त हैं । विभाग ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के चिकित्सा और गैर–चिकित्सा छात्रों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण भी प्रदान किया है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं में पत्रों की पर्याप्त संख्या प्रकाशित की गई हैं , और अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय बैठकों में विभिन्न आमंत्रित व्याख्यान भी दिए गए हैं । डीएम और पीएचडी के लिए परीक्षक के रूप में भारत के कई विश्वविद्यालयों द्वारा मेडिकल ऑन्कोलॉजी संकाय को आमंत्रित किया गया था। विभाग ने 24–26 नवंबर 2017 को हेमेटोलॉजिकल मालिग्नेंसिस ''एम्स–हेमोनक अपडेट'' पर पहली राष्ट्रीय बैठक आयोजित की है। विभाग ने कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर संगोष्ठियाँ आयोजित करने के साथ साथ वार्ताएं भी आमंत्रित की हैं (ए) सी.ए.आर.–टी कोशिकाओं और उनके चिकित्सीय क्षमताओं पर संगोष्ठी के विभिन्न पहलू और उनके चिकित्सीय क्षमता पर 26 अगस्त 2018 को आयोजित संगोष्ठी ।(बी) ''18 अगस्त 2017 को आयोजित मस्तिष्क मेटास्टेस पर आयोजित संगोष्ठी । विदेशों और भारत के कई अतिथि वैज्ञानिकों ने विभाग में व्याख्यान दिए और संकाय, वैज्ञानिकों और निवासियों के साथ बातचीत की। विभाग अनुसंधान के मोर्चे पर भी सक्रिय हैय वर्तमान में चल रही कई शोध परियोजनाओं को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी और गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। रोगियों की देखभाल के लिए नियमित प्रयोगशाला सेवा है, इनमें सीएमएल रोगियों के लिए साइटोजेनेटिक्स और पीसीआर सुविधाएं , सीडी 34 गणना और स्टेम सेल प्राप्तकर्ताओं के लिए क्रायोप्रेजेरवेशन सुविधाएं शामिल हैं। जनवरी 2017 से एक नया बीएमटी फैलोशिप कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह सब विभाग के सभी सदस्यों की कड़ी मेहनत के साथ ईमानदारी से किये प्रयासों से संभव हुआ।

चिकित्सा भौतिक विज्ञान

आईआरसीएच की चिकित्सीय भौतिकी यूनिट, एक्स–रे उपकरणों के विकिरण सुरक्षा लाइसेंसिंग, एक्स–रे इमेजिंग उपकरणों की नियमित गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण और आईआरसीएच और एम्स में अन्य विभागों में विकिरण संरक्षण में प्रशिक्षण की देखभाल करता है। हमारे काम में कर्मचारियों और छात्रों की विकिरण से संबंधित अनुसंधान और शिक्षा शामिल है। हम कई विभागों जो प्रयोगशाला जांच, अनुसंधान और रोगी देखभाल के लिए रेडियोधर्मिता का उपयोग करते हैं, कर्मचारियों और जनता की विकिरण से सुरक्षा के संबंध में परामर्श प्रदान करने की सेवाएं देते हैं। हम गर्भावस्था के दौरान एक्स–रे जांच के लापरवाह अनावरण के लिए भी अपना मूल्यांकन प्रदान करते हैं। 2017–2018 के दौरान हमने रक्त परिसंचरण के लिए रक्त बैग के 3973 माप, परीक्षण, प्रयोग और विकिरण जीवाणुनाशन किये।

रेडियोडायग्नोसिस

विभाग ने शनिवार और बुधवार (सुबह और दोपहर) क्रमशः अमाशय के कैंसर, फेफड़ों के कैंसर और सरकोमा को संबंधित करने वाले नए बहुआयामी चर्चा/ट्यूमर बोर्ड शुरू किए। इसके अलावा, इस वर्ष के दौरान अन्य विभागों के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कार्यशालाओं के आयोजन में सक्रिय भागीदारी हुई थी।

शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

विभाग के सभी संकाय सदस्यों, 25 वरिष्ठ स्थानिक चिकित्सक जिनमे 15 एमसीएच छात्र , 9 गैर शैक्षणिक वरिष्ठ स्थानिक चिकित्सक और 1 लघु/दीर्घ अवधि प्रशिक्षु शामिल हैं, ने स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण और संरचित प्रशिक्षण में भाग लिया। विभागीय संकाय उनके एम.सी.एच. शिक्षण, प्रशिक्षण, और शोध प्रबंध के काम में मार्गदर्शन में शामिल है। संकाय ने विकिरण ओन्कोलॉजी, मेडिकल ओन्कोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी जेरियाट्रिक मेडिसिन इत्यादि सहित विभिन्न विभागों के थीसिस काम में सह–मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया। विभाग ने यूरोपीय सोसाइटी ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिटोनियल सरफेस के सहयोग से पेरीटोनियल सतह के कैंसर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया ताकि सीआरएस और एचआईपीईसी जैसे जटिल क्षेत्र में भारतीय शल्य चिकित्सकों को प्रशिक्षण मिल सके। संकाय ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान देने, पैनल चर्चा में भाग लेने और शैक्षणिक वीडियो प्रस्तुत करने जैसे कामों द्वारा भाग लिया। विभाग के संकाय और स्थानिक चिकित्सकों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 26 पत्र प्रस्तुत किए हैं। विभाग 9 वित्त पोषित शोध परियोजनाओं, 12 विभागीय परियोजनाओं और 11 सहयोगी शोध परियोजनाओं में शामिल है। संकाय और स्थानिक चिकित्सकों द्वारा कुल 14 मूल लेख प्रकाशित किए गए थे और विभागीय संकाय द्वारा ''पेरिटोनियल सतह कैंसर '' पर एक पुस्तिका प्रकाशित की गई थी। संकाय और निवासी चिकित्सक स्तन कैंसर, अमाशय और आंतों के कैंसर, सिर और गर्दन के कैंसर, स्त्री रोग संबंधी कैंसर, हड्डी और मुलायम ऊतक ट्यूमर, थोरैसिक कैंसर, हेपेटोबिबिलरी अग्नाशयी कैंसर और जेनिटोयूरिनरी कैंसर के लिए विशेष कैंसर क्लीनिक में भाग ले रहे हैं। विभाग कैंसर के मरीजों को सामान्य और विशेष शल्य चिकित्सा

सुविधाएं प्रदान कर रहा है। चालु वर्ष के दौरान कुल 1547 जटिल विशेष शल्य चिकित्साएं, 8782 साधारण शल्य चिकित्साएं और विभिन्न नैदानिक और चिकित्सकीय एंडोस्कोपी प्रक्रियाएं की गईं। संकाय ने ओस्टोमेट्स को सलाह देकर, अखिल भारतीय रेडियो, टेलीविजन में बातचीत और एनजीओ द्वारा आयोजित कैंसर जागरूकता शिविरों में भाग लेकर सामुदायिक सेवाओं में भाग लिया। संकाय सदस्यों को संपादकीय बोर्ड, शोध पत्रों के समीक्षक और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निकाय के सदस्यों के रूप में शामिल किया गया था। संकाय सदस्यों ने विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों और संस्थानों के एम.सी.एच. सर्जिकल ओन्कोलॉजी और एम.एस. सर्जरी परीक्षाओं के लिए परीक्षक के रूप में कार्य किया।

शिक्षा

ओन्को–एनेस्थेसिया और पैलीएटिव मेडिसिन

विभाग दो शैक्षणिक पाठ्यक्रम चला रहा हैः डीएम और एमडी। पहला बैच जनवरी 2016 में भर्ती कराया गया था। विभाग जून और नवंबर के महीने में सालाना दो बार पैलीएटिव देखभाल में सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित करता है और फरवरी माह में एक वर्ष में एक बार पैलीएटिव देखभाल पर फाउंडेशन कोर्स आयोजित करता है।

आई.आर.सी.एच. सेमिनार	प्रत्येक गुरुवार को 8.30–9.30 बजे
विभागीय संगोष्ठी	प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार 8–9 बजे
ट्यूटोरियल	हर मंगलवार 3–5 बजे
जर्नल क्लब / ऑडिट / केस चर्चा	प्रत्येक शनिवार 10–12 दोपहर में।
रेडियो सम्मेलन	प्रत्येक शनिवार को 9–10 बजे

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान पैथोलॉजी, हेमेटोलॉजी और लैब मेडिसिन के स्थानिक चिकित्सकों को मॉर्फोलॉजी, माइलोमा और फ्लो साइटोमेट्री प्रशिक्षण प्रदान करती है। इसके अलावा, चिकित्सीय कैंसर विज्ञान और बाल चिकित्सा के स्थानिक चिकित्सकों भी यहां प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। पूरे भारत में विभिन्न महाविद्यालयों के एम.एस.सी. छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

स्नातक :

व्याख्यान / संगोष्ठियों की संख्याः	संगोष्ठियों 2, व्याख्यान –2
निदान शिक्षण, प्रदर्शन / ट्यूटोरियल में खर्च किए गए प्रति सप्ताह / वर्ष।	प्रति सप्ताह 6 घंटे

स्नातकोत्तर :

निदान शिक्षण, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, जर्नल क्लब, आदि में प्रति सप्ताह घंटे	प्रति सप्ताह 6 घंटे

डी.एम. कार्यक्रम :

24 नियमित और 1 प्रायोजित उम्मीदवार हैं।

पी.एच.डी. प्रशिक्षण :

सात पी.एच.डी. छात्र चिकित्सीय कैंसर विज्ञान के विभिन्न पहलुओं में अपना काम कर रहे हैं।

बी.एम.टी. फैलोशिप :

जनवरी 2017 से एक नया कार्यक्रम शुरू किया गया था। एक अध्येता जनवरी 2018 में पहले ही पास हो चुका है।

चिकित्सा भौतिकी

चिकित्सा भौतिकी यूनिट ने एम.डी. रेडियोलॉजी, एम.बी.बी.एस. और बी.एस.सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी के छात्रों को चिकित्सा इमेजिंग, विकिरण संरक्षण, विकिरण डोसीमेट्री और चिकित्सा इमेजिंग में गुणवत्ता आश्वासन के भौतिकी से संबंध में प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान की। वर्तमान में विभाग 2 पी.एच.डी. छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। हमने सितंबर 2017 के दौरान एक महीने के लिए श्री एशले स्मिथ, क्रिस्टी मेडिकल फिजिक्स एंड इंजीनियरिंग, क्रिस्टी एन.एच.एस. फाउंडेशन ट्रस्ट, मैनचेस्टर, यूके को वैकल्पिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

रेडियोडायग्नोसिस

संकाय ने स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर स्पेशियलिटी शिक्षण, रेडियो कॉन्फ्रेंस, ट्यूमर बोर्ड मीटिंग, निदानीय संयुक्त राउंड्स, निदानीय ग्रैंड राउंड में भाग लिया। संकाय ने आई.आर.सी.एच. और संस्थान में आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों और सी.एम.ई. में भी भाग लिया था।

विकिरण अर्बुद विज्ञान

सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी संगठितः

- उच्च परिशुद्धता विकिरण कैंसर विज्ञान (हिप्रो) 2018 संगोष्ठी 24–25 मार्च 2018, नई दिल्ली

शल्य अर्बुद विज्ञान

स्नातक शिक्षण संकाय शैक्षिक व्याख्यान और अर्बुद विज्ञान विषयों पर सेमिनार में भाग लेने नियंत्रित करके स्नातक शिक्षण में शामिल थे। स्नातकोत्तर शिक्षण संकाय 15 एम.सी.एच. शल्य कैंसर विज्ञान के छात्रों और 12 शल्य कैंसर विज्ञान वरिष्ठ स्थानिक चिकित्सकों, डी.एम. शल्य कैंसर विज्ञान स्थानिक चिकित्सकों और एमडी रेडियोथेरेपी जूनियर स्थानिक चिकित्सकों को शैक्षिक व्याख्यान, सेमिनार, जर्नल क्लब इत्यादि, वार्ड के दौरों के दौरान और आई.आर.सी.एच. के विशेष कैंसर क्लीनिक में नैदानिक शिक्षण देकर, उनके शिक्षण और प्रशिक्षण में लगा हुआ है। डॉ शुक्ला और डॉ देव ने एम.सी.एच. शल्य कैंसर विज्ञान के छात्रों की थीसिस में मुख्य गाइड और सह–गाइड के रूप में कार्य किया। उन्होंने डी.एम. शल्य कैंसर विज्ञान थीसिस, एम.डी. रेडियो डायग्नोसिस, एम.डी. रेडिएशन कैंसर विज्ञान थीसिस और बी.आर.ए. आई.आर.सी.एच. और एम्स के विभिन्न विभाग के पी.एच.डी. छात्रों में सह–गाइड और सह–पर्यवेक्षकों के रूप में भी कार्य किया। संकाय आरसीसी, तिरुवनंतपुरम के एम.सी.एच. छात्रों व दंत सर्जरी स्थानिक चिकित्सकों, जो एक महीने के चक्रानुक्रम पर तैनात हैं, के शिक्षण और प्रशिक्षण में भी शामिल थे।

क. पैरा नैदानिक शिक्षण : संकाय एम.एस.सी. नर्सिंग अर्बुद विज्ञान के छात्रों के शिक्षण में शामिल थे

ख. दीर्घावधि और अल्पकालिक प्रशिक्षण डॉ सुमन खारक, परामर्शदाता शल्य चिकित्सा, ई.एस.आई., दिल्ली–24 महीने 1 अप्रैल 2016–31 मार्च 2018 से

विभागों द्वारा आयोजित सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. ओन्को–एनेस्थेसिया और पालीएटिव मेडिसिन रजत जयंती 25 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ष्इंडियन एसोसिएशन ऑफ पालीएटिव केयर (आईएपीकॉन 2018), 21–25 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली
2. पालीएटिव केयर पर 16 वां फाउंडेशन कोर्स, मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली
3. पालीएटिव केयर, जून और नवंबर 2016 में आई.ए.पी.सी. सर्टिफिकेट कोर्स, डॉ बी.आर.ए. आई.आर.सी.एच., एम्स
4. भारत में कैंसर उपचार केंद्रों के लिए पालीएटिव केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 16–20 जनवरी 2018, दिल्ली एयरोसिटी
5. वर्ल्ड होस्पिस डे, 8 अक्टूबर 2017, डॉ बी.आर.ए. आई.आर.सी.एच., एम्स
6. कैंसर मरीजों की पेरी–ऑपरेटिव देखभाल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2017, 14–15 अक्टूबर 2017, आई.आर.सी.एच., एम्स, नई दिल्ली
7. साक्ष्य आधारित दर्द प्रबंधन पर आई.ए.एस.पी. उन्नत प्रमाणपत्र कार्यक्रम का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम , 10–11 मार्च 2017, 2–3 मई 2017 और 11–12 जुलाई 2017, एम्स, नई दिल्ली

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

1. इंडियन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी (इस्को) द्वारा आयोजित , जैव रसायन विभाग द्वारा 4–5 अगस्त को आयोजित "स्त्री रोग संबंधी कैंसर के उपचार में अद्यतन" के दौरान "मानव स्वास्थ्य और रोग में आणविक जीवविज्ञान अनुप्रयोग और कैंसर विज्ञान के अंतरण की भूमिका" पर स्नातक छात्रों के लिए कार्यशाला। 2017, एम्स
2. पी.एच.डी. छात्रों के लिए, चिकित्सीय कैंसर विज्ञान लैब द्वारा 28–29 अगस्त 2017 को ड्रॉप्लेट–डिजिटल पी.सी.आर. पर हैंड्स–ऑन कार्यशाला
3. 17 अक्टूबर 2017 को ड्रॉपलेट–डिजिटल पी.सी.आर. और इसके कैंसर विज्ञान में अनुप्रयोग पर संगोष्ठी, चिकित्सा ऑन्कोलॉजी विभाग (लैब), आई.आर.सी.एच., एम्स, नई दिल्ली
4. डी.एम. छात्रों के लिए आतंरिक विभागीय कार्यशाला, हार्वेस्ट स्टेम सेल से सेल व्यवहार्यता ', 5 जनवरी 2018
5. सी.ए.आर.–टी कोशिकाओं और उनकी चिकित्सीय क्षमता पर संगोष्ठी, चिकित्सीय कैंसर विज्ञान विभाग, आई.आर.सी.एच., 26 अगस्त 2018, एम्स, नई दिल्ली

विकिरण अर्बुद विज्ञान

1. उच्च परिशुद्धता विकिरण अर्बुद विज्ञान (हिप्रो) 2018 संगोष्ठी, 24–25 मार्च 2018, नई दिल्ली

रेडियोडाइग्नोसिस

1. आई.ए.पी.सी.ओ.एन. 2018 के दौरान (इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलियेटिव केयर का 25 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन), 23–25 फरवरी 2018 के दौरान अल्ट्रासाउंड निर्देशित प्रशामक देखभाल हस्तक्षेप (ओंको –एनेस्थीसिया और प्रशामक देखभाल विभाग, बी.आर.ए.सं.रो.कैं.अ. के सहयोग से) पर कार्यशाला।

2. ब्रेस्ट इमेजिंग सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली द्वारा एक दिन के सी.एम.ई. के साथ मासिक बैठक, 12 अक्टूबर 2017 को आयोजित की गई थी

प्रदत्त व्याख्यान

ओन्को–एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

सुषमा भटनागर : 8, विनोद कुमार : 11, सचिदानंद जी भारती : 18, सीमा मिश्रा : 28, निश्कर्ष गुप्ता : 20, राकेश गर्ग : 12

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

एन. मनोहरन : 1

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान

रितु गुप्ताः 11, अनीता चोपड़ाः 3, अमर रंजन सिंहः 4, संजीव कुमार गुप्ता:7, प्रणय तंवरः 12

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

ललित कुमार : 1, अतुल बत्रा : 4, थौडम देबराज सिंह :5, अतुल शर्मा : 21, राजा प्रमाणिक : 4, मयंक सिंह : 5, समीर बख्शी : 25, सचिन खुराना : 4, सुरेंदर के. शेरावत : 1, रंजीत कुमार साहू : 11, चंद्र प्रकाश प्रसाद : 3, भारत भूषण : 2, प्रभात सिंह मलिक : 6, समीर रस्तोगी : 4

चिकित्सा भौतिकी

प्रतीक कुमारः 3, संजय थुलकर : 3, एकता धमिजाः 10

शल्य कैंसर विज्ञान

एस. वी. सूर्यनारायण देव : 12, सुनील कुमार : 4, संदीप कुमार भूरीवाल : 2, एम डी रे : 7

प्रस्तुत मौखिक कागजात/पोस्टर : 142

अनुसंधान

ओन्को–एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय पैलिएटिव देखभाल रोगियों द्वारा सामना करने वाली आध्यात्मिक समस्याएं और चिंताएं, सुषमा भटनागर, आई.सी.एम.आर., 2 साल, 2017–2019, 13 लाख रु।
2. भारत में कैंसर से संबंधित न्यूरोपैथिक दर्द के कारक और इसकी व्यापकता : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, सुषमा भटनागर, आई.सी. एम.आर., 2 वर्ष, 10 लाख रुपये
3. सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी होने वाले रोगियों में इंट्राऑपरेटिव हाइपोथर्मिया पर एमिनो एसिड की उच्च खुराक और जमावट की शिथिलता, एयर वार्मिंग की प्रभावशीलताः एक संभावित यादृच्छिक गैर–हीन अध्ययन, निष्कर्श गुप्ता, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018 , रुपये 3.4 लाख (लगभग)

पूर्ण

1. कैंसर रोगियों में ऑपिओयेड के प्रति आणविक निर्धारण प्रतिक्रिया : भारतीय परिदृश्य, सुषमा भटनागर, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 28 लाख
2. सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में इंट्रोऑपरेटिव हाइपोथर्मिया पर मजबूर एयर वार्मिंग और अमीनो एसिड के घोल का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, निष्कर्श गुप्ता, एम्स, 1 वर्ष, 2014–2015, 4 लाख रु।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया की दो तकनीकों की तुलना : लिग्नोकेन–फेंटेनल इंट्रावीनस इन्फ्यूजन और रोपिवैकेन–फेनटाइनल एपिड्यूरल इन्फ्यूजन उन रोगियों में जिनके पेट में कैंसर सर्जरी की जा रही है। एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
2. भारत में चिकित्सा पेशेवरों का एक अनुभागीय सर्वेक्षण, ऑपिओयेड एनाल्जेसिक नुस्खे के लिए उनके दवा लिखने की प्रथाओं, ज्ञान, दृष्टिकोण और बाधाओं का आकलन करने के लिए।
3. न्यूरोपैथिक दर्द के रोगियों में गाबा पेनटीन की तुलना में गाबा–एनटी (गाबापेनटीन और नॉर्ट्रिप्टाइलीन की निश्चित खुराक का संयोजन) की प्रभावशीलता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक डबल ब्लाइंड, डबल–डमी, यादृच्छिक, भावी, द्विभुज, समानांतर, बहुकारक, चरण 4 नैदानिक परीक्षण।
4. ह्यपरथेर्मिक इंट्रा पेरिटोनियल कीमोथेरेपी के रोगियों में हीमोडायनामिक इन्फ्लैमटरी और जमाव के कारकों में बदलाव पर डेसफ्लूरेन एनेस्थीसिया बनाम टोटल इंट्रावेनस एनेस्थीसिया का एक पायलट रैंडमाइज्ड नैदानिक परीक्षण।
5. सामान्य ऐनेस्थिसिया के तहत अक्सिल्लरी विच्छेदन के साथ संशोधित रेडिकल मस्टेक्टॉमी के लिए सेराटस पूर्वकालिक सामान्य ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
6. रेडियोथेरेपी प्रक्रियाओं से गुजर रहे छोटे बच्चों में बेहोशी के लिए इंट्रानैसल डेक्समेडोमिडीन बनाम इंट्रानैसल केटामाइन की प्रभावकारिता में एक संभावित, यादृच्छिक, डबल बलाइंडेड तुलना।
7. सिर, गर्दन और वक्षीय मूल के कैंसर के कारण दर्द के प्रबंधन में स्क्रैम्बलर चिकित्सा की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
8. उपचारात्मक देखभाल में जागरूकता, रुचि, प्रथाओं और ज्ञान का आकलन करने के लिए एक शीर्ष तृतीयक देखभाल अस्पताल में चिकित्सा पेशेवरों का एक सर्वेक्षणः एक वर्णनात्मक क्रॉस–अनुभागीय अध्ययन।
9. एस.एफ.36, डी.ए.एस. 28, डी.ए.एस.एस और एच.ए.क्यू.–डी.आई. प्रश्नावली का उपयोग करके गठिया के रोगियों में उपशामक देखभाल की आवश्यकता का आकलन।
10. कैंसर रोगियों में दर्द की सामाजिक सामग्री की पहचान करने के लिए एक खोजपूर्ण क्रॉस अनुभागीय अध्ययन
11. तृतीयक देखभाल अस्पताल में स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फेडेमा के लिए घरेलू उपचार का पालन न करने के कारणों को स्पष्ट करने के लिए एक अवलोकन अध्ययन।
12. कैंसर विज्ञान जागरूकता, देखभाल और स्वास्थ्य के बारे में एशियाई रोगी का दृष्टिकोण (ए.पी.पी.आर.ओ.सी.एच.)
13. उपशामक देखभाल में देखभाल दाता के ऊपर दबाव का आकलन।
14. एक संभावित अवलोकन अध्ययन : तृतीयक देखभाल केंद्र के उपशामक देखभाल निदान केंद्र में इलाज लेने वाले बहु मायलोमा के रोगियों में उपशामक देखभाल के परिणाम का आकलन।
15. एक तृतीयक देखभाल केंद्र के उपशामक देखभाल निदान केंद्र में इलाज लेने वाले आमाशयी विकृतियों के रोगियों में उपशामक देखभाल परिणामों का आकलनः एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
16. प्रशामक देखभाल बाह्य रोगी विभाग का दौरा करने वाले सिर और गर्दन के कैंसर से ग्रस्त रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का आकलन।
17. कैंसर ग्रस्त पेट की प्रमुख सर्जरी के बाद परिणामों के भविष्यवक्ता के रूप में कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षणः एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
18. नीयो एडजुवेंट कीमोथेरेपी चिकित्सा प्राप्त करने वाले कार्सिनोमा स्तन रोगियों में कीमोथेरेपी प्रेरित कार्डियक डिसफंक्शन का कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम परीक्षण द्वारा प्रारंभिक पूर्वानुमान और अपस्ट्रीम सर्जरी के लिए भेजे गए स्तन कार्सिनोमा रोगी के साथ उनकी प्रारंभिक पोस्ट–ऑपरेटिव रिकवरी की तुलना करनाः एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
19. शल्य चिकत्सा के बाद एनाल्जेसिया और कमांडो शल्य चिकित्सा में बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडीटॉमीडाइन बनाम मॉर्फीन के इंट्रावेनस इन्फ्युजन का तुलनात्मक मूल्यांकन।

20. सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में कफ विस्तार तकनीक का उपयोग करते हुए पारंपरिक मैकिंटोश लैरिंजोस्कोप बनाम ग्लाइडस्कोप के साथ नैज़ोट्रैकियल इंट्यूबेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।
21. अल्ट्रासाउंड निर्देशित थोरैसिक पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक बनाम सर्जन निर्देशित सेराटेसिक एनेरल प्लेन ब्लॉक के लिए फेफड़े के सर्जरी के लिए थोरैकोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में शल्य चिकित्सा के बाद के तीव्र दर्द के लिए एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना।
22. संशोधित मौलिक मसेक्टोमी में शल्य चिकित्सा के बाद दर्द दूर करने की दवा के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक बनाम एरेक्टर स्पाइन प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
23. दर्द से राहत और जीवन की गुणवत्ता के मामले में ऊपरी अमाशय में कैंसर वाले रोगियों में अकेले एनाल्जेसिक बनाम एनाल्जेसिक के साथ हस्तक्षेप की तुलना 3 महीने के अंतराल परः एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।
24. गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों में इंट्राकैविटरी रेडियोथेरेपी के लिए हाइपरबैरिक बुपिवैकेन की दो अलग–अलग खुराक की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
25. डब्ल्यू.एच.ओ. चरण 2 एनाल्जेसिक दवा बनाम चरण 3 एनाल्जेसिक दवा का प्रक्रम 4 ओपॉयडनैव फेफड़ों के कैंसर के रोगियों को दर्द से राहत और जीवन की गुणवत्ता के मामले में मध्यम से गंभीर दर्द वाले रोगियों को 3 सप्ताह के अंतराल पर पुनः परीक्षण के सन्दर्भ में । एक यादृच्छिक भावी अध्ययन।
26. कैंसर रोगियों में कुल दर्द का आकलन करने के लिए उपकरण का विकास।
27. आमाशयी कैंसर की शल्य चिकित्सा के दौर से गुजरने वाले रोगियों में सर्जरी के बाद उत्तेजक प्रतिक्रिया और कैंसर की पुनरावृत्ति पर आने वाले रोगियों में एपिड्यूरल एनाल्जेसिया (पी.सी.ई.ए.) और अंतःशिरा रोगी नियंत्रित एनाल्जेसिया (आईवीपीसीए) के प्रभाव। एक यादृच्छिक भावी नियंत्रित परीक्षण।
28. क्रोनिक पोस्ट मैसेक्टोमी दर्द सिंड्रोम की घटनाओं पर पेरिऑपरेटिव प्रीगैबलिन का प्रभाव – एक संभावित यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित पायलट अध्ययन।
29. प्रतिभागियों के बीच उपशामक देखभाल में ज्ञान पर प्रशामक देखभाल कार्यक्रम की अनिवार्यता में सर्टिफिकेट कोर्स की प्रभावशीलताः एक पार–अनुभागीय पारंपरिक अध्ययन।
30. मौखिक कैंसर के रोगियों में सर्जरी के बाद फिजियोथेरेपी का गर्दन और कंधे की गतिविधियों और मुंह खोलने और उनके जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव, एक पायलट अध्ययन।
31. कैंसर सर्जरी के बाद मतली या उल्टी की घटना और जोखिम कारकः एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
32. अंतःस्रावी अग्नाशय, गैस्ट्रिक और पित्ताशय के कैंसर में दर्द से राहत के लिए अंतःक्रियात्मक सीलिएक प्लेक्सस न्यूरोलिसिस।
33. उपशामक देखभालः भारत में पहुँच को बढ़ावा और अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुभव सहयोगी (पी.सी.–पी.ए.आई.सी.इ. इंडिया सहयोग)।
34. स्तन कैंसर से संबंधित लिम्फेडेमा की प्रस्तुति का पैटर्न और स्तन कैंसर के रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव और दर्द निवारक देखभाल क्लिनिक।
35. क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल मापदंडों द्वारा मौखिक कैंसर के रोगियों में कठिन लैरींगोस्कोपी का पूर्वानुमान– एक संभावित, अवलोकन संबंधी अध्ययन।
36. तृतीयक देखभाल केंद्र में उपशामक देखभाल सेटअप में कैंसर रोगियों में चिंता और अवसाद का प्रसार और उनको प्रभावित करने वाले कारक।
37. भारत में कैंसर से संबंधित न्यूरोपैथिक दर्द की व्यापकता और उसके कारकः एक अनुप्रस्थ अध्ययन।
38. प्रशामक देखभाल इकाई में भर्ती उन्नत कैंसर रोगियों में संज्ञानात्मक शिथिलता के प्रसार और जोखिम कारक।
39. क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, भारत में कैंसर के रोगियों में कैंसर के दर्द की व्यापकता और उसके जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव : एक अनुप्रस्थ अध्ययन।
40. एक उपचारात्मक देखभाल सेटअप में कीमोथेरेपी प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी की व्यापकता और कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव।
41. ऐच्छिक तकनीक के साथ वैकल्पिक प्रमुख छाती और उदर की कैंसर शल्य चिकित्सा वाले रोगियों में सर्जरी के पश्चात की रुग्णता की व्यापकता और इसका अनेस्थेटिक तकनीक के साथ परस्पर–संबंध।
42. चिकित्सीय बनाम अल्ट्रासाउंड आकलन की तुलना करने के लिए प्रोसील लेरिंगियल मास्क वायुमार्ग के सही स्थान का निर्धारण : एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।
43. तृतीयक देखभाल केंद्र में जाने वाले उपशामक देखभाल रोगियों पर वित्तीय बोझ तय करने के लिए : एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
44. कीमोथेरेपी प्रेरित दर्दनाक न्यूरोपैथी (सीआईपीएन) वाले रोगियों में गाबापेंटिन, डुलोक्सेटीन और प्रीगाबलिन की तुलनात्मक प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट परीक्षण।
45. भारत के क्षेत्रीय कैंसर केंद्र में उपशामक देखभाल वार्ड में उपस्थित रोगियों के लक्षणों के स्वरुप का अध्ययन और विश्लेषण करना।

46. 46. क्रायो ब्रांकोस्कोपी के माध्यम से क्रायो–ट्रांस ब्रोन्कियल फेफड़ों की बायोप्सी के दौरान सामान्य एनेस्थेसिया के लिए एक सहायक के रूप में ट्रांस–क्रॉइकोइड ब्लॉक : एक संभावित आर.सी.टी.।
47. एक भारतीय प्रशामक देखभाल में आध्यात्मिक संकट के पैमाने की पुष्टि।
48. 48. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्रों में उन्नत कैंसर रोगियों के जीवन की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए ई.ओ.आर.टी.सी. क्यू.एल.क्यू.–सी15–पी.ए.एल. प्रश्नावली के हिंदी संस्करण की पुष्टि।
49. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में, दर्द प्रबंधन के लिए ओपिओइड के इस्तेमाल पर कैंसर के रोगियों के जीवन में कब्ज के लक्षण के आकलन की प्रश्नावली के हिंदी संस्करण की वैधता और विश्वसनीयता।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

1. पोस्ट थोरैकोटॉमी दर्द सिंड्रोम (पेंट), शल्य चिकित्सीय कैंसर विज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए पेरीकोस्टल थोरैकोटॉमी के साथ इंट्राकोस्टल की तुलना करने के लिए एक भावी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. थ्रोम्बोपोइटिन, प्रयोगशाला ऑन्कोलॉजी के विश्लेषण द्वारा जठरांत्र संबंधी कैंसर के शल्य चिकित्सा पश्चात के मामलों में संक्रमण की भविष्यवाणी।
3. स्टेज आई.आई.बी. और आई.आई.आई.ए. एन.एस.सी.एल.सी. में नव सहायक कीमोथेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारितारू एकल हस्त चरण 2 अध्ययन, चिकित्सीय कैंसर विज्ञान।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. कैंसर आधारित स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और सिर और गर्दन के कैंसर पर हस्पताल आधारित कैंसर पंजीकरण, देखभाल का स्वरुप और उत्तरजीविता का अध्ययन, एस.वी.एस. देव, नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, बेंगलुरु, 3 साल, 2014–2017, 31 लाख रुपये प्रति वर्ष (लगभग)
2. बालपन में लिम्फोइड और हेमटोपोइएटिक विरूपताओं, अन्य स्त्रीरोग संबंधी विकृतियों पर देखभाल और जीवन रक्षा अध्ययन के तरीके, एस.वी.एस.देव, नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, बेंगलुरु, 3 साल, 2017–2020, 1 लाख रुपये प्रति वर्ष (लगभग)।
3. स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और सिर और गर्दन के कैंसर पर जनसंख्या आधारित जीवन रक्षा अध्ययन, एस.वी.एस. देव, नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम, नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, बेंगलुरु, 5 साल, 2017–2022, 6.8 लाख रुपये।

प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान
वित्त पोषित परियोजनाएं
चालु

1. मल्टीपल मायलोमा पर कैंसर अनुसंधान की उत्कृष्ट इकाई, रितु गुप्ता, डी.बी.टी., 5 साल, 2016–2021, 314 लाख रुपये।
2. कीमोथेरेपी की रोग प्रतिरोधक क्षमता और प्रतिरोध के लिए जिम्मेदार रोगजन्य प्रासंगिक एम.आई.आर.एन.ए. की व्याख्या सी.एल.एल. में, रितु गुप्ता, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2015–2018, 105 लाख रुपये।
3. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया वाले भारतीय रोगियों में टायरोसिन किनेज अवरोधकों का प्रतिरोध – एक यंत्रवत दृश्य, रितु गुप्ता, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2015–2018, 21.24 लाख रुपये।
4. बी– ए.एल.एल. में गुणसूत्र 21 (आई एम्प 21) के इंट्राक्रोमोसोमल प्रवर्धन की व्यापकता, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2016–2018, 10 लाख रु।
5. प्रारंभिक अपरिपक्व टी–लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (आल) : प्रारंभिक थाइमिक अग्रदूत टी–ऑल इम्युनोफेनोटाइप का मूल्यांकन, टी सी आर कड़ियों (ए बी डी) के बायालेलिक विलोपन की अनुपस्थिति और न्यूनतम अवशिष्ट रोग निर्धारण द्वारा मूल्यांकन के रूप में उपचार प्रतिक्रिया के पूर्वसूचक के रूप में एम.ई.एफ 2सी की अभिव्यक्ति। अनीता चोपड़ा, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2015–2018, रु 20.16 लाख
6. बाल चिकित्सा प्रखर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया, अनीता चोपड़ा, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018 में प्रेडनिसोलोन संवेदनशीलता के आणविक निर्धारक, 8 लाख रु।
7. भारतीय बाल चिकित्सा पी एच –आल में नया ड्राइविंग टायरोसिन कीनेज की पहचान, अनीता चोपड़ा, डी.एच.आर., 3 वर्ष, 2017–2020, 30 लाख रुपये

8. साइटोजेनेटिक रूप से सामान्य प्रखर मायलोयॉइड ल्यूकेमिया का आणविक जीव विज्ञान, अनीता चोपड़ा, डी.बी.टी., 3 साल, 2015–2018 , 55 लाख रुपये
9. आई.सी.एम.आर. टास्क फोर्स, के रूप में भारतीय जनसंख्या में स्तन कैंसर के अनुवांधिक, नैदानिक और महामारी संबंधी कारकों का तुलनात्मक अध्ययन, प्रणय तंवर, आई.सी.एम.आर. टास्क फोर्स, 1 वर्ष, 2017–2018 122 लाख रु।
10. डब्ल्यूटी 1 जीन अभिव्यक्ति का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया के डे नेवो मामलों में रोग की प्रगति के पूर्वानुमानशील आणविक मार्कर के रूप में, प्रणय तंवर, डी.एस.टी., 1 वर्ष, 2017–2018, 52.5 लाख रुपये
11. प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया के डे नोवो मामलों में विल्म के ट्यूमर 1 (डब्ल्यूटी 1) उत्परिवर्तन का मूल्यांकन करने और उपचार प्रतिक्रिया के साथ उनके परिणाम को सहसंबंधित करने के लिए एक संभावित अध्ययन, प्रणय तंवर, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 4 लाख रु।
12. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मैलिग्नेंसी की शल्य चिकित्सा के बाद के मामलों में सेप्सिस के एक मार्कर के रूप में थ्रोम्बोपोइटिन का मूल्यांकन अमर रंजन, एम्स, 1 वर्ष, 2016–अब तक, 4 लाख रुपये।
13. चिकित्सा के निदान और निगरानी के लिए उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर में एच.ई.4 के स्तर का मूल्यांकन, अमर रंजन, आई.सी.एम. आर. नई दिल्ली, 3 साल, 2017–2020, रु 25 लाख।
14. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के रोगियों में सर्जरी के बाद थ्रोम्बोपोइटिन के पूर्वानुमान मूल्यांकन, अनीता चोपड़ा, ऑन्कोलॉजी फोरम, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018, 1.5 लाख रुपये।

पूर्ण

1. माइक्रो आर.एन.ए. संशोधित जीन अभिव्यक्ति, के संदर्भ में मायलोमा जीनोम की पूछताछ, रितु गुप्ता, डी.बी.टी., 3 साल, 2014–2017, 69.74 लाख रुपये।
2. इमेज प्रोसेसिंग तकनीक का उपयोग करके बी–वंशीय प्रखर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (आल) में मिनिमल रेजिडेंशियल डिसीज इस्टीमेशन (एम.आर.डी.) के लिए एक स्वचालित कंप्यूटर असिस्टेड टूल, ल्यूकोऐनालाइजर का डिजाइन और विकास, रितु गुप्ता, डी.ई.आई.टी.वाई., 3 वर्ष, 2014– 201746.67 लाख।
3. नैदानिक चिकित्सा में मल्टीपल मायलोमा के आणविक वर्गीकरण के लिए प्रयोगशाला एल्गोरिदम का विकास, रितु गुप्ता, एम्स, 2 साल, 2016–2018, रु 10 लाख।
4. आई.के.जेड.एफ.1(ईकरोस) का बी सेल प्रखर लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में उत्परिवर्तन, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल 3 महीने, 2013–2015, रु 9 लाख।
5. एफ.जी.एफ.आर.1, एफ.जी.एफ.आर. 2, साइक्लिन डी1 और पी.आई.के. 3 सी.ए. पी.आई.के. 3 सी.ए. उत्परिवर्तन की अभिव्यक्ति का हार्मोन रिसेप्टर (एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन) के सकारात्मक और एच.ई.आर.2 रिसेप्टर प्राथमिक स्तन कैंसर के नकारात्मक मामलों में मूल्यांकन,, प्रणय तंवर, डी.एस.टी., 2.5 वर्ष, 2014–2017, 20 लाख रु।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अपक्षयी और दुर्दम्य प्रखर मायलॉइड ल्यूकेमिया (ए.एम.एल.) रोगियों में हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल माइक्रो प्रत्यारोपण की सुरक्षा और
2. व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए, जिनके पास एक अनुकूल सिबलिंग सहोदर दाता नहीं है।
3. डिफ्यूज लार्ज बी–सेल लिम्फोमा के साथ रोगियों के क्लिनिकोपथोलॉजिकल विशेषताएं और परिणाम – एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
4. मल्टीपल मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग ।
5. मस्तिष्क की दर्दनाक चोट के रोगियों में माइक्रोपार्टिकल्स को प्रसारित करने वाले नए प्रोकोगुलेंट की पहचान और प्रारंभिक आघात से प्रेरित एक्यूट कोगुलोपैथी के पैथोफिजियोलॉजी में उनकी भागीदारी

सहयोगात्मक परियोजनाएं

चालु

1. मल्टीपल मायलोमा, चिकित्सीय कैंसर विज्ञान में आणविक आनुवंशिकी का अध्ययन
2. छवि प्रसंस्करण का उपयोग कर मल्टीपल मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग का अनुमानरू मायलोमा इमेजर का डिजाइन और विकास – एक स्वचालित कंप्यूटर सहायक उपकरण, आई.आई.आई.टी., दिल्ली
3. आई.सी.आई.सी.एल.ई. बी–वंशावली ऑल परियोजना, चिकित्सीय कैंसर विज्ञान, एम्स

पूर्ण

1. मल्टीपल मायलोमा में प्राकृतिक किलर सेल सबसेट और प्राकृतिक किलर टी कोशिकाओं का प्री–ट्रांसप्लांट मूल्यांकन, चिकित्सा अबुर्द विज्ञान।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान
वित्त पोषित परियोजनाएं
जारी

1. मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं में कैंसर का खतरा, ललित कुमार, आई.सी.एम.आर., 4 साल, 2018–2022, रु 11.74 लाख।
2. उन्नत उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए हर 3 सप्ताह में साप्ताहिक कार्बोप्लाटिन के साथ पैक्लिटैक्सेल, ललित कुमार, डी.बी.टी., 7 साल, 2010–201717.95 लाख रुपये।
3. मल्टीपल मायलोमा में आणविक आनुवंशिकी का अध्ययन, ललित कुमार, डी.बी.टी., 3 साल, 2015– 2018 , 45 लाख रु।
4. मल्टीपल मायलोमा में प्राकृतिक किलर टी कोशिकाओं का प्री–ट्रांसप्लांट मूल्यांकन, ललित कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 5 लाख रुपये।
5. ड्यूक सी और हाई के लिए एस्पिरिन, रिस्क ड्यूक्स बी कोलोरेक्टल कैंसर–एक इंटरनेशनल, मल्टी–सेंटर, डबल ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड प्लेसेबो कंट्रोल्ड फेज ␥ ट्रायल, अतुल शर्मा, सिंगापुर क्लीनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिंगापुर, 5 साल, 2013–2018, 500 अमेरिकन डॉलर प्रति मरीज
6. बाल चिकित्सा प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया में आणविक मार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की प्रभावकारिता की जांच, समीर बख्शी, डी.बी.टी., 3 साल, 2015–2018, 26.85 लाख रुपये
7. बाल चिकित्सा और किशोर कैंसर में इनकार, गैर–अनुपालन, परित्याग और आउट पेशेंट संक्रमण उपचार में सुधार, समीर बख्शी, लेबरा फाउंडेशन, 3 साल, 2015–2018, 93.33 लाख रुपये
8. बाल चिकित्सा कैंसर रोगियों में एक पोषण परामर्श कार्यक्रम स्थापित करना और एक पोषण डेटाबेस विकसित करना , समीर बख्शी, कुडुल फाउंडेशन, 3 साल, 2016–2019, 13.37 लाख रुपये।
9. बाल चिकित्सा ए.एम.एल. में माइटोकॉन्ड्रियल कॉम्प्लेक्स एन्कोडिंग जीन की भूमिका, समीर बख्शी, एम्स, 2 साल, 2016–2018, 10 लाख रुपये ।
10. राष्ट्रीय बहुचर्चित बाल रोग ल्यूकेमिया कार्यक्रम, समीर बख्शी, आई.सी.एम.आर., 2 वर्ष, 2017–2019, 32 लाख रु।
11. प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया (ए.एम.एल.) की प्रगति और रोगनिरोध में माइटोकॉन्ड्रियल विषमता की भूमिका, समीर बख्शी, डी.एस.टी., 3 वर्ष, 2017–2020, 50.7 लाख रुपये
12. भारतीय बालपन ल्यूकेमिया के सहयोगी समूह बहुकेंद्रीय राष्ट्रीय मानक अध्ययन एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ऑल) निदान के लिए, समीर बख्शी, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड, 3 वर्ष, 2016–2019, 35 लाख रु।
13. एस.ए.डी.ए.एल.रू अपक्षय ६ रिफ्रैक्टरी डिफ्यूज लार्ज बी–सेल लिम्फोमा (डी.एल.बी.सी.एल.) वाले रोगियों में सेलिनेक्सर के पीटी–330 काएक फेज 2 बी ओपन लेबल अध्ययन, समीर बख्शी, एक्सेल लाइफ साइंसेज, 5 साल, 2018–2023, रु 11 लाख
14. एक चरण 2, ओपन–लेबल ट्रायल दो डोजेज ऑफ वन्स डेली ओरल सीए –188 का चयनित रिलेटेड एडवांस्ड ट्यूमर (एएसआईएडी)में मरीजों के ऊपर प्रभाव और सुरक्षा का मूल्यांकन, समीर बख्शी, वैद्य क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 5 साल, 2018–2023, प्रति मरीज 3.8 लाख रु
15. कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी के उपचार के लिए एक बहु–केंद्र, यादृच्छिक, डबल–अंधा, वाहन–नियंत्रित, चरण –2 परीक्षण, सामयिक पोवीडॉन–आयोडीन नाखून विलयन (वीबीपी –926) की दो सांद्रता की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए, प्रभात सिंह मलिक, 1 वर्ष, 2018–2019, 5.5 लाख रु।
16. उन्नत घातक मेलेनोमा में साइटक उत्परिवर्तन के आकलन का संभावित अध्ययन, समीर रस्तोगी, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018 , 4.38 लाख रुपये
17. ओस्टियोसारकोमा में सिरट1 की अभिव्यक्ति, अतुल बत्रा, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018 , 5 लाख रुपये
18. एसोफैगल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में नौच1,2,3, एचई –1 और पी1 की अभिव्यक्ति राजा प्रमानिक, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 5 लाख रुपये
19. थायरॉयड कैंसर में संभावित बायोमार्कर के रूप में एस्ट्रोजेन–संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआर गामा) की भूमिका का अध्ययन करने के लिए, थोडम देबराज सिंह , एम्स , 2 वर्ष, 2017–2019, 4.10 लाख रु।
20. ओस्टियोसार्कोमा में एक रोगविज्ञानी और नैदानिक मार्कर के रूप में यूएसपी 37 (यूबिकिटिन विशिष्ट पेप्टिडेज 37) की पुष्टि मयंक सिंह, एम्स, 2 साल, 2017–2019, 10 लाख।
21. डिम्बग्रंथि सीरस कार्सिनोमा, एम्स में पीकेसी (आयोटा) का अध्ययन, 2 साल, 2017–2019, 9 लाख रुपये

पूर्ण

1. एक चरण II/III, यादृच्छिक, डबल–ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन जिसमें प्रोबायोटिक वी.एस.एल. #3®, जिसमें फ्लोरोपाइरीमिडिन और ईरीनोटीकैन प्राप्त करने वाले कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी–प्रेरित डायरिया की प्रभावकारिता की जांच की जाती है। अतुल शर्मा, सीडी फार्मा इंडिया, 7 साल, 2010–2017, लगभग 18.00 लाख रु
2. प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए विनियामक क्षेत्र में उत्परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व का अध्ययन करने के लिए, समीर बख्शी, डी.बी.टी., 4 साल 2013–2017, 45.75 लाख रु।
3. ट्रिपल नकारात्मक स्तन कैंसर, एम्स में एंड्रोजन रिसेप्टर की अभिव्यक्ति, 3.25 लाख रुपये
4. इलाज किए गए पित्ताशय की उन्नत कार्सिनोमा में जेमिसिटेबाइन–प्लेटिनम डबल्ट के साथ आरआरएम 1, आरआरएम 2, एचएनटी 1 और ईआरसीसी 1 की भूमिका की अभिव्यक्ति, नाग फाउंडेशन, पुणे, 2 साल, 2016–2018, 5 लाख रु।
5. नॉन स्माल सेल लंग कैंसर में बेवाकिजुमाब (अवास्टिन) के साथ बेवाकिजुमब (जायडस कैडिला) की सुरक्षा, सहनशीलता और प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक, बहुविकल्पीय अध्ययन , प्रभात सिंह मलिक, कैडिला हेल्थ केयर लिमिटेड, 2.6 वर्ष, 2015–2018, 13.64 लाख रु
6. थाइमिडिलेट सिंथेटेज और फोलेट रिसेप्टर अल्फा की उन्नत नॉन–स्क्वैमस एन.एस.सी.एल.सी. में पेमेट्रेक्स आधारित कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता के लिए भविष्य बताने वाले बायोमार्कर के रूप में अभिव्यक्ति की पुष्टि, प्रभात सिंह मलिक, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 9 लाख रुपये।
7. नॉन–स्मॉल सेल लंग कैंसर, अनियंत्रित परिसंचारी एम.आई.आर.एन.ए. हस्ताक्षर की पहचान, साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (सर्ब डी.एस.टी.), 3 साल, 2014–2017, 23 लाख रुपये ।
8. साइटोजेनेटिक रूप से सामान्य बाल चिकित्सा प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया में आणविक मार्कर के रूप में माइक्रो आर.एन.ए. की प्रभावकारिता की जांच, 3 साल, 2015–2018, 65.51 लाख।
9. फेफड़े के कैंसर में पी.डी.–एल.1 अभिव्यक्ति के नियमन के तंत्र को स्पष्ट करना – एपिजेनेटिक्स और कॉपी नंबर में परिवर्तन की भूमिकाएं, एम्स , 2 वर्ष, 2017–2019, 10 लाख रुपये।
10. 10. हेपाटोसेलुलर कार्सिनोमा, संपा घोष, में एंडोथेलियल कोशिकाओं और एंजियोजेनिक गुणों की चिकित्सीय क्षमता का अध्ययन, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 30.26 लाख रुपये।
11. पीडियाट्रिक एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में हॉटएयर और हॉटएयरएम1 लंबे गैर–कोडिंग आर.एन.ए. का नैदानिक महत्व, सुरेंदर के. शेरावत, एम्स, 4 लाख रु ।

विभागीय परियोजनाएं

1. मेटास्टैटिक कोलो–रेक्टल कैंसर के 15 वर्षों के परिणाम विश्लेषण – पूर्वव्यापी अध्ययन।
2. एक चरण III ओपन लेबल यादृच्छिक अध्ययन अनुभवहीन फॉलिक्युलर लिंफोमा के उपचार में लेनिनलगोमाइडकृ रितुक्सिमाब बनाम बेंडामुस्टाइन–रितुक्सिमाब की प्रभावकारिता की तुलना करना।
3. प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया के डेनोवो मामलों में विल्म के ट्यूमर 1 (डब्ल्यूटी 1) उत्परिवर्तन का मूल्यांकन करने के लिए और उपचार प्रतिक्रिया के साथ उनके परिणाम को सहसम्बद्ध करने के लिए एक संभावित अध्ययन।
4. बाल चिकित्सा प्रखर माइलॉयड ल्यूकेमिया के पहले पुनरावर्तन के लिए साइटाराबाइन, डानोरूबिसिन और ईटोपोसाइड (एडीई) के प्रति एक प्रतिक्रियाशील भावी, पारंपरिक अध्ययन।
5. ट्रेस तत्वों और भारी धातुओं के फेफड़ों के कैंसर के साथ संपर्क और धूम्रपान के साथ सहसंबंध को निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन।
6. प्रथम पुनरावर्तन में बाल चिकित्सा ए.एम.एल. रोगियों के लिए बचाव कीमोथेरेपी चिकित्सा के रूप में ए.डी.ई.
7. स्थानीय रूप से विकसित स्तन कैंसर के रोगियों में नैदानिक–पैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक अस्पष्ट कोहॉर्ट अध्ययन
8. मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के रोगियों में क्लिनिक–पैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक अस्पष्ट कोहर्ट अध्ययन
9. ए.ओ.टी. परीक्षण : अत्यधिक इमेटिक कीमोथेरेपी लेने वाले बच्चों और किशोरों में सी.आई.एन.वी. की रोकथाम के लिए ओलैनजापाइन
10. नॉन स्माल सेल फेफड़े के कैंसर के रोगियों में मस्तिष्क मेटास्टेसिस (घटना, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल, आणविक सहसंबंध और परिणाम) का आकलनरू एक एकल संभावित अवलोकन अध्ययन
11. बहु मायलोमा में ऑटोलॉगस हेमटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद बोर्टेजोमिब, लेनिलीगोमाइड और डेक्सामेथासोन आधारित समेकन चिकित्सा एक एकल भावी अध्ययन

12. बोरतेजोमिब, लेनलीडोमाइड और डेक्सामेथासोन बनाम बोरतेजोमिब, सिक्लोफॉस्फॅमाइड और डेक्सामेथासोन इंडक्शन थेरेपी के रूप में अनुपचारित बहु मायलोमा में : एक चरण 3 यादृच्छिक अध्ययन
13. आई.आर.सी.एच., एम्स में उपचारित बाल चिकित्सा गैर–हॉजकिन लिंफोमा रोगियों के क्लिनिको–पैथोलॉजिकल रूपांतर और उपचार के परिणाम
14. तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में इलाज किए गए डी.एल.बी.सी.एल. रोगियों के क्लिनिकोपैथोलॉजिकल लक्षण और परिणाम – एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
15. नासोफेरीन्जियल कार्सिनोमा के साथ रोगियों की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताएं और परिणाम – एक तृतीयक देखभाल केंद्र से पूर्वव्यापी अध्ययन
16. प्रारंभिक अपरिपक्व टी–लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) : प्रारंभिक थाइमिक अग्रदूत टी–ऑल इम्युनोफेनोटाइप का मूल्यांकन, टी.सी.आर. गामा कड़ियों (ए.बी.डी.) के बाईलेलिक विक्षेपण की अनुपस्थिति और एम.ई.एफ.2सी. की अभिव्यक्ति के रूप में न्यूनतम अवशिष्ट रोग निर्धारण द्वारा मूल्यांकन उपचार प्रतिक्रिया के रूप में।
17. फाइब्राइल न्यूट्रोपेनिया के साथ कम जोखिम वाले बाल चिकित्सा कैंसर के रोगियों में रोगाणुरोधी चिकित्सा के प्रारंभिक ठहराव बनाम निरंतरता, रिकवरी से पहले : एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन–डैलफेन अध्ययन
18. एन.एस.सी.एल.सी. में मस्तिष्क की मेटास्टेसिस के साथ महामारी विज्ञान, क्लिनिकोपथोलॉजिकल, आणविक सहसंबंध और परिणाम
19. बी अग्रदूत ऑल में न्यूनतम अवशिष्ट रोग के लिए सरोगेट मार्कर के रूप में पूर्ण लिम्फोसाइट गिनती का मूल्यांकन
20. एफ.जी.एफ.आर.1, एफ.जी.एफ.आर.2, साइक्लिन डी1 और पी.आई.के.3सी.ए. और पी.आई.के.3सी.ए. उत्परिवर्तन की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन हार्मोन रिसेप्टर (एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन) सकारात्मक और एच.ई.आर.2 रिसेप्टर के प्राथमिक स्तन कैंसर के नकारात्मक मामलों में।
21. सी.एल.एल. में रोग की प्रगति के लिए जिम्मेदार रोगजन्य प्रासंगिक एमआई आर.एन.ए. का मूल्यांकन
22. जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल और बाल चिकित्सा ए.एम.एल. में माइटोकॉन्ड्रियल ऊर्जा मेटाबोलिज्म के साथ इसका संबंध
23. उच्च जोखिम वाले रेशेदार न्यूट्रोपेनिया में इनवेसिव फंगल संक्रमण के निदान और परिणाम पर सीरम गैलेक्टोमेनन परख का प्रभाव
24. मल्टीपल मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग
25. अत्यधिक एमेटोजेनिक कीमोथेरेपी (एचईसी) प्राप्त कर रहे बच्चों और किशोरों में मतली और उल्टी की रोकथाम के लिए ओलेंजापाइनरू एक अन्वेषक द्वारा शुरू, यादृच्छिक, ओपन–लेबल परीक्षण
26. पेमेट्रेक्सिड कार्बोप्लाटिन बनाम पैक्लिटैक्सेल– कार्बोप्लाटिन प्रवर्तन आहार के रूप में नॉन स्क्वैमस नॉन स्मॉल कोशिका फेफड़े का कैंसर की प्रभाविता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
27. प्लेटिनम परावर्तन, प्लेटिनम रिफ्रैक्टरी और एडवांस ओवेरियन कैंसर में पैजोपैनिब आधारित ओरल मेट्रोनोमिक थेरेपी रू यादृच्छिक पहलु 2 अध्ययन
28. चरण ⅠⅠ ६ ⅠⅠⅠ आरसीटी की तुलना एर्लोटिनिब ़ बी.एस.सी. बनाम बी.एस.सी.अकेले अनियंत्रित ६ मेटास्टेटिक सीए जीबी रोगियों में ई.सी.ओ.जी. पी.एस.0–3 के साथ
29. सी.एल.एल. में डी.एन.ए. मेथिलिकेशन प्रोफाइलिंग के प्रोगैनेटिक प्रासंगिकता
30. जनवरी 2016 से दिसंबर 2016 के बीच पुरुष वृषण जनन कोशिका ट्यूमर का पूर्वव्यापी विश्लेषण और जीवित बचे लोगों के स्वास्थ्य संबंधी गुण का जीवन विश्लेषण
31. बहु माइलोमा में बोन मैरो माइक्रोएन्वायरमेंट की भूमिका
32. डिम्बग्रंथि के कैंसर में सिसप्लाटिन संवेदनशीलता और डी.एन.ए. मिथाइलेशन पर पी.ए.आर.पी.1 और ग्लूटामाइल सिस्टीन सिन्थेटिज (जी सी एस) अवरोधक की भूमिका
33. 33. पुनरावर्तक/अपवर्तक ए.एम.एल. रोगियों में माइक्रोट्रांसप्लांटेशन की सुरक्षा और व्यवहार्यता, जिनके पास अनुकूल दाता नहीं है
34. स्टेज 2 बी और 3 एनएससीएलसी रोगियों में नवजात रसायन चिकित्सा की प्रभावकारिता और सुरक्षा का अध्ययनरू एक पायलट अध्ययन "पेमिट्रैक्स्ड–कार्बोरेटिन बनाम पैक्लिटैक्सेल–कार्बोप्लाटिन को प्रेरण आहार के रूप में गैर स्क्वामस नॉन–स्मॉल–कोशिका फेफड़े के कैंसर में तुलना करने के लिए एक तीसरे चरण का ओपन लेबल नियंत्रण अध्ययन
35. डिम्बग्रंथि सीरस कार्सिनोमा में पीकेसी– आयोटा सिग्नलिंग का अध्ययन
36. ए.एम.एल. रेमिशन इंडक्शन कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों और किशोरों में एप्रेपिटैंट का एक अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में इमेटिक प्रभाव के मूल्यांकन का अधययन एक अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया ओपन लेबल अध्ययन
37. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में सिस्प्लैटिन प्रतिरोध में पी.ए.आर.पी. – 1 और बी–कैटेनिन की भूमिका
38. पुनरावर्त और दुर्दम्य डी.एल.बी.सी.एल. के रोगियों में जीवित रहने पर सी.एम.वाई.सी., बी.सी.एल.2, बी.सी.एल.6 और ई.बी.वी. की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन

39. प्राथमिक डी.एल.बी.सी.एल. में कोशिका चक्र नियामक अणु और एपिजेनेटिक नियामक आई.एच.सी. की अभिव्यक्ति के बीच सहयोग का मूल्यांकन करना
40. प्रखर मायलॉयड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल डी.एन.ए. विनियामक क्षेत्र में उत्परिवर्तन के नैदानिक और जैविक महत्व का अध्ययन करना
41. बाल चिकित्सा ए.एम.एल. रोगियों में समग्र अस्तित्व पर बेसलाइन सीरम जस्ता स्तर के प्रभाव का अध्ययन करना
42. प्रखर मायलॉयड ल्यूकेमिया में डब्ल्यू.एन.टी. सिग्नलिंग अणुओं और उनकी सामान्य उत्परिवर्तन (एफ.एल.टी.3, सी.ई.बी.पी. ए) के साथ उनके सहसंबंध का अध्ययन करना

चिकित्सा भौतिकी

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. चिकित्सा विकिरण की कम और उच्च खुराक में विकिरण डॉसिमट्रिक अनुप्रयोगों के लिए ऊतक के समान रूप से उत्तेजित ल्यूमिनसेंट सामग्रियों का विकास, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 3 साल, 2017–2020, रु 15.53 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चिकित्सा छवि लेजर प्रिंटर की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास
2. विकिरणमापी उद्देश्य के लिए नई संदीप्ति (ल्यूमिनेशन) सामग्री का विकास
3. अंशांकन(कैलिब्रेशन) और वैकल्पिक रूप से उत्तेजित संदीप्ति (ल्यूमिनेशन) डोसमीटर का उपयोग
4. फ्लोरोस्कोपी की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास
5. लीड एप्रन और थायरॉयड कॉलर की गुणवत्ता आश्वासन के लिए प्रोटोकॉल का विकास
6. रेडियोक्रोमिक फिल्म डोसीमीटर का विकास

रेडियोडायगनोसिस

वित्त पोषित परियोजनाएं

1. स्तन कैंसर के लिए धातु ट्यूमर मार्कर क्लिप : डिजाइन, विकास और नैदानिक निहितार्थ, संजय थुलकर, एसइआरबी–डीएसटी, 3 वर्ष, 2014–2017, रु 23.27 लाख
2. ऑरोफरीनक्स या अन्नप्रणाली के नवोप्लाज्म के कारण मध्यम और गंभीर डिस्फेगिया के रोगियों में एंटिक समर्थन के लिए नासोइंटरिक फीडिंग और पर्क्यूटेनियस रेडियोलॉजिक गैस्ट्रोस्टॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन : एक पायलट यादृच्छिक परीक्षण नियंत्रित, मुकेश कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2018–2019, 5 लाख रुपये।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. ऊतक के समान वैकल्पिक रूप से चिकित्सा विकिरण की कम खुराक की माप के लिए उत्तेजित ल्यूमिनसेंट सामग्रियों का विकास, स्वास्थ्य भौतिकी विभाग, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, नई दिल्ली ।
2. नैदानिक और रेडियोलॉजिकल मापदंडों द्वारा मुख कैंसर के रोगियों में कठिन लेरिंजोस्कोपी की भविष्यवाणी करना – एक संभावित अवलोकन अध्ययन, ओन्को–संवेदनाहरण और उपशामक चिकित्सा
3. बहुउद्देशीय इमेजिंग मस्तिक बनाने वाले क्रोनिक द्रव्यमान का मूल्यांकन और अल्ट्रासाउंड निर्देशित वैक्यूम की भूमिका इसकी एटियलजि का निर्धारण करने में बायोप्सी की मदद करती है, रेडियोडायग्नोसिस
4. स्तन कैंसर, रेडियोडायग्नोसिस में नवजात रसायन चिकित्सा के बाद अवशिष्ट द्रव्यमान का आकलन करने में एमआरआई की भूमिका
5. प्रारंभिक स्तन कैंसर में एपीबीआई के लिए वाष्पशील मॉड्यूलेटेड एआरसी थेरेपी बनाम इंटरस्टीशियल मल्टीकाथर ब्रेकीथेरेपी (आईएमबी) की तुलना
6. करने के लिए एक पायलट अध्ययन एक अनुकूलन, विषाक्तता और ब्रह्मांडीय तुलना, विकिरण ऑन्कोलॉजी

7. प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन और स्थानीय रूप से उन्नत गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का मूल्यांकन 3 डी अनुरूप विकिरण चिकित्सा के साथ–साथ समवर्ती सिस्प्लैटिन और छवि निर्देशित उच्च खुराक दर ब्रैकीथेरेपी, विकिरण ऑन्कोलॉजी।
8. भारतीय स्तन कैंसर के रोगियों, सर्जिकल कैंसर विज्ञान में नैदानिक और रेडियोलॉजिकल विधियों का उपयोग करके स्तन नृविज्ञान और ट्यूमर बनाम स्तन अनुपात गणना के मूल्यांकन का संभावित अध्ययन
9. प्रारंभिक स्तन कैंसर रोगियों, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में अल्ट्रासाउंड निर्देशित एफएनएसी का उपयोग करके एक्सिलरी स्टेजिंग की सटीकता का मूल्यांकन करने के की संभावना का अध्ययन
10. भारतीय जनसंख्या, सर्जिकल कैंसर विज्ञान के बीच प्राथमिक उन्नत डिम्बग्रंथि उपकला कार्सिनोमा में पेरिटोनियल कैंसर इंडेक्स (पीसीआई) का मूल्यांकन
11. एमआरआई द्वारा ऑपरेटिव, लसीका पर्व स्थिति और रोग के स्थानीय विस्तार, प्रसूति और स्त्रीरोग विज्ञान के साथ एमआरआई द्वारा निर्धारित बैरल सूचकांक का सहसंबंध
12. पुरःस्थ ग्रन्थि(प्रोस्टेट) कैंसर, परमाणु चुंबकीय अनुनाद का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका
13. एक चरण 3 ओपन लेबल यादृच्छिक अध्ययन– उन्नत गैर–स्क्वैमस गैर–छोटे कोशिका फेफड़ों के कैंसर में पेमेट्रैक्स्ड–कार्बोप्लाटिन बनाम पैक्लिटैक्सेल–कार्बोप्लाटिन , की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए। मेडिकल ऑन्कोलॉजी में इंडक्शन रिजीम के रूप में।
14. स्तन कैंसर के रोगियों में एडजस्टेंट शल्यचिकित्सा के बाद त्रि आयामी कंफॉर्मल रेडियोथेरेपी (आर आई एल आई), विकिरण कैंसर इलाज के तहत रेडिएशन इंड्यूस्ड लंग इंजरी (3 डीसीआरटी) का संभावित आकलन
15. स्टेजिंग, रोग भार और पीसीआई की संकल्पशीलता और निर्धारण की सटीकता के लिए सीए अंडाशय में सीटी बनाम पीईटी सीटी की तुलना, एक संभावित अध्ययन, सर्जिकल कैंसर विज्ञान
16. चमड़े के नीचे के लिपोमा, त्वचाविज्ञान के उपचार में इंट्रालेशनल रेडियो फ्रिक्वेंसी एब्लेशन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
17. स्थानीय रूप से उन्नत हेड एंड एम में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पॉसिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पीईटी/सीटी) की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन; स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के साथ प्रबंधित किया गया प्राथमिक केमो–रेडिएशन थेरेपी, न्यूक्लियर मेडिसिन
18. थ्री आर्म फेज 2/3 आरसीटी की तुलना एर्लोटिनिब प्लस सर्वश्रेष्ठ सहायक देखभाल (बीएससी), कैपिसिटैबिम प्लस बीएससी और बीएससी केवल अनसेक्टेबल ६ मेटास्टैटिक सीएबीजी मरीजों में खराब परफॉर्मेंस स्टेटस (ईसीओजी पीएस–3)से की जाती है।, चिकित्सीय अबुर्द विज्ञान

पूर्ण

1. निचले अंगों के वैरिकाज नसों में पारंपरिक सर्जरी की तुलना में अल्ट्रासाउंड निर्देशित फोम स्केलेरोथेरेपी के बाद प्रभावकारिता, जीवन की गुणवत्ता और लागत प्रभावशीलता की तुलना में एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, सर्जिकल विभाग

विकिरण अर्बुद विज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. फेफड़ों के कैंसर में माइसीडैक सी, सुभाष गुप्ता, कैडिला, 3 वर्ष, 2017–2020
2. हार्मोन रिसेप्टर पॉजिटिव के साथ रजोनिवृत्ति महिलाओं के उपचार के रूप में लेट्रोजोल के संयोजन में पैलबोसीक्लिब का एक अध्ययन एचइआर 2 नए नकारात्मक उन्नत स्तन कैंसर जिनके लिए लेट्रोजोल थेरेपी को उचित माना जाता है, हरेश केपी, फाइजर इंडिया, 3 वर्ष, 2017–2020, 10 रुपये लाख
3. स्तन कैंसर के रोगियों में सहायक शल्यचिकित्सा के बाद त्रिआयामी कंफॉर्मल रेडियोथेरेपी (3डीसीआरटी), रितेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 4 लाख रु। के रेडिएशन इंड्यूस्ड लंग इंजरी (आरआईएलआई) का संभावित आकलन।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. समवर्ती कीमोथेरेपी बनाम हाइपोफेक्टेड रेडियोथेरेपी बनाम फेफड़े के पारंपरिक रूप से उन्नत गैर–छोटे सेल कार्सिनोमा में पारंपरिक समवर्ती रसायन–रेडियोथेरेपी – ग्रीवा कार्सिनोमा के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण एमआरआई निर्देशित आईसीआरटी

2. प्रारंभिक स्तन कैंसर में स्तन संरक्षण सर्जरी के बाद पारंपरिक विषाक्तता रेडियोथेरेपी बनाम पारंपरिक विषाक्तता रेडियोथेरेपी में तीव्र विषाक्तता और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन और तुलना करना
3. तीव्रता संशोधित रेडियोथेरेपी तकनीकों के लिए रोगी विशिष्ट दिखावा सत्यापन विधियों का मूल्यांकन
4. बाहरी बीम रेडियोथेरेपी में आईटीवी (आंतरिक लक्ष्य मात्रा) के डॉसिमेट्रिक प्रभाव का एक अध्ययन
5. कैंसर के उपचार में इमेज गाइडेड रेडियोथेरेपी (आईजीआरटी) के लिए इलेक्ट्रॉनिक पोर्टल इमेजिंग डिवाइस (ईपीआईडी) और कोन बीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीबीसीटी) का उपयोग करके रोगी की स्थिति की सटीकता का मूल्यांकन करने वाला एक अध्ययन।
6. प्रारंभिक स्तन कैंसर में त्वरित आंशिक स्तन विकिरण के लिए अंतरालीय मल्टी कैथेटर ब्रैकीथेरेपी बनाम वॉल्यूमेट्रिक मॉड्यूलेटेड आर्क थेरेपी की तुलना करने के लिए एक पायलट अध्ययनरू एक अनुकूलन, विषाक्तता और कॉस्मोस तुलना
7. तीव्र पल्मोनरी विषाक्तता और रजोनिवृत्ति के बाद के हार्मोन रिसेप्टर पॉजिटिव कार्सिनोमा स्तन रोगियों में जीवन के मूल्यांकन की गुणवत्ता, हाइपरफ्रैक्स्ड रेडियोथेरेपी के साथ समवर्ती बनाम अनुक्रमिक लेजरोल के साथ इलाज किया जाता है
8. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर (इंटरटेक) चरण में रेडियोथेरेपी प्रभावशीलता का अंतर्राष्ट्रीय मूल्यांकन चरण 2/3 क्लिनिकल मॉड्यूलाइज्ड रेडिएशन थेरेपी (आईएमआरटी) का नैदानिक परीक्षण चरण 1–4 के लिए समवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ, एक ग्रीवा कार्सिनोमा।
9. सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए त्वरित हाइपोवरस नॉरमो–रेलेटेड रेडियोथेरेपी का एक यादृच्छिक बहुकोशिकीय परीक्षण
10. प्रारंभिक उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन और समवर्ती सिस्प्लैटिन और छवि निर्देशित उच्च खुराक दर ब्रैकीथेरेपी के साथ 3 डी अनुरुप विकिरण चिकित्सा के साथ स्थानीय रूप से उन्नत गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में विकिरणमापी मूल्यांकन।
11. चरण 1–2 के नव–निदान रोगियों में कीमो–इम्यूनोथेरेपी के बाद समेकन के लिए सम्मिलित साइट रेडियोथेरेपी की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए एक चरण 2 अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

चालु

1. स्टेज 2 बी और 3 एनएससीएलसी के रोगियों में नव सहायक रसायन चिकित्सा की प्रभावकारिता और सुरक्षा का अध्ययन एक पायलट अध्ययन
2. संकेतन–जुड़े प्रोटीन की अभिव्यक्ति और महत्व, पायदान 1, पायदान 2, पायदान 3, फेज1 और फेज 2 ओशोफेगल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एक पूर्वव्यापी अध्ययन
3. ऑरोफरीनक्स या अन्नप्रणाली के नियोप्लाज्म के कारण मध्यम और गंभीर डिस्फेगिस वाले रोगियों में एंटिक समर्थन के लिए वासोएंटरिक फीडिंग और पर्क्यूटेनियस रेडियोलॉजिक गैस्ट्रोस्टोमी का तुलनात्मक मूल्यांकनरू एक पायलट अध्ययन
4. गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में एमआरआई बनाम सीटी आधारित इंट्राकवेटरी ब्रेकीथेरेपी, एक यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन
5. पित्ताशय के कैंसर में सहायक रसायन चिकित्सा या रसायन विज्ञानरू चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (एसीसीआरआर)
6. उन्नत गैर स्क्वैमस नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर में इंडक्शन रिजीम के रूप में पेमेट्रेस्ड– कार्बोप्लाटिन बनाम पैक्लिटैक्सेल–कार्बोप्लाटिन की सुरक्षा और सुरक्षा की तुलना के लिए एक चरण III ओपन लेबल रेंडमाइज्ड कंट्रोल स्टडी।7. प्राथमिक सीएनएस लिंफोमा, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी और विकिरण ऑन्कोलॉजी में एमजीएमटी प्रमोटर मेथिलिकरण
7. लुटेटियम –177 के साथ ट्रास्टुजुमाब की रेडिओलाबेलिंगरू स्तन कैंसर, रेडियोथेरेपी और विकिरण ऑन्कोलॉजी में रेडियोइम्यूनोथेरेपी के संभावित एजेंट के रूप में इसका मूल्यांकन
8. तीव्रता संशोधित रेडियोथेरेपी तकनीकों के लिए रोगी पूर्व उपचार सत्यापन विधियों का मूल्यांकन
9. आईआरसी एच एम्स को प्रस्तुत करने वाले रेक्टल कैंसर रोगियों के भावी कम्प्यूटरीकृत क्लिनिकल डेटाबेस का विश्लेषण
10. स्टेज III या IV नॉन–स्क्वैमस नॉन–स्मॉल–सेल फेफड़े के कैंसर के रोगियों में प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए पेमेट्रेक्स्ड प्लस कार्बोप्लाटिन जिसके बाद मेंटेनेंस पेमेट्रेक्स्ड बनाम पैक्लिटैक्सेल और कार्बोप्लाटिन , जिसमें मेंटेनेंस पेमेट्रेक्स्ड का खुले लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
11. कार्सिनोमा एसोफैगस में नवदजुवंत कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता – एक पायलट अध्ययन सिस्प्लैटिन. 5–एफयू तुलना में पैलिसलैक्स. कार्बोप्लाटिन। एक भारतीय तृतीयक कैंसर केंद्र में पंद्रह साल से मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर के परिणामरू एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
12. नॉन स्माल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के रोगियों में ब्रेन मेटास्टेसिस (घटना, क्लिनोपैथोलॉजिकल, आणविक सहसंबंध और परिणाम) का आकलनरू एक एकल संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन,

पूर्ण

1. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर के मूल्यांकन में बहु– मानदण्ड एमआरआई की भूमिका

2. आईआरसीएच ऐम्स में हेपेटोपैंक्रिसिबिलीरी (एचपीबी) की घातक प्रक्रियाओं के संभावित कम्प्यूटरीकृत सर्जिकल डेटाबेस का विश्लेषण

शल्य चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एचबीसीआर और स्तन, सिर और गर्दन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में जीवित रहने, देखभाल के पैटर्न के अध्ययन। एसवीएस देव, आईसीएमआर, 4 साल, 2014–2018, 35 लाख रुपये प्रति वर्ष
2. तम्बाकू चबाने वाले और गैर तंबाकू चबाने वाले स्वस्थ व्यक्तियों की तुलना में धूम्रपान रहित तंबाकू प्रेरित मुख कैंसर के रोगियों की ओरल माइक्रोबायोम की विविधता – एक मेटागेनोमिक दृष्टिकोण, डीएसटी एसईआरबी, 3 वर्ष, 2015–2018, रु 50 लाख
3. बचपन में कैंसर, लिम्फोइड और हेमटोपोइएटिक विकृतियों, अन्य स्त्रीरोग संबंधी विकृतियों में देखभाल और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, एसवीएस देव, आईसीएमआर, 4 साल, 2017–2021, 5 लाख रुपये
4. ट्रिपल नकारात्मक /एचइंआर –2 न्यु पॉजिटिव स्तन कैंसर के रोगियों में प्रतिरक्षा प्रणाली और पीडीएल 1 की अभिव्यक्ति के ट्यूमर घुसपैठ की ट्यूमर की इम्यूनो–फेनोटाइपिक प्रोफाइल और नवजात हेमोथेरेपी के जवाब के साथ उनके सहसंबंध। एसवीएस देव, डीएसटी, 3 साल, 2017–2020, रु 28.74 लाख
5. संभावित मेटास्टैटिक बायोमार्कर, एसवीएस डीओ, डीएसटी, 2 वर्ष, 2016–2018, 47.15 लाख रुपये की पहचान के लिए स्तन कैंसर कोशिका और ऊतक प्रकार की तुलनात्मक स्फिंगोलिपिड प्रोफाइलिंग
6. स्तन, ग्रीवा, सिर और गर्दन पर जनसंख्या आधारित कैंसर उत्तरजीविता अध्ययन प्ब्डत, 5 साल, 2017–2022, 6.8 लाख रुपये के कैंसर पर जनसंख्या आधारित कैंसर उत्तरजीविता अध्ययन
7. मौखिक उन्नत स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में नियो एडजुवैंट कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन के लिए विचलन भारित चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग का मूल्यांकन, 2 साल, 2016–2017, 1 लाख, रु।
8. भारत में सरकारी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का विकास। पेरिटोनियल सतह दुर्दमताओं में अतितापी आंतरपर्युदर्या कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) के एमडीआर रे, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018–1621, 48.52 लाख रुपये

पूर्ण

1. थोरैकोटॉमी बंद होने के लिए पेरी कोस्टल बनाम इंटरकोस्टल टांका की तुलना में एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण, सुनील कुमार, एम्स, 2 साल, 2016–2018
2. लसीका जल निकासी की दर को कम करने और इस तरह सेरोमा के गठन को रोकना , एमडी रे, एम्स, 2 साल, 2015–2017, 0.6 लाख रु।
3. फ्लैप नेक्रोसिस, एमडी रे, एम्स, 3 वर्ष, 2015–2018 को कम करने के लिए इलियो–इनगिनल डिसेक्शन के लिए रिवर फ्लो इन्केशन टेक्नीक (दो समानांतर चीरे)

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कार्सिनोमा अन्नप्रणाली में नियोएडजयूवांट कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता – एक पायलट अध्ययन जिसमें पैक्सटैक्सेल. कैबोप्लाटिन के साथ सिस्प्लैटिन. 5–एफयू की तुलना की जाती है
2. गैर–छोटे सेल फेफड़े के कैंसर के रोगियों में अंतःस्रावी फुफ्फुस द्रव द्रव और प्लाज्मा में सेल–मुक्त डीएनए का नैदानिक महत्वरू एक पायलट अध्ययन
3. टी–नियामक कोशिकाओं (ट्रेग्स) की भूमिका और उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर में उनके नैदानिक सहसंबंध।
4. भारतीय आबादी में प्राथमिक उन्नत डिम्बग्रंथि उपकला कार्सिनोमा में पेरिटोनियल कैंसर इंडेक्स (पीसीआई) का मूल्यांकन
5. पूर्व–ऑपरेटिव रोग के भार और प्रतिरोधकता का निर्धारण करने के लिए कार्सिनोमा अंडाशय में सीटी स्कैन बनाम पीईटी सीटी स्कैन की तुलना का एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन
6. स्थानीय रूप से उन्नत, कार्सिनोमा मौखिक गुहा में नियोएडजयूवांट कीमोथेरेपी प्रोटोकॉल की प्रभावकारिता – पेसिलेटिन. कार्बोप्लाटिन के साथ सिस्प्लैटिन. 5–एफयू की तुलना में एक यादृच्छिक, पायलट अध्ययन।
7. भारतीय स्तन कैंसर रोगियों में नैदानिक और रेडियोलॉजिकल तरीकों का उपयोग करके स्तन एंथ्रोपोमेट्री और ट्यूमर बनाम स्तन राशन गणना के मूल्यांकन का एक संभावित अध्ययन।

8. युवा कोलो–रेक्टल कैंसर रोगियों का एक अध्ययन – नैदानिक रूपरेखा, उपचार और पुनः पतन आवृत्ति, बृहदान्त्र कैंसर रोगियों में एमआईआरएनए निष्कर्षण के लिए आणविक जीव विज्ञान की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीक सीखना
9. प्राइमरी पल्मोनरी मैलिग्नेंसीज वाले रोगियों के लिए अंतःशिरा फुफ्फुस बहाव द्रव और प्लाज्मा में सेल–फ्री डीएनए की नैदानिक उपयोगिता – एक पायलट अध्ययन
10. स्तन कैंसर के आनुवांशिक पहलू से संबंधित भारतीय स्तन कैंसर के रोगियों की जागरूकता और ज्ञान
11. प्रारंभिक स्तन कैंसर में अल्ट्रासाउंड निर्देशित एफएनएसी का उपयोग करके एक्सिलरी स्टेजिंग की सटीकता का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन

पूर्ण

1. संक्रामक गैर लघु सेल फेफड़े के कैंसर के मंचन में पीईटी सीटी और इबस की भूमिका को मान्य करने के लिए एक संभावित अध्ययन
2. पूर्ण साइटो कटौती और हाइपेक (अतिताप इंट्रा पेरिटोनियल कीमोथेरेपी) में पेरी–ऑपरेटिव रुग्णता का आकलन और प्रबंधन
3. नैदानिक रूपरेखा, उपचार आवृत्ति, परिणाम और विभेदित थायरॉयड कैंसर की आणविक रूपरेखांकन
4. सीआरएस और एचआईपीईसी और उनके प्रबंधन के पश्चात की जटिलताएं
5. मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमस नमूनों के शल्य–रोगात्मक मूल्यांकन का मानकीकरण–एक संभावित अध्ययन

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

1. गैर–छोटी कोशिका फेफड़े के कार्सिनोमा, पैथोलॉजी में राफामाइसिन (एमटीओआर) और मिटोजन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) के स्तनधारी लक्ष्य के व्यापक विश्लेषण
2. फेफड़ों के कैंसर में 18–एफ.डी.जी.– पी.ई.टी. ६ सी.टी. पर भड़काऊ और मेटास्टैटिक मीडियास्टिनल लिम्फैडेनोपैथी का विभाजन करना रू स्टेरॉयड दमन और परमाणु चिकित्सा की भूमिका
3. चिकित्सा के निदान और निगरानी के लिए उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर में एच ई 4 स्तर का मूल्यांकन, लैब ऑन्कोलॉजी
4. भारत में डिम्बग्रंथि के कैंसर के वैकल्पिक उपचार के तरीकों का एक आर्थिक विश्लेषणरू आर्थिक बोझ, जीवन की गुणवत्ता और मृत्यु दर का मूल्यांकन, प्रसूति और स्त्री रोग
5. डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एच.ई.4) स्तर का मूल्यांकन, लैब ऑन्कोलॉजी
6. मुंह के कैंसर के मरीजों में लिम्फ नोड की भागीदारी के मूल्यांकन के लिए जैव–सांख्यिकीय मॉडल , बायोस्टैटिस्टिक्स
7. छवि मार्गदर्शन और हस्तक्षेप के लिए पीईटी–सीटी के साथ जुड़े रियल टाइम अल्ट्रासोनोग्राफी की भूमिकारू थायराइड कैंसर के प्रबंधन में एक नोडल दृष्टिकोण, परमाणु चिकित्सा
8. मैक्सिल्लेक्टोमी के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और मनोवैज्ञानिक संकट पर प्रोथोडॉन्टिक पुनर्वास के प्रभाव का मूल्यांकन – एक प्रारंभिक अध्ययन, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र
9. मूल्यांकन करने के लिए कि क्या टी.सी.जी.ए. से एक पूर्व कथन वाला माइक्रोआरएनए हस्ताक्षर भारतीय कोलोरेक्टल कैंसर (सीआरसी) के रोगियों में बायोमार्कर के रूप में कार्य करता है, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली
10. रेडियोआयोडीन (^{131}आई –एनए) चिकित्सा के माध्यम से विभेदित थायराइड कैंसर वाले बच्चों और युवा वयस्कों में मात्रामितिक अध्ययन, परमाणु चिकित्सा
11. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा, जैव रसायन के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेड से कैंसर स्टेम कोशिकाओं के अलगाव की पहचान और लक्षण वर्णन

पूर्ण

1. एम्स, कॉलेज ऑफ नर्सिंग में प्री और पोस्ट सर्जिकल चरण में ठोस ट्यूमर के लिए अग्रिम सर्जरी से गुजरने वाले वयस्क रोगियों में थकान के स्तर और कार्यात्मक घाटे की उपस्थिति का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
2. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर के मूल्यांकन में बहुआयामी एम.आर.आई. की भूमिका, रेडियोलॉजी

प्रकाशन

ओन्को–एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

पत्रिकाएँ : 22 अध्याय किताबों में : 15 पुस्तकें : 1

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री
पत्रिकाएँ : 4 पुस्तकें : 1

प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान
पत्रिकाओं : 8 सार : 3

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान
पत्रिकाओं : 33 सार : 24

चिकित्सा भौतिकी
पत्रिकाएँ : 2

रेडियोडायग्नोसिस
पत्रिकाएँ : 5 सार : 4 पुस्तकें में अध्याय : 4

विकिरण कैंसर विज्ञान
पत्रिकाओं : 34 सार : 6 अध्याय पुस्तकों मे : 3

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

पत्रिकाओं : 11 सार : 10 अध्याय किताबों में : 4 पुस्तके : 1

रोगी की देखभाल

सामुदायिक सेवाएं/शिविर

डॉ सुष्मिता पथी : बचपन कैंसर दिवस पर सार्वजनिक व्याख्यान, फरवरी 2018

डॉ. सुभाष गुप्ता : आई.सी.पी.ओ., नोएडा की कैंसर स्क्रीनिंग गतिविधियों के साथ जुड़ेय अशोक मिशन द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविरों में कैंसर रोगियों की जांच के लिए सक्रिय रूप से शामिल होते हैं

डॉ के.पी. हरेश : आई.सी.पी.ओ., नोएडा की कैंसर स्क्रीनिंग गतिविधियों से जुड़ेय अशोक मिशन द्वारा कैंसर रोगियों की जांच के लिए आयोजित चिकित्सा शिविरों में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं

कुल बेड संख्या	**182**		
चिकित्सा ऑन्कोलॉजी	78	विकिरण ऑन्कोलॉजी	37
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	61	प्रशामक देखभाल इकाई	6
कुल ओपीडी उपस्थिति	**1,71,778**		
नई रोगी का पंजीकृत = **13,261**		पुनरीक्षण = **1,58,517**	

प्रवेश

नियमित	10,133	लघु/दिन देखभाल	32,554
कुल		42687	

निर्वहन

नियमित	9808	लघु/दिन देखभाल	32,206
कुल		42,014	

मृत्युः 320

ऑपरेशन थिएटर

बड़े	1547	छोटे	8782
कुल		10329	

ओपीडी प्रक्रियाएं (उपचार कक्ष संख्या 15) : 6509 इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम : 4261

ओपीडी कीमोथेरेपी सेवा (उपचार कक्ष संख्या 15)

पुरुष वयस्क	5395	महिला वयस्क	2358
पुरुष बच्चा	6433	महिला बच्चा	2171
कुल मामले		16,357	

ओपीडी उपस्थिति

महीना	**नए मरीजों का पंजीकरण**			**पुनरागमन**		
	पुरुष	**महिला**	**कुल**	**पुरुष**	**महिला**	**कुल**
अप्रैल 2017	583	458	1041	5896	6179	12,075
मई 2017	644	501	1145	6772	6903	13,675
जून 2017	590	469	1059	6115	6025	12,140
जुलाई 2017	654	555	1209	6954	7074	14,028
अगस्त 2017	679	552	1231	7368	6544	13,912
सितंबर 2017	614	553	1167	6944	6103	13,047
अक्टूबर 2017	560	529	1089	6479	5594	12,073
नवंबर 2017	597	506	1103	6987	7773	14,760
दिसंबर 2017	523	466	989	6664	6865	13,529
जनवरी 2018	562	486	1048	6441	6717	13,158
फरवरी 2018	583	480	1063	6226	6621	12,847
मार्च 2018	641	476	1117	6499	6774	13,273
कुल	7230	6031	13,261	79,345	79,172	1,58,517

भौगोलिक वितरण

राज्य	**कुल**	**राज्य**	**कुल**
आंध्र प्रदेश	2	अंडमान निकोबार	3
असम	37	अरुणाचल प्रदेश	9
बिहार	1914	चंडीगढ़	5
छत्तीसगढ़	23	दादरा और नगर हवेली	1
दमन और दीव	1	दिल्ली	4100
गुजरात	3	हरियाणा	1389
हिमाचल प्रदेश	44	जम्मू और कश्मीर	119
झारखंड	142	केरल	19
कर्नाटक	4	लक्षद्वीप	1
मध्य प्रदेश	248	महाराष्ट्र	17
मेघालय	4	मणिपुर	34
मिजोरम	3	नगालैंड	5
ओडिशा	52	पांडिचेरी	3
पंजाब	59	राजस्थान	290

सिक्किम	35	तमिलनाडु	3
तेलंगाना	4	त्रिपुरा	7
उत्तर प्रदेश	4125	उत्तराखंड	385
पश्चिम बंगाल	115		
कुल	**13,205**		

अन्य देश

अफगानिस्तान	5	बांग्लादेश	3
केन्या	1	मालदीव्स	1
मंगोलिया	1	नेपाल	43
तजाकिस्तान	1	तुर्कमेनिस्तान	1
कुल	**56**		

कुल योग = 13,205 + 56 = 13,261

प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान सेवाएं

हीमोग्राम : एचबी, टीएलसी, प्लेटलेट्स	52,948	सीएसएफ	768
परिधीय रक्त धब्बा	7223	ईएसआर	531
अस्थि मज्जा आकांक्षा	4470	आणविक जीव विज्ञान	3400
साइटो –रसायन विज्ञान	830	सीरम फरीलाइट चेन	3147
सीरम प्रोटीन वैद्युतकणसंचलन	4021	साइटोपैथोलॉजी	55
इम्म्यूनोफिक्सेशन	2563	बीटा 2 माइक्रोग्लोबुलिन	289
मूत्र इलेक्ट्रोफोरेसेस	1578	कोशिका विज्ञान	513
ट्यूमर मार्कर	3149	एचपीबी डीएनए	1546
फ्लो साइटॉमेट्री	24,800		
कुल	1,11,831		

अफेरेसिस

सिंगल डोनर प्लेटलेट्स	2484	प्लाज्मा	3
परिधीय रक्त स्टेम सेल हार्वेस्ट	206	ग्रैनुलोसाइट्स की संख्या	65
हीमोग्राम	23,824	प्लाज्मा एक्सचेंज	3
कुल	**26,460**		

चिकित्सा ऑन्कोलॉजी

- आतंरिक रोगी : 9194
- आउट पेशेंट कीमोथेरेपी :14,574
- मरीजों का डेकेयर में इलाज : 29,801
- बाह्य रोगी प्ट एंटीबायोटिक्स : 25,303
- चिकित्सा प्रक्रिया : 5972
- हीमैटोपोइएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण (ऑटोलॉगस, एलोजेनिक)रू 105 (86 + 19)

प्रयोगशाला सेवाएं

1	फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	372
2	चिरामवाद के लिए साइटोजेनेटिक्स	1
3	सी एम एल (गुणात्मक) में पी 210 और पी 190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए आर	430
4	सीडी 34 प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा गणना करता है	309
5	सीडी 3 प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा गणना	22
6	एम एन सी गणना	73

8	–80 डिग्री सेल्सियस पर स्टेम कोशिकाओं के क्रायोप्रेजर्वेशन	107
9	4 डिग्री सेल्सियस पर स्टेम कोशिकाओं का भंडारण	91
10	अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण	1
11	स्टेम सेल का आसव	149
12	स्टेम सेल की व्यवहार्यता	143
13	एस्परगिलोसिस का पता लगाने के लिए एलिसा	1862
	कुल	**3560**

भौतिक चिकित्सीय सेवाएं

1	विकिरणित रक्त थैलियों की संख्या	1340
2	एक्स–रे मशीनों पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	1877
3	डॉ. ब्रिच, एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	9
4	रेडियोलॉजी (मुख्य) पर फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	108
5	एक्स–रे इकाइयों में विकिरण उत्पादन माप	394
6	एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	108
7	विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	5
8	असंगत अनावरण गर्भधारण के लिए सलाह देना	9
	क्यु सी एम्स में किया गया टेस्ट फ्लोरोस्कोपी	.
	क्यु सी लीड एप्रन पर परीक्षण किया गया	123
	कुल	**3973**

रेडियोथेरेपी सेवाएं

1	रेडियोथेरेपी पर मामले	62,582
2	ब्रेकीथेरेपी पर मामले	789
3	उपचार योजना और सिमुलेशन	3748
4	दो और तीन आयामी खुराक वितरण	592
5	कम्पेंसेटर्स	455
6	परिरक्षण ब्लॉक स्थिरीकरण उपकरण	2232
7	विकिरण समीक्षा क्लिनिक	1785
8	योजना सी.टी.	1705
9	कीमोथेरेपी पर नंबर	7257
	कुल	**73,888**

रेडियोनिदान

1	सीटी स्कैन	7787
2	अल्ट्रासाउंड	6955
3	मैमोग्राफी	1774
4	एक्स–रे (रूटीन)	20,370
5	डॉपलर	309
6	हस्तक्षेप	1633
7	विशेष जांच (बा, आई)	403
8	हस्तक्षेप एमए	8
	कुल	**39239**

ओन्को–एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

1. ओन्को–एनेस्थीसिया विभाग और उपशामक चिकित्सा विभाग के लिए एनेस्थीसिया की उन्नत इकाई
2. आई.आर.सी.एच., एम्स में दर्द नीति की शुरुआत नीति का उद्देश्य हैय आई.आर.सी.एच. सभी पंजीकृत रोगियों के दर्द के इलाज के लिए प्रतिबद्ध है
3. एम्स में दो नए कोर्स शुरू किएय एमडी, प्रशामक चिकित्सा और डीएम, ओन्को–एनेस्थीसिया, उपशामक और ओन्को–एनेस्थीसिया चिकित्सा विभाग में
4. 6 बिस्तर का दर्द और प्रशामक देखभाल वार्ड शुरू किया। पूरे अस्पताल के लिए संरचित दर्द और उपशामक देखभाल कार्यक्रम
5. आई.आर.सी.एच., एम्स में सप्ताह में सभी छह दिन दर्द और दर्द निवारक क्लीनिक शुरू किया
6. आईआरसीएच, एम्स में कई गुना प्रणाली की योजना और कमीशन
7. पीएनएफएस (पेरिफेरल नर्व फील्ड स्टिमुलेटर) और प्रोग्रामेबल इंट्राहेथिकल प्रत्यारोपण जैसे एडवांस इंटरवेंशनल पेन मैनेजमेंट तकनीक
8. यूएसजी गैस्ट्रो आंत्र और स्त्रीरोग संबंधी विकृति के लिए लापरवाह स्थिति में तंत्रिका ब्लॉकों को निर्देशित करती है
9. अल्ट्रासाउंड निर्देशित लाइन केंद्रीय शिरापरक लाइन प्लेसमेंट
10. कैंसर दर्द रोगियों के लिए रेडियोफ्रीक्वेंसी एबलेशन
11. कैंसर के मरीजों के लिए स्क्रैम्बलर थेरेपी
12. इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर सर्टिफिकेट कोर्स की पेलियेटिव केयर यूनिट ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी, डॉ. बीआरए, आईआरसीएच एक साल में दो बार इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैलिएटिव केयर सर्टिफिकेट कोर्स संचालित करने में नोडल सेंटर है
13. कैंसर रोगियों में दर्द के मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक पहलू पर शोध
14. अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक शोध दर्द और प्रशामक देखभाल के क्षेत्र में शुरू हुआ
15. प्रमुख ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी के लिए निर्धारित रोगियों के आकलन के लिए कार्डियो पल्मोनरी एक्सरसाइज परीक्षण (सीपीईटी) शुरू किया

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

कुल संख्या लघु शल्य चिकित्सा और एंडोस्कोपिक प्रक्रियाएं : 8782

कुल संख्या मेजर कैंसर शल्य चिकित्साएं : 1547

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

ओन्को–एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

प्रोफेसर सुषमा भटनागर 2023 तक 'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ पेन (आई,ए,एस,पी,) काउंसिल की सदस्य हैं सदस्य, 12–16 सितंबर 2018 को बोस्टन में आयोजित होने वाली दर्द पर विश्व कांग्रेस की वैज्ञानिक समितिय कार्यान्वयन समूह के सदस्य–लैंसेट कमीशन ग्लोबल एक्सेस टू पेन कंट्रोल एंड पल्लिऐटिव केयर, 2018 अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी द्वारा विजेता कैंसर फाउंडेशन से 2018 इंटरनेशनल इनोवेशन ग्रांट की प्राप्तकर्ता 2009 से मुख्य संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ पेलियेटिव केयर; बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ऑफ इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हॉस्पिस एंड पेलियेटिव केयर (आईएएचपीसी), 2014–2017य एशिया प्रशांत आश्रम प्रशामक देखभाल नेटवर्क, 2012–2018 द्वारा उपशामक देखभाल कार्यक्रम में प्रशिक्षण–प्रशिक्षकों की उप टीम लीडर भारत में प्रशामक देखभाल कार्यक्रम के 'मास्टर संरक्षक'; लैंसेट ऑन्कोलॉजी और ब्रिटिश जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के लिए लेखों के समीक्षकय संकाय, फेफड़े का कैंसर कंसोर्टियम एशिया वार्षिक बैठक, 15–17 दिसंबर 2017, मुंबई संकाय, प्रशामक देखभाल कार्यक्रम (एपीएचएन) में प्रशिक्षकों का 5 वाँ प्रशिक्षण, 15–21 सितंबर 2017, ढाका, बांग्लादेशय फैकल्टी, परियोजना भारत में कैंसर उपचार केंद्र (एपीएचएन), 29 अगस्त –1 सितंबर 2017, पटना में उपशामक देखभाल क्षमता के निर्माण के उद्देश्य से संकाय, 6 वाँ ईसीएपी सम्मेलन, 19–20 अगस्त 2017, मुंबईय संकाय, दर्द में हाल के अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 11–12 अगस्त 2017, पुणेय संकाय, 12 वीं एशिया प्रशांत धर्मशाला सम्मेलन (एपीएचएन), 26–29 जुलाई 2017, सिंगापुर सदस्य, ईएएसपी मीटिंग, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ पेन मीटिंग (आईएएसपी), 25–27 फरवरी 2018, लिस्बन, पुर्तगालय अध्यक्ष, योग अनुसंधान में फ्रंटियर्स ऑन योगा रिसर्च एंड इट्स एप्लिकेशन (इनकोफायरा) में 22 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विवेकानंद योग संस्थान (व्यासा) (आईएएसपी), 5–8 जनवरी 2018, बेंगलुरु

प्रोफेसर सीमा मिश्रा कैंसर रोगियों में अध्यक्ष, उपशामक और सहायक देखभाल, स्तन कैंसर के प्रबंधन में अपडेट, 6–7 मई 2017, आईआरसीएच एम्स, नई दिल्ली अध्यक्ष, अमूर्त लक्षण प्रबंधन, आईएपीकॉन 2018, 23–25 फरवरी 2018, आईआरसीएच एम्स, नई दिल्ली।

डॉ राकेश गर्ग को ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ओपन 2017 के लिए समीक्षक के रूप में प्रशंसा पत्र मिला न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर जर्नल के संपादकीय बोर्ड से 2017 के लिए एक समीक्षक के रूप में मान्यता का प्रमाण पत्र; इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया में

एसोसिएट एडिटर के लिए 2017 में प्रशंसा पत्र और मेरिट का प्रमाण पत्र; जनवरी 2018 में स्वच्छ और हरित एम्स पहल के एक भाग के रूप में जनवरी, 2018 में डॉ ब्रिरच द्वारा आयोजित जैव–चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन श्रेणी में पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार स्वच्छ और ग्रीन एम्स पहल का एक हिस्सा; सिंगापुर मेडिकल जर्नल समीक्षक मान्यता पुरस्कार 2017 के लिए चयनित; 25 नवंबर 2017 को आईएसए सीपीआर दिशानिर्देशों को एक वास्तविकता बनाने के लिए आईएसए को प्रदान की गई सेवा के लिए राष्ट्रपति का सराहना पुरस्कार 2017; 27 अक्टूबर 2017 को इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (एफआईसीए, कॉलेज ऑफ फेलो) द्वारा सम्मानित फैलोशिप और आईसीए के अकादमिक प्रवक्ताओं के रूप में नामितय इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा आईसीए की सद्भावना राजदूत; अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (फिमसा) की फेलोशिप; एसोसिएट सदस्य, काउंसिल फॉर इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन ऑफ मेडिकल साइंसेज (सीइओएमएस), जिनेवाय समझौता ज्ञापन भागीदारोंः अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी और रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन और सर्जन, ग्लासगो, यूकेय एसोसिएट एडिटर, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लीनिकल फार्माकोलॉजी, जर्नल ऑफ मेडिकल केस रिपोर्ट्स और आईएसए का सेंट्रल जर्नल।

डॉ विनोद कुमार, सिर और गर्दन की ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी के लिए पेरिऑपरेटिव मैनेजमेंट, इस्कॉन 2017, 24–26 नवंबर 2017, कोलकाता, भारत के चेयरपर्सन थे बाल रोग निवारक देखभाल, बाल चिकित्सा प्रशामक देखभाल और निदान और प्रबंधन सम्मेलन, 5–6 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली में अध्यक्ष ।

डॉ सचिदानंद जी भारती, प्रशामक देखभाल प्रक्रिया, आईपीएसीओएन 2018, 23–25 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली के लिए यूएसजी निर्देशित कार्यशाला के समन्वयक थे।

प्रयोगशाला अर्बुद रोग विज्ञान।

डॉ रितु गुप्ता ने एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2017 प्राप्त किया।

डॉ संजीव कुमार गुप्ता ने 25 सितंबर 2017 को जीन कॉपी नंबर परिवर्तन प्रोफाइल और इसके बी–ऑल में नैदानिक सहसंबंध शीर्षक, उत्कृ ष्ट प्रकाशन (नैदानिक अनुसंधान) के लिए एम्स, नई दिल्ली में तृतीय एम्स एक्सीलेंस रिसर्च पुरस्कार 2017 पुरस्कार प्राप्त किया इसके अलावा उन्होंने वॉशिंगटन डीसी, यूएसए के 49 वें कांग्रेस में 12–15 अक्टूबर, 2017 को इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ पीडियाट्रिक कैंसर विज्ञान (एसआईओपी) द्वारा पीओडीसी छात्रवृत्ति पुरस्कार भी प्राप्त किया।

डॉ अनीता चोपड़ा ने चिकित्सकों के लिए डीबीटी–वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट कैरियर फेलोशिप, 2017 प्राप्त किया।

डॉ प्रणय तंवर ने ह्यूस्टन, टेक्सास, यूएसए में ग्लोबल एकेडमिक प्रोग्राम, 2017 में आईसीएमआर ट्रैवल ग्रांट टू प्रेजेंट पेपर प्राप्त किया। 37वें आईकॉन, 15–17 सितंबर 2017, नई दिल्ली में तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के मामलों में विल्म के ट्यूमर –1 (डब्ल्यू टी) जीन उत्परिवर्तन के मूल्यांकन के लिए एक पायलट अध्ययन नामक पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए राष्ट्रीय यात्रा अनुदान पुरस्कारय इंटरनेशनल ट्रैवल ग्रांट अवार्ड 22 वीं एपीबीएमटी, 28–30 अक्टूबर 2017, तेहरान, ईरान और नेशनल ट्रैवल ग्रांट अवार्ड में विल्म के ट्यूमर –1 (डब्ल्यूटी 1) जीन म्यूटेशन का एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) रोगियों में व्यापकता का मूल्यांकन करने के लिए स्टडी शीर्षक का अध्ययन प्रस्तुत किया गया स्तन कैंसर के मामलों के ट्यूमर के ऊतकों में पीआईके3सीए" उत्परिवर्तन विश्लेषण शीर्षक पोस्टर पेश करने के लिएरू आईबीसीसी, 7 और 8 अक्टूबर 2017 को जयपुर राजस्थान में हार्मोन रिसेप्टर पॉजिटिव और एचइआर2 रिसेप्टर नकारात्मक स्थिति के साथ इसका संबंध; सदस्य, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ पेन मीटिंग (आईएएसपी), 25–27 फरवरी 2018, लिस्बन, पुर्तगालय अध्यक्ष, विवेकानंद योग अनुसन्धान संस्थान (व्यासा) (आईपीसी), 5–8 जनवरी 2018, बेंगलूरू में फ्रंटियर्स ऑन योगा रिसर्च एंड इट्स एप्लीकेशन (इनकोफेरा) में 22 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनय संकाय, फेफड़े का कैंसर कंसोर्टियम एशिया वार्षिक बैठक, 15–17 दिसंबर 2017, मुंबईय संकाय, प्रशामक देखभाल कार्यक्रम (एपीएचएन) में प्रशिक्षकों का 5 वाँ प्रशिक्षण, 15–21 सितंबर 2017, ढाका, बांग्लादेशय फैकल्टी, परियोजना भारत में कैंसर उपचार केंद्र (एपीएचएन), 29 अगस्त –1 सितंबर 2017, पटना में उपशामक देखभाल क्षमता के निर्माण के उद्देश्य से संकाय, 6 वाँ ईसीएपी सम्मेलन, 19–20 अगस्त 2017, मुंबई संकाय, दर्द में हाल के अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 11–12 अगस्त 2017, पुणे; संकाय, 12 वीं एशिया प्रशांत धर्मशाला सम्मेलन (एपीएचएन), 26–29 जुलाई 2017, सिंगापुर।

डॉ अमर रंजन "इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी" के लिए समीक्षक थे।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

प्रोफेसर ललित कुमार आईएआरसी (कैंसर पर अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी), ल्यों, फ्रांस के सदस्य वैज्ञानिक परिषद हैं। उन्होंने 29 अगस्त 2017 को जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में शेर–ए–कश्मीर शेख मोहम्मद अब्दुल्ला पर व्याख्यान दिया; आईएसएमपीओ व्याख्यान (इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक कैंसर विज्ञान ऑरेशन 10 नवंबर 2017 को वार्षिक बैठक में दिया। 10 नवंबर 2017 को बेंगलुरु में उन्हें नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (एनएएसआई), इलाहाबाद का फेलो चुना गया था। वह काउंसिल मेंबर, इंडियन

एकेडमी ऑफ साइंसेज, बेंगलुरु (2016–2018), मेंबर, एडिटोरियल बोर्ड, कैंसर विज्ञान, एक इंटरनेशनल जर्नल (कारगर)। वे एसोसिएट एडिटर (एशिया), करंट प्रॉब्लम्स इन कैंसर (एल्सेवियर) व सन फार्मा साइंस फाउंडेशन की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हैं। सदस्य, स्टेम सेल रिसर्च एंड थेरेपी (एनएसी–एससीआरटी) आईसीएमआर के लिए राष्ट्रीय सर्वोच्च समिति; वे पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, डीएम मेडिकल कैंसर विज्ञान, राजीव गांधी यूनिवर्सिटी फॉर हेल्थ साइंसेज, बेंगलुरु में एमडी मेडिसिन थीसिस के लिए परीक्षक हैं; पीएचडी, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली, एमजीआर विश्वविद्यालय, चेन्नई, दिल्ली विश्वविद्यालय (उत्तर परिसर) डॉ बीआर अंबेडकर सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च (एसीबीआर); वह सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन समिति, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार (2017–2022) सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, ऐम्स बंदोबस्ती निधि और सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, कैंसर संस्थान (डब्लूआईए), चेन्नई–भारत; चेयर, एथिक्स कमेटी, स्टेम सेल रिसर्च ग्रुप, दिल्ली विश्वविद्यालय, 22 नवंबर 2017, साउथ कैंपस, नई दिल्लीय सदस्य, अनुसंधान समिति की बैठक, टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई, 16 दिसंबर 2017, टीएमएच मुंबईय भारतीय माइलोमा कांग्रेस, भारतीय माइलोमा शैक्षणिक समूह (इमेज), 10 फरवरी 2018, मानेकशॉ कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली के एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर समीर बख्शी ने 2016–2017 के दौरान उत्कृष्ट प्रकाशित शोध कार्यों के लिए एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2017 प्राप्त किया। 2017 में मिशिगन के डेट्रायट, मिशिगन के चिल्ड्रन हॉस्पिटल में श्मेलिसा एन मेमोरियल ओरेशन अवार्ड से सम्मानित।

डॉ रंजीत कुमार साहू ने 24–26 नवंबर 2017 को हेमटोलॉजिकल मलिग्नेंसीज पर एक राष्ट्रीय बैठक आयोजित की।

डॉ अतुल बत्रा को वाशिंगटन डीसी, यूएसए, अक्टूबर 2017 में एसआईओपी 2017 में यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड मिला और एमएसकेसीसी, न्यूयॉर्क, यूएसए, नवंबर 2017 में इंटरनेशनल सीएमएल फाउंडेशन प्रीसेप्टशिप अवार्ड।

डॉ राजा प्रमाणिक को 25 सितंबर 2017 को संस्थान दिवस समारोह में दिए गए शैक्षणिक वर्ष 2016 में सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान डीएम छात्र के लिए श्रीमती शकुंतला जॉली मेमोरियल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

डॉ थौडम देबराज सिंह सत्र में स्तन कैंसर के अपडेट में सत्र समन्वयक थेरू इंडियन सोसायटी ऑफ क्लीनिकल ऑन्कोलॉजी (आईएससीओ), नई दिल्ली द्वारा 6 मई 2017 को आयोजित प्रारंभिक स्तन कैंसर।

चिकित्सा भौतिकी

प्रोफेसर प्रतीक कुमार को एम्स एक्सीलेंस रिसर्च अवार्ड 2017 से सम्मानित किया गया – प्रमाण पत्र मुंबई द्वारा आमंत्रित मरीज की खुराक रिकॉर्डिंग और मरीज के आधार के साथ जुड़े निगरानी प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए एईआरबी में एक बैठक में भाग लेने के लिए; श्री विनोद तिवारी, दिल्ली विश्वविद्यालय, रसायन विज्ञान विभाग, श्री अंकित कजारिया, स्कूल ऑफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी बीएचयू और श्री चंद्र कुमार सिंह, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के लिए पीएचडी थीसिस परीक्षक नियुक्तय आईआईटी बीएचयू, एप्लाइड विकिरण और आइसोटोप, वर्तमान चिकित्सा इमेजिंग समीक्षा, रेडियोलॉजी और इमेजिंग के भारतीय जर्नल और मेडिकल भौतिकी के जम्मू के लिए प्रस्तुत की पांडुलिपियों के लिए रेफरीय सदस्य थे, राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, जयपुर में रेडियोलॉजिकल फिजिक्स में पीएचडी के लिए विभागीय अनुसंधान समिति और डॉ बी बरोहा कैंसर इंस्टीट्यूट (बी बी सी आई), गुवाहाटीय परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी), मुंबई द्वारा उत्तरी क्षेत्र की विकिरण सुविधाओं के लिए संयोजक, एक्सपोजर जांच समितिय बीएससी विकिरण प्रौद्योगिकी, एसएन मेडिकल कॉलेज, जोधपुर, यूसीएमएस, दिल्ली और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के लिए परीक्षक; परमाणु ईंधन चक्र और विकिरण सुविधाओं, एईआरबी, मुंबई में जांच और समीक्षा की समिति की 35 वीं बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रितय संकाय के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिकल भौतिकी और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, स्कीम्स, श्रीनगर; मेडिकल फिजिक्स की 17 वीं एशिया ओशिनिया कांग्रेस और एएमपीआई, जयपुर के 38 वें वार्षिक सम्मेलन में ष्आधुनिक इमेजिंग पर अध्यक्षता सत्रय एक्स–रे इमेजिंग इकाइयों के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, डीएसटी, भारत सरकार के बाहरी विशेषज्ञ; सदस्य, राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन, डीबीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए क्षेत्र समीक्षा पैनल; संपादक, मेडिकल फिजिक्स गजट, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिक्स ऑफ इंडिया (एएमपीआई) के समाचार पत्र; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स, इलेक्ट्रो–मेडिकल उपकरण अनुभागीय समिति, बीआईएस, नई दिल्ली और बोर्ड ऑफ कॉलेज ऑफ मेडिकल फिजिक्स ऑफ इंडिया (सीएमपीआई)।

रेडियोडायग्नोसिस

प्रोफेसर संजय थुलकर को 14 जनवरी 2018 से 3 साल की अवधि के लिए बीपी कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, धरान, नेपाल की अकादमिक समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।डॉ मुकेश कुमार को आपातकालीन रेडियोलॉजी इंडिया के लिए 2018–2019 के लिए समाज के कोषाध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया गया; 2018–2019 के लिए इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईएसवीआईआर) में कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त; 17 वीं एशियाई ओशनिक कांग्रेस ऑफ रेडियोलॉजी में प्रस्तुत पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसका शीर्षक है – इम्यूनोकम्प्रेस्ड कैंसर रोगियों में ग्राउंड ग्लास

अपारदर्शिता; 17 वीं एशियाई ओशनिक कांग्रेस ऑफ रेडियोलॉजी में प्रस्तुत पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार, मक वैक्यूम असिस्टेड ब्रेस्ट बायोप्सी–व्हेन एंड ह्वेन 'शीर्षक स; भारत में ओन्को–इमेजिंग के सोसाइटी के उद्घाटन सम्मेलन में ई–पोस्टर के लिए दूसरा पुरस्कार. शीर्षक–शसिर और गर्दन के कैंसर में विकिरण प्रेरित परिवर्तन।

विकिरण कैंसर विज्ञान

प्रोफेसर जी.के. रथ झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एम्स 2 परिसर) के प्रमुख हैं; केजीएमयू, लखनऊ, 2017 द्वारा डीएससी ऑनोरिस कोसा से सम्मानितय सम्मानित डॉक्टरेट (ऑनोरिस कॉसा) डिग्री अनुसन्धान विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, 2017 के 5 वें दीक्षांत समारोह मेंय जन विकास न्यास कैंसर अस्पताल और अनुसंधान संस्थान ग्वालियर के स्थापना दिवस, 2017 को भारत में शीतला सहाय ओरेशन पद कैंसर के परिदृश्य और इसके भविष्य के बारे में बताया; उद्घाटन प्रोफेसर एमसी पंत ओरेशन, यूपी आरआईसीओएन, लखनऊ; एनइसीएचआरआई 8 वें प्रमुख और गर्दन के कैंसर अपडेट, 2017, गुवाहाटी में भारत में कैंसर नियंत्रण के लिए देश में उपलब्ध कार्यक्रम और सुविधाएं उपलब्ध कराए गए एनइसीएचआरआई व्याख्यान; जीएसएल मेडिकल कॉलेज और जनरल अस्पताल, राजमुंदरी, 2017 के 12 वें वार्षिक शैक्षणिक और सांस्कृतिक दिवस समारोह में गन्नी सुब्बालक्ष्मी मेमोरियल ऑर्विटेशन; शैक्षणिक उद्घाटन समारोह में गेस्ट ऑफ ऑनर, 12 वीं वार्षिक शैक्षणिक और सांस्कृतिक दिवस समारोह, जीएसएल मेडिकल कॉलेज और जनरल अस्पताल, राजमुंदरी, 2017; मुख्य अतिथि, येनपेया विश्वविद्यालय, मैंगलोर 2017 का 7 वां दीक्षांत समारोहय हिसार 2017 में एआरओआई–एनजेड में मुख्य अतिथि वेलेडिक्ट्री समारोहय संकाय चयन के लिए अध्यक्ष स्थायी चयन समिति, एम्स, भोपालय अध्यक्ष, उच्च शक्ति समिति केजीएमयू, लखनऊ में सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट की रेडियोथेरेपी सेवाओं को मजबूत करने के संबंध में; नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीडीआईआर), आईसीएमआर, बेंगलुरु के वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी); 2018 को सीएनसीआई, कोलकाता में 6वी रैखिक त्वरक की कीमत की देयता का पता लगाने के लिए समितिय सीडीएसी और आरसीसी, तिरुवनंतपुरम और कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत मैमोग्राम्स (मैमोग्राम्स के लिए सीएडी) के लिए कंप्यूटर एडेड डिटेक्शन सिस्टम के विकास के हकदार परियोजनाओं के लिए डी आई टी के पीआरएसजीय कोचीन कैंसर केंद्र, केरल के लिए निदेशक की पहचान करने वाली समिति के अध्यक्षय डीबीटी के इंटरनेशनल कैंसर जीनोम प्रोजेक्ट के लिए गवर्निंग बोर्ड के सह–अध्यक्षय अध्यक्ष, परियोजना के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति 'एसएएमईआर, मुंबई और इनमास, डीआरडीओ, नई दिल्ली द्वारा लागू किए जा रहे चिकित्सा और अन्य अनुप्रयोगों के लिए उच्च ऊर्जा इलेक्ट्रॉन रैखिक त्वरक प्रौद्योगिकी के अनुसंधान और विकास के लिए परियोजनाय चिकित्सा उपचार के खर्चों को आंशिक रूप से कम करने के लिए प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से वित्तीय सहायता देने के लिए समिति के अध्यक्षय 2017 में एम्स, ऋषिकेश के लिए रेडियोथेरेपी उपकरणों की खरीद के लिए समिति के अध्यक्षय विशेषज्ञ समितियों निकायों के सदस्य परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी), भारत सरकारय सदस्य, डॉ। बी बरूआ कैंसर संस्थान, गुवाहाटी में कैंसर जीवविज्ञान कार्यक्रम में एमएससी के लिए सलाहकार समितिय सदस्य, क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम की वैज्ञानिक समितिय सदस्य, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी); एम्स के लिए स्थायी चयन समिति, पटना 2017 में संकाय चयन साक्षात्कार (रेडियोथेरेपी) के लिए विशेषज्ञ; 2017 में रेडियोथेरेपी विभाग, एम्स, भुवनेश्वर में संकायों के चयन के लिए विषय विशेषज्ञय रेडियोथेरेपी यूनिट 2017 की स्थापना के लिए कोर समिति की बैठक में भाग लेने के लिए निदेशक, डीजीएचएस (एनसीडी) उड़ीसा द्वारा आमंत्रित; एम्स भोपाल के गवर्निंग बॉडी के सदस्यय 2017 को आरसीसी तिरुवनंतपुरम में विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग में प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञय गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज 2017 में एक व्यापक कैंसर अस्पताल स्थापित करने के लिए विशेषज्ञ संकाय; डॉ बी बोरूहा कैंसर संस्थान, गुवाहाटी में कैंसर बायोलॉजी कोर्स में एमएससी के लिए सलाहकार समिति के सदस्य।

प्रोफेसर सुभाष चंदर ने सम्मेलन में भाग लिया, 2017 कनाडाई कैंसर अनुसंधान सम्मेलन, 5–7 नवंबर 2017, वैंकूवर, कनाडाय सम्मेलन में भाग लिया, श्रीलंका के कॉलेज ऑफ एनेस्थीसिया के 34 वें वार्षिक एससी कांग्रेस, 26–28 जनवरी 2018, कोलंबो, श्रीलंकाय सम्मेलन में भाग लिया, अंतर्राष्ट्रीय कैंसर सम्मेलन, 18–20 जनवरी 2018, काठमांडू, नेपाल; सम्मेलन में भाग लिया, इंटरनेशनल सीएमई इन पाथ, हिस्ट, साइटोपथ, 2–4 फरवरी 2018, गोवा; सम्मेलन में भाग लिया, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के 73 वें वार्षिक सम्मेलन, 23–25 फरवरी 2018, बेंगलुरु।

प्रोफेसर डी एन शर्मा को वैज्ञानिक के लिए बायोमेडिकल रिसर्च के लिए आईसीएमआर पुरस्कार मिलाय किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा वर्ष 2017 के लिए डॉ जी एन अग्रवाल ओरेशन से सम्मानितय इंडियन कॉलेज ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजी (एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया) द्वारा आईसीआरओ फैलो अवार्ड से सम्मानित; डॉ डीएन शर्मा को लोयोला विश्वविद्यालय, शिकागो, यूएसए द्वारा विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया है; चेयरपर्सन, द इंडियन एसोसिएशन फॉर पैलिएटिव केयर, 23–25 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली का 25 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

प्रोफेसर सुष्मिता पथी, विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षकय अध्यक्ष, पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नैन्सीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 3–4 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली।डॉ। सुभाष गुप्ता इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑन्कोलॉजी साइंस के एसोसिएट एडिटर हैं; सत्र इस्नोकॉन 2017, 5–8 अप्रैल 2017, कन्वेंशन सेंटर, बेंगलुरु के लिए अध्यक्षय एक सत्र ब्रेन ट्यूमर ', वाई आर ओ सी 2017, 16–17 दिसंबर 2017,

गुरु जंबेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार; एक सत्र की अध्यक्षता की ळस आवर्तक ग्लिओमास ', 2018, 12–14 जनवरी 2018, विवांता बाय ताज, नई दिल्लीय सत्र के लिए अध्यक्षः 16 वें वार्षिक ईबीएम सिर और गर्दन के कैंसर 2018 पर, 23–25 फरवरी 2018, टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई; स्तन कैंसर 2018, 9–10 मार्च 2018, रेडिसन, नेपाल में सत्र 3 एनसीएचसीओएन अपडेट के लिए अध्यक्ष; सत्र के लिए अध्यक्ष, स्त्री रोग कैंसर के प्रबंधन में अद्यतन, 6 अगस्त 2017, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. के.पी. हरेश इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑन्कोलॉजी साइंस के मुख्य संपादक हैं; परियोजना के लिए यूडीसी के चयन के लिए स्वतंत्र इंटरव्यू के लिए अध्यक्ष, आईसीएमआर मुख्यालय में भारतीय जनसंख्या में स्तन कैंसर के आनुवंशिक, नैदानिक और महामारी विज्ञान कारकों का तुलनात्मक विश्लेषण; एम्स, नई दिल्ली में तम्बाकू मुक्त शिक्षा संस्थान समिति के सदस्य; 17 अक्टूबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली में साक्षात्कार में वॉक पर रेडियोलॉजी के चयन के लिए समिति के सदस्य; सत्र के लिए अध्यक्ष, स्त्री रोग कैंसर के प्रबंधन में अपडेट, 6 अगस्त 2017, एम्स, नई दिल्लीय एक सत्र जन ब्रेन ट्यूमर ', नाजराईकोन 2017, 16–17 दिसंबर 2017, गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, हिसार की अध्यक्षता मेंय एक व्याख्यान की अध्यक्षतारू स्तन कैंसर में परीक्षण जिसने पिछले 100 वर्षों में हमारी धारणा बदल दी, असोमैकॉन 2017, 8 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. रंभा पांडे फेफड़े के कैंसर, ऐम्स पलमोक्रिट 2017, 15–16 अप्रैल 2017, जेएलएन ऑडिटोरियम, ऐम्स, नई दिल्ली में संगोष्ठी की अध्यक्ष थीं।

डॉ. अहिताग्नि विश्वास ने सितंबर 2017 में एमआरसीपी मेडिकल ऑन्कोलॉजी स्पेशलिटी सर्टिफिकेट परीक्षा (यूके) पास की; नवंबर 2017 में द्वितीय भारतीय कैंसर कांग्रेस, बेंगलुरू में डॉ एमसी पंत स्वर्ण पदक से सम्मानित।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

प्रोफेसर एस.वी.एस.देव को एम्स, ऋषिकेश, एम्स, भोपाल, एम्स, पटना में संकाय के चयन के लिए स्थायी चयन समिति की बैठक के लिए बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था; सर्जिकल ऑन्कोलॉजी संकाय के लिए जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग भर्ती के लिए विषय विशेषज्ञ 23 जनवरी 2018; एमसीएच (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) बीएचयू, वाराणसी के लिए बाहरी परीक्षक; उन्हें एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य आईसीएमआर–सीटीआरआई के रूप में नियुक्त किया गया था; टाटा मेमोरियल अस्पताल मुंबई में वित्त पोषण के लिए संकाय परियोजना की समीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञय नियुक्त– प्रभारी दिल्ली कैंसर रजिस्ट्रीय राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर के लिए उपकरणों की खरीद के लिए अध्यक्ष तकनीकी विनिर्देश समितिय स्तन सर्जरी इंटरनेशनल में एक कोषाध्यक्ष के रूप में चुने गए; भारत के ट्रेजरी एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन; पीएसएम की अध्यक्ष इंडियन सोसाइटी; उन्हें जापानी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए), नई दिल्ली में एक भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. सुनील कुमार को सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया द्वारा डॉ सुनील कुमार को थोरैसिक सर्जरी में अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप से सम्मानित किया गया; उन्हें 24 वें एशिया पैसिफिक कैंसर सम्मेलन, सोल (दक्षिण कोरिया) में उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए ट्रैवल ग्रांट से सम्मानित किया गया उन्होंने कैंसर, गुवाहाटी में के पी सैकिया मेमोरियल व्याख्यान दिया उन्हें एमसीएच सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, टीएमएच, मुंबई के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था।

अतिथि वैज्ञानिक

1. **डॉ. राकेश वर्मा,** एचएलओएस ऑन्कोलॉजी इंक, कैलिफोर्निया, अमेरिका
2. **डॉ. शिबदास बनर्जी,** आईआईएसईआर, तिरुपति
3. **डॉ. रिचर्ड फिन,** यूसीएलए मेडिकल सेंटर, सांता मोनिका
4. **प्रोफेसर अर्लेने चौन,** निदेशक, हॉलीवुड अस्पताल, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया
5. **फ्रांसेस्को ग्रॉसी,** एडजंक्ट प्रोफेसर, जेनोवा विश्वविद्यालय, इटली

10-4 Mk- jktUn ilkn u= foKku dUn

i:e[k ,o vkpk;l

अतुल कुमार

vkpk;l

प्रदीप शर्मा	रमनजीत सिहोटा	गीता सतपथी (नेत्र सूक्ष्मजैवविज्ञान)
जे.एस. टिटियाल	राधिका टंडन	एस.के. खोखर
शक्ति कुमार गुप्ता (चिकित्सा अधीक्षक)	महेश चन्द्र	दिलीप आर. शिंदे (नेत्र संवेदनाहरण)
मनदीप सिंह बजाज	राज पाल	सीमा सेन (नेत्र विकृतिविज्ञान)
संजय शर्मा (विकिरण निदान)	सीमा कश्यप (नेत्र विकृति)	नम्रता शर्मा
तनुज दादा	प्रदीप वेंकटेश	नीलम पुष्कर
टी. वेलपंडियन (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)	प्रवीन वशिष्ठ (सामुदायिक नेत्रविज्ञान)	जसबीर कौर (नेत्र जैवरसायन)
रोहित सक्सेना	विनय गुप्ता	रेनु सिन्हा (नेत्र संवेदनाहरण)
तुषार अग्रवाल	एम. वानथी	राजेश सिन्हा
	भावना चावला (छुट्टी पर)	

अपर आचार्य

पारिजात चन्द्रा

सह–आचार्य

सेनजम सूरज सिंह (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)	आलोक कुमार रवि (नेत्र जैव रसायन)	नबनिता हलदर (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)

सहायक आचार्य

नुपूर गुप्ता	रचना मील	विनोद कुमार
रोहन चावला	स्वाति फुलझले	विवेक गुप्ता (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)
निशांत हुसैन अहमद (नेत्र सूक्ष्मजैवविज्ञान)	शिखा गुप्ता	नेवते लामी
दिवांग अंग्मो	प्रफुल्ल महाराणा	शौर्यवर्धन आज़ाद
कानिल रंजीत कुमार	अरशद अयूब	नीलिमा

fo'k"krk,¡

डॉ. राजेंद्र प्रसाद सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, देश में नेत्र देखभाल के लिए शीर्ष केंद्र है। केंद्र को एक प्रमुख सुपर–स्पेशियलिटी संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है, जिसमें अत्याधुनिक उपकरण और रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं। वर्ष 2017–2018 में कुछ प्रमुख उपलब्धियां/योगदान में शामिल हैं:

- अंधत्व की रोकथाम के लिए **डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र** के रूप में मान्यता प्राप्त है
- **सबसे बड़ा भारतीय स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम**–1000 से अधिक शानदार पूर्व छात्र, पूरी दुनिया में नेत्र स्वास्थ्य संस्थानों में अग्रणी
- डॉ आर पी सेंटर को सर्वश्रेष्ठ अस्पताल केंद्र/सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठान कार्यालय की श्रेणी के तहत, **स्वच्छता सम्मान 2017 के लिए प्रथम पुरस्कार** से सम्मानित किया गया, और सबसे अच्छे तौर पर अनुरक्षित वार्ड (वार्ड 2ए) के लिए भी।
- केंद्र ने एक **राष्ट्रीय नेत्र शल्य चिकित्सा कौशल विकास केंद्र** की स्थापना की है, जो मोतियाबिंद और विटेरो–रेटिनल सर्जरी के लिए इंट्राओकुलर सर्जिकल प्रशिक्षण के लिए एक उच्च स्तरीय वर्चुअल रिएलिटी सिम्युलेटर के साथ अपनी तरह का पहला है; वास्तविक समय में उपकरणों और इन्ट्राऑक्यूलर संरचनाओं के बीच जटिल अंतःक्रिया का अनुभव करके कई प्रशिक्षुओं को अत्यधिक लाभ हुआ है
- नेत्र विज्ञान की विभिन्न उप–विशिष्टताओं, जैसे कि ग्लूकोमा, रेटिना, कॉर्निया, रिफ्रैक्टीव सर्जरी, मोतियाबिंद, स्ट्रैबिस्मस, ऑकुलोप्लास्टी, ऑकुलर ऑन्कोलॉजी, न्यूरो–नेत्र विज्ञान और ऑप्थैल्मिक एनेस्थिसिया; इन कार्यशालाओं में देश भर के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो उच्च स्तरीय ज्ञान, सर्जिकल विशेषज्ञता और अत्याधुनिक तकनीक के संपर्क में थे; विशेष लाइव इंटरएक्टिव सर्जिकल सत्र और व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ व्यक्तिगत वेटलैब सत्र इन कार्यशालाओं के मुख्य आकर्षण थे; ये संकाय सदस्यों द्वारा प्रदान किए गए संपूर्ण शिक्षाप्रद व्याख्यान के माध्यम से पूरक तौर पर संचालित किए गए थे
- **ग्लूकोमा–** डॉ आर पी सेंटर ने अंधेपन के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,** भारत सरकार के सहयोग से देश में ग्लूकोमा प्रशिक्षण के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है; इस कार्यक्रम के तहत, नेत्र रोग विज्ञान के क्षेत्रीय संस्थानों में जिला नेत्र रोग विशेषज्ञ और ग्लूकोमा विशेषज्ञ ग्लूकोमा के निदान और प्रबंधन में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे; क्षेत्रीय संस्थानों में ग्लूकोमा का प्रबंधन करने वाले नेत्र रोग विशेषज्ञों को एनपीसीबी के साथ भागीदारी में आयोजित दो दिवसीय **'ट्रेनिंग द ट्रेनर्स'** कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया, ताकि वे जिला नेत्र रोग विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने के लिए, एकसमान शैक्षिक मॉड्यूल को कौशल हस्तांतरण के साथ समामेलिक करते हुए व्याख्यान के साथ एकरूपता प्रदान कर सकें। मधुमेह का एक नया रूप, जिसे **मधुमेह टाइप–4** कहा जाता है, आरपीसी के शोधकर्ताओं द्वारा वर्णित किया गया है; यह सिंड्रोम सेंट्रल नर्वस सिस्टम (सीएनएस) इंसुलिन प्रतिरोध के साथ मस्तिष्क विशिष्ट मधुमेह है, और माइटोकॉन्ड्रियल शिथिलता से रेटिना गैंग्लियन सेल की हानि और ग्लूकोमास न्यूरोडीजेनेरेशन होता है; यह संभावित रूप से मोतियाबिंद और इसके उपचार के बारे में पुनर्विचार को बढ़ावा देगा।
- **कॉर्निया, मोतियाबिंद और रिफ्रैक्टिव सेवाएं–** आर पी सेंटर हमेशा से ही फैकोमेसिलिफिकेशन, फेमटोसेकंड लेजर असिस्टेड सर्जरी, स्प्लिट कॉर्नियल सर्जरी (कई प्राप्तकर्ताओं के लिए सिंगल डोनर, एंड स्टेज कॉर्निया विकारों के लिए केराटोप्रोस्टेसिस और हाल ही में स्टेम सेल प्रत्यारोपण के साथ अग्रणी रहा है) बायोइंजिनेरेड कॉर्निया की शुरूआत, जिसने कॉर्नियल प्रत्यारोपण के क्षेत्र में नए रास्ते खोले हैं; लेजर सर्जिकल रिफ्रैक्टिव सुधार के लिए अत्याधुनिक स्माल इंसिडेंस लेंटिकुल एक्सट्रैक्शन (स्माइल) तकनीक भी शुरू की गई है, जो हमें देश का पहला सरकारी शिक्षण संस्थान बना चुकी है; आधुनिक और उच्च तकनीक वाले सर्जिकल उपकरणों का उपयोग, जैसे कि इंट्रा ऑपरेटिव वेवफ्रंट एबरोमेट्री 'ऑप्टिवेव रेब्रेक्टिव एनालिसिस (ओआरए)' को इंट्राओकुलर लेंस सर्जरी के परिणाम को अधिकतम करने के लिए शुरू किया गया है; आरपीसी ने घटक कॉर्निया सर्जरी की सबसे उन्नत तकनीक की शुरुआत की, जो कि एंडोथेलियल बीमारी से पीड़ित रोगियों के लिए डेसमैट मेम्ब्रेन एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी (डीएमईके) है, और सफलतापूर्वक संयुक्त राज्य अमेरिका से अंतर्राष्ट्रीय संकाय के सहयोग से क्डम्झ सर्जरी पर पहली कार्यशाला आयोजित की गई; ज्वाइंट ट्रेनिंग केराटोप्लास्टी वर्कशॉप का आयोजन भी साइटलाइफ फाउंडेशन के सहयोग से किया गया था, जिसमें देश के सभी हिस्सों के निवासियों और साथियों को अंतर्राष्ट्रीय और डॉ आर पी सेंटर संकाय द्वारा प्रशिक्षित किया गया था
- **रेटिना और यूवीए सेवाएं–** केंद्र की स्थापना के बाद से, यह विभिन्न दृष्टि विकारों वाले विट्रो–रेटिनल विकारों के प्रबंधन के लिए शीर्ष रेफरल केंद्र बना हुआ है, जैसे डायबिटिक रेटिनोपैथी, संवहनी निष्कर्ष, आयु से संबंधित मैक्यूलर डिजेनेरेशन और यूवाइटिस (इंट्रा ओकुलर) सूजन); विभाग व्यापक जांच प्रदान करने के लिए नवीनतम व अद्वितीय जांच उपकरणों से सुसज्जित है; केंद्र दुनिया में सबसे अच्छा करने के लिए तुलनीय परिणामों के साथ जटिल रेटिना डिटैचमेंट, ट्रैडिशनल रेटिना डिटैचमेंट और मैक्यूलर विकृति के प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक सैचरलेस 25 जी/27/जी विट्रो रेटिनल सर्जरी करता है; रेटिनल विकारों के निदान और उपचार के लिए अत्याधुनिक इमेजिंग और खोजी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनमें माइक्रोपरिमेट्री, अल्ट्रा–वाइड फील्ड एंजियोग्राफी, स्पेक्ट्रलिस ओसीटी, ओसीटी–एंजियोग्राफी (डायलेस एंजियोग्राफी, एडेप्टिव ऑप्टिक्स इमेजिंग, वीडियो एंजियोग्राफी, वीडियो एंजियोग्राफी) तथा मल्टीफोकल ईआरजी, ग्रीन लेजर, पास्कल, फोटोडायनामिक थेरेपी आदि शामिल हैं; डिजेनेरेटिव रेटिना विकारों पर स्टेम सेल अनुसंधान जारी रखने

का लक्ष्य भविष्य में अंधों को आशा प्रदान करना है; ओसीटी असिस्टेड ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप ने मैक्युलर बीमारियों को संचालित करने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव किया है, जैसे कि मैक्युलर होल, और हमें बेहतर सर्जिकल परिणाम प्राप्त करने की अनुमति देता है; हमने हाल ही में एनजीईएनयूआईटीवाई 3डी विजुअलाइजेशन सिस्टम व अत्याधुनिक डिजिटली असिस्टेड विटेरेटाइनल सर्जरी प्लेटफॉर्म शामिल किया है; इसने हमें भारत में 3डी हेड्स अप विट्रीटोरिनल सर्जरी में अग्रणी बना दिया है।

- **प्रीमैच्योरिटी की रेटिनोपैथी–** आरपीसी स्क्रीनिंग, लेजर ट्रीटमेंट और सर्जरी फॉर रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी (आरओपी) के लिए शीर्ष रेफरल केंद्र है, यह समय से पहले जन्में शिशुओं में बचपन के अंधेपन का एक महत्वपूर्ण कारण है; हमने हाल ही में एक समर्पित उच्च निर्भरता इकाई (एचडीयू) शुरू की है, जो समय पूर्व जन्में शिशुओं को पोस्टऑपरेटिव समर्थन प्रदान करने के लिए कुशल बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा नियोजित है।
- **रेटिनोब्लास्टोमा और अन्य नेत्र कैंसर–** आरपीसी रेटिनोब्लास्टोमा के लिए शीर्ष रेफरल केंद्र है, जो बच्चों में पाया जाने वाला सबसे आम नेत्र कैंसर है; यह ओकुलर ऑन्कोलॉजी सर्विस सर्जरी, कीमोथेरेपी और विकिरण चिकित्सा से मिलकर एक बहु–अनुशासनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से, बच्चों और वयस्कों में नेत्र और नेत्र संबंधी जटिल ट्यूमर की एक विस्तृत विविधता का उपचार प्रदान कर रहा है; नोबल ग्लोब साल्वेज कार्यनीति, जैसे इंट्रा–आर्टरी कीमोथेरेपी ने रेटिनोब्लास्टोमा से पीड़ित छोटे बच्चों में आंखों और दृष्टि को बचाने में मदद की है; हम देश के **पहले सरकारी अस्पताल** भी हैं, जहां आंखों के कैंसर के इलाज के लिए **प्लाक ब्रेकी–थेरेपी की सुविधा** स्थापित की गई है; केंद्र में नए शोध ने संभावित कमजोर रोगनिरोधी बायोमार्कर का भी खुलासा किया है, जो नेत्र संबंधी ट्यूमर के लिए है
- **पैडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजी और स्ट्रैबिस्मस** – केंद्र एक राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है, जिसे अमेरिकन एसोसिएशन फॉर पीडियाट्रिक ऑप्थैल्मोलॉजी और स्ट्रैबिस्मस (एएपीओएस), और अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (एएओ) द्वारा मान्यता दी गई है; एआईओएस प्रायोजित बाल रोग नेत्र विज्ञान और स्ट्रैबिस्मस वर्किंग ग्रुप अक्टूबर में आयोजित किया गया था, जो बाल चिकित्सा परीक्षा की जांच के लिए दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने हेतु चश्मे के प्रिस्क्रिप्शन और एम्बीलोपिया का प्रबंधन पर आयोजित किया गया; केंद्र स्ट्रैबिस्मस के सभी जटिल मामलों के लिए रेफरल के लिए शीर्ष केंद्र बना हुआ है; हम स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य योजना में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।
- **पैडियाट्रिक मोतियाबिंद–** हम बचपन में होने वाले अंधेपन के सबसे सामान्य उपचारयोग्य कारणों में से एक के लिए एक रेफरल केंद्र हैं; ऐसे उपचार प्राप्त करने वाले बच्चों की संख्या में पिछले 10 वर्षों में 5 गुना वृद्धि हुई है; उपचार का मुख्य उद्देश्य सर्जरी द्वारा दृश्य एक्सिस को साफ करना है, इसके बाद उन्हे पोस्ट ऑपरेटिव दृश्य पुनर्वास प्रदान किया जाता है; सर्जरी के बाद ऑक्लूशन (बेहतर आंख की पैचिंग) थेरेपी ने कई बच्चों को आजीवन दृष्टि देने, और एम्बोपिया को रोकने के लिए स्वास्थ्य देखभाल व पुनर्वास प्रदान किया है
- **द नेशनल आई बैंक** कॉर्निया प्रत्यारोपण में सर्जनों के प्रशिक्षण, डोनर टिश्यु पुनर्प्राप्ति और प्रसंस्करण में तकनीशियनों के प्रशिक्षण, नेत्र दान को बढ़ावा देने और निरंतर अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है; इसने 23,000 से अधिक कॉर्निया एकत्र किए हैं, जिनका उपयोग अब तक 16,000 से अधिक कॉर्नियल प्रत्यारोपण करने के लिए किया गया है; जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, एम्स की वेबसाइट पर एनईबी पोर्टल पर ऑनलाइन प्रतिज्ञा सिस्टम प्रदान किया गया है; वर्ष 2017–2018 में, कुल 1813 डोनर कॉर्निया एकत्र किए गए, जो अब तक की सबसे अधिक संख्या है; लैमेलर केराटोप्लास्टी की आधुनिक प्रक्रियाओं में उपयोग के लिए केंद्र नियमित रूप से विभिन्न केंद्रों को प्री–कट टिश्यु प्रदान करता है; आरपी सेंटर ने पंजाब को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया है, और 31 दिसंबर 2017 तक पंजाब को कॉर्नियल ब्लाइंडनेस बैकलॉग मुक्त राज्य बनाने के लिए मार्गदर्शन की पहल प्रदान की है।
- **पर्यावरणीय कारक और नेत्र स्वास्थ्य–** पर्यावरणीय परिवर्तन और नेत्र संबंधी स्वास्थ्य पर पराबैंगनी किरण के संपर्क के प्रभाव पर एक आईसीएमआर बहुसांस्कृतिक सहयोगात्मक अध्ययन, आरसी सेंटर फॉर एनसीआर क्षेत्र (ग्रामीण गुड़गांव), उत्तर पूर्वी क्षेत्र (ग्रामीण गुवाहाटी) के लिए आरआईओ गुवाहाटी में और तटीय क्षेत्रों (प्रकाशम) के लिए आईआईपीएच हैदराबाद में संचालित है; राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल) पर्यावरणीय कारकों और यूवीए और यूवीबी विकिरणों के लिए डेटा रिकॉर्ड करने के लिए इसमें शामिल है।
- **लो विजन एंड रिहैबिलिटेशन सर्विस–** केंद्र ने हाल ही में नेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर के उद्घाटन के साथ अपनी लो विजन एंड रिहैबिलिटेशन सर्विसेज को अद्यतन किया है; हम विकलांगता प्रमाणन को कारगर बनाने में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की सहायता कर रहे हैं
- नेत्रहीनों के परामर्श के लिए **टेलीमेडिसिन**
- **सामुदायिक नेत्र विज्ञान सेवा–** यह विभाग सक्रिय रूप से रोगी देखभाल सेवाओं, स्कूल विजुअल स्क्रीनिंग कार्यक्रमों, रेसिडेन्ट्स और स्वयंसेवकों के शिक्षण और प्रशिक्षण, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं, समुदाय आधारित अनुसंधान गतिविधियों, राष्ट्रव्यापी महामारी विज्ञान नेत्र स्वास्थ्य सर्वेक्षण, पदोन्नति और नेत्र स्वास्थ्य पर जागरूकता के लिए सक्रिय रूप से शामिल है; यह नियमित रूप से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रण और दृष्टिहीनता के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीबी और वीआई) की सहायता करता है; सामुदायिक नेत्र विज्ञान की भूमिका नेत्र देखभाल सेवाओं को उपलब्ध, सुलभ और सस्ती बनाना है;

विभाग भविष्य में नीतियों और योजनाओं के निर्माण के लिए अंधेपन के बारे में राष्ट्रव्यापी डेटा प्रदान करने की जिम्मेदारी का भी समर्थन करता है; सरकारी डिस्पेंसरियों/गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कुल 25 विजन सेंटर खोले गए हैं।

- **वर्ष 2017 में क्लिनिक–महामारी विज्ञान अनुसंधान और नीतिगत पहल–** डॉ आर. पी. केंद्र ने हाल ही में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से डायबिटिक रेटिनोपैथी और इसके बायोमार्कर पर एक क्लिनिक–महामारी विज्ञान अध्ययन शुरू किया है; राष्ट्रीय ट्रेकोमा प्रसार सर्वेक्षण और ट्रेकोमा रैपिड असेसमेंट सर्वे 2017 में पूरा किया गया, और ट्रेकोमा सर्वेक्षण रिपोर्ट (2014–2017) 8 दिसंबर 2017 को श्री एन.के. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किया गया, जिसमें भारत को सक्रिय ट्रैकोमा संक्रमण से मुक्त घोषित किया गया; 11 जनवरी 2018 को एपीसीबी और वीआई के सहयोग से 'ट्रेकोमा की निगरानी के लिए कार्ययोजना तैयार करने हेतु ट्रेकोमा वर्कशॉप' जो कि ट्रेकोमा की निगरानी के लिए आयोजित किया गया; 13 फरवरी, 2018 को डिपार्टमेंट ऑफ कंट्रोल ऑफ नेगेटिव ट्रॉपिकल डिजीज, डब्ल्यूएचओ, जिनेवा के प्रतिनिधियों ने डॉ आरपीसी फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली का दौरा किया और डेटा की समीक्षा की और वर्ष 2020 तक भारत में ट्रेकोमा उन्मूलन के लिए रणनीति पर चर्चा की।
- राष्ट्रीय दृष्टिहीनता सर्वेक्षण 2015–2018 भी राष्ट्रीय स्तर पर दृश्य हानि और अंधेपन के बोझ के लिए सबूत पैदा करने हेतु आरपी सेंटर द्वारा 90,000 की आबादी के एक नमूने में आयोजित किया जा रहा है; अंधत्व सर्वेक्षण अब तक 28 जिलों में पूरा हो चुका है और जून 2018 तक सभी 30 जिलों में पूर्ण किए जाने की अपेक्षा है; यह सर्वेक्षण न केवल अंधेपन और दृश्य हानि के सबसे विश्वसनीय प्रतिनिधित्व वर्तमान अनुमान प्रदान करेगा, बल्कि पहली बार भारत में मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी और दृष्टि जोखिम वाले मधुमेह रेटिनोपैथी का बोझ का भी पता लगाएगा; अंत में, दिल्ली में बचपन के अंधेपन पर एक महामारी विज्ञान का अध्ययन किया जा रहा है, जो पिछले 10 वर्षों में उत्तर भारत में बचपन की दृश्य हानि और अंधेपन पर आधारित पहला बड़े पैमाने पर सामुदायिक अध्ययन है; अध्ययन का कुल नमूना आकार 20,000 बच्चे हैं और परिणाम 2018 में आने की उम्मीद है।
- डब्ल्यूएचओ–एससीएआरओ ने 'भारत में सार्वभौमिक नेत्र स्वास्थ्य की प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना का विकास' विषय पर कार्यशाला का आयोजन 9 और 10 नवंबर 2017 को डॉ. आरपीसी एम्स में किया गया; डब्ल्यूएचओ–एससीएआरओ द्वारा नामित उम्मीदवारों के लिए सामुदायिक नेत्र विज्ञान में डब्ल्यूएचओ एससीएआरओ शैक्षणिक अभिविन्यास कार्यक्रम शुरू किया गया
- **अंधत्व की परिभाषा–** संस्थान को डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित अंतर्राष्ट्रीय परिभाषा के साथ, एनपीसीबी के तहत अंधापन की भारतीय परिभाषा के पुनः संरेखण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है; अंधेपन की भारतीय परिभाषा में अब वर्णित है कि कोई भी व्यक्ति जो बेहतर आंख में 3/60 से कम की दृश्य तीक्ष्णता रखता हो; केंद्र ने भारत में विजुअल इंपावरमेंट एंड ब्लाइंडनेस की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, डब्ल्यूएचओ ग्लोबल एक्शन प्लान (2014–2019) के अनुरूप अंधेपन कार्यक्रम को बदलने का पक्षसमर्थन किया है, ताकि विशेष रूप से दृष्टिबाधिता पर जोर दिया जा सके; यह अप्रैल 2017 में स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत द्वारा स्वीकार किया गया था।
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत विकलांगता प्रमाणन दिशानिर्देश; सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत विभिन्न नेत्र विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विकलांगता प्रमाण पत्र और दृश्य विकलांगता उप–समूहों के पुनः वर्गीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है; इस अधिनियम के तहत परिभाषा को संस्थान के संकाय द्वारा प्रदान किए गए पक्षसमर्थन के कारण डब्ल्यूएचओ परिभाषा के अनुरूप संशोधित किया गया है।
- भारत–अमेरिका सहयोग के लिए राष्ट्रपति ओबामा और प्रधानमंत्री मोदी विजन को ध्यान में रखते हुए निदेशक ने परिपत्र, एम्स के माध्यम से आधिकारिक परिपत्र में अनुरोध किया है, उच्च शिक्षण और उत्कृष्टता के लिए निम्नलिखित संस्थानों के साथ सहयोगी लिंक स्थापित किए गए हैं: जूल्स स्टीन इंस्टीट्यूट, टफ्ट्स यूनिवर्सिटी, यूटी वेस्टर्न यूनिवर्सिटी टेक्सास, मैसाचुसेट्स आई और ईयर इन्फर्मरी, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, एनईआई, एनआईएच, बेथेस्डा, एमडी, यूएसए, साइटलाइफ, सिएटल, यूएसए और क्लीवलैंड क्लिनिक, यूएसए
- **ओकुलर फार्माकोलॉजी–** ओकुलर फार्माकोलॉजी और फार्मेसी ने हाल ही में भारत में दूरस्थ स्थानों पर नेत्र देखभाल के बिंदुओं पर अस्थिर दवाओं के लिए एक स्टेराइल फेस इन्वर्शन और डिस्पेंसिंग टेक्नोलॉजी (ट्रांसरेकॉन) का पेटेंट कराया है; भारत और विदेशों में नेत्र रोग विशेषज्ञों की मदद के लिए इस तकनीक का जल्द ही व्यावसायीकरण किया जाएगा, ताकि नेत्र संबंधी आपातकालीन देखभाल दवाओं की खरीद की जा सके; दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सतह और भूजल में एंटीबायोटिक सहित जैव सक्रिय यौगिकों का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है, जो स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन के पहल का हिस्सा है; **कॉर्नियल स्टोरेज मीडिया** (भारत में सरकारी नेत्र रोग अस्पतालों के लिए कॉर्नियल ट्रांसप्लांट को सक्षम करने के लिए) मानकीकृत किया गया है, और यह वर्ष 2010 से अब तक भारत के 22 राज्यों (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) में 58 नेत्र–बैंकों में सेवा दे रहा है (पूरे देश में 15,000 से अधिक नेत्र दान सक्षम किए गए हैं)।
- **ओकुलर पैथोलॉजी–** ओकुलर पैथोलॉजी ने ऑटोइम्यूनोस्टेनर, एक उच्च आउटपुट इंस्ट्रूमेंट का अधिग्रहण किया है जो एक स्वचालित सुविधा है जो कुशल और तेज नैदानिक रोगी सेवाओं के लिए उन्नत और तेज इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री (आईएचसी) प्रदान करने में सक्षम है; विभाग के पास एक साइटोस्पिन भी है, जो कि बहुत कम मात्रा में विट्रोस/जलीय तरल पदार्थों का तेजी से और कुशलता से

विश्लेषण करने में उपयोगी है; इन दोनों सुविधाओं से असाध्य रोगों सहित जटिल रोगों के त्वरित उपचार की योजना बनाने में मदद मिलेगी

- **ऑक्यूलर बायोकेमेस्ट्री** ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं; वैज्ञानिक अनुसंधान क्षेत्रों में बेसिक और ट्रांसलेशनल ट्यूमर और ग्लूकोमा, एंजियोजेनेसिस से संबंधित रेटिना रोग और स्टेम सेल अनुसंधान, दोनों पर कार्य जारी हैं

शिक्षा

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. जूनियर रेजिडेंट्स की कुल संख्या	109
2. कुल उत्तीर्ण एमडी (नेत्र विज्ञान)	45
3. बीएससी (ऑनर्स) नेत्र चिकित्सक तकनीशियन की संख्या	55
4. बीएससी (ऑनर्स) नेत्र चिकित्सक तकनीशियन की संख्या	वर्ष के दौरान 14 योग्य
5. अवर स्नातक छात्र	45
6. इंटर्न्स	55
7. जिला नेत्र सर्जन का प्रशिक्षण	6
8. लघु/दीर्घकालिक प्रशिक्षण	10
9. कार्यशाला/संगोष्ठी	10

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. तिर्यकदृष्टि कार्याशाला : लाइव सर्जरी/कौशल हस्तांतरण/व्याख्यान 23 जुलाई 2017
2. मोतियाबिन्द में जिला नेत्र रोग विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम, 2 अगस्त 2017
3. डेसीमेट स्ट्रिपिंग ऑटोमेटेड एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी वर्कशाप (डीएमईके), 6–11 अगस्त 2017
4. पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी (पीके) वर्कशाप, 24–27 अक्तूबर 2017
5. मोतियाबिन्द लाइव सर्जरी/कौशल हस्तांतरण/व्याख्यान कार्यशाला, 20 अगस्त 2017
6. रेटीना कार्यशाला, 17 सितम्बर 2017
7. रेटीना लाइव सर्जरी/नये इमेजिंग उपकरणों का प्रदर्शन/व्याख्यान, 1 अक्तूबर 2017
8. कॉर्निया कार्यशाला : लाइव सर्जरी/नये इमेजिंग उपकरणों का प्रदर्शन/व्याख्यान, 22 अक्तूबर 2017
9. ऑकुलोप्लास्टिक सर्जरी और ऑकुलर रसौली कार्यशाला, 19 नवम्बर 2017
10. विश्वव्यापी नेत्र आरोग्य को हासिल करने के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के विकास पर विश्व स्वास्थ्य संगठन– सीरो (एसईएआरओ) एक्सपर्ट ग्रुप की बैठक, 9–10 नवम्बर 2017
11. विश्व स्वास्थ्य संगठन– सीरो (एस.ई.ए.आर.ओ) कार्यशाला– दक्षिण पूर्वी एशिया कार्यक्रम में पुतली संबंधी असमानताएं जन्मजात विकार (पीएसीडी) के लिए सर्वोत्तम प्रैक्टिस, 19 दिसम्बर 2017
12. विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार ट्राकोमा की निगरानी के लिए कार्य योजना पर राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबी) – ट्राकोमा कार्याशाला, 11 जनवरी 2018
13. फेकोमूल्सीफिकेशन एण्ड रिफ्रेक्टिव सर्जरी अपडेट : लाइव सर्जरी/कौशल हस्तांतरण/व्याख्यान, 14 जनवरी 2018
14. न्यूरो–नेत्र विज्ञान और इमेजिंग अपडेट, 21 जनवरी 2018
15. आरपीसी संस्थापक दिवस वैज्ञानिक कार्यशाला, 10–11 मार्च 2018

प्रदत्त व्याख्यान

अतुल कुमारः 33	**नम्रता शर्माः 63**	**विनोद कुमार अग्रवालः 16**
प्रदीप शर्माः 33	**नीलम पुष्करः 1**	**रोहन चावलाः 10**
रमनजीत सिहोटाः 14	**प्रवीण वशिष्ठः 12**	**स्वाति फुलझलीः 6**
राधिका टंडनः 37	**जसबीर कौरः 1**	**विवेक गुप्ताः 5**
एस.के. खोखरः 20	**रेणु सिन्हाः 7**	**निशात हुसैन अहमदः 1**
दिलीप आर शिंदेः 11	**एम. वनाथीः 30**	**शिखा गुप्ताः 10**
सुश्री बजाजः 3	**पारिजात चन्द्रः 10**	**नेवते लामीः 1**
राज पालः 6	**सेनजम सूरज सिंहः 1**	**देवांग अंग्मोः 17**
सीमा सेनः 1	**नूपुर गुप्ताः 15**	**अरशद अयूबः 5**
सीमा कश्यपः 2	**रचना मीलः 2**	

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुतिः 41

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सीआरएफबी002एच2301, रेनबो अध्ययन : समय से पहले जन्म लेने वाले जन्मजात दृष्टिपटल (रेटिना) विकृति वाले शिशुओं के उपचार के लिए लेजर थेरेपी की तुलना में रेनबंब की प्रभावकारिता और सुरक्षा के मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक, नियंत्रित अध्यन, राजपाल, नोवार्टिस हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, 2017 से कार्यरत, 2.53 लाख रु.
2. गैर–संक्रामक यूवाइटिस से पीड़ित मैकुलर एडेमा संबंधी रोग के उपचार हेतु ट्राइमासिनोलोन एसिलेनाइड इंजेक्टेबल संस्पेंशन की सुरक्षा एवं प्रभाविकता के मूल्यांकन हेतू एक फेज 3 यादृच्छिक मास्कड नियंत्रण परीक्षण, प्रदीप वेंकटेश, क्लीयर साइड बायोमेडिकल इंक, जारी
3. मायोपिया बनाम सामान्य आबादी वाले रोगियों में मानव विटेरेस में मौजूद कोलेजन और संबंधित अपक्षयी एंजाइमों की परिवर्तनशील जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करने के लिए शोर्य वर्धन आजाद, एम्स, 2 वर्ष
4. मैकुलर डिजेनेरेशन से संबंधित शुष्क आयु में ऑटोलोगस बोन मैरो प्राप्त मूल कोशिकाओं का मूल्यांकन – एक व्यापक अध्ययन, अतुल कुमार, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 2015–2018, 49 लाख रुपये में
5. एशियाई जनसमुदाय/क्षेत्र में टैक्निस सिम्फनी या टैक्निस सिम्फनी टोरिक आईओएल के साथ बाइलेटरल प्रत्यारोपित मरीजों का दृष्टि संबंधी कार्यनिष्पादन/प्रदर्शन : एक अंतर्राष्ट्रीय बहुकेन्द्रीय अध्ययन, जे.एस. तितियाल, होया लिमिटेड, 2 वर्ष, 2016–2018, 3 लाख रुपये में
6. रोगियों के बीच आईओएल विकल्प पर मोतियाबिन्द के रोगियों की पूर्व ऑपरेटिव परामर्श के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए तृतीयक स्तर पर सरकारी सहायता प्राप्त नेत्र अस्पताल, अल्कोन, 8 वर्ष, 2010–2018, 2.05 लाख रुपये
7. मेतियाबिन्द सर्जरी वाले रोगियों में पहले से मौजूद कॉर्नियल दृष्टिविकार को ठीक करने के लिए सुप्राटोब टोरिक इंट्रा ओकुलर लेंस (आईओएल) आरोपण का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, नम्रता शर्मा, अप्पासामी एसोसिएट्स, चेन्नई, 1 साल, 2016–2017, 4.4 लाख रुपये
8. क्लीनिकल स्टडी टू इवेलुएट द सेफ्टी एंड एफिकैसी ऑफ द बायोइंजीनियर्ड कॉर्निया इन पेशेंट्स रीक्वायरिंग डिप एंटीरियर लमेल्लर केरेटोप्लास्टी, नम्रता शर्मा, लिंको केयर लाइफसाइंस–स्वीडन, 3 वर्ष, 2014–2017, 12 लाख रुपये
9. नेत्र प्रदाह के कारण कुल मिल्बल स्टेम सैल रोग उपचार मे एमनिओटिक मेम्ब्रेन ट्रांसप्लांट बनाम एकल लिम्बल लेंटिक्यूल प्रत्यारोपण पर ऑटोलगस संवर्धन लिम्बस स्टेम सेल्स की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, नम्रता शर्मा, डीएसटी, 4 साल, 2013–2017, 50 लाख रुपये
10. संक्रामक केरेटाइटिस अध्ययन के लिए एशिया कॉर्निया सोसायटी, एशिया कॉर्नियल सोसायटी इंफेक्शीयस स्टडी, नम्रता शर्मा, एशिया कॉनियल फाउन्डेशन, सिंगापुर, 1 साल 6 माह, 2016–2017, 18 लाख रुपये
11. एशियाई जनसमुदाय/क्षेत्र में टैक्निस सिम्फनी या टैक्निस सिम्फनी टोरिक एक्टेंडेड रेंज ऑफ विजन आईओएल के साथ बाइलेटरल प्रत्यारोपित मरीजों का दृष्टि संबंधी कार्यनिष्पादन/प्रदर्शन : एक अंतर्राष्ट्रीय बहुकेन्द्रीय अध्ययन, नम्रता शर्मा, ए.एम.ओ. सिंगापुर प्रा. लि. , सिंगापुर, 1 वर्ष, 2016–2017, 16 लाख रुपये
12. जुवेनाइल ऑनसेट ऑपन एंगल ग्लूकोमा (जेओएजी) से जुड़े नोवल और केजुअल म्यूटेशन (नों) की सटीक अनुक्रमणीय खोज, विनय गुप्ता, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2017–2020, 68 लाख रुपये
13. एशिया कॉर्निया सोसायटी इंफेक्शीयस स्टडी (एसीएसआाईकेएस), गीता सत्पथी, एशिया कॉनियल फाउन्डेशन, थर्ड हॉस्पीटल एवेन्यू, सिंगापुर, 2 वर्ष, 2016, 16 लाख रुपये में
14. हरपीज सिम्पलेक्स वायरस टाइप 1 और टाइप 2 का पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर की स्थापना, साइटोमेगालोवायसर, वैरिकाला–जोस्टर वायरस और ओकुलर वायरल संक्रमण में एडेनोवायरस, निशात हुसैन अहमद, एम्स, 2 साल, 2016–2018, 7.07 लाख रुपये
15. स्कूली बच्चों में निकट दृष्टि/मायोपिया की बढ़त और बढ़ी हुई बाहरी गतिविधि होने के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, रोहित सक्सैना, डी.एस.टी., 3 साल, 2016–2019, 48.63 लाख रुपये
16. सीबीएम–आरपीसी डिसेबिलिटी आई हेल्थ प्रोग्राम एंड स्ट्रेंथिनिंग ऑफ एलवी एंड रिहेबिलिटेशन सर्विसिज, रोहित सक्सैना, सी.बी.एम., 5 साल, 2015–2020, 46.72 लाख रुपये

17. एक आधारभूत चरण I/II, यादृच्छिक, डबल–मास्केड, क्यूपीआई–1007 का शम कंट्रोल ट्रायल जिसमें एक्यूट नॉन–आर्टेरिटिक एन्टीरियर इस्कीमिक ऑप्टिक न्यूरोपेथी (एनएआईओएन) के साथ एकल या मल्टी डोज इंटोविट्रियल इंजेक्शन द्वारा वितरित किया जाता है, रोहित सक्सैना, क्वार्क फार्माक्यूटिकल्स, 3 वर्ष, 2016–2019
18. एक्प्लोरिंग द रोल ऑफएंडोकेनबिनोइड्स इन प्राइमरी एडल्ट ग्लूकोमा, देवांग अंग्मो, एम्स इंटामुरल, 2 वर्ष, 2017–2019, 4.5 लाख रुपये
19. जेनेटिक्स ऑफ प्राइमरी एंगल क्लोजर डिसीज, मौलीनाथ आचार्य, डीबीटी, 2 वर्ष, 2016–2018
20. मॉलिक्यूलर एंड म्यूटेशनल स्टडीज इन द यूवाइयल मेलेनोमा एण्ड देयर कोर्रिलेशन विथ क्लीनिकोपैथोलॉजिकल पैरामीटर्स, नीलम पुष्कर, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2017–2019, 30 लाख रुपये
21. लेबर की हेरेडिटरी ऑप्टिक न्यूरोपेथी रोगियों में प्लेसबो की तुलना में इडेबोन की प्रभावकारिता के मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन : एक पायलट अध्ययन, स्वाति फुलझले आलोक, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 4.32 लाख रुपये
22. बाइलेटरल सिकाट्रीजिंग ऑक्यूलर सरफेस रोग के साथ रोगी में कल्टीवेटेड ओरल म्यूकोजल एपीथेलियल ट्रांसप्लान्टेशन के साथ कॉन्जंक्टीवल स्टेम सेल प्रत्योरोपण की प्रभावकारिता का तुलनात्मक अध्ययन, राधिका टंडन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 68 लाख रुपये
23. मल्टी–सेंट्रिक टास्क–फोर्स प्रोजेक्ट : स्टडी ऑफ इम्पेक्ट ऑफ एक्सपोजर टू अल्ट्रा–वॉयलट रेडिएशन (यूवीआर) एंड एयरोसेल एक्सपोजर ऑन ओकुलर हेल्थ इन इंडिया फेज II, राधिका टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018–2023, 1106 लाख रुपये
24. सामान्य और रोगग्रस्त कॉर्निया में इन्फलेमेट्री मार्कर्स एवं विकास कारकों का मूल्यांकन, नूपुर गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 10 लाख रुपये
25. भारत में उम्र संबंधित मोतियाबिन्द के इलाज के लिए मोतियाबिन्द सर्जरी की लागत और जीवन की स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता पर अध्ययन, प्रवीण वशिष्ठ, डीएचआर
26. भारत में विकासशील डिसेबिलिटी समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम, सूरज सिंह सेनजम, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडनेस मिशन (सीबीएम), 3 वर्ष, 2017–2020, 22.54 लाख रुपये
27. दिल्ली की शहरी संवेदनशील आबादी में सशक्त एकीकृत प्रारम्भिक नेत्र सुरक्षा पर ऑपरेशनल अनुसंधान परियोजना, प्रवीण वशिष्ठ, साइटसेवर्स, 2 वर्ष, 2017–2018, 163 लाख रुपये
28. दिल्ली ग्लूकोमा स्टडी – दिल्ली में मोतियाबिन्द के बोझ का आंकलन करने के लिए एक जनसंख्या आधारित सर्वेक्षण, 3 साल, 2017–2020
29. स्वास्थ्य उपचार पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने पर ऑपरेशनल अनुसंधान परियोजना, डीएचआर
30. भारत में अवॉइडेबल नेत्रहीनता का एपीडिमियोलॉजिकल अध्ययन, प्रवीण वशिष्ठ, एनपीसीबी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2015–2018, 528 लाख रुपये
31. डायबिटिक रेटीनोपेथीः दिल्ली में बायोलॉजिकल मार्कर्स और इसके जोखिम कारकों का एपीडिमियोलॉजिकल अध्ययन, प्रवीण वशिष्ठ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 1 वर्ष, 2017–2018, 109 लाख रुपये
32. स्कूली बच्चों में निकट दृष्टि/मायोपिया की बढ़त और बढ़ी हुई बाहरी गतिविधि होने के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए, प्रवीण वशिठ, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 48.63 लाख रुपये
33. दिल्ली की शहरी संवेदनशील आबादी में सशक्त एकीकृत प्रारम्भिक नेत्र सुरक्षा पर ऑपरेशनल अनुसंधान परियोजना, प्रवीण वशिष्ठ, साइटसेवर्स, 3 वर्ष, 2016–2018, 163 लाख रुपये
34. स्ट्रेन्थिनिंग ऑफ लो वीजन एण्ड रिहेबलीटेशन सर्विसिस, सूरज सिंह सेनजम, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडनेस मिशन (सीबीएम), 1 वर्ष, 2018, 15.45 लाख रुपये
35. नई दिल्ली में सामान्य और प्रारम्भिक नेत्र सुरक्षा सेवाओं को प्राप्त करने वाले हिन्दी बोलने वाले रोगियों में सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त स्वास्थ्य साक्षरता साधन का विकास और इसकी वैधता का आकलन, विवेक गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 2.50 लाख रुपये
36. दक्षिणी दिल्ली में सामुदायिक नेत्र विज्ञान कार्यक्रम, प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 1 वर्ष, 2017–2018, 2 लाख रुपये
37. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कम्प्रीहेन्सिव आउटरीच आई केयर सर्विस के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 5 वर्ष, 2017–2022, 77.12 लाख रुपये
38. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कम्प्रीहेन्सिव आउटरीच आई केयर सर्विस के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, हीरो मोटोकार्प, 1 वर्ष, 2018, 37.04 लाख रुपये
39. सेवा निहित आबादी हेतु कम्प्रीहेन्सिव आउटरीच आई केयर सर्विस के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, स्पर्श, 3 वर्ष, 2018–2020, 39.42 लाख रुपये

40. दिल्ली झुग्गी बस्तियों और पुनर्वास कालोनियों में सेवा निहित आबादी हेतु कम्प्रीहेन्सिव आउटरीच आई केयर सर्विस के लिए एक स्थायी मॉडल, प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 5 वर्ष, 2018–2022, 125 लाख रुपये
41. दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों/दिल्ली झुग्गी बस्तियों और पुनर्वास कालोनियों में कम्प्रीहेन्सिव प्राथमिक आई केयर सर्विसस, प्रवीण वशिष्ठ, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, 4 वर्ष, 2016–2020, 34.74 लाख रुपये
42. पश्चिमी दिल्ली शहरी संवेदन आबादी सेटिंग्स के बीच रास्तों पर मोतियाबिन्द एवं सामान्य नेत्र संबंधी रुग्णता के लिए सुरक्षा एवं देखभाल के पैटर्न और मार्ग और स्थानीय स्वयंसेवकों का प्रभाव, विवेक गुप्ता, स्वामी सिवानन्द मेमोरियल, 2 वर्ष, 2017–2019, 20 लाख रुपये
43. दिल्ली स्कूलों में छात्रों के लिए विजन स्क्रीनिंग और चश्मा वितरण कार्यक्रम, प्रवीण वशिष्ठ, विजन स्प्रिंग, 1 वर्ष, 2017–2018, 6.4 लाख रुपये
44. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में प्रजनक कोशिका मार्कर्स की भूमिका, जसबीर कौर, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2017–2018, 5 लाख रुपये
45. प्राइमरी ऑपन एंगल ग्लूकोमा और प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा रोगियों की जलीय मनोवृति और टियर फिल्म में विशिष्ट प्रोटीन की पहचान, जसबीर कौर, एसईआरबी, डीएसटी, 3 साल, 32.16 लाख रुपये
46. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में एंडोथेलियल प्रजनक कोशिका मार्कर्स को प्रसारित करने की भूमिका, जसबीर कौर, एम्स, 2 वर्ष, 10 लाख रुपये
47. इंट्राकऑक्यूलर ट्यूमर में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए का मॉलिकुलर अध्ययन, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2015–2018, 30 लाख रुपये
48. नेत्र पलक सीबेशियस ग्रन्थि कार्सिनामा में एपीथीलियल मैसेनकाइमल ट्रांसिशन मार्कर्स का नैदानिक इंप्लीकेशन, सीमा सेन, आईआरजी, 3 वर्ष, 2014–2017, 6 लाख रुपये
49. भारतीय नेत्र बैंकों हेतु कॉर्नियल ट्रांसप्लांट संरक्षण के लिए विकासशील गुणवत्ता नियंत्रण मानक वितरणीय एमके मीडिया, टी वैलपांडियन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 11 वर्ष, 2009–2020, 61.93 लाख रुपये
50. रेटीनल निओवेसक्युलर स्थितियों में उनकी उपयुक्तता के लिए चयनित एंटी–एंजियोजेनिक कम्पाउंड्स पर प्रीक्लिनिकल अध्ययन, नबनीता हलदर, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 8.5 लाख रुपये
51. रेटीनोब्लास्टनोमा के लिए नये कैंसरविरोधी घटकों के विकास के लिए विकसित औषध और जैव–विश्लेषणात्मक तरीकों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन, टी वैलपांडियन, आईएनवीआईसीटीयूएस, 5 वर्ष, 2013–2018, 38.86 लाख रुपये
52. ओकुलर और अन्य संक्रमणों में इसके प्रस्तावित उपयोग के लिए क्यू.एस.पी.आर. प्लेटफार्म पर आधारित नये विकासशील एंटीमाइक्रोबायल्स पर सहयोगात्मक अध्ययन, टी. वैलपांडियन, व्योम बायोसाइंसेस, 4 वर्ष, 2014–2018, 23.12 लाख रुपये
53. विशेष आबादी में उनके उपयोग के लिए दवा उत्पादों का विकास एवं मानकीकरण, टी वैलपांडियन, आईएनएमएएस, डीआरडीओ, 2 वर्ष, 2015–2017, 26 लाख रुपये
54. हाई–थ्रोपुट ओकुलर ड्रग डेवेलपमेन्ट हेतु इन–सिलीको प्रीडिक्शन ऑफ ड्रग पेनीट्रेटिंग थ्रो ब्लड रेटिनल बैरियर के लिए इन–वीवो आधारित क्यूएसपीआर मॉड्ल, टी. वैलपांडियन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 51 लाख रुपये

पूर्ण

1. पैथोलॉजिक मायोपिया (ब्रिलएंस) के कोरोडियल नियोव्सकुलराइजेशन सैकेण्ड्री के कारण दृष्टि दोष से पीड़ित रोगियों में दो इंडिविजुअल रेजीमन्स ऑफ 0.5 एमजी रेनिबिजुमेब बनाम वर्टिपोर्फिन पी.डी.टी.जी. की प्रभाविकता एवं सुरक्षा के मूल्यांकन हेतु 12 माह फेज तीन, यादृच्छिक, डबल माक्सड, बहु केन्द्रिय एक्टिव नियंत्रित अध्ययन, राजपाल, नोवारिट्स हेल्थ केयर प्रा.लि., 2 वर्ष, 2015–2017, 3.79 लाख रुपये
2. दिल्ली में स्कूली बच्चों के बीच मायोपिया को प्रभावित करने वाले परिवर्तनीय कारकों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा हस्तक्षेप पर एक मार्गदर्शक अध्ययन, रोहित सक्सैना, डीएसटी, 3 वर्ष, 2012–2016, 19.92 लाख रुपये।
3. यूवियल मेलानोमा में सक्रिय बी कोशिकाओं (एनएफकेबी) न्यूक्लियर फैक्टर मार्कर लाइट चेन एन्हान्सर का प्रोग्नोस्टिक महत्त्व, रचना मील, आईआरजी, 2 वर्ष, 2015–2017, 5 लाख रुपये
4. कॉर्नियल ग्राफ्ट रिजेक्शन में थ्रोम्बोस्पोन्डिस–1 पॉलीमार्फिज्म का मूल्यांकन, एम. वान्थी, एम्स, 1 साल, 2016–2017
5. दीर्घकालिक एंटीग्लूकोमा चिकित्सा में टियर न्यूरापेप्टाइड का मूल्यांकन, एम वान्थी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–2017

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली में ग्लूकोमा की व्यापकता का आकलन करने के लिए जनसंख्या आधारित अध्ययन
2. रेटीनल वेन ऑक्लूजन विषय–वस्तुओं में इंट्रावाइट्रियल अफ्लिबरसेप्ट के साथ संयोजन के रूप में सुप्राकोरोइडल सीएलएस–टीए की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक, मॉस्कड, नियंत्रित परीक्षण

3. आयडियोपैथिक इंट्राक्रानियल हाइपरटेंशन और उसी पर बजन में कमी का प्रभाव के गंभीर (प्रारम्भिक एवं स्थापित) मामलों में ऑप्टिक तंत्रिका के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तनों का एक अस्थायी मूल्यांकन
4. भारत में केरेटोप्लास्टी से गुजरने वाले रोगियों के जीवन की गुणवत्ता का विश्लेषण करने के लिए राष्ट्रीय नेत्र संस्थान विजुअल फंक्शन प्रश्नावली (वीएफक्यू 25) के आधुनिक संस्करण को एक उपकरण के रूप में अपनाना, अद्यतन करना और वैधीकरण करना
5. रीगैमाटोजेनस रेटिना डिटेचमेन्ट के लिए विक्ट्रोक्टॉमी में विराम के माध्यम से पोस्टीरियर रेटिनोटॉमी बनाम पीएफसीएल असिस्टेड ड्रेनेज के द्वारा ड्रेनेज के एनाटॉमिकल और फक्शनल परिणाम।
6. पीएसीडी में इंटीरियर सेगमेन्ट ओसीटी।
7. पैसिव लैग रेजिंग मेन्यूवर के दौरान शिरापरक सीओ2 में परिर्वतन के द्वारा द्रव्य प्रतिक्रिया का आकलन।
8. यंग मायोपस में आउटडोर पराबैंगनी प्रकाश एक्पोजर और सीरम मेलाटोनिन के स्तर का आकलन
9. एंटीरियर लेमेलर केरेटोप्लास्टी से गुजरने वाले रोगियों जीवन में दृष्टि गुणवत्ता एवं दृष्टि संबंधी गुणवत्ता का आकलन : एक पायलट अध्ययन
10. शुष्क आयु से संबंधित मैकुलर डिजेनेरेशन के उपचार में ऑटोलोगस बोन मैरो प्राप्त मूल कोशिकाओं की भूमिका का मूल्यांकन – एक व्यापक अध्ययन
11. ऑप्टिकल कोहेरेन्स टॉमोग्राफी में प्रयुक्त होने वाले सरल कोराइडल नियोवस्कुलर मेम्ब्रेन उपचार की विशेषताएँ – एक गाइड
12. सामान्य स्वास्थ्य भारतीय जनसमुदाय में स्वेप्ट सोर्स ऑप्टिकल कोहेरेन्स टॉमोग्राफी के प्रयोग द्वारा कोरोडियल परत का मापांकन
13. स्टर्ज वेबर सिंड्रोम में कोरोइडल वैस्कुलर पैटर्न
14. नेत्र सतह रोग के लिए गैस परागम्य स्केरल कॉन्टेक्ट लैंस के साथ नैदानिक प्रदर्शन और नेत्र सतह होमियोस्टेटिस अध्ययन
15. कंजाक्टिविटिस वायरल के उपचार में कृत्रिम आँसुओं बनाम प्रोविडोन आई ड्रॉप की नैदानिक प्रोफाइल एवं परिणाम
16. दिल्ली की शहरी आबादी की प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाओं को सशक्ति करने में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) की भागीदारी पर समुदाय आधारित ऑपरेशनल अनुसंधान अध्ययन
17. फंगल कॉर्नियल अल्सर के उपचार में पॉलीन एंटीफंगल का तुलनात्मक अध्ययन।
18. मैक्यूलर सर्जरी में माइक्रोस्कोप– एकीकृत आई–ओसीटी का उपयोग करके रेटिनल आर्किटक्चरल परिवर्तनों का तुलनात्मक मूल्यांकन –एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण
19. एपीरेटिनल मेमब्रेन सर्जरी के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिणामों पर एसएफ6 बनाम पार्शियल एयर टैम्पोनड का तुलनात्मक अध्ययन
20. डिस्टल कैनालिक्युलर एवं कॉमन कैनालिक्युलर ब्लॉक में स्टेंट के साथ ट्रिफिनिटेशन बनाम माइटोमाइसिन सी स्टेंट के साथ ट्रिफिनिटेशन का तुलनात्मक अध्ययन
21. एक्यूट ऑक्यूलर सरफेस डिस्ऑडर में एएमटी, एमएमजी, सीओएमईटी की तुलना
22. सीआरवीओ के मामलों में एंटी–वीईजीएफ + 2 मिलीग्राम ट्राइकोर्ट के साथ अकेले एंटी–वीइजीएफ की तुलना
23. एंडोफथालमिटिस में 3 एंटीबायोटिक रेजीमेंट के प्रभाव की तुलना
24. बच्चों में सेवोफ्लूरेन इंडक्शन की मानक तकनीक के लिए कम ताजा गैस प्रवाह की तुलना
25. इंटरमीटेंट एक्सोट्रोपिया में एंटागोनिस्ट रिसेशन के साथ कम्बाइन्ड औसत दर्जे का रेक्टस रिसेक्शन बनाम औसत रेक्टस पिलीकेशन की तुलना
26. मधुमेह रेटिनोपैथी के रोगियों ओसीटीए एवं फ्लूरोसिन एंजियोग्राफी की तुलना
27. बालचिकित्सा रोगियों में सी.एम.ए.सी. मिलर ब्लेड साइज 1 और सीएमएसी मेकिनटोस ब्लेड साइज 2 के साथ इंटूबेट और इंटूबेशन स्थितियों में समय की तुलना– एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रक अध्ययन
28. घुटने के ट्यूमर्स निकालने के बाद पोस्ट ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड फीमरो–सिएटिक नर्व ब्लाक बनाम एपिड्यूरल एनाल्जेसिया की तुलना– एक यादृच्छिक नियंत्रक अध्ययन
29. वर्नेल केराटोकोनजाइटिस में फूरियर डोमेन ऑप्टिकल कोहेरेन्स टोमोग्राफी और कॉर्नियल बायोकैमिक्स का उपयोग करके कॉर्नियल एपिथेलियल थिकनेस मेपिंग करना
30. दीर्घकालिक मुखी एमेन्टेडाइन चिकित्सा में पार्किसन रोग के रोगियों में कॉर्नियल मूल्यांकन
31. बेसलाइन इंट्राऑक्यूलर प्रेसर और हिस्टोपैथेलॉजी ऑफ ट्रेब्क्युलर मेशवर्क के बीच सहसंबंध
32. मायोपिक लैसिक में कॉर्नियल बायोमेकेनिक्स के साथ परसेन्ट टिश्यू एबलेशन का सहसंबंध
33. कॉर्नियल एंडोथेलियल डिसफंक्शन वाले रोगियों में डीएसएईके बनाम पीके की लागत–प्रभावकारिता विश्लेषण
34. मायोपिया में क्लिनिक–इमेजिंग असमानताएं और विटरो रेटिनो–कोरॉइडो–स्क्लेरल संबंध का निर्धारण
35. डिजिटली असिस्टेट बनाम पारंपरिक विटरो–रेटिनल सर्जरी – एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन
36. नींद की बीमारी वाले व्यक्तियों में शुष्क नेत्र रोग और ऑक्युलर रुग्णता
37. भेंगापन की सर्जरी के बाद मरीजों के इंट्राऑक्यूलर प्रेसर पर टॉपीकल स्टेरॉयड का प्रभाव

38. पॉलिपोइडल कोरोइडल वैस्कुलोपैथी में ओरल इपलेरोन की प्रभावकारिता
39. दिल्ली में बचपन के दृष्टि विकार पर एपिडेमियोलॉजिकल अध्ययन
40. घुटने की आर्थोस्कापी के लिए इरेक्टर स्पिना ब्लॉक – एक एकल हाथ संभावित अवलोकन अध्ययन
41. टॉरिक आईओएल इम्प्लांटेशन के मामलों में पोस्ट ऑपरेटिव रेजिडुयल दृष्टिविकार की पूर्वसूचना देने में बैरेट टॉरिक कैलकुलेटर की सटीकता का मूल्यांकन
42. जन्मजात नासोलैक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन रोगियों में एनिसोमेट्रोपिया और एंबीलिया जोखिम कारक का मूल्यांकन
43. मोनोविजन के साथ स्यूडोपाखिया में बिनऑक्यूलर विजन का मूल्यांकन
44. संशोधित टिटेनियम द्वारा बोस्टन केरेटोप्रोस्थेसिस का मूल्यांकन
45. लेक्रीमल आउटफ्लो ऑब्सट्रक्शन में बोटुलिनियम टॉक्सिन इंजेक्शन का मूल्यांकन
46. माइटोमाइसिन सी. की तुलना हेतु डेक्रायोसाइस्टोराइनोस्टोनी सर्जरी की असफलता में कोलेजन मेट्रिक्स इंप्लाट का मूल्यांकन
47. पास की दूरी की असामानता वाले रोगियों में कम्बाइंड रिसेशन और उसी मांसपेसियों के रिसेशन का मूल्यांकन
48. प्राइमरी एक्वायर्ड नेसोलेक्रिमल नलिका रुकावट के वयस्कों में एडजक्टिव मीटोमायसिन–सी द्वारा जांच के बाद सिलिकॉन इंट्यूबेशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन
49. नाइस्टाग्मस के मामलों में एचआरक्यूओएल का मूल्यांकन
50. डायबिटिक मैक्युलर एडिमा वाले पोस्ट एंटी–वीईजीएफ नेत्रों में एन फेस ओसीटी इमेजिंग के उपयोग करके बाह्य रेटिनल स्ट्रक्चरल इंटीग्रिटी का मूल्यांकन – एक संभावित अध्ययन
51. पोस्टीरियर कॉर्नियल दृष्टि विकार का मूल्यांकन
52. टाइसोएमेट्रोपिक एम्बलियोपिया में रेटिनल फंक्शन और मारफोलॉजी का मूल्यांकन
53. इम्प्लांट माइग्रेशन वाले एनॉपथॉल्मिक सॉकेटों में पोरोअस पॉलीथीन के सर्जीकल परिणाम का मूल्यांकन
54. रेटिनोब्लास्टोमा में अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन
55. कॉर्नियल ग्राफ्ट रिजेक्शन में थ्रोम्ब्रोस्पोन्डिन–1 पॉलिमार्फिज्म्स का मूल्यांकन
56. सी और डी रेटिनोब्लास्टोमा ग्रुप में लगातार/आंशिक रूप से विट्रोसस सीड्स के लिए इंट्रावीनस कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में इंट्रविट्रियल मैलेफेलन का उपयोग करते हुए विट्रिस सीड रिग्रेशन का मूल्यांकन
57. आईओएल पावर केल्कुलेशन के लिए बैरेट यूनिवर्सल II फार्मूले का मूल्यांकन
58. वर्टीकल केराटोकोनजिक्टिवाइटिस में केराटोप्लास्टी के बाद ग्राफ्ट सर्वाइवल और विजुअल आउटकम्स का मूल्यांकन
59. प्रीमैच्योरिटी की रेटिनोपेथी में जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइलिंग
60. जुवेनाइल ऑपन एंगल ग्लूकोमा में जीनोमिक अल्ट्रेशन
61. डायबिटिक रेटिनोपैथी के प्रारम्भिक चरणों में एडाप्टिव ऑप्टिक फन्डस केमरा और ओसीटी–एन्जियोग्राफी का उपयोग करते हुए हाई रिसोल्यूशन फोटोरिसेप्टर और माइक्रोवास्कुलर इमेजिंग
62. ऑर्बिटल ट्यूमर में आणविक लक्ष्य की पहचान और विशेषता : इनोवेटिव चिकित्सीय स्ट्रेटजीज का आधार
63. बाल चिकित्सा बुद्ध चिरी सिंड्रोम में इमेजिंग और हस्तक्षेप
64. चिकित्सीय एन्डोस्कोपी के लिए केटेलोडेक्स ग्लोसोफैरिंजल नर्व ब्लाक बनाम प्रोपोफोल एवं फेंटेनाइल वाले स्पे
65. स्टैटिन के उपयोग के साथ लेंटिक्युलर परिवर्तन – एक अस्पताल आधारिक संभावित कोहार्ट अध्ययन
66. मोतियाबिन्द चिकित्सा के मेटाबोलिक और फार्माकोजिनोमिक मूल्यांकन
67. एन्डोफ्थेल्मिटिस और सेप्टिसीमिया में मेटेगेनोमिक्स।
68. मोतियबिन्द में मॉल्क्यिूर परिवर्तन
69. माइकोटिक केराटाइटिस और आक्रमक संक्रमण से फुंगी की मॉलिक्यूलर लक्षण और जीवाणुओं की वृद्धि और प्रत्यक्ष अनुसंधान जैसी पारंपरिक तरीको के साथ तुलना
70. घातक लैक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर का मॉलिक्यूलर लक्षण
71. यूविअल मेलानोमा में एनएफकेबी मार्ग का मॉलिक्यूलर लक्षण
72. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम ऑक्यूलर सीक्वले का मॉलिक्यूलर लक्षण
73. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम वाले मरीजों में लिड मार्जिन रोग निदान के लिए म्यूकस मेम्ब्रेन ग्राफ्टिंग (फाइब्रिन ग्लू बनाम स्वूचर): एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन
74. रेटिनल डिचमेंट सर्जरी के बाद मेटामोर्फोप्सिया के साथ आँखों की मल्टीमॉडल रेटिनल इमेजिंग
75. 35 एमएचजेड अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी का उपयोग करके 15 साल से कम आयु की बालचिकित्सा वर्ग में ओक्यूलर बायोमेट्री
76. रेटिनल वास्कुलिटिस और उनके नैदानिक एवं एटियालॉजिकल प्रोफाइल–अल्ट्रा वाइड फील्ड (यूडब्ल्यूएफ) अध्ययन
77. प्री–मैच्योरिटी के स्टेज 4ए रेटिनोपैथी में सर्जिकल परिणामों के लिए पूर्वसूचक

78. फेफड़ो संबंधित टीबी रोगियों में तपेदिक के ऑक्यूलर मैनीफेस्टेशन की व्यापकता
79. प्री–मैच्योरिटी के जोन 1 रेटिनोपैथी और प्री–मैच्योरिटी के आक्रामक प्रोस्ट्रीयल रेटिनोपैथी के मामलों का संभावित अवलोकात्मक अध्ययन
80. प्री–मैच्योरिटी के जोन 1 रेटिनोपैथी और प्री–मैच्योरिटी के आक्रामक प्रोस्ट्रीयल रेटिनोपैथी (एपीआरओपी) के मामलों का संभावित अवलोकात्मक अध्ययन।
81. एंडोफथालमिटिस में तीन एंटीबायोटिक ड्रग रेजीमेंट (इंट्राविट्रियल) की तुलना के लिए संभावित मार्गदर्शक अध्ययन
82. देखभाल करने वालों पर बाल चिकित्सा स्ट्रैबिस्मस का मनोसामाजिक प्रभाव और स्ट्रैबिस्मस सर्जरी का प्रभाव
83. एक तृतीयक हॉस्पीटल में जन्मजात और बाहरी बच्चों प्रीमैच्योरिटी प्रोफाइल की रेटिनोपैथी।
84. प्राइमरी और रिकरेन्ट रिग्मेटोजेनस रेटिनल डिटैचमेंट के साथ प्रोलिफेरेटिव विटेरोरेटिनोपैथी और 3डी हैंड्स अप की डिजिटली असिस्टेड विटेरेटेरिनल सर्जरी (डीएवीएस) की भूमिका – एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण।
85. एम्बलीयोपिया में दूरबीन वीडियो गेम की भूमिका
86. ब्लैब लीकेज के लिए कोलोजन क्रॉस लिंकिंग की भूमिका
87. ओक्यूलर सरफेस स्क्वैमस नियोप्लासिया में कनजंक्टिवल ऑटोफ्लोरेसेंस की भूमिका
88. रेटिनोब्लास्टोमा में एमआरआई भारित डिफ्यूजन की भूमिका।
89. प्रीमैच्योरिटी की आक्रामक पोस्टीरियर रेटिनोपैथी के प्रबंधन में फंडस फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी की भूमिका
90. शुष्क आँख में मेनिसकोमेट्री स्ट्रिप की भूमिका
91. गहन देखभाल इकाई में सेप्सिस में रोगनिरोधी मार्कर और डायग्नोस्टिक के रूप में सीरम प्रोलिसिटोटिन, इंटरल्यूकिन–6 और एसटीआरईएम–1
92. एंडोथेटालमिटिस में स्माल गेज विट्रेक्टोमी – सुरक्षा और माइक्रोबायोलोजिकल परिणाम
93. फंगल कॉर्नियल अल्सर के उपचार में सोनिकेटेड बनाम नॉन सॉनेटेट लिपोसोमल एम्फोटेरिसन बी
94. ऑक्यूलर असाध्यताओं में लिपिड मेटाबोलिज्म का अध्ययन
95. रेज्ड इंट्राऑक्यूलर प्रेसर के प्रबंधन में डूअल थेरेपी बनाम पोस्ट केराटोप्लास्टी ग्लूकोमा और फिक्सड कम्बीनेशन का तुलनात्मक अध्ययन
96. सामान्य और पोस्ट रिफ्रेक्टिव सर्जनी कॉर्निया में पोस्टीरियर कॉर्नियल दृष्टि विकार का अध्ययन।
97. जन्मजात रंग दृष्टि कमी, प्रकार, गम्भीरता और स्ट्रक्चर परिवर्तन वाले रोगियों में रंग भेदभाव पर लाल रंगा हुआ फिल्टर के प्रभाव का अध्ययन
98. अन्तिम चरण 5 आरओपी स्यूचरलेस क्लीयर कॉर्नियल माइक्रोइनसीजन विट्रोक्टोमी सर्जरी के सर्जिकल परिणाम
99. ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेन्ट में पीडी–1/पीडी–एल1 पसथवे टारगेटिंग : ओक्यूलर असाध्यताओं के लिए नये इम्यूनोथेरपोरेटिक प्रतिमान
100. बेहोशी करने के दौरान माता–पिता की उपस्थिति का प्रभाव : बच्चों में सीरम कोर्टिसोल के स्तर पर
101. हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी के स्पैक्ट्रम में दृष्टि विकार का पैटर्न
102. ऑप्टीकल कोहेरेन्स टोमोग्राफी–एंजियोग्राफी का उपयोग करके नैव क्लोरोइडल नियोवैस्कुयर मेम्ब्रन उपचार को चिन्हित करना
103. बालचिकित्सा स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में पोस्ट ऑपरेटिव उल्टी पर प्री–ऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए – एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक ब्लाइंड परीक्षण
104. इंट्राविट्रियल रेनीबीजुमाब प्लस ट्राइकोर्ट बनाम मैक्यूलर एडिमा सेकेण्डरी सीआरवीओ वाले अकेले रोगियों में इंट्राविट्रियल रेनीबीजुमाब की प्रभावकारिता का अध्ययन करना
105. उन्नत आर.ओ.पी. में इम्मीडिऐट सिक्वेंशियल बाइलेटरल वीट्रियो रेटिनल सर्जरी (आई.एस.बी.वी.एस.) के परिणामों का अध्ययन करना
106. रिकालसिट्रेंट डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा आईज में अल्ट्रा वाइड फील्ड फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी (यू.डब्ल्यू.एफ.ए.) गाइडेड पेरिफेरल लेजर फोटोकैग्यूलेशन – एक तुलनात्मक यादृच्छिक अध्ययन
107. कल्चर नेगेटिव इंफैक्शन के माइक्रोबायोलॉजी में उन्नत जीनोमिक्स का उपयोग
108. एंडोफ्थालिटिस और पारंपरिक और स्वचलित (बी.ए.सी.टी.इ.सी.) जीवाणुओं की वृद्धि के विरुद्ध इसकी तुलना के निदान के लिए व्यापक रेंज पी.सी.आर. परख का उपयोग
109. आईओएल पावर कैल्कुलेशन के लिए प्रति–ऑपरेटिव एब्रोमेट्री का उपयोग
110. रोगियों की यूविएटिक मोतियाबिन्द प्रोफाइल और विजुअल परिणाम
111. सीएसआर में योग

पूर्ण

1. एनाटोमिकल क्लोजर ऑफ आइडियोपैथिक फुल थिकनेस मैक्यूलर होल बनाम एक गैर सख्तग्रस्त स्थिति की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण : एक प्राथमिक अध्ययन
2. एनाटोमिकल एंड फंक्शनल आउटकम आफटर वाइट्रेक्टोमी (विद आईएलएम पीलिंग) फॉर रिकालसिट्रेंट ट्रैक्शनल बनाम गैर ट्रैक्टिकल डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा
3. अल्जाइमर रोग में परिवर्तन
4. संयुक्त तंत्र, पीओएजी और पीएसीजी का तुलनात्मक अध्ययन
5. बड़े मैक्यूलर छेदों के लिए उल्टे आंतरिक सीमित मेम्ब्रेन फिलेप तकनीक के साथ पारंपरिक मैक्यूलर होल सर्जरी का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक सभावित यादृच्छिक अध्ययन
6. सर्जरी के परिणामों पर स्क्विंट सर्जरी के बाद पैचिंग और गैर पैचिंग का तुलनात्मक अध्ययन
7. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा को शामिल करने वाले रिकैल्सीट्रेंट सेंटर में इंट्राविट्रियल एंटी वीईजीएफ के साथ और बिना अल्ट्रा वाइड फ्लोरेसिन एंजियाग्राफी गाइडेड पेरिफेरल लेजर फोटोकैग्यूलेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन – एक यादृच्छिक अध्ययन
8. मोडरेट मायोपिया (4 से 7 डी) पर इंप्लांटेबल कोलैमर लेंस और सीटू केराटोमिलेसिस में लेजर की दृष्टि परिणाम की तुलना
9. आँख की बालचिकित्सा एनुक्लीएशन में सब–टेनोन इनफिलट्रेशन और पेरिबुलबार ब्लॉक की तुलना
10. बालचिकित्सा मोतियाबिन्द में पोस्ट ऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए सब–टेनोन और पेरिबुलबार ब्लॉक की तुलना
11. बालचिकित्सा रोगियो में सी–मेक वीडिओलिंजोस्कोप स्ट्रेट ब्लेड के साथ एंडोट्रैचियन इंटुबेशन हेतु दो तकनीकों की सफलता की तुलना : एक यादृच्छिक अध्ययन
12. कम्पेरीजन ऑफ अल्ट्रा वाइड फील्ड (यूडब्ल्यूएफएफए) विव कनवे. एफए गाइडेड पास्कल लेजर ट्रीटमेंट इन डीआर
13. लम्बे समय तक मौखिक एमेंटैडाइन थेरेपी पर पार्किसंस रोग के रोगियों में कॉर्नियन मूल्यांकन
14. मायोपिक लेसिक में कॉर्नियल बायोमैकेनिक्स के साथ पीटीए का सहसंबंध
15. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में डीएनए की मरम्मत की प्रवीणता : विटामिन डी और इसके प्रभाव का अध्ययन (आईसीएमआर–एसआरएफ प्रोजेक्ट)
16. पूर्वकाल सेगमेंट आप्टिकल कोहेरेन्स टोमोग्राफी का उपयोग करके पूर्वकाल चैम्बर एंगल पर सिलिकॉन तेल इंजेक्शन के साथ 25जी विट्रोक्टोमी का प्रभाव
17. इलेक्टिव नेत्र शल्य चिकित्सा के दौर से गुजर रहे बच्चों में प्रीऑपरेटिव हेमोडाइनेमिक्स और सीरम कोर्टिसोल पर डेक्समेडोमिडाइन का प्रभाव – एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन
18. नेत्र शल्य चिकित्सा करवा रहे बच्चों में गले के मास्क एयरवे के रिमूवल टाइम पर इन्ट्रोपी निर्देशित लो फ्लो डेस्फलूरेन संवेदनाहरण का प्रभाव–एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन
19. बायनोक्यूलर सिम्युलेटेड स्टीरियोप्टिक कार्यों पर इन्ड्यूस्ड एनिसोमेट्रोपिया का प्रभाव
20. सेबेशियस कार्सिनोमा में आंखों की पलक का एपिथैलियल–मेसेनकाइमल संक्रमण (ईएमटी) – एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और मौलेक्यूलर अध्ययन
21. पेडियाट्रिक आयु वर्ग में एन्टेरियर चेम्बर (केल्मन मल्टीफ्लेक्स) इन्ट्राक्यूलर लेंस के नॉन ट्रामैटिक उपचारात्मक लेंस के प्रत्यारोपण के मामलों का मूल्यांकन
22. आईओएल पावर गणना के लिए बैरेट यूनिवर्सल–II फॉर्मूला का मूल्यांकन
23. पेडियाट्रिक कैटेरैक्ट सर्जरी के बायोमेट्रिक माप का मूल्यांकन
24. सामान्य कैनालिक ब्लॉक में कैनालिक ट्रेफिनेशन और मोनोकेनालिक स्टेंटिंग बनाम कैनालिको डैक्रीयोस्टोरिनोस्टॉमी का मूल्यांकन।
25. एचडी ओसीटी पर पेपिलोएडेमा में डिस्क परिवर्तनों का मूल्यांकन
26. लैटरल रेक्टस पाल्सी में ट्रांसपोजिशन के लिए निशिदा प्रक्रिया का मूल्यांकन
27. भारतीय जनसंख्या में नॉन आर्टेरिक एन्टेरियर इस्केमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी के लिए जोखिम कारकों का मूल्यांकन
28. फासिया लेटा की तुलना में फ्रंटल स्लिंग सर्जरी के लिए सामग्री के रूप में सिलिकॉन रॉड का मूल्यांकन
29. प्रीमैच्युरिटी के रेटिनोपैथी के पशु मॉडल में (आरओपी) रेटिनाल रेटिनोपैथी के पशु मॉडल का रेटिनल रेनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम (आरएएस) की भूमिका का मूल्यांकन
30. कैटरैक्ट सर्जरी में विजन इंट्राओकुलर लेंस आरोपण की विस्तारित सीमाः एक पायलट अध्ययन
31. ओएचटी की दीर्घकालिक समीक्षा
32. माइक्रोवेव असिस्टेड सिंथेसिस, एलसी–ईएसआई–एमएस विधि का विकास और ह्यूमन कैडेवर रेटिनल पिगमेंट एपिथेलियम में ओकुलर बीआई–रेटिनोइड्स की मात्रा का ठहराव

33. रेटिना वास्कुलिटिस के पैटर्न और उनके नैदानिक और एटियलॉजिकल प्रोफाइल– अल्ट्रा वाइड फील्ड (यूडब्ल्यूएफ) अध्ययन
34. प्रोबायक्टिव रैंडमाइज्ड इंटरवेंशनल ट्रायल में ब्रांच की रेटिना नस के अवरोध की तुलना अल्ट्रा वाइड फील्ड इमेजिंग गाइडेड पेरिफेरल लेजर से किया जानाा, जो कि रैनिबिजुमब बनाम रानीबिजुमब के साथ संयोजन में केवल उपचार की आवश्यकताओं वाले मामलों में होता है
35. हल्के से मध्यम शुष्क आंखों वाले रोगियों में सामयिक क्लोरोक्विन की नैदानिक प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन
36. प्राथमिक जन्मजात ग्लूकोमा में पोस्ट ट्रैब+ ट्रैब मोतियाबिंद सर्जरी के बाद रिफ्रैक्टिव परिणाम
37. एक तृतीयक अस्पताल में जन्मजात और बाहरी बच्चों में प्रीमेच्योरिटी की रेटिनोपैथी।
38. एक तृतीयक अस्पताल में जन्मजात और बाहरी बच्चों में प्रीमेच्योरिटी की रेटिनोपैथी।
39. इस्केमिक मोनोन्यूरोपैथी के कारणों के लिए जोखिम कारक
40. इन्फेंटाइल निस्टैगमुस सिंड्रोम में ब्रिन्जोलैमाइड की भूमिका
41. समयपूर्वता के अग्रेसिव पोस्टेरियर रेटिनोपैथी के सूजन के प्रबंधन में फंडस फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी की भूमिका
42. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर के मूल्यांकन में मल्टीपैरामैट्रिक एमआरआई की भूमिका
43. ओकुलर स्क्वैमस सेल नियोप्लासिया में स्ट्रैटिफिन की भूमिका, और अन्य ट्यूमर सप्रेसर्स के साथ इसका सहसंबंध
44. ओकुलर ट्रॉमा स्कोरिंग (ओटीएस) के आधार पर ओकुलर ट्रॉमा और फाइनल विजुअल एक्विटी के पैटर्न को निर्धारित करने हेतु
45. बाईलैटरल पैडियाट्रिक कैटरैक्ट के प्रणालीगत और नेत्र संबंधी मूल्यांकन करने के लिए
46. ओरल प्रोप्रानोलोल की तुलना में पेरीओकुलर और आईलिड कैपिलरी हैमैन्जियोमास के उपचार के लिए इन्ट्रालेशनल प्रोप्रानोलोल की भूमिका का मूल्यांकन करना
47. अकेले मैकुलर एडिमा के साथ रोगियों में सीआरवीओ के लिए, इन्ट्राविट्रियल रैनिबिजुमाब प्लस ट्रिकोर्ट बनाम इन्ट्राविट्रियल रैनिबिजुमाब की प्रभावकारिता का अध्ययन करना
48. टाइप 1 जोन 2 आरओपी में अतिरिक्त पोस्टेरियर बैराज लेजर की भूमिका का अध्ययन करना
49. तत्काल अनुक्रमिक बाईलैटरल आरओपी सर्जरी की सुरक्षा और परिणामों का अध्ययन करना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्राइमरी एंगल क्लोजर की बीमारी की आनुवंशिकी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल जीनोमिक्स
2. इनवेसिव ऑर्बिटल एस्पेरगिलोसिस, ईएनटी और माइक्रोबायोलॉजी के उपचार में सीरम गैलेक्टोमेनन जांच की भूमिका
3. छोटे गैर–दृष्टि वाले आंखों, त्वचाविज्ञान के साथ सॉकेट्स में ऑर्बिटल वॉल्यूम ऑग्मेंटेशन के लिए ऑटोलॉगस फैट ट्रांसफर
4. इडियोपैथिक इंट्राकैनायल उच्च रक्तचाप पर वजन में कमी के प्रभाव के तीव्र (प्रारंभिक और स्थापित) मामलों में ऑप्टिक तंत्रिका के संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तनों का एक अस्थायी मूल्यांकन, और न्यूरोलॉजी
5. हाइपोक्सिक इस्केमिक एन्सेफैलोपैथी के स्पेक्ट्रम में दृश्य हानि का पैटर्न, पैडियाट्रिक न्यूरोलॉजी
6. समूह सी और डी रेटिनोब्लास्टोमा में लगातार/आंशिक रूप से पुनः प्राप्त विट्रोसस सीड के लिए इन्ट्रावेनस कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में इंट्राविट्रियल मेलेफेलन का उपयोग करके विट्रेज सीड रिग्रेशन का मूल्यांकन, आईआरसीएच
7. जन्मजात प्टोसिस में लेवेंटर की मांसपेशी में परिवर्तन, पैथोलॉजी
8. ओकुलर सतह रोग में ह्यूमन ओकुलर माइक्रोबायोम का मूल्यांकन करने के लिए एक मेटसजेनोमिक दृष्टिकोण
9. मोतियाबिंद की पहचान के लिए उपकरण– नेत्र–विकास और छवि विश्लेषण उपकरण का मूल्यांकन, आईआईटी दिल्ली
10. निदान के लिए उपकरण– रेटिना संबंधी विकारों की पहचान के लिए नेत्र–विश्लेषण और छवि विश्लेषण उपकरण का मूल्यांकन– डायबिटिक रेटिनोपैथी, आईआईटी दिल्ली
11. इंट्राओकुलर और ऑर्बिटल रेटिनोब्लास्टोमा में सिरटुन 1 और फोक्सो 3 का नैदानिक महत्व, आईआरसीएच
12. त्वचा कार्सिनोमा में सेल मुक्त डीएनए (सीसीएफडीएनए) और बायोमार्कर के रूप में उनकी नैदानिक उपयोगिता का मूल्यांकन, दिल्ली विश्वविद्यालय
13. बच्चों में विभिन्न ऊर्जा सामग्री के साथ स्पष्ट तरल पदार्थों के गैस्ट्रिक एम्प्टींग का अल्ट्रासाउंड मूल्यांकनः एक क्रॉसओवर पायलट अध्ययन, एनेस्थेसियोलॉजी
14. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
15. कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) के रोगियों में एंडोथेलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच4) के स्तर और ईपीसी संख्या और कार्य के साथ इसका संबंध, कार्डियाक बायोकेमेस्ट्री

16. कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) रोगियों में ईपीसी की कार्यात्मक गतिविधि के साथ एंडोथेलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) में टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच4) के स्तर का अध्ययन करना, कार्डियाक बायोकेमेस्ट्री
17. पैडियाट्रिक स्ट्रैबिस्मस सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव उल्टी होने पर प्रीऑपरेटिव कार्बोहाइड्रेट पेय के प्रभावों का मूल्यांकन करनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित पर्यवेक्षक ब्लाइन्डेड परीक्षण, एनेस्थेसियोलॉजी
18. चयनित आयुर्वेदिक योगों का फार्मेकोलॉजिकल मूल्यांकन, एनएमआर
19. टीबी के रोगियों में दूसरी पंक्ति के एंटी–ट्यूबरकुलर दवाओं का फार्माकोकाइनेटिक मूल्यांकन, मेडिसिन
20. बाजार में उपलब्ध दवा योगों में विटामिन डी3 के स्तर का विश्लेषण, एन्डोक्रिनोलॉजी और मेटाबोलिज्म

पूर्ण

1. स्टेम सेल की कमी के रोगों में ओकुलर सतह के पुनर्निर्माण के लिए लिम्बल स्टेम सेल्स का उपचार, ओआरबीओ, बायोकेमिस्ट्री
2. इन विट्रो (2012–15) में माइकोफेनोलेट मोफेटिल (एमएमएफ) और बेवाकिजुमैब (बीवीसीजेड) का उपयोग करने पर ह्यूमन ओरल म्यूकोसल एपिथेलियल सेल्स (ओएमईसी) में बलगम और एंजियोजेनेसिस मार्कर की अभिव्यक्ति का विश्लेषण, बायोकेमिस्ट्री
3. डुअल एनर्जी सीटी का उपयोग करके कोरोनरी आर्टरी एथेरोस्क्लोरोटिक पट्टिका का नॉन–इनवेसिव लक्षण वर्णनः एक्स–विवो नमूनों में स्पष्टीकरण, मेडिकल फिजिक्स
4. सीएडी रोगियों में ईपीसी संख्या के साथ एंडोथेलियल प्रोजेनिटर सेल (ईपीसी) में टेट्राहाइड्रोबायोप्टेरिन (बीएच4) के स्तर का अध्ययन, कार्डियाक बायोकेमिस्ट्री

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 250 पुस्तकों में अध्यायः 51 पुस्तकेंः 3

रोगी उपचार

बाह्य रोगी				
		नए मामले	पुराने मामले	कुल
1.	सामान्य ओ.पी.डी.	1,60,798	1,75,695	3,36,493
2.	आपातकालीन	8711	46,078	54,789
	कुल मामले	**1,69,509**	**2,21,773**	**3,91,282**
विशिष्ट निदानालय				
1.	कॉर्निया क्लिनिक	6565	14,022	20,587
2.	लेंस क्लिनिक	957	2571	3528
3.	यूवा क्लिनिक	1087	4373	5460
4.	कॉन्टेक्ट लैंस क्लीनिक	714	2041	2755
5.	ग्लूकोमा क्लिनिक	4107	9323	13,430
6.	ऑफ्थलमोप्लास्टी क्लिनिक	4895	3997	8892
7.	बाल नेत्र विज्ञान क्लिनिक	22	16	38
8.	रेटिना क्लिनिक	4483	6037	10,520
9.	न्यूरो–नेत्रविज्ञान क्लिनिक	3544	2839	6383
10	विट्रो रेटिनल क्लीनिक	4442	4011	8453
11	आरओपी	1049	3270	4319
12	ओकुलर ऑन्कोलॉजी क्लीनिक	375	893	1268
13	अल्प दृष्टि अनुदान	3302	1348	4650
14	क) ऑर्थोप्टिक क्लीनिक	837	21,610	22,447
	ख) भेगापन क्लिनिक	5337	19,902	25,239
15	रिफ्रेक्शन	-	45,923	45,923
	कुल मामले	**41,716**	**1,42,176**	**1,83,892**
	सकल कुल योग	**2,11,225**	**3,63,949**	**5,75,174**
आंतरिक रोगी		मामलों की सं.		

1.	सामान्य प्रवेश	16,221
2.	आपात कालीन भर्ती	3771
3.	प्राइवेट भर्ती	1249
4.	अल्प अवधि भर्ती	11,874
5.	दिवस उपचार भर्ती	10,569
	कुल	**43,684**

ऑपरेशन		**मामलों की सं.**
1.	मुख्य	20,158
2.	दिवस उपचार	9658
	कुल	29,816
3.	मामूली	15,595
	सकल योग	**45,411***
	मृत्यु	Nil
	वार्षिक अन्य आंकड़े	
1.	औसत बिस्तर अधिभोग अनुपात	82%
2.	ठहरने की औसत अवधि	5 days
3.	कार्यदिवस में औसत ओपीडी उपस्थिति	1930
4.	प्रति दिन आंतरिक रोगी भर्ती की औसत संख्या	120
5.	प्रति दिन सर्जरी की औसत संख्या	124

***इसमें मामूली प्रक्रिया भी शामिल है**

जाँच प्रयोगशालाएँ

जाँच	**कुल सं.**
एमआरआई रिकॉर्ड की स्कैनिंग और संग्रह	23
डीआरपीपीटी	36
पुपिलोमेट्री	48
पीडीटी	136
जीडीएक्स ईसीसी/वीसीसी	141
टीयर लैब	195
केसिया	236
यूबीएम	269
मल्टीफोकल ईआरजी (एमएफ ईआरजी)	275
ऑप्टिक न्यूरिटिस क्लिनिक	704
ईओजी, ईओजी	718
फ्लेयरमीटर	798
मेडिकल बोर्ड	997
एडेप्टिव ऑप्टिक्स	1362
जीवीएफ	1708
वीडियो स्लिट लैंप फोटोग्राफी	1795
एंट. सेज. सीपी	1799
वीकेजी	2038
आई–ट्रेस	2073
वाईएजी लेजर + एसएलटी (चयनात्मक)	2725
कॉन्टेक्ट लेंस क्लिनिक	2922

ओसीटी एंजियोग्राफी	2978
आरओपी	3078
ईसीजी	3390
कंट्रास्ट सेंसिटीविटी	4439
एचआरटी 3	4667
वीईआर	4883
पोस्ट सेगमेंट लेजर (पीआरपी)	5248
लो विजन एड सर्विसेज	5642
कलर विजन	6130
एलआई (लेजर इंटरफेरोमेट्री)	6368
एसएम (स्पेक्युलर माइक्रोस्कोपी)	7024
एचडी–ओसीटी	7913
एफएफए + आईसीजी	8131
पेंटाकैम	8877
सीपी (पोस्ट सेग.) + फंडस फोटो + एएफ	10,122
एएसओसीटी	10,263
सीसीटी/एन.सीसीटी (पेचीमेट्री)	10,369
ऑटोलेंसोमेट्री (पीओजी)	10,919
एचवीएफ (स्वचालित पेरिमेट्री) + माइक्रो	12,511
यूएसजी बीएससीएएन	18,862
केराटोमेट्री (मैनुअल + ऑटो)	22,369
एएल (अक्षीय लंबाई)	22,564
आईओएल मास्टर + लेंस स्टार	26,373
ओसीटी–पीएस	37,117
रिफ्रेक्शन	88,236
एआर (ऑटो रिफ्रेक्शन)	1,10,252
एनसीटी + एटीएन (टोनोमेट्री)	1,24,866
कुल	**6,04,589**

नेत्र विकृति विज्ञान

निम्न के रूप में जाँचः

रुधिरः **95,125**

मूत्रः **8232**

हिस्टोपैथ, साइटोपैथी और अनुसंधानः **24,021**

कुल जाँचः **1,27,377**

नेत्र जैव रसायन – कुल 157123

क्र.सं.	जाँच का नाम	आईपीडी	ओपीडी	कुल
1.	शर्करा (आर, एफ, पीपी, जीटीटी)	5708	5947	11,655
2.	एचबीए1सी	604	1925	2529
3.	टीबीआईएल	6004	4546	10,550
4.	डीबीआईएल	6004	4546	10,550
5.	एएलटी या एसजीपीटी	6004	4546	10,550
6.	एएसटी या एसजीओटी	6004	4546	10,550

7.	एएलपी	6004	4546	10,550
8.	टीपी	2202	3820	6022
9.	एएलबी	2202	3820	6022
10.	क्रिएटिनाइन (सीआरई)	6215	4640	10,855
11.	यूरिया (यूआरईए)	6215	4640	10,855
12.	यूरिक एसिड (यूए)	6215	4640	10,855
13.	सोडियम (एनए+)	6215	4640	10,855
14.	पोटेशियम (के+)	6215	4640	10,855
15.	क्लोराइड (ब्स–)	6215	4640	10,855
16.	टीसीएचओएल	498	2136	2634
17.	एलडीएल–सी	498	2136	2634
18.	एचडीएल–सी	498	2136	2634
19.	ट्राइग्लिसराइड (टीआरआईजी)	498	2136	2634
20.	फ्री टी3	173	565	738
21.	फ्री टी4	173	566	739
22.	टीएसएच	178	597	775
23.	विटामिन बी12	20	207	227
	कुल	**80,562**	**76,561**	**1,57,123**

नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान

1.	बैक्टीरियल कल्चर एंड सेंसिटिविटी	16,535
2.	फंगल कल्चर	4786
3.	स्पेसिमेन प्रोसेस्ड फॉर कीटोलोग्य	2508
4.	स्पेसिमेन प्रोसेस्ड फॉर चलमीडिए आग डिटेक्शन यूजिंग डीएफए	125
5.	स्पेसिमेन प्रोसेस्ड फॉर एचएसवी एजी डिटेक्शन यूजिंग डीएफए	10
6.	वायरल पीसीआर फॉर हर्पीस सिम्पलेक्स वायरस, अडेनो एंड कॉक्सेकि वायरस (कंजंक्टिवाइटिस / कॉर्नियल अलसर)	68
7.	स्पेसिमेंन प्रोसेस्ड फॉर मैकोबैक्टेरिया	20
8.	स्पेसिमेन प्रोसेस्ड फॉर मइक्रोस्पोरिडिया	23
9.	कल्चर फॉर एकेंथेमोबिया	41
10.	ऑटोमेटिड (बैक्टेक) कल्चर फॉर एंडोपेथेलमाइटिस	83
11.	ब्रोड रेंज पीसीआर फॉर एंडोपेथेलमाइटिस	83
12.	पीसीआर फॉर फंगल आइडेंटिफिकेशन	3
	सकल योग	**24,285**

नेत्र भेषजगुणविज्ञान

1. **रोगी द्वारा खरीदी गई औषधियाँ एवं फार्मेसी ड्रग वितरण सशक्तिकरण** **कुल शीशियाँ (5 एमएल)**

एसिटाइल सिस्टाइन (10%, 20%, 2.5%, 5%)	146 शीशियाँ
एमिकेसिन (1.3%, 2.5%, 1%, 5%)	51 शीशियाँ
एम्फोटेरेसिन बी (0.25, 0.15%)	66 शीशियाँ
बेटाक्सोलोल (0.25%)	345 शीशियाँ
सेफाजोलीन (5%)	2474 शीशियाँ
कॉन्स. टोबरामाइसिन (1.3%)	4446 शीशियाँ

माइटोमाइसिन (0.02%, 0.04%)	78 शीशियाँ
पिलोकारपाइन (0.125%, 0.5%, 0.25%, 1%)	72 शीशियाँ
पॉलीमिक्सिन बी (20,000 µ/ml-30,000 µ/ml, 50,000 µ/ml)	221 शीशियाँ
प्रोविडन आयोडीन (5%)	-
वेन्कोमायसिन (5%)	1964 शीशियाँ
टिमोलोल (0.25%)	8 शीशियाँ
सेफ्टाजाइडिन	12 शीशियाँ
बिवेकीजुमेब/अवास्टिन	4080 एम्पुल्स
इंटरफेरोन	228 शीशियाँ
वोरीकोनाजॉल (1%)	396 शीशियाँ
जेन्टामाइसिन 1.3%	5 शीशी

2. फार्मेसी आरपीसी से मुफ्त वितरित दवाएँ

ऑटोलोगस सीरम	21 शीशियाँ
कृत्रिम आँसू	41,993 शीशियाँ
सिप्रोफ्लोक्सिन (0.3%)	8109 शीशियाँ
कॉर्नियल स्टोरेज मीडिया (एम.के. मीडिया)	3357 शीशियाँ
साइक्लोस्पोरिन (2%, 1%)	30 शीशियाँ
ईडीटीए (1.1%)	181 शीशियाँ
होमाट्रापाईन (2%)	13254 शीशियाँ
हाइपरटॉनिक सलाइन (5%)	4682 शीशियाँ
मिथाइल सेलुलोज (2%)	63 L (for manf. AT+Cipro+methylcellulose)
मिथाइल सेलुलोज (2%)	648 शीशियाँ
पाईलोकारपाइन (2%)	989 शीशियाँ
एसिटाजोलामाइड 30 mg, 10 mg, 25 mg, 40 mg, 50 mg, 60 mg, 80 mg	2156 Pkt
सोडियम एस्कोर्बेट (10%)	297 शीशियाँ
सोडियम साइट्रेट (10%)	288 शीशियाँ
थिमेरोसल सॉल्यूशन (0.005%)	205 Lits
ट्रोपीकामाइड (1%)	29327 शीशियाँ
पिपरासिलिन	111
ट्रोपेक+फिनाइलफेराइन (0.5%+2.5% (आरओपी)	8723 शीशियाँ
गेन्सीक्लोवेयर शीशियाँ 100 एमजी	107
गेन्सीक्लोवेयर एम्पुलस 20 एमजी/एमएल	6
पीएचएमबी	126 शीशियाँ
मेरोपिनाम 5 एमजी/एमएल	19 vial
पिलोक्लोनाइडाईन	101 शीशियाँ
एट्रोपाइन (1%)	25 शीशियाँ
एट्रोपाइन (2%)	3 शीशियाँ
एट्रोपाइन (0.01%)	41 शीशियाँ
माइकोफेनोलेट मॉफ्टिल	20
सोडियम बेनेजोएट	40

प्रोपेनालॉल (सिप्लार) 4 एमजी	75
पायरोक्सिमेट	95
आइसोनिएजिस	65
इथेम्बुटोल	95
आइसोमेक	20
डाइजोक्साइड 10 एमजी	44
डाइजोक्साइड 12.5 एमजी	32
एम्लोडिपाइन	33
हिसोन	60
एल्बुमिन	36
ग्लिसरीन (20%)	1
ओलोपेटाडाइन	2378

3. **वितरित किट मदें**

बोटोक्स	257 एम्पुलस
एथिल अल्कोहल 20%	82 x 10 एमएल
गोल्ड क्लोराइड	70
हाइड्रेंजिन हाइड्रेट	83
सोडियम क्लोराइड 20% घोल	25 एमएल x 14
टेब. सिट्रिजिन 2.5 मिलीग्राम	4 सैशे
टेब. ए साइक्लोवेर 128	64 सैशे
लिपोसेनल एम्फोट्रावीन	4
लाइनजोलिड 0.2%	4
एजाथिआपटाइन	15 सैशे
डोनालेक	171 सैशे
2% सोडियम ऑफसाइड	20 सैशे
वोरिकोनाजोल 25 मिग्रा	8 सैशे
बाइंड पावर 1 ग्राम	15 सैशे
टीपीए (इंजेक्शन, 1 मिलीग्राम/एमएल)	24 एम्पुलस
टिश्यू प्लाज्मिनोगिन एक्टिवेटर	
इन्फिलक्सिमाब इंज. 10 मिग्रा	4 शीशियाँ
नसल वॉश (सोडियम क्लोराइड 4एमजी)	25 सैशे
के–बाइंड पाउडर (1 पैकेट)	15 ग्राम
लाइमजोलिन 5%	2 शीशियाँ
फोलिकएसिड 0.5%	1 शीशी
किलेस्टीन 5%	3 शीशियाँ
इथाइल एल्कोहल 100%	6 एमएल x 3 शीशियाँ

विकिरण विज्ञान

एक्स रे	7739
सीटी	1434
एमआरआई	62

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

विज़न (दृष्टि) केंद्रों द्वारा प्राथमिक नेत्र चिकित्सा सेवाएं	
विज़न (दृष्टि) केंद्रों की संख्या	25
विज़न (दृष्टि) केंद्रों पर उपस्थित लोग	56,560
रिफ्रैक्शन (अपवर्तन) आयोजित किए गए	21,568
चश्में निर्धारित किए	20,063
आर.पी. को निर्दिष्ट रोगी	7614
प्राथमिक नेत्र चिकित्सा स्वयंसेवी प्रशिक्षण कार्यक्रम	
स्वयंसेवी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन	18
प्रशिक्षित स्वयंसेवी	283
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	
विज़न (दृष्टि) केंद्रों में नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन	868
आरपीसी में नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए गए	177
शहरी एवं रिमोट क्षेत्रों में मोतियाबिंद सर्जरी के लिए रीच–इन–प्रोग्राम	
मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन	8
जांच किए गए लोग	992
आर.पी. केन्द्र में निर्दिष्ट रोगी	329
स्कूल आई स्क्रीनिंग (एसईएस) कार्यक्रम	
एसईएस कार्यक्रम के तहत शामिल स्कूल	39
जांच किए गए बच्चों की संख्या	32,335
रिफ्रैक्शन (अपवर्तन) आयोजित किए गए	3492
चश्में निर्धारित किए	2343
बुक किए गए चश्में	2259
डायबिटिक रेटिनोपैथी जांच शिविर	
आयोजित डीआर स्क्रीनिंग शिविरों की कुल संख्या	141
शिविरों में जांच किए गए मधुमेह रोगी	2329
कुल डीआर रोगियों की पहचान की और आर.पी. केंद्रों को संदर्भित किया	424
रोगी ने सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत डॉ. आर.पी. केंद्र में निर्दिष्ट रोगियों की कुल संख्या	
समुदाय नेत्र विज्ञान के तहत सूचना दिए गए रोगी की कुल संख्या	3672
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत मोतियाबिंद सर्जरी के लिए संचालित कुल रोगी	1963
फॉलो–अप (अनुवर्ती) शिविरों का आयोजन किया	52
फॉलोअप कैंप में रोगियों की जांच की गई	1174
एनपीसीबी–नेशनल ब्लाइंडनेस सर्वेक्षण	
शामिल किए गये जिलों की संख्या	11
50 वर्ष से अधिक आयु वाले वयस्कों की संख्या	33,000
50 वर्ष से अधिक आयु वाले वयस्कों की जांच की संख्या	30,110
विजुअल इम्पेयरमेंट (परिहार्य दृश्य) हानि का तेजी से आकलन	
सम्मिलित जिलों की संख्या	3
50 वर्ष से अधिक आयु वाले वयस्कों की संख्या	6400
50 वर्ष से अधिक आयु वाले वयस्कों की जांच की संख्या	5601
चाइल्डहुड विजुअल इम्पेयरमेंट सर्वेक्षण	
पूर्वी दिल्ली जिले में शामिल क्लस्टरों की संख्या	40
बढ़ेहुए बच्चों की संख्या	21,532
जांच किए गए बच्चों की संख्या	20,955

कम दृष्टि पुनर्वास	
कुल नामांकित	723
गतिशीलता प्रशिक्षण	411
दैनिक जीवन परामर्श की गतिविधि	710
दृश्य विकलांगता प्रमाणन	346
व्यावसायिक प्रशिक्षण	111
विशेष विद्यालय प्रवेश	54

नेत्र बैंक

कुल आंखें/कॉर्निया संग्रहरणः **1813**
कुल प्रत्यारोपण **1159**

अन्य नेत्र बैंक (ओईबी):

कुल आंखें/कॉर्निया संग्रहणः 113 कुल प्रत्यारोपणः 95

दुर्घटना सेवाएं

हमारी आकस्मिक सेवाएं चौबीसों घंटे अत्याधुनिक सुविधा प्रदान करती हैं, जो 24 घंटे कार्यशील हैं और सप्ताह में सातों दिन चलती हैं। हमारे आपातकालीन कक्ष में तीन स्लिट लैंप माइक्रोस्कोप लगे हैं, इनक्लीन्ट ऑटो–रिफ्रेक्टोमीटर के साथ एप्लाएंटेशन टोनोमेट्री, दो नॉन कॉन्टैक्ट टोनोमेट्री मशीन, अप्रत्यक्ष ऑप्थाल्मोस्कोपी के लिए एक स्टेशन, बी–स्कैन इमेजिंग और क्रायोथेरेपी उपकरण के लिए एक अल्ट्रासाउंड मशीन। हमारे पास 36–बिस्तरों का वार्ड है जो पूरी तरह आपातकालीन सेवाओं के लिए समर्पित है। अन्य विभागों के अंतःरोगियों के लिए सभी आपातकालीन सेवाओं और परामर्श सेवाओं हेतु एक वरिष्ठ रेसिडेन्ट और कनिष्ठ रेसिडेन्ट्स 24X7 उपलब्ध रहते हैं। आपातकालीन कक्ष में दो रेसिडेन्ट्स के अलावा, हमारे पास एक समर्पित आकस्मिक टीम है, जिसमें एक संकाय, एक वरिष्ठ रेसिडेन्ट, और छह जूनियर रेसिडेन्ट्स ऑपरेटिंग थियेटर में काम करते हैं, जो चौबीसों घंटे आपातकालीन सर्जरी सेवा प्रदान करते हैं।

हम ऑक्यूलोप्लास्टी और ऑक्यूलर ओंकोलॉजी की समर्पित टीम के मार्गदर्शन में आरपीसी कैजुअल्टी में बैकीथेरेपी सेवा भी प्रदान करते हैं।

निम्नलिखित सर्जरी नियमित रूप से आकस्मिक कक्ष में संचालित की जाती हैं:

1) ग्लोब पेरफोरेशन रिपेयर
2) लिड लेसीरेशन रिपेयर
3) थेराप्यूटिक केराटोप्लास्टी
4) अन्तर्नेथशोथ के लिए पार्स प्लाना विरेक्टोमी

प्रत्येक सबस्पेशियालिटी में अन्य छोटी सर्जरी के अलावा

तालिका 1: आपातचिकित्सा में लाए गए कुल नए मामले, आपातकालीन वार्ड में भर्ती मरीजों की संख्या, अप्रैल 2017 से मार्च 2018 के बीच किए गए सर्जिकल रिपेयर्स की संख्या

नए मामले	9222
भर्ती	3771
सर्जिकल प्रबंधन	1973

तालिका 2: आपातचिकित्सा कक्ष में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 के बीच की गई लघु शल्यक्रियाएं

विनियोग डी/वी	30,363
कॉर्नियल स्क्रैपिंग	1086
यूएसजी	340
क्रायोथेरेपी	85
सेलीन वॉश	1088
कंजंक्टिवल स्वैब	367
पेरिबुलबर इंजेक्शन	1192

तालिका 3ः आपातचिकित्सा कक्ष में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 के बीच की गई लघु शल्यक्रियाएं

इंट्राविट्रियल इंजेक्शन	5586
ईयूए	2277

संवेदनाहरण

क्र.सं.	जी.ए. मामले	कुल मामले (2017–2018)
1.	दैनिक +ईयूए	6,203
2.	आपातकालीन	1,631
3.	निगरानी संज्ञाहरण देखभाल	455
4.	डॉ आर.पी.सी. केजुअलिटी ओ.टी.	2,218
	कुल	10,507

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर अतुल कुमार को मानद सलाहकार चिकित्सा विज्ञान, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (दिसंबर 2015–दिसंबर 2018), भारत हेतु सलाहकार नेत्र विज्ञान सरकार नियुक्त किया गया; दिसंबर 2015 से 2018; नियुक्त सदस्य सलाहकार बोर्ड, करेन्ट इंडियन आई रिसर्च जर्नल ऑफ ऑप्थेलमिक रिसर्च ग्रुप, 2016–चल रही है, को–चेयरपर्सन नियुक्त, 13वीं पंचवर्षीय योजना के लिए सलाहकार समिति, नेशनल प्रोग्राम ऑफ कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस (एनपीसीबी) के तहत भारत सरकार, 2016 द्वारा संचालित, एनपीसीबी भारत सरकार के तहत सदस्य नियुक्त पीएमओए कर्तव्यों की समिति, मई 2016– जारी; सहायक प्रोफेसर नेत्र रोग संज्ञाहरण के चयन के लिए एम्स समिति सदस्य; सदस्य, राष्ट्रीय दृष्टिहीनता सर्वेक्षण और राष्ट्रीय ट्रेकोमा सर्वेक्षण मई 2016 के लिए सलाहकार समिति; अंधत्व नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति (एनपीसीबी), जून 2016 के तहत देश में रेटिना रोगों के सह–अध्यक्ष उपचार; 2016 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा नेत्र विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए डॉ बीसी रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित; अगस्त 2016 के बाद से निदेशक, ब्लाइंडनेस की रोकथाम के लिए डब्लूएचओ सहयोग केंद्र; नियुक्त सहायक प्रोफेसर परीक्षा, चंडीगढ़ 5–6 मई 2017; बाहरी परीक्षक, पीजीआई, चंडीगढ़, 5 दिसंबर 2017; रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स एडिनबर्ग (विज्ञापन होमिनम) 2017 द्वारा सम्मानित किया गया; आई–फोकस सीएफएस द्वारका दिल्ली में 'गोल्डन एप्पल' पुरस्कार से सम्मानित, 27 जनवरी 2018; अध्यक्षः आई–फोकस पीजी टीचिंग प्रोग्राम, नई दिल्ली में रेटिना डायग्नोस्टिक्स सत्र, 27 जनवरी 2018; अध्यक्षः एआईओएस रिफ्रेशर कोर्स, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में रेटिना कैप्सूल सत्र, 3 फरवरी 2018; डॉ सुब्रमण्यम ओरेशन लेक्चर, 36वां वार्षिक कर्नाटक स्टेट ऑप्थेलिक कॉन्फ्रेंस 2018, बेंगलुरु, 3 नवंबर 2017; डॉ पी सिवा रेड्डी ओरेशन मेडल 2017, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में वार्षिक सम्मेलन, 14 अक्टूबर 2017; प्रोफेसर बी पी कश्यप मेमोरियल ओरेशन, ईस्टर्न इंडिया जोनल ऑप्थाल्मोलाजिकल कांग्रेस 2017 का 31वां वार्षिक सम्मेलन, धनबाद, 7–8 अक्टूबर 2017।

प्रोफेसर महेश चंद्र, व्यावसायिक परीक्षा (पूरक), बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज–I ऑन ह्यूमन एनाटॉमी एंड फिजियोलॉजी, 13 नवंबर 2017, डॉ आर पी सेंटर, एम्स; मानव शरीर रचना विज्ञान और मानव शरीर विज्ञान में बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज–I परीक्षा, जुलाई 2017 के लिए प्रश्नपत्र तैयार किया; जुलाई 2017 में होने वाले ऑप्टोमेट्री के विषय में बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज–I व्यावसायिक परीक्षा के संचालन के लिए आंतरिक/बाहरी परीक्षक; 1 जुलाई 2017 को बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज–I के मानव एनाटॉमी और फिजियोलॉजी (पेपर–I) के विषय में छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन; पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु एमसीक्यू तैयार किया, 18 अगस्त 2017; स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा, एम्स, 3 सितंबर 2017 के लिए एमसीक्यू तैयार किया; बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज–I (पूरक) परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र तैयार किया, मानव शरीर रचना विज्ञान और मानव शरीर विज्ञान पर नवंबर 2017; महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, एमएस ऑप्थल्मोलॉजी के लिए बरेली में 3 नवंबर 2017 को श्री राम मूर्ति स्मारक चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बरेली (उत्तर प्रदेश) हेतु बाहरी परीक्षक; ऑप्टोमेट्री फेज–I (पूरक) परीक्षा, 6 नवंबर 2017 को परीक्षा की मानव एनाटॉमी और फिजियोलॉजी (पेपर–I) की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन; सैद्धांतिक, मौखिक और व्यावहारिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक, एमएएमसी, नई दिल्ली, 20–26 नवंबर 2017; वरिष्ठ रेसिडेन्ट्स/वरिष्ठ डेमोन्स्ट्रेटर (एसआर/एसडी) भर्ती, जनवरी 2018 के लिए प्रश्न बैंक के लिए एमसीक्यू तैयार;ऑप्थल्मोलॉजी और नेत्र रोग, ऑप्थल्मोलॉजी और ऑप्थल्मोलॉजी सर्जरी, ऑप्थल्मोलॉजी और अन्य नैदानिक विज्ञान में हाल के अद्यतन ज्ञान सहित नेत्र विज्ञान के लिए लागू बेसिक साइंसेज में अन्य विश्वविद्यालय के एमएस नेत्र विज्ञान हेतु प्रश्न पत्र तैयार किया; मास्टर ऑफ सर्जरी (ऑप्थल्मोलॉजी) की डिग्री के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रस्तुत 2 शोधपत्र।

डॉ परिजात चंद्रा को एसीआईओएन फेलिसिटेशन 2016–2017 (एसीआईओएन के मनोवैज्ञानिकों हेतु नेत्र रोग विशेषज्ञों के लिए एसीआईओएन का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु भारत के सामुदायिक नेत्र रोग विशेषज्ञों के आठवें वार्षिक सम्मेलन और सामुदायिक नेत्र रोग

विशेषज्ञ, गोवा की अंतर्राष्ट्रीय सभा, 8–10 सितंबर, 2017, को प्रदान किया गया); परीक्षक, बीएससी (ऑप्टोमेट्री) परीक्षा (प्री–फाइनल) चरण–II द्वितीय वर्ष, नेत्र उपकरण और उपकरण (अप्रैल 2017); बाहरी परीक्षक–एमएस (नेत्र विज्ञान), दिल्ली विश्वविद्यालय, यूसीएमएस, (18–20 अप्रैल 2017); परीक्षक, बीएससी (ऑप्टोमेट्री) परीक्षा (फाइनल) द्वितीय चरण द्वितीय वर्ष, नेत्र उपकरण और उपकरण (जुलाई); परीक्षक, बीएससी (ऑप्टोमेट्री) परीक्षा (पूरक) चरण–II द्वितीय वर्ष, नेत्र उपकरण और उपकरण (नवंबर 2017); परीक्षक, एफएआईसीओ (विट्रीटोरिना), परीक्षा, ऑल इंडिया, नेत्र रोग सोसायटी, एम्स, नई दिल्ली के तत्वावधान में, 18 नवंबर 2017; परीक्षक, एफएआईसीओ (यूवीए), परीक्षा, ऑल इंडिया ऑप्थेल्मोलॉजिकल सोसायटी, एम्स, नई दिल्ली के तत्वावधान में, 18 नवंबर 2017; समीक्षक – जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन, इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, आई, जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑप्थल्मोलॉजी एंड रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, इंडियन पीडियाट्रिक्सय अध्याय के अगुवा–एम्स आईएचआई गुणवत्ता सुधार पर अध्याय; सदस्य विशेषज्ञ कार्यसमूह– आरओपी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंधेपन की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय आरओपी टास्क फोर्स; मॉडरेटर– आरओपी रेंजर्स सत्र, दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी, दिल्ली का वार्षिक सम्मेलन (7–9 अप्रैल 2017); पैनल संकाय– रेटिना ग्रैंड राउंड्स, दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी, दिल्ली का वार्षिक सम्मेलन (7–9 अप्रैल 2017); पैनलिस्ट– मैक्युला अनप्लग्ड, ओफ्थाक्वेस्ट 2017, जेडब्ल्यू मैरिएट एयरोसिटी, नई दिल्ली, 22–23 जुलाई, 2017; पैनलिस्ट– सत्र जेडब्ल्यू मैरिएट एयरोसिटी, नई दिल्ली में 'मीट इंटरनैशनल स्टालवार्ट्सः व्हाट्स न्यू इन पोस्टेरियर सेगमेंट ऑप्थल्मोलॉजी' में सामुदायिक नेत्र रोग विशेषज्ञों की अंतर्राष्ट्रीय असेंबली, और एसीओएन एनुअल कॉन्फ्रेंस, गोवा (8–10 सितंबर 2017);

पैनलिस्ट– रेटिना रीविजिट्ड सेशन–II, आरएसआई–दिल्ली, 2017, नई दिल्ली, 23–24 सितंबर 2017; पैनलिस्ट– नियोनटल वेंटिलेशन वर्कशॉप, वेन्टिलेटेड नवजात शिशुओं की देखभाल में समस्याएँ, एम्स, नई दिल्ली, 17 जनवरी 2018; अध्यक्षता, रेटिना 3 सत्र, आईफोकस 2018 (राष्ट्रीय स्नातकोत्तर शैक्षिक कार्यक्रम), सेंटर फॉर साइट, द्वारका, दिल्ली, 21–28 जनवरी 2017; पैनलिस्ट– एआईओएस, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, 9 फरवरी 2018, के तहत प्रीमैच्योरिटी के रेटिनोपैथी पर वेबिनार; पैनल फैकल्टी, आरओपी में एंटीवीईजीएफ पर आईआरओपी सोसाइटी सत्र, 76वाँ एआईओएस वार्षिक सम्मेलन, कोयम्बटूर, 22–25 फरवरी 2018; पैनलिस्ट, सत्रः संस्था में क्यूआई का फैलाना– नेतृत्व के मूल्य, गुणवत्ता में सुधारए और क्षमता निर्माण में नेतृत्वः कार्यशाला सह परामर्श, नई दिल्ली [27–28 मार्च 2018]

प्रोफेसर जीवन एस. टिटियाल महर्षि सुश्रुत ओरेशन, महात्मा गांधी चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जनवरी 2018, जयपुर, राजस्थान; सर्वश्रेष्ठ वीडियो अवार्ड ओपीएल "फैको रिफ्रैक्टिव डिकोडेड", कंप्पूटर, तमिलनाडु, सितंबर 2017

डॉ नम्रता शर्मा को अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी का महासचिव चुना गया; भारतीय नेत्र बैंक एसोसिएशन के सचिव; ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजी सोसायटी द्वारा कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन एंड आई बैंकिंग में आर. पी ढांडे पुरस्कार; एपीएओ, 2018 में प्रतिष्ठित सेवा पुरस्कार

डॉ तुषार अग्रवाल ने 21वीं यूरोपियन सोसाइटी फॉर कैटरेक्ट और रेफ्रेक्टिव सर्जन्स विंटर मीटिंग में मोतियाबिंद श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता, 12 फरवरी, 2017 को मास्ट्रिच, नीदरलैंड्स में आयोजित, पोस्टर 'कम्पैरिशन ऑफ आईओएलमास्टर 500 एंड लेनस्टार 900 फॉर आईओएल पावर कैल्कुलेशन इन पैडियाट्रिक कैटरैक्ट सर्जरी' के लिए; केरोलाफ्रैक्टिव पोस्टर की श्रेणी में तीसरा पुरस्कार– एएससीआरएस–एएसओए सिम्पोसियम एंड कांग्रेस, मई 2017 को लॉस एंजिल्स, यूएसए में आयोजित, 'एफिकेसी ऑफ 500 एचजेड एक्साइमर लेजर एब्लेशन इन कम्पाउंड मायोपिग एसिटिग्मेशन विथ साइटोर्सन एलाइनमेंट एंड पुपिल सेंट्रोइड शिफ्ट कपेंसेशनः एन आरसीटी' पर।

डॉ राजेश सिन्हा अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, अचीवमेंट अवार्ड, नवंबर, 2017, न्यू ऑरलियन्स, यूएसए रहे; ऑप्थैल्मिक हीरोज ऑफ इंडिया, 22–25 फरवरी 2018; एपीएओ अचीवमेंट अवार्ड, फरवरी 2018, हांगकांग।

प्रोफेसर प्रदीप शर्मा ने नेशविले टीएन यूएसए अप्रैल 2017 में अमेरिकन एसोसिएशन फॉर पीडियाट्रिक ऑप्थैल्मोलॉजी एंड स्ट्रैबिस्मस की वार्षिक बैठक में सर्वश्रेष्ठ शो पोस्टर पुरस्कार जीता; अमेरिकन अकादमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी, एएओ 2017 का प्रतिष्ठित अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त किया; कोयंबटूर 2018 में ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजी सोसायटी से एआईओएस के प्रतिष्ठित इंटरनैशनल हीरोज सम्मान को प्राप्त किया; 'चाइल्डहुड विजन एंड स्क्विंट' पर 24 नवंबर 2017, नई दिल्ली में लोक सभा टीवी–सार्वजनिक जागरूकता लाइव टेलीकास्ट पर एक सार्वजनिक जागरूकता लाइव टेलीकास्ट के लिए लोक सभा टीवी से आमंत्रित।

प्रोफेसर नीलम पुष्कर ने एमडी परीक्षा, मई 2017 में आंतरिक परीक्षक के रूप में कार्य किया।

प्रोफेसर राधिका टंडन अध्यक्ष–ईबीएआई रही; सदस्य शीर्ष तकनीकी समिति, एनओटीटीओ; सदस्य, डीबीटी–एनईआई विजन रिसर्च प्रोग्राम के लिए संयुक्त कार्यदल; पेपर डे के सह–लेखक को संस्थान दिवस के अवसा पर एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2015 से सम्मानित किया गया, कागज के लिए एम्स हेतु 'ग्रामीण भारतीय आबादी में कॉर्नियल बीमारियों की व्यापकताः द कॉर्नियल ऑपेसिटी रुरल एपिडेमियालॉजिकल (कोर) अध्ययन'; राज्य में कॉर्नियल ब्लाइंडनेस को खत्म करने में मदद करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा आमंत्रित; सदस्य, निरीक्षण समिति नेत्र संग्रह केंद्र के निरीक्षण के लिए जे.ए. ग्रूप ऑफ हॉस्पिटल्स, ग्वालियर, मध्य प्रदेश के लिए माननीय उच्च न्यायालय के 10 मार्च 2017 के आदेशों के अनुपालन में श्री लोकेंद्र श्रीवास्तव बनाम मध्य प्रदेश सरकार और अन्य में दायर डब्ल्यूपी नंबर

4188/2015 के लिए; सदस्य, 17 अप्रैल 2017 को विजन रिसर्च डीबीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली पर भारत–अमेरिका कार्यक्रम की दूसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक; 28 अप्रैल 2017 को एम्स ऋषिकेश, ऋषिकेश की स्थायी चयन समिति के लिए बाहरी विशेषज्ञ; 'बायोइंजीनियरिंग', डीबीटी, नई दिल्ली, 8 मई 2017 को टास्क फोर्स की आठवीं बैठक के लिए टास्क फोर्स के सदस्य; सदस्य, विशेषज्ञों समिति 'स्टडी ब्लाइंडनेस/कलर विजन डेफिसिएंसी' पर मेडिकल स्टूडेंट्स और प्रोफेशनल्स द्वारा अध्ययन एवं अभ्यास' के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए, माननीय सुप्रीम कोर्ट में प्रणय कुमार पोडर बनाम त्रिपुरा राज्य और अन्य में एसएलपी (सिविल) वर्ष 2015 की संख्या 27388, 9 मई 2017 के अनुपालन में; कार्यात्मकता के आकलन के लिए दिशानिर्देशों के मुद्दे की समीक्षा सहित, विकलांगों के अधिकार 2016 के अधिनियमन के मद्देनजर, ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन विनियम में आवश्यक निर्णय लेने के लिए विकलांगता समिति की बैठक के लिए विशेषज्ञ; एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश पर विचार करने के उद्देश्य से बाहरी सहायता/कृत्रिम अंग पहनने के बाद निचले अंगों की एम्प्युटी की क्षमता, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया कार्यालय, 6 जून 2017; आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली में 8 जून 2017 को परियोजना समीक्षा समिति की बैठक के लिए विशेषज्ञ; ह्यूमन ऑर्गन एंड टिशूज एक्ट, 1994 के प्रत्यारोपण के तहत कॉर्नियल ट्रांसप्लांटेशन सुविधाओं के निरीक्षण के लिए विशेषज्ञ, 9 जून, 2017 को विजीटेक आई सेंटर, नई दिल्ली का पंजीकरण (नया); विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के कार्यान्वयन के मद्देनजर ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजूकेशन विनियम में आवश्यक निर्णय लेने हेतु विकलांगता समिति की दूसरी बैठक के लिए विशेषज्ञ, कार्यात्मक के मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देशों के मुद्दे की समीक्षा सहित। एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश पर विचार करने के उद्देश्य से बाहरी सहायता/कृत्रिम अंग पहनने के बाद निचले अंगों के एम्प्युटी की क्षमता, द्वारका, नई दिल्ली में भारतीय चिकित्सा परिषद कार्यालय, 18 जुलाई 2017; नेत्र विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के चयन के लिए विशेषज्ञ, गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, ग्रेटर नोएडा, यूपी, 13 सितंबर 2017; सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी) 'रोग के कारण अंधापन और उसके नियंत्रण', स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; सदस्य, मेडिकल बोर्ड, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, सामाजिक न्याय और अधिकारिता, 10 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली द्वारा विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 द्वारा पहचाने गए विभिन्न निर्दिष्ट विकलांगों के मूल्यांकन और प्रमाणीकरण के लिए दिशानिर्देशों पर बैठक; टास्क फोर्स के सदस्य, बायोइन्जिनियरिंग पर पुनर्निर्माण कार्य बल की डीबीटी नौवीं बैठक, डीबीटी, 23–24 अक्टूबर 2017 (ट्रंकेटेड 500 शब्दों पर); फैकल्टीः सेशनः कॉर्निया 3 चेयरपर्सनः आई बैंकिंग एंड कॉर्नियल प्रिजर्वेशन टेक्निक्स, आईफोकस नेशनल पोस्टग्रेजुएट एजुकेशन प्रोग्राम इन ऑप्थल्मोलॉजी, 22 जनवरी 2018, नई दिल्ली।

प्रोफेसर राज पाल अध्यक्ष थे– रेटिना सत्र, 68वाँ वार्षिक डॉस सम्मेलन, 7–9 अप्रैल 2017, नई दिल्ली।

प्रोफेसर एम. वानाथी ने केराकॉन 2017 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर अवार्ड में द्वितीय पुरस्कार जीता; सदस्य वैज्ञानिक समिति, अखिल भारतीय नेत्र रोग सम्मेलन 2017–2020

डॉ नूपुर गुप्ता को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 तक देश से ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए नीतिगत योजना और रणनीति के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय कार्यबल हेतु विशेषज्ञ नियुक्त किया गया; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2020 तक देश से ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए राज्यों में ट्रेकोमा मामलों की निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए विशेषज्ञ, राष्ट्रीय निगरानी समिति; अंधत्व की रोकथाम पर दक्षिण–पूर्व एशिया (एसईएआरओ) के लिए डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय विशेषज्ञ और नेत्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और अंधत्व की रोकथाम हेतु क्षेत्रीय समूह परामर्श– इसके लिए त्वरित कार्यों में भारत का प्रतिनिधित्व किया; डब्ल्यूएचओ राष्ट्रीय विशेषज्ञ ने राष्ट्रीय स्तर पर सिफारिशें विकसित करने में मदद की; एनपीसीबी–डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ समूह भारत की बैठक में सार्वभौमिक नेत्र स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के विकास के लिए मदद की, नवंबर 2017; प्रमुख नेत्र रोग विशेषज्ञ और कॉर्निया विशेषज्ञ, देश से सक्रिय ट्रेकोमा संक्रमण के उन्मूलन को साबित करने के लिए ट्रेकोमा सर्वेक्षण रिपोर्ट, 2017 जारी करने और सर्वेक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई; कार निकोबार द्वीप में ट्रेकोमा की व्यापकता पर उत्कृष्ट प्रकाशन की मान्यता में एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार, 2017 प्राप्त किया;विश्व रिपोर्ट विजन के लिए आलेखन और निविष्टि प्रदान करने के लिए डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ; अंतर्राष्ट्रीय ट्रेकोमा विशेषज्ञ, डब्ल्यूएचओ, जिनेवा से डॉ सोलोमन के साथ ट्रेकोमा उन्मूलन–मार्ग पर कार्यशाला में संसाधन संकाय; भारत में यूनिवर्सल आई हेल्थ प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय कार्ययोजना के विकास पर एनपीसीबी डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ विशेषज्ञ समूह की बैठक के लिए संसाधन संकाय और राष्ट्रीय डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ; सर्जन प्रशिक्षण पहल के हिस्से के रूप में नेशनल पीके इंस्ट्रक्शन वर्कशॉप, एम्स–साइटलाइफ इंटरनेशनल के लिए ट्रेनर और रिसोर्स फैकल्टी; डीएएलके और डीएसएईके इंस्ट्रक्शन वर्कशॉप के लिए सर्जन ट्रेनर और रिसोर्स फैकल्टी, भारत भर के नेत्र रोग विशेषज्ञों के लिए सर्जन ट्रेनिंग इनिशिएटिव के रूप में एम्स साइट लाइफ इंटरनैशनल के हिस्से के तौर पर; एनपीसीबी, एमओएच एंड एफडब्ल्यू, मई 2017 के तहत नेशनल ब्लाइंडनेस सर्वे, 2015–2018 की निगरानी और निगरानी के लिए थौबल, मणिपुर में ऑप्टोमेट्रिस्ट और नेत्र रोग विशेषज्ञ के लिए विशेषज्ञ नेत्र रोग विशेषज्ञ और ट्रेनर; कॉर्निया एंड आई बैंकिंग सम्मेलन में मुख्य वक्ता, पटना नेत्र रोग सोसायटी के सहयोग से आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया की 9वीं वार्षिक बैठक; अंतर्राष्ट्रीय समीक्षकः न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से मूल्यांकन एमएससी शोध थीसिस; सहयोगी संपादक, बीएमसी ऑप्थैल्मोलॉजी जर्नल; वेलकम ट्रस्ट के लिए समीक्षक डीबीटी इंडिया एलायंस

फैलोशिप पोस्ट–डॉक्टरल अनुसंधान कार्यक्रम के लिए प्रस्तावक; एम्स ऑप्टोमेट्री एक्सप्लोरर–3 में कॉर्निया, नेत्र सतह और संपर्क लेंस सत्र के लिए अध्यक्ष और मुख्य वक्ता; सितंबर 2017 में ईबीएआई, पटना और आईएससीकेआरएस, नई दिल्ली में सर्जन ट्रेनिंग इनिशिएटिव के भाग के रूप में डीएएलके (लैमेलर केरेटोप्लास्टी) और डीएसएईके (एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी) के लिए ट्रेनर और संसाधन संकाय।

डॉ. शिखा गुप्ता
फ्री पेपर (एफपी सत्र में निर्णायक), डीओएस 2017, 10 अप्रैल 2017, नई दिल्ली।

डॉ. नेवते लामी ने 31 जनवरी – 8 फरवरी से खेलो इंडिया स्कूल गेम्स में प्रतिभागियों के लिए अतिथि परामर्शदाता के रूप में नामितक किया गया था, जो जेएलएन स्टेडियम स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में यूथ अफेयर एंड स्पोर्ट्स एंड भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित किया गया था; 21 मार्च 2018 को एईआरबी, अनुशक्ति मुंबई में ऑक्यूलर ब्रेकीथेरेपी अभ्यास में विकिरण सुरक्षा जागरूकता पर विशेष बैठक में भाग लिया; 22 फरवरी 2018 को पीजी काउंसिलिंग, एम्स के लिए चिकित्सा परीक्षा में भाग लिया; डॉ हरिका जूनियर रेसिडेन्ट द्वारा प्रस्तुत रेटिनोब्लास्टोमा केस मास्क्युरेडेड एक एंडोहोहटालमिटिस' के लिए बंगलौर में इरुडियो 2018 में सर्वश्रेष्ठ केस प्रस्तुति मेडल से सम्मानित किया गया।

सामुदायिक नेत्र विज्ञान
प्रोफेसर प्रवीण वशिष्ठ को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रैकोमा उन्मूलन टास्क फोर्स और राष्ट्रीय ट्रैकोमा निगरानी समिति के सदस्य सचिव के रूप में नामित किया गया था; देश में प्राथमिक नेत्र देखभाल के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए भारत सरकार द्वारा गठित टास्क फोर्स समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित; 3 अप्रैल 2017 को टोडापुर, नई दिल्ली में आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल पर 'कॉज एंड प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस' पर एक रेडियो वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया, साक्षात्कार 4 (हिंदी) और 7 अप्रैल 2017 (अंग्रेजी) में प्रसारित किया गया; 2017–2020 की अवधि के लिए विजन 2020 बोर्ड के लिए डॉ आर पी सेंटर के प्रतिनिधि के रूप में नामित; 27 जुलाई 2017 को स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के श्री वीके गुप्ता संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में एमटीएबी–पंजीकरण के लिए हितधारकों के परामर्श में भाग लेने हेतु विभिन्न प्रकार के इंट्रोक्यूलर लेंस और लेंस सामग्री की नैदानिक, सुरक्षा और लागत प्रभावशीलता पर चर्चा की गई। मोतियाबिंद सर्जरी के लिए इस्तेमाल किया; 16–18 सितंबर, 2017 से नेपाल के काठमांडू में ब्लाइंडनेस रोकथाम (आईएपीबी) परिषद की बैठक के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी में भाग लिया, जो 'बिना सोचे–समझे त्रुटि' पर सत्र में पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुए; अकादमिक वर्ष 2016–17 के लिए एजिथ्रोमाइसिन के साथ जन औषधि प्रशासन के तीन वार्षिक घावों के बाद 'कार–निकोबार द्वीप, भारत में ट्रैकोमा की व्यापकता' के लिए अनुसंधान लेख हेतु नैदानिक अनुसंधान के तहत प्रमाण पत्र के लिए एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित; 13 नवंबर 2017 को नेत्र स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एनपीसीबी के साथ "सी नॉव" की भागीदारी पर चर्चा करने के लिए डीडीजी तथा संयुक्त सचिव एनपीसीबी के साथ बैठक की; नियंत्रण रेखा के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत, श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के साथ, 8 दिसंबर 2017 को भारत को दृष्टिहीनता और दृश्य हानि के लिए संक्रामक ट्रैकोमा मुक्त घोषित करने के साथ ट्रेकोमा सर्वेक्षण रिपोर्ट (2014–2017) का विमोचन किया; एल.वी. प्रसाद नेत्र संस्थान और एनआईबीएमजी, कल्याणी से प्राप्त प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए 15 दिसंबर 2017 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा एक विशेषज्ञ समिति के रूप में आमंत्रित; 18 जनवरी 2018 को नेशनल हेल्थ सिस्टम्स रिसोर्स सेंटर, नई दिल्ली में प्राथमिक देखभाल के लिए नेत्र देखभाल/नेत्र विज्ञान में परिचालन दिशानिर्देशों के विकास के लिए गठित टास्क फोर्स की बैठकों में भाग लिया; एम्स ऑप्टोमेट्री एक्सप्लोरर में 20 जनवरी 2018 से जवाहर लाल ऑडिटोरियम, एम्स में सामुदायिक ऑप्टोमेट्री सत्र की अध्यक्षता की गई, एक सत्र आर पी सेंटर टीम को दिया गया और विभाग से ऑप्टोमेट्रिस्ट ने सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत विभिन्न गतिविधियों पर बातचीत प्रस्तुत की; 15 फरवरी 2018 को राज्य कार्यक्रम अधिकारी, दिल्ली द्वारा आमंत्रित और दिल्ली में डॉ आर पी सेंटर, एम्स द्वारा 'प्राथमिक आई केयर विजन सेंटर पहल' पर एक व्याख्यान दिया; विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बैंकाक, थाईलैंड में 15–16 मार्च 2018 से दृष्टि क्षेत्रीय परामर्श पर विश्व रिपोर्ट में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया। वे चार समूह चर्चाओं में शामिल थे और दृष्टि रिपोर्ट के लिए सुझाव प्रस्तुत किया;डॉ आर पी सेंटर ने ट्रैकोमा उन्मूलन गतिविधियों के लिए भारत सरकार को योजना प्रस्तुत करने के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रैकोमा टास्क फोर्स और नेशनल ट्रेकोमा मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य सचिव के रूप में नामित; डॉ आर पी केंद्र की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया; नेपाल में ट्रेकोमा उन्मूलन की सिफारिश करने के लिए, नेपाल ट्रेकोमा उन्मूलन डोजियर समीक्षा समूह की समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

डॉ. सूरज सिंह सेनजाम ने कॉमनवेल्थ आई हेल्थ कंसोर्टियम, यूके को पब्लिक हेल्थ के लिए मास्टर ट्रेनिंग हेतु लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन ट्रॉपिकल मेडिसिन में वर्ष 2017–2018 के लिए अवार्ड से सम्मानित किया।

डॉ. विवेक गुप्ता को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 तक देश से ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए नीति नियोजन और रणनीति के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय कार्य बल के विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया है; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 तक देश से ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए राज्यों में ट्रेकोमा मामलों की निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए राष्ट्रीय निगरानी समिति के लिए विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त; 51वें स्थापना दिवस साइंटिफिक कांग्रेस, नेत्र रोग विज्ञान डॉ आरपी सेंटर के लिए संयुक्त आयोजन सचिव; एक सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ के रूप में, देश के माननीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा ट्रेकोमा सर्वे रिपोर्ट, 2017 के विमोचन में भाग लिया गया, जो देश में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित सर्वेक्षणों में सहायक रहे, जो देश से सक्रिय ट्रेकोमा संक्रमण को समाप्त करने में सहायक दृष्टि पर विश्व रिपोर्ट के लिए आलेखन और इनपुट प्रदान करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के विशेषज्ञ रहे; ट्रेकोमा उन्मूलन पर कार्यशाला में संसाधन संकाय – अंतर्राष्ट्रीय ट्रैकोमा विशेषज्ञ, डब्ल्यूएचओ, जिनेवा से डॉ सोलोमन के साथ कार्य; भारत में यूनिवर्सल आई हेल्थ प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना के विकास पर एनपीसीबी–डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ समूह की बैठक के लिए संसाधन संकाय और राष्ट्रीय विशेषज्ञ; निदेशक एम्स द्वारा एक सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर सुविधा, नामित; 11–13 सितंबर, 2017 से पंजाब के आरएचएसटीसी मोहाली में सेवारत उम्मीदवारों के लिए "प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण हेतु एफआईसीआई के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण" (टीओटी) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

डॉ. दिलीप शिंदे ने 28 जनवरी 2017 को डॉ आरपीसी, एम्स, नई दिल्ली के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान नेत्र रोग संबंधी क्षेत्रीय ब्लॉक और पुनर्जीवन पर एक दिवसीय कार्यशाला/सीएमई का आयोजन किया, कार्यशाला में लगभग 60–70 स्नातकोत्तर छात्र शामिल हुए; 22–26 मार्च 2017 को जोहान्सबर्ग साउथ अफ्रीका में आयोजित एसएएसए (साउथ अफ्रीकन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी) में 'कम्पेरीजन ऑफ पेरी–बल्बर ब्लॉक एंड सब–टेनन ब्लॉक इन पाएडियाट्रिक एनुक्लिएशन ऑफ आइस' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया, जिसकी काफी सराहना की गइ; मल्टीस्पेशलिटी दृष्टिकोण के साथ आरपीसी में बाल चिकित्सा एचडीयू सुविधा के विकास में शामिल, नेत्र रोग विशेषज्ञों और बाल रोग विशेषज्ञों को शामिल किया।

डॉ. अरशद अयूब ने एनेस्थीसिया और गहन देखभाल में यूरोपीय डिप्लोमा पूरा किया है, भाग 1, 2017

डॉ. कनील रंजीत कुमार ने एनेस्थीसिया और गहन देखभाल (ईडीएआईसी–भाग 1) में यूरोपीय डिप्लोमा पूरा किया है।

रेडियोलॉजी

1. संपादकीय बोर्ड के सदस्य जेसीआईआरः यूरो–रेडियोलॉजी अनुभाग
2. बीपीकेआईएचएस, धरान, नेपाल, अगस्त 2017 में एमडी रेडियोलॉजी के लिए बाहरी परीक्षक
3. दिल्ली विश्वविद्यालय के डीएमआरडी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक, 17–18 अप्रैल 2017

नेत्र जैव रसायन

प्रोफेसर जसबीर कौर को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रशंसा पुरस्कार ', पंजाब स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा सितंबर 2017 को प्रदान किया गया; 'एपीटीआई प्रशंसा पुरस्कार', एसोसिएशन ऑफ फार्मास्यूटिकल टीचर्स ऑफ इंडिया (पंजाब शाखा), सितंबर 2017; परीक्षकः पीएचडी, शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर; जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर; सदस्य, संपादकीय बोर्डः जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजीः ओपन एक्सेस; जीन थेरेपी के एसएम जर्नल; बायोमोलेक्यूलस और बायोकेमिस्ट्री जर्नल; समीक्षक (सूचीबद्ध पत्रिकाएँ): एक तकनीकी सत्र के अध्यक्ष और अतिथि वक्ता, क्लीनिकल रिसर्च पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फरीदकोट, 8–9 सितंबर 2017 और उनके पीएचडी छात्रों में से एक को 'युवा वैज्ञानिक पुरस्कार' प्राप्त हुआ; वर्तमान में जारीः बायोटेक्नोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी परिषद के सदस्य; सदस्य, संस्थागत नैतिक समिति, सीएआरआईसीडी (सीसीआरएएस, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार), नई दिल्ली

नेत्र भेषजगुण विज्ञान

डॉ. मधु नाथ को सितंबर 2017 में एम्स, नई दिल्ली में आयोजित 61वें संस्थान दिवस पर सर्वश्रेष्ठ नैदानिक अनुसंधान के लिए डॉ एम. एल. विज पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. टी. वेलपांडियन ने वर्ष 2017 में पटना में आयोजित इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसाइटी के स्वर्ण जयंती सम्मेलन पर आईपीएस के बिहार चैप्टर द्वारा प्रोफेसर मोहिब अहमद मेमोरियल ऑर्गेनाइजेशन प्राप्त किया; वर्ष 2017 के लिए बेसिक साइंस (पिछले 3 वर्षों से एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार) के लिए नकद पुरस्कार के साथ एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार (तीसरा पुरस्कार) प्राप्त किया।

नेत्र सूक्ष्मजीव विज्ञान

डॉ. गीता सतपथी ने आरएमआरसी, भुवनेश्वर के लिए एसएसी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता (चिकित्सा अधीक्षक): शुक्रवार 16 मार्च 2018 को '5वें वार्षिक समारोह एनएटीईवी 2018', नई दिल्ली में पैनलिस्ट; 5 फरवरी, 2018, नई दिल्ली में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से यूके की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवाओं (एनएचएस), फ्यूचर ऑफ हेल्थकेयर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (डीआईटी) की 70वीं वर्षगांठ में भाग लिया; वर्ष 2018 से 2019 के लिए 'फिक्की स्वास्थ्य सेवा राष्ट्रीय समिति; के सदस्य, और 'हेल्थकेयर के मूल्य निर्धारण के लिए कार्यबल अध्यक्ष' के रूप में नामित; 23 जनवरी को नोएडा, दिल्ली में नेशनल स्किल डेवलपमेंट एंड हैंड्स ऑन ट्रेनिंग इन क्वालिटी कंट्रोल ऑफ बायोलॉजिकल' विषय पर जम्मू और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के लिए स्नातकोत्तर छात्रो हेतु नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित वेलिडेक्ट्री सेशन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित, 3–23 जनवरी 2018; 19 जनवरी 2018 को नई दिल्ली में 'इमेर्जिंग टेक्नोलॉजीज द्वारा सक्षम भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज' पर पैनल चर्चा के लिए विशेषज्ञ सदस्य, सीएनएन न्यूज 18 का आयोजन किया; 27 सितंबर 2017 को "एम्स पटना के लिए संकाय चयन" के लिए विशेषज्ञ सदस्य, इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बायिलरी साइंसेज, नई दिल्ली; 'ऑस्ट्रेलिया–भारत डिजिटल स्वास्थ्य संवाद', भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और ऑस्ट्रेलियाई व्यापार आयोग द्वारा 29 अगस्त, 2017 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया; 9वें फिक्की हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड्स, फिक्की हील इंडियन हेल्थ केयर का 11वां संस्करणः 17–18 अगस्त 2017 को 'एक रोगी का दृश्य' पर आयोजित; 1 अगस्त 2017 को शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर के 'एपिकल चयन समिति के संकाय चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ'; 11 जुलाई 2017 को नई दिल्ली, वसंत कुंज, नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बायिलरी साइंसेज में हाउसकीपिंग और लॉन्ड्री सर्विसेज आदि के लिए श्रमशक्ति प्रदान करने हेतु तकनीकी मूल्यांकन समिति के लिए बाहरी विशेषज्ञ; अध्यक्ष, अस्पताल प्रशासन, एम्स, नई दिल्ली और अनुसंधान फाउंडेशन ऑफ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आरएफएचएचए) द्वारा आयोजित 'हेल्थकेयर इकोसिस्टम में कानूनी और नैतिक चुनौतियां', 18–20 मई 2017 को नई दिल्ली के मानेकशॉ कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया; और 'चिकित्सा प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए आचार संहिता– कानूनी और नैतिक शिकायतें' सत्र के लिए पैनलिस्ट; शेर–ए–कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर में 9–10 मई 2017 तक एमडी अस्पताल प्रशासन वार्षिक परीक्षा (बैच –2014) के लिए बाहरी परीक्षक; जगद्गुरु श्री शिवरात्रेश्वरा विश्वविद्यालय, मैसूरु, कर्नाटक में 5–6 मई 2017 तक पीजी मेडिकल डिग्री/डिप्लोमा परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; 13 अप्रैल 2017 को नई दिल्ली में रेसिडेन्ट्स चिकित्सा अधिकारी के चयन के लिए चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; अध्यक्ष, चिकित्सा लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधनए और बायोमेडिकल इक्विपमेंट मैनेजमेंट इश्यूज, चुनौतियां और रणनीतियाँपर सीएमई के लिए मानेकशॉ सेंटर में 6 अप्रैल 2017 को आयोजित।

अतिथि वैज्ञानिक

1. दिनांक 26–27 नवंबर, 2017 को 'पैडियाट्रिक्स लो विज़न एंड रिहैबिलिटेशन' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। विश्व प्रसिद्ध फिनिश नेत्र रोग विशेषज्ञ **डॉ.ली हयरीनेन** इस कोर्स के प्रशिक्षक थीं।
2. कोपेनहेगन, डेनमार्क के विदेशी अतिथि संकाय के रुप में प्रोफेसर जॉन पीटर सॉन्टे ने 8 दिसंबर 2017 को संस्थान का दौरा किया
3. डॉ एंथनी सोलोमोन, चिकित्सा अधिकारी, नेग्लेक्टेड ट्रॉपिकल रोगों के नियंत्रण विभाग, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) जिनेवा, और डब्ल्यूएचओ की टीम ने 13 फरवरी 2018 को डॉ आर. पी. सेंटर का दौरा किया। उन्होंने आंकड़ों की समीक्षा की और भारत में ट्रैकोमा उन्मूलन की रणनीति पर चर्चा की
4. पैथोलॉजी, एएफआईपी ढाका, बांग्लादेश में कर्नल (डॉ) एसके मौ. जयनुल इस्लाम, वर्गीकृत विशेषज्ञ।

10-5 t; idk'k ukjk;.k ,iDl Vªkek dsUæ

Áeq[k

राजेश मल्होत्रा

vij fpfdRlk v/kh{kd

अमित लठवाल

vkpk;Z

laosnukgj.k foKku
बबीता गुप्ता
छवि साहनी

vkikr fpfdRlk
संजीव के भोई

U;k; fpfdRlk
संजीव लालवानी
आदर्श कुमार

ç;ksx'kkyk fpfdRlk
अरुलसेलवी एस
पूर्वा माथुर

Rkf=dk 'kY;fpfdRlk
दीपक अग्रवाल
दीपक के गुप्ता

vfLFkjksx
कामरान फारूक
विजय शर्मा
बुद्धदेव चौधरी
विवेक त्रिखा

fofdj.k funku
शिवानंद जी
अतीन कुमार

Vªkek ltZjh
सुषमा सागर
सुबोध कुमार
अमित गुप्ता
बिप्लब मिश्रा

cUlZ ,.M lykfLVd
मनीश सिंघल

lg&vkpk;Z

laosnukgj.k foKku
नवीन यादव

ân foKku
नीरज पारख

xgu mipkj
कपिल देव सोनी
ऋचा गर्ग

oDd foKku
सौमिता बागची

rf=dk laosnukgj.k foKku
केशव गोयल
नवदीप सोखल
आशीष बिंद्रा
ज्ञानेंद्र पाल सिंह
नीरज कुमार

rf=dk 'kY; fpfdRlk
जीडी सत्यार्थी
पंकज के सिंह

çlfr ,oa L=h jksx foKku
गरिमा कछावा

cky 'kY;fpfdRlk
शिल्पा शर्मा

lgk;d vkpk;Z

Vªkek ltZjh
प्रत्युषा प्रियदर्शनी
अभिनव कुमार
नरेंद्र चौधरी
दिनेश कुमार बगारिया

vk/kku fpfdRlk
राहुल चौरसिया

vkikrdkyhu fpfdRlk
तेज प्रकाश सिन्हा

अस्थि रोग विज्ञान
समर्थ मित्तल

fof'k"Vrk,¡

जय प्रकाश नारायण ने ट्रॉमा के सभी पहलुओं पर एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र, एम्स ने उत्कृष्ट रोगी सेवाओं, अनुसंधान, शिक्षण तथा प्रशिक्षण प्रदान करने में स्वयं को एक पथप्रदर्शक के रूप में स्थापित किया है। स्टाफ के सभी संकाय तथा सदस्य ट्रॉमा के पीड़ितों को अत्याधुनिक उपचार प्रदान करने में सक्रियता से कार्यरत है। 2017–2018 में रोगी देखभाल के सभी पहलुओं में वृद्धि देखी गई। वर्ष 2017–2018 में कुल 75,188 रोगी आपातकाल में आए जो पिछले वर्ष की तुलना में 5,637 की वृद्धि है। पिछले वर्ष भर्ती हुए 5,637 रोगियों की तुलना में कुल 6,910 रोगियों को भर्ती किया गया था। पिछले वर्ष की तुलना में कुल 48,657 रोगी ओपीडी में आए जिसमें 8,063 रोगियों की वृद्धि हुई। पिछले वर्ष की तुलना में कुल 8,142 रोगियों का ऑपरेशन किया गया, जो 2,700 ऑपरेशनों की वृद्धि हुई। कुल 11,75,676 प्रयोगशाला परीक्षण जोकि 53,734 परीक्षणों की वृद्धि हुई। 2017–2018 में कुल 09 सामूहिक हताहत हुए। जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर चालू हो गया है। निजी वार्ड सहित नए वार्ड। मामूली उत्पादन, हेरफेर और फ्रैक्चर और बाहरी फिक्सचर अनुप्रयोग आदि के लिए ईडी में एक नया आपातकालीन ओटी चालू किया गया था। इस वर्ष जेपीएनएटीसी में "ऑर्थो जेरिएट्रिक सर्विसेज" प्रदान करने वाली फ्रेगैलिटी फ्रैक्चर सेवा शुरू की गई थी। विशेष देखभाल की आवश्यकता की फ्रैक्चर वाले जेरियाट्रिक रोगियों के लिए समर्पित बिस्तर लगाए गए थे। मरीजों के परिचारकों के लिए एक नए विश्राम सदन का भी उद्घाटन किया गया था, जिसे एक सीएसआर कार्यक्रम के तहत बनाया गया है। रोगी देखभाल से संबंधित सेवाओं में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग, रोगी देखभाल से संबंधित नए उपकरणों की स्थापना जेपीएनएटीसी के कामकाज के अन्य मुख्य आकर्षण हैं। जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर संक्रमण नियंत्रण, एचएआई और एएमआर की निगरानी के लिए क्षमता निर्माण पर सीडीसी द्वारा एक सहकारी समझौते के रूप में वित्त पोषित एक बहु–केंद्रित परियोजना में अग्रणी रहा है। 120 से अधिक आईसीयू का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 36 अस्पताल इस निगरानी नेटवर्क का एक हिस्सा हैं। यह राष्ट्रीय काया कल्प कार्यक्रम और मौजूदा एचएआई निगरानी ढांचे को एकीकृत करने के लिए एक नवीन पहल भी है।

शिक्षा

प्रशिक्षण

जेपीएनएटीसी की फैकल्टी टीम नियमित रूप से भारत और विदेश के छात्रों के लिए अल्पकालिक/वैकल्पिक प्रशिक्षण / नैदानिक अभ्यास प्रदान करने में शामिल है। वर्ष 2017–2018 के दौरान, जेपीएनएटीसी में निम्नलिखित प्रशिक्षण दिए गए:

सीआरपीएफ डॉक्टर और फार्मासिस्टरू	92	सीआरपीएफ कांस्टेबलः	300
आईटीबीपी डॉक्टर और नर्सः	45	बीआरओ पैरामेडिक्सः	100
कुलः	**537**		

शिक्षण

जेपीएनएटीसी के संकाय सदस्य नियमित रूप से स्नातक छात्रों, स्नातकोत्तर छात्रों, वरिष्ठ रेजिडेंटों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ और ओटी तकनीशियनों के लिए आयोजित शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होते थे। कुल 255 व्याख्यान हुए।

शिक्षा

जेपीएनएटीसी द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली 7 अप्रैल, 2017 को हड्डी रोग विभाग द्वारा आयोजित **"काइनेमेटिक घुटना रिप्लेसमेंट" पर चेयरमैन ऑफ सिम्पोसियम का आयोजन**
- 20–21 मई, 2017 को जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में हड्डी रोग विभाग द्वारा आयोजित **"आईएसकेएस आर्थ्रोप्लास्टी कोर्स 2017" के अध्यक्ष का आयोजन**
- 20–21 मई, 2017 को जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में ऑर्थोपेडिक्स के बायोडाटा का आयोजन "आईएसकेएस आर्थ्रोप्लास्टी कोर्स 2017" के लिए संयोजक
- 15 जुलाई, 2017 को जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में हड्डी रोग विभाग द्वारा आयोजित **"प्रथम नवगठित एकता एक्स (यूनिकॉन्डिलर) घुटने का दर्द कार्यशाला" का आयोजन**
- 4 फरवरी 2017 को नई दिल्ली में पहले एम्स लाइव ऑपरेटिव ओ–एआरएम कार्यशाला आयोजित की गई
- कंबाइंड अल्ट्रासोनोग्राफिक और फ्लोरोस्कोपिक इंटरवेंशन पर दूसरे एम्स का पारंपरिक रेडियालॉजी कोर्स, 8–9 अप्रैल 2017

- प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग में आपातकालीन और आघात देखभाल को मजबूत बनाने के लिए दूसरा अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 23–27 नवंबर 2017, खोन–केन क्षेत्रीय अस्पताल, खांन–केन, थाईलैंड
- चौथे यूएन ग्लोबल रोड सेफ्टी वीक बेसिक लाइफ सपोर्ट एंड पोस्ट–क्रैश मैनेजमेंट कोर्स, 8 मई 2017, जयपुर, राजस्थान
- सभी छात्रों के लिए जामिया मिलिया इस्लामिया कॉलेज में 4थी संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह बुनियादी जीवन समर्थन कार्यक्रम, 30 अप्रैल 2017, दिल्ली
- चौथे यूएन ग्लोबल रोड सेफ्टी वीक निज़ाम के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने 4थे संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, 17–18 जून 2017, आपातकालीन चिकित्सा विभाग, निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पंजगुटा, हैदराबाद का आयोजन किया है
- 4थे संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय के लिए कार्यक्रम, 9 मई 2017, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय केंद्र, साकेत, नई दिल्ली
- 4थे संयुक्त राष्ट्र वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह हस्ताक्षर अभियान उद्घाटन, 6 मई 2017, निदेशक कार्यालय, एम्स, नई दिल्ली
- 7वें अंतर्राष्ट्रीय सीएमई और कार्यशाला ई–स्वास्थ्य देखभाल में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग पर 11–13 सितंबर 2017 से आयोजित
- 7वीं लाइव ऑपरेशनल वर्कशॉप और संगोष्ठी, कॉम्प्लेक्स स्पाइनल ट्रॉमा पर जेपीएनएटीसी, एम्स में 6 और 7 मई 2017 को आयोजित
- उन्नत अल्ट्रासाउंड कोर्स, 24–25 सितंबर 2017, दुबई
- उन्नत अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स, केएमसी मणिपाल, 27 फरवरी 2018, कर्नाटक
- एम्स–फ्रांस एकेडमी ऑफ मेडिसिन सहयोगात्मक संगोष्ठी "ट्रामा प्रबंधन और चोट की रोकथाम, 20–21 अप्रैल 2018, जेपीएनएटीसी, दिल्ली
- एम्स एडवांस्ड अल्ट्रासाउंड ट्रामा एंड लाइफ सपोर्ट कोर्स 9–10 सितंबर 2017 को आयोजित किया गया
- एम्स – एएनएलएस – 7–8 अक्टूबर 2017 और 25–26 फरवरी 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
- एम्स कैडवेरिक एयरवे वर्कशॉप, 17 दिसंबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
- एम्स व्यापक जीवन समर्थन पाठ्यक्रम, 10–12 अप्रैल 2017, नेपाल
- एम्स डिजास्टर अल्ट्रासाउंड कोर्स–वाडेम सम्मेलन, 24 अप्रैल 2017, कनाडा
- एम्स एमरजेंसी सोनोग्राफी कोर्स, 14–15 अप्रैल 2018, जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी
- एम्स, नई दिल्ली में एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2017, 6–7 अक्टूबर 2017
- एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट वर्कशॉप, 7–8 अक्टूबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
- एम्स न्यूरालॉजिकल लाइफ सपोर्ट वर्कशॉप, 25–26 फरवरी 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
- इंटरस्टीशियल लंग डिजिज पर एम्स रेडियोलॉजी कोर्स, 5–6 अगस्त 2017
- एब्डॉमिनलएमआर इमेजिंग के अद्यतन पर एम्स रेडियोलॉजी कोर्स, 3–4 फरवरी 2018
- एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रामा लाइफ सपोर्ट कोर्स, 15–16 अप्रैल 2017, केरल
- एम्स, केडवेरिक– परम्परागत दर्द प्रबंधन कार्यशाला, 28 जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
- एम्स–खोन–केइन–डब्ल्यूएचओ सहयोगी "प्राथमिक देखभाल में अल्ट्रासाउंड" कार्यशाला, खॉन–केन, थाईलैंड में, 26 नवंबर 2017, थाईलैंड
- ट्रामा क्वालिटी इम्प्रूवमेंट पर एआईटीएससी–डब्ल्यूएचओ वर्कशॉप, 12 जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
- इमरजेंसी मेडिसिन के लिए इज़राइली एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन, "तेल अवीव, इज़राइल", 24–25 मार्च 2017, इजराइल
- ऑस्ट्रेलिया इंडिया ट्रामा सिस्टम्स सहयोग, रैप–अप संगोष्ठी, 12–13 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली
- नर्सों के लिए बुनियादी ईसीजी कार्यशाला, 15 जून 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
- बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और उन्नत कार्डिएक लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) एम्स में एएचए प्रमाणित पाठ्यक्रमों के दौरान संकायों, निवासियों और नर्सों को प्रशिक्षण
- सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) कार्मिक (लघु अवधि प्रशिक्षण) बुनियादी आपातकाल और आघात देखभाल पर लघु अवधि प्रशिक्षण, फरवरी 2018, जेपीएनएटीसी, दिल्ली
- कैडवेरिक एयरवे वर्कशॉप, 17 दिसंबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली
- कैडवेरिक इंटरवेंशनल पेन वर्कशॉप, 28 जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली

- 28 जुलाई 2017 को कार्यशाला के समन्वयक के रूप में कैडेवरिक दर्द कार्यशाला
- राजस्थान राज्य के लिए ट्रामा केयर सिस्टम विकास के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर 22–24 मई और 23–25 जून 2017, दिल्ली
- क्लिनिकल हेड एंड नेक रेडियालॉजी: केस आधारित दृष्टिकोण, 9 दिसंबर 2017
- सीआरपीएफ कर्मियों का (टैक्टिकल कॉम्बैट केयर कोर्स), 15 दिसंबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स
- डॉक्टरों और नर्सों के लिए आपदा प्रशिक्षण में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, 5 जुलाई 2017, एचआईपीए, हरियाणा
- नए भर्ती हुए सीएचएस मेडिकल ऑफिसर के लिए फाउंडेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम, 22 जून 2017, ऑडिटोरियम, टीचिंग ब्लॉक, एनआईएचडब्ल्यू, दिल्ली
- शिमला में ट्रॉमा सेंटर की स्थापना पर बैठक, 20 दिसंबर 2017, शिमला
- एमएस इमरजेंसी सोनोग्राफी कोर्स, 1–2 सितंबर 2017, मैसूर, कर्नाटक
- आयोजन सचिव के रूप में एक कैडवेरिक कार्यशाला सहित एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया – कैडवर ट्रेनिंग एंड रिसर्च फैसिलिटी, जेपीएनएटीसी, एम्स में घुटनों के आसपास फ्रैक्चर के लिए 26 नवंबर 2017 को आयोजित
- 14–15 अप्रैल 2018 को कैडेवर प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा, जेपीएनएटीसी, एम्स में आयोजन टीम के भाग के रूप में कैडेवरिक कार्यशाला, 3 एम्स–एसीएसएसटी पेल्विक एसिटाबुलर कोर्स सहित एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया
- नई दिल्ली के एम्स में 5–7 अक्टूबर, 2017 से "एम्स न्यूरो एनेस्थेसिया अपडेट 2017" का आयोजन किया
- 15–16 अप्रैल 2017 को जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली में आयोजन सचिव 2रे एम्स कैडेवेरिक पेल्विक – एसिटाबुलम कोर्स; 29 अगस्त 30 अप्रैल 2017 को टोरंटो कनाडा में हिप अटैक इन्वेस्टिगेटर्स मीटिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया
- 17 मई 2018 को इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेड क्रॉस के संयुक्त सहयोग से "मृतकों के सम्मानजनक प्रबंधन" पर कार्यशाला का आयोजन सचिव
- बाल चिकित्सा आपातकाल और ट्रामा अल्ट्रासाउंड कोर्स, 4 जून 2017, भुवनेश्वर, ओडिशा
- बेसिक इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर आईटीबीपी डॉक्टरों और नर्सों पर लघु अवधि प्रशिक्षण, अक्टूबर 2017, एम्स, दिल्ली
- बेसिक इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर आईटीबीपी डॉक्टरों और नर्सों पर लघु अवधि प्रशिक्षण, मार्च 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स
- बीकानेर डिवीजन, 29 जून 2018, बीकानेर, राजस्थान के लिए सड़क सुरक्षा पर हितधारकों की कार्यशाला
- इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर को मजबूत करना प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा में राज्य की स्थापना तीसरी तकनीकी बैठक, 22 अक्टूबर, 2017, जयपुर, राजस्थान
- इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर को मजबूत करना प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा सेटिंग राज्य केरल में तीसरी तकनीकी बैठक, 27 जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, दिल्ली
- केरल के मुख्यमंत्री श्री पिनारयी विजयन के साथ तिरुवनंतपुरम, 10 नवम्बर 2017, केरल में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की स्थापना में आपातकालीन और आघात देखभाल को मजबूत बनाना
- ट्रॉमा प्रबंधन और ट्राइएज इम्प्लीमेंटेशन, केरल पर कार्यस्थल की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा की स्थापना में इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर को मजबूत करना, 27 दिसंबर 2017, केरल
- प्राथमिक हीथ केयर सेटिंग में इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर को मजबूत बनाना – तमिलनाडु सेकंड बैच, 23 जून 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स
- ट्रामा प्रोटोकॉल, 24–25 अक्टूबर 2017, जयपुर, राजस्थान पर ट्रॉमा और आपातकालीन देखभाल कार्यशाला को मजबूत बनाना
- जेपीएनएटीसी में स्पाइनल कोर्ड चोट के बाद जीवन पर संगोष्ठी, 5 सितंबर 2017 को एम्स
- प्री अस्पताल प्रशिक्षुओं (पीटीटी) छात्रों के लिए प्रशिक्षण और अवलोकन, 18 जुलाई – 14 अगस्त 2017, जेपीएनएटीसी, दिल्ली
- अल्ट्रासाउंड गाइडेड वैस्कुलर एक्सेस कोर्स, 25 मार्च 2018, जुबली मिशन हॉस्पिटल, त्रिशूर, केरल
- अल्ट्रासाउंड गाइडेड वैस्कुलर एक्सेस, 5 अगस्त 2017, जेपीएनएटीसी, दिल्ली
- एम्स ट्रेग प्रोटोकॉल, 4 अक्टूबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स पर कार्यशाला
- एम्स ट्राइएज प्रोटोकॉल पर कार्यशाला, 6 दिसंबर 2017, जेपीएनएटीसी, दिल्ली
- व्यक्तित्व विकास संचार और प्रस्तुति कौशल (पीडीसीपी) पर कार्यशाला 18 जून 2017 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित की गई
- 6 फरवरी, 19 अप्रैल, 8 सितंबर, नई दिल्ली में आयोजित अनुसंधान नैतिकता और प्रकाशन (आरईएपी) पर कार्यशाला, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

अभिनव कुमारः 2
आदर्श कुमारः 8
अमित गुप्ताः 18
आशीष बिंद्राः 5
अतीन कुमारः 16
बबीता गुप्ताः 3
बिप्लब मिश्राः 13
छवी सवन्नीः 5
दीपक अग्रवालः 5
दीपक गुप्ताः 11
दिनेश कुमार बगारियाः 3
ज्ञानेंद्र पाल सिंहः 4
कामरान फारूकः 14
कपिल देव सोनीः 14
केशव गोयलः 10
नरेंद्र चौधरीः 3
नवदीप सोखलः 5
नीरज कुमारः 14
पंकज सिंहः 2
पूर्वा माथुरः 8
ऋचा अग्रवालः 19
एस.अरुसेलवीः 6
संजीव के भोईः 1
सौमिता बागचीः 7
शिवानंद गामांगतिः 9
सुबोध कुमारः 20
सुषमा सागरः 8
तेज प्रकाश सिन्हाः 1
विजय शर्माः 9
विवेक त्रिखाः 19

मौखिक पत्र/पोस्टर की प्रस्तुतिः 108

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. भारत और ऑस्ट्रेलिया में चोट के बोझ को कम करना, विकास और देखभाल की बेहतर व्यवस्था के संचालन के माध्यम से, ऑस्ट्रेलिया इंडिया ट्रामा सिस्टम्स सहयोग, अमित गुप्ता, डीएसटी, 4 वर्ष, 2014–2018, 3.61 करोड़ रु.
2. भारत में सड़क यातायात की चोटों के लिए व्यापक आपातकालीन देखभाल और आघात रजिस्ट्री पर एक उपचार अध्ययन, आईसीएमआर– राष्ट्रीय कार्य बल परियोजना, अमित गुप्ता, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2017–2019, 75 लाख रुपये
3. पैल्विक–एसिटाबुलर और फीमर सर्जरी, बबिता गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 10 लाख रुपये में प्रो और एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रभाव पर संवेदनाहारी तकनीकों का प्रभाव
4. तीव्र बनाम रीढ़ की हड्डी में चोट के लिए प्रारंभिक बनाम विलंबित अपघटन, रीढ़ की हड्डी में चोट का अध्ययन, दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 4 वर्ष, 2014–2018, 24.52 लाख रु.
5. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट, दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 2 साल, 2015–2017 में ऑप्टिक तंत्रिका अल्ट्रासाउंड, 36.07 लाख रुपये
6. सामान्य जमावट कारक स्तर के साथ एलिवेटेड पीटी/आईएनआर के लिए संदर्भ सीमा का निर्धारण और सिर पर चोट के रोगियों में प्लाज्मा आधान चिकित्सा के साथ इसका जुड़ाव, दीपक अग्रवाल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–2017, 25 लाख रुपये
7. वीईजीएफः स्थानीय एंजियोजेनिक गतिविधि के संभावित सिस्टेमिक मार्कर और गामा नाईफ सर्जरी के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में "आपके विचारार्थ, दीपक अग्रवाल, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 5 लाख रुपये
8. एक्यूट सबड्यूरल हेमेटोमा (आरईएससीयूई–एएसडीएच) के रोगियों के लिए क्रानियोक्टझॅमी के साथ सर्जरी का यादृच्छिक मूल्यांकन, दीपक गुप्ता, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट, 3 वर्ष, 2017–2020, 30 लाख रुपये
9. एक्यूट पीडियाट्रिक ट्रॅमैटिक ब्रेन इंजरी ट्रायल में अनुमोदन और निर्णय, दीपक गुप्ता, एनआईएच, यूएसए 5 वर्ष, 2015–2020, 1.8 करोड़ रुपए
10. टीबीआई में सहयोगी यूरोपीय न्यूरोट्रैमा प्रभावकारिता अनुसंधानः एक संभावित अनुदैर्ध्य वेधशाला अध्ययन और टीबीआई में सहयोगी भारतीय न्यूरोमातुमा प्रभावकारिता अनुसंधानः एक भावी अनुदैर्ध्य वेधशाला अध्ययन (केंद्र और सिंटर– टीबीआई), दीपक गुप्ता, यूरोपीय उच्च आयोग और एनआईएच, 5 साल, 2015–2020, 10 लाख रुपये
11. इंटेंसिव केयर (आईसीयू) – एसवाईएनएपीएसई आईसीयू में इंट्राक्रेनियल प्रेशर पर अंतर्राष्ट्रीय संभावित अवलोकन अध्ययन, दीपक गुप्ता, इंटेंसिव केयर मेडिसिन (ईएसआईसीएम) के यूरोपीय समाज, 1 वर्ष, 2018–2019
12. गंभीर आघात मस्तिष्क के रोगियों में एनआईआरएस का उपयोग करते हुए सेरेब्रल ऑटोरेग्यूलेशन का आकलन, केशव गोयल, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 5 + 5 लाख
13. गंभीर मानसिक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में जुगुलर वीनस ऑक्सीमेट्री पर डिकम्प्रेसिव क्रानियोक्टोमी का प्रभाव, नवदीप सोखल, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 2.5 लाख रु

14. अल्ट्रासाउंड निर्देशित केंद्रीय शिरापरक केन्यूलेशन प्रदर्शन करने में निः शुल्क हाथ की तकनीक बनाम सुई मार्गदर्शन के उपयोग की तुलनाः एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण, नीरज कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 4.6 लाख रुपये
15. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और रोकने के लिए अस्पताल के संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र, 5 वर्ष, 2015–2020, 882.59 लाख रुपये
16. अस्पताल में रहने के दौरान और डिस्चार्ज के बाद होने वाले सर्जिकल साइट संक्रमण के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली का विकास और सत्यापनः एक मल्टी–सेंट्रिक स्टडी, पुरवा माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020, 131.58 लाख रुपये।
17. ट्रॉमा मरीजों के प्रारंभिक निदान में पोस्ट–ट्रॉमा लिम्फोसाइट – मोनोसाइट रिस्पॉन्स और प्रोग्राम्ड डेथ –1 लेवल की भूमिका, ट्रामा मरीजों, पुरवा माथुर, आईसीएमआर, 3 साल, 2018–2021, 45.1 लाख रूपये
18. आघात के रोगियों की भूमिका का अध्ययन करने के लिएः आघात के रोगियों के अंतिम परिणाम में टीएच–9, टीएच–17 और टीएच–22, पुर्वा माथुर, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 9.6 लाख रुपए
19. दर्दनाक आघात चोट के बाद गंभीर गुर्दे की चोटों की प्रारंभिक भविष्यवाणी के लिए के यूरिनरी बायोमार्कर टीआईएमपी–2 और आईजीएफबीपी7 का मूल्यांकन, ऋचा अग्रवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 7 लाख रुपये
20. दर्दनाक चोट के बाद न्यूरो–संज्ञानात्मक हानि के शुरुआती पूर्वानुमान के लिए एक मार्कर के रूप में उपन्यास पर प्लेटलेट्स की उपयोगिता, एस अर्सेलसेलवी, डीएसटी–सीएसआईआर, 2 वर्ष, 2016–2018, 37.11 लाख रुपये
21. ऑस्टियोपोरोटिक दर्दनाक समीपस्थ फीमर फ्रैक्चर में हड्डी की चिकित्सा के लिए एक मार्कर के रूप में माइक्रो आरएनए (एमआईआरएनए) का मूल्यांकनः पायलट अध्ययन (संस्थान), एस अरूलसेल्वी, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 5 लाख रुपये
22. जीन अभिव्यक्ति की भूमिका का अध्ययन करने के लिए, ट्रॉमा हेमोरहाजिक शॉक (टी/एचएस), के बीच सेलुलर सिग्नलिंग मार्ग की सक्रियता और नैदानिक परिणाम के साथ इसका संबंध, संजीव के भोई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 67 लाख रुपये
23. भारतीय रोगियों में आईजीए नेफ्रोपैथी के साथ सीरम गैलेक्टोज की कमी आईजीए1 की व्यापकता और महत्वः एक मामला नियंत्रण अध्ययन, सौमिताबागची, एम्स, 1 वर्ष, 2017–2018, 5 लाख रुपये
24. पल्मोनरी फंक्शंस, इम्यून रिस्पॉन्स और लेवल–1 ट्रामा सेंटर में मरीजों के जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना, सुबोध कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2016–2019, 40 लाख रुपये
25. लेवल I ट्रामा सेंटर में पोस्टग्रेजुएल परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में निचले अंगों के एम्पुटिस में योग हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सुषमा सागर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 54 लाख रुपये
26. पोस्ट अभिघातजन्य चेहरे की विकृति के रोगियों में स्ट्रक्चरल फैट ग्राफ्टिंग के साथ सॉफ्ट टिशू पुनर्निर्माण और ऑग्मेंटेशन के परिणामों का मूल्यांकन करना, सुषमा सागर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 30 लाख रुपये

पूर्ण

1. आघातजन्य प्लीहा की चोटों में प्रभावोत्पादकता, सुरक्षा और प्लीहा धमनी उभार के परिणाम का मूल्यांकन, अतीन कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2015–2017, 5 लाख रुपये
2. मिर्गी के दौर से गुजर रहे रोगियों में डेक्समिडिटोमिडिन के मस्तिष्कीय प्रभावों का अध्ययन करना– एक बायोमार्कर निर्देशित अध्ययन, आशीष बिंद्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2012–2014, 2.62 लाख रुपये
3. सेरेब्रल माइक्रोडायलिसिस से क्षेत्रीय ऊर्जा चयापचय की निगरानी के द्वारा गंभीर सिर की चोटों में सेरेब्रल छिड़काव दबाव वृद्धि के प्रभाव का आकलन, आशीष बिंद्रा, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 4.95 लाख रुपये।
4. आपातकालीन और गहन देखभाल की स्थापना और चिकित्सा त्रुटियों में स्वास्थ्य कर्मियों के संज्ञान की निगरानी, दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 4 साल, 2012–2016, 59.86 लाख रुपये
5. किनेक्ट कैमरा का उपयोग करके स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में हाथ स्वच्छता की जटिलता का स्वतः मूल्यांकन, दीपक अग्रवाल, डीबीटी, 1 वर्ष, 2014–2015, 24 लाख रुपये
6. भारत में 18–50 वर्ष की आयु के वयस्क लोगों में दर्दनाक मस्तिष्क की चोटों (टीबीआई) के प्रबंधन का आर्थिक और सामाजिक बोझ, दीपक अग्रवाल, डीएचआर, 1 वर्ष, 2014–2015, 8 लाख रुपये
7. थ्रोमबोलैस्टोमेट्री (टीईजी): स्थापित बायोमार्कर की तुलना में न्यूरोसर्जरी गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में संक्रमण के निदान में उपयोगिता और लागत–प्रभावशीलता, दीपक अग्रवाल, एम्स, 1 वर्ष, 2014, 10 लाख रुपये
8. स्पाइनल इंस्ट्रूमेंटेशन के बाद फ्यूजन के लिए बायोमार्कर के रूप में मेट्रिक्स मेटेलोप्रोटीनेज (एमएमपीएस), दीपक अग्रवाल, एओएसपीआईएनई, 1 वर्ष, 2014, 5500 सीएचएफ
9. हिस्टोपैथालॉजिकल सहसंबंध के साथ गंभीर सिर की चोट में तीव्र थैलेमिक भागीदारी का शव परीक्षा, दीपक अग्रवाल, एम्स, 1 लाख रुपये

10. हाइड्रोसिफलस में विभिन्न शंट सिस्टम के बीच कैथेटर–संबंधित संक्रमण दर की तुलना करने के लिए एक रजिस्ट्री, दीपक अग्रवाल, कॉडमन कॉरपोरेशन, यूएसए 10 लाख रुपये
11. ग्रीवा रीढ़ की चोट के रोगियों में एक नाली के रूप में एयर–क्यू के उपयोग के बिना और बिना फाइब्रोप्टिक एंडोट्रैचियल इंटुबैशन की तुलनाः एक पायलट अध्ययन, ज्ञानेंद्र पाल सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2015–17, 2.16 लाख रुपये
12. दर्दनाक क्राइम इंजरी के बाद तीव्र गुर्दे की चोट की प्रारंभिक भविष्यवाणी के लिए यूरीनरी संबंधी बायोमार्कर टीआईएमपी–2 और आईजीएफबीपी7 का मूल्यांकन, कपिल देव सोनी, एम्स, 1 वर्ष, 2016, 5 लाख रुपये
13. ब्रोंकोस्कोपी निर्देशित पर्कुटेनेअवेस्ट्रोस्टइम्रमी के दौरान रियल टाइम अल्ट्रासोनोग्राफी किसी भी लाभ को प्रदान करने के लिए प्रारंभिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ऋचा अग्रवाल, एम्स, 3 वर्ष, 2013–2016, 0.83 लाख रुपये
14. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में प्रोकोगुलेंट माइक्रोपार्टिकल्स को प्रसारित करने वाले उपन्यास और प्रारंभिक ट्रॉमा प्रेरित पैथोफिज़ियालॉजी में उनकी भागीदारी की पहचान, एस अर्मेलवी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 49.95 लाख रुपये
15. प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन प्राप्त करने वाले रोगियों में थ्रोम्बोसाइटोपेनिक सिर की चोट के रोगियों में जमावट की प्रतिक्रिया का अध्ययन, एस अर्मेलवी, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2015–2017, 16.12 लाख रुपये
16. प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता वाले आघात के रोगियों में प्लेटलेट की शिथिलता का अध्ययन, एस अरुमेल्वी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–2017, 0.5 लाख रुपये
17. भारत में उन्नत आघात जीवन समर्थन के लिए क्षमता निर्माण पर परियोजना (पीपीसीबी–एटीएलएसआई), सुबोध कुमार, एनडीएमए, 3 वर्ष, 2016–2017, 1.32 करोड़ रुपये
18. देखभाल की बेहतर व्यवस्था के विकास और पायलटिंग के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया में चोट के बोझ को कम करना, सुबोध कुमार, डीएसटी, 4 वर्ष, 2013–2017, 2.74 करोड़ रुपये
19. चेस्ट ट्रॉमा में मरीजों के आउटकम में टीएच1, टीएच2, न्यूट्रोफिल और मोनोसाइट्स की भूमिका, सुबोध कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 9 लाख रुपये
20. भारत में क्लिफ्ट लिप और तालु विसंगतिः क्लिनिकल प्रोफाइल, जोखिम कारक और उपचार की वर्तमान स्थिति–अस्पताल आधारित सर्वेक्षण, सुषमा सागर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2013–2017, 35 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रसूति संबंधी संबंधित रक्तस्राव में इंटरवेंशनल रेडियालॉजी की भूमिका
2. इटियोलॉजी का निर्धारण करने में क्रॉनिक मास बनाने वाली मास्टिटिस की अल्ट्रासाउंड इमेजिंग मूल्यांकन और अल्ट्रासाउंड–निर्देशित कोर सुई बायोप्सी की भूमिका
3. उन रोगियों में गर्भाशय धमनी एम्बोलिज़ेशन बनाम पेट की हिस्टेरेक्टइम्रमी के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जिन रोगियों में गर्भाशय फाइब्रॉएड के लिए अपना परिवार पूरा कर लिया है
4. शिशु ब्राचियल प्लेक्सोपैथी का इमेजिंग
5. तीव्र दर्दनाक गर्भाशय ग्रीवा की चोट में एमआरआई की निदान और रोगनिरोधी भूमिका
6. विभिन्न जैविक नमूनों में शराब और विभिन्न दवाओं के विषैले विश्लेषण और वितरण पैटर्न और आत्मघाती मौतों में उनके न्यूरोबायालॉजिकल प्रभाव
7. कोहनी और कलाई के जोड़ों के आसपास एपिफिशियल यूनियन के रेडियालॉजिकल अध्ययन द्वारा 1–18 वर्ष की आयु के बीच आयु का अनुमान।
8. आईजीए नेफ्रोपैथी का सहायक प्रबंधन– एक संभावित अध्ययन
9. अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉस्टोक्लेविक्युलर ब्लॉक के लिए 0.5% रोपिवेकेन की न्यूनतम प्रभावी मात्रा की खोज के लिए अध्ययन
10. ट्रंक आधारित फ्लैप सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में सेराटस पूर्वकाल प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता का अध्ययन करना – एक पायलट अध्ययन
11. प्रारंभिक गामा नाईफ उच्च ग्रेड ग्लिओमास में समवर्ती टोमोजोलेमाइड के साथ–एक नियंत्रित अध्ययन
12. मिडब्रेन एवीएम में गामा नाइफ की भूमिका
13. सर्जिकलट्रामा आईसीयू में भर्ती यांत्रिक हवादार रोगियों में जल्दी जुटने का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
14. दर्दनाक बायोमार्कर का मूल्यांकन टीआईएमपी–2 और आईजीबीपी7 के दर्दनाक चोटों के बाद गुर्दे की चोट की प्रारंभिक पूर्वानुमान
15. अल्ट्रा साउंड द्वारा निर्धारित गैस्ट्रिक अवशिष्ट मात्रा का सहसंबंध और मेडिकल–सर्जिकल आईसीयू में एंटेरल ट्यूब फीड की स्वीकृतिः एक अवलोकनात्मक अध्ययन

16. इंट्राक्रेनियल मेनिंगियोमा सर्जरी के दौरान अंतःस्रावी रक्त हानि पर अंतःशिरा डेक्समेडेटोमिडाइन के प्रभाव का मूल्यांकनः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
17. थोरैकोलम्बार स्पाइन सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में ट्रांसक्रेनियल मोटर ईवोकपोटेन्शियल पर प्रोपोफोल और केटोफोल की तुलना
18. एंडोस्कोपिक ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में उभरती प्रतिक्रिया को कम करने के लिए इंट्राट्रैचियल लिग्नोकाइन का उपयोगः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
19. आघात के बाद निचले अंग विच्छेदन के दौर से गुजरने वाले रोगियों में प्राथमिक बनाम विलंबित प्राथमिक समापनः एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
20. कुंद प्लीहा की चोट वाले रोगियों में प्लीहा प्रतिरक्षा समारोह का आकलन
21. स्तर I ट्रॉमा सेंटर में परिणामों में गंभीर रूप से घायल रोगियों और उनके सहसंबंध से ग्रेड प्रबंधन संबंधी जटिलताओं का अध्ययन
22. लेवल I ट्रॉमा सेंटर में श्रेणी के फ्रैक्चर वाले रोगियों में प्रबंधन, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन करना
23. ब्लंट जिगर और प्लीहा ट्रामा में संक्षिप्त निर्वहन प्रोटोकॉलः एक पायलट अध्ययन
24. क्लिनिकल पैरामीटर्स और इंट्रा–एब्डॉमिनल प्रेशर के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना और लेवल I ट्रॉमा सेंटर में ब्लंट ट्रॉमा एब्डोमेन के साथ मरीजों के गैर–ऑपरेटिव प्रबंधन पर उनके प्रभाव का अध्ययन करना
25. पृथक थोरैसिक चोट में प्रारंभिक धमनी रक्त गैस विश्लेषण के परिणाम का सहसंबंध
26. क्यू1 परियोजना– आईसीयू में वीएपी बंडल के अनुपालन में सुधार करना
27. छाती के आघात के रोगियों के परिणाम में टी–हेल्पर कोशिकाओं और न्यूट्रोफिल की भूमिका
28. यंत्रवत् हवादार रोगियों में डायाफ्रेगम्मेटिक शक्ति और मोटाई पर फेरिक तंत्रिका उत्तेजना का प्रभाव
29. सर्जिकल आघात आईसीयू में भर्ती यांत्रिक हवादार रोगियों में जल्दी जुटने का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
30. स्तर I के ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में आधान व्यवहार के संभावित अवलोकन अध्ययन
31. जनन संबंधी रोग में लंबर इंटर वर्टेब्रल डिस्क का ऊतक विज्ञान और नैदानिक और रेडियालॉजिकल निष्कर्षों के साथ इसका सहसंबंध
32. निचले अंग के विच्छेदन संतुलन एडीएल और दर्द पर आभासी वास्तविकता थेरेपी का प्रभाव
33. आघात की चोट और इसके भू–स्थानिक वितरण के लिए कई कारण कारक
34. लेवल I ट्रॉमा सेंटर में पेट के आघात के साथ रोगी में मेष लैप्रोस्टॉमी का प्रबंधन और परिणाम
35. छाती के आघात के रोगियों के परिणाम में टी–हेल्पर कोशिकाओं और न्यूट्रोफिल की भूमिका
36. जाईगोमेटिको–ऑरबिटो–मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स फ्रेक्चर में सीएडी मॉडल द्वारा निर्देशित 3 डी प्रिंटेड हाइड्रॉक्साइपटाइट स्कैफोल्ड से प्राप्त मेसेंचिमल स्टेम सेल का उपयोग करते हुए एडिपोज टिस्सु के प्रयोग से पोस्ट ट्रोमैटिक फेशियल डिफेक्ट्स का पुनर्निर्माण
37. अग्नाशयी आघात के साथ रोगियों में अग्नाशयी एंडोक्राइन और एक्सोक्राइन कार्यों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
38. टी हेल्पर–9, टी हेल्पर–17, टी हेल्पर–22, टी– पोस्ट–ट्रॉमा इम्यूनोपैथोजेनेसिस में टी–रेगुलेटरी लिम्फोसाइट्स की भूमिका का अध्ययन करना
39. अंग की शिथिलता और सेप्सिस के प्रारंभिक निदान के लिए मोनोसाइट्स के उत्पादन के बाद के आघात साइटोकाइन का आकलन
40. आरेख शक्ति और मोटाई पर फेरिक तंत्रिका उत्तेजना का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
41. पल्मोनरी फंक्शंस, रेस्पिरेटो म्युज़िक स्ट्रेंथ एंड धीरज, छाती की दीवार की गतिशीलता, भड़काऊ मार्करों और ब्लंट चेस्ट आघात के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और लेवल I ट्रामा सेंटर में वक्षीय आघात गंभीरता स्कोर के साथ उनके सहसंबंध पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना
42. ट्रॉमा सर्जरी में भर्ती पॉलीट्रॉमा रोगियों में अल्पकालिक परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना
43. स्तर I ट्रॉमा में कुंद प्लीहा की चोट वाले रोगियों में स्प्लेनिक कार्यों और जटिलताओं का अध्ययन करना
44. डॉक्टरों और नर्सों के ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को बेहतर बनाने में आपातकालीन विभाग में आघात के रोगियों के प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम की भूमिका का मूल्यांकन
45. एक स्तर पर ट्रॉमा सेंटर में परिणामों में गंभीर रूप से घायल रोगियों और उनके सहसंबंध से ग्रेड प्रबंधन संबंधी जटिलताओं का अध्ययन
46. लेवल I ट्रॉमा सेंटर में श्रेणी के फ्रैक्चर वाले रोगियों में प्रबंधन, परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन करना
47. कुंद जिगर और प्लीहा की चोट के साथ रोगियों में संक्षिप्त निर्वहन प्रोटोकॉलः एक पायलट अध्ययन

48. निचले अंगों के विच्छेदन के दौर से गुजर रहे रोगियों में प्राथमिक बनाम देरी से प्राथमिक समापन – एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
49. पेरीओपरेटिव भड़काऊ साइटोकिन्स परिवर्तन और नैदानिक जटिलताओं पर क्षेत्रीय संज्ञाहरण के प्रभाव
50. ऊपरी अंग ऑर्थोपेडिक सर्जरी में सुप्राक्लेविक्युलर ब्लॉक के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड कॉर्नर पॉकेट बनाम दो एलिकोट्स इंजेक्शन तकनीकों की प्रभावकारिता का आकलनः एक संभावित, यादृच्छिक अध्ययन
51. न्यूनतम प्रभावी स्थानीय संवेदनाहारी का अनुमान (0.75% रोपिवेकेन) अल्ट्रासाउंड निर्देशित सुप्राक्लेविक्युलर ब्लॉक के टारगेटिनट्रैक्लस्टर इंजेक्शन दृष्टिकोणः एक संभावित खुराक आकलन अध्ययन
52. पूर्वकाल परिसंचरण धमनीविस्फार के साथ रोगियों में क्षेत्रीय सेरेब्रल ऑक्सीकरण पर न्यूरोडालॉजिकल उपचार का प्रभावः एक अवलोकन अध्ययन
53. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगसूचक मार्कर के रूप में सीरम लैक्टेट, बेस डेफिसिट और ग्लूकोज का स्तर
54. बड़े संवहनी मेनिगियोमास में डेक्समिडिटोमिडाईन का अंतःक्रियात्मक उपयोग
55. दर्दनाक रीढ़ की हड्डी की चोट के बाद हृदय की जटिलताएं
56. सिर की चोट के रोगियों में जोखिम कारकों और विलुप्त होने की विफलता के कारणों का अध्ययन करना
57. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट (टीबीआई) के रोगियों में जुगुलर शिरापरक ऑक्सिमेट्री (एसजेवीओ$_2$) पर डिकम्प्रेसिव क्रानियोक्टॉमी का प्रभाव
58. आपातकालीन विभाग के सामने आने वाले तीव्र अपच के रोगियों के मूल्यांकन में नैदानिक परीक्षण के लिए देखभाल अल्ट्रासाउंड के बिंदु की भूमिका
59. आपातकालीन विभाग में कार्डियक अरेस्ट रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए बेडसाइड अल्ट्रासाउंड द्वारा कार्डियक गतिविधि का आकलन
60. अल्ट्रासाउंड निर्देशित राइल की ट्यूब सम्मिलन और पारंपरिक बनाम ब्लाईंड तकनीक की पुष्टि
61. सीटी/एमआरआई द्वारा पता लगाए गए ग्रीवा रीढ़ की चोट के सिद्ध मामलों में गर्भाशय ग्रीवा रीढ़ की चोटों का पता लगाने में अल्ट्रासाउंड की क्षमता का पता लगाना
62. आपातकालीन विभाग में डिस्टल हाथ और पैर की चोटों के अल्ट्रासाउंड के लिए जल स्नान मूल्यांकन तकनीक
63. ऑप्टिक तंत्रिका म्यान के व्यास बाल रोगियों में इंट्राक्रेनियल के साथ संपर्क समूह के साथ अल्ट्रासाउंड द्वारा निर्धारित करना
64. टी–हेल्पर–9, टी हेल्पर –17, टी हेल्पर–22 और टी–रेगुलेटरी लिम्फोसाइटों की भूमिका के बाद के आघात इम्युनोपैथोजेनेसिस और परिणाम का अध्ययन करना
65. ट्रॉमा सर्जरी में भर्ती पॉलीट्रॉमा रोगियों में अल्पकालिक परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना
66. पल्मोनरी फंक्शन्स, रेस्पिरेटरी मसल स्ट्रेंथ एंड एंड्योरेंस, चेस्ट वॉल मोबिलिटी, इंफ्लेमेटरी मार्कर और ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा के मरीजों में जीवन की गुणवत्ता और लेवल I ट्रॉमा सेंटर में थोरैसिक ट्रामा सेवर के साथ उनके सहसंबंध पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना
67. ट्रॉमा में खुले पेट वाले रोगियों में नैदानिक भविष्यवाणियों और परिणामों का मूल्यांकन
68. डॉक्टरों और नर्सों के ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को बेहतर बनाने में आपातकालीन विभाग में ट्रामा रोगियों के प्रारंभिक मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम की भूमिका का मूल्यांकन
69. आघात के बाद निचले अंगों के विच्छेदन के दौर से गुजर रहे रोगियों में प्राइमरीवेरस विलंबित प्राथमिक समापनः एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
70. स्तर I ट्रॉमा सेंटर में परिणामों में गंभीर रूप से घायल रोगियों और उनके सहसंबंध से ग्रेड प्रबंधन संबंधी जटिलताओं का अध्ययन
71. पृथक थोरैसिक चोट में प्रारंभिक धमनी रक्त गैस विश्लेषण के परिणाम का सहसंबंध
72. कुंद प्लीहा की चोट के साथ रोगियों में प्लीहा प्रतिरक्षा समारोह का आकलन
73. स्तर I ट्रॉमा सेंटर में पेट के आघात के साथ रोगी के खुले पेट में मेष लैपरोस्टॉमी का प्रबंधन और परिणाम
74. स्तर I ट्रॉमा सेंटर में कुंद प्लीहा आघात के बाद स्प्लेनिक कार्यों और जटिलताओं का अध्ययन करना
75. अग्नाशयी ट्रॉमा के साथ रोगियों में अग्नाशय एंडोक्राइन और एक्सोक्राइन कार्यों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
76. डायाफ्रेग्मेटिक ताकत और मोटाई पर फेरिक तंत्रिका उत्तेजना का प्रभाव
77. लोअर अंग विच्छेदन में संतुलन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार में आभासी वास्तविकता थेरेपी का प्रभाव
78. छाती के आघात के रोगियों के परिणाम में टी–हेल्पर कोशिकाओं और न्यूट्रोफिल की भूमिका
79. 3डी प्रिंटेड हाइड्रॉक्सीपटाइट स्कैफोल्ड सीडेड पर एडीपोज टिशू व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम सेल का उपयोग करके सीएडी मॉडल इनजाइमैटिक–ऑर्बिटो मैक्सिलरी कॉम्प्लेक्स फ्रैक्चर पीएचडी द्वारा निर्देशित पोस्ट–ट्रोमैटिक चेहरे की खराबी का पुनर्निर्माण

80. ईडी पर सड़क दुर्घटना के बीच जोखिम कारकों का प्रसार और इसका भू–स्थानिक वितरण
81. स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग के विभिन्न स्तरों पर आरटीआई के लिए अस्पताल आधारित आघात रजिस्ट्री की व्यवहार्यता और कार्यान्वयन और रोगी की देखभाल की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव
82. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत फ़ाइब्रोप्टिक ऑरोक्रैचियल इंटुबैषेण की दो तकनीकों की तुलना करते हुए यादृच्छिक परीक्षणः एयर क्यू के उपयोग के बिना फाइब्रोओप्टिक इंटुबैषेण और लेरिंजल एयरवे इंटब्यूटिंग
83. रीढ़ की सर्जरी के दौर से गुजर रहे रोगियों में कफ रिसाव की मात्रा पर लक्ष्यित द्रव चिकित्सा बनाम मानक तरल पदार्थ के प्रभाव की तुलना करना
84. अनियिरिज्म के लिए क्लिपिंग के दौर से गुजरने वाले सबएरेक्नायड हेम्ब्रेज रोगियों में प्रोपोफोल बनाम सेवोफ्लूरेन संज्ञाहरण की तुलना
85. डी–ब्लेड के साथ सी–मैक वीडियो–लैरिंजोस्कोप की तुलना, मानक ब्लेड के साथ सी–मैक वीडियो–लैरिंजोस्कोप और सर्वाइकल स्पाइनिमोबॉयलेशन के साथ इंटुबैषेण के लिए मैकिंटोश लैरिंजोस्कोपः एक यादृच्छिक अध्ययन
86. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले बच्चों में आईसीपी माप की आक्रामक और गैर–इनवेसिव तकनीक के बीच सहसंबंधः एक अवलोकन अध्ययन
87. एक तृतीयक देखभाल केंद्र में ट्रामा ईडी को विकसित करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का मूल्यांकन
88. ट्रॉमा सर्जरी में भर्ती पॉलीट्रोमा रोगियों में अल्पकालिक परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना
89. स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग के विभिन्न स्तरों पर सड़क यातायात चोटों के लिए अस्पताल बैंड एसईडी ट्रॉमा रजिस्ट्री की व्यवहार्यता और कार्यान्वयन और रोगी देखभाल की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव
90. भू सूचना प्रणाली का उपयोग करके सड़क यातायात दुर्घटनाओं (आरटीए) और इसके भूभौतिकीय वितरण के कई कारण
91. पोस्ट ट्रॉमाटिक हड्डी दोष के रोगियों में हिस्टालॉजिकल और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपिक विशेषताओं को मैस्कलेट तकनीक के साथ प्रबंधित कार्यात्मक परिणाम का मूल्यांकन करना

पूर्ण

1. ब्लंट पेट के आघात में ठोस अंग की चोटों के मूल्यांकन में कंट्रास्ट वर्धित अल्ट्रासाउंड की भूमिका
2. प्रसूति संबंधी संबंधित रक्तस्राव में इंटरवेंशनल रेडियालॉजी की भूमिका
3. एटियोलॉजी का निर्धारण करने में क्रॉनिक मास बनाने वाली मास्टिटिस की अल्ट्रासाउंड इमेजिंग मूल्यांकन और अल्ट्रासाउंड–निर्देशित कोर सुई बायोप्सी की भूमिका
4. उन रोगियों में गर्भाशय धमनी एम्बोलिज़ेशन बनाम पेट की हिस्टेरेक्टॉमी के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जिन रोगियों में गर्भाशय फाइब्रॉएड के लिए अपना परिवार पूरा कर लिया है
5. शिशु ब्राचियल प्लेक्सोपैथी का इमेजिंग
6. तीव्र दर्दनाक गर्भाशय ग्रीवा की चोट में एमआरआई की निदान और रोगनिरोधी भूमिका
7. भारतीय आबादी में आईजीए नेफ्रोपैथी के ऑक्सफोर्ड वर्गीकरण का मूल्यांकन करने के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन
8. भारत में बुजुर्ग रोगियों में बायोप्सी सिद्ध गुर्दे की बीमारी के प्रोफ़ाइल के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन
9. प्राथमिक एफएसजीएस वाले वयस्क रोगियों के नैदानिक प्रोफ़ाइल और उपचार प्रतिक्रिया और परिणाम के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन
10. गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता वाले संक्रमण के प्रोफाइल और जोखिम कारक
11. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में बायोप्सी सिद्ध गुर्दे की बीमारी के पैटर्न को चित्रित करना
12. गुर्दे की प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में फुफ्फुसीय संक्रमणः संभावित सहवर्ती अवलोकन अध्ययन
13. लम्बोसैक्रल स्पाइन सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया प्रदान करने के लिए अल्ट्रासाउंड गाइडेड कॉडल मॉर्फिन की प्रभावकारिता का अध्ययन करना
14. पूर्ण रीढ़ की हड्डी में चोट में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल का चिकित्सीय अनुप्रयोग
15. माध्यमिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल परिवर्तनों से प्रेरित दर्दनाक मस्तिष्क चोट का अध्ययन करना
16. स्रावी पिट्यूटरी एडेनोमास के लिए स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी के बाद पिट्यूटरी रोग
17. दर्दनाक रीढ़ की हड्डी की चोट, न्यूरोसर्जरी के बाद हृदय की जटिलताएं
18. नियमित शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं, संज्ञाहरण, रेडियो निदान के दौरान सफल विलोपन के पूर्वसूचक के रूप में एम–मोड सोनोग्राफी द्वारा डायाफ्रामिक मूवमेंट का मूल्यांकन

19. डी–ब्लेड, सी–मैक वीडियो–लैरिंजोस्कोप की तुलना, मानक ब्लेड के साथ सी–मैक वीडियो–लैरिंजोस्कोप, और सर्वाइकल रीढ़ स्थिरीकरण के साथ इंटुबैषेण के लिए मैकिंटोश लैरिंजोस्कोपः एक यादृच्छिक अध्ययन, न्यूरोएनेस्थेसिया
20. सीओपीडी से पीड़ित छाती के आघात के रोगियों का परिणाम कृ हमारा अनुभव स्तर I ट्रामा सेंटर
21. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में प्रोकोगुलेंट माइक्रोपार्टिकल्स को प्रसारित करने वाले उपन्यास की पहचान और प्रारंभिक आघात से प्रेरित एक्यूट कोगुलोपैथी के पैथोफिजियालॉजी में उनकी भागीदारी
22. माध्यमिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल परिवर्तनों से प्रभावित दर्दनाक मस्तिष्क की चोट का अध्ययन
23. प्लेटलेट आधान की आवश्यकता वाले आघात के रोगियों में प्लेटलेट की शिथिलता का अध्ययन
24. साइटोकिन्स (11–1β, 11–6, IL–8, IL–10 और टीएनएफ–α) और बायोमार्कर (vWF एवं सीसी–16) में छाती के आघात के रोगियों में और थोरैसिक ट्रॉमा गंभीरता स्कोर और रोगी के परिणाम के संबंध में उनके सहसंबंध का अध्ययन करना
25. अंग की शिथिलता और सेप्सिस के प्रारंभिक निदान के लिए मोनोसाइट्स के उत्पादन के बाद के आघात साइटोकाइन का आकलन
26. आर्थोपेडिक आघात के रोगियों में सर्जिकल साइट संक्रमण का संभावित अध्ययन
27. एंबी–स्पेक्टिव कोहोर्ट इम्प्लांट के साथ स्किन स्पेयरिंग मास्टेक्टझॅमी के ऑन्कालॉजिकल और सौंदर्य परिणामों के मूल्यांकन के लिए अध्ययन
28. साइट्रेट–कैप्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स का उपयोग करने वाले मस्तिष्क आघात के रोगियों के सीरम में यूबिकिटिन सी–टर्मिनल हाइड्रॉलेज–1 की शुरुआती और तेज़ी से पहचानः मस्तिष्क की चोट की गंभीरता का निदान करने के लिए एक नवीन तकनीक
29. डिफ्यूज एक्सोनल चोट के रोगियों में नैदानिक परिणाम के संकेतक – एक पूर्वव्यापी विश्लेषण
30. इंट्राऑपरेटिव जटिलताओं और मस्तिष्क में घाव के इंट्राऑपरेटिव एमआरआई–निर्देशित लकीर के साथ और इसके बिना क्रैनियोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में न्यूरालॉजिकल परिणामों की तुलनाः हमारा संस्थागत अनुभव

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ग्राफ्ट रिवाइस्क्यूलेशन और हीलिंग आर्थोस्कोपिक पूर्वकाल क्रूसिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण, ऑर्थोपेडिक्स के आकलन में डायनामिक एमआरआई से पीईटी सीटी स्कैन की तुलना करते हुए एक संभावित अध्ययन
2. कुल घुटने के आर्थोप्लास्टी को बनाए रखने वाले क्रूसिएट में बनाए गए पीसीएल की मात्रा और कार्यात्मक परिणाम, आर्थोपेडिक्स पर इसका प्रभाव
3. संशोधित स्टॉपा के दृष्टिकोण, आर्थोपेडिक्स से गुजरने वाले रोगियों में एसिटाबुलर फ्रैक्चर में कार्यात्मक और रेडियालॉजिकल परिणाम
4. एसीएल की कमी और घुटने के संयुक्त हाइपरेक्स्टेंशन, ऑर्थोपेडिक्स के बीच क्लिनिकोरैडालॉजिकल सहसंबंध
5. मस्कुलोस्केलेटल ट्यूबरकुलोसिस, ऑर्थोपेडिक्स में आणविक इमेजिंग की भूमिका
6. ऑस्टियोसारकोमा और ईविंग्स सार्कोमा, ऑर्थोपेडिक्स के रोगियों में कंकाल की मेटास्टेसिस का पता लगाने के लिए टीसी–99एम कंकाल श्वेतशल्कता, पूरे शरीर के एमआरआई और पीईटी/सीटी स्कैन के बीच तुलनात्मक अध्ययन।
7. विभिन्न अंतःशिरा पैथालॉजी में लेप्रोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड की प्रयोज्यता, एक संभावित अवलोकन अध्ययन, सर्जरी
8. लेवल–1 ट्रॉमा सेंटर, ट्रॉमा सर्जरी में ब्लंट स्प्लेनिक चोट वाले रोगियों में स्प्लेनिक कार्यों और जटिलताओं का अध्ययन करना
9. ओपन मेश हर्नियोप्लास्टी, लैप्रोस्कोपिक टोटल एक्स्ट्रा पेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांस एब्डोमिनल प्री–पेरिटोनियल (टीएपीपी) ग्रोइन हर्निया, सर्जरी के बाद यौन क्रियाओं की तुलना करने के लिए एक तीन हस्तीय यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
10. अलग–अलग दोषों, प्लास्टिक सर्जरी के लिए उपयुक्तता और धमनी धमनी छिद्रक फ्लैप के परिणाम का मूल्यांकन
11. कोहनी और कलाई के जोड़ों, फोरेंसिक मेडिसिन और टझॅक्सिकालॉजी के आसपास एपिफ़िशियल यूनियन के रेडियालॉजिकल अध्ययन द्वारा 1–18 वर्ष के बीच आयु का आकलन
12. पीसीओएस वाली भारतीय महिलाओं के बीच उपचार के तौर–तरीकों के जवाब में व्यापकता, क्षेत्रीय भिन्नताएं, कॉमरेडिटीज, जोखिम कारक और बदलाव का मूल्यांकन; पूरे भारत में एक बहुस्तरीय अध्ययन; आईसीएमआर टास्कफोर्स अध्ययन, एंडोक्रिनालॉजी और चयापचय
13. हिमाचल प्रदेश के मंडी, हिमाचल प्रदेश के ब्राह्मण और राजपूत आबादी में कान और नाक के मॉर्फोमेट्रिक और मॉर्फोस्कोपिक अध्ययन – एक फोरेंसिक मानव विज्ञान जांच, नृविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
14. बीके पॉलीओमावायरसिन रीनल ट्रांसप्लांट प्राप्तकर्ता, माइक्रोबायालॉजी का पता लगाना और जीनोटाइप वितरण

15. न्यूरोसर्जरी में मांसपेशी एंजाइम के उत्थान और पोस्टोप के तीव्र गुर्दे की चोट में इसकी प्रासंगिकता का अध्ययनः एक पायलट अध्ययन, न्यूरोएनेस्थेसिया
16. सेलुलर रिजेक्शन, पैथालॉजी में ग्लोमेर्युलर केशिका एंडोथेरियल चोट की एक इम्यूनोहिस्टोकैमिकल और अल्ट्रा स्ट्रक्चरल अध्ययन
17. झिल्लीदार नेफ्रोपैथीः नैदानिक प्रवीणता, पैथालॉजी के साथ इम्यूनोफ्लोरेसेंस, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और पीएलए2आर प्रोफाइल का अध्ययन
18. अभिघातजन्य सेप्सिस रोगियों, आपातकालीन चिकित्सा के बाद के दोषपूर्ण मोनोसाइट्स के कारण को समझना
19. भारत में सड़क यातायात की चोटों के लिए व्यापक आपातकालीन देखभाल और आघात रजिस्ट्री पर एक हस्तक्षेप अध्ययनः जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (जेपीएनएटीसी), एम्स, ट्रामा सर्जरी
20. आघात आईसीयू, एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर में वेंटिलेटर से जुड़ी घटनाओं और जटिलताओं के साथ रोगियों के जोखिम कारक और परिणाम
21. वेंटिलेटेड आघात के रोगियों, लेब मेडिसिन के पूर्वानुमान के लिए ब्रोन्कोएलेवलर लवेज फ्लुइड साइटोकाइन बीड ऐरे प्रोफाइल
22. प्लेटलेट ट्रांसफ्यूजन, ऑर्थोपेडिक्स की आवश्यकता वाले ट्रामा के रोगियों में प्लेटलेट की शिथिलता का अध्ययन
23. भारत में एक सुपर स्पेशियलिटी ब्लड सेंटर में रक्त सूची प्रबंधन का अनुकूलन – एक केस अध्ययन, सीएनसी ब्लड बैंक
24. अस्थि उत्थान और नरम ऊतक चिकित्सा मेसेनचाइमल स्टेम सेल (एमएससी) के साथ टिशू इंजीनियरिंग का उपयोग करके वयस्क वसा ऊतक से प्राप्त और पोस्ट–ट्रॉमेटिक क्रेनियल दोष, प्लास्टिक सर्जरी के पुनर्निर्माण पर उनका प्रभाव।
25. हेमोडायनामिक्स पर लिडोकेन जलसेक का प्रभाव और एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी के रोगियों में रिकवरीः एक बहुस्तरीय, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, एनेस्थिसियालॉजी विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ मन्नितोबा, विन्निपेग, कनाडा
26. केंद्रीय रेखा से जुड़े रक्त प्रवाह संक्रमण, माइक्रोबायालॉजी, जेपीएनएटीसी, एम्स की घटनाओं को कम करने में क्लोरहेक्सिडिन ग्लूकोनेट असंक्रमित पैच (बीआईओएपीएसीएच[आर]) की प्रभावशीलता पर संभावित अध्ययन।
27. रेफरल इंडियन हॉस्पिटल, माइक्रोबायालॉजी, जेपीएनएटीसी, एम्स में रक्त प्रवाह संक्रमण (बीएसआई) की निगरानी
28. न्यूरोक्रिटिकल केयर यूनिट में एक सप्ताहः न्यूरोक्रिटिकल केयर में पॉइंट प्रचलित अवलोकन अध्ययनः पीआरआईएनसी अध्ययन; बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, ह्यूस्टन, टेक्सास
29. छाती के आघात के रोगियों के परिणाम में टी–हेल्पर कोशिकाओं और न्यूट्रोफिल की भूमिका
30. पल्मोनरी फंक्शंस, रेस्पिरेटरी मसल स्ट्रेंथ एंड एंड्योरेंस, चेस्ट वॉल मोबिलिटी, इंफ्लेमेटरी मार्कर्स और ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा के मरीज़ों में जीवन की गुणवत्ता और थोरैसिक ट्रॉमा सेफ्टी के साथ उनके सहसंबंध के स्तर पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना
31. ट्रामा सर्जरी में भर्ती पॉलीट्रॉमा रोगियों में अल्पकालिक परिणामों की भविष्यवाणी में नैदानिक और प्रतिरक्षात्मक मापदंडों का अध्ययन करना
32. लेवल I ट्रामा सेंटर में ब्लंट प्लीहा आघात के बाद स्प्लेनिक कार्यों और जटिलताओं का अध्ययन करना
33. लेवल I ट्रामा सेंटर में छाती के आघात के रोगियों में फुफ्फुसीय कार्यों, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना
34. छाती आघात के रोगियों के परिणाम में टीएच1, टीएच2, न्युट्रोफिल और मोनोसाइट्स की भूमिका
35. पेल्विक फ्रैक्चर वाले बहुमूत्र रोगियों के अंतिम परिणाम में टी–हेल्पर लिम्फोसाइटिक प्रतिक्रिया की भूमिका का अध्ययन करना
36. टोक्सोप्लाज्मा गोंडी से अत्यधिक एंटीजेनिक पुनः संयोजक एंटीजन की क्लोनिंग अभिव्यक्ति और शुद्धिकरण और मानव और पशु टोक्सोप्लाज्मोसिस के निदान के लिए इसका मूल्यांकन।
37. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के उपन्यास प्रतिजनों और नैदानिक नमूनों में उनके निदान के खिलाफ मोनो और पॉलीक्लोनल एंटीबॉडीज को उठाना
38. भारत विशिष्ट प्री–एक्सडीआर/एक्सडीआर–टीबी के तेजी से निदान के लिए नए आणविक परीक्षण का विकास
39. एचआईवी सेरो निगेटिव वयस्कों, दस्त के साथ पीडियाट्रिक मरीज के मल के नमूनों में माइक्रोस्पोरिडिया की व्यापकता की जांच करना
40. सिरोपोसिटिव बकरी से परजीवी (ओं) की तरह लीशमैनिया या लीशमैनिया की विशेषता का अलगाव
41. स्पॉलिगोटाइपिंग द्वारा माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की आणविक महामारी विज्ञान और भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से 24–लोकस माइकोबैक्टीरियल प्रतिच्छेदित दोहरावदार इकाई चर संख्या अग्रानुक्रम दोहराव
42. एक लूप मेडिकेटेड इज़ोटेर्मल एम्प्लीफिकेशन (एलएएमपी) का विकास; नैदानिक नमूनों से माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस और एनटीएम के तेजी से पता लगाने के लिए परख
43. अलग–अलग मानव शरीर की साइटों से अलग किए गए मायकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के बीजिंग और गैर–बीजिंग जीनोटाइप्स

44. अस्पताल में रहने के दौरान और डिस्चार्ज के बाद विकसित होने वाले इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस सिस्टम फॉरसर्जिकल साइट के संक्रमण का विकास और सत्यापनः एक बहुकेन्द्रीय अध्ययन, लैब मेडिसिन
45. भारत में प्रयोगशाला में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और रोकने के लिए अस्पताल के संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण
46. सतही बाहरी घाव और विभाजन मोटाई त्वचा ग्राफ्ट दाता, प्लास्टिक सर्जरी पर सी1 हर्बल तेल के सामयिक अनुप्रयोग के प्रभाव का आकलन करने के लिए नियंत्रित नैदानिक परीक्षण

पूर्ण

1. प्रसव के बाद और प्रसव पश्चात अपघटन के नैदानिक और रेडियालॉजिकल परिणाम का अध्ययन करने के लिए और थोरैकोम्बार रीढ़, ऑर्थोपेडिक्स के दर्दनाक फ्रैक्चर अव्यवस्था में स्थानीय रूप से कटे हुए हड्डी ग्राफ्ट का उपयोग करके इंटरबॉडी संलयन।
2. स्पर्शोन्मुख व्यक्तियों, ऑर्थोपेडिक्स में सबमैटिक सरवाइकल स्पाइन पेडिकल्स का कम्प्यूटरीकृत टोमोग्राफी आधारित मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण
3. क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में कैरोटीड इंटिमल मेडियल मोटाई का मूल्यांकन और जैव रासायनिक मापदंडों, एंडोथेलियल फंक्शन, बाएं निलय अतिवृद्धि और सीकेडी प्रगति, नेफ्रोलॉजी के साथ उनका संबंध
4. स्थिर वृक्क प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में कैरोटिड इंटिमल मेडियल थिकनेस (सीआईएमटी) का मूल्यांकन और वृक्क प्रत्यारोपण के बाद सीआईएमटी में परिवर्तन, नेफ्रोलॉजी
5. एपिथेलोमा, पैथालॉजी में एपिथेलियल–टू–मेसेनचाइमल संक्रमण (ईएमटी)
6. ट्रॉमैटिक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में प्रोकोगुलेंट माइक्रोपार्टिकल्स को प्रसारित करने वाले अभिनव कारकों की पहचान और प्रारंभिक ट्रॉमा इन्ड्यूस्ड गंभीर कोआगुलोपैथी की पैथोफिजियोलॉजी में उनकी भागीदारी, न्यूरोसर्जरी

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 147 सारः 9 पुस्तकों में अध्यायः 8

रोगी उपचार

I.	कुल बिस्तरों की संख्याः	**243**		
	वार्ड के बिस्तरः	**181**		
	आईसीयू बिस्तर दूसरी मंजिलः	**12**	आईसीयू बिस्तर तीसरी मंजिलः	**20**
	ट्राइएजः	**30**	नए प्राइवेट वार्डः	**11**
	क्रियाशील बिस्तरों की कुल संख्याः	**213**		
II	आँकडे एक नजर में:			
	कुल ई.डी. उपस्थितिः	**75,188**	कुल जन हताहत घटनाएंः	**9**
	औसत प्रति दिनः	**206**	कुल भर्तीः	**6910**
	औसत भर्ती प्रति दिनः	**19**	ठहरने की औसत अवधि	**8 दिन**
	फॉलो–अप ओपीडी मामलेः	**48,657**		
III	ई.डी. में कुल मामलेः	**75,188**		
	पुरूषः	**49,784**	महिलाः	**17,314**
	पुरूष बच्चेः	**5285**	महिला बच्चेः	**2794**
	अन्यः	**11**	एमएलसीः	**40,609**
	एनएमएलसीः	**34,579**		
	स्पेशलिटी वार			
	पीलाः	**16,461**	हराः	**50,242**
	लालः	**5081**	ओपीडीः	**3187**
	रेडियोलोजीः	**35**	कालाः	**182**

IV	फॉलो–अप ओपीडी मामलेः	**48,657**		
	नएः	**19,426**	पुरानी (रीविजिट):	**29231**
	पुरूष**:**	**32,729**	महिला**:**	**10090**
	पुरूष बच्चे**:**	**3977**	महिला बच्चे**:**	**1861**
	स्पेशलिटी–वार ब्रेक अप			
	अस्थि रोग विज्ञानः	**26,900**	ट्रामा शल्यचिकित्सा एवं गहन देखभालः	8514
	न्यूरोसर्जरीः	**6301**	पीआरएसः	6942
V	भर्तियों की कुल संख्याः	**6910**		
	नियमितः	**6668**	छोटे प्रवेशः	**242**
	एमएलसीः	**4649**		**109**
	एनएमएलसीः	**2019**		**133**
	स्पेशलिटी–वार ब्रेक अप			
	अस्थिरोग विज्ञानः	**2201**		**44**
	ट्रामा सर्जरी एवं गहन देखभालः	**1933**		**143**
	न्यूरोसर्जरीः	**1658**		**9**
	पैन क्लीनिकः	**1**		**0**
	पीआरएसः	**872**		**45**
	ईएनटीः	**3**		**1**
VI	किए गए कुल ऑपरेशनः	**8142**		
	मेजरः	**7891**	माइनरः	**251**
	स्पेशलिटी–वार ब्रेक अप			
	अस्थि रोग विज्ञानः	**3998**	ट्रामा सर्जरी एवं गहन देखभालः	**2087**
	तंत्रिका शल्य चिकित्साः	**1263**	मूत्र रोग विज्ञानः	**33**
	पीआरएसः	**761**		
VII	कुल डिस्चार्जः	**6445**		
	एमएलसीः	**4255**	एनएमएलसीः	**2190**
	पुरूष**:**	**4839**	महिला**:**	**1047**
	पुरूष बच्चे**:**	**341**	महिला बच्चे**:**	**218**
	विभाग वार वितरण			
	अस्थि रोग विज्ञानः	**2147**	शल्य चिकित्साः	**1900**
	तंत्रिका शल्य चिकित्सा**:**	**1524**	पीआरएस**:**	**871**
	ईएनटीः	**3**		
VIII	देखभाल के दिनः	**53,098**		
	अस्थि रोग विज्ञान**:**	**15,716**	शल्य चिकित्सा**:**	**15666**
	तंत्रिका शल्य चिकित्सा**:**	**17,887**	पीआरएस**:**	**3821**
	ईएनटीः	**8**		
IX	कुल पंजीकृत मृत्युः	**874**	लाए गए मृतः	**182**
	टीसी (पंजीकृत मृत्यु–लाए गए मुत) में कुल मृत्युः **874-182=692**			
	48 घंटे के अंदर मृत्युः	**344**	48 घंटो के बाद मृत्युः	**348**
	सकल मृत्यु दरः	**11%**	निवल मृत्यु दरः	**6%**

भरे हुए बिस्तरों की दरः	**68%**	ठहरने की औसतन अवधिः	**8 दिन**
बेड टर्नओवर रेटः	30 रोगी/बिस्तर		

आपातकालीन सेवा स्वागत कक्ष एवं केंद्रीय पंजीकरण तथा प्रवेश

मल्टीफंक्शनल इमरजेंसी सर्विसेज रिसेप्शन, सेंट्रल रजिस्ट्रेशन एंड एडमिशन ऑफिस चौबीसों घंटे (24X7) जेपीएनएटीसी के फ्रंट ऑफिस का संचालन कर रहा है। यह आपातकालीन विभाग, नियंत्रण कक्ष और मुख्य चिकित्सा रिकॉर्ड अनुभाग के समन्वय में दिन–रात काम करता है। यह एम्स नई दिल्ली के जेपीएनए ट्रामा सेंटर के आपातकालीन रोगी देखभाल प्रणाली का शुरुआती बिंदु है।

आपातकालीन सेवा रिसेप्शन ने मरीजों, परिचारकों, रिश्तेदारों, पुलिस, कर्मचारियों और आम जनता से आपातकालीन रोगी देखभाल, पुनरीक्षण, प्रशासन और अस्पताल से संबंधित सेवाओं से संबंधित लगभग 2 लाख पूछताछ का सफलतापूर्वक निपटान किया। केंद्रीय पंजीकरण काउंटर ने कुल 72488 रोगियों को नए आपातकालीन मामलों के रूप में पंजीकृत किया, और 2360 वापसी वाले रोगी थे, साथ ही होली पर्व के अवसर पर 432 रोगियों को सेवाएं दी गईं (इन्हें आपातकालीन पास और बीआरए कोड स्टिकर जारी किए गए)। आपातकालीन विभाग ने 37,306 एमएलसी प्राप्त हुए, जिन्हें सत्यापित किया गया और आगे पुलिस अधिकारियों और मुख्य एमआरएस के लिए जारी किए गए। केंद्रीय प्रवेश काउंटर ने 6553 रोगियों को आईसीयू/वार्डों में नियमित प्रवेश के रूप में भर्ती किया। इसने 201 रोगियों को लघु–प्रवेश (डे केयर रोगी) के रूप में भर्ती किया। सेंट्रल इनक्वेस्ट क्लीयरेंस काउंटर ने 840 पुछताछ की मंजूरी (पोस्टमार्टम और पोस्टमार्टम के बाद रिक्वेस्ट के तौर पर) भी जारी की। इसने 883 मृत्यु प्रमाणपत्रों को भी संसाधित किया, जिन्हें आधार के साथ सत्यापित किया गया और शव को मुर्दाघरों से उनके परिजनों को सौंपने हेतु पर्ची जारी किए गए।

इसके अलावा यह मॉक ड्रिल पंजीकरण, कार्डियोलॉजी परामर्श समन्वय और ईएचएस आपातकालीन रोगियों के लिए एकल खिड़की सुविधा भी प्रदान कर रहा है।

इस अवधि के दौरान नवाचारों के रूप में, नए आपातकालीन पंजीकरण फार्मेट्स और नए प्रवेश फार्मेट्स सफलतापूर्वक आरंभ किए गए हैं। इमरजेंसी में प्रतिबंधित और नियंत्रित प्रवेश के लिए, ट्राइएज के अनुसार अर्थात हरे, पीले और लाल रंगों के पास की शुरूआत की गई, और इसने आपातकाल और हिंसा की घटनाओं में भीड़ को काफी कम किया। 3 नए वार्ड (2 नए निजी वार्ड सहित) की प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से एकीकृत है। **इलेक्ट्रॉनिक रोगी सूचना प्रदर्शन स्क्रीन, डुअल डिस्प्ले मॉनिटर्स, टू–वे काउंटर संचार प्रणाली, डिजिटल मल्टीफंक्शनल प्रिंटर/स्कैनर/कॉपियर** के माध्यम से प्राप्त तकनीकी स्तर के माध्यम से अगले स्तर के रोगियों और आगंतुकों के लिए यह सब उन्नत व बेहतर आपातकालीन रोगी देखभाल अनुभवों के परिणामस्वरूप संभव हुआ है।

फॉलो–अप ओपीडी पंजीकरण काउंटर

एफओपीडी और ईएचएस अनुभाग मेडिकल प्रमाणपत्र, फिटनेस प्रमाणपत्र और प्रतिपूर्ति प्रमाणपत्र (प्राप्त करना, जारी करना, एमएस हस्ताक्षर, सत्यापन, मरीजों को मार्गदर्शन आदि) जैसी सभी संबंधित और नियमित गतिविधियों को पूरा करती है, चिकित्सक के स्टैम्प को संभालना, रोगी की शंकाओं को हल करना और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए संकाय प्रभारी द्वारा सौंपे गए कार्यों के अनुसार कार्यरत है। फॉलो–अप ओपीडी काउंटर पर रोगी के अनुकूल उपायों को प्रतिपूर्ति सर्टिफिकेट (फॉर्म ए/बी) जारी करने की प्रक्रिया/कार्यवाही को प्रक्रियागत किया जाता है। ईएचएस काउंटर इस चालू वर्ष के दौरान आरंभ किया गया है।

मुख्य चिकित्सा अभिलेख प्रभाग

उपरोक्त के अलावा, जेपीएनएटीसी का **मेडिकल रिकॉर्ड सेक्शन (एमआरएस)**, जो कि प्रथम सरकारी अस्पताल है, ने वर्ष 2008 से एनडीएमसी में मौतों का ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था, जिसे सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है, और मृतक/डिस्चार्ज से संबंधित कार्यों का समन्वय भी कर रहा है, तथा निर्धारित कानूनी प्रक्रिया **(कुल मृत्यु पंजीकरण–874 और नाम सुधार–557)** के बाद रोगी को भर्ती कराया गया। जेपीएनएटीसी में रिपोर्ट की गई सभी मौतों की **आईसीडी–10 कोडिंग** भी ऑनलाइन की गई है। एमआरएस नियमित रूप से दिल्ली के विभिन्न माननीय न्यायालयों, साथ ही अन्य पड़ोसी राज्यों से न्यायालयों के सम्मन का निपटान कर रहा है। इस अवधि के दौरान कुल **1746 (दिल्ली के भीतर–1478 और 275–दिल्ली के बाहर से)** सम्मन का निपटान किया गया। एमआरएस रोगियों की विभिन्न बीमा पॉलिसी मामलों की भी देखरेख कर रहा है, जो जीवित या मृत दोनों मामलों में, जेपीएनएटीसी में लाए गए थे। इस दौरान **कुल 32** मामलों का निपटान किया गया। विगत वर्ष के दौरान, एमआरएस ने डिस्चार्ज

रिकॉर्ड/बेड हेड टिकट के लिए **532** पुलिस अनुरोधों का निबटान किया है, और एक्स–रे भी जारी किया है; जिसमें रेडियो–निदान इकाई से एक्स–रे के संग्रह के लिए समन्वय करना और पुलिस को सौंपना भी शामिल है। इस दौरान कुल **1122** मामलों का निपटान किया गया। एमआरएस इसके अलावा दिल्ली राज्य/केंद्र सरकार को सूचना (सहायता/मुआवजा आदि के लिए) जारी करने में संलग्न है, जो वर्ष के दौरान जेपीएनएटीसी में शामिल मरीजों/पीड़ितों से संबंधित थे। विभिन्न आवेदकों द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत उठाए गए सवालों के जवाब भी **90** मामलों में जेपीएनएटीसी प्रदान किए गए थे। पुलिस पोस्ट जेपीएनएटीसी के पास पड़े **34,579 इलेक्ट्रॉनिक एमएलसी** की कस्टडी चरणबद्ध तरीके से पूर्ण की गई है। और अनुरोध के आधार पर संकायों/रेसिडेन्ट्स/नर्सिंग स्टाफ/लैब स्टाफ/कंप्यूटर सुविधा के लिए केस फाइलों की पुर्नप्राप्ति अनुसंधान प्रयोजन के लिए **1750 मामलों में की गई है।** माननीय न्यायालयों के दिशा–निर्देशों/आदेश के अनुसार, **कुल 18** रोगियों को विकलांगता प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसके अलावा, सीपीआरएस में संशोधन के बाद, लगभग **45–50 रोगियों को सुधारित डिस्चार्ज/डेथ समरी** जारी किए गए।

वित्तीय वर्ष 2017–2018 में, एमआरएस ने दिल्ली और आसपास के राज्यों के सभी अस्पतालों के एमआरडी कर्मचारियों हेतु 'हेल्थ रिकॉर्ड साइंस एंड इंफॉर्मेटिक्स ऑन जेपीएनएटीसी' विषय पर तीन सीएमई–सह–कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग में किए गए प्रयोगशाला परीक्षण, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स

किए गए कुल परीक्षण = 11,75,676

1. रुधिर विज्ञान

हिमोग्लाबिनः	47,763	टीएलसीः	47,763
विभेदक काउंटः	47,763	एचसीटीः	47,763
आरबीसीः	47,763	एमसीएचः	47,763
एमसीएचसीः	47,763	एमसीवीः	47,763
आरडीडब्ल्यूः	47,763	प्लेटलेट काउंटः	47,763
रेटिक काउंटः	1129	ईएसआरः	4162
आरबीसी मोर्फोलॉजीः	2621	रक्त परजीवीः	2861
		कुल	**4,88,403**

कोएगुलेशन

पीटीः	34,300	एपीटीटीः	34,300
टीटीः	410	फिब्रोनोजेनः	410
थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी (टीईजी):	1690	डी–डाइमरः	425
		कुल	**71,535**

क्लीनिकल पैथोलॉजी

यूरीन रूटीन एवं माइक्रोस्कॉपीः	4020	यूरीन मायग्लोबिनः	1126
सीएसएफ माइक्रोस्कोपीः	2110	फैट ग्लोबुल्सः	105
		कुल	**7,361**

हिमेटोलॉजी अनुभाग में किए गए कुल परीक्षण = 5,67,299

2. **जैव रसायन**

यूरीनरी कैल्शियमः

शर्कराः	15,495	यूरियाः	48,259
क्रिएटिनिनः	48,259	कैल्शियमः	41,152
फॉस्फोरसः	41,152	यूरिक एसिडः	29,484
सोडियमः	48,873	पोटेशियमः	48,873

टीबीआईएलः	32,916	डीबीआईएलः	32,916
कुल प्रोटीनः	32,938	एल्बुमिनः	32,938
एसजीओटीः	32,938	एसजीपीटीः	32,938
एएलपीः	32,938	कोलेस्ट्रॉलः	4615
एमाइलेजः	4193	एचडीएलडीः	941
एलडीएलडीः	960	टीजीः	960
वीएलडीएलः	960	सीकेः	177
सीआरपीः	1208	एमजीः	3280
लीपेजः	55	सीके–एमबीः	10
सीएसएफ शर्कराः	827	सीएसएफ प्रोटीनः	827
पेरीटोनियल फ्लूइड शर्कराः	3	पेरीटोनियल फ्लूइड शर्कराः	17
यूरीन शर्कराः	17	यूरीनरी प्रोटीनः	5
यूरीनरी स्पॉट सोडियमः	235	यूरीनरी क्रिएटिनिनः	110
पेरीटोनियल फ्लूइड एमाइलेजः	5	24 घंटे यूरीन प्रोटीनः	13
24 घंटे यूरीन शर्कराः	13	यूरीन ओस्मोलेलिटीः	36
एस. ओस्मोलेलिटीः	12	ड्रेन फ्लूइड एमाइलेजः	8
ड्रेन फ्लूइड प्रोटीनः	6		
		कुल:	**5,71,872**

एबीजी

पीओ2ः	3650	पीसीओ2ः	3650
पीएचः	3650	एच+ः	3650
पोटेशियम (क)ः	3650	सोडियम (एनए)ः	3650
कैल्शियम (सीए)ः	3650	सीएल	3650
		कुलः	29,200

जैवरसायन अनुभाग में किए गए परीक्षणों की कुल संख्या = 6,01,072

3. **सूक्ष्म जैवविज्ञान**

पूर्ण कल्चरः	14,175	अस्पताल संक्रमण नियंत्रण नमूनेः	5310
सेरोलॉजी नमूना (स्क्रीनिंग)ः	4779	सेरोलॉजी नमूना (कंफर्मेट्री)ः	3186
प्रोकेल्सीटोनिन एस्सेः	7252	कुल पहचानः	3657
कुल संवेदी नमूनेः	3657		

सूक्ष्म जैवविज्ञान अनुभाग में किए गए परीक्षणों की कुल संख्या =42,016

4. **उत्तक विकृति विज्ञान**

हिमेटोक्सीलिन एवं इओसीनः	1822	विशेष स्टेनः	466
संसोधित नमूनेः	895	ब्लॉकों की संख्याः	1761
हिस्टोपैथोलॉजी स्लाइडः	2351	साइटोपैथोलॉजी स्लाइडः	90

ऊतक विकृति विज्ञान अनुभाग में किए गए परीक्षणों की कुल संख्या = 7295

रेडियोलॉजी विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स में की गई जाँच

माह / वर्ष	एक्स–रे मामले	एक्स–रे मामले	ओपीडी एक्स–रे	वार्ड एक्स–रे	विशेष जांच				यूएसजी	पोर्टेबल एक्स–रे
	गैर एमएलसी	एमएलसी			सीटी	एमआरआई	डीएसए	फ्लूरोस्कोपी		
अप्रैल 2017	3534	2083	851	154	1510	106	9	19	2089	1704

मई 2017	3920	2136	1066	166	1692	121	2	15	2325	1489
जून 2017	1768	2197	774	148	1563	106	10	11	2117	1610
जुलाई 2017	3616	2192	1109	144	1650	95	10	08	2162	1601
अगस्त 2017	3544	2191	1162	157	1905	113	6	17	2210	1746
सितंबर 2017	4161	2445	1629	161	1976	105	10	15	2284	1629
अक्टूबर 2017	4060	2536	1293	159	1973	85	15	16	2367	1718
नवंबर 2017	4050	2035	1273	175	1686	100	7	20	2214	1716
दिसंबर 2017	4342	1964	1196	173	1781	110	14	11	2138	1646
जनवरी 2018	3524	2057	1464	159	1886	72	9	25	2066	1765
फरवरी 2018	3816	2099	1203	136	1804	10	9	15	2243	1632
मार्च 2018	4076	2671	1254	144	2272	109	14	22	2933	1889
कुल	**44,411**	**26,606**	**14,274**	**1876**	**21,698**	**1132**	**115**	**194**	**27,148**	**20,145**

ब्लड डोनेशन कॉम्प्लेक्स, ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी, एम्स के आँकड़े

माह	दाता		प्रतिस्थापक दाता			स्वैच्छिक दाता			अंतरंग स्वैच्छिक दाता	बहिरंग स्वैच्छिक दाता
	संवीक्षित	रक्त	पुरूष दाता	महिला दाता	कुल	पुरूष दाता	महिला दाता	कुल		
अप्रैल 2017	953	739	556	4	560	163	16	179	115	64
मई 2017	870	689	582	2	584	102	3	105	105	शून्य
जून 2017	991	785	589	6	595	186	4	190	97	93
जुलाई 2017	757	575	430	3	433	139	3	142	102	40
अगस्त 2017	1156	919	669	5	674	231	14	245	92+82	71
सितंबर 2017	948	752	618	7	625	109	18	127	84	43
अक्टूबर 2017	918	814	663	4	667	141	6	147	87	60
नवंबर 2017	1063	896	707	11	718	167	11	178	101	77
दिसंबर 2017	966	799	626	4	630	164	5	169	128	41
जनवरी 2018	1047	872	769	3	772	96	4	100	100	शून्य

फरवरी 2018	1069	880	767	5	772	106	2	108	108	शून्य
मार्च 2018	1168	986	820	8	828	153	5	158	101	57
कुल	**11906**	**9706**	**7796**	**62**	**7858**	**1757**	**91**	**1848**	**1302**	**546**

स्वैच्छिक रक्त दान शिविरों की संख्या 11

घटक पृथक्करण प्रयोगशाला, ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी के आँकड़े

माह	तैयार आरबीसी पैक	तैयार फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा	तैयार प्लेटलेटस	क्रायोप्रेसीपिटेट तैयार	रक्त और घटकों का गुणवत्ता नियंत्रण
अप्रैल 2017	739	702	666	30	सभी इकाइयों का 1:
मई 2017	689	674	661	51	सभी इकाइयों का 1:
जून 2017	785	714	687	68	सभी इकाइयों का 1:
जुलाई 2017	575	557	525	शून्य	सभी इकाइयों का 1:
अगस्त 2017	919	825	797	42	सभी इकाइयों का 1:
सितंबर 2017	752	723	717	24	सभी इकाइयों का 1:
अक्टूबर 2017	814	775	767	55	सभी इकाइयों का 1:
नवंबर 2017	896	832	810	शून्य	सभी इकाइयों का 1:
दिसंबर 2017	799	759	745	62	सभी इकाइयों का 1:
जनवरी 2018	872	818	798	66	सभी इकाइयों का 1:
फरवरी 2018	880	800	734	44	सभी इकाइयों का 1:
मार्च 2018	986	832	821	48	सभी इकाइयों का 1:
कुल	**9706**	**9011**	**8728**	**490**	

संक्रामक मार्कर प्रयोगशाला और दाता परामर्श, ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी के आँकड़े

माह	एचआईवी		एचबीएसएजी		एचसीवी		वीडीआरएल		एमपी	
	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया	किए गए	प्रतिक्रिया
अप्रैल 2017	716	शून्य	714	8	721	6	737	शून्य	689	शून्य
मई 2017	761	2	766	11	760	1	791	शून्य	739	शून्य
जून 2017	810	2	811	15	813	5	855	2	806	शून्य
जुलाई 2017	579	4	580	6	583	5	634	3	575	शून्य
अगस्त 2017	911	शून्य	919	9	919	11	980	'kwU;	909	शून्य
सितंबर 2017	744	शून्य	750	13	754	7	777	2	744	शून्य
अक्टूबर 2017	848	शून्य	858	9	859	7	843	3	827	शून्य
नवंबर 2017	913	शून्य	915	9	921	8	975	3	907	1
दिसंबर 2017	804	2	809	15	814	6	847	शून्य	797	शून्य
जनवरी 2018	870	शून्य	878	7	882	11	915	3	864	शून्य
फरवरी 2018	1028	1	1019	16	1020	5	917	1	870	शून्य

मार्च 2018	1132	शून्य	1110	5	1110	6	1042	3	995	1
कुल	10ए116	11	10ए129	123	10ए156	78	10ए313	20	9722	2

दाता और रोगी समूहीकरण की संख्या

माह	दाता समूहीकरण	रोगी समूहीकरण	कुल
अप्रैल 2017	739	1063	1802
मई 2017	689	1124	1813
जून 2017	785	1101	1886
जुलाई 2017	575	1215	1790
अगस्त 2017	919	1356	2275
सितंबर 2017	752	1251	2003
अक्टूबर 2017	814	1230	2044
नवंबर 2017	896	1297	2193
दिसंबर 2017	799	1260	2059
जनवरी 2018	872	1276	2148
फरवरी 2018	880	1335	2215
मार्च 2018	986	1470	2456
कुल	9706	14ए978	24ए684

आपातकालीन मुद्दा काउंटर, ब्लड बैंक, जेपीएनएटीसी
क्रॉस–मैच और रक्त/घटक डेटा

माह	प्राप्त किए गए नमूने	क्रॉस–मैच के लिए प्राप्त किए गए नमूने	पूरे किए गए क्रॉस–मैच	जारी किए गए पीआरबीसी	जारी किए गए एफएफपी	जारी किए गए पीआरसी	जारी किए गए क्रायो
अप्रैल 2017	1063	943	2137	717	397	563	15
मई 2017	1124	1052	1708	741	368	602	54
जून 2017	1101	1033	1342	794	669	701	30
जुलाई 2017	1215	1117	8803 एम्स	786	1300	446	5
अगस्त 2017	1356	1228	7998 एम्स	957	746	698	25
सितंबर 2017	1251	1098	677.6 एम्स	860	730	738	60
अक्टूबर 2017	1230	1129	5807 एम्स	931	526	746	23
नवंबर 2017	1297	1154	76515एम्स	960	683	815	53
दिसंबर 2017	1260	1143	5733 एम्स	866	647	709	41
जनवरी 2018	1276	1138	401.2 एम्स	853	582	659	47
फरवरी 2018	1335	1184	664.7 एम्स	807	606	687	52

मार्च 2018	1470	1261	599 +2 एम्स	1036	1274	814	80
कुल	14ए978	13ए480	11ए178	10ए308	8528	8178	485

सीटी अनुपात 1.2 :1

अन्य अस्पताल के ब्लड बैंक (मुख्य एम्स, सीएनसी, जीबी पैनटी, एलएनएच, ईएसआई, डॉ हेडगवार) से जारी किए गए रक्त और अवयव

माह	रक्त		एफएफपी		पीआरसी		क्रायो	
	जारी	प्राप्त	जारी	प्राप्त	जारी	प्राप्त	जारी	प्राप्त
अप्रैल 2017	11	33	शून्य	शून्य	28	6	शून्य	शून्य
मई 2017	26	4	शून्य	शून्य	204	शून्य	शून्य	शून्य
जून 2017	18	56	200	शून्य	60	15	शून्य	शून्य
जुलाई 2017	3	92	890	शून्य	शून्य	78	शून्य	शून्य
अगस्त 2017	18	74	185	शून्य	शून्य	75	शून्य	शून्य
सितंबर 2017	8	45	100	शून्य	45	43	शून्य	शून्य
अक्टूबर 2017	5	117	20	शून्य	12	39	शून्य	शून्य
नवंबर 2017	3	105	शून्य	शून्य	45	10	शून्य	शून्य
दिसंबर 2017	32	114	150	शून्य	19	47	शून्य	शून्य
जनवरी 2018	36	51	70	शून्य	52	शून्य	शून्य	शून्य
फरवरी 2018	16	6	150	शून्य	शून्य	40	शून्य	शून्य
मार्च 2018	शून्य	53	790	शून्य	शून्य	15	शून्य	शून्य
कुल	**176**	**750**	**2555**	शून्य	**465**	**368**	शून्य	शून्य

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर राजेश मल्होत्रा को चंडीगढ़ में 14–16 सितंबर 2017 को जीओएसआई (जीओएसआईसीओएन) के 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'कम ऐस यू आर, गो ऐस यू वेयर, – हमारे पुहले के व्यक्ति को फिर से प्राप्त करना' पर जीओएसआईसीओएन ओरेशन से सम्मानित किया गया; मुख्य व्याख्यान दिया – ऑस्टियोपोरोसिस में संयुक्त प्रतिस्थापन पर एफएफएन सत्रः ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली में 12–13 अगस्त, 2017 को आर्थ्रोप्लास्टी 2017 में वर्तमान अवधारणाओं के दौरान चुनौतियां और रणनीतियाँ विषय पर; राष्ट्रीय संगोष्ठी में **अतिथि सम्मान 'भारत में चिकित्सा पेशेवरों के खिलाफ हिंसा'** पर अस्पताल प्रशासन और भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा आयोजित एक संयुक्त कार्यक्रम, 29 अप्रैल 2017 को आईएमए सभागार में– इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, आईटीओ, नई दिल्ली; नई दिल्ली में चिकित्सक दिवस समारोह के दौरान 2 जुलाई 2017 को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन से 'डीएमए मेडिकल एक्सीलेंस अवार्ड 2017' से सम्मानित; 'ट्रोन्निओनोस इज़ फॉलोविंग टीएचए – स्पेक्ट्रम ऑफ इन्वॉल्वमेंट एंड ए नोवल क्लासीफिकेशन' शीर्षक के लिए अनुसंधान पर **सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान पुरस्कार,** हैदराबाद, 24–25 फरवरी 2018 को हैदराबाद के प्रथम वार्षिक ऑर्थ्रोप्लास्टी सम्मेलन में प्रदान किया गया; 26 फरवरी 2018 को नई दिल्ली में इंटरनेशनल एक्जामरी रिसर्च एंड परफॉर्मेंस (आईईआरपी) अवार्ड्स 2018 के लिए गेस्ट ऑफ ऑनर; टास्क फोर्सः जून 2017 में 'टास्क फोर्स की नैनो समिति' के लिए डीबीटी समिति के सदस्य; जैव इंजीनियरिंग परियोजनाओं 2018 पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) टास्क फोर्स के लिए विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष; रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), नई दिल्ली में वित्त पोषण के लिए 'एडवांटेज ऑफ कॉम्बैट कैजुअलिटी मैनेजमेंट फॉर स्ट्रैटेजीज डेवलपमेंट' नामक परियोजना के लिए आईएनएमएएस टीडी प्रस्ताव के विशेषज्ञ; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डीएएलवाई के प्रमुख कारणों को संबोधित करने हेतु लागत प्रभावी हस्तक्षेप पर सदस्य टास्कफोर्स; इसकी पहली बैठक 5 दिसंबर 2017 को हुई थी; 14–15 दिसंबर, 2017 को प्रवासी भारतीय केंद्र, डॉ. जोस पी रिजल मार्ग, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली में 'प्रबंधन अक्षमताएंः सहायक तकनीकों की भूमिका (एटीएस)' पर हितधारकों की परामर्श कार्यशाला में प्रतिभागिता; व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवा पैकेज में बर्न्स और ट्रामा केयर सेवाओं के एकीकरण हेतु परिचालन दिशानिर्देश विकसित करने के लिए टास्क फोर्स बैठक के अध्यक्ष; आईसीएमआर–बीआईआरएसी सलाहकार

समिति के लिए विशेषज्ञ; 200 बेड वाले जिला अस्पताल में आपातकालीन विभाग के दिशानिर्देशों को विकसित करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष; मेसर्स डेप्यु इंटरनेशनल लिमिटेड, यूके द्वारा निर्मित दोषपूर्ण एएसआर हिप इम्प्लांट से संबंधित मुद्दों की जांच करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित समिति के लिए विशेषज्ञ; चिकित्सा विज्ञान (**एफएनएएमएस**) के राष्ट्रीय व्यावसायिक अकादमी की फेलोशिप; विज्ञान की व्यावसायिक अकादमी (**एफएनएएससी**) की फेलोशिप; रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), नई दिल्ली में वित्त पोषण हेतु 'डेवलपमेंट ऑफ स्ट्रैटेजीज़ फॉर कॉम्बैट कैजुअल्टी मैंनेजमेंट' के लिए निधियन परियोजना हेतु आईएनएमएएस टीडी प्रस्ताव के विशेषज्ञ; 11 जून 2018 को नई दिल्ली में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवा पैकेज में बर्न्स और ट्रामा केयर सेवाओं के एकीकरण हेतु परिचालन दिशानिर्देश विकसित करने के लिए टास्क फोर्स की बैठक के अध्यक्ष; 200 बेड वाले जिला अस्पताल में आपातकालीन विभाग के दिशानिर्देशों के विकास के लिए विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष।

प्रोफेसर आदर्श कुमार ने सिल्वर जुबली के दौरान एटीएस अयंगर ओरेशन दिया– कर्नाटक मेडिकोलीगल सोसाइटी का 25वाँ वार्षिक सम्मेलन 'केएएमएलएस 25–2017' बेंगलुरू में 1–3 दिसंबर 2017 को आयोजित; वर्ष 2016–2019 के लिए बाली, इंडोनेशिया में इंडो–पेसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में निर्वाचित; कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, मणिपाल, कर्नाटक द्वारा 2017–2019 के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज–एक्सटर्नल एक्सपर्ट मेंबर (फॉरेंसिक मेडिसिन एंड फॉरेंसिक साइंसेज) के रूप में नामित; दो वर्ष 2016–2018 के लिए एशिया पैसिफिक मेडिकोलेगल एसोसिएशन (एपीएमएलए) के गवर्निंग काउंसिल मेंबर के रूप में चुने गए; एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, यूपी द्वारा वर्ष 2017–2019 के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज– बाहरी विशेषज्ञ सदस्य (फोरेंसिक साइंसेज) के रूप में नामित; चेयरमैन, साइंटिफिक कमेटी 'इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ऑफ मेडीसिनल एक्सपर्ट्स' के तत्वावधान में आयोजित, आगरा में 29 अक्टूबर, 1 अक्टूबर 2017 को 'मेडिकल नेग्लीजेंस एंड लिटिगेशन इन मेडिकल प्रैक्टिस' पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन– आईएएमएलई–2017'; राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मेडिकोलीगल विशेषज्ञ; केंद्रीय जांच ब्यूरो के मेडिकोलीगल विशेषज्ञ; सदस्य, विभिन्न पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड– इंटरनैशनल एडिटोरियल बोर्ड के सदस्य, एचएसओए जर्नल ऑफ फॉरेंसिक, लीगल एंड इंवेस्टिगेटिव साइंसेज (यूएसए), मिस्र के जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज, मिस्र, अदली टिप बुलेटिन, तुर्की; एसोसिएट एडिटर, मेडिकॉलीगल अपडेट, जर्नल ऑफ रिसर्च इन मेडिकल एजुकेशन एंड एथिक्स; वेब एडिटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च एंड मेडिकोलीगल प्रैक्टिस; सदस्य संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ टॉक्सिकोलॉजी, जर्नल ऑफ कर्नाटक मेडिकॉल सोसाइटी, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी, जर्नल ऑफ फॉरेंसिक केमिस्ट्री एंड टॉक्सिकोलॉजी।

प्रोफेसर अतिन कुमार ने 2018 के लिए भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन के एनजी गाडेकर व्याख्यान दिया।

डॉ. आशीष बिंद्रा ने 28 जुलाई, 2017 को नई दिल्ली के जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, कैडवेरिक ट्रेनिंग एंड रिसर्च फैसिलिटी में कैडेवरिक इंटरवेंशनल दर्द प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रोफेसर छवि साहनी ने आरएसएसीपीसीओएन 2017 में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का पुरस्कार जीताः 'अल्ट्रासोनोग्राफिक असेसमेंट ऑफ टोपोग्राफिक एनाटमी ऑफ ब्रैकियल प्लेक्सेस एट इन्फ्राक्लाविकुलर फोसा' विषय पर।

प्रोफेसर दीपक अग्रवाल को मैक्स इम्पैक्ट अवार्ड्स से सम्मानित किया गया– जो कि एम्स नियुक्ति प्रणाली (2017) के लिए अधिकतम सामाजिक प्रभाव श्रेणी के साथ परियोजना है; एम्स (2017) में नर्सों की पहल के लिए स्कोच स्मार्ट गवर्नेंस सम्मान प्राप्त किया; पोर्टेबल वेंटिलेटर (2017) के लिए **स्कोच स्मार्ट गवर्नेंस अवार्ड** से सम्मानित; दिनांक 11–13 सितंबर 2017 तक नई दिल्ली में आयोजित 'सीईयूटीईएच 2017 में **वीडियो आधारित सहमति कार्यक्रम की प्रभावशीलता**' शीर्षक के अध्ययन के सह–लेखन के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का खिताब दिया गया; दिनांक 11–13 सितंबर 2017 तक नई दिल्ली में आयोजित, 'सीईटीईईएच 2017 में रोगी की संतुष्टिः रोगी की संतुष्टिः टेली–परामर्श का उपयोग करके अनुवर्ती कार्रवाई का पालन करना'; शीर्षक के अध्ययन के सह–लेखन के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का खिताब; दिनांक 11–13–13 सितंबर 2017 को नई दिल्ली में आयोजित **सीईयूटीईएच 2017 में ग्लासगो कोमा स्केल के बारे में नर्सों के ज्ञान उन्नयन हतु ऑनलाइन निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के प्रभाव**' शीर्षक के अध्ययन के सह–लेखन के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के खिताब से सम्मानित; दिनांक 11–13 सितंबर 2017 तक नई दिल्ली में आयोजित तृतीयक अस्पताल, सीईआरईएचएच 2017 में तृतीयक अस्पताल में बाल चिकित्सा आबादी के बीच प्रेरित पेरीफेरल इंट्रावीनस कैथेटर (पीआईवीसी) इन्ड्यूस्ड थ्रोम्बोफेलेबिट के शीर्षक के अध्ययन के सह–लेखन के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का खिताब दिया गया।

डॉ. जी. डी. सत्यार्थी को रिसर्च फैकल्टी अवार्ड्स 2018, और उत्कृष्ट समीक्षक पुरस्कार 2017 प्राप्त हुआ।

डॉ. कपिल देव सोनी मेजर ट्रॉमा के लिए मानक उपचार दिशानिर्देश (एसटीजी) के गठन में विशेषज्ञ प्रतिभागी थे। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार – वर्ष 2017; ट्रामा आईसीयू में ट्रामा आईसीयू रजिस्ट्री का विकास और संचालन; सीएमईटी के सहयोग से एम्स (नई दिल्ली) की क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट द्वारा आयोजित क्लीनिकल रिसर्च मेथडोलॉजी एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन में फेलोशिप शामिल हुए।

डॉ. नवदीप सोखल ने 28 जुलाई 2017 को कार्यशाला के समन्वयक के रूप में कैडवेरीक दर्द कार्यशाला का सफलतापूर्वक संचालन किया; न्यूजीलैंड के रोटोरुआ में 'एनजेड एनेस्थीसिया एएसएम 2017' नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रोफेसर एस. अरुलसेल्वी ने एएनटीसी 2017, एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 27–28 अक्टूबर 2017 से आयोजित 4थे एम्स न्यूरोट्रॉमा कॉन्फ्रेंस, एएनटीसी 2017 में 'गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट प्रेरित एंडोथीलियोपैथी और नैदानिक परिणामों पर इसके प्रभाव' पर एक शोधपत्र प्रस्तुति का सह–लेखन किया, और इस श्रेणी में पहला पेपर पुरस्कार प्राप्त किया; एएनटीसी 2017 में 4थे एम्स न्यूरोट्रांस कॉन्फ्रेंस, एएनटीसी 2017 में "नॉर्थ इंडिया में लेवल–I ट्रॉमा सेंटर में एडमिशन पर मरीजों के लिए माइल्ड टीबीआई (एमटीबीआई) की स्क्रीनिंग में कंस्यूशन स्क्रीनिंग का अनुभव" पर एक शोधपत्र प्रस्तुतिकरण हेतु सह–लेखक, दिनांक 27–28 अक्टूबर 2017, और पहला सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता; एएनटीसी 2017 में 4थे एम्स, न्यूरोट्रैमा सम्मेलन, एआईटीसी, नई दिल्ली में दिनांक 27–28 अक्टूबर 2017 को आयोजित एक अध्ययन में 'मेटास्टेटिक थायरॉयड कार्सिनोमा इन ए सर्विकल इन्ज्युरी पेशेन्टः अ इन्सीडेन्टल फाइन्डिंग' पर एक शोधपत्र प्रस्तुतिकरण हेतु सह–लेखक बनाया गया और दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता।

प्रोफेसर शिवानंद गामनगट्टी को दिनांक 23–25 फरवरी 2018 को एलएचएमसी, नई दिल्ली में आयोजित आईआरआईए वार्षिक सम्मेलन (दिल्ली), दिल्ली इमेजिंग अपडेट में अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रोफेसर सुबोध कुमार ने पाराजूली पी, कुमार एस, गुप्ता ए, एवं अन्य द्वारा 'लेवल–I ट्रॉमा सेंटर में पेट के आघात के साथ मरीजों में लेप्रोस्कोपी की भूमिका' शीर्षक से प्रकाशित क्लिनिकल रिसर्च श्रेणी में एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार प्राप्त किया, जो सर्जलैप्रोसेंडोस्पर्कुटन टेक 2018; 28:20–25; में प्रकाशित हुआ; अक्टूबर 2017 में आयोजित एएसआईएमएएनआईसीओएन के दौरान सर्जन ऑफ इंडिया मणिपुर चौप्टर द्वारा एसोसिएशन ऑफ ब्लंट एब्डॉमिनल एंड पेल्विक ट्रॉमा के व्यापक प्रबंधन पर डॉ एच. लालमोहन सिंह को सम्मानित किया गया; अमृतसर में दिनांक 27–28 अक्टूबर 2017 तक नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की प्रतिष्ठित सदस्यता से सम्मानित; ट्रामा केयर और पुनर्वास के जिपमेर संस्थान की स्थापना के लिए सलाहकार समिति के सदस्य; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, 2017 की स्थायी चयन समिति के लिए बाहरी विशेषज्ञ।

प्रोफेसर सुषमा सागर को प्रबंध अक्षमताओं में शामिल होने के लिए एम्स से सदस्य नामित किया गया थाः आईसीएमआर द्वारा आयोजित सहायक तकनीकों की भूमिका, डब्ल्यूएचओ द्वारा समर्थित दिनांक 14–15 दिसंबर 2017 को स्टेकहोल्डर कंसल्टेंसी कार्यशाला शीर्षक पर आयोजित, प्रवासी भारतीय केंद्र, दिल्ली; 19 दिसंबर, 2017 और 27 मार्च, 2018 को 'सड़क सुरक्षा' शीर्षक पर लाइव–एयर शो में एफएम रेनबो पर प्रसारित हुए; जेपीएनएटीसी में ट्रामा के रोगियों के लिए एंबुशेशन रिहैबिलिटेशन को अपग्रेड करने के लिए एएलसी (कृत्रिम अंग केंद्र), पुणे का दौरान करने हेतु आमंत्रित किया गया। 'दीपावली महोत्सव के दौरान सुरक्षा' पर पैनल चर्चा के लिए दूरदर्शन में आमंत्रित।

प्रोफेसर विवेक त्रिखा को रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स (ग्लासगो) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया; इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स के एसोसिएट एडिटर, नेशनल जर्नल ऑफ इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (पबमेड इंडेक्सेड जर्नल)।

10.6 jk"Vh; vk"k/k fuHkjrk mipkj dn

v/;{k
आर. के. चड्ढा

vkpk;l

राका जैन	राकेश लाल	अंजू धवन
सोनाली झांजी		अतुल अम्बेकर

lg&vkpk;l

यतन पाल सिंह बल्हारा	गौरी शंकर कालोइया	रविन्द्र राव
अश्वनी के. मिश्रा		रचना भार्गव

lgk;d vkpk;l

प्रभु दयाल	बिश्वदीप चटर्जी	आलोक अग्रवाल
रिज़वाना कुरैशी	पियाली मंडल	सिद्धार्थ सरकार
	रोशन भाड	

समूह क अधिकारी

oKkfud
डॉ. मोनिका मोंगिया

fpfdRlk lekt lok vf/kdkjh

ब्रहम प्रकाश	दीपक यादव
रत्नेश कुमार	दिनेश कुमार

वरिष्ठ प्रशासनिक अध्किारी

श्री अजय कुमार

y[kk vf/kdkjh
मीनाक्षी डबराल

lgk;d uflx v/kh{kd
सुश्री राधामणी नायर (जुलाई 2017 से)

सहायक भण्डार अधिकारी

श्री भवानी राम (अक्टूबर 2017 तक) श्री एमएल आर्या (अक्टूबर 2017 से)

fof'k"Vrk,

वर्ष 2012 से ही एनडीडीटीसी मादक द्रव्यों के सेवन पर डब्ल्यूएचओ का सहयोगी केंद्र रहा है। 2017–2018 के दौरान, केंद्र ने मादक द्रव्यों के सेवन के क्षेत्र में उपचार, प्रशिक्षण और अनुसंधान के संबंध में प्रगति की है। कुल 164,342 मरीज देखे गए: जिसमें 10,536 नए मरीज और 1,53,806 पुराने मरीज, नियमित ओपीडी, 4 सामुदायिक क्लीनिक और 3 विशेष क्लीनिक शामिल हैं। एनडीडीटीसी प्रयोगशाला ने वर्ष के दौरान अपने विष विज्ञान, हेमटोलॉजी, जैव रसायन और एचआईवी स्क्रीनिंग प्रयोगशालाओं में 90,000 से अधिक नमूनों की जांच की। वर्तमान में प्रयोगशाला में 19 प्रकार के नशीले पदार्थों की जांच करने की सुविधा है।

एनडीडीटीसी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार और पूरे देश से 10 चिकित्सा संस्थानों के सहयोग से, भारत में मादक पदार्थों के विस्तार क्षेत्र और इसके पैटर्न पर उपयोग के राष्ट्रीय सर्वेक्षण का आयोजन कर रहा है। एनडीडीटीसी ओपियॉइड निर्भरता के उपचार के लिए एसेंशियल नारकोटिक ड्रग्स (ईएनडी) के उपयोग के लिए प्रशिक्षण तंत्र विकसित और कार्यान्वित करने में भी शामिल है। इस गतिविधि को राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित किया गया है। एनडीडीटीसी, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, भारत में मादक द्रव्यों के सेवन के बीच नए मनोवैज्ञानिक पदार्थों का पता लगाने पर एक बहु–विषयक अध्ययन भी कर रहा है।

कई संकाय सदस्य तकनीकी विशेषज्ञ हैं और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पेशेवर निकायों में प्रमुख पदों और प्रतिष्ठित सहकर्मी की समीक्षा पत्रिकाओं में संपादकीय बोर्ड भी शामिल हैं। कई संकाय सदस्यों को पेशेवर सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

वर्तमान में, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां केंद्र में चल रही अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तपोषित कर रही हैं। इस अवधि के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अभिजात समीक्षित पत्रिकाओं में और पुस्तकों/रिपोर्टों में कुल 100 लेख प्रकाशित किए गए।

एनडीडीटीसी और मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली ने इस वर्ष के दौरान दो राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजित किए, जिसका शीर्षक "व्यसन मनोविज्ञान पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन" (7–8 सितंबर, 2017) और "व्यसन मनोरोग पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन" (27–29 नवंबर, 2017) है। दोनों कार्यक्रमों में देश के विभिन्न हिस्सों से क्रमशः 250 और 400 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एनडीडीटीसी के 14वें वार्षिक दिवस के अवसर पर 13 अप्रैल 2017 को "महिलाओं और पदार्थ के उपयोग" पर एक अर्द्ध––दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। "विश्व तंबाकू निषेध दिवस" की पूर्व संध्या पर 30 फरवरी, 2017 को "तम्बाकू निषेध के लिए क्षमता निर्माण" शीर्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इसके अलावा, 22 जुलाई 2017 को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) के साथ मिलकर "इमर्जिंग इश्यूज इन सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर" नामक एक राष्ट्रीय स्तर के सीएमई भी आयोजित किया गया था।

केंद्र व्यसन मनोरोग, डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) और पीपीडी में दो विशेष डॉक्टरेट स्तर का कार्यक्रम प्रदान करता है। पहला पीएचडी पिछले साल प्रदान की गई थी। डीएम कार्यक्रम में हर साल 5 दाखिले होते हैं।

शिक्षा

स्नातक पूर्व

एम.बी.बी.एस. छात्रों को उनके मनोरोग विभाग में तैनाती के दौरान केन्द्र पर एक दिन के लिए तैनात किया जाता है।

स्नातकोत्तर

एम.डी. (मनोचिकित्सा) करने वाले रेजीडेंटों की तैनाती 6 माह के लिए केन्द्र में की जाती है। 11 उम्मीदवार एडिक्शन साइकेट्री में डीएम कर रहे हैं।

पीएचडी और स्नातकोत्तर शिक्षण

- *जर्नल चर्चाः साप्ताहिक
- *प्रत्येक सेमेस्टर में दो सी.सी.आर. और सी.जी.आर.
- सेमिनार – साप्ताहिक
- केस सम्मेलन – साप्ताहिक
- सेमिनार/जर्नल क्लब – सप्ताह में दो बार (एनडीडीटीसी, गाजियाबाद में)

**ये मनोचिकित्सा विभाग और केन्द्र की संयुक्त गतिविधियाँ हैं।*

प्रदत्त व्याख्यान

आर. के. चड्ढाः 1	**राका जैनः 7**	**राकेश लालः 7**
अंजु धवनः 2	**सोनाली झांजीः 9**	**अतुल अम्बेकरः 20**
वाईपीएस बल्हाराः 44	**गौरी शंकर कालोइयाः 10**	**रविन्द्र रावः 5**
अश्वनी मिश्राः 15	**रचना भार्गवः 13**	
प्रभू दयालः 1	**आलोक अग्रवालः 7**	**बिश्वदीप चटर्जीः 24**
पियाली मंडलः 4	**सिद्धार्थ सरकारः 1**	**रोशन भाडः 5**

प्रस्तुत किये गये मौखिक शोध पत्र/पोस्टरः 56

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पदार्थ उपयोग विकार के उपचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों का क्षेत्र परीक्षण, राकेश चड्ढा, विश्व स्वास्थ्य संगठन (जिनेवा), 1 वर्ष, 2017–2018, 3.25 लाख रुपये
2. भारत में उपचार चाहने वालों में नए मनोचिकित्सा पदार्थों का पता लगाना – बहु केन्द्रीय अध्ययन, राकेश चड्ढा, वित्त मंत्रालय, 3 वर्ष, 2017–2020
3. निकोटीन डिपेंडेंस, राका जैन, आयुष के रैट मॉडल में *डेल्फीनियम डेन्डुटम* (जादवार) की भूमिका, 3 साल, 2017–2019, 29.16 लाख रुपये
4. अल्कोहल निर्भरता के प्रबंधन के लिए ओरल नालट्रेक्सोन की तुलना में नालट्रेक्सोन प्रत्यारोपण की सुरक्षा और प्रभावकारिता की जांच करने के लिए एक मल्टीसेन्ट्रिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित समानांतर समूह अध्ययन, राकेश लाल, रसन फार्मास्यूटिकल्स, 3 साल, 2017–2020
5. छात्रों के बीच शराब और नशीली दवाओं के उपयोग पर सर्वेक्षण, अंजू धवन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार 0.75 साल, 2018
6. भारत में मादक द्रव्यों के सेवन और उपयोग पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण, अतुल अम्बेकर, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2016–2018, 22.41 करोड़ रुपए
7. मादक द्रव्यों के सेवन और व्यसन व्यवहार से संबंधित विकार के लिए आईसीडी –प्प वर्गीकरण का क्षेत्र परीक्षण, अतुल अम्बेकर, विश्व स्वास्थ्य संगठन (जिनेवा), 1 वर्ष, 2017–2018, 3.25 लाख रुपये
8. ओपियोड निर्भरता के उपचार के लिए आवश्यक नारकोटिक ड्रग्स (मेथाडोन) के उपयोग के लिए प्रशिक्षण तंत्र विकसित करना, अतुल अम्बेकर, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2017–2019, 76.22 लाख रुपये
9. मादक पदार्थ के उपयोग के विकार से संबंधित मानसिक और विकलांगता वाले युवा व्यक्तियों के बीच यौन रोग के प्रजनन और यौन स्वास्थ्य तथा प्रसार की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन, यतन पाल सिंह बल्हारा, आईसीएमआर, 1.5 वर्ष, 2015–2018, 8.04 लाख रु.

10. अस्थि खनिज घनत्व और पुराने व्यसन और डिस्लफिरम तथा नशामुक्ति थेरेपी के बाद परिवर्तन, यातन पाल सिंह बलहारा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017–2019, 8.3 लाख रुपए
11. दक्षिण एशिया (एक्सएसएजे81) में अवैध ड्रग्स के लिए सीमा पार और सामुदायिक प्रतिक्रियाओं को मजबूत बनाना, यतन पाल सिंह बलहारा, यूएनओडीसी, 1 वर्ष, 2017–2018, 5.94 लाख रुपये
12. अल्कोहल निर्भरता सिंड्रोम, कैनबिस निर्भरता सिंड्रोम और उत्तरी भारत के एक तृतीयक देखभाल नशामुक्ति सेंटर में ओपियाड निर्भरता सिंड्रोम वाले संज्ञानात्मक रोगियों के संज्ञानात्मक सुधार के लिए संज्ञानात्मक मॉड्यूल का विकास। गौरी शंकर कलौया, डीएसटी, 3 साल, 2017–2020, 20.19 लाख रुपए
13. बॉलीवुड फिल्मों में साइकोएक्टिव पदार्थ के उपयोग का चित्रणः एक मिश्रित मॉडल अध्ययन, रवींद्र राव, एम्स, 1.5 वर्ष, 2016–2017, 1. 44 लाख रुपए
14. गैर–मानसिक विकारों के साथ किशोरावस्था में इंटरनेट का अधिक उपयोगः एक केस नियंत्रण अध्ययन, रचना भार्गव, एम्स, 2 वर्ष
15. एगोनिस्ट रखरखाव उपचार पर ओपियाड निर्भर रोगियों के बीच हानिकारक अल्कोहल उपयोग के बायोमार्कर के लिए स्क्रीन पर फिल्टर पेपर पर रक्त / सीरम के नमूनों को ले जाने की व्यवहार्यताः सामुदायिक संस्थान में एक पायलट अध्ययन, रिज़वाना कुरैशी, एम्स, 2 वर्ष, 2016–2018, 2.8 लाख रुपये
16. स्वस्थ नियंत्रण के साथ डिटॉक्सिफाइड ओपियोड–आश्रितों में सीरम कॉर्टिकोट्रोफिन रिलीज़िंग फैक्टर (सीआरएफ) स्तर की तुलना, बिस्वदीप चटर्जी, एम्स, 2 साल, 2017–2019, 2.6 लाख रुपये
17. राष्ट्रीय ड्रग निर्भरता उपचार केन्द्र के महिला केन्द्र में आने वालों के बीच ड्रग के उपयोग का मनोवैज्ञानिक–सामाजिक सहसंबंध, पियाली मंडल, एम्स, 2 साल, 2017–2019, 0.5 लाख रुपए
18. ओपियोड निर्भरता के साथ रोगियों के बीच स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले व्यवहार के साथ सेरोटोनिन मार्ग के बहुरूपता का संबंध, सिद्धार्थ सरकार, डीएसटी, 2 साल, 2017–2019, 20.8 लाख रुपए
19. तनाव का तुलनात्मक आकलन और हाल ही में अमानवीय दुर्व्यवहार के शिकार किशोरों को सलाहः एक केस नियंत्रण अध्ययन, रोशन भाद, एम्स, 2 साल, 2017–2019, 3.5 लाख रुपये
20. युवा नशा सुरक्षा सूचकांक की वैधता, रेणु शर्मा, एम्स, 2 साल

पूर्ण

1. दिल्ली में ड्रग्स का उपयोग करने वाले सड़क पर रहने वाले बच्चों का मानचित्रण और आकार का आकलन, अंजू धवन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2015–2017, 18.18 लाख रुपए
2. व्यवहार संबंधी व्यसनों की पहचान और प्रबंधन पर सिफारिशें विकसित करना, यतन पाल सिंह बलहारा, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2018, 0.96 लाख रुपए
3. मादक पदार्थ उपयोग विकारों के नालट्रेक्सोन की सहायता से उपचार पर मालदीव के स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के प्रशिक्षण मॉड्यूल और प्रशिक्षण के लिए तकनीकी सहायता विकसित करना, यतन पाल सिंह बलहारा, डब्ल्यूएचओ मालदीव, 1 वर्ष, 2017, को 2.26 लाख रुपए
4. मालदीव में मादक पदार्थ के सेवन से विकारों के प्रबंध्धन के लिए नालट्रेक्सोन उपचार सेवाओं की स्थापना करना, यातन पाल सिंह बलहारा, डब्लूएचओ, 1 वर्ष, 2017, 2.9 लाख रुपए
5. प्रारंभिक वापसी की अवधि के दौरान ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों में सीरम बीडीएनएफ का स्तरः एक केस नियंत्रण अध्ययन, सिद्धार्थ सरकार, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 3 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. निकोटिन चयापचय अनुपात (एनएमआर) और धूम्ररहित तंबाकू उपयोग पैरामीटर के बीच संबंद्ध का आकलन करने के लिए खोजपूर्ण अध्ययन
2. उपचार सेंटर से डिस्चार्ज के बाद ओपियोड डिपेंडेंस वाले मरीजों के रिटेंशन और आउटकम पर पायलट फॉलो–अप अध्ययन
3. शराब उपयोग विकार के रोगियों में सी प्रतिक्रियाशील प्रोटीन स्तर और एल्कोहोल सेवन के बीच संबंद्ध : क्रॉस–सेक्शनल खोजपूर्ण अध्ययन
4. एल्कोहोलिक यकृत रोग वाले रोगियों में शराब उपयोग विकारों के लिए सहायता मांगने के व्यवहार का आकलन करने के लिए क्रॉस–सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन
5. वापसी के दौरान शराब निर्भरता वाले रोगियों में सीरम बीडीएनएफ के स्तरों का अध्ययन

6. **शराब निर्भरता, अवसाद और सह–रुग्ण शराब निर्भरता और अवसाद वाले रोगियों में सीरम मस्तिष्क–व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारकों के स्तर का तुलनात्मक अध्ययन**
7. **भारत के तृतीयक नशामुक्ति केंद्र में उपचार प्राप्त कराने वाले प्राकृतिक अफीम उपयोगकर्ताओं के बीच कलंक और देखभाल के मार्ग का एक खोजपूर्ण अध्ययन**
8. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल ड्रग उपयोग उपचार केंद्र में इलाज के इच्छुक प्राथमिक कैनेबिस रोगियों के बीच आंतरिक कलंक और देखभाल के मार्ग का अध्ययन
9. शराब से संबंधित अपराध और दुर्घटनाएं, और प्रति व्यक्ति उपयोग से उनका संबंधः एक डेटा दृष्टिकोण
10. ओपिओइड उपयोग विकारों के रोगियों के बीच उपचार प्रतिधारण दर और उपचार प्रतिधारण के पूर्ववर्तियों का आकलन करने के लिए एक संभावित अध्ययन
11. दो समुदाय–आधारित व्यसन उपचार क्लीनिकों में रखरखाव उपचार पर ओपियोड निर्भरता मरीजों के बीच उपचार परिणाम, अवधारण और ड्रॉपआउट की जांच करने के लिए एक मिश्रित विधि अध्ययन
12. भारत में प्राथमिक देखभाल की स्थापना में शराब का उपयोग करने के विकारों के लिए शराब का उपयोग करने के विकारों की पहचान जांच (एयूडीआईटी) सहायक संक्षिप्त हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक भावी अध्ययन
13. ओपियॉइड निर्भरता के लिए नेलेट्रेक्सॉन और ब्यूप्रेनोर्फिन उपचार में प्रवेश युवा वयस्कों के बीच उपचार में प्रतिधारण की एक प्राकृतिक तुलना
14. ओपियॉइड उपयोग विकारों वाले रोगियों के बीच उपचार अवधारण दर और उपचार अवधारणा के पूर्वानुमान का आकलन करने के लिए भावी अध्ययन
15. पैटर्न का तुलनात्मक अध्ययन और मादक पदार्थ की गंभीरता और बाह्य रोगी युवाओं और वयस्क़ उम्र वाले ओपियॉइड प्रयोक्ताओं के बीच सह–रुग्णता
16. **किशोर इंहेलेंट प्रयोक्ताओं में जैव रासायनिक उपायों का आकलन**
17. शराब निर्भरता वाले व्यक्तियों में अन्य पारंपरिक बायोमार्करों के साथ एथाइल ग्लूकुरोनाइड (ईटीजी) और फैटी एसिड एथाइल एस्टर (एफएईई) का तुलनात्मक अध्ययन
18. दो समुदाय–आधारित व्यसन उपचार क्लीनिकों में रखरखाव उपचार पर ओपियोड डिपेंडेंट मरीजों के बीच उपचार के परिणाम, अवधारण और ड्रॉपआउट की जांच करने के लिए एक मिश्रित विधि अध्ययन
19. शराब निर्भरता सिंड्रोम वाले व्यक्तियों के बीच संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व और संज्ञानात्मक थेरेपी की व्यवहार्यता
20. शराब निर्भरता सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक प्रतिनिधित्व और संज्ञानात्मक थेरेपी का प्रभाव
21. भारत में किशोर बच्चे के बीच धूम्रपान, शराब पीने और तम्बाकू चबाने के लिए डेटा संग्रह तरीकों और संबंधित महामरी मॉडल का तुलनात्मक मूल्यांकन
22. क्लिनिकल प्रोफाइल का क्रॉस–सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन, उपचार के इच्छुक ओपिओइड उपयोगकर्ताओं में निर्भरता और जीवन की गुणवत्ता की गंभीरता
23. पीक और ट्रोफ रक्त बुप्रीनोफिन स्तरों में ओपियोड निर्भर मरीजों को बनाए रखने में संज्ञानात्मक क्रियाशीलताः एक प्रायोगिक अध्ययन
24. कानून के साथ संघर्ष में किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप के मॉड्यूल का विकास
25. अल्कोहल और ओपियोड निर्भरता वाले मरीजों के बीच विलंब गिरावट दरः एक क्रॉस सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
26. सक्रिय उपचार और रखरखाव चरण में वयस्क माइलोमा रोगियों में अवसाद, चिंता, नींद की गुणवत्ता और मानसिक समायोजन शैली
27. अंतःशिरा बुप्रीनॉफिन के अंतःशिरा अग्निवर्धक प्रभाव में अंतःशिरा नालोक्सोन की प्रभावशीलताः एक डबल ब्लाईंड, अंतः–विषय, यादृच्छिक, ऑपियोड पर निर्भर अध्ययन में क्रॉस–ओवर अध्ययन
28. सीरम ब्रेन पर कैनबिस का प्रभाव व्युत्पन्न न्यूरोट्रोफिक कारक स्तर और मनोविकृति के साथ इसका संबंध – एक क्रॉस– सेक्शनल एक्सप्लोरेटरी अध्ययन
29. शराब की निर्भरता सिंड्रोम के परिवार के सदस्यों में परिवार भार, क्यूओएल
30. ओपियॉइड निर्भरता वाले पुरुषों में उपचार की मांग में व्यक्त भावनाओं को संबोधित करने वाले परिवार हस्तक्षेप
31. अफीम पर निर्भरता वाले किशोरों में एगोनिस्ट बनाम विरोधी प्रबंधन के संदर्भ में परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक
32. फेसिबिलिटी ऑफ ट्रांसपोर्टिंग ब्लड/सीरम सैम्पल्स ओनटू फिल्टर पेपर टू स्क्रीन फॉर बायोमार्कर्स ऑफ हार्मफुल एल्कोहल यूज अमंग ओपियॉइड डिपेंडेंट पेशेंट्स ऑन एगोनिस्ट मेंटेनेन्स ट्रीटमेंट : ए पायलट स्टडी इन कम्युनिटी सेटिंग
33. जुए के विकार और इसके सामाजिक–जनसांख्यिकी का अल्कोहल का उपयोग करने वाले विकारों के रोगियों के बीच संबंध
34. इंट्रावेनस ब्यूप्रेनोर्फिन के ओपियॉइड एगोनिस्ट प्रभावों पर इंट्रावेनस नेलोक्सोन : डबल–ब्लाइंड, विषय–में, यादृच्छिक, ओपियॉइड निर्भरता वाले व्यक्तियों के बीच क्रॉस–ओवर अध्ययन

35. इंजेक्टिंग ड्रग यूजर्स के बीच नॉन–फेटल ओवरडोज़ का ज्ञान, जोखिम कारक और अनुभव : सामुदायिक–आधारित, क्रॉस–सेक्शनल अध्ययन
36. न्यूरोलॉजिकल सॉफ्ट संकेत और भांग की लत वाले रोगियों और उनके सहसंबंध विकार के साथ और बिना मनोविकृति का संकेतः एक क्रॉस–सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
37. ओपिओइड एगोनिस्ट रखरखाव उपचार पर शुरू किए गए रोगियों के परिणाम का मूल्यांकनः एक अनुदैर्ध्य तुलनात्मक अध्ययन
38. तृतीयक देखभाल अस्पताल में मादक पदार्थ का उपयोग करने वाले रोगियों में स्व–नुकसान और आत्महत्या के प्रयासों की व्यापकता और विशेषताएं
39. स्कीज़ोफ्रेनिया वाले रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच मनोवैज्ञानिक सहसंबंध की देखभाल
40. तृतीयक देखभाल व्यसन उपचार केंद्र में किशोरों के क्लिनिक में उपस्थित लोगों के बीच ओपियोड के उपयोग और व्यवहार संबंधी उपचार की मांगः एक पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा
41. मादक द्रव्यों के सेवन के लिए इलाज की मांग करने वाले पुरुषों और महिलाओं और उनके परिवार के सदस्य के बीच कलंकः एक क्रॉस–सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
42. वापसी के दौरान सीरम ब्रेन में अल्कोहल निर्भरता वाले रोगियों में न्यूरोट्रोफिक फैक्टर का स्तर
43. मेथडोन–आधारित ओपिओइड प्रतिस्थापन चिकित्सा पर बनाए गए ओपियोड पर निर्भर रोगियों में व्यक्तिपरक नींद मापदंडों का अध्ययन
44. प्रथम एपिसोड सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों में सीरम बीडीएनएफ का स्तरः एक पायलट अध्ययन
45. बुप्रीनॉफिन पर रखे गए ओपियोइड निर्भरता रोगियों में नींद मापदंडों का अध्ययन
46. ध्यान में कमी के साथ बच्चों और किशोरों में पदार्थ का उपयोग के कारण हाइपरएक्टिव विकारः एक खोजपूर्ण अध्ययन
47. मादक पदार्थ उपयोग विकार वाले रोगियों के परिवार के सदस्य के बीच तनाव, सामना और दबाव और रोगी उपचार परिणाम वाले इसके सह–संबंध : भारत से भावी अध्ययन
48. शराब वापसी सिंड्रोम के नैदानिक और प्रयोगशाला पूर्वसूचक
49. शराब पर निर्भर रोगियों में तंबाकू का उपयोग

पूर्ण

1. गैस क्रोमैटोग्राफी–नाइट्रोजन फास्फोरस डिटेक्टर द्वारा पदार्थ प्रयोक्ताअें के मूत्र में कोटेनिन, पेंटाजोसिन और फेनिरेमाइन के एक साथ पता लगाने के लिए एक दक्ष पद्धति
2. अल्कोहल उपयोग विकार के रोगियों के बीच सीरम सी–प्रतिक्रियाशील प्रोटीन स्तर और शराब की खपत के बीच संबंधः एक क्रॉस–सेक्शनल, खोजपूर्ण अध्ययन
3. बुप्रीनॉफिन / बुप्रीनॉफिन नैलोक्सोन संयोजन प्राप्त करने वाले ओपियाड निर्भर रोगियों के जैव रासायनिक और हेमोटॉलोजी प्रोफ़ाइल का आकलन
4. कॉलेज जाने वाली शहरी छात्रा महिलाओं में मादक द्रव्य सेवन और संबद्ध कारकों का आकलन : एक खोजपूर्ण अध्ययन
5. किशोर इंहेलेंट प्रयोक्ताओं में जैव रासायनिक उपायों का आकलन
6. मादक पदार्थ उपयोग विकारों वाले रोगियों के बीच कलंक का आकलन करने के लिए अवलोकनात्मक अध्ययन और जीवन की गुणवत्ता, सहयाता की मांग और अक्षमता के साथ इसके संबंध
7. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत ओपियॉइड प्रतिस्थापन चिकित्सा का आर्थिक विश्लेषण – एक क्रॉस–सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
8. ब्यूप्रेनोर्फिन रखरखाव पर रोगियों के बीच मध्यम/उच्च जोखिम एल्कोहल उपयोग के लिए जांच और संक्षिप्त हस्तक्षेप का प्रभाव : एक नैदानिक और एल्कोहल – बायोमार्कर अध्ययन
9. तम्बाकू धूम्रपान में करने वालों में क्यू प्रेरित लालसा के साथ जुड़े एफएमआरआई परिवर्तन
10. सामुदायिक आधारित स्थापना में ब्यूप्रेनोर्फिन के साथ तीव्र ओपियॉइड वापसी के बाह्य रोगी का प्रबंधन : पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा
11. तीव्र ओपियॉइड वापसी के उपचार के लिए सब लिंगुअल ब्यूप्रेनोर्फिन बनाम मौखिक मेथाडोन : एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, डबल डमी, नियंत्रित अध्ययन
12. शराब की निर्भरता वाले रोगियों में प्लेटलेट्स मोनोमाइन ऑक्सीडेस बी गतिविधि का स्तर और संज्ञानात्मक कार्यः एक खोजपूर्ण अध्ययन
13. शराब का उपयोग करते हुए संपूर्ण विकारों की पहचान जांच (एयूडीआईटी) मैनुअल (प्रश्नावली सहित) का हिंदी भाषा में अनुवाद, अनुकूलन और सत्यापन (डब्ल्यूएचओ और एनडीडीटीसी के समझौता निष्पादित)
14. तृतीयक देखभाल उपचार केंद्र में निर्धानित ट्रैमेडोल ओपियॉइड निर्भरता वाले व्यक्तियों में ड्रग उपयोग का अनुपालन और पैटर्न का मूत्रविश्लेषण आधारित मूल्यांकन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. यमुना पुश्ता क्षेत्र, और उसके आसपास रोकथाम और देखभाल के माध्यम से मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति संवेदनशील बच्चों का पुनर्वास, दिल्ली और महिला और बाल विकास विभाग, दिल्ली सरकार
2. दिल्ली सरकार के स्कूल में मादक द्रव्यों के सेवन के खिलाफ छात्रों का संवेदीकरण, महिला और बाल विकास विभाग, दिल्ली सरकार
3. प्लेटलेट समूह से एस्पिरिन और कलोपिडोग्रेल प्रतिरोध का अध्ययन और भारतीस स्थिर कोरोनरी धमनी रोग वाले रोगियों में प्रतिकूल परिणामों के साथ इसके संबंध, हृदय रोग विज्ञान
4. शराब निर्भरता में मोनोमाइन मार्ग के जीनों की बहुरूपता, मेथिलिकरण और अभिव्यक्ति स्थिति के सहयोग पर अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान
5. भारत में किशोर बच्चे के बीच धूम्रपान, शराब पीने और तम्बाकू चबाने के लिए डेटा संग्रह तरीकों और संबंधित महामरी मॉडल का तुलनात्मक मूल्यांकन, जैव सांख्यिकी
6. शाइजोसेफ्रेनिया और पार्किंसन रोग डोपमाइन निर्धारित स्थिति में प्रोटीन सिग्नेचर के पहचान के लिए सीएसएफ का प्रोटियोमिक्स, जैव सांख्यिकीय
7. सेरोटोनर्जिक मार्ग के जीन की आनुवंशिक बहुरूपता और रोग की गंभीरता के साथ उनके संबंध का अध्ययन और प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार, जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलॉजी वाले रोगियों में एस्सिटालोप्राम उपचार की प्रतिक्रिया।

पूर्ण

1. कार्यात्मक चुंबकीय रेसोनेंस इमेजिंग, आईआईटी दिल्ली का उपयोग करके इमेजिंग के लिए नए दृष्टिकोण और लत का विश्लेषण
2. उन लोगों के बीच ड्रग उपयोग पैटर्न का तेजी से आकलन जो लोग श्रीलंका में ड्रग्स का सेवन करते हैं और ड्रग्स का इंजेक्शन लेते हैं, राष्ट्रीय एसटीडी एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य मंत्रालय, श्रीलंका सरकार।

प्रकाशन

पत्रिकाएंः 68 सारः 16 पुस्तकों में अध्यायः 9 पुस्तकें: 2

रोगी उपचार

I. बाह्य रोगी सेवाएं

ओपीडी	नए मामले	फॉलो–अप दौरे	कुल
1. सामान्य,एनडीडीटीसी	**9597**	**59,069**	**68,666**
2. विशिष्टता			
क) बाल और किशोरावस्था क्लिनिक	84	398	482
ख) द्वि–निदान क्लिनिक	120	450	570
ग) तम्बाकू अवसान क्लिनिक	63	515	578
घ) महिला क्लिनिक	37	161	198
ङ) परिवार सशक्तीकरण क्लिनिक	5	NIL	5
कुल विशिष्टता ओ.पी.डी.	**309**	**1524**	**1833**
3. सामुदायिक क्लिनिक			
त्रिलोकपुरी, नई दिल्ली	298	23,851	24,149
सुन्दर नगरी, नई दिल्ली	334	69,660	69,994
कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली	436	3108	3554
कुल सामुदायिक क्लिनिक	**1068**	**96,619**	**97,697**
4. कुल योग (1+2+3)			

II. वार्ड सेवाएं

1. प्रवेश की कुल संख्या	1201
2. छुट्‌टी की कुल संख्या	1102
3. उपयोग किये गये कुल बिस्तर	95%
4. वार्ड में रहने की औसत अवधि	13 दिन
5. वार्ड में आने वाले रोगियों की दिन में देखभाल की कुल संख्या	2874

III. अन्य रोगी देखभाल सांख्यिकी

1. मृत्यु की कुल संख्या	NIL
2. कार्यदिवस में प्रतिदिन प्रवेश की औसत संख्या	4
3. एनडीडीटीसी में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नये रोगी)	32
4. एनडीडीटीसी में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	200
5. त्रिलोकपुरी समुदाय क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नये रोगी)	1
6. त्रिलोकपुरी समुदाय क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	81
7. सुन्दर नगरी समुदाय क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नये रोगी)	1
8. सुन्दर नगरी समुदाय क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	235
9. कोटला मुबारकपुर समुदाय क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नये रोगी)	436
10. कोटला मुबारकपुर समुदाय क्लिनिक में प्रतिदिन कार्य दिवस पर ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	3108

जैव रसायन प्रयोगशाला के वार्षिक रिकॉर्ड

1. जैव रसायन परीक्षणः 37,785
2. हिमेटोलॉजिकलः 18,058
3. एचआईवी जाँचः 248

ड्रग स्क्रीन प्रयोगशाला के वार्षिक रिकॉर्ड

	ड्रग	संख्या
1.	मोर्फिन जांच	4194
2.	कोडाइन जांच	2889
3.	ब्यूप्रेनॉर्फिन जांच	3674
4.	प्रोक्सिवन जांच	3314
5.	एविल जांच	3039
6.	नेल्ट्रेक्सोन जांच	2889
7.	बेंज़ोडायजेपासंस जांच	3039
8.	कोटिनाइन जांच	6278
9.	कैंनेबिस जांच	390
10.	बार्बिट्‌यूरेट जांच	1265
11.	कोकीन जांच	25
12.	इंहैलेंट्‌स जांच	50
13.	ट्रामाडोल	10
14.	मोर्फिन जांच	3169
मूत्र में जांच की गई नशीली दवाओं की कुल संख्या		34,225

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य आर.के. चड्ढा ने एनएन डी भाषण दियाः लो संसाधन सेटिंग में आपदा प्रभावित आबादी में मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री, 17–19 नवंबर 2017 को गुवाहाटी में 24वां राष्ट्रीय सम्मेलनः वर्ष 2017 के लिए इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री के लिए वेंकोबा राव ओरेशन अवार्ड प्राप्त किया गया, जिसे 2018 में वितरित किया जाएगा; अध्यक्ष, इंजेक्शन ड्रग उपयोगकर्ताओं पर तकनीकी संसाधन समूह; सदस्य, कार्यकारी समिति, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत); कार्यवाहक कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत), सितंबर 2016–जून 2017; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, भाजपा अंतर्राष्ट्रीय; समन्वयक, अवसाद पर सार्वजनिक व्याख्यान; विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, आइए बात करें, 7 अप्रैल 2017, एम्स नई दिल्ली; अध्यक्ष, आयोजन समिति, पदार्थ उपयोग विकार में उभरते मुद्दों पर राष्ट्रीय सीएमई, एनएएमएस सभागार, 22 जुलाई 2017; अध्यक्ष, आयोजन समिति, व्यसन मनोविज्ञान पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 7–8 सितंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, आयोजन समिति, व्यसनी मनोरोग पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 27–29 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली; अध्यक्ष, आयोजन समिति, मनोवैज्ञानिक ट्रामा, बाल संरक्षण और मानसिक बीमारी पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन, 27–28 फरवरी 2018।

आचार्य राका जैन डब्लूएचओ के ड्रग डिपेंडेंस (डिपेंडेंस लाइबिलिटी इवैल्यूएशन) के विशेषज्ञ सलाहकार पैनल के सदस्य हैं, डब्लूएचओ को विशेषज्ञ सलाह देते हैं और 8–10 मई, 2017 को ड्रग डिपेंडेंस (ईसीडीडी) डब्ल्यूएचओ मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड, पर विशेषज्ञ समिति के दूसरें वर्किंग ग्रुप में भाग लिया; ड्रग डिपेंडेंस (डिपेंडेंस लाइबिलिटी इवैल्यूएशन) पर सलाहकार पैनल के एक विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में, विशेषज्ञ सलाह प्रदान करते हैं और 6–10 नवंबर 2017 को मुख्यालय, जिनेवा, स्विटजरलैंड में विश्व स्वास्थ्य संगठन की ड्रग डिपेंडेंस की उन्तालिसवीं विशेषज्ञ समिति (39वें ईसीडीडी) की बैठक में भाग लिया; राष्ट्रीय ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर और मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (27–29 नवंबर, 2017) व्यसनी मनोरोग पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव, संगोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता करते हुए 'न्यूरोबायोलॉजी और आनुवंशिकीय नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की विषाक्तता में हाल ही में वृद्धि व्यसनी मनोरोग विज्ञान (एनसीएपी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (27–29 नवंबर 2017) पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन मेंः एक विषय 'एडिक्टिव डिसऑडर मूल्यांकन और प्रबंधन' 'नशा मनोविज्ञान पर वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (एएनसीएपी)2018' पर एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली (7–8 सितंबर 2017) संगोष्ठी की अध्यक्षता की, 'फॉरेंसिक साइकियाट्री, टॉक्सिकोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी' नामक सत्र की अध्यक्षता की गई। आईएएमएलई 2017 में चिकित्सा लापरवाही और चिकित्सा व्यवहार में मुकदमेबाजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फॉरेंसिक विज्ञान, फॉरेंसिक मेडिसिन, आगरा में हालिया अग्रिमों पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (30 सितंबर–1 अक्तूबर, 2017))।

आचार्य अंजू धवन इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन एजुकेशन एंड ट्रेनिंग कमेटी की सदस्य थीं।

आचार्य सोनाली झांजी दिनांक 27–29 नवंबर 2017 से 'व्यसनी मनोरोग पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन' की आयोजन सचिव थीं; विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर 30 मई, 2017 को 'तम्बाकू समाप्ति में क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यशाला' के आयोजन सचिव; डेंटल कॉलेजों में तंबाकू समाप्ति केंद्र और सांस कार्बन मोनोऑक्साइड मॉनिटर की तकनीकी विशिष्टताओं को स्थापित करने के लिए 'दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए एक सलाहकार समिति का हिस्सा'; 7–9 मार्च 2018 से केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित विश्व सम्मेलन टोबैको या हेल्थ (डब्ल्यूसीटीओएच) में मेरे वैज्ञानिक पत्र को प्रस्तुत करने के लिए एक छात्रवृत्ति मिली; डब्ल्यूएचओ एफसीटीसी सचिवालय / डब्ल्यूएचओ एडिक्टेंसीडिशन मीटिंग, 15–16 मई 2018, बर्लिन में एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रोफेसर अतुल अम्बेकर ने अंतर्राष्ट्रीय नारकोटिक्स नियंत्रण बोर्ड (आईएनसीबी), वियना में आईएनसीबी, 2017 के भाग के रूप में ''ट्रीटमेंट एण्ड रिहेबिलिटेशन ऑफ ड्रग यूज डिसऑर्डर्सः एसेंशियल कंपोनेंट ऑफ डिमांड रिडक्शन'' दस्तावेज तैयार करने में विशेषज्ञ सहायता प्रदान की; यूनाईटेड नेशन्स ऑफिस ऑन ड्रग्स एण्ड क्राईम (वियना) को ''इंटरनेशनल स्टेंडर्डस फोर प्रीवेंशन ऑफ ड्रग यूज'' दस्तावेज के संबंध में विशेषज्ञ सलाह दी और वियना, ऑस्ट्रिया में विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया (जून 2017); विश्व स्वास्थ्य संगठन (जेनेवा) को पब्लिक हैल्थ इश्यूज रिलेटेड टू एडिक्टीव बिहेवियर्स पर विशेषज्ञ परामर्श दिया और इस्तांबुल, तुर्की में विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया (दिसंबर 2017); डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, यूएसए सरकार को ट्रेनिंग करिकुलम फोर ट्रीटमेंट ऑफ वीमैन विद सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर्स के संबंध में विशेषज्ञ परामर्श दिया और वाशिंगटन डीसी, यूएसए में विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया (फरवरी 2018); राष्ट्रीय तकनीकी संसाधन समूह, इंजेक्टिंग ड्रग यूज– राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, भारत सरकार का सदस्य नामित किया गया; ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी), इंडिया मेंटल एंड न्यूरोलॉजिकल हेल्थ एक्सपर्ट ग्रुप– पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया का सदस्य नामित किया गया; नेशनल टास्क फोर्स फोर इंटिग्रेटिंग मेंटल हैल्थ इन काम्प्रीहेंसिव प्रईमरी हैल्थ केयर– स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत

सरकार का सदस्य नामित किया गया; विषय विशेषज्ञ समिति (मनोचिकित्सा और तंत्रिका विज्ञान)– केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, भारत सरकार का सदस्य नामित किया गया;अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया गया, 19 कांग्रेस ऑफ़ इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर बायोमेडिकल रिसर्च ऑन अल्कोहलिज़्म (आईएसबीआरए 2018), 9–13 सितंबर 2018, क्योटो, जापान; सदस्य, निदेशक मंडल, एशिया पैसिफिक सोसाइटी फॉर अल्कोहल एंड एडिक्शन रिसर्च (एपीएसएएआर) नामित किया गया; सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ प्राइवेट साइकियाट्री (आईएपीपी) नामित किया गया; संयोजक, एडिक्टिव डिस्ऑर्डर सब–स्पेशियलिटी, इंडियन साइकियाट्री सोसायटी (आईपीएस) नामित किया गया।

डॉ. जी.एस. कालोइया ने पदार्थ उपयोग विकार वाले व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों के लिए एनडीडीटीसी में फैमिली एम्पावरमेंट क्लिनिक शुरू किया; इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (आईएसीपी) के माननीय महासचिव; 2018–2020; 18 और 19 दिसंबर, 2017 को नई दिल्ली, भारत में दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय कार्यालय (यूएनओडीसी आरओएसए) द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया (2018–2021) के क्षेत्रीय कार्यक्रम के विकास की दिशा में पहले विशेषज्ञ समूह की बैठक में भाग लिया; केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए), महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के विशेषज्ञ समूह के सदस्य।

डॉ. रविन्द्र राव भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के नशा मुक्ति केंद्र (आईआरसीए) के एकीकृत पुनर्वास केंद्र की मान्यता प्रक्रिया में शामिल थे।

डॉ. अश्वनी कुमार मिश्रा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओं– "दी इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च", "हेल्थ", "सब्स्टेंस यूज़ एंड मिसयूज़", "एक्टा बोटेनिका ब्रासीलिया" के लिए वैज्ञानिक समीक्षक थे; उन्होंने "मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान (एचआईबीएएस)" में एमफिल– नैदानिक मनोविज्ञान के लिए "रिसर्च मेथडोलॉजी" पर पेपर के लिए परीक्षक का काम किया; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारत सरकार की योजना, के तहत आदर्श ग्रामीण स्वास्थ्य योजना, सीएचसी, मुगा के लिए तकनीकी सहायक (सांख्यिकी) की भर्ती के लिए परीक्षक का काम किया; "अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय संस्थान", "अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकीय शिक्षा एसोसिएशन", "इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्लिनिकल बायोस्टैटिस्टिक्स" की निर्वाचित सदस्यता जारी रखी;'गाइडलाइन्स ऑन मल्टीप्लिसिटी इश्यूज इन क्लिनिकल ट्रायल्स' तैयार करने के लिए ड्राफ्ट समिति के सदस्य, यूरोपियन मेडिसिन्स एजेंसी, साइंस मेडिकल हेल्थ, यूके को और "एडेप्टिव डिजाइन कंसर्ट एक्सटेंशन (एसीई) परियोजना'' पर डेल्फी सर्वे के लिए सदस्य, चिकित्सा अनुसंधान परिषद (एमआरसी) हब फोर ट्रायल मेथोडोलॉजी रिसर्च (एचटीएमआर) एडेप्टिव डिज़ाइन्स वर्किंग ग्रुप (एडीडब्ल्यूजी), कंसर्ट, यूके; सर्वाधिक महत्वपूर्ण अनुसंधान योगदान भारत में नेशनल सर्वे ऑन एक्सटेंट एण्ड पैटर्न ऑफ सब्स्टेंस के तहत सह–अन्वेषक के रूप में काम करना रहा है, जो राष्ट्रीय स्तर पर नमूना विधि का कार्यान्वयन करने के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेएण्डई), भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया अध्ययन है।

डॉ. प्रभु दयाल को दिल्ली में 18 और 19 दिसंबर 2017 को आयोजित यूएनओडीसी दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय कार्यक्रम (आरपीएसए) के विकास पर क्षेत्रीय विशेषज्ञ समूह परामर्श के लिए विशेषज्ञ सदस्य नामित किया गया था; उन्होंने 27–29 नवंबर, 2017 से एम्स, नई दिल्ली, भारत में आयोजित प्रथम वार्षिक व्यसन मनोविज्ञान सम्मेलन के दौरान एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; 27–28 मार्च, 2018 तक एम्स, नई दिल्ली, भारत में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिविक अभिघात कॉन्क्लेव 2018 के दौरान फ्री पेपर सत्र की अध्यक्षता की; आयोजन सचिवः एनडीडीटीसी, गाजियाबाद, भारत में 7–8 सितंबर, 2017 को आयोजित प्रथम वार्षिक व्यसन मनोविज्ञान सम्मेलन; सदस्यः आयोजक उप–समितिः 27–29 नवंबर 2017 को एम्स, नई दिल्ली, भारत में आयोजित प्रथम वार्षिक व्यसन मनोविज्ञान सम्मेलन और 27–28 मार्च 2018 को एम्स, नई दिल्ली, भारत में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिविक अभिघात कॉन्क्लेव 2018; सदस्य, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ सब्स्टेंस यूज प्रोफेशनल्स।

डॉ. आलोक अग्रवाल ने राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड के माध्यम से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (एनएबीएच) के माध्यम से नशे के लिए एकीकृत पुनर्वास केंद्रों की मान्यता के लिए विशेषज्ञ सलाह प्रदान की' ड्रग उपयोगकर्ताओं को इंजेक्शन लगाने के लिए नुकसान की सेवाओं में कमी गुणवत्ता में सुधार पर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, पंजाब सरकार को विशेषज्ञ सलाह; जेल सेटिंग्स में ड्रग उपयोगकर्ताओं के लिए उपचार और पुनर्वास सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर महानिदेशक, तिहाड़ जेलों को विशेषज्ञ सलाह; सदस्य, संपादकीय बोर्ड, नेशनल जर्नल ऑफ सोशल डिफेंस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।

डॉ. बिश्वदीप चटर्जी एनडीडीटीसी की पुनर्वास सेवाओं के संकाय प्रभारी, इस वर्ष हमने अल्कोहल बेनामी और नार्कोटिक एनोनिमस के साथ सहयोग किया है और उपचार चाहने वाले पदार्थ उपयोगकर्ताओं और उनकी देखभाल करने वालों के लिए नियमित सहकर्मी सहायता समूह

सत्र शुरू किए हैः एनडीडीटीसी की पुनर्वास सेवा ने एक ही नाम से एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की दिल्ली विश्वविद्यालय शाखा इएनएसीटीयूएस के साथ भी सहयोग किया है, उनके सहयोग से, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों को विभिन्न कौशल थोपने वाले केंद्रों में रखने का प्रयास किया जाता है। और कुशल रोजगार प्रदान करते हैं।

डॉ. सिद्धार्थ सरकार ने इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री के बालिंट पुरस्कार जीता।

डॉ. सौरभ सिंह ने इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री का अनिल मल्होत्रा पुरस्कार जीता।

10-7 rf=dk foKku dsUnz

ie[k
कामेश्वर प्रसाद

rf=dk foKku
vkpk;Z ,oa v/;{k
कामेश्वर प्रसाद

आचार्य

एम.वी. पदमा श्रीवास्तव | मंजरी त्रिपाठी | विनय गोयल
अचल श्रीवास्तव | गरिमा शुक्ला | रोहित भाटिया
ममता भूषण सिंह

lg&vkpk;Z
दीप्ति विभा

lgk;d&vkpk;Z
विष्णु वी.वाई. | रूपा राजन | दीपा दाश
अवध किशोर पंडित | राजेश कुमार सिंह

U;wjks ltZjh
vkpk;Z ,oa v/;{k
शशांक शरद काले

प्रतिष्ठित आचाय

प्रकाश नारायण टंडन | अजीत के. बैनर्जी

vkpk;Z
पी. सरत चंद्रा | आशीष सूरी | राजेंद्र कुमार
मनमोहन सिंह | दीपक अग्रवाल (जेपीएनएटीसी) | दीपक गुप्ता (जेएनपीएटीसी)

lg&vkpk;Z
गुरूदत्त सत्यार्थी (जेपीएनएटीसी) | पंकज कुमार सिंह (जेपीएनएटीसी) | विवेक टंडन
सचिन बोरकर

lgk;d vkpk;Z
हितेश गुर्जर | अमन जगदेवन | शाश्वत मिश्रा
राजीव शर्मा | श्वेता केडिया | रमेश डोड्डामणि
दत्ताराज सावरकर | कंवलजीत गर्ग | मनोज फलक
अमोल रहेजा | सतीश वर्मा | राजेश मीना

U;wjkbesftax vkSj bUVjosa'kuy U;wjksjsfM;ksyksth
vkpk;Z ,oa v/;{k
एस. बी. गायकवाड़

आचार्य

अजय गर्ग

सह–आचार्य

एस. लेव जोसेफ देवराजन

सहायक आचार्य

अनुज प्रभाकर

मुख्य तकनीकी अधिकारी

नीलम दीवान

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरविंद चतुर्वेदी

आचार्य

मिहिर प्रकाश पाण्डिया
राजेंद्र सिंह चौहान
गिरिजा प्रसाद रथ
हिमांशु प्रभाकर

अपर आचार्य

ज्ञानिंदर पाल सिंह (जेपीएनएटीसी)
आशीष बिंद्रा (जेपीएनएटीसी)
नीरज कुमार (जेपीएनएटीसी)
केशव गोयल (जेपीएनएटीसी)
नवदीप सोखल (जेपीएनएटीसी)
चारु महाजन
इंदु कपूर
सूर्या कुमार दुबे
वरुण जैन

नैदानिक तंत्रिका–मनोचिकित्सा

अपर आचार्य

आशिमा नेहरा

तंत्रिका जैव रसायन विज्ञान

सहायक आचार्य

अशोक शर्मा

विकृति विज्ञान – तंत्रिका विकृति विज्ञान अनुभाग

आचार्य

चित्रा सरकार
मिहिर चंद शर्मा

अपर आचार्य

वैशाली सूरी

अस्पताल प्रशासन

आई. बी. सिंह

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

अंजली हजारिका

तंत्रिका विज्ञान

fof'k"Vrk,¡

इस शैक्षिक वर्ष में, तंत्रिका विज्ञान विभाग ने तंत्रिका विज्ञान में प्रथम एम्स–पीजीआई अपडेट के आयोजन के लिए नेतृत्व किया: प्रशिक्षण में रेज़ीडेंट्स को विभिन्न प्रकार की तंत्रिका विज्ञान संबंधी स्थितियों पर एक अलग प्रकार की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से एक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम चलाया जाता है। तथ्य यह है कि इस सम्मेलन को बाहरी योगदान के बिना स्वयं योगदान मॉडल पर आयोजित किया गया था, इसे विशेष उल्लेख पाने का अधिकार था, क्योंकि यह विचार–विमर्श के लिए हितों के विवादों से मुक्त एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता था। यह सीएमई कार्यक्रम वार्षिक रूप से एम्स, नई दिल्ली और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के बीच वैकल्पिक स्थानों के साथ चल रही गतिविधि है। इस साल हमारे विभाग ने बल्लभगढ़ में एक ग्रामीण आउटरीच तंत्रिका विज्ञान क्लिनिक शुरू किया, जिसमें विभाग द्वारा सप्ताह में एक बार तंत्रिका विज्ञान ओपीडी चलाया गया। विभाग ने 2016–17 में शुरू किए गए लाभों को समेकित किया, विभाग में एक नए स्थायी संकाय (सहायक आचार्य) के एकीकरण के साथ हमारी बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी सेवाओं को और बढ़ाया। तंत्रिका विज्ञान ओपीडी के लिए 'तत्काल' अपॉइंटमेंट लेने की प्रणाली सफलतापूर्वक कार्यान्वित की गई है और इसके परिणामस्वरूप पूर्व समय तय किए बिना रोगियों के लिए तंत्रिका विज्ञान परामर्श की प्रक्रिया को आसान बना दिया गया है।

शिक्षा

छह नए सीनियर रेज़ीडेंट को शामिल करने के साथ शिक्षण और प्रशिक्षण क्षमताओं को अपग्रेड किया गया, जिसे प्रति वर्ष बारह स्नातक करने वाले योग्य तंत्रिका विज्ञान विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने के लिए बनाया गया है। सीनियर रेज़ीडेंट के निरंतर संचयी मूल्यांकन के हिस्से के रूप में, इस वर्ष रेज़ीडेंट प्रस्तुतियों के लिए एक प्रतिक्रिया और स्कोरिंग प्रणाली शुरू की गई थी। नियमित शिक्षण जिम्मेदारियों के अतिरिक्त, तंत्रिका विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य एम्स के अंदर कई अंतःविषयक कार्यशालाओं और प्रशिक्षण सत्रों के संचालन में शामिल रहे हैं। सीनियर रेजीडेंट को रोगी देखभाल सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि और आंतरिक रोगी सेवाओं के लिए प्रशासनिक और पर्यवेक्षी जिम्मेदारियों में स्वयं कार्य के अनुभव प्रदान करने के लिए, वार्ड सीनियर रेजीडेंट की एक प्रणाली शुरू की गई थी। तंत्रिका विज्ञान वार्ड में तैनात करते समय सीनियर रेजीडेंट इस जिम्मेदारी को चक्रानुक्रम रूप से पूरी करेंगे। रेज़ीडेंट के लिए बुनियादी रोगी देखभाल के मानक ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल तैयार करने के लिए अभिविन्यास पुस्तिकाएं डिज़ाइन की गई थीं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. वर्ल्ड मल्टीपल स्क्लेरोसिस दिवस कार्यक्रम, 30 मई 2017, नई दिल्ली।
2. वर्ल्ड स्ट्रोक दिवस कार्यक्रम, 29 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली।
3. सीएमई, एनएसआईसीओएन, 1–3 दिसंबर 2017, नागपुर।
4. फिजिकल थेरेपी के 6 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कार्यशाला, 10 दिसंबर 2017, नई दिल्ली।
5. बोटुलिनम टॉक्सिन कार्यशाला : पेस्टीसिटी में बोटुलिनम, टॉक्सिन वार्षिक स्ट्रोक मास्टरक्लास, 23 सितंबर 2017, गुड़गांव।
6. वीडियो–ईईजी जांच कार्यशाला, 19 –20 जनवरी 2018, नई दिल्ली।
7. एम्स – –पीजीआई न्यूरोलॉजी अपडेट, 27–28 जनवरी 2018, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान

कामेश्वर प्रसाद : (17)

1. महत्वपूर्ण मूल्यांकन चिकित्सा, मेटा–विश्लेषण और नैदानिक परीक्षण अध्ययन पर कार्यशाला, मैकमास्टर साक्ष्य आधारित नैदानिक अभ्यास कार्यशाला, 5–9 जून 2017, हैमिल्टन, कनाडा।
2. तीव्र स्ट्रोक के बाद ब्लड प्रेशर प्रबंधन, स्ट्रोक समर स्कूल, 18 अगस्त 2017, चेन्नई।
3. तीव्र स्ट्रोक में थ्रोम्बोलाइटिक थेरेपी पर वर्तमान साक्ष्य, स्ट्रोक सम्मेलन, 6 अगस्त 2017, दिल्ली।
4. राष्ट्रीय स्ट्रोक रजिस्ट्री कार्यक्रम के जनसंख्या आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्री कोर फॉर्म पर कार्यशाला। 2 अगस्त 2017, बेंगलुरु।
5. विकासशील देशों में चुनौतियों और अवसरों और आधारित समूह अध्ययन स्थापित करना, इरास्मस ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम, 24 अगस्त 2017, रॉटरडैम, नीदरलैंड।
6. मिर्गी और स्ट्रोक की नई परिभाषा, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी का 25 वां वार्षिक सम्मेलन, 7 – 10 सितंबर 2017, चेन्नई।
7. शिक्षण साक्ष्य–आधारित अभ्यास, वैश्विक साक्ष्य शिखर सम्मेलन 2017, 13–16 सितंबर 2017, दक्षिण अफ्रीका।

8. परीक्षण डिजाइनों का अवलोकन "इंटरैक्टिव सत्र, इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, 28 अक्टूबर 2017, हैदराबाद।
9. नैदानिक परीक्षणों के लिए महामारी विज्ञान नमूना आकार की गणना का प्राइमर, एमजीयूएमटीटी में बेसिक रिसर्च मेथडोलॉजी कोर्स, 22–23 नवंबर 2017, जयपुर।
10. गैर–संचारी बीमारियों को रोकना : सतत विकास लक्ष्यों को समझना, प्रथम विश्व एनसीडी कांग्रेस, 5 नवंबर 2017, चंडीगढ़।
11. व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–विश्लेषण : एक परिचय, इंडियन सोसाइटी ऑफ मेडिकल स्टेटिस्टिक्स का 25 वां वार्षिक सम्मेलन, 1 नवंबर 2017, लखनऊ ।
12. स्ट्रोक दिशानिर्देशों के विकास में चुनौतियां, आईयूएसएसटीएफ–कार्यशाला, 1–3 दिसंबर 2017, नई दिल्ली।
13. थेरेपी पेपर और ग्रेड पद्धति का गंभीर मूल्यांकन, ईबीएम और सामरिक पहल पर कार्यशाला, 9–10 दिसंबर 2017, संयुक्त अरब अमीरात।
14. ईएमबी और दिशानिर्देश, साक्ष्य आधारित दवा के सिद्धांत और भारत में इसकी प्रयोज्यता, 17 जनवरी 2018, बेंगलुरु।
15. उलझन और बातचीतः विकृति या सत्य, 16 वां एशिया प्रशांत साक्ष्य–आधारित चिकित्सा और नर्सिंग (एपीईबीएमएन) सम्मेलन, 6–9 फरवरी 2018, सिंगापुर।
16. सीएनएस तपेदिक के लिए उपचार दिशानिर्देश (चिकित्सा) , ट्रोपिकॉन 2018, 31 मार्च 2018, लखनऊ।
17. स्ट्रोक में स्टेम सेल, हम 2018 में कहां हैं, बारहवां भारतीय राष्ट्रीय स्ट्रोक सम्मेलन , 18 मार्च 2018, नई दिल्ली ।

एम. वी. पदमा श्रीवास्तव (19)

1. एक कनेक्टिकॉम के रूप में मस्तिष्कः बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के माध्यम से स्ट्रोक परिणामों में सुधार, स्ट्रोक पर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग कार्यशाला, 14 अप्रैल, 2017, बेंगलुरु।
2. आईआईटी मंडी, टेडेक्स मीट एक बदलती दुनिया का सार, 14 मई 2017 मंडी।
3. तीव्र स्ट्रोक का प्रबंधन, आईएएन समर स्कूल, 3 जून 2017, कोलकाता।
4. तीव्र स्ट्रोक का चिकित्सा प्रबंधन, सोसाइटी ऑफ न्यूरोवेस्कुलर इंटरवेंशन का वार्षिक कांग्रेस (एसएनवीआईसीओएन –17), 16 जून 2017, बेंगलुरु।
5. गर्भावस्था और एकाधिक स्क्लेरोसिस, एमएस शिखर सम्मेलन, 2 जुलाई 2017, अहमदाबाद।
6. स्ट्रोक की आपातकालीन देखभाल पर पैनल चर्चा, ईएमआईएनडीए सम्मेलन, 16 जुलाई 2017, नई दिल्ली।
7. एकाधिक स्क्लेरोसिस का व्यक्तिगत प्रबंधन, आईसीटीआरआईएमएस, 13 अगस्त 2017, नई दिल्ली।
8. सीवीएसटी के आईसीएच प्रबंधन का प्रबंधन, इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन समर स्कूल, 18–20 अगस्त 2017, चेन्नई।
9. स्ट्रोक में पुनर्स्थापन उपचारः बेडसाइड के लिए बेंच स्ट्रोक संगोष्ठी, भारतीय विज्ञान अकादमी न्यूरोलॉजी सम्मेलन, 14 सितंबर 2017, चेन्नई।
10. पोस्ट स्ट्रोक दर्द, दर्द संगोष्ठी, 15 अक्टूबर 2017, हैदराबाद।
11. महिलाएं और स्वस्थ मस्तिष्क, महिला संवेदीकरण कार्यशाला, 3 नवंबर 2017, गुवाहाटी।
12. भारत में किफायती स्ट्रोक देखभाल, विश्व एनसीडी कांग्रेस में संयुक्त डब्ल्यूएफएन / डब्ल्यूएसडी सत्र, 4 नवंबर 2017, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।
13. क्लिनिको पैथोलॉजिकल सम्मेलन, एपीआईसीओएन दिल्ली अध्याय, 19 नवंबर 2017, नई दिल्ली।
14. स्ट्रोक रोकथाम, न्यूरो अपडेट, 24 दिसंबर 2017, अहमदाबाद।
15. रिवर्सिबल डिमेंशिया, पीजीआईएमईआर में सीएमई, 20 जनवरी 2018, चंडीगढ़।
16. स्ट्रोक के बाद पुनर्स्थापनात्मक संभावनाएं, डब्ल्यूसीएनआर 2018, 10 फरवरी 2018, मुंबई।
17. एंटीकोगुलेटर प्रेरित आईसीएच, एपीकॉन सीएमई, 22 फरवरी 2018, बैंगलोर बेंगलुरु।
18. लोकप्रिय विज्ञान पर व्याख्यान, आईएएसएसटी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम, 27 फरवरी 2018, गुवाहाटी।
19. महिलाएं और मानसिक स्वास्थ्य, सोसाइटी ऑफ कार्डियक एनेस्थेसिया, 8 मार्च 2018, नई दिल्ली।

मंजरी त्रिपाठी : (15)

1. नींद और जागने की स्थिति की न्यूरोबायोलॉजी, इंडियन स्लीप डिसऑर्डर एसोसिएशन का वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 7 अप्रैल 2017, कोयंबटूर।
2. नवीनतम साक्ष्य आधारित दवा, एपिलेप्सी मास्टरक्लास का चौथा संस्करण, 8–9 अप्रैल 2017, गोवा।
3. मिर्गी सर्जरी में ईईजी की भूमिका, न्यूरो–अपडेट, 15 अप्रैल 2017, आगरा।
4. मिर्गी, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी समर स्कूल, 3 जून 2017, कोलकाता।

5. एक साथ मजबूतीः शोध, व्यापक देखभाल और मिर्गी के साथ रोगी की भागीदारी के लिए एक साथ समर्थन, 32 वां अंतरराष्ट्रीय एपिलेप्सी कांग्रेस, 2–6 सितंबर 2017, बार्सिलोना, स्पेन।
6. न्यूरोलॉजी में वीडियो ईईजी, भारतीय विज्ञान अकादमी के 25 वें वार्षिक सम्मेलन, 8 सितम्बर 2017, चेन्नई।
7. वार्षिक शोध दिवस, तीसरा जेआईपीएमईआर वार्षिक शोध दिवस – 2017, 11 सितम्बर 2017, पुडुचेरी।
8. अनिद्रा, योग निद्रा पर संगोष्ठी।, अनिद्रा, 22 सितंबर 2017, गोवा।
9. मैग्नेटोएन्सेफेलोग्राफी (एमईजी), क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी के 6 वें एशियाई–ओसेनियन कांग्रेस, 9 नवंबर 2017, बेंगलुरु।
10. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में दौरे, एएसएनएस के 32 वां द्विवार्षिक सम्मेलन और पीएनए का 39 वां वार्षिक कन्वेंशन, 8–11 नवंबर 2014, मनीला, फिलीपींस।
11. ईईजी और मिर्गी, नेपाली एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी संगोष्ठी, 5 जनवरी 2018, काठमांडू, पोलैंड नेपाल।
12. एंटीएपिलेप्टिक दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों के फार्माकोजेनोमिक्स, इंडियन एपिलेप्सी एसोसिएशन और इंडियन एपिलेप्सी सोसाइटी के 19 वां वार्षिक सम्मेलन, 2–4 फरवरी 2018, बेंगलुरु।
13. न्यूरोलॉजी में महिलाएं, विजेता–2018 न्यूरोलॉजी संगोष्ठी, 9 मार्च 2018, उदयपुर।
14. मिर्गी में मानसिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और सीपीएचसी में एपिलेप्सी को एकीकृत करने पर टास्क फोर्स की दूसरी बैठक, 14 मार्च 2018, बेंगलुरु।
15. ईजीई रिकॉर्डिंग के बिना व्यवहार का आकलन करके मनोवैज्ञानिक गैर मिर्गी के दौरे का निदान किया जा सकता है, न्यूरोलॉजी में विवादों पर 12 वां विश्व कांग्रेस, 23–24 मार्च 2018, वारसॉ, पोलैंड।

विनय गोयल (30)

1. विल्सन की बीमारी में केवल जस्ता का उपयोग कब होता है, हेपेटिकॉन 2017, 25 मार्च 2017, मुंबई।
2. टास्क फोर्स के लिए पैनलिस्टः "विल्सन की बीमारी पर आईएनएसएल आम सहमति–बैठक, हेपेटिकॉन 2017, 26 मार्च 2017, मुंबई।
3. मोनोन्यूरिटिस मल्टीप्लेक्स के दृष्टिकोण, आंध्र मेडिकल कॉलेज केजीएच, 30 अप्रैल 2017, विशाखापत्तनम।
4. वीडियो क्विज़, मूवमेंट डिसऑर्डर, एपीआई, 13 मई 2017, अहमदाबाद।
5. मायस्थेनिया ग्रेविस, केस आधारित दृष्टिकोण, एपीआई, 14 मई 2017, अहमदाबाद।
6. लेखक के क्रैम्प में बोटुलिनम विष पर कार्यशाला, गतिविधि विकार अद्यतन और बोटुलिनम टोक्सिन कार्यशाला, 21 मई 2017, गुड़गांव।
7. स्पेस्मोस्मिक डिसफोनिया में बोटुलिनम विषाक्तता, गतिविधि विकार अद्यतन और बोटुलिनम टोक्सिन कार्यशाला, 21 मई 2017, गुड़गांव।
8. हाइपरकाइनेटिक गतिविधि विकारों में न्यूरोस्टिम्यूलेशन, 5 वें एमआईएनडी अपडेट, 27 मई 2017, देहरादून।
9. डीबीएस की जटिलताएं, गतिविधि विकार अद्यतन क्लिनिक और प्रबंधन, 9 जुलाई 2017, हैदराबाद।
10. गतिविधि विकार में आपातकालीन स्थिति, दूसरा न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट, 23 जुलाई 2017, जयपुर।
11. पीडी के एक रोगी के दृष्टिकोण, न्यूरोलॉजी अपडेट, एपीआई शाखा, 23 जुलाई 2017, लखनऊ।
12. गतिविधि विकारों में डीबीएस, डून न्यूरो क्लब, 24 जुलाई 2017, देहरादून।
13. पीडी में डीबीएस हैंड्स ऑन, इंडियन न्यूरोसर्जिकल एजुकेशन एंड रिसर्च ट्रस्ट, 25 जुलाई 2017, देहरादून।
14. पीडी में डीबीएसः रोगियों का चयन और पूर्व ऑपरेटिव परामर्श, डीबीएस कार्यशाला कार्यशाला, इंडियन न्यूरोसर्जिकल एजुकेशन एंड रिसर्च ट्रस्ट, 25 जुलाई 2017, देहरादून।
15. हाइपरकाइनेटिक गतिविधि विकारों का प्रबंधन, विश्व न्यूरोसाइंसेस शिखर सम्मेलन, बेसिक और परे, 18 अगस्त 2017, दिल्ली।
16. ऊपरी अंग की काठिन्य का निदान और प्रबंधनः बोटुलिनम विष की भूमिका, विश्व न्यूरोसाइंसेस शिखर सम्मेलन, मूल और परे, 19 अगस्त 2017, दिल्ली।
17. बोटुलिनम टॉक्सिन, वर्ल्ड न्यूरोसाइंसेस शिखर सम्मेलन, बेसिक और आईएसटीएआर से परे, कार्यशाला और हैंड्स ऑन प्रशिक्षण, 20 अगस्त 2017, दिल्ली।
18. कंपकंपी का प्रबंधन, 25 वें आईएएनसीओएन, 2017, 8 सितंबर 2017, चेन्नई।
19. एटिपिकल पार्किंसंसः कब संदेह करें?'', एनीकॉन, 2017, 11 सितंबर 2017, भुवनेश्वर।
20. पार्किंसंस रोग के प्रबंधन के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण रोग, एनीकॉन, 2017, 12 सितंबर 2017, भुवनेश्वर।
21. टीएमएसः तंत्रिका विज्ञान में नैदानिक अनुप्रयोग, प्रीकॉन्फरेंस कार्यशाला वर्कशॉप, ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना पर हैंड्स ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला : न्यूरोलॉजिकल विकारों के लिए गैर–आक्रामक चिकित्सीय कार्यनीति, 28 अक्टूबर 2017, भुवनेश्वर।

22. पीडी से परे गतिविधि विकारों में डीबीएस, एनएसआईसीओएन, 30 नवंबर 2017, नागपुर।
23. मायस्थेनिया ग्रेविस में प्लास्माफेरिसिस, दूसरा वार्षिक मलेशियाई प्लास्माफेरेसिस सम्मेलनः केंद्रीय और परिधीय तंत्रिका तंत्र विकारों में प्लाज्माफेरेसिस के साथ इम्यूनोमॉडुलेटरी उपचार की भूमिका, 9 दिसंबर 2017, कुआलालंपुर, मलेशिया।
24. पीडी में डीबीएस के लिए सही समय कब है, न्यूरो–अपडेट, 24 दिसंबर 2017, अहमदाबाद।
25. डीबीएस अपडेट, आईएएन मिडटर्म, 14 जनवरी 2018, रायपुर।
26. गतिविधि विकारों के नैदानिक निदान में चुनौतियांः कई सिस्टम की एट्रोफी के स्पेक्ट्रम का विस्तार, एमडीएसआई का चौथा वार्षिक सम्मेलन, एमडीएसआईसीओएन, 19 जनवरी 2018, हैदराबाद।
27. पीडी इलाज योग्य हैः नहीं, एमडीएसआई का चौथा वार्षिक सम्मेलन, एमडीएसआईसीओएन, 21 जनवरी 2018, हैदराबाद।
28. डीबीएस, एम्स–पीजीआई न्यूरोलॉजी अपडेट, 27 जनवरी 2018, दिल्ली पर अपडेट।
29. मस्क मायास्थेनिया ग्रेविस का प्रबंधन, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन का दूसरा वार्षिक सम्मेलन, डीएनएसीओएन, 3 फरवरी 2018, दिल्ली।
30. पोस्ट स्ट्रोक स्पास्टिसिटी के परिणाम अनुकूलित करना, विश्व न्यूरो पुनर्वास सम्मेलन, 8 फरवरी 2018, मुंबई।

अचल श्रीवास्तव (6)

1. बाल चिकित्सा मिर्गीः एडवांसेज़, आईएपी के 14 वें वार्षिक राज्य सम्मेलन, उत्तराखंड पेडिकॉन 2017, 29 अप्रैल 2017, हल्दवानी, उत्तराखंड।
2. मिर्गी के प्रबंधन में एडवांसेज़, सीएमई न्यूरो अपडेट 2017, 18 नवंबर 2017, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
3. एटैक्सीया की जटिल दुनिया को सरल बनाना, पार्किंसंस रोग और संबंधित विकारों की 22 वीं विश्व कांग्रेस, 14 नवंबर 2017, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम।
4. एटैक्सिया की जेनेटिक्सः बढ़ते उलझन के माध्यम से नैदानिक कदम, इंडियन मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी का तीसरा वार्षिक सम्मेलन एमडीएसआईसीओएन–2018, 20 जनवरी 2018, हैदराबाद।
5. वंशानुगत एटैक्सिया के दृष्टिकोण, एम्स–पीजीआई न्यूरोलॉजी अपडेट 2018, 28 जनवरी 2018, नई दिल्ली।
6. वंशानुगत एटैक्सिया भारतीय भारतीय परिदृश्य और प्रबंधन अद्यतन, इंदौर न्यूरो क्लब मीटिंग, 11 मार्च 2018, इंदौर।

गरिमा शुक्ला (12)

1. अत्यधिक दिन की नींद और इसकी जांच (एमएसएलटी, एमडब्ल्यूटी सहित), स्लीपकॉन 2017 – इंडियन स्लीप डिसऑर्डर एसोसिएशन की वार्षिक बैठक, 7 अप्रैल 2017, कोयंबटूर, तमिल नाडु।
2. क्लेन लेविन सिंड्रोम – – प्रस्तुति, अंतर और प्रबंधन पर अद्यतन, स्लीपकॉन 2017 – भारतीय स्लीप डिसऑर्डर एसोसिएशन की वार्षिक बैठक, 7 अप्रैल 2017, कोयंबटूर, तमिल नाडु।
3. द ब्रेन इन स्लीप – ग्लिंप्स इन टू द एब्सिस ऑफ हिपनोस आईएसडीए ऑरेशन, स्लीपकॉन 2017 – इंडियन स्लीप डिसऑर्डर एसोसिएशन की वार्षिक बैठक, 8 अप्रैल 2017, कोयंबटूर, तमिल नाडु।
4. स्लीप एप्निया – कार्डियो–सेरेब्रो–संवहनी जोखिम में प्रभाव, न्यूरो अपडेट सीएमई, 10 सितंबर 2017, सूरत, गुजरात।
5. युवाओं के बीच, सोने के आसपास और आसपास के असामान्य मोटर व्यवहार, इंडियन सोसाइटी फॉर स्लीप रिसर्च 2017 सिल्वर जुबली सम्मेलन, 22 सितंबर 2017, गोवा।
6. किशोरों के बीच नींद में गैर–मिर्गी की घटनाएं बनाम दौरे, विश्व स्लीप कांग्रेस 2017 सिंपोजियम "किशोरावस्था में नींद – अनुपस्थित कड़ी", 09 अक्टूबर 2014, प्राग, चेक गणराज्य ।
7. बेचैन लैग सिंड्रोम–प्रगति और नुकसान, नींद विकारों का तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 29 अक्टूबर 2017, जालंधर, पंजाब।
8. पैरासोमियास और बेचैन लैग सिंड्रोम, क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी का 6वां एशियाई–ओसेनियन कांग्रेस, 10 नवंबर 2017, बेंगलुरु।
9. नारकोलेप्सी, रेस्पिकॉन 2017, 30 नवंबर 2017, नई दिल्ली।
10. बेचैन लैग सिंड्रोम, एम्स पीजीआई न्यूरोलॉजी कोर्स, 27 जनवरी 2018, नई दिल्ली।
11. सामान्य न्यूरोलॉजिस्ट के लिए नींद का मूल्यांकन – प्रदर्शन और पद्धति, स्लीपकॉन 2018 कोर्स निदेशकः "न्यूरोलॉजिकल एंड साइकोट्रिक डिसऑर्डर इन स्लीप" शीर्षक, कार्यशाला "30 मार्च 2018, पुरी, ओडिशा।
12. न्यूरोलॉजिकल विकारों में बेचैन लैग सिंड्रोम – विषय संबंधी महत्व, निदान और उपचार, स्लीपकॉन 2018 कोर्स निदेशकः "न्यूरोलॉजिकल एंड साइकोट्रिक डिसऑर्डर इन स्लीप" नामक कार्यशाला, 30 मार्च 2018, पुरी, ओडिशा।

रोहित भाटिया (12)

1. डिकंप्रेसिव क्रैनिएक्टॉमी : ऑफन मिस्ड द डेडलाइन, इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन सम्मेलन, 17–19 मार्च 2017, अमृतसर।
2. स्ट्रोक के भावी नैदानिक परीक्षण, इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन सम्मेलन, 17–19 मार्च 2014, अमृतसर।
3. कार्डियो एम्बोलिक स्ट्रोक, इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन समर स्कूल, 19 अगस्त 2017, चेन्नई।
4. इस्कैमिक स्ट्रोक में डिकंप्रेसिव क्रैनिएक्टॉमी, इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन समर स्कूल, 19 अगस्त, 2017, चेन्नई।
5. एमएस में स्विचिंग उपचार, चुनौतियां और विकल्प, आईसीटीआरआईएमएस सम्मेलन, 13 अगस्त 2017, नई दिल्ली।
6. स्ट्रोक देखभाल में नैदानिक परीक्षणः पिछले 5 वर्षो में सीखे सबक, इंडियन एकेडमी न्यूरोलॉजी की वार्षिक बैठक, 2017, 8 सितंबर 2017, चेन्नई।
7. कम एनआईएचएसएस और एम 1 प्रक्षेपण, वार्षिक स्ट्रोक मास्टर क्लास, 23 सितंबर 2017, नई दिल्ली।
8. आईसीएच में प्लेटलेट्स, क्लोटिंग कारक और सर्जरी, वार्षिक स्ट्रोक मास्टर क्लास, 23 सितंबर 2014, नई दिल्ली।
9. डिकंप्रेसिव क्रैनिएक्टोमी, सही रोगी, सही समय , अंतरराष्ट्रीय स्ट्रोक और सेरेब्रोवेस्कुलर रोग सम्मेलन (आईएससीडीएस), 27 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली।
10. आईसीएच में बीपी कम करने वाले परीक्षण, अंतरराष्ट्रीय स्ट्रोक और सेरेब्रोवेस्कुलर रोग सम्मेलन (आईएससीडीएस), 27 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली।
11. डिमेंशिया के ऑटो इम्यून कारण, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिसंबर 2017, नई दिल्ली।
12. तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक के प्रबंधन में वर्तमान परिप्रेक्ष्य, एपीकॉन, 23 फरवरी 2018, बेंगलुरु।

ममता भूषण सिंह (2)

1. संसाधन सीमित क्षेत्रों में मिर्गी, 2017 वार्षिक बैठक एएएन, 28 अप्रैल 2017, बोस्टन।
2. मिर्गी प्राथमिक देखभाल–अनुपस्थित कड़ी", 2017 आईएएनसीओएन, 8 सितंबर 2017, चेन्नई।

दीप्ति विभा (15)

1. अध्ययन डिजाइन का एक अवलोकन, शोध पद्धति पर कार्यशाला, लेखन और संचार, 11 अप्रैल 2017, नई दिल्ली।
2. नैदानिक परीक्षण अध्ययन, अनुसंधान पद्धति, लेखन और संचार के डिजाइन, आचरण और विश्लेषण पर कार्यशाला, 12 अप्रैल 2017, नई दिल्ली।
3. मस्तिष्क की मृत्यु, मृतक के अंग और ऊतक दान पर नर्सों का सेवा प्रशिक्षण, 7 जून 2017, नई दिल्ली।
4. लीवर प्रत्यारोपण के बाद न्यूरोलॉजिकल जटिलताएं, तीसरी सीएलबीएस लिवर संगोष्ठी, 16 सितंबर 2017, नई दिल्ली, भारत।
5. तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक, एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट, 8 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली।
6. ईईजी : दुविधाएं और व्याख्याएं, न्यूरोक्रिटिकल केयर वर्कशॉप, 29 अक्टूबर 2017, नई दिल्ली।
7. एड्स और तंत्रिका संबंधी जटिलता, नेशनल न्यूरोलॉजी अपडेट, 18 नवंबर 2014, कानपुर, भारत।
8. अध्ययन डिजाइन अवलोकन, परिचालन अनुसंधान कार्यशाला (उन्नत स्तर), 22 नवंबर 2017, बल्लभगढ़, हरियाणा।
9. कोहर्ट स्टडीज, ऑपरेशनल रिसर्च वर्कशॉप (एडवांस्ड लेवल), 22 नवंबर 2017, बल्लभगढ़, हरियाणा।
10. स्मृति समस्याओं की रोकथाम और पहचान, 16 वीं वार्षिक अल्जाइमर रोग के लिए देखभाल कर्ता बैठक, 10 दिसंबर 2017, नई दिल्ली।
11. मस्तिष्क की मृत्यु, मृतक के अंग और ऊतक दान पर नर्सों का सेवा प्रशिक्षण, 23 जनवरी 2018, नई दिल्ली।
12. इडियोपैथिक इंट्राक्रैनियल हाइपरटेंशन, एम्स–पीजीआई न्यूरोलॉजी अपडेट, 27 जनवरी 2018, नई दिल्ली।
13. एईडी के दुष्प्रभावों के प्रबंधन के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण, मिर्गी प्रबंधन पर इंटरएक्टिव कार्यशाला, 23 फरवरी 2018, नई दिल्ली, भारत।
14. तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक, एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ स्पोर्ट, 26 फरवरी 2018, नई दिल्ली।
15. व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–विश्लेषण का गंभीर विश्लेषण, साक्ष्य आधारित चिकित्सा पर कार्यशाला, 1 मार्च 2018, नई दिल्ली।

विष्णु वी वाई (4)

1. डिमेंशिया में भविष्य की दिशाएं, डिमेंशियासः पर सीएमई मेमोरी लॉस एंव परे एनएएमएस, 19 दिसंबर 2017, नई दिल्ली।

2. एंटीप्लेटलेट और एंटीकोगुलेशन उपयोग की स्थापना में आईसीएच प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय स्ट्रोक और सेरेब्रोवेस्कुलर रोग सम्मेलन, इंटरनेशनल कांग्रेस इंटरनेशनल न्यूरोलॉजी के साथ संयोजन में 27–28 अक्टूबर, 2017, नई दिल्ली।
3. मायोपैथीज का उपचार, एम्स–पीजीआई न्यूरोलॉजी अपडेट, 27–28 जनवरी, 2018, नई दिल्ली।
4. केंद्रित न्यूरोलॉजिकल परीक्षा, एएनएलएस –2018, 28–29 जनवरी, 2018, नई दिल्ली।

रूपा राजन (4)

1. डाइस्टोनिक ट्रेमरः डाइस्टनिया, कंपकंपी और पार्किंसंसनिज्म की सीमा, युवा न्यूरोलॉजिस्ट के लिए तथा उभरते शोधकर्ता विज्ञान में अंतःक्रिया और उत्कृष्टता के लिए एमडीएस–एओएस संगोष्ठी (सिनेर्जी), 19 मई, 2017, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया।
2. पार्किंसंस रोग में गैर मोटर लक्षण रोग, निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, त्रिशूर शाखा, 12 जून 12, 2017, त्रिशूर, केरल, भारत।
3. माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन, चैनलोपैथीज और गतिविधि विकारों के बीच का लिंक, तीसरा एमडीएसआईसीओएन, 20 जनवरी 20, 2018, हैदराबाद, भारत।
4. डाइस्टोनिया के दृष्टिकोण – – वर्तमान वर्गीकरण एम्स पीजीआई न्यूरोलॉजी अपडेट, 27 जनवरी 27, 2018, नई दिल्ली, भारत।

दीपा दाश (5)

1. सामान्य एमआरआई, के साथ मायलोपैथी के दृष्टिकोण। एम्स पीजीआई अपडेट, 28 जनवरी, 2018, दिल्ली, भारत।
2. ईईजी–दुविधाएं और व्याख्या, एम्स न्यूरोक्रिटिकल वर्कशॉप, 28 अक्टूबर, 2017, दिल्ली, भारत।
3. वास्तविक जीवन दुविधाएं और दिलचस्प मामले की प्रस्तुति, आईसीटीआरआईएमएस 2017, 13 अगस्त, 2017, दिल्ली, भारत।
4. गैर–दर्दनाक कमजोरी वाले रोगी के दृष्टिकोण, एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस) प्रदाता, 29 जनवरी 2017, दिल्ली, भारत।
5. स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों का टीकाकरण, ''अस्पताल संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम पर कार्यशाला", 15 मार्च, 2018, दिल्ली, भारत।

अवध किशोर पंडित (5)

1. बेचैन लैग सिंड्रोम और कार्डियो–सेरेब्रोवास्कुलर बीमारियांः विल्स एकबॉम रोग के साथ जुड़ाव और तुलना? 'विभिन्न तंत्रिका संबंधी विकारों के बीच बेचैन लैग सिंड्रोम नामक संगोष्ठी मेंः एसोसिएशन बनाम कैजुअलिटी", स्लीप मेडिसिन एंड रिसर्च (आईएसएसआर 2017) का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 20–23 सितंबर 2017, अंतरराष्ट्रीय केंद्र, डोना पाउला, गोवा।
2. मेनिंजाइटिस और एन्सेफलाइटिस, एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस) प्रदाता कोर्स, 7–8 अक्टूबर 2014, जेपीएन एपेक्स ट्रामा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली।
3. मेनिंजाइटिस और एन्सेफलाइटिस, एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस) प्रदाता कोर्स, 25–26 फरवरी 2018, जेपीएन एपेक्स ट्रामा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली।
4. एंटीप्लेटलेट्स और लिपिड कम करने वाले उपचारों में दिशानिर्देश, एम्स–पीजीआई अपडेट 2018, 27–28 जनवरी 2018, डॉ रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली।
5. ऑटो इम्यून स्थितियों में आईवीआईजी और प्लाज्माफेरिस की भूमिका, मेडिकल– सर्जिकल नर्सिंग अपडेट 2018, 9–10 मार्च 2018, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली।

राजेश कुमार सिंह (1)

1. मांसपेशी डिस्ट्रॉफीज उपचार में अग्रिम, एम्स पीजीआई न्यूरोपाडेट अपडेट, 28 जनवरी 2018, नई दिल्ली।

प्रस्तुत मौखिक शोध पत्र / पोस्टरों की सूची

1. पॉल डी, दीक्षित ए, श्रीवास्तव ए, त्रिपाठी एम, बनर्जी जे, प्रकाश डी, सरकार सी, चंद्र पीएस, मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (एमटीएलई) रोगियों, में ट्रांसफॉर्मिंग ग्रोथ फैक्टर बीटा (टीजीएफ β / एसएमएडी 3) के संकेतन का एक्टिवेशन, ईकान। 2018, आईईए और आईईएस का 19वां संयुक्त वार्षिक सम्मेलन, 2–4 फरवरी 2014, पटना।
2. पॉल डी, दीक्षित ए, श्रीवास्तव ए, त्रिपाठी, एम. बनर्जी जे, प्रकाश डी, सरकार सी, चंद्र पीएस,। मेसिअल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी (एमटीएलई) रोगियों में सुधार करने वाले फैक्टर बीटा (टीजीएफ β / एसएमएडी 3) संकेतन का परिवर्तन, 11 वीं संगोष्ठी फ्रंटियर इन बायोमेडिकल रिसर्च, 19–21 फरवरी 2018, नई दिल्ली।
3. श्रीवास्तव ए, बनर्जी ए, दीक्षित ए, बनर्जी जे, प्रकाश डी, सरकार सी, चंद्र पीएस। हिप्पोकैम्पल स्क्लेरोसिस (एचएस) और फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) के रोगियों में साइटोकिन / केमोकाइन नियामक नेटवर्क का अलग–अलग मॉड्यूलेशन। ईसीओएन 2018, आईईए और आईईएस का 19 वां संयुक्त वार्षिक सम्मेलन, 2– 4 फरवरी 2018, पटना।
4. बनर्जी ए, दीक्षित ए, कुमार के, शर्मा डी, त्रिपाठी एम, श्रीवास्तव ए, पॉल डी, प्रकाश डी, सरकार सी, बनर्जी जे, और पी सरत चन्द्र पीएस। शोधित मस्तिष्क के ऊतकों के विजिओनोमिक विश्लेषण में अबरेंट सिग्नलिंग मार्गों की पहचान फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया के रोगी, ईसीओएन 2018, आईईए और आईईएस का 19 वां संयुक्त वार्षिक सम्मेलन, 2–4 फरवरी 2018, पटना।
5. शर्मा डी, श्रीवास्तव ए, अपर्णा बनर्जी दीक्षित ए, ज्योतिर्मय बनर्जी जे, त्रिपाठी एम, पी सरतचंद्र, मल्टी और एफसीडी के रोगियों में दवा ट्रांसपोर्टर और एंड बायोट्रांसफॉर्मेशन एंजाइम के जीन अभिव्यक्ति विश्लेषणः तुलनात्मक अध्ययन।, ईसीओएन 2018, आईईए और आईईएस का 19वीं संयुक्त वार्षिक सम्मेलन, 2–4 फरवरी 2018, पटना।
6. शर्मा डी, दीक्षित एबी, बनर्जी जे, त्रिपाठी एम, चंद्र पीएस, फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में डीएनए मिथाइलेशन और जीन अभिव्यक्ति के जीनोम–व्यापी प्रोफाइलिंग के एक एकीकृत विश्लेषण। 32 वें इंटरनेशनल एपिलेप्सी कांग्रेस, 2–6 सितंबर 2017, बार्सिलोना।
7. बंसल एस, श्रीवास्तव ए. के.। माइग्रेन के अंडाल और अंतः विषय अवधि के दौरान स्वायत्त कार्य का पुनर्मूल्यांकन, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन के 20 वें वार्षिक सम्मेलन डीएनएसीओएन –2018, 3 फरवरी 2018, नई दिल्ली।
8. शाक्य एस, फारूक एम, श्रीवास्तव एके, 'एओए 2 का नैदानिक और उत्परिवर्तन स्पेक्ट्रमः एक इंडियन परिप्रेक्ष्य', दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन का 20 वां वार्षिक सम्मेलन डीएनएसीओएन –2018, 3 फरवरी 2018, नई दिल्ली।
9. सोनकर एके, श्रीवास्तव एके, फारूक एम. वयस्कों के मामले में जेनेटिक प्रोफाइलिंग सेरेबेलर एटैक्सियाः उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले की एक पैतृक संस्थापक आबादी के उत्परिवर्तन की उत्पत्ति का पता लगाना, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन के 20 वां वार्षिक सम्मेलन डीएनएसीओएन –2018, 3 फरवरी 2018, नई दिल्ली।
10. सिंह एचएन, स्वरूप वी, श्रीवास्तव ए के., फ्रेडरिक के एटैक्सिया में पथित आधारित कार्यात्मक सहयोग से विभेषक जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण का पता चलता है। पार्किसन रोग और संबंधित विकारों के 22वें विश्व कांग्रेस, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम।
11. स्वरुप वी, सिंह आर, सिंह एचएन, फारूक एम, श्रीवास्तव एके,. माइक्रोआरएनए और उनके लक्षित जीन की पहचान स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया टाइप –2 (एससीए 2) रोगजनन, 22 वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ पार्किंसंस डिज़ीज़ एंड रिलेटेड डिस्ऑर्डर्स, 13 नवंबर 2017, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम।
12. सिंह, आई, शाक्य एस, सिंह आरके, गोयल वी, श्रीवास्तव एके।, फ्रेडरिक के एटैक्सिया रोगियों और परिधीय न्यूरोपैथी में हेमोक्रोमैटोसिस (एचएफई) जीन उत्परिवर्तन का प्रसार, पार्किंसंस रोग और संबंधित विकारों की 22 वीं विश्व कांग्रेस, 13 नवंबर 2017, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम।
13. सोनकर एके, श्रीवास्तव एके, फारूक एम, श्रीवास्तव एके, आनुवंशिक रूप से विशेषता स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया टाइप 2 (एससीए 2) में फेनोटाइपिक मतभेदः भारत की सबसे बड़ी केस श्रृंखला, पार्किंसंस डिज़ीज़ एंड रिलेटेड डिस्ऑर्डर्स की 22 वीं कांग्रेस, 13 नवंबर 2017, हो ची मिन्ह शहर, वियतनाम।
14. सुरोलिया वी, श्रीवास्तव एके, फारूक एम., स्पिनोसेबेलर एटैक्सिया रोगियों के बीच टेंडेम दोहराने की स्क्रीनिंग में नई अंतर्दृष्टि।, पार्किंसंस डिज़ीज़ एंड रिलेटेड डिस्ऑर्डर्स की 22 वीं कांग्रेस, 13 नवंबर 2017, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम।
15. शाक्य एस, श्रीवास्तव एके, फारूक एम, कुमार डी., दो गुना भार का विस्तार दोहराया गया और एडीसीए रोगियों पर उनके प्रभाव।, पार्किंसंस डिज़ीज़ एंड रिलेटेड डिस्ऑर्डर्स की 22 वीं कांग्रेस, 14 नवंबर 2017, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम।
16. सिंह आर, सोनकर एके, श्रीवास्तव एके, फारूक एम. स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया टाइप 2 ;एससीए 2) में शुरू होने वाली उम्र के संशोधकः एससीए लोकी की सीएजी लंबाई एससीए 2 में शुरू होने वाली उम्र को प्रभावित नहीं करती है। पार्किंसंस डिज़ीज़ एंड रिलेटेड डिस्ऑर्डर्स की 22 वीं कांग्रेस, 14 नवंबर 2017, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम।

17. नारंग एमके, श्रीवास्तव एके, राजन आर, सिंह एमबी, शुक्ला जी, श्रीवास्तव एमवीपी, पंडित एके, विभा डी., स्पिनोसेबेलर एटैक्सिया टाइप 12 (एससीए–12) में ट्रेमर आवश्यक कंपकंपी (ईटी) का अनुकरण करते हैं। पार्किंसंस डिज़ीज़ एंड रिलेटेड डिस्ऑर्डर्स की 22 वीं कांग्रेस, 15 नवंबर 2017, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम।
18. अहमद आई ,श्रीवास्तव एके, फारूक एम, श्रीवास्तव एमवीपी,. जीनोटाइप का अध्ययन करना– भारतीय आबादी में फ्रेडरिक एटैक्सिया (एफआरडीए) रोगियों के फेनोटाइप सहसंबंध, पार्किंसंस डिज़ीज़ एंड रिलेटेड डिस्ऑर्डर्स की 22वीं कांग्रेस, 15 नवंबर 2017, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम।
19. भट पी, गोयल वी, श्रीवास्तव एके, बेहरी एम., पार्किंसंस रोग में तीन प्रांतिक स्थलों पर दोहराव वाले ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना के प्रभावः एक यादृच्छिक अध्ययन, न्यूरोलॉजी की 23 वीं वर्ल्ड कांग्रेस, 16 नवंबर 2017, क्योटो, जापान।
20. सिंह आई, शाक्य एस, सिंह आरके, इस्ताक ए, गोयल वी, गारिमा एस, श्रीवास्तव एके., लौह से संबंधित जीन पॉलिमॉर्फिज्म और फ्रेडरिक एटैक्सिया (एफआरडीए) रोग और भारतीय समूह में परिधीय न्यूरोपैथी के बीच एसोसिएशन। 23वीं वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ न्यूरोलॉजी, 20 नवंबर 2017, क्योटो, जापान।
21. श्रीवास्तव एके, नारंग एम, राजन आर, सिंह एम, पंडित ए, विभा डी, शुक्ला जी, पदमा एम., स्पिनोसेरेबेलर अटाक्सिया (एससीए) टाइपम12 में ट्रेमर। 23वीं वर्ल्ड कांग्रेस न्यूरोलॉजी, 17 नवंबर 2017, क्योटो, जापान।
22. श्रीवास्तव एके, फारूक एम, शाक्य एस, सिंह आई स्वरुप वी., टंडेम रिपीट्स बियॉन्ड द क्लिनिकल डायग्नोसिस इन एडीसीए, वैंकूवर में अंतरराष्ट्रीय पार्किंसंस रोग और गतिविधि विकार कांग्रेस, 7 जून 2017, वैंकूवर, कनाडा।
23. शाक्य एस, नेगी पी, गर्ग ए, प्रसाद एम, फारूक एम, श्रीवास्तव ए, स्पिनोसेलेबेलर एटैक्सिया टाइप –17, वैंकूवर में अंतरराष्ट्रीय पार्किंसंस रोग और गतिविधि विकार कांग्रेस, 4 जून 2017, वैंकूवर, कनाडा।
24. तमुली डी, गोदियाल ए, जाराल ए, श्रीवास्तव ए, दीपक के., एससीए 1, एससीए 2 और एससीए 3 रोगियों में समग्र स्वायत्त गंभीरता स्कोर का स्पेक्ट्रम, वैंकूवर में अंतरराष्ट्रीय पार्किंसंस रोग और गतिविधि विकार कांग्रेस, 5 जून 2017, वैंकूवर कनाडा।
25. कुमार डी, फारूक एम, श्रीवास्तव ए, मुखर्जी एम, मुखर्जी ओ., स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया टाइप–12 ;एससीए –12) के इन–विट्रो मॉडलिंग के आधार पर प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल। वैंकूवर में अंतरराष्ट्रीय पार्किंसंस रोग और गतिविधि विकार कांग्रेस, 5 जून 2017, वैंकूवर, कनाडा।
26. गुप्ता ए, शुक्ला जी, शर्मा जी, रॉय ए, भार्गव बी, गोयल वी, बेहरी एम,' वाय इज़ ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एप्निया इन पीपुल विद रजिस्टेंट हाइपरटेंशन मिस्ड सो ऑफन? .एक नैदानिक और पॉलीसोम्नोग्राफिक मामले– नियंत्रण अध्ययन, वर्ल्ड स्लीप कांग्रेस, 10 अक्टूबर 2017, प्राग, चेक गणराज्य।
27. भाटिया आर, बाली पी, सिसोदिया पी, गर्ग ए, वारियर ए, शरीक एम, पदमा एमवी, के. प्रसाद के, श्रीनिवास विष्णुभाटला एस, एस विवेकानंद एस. इस्चैमिक स्ट्रोक और इंट्रेसेरेब्रल हेमोरेज के बीच अंतर पता करने के लिए, रक्त बायोमार्कर्स की भूमिका इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन की वार्षिक बैठक। इंडियन नेशनल स्ट्रोक कांग्रेस। मार्च 2017, अमृतसर।
28. भाटिया आर, प्रेरणा बाली पी, सिसोदिया पी, गर्ग ए, वारियर ए, मोहम्मद शरीक एम, एमवी पदमा, प्रसाद के, श्रीनिवास विष्णुभाला एस, एस विवेकानंद एस. इस्चैमिक स्ट्रोक और इंट्रेसेरेब्रल हेमोरेज के बीच अंतर पता करने के लिए, रक्त बायोमार्कर्स की भूमिका, इंडियन एकेडमी न्यूरोलॉजी की वार्षिक बैठक, सितंबर 2017, चेन्नई।
29. भाटिया आर, बाली पी, सिसोदिया पी, गर्ग ए, वॉरियर ए, शारिक एम, पदमा एमवी, प्रसाद के, विष्णु भाटला एस, विवेकानंदन एस। इस्चैमिक स्ट्रोक और इंट्रेसेरेब्रल हेमोरेज के बाद परिणामों की भविष्यवाणी करने में रक्त बायोमार्कर्स, इंडियन अकादमी न्यूरोलॉजी की वार्षिक बैठक, सितंबर 2017, चैन्नई।
30. सिंह एमबी, कुमार शंभू, गोयल वी, पदमा एमवी, विष्णुभाटला एस, प्रसाद के, शुक्ला जी, पैटरसन वी,. मिर्गी का केंद्र फोकल और सामान्यीकृतः जांच कितनी जरूरी है? एक विषम अनुभागीय अध्ययन, विश्व कांग्रेस न्यूरोलॉजी 2017, 20 सितंबर 2017, क्योटो, जापान।
31. सिंह एमबी, सामंत एस, पैटरसन वी, आगावेन वी, पैटरसन वी, कंप्यूटर–भरोसेमंद स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा टेबलेट–आधारित एपिलेप्सी निदान ऐप का उपयोगः जनजातीय भारतीय समुदाय में हमारा अनुभव, 2017 वार्षिक बैठक एएएन, 26 वीं अप्रैल 2017, बोस्टन।
32. *मिश्रा एस, कुमार ए, कुमार पी, मोहनिया डी, प्रसाद के, विभा डी, उच्च प्रवाह क्षमता प्रोटीयोमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए स्ट्रोक के भेदभाव के लिए रक्त आधारित प्रोटीन बायोमार्कर्स की नैदानिक प्रदर्शन विशेषताओं को निर्धारण करनाः एक अध्ययन प्रोटोकॉल (पोस्टर), तीसरा यूरोपीय स्ट्रोक संगठन सम्मेलन 2017, 16–18 मई 2017, प्राग, चेक गणराज्य (यात्रा अनुदान से सम्मानित)।

33. मिश्रा एस, कुमार ए, विभा डी, मोहनिया डी, सागर आर, प्रसाद के. सहज इंटरसेरेब्रल हेमोरेज के बाद परिणाम की भविष्यवाणी करने के लिए बायोमार्कर के रूप में रक्त ल्यूकोसाइट की भूमिकाः एक संभावित समूह अध्ययन (पोस्टर), तीसरा यूरोपीय स्ट्रोक संगठन सम्मेलन 2017, 16–18 मई 2017, प्राग, चेक गणराज्य।
34. विभा डी, अग्रवाल ए, प्रसाद के, भाटिया आर, सिंह एमबी, इडियोपैथिक इंट्राक्रैनियल हाइपरटेंशन (आईआईएच) के रोगियों में दुर्बल दृश्यक्षमता परिणामों के भविष्यवक्ताः एक महत्वाकांक्षी अध्ययन (मंच), इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी का 25 वां वार्षिक सम्मेलन, 9 सितंबर 2017, चेन्नई, भारत।
35. मिश्रा एस, कुमार ए, तलवार पी, शर्मा आर, वर्धन जी, विभा डी, प्रसाद के. मस्तिष्क नेट्रीयूरेटिक पेप्टाइड, मैट्रिक्स मेटलप्रोटीनेस–9, एस 100 बी, सी–प्रतिक्रियाशील प्रोटीन बायोमार्कर्स स्ट्रोक से स्ट्रोक मिमिक्स को अलग करने के लिएः एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–विश्लेषण (मंच), भारतीय विज्ञान अकादमी, चेन्नई, भारत, सितंबर 2017 का 25 वां वार्षिक सम्मेलन, चेन्नई।
36. *मिश्रा एस, कुमार ए, कुमार पी, यादव एके, मोहनिया डी, सागर आर, प्रसाद के, विभा डी. हेमोरैजिक से इस्चेमिक स्ट्रोक को अलग करने के लिए ब्लड बायोमार्कर्सः एक व्यवस्थित समीक्षा (मंच), 23वीं विश्व कांग्रेस न्यूरोलॉजी 2017, 20 सितंबर 2017, क्योटो, जापान।
37. गर्ग डी, विभा डी, पंडित एके, प्रसाद के, राजन आर, श्रीवास्तव एके ,. एक अटैक्सिक आदमी की कहानीः अतीत से एक असामान्य विस्फोट (पोस्टर), एमडीएसआईसीओएन, जनवरी 2018, हैदराबाद।
38. मिश्रा एस, कुमार ए, तलवार पी, सागर आर, कुमार पी, राज आर, विभा डी, प्रसाद के. ग्लियल फाइब्रिलरी अम्लीय प्रोटीन, मस्तिष्क नेट्रियूरेटिक पेप्टाइड, मैट्रिक्स मेटल प्रोटीनेस–9, एस 100 बी बायोमार्कर्स इस्चैमिक स्ट्रोक और हेमोरेजिक स्ट्रोक को अलग करने के लिएः एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा–विश्लेषण (प्लेटफॉर्म), दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन, नई दिल्ली, भारत, 20 फरवरी 2018 को 20 वां वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली।
39. विष्णु वी, विन्नी पी, बालेनी एन, मोदी एम, बी राडोट्रा बी, वी लाल वी. मोबाइल प्लेटफॉर्म पर नैदानिक निर्णय लेने के लिए एक सहायक उपकरण के रूप में कंप्यूटर एल्गोरिदम, न्यूरोलॉजी की विश्व कांग्रेस, 16–21 सितंबर, 2017, क्योटो, जापान।
40. पाटिल ए, विष्णु वी, नाहिद डी, पुलिकोटिल वी, पंडित ए, गोयल एम, मोदी एम, लाल वी। तेजी से प्रगतिशील डिमेंशियाः आठ सालों का (2008–2016) पूर्वदर्शी अध्ययन, न्यूरोलॉजी की विश्व कांग्रेस, 16–21 सितंबर 2017, क्योटो, जापान।
41. पाटिल ए, विष्णु वी, नाहिद डी, एम गोयल, मोदी एम, लाल वी। डिमेंशिया के रूप में मस्तिष्क में संक्रमणः आठ साल का पूर्वदर्शी अध्ययन, अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी, 22–28 अप्रैल, 2017, बोस्टन।
42. राजन आर, आनंदपदमानाभन आर, श्रीवास्तव ए, प्रसाद के. ट्रेमर सिंड्रोम में हाथ से खींचे गए आर्किमिडीयन स्पाइरल्स के विश्लेषण के लिए एक स्वचालित एल्गोरिदमः एक पायलट अध्ययन, एमडीएसआईसीओएन, 20 जनवरी 2018, हैदराबाद (मंच प्रस्तुति के लिए दूसरा पुरस्कार)।
43. राजन आर, जाफर एसएम, कृष्णन एस, केशवपीशारदे के, आशा किशोर ए. उन्नत पार्किंसंस रोग में गति की फ्रीजिंग के लिए अंतःस्थापित उत्तेजना रोगः एक पायलट अध्ययन, 21 वीं इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ पार्किंसंस डिजीज एंड मूवमेंट डिस्ऑर्डर, 7 जून 2017, वैंकूवर, कनाडा।
44. राजन आर, जाफर एसएम, सैम कृष्णन एस, आशा किशोर ए. प्राथमिक डायस्टनिया के रोगियों में कंपकंपी के पैटर्न और भविष्यवाणियां, 21 वीं इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ पार्किंसंस डिजीज एंड मूवमेंट डिस्ऑर्डर, 8 जून 2017, वैंकूवर, कनाडा।
45. दाश डी., एम. त्रिपाठी एम, इहतिषाम के, पदमा एमवी, गैर–पैरानोप्लास्टिक ऑटोइम्यून एनसेफलाइटिस वाले रोगियों के नैदानिक प्रोफाइल और उपचार के परिणामः एक संभावित समूह अध्ययन, भारतीय विज्ञान अकादमी के न्यूरोलॉजी सम्मेलन का वार्षिक सम्मेलन, चेन्नई, 25 अक्टूबर 2017, चेन्नई, भारत।
46. दाश डी, त्रिपाठी एम, एम, इहतिशम के., एंटी एलजीआई –1 के साथ संबद्ध एन्सेफलाइटिस रोगियों के नैदानिक स्पेक्ट्रम और उपचार के परिणाम, न्यूरोलॉजी की विश्व कांग्रेस, क्योटो जापान, 18 सितंबर 2017, क्योटो, जापान।
47. दाश डी, एम. त्रिपाठी एम, के. इहतिशम के, श्रीवास्तव. गैर–नियोप्लास्टिक एटियोलॉजी के ऑटोइम्यून एनसेफलाइटिस के रोगियों में गतिविधि विकारों का स्पेक्ट्रम, मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद, 20, जनवरी 2018, हैदराबाद, भारत।
48. पंडित एके, प्रसाद के, कुमार ए, कुमार पी, मिश्रा एस, एक क्रॉसओवर अध्ययन डिजाइन में इस्चेमिक या हेमोरेजिक स्ट्रोक की घटना पर वायु प्रदूषण के अल्पकालिक जोखिम के बीच संबंध की जांच करने के लिए एक अन्वेषक अध्ययन, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी का 25 वां वार्षिक सम्मेलन, 07–10 सितंबर, 2017, चेन्नई।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. इंडियन स्ट्रोक रिसर्च नेटवर्क के तहत गंभीर स्ट्रोक में बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने और उच्च रक्तचाप प्रबंधनः एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (स्ट्रोक केयर स्टडी में भारतीय गुणवत्ता में सुधार), कामेश्वर प्रसाद, आईसीएमआर, 1.5 वर्ष, 2018–2019, 78,85,676 रुपए।
2. स्पोंटेनियस इंट्रासेरेब्रल हैमरेज के बाद अल्पावधि और दीर्घावधि परिणाम की शुद्धता एवं यर्थातता की वृद्धि के लिए बायोमार्करः एक प्रोस्पेक्टीव कोहार्ट अध्ययन। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 5 वर्ष, 2014–19, 1,19400,00 रुपए।
3. एक स्थापना का उपयोग कर संपूर्ण एक्जोम अनुक्रमण का उपयोग कर स्ट्रोक के जेनेटिक इटियोलॉजी का गूढ़ रहस्य और बहु केंद्रित भारतीय स्ट्रोक बायोबैंक का पहले से बाह्य संपूर्ण निधिकृत। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 5 वर्ष, 2014–18, 1,97,00000 रुपए।
4. भारतीय आबादी में स्ट्रोक के आनुवंशिकी जोखिम कारकों की पहचान। कामेश्वर प्रसाद, डीबीटी, 5 वर्ष, 2014–19, 64,44,000 रुपए।
5. सूजन से जुड़े जीनों के सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉलिमॉर्फिज्म को स्क्रीन करके इस्किमिक स्ट्रोक की जेनेटिक लोकी की पहचानः एक केस कंट्रोल स्टडी, कामेश्वर प्रसाद, आईसीएमआर, 2 ययरीयर, 2017–2019, 17,10,692 रुपए।
6. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक अस्वीकार के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधार पर भावी कोहोर्ट अध्ययन : एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, कामेश्वर प्रसासद, डीबीटी, 8 वर्ष, 2014–2022, 3116.38 लाख रुपए।
7. अगली पीढ़ी जीन अनुक्रमित से कुछ कार्यात्मक एक्सोनिक विविधताएं और यंग ऑनसेट इस्चैमिक स्ट्रोक के बीच संबंध निर्धारित करने के लिए जुड़ाव, कामेश्वर प्रसाद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2017–2020, 52,95,848.00 रुपए।
8. ट्यूबरकुलोसिस मैनिंजाइटिस वाले रोगियों में इंफ्रेक्शन की भविष्यवाणी के लिए नैदानिक ग्रिड का विकास। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–18, 59,99,040 रुपए।
9. अनिर्धारित स्रोत (ईएसयूएस.) के एम्बोलिक स्ट्रोक वाले रोगियों में थ्रोम्बिन इंहिबिटर डाबिगट्रेन एक्स्टेक्सीलेट 110 या 150 मि.ग्रा. (दिन में दो बार) बनाम एकेटायसेलिकाइलिक एसिड (100 मि. ग्रा. दिन में एक बार) की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना में माध्यमिक स्ट्रोक की रोकथाम में 1160.189 यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड मूल्यांकन का द्विपक्षीय अध्ययन। एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, बोइहरिंगर इंगेल्हेम इंडिया प्रा. लि. मुंबई, 3 वर्ष, 2016–19, 11,53,077 रुपए।
10. स्ट्रोक के रोगियों में पोस्चरल स्थिरता और गति पर फ्लूक्साइटीन और ट्रान्सक्रैनियल डायरेक्ट करंट उत्तेजना (टीडीसीएस) के साथ संयोजन में दोहरा–कार्य अभ्यास का प्रभाव, वी. पदमा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2017–2019, 50,60,406 रुपए।
11. एचपी में स्ट्रोक के संबंध में स्वास्थ्य अभ्यास की मैपिंग, शोध और वैज्ञानिक जागरूकता में अंतर पता लगाना;: नए, इंटरएक्टिव / प्रदर्शनकारी विज्ञान संचार अपनाना, एमवी पदमा श्रीवास्तव, डीएसटी, दो वर्ष, 2016–2019, 40,45,020 रुपए।
12. पोस्टस्ट्रोक रिकवरी में शारीरिक, शरीरक्रियात्मक और कार्यात्मक स्वास्थ्य पर योग का प्रभाव : आरसीटी, एम. वी. पदमा श्रीवास्तव, डीएसटी, दो वर्ष, 2017–2019, 43,23,840 रुपए।
13. एनटीएमएस, एफएमआरआई और एमईजी का उपयोग करते हुए विलक्षण कॉर्टेक्स मैपिंग इन क्रोनिक इंट्रैक्टेबल मिर्गी; एक तुलनात्मक अध्ययन, मंजरी त्रिपाठी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 26,33,368 रुपए।
14. एचएलए एलील और मिरगी के साथ लोगों में त्वचा संबंधी दवा प्रतिक्रियाओं के साथ अपने सहयोग का पता लगाने के लिए एक त्वरित निदान विधि का सत्यापन। मंजरी त्रिपाठी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013–17, 1,82,000 रुपए।
15. उत्कृष्टता केंद्र –एपीलेप्सी –मैग्नेटोएन्सफ्लोग्राफी (एमईजी) कार्यक्रम, मंजरी त्रिपाठी, 5 वर्ष, 2011–2018, 40,98,96,000 रुपए।
16. मूवमेंट डिसऑर्डर में न्यूरोइमेजिंग हाइपोस्पिया, विनय गोयल, डीएसटी, 3 वर्ष, 2014–2017, 46,33,800,00 रुपए।
17. आईपीएस सेल मॉडल और नेक्सट जेन अनुक्रमण का उपयोग करते हुए एससीए में आण्विक रोगजनकता की व्याख्या करना, अचल कुमार श्रीवास्तव (नैदानिक–प्रधान अन्वेषक), सीएसआईआर, पांच वर्ष, 2012–2017, 4 करोड़ रुपए।
18. ''माइक्रोआरएनए सिंगनेचर और उनके लक्षित जीन की पहचान स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया टाइप –2 (एससीए –2) पैथोजेनेसिस", अचल कुमार श्रीवास्तव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–2018, 86.95 लाख रुपए।
19. ''माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम और डीप लक्षित क्लिनिकल अनुक्रमित सेरेबेलर एटैक्सीस के रोगियों में कारण और संशोधक बदलावों को प्रकट करना।", अचल कुमार श्रीवास्तव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2016–2019, 80 लाख रुपए।

20. अलग–अलग मिर्गी सिंड्रोम (टीएलई) के रोगियों में उनके संज्ञानात्मक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए विशिष्ट नींद की असामान्यताओं को लक्षित करना – – एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, गरिमा शुक्ला, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2014–2017 , 47 लाख रुपए।
21. स्ट्रोक और टीआईए के रोगियों में लक्षण और विषम सीएडी का प्रसार।, रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–2017, 32 लाख रुपए।
22. भारतीय जनसंख्या में एस्चेमिक स्ट्रोक के साथ एस्पिरिन प्रतिरोध से जुड़े जेनेटिक और नैदानिक कारक, रोहित भाटिया, डीबीटी, 3 वर्ष, 2017–2020, 58 लाख रुपए।
23. एमाइट्रोफिक पार्श्व स्क्लेरोसिस और एएलएस–फ्रंटोटेम्पोरल डेमेंशिया में आनुवंशिक कारण और जोखिम एलील की पहचान, दीप्ति विभा, इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2016–2018, 4 लाख रुपए।
24. एक संभावित, बहुआयामी, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, समांतर, सेलाइन नियंत्रित चरण 2 नैदानिक अध्ययन पीएमजेड –1620 थेरेपी की सुरक्षा और दक्षता की तुलना करने के लिए तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक, दीप्ति विभा, फार्माज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषयों में मानक सहायक देखभाल के साथ, 6 महीने, 2018, 4 लाख रुपए।
25. पोस्ट स्ट्रोक दौरे (प्रोलेविस), की रोकथाम के लिए प्रोफाइलेक्टिक लेविटरैसेटम का एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड अध्ययन, विष्णु वीवाई, डीएसटी–एसईआरबी, 3 वर्ष, शुरू नहीं हुआ, 29 लाख रुपए।
26. तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक में सिटिकोलीन पुनर्नवीनीकरण चिकित्सा, डॉ. विष्णु वीवाई, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, अप्रैल 2017– मार्च 2019, 2,50,000 रुपए।
27. ऑटोमेटेड हैंड ड्रॉन स्पाइरल एनालाइसिस प्लेटफॉर्म एज ए टूल टू डिफरेंशिएट ट्रेमर सिंड्रोम, रूपा राजन, डीएसटी–एसईआरबी, 3 वर्ष, 2017–2020, 42,00,000 रुपए।
28. डिस्टोनिक हाथ के कंपकंपी के इलाज के लिए बोटुलिनम विषाक्त इंजेक्शनः एक यादृच्छिक, प्लेसबो–नियंत्रित, समांतर समूह परीक्षण, रूपा राजन, एम्स इंस्टीट्यूट रिसर्च ग्रांट, 1 वर्ष, 2018–2019, 4,82,000 रुपए।
29. ''ट्यूबरक्युलर मेनिंनजाइटिस के रोगियों के नैदानिक परिणाम के साथ", पोषिता ल्यूकोट्रियन ए 4 हाइड्रोलेस जीन पॉलिमॉर्फिज्म एसोसिएशन दीपा दाश, एम्स इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 1 वर्ष, 2018, 4,90,0000 रुपए।
30. दृष्टि की हानि के साथ इडियोपैथिक इंट्राक्रैनियल उच्च रक्तचाप में प्रत्याशी सीएसएफ बायोमार्कर्स की पहचान करने के लिए एक अन्वेषक अध्ययन। अवध किशोर पंडित, इंट्राम्यूरल – एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2017, 2 लाख रुपए।

पूर्ण

1. ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकारों से पीड़ित बच्चों के बीच नींद की गुणवत्ता और सिर्काडियन नींद की तालमेल में असामान्यताएंः एक केस–कंट्रोल अध्ययन, गारिमा शुक्ला, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2014–2017, 73 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम और ट्रांसक्रिप्टोमी विश्लेषण के माध्यम से फ्रेडरिच एटाक्सिया फीनोटाइप के आण्विक सह–संबंध का अध्ययन करना।
2. भारत में ऑटोसोमल रिसेसिव सेरेबलर अटेक्सियास का डिकंवोल्यूशन : एक क्लिनिक – आनुवंशिक दृष्टिकोण और फिनोटाइपिक – जीनोटाइपिक सहसंबंध।
3. स्पाइनोसेरेबेलर एटाक्सिया टाइप 12 में कंपन और चाल की विशेषता।
4. भारत में मिर्गी में व्यक्तियों के लिए कलंक के लिए हस्तक्षेप।
5. मिर्गी के रोगियों में केटोजेनिक आहार।
6. दवा प्रतिरोधी मिर्गी वाले रोगियों में तुलनात्मक मैग्नेटोएन्सेफ्लोग्राफी (एमईजी) बनाम इलेक्ट्रोएन्सेफ्लोग्राफी (ईईजी) स्रोत स्थानीयकरण और इंटरीक्टल एपिलेप्टिक डिस्चार्ज (आईईडी) का प्रसार।
7. मेसियल अस्थायी लोब मिर्गी के रोगियों में सिनैप्टिक ट्रांसमिशन के मॉड्यूलेशन पर क्यूररेनिक एसिड का प्रभाव।
8. मेसियल अस्थायी लोब के मिर्गी रोगियों में विकास कारक बीटा सिग्नलिंग और मैट्रिक्स मेटलप्रोटीनेस 9 को बदलने की भूमिका को समझना।
9. कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में एक रिसेप्टर परिवर्तन गाबा के प्रभाव का अध्ययन करना।

10. मेसियल अस्थायी लोब में विकास कारक बीटा सिग्नलिंग और मैट्रिक्स मेटलप्रोटीनेस 9 को बदलने की भूमिका को समझना।
11. पार्किंसंस रोग में दोहराव वाले ट्रांसक्रैनियल चुंबकीय उत्तेजना की भूमिका की यादृच्छिक जांच।
12. इलाज करने में मुश्किल मिर्गी में संज्ञानात्मक, व्यवहार और एंटीएपीलेप्टिक दवाओं के कारण नींद संबंधित प्रतिकूल प्रभाव।
13. एपीलेप्टिक फोकस स्थान और फोकल मिर्गी इटियोलॉजी के साथ नींद / जागने के दौरान होने वाले दौरे की प्रत्याशा का सह संबंध।
14. माइग्रेन में योग थेरेपी पर एक जुड़ाव के रूप में। (कंटेन)। यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
15. आईसीएच के रोगियों में आईसीएच स्कोर की मान्यता।
16. हस्तक्षेप से गुजरने वाले इस्चेमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में सिटिकोलिन। यादृच्छिक परीक्षण।
17. सिरदर्द पर मोबाइल और इंटरनेट उपयोग का प्रभावः एक पार अनुभागीय अध्ययन।
18. ट्यूबरक्युलर मेनिंजाइटिस में डेक्सैमेथेसोन के नियमों की तुलना–एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
19. आईओएस मंच पर न्यूरोलॉजी रेज़ीडेंट और एक नए तंत्रिका विज्ञान ऐप के बीच नैदानिक सटीकता की तुलनाः एक बहु–केंद्र पार–अनुभागीय अध्ययन।

पूर्ण

1. स्पिनोसेरेबलर एटेक्सिया टाइप–12 के न्यूरोडिजनरेटिव रोग के मॉलीक्युलर पैथोफिजियोलॉजी का अध्ययन करना।
2. मस्क मायस्थेनिया ग्रेविस।
3. मेरलजिया पारेस्टेटिका में ट्रायमेसीनोलोन।
4. तीव्र न्यूरोलॉजिकल बीमारियों वाले रोगी में आरएलएस की नई शुरुआत।
5. आपातकालीन विभाग (ईडी) कर्मचारियों को स्ट्रोक से संबंधित शिक्षा – एक तीव्र स्ट्रोक देखभाल गुणवत्ता सुधार पहल।
6. ल्यूकोरायोसिस और माइक्रोब्लीड्स और हेमेटोमा विस्तार और परिणाम से संबंध।
7. उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में पेश होने वाले पॉलीन्यूरोपैथी वाले रोगियों के नैदानिक स्पेक्ट्रम– एक आकस्मिक समूह अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एफआरडीए रोगियों में लक्षित प्रोटीन की पहचान करने के लिए चिकित्सीय मूल्यांकन के लिए पीबीएमसी में प्रोटीन अभिव्यक्ति पर छोटे अणुओं का प्रभाव, (2016–2019) बायोकैमिस्ट्री।
2. मिर्गी परीक्षणों को चलाने के लिए एक इंटरनेट आधारित मंच का एक अंतरराष्ट्रीय पायलट अध्ययन। (ईपीआईएनईटी), ऑकलैंड विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड।
3. अपवर्तक स्थिति एपिप्टिकस, के उपचार के वैश्विक लेखा परीक्षा रजिस्ट्री, यूके–इटली।
4. डोपामाइन में तय वाले पार्किंसंस रोग तथा शिज़ोफ्रेनिया सिगनेचर की पहचान के लिए सीएसएफ के प्रोटीमिक्स बायोफिजिक्स।
5. एमआरआई तकनीकों, एनएमआर का उपयोग कर पीडी में बायोमार्कर की पहचान।
6. पार्किंसंस रोग के रोगियों के मस्तिष्क में मैपिंग हल्की संज्ञानात्मक गिरावट के साथ रोगकार्यात्मक और बायोकेमिकल सहसंबंधित है, एनएमआर।
7. पार्किंसंस रोग और स्किज़ोफ्रेनिया पर प्रोटेमिक अध्ययन, बायोफिजिक्स।
8. पार्किंसंस रोग पर प्रोटेमिक अध्ययन , बायोफिजिक्स।
9. कुष्ठ रोग प्रेरित परिधीय न्यूरोपैथी, में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा के प्रभाव का अध्ययन करना, त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विज्ञान।
10. प्रारंभिक चरण पार्किंसंस रोग में अभ्यास की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पीएमआर।
11. एएलएस, के रोगियों में आनुवंशिक अध्ययन, आईआईटी दिल्ली।
12. एकाधिक स्क्लेरोसिस के पैथोबायोलॉजी को समझना : बायोमार्कर्स, जेनेटिक और फेनोटाइपिक हस्ताक्षर।

पूर्ण

1. पार्किंसंस रोग में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए उत्परिवर्तन और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों का अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा।
2. मायस्थेनिया ग्रेविस, पर थीसिस नर्सिंग।
3. पार्किंसंस रोग में चुनिंदा ध्यान पर सबथैलेमिक नाभिक के तीव्र गहरे मस्तिष्क उत्तेजना का प्रभाव, फिजियोलॉजी।
4. वयस्क तपेदिक मेनिनजाइटिस और दवा प्रतिरोध के नैदानिक निदान की सहायता करने में सूक्ष्मजीवविज्ञान तकनीकों की क्षमता, माइक्रोबायोलॉजी।
5. पोस्ट स्ट्रोक अफेसिया में व्यापक न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास। न्यूरोसाइकोलॉजी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 97 सार : 28 पुस्तकों में अध्याय : 6 पुस्तकें : शून्य

पत्रिका लेख

1. अथिरा आर, गुलाटी एस, त्रिपाठी एम, शुक्ला जी, चक्रवर्ती बी, सप्रा एस, डांग एन, गुप्ता ए, कब्रा एम, पांडे आरएम. प्रीवेलेंस ऑफ स्लीप एबनॉमैलिटीस इन इंडियन चिल्ड्रन विद् ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर : ए क्रॉस–सेक्शनल स्टडी. पीडियट्र न्यूरोल 2017 सितंबर; 74: 62–67 डीओआई : 10.1016/जे. पीडियट्रन्यूरोल.2017.05.019 ई प्रकाशन 31 मई 2017.
2. अग्रवाल ए, विभा डी*, प्रसाद के, भाटिया आर, सिंह एमबी, गर्ग ए, एट आल. प्रीडेक्टर्स ऑफ पुअर विजुअल आउटकम इन पेशेंट विद इडियोपैथिक इंट्राक्रैनियल हाइपरटेंशन (आईआईएच) : एन एम्बिस्पेक्टीव कोहोर्ट स्टडी. क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज 2017 अगस्त; 159: 13–18 डीओआई 10.1016/ जे.क्लिन्यूरो 2017.05.009.
3. अग्रवाल ए, विभा डी*, श्रीवास्तव एके, शुक्ला जी, प्रसाद के. गुइलैन–बैरे सिंड्रोम कॉम्प्लीकेटिंग चिकनगुनिया वायरस इंफेक्शन. जे न्यूरोवायरोल जून 2017; 23(3) : 504–507.
4. अग्रवाल ए, श्रीवास्तव डीएन, जाना एम, शर्मा आर, गमनगट्टी एस, कुमार ए, कुमार वी, मल्होत्रा आर, गोयल वी, गर्ग के. कम्पेरिजन ऑफ डिफरेंट सीक्वेंस ऑफ मैग्नेटिक रिजोनेन्स इमेजिंग एण्ड अल्ट्रासोनोग्राफी विद नर्व कान्डेक्शन स्टडीस इन पेरिफेरल न्यूरोपैथीज. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज दिसंबर 2017; 108: 185–200. डीओआई: 10.1016/जे. डब्ल्यूएनईयू. 2017.08.054. ई प्रकाशन 24 अगस्त 2017.
5. ऐश्वर्या के, विष्णु वीवाई, हमीद ए. क्लीनिकल साइन्स इन हाइपोथायरॉयडिज्म – मोयोएडिमा एण्ड वोल्टमैन साइन. क्युजेएम. 28 नवंबर 2017.
6. अनुजा पी, वेणुगोपाल वी, दरखशान एन, अवध पी, विल्सन वी, मनोज जी, मनीष एम, विवेक एल. रैपिडली प्रोग्रेसिव डिमेंशिया : एन एट–ईयर (2008–2016) रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी. पीएलओएस वन. 18 जनवरी 2018; 13 (1) :ई0189832.
7. गुप्ता ए, शुक्ला जी, अफसर एम, पूर्णिमा एस, पांडे आरएम, गोयल वी, श्रीवास्तव ए, विभा डी, बेहरी एम. रोल ऑफ पॉजिटिव एयरवे थेरेपी फॉर ओब्स्ट्रेटीव स्लीप एपनिया इन पेशेंट विद स्ट्रोक : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोलड ट्रायल. प्रेस में. जे क्लिन स्लीप मेड फरवरी 2018.
8. एशलेश पी, कुमार एसएस, प्रीत केके, विनय जी. डीप ब्रेन स्टीमुलेशन ऑफ सबथैलेमिक न्यूक्लेयस हेल्प इन इम्प्रोविंग लेट फेस मोटर प्लानिंग इन पार्किंसन्स डिजीज. क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज. सितंबर 2017; 160: 30–37.
9. भसीन ए, पदमा एमवी. सेफ्टी एण्ड फिजिबिलिटी ऑफ ऑटोलॉगस मेसेंकाइमल स्टेम सेल्स इन क्रॉनिक स्ट्रोक. ए फॉर ईयर फॉलो ऑप. जे स्टेम सेल्स रीजन मेड. 2017; 13 (1): 1–6.
10. बहरानी के, सिंह एमबी, भाटिया आर, प्रसाद के, विभा डी, शुक्ला जी, एट अल. टेलीफ़ोनिक रिव्यू फॉर आउटपेशेंट विद एपिलेप्सी – ए प्रोस्पेक्टीव रैंडोमाइज्ड, पैरलाल ग्रुप स्टडी. साइजर. दिसंबर 2017; 53 : 55–61. डीओआई: 10.1016 / जे. साइजर. 2017.
11. बजाज जे, त्रिपाठी एम, द्विवेदी आर, सप्रा एस, गुलाटी एस, गर्ग ए, त्रिपाठी एम, बाल सीएस, चंद्र एसपी. डूज सर्जरी हेल्प इन रिड्यूसिंग स्टीगमा एसोसिएटेड विद ड्रग रिफैक्ट्री एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन? एपिलेप्सी बिहेव. 3 मार्च 2018; 80 : 197–201.
12. बनर्जी जे, बनर्जी दीक्षित ए, श्रीवास्तव ए, रामानुजम बी, कक्कड़ ए, सरकार सी, त्रिपाठी एम, चंद्रा पीएस. अल्टरेड ग्लूटामेटर्जिक टोन रिवेल्स टू डिस्टिंक्ट रेस्टिंग स्टेट नेटर्वक एट दा सेलुलर लेबल इन हिप्पोकैम्पल स्क्लेरोसिस साइस रिप. 23 मार्च 2017; 7 (1) : 319.

13. बेरा एससी, खंडेवाल एसके, सूद एम, गोयल वी. ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ साइकाइट्रिक कॉमोर्बिडिटी, क्वालिटी ऑफ लाइफ एंड डिसएबिलिटी इन पेशेंट विद माइग्रेन एण्ड टेंशन टाइप हैडेक. न्यूरोल इंडिया सितंबर–अक्टूबर 2014; 62 (5): 516–20.

14. बेर्जिन पीएस, बेघी ई, सदलेएर एलजी, त्रिपाठी एम, रिचर्डसन एमपी, बियांची ई, डी सूज़ा डब्ल्यूजे; एपिनेट स्टडी ग्रुप. डू न्यूरोलॉजिस्ट अराउण्ड द वर्ल्ड एग्री व्हेन डाइगनोसिंग एपिलेप्सी? – रिज़ल्ट ऑफ एन इंटरनेशनल एपिनेट स्टडी, एपिलेप्सी रेस. जनवरी 2017; 139: 43–50.

15. भसीन ए, कुमारन एसएस, भाटिया आर, मोहंती एस, श्रीवास्तव एमवीपी. सेफ्टी एण्ड फिजिबिलिटी ऑफ ऑटोलॉजस मेसेंकाइमल स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन इन क्रॉनिक स्ट्रोकीन इंडियन पेशेंट्स. ए फोर–इयर फॉलो–अप। जे स्टेम सेल्स रिजेन मेड 30 मई 2017; 13(1):14–19. ईक्लेक्शन 2017. पबमेड पीएमआईडी : 28684893; पबमेड सेंट्रल पीएमसीआईडी : पीएमसी5494434.

16. चन्दन एस, शुल्का जी, गुप्ता ए, श्रीवास्तव ए, विभा डी, प्रसाद के, एक्यूट–ऑनसेट रेस्टलैस लैग्स सिंड्रोम इन एक्यूट न्यूरोलॉजिकल कंडिशंस – ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी ऑन पेशेंट्स विद द गुल्लैन–बर्रे सिंड्रोम एण्ड एक्यूट स्ट्रोक. एक्टान्यूरोल स्कैंड. 22 जन 2018. डीओआई : 10.1111/एने.12830. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन) पबमेड पीएमआईडी : 29359321.

17. चंद्रा पीएस, रामानुजम बी, त्रिपाठी एम, सर्जरी फॉर ड्रग–रेज़ीटेंट एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन. एन इंग जे मेड. 25 जनवरी 2018; 378(4):399.

18. चौधरी आर एम, रामानुजम बी, अप्पूकुट्टम आर, शर्मा ए, कुंवर वाई, तेजनिया जी, गर्ग ए, पद्मा एमवी, त्रिपाठी एम, बाल सी, दाश डी, चन्द्र एसपी, त्रिपाठी एम. यूटिलिटी ऑफ ए क्वेश्नायर टूल (क्यूयूएआरएएस) फॉर लोकलाइजिंग एण्ड लेटेराइजिंग सीजर्स इन द एपिलेप्सी मॉनीटरिंग यूनिट (ईएमयू). क्लिन न्यूरॉल न्यूरोसर्ज फरवरी 2017; 153:64–66.

19. चौधरी के, रामानुजम बी, कुमारन एसएस, चन्द्रा पीएस, वाधवन एएन, गर्ग ए, त्रिपाठी एम. डोज़ एजुकेशनल प्ले ए रोल इन लैंग्वेज रिऑर्गनाइजेशन आफ्टर सर्जरी इन ड्रग रिफ्रेक्टरी टेम्परल लोब एपिलेप्सी : एन एफएमआरआई बेस्ड स्टडी? एपिलेप्सी रेस. अक्टूबर 2017; 136: 88–96.

20. चौधरी एन, दीपक केके, चन्द्रा पीएस, भाटिया एस, सागर आर, जरयाल एके, पाण्डेय आरएम, त्रिपाठी एम. कॉम्पेरीजन ऑफ ऑटोनोमिक फंक्शन बिफोर एण्ड आफ्टर सर्जिकल इंटरवेंशन इन पेशेंट्स विद टेम्परल लोब एपिलेप्सी. जे एपिलेप्सी रेस. 31 दिसम्बर 2017; 7(2) : 89–98.

21. दंथम एस, श्रीवास्तव एके, गुलाटी एस, राजेश्वरी एमआर. डिफ्रेंशियली रेगुलेटेड सेल–फ्री माइक्रो आरएनए इन द प्लाज्मा ऑफ फ्रीड्रेइच एटेक्सिया पेशेंट्स एण्ड देयर एसोसिएशन विद डिजीज पैथोलॉजी. न्यूरोपेडिएट्रिक्स. फरवरी 2018; 49(1):35–43.

22. दाश डी, सलुजा ए, सिंह आरके एट आल. गुलियान – बर्रे सिंड्रोम : ए रेयर प्रेजेंटेशन ऑफ बॉर्डरलाइन ट्यूबेकुलॉइड लेप्रोसी विद् टाइप 1 लेप्र रिएक्शन. जेएनआरपी. 2018 (प्रकाशन के लिए स्वीकृत).

23. दीक्षित एबी, बनर्जी जे, चन्द्र पीएस, त्रिपाठी एम. रीसेंट एडवांस इन एपिलेप्सी रीसर्च इन इंडिया. न्यूरोल इंडिया. 2017; 65 (सप्लीमेंट) : एस83–एस92. डीओआई : 10.4103/न्यूरोइंडिया. एनआई–1070–16.

24. दीक्षित एबी, बनर्जी जे, त्रिपाठी एम, सरकार सी, चन्द्रा पीएस. साइनेप्टिक रोल्स ऑफ साइक्लिन–डिपेंडेंट काइनेस 5 एण्ड इट्स इम्पीकेशंस इन एपिलेप्सी. इंडिया जे मेड रेस. 2017; 145(2): 179–188.

25. दौलतशाही डी, देशपांडे ए, एविव आरआई, रोड्रीग्यूज़–लूना डी, मोलीना सीए, ब्लास वाईएस, डिजीयलोवस्की आई, कोबायशी ए, बौलंगेर जेएम, लूम सी, गेबिट्ज़ जीजे, पद्मा वी, रॉय जे, केस सीएस, भाटिया आर, हिल एमडी, डेमचुक एएम; प्रेडिक्ट आईसीएस सीटीए स्टडी ग्रुप. डू इंट्रासेरेब्रल हेमोरहेज नॉनेक्सपेडेर्स एक्युअली एक्सपेंड इनटू द वेंट्रिकुलर स्पेस? स्ट्रोक जनवरी 2018; 49(1):201–203. डीओआई : 10.1161/स्ट्रोक ईएएचए.117.018716. ई प्रकाशन 22 नवम्बर 2017. पबमेडपीएमआईडी : 29167385.

26. द्विवेदी आर, रामानुजम बी, चन्द्र पीएस, सविता सप्रा एस, शेफाली गुलाटी एस, कलाईवानी एम, गर्ग एम, बल सीएस, त्रिपाठी एम, द्विवेदी एसएन, सागर आर, सरकार सी, त्रिपाठी एम, सर्जरी फॉर ड्रग–रेजीडेंट एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन. एन इंग्ल जे मेड 2017; 377 : 1639–1647.

27. इलावारसी ए, दाश डी*, त्रिपाठी एम, भाटिया आर. सेरेबेलर अटेक्सिया एण्ड न्यूरोपैथी एज़ प्रेजेंटिंग फ्यूचर्स ऑफ हिपेटाइटिस–बी रिलेटेड सिरहोसिस एण्ड पोर्टल हाइपरटेंशन. बीएमजे केस रेप. 19 अक्टूबर 2017; 2017. पीआईआई : बीसीआर–2017–221912. डीओआई : 10.1136/बीसीआर–2017–221912.

28. इलावारसी ए, दाश डी*, वैरियर एआर, भाटिया आर, कुमार एल, जैन डी, त्रिपाठी एम. स्पाइनल कोर्ड इनवोल्वमेंट इन प्राइमरी सीएनसी लिम्फोमा. जे क्नि न्यूरोसाइ. जनवरी 2018; 47: 145–148 डीओआई : 10.1016/जे.जंक.2017.10.027.

29. इलावारसी ए, गोयल वी, विष्णु वी, सिंह एमबी, श्रीवास्तव पी. क्रॉनिक इंफ्लेमेटरी डेमिलिनेटिंग पॉलीन्यूरोपैथी : ए केस सीरीज़. इंडियन जे पीडियट्र. 16 नवंबर 2017. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन).

30. इर्विन जीएस, ग्रिशोप एमपी, अली ए, क्वी जे, लवलोर एम, कुमार डी, अहमद आई, मैकनल्ली ए, टेडेर एन, वोरिंगर के, शिवशंकरन आर, सैयद डीएम, इगुची ए, अशरफ एम, जेफरी जे, एक्जू एम, पार्क पीएमसी, मुख्तार एच, श्रीवास्तव एके, फारुख एम, ब्रेडनेर जेई, अंसारी एजेड. सिंथेटिक्ट्रांस्क्रिप्शन एलॉन्गेशन फैक्टर्स लाइसेंस ट्रांसक्रिप्शन एक्रोस रिप्रेसिव क्रोमैटिन. साइस. 30 नवंबर 2017. पीआईआईः ईएएएन6414.

31. फारुख एम, मगना जेजे, सुरोलिया वी, नारंग ए, मुरीलो–मेलो एनएम, हेरनेंडेज– हेरनेंडेजो, श्रीवास्तव एके, मुखर्जी एम. ए कम्प्लीट एसोसिएशन ऑफ एन इंट्रोनिक एसएनपी आरएस6798742 विद ओरिजिन ऑफ स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया टाइप 7–सीएजी एक्सपेंशन लोसी इन द इंडियन एण्ड मैक्सिकन पोपुलेशन. एन्न ह्यूम जेनेट. सितंबर 2017; 81(5) : 197–204.

32. गर्ग डी, रेड्डी वी, सिंह आरके, दाश डी, भाटिया आर, त्रिपाठी एम. न्यूरोलेप्टिक मैलिग्नेंट सिंड्रोम एज ए प्रेसेंटिंग फ्यूचर ऑफ सबक्यूट स्क्लेरोजिंग पैनेंसेफलाइटिस. जे न्यूरोविरोल. फरवरी 2018; 24 (1) : 128–131. डीओआईः 10.1007 / एस 13365–017–0602–4.

33. गर्ग के, अग्रवाल ए, श्रीवास्तव डीएन, जाना एम, शर्मा आर, गमनागट्टी एस, कुमार ए, कुमार वी, मल्होत्रा आर, गोयल वी, गर्ग के. कम्पेरिजन ऑफ डिफरेंट स्किवनेंस ऑफ एमआरआई एंड अल्ट्रासोनोग्राम विद नर्व कंडक्शन स्टडीज इन पेरिफेरल न्यूरोपैथीज. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 22 अगस्त 2017.

34. गोयल वी. न्यूरोलॉजिकल परस्पेक्टिव ऑफ ग्लोबस पैलिडस इटेरना डीप ब्रेन स्टीमुलेशन इन डायस्टोनिया. न्यूरोल इंडिया. नवंबर–दिसंबर 2017; 65 (6)ः 1231.

35. गुप्ता ए, शुक्ला जी. पॉलीसोमोग्राफिक डिटरमिनेंटस ऑफ रिक्वायरमेंट फॉर एडवांस पॉजिटिव प्रेशर थेराप्यूटिक ऑप्शन फॉर ऑब्स्ट्रेक्टिव स्लीप एपनिया. स्लीप ब्रीथ 18 अगस्त 2017. डीओआई : 10.1007/ एस11325–017–1556–8. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन).

36. गुप्ता के, आहूजा सीके, पंडित एके, विश्वाल एम, शिवप्रकाश एमआर. सेंट्रल नर्वस सिस्टम लेशन्स इन स्क्रब टाइफस रेडिस्कवर्ड : एन ऑटोप्सी रिपोर्ट. न्यूरोल इंडिया मार्च– अप्रैल 2018; 66 (2)ः 434–438.

37. हरीनद्रन एस, सुंदरम एस, जफर एसएम, राजन आर. एक्सपेंडिंग द फीनोटाइपिक स्पेक्ट्रम ऑफ टाइप ।।। जीएम1 गैंग्लियोसिडोसिसः प्रोग्रेसिव डायस्टोनिया विद् ऑडिटरी स्टार्टल. न्यूरोल इंडिया 2018; 66 : एस149–150.

38. जोशी आर, त्रिपाठी एम, गुप्ता पी, गुलाटी एस, गुप्ता वाईके. एडवार्स इफैक्टस एंड ड्रग लोड ऑफ एंटीएपिलेप्टिक ड्रग्स इन पेशेंट्स विद् एपिलेप्सी : मोनोथेरेपी वर्सिस पॉलीथेरेपी. इंडियन जे मेड रेस 2017; 145 (3)ः 317–326.

39. कक्कड़ ए, मजूमदार ए, पाठक पी, कुमार ए, कुमारी के, त्रिपाठी एम, शर्मा एमसी, सूरी वी, टंडन वी, चंद्र एसपी, सरकार सी. बीआरएएफ जीन अल्टरेशन एंड एंहांस्ड मैमलियन टरगेट ऑफ रैपामाइसिन सिग्नलिंग इन गैंग्लियोग्लियोमास. न्यूरोल इंडिया 2017; 65 (5)ः 1076–1082.

40. कलिता जे, मिश्रा यूके, सिंह आरके. डू द रिस्क फैक्टर्स डिटर्मिन द सेवरिटी एंड ऑउटकम ऑफ सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस? ट्रान्सल स्ट्रोक रेस. 10 जनवरी 2018.

41. कलिता जे, सिंह आरके, मिश्रा यूके, कुमार एस. एवाल्यूशन ऑफ सेरेब्रल अर्टिरियल एंड वेनस सिस्टम इन ट्यूबरकुलस मेनिंजाइटिस. जे न्यूरोरैडियोल. मार्च 2018; 45 (2)ः 130–135.

42. कलिता जे, सिंह आरके, मिश्रा यूके. सेरेब्रल सॉल्ट बेस्टिंग इज द मोस्ट कॉमन एक्यूज ऑफ हाइपोनैट्रेमिया इन स्ट्रोक. जे स्ट्रोक सेरेब्रोवेस्क डिस. मई 2017; 26 (5)ः 1026–1032.

43. कौर एच, चोपड़ा एस, पांडे आरएम, भाटिया आर, नेहरा ए. ट्रांसलेशन एंड एडेप्टेशन ऑफ स्ट्रोक एफेसिया डिप्रेशन क्वेश्ननायर–10 टू हिंदी. एन्न इंडियन एकैड न्यूरोल. अप्रैल–जून 2017, 20 (2)ः 153–155. डीओआई : 10.4103 / एआईएएन. एआईएएन –456–16. पबमेड पीएमआईडी : 28615902; पबमेड सेंट्रल पीएमसीआईडी : पीएमसी5470159.

44. कृष्णामूर्ति ए, विष्णु वीवाई. रसेल वाइपर एनवेनोमेशनः एक्यूट हाइपोपिट्यूटिरिज्म ऑर एक्यूट प्राइमरी एड्रेनल इंसफिसिएंसी. क्यूजेएम. 1 अगस्त 2017; 110 (8)ः537.

45. कुमार ए, गोयल वी, असफ बीबी, त्रिखा ए, सूद जे, विजय सीएल. रोबोटिक थाइमेक्टोमी फॉर माइसथेनिया ग्रेविस विद् ऑर विद्आउट थाइमोमा–सर्जिकल एंड न्यूरोलोजिकल ऑउटकम न्यूरोल इंडिया जनवरी–फरवरी 2017; 65 (1)ः 58–63.

46. कुमार ए, मिश्रा एस, कुमार पी, प्रसाद के, पंडित एके, चक्रवर्ती के, कथुरिया पी, गुलाटी ए. एसोसिएशन बीटवीन एंडोथेलियल नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस जीन पॉलिमॉर्फिज्म एंड रिस्क ऑफ इस्कैमिक स्ट्रोक : ए मेटा– एनालायसिस. न्यूरोल इंडिया जनवरी–फरवरी 2017; 65 (1)ः 22–34. डीओआईः 10.4103/0028.3886.198170. रिव्यू. पबमेड पीएमआईडीः 28084234.

47. कुमार ए, मिश्रा एस, कुमार पी, सागर आर, गुलाटी ए, प्रसाद के. रिलेशनशिप ऑफ फॉस्फॉडिस्टेरस 4डी (पीडीई4डी) जीन पॉलिमॉर्फिज्म विद् रिस्क ऑफ इस्कैमिक स्ट्रोक्र : ए हॉस्पिटल बेस्ड केस–कंट्रोल स्टडी. न्यूरोल रेस. अगस्त 2017; 39(8): 689–694. डीओआईः 10.1080/01616412.2017.1333975. ई प्रकाशन 31 मई 2017. पबमेड पीएमआईडीः 28562233.

48. कुमार ए, मिश्रा एस, कुमार पी, सागर आर, प्रसाद के. एसोसिएशन बीटवीन बीटा–फाइब्रिनोजीन सी148टी जीन पॉलिमॉर्फिज्म एंड रिस्क ऑफ इस्कैमिक स्ट्रोक इन ए नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशनः ए केस–कंट्रोल स्टडी. पल्स (बेसल). जनवरी 2017; 4 (4): 165–171. डीओआई : 10.1159/000449361. ई प्रकाशन 12 अक्टूबर 2016. पबमेड पीएमआईडीः 28229050;पबमेड सेंट्रल पीएमसीआईडी : पीएमसी5290428.

49. कुमार ए, मिश्रा एस, सागर आर, कुमार पी, यादव एके, तलवार पी, राज आर, प्रसाद के. रिलेशनशिप बीटवीन फैक्टर वी लीडेन जीन वैरिएंट एण्ड रिस्क ऑफ इस्कैमिक स्ट्रोकः ए केस–कंट्रोल स्टडी. एन्न इंडियन एकैड न्यूरोल. जुलाई–सितंबर 2017; 20 (3): 284–288. डीओआईः 10.4103/एआईएएन.एआईएएन–31–17. पबमेड पीएमआईडीः 28904463; पबमेड सेंट्रल पीएमसीआईडीः पीएमसी 5586126.

50. कुमार ए, प्रसाद एम, जली वीपी, पंडित एके, मिश्रा एस, कुमार पी, चक्रवर्ती के, कथुरिया पी, गुलाटी ए. बोन मैरो मोनोन्यूक्लियर सेल थेरेपी इन इस्कैमिक स्ट्रोक : ए सिस्टमैटिक रिव्यू . एक्टा न्यूरोल स्कैंड. मई 2017; 135 (5): 496–506.

51. कुमार पी, मिश्रा एस, कुमार ए, फारुख एम, शाक्या एस, वर्धन जी, विवेकानंदन एस, श्रीवास्तव एके, प्रसाद के. ट्रांसफोर्मिंग ग्रोथ फैक्टर – बीटा1 (सी509टी, जी800ए, और टी869सी) जीन पॉलीमॉर्फिज्म एण्ड रिस्क ऑफ इस्चेमिक स्ट्रोक इन नॉर्थ इंडियन पॉपुलेशन : ए हॉस्पीटल – बेस्ड – केस – कंट्रोल स्टडी. एन इंडियन अकैड न्यूरोल. 2017 जन–मार्च;20(1) : 5–12. डीओआई : 10.4103/0972–2327.199910. पब मेड पीएमआईडी : 28298836; पबमेड सेंट्रल पीएमसीआईडी : पीएमसी5341267.

52. कुमार एस, रामानुजम बी, चंद्रा पीएस, दाश डी, मेहता एस, अनुभा एस, अप्पुकुटन आर, राणा एमके, त्रिपाठी एम. रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी कम्पेरिंग द एफिकेसी ऑफ रेपिड एण्ड स्लो विदड्रॉल ऑफ एंटीएपिलेप्टिक ड्रग्स ड्यूरिंग लॉन्ग–टर्म वीडियो – ईईजी मॉनिटरिंग. एपिलेप्सिया. 2018;59(2) : 460–467.

53. कुमार एस, सिंह एमबी, शुक्ला जी, विष्णु भाटला एस, श्रीवास्तव एमवीपी, गोयल वी, प्रसाद के, पीटरसन वी. इफेक्टिव क्लिनिकल क्लासीफिकेशन ऑफ क्रोनिक एपिलेप्सी इन टु फोकल एण्ड जनर्लाइज्ड : ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी. सीजर्स. 2017 दिसम्बर; 53 : 81–85.

54. कुनाल बहरानी, ममता भूषण सिंह, रोहित भाटिया, कामेश्वर प्रसाद, दिप्ती विभा, गरिमा शुक्ला आदि. टेलेफोनिक रिव्यू फॉर आउटपेशेंट्स विद एपिलेप्सी – ए प्रोस्पेक्टिव रैंडोमाइज्ड, पैरलर्ल ग्रुप स्टडी. सीजर्स 2017;53 : 55–61.

55. लेयॉर्ड एई, वूडहाउस एल, शॉ एल, स्प्रिग एन, बेरेकी डी, बर्ग ई, केसो वी, क्रिस्टेंसेन एच, कॉलिन्स आर, क्जलोकोवेस्का ए, ईआई इत्रिबी ए, फरर टीडी, गोमनस जे, लास्का एसी, नटेइस जी, ओजटुर्क एस, पोकोक एसजे, प्रसाद के, वर्डलॉ जेएम, फोन केसी, बाथ पीएम, ट्रुमैन आरसी; ईएनओएस ट्रायल इंवेस्टीगेटर्स. इंफेक्शन्स अप टू 76 डेज आफ्ट स्ट्रोक इंक्रीज डिसेबिलिटी एण्ड डेथ. ट्रांसल स्ट्रोक रेस. 2017 दिसम्बर;8(6) : 541–548. डीओआई : 10.1007/एस12975–017–0553–3. ई.पब 2017 जुलाई 27. पबमेड पीएमआईडी : 28752410; पबमेड सेंट्रल पीएमसीआईडी : पीएमसी 5818141.

56. लिंडली आरआई, एंडेरसन सीएस, बिलॉट एल, फोरस्टर ए, हैकेट एमएल, हार्वे एलए. पदमा एमवी, आदि फैमिली – लेड रिहेबिलिटेशन आफ्टर स्ट्रोक इन इंडिया (अटेंड) : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. लैनसेट. 2017 अगस्त 5; 390 (10094) : 588–599. वॉल्यूम. 5; 390 (10094) : 588–599; 2017.

57. मजूमदार ए, अहमद एफ, शेख टी, भगत आर, पाठक पी, जोशी एसडी, सेठ पी, टंडन वी, त्रिपाठी एम, सरतचंद्र पी, सरकार सी, सेन ई. मिर–217– केस इन काइनेस–2 क्रॉस टॉक रेगुलेट्स ईआरके एक्टिवेशन इन गैंगलियोग्लियोमा. जे. मोल मेड (बर्ल). 2017 नवम्बर; 95(11) : 1215–1226.

58. मिश्रा एस, कुमार ए, कुमार पी, यादव एके, मोहनिया डी, पंडित एके, प्रसाद के, विभा डी. ब्लड–बेस्ड प्रोटीन बायोमार्कर्स फॉर स्ट्रोक डिफरेंटेशन : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू. प्रोटियोमिक्स क्लिन एप्ल 2017 सितम्बर;11(9–10). डीओआई : 10.1002/prca.201700007. ई.पब 2017 मई 29. रिव्यू. पबमेड पीएमआईडी : 28452132.

59. नम्बीराजन ए, सूरी वी, कटारिया वी, शर्मा एमसी, गोयल वी. प्रोग्रेसिव मल्टीफोकल ल्यूकोएंसेफेलोपैथी इन ए 44– इयर ओल्ड मेल विद इडियोपैथिक सीडी4 + टी – लिम्फोसाइटोपेनिया ट्रीटिड विद मिर्टाजेपिन एण्ड मेफलोक्विन. न्यूराल इंडिया. 2017. सितम्बर–अक्तूबर; 65(5) : 1061–1064.

60. नारायण पी, गोम्स जे, भाटिया आर, सिंह आई, विवेकानंदन पी. सी9ओआरएफ72 हेक्सान्यूक्लियोटाइड रिपीट एक्सपेंशन एटेक्सिन 2 इंटरमीडिएट लेंथ रिपीट एक्सपेंशन इन इंडियन पेशेंट्स विद एमायोट्रॉफिक लेटरल स्केलेरोसिस. न्यूरोबायोल एजिंग. 2017 अगस्त;

56 : 211. ई9–211. ई14. डीओआई : 10.1016/j.neurobiolaging.2017.04.011. ई.पब 2017 अप्रैल पबमेड पीएमआईडी : 28527524.

61. शैलजा पीएन, पांडियन जेडी, कॉल एस, श्रीवास्तव एमवीपी, खुराना डी, स्केवम एलएच, केशव पी, अरोड़ा डी, पन्नू ए, थानकंचन टीके, सिंघल एबी. पी एन शैलजा, जयाराज दुराय पांडियन, सुभाष कॉल, पदमा एमवी, , ली स्केवम, प्रवीण केशव, दीप्ति अरोरा, अमन पन्नू, तिजी के थानकंचन, अनीश भीम सिंघल, इस्चेमिक स्ट्रोक प्रोफाइल, रिस्क फैक्टर्स एण्ड आउटकम्स इन इंडिया : द इंडो–यूएस कोलेबोरेटिव स्ट्रोक प्रोजेक्ट स्ट्रोक 2018 जनवरी; 49 (1) : 219–222 वॉल्यूम. 49 : 219–222, 2018.

62. प्रवीण बी, त्रिपाठी एम, वोहरा डी. ए क्रॉस – सेक्शनल स्टडी टू असेस द मॉड्यूलेशन ऑफ डब्ल्यूएनटी इंहिबिटर्स फॉलोइंग एंटी–एपिलेप्टिक ड्रग थेरैपी एण्ड देयर कोरेलेशन विद विटामिन – डी एण्ड आरएएनकेएल इन इंडियन वुमेन विद एपिलेप्सी. बेसिक क्लिन फार्माकोल टॉक्सिकोल. 2018 मार्च 5. डीओआई : 10.1111/बीसीपीटी12996. (मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन).

63. पाटिल एएल, सूद एसके, गोयल वी, कोच्चर केपी. कार्टिकल पोटेंशियल पीरियर टू मूवमेंट इन पार्किन्सन डिजीज. जे क्लि डिया रेस. 2017;.11(3) : सीसी13 – सीसी16.

64. पिल्लै जी, गैंगर ए, सिंह डी, भाटिया आर, शर्मा पी, मेनन वी, सक्सेना आर. रेटिनेलनर्व फाइबर लेयर एण्ड गैंगलियोन सेल लेयर चेंजिस ऑन ऑप्टिकल कोहरेंस टोमोग्राफिन अर्ली मल्ट्रीपल स्क्लेरोसिस एण्ड ऑप्टिक न्यूट्रियस केस. इंडियन जे ऑफ्थेलमोल. 2018 जनवरी; 66(1) : 114–119. डीओआई : 10.4103/ijo.IJO_539_17. पबमेड पीएमआईडी : 29283135; पबमेड सेंट्रल पीएमसीआईडी : पीएमसी 5778543.

65. प्रसाद के, कुमार ए, मिश्रा एस, यादव एके, जोहरी एस, सरकार आरएस, गोरथी एसपी, हसन केएम, प्रभाकर एस, मिश्रा यूके, कुमार पी; फॉर इंवेस्ट स्टडी ग्रुप. रिलिएबिलिटी एण्ड वेलिडेटी ऑफ टेलेफोनिक बर्थल इंडेक्स : एन एक्सपीरियंस फ्रॉम मल्टी – सेंट्रिक रैंडोमाइज्ड कंट्रोल स्टडी. एक्टा न्यूरोल बेल्ग. 2018 मार्च; 118 (1) : 53–59. डीओआई : 10.1007/एस13760–017–0843–2. ई.पब 2018 जनवरी 24. पबमेड पीएमआईडी : 29368116.

66. प्रसाद के, सिंह एन, प्रीडिक्टिंग एण्ड एक्स्प्लेनिंग आउटकम आफटर स्ट्रोक. न्यूरोल इडिया. 2017 नवम्बर–दिसम्बर; 65 (6) : 1262–1263. डीओआई : 10.4103/0028–3886.217998. पबमेड पीएमआईडी : 29133698.

67. राजन आर, पोपा टी, क्वेर्टोवन ए, घिलारदी एमएफ, किशोर ए. कार्टिकल प्लास्टिसिटी एण्ड लेवोडोपा–इंड्यूस्ड डिस्काइनेसिस इन पार्किसन्स डिजीज : कनेक्टिंग द डॉट्स इन ए मल्टीकम्पोनेंट नेटवर्क. क्लिन न्यूरोफिजियोल 2017; 128 (6) : 992 – 9.

68. रामानुजम बी, भारती के, विश्वानाथन वी, गर्ग ए, त्रिपाठी एम, बाल सी, चंद्रा पीएस, त्रिपाठी एमद् कैन इक्टल – एमईजी ओबविएट द नीड फॉर फेज 2 मॉनिटरिंग इन पीपल विद ड्रग– रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी? ए प्रॉस्पेक्टिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी. सीजर्स. 2017;45 : 17–23. डीओआई : 10.1016/जे. सीजर्स.2016.10.013.

69. रे एस, त्रिपाठी एम, चंद्रा एसपी, चक्रवर्ती के. प्रोटोकॉल्स इन कंटेम्परेरी एपिलेप्सी सर्जरी – ए शॉर्ट कम्युनिकेशन. इंट जे. सर्ज. 2017; 44 : 350–352.

70. रे एस, विभा डी*, गुप्ता जी, प्रसाद के, श्रीवास्तव एके, शुक्ला जी. ऑफ्थेल्मोप्लेजिया ड्यू टू कनकरंट थायरोटोक्सीकोसिस एण्ड माइस्थेनिया ग्रेविस. न्यूरोमस्कुल डिसऑर्ड. 2017 नवम्बर 27. पीआईआई : एस0960 – 8966 (17) 30356–5. डीओआई : 10. 1016/जे.एनएमडी.2017.11.011.

71. रॉय एसजी, त्रिपाठी एम, त्रिपाठी एम, रामानुजम बी, सिंघल ए, बाल सी. इक्टल पीईटी इन ओहतहारा सिंड्रोम विद हेमिमेगेलेंसेफेली. क्लिन न्यूक्ल मेड 2017;42(5) : ई263–ई264.

72. सैमल पी, गोयल वी, सिंह एम एम. डीबीएस आईपीजी (डीप ब्रेन स्टिमुलेशन – इम्प्लांटिड पल्स जनरेटर) इरोडिंग स्किन आफ्टर ए फॉल : डज शेप मैटर? मूव डिस क्लि प्रैक्टिस. 2017, अगस्त(स्वीकार).

73. शर्मा एस, पदमा एमवी. आर्थर रिप्लाय : स्मार्टफोन – बेस्ड टेलेमेडिकल हेल्थ केयर : द एचपी टेलेस्ट्रोक मॉडल. न्यूराल इंडिया 2017 जनवरी–फरवरी;65(1) : 233–234 न्यूरोलॉजीवॉल्यूम.65(1) : 233–234;2017.

74. शेखर एस, यादव एसके, राय एन, कुमार आर, यादव वाय, त्रिपाठी एम, डे एबी, डे एस. 5 – एलओएक्स इन अल्जाइमर डिजीज : पोटेंशियल सीरम मार्कर एण्ड इन विट्रो एविडेंस फॉर रिस्क्यू ऑफ न्यूरोटॉक्सीसिटी बाय इट्स इंहिबिटस वायडब्ल्यूसीएस. मोल न्यूरोबायोल. 2017 अप्रैल 27.

75. शुक्ला जी, कजुटेका जे, गुप्ता ए, मॉशर जे, जॉन्स एस, एलेक्सोपाउलोस ए, बर्गीज आरसी. मैग्नेटोएंसेफेलोग्राफिक आइडेंटीफिकेशन ऑफ एपिलेप्टिक फोकस इन चिल्ड्रन विद जनर्लाज्ड इलेक्ट्रोएंसेफेलाग्राफिक (ईईजी) फीचर्स बट फोकस इमेजिंग एब्नॉर्मेलिटिज़ जे चाइल्ड न्यूरोल. 2017 अक्तूबर; 32 (12) : 981–995. डीओआई : 10.1177/0883073817724903. ई. पब 2017 अगस्त 22.

76. सिंह एपी, बजाज टी, गुप्ता डी, सिंह एसबी, चक्रवर्ती ए, गोयल वी, डे एबी, डे एस. सीरम मोर्टेलिन कोरेलेटिड विद अल्फा–सिन्यूक्लिन एज सीरम मार्कर इन पार्किन्सन डिजीज : ए पायलट स्टडी न्योमोलीक्युलर मेड 2018 जनवरी 06 डीओआई 10. 1007/एस12017–017–8475–5. (मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन).

77. सिंह आई, शाक्या एस, सिंह आरके, अहमद आई, गोयल वी, शुक्ला जी, श्रीवास्तव एमवी, फारुख एम, श्रीवास्तव एके. आयरन रिलेटिड हिमोक्रोमेटोसिस (एचएफई) जीन म्यूटेशन्स इन फ्रेडरिक अटेक्सिया पेशेंट्स. पार्किन्सोनिज्म रिलेट डिस्ऑर्ड 2017 जनवरी; 34 : 71–72.

78. सिंह आई, स्वरूप वी, शाक्या एस, गोयल वी, फारुख एम, श्रीवास्तव एके. सिंगल–स्टेप ब्लड डायरेक्ट्स पीसीआर : ए रॉबस्ट एण्ड रेपिड मैथड टू डायग्नोस ट्रिपल रिपीट डिस्ऑर्डर्स. जे न्यूरोल साइं. 2017 अगस्त 15; 379 : 49–54.

79. सिंह आरके, सोनकर केके, भोई एस, कलिता जे, मिश्रा यू. स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया टइापइ 2 एसोसिएटिड विद ए मायोट्रोफिक लेटरल स्केलेरोसिस. न्यूराल इंडिया. 2017 सितम्बर–अक्तूबर;65(5) : 1153–1155.

80. सिंह एस, भार्गव बी, वसंत पी, भाटिया आर, शर्मा एच, पाल एस, साहनी पी, मखारिया जीके. क्लिनिकल एवेल्यूएशन ऑफ ए नोवल इंट्रारेक्टल डिवइस फॉर मैनेजमेंट ऑफ फेकल इंकॉन्टीनेंस इन बेड्रिडेन पेशेंट्स. जे वर्ल्ड ऑस्टोमी कंटिनेन्स नर्स. 2018 मार्च/अप्रेल; 45(2) : 156–162. डीओआई : 10.1097/ वॉन.0000000000000408. पबमेड पीएमआईडी : 29521926.

81. श्रीवास्तव ए, दीक्षित एबी, पॉल डी, त्रिपाठी एम, सरकार सी, चंद्रा पीएस, बनर्जी जे. कम्पेरेटिव एनालाइसिस ऑफ साइटोकाइन / कीमोकाइन रेगुलेटरी नेटवर्क्स इन पेशेंट्स विद हिप्पोकैम्पल स्क्लेरोसिस (एचएस) एण्ड फोकस कार्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी). साइ रिपे. 2017 नवम्बर 21;7(1) : 15904.

82. श्रीवास्तव ए, शर्मा आर, सूद एसके, शुक्ला जी, गोयल वी, बिहारी एम. स्केडिक आइ मूवमेंट्स इन पार्किन्सन डिजीज. इंडियन जे ऑफ्थेल्मोल . 2014 मई; 62(5) : 538–44.

83. श्रीवास्तव एस, रामानुजम बी, इहतेशाम के, त्रिपाठी एम. क्यूटेनियस एडवर्स ड्रग रिएक्शन्स टू लैमोट्राइजिन एण्ड ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन टाइपिंग इन नॉर्थ इंडियन पेशेंट्स : ए केस सीरिज. एन इंडियन अकेड न्यूरोल 2017 अक्तूबर– दिसम्बर; 20(4) : 408–410 एन्नल्स ऑफ इंडियन अकैडमी ऑफ न्यूरोलॉजी,वॉल्यूम20,2017.

84. श्रीवास्तव ए, गोयल वी, सूद एसके, शर्मा आर. रिड्यूस्ड स्कैडिक वेलोसिटी एण्ड प्यूपिलरी विड्थ इन यंग ऑनसेट पार्किसन्स डिजीज. न्यूरोल साइक्याट्री ब्रेन रेस न्यूरोलॉजी, साइक्याट्री एण्ड ब्रेन रिसर्च. 2018;27 : 17–20.

85. टंडन वी, चंद्रा पीएस, डोड्डामणि आरएस, सुबियंतो एच, बजाज जे, गर्ग ए, त्रिपाठी एम. स्टेरियोटेक्टिक रेडियोफ्रीक्वेंसी थर्मोकोएगुलेशन ऑफ हाइपोथैलेमिक हार्मेटोमा यूजिंग रोबोटिक गाइडेंस (रोसा) को–रजिस्टर्ड विद ओ–आर्म गाइडेंस – प्रीलिमिनरी टेकनिकल नोट. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2018.

86. टंडन वी, लैंग एम, चंद्रा पीएस, शरण ए, गर्ग ए, त्रिपाठी एम. इज एडिमा ए मैटर ऑफ कंसर्न आफ्टर लेजर एब्लेशन ऑफ एपिलेसेप्टोजेनिक फोकस? वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2018मई;113 : 366–372.ई3.

87. टेमका एस, करुप्पैहा एन, टक्कर बी, भौमिक डी, त्रिपाठी एम, रामकृष्णन एस, शर्मा वायआर, वोहर आर, चावला आर, वेंकटेश पी. इम्पैक्ट ऑफ एस्टीमेडि ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रैट ऑन डायबेटिक मैक्यूलर एडेमा. इंट ऑफ्थेल्मोल. 2018 जून; 38(3) : 1043–10502017.

88. ठाकर ए, गुप्ता एमपी, श्रीवास्तव ए, अग्रवाल डी, कुमार ए. नॉन सर्जिकल ट्रीटमेंट फॉर पोस्ट ट्रॉमेटिक कम्प्लीट फेशियल नर्व पैरालिसिस. जेएएमए ऑटोलेरिंजियोल हैड नेक सर्ज. 2018 फरवरी 22. डीओआई : 10.1001/जेएएमओटीओ.2017.3147. (मुद्रण से पहले ई–प्रकाशन).

89. त्रिपाठी एम, रॉय एसजी, परिदा जीके, इहतेशाम के, दाश डी, दामले एन, शमिम एसए, बाल सी. मेटाबोलिक टोपोग्राफी ऑफ ऑटोइम्यून नॉन – पैरेननियोप्लास्टिक एंसेफेलिटिस. न्यूरोरेडियोलॉजी. 2018 फरवरी; 60(2) : 189–198.

90. त्रिपाठी एम, त्रिपाठी एम, रॉय एसजी, परिदा जीके, इहतेशाम के, दामले एन, शमिम एसए, बाल सी. मेटाबोलिक टोपोग्राफी ऑफ ऑटोइम्यून नॉन – पैरेननियोप्लास्टिक एंसेफेलिटिस. न्यूरोरेडियोलॉजी.2018 फरवरी;60(2) : 189–198. डीओआई : 10. 1007/एस00234–017–1956–2.

91. विभा डी, ताइमेयर एच, मिर्जा एस, एडम्स एचएच, निस्सेन डब्ल्यू, होफमैन ए, आदि – ब्रेन वॉल्यूम्स एण्ड लॉन्गीट्यूडिनल कंजेनाइटिव चेंज : ए पॉप्यूलेशन एण्ड बेस्ड स्टडी – एल्जाइमर डिस एसोक डिस्ऑर्ड 2018 जनवरी–मार्च; 32(1) : 43–49 – डीओआई : 10.1097@डब्ल्यूएडी.0000000000000235.

92. विभूति, खान आर, शर्मा ए, जैन एस, मोहंती एस, प्रसाद के. इंट्रा – आर्टिरियल ट्रांसप्लांटेशन ऑफ ह्यूमन बोन मैरो मेसेकाइमल स्टेम सेल्स (एचबीएमएमसीएस) इम्प्रूव्स बिहेवियरल डिफिकिट्स और एल्टर्स जीन एक्सप्रेशन इन रोडेंट स्ट्रोक मॉडल. जे. न्यूरोकैम.

2017 दिसम्बर; 143(6) : 722–735. डीओआई : 10.1111जेएनसी/.14241. ई.पब 2017 दिसम्बर 4. पबमेड पीएमआईडी : 29049855.

93. पीटरसन वी, सामंत एस, सिंह एमबी, जैन पी, एगेवाने वी, जैन वाय, विक्टर पीटरसन, श्रुति सामंत, ममता भूषण सिंह, प्रिया जैन, विभा एगेवाने, योगेश जैन. डायग्नोसिस ऑफ एपिलेप्टिक सीजर्स बाय कम्युनिटी हेल्थ वर्कर्स यूजिंग ए मोबाइल एप : कम्पेरिजन विद फिजिशियन एण्ड ए न्यूरोलॉजिस्ट. सीजर्स 2018 फरवरी; 55 : 4–8.

94. पीटरसन वी, सामंत एस, जैन वाय, सिंह एमबी, विक्टर पीटरसन, श्रुति सामंत, ममता भूषण सिंह, कम्प्यूटर – नेव हेल्थ वर्कर्स कैन यूज ए टेबलेट – बेस्ड एपिलेप्सी डायग्नोसिस एप (लैटर टू द एडिटर). एपिलेप्सी बिहेव एपिलेप्सी एण्ड बिहेवियर 2017 मई; 70(पीटी ए) : 274–275.

95. विष्णु वीवाय, मोदी एम, गर्ग वीके, मोहंती एम, गोयल एमके, लाल वी, मित्तल बीआर, प्रभाकर एस. रोल ऑफ इंफ्लेमेटरी एण्ड हिमोस्टेटिक बायोमार्कर्स इन अल्जाइमर एण्ड वेस्कुलर डेमेंशिया – ए पायलट स्टडी फ्रॉम ए टर्शरी सेंटर इन नॉर्दन इंडिश. एशियन जे साइक्याट्री. 2017 अक्तूबर; 29 : 59–62.

96. वुड हाउस एलजे, स्कट पी, हमडी एस, स्मिर्थ्ड डीजी, कोहेन डीएल, रॉफ सी. प्रसाद के, आदि. रूट ऑफ फीडिंग एज ए प्रॉक्सी फॉर डिस्फेजिया आफ्टर स्ट्रोक एण्ड द इफेक्ट ऑफ ट्रांसडर्मल ग्लीसेसिल ट्रिनिट्रेट : डेटा फ्रॉम द एफिकैसी ऑफ नाइट्रिक ऑक्सीडे इन स्ट्रोक रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. ट्रांसल स्ट्रोग रेस. 2018 अप्रैल; 9(2) : 120–129.डीओआई : 10. 1007/S12975–017–0548–0. ई.पब 2017 अगस्त 2. पबमेड पीएमआईडी : 28770403; पबमेड सेंट्रल पीएमसीआईडी : पीएमसी5849635.

97. योगेन्द्र कुमार वी, स्मिथ ईई, डेमेक एएम, अविव आरआई, रोड्रिग्यूज – लुना डी, मोलिना सीए. पदमा वी, रॉय जे, केस सीएस, भाटिया आर, आदि; प्रीडिक्टशन ऑफ हेमोटोमा ग्रोथ एण्ड आउटकम इन पेशेंट्स विद इंट्रासेरेब्रल हिमोरेज यूजिंग द सीटी – एंजियोग्राफी स्पॉट साइन (प्रीक्डिट)/सनीब्रूक आईसीएच सीटीए स्टडी ग्रुप एण्ड द विर्चुअल इंटरनेशनल स्ट्रो ट्रायल्स आर्काइव (विस्ता) – आईसीएच कोलेबोरेटर्स. लैक ऑफ अर्ली इम्प्रूवमेंट प्रीडिक्ट्स पूअर आउटकम फॉलोइंग एक्यूट इंट्रासेरेब्रल हिमोरेज. क्रिट केयर मेड.2018 अप्रैल; 46(4) : ई310–ई317. डीओआई : 10.1097/सीसीएम.0000000000002962. पबमेड पीएमआईडी : 29303797.

पत्रिकाओं में प्रकाशित सार

1. पाटिल ए, विष्णु वी, नाहिद डी, पंडित ए, विन्नी पी, मोदी एम, गोयल एम, लाल वी. रैपिडली प्रोग्रेसिव डिमेंशिया : ए रेट्रोस्पेक्टिव कोहार्ट स्टडी फ्रॉम ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल (पी5. 085). न्यूरोलॉजी 88 (16 पूरक) एम5, 085.

2. पाटिल ए, विष्णु वी, नाहिद डी, गोयल एम, मोदी एम, लाल वी. इन्फेक्शन मास्क्यूरिडिंग एज डिमेंशिया : एन एट– ईयर रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी (पी1. 326). न्यूरोलॉजी 88 (16 पूरक) पी1, 326.

3. पाटिल ए, विष्णु वी, नाहिद डी, पुलिकोटिल वी, पंडित ए, गोयल एम, मोदी एम, लाल वी. रैपिडली प्रोग्रेसिव डिमेंशियाः एट – ईयर (2008–2016) रेट्रोस्पेक्टिव स्टडी. जनरल ऑफ द न्यूरोलॉजी साइस 381, पीपी 117–118.

4. पाटिल ए, विष्णु वी, नाहिद डी, ए पंडित ए, मोदी एम, मोदी एम, गोयल एम, लाल वी. रैपिडली प्रोग्रेसिव डिमेंशिया : ए रेट्रोस्पेक्टिव कोहार्ट स्टडी फ्रॉम ए टर्शरी केयर हॉस्पिटल. न्यूरोलॉजी 88 (16 पूरक) पी5. 085 अमेरिकन एकैडमी ऑफ न्यूरोलॉजी एनुअल कॉन्फ्रेंस, बोस्टन, 2017.

5. अहमद आई, श्रीवास्तव एके, फारूक एम, श्रीवास्तव एमवीपी. टू स्टडी द जीनोटाइप––फीनोटाइप कोरिलेशन ऑफ फ्रेडरिक एटैक्सिया (एफआरडीए) पेशेंट इन इंडियन पॉपुलेशन. पार्किंसनिज्म एण्ड रिलेटेड डिसऑर्डर्स,. 2018, वॉल्यूम 46, ई 7.

6. पंडित एके, प्रसाद के, कुमार ए, कुमार पी. एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी टू इन्वेस्टीगेट द एसोसिएशन बिटवीन शॉर्ट टर्म एक्सपोजर टू एयर पॉल्यूशन ऑन द ऑक्येरेंस ऑफ इस्केमिक ऑर हिमोरेजिक स्ट्रॉक इन ए केस क्रॉसओवर स्टडी डिजाइन. न्यूरोलॉजी 18 अप्रैल, 2017 वॉल्यूम 88 नं. 16 सप्लीमेंट एस36.008 अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी एनुअल कोन्फ्रेंस, बोस्टन, 2017

7. भट पी, गोयल वी, श्रीवास्तव एके, बेहारी एम. इफेक्ट्स ऑफ रिपेटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन एट थ्री कॉर्टिकल साइट्स इन पार्किन्सन डिजीज : ए रैंडोमाइज्ड स्टडी. जर्नल ऑफ द न्यूरोलॉजिकल साइंस., 2017, वॉल्यूम. 381, पीपी 98–99.

8. दाश डी, त्रिपाठी एम, त्रिपाठी एम, इहतेशाम के, एम. वी. पदमा, श्रीवास्तव एस. डब्ल्यूसीएन17–1633, क्लिनिकल प्रोफाइल एण्ड ट्रीटमेंट आउटकम ऑफ पेशेंट्स विद एंटी एलजीआई–1 एनेसेफेलिटिस : ए डिजीज ऑफ जेर्क्स एण्ड कंफ्यूजन. जर्नल ऑफ न्यूरोलॉजिकल साइंस, 2017, 381 (2017) पीपी 374–560.

9. कोहली एस, विष्णु वीवाय, पदमा एमवी, भाटिया आर. डिस्क्रिप्टिव एनालाइसिस ऑफ रिपरफ्यूजन स्ट्रैटजिस इन एक्यूट स्ट्रोक्स एडमिटिड इन टर्शरी केयर सेंटर. एनल्स ऑफ इंडियन अकैडमी ऑफ न्यूरोलॉजी., वॉल्यूम 20,। इशू 6 (पूरक), पी28.

10. कुमार डी, फारुख एम, श्रीवास्तव ए, मुखर्जी एम, मुखर्जी ओ. इंड्यूस्ड प्ल्यूरीपोटेंट स्टेम सेल्स बेस्ड इन – विट्रो मॉडलिंग ऑफ स्पिनोसेरेबेलर एटेक्सिया टाइप–12 (एससीए–12). मो. डिस्ऑर्ड, 2017;32.
11. नारंग एमके, श्रीवास्तव एके, राजन आर, सिंह एमबी, शुक्ला जी, श्रीवास्तव एमवीपी. ट्रेमोर इन स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया टाइप12 (एससीए–12) मिमिक्स इनीशियल ट्रेमोर (ईटी). पार्किन्सनिज्म एण्ड रिलेटिड डिस्ऑर्ड्र्स., 2018, वॉल्यूम. 46, ई36.
12. विन्नी पी, वी विष्णु वी, एन बलैनी एन, एम मोदी, बी रैडोत्रा बी, वी लाल. कम्प्यूटर एल्गोरिद्म एज ए सपोर्टिंग टूल फॉर क्लिनिकल डिसिजन मैकिंग ऑन ए मोबाइल प्लेटफॉर्म (पी2. 054). न्यूरोलॉजी 88 (16 पूरक), पी2. 054.
13. राजन आर, जफर एस, कृष्णा एस, किशोर ए. पैटर्न एण्ड प्रीडक्टर्स ऑफ ट्रेमोर इन पेशेंट्स विद प्राइमरी डिस्टोनिया (एबस्ट्रैक्ट). मोव डिस्ऑर्ड. 2017;32(पूरक 2).
14. राजन आर, जफर एस, कृष्णा एस, केशवपिशारदे के, किशोर ए. इंटरलीव्ड स्टिमुलेशन फॉर फ्रीजिंग ऑफ जाइंट इन एडवांस्ड पार्किन्सन डिजीज : ए पायलट स्टडी (एबस्ट्रैक्ट). मोव डिस्ऑर्ड. 2017;32 (पूरक 2).
15. शाक्या एस, नेगी पी, गर्ग ए, प्रसाद एम, फारुख एम, श्रीवास्तव ए. स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया टाइप–17 : एन इंडियन सीनेरियो. मूव डिस्ऑर्ड. 2017;32.
16. शाक्या एस, श्रीवास्तव एके, फारुख एम, कुमार डी. टू फोल्ड लोड ऑफ टेंडेम रिपीट एक्सपेंशन एण्ड देयर इम्पैक्ट ऑन एडीसीए पेशेंट्स. पार्किन्सनिज्म एण्ड रिलेटिड डिस्ऑड्र्स., 2018, वॉल्यूम. 46, ई61.
17. सिंह एचएन, स्वरूप वी, श्रीवास्तव एके. डिफरेंशियल जीन एक्सप्रेशन एनालाइसिस रिवेल्स पाथवे बेस्ड फंक्शनल एसोसिएशन ऑफ डिसरेगुलेटिड जीन्स इन फ्रेड्रिच अटेक्सिया. पार्किन्सनिज्म एण्ड रिलेटिड डिस्ऑर्ड्र्स., 2018, वॉल्यूम. 46, ई34.
18. सिंह आई, शाक्या एस, सिंह आरके, गोयल वी, श्रीवास्तव एके. प्रीवलेंस ऑफ हिमोक्रोमेटोसिस (एचएफई) जीन क्यूटेशन्स इन फ्रेड्रिच अटेक्सिया पेशेंट्स एण्ड पेरिफेरल न्यूरोपैथी. पार्किन्सनिज्म एण्ड रिलेटिड डिस्ऑड्र्स.., 2018, वॉल्यूम. 46, ई4.
19. सिंह आई, शाक्या एस, सिंह आरके, इस्ताक ए, गोयल वी, गरिमा ए, श्रीवास्तव एके. एसोसिएशन बिटविन आयरन रिलेटिड जीन पॉलीमॉर्फिज्म एण्ड फ्रेड्रिच अटेक्सिया (एफआरडीए) डिजीज एण्ड पेरिफेरल न्यूरोपैथी इन इंडिय कोहोर्ट. जर्नल ऑफ द न्यूरोलॉजिकल साइंस,. 2017, वॉल्यूम. 381, पी895.
20. सिंह आर, सोनाकर एके, श्रीवास्तव एके, फारुख एम. मॉडीफियर्स ऑफ एज एट ऑनसेट इन स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया टाइप 2 (एससीए 2) : सीएजी लेंथ ऑफ अदर एससीए लोकाई डू नॉट इंफ्लुएंस एज एट ऑनसेट इन एससीए 2. पार्किन्सनिज्म एण्ड रिलेटिड डिस्ऑर्ड्र्स., 2018, वॉल्यूम. 46, ई61–62.
21. सोनाकर एके, श्रीवास्तव एके, फारुख एम, श्रीवास्तव एमवीपी. फीनोटाइपिक डिफरेंस इन जेनेटिकली करैक्टराइज्ड स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया टाइप 2 (एससीए 2) : ए लार्जेस्ट केस सीरिज फ्रॉम इंडिया ए. पार्किन्सनिज्म एण्ड रिलेटिड डिस्ऑर्ड्र्स., 2018, वॉल्यूम. 46, ई7.
22. श्रीवास्तव एके, फारुख एम, शाक्या एस, सिंह आई, स्वरूप वी. टेंडेम रिपीट्स बियोंड द क्लिनिकल डायग्नोसिस इन एडीसीए. मोव डिस्ऑर्ड. 2017;32.
23. श्रीवास्तव एके, नारांग एम, राजन आर, सिंह एम, पंडित ए, विभा डी, शुक्ला जी, पदमा एम. ट्रेमोर इन स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया (एससीए) टाइप 12. जर्नल ऑफ द न्यूरोलॉजिकल साइंस, 2017, वॉल्यूम. 381, पी895.
24. सुरोलिया वी, श्रीवास्तव एके, फारुख एम. न्यू इनसाइट इन द स्क्रीनिंग ऑफ टेंडेम रिपीट्स अमंग स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया पेशेंट्स. पार्किन्सनिज्म एण्ड रिलेटिड डिस्ऑर्ड्र्स.,. 2018, वॉल्यूम. 46, ई62.
25. स्वरूप वी, सिंह आर, सिंह एचएन, फारुख एम, श्रीवास्तव एके. आइडेंटिफिकेशन ऑफ माइक्रोआरएनए एण्ड देयर टार्गेट जीन्स मॉड्यूलेटिंग स्पिनोसेरेबेलर अटेक्सिया टाइप–2 (एससीए2) पैथोजेनेसिस. पार्किन्सनिज्म एण्ड रिलेटिड डिस्ऑर्ड्स.,. 2018, वॉल्यूम. 46, ई5–ई6.
26. तमुली डी, गोडियाल ए, जरयाल ए, श्रीवास्तव ए, दीपक के. द स्पेक्ट्रम ऑफ कम्पोजिट ऑटोनोमिक सवेरिटी स्कोर इन एससीए1, एससीए2 और एससीए3 पेशेंट्स. मोव डिस्ऑर्ड. 2017; 32.
27. विष्णु वी, विन्नी पी, बिलैनी एन, मोदी एम, रेडोत्रा बी, लाल वी. कम्प्यूटर एल्गोरिद्म एज ए सपोर्टिंग टूल फॉर क्लिनिक डिसिजन मैकिंग ऑन ए मोबाइल प्लेटफॉर्म. जर्नल ऑफ द न्यूरोलॉजिकल साइंस, 381, पीपी 751–752.
28. विष्णु वीवाय, कोहली एस, पदमा एमवी, भाटिया आर. ए टर्शरी केयर सेंटर डिस्क्रिप्टिव एनालाइसिस ऑफ स्ट्रोक इन इल्डर्ली; 80 इयर्स एण्ड एब्बव. एनल्स ऑफ इंडियन अकैडमी ऑफ न्यूरोलॉजी., वॉल्यूम 20,। इशू 6 (पूरक), पी 28.

पुस्तकों में अध्याय

1. इलावारसी ए, गोयल वी. बोटुलियम टॉक्सिन इन ट्राइजेमिनल न्यूरोलेजिया. इन : गिरिजा रथ. हैंडबुक ऑफ ट्राइजेमिनल नेयूरलेजिया स्प्रिंगर 2018 (प्रेस).
2. त्रिपाठी एम ''ट्रेमेटोडेस : शाइटोसोमेसिस एण्ड निमेटोडेस'' इंटरनेशननलोलॉजी : ए क्लिनिकल एप्रोच एडिटिव बाय डी लिसाक, डी ट्रुयंग, डब्ल्यू केरोल, आर भिदयासिरी, सैकंड एडिशन आईएसबीएन : 978–1–118–77736–7 297300300–303.
3. रोहित भाटिया आर, दिव्यानी गर्ग डी. करंट पर्सपेक्टिव्स इन एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक मैनेजमेंट. रोहिणी हांडा. प्रोग्रेस इन मेडिसिन वॉल्यूम 28. एवेनजेल, 2018 : 135.
4. एम. वी. पदमा श्रीवास्तव एमवीपी, विष्णु वीवाय. मैनेजमेंट ऑफ एंटीकोएगुलेट इंड्यूस्ड आईसीएच. मेडिसिन अपडेट, 2018 : 135–145.
5. एम. वी. पदमा श्रीवास्तव एमवीपी, विष्णु वीवाय. न्यूरोलॉजिकल हिस्ट्री एण्ड एक्जामिनेशन. एपीआई टेक्स्टबुक ऑफ मेडिसिन. 2017.
6. गोयल वी, दाश डी. बोटुलियन टॉक्सिन इन पार्किन्सन डिजीज इन : डॉ. अमित भाटला, डॉ. दीप्ति विभा. पार्किसनिज्म एण्ड मूवमेंड डिस्ऑर्ड्र्स. 1 एडिशन. जेपी पब्लिशर्स,. 2017.

पुस्तकें और मोनोग्राफ

शून्य

रोगी उपचार

तंत्रिका विज्ञान विभाग न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को बाह्य रोगी, अंतरंग रोगी और आपातकालीन उपचार प्रदान करता है। सामान्य न्यूरोलॉजी उपचार के अलावा, स्ट्रोक, एपिलेप्सी, मूवमेंट डिसऑर्डर, न्यूरोमस्क्यूलर डिसऑर्डर के क्षेत्र में सबस्पेशलिटी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। विभाग न्यूरोलॉजी की सभी उप–विशिष्टताओं में उपचार के लिए आधुनिकतम सुविधाएं प्रदान करता है और मूवमेंट विकारों के लिए तीव्र स्ट्रोक उपचार, मिर्गी सर्जरी और कार्यात्मक न्यूरोसर्जरी के लिए देश में रोगियों की सबसे ज्यादा संख्या वाले केंद्रों में से एक है। आपातकालीन सेटिंग में स्ट्रोक के लिए गंभीर उपचार वाले सभी रोगियों को थ्रोम्बोलाइटिक थेरेपी निःशुल्क प्रदान की जा रही है।

विभिन्न सेवाओं में देखे गए रोगियों की संख्या।

सेवाएं	रोगियों की संख्या
बाह्य रोगी नए मामले	30,970
बाह्य रोगी फॉलो अप मामले	51,296
अंतरंग रोगी प्रवेश	2,709
अंतरंग रोगी दिवस देखभाल	2,309

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. कामेश्वर प्रसाद : नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पीटल सिस्टम्स, सिंगापुर से 'सराहना प्रमाणपत्र'; 'समर स्कूल, रॉटरडैम में विशेष व्याख्यान देने के लिए अतिथि आचार्य के रूप में आमंत्रित किए गए थे।

आचार्य एम. वी. पदमा श्रीवास्तव को वर्ष 2017 के लिए डीएसटी, भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था; 2017 में इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी (एफआईएएन) को फैलोशिप से सम्मानित किया गया; हिमाचल प्रदेश राज्य में स्ट्रोक केयर पाथवे के लिए संसाधन संकाय, और रायपुर, तेलंगाना, चंडीगढ़ में एनसीडी के तहत स्ट्रोक प्रबंधन कार्यक्रम; 30 अप्रैल, 2017 को मुसौरी में एलबीएसएनएए में आयोजित आईएएस प्रोफेशनल कोर्स (फाउंडेशन कोर्स) चरण के लिए संसाधन संकाय थीं।

आचार्य विनय गोयल ने प्रतिष्ठित विशिष्ट सेवा पुरस्कार, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर, पूर्व छात्र, दिल्ली अध्याय, नई दिल्ली, 29 नवंबर 2017 को प्राप्त किया।

आचार्य अचल के श्रीवास्तव ने नई दिल्ली में 3–4 फरवरी 2018 को दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन डीएनएसीओएन–2018 के 20वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'एसेसमेंट ऑफ ऑटोनोमिक फंक्शन ड्यूरिंग इक्टल और इंटरैक्टल पीरिड ऑफ माइग्रेइन' के लिए तीसरा शोध पत्र प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्त किया; नई दिल्ली में 3–4 फरवरी 2018 को दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन डीएनएसीओएन–2018 के 20वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान 'क्लिनिकल एंड म्यूटेशन स्पेक्ट्रम ऑफ एओए2 : एन इंडियन परस्पेक्टिव' शीर्षक पर काम के लिए ई–पोस्टर प्रस्तुतीकरण में पहला पुरस्कार प्राप्त किया।

आचार्य गरिमा शुक्ला को डिवीजन ऑफ न्यूरोलॉजी, डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन, क्वीन यूनिवर्सिटी, किंग्स्टन, ओएन, कनाडा, जून 2017 में अतिथि आचार्य के रूप में आमंत्रित किया गया; पूर्ण आचार्य एपिलेप्सी एंड स्लीप स्पेशलिस्ट, डिवीजन ऑफ न्यूरोलॉजी, डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिनए क्वीन यूनिवर्सिटी, किंग्सटन, ओएन, कनाडा –नवंबर –2017 असाइनमेंट पर कार्यवाही, मई 2018 के रूप में नियुक्ति किया गया। कार्यकारी समिति, इंटरनेशनल रेस्टलेस लेग्स स्टडी ग्रूप – अक्टूबर 2017 में चुने गए; मनोनीत अध्यक्ष, वैज्ञानिक कार्यक्रम, स्लीप 2018 (एसोसिएटेड प्रोफेशन स्लीप सोसाइटीज, बाल्टीमोर, यूएसए की वार्षिक बैठक) (तीन में से एक); मार्च 2018 में आयोजित इंडियन स्लीप डिसऑर्डर एसोसिएशन, स्लीपकॉन 2018 की वार्षिक बैठक में 'स्लीप इन न्यूरोलॉजिकल एंड साइकाइट्री प्रैक्टिस' पर कार्यशाला के लिए कार्यशाला निदेशक के रूप में आमंत्रित किया गया।

आचार्य रोहित भाटिया सीएनएस टीबी समूह के संचालक है। भारत में अतिरिक्त फुफ्फुसीय तपेदिक के लिए राष्ट्रीय मार्गदर्शक हैं।

दीप्ति विभा ने एम्स, नई दिल्ली में स्ट्रोक और मल्टीपल स्क्लेरोसिस पर सार्वजनिक व्याख्यान में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया; क्लिनिकल महामारी विज्ञान इकाई, एम्स, नई दिल्ली में संकाय के रूप में चुना गया था; पीएमएसएसवाई चरण 3 परियोजना के लिए न्यूरोलॉजी से विशेषज्ञ तकनीकी समिति; एम्स वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य; वरिष्ठ रेजीडेंट क्विज़ मॉडरेशन, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन का 20वां वार्षिक सम्मेलन, 4 फरवरी 2018, नई दिल्ली।

विष्णु वी. वाई. डीएसटी–एसईआरबी अर्ली कैरियर रिसर्च अवॉर्ड 2017.

रूपा राजन गतिशीलता के विकारों के प्रबंधन पर इंटरनेशनल पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी टास्क फोर्स : अंतः विषय और एकीकृत देखभाल; डीएसटी–एसईआरबी अर्ली कैरियर रिसर्च अवॉर्ड 2017 के सदस्य के रूप में चुना गया था।

दीपा दाश आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 में निर्दिष्ट विकलांगों के मूल्यांकन और प्रमाणीकरण – न्यूरोलॉजिकल विकलांगता पर उप समिति के लिए सदस्य थीं।

राजेश कुमार सिंह विश्व एमएस दिवस – 31 मई, 2017 पर। जेएलएन ऑडिटोरियम,एम्स में एकाधिक स्क्लेरोसिस पर विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया; जेल हिरासत में मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को ईसीटी प्रशासित करने के दौरान प्रक्रिया के लिए मार्गदर्शक बनाने के लिए विशेषज्ञ पैनल का हिस्सा – 20 अगस्त 2017.

तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग

विशेषताएं

वर्ष 2017–18 में, न्यूरोसर्जरी विभाग ने न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में नई प्रगति सीखने पर केंद्रित कई कार्यशालाएं और सीएमई का आयोजन किया। प्रोफेसर रिचर्ड फेस्लर और प्रोफेसर ताकीजावा जैसे दिग्गज हमारे साथ सर्जरी करने आए। विभिन्न विषयों से 25 से अधिक डॉक्टरों की एक टीम का नेतृत्व प्रोफेसर ए. के. महापात्रा ने किया था और देश में क्रैनोपागस जुड़वा बच्चों का पहला सफल पृथक्करण किया गया था। प्रोफेसर ए. के. महापात्रा न्यूरोसाइंसेस सेंटर के अध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्त हुए और प्रोफेसर बी. एस. शर्मा ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति भी ली। इन महान व्यक्तियों के सक्षम नेतृत्व के तहत न्यूरोसर्जरी विभाग को पोषित किया गया और महान ऊंचाई हासिल की गई।

शिक्षा

साप्ताहिक आधार पर, संगोष्ठी / जर्नल क्लब / केस प्रेजेंटेशन / मृत्यु दर प्रस्तुतियां एम.सीएच. रेजीडेंट के लिए आयोजित की गईं। विभाग के संकाय ने शिक्षण में बहुत रुचि ली; वर्ष 2017–2018 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गईं।

नवाचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम – विभाग ने निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

1. **न्यूरोसर्जरी सिमुलेशन–आधारित शॉर्ट टर्म स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम :** न्यूरोसर्जरी स्किल्स ट्रेनिंग सुविधा (एनएसटीएफ) और न्यूरोसर्जरी एजुकेशन एंड ट्रेनिंग स्कूल (एनईटीएस) काम कर रही है और उन्होंने निम्नलिखित प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया है –
   - ☐ सिमुलेशन–आधारित न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सत्र : 1277
   - ☐ कैडवर आधारित खोपड़ी आधार विच्छेदन : 8 सत्र और 92 प्रतिभागी
   - ☐ सिमुलेशन–आधारित अल्पकालिक न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण = 29
     - o 4 सप्ताह अल्पकालिक प्रशिक्षण = 16
     - o 2 सप्ताह अल्पकालिक प्रशिक्षण = 13
   - ☐ न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण में ई–लर्निंग = 29
     - o सर्जिकल वीडियो = 1,11,879 व्यूस (476 लाइक, 978 शेयर)
     - o वेबसाइट व्यूस = 24,792 व्यूस
     - o चर्चा मंच = 8,669 लाइक

2. **अंग पुनः प्राप्ति करने वाले और बैंकिंग संगठन द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं में हमारे संस्थान और अन्य स्थानों पर कई संकाय, छात्रों और नर्सों को शिक्षण और प्रशिक्षण देना।**

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. दूसरा जापान–भारत उन्नत स्कल बेस और न्यूरोवेस्कुलर कार्यशाला, 18–20 सितंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली : 54 प्रतिभागी।
2. चौथी एम्स न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन 2017, 26–29 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।
3. 30वीं एम्स वार्षिक माइक्रो न्यूरोसर्जरी कार्यशाला, 15–17 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली।
4. जेपीएनएटीसी, एम्स में 6 और 7 मई, 2017 को आयोजित कॉम्प्लेक्स स्पाइनल ट्रामा पर 7वां लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप और संगोष्ठी।
5. 11–13 सितंबर 2017 तक आयोजित ई–स्वास्थ्य देखभाल में प्रौद्योगिकी के प्रभावी लागत पर 7वां अंतरराष्ट्रीय सीएमई और कार्यशाला।
6. 9–10 सितंबर 2017 से आयोजित एम्स उन्नत अल्ट्रासाउंड ट्रामा और लाइफ सपोर्ट कोर्स।
7. 4 फरवरी 2017, नई दिल्ली में आयोजित प्रथम एम्स लाइव ऑपरेटिव ओ–एआरएम कार्यशाला।
8. 5 सितंबर 2017 को जेपीएनएटीसी, एम्स में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के बाद जीवन पर संगोष्ठी।
9. रिसर्च एथिक्स एंड पब्लिकेशन (आरईएपी) पर कार्यशाला, 6 फरवरी 2017, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित की गई।
10. नई दिल्ली में 19 अप्रैल 2017 को आयोजित रिसर्च एथिक्स एंड पब्लिकेशन (आरईएपी) पर कार्यशाला।
11. एम्स, नई दिल्ली में 8 सितंबर 2017 को आयोजित रिसर्च एथिक्स एंड पब्लिकेशन (आरईएपी) पर कार्यशाला।
12. एम्स, नई दिल्ली में 18 जनवरी 2017 को आयोजित व्यक्तित्व विकास संचार और प्रस्तुति कौशल (पीडीसीपी) पर कार्यशाला।
13. एम्स, नई दिल्ली में 16–18 नवंबर 2017 को वार्षिक एम्स स्पाइन सर्जरी कार्यशाला।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान दिए गए

एस. एस. काले (14)

1 ओडोंटोइड स्क्रू निर्धारण की जटिलताएं या सीवी जंक्शन ट्रॉमा के लिए सर्जरी की जटिलताएं, दक्षिण अफ्रीका कांग्रेस 2017 के न्यूरोसर्जन की 26वीं सोसायटी, 3–6 अगस्त, 2017, कोस्टलैंड डरबन, दक्षिण अफ्रीका।

2 क्रैनियो–बेर्टेब्रल जंक्शन सर्जरी की जटिलताएं – 10 वर्षों में अध्याय सीखा, भारत के न्यूरोट्रामा सोसायटी के 26वें वार्षिक सम्मेलन, 11–13 अगस्त, 2017, ऊटी, तमिलनाडु।

3 स्पाइन सर्जरी में डरावनी जटिलताएं – रोकने और प्रबंधित करने के लिएसुझाव और चालें, एशिया प्रशांत स्पाइन सोसाइटी और एशिया–प्रशांत आर्थोपेडिक्स सोसाइटी के 11वें संयुक्त बैठक, बाल चिकित्सा आर्थोपेडिक सोसाइटी के अंतर्राष्ट्रीय संघ की 8वीं द्विवार्षिक बैठक और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर द एडवांसमेंट ऑफ स्पाइन सर्जरी की पूर्व बैठक, 22–24 सितंबर, 2017, पणजी, गोवा।

4 थोरेकोलंबर रीढ़ की हड्डी की चोट–दिशानिर्देश और साक्ष्य आधारित प्रबंधन, एशियाई ऑस्ट्रेलियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन, न्यूरोट्रामा एजुकेशन कोर्स एंड वर्कशॉप (एएएसएनएस), 4–5 नवंबर, 2017, भुवनेश्वर, ओडिशा।

5 सीवी जंक्शन की चोटों के साथ रोगी के प्रबंधन के लिए हालिया मार्गदर्शक, उन्नत और साक्ष्य, एशियन ऑस्ट्रेलियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन, न्यूरोट्रामा एजुकेशन कोर्स एंड वर्कशॉप (एएएसएनएस), 4–5 नवंबर, 2017, भुवनेश्वर, ओडिशा।

6 सिंड्रोमिक सरवाइकल कायफोसिस, एशिया–प्रशांत सरवाइकल स्पाइन सोसाइटी (एपीसीएसएस) की 11 वीं वार्षिक बैठक, 8–10 नवंबर, 2017, कैरो, मिस्र।

7 रीढ़ की हड्डी के उपकरण – बुनियादी आवश्यकता, चौथा वाल्टर ई डांडी न्यूरोसर्जिकल सोसायटी इंडिया चैप्टर इंटरनेशनल एजुकेशनल कोर्स, तीसरा वाल्टर ई डांडी माइक्रो वेस्कुलर अनास्टोमोस हैंड ऑन कार्यशाला और स्पाइन कार्यशाला का एनाटोमी अभ्यास, 4–6 जनवरी, 2018, आगरा, यूपी।

8 पृष्ठीय रीढ़ की हड्डी के बाद के पार्श्व दृष्टिकोण की सर्जिकल शरीर रचना। चौथा वाल्टर ई डांडी न्यूरोसर्जिकल सोसायटी इंडिया चैप्टर इंटरनेशनल एजुकेशनल कोर्स, तीसरा वाल्टर ई डांडी माइक्रो वेस्कुलर अनास्टोमोस की हैंड ऑन कार्यशाला और स्पाइन कार्यशाला का एनाटोमी अभ्यास, 4–6 जनवरी, 2018, आगरा, उ. प्र.।

9 एएलआईएफ, चौथा वाल्टर ई डांडी न्यूरोसर्जिकल सोसायटी इंडिया चैप्टर इंटरनेशनल एजुकेशनल कोर्स, तीसरा वाल्टर ई डांडी माइक्रो वेस्कुलर अनास्टोमोस की हैंड ऑन कार्यशाला और स्पाइन कार्यशाला का एनाटोमी अभ्यास, 4–6 जनवरी, 2018, आगरा, उ. प्र.।

10 सीवी जंक्शन–सिंहावलोकन, न्यूरोलॉजिकल सर्जन सोसाइटी ऑफ इंडिया का 7वां वार्षिक सम्मेलन, 23–25 फरवरी, 2018, वैज्ञानिक कन्वेंशन सेंटर, केजीएमयू, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

11 सिंड्रोमिक सरवाइकल कायफोसिस। 9वां इंटरनेशनल न्यूरोसर्जिकल सम्मेलन, 9–10 मार्च, 2018, बीएसएम मेडिकल यूनिवर्सिटी, ढाका, बांग्लादेश।

12 कंकोमिटेंट सरवाइकल एंड लुम्बर स्पोंडिलोसिस, 9वां इंटरनेशनल न्यूरोसर्जिकल सम्मेलन, 9–10 मार्च, 2018, बीएसएम मेडिकल यूनिवर्सिटी, ढाका, बांग्लादेश।

13 सिंड्रोमिक सरवाइकल कायफोसिस, सर्विकिल स्पाइन रिसर्च सोसाइटी एशिया प्रशांत अनुभाग की 9वीं वार्षिक बैठक, 22–24 मार्च, 2018, नई दिल्ली।

14 कंकोमिटेंट सरवाइकल एंड लुम्बर स्पोंडिलोसिस, सरवाइकल स्पाइन रिसर्च सोसाइटी एशिया पेसीफीक सेक्सन की 9वीं वार्षिक बैठक, 22–24 मार्च 2018, नई दिल्ली।

पी. एस. चंद्रा (8)

1. नई अभिनव तकनीकों का उपयोग करते हुए अटलांटो–अक्षीय विस्थापन और बेसिलर आक्रमण को कम करना : डीसीईआर सिद्धांत, द हनोवर इंटरनेशनल न्यूरोसर्जिकल कांग्रेस 2017, 17–19 जून, 2017, इंटरनेशनल न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट, जर्मनी।
2. इंट्राऑपरेटिव टूटने वाला एन्यूरिज्मः प्रबंधन, 7वां अंतरराष्ट्रीय न्यूरोसर्जरी अपडेट, 24–25 जून 2017, मुंबई।
3. मिर्गी सर्जरी पर व्याख्यान, न्यूरोलॉजिकल सर्जरी का 17वां एशियन कांग्रेस और इंडोनेशिया का 7वां राष्ट्रीय कांग्रेस, 19–22 जुलाई, 2017, यूनिवर्सिटी ऑफ मलाया, कुआलालंपुर, मलेशिया।
4. ''एमआरआई नकारात्मक मिर्गी : मूल्यांकन और शल्य चिकित्सा प्रबंधन" और "सत्र 9ः मिर्गी : सर्जिकल पहलुओं" के दौरान "मिर्गी के शल्य चिकित्सा के बाद शल्य चिकित्सा उपचार" के लिए एक विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में, मिर्गी सम्मेलन 2017, 5 और 6 अगस्त 2017, हैदराबाद।
5. ''दवा अपवर्तक मिर्गी के लिए सर्जिकल कार्यनीतियों को तैयार करने के लिए एपिलेप्टोजेनिक नेटवर्क की पहचान करना", तीसरा जेआईपीएमईआर अनुसंधान दिवस, 10–11 सितंबर 2017, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी।
6. ''एमआरआई नकारात्मक दवा प्रतिरोधी मिर्गी में एपिलेप्टोजेनिक फोकस को स्थानांतरित करने के लिए एसईईजी की भूमिका को अनुकूलित करना, इंडियन सोसाइटी ऑफ स्टेरोटैक्टिक और फंक्शनल न्यूरोसर्जरी का 15वां वार्षिक सम्मेलन, 15–16 सितंबर 2017, न्यूरोसर्जरी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।
7. न्यूनतम आक्रमणकारी मिर्गी सर्जरी और डीसीईआर का उपयोग करके बेसिलर आक्रमण को कम करना, न्यूरोलॉजिकल सर्जन का सम्मेलन, 7–11 अक्टूबर, 2017, बोस्टन, यूएसए।
8. सेलर–सुपरसेलर ट्यूमर के लिए रोबोटिक निर्देशित एंडोस्कोपिक ट्रांस नेसल ट्रांससेप्टल दृष्टिकोण, 19वां वार्षिक स्कल बेस सर्जरी सोसायटी सम्मेलन (स्कलबसेकॉन 2017) 27–29 अक्टूबर 2017, कोच्चि, केरल।

आशीष सूरी (36)

1. व्याख्यान और 3डी वीडियो – ऊपरी मस्तिष्क घाव : सर्जिकल दृष्टिकोण। 3डी तंत्रिका शरीर रचना विज्ञान और तंत्रिका शल्य चिकित्सा दृष्टिकोण पाठ्यक्रम, 2 से 6 मार्च, 2017, एलिकेंट, स्पेन।
2. क्लिपिंग न्यूरिज्म के लिए कार्यनीतियां, द्वितीय अंतरराष्ट्रीय तंत्रिका शल्य चिकित्सा पाठ्यक्रम, 7 से 10 मार्च, 2017, मगला, स्पेन।
3. फोरामन मैग्नेम मेनिंगिओमा, दूसरा अंतर्राष्ट्रीय न्यूरोसर्जरी कोर्स, 7 वीं से –10 मार्च, 2017. मगला, स्पेन।
4. हाइ ग्रेड ग्लियोमास – ट्रस्ट्स बनाम हाइप, तंत्रिकाविज्ञान सर्जन सीएनएस–2017 के महासम्मेलन का वार्षिक सम्मेलन, 7 से 11 अक्तूबर 2017, बूस्टन, मैसेश्यूट्स, यूएसए।
5. वयस्कों में कम ग्रेड ग्लियोमा – सर्जिकल तकनीकें, तंत्रिकाविज्ञान सर्जन सीएनएस–2017 के महासम्मेलन का वार्षिक सम्मेलन, 7 से 11 अक्तूबर 2017, बूस्टन, मैसेश्यूट्स, यूएसए।
6. भारत में एन्यूरिज्म उपचार में रुझान, तंत्रिकाविज्ञान सर्जन सीएनएस–2017 के महासम्मेलन का वार्षिक सम्मेलन, 7 से 11 अक्तूबर 2017, बूस्टन, मैसेश्यूट्स, यूएसए।
7. न्यूरोसर्जरी में स्टिमुलेशन आधारित कौशल प्रशिक्षण : भारतीय अनुभव, तंत्रिकाविज्ञान सर्जन सीएनएस–2017 के महासम्मेलन का वार्षिक सम्मेलन, 7 से 11 अक्तूबर 2017, बूस्टन, मैसेश्यूट्स, यूएसए।
8. कुशिंग रोगों का सर्जिकल उपचार : 123 रोगियों का अनुभव, तंत्रिकाविज्ञान सर्जन सीएनएस–2017 के महासम्मेलन का वार्षिक सम्मेलन, 7 से 11 अक्तूबर 2017, बूस्टन, मैसेश्यूट्स, यूएसए।
9. मोया रोग : 136 रोगियों का एकल केंद्र अनुभव, तंत्रिकाविज्ञान सर्जन सीएनएस–2017 के महासम्मेलन का वार्षिक सम्मेलन, 7 से 11 अक्तूबर 2017, बूस्टन, मैसेश्यूट्स, यूएसए।
10. विशाल पिट्यूटरी एडेनोमा के लिए एंडोस्कोपिक एंडोनेसल दृष्टिकोण : 37 मामलों का एक एकल सर्जन अनुभव, न्यूरोलॉजिकल सर्जनों की कांग्रेस का वार्षिक सम्मेलन सीएनएस–2017, 7 वीं से –11 अक्टूबर 2017, बोस्टन, मैसाचुसेट्स, यूएसए।
11. संशोधित एंटीरियर ट्रांसपेट्रोसल रहोम्बोइड दृष्टिकोण द्वारा उपचारित स्फेनो–पेट्रो–क्लिवल मेनिनजियोम : 38 रोगियों का एक एकल सर्जन अनुभव, तंत्रिकाविज्ञान सर्जन सीएनएस–2017 के महासम्मेलन का वार्षिक सम्मेलन, 7 से 11 अक्तूबर 2017, बूस्टन, मैसेश्यूट्स, यूएसए।
12. न्यूरोसर्जरी में सिमुलेशन : कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए प्रस्ताव, तंत्रिकाविज्ञान सर्जन सीएनएस–2017 के महासम्मेलन का वार्षिक सम्मेलन, 7 से 11 अक्तूबर 2017, बूस्टन, मैसेश्यूट्स, यूएसए।
13. एंटीरियर ट्रांसपेट्रोसल : नैदानिक अनुप्रयोग, शरीर रचना और तकनीकें, 3डी न्यूरोफेस्ट, 26 से 28 जनवरी, 2017, नारायण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, जयपुर, राजस्थान,।
14. एंडोस्कोपिक तीसरा वेंट्रिकुलोस्टॉमी : वयस्कों और बच्चों में जटिलताओं और दीर्घकालिक परिणाम, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन डीएनएसीओएन – 2017 की वार्षिक बैठक, 4 से 5 फरवरी, 2017, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।
15. एंटीरियर ट्रांसपेट्रोसल दृष्टिकोण, जापान इंडिया एडवांस्ड स्कल बेस और न्यूरोवेस्कुलर वर्कशॉप, 13 से 15 फरवरी, 2017, एम्स, नई दिल्ली।
16. इंट्रावेंट्रिकुलर एंडोस्कोपी, जापान इंडिया एडवांस्ड स्कल बेस और न्यूरोवेस्कुलर वर्कशॉप, 13 से 15 फरवरी, 2017, एम्स, नई दिल्ली।
17. सीएनएस पुनर्संरचना : सर्जिकल तकनीकें, इंडिया एडवांस्ड स्कल बेस और न्यूरोवेस्कुलर वर्कशॉप, 13 से 15 फरवरी, 2017, एम्स, नई दिल्ली।
18. कवेरनस साइनस के दृष्टिकोण : चुनौतियां और विवाद, न्यूरोटोलॉजी और लेटरल स्कल बेस सर्जरी कार्यशाला, 24 से 26 फरवरी, 2017, नानावटी अस्पताल, मुंबई, महाराष्ट।
19. एंटीरियर ट्रांसपेट्रोसल दृष्टिकोण, न्यूरोटोलॉजी और लेटरल स्कल बेस सर्जरी कार्यशाला, 24 से 26 फरवरी, 2017, नानावटी अस्पताल, मुंबई, महाराष्ट।
20. एएएसपीएन वीडियो सत्र – मैं यह कैसे करता हूं : पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी के लिए एशियन ऑस्ट्रेलियन सोसाइटी का दूसरा महा सम्मेलन और पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी के लिए इंडियन सोसाइअी का इंडस्पन 2017 का 28वां वार्षिक सम्मेलन, 24 से 26 मार्च, 2017, मुंबई, महाराष्ट्र।

21. विशेषज्ञों के साथ वाद विवाद वीडियो सत्र : मोया रोग : सर्जिकल तकनीकें, पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी के लिए एशियन ऑस्ट्रेलियन सोसाइटी का दूसरा महा सम्मेलन और पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी के लिए इंडियन सोसाइअी का इंडस्पन 2017 का 28वां वार्षिक सम्मेलन, 24 से 26 मार्च, 2017, मुंबई, महाराष्ट्र।
22. एएएसपीएन वीडियो सत्र – मैं यह कैसे करता हूं : ईटीवी, पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी के लिए एशियन ऑस्ट्रेलियन सोसाइटी का दूसरा महा सम्मेलन और पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी के लिए इंडियन सोसाइअी का इंडस्पन 2017 का 28वां वार्षिक सम्मेलन, 24 से 26 मार्च, 2017, मुंबई, महाराष्ट्र।
23. ईटीवी – प्रभाव और परिणाम, न्यूरोएंडोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया का चौथा वार्षिक सम्मेलन, 7 – 9 अप्रैल, 2017, जयपुर, राजस्थान।
24. जायंट पिट्यूटरी एडेनोमास – सर्जिकल चुनौतियां, न्यूरोएंडोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया का चौथा वार्षिक सम्मेलन, 7 – 9 अप्रैल, 2017, जयपुर, राजस्थान।
25. कोर्डोमास के लिए विस्तारित एंडोस्कोपिक एंडोनसल दृष्टिकोण – विडियो सत्र, न्यूरोएंडोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया का चौथा वार्षिक सम्मेलन, 7 – 9 अप्रैल, 2017, जयपुर, राजस्थान।
26. माइक्रोवेस्कुलर एनास्टोमोसिस, प्रथम एम्स भोपाल माइक्रोन्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला, 19 अगस्त, 2017, एम्स, भोपाल, मध्य प्रदेश।
27. कैवर्नस साइनस और एंटीरियर ट्रांसपेट्रस दृष्टिकोण सर्जिकल शरीर रचना और नैदानिक अनुप्रयोग, दूसरी जापान इंडिया एडवांस्ड स्कल बेस एण्ड न्यूरोवेस्कुलर कार्यशाला, 18 – 20 सितंबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली।
28. सर्जिकल वीडियो : एंडोस्कोपिक एंडोनसल स्कल बेस दृष्टिकोण, दूसरी जापान इंडिया एडवांस्ड स्कल बेस एण्ड न्यूरोवेस्कुलर कार्यशाला, 18 – 20 सितंबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली।
29. सर्जिकल वीडियो : जटिल एन्यूरियम्स की क्लिपिंग, दूसरी जापान इंडिया एडवांस्ड स्कल बेस एण्ड न्यूरोवेस्कुलर कार्यशाला, 18 – 20 सितंबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली।
30. सर्जिकल वीडियो : रिवेस्कुलराइजेशन सर्जरी, दूसरी जापान इंडिया एडवांस्ड स्कल बेस एण्ड न्यूरोवेस्कुलर कार्यशाला, 18 – 20 सितंबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली।
31. विशाल एन्यूरिज्म के लिए माइक्रोसर्जिकल क्लिपिंग कार्यनीतियों, सेरेब्रोवेस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया की 17वीं वार्षिक बैठक (न्यूरोवेस्कॉन –2017), 16 – 17 सितंबर, 2017, नई दिल्ली।
32. सेंट्रल स्कल बेस – विवाद और चुनौतियां, स्कल बेस सर्जरी सोसाइटी ऑफ इंडिया का 19वां वार्षिक सम्मेलन, 27 – 29 अक्टूबर, 2017, कोच्चि, केरल।
33. स्कल बेस सर्जरी विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्कल बेस सर्जरी सोसाइटी ऑफ इंडिया का 19वां वार्षिक सम्मेलन, 27 – 29 अक्टूबर, 2017, कोच्चि, केरल।
34. मूल माइक्रोस्कोपिक और एंडोस्कोपिक प्रशिक्षण, न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया एनएसआईसीओएन 2017 का 66वां वार्षिक सम्मेलन, 30 नवंबर से 3 दिसंबर, 2017, नागपुर।
35. न्यूरोसर्जरी में सिमुलेशन, इंडो जापान न्यूरोसर्जिकल बैठक, 3 से 4 मार्च, 2018, हैदराबाद।
36. 3 डी न्यूरोसर्जरी ऑपरेटिव वीडियो प्रस्तुति, इंडो जापान न्यूरोसर्जिकल बैठक, 3 से 4 मार्च, 2018, हैदराबाद।

मनमोहन सिंह (5)

1. मूवमेंट डिसऑर्डर्स का सर्जिकल प्रबंधन, मूवमेंट डिसऑर्डर्स का राष्ट्रीय सम्मेलन, 8 अप्रैल, 2014, कानपुर, उ.प्र.।
2. केवेरनस साइनस ट्यूमर का प्रबंधन, चौथा मस्तिष्क और स्पाइन कार्यशाला, 15–16 जून 2017, जबलपुर।
3. गामा नाइफ रेडियोसर्जरी की जटिलताएं, भारतीय इंडियन सोसाइटी फॉर स्टेरियोटेटिक और फंक्शनल न्यूरोसर्जरी का 15वां सम्मेलन, 14–16 सितंबर 2017, चंडीगढ।
4. इंट्राक्रेनियल एक्स्ट्राक्रेनियल बायपास सर्जरी, इंडो जापान न्यूरोसर्जरी स्कल बेस एण्ड वेस्कुलर बैठक, अक्तूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।
5. कैवर्नस साइनस घाव–सर्जिकल प्रबंधन, स्कल बेस सर्जरी सोसाइटी की 19वीं वार्षिक बैठक,7–29 अक्टूबर 2017, कोच्चि, केरल।

दीपक गुप्ता (11)

1. टीबीआई उपचार में सर्जिकल प्रगति, केरल न्यूरोसर्जरी सोसायटी, 8–9 अप्रैल 2017, केरल।
2. टीबीआई में बहुआयामी निगरानी, न्यूरो संगोष्ठी न्यूरोट्रॉमा, 19 –21 अप्रैल 2017, चीन।
3. बाल चिकित्सा हैड ट्रॉमा, लघु अवधि अध्येतावृत्ति, 1–8 जून 2017, इटली।
4. टीबीआई में आईसीपी निगरानी, न्यूरोट्रॉमा 2017, 11 –13 अगस्त 2017, ऊटी, तमिलनाडु।
5. क्रेनियोसिनोस्टोसिस में फ्रंट कक्षीय उन्नति, एनएसआईसीओएन 2017, 30 नवंबर–3 दिसंबर 2017, नागपुर।
6. सेंटर टीबीआई ग्लोबल रजिस्ट्री पर भारतीय डेटा, टीबीआई बैठक, 10 –12 सितंबर 2017, बेल्जियम।
7. कॉम्प्लेक्स स्पाइन ट्रॉमा, नेपाल न्यूरो सम्मेलन, 22–23 अक्तूबर 2017, नेपाल।
8. टी4टी एओ न्यूरो संकाय पाठ्यक्रम, एओ पाठ्यक्रम, 12 – 13 अगस्त 2017, हॉन्ग कॉन्ग।
9. क्रेनियोफेगस जुड़वां जटिलताओं, आईएनडीएसपीएन 2018, 31 जनवरी– 4 फरवरी 2018, हैदराबाद
10. स्पाइन ट्रॉमा में आईओएनएम की केस आधारित चर्चा, आईओएनएम, 22–24 फरवरी 2018, कोलकाता।
11. डिकंप्रेसिव क्रेनियोक्टॉमी प्रमाण आधारित दिशानिर्देश, इंडो जापान संयुक्त सम्मेलन, तीसरी–4 मार्च 2018, सिकंदराबाद।

दीपक अग्रवाल (5)

1. टेलीमेडिसिन और इलेक्ट्रॉनिक परामर्श में कानूनी, नैतिक और प्रशासनिक मुद्दे, ''स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र में कानूनी और नैतिक चुनौतियां'' पर सम्मेलन, 20 मई 2017, मेनकेशा कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली।
2. डिजिटल इंडिया के युग में स्मार्ट स्वास्थ्य देखभाल, एलिट्स 7वें हेल्थकेयर लीडर फोरम, 30 जून, 2014, होटल रॉयल प्लाजा, नई दिल्ली।
3. स्वास्थ्य देखभाल में नवाचार और सफलता प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल में लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी पर 7वीं अंतरराष्ट्रीय सीएमई और कार्यशाला, 11–13 सितंबर 2017, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
4. वेस्टिबुलर स्क्वानोमास में पोस्ट गामा नाइफ के बढ़ता ट्यूमर का आकार : प्रगति या छद्म प्रगति, इंडियन सोसाइटी फॉर स्टीरियोटैक्टिक एंड फंक्शनल न्यूरोसर्जरी का 15वां सम्मेलन, 15–16 सितंबर, 2017, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड ईरिसर्च, चंडीगढ़।
5. एंड्रॉइड आधारित लागत प्रभावी वेंटिलेटर, दूसरा वार्षिक मैक्स हेल्थकेयर रोगी सुरक्षा सम्मेलन, 22–23 सितंबर 2017, नई दिल्ली।

विवेक टंडन (10)

1. मस्तिष्क मृत्यु और इसके प्रमाणन, मृतक अंगों और ऊतक दान और प्रत्यारोपण पर स्टेक होल्डर का अभिविन्यास, 8 मई, 2017, आईजीआईएमएस, पटना।
2. सिर की चोट प्रबंधन – केस आधारित चर्चा, एओ न्यूरोट्रॉमा कार्यशाला, अक्तूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।
3. पोस्ट ट्रॉमेटिक हाइड्रोसेफलस, वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन, अक्तूबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली
4. लम्बर स्पाइन स्टेनोसिस के लिए संलयन – सुरक्षित या एक अनिवार्य बोझ? स्पिनकॉन 2018, 2 फरवरी, 2018, गुड़गांव।
5. बुजुर्गों में ओडोंटॉइड फ्रैक्चर्स, स्पिनकॉन 2018, 2 फरवरी, 2018, गुड़गांव।
6. ट्यूमर बोर्ड – ग्लियोमा सर्जरी, ग्लिओमा सर्जरी में मास्टरक्लास, 28 जनवरी, 2018, टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई।
7. ग्लिओमा शोधन के लिए न्यूरोमॉनिटरिंग और न्यूरोइमेजिंग का उपयोग, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन मीट, 10 मार्च, 2018, एम्स, नई दिल्ली।
8. ग्लिओमा में शोधन की सीमा को अनुकूलित करना, 7वें एनएसएसआईसीओएन, 24 फरवरी, 2018, केजीएमसी, लखनऊ।
9. एमआईएस तकनीकों का उपयोग करते हुए आईडीईएम शोधन, एम्स स्पाइन सर्जरी कार्यशाला, 17 नवंबर, 2018, एम्स, नई दिल्ली।
10. विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र : मिथकों और तथ्यों, दूरसंचार विभाग द्वारा सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम, 27 फरवरी, 2018, एसएनएमएस, जयपुर।

पंकज सिंह (2)

1. सी1 हैंगमन फ्रैक्चर के प्रबंधन में विकास, 7वें एम्स कॉम्प्लेक्स स्पाइन लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप, 6–7 2017, एम्स, नई दिल्ली।
2. हैंगमन फ्रैक्चर, एएनटीसी के प्रबंधन में विकास, एएनटीसी, 26 – 29 अक्तूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।

सचिन बोरकर (12)

1. जटिल थोरकोलंबट्रॉमा में फ्री हैंड बनाम सी–आर्म / ओ–आर्म निर्देशित पेडिकल स्क्रू प्लेसमेंट, न्यूरोट्रॉमा सोसायटी ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन, 13 अगस्त 20.17, स्टर्लिंग फर्निहिल, ऊटी।
2. क्रेनियल तंत्रिका 360 डिग्री शरीर रचना, विश्व न्यूरोसाइंसेस शिखर सम्मेलन, 18–20 अगस्त, 2017, नई दिल्ली।
3. सर्जिकल घाव के दृष्टिकोण, विश्व न्यूरोसाइंसेस शिखर सम्मेलन, 18–20 अगस्त, 2017, नई दिल्ली।
4. बड़े वेस्टिबुलर स्वानोनामा के लिए सर्जरी में फेशियल नर्व फंक्शन के संरक्षण हेतु पूर्व शल्य चिकित्सा चेहरे तंत्रिका डीटीआई ट्रैक्टोग्राफी की प्रभावशीलता : एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन के अंतरिम परिणाम, 16 डब्ल्यूएफएनएस विश्व महा सम्मेलन, 20–25 अगस्त 2017, कन्वेंशन सेंटर, इस्तांबुल।
5. जटिल स्पाइन विकृतियां : चुनौतियां, अवसर और परिणाम, न्यूरो–स्पाइनल सर्जन एसोसिएशन (एनएसएसए) भारत की वार्षिक बैठक, 29 सितंबर – 1 अक्तूबर, 2017, नई दिल्ली।
6. जटिल थोराकोलुम्बर स्पाइनल आघात : वर्तमान प्रबंधन अवलोकन और नया क्या है? वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन (एएनटीसी–2017), 26–29 अक्तूबर, 2017, नई दिल्ली, भारत।
7. बड़े वेस्टीबुलर स्वानोमा के लिए सर्जरी में चेहरे तंत्रिका समारोह के संरक्षण के लिए पूर्व शल्य चिकित्सा चेहरे तंत्रिका डीटीआई ट्रैक्टोग्राफी की प्रभावशीलता : एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन के अंतरिम परिणाम, भारत की न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी की वार्षिक बैठक, 30 नवंबर – 3 दिसंबर, 2017, नागपुर।
8. गर्भाशय ग्रीवा पार्श्व द्रव्यमान प्लेसमेंट, वर्ष के दौरान कैडवेरिक कार्यशाला, (मौखिक), स्पिनकॉन–2018; रीढ़ की सर्जरी में पहला वार्षिक मास्टर पाठ्यक्रम, 2–4 फरवरी 2018, गुड़गांव।
9. गर्भाशय ग्रीवा डिस्क आर्थ्रोप्लास्टी, स्पाइनकॉन–2018; रीढ़ सर्जरी में पहला वार्षिक मास्टर पाठ्यक्रम, 2–4 फरवरी 2018, गुड़गांव।
10. आघात संबंधी अटलांटो–अक्षीय विस्थापन, स्पाइनकॉन–2018; रीढ़ सर्जरी में पहला वार्षिक मास्टर पाठ्यक्रम, 2–4 फरवरी 2018, गुड़गांव।
11. प्राथमिक कशेरुका शरीर ट्यूमर : निदान और प्रबंधन (मौखिक), स्पाइनकॉन–2018; स्पाइन सर्जरी में प्रथम वार्षिक मास्टर पाठ्यक्रम, 2–4 फरवरी 2018, गुड़गांव।
12. गर्भाशय ग्रीवा डिस्क प्रतिस्थापन बनाम एसीडीएफ (मौखिक), एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला, 13–15 फरवरी 2018, एम्स, नई दिल्ली।

हितेश कुमार (2)

1 प्रबंधन के पोस्टीरियर फोसा–न्यूनेसेस के ठोस हेमोजियोब्लास्टोमा, न्यूरोवेस्कॉन 2017 (सेरेब्रोवेस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया), 17 सितंबर 2017, दिल्ली।

2 सबअर्कानॉइड हेमोरेज–निदान और प्रबंधन, सीएमई, न्यूरोक्लब, 15 अप्रैल 2017, आगरा।

शाश्वत मिश्रा (5)

1. एसटीए–एमसीए बाईपास, सफलता के लिए विधि, न्यूरोवेस्कॉन 2017 (सेरेब्रोवेस्कुलर सोसाइटी ऑफ इंडिया), 16 सितंबर 2017, दिल्ली।
2. पुनर्सरचनाकरण सर्जरी की भूमिका, पोस्ट सीओएसएस परीक्षण, भारत के न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन, 2017, 30 नवंबर 2017, नागपुर।
3. रिवेस्कुलरिजेशन सर्जरी : एसटीए–एमसीए बाईपास की कला और विज्ञान, आगरा न्यूरो क्लब वार्षिक अपडेट, 2017, 15 अप्रैल 2017, आगरा।
4. दुश्मन क्षेत्र के लिए शल्य चिकित्सा प्रयास – घाव तक पहुंचने के लिए दृष्टिकोण कैसे, विश्व न्यूरोसाइंसेस सम्मेलन 2017, 18 अगस्त 2017, नई दिल्ली।

5. दुश्मन क्षेत्र के लिए शल्य चिकित्सा हड़ताल – घाव तक पहुंचने के लिए दृष्टिकोण कैसे, विश्व न्यूरोसाइंसेस सम्मेलन 2017, 18 अगस्त 2017, नई दिल्ली।
6. एक गोलाकार पथ पर यात्रा करने का समय – क्रेनियल नर्व्स, विश्व न्यूरोसाइंसेस समिट 2017, 18 अगस्त 2017, नई दिल्ली।

श्वेता केडिया (9)

1. रीढ़ की हड्डी की चोट, एडवांस्ड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस), 4–6, मई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
2. बाल चिकित्सा आघात, एडवांस्ड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस), 4–6 मई, 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
3. इंट्रा क्रैनियल प्रेशर मैनेजमेंट को बढ़ाना, दूसरा एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस), अक्टूबर, 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
4. इंट्रा क्रैनियल प्रेशर मैनेजमेंट को बढ़ाना, तीसरा एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस), फरवरी, 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
5. मस्तिष्क स्टेम मृत्यु का निदान और पहचान, ओआरबीओ, जून, 2017, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली।
6. मस्तिष्क स्टेम मृत्यु का निदान और पहचान, ओआरबीओ, नवंबर, 2017, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली।
7. इंट्रा क्रैनियल प्रेशर की निगरानी और सेरेब्रल माइक्रोडियालिसिस, न्यूरोक्रिटिकल केयर वर्कशॉप, न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट, अक्टूबर, 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
8. पेट का आघात, एटीएलएस, जुलाई, 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
9. सिर का आघात, एटीएलएस, जुलाई, 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।

दत्ताराज सावरकर (2)

1. मस्तिष्क स्टेम मृत्यु मानदंड का निदान और प्रमाणीकरण, मस्तिष्क स्टेम मृत्यु पर सीएमई, 17 मई 2017, सीएमईटी, एम्स, दिल्ली।
2. दांत के फ्रैक्चर का प्रबंधन, एम्स वार्षिक परिसर स्पाइन कार्यशाला 2017, मई 2017, जेपीएटीसी, एम्स, दिल्ली।

मनोज फलक (5)

1. मस्तिष्क मेटास्टेसिस– –न्यूरोसर्जिकल परिप्रेक्ष्य, न्यूरोऑन्कोलॉजी स्नातकोत्तर अद्यतन, आईआरसीएच, 28 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।
2. रीढ़ की हड्डी की सर्जरी – चुनौती वाले मामलें 7वीं वार्षिक एम्स स्पाइन सर्जरी कार्यशाला 2017, 17 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।
3. मस्तिष्क की मृत्यु का निदान और प्रमाणीकरण, मृतक अंग और ऊतक दान – रेजीडेंट के लिए, 13 फरवरी 2018, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली।
4. मस्तिष्क की मृत्यु का निदान और प्रमाणीकरण, मृतक अंग और ऊतक दान – रेजीडेंट के लिए, 20 मार्च 2018, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली।
5. मस्तिष्क की मृत्यु का निदान और प्रमाणीकरण, मृतक अंग और ऊतक दान – नर्सों के लिए, 20 सितंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।

प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर की सूची

1. बीर एम, गुप्ता यू, पटेल एसके, नेटम आर, सिंह ए, केडिया एस, बोरकर एस, काले एसएस, चंद्रन डी, रथ जीपी, जारयल एके. डी वेव रीढ़ की न्यूरोसर्जरी के दौरान मोटर ट्रैक्ट की अंतःक्रियात्मक निगरानी के लिए टीसीएमईपी (ट्रांसक्रैनियल मोटर विकसित संभावित) से बेहतर है, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट और फार्माकोलॉजिस्ट का वार्षिक सम्मेलन, अक्टूबर, 2017, भारत।
2. बोरकर एसए, चंद्र पीएस, एएडी और बीआई (ओरल) को कम करने के लिए एक नई तकनीक, दिल्ली स्पाइन सोसायटी द्विपक्षीय बैठक, जनवरी 2018, आईएचसी, नई दिल्ली, भारत।
3. बोरकर एसए. डिजेनेरेटिव लम्बर स्पोंडिलोलिस्थेसिस : फ्यूज कब करें? वार्षिक एम्स स्पाइन कार्यशाला, 16–18 नवंबर 2017, एम्स, नई दिल्ली, भारत।
4. बोरकर एसए, काले एसएस. एंकोंड्रोप्लासिया में सीवीजे विसंगतियां, भारत, दिल्ली स्पाइन सोसायटी द्विपक्षीय बैठक, 17 नवंबर 2017, नई दिल्ली, भारत।

5. बोरकर एसए, काले एसएस. सीवीजे और सरवाइकल स्पाइन विसंगतियां : समस्याएं और राहत पैकेज, सरवाइकल स्पाइन रिसर्च सोसाइटी (सीएसआरएस) – एशिया प्रशांत अनुभाग वार्षिक बैठक, 22–24 मार्च, 2018, गुड़गांव, भारत।
6. बोरकर एसए, कुमार अंबुज, महापात्रा एके. पेट्रोस अस्थायी हड्डी (ई–पोस्टर) का परिपक्व टेराटोमा, 15 डब्ल्यूएफएनएस वर्ल्ड कांग्रेस, 25 अगस्त 2017, इस्तांबुल।
7. बोरकर एसए. पोस्ट–लैमिनेक्टोमी सरवाइकल कायफोसिस; (ओरल), दिल्ली स्पाइन सोसाइटी की वार्षिक बैठक, 31 मार्च – 1 अप्रैल 2018, मानेसर, भारत।
8. बोरकर एसए. न्यूरोसर्जरी में हाल की प्रगति। एम्स नर्सिंग अद्यतन, 8–9 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली, भारत।
9. बोरकर एसए, समला आर, गर्ग ए, सूरी ए. बड़े वेस्टिबुलर स्कैननोमा में चेहरे तंत्रिका डीटीआई ट्रैक्टोग्राफी : क्या यह उपयोगी है? दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन मासिक बैठक, मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली, भारत।
10. बोरकर एसए, समला आर, सूरी ए, काले एसएस. अतिरिक्त औषधीय छिद्र मैग्नेम ट्यूमर : तकनीकी बारीकियां और परिणाम। सरवाइकल स्पाइन रिसर्च सोसाइटी (सीएसआरएस) – एशिया प्रशांत अनुभाग वार्षिक बैठक, 22–24 मार्च, 2018, गुड़गांव, भारत।
11. बोरकर एसए, सांगानी एमएस, काले एसएस. टंडेम स्पाइनल स्टेनोस : इंस्टीट्यूशनल अनुभव, (ई–पोस्टर),15 डब्लूएफएनएस वर्ल्ड कांग्रेस, 25 अगस्त 2017, कन्वेंशन सेंटर, इस्तांबुल।
12. बोरकर एसए. सर्जिकल साइट संक्रमण, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण सम्मेलन, 15–16 मार्च, 2018, एम्स, नई दिल्ली, भारत।
13. सावरकर डी, शर्मा बीएस। न्यूरोएंडोस्कोपी में सुझाव और युक्तियां, न्यूरोएंडोकॉन 2017 (न्यूरोएंडोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन), 7–9 अप्रैल 2017, जयपुर, भारत।
14. सावरकर डी, शर्मा बीएस, सूरी ए, चंद्र पीएस, काले एसएस, महापात्रा एके. तीन आयामी न्यूरोएंडोस्कोपी : हमारा प्रारंभिक अनुभव, एनएसआईसीओएन 2017, 30 नवम्बर – 3 दिसंबर 2017, नागपुर, भारत।
15. सावरकर डी, शर्मा बीएस, सूरी ए, चंद्र पीएस, काले एसएस. 3–डेंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी : सुझाव और युक्तियां और हमारे प्रारंभिक अनुभव, न्यूरोएंडोकॉन 2018, 31 मार्च – 4 अप्रैल 2018, जबलपुर, म. प्र., भारत।
16. सावरकर डी, सिंह पीके, शर्मा बीएस. न्यूमोसेला का प्रबंधनः एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी की एक दुर्लभ जटिलता, न्यूरोएंडोकॉन 2017 (न्यूरोएंडोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन), 7–9 अप्रैल 2017, जयपुर, भारत।
17. सावरकर डी, वर्मा एसके, सिंह पीके, काले एसएस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके. तनाव निमोसेला के एंडोस्कोपिक डिकम्प्रेशन ने विशाल पिट्यूटरी एडिनोमा के ह्यूपॉथैलेमिक डिसफंक्शन पोस्ट एक्ज़िन के कारण – अत्यंत दुर्लभ जटिलता की रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा, आईएफएनई कांग्रेस 2017, 1–3 नवंबर 2017, सेंचुरी सिटी कॉन्फ्रेंस सेंटर, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका।
18. सावरकर डी, वर्मा एसके, काले एसएस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके. चौथे वेंट्रिकल न्यूरोसाइटोसरकोसिस के एंडोस्कोपिक प्रबंधन : चार मामलों की मामला श्रृंखला और नई तकनीक का विवरण, आईएफएनई कांग्रेस 2017, 1–3 नवंबर 2017, सेंचुरी सिटी कॉन्फ्रेंस सेंटर, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका।
19. डोडामानी आरएस, मीना आर, सावरकर डी, सिंह पीके, चंद्र पीएस, काले एसएस. बाल चिकित्सा सुपरटेंटोरियल एपिंडायमोमास, एसएफएनसी 2018, 27–30 मार्च 2018, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, ग्रेनोबल, फ्रांस।
20. डोडामानी आरएस, बजाज जे, शबरी केवी, टंडन वी, चंद्र पीएस. हाइपोथैलेमिक हामार्टोमास का न्यूनतम आक्रमणकारी प्रबंधन, ईसीओएन 2017 (मिर्गी सम्मेलन), 2–4 फरवरी 2018, निम्हांस, बेंगलुरु, भारत।
21. डोडामानी आरएस, मीना आर, सावरकर डी, चंद्र पीएस, काले एसएस. सुपरटेंटोरियल सर्जरी के बाद रिमोट सेरिबेलर हेमेटोमा, एनएसआईसीओएन 2017, 28 नवंबर 2017, नागपुर, भारत।
22. डोडामानी आरएस, मीना आरके, सावरकर डी, चंद्र पीएस, काले एसएस. बाल चिकित्सा सुपरटेंटोरियल एपिडायमोमा, एसएफएनसी ग्रेनोबल अल्प्स–2018, 28–30 मार्च 2018, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, ग्रेनोबल, फ्रांस।
23. डोडामानी आरएस, मीना आरके, सावरकर डी, चंद्र पीएस, काले एसएस. सुपरटेंटोरियल सर्जरी के बाद रिमोट सेरेबेलर हेमाटोमा, एनआईएससीओएन 2017, 28 नवंबर 2017, नागपुर, भारत।
24. एपेंडायमोमस, एसएफएनसी ग्रेनोबल अल्प्स–2018, 28–30 मार्च 2018, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, ग्रेनोबल, फ्रांस।
25. गर्ग के, चंद्र पी, काले एस. सरवाइकल स्पोंडिलोसिस के एटिकल लक्षण – क्या एसीडीएफ सहायक है?, न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस, 30 नवंबर, 2017, नागपुर, भारत।
26. गर्ग के, सिंह पीके, चंद्र पीएस, काले एसएस. इंट्रावेन्ट्रिकुलर पिलोकाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा : इस दुर्लभ इकाई में हमारा अनुभव, एसएफएनसी 2018, 27–30 मार्च 2018, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, ग्रेनोबल, फ्रांस।
27. गर्ग के, सिंह पी, चंद्र पी, काले एस. इंट्रावेन्ट्रिकुलर पिलोकाइटिक एस्ट्रोसाइटोमस : इस दुर्लभ इकाई में हमारा अनुभव, फ्रांसीसी न्यूरोसर्जरी की वार्षिक बैठक, 28 मार्च 2018, न्यूरोसर्जरी ग्रेनोबल 2018, ग्रेनोबल, फ्रांस।

28. केडिया एस, गोयल के. न्यूरो आघात आईसीयू, आईएससीसीएम में गैर तंत्रिका संबंधी जटिलताएं, ब्रसेल्स का सर्वश्रेष्ठ, जुलाई 2017, पुणे, भारत।
29. केडिया एस, गुप्ता डी, सुरी वी, सिंह एमएम, सूरी ए, चंद्र पीएस, काले एसएस. पाइनल क्षेत्र के लोगों में नैदानिक परिणाम : 10 साल की संस्थागत समीक्षा, आईएसपीएन, 8–12 अक्टूबर, डेनवर, यूएसए।
30. केडिया एस. बाल चिकित्सा हैड इनजूरी, 26–28 अक्टूबर 2017, एएनटीसी, दिल्ली।
31. केडिया एस. चियारी सर्जरी क्यों विफल हो जाती है? इंडसपीएनसीओएन, फरवरी 2018, हैदराबाद।
32. कुमार ए, शेठ ए, अग्रवाल डी, सिंह पीके, चंद्र पीएस, काले एसएस. इंट्राक्रेनियल मेनिंजियल हेमांजियो पेरिसाटोमास : 39 मामलों के बहुआयामी उपचार के साथ एक एकल इंस्टीट्यूशन अनुभव से परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण। एसएफएनसी 2018, 27 वीं से –30 वीं मार्च मार्च 2018, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, ग्रेनोबल, फ्रांस।
33. कुमार ए , शेट ए , अग्रवाल डी, सिंह पीके, चंद्र पीएस, काले एसएस। इंट्राक्रेनियल मेनिंगियल हेमांजिओ पेरिसाटोमास : 39 मामलों के बहुआयामी उपचार के साथ एक एकल इंस्टीट्यूशन अनुभव से परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण, एसएफएनसी 2018, 27–30 मार्च 2018, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, ग्रेनोबल, फ्रांस।
34. कुमार ए, गर्ग एम, सिंह पीके, महालंगिकार आर, सत्यर्थी जीडी, अग्रवाल डी, गुप्ता डी, काले एसएस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके. ट्रॉमेटिक लम्बर कशेरुका शरीर फ्रैक्चर में कॉरपेक्टोमी और परिधीय आर्थोडोडिस के लिए पश्चवर्ती ट्रांसपेडिक्यूलर दृष्टिकोण : सर्जिकल तकनीक और एकल संस्थागत अनुभव, जीसीएस 2017, 3–6 मई 2017, मिलोनो कांग्रेस सेंटर, मिलान, इटली।
35. कुमार ए, गर्ग एम, सिंह पीके, महालंगिकार आर, सत्यर्थी जीडी, अग्रवाल डी, गुप्ता डी, काले एसएस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके. जीसीएस 2017, 3–6 मई 2017, मिलानो कांग्रेस सेंटर, मिलान, इटली।
36. कुमार ए, गुप्ता डी, केडिया एस, काले एसएस. "पीनियल रीजन ट्यूमर, क्लिनिकल स्पेक्ट्रम आफ्टर ए डेकेड्स एक्सपेरिएंस", इंडसपीएनसीओएन, फरवरी 2017, हैदराबाद, भारत,।
37. कुमार एच. पोस्टीरियर फोसा के ठोस हेमांजिओब्लास्टोमा का प्रबंधन, सीएनएस 2017, 7–11 अक्टूबर 2017, कन्वेंशन सेंटर, बोस्टन, मैसाचुसेट्स, यूएसए।
38. मिश्रा एस, काले एसएस. पूर्वकाल खोपड़ी बेस मेनिंजियोमास के लिए एंटीरियर क्लिनोइडक्टोमीः फैब या फड?, न्यूरोलॉजिकल सर्जन की कांग्रेस, 2017, 7–11 अक्टूबर 2017, बोस्टन कन्वेंशन सेंटर, बोस्टन, मैसाचुसेट्स, यूएसए।
39. सिंह पीके, वर्मा एसके, गर्ग एम, सावरकर डीपी. रेडियोलॉजिकल पैरामीटर (एंगल्यूलेशन और विस्थापन) के सुधार का मूल्यांकन और अंतःक्रियात्मक सीटी आधारित नेविगेशन के साथ अस्थिर हैंगमन के फ्रैक्चर में सी2 पेडिकल स्क्रू प्लेसमेंट की सटीकता। एपीएसएस (एशिया पैसिफ़िक स्पाइन सोसाइटी) और एपीओएस (एशिया प्रशांत बाल चिकित्सा आर्थोपेडिक सोसाइटी) की 11वीं संयुक्त बैठक, 24 सितंबर 2017, पंजीम, गोवा।
40. फलक एम, काले एसएस. पाइनल डायरल एएफएफ सर्जिकल न्यूनस, स्पाइन सोसायटी – दिल्ली अध्याय वार्षिक बैठक, 31 मार्च 2018, मानेसर, गुड़गांव, दिल्ली एनसीआर, भारत।
41. फलक एम, शर्मा आर. सरवाइकल स्पाइन इंट्रामडुलरी सिस्ट ड्रेनेज के बाद पीआरईएस, सरवाइकल स्पाइन रिसर्च सोसाइटी वार्षिक सम्मेलन 2018, 22 मार्च 2018, गुड़गांव, भारत।
42. रहेजा ए, बॉवर्स सीए, मैकडोनल्ड जेडी, शेल्टन सी, गुर्जेल आर, ब्रिमली सी, कैनवेल डब्ल्यूटी. वेस्टिबुलर स्क्वानोमा के लिए मध्य फॉस्सा दृष्टिकोण : कम विकृति के साथ अच्छी श्रवण और चेहरे की नर्व के परिणाम, एसबीएसएसआई का 19वां वार्षिक सम्मेलन, 28 अगस्त, 2017, कोच्चि, भारत।
43. रहेजा ए, करसी एम, एली आई, गुआन जे, कोलडवेल डब्ल्यूटी. ट्यूबरकुलम सेलेय मेनिंजियोमास में स्फेनोइडल न्यूमोसिनस डिलाटन्स द्वारा एंडोनसल ऑपरेटिव कॉरिडोर विस्तार, एसबीएसएसआई का 19वां वार्षिक सम्मेलन, 29 अक्टूबर, 2017, कोच्चि, भारत।
44. रहेजा ए, सिंह पीके, नमबिराजन ए, शर्मा एमसी, शर्मा बीएस. एक बच्चे में सुपरट्रेंटोरियल आवर्ती पायलोकाइटिक का डिफ्यूज लेप्टोमेनिंजियल का फैलाव, अंतर्राष्ट्रीय कैंसर सम्मेलन, 19 अक्टूबर, 2018, काठमांडू, नेपाल।
45. रहेजा ए, सिन्हा एस, सैमसन एन, भोई एस, सुब्रमण्यम ए , शर्मा पी, शर्मा बीएस. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में दीर्घकालिक परिणाम के पूर्वानुमान के रूप में सीरम बायोमार्कर्स, एनटीएसआई के 26वां वार्षिक सम्मेलन, 12 अगस्त 2017, ऊटी, भारत।
46. *रहेजा ए, सूरी ए, दरबारी एस, राय एचआईएस. एसटीए–एमसीए बाईपास, क्लिप पुनर्निर्माण और ट्रेपिंग के साथ चार जटिल विशाल एमसीए एन्यूरीज़्म्स का सफल प्रबंधन, सीवीएस का 17वां वार्षिक सम्मेलन, 15 सितंबर 2017, नई दिल्ली, भारत।

47. शर्मा बीएस, वर्मा एसके, कुमार ए, दत्ताराज एसपी, काले एसएस, महापात्रा एके. एंटीरियर परिसंचरण एन्यूरीज़्म्स के क्लिपिंग के लिए एंडोस्कोपिक नियंत्रित कीहोल दृष्टिकोण : 2 वर्षों में एक एकल केंद्र अनुभव, आईएफएनई 2017 – न्यूरोएन्डोस्कोपी का 8वें विश्व सम्मेलन, 3 नवंबर 2017, सेंचुरी सिटी कॉन्फ्रेंस सेंटर, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका।
48. शर्मा आर, बोरकर एसए, काले एसएस. सरवाइकल लैमिनोप्लास्टी के परिणामी भविष्यवाणियां, दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक, 2–4 फरवरी 2018, आईएचसी, दिल्ली, (सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र – तीसरा पुरस्कार)।
49. शर्मा आर. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में स्वायत्तता में गड़बड़ी, चौथी एम्स, न्यूरोट्रामा सम्मेलन, 28 अक्टूबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली, भारत।
50. शर्मा आर. न्यूरोइंफेक्शन – एक दिलचस्प मामला चर्चा, एओ–न्यूरो कोर्स–न्यूरोट्रामा, 27 नवम्बर, 2017, जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली, भारत।
51. सिंह पीके, सावरकर डीएस, चंद्र पीएस, काले एसएस, वर्मा एस, कुमार ए. लक्षणसूत्र बाल चिकित्सा वर्टेब्रल हेमांजियोमास का दीर्घकालिक परिणाम, एसएफएनसी 2018, 27–30 मार्च 2018, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, ग्रेनोबल, फ्रांस।
52. सिंह पीके, सावरकर डीएस, चंद्र पीएस, काले एसएस, वर्मा एस, कुमार ए. संयुक्त सी1 हांगमैन फ्रैक्चर के प्रबंधन में विकास, नई दिल्ली, भारत, एसएफएनसी 2018, 27–30 मार्च 2018, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, ग्रेनोबल, फ्रांस।
53. सिंह पीके, सावरकर डीएस, चंद्र पीएस, काले एसएस, वर्मा एस, कुमार ए. लक्षणसूत्र बाल चिकित्सा वर्टेब्रल हेमांजियोमास का दीर्घकालिक परिणाम, एसएफएनसी 2018, 27–30 मार्च 2018, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, ग्रेनोबल, फ्रांस।
54. सिंह एस, कुमार एच. एंटीरियर खोपड़ी आधार के एक घुमावदार कक्षीय–क्रैनोबैसल चोट, न्यूरोट्रामा 2017, 11–13 अगस्त 2017, कोयंबटूर, भारत।
55. सिन्हा एस, रहेजा ए, सैमसन एन, गोयल के, भोई एस, सेल्वी ए, शर्मा पी, शर्मा बीएस. तीव्र गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में हाइपोथर्मिया के साथ या बिना प्रोजेस्टेरोन का यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, एनएसआई का 66वां वार्षिक सम्मेलन, 1 दिसंबर, 2017, नागपुर, भारत।
56. टंडन वी, शर्मा आर, गुप्ता डी, काले एसएस. पोस्ट–ट्रॉमैटिक हाइड्रोसेफेलस में ईटीवी बनाम शंट की भूमिका, 15 डब्ल्यूएफएनएस वर्ल्ड कांग्रेस, 20–25 अगस्त 2017, इस्तांबुल।
57. टंडन वी, शर्मा आर, गुप्ता डी, काले एसएस. पोस्ट–आघात संबंधी हाइड्रोसेफेलस में ईटीवी बनाम शंट की भूमिका, ईएएनएस, 14–18 अक्टूबर, 2017, कन्वेंशन सेंटर, लिडो, ग्रेनोबल, फ्रांस।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. क्लिनिकल डेटा और संख्यात्मक विश्लेषण पर आधारित ब्लॉस्ट और ब्लंट ट्राउमैटिक मस्तिष्क की चोटों में इंजरी मैकेनिज्म –एक तुलनात्मक अध्ययन, एसएस काले, विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यालय, नौसेना अनुसंधान वैश्विक, 3 वर्ष, जुलाई 2015–18, 29,68,005 रुपए।
2. एपिलेप्सी (मिर्गी) के लिए उत्कृष्टता केंद्र, पी सरत चंद्र, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 7 वर्ष, 2011–2018, 40,58,96,000.00 रुपए।
3. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी के साथ संबद्ध हाइपरेक्सीटेबिलिटी में एक ग्लूटामेट रिसेप्टर अवरोधक, के रुप में कैन्यूरनिक एसिड की भूमिका, पी सरत चंद्र, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2017–2020, 65,38,201.00 रुपए।
4. उन्नत एपिलेप्सी अनुसंधान : एक बहुआयामी दृष्टिकोण, पी सरत चंद्र, पीएसए, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2018–2011, 3,75,00,000.00 रुपए।
5. अभिलेखीय, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा और केंद्रीय रिपोजिटरी सर्वर के साथ तंत्रिका शल्य चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण सुविधा, आशीष सूरी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग : विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स, + सीएसई–आईआईटी–डी, 5 वर्ष, 2013–2018, 650 लाख रुपए।
6. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और प्री–ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल योजना के लिए 3 डी / स्टीरियोस्कोपी आधारित आभासी वास्तविकता सिमुलेशन प्लेटफॉर्म का विकास, प्रोफेसर आशीष सूरी, स्वास्थ्य देखभाल विभाग (डीएचआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भारत सरकार, एम्स + सीएसई–आईआईटी–डी, 3 वर्ष, 2014–2017, 211 लाख रुपए।

7. ऑपरेशनल रिसर्च न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय संस्थानों को समर्थन, आशीष सूरी, स्वास्थ्य देखभाल विभाग (डीएचआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भारत सरकार, एम्स + सीएसई–आईआईटी–डी, 5 वर्ष, 2016–2020, 99 लाख रुपए।
8. कैरियर विकास 2015 के लिए राष्ट्रीय जैव विज्ञान पुरस्कार, आशीष सूरी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2016–2018, 17 लाख रुपए।
9. टाटा नवाचार अध्येतावृत्ति पुरस्कार 2015, आशीष सूरी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2016–2020, 45 लाख रुपए।
10. एक्यूट सबड्यूरल हिमेटोमा (आरईसीयूयूई–एएसडीएच) की निकासी से पीड़ित रोगियों के लिए क्रैनिएक्टोमी के साथ सर्जरी का यादृच्छिक मूल्यांकन, दीपक गुप्ता, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी अस्पताल एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट, 03 वर्ष, 2017–2020, 30 लाख रुपए।
11. तीव्र बाल चिकित्सा आघात संबंधी मस्तिष्क चोट परीक्षण (एडीएपीटी) में दृष्टिकोण और निर्णय, दीपक गुप्ता, एनआईएच, यूएसए, 05 वर्ष, 2015–2020, 1.8 करोड़ रुपए।
12. टीबीआई में सहयोगी यूरोपीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावशीलता अनुसंधान : टीबीआई में एक संभावित अनुदैर्ध्य अवलोकन संबंधी अध्ययन और सहयोगी भारतीय न्यूरोट्रामा प्रभावशीलता अनुसंधान : एक संभावित अनुदैर्ध्य अवलोकन संबंधी अध्ययन (केंद्र और सिंटर–टीबीआई), दीपक गुप्ता, यूरोपीय हाइ कमिशन और एनआईएच, 05 वर्ष, 2015–2020, 10 लाख रुपए।
13. तीव्र स्पाइनल कॉर्ड की चोट अध्ययन में दर्दनाक उच्च सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड की चोट के लिए प्रारंभिक बनाम विलंबित डिकंप्रेशन, दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 4 वर्ष, 2014–2018, 24,52 800 रुपए।
14. ''गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट में ऑप्टिक तंत्रिका अल्ट्रासाउंड'', दीपक अग्रवाल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015–2017, 36,07,380 रुपए।
15. "सामान्य संचय कारक स्तर के साथ एलिवेटिड पीटी / आईएनआर के लिए संदर्भ सीमा का निर्धारण और सिर की चोट वाले रोगियों में प्लाज्मा ट्रांसफ्यूजन थेरेपी के साथ इसके संबंध, दीपक अग्रवाल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015–2017, 25,00,000 रुपए।
16. वीईजीएफ : स्थानीय एंजियोजेनिक गतिविधि के संभावित सिस्टमिक मार्कर और आपके विचार के लिए गामा नाइफ सर्जरी के लिए प्रतिक्रिया, दीपक अग्रवाल, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 5,00,000 रुपए।
17. लम्बर स्पाइन के लिए पार्श्व दृष्टिकोण : भारतीय आबादी में कैडवेरिक व्यवहार्यता अध्ययन, डॉ. सचिन बोरकर, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2018–19, 4.5 लाख रुपए।
18. जीएबीए की भूमिका की जांच : फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में एक रिसेप्टर सब्यूनिट्स परिवर्तन, हितेश कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2018 –2019, 5 लाख रुपए।
19. एंडोस्कोपिक एंटीरियर ओडोन्टिड स्क्रू फिक्सेशन की व्यवहार्यता – ए कैडवेरिक प्रायोगिक अध्ययन, श्वेता केडिया, एओ स्पाइन, 1 वर्ष, जुलाई 2017, 6000 सीएचएफ।
20. डिकंप्रेसिव क्रैनिएक्टोमी से गुजरने वाले गंभीर सिर की चोट के रोगियों में परिणाम सहित बहुआयामी निगरानी का सहसंबंध, दत्तराज सावरकर, एम्स, 2 वर्ष, 2017–2019, 5 लाख रुपए।
21. मेसियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी में हिस्टोन डेसिटाइलेस (एचडीएसी) की भूमिका को समझना, रमेश एस डोड्डामणि, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2016–2018, 9 लाख रुपए।
22. मिडिल फोसा और रेट्रोसिग्मॉइड सुनवाई संरक्षण स्कल आधार दृष्टिकोण के माध्यम से आंतरिक इंटर्नल एकॉस्टिक के ऑपरेटिव एक्सपोजर की माइक्रोस्कोजिकल तुलना – एक प्रयोगशाला जांच, अमोल रहेजा, एम्स आंतरिक अनुदान, 1 वर्ष, 2018 के बाद, 5,00,00 रुपए।
23. तंत्रिका शल्य चिकित्सा में सुदूर पार्श्व दृष्टिकोण के रूपों का मात्रात्मक विश्लेषण, राजेश कुमार मीना, प्रोफेसर आशीष सूरी, आंतरिक परियोजना (एम्स), 2 वर्ष, 2017–2019, 4,75,000 रुपए।

पूर्ण

गंभीर दर्दनाक स्पाइन कॉर्ड की चोट के बाद अनुमानित और कार्यात्मक परिणाम की भविष्यवाणी करने में सीरम बायोमार्कर्स की भूमिका का आकलन करने हेतु एक अध्ययन, अमोल रहेजा, एम्स आंतरिक अनुदान, 2 वर्ष, 2015–17, 4,00,000.00 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस / शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. जीएबीए के प्रभाव पर एक अध्ययन : कॉर्टिकल डिसप्लेसियास में एक रिसेप्टर परिवर्तन।
2. लैमिनोप्लास्टी के बाद सर्वाइकल संरेखण।
3. उच्च ग्रेड ग्लियोमास में समवर्ती टेम्पोजोलेमाइड के साथ प्रारंभिक गामा नाइफ–एक नियंत्रित अध्ययन।
4. बड़े वेस्टिबुलर स्क्वानोमास के लिए सर्जरी में फेशियल नर्व फंक्शन के संरक्षण के लिए पेरिऑपरेटिव फेशियल नर्व तंत्रिका प्रसार टेंसर इमेजिंग ट्रैक्टोग्राफी की प्रभावशीलता : एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।
5. मस्तिष्क घावों की इमेज निर्देशित बायोप्सी : डायग्नोस्टिक उपज और जटिलताएं।
6. गहन देखभाल (आईसीयू) में इंट्राक्रैनियल दबाव पर अंतरराष्ट्रीय संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन – एसवाईएनएपीएसई आईसीयू, दीपक गुप्ता, यूरोपीय सोसाइटी ऑफ गहन देखभाल चिकित्सा (ईएसआईसीएम), 12 सप्ताह, 2018–2019।
7. डीएसए / एमआरआई बनाम केवल एमआरआई के साथ की गई योजना की मस्तिष्क एवीएम के परिणाम और जटिलताएं।
8. स्पॉन्टेनियस उच्च रक्तचाप बेसल गैंग्लिया ब्लीड में सर्जरी का परिणाम।
9. डीएसए और एमआरआई बनाम केवल एमआरआई पर की गई एवीएम योजना का रेडियोसर्जिकल परिणाम।
10. पोस्ट–ट्रॉमेटिक हाइड्रोसेफेलोस में ईटीवी बनाम शंट की भूमिका।
11. मध्यवर्ती एवीएम में गामा नाइफ की भूमिका।
12. पोस्ट–ऑपरेटिव क्रैनियल सर्जरी में पोस्ट–ऑपरेटिव सीटी स्कैनिंग की भूमिका।
13. दवा प्रतिरोधी मिर्गी में अपर्याप्त मानक एमआरआई इमेजिंग है : पूर्वदर्शी विश्लेषण।
14. वैकल्पिक पोस्टऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल वाले रोगियों में पोस्ट–ऑपरेटिव सीटी स्कैन की उपयोगिता।

पूर्ण

1. मस्तिष्क घावों में फ्रैक्सनेटेड रेडियोसर्जरी।
2. पूर्ण स्पाइनल कॉर्ड की चोट में अस्थिमज्जा व्युत्पन्न स्टेम कोशिका का उपचारात्मक अनुप्रयोग।
3. माध्यमिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल परिवर्तन प्रेरित दर्दनाक मस्तिष्क की चोट का अध्ययन।
4. गुप्त पिट्यूटरी एडेनोमास के लिए स्टीरियोटेक्टिक रेडियोसर्जरी के बाद पिट्यूटरी डिसफंक्शन।
5. जोखिम स्तरीय प्रभाव के प्रभाव पर अध्ययन का पालन करना, 10 वर्षों से अधिक एक टर्शरी केयर न्यूरोसर्जिकल विभाग में पोस्ट–ऑपरेटिव संक्रमण पर प्रोटोकॉल आधारित पेरिऑपरेटिव एंटीबायोटिक प्रोफिलेक्सिस।
6. हाइड्रोसेफेलस वाले रोगियों में वेंट्रिकुलोपेरिटोनियल शंट सर्जरी के परिणाम।
7. गामा नाइफ के बाद मध्य मस्तिष्क एवीएम का परिणाम।
8. पीनियल रीजन मैसेस में नैदानिक परिणाम : 10 वर्ष की संस्थागत समीक्षा।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

1. अभिलेखीय, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फरेंसिंग के लिए 3डी एंडोस्कोपिक और 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा और केंद्रीय रिपोजिटरी सर्वर के साथ न्यूरोसर्जरी स्कल प्रशिक्षण ट्रेनिंग सुविधा, एनाटॉमी, फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–दिल्ली : सीएसई।
2. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण और प्री–ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल योजना के लिए 3 डी / स्टेरियोस्कोपी आधारित वर्चुअल रियलिटी सिमुलेशन प्लेटफार्म का विकास, एनाटॉमी, फोरेंसिक मेडिसिन, आईआईटी–दिल्ली : सीएसई।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 150 सार : XXX पुस्तकों में अध्याय : 4 पुस्तकें : XXX

1. बजाज जे, त्रिपाठी एम, द्विवेदी आर, सप्रा एस, गुलाटी एस, गर्ग ए, त्रिपाठी एम, बाल सीएस, चंद्रा एसपी. : डज सर्जरी हेल्प इन रिड्यूसिंग स्टिग्मा एसोसिएटिड विद ड्रग रिफ्रेक्ट्री एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन? एपिलेप्सी बिहेव 2018;80 : : 197–201,2018.

2. बनर्जी जे, बनर्जी दीक्षित ए, श्रीवास्तव ए, रामानुजम बी, कक्कड़ ए, सरकार सी, त्रिपाठी एम, चंद्रा पीएस. : अल्टेरेड ग्लूटेमेटर्जिक टोन रिवेल्स टू डिस्टिनक्ट रेस्टिंग स्टेट नेटवर्क्स एट द सेल्यूलर लेवल इन हिप्पोकेम्पल स्क्लेरोसिस. साइंस रिप. 2017;7 : : 319,2017.

3. चंद्रा पीएस, रामानुजम बी, त्रिपाठी एम. : सर्जरी फॉर ड्रग – रेसिस्टेंट एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन. एन इंग्ल जे मेड 2018; 378 : : 399, : 2018.

4. चौधरी आरएम, दाश डी, रामानुजम बी, राणा एमके, अप्पुकुट्टन आर, शर्मा ए, कुंवर वाय, तेजानिया जी, पदमा वी, चंद्रा एसपी, त्रिपाठी एम : इवेल्यूएशन ऑफ इक्टल कंसाइनेस इन टेम्पोरल एण्ड एक्स्ट्रा टेम्पोरल एपिलेप्सी : ऑब्जर्वेशन्स फ्रॉम ए टर्शरी केयर हॉस्पीटल इन इंडिया. जे एपिलेप्सी रेस 2016; 6 : : 93–96,2016.

5. चौधरी आरएम, रामानुजम बी, अप्पुकुट्टन आर, शर्मा ए, कुंवर वाय, तेजानिया जी, गर्ग ए, पदमा एमवी, त्रिपाठी एम, बाल सी, दाश डी, चंद्रा एसपी, त्रिपाठी एम. : युटिलिटी ऑफ ए क्वेशनायर टूल (क्यूयूएआरएएस) फॉर लोकलाइजिंग एण्ड लेटरलाइजिंग सीजर्स इन द एपिलेप्सी मॉनिटरिंग यूनिट (ईएमयू) क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज 2017; 153 : : 64–66,2017.

6. चौधरी के, रामानुजम बी, कुमारन एसएस, चंद्रा पीएस, वाधवन एएन, गर्ग ए, त्रिपाठी एम. : डज एजुकेशन प्ले ए रोल इन लैंग्वेज रिऑर्गनाइजेशन आफ्टर सर्जरी इन ड्रग रिफ्रैक्टरी टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी : एन एफएमआरआई – बेस्ड स्टडी? एपिलेप्सी रेस 2017;136 : : 88–96,2017.

7. शुभम पी, मिश्रा एस, सूरी ए, ढींगरा आर, मोचन एस, लालवानी एस, रॉय टीएस, महापात्रा एके. स्टैंडर्डाइजेशन ऑफ द टेक्निक ऑफ सिलिकॉन इंजेक्शन ऑफ ह्यूमन केडेवेरिक हैड्स फॉर ओपेसिफिकेशन ऑफ सेरेब्रल वेस्कुलरेटर इन इंडियन कंडीशन्स. न्यूराल इंडिया. 2018 मार्च–अप्रैल; 66(2) : 439–443. डीओआई : 10.4103/0028–3886.227303. पबमेड पीएमआईडी : 29547168.

8. बट्टु एस, कुमार ए, पाठक पी, पुरकित एस, धवन एल, शर्मा एमसी, सूरी ए, सिंह एम, सरकार सी, सूरी वी. क्लिनिकोपैथोलॉजिकल एण्ड मॉलीक्यूलर करैक्टराइस्टिक्स ऑफ पीडियाट्रिक मेनिनजियोमास. न्यूरोपैथोलॉजी. 2018 फरवरी; 38(1) : 22–33.

9. टंडन वी, गर्ग के, सूरी ए, गर्ग ए. क्लिवल डिफेक्ट कॉजिंग प्राइमरी स्पॉन्टेनियस रिह्नोरिया. एशियन जे न्यूरोसर्ज. 2017 अप्रैल–जून;12(2) : 328–330.

10. बंसल एस, सूरी ए, शर्मा एमसी, कक्कड़ ए. आइसोलेटिड लम्बर इंट्राड्यूरल एक्स्ट्रा मेड्यूलरी स्पाइनल सिस्टिसेरकोसिस सिमुलेटिंग टारवोल सिस्ट. एशियन जे न्यूरोसर्ज. 2017 अप्रैल–जून; 12(2) : 279–282.

11. हुडा बी, चौहान आरसी, रथ जीपी, बिठ्ठल पीके, सूरी ए, लैमसल आर. इफेक्ट ऑफ ट्रानेक्सेमिक एसिड ऑन इंट्राऑपरेटिव ब्लड लॉस एण्ड ट्रांसफ्यूजन रिक्वायरमेंट्स इन पेशेंट् अंडरगोइंग एक्सिसिएशन ऑफ इंट्राक्रेनियल मेनिनजियोमा. जे क्लिन न्यूरोसाइंस. 2017 जुलाई; 41 : 132–138.

12. शर्मा वी, मालगुलवार पीबी, पुरकित एस, पाटिल वी, पाठक पी, अग्रवाल आर, कुलश्रेष्ठ आर, मलिक एस, जुल्का पीके, सूरी ए, शर्मा बीएस, सूरी वी, शर्मा एमसी, सरकार सी. जीनोम – वाइड चिप – सिक्व एनालाइसिस ऑफ ईजेडएच2 – मेडिएटिड एच3के27एमई3 टार्गेट जीन प्रोफाइलिंग हाइलाइट्स डिफरेंस विटविन लो– एण्ड हाइ– ग्रेड एस्ट्रोसिस्टिक ट्यूमर्स. कार्सिनोजेनेसिस. 2017 फरवरी 1;38(2) : 152–161.

13. सिंह एस, धवन बी, कपिल ए, काबरा एसके, सूरी ए, श्रीनिवास वी, दास बीके. कोएगुलेस – नेगेटिव स्टेफीलोकोकी कॉजिंग ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन एट एन इंडियन टर्शरी केयर हॉस्पीटल : प्रीवलेंस, एंटीमाइक्रोबायोल रेसिस्टेंस एण्ड मॉलीक्यूलर करैक्टराइजेशन. इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल.. 2016 अक्तूबर–दिसम्बर; 34(4) : 500–505.

14. टंडन वी, रहेजा ए, सूरी ए, चंद्रा पीएस, काले एसएस, कुमार आर, गर्ग ए, कलाइवेणी एम, पांडे आरएम, शर्मा बीएस. रैंडोमाइज्ड ट्रायल फॉर सुपरियोरिटी ऑफ हाइ फील्ड स्थ्रेंत इंट्रा–ऑपरेटिव मैग्नेटिक रिसोनेस इमेजिंग गाइडिड रिसेक्शन इन पिट्यूटरी सर्जरी. जे क्लिन न्यूरोसाइ. 2017 मार्च; 37 : 96–103.

15. अधिकारी एन, बिस्वास ए, गोगिया ए, साहू आरके, गर्ग ए, नेहरा ए, शर्मा एमसी, भास्कर एस, सिंह एम, श्रीनिवास वी, चावला आर, जोशी जी, कुमार एल, चंदर एस. ए प्रॉस्पेक्टिव फेज 2 ट्रायल ऑफ रिस्पॉन्स एडाप्टेड होल ब्रेन रेडियोथेरैपी आफ्टर हाइ डोस मेथोट्रेक्सटे बेस्ड कीमोथेरैपी इन पेशेंट्स विद न्यूली डायग्नोस्ड प्राइमरी सेंट्र नर्व सिस्टम लिम्फोमा – एनालाइसिस ऑफ एक्यू टॉक्सीसिटी प्रोफाइल एण्ड अर्ली क्लिनिकल आउटकम. जे न्यूरोओंकोल 2018 अगस्त;139(1) : 153–166. डीओआई : 10. 1007/एस11060–018–2856–वाय. ई. पब 2018 अप्रैल 9.

16. कोठीवाला एके, एस राय एचआई, गर्ग के, सिंह एम, सिंह पी, शर्मा बीएस, सूद आर. जाइंट एंटीरियर इंटरहेमीस्फेरिक फिशर एमोबिक एबसेस : ए रेयर केस. न्यूराल इंडिया. 2018 मार्च–अप्रैल;66(2) : 548–551.

17. पलक एम, दास एस, सिंह एम, शर्मा बीएस. अनयूजुअल कॉज ऑफ लम्बर कैनाल स्टेनोसिस इन 8 डिकेड ऑफ लाइफ – स्पाइनल एपिड्यूरल लिपोमेटोसिस. जे. क्रेनियोवर्टेबर जंक्शन स्पाइन. 2017 अक्तूबर– दिस्म्बर;8(4) : 382–383.

18. सिंह एम, गर्ग के पल्लीडल दीप ब्रेन स्टिमुलेशन इन डिस्टोनिया. न्यूराल इंडिया. 2017 नवम्बर–दिसम्बर;65(6) : 1232–1233.

19. गर्ग के, अग्रवाल ए, सिंह एम. लैटर टू द एडिटर. इंट्रा ऑपरेटिव ब्रेन रिलेक्शन यूजिंग मैनिनटोल. जे न्यूरोसर्ज. 2018 जनवरी; 128(1) : 326–327.

20. मालगुलवार पीबी, पाठक पी, सिंह एम, काले एसएस, सूरी वी, सरकार सी, शर्मा एमसी. डाउनरेगुलशन ऑफ एसएमएआरसीबी1/आईएनआई1 एक्सप्रेशन इन पीडियाट्रिक कोरडोमस कोरेलेट्स विद अपरेगुलेशन ऑफ मिर–671–5पी एण्ड मिर –193ए–5पी एक्सप्रेशन. ब्रेन ट्यूमर पैथोल. 2017 अक्तूबर; 34(4) : 155–159.

21. कोट्ठ एम, मुंजल एसएस, मुट्रेजा डी, कुमार जी, सिंह एम, सेठ टी, पति एचपी. सेवेरिटी ऑफ एनीमिया एण्ड हिमोस्टेटिक पैरामीटर्स आर स्ट्रॉन्ग प्रीडिक्टर्स ऑफ आउटकम इन पोस्ट–ऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल पेशेंट्स. एशियन जे न्यूरोसर्ज. 2017 जुलाई–सितम्बर;12(3) : 489–493.

22. सिंह एम. फ्रेक्शनेटिड गामा नाइफ रेडियोसर्जरी फॉर लार्ज ब्रेन आर्टिरियोवेनस मैलफॉर्मेशन्स. न्यूराल इंडिया. 2017 जुलाई–अगस्त; 65(4) : 701–702.

23. बिस्वास ए, जुल्का पीके, बख्शी एस, सिंह एम, रथ जीके. ट्रीटमेंट आउटकम इन पेशेंट्स विद प्राइमरी सेंट्रल नर्वस सिस्टम जर्म सेल ट्यूमर : क्लिनिकल एक्सपीरियन्स फ्रॉम ए रीजनल कैंसर सेंटर इन नॉर्थ इंडिया. पीडियाट्रिक न्यूरोसर्ज. 2017;52(4) : 240–249.

24. होलमेस ट्रेमोर सैकंडरी टू ए पोस्टीरियर थर्ड वेंट्रीकुलर जर्मिनोमा : ए रेयर केस रिपोर्ट. कोयलमांथम वी, गर्ग के, सरदाना एच, सिंह एम, चंद्रा पीएस. होलमेस ट्रेमोर सैकंडरी टू ए पोस्टीरियर थर्ड वेंट्रीकुलर जर्मिनोमा : ए रेयर केस रिपोर्ट. चाइल्ड नर्व सिस्ट. 2017 जून; 33(6) : 885–887.

25. कम्पेरिजन ऑफ 20 प्रतिशत मैनिटोल एण्ड 3 प्रतिशत हाइपरटोनिक सेलिन ऑन इंट्राक्रेनियल प्रेशर एण्ड सिस्टेमिक हिमोडायनेमिक्स. सोखल एन, रथ जीपी, चतुर्वेदी ए, सिंह एम, दाश एचएच. कम्पेरिजन ऑफ 20 प्रतिशत मैनिटोल एण्ड 3 प्रतिशत हाइपरटोनिक सेलिन ऑन इंट्राक्रेनियल प्रेशर एण्ड सिस्टेमिक हिमोडायनेमिक्स. जे क्लिन न्यूरोसाइं. 2017 अगस्त; 42 : 148–154.

26. ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी ऑफ प्राइमरी सेंट्रल नर्वस सिस्टम लिम्फोम्स एण्ड देयर एसोसिएशन विद एपस्टेन–बर वायरस. शर्मा एमसी, गुप्ता आरके, कौशल एस, सूरी वी, सरकार सी, सिंह एम, काले एसएस, साहू आरके, कुमार एल, रैना वी. ए क्लिनिकोपैथोलॉजिकल स्टडी ऑफ प्राइमरी सेंट्रल नर्वस सिस्टम लिम्फोम्स एण्ड देयर एसोसिएशन विद एपस्टेन–बर वायरस. इंडियन जे मेड रेस. 2016 मई; 143 (5) : 605–15.

27. प्राइमरी बोन ट्यूमर्स ऑफ द स्कल : स्पेक्ट्रम ऑफ 125 केस, विद रिव्यू ऑफ लिटरेचर. कक्कड़ ए, नम्बीराजन ए, सूरी वी, सरकार सी, काले एसएस, सिंह एम, शर्मा एमसी. प्राइमरी बोन ट्यूमर्स ऑफ द स्कल : स्पेक्ट्रम ऑफ 125 केस, विद रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे न्यूरोल सर्ज बी स्कल बेस. 2016 अगस्त; 77(4) : 319–25.

28. गामा नाइफ स्टेरियोटेक्टिक रेडियोसर्जरी इन द मैनेजमेंट ऑफ लार्ज सेरेब्रल आर्टिरियोवेनस मैलफॉर्मेशन्स. सिंह एम, सिंह एम, अग्रवाल डी, काले एसएस. गामा नाइफ स्टेरियोटेक्टिक रेडियोसर्जरी इन द मैनेजमेंट ऑफ लार्ज सेरेब्रल आर्टिरियोवेनस मैलफॉर्मेशन्स. न्यूरोसर्जरी. 2016 अगस्त; 63 पूरक 1 : 206.

29. सुब्रामणियन ए, अग्रवाल जी, अग्रवाल डी, लालवानी एस. इंटर्नल केरोटिड आर्टरी फाइब्रोमस्कुलर डिस्प्लासिया इन ए चाइडल : इंसीडेंटल पोस्टमॉर्टन फाइंडिंग आफ्टर हैड इंजरी. जे लैब फिजिशियन. 2017 जनवरी –मार्च; 9(1) : 60–63.

30. गर्ग के, शर्मा आर, गुप्ता डी, सिन्हा एस, सत्यार्थी जीडी, अग्रवाल डी, काले एसएस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके. आउटकम प्रीडिक्टर्स इन पीडियाट्रिक हैड ट्रॉमा : ए स्टडी ऑफ क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल फैक्टर्स. जे पीडियाट्रिक न्यूरोसाइं. 2017 अप्रैल–जून;12(2) : 149–153.

31. अल्बर्ट वी, सुब्रामणियन ए, अग्रवाल डी, भोई एसके, पल्लवी प, मुखोपाध्याय एके. आरएएनटीईएस लेवल्स इन पेरिफेरल ब्लड, सीएसएफ एण्ड कंट्यूस्ड ब्रेन टिशू एज ए मार्कर फॉर आउटकम इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) पेशेंट्स. बीएमसी रिसर्च नोट्स. 2017;10 : 139.

32. साक्षी चापेड़ा, सुमित सिन्हा, दीपक गुप्ता, गुरू दत्ता, सत्यार्थी जीडी, अग्रवाल डी, गौरीशंकर कलोइया, राजेश सागर, मंजरी त्रिपाठी, आशिमा नेहरा, डज फंक्शनेलिटी केस आफ्टर एक्वायर्ड ब्रेन इंजरी? विग्नेटेस फ्रॉम ए न्यूरो– फिजियो–सोशल पर्सपेक्टिव. इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमेटिक. 2017.

33. कटियार वी, वोरा जेड, अग्रवाल एस, शर्मा आर, गुर्जर एच. प्रोग्नोस्टिक स्कोरिंग फॉर क्रोनिंग सबड्यूरल हिमेटोमा : इज डिसिजन – मैकिंग इरेजर? वर्ल्ड न्यूरोसर्जरी (मुद्रण के पहले).

34. रोबिन एम, एक्सेवियर टी, अंजुषा टी, कुरियाकोस एमएल, अग्रवाल डी. इफेक्ट ऑफ इंट्रावेनस मिडेजोलम ऑन इंट्राक्रेनियल प्रेशर ड्यूरिंग इंडोट्रेकियल सक्शनिंग इन पेशेंट्स विद सर्वर हैड इंजरी. जे एनेस्थीसियोल क्रिट केयर 2017;4 : 167–9.

35. ठाकर ए, गुप्ता एमपी, श्रीवास्तव ए, अग्रवाल डी, कुमार ए. नॉन सर्जिकल ट्रीटमेंट फॉर पोस्ट ट्रॉमेटिक कम्प्लीट फेशियल नर्व पैरालाइसिस. जेएएमए ऑटोलेरिंजियोल हैड नेक सर्ज. 2018 फरवरी 22. डीओआई : 10.1001/जेमेटो.2017.3147.

36. कुमार ए, वार्ष्णे जी, सिंह पीके, अग्रवाल डी, सत्यार्थी जीडी, चंद्रा पीएस, काले एसएस, महापात्रा एके. ट्रॉमेटिक एट लेंटोएक्सियल स्पॉन्डिलोप्टोसिस एसोसिएटिड विद डिस्प्लेस्ड ओडोंटॉइड फ्रैक्चर्स : कम्प्लीट रिडक्शन वाय पोस्टीरियर एप्रोच यूजिंग ''जॉइंड रिमॉडलिंग'' तकनीक. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2018 फरवरी;110 : 609–613.

37. अल्बर्ट वी, सुब्रामणियन ए, अग्रवाल डी, पति एचपी, गुप्ता एसडी, मुखोपाध्याय एके. एक्यूट ट्रॉमेटिक इंडोथिलियोपैथी इन आइसोलेटिड सर्वर ब्रेन इंजरी एण्ड इट्स इम्पैक्ट ऑन क्लिनिकल आउटकम. मेड साइं (बेसेल). 2018 जनवरी 16;6(1).

38. सिंह पीके, वर्मा एसके, गर्ग एम, सावरकर डीपी, कुमार ए, अग्रवाल डी, आदि. इवेल्यूएशन ऑफ कोरेलेशन ऑफ रेडियोलॉजिक पैरामीटर्स (एंगुलेशन एण्ड डिस्प्लेसमेंट) एण्ड एक्यूरेसी ऑफ सी2 पीडिसल स्क्रू प्लेसमेंट इन अनस्टेबल हंगमन'' फ्रैक्चर विद इंट्राऑपरेटिव कम्प्यूटिड टोमोग्राफी – ब्रेस्ड नेविगेशन. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 नवम्बर;107 : 795–802.

39. शर्मा आर , गर्ग के, अग्रवाल एस, अग्रवाल डी, चंद्रा पीएस, काले एसएस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके. माइक्रोवेस्कुलर डिकम्प्रेशन फॉर हेमीफेशियल स्पैस्म : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू ऑफ वेस्कुलर पैथोलॉजी, लॉन्ग टर्म ट्रीटमेंट एफिकैसी एण्ड सेफ्टी. न्यूराल इंडिया. 2017 मई–जून; 65 (3) : 493–505.

40. मिलर फरगुसन एन, सरनाइक ए, मिलेस डी, शफी एन, पीटर्सएमजे, ट्रूमपेर ई, वेविलाला एमएस, बेल एमजे, विस्नीइवस्की एसआर, लुथर जेएफ, हार्टमैन एएल, कोचनेक पीएम. (दीपक गुप्ता इंवेस्टीगेटर्स ऑफ द एप्रोचिस एण्ड डिसिजिन्स इन एक्यूट पीडियाट्रिक ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी (एडीएपीटी) ट्रायल). एब्यूसिव हैड ट्रॉमा एण्ड मोर्टेलिटी – एन एनालाइसिस फ्रॉम एन इंटरनेशनल कम्पेरेटिव इफेक्टिवनेस स्टडी ऑफ चिल्ड्रन विद सर्वर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. क्रिट केयर मेड. 2017 अगस्त; 45 (8) : 1398–1407. डीओआई : 10.1097/सीसीएम.0000000000002378.

41. गुप्ता डी, रहेजा ए. कोरेलेशन ऑफ बायोमार्कर्स विद कंजेनाइटिव डिफिक्ट्सि इन यंग एडल्ट्स विद मिल्ड ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. न्यूराल इंडिया जुलाई – अगस्त; 65 (4) : 767–769. डीओआई : 10.4103/न्यूरोइंडिया. इन_524_17.

42. नोसेन एमसी, हुइजबेन जेए, वेन डेर जगत एम, वोलोविकी वी, वान एसेन टी, पोलिंडर एस, नेल्सन डी, इरकोल ए, स्टोचेटी एन, सिटेरियो जी, पेयूल डब्ल्यूसी, मास एआईआर, मेनन डी, स्टेयेरबर्ग ईडब्ल्यू, लिंगास्मा एचएफ; (दीपक गुप्ता सेंटर – टीबीआई इंवेस्टीगेटर्स) वेरिएशन इन मॉनिटरिंग एण्ड ट्रीटमेंट पॉलिसिज़ फॉर इंट्राक्रेनियल हाइपरटेंशन इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : ए सर्वे इन 66 न्यूरोट्रॉमा सेंटर्स पार्टिसिपेंट इन द सेंटर–टीबीआई स्टडी. क्रिट केयर.2017 सितम्बर 6;21(1) : 233. डीओआई : 10. 1186/एस13054–017–1816–9.

43. शर्मा आर , कटियार वी, गुर्जर एच, मोंगा ए, वोरा जेड. क्लिनिकल युटिलिटी ऑफ डिसफ्यूजन टेंसर इमेजिंग (डीटीआई) मेट्रिक्स इन लम्बर डिस्क हर्निएशन. वर्ल्ड न्यूरोसर्जरी (मुद्रण से पहले)

44. गुप्ता डी, सिंगला आर, मेज्जोइ एटी, सचिंदर ईबी, टंडन वी, काले एसएस, महापात्रा एके. डिटेक्शन ऑफ मेटाबोलिक पैटर्न फॉलोइंग डीकम्प्रेसिव क्रेनियोसेक्टॉमी इन सर्वर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : ए माइक्रोडायलिसिस स्टडी. ब्रेन इंज. 2017; 31(12) : 1660–1666. डीओआई : 10.1080/02699052.2017.1370553. ई. पब 2017 सितम्बर 19.

45. मास एआईआर, मेनन डीके, एडेलसन पीडी, एंडेलिक एन, बेल एमजे, बेली ए, बरेग पी, ब्रेजिनोवा ए, बुकी ए, चेसनट आरएम, सिटेरियो जी, कोबर्न एम, कॉपर डीजे, क्राउडर एटी, सीजेटर ई, जोंसिंका एम, डियाज – अरेस्तिया आर, ड्रेयर जेपी, दुहेमी एसी, इरकोल ए, वैन एसेन टीए, फिजिन वीएल, गोव जी, जियासिनो जे, गोनजेलज – लारा एलई, ग्रुएन आरएल, गुप्ता डी, हार्टिंग्स जेए, हिल्ल एस, जियांग जेवाय, केथरनाथन एन, कोमपंजे ईजेओ, लैनयोन एल, लौरियस एस, लेकी एफ, लेविन एच, लिंगास्मा एचएफ, मेजेल एम, मेजदन एम, मानली जी, मार्कस्टेलर जे, मेस्का एल, मैकफेडयेन सी, मोनडेलो एस, न्यूकोम्बे वी, पेलोटी ए, पेरिजेल पीएम, पेयोल डब्ल्यू, पिएरसी जे, पोलिंदर एस, पुएबासेट एल, रसमुसेन टीई, रोससेंट आर, स्माइलेवस्की पी, सोदरबर्ग जे, स्टेंवॉर्थ एसजे, स्टेन एमबी, वोन स्टेनबुचेल एन, स्टेवर्ट डब्ल्यू, स्टेयेरबर्ग ईडब्ल्यू, स्टोचेटी एन, सिंनोट ए, टी एओ बी, टेनोवु ओ, थीडम ए, तिब्बोल डी, विदेता डब्ल्यू, वैंग केकेडब्ल्यू, विलिमस डब्ल्यूएच, विल्सन एल, येफे के, इन टीबीआईआर पार्टिसिपेंट एण्ड इंवेस्टीगेस्टर्स. ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : इंटीग्रेटिड एप्रोचिस टू इम्प्रूव प्रीवेंशन, क्लिनिक केयर, एण्ड रिसर्च. लैनेक्ट न्यूरोल. 2017 दिसम्बर;16(12) : 987–1048. डीओआई : 10.1016/एस1474–4422(17)30371–10. ई.पब 2017 नवम्बर 6.

46. बेल एमजे, एडेलसन पीडी, विस्नीवेस्की एसआर; दीपक गुप्ता (इंवेस्टीगेस्टर्स ऑफ द एडीएपीटी स्टडी). चैलेंजिस एण्ड ऑपर्च्युनिटीज़ फॉर पीडियाट्रि सर्वर टीबीआई – रिव्यू ऑफ द एविडेंस एण्ड एक्सप्लोरिंग ए वे फॉरवर्ड. चाइल्ड्स नर्व सिस्ट. 2017 अक्तूबर; 33(10) : 1663–1667. डीओआई : 10.1007/एस00381–017–3530–वाय. ई. पब 2017 सितम्बर 6.

47. सरनायक ए, फेरगुसन एनएम, ओ मेरा एएमआई, अग्रवाल एस, दीप ए, बुतरम एस, बेल एमजे, विस्नीवेस्की एसआर, लुथर जेएफ, हार्टमैन एएल, वेविलाला एमसी (दीपक गुप्ता; इंवेस्टीगेस्टर्स ऑफ द एडीएपीटी ट्रायल). एज एण्ड मार्टेलिटी इन पीडियाट्रिक सर्वे ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : रिजल्ट्र्स फ्रॉम एन इंटरनेटशनल स्टडी. न्यूरोक्रिट केयर. 2018 फरवरी 23. डीओआई:10. 1007/एस12028–017–0480–एक्स।

48. श्रीवास्तव सी, इरशाद के, दीक्षित बी, चट्टोपाध्याय पी, सरकार सी, गुप्ता डीके, सिन्हा एस, चोस्डॉल के. एफएटी1 मॉड्यूलेट्स ईएमटी एण्ड स्टेमनेस जीन्स जीन्स एक्सप्रेशन इन हाइपोक्सिस ग्लियोब्लास्टोमा. इंट जे. कैंसर 2018 फरवरी 15;142(4) : 805–812. डीओआई : 10.1002/आईजेसी.31092. ई.पब 2017 अक्तूबर 17.

49. सत्यार्थी जीडी. आइडली, हाउ अर्ली शुड क्रेनियोप्लास्टी बी परफॉर्म्ड – डेज, वीक्स, या मन्थ्स फॉलोइंग डिकम्प्रेसिव क्रेनियोसेक्टॉमी सर्जश्री टू लेबल एज ''ऑप्टिमल अर्ली क्रेनियोप्लास्टी''? बिग इंगिमा. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2018 अप्रैल; 112 : 302–303.

50. समाला आर, गर्ग के, केडिया एस, सत्यार्थी जीडी. लैटर टू द एडिटर. इंडोवेस्कुलर मैनेजमेंट ऑफ एपिड्यूरल हिमेटोमास. जे. न्यूरोसर्ज. 2018;16 : 1–3.

51. सत्यार्थी जीडी, सावरकर डीआर. मैनेजमेंट ऑफ सेरेब्रल वेनस एण्ड सिनस थ्रोम्बोसिस फॉलोइंग ट्रांसफेनोइडल सर्जरी फॉर कुशिंग डिजीज ड्यूरिंग अर्ली पोस्ट ऑपरेटिव पीरियड : अनकॉमन न्यूरोसर्जिकल कम्प्लीकेशन्स. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज.2018;111 : 422.

52. मॉस्कोट–सालाजार एलआर, सत्यार्थी जीडी, कोल्डेरॉन–मिरांडा डब्ल्यूजी, मेटस जेए, पैचेको–हर्नान्डेज ए, पुआक–पोनानको पीसी, अग्रवाल ए, प्रोलैक्टिन सिक्रेटिंग पिट्यूटरी कार्सिनोमा विद एक्स्ट्राक्रैनियल स्प्रेड विद पैथोलॉजिकल फ्रैक्चर ऑफ फेमर, जे न्यूरोस्की रूरल प्रैक्ट. 2018;9(1) : 170–173.

53. शर्मा आर, शर्मा पी,कटियार वी,वोरा जेड, गुर्जर एच. टामिंग ऑफ अर्ली ऑफ क्रेनियोप्लास्टी फॉर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी–द डीबेट गोज़ ऑन, वर्ल्ड न्यूरोसर्जरी (मुद्रण से पहले)।

54. मॉस्कोट–सालाजार एलआर, सत्यार्थी जीडी. मल्टीफैक्टेड एडजंक्ट फॉर प्रवेंशन ऑफ कैरेब्रोस्पिनल फ्यूइड लेक फॉलोइंग एक्सटर्नल वेंट्रीकुलर ड्रेन प्लेसमेंट टू मिनीमाइज़ इसीडेंस ऑफ इंफेक्शन, वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2018;109 : 497–498.

55. सत्यार्थी जीडी, मॉस्कोट–सालाजार एलआर, एस्कोबार–हर्नान्डेज़ एन, एक्विनो–मैटस जे, पुआक– पोलानको पीसी, होज़ एसएस, कोल्डेरॉन–मिरांडा डब्ल्यूजी. ए जाइंट ऑक्सीपिटल इंसेफेलोसेल इन नेओनेट विद स्पोंटेंओस हेमोरहेज इनटु द इंसेफेलोसेल सैक : सर्जिकल मैनेजमेंट. जे पेडियाट्र न्यूरोसाइ. 2017;12(3) : 268–270.

56. मॉस्कोट–सालाजार एलआर, सत्यार्थी जीडी, कोल्डेरॉन–मिरांडा डब्ल्यूजी, अग्रवाल ए, एल्वीस–मिराण्डा एचआर, अल्काला–सेरा जी, पचेको–हेर्नांडेज़ ए. इंट्राडिपप्लोइक प्टेरियोनल एपिर्डेमोइड ट्यूमर : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे. जे पेडियाट्र न्यूरोसाइ. 2017 जुलाई–सितम्बर;12 (3) : 262–264.

57. सत्यार्थी जीडी, संगनी एम, सिन्हा एस, अग्रवाल डी, मैनेजमेंट एण्ड आउटकम एनालिसिस ऑफ पेडियाट्रिक अनस्टेबल थोराकोल्युम्बर स्पाइन इंजरी : लार्ज्र सर्जिकल सीरीज विद लिटरेचर रिव्यू. जे जे पेडियाट्र न्यूरोसाइ. 2017 जुलाई–सितम्बर ;12(3) : 209–214.

58. सत्यार्थी जीडी, रहेजा ए. अनरप्टिड इंटरनल कैरोटीड अर्टरी एनेउर्सिम एसोशिएटेड विद फंक्शनल पिट्यूटरी एडेनोमा : ए ट्र्यू एसोसिएशन. एशियन जे न्यूरोसर्ज. 2017 अक्तूबर–दिसम्बर;12(4) : 701–704.

59. सत्यार्थी जीडी, चन्द्र पीएस, शर्मा बीएस, मेहता वीएस. कम्पेरिज़न ऑफ स्टीरियोटैक्टिक एण्ड अल्ट्रासाउण्ड–गाइडेड बायोफि ऑफ सॉलिड सुप्रेटेंटोरियल ट्यूमर : ए प्रेलिमिनरी रिपोर्ट. एशियन जे न्यूरोसर्ज. 2017 अक्तूबर–दिसम्बर;12(4) : 664–669.

60. सत्यार्थी जीडी. एडवांस्ट एल्वो जाइंट ट्यूबरकुलोसिस विद सर्वाइकोथोरेसिक जंक्शन एक्स्ट्रामेड्यूलरी ट्यूबरकुलोमा इन ए स्कूल बॉय : अनयूजवल एसोसिएशन. जे न्यूरोसाइ रूरल प्रैक्ट. 2017 अगस्त; 8 (पूरक 1) : एस147–एस149.

61. सत्यार्थी जीडी, शर्मा बीएस. रीपेक्टेड हैडेक एज़ प्रेजेंटेशन ऑफ पिट्यूटरी एपोपलेक्सी इन द एडोलेक्सेंट पॉपुलेशन : अनयूजवल एंटीटी विद रिव्यू ऑफ लिटरेचर. जे न्यूरोसाइ रूरल प्रेक्ट. 2017 अगस्त; 8 (पूरक 1) : एस143–एस146.

62. सत्यार्थी जीडी, सिंह एम. जाइंट अनरर्प्टिड मिडल सेरेब्रल अर्टलरी एन्यूरिज्म प्रजेंटिंग विद कॉम्पलेक्स पार्शियल सीज़र : ए शॉर्ट रिव्यू. जे पेडियाट्र जे न्यूरोसाइ 2017 अप्रैल–जून;12(2) : 185–187.

63. सत्यार्थी जीडी. जॉइंट इंट्रासेरेब्रल ट्यूबर्कुलूमा विद कम्पलीट डिसेपियरेंस ऑन एंटीट्यूबेर्कुर थैरेपी एलोन इन ए पेडियाट्रिक केस : ए केस इल्युस्ट्रेक्शन विद रिव्यू ऑफ मैनेजमेंट स्ट्रेटजी. जे पेडियाट्र न्यूरोसाइ. 2017 अप्रैल–जून;12(2) : 180–184.

64. सत्यार्थी जीडी. प्रेडिक्टिंग शेप लोकेशन एण्ड कोर्सेज ऑफ फेशयल नर्व्स इन रिलेशन टू लार्ज वेस्टिबुलर ऑन डिफ्यूजन टेंजर इमेजिंग विद इंट्रोपेरेटिव कोरेलेशन : इम्पोर्टेंट सर्जिकल एडजंक्ड. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017;105 : 1002.

65. सिंगला आर, काम्रा डी, शर्मा आर , कटियार वी, गुर्जर एच. डू गेलियोमास बिहेव डिफ्रेंटली इन पेशेंट्स विद एचआईवी ? वर्ल्ड न्यूरोसर्जरी (मुद्रण से पहले)।
66. रहेजा ए, सत्यार्थी जीडी. स्फेनॉइड विंग एन प्लेज मेनिनजियोमा डेवलपमेंट फॉलोइंग क्रेनियोफेरिंजियोमा सर्जरी एण्ड रेडियोथैरेपी : रेडियोशन–इंड्यूसेड आफ्टर थ्री डीकेड्स. एशियन जे न्यूरोसर्ज. 2017;12(3) : 358–361.
67. सत्यार्थी जीडी. न्यूरोइंडोस्कोप : इवोल्विंग स्पैक्ट्रम ऑफ यूटिलिटी इन द मैनेजमेंट ऑफ हाइड्रोसेफलेस बायोप्सी एण्ड रीयेक्शन ऑफ वेंट्रीकुलर ट्यूमर्स एण्ड सिस्ट फेनेस्ट्रेशन वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 अगस्त;104 : 1029–1030.
68. सत्यार्थी जीडी. ऐवोल्यूशन ऑफ डिफ्रेंट सर्जिकल ट्रीटमेंट टैक्नीक्स फॉर मैनेजमेंट इम्प्रूविंग आउटकम ऑफ सियारी मलफोरमेशन टाइप 1. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 अगस्त;104 : 1026–1027.
69. सत्यार्थी जीडी. एक्सपेंडिंग हॉरीजून ऑफ न्यूरोएंडोस्कोपिक प्रोसेड्यूर फ्रॉम इंडोस्कोपिक–एसिस्टेड ट्यूमर रिजेक्शन, वास्कुलर, सर्जरी एण्ड मैनेजमेंट ऑफ हाइड्रोसेफलस टु डाइग्नोस्टिक एण्ड थैरेपेटिक मैनेजमेंट ऑफ प्यूजेनिक वेंट्रीकुलिटीज. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 अगस्त;104 : 1024–1025.
70. सत्यार्थी जीडी. एक्सपेंडिंग स्पेक्ट्रम एण्ड डिवेर्सिफाइंग रोल ऑफ लेजर बीम फ्रॉम इंट्रोपेरेटिव क्रेनियल सर्जरी एडजंक्ड टु मैगनेटिक रीसोनेंस–गाइडेड मिनिमली इनवेसिव थर्मल लेजर एबलेशन थैरेपी फॉर इंट्राक्रनल ट्यूमर. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 अगस्त;104 : 1022–1023.
71. सत्यार्थी जीडी, गर्ग के, बोरकर एसए. पैरागंगलिओमा ऑफ द फीलुम टर्मिनल : एन एक्सट्रीमली अनकॉमन न्यूरोएंडोस्क्रीन न्यूरोप्लाज्म लोकेटिड इन स्पाइन. जे न्यूरोसाइ रूरल प्रेक्ट. 2017 जुलाई–सितम्बर; 8(3) : 490–493.
72. सत्यार्थी जीडी, गर्ग के. एटीरियर पिट्यूटरी हॉर्मोनल डिस्टरबेंस इन पेशेंट्स सफरिंग विद ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजुरी. जे न्यूरोसाइ रूरल प्रेक्ट. 2017 जुलाई–सितम्बर;8(3) : 481–483. डीओआई : 10.4103/जेएनआरपी.जेएनआरपी_438_16.
73. सत्यार्थी जीडी. बायोमार्कर–बेस्ड टारगेटिड थैरेपी ऑफ ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : फ्रॉम प्रीहॉस्पिटल केयर टू इन–हॉस्पिटल केयर टू रीहैबिलिटेशन. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017;103 : 939–941.
74. सत्यार्थी जीडी. बोन फ्लैप रीसोर्प्शन : माय स्टीरियस कॉम्पलीकेशन ऑफ ऑटोलोग्स बोन फ्लैप क्रेनियासेप्लास्टी विद हाइली वेरिएबल इंसीडेंस इन पेडियाट्रिक, एडल्ट एण्ड ओल्डर पॉपुलेशंस. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 जुलाई; 103 : 937–938.
75. सत्यार्थी जीडी. ऑब्लिक्यू लम्बर इंटरबॉडी फ्यूजन : यूटिलिटी एण्ड पेरिऑपरेटिव कॉम्पलीकेशंस. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 जून; 102 : 690–691.
76. सत्यार्थी जीडी. मोयामोया डिजीज : इम्पैक्ट ऑफ इवोल्विंग डिफ्रेंट मैनेजमेंट एप्रोचेज टू इम्प्रूव ओवरऑल न्यूरोलॉजिक आउटकम. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017;102 : 684–686.
77. शर्मा आर, शर्मा पी, कटियार वी, वोरा जेड, गुर्जर एच. हाइपोंट्रेमिया फॉलोइंग एन्यूरिज्समल सबआर्किनॉइड हेमोरेज (एएसएएच). वर्ल्ड न्यूरोसर्ज (मुद्रण से पहले)।
78. सत्यार्थी जीडी, कुमार ए. किलप्पेल–फेल सिंड्रोम एसोशिएटिड विद सकरल एजेंसीज़, लो लेयिंग कोर्ड, लिपोमाइलोमेनिनजियोसेले एण्ड स्प्लिट कोर्ड मलफॉरमेशन प्रेजेंटिंग विद टीदर्ड सिंड्रोम : पेंटेड न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स स्प्रेड एलॉन्ग होल स्पाइनल एक्सेस. जे पेडियाट्र न्यूरोसाइ. 2017; 12(1) : 51–54. डीओआई : 10.4103/1817–1745.205651.
79. सत्यार्थी जीडी, जैन जी. इंडिकेशन ऑफ सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ वेस्टिबुलर श्वानोमा इन द ओल्डर एज ग्रुप : मायस्टीरियस स्टिल अनसॉल्व्ड. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 मई; 101 : 803–804. डीओआई : 10.1016/जे.डब्ल्यूएनईयू2016.12.020.
80. सत्यार्थी जीडी. ऑप्टीमल स्ट्रैटजी टू कंट्रोल सर्जिकल साइट इंफेक्शन फॉलोइंग डीप ब्रेन स्टीमुलेशन सर्जरी : एडिक्वेट मैनेजमेंट ऑफ रिस्क फैक्टर्स, टॉपिकल एप्लीकेशन ऑफ वेंकोमाइसिन पाउडर इन द सर्जिकल वॉउंड एण्ड पेरिऑपरेटिव एंटीबायोटिक प्रोफिलेक्सिस. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 मई; 101 : 789–790. डीओआई : 10.1016/जे.डब्ल्यूएनईयू 2017.01.108.
81. सत्यार्थी जीडी. वे टू इम्प्रूव आउटकम्स ऑफ ट्रॉमेटिक एक्यूट स्पाइनल कोर्ड इंजरी : इंटेग्रेटेड एप्रोचेज ऑफ इम्प्रूव्ड प्रीहॉस्पिटल केयर, द एडॉप्शन ऑफ सिनेर्जिटिक मेडिकल एण्ड सर्जिकल इंटरवेंशन, एलॉन्ग विदक केयर फॉर एसोशिएटेड सिस्टमिक इंजरी एण्ड रीहैबीलिटेशन एण्ड सोशल इंक्लूजन. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 मई; 101 : 786–787. डीओआई : 10.1016/जे.डब्ल्यूएनईयू 2017.01.062.
82. सत्यार्थी जीडी. वे टू इम्प्रूव आउटकम्स ऑफ डिकम्प्रेसिव क्रेनिएक्टॉमी : जुडिसियस यूटिलाइजेशन ऑफ माइक्रोन्यूरोसर्जिकल टैक्नीक एडजंक्ट. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017 मई; 101 : 779–780. डीओआई : 10.1016/जे.डब्ल्यूएनईयू 2016.12.101.
83. सत्यार्थी जीडी, शर्मा बीएस, सिंह एल. डॉ जीएम ताओरी. न्यूरोल इंडिया. 2017 मार्च–अप्रैल; 65(2) : 450–453. डीओआई : 10. 4103/न्यूरोइंडिया एनआई 858_16.

84. मनकोटिया डीएस, सावरकर डीपी, सिंह पीके, कुमार ए, वर्मा एसके, चन्द्रा पीएस, काले एसएस. ए रेयर केयर ऑफ सीएसफ प्रोक्टोरियो ड्यू टु एंटीरियर स्क्रेल मेनिनजियोसेले विद रेक्टोथिकल फिस्टुला. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2018 मार्च 20. पीआईआई : एस1878–8750 (18) 30569–2. डीओआई : 10.1016 / जे.डब्ल्यूएनईयू .2018.03.087.

85. कृष्णन एस, कटियार वी, फलक एम, शर्मा आर. स्ट्रेप्टोकोकस म्यूटेशंस विद कोलेजन बाइंडिंग प्रोटीन : फ्रॉम ओरल कैविटी टू ब्रेन. वर्ल्ड न्यूरोसर्जरी (मुद्रण से पहले)।

86. शर्मा आर,कटियार वी, शर्मा पी, वोरा जेड, गुर्जर एच. पोस्टीरियर फोस्सा क्रसेडेडनेस इन इंडोपैथिक ट्राइजेमिनल न्यूरेल्जिया : इज़ इन द रियल परपेट्रेटर? जरनल ऑफ क्लिनिकल न्यूरोसाइंस (मुद्रण से पहले)।

87. सावरकर डीपी, जनमत्ती एस, कुमार आर, सिंह पीके, गुर्जर एच के, काले एसएस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके. केवर्नस मैलफॉर्मेशन्स ऑफ सेंट्रल नर्वस सिस्टम इन पीडियट्रिक पेशेंट्स : ऑर सिंगल – सेंटरड एक्सपीरिएंसइन 50 पेशेंट्स एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर। चाइल्ड्स नर्व सिस्ट. 2017 सितंबर; 33(9) : 1525–1538. डीओआई : 10.1007 / S00381–017–3429–7. ई.पब 2017 जून 20.

88. मनकोटिया डीएस, सिंह एसके, बोरकर एसए, शर्मा बीएस, राजेश्वरी एम, शर्मा एमसी. प्राइमरी जाइंट स्फेनोटेम्पोरल इंट्राडिप्लोइक मेनिंजियोमा। एशियन जे न्यूरोसर्ज. जनवरी–मार्च 2018; 13(1) : 157–160.

89. बोरकर एसए, वर्मा एन, जोसेफ एसएल, काले एसएस, महापात्रा एके. मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग ऑफ पीडियट्रिक प्राइमरी सेरेब्रल हाइडेटिडोसिस. जे पीडियट्र यू: न्यूरोसाइ. जुलाई–सितंबर 2017; 12(3) : 298–299.

90. अग्रवाल एम, बोरकर एसए, महापात्रा एके. लैटर टू द एडिटर रिगर्डिंग ''एफिसेसी ऑफ अर्ली सर्जरी फॉर न्यूरोलॉजिकल इम्प्रूवमेंट इन स्पाइन कोर्ड इंजरी विदआउट रेडियोग्राफिक एविडेंस ऑफ ट्रॉमा इन द इलडर्ली'' वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. दिसंबर 2017; 108 : 962.

91. शर्मा आर, फलक एम, कटियार वी, बोरकर एस, काले एसएस, महापात्रा एके. माइक्रोवेस्कुलर डिकम्प्रेशन वर्सिस स्टेरियोटेक्टिक रेडियोसर्जरी एज प्राइमरी ट्रीटमेंट मॉडेलिटी फॉर ट्राइजेमिनल न्यूरेलजिया : ए सिस्टेमेटिक रिव्यू एंड मेटा – एनालायसिस ऑफ प्रोस्पेक्टिव कम्परेटिव ट्रायल्स। न्यूरोल इंडिया मई–जून 2018; ई; 66(3) : 688–694.

92. अग्रवाल एम, बोरकर एसए, सिंगला आर, महापात्रा एके. लैटर टू द एडिटर रिगार्डिंग ''बूर – होल ड्रेनेज फॉर क्रॉनिक सबडुरल हिमेटोमा अंडर लॉ–डोज एसेटाइलसेलिकाइलिक एसिड : ए कम्परेटिव रिस्क एनालायसिस स्टडी''। वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. नवंबर 2017; 107 : 1037.

93. शर्मा आर, बोरकर एसए, फलक एम, सिन्हा एस, महापात्रा एके. लैटर टू द एडिटर. पोस्टक्रैनियोप्लास्टी चेंजीस इन सेरेब्रल ब्लड परफ्यूजन एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन न्यूरोलॉजिकल एंड क्लिनिकल आउटकम्स। जे न्यूरोसर्ज. जनवरी 2018; 128(1) : 323–324.

94. अग्रवाल एम, बोरकर एसए, फलक एम, सिंगला आर, महापात्रा एके. डोज स्पाइनल कोर्ड लाइन इंफ्लुएंस चॉइस ऑफ सर्जिकल एप्रोच इन मल्टीलेवल सरवाइकल स्पोंडायलोटिक माइलोपैथी? वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. सितंबर 2017; 105 : 1007.

95. बंसल एस, बोरकर एसए, महापात्रा एके. ए कॉमन केस विद् एन अनयूजवल एसोसिएशन : चियरी आई मैलफॉर्मेशन विद होलोकार्ड सिरिनेक्स. एशियन जे न्यूरोसर्ज. अप्रैल–जून 2017; 12(2) : 241–243.

96. बंसल एस, बोरकर एसए, महापात्रा एके. एसोसिएशन ऑफ ब्रेन अबसेस विद् ए माइकोटिक न्यूरिज्म ऑफ द कॉन्ट्रेलेटरल इंटर्नल कैरोटिड अर्टरी इन ए पेशेंट ऑफ काइनोटिक हार्ट डिजीज. एशियन जे न्यूरोसर्ज. अप्रैल–जून 2017; 12(2) : 220–223.

97. बंसल एस, बोरकर एसए, महापात्रा एके. हाइड्रोसेफलस एसोसिएटेड विद् स्पाइनल इंट्रामेडुलरी पिलोकाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा. एशियन जे न्यूरोसर्ज. अप्रैल–जून 2017; 12(2) : 217–219.

98. राजेश वाई, पाल आई बेनिक पी, चक्रबर्ती एस, बोरकर एसए, डे जी, मुखर्जी ए, मंडल एम. इनसाइट्स इनटु मॉलीकुलर थैरेपी ऑफ ग्लियोमा : करंट चेलेंजीस एंड नेक्स्ट जनरेशन ब्लूप्रिंट. एक्टा फार्माकोल सिन. मई 2017; 38(5) : 591–613.

99. सिंह एसके, मनकोटिया डीएस, बोरकर एसए, गुप्ता यूडी. मल्टीपल मिरर इमेज सरवाइकल न्यूरोफाइब्रोमस इन न्यूरोफाइब्रोमेटोसिस टाइप 1. न्यूरोल इंडिया। मार्च–अप्रैल 2017; 65(2) : 428–429.

100. मनकोटिया डीएस, बोरकर एसए, कौर के, सूरी वी, शर्मा बीएस. ए रेयर केस ऑफ जाइंट सोलिटरी कैलवायरल प्लाज्मासाइटोमा : कैन इट ग्रूव बिगर दैन दिस? न्यूरोल इंडिया मार्च–अप्रैल 2017; 65(2) : 420–422.

101. गर्ग के, बोरकर एसए, काले एसएस, शर्मा बीएस. स्पाइनल अराकैनॉइड सिस्ट – अवर एक्सपीरिएंस एंड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. ब्रे जे न्यूरोसर्ज. अप्रैल 2017; 31(2) : 172–178.

102. वर्मा एसके, बोरकर एसए, सिंह पीके, टंडन वी, गुर्जर एचके, सिन्हा एस, सत्यार्थी जीडी, गुप्ता डी, अग्रवाल डी, शर्मा बीएस. ट्रॉमेटिक पोस्टेरियर फोसा एक्स्ट्राडुरल हिमेटोमा – एक्सपीरिएंस एट लेवल। ट्रॉमा सेंटर. (एशियन जे न्यूरोसर्जरी) (मुद्रण से पहले प्रकाशन)।

103. बोरकर एसए, सिंह एम, काले एसएस, सूरी ए, चंद्र पीएस, कुमार आर, शर्मा बीएस, गैकवाड एस, महापात्रा एके. स्पाइनल सेरेब्रोस्फाइनल फ्लुइड ड्रेनेज फॉर प्रीवेंशन ऑफ वेसोस्पेज्म इन एन्यूरिज्मल सबरैकैनॉइड हिमोरैज : ए प्रोस्पेक्टिव रैडोमाइज्ड कंट्रोलड स्टडी. (एशियन जे ऑफ न्यूरोसर्जरी) (मुद्रण से पहले प्रकाशन)।

104. शर्मा पी, कटियार वी, शर्मा आर, गुर्जर एचके, कृष्णा एस. लैटर : रोल ऑफ टायरोसाइन काइनेस इनहेबिटर्स इन रिकरंट मेनिंजियोमस : कंट्रोवर्सिस एंड प्रोमाइसेस न्यूरोसर्जरी. 23 मार्च 2018 . डीओआई : 10.1093/न्यूरोस/एनवाईवाई055. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)।

105. कटियार वी, शर्मा आर , गुर्जर एचके. इम्पैक्ट ऑफ पोस्ट क्रैनिएक्टोमी क्रैनियोप्लास्टी ऑन सेरेब्रल परफ्यूजन एंड क्लिनिकल आउटकम. जे क्लि न्यूरोसाइ. मार्च 2018; 49 : 87–88. डीओआई : 10.1016/जे.जेओसीएन.2017.08.052. ई.प्रका 11 दिसंबर 2017.

106. गुर्जर एच, कटियार वी, शर्मा आर. लैटर : द यूज ऑफ वेंकोमायसिन पाउडर फॉर सर्जिकल प्रोफायलेक्सिस फॉलोविंग क्रैनियोटोमी. न्यूरोसर्जरी. 1 फरवरी 2018; 82(2) : ई69–ई70. डीओआई : 10.1093/ न्यूरोस/नियक्स524.

107. कटियार वी, शर्मा आर, गुर्जर एचके. लैटर : इज सीरम ग्लियल फाइब्रिलरी एसिडिक प्रोटीन ए कम्प्रीहेंसिव मार्कर फॉर हाई–ग्रेड ग्लियोमा? ओपर न्यूरोसर्ज (हैगरस्टॉन) 1 फरवरी 2018; 14(2) : ई28–ई30. डीओआई : 10.1093/वन्स/ओपेक्स242.

108. शर्मा आर, कटियार वी, गुर्जर एच. लैटर : प्राइमरी मॉडेलिटी फॉर मेडिकली रिफ्रैक्टरी ट्राइजेमिनल न्यूरोलेजिया : माइक्रोवेस्कुल डिकम्प्रेशन ऑर गामा नाइफ थैरेपी? ओपर न्यूरोसर्ज (हैगरस्टॉन) 1 फरवरी 2018; 14(2) : ई31– ई32. डीओआई : 10. 1093/ वन्स/ओपेक्स243.

109. शर्मा आर, शर्मा पी, कटियार वी, वोरा जेड, गुर्जर एच. अर्ली ट्रैकियोस्टोमी इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : कंन्यूड्रम कंटीन्यूस. ब्रे जे न्यूरोसर्ज. 24 अप्रैल 2018 : 1.डीओआई : 10.1080/02688697.2018.1457773. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)।

110. शर्मा आर, कटियार वी, शर्मा पी, गुर्जर एच. सिस्टमिक इंफ्लेमेटरी रिस्पोंस इन पीडियट्रिक सेंट्रल सिस्टम ट्यूमर्स. एक्टा न्यूरोक्रि (वाइन) 23 अप्रैल 2018. डीओआई : 10.1007/एस00701–018–3542–8. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)।

111. सिंगला आर, कटियार वी, शर्मा आर, गुर्जर एच. इन डिसिजन – मेकिंग इजिर पोस्ट रेसक्यू आईसीपी ट्रायल? एक्टा न्यूरोक्रि (वाइन). 23 अप्रैल 2018. डीओआई : 10.1007/एस00701–018–3533–9. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)।

112. शर्मा आर, शर्मा पी, कटियार वी, वोरा जेड, गुर्जर एच. कैन डायबिटिक कीटोएसिडोसिस (डीकेए) प्रीसिपिटेट पोस्टीरियर रिवर्जिबल सिंड्रोम (पीआरईएस)? चाइल्ड्स नर्व सिस्ट. 20 अप्रैल 2018. डीओआई : 10.1007/एस00381–018–3799–5. (मुद्रण से पहले ई प्रकाशन)।

113. मैलगुलवर पीबी, नम्बिराजन ए, पाठक पी, फारुक एम, सूरी वी, सरकार सी, जगदेवन ए, शर्मा बीएस, शर्मा एमसी. स्टडी ऑफ बीटा–कैटेनिन एंड बीआरएएफ एल्टरेशन्स इन एडेमेटिनोमेटस एंड पैपिलरी क्रैनियोफार्जिजियोमस : म्यूटेशन एनालायसिस विद् इम्युनोहिस्टोकैमिकल कोरिलेशन इन 54 केसेस. जे न्यूरोऑन्कोल. जुलाई 2017; 133(3) : 487–495.

114. कुमार ए, सिंह एम, शर्मा एमसी, चंद्र पीएस, शर्मा बीएस, महापात्रा एके. जाइंट बिकोम्पर्टमेंटल काइस्टिक टेंटोरियल स्केवनोमा मिमिकिंग ए मेनिंजियोमा. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. सितंबर 2017; 105 : 1038. ई17–1038. ई22. डीओआई : 10.1016/जे.डब्ल्यूएनईयू. 2017.06.077.

115. गर्ग एम, कुमार ए, सावरकर, डीपी, सिंह पीके, अग्रवाल डी, काले एसएस, महापात्रा एके. ट्रॉमेटिक लेटरल स्पोंडिलोप्टॉसिस : केस सीरियस. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2018 फरवरी 7. पीआईआई : एस1878–8750 (18) 30249–3. डीओआई : 1010.1016/ जे.डब्ल्यूएनईयू .2018.01.206.

116. सिन्हा आर, शर्मा आर, मिश्रा एस, प्रभारकर एच. कंट्रालेटरल ब्रेकियल प्लेक्सस इंजरीज़ फ्लोइंग रेट्रोमेस्टॉइड सबओक्सिपिटल क्रेनिटोटॉमी : ए रिपोर्ट एण्ड रिव्य ऑफ लिटरेचर. न्यूरोल इंडिया. 2017 जुलाई – अगस्त; 65(4) :864.866. डीओआई :10. 4103/neuroindia.NI_264_17. पब मेड पीएमआईडी : 28681763.

117. मिश्रा एस. लिओ बी, रोसिटो डीएम. एक्स्ट्राड्यूरल इंटीरियर क्लिनिकोडेक्टॉमी : टेक्निका न्यूऐसेस फ्रॉम ए लर्नर पर्सपेक्टिव. एशियन जे न्यूरोसर्ज. 2017 अप्रैल – जून;12(2) :189.193. डीओआई : 10.4103/1793.5482.145544. पब मेड पीएमआईडी : 28484528; पब मेड सेंट्रल पीएमसीआईडी : पीएमसी5409364.

118. गौरव खन्ना जी, पंकज पाठक पी, वैशाली सूरी वी, मेहर चंद शर्मा एमसी, सुजाता चतुर्वेदी एस, अरविंद आहुजा ए, एम भारद्वाज एम, अजय गर्ग ए, चित्रा सरकार सी, राजीव शर्मा आर. इम्यूनोहिस्टोकैमिकल एण्ड मॉलीक्यूलर जेनेटिक स्टडी ऑन

एपिथिलियॉइड ग्लियोब्लास्टोमा : सीरिज़ ऑफ सेवन केस विद रिव्यू ऑफ लिटरेचर. पैथोलॉजी – रिसर्च एण्ड प्रैक्टिस. अविलेबल ऑनलाइन 22 मार्च 2018.

119. शर्मा बीएस, सावरकर डीपी. चेंजिंग ट्रेंड्स इन सर्जरी फॉर सुप्रासेलर लेसिएन्स. न्यूरोल इंडिया.2018 जनवरी–फरवरी; 66 (1) : 4. 8. डीओआई : 10.4103/0028.3886.222822.

120. दोदामणि आरएस, मीना आरके, सावरकर डीपी. अम्बीगटी इन द ड्यूरल टेल सिग्न ऑन एमआरआई. सर्ज न्यूरोल इंट. 2018 मार्च 19;9 :62. डीओआई : 10.4103/sni.sni_328_17. ई–कलेक्शन 2018.

121. शर्मा आर, फलक एम, काले एसएस. लैटर टू द एडिटर. एंडोवेस्कुलर एण्ड सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ स्पाइनल ड्यूरल आर्टिरियोवेनस फिस्टुलास जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी. स्पाइन. 2017 सितम्बर;27(3) : 346.7.

122. फलक एम, दास एस, सिंह एम, शर्मा बीएस. अनयुअल कॉज ऑफ लम्बर कैनाल स्टेनोसिस इन 8 डिकेड ऑफ लाइफ–स्पाइनल एपिड्यूरल लिपोमेटोसिस. जर्नल ऑफ क्रेनियोवर्टिब्रल जंक्शन एण्ड स्पाइन. 2017 जनवरी 10;8(4) : 382.

123. शर्मा आर, फलक एम, टंडन वी, महापात्रा एके. लैटर टू द एडिटर. लॉन्ग. टर्म एफिकेसी ऑफ ईटीवी एण्ड शंट सर्जरी फॉर मैनेजमेंट ऑफ हाइड्रोसेफेलस. जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी. पीडियाट्रिक्स. 2017 अक्तूबर 27 :1.

124. टंडन वी, चंद्रा पीएस, दोदामणि आरएस, सुबीएंटो एच, बजाज जे, गर्ग ए, त्रिपाटी एम. स्टेरियोटेक्टिक रेडियोफ्रीक्वेंस थर्मोकोएगुलेशन ऑफ हाइपोथेलेमिक हेमेटोमा यूजिंग रोबोटिक गाइडेंस (आरओएसए) कोरजिस्टर्ड विद ओ. आर्म गाइडेंस. प्रीलिमिनरी टेक्निकल नोट. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2018 अप्रैल;112 :267.274.

125. शर्मा आर, गर्ग के, अग्रवाल डी, गर्ग ए, शर्मा एमसी, शर्मा बीएस, आदि आइसोलेटिड प्राइमरी इंट्राड्यूरल एक्स्ट्रामेड्यूलरी स्पाइनल सिस्टीसेर्कोसिस. न्यूरोल इंडिया. 2017;65 : 882.884.

126. सिंह जे, गर्ग के, शर्मा आर, सिन्हा एस, काले एसएस. डेमेज कंट्रोल सर्जरी इन इंट्रासेरेब्रल होमोरेज इन एक्यूट ल्यूकेमिया : ए रिव्यू ऑफ टू केस. चाइल्ड्स नर्व सिस्ट. 2017;33 :1229.1232.

127. शर्मा आर, गर्ग के, राजवेश्वरी एस, शर्मा एमसी, काले एसएस. सॉलिटेरी प्राइमरी लेप्टोमेनिनजियल एस्ट्रोसिटोमा. – एन एस्ट्रीइमली रेयर पैथोलॉजी. न्यूरोल इंडिया. 2017;65 : 898.900.

128. वर्मा एसके, गर्ग के, टंडन वी, कुमारी के, शर्मा एमसी, काले एसएस, आदि पीडियाट्रिक सीमेंटो–ओसिफाइंग फाइब्रियोमा आफ द ओरबिटल रूफ : रेयर पैथोलॉजी एट द रेयर लॉकेशन्स. न्यूरोल इंडिया. 2017;65 : 902.903.

129. गर्ग एम, सिंह पीएम, लैटर टू द एडिटर रिकार्डिंग ''इफेक्ट्स ऑफ ओरल ग्लिबेंक्लमोइड ऑन ब्रेन कंट्यूजन वॉल्यूम एण्ड फंक्शनल आउटकम ऑफ पेशेंट्स विद मॉडरेट एण्ड सर्वर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरीज़ : ए रेंडोमाइज्ड डबल –ब्लाइंड प्लासेबो. कंट्रोल्ड क्लिनिकल ट्रायल''. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017;105 :1020.

130. शर्मा आर, गर्ग के, लैटर : रोल ऑफ डीकम्प्रेसिव क्रेनिक्टॉमी इन ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. हाउ मच विसर आर वी आफ्टर रेंडोमाइज्ड इवेल्यूएशन ऑफ सर्जरी विद क्रेनिक्टॉमी फॉर अनकंट्रोलेबल एलेवेशन ऑफ इंट्राक्रेनियल प्रेशर ट्रायल? न्यूरोसर्जरी. 2017; 81 : ई58–ई60.

131. शर्मा आर, काले एसएस. लैटर टू द एडिटर रिकार्डिंग ''द लाइकलीहुड रीचिंग सबस्टेनियल क्लिनिकल बेनिफिट आफ्टर एन एंटरलेमिनर डायनेमिक स्पेसर फॉर क्रोनिक लो बैक पैन : ए क्लिनिकल एण्ड रेडियोलॉजिक एनालाइसिस ऑफ ए प्रॉस्पेक्टिव कोहोर्ट'' वर्ल्ड न्यूरोसर्ज. 2017; 106 : 988.

132. अग्रवाल ए, गर्ग के, गुलाटी पी. लैटर टू द एडिटर रिगर्डिंग ''ऑप्टिक नर्व मेनिनजियोमा मिमिकिंग कवेरनस हेमेंजियोमा'' वर्ल्ड न्यूरोजर्स. 2018;111 :435.

133. सिंह एम, शाबरी गिरिशान केवी, बजाज जे, गर्ग के, दीप ब्रेन स्टिमुलेटिंग फॉर मूवमेंट डिस्ऑर्ड्र्स : सर्जिकल न्यूऐसेस न्यूरल इंडिया. 2018 मार्च – अप्रैल;66 (पूरक) : एस122–एस130. डीओआई : 10.4103/0028.3886.226461.

134. एक्सट्रीम लेटरल ट्रांसोडोंटॉइड (ईएलटीओ) एप्रोच टू द वेंट्रल क्रेनियोसर्वाइकल जंक्शन. अल्जारनी जी, गोजल वायएम, इली आई, शिवकुमार डब्ल्यू, रहेजा ए, कुडवेल डब्ल्यूटी. एक्स्ट्रीम लेटरल ट्रांसोडोंटॉइड (ईएलटीओ) एप्रोच टू द वेंट्रल क्रेनियोसर्वाइकल जंक्शन. एक्सेप्टिड फॉर पब्लीकेशन इन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी।

135. सिंह एस, रहेजा ए, महापात्रा एके. सेक्सेसफुल नॉन–ऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट स्पॉन्टेनियस इडियोपैथिक स्पाइनल एपिड्यूरल हेमेटोमा प्रेजेंटिंग एज कौडा एक्यूना सिंड्रोमा. सिंह एस, रहेजा ए, महापात्रा एके. एक्सेप्टिड फॉर पब्लीकेशन इन इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी।

136. एन अनयूजुअल केस ऑफ स्प्लिट कॉर्ड मैलफॉर्मेशन विद साइमल्टेनियस वेंट्रल एण्ड डोर्सल बोनी स्पुर एट ए सिंगल साइट : ए टेक्निकल चैलेंजिस. अग्रवाल ए, रहेजा ए, बोरकर एसए, महापात्रा एके. एन अनयूजुअल केस ऑफ स्प्लिट कॉर्ड मैलफॉर्मेशन विद

साइमल्टेनियस वेंट्रल एण्ड डोर्सल बोनी स्पुर एट ए सिंगल साइट : ए टेक्निकल चैलेंजिस : एक्सेप्टिड फॉर पब्लीकेशन इन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोसाइंस।

137. कार्सी एम, रहेजा ए, इली आई, गुआन जे, कुडवेल डब्ल्यूटी. क्लिनिकल आउटकम्स विद ट्रांसक्रेनियल रिसेक्शन ऑफ ट्यूरकुलम सेलिया मेनिनजियोमा. कार्सी एम, रहेजा ए, इली आई, गुआन जे, कुड वेल डब्ल्यूटी. वर्ल्ड न्यूरोसर्जरी 2017; 108 : 748–55.

138. रहेजा ए, महापात्रा एके. रचीपैगस पैरोसिटिक ट्विन. रहेजा ए, महापात्रा एके. न्यूरोल इंडिया 2017; 65 : 1443–1444.

139. रहेजा ए, कार्सी एम, इली आई, गुआन जे, गुआन जे, कुडवेल डब्ल्यूटी. इंडोनेसल ऑपरेटिव कोरीडोर एक्सपेंशन बाय स्फेनोआइडल न्यूमोसिनस डिलेटेंस इन ट्यूबरकुलम सेलिया मेनिनजियोमा. रहेजा ए, कार्सी एम, इली आई, गुआन जे, गुआन जे, कुडवेल डब्ल्यूटी. वर्ल्ड न्यूरोसर्ज 2017;106 : 686–92.

140. गुप्ता डी, रहेजा ए. कोरेलेशन ऑफ यूबीक्विटिन सी टर्मिनल हाइड्रोलेस एण्ड एस100बीटा विद कंजेनाइटिव डिफिकिट्स इन यंग अडल्ट्स विद मिल्ड ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. गुप्ता डी. रहेजा ए. न्यूरोल इंडिया 2017; 65 : 767–69.

141. सिन्हा एस, रहेजा ए, सैमसन एन, गोयल के, भोई एस, सेल्वी ए, शर्मा पी, शर्मा बीएस. ए रेंडमाइज्ड प्लासेबो कंट्रोल्ड ट्रायल ऑफ प्रोजेस्टेरॉन विद और विदाउट हाइपोथर्मिया इन पेशेंट्स विद एक्यूट सर्व ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. सिन्हा एस. रहेजा ए, सैमसन एन, गोयल के, भोई एस, सेल्वी ए, शर्मा पी, शर्मा बीएस. न्यूरोल इंडिया 2017; 65 :1304.11.

142. मीना आरके, गुर्जर एसके, सिंह एस, अग्रवाल डी. अब्सेन्स ऑफ एक्सिस (सी2) पोस्टीरियर इलिमेंट्स लीडिंग टू सी2–सी3 इंस्टेबिलिटी एण्ड माइलोपैथी इन यंग एडल्ट्स. न्यूरोलॉजी इंडिया (लैटर टू द एडिटर). मुद्रण से पहले।

143. सूरी ए, मीना आर के, देवी पी, अर्जुनन पी. लेफ्ट कैरोटिड एंर्डेटेरेक्टॉमी फॉर कैरोटिड स्टेनोसिस. न्यूरोलॉजी इंडिया (वीडियो आर्टिकल). मुद्रण से पहले।

144. टंडन वी, महापात्रा ए.के. करंट मैनेजमेंट ऑफ ऑप्टिक नर्व इंजरी : इंडिया जे न्यूरोसर्ज 2017;6 : 83–85.

145. टंडन वी, महापात्रा ए.के. इंट्राऑपरेटिव मैग्नेटिक रेसोनेन्स इमेजिंग इन न्यूरोसर्जरी : इंडिया जे न्यूरोसर्ज 2017; 6 :159 –162.

146. कक्कड़, ए., मजुमदार, ए., पाठक, पी. कुमार, ए. कुमारी, के. त्रिपाठी, एम., शर्मा, एम. सी., सूरी, वी., टंडन, वी., चंद्रा, एस. पी., और सरकार, सी. (2017). बीआरएएफ जीन अल्टरेशन्स एण्ड एनहांस्ड मैमेलियन टार्गेट ऑफ रैपामाइसिन सिग्नलिंग इन गैंगलियोग्लिोमा. न्यूरोल इंडिया 2017 सितम्बर–अक्तूबर; 65(5) : 1076.108265,1076–1082.

147. मजुमदार, ए., अहमद, एफ., शेख, टी., भगत, आर., पाठक, पी., जोशी, एस. डी., सेठ, पी., टंडन, वी., त्रिपाठी, एम., शरतचंद्रा, पी., सरकार, सी. एण्ड सेन, ई. (2017). एमआईआर–217. कैसीन काइनेस–2 क्रॉस टॉक रेगुलेट्स ईआरके एक्टिवेशन इन गैंगलियोग्लियोमा. जे. मोल मेड (बर्ल) 2017 नवम्बर; 95 (11) 95, :1215.1226.

148. गर्ग, के., टंडन, वी. एण्ड, महापात्रा, ए. के. (2017). ए यूनिक केस ऑफ स्प्लिट कॉर्ड मैलफॉर्मेशन टाइप 1 विद थ्री डिफरेंट टाइप्स ऑफ बोनी स्पुरस. एशियन जे न्यूरोसर्ज 2017 अप्रैल–जून;12(2) : 305–30812,305–308.

149. टंडन, वी., गर्ग, के. एण्ड महापात्रा, ए. के. (2017). एन इंस्टरस्टिंग केस ऑफ रॉन्गली डायग्नोस्ड ऑप्टिक नेयूरिटिस. एशियन जे न्यूरोसर्ज 2017 जनवरी–मार्च;12 (1) : 103–10512,103–105.

150. टंडन, वी., लैंग, एम., चंद्रा, पी. एस., शरण, ए., गर्ग, ए. एण्ड त्रिपाठी, एम. (2018). इज एडेमा ए मैटर ऑफ कॉन्सर्न ऑफ्टर लेजर ब्लेशन ऑफ एपिलेप्टोजेनिक फोकस? वर्ल्ड न्यूरोसर्ज 2018 मई; 113 :366–372. ई3113,366–372 ई3.

पुस्तकों में अध्याय

1. सिंह एम, रहेजा ए. ए पेशेंट विद सस्पेंडिड एण्ड डिसोसिएशिटिव सेंसरी लॉस. इन : देव पुजारी सी, मुथु कुमार एन, बिहारी एस, राजशेखर वी, एडिटर्स. प्रैक्टिकल न्यूरोसर्जरी : एन एल्गोरिद्म ऑफ क्लिनिकल सिनेरियो. पहला संस्करण. थीम पब्लिशर्स।
2. रिलीज्ड ए होम केयर बुकलेट फॉर स्पाइनल कॉर्ड इंजरी।
3. विवेक टंडन, अशोक के महापात्रा. ''क्रेनियोसिनोस्टोसिस – इंट्रोडक्शन'' फॉर ए बुक ऑन क्रेनियोसिनोस्टोसिस।
4. डी गुप्ता, एस केडिया. ''फ्रंटो–ओरबिटल एडवांसमेंट इन क्रेनियोसिनोस्टोसिस सर्जरी'' एनएसआई सीएमई, वॉल. 32, 2017 दिसम्बर।

रोगी उपचार

न्यूरोसर्जरी विभाग में जनरल न्यूरोसर्जिकल वार्ड जिनमें प्रत्येक यूनिट (35 X 2 विस्तर) के साथ दो यूनिटें हैं 23 बिस्तरों वाले दो आईसीयू हैं। ट्रामा सेंटर में अब 7 इलेक्टिव ऑपरेशन थिएटर ओर एक इक्सक्यूसिव ऑपरेशन थिएटर है। हम सभी न्यूरोसर्जिकल सबस्पेशलिटीज़; वैस्कुलर सर्जरी, एपिलेप्सी सर्जरी, मिनिमली इनवेसिव क्रैनियल एण्ड स्पाइनल न्यूरोसर्जरी, पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी, फंकशनल न्यूरोसर्जरी, न्यूरो– ऑनकोसर्जरी, स्कल बेस और कॉम्प्लेक्स स्पाइनल सर्जरीज के लिए विश्व स्तरीय न्यूरोसर्जिकल सुविधाएं प्रदान करते हैं। हमारे पास

उन्नत इमेजिंग मोडैलिटीज (इंट्राऑपरेटिव एमआरआई और ओ–आर्म) और न्यूवाइजेशनल डिवाइसिस (जैसे स्टील्थ स्टेशन और रोसा) हैं। न्यूरोसर्जरी विभाग ने आउट पेशेंट स्पाइन क्लिनिक भी शुरू किया है जिसमें रीढ़ की हड्डी से संबंधित सभी बीमारियों से संबंधित है, जिसमें अपरिवर्तनीय, विकृति, ट्यूमर इत्यादि शामिल हैं। यह सुबह 9 बजे से शाम 12 बजे शनिवार को आयोजित होता है। विभाग ने जय प्रकाश एपेक्स ट्रामा सेंटर में स्टेम सेल ट्रांसलेशनल एंड न्यूरोसाइंसेस लेबोरेटरी (एसटीएन लैब) प्रयोगशाला की जगह के 100 वर्ग फुट की स्थापना की है। इसमें एक न्यूरोट्रामा ट्रांसलेशनल प्रयोगशाला, आण्विक प्रयोगशाला, स्टेम सेल प्रसंस्करण प्रयोगशाला और इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला शामिल है। पीएचडी विद्वान, स्नातक छात्रों और शोध सहयोगियों और नर्सों के पास मुख्य प्रयोगशाला क्षेत्र में अलग–अलग डेस्क हैं।

वर्ष 2017–18 के दौरान हमने निम्नलिखित रोगियों का इलाज किया।

1. बाह्य रोगी विभाग	
क) कुल नए मामले	50,490
ख) कुल पुराने मामले	85,810
ग) बाल चिकित्सा नए मामले	3,351
घ) बाल चिकित्सा पुराने मामले	7,077
ङ) कुल मामले	1,36,300
2. निष्पादित गामा नाइफ :	582
3. शल्य चिकित्सा सीएनसी की कुल संख्या :	3,164
4. ब्रेन स्यूट में मामलों की कुल संख्या :	286
5. वैकल्पिक शल्य चिकित्सा की संख्या (जेपीएनएटीसी) :	1262
6. शल्य चिकित्सा की कुल संख्या :	4,426

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एस. एस. काले, को स्पाइनल वेस्कुलर मैलफॉरमेशन, न्यूरोवस्कॉन 2017 पर सत्र की अध्यक्षता की, 16–17 सितंबर, सितंबर 2017, द्वारका, दिल्ली; वर्टिब्रल बॉडी ट्यूमर संगोष्ठी के संयोजक, न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया का 66वां वार्षिक सम्मेलन, 1–2 दिसंबर, दिसंबर 2017, नागपुर।

आचार्य पी. एस. चंद्र : पीएस चन्द्र इंटरनेशनल लीग अगेन्स्ट एपिलेप्सी (आईएलएई) में विकासशील देशों हेतु मिर्गी के लिए सर्जिकल थेरेपी आयोग के सदस्य बने। एपिलेप्सी के लिए उत्कृष्टता केंद्र, अपने सक्षम नेतृत्व के तहत समीक्षाकर्ताओं से अच्छी प्रशंसा प्राप्त हुई और चरण 2 के लिए 5 वर्षों की अवधि के लिए विस्तार प्रदान किया गया। बाल चिकित्सा मिर्गी सर्जरी में उनका यादृच्छिक अध्ययन एनईजेएम (प्रभाव कारक 73) में प्रकाशित हुआ, जिसमें विभाग के साथ न्यूरोलॉजी विभाग भी शामिल था। शोध पत्र को 2017 (लैंसेट) की शीर्ष 10 न्यूरोलॉजी की सफलता के रूप में उद्धृत किया गया था। यह एनईजेएम में न्यूरो साइंसेस इंडिया से पहला ऐसा शोध पत्र है। उन्हें जेआईपीएमईआर शोध पुरस्कार भी प्रदान किया गया और वार्षिक जेआईपीएमईआर शोध पर भाषण (सितंबर 2017) दिया गया।

आचार्य आशीष सूरी को मेडिकल साइंस – क्लिनिकल रिसर्च के लिए सन फार्मा रिसर्च एवॉर्ड प्राप्त किया गया; स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी – दिल्ली के सहायक आचार्य चुने गए; एनएसआई – न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य चुने गए; सीएनएस – न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया; कार्यकारी सदस्य : वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोसर्जिकल सोसाइटीज़ स्कुल बेस कमेटी, कार्यकारी सदस्य : एन. ई. एस (1) – न्यूरोएंडोस्कोपी सोसायटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य चुने गए; सीएनएस – एनएसआई (कांग्रेस ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन – न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया) सिमुलेशन कार्यशाला के समन्वयक चुने गए; डीबीटी बायो – इंजीनियरिंग टास्क फोर्स के विशेषज्ञ चुने गए; आईसीएमआर न्यूरोसाइंसेज ट्रांसलेशनल रिसर्च टास्क फोर्स के विशेषज्ञ चुने गए।

आचार्य दीपक गुप्ता : अतिथि संकाय को आमंत्रित किया गया : कैराली न्यूरोसाइंसेस सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन पर न्यूरोसर्जरी में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता और प्रशंसा दी गई, परिणाम सुधार में दर्दनाक मस्तिष्क की चोट और सर्जिकल आधारित अभ्यास के प्रभाव में सर्जिकल उन्नतियों पर विचार–विमर्श, 8 अप्रैल 2017, त्रिवेंद्रम; अक्तूबर 2017 में सफलतापूर्वक क्रैनियोपैगस

जुड़वां बच्चों को अलग किया गया (भारत की पहली सफल क्रैनोपागस जुड़वां सर्जरी) ; इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी (आईएनडीएसपीएन) के मानद सचिव के रूप में चुने गए।

आचार्य दीपक अग्रवाल : एम्स नियुक्ति प्रणाली (2017) के लिए अधिकतम सामाजिक प्रभाव श्रेणी के साथ अधिकतम प्रभाव पुरस्कार – परियोजना से सम्मानित किया गया था; एम्स (2017) में नर्स इनिशिएटेड फॉलोअप टेली–कंसॉल्यूशन के लिए स्कोच स्मार्ट गवर्नेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया; पोर्टेबल वेंटिलेटर (2017) के लिए स्कोच स्मार्ट गवर्नेंस पुरस्कार पुरस्कार से सम्मानित; सह–विकसित दुनिया का सबसे सस्ता पूर्ण कार्यात्मक वेंटिलेटर, जिसे प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में दिखाया गया था और एम्स में आयोजित सीईयूटीईएच 2017 सम्मेलन में प्रदर्शित किया गया था।

जी. डी. सत्यार्थी को प्राप्त हुआ : उत्कृष्ट समीक्षाकर्ता पुरस्कार 2017, ब्रेन रिसर्च जर्नल; उत्कृष्ट समीक्षाकर्ता 2018 का प्रमाण पत्र, जर्नल ऑफ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स और ट्रामा, एल्सेवियर, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड; मार्क्विस हूज़ हू, अमेरिका द्वारा हूज़ हू इन द वर्ल्ड अवॉर्ड, 2018; मार्क्विस हूज़ हू, अमेरिका द्वारा लाइफ टाइम टाइम उपलब्धि अचीवमेंट अवॉर्ड, 2018.

सचिन बोरकर : 2018–2020 की अवधि के लिए एओ स्पाइन भारतीय उपमहाद्वीप परिषद हेतु एक प्रतिनिधि के रूप में चुने गए थे। इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी (आईएसपीएनएस) के कोषाध्यक्ष के रूप में मनोनीत; दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनए) के वार्षिक सम्मेलन के दौरान सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र अवॉर्ड (तीसरा पुरस्कार), 3–4 फरवरी 2018; नई दिल्ली, भारत (सह लेखक)।

श्वेता केडिया : लेक्सेल गामा नाइफ सोसाइटी, 2017 द्वारा न्यूरो ऑंकोलॉजी और गामा नाइफ रेडियोसर्जरी में 'क्लीवलैंड क्लिनिक स्टीनर' अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया था।

मनोज फलक : एनआईएचएफडब्ल्यू, नई दिल्ली में लागू महामारी विज्ञान 2016–17 सत्र में डिप्लोमा के लिए सर्वश्रेष्ठ बाह्य छात्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अमोल रहेजा : सेरेब्रो संवहनी सोसायटी, भारत की 17वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुति के लिए दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता। अध्ययन का शीर्षक ''सक्सेसफुल मैनेजमेंट ऑफ फॉर कॉम्प्लेक्स जाइंट एमसीए एन्यूरिज्म विद एसटीए–एमसीए बायपास, क्लिप रिकंस्ट्रक्शन एण्ड ट्रेपिंग" था।

अतिथि वैज्ञानिक

18–20 सितंबर, 2017 : वरिष्ठ जापानी न्यूरोसर्जन के जापानी प्रतिनिधिमंडल

1. प्रोफेसर केंजी ओहता, ओसाका, जापान
2. प्रोफेसर टेत्सुयोशो होरीची, शिन्शु, जापान
3. प्रोफेसर कत्सुमी ताकिज़ावा, असिकावा, जापान
4. प्रोफेसर हिरोशी अकुत्सु, तुकुबा, जापान
5. प्रोफेसर शुहो तनाका, तुकुबा, जापान

प्रो. रिचर्ड फेस्लर (यूएसए) फरवरी 2018 में एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला के लिए अतिथि संकाय के रूप में आए थे।
प्रो. कत्सुमी ताकीजावा क्रैनियोपैगस जुड़वां बच्चों की सर्जरी के लिए आए थे।
श्रीलंका के डॉ. निलाक्षा ने एम्स स्पाइन सर्जरी कार्यशाला के लिए एक प्रतिनिधि के रूप में दौरा किया।

न्यूरो इमेजिंग एवं इंटरवेंशनल तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग

विशेषताएं

- 10 वर्ष पुराने 6 स्लाइस सी.टी. स्कैनर की जगह नवीनतम 128 स्लाइस ड्यूल ऊर्जा सी.टी. स्कैनर लगाए गए।
- परस्पर पुनः निर्माण मॉडलिंग के साथ नवीन सीटी लो–डोज सीटी प्रोटोकोल्स की सहायता से अब डोज में 60 प्रतिशत तक की कमी और चिकित्सीय कार्यकलापों में तीव्र प्रगति संभव हो गई है और उत्कृष्ट इमेज गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। इससे विशेष रूप से बच्चों और जहां पर सांस चालू रखने के लिए इसे प्राप्त करने की आवश्यकता हो, रोगियों की अनुमति में वृद्धि हुई है।
- नए सीटी स्कैनर की स्थापना से गाइडेड बायोप्सीज़ में सहायता हेतु सीटी फ्लोरोस्कोपी और विशेष रूप से एक्यूट स्ट्रोक में प्रमस्तिष्कीय परफ्यूजन आकलन हेतु सीटी परफ्यूजन आरंभ कर दिया गया है।
- मौजूदा 1.5 टी एमआर को 'साइलेंट एम आर' प्रणाली से उन्नत कर दिया है, जो साइलेंट रिस्कैन में सहायक है जिसमें रोगी लंबी अवधि तक परीक्षणों के दौरान शांत रहते हैं और सहयोग करते हैं। पहले की प्रणाली के उच्च प्रवणता वाले क्वालिंग स्विचिंग का शोर बहुत से रोगियों को विशेष रूप से हाइ एण्ड अधिग्रहण तकनीक के दौरान परेशानी होती थी। इसमें सुधार के साथ इस प्रकार की परेशानी को बड़े पैमाने पर दूर कर दिया गया है और वाइड बोर मैग्नेट से विशेष रूप से रोगियों में क्लस्ट्रोफोबिया को कम किया गया है।
- वाई – फाई सुविधा के साथ वार्डों, आईसीयू और ओपीडी कक्ष में थिन क्लाइंट्स में पीएसीएस सर्वर के उन्नयन और जांच केंद्रों की स्थापना के साथ पीएसीएस नेटवर्क एनएससी के वार्डों तथा ओपीडी कक्षों में संचालित है। रिपोर्ट, सम्पादन, साइन आउट और सभी प्रकार के अध्ययन के लिए ऑन लाइन नेटवर्क को सुगम बनाने के लिए रिपोर्टिंग कक्ष की व्यवस्था में सुधार के साथ सभी न्यूरो इमेजिंग प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग को ऑन लाइन कर दिया गया है। सीटी, एमआरआई, यूएस एण्ड डीएसए इत्यादि हेतु एनएससी वार्डों के ऑन लाइन से स्वतः मांग सक्रिय कर दी गई है। न्यूरोडियोलॉजी संपर्कों के लिए पीएसीएस से केस अभिलेखों की ऑटोफेचिंग सक्रिय कर दी गई है। पृथक इमेजिंग फिल्मों को अब डिजिटाइज्ड कर दिया गया है और रोगी के यूएचआईडी पंजीकरण पर पीएसीएस से एकीकृत किया गया है।

शिक्षा

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी (आईएसएनआर) के 17वें वार्षिक सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष, द ओबेरॉय, गुड़गांव, एनसीआर में 9–12 अक्टूबर, 2014.

पूर्व स्नातक : न्यूरोलॉजी तकनीकों का परिचय, ब्रेन ट्यूमर इमेजिंग के मूल तत्व, स्ट्रोक इमेजिंग और सीएनएस की अनुकूल विसंगतियां विषयों पर 6वें सत्र के एमबीबीएस छात्रों के लिए यूजी व्याख्यानों और संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। न्यूरोलॉजी में उनकी वैकल्पिक तैनाती के दौरान न्यूरो इमेजिंग व्याख्या के मूल्य तत्वों के बारे में पढ़ाया गया।

स्नातकोत्तर : न्यूरोलॉजी विभाग में क्रमिक आधार पर तैनात एमडी रेडियोलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों की रिपोर्टिंग न्यूरोइमेजिंग (सीटी और एमआरआई) और सभी न्यूरोइमेजिंग प्रोटोकॉल्स में प्रशिक्षित किया जाता है और संकाय की देख रेख में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाता है। डी एम (न्यूरोरेडियोलॉजी) छात्रों को सभी न्यूरोइमेजिंग प्रक्रियाओं के निष्पादन का प्रशिक्षण दिया जाता है और इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी प्रक्रियाओं में सहायता की जाती है, जिनके बारे में बाद में उनसे नियमित आधार पर चर्चा की जाती है। आईसीयू में न्यूरो इंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक प्रक्रियाओं से गुजरने वाले रोगियों की प्रक्रिया उपरांत देख रेख और प्रबंधन के बारे में भी उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है और उनके संवादात्मक कौशलों में सुधार और संवादात्मक विकास हेतु उनके उन्मुखीकरण के लिए वार्डों, संगोष्ठियों, जर्नल क्लबों तथा केस परिचर्चा का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है। सीनियर रेजीडेंट्स न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले अंतः विभागीय सम्मेलनों में नियमित रूप से न्यूरोरेडियोलॉजिकल परिणाम प्रस्तुत करते हैं जिससे उन्हें क्लिनिकल न्यूरोइमेजिंग व्याख्या कौशल और प्रस्तुतीकरण की कला को सीखने में मदद मिलती है। उन्हें क्रमिक आधार पर कम से कम एक वर्ष के लिए बाइयलेन न्यूरो इंटरवेंशनल अध्ययन हेतु भेजा जाता है और न्यूरो एंजियोग्राफिक और न्यूरो इंटरवेंशनल कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान।

एस. बी. गायकवाड़ : (20)

1. चुनौतीपूर्ण सेरेब्रोवेस्कुलर मामलों की एंडोवेस्कुलर मरम्मत के सुझाव और तरकीब, विश्व लाइव न्यूरोवेस्कुलर सम्मेलन (डब्लूएलएनसी), 15–17 मई 2017, लॉस एंजिल्स, यूएसए।
2. अतिथि संकाय और पैनल के सदस्य, विश्व लाइव न्यूरोवेस्कुलर सम्मेलन (डब्लूएलएनसी), 15–17 मई 2017, लॉस एंजिल्स, यूएसए।
3. कॉइल माइग्रेशन (प्रवासन) – महान सुरक्षित (न्यूरो जटिलताएं), 14वीं वार्षिक मानसून बैठक, 17–20 अगस्त 2017, गोवा।
4. विशालकाय इंट्राक्रैनियल एन्यूरीज़्म : सीटू थ्रोम्बोसिस में फ्लो डाइवर्टर, 14वीं वार्षिक मानसून बैठक, 17–20 अगस्त 2017, गोवा।
5. विशाल आईसीए एन्यूरीज़्म में प्रवाह डाइवर्टर प्रत्यारोपण के बाद हीमोरेजिक जटिलताएं, 14 वीं वार्षिक मानसून बैठक, 17–20 अगस्त 2017, गोवा।
6. न्यूरोरेडियोलॉजी–मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी–एम्स सीरिज़, द यंग स्कॉलर पुरस्कार (टीवाईएसए), 3 सितंबर 2017, दिल्ली।
7. उद्घाटन समारोह के लिए अतिथि, पहला पीजीआईएमईआर इंटरवेंशनल न्यूरोडायोलॉजी सम्मेलन (पिनकॉन), 6–7 अक्तूबर, 2017, चंडीगढ़।
8. अध्यक्ष व्याख्यान श्रृंखला : जटिल एन्यूरीज़्म के प्रबंधन, पहला पीजीआईएमईआर इंटरवेंशनल न्यूरोडायोलॉजी सम्मेलन (पिनकॉन), 6 अक्तूबर, 2017, चंडीगढ़।
9. लघु मामला प्रस्तुतियां : जटिल एन्यूरीज़्म के प्रबंधन, पहला पीजीआईएमईआर इंटरवेंशनल न्यूरोडायोलॉजी सम्मेलन (पिनकॉन), 6 अक्तूबर, 2017, चंडीगढ़।
10. इंट्राकार्वासस आईसीए एन्यूरीज़्म्स का एंडोवेस्कुलर प्रबंधन : विशाल समस्या–स्मार्ट समाधान, इंटरनेशनल एंड थेरेप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी (डब्ल्यूएफआईटीएन) के विश्व फेडरेशन का 14वां महासम्मेलन, 16–19 अक्तूबर, 2017, बूडापेस्ट, हंगरी।
11. इंट्राक्रैनियल डूरल एवीएफ : एक एकल केंद्र, इंटरनेशनल एंड थेरेप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी (डब्ल्यूएफआईटीएन) के विश्व फेडरेशन का 14वां महासम्मेलन, 16–19 अक्तूबर, 2017, बूडापेस्ट, हंगरी।
12. अतिथि संकाय, 57वीं राष्ट्रीय चिकित्सा अकादमी का वार्षिक सम्मेलन, 27–29 अक्तूबर 2017, श्री गुरु राम दास स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब।
13. एनएएमएस की अध्येतावृत्ति का पुरस्कार, 57वीं राष्ट्रीय चिकित्सा अकादमी का वार्षिक सम्मेलन, 28 अक्तूबर 2017, श्री गुरु राम दास स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब।
14. एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक में मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टॉमी, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी का 19वां वार्षिक सम्मेलन (आईएसएनआर 2017), 3–5 नवंबर 2017, गुड़गांव।
15. कार्यक्रम निदेशक, न्यूरोरेडियोलॉजी कार्यशाला, 6–8 जनवरी 2018, राष्ट्रीय तंत्रिका विज्ञान संस्थान और अस्पताल, ढाका, बांग्लादेश गणराज्य।
16. स्ट्रोक में न्यूरोइमेजिंग, न्यूरोरेडियोलॉजी कार्यशाला, 6–8 जनवरी 2018, राष्ट्रीय तंत्रिका विज्ञान संस्थान और अस्पताल, ढाका, बांग्लादेश गणराज्य।
17. तीव्र स्ट्रोक प्रबंधन : न्यूरो हस्तक्षेप के उद्देश्य, न्यूरोरेडियोलॉजी कार्यशाला, 6–8 जनवरी 2018, राष्ट्रीय तंत्रिका विज्ञान संस्थान और अस्पताल, ढाका, बांग्लादेश गणराज्य।
18. कैरोटिड एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग : न्यूरो हस्तक्षेपवादी परिप्रेक्ष्य, न्यूरोरेडियोलॉजी कार्यशाला, 6–8 जनवरी 2018, राष्ट्रीय तंत्रिका विज्ञान संस्थान और अस्पताल, ढाका, बांग्लादेश गणराज्य।
19. स्पाइनल कॉर्ड वेस्कुलर मैलफॉर्मेशन, न्यूरोरेडियोलॉजी कार्यशाला, 6–8 जनवरी 2018, राष्ट्रीय तंत्रिका विज्ञान संस्थान और अस्पताल, ढाका, बांग्लादेश गणराज्य।
20. एपिलेप्सी की इमेजिंग, चौथा एम्स–एमएएमसी–पीजीआई इमेजिंग पाठ्यक्रम श्रृंखला, न्यूरोरेडियोलॉजी सहित सिर और गर्दन की इमेजिंग का तीसरा पाठ्यक्रम, 30 मार्च से 1 अप्रैल 2018, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।

अजय गर्ग : (19)

1. उच्च ग्रेड ग्लियोमा में प्रतिक्रिया का आकलन, ग्लियोमा अपडेट 2017, 08– अप्रैल 2017, द पार्क होटल, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।
2. एक्यूट स्ट्रोक वाले रोगियों में सीटी स्कैन का आकलन कैसे करें, एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक प्रबंधन के सेमिनार और कार्यशाला ''नया अपडेट'', 16 जुलाई 2017, रुमाह साकिट डॉक्टर सोइटोमो, फकल्टास केडोकटेरन अनैयर, सुराबाया, इंडोनेशिया।

3. एक्यूट स्ट्रोक में ''अल्बर्टा'' सीटी स्कोरिंग, एक्यूट इस्चेमिक स्ट्रोक प्रबंधन के सेमिनार और कार्यशाला ''नया अपडेट'', 16 जुलाई 2017, रुमाह साकिट डॉक्टर सोइटोमो, फकल्टास केडोकटेरन अनैयर, सुराबाया, इंडोनेशिया।
4. इस्चेमिक स्ट्रोक के लिए प्रारंभिक सीटी स्कैन डायग्नोस्टिक, न्यूरोलॉजिकल सर्जरी का 17वां एएसईएएन महासम्मेलन और न्यूरोसर्जरी की पहली अंतरराष्ट्रीय फुजीता बांटाने अंतरिम बैठक के साथ इंडोनेशियाई सोसाइटी ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन की 7वां राष्ट्रीय महासम्मेलन, 19 जुलाई, 2017, बलिकप्पन, पूर्वी कालीमंतन, इंडोनेशिया।
5. तीव्र स्ट्रोक में मार्गदर्शन प्रबंधन के लिए इमेजिंग अनुक्रमों में हाल की प्रगति, इंटरवेंशनल ओंकोलॉजी की 5वीं एशिया–प्रशांत महासम्मेलन के संयुक्त सत्र, वार्षिक ओर्टा और एंडोवेस्कुलर कोर्स 2017 और आपातकालीन रेडियोलॉजी सोसाइटी की चौथी वार्षिक बैठक, 26 अगस्त–2017, नई दिल्ली।
6. सीएनएस में संक्रमण, न्यूरोलॉजी पीजी शिक्षण पाठ्यक्रम, 03 सितंबर 2017, दिल्ली
7. इम्यूनोकम्प्रोमाइज्ड रोगी में इंट्राक्रेनियल संक्रमण, न्यूरोरेडियोलॉजी और हेड एंड नेक इमेजिंग पर अपडेट, 02 अक्तूबर 2017, दिल्ली।
8. 2016 सीएनएस ट्यूमर का डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण – यह न्यूरोरायडोलॉजी अभ्यास कैसे बदल रहा है?, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोडायोलॉजी का 18वां वार्षिक सम्मेलन, 04 नवंबर–2017, दिल्ली एनसीआर।
9. आण्विक अपवाद की एमआरआई भविष्यवाणीए एनएसआईसीओएन–2017, 03 – दिसंबर 2017, नागपुर।
10. डिमेंशिया में रेडियोलॉजी, डिमेंशिया : मेमोरी लॉस एंड बियोन्ड, 19 –दिसंबर–2017, एनएएमएस हाउस, एम्स के पास, नई दिल्ली।
11. विकिरण नेक्रोसिस बनाम पुनरावृत्ति की इनिग्मा – रेडियोलॉजिस्ट के परिप्रेक्ष्य और दुविधाएं, वाईआरसी 2018, 12 जनवरी 2018, दिल्ली।
12. इंफेक्शन, इंफ्लेमेशन और डीमाइलिनेशन में इमेजिंग, शाइन 2018, 24 और 25 फरवरी, 2018, न्यूरोलॉजी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु।
13. क्लिनिको पैथोलॉजिकल मीटिंग : रेडियोलॉजी चर्चाकर्ता, शाइन 2018, 24 और 25 फरवरी, 2018, न्यूरोलॉजी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु।
14. एमआर अनुक्रम और न्यूरोसर्जरी के संदर्भ में इसके नैदानिक अनुप्रयोग, शाइन 2018, 24 और 25 फरवरी, 2018, न्यूरोलॉजी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु।
15. न्यूरोरेडियोलॉजी फास्ट फॉरवर्ड, एम्स–पीजीआई न्यूरोलॉजी अपडेट 2018, 27–28. जनवरी 2018, डॉ रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम, एम्स, नई दिल्ली।
16. सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर्स, एम्स एमएएमसी पीजीआई न्यूरोरेडियोलॉजी पाठ्यक्रम 2018, 30 मार्च 2018, व्याख्यान थिएटर 1, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।
17. इंफ्राटेंटोरियल ट्यूमर्स, एम्स एमएएमसी पीजीआई न्यूरोरेडियोलॉजी पाठ्यक्रम 2018, 30 मार्च 2018, व्याख्यान थिएटर 1, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।
18. स्पाइनल नियोप्लाज्म, एम्स एमएएमसी पीजीआई न्यूरोरेडियोलॉजी पाठ्यक्रम 2018, 30 मार्च 2018, व्याख्यान थिएटर 1, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।
19. दिलचस्प फिल्म सत्र (क्रेनियोस्पाइनल इमेजिंग), एम्स एमएएमसी पीजीआई न्यूरोरेडियोलॉजी कोर्स 2018, 30 मार्च 2018, व्याख्यान थिएटर 1, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।

लेवे जोसेफ देवराजन : (7)

1. सेरेब्रल वेस्कुलर मैलफॉर्मेशन्स पर कार्यशालाओं और हैंड ऑन प्रदर्शन, हस्तक्षेप ओंकोलॉजी की 5वीं एशिया–प्रशांत महासम्मेलन के संयुक्त सत्र, वार्षिक ओर्टा और एंडोवेस्कुलर कोर्स 2017 और सोसाइटी ऑफ इमरजेंसी रेडियोलॉजी (एपीसीआईओ 2017) की चौथी वार्षिक बैठक, 25–27, अगस्त, 2017, नई दिल्ली।
2. लघु मामला प्रस्तुतियां : जब मानक उपचार पर्याप्त नहीं होता है, पहला पीजीआईएमईआर इंटरवेंशनल न्यूरोडायोलॉजी सम्मेलन (पिनकॉन), 6 – 7 अक्तूबर, 2017, चंडीगढ़।
3. गैर–आघात संबंधी तंत्रिका संबंधी आपात स्थिति – रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन और हस्तक्षेप की मूल बातें, एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस) कोर्स, 07–08 अक्तूबर 2017, एटीएलएस लैब, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।

4. गैलन एन्यूरियस्मल मैलफॉर्मेशन्स की वेन, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी का 19वां वार्षिक सम्मेलन, 3 से 5, नवंबर, 2017, गुरुग्राम, एनसीआर।
5. इंट्राक्रैनियल ड्यूरल एवीएम का प्रबंधन, इंडियन सोसाइटी ऑफ वेस्कुलर इंटरवेन्शनल रेडियोलॉजी का 20वां वार्षिक सम्मेलन–आईएसवीआईआर 2018, 12 फरवरी – 15 फरवरी 2018, एसजीपी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ।
6. दर्दनाक और गैर–आघात संबंधी तंत्रिका संबंधी आपात स्थिति–रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन और हस्तक्षेप की मूल बातें, तीसरी एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस) कोर्स, 25–26 फरवरी 2018, एटीएलएस लैब, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।

अनुज प्रभाकर (4)

1. सेरेब्रल एन्यूरिज्म, पिनकॉन, 6–7 नवंबर, 2017, चंडीगढ़।
2. स्पाइनल इमेजिंग, आईएसएनआर 2017, 4 नवंबर, 2017, दिल्ली।
3. कार्यात्मक इमेजिंग, एम्स एमएएमसी पीजीआई कोर्स सीरीज़, 30 मार्च – 1 अप्रैल 2004, दिल्ली।
4. सामान्य सेरेब्रल एंजियोग्राफी, एम्स एमएएमसी पीजीआई कोर्स सीरीज़, 30 मार्च –1 अप्रैल, 2018, दिल्ली।

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र / पोस्टर की सूची

1. लेवे जोसेफ देवराजन एस., निश्चिन्त जैन, अजय गर्ग, शैलेश बी गायकवाड़. क्रैनियल ड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला – प्रबंधन, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी की 55वीं वार्षिक बैठक, 24–27, अप्रैल, 2017, कन्वेंशन सेंटर, लांग बीच, कैलिफ़ोर्निया।
2. लेवे जोसेफ देवराजन एस., निश्चिन्त जैन, अजय गर्ग, शैलेश बी गायकवाड़. क्रैनियल पिअल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला – प्रबंधन, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी की 55वीं वार्षिक बैठक, 24–27, अप्रैल, 2017, कन्वेंशन सेंटर, लांग बीच, कैलिफ़ोर्निया।
3. सुभाष फुयाल, लेवे जोसेफ देवराजन एस., निश्चिन्त जैन, अजय गर्ग, शैलेश बी गायकवाड़. मोया रोग की नैदानिक और एंजियोग्राफिक विशेषताएं और गंभीरता, प्रगति और परिणाम की भविष्यवाणी करने में उनके निहितार्थ, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी का 19वां वार्षिक सम्मेलन, 3 से –5, नवंबर, 2017, गुरुग्राम, एनसीआर।
4. लेवे जोसेफ देवराजन एस., निश्चिन्त जैन, सोमरेन्द्र शंबुंडुरम, अजय गर्ग, शैलेश बी गायकवाड़. इंट्राक्रेनियल ड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला – एक संस्थागत अनुभव और एक नए एनाटॉमिको कार्यात्मक वर्गीकरण प्रणाली का प्रस्ताव, 13 एशियाई–ऑस्ट्रेलियाई फेडरेशन ऑफ इंटरवेन्शनल एंड थेरेप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी 2018, 07–09 मार्च 2018, कोटा किनाबालु सबाह, मलेशिया।
5. लेवे जोसेफ देवराजन एस., निश्चिन्त जैन, जयसीलान नादरजाह, अजय गर्ग, शैलेश बी गायकवाड़. गर्दन की बड़ी धमनियों का विच्छेदन एन्यूरिज़्म का एंडोवेस्कुलर प्रबंधन, 13 एशियाई–ऑस्ट्रेलियाई फेडरेशन ऑफ इंटरवेन्शनल एंड थेरेप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी 2018, 07–09 मार्च 2018, कोटा किनाबालु सबाह, मलेशिया।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

पूर्ण

1. हाइ ग्रेड ग्लियोमा में ट्यूमर पुनरावृत्ति के परिवर्तनों से संबंधित विभिन्न उपचार के लिए पारगम्यता और नियो एंजियोजेनेसिस के इमेजिंग आकलन की दक्षता, अजय गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2014–17, 14 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस / शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग से पहले और बाद में गंभीर गर्भाशय ग्रीवा आईसीए स्टेनोसिस वाले रोगियों में रेस्टिंग स्टेट सेरेब्रल परफ्यूजन के मूल्यांकन में छद्म निरंतर आर्टेरियल स्पिन लेबलिंग की भूमिका।

पूर्ण

1. उच्च ग्रेड ग्लियोमास वाले रोगियों में ट्यूमर पुनरावृत्ति से इलाज के बाद प्रभाव के अंतर में कंप्यूटेड टोमोग्राफी परफ्यूजन की भूमिका : एक भावी वर्णनात्मक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी में चिकित्सकीय हस्तक्षेप के रूप में योग के विज्ञान को स्पष्ट करना : चुंबकीय अनुनाद की तकनीक का उपयोग कर मस्तिष्क का अध्ययन। तंत्रिका – विज्ञान।
2. तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक में सिटी कॉलिन की भूमिका – एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। तंत्रिका–विज्ञान।

पूर्ण

1. सामान्य जनसंख्या में स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को सुलझाना – एक पार सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य अध्ययन (तंत्रिका विज्ञान)।
2. स्ट्रोक और ट्रांसिएंट एसिम्प्टोमेटिक अटैक वाले रोगियों में रोगसूचक और स्पर्शोन्मुख कोरोनरी धमनी रोग की व्याप्ति (तंत्रिका विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिका : 25 सार : ...... पुस्तकों के अध्याय : 7 पुस्तक : ....

1. चावला एन, पटनायक आरडी, गर्ग ए, खंडेलवाल एसके. असेस्मेंट ऑफ वाइट मैटर एडर्नोमैलिटिस इन सिनगुलेट फैसीकुलस थ्रू डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग इन पेशेंट्स विद शाइजोफ्रेनिया विद ऑडिटरी हैलुसिनेशन्स. बायोल साइक्याट्री. 2017; 81(10) : एस110–एस1.
2. द्विवेदी आर, रामानुजम बी, चंद्रा पीएस, सप्रा एस, गुलाटी एस, कलाईवेनी एम, आदि. सर्जरी फॉर ड्रग – रेजिस्टेंट एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन. एन एंगल जे मेड. 2017; 377 (17) : 1639–47.
3. द्विवेदी आर, रामानुजम बी, चंद्रा पीएस, सप्रा एस, गुलाटी एस, कलाईवेनी एम, आदि. सर्जरी फॉर ड्रग – रेजिस्टेंट एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन. एन एंगल जे मेड. 2017; 377 (17) : 1639–47.
4. गुप्ता सी, शर्मा पी, सक्सेना आर, गर्ग ए, शर्मा एस. क्लिनिकल कोरेलेशन ऑफ इमेजिंग फाइंडिंग्स इन कंजेनाइटल क्रेनियल डिसिर्नेवेशन डिस्ऑर्ड्र्स इंवॉल्विंग अब्ड्यूकेन्स नर्व. इंडियन जे ऑफ्थेल्मोल. 2017; 65 (2) : 155–9.
5. खैतान बीके, गुप्ता वी, राय एम, गर्ग ए. इट लुक्स फैमिलियल : हेरेडिटेचरी होमोरेजिक तेलांगिएस्टेसिया. एम जे मेड. 2017; 130 (5) : 537–8.
6. कलोनाउ ए, पिपेरी सी, गर्गेलियोनिस एएन, पैपवेसिलियोउ एजी. मॉलीक्यूलर बेसिक ऑफ पीडियाट्रिक ब्रेन ट्यूमर्स. न्यूरोमॉलीक्यूलर मेड. 2017; 19 (2–3) : 256–70.
7. महापात्रा ए, खंडेलवाल एसके, शरण पी, गर्ग ए, मिश्रा एनके. डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग ट्रेक्टोग्राफी स्टडी इन बाइपोलर डिस्ऑर्डर पेशेंट्स कम्पेरेड टू फर्स्ट–डिग्री रिलेटिव्स एण्ड हैल्दी कंट्रोल्स. साइक्याट्री क्लिन न्यूरोसाइ. 2017; 71 (10) : 706–15.
8. पांडा पीके, मेविदी एसके, विंग एन, गर्ग ए, नलवा ए, शर्मा एमसी. इंटरक्रेनियल एस्परजिलस इन एन इम्यूनोकॉम्पेटेंट यंग वुमेन. माइकोपैथोलॉजिया. 2017; 182(5–6) : 527–38.
9. रामानुजम बी, भारती के, विश्वानाथन वी, गर्ग ए, त्रिपाठी एम, बाल सी, आदि. कैन इस्टल – एमईजी ऑटिवएट द नीड फेज 2 मॉनिटरिंग इन पीपल विद ड्रग – रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी? ए प्रॉस्पेक्टिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी. सीजर्स. 2017;45 :17–23.

10. रामानुजम बी, भारती के, विश्वानाथन वी, गर्ग ए, त्रिपाठी एम, बाल सी, आदि. कैन इस्टल – एमईजी ऑबविएट द नीड फेज 2 मॉनिटरिंग इन पीपल विद ड्रग – रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी? ए प्रॉस्पेक्टिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी. सीजर्स. 2017;45 :17–23.
11. शर्मा आर, गर्ग के, अग्रवाल डी, गर्ग ए, शर्मा एमसी, शर्मा बीएस, आदि. आइसोलेटिड प्राइमरी इंट्राड्यूरल एक्स्ट्रामेडुलरी स्पाइनल सिस्टीसेरेकोसिस. न्यूरोल इंडिया. 2017; 65(4) : 882–4.
12. श्रीवास्तव एके, टक्कर ए, गर्ग ए, फारुक एम. क्लिनिकल बिहेवियर ऑफ स्पिनोसेरेबेलर एटेक्सिया टाइप 12 एण्ड इंटरमिडिएटिड लेंथ एब्र्डोमल सीएजी रिपीट्स इन पीपीपी2आर2बी. ब्रेन. 2017;140(1) :27–36.
13. टंडन वी, रहेजा ए, सूरी ए, चंद्रा पीएस, काले एसएस, कुमार आर, आदि. रेंडोमाइज्ड ट्रायल फॉर सुपीरियोरिटी ऑफ हाइ फील्ड स्ट्रेंथ इंट्रा–ऑपरेटिव मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग गाइडिड रिसेक्शन इन पिट्यूटरी सर्जरी. जे क्लिन न्यूरोसाइं. 2017; 37 : 96–103.
14. टंडन वी, रहेजा ए, सूरी ए, चंद्रा पीएस, काले एसएस, कुमार आर, आदि. रेंडोमाइज्ड ट्रायल फॉर सुपीरियोरिटी ऑफ हाइ फील्ड स्ट्रेंथ इंट्रा–ऑपरेटिव मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग गाइडिड रिसेक्शन इन पिट्यूटरी सर्जरी. जे क्लिन न्यूरोसाइ. 2017;37 :96–103.
15. अधिकारी एन, बिस्वास ए, गोगिया ए, साहू आरके, गर्ग ए, नेहरा ए, आदि. ए प्रॉस्पेक्टिव फेज 2 ट्रायल ऑफ रिस्पॉन्स एडॉप्टिड होल ब्रेन रेडियोथेरैपी आफ्टर हाइ डोस मेथोट्रेक्सएट बेस्ड कीमोथेरैपी इन पेशेंट्स विद न्यूअली डायग्नोस्ड प्राइमरी सेंट्रल नर्वस सिस्टम लिम्फोमा – एनालाइसिस ऑफ एक्यूट टॉक्सीसिटी प्रोफाइल एण्ड अर्ली क्लिनिकल आउटकम. जे न्यूरोओंकोल. 2018.
16. अग्रवाल आर, गर्ग ए, बन्नी मेलगुलवार पी, शर्मा वी, सरकार सी, कुलश्रेष्ठा आर. पी53 एण्ड एमआईआर–210 रेगुलेटिड न्यूरो डी2, ए न्यूरोनल बेसिक हेलिक्स–लूप–हेलिक्स ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर, इज डाउनरेगुलेटिड इन ग्लियोब्लास्टोमा पेशेंट्स एण्ड फंक्शन्स एज ए ट्यूमर सपप्रेशर अंडर हाइपॉक्सिक माइक्रोएनवार्यनमेंट. इंट जे कैंसर. 2018;142(9) :1817–28.
17. बजाज जे, त्रिपाठी एम, द्विवेदी आर, सप्रा एस, गुलाटी एस, गर्ग ए, आदि. डज सर्जरी हेल्प इन रिड्यूसिंग स्टिग्मा एसोसिएटिड विद ड्रग रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी इन चिल्ड्रन? एपिलेप्सी बिहेव. 2018; 80 : 197–201.
18. शंबनदुरम एसएस, देवराजन सेबेस्टियन एलजे, जेन एन, गर्ग ए, गायकवाड़ एसबी. मैनेजमेंट ऑफ द रेयर केसर ऑफ पोस्टीरियर कॉन्ड्रीलर कैनाल ड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला प्रजेंटिंग विद सबआर्किनॉइड हिमोरेज : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. इंटरव न्यूरोरेडियोल. 2018;24(2) :206–9.
19. टंडन वी, चंद्रा पीएस, डोडामणि आरएस, सुबियंतो एच, बजाज जे, गर्ग ए, आदि. स्टेरियोटेक्टिक रेडियोफ्रीक्वेंसी थर्मोकोएगुलेशन ऑफ हाइपोथैल्मिक हर्मेटोमा यूजिंग रोबोटिक गाइडेंस (आरओएसए) कोरजिस्टर्ड विद ओ–आर्म गाइडेंस–प्रीलिमिनरी टेक्निकल नोट. वर्ल्ड न्यूरोसर्जरी. 2018;112 : 267–74.
20. टंडन वी, लांग एम, चंद्रा पीएस, शरण ए, गर्ग ए, त्रिपाठी एम. एज एडिमा ए मैटर ऑफ कन्सर्न आफ्टर लेजर एब्लेशन ऑफ एपिलेप्टोजेनिक फोकस? वर्ल्ड न्यूरोसर्जरी. 2018.
21. सोमोरेन्द्र सिंह, शंबनदुरमएसएस, लेवे जोसेफ देवराजन सेबेस्टियन एलजे, निश्चित जैन एन, अजयगर्ग ए, और शैलेश बी, गायकवाड़ एसबी. मैनेजमेंट ऑफ द रेयर केसर ऑफ पोस्टीरियर कॉन्ड्रीलर कैनाल ड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला प्रजेंटिंग विद सबआर्किनॉइड हिमोरेज : ए केस रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. इंटरव न्यूरोरेडियोल. 2018 अप्रैल; 24(2) :206–209.
22. एस.सिंह एस, एन. तनेजा एन, पी. बाजा पी, के. के. वर्मा केके, एण्ड एस. एल. जे. देवराजन एलएसजे.एकार्डी – गोटियर्स – सिंड्रोम : कोल्ड एक्रेल ब्लेमिश इज नॉट ऑलवेज़ क्रायोग्लोबुलिनेएमिक वैसकुलिटिस और चिलब्लियन लुप्स. क्लिन एक्सप डर्मेटोल. 2018 जून; 43(4) : 488–490. क्लिनिकल एण्ड एक्सपेरिमेंटल डर्मेटोलॉजी।
23. अरुण शर्मा ए, एमडी संजीव कुमार एस, एमडी, एस. लेवे जोसेफ देवराजन एलएसले, एमडी, डीएम और हिमांशु अग्रवाल एच, एमडी, डीएम. रेयर पोस्ट – टोंसिलेक्टॉमी इंटर्नल कैरोटिड आर्टरी स्यूडोन्यूरिज्म : मैनेजमेंट बाय पैरेंट आर्टरी ऑक्लुजन यूजिंग डेटाकेबल बैलून्स : वेस एंडोवेस्कुलकर सर्ज. 2017 अक्तूबर; 51(7) : 506–508.
24. सिंह एस, सिक्का के, जेन एन, देवराजन एलजे. डीलेयड एंडोवेस्कुलर कॉइल एक्स्ट्रुएशन प्रजेंटिंग एज ए फोरन बॉडी ऑफ द थ्रोट : ए केस रिपोर्ट. न्यूरोइंटरवेंशन. 2018 मार्च;13(1) :66–69.
25. जैन एस, रे ए, सोनेजा एम, देवराजन एसएलएसजे, मेदाभूषी एस, स्वामी ए, नवीन टी, शर्मा एसके. केविटेटिंग लंग लेशन्स विद एंसेफेलोपैथी इन ए पेशेंट विद लॉग स्टैंडिंग स्जोग्रेन सिंड्रोम : एन इलुसिव कॉज. जे एसो फिजिशियन इंडिया. 2017 अक्तूबर; 65 (10) : 79–83.

पुस्तकों के अध्यायों की सूची

1. एस. लेवे जोसेफ देवराजन, अनुज प्रभाकर, इमेजिंग इन क्रेनियोसिनोस्टोसिस, महापात्रा एके, टेनेट्स ऑफ क्रेनियोसिनोस्टोसिस, आई, भारत, थीम, 2018,.
2. एस. लेवे जोसेफ देवराजन, पी. बालासुंदरम, न्यूरोरेडियोलॉजी, हिमांशु प्रभाकर, पीडियाट्रिक न्यूरोएनेस्थिसिया, आई, लंडन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2018, पीपी 183–191.

3. गर्ग ए, प्रभाकर ए, इंटीरियर स्कुल बेस लेशन्स, भल्ला एएस, जाना एम, क्लिनिको – रेडियोलॉजिकल सीरिज सिनोनेसल इमेजिंग, आई, भारत, जेपी ब्रदर्स, 2018, पीपी 121–130.
4. प्रभाकर ए, फक्शनल इमेजिंग, खंडेलवाल एन, गुप्ता एके, चौधरी वी, कम्प्रेहेंसिव टेक्स्टबुक ऑफ डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी, चौथा संस्करण, भारत, जेपी ब्रदर्स, 2018, पीपी 121–30.
5. गायकवाड़ एसबी, प्रभाकर ए, इमेजिंग एण्ड इंटरवेंशन इन सेरेब्रल इस्चेमिया, खंडेलवाल एन, गुप्ता एके, चौधरी वी, कम्प्रेहेंसिव टेक्स्टबुक ऑफ डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी, चौथा संस्करण, भारत, जेपी ब्रदर्स, 2018, पीपी 133–54.
6. गायकवाड़ एसबी, प्रभाकर ए, करंट ट्रेंड्स इन इमेजिंग ऑफ एपिलेप्सी, खंडेलवाल एन, गुप्ता एके, चौधरी वी, कम्प्रेहेंसिव टेक्स्टबुक ऑफ डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी, चौथा संस्करण, भारत, जेपी ब्रदर्स, 2018, पीपी 341–60.
7. गायकवाड़ एसबी, कुमार ए, प्रभाकर ए, नार्मल सेरेब्रल एंजियोग्राफी, खंडेलवाल एन, गुप्ता एके, चौधरी वी, कम्प्रेहेंसिव टेक्स्टबुक ऑफ डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी, चौथा संस्करण, भारत, जेपी ब्रदर्स, 2018, पीपी 44–53.

रोगी उपचार

विभाग सप्ताह के सातों दिन पूरे वर्ष दिनों रोगी की देखभाल करता है और सब आर्चेनॉइड हैमरेज, स्ट्रोक, एक्यूट इनसेफेलोपैथीज, माइलोपैथीज़, ट्रमेटिक अथवा आइरोजेनिक सेरेब्रो वेस्कुलर इंजरी आदि जैसे आपातकालीन स्थितियों में नियमित रूप से सेवाएं देता है। बह्‌ाय रोगियों और अंतः रोगियों से प्राप्त सभी सीटी स्कैन अनुरोधों को उसी दिन किया जाता है और प्रायः तत्काल किया जाता है, ताकि रोगी के उपचार हेतु तुरंत निर्णय लिए जा सके। इस विभाग में सीटी स्कैन के लिए प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती है। न्यूरोसाइंसेज केंद्र में आने वाले रोगियों के प्रमस्तिष्कीय एवं वेस्कुलर अध्ययन हेतु ईएनटी और ओफ्थेल्मोलॉजी जैसे अन्य अनेक विभागों में भी नियमित रूप से डीएसए किए जाते हैं इस प्रकार से न्यूरो साइंसेज के रोगियों के साथ साथ ईएनटी, ऑफ्थैल्मोलॉजी पीडियाट्रिक्स, कार्डियोलॉजी, अन्य के साथ साथ ऑर्थोपीडिक्स का भी नियमित आधार पर न्यूरोइंटरवेंशनल थेरेप्यूटिक संचालन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, मोबाइल सीटी स्कैनर की उपयोग कर आईसीयू अथवा वैंटिलेटर वाले रोगियों का सीटी स्कैन किया जाता है। डिजिटल एक्स रे यूनिट अथवा सीआर यूनिट का उपयोग कर नियमित आधार पर एक्स रे किए जाते हैं और इमेजें पीएसीएस नेटवर्क पर अपलोड की जाती हैं। जब भी आवश्यक होता है न्यूरोसाइंसेज सेंटर के अस्वस्थ और चलने फिरने में असमर्थ रोगियों का वार्डों और आईसीयू में पोर्टेबल अल्ट्रा साउंड किया जाता है। सभी परामर्शदाता और रेजीडेंट्स आईपी आधारित प्रोटोकोल के माध्यम से पीएसीएस इमेजों को प्राप्त करते हैं और इस प्रकार से इंटरनेट अथवा अपना स्मार्ट फोन उपयोग कर कहीं से भी इमेजों को देखा जा सकता है। उच्च रिजोल्यूशन डिकॉम कम्पैटिबल प्रोजेक्शन प्रणाली का उपयोग कर बहु विधीय इमेज अवलोकन हेतु विभागीय सम्मेलन कक्षों में सुधार किया गया है, ताकि चिकित्सीय परामर्शदाता और रेजीडेंट्स बड़ी प्रोजेक्शन स्क्रीन पर अपने रोगियों की इमेजों को काल क्रमानुसार और तुलनात्मक रूप में आसानी से देख सकें। यहां तक कि पुरानी और स्कैन की गई इमेजों को प्रभावी रूप से तत्काल देखा जा सकता है जो शीघ्र निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होती हैं।

वर्ष 2017–18 के दौरान न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं का निष्पादन

सी टी स्कैन	नियमित	6,889
	आपातकालीन	10,157
	सी टी एंजियोग्राफी	1,211
	निर्देशित इमेज	1,032
	मोबाइल सीटी	833
	परफ्यूजन	39
	एचआरसीटी	46
	कुल	**20,143**
डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी	सेरेब्रल एंड स्पाइनल डीएसए	7
	थेराप्यूटिक न्यूरो – इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं : (सेरेब्रा एरिन्यूज्म, सेरेब्रल एंड स्पाइनल एवीएम एम्बोलाइजेशन, कैराटाइड रेवेस्कुलराइजेशन आदि)	354
	डायग्नोस्टिक डीएसए	953
	सेरेब्रल इंट्रा–अर्टिरियल थ्रोम्बोलायसिस / क्लोट रेट्रिवेल इन स्ट्रोक	
	कुल	**1,314**
अल्ट्रासाउंड जांच / डोपलर अध्ययन		**2,794**
एमआरआई	एनएससी एमआरआई	2,221

	गामा नाइफ प्लानिंग	936
	इंट्रा – ऑपरेटिव एमआरआई (ओटी)	125
	एनएमआर सुविधा	1,811
	कुल	**5,093**
एक्स–रे		**12,589**

वर्ष के लिए महायोग = 42,033

रोगी देखभाल निर्णय लेने के लिए न्यूरोरेडियोलॉजी सम्मेलनों के मामलों पर चर्चा की और समीक्षा की।

	मामलों की सं.	साप्ताहिक आवृत्ति	कुल
एपिलेप्सी मामले सम्मेलन	8@	2	15 / सप्ताह
न्यूरोसर्जरी सम्मेलन	20@	4	80/ सप्ताह
न्यूरोलॉजी सम्मेलन	15@	6	90/ सप्ताह
न्यूरोपैथोलॉजी सम्मेलन	4@	सप्ताह में दो बार	8/ सप्ताह
		कुल	193/ सप्ताह

कुल = 52,069 प्रति वर्ष मामले

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य एस. बी. गायकवाड़

1. राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के अध्येता के रूप में चुना गया था और 28 अक्टूबर 2017 को श्री अमृतसर में इस पुरस्कार के साथ सम्मान दिया गया था।
2. आईएसएनआर के अध्यक्ष के रूप में उनके योगदान के लिए, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी के 19वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान 3 नवंबर 2017 को स्वर्ण पदक का पुरस्कार मिला।
3. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेस एंड हॉस्पिटल, ढाका, इंग्लैंड गणराज्य में ''न्यूरोरैडियोलॉजी कार्यशाला'' आयोजित करने के लिए कार्यक्रम निदेशक के रूप में आमंत्रित किया गया। आचार्य एसबी गायकवाड़ ने कार्यशाला के दौरान 4 शैक्षिक व्याख्यान भी दिए।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ जे. डी. वीरी, न्यूरोसर्जिकल सेंटर, कैनीसियस–विल्हेल्मिना–अस्पताल (सीडब्ल्यूजेड) और यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, सेंट राडबौड, निजमेजेन, हॉलैंड।
2. डॉ ग्युला गैल, यूनिवर्सिटी अस्पताल, ओडेंस, ओडेंस, डेनमार्क।
3. डॉ नासी कोसर, इस्तांबुल विश्वविद्यालय, इस्तांबुल, तुर्की।

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

विशेषताएं

3,824 न्यूरो सर्जिकल प्रक्रियाओं (2,989 न्यूरो साइंस केन्द्र पर और 835 जेपीएनएटीसी पर) के लिए एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था। इसके अतिरिक्त, 436 न्यूरो रेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं के लिए भी एनेस्थेटिक प्रबंधन पूरा किया गया था। 4689 आईसीयू रोगियों (3675 – एनएससी; 1014 – टीसी3 आईसीयू, जेपीएनएटीसी) के गहन देखभाल प्रबंधन का निष्पादन किया गया था। कुल 7920 रोगियों (2588 नए और 985 पुराने) को एनएससी में पूर्व संवेदनाहरण चेक–अप (पीएसी) क्लिनिक ओपीडी में देखा गया था। दर्द क्लीनिक ओपीडी, एनएससी में कुल 350 रोगियों (190 नए और 564 पुराने) को देखा गया था और उनमें से 385 का उपचार तंत्रिका ब्लॉक में किया गया था।

पांच प्रत्याशियों को डीएम (न्यूरो एनेस्थियोलॉजी) डिग्री प्रदान की गई थी और एक प्रत्याशी को न्यूरोक्रिटिकल देखभाल में अध्येतावृत्ति से सम्मानित किया गया था। छः नए प्रत्याशियों ने डीएम पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था और तीन प्रत्याशी न्यूरोक्रिटिकल देखभाल अध्येतावृत्ति मामलों में शामिल हो गए। तीस सात वरिष्ठ रेजीडेंटों (अकादमिक और गैर सी–अकादमिक दोनों) को विभाग में प्रशिक्षण मिला। अन्य तंत्रिका संवेदनाहरण विभागों के 17 स्नातकोत्तर छात्रों (लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से 5 सहित) तथा 24 सीनियर रेज़ीडेंट्स ने न्यूरो एनेस्थीसिया प्रशिक्षण प्राप्त किया। मैक्स हॉस्पिटल, साकेत, नई दिल्ली से दो न्यूरोएनेस्थीसिया अध्येताओं ने न्यूरोएनेस्थीसिया और न्यूरोक्रिटिकल देखभाल में अल्पकालिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उन्नीस अनुसंधान परियोजनाएं (1 वित्तपोषित, 18 विभागीय) पूरी की गई जबकि 41 अनुसंधान परियोजनाएं (8 वित्तपोषित, 33 विभागीय और 8 सहयोगात्मक) जारी हैं।

संकाय और रेजीडेंट द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 51 लेखों को प्रकाशित किया गया था। इक्कीस सार अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए थे। पुस्तकों में चौबीस अध्यायों को संकाय द्वारा किया गया था। चार पुस्तकें 3 संकाय सदस्य द्वारा लिखी / संपादित की गई थी।
दो संकाय सदस्य एक राष्ट्रीय जर्नल के कार्यकारी संपादक हैं।

शिक्षा

क. स्नातकोत्तर शिक्षण

1. हमारे विभाग से सैंतीस वरिष्ठ रेजीडेंटों (24 डीएम – न्यूरो एनेस्थीसियोलॉजी के छात्रों और 13 गैर–शैक्षिक वरिष्ठ रेजीडेंटों) ने एनेस्थीसियोलॉजी प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. बारह एमडी – एनेस्थीसियोलॉजी विभाग से एनेस्थीसियोलॉजी के छात्रों, एम्स को विभाग में न्यूरो एनेस्थीसियोलॉजी प्रशिक्षण प्राप्त हुआ, जो उनके पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग है।
3. चौबीस सीनियर रेज़ीडेंट्स (एम्स के एनेस्थेसियोलॉजी विभाग से 12 और डॉ. बीआरएआईआरसीएच एनेस्थेसियोलॉजी विभाग के 12) ने परस्पर बदलाव आधार पर अंतर विभागीय चक्रानुक्रम के एक भाग के रूप में परिवर्ती अवधियों में एनेस्थीसियोलॉजी में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
4. पांच वरिष्ठ रेजीडेंटों को न्यूरोक्रिटिकल देखभाल अध्येतावृत्ति के लिए प्रशिक्षण मिला।
5. विभागीय शिक्षण कार्यक्रम के एक भाग में रूप में विभाग द्वारा सप्ताह में तीन बार (सोमवार, मंगलवार, शनिवार) को सेमिनार, जर्नल क्लब और मामला प्रस्तुतीकरण (एक बार में एक घंटे तक) की श्रेणियों को आयोजित किया जाता है।

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशालाएं

1. एम्स न्यूरोनाएस्थेसिया अपडेट – 2017 5 – 10 अक्तूबर, 2017 के बीच।
2. एम्स कैडवेरिक एयरवे वर्कशॉप, 17 दिसंबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
3. एम्स कैडवेरिक एयरवे वर्कशॉप, 5 मार्च 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
4. द्वितीय एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस), 25–26 अप्रैल, 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदत्त व्याख्यान

अरविंद चतुर्वेदी (3)

1. बाल चिकित्सा न्यूरोएनेस्थीसिया में व्यावहारिक विचार, एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट 2017, 7 अक्तूबर, 2017, नई दिल्ली।
2. न्यूरोएनेस्थीसिया में व्यावहारिक विचार, ईएसआई पोस्ट ग्रेजुएट चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान संस्थान में अतिथि संकाय, 27 नवंबर 2017, कोलकाता।
3. वार्षिक न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट, आर्टेमिस अस्पताल, स्पाइनल शॉक के साथ गर्भाशय ग्रीवा स्पाइन की चोट, 23 मार्च, 2018, गुड़गांव।

आर. एस. चौहान (2)

1. 6 से 7 अक्तूबर, 2017 तक नई दिल्ली, भारत में आयोजित वार्षिक एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट।
2. 22 – 24 मार्च, 2018 से हरियाणा के गुरुग्राम में आयोजित दूसरा वार्षिक न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट – 2018.

गिरिजा प्रसाद रथ (8)

1. क्रैनोपागस्टविन्स को अलग करना : पेरीओपरेटिव अनुभव, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ओडिशा राज्य शाखा का 69 वां वार्षिक राज्य सम्मेलन, 17–18 फरवरी 2018, एसएलएन मेडिकल कॉलेज, कोरापुट, भारत।
2. क्रैनियोपेगस आपस में जुड़े जुड़वां को अलग करना : एम्स अनुभव, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थीसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी 2018) का वार्षिक सम्मेलन, 20–22 जनवरी जनवरी 2018, मुंबई, भारत।
3. जागरूक न्यूरोसर्जरी, न्यूरोसर्जरी 2018 के लिए सरवाक अल्ट्रासाउंड, 11–12 जनवरी 2018, सरवाक जनरल अस्पताल, कुचिंग, मलेशिया।
4. ट्रांसक्रैनियल डॉप्लर के सिद्धांत, न्यूरोसर्जरी 2018 के लिए सरवाक अल्ट्रासाउंड, 11–12 जनवरी 2018, सरवाक जनरल अस्पताल, कुचिंग, मलेशिया।

5. सीवीए का प्रबंधन : एनेस्थीसियोलॉजिस्ट की भूमिका, इंडियन एनेस्थीसियोलॉजिस्ट सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन (आईएसएसीओएन 2017), 26 नवंबर 2017, बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता, भारत।
6. मस्तिष्क–मृत अंग दाताओं की स्क्रीनिंग और अनुकूलन, मृतक अंगों और ऊतक दान पर रेजीडेंट डॉक्टरों के प्रशिक्षण, 14 नवंबर 2017, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली, भारत।
7. विकसित क्षमताएं, एशियाई सोसायटी फॉर न्यूरोएनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर (एएसएनएसीसी 2017) का 5वां महासम्मेलन, 17–19 अगस्त अगस्त 2017, सिंगापुर।
8. ट्राइजेमिनल न्यूरेलिया, कैडवेरिक पेन वर्कशॉप, 28 जुलाई 2017, जेपीएनए ट्रामा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली, भारत।

ज्ञानेंदर पाल सिंह (4)

1. एनओएसी के साथ गति को बनाए रखना और न्यूरोक्रिटिकल देखभाल में उनका प्रभाव, एमएनसीसी 2017, 1–2 अप्रैल 2017, मेदांता, गुरुग्राम।
2. चेतना की गहराई, एनसीएमएस 2017, 9 जुलाई 2017, निमहंस, बेंगलुरु।
3. न्यूरोमॉनीटरिंग, आरएसएसीपीकॉन 2017, 16–17 सितंबर 2017, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर।
4. न्यूरोसर्जिकल रोगियों में पोस्टऑपरेटिव रिकवरी प्रोफाइल : कौन सा बेहतर विकल्प है, इनहेलेशनल बनाम टीआईवीए, वार्षिक न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2018, 22–24 मार्च, 2014, आर्टेमिस, गुरुग्राम।

आशीष बिन्द्रा (5)

1. पैनल बाल चिकित्सा तंत्रिका संबंधी चोट, मेदांता न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट, 1 अप्रैल 2017, मेदांता – मेडिसिटी, गुरुग्राम।
2. स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक, एम्स कैडवेरिक क्रोनिक पेन मैनेजमेंट कोर्स, 28 जुलाई 2017, जेपीएनए ट्रामा सेंटर, नई दिल्ली।
3. आईसीपी निगरानी : वॉट्स कूकिंग इनसाइड, 22–24 मार्च 2018, गुरुग्राम।
4. स्टेटस एपिलेप्टिकस का प्रबंधन, एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट, 26 फरवरी 2018, जेपीएनए ट्रामा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली।
5. न्यूरोएनेस्थीसिया में निगरानी, पीजी असेंबली, 19 फरवरी 2018, जीबी पंत अस्पताल, नई दिल्ली।

नीरज कुमार (15)

1. कौडल ब्लॉक, एम्स, कैडवेरिक–इंटरवेन्शनल पेन मैनेजमेंट वर्कशॉप, 28, जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
2. वेस्कुलर पहुंच, एयूटीएलएस, 4 अगस्त 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
3. तैयारी और सेल्डेन्जर तकनीक, अल्ट्रासाउंड निर्देशित वेस्कुलर पहुंच, 5 अगस्त, 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
4. पीसीटी, एनएसी 2017, 8 सितंबर 2017, वीएमएमसी सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली।
5. सिर से पैर की अंगुलियों की माध्यमिक प्रबंधन निगरानी, सीईयूटीईएच–2017, 10 सितंबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली पर अवधारणाएं।
6. यूएसजी निर्देशित वेस्कुलर पहुंच, एम्स न्यूरोएन्थीसिया अपडेट 2017, 6–7 अक्तूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।
7. स्पाइनल कॉर्ड की चोट, एएनएलएस, 6–7 अक्तूबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
8. मस्तिष्क स्टेम मृत्यु मानदंड का निदान और प्रमाणीकरण, ओआरबीओ, 11 नवंबर, 2017, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली।
9. संज्ञाहरण में अल्ट्रासोनोग्राफी – रास्ता आगे और सड़क ब्लॉक, 27 इस्कॉन ईस्ट जोन 2017, 13–15 अक्तूबर, 2017, जमशेदपुर।
10. बैठने की स्थिति में एनेस्थीसिया, एनसीओटीटी, 29 अक्तूबर 2018, एम्स, नई दिल्ली।
11. अल्ट्रासाउंड एयरवे के लिए एक सहायता के रूप में, कैडेवर एयरवे कार्यशाला* पाठ्यक्रम निदेशक, 17–12, दिसंबर 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
12. संवहनी पहुंच, एम्स–ईएम–सोनो, 18–19 दिसंबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
13. स्पाइनल कॉर्ड में चोट, एएनएलएस, 25–26 फरवरी 2014, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
14. मस्तिष्क संबंधी आपात स्थिति में अल्ट्रासाउंड, एएनएलएस, 25–26 फरवरी 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
15. लोअर लिंब ब्लॉक, सी–औरा, 28 फरवरी, 2018 से 1 मार्च, 2018, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।

केशव गोयल (13)

1. न्यूरो निगरानी और टीबीआई; पैनल चर्चा, तीसरा मेदांता न्यूरोक्रिटिकल केयर कॉन्फ्रेंस (एमएनसीसी), 2 अप्रैल 2017, मेदांता – मेडिसिटी, गुड़गांव, हरियाणा।
2. स्पाइनल और स्पाइनल कॉर्ड ट्रॉमा, उन्नत आघात जीवन समर्थन (एटीएलएस), मई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
3. एयरवे और वेंटिलेशन, उन्नत आघात जीवन समर्थन (एटीएलएस), मई और जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
4. मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम, उन्नत आघात जीवन समर्थन (एटीएलएस), जून 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
5. ट्रामा (फास्ट) में फोकस किए गए आकलन सोनोग्राफी, उन्नत आघात जीवन समर्थन (एटीएलएस), जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
6. बुजुर्ग आघात पीड़ितों में विचार, उन्नत आघात जीवन समर्थन (एटीएलएस), जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
7. फाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कोपी निर्देशित इंट्यूबेशनः कठिन एयरवे प्रबंधन के लिए एक उपकरण, तीसरी कैडवेरिक एयरवे कार्यशाला, 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
8. फेक्ट जॉइंट ब्लॉक : विचार और सुझाव, दूसरी कैडवेरिक दर्द कार्यशाला, जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
9. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट : तीव्र आपातकालीन प्रबंधन, * पाठ्यक्रम निदेशक और समन्वयक द्वितीय एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस), अक्तूबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
10. बाल चिकित्सा टीबीआई–पैनल के सदस्यों की सूची, बाल चिकित्सा न्यूरोकेयर–न्यूरोसाइंसेस मास्टरक्लास, 18–19 नवंबर 2017, ग्लोबल अस्पताल, चेन्नई।
11. सर्जिकल आईसीयू रोगियों में सोडियम और तरल प्रबंधन, 1 तीव्र क्रिटिकल केयर कोर्स, 29–30 दिसंबर 2017, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जयपुर, राजस्थान।
12. आईसीपी निगरानी, आईएसएनएससी, 18–21 जनवरी 2018, मुंबई।
13. एक्यूट ट्रॉमा केंद्र में आईसीयू में न्यूरोट्रामा रोगियों में गैर तंत्रिका संबंधी जटिलताएं : एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, 34वीं वार्षिक शैक्षणिक महासम्मेलन 2018, 27–30 जनवरी 2014, कोलंबो, श्रीलंका।

नवदीप सोखल (6)

1. मस्कुलोस्केलेटल आघात, एटीएलएस, 7 – जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
2. स्टाइलेट गैंग्लियन ब्लॉक, कैडवेरिक पेन कॉन्फ्रेंस, 28 जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
3. यूएसजी निर्देशित आर्टिरियल लाइन कैनुलेशन, एम्स न्यूरोनेस्थेसिया अपडेट, 8 अक्तूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।
4. परक्यूटेनियस ट्रेकियोस्टॉमी, एयरवे प्रबंधन कार्यशाला : कैडर प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा, 17–दिसंबर 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
5. इन्फ्रास्कैन : हैंड आयोजित सीटी स्कैन, एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट, 26 फरवरी 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
6. कौशल स्टेशन / कार्यशाला आयोजित की गई।
   क. आघात में केंद्रित मूल्यांकन सोनोग्राफी, एटीएलएस, 6 जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
   ख. पेशीकंकालीय आघात मूल्यांकन और प्रबंधन, एटीएलएस, 7 जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
   ग. स्टाइलेट गैंग्लियन ब्लॉक, कैडवेरिक पेन कॉन्फ्रेंस, 28 जुलाई 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
   घ. परक्यूटेनियस ट्रेकियोस्टॉमी लाइव, एयरवे प्रबंधन कार्यशाला : कैडावर प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा, 17 दिसंबर 2017, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।
   ङ. इन्फ्रास्कैन : हैंड आयोजित सीटी स्कैन, एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट, 26 फरवरी 2018, जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली।

चारू महाजन (6)

1. क्या नवजात शिशु के लिए संज्ञाहरण बुरा है, लखनऊ में आयोजित केन्द्रीय क्षेत्र और यूपी चैप्टर का वार्षिक सम्मेलन, इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट, केजीएमसी, 1–3 सितंबर 2017, लखनऊ।
2. सेरेब्रल माइक्रोडियालिसिस, जयपुर सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी, न्यूरो–मॉनिटरिंग पर कार्यशाला, 24 सितंबर 2017, जयपुर।
3. 'इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल द्वारा आयोजित न्यूरोलॉजिकल परीक्षा, न्यूरो–गंभीर देखभाल और एमरजेंसी न्यूरोलॉजी लाइफ सपोर्ट रिफ्रेशर एंड सर्टिफिकेट कोर्स, नई दिल्ली, 17–19 नवबर, 2017, नई दिल्ली।

4. 'इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल द्वारा आयोजित सबआर्कनॉइड हिमोरेज, न्यूरो–गंभीर देखभाल और एमरजेंसी न्यूरोलॉजी लाइफ सपोर्ट रिफ्रेशर एंड सर्टिफिकेट कोर्स, नई दिल्ली, 17–19 नवंबर, 2017, नई दिल्ली।
5. 'इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल द्वारा आयोजित सेरेब्रल माइक्रोडियालिसिस, न्यूरो–गंभीर देखभाल और एमरजेंसी न्यूरोलॉजी लाइफ सपोर्ट रिफ्रेशर एंड सर्टिफिकेट कोर्स, नई दिल्ली, 17–19 नवंबर, 2017, नई दिल्ली।
6. एसएएच पर पीबीएलडी, आईएसएनएसीसी 2018, मुंबई में आयोजित, 19 –21 जनवरी, 2018, मुंबई।

इंदु कपूर (5)

1. ट्रांसक्रैनियल डॉप्लर की निगरानी, जयपुर सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजी वर्कशॉप ऑन न्यूरो–मॉनिटरिंग, 2017, जयपुर।
2. 'इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल द्वारा आयोजित न्यूरो गंभीर देखभाल में न्यूरोफार्माकोलॉजी की मूल बातें, न्यूरो–गंभीर देखभाल और एमरजेंसी न्यूरोलॉजी लाइफ सपोर्ट रिफ्रेशर एंड सर्टिफिकेट कोर्स, नई दिल्ली, 2017, नई दिल्ली।
3. इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल द्वारा आयोजित स्पाइनल कॉर्ड की चोट, न्यूरो–गंभीर देखभाल और एमरजेंसी न्यूरोलॉजी लाइफ सपोर्ट रिफ्रेशर एंड सर्टिफिकेट कोर्स, नई दिल्ली, 2017, नई दिल्ली।
4. इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल द्वारा आयोजित सेरेब्रल ऑक्सीमेट्री, न्यूरो–गंभीर देखभाल और एमरजेंसी न्यूरोलॉजी लाइफ सपोर्ट रिफ्रेशर एंड सर्टिफिकेट कोर्स, नई दिल्ली, 2017, नई दिल्ली।
5. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, जीबी पंत और लोक नायक अस्पताल द्वारा आयोजित पोस्ट ग्रेजुएट असेम्बली, नई दिल्ली, 2018, नई दिल्ली।

सूर्य कुमार दुबे (6)

1. डोनर स्क्रीनिंग और ऑप्टिमाइज़ेशन, ओआरबीओ, एम्स, नई दिल्ली, 19 अप्रैल और 17 मई 2017 द्वारा आयोजित डीकेसेड ऑर्गन और टिशू डोनेशन पर रेसीडेंट डॉक्टरों के सेवा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में, 13 फरवरी और 20 मार्च 2017, एम्स, नई दिल्ली।
2. ट्राइजेमिनल न्यूरेलिया के लिए अनिवार्य हस्तक्षेप के लिए वर्तमान साक्ष्य, दर्द प्रबंधन पर 6 वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 9 सितंबर 2017, डोना पाउला, गोवा।
3. डबल लुमेन ट्यूब, एम्स कैडवेरिक एयरवे वर्कशॉप, 17 दिसंबर 2017, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
4. नीडल स्टिक की चोट, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम पर कार्यशालाएं, 15 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली।
5. कैथेटर से जुड़े रक्त प्रवाह संक्रमण, गुणवत्ता देखभाल और संक्रमण नियंत्रण कार्यनीतियों पर कार्यशालाएं, 16 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली।
6. वेंटिलेटर संबंधित निमोनिया, गुणवत्ता देखभाल और संक्रमण नियंत्रण कार्यनीतियों पर कार्यशालाएं, 16 मार्च 2018, एम्स, नई दिल्ली।

वरुण जैन (5)

1. लाइव वर्कशॉप – मॉडरेटर, एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2017, 6 अक्तूबर 2017, दिल्ली।
2. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मॉडरेटर, एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2017, 6 अक्तूबर 2017, दिल्ली।
3. इंटरेक्टिव केस चर्चा – मॉडरेटर, एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2017, 6 अक्तूबर 2017, दिल्ली।
4. स्टेट्स एपिलेप्टिकस, दूसरा एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट, 8 अक्तूबर 2017, दिल्ली।
5. स्टेट्स एपिलेप्टिकस, तीसरा एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट, 26 फरवरी 2018, दिल्ली।

प्रस्तुत किए गए शोध पत्र / पोस्टर की सूची

1. *अग्रवाल एस, सोखल एन, गोयल एन, बिंद्रा ए. पारिवारिक दौरे : तीव्र फेनिटॉइन विषाक्तता में एक पैराडॉक्स। एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट, 8 अक्तूबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली।*
2. *बरखा बी, सिंह जीपी, चतुर्वेदी ए. पेक्टासियस ट्रेकोस्टोमी (पीसीटी) की तीन अलग–अलग तकनीकों की तुलना : लैंडमार्क तकनीक बनाम फाइब्रोपेप्टिक ब्रोंकोस्कोपिक (एफओबी) निर्देशित बनाम वास्तविक समय अल्ट्रासाउंड निर्देशित (यूएसजी), एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट 2017, 5–7 अक्तूबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली।*
3. *बरखा बी, सिंह जीपी, पांडिया सांसद, कुमार एए प्रसारित अक्षीय चोट के रोगियों में नैदानिक परिणाम के संकेतक – एक पूर्वदर्शी विश्लेषण, एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट 2017, 5–7 अक्तूबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली।*
4. *बिंदू बी, बिंद्रा ए, रथ जीपी, प्रभाकर एच, कुलकर्णी एसएस, कुमार एस. एनेस्थीसिया में व्यावहारिक मुद्दे – भारत में राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण, न्यूरोएनेस्थेसिया की वार्षिक वैज्ञानिक बैठक और ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड की न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी (एनएसीसीएसजीबीआई), 2017, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स इंस्टीट्यूट, लंदन, यूके।*

5. *बिंदू बी, बिंद्रा ए, रथ जीपी, प्रभाकर एच, कुलकर्णी एसएस, कुमार एस. संज्ञाहरण में व्यावहारिक मुद्दे : भारत में राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण, न्यूरोएनेस्थेसिया की वार्षिक वैज्ञानिक बैठक और ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड की क्रिटिकल केयर सोसाइटी, 18–19 मई, 2017, लंदन।*
6. *बिंदू बी, कौशल ए, प्रभाकर एच, चतुर्वेदी ए. मिर्गी शल्य चिकित्सा में डेक्समेडेटोमाइडिन की न्यूरोप्रोटेक्टिव भूमिका : प्रारंभिक अध्ययन, न्यूरोएनेस्थेसिया की वार्षिक वैज्ञानिक बैठक और ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड की क्रिटिकल केयर सोसाइटी, 18–19 मई, 2017, लंदन।*
7. *बिंदू बी, पांडिया एम, सिंह जी. आईसीयू की लंबाई पर नाइट्रस ऑक्साइड संज्ञाहरण और सेरेबेलोपोंटिन ट्यूमर सर्जरी से गुजर पीडित रोगियों को अस्पताल में रहना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, न्यूरोएनेस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर, बोस्टन, 1 9.20 में न्यूरोसाइंस सोसायटी की 45वीं वार्षिक बैठक अक्टूबर, अक्टूबर 2017, बोस्टन, यूएसए।*
8. *बिंदू बी, पांडिया एमपी, सिंह जीपी. आईसीयू की लंबाई पर सेवोफ्लूरन–नाइट्रस ऑक्साइड संज्ञाहरण के विपरीत सेवोफ्लूरन–नाइट्रस ऑक्साइड संज्ञाहरण का प्रभाव और सेरेबेलोपोंटिन ट्यूमर सर्जरी से पीड़ित रोगियों को अस्पताल में रहना – एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एसएनएसीसी वेस्टिन वाटरफ्रंट की 45वीं वार्षिक बैठक, 19–20 अक्तूबर 2017, वेस्टिन वाटरफ्रंट होटल, बोस्टन, मैसाचुसेट्स, यूएसए.बोस्टन, यूएसए।*
9. *ढांदा ए, ढकल आर, बिंद्रा ए, सिंह जीपी, रथ जीपी, गुप्ता डी, माथुर पी. बाल चिकित्सा दर्दनाक मस्तिष्क की चोट : तृतीयक देखभाल आघात केंद्र में न्यूरोइंटेंसिव देखभाल प्रबंधन, न्यूरोएनेस्थेसिया और क्रिटिकल केयरएशियाई सोसायटी का 5वां महासम्मेलन, 17–19 अगस्त 2017, सिंगापुर।*
10. *ढांदा ए, ढकल आर, बिंद्रा ए, सिंह जीपी, रथ जीपी, गुप्ता डी, माथुर पी. बाल चिकित्सा दर्दनाक मस्तिष्क की चोट : तृतीयक देखभाल आघात केंद्र में न्यूरोइंटेंसिव देखभाल प्रबंधन, न्यूरोएनेस्थेसिया और क्रिटिकल केयर एशियाई सोसायटी का 5वां महासम्मेलन, 17–19 अगस्त 2017, सिंगापुर।*
11. *ड्यूब एस.के., रथ जीपी. सेरेब्रल घाव के साथ गिरावट के टेट्रोलॉजी के लिए एनेस्थेटिक प्रबंधन : हमारा संस्थागत अनुभव, एशियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक एनेस्थीसियोलॉजिस्ट का 14वां सम्मेलन, 3 जून 2017, मुंबई महाराष्ट्र।*
12. *गोयल के, हजारिका ए, सोखल एन, बिंद्रा ए, कुमार एन, रथ जीपी, बिठल पी. शीर्ष आघात केंद्र के आईसीयू में न्यूरोट्रॉमा रोगियों में गैर न्यूरोलॉजिकल जटिलताएं : एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट 2018 के कॉलेज का 34वां वार्षिक शैक्षिक महासम्मेलन, 27–30 जनवरी 2018, कोलंबो, श्रीलंका।*
13. *गोयल के, हजारिका ए, सोखल एन, बिंद्रा ए, कुमार एन, रथ जीपी. न्यूरो गहन देखभाल इकाई में भर्ती होने वाले दर्दनाक मस्तिष्क की चोटों में गैर–तंत्रिका संबंधी जटिलताओं का आकलन : एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट और इंटेंसिविसट्स कॉलेज का 34वां वार्षिक शैक्षिक महा सम्मेलन, 27 और 28 जनवरी 2018, कोलंबो, श्रीलंका।*
14. *गोयल के, खंडेलवाल ए, हजारिका ए, सोखल एन, बिंद्रा ए, कुमार एन, रथ जीपी, बिठल पी. ट्रॉमेटिक न्यूरोसर्जिकल आईसीयू वाले रोगियों में गैर–न्यूरोसर्जिकल जटिलताएं : एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, एनेस्थीसियोलॉजिस्ट और इंटेंसिविसट्स कॉलेज का 34वां वार्षिक शैक्षिक महा सम्मेलन, 26 और 28 जनवरी 2018, कोलंबो, श्रीलंका।*
15. *गोयल के, तोमर जीएस, हजारिका ए, सोखल एन, बिंद्रा ए आदि, आईसीयू में भर्ती ट्रॉमेटिक न्यूरोसर्जिकल रोगियों में गैर–तंत्रिका संबंधी जटिलताओं का आकलन : एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, न्यूरोनाएस्थेसिया की वार्षिक वैज्ञानिक बैठक और ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड की क्रिटिकल केयर सोसाइटी, 18–19 मई, 2017, लंदन।*
16. *गोयल के, तोमर जीएस, सोनी केडी, अग्रवाल आर, सिंह जीपी, परभकर एच, चतुर्वेदी ए. अभिघात वाले मस्तिष्क की चोट के साथ या बिना दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में क्रमशः अनुमानित सीरम प्रोसेलसीटोनिन के स्तर का ज्ञात मूल्य – ऑलिगिट्यूडिनल अवलोकन संबंधी अध्ययन, एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया 2017 अपडेट, 5 –7 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।*
17. *जैन वी, सप्रा एच., दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के लिए इंट्राक्रैनियल सर्जरी के बाद मैसिव पल्मोनरी एम्बोलिज्म के लिए प्रणालीगत इंट्रावेनस थ्रोम्बोलिसिस, एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट 2017, 6–7 अक्टूबर 2017, दिल्ली।*
18. *कौशल ए, बिंद्रा ए, कुमार एन, गोयल के, रथ जीपी. डिकंप्रेसिव क्रैनिएक्टोमी के बाद गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में आउटकॉम के प्रोजेक्टोस्टिक कारकों का मूल्यांकन, वार्षिक न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट (एएनसीयू), अप्रैल 2017, आर्टमिस अस्पताल, गुड़गांव।*
19. *खंडेलवाल ए, चौहान वी, सिंह जीपी, रथ जीपी. सर्वाइकल स्पाइन की चोट वाले बच्चों में परिणाम को प्रभावित करने वाले पेरिऑप्रेटिव कारकों का एक पूर्वदर्शी विश्लेषण, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोनाएस्थेसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी 2018) का 19वां वार्षिक सम्मेलन, 19 –21 जनवरी 2018, मुंबई, भारत।*
20. *खंडेलवाल ए, कपूर प्रथम, महाजन सी, प्रभाकर एच. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के साथ बाल रोगियों में ऑप्टिक तंत्रिका शीथ डायमीटर पर सकारात्मक अंत–समाप्ति दबाव का प्रभाव, न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2017, 2017, दिल्ली।*
21. *खंडेलवाल ए, सिंह जीपी, चतुर्वेदी ए. क्रोनिक सबड्यूरल हेमेटोमा का शिशु आहार ट्यूब निर्देशित निकासी के बाद इंट्रापेरंकाइमल हिमोरेज के दो मामलों की एक रिपोर्ट, एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट 2017, 5 –7 अक्टूबर 2017, एम्स, नई दिल्ली।*
22. *कुमार एन, पाल जीपी, गोयल के, सोखल एन, बिंद्रा ए. अल्ट्रासाउंड निर्देशित संवहनी पहुंच के दौरान पोस्टिरियर वीसल वॉल पंक्चर की*

घटना : लघु अक्ष बनाम लंबा अक्ष, एनजेड न्यूरोएनेस्थेसिया एएसएम 2017, 9 नवंबर 2017, एनर्जी इवेंट्स सेंटर, रोटरुआ, न्यूजीलैंड।

23. *नेताम आरके, बीर एम, गुप्ता यू, पटेल एसके, सिंह ए, मेहता एन, रथ जीपी, काले एसके, सिंह एमएम, चंद्र पीएस, जारायल एके. स्पाइन सर्जरी से गुजरने वाले प्रीपेरेटिव न्यूरोलॉजिकल कमी वाले रोगियों में डी तरंग और टीसीएमईपी का अंतःक्रियात्मक उत्थान, इंट्रा–ऑपरेटिव न्यूरोफिजियोलॉजी पर द्वितीय इंडियन कोर्स, 22–24 फरवरी 2018, पार्क क्लिनिक, कोलकाता, भारत।*
24. *पांडिया एम, चौहान वी, कुमार एन, सोखल एन. सुप्रेटेंटोरियल क्रैनोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में उभरने और रिकवरी प्रोफाइल पर तीन एनेस्थेटिक तकनीकों की तुलना, न्यूजीलैंड एनेस्थीसिया वार्षिक वैज्ञानिक बैठक 2017, 8–11 नवंबर, 2017, एनर्जी इवेंट्स सेंटर, रोटरुआ, न्यूज़ीलैंड।*
25. *पांडिया एम, चौहान वी, कुमार एन, सोखल एन. सुप्रेटेंटोरियल क्रैनोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में उभरने और रिकवरी प्रोफाइल पर तीन एनेस्थेटिक तकनीकों की तुलना, न्यूजीलैंड एनेस्थीसिया वार्षिक वैज्ञानिक बैठक 2017, 8–11 नवंबर, 2017, एनर्जी इवेंट्स सेंटर, रोटरुआ, न्यूज़ीलैंड।*
26. *सिंह ए, बीर एम, गुप्ता यू, पटेल एसके, नेताम आरके, मेहता एन, रथ जीपी, काले एसके, सिंह एम एम, टंडन वी, जारायल एके, न्यूरोसर्जरीज़ के दौरान मोटर मैपिंग के लिए उच्च आवृत्ति एकाधिकार और डॉप्लर प्रत्यक्ष कॉर्टिकल उत्तेजना प्रोटोकॉल की तुलना, इंट्रा–ऑपरेटिव न्यूरोफिजियोलॉजी पर दूसरा भारतीय पाठ्यक्रम, 22–24 फरवरी 2018, पार्क क्लिनिक, कोलकाता, भारत।*
27. *सोखल एन, सोखल एस, मिश्रा आरके, रथ जीपी, कुमार एन. विशालकाय इंट्राक्रैनियल एन्यूरियस सर्जरी : परिणाम प्रभावित करने वाले कारक, न्यूजीलैंड एनेस्थीसिया वार्षिक वैज्ञानिक बैठक 2017, 8–11 नवंबर, 2017, एनर्जी इवेंट्स सेंटर,रोटरुआ, न्यूज़ीलैंड।*
28. *सोखल एन, सोखल एस, मिश्रा आरके, रथ जीपी, कुमार एन., विशाल इंट्राक्रैनियल एन्यूरीज़्म्स का अनुवांशिक प्रबंधन : 19 मामलों की नैदानिक रिपोर्ट, न्यूजीलैंड एनेस्थीसिया वार्षिक वैज्ञानिक बैठक 2017, 8–11 नवंबर, 2017, एनर्जी इवेंट्स सेंटर, रोटरुआ, न्यूज़ीलैंड।*
29. *सोखल एस, बिस्वाल पी, गोयल के, सोखल एन. इंट्रा–ऑपरेटिव ट्रांस–क्रैनियल मोटर के दौरान इट्रोजेनिक दौरे की संभावित निगरानी : एक मामला रिपोर्ट, एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया अपडेट, 8 अक्टूबर, 2017, एम्स, नई दिल्ली।*

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. पिट्यूटरी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में हीमोग्लोबिन अनुमान के निरंतर गैर–आक्रामक बनाम आक्रामक विधि की सटीकता का आकलन, इंदु कपूर, एम्स, 1 वर्ष, 2016, 4,81,600 रुपए।
2. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में एनआईआरएस का उपयोग कर सेरेब्रल ऑटोरेगुलेशन का आकलन, केशव गोयल, एम्स, 2 वर्ष जनवरी 2016 – 2018, 5 लाख रुपए।
3. सेरेब्रल माइक्रोडियालिसिस द्वारा क्षेत्रीय ऊर्जा चयापचय की निगरानी करके गंभीर सिर की चोटों में सेरेब्रल परफ्यूजन दबाव वृद्धि के प्रभाव का आकलन, आशीष बिंद्रा, एम्स इंट्रामरल, 2 वर्ष, 2016–2018, 4.95 लाख रुपए।
4. अल्ट्रासाउंड निर्देशित केंद्रीय वेनस कैनुलेशन करने में फ्री हैंड तकनीक बनाम नीडल मार्गदर्शन के उपयोग की तुलना करना : एक संभावित यादृच्छिक परीक्षण, निर्ज कुमार, एम्स, 1 वर्ष, 2016–2017, 4,60,000 रुपए।
5. स्वाईकल स्पाइन की चोट वाले रोगियों में एयर–क्यू के जरिए उपयोग के साथ और बिना फाइबर ऑप्टिक एंडोट्रेकियल इंट्यूबेशन की तुलना, एक प्रायोगिक अध्ययन, ज्ञानेंद्र पाल सिंह, एम्स, नई दिल्ली (आंतरिक अनुदान), 3 वर्ष, 2015–2018, 2 लाख रुपए और 16 हजार।
6. सर्वाइकल स्पाइन की चोट वाले रोगियों में एयर–क्यू के जरिए उपयोग के साथ और बिना फाइबर ऑप्टिक एंडोट्रेकियल इंट्यूबेशन की तुलना, एक प्रायोगिक अध्ययन, ज्ञानेंद्र पाल सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2015–2017, 2,16,000 रुपए।
7. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में जुगुलर वेनस ऑक्सीमेट्री पर डिकम्प्रेसिव क्रेनियोक्टोमी का प्रभाव, नवदीप सोखल, आंतरिक अनुदान, 2 वर्ष 2016–17, 2.5 लाख रुपए।
8. पोस्ट – क्रेनियोटोमी दर्द पर मैग्नीजियम और लिग्नोकाइन का प्रभाव : एक तुलनात्मक, यादृच्छिक, डबल ब्लाइड, प्लासेबो – नियंत्रित अध्ययन, चारु महाराज, एम्स, 2 वर्ष, 2015, 75,000 रुपए।
9. न्यूरोसर्जरी में मांसपेशी एंजाइम उन्नयन और पोस्ट ऑपरेटिव तीव्र गुर्दे की चोट में इसकी प्रासंगिकता का अध्ययन : एक प्रायोगिक अध्ययन, सूर्य कुमार दुबे, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल अनुदान), 1 वर्ष, 2018–2019, 2 लाख, 57 हजार रुपए।
10. स्ट्रोक रोगियों में परिणाम के आकलन के लिए अप्रत्यक्ष कैलोरीमेट्री का उपयोग : मानक की तुलना बनाम वजन आधारित सूत्र, गिरिजा प्रसाद रथ (पीआई), जीई हेल्थ केयर प्रा. लि., दो वर्ष, 01.03.2016–29.02.2018, शून्य (उपकरण)।
11. स्ट्रोक रोगियों में परिणाम के आकलन के लिए अप्रत्यक्ष कैलोरीमेट्री का उपयोग : मानक की तुलना बनाम वजन आधारित सूत्र, गिरिजा प्रसाद रथ जीई हेल्थ केयर प्रा. लि., 2 वर्ष, 2016–2018

गैर –वित्तपोषित परियोजनाएं
विभागीय परियोजनाएं (थीसिस / शोध प्रबंध सहित)

जारी
परियोजना का शीर्षक

1. सामान्य संवेदनाहरण के तहत न्यूरोसर्जिकल रोगियों में कार्डियक परिणाम के इंट्राऑपरेटिव अनुमान के लिए दो गैर–आक्रामक विधियों की तुलना।
2. सेरेब्रल घाव के साथ फैलॉट का टेट्रालॉजी वाले रोगियों में एनेस्थेटिक प्रबंधन : एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
3. सर्जरी से गुजर रहे एक्रोमेगली के साथ आकलन : ट्रेकियल इंटुबेशन की सफलतापूर्वक भविष्यवाणी।
4. ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के बाद की कार्डियोवेस्कुलर जटिलताएं।
5. थोरेकोलम्बर स्पाइन सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में ट्रांसक्रेनियलमोटर इवोक्ड संभाव्यता पर प्रोपोफॉल और केटोफॉल की तुलना।
6. सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इंट्यूबेशन के लिए मानक ब्लेड और मैकिनतोश लेरिंजियोस्कोप के साथ डी–ब्लेड, सी–मैक वीडियो– लेरिंजियोस्कोप सहित सी–मैक वीडियो– लेरिंजियोस्कोप की तुलना : एक यादृच्छिक अध्ययन।
7. सर्वाइकल स्पाइन चोट वाले रोगियों में कंडुइट के रूप में एयर–क्यू के उपयोग के साथ और उसके बिना फाइबर ऑप्टिक एंडोट्रेकियल इंटुबेशन की तुलना : एक प्रायोगिक अध्ययन।
8. एन्यूरिज्म के लिए क्लिपिंग से गुजरने वाले सबआर्कनॉइड हिमोरेज रोगियों में प्रोपोफॉल बनाम सेवोफ्लुरेन एनेस्थीसिया की तुलना।
9. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले बच्चों में आईसीपी माप की आक्रामक और गैर–आक्रामक तकनीक के बीच सहसंबंध : एक अवलोकन अध्ययन।
10. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट (टीबीआई) वाले रोगियों में जुगुलर वेनस ऑक्सीमेट्री (एसजेवीओ) पर डिकम्प्रेसिव क्रेनियोक्टोमी का प्रभाव – एम्स द्वारा निधिकरण, 5 लाख रुपए।
11. सेवोफ्लुरेन एनेस्थीसिया के तहत सुप्रेटेंटोरियल ट्यूमर के रोगियों में डायनेमिक सेरेब्रल ऑटोरेगुलेशन पर डेक्समेडेटोमाइडिन का प्रभाव।
12. सेवोफ्लुरेन एनेस्थीसिया के तहत सुप्रेटेंटोरियल ट्यूमर के रोगियों में डायनेमिक सेरेब्रल ऑटोरेगुलेशन पर डेक्समेडेटोमाइडिन का प्रभाव।
13. पूर्ववर्ती परिसंचरण एन्यूरीज़्म्स वाले रोगियों में रिजनल सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन पर न्यूरोरेडियोलॉजिकल हस्तक्षेप का प्रभाव : एक अवलोकन अध्ययन।
14. स्पाइन सर्जरी के दौरान ट्रांसक्रेनियल इलैक्ट्रीकल मोटर इवोक्ट पोटेंशियल पर एडजूवेंट के रुप में डेक्समेडेटोमीडाइन के साथ दो एनेस्थेटिक रेजिम का प्रभाव।
15. इंट्राक्रैनियल मेनिनजिग्योमा सर्जरी के दौरान अंतःक्रियात्मक रक्त हानि पर अंतःशिरा डेक्समेडेटोमाइडिन के प्रभाव का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
16. इंट्राक्रैनियल मेनिनजिग्योमा सर्जरी के दौरान अंतःक्रियात्मक रक्त हानि पर अंतःशिरा डेक्समेडेटोमाइडिन के प्रभाव का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
17. एंडोस्कोपिक ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में उभरती प्रतिक्रियाओं को कम करने हेतु सामान्य सेलाइन की तुलना में इंट्राट्रैकियल लिग्नोकेन का मूल्यांकन : एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
18. बड़े संवहनी तंत्रिका अर्बुद में माइडिन के लिए डिएक्समेडी का अंतःक्रियात्मक उपयोग।
19. एन्यूरियसैमल सबआर्केनॉइड हेमोरेज के साथ न्यूरोरेडियोलॉजिकल प्रक्रिया के बाद विपरीत–प्रेरित नेफ्रोपैथी / एक्यूट किडनी की चोट के रोगियों में न्यूट्रोफिल जिलेटिनेज से जुड़े लिपोकालिन (एन–जीएएल) का माप : प्रारंभिक अध्ययन।
20. सामान्य संवेदनाहरण के तहत फाइबर ऑप्टिक ओरोट्रेकियल इंटुबेशन के दो तकनीकों का यादृच्छिक परीक्षण तुलना : एयर–क्यू इंटुबेटिंग लेरिंजियल एयरवे के उपयोग के साथ और उनके बिना फाइबर ऑप्टिक इंटुबेशन।
21. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के पूर्वानुमानक मार्कर के रूप में सीरम लैक्टेट, बेस घाटे और ग्लूकोज के स्तर।
22. तीव्र मस्तिष्क की चोट के पूर्वानुमानक मार्कर के रूप में सीरम लैक्टेट, बेस घाटे और ग्लूकोज के स्तर।
23. एन्यूरिज्म की क्लिपिंग के दौर से गुजरने वाले सबआर्केनॉइड हिमोरेज रोगियों में देरी सेरेब्रल इस्चेमिया और न्यूरोलॉजिकल आउटकम पर प्रीसर्जिकल अवधि का प्रभाव – एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
24. डिसल्फरेन एनेस्थीसिया के तहत एपिलेप्सी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में ईसीओजी पर डेक्समेडेटोमाइडिन पर प्रभाव।

25. स्पाइन सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में कफ रिसाव मात्रा पर मानक तरल पदार्थ रेगिमेन बनाम लक्ष्य निर्देशित द्रव चिकित्सा के प्रभाव की तुलना।
26. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में चेस्ट फिजियोथैरेपी और ट्रेकियल सक्शनिंग के बाद इंट्राक्रेनियल और प्रणालीगत दबाव पर डिक्समेडिटोमाइडिन और लिग्नोकाइन के प्रभाव की तुलना करना। एक यादृच्छिक, ब्लाइंड पायलट अध्ययन।
27. थोरैसिक, लम्बर और थोरैको–लम्बर स्पाइनल सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में कफ रिसाव मात्रा पर लक्ष्य निर्देशित थेरैपी (जीडीटी) आधारित तरल पदार्थ के प्रभाव का अध्ययन।
28. सिर की चोट वाले रोगियों में एक्सट्यूबेशन विफल रहने के जोखिम कारकों और कारणों का अध्ययन करना।
29. एंडोस्कोपिक ट्रांसफेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में उभरती प्रतिक्रिया को कम करने के लिए इंट्राट्रैकल लिग्नोकेन का उपयोग : एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

पूर्ण

परियोजना का शीर्षक

1. जागृत अवस्था के दौरान बेहोश करने की क्रिया के लिए डेक्समेडेटोमिडिन बनाम प्रोपोफॉल संक्रमण की प्रभावशीलता की तुलना।
2. सामान्य संवेदनाहरण के तहत न्यूरोसर्जिकल रोगियों में कार्डियक परिणाम के इंट्राऑपरेटिव अनुमान के लिए दो गैर–आक्रामक विधियों की तुलना।
3. सेरेबेलोपोंटाइन एंगल ट्यूमर सर्जरी करावा रहे रोगियों में सेवोफ्लुरेन / नाइट्रस ऑक्साइड बनाम सेवोफ्लुरेन / एयर के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. सामान्य संवेदनाहरण के तहत रोगियों में एक ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर (ओएनएसडी) प्रतिक्रिया को समाप्त करने के टाइडल कार्बन डाइऑक्साइड (ईटीसीओ2) एकाग्रता : एक यादृच्छिक नियंत्रण प्रायोगिक अध्ययन।
5. न्यूरोकायमल सबआर्कनॉइड हेमोरेज में भावी परिणाम में फुल आउलाइन ऑफ अनरिस्पोसिवनेस (एफ़ओयूआर) स्कोर और पांरपरिक स्कोर की तुलना।
6. मस्तिष्क घाव के इंट्राऑपरेटिव एमआरआई–निर्देशित शोधन के साथ या उसके बिना जागृत क्रैनोटोमी से गुजरने वाले रोगियों में अंतःक्रियात्मक जटिलताओं और तंत्रिका संबंधी परिणामों की तुलना : हमारा संस्थागत अनुभव।
7. सुपरटेंटोरियल क्रेनियोटोमी करावा रहे रोगियों में आपातकालीन और रिकवरी प्रोफाइल पर तीन एनेस्थेटिक तकनीकों की तुलना।
8. मस्तिष्क के आघात के रोगियों के सीरम में यूबिकिटिन सी–टर्मिनल हाइड्रोलेस–1 का प्रारंभिक और तीव्र पता लगाने से साइट्रेट–कैप्ड गोल्ड नैनोकणों का उपयोग करना : मस्तिष्क की चोट की गंभीरता का निदान करने के लिए एक नवीन तकनीक।
9. बड़े इंट्राक्रेनियल ट्यूमरों को कटने के दौरान रोगियों के अस्पताल में रहने पर लक्षित निर्देशित इंट्राऑपरेटिव फ्लुइड थैरेपी का प्रभाव।
10. सेवोफ्लुरेन और डिसफ्लुरेन के क्वाई – मैक सांद्रता में बिस्पेक्ट्रल सूचकांक मानों पर नाइट्रस ऑक्साइड का प्रभाव।
11. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के साथ बाल रोगियों में ऑप्टिक तंत्रिका शीथ डायमीटर (ओएनएसडी) पर पीक एंड एक्सपीरेटरी प्रेशर (पीईपीपी) का प्रभाव।
12. डिफ्यूज एक्सोनल की चोट के रोगियों में नैदानिक परिणाम के संकेतक – एक पूर्वदर्शी विश्लेषण।
13. बाल चिकित्सा मस्तिष्क ट्यूमर का ऑपरेशन से पहले प्रबंधन : एक पूवव्यापी विश्लेषण।
14. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में चेस्ट फिजियोथैरेपी और ट्रेकियल सक्शनिंग के बाद इंट्राक्रेनियल और प्रणालीगत दबाव पर डिक्समेडिटोमाइडिन और लिग्नोकाइन के प्रभाव की तुलना करना। एक यादृच्छिक, ब्लाइंडेड पायलट अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. न्यूरोक्रिटिकल केयर इकाई का सप्ताह : न्यूरोक्रिटिकल देखभाल में बिंदु रोकथाम अवलोकन अध्ययन : पीआरआईएनसीई अध्ययन। जुलाई 2014. (आईईसी / एनपी – 190 / 2014 आरपी – 03 / 2014).
2. दैनिक सर्जिकल प्रक्रियाओं के दौरान सफल एक्सटुबेशन के एक कारक के रूप में एम–मोड सोनोग्राफी द्वारा डायफ्रेगमेटिक मूवमेंट का एक मूल्यांकन। संवेदनाहरण, रेडियोडायग्नोसिस, बेलेयर कॉलेज ऑफ मेडिसिन, हॉस्टन, टेक्सस।
3. ट्रॉमेटिक स्पाइनल कॉर्ड इंजरी में कार्डियोवेस्कुलर की जटिलताएं। तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
4. सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन के साथ इंटयूबेशन के लिए मानक ब्लेड और मैकिनतोश लेरिंजियोस्कोप के साथ डी–ब्लेड, सी–मैक वीडियो– लेरिंजियोस्कोप सहित सी–मैक वीडियो– लेरिंजियोस्कोप की तुलना : एक यादृच्छिक अध्ययन, न्यूरोएनेस्थीसिया।

5. एंडोस्कोपिक पिट्यूटरी सर्जरी कराने वाले रोगियों में हीमोडायनेमिक्स पर लिडोकेन इंफ्यूजन के प्रभाव और इनका ठीक होना : एक बहु केंद्रिक, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा, वाइनपेग, कनाडा।
6. स्पाइनल सर्जरी के दौरान ट्रांसक्रिनियल इलेक्ट्रिकल मोटर से पैदा क्षमता पर सहायक के रूप में डिक्समेडेटोमाइडिन के साथ दो संवेदनाहारी व्यवस्थाओं का प्रभाव : एक प्रायोगिक अध्ययन। शरीर क्रिया विज्ञान।
7. सेंट्रल लाइन एसोसिएटेड ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (सीएलएबीएसआई) को कम करने में क्लोरेहेक्सिडिन ग्लुकोनेट इप्रेगनेटेड पैच (बीआईओपीएटीसीएच [आर]) की प्रभावशीलता पर भावी अध्ययन, सूक्ष्म जैव विज्ञान, जेपीएनएटीसी, एम्स।
8. रेफरल इंडियन अस्पताल में ब्लड स्ट्रीम इंफेक्शन (बीएसआई) की निगरानी, रेफेरल सूक्ष्म जैव विज्ञान, जेपीएनएटीसी, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिका : 51 सार : 20 पुस्तकों के अध्याय : 22 पुस्तकें : 8

पत्रिका लेख

1. वरुण जैन वी., ज्ञानिंदर पी.सिंह जीपी. अरविंद चतुर्वेदी. रिपोर्ट ऑफ द एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट 2017, नई दिल्ली, इंडियन जे न्यूरोएनेस्थीसियोल क्रिट केयर 2018; 5 : 42–44.
2. राहुल यादव आर, रजीब के.मिश्रा आर के, अरविंद चतुर्वेदी ए, गिरिजा पी.रथ जीपी. इफेक्ट ऑफ प्रीगेबेलिन ऑन प्री ऑपरेटिव एनेक्सिक्टी एण्ड पोस्टऑपरेटिव पैन इन स्पाइन सर्जरी : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी. जे न्यूरोएनेस्थीसियोल क्रिट केयर 2018; 5 : 8–14.
3. जैन वी, अरविंद चतुर्वेदी ए, आदि. : पेरि– ऑपरेटिव कोर्स ऑफ ट्रांस–स्फेनॉइडल पिट्यूटरी सर्जरी वाया एंडोस्कोपिक वर्सिस माइक्रोस्कोप एप्रोच : इंटरिम कंसर्न फॉर न्यूरोसर्जिकल एनेस्थीसियोलॉजी. जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस इन रूरल प्रैक्टिस (मार्च 2018 में प्रकाशन के लिए स्वीकृत).
4. गुप्ता पी, रथ जीपी, प्रभाकर एच, बिठ्ठल पीके. कॉम्प्लीकेशन्स रिलेटिड टू सिटिंग पॉजीशन ड्यूरिंग पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी : एन इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियन्स एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. न्यूरोलॉजी इंडिया 2018;66(1) : 217–222.
5. सिंह एस, सरीन के, रथ जीपी. सर्जिकल एवेक्यूएशन ऑफ सबड्यूरल हिमेटोमा इन ए पेशेंट विद ट्रांसप्लांटिड हार्ट अंडर एनेस्थीसिया. साउदी जर्नल एनेस्थीसिया 2018;12(1) : 139–140.
6. लुथरा ए, प्रभाकर एच, रथ जीपी. एलिवेटिंग स्ट्रेस रिस्पॉन्स टू ट्रेकियल एक्सट्यूबेशन इन न्यूरोसर्जिकल पेशेंट्स : ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ टू इंफ्यूजन डोस ऑफ डेक्समेडेटोमिडाइन. जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस इन रूरल प्रैक्टिस 2017;8 : एस49–एस56.
7. बिन्दु बी, बिंद्रा ए, रथ जीपी. टेम्प्रेचर मैनेजमेंट अंडर जर्नल एनेस्थीसिया : कम्पलसेशन या ऑप्शन. जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी 2017;33(3) : 303–316.
8. अग्रवाल ए, महापात्रा एस, रथ जीपी, कपिल ए. एक्टिव सर्वालाइंस ऑफ हेल्थ केयर एसोसिएटिड इंफेक्शन्स इन न्यूरोसर्जिकल पेशेंट्स. जर्नल ऑफ क्लिनिकल एण्ड डायग्नोस्टिक रिसर्च **2017;11(7) : डीसी01–डीसी04.**
9. सोखल एन, रथ जीपी, चतुर्वेदी ए, सिंह एम एम, दाश एचएच. कम्पेरिजन ऑफ 20 परसेंट मैनिटॉल एण्ड 3 परसेंट हाइपरटॉनिक सेलाइन ऑन इंट्राक्रेनियल प्रेशर एण्ड सिस्टेमिक हिमोडायनेमिक्स. जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूरोसाइंस 2017;42 : 148–152.
10. हुडा बी, चौहान आरएस, रथ जीपी, सूरी ए, बिठ्ठल पीके, लैमसल आर. इफेक्ट ऑफ ट्रेनेक्सेमिक एसिड ऑन इंट्राऑपरेटिव ब्लड लॉस एण्ड ट्रांसफ्यूजन रिक्वायरमेंट्स इन पेशेंट्स अंडरगोइंग एक्सिएशन ऑफ इंट्राक्रेनियल मेनिनजियोमा. जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूरोसाइंस 2017;41 : 132–138.
11. सोखल एन, चतुर्वेदी ए, रथ जीपी, बाला आर. एयरवे ऑब्स्ट्रक्शन फ्लोइंग सर्वाइकल स्पाइन सर्जरी : ए डायग्नोस्टिक डिलेमा. जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी 2017;33(2) : 266–267.
12. मित्रा आर, रथ जीपी, दुबे एसके, हसीजा एन. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट इन ए पेशेंट ऑफ ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज विद एण्ड–स्टेज रीनल डिजीज अंडरगोइंग एंडोवेस्कुलर कूलिंग फॉर मल्टीपल इंट्राक्रेनियल एन्यूरिज्म. जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी क्लिनिकल फार्माकोलॉजी 2017; 33(2) : 256–258.
13. बाला आर, प्रभाकर एच, रथ जीपी. इंट्रा – लेशनल इथेनॉल इंजेक्शन इन लम्बर हिमेनजियोमा लीडिंग टू रीनल फेल्योर : ए रेयर कॉम्प्लीकेशन्स. जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थीसियोलॉजी 2017;29(3) : 374–375.
14. महाजन सी, रथ जीपी, बिठ्ठल पीके, महापात्रा ए. पेरिऑपरेटिव मैनेजमेंट ऑफ चिल्ड्रन विद जाइंट एनसेफेलोसेले : ए क्लिनिकल रिपोर्ट ऑफ 29 केस. जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थीसियोलॉजी 2017; 29 (3) : 322–329.

15. टेड सीसी, जियन एसजे, रथ जीपी, कैट केटी. रिपोर्ट ऑन द 5 कॉन्फ्रेंस ऑफ ए एशियन सोसाइटी फॉर न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर (एएसएनएसीसी) हेल्थ एट सिंगापुर. जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थीसियोलॉजी 2018; 5 : 39–41.
16. सोखल एस, रथ जीपी, सोखल एन, चौहान आरएस, सर्व हाइपरटेंशन विद डेक्समेडेटोमिडाइन इंफ्यूजन ड्यूरिंग अवेक क्रेनियोटॉमी. जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर 2018; 5 : 33–33.
17. बिठ्ठल पीके, रथ जीपी (संपादकीय). डाउन ऑफ ए न्यू एरा. जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर 2018; 5 : 1–2.
18. यादव आर, चावेली एसएस, चतुर्वेदी ए, रथ जीपी. पोस्टऑपरेटिव कॉम्प्लीकेशन्स इन पेशेंट्स अंडरगोइंग एंटीरियर सर्वाइकल डिससेक्टॉमी एण्ड फ्यूजन : ए रेट्रोस्पेक्टिव रिव्यू. जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर 2017; 4 : 170–174.
19. मित्रा आर, प्रभाकर एच, बिठ्ठल पीके, रथ जीपी. ए कम्पेरेटिव स्टडी बिटविन इंट्राऑपरेटिव लॉ डज केटामिन एण्ड डेक्समेडेटोमिडाइन एज एन एनेस्थेटिक एडजुवेंट इन लम्बर स्पाइन इंस्ट्रूमेंटेशन सर्जरी फॉर द पोस्टऑपरेटिव एनालजेसिक रिक्वायरमेंट. जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर 2017;4(2) : 91–98.
20. सिंह जीपी, रथ जीपी. रिपोर्ट ऑन न्यूरोसाइंस सीजन ड्यूरिंग द 16 वर्ल्ड कॉन्ग्रेस ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट (डब्ल्यूसीए 2016 हॉन्ग कॉन्ग). जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थीसियोलॉजी 2017; 29 (4) : 475–476.
21. तोमर जीएस, कपूर आई, महाजन सी, प्रभाकर एच. वोलेटाइल एनेस्थेटिक फॉर मैनेजमेंट ऑफ सुपर रिफ्रेक्टरी स्टेट्स एपिलेप्टिकस. इंडियन जे क्रिट मेड. 2017 मार्च;21(3) : 183.
22. मिश्रा आर के, महाजन सी, प्रभाकर एच, कपूर आई, बिठ्ठल पीके. इफेक्ट ऑफ नाइट्रस ऑक्सीडे ऑन बाइस्पेक्ट्रल इंडेक्स वेल्यूज़ एट इक्वि – मिनिमम एल्वियोलर कसंट्रेटेशन ऑफ सेवोफ्लुरेन एण्ड डिसफ्लुरेन. इंडियन जे एनेस्थे. 2017 जून;61(6) : 482–485.
23. सिंगला आर, शर्मा आर, मिश्रा एस,प्रभाकर एच. कंट्रालेटरल ब्रेकियल प्लेक्सस इंजरी फॉलोइंग रेट्रोमैस्टॉइड सबोसिप्टिल क्रेनियोटॉमी : ए रिपोर्ट एण्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर. न्यूरोल इंडिया. 2017 जुलाई – अगस्त; 65(4) : 864–866.
24. बाला आर, प्रभाकर एच, रथ जीपी. इंट्रालेशनल इथेनॉल इंजेक्शन इन लम्बर हिमेनजियोमा लीडिंग टू रीनल फेल्योर : ए रेयर कॉम्प्लीकेशन. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थीसियोल. 2017 जुलाई; 29(3) : 374–375.
25. खंडेलवाल ए, महाजन सी, समीरा वी, प्रभाकर एच, कपूर आई. इंट्रा ऑपरेटिव ब्लड प्रेशर डिसक्रेपेंसी बिटविन आर्म्स ड्यूरिंग प्रोन पॉजीशन!. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थीसियोल 2018 जनवरी; 30(1) : 80–81.
26. प्रभाकर एच, महाजन सी, कपूर आई. एनेस्थीसिया फॉर मिनीमैली इंवेसिव न्यूरोसर्जरी. क्यूर ओपिन एनेस्थिसियोल. 2017 जुलाई 5. डीओआई : 10.1097 / एसीओ.0000000000000499.
27. मिश्रा आर के, कपूर आई, महाजन सी,प्रभाकर एच. रिवर्सल ऑफ ट्रेंड इन नियर इंफ्रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एनआईआरएस) वैल्यूज़ इन ए पेशेंट विद कैरोटिड आर्टरी स्टेनोसिस. जे क्लिन एनेस्थ 2017;43 : 47.
28. प्रभाकर एच, कलाईवेनी एम. प्रोपोफॉल वर्सिस थियोपेंटल सोडियम फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ रिफ्रेक्टरी स्टेटस एपिलेप्टिकस. कोहरेन डेटाबेस ऑफ सिस्टेमिक रिव्यूज़ 2017 फरवरी 3;2 : सीडी009202.
29. सिंह एस, खंडेलवाल ए, रॉय एच, सिंह जीपी. ''अर्ली पोस्टऑपरेटिव कार्बेमेजेपाइन इंड्यूस्ड टेटेंनी इन ए पेशेंट विद ट्राइजेमिनल न्यूरेल्जिया''. जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल. 2018 (प्रेस में).
30. महाजन सी, रथ जीपी, सिंह जीपी, मिश्रा एन, सोखल एस, बिठ्ठल पीके. एफिकेसी एण्ड सेफ्टी ऑफ डेक्समेडेटोमिडाइन इंफ्यूजन फॉर पेशेंट्स अंडरगोइंग अवेक क्रेनियोटॉमी : एन ऑब्जेर्वेशनल स्टडी. सउदी जे एनेस्थ. 2018;12 : 235–239.
31. सिंह एस, खंडेलवाल ए, दत्ता डी, कौशल ए, सिंह जीपी. रिकरंट मेटाबोलिक एसिडोसिस ड्यूरिंग हाइ–डोस मिडेजोलैम थेरैपी फॉर रिफ्रेक्टरी स्टेटस एपिलेप्टीकस. इंडियन जे क्रिट केयर मेड. 2018; 22 : 119–121.
32. जैन वी, सिंह जीपी, चतुर्वेदी ए. रिपोर्ट ऑफ द न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट 2017, नई दिल्ली. जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर. 2018; 5 : 42–44.
33. कुमार एन, दुबे एसके, रॉय एच, सिंह जीपी, गुप्ता बीके. एस्पीरेशन ऑफ सर्व्ड ट्रेकियल ट्यूब : एन एनेस्थीसियोलॉजिस्ट नाइटमेयर . सउदी जे एनेस्थ. 2018;12 : 149–150.
34. कौशल ए, सिंह जीपी, सिंह एस, दुबे एसके. डिलेयड माइग्रेशन ऑफ कॉइल इनटू द नेसोफेरिंक्स फॉलोइंग इम्बोलाइजेशन ऑफ इंटर्नल केरोटिड आर्टरी स्यूडोएन्यूरिज्म : ए रेयर कॉम्प्लीकेशन. सउदी जे एनेस्थ. 2018;12 : 144–145.
35. सिंह जीपी, चौहान वी, कपूर आई, कुमार ए. अल्ट्रासाउंड – गाइडिड इंटर्नल जुगलर वेन कैनुलेशन : कैन एन आर्टरी बी मिस्ड? जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल. 2018; 34 : 130–131.
36. बिन्दु बी, सिंह जीपी, चौधरी टी, स्कैलर बी. राइनिटिस एण्ड स्लीप डिस्ऑर्ड्स : द ट्राइगेमिनोकार्डियक रिफ्लेक्स लिंक? मेड हाइपोथिसिस. 2017;103 : 96–99.
37. सिंह जीपी, चौधरी टी. ब्रेन एण्ड हार्ट कनेक्शन्स : द ट्राइगेमिनोकार्डियक रिफ्लेक्स! जे न्यूरोएनेस्थिसियोल क्रिट केयर. 2017;4 : 71–77.

38. दुबे एसके, पठनायक आर, अग्रवाल डी, सिंह जीपी. एक्यूट हिमोडायनेमिक डिस्ट्यूबेंस ड्यूरिंग पिट्यूटरी सर्जरी. इंट जे हेल्थ एलाइड साइं 2017; 6 : 197–8.
39. प्रभाकर एच, सिंह जीपी, कलाईवेनी एम, आनंद वी. मैनिटॉल वर्सिस हाइपरटोनिक सेलाइन फॉर ब्रेन रिलेक्शन इन पेशेंट्स अंडरगोइंग क्रेनियोटॉमी – ए कोहरेन सिस्टेमिक रिव्यू. जे. न्यूरोएनेस्थेसियोल क्रिट केयर. 2017;4 : 99–107.
40. चौधरी टी, बिन्दु बी, सिंह जीपी, स्कैलर बी. स्लीप डिस्ऑर्ड्स : इज द ट्राइजेमिनो – कार्डियक रिफ्लेक्स ए मिसिंग लिंक? फ्रंट न्यूरोल. 2017; 8 : 63. डीओआई : 10.3389/एफएनईयूआर.2017.00063.
41. खंडेलवाल ए, कौशल ए, सिंह जीपी, दुबे एसके. सक्शन कैथेटर एज ए क्रूसियल इन लॉस्ट ट्रेकियोस्टॉमी ट्रैक्ट सिचुएशन ड्यूरिंग परक्यूटेनियस ट्रेकियोस्टॉमी. साउदी जे एनेस्थ. 2017;11 : 129–130.
42. दुबे एसके, रॉय एच, सिंह जीपी, चतुर्वेदी ए. हिमोडायनेमिक डिस्टरबेंस ड्यूरिंग वॉटरटाइट ड्यूरल क्लोजर? मिंड द डायरेक्शन ऑफ सेलाइन इरिगेशन!!! साउदी जे एनेस्थ. 2017;11 : 122–3.
43. कुमार एन, कौशल ए, देव सोनी के, तोमर जीएस. ए रेयर केस ऑफ मैलपॉजिशन ऑफ सेंट्रल वेनस कैथेटर डिटेक्टिड बाय अल्टासोनोग्राफी – गाइडिड सेलाइन फ्लश टेस्ट. बीएमजे केस रिपे. 2017 जुलाई 6; 2017
44. लैमसल आर, मिश्रा आर के, कुमार एन. न्यूमोसेफेलस फॉलोइंग लम्बर स्पाइन सर्जरी : ए रेयर कॉज ऑफ डिलेयड एमर्जिंग फ्रॉम एनेस्थीसिया. जे न्यूरोएनेस्थ क्रिट केयर 2018 जनवरी; 05(1) : 30–2.
45. खंडेलवाल ए, सोखल एन, जेना बीआर. सर्व हाइपोग्लेसेमिया मिमिकगि रेरूड इंट्राक्रेनियल प्रेशर – ए वर्ड ऑफ कॉशन. न्यूरोल इंडिया 2017 मई–जून; 65(3) : 620–621.
46. खंडेलवाल ए, कपूर आई, प्रभाकर एच, महाजन सी. सबक्यूटेनियस हिमेटोमा फॉलोइंग सबक्यूटेनियस इम्फीसेमा : एन ऑकल्ट एसोसिएशन. इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन.2017;21 : 618–619.
47. तोमर जीएस, कपूर आई, महाजन सी, प्रभाकर एच. वोलेटाइल एनेस्थेटिक फॉर मैनेजमेंट ऑफ सुपर–रिफ्रेक्टरी स्टेटस एपिलेप्टिकस. इंडियन जर्नल ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन. 2017;21 : 183.
48. खंडेलवाल ए, महाजन सी, समरीन वी, प्रभाकर एच, कपूर आई. इंट्राऑपरेटिव ब्लड प्रेशर डिस्क्रेपेंसी बिटविन आर्म्स ड्यूरिंग प्रोन पॉजीशन जे न्यूरोसर्ज एनेस्थीसियोल 2018;30 : 80–81.
49. खंडेलवाल ए, कपूर आई, गोयल के, सिंह एस, जेना बी आर न्यूमोथोरैक्स ड्यूरिंग ट्रेकियोस्टॉमी – ए ब्रीफ रिव्यू ऑफ लिटरेचर ऑन आर्टिब्यूटेबल कॉज एण्ड प्रीवेंटेबल स्ट्रेटजिस. एनेस्थीसियोल इंटेंसिव थेर. 2017;49 : 317–319.
50. तोमर जीएस, नंद कुमार केपी, चौहान वी, दुबे एसके. एन इजी एण्ड फेसिएबल वे ऑफ कंफर्मिंग करेक्ट प्लेसमेंट ऑफ वेंट्रिकुलोआर्टिरियल शंट इंट्राऑपेरेटवेली. जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल 2018;34 : 127–8.
51. मित्रा आर, रथ जीपी, दुबे एसके, हसिजा एन. एनेस्थेटिक मैनेजमेंट इन ए पेशेंट ऑफ ऑटोसोमल डोमिनेंट पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज विद एंड स्टेज रीनल डिजीज अंडरगोइंग एंडोवेस्कुलर कोलिंग फॉर मल्टीपल इंट्राक्रेनियल एन्यूरिज्म. जे एनेस्थिसियोल क्लिन फार्माकोल 2017;33 : 256–8.

पत्रिकाओं में प्रकाशित सार :

1. बिन्दु बी, पांडिया एम, सिंह जी. नाइट्रस ऑक्साइड एनेस्थीसिया ऑन लेंथ ऑफ आईसीयू एण्ड हॉस्पीटल स्टे इन पेशेंट्स अंडरगोइंग सेरेबेलोपोंटाइन ट्यूमर सर्जरी : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल, 2017; 29 : 524.
2. भारद्वाज डी, प्रभाकर एच, महाजन सी, कपूर आई. सेरेब्रल हाइपर परफ्यूजन सिंड्रोम आफ्टर एक्सटर्नल कैरोटिड आर्टरी मिडल सेरेब्रल आर्टरी बाइपास जाइंट एन्यूरिज्म : ए केस सीरिज. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल 2017; 29 : 517.
3. प्रभाकर एच, मिश्रा आर, महाजन सी, कपूर आई. पेरिऑपरेटिव मैनेजमेंट ड्यूरिंग प्लेसमेंट ऑफ फ्लो डाइवर्ट्स इन इंट्राक्रेनियल एन्यूरिज्म : ए क्लिनिकल रिपोर्ट. जे. न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल 2017;29 : 532.
4. प्रभाकर एच, कपूर आई, महाजन सी, बिठ्ठल पीके. ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर रिस्पॉन्स टू एड–टाइडल कार्बन डिऑक्सीडे कंसेंट्रेशन इन पेशेंट्स अंडर जनल एनेस्थीसियोल 2018; 30 : 93.
5. प्रभाकर एच, खंडेलवाल ए, कपूर आई, महाजन सी, बिठ्ठल पीके. इफेक्ट ऑफ पीक एण्ड – एक्सपीरेटरी प्रेशन ऑन ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर इन पीडियाट्रिक पेशेंट्स विद ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी जे न्यूरोसर्ज एनेस्थिसियोल 2018; 30 : 99.
6. बिन्दु बी, बिंद्रा ए, कौशल ए, प्रभाकर एच, चतुर्वेदी ए. न्यूरोप्रोटेक्टिव रोल ऑफ डेक्समेडेटोमिडाइन इन एपिलेप्सी सर्जरी : ए प्रीलिमिनरी स्टडी. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थीसियोल 2018;30 : 100.
7. बिन्दु बी, बिंद्रा ए, रथ जीपी, प्रभाकर एच, कुलकर्णी एसएस, कुमार एस. प्रैक्टिकल इशूज़ इन एनेस्थीसिया : ए नेशनवाइड सर्वे इन इंडिया. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थीसियोल 2018;30 : 103.

8. गुप्ता यू, बीर एम, पटेल एसके, सिंह ए, नेतम आर, सिंह एम एम, टंडन वी, सावरकर डीपी, मेहता एन, रथ जीपी, जरयाल एके. हाइ फ्रीक्वेंसी मोनोपोलर स्टिमुलेशन प्रोटोकॉल इज बैटर दैन डिपोलर स्टिमुलेशन फॉर इंट्राऑपरेटिव आइडेंटीफिकेशन ऑफ मोटर कॉर्टेक्स ड्यूरिंग न्यूरोसर्जरी. गुप्ता यू, बीर एम, पटेल एसके, सिंह ए, नेतम आर, सिंह एम एम, टंडन वी, सावरकर डीपी, मेहता एन, रथ जीपी, जरयाल एके. इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी 2017;61 (5) (पूरक) : 133.
9. बीर एम, गुप्ता यू, पटेल एसके, नेतम आर, सिंह ए, केडिया एस, बोरकर एस, काले एसएस, चंद्रन डी, रथ जीपी, जरयाल एके. डी वेव इस बैटर दैन टीसीएमईपी (ट्रांसलेशनल मोटर इवोक्ड पोटेंशियल) फॉर इंट्राऑपरेटिव मॉनिटरिंग ऑफ मोटर ट्रैक्ट ड्यूरिंग न्यूरोसर्जरी ऑफ स्पाइन. इंडियन जर्नल ऑफफिजियोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी2017;61(5)(पूरक) : 49.
10. खंडेलवाल ए, चौहान वी, सिंह जीपी, रथ जीपी. रेट्रोस्पेक्टिव एनालाइसिस ऑफ पेरिऑपरेटिव फैक्टर्स अफेक्टिंग आउटकम इन चिल्ड्रन विद सर्वाइकल स्पाइन इंजरी. जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर 2018; 5 : एस5–एस6.
11. बिन्दु बी, पांडिया एम, सिंह जी. द इफेक्ट ऑफ सेवोफ्लोरेन – एयर वर्सिस–नाइट्रस ऑक्सीडे एनेस्थीसिया ऑन लेंथ ऑफ आईसीयू एण्ड हॉस्पीटल से इन पेशेंट्स अंडरगोइंग सेरेबेलोपोंटिन ट्यूमर सर्जरी – ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थीसियोल. 2017;29 : 524–25.
12. खंडेलवाल ए, गोयल के., हजारिका ए,सोखल एन, बिंद्रा ए, कुमार एन, रथ जीपी, बिट्ठल पी. नॉन – न्यूरोसर्जिकल कॉम्प्लीकेशन्स इन ट्रॉमेटिक न्यूरोसर्जिकल आईसीयू पेशेंट्स : ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्ज़र्वेशनल स्टडी. जेएनएसीसी वर्ष : 2017 वॉल्यूमः 4इशू सं. : (4पेज) : 88–116 .
13. कौशल, ए. बिंद्रा ए, कुमार एन, गोयल के, रथ जीपी. इवेल्यूएशन ऑफ प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स ऑफ आउटकम इन सेवियर ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी पेशेंट्स फॉलोइंग डिकम्प्रेसिव क्रेनिक्टॉमी. जेएनएसीसी 2017;4(4) : 88–116. वर्ष : 2017 वॉल्यूम : 4 इशू सं.: 4 पेज : 88–116.
14. गोयल के, तोमर जीएस, हजारिका ए, सोखल एन, बिंद्रा ए. नॉन – न्यूरोसर्जिकल कॉम्पलीकेशन्स इन ट्रॉमेटिक न्यूरोसर्जिकल आईसीयू पेशेंट्स : ए प्रॉस्पेक्टिव ऑब्ज़र्वेशनल स्टडी. ऑब्स्ट्रैक्ट्स फ्रॉम द न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ ग्रीट ब्रिटेन एण्ड आयरलैंड्स एनुअल साइंटिफिक मीटिंग – लंदन. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थीसियोल. 2017;30 : 91–103.
15. दंडा ए, धकल आर, बिंद्रा ए, सिंह जीपी, रथ जीपी, गुप्ता डी, माथुर पी. पीडियाट्रिक ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी : न्यूरोरेटिनोटेंसिव केयर मैनेजमेंट इन ए टर्शरी केयर ट्रॉमा सेंटर. 5वां कॉन्ग्रेस ऑफ एशियन सोसाइटी फॉर न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर।
16. बिन्दु बी, बिंद्रा ए, रथ जीपी, प्रभाकर एच, कुलकर्णी एसएस, कुमार एस. प्रैक्टिकल इशू इन एनेस्थीसिया : ए नेशनवाइड सर्वे इन इंडिया. ऑब्स्ट्रेक्ट फ्रॉम द न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड क्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एण्ड आयरलैंड्स एनुअल साइंटिफिक मीटिंग – लंदन. जे न्यूरोसर्ज एनेस्थीसियोल 2017;30 : 91–103.
17. सिन्हा एस, रहेजा ए, सैमसन एन, गोयल के, भोई एस, सेल्वी ए, शर्मा पी, शर्मा बीएस. ए रैंडोमाइज्ड प्लासेबो – कंट्रोल्ड ट्रायल ऑफ प्रोग्रेस्टेरॉन विद और विदआउट हाइपोथर्मिया इन पेशेंट्स विद एक्यूट सर्व ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. न्यूरोल इंडिया 2017 नवम्बर – दिसम्बर; 65(6) : 1304–1311.
18. तोमर जीएस, कुमार एस, गोयल के, चतुर्वेदी ए. चाइल्ड विद एडवर्ड सिंड्रोम फॉर रेडियोलॉजिकल प्रोसीजर : एन एनेस्थेटिक चैलेंज. साउदी जे. एनेस्थ. 2017 अक्तूबर – दिसम्बर; 11(4) : 500–501.
19. खंडेलवाल ए, कपूर आई, गोयल के, सिंह एस, जेना बीआर. न्यूमोथोरेक्स ड्यूरिंग परक्यूटेनियस ट्रेकियोस्टॉमी – ए ब्रीफ रिव्यू ऑफ लिटरेचर ऑन आर्टिब्यूटेबल कॉज एण्ड प्रीवेंटेबल स्ट्रेटजिस. एनेस्थीसियासेल इंटेंसिव थेर.2017;.49(4) : 317–319.
20. गोयल के, सिंह के, मित्रा आर, तोमर जीएस, नोवल यूज ऑफ ट्रांसोइसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी इ ए प्रेगनेंट पेशेंट अंडरगोइंग न्यूरोसर्जरी. इंडियन जे. एनेस्थ. 2017 अगस्त; 61(8) : 681–682.

पुस्तकों में अध्याय :

1. प्रभाकर एच, न्यूरोसर्जरी, जुदिथ डिन्समोरे एण्ड जेरेमी कैशमैन, ली सिनोप्सिस ऑफ एनेस्थीसिया, 14वां एडिशन, एल्सेवियर, 2017.
2. रथ जीपी, लैमसल आर, इंट्राक्रेनियल प्रेशर, त्रिखा ए, सिंह पीएम, मॉनिटरिंग इन एनेस्थीसिया एण्ड पेरिऑपरेटिव केयर, 1वां एडिशन, नई दिल्ली, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लीशर्स (पी.) लि., 2018, पीपी 224–233.
3. रथ जीपी, लैमसल आर, मैनेजमेंट ऑफ पेशेंट विद सीवीए : रोल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस, दास बीके, दास एस, एनेस्थीसिया अपडेट बुक, 2इंड एडिशिन, कोलकाता, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लीशर्स (पी.) लि., 2017, पीपी 174–178.
4. रथ जीपी, चौहान वी, नेलसन सिंड्रोम, फ्लेशियर एल, रोजेन एमएफ, रोजन जेडी, एसेंस ऑफ एनेस्थीसिया, 4 एडिशन, फिलेडेलफिया, एल्सेवियर सॉन्डर्स, 2017, पीपी 294–294.
5. रथ जीपी, पीडियाट्रिक न्यूरोएनेस्थीसिया, प्रभाकर एच, इनीशियल्स ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया, 1 एडिशन, सैन डिएगो, एल्सेवियर एकैडमिक प्रेस, 2017, पीपी 629–639.

6. यश जवेरी, आशुतोष कौशल, आशीष बिंद्रा. ट्रॉमा मैनेजमेंट इन रिर्सोस – लिमिटेड इंटेंसिव केयर यूनिट. क्रिटिकल केयर अपडेट 2018.
7. चारू महाजन, हिमोडायनेमिक वेरिएंशन, हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 123–128.
8. चारू महाजन, सेरेब्रेलेन्यूरिज्म, हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 281–282.
9. चारू महाजन, ऑप्टिकल एंसेफेकोले, हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 299–300.
10. हिमांशु प्रभाकर, इंदु कपूर, चारू महाजन, हिमांशु प्रभाकर, न्यूरोमॉनिटरिंग टेक्निक्स, फर्स्ट एडिशन, सैन डिएगो, यूएसए, एल्सेवियर इंक., 2017, पीपी 22–25.
11. इंदु कपूर, एनेस्थेटिक एजेंट : इंट्रावेनस, हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 456–479.
12. इंदु कपूर, एनेस्थेटिक एजेंट्स : इंहेलेटेशनल, हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 480–502.
13. इंदु कपूर, ब्रेन एबसेस (केस स्पेसिफिक मैनेजमेंट), हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 736–741.
14. इंदु कपूर, केरोटिड एंजियोप्लास्टी (केस स्पेसिफिक मैनेजमेंट), हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 742–746.
15. इंदु कपूर, क्रेनियोसिनोटॉसिस (केस स्पेसिफिक मैनेजमेंट), हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 764–767.
16. इंदु कपूर, एपिलेप्सी सर्जरी (केस स्पेसिफिक मैनेजमेंट), हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 768–772.
17. इंदु कपूर, एक्स्ट्राड्यूल हिमेटोमा (केस स्पेसिफिक मैनेजमेंट), हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 773–777.
18. इंदु कपूर, लम्बर मेनिनजियोमाइलोसेले (केस स्पेसिफिक मैनेजमेंट), हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 778–781.
19. इंदु कपूर, सबड्यूरल हिमेटोमा (केस स्पेसिफिक मैनेजमेंट), हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 808–812.
20. इंदु कपूर, सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर (केस स्पेसिफिक मैनेजमेंट), हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एनीशिसल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, भारत, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, पीपी 813–817.
21. हिमांशु प्रभाकर, इंदु कपूर, चारू महाजन, इंट्रोडक्शन, हिमांशु प्रभाकर, न्यूरोमॉनिटरिंग टेक्निक्स, फर्स्ट एडिशन, सैन डिएगो, यूएसए, एल्सेवियर इंक., 2017, पीपी 22–25.
22. वरुण जैन, फाल्गुनी साह, अवेक क्रेनियोटॉमी, डॉ. डी के बहेती, डॉ. राजश्री देवपुजारी एण्ड डॉ. फाल्गुनी शाह, प्रैक्टिकल टिप्स : न्यूरोएनेस्थीसिया, फर्स्ट एडिशन, मुम्बई और नई दिल्ली, द नेशनल बुक डिपो सीबीएस पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि., 2018, पीपी, 58–64.

पुस्तकें और मोनोग्राफ

1. हिमांशु प्रभाकर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द इनीशियल्स, फर्स्ट एडिशन, बोका रैटॉन (फ्लोरिडा), टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, 2017.
2. हिमांशु प्रभाकर, इनीशियल्स ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया, फर्स्ट एडिशन, सैन डिएगो (कैलिफोर्निया), एल्सेवियर इंक., 2017.
3. हिमांशु प्रभाकर, न्यूरोमॉनिटरिंग टेक्निक्स, फर्स्ट एडिशन, सैन डिएगो (कैलिफोर्निया), एल्सेवियर इंक., 2017.
4. हिमांशु प्रभाकर, पीडियाट्रिक न्यूरोएनेस्थीसिया, फर्स्ट एडिशन, नई दिल्ली, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2018.
5. सिंह जीपी, न्यूरोएम्ब्रियोलॉजी, हिमांशु प्रभाकर, एसेंसियल्स ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया, फर्स्ट एडिशन, लंदन, यूके, एल्सेवियर, 2017, 41–50.

6. बिठ्ठल पीके और गोयल के, पैरॉक्सीमल सिंथेटिक हाइपरएक्टिविटी (पीएसएच) फॉलोइंग एक्यूट एक्वायर्ड ब्रेन इंजरी : इंज एच. खान (संपा.), चैलेंजिंग टॉपिक्स इन न्यूरोएनेस्थीसिया एण्ड न्यूरोक्रिटिकल केयर, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग स्विट्जरलैंड फर्स्ट एडिशन,.
7. हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एसेंसियल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, 1–1266.
8. हिमांशु प्रभाकर, चारू महाजन, इंदु कपूर, मैनुअल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया – द एसेंसियल्स, फर्स्ट एडिशन, दिल्ली, टेलर एण्ड फ्रांसिस, सीआरसी प्रेस, यूएसए, 2017, 1–1266.

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आचार्य अरविंद चतुर्वेदी को अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोवेस्कुलर ड्रग्स का समीक्षक चुना गया था; सुल्तान क्वाबुस यूनिवर्सिटी मेडिकल जर्नल (एसक्यूयूएमजे), ओमान के समीक्षाकर्ता; जनवरी 2018 में मुंबई में आईएसएनएसीसी की वार्षिक बैठक में अध्यक्ष प्रतिष्ठित प्रोफेसर गोड का भाषण; आईएसएनएसीसी के कार्यकारी परिषद सदस्य के रूप में जारी कार्य किया।

आचार्य एम. पी. पांडिया ने भारत में क्रैनियोपैगस सर्जरी के पहले मामले के सफल समापन हेतु न्यूरोनेस्थीसिया और गहन देखभाल के लिए टीम का नेतृत्व किया, जहां दोनों बच्चे बचाए गए।

आचार्य आर एस चौहान ने टाटा मेमोरियल इंस्टीट्यूट, मुंबई में **2** दिसंबर **2017** को आयोजित ''कठिन सांस के रास्ते'' पर टीएमसी (टाटा मेमोरियल सेंटर) राष्ट्रीय सम्मेलन में शीर्षक ''सक्सेसफुल मैनेजमेंट ऑफ लाइफ ट्रीटिंग एयरवे ऑब्स्ट्रक्शन कॉज बाय रेपिडली एनालार्जिक जाइंट डिसेक्टिंग स्यूनोडोएन्यूरिज्म ऑफ केरोटिड आर्टरी'' पर प्रथम पुरस्कार पोस्टर जीता।

आचार्य गिरिजा प्रसाद रथ ने वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, यूएसए से संकाय के सहयोग से "एम्स टीसीडी कार्यशाला" का आयोजन किया। वैज्ञानिक समिति के आयोजन के सदस्य के रूप में 'एम्स न्यूरो एनास्थेसिया अपडेट 2017' के लिए सक्रिय रूप से योगदान दिया; एनेस्थीसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (एसएनएसीसी, यूएसए) में न्यूरोसाइंस के लिए सोसाइटी ऑफ कम्युनिकेशंस कमेटी के सदस्य के रूप में मनोनीत; सहायक संपादक, एसएनएसीसी न्यूजलेटर के रूप में भी नामांकित; कार्यकारी संपादक, जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थीसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर (जेएनएसीसी) के पद, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया (आईजेए), नॉर्दन आईएसए जर्नल (एनजेआईएसए), द इंडियन एनेस्थियोसिस्ट्स फोरम, और वर्ल्ड जर्नल ऑफ एनेस्थीसियोलॉजी (डब्ल्यूजे), इंडियन जर्नल ऑफ क्लीनिकल एनेस्थीसिया (आईजेसीए) के सहयोगी संपादक, और वेब संपादक, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थीसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के रूप में कार्य करना जारी रखा; एनेस्थीसिया एसेज़ एंड रिसर्चेस (एईआर) और एनेस्थेसियोलॉजी एंड पेन मेडिसिन (एएपीएम) के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड सदस्य और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं जैसे कि मिरर्वा एनेस्थीसियोलिका, जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थीसियोलॉजी, न्यूरोक्रिटिकल केयर, और जर्नल क्लिनिकल एनेस्थीसिया के सहकर्मी–समीक्षक के रूप में कार्य करना जारी रखा; मृत अंग और ऊतक दान के लिए नर्स और रेसीडेंट डॉक्टरों के सेवा में प्रशिक्षण कार्यक्रम (ओआरबीओ, एम्स द्वारा आयोजित) में शामिल होना जारी रखा (कोर संकाय); अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक घटनाओं जैसे कि कुचिंग, सरवाक, मलेशिया में न्यूरोरोसर्जरी (सन 2018) के लिए न्यूरोएनेस्थीसिया सिंपोजियम (एनएएस 2017) और सरवाक अल्ट्रासाउंड; और सिंगापुर में एशियाई सोसायटी फॉर न्यूरोनेस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर (एएसएनएसीसी 2017) के लिए वैज्ञानिक बैठक में आमंत्रित वक्ता; भारत में पहली सफल क्रैनोपागस (जुड़वां) अलगाव सर्जरी के पेरीऑपरेटिव प्रबंधन में योगदान के लिए निदेशक, एम्स, नई दिल्ली द्वारा सम्मानित किया गया।

आशीष बिंद्रा ने 28 जुलाई 2017 को कैडवेरिक प्रशिक्षण और अनुसंधान सुविधा, जेपीएनए ट्रामा सेंटर, नई दिल्ली में कैडवेरिक इंटरवेन्शनल पेन मैनेजमेंट वर्कशॉप का आयोजन किया।

नीरज कुमार एटीएलएस, एएनएलएस, एम्स–ईएम–सोनो, एयूटीएलएस कोर्स के प्रशिक्षक (संकाय); जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में कैडवेरिक एयरवे मैनेजमेंट कोर्स (17 अक्टूबर 2014) के पाठ्यक्रम निदेशक थे।

केशव गोयल ने मार्च 2018 को क्लीवलैंड क्लिनिक, ओहियो, यूएसए के पर्यवेक्षक के रूप में न्यूरोलॉजिकल गहन देखभाल का दौरा किया गया था; एम्स उन्नत जीवन देखभाल सहायता (एसीएलएस); सितंबर 2015 में जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में प्रारंभिक पाठ्यक्रम के मूल संकाय के सदस्य; जेपीएनएटीसी, नई दिल्ली में अक्टूबर 2017 और मार्च 2018 को दूसरे और तीसरे एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस) के पाठ्यक्रम निदेशक; एम्स में मस्तिष्क स्टेम मृत को प्रमाणित करने के लिए स्वतंत्र

विशेषज्ञ स्थिति प्राप्त की (ओआरबीओ/सीएनसी/2016/4878/3 अगस्त 2016); एम्स न्यूरो एनेस्थेसिया अपडेट 2017 की आयोजित समिति; दूसरी और तीसरी कैडवेरिक डिफिकल्ट एयरवे कार्यशाला; दूसरी कैडवेरिक क्रोनिक पैन कार्यशाला; दूसरी (7–8 अक्तूबर) और तीसरी (25–26 जनवरी), एम्स न्यूरोलॉजिकल लाइफ सपोर्ट (एएनएलएस) : पाठ्यक्रम निदेशक और समन्वयक; एएनटीसी **2017** के दौरान न्यूरोमॉनिटरिंग कार्यशाला के कार्यकारी सदस्य।

नवदीप सोखल ने सफलतापूर्वक 28 जुलाई 2017 को एक कार्यशाला समन्वयक के रूप में कैडवेरिक पेन कार्यशाला का आयोजन किया।

सूर्य कुमार दुबे ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया और जेएएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली के सभी संकायों में रोगी देखभाल के दौरान उचित प्रदर्शन के लिए ''हाथों की स्वच्छता चैंपियन'' के रूप में सम्मानित किया गया और एएचए एसीसी बीएलएस / एसीएलएस पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षक बन गए।

तंत्रिका जैव रसायन प्रभाग

विशेषताएं स्नातकोत्तर

एक छात्र और एक पीएचडी छात्र की अपनी, शोध प्रबंध जारी हैं; नैदानिक प्रभाग में बीआरसीए स्क्रीनिंग (3 संस्थापक उत्परिवर्तन) के नए नैदानिक परीक्षण प्रस्तुत किया; तंत्रिका जैव रसायन प्रभाग में रोगियों में निदान और रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार किया गया है; ईजीजी–पाठशाला, एक एमएचआरडी, आईसीटी (एनएमई–आईसीटी) के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन स्नातकोत्तर स्तर पर ई–सामग्री विकसित करने के लिए जीव भौतिकी विषय के लिए एक सामग्री प्रदाता के रूप में भाग लिया जो भारत में शिक्षा प्रणाली में सुधार करने में मदद करेगा; आचार्य जी के के साथ राष्ट्रीय कैंसर संस्थान – भारत, झज्जर परिसर, एम्स के समन्वयक रथ; झज्जर परिसर, एम्स में राष्ट्रीय तंत्रिका विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लेते हैं।

शिक्षा

सिद्धांत के साथ–साथ व्यावहारिक कक्षाएं : एमबीबीएस; एमएससी; एमडी; एमएससी (जैव प्रौद्योगिकी); पराचिकित्सा शिक्षण।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / कार्यशालाएं / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन :

कोई नहीं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिए गए व्याख्यान :

अशोक शर्मा (6)

1. भारत केंद्रित कैंसर के प्रारंभिक जांच के लिए प्रोजेस्टोस्टिक और डायग्नोस्टिक बायोमाकर और साइबर मूल संरचना आधारित कैंसर टेस्टिस / जर्मलाइन का विकास करना, ईडीआरएनओ अवसर, प्राथमिकताएं और सहयोग 10वीं ईडीआरएन वैज्ञानिक कार्यशाला, 6–8 मार्च 2018, बेथेस्डा, यूएसए।
2. त्वरित जीवविज्ञान 2018 : डिजिटाइजिंग जीवन पर एपिजेनिक परिवर्तन और कैंसर टेस्टिस / जर्मलाइन पीओईटी एंटीजन सक्रियण एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर, संगोष्ठी, 9–11 जनवरी 2018, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी–डैक), पुणे विश्वविद्यालय।
3. एपिजेनेटिक्स और कैंसर, अतिथि व्याख्यान, 26 अप्रैल 2017, ट्रांसलेशन स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (टीएचएसटीआई), गुड़गांव, हरियाणा।
4. ओवेरियन कैंसर के लिए बायोमार्कर और इम्यूनोथेरैप्यूटिक लक्ष्य के रूप में जीनोम–वाइड डीएनए मिथाइलेशन और जीनोमिक अस्थिरता प्रोफाइलिंग और इसकी संभावित मूल्यांकन, 7वां रामलिंगास्वामी कॉन्क्लेव, 29–31 अगस्त 2017, जैव संसाधन और सतत विकास संस्थान (आईबीएसडी), इम्फाल, मणिपुर।
5. भारतीय स्वास्थ्य नीतियां (सार्वजनिक चर्चा में भागीदार), हेल्थकेयर कॉन्क्लेव, 14 नवंबर 2017, नई दिल्ली।
6. एपिजेनेटिक्स का परिचय (पूर्ण व्याख्यान), जैव रसायन विभाग, फेस्ट–बायोस्पार्क 2017, 25 अक्तूबर 2017, देशबंधु कॉलेज, दिल्ली।

मौखिक पत्र और पोस्टर प्रस्तुति की सूची :

कोई नहीं

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. ओवेरियन कैंसर के लिए बायोमार्कर और इम्यूनोथेरैप्यूटिक लक्ष्य के रूप में जीनोम–वाइड डीएनए मिथाइलेशन और जीनोमिक अस्थिरता प्रोफाइलिंग और इसकी संभावित मूल्यांकन, डीबीटी – रामलिंगास्वामी परियोजना, 5 वर्ष, 2015–2020, 32,50,000 रुपए।
2. ओवेरियन कैंसर में पेरिसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर–टेस्टिस / जर्मलाइन एंटीजन पीओईटी अभिव्यक्ति में एक एपिजेनेटिक नियामक के रूप में परमाणु वास्तुकला, अशोक शर्मा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, 3 वर्ष, 2017–2020, 55 लाख रुपए।
3. एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर में बायोमार्कर के रूप में कैंसर–टेस्टिस एंटीजन पीओईटी के सीरम स्तर का अनुमान लगाएं, डॉ अशोक शर्मा, एम्स आंतरिक अनुदान, 2 वर्ष, 2016–2018, 10 लाख रुपए।

पूर्ण

कोई नहीं

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस / शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पीओटीईई की क्लोनिंग और कार्यात्मक विश्लेषण।
2. डिम्बग्रंथि कैंसर में कैंसर–टेस्टिस / जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी का कार्यात्मक विशेषता, अभिव्यक्ति, और नैदानिक महत्व।

पूर्ण

1. ओवेरियन कैंसर में कैंसर–टेस्टिस / जर्मलाइन जीन पीओटीईई के अभिव्यक्ति में डीएनए मिथाइलेशन का प्रभाव।
2. एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर में पीओटीईबी अभिव्यक्ति पर डीएनए मिथाइलेशन प्रभाव।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ओवेरियन कैंसर में डीएनए मिथाइलेशन के साथ सिप्लेटिन संवेदनशीलता और सहसंबंध में पीएआरपी1 और गामा–ग्लूटेमाइलेस्टाइन सिंथेटिस की भूमिका। आईआरसीएच, एम्स।
2. रिह्यूमेटिड आर्थराइटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव। शरीर रचना विज्ञान।
3. कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स में ट्यूबरक्यूलर मेनिनजाइटिस रोगियों के उपचार में ल्यूकोट्रियन ए 4 हाइड्रोलेस जीन पॉलिमॉर्फिज्म और नैदानिक परिणाम सहसंबंध की भूमिका। तंत्रिका विज्ञान।
4. वृद्ध भारतीयों में एक कार्बन चयापचय और संज्ञानात्मक हानि। जराचिकित्सा।
5. संज्ञानात्मक हानि के लिए बायोमार्कर के रूप में पुराने रोगियों के बीच नोवल प्रोटीन का अनुमान। जराचिकित्सा।

पूर्ण

1. ट्रोफोब्लास्ट इनवेशन में पेरियोक्सीसोम प्रोलिफेरेटर सक्रिय रिसेप्टर अल्फा ("पीआर–अल्फा) की भूमिका। जैव रसायन।

प्रकाशन

कोई नहीं

पुस्तकों में अध्यायों की सूची

कोई नहीं

रोगी उपचार

तंत्रिका जैव रसायन प्रभाग अपने रोगियों के विकारों का सर्वोत्तम संभव निदान प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था। प्रभाग तंत्रिका विज्ञान में सुपर स्पेशलिटी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और विशेष नैदानिक परीक्षण करके रोगी देखभाल की सुविधा प्रदान करता है, तथा नवीनतम लोगों को जोड़ने की तलाश में रहता है। हमारी नैदानिक प्रयोगशाला एम्स

में सबसे अच्छी प्रयोगशालाओं में से एक है, और नवीनतम उपकरणों जैसे जैव रसायन, आण्विक–जेनेटिक आमापन, हार्मोन आमापन, चिकित्सकीय दवा निगरानी, ऑटोम्यूनिटी पैनल, हिमेटोलॉजी, कोएगुलेशन अध्ययन और सेंगर सिक्वेंसर के लिए पूरी तरह से स्वचालित विश्लेषकों से सुसज्जित है। तंत्रिका जैव रसायन प्रयोगशाला तंत्रिका विज्ञान केन्द्र के साथ–साथ एम्स के अन्य विभागों के रोगियों और बाह्य रोगियों को भी प्रदान करती है। प्रयोगशाला नैदानिक रसायन शास्त्र, हिमेटोलॉजी, कोगुलेशन, हार्मोन, एलिसा को केटेकोलेमाइन, इम्यून आमापन और ग्लाइकोसाइलेटेड हीमोग्लोबिन के लिए विशेष नैदानिक परीक्षणों के साथ रक्त संग्रह और परीक्षण करता है, न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर रोगियों के लिए आवश्यक है। प्रयोगशाला गुणवत्ता आश्वासन विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं के लिए बाहरी गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम में भाग लेती है। 2017–18 में किए गए नैदानिक परीक्षण की संख्या के रूप में संलग्न हैं।

वार्षिक नैदानिक परीक्षण विवरण

हार्मोन –

क्र. सं.	विवरण	परीक्षण की सं.
1	टी3	9,000
2	टी4	9,000
3	टीएसएच	10,800
4	प्रोलेक्टिन	1,800
5	कोर्टिसोल	1,500
6	एलएच	1,200
7	एफएसएच	1,200

दवाएं

क्र. स.	विवरण	परीक्षण की सं.
1	फीनीटोइन	1,500
2	वेलपोरेट	1,680
3	फीनोबाबिटोन	300
4	कार्बेमेजेपिन	1,200

विशेष परीक्षण

क.

क्र. सं.	विवरण	परीक्षण की सं.
1	विटामिन बी12	4,800
2	वीआईटीडी	3,630
3	फोलेट	3,000
4	होमोसिस्टेइन	1,800
5	फेरिटिन	1,200
6	सेरुलोप्लाज्मिन	280
7	सीरम कॉपर	240
8	यूरीन कॉपर	200
9	एसीएचआर	180
10	ओसीबी	250
11	न्यूरॉनल एंटीजन प्रोफाइल	180
12	गैंगलियोसाइड प्रोफाइल	96
13	केटेकोलेमाइन्स	**120**
14	वीएमए	428

15	एचबीएआईसी	8318
16	एनएमओ	576
17	टीपीएमटी आमापन	96

ख. जेनेटिक टेस्ट–डीएक्स 3500 सीक्वेंसर**

क्र. सं.	विवरण	परीक्षण की सं.
1	एससीए, एमएनडी–एएलएस, सीएएच,	160
2	एमएनडी, स्ट्रोक, एएमएल	456
3	बीआरसीए प्रोफाइलिंग (3 संस्थापक उत्परिवर्तन)	20

** एमएलपीए आधारित न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर जीन पैनल और कैंसर बायोमाकर डायग्नोस्टिक प्रक्रिया के तहत जल्द ही शुरू हो जाएगा।

परियोजना :

क्र. सं.	विवरण	परीक्षण की सं.
1	विटामिन बी12	7500
2	फेरिटिन	7500
3	फोलेट	7500
4	विटामिन डी	9000

(ख) सामुदायिक सेवाएं / शिविर आदि : लागू नहीं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1. *वीआरएलएस बोर्ड कक्ष, एम्स, नई दिल्ली में 11 नवंबर 2017 को आयोजित प्लेटलेट गतिविधि पर राष्ट्रीय कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक सलाहकार पुरस्कार।*
2. *इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी के आजीवन सदस्य (2018).*
3. *इंडियन डीएनए सोसाइटी के आजीवन सदस्य (2018).*
4. *ईपीजी–पाठशाला, एक एमएचआरडी, आईसीटी (एनएमई–आईसीटी) उद्यम के माध्यम से शिक्षा पर राष्ट्रीय मिशन में बायोफिजिक्स विषय के लिए एक सामग्री प्रदाता के रूप में भाग लेना।*
5. *सत्र, प्लेटलेट गतिविधि पर राष्ट्रीय कार्यशाला की अध्यक्षता, 11 नवंबर 2017, वीआरएलएस बोर्ड कक्ष, एम्स, नई दिल्ली।*

अतिथि वैज्ञानिक

कोई नहीं

नैदानिक तंत्रिका मनोरोग विज्ञान

विशेषताएं

क्लिनिकल न्यूरासाइकोलॉजी (सीएनपी), न्यूरोसाइंसेस सेंटर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली। यह सब सम्मानित वरिष्ठ नागरिकों, सहयोगियों और एम्स के छात्रों सहित टीम के समर्थन के साथ संभव है। बीएमजे पुरस्कार : दक्षिण एशिया, 2017 के लिए उपयोग – पैन इंडियन इंडिया को नामांकन हेतु न्यूरोलॉजिकल स्थितियों–आरसीटी के लिए न्यूरो–संज्ञानात्मक पुनर्वास पैकेज पर सीएनपी में कार्य पूरा किया गया। विद्यार्थियों के उत्साह और इच्छा ने 'देखभाल के मानक' देने में एक बड़ा हिस्सा निभाया है। इस तरह की एक सेवा से परिणाम ने क्लिनिकल न्यूरोफिजियोलॉजी के छात्रों ने कई पुरस्कार प्राप्त किए (10 पुरस्कार और उनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय थे)। हाल ही में, सीएनपी के पहले छात्र (10 अप्रैल को सार्वजनिक पीएचडी रक्षा थी)

को विदेश में अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के लिए प्रवेश मिला है और दूसरे छात्र को विदेश में अध्येतावृत्ति की प्रस्तुत की गई है। इससे पता चलता है कि हमारे (टीम) के कार्य के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता है। सीएनपी ने परियोजनाओं में भी भाग लिया; अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र; पुस्तक में संपादित मनोविज्ञान कोर अनुभाग : ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा 'अनिवार्य देखभाल की अनिवार्यता'; अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुस्तकों के लिए पुस्तक अध्याय लिखे; कार्यशालाओं और संगोष्ठियों आदि में प्रस्तुत की। संकाय में एक अध्यक्ष के रूप में संकाय को आमंत्रित करने का सम्मान था और इस सम्मेलन और कई अन्य में एक आमंत्रित वक्ता के रूप में उपस्थित था। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वक्ताओं द्वारा मनोवैज्ञानिक विज्ञान पर व्याख्यान श्रृंखला के एक हिस्से के रूप में वार्ता आयोजित की गई थी।

शिक्षा

- स्नातक पूर्व शिक्षण / बीएससी के तहत (असाइन किया गया और कक्षाएं 6 ले ली गई) (ऑनर्स 1 वर्ष / पोस्ट प्रमाणपत्र 1 वर्ष) नर्सिंग : 6
  - बी. एससी (ऑनर्स / पोस्ट प्रमाणपत्र) नर्सिंग
  - 1 वर्ष का पोस्ट प्रमाणपत्र
- स्नातकोत्तर शिक्षण
  - नैदानिक शिक्षण / ट्यूटोरियल (लगभग 12–16 घंटे / सप्ताह)
  - लघु अवधि प्रशिक्षण (नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान) : एम्स : 11

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिए गए व्याख्यान :

1. बेरिएट्रिक सर्जरी : हमें मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता क्यों है? मोटापा अनुसंधान और चयापचय के लिए फाउंडेशन का दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : 2 दिसंबर, 2017 रामलिंगास्वामी बोर्ड कक्ष, एम्स, नई दिल्ली, भारत।
2. क्लिनिको–प्रौद्योगिकी बैठक – न्यूरोफिजियोलॉजी – आईएसीपी सहायक संगठन संगोष्ठी (आईएफएनआर –4) का भविष्य का दृष्टिकोण, तंत्रिका पुनर्वास का 10वां विश्व महासम्मेलन, 8 फरवरी 2018, मुंबई, भारत।
3. उत्तरी भारत में एक स्तर 1 ट्रामा सेंटर में प्रवेश पर हल्के टीबीआई (एमटीबीआई) वाले रोगियों में कंस्यूशन स्क्रीनिंग का अनुभव, चौथा एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन, 26–29 अक्तूबर 2017, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, गृह आधारित हस्तक्षेप : भारतीय परिदृश्य।
4. न्यूरोफिजियोलॉजी की संगोष्ठी : ''इंटरप्रोफेशनल एजुकेशन एण्ड प्रेक्टिशियन न्यूरोरिहेबिलिटिटेशन ऑन, कंजाइटिव रिहेबिलिटिटेशन'', आईएफएनआरकॉन 2017 का 5 वां वार्षिक सम्मेलन, 31 मार्च से 2 अप्रैल 2017, मुंबई एजुकेशन ट्रस्ट (एमईटी), मुंबई, भारत।
5. सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित फरवरी 18 में, मानसिक स्वास्थ्य पर विकलांगता–अलगाव और अकेलापन का प्रभाव, कार्यस्थल में कल्याण पर नर्सिंग अपडेट पर कार्यशाला।
6. करुणा थकान और बर्नआउट प्रबंधन, 5 और 6 मार्च, 2018 को द्वितीय वर्ष एमएससी द्वारा आयोजित कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला। एमएससी (मनोचिकित्सा) नर्सिंग छात्र। 6 मार्च 2018, सीएमईटी (एजुकेशन हॉल), एम्स, नई दिल्ली में आयोजित।
7. न्यूरोप्लास्टिसिटी और न्यूरोफिजियोलॉजिकल पुनर्वास : एम्स अनुभव संगोष्ठी के शीर्षक : न्यूरल प्लास्टिसिटी : डब्ल्यूसीएमएच : कॉस्मॉस इंस्टीट्यूट ऑफ मैटल हेल्थ एंड बिहेवियरल साइंसेज (सीआईएमबीएस), 2 और 5 नवंबर, 2017, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।
8. स्ट्रोक के बाद पुनर्वास : एक न्यूरोफिथ्जयोलॉजिस्ट के परिप्रेक्ष्य सम्मेलन शीर्षक : स्ट्रोक पुनर्वास (डब्ल्यूएनएफ / आईएफएनआर) में हाल की प्रगति : विश्व गैर संवादात्मक रोग संघ (डब्ल्यूएनएफ), 5 नवंबर, 2017, दिन 2 : (सुबह सत्र) : 10. 30 – 11 : 15 समांतर सत्र), पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ हॉल 2, भारत।

प्रस्तुत किए गए मौखिक शोध पत्र/ पोस्टर की सूची

1. क्लिनिको–प्रौद्योगिकी बैठक – न्यूरोफिजियोलॉजी–आईएसीपी का भविष्य का दृष्टिकोण, तंत्रिका पुनर्वास का 10वां विश्व महासम्मेलन, दिन 2 : 8 फरवरी, 2018, मुंबई, भारत।
2. मानसिक उत्तेजना व्यायाम मैनुअल का विकास : बुजुर्गों के लिए संज्ञानात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम, मनोवैज्ञानिकों के 75 वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपी), 28 जुलाई – 30 जुलाई, जुलाई 2017, न्यूयॉर्क, यूएसए* ।

3. न्यूरोफिजियोलॉजिकल मूल्यांकन स्क्रीनिंग टूल (एनईईटी) का विकास : एक शिक्षा मुक्त संज्ञानात्मक स्क्रीनिंग उपकरण, न्यूरोलॉजी का 23वां विश्व महासम्मेलन (डब्ल्यूसीएन 2017), 16 से 21 सितंबर 2017, क्योटो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, क्योटो, जापान।
4. उत्तरी भारत में एक स्तर 1 ट्रामा सेंटर में प्रवेश पर हल्के टीबीआई (एमटीबीआई) वाले रोगियों में कंस्यूशन स्क्रीनिंग का अनुभव, चौथा एम्स वार्षिक न्यूरोट्रामा सम्मेलन, 26–29 अक्टूबर 2017, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, गृह आधारित हस्तक्षेप : भारतीय परिदृश्य।
5. संज्ञानात्मक स्क्रीनिंग से स्कैनिंग तक : मनोवैज्ञानिक सम्मेलन में, डिमेंशिया निदान में न्यूरोफिजियोलॉजी और न्यूरोइमेजिंग, 28 जुलाई – 30 जुलाई 2017, न्यूयॉर्क।
6. मानसिक स्वास्थ्य पर विकलांगता–अलगाव और अकेलापन का प्रभाव, कार्यस्थल में अच्छी तरह से होने पर नर्सिंग अपडेट पर कार्यशाला, 5 फरवरी, 2018, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली, भारत।
7. न्यूरोप्लास्टिसिटी और न्यूरोफिजियोलॉजिकल पुनर्वास : एम्स अनुभव डब्लूसीएमएच : कॉस्मॉस इंस्टीट्यूट ऑफ मैटल हेल्थ एंड बिहेवियरल साइंसेज (सीआईएमबीएस), 2 और 5, नवंबर 2017 नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित।
8. स्ट्रोक के बाद पुनर्वास : एक न्यूरोफिजियोलॉजिस्ट के परिप्रेक्ष्य, (डब्ल्यूएनएफ / आईएफएनआर) : विश्व गैर संवादात्मक रोग संघ (डब्ल्यूएनएफ), 5 नवम्बर, 2017, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, भारत द्वारा आयोजित।
9. मस्तिष्क में भाषाई नियमों का प्रतिनिधित्व : अफेसिया रोगियों के व्यापक न्यूरोफिजियोलॉजिकल पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक विज्ञान अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीएस), 25 मार्च 2018, ऑस्ट्रिया सेंटर वियना, वियना, ऑस्ट्रिया।
10. हल्के डिमेंशिया वाले रोगियों में अनियंत्रित क्षमताओं को प्रशिक्षित करने में विस्तारित अभ्यास बनाम कार्यनीति प्रशिक्षण की भूमिका। अल्जाइमर एसोसिएशन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, जुलाई 2017, लंदन, इंग्लैंड। *
11. संज्ञानात्मक पुनर्वास के बाद न्यूरोप्लास्टिसिटी को ट्रैक करने के लिए कार्यात्मक एमआरआई का उपयोग करना दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, न्यूरोलॉजी का 23वां विश्व महासम्मेलन (डब्ल्यूसीएन 2017), 16 से 21 सितंबर 2017, क्योटो अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, क्योटो, जापान।*

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

कोई नहीं

पूर्ण

1. एक मल्टीटास्किंग प्रतिमान का उपयोग एमसीआई और एडी में संज्ञानात्मक में गिरावट की प्रगति की पूर्व नैदानिक भविष्यवक्ता। डॉ. आशिमा नेहरा वाधवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, परियोजना, 3 वर्ष, 2013–2017, 37 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस / शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. शाइजोफ्रेनिया वाले रोगियों के बीच संज्ञानात्मक कार्यों में इसकी क्षमता के आकलन के लिए एक तंत्रिका संज्ञानात्मक उपचार पैकेज का विकास और चरण 2 का परीक्षण।
2. ड्रग रिफ्रेक्टरी मिर्गी वाले रोगियों के बीच संज्ञानात्मक और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक तंत्रिका शरीर क्रियात्मक पुनर्वास का विकास और दक्षता : एक यादृच्छिक नियंत्रित क्लिनिकल परीक्षण।

पूर्ण

1. मानक औषधीय उपचार की तुलना में हल्के अल्जाइमर रोग वाले रोगियों में मेमोरी, शैली, अध्ययन और जीवन की गुणवत्ता पर संज्ञानात्मक पुनर्वास के प्रभाव का अध्ययन करना : एक यादृच्छिक चिकित्सीय नियंत्रित परीक्षण।

2. हल्के और मध्यम अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट वाले रोगियों में संज्ञानात्मक और मनोवैज्ञानिक कार्य में सुधार के लिए समग्र का विकास और प्रभावशीलता तथा एकीकृत मनोवैज्ञानिक पुनर्वास : एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
3. पोस्ट स्ट्रोक अफेसिया वाले रोगियों में शैली और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए मानक फार्मोकोलॉजिकल उपचार के लिए एक सहायक के रूप में ''व्यापक न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास'' का विकास और प्रभावकारिता : यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. *ग्रोस मोटर कार्यों, हाथ के कार्यों और सेरेब्रल पाल्सी में संज्ञान के साथ बच्चों के परिवार के जीवन की गुणवत्ता के सहसंबंध का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन। पीएमआर।*
2. *शल्य चिकित्सा आईसीयू में मैकेनिकल वेंटिलेशन पर गंभीर रूप से बीमार रोगियों के अनुभवों में रहने का आकलन करने के लिए एक अध्ययन। नर्सिंग कॉलेज, एनेस्थीसियोलॉजी।*
3. *मिर्गी वाले भारतीय व्यक्तियों के लिए एंटी स्टीगमा हस्तक्षेप। तंत्रिका विज्ञान।*
4. *कार्डियोपल्मोनरी बायपास के साथ या उसके बना बायडारेक्शनल सुपीरियर कैवोपल्मनरी एनास्टोमोसिस की तुलना। कार्डियो जैव रसायन।*
5. *मोया रोग में सर्जिकल पुनरावृत्तिकरण के बाद बेहतर सेरेब्रल परफ्यूजन और न्यूरोकॉग्निटिव बदलाव के बीच सहसंबंध। न्यूरो सर्जरी, न्यूरोरेडियोलॉजी।*
6. *मध्यम और गंभीर अवरोधक स्लीप एपनिया वाले रोगियों में न्यूरोकंजेनाइटिव हानि पर निरंतर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव थेरैपी का प्रभाव। चिकित्सा, एनएमआर, न्यूरो रेडियोलॉजी, मनोचिकित्सा, कार्डियक जैव रसायन, जैव–सांख्यिकी।*
7. *मोटापे में संज्ञान पर अल्पकालिक योग आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप का प्रभाव। शरीर क्रिया विज्ञान।*
8. *औषधि दवा प्रतिरोधी वाले किशोरावस्था और वयस्कों में मोडिफाइड अट्कीन्स डायट (एमएडी) की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। बाल चिकित्सा।*
9. *अत्यधिक मोटापा में वजन घटाने, कॉर्मोबिडिटीज और जीवन की गुणवत्ता पर लेपेरोस्कोपिक ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बाइपास (मिनी गैस्ट्रिक बाइपास) के प्रभाव का मूल्यांकन। सर्जिकल डिस्प्लेन्स, गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी, एनेस्थेसियोलॉजी।*
10. *स्मृति की हानि से जुड़े उच्च तीव्रता स्टैटिन का उपयोग क्या है? एक संभावित अवलोकन अध्ययन। हृद विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान।*
11. *ड्रग रिफ्रेक्ट्री मिर्गी और एपिलेप्सी सर्जरी का प्रभाव में सामाजिक संज्ञान। तंत्रिका–विज्ञान।*
12. *क्रोनिक किडनी रोग और गुर्दे प्रत्यारोपण के प्रभाव वाले रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य का अध्ययन। नेफ्रोलोजी, फिजियोलॉजी।*
13. *पॉलीकैमोथैरेपी आधारित मैथोट्रेक्स्ट के लिए संपूर्ण प्रतिक्रिया के बाद नए निदान प्राइमरी सीएनएस लिम्फोमा के रोगियों में संपूर्ण ब्रेन रेडियाथैरेपी खुराक की कमी की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी, बायोस्टेस्टीक, न्यूरोसर्जरी, न्यूरोरेडियोलॉजी।*
14. *बेरियाट्रिक सर्जरी से गुजर रहे मोटापे से ग्रस्त रोगियों में वजन घटाने, सह–रोग और जीवन की गुणवत्ता पर लैप्रोस्कोपिक मिनी गैस्ट्रिक बाय पास (एमजीबी) के प्रभाव का अध्ययन : एक संभावित और पूर्वव्यापी गैर यादृच्छिक पर्यवेक्षण अध्ययन। सामान्य शल्य चिकित्सा।*

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 6 **सार : 4** **पुस्तकों में अध्याय : 6** **पुस्तकें : ......X**

1. बाजपेयी, एस., त्रिपाठी एम., पाण्डे, आर. एम., डे, ए. बी. और नेहरा, ए. (2017) एनहांसिंग मेमोरी एण्ड एक्टीविटीज़ ऑफ डेली लिविंग इन पेशेंट्स विद अर्ली अल्जाइमर डिजीज यूजिंग मेमोरी स्टिमुलेशन इंटरवेंशन : ए रेंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायर. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनहांस्ड मेडिकल एण्ड हेल्थ रिसर्च,2017;4(2) : ,54. डीओआई : 10.4103/आईजेएमएआर.आईजेएमएआर _21_17.
2. कौर एच, बाजपेयी एस, प्रसाद डी, श्रीनिवास वी, नेहरा ए. डेवलपमेंट एण्ड स्टैंडर्डाइजेशन ऑफ इंडिया एफेजिया बैटरी–जे मेंटल हेल्थ हम बिहवे 2017 (22 : 116 और 22 (ओरिजनल आर्टिकल) डीओआई :10.4103/जेएमएचएचबीजे.एमएचएचबी_45_16
3. साक्षी चोपड़ा, सुमित सिन्हा, दीपक गुप्ता, गुरू दत्ता सत्यार्थी, दीपक अग्रवाल, गौरीशंकर कैलोहिया, राजेश सागर, मंजरी त्रिपाठी, आशिमा नेहरा*. डज फंक्शनेलिटी केस ऑफ्टर एक्वायर्ड ब्रेन इंजरी? विग्नेटेस फ्रॉम ए न्यूरो–फिजिको–सोशल पर्सपेक्विव. इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमा. डीओआई एचटीटीपीएस:// डीओआई.ओआरजी/10.1055/एस-0037-1602722.आईएसएसएन 0973-0508.

4. सचिन तलवार, मणिकाला विनोद कुमार, आशिमा नेहरा, पूनम मल्होत्रा कपूर, नीति मखिजा, विष्णुभाटला श्रीनिवास, शिव चौधरी, बलराम एयरैन बी. बीडिरेक्शनल ग्लेनन ऑन कार्डियोपल्मोनरी बायपास : ए कम्पेरिजन ऑफ थ्री टेक्निक्स. जे कार्ड सर्ज. 2017;1–7. https://authorservices.wiley.com/api/pdf/fullArticle/14058659 DOI:10.1111/jocs.13123.
5. सचिन तलवार, अनिष गुप्ता, आशिमा नेहरा, नीति मखिजा, पूनम कपूर (3 मोर). बीडिरेक्शनल सुपीरियर केवोपल्मोनरी एनेस्टोमॉसिस विद और विदआउट कार्डियोपल्मोनरी बाइपास : ए रैंडोमाइज्ड स्टडी, जे कार्ड सर्ज. 2017; 1–6. https://doi.org/10.1111/jocs.13149 file:///C:/Users/Ashima/Downloads/ GLENN%20OFF%20VERSUS%20ON%20PUMP.pdf.
6. चौधरी, के., रामानुजम, बी., कुमारन, एस, चंद्रा, पी. एस., वाधवा, ए. एन., गर्ग, ए और त्रिपाठी, एम. (2017). डज एजुकेशन प्ले ए रोल इन लैंग्वेज रिऑर्गनाइजेशन आफ्टर सर्जरी इन ड्रग रिफ्रेक्टरी टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी : एन एफएमआरआई बेस्ड स्टडी? एपिलेप्सी रिसर्च (2017). रेफ : ईपीआईआरईएस_2016_55_आर5 (25 जुलाई 2017 पर स्वीकार) https://doi.org/10.1016/j.eplepsyres.2017.07.017.

पत्रिकाओं में प्रकाशित सार

1. एस. चोपड़ा, एस. कुमारन, एस. सिन्हा, एच. कौर, ए. नेहरा (15 अक्तूबर, 2017) यूजिंग फंक्शनल एमआरआई टू ट्रैक न्यूरोप्लास्टीसिटी आफ्टर कंजनाइटिव रिहेबिलिटेशन पोस्ट ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी. जर्नल ऑफ द न्यूरोलॉजिकल साइंस, वॉल्यूम 381, पूरक, पेज 948–949. डीओआई : http://dx.doi.org/10.1016/j.jns.2017.08.2670.
2. एस. शर्मा, वी. अल्बरेटा, ए कुमार, ए सुब्रामणियन, ए नेहरा, एस भोई, (अक्तूबर, 2017). एक्सपीरियंस ऑफ कंक्यूजन स्क्रीनिंग इन मिल्ड टीबीआई (एमटीबीआई) पेशेंट्स ऑन एडमिशन इन ए लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इन नॉर्दन इंडियान. जर्नल ऑफ द न्यूरोलॉजिकल साइंस. वॉल्यूम 381, पूरक 15, पेज 108. https://doi.org/10.1016/j.jns.2017.08.345.
3. बाजपेयी एस, काले एसएस, चंद्रा पीएस, श्रीवास्तव ए, शंकर जी, त्रिपाठी एम, नेहरा ए *. ''एन इंडियन एक्सटेंशन ऑफ द रेडियोसर्जरी और ओपन सर्जरी फॉर एपिलेप्सी ट्रायल (रोस) : ए लॉग्नीट्यूडिनल स्टडी ऑन द न्यूरोसाइकोलोजिकल आउटकम्स''. एट द 32 इंटरनेशनल एपिलेप्सी कॉन्ग्रेस, 2 – 6 सितम्बर, 2017 एट बार्सेलोमा, स्पेन, एपिलेप्सिया, 2017;58 (पूरक. 5) : एस5 –एस199,2017. डीओआई : 10.1111/ईपीआई.13944.
4. के चौधरी के., बी. रामानुजम, एस. कुमारन, पी. एस. चंद्रा, ए नेहरा, एम. त्रिपाठी, सेमेंटिक वर्बल मेमोरी आउटकम आफ्ट सर्जरी इन ड्रग रिफ्रेक्टरी एपिलेप्सी : एन एफ–एमारआई बेस्ड स्टडी, एट द 32 इंटरनेशनल एपिलेप्सी कॉन्ग्रेस, 2 – 6 सितम्बर, 2017 एट बार्सेलोमा, स्पेन, एपिलेप्सिया, 2017; 58(पूरक. 5) : एस5–एस199,2017. डीओआई : 10.1111/ ईपीआई.13944.

पुस्तकों में अध्याय

1. स्वाति बाजपेयी, और आशिमा नेहरा*, तंत्रिका मनोविज्ञानी असेसमेंट इन द न्यूरोइंटेंसिव केयर सेटिंग : ए टाइम बेस्ड एप्रोच, एडिटर, साइकोलॉजी कोर : आशिमा नेहरा; एडिटर ऑफ द बुक : डॉ. हिमांशु प्रभाकर, 'इनीशिसल्स ऑफ न्यूरोइंटेंसिव केयर', ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2017.
2. कल्पना श्रीवास्तव के, पी एस भट, गरिमा जोशी जी, आशिमा नेहरा*, कंजेनाइटिव डिस्फंक्शन्स इन साइकियाट्रिक एण्ड न्यूरोलॉजिकल कंडीशन्स।
3. नेहरा, ए. और शर्मा एस. न्यूरोकंजेनाइटिव एण्ड साइको – सोशल आउटकम्स एण्ड रेमेडिएशन टेक्निक्स फॉर कैंसर पेशेंट्स, डॉ. सुरेश संचीती, टेक्स्ट बुक ऑफ क्लिनिकल ओंकोलॉजी इन इंडियन कॉन्टेक्स्ट, कम्युनिकेटिड, अंडर पब्लीकेशन्स।
4. नेहरा, ए., मोहंती, एम. और शर्मा एस., पोस्ट ट्रॉमेटिक कंजेनाइटिव डिस्फंक्शन, डॉ. हिमांशु प्रभाकर, इनीशियल्स ऑफ एनेस्थीसिया फॉर न्यूरोट्रॉमा, टेलर एण्ड फ्रांसिस ग्रुप, सीआरसी प्रेस, यूएसए, कम्युनिकेटिड, अंडर पब्लीकेशन्स।
5. शर्मा, एस. और नेहरा ए,. कंजेनाइटिव फंक्शनिंग एण्ड रिहेबिलिटेटिएशन ऑफ जेरियाट्रिक पॉपुलेशन एज ए रिजल्ट ऑफ नॉर्मल एजिंग, डिप्रेशन, माइल्ड कंजेनाइटिव इम्पायरमेंट एण्ड डिमेंशिया, डॉ. बेरे विजय प्रसाद और डॉ. शम्सी अकबर, हैंडबुक ऑफ रिसर्च ऑन चेरियाट्रिक हेल्थ, ट्रीटमेंट एण्ड केयर, आईजीआई ग्लोबल (यूएसए), कम्युनिकेटिड 2017, पब्लिश्ड।
6. गरिमा जोशी, मंजारी त्रिपाठी, माधवी त्रिपाठी, आशिमा नेहरा*, फ्रंटोटेम्पोरल लोबर डिजनरेशन क्रिटिकल एक्जामिनेशन्स ऑफ न्यूरोडिजनरेटिव डिसऑर्ड्स, **आईजीआई ग्लोबल** (यूएसए), कम्युनिकेटिड ऑन 30 अगस्त, 2017, अंडर पब्लीकेशन।

रोगी देखभाल

नैदानिक तंत्रिका मनोविज्ञान एक विशेष रेफरल सेवा है जो मस्तिष्क के हमले/आघात/चोट के बाद मस्तिष्क के कार्य में नैदानिक फॉर्मूलेशन, मूल्यांकन, संज्ञानात्मक प्रतिरक्षा सहित नैदानिक अनुप्रयोग पर केंद्रित है। मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन में नैदानिक निदान/मूल्यांकन शामिल है जिसमें नैदानिक निदान (स्वर्ण मानकों के अनुसार), व्यापक साक्षात्कार शामिल है; व्यवहारिक अवलोकन, न्यूरोसाइकोलोजिकल परीक्षणों की श्रृंखला, व्याख्या, रिपोर्ट न्यूरोसाइकोलोजिकल फॉर्मूलेशन की रिपोर्ट जिसमें सामान्य बौद्धिकता (गोलार्द्ध मूल्यांकन), संज्ञान, उच्च स्तरीय कार्यकारी कौशल (जैसे समस्या निवारण, तर्क), ध्यान और एकाग्रता, स्मृति और सीखना, मोटर और संवेदी कौशल, पेरसेप्टू–मोटर कार्यकरण/विसु–स्थानिक कौशल, मनोदशा और व्यक्तित्व (ऑर्बिटो फ्रंटल कार्य), भाषा/अफेसिया आकलन शामिल हैं। व्यक्तियों के दैनिक जीवन के मूलभूत पूर्व प्री–मॉर्बिड कार्यों में सुधार करने के लिए कार्यात्मक कौशल में सुधार के लिए बुनियादी कार्य दृष्टिकोण सहित न्यूरोफिजियोलॉजिकल पुनः परीक्षण; घाटे के लिए मुआवजे सहित न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनर्गठन, जब कमी की कमी को न तो पुनर्गठित किया जा सकता है और न ही पुनर्स्थापित किया जा सकता है, क्लिनिक आधारित थेरैपी; घर आधारित थेरैपी; व्यक्तियों के दैनिक जीवन के मूलभूत पूर्व प्री–मॉर्बिड कार्यों में सुधार करने के लिए कार्यात्मक कौशल में सुधार के लिए बुनियादी कार्य दृष्टिकोण सहित न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनः परीक्षण; घाटे के लिए मुआवजे सहित न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनर्गठन, जब कमी की कमी को न तो पुनर्गठित किया जा सकता है और न ही पुनर्स्थापित किया जा सकता है, क्लिनिक आधारित थेरैपी; घर पर आधारित थेरैपी; सामुदायिक सेवाएं/परिसर : न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनर्वास, व्यावसायिक मार्गदर्शन, सहायक मनोचिकित्सा, रोगियों और परिवार के सदस्यों को निर्देशक परामर्श जो किसी भी तंत्रिका संबंधी स्थिति के प्रबंधन के मामले में रोगी देखभाल का एक महत्वपूर्ण पहलू है। ये सभी सेवाएं न्यूरोसाइकोलोजिकल पुनर्वास (एनआर) और संज्ञानात्मक विकार और मेमोरी क्लिनिक (सीडी और एमएम) के विशेष क्लिनिक के तहत आती हैं।

बाह्य रोगी सेवा (ओपीडी) : 3 रजिस्ट्रियों के साथ 4 नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी ओपीडी/सप्ताह है :

1. नैदानिक न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी) क्लिनिक :

क. सोमवार, मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार।

2. विशेष क्लिनिक :

क. मंगलवार : न्यूरोसाइकोलॉजिकल रिहैबिलिटेशन **(एनआर)** क्लिनिक।

तंत्रिका मनोविज्ञानी पुनर्वास	*संज्ञानात्मक प्रशिक्षण/पुनर्गठन*
	मूल भूत कौशल प्रशिक्षण
	कार्यात्मक पुनः प्रशिक्षण
	भाषण और भाषा पुनर्वास
	मनोसामाजिक थेरैपी
	मार्गदर्शन और परामर्श
	व्यक्तिगत थेरैपी
	पारिवारिक थेरैपी
	व्यावसायिक मार्गदर्शन
	समग्र/पारिस्थितिक दृष्टिकोण थेरैपी (रोगी की जरूरतों के आधार पर)

*ख. बुधवार : संज्ञानात्मक विकार और स्मृति (मेमोरी) (**सीडीएम**) क्लिनिक।*

संज्ञानात्मक विकार और मेमोरी क्लिनिक	*स्मृति आकलन*
	संज्ञानात्मक कमी के लिए स्क्रीनिंग
	डिमेंशिया / अल्जाइमर डिमेंशिया के लिए संज्ञानात्मक पुनर्वास
	स्मृति में गिरावट के लिए संज्ञानात्मक पुनः प्रशिक्षण / कार्यकारी कार्यकरण
	संज्ञानात्मक / स्मृति विकार के प्रबंधन
	छद्म–डिमेंशिया की पहचान और उपचार
	शिक्षा : रोगियों, देखभाल करने वालों, प्रशिक्षुओं, सहयोगियों, और आम जनता
	पारिवारिक मार्गदर्शन
	प्रगति की निगरानी और चिकित्सा के प्रति प्रतिक्रिया

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण उपलब्धियां

आशिमा नेहरा : ने ये कार्य किए

1. समीक्षाकर्ता : इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी, होमियोपैथी रिसर्च रिव्यू, इंडस्ट्रियल साइकेक्ट्री जर्नल; सीएसआईआर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड डेवलपमेंट स्टडीज (एनआईएसटीएडीएस) द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
2. सदस्य आयोजन समिति–डब्ल्यूएफएनआर;।
3. समीक्षाकर्ता समिति परियोजना (बीआईआरएसी–सीआरएस–डीबीटी);।
4. सदस्य : संस्थान की नीतिशास्त्र समिति, गृह अर्थशास्त्र संस्थान, (दिल्ली विश्वविद्यालय), (2017–2019) (निदेशक की अनुमति के साथ 6 सदस्यों की टीम का हिस्सा)।
5. कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में कार्य करना, भारतीय क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक संघ (उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व);
6. बाह्य परीक्षक, –दिल्ली विश्वविद्यालय;।
7. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सलाहकार मंत्रालय की दिशा में 'शिक्षा और बाल विकास नीति नीति' पर एक व्यापक दस्तावेज तैयार किया;।
8. अध्यक्ष : किशोरावस्था में पदार्थों के दुरुपयोग का एक सिंहावलोकन : सीमा, प्रबंधन और नीतिगत रूपरेखा के बारे में हाल ही में एक अद्यतन, संगोष्ठी 11–28 नवंबर, 2017, सीएमईटी– हॉल बी, एम्स, नई दिल्ली; संज्ञानात्मक न्यूरोलॉजी और न्यूरोफिजियोलॉजी, तंत्रिका पुनर्वास का 10वां विश्व महा सम्मेलन, दिन 3 : 9 फरवरी, 2018, रेनेसेंस मुंबई कन्वेंशन सेंटर होटल, पवई, मुंबई; तंत्रिकापुनर्वास का 10वां विश्व महा सम्मेलन, दिन 2 : 8, फरवरी 2018, पवई, मुंबई; सह–अध्यक्ष तंत्रिका पुनर्वास का 10वां विश्व महा सम्मेलन, दिन 2 : 9, फरवरी 2018, पवई, मुंबई; बीएमजे अवॉर्ड्स दक्षिण एशिया, 2017 के लिए मनोनीत किया गया था। उपयोग के लिए यादृच्छिक परीक्षणों का उपयोग करते हुए न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के लिए न्यूरो–संज्ञानात्मक पुनर्वास पैकेज का विकास– पैन इंडिया पैन इंडिया, बीएमजे पुरस्कार दक्षिण एशिया, 2017 के लिए मनोनीत।

पेटेंट/कॉपीराइट :

1. बुजुर्ग (रिक्रीएट) लक्षित पुनर्स्थापनात्मक व्यायामों और गतिविधियों का उपयोग करके संज्ञान का पुनर्वास, स्वाति बाजपेई और आशिमा नेहरा, डायरी संख्या : 11397/2017. सीओ/एल 2 अगस्त 2017 को दायर की गई।
2. इलेक्ट्रिक संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली का पुनर्वासए दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, ध्यान, एकाग्रता, मेमोरी और कार्य (रीट्रैक) को पुनःप्रशिक्षित करने और पुनर्स्थापित करने के लिए चोट लगाना, साक्षी चोपड़ा और आशिमा नेहरा, डायरी संख्या : 11400/2017. सीओ/एल 02 अगस्त 2017 को दायर की गई।
3. अफेसिया पुनर्वास के लिए हर रोज़ भाषा और संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली के बाद स्ट्रोक का पुनर्वास : एक भारतीय पुनर्वास कार्यक्रम (मरम्मत), हरसिमर प्रीत कौर और आशिमा नेहरा, डायरी संख्याः 11402/2017. सीओ/एल 02 अगस्त 2017 को दायर की गई।

अतिथि वैज्ञानिक

1. जेफरसन यूनिवर्सिटी फिजशियन, यूएसए से आचार्य सलमान अख्तर।
2. आचार्य सीआर मुकुंदन, व्यवहार विज्ञान संस्थान में प्रोफेसर एमेरिटस, गुजरात फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी।

11-1 ch-ch- nhf{kr iqLrdky;

iHkkjh vkpk;] iqLrdky; lfefr

एस. राजेश्वरी

e[; iqLrdky;k/;{k

एस. शिव चिदंबरम

विशिष्टताएं

बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स का प्रमुख पुस्तकालय है। सही समय पर उपयुक्त पाठकों को उपयुक्त जानकारी प्रदान करना इसका लक्ष्य है। पुस्तकालय 24x7 (365 दिनों) खुला रहता है और इसमें 150,000 से अधिक पुस्तकें तथा अन्य दस्तावेज जैसे बाउंड पत्रिकाएं एवं पैम्फलेट्स इत्यादि हैं। यह लगभग 4000 नियमित सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ती करता है। प्रतिदिन लगभग 300 पाठक पुस्तकालय में आते हैं। पुस्तकालय जैव चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान का समर्थन करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। यह पुस्तकालय लगभग 1,495 पीरियोडिकल्स/पत्रिकाएं ऑनलाइन अथवा डेटाबेस के रूप में मंगवाता है तथा इनका अनुरक्षण करता है। इसके अतिरिक्त यह अप–टू–डेट बी.एम.जे. बेस्ट प्रेक्टिस एवं एकलैंड एनॉटमी जैसे पाइंट–ऑफ–केयर डेटाबेस को खरीदता हैं। इसके पास 119 ई–पुस्तकें भी है। इन ऑनलाइन डेटाबेस तथा ई–पत्रिकाओं को परिसर में आई.पी.सक्षम कोड के माध्यम से देखा जा सकता है। कुछ सोसायटी आधारित पत्रिकाओं को यूजरनेम तथा पासवर्ड के माध्यम से ही देखा जा सकता है। उपलब्धता की आवश्यक सूचना पुस्तकालय के वेबपेज *www.aiims.edu/en/library.html* के माध्यम से प्रसारित की जाती हैं। वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने संकाय सदस्यों तथा आकादमिक रेजिडेंट डॉक्टरों को लिंक http://elibraryaiimsdelhi.remotexs.in के माध्यम से परिसर एवं देश के बाहर भी ई–संसाधन एक्सेस करने हेतु रिमोट एक्सेस सुविधा देना प्रारंभ किया। पुस्तकालय का अपना एक सर्च इंजन है जिसे ''सिंगल पाइंट सर्च'' वेब–सकेल डिस्कवरी सेवा कहा जाता है जिससे पुस्तकालय हेतु अंशदान किए गए इलैक्ट्रोनिक संसाधन को प्रभावी ढंग से पुनः प्राप्त किया जा सके और यह डॉक्टरों के लिए ग्रंथसूची प्रबंधन प्रणाली हेतु एक उपकरण के रुप में कार्य करता है।

पुस्तकालय समिति पुस्तकालय के प्रबंधन के लिए एक सलाहकार निकाय है। यह पुस्तकों की खरीद तथा पत्रिकाओं/पेरियोडिकल्स तथा डेटाबेस की सदस्यता लेने के संबंध में मुख्य पुस्तपाल को सलाह देता है। वर्तमान समिति में अध्यक्ष के रुप में प्रभारी आचार्य, सदस्यों के रुप में विभिन्न संभागों के सात आचार्य, दो सह–आचार्य तथा एक सहायक आचार्य और समन्वयक के रुप में पुस्तकालयध्यक्ष हैं। समिति नियमित रुप से बैठक करती है।

इस पुस्तकालय में 3 सर्वरों तथा 46 कंप्यूटरों से मिलकर इन–हाऊस सूचना प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन प्रणाली हैं। यह पुस्तकालय *लाईबसिसप्रीमिया* स्वचालन सॉफ्टवेयर सिस्टम का प्रयोग करता है जोकि डाटा एंट्री तथा पुस्तकों एवं अन्य दस्तावेज़ो की पुनप्राप्ति में सहायता करता है। सभी प्रलेखन/ग्रंथ सूची की सेवाएं तथा सदस्यता के साथ–साथ पुस्तकालय के कुछ क्रिया कलापों को इस एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का प्रयोग कर कंप्यूटरीकृत किया गया है। पुस्तकालय के वितरण अनुभाग को आर.एफ.आई.डी. स्मार्ट कार्ड सिस्टम के माध्यम से कंप्यूटरीकृत किया गया है और ऑन लाईन पुस्तकों के इश्यू व रिटर्न के साथ–साथ ईमेल के माध्यम से स्वचालित रिमाइंडर पुस्तकालय सामयिक जागरूकता सेवाएः तथा नए ग्रंथों की सूची उपलब्ध कराता है। पुस्तकालय एम्स इंस्ट्यूशनल रिपोजिटरी बुलेटिन और नई पुस्तकों का बुलेटिन आदि प्रकाशित करता है। यह वेब आधारित ओपन एक्सेस पब्लिक कैटेलॉग (वेब ओ.पी.ए.सी.) रेप्रोग्राफी एवं शैक्षणिक साहित्य का प्रिंट आउट जैसी सेवाएं भी प्रदान करता है। पुस्तकालय नियमित रुप से छात्रों, शोध विद्यार्थी और डॉक्टरों को ओरिएन्टेशन एवं सूचना साक्षरता कार्यक्रम प्रदान करता है।

इस वर्ष पुस्तकालय ने 452 प्रिंट पुस्तकें, आयुर्विज्ञान संग्रह की आक्सफॉर्ड पाठ्यपुस्तकों से 52 ई–पुस्तकें जोड़ी एवं नए डेटाबेस के लिए सदस्यता ली जिसमें डी.ओ.एस.एस. (दंत चिकित्सा और मौखिक विज्ञान स्रोत) एवं जे.ए.एम.ए. साक्ष्य शामिल है। आई–थेन्टीसेट (एक एंटी–प्लेगियारिस्म वेब टूल), एन.ई.जे.एम. जर्नल वाच, एच.एस. टॉक व्याख्यान श्रृंखला, बेब ऑफ साइंस बी.एम.जे. केस रिपोर्ट और एक्सेस चिकित्सा डाटाबेस जिसमें मल्टीमीडिया विकल्प के साथ लगभग 82 मूलभूत संदर्भ चिकित्सा पुस्तकें सम्मिलित हैं की सदस्यता भी जारी रखी। इस वर्ष पुस्तकालय ने मैसर्स प्रो. क्वेस्ट के माध्यम से प्रिंट में और साथ ही साथ सी.डी. फार्मेट में उपलब्ध थीसिस एवं शोध–प्रबंध की स्कैनिंग एवं डिजीटलीकरण से इलैक्ट्रोनिक थीसिस और शोध प्रबंध डिजिटल पुस्तकालय स्थापित करने का कार्यक्रम प्रारंभ

किया। हालांकि यह चिकित्सकों के लिए एक शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालय है इसने सामान्य अध्ययन के लिए लगभग 2250 हिन्दी पुस्तकों का संग्रह तैयार किया है।

सी.एम.ई./कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन

1. कहीं भी एक्सेस हेतु अत्याधुनिक पॉइंट ऑफ केयर डेटाबेस एक्टिवेशन पर कार्यशाला, 13 अप्रैल, 2017।
2. आई. सर्च पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय (सिंगल पॉइंट सर्च), 17 अप्रैल, 2017।
3. इलैक्ट्रोनिक वातावरण में चिकित्सा साहित्य का एसेस एवं उपलब्धता (ए.एम.एल.ई.ई.–2017) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 8 जून 2017।
4. पुस्तपाल दिवसः डॉ. एस.आर. रंगनाथन के जन्मदिवस के अवसर पर, 12 अगस्त, 2017।
5. पुस्तकालय संसाधन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 10 अक्टूबर 2017, जे.पी.एन. एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र, एम्स।
6. 'एक वैज्ञानिक पत्र कैसे लिखें' पर व्याख्यान, गैब्रीला कार्गर, सी.ई.ओ., कार्गर, 30 नवम्बर 2017।
7. विद्तापूर्ण संचार के लिए एक शोध उपकरण के रुप में ई–संसाधनों का कुशल उपयोग, 22 जनवरी 2018।

प्रदत्त व्याख्यान

एस. शिवा चिदंबरमः 8

सम्मेलन कार्यवाहियों/मौखिक प्रस्तुति/पोस्टर प्रस्तुति में प्रकाशित पत्रः 6

सम्मेलन/संगोष्ठियों में भाग लिया

एस. शिवा चिदंबरमः 6	**एम.के. विश्वकर्माः 3**	**जहांगीर खानः 2**
प्रशांत श्रीवास्तवः 4	**अजय कुमार सरोहाः 4**	**नीतू प्रिया : 1**

प्रकाशन

सारः 1 **पुस्तकें : 1**

पुरस्कार, सम्मान एवं अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां

निम्नलिखित पुस्तकालय कर्मचारियों को निदेशक से सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालय सेवा पुरस्कार–2016 मिला, एम्स, 8 जून 2017ः श्री एम.के. विश्वकर्मा, पुस्तपाल ग्रेड–I; श्री जहांगीर खान; पुस्तपाल ग्रेड–I; सुश्री नीतू प्रिया, पुस्तपाल ग्रेड–III,; श्री राकेश रावत –डी.ई.ओ. ग्रेड–एः श्री शिव लाल, पुस्तकालय परिचर ग्रेड–I; श्रीमती मीनाक्षी चावला, पुस्तकालय परिचर ग्रेड–II.

श्री एस. शिवा चिदबंरम ने सीमाओं से परे पुस्ताकलय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता कीः ज्ञान प्रसार में नवप्रवर्तनकारी प्रवृति, मुद्दे और चुनौतियां (आई.सी.एल.बी.बी. 2017), क्रिश्चन मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित, वेलौर, 18–19 अगस्त, 2017 वेलोर,; स्वास्थ्य जानकारी के ओपन एक्सेस पर पहले राष्ट्रीय कन्वेंशन में वैज्ञानिक तकनीकी सत्र की अध्यक्षताः आयुर्विज्ञान पुस्तकालयों के लिए रूझान, मॉडल और रणनीतियां 9–10 फरवरी, 2018, एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज, जयपुर, आर.एम.एल.ए. (राजस्थान मेडिकल लाइब्रेरी संघ) एवं जेपी – स्वास्थ्य विज्ञान प्रकाशक, जयपुर द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित।

श्री एम.के. विश्वकर्मा ने आयोजन समिति, सदस्य के रुप में कार्य कियाः इलैक्ट्रोनिक पर्यावरण में आयुर्विज्ञान साहित्य का एक्सेस और उपलब्धता (ए.एम.एल.ई.ई.–2017), राष्ट्रीय संगोष्ठी, 8 जून 2017 एम्स, नई दिल्ली (सक्रिय रुप से आयोजन समिति के सदस्य के रुप में कार्य किया)।

11-2 dSQsVsfj;k

v/;{k

एम. बाजपेयी
आचार्य, बाल रोग शल्य चिकित्सा विभाग

lnL; lfpo

वी.डारलोंग
आचार्य, संवेदनाहरण विभाग

ys[kk vf/kdkjh

मीनाक्षी डबराल

egkizca/kd

एस. के. कौशिक

mi egkizca/kd

के. के. शर्मा

कैफेटेरिया के उपकरण, फर्नीचर, बर्तनों तथा अन्य आधारभूत आवश्यकताओं हेतु संस्थान से कोई भी वित्तीय सहायता प्राप्त किए बिना एम्स में कर्मचारियों को पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए कैफेटेरिया 'न लाभ–न हानि' आधार पर चलाया जा रहा है।

प्रबंधन समिति

निदेशक, एम्स द्वारा समय–समय पर कैफेटेरिया विभाग से संबंधित नीतिगत मामलों पर निर्णय लेने हेतु एक प्रबंधन समिति का गठन किया गया है। इसके सदस्य निम्नानुसार हैंः

डॉ. एम. बाजपेयी	अध्यक्ष
डॉ. नीना मल्होत्रा	सदस्य
डॉ. बिनोद कुमार खैतान	सदस्य
डॉ. राजेश खड़गावत	सदस्य
डॉ. सुमित सिन्हा	सदस्य
फेम्स के प्रतिनिधि	सदस्य
आर.डी.ए. के प्रतिनिधि	सदस्य
ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि	सदस्य
नर्सिस यूनियन के प्रतिनिधि	सदस्य
कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधि	सदस्य
डॉ. वनलाल्नग्का डारलोंग	सदस्य–सचिव
श्री एस. के. कौशिक, महाप्रबंधक, कैफे	सह–समन्वयक

सेवा सुविधाएं

कैफेटेरिया द्वारा एम्स के 12,000 से अधिक कर्मचारियों को सेवाएँ प्रदान करने के लिए 10 ईकाइयाँ चलाई जाती हैं।

1. जवाहर लाल नेहरू सभागार के निकट स्थित मुख्य कैफेटेरिया (24 घंटे सेवा)
2. मुख्य अस्पताल की 9वीं मंजिल पर स्थित मुख्य ऑपरेशन थिएटर कैफेटेरिया
3. सी.एन.सी. कैफेटेरिया, केन्द्र की दूसरी मंजिल पर स्थित
4. केन्द्र की 5वीं मंजिल/भू–तल पर स्थित डॉ. रा.प्र.केन्द्र ऑपरेशन थिएटर कैफेटेरिया
5. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
6. डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
7. मुख्य कैफेटेरिया के निकट स्थित संकाय कक्ष कैफेटेरिया
8. एम्स आऊटरीच ओ.पी.डी., बाढ़सा गाँव, झज्जर, हरियाणा
9. ऑर्थो ओ.टी. में दैनिक सेवा तथा कम्प्यूटर सुविधा के निकट चाय/कॉफी आउटलेट
10. 24 घंटे रोगियों तथा उनके रिश्तेदारों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एम्स कैफेटेरिया के प्रबंधन के अधीन स्थापित एम्स ओ.पी.डी. कैन्टीन

इसके अतिरिक्त कैफेटेरिया सभी उच्च अधिकारियों तथा संकाय–सदस्यों को उनकी दिन–प्रतिदिन की आवश्यकताओं के साथ–साथ महत्वपूर्ण सरकारी बैठकों, कार्यशालाओं एवं संगोष्ठी इत्यादि हेतु विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भी सेवाएँ प्रदान करता है।

स्टाफ क्षमता

कैफेटेरिया विभाग में संविदा आधार के साथ–साथ नियमित आधार पर 110 कर्मचारी नियुक्त हैं।

विकास गतिविधियाँ

बहुमंजिला कैफेटेरिया ब्लॉक का निर्माण किया गया है तथा इसमें 15 अगस्त, 2017 से कार्य करना शुरू कर दिया गया है।

भविष्य की योजनाएं

एम्स की स्टाफ संख्या में भारी वृद्धि के परिणाम के रूप में संस्थान में सेवाओं को पूरा करने हेतु आवश्यकताओं में व्यापक वृद्धि पर विचार किया जा रहा है तथा एम्स परिसर में बनने वाले ब्लॉकों को ध्यान में रखते हुए संकाय, रेजीडेन्ट डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, अन्य स्टाफ तथा आगंतुकों हेतु परिसर में अत्यधिक कुशल व्यवसायिक कैटरिंग/कैफेटेरिया की सेवाओं की आवश्यकताओं का अनुभव किया जा रहा है। संस्थान में कैफेटेरिया सेवाओं को आउटसोर्स करने की प्रक्रिया जारी है और निकट भविष्य में पूरा होने की संभावना है।

11-3 dsUnzh; i'kq lqfo/kk

izHkkjh vkpk;Z

एस. के. मौलिक

ofj"B i'kq fpfdRld vf/kdkjh

पी. के. यादव

वर्ष के दौरान हमारे केन्द्रीय पशु सुविधा (सी.ए.एफ.) में केवल चूहों, चुहियों, खरगोश, गिनी पिग और हेमस्टर्स को अनुरक्षित रखा गया।

छोटे पशु (रोडेंट्स)

वर्ष के दौरान अनुरक्षित विभिन्न पशुओं की संख्या निम्नानुसार हैः

1.	चूहे (विस्टर) :	1313
2.	चूहे (स्प्रेग डॉले):	560
3.	चुहिया (स्विस) :	501
4.	खरगोश (न्यूजीलैंड):	105
5.	गिनी पिग (डंकिन हार्टली):	65

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के विभिन्न विभागों को कुल 4365 छोटे पशु उपलब्ध कराए गए (चूहेः 3265; चुहियाः 1267; खरगोशः 86 तथा गिनी पिगः 17) तथा दिल्ली एवं दिल्ली के बाहर के सहयोगी संस्थानों को भी कुछ पशु बेचे गए (चूहेः 616, चुहियाः 153; खरगोशः 7 तथा गिनी पिगः 11)। 68 पशुओं पर बायोप्सी की गई।

प्रायोगिक शल्य चिकित्सा

संस्थान के केन्द्रीय पशु सुविधा में विभिन्न विभागों के संकाय, अन्वेषकों तथा विद्यार्थियों द्वारा इकत्तीस शल्यक प्रक्रियाएं निष्पादित की गईं। इनमें शल्य चिकित्सा, बायोमेडिकल इंजीनियरी एकक, तंत्रिका–शल्य चिकित्सा, बाल शल्य चिकित्सा, प्रयोगशाला चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, स्टेम सेल सुविधा तथा विकृति विज्ञान विभाग शामिल हैं।

सांस्थानिक पशु नीतिशास्त्र समिति

सांस्थानिक पशु नीतिशास्त्र समिति (आई.ए.ई.सी.) को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के तहत जंतुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के प्रयोजन के लिए समिति (सी.पी.सी.एस.ई.ए.) द्वारा अनुमोदन प्राप्त है। एम्स की सी.पी.सी.एस.ई.ए. पंजीकरण संख्या 10/जी.ओ./ई.आरईबीआई/एस.एल./99/सी.पी.सी.एस.ई.ए. है। सांस्थानिक पशु नीतिशास्त्र समिति (आई.ए.ई.सी.) ने वर्ष 2017–18 के दौरान संस्थान के विभिन्न अन्वेषकों द्वारा छोटे पशुओं (रोडेन्ट्स) पर 71 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

प्रदत्त सेवाएं

सी.ए.एफ. में सूक्ष्मजैवविज्ञान, बायोमेडिकल इंजीनियरी, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, शरीर रचना विज्ञान, विकृतिविज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, स्टेम सेल सुविधा, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, बाल शल्य चिकित्सा, जैव भौतिकी, जरा चिकित्सा, शल्य चिकित्सा तथा तंत्रिका जैव रसायन, प्रजनन जैव विज्ञान, मनोचिकित्सा तथा रूमेटोलॉजी विभाग से संबंधित पशुओं की देखरेख की जाती है। इस सुविधा में उपरोक्त विभागों से संबंधित प्रायोगिक पशु रखे जाते हैं जिनकी संख्या निम्नानुसार है : चूहे 70, चुहिया 59, खरगोश 5, गिनी पिग 12 और हेमस्टर्स 9।

सी.ए.एफ. द्वारा विभिन्न अन्वेषकों को प्रयोगशाला सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं, जैसे सेरा का निर्वात शुष्कन तथा सीरम नमूनों का संग्रहण, रुधिर–विज्ञान, नैदानिक जैव रसायन, सूक्ष्मदर्शी जांच एवं एक्स–रे सुविधा।

इम्युनोडेफिशियंट पशुओं (न्यूड एवं एस.सी.आई.डी. चूहिया) के साथ अनुसंधान हेतु सुविधाएँ अंतिम चरण में हैं तथा जल्द ही कार्यात्मक होंगी।

शैक्षिक कार्यक्रम में भाग लिया

1. बेहतर स्वच्छ हाइजीन एवं स्टेरेलाइजेशन प्रक्रियाओं के माध्यम से प्रयोगशाला पशु स्वस्थ्य एवं गुणवत्ता में सुधार 24 अप्रैल 2017, राष्ट्रीय प्रयोगशाला पशु विज्ञान केन्द्र (एन.आई.एन., आई.सी.एम.आर.) हैदराबाद।
2. प्रयोगशाला पशुओं के कल्याण पर सी.पी.सी.एस.ई.ए. का एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, 9 जनवरी, 2018, इंदिरा पर्यावरण भवन, नई दिल्ली।

11-4 dsUnzh; dk;Z'kkyk

l dk; leUo;d

डॉ. गंगा प्रसाद

(आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार)

eq[; rduhdh vf/kdkjh

कालू राम

ofj"B rduhdh vf/kdkjh

हरिंदर पाल (मैकेनिकल अनुभाग)

नितिन श्रीवास्तव (इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स)

उद्देश्य

केन्द्रीय कार्यशाला की स्थापना 1964 में हुई थी। यह सुचारु एवं पूर्ण रोगी उपचार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विभिन्न विभागों में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव करता है। यह एम्स में चिकित्सा शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों का निर्माण भी करता है। एकल तकनीकी विभाग होने के नाते यह संस्थान की विभिन्न क्रय समितियों को तकनीकी मार्ग–दर्शन भी प्रदान करता है।

स्थान एवं समय

केन्द्रीय कार्यशाला शवगृह के निकट तथा लॉन्ड्री से सटे हुए भवन में बेसमेंट, भू–तल तथा पहली मंजिल में स्थित है। इसका एक विस्तृत केन्द्र मुख्य अस्पताल के 7वें तल पर भी स्थित है। इस विस्तृत केन्द्र (मिनी कार्यशाला) में तत्काल आधार पर उपकरणों की मरम्मत की जाती है तथा इसके रोगी उपचार गतिविधियों के निकट होने का भी लाभ है जो उस व्यक्ति का समय एवं श्रम बचाता है जो उपकरण को मरम्मत हेतु लाया है।

कर्मचारियों की संख्या

उपर्युक्त कार्यों के निष्पादन हेतु विभाग में तकनीशियनों तथा अधिकारियों की एक कुशल टीम मौजूद है। यह टीम अस्पताल में विभिन्न उपकरणों के अच्छी स्थिति में कार्य करने का रखरखाव करने में कुशल समर्थन प्रदान करती है। केन्द्रीय कार्यशाला विभाग में विभिन्न अनुभाग हैं जिनका संचालन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/तकनीकी अधिकारी की अध्यक्षता में स्टाफ के सदस्यों द्वारा किया जाता है। केन्द्रीय कार्यशाला में ग्रुप बी तथा सी स्टाफ की संख्या निम्नानुसार हैः

• तकनीकी अधिकारीः	3	• कार्यशाला सहायकः	4
• तकनीशियन (ग्रेड I):	6	• खलासीः	6
• तकनीशियन (ग्रेड II):	9	• कार्यालय अधीक्षकः	1
• स्टोर क्लर्क (यू.डी.सी.):	1		

उपलब्ध सेवाएँ

केन्द्रीय कार्यशाला पूरे एम्स, इसके केन्द्रों तथा सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ को निम्नलिखित सेवाएँ उपलब्ध कराता हैः

1. मरम्मत एवं रखरखाव

केन्द्रीय कार्यशाला में विभिन्न उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव करने हेतु विभिन्न अनुभाग हैं। वर्ष के दौरान केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 8538 कार्य पूर्ण किए गए। मरम्मत किए गए उपकरणों का अनुभाग–वार विवरण निम्नलिखित हैः

क्र. सं.	अनुभाग	कार्यों की संख्या	उपकरण
1	इलैक्ट्रोनिक्स	441	पेशेंट मॉनीटर, इन्फ्यूज़न पम्प, विनियमित पावर सप्लाईज, इलैक्ट्रोनिक तौल मशीन, पेपर श्रेडिंग मशीन, लाईट सोर्सिज, ई.सी. जी. मशीन, सीलिंग मशीन, अल्ट्रासोनिक नीबूलाईज़र, डी.वी.टी. पम्प, ब्ल्यू एल.ई.डी. लाईट, स्टैबलाईज़र, इंडक्शन हीटर, नीबूलाईज़र, पब्लिक एड्रैस सिस्टम, ऑपरेशन टेबल इलैक्ट्रोनिक, माइक्रोस्कोप, माइक्रोवेव ओवन, कलर टेलीविजन, ह्यूमीडिफायर, फोयटल डॉप्लर, एयर मैट्रस पम्प इत्यादि।
2	इलैक्ट्रिकल	986	ऑटोक्लेव मशीन, बोन कटर्स, बुलआई लैम्प, बॉईलर, सेंट्रीफ्यूज मशीन, सक्शन मशीन, फ्लोर क्लीनिंग मशीन, फ्लाय किलर मशीन,फ्यूमीगेटर, गॉज/प्लास्टर कटर्स, ग्राइंडर्स, हॉट केस, हॉट एयर ओवन, हॉट डिस्पले कांऊटर, हॉट प्लेट्स, इन्क्यूबेटर्स, लैमिनार फ्लो, मायो स्टैंड, मिक्सर ग्राइंडर, मैग्नेटिक स्टीरर, निडल डिस्ट्रॉयर्स, ओ.टी. लाईट्स, स्पॉट लाईट, स्टीम बाथ, स्टेरीलाईज़र्स, यू.वी. लाईट्स, वैक्यूम क्लीनर्स, एक्स–रे व्यू बॉक्स, वॉर्टेक्स शेकर, वाटर बाथ, वैक्स बाथ इत्यादि।
3	मैकेनिकल	4583	सर्जिकल उपकरण, टीआर. ट्यूब, स्प्रे पम्प, वेपर जेट क्लीनिंग मशीन, कैंची (पट्टी काटने वाली), बेड साइड लॉकर्स, आई.वी. स्टैंड, रोगी ट्रॉली, रोगी बेड, व्हील चेयर्स, लोडिंग ट्रॉली, फूड ट्रॉली, साईड स्क्रीन, उपकरण ट्रॉली, बेसिन स्टैंड, फुट स्टेप, सर्जीकल ड्रम, पुश कार्ट, रोगी परीक्षण टेबल, हायड्रॉलिक ट्रॉली, टेस्ट ट्यूब स्टैंड, रिवोल्विंग स्टूल इत्यादि।
4	फाइन उपकरण	802	डिजिटल बी.पी. उपकरण, माइक्रो बैलेंसिज, डायल बी.पी. उपकरण, स्टैथेस्कोप, तौल मशीन, कम्प्रेसर्स, फ्लो मीटर्स, ऑक्सीजन रेगुलेटर्स, हायड्रॉलिक टेबल्स, लैरिंगोस्कोप्स इत्यादि
5	रेफ्रिजेरेशन	228	वीसी कूलर्स, डीप फ्रीजर्स, चिलिंग यूनिट, आईसक्रीम कैबिनेट, रेफ्रिजेरेटर्स, कोल्ड डिस्पले कांऊटर्स, मिनिकोल्ड, रेफ्रिजेरेटिड बी.ओ. डी. इन्क्यूबेटर इत्यादि।
6	पेन्टिंग	551	कार्यालय तथा अस्पताल की सभी फर्नीचर सामग्री जैसे बेड, आई.वी. स्टैंड, सभी प्रकार की ट्रॉलियाँ, व्हील चेयर्स, बेंचिस, फुट स्टेप्स, रोगी साइड लॉकर्स, पीजन लॉकर्स, रोगी परीक्षण टेबल, पुश चार्ट, अलमारी, रैक इत्यादि।
7	कारपेंटरी एवं अपहॉलस्ट्री	947	सभी प्रकार के स्टूल, सोफे, सेट्टी, कुर्सी, टेबल, ट्रॉली मैट्रस, रोगी शय्या के गद्दे इत्यादि तथा उनके अपहॉलस्ट्री कार्य। तख्त, लकड़ी के स्टूल तथा लकड़ी की अन्य सामग्री का कार्य इत्यादि।
	कुल	**8538**	

2. विनिर्माण एवं मार्गदर्शन

धीरे–धीरे मरम्मत एवं रखरखाव की गतिविधियों का भार बढ़ने के बावजूद भी केन्द्रीय कार्यशाला विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराए गए विशेष–वर्णानुसार उपयोगी उपकरणों के डिजाइन एवं निर्माण द्वारा संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों में मदद करने में सक्षम हैं। वर्ष के दौरान केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 1020 उपकरणों का निर्माण किया गया था। विवरण निम्नानुसार हैः

क्र. सं.	उपकरण	मात्रा	विभाग
1	शल्यक उपकरण हेतु हैंडल	32	अस्थि रोग विज्ञान ओ.टी., जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केन्द्र ओ.टी.
2	टेम्प चार्ट होल्डर	90	मुख्य अस्पताल
3	फर्स्ट रिस्पोंडिंग बजर सिस्टम	1	विकृति विज्ञान
4	इन्स्ट्रमेंट ट्रॉली ट्रे	1	मुख्य अस्पताल
5	वुडन स्पलिंट	508	जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केन्द्र, आपातकालीन
6	एल्यूमिनियम क्लैम्प	2	सीमेट
7	स्केलेटोन रिकन्स्ट्रक्शन	6	शरीर रचना विज्ञान
8	ऑटोक्लेव क्लैम्प	8	जैवरसायन विज्ञान
9	प्रोब	7	शल्य चिकित्सा
10	एल्यूमिनियम ट्रे	5	एम.ओ.टी.
11	आइसोमेट्रिक ऐल्बो कॉनट्रेक्शन हेतु यंत्र	1	शरीर क्रिया विज्ञान
12	लोअर बॉडी प्रैशर डिवाइस	1	शरीर क्रिया विज्ञान
13	मेनीपुलेटर	3	स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान
14	ब्लू लाइट सोर्स	7	शल्य चिकित्सा
15	प्लास्टिक बोटल नेक से क्लैम्प	350	सीमेट
	योग	**1022**	

३. अल्पकालीन प्रशिक्षण

केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा सक्रिय रूप से विभिन्न इंजीनियरी कॉलेजों के डिप्लोमा/स्नातक पूर्व विद्यार्थियों को अल्पकालीन प्रशिक्षण (4 से 6 सप्ताह) तथा मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

उपलब्धियाँ

1. कार्यशाला ने शरीर क्रिया विज्ञान विभाग एवं शरीर रचना विज्ञान विभाग, एम्स से क्रमशः आइसोमेट्रिक ऐल्बो कॉनट्रेक्शन एवं मानव कंकाल के पुनर्निर्माण हेतु उपकरण की रचना एवं संरचना में तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया।
2. एम्स के संस्थान दिवस समारोह के उपलक्ष्य में हुई प्रदर्शनी में कार्यशाला ने पहली बार भाग लिया। प्रदर्शनी के विषयानुसार, केन्द्रीय कार्यशाला के पर्यावरण एवं स्वास्थ्य रक्षा के योगदान को पोस्टर द्वारा प्रदर्शित किया गया। केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा बनायी गई वस्तुओं एवं रचनाओं को भी प्रदर्शित किया गया।

11-5 dEI;Vj lqfo/kk

çHkkjh vkpk;Z

ए. शरीफ

flLVe fo'ys"kd

एस.एन.रघु कुमार | सतीश प्रसाद | सुशील कुमार मेहर

ofj"B çkxzkej

संजय गुप्ता | एस.पी. सिंह | विनय पाण्डे

हरि शंकर | श्यामल बरूआ

çkxzkej

पवन शर्मा | तृप्ता शर्मा | सुषमा धामा

अमित भाटी | संजीव कुमार | अंकिता सैनी

गीतिका गुप्ता

uflZx lwpuk foKku fo'ks"kK

प्रीति एस. एवं टीम

शिक्षा

स्नातकोत्तर

दोनों थ्योरी और प्रैक्टिकल पहलुओं को कवर करने वाली कंप्यूटर प्रोग्रामिंग कक्षाओं का आयोजन जैव प्रौद्योगिकी विभाग और नर्सिंग कॉलेज के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए किया गया था।

स्नातक पूर्व

बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग और बीएससी नर्सिंग (पोस्ट–सर्टिफिकेट) के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए कंप्यूटर, इंटरनेट, विंडोज एप्लिकेशन, कंप्यूटर एडेड लर्निंग, डेटाबेस इत्यादि की तीन महीने का कोर्स आयोजित किया गया था। एमबीबीएस छात्रों के लिए कंप्यूटर ओरिएंटेशन प्रोग्राम भी आयोजित किए गए थे।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

फैसिलिटी के सदस्यों ने भाग लिया और चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों को जारी रखने में व्याख्यान दिए।

सेवाएं

नियुक्ति प्रणाली (अपॉइंटमेंट सिस्टम)

ऑनलाइन नियुक्ति (अपॉइंटमेंट): ऑनलाइन नियुक्तियां (अपॉइंटमेंट्स) की सुविधा के लिए, मरीज रिसीप्टेशन सेंटर (पीआरसी) में 52 काउंटर चालू हैं। इसके अलावा, एक सिंगल विंडो एग्जिट काउंटर (एसडब्ल्यूईसी) फॉलो–अप मरीजों के लिए आरएके ओपीडी में कार्य कर रहा है। वर्ष 2017–18 के दौरान, विभिन्न माध्यमों से ऑनलाइन अपॉइंटमेंट्स की कुल संख्या संक्षेप में नीचे दी गई है:

अपॉइंटमेंट का तरीका	नई अपॉइंटमेंट	अनुवर्ती अपॉइंटमेंट
कॉल सेंटर	38,893	48,939
एवीसी	17,05,760	15,89,382
आईवीआरएस	1496	127
मोबाइल एप	4237	37,462

ऐम्स पोर्टल	21,397	67,000
ओआरएस	22,180	1,27,320
कियॉस्क	2,86,436	30,343
कॉल सेंटर	1,70,777	1,37,205

विभाग वार ब्रेक–अप निम्नानुसार है।

विभाग	कुल नियुक्तियां
ओपीडी और क्लिनिक	37,28,177
रेडियोलॉजी	2,68,600
प्रयोगशाला	3,05,299

एसएनओएमईडी सीटी –वर्ष के दौरान 36394 एसएनओएमईडी सीटी शिकायत प्रविष्टियाँ अस्पताल सूचना प्रणाली (एचआईएस) में दर्ज की गई हैं।

ड्यूटी रोस्टर के साथ बायोमेट्रिक अटेंडेंसः 2017–18 के दौरान बायोमीट्रिक अटेंडेंस सिस्टम में 2500 अतिरिक्त कर्मचारियों को जोड़ा गया है।

अस्पताल का कंप्यूटरीकरण

अस्पताल सूचना प्रणालीः नियुक्ति एवं ओपीडी पंजीकरण, प्रवेश, निर्वहन, और स्थानांतरण, एमआरडी, पेशेंट बिलिंग, स्टोर, प्रयोगशाला सूचना प्रणाली, आहार और रक्त बैंक के प्रबंधन के लिए eHopsital@NIC सॉफ्टवेयर का उपयोग करके एचआईएस को लागू किया जाता है।

एचआईएस ई–हॉस्पिटल के साथ पीएसीएस इंटीग्रेशनः इससे एक्स–रे, सीटी, एमआरआई जैसे रेडियोलॉजिकल–परीक्षणों को आरआईएस सिस्टम तक ऑनलाइन भेजने में मदद मिलती है। 2017–18 के दौरान, 15 मशीनों के लिए पीएसीएस इंटीग्रेशन किया गया था।

ईएचएस फार्मेसी सॉफ्टवेयरः पिछले वर्ष, 32,775 पंजीकरण किए गए हैं और इस सॉफ़्टवेयर के माध्यम से 29,971 पर्चे बनाए गए हैं।

एम्स वीडियो कंसल्ट (एवीसी): कार्डियोलॉजी, ओरल मेडिसिन, डाइटेटिक्स, साइकियाट्री, न्यूरोसर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स, रुमेटोलॉजी, आरपी सेंटर और डर्मेटोलॉजी जैसे विभिन्न विभागों द्वारा कुल 122 वीडियो कंसल्टेशन किए गए हैं।

नर्स इनिशिएटेड फॉलो–अप टेली–कंसल्टेशन (निफ्ट): पिछले वर्ष, इस पहल के माध्यम से 111 वीडियो कंसल्टेशन प्रदान किए गए थे।

मौजूद हाउस मॉड्यूल का प्रबंधनः 2017–18 में, विभिन्न मौजूद हाउस मॉड्यूल के तहत दर्ज कुल मामलों का सारांश निम्नानुसार हैः

1. **ऑनलाइन एनेस्थीसिया रजिस्टरः** इस एप्लिकेशन के माध्यम से एनेस्थेटिस्ट द्वारा 49 केस विवरण दर्ज किए गए हैं।
2. **पेशेंट डिस्प्ले सिस्टम (पीडीएस):** 96,563 मरीजों का विवरण आपातकालीन, नई आपातकालीन और बाल चिकित्सा के लिए पंजीकृत किया गया है।
3. **गुणवत्ता आश्वासन मॉड्यूल (क्यूएएम):** 2011 प्रविष्टियों को शेड्यूलिंग सम्मेलनों, व्याख्यानों, संकाय बैठकों और डॉक्टर के ग्रेडिंग उद्देश्य के लिए दर्ज किया गया है।
4. **क्यूएएम/एचएः** एचए द्वारा ग्रेडिंग के उद्देश्य से 40 प्रविष्टियाँ की गई हैं।
5. **आरपीसी पीडीएसः** 28,576 रोगियों के विवरण को आरपीसी के लिए पंजीकृत किया गया है।
6. **ओटी शेड्यूलिंगः** विभिन्न विभागों के लिए 59,335 ओटी शेड्यूलिंग की गई है।
7. **उपकरण चेकलिस्ट आरपीसीः** आरपीसी में उपकरणों के लिए 2792 जांच सूचियां बनाई गई हैं।
8. **ई जन्म प्रमाण पत्रः** इस मॉड्यूल के माध्यम से 2479 जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए हैं।
9. **ई रक्त अनुरोधः** रोगियों के लिए रक्त की व्यवस्था करने के लिए 92,230 रक्त अनुरोध किए गए हैं।
10. **ई कैथ सूचीः** कैथ लैब के लिए 5949 शेड्यूलिंग की गई है।
11. **ई एमएलसीः** एमएलसी मामलों के लिए 11,456 मेडिकल रिकॉर्ड बनाए गए हैं।
12. **ई एमएलसी आरपीसीः** आरपी सेंटर में एमएलसी मामलों के लिए 119 मेडिकल रिकॉर्ड प्रबंधित गए हैं।
13. **ई वाइटल एंट्रीः** इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से भर्ती किए गए 2,20,915 मरीजों के लिए ई–वाइटल एंट्रियां दर्ज की गई हैं।
14. **पेनिसिलिन रजिस्टरः** पेनिसिलिन इंटेक्स के संबंध में शेड्यूलिंग और अलर्टिंग के लिए 2602 पंजीकरण किए गए हैं।
15. **गामा नाइफ रजिस्टरः** गामा नाइफ प्रक्रिया के लिए 636 पंजीकरण किए गए हैं।

16. चुनाव ई–मतपत्रः इस मॉड्यूल के माध्यम से चुनाव के उद्देश्य से 535 वोट डाले गए हैं।

17. ऑनलाइन प्रवेश पर्चीः अलग–अलग विभाग प्रमुखों के तहत बेड की उपलब्धता के आधार पर ओपीडी और इमरजेंसी दोनों के मरीजों सहित कुल 2883 प्रवेश पत्र वास्तविक प्लेटफॉर्म में उपलब्ध कराए गए हैं।

18. चिकित्सा और फिटनेस प्रमाण पत्र में क्यूआर कोडः इसे 1 जून 2017 को लागू किया गया था और लगातार प्रबंधित किया गया था। तब से 8253 प्रमाण पत्र ऐम्स के लिए और 669 आईआरसीएच कर्मचारियों के लिए बनाएए गए हैं।

19. ई–ग्रिविएंस मॉड्यूलः एम्स का ग्रिविएंस मॉड्यूल जून 2017 से लाइव है और इसे इन हाउस टीम द्वारा प्रबंधित और रखरखाव किया जाता है। इस पोर्टल के माध्यम से 501 शिकायतें की गई हैं और 455, यानी 90.8% का समाधान किया गया है।

20. ई–डेथ नोटः इस एप्लिकेशन के माध्यम से 5792 मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए गए हैं।

21. आईआरसीएच सेंटर के लिए एनेस्थीसिया ऑन्कोलॉजी मैनेजमेंट सिस्टमः इस सिस्टम के माध्यम से कुल 811 कैंसर रोगियों की जानकारी दर्ज की जाती है।

22. ईसीजी लैबः यह ईसीजी लैब की जनगणना को बनाए रखने के लिए एक नई विकसित की गई एप्लिकेशन है और इसके द्वारा 5827 प्रविष्टियाँ पंजीकृत की गई हैं।

नर्सिंग इंफॉर्मेटिक्स स्पेशलिस्ट (एनआईएस): एम्स के सभी केंद्रों में कुल 52 एनआईएस तैनात किए गए हैं और शिक्षा, रोगी देखभाल, अनुसंधान और कम्प्यूटरीकरण गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। वे अस्पताल के डिजिटलीकरण के एक हिस्से के रूप में विभिन्न ऑनलाइन मॉड्यूल के परीक्षण और कार्यान्वयन के लिए सक्रिय रूप से समन्वय करने में शामिल रहे हैं।

प्रशासन

- कंप्यूटर सुविधा केंद्रों सहित प्रशासन/वित्त/इंजीनियरिंग/स्टोर के सभी खंड़ों को बनाए रखने और ई–ऑफिस के प्रबंधन एवं उपयोग में शामिल थी।
- पेरोल सिस्टम, जीपीएफ सिस्टम, टैक्स मॉड्यूल, पेंशन सिस्टम आदि जैसे वित्तीय एप्लिकेशन्स के लिए फाइनेंस सर्वर (नोवेल)/एडमिनिस्ट्रेटिव सर्वर (विंडोज) और हॉस्टल आवंटन एवं पंजीकरण प्रणाली, संकाय के लिए घर का आवंटन, कंप्यूटर सुविधा प्रपत्र, ऑनलाइन पेस्लिप्स, ऑनलाइन जीपीएफ स्टेटमेंट, ऑनलाइन फॉर्म 16, सतर्कता प्रणाली, एलओआई और ईएसडी के लिए पुरस्कार प्रणाली, अकादमिक शिक्षण अनुसूची एवं मेल, कर्मचारी डेटा डिस्प्ले, परिवहन प्रणाली, जैसी वेब आधारित एडमिनिस्ट्रेटिव एप्लिकेशन्स का प्रबंधन करना।

आईटी संरचना और नेटवर्किंग, इंटरनेट और इंट्रानेट प्रबंधन गतिविधियाँ

कंप्यूटर सुविधा एनआईसी से एनकेएन कनेक्टिविटी के माध्यम से एम्स के विभिन्न उपयोगकर्ताओं को उच्च गति वाली इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित नेटवर्क प्रबंधन सुविधाएं प्रदान करती है। यह aiims.edu और aiims.ac.in पर एम्स की वेबसाइट और एम्स के विभिन्न अन्य सर्वरों का रखरखाव करता है।

1. एम्स के संकाय सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को लगभग 150 नए इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

2. विभिन्न सेमिनारों/सम्मेलनों/वीडियो सम्मेलनों के लिए उच्च गति वाली एनकेएन इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान की गई हैः –

क. निदेशक मंडल कक्ष में 2–3 मई 2017 और 11–12 जुलाई 2017 को आईएएसपी–आईएसएसपी बहु–विषयक आधारित दर्द प्रबंधन पाठ्यक्रम के लिए वाई–फाई सुविधा प्रदान की गई है।

ख. आर्थोपेडिक्स विभाग में 12–13 अगस्त 2017 को आर्थोप्लास्टी 2017 में वर्तमान अवधारणाओं के लिए लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई हैं।

ग. 23 से 24 अक्टूबर 2017 को सीएमईटी, ऐम्स के इनोवेशन हॉल में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समूह की बैठक के लिए मनोरोग विभाग के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंस के लिए स्काइप की सुविधा प्रदान का प्रावधान दिया गया है।

घ. ऐम्स, नई दिल्ली में 20–22 नवंबर 2017 को 17वां एफईआरसीएपी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और 5वां एफईआरसीआई राष्ट्रीय सम्मेलन के एक वेबिनार सम्मेलन का आयोजन किया गया है।

च. सीडीईआर बोर्ड रूम में 19 दिसंबर 2017 को टेली–कॉन्फ्रेंस की व्यवस्था की गई है।

छ. जेएलएन सभागार में 11 और 12 जनवरी 2018 के दौरान एनयूएसआईसीओएन 2018 की वेबकास्टिंग का आयोजन किया गया है।

ज. न्यूरोसर्जरी विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में 15 से 17 फरवरी 2018 तक 20वें ऐम्स वार्षिक माइक्रोसर्जरी कार्यशाला के लिए वाई–फाई सुविधा प्रदान की है।

झ. आरपी सेंटर में 10–11 मार्च 2018 को 51वें स्थापना दिवस संगोष्ठी के लिए वाई–फाई कनेक्शन प्रदान किया गया। भारतीय प्रशामक देखभाल संघ के 25वां रजत जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए 21 से 25 फरवरी 2018 तक जेएल सभागार में वाई–फाई कनेक्टिविटी प्रदान की गई।

3 aiims.edu वेबसाइट का निरंतर रखरखाव।

4 एम्स वेबसाइट के पर अपडेट, निर्मित और अपलोड किए गए पृष्ठों की कुल संख्या 4400 है।

5 एम्स वेबसाइट पर आगंतुकों की कुल संख्या लगभग 75 लाख थी।

6 गेटवे लेवल एंटी वायरस, एंटी स्पैम, आईपीएस/आईडीएस, लोड बैलेंसिंग और कंटेंट फिल्टरिंग पर प्रबंधन के लिए कंप्यूटर नेटवर्क एवं एप्लिकेशन की सुरक्षा के लिए किए गए यूनिफाइड थ्रेट मैनेजमेंट (यूटीएम) फ़ायरवॉल का निरंतर प्रबंधन।

7 लगभग 18 छात्रावास स्थानों पर वायरलेस नेटवर्किंग ज़ोन का निरंतर प्रबंधन, इंटरनेट, सूचना और ऑनलाइन पत्रिकाओं तक छात्रों एवं निवासी डॉक्टरों की पहुंच के लिए वाई–फाई जोन का निर्माण। अब तक लगभग 7800 छात्रों ने इस सुविधा का लाभ उठाया है। वर्तमान में इस सुविधा के लिए 1300 उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं।

8 निरंतर बीबीडीपी ओपीएसी सेवाएं और पुस्तकालय ऑनलाइन संसाधनों की वृद्धि को बीबी दीक्षित लाइब्रेरी एम्स वेबसाइट के माध्यम से सब्स्क्राइब किया गया है।

9 छात्रों की इंटरनेट और ऑनलाइन पत्रिकाओं तक पहुंच के लिए बीबी दीक्षित लाइब्रेरी में वाई–फाई ज़ोन का निरंतर प्रबंधन।

10 संकाय और छात्रों के लिए एनकेएन लीज लाइन के माध्यम से उच्च गति वाली इंटरनेट सुविधा लगभग 8150 नोड्स पर ऐम्स नेटवर्क पर 24/7 के आधार पर प्रबंधित की जा रही है।

11 वेब सर्वर, प्रॉक्सी सर्वर और मेल सर्वर का 24x7x365 दिनों तक रखरखाव।

12 कंप्यूटर सुविधा की हेल्प डेस्क के माध्यम से इंटरनेट और नेटवर्क उपयोगकर्ता की शिकायतों और समाधान के लिए 24x7x365 दिनों तक सुविधा प्रबंधन और कॉल रखरखाव।

13 बल्लभगढ़, एम्स सेंटरों के लिए ई–हॉस्पिटल मॉड्यूल के लिए वीपीएन आधारित एक्सेस मैकेनिज्म, एम्स के बाहर से सीपीआरएस एक्सेस।

14 एपिलेप्सी और ब्रेन रिसर्च सेंटर, गुड़गांव में एनडीडीटीसी, जेपीएनएटीसी और उत्कृष्टता केंद्रों के लिए आईपीएसईसी टनल का निरंतर प्रबंधन।

15 वार्ड, ओपीडी, आईसीयू और ओटी आदि में ई–हॉस्पिटल सॉफ्टवेयर और इंटरनेट के लिए वाई–फाई आधारित पहुंच के लिए एम्स संकाय, वैज्ञानिकों, सहायकों और उप–नर्सिंग अधीक्षकों को प्रदत्त मैक आईडी आधारित प्रमाणीकरण।

16 एसएसएल वीपीएन पहुंच के लिए 100 आईडी बनाई गई।

17 एम्स के संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के लिए aims.edu और aims.ac.in डोमेन पर लगभग 120 नई ईमेल आईडी बनाई गई हैं।

18 विभिन्न सम्मेलन, सेमिनार आदि के बारे में सभी संकायों को नियमित ई–मेल भेजे गए हैं।

19 निविदा के लिए सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में नेटवर्क के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए तकनीकी विनिर्देश का मसौदा तैयार किया।

20 नेटवर्किंग, पीसी, परिधीयों और पुर्जों के आरसी के सीएएमसी के लिए निविदा विनिर्देश निविदा के लिए तकनीकी विनिर्देश समिति द्वारा तैयार किए गए थे और लागू किए गए थे।

21 मस्जिद मोठ और एनसीआर्द, झज्जर में नए आगामी ब्लॉकों के लिए तकनीकी रणनीति को अद्यतन करने के लिए कंप्यूटर सुविधा के संगोष्ठी कक्ष में, मेसर्स एचपी, डी–लिंक, डेल, हिताची, आदि द्वारा उत्पाद अद्यतन सत्र आयोजित किए गए थे।

22 एम्स, नई दिल्ली में शुरू जीईएम के माध्यम से ई–खरीद का कार्यान्वयन।

23 पुनर्निर्मित शैक्षणिक अनुभाग के लिए इंटरनेट कनेक्शन के लिए सक्रिय और कॉन्फ़िगर आईपी।

24 न्यूरोसाइंसेस सेंटर के विभाग के लिए जीई सेंट्रिसिटी आरआईएस–पीएसीएस के लिए बाहरी आईपी एड्रेस का प्रावधान दिया गया है।

25 इंटरनेट तक पहुंच के लिए एनएसओटी–1 से एनएससओटी–4 को कनेक्ट करने के लिए 6 कोर फाइबर केबल और संगोष्ठी कक्ष 6वीं मंजिल प्रदान किया गया था।

प्रकाशन
पत्रिकाएंः 1

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं
14–16 दिसंबर 2017 को आईआईएम लखनऊ कैंपस, लखनऊ, यूपी में आयोजित पांचवें पैन आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन द्वारा एम्स को एम्स, नई दिल्ली में गवर्नमेंट–हेल्थकेयर अपॉइंटमेंट सिस्टम में डिजिटल इंडिया एक्सीलेंस अवार्ड 2017 से सम्मानित किया गया है।

एस.एन. रघु कुमार, हरि शंकर ने एमबीबीएस छात्रों, एम्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया; एमएससी और बीएससी नर्सिंग छात्रों की कक्षाएं लीं; ऐम्स टेलीमेडिसिन सेंटर में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी से स्नातकोत्तर छात्रों को व्याख्यान और प्रदर्शन दिया; एम्स में सैप कार्यान्वयन के एचआर मॉड्यूल का समन्वय किया; 10 जनवरी 2018 को दिल्ली में वाई–फाई और नेटवर्किंग पर अरूबा वायुमंडल स्थानीय संगोष्ठी में भाग लिया; 9 और 10 अक्टूबर 2017 को बेंगलुरु में एनकेएन पर एनएसएम ग्रिड पर दो दिनों की संगोष्ठी में भाग लिया।

श्री सतीश प्रसाद, ईऑफिस परियोजना के नोडल अधिकारी (एनआईसी), ईऑफिस के उपयोग के लिए कर्मियों को समन्वित और प्रशिक्षित किया है; सैप के फाइनेंस मॉड्यूल के प्रमुख व्यक्ति और समन्वयक हैं; कोर्स समन्वयक इन हाउस विकसित किए गए फाइनेंशियल एप्लिकेशन्स के लिए फाइनेंस सर्वर (नोवेल) की निगरानी और रखरखाव में शामिल थे; उन्होंने नर्सिंग कॉलेज की आईटी कक्षाओं के लिए एमएससी, बीएससी और पोस्ट सर्टिफिकेट छात्रों की कक्षाएं लीं; इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के लिए आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम के लिए आईटी से संबंधित कक्षाएं ली (जो आईपी विश्वविद्यालय से संबद्धित मास्टर कोर्स है); उन्हें कंप्यूटर सुविधा के लिए केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) के रूप में नामित किया गया है।

डॉ. एस. के. मेहर ने झज्जर (हरियाणा) के लिए गैस्ट्रोएंटरोलॉजी मॉड्यूल, एलआईएस मॉड्यूल, क्लिनिकल मॉड्यूल और कंप्यूटर नेटवर्किंग को लागू करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है; एसएपी परियोजना में पीएस मॉड्यूल को लागू करने में सहायता की है; स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की शिक्षण गतिविधियों में शामिल हैं; सीएनसी के लिए निराकरण समिति के सदस्य है; कंप्यूटर से संबंधित वस्तुओं के लिए निरीक्षण समिति के अध्यक्ष है; सैन डिएगो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 37वें वार्षिक एस्री उपयोगकर्ता सम्मेलन में भाग लिया; हांग्जो, चीन में आयोजित मेडिनफो 2017 (चिकित्सा और स्वास्थ्य सूचना विज्ञान पर 16वीं विश्व कांग्रेस) में पेपर प्रस्तुत किया; जेरोन्टोलॉजी के लिए इंटरनेशनल सोसायटी के बोर्ड सदस्य; भारत चिकित्सा सूचना संघ (आईएएमआई) के सलाहकार; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स में एसएनओएमईडी परियोजना के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

श्री संजय गुप्ता ने ईहॉस्पिटल प्रोजेक्ट के ईएचएस फार्मेसी मॉड्यूल, डाइट मॉड्यूल आदि और ई–ऑफिस के फाइल ट्रैकिंग सिस्टम के कार्यान्वयन को समन्वित किया; एम्स में सैप परियोजना कार्यान्वयन के लिए मुख्य समन्वयक/नोडल अधिकारी हैं और विभिन्न बैठकों, अवलोकन सत्रों, वॉकथ्रू सत्रों, प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं आदि का आयोजन किया है और उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं को समझने,, वित्त (एफआई–सीओ), स्टोर (एमएम) और इंजीनियरिंग (पीएस) मॉड्यूल के लिए बिजनेस ब्लू प्रिंट मास्टर लिंक (बीपीएमएल), संगठनात्मक संरचना और बिजनेस ब्लू प्रिंट (बीबीपी) दस्तावेज़ तैयार करने में मदद की है और इसके अलावा तीन मॉड्यूल के प्रशिक्षण, कॉन्फ़िगरेशन और परीक्षण के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया है।

श्री विनय पांडे को डिजिटल भुगतान, एम्स के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है; ईहॉस्पिटल सॉफ्टवेयर के बिलिंग मॉड्यूल को संभालते हैं; सैप के पेरोल मॉड्यूल, अनुसंधान अनुभाग मॉड्यूल के प्रमुख व्यक्ति (समन्वयक) हैं; वित्त विभाग के पेरोल और अन्य सॉफ्टवेयर का रखरखाव करते हैं; उन्हें आपदा प्रबंधन पर उनके पीजी कोर्स (जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय, दिल्ली से संबद्धित) के लिए आईसीटी, एमआईएस, साइबर आतंकवाद और साइबर सुरक्षा आदि पर व्याख्यान देने के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आमंत्रित किया गया था; ऐम्स में प्रौद्योगिकी, एचआईएस, नर्सिंग और चिकित्सा सूचना विज्ञान, जैव–चिकित्सा सूचना पुनर्प्राप्ति, एम बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी (नर्सिंग), बीएससी (नर्सिंग) के लिए कक्षाएं ली हैं; आगामी नए ओपीडी ब्लॉक, मदर एंड चाइल्ड ब्लॉक, सर्जिकल ब्लॉक और एनसीआई झज्जर के डिजिटल नेटवर्क बुनियादी ढांचे के लिए तकनीकी विनिर्देश तैयार करने में शामिल हैं; 19–22 दिसंबर 2017 को राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा गोवा में आयोजित 'ई–गवर्नेंस के माध्यम से डिजिटल रूपांतरण' प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था।

श्री पवन कुमार शर्मा को ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल जीईएम के लिए एक नोडल अधिकारी के रूप में कार्यभार सौंपा गया है; सैप के एचसीएम और एमएम मॉड्यूल के लिए प्रमुख व्यक्ति है; aiims.edu वेबमेल के लिए नोडल अधिकारी हैं; ईहॉस्पिटल परियोजना के लैब मॉड्यूल और ब्लड बैंक मॉड्यूल के कार्यान्वयन में समन्वयक हैं; संस्थान के सूचना सुरक्षा अधिकारी और वेब सूचना प्रबंधक के रूप में नामांकित हैं।

सुश्री तृप्ता शर्मा ने एम्स के सभी केंद्रों में ईहॉस्पिटल एप्लिकेशन मॉड्यूल यानी अप्वाइंटमेंट मॉड्यूल, एडीटी मॉड्यूल, बिलिंग मॉड्यूल, इंवेंट्री मॉड्यूल, ईएचएस फार्मेसी मॉड्यूल को कार्यान्वित करने, बनाए रखने और कॉन्फ़िगर करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। वह स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की शिक्षण गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से शामिल है; तकनीकी विशिष्टता समिति, निराकरण समिति और निरीक्षण समिति की सदस्य भी हैं।

सुश्री अर्चना और सुश्री रितु ने छात्रावास आवंटन और पंजीकरण प्रणाली, संकाय के लिए गृह आवंटन, ऑनलाइन नेत्र दान प्रणाली, ऑनलाइन कंप्यूटर सुविधा प्रपत्र विकसित किए हैं और ऑनलाइन पेस्लिप, जीपीएफ और आयकर, ऑनलाइन सतर्कता प्रणाली, ऑनलाइन एलओआई और पुरस्कार प्रणाली, ऑनलाइन शिक्षण अनुसूची और मेल, ऑनलाइन छूट प्रमाण पत्र, छूट के लिए रोगी का चयन, ऑनलाइन इम्प्लाई डेटा डिस्प्ले, ऑनलाइन पेशेंट फीडबैक, ऑनलाइन फ़ाइल ट्रैकिंग न्यूरोलॉजी, सीएनसी बेड डिस्प्ले प्रणाली, ऑनलाइन परिवहन प्रणाली, ऑनलाइन बैठक के कार्यवृत्त, मुख्य इंट्रानेट का वेब पेज को निरंतर प्रबंधित किया है।

11-6 byDV'kku l{en'kh lfo/kk

प्रभारी आचार्य

टी. सी. नाग

सहायक आचार्य

सुभाष सी. यादव

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

संदीप आर्य

शिक्षा

1. एम्स के जैवप्रौद्योगिकी विभाग के 13 एम. बायोटेक विद्यार्थियों ने दिनांक 21 अगस्त से 1 सितंबर, 2017 तक (उनके प्रथम सेमिस्टर सेल जैव विज्ञान प्रैक्टिकल्स के रूप में) दो सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. शरीर रचना स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी कक्षाओं (सिद्धांत के साथ–साथ प्रेक्टिकल, केवल शुक्रवार) का आयोजन दिनांक 12 अक्टूबर से 8 दिसम्बर, 2017 तक किया गया।

सी.एम.ई./कार्यशालाएँ/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. तकनीकी कर्मचारियों हेतु इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में ग्रीष्म प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 15 मई से 24 जून 2017 तक किया गया। 6 अभ्यर्थियों को सैम्पल प्रोसेसिंग, अल्ट्रामाइक्रोटॉमी, सी.पी.डी., स्पटर कोटिंग, टी.ई.एम. तथा एस.ई.एम. जांच एवं माइक्रोस्कोप के दैनिक रखरखाव में प्रशिक्षित किया गया।
2. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी फॉर सांइटिफिक इंवेस्टीगेटर्स में 33वें राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 20 नवंबर से 2 दिसंबर 2017 तक किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से 22 अभ्यार्थियों ने भाग लिया। एम्स संकाय कर्मचारियों तथा बाहरी विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को बारह व्याख्यान दिए गए।
3. आर.जे. कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एवं कॉमर्स, घाटकोपर, महाराष्ट्र के एम.एस.सी. द्वितीय वर्ष के 2 विद्यार्थियों ने दिनांक 8 अप्रैल, 2017 को ई.एम. सुविधा का दौरा किया तथा ई.एम. अवलोकन हेतु जैविक नमूने के प्रसंस्करण तथा ई.एम. के सिद्धांतों पर निर्देश प्राप्त किए।
4. मेदान्ता अस्पताल, गुरूग्राम से तीन विकृति विज्ञानियों ने दिनांक 22 नवम्बर, 2017 को ई.एम. सुविधा का दौरा किया तथा ई.एम. अवलोकन हेतु जैविक नमूने के प्रसंस्करण तथा ई.एम. के सिद्धांतों पर निर्देश प्राप्त किए।

प्रदत्त व्याख्यान

टी.सी. नाग :

1 प्रयोगात्मक मुखीय लौह प्रबंधनः बढती उम्र के मानव रेटिना में उम्र बढने के साथ चूहे रेटिना में लौह विनियामक प्रोटीन की जांच एवं अभिव्यक्ति, भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी की 35वीं वार्षिक बैठक, 30 अक्टूबर, 2017 रावेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक।

सुभाष चन्द्र यादव

1. डोक्सोरूबीसिन जी.एन.पी.एस. जटिलता पर बहु लीगेंड्स संयुग्मित आनुवांशिक रूप से संशोधित सी.सी.एम.बी. केप्सिड की सम्मिलित कैंसर कोशिकाओं हेतु लक्षित वितरण प्रणाली, इलेक्ट्रोन सूक्ष्मदर्शी एवं संबंध्दित तकनीकों पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन एवं ई.एम.एस.आइ. की 38वीं वार्षिक बैठक, 17 जुलाई 2017, आई.जी.सी.ए.आर., कलपक्कम, चेन्नई।
2. प्लांट वायरस कैप्सिड प्रणाली से शीमेरिक ड्रग वितरण प्रणाली, बॉयोटीकोस 2017, 'नेनोबायोटेक्नोलॉजी में प्रवृत्तिया', 29 सितम्बर 2017, टी.ई.आर.आई. विश्वविद्यालय, दिल्ली।

3. डोक्सोरूबीसिन जी.एन.पी.एस. जटिलता पर बहु लीजेंडस संयुग्मित आनुवांशिक रूप से संशोधित सी.सी.एम.वी. केप्सिड की सम्मिलित कैंसर कोशिकाओं हेतु लक्षित वितरण प्रणाली, द्वितीय वार्षिक सम्मेलन, नेनोबायोटेक 2017, 6 दिसम्बर, 2017 आई.आई.एस.ई.आर., त्रिवेन्द्रम।
4. सबक्यूटेनस कैंसर हेतु शीमेरिक एवं लक्षित नेनो पार्टिकुलेट ड्रग वितरण प्रणाली, सिस्कॉन 2017–18 'ब्रीजिंग द गेपः बेंच से बेड साइड तक आधार भूत एवं नैदानिक अनुसंधान के मध्य', 11 जनवरी, 2018, एम्स, नई दिल्ली।

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय जनसंख्या में गठिया रोगियों में टीएच (टी. हेल्पर), 17 कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना, स्व. टी. के. दास (अब ए. शरीफ द्वारा चलाया जाता है), आई.सी.एम.आर., 4 वर्ष, 2015–19, 40 लाख रुपये।
2. सामान्य उम्र बढ़ने के साथ मानव कोरॉइडल वाहिकाओं का अल्ट्रास्ट्रक्चरल और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विश्लेषण, टी. सी. नाग, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2015–2018, 21.4 लाख रुपए।
3. एसिंप्टोमैटिक स्टेज में पैथोजन का पता लगाने हेतु सरल, शीघ्र तथा ऑनसाईट अर्ली डायग्नोस्टिक किट, सुभाष चन्द्र यादव, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2016–2019, 50.21 लाख रुपये।
4. साइटोलॉजी नमूने से सरवाइकल कैंसर कोशिकाओं का मेग्नेटिक नेनोपार्टिकल्स एवं क्वांटम डॉट्स युग्मित दृश्य पुष्टिकरणः ग्रामीण भारतीय व्यवस्था हेतु एक लागत प्रभावी, शीघ्र तथा उपयुक्त परीक्षण, सुभाष चन्द्र यादव, एस.ई.आर.बी., 3 वर्ष, 2018–22, 38.68 लाख रूपये।

पूर्ण

1. प्रयोगात्मक लौह अधिभार एवं बढती उम्र के साथ चूहे रेटिना में लौह विनियामक प्रोटीन की अभिव्यक्ति स्वरूप, टी.सी.नाग, सी.एस.आई.आर., 3 वर्ष, 2015–17, 22.8 लाख रूपये।
2. कम खुराक, उच्च प्रभाविकता एवं दीर्घकालीन कार्य के साथ ओपन एगंल ग्लोकोमा के उपचार हेतु ब्रीमोनीडाइन के लिए नेनो ड्रग वितरण प्रणाली का विकास, सुभाष चन्द्र यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2016–18, 9 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रसवपूर्व ध्वनि उद्दीपन हेतु नवजात चूज़े की अभिव्यक्ति के सेंट्रल ऑडिटरी पाथवे तथा हिप्पोकैंपस में ब्रेन डिराइव्ड न्यूरोट्रोफिक फेक्टर (बी.डी.एन.एफ.) के एपीजेनेटिक विनियमन।
2. बढ़ती उम्र के साथ तथा प्रयोगात्मक आयरन अधिभार में चूहे के रेटिना में आयरन विनियामक के अभिव्यक्ति पैटर्न।
3. पोस्ट–हैच चिक रेटिना में प्रकाश–प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव तथा एंडोजिनस न्यूरोप्रोटेक्टिव मकेनिज्म।
4. प्रोटीन बायोमार्कर्स पी.एस.ए. एवं एम.एस.एम.बी. आधारित मूत्र के प्रयोग वाले प्रोस्टेट कैंसर की गैर आक्रामक पहचान हेतु एक नया इम्यूनो नेनो फलुरेसेन्स एसे (आई.एन.एफ.ए.) प्रणाली।
5. लूप मध्यस्थ समतापी विस्तारण (नेनो–एल.ए.एम.पी.) युग्मित स्वर्ण नेनोकणों का प्रयोग कर गुर्दा प्रतिरोपित रोगियों हेतु द्रश्य, तीव्र, गैर आक्रामक एवं लागत प्रभावी बी. के. वायरस वितरण प्रणाली।

पूर्ण

1. प्रकाश–प्रेरित बाहरी रेटिना की क्षति तथा आंतरकि रेटिना में इसके परिणाम।
2. परिवर्तनशील फोटोपीरियड के अनावरण के बाद नवजात चूज़े के रेटिना में मोर्फोलॉजिकल तथा जैवरासायनिक परिवर्तन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 6 सार : 1 पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएँ

वर्ष के दौरान, अनुसंधान एवं रोगी देखभाल हेतु विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं निम्न प्रकार हैः

क्र. सं.	सुविधाएँ	उपभोक्ता सं.		विश्लेषित नमूने	
		आंतरिक	बाहरी	आंतरिक	बाहरी
1.	ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	231	284	1569	1553
2.	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	20	83	106	518

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

प्रोफेसर टी. सी. नाग ने एक्स्प आई रेस (1), जैवचिकित्सा एवं औषध चिकित्सा (1), सूक्ष्मदर्शी एवं सूक्ष्म विश्लेषण (1) एवं, वित्त सहायता हेतु डी.एस.टी.–एस.ई. आर.बी. अनुसंधान परियोजना (6) की पांडुलिपियों की समीक्षा की। वर्ष 2017–20 की अवधि के लिए इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी समिति सदस्य के रूप में नामित किए गए।

डॉ. सुभाष सी. यादव ने नैनोस्केल, नेनोचिकित्सा एवं नोनोतकनीक के जर्नल की पांडुलिपि की समीक्षा की। भुवनेश्वर, जुलाई 2018 में होने वाली ई.एम.एस.आई. 2018 हेतु आयोजित समिति के नामित सदस्य।

11-7 Nk=kokl vu|Hkkx

Nk=kokl v/kh{kd

डॉ. के.के. दीपक

Nk=kokl mi–v/kh{kd

डॉ एस. दत्ता गुप्ता | डॉ. नीरजा भाटला | डॉ. एस. के. मौलिक
डॉ. तनुज दादा | डॉ. राज कुमार यादव | डॉ. राकेश कुमार
डॉ. के. एच. रीता | डॉ. विजय कुमार | डॉ. पार्था हल्दर
डॉ. कपिल यादव | डॉ. कमलेश कुमारी शर्मा | श्रीमती बिमलेश कुमारी

i'kklu vf/kdkjh ¼Nk=kokl½

श्री बी.के. सिंह

Hk.Mkj vf/kdkjh ¼Nk=kokl½

श्री राकेश कुमार शर्मा

y[kk vf/kdkjh ¼Nk=kokl½

श्री त्रिलोक चंद

वरिष्ठ वार्डन

श्री शशि प्रकाश पांडे

OkkMZu

श्री मोहन शर्मा | श्रीमती सीमा परूथि

mi okMZu

श्री सतप्रकाश कालिया | श्रीमती सुचिता कुमारी | श्री सुखपाल मलिक

lgk;d okMZu

श्रीमती तृप्ता शर्मा | सुश्री रानी वर्गीस

कनिष्ठ वार्डन

श्री बाबू लाल मीणा | श्री दिनेश देसाई | श्रीमती निर्मला
श्री राजेश रावत | श्रीमती सुनील देवी

अनुसचिवीय स्टाफ

छात्रावास अनुभाग में नौ अनुसचिवीय स्टाफ है।

अधीनस्थ स्टाफ

आठ पुरुष और अठारह महिला कार्यालय परिचर विभिन्न छात्रावासों में तैनात हैं। एम्स में 1405 (लगभग) से अधिक सिंगल/डबल कमरे तथा विवाहितों के लिए 285 आवास तथा नर्सिंग छात्रों/स्टाफ नर्सों के लिए 404 आवास और 24 अतिथि कक्ष की क्षमता वाले कई छात्रावास हैं। यह विभिन्न आवास और छात्रावास मुख्य परिसर मस्जिद मोठ, आयुर्विज्ञान नगर और ट्रॉमा केन्द्र (राज नगर) में स्थित हैं।

छात्रावासों का विस्तृत विवरण

क्र.सं.	छात्रावास का नाम	एकल कमरा	दो से आठ सीटर	अतिथि कक्ष	कुल संख्या
(पुरुष छात्रावास)					
1	छात्रावास सं. 1 (चरक)	62	3x2=6	0	68
2	छात्रावास सं. 2 (जीवक)	55	2x2=4	1	60
3	छात्रावास सं. 3 (सुश्रुत)	70	6x2=12	1	83
4	छात्रावास सं. 4 (माधव)	53	7x2=14	0	67
5	छात्रावास सं. 5 (नागार्जुन)	53	5x2=10	0	63
6	छात्रावास सं. 6 (वाग्भट्ट)	69	6x2=12	0	81
7	छात्रावास सं. 7 (अश्विनी)	108	0	1	109
8	छात्रावास सं. 8 (भारद्वाज)	108	0	1	109
9	छात्रावास सं. 14 (अत्रेय)	157	0	6	163
10	जे.पी.एन.ए.ट्रॉमा केन्द्र	58	0	2	60
11	छात्रावास सं. 12 (धनवंतरी)	71	0	1	72
	कुल	**864**	**58**	**13**	**935**
(महिला छात्रावास)					
12	छात्रावास सं. 9 (पार्वती)	62	16+2+0+1+(32+6+5)	1	106
13	छात्रावास सं. 10 (सरस्वती)	106	3+0+1+0+0+1(6+4+8)	1	125
14	छात्रावास सं. 11 (अक्षरा)	24	3+0+3+0(6+12)	0	42
15	छात्रावास सं. 13 (लक्ष्मी)	20	13+0+1+0+1(26+4+6)	1	57
16	छात्रावास सं. 17 (अंबुजा)	0	54x2=108	5	113
17	छात्रावास सं. 16 (अग्निवेश)	28	10x2=20	0	48
	कुल	**240**	**243**	**8**	**491**
नर्सिंग छात्र/स्टाफ नर्स छात्रावास					
18	छात्रावास सं. 15 (मेधा) विद्यार्थी	160	76+14+4+0+0(152+42+16)	3	373
19	छात्रावास सं. 15 (मेधा) स्टाफ नर्स	34	0	0	34
	कुल	**194**	**210**	**3**	**407**
विवाहितों हेतु छात्रावास आवास					
20	एफ–टाइप	12	0		12
21	छात्रावास सं. 14 (अत्रेय)	42	0		42
22	ए. वी. नगर टाइप III	79	0		79
23	एफ.टी.ए.	4	0		4
24	जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र	6	0		6
25	संख्या 16	142	0		142
	कुल	**285**	**0**		**285**
	महायोग		**935+491+407+285**		**2118**

महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित नए छात्रावास नियमों को लागू किया गया। यह छात्रावास वेबसाइट पर अंग्रेजी एवं हिंदी में उपलब्ध है।
2. उच्च तकनीकी उपकरण सहित नया समिति कक्ष बनाया गया।
3. छात्रावास में दुकानों एवं स्थापनाओं हेतु ई–टेंडर प्रक्रिया अपनायी गयी।
4. ई–प्रापण प्रणाली अपनायी गयी।
5. ई–आबंटन एवं ऑनलाइन छात्रावास शिकायत निवारण पोर्टल का आरंभ किया जाएगा जो अपने अंतिम चरण में हैं।
6. छात्रावास अनुभाग को छात्रावास संख्या 16 (अग्निवेश) सौंप दिया गयाः 142 विवाहित आवास; 18 महिला वरिष्ठ रेजिडेन्ट्स 10 एकल महिला पी.एच–डी. विद्यार्थियों एवं 20 महिला एम.एस.सी. विद्यार्थियों को आवास मिला।
7. छात्रावास अनुभाग में इंटरकॉम सुविधा के साथ मिनी टेलीफोन एक्सचेंज की व्यवस्था है।
8. पुरूष छात्रावास परिसर में जूस एवं लॉण्ड्री शॉप एवं छात्रावास संख्या 14 (अत्रेय) में एस.टी.डी. शॉप को पुनर्निर्मित किया गया।
9. छात्रावास सं. 7 (अश्विनी) में भूतल की मेस को पुनर्निर्मित किया गया।
10. छात्रावास सं. 7 (अश्विनी) एवं छात्रावास सं. 8 (भारद्वाज) में भूतल के गलियारों को पुनर्निर्मित किया गया।
11. छात्रावास सं. 7 (अश्विनी), सं. 1 (चरक), सं. 2 (जीवक), सं. 4 (माधव) एवं सं. 5 (नागार्जुन) में सार्वजनिक शौचालयों के पुनर्निर्माण का कार्य जारी है।
12. छात्रावास सं. 12 (धनवंतरी) में भूतल की मेस का पुनर्निर्माण किया जा रहा है।
13. छात्रावास सं. 14 (अत्रेय) में तीन सार्वजनिक शौचालयों एवं एक कमरा; छात्रावास सं. 11 (अक्षरा) में दो कमरें और छात्रावास सं. 9 (पार्वती) में तीन सार्वजनिक शौचालयों को पुनर्निर्मित किया गया।
14. टाइप III छात्रावास, आयुर्विज्ञान नगर में पांच कमरों को पुनर्निर्मित किया गया और छात्रावास सं. 15 (मेधा) में 5 अध्ययन कक्षों, विद्यार्थी आगन्तुक कक्ष, वार्डन कार्यालय, स्वागत कक्ष एवं मेस भंडार को पुनर्निर्मित किया गया।
15. छात्रावास अनुभाग में नयी फोटोकॉपी मशीनो ंको लगाया गया।
16. छात्रावास सं. 17 (अंबुजा) में तीन नए अतिथि कक्ष बनाए गए। पुराने दो अतिथि कक्षों में एयर कंडीश्नर लगाए गए। छात्रावास सं. 17 में एक सार्वजनिक शौचालय बनाया गया।
17. छात्रावास सं. 15 (मेधा) में तेरह, अध्ययन कक्षों में पांच, रोगी कक्षों में दो, अतिथि कक्षों में तीन, आगन्तुक कक्षों में दो, एवं वार्डन कार्यालय में एक नये एयर कंडीश्नर लगाये गए।
18. छात्रावास सं. 13 (लक्ष्मी) में आर.ओ. संयंत्र लगाया गया।
19. छात्रावास सं. 9, 10, एवं 13 में चार (अतिथि कक्षों में तीन) एवं वार्डन कार्यालय में एक एयर कंडीश्नर लगाए गए।
20. जे.पी.एन.ए.टी.सी. छात्रावास में गैस रसोई की चिमनियों को बदला गया।

भविष्य की योजनाएं

1. विद्यार्थियों, रेजीडेंट डॉक्टरों और पी–एच.डी. अध्येताओं के आवास की स्वीकृत संख्या को पूरा करने के लिए आधुनिक सुख–सुविधाओं के साथ मस्जिद मोठ में दो नयी इमारतों का निर्माण पूर्ण किया जाना है।
2. पुरूष छात्रावास के सार्वजनिक शौचालयों के पुनर्निर्माण का कार्य पूरा किया जाना है।
3. छात्रावास सं. 8 (भारद्वाज) के प्रथम तल के मेस एवं छात्रावास सं. 13 (लक्ष्मी) के मेस का पुनर्निर्माण किया जाना है।
4. छात्रावास सं. 15 (मेधा) में सभी सार्वजनिक शौचालयों, रोगी कक्ष एवं अतिथि कक्ष दोनों का पुनर्निर्माण कराना है और भूतल पर अध्ययन कक्ष को डांस कक्ष में बदलना है।

5. छात्रावास सं. 14 (अत्रेय) के सार्वजनिक शौचालयों के पुनर्निर्माण को पूरा करना है।
6. छात्रावास अनुभाग को वरिष्ठ वार्डन एवं नए शामिल स्टाफ हेतु बढ़ाने की आवश्यकता है।
7. छात्रावास रिकॉर्ड कक्ष को छात्रावास सं. 6 (वाग्भट्ट) में स्थानान्तरित कराना।
8. पुरूष छात्रावास के मुख्य गेट के पास मुख्य छात्रावास भंडार को पुराना रिकॉर्ड कक्ष/पुराने छात्रावास कार्यालय में पुनर्निर्माण के बाद स्थानांतरित कराना।
9. पुराना छात्रावास भंडार क्षेत्र में नयी कॉफी शॉप को शुरू कराना।

11-8 uhfr fo"k;d lfefr

- **संस्थान नीति विषयक समिति की बैठकों की संख्या इस प्रकार थीः**
  - संस्थान नीति विषयक समितिः **12**
  - बुनियादी और नैदानिक विज्ञान के स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समितिः **10**

- **संस्थान नीति विषयक समिति समीक्षित परियोजनाओं की संख्या इस प्रकार थीः**
  - नई परियोजनाएंः **757**
  - समीक्षा परियोजनाएंः **612**
  - पुरानी परियोजनाएंः **174**

- **बुनियादी और नैदानिक विज्ञान के स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समिति द्वारा समीक्षित परियोजनाओं की संख्या इस प्रकार थीः**
  - नई थीसिसः **718**
  - समीक्षा थीसिसः **409**
  - पुरानी थीसिसः **54**

इसके अलावा, संस्थान नीति विषयक समिति को गंभीर प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, छह मासिक प्रगति रिपोर्ट और समापन रिपोर्ट आदि की सूचनाएं प्राप्त होती रही हैं।

इससंस्थान नीति विषयक समिति की मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को जरूरत के अनुसार संशोधित किया गया था और यह ऐम्स की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

संस्थान नीति विषयक समिति और बुनियादी और नैदानिक विज्ञान के स्नातकोत्तर अनुसंधान के लिए संस्थान नीति विषयक समिति डीसीजीआई और एफडब्ल्यूए के साथ पंजीकृत थी।

11.9 चिकित्सा शिक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार के.एल. विग सेंटर (सीएमईटी-आई)

प्रमुख
ओ.पी. खरबंदा

प्रभारी आचार्य
(बुनियादी विज्ञान के संकाय विकास के लिए)
के.के. दीपक

प्रभारी आचार्य
(चिकित्सा और संबद्ध विषयों के नैदानिक संकाय के संकाय विकास के लिए)
रीता सूद

प्रभारी आचार्य
(शल्य चिकित्सा विषयों के संकाय विकास के लिए)
अनुराग श्रीवास्तव

एजुकेशन मीडिया जनरलिस्ट
योगेश कुमार

मुख्य तकनीकी अधिकारी
आदर्श कुमार शर्मा (जुलाई 2017 से)

प्रबंधक (एचआरडी)
सौरव सरकार

प्रमुखताएं

- **वर्ष के दौरान 99 इन–हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जिनमें शामिल हैं**
  1. शिक्षण पद्धति में अपने कौशल और चिकित्सा शिक्षा की समझ को बढ़ाने के लिए मेडिकल, नर्सिंग एवं डेंटल संकाय के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवसायों की शिक्षा में 3–दिवसीय बुनियादी पाठ्यक्रम। विभिन्न विषयों के अट्ठाईस संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
  2. भारत के राष्ट्रीय मेडिकल जर्नल के सहयोग से एक शोध पत्र लिखने पर दो कार्यशालाएँ।
  3. हाल ही में शामिल हुए संकाय सदस्यों के लिए चार माइक्रोटोकिंग सत्र।
  4. विभिन्न विषयों पर संकाय और निवासियों के लिए सोलह कार्यशालाएं
  5. एमएससी नर्सिंग छात्रों के लिए छह कार्यशालाएं।
  6. सत्रह एम्स कार्डियक रिससिटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम।
  7. क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट के तत्वावधान में तेईस व्याख्यान।
  8. ओआरबीओ के सहयोग में सत्रह प्रशिक्षण कार्यक्रम।
  9. प्रशासन के कर्मचारियों और नर्सों के लिए ग्यारह कार्यक्रम।
- **सीएमईटी हॉल का उपयोगः** सीएमईटी ने कार्यशालाओं/सीएमई का आयोजन करने के लिए विभिन्न विभागों को ऑडियो–विजुअल सहित लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की है। वर्ष के दौरान, तीन सीएमईटी हॉल– एजुकेशन हॉल, टेक्नोलॉजी हॉल और नवनिर्मित इनोवेशन हॉल का उपयोग क्रमशः 220, 173 और 27 दिनों के लिए किया गया था।

- **62वीं संस्थान दिवस प्रदर्शनीः** सीएमईटी ने 24 से 26 सितंबर 2017 तक संस्थान प्रदर्शनी के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
  - प्रदर्शनी का विषय 'पर्यावरण और स्वास्थ्य' था।
  - माननीय स्वास्थ्य मंत्री, भारत सरकार ने 25 सितंबर 2017 को प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। ऐम्स के संकाय और कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया।
  - *महत्वपूर्ण पोस्टरः* विभिन्न प्रकार के पर्यावरण, प्रदूषण के प्रकार, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जीका विज़न, पुनः उपयोग एवं पुनरावर्तन का महत्व, विभिन्न अंगों पर प्रदूषण के प्रभाव और पर्यावरणीय प्रभावों के कारण नई बीमारी के बारे में बताने वाले पोस्टर प्रदर्शनी की प्रमुखताएं थी।
  - पुनः उपयोग और पुनरावर्तन को महत्व देने के लिए, अपशिष्ट पैकेजिंग सामग्री का उपयोग डिस्प्ले तैयार करने के लिए किया गया था। नर्सिंग छात्रों ने घरेलू कचरे से बनी वस्तुओं का प्रदर्शन किया। एक खूबसूरत बगीचे की दीवार बनाने के लिए पुरानी कोल्ड ड्रिंक की बोतलों का इस्तेमाल किया गया था।
  - उपरोक्त विषय पर 42 विभागों/केंद्रों के पोस्टर और वीडियो प्रदर्शित किए गए थे।
  - प्रदर्शनी को आसानी से पोर्टेबल पैनल डिस्प्ले सिस्टम का उपयोग करके डिजाइन किया गया था और एक भी कील या स्क्रू का उपयोग नहीं किया गया था।
  - ऐक्रेलिक माउंट और 6 वीडियो स्टेशनों के साथ कुल 90 पोस्टर (42 x 72 इंच) डिस्प्ले पर रखे गए थे।

- **मिनी स्वास्थ्य प्रदर्शनीः 4**
  1. स्वालीनता जागरूकताः हम मिल करकर सकते हैं, 25 अप्रैल 2017, 40 पोस्टरों को डिज़ाइन और मुद्रित किया गया।
  2. चाइल्डहुड कैंसर प्रदर्शनी, 24 फरवरी 2018, 16 पोस्टरों को डिज़ाइन और मुद्रित किया गया।
  3. आरपीसी दिवस प्रदर्शनी, 10 मार्च 2018, 39 पोस्टरों को डिज़ाइन और मुद्रित किया गया।
  4. विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस प्रदर्शनी, 27 मार्च 2018, 30 पोस्टरों को डिज़ाइन और मुद्रित किया गया।
- डेस्क कैलेंडर 2018 को ऐम्स के अभिलेखीय चित्रों के साथ डिजाइन किया गया था।
- सीएमईटी फोटोग्राफी टीम ने 18 जनवरी 2018 को आयोजित 45वें दीक्षांत समारोह की लगभग 2000+ उच्च रेज़ॉल्यूशन की तस्वीरें लीं। सभी तस्वीरों को ऐम्स की वेबसाइट पर अपलोड किया गया और छात्रों को मुफ्त में उपलब्ध कराया गया।
- एम्स के संकाय, निवासियों और कर्मचारियों को अग्रिम में 6–मासिक (सीएमईटी प्रशिक्षण) कैलेंडर वितरित किए गए थे, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिभागियों को बेहतर विस्तारित मार्ग मिला है।

मीडिया से संबंधित उपलब्धियां

विवरण	कुल संख्या
Clinical/Event Photography and Scan, X-ray/CT/MRI/Slide (Requisitions: 365) क्लिनिकल/इवेंट फोटोग्राफी और स्कैन, एक्स–रे/सीटी/एमआरआई/स्लाइड (अधियाचनः 365)	27,135
कलर प्रिंटिंग (A4/A3 साइज़)	2500+
वीडियो रिकॉर्डिंग और एडिटिंग	654 नौकरियां
बड़े प्रारूप पोस्टर की डिजाइनिंग/प्रिंटिंग	1821
ऑन स्क्रीन प्रेजेंटेशन स्लाइड (अधियाचनः 29)	2200
प्रमाण पत्र प्रिंट A4 साइज़ (सीएमईटी कार्यशालाएँ + अन्य विभाग)	768

शिक्षा

कुल 97 कार्यशालाओं/व्याख्यान/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे जो नीचे सूचीबद्ध हैं

क.सं.	कार्यशाला के विषय	लक्षित समूह	तारीख
संकाय विकास गतिविधियाँ (9 कार्यक्रम)			
1.	स्वास्थ्य सेवा में गुणवत्ता सुधार		7 अप्रैल 2017
2.	शोध पत्र लिखना		28–29 अप्रैल 2017

3.	सूक्ष्म शिक्षण		20 जुलाई 2017
4.	अनुदान लेखन		11 अगस्त 2017
5.	सूक्ष्म शिक्षण		31 अगस्त 2017
6.	सूक्ष्म शिक्षण		14 सितंबर 2017
7.	सूक्ष्म शिक्षण		25 जनवरी 2018
8.	सूक्ष्म शिक्षण		8 फरवरी 2018
9.	चिकित्सा शिक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम		14–16 मार्च 2018
रेजीडेंट्स और स्वास्थ्य पेशेवरों की कौशल विकास गतिविधियाँ (17 कार्यक्रम)			
10.	स्वास्थ्य देखभाल में मूल्य		11 अप्रैल 2017
11.	मनो–सामाजिक और पारस्परिक कौशल का विकास करना		20 अप्रैल 2017
12.	उन्नत घाव प्रबंधन		27 अप्रैल 2017
13.	बेहतर जर्नल क्लब की तैयारी		21 जुलाई 2017
14.	अपनी प्रयोगशाला को जानें		28 जुलाई 2017
15.	स्वास्थ्य विज्ञान और ग्रंथ सूची प्रबंधन में सूचना पुनर्प्राप्ति		3 अगस्त 2017
16.	इम्यूनोलॉजी में बुनियादी पाठ्यक्रम		21–22 अगस्त 2017
17.	अच्छा बेडसाइड ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस		8 सितंबर 2017
18.	शोध पत्र लेखन		12–13 अक्टूबर 2017
19.	स्वास्थ्य विज्ञान और ग्रंथ सूची प्रबंधन में सूचना पुनर्प्राप्ति		20 जनवरी 2018
20.	स्मार्ट फोन ऐप का विकास करना – चिकित्सा शिक्षा में एक नया प्रतिमान		31 जनवरी 2018
21.	एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण		3 फरवरी 2018
22.	अपनी प्रयोगशाला को जानें		7 फरवरी 2018
23.	शोध पत्र लेखन		15–16 फरवरी 2018
24.	एक्सेल में एक्सेल		17 फरवरी 2018
25.	पॉवरप्वाइंट में एनीमेशन		10 मार्च 2018
26.	प्रभावी प्रजेंटेशन डिजाइनिंग		24 मार्च 2018
कर्मचारी विकास गतिविधियाँ (7 कार्यक्रम)			
27.	एमएसीपी और पे फिक्सेशन	मुख्य अस्पताल के स्टाफ	4 अगस्त 2017
28.	घाव की देखभाल और शय्याव्रण की रोकथाम	स्वास्थ्य व्यवसायी	8 अगस्त 2017
29.	घाव की देखभाल और शय्याव्रण की रोकथाम	स्वास्थ्य व्यवसायी	3 अक्टूबर 2017
30.	अच्छी बेडसाइड ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस	स्वास्थ्य व्यवसायी	16 अक्टूबर 2017
31.	घाव की देखभाल और शय्याव्रण की रोकथाम	स्वास्थ्य व्यवसायी	12 दिसंबर 2017
32.	मनो–सामाजिक और पारस्परिक कौशल का विकास करना	स्वास्थ्य व्यवसायी	28 फरवरी 2018

33.	विकलांकता संवेदीकरण की हैंडलिंग और प्रैक्टिकल की जानकारी देना	स्वास्थ्य व्यवसायी	7 मार्च 2018
एमएससी नर्सिंग छात्रों के लिए कार्यशालाएँ			
34.	स्वास्थ्य विज्ञान और ग्रंथ सूची प्रबंधन में सूचना पुनर्प्राप्ति		10 अगस्त 2017
35.	एमएस वर्ड में वैज्ञानिक लेखन के लिए उपकरण		12 अगस्त 2017
36.	प्रभावी प्रेजेंटेशन		17 अगस्त 2017
37.	पोस्टर और पैम्फलेट डिजाइन करना		19 अगस्त 2017
38.	पॉवरप्वाइंट में एनीमेशन		24 अगस्त 2017
39.	रचनात्मकता		26 अगस्त 2017

क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी यूनिट के तत्वावधान में और "क्लिनिकल रिसर्च एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन" में फैलोशिप प्रोग्राम के लिए केएल विग सीएमईटी–आई के सहयोग से ऐम्स के संकाय, निवासियों, पीएचडी छात्रों के लिए 23 (तेईस) व्याख्यान आयोजित किए गए।

40.	सांख्यिकीय अनुमान की अवधारणा और त्रुटि के प्रकार	5 अप्रैल 2017
41.	पूर्वाग्रह और संघर्ष	12 अप्रैल 2017
42.	सांख्यिकीय विश्लेषण और सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर के उपयोग के सिद्धांत	19 अप्रैल 2017
43.	अनियमित नियंत्रित परीक्षण के तहत परिणाम की रिपोर्टिंगः सीओएनएसओआरटी –2010	26 अप्रैल 2017
44.	उपचार परीक्षण के संबंध में विषम अनुपात, संबंधित जोखिम और एनएनटी को समझना	3 मई 2017
45.	क्लीनिकल रिसर्च में नैतिकता सिद्धांत	17 मई 2017
46.	प्रतिगमन मॉडल सत्र – 1	9 अगस्त 2017
47.	प्रतिगमन मॉडल सत्र – 2	16 अगस्त 2017
48.	प्रतिगमन मॉडल सत्र – 3	23 अगस्त 2017
49.	प्रतिगमन मॉडल सत्र – 4	30 अगस्त 2017
50.	प्रतिगमन मॉडल सत्र – 5	6 सितंबर 2017
51.	प्रतिगमन मॉडल सत्र – 6	13 सितंबर 2017
52.	प्रतिगमन मॉडल सत्र – 7	20 सितंबर 2017
53.	प्रतिगमन मॉडल सत्र – 8	27 सितंबर 2017
54.	मामला नियंत्रण अध्ययन	1 नवंबर 2017
55.	मामला नियंत्रण अध्ययन	8 नवंबर 2017
56.	मामला नियंत्रण अध्ययन	15 नवंबर 2017
57.	समूह अध्ययन	17 जनवरी 2018
58.	समूह अध्ययन	24 जनवरी 2018
59.	समूह अध्ययन	31 जनवरी 2018
60.	समूह अध्ययन	7 फरवरी 2018

61.	समूह अध्ययन		21 फरवरी 2018
62.	नैदानिक परीक्षण अध्ययन		28 मार्च 2018
	अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने केएल विग सीएमईटीआई के सहयोग से एम्स आईटीसी द्वारा संचालित बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम को मान्यता दी है। (2017–18): (2 कार्यक्रम)		
63.	बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और एडवांस्ड कार्डिएक लाइफ सपोर्ट कोर्स (एसीएलएस)	डॉक्टर एवं नर्स	24 और 25 अप्रैल 2017
64.	बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और एडवांस्ड कार्डिएक लाइफ सपोर्ट कोर्स (एसीएलएस)	डॉक्टर्स एवं नर्स	24 और 25 जुलाई 2017
65-79.	*नर्सों के लिए ऐम्स कार्डिएक रिससिटेशन शिक्षण कार्यक्रम, 15 कार्यक्रम*		
80-97.	*केएल विग सीएमईटी–आई के सहयोग से ओआरबीओ द्वारा संचालित "मृत अंग और ऊतक दान" कार्यक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 18 कार्यक्रम*		

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
दिए गए व्याख्यान
योगेश कुमारः 13

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर अनुराग श्रीवास्तव ने पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर मनोज सिंह के साथ मिलकर एम्स के वर्चुअल एजुकेशन स्टूडियो में 'आशा कार्यकर्ताओं के लिए स्तन स्व परीक्षण' और 'नर्सों और चिकित्सा अधिकारियों के लिए नैदानिक स्तन परीक्षण' पर एक शिक्षण वीडियो बनाया है।

11-10 ehfM;k vkSj izksVksdkWy izHkkx

v/;{k
डॉ. आरती विज

vij çoäk
डॉ. करण मदन

t-vkj-vk-
सुशील कुमार बिश्वनाथ आचार्य संदीप सक्सेना

एम्स में प्रेस कॉन्फ्रेंस

क.सं.	दिनांक	विषय
1.	18 मई 2017	श्री अनिल माधव देव, केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को दिल के दौरे की स्थिति में ऐम्स में लाया गया था।
2.	15 जून 2017	अस्थि दान और अस्थि बैंकिंग
3.	20 जून 2017	अच्छे स्वास्थ्य और रोगी उपचार के लिए योग अनुसंधान के वैज्ञानिक आधार
4.	14 जुलाई 2017	प्लास्टिक और पुनर्निर्माण सर्जरी
5.	15 जुलाई 2017	सिर से जुड़े हुए जुड़वाँ शिशु
6.	28 जुलाई 2017	भारत में हेपेटाइटिस
7.	9 अगस्त 2017	बुजुर्गों में टीकाकरण
8.	9 अगस्त 2017	श्री सांवर लाल जाट, सांसद (लोकसभा); पूर्व जल संसाधन राज्य मंत्री न्यूरोलॉजी आईसीयू में भर्ती हुए थे
9.	30 अगस्त 2017	जग्गा और बलिया के बारे में अद्यतन जानकारी (जुड़वाँ बच्चे)
10.	1 सितंबर 2017	बुजुर्गों में दृश्य हानि
11.	5 सितंबर 2017	32वां नेत्रदान पक्ष
12.	7 सितंबर 2017	'ई–हॉस्पिटल में प्रौद्योगिकी के लागत प्रभावी उपयोग' पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सीएमई, कार्यशाला और सम्मेलन
13.	8 सितंबर 2017	सीलिएक रोग पर 17वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
14.	12 सितंबर 2017	दुनिया के सबसे सस्ते, सबसे छोटे और सबसे उन्नत पूरी तरह से भारत में निर्मित सर्व उद्देश्यक पोर्टेबल वेंटिलेटर का पूर्वावलोकन
15.	29 सितंबर 2017	दिल को बचाने के लिए स्वस्थ खाना खाएं
16.	2 अक्टूबर 2017	गांधी जयंतीः 2 अक्टूबर 2017 को स्वच्छ स्वस्थ जीवन दिवस
17.	10 अक्टूबर 2017	कार्य स्थल में मानसिक स्वास्थ्य
18.	12 अक्टूबर 2017	गठिया
19.	21 अक्टूबर 2017	भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू ऐम्स, नई दिल्ली में एक सफल एंजियोप्लास्टी से गुजरे हैं
20.	24 अक्टूबर 2017	एयरलेंस का प्रक्षेपण
21.	25 अक्टूबर 2017	आघात
22.	26 अक्टूबर 2017	जुड़े हुए जुड़वाँ बच्चों की सर्जरी
23.	29 अक्टूबर 2017	ओटी और क्रिटिकल केयर यूनिट्स में मरीजों की देखभाल का सुरक्षित अभ्यास
24.	30 अक्टूबर 2017	एम्स में 25 अक्टूबर को जग्गा और कालिया (बलिया) के बारे में अद्यतन जानकारी
25.	1 नवंबर 2017	एम्स द्वारा सिर से जुड़े बच्चे जग्गा और कालिया

26.	1 नवंबर 2017	हस्ताक्षर समारोह
27.	7 नवंबर 2017	एम्स में भर्ती हुए जुड़वा बच्चे
28.	7 नवंबर 2017	जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती मरीजों के जले होने की स्टिटस रिपोर्ट
29.	8 नवंबर 2017	वायु प्रदुषण
30.	14 नवंबर 2017	एंटीबायोटिक्स का प्रयोग सावधानी से करें
31.	23 नवंबर 2017	अफगानिस्तान में बम धमाके में 10 साल की लड़की घायल
32.	1 दिसंबर 2017	एम्स, नई दिल्ली और आईआईएफसीएल (इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर इवेंट
33.	16 जनवरी 2018	45वां दीक्षांत समारोह सारांश
34.	4 फरवरी 2018	टीपीजे फाउंडेशन राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार
35.	10 फरवरी 2018	दूसरा राष्ट्रीय कॉन्क्लेव आभासी शिक्षण
36.	22 फरवरी 2018	कैंसर के दर्द का उपचार हो सकता है, दर्द के साथ जीने की आवश्यकता नहीं है
37.	5 मार्च 2018	टेलीफोन पर ओपीडी अप्वाइंटमेंट बुकिंग की शुरुआत
38.	7 मार्च 2018	किडनी और महिलाओं का स्वास्थ्य
39.	10 मार्च 2018	डॉ० रा. प्र. नेत्र रोग विज्ञान केंद्र की 51वां स्थापना दिवस
40.	18 मार्च 2018	एम्स, नई दिल्ली के रेजिडेंट डॉक्टरों का दुर्भाग्यपूर्ण एक्सीडेंट
41.	20 मार्च 2018	विश्व ओरल स्वास्थ्य दिवस समारोह–प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम
42.	24 मार्च 2018	मैक्सिलोफेशियल आघात पर व्यवस्थित दृष्टिकोण सम्मेलन
43.	24 मार्च 2018	विश्व टीबी दिवस

जन व्याख्यान श्रृंखला कार्यक्रम

क.सं.	जन व्याख्यान	दिनांक	विभाग
1.	डिप्रेशन – चलो बात करें	7 अप्रैल 2017	मनोरोग, पीएमआर
2.	प्रारंभिक पहचान और आगे का रास्ता से लेकर ऑटिज्म	26 अप्रैल 2017	बाल चिकित्सा, प्रसूति और स्त्री रोग, मनोचिकित्सा
3.	हाथ की स्वच्छता और रोगाणुरोधी प्रतिरोध	5 मई 2017	आरपी सेंटर, काय चिकित्सा, बाल चिकित्सा, सीएन सेंटर, ऑर्थोपेडिक्स, एंडोक्रिनोलॉजी
4.	डेंगू	16 मई 2017	काय चिकित्सा, बाल चिकित्सा, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
5.	एमएस (मल्टीपल स्केलेरोसिस) के साथ जीवन	31 मई 2017	न्यूरोलॉजी
6.	अस्थि दान और अस्थि बैंकिंग	15 जून 2017	आर्थोपेडिक्स
7.	अच्छे स्वास्थ्य और रोगी उपचार के लिए योग अनुसंधान के वैज्ञानिक आधार	20 जून 2017	फिजियोलॉजी, कार्डियोलॉजी
8.	प्लास्टिक और पुनर्निर्माण सर्जरी	14 जुलाई 2017	ऑर्थोपेडिक्स, सर्जरी, बायोफिज़िक्स
9.	भारत में हेपेटाइटिस	28 जुलाई 2017	गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और मानव पोषण
10.	बुजुर्गों में टीकाकरण	9 अगस्त 2017	जराचिकित्सा चिकित्सा, माइक्रोबायोलॉजी
11.	बुजुर्गों में दृश्य हानि	1 सितंबर 2017	डॉ. रा.प्र. नेत्र रोग विज्ञान केंद्र
12.	दिल को बचाने के लिए स्वस्थ खाना खाएं	29 सितंबर 2017	कार्डियलॉजी
13.	कार्य स्थल पर मानसिक स्वास्थ्य	10 अक्टूबर 2017	मनोरोग
14.	आघात	25 अक्टूबर 2017	न्यूरोलॉजी
15.	एंटीबायोटिक्स का प्रयोग सावधानी के साथ करें	14 नवंबर 2017	ऑर्थोपेडिक्स काय चिकित्सा, सूक्ष्म जीव विज्ञान, बाल चिकित्सा, प्रयोगशाला चिकित्सा, एनसीडीसी, पल्मोनरी मेडिसिन और नींद संबंधी विकार, अस्पताल प्रशासन
16.	कैंसर के दर्द का उपचार किया जा सकता है,	22 फरवरी 2018	आईआरसीएच

	दर्द के साथ जीने की आवश्यकता नहीं है		
17.	बचपन का कैंसर उपचार योग्य है	26 फरवरी 2018	बाल चिकित्सा, आईआरसीएच, सर्जरी
18.	किडनी और महिलाओं का स्वास्थ्य	7 मार्च 2018	नेफ्रोलॉजी, बाल चिकित्सा, सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान, रुधिर विज्ञान

मीडिया और प्रोटोकॉल प्रभाग ने निम्नलिखित विषयों पर सरकारी और प्राइवेट इलेक्ट्रॉनिक चैनलों पर कवरेज की व्यवस्था की:

नेत्र दान	हृदय विफलता (एचएफ) के बारे में जागरूकता बढ़ाना	डेंगू
स्ट्रोक और डिमेंशिया	पब्लिक एवं प्राइवेट सेक्टर में अम्बिलिकल कॉर्ड ब्लड बैंकिंग	
सोशल मीडिया की लत	वेक्टर जनित रोगः रोकथाम और देखभाल	फोन की लत
आईवीएफ उपचार की चुनौतियां	डॉक्टरों की मांग है कि उन्हें आत्मरक्षा के लिए हथियार रखने के लिए लाइसेंस दिया जाए	दिल्ली में वायु की प्रचलित स्थिति
बच्चों में मोटापे और लक्षणों के कारण	व्यापक मुद्दे जो देश में स्वास्थ्य सेवा से संबंधित हैं	जुआ खेलने की लत
इंटरनेट की लत हटाना	निदान में प्रयोगशाला प्रौद्योगिकीविद् की भूमिका	नया सेगमेंट काम की बात
स्पीगेल ऑनलाइन	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण का संकट	
आज की बात	टॉडलर्स/प्री–टीन/ टीनएजर्स को सेलफोन की लत	स्वस्थ और तंदुरूस्त कैसे रहें
मिरगी	एमआरआई का उपयोग करके मस्तिष्क पर संस्कृत भाषा के प्रभाव का मूल्यांकन	

उपरोक्त कवरेज निम्नलिखित चैनलों पर किया गया था: राज्यसभा, लोकसभा टीवी, डीडी (दूरदर्शन), ऑल इंडिया रेडियो, ऑल इंडिया रेडियो (उर्दू सेवा), दूरदर्शन किसान टीवी, बीबीसी–हिंदी, एआरडी जर्मन रेडियो, आर्टे टीवी – फ्रेंच जर्मन चैनल, फ्रांस 24, एसबीएस सिडनी, आजतक, एनबीसी आवाज, कलिंग टीवी, ओटीवी, न्यूज 7, प्रमीया टीवी, टाइम्स नाउ, एपीएन न्यूज, हिंदी न्यूज 18.कोम, वाइस न्यूज, इंडिया टीवी, सीएनबीसी आवाज, टाटा स्काई, ग्रासहोपर मीडिया, इंडिया टीवी।

न्यूज में एम्स

क.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
1.	3 अप्रैल 2017	औटिज्म के शिकार बच्चों के लिए ऐप	हिंदुस्तान
2.	6 अप्रैल 2017	9 बार शॉट मारा गया, चीता कोमा से बाहर	द एशियन एज
3.	6 अप्रैल 2017	चीता ने मौत को जीता	जनसत्ता
4.	7 अप्रैल 2017	खुदकशी के जेनेटिक कारणो का पता लगाया जाएगा ऐम्स	दैनिक जागरण
5.	7 अप्रैल 2017	डिप्रेशनः एक बीमारी जिसको एक दोस्त चाहिए	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
6.	7 अप्रैल 2017	खुदकशी के जेनिटिक कारणो का पता लगाया जाएगा एम्स	दैनिक जागरण
7.	16 अप्रैल 2017	इंसुलिन से संभव हो सकता है ग्लूकोमा का इलाज़	दैनिक जागरण
8.	18 अप्रैल 2017	ऐम्स के हवाले होगा ग्रेनो का आयुविज्ञान संस्थान	दैनिक जागरण
9.	20 अप्रैल 2017	थ्री डी तकनीक से जल्द होगी कैंसर सेल की पहचान	अमर उजाला
10.	20 अप्रैल 2017	एम्स में डॉक्टर्स को 24 घंटे की नियमित जांच की चाहत	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
11.	21 अप्रैल 2017	3 साल के बच्चे की आंख की बचाई रोशनी, इस तरह की सर्जरी करने वाला देश का पहला सरकारी अस्पताल बना एम्स	नवभारत टाइम्स
12.	21 अप्रैल 2017	मल्टीपल स्क्लेरोसिस से पीड़ित का हुआ बोन मेरो प्रत्यारोपण	दैनिक जागरण
13.	23 अप्रैल 2017	रेडिएशन थेरेपी ने नेत्र कैंसर से ग्रस्त तीन साल के बच्चे की दृष्टि लौटाई	द इंडियन एक्सप्रेस

14.	23 अप्रैल 2017	एम्स को प्लक ब्रेची थेरपी में मिली सफलता	अमर उजाला
15.	1 मई 2017	एम्स को ट्रॉमा सेंटर से जोड़ने वाली सुरंग खुलीः यात्रा का समय अब 5 मिनट	द इंडियन एक्सप्रेस
16.	1 मई 2017	जल्द आ रहा है! एम्स के तनाव ग्रस्त डॉक्टरों के चील आउट करने हेतु क्लब	द पायनियर
17.	1 मई 2017	एम्स के डॉक्टरों के लिए एन्विल पर रूफटॉप भोजनालय के साथ क्लब	द एशियन एज
18.	4 मई 2017	22 मिनट में एम्स लाया गया हार्ट	नव भारत टाइम्स
19.	5 मई 2017	एम्स में बेड हो जाएंगे दोगुने	नव भारत टाइम्स
20.	5 मई 2017	एम्स में मरीजो के लिए 1500 बिस्तर बढ़ेंगेः नड़्डा	हिंदुस्तान
21.	5 मई 2017	एम्स में इलाज के लिए नहीं करना पड़ेगा लंबा इंतजार	अमर उजाला
22.	5 मई 2017	दिल्ली एम्स मे 3119 करोड़ की लागत से 1563 बिस्तर बढ़ाने का प्रस्ताव	जनसत्ता
23.	6 मई 2017	जवान को ग्रीन कॉरिडॉर से ऐम्स मे किया शिफ्ट	दैनिक जागरण
24.	6 मई 2017	एम्स मे एक हजार बिस्तर के सुपर स्पेशलिस्ट ब्लॉक हो निर्माण	दैनिक जागरण
25.	6 मई 2017	एम्स के लिए एनजीटी ने दी गाड़ियो की इजाज़त	नव भारत टाइम्स
26.	14 मई 2017	रोबोटिक हैंड	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
27.	15 मई 2017	औटिज़्म से पीड़ित तीन चौथाई बच्चो को अनिन्द्रा	हिंदुस्तान
28.	16 मई 2017	एम्स, गरीबों, उम्मीदवारों के लिए आई–डे उपहार	मेल टुडे
29.	16 मई 2017	एम्स में 500 रु से नीचे के सभी मेडिकल टेस्ट मुफ्त	हिंदुस्तान टाइम्स
30.	16 मई 2017	आउटस्टेशन मरीजों, परिजनों के लिए धर्मशाला लाने के लिए एम्स अग्रसर	हिंदुस्तान टाइम्स
31.	17 मई 2017	एम्स मे जांच फ्री, प्राइवेट वार्ड महंगे	नव भारत टाइम्स
32.	20 मई 2017	एम्स में सर्जरी के बाद बुजुर्ग महिला को मिला गोल्डन घुटना	द एशियन एज
33.	20 मई 2017	एम्स मे महिला का गोल्डेन नी रिप्लेस्मेंट	अमर उजाला
34.	20 मई 2017	एम्स मे गोल्डन नी ट्रांसप्लांट	नवभारत टाइम्स
35	21 मई 2017	एम्स ने ऑस्ट्रेलियाई विश्वविधालय के साथ किया समझौता	ज्नसता
36.	25 मई 2017	पूर्व एम्स निदेशक को दुर्लभ मानद फैलोशिप से किया गया सम्मानित	द स्टेट्समैन
37.	29 मई 2017	अब विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कराईये एम्स मे इलाज़	दैनिक जागरण
38.	5 जून 2017	एम्स में ब्लीडिंग रोकने के लिए स्पंज, बर्न्स के लिए जड़ी बुटियों का परीक्षण	द इंडियन एक्सप्रेस
39.	8 जून 2017	एम्स में 8 महीने का सबसे कम उम्र में दांत सड़ने का शिकार	मेल टुडे
40.	10 जून 2017	क्यों प्रतिरोध एंटीबायोटिक दवाई तेजी से एक बड़ा हत्यारा बन रहा है	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
41.	12 जून 2017	हम विदेश की यात्राओं से कैसे लाभान्वित होते हैं, एम्स ने संकाय से पूछा	इंडियन एक्सप्रेस
42.	13 जून 2017	एम्स मे जांच व इलाज शुल्क की समीक्षा शुरू	दैनिक जागरण
43.	14 जून 2017	मोटापा हुआ बच्चों में दोगुना और व्यस्कों में तिगुना	हिंदुस्तान टाइम्स
44.	14 जून 2017	इम्यूनोथेरेपी कैंसर से लड़ने का वादा करती है	द स्टेट्समैन
45.	16 जून 2017	मेडिकल शिक्षा का मक्का 'एम्स'	अमर उजाला
46.	19 जून 2017	कालाजार के इलाज के लिए ओरल दावा तैयार	अमर उजाला
47.	21 जून 2017	योगासन से माइग्रैन के दर्द का इलाज संभव है	हिंदुस्तान
48.	21 जून 2017	दवा के साथ योग उपचार मे ज्यादा असरदार	दैनिक जागरण
49.	21 जून 2017	योग 'आसान' पर ऐम्स लाएगी दिशा– निर्देश	दैनिक जागरण
50.	22 जून 2017	एम्स मे गरीबों को इलाज मे मिल सकती है राहत	दैनिक जागरण
51.	22 जून 2017	विभिन्न अस्पतालो मे डॉक्टरो और नर्सों ने योग किया	दैनिक जागरण
52.	23 जून 2017	आधुनिक चिकित्सा के साथ योग का संयोजन बेहतर परिणाम दे सकता	मेल टुडे

		है	
53.	24 जून 2017	अब समय पर एम्स पहुंचें	मेल टुडे
54.	25 जून 2017	एम्स को बोन बैंक के लिए और अधिक दानदाता की उम्मीद है	द हिंदू
55.	28 जून 2017	एम्स मे अब नहीं करना होगा इंतजार	नव भारत टाइम्स
56.	30 जून 2017	क्या आई ड्राप वायरल संक्रमण का जवाब हैं?	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
57.	1 जुलाई 2017	कैंसर और दिल के छेद से मासूम को उबारा	हिंदुस्तान
58.	1 जुलाई 2017	छह बार कैंसर होने के बाद भी ठीक किया	हिंदुस्तान
59.	1 जुलाई 2017	19 बीमारियों की बूकलेट तैयार करवाई	हिंदुस्तान
60.	4 जुलाई 2017	50 वृद्धों को एम्स ने गोद लिया	द स्टेट्समैन
61.	4 जुलाई 2017	50 वरिष्ठ नागरिकों, विकलांक लोगों को एम्स ने गोद लिया	द एशियन एज
62.	5 जुलाई 2017	23 मिनट में एयरपोर्ट से एम्स ने पहुंचाया लिवर	अमर उजाला
63.	5 जुलाई 2017	ग्रीन कॉरिडोर के जरिये 23 मिनट मे एम्स ने पहुंचाया लिवर	हिंदुस्तान
64.	6 जुलाई 2017	एम्स कर रहा है नए केमो वेरिएंट पर शोध	द स्टेट्समैन
65.	9 जुलाई 2017	बुजुर्गो के इलाज़ के लिए शुरू होंगे सेटेलाइट सेंटर	दैनिक जागरण
66.	10 जुलाई 2017	एम्स को डिजिटल बनाने व ओपीडी मे सुधार के लिए कमेटी का गठन	अमर उजाला
67.	12 जुलाई 2017	एम्स बैंक अब कभी बोन ड्राई नहीं है	मेल टुडे
68.	15 जुलाई 2017	एम्स स्किन बैंक स्थापित करने, आर्टिफिशियल स्किन विकसित करने की भी योजना बना रहा है	द इंडियन एक्सप्रेस
69.	15 जुलाई 2017	एम्स स्किन बैंक शुरू करेगा	द पायनियर
70.	15 जुलाई 2017	एम्स में जल्द ही होगा स्किन बैंक	द स्टेट्समैन
71.	15 जुलाई 2017	एम्स के डॉक्टरों ने सिर से जुड़े जुड़वा बच्चों को अलग करने की कोशिश की	द हिंदू
72.	15 जुलाई 2017	एम्स जुड़े हुए बच्चों को अलग करेगा	द एशियन एज
73.	16 जुलाई 2017	सिर से जुड़े बच्चो का ऑपरेशन एम्स के लिए बड़ी चुनौती	दैनिक जागरण
74.	16 जुलाई 2017	सिर से जुड़े दो मासूम ऑपरेशन के जरिये होंगे अलग	हिंदुस्तान
75.	16 जुलाई 2017	जुड़े हुए बच्चों ने एम्स का दरवाजा खटखटाया	मेल टुडे
76.	16 जुलाई 2017	एम्स के डॉक्टर निर्णय लेंगे कि जुड़वा बच्चों पर सर्जरी संभव है या नहीं	द स्टेट्समैन
77.	16 जुलाई 2017	सिर से जुड़े दो बच्चो की ऐम्स में होगी सर्जरी	जनसत्ता
78.	16 जुलाई 2017	बच्चो की सर्जरी है चैलेंज	नवभारत टाइम्स
79.	16 जुलाई 2017	एम्स में अभी तक की सबसे कठिन चुनौतीः सिर से जुड़े बच्चे	द इंडियन एक्सप्रेस
80.	17 जुलाई 2017	अंकुरित दालें खाना सेहत के लिए अस्वस्थ, अध्ययन से पता चला	द पायनियर
81.	23 जुलाई 2017	इस डेफनेस टेस्ट के बारे में सुना है?	हिन्दू
82.	24 जुलाई 2017	एम्स मे हाथ भी हो सकेगे अब ट्रांसप्लांट, तैयारी	दैनिक भास्कर
83.	25 जुलाई 2017	गरीब बुनियादी स्वास्थ्य पर भी धन खर्च करते हैं	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
84.	28 जुलाई 2017	हेपेटाइटिस–सी का कारण बन सकता है टैटू	दैनिक जागरण
85.	29 जुलाई 2017	हेपेटाइटिस–सी का इलाज़ चार दवाओं से आसान	हिंदुस्तान
86.	29 जुलाई 2017	एम्स मे ओपीड़ी और जांच होगी मुफ्त, एम्स मे 10 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस खत्म करने की तैयारी	नवभारत टाइम्स
87.	31 जुलाई 2017	एम्स ने बढ़ाई कैंसर मरीजों की जिंदगी, सर्जरी के दौरान ही दी जाती है किमोथेरेपी	नवभारत टाइम्स
88.	20 अगस्त 2017	एम्स मे रैंगिंग रोकने के लिए छात्रों पर नजर रखेंगे सुरक्षा गार्ड	दैनिक जागरण
89.	20 अगस्त 2017	एम्स में बिस्तर बढ़ाए जाएंगे	हिंदुस्तान
90.	21 अगस्त 2017	एम्स मे डॉक्टर सीखेंगे मसूड़ो की बीमारीयो की जांच के तरीके	दैनिक जागरण

91.	29 अगस्त 2017	सिर से जुड़े बच्चों की एम्स में मेराथन सर्जरी	दैनिक जागरण
92.	30 अगस्त 2017	सिर से जुड़े बच्चों का पहला चरण सफल	अमर उजाला
93.	30 अगस्त 2017	देश मे पहली बार सिर से जुड़े बच्चों को अलग करने का ऑपरेशन, 20 डॉक्टरों ने 24 घंटे तक की सर्जरी, 25% को मिली सफलता, अभी3 ऑपरेशन और होंगे	दैनिक जागरण
94.	30 अगस्त 2017	एम्स में सिर से जुड़े बच्चों का ऑपरेशन शुरू	दैनिक जागरण
95.	30 अगस्त 2017	जुड़े जुड़वा बच्चे 22 घंटे की सर्जरी से बच गए, ं, 3 महीने से अधिक की जरूरत होती है	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
96.	30 अगस्त 2017	ओडिशा के जुड़े हुए बच्चों ने एम्स में सेपरेशन सर्जरी का पहला चरण पूरा किया	द स्टेट्समैन
97.	31 अगस्त 2017	जग्गा–बलिया की हालत में सुधारः सिर से जुड़े बच्चों की एम्स में पहली बड़ी सर्जरी, दोनों को होश आया	अमर उजाला
98.	1 सितंबर 2017	5 साल की रिसर्च के बाद कालाजार की ओरल दवा बनाई दिल्ली एम्स ने	दैनिक भास्कर
99.	2 सितंबर 2017	तंबाकू खाना आँखो के लिए भी नुकसानदेह	हिंदुस्तान
100.	2 सितंबर 2017	तंबाकू आपको अंधा भी बना सकता हैः एम्स	द एशियन एज
101.	2 सितंबर 2017	तंबाकू से अंधापन हो सकता हैः एम्स के डॉक्टर्स	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
102.	2 सितंबर 2017	कैंसर के साथ साथ अंधेपन की भी वजह बन रहा तंबाकू	दैनिक भास्कर
103.	2 सितंबर 2017	तंबाकू बना रहा है लोगो को अंधा	नवभारत टाइम्स
104.	2 सितंबर 2017	मोतियाबिंद अब भी छीन रहा आंखों की रोशनी	दैनिक जागरण
105.	2 सितंबर 2017	स्टेरॉयड आई ड्रॉप भी बन रहे दृष्टिहीनता का कारण	दैनिक जागरण
106.	2 सितंबर 2017	तम्बाकू के कारण हो सकता है अपरिवर्तनीय अंधापनः एम्स के डॉक्टर्स	द स्टेट्समैन
107.	6 सितंबर 2017	ऐम्स मे नर्सिंग व टेक्निशियन स्टाफ को अंगदान की ट्रेनिंग	अमर उजाला
108.	6 सितंबर 2017	ऐम्स मे अंगदान के लिए प्रशिक्षण	हिंदुस्तान
109.	6 सितंबर 2017	ऐम्स अब शरीर के अंगों को पुनः प्राप्त करने के लिए तकनीशियनों को दे रहा है प्रशिक्षणः डॉक्टर	द स्टेट्समैन
110.	6 सितंबर 2017	ऐम्सः 50 सालों में पहली बार नेत्र दान बढा	नवभारत टाइम्स
111.	6 सितंबर 2017	ऐम्स मे नई तकनीक से आंख का ऑपरेशन	नवभारत टाइम्स
112.	7 सितंबर 2017	अगर आप पारंपरिक नेत्र दवाओं का उपयोग कर रहे हैं, तो हो जाइए सावधान	द पायनियर
113.	8 सितंबर 2017	जुड़े हुए बच्चे आईसीयू से बाहर, हालत स्थिर, एम्स ने कहा	द इंडियन एक्सप्रेस
114.	8 सितंबर 2017	आंखों की समस्या के लिए सेल्फ मेडिकेशन कारणः अध्ययन	द एशियन एज
115.	9 सितंबर 2017	सर्जरी के बाद जुड़े हुए बच्चों को आईसीयू से शिफ्ट किया गया	द एशियन एज
116.	9 सितंबर 2017	उत्तर भारत मे हर सौवा व्यक्ति सिलियक बीमारी से है पीड़ित	दैनिक जागरण
117.	9 सितंबर 2017	अध्ययन से पता चला है कि उत्तर भारत में सीलिएक रोग अधिक आम है	द स्टेट्समैन
118.	10 सितंबर 2017	जल्दी अस्पताल पहुंचाने में मदद करेगा मोबाइल ऐप	दैनिक जागरण
119.	10 सितंबर 2017	सुविधा .... हृदय रोगियो के लिए मोबाइल ऐप लॉन्च, नजदीकी अस्पतालों की मिलेगी जानकारी	दैनिक भास्कर
120.	10 सितंबर 2017	अब डॉक्टरो तक पहुचने मे मदद करेगा हार्ट अटैक एप	अमर उजाला
121.	12 सितंबर 2017	एम्स ने बनाया पॉकेट वेंटिलेटर, 15 से 20 हज़ार मे जल्द मिलने लगेगा	दैनिक भास्कर
122.	12 सितंबर 2017	एम्स मे सबसे छोटा वेंटिलेटर	नवभारत टाइम्स
123.	12 सितंबर 2017	वेंटिलेटर ऐसा जो जेब में भी आसानी से समा जाय	दैनिक जागरण

124.	13 सितंबर 2017	एम्स मे सबसे छोटे पोर्टेबल वेंटिलेटर का प्रदर्शन	दैनिक जागरण
125.	13 सितंबर 2017	एम्स मे संबसे छोटे पोर्टेबल वेंटिलेटर का ट्राइल सफल	अमर उजाला
126.	13 सितंबर 2017	अब वेंटिलेटर भी आपकी जेब में	नवभारत टाइम्स
127.	13 सितंबर 2017	वेंटिलेटर जो जेब में फिट हो सकता है, एम्स में उसका अनावरण	द एशियन एज
128.	16 सितंबर 2017	स्वाइन फ्लू और टीबी के मरीजों को जीवनदान दे रही एक्मों प्रणाली	जनसत्ता
129.	21 सितंबर 2017	इस साल डेंगू के मामूली रूप हावीः एम्स	द इंडियन एक्सप्रेस
130.	22 सितंबर 2017	40 की उम्र के बाद हर साल पीसीए जांच जरूरी	नवभारत टाइम्स
131.	22 सितंबर 2017	एम्स डॉक्टर सभी के लिए स्वास्थ्य चाहते हैं	मेल टुडे
132.	23 सितंबर 2017	डॉक्टर भर्ती प्रक्रिया मे अनियमितता बरती गई	हिंदुस्तान
133.	24 सितंबर 2017	ग्रामीण भारत में बढ़ रहे प्रोस्टेट कैंसर के मामले	द एशियन एज
134.	25 सितंबर 2017	एम्स होगा हरा भरा, परिसर मे ही बनेगी मिथेन इथेन	दैनिक भास्कर
135.	26 सितंबर 2017	सोलर एनर्जी से चलेगा एम्स	नवभारत टाइम्स
136.	26 सितंबर 2017	सफाई मे एम्स को पुरस्कार	हिंदुस्तान
137.	26 सितंबर 2017	कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए ऐम्स ने शुरू किया विशेष क्लिनिकं	दैनिक जागरण
138.	26 सितंबर 2017	एम्स सीएनजी का उत्पादन करने के लिए अस्पताल क कचरे का उपयोग करेगाः डॉ. रणदीप गुलेरिया, निदेशक, एम्स	मेल टुडे
139.	26 सितंबर 2017	दिल की विफलता पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकताः डॉक्टर्स	द पायनियर
140.	27 सितंबर 2017	70% भारतीय कैंसर निवारणीय	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
141.	27 सितंबर 2017	एम्स में नई कैंसर यूनिट जल्द शुरू होगी	मेल टुडे
142.	27 सितंबर 2017	सटीक डायग्नोसिस मे बने सहयोगी	दैनिक जागरण
143.	29 सितंबर 2017	देश मे हर साल 70 हज़ार हार्ट ट्रांसप्लांट की जरूरत, होती है, 70	दैनिक भास्कर
144.	29 सितंबर 2017	50 फीसदी भारतीय महिलाओं को हृदय रोग का खतरा	दैनिक जागरण
145.	29 सितंबर 2017	रजोनिवृत्ति के बाद हृदय रोग का खतरा अधिकः डॉक्टर	द स्टेट्समैन
146.	29 सितंबर 2017	स्वस्थ रहना हे तो अपने दिल की आवाज़ सुनिए	हिंदुस्तान
147.	30 सितंबर 2017	आईआईटी दिल्ली और एम्स शुरू करेगे सांझा पीएचडी पाठ्यक्रम	जनसत्ता
148.	30 सितंबर 2017	खानपान मे रिफ़ाइन से ज्यादा सरसो तेल ही सुरक्षित	दैनिक जागरण
149.	30 सितंबर 2017	एम्स मे एएमआरआई जांच शुरू, एंजियोप्लास्टी भी होगी जल्द	दैनिक जागरण
150.	5 अक्टूबर 2017	नए एम्स क्लिनिक को कैंसर से जुड़े सवालों से धुंध साफ होने की उम्मीदै	द इंडियन एक्सप्रेस
151.	6 अक्टूबर 2017	तुरंत उपचार पाने में मदद के लिए दिल के रोगियों के लिए ऐप	द हिंदू
152.	7 अक्टूबर 2017	बुजुर्गों के टीकाकरण से कई लोगों की जान बच सकती हैः एम्स निदेशक	ड्रग टुडे
153.	8 अक्टूबर 2017	स्तन कैंसर के लिए अभियान चलाये चिकित्सक समाज	जनसत्ता
154.	11 अक्टूबर 2017	एम्स मे भर्ती 15% मरीज ही बिहार के	नवभारत टाइम्स
155.	13 अक्टूबर 2017	दिल्ली एम्स के विशेषज्ञ नए ऐम्स मे जाकर डॉक्टरो को प्रशिक्षित करेंगे, छह नए ऐम्स की गुणवत्ता सुधारी जाएगी	हिंदुस्तान
156.	13 अक्टूबर 2017	फेफड़ो व हड्डियों को कमजोर कर रहा है वायु प्रदूषणः ऐम्स	अमर उजाला
157.	15 अक्टूबर 2017	एम्स मे संक्रामक बीमारियो के इलाज़ के लिए शुरू होगा ब्लॉक	दैनिक जागरण
158.	25 अक्टूबर 2017	एयरलेंस' से रोज़ 15 रु मे ले शुद्ध हवा में सांस	दैनिक भास्कर
159.	25 अक्टूबर 2017	बच्चो को प्रदूषण से बचाएगा 15 रूपये का नोज़ फ़िल्टर	दैनिक जागरण
160.	26 अक्टूबर 2017	डॉक्टर बता देंगे–10 साल बाद आपको कौन–सी बीमारी होगी	नवभारत टाइम्स
161.	27 अक्टूबर 2017	एम्स की बड़ी कामयाबी, मगर बच्चो पर खतरा बरकरार, आखिर अलग हुई जगिया और बलिया	नवभारत टाइम्स

162.	27 अक्टूबर 2017	100 लोगो की टीम ने 16 घण्टे में अलग किए 180 डिग्री पर सिर से जुड़े ढाई साल के बच्चे, देश मे पहला ऐसा केस	दैनिक भास्कर
163.	30 अक्टूबर 2017	सर्जरी के बाद, सिर से जुड़े बच्चेँ अभी भी आईसीयू में, लेकिन हालत स्थिर है	द पायनियर
164.	30 अक्टूबर 2017	सर्जरी के बाद सिर से जुड़े बच्चे स्थिरः एम्स	द एशियन एज
165.	31 अक्टूबर 2017	नागपुर से हृदय लाकर एम्स मे प्रत्यारोपण	दैनिक जागरण
166.	1 नवंबर 2017	भाई का दिल धड़का, पूरा परिवार अंगदान करेगा	हिंदुस्तान
167.	2 नवंबर 2017	वेंटिलेटर सपोर्ट निकाल दिया गया, एक बच्चे ने मां को पहचानना शुरू कर दिया	द इंडियन एक्सप्रेस
168.	2 नवंबर 2017	सिर से जुड़े एक बच्चे को डॉक्टरो ने वेंटिलेटर से बचाया	हिंदुस्तान
169.	2 नवंबर 2017	जगिया वेंटिलेटर से बाहर, खुद सांस ले रहा है	नवभारत टाइम्स
170.	2 नवंबर 2017	सिर से जुड़े जुड़वां स्थिरः एम्स	द हिंदू
171.	2 नवंबर 2017	ओडिशा के जुड़े बच्चों में से वेंटिलेटर हटा दिया गया	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
172.	2 नवंबर 2017	जग्गा को आया होश कालिया की हालत स्थिर	दैनिक जागरण
173.	2 नवंबर 2017	एम्स में सिर से जुड़े एक बच्चे को वेंटिलेटर से हटाया गया, दूसरे को मॉनीटर किया जा रहा है	द स्टेट्समैन
174.	2 नवंबर 2017	सिर से जुड़े एक बच्चे को वेंटिलेटर से हटाया गया	द एशियन एज
175.	2 नवंबर 2017	सिर से जुड़े जुड़वा बच्चेः एक को वेंटिलेटर से हटाया गया	द पायनियर
176.	2 नवंबर 2017	सीधे एम्स पहुंचाएगी एयर एंबुलेंस	अमर उजाला
177.	3 नवंबर 2017	जग्गा की हालत मे सुधार से परिजनों को राहत	हिंदुस्तान
178.	3 नवंबर 2017	सिर से जुड़े एक बच्चे अब अर्ध ठोस आहार पर	द स्टेट्समैन
179.	3 नवंबर 2017	अपने फेफड़ों को बचाने के लिए दिल्ली में सुबह की सैर से बचें, डॉक्टरों का कहना	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
180.	3 नवंबर 2017	स्टेंट कईयों के लिए सीने में दर्द को कम करने में विफल रहाः शोधकर्ता	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
181.	4 नवंबर 2017	स्टेंट से सीने का दर्द दूर हो, जरूरी नहीं	अमर उजाला
182.	4 नवंबर 2017	कैंसर का काम तमाम करेगा इरिडियम	दैनिक जागरण
183.	4 नवंबर 2017	जुड़े जुड़वाँ बच्चों की सर्जरीः जग्गा आईसीयू से बाहर, कालिया अभी भी ऑब्जर्वेशन में	द स्टेट्समैन
184.	4 नवंबर 2017	जुड़े जुड़वाँ बच्चेः जग्गा आईसीयू से बाहर, कालिया अभी भी देखरेख में	द एशियन एज
185.	4 नवंबर 2017	जग्गा आईसीयू से बाहर	नवभारत टाइम्स
186.	4 नवंबर 2017	जग्गा को नौ दिन बाद वार्ड मे शिफ्ट किया गया	दैनिक भास्कर
187.	4 नवंबर 2017	जग्गा बलिया के स्वास्थ्य मे हल्का सुधार	अमर उजाला
188.	4 नवंबर 2017	वेंटिलेटर से हटाए गए, एक बच्चे को प्राइवेट वार्ड में स्थानांतरित किया गया	द इंडियन एक्सप्रेस
189.	6 नवंबर 2017	कालिया की एम्स मे सर्जरी की गई	हिंदुस्तान
190.	6 नवंबर 2017	जुड़े जुड़वाँ बच्चेः कालिया प्लास्टिक सर्जरी से गुज़रा	द पायनियर
191.	6 नवंबर 2017	एम्स मे हुई बलिया की प्लास्टिक सर्जरी	नवभारत टाइम्स
192.	6 नवंबर 2017	कालिया की गई सर्जरी	द हिंदू
193.	6 नवंबर 2017	बलिया के सिर को मिली त्वचा, दो घंटे चली सर्जरी	अमर उजाला
194.	6 नवंबर 2017	ओडिशा के जुड़वा बच्चों के माता–पिता को राहत, लेकिन भविष्य की गोद में क्या है, इसके बारे में अनिश्चित	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
195.	6 नवंबर 2017	स्टेंट बाहर, पिल्स अंदर, अध्ययन से पता चलता है कि हृदय रोगियों का इलाज सिमोल दवा से किया जा सकता है	मेल टुडे
196.	6 नवंबर 2017	भारत मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी नहीं कर सकता	द एशियन एज

197.	8 नवंबर 2017	डॉक्टरों ने घोषित की मेडिकल इमरजेंसी	दैनिक जागरण
198.	8 नवंबर 2017	डॉक्टरों का नुस्खाः घर के अंदर रहें, जरूरत पड़ने पर शहर छोड़ दें	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
199.	8 नवंबर 2017	बच्चे के लिए योजना बनाने से पहले दो बार सोचें	द पायनियर
200.	8 नवंबर 2017	डॉक्टरों ने राजधानी में बच्चों से स्वच्छ हवा की मांग करने का आग्रह किया	द हिंदू
201.	8 नवंबर 2017	हेल्थ इमरजेंसी, दमघोटू हवा ने किया परेशान, जारी हुई हेल्थ एडवाइजरी	नवभारत टाइम्स
202.	8 नवंबर 2017	जगिया को वर्ड से बाहर लाया गया	नवभारत टाइम्स
203.	8 नवंबर 2017	सिर से अलग होने के बाद पहली बार माँ ने बच्चे को उठाया गोद मे	दैनिक जागरण
204.	8 नवंबर 2017	हालत मे सुधार.....जग्गा पहली बार कमरे से क़ॉरिडोर मे आया, बलिया की हालत नाजुक	दैनिक भास्कर
205.	8 नवंबर 2017	एम्स के क़ॉरिडोर मे घूमा जग्गा, लेने लगा आहार	अमर उजाला
206.	8 नवंबर 2017	एम्स के जुड़वाँ बच्चेः एक आईसीयू से बाहर	मेल टुडे
207.	8 नवंबर 2017	जग्गा में सुधार दिखा	द हिंदू
208.	8 नवंबर 2017	सरकार की कॉलेज रैंकिंग के लिए प्रतिस्पर्धा में स्टीफन और हिंदू	हिंदुस्तान टाइम्स
209.	8 नवंबर 2017	एम्स की डॉक्टर ने जीता राष्टपति पुतिन का दिल, रूस मे मिली सराहना	अमर उजाला
210.	9 नवंबर 2017	खामोश हत्यारा है प्रदूषणः एम्स निदेशक	जनसत्ता
211.	9 नवंबर 2017	स्मोग से बचने का सिर्फ एक तरीका है, घर मे रहें	दैनिक भास्कर
212.	9 नवंबर 2017	स्थिति लंदन के हत्यारे ग्रेट स्मॉग जैसी हैः एम्स प्रमुख	द स्टेट्समैन
213.	9 नवंबर 2017	दिल्ली एनसीआर मे 30 हज़ार लोगो की हो चुकी है मौतः एम्स	अमर उजाला
214.	9 नवंबर 2017	दिल्ली का प्रदूषण साइलेंट किलरः एम्स	दैनिक जागरण
215.	9 नवंबर 2017	श्वसन समस्याओं वाले रोगियों की संख्या में वृद्धि	द पायनियर
216.	9 नवंबर 2017	राजधानी में श्वसन के मामले 20% बढ़े	हिंदुस्तान टाइम्स
217.	9 नवंबर 2017	दूसरे दिन दिल्ली का दमधुटा	द हिंदू
218.	9 नवंबर 2017	कम उम्र मे आक्रामक होते जा रहे हैं बच्चे	नवभारत टाइम्स
219.	10 नवंबर 2017	दिल्ली का प्रदूषण हर साल लगभग 30,000 लोगों को मारता है	हिंदुस्तान टाइम्स
220.	10 नवंबर 2017	शहरी अस्पतालों में सांस की तकलीफ के मामलों में 20% वृद्धि देखी गई	द हिंदू
221.	10 नवंबर 2017	प्रदूषण से कितनी बीमारी, अब ऐम्स करेगा रिसर्च	नवभारत टाइम्स
222.	10 नवंबर 2017	प्रदूषण की वजह से 20% मरीज बढ़े	जनसत्ता
223.	10 नवंबर 2017	जब एम्स के जूनियर डॉक्टर का राष्ट्रपति पुतिन के साथ अप्वाइंटमेंट था	द इंडियन एक्सप्रेस
224.	11 नवंबर 2017	प्रदूषण के कारण गठिया के रोगी बढ़े, अस्पतालों में रोगियों में 20% वृद्धि हुई	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
225.	11 नवंबर 2017	युवा भी हो रहे फेफड़ोंड के कैंसर से पीड़ित	दैनिक जागरण
226.	13 नवंबर 2017	प्रदूषण का अंगो पर चौतरफा वार	हिंदुस्तान
227.	13 नवंबर 2017	हर सांस जो आप लेते हैं	हिंदुस्तान टाइम्स
228.	14 नवंबर 2017	मधुमेह टाइप –2 से पीड़ित हो रहे बच्चे	दैनिक जागरण
229.	14 नवंबर 2017	31 इंच से मोती कमर वाली मधुमेह का अंदेशा	अमर उजाला
230.	15 नवंबर 2017	एंटीबॉयोटिक्स के फेल होने से एम्स परेशान	नवभारत टाइम्स
231.	15 नवंबर 2017	एम्स रोगाणुरोधी प्रतिरोध को मॉनीटर करता है	द स्टेट्समैन
232.	15 नवंबर 2017	आठ घण्टे के अंदर हो सकेगी संक्रमण की जांच	दैनिक जागरण
233.	17 नवंबर 2017	एम्स मे 500 रुपये तक की जांच मुफ्त करने की सिफारिश	दैनिक जागरण
234.	17 नवंबर 2017	उपयोगकर्ता शुल्क पर प्रस्ताव को सही ठहराने के लिए एम्स ने	द स्टेट्समैन

		पायलट अध्ययन किया	
235.	19 नवंबर 2017	प्रदूषण दीर्घकालिक प्रभाव वाला एक मूक हत्यारा है। इससे निपटने के लिए तत्काल बहु–आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है	द इंडियन एक्सप्रेस
236.	19 नवंबर 2017	चुनौतीपूर्ण यात्रा	द स्टेट्समैन
237.	20 नवंबर 2017	उपयोगिता बने रहने पर संदेह, लेकिन एयर प्यूरीफायर की बिक्री जारी	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
238.	20 नवंबर 2017	एम्स के साथ काम ब्रिटिश मेडिकल जनरल	अमर उजाला
239.	21 नवंबर 2017	पीठ से फेफड़ो मे घुसा सुआ निकालकर दिया जीवन	अमर उजाला
240.	21 नवंबर 2017	एम्स के जुड़वाँ बच्चों में से एक का खिलौनों से पुनः परिचय	द इंडियन एक्सप्रेस
241.	24 नवंबर 2017	अफगान ब्लास्ट में पीड़ित 10 साल का बच्चा एम्स में करा रहा इलाज	द स्टेट्समैन
242.	24 नवंबर 2017	अफगानीस्तान के बम ब्लास्ट पीड़िता को एम्स के डॉक्टरो ने डी ज़िंदगी	दैनिक जागरण
243.	25 नवंबर 2017	एम्सः धूल से और बीमार हो रहे मरीज	नवभारत टाइम्स
244.	26 नवंबर 2017	सर्जरी के 25 दिन बाद बलिया ने खोली आंखे	दैनिक भास्कर
245.	27 नवंबर 2017	जग्गा, कालिया ठीक हैं	द हिंदू
246.	27 नवंबर 2017	दूसरे जुड़वां बच्चे को वेंटिलेटर से हटाया गया, स्थिर	हिंदुस्तान टाइम्स
247.	27 नवंबर 2017	उड़ीशा के सीएम पटनायक जग्गा बलिया को देखने पहुचे एम्स	दैनिक भास्कर
248.	28 नवंबर 2017	फेफडे मे 5 इंच का सुआ, खास सर्जरी से बची जान	नवभारत टाइम्स
249.	29 नवंबर 2017	एम्स ट्रौमा सेंटर में भी शुरू हुआ प्राइवेट वार्ड	दैनिक जागरण
250.	1 दिसंबर 2017	पीएम के फिजिशियन बने एम्स फ़ैकल्टि एसोशिएशन के अध्यक्ष	दैनिक जागरण
251.	2 दिसंबर 2017	एम्स मे तंत्रिका विकास संबंधी विकारो के लिए बना अनुसंधान केंद्र	दैनिक जागरण
252.	7 दिसंबर 2017	स्वास्थ्य पर प्रभाव को छोटे सेंसर के माध्यम से जांचा गया	द पायनियर
253.	8 दिसंबर 2017	एम्स ट्रौमा सेंटर मे इजराइल सिस्टम कामयाब	नवभारत टाइम्स
254.	11 दिसंबर 2017	एम्स के हवाले होगा सेक्टर –30 का बाल चिकित्सा और पीजी संस्थान	जनसता
255.	15 दिसंबर 2017	सबवे बंद, एम्स के नजदीक बेघर ठंड में फंसे	द इंडियन एक्सप्रेस
256.	16 दिसंबर 2017	रैन बसेरों में मुफ्त चिकित्सा जांच	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
257.	25 दिसंबर 2017	बच्चों में श्रवण हानि को पकड़ने के लिए नया डिवाइस	मेल टुडे
258.	30 दिसंबर 2017	दिल्ली एम्स की क्षमता होगी दोगुनी	अमर उजाला
259.	30 दिसंबर 2017	अपने–अपने तरीके से अपने रास्ते जा रहे हैं	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
260.	30 दिसंबर 2017	सबसे बड़ी सफलताः देश मे पहली बार 180 डिग्री सिर से जुड़े बच्चो की सफल सजरी	दैनिक जागरण
261.	1 जनवरी 2018	एम्स में बनकर तैयार 300 बेड की धर्मशाला को शुरू होने का इंतजार है	दैनिक जागरण
262.	1 जनवरी 2018	सर्जरी से युवक के फेफड़ो में घुसा सुआ निकाला	हिंदुस्तान
263.	2 जनवरी 2018	एम्स मे 500 तक की जांच हो सकती है फ्री	नवभारत टाइम्स
264.	7 जनवरी 2018	जब चलाई गई बुलेट टाइम बम में बदल गई जिसने वर्षों की तबाही दी	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
265.	7 जनवरी 2018	युवक के सीने से एम्स के डॉक्टर ने निकाले 97 छर्रे, बचायी जान	दैनिक जागरण
266.	8 जनवरी 2018	डॉक्टरों की यह टीम एम्स को दिल्ली से लद्दाख तक ले गई	द इंडियन एक्सप्रेस
267.	23 जनवरी 2018	एम्स के ट्रौमा सेंटर मे पहली बार शुरू हुआ 11 बेड का प्राइवेट वार्ड, रोजाना चुकाने होंगे दो से तीन हज़ार रु	दैनिक भास्कर
268.	2 फरवरी 2018	एम्स को 3018 करोड़ का भारी भरकम बजट	दैनिक जागरण
269.	11 फरवरी 2018	इलाज़ का सही तरीका बताएगा एम्स का सोफ्टवेयर	नवभारत टाइम्स
270.	11 फरवरी 2018	जग्गा बलिया को महीने के अंत मे छुट्टी मिलेगी	हिंदुस्तान

271.	11 फरवरी 2018	मॉडल वीडियो से सीख सकेंगे जूनियर डॉक्टर	अमर उजाला
272.	12 फरवरी 2018	3डी सिर पर 125 डॉक्टरो ने की पैक्टिस, सर्जरी के बाद नया जीवन	अमर उजाला
273.	13 फरवरी 2018	एम्स के डॉक्टरों ने अधिक जिम्मेदार सफाई के लिए कहा	द हिंद
274.	13 फरवरी 2018	एम्स के सहयोग से आईटीओ पर खुलेगा कैंसर केयर सेंटर	दैनिक जागरण
275.	23 फरवरी 2018	एम्स ने पूरी देखभाल के लिए उपाय किए	द हिंदू
276.	26 फरवरी 2018	अंकर मरीजों की वेटिंग कम करने पर काम कर रहा एम्स	अमर उजाला
277.	2 मार्च 2018	शावर से नशा उतारेगा एम्स, पूरी तैयारी	नवभारत टाइम्स
278.	5 मार्च 2018	पेरिटोनियल कैंसर के लिए नया उपचार	द पायनियर
279.	5 मार्च 2018	कैंसर का निदान, उपचार कई गुना तेजी से बढ़ा	द हिंदू
280.	5 मार्च 2018	कैंसर के खिलाफ लड़ाई को एक नए स्तर पर ले जाया गया	द हिंदू
281.	5 मार्च 2018	एनसीआई पहला सरकारी अस्पताल, जहां प्रोटॉन थेरेपी से होगा कैंसर का इलाज़	दैनिक भास्कर
282.	5 मार्च 2018	एम्स मे पहली बार नर्स के नाम पर लैब	हिंदुस्तान
283.	6 मार्च 2018	एम्स मे त्वचा रोगों के लिए मशीन	हिंदुस्तान
284.	7 मार्च 2018	एम्स इवास हेल्पलाइन दोबारा शुरू	दैनिक जागरण
285.	8 मार्च 2018	झज्जर, हरियाणा में 1 सितंबर से शुरू होगा राष्ट्रीय कैंसर संस्थान	ड्रग टुडे
286.	11 मार्च 2018	आंखो में तिरछापन होने से कैंसर का खतरा	हिंदुस्तान
287.	11 मार्च 2018	दोपहर 12 से 2 तक आंखों को खतरा	नवभारत टाइम्स
288.	11 मार्च 2018	एम्स मे थ्री डी तकनीक से हो रही रेटिना सर्जरी	दैनिक भास्कर
289.	11 मार्च 2018	एनसीआर में नेत्रश्लेष्मलाशोथ की उच्च प्रसारः अध्ययन	द एशियन एज
290.	12 मार्च 2018	डाइबिटिक रेटिनोपैथी के मरीजो की संख्या 12 वर्ष मे होगी दोगनी	दैनिक भास्कर
291.	13 मार्च 2018	एम्स मे 50% मरीजों का ऑनलाइन पंजीयन	अमर उजाला
292.	16 मार्च 2018	ब्लू व्हेल गेम मौजूद है, एम्स की खोज	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
293.	17 मार्च 2018	एम्स के डॉक्टरो ने ब्लू व्हेल गेम से बच्चे को बचाया	दैनिक जागरण
294.	21 मार्च 2018	दाँतो पर शोध के लिए बनेगा अलग संस्थान	अमर उजाला
295.	21 मार्च 2018	खराब होने पर दौबारा आएंगे असली दांत	दैनिक जागरण
296.	23 मार्च 2018	एम्स ने डॉक्टरों को प्रशिक्षित करने के लिए बकरी की आंखों की दृष्टि ली	मेल टुडे
297.	24 मार्च 2018	अब ड्रोन से टीबी के पर कतरेगा एम्स	दैनिक जागरण
298.	28 मार्च 2018	ओडिशा के जुड़वाँ बच्चे घर वापस जाने के लिए पूरी तैयार	मेल टुडे
299.	28 मार्च 2018	एम्स डॉक्टर्स के लिए खोलेगा वेलनेस क्लिनिक	द टाइम्स ऑफ़ इण्डिया
300.	28 मार्च 2018	3डी तकनीक से आंखो की सर्जरी	दैनिक जागरण
301.	29 मार्च 2018	सीआरपीफ जवान मनोज तोमर एम्स मे भर्ती, सर्जरी आज	दैनिक जागरण
302.	31 मार्च 2018	सीआरपीफ जवान की एम्स मे हुई सफल सर्जरी, पॉलिथिन से मिली मुक्ति	दैनिक जागरण

अ. भा. आ. सं. 2016–2017 / 668

12- i:dk'ku

एम्स के संकाय सदस्यों, अनुसंधानकर्ताओं तथा अन्यों द्वारा विभिन्न वर्गों के अंतर्गत निष्पादित प्रकाशन कार्य निम्न प्रकार से हैं:-

पत्रिकाएं: 1305

सार: 390

पुस्तकों में अध्याय: 338

पुस्तकें तथा मोनोग्राफ: 43

fo"k;&lwph

Ø- la-	dsUnz uke	Ik"B la-
1.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)	671
2.	हृद् तंत्रिका केंद्र, अ. भा. आ. सं.	699
3.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्र, अ. भा. आ. सं.	732
4.	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सं. रो. कैं. अ., अ. भा. आ. सं.	760
5	जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र, अ. भा. आ. सं.	792
6	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र. अ. भा. आ. सं.	816
7	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, अ. भा. आ. सं.	840
8	यू. एन. डी. सी. पी., अ. भा. आ. सं.	856
9	सी. आई. एम. आर.	865
10	अनुसंधान अनुभाग	888

e[;

vf[ky Hkkjrh; vk;foKku lLFkku

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

संग्रह / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2017-18	2016-17
संग्रह / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**1**	37181444955	27266998170
रिजर्व और अधिशेष	**2**	3216644653	2440747333
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	73185700	67966668
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**	0	0
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**	0	0
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	0	0
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**7**	2256923923	2184369181
कुल		**42728199231**	**31960081352**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	29892284054	25952060618
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**9**	50010000	50510000
निवेश – अन्य	**10**	253253424	233253424
चालू परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि	**11**	12532651753	5724257310
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**42728199231**	**31960081352**
लेखा की लेखा नीतियां एवं टिप्पण के रूप में भाग	**24**		

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)
दिनांक 31.03.2018 के समाप्ति वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	2017-18	2016-17
विक्रय / सेवाओं से आय	**12**	311381385	273186203
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	12897041408	10695465086
शुल्क / चन्दा	**14**	137345952	107785622
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / स्थायी निधि से निवेश में आय)	**15**	0	0
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**16**	0	0
अर्जित ब्याज	**17**	242008004	121772721
अन्य आय	**18**	927053379	563984900
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**	0	0
कुल (क)		**14514830128**	**11762194532**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	8936739835	7331838386
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	1807479112	908430060
सामग्री एवं आपूर्ति	**21बी**	2997628780	3132874030
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**		0
ब्याज	**23**	0	1447344
अवमूल्यन (समाप्ति वर्ष – अनुसूची 8 हेतु तदनुरूप शुद्ध जोड़)			
कुल (ख)		**13741847727**	**11374589820**
व्यय पर आय की अधिकता (क–ख) में होने वाला शेष		772982401	387604712
विशेष रिजर्व हेतु अंतरण (प्रत्येक उल्लिखित)			
सामान्य रिजर्व हेतु / से अंतरण			
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (कमी) का होने वाला शेष		**772982401**	387604712
कुल		**14514830128**	**11762194532**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 – कार्पस / पूंजी निधि :	2017-18		2016-17	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	27266998170		21618023488	
जमा : कार्पस / पूंजी निधि के लिए अंशदान	9914462824		5749509499	
वर्ष के दौरान निराकृत न्यून	16039	37181444955	100534817	27266998170
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**37181444955**		**27266998170**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :	2017-18		2016-17	
1. पूंजी रिजर्व :				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा	2914919	2914919		
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार				
समीक्ष्य वर्ष में जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
गत लेखा के अनुसार	2440747333		2053142621	
समीक्ष्य वर्ष में जमा	772982401		387604712	
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	0	3213729734	0	2440747333
<u>कुल</u>		**3216644653**		**2440747333**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	2017-18	2016-17
क) निधियों का अथशेष	67966668	
ख) निधियों में जमा :		
i. दान / अनुदान		68534453
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय	219032	29284
iii. अन्य जमा (विशेष प्रकार) सीएसआर	5000000	
कुल (क+ख)	**73185700**	**68563737**
ग) निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय	0	597069
i. पूंजी व्यय		
- स्थायी परिसंपत्ति		
- अन्य		
ii. राजस्व व्यय		
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि		
- किराया		
- अन्य प्रशासनिक व्यय		
कुल	**0**	**597069**
वर्ष समाप्ति (क+ख–ग) के अनुसार शुद्ध शेष	**73185700**	**67966668**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार	2017-18		2016-17	
1. केन्द्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थाएं				
क) मियादी ऋण				
ख) प्रोद्भूत ब्याज एवं देय				
4. बैंक :				
क) मियादी ऋण				
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय				
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित)				
– प्रोद्भूत ब्याज एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (उल्लिखित)				
कुल	-	-	0	0

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	2017-18	2016-17
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थाएं		
4. बैंक :		
क) मियादी ऋण		
ख) अन्य ऋण (बताएं)		
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (बताएं)		
कुल	**0**	**0**

टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय

अनुसूची 6 – आस्थगित क्रेडिट देयताएं :	2017-18	2016-17
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा अर्जित स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	**0**	**0**

टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि

लेखा अधिकारी　　　　　　　　　　　　वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2017-18		2016-17	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता :				
क) वस्तुओं हेतु				
ख) अन्य (सीमा शुल्क का भुगतान किए जाने हेतु)		18854849		45935488
3. प्राप्त अग्रिम				
4. ब्याज प्रोद्भूत लेकिन निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
5. सांविधिक देयताएं :				
क) अतिशोध्य				
ख) अन्य				
6. अन्य वर्तमान देयताएं		2238069074		2138433693
कुल (क)		**2256923923**		**2184369181**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदीकरण				
5. व्यवसाय वारंटी / दावा				
6. अन्य (बताएं)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**2256923923**		**2184369181**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 स्थायी परिसंपत्ति विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	समीक्ष्य वर्ष में वृद्धि	समीक्ष्य वर्ष में कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत /मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	समीक्ष्य वर्ष में वृद्धि पर	समीक्ष्य वर्ष में कटौती पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	**2017-18**	**2016-17**
क. स्थायी परिसंपत्ति :										
1 भूमि :										
क) पूर्ण स्वामित्व/पट्टे पर	841194087	0	0	841194087	0	0	0	0	841194087	841194087
2 भवन :				0					0	0
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	13619736595	2883887564	0	16503624159	0	0	0	0	16503624159	13619736595
ख) पट्टे पर भूमि				0					0	0
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर				0					0	0
घ) भूमि पर अधिरचना इकाई से संबंधित नहीं				0					0	0
3 मशीनरी संयंत्र एवं उपकरण	10435595369	949656389	0	11385251758				0	11385251758	10435595369
4 वाहन	38120044	12143769	0	50263813				0	50263813	38120044
5 फर्नीचर और उपस्कर				0					0	0
6 कार्यालय उपकरण				0					0	0
7 कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	111686062	79166838	0	190852900	0	0	0	0	190852900	111686062
8 पुस्तकालय की पुस्तकें	905728461	15384915	16039	921097337				0	921097337	905728461
वर्तमान वर्ष का कुल	**25952060618**	**3940239475**	**16039**	**29892284054**	**0**	**0**	**0**	**0**	**29892284054**	**25952060618**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2017-18	2016-17
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य सावधि जमा (विन्यास निधि)	50000000	50500000
7. बैंक खाता खोलने के लिए बीज निधि (दान)	10000	10000
कुल	**50010000**	**50510000**

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	2017-18	2016-17
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (एन.पी.एस. सावधि जमा)	240000000	220000000
7. दान का निवेश	13253424	13253424
कुल	**253253424**	**233253424**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	2017-18	2016-17
क वर्तमान परिसंपत्ति :		
1. वस्तुसूचियां :		
क) भण्डार एवं स्पेयर्स		
ख) खुले औजार		
ग) व्यापार में स्टॉक		
समाप्त सामग्री		
कार्य प्रगति पर है		
कच्चा माल		
2. विविध देनदार :		
क) उधार बकाया	109742163	78742163
ख) अन्य (बाहय वसूलियां)	0	721064
ग) केंद्र से विविध वसूलियां वसूलनीय (इंजी. कार्य)		
3. नकद रोकड़ शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सम्मिलित हैं)	931150	1037150
4. बैंक शेष :		
क) अनुसूची बैंक के पास :		
चालू खाते में	3754443504	2841619402
जमा खाते में (हाशिया राशि सम्मिलित है)	15315377	6275770
बचत खाते में		
ख) गैर अनुसूची बैंक के पास :		
चालू खाते में		
जमा खाते में		
बचत खाते में		
5. डाकघर – बचत खाता		
कुल (क)	**3880432194**	**2928395549**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी)	2017-18	2016-17
ख ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
1. ऋण :		
क) कर्मचारीगण	2986235	9820900
ख) अन्य इकाइयां जो इकाई के लिए समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न हैं।		
ग) अन्य (आयरन एवं स्टील की खरीद हेतु अग्रिम)	2340588	2340588
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा प्राप्त की जाने वाली राशि हेतु प्रकार :		
क) मूलधन खाते में		
ख) पूर्व भुगतान		
ग) अन्य (अग्रिम भुगतान)	8646892736	2783700273
3. आय प्रोद्भूत :		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर		
ख) निवेश पर – अन्य		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(आय देय अवास्तविक – रु. .... शामिल है)		
4. वसूलनीय दावे :		
कुल (ख)	**8652219559**	**2795861761**
कुल (क+ख)	**12532651753**	**5724257310**

लेखा
अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – विक्रय / सेवाओं से आय	2017-18	2016-17
1) विक्रय से आय		-
1. परिष्कृत सामग्री का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	311381385	273186203
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (बताएं) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	**311381385**	**273186203**

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	2017-18	2016-17
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)	-	-
1. केन्द्र सरकार	12897041408	10695465086
2. राज्य सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थान / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (बताएं)		
कुल	**12897041408**	**10695465086**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – शुल्क / चंदा	2017-18	2016-17
1. ट्यूशन शुल्क	44836568	22168709
2. लाइसेंस शुल्क	27941996	41814065
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4. परीक्षा रसीद		
5. अन्य (विशेष) ई. एच. एस.	64567388	43802848
कुल	**137345952**	**107785622**

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश में आय)	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
क) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांश :				
क) शेयरों पर				
ख) पारस्परिक निधि प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (बताएं)				
कुल	0	0	0	0
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

लेखा अधिकारी   वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	2017-18	2016-17
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

अनुसूची 17 – ब्याज अर्जित	2017-18	2016-17
1. अवधि जमा पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	242002474	121772721
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खातों पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर :		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	5530	0
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
कुल	**242008004**	**121772721**

टिप्पणी : दर्शाए गए स्रोतों पर कर कटौती की गई

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	2017-18	2016-17
1. विविध प्राप्ति	29104286	22659311
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)	72674289	68525943
3. परीक्षा अनुभाग रसीद	824388504	472522018
4. सामान्य दान	886300	277628
कुल	**927053379**	**563984900**

अनुसूची 19 – तैयार सामग्री एवं कार्य में प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	2017-18	2016-17
क) समापन स्टॉक		
– तैयार सामग्री		
– कार्य प्रगति पर		
ख) न्यून : अथ स्टॉक		
– तैयार सामग्री		
– कार्य प्रगति पर		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)		

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	2017-18	2016-17
वेतन एवं मजदूरी	7286897250	6023452879
यात्रा भत्ते	36500867	31441494
भविष्य निधि में अंशदान		
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम सेल)	23258400	24833257
कर्मचारी कल्याण व्यय (डीएलआईएस)	480000	660000
कर्मचारीगण पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''	1372706536	1080648710
अन्य (एन. पी. एस.)	215970432	169998912
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	926350	803134
कुल	**8936739835**	**7331838386**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2017-18	2016-17
क) अस्पताल भंडार की खरीद		
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय		
ग) वार्डों में गाड़ी – भाड़ा एवं ढुलाई		
घ) विद्युत एवं पावर	585417220	554030030
ङ) जल प्रभार	46003652	43722812
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (ए.एम.सी. / सी.ए.एम.सी.)	665480858	27105849
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	289095288	185037792
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	76450853	55269068
ढ़) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) अंशदान व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यावसायिक शुल्क		
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते में डाली गई अवसूलनीय शेष राशि		
फ) पैकिंग प्रभार		

ब) छात्रावास		
भ) बैंक प्रभार	2384	3744
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)	145028857	43260765
कुल	**1807479112**	**908430060**

लेखा अधिकारी   वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21ख – सामग्री एवं आपूर्ति	2017-18	2016-17
अस्पताल भंडार	2997628780	3132874030
कुल	**2997628780**	**3132874030**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (मुख्य)

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2017-18	2016-17
क) संस्थाओं / संगठनों को दिए गए अनुदान ख) संस्थाओं / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0
टिप्पणी : अनुदानों / आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों, उनकी गतिविधियों के नाम को प्रकट किया जाना है।		

अनुसूची 23 – ब्याज	2017-18	2016-17
क) सावधि ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अनुसंधान अनुभाग के लिए अंतरित अक्षयनिधि ब्याज अन्य (विशेष उल्लेख)	0	1447344
कुल	0	1447344

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	भुगतान	2017-18	2016-17
अथशेष			व्यय	-	
क) नकद राशि	1037150	1106150	i) स्थापना व्यय (अनुसूची 20क)	8913481435	7307005129
ख) बैंक शेष			ii) अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	1782702027	898084256
i) चालू खाते में	2783029202	2212748834	iii) अस्पताल भंडार की खरीद	2946591920	3120836647
ii) जमा खाते में	6275770	6275770	iv) एसएपी (व्यय)	13750664	
			पूंजीगत /कार्य प्रगति पर व्यय		
भारत सरकार से प्राप्त अनुदान			i) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	990569426	1259525270
i) राजस्व	20310000000	17130000000	ii) पूंजीगत कार्य प्रगति पर अग्रिम	8862842177	5245523594
ii) पूंजी	9360000000	5750000000			
iii) पूंजी (चूक समिति)	1333100000	850000000	केंद्रों को अंतरित सरकारी अनुदान		
			डॉ. रा. प्र. केंद्र		
रा. औ. नि. उप. केन्द्र			i) पूंजीगत परिसंपत्ति	240000000	269100000
i) राजस्व	194000000	134000000	ii) सहायता अनुदान वेतन	840000000	730769000
ii) पूंजी	25000000	0	iii) सहायता अनुदान सामान्य	350000000	395000000
		0	iv) स्वच्छता कार्य योजना	50000000	0
विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान					
i) स्कीम सेल	1156516487	1038258930	हृ. तं. केंद्र		
ii) रोगी उपचार खाते में प्राप्त अनुदान	127190639	86185232	i) पूंजीगत परिसंपत्ति	211232218	366766000
iii) स्वच्छता कार्य योजना	450000000	0	ii) सहायता अनुदान वेतन	2515366000	2080378000
iv) कयाकल्प पुरस्कार	75000000	0	iii) सहायता अनुदान सामान्य	650000000	565000000
v) एम्स (मुख्य) में रोगी उपचार	172509706		iv) स्वच्छता कार्य योजना	100000000	
vi) अनुदान रसीद (जरा चिकित्सा)	16300000	0			
विन्यास / दान			डॉ. बी. आर. अ. सं. रो. कैं. अ.		
i) निर्धन रोगी खाता	2342241	3008570	i) पूंजीगत परिसंपत्ति	110000000	110955000
ii) विन्यास निधि	0	2949595	ii) सहायता अनुदान वेतन	782043000	653434000
निवेश पर आय			iii) सहायता अनुदान सामान्य	465000000	430000000
i) विन्यास निधि (इन्फोसिस)	0	29284	iv) स्वच्छता कार्य योजना	50000000	0

ii) एन.पी.एस. (ब्याज)	12034419	16341074			
			जे. पी. एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र		
ब्याज प्राप्त किया			i) पूंजीगत परिसंपत्ति	175096714	73676936
i) बैंक जमा पर	252063188	131978632	ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	680000000	574987914
ii) ऋण, अग्रिम आदि	5530		ग) सहायता अनुदान (वेतन)	976221458	829466000
प्राप्तियां			घ) स्वच्छता कार्य योजना	50000000	0
i) सामान्य भविष्य निधि	538095876	479366077			0
ii) बाह्य वसूलियां	1133068549	942672754	**दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र**		
iii) जमा कार्य (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन)	39811727	50418200	क) पूंजीगत परिसंपत्ति	27623687	30000000
iv) आवर्ती निधि	115426000	110907000	ii) सहायता अनुदान सामान्य	102500000	85000000
iv) वसीयत संपदा प्राप्ति तारीख (एन.पी.एस.)	530087777	57683579	iii) सहायता अनुदान वेतन	50997549	40500000
v) एफडी परिपक्वता खाता (एन.पी.एस.)		220000000	iv) स्वच्छता कार्य योजना	50000000	0
vi) एफडी परिपक्वता (निर्धन रोगी खाता)	590788	0			0
vii) प्राप्ति के रूप में दावा न किए गए चेक / बकाया हस्तांतरण	58590200		**सी. आई. एम. आर.**		
एम्स जोधपुर के लिए जमा राशि	41000000		i) पूंजी परिसंपत्तियां	14684557	
			ii) सहायता अनुदान सामान्य	830585	
अन्य आय			आंतरिक अनुदान	50000000	
i) विविध प्राप्तियां	29104286	22659311	यू. एन. डी. सी. पी.	71900000	
ii) परीक्षा रसीद	824388504	472522018			
iii) अस्पताल प्राप्तियां	293977385	240065321	**रा. औ. नि. उप. केंद्र**		
iv) ट्यूशन शुल्क	44836568	22168709	i) रा. औ. नि. उप. केंद्र के लिए अंतरित अनुदान	219000000	134000000
v) लाइसेंस शुल्क	27941996	41814065	ii) रा. औ. नि. उप. केंद्र के लिए ऋण	31000000	39000000
vi) कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ई.एच.एस.)	64567388	43802848	iii) स्वच्छता कार्य योजना	50000000	0
			अन्य भुगतान		
सीएसआर	5000000		i) विशिष्ट अनुदान से भुगतान (स्कीम सेल)	1045925402	872269713
			ii) रोगी उपचार खाते हेतु भुगतान	101616014	93219800
एफडी परिपक्वता (विन्यास निधि)	500000		iii) निर्धन रोगी खाता	1571050	1343445
			iv) सामान्य भविष्य निधि	537413484	479366077
IX. अन्य प्राप्तियां			v) बाह्य वसूलियां	1125452226	939207940

i) विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त निधि	146910754	691641699	vi) जमा कार्य (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन) एचएससीसी	84000000	37000000
ii) कोकिलर इंप्लांट रोगी उपचार	28332000	37078600	vii) जेरियाट्रिक ब्लॉक (एचएससीसी)	210000000	0
iii) अन्य	102603126	128226580	viii) एम्स (मुख्य) में रोगी उपचार खाता	168079105	
			ix) एफडी निर्धन रोगी खाता	467189	
			अन्य विविध भुगतान	96013905	81568955
सीमा शुल्क खाता	119483246	150000000	दान बैंक खाते के खोलने के लिए बीज राशि	0	10000
पी डी खाता	1000000	3500000	कोकिलर इंप्लांट रोगी उपचार	28399050	35505000
छात्र संघ		1000000	सीमा शुल्क खाता (भुगतान)	132410268	139518051
			पी. डी. खाता	2524255	5100600
एम्स दान खाता क्रेडिट बी/ए	886300	277628	आवर्ती निधि	95321651	87521292
			एम्स जोधपुर	41000000	
			<u>एन. पी. एस. खाता</u>		
			i) वसीयत डेटा का भुगतान	538289755	55161133
			ii) बैंक प्रभार	0	173
			किए गए निवेश	20000000	220000000
			एफडीआर (कलमल बक्शी)	0	500000
			विन्यास निधि	0	1447344
			निवेश (एफ.डी.)	0	0
			बैंक प्रभार	0	69
			व्यय	0	597000
			<u>अंतशेष</u>		
			i) नकद राशि	931150	1037150
			ii) बैंक शेष		
			क) चालू खाते में	3754443504	2783029202
			Iख) जमा खाते में	15315377	6275770
कुल	**40422606802**	**31078686460**	कुल	**40422606802**	**31078686460**

लेखा अधिकारी　　　　वित्त सलाहकार　　　　वरिष्ठ वित्त सलाहकार

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

स्थापना व्यय

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 20 क			2017-18	2016-17
क)	वेतन एवं मजदूरी		7286897250	6023452879
ख)	यात्रा भत्ता (टी. ए.)		36500867	31441494
ग)	अवकाश वेतन पेंशन अंशदान			
	भुगतान	1043694		
	न्यून प्राप्तियां	117344	926350	803134
घ)	कर्मचारीगण पर व्यय "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"		1372706536	1080648710
ङ)	बीमा योजना से जुड़ी हुई जमा		480000	660000
च)	अन्य			0
छ)	**नई पेंशन योजना**			
	राष्ट्रीय सुरक्षा जमा लि. में जमा	377556112		
	एन. पी. एस. खाते में जमा	39120245		
	कर्मचारीगण से न्यून प्राप्तियां (एन.पी.एस.)	200705925	215970432	169998912
	कुल		**8913481435**	**7307005129**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

अन्य प्रशासनिक व्यय

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 क	**2017-18**	**2016-17**
क) मरम्मत एवं अनुरक्षण	947619882	211103862
ख) यात्रा एवं वाहन व्यय	76450853	55269068
ग) आकस्मिक कार्यालय व्यय	127208036	33954740
घ) विद्युत एवं बिजली	585417220	554030030
ङ) जल प्रभार	46003652	43722812
च) अन्य (बैंक प्रभार)	2384	3744
कुल	**1782702027**	**898084256**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए सामान्य भविष्य निधि का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	17-18	16-17	भुगतान	17-18	16-17
अथशेष	112743375	44065934	सा. भ. नि. निकासी	726435470	669020230
समयबद्ध चेक खाते में	2805014		वर्ष के दौरान निवेश	848405019	1973494132
अंशदान / प्राप्तियां	835286256	750949784	बैंक प्रभार	2645	7624
ब्याज	251294050	325249643	अंतशेष	198612429	112743375
निवेश परिपक्वता	571326868	1635000000			
कुल	**1773455563**	**2755265361**	**कुल**	**1773455563**	**2755265361**

सा. भ. नि.

वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

व्यय	17-18	16-17	आय	17-18	16-17
अंशदान पर प्रदत्त ब्याज	410574377	385757779	प्राप्त किए गए ब्याज	251294050	325249643
बैंक प्रभार	2645	7624	आय से अधिक व्यय	159282972	60515760
कुल	**410577022**	**385765403**	**कुल**	**410577022**	**385765403**

लेखा अधिकारी   वित्त सलाहकार

दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार अ. भा. आ. सं. के सामान्य भविष्य निधि का तुलन–पत्र

(राशि रुपयों में)

देयताएं		17-18	16-17	परिसंपत्तियां		17-18	16-17
अथशेष (सा. भ. नि.)	5239098486			<u>निवेश</u>			
जमा : सा. भ. नि. अंशदान	835286256			अथशेष	5163432962		
जमा : सा. भ. नि. ब्याज क्रेडिट	410574377			वर्ष के दौरान जमा	848405019		
अतिरिक्त समयबद्ध चेक खाते में	2805014			न्यून : वर्ष के दौरान परिपक्वता			
न्यून : वापसी	726435470	5761328663	5239098486		571326868	5440511113	5163432962
अधिशेष				बैंक शेष		198612429	112743375
व्यय से अधिक आय की संचयी अधिकता				व्यय से अधिक आय का ओ/बी	-37077851		
अथशेष				जोड़ें : वर्ष के दौरान आय से अधिक व्यय	159282972		
न्यून : वर्ष के दौरान आय से अधिक व्यय			37077851			122205121	
कुल		**5761328663**	**5276176337**	**कुल**		**5761328663**	**5276176337**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अस्पताल बिलिंग अनुभाग (अ. भा. आ. सं.)
प्राप्ति एवं भुगतान के लेखा का विवरण
राष्ट्रीय बीमारी सहायता निधि (एन.आई.ए.एफ.) : 2017–18

	प्राप्तियां	रुपए	भुगतान	रुपए
1	दिनांक 1.4.2017 के अनुसार बैंक के पास अनुदान का अथशेष	308875115	वर्ष के दौरान किया गया भुगतान	155571281
2	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	229320864	वर्ष के दौरान बैंक द्वारा बैंक निकासी शुल्क को नामे डाला गया	6814
3	वर्ष के दौरान बैंक से प्राप्त ब्याज	13450848	दिनांक 31.3.2018 के अनुसार अंतशेष	396068732
	कुल	**551646827**		**551646827**

लेखा अधिकारी
अस्पताल बिलिंग अनुभाग

अस्पताल बिलिंग अनुभाग (अ. भा. आ. सं.)
प्राप्ति एवं भुगतान के लेखा का विवरण
अ. भा. आ. सं. दिल्ली आरोग्य कोष (डीएके) : 2017–18

	प्राप्तियां	रुपए	भुगतान	रुपए
1	दिनांक 1.4.2017 के अनुसार बैंक के पास अनुदान का अथशेष	18656879	वर्ष के दौरान किया गया भुगतान	9015738
2	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	8512579	वर्ष के दौरान बैंक द्वारा बैंक निकासी शुल्क को नामे डाला गया	649
3	वर्ष के दौरान बैंक से प्राप्त ब्याज	शून्य	दिनांक 31.3.2018 के अनुसार अंतशेष	18153071
	कुल	**27169458**		**27169458**

लेखा अधिकारी
अस्पताल बिलिंग अनुभाग

हृद् तंत्रिका केंद्र

अ. भा. आ. सं.

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (समेकित)
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	प्राप्तियां	2017-18	2016-17
I. अथशेष			**I.** व्यय		
क) नकद राशि	66,000	61,000	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	2,515,368,878	2,071,109,232
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 22 में संगत)	239,497,294	213,252,814
(i) चालू खाते में			ग) सामग्री एवं आपूर्ति अनुसूची 23 में संगत)	356,941,872	845,755,375
हृ. तं. कें. मुख्य	161,723,947	145,525,430			
गामा नाइफ	40,477,909	55,123,472			
एंजियो रोगी खाता	15,438,301	7,707,731			
न्यूरो सर्जरी रोगी खाता	37,151,884	13,507,299			
सी. टी. रोगी खाता	67,544,607	39,768,636			
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	207,900	208,532			
(ii) जमा खाते में	-	-			
(iii) बचत खाते में	-	-			
ग) सावधि जमा					
सावधि जमा (गामा नाइफ)	240,000,000	170,000,000			
सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	109,800,000	109,800,000			
सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	31,800,000	31,800,000			
II. अनुदान प्राप्त			**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
क) भारत सरकार से – एम्स मुख्य के माध्यम से			एन.एस.सी. निर्धन रोगी (अनुसूची 22 (क) में संगत	-	2,213,081
पूंजी (परिसंपत्तियां नई)					

(i) सहायता अनुदान (योजना)	211,232,218	366,766,000			
राजस्व सामान्य (योजना)			**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	2,515,366,000	450,000,000			
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	650,000,000	197,249,201			
(iv) सहायता अनुदान (एसएपी) – हृ. व. केन्द्र	50,000,000		(iv) सहायता अनुदान (एसएपी) – हृ. व. केन्द्र	404,400	
(v) सहायता अनुदान (एसएपी) – एनएससी	50,000,000		(v) सहायता अनुदान (एसएपी) – एनएससी	404,400	
गैर योजना					
(iii) सहायता अनुदान (सामान्य)	-	365,000,000			
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	-	1,630,378,000			
ख) राज्य सरकार से					
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)					
(अलग से दर्शाने के लिए पूंजी एवं राजस्व व्यय हेतु अनुदान)					
III. निवेश पर आय से			**III. निवेश एवं जमा किया गया**		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि	-	-	क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से	-	-
ख) आवर्ती निधि			**ख) आवर्ती निधि**		
i) रक्त जांच / प्रयोगशाला जांच	11,065,090	10,038,556	i) रक्त जांच / प्रयोगशाला जांच	4,705,210	4,980,922
ii) हृद् जांच	5,142,760	5,065,470	ii) हृद् जांच	242,738	1,085,222
iii) स्ट्रेस थैलियम	2,579,000	3,636,750	iii) स्ट्रेस थैलियम	2,272,833	4,432,250
IV) तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	11,814,279	15,110,788	IV) तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	8,705,468	5,953,213
			तंत्रिका विज्ञान रोगी खाते से विभिन्न रोगी खाते के लिए अंतरण	2,129,929	1,230,407

V) एम.आर.आई. प्रभार	3,583,500	4,110,250			
vi) स्टेम सेल	74,000				
गामा नाइफ खाता	43,081,073	43134326	गामा नाइफ खाता	3264881	
एंजियो रोगी खाता	221,982,974	179180362.8	एंजियो रोगी खाता	205721326	
सी. टी. रोगी खाता	372,829,470	294152900.6	सी. टी. रोगी खाता	299167569	
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	135,490,483	92018910.8	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	121934711	
ग) स्वयं की निधियां (अन्य निवेश)	-	-			
IV. ब्याज प्राप्त			**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी पर व्यय**		
क) बैंक जमा पर (हृ. तं. कें. मुख्य)	10,771,488	12216060	कार्य प्रगति पर		
बैंक जमा पर (गामा नाइफ)	9,651,831	13560973	क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	176,119,651	227,650,787
बैंक जमा पर (एंजियो रोगी खाता)	6,890,294	7847110	ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय	-	-
बैंक जमा पर (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	2,192,180	2885354	ग) साख पत्र (मशीनरी एवं उपकरण)	106,634,607	177,476,916
बैंक जमा पर (सी. टी. रोगी खाता)	-	292882	**V. अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी**		
			क) भारत सरकार को	-	-
ख) ऋण एवं अग्रिम आदि	1,589,524	1368972	ख) राज्य सरकार को	-	-
V. अन्य आय			ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को	-	-
विविध प्राप्ति	1,955,300	1552546	**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**		
अस्पताल प्राप्ति (हृ. तं. कें. मुख्य)	61,442,379	49816811	बैंक प्रभार (हृ. तं. कें. मुख्य)	2,142	25,317
			बैंक प्रभार (गामा नाइफ)	734	2,434
VI. उधार ली गई राशि			बैंक प्रभार (एंजियो रोगी खाता)	2,999	71,332
			बैंक प्रभार (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	6,465	38,618
			बैंक प्रभार (सी. टी. रोगी खाता)	105,412	84,166
			बैंक प्रभार (एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी	649	632

			खाता)		
VII. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			**VII. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
क) दान	442,530	603601	दान/ अनुदान	250,264	
ख) धरोहर राशि जमा	4,804,000	7372000	धरोहर राशि जमा	1,810,820	4,000,590
कर्मचारी से वसूली			**कर्मचारी से वसूली**		
1. एम्स वसूलियां	14,195,956	10721311	1.एम्स वसूलियां	15,572,667	9329718
2. बाह्य वसूलियां	369,912,153	287764451	2. बाह्य वसूलियां	369,912,153	287764451
3. जी.पी.एफ. (अंशदान और अग्रिम)	153,746,608	133617251	3 जी.पी.एफ. (अंशदान और अग्रिम)	153,746,608	133617251
4. एन.पी.एस. वसूली	94,695,940	75240556	4. एन.पी.एस. वसूली	94,664,346	75240556
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली			**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति / वसूली**		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	587,800	855202	कंप्यूटर अग्रिम वसूली	500,000	390,000
कार / स्कूटर अग्रिम वसूली	164,800	332948	कार / स्कूटर अग्रिम वसूली	-	60,000
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	716,140	881000	भवन निर्माण अग्रिम	498,000	-
त्यौहार अग्रिम वसूली	819,000	1643850	त्यौहार अग्रिम	-	1,363,500
					3,150
वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)	5,805,294	4634190	वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)	5,805,294	10,805,468
			रिटर्न आर.टी.जी.एस.	78,252	-
रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस.)	1,603,028	66674			
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	50,000		डी.ए.वी.पी. के लिए भुगतान अग्रिम	712,157	2,220,207
			सीमा शुल्क	-	60,000,000
			पीडीए	-	1,000,000
			छूट / बीपीएल रोगी के लिए (एंजियो रोगी खाता) के लिए अंतरित अनुदान	24,626,413	-
छूट / बीपीएल रोगी के लिए एम्स सी एन सी (सी. टी. रोगी खाता) से प्राप्त अनुदान	-	2,750,799	छूट / बीपीएल रोगी के लिए (सी. टी. रोगी खाता) के लिए अंतरित अनुदान	18,241,871	-

			छूट / बीपीएल रोगी के लिए (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता) के लिए अंतरित अनुदान	545,227	-
			टीडीआर (सी एन सी मुख्य खाता)	50,000,000	-
			VIII. अंतशेष		
			क) नकद राशि	66,000	66,000
			ख) बैंक शेष		
			(i) चालू खाते में (सी. एन. सी. मुख्य)		
			सी. एन. सी. मुख्य	245,439,239	161,723,947
			गामा नाइफ	89,945,198	40,477,909
			एंजियो रोगी खाता	38,587,244	15,438,301
			तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	52,893,371	37,151,884
			सी. टी. रोगी खाता	91,101,096	67,544,607
			एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	257,251	207,900
			ii) जमा खाते में	-	-
			iii) बचत खाते में	-	-
			ग) सावधि जमा		
			सावधि जमा (गामा नाइफ)	240,000,000	240,000,000
			सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	109,800,000	109,800,000
			सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	31,800,000	31,800,000
			सावधि जमा (सीटी रोगी खाता)	50,000,000	-
कुल	**5,730,487,640**	**4,845,368,157**	**कुल**	**5,730,487,640**	**4,845,368,157**

प्रमुख, हृ. व. केन्द्र

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी, हृ. तं. केंद्र

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (समेकित)
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
समग्र / पूंजीगत निधि	1	6,402,307,017	6,159,775,288
रिजर्व और अधिशेष	2	6,960,654	478,608,581
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	102,338,619	2,955,153
आवर्ती निधि	4	798,407,127	93,451,021
सुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	6	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	7	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	8	56,485,722	54,865,911
कुल		**7,366,499,139**	**6,789,655,954**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	9	6,005,770,555	5,756,366,092
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	10	-	-
निवेश – अन्य	11	431,600,000	381,600,000
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	12	929,128,584	651,689,862
विविध व्यय		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
आय पर व्यय की अधिकता का शेष			

कुल		**7,366,499,139**	**6,789,655,954**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणी	26		

प्रमुख, हृ. व. केंद्र

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी, हृ. तं. केंद्र

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
विक्रय / सेवाओं से आय	13	62,033,065	663,057,637
अनुदान / आर्थिक सहायता	14	3,090,652,978	2,570,076,712
फीस / अभिदान	15	-	-
निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	16	-	-
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	17	-	-
अर्जित ब्याज	18	31,095,317	38,171,351
अन्य आय	19	1,955,300	1,552,546
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति की वृद्धि / (कमी)	20	-	-
कुल (क)		**3,185,736,660**	**3,272,858,246**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	2,515,368,878	2,071,109,232
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	22	239,497,294	213,252,814

विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधि के लिए किए गए भुगतान	22 (A)	-	2,213,081
सामग्री एवं आपूर्ति	23	356,941,872	846,436,647
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	24	-	-
ब्याज एवं वित्त व्यय	25	118,401	222,498
अवमूल्यन (अनुसूची 11 में वर्ष समाप्ति तदनानुसार पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**3,111,926,445**	**3,133,234,272**
व्यय पर आय की अधिकता होने वाला शेष (क–ख)		73,810,215	139,623,974
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में / से अंतरण		-	-
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**73,810,215**	**139,623,974**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणी	26		

वित्त एवं मुख्य लेखा
अधिकारी, हृ. तं. केंद्र

प्रमुख, हृ. व. केंद्र

हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष (हृ. तं. कें. मुख्य)	6,108,383,585	-
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान (एम्स मुख्य के माध्यम से)	242,531,729	6,108,383,585
जमा : दान खाता में सृजित समग्र / पूंजी	51,391,703	51,391,703
जमा / कटौती : आय और व्यय लेखा से अंतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	-	-
वर्ष समाप्ति पर शेष	**6,402,307,017**	**6,159,775,288**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. पूंजीगत रिजर्व	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	
हृ. तं. कें. मुख्य	(66,848,044)	(66,848,044)
गामा नाइफ रोगी खाता		280,477,909
एंजियो रोगी खाता		128,483,742
सी.टी. रोगी खाता		67,544,607
तंत्रिका सर्जरी खाता		68,951,884
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता		

	(1,517)	(1,517)
जमा : वर्ष के दौरान जमा		-
हृ. तं. कें. मुख्य	55,192,168	
गामा नाइफ रोगी खाता	9,651,097	
एंजियो रोगी खाता	6,887,295	
सी.टी. रोगी खाता	(105,412)	
तंत्रिका सर्जरी खाता	2,185,715	
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	(649)	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा : वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
3. विशेष रिजर्व	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा : वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
4. सामान्य रिजर्व	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा : वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
5. व्यय पर आय की अधिकता	-	
कुल	**6,960,654**	**478,608,581**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	हृद् विज्ञान	सी.टी.वी. एस.	तंत्रिका विज्ञान	तंत्रिका सर्जरी	अन्य	स्वच्छता कार्य योजना (एस.ए.पी.)		वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
						सी.टी.सी.	एन.एस.सी.	कुल	कुल
क) निधियों का अथशेष	64,306	188,750	984,591	1,531,405	186,101	-	-	2,955,153	2,351,552
ख) निधियों में जमा :	-							-	-
i. दान / अनुदान	-	-	-	435,100	7,430	50,000,000	50,000,000	100,442,530	603,601
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	-							-	-
iii. रोगियों से प्राप्त	-							-	-
iv. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)	-							-	-
कुल (क+ख)	**64,306**	**188,750**	**984,591**	**1,966,505**	**193,531**	**50,000,000**	**50,000,000**	**103,397,683**	**2,955,153**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय									
i. पूंजीगत व्यय									
स्थायी परिसंपत्तियां	-					404,400	404,400	808,800	-
अन्य	-							-	-
कुल (ग i)	-					**404,400**	**404,400**	**808,800**	-
ii. राजस्व व्यय								-	-
वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-	-	-	-	-	-	-	-
किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बैंक प्रभार	-	-	-	-	-	-	-	-	-

अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	75,264	-	175,000	-	-	250,264	-
कुल ग (ii)	**-**	**-**	**75,264**	**-**	**175,000**	**-**	**-**	**250,264**	**-**
कुल (ग)	**-**	**-**	**75,264**	**-**	**175,000**	**404,400**	**404,400**	**250,264**	**-**
घ) रोगियों को वापसी	-							-	-
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख+ग–घ)	**64,306**	**188,750**	**909,327**	**1,966,505**	**18,531**	**49,595,600**	**49,595,600**	**102,338,619**	**2,955,153**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 परिक्रामी निधि	वर्तमान वर्ष											पिछले वर्ष
	प्रयोगशाला जांच	हृद् जांच	स्ट्रेस थैलियम	एम.आर.आई.	स्टेम सेल	तंत्रिका विज्ञान रोगी निधि	सी. टी. रोगी खाता	गामा नाइफ खाता	एंजियो रोगी खाता	एनएस रोगी खाता	कुल	कुल
क) निधियों का अथ शेष	22,962,395	19,344,703	3,335,624	7,649,130	-	40,159,169	67,544,607	280,477,909	128,483,742	68,951,884	638,909,163	73,171,221
ख) निधियों में जोड़												
i.रोगियों से प्राप्ति	11,065,090	5,142,760	2,579,000	3,583,500	74,000	11,814,279	354,587,599	43,081,073	197,356,561	134,945,256	764,229,118	37,961,814
ii. छूट/बीपीएल रोगियों हेतु एम्स सीएनसी (एंजियो रोगी खाता) से प्राप्त अनुदान				-		-	18,241,871		24,626,413	545,227	43,413,511	-
कुल (क + ख)	**34,027,485**	**24,487,463**	**5,914,624**	**11,232,630**	**74,000**	**51,973,448**	**440,374,077**	**323,558,982**	**350,466,716**	**204,442,367**	**1,446,551,792**	**111,133,035**
ग) निधियों का लक्ष्यों हेतु उपयोग/व्यय												

<u>i.पूंजी व्यय</u>												
स्थायी परिसंपत्तियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य (उल्लेख करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (ग i.)	-	-	-	-	-	-					-	-
<u>ii.राजस्व व्यय</u>												
सामग्री एवं आपूर्ति		-	-	-	-	8,705,468	199,001,098	1,900,881	134,092,285	89,272,627	432,972,359	-
रोगियों को वापसी	-	-	-	-	-	-	81,924,600	1,364,000	47,002,628	32,116,857	162,408,085	
निर्धन/बीपीएल रोगियों का उपचार व्यय	-	-	-	-	-	-	18,241,871	-	1,195,250	545,227	19,982,348	
निःशुल्क प्रक्रिया	-	-	-	-	-	-	-	-	23,431,163	-	23,431,163	
अन्य (उल्लेख करें)	4,705,210	242,738	2,272,833	-	-	-	-	-	-	-	7,220,781	**16,451,607**
विभिन्न रोगी खातों में अंतरित	-	-	-	-	-	2,129,929	-	-	-	-	2,129,929	**1,230,407**
कुल (ग ii)	**4,705,210**	**242,738**	**2,272,833**	**-**	**-**	**10,835,397**	**299,167,569**	**3,264,881**	**205,721,326**	**121,934,711**	**648,144,665**	**17,682,014**
कुल (ग)	**4,705,210**	**242,738**	**2,272,833**	**-**	**-**	**10,835,397**	**299,167,569**	**3,264,881**	**205,721,326**	**121,934,711**	**648,144,665**	**17,682,014**
र्व के अंत में बकाया राशि (क+ख+ग)	**29,322,275**	**24,244,725**	**3,641,791**	**11,232,630**	**74,000**	**41,138,051**	**141,206,508**	**320,294,101**	**144,745,390**	**82,507,656**	**798,407,127**	**93,451,021**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – सुरक्षित ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 6 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. केन्द्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) सावधि ऋण	-	-
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय	-	-
4. बैंक		
क) सावधि ऋण		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
– ब्याज प्रोदभूत एवं देय	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
7. अन्य (विशेष)	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – आस्थगित जमा देयताएं	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्राप्त स्वीकृति	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – वर्तमान देयताएं	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान देयताएं		
1. स्वीकृतियां	-	-
2. विविध ऋणदाताओं		
क) वस्तुओं हेतु	-	-
ख) अन्य		
3. अग्रिम प्राप्त	-	-
4. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु देय पर नहीं		
क) सुरक्षित ऋण / उधार	-	-
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-
5. सांविधिक देयताएं		
क) अतिदेय	-	-
ख) अन्य	-	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं	349,521	1,694,638
7. धरोहर राशि जमा	55,856,784	52,863,604
8. रिटर्न आर. टी. जी. एस.	-	78,252
9. अग्रदाय	20,000	20,000
10. एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	259,417	209,417

कुल (क)	**56,485,722**	**54,865,911**
ख. <u>प्रावधान</u>		
1. कराधान हेतु	-	-
2. उपदान	-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन	-	-
4. संचित अवकाश नकदी	-	-
5. ट्रेड वारंटी / दावे	-	-
6. संचित अवमूल्यन		
7. अन्य	-	-
कुल (ख)	**-**	**-**
कुल (क)+(ख)	**56,485,722**	**54,865,911**

अनुसूची 9 – स्थायी परिसंपत्ति

(राशि रुपयों में)

विवरण	सकल ब्लॉक							अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के दौरान जमा (साख – पत्र)	वर्ष के दौरान जमा (पी. डी.ए.)	वर्ष के दौरान जमा (सीमा शुल्क)	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौती पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
स्थायी परिसंपत्ति												वर्तमान वर्ष के अनुसार	
भूमि													
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
भवन													
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे की भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबद्ध नहीं													
अमूर्त स्थायी परिसंपत्ति													
क) सॉफ्टवेयर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण*	5,149,578,512	141,027,794		62,383,292	249,525	8,964,187	5,362,203,310	-	-	-	-	5,362,203,310	5,149,578,512
स्पेयर एवं सहयंत्र (हृ. व. केन्द्र)	51,727,417	13,846,147					65,573,564					65,573,564	51,727,417
स्पेयर एवं सहयंत्र (एनएससी)	69,177,699	17,453,364					86,631,063					86,631,063	69,177,699
साख पत्र स्पेयर एवं सहयंत्र (एनएससी)	10,230,776	-		1,228,320	14,360	445,128	11,918,584					11,918,584	10,230,776
क्रेडिट स्पेयर एवं सहयंत्र (हृ.	556,416	-					556,416					556,416	556,416

व. केन्द्र) का पत्र													
वाहन	4,381,989	-	-				4,381,989	-	-	-	-	4,381,989	4,381,989
फर्नीचर, उपस्कर	5,936,676	812,505	-				6,749,181	-	-	-	-	6,749,181	5,936,676
कंप्यूटर / पेरीफेरल्स	4,472,907	2,979,841	-				7,452,748	-	-	-	-	7,452,748	4,472,907
विद्युत संस्थापन	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
पुस्तकालय पुस्तकें	-		-				-	-	-	-	-	-	-
ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
कार्यालय उपकरण	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल	**5,296,062,392**	**176,119,651**	-				**5,545,466,855**	-	-	-	-	**5,545,466,855**	**5,296,062,392**
पिछले वर्ष	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
पूंजीगत कार्य प्रगति	460,303,700	-	-				460,303,700	-	-	-	-	460,303,700	460,303,700
कुल	**5,756,366,092**	**176,119,651**	-	**63,611,612**	**263,885**	**9,409,315**	**6,005,770,555**	-	-	-	-	**6,005,770,555**	**5,756,366,092**
(उपर्युक्त में सम्मिलित किराये पर खरीद आधार पर परिसंपत्ति की लागत में तारीख दिये जाने हेतु)													

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 10 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. आर्थिक सहायता एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – निवेश अन्य	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. सरकारी जमानतों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित जमानतें	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (अलग अलग उल्लेख करें)	-	-
i. सावधि जमा (गामा नाइफ)	240,000,000	240,000,000
ii. सावधि जमा (एंजियो रोगी खाता)	109,800,000	109,800,000
iii. सावधि जमा (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	31,800,000	31,800,000
iv. सावधि जमा (सी टी रोगी खाता)	50,000,000.00	-
कुल	**431,600,000.00**	**381,600,000.00**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान परिसंपत्ति		
1. इनवेंटरीज		
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-	-
ख) खुले औजार	-	-
ग) ट्रेड में भंडार		

तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य–प्रगति पर	-	-
कच्चा माल	-	-
2. विविध देनदार		
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण		
ख) अन्य	3,245,441	3,245,441
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
क) अग्रदाय	66,000	66,000
4. बैंक शेष		
क) अनुसूचित बैंकों के पास :		
– चालू खाते में	245,439,239	161,723,947
गामा नाइफ	89,945,198	40,477,909
एंजियो रोगी खाता	38,587,244	15,438,301
सी. टी. रोगी खाता	91,101,096	67,544,607
तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	52,893,371	37,151,884
एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	257,251	207,900
– जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)	-	-
– बचत खाते में	-	-
ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास :		
– चालू खाते में	-	-
– जमा खाते में	-	-
– बचत खाते में	-	-
5. डाक घर – बचत खाते	-	-
कुल (क)	**521,534,841**	**325,855,989**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
1. ऋण		
क) स्टाफ	2,939,535	4,229,275
ख) इकाई के समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न अन्य इकाइयां		
ग) अन्य (रोगी उपचार – सी.जी.एच.एस.)		
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने के लिए मूल्य हेतु		
क) पूंजीगत खाते में		
ख) पूर्व भुगतान		
ग) अस्थायी आकस्मिक अग्रिम		
घ) अन्य		
3. प्रोद्भूत आय :		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर		
ख) निवेश – अन्य पर		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)		
4. वसूलनीय दावे		
5. साख–पत्र	86,500,613	43,477,618
6. सीमा शुल्क	34,019,794	43,429,109
7. जमा पूर्व अग्रिम	529,618	793,503
8. टी.डी.आर.	50,000,000	-
9. कार्य के लिए अग्रिम	174,596,762	174,596,762
10. अग्रिम भुगतान डीएवीपी	5,708,036	4,995,879
11. सी. टी. रोगी खाते से अंतरण मशीनरी एवं उपकरण	49,025,000	49,025,000

12. रोगी उपचार (सी.जी.एच.एस.)	4,274,385	5,286,727
कुल (ख)	**407,593,743**	**325,833,873**
कुल (क)+(ख)	**929,128,584**	**651,689,862**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 13 – विक्रय / सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं का विक्रय	-	-
ख) कच्चे माल का विक्रय	-	-
ग) रद्दी का विक्रय	-	-
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवा	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	-	-
ङ) अस्पताल प्राप्तियां (सी.एन.सी. मुख्य)	61,442,379	49,816,811
च) अस्पताल प्राप्तियां (गामा नाईफ)	-	43,134,326
छ) अस्पताल प्राप्तियां (एंजियो रोगी खाता)	-	179,180,363
ज) अस्पताल प्राप्तियां (सी. टी. रोगी खाता)	-	296,903,699
झ) अस्पताल प्राप्तियां (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	-	92,018,911
ञ) रोगी उपचार सी. जी. एच. एस.	590,686	2,003,527
ट) अन्य (विशेष) संदिग्ध प्राप्ति	-	-
कुल	**62,033,065**	**663,057,637**

अनुसूची 14 – अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त) – एम्स मुख्य के माध्यम से		
1) केन्द्र सरकार	-	-
राजस्व सामान्य (योजना)		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	-	450,000,000
(iii सहायता अनुदान (सामान्य)	-	124,698,712
गैर – योजना		
(iii सहायता अनुदान (सामान्य)	575,286,978	365,000,000
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	2,515,366,000	1,630,378,000
सहायता अनुदान (एसएपी) – हृ. व. केन्द्र	-	-
सहायता अनुदान (एसएपी) – एनएससी	-	-
2) राज्य सरकारें		-
3) सरकारी एजेंसियां	-	-
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय	-	-
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य (विशेष)	-	-
कुल	**3,090,652,978**	**2,570,076,712**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 15 – फीस / अभिदान	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक फीस / अभिदान	-	-
3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस	-	-
4) परामर्श फीस	-	-
5) टेंडर फीस	-	-
कुल	**-**	**-**
टिप्पणी : प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जाती हैं		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) ब्याज				
क) सरकारी जमानतों पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स	-	-	-	-
2) लाभांश				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
ख) म्यूचुअल फंड जमानतों पर	-	-	-	-
3) किराया	-	-	-	-
4) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**
टिप्पणी : उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 17 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) रॉयल्टी से आय	-	-
2) प्रकाशन से आय	-	-
3) अन्य (विशेष)	-	-
कुल	**-**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – ब्याज अर्जित	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) अवधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंक के पास (हृ. तं. केंद्र मुख्य)	10,771,488	12,216,060
अनुसूचित बैंक के पास (गामा नाइफ)	9,651,831	13,560,973
अनुसूचित बैंक के पास (एंजियो रोगी खाता)	6,890,294	7,847,110
अनुसूचित बैंक के पास (सी. टी. रोगी खाता)	-	292,882
अनुसूचित बैंक के पास (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	2,192,180	2,885,354
ख) गैर – अनुसूचित बैंक के पास	-	-
ग) संस्थान के पास	-	-
घ) अन्य	-	-
2) बचत खाते पर		
क) अनुसूचित बैंक के पास	-	-
ख) गैर – अनुसूचित बैंक के पास	-	-
ग) संस्थान के पास	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋणों पर		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	1,589,524	1,368,972

ख) अन्य	-	-
4) देनदारों एवं अन्य प्राप्त करने योग्य पर ब्याज	-	-
कुल	**31,095,317**	**38,171,351**
टिप्पणी : दर्शाये गए स्रोतों पर कर कटौती की गई		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 19 – अन्य आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय / परिसंपत्ति निपटाने पर लाभ		
क) निजी परिसंपत्ति	-	-
ख) अनुदान अथवा निशुल्क प्राप्त में से अर्जित परिसंपत्ति	-	-
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली		
क) परिसमापन क्षति	-	-
3) विविध सेवाओं के लिए फीस	-	-
4) विविध प्राप्ति	1,955,300	1,552,546
5) लाइसेंस फीस वसूली		-
कुल	**1,955,300**	**1,552,546**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 20 – तैयार वस्तुओं एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) समापन भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य – प्रगति पर	-	-
ख) न्यून : अथ भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य – प्रगति पर	-	-
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क–ख)	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) वेतन एवं मजदूरी (योजना)	457,760,909	399,304,268
ख) वेतन एवं मजदूरी (गैर – योजना)	1,960,558,586	1,598,589,040
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान	-	
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान – (एन.पी.एस.)	88,000,814	67,666,812
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय	-	-
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय	-	-
छ) यात्रा एवं वाहन व्यय	9,048,569	5,549,112
ज) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**2,515,368,878**	**2,071,109,232**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
श्रम एवं संसाधन व्यय	-	-
गाड़ी भाड़ा एवं आवक वाहन	-	-
कार्यालय अनुरक्षण व्यय	1,930,947	3060713
प्रतिनिधिमंडल शुल्क	-	1080192
गैस प्रभार	140,398	178312
चालू वाहन एवं अनुरक्षण	709,206	565331
डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	96,272	208581
विज्ञापन	61,904	-
सर्जरी एवं डिस्पोजल	-	-

भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	47,069,551	25632914
मशीनरी की मरम्मत एवं अनुरक्षण	6,626,675	3617011
चालू वाहन एवं अनुरक्षण		
लघु कार्यों का अनुरक्षण	35,661,217	34221391
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	-	
सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
फीस प्रक्रिया हेतु हृद् विज्ञान	-	
व्यावसायिक प्रभार		
पैकिंग प्रभार		
भार एवं अग्रेषण व्यय		
वितरण व्यय		
विज्ञापन एवं प्रचार		
प्रतिभूति सेवाएं	32,707,217	28038015
कर्मचारी आउटसोर्सिंग प्रभार	62,490,557	40148754
स्वच्छता सेवा	52,003,350	34420427
निर्धन / बीपीएल रोगी उपचार व्यय (एंजियो रोगी खाता)	-	2155762
निशुल्क प्रक्रिया (एंजियो रोगी खाता)	-	28941580
निर्धन / बीपीएल रोगी उपचार व्यय (सी. टी. रोगी खाता)	-	9513650
निर्धन / बीपीएल रोगी उपचार व्यय (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)	-	1470180.6
अन्य (निर्दिष्ट)		
कुल	**239,497,294**	**213252813.6**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 (क) विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधियों हेतु किए गए भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
एन.एस.सी. निर्धन रोगी	-	2,213,081
अन्य (निर्दिष्ट)		
कुल	**-**	**2213081**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 – सामग्री एवं आपूर्ति	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
सामग्री एवं आपूर्ति	338,217,902	317,972,481
अनुरक्षण और उपकरण के लिए उपयोगी उपभोज्य और अभिकर्मकों का व्यय	18,723,970	49411563
सामग्री एवं आपूर्ति (गामा नाइफ)	-	1,338,428
सामग्री एवं आपूर्ति (एंजियो रोगी खाता)	-	148,128,229
सामग्री एवं आपूर्ति (सी. टी. रोगी खाता)	-	259,822,795
सामग्री एवं आपूर्ति (तंत्रिका सर्जरी खाता)	-	69,750,881
सामग्री एवं आपूर्ति (ओआरबीओ)	-	12,270
कुल	**56,941,872**	**846,436,647**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 24 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) संस्थानों / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	**-**	**-**

टिप्पणी : अनुदान / आर्थिक सहायता राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियां प्रकट की जाती हैं।

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 25 – ब्याज एवं वित्तीय व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) स्थायी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) बैंक प्रभार (हृ. तं. कें. मुख्य)	2,142	25,317
ग) बैंक प्रभार (गामा नाईफ)	734	2,434
ग) बैंक प्रभार (एंजियो रोगी खाता)	2,999	71,332
ग) बैंक प्रभार (सी. टी. रोगी खाता)	105,412	84,166
ग) बैंक प्रभार (तंत्रिका सर्जरी खाता)	6,465	38,618
ग) बैंक प्रभार (निर्धन रोगी खाता)	649	632
घ) अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
कुल	**118,401**	**222,498**

vu|lph 24

लेखों की लेखाकरण नीतियां एवं टिप्पणी के रूप में भाग

- संस्थान की गतिविधियां मुख्यतः भारत सरकार के अनुदान से वित्तपोषित है और संस्थान के लेखों को सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार तैयार किया जाता है।
- खातों को रोकड़ आधार अर्थात वास्तविक प्राप्ति एवं भुगतान आधार पर तैयार किया गया है।
- खातों में परिसंपत्ति अर्थात मशीनरी एवं उपकरण, वाहनों, भवनों आदि पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है और परिसंपत्ति को परपंरागत लागत पर कार्यान्वित किया गया। उपयोगी अवधि के पूर्ण होने पर निराकरण के समय परिसंपत्ति को पूंजीगत संग्रह निधि के अतिरिक्त परिसंपत्ति से हटा दिया जाता है।
- उपदान, पेंशन एवं अवकाश नकदीकरण आदि को देयता हेतु खातों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है जैसा कि भारत सरकार से अनुदानों को वास्तविक व्यय के लिए प्राप्त किया गया है। उपदान, पेंशन एवं अवकाश नकदीकरण आदि के भुगतान को वास्तविक भुगतान के समय पर केवल खातों में लेखांकित किया जाता है।
- लेखा अवधि की समाप्ति पर भंडार एवं आपूर्ति का कोई समापन स्टॉक खातों में समाविष्ट नहीं किया जाता है क्योंकि भंडार एवं आपूर्ति पर सभी व्यय खातों में भुगतान के समय अंतिम व्यय के रूप में समझे जाते हैं।
- संस्थान की आय को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 11 के तहत आयकर से छूट दी गई है।
- अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदानों से वित्तपोषित सभी परिसंपत्तियां (मशीनरी एवं उपकरण, वाहन आदि) का अनुसंधान परियोजनाओं की गतिविधियों हेतु प्रयोग किया जाता है तथा संस्थान की परिसंपत्ति में शामिल नहीं किया जाता है। ऐसी परिसंपत्ति (मशीनरी एवं उपकरण, वाहन आदि) को या तो फंडिग एजेंसी को लौटा दी जाती है अथवा फंडिग एजेंसी की स्वीकृति के अनुसार परियोजनाओं के पूर्ण होने तक विभागों में प्रयोग किया जाता है।
- वर्ष 2017–18 के दौरान अनुसंधान परियोजनाओं हेतु विभिन्न परियोजना अन्वेषकों द्वारा किये गए व्यय को दर्शाने वाला विवरण तथा दिनांक 31.03.2018 के अनुसार संस्थान के पास बची हुई शेष राशि खाते के साथ संलग्न है। दिनांक 31.03.2018 के अनुसार सा. भ. नि. लेखा को खाते के साथ संलग्न किया गया है।
- दिनांक 31.03.2018 के अनुसार संस्थान के विभिन्न केंद्रों के खातों को खाते के साथ संलग्न किया गया है।
- पैकेजों के तहत उपचार की अग्रिम राशि को व्यय में इन उपचारों के प्रति किए गए राजस्व और व्यय के तौर पर लिया गया था। वर्तमान वर्ष के दौरान उपचार के लिए पैकेजों हेतु प्राप्त अग्रिम राशि को परिक्रामी निधि के तहत और परिक्रामी निधि के प्रति किए गए व्यय के रूप में दर्शाया गया है। परिक्रामी निधि की शेष राशि को देयता के रूप में दर्शाया गया है। लेखा नीति में इस बदलाव का प्रभाव आकलन योग्य नहीं है और उल्लेखनीय नहीं है।
- दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष का लेखा नए प्रपत्र में तैयार किया गया है और ग्रुपिंग एवं रीग्रुपिंग तथा वर्गीकरण अच्छी प्रस्तुति हेतु जहां भी आवश्यक हुआ परिवर्तन किया/अपनाया गया है।
- प्रत्येक विभाग / केंद्रों में संस्थान की परिसंपत्ति को उद्देश्य हेतु नामित किये गए संकाय / अधिकारी के द्वारा वर्ष में एक बार प्रत्यक्ष सत्यापित किया जाता है तथा कोई महत्वपूर्ण / बड़ा अंतर होने की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।
- संस्थान के प्रत्येक विभाग / केंद्रों में भंडार एवं आपूर्ति को उद्देश्य हेतु नामित किये गए संकाय / अधिकारी के द्वारा वर्ष में एक बार प्रत्यक्ष सत्यापित किया जाता है तथा कोई महत्वपूर्ण / बड़ा अंतर होने की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है।
- संस्थान ने रोगी उपचार के लिए अपेक्षित जांच / प्रक्रियाओं हेतु विभिन्न आवर्ती निधि बना रखी है और उसी को संस्थान के संबद्ध खातों में सम्मिलित किया जाता है।
- विभिन्न स्रोतों से बिना किसी संलग्न शर्तो के दान / प्राप्तियों को संबद्ध केंद्र की अथवा संस्थान की यथा मामले अनुसार आय के रूप में माना जाता है।
- उपरोक्त सूचीबद्ध सभी लेखांकन नीतियों और लेखा टिप्पणियों के भाग के रूप में इन्हें केंद्र के लेखा को तैयार करने में भी लागू किया गया है।

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्र
अ. भा. आ. सं.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजी निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2017-18**	**2016-17**
समग्र / पूंजी निधि	**1**	3206471076	2966471076
रिजर्व और अधिशेष	**2**	140295935	252599633
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	70273056	10035278
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**		
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**		
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**		
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**7**	11019679	16973000
कुल		**3428059746**	**3246078987**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	2993197028	2858571618
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**9**		
निवेश – अन्य	**10**		
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	434862718	387507369
विविध व्यय			
(बट्टा खाता अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**3428059746**	**3246078987**

लेखा अधिकारी **प्रमुख, रा. प्र. केंद्र**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	2017-18	2016-17
विक्रय / सेवाओं से आय (अस्पताल प्राप्तियां)	12	276391580	255223255
अनुदान / आर्थिक सहायता	13	1190000000	1125769000
फीस / अभिदान	14		
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	15		
रायल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	16		
अर्जित ब्याज	17	4756665	14356407
अन्य आय	18	153380	232924
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	19		
कुल (क)		**1471301625**	**1395581586**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	858476429	741209610
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	725128894	566392938
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22		
ब्याज	23		
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में वर्ष समाप्ति पर पत्राचार में शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**1583605323**	**1307602548**
आय पर व्यय की अधिकता होने वाली शेष (ख–क)		-112303698	87979038
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक का उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**1471301625**	**1395581586**

लेखा अधिकारी **प्रमुख, रा. प्र. केंद्र**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में) (राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	भुगतान	2017-18	2016-17
1. अथशेष			**1. व्यय**		
(क) नकद राशि	26500	21500	(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	858476429	741209610
(ख) बैंक शेष	316189138	235854683	(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क में संगत)	713839008	558919717
(i) चालू खाते में					
(ii) जमा खाते में			**2. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		15232050
			(क) गैर – रा. प्र. कें. स्कीम	11831155	
(iii) बचत खाते में			(ख) एस.ए.पी.	995802	
			3. निवेश एवं जमा किया गया		
2. प्राप्त अनुदान			(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से	-	-	(ख) निजी निधि में से (निवेश – अन्य)		
(i) सहायता अनुदान (योजना) (पूंजी परिसंपत्ति)	240000000	269100000			
(ii) सहायता अनुदान (सामान्य) (योजना)	350000000	85000000			
(iii) सहायता अनुदान (वेतन)	840000000	87500000	**4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजी कार्य प्रगति पर व्यय**		
(iv) स्वच्छता कार्य योजना	50000000	643269000	(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	98990632	220342586
(v) सहायता अनुदान (सामान्य) (गैर–योजना)	0	310000000	(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		48757414
ख) राज्य सरकार से			(ग) सीमा शुल्क	45000000	
			(घ) साख पत्र	85882779	
ग) अन्य स्रोतों से (स्कीम)	23833839	13993531	**5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
			(क) भारत सरकार को		
3. निवेश पर आय द्वारा			(ख) राज्य सरकार को		
(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			(ग) निधि की व्यवस्था अन्य को		
(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)					
			6. वित्त प्रभार (ब्याज)	0	0

			एन.ई.एफ.टी. प्रभार	8576	
4. प्राप्त ब्याज			एन.ई.एफ.टी. प्रभार (योजना)	794	
(क) बैंक जमा पर	4294722	13850476	**7. अन्य भुगतान**		
(ख) ऋण, अग्रिम आदि			एन.आई.ए.एफ.	74587	66000
कार	101116	38293	बयाना राशि जमा की वापसी	3506072	1198000
एचबीए	331441	466638	**कर्मचारी वसूली भुगतान**		
कंप्यूटर	29386	1000	एम्स (मुख्य) के लिए कर्मचारी प्रेषित से वसूलियां	5983346	3709760
स्कूटर	0	0	बाह्य वसूलियां	125038919	113063528
			iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	71174550	68949890
5. अन्य आय	-	-	iv) एन.पी.एस. से वसूली	17354550	14295528
(i) अस्पताल प्राप्तियां	275116497	254323707	v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)	549815	604425
(ii) विविध प्राप्तियां	153380	232924			
6. उधार ली गई राशि			**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		
			सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु भुगतानित अग्रिम	0	11650800
7. कोई अन्य प्राप्ति	-	-	कंप्यूटर अग्रिम	150000	150000
(क) एन.आई.ए.एफ.	113360	207808	त्यौहार अग्रिम	0	796500
(ख) बयाना राशि जमा	1671000	2887500	वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)	4462203	6080911
(ग) कर्मचारी वसूली			वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)	1860111	1435366
i) कर्मचारियों से वसूलियां	5983346	3709760			
ii) बाह्य वसूलियां	125038919	113063528			
iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	71174550	68949890			
iv) एन.पी.एस. से वसूली	17354550	14295528	**8. अंतशेष**		
v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)	549815	604425	(क) नकद राशि	26500	26500
			(ख) बैंक शेष		
ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां / वसूली			(i) चालू खाते में	283651688	316189138
कार अग्रिम वसूली	1239	1325	(ii) जमा खाते में		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	87000	77000	(iii) बचत खाते में		
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	4804	6000			

त्यौहार अग्रिम वसूली	480600	824325			
वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)	4462203	2963516			
वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)	1860111	1435366			
कुल	**2328857516**	**2122677723**	**कुल**	**2328857516**	**2122677723**

लेखा अधिकारी

प्रमुख, रा. प्र. केंद्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि :	2017-18		2016-17	
वर्ष के प्रारंभानुसार शेष	2966471076		2697371076	
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	240000000		269100000	
न्यून : वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	0	3206471076	0	2966471076
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**3206471076**		**2966471076**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
1. पूंजीगत रिजर्व :				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				

2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार	252599633		164620595	
वर्ष के दौरान जमा	-112303698	140295935	87979038	252599633
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
कुल	0	**140295935**	**0**	**252599633**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	स्कीम गैर रा. प्र. केंद्र		कुल	
	स्कीम गैर रा. प्र. केंद्र	एस.ए.पी.*	2017-18	2016-17
क) निधियों का अथशेष	10035278	0		11692753
ख) निधियों में जमा :				
i. दान / अनुदान	22558756	50000000		13093983
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	0			
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)				
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय				
कुल (क+ख)	**32594034**	**50000000**	**82594034**	**24786736**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय				
i. पूंजीगत व्यय				
- स्थायी परिसंपत्ति				
- अन्य				
ii. राजस्व व्यय				
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि				
- किराया				
- अन्य प्रशासनिक व्यय	11325176	995802		14751458
कुल	**11325176**	**995802**	**12320978**	**14751458**
कुल (ग)	**11325176**	**995802**	**12320978**	**14751458**
वर्ष समाप्ति (क+ख–ग) के अनुसार शुद्ध शेष			**70273056**	**10035278**

* स्वच्छता कार्य योजना

लेखा अधिकारी

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार :	2017-18		2016-17	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
4. बैंक :				
क) सावधि ऋण				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	0	0	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	2017-18	2016-17
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
4. बैंक :		
क) सावधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 6 – आस्थगित जमा देयताएं :	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2017-18		2016-17	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता :				
क) वस्तुओं हेतु				
क) अन्य				
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एन.आई.ए.एफ.				
अथशेष	1516267		1374459	
वर्ष के दौरान प्राप्त	113360		207808	
वर्ष के दौरान व्यय	74587	1555040	66000	1516267
4. परियोजना अनुदान				
ii) एन.पी.सी.बी.		827		827
5. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
क) असुरक्षित ऋण / उधार				
6. सांविधिक देयताएं :				
क) अतिदेय				
क) अन्य				
7. जमानत जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	11071806		9382306	
वर्ष के दौरान प्राप्त	1671000		2887500	
वर्ष के दौरान वापस	3506072	9236734	1198000	11071806
8. अन्य वर्तमान देयताएं		227078		227078
9. एम्स (मुख्य) को छूट दी जाने वाली वसूलियों के लिए राशि		0		0

अथशेष	0			
न्यून : एम्स (मुख्य) के लिए प्रेषित	0	0		0
10. सीमा शुल्क का भुगतान भंडार (डी.ओ.) के लिए किया जाएगा	0	0		4157022
अथशेष	4157022			
न्यून : एम्स (मुख्य) के लिए प्रेषित	4157022	0		
कुल (क)		**11019679**		**16973000**

ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
6. संचित अवकाश नकदी				
6. ट्रेड वारंटी / दावा				
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**11019679**		**16973000**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्ति	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	गत समाप्त वर्ष के अनुसार
क. **स्थायी परिसंपत्ति :**										
1 भूमि :										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2 भवन :										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	233443859	0	0	233443859	0	0	0	0	233443859	233443859
ख) पट्टे पर भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबंधित नहीं										
3 **संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण**	2599605803	134273700	0	2733879503	0	0	0	0	2733879503	2599605803
4 वाहन	7689572	0	0	7689572	0	0	0	0	7689572	7689572
5 फर्नीचर, उपस्कर	17832384	351710	0	18184094	0	0	0	0	18184094	17832384
6 कार्यालय उपकरण										
7 कंप्यूटर / पेरीफेरल्स										
8 विद्युत संस्थापन										
9 पुस्तकालय पुस्तकें										

10 11	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
	वर्तमान वर्ष का कुल	2858571618	134625410	0	2993197028	0	0	0	0	**2993197028**	**2858571618**
	पिछले वर्ष										
ख.	**पूंजीगत कार्य प्रगति**	-									
	कुल										

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**2017-18**	**2016-17**
1. सरकारी जमानतों में 2. अन्य अनुमोदित जमानतें 3. शेयर 4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स 5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम 6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)		0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	2017-18	2016-17
1. सरकारी जमानतों में		
2. अन्य अनुमोदित जमानतें		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (अलग अलग उल्लेख किये जाने हेतु)		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

		(राशि रुपयों में)			
अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि		2017-18		2016-17	
क वर्तमान परिसंपत्ति :					
1. खरीद हेतु अग्रिम					
क) मशीनरी एवं					
उपकरण विदेशी खरीद	अथशेष	48591168		134612169	
	वर्ष के दौरान जमा	85882779		48757414	
	वर्ष के दौरान समायोजित	25471214	109002733	134778415	48591168
ख) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	21432899		16774728	
	वर्ष के दौरान जमा	0		11650800	
	वर्ष के दौरान समायोजित	10774537	10658362	6992629	21432899
ग) स्टॉक–इन–ट्रेड					
तैयार वस्तुएं					

कार्य–प्रगति				
कच्चा माल				
2. विविध देनदार :				
क) छः माह से अधिक अवधि हेतु बकाया ऋण		76253		76253
ख) अन्य				
3. हाथ में नकद शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		26500		26500
4. बैंक शेष :				
क) अनुसूचित बैंकों के पास :				
चालू खाते में		283651688		316189138
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)				
बचत खाते में				
ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास :				
चालू खाते में				
जमा खाते में				
बचत खाते में				
5. पी.डी.ए. अग्रिम अथशेष	451865		900470	
वर्ष के दौरान समायोजित	101810	350055	448605	451865
6. सीमा शुल्क				
अग्रिम अथशेष	0			
वर्ष के दौरान जमा	40842978			
वर्ष के दौरान समायोजित	10061754	30781224		
कुल (क)		**434546815**		**386767823**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2017-18		2016-17	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण :				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
अथ शेष	1239			
न्यून : वर्ष के दौरान वसूली	1239	0		1239
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
अथ शेष	4804			
न्यून : वर्ष के दौरान वसूली	4804	0		4804
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
अथ शेष	227000			
न्यून : वर्ष के दौरान वसूली	87000			
जमा : वर्ष के दौरान जमा	150000	290000		227000
iv) त्यौहार अग्रिम				
अथ शेष	506503			
न्यून : वर्ष के दौरान वसूली	480600			
जमा : वर्ष के दौरान जमा	0	25903		506503
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किये जाने के लिए मूल्य हेतु :				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) भुगतान पूर्व					
ग) अन्य				
3. आय प्रोद्भूत :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				

ख) निवेश – अन्य पर ग) ऋण एवं अग्रिमों पर घ) अन्य (अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है) 4. प्राप्य दावे :				
कुल (ख)		**315903**		**739546**
कुल (क+ख)		**434862718**		**387507369**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2017-18	2016-17
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	275116497	254323707
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)	1275083	899548
3. रद्दी माल का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	**276391580**	**255223255**

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	2017-18	2016-17
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)	-	-
1. केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से)	1190000000	1125769000
2. राज्य सरकार		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थान / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**1190000000**	**1125769000**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – फीस / अभिदान	2017-18	2016-17
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ई. एच. एस.		
कुल	**0**	**0**

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17
1. ब्याज				
क) सरकारी जमानतों पर				
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांश				
क) शेयरों पर				
ख) म्युचुअल फंड जमानतों पर				
3. किराया				
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित	**0**	**0**	**0**	**0**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	2017-18	2016-17
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज	2017-18	2016-17
1. सावधि जमा पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	4294722	13850476
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खाते पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर :		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	461943	505931
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्यों से ब्याज		
कुल	**4756665**	**14356407**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	2017-18	2016-17
1. विविध प्राप्ति	153380	232924
2. स्थापना प्राप्ति (स्कीम)		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**153380**	**232924**

अनुसूची 19 – तैयार वस्तुओं के भंडार एवं कार्य – प्रगति में वृद्धि / (कमी)	2017-18	2016-17
क) समापन भंडार		
– तैयार वस्तुएं		
– कार्य प्रगति		
ख) न्यून : अथ भंडार		
– तैयार वस्तुएं		
– कार्य प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)	0	0

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
वेतन एवं मजदूरी	833419749	718575995
भत्ते एवं बोनस		
यात्रा भत्ते	7702130	8338087
एन. पी. एस. के लिए अंशदान	17354550	14295528
अन्य निधि के लिए अंशदान (स्कीम सेल)		

स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारीगण पर व्यय "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"		
अन्य (एन. पी. एस. एवं एल. एस. पी. सी.)		
कुल	**858476429**	**741209610**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2017-18	2016-17
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	512653937	423166589
ख) गत वर्ष के दौरान भुगतान किए गए अग्रिम के बदले प्राप्त सामग्री	10774537	6992629
ग) कार्यालय व्यय	5587028	6369170
घ) प्रतिभूतियां	33225168	17505284
ङ) अन्य बाह्य एजेंसी	13083037	7400173
च) प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)	506773	480592
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)	2500212	1755413
ज) बैंक प्रभार	8576	
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		

ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय	36212796	21661419
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	40065577	15838519
द) मशीनरी एवं उपकरण का अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)	49047336	47500580
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	21463917	17352096
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)	0	370474
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) बीमा		
य) विज्ञापन और प्रचार		
र) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)		
कुल	**725128894**	**566392938**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2017-18	2016-17
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	512653937	423166589
ख) कार्यालय व्यय	5587028	6369170
ग) प्रतिभूतियां	33225168	**17505284**
घ) अन्य बाह्य एजेंसी	13083037	**7400173**
ङ) प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)		
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)	2500212	1755413
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय	36212796	21661419
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	40065577	15838519
द) मशीनरी एवं उपकरण का अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)	49047336	47500580
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	21463917	17352096
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार / बैंक प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)	0	370474
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		

म) विज्ञापन एवं प्रचार य) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)		
कुल	713839008	558919717

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2017-18	2016-17
क) संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0

अनुसूची 23 – ब्याज	2017-18	2016-17
क) स्थायी ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
वर्ष 2017–18 के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा (निर्धन रोगी निधि खाता)

	प्राप्तियां	**राशि**	**भुगतान**	**राशि**
1	01.04.2013 के अनुसार अथशेष	456904.22	वर्ष 2017–18 के दौरान निर्धन रोगी के उपचार पर किए गए व्यय	179908
2	वर्ष 2017–18 के दौरान प्राप्त दान	467350	तक अथशेष	782086.22
3	वर्ष 2017–18 के दौरान प्राप्त ब्याज	18740		
4	संदिग्ध राशि	19000		
	कुल	**961994.22**		**961994.22**

लेखा अधिकारी (रा. प्र. केंद्र)

Mk- Hkhe jko vEcsMdj lLFkku jkVjh dSlj vLirky

v- Hkk- vk- l-

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
समग्र / पूंजी निधि	1	2,494,410,578	2,394,279,753
रिजर्व और अधिशेष	2	33,616,396	20,565,301
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	186,492,645	109,387,803
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6	…..	……
चालू देयताएं एवं प्रावधान	7	3,912,820	2,332,820
कुल		2,718,432,439	2,526,565,677
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	2,139,140,027	2,066,588,433
निवेश – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	9	-	-

निवेश – अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	11	579,292,412	459,977,244
विविध व्यय (आय पर व्यय की अधिकता का शेष) (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		-	-
कुल		2,718,432,439	2,526,565,677
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	25		

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
2017–18 के समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
			-
विक्रय / सेवाओं से आय	**12**	23,839,849	20,445,665
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	1,247,043,000	1,083,434,000
फीस / अभिदान	**14**		-
निवेश से आय (निधियों के लिए अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**		-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**16**		
अर्जित ब्याज	**17**	3,401,586	2,541,248

अन्य आय	18	98,457	-
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	19		-
कुल (क)		1,274,382,892	1,106,420,913
व्यय			
स्थापना व्यय	20	777,928,149	640,290,018
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	483,403,648	436,025,832
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	22		-
ब्याज	23		-
अवमूल्यन (वर्ष समाप्ति पर निवल योग – अनुसूची 8 के संगत)			-
कुल (ख)		1,261,331,797	1,076,315,850
व्यय पर आय की अधिकता dsके कारण होने वाला शेष (क–ख)		13,051,095	30,105,063
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक उल्लेख करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			-
अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष (आय एवं व्यय में समायोजित)		13,051,095	30,105,063
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	25		

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
2017–18 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17	भुगतान	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
I. शेष (अथ)			**I. व्यय**		
(क) नकद राशि			क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	777,928,149	640,290,018
(ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	483,403,648	436,025,832
(i) चालू खाता	110,442,002	59,942,453			
(ii) जमा खाता	36,000,000		**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
(iii) बचत खाता			क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
II. अनुदान प्राप्त किया			ख) आवर्ती निधियां		
			(i) आर. टी. आवर्ती निधि	-	-
(क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से			(ii) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि	-	
(i) सहायता अनुदान (योजना) (पूंजी परिसंपत्तियां)	110,000,000	110,955,000	(iii) निर्धन रोगी खाता	459,969	1,408,686
(ii) स्वच्छता कार्य योजना	50,000,000		(iv) रोगी उपचार खाता	81,795,620	99,051,883
			(v) एच.एम.सी.पी.एफ. खाता	2,955,648	2,209,197
(iii) सहायता अनुदान (वेतन) (गैर – योजना)	782,043,000	653,434,000	(vi) आई.सी.एम.आर.	-	-
(iv) सहायता अनुदान (सामान्य) (गैर योजना)	465,000,000	430,000,000	(vii) स्वच्छता कार्य योजना	9,412,238	….
(ख) राज्य सरकार			**III. निवेश एवं जमा किए गए**		
(ग) अन्य स्रोतों (विवरण)	-	-			

(ख) राज्य सरकार से					
(ग) अन्य स्रोतों से – रद्दी की बिक्री	402,000		**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य – प्रगति पर व्यय**		
(पूंजी एवं राजस्व को अलग अलग दर्शाये जाने हेतु)			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	65,124,243	72,444,296
			ख) साख पत्र (अग्रिम)	43,805,454	23,261,539
			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय	-	
III. निवेश पर			ग) सीमा शुल्क अग्रिम	1,000,000	433,291
(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			**V. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
(ख) आवर्ती निधियां			क) भारत सरकार को		
(i) आर. टी. आवर्ती निधि	2,713,200	7,003,305	ख) राज्य सरकार को		
(ii) चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि	399,900	393,080	ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को		
(iii) निर्धन रोगी खाता	882,100	872,891			
(iv) रोगी उपचार खाता	115,921,900	96,972,675	**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**		
(v) एच.एम.सी.पी.एफ. खाता	3,000,000	4,000,000			
(vi) आई.सी.एम.आर.	-	-			
(ख) निधि (अन्य निवेश)			**VII. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
IV. ब्याज प्राप्त किया			(क) दान / अनुदान		
(क) बैंक जमा पर			(ख) ई.एम.डी.	6,214,000	1,092,000
टी.डी.आर. पर ब्याज	3,401,586	2,541,248	(ग) ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
निर्धन रोगी खाते पर ब्याज	2,369,217	477,525	(i) वाहन अग्रिम	-	-
रोगी उपचार खाते पर ब्याज			(ii) कंप्यूटर अग्रिम	-	-

(ख) ऋण एवं अग्रिम आदि			(iii) त्यौहार अग्रिम	-	501,300
V. अन्य आय (उल्लिखित)			(घ) टी.डी.आर. जारी किये	-	-
(क) दान / अनुदान			(ङ) कर्मचारी से वसूली		-
(ख) अस्पताल प्राप्तियां / विविध प्राप्तियां	23,437,849	20,445,665	i) कर्मचारियों से वसूलियां	17,053,061	47,180,626
(ग) टी. डी. आर. जारी किया	-	-	ii) बाह्य वसूलियां	183,951,104	118,018,059
(घ) कर्मचारी से वसूली (i) अ. भा. आ. सं. वसूलियां (ii) बाह्य वसूलियां					
VI. उधार ली गई राशि			(च) पिछले वर्ष के लिए संबंधित इंजी कार्य के लिए भुगतान (छ) पिछले वर्ष का समायोजन	-	1,645,220
VII. अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			**VIII. अंतशेष**		
(क) धरोहर राशि जमा (ख) कर्मचारियों से वसूली	4,236,000	1,144,000	क) नकद राशि ख) बैंक शेष		
i) कर्मचारियों से वसूली	17,053,061	47,180,626	i) चालू खाते में	208,495,385	110,442,002
ii) बाह्य वसूलियां	183,951,104	118,018,059	ii) जमा खाते में बचत खाता एफ.डी.आर.	30,000,000	
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति					
(i) वाहन अग्रिम	34,800	64,744			
(ii) कंप्यूटर अग्रिम	13,800	36,678			
(iii) त्यौहार अग्रिम वसूली	297,000	522,000			
कुल	**1,911,598,519**	**1,554,003,949**	**कुल**	**1,911,598,519**	**1,554,003,949**

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि :	वर्तमान वर्ष 2017–18		पिछले वर्ष 2016–17	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		2,394,279,753		2,304,526,381
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	110,000,000		110,955,000	
न्यून : मशीनरी एवं उपकरण निराकृत	9,869,175		21,201,628	
न्यून : पूंजी में परिणत अतिरिक्त	-			
जमा / (कटौती) : शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	-		-	
आय एवं व्यय लेखा से अंतरित		100,130,825	-	89,753,372
वर्ष के अंत तक के अनुसार शेष		2,494,410,578		2,394,279,753

	वर्तमान वर्ष 2017–18		पिछले वर्ष 2016–17	
अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :				
1. पूंजीगत रिजर्व :	….		….	
अंतिम लेखा के अनुसार	….		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		…….		……
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व :	…..		…..	
अंतिम लेखा के अनुसार	….		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	

न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		……		……
3. विशेष रिजर्व :	…..		…..	
अंतिम लेखा के अनुसार	…..		…..	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	(…)		(…)	
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		…..		…..
4. सामान्य रिजर्व :	….		….	
अंतिम लेखा के अनुसार	-		….	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	-		(….)	
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		……..		……..
5. व्यय पर आय की अधिकता				
अंतिम लेखा के अनुसार	20,565,301		- 9,539,762	
वर्ष के दौरान अतिरिक्त	13,051,095		30,105,063	
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	-	33,616,396 -		20,565,301 ……
कुल		33,616,396		20,565,301

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	निधि वार विवरण						कुल	
	आर. टी. आवर्ती निधि	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान आवर्ती निधि	निर्धन रोगी खाता निधि	रोगी उपचार खाता निधि	एच.एम.सी. पी.एफ.	स्वच्छता कार्य योजना	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) निधि का अथशेष	9,710,523	2,364,219	1,910,073	93,601,276	1,801,712	-	109,387,803	72,338,093
ख) निधि में जमा :								
i दान / अनुदान	2,713,200	399,900	882,100	115,921,900	3,000,000	50,000,000	172,917,100	109,241,951
ii निधि के कारण किए गए निवेश से आय	-	-					-	
iii अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)			2,369,217		-		2,369,217	477,525
कुल (क+ख)	**12,423,723**	**2,764,119**	**5,161,390**	**209,523,176**	**4,801,712**	**50,000,000**	284,674,120	**182,057,569**
क) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय								
i पूंजीगत व्यय	-	-						
- स्थायी परिसंपत्ति	-	-						
- अन्य	3,558,000	-	459,969	81,795,620	2,955,648	232,041	88,769,237	72,654,807
कुल	**3,558,000**	**-**	**459,969**	**81,795,620**	**2,955,648**	**-**	**88,769,237**	**72,654,807**
ii राजस्व व्यय	-	-					-	

- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-					-	
- किराया	-	-					-	
- अन्य प्रशासनिक व्यय			-	-	-	9,180,197	-	14,959
कुल	-	-	-	-			-	**14,959**
कुल (ग)	**3,558,000**	-	**459,969**	**81,795,620**	**2,955,648**	**9,412,238**	98,181,475	**72,669,766**
वर्ष समाप्ति के अनुसार (क+ख–ग) शुद्ध शेष	**8,865,723**	**2,764,119**	**4,701,421**	**127,727,556**	**1,846,064**	**40,587,762**	**186,492,645**	**109,387,803**

टिप्पणी

1. अनुदानों के साथ संलग्न शर्तों पर आधारित संगत शीर्ष के तहत प्रकटीकरण किया जाएगा।

2) केंद्रीय / राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को अलग अलग निधियों के रूप में दर्शाया जाना है और किसी भी निधियों के साथ मिश्रित नहीं होना चाहिए।

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार :	वर्तमान वर्ष 2017–18		पिछले वर्ष 2016–17	
			…..	
1. केंद्र सरकार			……	
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)				
3. वित्तीय संस्थान		…..		
क) सावधि ऋण		…..		
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय		————	……	
		……		
4. बैंक :		…….		
क) सावधि ऋण		……	……	
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय		…….	……	
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		————	……	
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय			…….	
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां			……	
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				

टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं उधार :	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
	…	…..
	….	…..
1. केंद्र सरकार	….	…..
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)	….	…..
3. वित्तीय संस्थान	…..	
4. बैंक :		
क) सावधि ऋण	…..	….
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	…	….
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	……	….
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	……	…..
7. सावधि जमा	…..	…..
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	…..	……
कुल		
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

अनुसूची 6 – आस्थगित क्रेडिट देयताएं :	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां ख) अन्य	…..	…..
कुल	…..	……
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	वर्तमान वर्ष 2017–18		पिछले वर्ष 2016–17	
क. वर्तमान देयताएं				
1. स्वीकृति				
2. विविध ऋणदाता :				
क) वस्तुओं के लिए		……		……
ख) अन्य	…..		…..	
3. प्राप्त किए गए अग्रिम	…..	…..	…..	…..
4. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु देय पर नहीं :		…..		…..
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	…..		…..	

	….		….	
5. सांविधिक देयताएं :				
क) अतिदेय				…..
ख) अन्य	…..		…..	
अथशेष : इंजी के लिए भुगतान	-		1,645,220	
न्यून : वर्ष के दौरान भुगतानित	-		1,645,220	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं				
क) बैंक ओवर ड्राफ्ट (नकद बही के अनुसार)	-		-	
ख) ईएमडी / जमानत जमा			2,332,820	
अथशेष 23,32,820				
2017–18 के दौरान जमा 42,36,000				
पिछले वर्ष के समायोजित जमा 35,58,000*				
न्यून : 2017–18 के दौरान भुगतान 62,14,000	3,912,820			
ग) एफडीआर जारी		3,912,820	-	2,332,820
<u>कुल (क)</u>		**3,912,820**		**2,332,820**
क. प्रावधान		…..		-
1. कराधान हेतु				
2. उपदान		……		
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदी				
5. ट्रेड वारंटी / दावा				
अन्य (निर्दिष्ट करें)		….		

				-
कुल (ख)		…..		-
कुल (क+ख)		3,912,820		2,332,820

* पिछले वर्ष समायोजित

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति :										
1. भूमि :										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन :										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	339,060,768			339,060,768				-	339,060,768	339,060,768

ख) पट्टे वाली भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	1,713,042,229	81,679,560	9,869,175	1,784,852,614				-	1,784,852,614	1,713,042,229
4. वाहन	3,563,988	-		3,563,988				-	3,563,988	3,563,988
5. फर्नीचर, उपस्कर	10,921,448	741,209		11,662,657				-	11,662,657	10,921,448
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें										
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
वर्तमान वर्ष का कुल	**2,066,588,433**	**82,420,769**	**9,869,175**	**2,139,140,027**	-	-	-	-	**2,139,140,027**	**2,066,588,433**
पिछले वर्ष	1,977,426,324	110,363,737	21,201,628	2,066,588,433					2,066,588,433	1,977,426,324
ख. पूंजीगत कार्य प्रगति										
कुल										

(उपरोक्त सहित किराया खरीद आधार पर परिसंपत्तियों की लागत के अनुसार दी गई टिप्पणी)

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	....	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	....	
3. शेयर	....	
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	.....	
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	....	
6. अन्य (उल्लेख करें)	.....	
कुल	.....	

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
	....	
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	....	
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	....	
3. शेयर	.....	
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स	....	
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	....	
6. अन्य (उल्लेख करें)	....	
कुल	.....	

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष 2017–18		पिछले वर्ष 2016–17	
क. वर्तमान परिसंपत्ति :				
1. इन्वेंटर :				
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-		-	
ख) खुले औजार	-		-	
ग) स्टॉक–इन–ट्रेड				
तैयार वस्तुएं	-		-	
कार्य–प्रगति	-		-	
कच्चा माल	-	-	-	-
2. विविध देनदार :				
क) छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-		-	
ख) अन्य		-	-	-
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)				
4. बैंक शेष :				
क) अनुसूचित बैंकों के पास :				
– चालू खाते में (आई.आर.सी.एच.)	64,220,344		49,128,941	

– चालू खाते में (रोगी उपचार खाता)	97,727,557		57,601,276	
– चालू खाते में (निर्धन रोगी खाता)	4,701,421		1,910,073	
– चालू खाते में (एच.एम.सी.पी.एफ.)	1,846,063		1,801,712	
– जमा खाते में (रोगी उपचार खाता) (एफडीआर)	30,000,000		36,000,000	
– जमा खाते में (आईआरसीएच) (एफडीआर)	40,000,000		-	
ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास :				
– चालू खाते में	-		-	
– जमा खाते में	-		-	
– बचत खाते में	-		-	
5. डाक घर बचत खाता	-	238,495,385	-	146,442,002
<u>कुल (क)</u>		238,495,385		146,442,002

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष 2017–18		पिछले वर्ष 2016–17	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण				
क) स्टाफ	178,000		425,143	
ख) इकाई के उस सदृश गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य इकाइयां	-		-	
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	178,000	-	425,143
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने के लिए मूल्य हेतु :				
क) पूंजीगत खाते में				
मशीनरी और उपकरण				
अथशेष	254,325,776		266,731,778	
जमा : वर्ष के दौरान जमा	43,805,454		23,261,539	
न्यून : वर्ष के दौरान समायोजित	14,641,614	283,489,616	35,667,541	254,325,776
सीमा शुल्क / पीडीए अग्रिम				
अथशेष	56,158,323		57,976,932	

जमा : वर्ष के दौरान जमा	1,000,000		433,291	
न्यून : वर्ष के दौरान समायोजित	2,221,621		2,251,900	56,158,323
न्यून : पिछले वर्ष समायोजित	433,291	54,503,411		
ख) एन.डी.एम.सी.		2,626,000		2,626,000
ग) अन्य	-	-	-	
3. प्रोद्भूत आय :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर	-		-	
ख) निवेश – अन्य पर	-		-	
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-		-	
घ) अन्य	-		-	
(अप्राप्य देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. वसूलनीय दावा	-	-	-	-
<u>कुल (ख)</u>		340,797,027		313,535,242
<u>कुल (क+ख)</u>		579,292,412		459,977,244

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
वर्ष 2017–18 की समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – विक्रय / सेवाओं से आय	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं की विक्रय		
ख) कच्चे माल का विक्रय		
ग) रद्दी की बिक्री	402,000	
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां	23,437,849	20,445,665
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	23,839,849	20,445,665

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
(प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1) केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से)	1,247,043,000	1,083,434,000
2) राज्य सरकार		
3) सरकारी एजेंसियां		
4) संस्थाएं / कल्याण निकाय		
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन		
कुल	1,247,043,000	**1,083,434,000**

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

वर्ष 2017–18 की समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – फीस / अभिदान	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
1) प्रवेश शुल्क 2) वार्षिक फीस / सदस्यता 3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस 4) परामर्श फीस 5) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		
टिप्पणी : प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जाती हैं।		

अनुसूची 15 – निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
1) ब्याज				
क) सरकारी जमानत पर	….	…..	…..	….
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स	…..	…..	…..	…..
2) लाभांश				
क) शेयरों पर	…..	…..	…..	…..
ख) म्यूचुअल निधि जमानत पर	…..	…..	…..	…..
3. किराया	…..	…..	….	…..
4) अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
वर्ष 2017–18 की समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय :	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
1) रॉयल्टी से आय		
2) प्रकाशन से आय		
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
वर्ष 2017–18 की समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

अनुसूची 17 – ब्याज अर्जित	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
1) सावधि जमा पर :	3,401,586	2,541,248
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थाओं के पास		
घ) अन्य		
2) बचत खाते में :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		

ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास ग) डाकघर बचत खाता घ) अन्य 3) ऋणों पर : क) कर्मचारीगण / स्टाफ ख) अन्य 4) देनदारों और अन्य वसूलनीय पर ब्याज		
कुल	3,401,586	2,541,248
टिप्पणी : दर्शाये गए स्रोतों पर कर कटौती की		

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
वर्ष 2017–18 की समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
1) परिसंपत्ति के विक्रय / निपटाने पर लाभ : क) निजी परिसंपत्ति ख) अनुदानों में से अर्जित परिसंपत्ति अथवा निशुल्क प्राप्त 2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली 3) विविध सेवाओं हेतु फीस 4) विविध – त्यौहार और कंप्यूटर अग्रिम के कारण समायोजन	98,457	
कुल	98,457	

अनुसूची 19 – तैयार वस्तु एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
क) समापन स्टॉक		
– तैयार वस्तुएं		
– कार्य – प्रगति		
ख) न्यून : अथ स्टॉक		
– तैयार वस्तुएं		
– कार्य – प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)		

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
क) वेतन एवं मजदूरी	769,236,293	628,344,406
ख) यात्रा भत्ता	8,691,856	11,945,612
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान		…..
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान (उल्लिखित)	….	…..
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय	….	…..
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय	…	…..
छ) अन्य : वेतन और मजूदरी के लिए समायोजित अतिरिक्त त्यौहार अग्रिम		…..
कुल	777,928,149	640,290,018

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
वर्ष 2017–18 की समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
क) खरीद (सामग्री और आपूर्ति)	247,231,797	281,626,245
ख) अभिकर्मक	50,350,546	20,344,643
ग) जनशक्ति का किराया	55,649,615	42,366,401
घ) लघु कार्य (इंजीनियरिंग)	29,133,516	10,091,231
ङ) स्वच्छता व्यय	24,542,293	16,868,592
च) भवन का अनुरक्षण	15,053,860	13,641,698
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)	11,214,734	7,106,750
ज) सीएएमसी	49,596,612	41,139,548
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) चालू वाहन एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षक मेहनताना		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यवसायिक प्रभार		
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिम के लिए प्रावधान		

प) अवसूलनीय शेष बट्टे खाते में		
फ) अन्य (उल्लिखित) आकस्मिक बिल		
गत वर्ष 2014–15 का समाशोधन एवं अग्रेषण	630,675	2,840,724
इंजी. कार्य की विविध वसूली को एम्स (मुख्य) के लिए दी गई छूट	-	-
<u>**कुल**</u>	**483,403,648**	**436,025,832**

डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
वर्ष 2017–18 की समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
क) संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान		
ख) संस्थानों / संगठनों की दी गई आर्थिक सहायता		
कुल		

टिप्पणी : अनुदानों / आर्थिक सहायताओं की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाता है।

	वर्तमान वर्ष 2017–18	पिछले वर्ष 2016–17
अनुसूची 23 – ब्याज		
क) स्थायी ऋण पर		
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल		

t; idk'k ukjk;.k ,iDl Vªkek dsnz

v- Hkk- vk- l a-

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	**2017-18**	**2016-17**
समग्र / पूंजीगत निधि	**1**	2982352665	2856911795
रिजर्व एवं अधिशेष	**2**	153940082	153308315
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	45730055	41650
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**	0	0
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**	0	0
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	0	0
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**7**	37468957	30617647
कुल		**3219491759**	**3040879407**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	2881994032	2822157928
निवेश – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	**9**	0	0
निवेश – अन्य	**10**	0	0
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	337497727	218721479
विविध व्यय		0	0
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**3219491759**	**3040879407**

प्रमुख, जेपीएनएटीसी

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	2017-18	2016-17
बिक्री / सेवाओं से आय (अस्पताल प्राप्तियां)	**12**	10005887	10909216
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	1656221458	1404453914
फीस / अभिदान	**14**	0	0
निवेश से आय (निधियों के लिए अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**	0	0
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**16**	0	0
ब्याज अर्जित	**17**	9845810	15562341
अन्य आय	**18**	0	0
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**		
कुल (क)		**1676073155**	**1430925471**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	976221458	829487983
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	699219930	575359371
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	0	0
ब्याज	**23**	0	0
अवमूल्यन (वर्ष समाप्ति पर शुद्ध कुल – अनुसूची 8 के संगत)			
कुल (ख)		**1675441388**	**1404847354**
आय पर व्यय की अधिकता से होने वाला शेष (क–ख)		631767	26078117
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक उल्लिखित)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र अधिशेष राशि / समग्र पूंजीगत निधि में अग्रेषित (कमी) शेष		**1676073155**	**1430925471**

लेखा अधिकारी

प्रमुख, जेपीएनएटीसी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि रुपयों में) (राशि रुपयों में)

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	भुगतान	2017-18	2016-17
1. अथशेष			**1. व्यय**		
(क) नकद राशि	0	0	(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 में संगत)	976221458	829487983
(ख) बैंक शेष	153162465	122626639	(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क में संगत)	699213500	574987799
(i) चालू खाते में					
(ii) जमा खाते में			**2. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
			(क) गैर – रा. प्र. कें. योजना	0	
(iii) बचत खाते में			(ख) एस.ए.पी.	4311595	0
			3. निवेश एवं जमा किए गए		
2. अनुदान प्राप्त किया			(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
(क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से	-	-	(ख) निजी निधि में से (निवेश – अन्य)		
(i) सहायता अनुदान (योजना) (पूंजीगत परिसंपत्तियां)	225000000	75000000			
(ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	680000000	620000000			
(iii) सहायता अनुदान (वेतन)	980000000	829466000	**4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य – प्रगति पर व्यय**		
(iv) स्वच्छता कार्य योजना	50000000	0	(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	60999150	39170503
(v) सहायता अनुदान (सामान्य) (गैर योजना)	0	0	(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		0
(ख) राज्य सरकार से			(ग) सीमा शुल्क	0	0
			(घ) साख पत्र	114097564	34506433
(ग) अन्य स्रोतों से (स्कीम)	0	0	**5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
			(क) भारत सरकार को	53681828	46335150
3. निवेश पर आय से			(ख) राज्य सरकार को		
(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			(ग) निधि की व्यवस्था अन्य को		
(ख) निजी निधि (अन्य निवेश)					
			6. वित्त प्रभार (ब्याज)	0	0
			एन.ई.एफ.टी. प्रभार	0	
4. प्राप्त किया गया ब्याज			आर.टी.जी.एस. प्रभार और अन्य बैंक प्रभार	6430	115

(क) बैंक जमा पर	9845810	15562341	**7. अन्य भुगतान**		
(ख) ऋण, अग्रिम आदि			एन.आई.ए.एफ.	0	0
कार	0	0	बयाना राशि जमा की वापसी	2778000	6435000
भवन निर्माण अग्रिम	0	0	**कर्मचारी वसूली भुगतान**		
कंप्यूटर	0	0	एम्स (मुख्य) के लिए कर्मचारी प्रेषित से वसूलियां	0	2345263
स्कूटर	0	0	बाह्य वसूलियां	0	0
			iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	0	0
5. अन्य आय			iv) एन.पी.एस. से वसूली	0	0
(i) अस्पताल प्राप्तियां	10005887	6600485	v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)	0	0
(ii) विविध प्राप्तियां	0	4439731			
6. उधार ली गई राशि			**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		
			सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु भुगतानित अग्रिम	0	0
7. कोई अन्य प्राप्तियां			कंप्यूटर अग्रिम	0	0
(क) एन.आई.ए.एफ	0	0	त्यौहार अग्रिम	0	234000
(ख) धरोहर राशि जमा	2881000	5437000	वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)	0	0
(ग) कर्मचारियों से वसूली			वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)	0	0
i) कर्मचारियों से वसूली (त्यौहार)	0	0	रोगी व्यय	1609910	1694465
ii) बाह्य वसूलियां	0	0	सी.टी.आर.एफ.	2796410	0
iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	0	0	ए.आई.टी.एस.सी.	175227	783151
iv) एन.पी.एस. वसूली	0	0	प्रोजेक्ट	7347777	2772573
v) एन.पी.एस. वसूली (पीआरएएन के बिना)	0	0	आर.आई.ए. लैब		5025
			ए.टी.एल.एस.	0	1580068
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली					
कार अग्रिम वसूली	0	0	**8. अंतशेष**		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	0	7000	(क) नकद राशि	4	0
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	0	0	(ख) बैंक शेष		
त्यौहार अग्रिम वसूली	166500	248850	(i) चालू खाते में	206493093	153162465
वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)	0	0	(ii) जमा खाते में		
वसूली / कटौती (इंजी. कार्यों के अलावा)	0	0	(iii) बचत खाते में		
ए.आई.टी.एस.सी.	151620	170588			
सी.टी.आर.एफ.	2880410	0			
रोगी प्राप्तियां / अनुदान	2730000	2172960			

ए.टी.एल.एस.	0	520000			
आर.आई.ए. लैब	0	40700			
प्रोजेक्ट	0	10120350			
रद्द चैक	0	1087349			
देयताएं					
एम एंड ई	9830237				
इंजी.	3078017				
कुल	**2129731946**	**1693499993**	कुल	**2129731946**	**1693499993**

प्रमुख, जेपीएनएटीसी

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 – समग्र / पूंजीगत निधि :	2017-18		2016-17	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	2856911795		2817852700	
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	175096714		73676936	
न्यून : वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	49655844	2982352665	34617841	2856911795
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**2982352665**		**2856911795**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
1. पूंजीगत रिजर्व :				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले लेखा के अनुसार	153308315		127230198	
वर्ष के दौरान जमा	631767	153940082	26078117	153308315
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
कुल	0	**153940082**	**0**	**153308315**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	गैर रा. प्र. केंद्र स्कीम		कुल	
	आर.आई.ए. लैब	एस.ए.पी.	2017-18	2016-17
क) निधियों का अथशेष	41650	0		5975
ख) निधियों में जमा :				
i. दान / अनुदान	0	50000000		40700
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	0			
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)				
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय				
कुल (क+ख)	**41650**	**50000000**	**50041650**	**46675**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय				
i. पूंजीगत व्यय				
- स्थायी परिसंपत्ति		4311595		
- अन्य				
ii. राजस्व व्यय				
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि				
- किराया				
- अन्य प्रशासनिक व्यय	0	0		5025
कुल	**0**	**4311595**	**4311595**	**5025**
कुल (ग)	**0**	**4311595**	**4311595**	**5025**
वर्ष समाप्ति (क+ख–ग) के अनुसार शुद्ध शेष			**45730055**	**41650**

* स्वच्छता कार्य योजना

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार :	2017-18		2016-17	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
4. बैंक :				
क) सावधि ऋण				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	0	0	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	2017-18	2016-17
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
4. बैंक :		
क) सावधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 6 – आस्थगित जमा देयताएं :	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2017-18		2016-17	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता :				
क) वस्तुओं हेतु				
ख) अन्य				
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एन.आई.ए.एफ.				
अथशेष	0		0	
वर्ष के दौरान प्राप्त	0		0	
वर्ष के दौरान व्यय	0	0	0	0
4. परियोजना अनुदान				
ii) एन.पी.सी.बी.		0		0
5. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
6. सांविधिक देयताएं :				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
7. जमानत जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	9710968		10708968	
वर्ष के दौरान प्राप्त	2881000		5437000	
वर्ष के दौरान वापस	2778000	9813968	6435000	9710968
8. अन्य वर्तमान देयताएं		24576972		20906679
9. एम्स (मुख्य) को छूट दी जाने वाली वसूलियों के लिए राशि		0		0
अथशेष	0		2345263	
जमा : वर्ष के दौरान सृजन	3078017			
न्यून : एम्स (मुख्य) के लिए प्रेषित	0	3078017	2345263	0
10. सीमा शुल्क का भुगतान भंडार (डी.ओ.) हेतु किया जाएगा	0	0		0

अथशेष	0			
न्यून : एम्स (मुख्य) के लिए प्रेषित	0	0		

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

कुल (क)		**37468957**		**30617647**
ख. प्रावधान 1. कराधान हेतु 2. उपदान 3. अधिवर्षिता / पेंशन 6. संचित अवकाश नकदी 6. ट्रेड वारंटी / दावा 6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**37468957**		**30617647**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्ति		सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	गत समाप्त वर्ष के अनुसार
क.	**स्थायी परिसंपत्ति :**										
1	भूमि :										
	क) पूर्ण स्वामित्व	54310794			54310794					54310794	54310794
	ख) पट्टे पर										
2	भवन :										
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	689076549	0	0	689076549	0	0	0	0	689076549	689076549
	ख) पट्टे पर भूमि पर										
	ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
	घ) भूमि पर अधिरचना जो केन्द्र से संबंधित नहीं										
3	**संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण**	2057855115	106717321	49655844	2114916592	0	0	0	0	2114916592	2057855115
4	वाहन	8395972	0	0	8395972	0	0	0	0	8395972	8395972
5	फर्नीचर, उपस्कर	12519498	2774627	0	15294125	0	0	0	0	15294125	12519498
6	कार्यालय उपकरण										
7	कंप्यूटर / पेरीफेरल्स										
8	विद्युत संस्थापन										
9	पुस्तकालय की पुस्तकें										
10	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11	अन्य स्थायी परिसंपत्ति										

वर्तमान वर्ष का कुल		2822157928	109491948	49655844	2881994032	0	0	0	0	2881994032	2822157928
पिछले वर्ष		2749722781	98810272	34617841	2813915212						
ख.	पूंजीगत कार्य प्रगति	-									
	कुल										

लेखा
अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2017-18	2016-17
1. सरकारी जमानतों में		
2. अन्य अनुमोदित जमानतें		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)		0
कुल	0	0

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	2017-18	2016-17
1. सरकारी जमानतों में		
2. अन्य अनुमोदित जमानतें		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि		2017-18		2016-17	
क वर्तमान परिसंपत्ति :					
1. खरीद हेतु अग्रिम					
क) मशीनरी एवं उपकरण विदेशी खरीद	अथशेष	5424582		20576801	
	वर्ष के दौरान जमा	114097564		34506433	
	वर्ष के दौरान समायोजित	43515123	76007023	49658652	5424582
ख) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	0		371457	
	वर्ष के दौरान जमा	0		0	
	वर्ष के दौरान समायोजित	0	0	371457	0
ग) स्टॉक–इन–ट्रेड					
तैयार वस्तुएं					
कार्य–प्रगति					
कच्चा माल					
2. विविध देनदार :					
क) छः माह से अधिक अवधि हेतु बकाया ऋण			0		0
ख) अन्य					
3. हाथ में नकद शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)			4		0
4. बैंक शेष :					
क) अनुसूचित बैंकों के पास :					
चालू खाते में			206493093		153162465
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)					
बचत खाते में					
ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास :					
चालू खाते में					

	जमा खाते में				
	बचत खाते में				
5. पी.डी.ए. अग्रिम	अथशेष	8006705		8594520	
	वर्ष के दौरान समायोजित	55080	7951625	587815	8006705
6. सीमा शुल्क अग्रिम	अथशेष	36984897		54620915	
	वर्ष के दौरान जमा	0			
	वर्ष के दौरान समायोजित	4922595	32062302	17636018	36984897
7. त्यौहार अग्रिम	अथशेष	0		0	
	वर्ष के दौरान जमा	0		0	
	वर्ष के दौरान समायोजित	0	0	0	0
8. अन्य					
क. एच.एस.सी.सी.			6500000		6500000
ख. एन.डी.एम.सी.			5979000		5979000
ग. आई.जी.एल.			1334680		1334680
घ. टी.आर.आई.जी.ई.एन.			1170000		1170000
कुल (क)			**337497727**		**218562329**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2017-18		2016-17	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण :				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
अथ शेष	0			
न्यून : वर्ष के दौरान वसूली	0	0		0
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
अथ शेष	0			
न्यून : वर्ष के दौरान वसूली	0	0		0
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
अथ शेष	0			
न्यून : वर्ष के दौरान वसूली	0			
जमा : वर्ष के दौरान जमा	0	0		0
iv) त्यौहार अग्रिम				
अथ शेष	159150		174000	
न्यून : वर्ष के दौरान वसूली	159150		248850	
जमा : वर्ष के दौरान जमा	0	0	234000	159150
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किये जाने के लिए मूल्य हेतु :				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) पूर्व भुगतान				
ग) अन्य				
3. प्रोद्भूत आय :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश – अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				

4. प्राप्य दावे :				
कुल (ख)		0		159150
कुल (क+ख)		337497727		218721479

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2017-18	2016-17
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	10005887	10909216
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)	0	0
3. रद्दी माल का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट करें) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	10005887	10909216

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	2017-18	2016-17
1) विक्रय से आय (अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता) 1. केन्द्र सरकार (एम्स मुख्य के माध्यम से) 2. राज्य सरकार 3. सरकारी एजेंसियां 4. संस्थान / कल्याण निकाय 5. अंतरराष्ट्रीय संगठन 6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	- 1656221458	- 1404453914
कुल	**1656221458**	**1404453914**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – फीस / अभिदान	2017-18	2016-17
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क 2. लाइसेंस शुल्क 3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क 4. परामर्श शुल्क 5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ई. एच. एस.	0	0
कुल	**0**	**0**

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	**2017-18**	**2016-17**	**2017-18**	**2016-17**
1. ब्याज क) सरकारी जमानतों पर क) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स 2. लाभांश क) शेयरों पर क) म्युचुअल फंड जमानतों पर 3. किराया 4. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित	**0**	**0**	**0**	**0**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2017-18**	**2016-17**
1. रॉयल्टी से आय 2. प्रकाशन से आय 3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज	2017-18	2016-17
1. सावधि जमा पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	9845810	15562341
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खाते पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर :		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	0	0
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्यों से ब्याज		
कुल	**9845810**	**15562341**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	2017-18	2016-17
1. विविध प्राप्ति 2. स्थापना प्राप्ति (स्कीम) 3. अन्य (निर्दिष्ट करें)	0	0
कुल	**0**	**0**

अनुसूची 19 – तैयार वस्तुओं के भंडार एवं कार्य – प्रगति में वृद्धि / (कमी)	2017-18	2016-17
क) समापन भंडार – तैयार वस्तुएं – कार्य प्रगति ख) न्यून : अथ भंडार – तैयार वस्तुएं – कार्य प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)	0	0

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
वेतन एवं मजदूरी	973583321	826894054
भत्ते एवं बोनस		
यात्रा भत्ते	2638137	2593929
एन. पी. एस. के लिए अंशदान	0	0
अन्य निधि के लिए अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारीगण पर व्यय ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''		
अन्य (एन. पी. एस. एवं एल. एस. पी. सी.)		
कुल	**976221458**	**829487983**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2017-18	2016-17
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	383285939	329229824
ख) गत वर्ष के दौरान भुगतान किए गए अग्रिम के लिए प्राप्त सामग्री	0	0
ग) कार्यालय व्यय	0	0
घ) प्रतिभूतियां	53231411	32053822
ङ) अन्य बाह्य एजेंसी	97868920	57442514
च) प्रशासनिक प्रभार (परियोजना)	0	0
छ) इंजी. अनुरक्षण	129284145	113900493
ज) बैंक प्रभार	6430	115
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, टेलीफोन एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय	0	0
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	14482030	15044993
द) मशीनरी एवं उपकरण का अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)	0	0
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)	0	0
न) बुरे एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) अवसूलनीय शेष राशि बट्टे खाते में		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)	0	0
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) बीमा		
य) विज्ञापन और प्रसार		
र) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)	21061055	27687610
कुल	**699219930**	**575359371**

लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदानों, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	2017-18	2016-17
क) संस्थानों / संगठनों को दिया गया अनुदान		
ख) संस्थानों / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0

अनुसूची 23 – ब्याज	2017-18	2016-17
क) स्थायी ऋणों पर		
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)		
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

लेखा अधिकारी

nr f'k{kk ,o vuqla/kku dsUnz
v- Hkk- vk- l-

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
समग्र / पूंजीगत निधि	**1**	610,062,779	582,439,092
रिजर्व और अधिशेष	**2**	23,423,070	22,225,853
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	53,868,326	3,543,996
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**7**	12,023,656	13,333,656
कुल		**699,377,831**	**621,542,597**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	602,573,055	571,464,075
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	**9**	-	-
निवेश – अन्य	**10**	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	96,804,776	50,078,522
विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**699,377,831**	**621,542,597**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	**24**	-	-
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणी	**25**		

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर

प्रमुख, सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
अस्पताल प्राप्तियां	**12**	2310620	2,209,290
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	153497549	25,500,000
फीस / अभिदान	**14**	0	-
निवेश से आय (निवेश में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)	**15**	0	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**	0	-
अर्जित ब्याज	**17**	1072525	1,468,647
अन्य आय	**18**	76288	501,468
तैयार वस्तुओं एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**	0	-
कुल (क)		**156956982**	**129,679,405**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	50997549	40454671
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	104759531	89,061,735
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**	0	-
ब्याज	**23**	2685	2672
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत – समाप्त वर्ष पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**155759765**	**129,519,078**
व्यय पर आय की अधिकता से होने वाला शेष (क–ख)		1197217	160,327
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक को उल्लिखित करें)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
अधिशेष / (कमी) होने वाले शेष को समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया			
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	**24**		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	**25**		

प्रमुख, सी.डी.ई.आर. **(लेखा अधिकारी) सी.डी.ई.आर**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	भुगतान	2017-18	2016-17
1. अथशेष			**I. व्यय**		
क) नकद राशि	5000	5000	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	50997549	40454671
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	104759531	89061735
i) चालू खाते में	36489313	36741383			
ii) जमा खाते में					
iii) बचत खाता					
			II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया भुगतान		
			परियोजना एन.ओ.एच.पी.	381436	4753312
II. प्राप्त अनुदान			स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	2053027	
क) भारत सरकार से (एम्स मुख्य के माध्यम से)			परियोजना एस.यू.जी.ए.आर.	5769	0
योजना			परियोजना पी.आई.टी. और एफ.आई.एस.एस.यू.आर.ई	151103	0
i) राजस्व (सामान्य सहायता अनुदान)	102500000	85000000	परियोजना वेब और मोबाइल एप	3550000	0
ii) पूंजी	27623687	30000000	परियोजना एम.ओ.एच.डब्ल्यू.एफ.	99720	0
गैर योजना			**III. निवेश एवं जमा किया गया**		
i) राजस्व (वेतन सहायता अनुदान)	50997549	40500000	क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
ii) पूंजी			ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)		
निरीक्षण समिति					
i) राजस्व			**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय**		
ii) पूंजी			क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	23358742	21273630
एन.डी.डी.टी.सी.			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		
i) राजस्व			ग) साख पत्र	3902002	7750238
ii) पूंजी			आकस्मिक अग्रिम	25000	0

ख) राज्य सरकार से			**V. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		-
ग) अन्य स्रोतों से			क) भारत सरकार को		-
विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान			ख) राज्य सरकार को		
परियोजना एन.ओ.एच.पी.	1400000	595611	ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को		
स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	50000000				
परियोजना एस.यू.जी.ए.आर.	42693		**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**	2685	2672
परियोजना पी.आई.टी. और एफ.आई.एस.एस.यू. आर.ई	252000				
परियोजना वेब और मोबाइल एप	4391972		**VII. अन्य भुगतान**		
परियोजना एम.ओ.एच.डब्ल्यू.एफ.	99720		धरोहर राशि की वापसी	2227000	1171890
रोगी उपचार हेतु प्राप्त अनुदान			रोगी उपचार निधि	823580	0
निर्धन रोगी उपचार हेतु प्राप्त अनुदान			पिछले वर्ष के लिए इंजी. बकाया के लिए एम्स मुख्य हेतु भुगतान	0	1847482
III. निवेश पर आय, द्वारा			कर्मचारी वसूली	16344061	11016856
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि			बाह्य वसूली	727469	561346
परियोजना एन.ओ.एच.पी.					
ख) निजी निधि में से (अन्य निवेश)			**VIII. अंतशेष**		
			क) नकद राशि	5000	5000
IV. प्राप्त ब्याज			ख) बैंक शेष		-
क) बैंक जमा पर	1072525	1468647	i) चालू खाते में	87038803	36489313
ख) ऋण, अग्रिम आदि			ii) जमा खाते में		
			iii) बचत खाता		
V. अन्य आय			-	-	-
अस्पताल प्राप्ति	2310620	2209290	-	-	-
विविध प्राप्ति (निविदा शुल्क आदि)	76288	501468	-	-	-
VI. उधार ली गई राशि					
VII. अन्य कोई प्राप्तियां					-
कर्मचारी वसूली	16344061	11016856			
बाह्य वसूली	727469	561346			
इंजी. वसूली		3347544			

ई.एम.डी.	917000	2441000			
रोगी उपचार निधि	1202580				
कुल	**296452477**	**214388145**		**296452477**	**214388145**

प्रमुख, सी.डी.ई.आर.

लेखा अधिकारी (सी.डी.ई.आर)

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि :	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		582,439,092		
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान		27,623,687		582439092
न्यून : वर्ष के दौरान हटा दी गई अचल परिसंपत्ति				
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**610,062,779**		**582,439,092**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
1. पूंजीगत रिजर्व :				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुर्नमूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				

वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	22225853			
वर्ष के दौरान जमा	1197217			
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		23,423,070		22225853
<u>कुल</u>		**23,423,070**		**22225853**

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

<u>अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि</u>	निधि वार विवरण							कुल	
	एन.ओ. एच.पी.	एस.ए.पी. निधि	एस.यू.जी. ए.आर. निधि	पिट एंड फिशर	एम.ओ.एच. एफ.डब्ल्यू निधि	वेब और मोबाइल एप परियोजना	रोगी उपचार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) निधि का अथशेष	3,543,996							3,543,996	7701697
ख) निधि में जमा :								-	
i. दान / अनुदान	1,400,000	50,000,000	42,693	252,000	99,720	4,391,972	1,202,580	57,388,965	595611
ii. निधि के कारण किए गए निवेश से आय								-	
iii. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)								-	
कुल (क+ख)	**4,943,996**	**50,000,000**	**42,693**	**252,000**	**99,720**	**4,391,972**	**1,202,580**	**60,932,961**	**8297308**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय									
i. <u>पूंजीगत व्यय</u>									

- स्थायी परिसंपत्ति								-	
- अन्य	-							-	
ii. राजस्व व्यय									
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि								-	
- किराया								-	
- अन्य प्रशासनिक व्यय	381,436	2,053,027	5,769	151,103	99,720	3,550,000	823,580	7,064,635	4753312
कुल									
कुल (ग)	**381,436**	**2,053,027**	**5,769**	**151,103**	**99,720**	**3,550,000**	**823,580**	**7,064,635**	**4,753,312**
वर्ष समाप्ति के अनुसार (क+ख–ग) शुद्ध शेष	**4,562,560**	**47,946,973**	**36,924**	**100,897**	**-**	**841,972**	**379,000**	**53,868,326**	**3,543,996**

टिप्पणी

1) अनुदानों के साथ संलग्न शर्तों पर आधारित संगत शीर्ष के तहत प्रकटीकरण किया जाएगा।

2) केंद्रीय / राज्य सरकारों से प्राप्त योजना निधियों को अलग अलग निधियों के रूप में दर्शाया जाना है और किसी भी निधियों के साथ मिश्रित नहीं होना चाहिए।

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार :	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
1. केंद्र सरकार				
2. राज्य सरकार				
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
4. बैंक :				
क) सावधि ऋण				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)				
– ब्याज प्रोद्भूत एवं देय				
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां				
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स				
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल	0	0	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय				

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण एवं उधार	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. वित्तीय संस्थान		
4. बैंक :		
क) सावधि ऋण		
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		
6. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
7. सावधि जमा		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय		

अनुसूची 6 – आस्थगित जमा देयताएं :	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) पूंजीगत उपकरणों एवं अन्य परिसंपत्तियों के बंधक रखने द्वारा प्रतिभूति स्वीकृतियां		
ख) अन्य		
कुल	0	0
टिप्पणी : एक वर्ष के भीतर राशि देय		

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता :				
क) वस्तुओं हेतु				
ख) अन्य				
3. प्राप्त अग्रिम				
4. ब्याज प्रोद्भूत लेकिन निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
5. सांविधिक देयताएं :				
क) अतिशोध्य				
ख) अन्य				
6. अन्य वर्तमान देयताएं (एम्स मुख्य को प्रतिपूर्ति किए जाने हेतु राशि)	3,347,544			
न्यून : वर्ष के दौरान भुगतान	-			
जमा : वर्ष के दौरान क्रेडिट		3,347,544		3,347,544
7. प्रतिभूति जमा (अथशेष)	9986112			
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्ति	917000			
न्यून : वर्ष के दौरान वापसी	2227000	8,676,112		9,986,112
कुल (क)		**12,023,656**		**13,333,656**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु				
2. उपदान				
3. अधिवर्षिता / पेंशन				
4. संचित अवकाश नकदी				
5. ट्रेड वारंटी / दावे				

6. अन्य (उल्लिखित)				
कुल (ख)		-		0
कुल (क+ख)		**12,023,656**		**13,333,656**

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

	अनुसूची 8 –स्थायी परिसंपत्ति विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	समाप्त वर्ष तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
क.	स्थायी परिसंपत्ति :										
1	भूमि :										
	क) पूर्ण स्वामित्व -										
	ख) पट्टे पर -										
2	भवन : -										
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	308,762,005	-		308,762,005					308,762,005	308,762,005
	ख) पट्टे पर भूमि पर										
	ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर										
	घ) भूमि पर अधिरचना पर केन्द्र से संबंधित नहीं										
3	संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण	262,702,070	31,108,980		293,811,050					293,811,050	262,702,070
4	वाहन										

5 फर्नीचर, उपस्कर 6 कार्यालय उपकरण 7 कंप्यूटर / पेरीफेरल 8 विद्युत संस्थापन 9 पुस्तकालय पुस्तकें 10 ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति 11 अन्य स्थायी परिसंपत्ति										
वर्तमान वर्ष का कुल	**571,464,075**	**31,108,980**	**-**	**602,573,055**	**-**	**-**	**-**	**-**	**602,573,055**	**571,464,075**
पिछले वर्ष										
ख. **पूंजीगत कार्य प्रगति पर**	-									
कुल	571,464,075	31,108,980		602,573,055					602,573,055	571,464,075

(उपरोक्त में किराए की खरीद के आधार पर संपत्ति की लागत के रूप में दिए जाने के लिए टिप्पणी)

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 9 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. सरकारी जमानतों में		
2. अन्य अनुमोदित जमानतें		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)		0
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 – निवेश – अन्य	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. सरकारी जमानतों में		
2. अन्य अनुमोदित जमानतें		
3. शेयर		
4. डिबेंचर्स एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाने हेतु)		
कुल	0	0

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

				(राशि रुपयों में)
अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
क. वर्तमान परिसंपत्ति :				
1. इनवेंटरीज :				
क) भंडार एवं स्पेयर्स				
ख) खुले औजार				
ग) स्टॉक–इन–ट्रेड				
तैयार वस्तुएं				
कार्य–प्रगति				
कच्चा माल				
2. विविध देनदार :				
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण				
ख) अन्य				
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		5,000.00		5,000.00
4. बैंक शेष :				
क) अनुसूचित बैंकों के पास :				
चालू खाते में		87038803		36489313
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)				
बचत खाते में				
ख) गैर–अनुसूची बैंक के पास :				
चालू खाते में				
जमा खाते में				
बचत खाते में				
5. डाक घर – बचत खाता				
कुल (क)		**87043803**		**36494313**

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष		पिछले वर्ष	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण :				
क) स्टाफ				
ख) केन्द्र के समान गतिविधियों / उद्देश्यों में लगी हुई अन्य इकाइयां				
ग) अन्य (उल्लिखित) आयरन एवं स्टील और हिंदुस्तान स्टील को अग्रिम				
2. अग्रिम एवं अन्य वसूलनीय राशि नकदी में अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किए जाने के लिए मूल्य हेतु				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) भुगतान पूर्व				
ग) अन्य				
3. प्रोद्भूत आय :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश – अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. वसूलनीय दावा :				
5. अन्य अग्रिम				
i. एन.डी.एम.सी. को अग्रिम भुगतान		2364500		2364500
ii. एन.डी.एम.सी. को जमानत जमा		3000000		3000000
iii. डी.जी.एस. एंड डी. को अग्रिम भुगतान		469471		469471
iv. साख पत्र				
अथशेष	7750238			
जमा : वर्ष के दौरान भुगतान	3902002			
न्यून : वर्ष के दौरान निपटान	7750238	3902002		7750238
v. आकस्मिक अग्रिम		25000		
कुल (ख)		**9760973**		**13584209**
कुल (क)+(ख)		**96804776**		**50078522**

(लेखा अधिकारी) सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय से आय		
1. तैयार वस्तुओं का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (निर्दिष्ट) अस्पताल प्राप्ति	2310620	2209290
कुल	**2310620**	**2209290**

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त)		
1. केन्द्र सरकार		
2. राज्य सरकार		
3. सरकारी एजेंसियां		
सहायता अनुदान (वेतन)	50997549	40500000
सहायता अनुदान (सामान्य)	102500000	85000000
4. संस्थाएं / कल्याण निकाय		
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**153497549**	**125500000**

लेखा अधिकारी) सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 14 – फीस / अभिदान	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. शिक्षण एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार / प्रोग्राम शुल्क		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य (निर्दिष्ट करें) ई. एच. एस.		
कुल	**0**	**0**
टिप्पणी : प्रत्येक मद की ओर से लेखांकन नीतियों द्वारा स्पष्टीकरण किए जाने हैं।		

अनुसूची 15 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश में आय)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर				
क) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स				
2. लाभांश :				
क) शेयरों पर				
ख) पारस्परिक निधि प्रतिभूतियों पर				
3. किराया				
4. अन्य (बताएं)				
कुल				
उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. अवधि जमा पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास	1072525	1468647
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खातों पर :		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर – अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋणों पर :		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ		
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
कुल	**1072525**	**1468647**
टिप्पणी : दर्शाए गए स्रोतों पर कर कटौती की गई		

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. विविध प्राप्ति	76288	501468
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)		
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**76288**	**501468**

अनुसूची 19 – तैयार वस्तुओं एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) समापन भंडार		
– तैयार वस्तुएं		
– कार्य प्रगति पर		
ख) न्यून : अथ भंडार		
– तैयार वस्तुएं		
– कार्य प्रगति पर		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)	0	0

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
वेतन एवं मजदूरी	50997549	40454671
भत्ता एवं बोनस		
भविष्य निधि हेतु अंशदान		
अन्य निधि हेतु अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारियों पर व्यय "सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"		
अन्य (एन. पी. एस. एवं एल. एस. पी. सी.)		
कुल	**50997549**	**40454671**

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) सामग्री एवं आपूर्ति की खरीद	18450727	25333726
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय		
ग) आवक भार एवं वाहन		
घ) विद्युत एवं पावर		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) आउटसोर्स कर्मचारी सेवाएं		
i) सुरक्षा सेवाएं	14056742	7122641
ii) स्वच्छता सेवाएं	12933499	7497616
iii) अन्य सेवाएं	15079667	8734488
ज) मरम्मत एवं अनुरक्षण	43515059	38451904
झ) उत्पाद शुल्क		
ञ) किराया, दर एवं कर		

ट) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ठ) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ड) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ढ़) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ण) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय		
त) सदस्यता व्यय		
थ) फीस पर व्यय		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यवसायिक प्रभार		
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिम हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
फ) पैकिंग प्रभार		
ब) माल एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लिखित) (आकस्मिक प्रभार)	723837	1921360
कुल	**104759531**	**89061735**

(लेखा अधिकारी) सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र
केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21क – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) सामग्री एवं आपूर्ति की खरीद	60520635	48688471
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय		
ग) आवक भार एवं वाहन		
घ) विद्युत एवं पावर		
ङ) जल प्रभार		
च) बीमा		

छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण	43515059	38451904
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) सेमिनार / कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) सदस्यता व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यावसायिक शुल्क		
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते में डाली गई अवसूलनीय शेष राशि		
फ) पैकिंग प्रभार		
ब) माल भाड़ा एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (निर्दिष्ट करें) (आकस्मिक प्रभार)	723837	1921360
<u>कुल</u>	**104759531**	**89061735**

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर.

वित्तीय विवरण (गैर – लाभकारी संगठन) का प्रपत्र

केन्द्र का नाम : दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) संस्थान / संगठन को दिया गया अनुदान ख) संस्थान / संगठन को दी गई आर्थिक सहायता		
कुल	0	0
टिप्पणी : अनुदान / आर्थिक सहायताओं की राशि के साथ केन्द्र के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाता है।		

अनुसूची 23 – ब्याज	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) स्थायी ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (उल्लिखित)	2685	2672
कुल	**2685**	**2672**

(लेखा अधिकारी)
सी.डी.ई.आर.

jk"Vªh; vkS"k/k fuHkZjrk mipkj dsUnz

v- Hkk- vk- l-

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	भुगतान	2017-18	2016-17
1. अथशेष			1. व्यय		
क) नकद राशि			(क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	131269356	99028920
ख) बैंक शेष			(ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	88033355	51291073
(i) चालू खाते में	22037668	21741356			
(ii) जमा खाते में			**2. अग्रिम भुगतान**		
(iii) बचत खाते में			i) सामग्री एवं आपूर्ति	170673	233641
			ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अस्थायी अग्रिम	19257228	5178519
2. प्राप्त किया अनुदान			**3. निवेश एवं जमा किया गया**		
(क) भारत सरकार से (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)			(क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से		
सहायता अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्ति)	25000000		(ख) निजी निधि में से (निवेश – अन्य)		
सहायता अनुदान (योजना)	64000000	50000000			
सहायता अनुदान वेतन	130000000	84000000	**4. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत कार्य – प्रगति पर व्यय**		
(ख) राज्य सरकार से			(क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	23430545	17328704
(ग) अन्य स्रोतों से (एस.ए.पी.)	50000000		(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय	0	
3. निवेश पर आय, द्वारा			**5. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि	0	0	(क) भारत सरकार को		
ख) निजी निधि (अन्य निवेश)	0	0	(ख) राज्य सरकार को		
			(ग) निधि (एम्स) की व्यवस्था अन्य को	9000000	
4. प्राप्त किया ब्याज			(घ) यू.एन.डी.सी.पी. के लिए वापसी	632	
क) बैंक जमा पर	0	0	**6. वित्त प्रभार (ब्याज)**		
ख) ऋण, अग्रिम आदि	0	0			
			7. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)		
5. अस्पताल सेवाओं से आय			बाह्य वसूलियां (जीपीएफ, एनपीएस, एचबीए, आयकर, लाइसेंस शुल्क आदि)		
अस्पताल प्राप्तियां	622365	293112	(क) परियोजनाएं	0	0

5. अन्य आय			(ख) धरोहर राशि जमा की वापसी	0	0
विविध प्राप्तियां	69295	15002	(ग) कर्मचारियों से वसूली भुगतान		
			i) एम्स (मुख्य) के लिए कर्मचारी प्रेषित से वसूलियां	750601	557258
6. उधार ली गई राशि					
एम्स (मुख्य) से ऋण	40000000	39000000	ii) बाह्य वसूलियां	20385558	14731423
यू.एन.डी.सी.पी. से ऋण	0	1800000	iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	10120240	9481710
			iv) एन.पी.एस. से वसूली	4731165	3224962
7. कोई अन्य प्राप्तियां			v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन के बिना)		
(क) परियोजनाएं			पिछले वर्ष की वसूली	49055	
(ख) धरोहर राशि जमा			**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**		
(ग) कर्मचारी से वसूली			सामग्री और आपूर्ति की खरीद हेतु भुगतानित अग्रिम		
i) कर्मचारियों से वसूलियां	750601	595780	कंप्यूटर अग्रिम		
ii) बाह्य वसूलियां	20172527	14741956	त्यौहार अग्रिम		
iii) जी.पी.एफ. (सदस्यता और अग्रिम)	10120240	9481710	वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य)		
iv) एन.पी.एस. से वसूली	4731165	3224962	वसूली / कटौतियां (इंजी कार्य के अलावा)	560952	247127
v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन. के बिना)			ऋण का पुनः भुगतान (यू.एन.डी.सी.पी.)	0	1800000
			8. अंतशेष		
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली			(क) नकद राशि		
कार अग्रिम वसूली	0	0	(ख) बैंक शेष		
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	0	0	(i) चालू खाते में	60305453	22037668
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	0	0	(ii) जमा खाते में		
त्यौहार अग्रिम वसूली	0	0	(iii) बचत खाते में		
वसूली / कटौती (इंजी. कार्य)	0	0			
वसूली / कटौतियां (अन्य कोई इंजी. कार्य)	560952	247127			
कुल	**368064813**	**225141005**	**कुल**	**368064813**	**225141005**
लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी				**प्रमुख, एनडीडीटीसी**	

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त अवधि / वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	2017-18	2016-17
विक्रय / सेवाओं (अस्पताल प्राप्तियां) से आय	**12**	622365	293112
अनुदान / आर्थिक सहायता	**13**	244000000	134000000
फीस / अभिदान	**14**		
निवेश से आय (उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय को निधि में अंतरित)	**15**		
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	**16**		
अर्जित ब्याज	**17**	0	0
अन्य आय	**18**	69295	15002
तैयार वस्तुओं एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	**19**		
कुल (क)		**244691660**	**134308114**
व्यय			
स्थापना व्यय	**20**	131269356	99028920
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**21**	99547168	51490026
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	**22**		
ब्याज	**23**		
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत – समाप्त वर्ष पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**230816524**	**150518946**
आय पर व्यय की अधिकता होने वाला शेष (ख–क)		13875136	-16210832
विशेष रिजर्व में अंतरित (उल्लिखित प्रत्येक)			
सामान्य रिजर्व में / से अंतरित			
समग्र / पूंजीगत निधि में अधिशेष / (कमी) होने वाला शेष		**244691660**	**134308114**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2017-18	2016-17
समग्र / पूंजीगत निधि	**1**	251672470	226672470
रिजर्व और अधिशेष	**2**	19880519	6005383
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	**3**	0	0
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**	0	0
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**	0	0
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	0	0
चालू देयताएं एवं प्रावधान	**7**	70448215	39497902
कुल		**342001204**	**272175755**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	257368635	233938090
निवेश – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से	**9**	0	0
निवेश – अन्य	**10**	0	0
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	84632569	38237665
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**342001204**	**272175755**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 1 – समग्र / पूंजीगत निधि :	2017-18		2016-17	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	226672470		221793406	
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	25000000		4879064	
न्यून : वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति		251672470		226672470
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**251672470**		**226672470**

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष :	2017-18		2016-17	
1. पूंजीगत रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां (एम्स ऋण रिजर्व)				
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	6005383			
वर्ष के दौरान समायोजित	13875136	19880519		6005383
कुल	0	**19880519**	**0**	**6005383**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 7 – वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2017-18		2016-17	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां				
2. विविध ऋणदाता :				
क) वस्तुओं हेतु				
ख) अन्य (एम्स (मुख्य) के लिए भुगतान किए जाने हेतु बाह्य वसूलियां)				
i) एम्स कर्मचारी (ओबी)			38522	
ii) बाह्य वसूलियां (ओबी)			10533	
अथशेष	49055			49055
वर्ष के दौरान कम समयोजन	49055	0		
3. सरकारी एजेंसियों से रोगियों हेतु प्राप्त अग्रिम				
i) एन.आई.ए.एफ.				
4. परियोजना अनुदान				
ii) एन.पी.सी.बी.				
5. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु निम्न पर देय नहीं :				
क) सुरक्षित ऋण / उधार				
ख) असुरक्षित ऋण / उधार				
6. सांविधिक देयताएं				
क) अतिदेय				
ख) अन्य				
7. जमानत जमा (ई.एम.डी.)				
अथशेष	335000		335000	
वर्ष के दौरान प्राप्त	0		0	
वर्ष के दौरान वापसी	0	335000	0	335000
8. अन्य वर्तमान देयताएं	113847			113847
यू.एन.डी.सी.पी. लेखा के लिए वापसी	632	113215		
9. मंत्रालय (ओबी) को वापस किए जाने हेतु अधिक अनुदान	0		4879064	
न्यून : वर्ष के दौरान समायोजित	0	0	4879064	0
10. एम्स (मुख्य) से ऋण (ओबी)	39000000			0
एम्स (मुख्य) से ऋण	40000000			39000000
एम्स (मुख्य) से ऋण वापसी	9000000	70000000		

कुल (क)		70448215		39497902
ख. प्रावधान 1. कराधान हेतु 2. उपदान 3. अधिवर्षिता / पेंशन 6. संचित अवकाश नकदी 6. ट्रेड वारंटीज / दावे 6. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		70448215		39497902

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी

प्रमुख, एनडीडीटीसी

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष 17–18 के अनुसार	गत समाप्त वर्ष 16–17 के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति :										
1. भूमि :										
क) पूर्ण स्वामित्व										
ख) पट्टे पर										
2. भवन :										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर (निर्माण)	115325995	2794170		118120165		-	-	-	118120165	115325995
ख) पट्टे पर भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लेट / परिसर										
घ) भूमि पर अधिरचना सत्ता से संबंधित नहीं										
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	54484160	12348847		66833007					66833007	54484160
4. वाहन	12241608	0		12241608					12241608	12241608
5. फर्नीचर, उपस्कर	9604224	2246296		11850520					11850520	9604224
6. कार्यालय उपकरण										
7. कंप्यूटर / पेरीफेरल										
8. विद्युत संस्थापन										
9. पुस्तकालय पुस्तकें	42282103	3907672		46189775					46189775	42282103
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति (एस.ए.पी.)	0	2133560		2133560					2133560	

वर्तमान वर्ष का कुल	**233938090**	**23430545**	**0**	**257368635**	**0**	**0**	**0**	**0**	**257368635**	**233938090**
गत वर्ष										
ख. पूंजीगत कार्य प्रगति	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**233938090**	**23430545**	**0**	**257368635**	**0**	**0**	**0**	**0**	**257368635**	**233938090**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी

प्रमुख, एनडीडीटीसी

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

					(राशि रुपयों में)
अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि		2017-18		2016-17	
क. वर्तमान परिसंपत्ति :					
1. खरीद हेतु अग्रिम					
क) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	335808		271120	
	वर्ष के दौरान जमा	170673		233641	
	वर्ष के दौरान समायोजित	251481	255000	168953	335808
ख) मशीनरी एवं उपकरण	अथशेष	0			
	वर्ष के दौरान जमा	0			
	वर्ष के दौरान समायोजित	0	0		
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अग्रिम	अथशेष	15423481		10254962	
	वर्ष के दौरान जमा	19257228		5178519	
	वर्ष के दौरान समायोजित	11262332	23418377	10000	15423481
3. विविध देनदार :					
क) छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण					
ख) वेतन शीर्ष के तहत अन्य भुगतान (आयकर)			213031		
अग्रदाय	अथशेष	0		20000	
	वर्ष के दौरान समायोजित	0	0	20000	0
4. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)			0		0
5. बैंक शेष :					
क) अनुसूचित बैंकों के पास :					
	चालू खाते में		60305453		22037668
	जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)				
	बचत खाते में				
ख) गैर अनुसूची बैंक के पास :					
	चालू खाते में				
	जमा खाते में				

बचत खाते में				
6. सीमा शुल्क अग्रिम		400000		400000
7. बाह्य वसूली 2013–14		40708		40708
कुल (क)		**84632569**		**38237665**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 11 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	2017-18		2016-17	
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति				
1. ऋण :				
क) स्टाफ				
i) मोटर कार				
ii) भवन निर्माण अग्रिम				
iii) कंप्यूटर अग्रिम				
iv) त्यौहार अग्रिम				
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त किए जाने के लिए मूल्य हेतु :				
क) पूंजीगत खाते में				
ख) भुगतान पूर्व				
ग) अन्य				
3. प्रोद्भूत आय :				
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर				
ख) निवेश – अन्य पर				
ग) ऋण एवं अग्रिम पर				
घ) अन्य				
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)				
4. प्राप्य दावे :				
कुल (ख)		**0**		**0**
कुल (क+ख)		**84632569**		**38237665**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार आय और व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	2017-18	2016-17
1) विक्रय से आय		
1. अस्पताल प्राप्तियां	622365	293112
2. प्रशासनिक प्रभार (परियोजनाएं)		
3. रद्दी की बिक्री		
2) सेवाओं से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यावसायिक / परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)		
ङ) अन्य (उल्लिखित) अस्पताल प्राप्ति		
कुल	**622365**	**293112**

अनुसूची 13 – अनुदान / आर्थिक सहायता	2017-18	2016-17
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केन्द्र सरकार	194000000	134000000
2. राज्य सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां		
4. संस्थाएं / कल्याण निकायें (एस.ए.पी.)	50000000	
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन		
6. एम्स से अन्य (उल्लिखित) ऋण		
कुल	**244000000**	**134000000**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	2017-18	2016-17
1. विविध प्राप्ति	69295	15002
2. स्थापना प्राप्ति (स्कीम)		
3. अन्य (उल्लिखित)		
कुल	**69295**	**15002**

अनुसूची 19 – तैयार वस्तुओं के भंडार एवं कार्य – प्रगति में वृद्धि / (कमी)	2017-18	2016-17
क) समापन भंडार		
– तैयार वस्तुएं		
– कार्य प्रगति		
ख) न्यून : अथ भंडार		
– तैयार वस्तुएं		
– कार्य प्रगति		
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क+ख)	0	0

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	2017-18	2016-17
वेतन	126538191	96075163
भत्ते एवं बोनस		
एन. पी. एस. के लिए अंशदान	4731165	2953757
अन्य निधि के लिए अंशदान (स्कीम सेल)		
स्टाफ कल्याण व्यय		
कर्मचारीगण पर व्यय : ''सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ''		
अन्य (एन. पी. एस. एवं एल. एस. पी. सी.)		
कुल	**131269356**	**99028920**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2017-18	2016-17
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	52171350	33878367
ख) बाह्य सेवाओं हेतु मजदूरी	35515531	17323407
ग) विविध व्यय (अग्रिम समयोजन)	251481	168953
घ) विद्युत एवं पावर		
ङ) अग्रदाय से विविध व्यय	107887	89299
च) अग्रदाय समायोजित (16–17) विविध व्यय		20000
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)		
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) अभिदान व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय (एस.ए.पी.)	238587	
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)		
द) मशीनरी एवं उपकरण अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)		
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)		
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लिखित) प्रशिक्षण कार्यक्रम	11262332	10000
कुल	**99547168**	**51490026**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21क – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2017-18	2016-17
क) खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	52171350	33878367
ख) बाह्य सेवाओं हेतु मजदूरी	35515531	17323407
ग) विविध व्यय (अग्रिम समयोजन)		
घ) विद्युत एवं पावर		
ङ) जल प्रभार		
च) अग्रदाय समायोजित (17–18)	107887	89299
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एम एंड ई)		
ज) उत्पाद शुल्क		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, चालू एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ़) सेमिनार / कार्यशाला पर व्यय		
ण) अभिदान व्यय		
त) स्वच्छता पर व्यय	238587	
थ) भवन अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)		
द) मशीनरी एवं उपकरण अनुरक्षण (सी.ए.एम.सी. / ए.एम.सी.)		
ध) भवन अनुरक्षण (गैर योजना)		
न) डूबे हुए एवं संदिग्ध ऋण / अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते की अवसूलनीय शेष		
फ) स्वेप प्रभार (आई.डी.बी.आई. डेबिट / क्रेडिट कार्ड कमीशन)		
ब) भार एवं अग्रेषण व्यय		
भ) वितरण व्यय		
म) विज्ञापन एवं प्रचार		
य) अन्य (उल्लिखित) (आकस्मिक प्रभार) (अग्रिमों का समायोजन)		
कुल	**88033355**	**51291073**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी

;w- ,u- Mh- lh- ih-

v- Hkk- vk- l-

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
यू. एन. डी. सी. पी.
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
प्राप्तियां और भुगतान लेखा

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	भुगतान		2016-17
I. अथशेष			**I. व्यय**		
क) नकद राशि			क) स्थापना व्यय	**687,760**	
ख) बैंक शेष			ख) प्रशासनिक व्यय	**649**	**155,957**
(i) चालू खाते में	**2,218,851**	**1,773,388**	ग) एन.डी.डी.टी.सी. के लिए ऋण		**1,800,000**
(ii) जमा खाते में			**V. अधिशेष राशि / ऋण की वापसी**		
(iii) बचत खाते में			क) भारत सरकार को		
			ख) डब्ल्यू.एच.ओ. के लिए अनुदान की वापसी		**56,875**
II. प्राप्त अनुदान			ग) निधियों के अन्य प्रदाताओं के लिए		
क) डब्ल्यूएचओ से	**321,600**	**658,295**			
ख) राज्य सरकार से	**71,900,000**		**VI. वित्त प्रभार**		
ग) एन.डी.डी.टी.सी. द्वारा ऋण का पुनः भुगतान		**1,800,000**			
			VII. अन्य भुगतान		
V. अन्य आय			क) इंजी. अनुरक्षण		
क) अस्पताल प्राप्तियां			ख) लघु कार्य		
ख) विविध प्राप्तियां			ग) विविध व्यय	**20,000**	
			घ) त्यौहार अग्रिम भुगतान		
VII. अन्य कोई प्राप्तियां			ज) रोगी उपचार		
क) अग्रदाय			झ) सीमा शुल्क के रूप में भुगतानित अग्रिम		

ख) ए.आई.टी.एस.सी.					
ग) आई.एन.सी.पी.टी.			**VIII. अंतशेष**		
घ) अन्य विविध (एन.डी.डी.टी.सी. खाता)	**632**		क) नकद राशि		
			ख) बैंक शेष		
			i) चालू खाते में	**73,732,674**	**2,218,851**
			ii) जमा खाते में		
			iii) बचत खाता		
कुल	**74,441,083**	**4,231,683**	कुल	**74,441,083**	**4,231,683**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
यू. एन. डी. सी. पी.
31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए
आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	2017-18	2016-17
सेवाओं से आय			
अनुदान / आर्थिक सहायता	3	72,221,600.00	**601,420**
फीस / अभिदान			
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर आय)			
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय			
ब्याज अर्जित			
अन्य आय			
कुल (क)		2,221,600.00	**601,420**

व्यय			
स्थापना व्यय	4	687,760.00	
अन्य प्रशासनिक व्यय	5	1,925,000.00	155,325
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय			
बैंक प्रभार	6	649.00	632
अवमूल्यन			
अन्य			0
कुल (ख)		**2,613,409**	**155,957**
व्यय पर आय की अधिकता होने वाली शेष (क–ख)		69,608,191	445,463
विशेष रिजर्व में अंतरित (विशेष उल्लेख प्रत्येक)			
सामान्य रिजर्व से अंतरित			
सामान्य रिजर्व में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**69,608,191**	**445,463**
कुल		**72,221,600**	**601,420**

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
यू. एन. डी. सी. पी.
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन पत्र

समग्र / पूंजी निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2017-18	2016-17
समग्र / पूंजी निधि			
रिजर्व और अधिशेष	1	73,777,674.00	4,169,483.00
उद्दिष्ट / विन्यास निधि			
सुरक्षित ऋण एवं उधार			
असुरक्षित ऋण एवं उधार			
आस्थगित क्रेडिट देयताएं			
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान			
कुल पूंजी निधि एवं देयताएं		73,777,674.00	4,169,483.00
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति			
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश			
निवेश – अन्य			
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	2	73,777,674.00	4,169,483.00
विविध व्यय			
(बट्टा खाता अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल परिसंपत्तियां		3,777,674.00	4,169,483.00

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
यू. एन. डी. सी. पी.

अनुसूची 1 – रिजर्व एवं अधिशेष	2017-18		2016-17	
1. पूंजीगत रिजर्व :				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व :				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
3. विशेष रिजर्व :				
पिछले लेखा के अनुसार				
वर्ष के दौरान जमा				
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां				
4. सामान्य रिजर्व :				
पिछले लेखा के अनुसार	4,169,483.00		3,724,020.00	
न्यून : आय से व्यय की अधिकता				
जमा : व्यय से आय की अधिकता	69,608,191.00		445,463.00	
न्यून : मंत्रालय को वापस किए गए अनुदान		73,777,674.00		4,169,483.00
अंतशेष		**73,777,674.00**		**4,169,483.00**

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसूची 2 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम		2017-18		2016-17
1. नकद राशि (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)				
2. बैंक शेष :				
क) चालू खाता		73,732,674.00		2,218,851.00
ख) जमा खाता (सावधि जमा)				
3. ऋण :				
क) इकाई के कर्मचारियों को				
5. अग्रिम एवं अन्य वसूलनीय राशि :				
क) इकाई के कर्मचारियों से				
ख) अन्य (एन.डी.डी.टी.सी.) से	632.00			632.00
न्यून : वर्ष के दौरान समायोजित	632.00	0.00		
6. अन्य				
2016–17 तक प्रशिक्षण के लिए अग्रिम	1,950,000.00			1,950,000.00
न्यून : वर्ष के दौरान समायोजित अग्रिम	1,905,000.00	45,000.00		
समाप्त वर्ष के अनुसार शेष		**73,777,674.00**		**4,169,483.00**

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसूची 3 – अनुदान एवं आर्थिक सहायता		**2017-18**		**2016-17**
क) डब्ल्यूएचओ से	321600		658,295.00	
वर्ष के दौरान डब्ल्यूएचओ के लिए न्यून वापसी			56,875.00	601,420.00
ख) स्वास्थ्य मंत्रालय से अनुदान	71900000			
		72,221,600.00		
कुल		**72,221,600.00**		**601,420.00**

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसूची 5 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2017-18**	**2016-17**
आतिथ्य (दुरुपयोग की मात्रा और पैटर्न का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण)		155,325.00
आकस्मिक व्यय		
जमा : वर्ष 2017–18 के दौरान अग्रिम का समायोजन	1,905,000.00	
परिवहन व्यय		
यात्रा भत्ते		
विविध व्यय	20,000.00	
कुल	**1,925,000.00**	**155,325.00**

अनुसूची 4 – स्थापना व्यय	2017-18	2016-17
स्थापना प्रभार (वेतन)	687,760.00	
कुल	**687,760.00**	**-**

वित्तीय ब्यौरों का प्रपत्र
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसूची 6 – बैंक प्रभार	2017-18	2016-17
बैंक प्रभार	649	632
कुल	**649**	**632**

सी. आई. एम. आर.

अ. भा. आ. सं.

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां		2017-18	2016-17	भुगतान	2017-18	2016-17
I. अथशेष				**I. व्यय**		
क) नकद राशि		-	-	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 21 में संगत)	3,698	-
ख) बैंक शेष				ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 22 में संगत)	256,983	-
(i) चालू खाते में		-	-	ग) सामग्री एवं आपूर्ति	569,904	-
(ii) जमा खाते में		-	-			
(iii) बचत खाते में		-	-	**II. विभिन्न परियोजनाओं हेतु निधि से किया गया भुगतान**		
ग) सावधि जमा						
2. अनुदान प्राप्त किया				**III. निवेश एवं जमा किया गया**		
क) एम्स (मुख्य) के माध्यम से भारत सरकार से				क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि में से	-	-
पूंजीगत (परिसंपत्तियां नई)				ख) परिक्रामी निधि	-	-
(i) सहायता अनुदान (योजना)	14737000		-			
अ.भा.आ.सं. मुख्य के लिए वापसी	52443	14,684,557	-	**IV. स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत पर व्यय**		

राजस्व सामान्य (योजना)				कार्य प्रगति पर	-	
(ii) सहायता अनुदान (सामान्य)	1500000		-	क) स्थायी परिसंपत्ति की खरीद	6,694,143	-
अ.भा.आ.सं. मुख्य के लिए वापसी	669,415	830,585	-	ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय	-	-
				ग) साख पत्र (मशीनरी एवं उपकरण)	7,990,409	
ख) राज्य सरकार से		-	-	**V. अधिशेष राशि / ऋणों की वापसी**		
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)		-	-	क) भारत सरकार को	-	-
(अलग से दर्शाने के लिए पूंजी एवं राजस्व व्यय हेतु अनुदान)				ख) राज्य सरकार को	-	-
III. निवेश पर आय से				ग) निधि उपलब्ध कराने वाले अन्य को	-	-
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि		-	-	**VI. वित्त प्रभार (ब्याज)**		
ख) परिक्रामी निधि				बैंक प्रभार	1,553	-
IV. प्राप्त ब्याज				**VII. अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
क) बैंक जमा पर				दान/ अनुदान	-	-
ख) ऋण एवं अग्रिम आदि				धरोहर राशि जमा	-	-
V. अन्य आय				**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति / वसूली**		
निविदा शुल्क		4,500		कर्मचारी के लिए अग्रिम	-	-
VI. उधार ली गई राशि				**VIII. अंतशेष**		
				क) नकद राशि		

				-	
			ख) बैंक शेष		
VII. कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें)			i) चालू खाते में	110,953	-
क) दान	-		ii) जमा खाते में	-	-
ख) धरोहर राशि जमा	108,000		iii) बचत खाते	-	-
ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली					
कर्मचारी के लिए अग्रिम			ग) सावधि जमा	-	-
कुल	**15,627,642**	-	कुल	**15,627,642**	-

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी,
सी.आई.एम.आर.

प्रभारी आचार्य, सी.आई.एम.आर.

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)
दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन – पत्र

(राशि रुपयों में)

समग्र / पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
समग्र / पूंजीगत निधि	1	14,684,557	-
रिजर्व और अधिशेष	2	2,948	-
उद्दिष्ट / विन्यास निधि	3	-	-
परिक्रामी निधि	4	-	-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	6	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	7	-	-
चालू देयताएं एवं प्रावधान	8	108,000	-
कुल		**14,795,505**	**-**
परिसंपत्तियां			
स्थायी परिसंपत्तियां	9	6,694,143	-
उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश	10	-	-
निवेश – अन्य	11	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि	12		

		8,101,362	-
विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं) आय पर व्यय की अधिकता का शेष		-	-
कुल		**14,795,505**	-
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणी	26		

वित्त एवं मुख्य लेखा
अधिकारी,
सी.आई.एम.आर.

प्रभारी आचार्य, सी.आई.एम.आर.

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)
दिनांक 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

(राशि रुपयों में)

आय	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
विक्रय / सेवाओं से आय	13	-	-
अनुदान / आर्थिक सहायता	14	830,585	-
फीस / अभिदान	15	4,500	-
निवेश से आय (निधियों में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधियों से निवेश पर आय)	16	-	-
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	17	-	-
ब्याज अर्जित	18	-	-
अन्य आय	19	-	-
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति की वृद्धि / (कमी)	20	-	-
कुल (क)		**835,085**	-
व्यय			
स्थापना व्यय	21	3,698	-
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	22	256,983	-
विभिन्न परियोजनाओं के लिए निधि के लिए किए गए भुगतान	22 (A)	-	-

सामग्री एवं आपूर्ति	23	569,904	-
अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	24	-	-
ब्याज एवं वित्त व्यय	25	1,553	-
अवमूल्यन (अनुसूची 11 में वर्ष समाप्ति तदनानुसार पर शुद्ध कुल)			
कुल (ख)		**832,138**	**-**
व्यय पर आय की अधिकता होने वाला शेष (क–ख)		2,948	-
विशेष रिजर्व में अंतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में / से अंतरण		-	-
समग्र / पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष / (घाटा) होने वाला शेष		**2,948**	**-**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	25		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणी	26		

वित्त एवं मुख्य लेखा
अधिकारी,
सी.आई.एम.आर.

प्रभारी आचार्य, सी.आई.एम.आर.

एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र (अ.भा.आ.सं.)

दिनांक 31.03.2018 के अनुसार तुलन–पत्र का अनुसूची के रूप में भाग

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 1 – समग्र / पूंजीगत निधि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		
जमा : समग्र / पूंजीगत निधि के लिए अंशदान (एम्स मुख्य के माध्यम से)	14,684,557	
जमा : दान खाता में सृजित समग्र / पूंजी		
जमा / कटौती : आय और व्यय लेखा से अंतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	-	-
वर्ष समाप्ति पर शेष	**14,684,557**	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 2 – रिजर्व एवं अधिशेष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1. पूंजीगत रिजर्व	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	
सी.आई.एम.आर. खाता	2,948	
जमा : वर्ष के दौरान जमा		-
सी.आई.एम.आर. खाता		
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व	-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-
जमा : वर्ष के दौरान जमा	-	-
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
3. विशेष रिजर्व	-	

वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		-	-
जमा : वर्ष के दौरान जमा		-	-
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		-	-
4. सामान्य रिजर्व		-	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष		-	-
जमा : वर्ष के दौरान जमा		-	-
न्यून : वर्ष के दौरान कटौतियां		-	-
5. व्यय पर आय की अधिकता		-	
कुल		**2,948**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट / विन्यास निधि	XXX	YYY	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
			कुल	कुल
क) निधि का अथशेष	-	-	-	-
ख) निधि में जमा	-		-	-
i. दान / अनुदान	-	-	-	-
ii. निधि के खाते में किए गए निवेश से आय	-		-	-
iii. रोगियों से प्राप्त	-		-	-
iv. अन्य जमा (प्रकृति का उल्लेख करें)	-		-	-
कुल (क+ख)	-	-		

			-	-
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय i. पूंजीगत व्यय स्थायी परिसंपत्तियां अन्य	- -		- -	- -
कुल (ग i)	-		-	-
ii. राजस्व व्यय वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि किराया बैंक प्रभार अन्य प्रशासनिक व्यय	- - - -	- - - -	- - - - -	- - - - -
कुल ग **(ii)**	-	-	-	-
कुल (ग)	-	-	-	-
घ) रोगियों को वापसी	-		-	-
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख–ग–घ)	-	-	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची – 4 परिक्रामी निधि	वर्तमान वर्ष			पिछले वर्ष
	XX	YY	कुल	कुल
क) निधियों के अथशेष	-	-	-	-
ख) निधियों के लिए जमा				
i. रोगियों से प्राप्ति	-	-	-	
ii. अनुदान प्राप्ति (17–18)	-	-	-	-
कुल (क+ख)	-	-	-	-
ख) निधियों के उद्देश्यों की ओर से उपयोगिता / व्यय				
i. पूंजी व्यय				
स्थायी परिसंपत्तियां	-	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल (ग. **i**)	-	-	-	-
ii राजस्व व्यय				
सामग्री और आपूर्ति	-	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-		
विभिन्न रोगी खाते के लिए अंतरण		-	-	
कुल (ग. **ii**)	-	-	-	-
कुल (ग)	-	-	-	-
वर्ष के अंत में शेष (क+ख–ग)	-	-		-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 8 – वर्तमान देयताएं	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान देयताएं		
1. स्वीकृतियां	-	-
2. विविध ऋणदाताओं		
क) वस्तुओं हेतु	-	-
ख) अन्य		
3. प्राप्त अग्रिम	-	-
4. ब्याज प्रोद्भूत परन्तु देय पर नहीं		
क) सुरक्षित ऋण / उधार	-	-
ख) असुरक्षित ऋण / उधार	-	-
5. सांविधिक देयताएं		
क) अतिदेय	-	-
ख) अन्य	-	-
6. अन्य वर्तमान देयताएं	-	-
7. धरोहर राशि जमा	108,000	-
8. अग्रदाय	-	-
9. एम्स तंत्रिका विज्ञान निर्धन रोगी खाता	-	-
कुल (क)	**108,000**	-
ख. प्रावधान		
1. कराधान हेतु	-	-
2. उपदान	-	-
3. अधिवर्षिता / पेंशन	-	-

4. संचित अवकाश नकदी	-	-
5. ट्रेड वारंटी / दावे	-	-
6. संचित अवमूल्यन		
7. अन्य	-	-
कुल (ख)	-	-
कुल (क)+(ख)	**108,000**	-

अनुसूची 9 – स्थायी परिसंपत्ति

(राशि रुपयों में)

विवरण	सकल ब्लॉक							अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के दौरान जमा (साख – पत्र)	वर्ष के दौरान जमा (पी.डी.ए.)	वर्ष के दौरान जमा (सीमा शुल्क)	वर्ष समाप्ति पर लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान कटौती पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष के अनुसार	पिछले समाप्त वर्ष के अनुसार
स्थायी परिसंपत्ति													
भूमि													
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
भवन													
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे की भूमि पर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-

ग) स्वामित्व फ्लैट / परिसर	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
घ) भूमि पर अधिरचना पर केन्द्र से संबद्ध नहीं													
अमूर्त स्थायी परिसंपत्ति													
क) सॉफ्टवेयर			-				-	-	-	-	-	-	-
संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण*		5,500,909		-	-	-	5,500,909	-	-	-	-	5,500,909	-
वाहन			-				-	-	-	-	-	-	-
फर्नीचर, उपस्कर		684,629	-				684,629	-	-	-	-	684,629	-
कंप्यूटर / पेरीफेरल्स		508,605	-				508,605	-	-	-	-	508,605	-
विद्युत संस्थापन	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
पुस्तकालय पुस्तकें	-		-				-	-	-	-	-	-	-
ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
कार्यालय उपकरण	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल	-	**6,694,143**	-				**6,694,143**	-	-	-	-	**6,694,143**	-
पिछले वर्ष	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
पूंजीगत कार्य प्रगति	-	-	-				-	-	-	-	-	-	-
कुल	-	**6,694,143**	-	-	-	-	**6,694,143**	-	-	-	-	**6,694,143**	-
-													

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क. वर्तमान परिसंपत्ति		
1. इनवेंटरीज		
क) भंडार एवं स्पेयर्स	-	-
ख) खुले औजार	-	-
ग) ट्रेड में भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य–प्रगति पर	-	-
कच्चा माल	-	-
2. विविध देनदार		
क) छः माह से अधिक अवधि का बकाया ऋण		
ख) अन्य		
3. नकद राशि शेष (चैक / ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		
क) अग्रदाय		
4. बैंक शेष		
क) अनुसूचित बैंकों के पास :		
– चालू खाते में	110,953	
– जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		-
– बचत खाते में	-	-
ख) गैर–अनुसूचित बैंकों के पास :		
– चालू खाते में	-	-

– जमा खाते में	-	-
– बचत खाते में	-	-
5. डाक घर – बचत खाते	-	-
कुल (क)	**110,953**	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 12 – चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी..)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
ख. ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
1. ऋण		
क) स्टाफ		
ख) इकाई के समान गतिविधियों / उद्देश्यों में संलग्न अन्य इकाइयां		
ग) अन्य (रोगी उपचार – सी.जी.एच.एस.)		
2. अग्रिम एवं अन्य नकद वसूलनीय राशि अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त होने के लिए मूल्य हेतु		
क) पूंजीगत खाते में		
ख) भुगतान पूर्व		
ग) अस्थायी आकस्मिक अग्रिम		
घ) अन्य		
3. प्रोद्भूत आय :		
क) उद्दिष्ट / विन्यास निधि से निवेश पर		
ख) निवेश – अन्य पर		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(अवसूली देय रु. .... की आय शामिल है)		
4. वसूलनीय दावे		
5. साख–पत्र	7,990,409	
6. सीमा शुल्क		

7. जमा पूर्व अग्रिम		
कुल (ख)	**7,990,409**	-
कुल (क)+(ख)	**8,101,362**	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 13 – विक्रय / सेवा से आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय से आय		
क) तैयार वस्तुओं का विक्रय	-	-
ख) कच्चे माल का विक्रय	-	-
ग) रद्दी का विक्रय	-	-
2) सेवा से आय		
क) श्रम एवं संसाधन प्रभार		
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवा	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	-	-
ङ) अस्पताल प्राप्तियां (सी.एन.सी. मुख्य)		
च) अस्पताल प्राप्तियां (गामा नाईफ)		
छ) अस्पताल प्राप्तियां (एंजियो रोगी खाता)		
ज) अस्पताल प्राप्तियां (सी. टी. रोगी खाता)		
झ) अस्पताल प्राप्तियां (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)		
ञ) रोगी उपचार सी. जी. एच. एस.		
ट) अन्य (विशेष) संदिग्ध प्राप्ति	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची 14 – अनुदान / आर्थिक सहायता	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता प्राप्त) – एम्स मुख्य के माध्यम से		
1) केन्द्र सरकार	-	-
राजस्व सामान्य (योजना)		
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	-	
(iii सहायता अनुदान (सामान्य)	-	
गैर – योजना		
(iii सहायता अनुदान (सामान्य)	830,585	
(ii) सहायता अनुदान (वेतन)	-	
2) राज्य सरकारें		-
3) सरकारी एजेंसियां	-	-
4) संस्थान / कल्याण निकाय	-	-
5) अंतरराष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**830,585**	**-**

अनुसूची - 15-16

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 15 – फीस / अभिदान	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक फीस / अभिदान	-	-
3) सेमिनार / प्रोग्राम फीस	-	-
4) परामर्श फीस	-	-
5) टेंडर फीस	4,500.00	-
6) अन्य आय	-	
कुल	**4,500.00**	-
टिप्पणी : प्रत्येक मद के लिए लेखा नीतियां प्रकट की जाती हैं		

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 16 – निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट / विन्यास निधि के निवेश पर आय)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) ब्याज				
क) सरकारी जमानतों पर	-	-	-	-
ख) अन्य बॉन्ड्स / डिबेंचर्स	-	-	-	-
2) लाभांश				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
ख) म्यूचुअल फंड जमानतों पर	-	-	-	-
3) किराया	-	-	-	-
4) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-
टिप्पणी : उद्दिष्ट / विन्यास निधि में अंतरित				

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 19 – अन्य आय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
1) विक्रय / परिसंपत्ति निपटाने पर लाभ		
क) निजी परिसंपत्ति	-	-
ख) अनुदान अथवा निशुल्क प्राप्त में से अर्जित परिसंपत्ति	-	-
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली		
क) परिसमापन क्षति	-	-
3) विविध सेवाओं के लिए फीस	-	-
4) विविध प्राप्ति		
5) लाइसेंस फीस वसूली		-
कुल	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 20 – तैयार वस्तुओं एवं कार्य – प्रगति के भंडार में वृद्धि / (कमी)	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) समापन भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य – प्रगति पर	-	-
ख) न्यून : अथ भंडार		
तैयार वस्तुएं	-	-
कार्य – प्रगति पर	-	-
शुद्ध वृद्धि / (कमी) (क–ख)	-	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 21 – स्थापना व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) वेतन एवं मजदूरी (योजना)		
ख) वेतन एवं मजदूरी (गैर – योजना)		
ग) भविष्य निधि के लिए अंशदान		
घ) अन्य निधि के लिए अंशदान – (एन.पी.एस.)		
ङ) स्टाफ कल्याण व्यय		
च) कर्मचारीगण सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ पर व्यय		
छ) यात्रा एवं वाहन व्यय	3,698	
ज) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**3,698**	-

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 22 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
अग्रदाय	42,535	-
कर्मचारी (आउटसोर्स)	118,554	
अल्पाहार	95,894	
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**256,983**	**0**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 23 – सामग्री एवं आपूर्ति	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
सामग्री एवं आपूर्ति	569,904	-
अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	**569,904**	**-**

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 24 – अनुदान, आर्थिक सहायता आदि पर व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) संस्थाओं / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थाओं / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	**-**	**-**

टिप्पणी : अनुदान / आर्थिक सहायता राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियां प्रकट की जाती हैं।

(राशि रुपयों में)

अनुसूची 25 – ब्याज एवं वित्तीय व्यय	वर्तमान वर्ष	पिछले वर्ष
क) स्थायी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) बैंक प्रभार	1,553	
घ) अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
कुल	**1,553**	**-**

अनुसंधान अनुभाग

v- Hkk- vk- l|-

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अनुसंधान अनुभाग
वर्ष 2017–2018 का विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं हेतु प्राप्त अनुदान के व्यय को दर्शाने वाला विवरण

वित्तपोषित एजेंसी	प्राप्ति	राशि	वित्तपोषित एजेंसी	व्यय	अनुमानित व्यय	व्यय	अवितरित व्यय	कुल व्यय
				(क)	(ख)	(क + ख = ग)	(घ)	(ग + घ)
अथ शेष								
नकद राशि :–		136,000.00						
बैंक खाता :–								
स्कीम सेल	251,361,667.92							
अ. भा. आ. सं. डीबीटी अनुसंधान खाता	150,878,273.00							
अ. भा. आ. सं. डीएसटी अनुसंधान खाता	122,581,015.00							
अ. भा. आ. सं. आईसीएमआर अनुसंधान खाता	87,926,421.00	612,747,376.92						
			आंतरिक अनुसंधान	58,150,206.00	-	58,150,206.00		58,150,206.00
अ. भा. आ. सं. से प्राप्त अनुदान		49,596,387.00						
संस्थान अनुसंधान अनुदान		50,000,000.00	एबोट प्रयोगशाला जीएमबीएच	155,482.00	34,436.00	189,918.00		189,918.00
			एजीनोमोटो कं., इंक., जापान	6,625.00		6,625.00		6,625.00
			एल्केम लैबोरेटरीज लि.	91,304.00	6,646.00	97,950.00		97,950.00
अ. भा. आ. सं. के माध्यम से प्राप्त			अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक	99592.00		99,592.00		99,592.00
			एओ स्पाइन इंडिया	15456.00		15,456.00		15,456.00
			एपासेमी एसोसिएट चेन्नई	148500.00	19,214.00	167,714.00	5,000.00	172,714.00

एबोट प्रयोगशाला जीएमबीएच	214,300.00		एस्ट्राजेनीका सिंगापुर प्रा. लि., सिंगापुर	895446.00	11,116.00	906,562.00		906,562.00
एजीनोमोटो कं., इंक., जापान			आयुष, भारत सरकार	1200118.00	282,120.00	1,482,238.00		1,482,238.00
एल्केम लैबोरेटरीज लि.	22,500.00		आयुष, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	980902.00	298,582.00	1,279,484.00	15,000.00	1,294,484.00
अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियट्रिक			भारत सीरम एंड वेक्सीन लि.	29607.00	5,000.00	34,607.00		34,607.00
एओ स्पाइन इंडिया			बिगटेक प्राइवेट लिमिटेड	291200.00	30,000.00	321,200.00		321,200.00
एपासेमी एसोसिएट चेन्नई	192,143.00		बायोजेन इंडेक लि., यू.के.	298410.00	61,187.00	359,597.00		359,597.00
एस्ट्राजेनीका सिंगापुर प्रा. लि., सिंगापुर	1,111,161.00		बायोजेन इंडेक लि. (यू.के.)	0.00	-	-		-
आयुष, भारत सरकार	780,196.00		बोहरिंगर इंगेलहेम इंडिया प्राइवेट लि.	730933.00	541,411.00	1,272,344.00		1,272,344.00
आयुष, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय	4,338,224.00		ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन, यूके	351620.00	52,794.00	404,414.00		404,414.00
भारत सीरम एंड वेक्सीन लि.			केडिला हेल्थ केयर लि.	1188445	162,000.00	1,350,445.00		1,350,445.00
बिगटेक प्राइवेट लिमिटेड	300,000.00		केडिला फार्मास्यूटिकल लि.	826789.00	102,078.00	928,867.00		928,867.00
बायाजेन इडेक लिमिटेड, यूके	-		कैंसर फाउंडेशन	0.00		-		-
बोहरिंगर इंगेलहेम इंडिया प्राइवेट लि.	722,745.00		सी.डी.ए.सी.	1999046.00	36,000.00	2,035,046.00		2,035,046.00
ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन, यूके	527,941.00		सीईएफआईपीआरए, फ्रेंच	974722.00	123,150.00	1,097,872.00		1,097,872.00
केडिला हेल्थ केयर लि.	1,080,000.00		रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी), यूएसए	21348617	750,275.00	22,098,892.00		22,098,892.00
केडिला फार्मास्यूटिकल लि.	1,020,779.00		रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	91783495.00	6,316,656.00	98,100,151.00		98,100,151.00
कैंसर फाउंडेशन	1,000,000.00		आयुर्वेद और सिद्धा अनुसंधान परिषद केंद्र	0.00	100,000.00	100,000.00		100,000.00
सी.डी.ए.सी.	360,000.00		केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान केंद्र (सीसीआरएच), जनकपुरी, नई दिल्ली	447640.00	165,162.00	612,802.00		612,802.00
सीईएफआईपीआरए, फ्रेंच	1,231,505.00		केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद	1154052.00		1,154,052.00		1,154,052.00

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी), यूएसए	38,935,744.00		सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी	1072591.00	95,778.00	1,168,369.00		1,168,369.00
रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	99,137,082.00		रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी), यूएसए	0.00	17,642.00	17,642.00		17,642.00
आयुर्वेद और सिद्धा अनुसंधान परिषद केंद्र			सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल, नई दिल्ली	15648349.00	928,786.00	16,577,135.00		16,577,135.00
केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान केंद्र (सीसीआरएच), जनकपुरी, नई दिल्ली	-		सेंटर फ्रांस्को – इंडियन पौर ला प्रीओमोशन डि ला	120543.00				
केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद	957,780.00		क्रिस्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर	830938	230,538.00	1,061,476.00		1,061,476.00
सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन योग एंड नेचुरोपैथी	176,414.00		क्रिस्टोफेल ब्लिडेनमिशन (सीबीएम) इंडिया	3744287.00	645,893.00	4,390,180.00		4,390,180.00
सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल, नई दिल्ली	16,596,924.00		क्लिनिकल मार्केटिंग प्रा. लि.	293849.00	-	293,849.00		293,849.00
सेंटर फ्रांस्को – इंडियन पौर ला प्रीओमोशन डि ला	-		कोर्वेटिस, यूएसए	28980.00		28,980.00		28,980.00
क्रिस्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर	2,305,380.00		सीएसआईआर	8332711.00	276,736.00	8,609,447.00		8,609,447.00
क्रिस्टोफेल ब्लिडेनमिशन (सीबीएम) इंडिया	2,755,742.00		सीएसआईआर	356000.00		356,000.00		356,000.00
क्लिनिकल मार्केटिंग प्रा. लि.	200,000.00		सीएसआईआर अध्येतावृत्ति	659105.00	78,205.00	737,310.00		737,310.00
कोर्वेटिस, यूएसए	-		कुडलस फाउंडेशन	918054.00		918,054.00		918,054.00
सीएसआईआर	3,057,157.00		क्योरहेल्थ डायग्नोस्टिक प्रा. लि.	87579.00	9,730.00			
सीएसआईआर अध्येतावृत्ति	457,033.00		कटिंग एज मेडिकल डिवाइसेस प्रा. लि., आईआईटी दिल्ली	10568.00		10,568.00		10,568.00
कुडलस फाउंडेशन	782,062.00		डीबीटी	200868704.00	18,644,484.00	219,513,188.00	5,000.00	219,518,188.00
क्योरहेल्थ डायग्नोस्टिक प्रा. लि.	-		भौतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान (डीआईपीएएस)	1665614.00		1,665,614.00		1,665,614.00
कटिंग एज मेडिकल डिवाइसेस प्रा. लि., आईआईटी दिल्ली	97,300.00		दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी / एड्स	740215.00		740,215.00		740,215.00
डाबर रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर			डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, यूएसए	3939692.00		3,939,692.00		3,939,692.00

डीबीटी	179,144,579.97		फार्मास्यूटिकल विभाग	1430515.00		1,430,515.00		1,430,515.00
भौतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान (डीआईपीएएस)	3,575,000.00		महिला एवं बाल विकास विभाग	18245869.00		18,245,869.00		18,245,869.00
दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी / एड्स	770,876.00		डिपार्ट. ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज सेंटर, यूएसए	41758305.00	2,300,575.00	44,058,880.00		44,058,880.00
डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल, यूएसए	3,937,500.00		भौतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान	29607.00		29,607.00		29,607.00
फार्मास्यूटिकल विभाग	-		शिक्षा निदेशालय (एनएसएस)	23742.00		23,742.00		23,742.00
महिला एवं बाल विकास विभाग	11,558,542.00		डीएनडीआई स्विट्जरलैंड	0.00	118,826.00	118,826.00		118,826.00
डिपार्ट. ऑफ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज सेंटर, यूएसए	36,508,472.00		डीआरडीई (ग्वालियर)	0.00	493,600.00	493,600.00		493,600.00
भौतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान	-		डी.आर.डी.ओ.	725160.00	303,565.00			
शिक्षा निदेशालय (एनएसएस)	4,901.00		डॉ. रेड्डी लैब लि.	242177.00	111,760.00	353,937.00		353,937.00
डीएनडीआई स्विट्जरलैंड	1,188,257.00		डीएसटी	171591637	8,863,421.00	180,455,058.00		180,455,058.00
डी.आर.डी.ओ.	247,133.00		यूरोपियन कमिशन	547701.00	111,667.00	659,368.00		659,368.00
डॉ. रेड्डी लैब लि.	757,350.00		एंडोक्राइन सोसायटी ऑफ इंडिया	0.00	500.00	500.00		500.00
डीएसटी	145,208,869.00		फेरमिश क्लिनिकल टेक्नोलॉजिस्ट प्रा. लि.	566320.00	22,000.00	588,320.00		588,320.00
यूरोपियन कमिशन	-		जीनलाइफ क्लिनिकल रिसर्च प्रा. लि.	113489.00	14,000.00	127,489.00		127,489.00
फेरमिश क्लिनिकल टेक्नोलॉजिस्ट प्रा. लि.	1,100,000.00		जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, इंडिया	209489.00	13,500.00	222,989.00		222,989.00
जीनलाइफ क्लिनिकल रिसर्च प्रा. लि.	100,000.00		जिलीड साइंसेस, इंक., कैलीफॉर्निया	179620.00	36,829.00	216,449.00		216,449.00
जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ, इंडिया	135,000.00		ग्लैक्सो स्मिथ केलाइन	54910.00				
जिलीड साइंसेस, इंक., कैलीफॉर्निया	368,285.00		हिंदुस्तान लैटेक्स लि.	346950.00		346,950.00		346,950.00
ग्लैक्सो स्मिथ केलाइन	-		आईएडीआर, यू.एस.ए.	599760.00	258,181.00	857,941.00		857,941.00

हिंदुस्तान लैटेक्स लि.	500,000.00		आईएडीवीएल	145014.00		145,014.00		145,014.00
आईएडीआर, यू.एस.ए.	3,404,197.00		आईसीएमआर	174487669.82	13,269,857.00	187,757,526.82		187,757,526.82
आईएडीवीएल	-		इनक्लेन	6894946.00	853,444.00			
आईसीएमआर	254,195,691.00		इंडिया मेडट्रॉनिक प्रा. लि.	427564.00	174,516.00	602,080.00		602,080.00
इनक्लेन	8,534,440.00		भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद	299926.00	80,421.00	380,347.00		380,347.00
इंडिया मेडट्रॉनिक प्रा. लि.	1,190,629.00		इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ हैदराबाद	2525142.00		2,525,142.00		2,525,142.00
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद	699,652.00		इंडो–फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च	0.00	40,826.00	40,826.00		40,826.00
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ हैदराबाद	-		भारत–जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, भारत सरकार	864487.00	41,650.00	906,137.00		906,137.00
इंडो–फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च	483,865.00		आईएनएमएएस (डीआरडीओ)	831704.00	42,500.00	874,204.00		874,204.00
भारत–जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, भारत सरकार	-		इन्सा	481418	46,000.00	527,418.00		527,418.00
आईएनएमएएस (डीआरडीओ)	850,000.00		जीनोमिक्स एंड एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान	1011944.00		1,011,944.00		1,011,944.00
इन्सा	460,000.00		अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एंजेसी	1626242.00	179,089.00	1,805,331.00		1,805,331.00
जीनोमिक्स एंड एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान	-		इनविक्ट्स ऑन्कोलॉजी	968703.00	133,155.00	1,101,858.00		1,101,858.00
अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एंजेसी	1,646,940.00		इपका लैबोटरीज़	538628.00	65,765.00	604,393.00		604,393.00
इनविक्ट्स ऑन्कोलॉजी	-		आई.एस.एच.टी.एम.	3261730.00	164,413.00	3,426,143.00		3,426,143.00
इपका लैबोटरीज़	657,658.00		जनसेन	420016.00	39,000.00	459,016.00		459,016.00
आई.एस.एच.टी.एम.	1,644,130.00		जेआईवी दया फाउंडेशन	2091314.00	220,577.00	2,311,891.00		2,311,891.00
जेनसेन	390,000.00		जॉनसन एंड जॉनसन	192384.00	10,055.00	202,439.00		202,439.00
जेआईवी दया फाउंडेशन	931,136.00		जेएसएस मेडिकल रिसर्च इंडिया प्रा. लि.	273147.00	27,287.00	300,434.00		300,434.00
जॉनसन एंड जॉनसन	-		लैब इंडिया हेल्थकेयर	488183.00				

						488,183.00		488,183.00
जेएसएस मेडिकल रिसर्च इंडिया प्रा. लि.	197,878.00		लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट	1031386.00	8,000.00	1,039,386.00		1,039,386.00
लैब इंडिया हेल्थकेयर	-		लैम्बडा थेराप्यूटिक रिसर्च लि.	191254.00	21,614.00	212,868.00		212,868.00
लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट	800,000.00		लेबरा फाउंडेशन	2044276.00	116,695.00	2,160,971.00		2,160,971.00
लैम्बडा थेराप्यूटिक रिसर्च लि.	216,142.00		लुपिन लिमिटेड	0.00	156,222.00	156,222.00		156,222.00
लेबरा फाउंडेशन	1,598,954.00		लिवर फाउंडेशन	54234.00		54,234.00		54,234.00
मैक मास्टर यूनिवर्सिटी कनाडा	3,422,918.00		मैक मास्टर यूनिवर्सिटी कनाडा	1032914.00	208,260.00	1,241,174.00		1,241,174.00
मेडपेस	-		मेडपेस	113144.00		113,144.00		113,144.00
मेडट्रॉनिक इंडिया प्रा. लि.	179,550.00		मेडट्रॉनिक इंडिया प्रा. लि.	74550.00	17,955.00	92,505.00		92,505.00
मेर्क एंड कं. इंक. यूएसए	-		मेर्क एंड कं. इंक. यूएसए	45314.00		45,314.00		45,314.00
मेट्रोहम इंडिया लि.	1,218,667.00		मेट्रोहम इंडिया लि.	1160190.00	121,867.00	1,282,057.00		1,282,057.00
आयुष मंत्रालय	31,616,205.00		आयुष मंत्रालय	3226558.00	1,459,255.00	4,685,813.00		4,685,813.00
संचार और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	-		संचार और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	4682912.00		4,682,912.00		4,682,912.00
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)	8,804,734.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)	9723570.00		9,723,570.00		9,723,570.00
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	1,519,375.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	0.00		-		-
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	21,260,084.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	29055423.98	359,904.00	29,415,327.98		29,415,327.98
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष)	9,298,866.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष)	9218216.00	306,498.00	9,524,714.00		9,524,714.00
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय – डीएचआर	1,869,944.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय – डीएचआर	1722085	93,497.00	1,815,582.00		1,815,582.00
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)	25,000.00		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)	218777.00	319,693.00	538,470.00		538,470.00
गृह मंत्रालय	10,854,409.00		गृह मंत्रालय	2833949.00	542,720.00	3,376,669.00		3,376,669.00
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	10,100,000.00		सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	14136306.00	105,000.00	14,241,306.00		14,241,306.00

मैसर्स गिलीड साइंसेज इंक. यूएसए	1,455,495.00		मैसर्स गिलीड साइंसेज इंक. यूएसए	1878859.00	150,689.00	2,029,548.00		2,029,548.00
मैसर्स जनकेयर सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड	-		मैसर्स जनकेयर सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड	116908.00		116,908.00		116,908.00
मैसर्स मार्क शार्प एंड डोहम कॉप., यूएसए	-		मैसर्स मार्क शार्प एंड डोहम कॉप., यूएसए	3861.00		3,861.00		3,861.00
नाग फाउंडेशन, पुणे	-		एनआईई	23258400.00		23,258,400.00		23,258,400.00
एनएएमएस	10,477.00		नाग फाउंडेशन, पुणे	107862.00		107,862.00		107,862.00
नेशनल कैंसर ग्रिड रिसर्च	1,920,475.00		एनएएमएस	10477.00		10,477.00		10,477.00
राष्ट्रीय बालक अधिकार संरक्षण आयोग	940,142.00		नेशनल कैंसर ग्रिड रिसर्च	2250625.00	192,047.00	2,442,672.00		2,442,672.00
नेशनल हेल्थ 7 मेडिकल रिसर्च काउंसिल, ऑस्ट्रेलिया	-		राष्ट्रीय बालक अधिकार संरक्षण आयोग	119794.00		119,794.00		119,794.00
नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन	650,000.00		नेशनल हेल्थ 7 मेडिकल रिसर्च काउंसिल, ऑस्ट्रेलिया	14326.00		14,326.00		14,326.00
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यूएसए	6,026,245.00		नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन	127002.00	20,019.00	147,021.00		147,021.00
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, एनएच यूएसए	2,103,267.00		नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यूएसए	11913244.00	65,000.00	11,978,244.00		11,978,244.00
नेशनल पेरिनेटल एपिडेमियोलॉजी यूनिट, यूनिवर्सिटी	-		नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, एनएच यूएसए	2428009.00	1,858,241.00	4,286,250.00		4,286,250.00
न्यूरोन फार्मास्यूटिकल्स एस.पी.ए.	941,400.00		नेशनल पेरिनेटल एपिडेमियोलॉजी यूनिट, यूनिवर्सिटी	35650.00		35,650.00		35,650.00
नेक्स्ट जेन इनविट्रा डायग्नोस्टीक्स प्रा. लि.	1,500,000.00		एनसीबीआईआर (आईसीएमआर)	0.00	8,871.00	8,871.00		8,871.00
नेक्स्ट जेन फार्मा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	500,000.00		न्यूरोन फार्मास्यूटिकल्स एस.पी.ए.	692742.00	94,140.00	943,373.00		943,373.00
एनआईपीईआर, नई दिल्ली – 110001	-		नेक्स्ट जेन इनविट्रा डायग्नोस्टिक्स प्रा. लि.	849233.00	150,000.00	699,267.00		699,267.00
नेवा नॉर्डिस्क इंडिया प्रा. लि.	4,012,168.00		नेक्स्ट जेन फार्मा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	549267.00	59,900.00	609,167.00		609,167.00
नोवार्टिस	952,177.00		एनआईपीईआर, नई दिल्ली – 110001	859731.00		859,731.00		859,731.00
नोवार्टिस हेल्थकेयर प्रा. लि.	33,750.00		नेवा नॉर्डिस्क इंडिया प्रा. लि.	2369501.00	410,061.00	2,779,562.00		2,779,562.00

नोवार्टिस इंडिया लि.	745,792.00		नोवार्टिस	64710.00				
विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यालय, नेवल रिसर्च ग्लोबल कार्यालय, यूएस	-		नोवार्टिस हेल्थकेयर प्रा. लि.	351218.00	31,455.00	382,673.00		382,673.00
ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूके	-		नोवार्टिस इंडिया लि.	1891025.00	3,217.00	1,894,242.00		1,894,242.00
पैरेक्सेल इंटरनेशनल क्लिनिकल रिसर्च प्रा. लि.	339,552.00		विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यालय, नेवल रिसर्च ग्लोबल कार्यालय, यूएस	325000.00		325,000.00		325,000.00
पैरेक्सेल इंटरनेशनल लि. (यू.के.)	-		ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूके	3512.00		3,512.00		3,512.00
पैथ / वन वर्ल्ड हेल्थ	633,029.00		पैरेक्सेल इंटरनेशनल क्लिनिकल रिसर्च प्रा. लि.	250733.00	71,279.00	322,012.00		322,012.00
पेफिजर लि.	531,360.00		पैरेक्सेल इंटरनेशनल लि. (यू.के.)	203353.00	9,201.00	212,554.00		212,554.00
पीएचएफआई	804,202.00		पैथ / वन वर्ल्ड हेल्थ	671740.00	31,402.00	703,142.00		703,142.00
फोएनिक्स कार्डियक	-		पेफिजर लि.	2283988.00	53,136.00	2,337,124.00		2,337,124.00
पीएचआरआई, ओंटेरियो कनाडा	2,761,204.00		पीएचएफआई	2562327.00	42,622.00	2,604,949.00		2,604,949.00
पीपीडी फार्मास्यूटिकल डेवलपमेंट इंडिया प्रा. लि.	164,291.28		फोएनिक्स कार्डियक	17613.00		17,613.00		17,613.00
क्वांटाइल स्पेक्ट्रल इंडिया	-		पीएचआरआई, ओंटेरियो कनाडा	1583142.00	455,314.00	2,038,456.00		2,038,456.00
राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर	19,800.00		पीपीडी फार्मास्यूटिकल डेवलपमेंट इंडिया प्रा. लि.	273587.00	314,155.00	587,742.00		587,742.00
रैंबैक्सी / एलिली एंड कंपनी प्रा. लि.	-		क्वांटाइल स्पेक्ट्रल इंडिया	95004.00	5,372.00	100,376.00		100,376.00
रैपटिम रिसर्च लि.	-		राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर	4644.00	1,980.00	6,624.00		6,624.00
आरईसी पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लि.	2,496,620.00		रैंबैक्सी / एलिली एंड कंपनी प्रा. लि.	18438.00		18,438.00		18,438.00
सवीर बायोटेक लिमिटेड	500,000.00		रैपटिम रिसर्च लि.	97125.00		97,125.00		97,125.00
शांता बायोटेक प्रा. लि.	-		आरईसी पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लि.	2147089.00	187,246.00	2,334,335.00		2,334,335.00
शास्त्री इंडो कैनेडिया इंस्टीट्यूट	-		सवीर बायोटेक लिमिटेड	384083.00	50,000.00	434,083.00		434,083.00
सिइमेंन्स लि.	-		शांता बायोटेक प्रा. लि.	15610.00		15,610.00		15,610.00

साइट सर्वर्स	3,137,626.00		शास्त्री इंडो कैनेडिया इंस्टीट्यूट	205283.00		205,283.00		205,283.00
सिंगापुर क्लिनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिंगापुर	444,849.00		सिइमेंन्स लि.	110755.00		110,755.00		110,755.00
सिनोफर्म इंडिया प्रा. लि.	223,716.00		साइट सर्वर्स	4866449.00	390,734.00	5,257,183.00		5,257,183.00
एसएमबी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया	-		सिंगापुर क्लिनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिंगापुर	1000408.00	110,251.00	1,110,659.00		1,110,659.00
स्टेमप्यूटिक्स रिसर्च प्रा. लि.	96,000.00		सिनोफर्म इंडिया प्रा. लि.	174103.00	22,372.00	196,475.00		196,475.00
सेंट. जुड मेडिकल इंडिया प्रा. लि.	-		एसएमबी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया	20000.00		20,000.00		20,000.00
स्वामी शिवानंद मेमोरियल संस्थान	-		स्टेमप्यूटिक्स रिसर्च प्रा. लि.	0.00		-		-
द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल हेल्थ, ऑस्ट्रेलिया	-		सेंट. जुड मेडिकल इंडिया प्रा. लि.	202498.00		202,498.00		202,498.00
द इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी	510,000.00		स्ट्राइकर ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर प्रा. लि.	0.00	69,400.00	69,400.00		69,400.00
द यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग एंड एनएचएस लोथियन	-		सिनर्जी एनवायरोनिक्स लि.	0.00	27,612.00	27,612.00		27,612.00
टीएचएसटीआई	1,559,579.00		स्वामी शिवानंद मेमोरियल संस्थान	510360.00	100,000.00	610,360.00		610,360.00
टोरेंट फार्मास्यूटिकल लि.	1,583,333.00		द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल हेल्थ, ऑस्ट्रेलिया	398942		398,942.00		398,942.00
ट्रोका फार्मास्यूटिकल लि.	-		द इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी	363567.00	51,000.00	414,567.00		414,567.00
यू. जी. सी.	260,961.00		द यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग एंड एनएचएस लोथियन	85850.00		85,850.00		85,850.00
यूनिसेफ	-		टीएचएसटीआई	912905.00	155,958.00			
यूनिक बायोटेक लि.	3,078,110.00		टोरेंट फार्मास्यूटिकल लि.	71397.00	239,950.00	311,347.00		311,347.00
यूनिवर्सिटायर जिकेंहूइस एंटवरपेन (यूजेडए), बेल्जियम	317,236.00		ट्रोका फार्मास्यूटिकल लि.	0.00		-		-
यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया सेन फ्रांसिस्को	62,029.00		यू. जी. सी.	97704.00		97,704.00		97,704.00

यूएनएम एचएससी	-		यूनिसेफ	1420949.00		1,420,949.00		1,420,949.00
यूनिक बायोटेक लि.	1,000,000.00		यूनिक बायोटेक लि.	970780	307,811.00	1,278,591.00		1,278,591.00
वेलकोस बायोफर्मा एलएलसी	143,028.00		यूनिवर्सिटायर जिकेंहूइस एंटवरपेन (यूजेडए), बेल्जियम	253000.00	31,724.00	284,724.00		284,724.00
वायोम बायोसाइंस प्रा. लि.	-		यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफॉर्निया सेन फ्रांसिस्को	57546.00	6,203.00	63,749.00		63,749.00
वॉल्टर बुशनेल	-		यूएनएम एचएससी	63543.00		63,543.00		63,543.00
वारविक यूनिवर्सिटी, यूके	1,408,388.00		यूनिक बायोटेक लि.	1998783.00	100,000.00	2,098,783.00		2,098,783.00
वेलकम ट्रस्ट, लंदन, यू.के.	6,698,444.25		वेलकोस बायोफर्मा एलएलसी	0.00		-		-
डब्ल्यूएफपीआईसीसीएस	628,400.00		वायोम बायोसाइंस प्रा. लि.	47047.00		47,047.00		47,047.00
डब्ल्यूएचओ	7,929,590.50	1,000,658,677.00	वॉल्टर बुशनेल	157770.00		157,770.00		157,770.00
			वारविक यूनिवर्सिटी, यूके	780738	140,839.00	921,577.00	5,000.00	926,577.00
प्रत्यक्ष प्राप्तियां			वेलकम ट्रस्ट, लंदन, यू.के.	6644991.00	1,442,150.00	8,087,141.00		8,087,141.00
एनआईई	3,090,130.00		डब्ल्यूएफपीआईसीसीएस	443935.00	62,840.00	506,775.00		506,775.00
डीएसटी (डी–022)	3,047,706.00		डब्ल्यूएचओ	6106050.00	160,190.00	6,266,240.00		6,266,240.00
अनुमानित राशि	69,584,159.00							
मेरे अनुसंधान खाते में पीएफएमएस के माध्यम से प्राप्त	25,654,963.00	101,376,958.00						
कुल		**1,814,515,398.92**	**कुल**	**1,026,341,242.80**	**69,584,159.00**	**1,095,925,401.80**	**30,000.00**	**1,095,955,401.80**

विवरण	राशि (रु.)
व्यय वितरण	1,095,925,401.80
अ.भा.आ.सं. डीबीटी खाता	145,694,567.00
अ.भा.आ.सं. डीएसटी खाता	97,898,247.00
अ.भा.आ.सं. आईसीएमआर खाता	159,625,642.00
अ.भा.आ.सं. अनुसंधान योजना खाता	315,341,541.12
अंतशेष	**718,559,997.12**
अवितरित राशि	30,000.00
कुल योग	**1,814,515,398.92**

लेखा अधिकारी

अनुसंधान अनुभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसंधान अनुभाग

वर्ष 2017–2018 का विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं हेतु प्राप्त अनुदान के व्यय को दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.		वित्तपोषित एजेंसी	अथ शेष							समायोजन			
			जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	अनुमानित	व्यय	जमा	नामे	जमा	नामे
1		*संस्थान अनुसंधान अनुदान*	45,969,480.00		50,000,000.00	95,969,480.00	58,150,206.00		58,150,206.00			37,819,274.00	
2		एब्बोट हेल्थ केयर प्रा. लि.	664,416.00			664,416.00			-			664,416.00	
3		एब्बोट लैबोरेटरीज जीएमबीएच	-	-	**214,300.00**	214,300.00	155,482.00	34,436.00	189,918.00			24,382.00	
4		एसेस हेल्थ इंटरनेशनल एपी		(475,080.00)		(475,080.00)			-				(475,080.00)
5		ए.सी.ई. फार्मस्यूटिकल्स बी.वी. नीदरलैंड	15,116.00			15,116.00			-			15,116.00	
6		एक्टेलियन फार्मस्यूटिकल्स लि. स्विट्जरलैंड	-	-		-			-			-	
7		एमिल फार्मस्यूटिकल इंडिया लि.		(331.00)		(331.00)			-				(331.00)
8		एजिनोमोटा कं. जापान	73,953.00			73,953.00	6,625.00		6,625.00			67,328.00	
9		एल्बर्ट डेविड लि.	-	-		-			-			-	
10		अमेरिकन अकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स	618,818.00			618,818.00	99,592.00		99,592.00			519,226.00	
11		एमजेन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड	1,486,697.00			1,486,697.00			-			1,486,697.00	
		एल्केम लैबोरेटरीज लि.	-	-	**22,500.00**	22,500.00	91,304.00	6,646.00	97,950.00				(75,450.00)
12		एंटीसेंस फार्मा जीएमबीएच, जर्मनी		(347.00)		(347.00)			-				(347.00)
13		ए ओ स्पाइन इंडिया		(69,530.00)		(69,530.00)	15,456.00		15,456.00				(84,986.00)
14		ए ओ स्पाइन											

		इंटरनेशनल, हॉन्गकॉन्ग		(717,898.00)		(717,898.00)			-				(717,898.00)
15		एओ स्पाइन इंटरनेशनल, यूएसए	266,994.00			266,994.00			-			266,994.00	
16		ए ओ ट्रॉमा एशिया पेसिफिक	478,621.00			478,621.00			-			478,621.00	
17		एपसामी एसोसिएशन, चेन्नई	98,812.00		**192,143.00**	290,955.00	148,500.00	19,214.00	167,714.00			123,241.00	
18		एपोथेकेरीज प्रा. लि.	642,895.00			642,895.00			-			642,895.00	
19		एस्ट्रा सेनेका सिंगापुर प्रा. लि., सिंगापुर		(41,952.00)	**1,111,161.00**	1,069,209.00	895,446.00	11,116.00	906,562.00			162,647.00	
20		परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड	335,185.00			335,185.00			-			335,185.00	
21		ऑक्सिलियम टैक्नीकल एंड मैनेजमेंट सर्विसिज प्रा. लि.	400.00			400.00			-			400.00	
22		एवेंटिस फार्मेस्युटिकल्स यू.एस.ए.	14,135.00			14,135.00			-			14,135.00	
24		बी. ए. आर. सी.	477,447.00			477,447.00			-			477,447.00	
25		बीजिंग तोशीबी फार्मेस्यूटिकल्स कं. लि.	180,235.00			180,235.00			-			180,235.00	
26		भारत बायोटैक इंटरनेशनल लि.	12,241.00			12,241.00			-			12,241.00	
27		भारत सीरम एंड वैक्सिन्स लि.		(10,000.00)		(10,000.00)	29,607.00	5,000.00	34,607.00				(44,607.00)
28		बिगटैक प्राइवेट लिमिटेड	121,510.00		300,000.00	421,510.00	291,200.00	30,000.00	321,200.00			100,310.00	
29		बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यू.एस.ए.	1,304,624.00			1,304,624.00			-			1,304,624.00	
30		बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यू.एस.ए.	1,354,992.00			1,354,992.00		61,187.00	61,187.00			1,293,805.00	
31		बायोजेन इडेक लिमिटेड, यू. के.	820,541.40		25,277.40	845,818.80	298,410.00		298,410.00			547,408.80	
32		बायोमेरिएक्स इंडिया (प्रा.) लि.	12,011.00			12,011.00			-			12,011.00	

33		बोरिंजर इंगेलहेइन इंडिया प्रा. लि.		(191,168.00)	878,180.00	687,012.00	730,933.00	541,411.00	1,272,344.00				(585,332.00)
34		बोन एंड ज्वाईंट डिकेड इंडिया	130.00			130.00			-			130.00	
35		ब्रेन्स गेट लि. इजरायल	132.00			132.00			-			132.00	
36		ब्रिजिज, यू.एस.ए.	83,429.00			83,429.00			-			83,429.00	
37		ब्रिस्टल मेयर स्क्यूइब इंडिया प्रा. लि.	640,689.60			640,689.60		273,236.00	273,236.00			367,453.60	
38		ब्रिस्टल मेयर स्क्यूइब (बी.एम.एस.), यू.एस.ए.		(15,191.00)		(15,191.00)			-				(15,191.00)
39		ब्रिटिश काउंसिल, यू.के.	1,265,831.00			1,265,831.00			-			1,265,831.00	
40		ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन, यू.के.	735,065.00		**527,941.00**	1,263,006.00	351,620.00	52,794.00	404,414.00			858,592.00	
41		बी.आर.एन.एस., मुंबई	34,187,380.00			34,187,380.00			-			34,187,380.00	
42		केडिला हेल्थ केयर लि.	33,678.00		1,350,000.00	1,383,678.00	1,188,445.00	162,000.00	1,350,445.00			33,233.00	
43		केडिला फार्मास्यूटिकल लि.	99,666.00		**1,020,779.00**	1,120,445.00	826,789.00	102,078.00	928,867.00			191,578.00	
44		केनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, केनेड़ा		(40,613.00)		(40,613.00)			-				(40,613.00)
45		केन्नेक्टिन, केनेड़ा	80,186.00			80,186.00			-			80,186.00	
46		सी.सी.डी.सी.	6,755,614.00			6,755,614.00		923,901.00	923,901.00			5,831,713.00	
47		सी.डी. फार्मा इंडिया प्रा. लि.	1,505,515.00			1,505,515.00			-			1,505,515.00	
		कैंसर फाउंडेशन			1,000,000.00	1,000,000.00			-				
48		सी.डी.ए.सी.	3,215,060.00		360,000.00	3,575,060.00	1,999,046.00	36,000.00	2,035,046.00			1,540,014.00	
49		सेफिप्रा, फ्रांस	1,266,992.00		1,231,505.00	2,498,497.00	974,772.00	123,150.00	1,097,922.00			1,400,575.00	
50		रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	8,867,395.00			8,867,395.00		750,275.00	750,275.00			8,117,120.00	
51		सेटोकोर रिसर्च एंड डिवेल्पमेंट, यू.एस.ए.	4,797.00			4,797.00			-			4,797.00	

52		केंद्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद	230,364.00			230,364.00	447,640.00	128,500.00	576,140.00				(345,776.00)
53		केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.एच.) जनकपुरी, नई दिल्ली	424,730.00		1,312,720.00	1,737,450.00	1,154,052.00		1,154,052.00			583,398.00	
54		केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद	1,268,617.00		957,780.00	2,226,397.00	1,072,591.00	95,778.00	1,168,369.00			1,058,028.00	
55		केंद्रीय योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद		(860,335.00)	176,414.00	(683,921.00)	-	17,642.00	17,642.00				(701,563.00)
56		केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन	135,557.00			135,557.00			-			135,557.00	
57		चिरकालिक विकार नियंत्रण केंद्र	522,361.00		16,596,927.00	17,119,288.00	15,648,349.00	4,885.00	15,653,234.00			1,466,054.00	
		सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी), यूएसए	-	-	**38,935,744.00**	38,935,744.00	21,348,617.00	6,316,656.00	27,665,273.00			11,270,471.00	
58		रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली	1,702,302.00		**99,446,017.00**	101,148,319.00	91,783,495.00		91,783,495.00			9,364,824.00	
59		सेंटर फ्रांको – इंडियन पौर ला प्रीओमोशन डि ला रिचेर्चे एडवांस (सीईएफआईपीआरए), फ्रांस		(633,198.00)		(633,198.00)	120,543.00		120,543.00				(753,741.00)
60		चरक फार्मा (पी.) लि.	1,144.00			1,144.00			-			1,144.00	
61		क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर		(11,571.00)	**2,305,380.00**	2,293,809.00	830,938.00	230,538.00	1,061,476.00			1,232,333.00	
62		क्रिस्टोफटेल बाइनडेंमिशन (सीबीएम) इंडिया	633,174.00		**2,755,742.00**	3,388,916.00	3,744,287.00	645,893.00	4,390,180.00				(1,001,264.00)
63		क्लिनसाइट, यू.एस.ए.	665.00			665.00			-			665.00	
64		क्लिनिकल मार्किटिंग प्रा. लि.		(149,943.00)	**200,000.00**	50,057.00	293,849.00		293,849.00				(243,792.00)
65		क्लिनिजेन इंटरनेशनल	1,144,531.00			1,144,531.00			-			1,144,531.00	

		प्रा. लि.											
66		क्लिनिरक्स रिसर्च प्रा. लि., गुड़गांव, हरियाणा	71,079.00			71,079.00			-			71,079.00	
67		गोडमेन एंड श्रुतलीफ, इंक. यू.एस.ए.	42,138.00			42,138.00			-			42,138.00	
68		कोलोप्लास्ट		(5,775.00)		(5,775.00)			-				(5,775.00)
69		कोनार्ड, यू.एस.ए.	591.00			591.00			-			591.00	
70		कान्वेटी साईब	2,328.00			2,328.00			-			2,328.00	
71		कोवेंटिस, यू.एस.ए.		(583,767.00)		(583,767.00)	28,980.00		28,980.00				(612,747.00)
72		सी.पी.डब्ल्यू.डब्ल्यू. जेरूसलम	6,534.00			6,534.00			-			6,534.00	
73		क्रीटेरियम	16,211.00			16,211.00			-			16,211.00	
74		सी.एस.आई.आर.		(15,906,423.00)	3,514,190.00	(12,392,233.00)	8,688,711.00	3,500.00	8,692,211.00				(21,084,444.00)
75		सी.टी.सी. / आई.सी. डी.एस.	237,738.00			237,738.00			-			237,738.00	
76		क्यूडीज फाउंडेशन	123,539.00		782,062.00	905,601.00	659,105.00	78,205.00	737,310.00			168,291.00	
		कटिंग एडज मेडिकल डिवाइसेस प्रा. लि., आईआईटी दिल्ली	-		97,300.00	97,300.00	87,579.00	9,730.00	97,309.00				(9.00)
77		क्योर हेल्थ डायग्नोस्टीक प्रा. लि.	924,972.00			924,972.00	918,054.00		918,054.00			6,918.00	
78		सिस्टिक फिब्रोसिस / वर्ल्ड वाइड, यू.एस.ए.	14,605.00			14,605.00			-			14,605.00	
79		डाबर रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर		(634,241.00)		(634,241.00)	10,568.00		10,568.00				(644,809.00)
80		डाबर अनुसंधान फाउंडेशन	1,095,999.00			1,095,999.00			-			1,095,999.00	
81		डेनीडा रिसर्च काउंसिल	19.00			19.00			-			19.00	
82		डी.बी.टी.	234,096,019.00		179,277,048.00	413,373,067.00	200,868,704.00	18,644,484.00	219,513,188.00			194,293,559.00	
83		दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी / एड्स		(167,481.00)	950,576.00	783,095.00	740,215.00		740,215.00			42,880.00	
84		दिल्ली तपेदिक	10,824.00			10,824.00			-			10,824.00	

		उन्मूलन समिति											
85		सीएसआईओ विभाग, चंडीगढ़		(135,557.00)		(135,557.00)			-				(135,557.00)
86		स्वास्थ्य विभाग एवं मानव सेवा विकार नियंत्रण केंद्र, यू.एस.ए.	2,907,447.51		40,445,972.00	43,353,419.51	45,697,997.00	2,219,172.00	47,917,169.00				(4,563,749.49)
87		स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग	4,127,246.00			4,127,246.00		81,403.00	81,403.00			4,045,843.00	
88		इलैक्ट्रोनिक्स विभाग	1,418,506.00			1,418,506.00			-			1,418,506.00	
89		सूचना प्रौद्योगिकी विभाग		(1,038,275.00)		(1,038,275.00)			-				(1,038,275.00)
90		फार्मेस्यूटिकल्स विभाग	2,555,125.00			2,555,125.00	1,430,515.00		1,430,515.00			1,124,610.00	
91		महिला एवं बाल विकास विभाग	1,714,771.00		11,558,542.00	13,273,313.00	18,245,869.00		18,245,869.00				(4,972,556.00)
		डीएनडीआई स्विजट्रलैंड				-		118,826.00	118,826.00				(118,826.00)
		भौतिक एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान संस्थान (डीआईपीएएस)	-	-	3,575,000.00	3,575,000.00	1,695,221.00	357,500.00	2,052,721.00			1,522,279.00	
92		डायजीन कार्पोरेशन, यू. एस.ए.	42,184.00			42,184.00			-			42,184.00	
93		स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय		(57,267.00)		(57,267.00)			-				(57,267.00)
94		शिक्षा निदेशालय (एन. एस.एस.)	21,166.00		4,901.00	26,067.00	23,742.00		23,742.00			2,325.00	
95		दान / अनुदान	-	-		-			-			-	
96		डॉ. रेड्डी प्रयोगशाला प्रा. लि.	93,741.90		757,350.00	851,091.90	242,177.00	111,760.00	353,937.00				497,154.90
97		डी.आर.डी.ई. (ग्वालियर)	855,954.00			855,954.00		493,600.00	493,600.00			362,354.00	
98		डी.आर.डी.ओ.	6,211.00		247,133.00	253,344.00	725,160.00		725,160.00				(471,816.00)
99		डी.एस.टी.	108,209,788.00		146,908,869.00	255,118,657.00	171,591,637.00	8,863,421.00	180,455,058.00			74,663,599.00	
100		इली लिलि		(346,109.00)		(346,109.00)			-				(346,109.00)

101		इम्क्योर फार्मस्यूटिकल लि.		(6,380.00)		(6,380.00)			-				(6,380.00)
102		इम्मीस कार्पोरेशन, मैरीलैंड, यू.एस.ए.	3,297.00			3,297.00			-			3,297.00	
103		एंड्रोनिक सोसायटी ऑफ इंडिया	85,500.00			85,500.00		500.00	500.00			85,000.00	
104		यूरोपियन कमीशन	1,537,731.00		-	1,537,731.00	547,701.00	111,667.00	659,368.00			878,363.00	
105		प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञानी फेडरेशन		(276.00)		(276.00)			-				(276.00)
106		फ्लेमेंटरा ए.जी. स्विजट्रलैंड	48,193.00			48,193.00			-			48,193.00	
		डीएनडीआई स्विजट्रलैंड			1,188,257.00	1,188,257.00	-		-			1,188,257.00	
107		फोगर्टी इंटरनेशनल सेंटर, एन.आई.एच., यूएसए	5,807.00			5,807.00			-			5,807.00	
108		फोंडाजिओन एंग्लो बिआंची बानोमि मिलन – इटली	106,888.00			106,888.00			-			106,888.00	
109		फोर्ड फाउंडेशन	458,594.00			458,594.00			-			458,594.00	
110		फरीडम ट्रायल	86,253.00			86,253.00			-			86,253.00	
		फेरमिश क्लिनिकल टेक्नोलॉजिस्ट प्रा. लि.			1,145,000.00		566,320.00		566,320.00				
111		फुलफोर्ड इंडिया लि.	112,403.00			112,403.00			-			112,403.00	
112		जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, इंडिया	61,520.00		135,000.00	196,520.00	209,489.00	13,500.00	222,989.00				(26,469.00)
113		जी.आई.एल.ई.ए.डी. साइंसेस, इंक, कैलीफॉर्निया	546,156.00		876,870.00	1,423,026.00	179,620.00	36,829.00	216,449.00			1,206,577.00	
114		ग्लैक्सो इंडिया लि.	217,377.00		-	217,377.00			-			217,377.00	
115		ग्लेक्सो स्मिथ क्लाइन	360,619.69			360,619.69	54,910.00		54,910.00			305,709.69	
116		ग्लेक्सो स्मिथ क्लाइन एशिया प्राइवेट लि.	3,642.00			3,642.00			-			3,642.00	

		जीनलाइफ क्लिनिकल रिसर्च प्रा. लि.	-	-	100,000.00	100,000.00	113,489.00	14,000.00	127,489.00				(27,489.00)
117		ग्लोबल कैंसर कन्सर्न इंडिया	3,647.00			3,647.00			-			3,647.00	
118		जी.डब्ल्यू. फार्मा लि. यू. के.	9,381.00			9,381.00			-			9,381.00	
119		हेमिलटन स्वास्थ्य विज्ञान एवं एम.सी. मास्टर विश्वविद्यालय, कनाड़ा		(942,920.00)		(942,920.00)			-				(942,920.00)
120		हेमिलटन स्वास्थ्य विज्ञान कार्पोरेशन, कनाड़ा	916,245.00			916,245.00			-			916,245.00	
121		हेल्पेज इंडिया		(284,978.00)		(284,978.00)			-				(284,978.00)
122		हिमालय ड्रग कं.	1,366,236.00			1,366,236.00			-			1,366,236.00	
123		हिंदुस्तान लेटैक्स परिवार नियोजन प्रमोशन		(138,013.00)		(138,013.00)			-				(138,013.00)
124		हिंदुस्तान लेटैक्स लिमिटेड	855,443.00		935,000.00	1,790,443.00	346,950.00		346,950.00			1,443,493.00	
125		होरिबा इंडिया प्रा. लि.		(151,949.00)		(151,949.00)			-				(151,949.00)
126		आई.ए.डी.वी.एल.	233,691.00		-	233,691.00	145,014.00		145,014.00			88,677.00	
127		आई.सी.सी.एस.आर.		(74,861.00)		(74,861.00)			-				(74,861.00)
128		आई.सी.जी.ई. एंड बी.	613,494.00			613,494.00			-			613,494.00	
129		आई.सी.एम.आर.	77,365,163.00		294,195,691.00	371,560,854.00	174,487,669.82	13,269,857.00	187,757,526.82			183,803,327.18	
		आई.ए.डी.आर, यू.एस.ए.	-	-	3,404,197.00	3,404,197.00	599,760.00	258,181.00	857,941.00			2,546,256.00	
130		आई.सी.एस.एस.आर.		(79,411.00)		(79,411.00)			-				(79,411.00)
131		इम्पीरियल लाइफ साईंसिज (प्रा.) लि.	66,552.00			66,552.00			-			66,552.00	
132		इन्क्लेन	7,596,440.00		8,534,440.00	16,130,880.00	6,894,946.00	853,444.00	7,748,390.00			8,382,490.00	
133		इन्कलेन एंड यू.एस.ए. आई.डी.	24.00			24.00			-			24.00	

134		इंकटर यू.एस.ए.		(99,699.00)		(99,699.00)			-				(99,699.00)
135		इंडिया मेडट्रोनिक प्रा. लि.	795,773.00		1,190,629.00	1,986,402.00	427,564.00	174,516.00	602,080.00			1,384,322.00	
136		भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद	269,843.00		699,652.00	969,495.00	299,926.00	80,421.00	380,347.00			589,148.00	
137		भारतीय दर्शनविज्ञानी अनुसंधान परिषद		(176,320.00)		(176,320.00)			-				(176,320.00)
138		इंडियन हर्ट रिदम सोसायटी	2,560.00			2,560.00			-			2,560.00	
139		भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान, हैदराबाद	2,940,158.00		-	2,940,158.00	2,525,142.00		2,525,142.00			415,016.00	
140		भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान		(257,018.00)		(257,018.00)			-				(257,018.00)
141		इंडियन सोसायटी फॉर बोन एंड मिनरल रिसर्च		(60,000.00)		(60,000.00)			-				(60,000.00)
		इंडो – फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रोमोशन ऑफ एडवास्ड रिसर्च			**483,865.00**	483,865.00	-	40,826.00	40,826.00			443,039.00	
142		इंडो जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर	4,570,719.00		**833,000.00**	5,403,719.00	864,487.00	41,650.00	906,137.00			4,497,582.00	
143		इंडो – यू.एस.	749,033.00			749,033.00			-			749,033.00	
144		इंडो – यू.एस. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच	141,666.00			141,666.00			-			141,666.00	
145		आई.एन.एम.ए.एस. (डी.आर.डी.ओ.)		(845,842.00)	**850,000.00**	4,158.00	831,704.00	42,500.00	874,204.00				(870,046.00)
146		आई.एन.एस.ए.	409,651.00		**460,000.00**	869,651.00	481,418.00	46,000.00	527,418.00			342,233.00	
147		इंस्टिट्यूट डि रिचर्चस इंटरनेशनल्स सर्वियर (आईआरआईएस), फ्रांस		(2,034.00)		(2,034.00)			-				(2,034.00)
148		कैंसर अनुसंधान संस्थान यू.के. समन्वय समिति		(7,209.00)		(7,209.00)			-				(7,209.00)
149		जिनोमिक एवं इन्टेगरेटिव बायोलॉजी	2,894,528.00			2,894,528.00	1,011,944.00		1,011,944.00			1,882,584.00	

		संस्थान										
150		इनतास बायो फार्मस्यूटिकल्स लि.		(50,063.00)		(50,063.00)			-				(50,063.00)
151		इन्टरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस एंड लंग डिसीजिज	17,975.00			17,975.00			-			17,975.00	
152		अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी	592,048.00		1,646,940.00	1,398,458.00	1,626,242.00	179,089.00	1,805,331.00				(406,873.00)
155		अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा वृक्क विज्ञान एसोसिएशन	462,959.00			462,959.00			-			462,959.00	
156		इन्टरनेशनल यूनियन अगेंस्ट कैंसर (यूआईसीसी)	95,273.00			95,273.00			-			95,273.00	
157		इनविक्टस अर्बुदविज्ञान	597,420.00		592,416.00	1,189,836.00	968,703.00	133,155.00	1,101,858.00			87,978.00	
158		आईपीसीए लेबोरेट्रीज		(312,661.00)		(312,661.00)	538,628.00	65,765.00	604,393.00				(917,054.00)
159		आई.एस.एच.टी.एम.	917,681.00		3,144,130.00	4,061,811.00	3,261,730.00	164,413.00	3,426,143.00			635,668.00	
160		जीव दया फाउंडेशन		(443,110.50)	931,136.00	488,025.50	2,091,314.00	220,577.00	2,311,891.00				(1,823,865.50)
161		जॉन हॉफ्किन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (जे.एच.बी.एस.पी.एच.)	260,845.00			260,845.00			-			260,845.00	
		जनसेन	-	-	390,000.00	390,000.00	420,016.00	39,000.00	459,016.00				(69,016.00)
		जेएसएस मेडिकल रिसर्च इंडिया प्रा. लि.	-	-	197,878.00	197,878.00	273,147.00	27,287.00	300,434.00				(102,556.00)
162		जॉनसन एंड जॉनसन	307,681.31		-	307,681.31	192,384.00	10,055.00	202,439.00			105,242.31	
163		खंडेलवाल लेबोरेट्रीज लि.	805.00			805.00			-			805.00	
164		के.एल.पी.एफ., यू.एस.ए.	16,473.00			16,473.00			-			16,473.00	
165		कोब, जापान	10,221.00			10,221.00			-			10,221.00	
166		लैब इंडिया हेल्थकेयर	761,768.00		-	761,768.00	488,183.00		488,183.00			273,585.00	

167		लेड़ी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट	254,181.00		800,000.00	1,054,181.00	1,031,386.00	8,000.00	1,039,386.00			14,795.00	
169		लाजोला फार्मस्यूटिकल कंपनी, कैलीफोर्निया	487.00			487.00			-			487.00	
170		लम्बडा थेराप्यूटिक रिसर्च लि.	588,904.00		216,142.00	805,046.00	191,254.00	21,614.00	212,868.00			592,178.00	
171		लेबरा फाउंडेशन	801,753.00		1,598,954.00	2,400,707.00	2,044,276.00	116,695.00	2,160,971.00			239,736.00	
172		एल.जी. कैमिकल्स इंडिया प्रा. लि.		(668.00)		(668.00)			-				(668.00)
173		एल.जी. लाइफ साइंस इंडिया प्रा. लि.	419,863.00			419,863.00			-			419,863.00	
174		लिवर फाउंडेशन	210,221.00			210,221.00	54,234.00		54,234.00			155,987.00	
175		लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, यू.के.	146,225.00			146,225.00			-			146,225.00	
176		लूपिन लिमिटेड	18,386.00			18,386.00		156,222.00	156,222.00				(137,836.00)
						-			-			-	
177		मैसर्स आर्केमिडिज डेवलपमेंट लि., यू. के.	47,204.00			47,204.00			-			47,204.00	
178		मैसर्स एस्प्रेवा फार्मस्यूटिकल कार्पोरेशन, कनाड़ा		(41,266.00)		(41,266.00)			-				(41,266.00)
179		मैसर्स जिलीड साइंसेज इंक, यू.एस.ए.	7,433,384.00		2,141,919.00	9,575,303.00	1,878,859.00	150,689.00	2,029,548.00			7,545,755.00	
180		मैसर्स जेनाकेयर सॉल्यूशन प्रा. लि.		(441,382.00)		(441,382.00)	116,908.00		116,908.00				(558,290.00)
181		मैसर्स मार्केन्सस रिसर्च डिविजन		(4,745.00)		(4,745.00)			-				(4,745.00)
182		मैसर्स मार्क शार्प एंड डोहम कॉर्प, यूएसए	60,589.00			60,589.00	3,861.00		3,861.00			56,728.00	
183		मैसर्स मार्क शार्प एंड डोहम कॉर्पोरेशन, यूएसए		(1,354,464.00)		(1,354,464.00)			-				(1,354,464.00)
184		मैक्लियोड्स	18.00			18.00			-			18.00	

		फार्मस्यूटिकल लि.											
185		महर्षि आयुर्वेद		(6,352.00)		(6,352.00)			-				(6,352.00)
186		मैक्स नीमान इन्टरनेशनल	993,796.00			993,796.00			-			993,796.00	
187		एम.बी.आई. किट्स	8,867.00			8,867.00			-			8,867.00	
188		एम.सी. मास्टर विश्वविद्यालय, कनाड़ा	236,541.00		3,422,918.00	3,659,459.00	1,032,914.00	208,260.00	1,241,174.00			2,418,285.00	
189		मीडिया लैब एशिया		(11,301.00)		(11,301.00)			-				(11,301.00)
190		मेडपेस	90,001.00			90,001.00	113,144.00		113,144.00				(23,143.00)
191		मेडट्रॉनिक इंडिया प्रा. लि.	35,122.00		179,550.00	214,672.00	74,550.00	17,955.00	92,505.00			122,167.00	
192		मर्क फार्मास्यूटिकल्स लि.		(429,945.00)		(429,945.00)			-				(429,945.00)
193		मर्क सिरोनो इन्टरनेशनल एस.ए., स्वीट्जरलैंड	217,685.00			217,685.00			-			217,685.00	
194		मेरिल लाइफ साइंसेज प्रा. लि.	196,202.00			196,202.00			-			196,202.00	
195		मर्क एंड कं., इंक, यू. एस.ए.	774,537.80			774,537.80	45,314.00		45,314.00			729,223.80	
196		मर्ज फार्मेस्यूटिकल्स जी.एम.बी.एच., जर्मनी		(67,291.00)		(67,291.00)			-				(67,291.00)
		मेट्रोह्म इंडिया लि.			1,218,667.00	1,218,667.00	1,160,190.00	121,867.00	1,282,057.00				(63,390.00)
197		कैमिकल एंड पेट्रोकैमिकल्स मंत्रालय		(14,820.00)		(14,820.00)			-				(14,820.00)
198		संचार एवं सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	7,459,293.00		-	7,459,293.00	4,682,912.00		4,682,912.00			2,776,381.00	
199		रक्षा मंत्रालय (डी.आर.डी.ओ.)	65,850.00			65,850.00			-			65,850.00	
200		पृथ्वी–विज्ञान मंत्रालय	184,977.00			184,977.00			-			184,977.00	
201		पर्यावरण एवं वन मंत्रालय		(42,383.00)		(42,383.00)			-				(42,383.00)

203		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (नाको)	197,241.00		9,108,517.00	9,305,758.00	9,942,347.00	319,693.00	10,262,040.00				(956,282.00)
204		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयूष मंत्रालय	560,526.00		69,810,637.00	70,371,163.00	43,685,822.31	2,506,359.00	46,192,181.31			24,178,981.69	
		स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (आयूष) डीएचआर मंत्रालय			1,869,944.00	1,869,944.00	1,722,085.00	93,497.00	1,815,582.00			54,362.00	
205		सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय		(91,920.00)	20,100,000.00	20,008,080.00	14,136,306.00	105,000.00	14,241,306.00			5,766,774.00	
		गृह मंत्रालय			10,854,409.00	10,854,409.00	2,833,949.00	542,720.00	3,376,669.00			7,477,740.00	
207		मोर्फोटेक इंक, यू.एस.ए.	98,823.58			98,823.58			-			98,823.58	
208		एमएसडी (इंडिया) प्रा. लि.	236,463.00			236,463.00			-			236,463.00	
209		नग फाउंडेशन, पुणे	450,000.00			450,000.00	107,862.00		107,862.00			342,138.00	
210		एन.ए.आई.पी.		(59,810.00)		(59,810.00)			-				(59,810.00)
211		एन.ए.एम.एस.		(231,005.00)	10,477.00	(220,528.00)	10,477.00		10,477.00				(231,005.00)
212		राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण	4,020,350.00			4,020,350.00			-			4,020,350.00	
213		नेटको फार्मा इंडिया	110,079.00			110,079.00			-			110,079.00	
		नेशनल कैंसर ग्रिड रिसर्च			1,920,475.00	1,920,475.00	2,250,625.00	192,047.00	2,442,672.00				(522,197.00)
214		राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन		(317,579.00)		(317,579.00)			-				(317,579.00)
215		राष्ट्रीय बालक अधिकार संरक्षण आयोग		-30200	940,142.00	909,942.00		20,019.00	20,019.00			889,923.00	
216		राष्ट्रीय बालक अधिकार संरक्षण आयोग		(494,450.00)		(494,450.00)			-				(494,450.00)
217		राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अनुसंधान	546,326.00		-	546,326.00	14,326.00		14,326.00			532,000.00	

		परिषद, आस्ट्रेलिया										
218		राष्ट्रीय सूचना केंद्र	47,745.00			47,745.00			-			47,745.00	
219		राष्ट्रीय नवाचार फाउण्डेशन		-	650,000.00	650,000.00	127,002.00	65,000.00	192,002.00			457,998.00	
220		राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यू.एस.ए.	13,080,038.00		26,130,305.00	39,210,343.00	11,913,244.00	1,858,241.00	13,771,485.00			25,438,858.00	
221		राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, एनआईएच, यूएसए	866,792.00		2,103,267.00	2,970,059.00	2,428,009.00	105,163.00	2,533,172.00				436,887.00
222		राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) हैदराबाद	109.00			109.00			-			109.00	
223		राष्ट्रीय फार्मेस्यूटिकल शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान	12,439.00			12,439.00			-			12,439.00	
224		राष्ट्रीय ज्ञान आयोग	331,672.00			331,672.00			-			331,672.00	
		राष्ट्रीय बालक अधिकार संरक्षण आयोग				-	119,794.00		119,794.00				(119,794.00)
225		नेशनल पेरिनेटल एपिडमियोलॉजी यूनिट, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.	594,035.55			594,035.55	35,650.00		35,650.00			558,385.55	
226		राष्ट्रीय थैलेसेमिया कल्याण सोसायटी		(1,781.00)		(1,781.00)			-				(1,781.00)
227		एन.सी.बी.आई.आर	88,708.00			88,708.00		8,871.00	8,871.00			79,837.00	
228		एन.सी. प्रा. लि.	37,117.00			37,117.00			-			37,117.00	
229		एन.सी.टी.	33,584.00			33,584.00			-			33,584.00	
230		नीमान मेडिकल इन्टरनेशनल एशिया लि.	237,385.00			237,385.00			-			237,385.00	
		न्यूरोन फार्मास्यूटिकल्स एस.पी.ए.			941,400.00	941,400.00	692,742.00	94,140.00	786,882.00			154,518.00	
231		न्यूकैसल विश्वविद्यालय, यू.के.		(717.00)		(717.00)			-				(717.00)

232		नेक्स्ट जेन फार्मा इंडिया प्रा. लि.	470,610.00		500,000.00	970,610.00	549,267.00	59,900.00	609,167.00			361,443.00	
		नेक्स्ट जेन इनविट्रो डायग्नोस्टिक प्रा. लि.			1,500,000.00	1,500,000.00	849,233.00	150,000.00	999,233.00			500,767.00	
233		एन.आई.ई.	155,815,254.77		72,674,289.00	228,489,543.77	23,258,400.00		23,258,400.00			205,231,143.77	
234		एन.आई.पी.ई.आर. नई दिल्ली 110001	7,478,730.00		-	7,478,730.00	859,731.00		859,731.00			6,618,999.00	
235		नोवा नोर्डिस्क इंडिया प्रा. लि.	788,247.00		4,487,419.00	5,275,666.00	2,369,501.00	410,061.00	2,779,562.00			2,496,104.00	
236		नोवाबे फार्मस्यूटिकल्स इंक., यू.एस.ए.	54,353.69			54,353.69			-			54,353.69	
237		नोवर्टिस हेल्थ केयर प्रा. लि.	578,014.25		174,150.00	752,164.25	351,218.00	31,455.00	382,673.00			369,491.25	
238		नोवर्टिस	152,007.25		952,177.00	1,104,184.25	64,710.00	233,684.00	298,394.00			805,790.25	
239		नोवर्टिस इंडिया लि.	1,120,586.12		1,018,937.10	2,139,523.22	1,891,025.00	3,217.00	1,894,242.00			245,281.22	
240		एन.आर.डी.सी.	29,510.00			29,510.00			-			29,510.00	
241		एन.एस.डी. (प्रतिभूति जमा)	2,973,194.00			2,973,194.00			-			2,973,194.00	
242		ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर ऑफ नवल रिसर्च ग्लोबल, यूएसए	1,313,697.00			1,313,697.00	325,000.00		325,000.00			988,697.00	
243		ओवेशन फार्मस्यूटिकल्स, यू.एस.ए.	37,222.00			37,222.00			-			37,222.00	
244		ओवरसीज एसोसिएट्स	190.00			190.00			-			190.00	
245		ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के.		(14,630.75)		(14,630.75)	3,512.00		3,512.00				(18,142.75)
246		आक्सीजेन, यू.एस.ए.	215,126.84			215,126.84			-			215,126.84	
247		ओजोन फार्मस्यूटिकल्स लि.	239.00			239.00			-			239.00	
248		पेनेसिया बायोटेक लि.	8,084.00			8,084.00			-			8,084.00	
249		पेरेक्सेल इंटरनेशनल क्लिनिकल रिसर्च प्रा.	36,575.00		360,252.00	396,827.00	250,733.00	71,279.00	322,012.00			74,815.00	

		लि.										
250		पेरेक्सेल इन्टरनेशनल लि., यू.के.	1,094,185.27			1,094,185.27	203,353.00	9,201.00	212,554.00			881,631.27	
251		पाथ/वन वर्ल्ड हेल्थ		(34,429.00)	633,029.00	598,600.00	671,740.00	31,402.00	703,142.00				(104,542.00)
252		पेरेग्राइन फार्मेस्यूटिकल्स, यू.एस.ए.		(26,577.00)		(26,577.00)			-				(26,577.00)
253		पीफीजर लि.	1,270.35		531,360.00	532,630.35	2,283,988.00	53,136.00	2,337,124.00				(1,804,493.65)
254		फार्मेसिया इंडिया प्रा. लि.	837.00			837.00			-			837.00	
255		फार्माकोसमोस ए/एस, डेन्मार्क		(900.00)		(900.00)			-				(900.00)
256		फार्म – ओलम इन्टरनेशनल लि.	16,923.00			16,923.00			-			16,923.00	
257		पी.एच.एफ.आई.	2,874,806.00		804,202.00	3,679,008.00	2,562,327.00	42,622.00	2,604,949.00			1,074,059.00	
258		फोनेनिक्स कार्डिक	25,374.00			25,374.00	17,613.00		17,613.00			7,761.00	
259		पी.एच.आर.आई., ऑनटेरियो कनाडा	852,671.00		2,761,204.00	3,613,875.00	1,583,142.00	455,314.00	2,038,456.00			1,575,419.00	
260		पीरामल हेल्थकेयर लि.	210,987.00			210,987.00			-			210,987.00	
261		पीरामल लाइफ साईंसेज	36,211.00			36,211.00			-			36,211.00	
262		पी.पी.डी. फार्मेस्यूटिकल डिवेलपमेंट इंडिया प्रा. लि.		(22,668.00)	164,291.28	141,623.28	273,587.00	314,155.00	587,742.00				(446,118.72)
263		पी.आर.ए. इंडिया प्रा. लि.	-	-		-			-			-	
264		ओ.ई.डी. फार्मेस्यूटिकल सर्विसेज प्रा. लि.	577,043.00			577,043.00			-			577,043.00	
265		क्यूजेन इंक इंडिया	3,709.00			3,709.00			-			3,709.00	
266		क्विनटाइल्स स्पेक्ट्रल इंडिया	2,831,950.46		173,463.10	3,005,413.56	95,004.00	5,372.00	100,376.00			2,905,037.56	
267		राजीव गांधी फाउंडेशन		(989.00)		(989.00)			-				(989.00)

		राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर	-	-	19,800.00	19,800.00	4,644.00	1,980.00	6,624.00			13,176.00	
268		रेनबेक्सी / इलिलिलि एंड कंपनी प्रा. लि.	1,851,900.00		-	1,851,900.00	18,438.00		18,438.00			1,833,462.00	
269		रेप्टिम रिसर्च लि.	284,097.00			284,097.00	97,125.00		97,125.00			186,972.00	
271		रिलायंस क्लिनिकल रिसर्च सर्विसेज (पी.) लि.	-	0		-			-			-	
272		रिलायंस क्लिनिकल रिसर्च सर्विसेज (पी.) लि.	566,593.50			566,593.50			-			566,593.50	
273		रेलिसिस मेडिकल डिवाइसिस लि.		(3,433.00)		(3,433.00)			-				(3,433.00)
274		औषध / एसएनएमसी हेतु आवर्ती निधि	195,710.00			195,710.00			-			195,710.00	
275		रोचे उत्पाद (इंडिया) प्रा. लि.	168,443.00			168,443.00			-			168,443.00	
276		रसन फार्मा लि. मुंबई	433,750.00			433,750.00			-			433,750.00	
277		आर.ई.सी. पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लि.	1,235,827.00		2,496,620.00	3,732,447.00	2,147,089.00	187,246.00	2,334,335.00			1,398,112.00	
278		सेनेट उत्पाद लि.		(77,996.00)		(77,996.00)			-				(77,996.00)
279		सनोफी पास्चुर इंडिया प्रा. लि.	123,346.00			123,346.00			-			123,346.00	
280		सनोफी – अवेंटिस	35,743.00			35,743.00			-			35,743.00	
281		साराभाई कैमिकल्स		(4,868.00)		(4,868.00)			-				(4,868.00)
282		स्वीर बायोटेक लिमिटेड	157,206.00		500,000.00	657,206.00	384,083.00	50,000.00	434,083.00			223,123.00	
283		सेविंग न्यूबोर्न लिव्ज, यू.एस.ए.		(10,898.00)		(10,898.00)			-				(10,898.00)
284		एस.सी.ए. ग्लोबल हाइजीन प्रोडक्ट्स इंडिया प्रा. लि.	138,652.00			138,652.00			-			138,652.00	
285		सेरीकेयर		(182,191.00)		(182,191.00)			-				(182,191.00)

286		शान्ता बायोटैकिस प्रा. लि.	105,562.00			105,562.00	15,610.00		15,610.00			89,952.00	
287		शास्त्री इंडो–कैंडियन इंस्टीट्यूट	208,570.00			208,570.00	205,283.00		205,283.00			3,287.00	
288		शिरे ह्यूमन जिनेटिक थिरेपीज इंक, यू.एस.ए.	1,114,905.40			1,114,905.40			-			1,114,905.40	
289		सीमेंस लि.	319,552.00			319,552.00	110,755.00		110,755.00			208,797.00	
290		साइट सेवर्स	9,974.00		5,795,702.00	5,805,676.00	4,866,449.00	694,299.00	5,560,748.00			244,928.00	
291		सिंगापुर क्लिनिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट, सिंगापुर	234,165.00		444,829.00	678,994.00	1,000,408.00	110,251.00	1,110,659.00				(431,665.00)
		सिनोफार्मा इंडिया प्रा. लि.			223,716.00	223,716.00	174,103.00	22,372.00	196,475.00			27,241.00	
292		सिरो क्लिन फार्मा प्रा. लि.		(35,171.00)		(35,171.00)			-				(35,171.00)
293		एसएमबी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया		(26,623.00)		(26,623.00)	20,000.00		20,000.00				(46,623.00)
294		स्मिथ एंड नेफ्यू हेल्थ केयर प्रा. लि.	5,443.00			5,443.00			-			5,443.00	
295		सोसायटी ऑफ अमेरिकन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड एंडोस्कोपिक सर्जन	7,001.00			7,001.00			-			7,001.00	
296		सोलूमिक्स हर्बेक्यूटिकल्स लि.	13.00			13.00			-			13.00	
297		सोल्वे फार्मा लि.	13,465.00			13,465.00			-			13,465.00	
298		एस.आर.बी. – क्लिनिकल फार्मेक्लॉजी		(3,154,100.00)		(3,154,100.00)			-				(3,154,100.00)
299		सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज बैंगलोर	-	-		-			-			-	
300		सेंट जुड़े मेडिकल हॉग कॉन्ग		(5,014.00)		(5,014.00)			-				(5,014.00)
301		सेंट जुड़े मेडिकल इंडिया प्रा. लि.	188,717.00			188,717.00	202,498.00		202,498.00				(13,781.00)

302		स्टेमप्यूटिक्स रिसर्च प्रा. लि.	331.00		96,000.00	96,331.00			-			96,331.00	
303		स्टर्लिंग सिनेर्जी सिस्टम (पी.) लि.	58,580.00			58,580.00			-			58,580.00	
304		सन फार्मेस्यूटिकल्स	3,384.00			3,384.00			-			3,384.00	
305		स्वामी शिवानंद मेमोरल इंस्टीटयूट	600,000.00			600,000.00	510,360.00	100,000.00	610,360.00			(10,360.00)	
306		सिनेर्जी नेटवर्क इंडिया प्रा. लि.	551.00			551.00		27,612.00	27,612.00				(27,061.00)
307		टेक्सस ए एंड एम रिसर्च फाउंडेशन (टी.ए. एम.आर.एफ.)यू.एस.ए.	16,237.00			16,237.00			-			16,237.00	
308		दि कैंसर फाउंडेशन	44,245.00			44,245.00			-			44,245.00	
309		दि एनर्जी एंड रिसोर्सिज इंस्टिट्यूट	7,775.00			7,775.00			-			7,775.00	
310		जॉर्ज अन्तरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, आस्ट्रेलिया	627,400.32			627,400.32	398,942.00		398,942.00			228,458.32	
311		दि इन्टरनेशनल सोसायटी फॉर पेडिएट्रिक न्यूरोसर्जरी (आईएसपीएनई)	408.00			408.00			-			408.00	
312		दि मीडिया लैब एशिया	98,442.00			98,442.00			-			98,442.00	
313		दि मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यू.के.	3,592.00			3,592.00			-			3,592.00	
314		दि माइकोन्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, एशिया		(4,702.00)		(4,702.00)			-				(4,702.00)
315		दि सर्विस डि–डर्मेटोलॉजी, फ्रांस		(8,445.00)		(8,445.00)			-				(8,445.00)
316		दि यूनिवर्सिटी ऑफ अलबामा, यू.एस.ए.		(2,729,270.00)		(2,729,270.00)			-				(2,729,270.00)
317		दि यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग एंड एन एच एस लेथियन	14,581.00			14,581.00	85,850.00		85,850.00				(71,269.00)

		टीएचएसटीआई			1,559,579.00	1,559,579.00	912,905.00	180,509.00	1,093,414.00			466,165.00	
		दि इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी			510,000.00	510,000.00	363,567.00	51,000.00	414,567.00			95,433.00	
318		थ्रैसहोल्ड फार्मस्यूटिकल, यू.एस.ए.		(3,136.00)		(3,136.00)			-				(3,136.00)
319		टोरंट फार्मस्यूटिकल लि.	741,877.00		1,583,333.00	2,325,210.00	71,397.00	239,950.00	311,347.00			2,013,863.00	
320		ट्रोइका फार्मस्यूटिकल लि.	50,393.00		34,650.00	85,043.00			-			85,043.00	
322		यू.जी.सी.		(2,038,492.00)	260,981.00	(1,777,511.00)	97,704.00		97,704.00				(1,875,215.00)
		यूनिक बायोटेक लि.			1,000,000.00	1,000,000.00	970,780.00	307,811.00	1,278,591.00			(278,591.00)	
323		यू.एन. इन्टरनेशनल ड्रग एंड क्राइम कंट्रोल प्रोग्राम	53,106.00			53,106.00			-			53,106.00	
324		यूनिसेफ	36,388.88			36,388.88	1,420,949.00		1,420,949.00				(1,384,560.12)
325		यूनिवर्सिटायर जेककेहइस एंटवर्पेन (यूजेडए), बेलजियम	169,410.00		317,236.00	486,646.00	248,345.00	31,724.00	280,069.00			206,577.00	
326		यूनिवर्सिटी ऑफ बरगन, नार्वे	369,203.00			369,203.00			-			369,203.00	
327		यूनिवर्सिटी ऑफ केलगेरी, कनाड़ा	57,187.00			57,187.00			-			57,187.00	
328		यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफॉर्निया सैन फ्रांसिको	207.00		62,029.00	62,236.00	57,546.00	6,202.00	63,748.00				(1,512.00)
329		यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड	90,282.00			90,282.00			-			90,282.00	
330		यूनिवर्सिटी ऑफ नोटिंघम, यू.के.	1,974.00			1,974.00			-			1,974.00	
331		यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यू.के.		(1,061.00)	1,408,388.00	1,407,327.00	780,738.00	626,589.00	1,407,327.00				-
332		यू. एन. एम. एच.एस. सी.	69,092.00			69,092.00	63,543.00		63,543.00			5,549.00	
333		यूनिक बायोटेक लि.	331,917.00		3,078,110.00	3,410,027.00	1,998,783.00	100,000.00	2,098,783.00			1,311,244.00	

334		यू.एस. साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम, यू. एस.ए.	399,323.00			399,323.00			-			399,323.00	
335		वेनस रेमडीस लि.	14,330.00			14,330.00			-			14,330.00	
		वेलोक बायोफार्मा एलएलसी			143,028.00	143,028.00			-			143,028.00	
336		वुलमिनी रामालिंगास्वामी फाउंडेशन	162,000.00			162,000.00			-			162,000.00	
337		वुलमिनी रामालिंगास्वामी फाउंडेशन		(6,508.00)		(6,508.00)			-				(6,508.00)
338		व्योमी बायोसाइंस प्रा. लि.	57,595.00			57,595.00	47,047.00		47,047.00			10,548.00	
339		वॉल्टर बुशनेल	221,114.00			221,114.00	157,770.00		157,770.00			63,344.00	
340		वेलकम ट्रस्ट लंदन, यूके	2,947,417.00		6,698,444.25	9,645,861.25	6,644,991.00	663,565.00	7,308,556.00			2,337,305.25	
341		विश्व स्वास्थ्य संगठन	18,479,012.25		7,929,590.87	26,408,603.12	6,106,050.00	160,190.00	6,266,240.00			20,142,363.12	
342		वोकहार्ट, मुम्बई	1,176,899.00			1,176,899.00			-			1,176,899.00	
343		वीथ फार्मेस्यूटिकल्स इंक		(538,244.00)		(538,244.00)			-				(538,244.00)
		डब्ल्यूएफपीआईसीईएस			628,400.00	628,400.00	443,935.67	62,840.00	506,775.67			121,624.33	
344		जीनोटैक	32,037.00			32,037.00			-			32,037.00	
345		जिमर इंडिया प्रा. लि.	81,593.00			81,593.00			-			81,593.00	
346		जुवेनटस	146,250.00			146,250.00			-			146,250.00	
347		जाइडस हेल्थकेयर लि.		(398.00)		(398.00)			-				(398.00)
		कुल	**741,618,188.69**	**(39,742,163.25)**	**1,206,516,487.00**	**2,009,711,475.44**	**1,026,341,242.80**	**69,584,159.00**	**1,095,925,401.80**	-	-	**977,041,773.97**	**(63,255,700.33)**

लेखा अधिकारी

अनुसंधान अनुभाग

31 ekpZ 2018 dks lekIr o"kZ ds fy, vf[ky Hkkjrh; vk;qfoZKku laLFkku ¼,El½ ubZ fnYyh ds ys[kk ij Hkkjr ds fu;a=d vkSj egkys[kk ijh{kd dh i`Fkd ys[kk ijh{kk fjiksVZA

1. हमने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 की धारा 18(2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के संलग्न तुलन पत्र तथा उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा की लेखा–परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स के प्रबंधन का उत्तरदायित्व हैं। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।
2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सर्वोत्तम लेखाकरण व्यवहारों, लेखाकरण मानकों तथा प्रकटन मानदंडों आदि के साथ केवल वर्गीकरण, समनुरूपता के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां निहित हैं। कानून, नियमों तथा विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन और दक्षता सह–निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो तो, के संबंध में वित्तीय लेन–देनों पर लेखा परीक्षा अवलोकन को निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से सूचित किया गया है।
3. हमने भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा का निष्पादन किया है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम इस प्रकार से लेखा परीक्षा आयोजित तथा निष्पादित करें कि यह युक्तियुक्त आश्वासन प्राप्त हो सकें कि वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण भ्रामक विवरणों से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण आधार पर, राशियों तथा प्रकटनों को समर्थित करने वाले साक्ष्यों की जांच की जानी शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन किया जाना तथा साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया जाना भी सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा, हमारी राय के संबंध में तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।
4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं कि :
   - i. हमने वह समस्त सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी पूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।
   - ii. इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र एवं आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।
   - iii. हमारी राय में, हमारे द्वारा लेखा पुस्तकों तथा अन्य संबंधित अभिलेखों की जांच से प्रतीत होता है कि एम्स द्वारा लेखाकरण की दोहरी प्रविष्टि पद्धति पर लेखों की उचित पुस्तकें एवं अन्य संबद्ध रिकॉर्डों का उचित अनुरक्षण किया गया है।
   - iv. हम आगे यह सूचित करते हैं कि :

क देयताएं

क.1 वर्तमान देयताएं और प्रावधान

क.1.1 एम्स (मुख्य) (अनुसूची 7–क) – 225.69 करोड़ रुपए

उपरोक्त में विशिष्ट उद्देश्य के लिए प्राप्त 20.81 करोड़ रुपए की राशि शामिल है जिसे निर्धारित निधि (अनुसूची – 3) के तहत दिखाया जाना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप मौजूदा देयताओं की अत्योक्ति के साथ–साथ 20.81 करोड़ रुपए तक निर्धारित निधि की कमी भी हुई है।

क.1.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) (अनुसूची 7–क) – 1.20 करोड़ रुपए

वर्तमान देयताओं और प्रावधानों के तहत "एम्स मुख्य में प्रतिपूर्ति की जाने वाली राशि" के खाते में 33.48 लाख रुपए की आरंभिक शेष राशि थी। सीडीईआर ने 2017–18 के दौरान राशि जमा की लेकिन अनुसूची–7 (वर्तमान देयताओं और प्रावधानों) में भुगतान नहीं दिखाया और अनुसूची–21–अन्य प्रशासनिक व्यय में 'मरम्मत और रखरखाव' के तहत व्यय के रूप में राशि को दर्शाया है। इसके परिणामस्वरूप प्राप्ति के साथ–साथ भुगतान दोनों राशि की अत्योक्ति हुई है।

ख. प्राप्ति और भुगतान खाता

ख.1 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जेपीएनएटीसी)

मशीनरी और उपकरणों (एम एंड ई) और इंजीनियरिंग के कारण क्रमशः 98.30 लाख रुपए और 30.78 लाख रुपए की देयताएं केंद्र के प्राप्ति और भुगतान खाते के पक्ष में प्राप्ति और भुगतान में गलत तरीके से दिखायी गयी थीं। इसके परिणामस्वरूप राशि से प्राप्ति और भुगतान दोनों की अत्योक्ति हुई है।

ग. सामान्य

ग.1 अनुसूची 8 में – एम्स (मुख्य) और संस्थान के अन्य केंद्र के वार्षिक खातों की 'अचल परिसंपत्ति', 31 मार्च 2018 को 4431.87 करोड़ रुपए के परिसंपत्तियों के मूल्य पर प्रकट किया गया। हालांकि, सामान्य वित्तीय नियम 2017 के तहत प्रपत्र जीएफआर–22 में एक परिसंपत्ति रजिस्टर को बनाए रखने की आवश्यकता संस्थान द्वारा पूरी नहीं की गई थी। परिसंपत्ति रजिस्टर की अनुपस्थिति में, परिसंपत्तियों का मूल्य लेखा परीक्षा में सत्यापित नहीं किया जा सका।

ग.2 बैंक में 31.03.2018 तक, एम्स (मुख्य) और अन्य केंद्रों से संबंधित बैंक में नीचे उल्लिखित काफी अधिक विनियोजन शेष थे :

(राशि रुपए में)

क्र. सं.	इकाई का नाम	विवरण	राशि
1	एम्स (मुख्य)	बैंक द्वारा अतिरिक्त डेबिट किया गया	3989938
		चैक जमा किए गए किंतु बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	138623244
		बैंक द्वारा अतिरिक्त क्रेडिट किया गया	6796825
2	सीएनसी	बैंक द्वारा अतिरिक्त डेबिट किया गया	149360918
		चैक जमा किए गए किंतु बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	1025681
		आरटीजीएस खाते में वापस किया गया	20673622
		बैंक द्वारा अतिरिक्त क्रेडिट किया गया	113830941
3	आरपीसी	चैक जमा किए गए किंतु बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	455572
		बैंक द्वारा लिए गए अज्ञात क्रेडिट (+ आंकड़े)	2112332
		बैंक द्वारा लिए गए अज्ञात डेबिट (– आंकड़े)	36880481
4	बीआरएआईआरसीएच	चैक जमा किया गया किंतु क्लियर नहीं हुआ	1000
5	जेपीएनएटीसी	चैक जमा नहीं किया गया किंतु बैंक द्वारा क्रेडिट राशि की गई	789386
6	एनडीडीटीसी	चैक जमा किंतु क्रेडिट नहीं दिए गए	60000000
		बैंक द्वारा डेबिट किए गए	5309493

शेष अंतर का तत्काल समाधान करने के लिए यह मामला बैंक के साथ उठाया जाना चाहिए।

ग.3 प्राप्ति और भुगतान नियमों के नियम 47 के तहत आवश्यक रूप में, किसी भी कारण से भुगतान न किए गए चेक, इसे जारी करने के माह के छह माह बाद और नवीकरण के लिए अभ्यर्पित नहीं किया जाना चाहिए और इसकी राशि भी खातों में लिखी जानी चाहिए। जांच के मुताबिक 3215 बकाया चेक / आरटीजीएस की राशि 17.23 करोड़ रुपए थी, जो इस जारी करने के माह के छह माह के लिए भुगतान नहीं हुई थी और 31.03.2018 को नवीनीकरण के लिए अभ्यर्पित नहीं किया गया था, न तो रद्द किया गया था और न ही खातों में उनकी राशि वापस लिखी गई थी। विवरण नीचे दिए गए हैं :

क्र. सं.	इकाई नाम	चैक की संख्या / बकाया आरटीजीएस	राशि (लाख में)
1	एम्स (मुख्य)	1932	1264.99
2	सीएनसी	1013	367.96
3	आरपीसी	80	27.67
4	जेपीएनएटीसी	59	24.52
5	एनडीडीटीसी	131	38.01
कुल		**3215**	**1723.15**

इससे बैंक शेष और वर्तमान देयताओं में प्रत्येक 17.23 करोड़ रुपए की कमी देखा गया है।

ग.4 डब्ल्यूएचओ से प्राप्त 3.22 लाख रुपए के लिए अनुदान यूएनडीसीपी के प्राप्ति और भुगतान खाते में दिखाया गया था। हालांकि, स्वीकृति की प्रति यूएनडीसीपी के साथ उपलब्ध नहीं थी। इसलिए, आंकड़े लेखा परीक्षा में सत्यापित नहीं किए जा सके।

ग.5 आईसीएआई के एएस 6 के तहत आवश्यक 4431.87 करोड़ रुपए की अचल परिसंपत्तियों अर्थात् मशीनरी और उपकरण, वाहन, भवन, कंप्यूटर / पेरिफेरल और पुस्तकालय की पुस्तकों आदि पर कोई मूल्यह्रास प्रभारित नहीं किया गया है।

ग.6 एम्स (मुख्य) सहित दस केंद्र हैं जो अलग–अलग खातों को बनाए रखते हैं। हालांकि, एम्स ने सभी केंद्रों के लेखों समेकन द्वारा समेकित लेखों को तैयार नहीं किया है।

ग.7 आईसीएआई के लेखा मानक (एएस – 15) के तहत आवश्यक बीमांकन आधार पर लेखा में सेवा निवृत्ति लाभों का प्रावधान नहीं किया गया है।

ग.8 एम्स (मुख्य) के वार्षिक खातों की अनुसूची–11 (वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण और अग्रिम आदि) में, 23.41 लाख रुपए को शीर्ष "ऋण" के तहत लोहे और इस्पात की खरीद के लिए अग्रिम के रूप में दिखाया गया है। यह राशि पिछले कुछ वर्षों में अग्रेषित की जा रही है। कथित देनदारों के वर्ष–वार और पार्टी–वार विवरण केंद्र के साथ उपलब्ध नहीं थे। इन देनदारों की समीक्षा केंद्र द्वारा भी नहीं की गई थी। इसकी अनुपस्थिति में लेखा परीक्षा की वसूली को सत्यापित करने में असमर्थता थी।

ग.9 सीडीईआर के वार्षिक खातों की अनुसूची–11 ख में, केंद्र ने कई अग्रिम दिखाए हैं जिनमें 23.65 लाख रुपए की एनडीएमसी को अग्रिम भुगतान, 30.00 लाख रुपए की एनडीएमसी प्रतिभूति जमा और अग्रिम रूप से 4.69 लाख रुपए के डीजीएस एंड डी को भुगतान किया गया है। ये अग्रिम राशियां छह साल से अधिक पुरानी थी। लेखों में न तो अति देय राशि देनदारों की समीक्षा की गई है और न ही इसका कोई प्रावधान किया गया है।

ग.10 सीएनसी के वार्षिक खातों की अनुसूची–12क (वर्तमान परिसंपत्ति) में, 32.45 लाख रुपए को 'विभिन्न देनदार' के रूप में दिखाया गया है। यह राशि पिछले कुछ वर्षों में अग्रेषित की जा रही है। कथित देनदारों के वर्ष–वार और पार्टी–वार विवरण केंद्र के साथ उपलब्ध नहीं थे। इन देनदारों की समीक्षा केंद्र द्वारा भी नहीं की गई थी। इसकी अनुपस्थिति में लेखा परीक्षा की वसूली को सत्यापित करने में असमर्थता थी।

ग.11 सीएनसी के वार्षिक खातों की अनुसूची–12ख (ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्ति) के अनुसार, 17.46 करोड़ रुपए और 4.90 करोड़ रुपए को क्रमशः 'कार्य के अग्रिम' और 'सीटी रोगियों के खातों से मशीनरी और उपकरण स्थानांतरण' के रूप में दिखाया गया है। इन राशियों को वर्षों से आगे बढ़ाया जा रहा है। इन अग्रिमों को न तो समायोजित किया गया है और न ही इसके समायोजन के लिए कोई समीक्षा की गई है। इसकी अनुपस्थिति में किस लेखा परीक्षा की पुनर्प्राप्ति / समायोजन को सत्यापित करने में असमर्थता थी।

ग.12 एनडीडीटीसी के वार्षिक खातों की अनुसूची 11–क में, केंद्र ने कई अग्रिम दिखाए गए हैं जिसमें 2.55 लाख रुपए की खरीद, 2.34 करोड़ रुपए के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अग्रिम, 4.00 लाख रुपए के सीमा शुल्क अग्रिम और 0.41 लाख रुपए की बाह्य वसूली के लिए अग्रिम शामिल थे। इनमें से, 15.79 लाख रुपए के लिए अग्रिम तीन वर्ष से अधिक पुराना था। हालांकि, सीमा शुल्क अग्रिम के वर्ष–वार विवरण लेखा परीक्षा करने के लिए प्रस्तुत नहीं किए गए थे। लेखों में न तो अति देय देनदारों की समीक्षा की गई है और न ही इसका कोई प्रावधान किया गया है।

ग.13 आरपीसी के वार्षिक लेखों के अनुसूची –7 (वर्तमान देयताओं और प्रावधान) में, 2.27 लाख रुपए 'अन्य वर्तमान देयताओं' के तहत दिखाया गया है। यह राशि पिछले कुछ वर्षों में अग्रेषित की जा रही है। कथित देयताओं के वर्ष–वार और पार्टी–वार विवरण केंद्र के साथ उपलब्ध नहीं थे। इन देयताओं की समीक्षा केंद्र द्वारा भी नहीं की गई थी।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष 2017–18 के दौरान, एम्स को 3184.06 करोड़ रुपए का कुल अनुदान प्राप्त हुआ और उनकी आंतरिक प्राप्ति 197.46 करोड़ रुपए थी। 3381.52 करोड़ के कुल धनराशि में से, एम्स ने 31 मार्च 2018 को 106.45 करोड़ रुपए की अप्रयुक्त शेष राशि छोड़कर 3275.07 करोड़ रुपए का उपयोग किया। इसके अलावा, एम्स को विभिन्न योजनाओं के लिए 130.34 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ और 104.59 करोड़ रुपए का व्यय हुआ।

ङ. जिन त्रुटियों को लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है उनको उपचारात्मक / सुधार कार्रवाई हेतु पृथक रूप से जारी किए गए प्रबंधन पत्र के द्वारा निदेशक, अ.भा.आ.सं. की जानकारी में लाया गया है।

v पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारे अवलोकनों के अधीन हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन–पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा लेखा पुस्तकों के समनुरूप हैं।

vi हमारी राय में तथा हमारी सूचना के अनुरूप और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक –1 में वर्णित लेखाकरण नीतियों तथा लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण एवं उपर्युक्त वर्णित महत्वपूर्ण मामलों तथा अन्य मामलों के विषय में भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप एक सही तथा स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

क. जहां तक कि यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च 2018 तक के तुलन–पत्र, उसकी कार्य स्थिति से संबंधित है; तथा

ख. उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय एवं व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए तथा उनकी ओर से

स्थान : नई दिल्ली

अपर उप नियंत्रक और महा लेखा परीक्षक

दिनांक : **(केन्द्रीय व्यय)**

lyXud & 1

1. आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता

2017–18 के दौरान एम्स के आंतरिक विंग द्वारा कुल 144 इकाइयों में से केवल 31 इकाइयों की योजना और लेखा परीक्षा का कार्य किया गया। इसमें कोई आंतरिक लेखा परीक्षा मैनुअल नहीं था।

2. आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता

1996–98 से 2016–17 तक की अवधि के लिए बाह्य लेखा परीक्षा के 109 पैरा, 31 मार्च 2018 तक बकाया थे। एम्स द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार अचल परिसंपत्ति रजिस्टर का रखरखाव नहीं किया जा रहा था। विशाल गैर विनियोजित बैंक शेष लंबित थे।

3. परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की पद्धति

2017–18 के दौरान अचल परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।

4. माल–सूची के भौतिक सत्यापन की पद्धति

पुस्तकों और प्रकाशनों, लेखन सामग्री एवं अन्य उपभोज्य मदों जैसे माल सूची का भौतिक सत्यापन 2017–18 के दौरान आयोजित नहीं किया गया था।

5. सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता

लेखों के अनुसार, 31.03.2018 तक सांविधिक देय के संबंध में 6 महीने से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

31 ekpZ 2018 dks lekIr o"kZ ds fy, vf[ky Hkkjrh; vk;qfoZKku laLFkku] ubZ fnYyh ds ys[kk ij Hkkjr ds fu;=d vkSj egkys[kk ijh{kd dh iFkd fjiksVZ dk i`jkokj mRrjA

क. देयताएं

क.1 **वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान**

क.1.1 **अ.भा.आ.सं. (मुख्य) (अनुसूची 7–ए) –रू.225.69 करोड़**

क.1.1 परामर्श को अगले वित वर्ष के लेखा में अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया है।

क.1.2 **दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) (अनुसूची 7–ए)–सं. 1.20 करोड़**

अगले वित वर्ष 2018–19 के लेखों में आवश्यक संशोधन किया जाएगा।

ख **प्राप्ति और भुगतान खाता**

ख.1 **जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जेपीएनएटीसी)**

प्राप्ति एवं भुगतान लेखों में अ.भा.आ.सं.(मुख्य/फार्म को किए गए भुगतान संबंधी विवरण को अगले वर्ष के लेखों में दर्शाया जाएगा।

ग. **सामान्य**

ग.1 संपत्ति संबंधी रजिस्टरों का अनुरक्षण संबंधित विभाग और भण्डार अनुभाग द्वारा किया जा रहा है। अनुपालन संबंधी दिशानिर्देश दे दिए गए है तथा इन्हें अगली लेखा परीक्षा के दौरान सत्यापित किया जा सकता है।

ग.2 वर्तमान असमाशोधित बकायों की स्थिति निम्नानुसार है:

क्र. सं.	यूनिट का नाम	विवरण	राशि	वर्तमान स्थिति
1.	**अ.भा.आ.सं. (मुख्य)**	बैंक द्वारा अधिक नामे किया गया	3989938	3989938
		चैक जमा लेकिन बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	138623244	20712495
		बैंक द्वारा अधिक क्रेडिट दिया गया	6796825	6796825
2.	**हृ.तं. केंद्र**	बैंक द्वारा अधिक नामे किया गया	149360918	149360918
		चैक जमा लेकिन बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	1025681	397681
		बैंक द्वारा लेखा में आरटीजीएस वापस किया गया।	20673622	20673622
		बैंक द्वारा अधिक क्रेडिट दिया गया	113830941	113830941
3.	**रा.प्र. केंद्र**	चैक जमा लेकिन बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	455572	
		अज्ञात जमा (+आंकड़े)	2112332	
		अज्ञात नामे (–आंकड़े)	36880481	
4.	**बी.आर.ए.आई.आर.सी.एच.**	चैक जमा लेकिन बैंक द्वारा क्लियर नहीं किए गए	1000	1000
5.	**जेपीएनएटीसी**	चैक जमा लेकिन बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	789386	789386

6.	**एनडीडीटीसी**	चैक जमा लेकिन बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं किए गए	60000000	**शून्य**
		बैंक द्वारा दिया गया डेबिट	5309493	

बकाया चैकों की बड़ी राशि का समाधान कर दिया गया है। शेष बकाया असमायोजित बैंक बकायों के समाधान हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और बैंक द्वारा नामे संबंधी विवरण की प्राप्ति संबंधी मामले को जोनल स्तर पर विचार–विमर्श हेतु उठाया गया है ताकि संबंधित मामले का समाधान किया जा सके।

ग.3 प्राप्ति एंव भुगतान नियम के नियम 47 के अनुसार छः माह से अधिक पुराने बकाया चैकों पर कार्रवाई की जा रही है।

ग.4 विश्व स्वास्थ्य संगठन से स्वीकृति प्रति प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ग.5 भविष्य के अनुपालन हेतु लेखा परीक्षा के अवलोकन को नोट कर लिया गया है। इसके अलावा यह भी प्रस्तुत किया जाता है कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा मूल्यहास नीति को तैयार एवं अनुमोदित किया गया है। इसे लेखा के प्रोद्भवन पद्धति के साथ ही अंगीकार कर लिया जाएगा।

ग.6 लेखा परीक्षा के निर्देशानुसार आवश्यक नोट को अगले लेखों में प्रविष्ट कर लिया जाएगा।

ग.7 भविष्य के अनुपालन हेतु लेखा परीक्षा के अवलोकन को नोट कर लिया गया है। इस बात के प्रावधान किए जाएगें यदि एक बार संस्थान के लेखों को प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ग.8 रुपए 23.41 लाख के शेष अग्रिम परिनिर्धारण हेतु प्रयास किए जा रहे हैं।

ग.9 परिनिर्धारण हेतु विभागों से शेष अग्रिमों का पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। विवरणों को प्राप्त करने के लिए संबंधित एजेंसियों/फार्मों के साथ संदर्भों को तैयार किया गया है।

ग.10 शीघ्र परिनिर्धारण हेतु विविध लेनदारों के पार्टीवार विवरण का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ग.11 अनुसूची 12(ख) में ऋण अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति एवं रुपए 17.46 करोड़ तथा रुपए 4.90 करोड़ को कार्य के अग्रिम तथा सीटी रोगी खाते से मशीनरी और उपकरण हेतु स्थानांतरण के रूप में दर्शाया गया था। इस राशि को पिछले वर्षों से तुलन पत्र दर्शाया जा रहा था। इन अग्रिमों को क्लियर करने के लिए समायोजित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ग.12 बकाया अग्रिम के परिशोधन के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

ग.13 उक्त देयताओं एवं उनकी समीक्षा के पार्टीवार विवरणों का पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

घ. सहायता अनुदान

यथार्थ तथ्य। कोई टिप्पणी नहीं।

lyXud 1

1. आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति की पर्याप्तता।

संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा विंग ने कार्मिकों की कमी के बावजूद भी 31 लेखा परीक्षा एककों के आंतरिक लेखा परीक्षा के लक्ष्य को पूर्ण किया है। इसके साथ ही और अधिक आंतरिक नियंत्रण पद्धति को रखकर एवं आंतरिक लेखा परीक्षा कार्मिकों में वृद्धि करके आंतरिक लेखा परीक्षा पद्धति को सशक्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

2. आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता।

संबंधित विभागों/केंद्रों से तर्कसंगत एवं यथोचित उत्तरों को प्राप्त करके पुराने शेष पैराओं को समयोजित करने के तीव्र प्रयास किए जा रहे हैं। परिसंपत्ति रजिस्टरों का अनुरक्षण संबंधित विभागों एवं भंडार अनुभाग द्वारा किया जा रहा है। इसको अगली लेखा परीक्षा के दौरान सत्यापित किया जा सकता है।

3. नियत परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की पद्धति

इस अवधि हेतु नियत परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन निष्पादित किया गया है। सभी केंद्रों एवं अधिकांश विभागों की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट को प्राप्त कर लिया गया है। इन भौतिक सत्यापन रिपोर्ट में किसी प्रकार का बड़ा अंतर/कमियां नहीं हैं।

4. माल सूची के भौतिक सत्यापन की पद्धति

पुस्तकालय, लेखन सामग्री भंडार एवं उपभोज्य मदों का भौतिक सत्यापन निष्पादित किया गया है, सभी केंद्रों एवं अधिकतर विभागों की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट को प्राप्त कर लिया गया है। इन भौतिक सत्यापन रिपोर्टों में भी किसी प्रकार का बड़ा अंतर/कमी नहीं हैं।

5. देय राशि के भुगतान में नियमितता

कोई टिप्पणी नहीं